94वां वार्षिक प्रतिवेदन

2016-2017

भाग–1

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली

www.du.ac.in

दिल्ली विश्वविद्यालय
94वां वार्षिक प्रतिवेदन

आमुख

दिल्ली विश्वविद्यालय देश का एक अग्रणी विश्वविद्यालय है। वर्ष 1922 में स्थापना के बाद से ही इसने उच्चतम स्तर तथा उच्चतर शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों को स्थापित किया है। अपने आदर्श–वाक्य *'निष्ठा धृतिः सत्यम्'* की भावना के अनुरूप यह राष्ट्र–निर्माण में दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का पालन करता है तथा सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों का सतत् निर्वहन करता है। 1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 की अवधि का 94वां वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय को गौरव का अनुभव हो रहा है।

विश्वविद्यालय ने सेंटर फॉर वर्ल्ड यूनीवर्सिटी रैंकिग (सीडब्ल्यूयूआर) द्वारा प्रदान की गई रैंकिंग के अनुसार देश में अपना शीर्षस्थ स्थान बनाए रखा है; यह नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में आठवें स्थान पर है। क्यूएस ब्रिक्स यूनीवर्सिटी रैंकिंग्स के अंतर्गत यह शीर्षस्थ 10 भारतीय सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थाओं/विश्वविद्यालयों में भी शामिल है और भारतीय विश्वविद्यालयों में यह प्रथम स्थान पर प्रतिष्ठित है। विश्वविद्यालय का एच–इंडेक्स 157 तक पहुंच चुका है, जो भारतीय विश्वविद्यालयों में सर्वोच्च है। विश्वविद्यालय ने 2016–17 में बाह्य स्रोतों से 300 करोड़ रुपए से अधिक अनुदान प्राप्त किया तथा इस अवधि में इसने 300 से अधिक शोध परियोजनाएँ संचालित कीं। विश्वविद्यालय ने इस अनुदान से अपने विभागों के संकाय सदस्यों और महाविद्यालयों के शिक्षकों को अनेक सुविधाएँ प्रदान की जिसके फलस्वरूप अनेक प्रतिष्ठित शोध–प्रकाशन, पुस्तकें और पेटेंट जारी किए। विश्वविद्यालय ने विभिन्न उद्यमवृत्ति सहायता कार्यक्रम भी आरंभ किए हैं जैसे इंटरप्रिनुएर पार्क और टेक्नालॉजी बिजनेस इक्यूबेटर।

विश्वविद्यालय 500 से अधिक अकादमिक कार्यक्रम संचालित करता है जिनमें स्नातकपूर्व कार्यक्रम, अनेक स्नातकोत्तर कार्यक्रम (निष्णात, एम. फिल और पीएच.डी.), प्रमाण–पत्र और डिप्लोमा कार्यक्रम शामिल हैं। इसने स्नातकपूर्व स्तर पर चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) क्रियान्वित की है, जो कौशल–आधारित कार्यक्रमों की एक व्यापक श्रृंखला उपलब्ध कराती है। इसने शिक्षण के नए केन्द्रों की स्थापना भी की है जैसे दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म, दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स तथा इंस्टिट्यूट ऑफ साइबर सिक्यूरिटी एंड लॉ।

विश्वविद्यालय ने सदैव अनुसंधान और अभिनवता में उत्कृष्टता के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता हासिल की है तथा अनुसंधान नवाचार नीति, पेटेंटों और प्रौद्योगिकी अंतरण के लिए दिशा–निर्देश तथा एक गुणवत्ता फ्रेमवर्क तैयार करने के इसके अभिनव प्रयासों का उद्देश्य इसकी शोध संस्कृति को अधिक संवर्धित करना और सुदृढ़ बनाना है। यह विभिन्न गुणात्मक पहलकदमों पर बल प्रदान करता है, जैसे छात्र अनुभव सर्वेक्षण तथा स्वयं का नवीकरण करने के लिए इसने अनेक मानदण्ड स्थापित किए।

विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रम प्रारंभ करने के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों की आवश्यकताओं के प्रति सामाजिक संवेदनशीलता में वृद्धि करने के लिए अत्यधिक सक्रिय रहा है, जहॉ सुविधाओं से वंचित छात्रों के लिए निःशुल्क कक्षाएं संचालित की जाती हैं, जिसके माध्यम से उन्हें विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं के लिए तैयारी करने में सहायता प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय ने यूजीसी–सीएसआईआर/नेट परीक्षा की तैयारी कराने के लिए एक क्रैश–कोर्स भी आरंभ किया है।

विश्वविद्यालय डिजिटलीकरण के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है तथा इसने अपनी प्रशासनिक पुस्तकालय प्रणाली, शिक्षाशास्त्र प्रणालियों और शोध–पहलों को इस प्रक्रिया में शामिल किया है। विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ अपने सहयोग को भी विस्तारित कर रहा है तथा इसने विदेशी छात्रों के प्रवेश को व्यापक बनाने के लिए एक विशेष अभियान आरंभ किया है जिसके फलस्वरूप इसने इस समुदाय में पर्याप्त पहचान बना ली है तथा *'वसुधैव कुटुंबकम'* के अपने सांस्कृतिक आदर्श को भी फलीभूत किया है। विशिष्ट अक्षय निधियों से प्राप्त राशि से मेधावी छात्रों को छात्रवृत्तियों/मेडल आदि से सम्मानित किया गया। पूर्व छात्रों से प्राप्त सहयोग नें भी हमारा उत्साहवर्धन किया है तथा परस्पर संबंधों को सुदृढ़ बनाया है।

वैश्विक शिक्षा और शोध में एक उभरते हुए अग्रणी संस्थान के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय की यह प्राथमिकता रही है कि वह समूचे भारत और विश्व से लगभग सात लाख छात्रों और संकायों के साथ कार्य करते हुए देश के बौद्धिक विकास में अपना विशिष्ट योगदान प्रदान करे।

ह0/–
योगेश के. त्यागी
कुलपति
दिल्ली विश्वविद्यालय

संपादकीय समिति

दिल्ली विश्वविद्यालय की 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष की 94वीं वार्षिक रिर्पोट प्रस्तुत है। इस रिर्पोट के दो भाग हैः

भाग–I में संकायों, विभागों, केंद्रों और कॉलेजों, अवसंरचनात्मक विभागों और वित्त सहित दिल्ली विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति से संबंधित जानकारी है ।

भाग–II में सूचना और आंकड़े हैं।

इस रिर्पोट को तैयार करने वाले संपादकीय मंडल में निम्नलिखित सदस्य थे :

1.	प्रोफेसर पम्मी दुआ	अधिष्ठाता, शैक्षणिक कार्यकलाप, अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर तरूण कुमार दास	कुलसचिव, दिल्ली विश्वविद्यालय
3.	प्रोफेसर योगेंद्र सिंह	अधिष्ठाता, अनुसंधान, जीवन–विज्ञान
4.	प्रोफेसर टी. आर. सेशाद्री	अधिष्ठाता, अनुसंधान (शारीरिक विज्ञान व गणित विज्ञान)
5.	प्रोफेसर विजय चौधरी	जैव रसायन विभाग
6.	प्रोफेसर कविता शर्मा	अधिष्ठाता, वाणिज्य संकाय
7.	प्रोफेसर मोहन	अधिष्ठाता, कला संकाय
8.	डॉ. अनीता शर्मा	पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग
9.	डॉ. अनुपम चट्टोपाध्याय	भू–विज्ञान विभाग
10.	प्रोफेसर नीरा अग्निमित्रा	सामाजिक कार्य विभाग
11.	प्रोफेसर अरुण जगन्नाथ	वनस्पति विज्ञान विभाग
12.	प्रोफेसर संजय कपूर	पौध आणविक जीव–विज्ञान विभाग
13.	डॉ. दीपिका भास्कर	उप– अधिष्ठाता, अनुसंधान
14.	डॉ. आशीष रंजन	शिक्षा विभाग
15.	डॉ. मुकेश मेहलावत	प्रचालनात्मक अनुसंधान विभाग
16.	डॉ. मीनल ढल्ल	खगोल भौतिकी विभाग
17.	डॉ. उर्मि बाजपेई	उप– अधिष्ठाता, अनुसंधान
18.	डॉ. उमा चौधरी	भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान कॉलेज
19.	डॉ. विकास गुप्ता	संयुक्त कुलसचिव (कॉउंसिल)

सहयोगी सदस्य

i)	डॉ. के.रत्नाबली	उप– अधिष्ठाता, विधि
ii)	प्रोफेसर कुमुद शर्मा	कार्यवाहक निदेशक हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय

इस प्रतिवेदन में दिल्ली विश्वविद्यालय की वर्ष 2016–17 (1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017) के कार्यकलापों और उपलब्धियों की झलकियों को दर्शाया गया है।

विषय–सूची

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण 1

छात्र पंजीकरण 4

वर्ष की उपलब्धियां 4

स्थापना दिवस, विश्वविद्यालय की रैंकिंग, अनुसंधान की मुख्य विशेषताएं एच–सूचकांक, अनुसंधान प्रकाशन, बड़े प्रकाशनों के साथ शोधकर्ता, बाह्य शोध अनुदान, डीएसटी–एफईएसटी के अंतर्गत विभाग, यूजीसी एसएपी (डीआरएस, डीएसए, सीएएस,एएसपी) के अंतर्गत विभाग, रुपये एक करोड़ से अधिक के अनुदान वाले संकाय सदस्य, रुपये दस लाख़ से अधिक के अनुदान वाले संकाय सदस्य, विदेशी अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुदान, अनुसंधान व विकास अनुदान, नवाचार परियोजनाएं, विश्वविद्यालय संकाय को पुरस्कार/सम्मान, चिकित्सा विज्ञान में पुरस्कार/फैलोशिप, ई–जर्नल, संगोष्ठियां/सम्मेलन/कार्यशालाएं, विश्वविद्यालय में ऊष्मायन केंद्र, शैक्षणिक समुदाय–उद्योग सम्बद्धता, विश्वविद्यालय व्याख्यान श्रृंखला, विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन, डिजिटल पहल, समान अवसर सेल, नियोजन क्रियाकलाप, कौशल संवर्धन पक्ष, सामाजिक अभिगम्यता, आईपीआर सेल और पेटेंट निधि, समाज के कमजोर वर्ग से छात्रों के लिए विशेष सहायता, अवसंरचना

सामान्य सुविधाएं और कार्यक्रम

छात्र कल्याण कार्यालय 33

दिल्ली विश्वविद्यालय समुदाय रेडियो 36

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली 36

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक सहशिक्षा माध्यमिक विद्यालय 44

दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद 49

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन 53

हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय 58

विदेशी छात्रों का पंजीकरण 58

गांधी भवन 58

उद्यान समिति 65

विश्वविद्यालय अतिथि गृह 66

अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह 67

राष्ट्रीय कैडिट कोर 67

राष्ट्रीय सेवा योजना 68

नॉन–कालिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड 70
पूर्व–छात्र मामले 72
विश्वविद्यालय मुद्रणालय 75

शैक्षणिक केंद्र

कृषि आर्थिकी अनुसंधान केंद्र 75
संसूचक और संबंधित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केंद्र 76
उद्यमिता और आजीविका उन्नमुख कार्यक्रम केंद्र 81
फसल पौध आनुवांशिक परिचालन केंद्र 82
संक्रामक रोग अनुसंधान शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र 84
पर्वत और पर्वतीय पर्यावरण अंतर–आयामी अध्ययन केंद्र 86
उच्चतर शिक्षा व्यावसायिक विकास केन्द्र 88
क्लस्टर इनोवेशन सेंटर 92
कंप्यूटर केंद्र 97
डी.एस.कोठारी विज्ञान, आचार और शिक्षा केंद्र 102
विकासशील देश अनुसंधान केंद्र 104
सूचना और संचार संस्थान 108
आजीवन अभिग्रहण संस्थान 110
पादप जीनोमिक्स अंतः–विषयक केंद्र 113
विश्वविद्यालय विज्ञान इंस्ट्रूमेंटेशन केंद्र 115
महिला अध्ययन और विकास केंद्र 116
विश्वविद्यालय स्वास्थ्य सेवा केंद्र 119
डॉ. बी. आर. अंबेडकर जैव–चिकित्सा अनुसन्धान केंद्र 121
विज्ञान शिक्षा और सम्प्रेषण केंद्र 130

विभाग

अनुप्रयुक्त समाज विज्ञान और मानविकी
व्यावसायिक अर्थशास्त्र 133

कला संकाय

अरबी 137
बौद्ध–धर्म अध्ययन 141
अंग्रेजी 142
जर्मन भाषा और रोमांस अध्ययन 153
हिंदी 156
पुस्तकालय और सूचना विज्ञान 161
भाषा विज्ञान 164
आधुनिक भारतीय भाषाएँ और साहित्यिक अध्ययन 169
फारसी भाषा 172
दर्शन–शास्त्र 176
मनोविज्ञान 184
पंजाबी 187
संस्कृत 192
स्लोवेनिक एवं फिनो उग्रियन अध्ययन 203
उर्दू 209

वाणिज्य और व्यापार संकाय

वाणिज्य 218
वित्तीय अध्ययन 223

शिक्षा संकाय

शिक्षा 225

अंतर–आयामी और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय

जैव–रसायन 232
जीवभौतिकी 239

इलैक्ट्रोनिक विज्ञान 241
अनुवांशिकी 249
सूक्ष्म जैविकी 257
शारिरिक शिक्षा और खेल–कूद विज्ञान 260
पादप आणविक जीवविज्ञान 266

विधि संकाय
परिसर विधि केंद्र 275
विधि केंद्र-I 282
विधि केंद्र-II 288

प्रबंधन अध्ययन संकाय 293

गणितीय विज्ञान संकाय
कंप्यूटर विज्ञान 297
गणित 300
परिचालन संबंधी अनुसंधान 306
सांख्यिकी 313

आयुर्विज्ञान संकाय
शरीर–रचना–विज्ञान (यूसीएमएस) 317
एनास्थेसियोलॉजी (एलएचएमसी) 319
एनास्थेसियोलॉजी (यूसीएमएस) 322
जैव–रसायन विज्ञान (एमएएमसी) 326
जैव–रसायन विज्ञान (एलएचएमसी) 329
जैव–रसायन (यूसीएमएस) 333
जैव–रसायन (वीपीसीआई) 338

समुदाय औषधि (एमएएमसी).. 342
समुदाय औषधि (एलएचएमसी).. 348
समुदाय औषधि (यूसीएमएस).. 351
त्वचा विज्ञान और संक्रामक रोग (यूसीएमएस).. 357
फारेंसिक चिकित्सा (यू.सी.एम.एस.).. 364
माइक्रोबायलोजी (एम.ए.एम.सी.) 365
माइक्रोबायलोजी (यू.सी.एम.एस.).. 367
माइक्रोबायलोजी (वी.पी.सी.आई.) 373
मेडिसिन (यूसीएमएस) 379
चिकित्सा शिक्षण इकाई (यूसीएमएस) 381
प्रसूति–विज्ञान और स्त्रीरोग–विज्ञान (एमएएमसी) 382
प्रसूति–विज्ञान और स्त्रीरोग–विज्ञान (यूसीएमएस).. 389
ऑर्थोपेडिक्स (एमएएमसी) 400
आर्थोपेडिक्स (यूसीएमएस) 404
नेत्र विज्ञान (एलएचएमसी).. 405
नेत्र विज्ञान (यूसीएमएस) 408
आंख–नाक–गला चिकित्सा (यूसीएमएस) 409
बाल दंत–चिकित्सक व निवारक दंत–चिकित्सक (यूसीएमएस) 410
पैथोलॉजी (एमएएमसी) 411
पैथोलोजी (यूसीएमएस).. 416
बाल–चिकित्सा (एमएएमसी) 426
बाल–चिकित्सा (यूसीएमएस) 436
औषध विज्ञान (यूसीएमएस) 438
शरीर विज्ञान (एमएएमसी) 439
शरीर विज्ञान (यूसीएमएस).. 443
शारीरिक शिक्षा (यूसीएमएस).. 445
मनोचिकित्सा (यूसीएमएस) 446
फेफड़ा औषध (वीपीसीआई) 450

रेडियो निदान (एलएचएमसी) 455
विकिरण चिकित्सा विज्ञान (यूसीएमएस) 458
सर्जरी (एमएएमसी) 461
सर्जरी (एल.एच.एम.सी.) 468
सर्जरी (यू.सी.एम.एस.) 475

संगीत और ललित कला 478

विज्ञान विभाग

नृविज्ञान 482
वनस्पति–विज्ञान 493
रसायन–विज्ञान 503
पर्यावरणीय अध्ययन 517
भूविज्ञान 523
भौतिकी और खगोल भौतिकी 532
प्राणी विज्ञान 536

सामाजिक विज्ञान संकाय

प्रौढ़–सतत शिक्षा एवं विस्तार 561
अफ्रीकी अध्ययन 563
पूर्व एशियाई अध्ययन 565
अर्थशास्त्र 571
भूगोल 579
इतिहास 583
राजनीति विज्ञान 585
समाज–कार्य 594
समाज–विज्ञान 604

प्रौद्योगिकी संकाय

इंस्ट्रूमेंटेशन और नियंत्रण इंजीनियरिंग 614

कंप्यूटर इंजीनियरिंग........ 625

जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग 629

इलैक्ट्रोनिक और संचार इंजीनियरिंग........ 633

विनिर्माण प्रक्रियाएं और स्वचालन इंजीनियरिंग........ 634

कॉलेज

आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज 637

अदिति महाविद्यालय 645

अहिल्याबाई नर्सिंग कॉलेज 649

अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी........ 650

आर्यभट्ट कॉलेज 652

आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज........ 656

आयुर्वेदिक और यूनानी तिबिया कॉलेज 662

भगिनी निवेदिता कॉलेज........ 663

भारती कॉलेज 666

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान कॉलेज........ 670

डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज 673

व्यावसायिक अध्ययन कॉलेज........ 677

कॉलेज ऑफ आर्टस........ 679

नर्सिंग आर्मी अस्पताल कॉलेज (अनुसंधान व निर्दिष्ट) 681

दौलत राम कॉलेज 683

दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज........ 688

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्टस एण्ड कॉमर्स 693

दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेस एंड रिसर्च........ 696

देशबंधु कॉलेज 699

दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा (दृष्टिहीन) कॉलेज........ 704

दयाल सिंह कॉलेज.. 705
दयाल सिंह कॉलेज(संध्या) 709
गार्गी कॉलेज 711
हंसराज कॉलेज 717
हिंदू कॉलेज 722
होली फैमिली नर्सिंग कॉलेज 726
इंदिरा गांधी भौतिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान 729
इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज 732
गृह आर्थिकी संस्थान 736
मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएचबीएएस) 741
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज.. 744
जीसस एण्ड मैरी कॉलेज.. 748
कालिंदी कॉलेज 751
कमला नेहरू कॉलेज 754
केशव महाविद्यालय 759
किरोड़ीमल कॉलेज 762
लेडी इर्विन कॉलेज.. 767
लक्ष्मीबाई कॉलेज 770
लेडी श्रीराम महिला कॉलेज 774
महाराजा अग्रसेन कॉलेज.. 782
महर्षि वाल्मिकी शिक्षा कॉलेज 783
मैत्रेयी कॉलेज 786
माता सुंदरी महिला कॉलेज 790
मिरांडा हाउस 792
मोतीलाल नेहरू कॉलेज.. 798
मोतीलाल नेहरू कॉलेज (संध्या).. 800
नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल 803
पी.जी.डी.ए.वी कॉलेज.. 804

पी.जी.डी.ए.वी कॉलेज (सांध्य) 807

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय संस्थान 809

राजधानी कॉलेज 812

राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग कॉलेज 816

रामानुजन कॉलेज 818

रामलाल आनंद कॉलेज.. 825

सत्यवती कॉलेज.. 831

मुक्त शिक्षा विद्यालय 832

शहीद भगत सिंह कॉलेज 833

शहीद राजगुरू अनुप्रयूक्त विज्ञान महिला कॉलेज... 837

शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज 840

शिवाजी कॉलेज 844

श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स 849

श्यामलाल कॉलेज (सांध्य)... 852

श्यामलाल कॉलेज 854

श्याम प्रसाद मुखर्जी कॉलेज (महिलाओं के लिए) 858

श्री अरबिंदो कॉलेज (सांध्य) 863

श्री अरबिंदो कॉलेज 865

श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स 867

श्री गुरू नानक देव खालसा कॉलेज 871

श्री गुरू तेग बहादुर खालसा कॉलेज 874

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज... 877

सेंट स्टीफन कॉलेज... 880

विवेकानंद कॉलेज 883

जाकिर हुसैन स्नातकोत्तर सांध्य कॉलेज 887

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज 890

विश्वविद्यालय छात्रावास/हॉल

अंबेडकर–गांगुली महिला छात्रावास 894

अरावली स्नातकोत्तर पुरूष छात्रावास 895

केंद्रीय शिक्षा संस्थान छात्रावास 896

डी.एस.कोठारी छात्रावास 897

सामाजिक कार्य विभाग छात्रावास 897

गीतांजली छात्रावास 898

ग्वेयर हॉल 898

अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास 899

अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास 900

जुबली हॉल छात्रावास 902

मानसरोवर छात्रावास 902

मेघदूत छात्रावास 903

पूर्वोत्तर महिला छात्रावास 904

स्नातकोत्तर पुरूष छात्रावास 905

राजीव गांधी स्नातकोत्तर महिला छात्रावास 906

सारामती स्नातकोत्तर पुरूष छात्रावास 909

छात्राओं के लिए पूर्व–स्नातक छात्रावास 910

विश्वविद्यालय महिला छात्रावास 910

वी.के.आर.वी.राव छात्रावास 911

डब्लूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास 912

वार्षिक लेखे 913

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

कुलाधिपति

माननीय मोहम्मद हामिद अंसारी, भारत के उपराष्ट्रपति

सम कुलाधिपति

न्यायमूर्ति तीरथ सिंह ठाकुर

कुलपति

प्रो. योगेश कुमार त्यागी

सम कुलपति

प्रो. जे. पी. खुराना (कार्यवाहक)	01.06.2016 से

कॉलेजों के संकायाध्यक्ष

प्रो. देवेश कुमार सिन्हा	06.09.2016 से

निदेशक, दक्षिण परिसर

प्रो. जे.पी. खुराना	27.05.2016 से

निदेशक, मुक्त शिक्षा परिसर

प्रो. सी.एस. दुबे (कार्यवाहक)

कोषाध्यक्ष

श्री टी.एस कृपानिधि

कुलानुशासक

प्रो. (सुश्री) सतवंती कपूर	02.11.2016 तक
प्रो. नीता सहगल (कार्यवाहक)	18.01.2017 से

छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष

प्रो. जे. एम. खुराना	31.12.2016 तक

कुलसचिव

प्रो. तरुण कुमार दास

संकायाध्यक्ष

कला

प्रो. मिन्नी साहनी	05.07.2016 तक
प्रो. हरि मोहन शर्मा	12.09.2016 तक
प्रो. मोहन	13.09.2016 से

विज्ञान

प्रो. देवेश के. सिन्हा	08.06.2016 तक
प्रो. एम.के. पंडित	06.09.2016 से

सामाजिक विज्ञान

प्रो. जे पी दुबे

विधि

प्रो. सुभाष चंद्र रैना	01.09.2016 तक
प्रो. (सुश्री) वेद कुमारी	02.09.2016 से

प्रबंध अध्ययन

प्रो. एम.एल. सिंगला

गणितीय विज्ञान

प्रो. जगदीश सरन	03.08.2016 तक
प्रो. प्रकाश चन्द्र झा	04.08.2016 से

चिकित्सीय विज्ञान

प्रो. सुधा प्रसाद	19.10.2016 तक
प्रो. अरुणाभा रे	20.10.2016 से

संगीत और ललित कला

प्रो. सुनीर कासलीवाल

प्रौद्योगिकी

प्रो. बी. के. दास	29.09.2016 तक

प्रो. अविनाश खरे	21.11.2016 से

आयुर्वेद और यूनानी

डॉ. मोहम्मद इद्रिस खान

शिक्षा

प्रो. साधना सक्सेना	20.09.2016 तक
प्रो. (सुश्री) एन. रंगनाथन	21.09.2016 से

अंतर–विषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान

प्रो. प्रदीप कुमार बर्मा

व्यावहारिक सामाजिक विज्ञान और मानविकी

प्रो. सुरेश चंद अग्रवाल	26.01.2017 तक
प्रो. वी. के. कौल	27.01.2017 से

वाणिज्य और व्यापार

प्रो. मुनीश कुमार

होम्योपैथिक चिकित्सा

संकायाध्यक्ष, आयुर्विज्ञान संकाय

छात्र पंजीकरण

विश्वविद्यालय में 2016–17 के आंकड़ों के अनुसार, 1,97,510 स्नातक; एम.फिल./पीएच.डी. सहित 25,745 स्नातकोत्तर छात्र; और प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/स्नातकोत्तर डिप्लोमा में 6,147 छात्र पंजीकृत हैं। पारंपरिक रूप में पंजीकृत छात्रों की कुल संख्या 2,29,402 है। इसके अतिरिक्त, 4,13,339 छात्र दूरस्थ शिक्षण में पंजीकृत हैं और 23,435 नॉन कालिजिएट महिलाएं भी इस विशाल विश्वविद्यालय का हिस्सा हैं। वर्ष 2016–17 के दौरान पारंपरिक और दूरस्थ शिक्षण के सभी कार्यक्रमों में कुल पंजीकरण 6,66,176 था। वर्तमान में, आधे से अधिक छात्र दिल्ली के अलावा अन्य राज्यों के हैं।

वर्ष की उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय को 1922 में एक संस्था के रूप में एक सम्मानित विरासत का विशेषाधिकार प्राप्त हुआ । संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित, इसे निर्धारित विधियों, अध्यादेशों, नियमों और विनियमों द्वारा निर्देशित किया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय 16 संकायों , 82 विभागों , 20 केन्द्रों , 85 महाविद्यालय, और 1 सामुदायिक महाविद्यालय सहित भारत के सबसे बड़े विश्वविद्यालयों में से एक है। दिल्ली विश्वविद्यालय अपनी परंपराओं और विकास को कायम रखते हुए औपचारिक और अनौपचारिक/दूरस्थ शिक्षण में 6 लाख से अधिक छात्रों के साथ निरंतर सशक्त हो रहा है।

विश्वविद्यालय विगत एक वर्ष की रिपोर्टिंग के दौरान विशिष्ट उपलब्धियों से परिलक्षित हुआ है। वर्ष 2016–2017 (01 अप्रैल, 2016–31 मार्च 2017) की उल्लेखनीय उपलब्धियों की संक्षिप्त समीक्षा यहां प्रस्तुत है।

स्थापना दिवस

दिल्ली विश्वविद्यालय ने 01 मई, 2016 को अपना 94वाँ स्थापना दिवस आयोजित किया। प्रतिष्ठित अतिथियों में माननीय न्यायमूर्ति श्री जसवंत मदान, माननीय न्यायमूर्ति श्री बी. लोकुर, माननीय न्यायमूर्ति श्री अर्जन कुमार सीकरी और माननीय न्यायमूर्ति श्री रोहिंटन फली नरीमन शामिल थे। यह ऐतिहासिक अवसर था जब विश्वविद्यालय में पहली बार कुलपति कार्यालय के वाइस रीगल लॉज में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय का विशिष्ट बैगनी ध्वज फहराया गया और वृक्षारोपण किया गया।

गणमान्य व्यक्तियों ने अपने परिवारजनों सहित शहीद भगत सिंह को उनके चैम्बर, जहां वाइस रीगल लॉज के तहखाने में उन्हें कैद किया गया था, श्रद्धांजलि दी। विश्वविद्यालय ने "प्रतिष्ठित सेवा पुरस्कार" श्रेणी के अंतर्गत सेवा–निवृत शिक्षकों तथा गैर–शिक्षण स्टाफ को और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों व महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को "उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया।

उन्होंने विश्वविद्यालय की स्नातक–पूर्व अनुसंधान पहल के तहत विभिन्न महाविद्यालयों से चयनित नवाचार परियोजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय ने 19 नवंबर, 2016 को अपने 93वें वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। प्रोफेसर वेद पी. नंदा, एक प्रख्यात न्यायविद् और इवांस विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और थॉम्पसन जी मार्श प्रोफेसर ऑफ लॉ और नंदा सेंटर फॉर इंटरनेशनल एंड कॉम्पेरिटेबल लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ डेनवर, कोलोराडो, संयुक्त राज्य अमेरिका मुख्य अतिथि थे और उन्होंने दीक्षांत अभिभाषण दिया। विश्वविद्यालय ने इस अवसर पर जनता के अवलोकन के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस रीगल लॉज में शहीद भगत सिंह स्मारक अभिलेखागार का अनावरण किया। 693 पीएच.डी. उम्मीदवारों और 37 डीएम /एम. सीएच. उम्मीदवारों को डिग्रियॉ प्रदान की गई। 179 मेधावी छात्रों को

पदक और पुरस्कार प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय ने हरित पहल के रूप में ई–प्लेटफॉर्म पर दीक्षांत संबंधी कार्य संपन्न किया। दीक्षांत समारोह का एक लाइव वेबकास्ट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध था। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक–पूर्व शोध पहल की 83 नवाचार परियोजनाओं के शोध का प्रदर्शन किया गया। कला कार्य का प्रदर्शन भी आयोजित किया गया था, जिसने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

विश्वविद्यालय की रैंकिंग

- भारतीय विश्वविद्यालयों के अर्थशास्त्र विभागों में पिछले कुछ वर्षों से अर्थशास्त्र में कार्यकारी शोध और प्रकाशनों के एक वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक संग्रह, रेपेक द्वारा अर्थशास्त्र विभाग को सर्वोच्च स्थान दिया । (Http://ideas-repec-org/top/top-india-html)
- आउटलुक सर्वेक्षण 2017 के अनुसार सामाजिक कार्य विभाग को भारत में सर्वश्रेष्ठ सामाजिक कार्य संस्थानों में दूसरा स्थान मिला।
- सीडब्ल्यूयूआर 2017 ने राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली विश्वविद्यालय को प्रथम स्थान दिया है।

राष्ट्रीय रैंकिंग

समग्र रैंकिंग	2017 / 18
नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)	8
विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग (सीडब्ल्यूयूआर) केंद्र	1

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग

समग्र रैंकिंग	2017 / 18
टाइम्स हायर एजुकेशन (द) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग	601.800
एशिया विश्वविद्यालय रैंकिंग	131.140
ब्रिक्स एंड इमर्जिंग इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी रैंकिंग	109
विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग केंद्र	397
क्यूएस वर्ल्ड	481.490
क्यूएस एशिया विश्वविद्यालय रैंकिंग	72
क्यूएस ब्रिक्स रैंकिंग	41 (यह मानते हुए कि लगभग 6000 क्षेत्रीय विश्वविद्यालय है और दिल्ली विश्वविद्यालय 1.0 शीर्षस्थ विश्वविद्यालयों में से एक है)

क्यूएस विश्व विषयानुसार, 2017	
नृविज्ञान	51—100
भूगोल और क्षेत्रीय अध्ययन	101—150
समाज शास्त्र	151—.200
अर्थशास्त्र और अर्थमिति	251—300
भौतिकी और खगोल विज्ञान	251—300
रसायन विज्ञान	301—350
जैविक विज्ञान	401—450

विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग, क्यूएस स्नातक रोजगार योग्यता रैंकिंग	
स्केतक	2017 / 18
पूर्व छात्र परिणाम	21
नियोक्ता प्रतिष्ठा	209
नियोक्ता—छात्र संयोजन	201+
स्नातक रोजगार दर	201+
नियोक्ता के साथ भागीदारी	201+

अनुसंधान की मुख्य विशेषताएं

एच—सूचकांक

स्कोपस डाटाबेस के अनुसार, दिल्ली विश्वविद्यालय का एच—सूचकांक 157 है, जो भारतीय विश्वविद्यालयों में सर्वाधिक है।

अनुसंधान प्रकाशन

विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार 2012—17 में प्रकाशनों की कुल संख्या 10,120 (लगभग 9500 शोध—पत्र और लगभग 620 पुस्तकों) है।

बाह्य शोध अनुदान

वर्ष 2016–17 में संचालित परियोजनाएं–333

प्रमुख परियोजनाएं–226

लघु परियोजनाएं–107

परियोजनाओं की कुल लागत/मूल्य–रु. 308.81 करोड़

2016–17 में स्वीकृत परियोजनाएं–71

कुल राशि–रु. 32.32 करोड़

दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वितीय चरण–(2014–2019) के लिए उच्चतम डीएसटी–पीयूआरएसई अनुदान का प्राप्तकर्ता हैः रु. 40.80 करोड़।

विश्वविद्यालय में लगभग प्रत्येक राष्ट्रीय वित्तपोषण एजेंसी और कई अंतरराष्ट्रीय वित्तपोषण एजेंसियों जैसे कि डीबीटी, डीएसटी, आईएफआईसीआर, यूजीसी, एमओईएफ, आईएईए, आईसीएआर, डीआरडीओ, सीएसआईआर, एमओएस, आईसीएमआर, एमएनआरई, वर्ल्ड बैंक, टेरी, इंडो–यूएसएसटीएफ, गेल, आईयूएसी, आईसीएसएसआर, अमरीका, एमसीआईटी, एनयूएसटी , नॉर्वे विश्वविद्यालय, तुर्की विश्वविद्यालय, इसरो, एसडीटीटी, विज्ञान प्रसार, एसईआरबी–डीएसटी, जापान फाउंडेशन, एसईडब्लूए–टीएचडीसी, एमओएसजे एंड ई, डीएई, एमडब्ल्यूसीडी, आईएनएसए, टीआईएसएस–डीयू, लीवरहुल्म ट्रस्ट ब्रिटेन, आईसीएचआर आदि से बाह्य अनुसंधान परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी (डीएसटी–एफईएसटी) में सुधार हेतु निधि–प्राप्त विभाग–10

- नृविज्ञान
- जैव रसायन
- वनस्पति विज्ञान
- रसायन विज्ञान
- आनुवांशिकी
- भूविज्ञान
- गणित
- भौतिकी और खगोल भौतिकी
- पादप आणविक जीवविज्ञान
- प्राणि विज्ञान

यूजीसी–एसएपी के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त विभाग :

विभागीय अनुसंधान सहायता (डीआरएस)

- नृविज्ञान
- जैव रसायन
- डॉ बी.आर. अम्बेडकर जैव–चिकित्सा अनुसंधान केंद्र
- जर्मन और रोमांस अध्ययन

- भूगोल
- अनुवांशिकी
- हिंदी
- आधुनिक भारतीय भाषाएं और साहित्यिक अध्ययन
- फारसी
- पादप आणविक जीव–विज्ञान
- मनोविज्ञान
- सूक्ष्म जीव–विज्ञान

विशेष सहायता विभाग (डीएसए)

- अंग्रेजी
- संगीत
- गणित

उन्नत अध्ययन केंद्र (सीएएस)

- बौद्ध अध्ययन
- रसायन विज्ञान
- अर्थशास्त्र
- इतिहास
- भाषाविज्ञान
- राजनीति विज्ञान
- सामाजिक कार्य
- सामाजिक विज्ञान

क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रम (एएसपी)

- अफ्रीकी अध्ययन
- कैनेडियन अध्ययन केंद्र
- विकासशील देशों के अनुसंधान केंद्र
- पूर्वी एशियाई अध्ययन

एक करोड़ रूपए से अधिक अनुदान वाले संकाय सदस्य :

रिपोर्ट की अवधि के दौरान विश्वविद्यालय के कुछ संकाय सदस्यों को प्रत्येक को एक करोड़ रूपये से अधिक के मूल्य की अनुसंधान परियोजनाओं की मंजूरी दी गई है।

1. डॉ. विपिन गुप्ता, नृविज्ञान विभाग, डीबीटी–वेलकम ट्रस्ट से रूपये 3.81 करोड़

2. प्रो. वी.के. चौधरी, जैव रसायन विज्ञान विभाग, डीबीटी से रूपये 1.14 करोड़
3. प्रो. अनिल के. त्यागी, जैव रसायन विज्ञान विभाग, डीबीटी से रूपये 4.85 करोड़
4. प्रो. सी.आर बाबू, सीएएमडीई, डीडीए से रूपये 5.79 करोड़
5. प्रो. बी. बिस्वाल, क्लस्टर इनोवेशन सेंटर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय से रूपये 1.70 करोड़
6. प्रो. ए.के. प्रधान, आनुवांशिकी विभाग, डीबीटी और डीबीटी–यूडीएससी से रूपये 4.87 करोड़ और रूपये 11.88 करोड़
7. प्रो. बी. के. थेलमा, आनुवांशिकी विभाग, एसईआरबी और डीबीटी से रूपये 15.7 करोड़ और रूपये 5.72 करोड़
8. प्रो. एम. वी. राजाम, आनुवांशिकी विभाग, डीबीटी से रूपये 1.56 करोड़
9. प्रो. डी. पेनल, आनुवांशिकी विभाग, डीबीटी–बीबीएसआरसी से रूपये 1.89 करोड़
10. प्रो. अरुण के. शर्मा, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, डीबीटी से रूपये 1.31 करोड़
11. प्रो. संजय कपूर, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, रूपये 1.31 करोड़ और रूपये 1.67 करोड़, डीबीटी
12. प्रो. जे. पी. खुराना, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, डीबीटी से रूपये 1.39 करोड़
13. प्रो. अखिलेश के. त्यागी पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, डीबीटी एनआईजीआर से रूपये 1.96 करोड़
14. प्रो. स्वाति साहा, सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग, डीबीटी से रूपये 1.82 करोड़ रुपए

10 लाख रूपए से अधिक अनुदान वाले संकाय सदस्य :

नाम	विभाग
1. डॉ. मधु चोपड़ा	एसीबीआर
2. डॉ. यतेन्द्र कुमार सतीजा	एसीबीआर
3. प्रो. दमन सलूजा	एसीबीआर
4. प्रो. ए.के. कपूर	नृविज्ञान
5. प्रो. एस.एम. पटनायक	नृविज्ञान
6. प्रो. वी. के. चौधरी	जैव रसायन विज्ञान
7. डॉ. गरिमा खरे	जैव रसायन विज्ञान
8. प्रो. सुमन कुंडू	जैव रसायन विज्ञान
9. प्रो. डी. पी. सरकार	जैव रसायन विज्ञान
10. डॉ. अमिता गुप्ता	जैव रसायन विज्ञान
11. डॉ. मनीषा गोयल	जैव भौतिकी
12. प्रो. अरुण जगन्नाथ	वनस्पति विज्ञान
13. प्रो. मनु अग्रवाल	वनस्पति विज्ञान
14. प्रो. सुमन लखनपाल	वनस्पति विज्ञान
15. डॉ. रतुल बौषा	वनस्पति विज्ञान
16. प्रो. रेणु देसवाल	वनस्पति विज्ञान
17. प्रो. सतीश सी. भाटला	वनस्पति विज्ञान
18. डॉ. यशवंत मुदगिल	वनस्पति विज्ञान
19. डॉ. दीपिका भास्कर	विज्ञान शिक्षा और संचार केंद्र
20. प्रो. राजमनानी नागराजन	रसायन विज्ञान
21. प्रो. राजीव गुप्ता	रसायन विज्ञान

22. प्रो. आर.के. शर्मा	रसायन विज्ञान
23. प्रो. रमेश चंद्र	रसायन विज्ञान
24. डॉ. शशांक डेका	रसायन विज्ञान
25. डॉ. ज्योति शर्मा	क्लस्टर इनोवेशन सेंटर
26. प्रो. बी. बिस्वाल	क्लस्टर इनोवेशन सेंटर
27. प्रो. मृदुला गुप्ता	इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान
28. डॉ. क्रिस्टेल देवदासन	अंग्रेजी
29. डॉ. चिरश्री घोष	पर्यावरण विज्ञान
30. प्रो. संजय सहगल	वित्तीय अध्ययन
31. डॉ. नाओरेम अरुणा देवी	आनुवंशिकी
32. डॉ. जगरीत कौर	आनुवंशिकी
33. प्रो. ए. के. प्रधान	आनुवंशिकी
34. प्रो. एम. वी. राजम	आनुवंशिकी
35. प्रो. डी. पेंटल	आनुवंशिकी
36. डॉ. कौस्तुभ दत्ता	आनुवंशिकी
37. डॉ. सूरजीत सरकार	आनुवंशिकी
38. डॉ. तपस्या श्रीवास्तव	आनुवंशिकी
39. प्रो. बी. के. थैलमा	आनुवंशिकी
40. प्रो. पंकज श्रीवास्तव	भूविज्ञान
41. प्रो. जे. पी. श्रीवास्तव	भूविज्ञान
42. डॉ. संजीव सिंह	आईआईसी
43. डॉ. सच्ची श्रीवास्तव	गणित
44. प्रो. रानी गुप्ता	सूक्ष्म जीवविज्ञान
45. प्रो. आर. सी. खुहड़	सूक्ष्म जीवविज्ञान
46. प्रो. स्वाति साहा	सूक्ष्म जीवविज्ञान
47. डॉ. राजीव कौल	सूक्ष्म जीवविज्ञान
48. प्रो. टी. सत्यनारायण	सूक्ष्म जीवविज्ञान
49. प्रो. संजय जैन	भौतिकी और खगोल भौतिकी
50. प्रो. विनय गुप्ता	भौतिकी और खगोल भौतिकी
51. डॉ. बिनय कुमार	भौतिकी और खगोल भौतिकी
52. डॉ. एमडी. नयमुद्दीन	भौतिकी और खगोल भौतिकी
53. प्रो. एस. अन्नपुर्णी	भौतिकी और खगोल भौतिकी
54. प्रो. एस. ए. हाशमी	भौतिकी और खगोल भौतिकी
55. डॉ. अमरजीत कौर	भौतिकी और खगोल भौतिकी
56. प्रो. जे. पी. खुराना	पादप आणविक जीवविज्ञान
57. प्रो. जी. के. पांडेय	पादप आणविक जीवविज्ञान
58. प्रो. अनिल ग्रोवर	पादप आणविक जीवविज्ञान
59. प्रो. परमजीत खुराना	पादप आणविक जीवविज्ञान
60. डॉ. सौरभ रघुवंशी	पादप आणविक जीवविज्ञान
61. प्रो. अखिलेश के. त्यागी	पादप आणविक जीवविज्ञान
62. प्रो. अरुण के. शर्मा	पादप आणविक जीवविज्ञान
63. प्रो. आई. दासगुप्ता	पादप आणविक जीवविज्ञान
64. डॉ. सुरेखा के. अग्रवाल	पादप आणविक जीवविज्ञान

65. प्रो. संजीव कुमार एच.एम	राजनीति विज्ञान
66. प्रो. रूप लाल	प्राणि विज्ञान
67. प्रो. रीना चक्रवर्ती	प्राणि विज्ञान
68. प्रो. आलोक सी. भारती	प्राणि विज्ञान
69. प्रो. योगेंद्र सिंह	प्राणि विज्ञान
70. प्रो. विनोद कुमार	प्राणि विज्ञान
71. डॉ. रीता सिंह	प्राणि विज्ञान

विदेशी अनुदान

नाम	विभाग	राशि (रुपए)
1. डॉ. श्यामा रथ	भौतिकी और खगोल भौतिकी	यूरो (€) –2485
2. डॉ. आर.के. सेठ	प्राणि विज्ञान	यूरो (€) –5984
3. प्रो. रेखा सक्सेना	राजनीति विज्ञान	0.91 लाख
4. प्रो. अशोक के. प्रसाद	रसायन विज्ञान	6.57 लाख
5. प्रो. रेखा सक्सेना	राजनीति विज्ञान	1.89 लाख; 2.86 लाख; 2.55 लाख

अनुसंधान एवं विकास अनुदान – विश्वविद्यालय ने विभागों के संकाय सदस्यों के बीच अनुसंधान को बढ़ावा देने और विश्वविद्यालय के अनुसंधान आधार को समृद्ध करने के लिए अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) अनुदान की स्थापना की है। एक वर्ष की अवधि के लिए विज्ञान विभाग के प्रत्येक शिक्षकों को तीन लाख रूपए तक का अनुदान दिया जाता है और अन्य विभागों के प्रत्येक शिक्षकों को दो लाख रुपए तक का अनुदान मिलता है। विश्वविद्यालय ने पिछले पांच वर्षों में विभागों/केंद्रों के 1400 से अधिक संकाय सदस्यों को 29 करोड़ रूपये का अनुदान मंजूर किया है ।

नवाचार परियोजनाएं – यह देश में अपनी तरह की पहली योजना है, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय वित्तपोषण के माध्यम से स्नातक–पूर्व और अंतःविषयक अनुसंधान का संवर्धन करना है। इस योजना का उद्देश्य महाविद्यालयों में शोध संस्कृति विकसित करना और स्नातक–पूर्व छात्रों की संकाय के सहयोग से शोध पहल में भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। इस योजना का उद्देश्य अंतःविषयक शोध परिवेश को प्रोत्साहित करना है, जहां संकाय और छात्र, समाज और विश्व के समक्ष वास्तविक चुनौतियों को हल करने के लिए विषय की सीमाओं को पार करते है।

विश्वविद्यालय ने इस योजना को प्रभावशाली बनाते हुए, विगत चार वर्षों में कुल 36.39 करोड़ रूपये की 679 परियोजनाओं का वित्त–पोषण किया है। इसके परिणाम में, 288 से अधिक पूर्व समीक्षा शोध प्रकाशन, 24 पुस्तकें, छह पेटेंट और सम्मेलनों में 375 प्रस्तुतियॉ शामिल हैं। इन परियोजनाओं में 2000 से अधिक शिक्षकों और लगभग 8000 छात्रों की सहभागिता रही।

विश्वविद्यालय के डिजिटल पक्ष

विश्वविद्यालय ने विगत कुछ वर्षों में अनेक डिजिटल पहलें की है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं :

कैम्पस संयोजकता

- वाई–फाई सक्षम परिसर और महाविद्यालय
- एनकेएन संयोजकता
- परिसर और महाविद्यालयों में फैले मजबूत आईसीटी नेटवर्क

डिजिटल प्रशासनिक प्रक्रियाएं

- ऑनलाइन प्रवेश
- ऑनलाइन शुल्क संग्रह
- ऑनलाइन उन्नत डिग्री/डुप्लिकेट डिग्री/डिग्री/विशेष प्रमाणपत्र का प्रमाणन
- ऑनलाइन छात्र शिकायत निवारण प्रणाली
- ई–प्रापण
- गृह आवंटन के लिए ऑनलाइन प्रणाली
- छात्रावास आवास के लिए ऑनलाइन प्रणाली
- चिकित्सा बिल की प्रतिपूर्ति के लिए ऑनलाइन प्रणाली
- संकाय नियुक्तियों और स्क्रीनिंग के लिए ऑनलाइन प्रपत्र
- संकाय की सेवाओं का ऑनलाइन पुष्टीकरण
- कॉलेज जीबी में शिक्षक के प्रतिनिधित्व के लिए ऑनलाइन प्रपत्र
- ऑनलाइन परीक्षा प्रवेश–पत्र
- ऑनलाइन प्रवेश टिकट
- ऑनलाइन परीक्षा समय–सरणी
- आंतरिक मूल्यांकन अंक की ऑनलाइन प्रस्तुति

डिजिटल अनुसंधान पहल

- डीयू ई–पत्रिकाएँ
- विश्वविद्यालय शोध अनुदान
- संकाय सदस्यों के शोध प्रोफाइल
- पीएच.डी. मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा

डिजिटल शिक्षण पहल

- आभासी कक्षा सॉफ्टवेयर, वेब–कास्टिंग और विडियो–कॉन्फ्रेंसिंग का उपयोग
- एमओओसी के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण और अभिग्रहण के संसाधन
- ई–पत्रिकाओं और संसाधनों के लिए सदस्यता

डीयू पुस्तकालय प्रणाली की डिजिटल पहल

- ई–शोध सिंधु
- जे–गेट/ई–शोध सिंधु
- दृष्टिबाधितों के लिए अभिगम्यता के संसाधन
- इंटरनेट अभिगम्यता की सुविधा
- पीएच.डी. शोधों का डिजिटल संग्रह
- इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस

विश्वविद्यालय के शोध–पत्र

ई–पत्रिकाएँ

दिल्ली विश्वविद्यालय तीन ई–पत्रिकाओं का प्रकाशन करता है :

- *दिल्ली यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ अंडर ग्रेजुएट रिसर्च एंड इनोवेशन* (आईएसएसएन 2395–2334), एक ऑनलाइन अर्द्ध–वार्षिक समकक्ष समीक्षा अनुसंधान जर्नल (भारत में इस प्रकार का प्रथम)।
- *दिल्ली यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ दी ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज* (आईएसएसएन 2348–4357),समकक्ष समीक्षा अनुसंधान जर्नल
- *डीयू–विधाः दिल्ली यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ क्रिएटिव राइटिंग* (आईएसएसएन 2347–9049), आवृति–छमाही।

इसके अलावा, इंडियन इकनॉमिक रिव्यु, जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज, वेशेश्वरी, इंडियन लॉ जर्नल, इंडियन जर्नल ऑफ अफ्रीकन स्टडीज इत्यादि सहित व्यक्तिगत विभागों और महाविद्यालयों द्वारा कई अन्य पत्रिकाएं प्रकाशित की जाती हैं।

संकाय पुरस्कार/सम्मान

- प्रोफेसर सुमन कुंडू, जैव–रसायन विज्ञान ने वल्लभभाई पटेल वक्ष संस्थान, दिल्ली में अपने 9वें वार्षिक सम्मेलन में 11 फरवरी, 2017 को इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ कार्डियोवास्कुलर साइंसेज (इंडिया सेक्शन) द्वारा युवा संकाय के लिए प्रो. सुरेश सी. त्यागी ओरेशन अवॉर्ड जीता।
- डॉ. मनीष कुमार और सुश्री अभिशिखा श्रीवास्तव, जैवभौतिकी विभाग, पीओसी प्रारूप में रोगाणुरोधी प्रतिरोधी जीनों के तेजी से निदान के विकास के लिए लंदन के रॉयल सोसाइटी से डिस्कवरी पुरस्कार (नवंबर 2016)।
- प्रो. ए.के. पांडे, वनस्पति विज्ञान विभाग, अध्यक्ष निर्वाचित, भारतीय बॉटनिकल सोसाइटी उपाध्यक्ष , पूर्वी हिमालयी सोसाइटी ऑफ स्पर्मेटॉफिट टैक्समोहनिय और सचिव (आउटस्टेशन), इंडियन सोसाइटी फॉर एंजियोस्पर्म टेक्सोनोमी।

- प्रोफेसर एस. मजूमदार, वनस्पति विज्ञान विभाग को मिरांडा हाउस एल्युमनी एसोसिएशन, दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रतिष्ठित अलुमना पुरस्कार 2017।
- प्रोफेसर वीणा अग्रवाल, वनस्पति विज्ञान विभाग, प्रौद्योगिकी उन्नतिकरण और संपोषणीय कृषि पर 22–24 फरवरी, 2017 को एनएएस ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सोसाइटी ऑफ प्लांट रिसर्च द्वारा "प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पुरस्कार, 2016"।
- प्रोफेसर के. एस. राव, वनस्पति विज्ञान विभाग, 7 नवंबर, 2016 को आंध्र प्रदेश विज्ञान अकादमी, अमरावती के फेलो निर्वाचित और 20 अक्टूबर 2016 को यूके में लैनिन सोसाइटी ऑफ लंदन के फेलो के रूप में निर्वाचित।
- प्रोफेसर सहिलेंद्र गोयल, वनस्पति विज्ञान विभाग, 20 अक्टूबर, 2016 को दी लिनियन सोसाइटी ऑफ लंदन, ब्रिटेन के फेलो निर्वाचित।
- प्रो. ए.के. दूबे, जैविक विज्ञान और इंजीनियरी विभाग, एनएसआईटी, इरास्मस+टीचिंग मोबिलिटी पुरस्कार (2016–2017)
- डॉ. संजीव कुमार, जैविक विज्ञान और इंजीनियरी, एनएसआईटी, डीबीटी और आईयूएसएसटीएफ से अग्रणी शोध के लिए बायो–एनर्जी पुरस्कार और एसईआरबी, डीएसटी से अर्ली कैरियर रिसर्च (युवा वैज्ञानिक) पुरस्कार, 2016
- डॉ. यतीन्द्र कुमार (संकाय) जैविक विज्ञान और इंजीनियरी, एनएसआईटी, जीवन विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) भारत सरकार, से कैरियर रिसर्च पुरस्कार।
- प्रोफेसर एस.सी. रैना, कैम्पस लॉ सेंटर (छुट्टी पर), हिमाचल प्रदेश नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में कुलपति नियुक्त।
- प्रोफेसर जे. एल. कौल, कैम्पस लॉ सेंटर (छुट्टी पर), एच.एन.बी. गढ़वाल (केंद्रीय विश्वविद्यालय), उत्तराखंड में कुलपति नियुक्त।
- प्रोफेसर कमला शंकर, जैविक विज्ञान और इंजीनियरी, एनएसआईटी (छुट्टी पर), तमिलनाडु नेशनल लॉ स्कूल में कुलपति नियुक्त।
- डॉ. दीपिका भास्कर, विज्ञान शिक्षा और संचार केंद्र, इंडियन एजुकेशन नेटवर्क द्वारा शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार 2016
- प्रोफेसर डी.एस. रावत, रसायन विज्ञान विभाग, को प्रोफेसर एसपी हिरेमाथ स्मारक पुरस्कार, भारतीय कैमिस्ट परिषद, 2016
- प्रोफेसर डी.एस. रावत, रसायन विज्ञान विभाग, को फेलो रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (एफआरएससी, 2016) और सी चेम, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (लंदन, 2016)
- डॉ. पी. वेंकटेशु, रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन, भारत से प्रोफेसर एस. कटियार एंडॉमेंट व्याख्यान पुरस्कार 2016–2017 और भारतीय रसायन विज्ञान सोसायटी (सीआरएसआई), बेंगलुरु से कांस्य पदक –2017 प्राप्त।
- प्रोफेसर अनीता शर्मा, पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग, निर्वाण शांति फाउंडेशन, चटगांव बांग्लादेश, द्वारा 16 जुलाई, 2016 को पत्रकार बिमलेंदु बरुआ शांति पुरस्कार 2016.
- प्रोफेसर अनीता शर्मा, पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग को शांति के क्षेत्र में उपलब्धियों पर अंतर्राष्ट्रीय महिला क्लब, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया द्वारा , 30 मार्च, 2017 को ।
- प्रोफेसर पम्मी दुआ, अर्थशास्त्र विभाग, को मौद्रिक नीति समिति, भारतीय रिजर्व बैंक के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया ।
- प्रोफेसर राम सिंह, अर्थशास्त्र विभाग, भारत के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के लिए यूजीसी और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित वेतन समीक्षा समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त।
- प्रोफेसर महाराज के. पंडित, पर्यावरण अध्ययन विभाग का हार्वर्ड विश्वविद्यालय में रैडक्लिफ संस्थान फैलोशिप कार्यक्रम के लिए चयनित किया गया।

- प्रोफेसर महाराज के. पंडित, पर्यावरण अध्ययन विभाग का भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली, भारत द्वारा फेलो निर्वाचित तथा भारत सरकार द्वारा टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (इंडिया) लिमिटेड में स्वतंत्र निदेशक (निदेशक मंडल) के रूप में नियुक्त किया गया।
- प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह, पर्यावरण अध्ययन विभाग को पारिस्थितिक सोसाइटी अमेरिका द्वारा प्रतिष्ठित पारिस्थितिकी विज्ञानी पुरस्कार
- डॉ. बिपिन कुमार तिवारी, समान अवसर प्रकोष्ठ, को भारत के माननीय राष्ट्रपति से दिव्यांगजन (रोल मॉडल) के सशक्तिकरण के लिए विज्ञान भवन में 3 दिसंबर, 2016 को राष्ट्रीय पुरस्कार।
- प्रोफेसर प्रदीप कुमार बर्मा, अनुवांशिक विभाग, को वर्ष 2016 के लिए आईएनएसए शिक्षक पुरस्कार ।
- डॉ. तपस्या श्रीवास्तव, अनुवांशिक विभाग, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के सदस्य निर्वाचित ।
- प्रोफेसर आर.बी. सिंह, पुनः अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ के उपाध्यक्ष (2016–20) निर्वाचित हुए ।
- प्रोफेसर जी.वी. आर. प्रसाद, भूविज्ञान विभाग, को दूसरी बार 5 साल की अवधि के लिए जे.सी. बोस राष्ट्रीय फैलोशिप।
- प्रोफेसर जे.पी. श्रीवास्तव, भूविज्ञान विभाग, को एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति में आईएससीए के आयोजित 104 वें सत्र में प्रोफेसर विलियम डिक्सन वेस्ट मेमोरियल पुरस्कार।
- प्रोफेसर श्योराज सिंह, हिंदी विभाग, को 19 अप्रैल, 2016 को सुब्रमण्यम भारती सम्मान और 24 सितंबर, 2016 को कथा चक्र सम्मान।
- डॉ. विनोद तिवारी, हिंदी विभाग, को कथा–आलोचना के क्षेत्र में योगदान के लिए 5 अप्रैल, 2016 को वनमाली कथा–आलोचना सम्मान।
- डॉ. अल्पना मिश्र, हिंदी विभाग, वाल्मिकी कथा सम्मान, 2017.
- प्रोफेसर प्रेरणा गौड़, इंस्ट्रुमेंटेशन और कंट्रोल इंजीनियरिंग विभाग को आईआईईई अनुभाग, नई दिल्ली द्वारा 2016 में उत्कृष्ठ शाखा काउंसेलर पुरस्कार।
- डॉ. के.पी. सिंह, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग को दिल्ली पुस्तकालय एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा विशिष्ट पुस्तकालय विज्ञान शिक्षक–2016 पुरस्कार।
- डॉ. वागेश्वरी, लॉ सेंटर–**II**, अखिल भारतीय विधि शिक्षक कांग्रेस एसोसिएशन में कोषाध्यक्ष के रूप में नियुक्त।
- प्रोफेसर सी.एस. ललिता, गणित विभाग को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) शिक्षक पुरस्कार, दिसंबर, 2016.
- प्रोफेसर जे.एस. वर्दी, सूक्ष्म–जीवविज्ञान विभाग को सर्वश्रेष्ठ लैब सलाहकार (विश्वविद्यालय स्तर) श्रेणी में इन्विट्रोजन साइंस हीरो पुरस्कार 2016.
- प्रोफेसर पी.सी. पटनायक, आधुनिक भारतीय भाषाएँ और साहित्यिक अध्ययन विभाग को पश्चिम बंगाल सरकार के मेयल ल्यांग लेपचा विकास बोर्ड द्वारा आरएएन (लेपचा भाषा और संस्कृति के विद्वान) शीर्षक से सम्मानित किया गया।
- डॉ. के. प्रेमनंथन, आधुनिक भारतीय भाषाएँ और साहित्यिक अध्ययन विभाग को इसईयेटसटम पत्रिका–नल्ली फाउंडेशन, चेन्नई द्वारा श्रेष्ठ अनुवाद पुरस्कार; और नंपिककाई विरुदुकल, अनन्त विकास मैगजीन, चेन्नई, 2016 द्वारा श्रेष्ठ अनुवाद पुरस्कार।
- प्रोफेसर सुनीर कासलीवाल, संगीत संकाय को मारवाड़ रत्न सम्मान–2015, मेहरानगढ़ संग्रहालय ट्रस्ट, मारवाड़, जोधपुर द्वारा 2016 में पद्मश्री कोमलजी कोठारी सम्मान।
- प्रोफेसर अनुपम महाजन, संगीत विभाग को स्ट्रिंग और स्टेप्स संगठन दिल्ली द्वारा उत्कृष्टता के लिए मार्च 2017 में स्ट्रिंग और स्टेप्स ग्लोबल पुरस्कार।
- प्रोफेसर दीप्ति ओमरेरी भल्ला, संगीत विभाग को दिल्ली कर्नाटक संगीत सभा से नृत्य शिखामानी संगीत और तिरुपति तिरुमला देवस्थानम, तिरुपति द्वारा 25 मार्च, 2017 को सम्मान।

- प्रोफेसर ओजेश प्रताप सिंह, संगीत विभाग को संगीत सभा, पठानकोट द्वारा वर्ष 2015–16 का गान रत्न सम्मान और पंडित तिलक राज शर्मा ट्रस्ट, दिल्ली द्वारा वर्ष 2016–17 का सुर श्रीजन शिखर सम्मान।
- कैप्टन परमिंदर सहगल, एनसीसी/एनएसएस को मटका महोत्सव 2016 में सेवाओं के लिए रिकग्निशन अवॉर्ड।
- प्रोफेसर चंद्र के. जग्गी, ऑपरेशनल अनुसन्धान को आईओओएम उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार–औद्योगिक विज्ञान और संचालन प्रबंधन सोसाइटी द्वारा औद्योगिक इंजीनियरिंग और संचालन प्रबंधन व्यवसाय में उत्कृष्ट समर्थन, सेवा, योगदान, और वैश्विक समुदाय में भागीदारी की मान्यता के लिए 23–25 सितंबर, 2016 को डेट्रॉइट, यूएसए में प्रदान किया गया ।
- डॉ. प्रगति साहनी, दर्शन–शास्त्र विभाग को 5 सितंबर, 2016 से 30 अप्रैल, 2016 तक एक सेमेस्टर के लिए कार्लेटन विश्वविद्यालय, ओटावा, कनाडा में आईसीसीआर विजिटिंग प्रोफेसर।
- डॉ. राकेश गुप्ता, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, को सितंबर, 2016 के दौरान रियो (ब्राजील) में आयोजित होने वाले रियो पैरा एथलेटिक्स खेलो में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली भारतीय पैरा एथलेटिक्स टीम के चयन हेतु युवा मामले व् खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चयन समिति के निदेशक नियुक्त ।
- डॉ. प्रदीप कुमार, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, ने दिल्ली राज्य मास्टर एथलेटिक्स चौंपियनशिप 2016 में दो स्वर्ण पदक (ट्रिपल जंप और 100 मीटर बाधा) जीता।
- प्रोफेसर अविनाश खरे, भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग, आईएनएसए बीरन रॉय स्मारक पुरस्कार व्याख्यान 2016.
- प्रोफेसर ए. के. त्यागी, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, जेसी बोस राष्ट्रीय फैलोशिप पूरस्कार, डीएसटी, भारत सरकार, 2007–2017; और भारतीय पादप शरीर क्रिया विज्ञान सोसाइटी, नई दिल्ली के अध्यक्ष नियुक्त (2017–2018)।
- प्रोफेसर परमजीत खुराना, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, को विश्व विज्ञान अकादमी, फेलोट्राइस्टे, इटली, 2016 का फेलो नियुक्त; और 2017 के लिए भारतीय वनस्पति सोसायटी का बीरबल साहनी पदक पुरस्कार ।
- प्रोफेसर जे. पी. खुराना, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग को भारतीय पादप शरीर विज्ञान का वर्ष 2017 का प्रोफेसर एस.के. सिन्हा स्मारक व्याख्यान पुरस्कार।
- प्रोफेसर इंद्रनील दासगुप्ता, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा पांच साल की अवधि के लिए 26 दिसंबर 2016 को जे.सी. बोस फैलोशिप।
- प्रोफेसर गिरिधर के. पांडे, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत सरकार द्वारा 2016 में फेलो निर्वाचित ।
- डॉ. रंजन कुमार त्रिपाठी, संस्कृत विभाग को अखिल भारतीय विद्वत परिषद, वाराणसी, द्वारा 2016 में युवा–प्रतिभा विद्वत अलंकरण पुरस्कार और विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा 2016 में विक्रम–कालिदास पुरस्कार, (मध्य प्रदेश सरकार)।
- प्रो. संजय भट्ट, सामाजिक कार्य विभाग को भारतीय सामाजिक विज्ञान संघ द्वारा 10 फरवरी, 2017 को प्रोफेसर वी.के.आर.आर.वी.राव स्मारक आजीवन उपलब्धि पुरस्कार, 2017.
- प्रोफेसर रीता ब्रारा, समाजशास्त्र विभाग को म्यूनिख, जर्मनी में तीन महीने के लिए पर्यावरण और समाज के अध्ययन के लिए राहेल सेंटर में कार्सन फेलो।
- प्रोफेसर नंदिनी सुंदर, समाजशास्त्र विभाग को, 2016 का ईस्टर बॉसेरप पुरस्कार ।
- प्रोफेसर एस.ए. करीम, उर्दू विभाग को राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद् में निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया ।
- प्रोफेसर रूप लाल, प्राणी विज्ञान विभाग को विकासशील देशों में शोध, शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी को और सशक्त करने

हेतु अमेरिकन सोसायटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी (एएसएम) से मोसेलीओ शाएछटर डिस्टिंगिसाइड सर्विस अवार्ड– 2016.

- प्रोफेसर रूप लाल, प्राणी विज्ञान विभाग को एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई) द्वारा वर्ष 2016 के लिए माइक्रोबियल विविधता पर प्रोफेसर बी.एन. जौहरी पुरस्कार (द्विवर्षीय); और देश के विकास में उत्कृष्ट कार्य, उपलब्धियों, प्रतिबद्धता और योगदान के लिए चमन सेवा संस्थान, हिमाचल प्रदेश से कुलदीप ढतवालिया उत्कृष्टता पुरस्कार–2017.

- प्रोफेसर एम.एम. चतुर्वेदी, प्राणी विज्ञान विभाग, जैव विज्ञान में भारतीय शिक्षक संघ के वर्ष 2016 के आगे से अध्यक्ष निर्वाचित।
- प्रोफेसर विनोद कुमार, प्राणी विज्ञान विभाग, अध्यक्ष; और इंडियन सोसाइटी फॉर क्रोनबायोलॉजी के सचिव, निर्वाचित ।

चिकित्सा विज्ञान में पुरस्कार/ फैलोशिप

- एनेस्थिसियोलॉजी विभाग (यूसीएमएस) के डॉ. ए. के. सक्सेना को सितंबर 2016 में इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी), वाशिंगटन, अमरीका के अध्यक्ष द्वारा एक उत्कृष्टता के रूप में आईएएसपी की सदस्यता से सम्मानित किया गया।
- एनेस्थिसियोलॉजी विभाग (यूसीएमएस) के डॉ. ए. के. सक्सेना को विश्व एनेस्थेसिया दिवस, 16 अक्टूबर 2016 को एनेस्थेसिया और दर्द प्रबंधन के बारे में व्यापक जन जागरूकता के निर्माण के लिए एएसए नेशनल द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।
- मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस के निदेशक/प्राचार्य डॉ. महेश वर्मा को 18 मई 2016 को बैंगलोर में आयोजित तीसरे स्वास्थ्य देखभाल शिखर सम्मेलन और पुरस्कार समारोह के दौरान आर्यभट्ट इंटरनेशनल अवार्ड– 2015 से सम्मानित किया गया।
- बायोकैमिस्ट्री (यूसीएमएस) विभाग के डॉ. विश्वजीत रोहिल को मेडिकल बायोकैमिस्ट्री के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और मान्यता के लिए बायोमेडकोन 2016 के अवसर पर साइंटिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड – 2016 प्रदान किया गया।
- सामुदायिक चिकित्सा विभाग (एमएएमसी) के डॉ.एम.एम. सिंह को 19 मार्च, 2016 को नई दिल्ली के होटल अशोक में डबल हेलीकल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ का सम्मान प्रदान किया गया।
- सामुदायिक चिकित्सा विभाग (एमएएमसी) की डॉ. सुनेला गर्ग विभाग को 19 मार्च, 2016 को नई दिल्ली के होटल अशोका में डबल हेलीकल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य पुरस्कार में सामुदायिक चिकित्सा में उपलब्धि के सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक का सम्मान प्रदान किया गया।
- सामुदायिक चिकित्सा विभाग (यूसीएमएस) के डॉ. ए.एम. खान को फरवरी 2017 में सीएमसी, लुधियाना में एफएआईएमईआर क्षेत्रीय संस्थान द्वारा उन्नत अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के लिए फैलोशिप ऑफ फाउंडेशन प्रदान किया गया।
- माइक्रोबायोलॉजी विभाग (वीपीसीआई) को डॉ मंदिरा वर्मा बासिल को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मायकोप्लास्मोलॉजिस्ट की सचिव नियुक्त किया गया।

- माइक्रोबायोलॉजी विभाग (वीपीसीआई) के डॉ. अनुराधा चौधरी को यूरोपीय परिसंघ मेडिकल माइकोलॉजी–2017 की फैलो (निर्वाचित)।
- ऑर्थोपेडिक्स विभाग (यूसीएमएस) के डॉ. ए. के. जैन को 25 मार्च, 2017 को स्वर्गीय कर्नल संघम सिंह मेमोरियल ऑरेशन नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा उत्कृष्ट योगदान के लिए ऑर्थोपेडिक्स –2017 प्रदान किया गया।
- ऑर्थोपेडिक्स विभाग (यूसीएमएस) के डॉ. ए. के. जैन को स्वर्गीय टीपी श्रीवास्तव वाराणसी ऑरेशन, गोरखपुर का यूपीप्रेटकॉन 2017.
- ऑर्थोपेडिक्स विभाग (यूसीएमएस) के डॉ. रेहान उल हक को नवम्बर 2016 से मई 2017 तक डिपार्टमेंट ऑफ यूनाइटेड किंगडम में कॉमनवेल्थ शैक्षणिक फैलोशिप प्रदान की गई।
- ऑथ्थेल्मोलॉजी विभाग (यूसीएमएस) के डॉ. वी. पी. गुप्ता को दिल्ली ऑथ्थेलमॉजिकल सोसाइटी द्वारा डॉ. पी. के. जैन मेमोरियल ऑरेशन 2017 प्रदान किया गया।
- ओटोरहिनोलोरिन्गोलॉजी विभाग (यूसीएमएस) के डॉ. एच.सी. तनेजा, भारत के न्यूरोइक्विलोब्रिमेट्रिक सोसाइटी के सचिव चुने गए।
- विश्व विज्ञान विक्लांगता दिवस, 2 दिसंबर, 2016 की पूर्व संध्या पर दिल्ली सरकार द्वारा फिजियोलॉजी विभाग (यूसीएमएस) के डॉ. सत्येन्द्र सिंह को 2016 में सामाजिक कार्य के क्षेत्र में एक विक्लांग व्यक्ति द्वारा अपवादात्मक उपलब्धि के लिए राज्य पुरस्कार और केंद्रीय रक्षा सचिव द्वारा व्यक्तिगत चुनौतियों से ऊपर उठने और समाज में योगदान देने के लिए 4 दिसम्बर 2016 को आयोजित स्वच्छ क्षमता पर भारत के प्रथम ब्लेड धावक के लिए स्वच्छ क्षमता पुरस्कार प्रदान किया गया।
- फिजियोलॉजी विभाग (यूसीएमएस) के डॉ. सतेंद्र सिंह को 27 नवंबर, 2016 को सामाजिक न्याय और कार्रवाई पर काम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ और देश के गैर सरकारी संगठनों के संघ (आईकोंगो) के सहयोग से स्थापित, करमवीर चक्र और रेक्स वैश्विक फैलोशिप– 2016 प्रदान किया गया।
- मनोचिकित्सा विभाग (यूसीएमएस) के डॉ. एस. श्रीवास्तव को इंडियन साइकेट्रिक सोसायटी (आईपीएस) नॉर्थ जोन, 2016 की फेलोशिप।
- बाल चिकित्सा विभाग (एमएएमसी) के डॉ. डी. मिश्रा, को जनवरी, 2017 में बैंगलोर में आयोजित 54वें पायडिकॉन में भारतीय बाल अकादमी की फैलोशिप प्रदान की गई ।
- बाल चिकित्सा विभाग (यूसीएमएस) के डॉ. पी. गुप्ता को पेडीकॉन थीम ऑरेशन, इंडियन एकेडमी ऑफ पेडियाट्रिक्स, राजस्थान, पेडीकॉन, माउंट आबू, राजस्थान, 19 नवंबर, 2016.
- रेडियोडायगनोसिस विभाग (एलएचएमसी) के डॉ. राम आनंद को आईआरआईए की दिल्ली शाखा (भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन) द्वारा प्रतिष्ठित सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया।
- रेडियोडायगनोसिस विभाग के डॉ. राम आनंद को भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा मई 2016 में वैज्ञानिकों के लिए मूल्यांकन बोर्ड में विशेषज्ञ और जेसीडीआर और भारतीय जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी और इमेजिंग (आईजेआरआई) के लिए समीक्षक नियुक्त किया गया।
- रेडियोलॉजी विभाग (यूसीएमएस) के डॉ. ए. के. श्रीवास्तव को 4 मार्च, 2017 को दिल्ली आईआरआईए 2016–2017 का राष्ट्रपति प्रशंसा पुरस्कार।
- फार्माकोलॉजी विभाग के डॉ. हरमीत सिंह रेहान को डरहम यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम में जुलाई, 2016 तक 6 महीने की अवधि के लिए कॉमनवेल्थ फेलोशिप प्रदान की गई।
- सर्जरी विभाग (एमएएमसी) के डॉ. पी. एन. अग्रवाल को दिल्ली सरकार द्वारा जनवरी 2016 में प्रतिभाशाली सेवाओं के लिए सम्मान।

- सर्जरी विभाग (एमएएमसी) के डॉ. पवन इंद्र लाल को डॉ. एस. के. सेन मेमोरियल ओरियन– 2016 – एएसआई (दिल्ली अध्याय) – 12 नवंबर 2016 – सर्जरी में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण – चुनौतियों और समाधान और मेडिकल शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए बीएमजे साउथ एशिया अवार्ड 2016– में द्वितीय पुरस्कार।
- सर्जरी विभाग (एमएएमसी) के डॉ. अनुभव विंदल को अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन (एफएसीएस) की फैलोशिप।

आयोजित संगोष्ठियां / सम्मेलन / कार्यशालाएं

(चयनित सूची निम्नलिखित है। पूरी सूची विभाग / केंद्र के अंतर्गत दी है।)

● वयस्क विभाग, सतत शिक्षा और विस्तार ने 21–22 अक्टूबर, 2016 को 'शिक्षा नीति की रणनीति और प्रौढ़ शिक्षाः यूरोप और भारत का तुलनात्मक विश्लेषण' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

•एनाटॉमी विभाग (एलएचएमसी) ने 20 नवंबर 2016 को आईएसकेएसए और दिल्ली आर्थोपेडिक एसोसिएशन के तत्वावधान में 'कैडवेरिक संयुक्त संरक्षण' पर कार्यशाला का आयोजन किया।

• मानव विज्ञान विभाग ने 21 जून, 2017 को 'योग और राष्ट्र निर्माणः एक मानव विज्ञान परिप्रेक्ष्य' पर कार्यशाला आयोजित की।

• एनेस्थिसियोलॉजी विभाग (एलएचएमसी) ने अगस्त 2017 में 'एन–एम सिस्टम एलए ड्रग्स, नर्व ब्लॉक्स' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

• अरबी विभाग ने राजा अब्दुल्ला बिन अब्दुल अजीज इंटरनेशनल सेंटर रियाद, के एसए के सहयोग से 1–7 अप्रैल, 2017 के दौरान अरबी शिक्षकों के लिए शिक्षण विधियों पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

• जैव–रसायन विभाग ने 18 मार्च, 2017 को यूजीसी के माध्यम से एसएपी कार्यक्रम, 'रोग जीवविज्ञान और रोग प्रबंधन में प्रगति' पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

• बायोकेमेस्ट्री विभाग (यूसीएमएस) ने 22–25 अक्टूबर, 2016 को दिल्ली के वल्लभभाई पटेल वक्ष संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'आईसीएआईआईसीओएन–2016' स्वर्ण जयंती सम्मेलन का आयोजन किया।

• जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग (एनएसआईटी) ने 17 फरवरी, 2017 को 'विकासशील राष्ट्रों से विकसित विश्व के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में विपरीत नवाचार' पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया, प्रोफेसर माइकल फ्रिएबे इस संगोष्ठी के संसाधन व्यक्ति थे।

• वनस्पति विज्ञान विभाग ने 18 मार्च, 2017 को 'प्रीडेटरी पत्रिकाओं में पहचान और प्रकाशन से बचनाः शोधकर्ताओं के लिए एक सबक' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

• व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग ने 1 अक्टूबर, 2016 को दिल्ली के दक्षिणी परिसर के एसपी जैन सेंटर में 'सुनहरे भारत का निर्माण – संभावनाओं को सुधारना और उन्मुक्त करना' पर तैंतालीसवें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया।

• विज्ञान शिक्षा और संचार केंद्र ने 11 से 16 अक्टूबर 2016 तक महिला उद्यमियों के लिए राष्ट्रीय कौशल संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

• रसायन विज्ञान विभाग ने 14–16 नवंबर 2016 को (प्रोफेशनल अशोक के. प्रसाद द्वारा आयोजित ओएनजीसी, आईसीएमआर, डीआरडीओ द्वारा वित्तपोषण सहायता) 'कार्बोहाइड्रेट केमिस्ट्री एवं बायोलॉजी में नई सीमाओं' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

• कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने 13 जुलाई, 2016 को एल्गोरिदम– 2016 पर एक संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

• सामुदायिक चिकित्सा विभाग (एलएचएमसी) ने विश्व स्वास्थ्य दिवस–2016 समारोह का आयोजन किया।

• सामुदायिक चिकित्सा विभाग (एमएएमसी) ने 10–11 नवंबर, 2016 को 'भारत में डब्लूएचओ कान और श्रवण सर्वेक्षण प्रोटोकॉल की क्षेत्रीय जांच' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

• वाणिज्य विभाग ने 4–5 नवंबर 2016 को 'आरंभ से स्थिरता तकः पहलें और चुनौतियां' पर दो दिवसीय 5वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन का आयोजन किया।

• विज्ञान, नैतिकता और शिक्षा के डी.एस. कोठारी केंद्र ने 19 –20 जनवरी, 2017 को भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली के सहयोग से मूल्य, नैतिकता और शिक्षा पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया।

• पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग ने 12–13 नवंबर, 2016 को जेएनयू, चीनी अध्ययन संस्थान, बीजिंग लू जुन फाउंडेशन, बीजिंग और अंतर्राष्ट्रीय लू जुन अध्ययन की सोसाइटी, सियोल के सहयोग से 'एक काव्य वार्ताः लू जुन और टैगोर' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

• अर्थशास्त्र विभाग ने 13–15 दिसंबर, 2016 को अपने 11वें वार्षिक सम्मेलन में 'शीतकालीन विद्यालय 2016' का आयोजन किया।

• शिक्षा विभाग ने 10–11 अक्टूबर, 2017 को 'शिक्षक शिक्षाः वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

• अंग्रेजी विभाग ने 24–25 फरवरी, 2017 को 'इतिहास, संस्कृति और साहित्यः हाशिये को पढ़ना' पर स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज के सहयोग से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

• जियोलॉजी विभाग ने 27 जनवरी, 2017 को 'जीवविज्ञान शिक्षाः एक समतावादी परिप्रेक्ष्य' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

• जर्मन और रोमांस अध्ययन विभाग ने 2–4 मार्च, 2017 को 'समकालीन साहित्य में नए प्रयोग' पर वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

• भारत सरकार के केंद्रीय हिंदी निदेशालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के हिंदी विभाग ने 4 फरवरी, 2017 को 'सांस्कृतिक रेश्तरावाद और हिंदी' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

• वित्तीय अध्ययन विभाग ने 15 अक्टूबर, 2016 को भारतीय वित्तीय क्षेत्र में जोर और चुनौतियां –आगे के रास्ते– विषय पर अपना चौबीसवां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया।

• जर्मन और रोमांस अध्ययन विभाग ने 2–4 मार्च, 2017 को 'समकालीन साहित्य में नए प्रयोग' पर वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

• विधि केंद्र – प्रथम ने 16–17 सितंबर, 2016 को 'महिलाओं से संबंधित कानून' पर एनसीडब्ल्यूईबी द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

• विधि केंद्र – द्वितीय ने डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 125वीं जयंती पर 14 अप्रैल, 2016 को संगोष्ठी का आयोजन किया।

• विधि संकाय ने 18–20 नवंबर, 2017 को भारत के स्वतंत्र होने के सत्तर वर्षों के बाद 'सामाजिक और आर्थिक न्याय : घरेलू और वैश्विक चुनौतियां' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

• भाषा विभाग ने 27–28 फरवरी, 2017 को 'भाषाविज्ञान और हिंदी की शिक्षा एवं विदेशी भाषा के रूप में अन्य भारतीय भाषाएं' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

• मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज (एमएएमसी) ने 13 सितंबर, 2016 को 'तम्बाकू का समापन – एक ऑस्ट्रेलियाई अनुभव' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

• गणित विभाग ने 14–15 अक्टूबर, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग में प्रोफेसर बाल किशनदास की सेवानिवृत्ति के अवसर पर उनके सम्मान में 'बीजगणित, विश्लेषण, कोडिंग और क्रिप्टोग्राफी' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

• माइक्रोबायोलॉजी विभाग (एलएचएमसी) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन, एनसीडीसी और एलएचएमसी के तत्वावधान में 14–20 नवंबर, 2016 को विश्व एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह के दौरान एएमआर जागरूकता कार्यक्रम और संगोष्ठी का आयोजन किया।

• माइक्रोबायोलॉजी विभाग (यूसीएमएस) ने 10 सितंबर, 2016 को यूसीएमएस और एम्स, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से 'एंटीबायोटिक प्रतिरोध, नवीनीकृत भय' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

• आधुनिक भारतीय भाषा और साहित्यिक अध्ययन विभाग ने 9–10 मार्च, 2017 को 'साहित्यिक संबंधः भारत और विश्व' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

• संगीत विभाग ने 30–31 अगस्त 2016 को दो दिवसीय संगीत कार्यक्रम मल्हार उत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. कपिला वात्स्यायन ने दो दुर्लभ संगीत वाद्य यंत्र भेंट किये जिन्हें पहले उनकी माँ बजाया करती थी।

• प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग (एमएएमसी) ने 5 फरवरी, 2017 को 'बंध्यता और सहायता प्रजनन' सम्मेलन का आयोजन किया।

• प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग ने 11 नवम्बर, 2016 को एओजीडी के तत्वावधान में दिल्ली के होटल अशोक में 'उन्नत स्त्री.रोग' पर वीडियो कार्यशाला का आयोजन किया।

• संचालन अनुसंधान विभाग ने 24 फरवरी, 2017 को 'डेटा विज्ञान और बिग डेटा विश्लेषण' पर कार्यशाला का आयोजन किया।

• ऑर्थोपेडिक्स विभाग (एमएएमसी) ने 1–4 फरवरी, 2017 को 'ऑर्थोपेडिक्स में सत्रहवें स्नातकोत्तर निर्देशात्मक पाठ्यक्रम' आयोजित किया।

• ऑप्थल्मोलॉजी विभाग (एलएचएमसी) ने 2 सितंबर 2016 को एमओएचएफडब्ल्यू की मदद से एलएचएमसी में आयोजित 'नेत्र दान' पर एक दिन के अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

• पैथोलॉजी विभाग (एलएचएमसी) ने 4 फरवरी, 2017 को इंडियन अकेडमी ऑफ साइकोपैथालॉजिस्ट के दिल्ली अध्याय के तत्वावधान में 'गायनाकोलॉजिक साइटोलॉजी' पर कार्यशाला आयोजित की।

• पैथोलॉजी विभाग (एमएएमसी) ने अगस्त, 2016 में पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी की भारतीय अकादमी के दिल्ली अध्याय की एक त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई।

• औषध विज्ञान विभाग (एमएएमसी) ने 18 फरवरी, 2016 को मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और एसोसिएटेड अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टरों और नर्सों के लिए रोगी सुरक्षा के फार्माकोविजिलेंस का आयोजन किया।

•दर्शनशास्त्र विभाग ने 9 से 10 जनवरी 2017 को वाशिंगटन डीसी के मूल्य और दर्शन पर अनुसंधान केंद्र और रामानुजन कॉलेज, नई दिल्ली के सहयोग से आईसीपीआर, नई दिल्ली के प्रायोजन के साथ ''मानव को फिर से समझना वैश्विक युग में न्याय और जिम्मेदारी'' आयोजित किया।

• शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग ने प्रो. वेर्लिन बी. हिंसज, मनोविज्ञान विभाग, नॉर्थ डकोटा स्टेट यूनिवर्सिटी, फार्गो, नॉर्थ डकोटा, यूएसए द्वारा ''प्रेरक प्रदर्शन के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के प्रभावी उपयोग'' पर संगोष्ठी आयोजित की।

• शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास विभाग (एलएचएमसी) ने 2 अप्रैल 2016 को बाल चिकित्सा विभाग के सहयोग से ''आत्मकेंद्रित जागरूकता पर माता–पिता उन्मुखीकरण कार्यशाला'' का आयोजन किया।

• भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने 7–11 नवंबर, 2016 के दौरान ''तकनीकी रूप से उन्नत सामग्री'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और फेरोइलेक्ट्रिकिटी पर एशियाई बैठक (आईसीटीएएम–एएमएफ 10) का आयोजन किया

• प्लांट आणविक जीवविज्ञान विभाग ने 25 नवंबर, 2016 को बायोटेक बिल्डिंग, यूडीएससी, नई दिल्ली में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस, इंडिया (एनएसआई) के एनएसआई अवॉर्ड लेक्चर का आयोजन किया।

• राजनीति विज्ञान विभाग ने 5–6 दिसंबर, 2016 को लीवरह्यूम परियोजना के तहत ''भारतीय संघवाद में निरंतरता और परिवर्तन'' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

• मनोविज्ञान विभाग ने 9–10 मार्च, 2017 को ''उभरते हुए असुरक्षाओं के रूप : संवाद, व्याख्यान और वाद–विवाद" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

• पंजाबी विभाग ने साहित्य अकादमी दिल्ली के सहयोग से 22–23 सितंबर, 2016 को ''बहु–संस्कृतिः, पहचान की समस्या और पंजाबी साहित्य'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

• संस्कृत विभाग ने दक्षिणी दिल्ली परिसर में 11–12 मार्च 2016 को ''वर्तमान विश्वविद्यालय प्रणाली में संस्कृत शास्त्रों की शिक्षा'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

• स्लावोनिक और फिनो–उग्रीयन अध्ययन विभाग ने 25–26 अक्टूबर 2016 को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''अनुवाद कला, क्राफ्ट और क्रॉस–सांस्कृतिक अभ्यास'' का आयोजन किया। इस सम्मेलन में स्लावोनिक देशों, हंगरी, भारत और बांग्लादेश के शिक्षाविद, अनुवादक और अनुसंधान विद्वानों को मिलने का अवसर मिला।

• सामाजिक कार्य विभाग ने महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष पुलिस इकाई (एसपीयूडब्ल्यूसी) और एएचएडी सोसाइटी फॉर वेलफेयर एंड डेवलपमेंट के सहयोग से पुलिस स्टेशनों और कॉलेजों में लिंग संवेदनशीलता प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया।

• समाजशास्त्र विभाग ने 23–24 मार्च, 2017 को ''घटना और प्रति दिनः अनुभवों और सिद्धांत'' पर कार्यशाला का आयोजन किया।

• सांख्यिकी विभाग ने 10 फरवरी, 2017 को एसटीपीआई के महानिदेशक श्री ओंकार राय द्वारा 'आईटी सेक्टर में सांख्यिकी की भूमिका' पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

• सर्जरी विभाग (एमएएमसी) ने 26 सितंबर 2016 से 1 अक्टूबर, 2016 के दौरान एक सर्जरी अद्यतन का आयोजन किया।

• जूलॉजी विभाग ने 21–24 फरवरी, 2017 को '21 वीं सदी में जैविक समय और स्वास्थ्य मुद्दों' पर भारत–अमेरिकी कार्यशाला और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय व्याख्यान श्रृंखला

राजदूत व्याख्यान श्रृंखला

दुनिया के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने और पारस्परिक रूप से लाभप्रद तरीके से विचारों और बौद्धिक संसाधनों के अंतर्राष्ट्रीय आदान–प्रदान को बढ़ाने के उद्देश्य से, दिल्ली विश्वविद्यालय ने विदेश मंत्रालय (नीति

नियोजन और अनुसंधान प्रभाग), के साथ मिलकर एक राजदूत व्याख्यान श्रृंखला आरंभ की है। यह श्रृंखला दिल्ली विश्वविद्यालय में सीखने का एक अभिनव माहौल बनाने की दिशा में एक कदम है।

भारत सरकार के 'पड़ोस नीति' को आगे बढ़ाने में भारत–नेपाल रिश्ते पर 31 मार्च 2017 को पहला राजदूत सत्र आयोजित किया गया था। सत्र के प्रसिद्ध वक्ता थे महामहिम श्री दीप कुमार उपाध्याय, राजदूत, नेपाल और श्री शिवशंकर मुखर्जी (नेपाल में भारत के राजदूत, 2004–2008)। चर्चा में एक राजदूत और विदेशी मामलों के विशेषज्ञों के एक उत्कृष्ट समूह ने भाग लिया, जिनमें श्री जयंत प्रसाद, महानिदेशक–आईडीएसए, प्रोफेसर एस डी मुनी, प्रोफेसर एमेरिटस जेएनयू और श्री डी.पी. त्रिपाठी, सांसद (राज्यसभा) शामिल थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में नेपाल के छात्रों और नेपाली खाद्य महोत्सव द्वारा आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यशाला से बढ़ते भारत–नेपाल रिश्तों को स्पष्ट किया गया।

पर्सिपिएंस पूर्व प्रतिष्ठित छात्र व्याख्यान श्रृंखला

दिल्ली विश्वविद्यालय ने प्रत्यक्ष ज्ञान (पर्सिपेंस) – प्रख्यात पूर्व छात्रवृत्ति श्रृंखला की शुरुआत की ताकि दिल्ली के मूल विश्वविद्यालय और इसके विशाल सार्वभौमिक प्रवासी पूर्व छात्रों के बीच के संबंध को मजबूत किया जा सके। इस व्याख्यान श्रृंखला से पूर्व छात्रों के साथ विश्वविद्यालय के सार्थक संबंधों के बढ़ने और समृद्ध होने की उम्मीद है।

इस श्रृंखला में पहला व्याख्यान 1 मार्च, 2017 को पद्म विभूषण डॉ. कपिला वात्स्यायन के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र था, जिन्होंने 1946 में हिंदू कॉलेज से स्नातक और 1948 में अंग्रेजी विभाग से स्नातकोत्तर पूरा किया। डॉ. वात्स्यायन शास्त्रीय भारतीय नृत्य, भारतीय कला और संस्कृति और कला इतिहासकार हैं। उन्होंने लगभग 20 पुस्तकों और 200 शोध पत्र तैयार की है। उन्हें पद्म श्री और पद्म विभूषण सहित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं।

शहीद दिवस

दिल्ली विश्वविद्यालय ने शहीद भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए 23 मार्च, 2017 को वाइसराय लॉज के काउंसिल हॉल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के परिसर से जुड़ी ऐतिहासिक विरासत का प्रदर्शन किया। लगभग 250 स्कूल छात्रों को देशभक्ति और भक्तिपूर्ण गीतों के गायन, शहीद भगत सिंह के जीवन पर निर्मित वृत्तचित्र के प्रदर्शन शहीद भगत सिंह और उनके सहयोगियों की जेल डायरी को पढ़ने के जरिए महान शहीदों के जीवन से परिचित कराया गया।

विश्वविद्यालय में इन्क्यूबेशन सेंटर

क. इलेक्ट्रोप्रेन्युर पार्क

इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) में स्टार्ट–अप का समर्थन करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) और इंडिया इलेक्ट्रोनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के तत्वावधान में इलेक्ट्रोप्रेन्युर पार्क स्थापित किया गया है। पार्क के मुख्य उद्देश्यों में भारत के लिए इस योजना के माध्यम से उत्पादित उत्पादों और अन्य विकास बाजार, विभिन्न स्तरों पर रोजगार के सृजन, रणनीतिक क्षेत्रों के साथ दीर्घकालिक भागीदारी का निर्माण के लिए प्रोटोटाइप, विकास और व्यावसायीकरण के दौरान सहायता प्रदान करना, बौद्धिक संपदा बनाने के लिए भारत में

ईएसडीएम क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास, नवाचार, उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण शामिल है। इलेक्ट्रोप्रन्युर पार्क में स्टार्टअप्स द्वारा उपलब्धियां शामिल हैं:

- 9 आईपी पेटेंट दायर
- 7 उत्पाद लॉन्च
- 4 वित्तपोषित स्टार्टअप
- 6 करोड़ का राजस्व उत्पन्न

इलेक्ट्रोप्रेन्युर पार्क में ऊष्मायन और पूर्व ऊष्मायन के तहत किए जाने वाले प्रारंभ (स्टार्टअप) हैं:

- स्टारब्रु टेकसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड – भारतीय सेना के रेडियो सेट के लिए चित्र भेजने के लिए तैयार किए गए सामरिक एंड्रॉइड वायरलेस डेटा कार्ड (टीएडब्ल्यूडीसी)।
- स्टेमब्रो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड – ईएसडीएम सेक्टर में कौशल विकास के लिए स्कूलों और संस्थानों में इस्तेमाल किए जाने वाले कई इलेक्ट्रॉनिक विकास और शिक्षण किट की तैयारी।
- फिटनानो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड – बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और पालतू जानवरों के लिए पहनने योग्य आईओटी सुरक्षा और आईकार्ड सह समाधान मॉडल की एक श्रृंखला विकसित की है।
- यूनिवलैब्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड– ने एंडोस्कोपी और लैप्रोस्कोपी के लिए कई मेडिकल उपकरण और सहायक उपकरण तैयार किए हैं।
- दूरस्थ एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड – एक वितरित ग्रिड में ऊर्जा उपयोग की निगरानी करने और अंतिम उपयोगकर्ता के लिए बिजली वितरण को नियंत्रित करने के लिए एक अनूठा समाधान तैयार किया है।
- ईवीआई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड – विद्युत वाहनों के लिए स्वदेशी तौर पर विकसित डीसी आधारित तेजी से चार्जिंग समाधान और चार्जिंग स्टेशन।
- ए जे सिंपली प्युरिफाई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड – घर और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों पर वायु प्रदूषण नियंत्रण और निगरानी के लिए सस्ते और अभिनव समाधान प्रदान करना।
- आईओटोमेशन इकोटेक प्राइवेट लिमिटेड – स्मार्ट रहने के लिए आईओटी आधारित वितरित परिसंपत्ति स्वचालन समाधान का विकास ।
- सेन्ट्रा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड – कनेक्टेड वाहन प्लेटफार्म जो वाहन स्वास्थ्य, बेहतर सड़क सुरक्षा और डाटा चालित ऑनलाइन ड्राइवर बाजार की निगरानी में सक्षम बनाता है।
- रेजोनंट इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड – आईओटी आधारित, वायरलेस, रेट्रो–फिट, एनर्जी ऑडिट और नियंत्रण प्रणाली। ऊर्जा अनुकूलन के लिए अनुकूलन केंद्रीय लोड नियंत्रण और उन्नत विश्लेषणात्मक डैशबोर्ड प्रदान करना।
- ग्लेनएलेक – दिव्यांगों के लिए लागत प्रभावी, हल्के वजन के बांस आधारित एक्सोस्केलेटन का विकास।
- वीटी लैब्स – औद्योगिक और व्यावसायिक अनुप्रयोगों के लिए उच्च गति के उच्च क्षमता पावर कन्वर्टर्स का विकास करना।

ख. टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर

सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय द्वारा समर्थित टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर ने 'इन्क्ययूबेटरों के माध्यम से एसएमई के उद्यमशीलता और प्रबंधकीय विकास' योजना के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय के क्लस्टर इनोवेशन सेंटर, (ड्यूकिक टीबीआई) के मुख्य उद्देश्य के साथ प्रौद्योगिकी बिजनेस इनक्यूबेटर का समर्थन किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य उभरते हुए तकनीकी और ज्ञान आधारित नवोन्मेषी उद्यमों को

प्रोत्साहित करना जो उद्यमों की पारंपरिक गतिविधियों से परे पेशेवरों के विचारों को पोषण करना है। एमएसएमई द्वारा अनुमोदित विचारों का विवरण निम्नलिखित हैः

•गणितीय गेम – नवल और अद्वितीय बोर्ड गेम जो गणित को इंटरैक्टिव और अधिक रोचक, पंजीकृत कंपनी बनाते हैं। उत्पाद बाजार में। निवेश की बातचीत यूआरएलः maginitiative.in

• एड रोब – विद्यालयों और कॉलेजों के लिए निर्माण रोबोटिक्स मॉड्यूल, जो पाठ्यक्रम से जुड़े सीखने को शामिल करते हैं, पंजीकृत कंपनी, बाजार में उत्पाद। यूआरएलः Imfundo.io

• साइन माई टूर – भारतीय साइन लैंग्वेज के माध्यम से सुनने वालों के लिए ऐतिहासिक स्मारकों का एक इंटरैक्टिव एप्लीकेशन तैयार करना, उत्पाद ''सिग्निटर'' नाम से विकसित और परीक्षित किया गया। यूआरएलः प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

• पिक्स वेरा – सामग्री आधारित छवि पुनर्प्राप्ति आधारित ट्रेडमार्क (लोगो) खोज, उत्पाद विकसित और परीक्षित किया गया।

• आईडियाज मार्कट – छात्र नवाचारों का व्यावसायिक शोषण जो सिस्टम में खो गया है, पोर्टल लॉन्च किया गया। पंजीकृत कंपनी, यूआरएलः ideasmarkt.com

• सरवेडर – व्यापार सिफारिशों और विश्लेषण के लिए सास मंच, कई ग्राहकों के साथ सफल उद्यम। एक्सीलेटर उद्यम से 25 लाख रुपये का एक त्वरक धन प्राप्त किया। पूर्व–श्रृंखला निवेश के लिए उन्नत बातचीत चरण में यूआरएलः survaider.com

• परिधान मीडिया – क्यूआर कोड, होलोग्राफिक प्रिंटिंग, वर्चुअली संवर्धित मीडिया, संचार के उद्देश्य से, रचनात्मक विपणन, खरीदारी, व्यापार, शोध आदि के रूप में ऐपरल पर वस्तुतः कोडित जानकारी मुद्रित की गई। उत्पाद विकसित।

• चेनिनइंफोटेक – वेब तकनीक। ऐप्स, पंजीकृत साझेदारी फर्म ने कई मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किए हैं क्रम्बीली जीवनहैक्स श्रेणी में दुनिया में शीर्ष एप्लिकेशन हैं। यूआरएलः tnine.io

• लिथिक्स – ई–कॉमर्स, पंजीकृत कंपनी जो कला और शिल्प में एनजीओ संचालित करने के लिए बाजार प्रदान करती है। यूआरएलः lithics-in

ग. उद्यमशीलता और कैरियर उन्मुख कार्यक्रमों के लिए केंद्र (सीईसीओपी)

दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों को कौशल प्रशिक्षण देने के लिए कैरियर उन्मुख कार्यक्रमों को संबोधित करने के लिए केंद्र स्थापित किया गया है।

घ. अभिनव और उद्यमशीलता विकास केंद्र (आईईडीसी)

युवा उद्यमी को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए आचार्य नरेन्द्रदेव कॉलेज में नवाचार और उद्यमिता विकास केंद्र (आईईडीसी) है, जो अकादमिक संस्थानों के बीच एक उद्यमशीलता संस्कृति विकसित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार द्वारा प्रायोजित है।

ङ. एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से ऊष्मायन

उद्यमिता की भावना और विद्यार्थियों के नेतृत्व और प्रगतिशील व्यावसायिक विचारों के प्रति उत्साह के दृष्टिकोण के साथ, दिल्ली विश्वविद्यालय के आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज (एआरएसडी) ने केंद्र की स्थापना की। यह उद्यमी

नेतृत्व (सीआईईएल), प्रौद्योगिकी बिजनेस इनक्यूबेटर टीबीआई), भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय द्वारा समर्थित है।

शैक्षणिक समुदाय–उद्योग सम्बद्धता

विश्वविद्यालय के सांविधिक प्रावधान विश्वविद्यालय का उद्योग, ट्रेड, व्यापार, पत्रकारिता, संगीत, साहित्य, दृश्य और प्रदर्शन कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ ताल–मेल को बढ़ावा देते हैं। शैक्षणिक समुदाय–उद्योग सम्बद्धता को प्रोत्साहित करने के लिए, विश्वविद्यालय सक्रिय रूप से निम्नलिखित तरीकों से जुड़ा हुआ है :

• प्रबंध अध्ययन, सामाजिक विज्ञान, अंतर–विषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान, वाणिज्य, अनुप्रयुक्त समाज विज्ञान और मानविकी, चिकित्सा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, क्लस्टर नवाचार केंद्र, सूचना और संचार संस्थान संकायों ने उद्योगपतियों के साथ एक सक्रिय इंटरफेस स्थापित किया है।

• विश्वविद्यालय के कई संकाय सदस्य अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञता के आधार पर उद्योग, मंत्रालयों और सरकारी संगठनों; यूनेस्को/एसएनए/सीडी जैसेकि यूनेस्को/एसएनए/सीडीय स्च्लूम्बेर्गेर आयल; जल संसाधन मंत्रालय; हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल); टीपीडीडीएल; मैसर्स स्पैन डायग्नोस्टिक्स लिमिटेड सूरत (एम/एस आर्के हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड सूरत); मैसर्स यशराज बायोटेक्नोलॉजी लिमिटेड, मुंबई (वाईबीएल); डीआरडीओ; एनएचपीसी लिमिटेड; एनएडीपी (व्यवसाय प्रबंधन और औद्योगिक प्रशासन विभाग); गेल (इंडिया) लिमिटेड; आईआरसीटीसी; ब्रिटानिया लिमिटेड; आईसीएसएसआर; सेवा–टीएचडीसी; सीबीएम; महिला एवं बाल विकास विभाग; इंडो ग्लोबल सोशल सर्विस सोसाइटी (आईजीएसएसएस); ऑक्सफाम इंडिया; दुगार हाइड्रो पावर लिमिटेड; एवीए ; आरएस एनवाइरल लिंक प्राइवेट लिमिटेड को परामर्श सेवाएं प्रदान करते हैं।

विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन

दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने अकादमिक आदानों और अनुभवों को समृद्ध करने के लिए प्रमुख संस्थानों के साथ अकादमिक सहयोग की अपनी परंपरा कायम रखी है। विश्वविद्यालय ने अपने इस प्रयास में विश्व स्तर की कई संस्थानों के साथ अकादमिक और अनुसंधान सहयोग के लिए हस्ताक्षर किए हैं। रिपोर्टिंग अवधि में समझौता ज्ञापनों और करारो में शामिल हैं :

• टोक्यो विश्वविद्यालय, जापान

• पॉट्सडैम विश्वविद्यालय, जर्मनी

• लीडेन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड

• ग्रेट जिम्बाब्वे विश्वविद्यालय

समान अवसर सेल

विश्वविद्यालय के समान अवसर सेल रिपोर्ट की अवधि के दौरान दिव्यांगजनों को सतत समर्थन प्रदान करता रहा है। इसमें स्वयंसेवा समर्थित सेवाएं प्रदान करना, उच्च तकनीक कंप्यूटर प्रयोगशाला तक अभिगम्यता, सुलभ प्रारूप में पठन सामग्री, सीमित परिवहन सुविधा आदि शामिल है।

समान अवसर सेल ने विक्लांगों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अधिकारों के प्रावधानों को लागू करने के लिए कदम उठाए हैं, विशेषकर प्रवेश में। इसके अन्य कार्यकलापो में ई–टेक्स्ट प्रारूप में लघु अवधि के पाठ्यक्रमों और सामग्रियों का रूपांतरण करना शामिल हैं।
इसके अलावा समान अवसर सेल ने किंग्स कॉलेज, लंदन के साथ सहयोगी कार्यक्रम के तहत जनवरी, 2017 में मैक्सिको में "विकलांगता पर वार्ता" नामक कार्यक्रम का राष्ट्रीय स्वायत्त विश्वविद्यालय (यूएनएएम) के अंतर्राष्ट्रीय दौरे में आयोजन किया।

यह विश्वविद्यालय के दिव्यांग छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अभिग्रहण का अनुभव था। इसके अलावा समान अवसर सेल ने राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के लगभग 150 दृष्टिहीन छात्रों को स्मार्ट फोन और स्मार्ट केन्स वितरित किये ।

स्थापन गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों और विभागों में स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. के छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों की व्यवस्था के लिए एक केंद्रीय नियोजन सेल है। इंटर्नशिप पंजीकरण को मिलाकर छात्रों की कुल संख्या 16000 से अधिक है। इस वर्ष उत्तरी और दक्षणी कैम्पस में ऑन–कैंपस अभियान चलाने के लिए कुल 35 कंपनियों को सूचीबद्ध किया गया था। विभिन्न कंपनियों ने 1500 से अधिक छात्रों को नौकरी की पेशकश के लिए चयन किया और 1100 छात्रों को आकर्षक वेतन पैकेज के साथ विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रोजगार मिला। इस वर्ष नियमित सीपीसी गतिविधियों के साथ–साथ क्षमता संवर्धन कार्यक्रम के तहत प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को कैरियर में विशेष मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया।

केन्द्रीय नियोजन सेल, छात्र कल्याण संकाध्यक्ष के तहत नियोजन सेल सलाहकार समिति समिति की सलाह से कार्य करता है, जिसमें सभी कॉलेजों और विभागों के उप–संकाध्यक्ष छात्र कल्याण, सलाहकार और नियोजन समन्वय शामिल हैं।

सलाहकार समिति नियोजन सेल के कामकाज की निगरानी और मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए उनके नेतृत्व कौशल विकसित करने हेतु विभिन्न क्षमता संवर्धन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए ।

कई विभागों में आजीविका मार्गदर्शन और छात्रों की भर्ती के लिए उनके अपने नियोजन सेल हैं। कुछ विभागों में जैसे कि जैव–रसायन विज्ञान विभाग, व्यापार आर्थिकी, वाणिज्य, पूर्वी एशियाई अध्ययन, अर्थशास्त्र, सामाजिक कार्य, सांख्यिकी और प्रबंधन अध्ययन संकाय में नियोजन दर अधिक है।

कौशल संवर्धन गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय ने 2015–16 के सत्र से स्नातक–पूर्व कार्यक्रमों के लिए चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) लागू किया है। बी.एस.सी. (ऑनर्स)/बीए./बी.एस.सी. कार्यक्रमों में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम शामिल किये गए जिनमें इन मूल्य–आधारित और/या कौशल–आधारित पाठ्यक्रमों का उद्देश्य हस्त–प्रशिक्षण, दक्षता, कौशल आदि प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय सक्रिय रूप से "पंडित दीन दयाल उपाध्याय केंद्र के अंतर्गत" कुशल मानव क्षमताओं और जीवन स्तर (कौशल)" के उन्नयन हेतु विभिन्न स्तरों पर उद्योग आवश्यकताओं के लिए कुशल श्रमशक्ति बनाने में शामिल है। विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों के लिए कौशल आधारित पाठ्यक्रमों की शुरुआत हेतु राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय कौशल विकास को बढ़ावा देने और पर्यटन प्रबंधन, कार्यालय प्रबंधन व सचिवालीय पद्धति प्रबंधन और मानव बीमा संसाधन प्रबंधन का विपणन आदि जैसे क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाने के लिए अपने चार महाविद्यालयों (कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, जीसस और मैरी कॉलेज, रामानुजन कॉलेज और कालिंदी कॉलेज) में स्नातक कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

सामाजिक अभिगम्यता

विश्वविद्यालय राष्ट्रीय विकास में योगदान देने के प्रयास के रूप में अपनी अभिगम्यता और सामुदायिक भागीदारी गतिविधियों के माध्यम से व्यक्तियों, समाज और राष्ट्र की सेवा करने के लिए समर्पित है। विभाग सांस्कृतिक कार्यक्रमों नाटकों आदि आयोजित करते हैं जिनमे महिला सशक्तिकरण जैसे सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। विश्वविद्यालय ने समुदाय के साथ संबंध सुदृढ़ बनाने के लिए, यूजीसी की सामुदायिक कॉलेज योजना को भी अपनाया है। इस योजना के अंतर्गत, नजदीकी कॉलेजों को स्थानीय स्तर पर कम लागत और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सामुदायिक कॉलेजों के रूप में नामित किया है, जिसमें कौशल विकास और पारंपरिक अभ्यास दोनों शामिल हैं, जो शिक्षार्थियों को सीधे रोजगार प्राप्त करने या उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं।

विश्वविद्यालय ने एक सामुदायिक विकास सेल की स्थापना की है। इस सेल के अंतर्गत पांच गांव – जगतपुर, झरोदा मजारा, मुकुंदपुर, बदरपुर खादर और बकियाबाद को अंगीकृत किया गया है। इन गांवों में विशिष्ट उपलब्धियों में परिवहन, जल, स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित समस्याओं के समाधान से संबंधित मूलभूत संरचनाओं में वृद्धि के लिए समुदाय आधारित पहलें शामिल हैं। मोहल्ला क्लिनिक और मोबाइल वैन की स्थापना से संपोषणीय स्वास्थ्य सेवाओं का सृजन तथा नियमित स्वास्थ्य कैंपों का आयोजन जिन्होंने सड़कों और नालियों की सफाई और एमसीडी के सहयोग से छिड़काव और फॉगिंग तथा रैलियों का आयोजन करके डेंगू की रोकथाम हेतु जानकारी का प्रसार, अंत–संवाद और पम्फ्लेटो के वितरण में उत्कृष्ट भागीदारी की। कचरे के डिब्बे की व्यवस्था, अवक्रमित और गैर–अपशिष्ट कचरे के पृथक्करण, गांवों में नालियों की नियमित सफाई की गई । समाज के विभिन्न वर्गों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं तक पहुंचने के लिए समुदाय के निवासियों को प्रोत्साहित किया गया। एक छात्र की टीम ने मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड जारी करने और मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड जारी करके अपनी कृषि उत्पादकता में सुधार के लिए गांव के किसानों की मदद करने का भी काम किया। उन्नत भारत अभियान एक अन्य पहल है जो ग्रामीण समुदाय के विकास के लिए महिलाओं के समूहों, स्वयं सहायता समूहों, युवा समूहों, सहकारी समितियों जैसे समुदाय आधारित समूहों के सृजन/सुदृढ़ीकरण के माध्यम से काम कर रहा है और प्रासंगिक विषयों जैसे कि स्वच्छता और स्वास्थ्य, पोषण, महिलाओं की सुरक्षा, लिंग समानता, महिला सशक्तिकरण, माइक्रो क्रेडिट और आरटीआई जैसे विषयों पर जागरूकता पैदा कर रही है।

खेलों में उत्कृष्टता

खेलों में उत्कृष्टता

दिल्ली विश्वविद्यालय के तीन छात्र सुश्री अपूर्वी चंदेल (शूटिंग), सुश्री मनीका बत्रा (टेबल टेनिस) और ललित माथुर (एथलेटिक्स) ने रियो ओलंपिक 2016 में देश का प्रतिनिधित्व किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दस खिलाड़ी सितंबर 2016 में बीडगोस्जेज (पोलैंड) में 6वें विश्व विश्वविद्यालय शूटिंग स्पोर्ट चौंपियनशिप 2016 में भारतीय विश्वविद्यालय टीम के दल का हिस्सा बने :

श्री ईशान गोयल

सुश्री दिलरीन गिल

सुश्री अदिति सिंह

श्री राहुल खत्री

सुश्री संजना सेहरावत

श्री युवराज कुमार महाजन

श्री अर्जुन मान

सुश्री महिमा कुमार महाजन

सुश्री सजनीत कौर रेहल

सुश्री सर्वेश्वरी कुमारी

पांच पदक विजेता हैं **:**

सुश्री दिलरीन गिल ने 10 मीटर एयर राइफल टीम (महिला) में स्वर्ण पदक जीता।

सुश्री सजनीत कौर रेहल और सुश्री महिमा कुमार महाजन नें ट्रैप टीम (महिला) में रजत पदक जीता।

सुश्री सर्वेश्वरी कुमार ने स्किट टीम (कांस्य) में कांस्य पदक जीता।

श्री युवराज कुमार महाजन ने ट्रैप टीम (पुरुष) में कांस्य पदक जीता।

पचहत्तर खिलाड़ियों ने क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय टूर्नामेंट (पुरुष और महिला) बैडमिंटन (महिला), शतरंज (पुरुष), शतरंज (महिला), क्रिकेट (पुरुष), डाइविंग (महिला), जूडो (महिला), शूटिंग (पुरुष और महिला), स्क्वैश रैकेट (पुरुष), तैराकी (महिला) टेबल टेनिस (पुरुष और महिला), टैकंड़ो तायक्वोंडो (पुरुष), टेनिस (महिला) में स्वर्ण पदक जीत कर दिल्ली विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया ।

एक सौ छब्बीस खिलाड़ियों ने उत्तरी क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय टूर्नामेंट तीरंदाजी (महिला), ऐथ्लेटिक्स (महिला), बैडमिंटन (महिला।), बेसबॉल (पुरुष), मुक्केबाजी (महिला।), क्रिकेट (पुरुष) में , डाइविंग

(महिला), फुटबॉल (महिला), गटका (पुरुष), जिमनास्टिक (पुरुष), जूडो (महिला), शूटिंग (पुरुष और महिला), टेबल टेनिस (महिला), भारोत्तोलन (महिला), पावर लिफ्टिंग (महिला), कुश्ती (पुरुष), योग (महिला) में रजत पदक जीते ।

एक सौ पंद्रह खिलाड़ियों ने उत्तरी क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय टूर्नामेंट मे एथलेटिक (महिला), बेसबॉल (महिला), बास्केटबॉल (पुरुष), मुक्केबाजी (पुरुष), क्रिकेट (महिला), शतरंज (महिला) कोर्फबॉल (मिश्रित), गटका (महिला), जिमनास्टिक (महिला), तीरंदाजी (पुरुष और महिला), स्क्वैश रैकेट (पुरुष), तैरना (पुरुष और महिला), टेनिस (पुरुष), कुश्ती (पुरुष) में कांस्य पदक जीते। (अनुबंध–II)

अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय टूर्नामेंट 2016–17 में टीम चौम्पियनशिप :

दिल्ली विश्वविद्यालय तीरंदाजी (पुरुष और महिला) टीम ने अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय तीरंदाजी (पुरुष और महिला) चैम्पियनशिप 2016–17 में तीरंदाजी समग्र चैंपियनशिप (पुरुषों और महिलाओं) में रजत पदक जीता।

दिल्ली विश्वविद्यालय जिम्नास्टिक (महिला) ने जिम्नास्टिक रिथमिक और जिम्नास्टिक (महिला) टीम ने अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय जिम्स्टैस्टिक (महिला) चौम्पियनशिप 2016–17 में कांस्य पदक जीता।

दिल्ली विश्वविद्यालय की तीरंदाजी (पुरुष) टीम ने अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय तीरंदाजी (पुरुष और महिला) चौम्पियनशिप 2016–17 मे तीरंदाजी कंपाउंड और तीरंदाजी (महिला) टीम में तीरंदाजी रिकर्व में रजत पदक जीता।

दिल्ली विश्वविद्यालय की गतका (महिला) टीम ने अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय गतका (पुरुष और महिला) चैम्पियनशिप 2016–17 में सिंगल स्टिक इवेंट में स्वर्ण पदक जीता और गतका (पुरुष) टीम ने सिंगल स्टिक इवेंट में कांस्य पदक जीता ।

गुणवत्ता पहल

विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय में शिक्षण और अभिग्रहण की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई गुणवत्ता पहल की है। दिल्ली विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन के हिस्से के रूप में प्रत्येक विभाग केंद्र ने निम्न क्षेत्रों में गुणवत्ता संवर्धन के लिए नियमित आधार पर गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम आयोजित किए :

1–शिक्षण और अभिग्रहण
2–आचारनीति
3–अनुसन्धान
4–ई–संसाधन ऑनलाइन डेटाबेस
5–सामाजिक अभिगम्यता

छात्र अनुभव सर्वेक्षण

विश्वविद्यालय ने अभिनव छात्र अनुभव सर्वेक्षण के माध्यम से स्नातकोत्तर छात्रों से वर्गीकृत प्रतिपुष्टि लेना शुरू किया है। यह छात्रों के पूरे अकादमिक अनुभव प्राप्त होते हैं और सभी क्षेत्रों में सतत बेहतर प्रदर्शन के लिए विभागों को सुझाव मिलता है। "समग्र अकादमिक अनुभव" के लिए सभी प्रतिक्रियाओं (सभी विभागों/केंद्रों में) के लिए

औसत रेटिंग औसत से काफी अधिक है, अर्थात अच्छा और बहुत अच्छा के बीच। सभी प्रतिक्रियाओं में 90% छात्रों ने स्वीकार किया कि वे अन्यों को विश्वविद्यालय की अनुशंसा करेंगे।

मानदंड कवायद

विश्वविद्यालय की मानदंड कवायद भी विश्वविद्यालय का अनूठा प्रयास है जिसमे विभागों द्वारा उच्च शिक्षा संस्थान के लिए समकालीन रूप से प्रासंगिक सभी मानदंडों पर वैश्विक मानदंडों और मानकों की तुलना में स्व–मूल्यांकन किया जाता है। यह प्रयास आत्म सुधार के लिए एक अंतर्निहित तंत्र है। मानदंड कवायद से प्रत्येक विभाग द्वारा निम्न तरीकों से गुणवत्ता पहल के आकलन मानदंड के रूप में तैयार करने में सहायता मिली है :

- इससे श्रेष्ठ निष्पादकों की तुलना में विभागों के मौजूदा मापदंडों के बीच खाई के चिन्हीकरण में सहायता मिलती है।
- यह प्रयास मानकों और प्रदर्शनों के चिन्हीकरण और निरंतर गुणवत्ता सुधार के लिए एक रोड मैप प्रदान करने में सहायता कर रहा है।
- मानदंड कवायद ऐसी प्रक्रियाओं को बेहतर करने में मदद कर रही है जो विश्वविद्यालय के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- यह लक्ष्य निर्धारण करने में सहायता करता है और सुधार के लिए अतिरिक्त साधनों की पहचान करता है। इससे वैश्विक प्रथाओं की बेहतर समझ भी बनेगी।
- यह निष्पादन में संवर्धन को बढ़ावा दे रहा है, उत्कृष्टता को बढ़ावा रहा है और नए विचारों और नवाचार को उजागर कर रहा है ।
- यह निष्पादन में सुधार के अधिक प्रभावी तरीके की पहचान करने में भी सहायता कर रहा है।

आईपीआर सेल और पेटेंट निधि

विश्वविद्यालय के बौद्धिक संपदा अधिकार सेल का संचालन अनुसंधान परिषद कर रही है। इसका सृजन जागरूकता बढ़ाने और पेटेंट दाखिल, रखरखाव और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को सुकर करने के लिए किया गया था। पेटेंट दाखिल करने और सहयोगी अनुसंधान के दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं और विश्वविद्यालय के संकाय के लिए एक पेटेंट निधि स्थापित की गई है। विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित आईपीआर चेयर भी है, जो पिछले तीन वर्षो से विश्वविद्यालय में काम कर रही है और इसने संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम और सम्मेलन आयोजित किए हैं। विश्वविद्यालय अपने संकाय द्वारा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए दिशानिर्देश तैयार करने की प्रक्रिया में है। अब तक कुल 204 पेटेंट दर्ज किए जा चुके हैं।

समाज के कमजोर वर्ग से आने वाले छात्रों के लिए विशेष सहायता

विश्वविद्यालय ने अल्पाधिकार प्राप्त छात्रों हेतु विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कक्षा कार्यक्रम शुरू किया है। ऐसे एक प्रवेश–पूर्व ग्रीष्मकालीन स्कूल 2016 का आयोजन मई–जून 2016 में हुआ, जिसमें वाणिज्य, विधि और जैवचिकित्सा विज्ञान के विषयों में स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कक्षाएं आयोजित की गई। विश्वविद्यालय ने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए यूजीसी–सीएसआईआर जेआरएफ नेट परीक्षा हेतु दिसंबर 2016 में (जीव विज्ञान और रसायन विज्ञान के लिए) और जनवरी 2017 में (विधि, वाणिज्य के लिए) एक क्रैश कोर्स भी शुरू किया है। पाठ्यक्रम का शिक्षण विश्वविद्यालय के योग्य और अनुभवी संकाय करते हैं।

आधारभूत संरचना

उत्तरी कैंपस

निर्माण कार्य पूर्ण :

- प्राणिविज्ञान विभाग के ऊर्ध्वाधर विस्तार का निर्माण।

उत्तरी कैंपस

कार्य प्रगति पर है:

- कला और सामाजिक विज्ञान भवन (उमंग भवन) का निर्माण।
- नई रसायन विज्ञान प्रयोगशाला का निर्माण
- बहुस्तरीय ब्लॉक, भौतिकी और रसायन विज्ञान का नवीनीकरण

*****

सामान्य सुविधाएं और कार्यक्रम

छात्र कल्याण कार्यालय

छात्र कल्याण कार्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2016–17 के दौरान निम्नलिखित क्रियाकलाप संचालित किए :

परामर्श क्रियाकलाप

(क) खुली–चर्चा दिवस : दस खुली–चर्चा दिवस उत्तरी परिसर (सम्मेलन केन्द्र) में संचालित किए गए। खुली–चर्चा दिवसों का आयोजन छात्रों को प्रवेश की प्रक्रिया में मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए किया जाता है। इनमें कुल मिलाकर 30,000 से अधिक प्रवेश–आकांक्षी छात्रों और उनके माता–पिता ने भाग लिया। प्रवेश प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों तथा उनके माता–पिता ने खुली–चर्चा दिवसों के प्रति अत्यंत उत्साह प्रदर्शित किया।

(ख) सहायता डेस्क : स्नातकपूर्व प्रवेश के संबंध में जानकारी देने के लिए छात्र सहायता डेस्क डीन छात्र कल्याण कार्यालय सम्मेलन केन्द्र में स्थापित किया गया था। इस पहल का उद्देश्य प्रवेश पाने के इच्छुक छात्रों को अवांछनीय तत्वों द्वारा गलत/अपर्याप्त जानकारी प्रदान करने से रोकना था। ये सहायता डेस्क सम्मेलन केन्द्र द्वारा लगभग एक माह से अधिक की अवधि तक प्रचालित किए जाते रहे।

प्रवेश क्रियाकलाप

स्नातकपूर्व प्रवेश समन्वय : डीन छात्र कल्याण कार्यालय ने ओएसडी प्रवेश कार्यालय के साथ मिलकर सभी श्रेणियों में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय सूचना बुलेटिन तैयार करने और आंकड़ों का विश्लेषण करने का कार्य संचालित किया। सभी श्रेणियों अर्थात् सामान्य/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म के माध्यम से पंजीकृत कराने की अनुमति प्रदान की गई। दिव्यांग उम्मीदवारों को उनके प्रवेश से संबंधित सभी पृथक

अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध कराई गई। सूचना बुलेटिन ऑनलाइन उपलब्ध था तथा उसे सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों द्वारा विश्वविद्यालय की वेबसाइट से निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता था।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्गों और निःशक्त श्रेणी के उम्मीदवारों की प्रवेश से संबंधित शिकायतों का निराकरण करने के उद्देश्य से एक समिति गठित की गई थी जिसके अध्यक्ष डीन, छात्र कल्याण थे और संयोजक डॉ. गुरप्रीत सिंह, उप–डीन छात्र कल्याण थे। डॉ. अमृता बजाज, उप–डीन, छात्र कल्याण, छात्रावास समिति की संयोजक थीं तथा उन्होंने छात्रावास संबंधी मामलों का निपटान किया। उन्होंने नृत्य क्रियाकलापों के लिए केन्द्रीय समिति के सदस्य तथा समन्वयक के रूप में ईसीए प्रवेश के कार्य को भी देखा। डॉ. टुटेजा प्रवेश संबंधी भुगतान गेटवे समिति के सदस्य भी थे जिन्होंने प्रवेश के दौरान सरलतापूर्वक भुगतान किए जाने तथा सरल धन वापसी के लिए कार्यनीती विकसित की।

केन्द्रीय नियोजन प्रकोष्ठ के क्रियाकलाप

विश्वविद्यालय स्तर पर सभी संघटक कॉलेजों और विभागों में स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. अध्ययन कर रहे छात्रों हेतु रोजगार के अवसरों की व्यवस्था कराने के लिए विश्वविद्यालय में एक केन्द्रीय नियोजन प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। इसकी स्थापना वर्ष 2008 में की गई थी तथा शैक्षणिक वर्ष 2016–17 इसके कार्यकरण का नौवां वर्ष था। इसमें पंजीकृत छात्रों की संख्या बढ़कर 16,000 हो गई है जिसमें इंटर्नशिप रजिस्ट्रेशन भी शामिल है। इस वर्ष उत्तरी और दक्षिणी परिसरों में कैंपस पर चयन अभियान संचालित करने के लिए अंतिम रूप से कुल 35 कंपनियों का चयन किया गया था। विभिन्न कंपनियों द्वारा रोजगार प्रस्तावों के लिए 1500 से अधिक छात्रों को चुना गया था तथा अंततः 1100 छात्रों ने अच्छे वेतन पैकेजों के साथ विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की कंपनियों में नियोजन प्राप्त किया। इस वर्ष इस संबंध में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखा गया क्योंकि कुछ कॉरपोरेटों ने भी स्नातकोत्तर और पीएच.डी. छात्रों को रोजगार के प्रस्ताव पेश करने में रुचि प्रदर्शित की। नियमित सीपीसी क्रियाकलापों के साथ इस वर्ष क्षमता संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ चर्चा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया जिससे कि उन्हें विशेषीकृत कैरियर मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके। इन कार्यशालाओं मे हमारे छात्रों को प्रख्यात वृत्तियों से चर्चा करने का अवसर मिला जिससे उनके आधारभूत कौशल में पर्याप्त संवृद्धि हुई, जैसे– सीवी तैयार करना, साक्षात्कार देने की कला, स्व–आकलन और स्व–नियोजन।

(क) इंटर्नशिप कार्यक्रम : विभिन्न कॉलेजों के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को इंटर्न के रूप में विभिन्न कंपनियों में भेजा गया था ताकि वे उन कंपनियों की मौके पर कार्यप्रणाली की जानकारी और अपेक्षित अनुभव हासिल कर सकें। इस प्रयोजनार्थ, इंटर्नशिप के लिए सीपीसी के पास पंजीकरण कराने के लिए विभिन्न कंपनियों को आमंत्रित किया गया था। इस वर्ष एक इंटर्नशिप मेला आयोजित किया गया और लगभग 600 छात्रों ने इस मेले में भाग लिया। इनमें से लगभग 200 छात्रों का चयन किया गया। इंटर्नशिप के लिए आने वाली प्रमुख कंपनियां थीं– एचटी स्टडीमेट, क्लासरूम टीचर्स, नेट कनेक्ट ग्लोबल, बिलियनेबल्स, आईडीबीआई फेडेरल लाइफ इंश्योरेंस आदि।

(ख) नियोजन : इस वर्ष बड़ी संख्या में छात्रों को विभिन्न कंपनियों से नौकरियों के प्रस्ताव प्राप्त हुए, जैसे– विगर मोबाइल इंडिया प्रा. लि., अमेजन, हिताची, जेनपैक्ट, नेवीग 8, फोरेक्स तथा इस वर्ष सीपीसी के साथ पंजीकृत छात्रों को 6.00 लाख रुपए के वार्षिक पैकेजों तक की पेशकश की गई। अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय ख्याति के अग्रणी संगठनों ने केन्द्रीय नियोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से भर्ती के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ भागीदारी की। केन्द्रीय नियोजन प्रकोष्ठ अग्रणी कंपनियों में व्यवसाय अग्रेताओं और वरिष्ठ प्रबंधनों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखता है।

केन्द्रीय नियोजन प्रकोष्ठ, डीन छात्र कल्याण के अंतर्गत संचालित नियोजन प्रकोष्ठ सलाहकार समिति के परामर्श पर कार्य करता है जिसमें उप–डीन छात्र कल्याण के अंतर्गत संचालित नियोजन प्रकोष्ठ सलाहकार समिति के परामर्शक तथा सभी कॉलेजों और विभागों के नियोजन समन्वयक भी शामिल होते हैं। यह सलाहकार समिति नियोजन प्रकोष्ठ के कार्यकरण की निगरानी करती है तथा उसे मार्गदर्शन प्रदान करती है। छात्रों के नेतृत्व कौशलों का विकास करने के लिए विभिन्न क्षमता संवर्धन कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

वर्ष 2016–17 के दौरान नियोजन/इंटर्नशिप अभियान के लिए सीपीसी सहित पंजीकृत कंपनियों की सूची :–

- दैवा कसेई इंडिया प्रा.लि.
- वाणी प्रकाशन
- भारतीय महिला उद्यमी परिसंघ
- संबोधी रिसर्च एंड कम्युनिकेशंस
- स्टेप बाई स्टेप विद्यालय
- एक्सपट्र्स ग्लोबल
- मैसर्स एफआरआर फोरेक्स प्रा. लि.
- मैसर्स अमेजन डेवलपमेंट सेंटर (इंडिया) प्रा.लि.
- पी.पी. इंटरनेशनल स्कूल
- वीवो मोबाइल इंडिया प्रा.लि.
- अजीज प्रेमजी फांउडेशन
- एंडेवर कैरियर्स प्रा.लि.
- फिटकिड्स एजुकेशन एंड ट्रेनिंग प्रा.लि.
- फ्यूचर डोमेन सर्विसेज़ प्रा.लि.
- स्टेप–बाई–स्टेप स्कूल
- टीचर सिटी
- मैसर्स ब्रिटिश टेलीकॉम सर्विसेज़
- मैसर्स वीवो मोबाइल इंडिया प्रा.लि.
- मैसर्स नेवीगेट 8 इंडिया प्रा.लि.
- मैसर्स अमेजन डेवलपमेंट (इंडिया) प्रा.लि.
- मैसर्स एमबीडी ग्रुप
- मैसर्स इंटरग्लोब एविएशन लि.
- प्राइड प्लाजा ग्रुफ ऑफ होटल
- मैसर्स एचटी लर्निंग सेंटर्स लि.
- नेट कनेक्ट प्रा.लि.
- टेकजिनी
- हिताची सिस्टम्स माइक्रो क्लीनिक
- मैसर्स वीवो मोबाइल इंडिया प्रा. लि.

सांस्कृतिक परिषद

युवा प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उनका संवर्धन करने के लिए सांस्कृतिक परिषद द्वारा 2016–2017 मे निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः

- भारत के गीत – भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान कॉलेज में 7 अक्तूबर, 2016 को अंतर–महाविद्यालय गायन–मंडली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- हंसराज महाविद्यालय में 28 अक्तूबर, 2016 को अंतर– महाविद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- संगीत और ललित कला संकाय के वसंत उत्सव कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया (1 फरवरी, 2017)।
- प्रख्यात हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक 'अश्विनी भिडे' ने 3 फरवरी, 2017 को अपराह्न 3 बजे शंकर लाल हॉल में हिंदुस्तानी सुगम शास्त्रीय संगीत प्रस्तुत किया।

- भारती महाविद्यालय में 1 और 2 मार्च, 2017 को अंतर– महाविद्यालय टर्नकोट डिबेट का आयोजन किया गया।

- उप डीन द्वारा सत्र 2017–18 के लिए स्नातकपूर्व पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया के लिए ईएसी की बैठकों का सुचारू आयोजन।

दिल्ली विश्वविद्यालय समुदायिक रेडियो (डीयूसीआर)

डीयूसीआर के नवीनतम महत्वपूर्ण क्रियाकलापों का संक्षिप्त परिचय :

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय तथा डीयूआरसी से बीच सीधे प्रसारण के लिए स्थायी श्रवण लिंक का सफल विकास।

इसी प्रकार, डीयूसीआर तथा मिरांडा हाउस, हंसराज महाविद्यालय, रामानुजन महाविद्यालय के बीच भी लिंक स्थापित किया गया है। इस लिंक को स्थापित करने के लिए कुछ और कॉलेजों ने भी रुचि दर्शायी है।

डीयूसीआर के कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में दो घंटे की अवधि के कार्यक्रम 'जश्न–ए–आजादी' को रिकॉर्ड किया।

डीसीएसी कॉलेज के छात्रों ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को सम्मान प्रदान करते हुए एक विशेष कार्यक्रम रिकॉर्ड और प्रसारित किया।

निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के बारे में जागरूकता संबंधी नारे प्रसारित करने के लिए डीयूसीआर से अनुरोध किया।

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज ने तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में संदेश प्रसारित करने का अनुरोध किया। हमारे कार्यकर्ताओं द्वारा दो संदेश रिकॉर्ड किए गए थे तथा 'तंबाकू–निषेध दिवस' अभियान की अवधि के दौरान उन्हें प्रतिदिन दो बार प्रसारित किया गया।

सीआईसी के छात्रों ने जीएसटी पर रेडियो चर्चा की एक श्रृंखला प्रारंभ की। इसकी पहली कड़ी को सफलतापूर्वक रिकार्ड किया गया तथा डीयूसीआर से प्रसारित किया गया। उर्दू विभाग के छात्र और कार्यकर्ता 'बज़्म–ए–उर्दू' के लिए कार्यक्रम तैयार करना जारी रखे हुए हैं। इसकी लगभग 16 कड़ियां रिकॉर्ड और प्रसारित की जा चुकी है।

डीयूसीआर ने समुदायिक रेडियो के माध्यम से स्थानीय समुदाय के मध्य जागरूकता का सृजन करने के लिए कौशल विकास मंत्रालय के लिए 8 कड़ियां तैयार की है तथा फर्नीचर विकास और यांत्रिक कौशलों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भी प्रोत्साहित किया है।

ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग सोसाइटी ने कार्यकर्ताओं को नियुक्त करते हुए बीईएस एक्सपो–2017 में प्रतिभागिता करने के लिए डीयूसीआर को आमंत्रित किया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली

प्रमुख क्रियाकलाप, आयोजन और पहला कदम

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली ने हाल ही में संशोधित अध्यादेश XVI के अनुसार अपने 34 सहायक पुस्तकालयों के माध्यम से प्रदान की जा रही पुस्तकालय और सूचना सेवाओं का नवीकरण करने के लिए विशेष उपाय किए हैं। इसका एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है :

मुद्रण संसाधन : पुस्तकालय प्रणाली ने अनुरक्षण अनुदान से तथा साथ ही बारहवीं योजना के अनुदान से खरीद करते हुए अपने संग्रहण में पुस्तकों के 21,262 खंडों को शामिल किया। 31.03.2017 की स्थिति के अनुसार, कुल खंड संग्रहण 16,53,277 है जिसमें पत्रिकाओं के बांड वॉल्यूम भी शामिल हैं। डीयूएलएस द्वारा वर्तमान में 1,217 पत्रिकाएं सब्सक्राइब की जा रही हैं।

इलेक्ट्रॉनिक संसाधन : डीयूएलएस ने अपने प्रयोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की पहुंच को निरंतर सुदृढ़ बनाने के प्रयासों को जारी रखा है।

विभिन्न विषयों और विषय क्षेत्रों में 48 इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस हैं जो विश्वविद्यालय के प्रयोक्ता समुदाय को उपलब्ध हैं। इनका विवरण इस प्रकार है :

- एबीआई/इंफार्म कंप्लीट
- शैक्षणिक अनुसंधान प्रीमियर
- अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन जर्नल
- अमेरिकन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी
- अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रो–बायोलॉजिस्ट
- एंथ्रोसोर्स
- ब्रिटानिका ऑनलाइन
- बिजनेस सोर्स प्रीमियर
- पूंजीवाद, प्रकृति, समाजवाद
- कैपिटेलिन प्लस
- सीएलए प्लस
- क्रेडो (पूर्व में एक्सरे फेर प्लस)
- इकानोमिक लिट्रेचर
- ई–जूरिक्स
- एमेरेल्ड मैनेजमेंट एक्स्ट्रा
- एन्साइक्लोपीडिया ऑफ साइबर क्राइम
- एन्साइक्लोपीडिया ऑफ लॉ इंफोर्समेंट
- एकोन

- इकानोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली : इंडिया टाइम्स सीरीज़
- ज्योरेफ विद् जियो साइंस वर्ल्ड
- हाउस ऑफ कामंस ब्रिटिश पार्लियामेंट्री पेपर्स
- ह्यूमेनिटीज़ इंटरनेशनल कंप्लीट
- इंडिया स्टैट
- इंडियन जर्नल्स. कॉम
- आईएसआई एर्मेजिंग मार्केट – सीईआईसी एशिया
- लीगल पंडित्स
- लेक्सिक्स नेक्सिक्स
- एलआईएसए
- एलएनसीए
- मेकिंग ऑफ मॉडर्न लॉ
- अनुपत्रा
- नेचर पब्लिशिंग
- न्यू पालग्रेव डिक्शनरी ऑफ इकानोमिक्स
- न्यूयार्क रिव्यू ऑफ बुक्स
- ओम्नीफाइल फुल टेक्स्ट
- ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ऑफ नेशनल बायोग्राफी ऑनलाइन एंड ग्रोव आर्ट ऑनलाइन
- प्रोवेस
- सेज ऑनलाइन
- साइंस डायरेक्ट
- स्कोपस
- सोक इंडेक्स विद फुल टेक्स्ट
- स्टेटमैंस ईयर बुक
- प्रोक्वेस्ट डिसेरटेशन एंड थीसिस फुल टेक्स्ट डाटाबेस
- वेस्टलॉ इंडिया
- वर्ल्ड बैंक ई–लाइब्रेरी
- डब्ल्यूटीओ ई–लाइब्रेरी

- एसएससी, ऑनलाइन
- साइंस ऑनलाइन

श्रवण पुस्तक संसाधन और ब्रेल पुस्तकालय

ब्रेल पुस्तकालय दृष्टिबाधित छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान में सहयोग करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इसके पास 3 श्रवण पुस्तक निर्माणकारी स्टूडियो, 2 उच्च क्षमता वाले ब्रेल एम्बोसर्स तथा 22 नवीनतम कंप्यूटरों का नेटवर्क विभिन्न सॉफ्टवेयरों से लैस हैं, जैसे डेजी सिस्टम, स्पर्श, ओबीआई, पुट्टी, सिगट्यूना, जॉ, डक्सबरी, लीप ऑफिस आदि। इसमें 1,755 श्रवण पुस्तकें, 1,885 ब्रेल पुस्तकें, 1,694 ई–टेक्स आदि उपलब्ध हैं। श्रवण पुस्तकों तथा ई–टेक्स्ट का संपूर्ण संग्रहण पिछले शैक्षणिक वर्ष से डीयूसीसी आईपी रेंज में ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है तथा यह http://bl.du.ac.in पर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से उपलब्ध है। विश्वविद्यालय में नामांकित दृष्टिबाधित छात्रों द्वारा पुस्तकालय का नियमित रूप से प्रयोग किया जाता है। वर्तमान में, पुस्तकालय में नामांकित सदस्यों की संख्या 240 है। ब्रेल पुस्तकालय की वेबसाइट पर उपलब्ध सामग्री को डाउनलोड करने के लिए बड़ी संख्या में हिट्स किए जाते हैं तथा इसने सीडी पर 1314 पुस्तकें परिचालित की है। ब्रेल पुस्तकालय ने दिव्यांग छात्रों के लिए डेजी फॉर्म पर अगस्त, 2016 में एक कार्यशाला का आयोजन भी किया था।

प्रयोक्ता सेवाएं

डीयूएलएस–वेबसाइट : डीयूएलएस–वेबसाइट का प्रचालन किया जा रहा है जिसमें चुनिंदा पुस्तकालयों के कैटलॉग (ओपीएसी) शामिल हैं : ई–रेफरेंसिंग का प्रावधान, ई–जर्नलों की ए–जैड सूची, ऑनलाइन सूचना जागरूकता ट्यूटोरियल्स, विषय पोर्टल, आस्क यूअर लाइब्रेरियन, ओपन एक्सेस रिसोरसेस सहित इलेक्ट्रॉनिक रिसोरसेस तक पहुंच तथा अनेक अन्य प्रयोक्तानुकल सुविधाएं। आज की तारीख तक, वेबसाइट का अवलोकन 6,40,424 प्रयोक्ताओं द्वारा किया जा चुका है।

डिजिटल लाइब्रेरी : पुस्तकालय ने डीयूएलएस में उपलब्ध कॉपीराइट जोन में से 14,386 पुस्तकों को डिजिटलीकृत किया है तथा उन्हें ओपन सोर्स कंटेट मैनेजमेंट सिस्टम अर्थात् 'डी स्पेस' का प्रयोग करते हुए वैश्विक इंटरनेट एक्सेस के लिए वेब पर रखा है। इसके लिए यूआरएल है : http://libary.du.ac.in/dspace. यह इंडिया पोर्टल की डिजिटल लाइब्रेरी में भी उपलब्ध है।

सूचना जागरूकता कार्यक्रम : डीयूएलएस ने 2006 से सूचना जागरूकता कार्यक्रम आरंभ किया है तथा यह इसका नियमित रूप से संचालन कर रहा है। इसने दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और कॉलेजों में कुल 149 सूचना जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए हैं, जिनमें शामिल है : 118 ई–संसाधन अभिमुखीकरण कार्यक्रम, 15 मौके पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 15 सामाजिक अध्ययन में शोध छात्रों के लिए एक–दिवसीय कार्यशालाएं। चालू वर्ष में, डीयूएलएस ने विभागों/कॉलेजों में तथा सम्मेलन केन्द्र में 11 सूचना पुस्तकालय कार्यक्रमों का आयोजन किया। स्नातकोत्तर, अनुसंधान छात्रों और सदस्यों को मिलाकर कुल 742 छात्रों में इन कार्यक्रमों में भाग लिया।

निम्बस : वर्तमान में, दिल्ली विश्वविद्यालय के 1,877 पंजीकृत प्रयोक्ता हैं। पिछले एक वर्ष में निम्बस के माध्यम से 2,229 लॉगइन 5501 सर्चें की गईं और 3,641 लेख डाउनलोड किए गए।

सदृश्यता का पता लगाना : केन्द्रीय पुस्तकालय को छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए अनुसंधान एसाइन्मेंटों में सदृश्यता का पता लगाने का कार्य सौंपा गया है। केन्द्रीय पुस्तकालय ने सदृश्यता का पता लगाने का कार्य दिसम्बर, 2015 में आरंभ किया था तथा कुल 1,954 पीएच.डी. थीसिस और एम.फिल शोध–प्रबंधों तथा अन्य अनुसंधान एसाइनमेंटों को प्रमाणित किया जा चुका है।

दस्तावेज वितरण सेवा : जी–गेट @ यूजीसी इंफोनेट, यूजीसी–इंफोनेट डिजिटल लाइब्रेरी कंसोर्टियम द्वारा सब्सक्राइब किए गए सभी डेटाबेसों के लिए आर्टिकल–स्तरीय पहुंच प्रदान करता है, जिसके तहत इनफ्लिबनेट केन्द्र के इंटर–लाइब्रेरी लोन (आईएलएल) केन्द्रों के रूप में अभिहित 30 विश्वविद्यालय लाइब्रेरियों द्वारा लगभग 5200 ओपन एक्सेस इलेक्ट्रॉनिक जनरल और प्रिंट जर्नलों को सब्सक्राइब किया जाता है। यह इंटरफेस किसी निर्दिष्ट विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध और पहुंच योग्य लेखों को हाइपर लिंक उपलब्ध कराता है ताकि प्रयोक्ता उन लेखों तक पहुंच बना सकें और उन्हें डाउनलोड कर सकें। उन जर्नलों के लेखों के लिए जो इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध नहीं है अथवा किसी निर्दिष्ट विश्वविद्यालय में पहुंच योग्य नहीं हैं, यह इंटरफेस, यथास्थिति, किसी प्रयोक्ता(ओं) से सीधे इनफ्लिबनेट केन्द्र को अथवा किसी भी एक आईएलएल केन्द्र को आईएलएल अनुरोध को सेमी ऑटोमेटिक सृजित करने में सुविधा प्रदान करता है। डीयूएलएस सेवाओं के लिए अभिहित 30 आईएलएल केन्द्रों में से एक है। हमें जी–गेट @ यूजीसी इंफोनेट से निम्नलिखित लाभ प्राप्त होते हैं:

- यह यूजीसी–इंफोनेट डिजिटल लाइब्रेरी कंसोर्टियम के माध्यम से उपलब्ध सभी इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेसों की सिंगल विंडों सर्चिंग उपलब्ध करता है।

- यह 13,290 प्रकाशकों द्वारा पेश किए गए ऑनलाइन उपलब्ध लाखों जर्नल लेखों तक निर्बाध पहुंच उपलब्ध कराता है।

- यह प्रकाशक की वेबसाइटों पर पूर्ण पाठ के लिंकों के साथ 45,339 ई–जर्नलों से इंडेक्स किए गए जर्नल साहित्य के व्यापक डाटाबेस तक पहुंच उपलब्ध कराता है।

- यह लगभग 23,410 मुक्त एक्सेस ई–जर्नलों के पूर्ण पाठों तक एक्सेस उपलब्ध कराता है जिसमें 9,425,618 ओपन एक्सेस वाले लेख हैं।

- डीयूएलएस के 917 प्रिंट जर्नलों के लिए लेख–स्तरीय सर्चिंग।

- डीयूएलएस में दस्तावेज वितरण सेवा के माध्यम से प्रिंट जर्नल लेखों की फोटोकॉपी की उपलब्धता नहीं है।

- प्रिंट जर्नल लेखों की प्रति प्रदान करने के लिए अन्य अभिहित विश्वविद्यालयों को अनुरोध करते हुए दस्तावेज वितरण सेवा का प्रयोग किया जा सकता है।

जी–गेट @ यूजीसी इंफोनेट का अभिहित आईएलएल केन्द्र होने के नाते, डीयूएलएस अनेक उत्तरदायित्वों का निर्वहन भी कर रहा है। यूजीसी इंफोनेट डिजिटल लाइब्रेरी कंसोर्टियम के माध्यम से उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक डाटा बेसों के बदले, जिसका मूल्य 1,00,000/– रुपए है, डीयूएलएस समूचे भारत में स्कॉलरों को जी–गेट @ यूजीसी इंफोनेट के माध्यम से अनुरोध किए गए लेखों की फोटोकापियों की आपूर्ति करने के उत्तरदायित्व को भी निभाता है। एक विशाल संगठन होने के नाते डीयूएलएस जिसके पास प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक सूचना विषय–वस्तु का एक विशाल संग्रहण है, अधिकांशतः अपने प्रयोक्ताओं की सूचना संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। अतः अन्य विश्वविद्यालयों के डीयूएलएस प्रयोक्ताओं की

ओर से लेखों की फोटोप्रतियों के लिए अत्यंत कम अनुरोध प्राप्त होते हैं। तथापि, एक आईएलएल केन्द्र के रूप में डीयूएलएस लेखों की फोटोप्रतियों की नियमित रूप से आपूर्ति करता है। हमारे स्कॉलरों से प्राप्त केवल 708 अनुरोधों की तुलना में डीयूएलएस को अन्य संस्थाओं के स्कॉलरों के 7,210 अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

मानव संसाधन

'पुस्तकालयों में कंप्यूटरों के प्रयोग' पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए केन्द्रीय पुस्तकालय में सृजित की गई प्रशिक्षण सुविधा के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर केन्द्र के संसाधन विशेषज्ञ की सहायता से विश्वविद्यालय और कॉलेज पुस्तकालयों के पुस्तकालय कर्मियों के लाभ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप : डीयूएलएस ने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में निष्णात कार्यक्रम के छात्रों को 7500/– रुपए प्रतिमाह की दर पर ग्रीष्मकालीन इंटर्न के रूप में कार्य करना जारी रखा है। इस अवधि के दौरान 13 छात्रों को विभिन्न पुस्तकालयों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

संगोष्ठियां/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रदर्शनियां

डॉ. धर्मवीर सिंह ने 10 जुलाई से 15 जुलाई 2016 तक हांगजोऊ, जेजियांग (चीन) में 'डिजिटल पब्लिशिंग एवं डिजिटल लाइब्रेरीज़ का एकीकृत विकास पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. नरेन्द्र कुमार (उप पुस्तकालयाध्यक्ष डीयूएलएस)

ग्रंथसूची साइटेशन : एमएलए साइटेशन शैली दिल्ली विश्वविद्यालय में अभिमुखीकरण कार्यक्रम, 6 दिसम्बर, 2016.

प्लाग्रिज़्म गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 13 सितम्बर, 2016.

ई–संसाधनों को कैसे सर्च करें. गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 13 सितम्बर, 2016.

नेटवर्किंग राष्ट्रीय विषाणुविज्ञान संस्थान, पुणे में आईसीएमआर प्रयोगशालाओं में कार्य कर रहे पुस्तकालय वृत्तिकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 11 अगस्त, 2016.

पुस्तकालय स्वचालन राष्ट्रीय विषाणुविज्ञान संस्थान, पुणे में आईसीएमआर प्रयोगशालाओं में कार्य कर रहे पुस्तकालय वृत्तिकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 12 अगस्त, 2016.

पुस्तकालय वृत्तिकों के समक्ष चुनौतियां, सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 26 जून, 2016.

डॉ. तारिक अशरफ (उप पुस्तकालयाध्यक्ष एसडीसीएल)

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय में 12–15 मार्च, 2016 तक आयोजित 61वें आईएलए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'प्रौद्योगिकी, अभिनवता और मूल्यवर्धित सेवाओं के माध्यम से उत्कृष्टता रूपांतरित करने वाले पुस्तकालयों को संपोषित करना' विषय पर वार्ता के लिए आमंत्रित।

एशियाई लाइब्रेरी एसोसिएशन और भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर द्वारा 14–16 अप्रैल, 2016 को संयुक्त रूप से आयोजित ''डिजिटल शासन अभिनवता, सूचना और पुस्तकालय'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभागिता।

दिल्ली कॉलेज ऑफ ऑर्ट्स एंड कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 22 अप्रैल, 2016 को 'ई–संसाधनों का प्रयोग' पर कार्यशाला।

इंस्टिट्यूट ऑफ होम इकानॉमिक, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 04 मई, 2016 को 'इलेक्ट्रॉनिक परिवेश में ई–संसाधनों का प्रयोग तथा अनुसंधान प्रबंधन पर कार्यशाला।

आईसीडीएल में 16 दिसम्बर, 2016 को 'अनुसंधान प्रभाव को प्रबंधित और इष्टतम करना' पर वार्ता में भाग लिया।

एशियाई पुस्तकालय एसोसिएशन तथा फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान द्वारा फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान परिसर, नोएडा में शनिवार, 25 मार्च, 2017 को संयुक्त रूप से 'प्रिंट से डिजिटल तक : नव–सूचना परिवेश में पुस्तकालयों का प्रबंधन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

प्रकाशन

कुमार एन. एवं कुमार एल. (2016). एयर इंक्रीजिंग कॉस्ट ऑफ नॉलेज : चैलेंजेज फॉर लाइब्रेरीज़ फॉर इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेस : ए केस स्टडी. *डीईएसआईडीओसी जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन टेक्नालॉजी,* 36(6).

कुमार एन. (2016). बैरियर्स इन एक्सेसिंग इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज़ इन लाइब्रेरीज़. *डिजिटल भारत का निर्माण : पुस्तकालयों और सूचना के माध्यम से क्षमताओं का संवर्धन पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियां,* 47–52. आईएसबीएन : 9789382059523.

कुमार एन. (2016). सस्टेनेबिलिटी ऑफ इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज़ सब्सक्रिप्शन : फ्यूचर टेंस. *डिजिटल शासन : अभिनवता, सूचना और पुस्तकालयों पर भारतीय प्रबंध संस्थान, इंदौर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियां,* 397–402. आईएसबीएन : 978–93–5258–425–3.

डॉ. तारिक अशरफ

सह–संपादक : डिजिटल शासन : अभिनवता, सूचना और पुस्तकालय, नई दिल्ली एशियाई पुस्तकालय एसोसिएशन, 2016.

सह–संपादक : डिजिटल शासन : अभिनवता, सूचना और पुस्तकालय, नई दिल्ली. सिनर्जी बुक्स प्रा. लि. 2016.

सह–संपादक : डिजिटल भारत का निर्माण : पुस्तकालय और सूचना के माध्यम से क्षमताओं का संवर्धन, नई दिल्ली सिनर्जी बुक्स प्रा.लि. 2016.

संपादक : इंटर–डिसिप्लिनरी डिजिटल प्रिजर्वेशन टूल्स एंड टेक्नालाजीज़, न्यूयार्क सूचना विज्ञान संदर्भ © 2017, पृष्ठ 281.

सह–संपादक : 62वें आईएलए सम्मेलन की कार्यवाहियां 'गीयरिंग अप फॉर दि फ्यूचर लाइब्रेरीज़ इनिशिएटिव्स फॉर डिजिटल इंडिया', नई दिल्ली, आईएलए, 2017, पृष्ठ 1047.

सह–संपादक : फ्रॉम प्रिंट टु इलेक्ट्रॉनिक मैनेजिंग लाइब्रेरीज़ इन न्यू इंफार्मेशन इन्वायर्नमेंट, नई दिल्ली, सिनर्जी बुक्स प्रा. लि., 2017, पृष्ठ 225.

अन्य प्रमुख पुस्तकालयों में क्रियाकलाप

केन्द्रीय पुस्तकालय (आट्र्स पुस्तकालय सहित) : केन्द्रीय पुस्तकालय (आट्र्स पुस्तकालय सहित) पिछले वित्तीय वर्ष में 3,744 खंडों के संग्रहण को शामिल करने में समर्थ रहा जिसकी सदस्यता 4,174 प्रयोक्ता है तथा 41,492 पुस्तकों का परिचालन है। यह पुस्तकालय अपने छात्रों और शिक्षकों को साहित्य–चोरी जांच सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। अनुसंधान कार्य की जांच करने तथा समान रिपोर्टों को तैयार किए जाने को रोकने के लिए प्रशिक्षित कर्मियों के साथ एक समर्पित डेस्क स्थापित किया गया है। पुस्तकालय में उपलब्ध किसी मद को ढूंढने के लिए पुस्तकालय के भूतल में स्थापित ओपीएसी में कंप्यूटर को लॉगआन करना पड़ता है तथा किसी एक अथवा समस्त फील्ड के पदबंध को प्रविष्ट करते हुए मद को सर्च करना होता है। केन्द्रीय पुस्तकालय में अनुसंधान तल पर अनुसंधान स्कालरों के अनन्य प्रयोग के लिए उपलब्ध कराई गई इंटरनेट एक्सेस सुविधा का प्रयोग नियमित रूप से प्रतिदिन औसतन 25–30 स्कालरों द्वारा किया जाता है।

केन्द्रीय विज्ञान पुस्तकालय : केन्द्रीय विज्ञान पुस्तकालय पिछले वित्तीय वर्ष में 1,484 खंडों के संग्रहण को शामिल करने में समर्थ रहा है जिसकी सदस्यता 3,430 प्रयोक्ता है और परिचालन 2,55,000 पुस्तकों का है। पुस्तकालय में विभिन्न आईटी संबंधी सेवाओं के लिए आईटी संरचना का एक उत्कृष्ट सेटअप है। पुस्तकालय ने सूचना जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन जारी रखा है तथा इंटरनेट एक्सेस सुविधा, इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के लिए सब्सक्रिप्शन लेखों की डाउनलोडिंग आदि, प्रयोक्ताओं के लिए लाइव ऑनलाइन प्रदर्शन, ई–लेखों की डाउनलोडिंग आदि, अन्वेषण तकनीकों के आधार पर लेख अलर्ट और सूचना की प्राप्ति, नई सूचना के बारे में संकाय सदस्यों को ई–मेल अलर्ट आदि प्रदान करने की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई हैं। पुस्तकालय विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी के समस्त संकाय–सदस्यों के प्रयोक्ताओं को सेवाएं प्रदान करने में समर्थ रहा है। पुस्तकालय ने जेसीसी के माध्यम से देश में विभिन्न पुस्तकालयों से बड़ी संख्या में दस्तावेज/लेख प्राप्त किए तथा उन्हें इन लेखों का प्रेषण भी किया। कंप्यूटरीकृत सेवाओं का संवर्धन करने के लिए बड़ी संख्या में कंप्यूटरों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को शामिल किया गया है जिनमें लेज़र प्रिंटर, एलसीडी प्रिंटर स्कैनर आदि भी शामिल हैं। इसमें सीडी और डीवीडी पर पुस्तकें भी हैं।

रतन टाटा पुस्तकालय : यह पुस्तकालय वित्तीय वर्ष के दौरान 1,259 खंडों के संग्रहण को शामिल करने में समर्थ रहा है तथा इसकी सदस्यता संख्या लगभग 1,944 है। आरटीएल ने विभिन्न संसाधनों की एक्सेस हासिल करने के लिए 105 टर्मिनलों के साथ और एक हार्ड एंड वर्सर के माध्यम से अपनी कंप्यूटिंग सुविधा को संवर्धित किया है तथा यह एक विशिष्ट ई–पुस्तकालय में परिवर्तित हो गया है। पुस्तकालय ने अधिक मूल्यवर्धनों के साथ अपनी वेबसाइट को भी अद्यतन बनाया है। ई–संसाधनों के विशेष संदर्भ के साथ विभिन्न विभागों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम भी संचालित किए गए हैं।

दक्षिणी दिल्ली परिसर : दक्षिणी दिल्ली परिसर पुस्तकालय पिछले वित्तीय वर्ष में 2,657 खंडों का संकलन शामिल करने में समर्थ रहा है तथा इसके सदस्यों की संख्या 1,428 प्रयोक्ता है तथा लगभग 24,590 पुस्तकों का परिचालन है। पुस्तकालय का कुल संग्रहण लगभग 2 लाख है जिसमें पुस्तकें, जिल्दबंद जर्नल और सीडी–रोम आदि शामिल हैं। पुस्तकों के साथ प्राप्त होने वाली सीडी को भी सीडी सर्वर के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। लगभग 150 प्रिंट जर्नलों तथा पत्रिकाओं के 25,000 बैक वॉल्यूमों का सब्सक्रिप्शन लिया गया है तथा यह पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत है। पुस्तकालय की समस्त सुविधाएं स्वचालित हैं तथा उन्हें व्यापक आईसीटी आधारित अनुप्रयोगों के माध्यम से संचालित किया जाता है। पुस्तकालय

के क्रियाकलापों जैसे सर्कुलेशन–इशू–रिटर्न, अनुस्मारक, सदस्यता, अर्जन–आदेश और बिलिंग, सीरियल कंट्रोल, ओपीएसी को ट्रूडन लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम का प्रयोग करते हुए एक पूर्णतः स्वचालित परिवेश में संचालित किया जाता है। समस्त पुस्तकालय को सुरक्षा और निगरानी दोनों ही प्रयोजनों से सीसीटीवी द्वारा कवर किया गया है। पुस्तकालय ने अपनी वेबसाइट का उन्नयन किया है, ई–संसाधन केन्द्र स्थापित किया है, पुस्तकालय में पर्याप्त संकेत लगाए हैं, पुस्तकों की बार कोडिंग का कार्य पूर्ण किया है तथा परिबोधन कार्यक्रमों का आयोजन किया है। पुस्तकालय के डिजिटल कलेक्शन में सीडी–रोम, अनुपूरक अध्ययन सामग्री तथा पूर्व वर्ष के प्रश्न–पत्र शामिल हैं। प्रयोक्ताओं को सेवाएं प्रदान करने के लिए एक समर्पित संदर्भ डेस्क भी स्थापित किया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक सह–शिक्षा माध्यमिक विद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक सह–शिक्षा माध्यमिक विद्यालय निकटवर्ती क्षेत्र में एक जाने–माने विद्यालय के रूप में अपनी साख अर्जित कर रहा है। यह ब्लॉक–सी, मॉरिस नगर, दिल्ली–07 के आवासीय क्षेत्र के मध्य में स्थित है। स्वैच्छिक कार्यकर्ता महिला संगठन की महिलाओं के छोटे समूह ने वर्ष 1945 में यह विद्यालय आरंभ किया था। वस्तुतः उन्होंने यह सौम्य शुरुआत स्वतंत्रता से पूर्व के भारत में सर मौरिस ग्वेयर के प्रोत्साहन से की थी। 1964 से इस विद्यालय को दिल्ली सरकार द्वारा 95 प्रतिशत और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 9 प्रतिशत सहायता प्राप्त हो रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो. मुनीस रज़ा के कार्यकाल के दौरान अपनी स्वयं की निधियों से इस विद्यालय के लिए एक आधुनिक भवन मुहैया कराया था जिसका रख–रखाव दिल्ली विश्वविद्यालय के इंजीनियरी विभाग द्वारा किया जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय इसे संविदात्मक कर्मचारियों और अवसंरचना सुविधाओं के लिए प्रतिवर्ष 12–15 लाख की अतिरिक्त सहायता भी मुहैया कराता है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने विद्यालय के समीप हमें प्रोफेसर क्वार्टर सी–4 भी उपलब्ध कराया है। कुछ प्राथमिक कक्षाओं को उस भवन में स्थानांतरित किया गया है। वर्ष 2003 में स्कूल का उन्नयन करते हुए इसे 8वीं से 10वीं कक्षा तक कर दिया गया।

विद्यालय के प्रबंध समिति में 12 सदस्य हैं, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा नामित 5 प्रोफेसर, 1 कार्यकारिणी के सदस्य, 2 दिल्ली सरकार द्वारा नामित, 3 विद्यालय द्वारा नामित तथा 1 सदस्य अभिभावक–शिक्षण संघ की ओर से। वर्तमान प्रबंध समिति के सदस्य इस प्रकार हैः

1. प्रो. वसंत शर्मा (अंग्रेजी विभाग, डीसीएसी) – अध्यक्ष
2. प्रो. नज़मा सिद्दीकी (पूर्व प्रमुख एवं डीन, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय)
3. श्री अनुराग शौकनी (सचिव/कार्यकारिणी समिति के सदस्य)
4. प्रो. नमिता रंगनाथन (सहायक प्रबंधक)
5. प्रो. शोभा बगई (सदस्य)
6. प्रो. अनिता शर्मा (सदस्य)
7. डॉ. गरिमा भारती (विद्यालय प्रमुख)
8. श्री जे.पी.एस. तोमर (प्रधानाचार्य, जीबीएसएसएस सं. 2, रूप नगर) डीई नामिती
9. श्रीमती सीमा कुमारी (उप–प्रधानाचार्य, जीजीएसएस बुराड़ी) एमसी के सलाहकार मंडल की सदस्य
10. श्रीमती नीलम मेंदीरत्ता (स्टाफ प्रतिनिधि)
11. श्रीमती विभा शर्मा (स्टाफ प्रतिनिधि)

12. श्री मनोज कुमार (पीटीए सचिव)

विद्यालय में डॉ. गरिमा भारती (विद्यालय प्रमुख) हैं तथा साथ ही 6 टीजीटी, 6 सहायक शिक्षक, 1 योग शिक्षक, 1 पीटीआई, 1 चपरासी, 2 चौकीदार हैं तथा संविदा आधार पर 1 कार्यालय सहायक, 1 पुस्तकालय शिक्षक, 2 प्राथमिक शिक्षक, 1 आईटी सहायक, 1 कंप्यूटर शिक्षक और 2 सफाई कर्मचारी (संविदा अथवा दिहाड़ी आधार पर) हैं।

शैक्षणिक सत्र 2016–17 के दौरान संचालित किए गए विभिन्न शैक्षणिक और शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों का विवरण

विद्यालय में छात्रों की संख्या लगभग 600 है। हमें प्रसन्नता है कि यह क्षेत्र के एक अच्छे विद्यालय के रूप में उभर रहा है। दसवीं कक्षा में 100 प्रतिशत परिणाम के साथ यह विद्यालय पूरी क्षमता के साथ सफलता के पथ पर अग्रसर है जो इसके दसवीं के सीबीएसई परिणाम से भी परिलक्षित होता है। इस परीक्षा में प्रत्येक छात्र अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुआ है। किसी भी छात्र को 'डी' से कम ग्रेड नहीं प्राप्त हुआ है। यह एक अच्छी उपलब्धि है। अतः पिछले 5 वर्षों से विद्यालय में छात्रों के नामांकन में नियमित रूप से वृद्धि हो रही है, परंतु स्थान के अभाव में हम अधिक छात्रों को प्रवेश नहीं दे सकते हैं। हमने विश्वविद्यालय से एक अतिरिक्त भवन के लिए अनुरोध किया है, जिस पर कार्रवाई चल रही है। सत्र 2016–17 के दौरान निम्नलिखित समारोह आयोजित किए गएः

1. अप्रैल माह में पृथ्वी विज्ञान सप्ताह
2. स्वतंत्रता दिवस
3. वार्षिक दिवस
4. वन महोत्सव
5. गांधी जयंती
6. बाल दिवस
7. रेडक्रॉस दिवस
8. 26 नवम्बर से 25 जनवरी तक संविधान दिवस
9. क्रिसमस
10. गणतंत्र दिवस
11. सरस्वती पूजा
12. 23.03.2016 को भगत सिंह शहीदी दिवस

विद्यालय को संविदात्मक कर्मियों के मानदेय तथा अवंसरचना सुविधाओं के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से 12 लाख रुपए का अनुदान भी प्राप्त हुआ।

कार्यशालाएं और संगोष्ठियां

अभिभावकों को अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने तथा बच्चों की शिक्षा में उनकी अहम भूमिका के लिए परामर्श भी दिया गया।

हमारा विद्यालय सह–शिक्षा विद्यालय है, जहां 10–15 वर्ष के आयु–वर्ग के बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं। सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की सहायता से बालिकाओं के लिए मार्गदर्शन और परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विद्यालय ने छात्रों के मध्य प्राकृतिक आपदाओं, जैसे भूकंप के प्रति जागरूकता का सृजन करने के लिए एक मॉक ड्रिल भी संचालित की।

हमारे विद्यालय ने विधिक साक्षरता दिवस के अवसर पर 'विधिक साक्षरता' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

छात्रों ने गांधी जी के शहीदी दिवस पर 'गांधी भवन' में आयोजित कार्यक्रम में भी भाग लिया।

विद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के 'पुष्प प्रदर्शनी' में भाग लिया तथा पुरस्कार जीते।

विद्यालय ने शिक्षा निदेशालय तथा अन्य शैक्षणिक संगठनों के विभिन्न क्रियाकलापों में भी प्रतिभागिता की। जैसे–खेल, योग, चित्रकला और वाद–विवाद प्रतियोगिता। छात्रों को बाहर पिकनिक पर भी ले जाया गया। उन्होंने विभिन्न अंतर्विद्यालयी क्रियाकलापों में भी प्रतिभागिता की जैसे खेल, योग, वाद–विवाद, चित्रकला आदि तथा राष्ट्रीय पुरस्कार (ताइक्वांडो) भी जीते। छात्रों ने जोनल प्रतियोगिता में भी भाग लिया।

खेल के मैदान के प्रावधान के लिए हमारे अनुरोध को अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है परंतु हम यह विनम्रतापूर्वक कहना चाहते हैं कि छात्रों के विकास के लिए यह एक आधारभूत आवश्यकता है तथा विद्यालय को संबद्धता प्रदान करने के लिए सीबीएसई द्वारा निर्धारित की गई शर्त भी है। हमें छात्रों की संख्या में वृद्धि करने के लिए अतिरिक्त स्थान की अविलंब आवश्यकता है।

विद्यालय, विद्यालय के माध्यमिक खंड के लिए सहायतानुदान जारी करने के दिल्ली सरकार के निर्णय की उत्सुकता के साथ प्रतीक्षा कर रहा है। इस दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय विद्यालय, के माध्यमिक खंड के व्यय के लिए पर्याप्त सहयोग दे रहा है। विद्यालय की प्रबंध समिति आपके सतत सहयोग के लिए आभारी है।

विद्यालय की उपलब्धियां

हमारा विद्यालय एक प्रगतिशील विद्यालय है तथा क्षेत्र के श्रेष्ठ विद्यालयों में से एक है। हमने निम्नलिखित क्षेत्रों में अपने लक्ष्यों को प्राप्त किया है तथा अभिनव योजनाओं के साथ हम भविष्य की योजना तैयार कर रहे हैं।

शैक्षणिक उपलब्धियां

परिणाम : कक्षा x (सीबीएसई संबद्ध) वर्ष 2011–12, 2012–13, 2013–14, 2014–15, 2015–16 के दौरान 100 प्रतिशत (पिछले पांच वर्षों का परिणाम पहले ही प्रस्तुत कर दिया गया है)।

शिक्षणेत्तर क्रियाकलाप जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अंतर और अंतरा हाउस प्रतियोगिताएं

जोनल स्तर की प्रतियोगिताएं :

हिंदी निबंध लेखन : अमन अवस्थी, संजना (कक्षा x)

अंग्रेजी वाचन : कनिष्ठ बाल वर्ग से अरुण ने तृतीय स्थान तथा वरिष्ठ बालक वर्ग से अमन अवस्थी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

लोक नृत्य – भांगड़ा (बालक) : 19 छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विज्ञान प्रदर्शनी : 4 छात्र अगले स्तर के लिए अर्हक बने।

विज्ञान प्रश्नोत्तरी : 3 छात्र

राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी : अरुण (कक्षा– VII) – अगले स्तर के लिए अर्हक

विज्ञान नारा – 3 छात्र

विज्ञान मॉडल – 2 छात्र

विज्ञान पोस्टर – विशाल– X, शिवम– V

साइंसटून – मो. जैद (कक्षा– IX)

वाल्ड विज़्डम प्रश्नोत्तरी : 2 छात्र

एसयूपीडब्ल्यू (जोन स्तर) : अगले स्तर के लिए अर्हता आदित्य और प्रेरणा (कक्षा VIII), नम्र सुजाता (कक्षा VIII)

अंग्रेजी नारा लेखन : शिवानी X, खुशी– VIII

हिंदी घोषणा : अनमोल – VIII

अंग्रेजी निबंध लेखन : 3 छात्र

हिंदी नारा लेखन : 4 छात्र

हिंदी वाचन : मुक्ता (कक्षा VI), प्रथम स्थान, हिमाद्री (कक्षा IX)

ऑन द स्पॉट पोस्टर/पेंटिंग प्रतियोगिता : 4 छात्र

बैडमिंटन : कनिष्ठ बालिका – 3 बालिकाएं

एथलेटिक्स (अंडर 14) : बालक – 4

आरटीई अधिनियम, 2009 के अनुसार शिक्षा के महत्व के बारे में जन–जागरूकता के लिए विद्यालय द्वारा सामाजिक क्रियाकलाप संचालित किए गए।

समुदाय कल्याण के लिए संपर्क कार्यक्रम

नई दिशा–सही दिशा

प्रवासी कल्याण

विश्वविद्यालय के क्रियाकलापों में प्रतिभागिता : पुष्प प्रदर्शनी प्रतियोगिता, वाइस–रीगल लॉज, उत्तरी परिसर में 23 मार्च को शहीदी दिवस का आयोजन

गांधी भवन में 30 जनवरी को शहीदी दिवस समारोह।

हमारे छात्रों में मूल्यों के बारे में जागरूकता का प्रसार करने के लिए विभिन्न एनजीओ के साथ भागीदारी

- एफआरएनवी ने नई दिशा–सही दिशा के साथ भागीदारी की।
- भारतीय साथी संगठन ने हमारे शिक्षकों को शील्डें तथा छात्रों को स्वेटर और अध्ययन सामग्री (ज्यामिती बॉक्स, रजिस्टर, पाउच, शब्दकोश आदि) प्रदान की तथा प्रतियोगियों को 1500/– रुपए का नकद पुरस्कार दिया।
- इनर व्हील ने हमें रिफ्रेशमेंट प्रदान की तथा हमारे नर्सरी विंग को 'उड़ान' के रूप में चुना।

हमारे छात्रों द्वारा रामायण के सुर साधना कार्यक्रम में प्रतिभागिता की गई।

हमारी विद्यालय प्रमुख को भारतीय मानवाधिकार संस्थान द्वारा 10 दिसम्बर को मानवाधिकार पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अभिभावक परिबोधन कार्यक्रम तथा अन्य कार्यक्रम नियमित आधार पर पीटीएम

विद्यालय छोड़ने वाला कोई छात्र नहीं, छात्रों को बुलाने के लिए शिक्षक घर–घर जाते हैं।

बालिकाओं और उनकी माताओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता पर जागरूकता प्रदान की गई।

विधिक साक्षरता कार्यक्रम मासिक आधार पर आयोजित किए जाते हैं।

शिक्षकों के शिक्षण के लिए संगोष्ठी तथा कंप्यूटर लर्निंग पर कार्यशाला।

सांस्कृतिक कार्यक्रम :

- पृथ्वी दिवस 22.4.2016
- स्वतंत्रता दिवस 15.8.2016
- अगस्त माह में वन महोत्सव
- गांधी जयंती 2.10.2016
- बाल दिवस 14.11.2016
- संविधान दिवस 26.11.2016
- वार्षिक दिवस 8.12.2016
- क्रिसमस दिवस 25.12.2016

- गणतंत्र दिवस 26.1.2017
- सरस्वती पूजा।

दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद

प्रमुख क्रियाकलाप

प्रो. सी.एस. दुबे की अध्यक्षता में दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद अंतर–कॉलेज टूर्नामेंट पुरुषों और महिलाओं के लिए 53 खेलों/क्रीड़ाओं में आयोजित किए गए जिसके उपरांत कोचिंग कैंप लगाए गए और पुरुष एवं महिला श्रेणी के उत्तर जोन के लिए तथा अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय टूर्नामेंटों के लिए खिलाड़ियों का चयन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय ने उत्तर जोन में तथा एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज़ द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय टूर्नामेंटों में (महिला एवं पुरुष) 64 खेलों में भाग लिया (अनबंध–I)। कुल 682 खिलाड़ियों (पुरुष/महिला) ने उत्तर जोन तथा अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय टूर्नामेंटों में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

उत्कृष्ट सम्मान/विशिष्टयां

दिल्ली विश्वविद्यालय के तीन (03) छात्रों सुश्री अपूर्वी चंदेला (निशानेबाजी), सुश्री मनिका बत्रा (टेबल टेनिस) तथा श्री ललित माथुर (एथलेटिक्स) ने रियो ओलम्पिक 2016 में देश का प्रतिनिधित्व किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दस (10) खिलाड़ियों ने सितम्बर, 2016 में वीडगोस्ज़ेज (पोलैंड) में आयोजित छठी विश्व यूनिवर्सिटी निशानेबाजी खेल प्रतियोगिता में भारतीय विश्वविद्यालय दल का प्रतिनिधित्व किया। इनके नाम हैं :

1. श्री ईशान गोयल
2. सुश्री दिलरीन गिल
3. सुश्री अदिति सिंह
4. श्री राहुल खत्री
5. सुश्री संजना सेहरावत
6. श्री युवराज कुमार महाजन
7. श्री अर्जुन मान
8. सुश्री महिमा कुमार महाजन
9. सुश्री सजनीत कौर रेहाल
10. सुश्री सर्वेश्वरी कुमारी

छठे विश्वविद्यालयी निशानेबाजी खेल प्रतियोगिता 2016 में उनकी उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

1. सुश्री दिलरीन गिल ने 10 मीटर एयर राइफल टीम (महिला) में स्वर्ण पदक जीता।
2. सुश्री संजीत कौर रेहाल ने ट्रैप टीम (महिला) में रजत पदक जीता।

3. सुश्री महिमा कुमार महाजन ने ट्रैप टीम (महिला) में रजत पदक जीता।

4. सुश्री सर्वेश्वरी कुमारी ने स्टिक टीम (महिला) में कांस्य पदक जीता।

5. श्री युवराज कुमार महाजन ने ट्रैप टीम (पुरुष) में कांस्य पदक जीता।

पचहत्तर (75) खिलाड़ियों ने उत्तर जोन तथा अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय टूर्नामेंटों (पुरुष एवं महिला) में स्वर्ण पदक जीत कर दिल्ली विश्वविद्यालय का नाम रोशन कियाः– बैंडमिंटन (महिला), शतरंज (पुरुष), शतरंज (महिला), क्रिकेट (पुरुष), डाइविंग (महिला), जूडो (महिला), शूटिंग (पुरुष एवं महिला), स्क्वैश रैकेट (पुरुष), तैराकी (महिला), टेबल टेनिस (पुरुष एवं महिला), ताइक्वांडो (पुरुष), टेनिस (महिला)

एक सौ छब्बीस (126) खिलाड़ियों ने उत्तर जोन तथा अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय टूर्नाटमेंट में रजत पदक जीतेः– तीरंदाजी (महिला), एथलेटिक (महिला), बैंडमिंटन (महिला), बास्केटबॉल (पुरुष), बाक्सिंग (महिला), क्रिकेट (पुरुष), डाइविंग (महिला), फुटबॉल (महिला), गटका (पुरुष), जिम्नास्टिक्स (पुरुष), जूडो (महिला), निशानेबाजी (पुरुष एवं महिला), टेबल टेनिस (महिला), वेट लिफ्टिंग (महिला), पावर लिफ्टिंग (महिला), कुश्ती (पुरुष), योग (महिला)।

एक सौ पन्द्रह (115) खिलाड़ियों ने उत्तर जोन तथा अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय में कांस्य पदक जीते अर्थात एथलेटिक (महिला), बॉस्केटबॉल (महिला), बॉस्केटबॉल (पुरुष), मुक्केबाजी (पुरुष), क्रिकेट (महिला), शतरंज (महिला), कोफबॉल (मिश्रित), गटका (महिला), जिम्नास्टिक्स (महिला), निशानेबाजी (पुरुष एवं महिला), स्क्वैश रैकेट (पुरुष), तैराकी (पुरुष एवं महिला), टेनिस (पुरुष), कुश्ती (महिला) (अनुबंध–II)।

अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय टूर्नामेंट 2016–17 में टीम चैंपियनशिप के परिणाम इस प्रकार हैं:

- दिल्ली विश्वविद्यालय की निशानेबाजी (पुरुष एवं महिला) टीम ने अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय शूटिंग चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला) 2016–17 में रजत पदक प्राप्त किया।

- दिल्ली विश्वविद्यालय की जिमनास्टिक टीम (महिला) ने अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय जिमनास्टिक चैंपियनशिप 2016–17 में कांस्य पदक प्राप्त किया तथा जिमनास्टिक (पुरुष) टीम ने भी कांस्य पदक प्राप्त किया।

- दिल्ली विश्वविद्यालय की तीरंदाजी टीम (महिला) ने अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय तीरंदाजी (पुरुष एवं महिला) चैंपियनशिप 2016–17 में आर्चरी कंपाउंड में स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा तीरंदाजी (महिला) टीम ने आर्चरी रीकर्व में रजत पदक प्राप्त किया।

- दिल्ली विश्वविद्यालय की गटका टीम (महिला) ने अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय गटका (पुरुष एवं महिला) चैंपियनशिप में सिंगल स्टिम इवेंट में स्वर्ण पदक तथा गटका टीम (पुरुष) ने संगल स्टिक इवेंट में कांस्य पदक प्राप्त किया।

अंतर–महाविद्यालय टूर्नामेंट 2016–17

क्रम सं.	खेल क्रीड़ा का नाम (पुरुष टीमें)	क्रम सं.	खेल क्रीड़ा का नाम (महिला टीमें)
1.	तीरंदाजी	1.	तीरंदाजी

2.	एथलेटिक्स	2.	एथलेटिक्स
3.	बैंडमिंटन	3.	बैंडमिंटन
4.	बॉल बैंडमिंटन	4.	बॉल बैंडमिंटन
5.	बेसबॉल	5.	बेसबॉल
6.	बॉस्केटबॉल	6.	बॉस्केटबॉल
7.	मुक्केबाजी	7.	मुक्केबाजी
8.	शतरंज	8.	शतरंज
9.	क्रिकेट	9.	क्रिकेट
10.	क्रांस कंट्री	10.	क्रांस कंट्री
11.	फुटबॉल	11.	फुटबॉल
12.	हैंडबॉल	12.	हैंडबॉल
13.	हॉकी	13.	हॉकी
14.	जूडो	14.	जूडो
15.	कबड्डी	15.	कबड्डी
16.	कोफबॉल	16.	खो–खो
17.	नेटबॉल	17.	नेटबॉल
18.	पावर / वेट लिफ्टिंग / श्रेष्ठ शारीरिक सौष्ठव	18.	पावर / वेट लिफ्टिंग
19.	निशानेबाजी	19.	निशानेबाजी
20.	सॉफ्टबॉल	20.	सॉफ्टबॉल
21.	स्क्वैश रैकेट	21.	टेबल टेनिस
22.	टेबल टेनिस	22.	ताइक्वांडो
23.	ताइक्वांडो	23.	टेनिस
24.	टेनिस	24.	बालीबॉल
25.	बालीबॉल	25.	कुश्ती
26.	कुश्ती	26.	योग
27.	योग		

दिल्ली विश्वविद्यालय पुरुष एवं महिला खेल दलों ने निम्नलिखित उत्तर जोन तथा अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय टूर्नामेंटों में भाग लिया।

क्रम सं.	खेल क्रीड़ा का नाम (पुरुष टीमें)	क्रम सं.	खेल क्रीड़ा का नाम (महिला टीमें)
1.	एक्वैटिक्स	1.	एक्वैटिक्स
2.	तीरंदाजी	2.	तीरंदाजी
3.	एथलेटिक्स	3.	एथलेटिक्स
4.	बैंडमिंटन	4.	बैंडमिंटन
5.	बॉल बैंडमिंटन	5.	बॉल बैंडमिंटन
6.	बेसबॉल	6.	बेसबॉल
7.	बॉस्केटबॉल	7.	बॉस्कटेबॉल
8.	मुक्केबाजी	8.	मुक्केबाजी
9.	शतरंज	9.	शतरंज
10.	क्रिकेट	10.	क्रिकेट
11.	क्रांस कंट्री	11.	क्रांस कंट्री
12.	फेंसिंग	12.	साइकिलिंग
13.	फुटबॉल	13.	फेंसिंग
14.	गटका	14.	फुटबॉल
15.	जिमनास्टिक	15.	गटका
16.	हैंडबॉल	16.	जिमनास्टिक
17.	हॉकी	17.	हैंडबॉल
18.	जूडो	18.	हॉकी
19.	कबड्डी	19.	जूडो
20.	कोफबॉल (मिश्रित)	20.	कबड्डी
21.	खो–खो	21.	खो–खो
22.	नेटबॉल	22.	नेटबॉल
23.	पावर/वेट लिफ्टिंग/श्रेष्ठ शारीरिक सौष्ठव	23.	पावर/वेट लिफ्टिंग
24.	निशानेबाजी	24.	निशानेबाजी
25.	सॉफ्टबॉल	25.	सॉफ्टबॉल

26.	स्क्वैश रैकेट	26.	स्क्वैश रैकेट
27.	टेबल टेनिस	27.	टेबल टेनिस
28.	ताइक्वांडो	28.	ताइक्वांडो
29.	टेनिस	29.	टेनिस
30.	बालीबॉल	30.	बालीबॉल
31.	कुश्ती	31.	कुश्ती
32.	योग	32.	योग

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन (डीयूडब्ल्यूए) एक सामाजिक कल्याण संगठन है तथा इसे संघ राज्य क्षेत्र पर यथाविस्तारित सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का XXI) के अंतर्गत 31 अक्तूबर, 1964 को रजिस्ट्रीकृत किया गया था जिसका उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय के स्टाफ की महिला सदस्यों, छात्राओं, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा इसके संघटक कॉलेजों और मान्यताप्राप्त संस्थाओं के स्टाफ के परिवार की महिला सदस्यों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोरंजन, कल्याण, शैक्षणिक और आर्थिक क्रियाकलापों को बढ़ावा देना तथा उन्हें संचालित करना। साथ ही उन महिलाओं के भी हित में कार्य करना है जो विश्वविद्यालय परिसर तथा अन्य आस–पास के क्षेत्रों में निवास कर रही हैं। डीयूडब्ल्यूए की शुरुआत सामाजिक कार्यकर्ता, एक महान दिव्यद्रष्टा तथा तत्काल कुलपति, प्रो. सी.डी. देशमुख की पत्नी द्वारा की गई थी जिसका उद्देश्य वंचित तथा अन्य निस्सहाय महिलाओं को सशक्त बनाना था।

कार्यक्रम और क्रियाकलाप

माइंड बॉडी सेंटर : दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्राओं की कुशलता को प्रोत्साहित करना इस केन्द्र का प्राथमिक उद्देश्य है जिसका उद्घाटन फरवरी, 2014 में प्रो. दिनेश सिंह, कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। चूंकि मस्तिष्क और शरीर की समस्याएं आपस में जुड़ी हुई हैं, उनका निराकरण केन्द्र में विद्यमान चिकित्सकों, प्राकृतिक–चिकित्सकों और परामर्शकों की विशेषज्ञता के माध्यम से अत्यंत व्यावहारिक तरीके से किया जाता है। निःशुल्क परामर्श के अलावा, केन्द्र में योग और एक्यूप्रेशर की तकनीकों का प्रयोग भी किया जाता है। छात्राओं तथा दिल्ली विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों के होम्योपैथी और नैचुरोपैथी उपचार के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक भी नियुक्त किए गए हैं।

प्ले स्कूल : डीयूडब्ल्यूए प्री–स्कूल भी संचालित करता है जो हैं – ऊषा गांगुली शिशु विहार और दुर्गा बाई देशमुख बालवाड़ी जिनकी स्थापना क्रमशः 1967 और 1966 में हुई थी जिनका उद्देश्य बालक के बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक, कला–संबंधी और शारीरिक विकास को प्रोत्साहन प्रदान करना है। बालवाड़ी आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए है, जहां उन्हें निःशुल्क पोषक आहार प्रदान किया जाता है। दोनों ही विद्यालयों में लगभग 200 बच्चे नामांकित किए गए हैं।

सहयोग : सहयोग कार्यक्रम आस–पड़ोस के क्षेत्रों के कक्षा I से XII तक के निर्धन और वंचित छात्रों को सहायता प्रदान करता है जिससे उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार आए। इस ट्यूशन–सहायता कार्यक्रम में छात्रों को पोषक अल्पाहार और

स्वास्थ्यवर्धक पेय उपलब्ध कराया जाता है। इसकी कक्षाएं सप्ताह में छह दिन दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक आयोजित की जाती हैं तथा इस कार्यक्रम में लगभग 30 बच्चे नामांकित हैं।

वात्सल्य : इस बाल कार्यक्रम का आशय दिल्ली विश्वविद्यालय की कामकाजी महिलाओं को सहायता प्रदान करना है जिसका उद्देश्य उनके बच्चों की देखभाल संबंधी उनकी चिंताओं को कम करना है। यह डे–केयर सुविधा 6 माह से 6 वर्ष तक के आयु–वर्ग वाले बच्चों को उपलब्ध कराई जाती है। इस सुविधा में 50 बच्चों की देखरेख की जाती है।

महिला छात्रावास : डीयूडब्ल्यूए ने दिल्ली विश्वविद्यालय तथा उसके संबद्ध कॉलेजों की एकल महिला शिक्षकों के लाभ के लिए 1975 में अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष के उपलक्ष्य में कार्यशील महिलाओं के लिए श्री सदन नामक छात्रावास की स्थापना की। अन्य दो छात्रावास पुराना डीयूडब्ल्यूए छात्रावास और नया डीयूडब्ल्यूए छात्रावास दिल्ली विश्वविद्यालय की एम.फिल. और पीएच.डी. छात्राओं को आवास सुविधा उपलब्ध कराते हैं। छात्रावासों में लगभग 37 छात्राएं हैं तथा एक पूर्णकालिक वार्डन भी है।

दृष्टि : डीयूडब्ल्यूए की सदस्यों ने दिल्ली विश्वविद्यालय की दृष्टि–बाधित छात्रों की आवश्कयताओं की पूर्ति करने के लिए दृष्टि कार्यक्रम के माध्यम से उल्लेखनीय योगदान दिया है। सदस्य पाठों को पढ़ती हैं और उन्हें रिकार्ड करती हैं, अध्ययन सामग्री की व्यवस्था करती हैं तथा दृष्टि–बाधित व्यक्तियों को भावनात्मक सहयोग भी उपलब्ध करती हैं।

जागृति : महिलाओं के मध्य कैंसर की बढ़ती घटनाओं को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम व्याख्यानों, चर्चाओं, जांच शिविरों, नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताओं तथा अन्य क्रियाकलापों के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्राओं के मध्य जागरूकता का सृजन करने के लिए प्रयास करता है।

स्मृति–चिह्न शॉप : स्मृति–चिह्न शॉप की शुरुआत डीयूडब्ल्यूए की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोहों के भाग के रूप में नवम्बर, 2014 को की गई थी जिसका उद्घाटन प्रो. दिनेश सिंह, कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। इस क्रियाकलाप का प्राथमिक उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय के ब्रांड को संवर्धित करना तथा साथ–ही–साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों तथा समुदाय के अन्य सदस्यों के मध्य गौरव और अपनेपन की भावना को जागृत करना है। स्मृति–चिह्न मदों को तैयार करने और उनकी बिक्री का कार्य डीयूडब्ल्यूए के सदस्यों द्वारा प्रबंधित किया जाता है। कुछ स्मृति–चिह्न मदों की भारी मांग की जाती है जैसे फोल्डर, स्वेट शर्ट्स, बैग, पेन, की–चेन, मग आदि।

कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम : इस कार्यक्रम के तहत चार माह की अवधि का कंप्यूटर पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है जिसका मुख्य उद्देश्य कंप्यूटर की आधारभूत जानकारी प्रदान करना है तथा इसमें शामिल हैं – एमएस वर्ड, एक्सेल, पावर–प्वाइंट, एक्सेस और इंटरनेट। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को आधारभूत कंप्यूटर कौशलों से लैस करना है।

भाषा परिचय कार्यक्रम : डीयूडब्ल्यूए अपनी सदस्यों, दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, संकाय–सदस्यों और छात्रों के लिए निःशुल्क अल्पकालिक भाषा परिचय पाठ्यक्रमों का आयोजन करने की पहल भी कर रहा है। यह कार्यक्रम चीनी भाषा और जर्मन भाषा के चार–पांच माह के पाठ्यक्रम के साथ आरंभ हुआ था।

- चीनी भाषा परिचय पाठ्यक्रम : फरवरी, 2015 से अगस्त, 2015
- जर्मन भाषा परिचय पाठ्यक्रम : सितम्बर, 2015 से फरवरी, 2016

पुस्तकालय : डीयूडब्ल्यूए छात्रावास में रहने वालों तथा डीयूडब्ल्यूए की सभी सदस्यों को पुस्तकालय की सुविधा भी उपलब्ध करा रहा है तथा हाल ही में हमने पुस्तकालय को कम्प्यूटरीकृत भी किया है और अद्यतन बनाया है जिससे इसके सभी सदस्यों की पुस्तकों तक पहुंच आसान बन गई है।

उद्यान और पर्यावरण समिति : डीयूडब्ल्यूए उद्यानों के संपोषणीय विकास, अपशिष्ट के पुनः चक्रण, हरित प्रबंधन आदि के संबंध में छात्रों के मध्य जागरूकता का सृजन करने के लिए अनेक जागरूकता कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन भी करता है।

खेल–कूद : डीयूडब्ल्यूए विद्यालय के छात्रों, सहयोग के बालकों तथा अपने सभी सदस्यों को सक्रिय और स्वस्थ रखने के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करता है।

समुदाय सेवाएं : डीयूडब्ल्यूए के सदस्य आस–पड़ोस के क्षेत्रों में कौशल विकास के लिए कार्यशालाओं का आयोजन भी करते हैं।

आगामी क्रियाकलाप और प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम (संभवतः अक्तूबर, 2017 में)

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

- कम्प्यूटर पाठ्यक्रम

आधारभूत (3 माह) तथा एडवांस्ड (3 माह)

- व्यक्तित्व विकास (3 माह)
- बोलचाल की अंग्रेजी (लिखित एवं मौखिक) (6 माह)
- भाषाएं : विदेशी एवं भारतीय
- अध्ययन करते हुए कमाएं (हस्तशिल्प, पाक कला और हस्त कशीदाकारी)
- सौंदर्य पाठ्यक्रम

रुचि वाली कक्षाएं

- संगीत
- चित्रकला
- एरोबिक्स
- नृत्य
- ड्रेस डिजाइनिंग

वर्ष 2016–17 के दौरान संचालित कुछ प्रमुख क्रियाकलाप

यूजीएसवी एवं डीडीबी विद्यालयों के नए अभिभावकों के लिए 09 अप्रैल, 2016 को परिबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। डीयूडब्ल्यूए ने 23 अप्रैल, 2016 को मैगी क्रिएटिव किचन क्रियाकलाप संचालित किया। इसके कुछ विशेष आकर्षण थे : स्वागत पेय, मैगी नूडल्स को चखना, व्यंजन प्रदर्शन, तम्बोला और नेस्ले द्वारा उपहार वितरण।

डीयूडब्ल्यूए सदस्यों द्वारा 23 अप्रैल को वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया।

सहयोग तथा वात्सल्य उप–समिति द्वारा 23 मई, 2016 से 5 जून, 2016 तक डीयूडब्ल्यूए में बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गयाः

- योग कक्षाएं
- मनोरंजक क्रियाकलाप
- सृजनात्मक क्रियाकलाप
- आभूषण निर्माण
- कला एवं शिल्प
- नृत्य एवं चित्रकला
- प्रकृति की सैर

पाक–कला प्रतियोगिता (विभिन्न प्रकार के मानसून अल्पाहार) का आयोजन 16 जुलाई, 2016 को किया गया।

जर्मन भाषा स्तर– II की कक्षाएं 21 जुलाई, 2016 से अक्तूबर, 2016 तक आयोजित की गईं।

30 जुलाई, 2016 को डॉ. दीप गोयल (बी.एल. कपूर अस्पताल) द्वारा डीयूडब्ल्यूए सभागार में मोटापे को नियंत्रित करने के लिए शल्य–चिकित्सा पर एक वार्ता की गई।

12 अगस्त, 2016 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

विद्यालय तथा वात्सल्य के बालकों द्वारा 24 अगस्त, 2016 को जन्माष्टमी मनायी गयी।

यूजीएसवी और डीडीबी विद्यालय शिक्षकों द्वारा 7 अक्तूबर, 2016 को 'रामकथा' का मंचन किया गया।

सहयोग उप–समिति द्वारा 15 अक्तूबर, 2016 को 'दुर्गा दशहरा महोत्सव' का आयोजन किया गया।

'सांस्कृतिक उप–समिति द्वारा 21 अक्तूबर, 2016 को 'दिवाली मेले' का आयोजन किया गया।

यूजीएसवी और डीडीबी विद्यालय द्वारा 27 अक्तूबर, 2016 को 'दिवाली का उत्सव' मनाया गया।

डॉ. नीलिमा अस्थाना और सुश्री नुपुर सिन्हा द्वारा 3 नवम्बर, 2016 को 'कागज–पुनःचक्रण' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें लेडी इरविन कॉलेज के दो विशेषज्ञों तथा छात्राओं के दल ने भी प्रतिभागिता की।

सुश्री कामिनी मिनोचा और सुश्री शक्ति शर्मा द्वारा 7 नवम्बर, 2016 को सहयोग के बालकों के लिए स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

यूजीएसवी और डीडीबी के बालकों द्वारा 11 नवम्बर, 2016 को 'चाचा नेहरू' तथा ''अंजलि स्मारक चित्रकला प्रतियोगिता'' का आयोजन किया गया।

वात्सल्य की वर्षगांठ का समारोह 29 नवम्बर, 2016 को आयोजित किया गया जिसका मुख्य आकर्षण सांस्कृतिक कार्यक्रम था जिसे वात्सल्य के बच्चों द्वारा संचालित किया गया था।

विद्यालय के बच्चों तथा अभिभावकों के लिए 10 दिसम्बर, 2016 को सुश्री शुभा गोस्वामी (शिक्षक एवं परामर्शदाता, आरसीआई) द्वारा 'बचपन की प्रारंभिक अवस्था में प्रशिक्षण' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सुश्री निशा कनोडिया द्वारा 17 दिसम्बर, 2016 को पाक–कला प्रदर्शन किया गया। इसका मुख्य आकर्षण था – 'खीर बनाना'।

यूजीएसवी एवं डीडीबी विद्यालय का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह 24 दिसम्बर, 2016 को आयोजित किया गया।

नववर्ष तथा लोहड़ी का आयोजन 13 जनवरी, 2017 को सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया गया।

यूजीएसवी एवं डीडीबी विद्यालयों का गणतंत्र दिवस समारोह 25 जनवरी, 2017 को आयोजित किया गया।

डीडीबी एवं यूजीएसवी विद्यालयों का वार्षिक दिवस समारोह 28 जनवरी, 2017 को आयोजित किया गया।

डीयूडब्ल्यूए सदस्यों के लिए खेल दिवस 31 जनवरी, 2017 को आयोजित किया गया।

सहयोग बालकों के लिए खेल दिवस फरवरी, 2017 को आयोजित किया गया।

डीयूडब्ल्यूए सदस्यों के लिए पिकननिक (सूरजकुंड मेला) का आयोजन 10 फरवरी, 2017 को किया गया।

डीडीबी और यूजीएसवी विद्यालयों का वार्षिक खेल दिवस 10 फरवरी, 2017 को आयोजित किया गया।

माइंड–बॉडी सेंटर की वर्षगांठ 13 फरवरी, 2017 को मनाई गई।

वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी 23 फरवरी, 2017 को आयोजित की गई तथा डीयूडब्ल्यूए सदस्यों द्वारा विभिन्न स्टॉल लगाए गए :

- फूड प्लाजा स्टॉल
- स्मृति चिह्न शॉप स्टॉल
- माइंड बॉडी सेंटर स्टॉल
- हर्बल एवं औषधीय पादप स्टॉल

'होली मिलन' का आयोजन 10 मार्च, 2016 को किया गया।

'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' 18 मार्च, 2017 को आयोजित किया गया तथा इस अवसर पर 'महिलाओं का स्वास्थ्य, सौंदर्य और घरेलू देखभाल' पर डॉ. नीना अमीन द्वारा एक वार्ता का आयोजन किया गया।

डीडीबी और यूजीएसवी विद्यालय द्वारा मनोरंजन दिवस (कठपुतली कार्यक्रम) का आयोजन 24 मार्च, 2017 को किया गया।

डीडीबी और यूजीएसवी विद्यालयों का शिक्षांत दिवस 25 मार्च, 2017 को आयोजित किया गया।

हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय

हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय हिंदी माध्यम वाले स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों के लाभ के लिए विशेष रूप से सामाजिक विज्ञान और मानविकी विषयों पर उच्च स्तरीय पाठ्यपुस्तकों को हिंदी में प्रकाशित करता है। हमने अभी तक लगभग 210 पुस्तकें प्रकाशित की हैं। 2016–17 के दौरान, हमने प्रो. रुमकी बासु द्वारा लिखित पुस्तक का 'लोक प्रकाशन' नामक हिंदी रूपांतरण प्रकाशित किया। हमने पुनः मुद्रित पुस्तकों नामतः प्राचीन भारत का इतिहास (झा एवं श्रीमाली) तथा मध्यकालीन भारत भाग–1 और 2 की लगभग 25,000 प्रतियां प्रकाशित कीं।

हमने 7 जनवरी से 15 जनवरी, 2017 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित विश्व पुस्तक मेला में भाग लिया।

विदेशी छात्रों का पंजीकरण

अंतर्राष्ट्रीय छात्र समुदाय ने शैक्षणिक वर्ष 2016–17 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के प्रति अपनी गहन रुचि को प्रदर्शित करना जारी रखा। विदेशी छात्र कार्यालय ने 3819 आवेदन प्राप्त किए जिसमें आईसीसीआर छात्रवृत्ति धारकों के 1358 आवेदन भी शामिल थे। शैक्षणिक वर्ष 2016–17 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में कुल 560 छात्रों, 260 महिला और 300 पुरुष को प्रवेश दिया गया। विश्वविद्यालय के पास कुल 1497 विदेशी छात्र पंजीकृत है जो प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रमों से लेकर पीएच.डी. कार्यक्रम तक विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे हैं।

विदेशी छात्र रजिस्ट्री का कार्यालय नामांकित छात्रों, उनके आवासीय छात्रावासों, दूतावासों, कॉलेजों, विभागों और संस्थाओं के साथ घनिष्ठ संपर्क बनाए रखता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को उनके शिक्षण के दौरान किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न न होने पाए।

छात्रों के लिए अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शैक्षणिक सत्र 2016–17 के दौरान दाखिला लिए गए छात्रों के लिए सितम्बर, 2016 में परिबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। किरोड़ी मल कॉलेज विदेशी छात्र एसोसिएशन नें भी अनेक सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। विदेशी छात्रों ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारत–नेपाल संबंध दूतावास व्याख्यान–माला आदि में भी प्रतिभागिता की।

गांधी भवन

दिल्ली विश्वविद्यालय का गांधी भवन मोहनदास करमचंद गांधी के विचारों और कार्यों के अध्ययन के प्रति समर्पित केन्द्र है। गांधी भवन का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों के मध्य गांधीजी के संदेश को प्रसारित करना तथा उनमें उनकी सिखाई गई बातों के प्रति रुचि पैदा करना है। इसके मुख्य और अन्य उद्देश्यों की प्राप्ति की प्रक्रिया में शिक्षकों, छात्रों और कर्मियों से मिलकर बना विश्वविद्यालय का एक समर्पित समूह गांधी भवन तथा कॉलेजों में स्थापित गांधी अध्ययन सर्किलों के माध्यम से गांधीवादी विचारधारा और दर्शन के प्रवक्ताओं के रूप में कार्य करता है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति करने के

लिए गांधी भवन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है। जैसे– व्याख्यान श्रृंखला, विशेष वार्ताएं, संगोष्ठियां, पारस्परिक चर्चा सत्र, कार्यशालाएं, पुस्तक पाठन, जागरूकता कार्यक्रम, फिल्म प्रदर्शन, स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम, भजन–संध्या, वाद–विवाद, नुक्कड़ नाटक, खेल क्रियाकलाप, योग एवं आध्यात्मिकता के कार्यक्रम तथा महत्वपूर्ण स्थलों के दौरे। गांधी भवन में नियमित कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं, जैसे छात्रों के लिए खादी कक्षाएं, चरखा चलाने की कक्षाएं, निःशुल्क विधिक सहायता क्लीनिक तथा छात्रों की हिंदी टाइपिंग के कौशलों को बढ़ाने के लिए कम्प्यूटर कक्षाएं और गीता पर प्रवचन। गांधी भवन चरखे से सूत कातने में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम तथा खादी प्रशिक्षण में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। गांधी भवन विभिन्न महत्वपूर्ण दिवसों जैसे पर्यावरण दिवस, सुशासन दिवस और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अलावा गांधी जयंती और शहीदी दिवस भी मनाता है।

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

इस अवधि के दौरान निम्नलिखित वार्ताओं/व्याख्यानों/पारस्परिक संपर्क–सत्रों/कार्यशालाओं का आयोजन किया गयाः

डॉ. संतोष कुमार राय, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'महात्मा गांधी, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन और दांडी यात्रा आंदोलन'।

डॉ. सीमा बोस, दर्शन–शास्त्र विभाग, दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'मूल्यों का संपर्क : गांधीवादी मार्ग'।

डॉ. सीमा खन्ना अग्रवाल, पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर, दर्शन–शास्त्र, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'गांधीवादी सत्याग्रह को आज लागू करना : गांधी की दांडी यात्रा का विश्लेषण'।

प्रो. के.आर. शर्मा, पूर्व सदस्य, प्रबंध समिति, गांधी भवन द्वारा 'भारत की सॉफ्ट पावर के रूप में गांधी।'

डॉ. शालिनी सक्सेना, पूर्व रीडर एवं प्रमुख, श्रीमती सी.एच.एम. महिला कॉलेज, मुंबई विश्वविद्यालय से संबद्ध द्वारा 'स्वतंत्रता संग्राम में गांधी की भूमिका'।

डॉ. शालीन जैन, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'गांधी दर्शन और जैन–धर्म।'

डॉ. चन्द्रा, हिंदी विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'गांधी और अहिंसा के विचारों की आज के युग में प्रासंगिकता' पर व्याख्यान दिया गया।

डॉ. जगबीर सिंह, भूगोल विभाग, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'आपदा की तैयारी : उत्तरजीविता के लिए जानकारी'।

एक पारस्परिक संपर्क सत्र आयोजित किया गया जिसमें अनिल कुमार, दीपक कुमार और रिश्वा माथुर ने दिसम्बर, 2016 में चीन की उनकी यात्रा पर आधारित रेडियो और वीडियो क्लिपिंग्स प्रस्तुत कीं।

इंजी. सुधीर शर्मा, एल एंड टी मुंबई द्वारा प्रकृति के आश्चर्य।

डॉ. रवि पी. भाटिया, पूर्व–सदस्य, प्रबंध समिति, गांधी भवन द्वारा 'गांधी, हिंद स्वराज और निर्माणात्मक कार्यक्रम'।

प्रो. कैलाश नारायण तिवारी, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'गांधी–महात्मा क्यों?'

आयुर्वेद परामर्शदाता डॉ. अंकुरिता गुप्ता द्वारा आयुर्वेद जीवन–शैली।

'गांधी अपने समय में और हमारे समय में' पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें छात्रों ने महात्मा गांधी के राजनीतिक, सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन में उनके विचारों को साझा किया।

योग पर आधारित एक कार्यशाला में योगाचार्य गोपाल कृष्ण, संस्थापक, आनंद योग अमृत, नई दिल्ली तथा श्री विजय भारती, संकाय सदस्य, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली संसाधन विशेषज्ञ थे।

प्रो. हुआंग चिंगहांग, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, सन येट–सेन विश्वविद्यालय, गौंगजोऊ, पीआरसी द्वारा 'महात्मा गांधी पर चीन संदर्श : एक ऐतिहासिक समीक्षा।'

डॉ. सियाराम मिश्रा हलधर, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा महात्मा गांधी का जीवन–चित्र।

जागरूकता अभियान

'सुशासन में ध्यान और योग का महत्तव' पर एक पारस्परिक चर्चा सत्र के माध्यम से सुशासन दिवस भी आयोजित किया गया।

डेंगू पर जागरूकता के लिए लोक नायक अस्पताल, नई दिल्ली की डॉ. ऋतु सक्सेना ने प्रस्तुतिकरण पेश किया।

प्रतिस्पर्धाएं

''मोबाइल फोन वरदान नहीं अभिशाप' पर एक वाद–विवाद का आयोजन किया गया।

चरखा कताई प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

भजन

डॉ. एस.वी. एश्वरन द्वारा गांधी जी के प्रिय भजन गाए गए।

'भजन संध्या में श्री ईश्वर शर्मा ने गांधी जी के प्रिय भजन गाए।

'भजन संध्या' में श्री हर्षदेव तोमर द्वारा गांधी जी के प्रिय भजन गाए गए।

दौरे

हरिजन सेवक संघ, किंगज्वे कैंप, दिल्ली।

रेल संग्रहालय, नई दिल्ली

त्रिवेणी वृद्धाश्रम, कंझावला, नई दिल्ली

वृत्त चित्र/फिल्म प्रदर्शन

महात्मा गांधी : बीसवीं शताब्दी की एक महान आत्मा

महात्मा गांधी का जीवन

आजादी की यादों में

भारत छोड़ो आंदोलन

भ्रष्टाचार के विरुद्ध भारत

मौलाना अबुल कलाम आजाद का जीवन

महात्मा गांधी : 20वीं शताब्दी के पैगम्बर

पुस्तक पाठन

महात्मा गांधी की जीवनी 'माई एक्सपेरीमेंट्स विद ट्रुथ' से शिक्षा पर उद्घाटन

महात्मा गांधी की जीवनी 'माई एक्सपेरीमेंट्स विद ट्रुथ' से उद्घाटन

'हिंद स्वराज' से शिक्षा पद उद्घाटन

बच्चों/छात्रों के लिए क्रियाकलाप और खेल

बच्चों के लिए एक माह का कंप्यूटर पाठ्यक्रम आरंभ किया गया।

पमपम (फूंदना) निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई।

'पेपर बैग बनाने' पर कार्यशाला आयोजित की गई।

खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई।

गांधी भवन के छात्रों तथा कर्मचारियों के साथ पौधे लगाए गए।

क्रिसमस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रमों की विशेष श्रृंखला

1. गांधी भवन ने अप्रैल और मई, 2016 के दौरान 'योग महोत्सव' के उपलक्ष्य में विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन किया। निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

    - बच्चों/युवाओं तथा विश्वविद्यालय के कर्मियों के लिए एक योग और ध्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण 20 जून, 2006 तक जारी रहा। इन सभी प्रतिभागियों ने 21 जून, 2016 को विश्व योग दिवस में भाग लिया।

    - योग महोत्सव में मापदण्डों को ध्यान में रखते हुए अर्थात् योग पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना तथा अभिनव कदम/उपाय उठाना, 18 मई, 2016 को एक–दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए गए थे जिनमें योग आसन, खादी प्रक्षालन, चरखा प्रचालन और भजन सत्र शामिल था।

2. डॉ. वी. थुरेजा, वनस्पति विज्ञान विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक प्रस्तुतिकरण के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया जिसके उपरांत परिसर में पौध–रोपण किया गया। हीरो मोटर ग्रुप द्वारा सड़क सुरक्षा पर एक प्रस्तुतिकरण भी दिया गया।

3. 'बाबू–लाल बहादुर शास्त्री भावसुमनांजलि' सूक्ति के अंतर्गत 26.9.2016 – 2.10.2016 तक महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की वर्षगांठ को मनाने के लिए अनेक कार्यक्रमों/समारोहों का आयोजन किया गया। आयोजित किए गए कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

- प्रो. डी.डी. अग्रवाल (सेवानिवृत्त) प्रौढ़ शिक्षा एवं सतत शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से युवा सामाजीकरण' पर एक प्रस्तुतिकरण आयोजित किया गया। खादी आश्रम, कमला नगर, दिल्ली द्वारा खादी उत्पादों की प्रदर्शनी और विक्रय काउंटर भी 2 अक्तूबर, 2016 तक लगाया गया जिसमें खादी उत्पादों पर विशेष छूट दी गई।

- 'सड़क सुरक्षा और प्राथमिक उपचार' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गई।

- चरखा कताई प्रतियोगिता आयोजित की गई।

- मोबाइल फोन वरदान नही अभिशाप' पर एक वाद–विवाद आयोजित किया गया।

- श्रीमती प्रतिभा शर्मा, पूर्व एसीपी, दिल्ली पुलिस द्वारा 'विवाह और आप' विषय पर पारस्परिक चर्चा सत्र आयोजित किया गया।

- दिल्ली विश्वविद्यालय कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए एक विशेष योग सत्र आयोजित किया गया। इसी दिन एक विशेष कार्यक्रम 'खेल–खेल में स्वच्छता' भी आयोजित किया गया।

- 2 अक्तूबर, 2016 को बापू और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। प्रो. योगेश कुमार त्यागी, माननीय कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय ने शांति का संदेश दिया।

4. 20 और 21 जून, 2016 को द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। प्रो. योगेश त्यागी, माननीय कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे तथा उन्होंने सर्वप्रथम परिसर में एक पौधा लगाया और उपस्थित व्यक्तियों को संबोधित किया।

5. गांधी भवन ने 31.10.2016 से 5.11.2016 तक अत्यंत जोश और उत्साह के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। कार्यक्रम के प्रारंभ में 31 अक्तूबर, 2016 को प्रो. अनीता शर्मा निदेशक (अवैतनिक) गांधी भवन ने अन्य कर्मचारियों के साथ शपथ ग्रहण की। 2 नवम्बर, 2016 को एक लघु फिल्म 'इंडिया अंगेस्ट करप्शन' दिखाई गई। 3 नवम्बर को, गांधी भवन के कार्यकर्ताओं के समूह द्वारा आम जनता के मध्य पर्चे बांटे गए जिनमें समाज से भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए जागरूकता फैलाने संबंधी सामग्री निहित थी। कार्यक्रमों की श्रृंखला में, 4 नवम्बर, 2016 को श्री ओमवीर सिंह बिश्नोई (आईपीएस), पुलिस उपायुक्त, भ्रष्टाचार–रोधी शाखा, जीएनसीटी, दिल्ली द्वारा 'सत्यनिष्ठा को प्रोत्साहित करने तथा भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए अच्छी प्रक्रियाएं' विषय पर एक विशेष वार्ता का आयोजन किया गया।

6. शहीदी दिवस 31.1.2017 को आयोजित किया गया जिसमें सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर, दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केन्द्र स्कूल, मौरिस नगर, सीआईई बेसिक एक्सपेरिमेंटल स्कूल तथा हरिजन सेवक संघ, किंग्स्वे कैंप, दिल्ली ने महात्मा गांधी को श्रंद्धाजलि अर्पित करने के लिए प्रार्थना और भजन गाए। महात्मा को संगीतमय श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। माननीय कुलपति प्रो. योगेश त्यागी ने उपस्थित जनों को शांति का संदेश दिया।

7. प्रो. मदन मोहन चतुर्वेदी, अध्यक्ष, गांधी भवन ने गांधी भवन के प्रबंध समिति के सदस्यों के साथ मिलकर गांधी भवन परिसर में पौधारोपण किया।

8. गांधी भवन में 5 और 6 जनवरी, 2017 को प्रयोग में लाए गए वस्त्रों और पुस्तकों का दान शिविर आयोजित किया गया था। बाद में, विभिन्न स्रोतों से प्राप्त समान को जरूरतमंद लोगों में आगे वितरण के लिए मिशनरीज़ ऑफ चैरिटी, मजनूं का टीला, दिल्ली–54 भिजवा दिया गया।

9. वर्धा महाराष्ट्र की यात्रा करने वाले प्रतिभागियों द्वारा 23.1.2017 को एक गोल मेज चर्चा का आयोजन किया गया था। प्रस्तुतिकरण के माध्यम से उन्होंने छात्रों के साथ अपनी यात्रा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

योग–ध्यान और स्वच्छता

श्री सत्यवीर सिंह, नौलखा, वरिष्ठ संकाय–सदस्य, आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा 9.8.2016 को एक परिचायक योग सत्र का आयोजन किया गया।

9 अगस्त, 2016 से आजादी–70–याद करो कुर्बानी के तत्वावधान में कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा 1.9.2016 से 15.9.2016 तक आयोजित किया गया जिसमें छात्रों तथा स्टाफ सदस्यों ने स्वैच्छिक रूप से पीस, डोम, शौचालय, ब्लॉक और पुस्तकालय की सफाई की।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मियों तथा उनके परिवार के सदस्यों के लिए द्वितीय विशेष योग सत्र 7.10.2016 को आयोजित किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मियों तथा उनके परिवार के सदस्यों के लिए तृतीय विशेष योग सत्र 15.10.2016 को आयोजित किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मियों तथा उनके परिवार के सदस्यों के लिए चौथा विशेष योग सत्र 22.10.2016 को आयोजित किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मियों तथा उनके परिवार के सदस्यों के लिए पांचवां विशेष योग सत्र 29.10.2016 को आयोजित किया गया।

सम्मान/विशिष्टयां

प्रो. अनीता शर्मा, निदेशक, गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किएः

- निर्वाण शांति प्रतिष्ठान, चिटगांव, बांग्लादेश द्वारा जुलाई, 2016 में पत्रकार विमलेन्दु बरुआ शांति पुरस्कार – 2016.
- इंटरनेशनल विमेन क्लब, सिडनी, आस्ट्रेलिया द्वारा मार्च, 2017 में शांति के क्षेत्र में उपलब्धि के लिए पुरस्कार।

महामहिम लुओ जाओहुई, भारत गणराज्य में चीन जनवादी गणराज्य के एम्बेस्डर एक्ट्रॉआर्डिनरी एंड प्लेनीपोटेंशनरी ने 23.12.2016 को गांधी भवन का दौरा किया गया।

डॉ. रत्ना घोष, सी.एम., ओ.क्यू., पीएच.डी., एफ.आर.एस.सी. जेमर मैक गिल प्रोफेसर तथा डब्ल्यू.सी. मैक डोनाल्ड प्रोफेसर ऑफ एजुकेशन, मैक गिल विश्वविद्यालय, शिक्षा संकाय, मांट्रियल, कनाडा ने 28.12.2016 को गांधी भवन का दौरान किया।

यू.एस. विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने महात्मा गांधी, चरखे और खादी के बारे में अपने ज्ञान में वृद्धि करने के लिए 4.1.2017 को गांधी भवन का दौरा किया।

नीदरलैंड विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने महात्मा गांधी, चरखे तथा खादी के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए 1.2.2017 को गांधी भवन का दौरा किया।

गांधीवादी अध्ययन संस्थान, वर्धा, महाराष्ट्र के छात्रों के एक समूह ने 3.2.2017 को गांधी भवन का दौरा किया।

सेंट स्टीफंस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के समूह ने गांधी भवन का दौरा किया। अन्य बातों के साथ–साथ छात्रों ने अत्यंत उत्साह से चरखा चलाने और खादी प्रक्षालन की कक्षाओं में भाग लिया। उन्हें महात्मा गांधी पर एक वृत्तचित्र भी दिखाया गया।

गांधी भवन ने नॉन–कॉलिजिएट वीमेंस एजुकेशन बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 22.2.2017 को 'अंधेर नगरी और चौपट राजा' नामक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। एनसीडब्ल्यूईबी के कुल छह केन्द्रों (कॉलेजों) ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

विस्तार और संपर्क क्रियाकलाप

गांधी भवन द्वारा प्रदान की गई आर्थिक–वित्तीय सहायता के अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों के गांधी अध्ययन सर्किलों द्वारा आयोजित कार्यक्रम/क्रियाकलापः

गांधी अध्ययन केन्द्र : उक्त संदर्भित क्रियाकलापों/कार्यक्रमों के अलावा गांधी अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में अनेक कार्यवाही उन्मुख कार्यक्रमों/समारोहों का आयोजन किया गया जिन्हें इन कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए गांधी भवन द्वारा 10,000/– रुपए प्रत्येक की आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान की गई। निम्नलिखित कॉलेजों द्वारा 2016–17 के दौरान गांधीवादी मूल्यों पर कार्यक्रम/समारोह आयोजित किए गएः

- अदिति महाविद्यालय
- आर्यभट्ट कॉलेज
- रामलाल आनंद कॉलेज
- जाकिर हुसैन कॉलेज (सांध्य)

अन्य प्रासंगिक जानकारी

नियमित कार्यक्रम/पाठ्यक्रम और क्रियाकलाप :

योग कक्षाएं सोमवार से शुक्रवार प्रातः 7 बजे से 9 बजे तक और अपराह्न 1 बजे से सांय 5 बजे तक तथा शनिवार को प्रातः 7 बजे से 9 बजे तक आयोजित की जा रही हैं। ध्यान कक्षाएं : सोमवार से शुक्रवार अपराह्न 4 बजे से सांय 5.30 बजे तक।

गीता के उपदेश प्रत्येक रविवार प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक सुनाए जाते हैं।

चरखा चलाने का प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम प्रत्येक बुधवार अपराह्न 3 बजे से सांय 5 बजे तक आयोजित किया जा रहा है।

खादी प्रमाण–पत्र कार्यक्रम प्रत्येक बुधवार प्रातः 9 बजे से सांय 5 बजे तक आयोजित किया जा रहा है।

प्रत्येक गुरुवार को 'कुलपति से भेंट' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसका उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों तथा गैर–शिक्षण कर्मचारियों की शिकायतों का निवारण करना है।

डीएसएलएसए, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली के सहयोग से निःशुल्क विधिक सहायता क्लीनिक प्रत्येक शुक्रवार अपराह्न 3:00 बजे से 5.00 बजे तक चलाई जाती है।

दिल्ली सरकार की हिंदी अकादमी द्वारा गांधी भवन में हिंदी आशुलिपि और टंकण का प्रशिक्षण भी आयोजित किया जा रहा है।

छात्रों के लिए कंप्यूटर कक्षाएं प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक तथा अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक आयोजित की जा रही हैं जिनमें कंप्यूटरों की आधारभूत जानकारी प्रदान की जाती है तथा हिंदी टाइपिंग का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

विशेष योग क्रियाकलाप गांधी भवन परिवार के लिए प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे आयोजित किया जा रहा है।

उद्यान समिति

नए लॉन्स् और उद्यानों का विकास/नवीकरण

(i) विश्राम गृह और सर्वेंट क्वार्टर के समीप माननीय कुलपति के निवास के लॉन का विकास

(ii) माननीय कुलपति के निवास के पिछले भाग में लॉन का नवीकरण।

(iii) विश्वविद्यालय अतिथि गृह के कुछ भागों में लॉन का नवीकरण।

(iv) केन्द्रीय पुस्तकालय के भीतरी भाग में (2 भाग) लॉनों का नवीकरण।

(v) कला संकाय में गेट नं. 2 से ट्यूटोरियल भवन तक लॉन का नवीकरण।

(vi) समान अवसर प्रकोष्ठ भवन में लॉन का नवीकरण।

(vii) कला संकाय, पार्किंग क्षेत्र में लॉन का नवीकरण।

(viii) नए प्रशासनिक खंड के दोनों ओर लॉन का नवीकरण।

(ix) रसायन विज्ञान विभाग के चार भागों में लॉन का नवीकरण।

(x) डीयूडब्ल्यूए केन्द्र में लॉन का नवीकरण।

पुरस्कार और ट्रॉफियां

उद्यान समिति ने इंद्रप्रस्थ बागवानी सोसाइटी, दिल्ली द्वारा आयोजित वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में प्रतिभागिता की तथा निम्नलिखित ट्रॉफियां जीतीः

1. कुलपति का टेरेस उद्यान, अशीष फाउंडेशन रोलिंग ट्राफी
2. मुगल गार्डन – श्री मनोरंजन कुमार रोलिंग ट्रॉफी
3. कुलपति के आवास का उद्यान – आईएचएस रोलिंग ट्रॉफी
4. रांउड पार्ट, विश्वविद्यालय स्टेडियम – भटनागर रोलिंग ट्रॉफी
5. सर शंकर लाल हॉल – रघुवीर लक्ष्मी देवी स्मारक रोलिंग ट्रॉफी
6. वित्त अधिकारी निवास – श्रीमती सुनीता कुमार चैलेंज शील्ड

ऑन दि स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता

सभी आगंतुकों के लिए एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता गुरुवार, 23 फरवरी, 2017 को प्रातः 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक पुष्प प्रदर्शनी स्थल में आयोजित की गई। इसका उद्घाटन डॉ. हर्षवर्धन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया, जो पुष्प प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि भी थे। आयोजन के दौरान अनेक क्रियाकलाप आयोजित किए गए। जैसे– बायलॉजिकल प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, विभिन्न प्रकार के उद्यान उपकरणों और पादपों का स्टॉलों में प्रदर्शन। 25000 से अधिक लोगों ने इस प्रदर्शनी में भाग लिया। लगभग 100 रनिंग कप/ट्राफियां, मालियों/प्रदर्शनकर्ताओं को प्रदान की गई तथा उन्हें नकद पुरस्कार भी दिए गए।

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला एसोसिएशन ने पुरुष प्रदर्शनी में विभिन्न उत्पादें प्रदर्शित कीं जिनकी गणमान्य अतिथियों तथा आंगतुकों द्वारा अत्यंत सराहना की गई।

विश्वविद्यालय अतिथि गृह

विश्वविद्यालय का अतिथि गृह दिल्ली विश्वविद्यालय के गेट नं. 1 पर स्थित है। यह अपने दोनों ओर स्थित सुंदर बगीचों का अत्यंत मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है। अतिथि गृह के आसपास का वातावरण अत्यंत स्वच्छ और शांतिपूर्ण है। इसमें तैंतीस कमरों के अलावा बांस के छह कॉटेज भी हैं। सभी कमरों और बांस के कॉटेजों के आरामदेह प्रवास की सभी सुविधाएं विद्यमान हैं। अतिथि गृह के कर्मचारी अतिथियों का समुचित आदर–सत्कार करते हैं और उन्हें अच्छा भोजन मुहैया कराते हैं।

स्वच्छता अभियान

1. अतिथियों के कुछ कमरों, गलियारों (प्रथम, द्वितीय और तृतीय तल), स्वागत कक्ष, भोजनालय/समिति कक्ष/लांज/कार्यालय के बाहरी क्षेत्र, अतिथियों के कमरों के आगे और पीछे के भागों में व्हाइट वाश की गई।
2. कीट नियंत्रण प्रत्येक 2–3 माह में किया जाता है।
3. समय–समय पर उद्यान स्वच्छता अभियान चलाया जाता है।

कमरों में अतिरिक्त सेवाएं

1. सभी कमरों में इलेक्ट्रिक कैटल उपलब्ध कराई गई है।
2. कुछ कमरों में पुरानी टीवी के स्थान पर नए एलईडी टीवी लगाए गए हैं।
3. पुरानी बेड चादरों, तौलियों, तकियों के कवर को बदला जाता है।

खानपान व्यवस्था

विश्वविद्यालय के अतिथि–गृह ने कमरों में ठहरे अतिथियों को समस्त समय के भोजन उपलब्ध कराए तथा विभिन्न कार्यक्रमों जैसे सम्मेलन/संगोष्ठियों/बैठकें/सेवानिवृत्ति पार्टियों/गेट–टुगेदर आदि के दौरान उक्त अवधि में लगभग 20,080 व्यक्तियों के लिए विशेष खानपान व्यवस्था (मध्याह्न–भोज/रात्रिभोज/अल्पाहार) की व्यवस्था की।

कमरों में आवास व्यवस्था

इस अवधि के दौरान अतिथि–गृह में लगभग 300 अतिथियों को आवास प्रदान किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय अतिथि–गृह

वर्ष 2016–17 के दौरान आईजीएच में निम्नलिखित सुधार/अवसंरचना विकास/नए परिवर्धन किए गए:

खानपान व्यवस्था

वर्ष 2016–17 के दौरान मध्याह्न–भोज/रात्रिभोज/अल्पाहार/सम्मेलनों/बैठकों/संगोष्ठियों आदि के लिए किए गए 315 अनुरोधों के लिए विशेष खानपान व्यवस्था उपलब्ध कराई गई।

कमरों में आवास व्यवस्था

इस अवधि के दौरान 1260 कमरों को आवास और भोजन के लिए उपलब्ध कराया गया। आईजीएच में ठहरने वाले अधिकांश अतिथि विदेशी थे तथा सभी अतिथि आईजीएच के कर्मियों की सेवाओं/भोजन/व्यवहार से संतुष्ट थे।

नई सुविधाएं और सहूलियतें

एक वाटर प्यूरीफायर की खरीद।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

एनसीसी को स्नातकपूर्व प्रवेशों के लिए एक शिक्षणेत्तर क्रियाकलाप (ईसीए) माना गया तथा सत्र 2016–17 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम बार विश्वविद्यालय की एनसीसी इकाई के माध्यम से केन्द्रीयकृत रूप से परीक्षण संचालित कराए गए।

दिल्ली विश्वविद्यालय के 45 कॉलेजों में वरिष्ठ विंग और वरिष्ठ प्रभाग में एनसीसी कैडेटों के नामांकन संचालित किए गए तथा लगभग 4500 कैडेटों को नामांकित किया गया।

एनसीसी कैडेटों ने विभिन्न विश्वविद्यालय स्तरीय क्रियाकलापों में भाग लिया। जैसे– विश्वविद्यालय स्थापना दिवस, विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह, राजदूत व्याख्यान श्रृंखला, पूर्व–छात्र व्याख्यान श्रृंखला, थाई शिष्टमंडल, सड़क सुरक्षा कार्यक्रम, भारत का निर्वाचन आयोग – एसवीईईपी कॉलेज परिसर राजदूत आदि। एनसीसी कैडेटों ने एनसीसी निदेशालय द्वारा आयोजित स्वच्छ भारत अभियान, एकता दिवस, आधारभूत नेतृत्व शिविर, सेना संबद्धता शिविर, संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, वायु सैनिक शिविर, थल सैनिक शिविर, नौ सैनिक शिविर, विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर, गणतंत्र दिवस–पूर्व शिविर, गणतंत्र दिवस शिविर, सीएम रैली, पीएम रैली, अमर जवान ज्योति, राष्ट्रीय एकता शिविर, युवा विनिमय कार्यक्रम आदि में सक्रियता से प्रतिभागिता की।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

स्वयंसेवकों में निःस्वार्थ समुदाय सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सत्र 2016–17 के दौरान 62 कॉलेज एककों के स्वयं सेवकों द्वारा एनसीएस केन्द्र के तत्वावधान में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2016) : एनएसएस केन्द्र तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में इसकी उप–इकाइयों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। स्वयंसेवकों को योग प्रशिक्षक की सेवाएं प्रदान की गईं। सामान्य योग नयाचार का पालन करते हुए व्यापक योग सत्र आयोजित किया गया। स्वयं सेवकों को योग के महत्व के बारे में बताया गया। एनएसएस केन्द्र द्वारा श्रेष्ठ योग प्रदर्शन का चयन किया गया तथा उसकी सराहना की गई।

स्वच्छता पखवाड़ा (16 अगस्त से 1 सितम्बर, 2016) : 16 अगस्त से 1 सितम्बर, 2016 तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया। अनेक कार्यक्रमों की श्रृंखला संचालित की गई, जैसे संगोष्ठी, अंगीकृत क्षेत्र में स्वच्छता, जागरूकता तथा कल्याण एजेंसियों का दौरा।

तिरंगा मार्च (22 अगस्त, 2016) : स्वतंत्रता दिवस पखवाड़े के आयोजन के दौरान तिरंगा मार्च का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न कॉलेजों के स्वयंसेवकों ने एक साथ मिलकर एकता के संदेश का प्रसार करने के लिए राष्ट्रीय ध्वज लेकर यात्रा की।

एनएसएस दिवस का आयोजन (24 सितम्बर, 2016) : 24 सितम्बर, 2016 को 'नशे की लत (नशीले पदार्थों का सेवन) के कुप्रभाव' विषय पर एनएसएस दिवस का आयोजन किया गया। एनएसएस उप–इकाईयों में नुक्कड़ नाटकों, जागरूकता रैलियां तथा नारा लेख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

युवा निर्वाचकों के नामांकन के लिए प्रशिक्षण (29 सितम्बर, 2016) : मुख्य निर्वाचन आयोग, दिल्ली के सहयोग से एनएसएस केन्द्र द्वारा एनएसएस स्वयं सेवकों के लिए 'युवा निर्वाचकों के नामांकन' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान के दौरान कॉलेजों में 'भित्ती–लेखन' का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय एकता सप्ताह (28 अक्तूबर, 2016 से 6 नवम्बर, 2016) : सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति के सम्मानार्थ, 'राष्ट्रीय एकता दिवस' 31 अक्तूबर से 6 नवम्बर, 2016 तक मनाया गया। इस उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम

आयोजित किए गए, जैसे एकता की शपथ लेना, एकता दौड़, नुक्कड़ नाटक, नारा लेखन प्रतियोगिता तथा 'आज के भारत में सरदार पटेल की प्रासंगिकता और महत्व' विषय पर निबंध प्रतियोगिता।

गणतंत्र दिवस–पूर्व परेड शिविर (24 अक्टूबर, 2016 से 4 नवम्बर, 2016) : युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस–पूर्व चयन प्रक्रिया संचालित की गई जिसमें आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, लक्ष्मीबाई कॉलेज, दौलतराम कॉलेज, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, श्याम प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, शहीद राजगुरु एप्लाइड साइंसेज कॉलेज, माता सुंदरी कॉलेज और गार्गी कॉलेज से बारह एनएसएस स्वयं सेवकों का चयन किया गया। गणतंत्र दिवस–पूर्व शिविर 24 अक्तूबर से 4 नवम्बर, 2016 तक चंडीगढ़ में आयोजित किया गया।

संविधान दिवस (26 नवम्बर, 2016) : 'मौलिक कर्त्तव्य' विषय पर संविधान दिवस का आयोजन किया गया ताकि इन पर सच्ची भावना के साथ पालन किया जा सके। हमारे मौलिक कर्त्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए स्वयं सेवकों तथा संकाय सदस्यों द्वारा इनके अनुपालन की शपथ भी ली गयी।

वित्तीय साक्षरता अभियान (12 दिसम्बर, 2016 से 12 जनवरी, 2017) : एनएसएस स्वयंसेवक मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा डिजिटल अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए 12 दिसम्बर से 12 जनवरी, 2016 तक आयोजित किए गए वित्तीय साक्षरता अभियान का भाग थे। अनेक एनएसएस स्वयंसेवकों को इस अभियान में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए मानव संसाधन विकास मंत्री की ओर से डिजिटल नोटबुक्स प्रदान की गईं।

गणतंत्र दिवस परेड (26 जनवरी, 2017) : 1 जनवरी से 31 जनवरी, 2017 तक गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भाग लेने के उपरांत दो एनएसएस स्वयंसेवकों श्री अंकित कुमार, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज तथा सुश्री श्वेता, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ को गणतंत्र दिवस परेड 2017 में एनसीसी टुकड़ी में शामिल किया गया।

राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी, 2017) : इस वर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस 'डिजिटल अर्थव्यवस्था' विषय पर आयोजित किया गया। एनएसएस के स्वयंसेवकों ने 'डिजिटल भुगतान' के लिए लोगों को प्रेरित किया। स्वयंसेवकों द्वारा डिजिटल भुगतान के विभिन्न माध्यमों पर ध्यान–केन्द्रित किया गया था।

राष्ट्रीय युवा समारोह (12 जनवरी से 16 जनवरी, 2017) : युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 12 जनवरी से 16 जनवरी, 2017 तक रोहतक, हरियाणा में राष्ट्रीय युवा समारोह का आयोजन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों से दस एनएसएस स्वयंसेवकों ने इसमें भाग लिया तथा युवा समारोह के दौरान युवा कन्वेंशन और सुविचार में भी प्रतिभागिता की।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस (12 जनवरी, 2017) : स्वयंसेवकों में लोकतांत्रिक मानदण्डों को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 25 जनवरी, 2017 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। स्वयंसेवकों द्वारा हमारे देश में लोकतांत्रिक परंपरा की भावना को बनाए रखने के लिए शपथ भी ली गई।

नशीले पदार्थों के सेवन के निवारण पर राष्ट्रीय युवा फोरम (18 फरवरी, 2017) : एनएसएस के स्वयंसेवकों ने सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एंड मासेस (एसपीवाईएस) द्वारा विश्व युवक केन्द्र में आयोजित नशीले पदार्थों के सेवन के निवारण पर राष्ट्रीय युवा फोरम में भाग लिया।

विश्व जल दिवस (22 मार्च, 2017) : जल संकट पर जागरूकता का प्रचार–प्रसार करने तथा ताजे जल संसाधनों के संपोषणीय प्रबंध के लिए जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से 22 मार्च, 2017 को जल दिवस का आयोजन किया गया था। स्वयंसेवकों द्वारा उनके संबंधित कॉलेजों में जल का संरक्षण करने की शपथ ली गई।

एसवीईईपी कॉलेज परिसर राजदूत :

एसवीईईपी (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और निर्वाचन प्रतिभागिता) कॉलेज परिसर राजदूतों की नियुक्ति। प्रत्येक कॉलेज से नामांकन मुख्य निर्वाचन कार्यालय, दिल्ली तथा एनएसएस केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 2016–17 के दौरान भारत निर्वाचन आयोग से संबंधित कार्यक्रमों/क्रियाकलापों का समन्वय करने के लिए एससीसीए के रूप में किया गया।

आपदा तैयारी पर कार्यशाला

वर्ष 2016–17 के दौरान आपदा तैयारी पर कार्यशालाएं जेएमसी, भारती कॉलेज, भीम राव अम्बेडकर कॉलेज, कांलिदी कॉलेज, लक्ष्मीबाई कॉलेज, लेडी श्री राम महिला कॉलेज, मैत्रेयी कॉलेज, माता सुंदरी कॉलेज, रामानुजम कॉलेज, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज और जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य) में आयोजित की गईं। कार्यशालाओं का मुख्य ध्यान आपदा प्रबंधन के लिए स्वयंसेवकों को तैयार करने पर दिया गया था।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में स्वयंसेवक कार्य डायरी की प्रक्रिया प्रारंभ की गई तथा इसे अनिवार्य बनाया गया। कॉलेज में एनएसएस क्रियाकलापों की समुचित निगरानी इस तंत्र के माध्यम से सुनिश्चित की जा सकेगी।

नॉन–कॉलिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी.)

एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. की स्थापना दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1943 के अंतर्गत सितम्बर, 1943 में की गई थी। बोर्ड छात्राओं को नियमित कक्षाओं में उपस्थित हुए बगैर परीक्षा में शामिल होने की अनुमति प्रदान करता है। एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. महिला छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है। शैक्षणिक सत्र 2016–17 से बोर्ड ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी की सम्यक अनुमति से स्नातकपूर्व पाठ्यक्रमों के लिए 12 और नए अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की है। बोर्ड की स्थापना तीन छात्राओं के साथ हुई थी तथा इस समय यह लगभग 25,000 छात्राओं की आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है। ये छात्राएँ दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षण केन्द्रों में स्नातकपूर्व पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे हैं। ये केन्द्र दिल्ली क्षेत्र के भीतर हैं तथा छात्रों की शिक्षण–संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहे हैं। स्नातकपूर्व केन्द्रों के अलावा, ट्यूटोरियल भवन, कला संकाय में एक स्नातकोत्तर केन्द्र भी स्थित है। बी.ए. (पार्ट I, II और III) में 13265 छात्राएँ, बी.कॉम (पार्ट I. II और III) में 8424 छात्राएँ तथा पीजी पाठ्यक्रम (पूवार्द्ध और उत्तरार्द्ध) में लगभग 800 छात्राएँ हैं। इस प्रयोजन के लिए 700 अतिथि व्याख्याता नियुक्त किए गए। इनके विवरण इस प्रकार हैं :

पी.जी. छात्राओं के लिए उनके विभागों के अध्यक्षों की सिफ़ारिश के अनुसार 48 एसोसिएट/सहायक प्रोफेसर नियुक्त किए गए हैं।

छात्राओं को एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी शिक्षण की पचास दिन की अल्पकालिक शिक्षण अवधि के भीतर उनके संबंधित शिक्षण केन्द्रों में वाद–विवाद, सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाता है। कॉलेज जीवन के अनुभव से उन्हें अवगत कराने के लिए सांस्कृतिक क्रियाकलाप भी संचालित किए गए हैं।

इनके अलावा, छात्राओं के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने के लिए अनेक अंतःकेंद्रित और सांस्कृतिक क्रियाकलाप आयोजित किए गए। इन सभी क्रियाकलापों की झलक बोर्ड तथा शिक्षण केन्द्रों के वार्षिक समारोहों में देखी जा सकती है। एनसीडब्ल्यूबी की ई–पत्रिका को प्रत्येक वर्ष अद्यतन बनाया जाता है तथा उसमें 25 शिक्षण केन्द्रों के विभिन्न लेखों और सृजनात्मक लेखन को शामिल किया जाता है।

स्नातकपूर्व पाठ्यक्रमों का उत्तीर्ण प्रतिशत इस प्रकार हैः

पाठ्यक्रम	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
बी.ए. (प्रोग्राम)	86.25%	83.50%	85.33%
बी.कॉम	84.18%	80.00%	82.47%

बोर्ड ने प्रथम तीन स्थान हासिल करने के लिए इन शिक्षण केन्द्रों के स्नातकपूर्व छात्राओं को प्रोत्साहन प्रदान किए। इसके अलावा, वर्ष 2016–17 में 20 छात्राओं तथा 270 छात्राओं को भी प्रोत्साहन प्रदान किया जिन्होंने बी.ए. (प्रोग्राम)/बी.कॉम. में एक विषय में क्रमशः 100 प्रतिशत और 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे तथा एम.ए. के 42 छात्राओं ने प्रमाण–पत्र के साथ 75 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

जरूरतमंद छात्रों को सहायतानुदान भी प्रदान किया गया है।

समिति ने आवेदन करने वाले 1085 छात्राओं में से 1062 जरूरतमंद छात्राओं को प्रति छात्र 3000/– रुपए की दर से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई है।

इस वर्ष के दौरान, छात्राओं को लगभग 549 पुस्तकें (निःशुल्क) भी वितरित की गईं।

महिला शिक्षा के नए क्षतिज हासिल करने के अलावा बोर्ड अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

एनसीडब्ल्यूईबी के प्रशिक्षण केन्द्र

1. अदिति महाविद्यालय
2. आर्यभट्ट कॉलेज
3. भगिनी निवेदिता कॉलेज
4. भारती कॉलेज
5. कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज़
6. डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज
7. हंसराज कॉलेज
8. जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
9. जीसस एंड मैरी कॉलेज

10. कालिंदी कॉलेज

11. केशव महाविद्यालय

12. लक्ष्मीबाई कॉलेज

13. महाराजा अग्रसेन कॉलेज

14. मैत्रेयी कॉलेज

15. माता सुंदरी कॉलेज

16. मिरांडा हाउस

17. मोतीलाल नेहरू कॉलेज

18. पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज

19. राजधानी कॉलेज

20. रामानुजम कॉलेज

21. सत्यवती कॉलेज

22. एस.जी.जी.एस. कॉलेज ऑफ कॉमर्स

23. श्री अरविंदो कॉलेज

24. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज

25. विवेकानंद कॉलेज

26. पी.जी. शिक्षण केन्द्र

पूर्व–छात्र मामले

उपलब्धियां और अभिनवताएं

ऐतिहासिक दृष्टि से उच्चतम पूर्व–छात्र चंदा, वैश्विक पूर्व–छात्र रैंक पूरे विश्व में 500 में से 21, उत्कृष्ट समारोहों का आयोजन, अग्रणी कार्यक्रम तथा प्रो. सिडनी आर रिबेरो के सतत् मार्गदर्शन के अंतर्गत 4 महाद्वीपों में विशाल पूर्व छात्र–सहायता सेवाओं ने इस अत्यंत लाभप्रद सत्र बना दिया है ''टुवर्ड्स ए मीनिंगफुल, फुलफिलिंग डीयू–एलुम्नी डायनैमिक''।

इस वर्ष 1922 में अपनी स्थापना के बाद से दिल्ली विश्वविद्यालय को यूएस में रहने वाले पूर्व–छात्र डॉ. मदन गोपाल सेठ द्वारा अब तक का सबसे बड़ा एकल चंदा प्राप्त हुआ है, जिन्होंने गहन और व्यापक अनुसंधान कार्य के लिए ऐतिहासिक और कीर्तिमान स्वरूप 3 करोड़ रुपए की व्यवस्था की है।

इसने पूर्व–छात्र डॉ. अशीत और सुश्री जीन गांगुली, जो यूएस में स्थित टेक्नो–वैज्ञानिक हैं, द्वारा 1999 में की गई यूएसडी 85000 (+यूएसडी 15000) की व्यवस्था को पीछे छोड़ दिया है।

एक अन्य स्मरणीय प्रथम घटना में, डीयू पूर्व–छात्रों ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2018 संस्करण, लंदन के वैश्विक शीर्ष 25 में स्थान प्राप्त कर लिया जिसके लिए 70,000 से अधिक शैक्षणिक, 40000 कर्मचारियों की प्रतिक्रियाएं तथा वैश्विक दृष्टि से 4,300 एचई संस्थाओं से उत्तर प्राप्त हुए।

डीयू पूर्व–छात्र ने उल्लेखनीय 96.6 प्रतिशत प्राप्त किए तथा उसे समूचे विश्व में 500 अल्ट्रा–एलीट संस्थाओं में वैश्विक रैंक 21 पर रखा गया।

कुलपति प्रो. योगेश कुमार त्यागी के एक अभिनव विचार के माध्यम से 19 नवम्बर, 2016 को आयोजित वार्षिक दीक्षांत–समारोह में एक विशिष्ट गुणवत्ता का समावेश हुआ जब शैक्षणिक प्रोमशन में पहली बार 16 प्रतिष्ठित पूर्व–छात्रों को शामिल किया गया और पूर्व–छात्र प्रख्यात सिविल विधि स्कॉलर प्रोफेसर वेद पी. नंदा मुख्य अतिथि थे तथा अनेक प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों ने भी नवोदित स्नातकों को अपनी शुभकामनाएँ और विशेष आशीश प्रेषित किए जिनमें शामिल थे – देयर लार्डशिप जस्टिस मदन बी. लोकुर और डॉ. अर्जन के सीकरी, भारत का उच्चतम न्यायालय, यू.पी.एस.सी. 2015 टॉपर सुश्री इरा सिंघल, आईएएस, डिस्ट्रिक्ट एवं सेशन जज डी.सी. आनंद, वी.सी. प्रोफेसर जवाहरलाल कौल, शीर्ष चिकित्सक डॉ. सौमित्र रावत पद्‌मश्री, डॉ. महेश वर्मा पद्‌मश्री और डॉ. राजीव सूद, प्रेसीडेंट यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, एसएयू प्रेसीडेंट डॉ. कविता ए शर्मा, कॉरपोरेट लीडर सूर्यकांत जयपुरिया, चेयरमैन दि जयपुरिया ग्रुप (यूनिवर्सिटीज़/स्कूल्स/रेमंड आदि), अजयपाल सिंह बांगा प्रेसीडेंट एंड ग्लोबल सीईओ मास्टरकार्ड, वीसी प्रोफेसर राजन सक्सेना एन.एम.आई.एम.एस., विश्व विख्यात कॉरपोरेट हस्ती राहुल बजाज, सीएजी 2009–13 विनोद राय, आईएएस सेवानिवृत्त, डॉ. अल्विन दीदार सिंह आईएएस सेवानिवृत्त सेक–जनरल एफ.आई.सी.सी.आई. 2012–2016 पूर्व सांसद और शीर्ष नौकरशाह एन.के. सिंह तथा भारत के सी.ई.सी. 2008–2010 नवीन बी चावला आईएएस सेवानिवृत्त, 6 बार के ओलम्पियन और दो बार गोल्ड मेडल विजेता राष्ट्रमंडल/एशियाई खेल रणधीर सिंह तथा संस्थापक प्रेजीडेंट आईएटीओ डॉ. सुभाष गोयल।

कुलपति प्रो. योगेश के. त्यागी द्वारा की गई एक अन्य उत्कृष्ट पहल के फलस्वरूप दिल्ली विश्वविद्यालय के 1 मई, 2017 को मनाए गए स्थापना दिवस में चुनिंदा उच्चतर उपलब्धियां हासिल करने वाले पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया : हिज़ लॉर्डशिप माननीय न्यायमूर्ति श्री संजय किशन कौल, भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, उत्कृष्ट केन्द्रीय मंत्री, सांसद तथा विद्वान डॉ. करण सिंह, सांसद पद्‌म विभूषण, लेखक–सांसद डॉ. स्वप्न दासगुप्ता, सांसद, पद्‌म विभूषण, मीडियाकर्मी रजत शर्मा, पद्‌म भूषण, राजदूत शिव शंकर मुखर्जी तथा वरिष्ठ नौकरशाह डॉ. जयंत प्रसाद।

पर्सिपिएंस की स्थापना के साथ ही डीयू–एलुम्नी डायलॉजिक्स में एक मील का पत्थर स्थापित किया गया जो दिल्ली विश्वविद्यालय प्रतिष्ठित पूर्व–छात्र व्याख्यान माला के रूप में था जिसकी संकल्पना कुलपति प्रो. योगेश के. त्यागी द्वारा की गई थी तथा संचालन एक समिति द्वारा किया गया था जिसमें डॉ. विनीता त्रिपाठी, उप–डीन वीसीओ, डॉ. शालिनी बक्शी, उप–डीन संस्कृति, कैप्ट. डॉ. परमिंदर सहगल, उप–प्रोक्टर, जेआर और श्री आर.पी. सिंह शामिल थे तथा प्रो. पम्मी दुआ डीन शैक्षणिक/अनुसंधान की सृजनात्मक भागीदारी सम्मिलित थी और अध्यक्ष के रूप में प्रो. सिडनी आर. रेबेरो, सलाहकार/डीन पूर्व–छात्र मामले थे।

पर्सिपिएंस 1 के प्रारंभ को वैश्विक सांस्कृतिक हस्ती तथा पूर्व–छात्र डॉ. कपिला वात्स्यायन, पद्‌म विभूषण द्वारा परिभाषित किया गया जिनकी अत्यंत प्रेरक पुस्तक 'लुकिंग बैक' 1940–2017 प्रतिभागिता करने वाले शिक्षकों, छात्रों और पूर्व छात्रों की 3 पीढ़ियों के लिए एक अविस्मरणीय यात्रा सिद्ध हुई।

परसिपिएंस 2 ने भारत गणराज्य के संविधान में यथा प्रतिपादित मौलिक अधिकार के रूप में मौलिक कर्त्तव्यों के अत्यंत अनिवार्य लोकतांत्रिक अवयवों को रेखांकित किया।

हिज़ लार्डशिप माननीय डॉ. न्यायमूर्ति अर्जन के. सिकरी ने व्याख्यान दिया जिसकी अध्यक्षता पूर्व डीन तथा उत्कृष्ट स्कॉलर प्रो. एम.पी. सिंह, कुलाधिपति केन्द्रीय हरियाणा विश्वविद्यालय द्वारा की गई थी, जबकि कुलपति प्रोफेसर योगेश के. त्यागी ने एक सुस्पष्ट चुनौतीपूर्ण व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने विद्वतजनों और वृत्तिकों से आग्रह किया कि वे मौलिक अधिकारों और मौलिक कर्त्तव्यों के बीच संभावित विधिक सहसंबंधों का अन्वेषण करें क्योंकि ये दोनों एक–दूसरे के साथ भली–भांति जुड़े हुए हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय इतिहास परियोजना की शुरुआत कुलपति प्रोफेसर त्यागी द्वारा की गई है, दिल्ली विश्वविद्यालय संस्थाओं की शताब्दियों और जयंतियों का एक अत्यंत विशिष्ट 'शताब्दी डोजियर' डिजाइन और विकसित किया गया है।

व्यापक पूर्व–छात्र सेवाएं

21 राष्ट्रों में स्थित 1800 से अधिक एलुमनी–इन–नीड को उनकी नागरिक वृत्तिक प्रगति को हासिल करने में सहायता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण सहयोग और मार्गदर्शन तथा अपेक्षित दस्तावेज उपलब्ध कराए गए हैं।

डीयू एलुमनी ग्लोबल डेटाबेस 45,000 प्लस पर समेकित किया गया है तथा इसमें विभिन्न विषय क्षेत्रों और व्यवसायों के पूर्व छात्रों की 4 पीढ़ियां शामिल हैं।

डीयू एलुमनी ऑथर्स लाइब्रेरी निरंतर विकास कर रही है तथा इसमें पूर्व छात्र–लेखकों के आटोग्रॉफ भी रखे गए हैं तथा इसका एक अन्य मुख्य आकर्षण पूर्व छात्रों/छात्राओं का उनके मूल विश्वविद्यालय के साथ संबंध का सार रखा जाना है।

पूर्व–छात्र परामर्श परिषद (एएसी) के लिए प्रस्ताव को पुनः संशोधित किया गया है तथा उसे सम्यक प्रक्रमण के लिए प्रस्तुत किया गया है।

विशिष्ट पूर्व–छात्र पुरस्कार (डीएए) स्थापित करने के लिए तर्काधार, डिजाइन और कार्यक्रम फॉर्मेट, जिसकी परिकल्पना एक अंतर्महाद्वीपीय आयोजन के रूप में की गई है तथा जो दि वायसरीगल लॉज/वाइस चांसलर सक्रेटेरिएट ऑन कैम्पस पर केन्द्रित होगा, का मसौदा उपयुक्त कार्रवाई के लिए तैयार कर लिया गया है।

कैपिटल दिल्ली विश्वविद्यालय की न्यूज–मैग्जीन अद्यतन बना दी गई है तथा इसका 2/2017 संस्करण मुद्रण के लिए तैयार है जिसमें इतिहास, संस्थाओं तथा प्रसिद्ध व्यक्तियों की स्मृति को लेते हुए अभिनव डिजाइन शामिल किए गए हैं और पूर्व छात्रों की उपलब्धियां, सेवाएं और उनकी बातों के परिदृश्य को भी जोड़ा गया है।

ई–जाइन 'एल' एफेयर एलुमनी 'किस्सा अलुम्नाई का' संस्करण पांच/2017 नवीकृत फार्मेट में अपलोड कर दिया गया था तथा इसने समूचे विश्व से अत्यंत उत्साहपूर्ण प्रतिक्रियाएं प्राप्त की हैं।

100 से अधिक विभागों, कॉलेजों, एस.ओ.एल. तथा एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी. को कोर कार्डिनेशन (संकाय) और एलुमनी रिप्रेजेंटेटिव अल. रेप्स. के नेटवर्क के माध्यम से कवर करने के लिए सूक्ष्म और वृहद् संयोजनता में वृद्धि की गई है।

यूएसए, यूके, कनाडा, मध्य–पूर्व, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका और यूरोप के विभिन्न पूर्व छात्र गहन शहरों में एलुमनी चैप्टर्स की प्रणाली को पुनर्स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पूर्व–छात्र नियोजक और कर्मचारी आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाला जॉब पोर्टल 'ई–जाइन 'एल' एफेयरे एलुमनाईम संस्करण पांच/2017 पर प्रगत बनाया जा रहा है तथा पूर्व छात्र रोजगार प्रदाताओं और रोजगार प्राप्तकर्ताओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि इस पर अपनी आवश्यकताओं को भेजें जिसके संदर्भ में नियोजन सेवाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सांविधिक डीयू एलुमनी एसोसिएशन डीयूएए के लिए नई सदस्यता और नवीकरण मानदण्डों के भीतर संचालित किए गए तथा हमारे डीयू कोर्ट के लिए निर्वाचित हमारे 10 पूर्व छात्र प्रतिनिधियों ने कार्य करना जारी रखाः ये प्रतिनिधि हैं : डॉ. अनिल सरदाना, एडवोकेट माइकल डायंस, डॉ. गौरी कपूर, एडवोकेट गौतम बनर्जी, सिद्धार्थ मिश्रा, हरी शंकर गुप्ता, सुरिन्दर कुमार, संजीत कुमार सिंह, प्रो. जे.एल. गुप्ता तथा प्रोफेसर बीरेन्द्र कुमार अग्रवाल।

विश्वविद्यालय मुद्रणालय

विश्वविद्यालय मुद्रणालय ने विभिन्न मुद्रण कार्य संचालित किए, जैसे– विश्वविद्यालय की डिग्रियों, अंकतालिकाओं, उत्तर पुस्तिकाओं, प्रोस्पेक्टस, वार्षिक समीक्षा, वार्षिक रिपोर्टों तथा साथ ही शैक्षणिक परिषद/कार्यकारिणी परिषद के कार्यवृत्तों का मुद्रण, परीक्षा प्रपत्रों तथा विश्वविद्यालय और दूसरे अन्य कॉलेजों की अनेक अन्य सामग्रियों का मुद्रण। इसके अलावा विश्वविद्यालय के विभिन्न रिकॉर्डों, रजिस्टरों आदि की जिल्दसाजी का कार्य भी पूर्ण किया गया।

प्रेस सलाहकार समिति (पीएसी) ने मुद्रकों को पैनल पर रखने का कार्य पूर्ण किया। तदनुसार छह मुद्रकों को विभिन्न प्रकार के मुद्रण कार्यों के निष्पादन के लिए विश्वविद्यालय प्रेस के साथ पैनल पर रखा गया।

वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान निष्पादित किए गए कार्यों की संख्या 522 थी जिनका मूल्य 1,90,30,047/– रुपए था तथा 466 डॉकेट खोले गए।

****

शैक्षणिक केन्द्र

कृषि आर्थिकी अनुसंधान केन्द्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

केन्द्र ने दो अनुसंधान अध्ययन संचालित किए – हरियाणा में किसानों द्वारा आत्महत्या; तथा उत्तराखण्ड में पॉलीहाउस प्रभाव पर ध्यान केन्द्रित करते हुए बेमौसम सब्जियों की लागत और प्राप्ति का आर्थिक विश्लेषण तथा अपनी रिपोर्ट कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय को 31 मार्च, 2017 को सौंपी।

प्रकाशन

चन्द्रा एस. (2016), बद्रीगढ़ वाटरशेड का आर्थिक मूल्यांकन उत्तराखंड, इंडियन जर्नल ऑफ इकानॉमिक्स एंड डेवलपमेंट, 12(2), 293–300.

चन्द्रा एस. (2016). उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में गन्ने का उत्पादन और विपणन पर अध्ययन। भारत में कृषि स्थिति, LXXIII(6), 11–22.मीनी वी.एस. एवं डागर वी. (2016). राजस्थान में एकीकृत वाटरशेड विकास कार्यक्रम का आर्थिक प्रभाव. आर्ट्स सोशल साइंस जर्नल (एएसएसजे), 7(4), 2–6.

अनुसंधान परियोजनाएं

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, 2015, हरियाणा में किसानों द्वारा आत्महत्याएँ।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, 2015, उत्तराखण्ड में पॉलीहाउस प्रभाव पर ध्यान केन्द्रित करते हुए बेमौसम सब्जियों की लागत और प्राप्ति का आर्थिक विश्लेषण

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतिकरण

पापिया घोष ने अर्थशास्त्र विभाग, जाधवपुर विश्वविद्यालय द्वारा 22–23 दिसम्बर, 2016 को विकास अर्थशास्त्र में समसामयिक मुद्दों पर XXVIवें वार्षिक सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत किया।

***

संसूचक और सम्बंधित सॉफ्टवयेर प्रौद्योगिकी केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

सेंटर पूर्व में 2012 में सीईआरएन, जिनेवा स्विटजरलैंड में सीएमएस प्रयोग में हिग्स बोसन के प्रमख अन्वेषण में शामिल था तथा 2015–16 इसने सीएमएस प्रयोग के साथ अपना सहयोग जारी रखा। बीईएल, बेंगलुरु के सहयोग में डिजाइन, विकसित और निर्मित किए गए मल्टी–स्ट्रिप एसआई सेंसरों का केआईटी, जर्मनी में विशेषीकृत किए गए थे। ये अत्याधुनिक डिटेक्टर्स हैं तथा इन्हें भारत में लगभग प्रथम बार विकसित किया गया है।

प्रकाशन

दलाल आर. जैन, जी., भारद्वाज ए. एवं रंजन के. (2016). टीसीएडी सिमुलेशन ऑफ लोगेन एवालांचे डेटेक्टर्स, न्यूक्लीयर इंस्ट्रुमेंट्स एंड मेथड्स इन फिजिक्स रिसर्च सेक्शन ए, 836, 113–121.

क्षत्रयन एट. आल :

(2017). सर्च फॉर इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्शन ऑफ चार्जिनस इन फाइनल स्टेट्स विद टू τ लेप्टंस इन पीपी कोलीजन एट $\sqrt{s}$=8 टीईवी. जर्नल ऑफ एनर्जी फिजिक्स,1704, 018.

(2017). सर्च फॉर टॉप क्वार्क डिकेज़ वाया हिग्स–बोसोन मीडिएटेड फ्लेवर – चार्जिंग न्यूट्रल करेंट्स इन पीपी कोलिजंस एट $\sqrt{s}$=8 टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1702, 079.

(2017). मेज़रमेंट ऑफ डिफेरेंशियल क्रॉस सेक्शन फॉर एसोसिएटेड प्रोडक्शन ऑफ ए डब्ल्यू बोसोन एंड जेट्स इन प्रोटोन–प्रोटीन कोलीजंस एट $\sqrt{S}$ =8 टीईवी. फिजिक्स रिव्यूज़ डी 95, 052002.

(2017). मेज़रमेंट्स इन डिफेरेंशियल क्रॉस सेक्शंस फॉर टॉप क्वार्क पेयर प्रोडक्शन यूजिंग दि लेप्टन + जेट्स फाइनल स्टेट इन प्रोटोन–प्रोटोन कोलिजंस एट 13 टीईवी. फिजिक्स रिव्यू डी 95(9), 092001.

(2017). सर्च फॉर एनोमेलस डब्ल्यूटीबी कपलिंग्स एंड फ्लेवर – चेजिंग न्यूट्रल करंट्स इन टी – चैनल सिंगल टॉप क्वार्क प्रोडक्शन इन पीपी कोलीजंस एट $\sqrt{S}$ =7 टीईवी. एंड 8 टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1702, 028.

(2017). सर्च फॉर हाई–मास zγ रेसोनेंस e+e–γ और μ+μ–γ फाइनल स्टेट्स इन प्रोटोन, प्रोटोन कोलिजंस एट $\sqrt{S}$ = 8 एंड 13 टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स,1701, 076.

(2017). सप्रेशन एंड एजीमुथल एनीसोट्रोफी ऑफ प्रोम्प्ट एंड नॉन–प्रोक्प्ट $\frac{J}{\psi}$ प्रोडक्शन इन पीबी पीबी कोलीजंस एट $\sqrt{S_{NN}}$ = 2.76 टीईवी. दि यूरोपियन फिजिक्स जर्नल 77 (4), 252.

(2017). आब्जर्वेशन ऑफ चार्ज – डेपेंडेंट एजीमुथल कोरिलेशंस इन पी–पीबी कोलीजंस एंड इट्स इंप्लीकेशन फॉर दि सर्च फॉर दि चिराल मेगनेटिक इफेक्ट, फिजिकल रिव्यू लैटर्स, 118 (12), 122301.

(2017). सर्च फॉर सुपरसिमेट्री इन इवेंट्स विद वन लेप्टन एंड मल्टीपल जेट्स इन प्रोटोन – प्रोटोन कोलीजंस एट $\sqrt{S}$ = 13 टीईवी. फिजिक्स रिव्यू 95(1), 012011.

(2017). सर्च फॉर लांग लिव्ड चार्ज्ड पार्टिकल्स इन प्रोटोन–प्रोटोन कोलीजंस एट $\sqrt{S}$ = 13 टीईवी. फिजिक्स रिव्यू 94(11), 112004.

(2017). इंक्लूसिव सर्च फॉर सुपरसिमेट्री यूजिंग रेजर वेरिएबल्स इन पीपी कोलीजंस एट $\sqrt{S}$ = 13 Tev. फिजिक्स रिव्यू डी 95(1), 012003.

(2017). मेज़रमेंट ऑफ दि डब्ल्यूजैड प्रोडक्शन एक्रॉस सेक्शन इन पीपी कोलीजंस एट $\sqrt{S}$ = 7 एंड 8 टीईवी एंड सर्च फॉर एनॉमेलस ट्रिपल गॉज कप्लिंग्स एट $\sqrt{S}$ = 8 टीईवी. दि यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी 77 (4), 236.

(2017). सर्च फॉर नेरो रेसोनेंस इन डिलेप्टन मास स्पेक्ट्रा इन प्रोटोन–प्रोटोन कोलजंस एट $\sqrt{S}$ = 13 टीईवी एंड कंबिनेशन विद 8 टीईवी डेटा. फिजिक्स लैटर्स बी 768, 57–80.

(2017). मेज़रमेंट आफ इंक्लूसिव जेट क्रॉस सेक्शंस इन पीपी एंड पीबी पीबी कोलीजंस एट $\sqrt{S_{NN}}$ = 2.76 टीईवी. फिजिक्स रिव्यू सी 96 (1), 015202.

(2017). मीजरमेंट ऑफ क्यूसीडी एनालाइसिस ऑफ डबल–डिफेरेंशियल इंक्लूसिव जेट क्रॉस सेक्शन इन पीपी एंड पीबी पीबी कोलीजंस एट $\sqrt{S}$ = 8 टीईवी. एंड क्रॉस सेक्शन रेशोज़ टु 2.76 एंड 7 Tev. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स,1703, 156.

(2017). स्टडीज़ ऑफ इंक्लूसिव फोर जेट प्रोडक्शन विद टू बी – टैग्ड जेट्स इन प्रोटोन–प्रोटोन कोलीजंस एट 7 टीईवी. फिजिक्स रिव्यू डी 94(11), 112005.

(2017) सर्च फॉर हाई–मास डिकोटोन रेजोनेंसेस इन प्रोटोन – प्रोटोन कोलीजंस एट 13 Tev एंड कंबिनेशन विद 8 टीईवी. सर्च. फिजिक्स लैटर्स बी 767, 147–170.

(2017). डीकंपोजिंग ट्रांसवर्स मूमेंटम बैलेंस कंट्रिब्यूशंस फॉर क्वेंच्ड जेट्स इन पीबी पीबी कोलीजंस एट $\sqrt{S_{NN}}$ = 2. 76 टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स 1611, 055.

(2017). दि सीएमएस ट्रिगर सिस्टम, जर्नल ऑफ इंस्ट्रुमेंटेशन 12 (1), पी 01020.

(2017). मेज़रमेंट ऑफ दि टोटल एंड डिफरेंशियल इंक्लूसिव बी + हैडरॉन क्रॉस सेक्शंस इन पीपी कोलीजंस एट $\sqrt{S}$ = 13 टीईवी. फिजिक्स लैटर्स, बी 771, 435–456.

(2017). मीजरमेंट ऑफ दि प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शन ऑफ ए डब्ल्यू बोसोन इन एसोसिएशन विद टू बी जेट्स इन पीपी कोलीजंस एट $\sqrt{S}$ = 8 टीईवी. दि यूरोपियन फिजिकल जर्नल, सी 77(2), 92.

(2017). मीजरमेंट ऑफ दि मास ऑफ दि रॉय क्वार्क इन डिकेज विद ए $\frac{J}{\Psi}$ मेसन इन पीपी कोलिजंस एट 8 टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स,1612, 123.

(2017). सर्च फॉर न्यू फिनोमेना इन इवेंट्स विद हाई जेट मल्टीप्लिसिटी एंड लो मिसिंग ट्रांसवर्स मूमेंटम इन प्रोटोन – प्रोटोन कोलीजंस एट $\sqrt{S}$=8 टीईवी. फिजिक्स लैटर्स, बी 770, 257–267.

(2017). मीजरमेट ऑफ दि जैडजैड प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शन एंड $Z \rightarrow \ell+\ell-\ell+\ell-$ ब्रांचिग फ्रैक्शन इन पीपी कोलीजंश एट $\sqrt{S}$=13 टीईवी. फिजिक्स लैटर्स, बी 783, 280–303.

(2017). मीजरमेंट ऑफ इलेक्ट्रो वीक प्रोडक्शन ऑफ ए डब्ल्यू बोसोन एंड टू फार्वर्ड जेट्स इन प्रोटोन – प्रोटोन कोलीजंस एट $\sqrt{S}$=8 = टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1611, 147.

(2017). मीजरमेंट ऑफ दि डब्ल्यूजैड प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शन इन पीपी कोलीजंस एट $\sqrt{S}$ = 13 टीईवी. फिजिक्स लैटर्स, बी 766, 268–290.

(2017). सर्च फॉर डार्क मैटर इन प्रोटोन – प्रोटोन कोलीजंस एट 8 टीईवी विद मिसिंग ट्रांसवर्स मूमेंटम एंड वेक्टर बोसन टैग्ड जेट्स, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1612, 083.

(2017). जेट एनर्जी स्केल एंड रेजूलूशन इन दि सीएमएस एक्सपेरिमेंट इन पीपी कोलीजंस एट 8 टीईवी. जर्नल ऑफ इंस्ट्रुमेंटेशन, 12 (2), पी 02014.

(2017). सर्च फॉर लेप्टॉन फ्लेवर वॉयेटिंग डिकेज ऑफ दि हिग्स बोसोन एट $e\tau$ एंड $e\mu$ इन प्रोटोन – प्रोटोन कोलीजंस एट $\sqrt{S}$= 8 टीईवी. फिजिक्स लैटर्स 763, 472–500.

(2017). ऑब्जर्वेशन ऑफ दि डिके β + → ψ(2S)φ(1020) K+ इन पीपी कोलीजंस एट $\sqrt{s}$ = 8 टीईवी. फिजिक्स लैटर्स, बी 764, 66–86.

(2017) एर्च फॉर न्यू फिजिक्स इन फाइल स्टेट्स विद टू अपोजिट–साइन, सेम–फ्लेवर लेप्टांस, जेट्स एंड मिसिंग ट्रांवर्स मूमेंटम इन पीपी कोजिलंस एट एसक्यूआरटी (एस) = 13 टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स,1612, 013.

(2017). मेज़रमेंट ऑफ दि डिफरेंशियल क्रॉस सेक्शंस फॉर टाप क्वार्क पेयर प्रोडक्शन एज़ ए फंक्शन आफ काइनेमेटिक इवेंट वेएिबल्स इन पीपी कोलीजंस एट $\sqrt{s}$ =7 एंड 8 टीईवी. फिजिक्स रेवी, डी 94(5), 052006.

(2017). सर्चेज़ फॉर आर – पैरिटी – वायलेटि|ग सुपर – सिमेट्री इन पीपी कोलीजंस एट $\sqrt{s}$ = 8 टीईवी. इन फाइल स्टेट्स विद 0–4 लेप्ट्रांस, फिजिक्स रिव्यू डी 94(11), 112009.

(2017). एविडेंस फॉर कलेक्टिविटी इन पीपी कोलीजंस एट दि एलएचसी. फिजिक्स लैटर्स, बी 765, 193–220.

(2017). मेज़रमेंट ऑफ दि ट्रांसवर्स मूमेंटम स्पेक्ट्रा ऑफ वीक वेक्टर बोसोंस प्रोड्यूस्ड इन प्रोटोन – प्रोटोन कोलीजंस एट $\sqrt{s}$ =8 टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स,1702, 096.

(2017). सर्च फॉर रेसोनेट प्रोडक्शन ऑफ हाई–मास फोटोन पेयर्स इन फोटोन – फोटोन कोलीजंस एट $\sqrt{s}$ =8 एंड 13 टीईवी. फिजिकल रिव्यू लैटर्स, 117(5), 051802.

(2017). फेनोमेनोलॉजिकल एमएसएसएम इंटरप्रेटेशन ऑफ सीएमएस सर्चेज इन पीपी कोलीजंस एट$\sqrt{s}$ =7 एंड 8 टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1610, 129.

(2017). मेज़रमेंट ऑफ दि हिग्स बोसोन प्रोडक्शन एंड डिके रेट्स एंड कंस्ट्रेंट्स ऑन इट्स कप्लिंग्स फ्रॉम ए कम्बाइंड एटीएलएएस एंड सीएमएस एनालाइसिस ऑफ दि एलएचसी पीपी कोलीजंन डाटा एट $\sqrt{s}$ =7 एंड 8 टीईवी, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1608, 045.

(2017). मेज़रमेंट ऑफ दि ट्रांसवर्स मूमेंटम स्पेक्ट्रम ऑफ दि हिग्स बोसोन प्रोड्यूज्ड इन पीपी कोलजंस एट$\sqrt{s}$ =8 टीईवी यूजिंग एच टु डब्ल्यु डिकेज जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 1703, 032.

(2017). सर्च फॉर दि डार्क मैटर एंड सुपरसिमेट्री विद ए कम्प्रेस्ड मास स्पेक्ट्रम इन दि वेक्टर बोसोन फ्यूजन टोपोलॉजी इन प्रोटोन – प्रोटोन कोलीजंस एट$\sqrt{s}$ =8 टीईवी. फिजिकल रिव्यू लैटर्स, 118(2), 021802.

(2017). मीजरमेंट ऑफ दि डब्ल्यू बोसोन हेलीसिटी फ्रैक्शंस इन दि डिकेज़ ऑफ टॉप क्वार्क पेयर्स टु लेप्ट्रन + जेट्स फाइनल स्टेट्स प्रोड्यूस्ड इन पीपी कोलीजंस एट $\sqrt{s}$ =8 टीईवी. फिजिकल लैटर्स बी, 762, 512–534.

(2017). सर्च फॉर टॉप स्क्वार्क पेयर प्रोडक्टशन इन कंप्रेस्ड–मास–स्पेक्ट्रम सिनारियो इन प्रोटोन – प्रोटोन कोलीजंस एट $\sqrt{s}$ =8 टीईवी यूजिंग दि α_T वेरिएवल फिजिकल लैटर्स बी, 767, 403–430.

(2017). कोहेरेंट $\frac{J}{\psi}$ फोटो प्रोडक्शन इन अल्ट्रा–पेरीफेरियल पीबीपीबी कोलीजंस एट $\sqrt{S_{NN}}$ = 2.76 टीईवी विद दि सीएमएस एक्सपेरीमेंट, फिजिक्स लैटर्स बी. 772, 489–511.

(2017). मल्टीप्लीसिटी एंड रैपिडिटी डिपेंडेंस ऑफ स्ट्रेंज हैडरोन प्रोडक्शन इन पीपी, पीपीबी एंड पीबी पीबी कोलीजंस एट दि एलएचसी, फिजिक्स लैर्स बी,, 768, 103–129.

(2017). सर्च फॉर सुपरसिमेट्री इन पीपी कोलीजंस एट $\sqrt{S}$=13 टीईवी इन दि सिंगल–लेप्टन फाइलन स्टेट यूजिंग दि सम ऑफ मासेस ऑफ लार्ज–रेडियस जेट्स जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स,1608, 122.

(2017). मेज़रमेंट ऑफ दि डबल–डिफरेशियल इन्क्लूसिव जेट क्रॉस सेक्शन इन प्रोटोन – प्रोटोन कोलीजंस एट $\sqrt{S}$=13 टीईवी. दि यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 76(8), 451.

(2017). सर्च फॉर न्यू फिजिक्स इन सेम–साइन डिलेप्ट्रॉन इवेट्स इन प्रोटोन – प्रोटोन कोलीजंस एट $\sqrt{S}$=13 टीईवी. दि यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 76(8), 439.

(2017). सर्च फॉर हिग्स बोसोन ऑफ–शैल प्रोडक्शन इन प्रोटोन–प्रोटोन कोलीजंस एट 7 एंड 8 टीईवी एंड डेरिवेशन ऑफ कंस्ट्रेंट्स ऑन इट्स टोटल डिके विड्थ. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स 1609, 051.

(2017). मेज़रमेंट आफ दि इंटेग्रेटेड एंड डिफरेंशियल $t\bar{t}$ प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शंस फॉर हाई p_T टॉप क्वार्क्स इन पीपी कोलीजंस एट $\sqrt{S}$=8 टीईवी. फिजिकल रिव्यू डी, 94(7), 072002.

(2017). सर्च फॉर नेरो रेसोनेंस इन डाइजेट फाइलन स्टेट्स एट $\sqrt{S}$=8 टीईवी विद दि नोवल सीएमएस टेक्नीक्स ऑफ डाटा स्काउटिंग. फिजिकल रिव्यू लैटर्स., 117(3), 031802.

(2017). सर्च फॉर लेप्टॉन फ्लेवर वायलेटिंग डिकेज़ ऑफ हैवी रेसोनेंसेस एंड क्वांटम ब्लैक होल्स टु इन $e\mu$ पेपर इन प्रोटोन – प्रोटोन कोलीजंस एट ट $\sqrt{S}$=8 टीईवी. दि यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 76(6), 317.

(2017). एविडेंस फॉर एक्सक्लूसिव गामा गामा टु डब्ल्यू W^+W^- – प्रोडक्शन एंड कंस्ट्रेंट्स ऑन एनालॉगस क्वाट्रिक गौज कपलिंग्स इन पीपी कोलीजंस एट $\sqrt{S}$=7 एंड 8 टीईवी. जर्नल ऑफ आई एनर्जी फिजिक्स, 1608, 119.

(2017). बीमा टेस्ट इवालुएशन ऑफ इलेक्ट्रोमेग्नेटिक कैलोरीमीटर मॉड्यूल्स मेड फ्रॉम प्रोटोन–डैमेज्ड $PbWO_4$ क्रिस्टल्स जर्नल ऑफ इंस्ट्रुमेंटेशन, 11(04), पी 04012.

अनुसंधान परियोजनाएं :

डीएसटी प्रमुख अनुसंधान परियोजना, 2014–2019, कॉम्पैक्ट मुओन सोलेनॉइड (सीएमसी) अपडेटिंग एंड ऑपरेशन एंड यूटिलाइजेशन, डॉ. कीर्ति रंजन, 9.99 करोड़ रुपए।

डीएसटी प्रमुख अनुसंधान परियोजना, 2014–2019, अपडेटिंग एंड ऑपरेशन ऑफ रीजनल डब्ल्यूएल सीजी ग्रिड सिस्टम, डॉ. कीर्ति रंजन, 25.30 लाख रुपए।

डीएसटी प्रमुख अनुसंधान परियोजना, 2015–2018,, डॉ. अशोक कुमार, 23.48 लाख रुपए।

डीएसटी प्रमुख अनुसंधान परियोजना, 2013–2018, आर एंड डी एफर्ट्स बाई यूनीवर्सिटी ग्रुप फॉर जेएनओ प्रोजेक्ट, डॉ. मो. नईमुद्दीन, 178.41 लाख रुपए।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतीकरण :

अशोक कुमार, सीएमसी में डॉर्क मैटर सर्चेज़ पर वार्ता संचालित की, बीलोइस 2016: 28वां रेंकोंटर्स डी बीलोइस न्यायटिकल फिजिक्स एंड कास्मोलॉजी, 29 मई–3 जून, 2016, बी लोइस (फ्रांस)।

अंतर–सांस्थानिक सहयोग :

सभी शोध परियोजनाएं अंतर–सांस्थानिक परियोजनाएं हैं।

पीएच.डी./एम.फिल

पीएच. डी. – 2

***

उद्यमिता और आजीविका उन्मुख कार्यक्रम केंद्र

प्रमुख उपलब्धियां और क्रियाकलाप

केन्द्र ने इस वर्ष विभिन्न कॉलेजों में उद्यमवृत्ति विकास प्रकोष्ठों की स्थापना पर ध्यान केन्द्रित किया। तदनुसार, दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रतिनिधियों की एक बैठक सीईसीओपी के अंतर्गत 25 मई, 2016 को शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वीमेन में आयोजित की गई। इस बैठक में 23 कॉलेजों से 31 प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा उन्होंने उद्यमवृत्ति कार्यक्रम के प्रति अपनी रुचि दर्शायी।

आयोजित संगोष्ठियां/सम्मेलन :

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांइसेज़ फॉर वीमेन के ई–सैल द्वारा 9 जनवरी, 2017 को जॉब वर्सेस एंटरप्रेन्योरशिप वर्सेस हायर स्टडीज़ पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

आयोजित संगोष्ठियां/सम्मेलन

लक्ष्मी देवी, अवैतनिक (निदेशक):

तकनीकी सत्र में उद्यमिता और लिंग समानता पर वार्ता।

24 मार्च, 2017 को भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेस, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ उद्यमवृत्ति पर वार्ता।

10 फरवरी, 2017 को पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'उद्यमवृत्ति' पर वार्ता।

जनवरी और फरवरी 2017 में एनजीओ सेवा भारती के तत्वावधान में दिल्ली की मलिन बस्तियों में महिलाओं के साथ 'रसोईघर से स्वास्थ्य की ओर' पर वार्ता।

7 फरवरी 2017 को शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वीमेन की छात्राओं के साथ 'सफलता क्या है?' पर वार्ता।

जुलाई, 2016 में ऑल सेंटस कॉलेज, केरल विश्वविद्यालय के वनस्पति–विज्ञान विभाग के छात्रों के साथ 'जीन्स टॉप ट्रांसजींस' पर वार्ता।

5 मई, 2016 को गुरु तेग बहादुर थर्ड सेंटीनरी पब्लिक स्कूल, मानसरोवर गार्डन, दिल्ली के छात्रों के लिए 'समय प्रबंधन' पर व्याख्यान।

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

एफआईसीसीआई और यूएसएआईडी द्वारा एफआईसीसीआई, 1, फेडेरेशन हाउस, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली में 28 फरवरी, 2017 को आयोजित ' दि मिलेनियम एलाइंस प्रोग्राम' के लिए आमंत्रित।

सीईसीओपी ने 10 मार्च, 2017 को पीजीडीएवी सांध्य कॉलेज में उद्यमवृत्ति विकास प्रकोष्ठ आरंभ किया तथा इसकी समन्वयक डॉ. सोनिया थीं।

सीईसीओपी ने 20 फरवरी, 2017 को किरोड़ीमल कॉलेज में एक ईडीपी प्रकोष्ठ आरंभ किया। उद्यमियों द्वारा व्याख्यानों के अलावा, बिजनेस प्लान पर एक प्रतिभागिता भी आयोजित की गई। तेरह टीमों ने इसमें भाग लिया तथा श्रेष्ठ तीन को पुरस्कार दिए गए।

सीईसीओपी ने 24 मार्च, 2017 को भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज में ईडीपी प्रकोष्ठ आरंभ किया। डा. लक्ष्मी और प्रो. पल्हन द्वारा दो व्याख्यान दिए गए जिनमें उन्हें ईडीपी प्रकोष्ठ स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके सह–समन्वयक डॉ. ऊमा चौधरी थीं।

आई–हब, उद्यमवृत्ति विकास प्रकोष्ठ, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइसेंस फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय ने निदेशक सीईसीओपी को 30 मार्च, 2017 को कॉन्क्वेस्ट 2017 का भाग बनने के लिए आमंत्रित किया। इसमें अनेक लाभप्रद तकनीकी सत्र आयोजित किए गए थे जिनमें प्रतिष्ठित हस्तियों ने मंच की शोभा बढ़ाई तथा युवा मस्तिष्कों का मार्गदर्शन किया। दोपहर बाद के सत्र में, उद्यमवृत्ति के एजेंडा से संबंधित अनेक उपयोगी कार्यक्रम आयोजित किय गए।

***

फसल पौध अनुवांशिक परिचालन केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

केन्द्र का प्रमुख क्रियाकलाप पारंपरिक और जैव–प्रौद्योगिकीय दृष्टिकोणों के माध्यम से तिलहन ब्रासिकाज़ के आनुवांशिक सुधार पर अनुसंधान संचालित करना है। प्रमुख वित्तीय सहायता दो मुख्य परियोजनाओं के रूप में

डीबीटी से प्राप्त हुई। केन्द्र प्राथमिक रूप से बी. जंशिया में जीनोम्स और जीनों की आण्विक मैपिंग तथा आण्विक प्रजनन पर कार्य कर रहा है। इसके अलावा यह कार्यक्रम पारंपरिक और ट्रांसजीनिक दृष्टिकोणों के माध्मय से संकरों के विकास पर ध्यान–केन्द्रित कर रहा है। केन्द्र की कुछ अन्य उपलब्धि – दो सीएमएस–आधारित हाइब्रिड (डीएचएच और डीएमएच–4) हैं जो किसानों के खेतों में कटाई की अवस्था में हैं। जीईएसी द्वारा एक ट्रांसजीनिक संकर (डीएमएच–11) को स्वीकृति दी गई है तथा पर्यावरण में निर्गत किए जाने के लिए सरकार के अनुमोदन की प्रतीक्षा की जा रही है। इस कार्यक्रम में, अनेक डीएच मैपिंग जनसंख्याओं का प्रयोग विभिन्न महत्वपूर्ण बी. जंशिया लाइनों की जीनोम सीक्वेंसिंग एसएनपी आधारित प्रजनन प्लेटफार्म विकसित करने के लिए की जा रही है।

प्रकाशन

कजला एस., मुखोपाध्याय ए. एवं प्रधान ए.के. (2017). डेवलपमेंट ऑफ ट्रांसजीनिक ब्रासिका जंशिया लाइंस फॉर रिड्यूज्ड 1 सीड सिनैपाइन कंटेंट बाई परटर्बिंग फिनाइल प्रोपनॉयड पाथवेज़ जींस, प्लोस वन, 12(8), ई 0182747.

राजा राममोहन एस., कुमार ए., गुप्ता वी., पेंटल डी, प्रधान ए.के., एवं कौर जे. (2017). जेनेटिक आर्किटेक्चर ऑफ रेसिस्टेंस टु अल्टेरनेरिया ब्रासिके इन एराबिडोप्सिस थालीना : क्यूटीएल मैपिंग रिवील्स टू मेजर रेसिस्टेंस – कांफेरिंग लोकी, फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 8, 260.

ढाका एन., मुखोपाध्याय ए., पारितोष के. गुप्ता वी., पेंटल डी., प्रधान ए.के. (2017). आइडेंटिफिकेशन ऑफ जीनिक एसएसआर एंड कंस्ट्रक्शन ऑफ ए एसएसआर–बेस्ड लिंकेज मैप इन ब्रासिका जंशिया, यूफीटिका, 213, 15.

ही जैड., वांग एल., हार्पर ए.एल., हैवलीकोवा एल., प्रधान ए.के., पार्किन आई.ए., एवं बैनक्रॉफ्ट आई. (2017). एक्सटेंसिव होमोलोग्स जीनोम एक्सचेंजेज़ इन एलोपोलीप्लाइड क्रॉप्स रिवील्ड बाई एम. आरएनए सीक–बेस्ड विजुएलाइजेशन, प्लांट बायोटेक्नॉलाजी जर्नल, 15(5), 594–604.

ढाका एन., राउत के. यवादा एस.के., सोढी वाई.एस., गुप्ता वी., पेंटल डी., एवं प्रधान ए.के. (2017). जीनेटिक डाइसेक्शन ऑफ सीड वेट बाई क्यूटीएल एनालाइसिस एंड डिटेक्शन ऑफ एलेनिक वेरिएशन इन इंडिया एंड ईस्ट यूरोपियन जीन पूल लाइंस ऑफ ब्रासिका जंशिया, थियोरेटिकल एंड एप्लाइड जेनेटिक्स, 130(2), 293.307.

शर्मा एम., मुखोपाध्याय ए., गुप्ता डी. एवं प्रधान ए.के. (2016). बीजेयूबी. सीवाईपी 79 एफ 1 रेगुलेट्स सिथेसिस ऑफ प्रोफाइल फ्रैक्शन ऑफ एलीफैटिक ग्लूकोसिनोलेट्स इन ऑयलसीड मस्टर्ड ब्रासिका जंशिया : फंक्शनल वैली डेशन थ्रू जेनेटिक अप्रोचेज – प्लोस वन, 11(2), ई 0150060.

शोध परियोजनाएं

डीबीटी, 2016–2021, डीबीटी–यूजीसी ब्रासिका के आनुवांशिक मैनीपुलेशन पर भागीदारी कार्यक्रम. 1187.66 लाख रुपए।

संकाय सदस्य संख्या –06 (परियोजना आधारित)

***

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

सीआईआईडीआरईटी केन्द्र की स्थापना अक्तूबर, 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV–ए अंतर्गत शैक्षणिक परिषद और कार्यकारिणी परिषद के सम्यक अनुमोदनों के साथ की गई थी। इसके अधिदेश के अनुसार, इसने अनेक क्रियाकलापों का संचालन किया है जिसमें विज्ञान विषय क्षेत्र के छात्रों के साथ संपर्क स्थापित करते हुए उन्हें उनके कैरियर के रूप में अनुसंधान और अभिनवता को चुनने के लिए प्रोत्साहित करना भी शामिल है। सीआईआईडीआरईटी ने उद्यमवृत्ति अतिथि लोक व्याख्यान श्रृंखला के माध्यम से उद्योग–शिक्षण संपर्कों को प्रोत्साहित करने की योजना भी बनाई है जिसमें उद्यमितयों तथा अभिनवता के प्रवर्तकों के व्याख्यानों को शामिल किया गया है। सीआईआईडीआरईटी शिक्षा और उद्योग, दोनों ही क्षेत्रों के वैज्ञानिकों को विशेषज्ञ परामर्श प्रदान करने के साथ–साथ उन्हें अत्याधुनिक प्रोटियोमिक और जीनोमिक विश्लेषणात्मक सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहा है तथा बायोटेक उद्योग को परामर्श भी प्रदान कर रहा है। सीआईआईडीआरईटी जल्द ही हैंड्स–ऑन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी आरंभ करेगा जिसमें जीनोमिक्स और प्रोटियोमिक्स के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया जाएगा जिसे सतत् शिक्षा और जैव–प्रौद्योगिकी में अभिनवता के लिए कौशल संवर्धन स्कीम के अंतर्गत उद्योग के विशेषज्ञों के सहयोग से क्रियान्वित किया जाएगा (सीआईआईडीआरईटी – सीईएसईआईबी)।

सीआईआईडीआरईटी ने चिकनगुनिया वायरस (सीएचआईकेवी) संक्रमण के इम्युनोकैमिकल डिटेशन के लिए रीजेंट्स भी विकसित किए हैं, तथा ग्रोइंग कल्चर में एम. ट्यूबरकुलोसिस और एनटीएम का पता लगाने और पुष्टि के लिए रैपिड इम्युनोएसेज़ का विकास भी किया जा रहा है। सह–विकास के लिए औद्योगिक भागीदारों का चयन करने की प्रक्रिया आरंभ की गई है।

प्रो. विजय के. चौधरी, निदेशक, सीआईआईडीआरईटी 1 अप्रैल, 2016 से मैसर्स यशराज बायोटेक्नालॉजी लि., नवी मुंबई को सलाहकार/परामर्शक के रूप में सहयोग प्रदान कर रहे हैं जिसके लिए सीआईआईडीआरईटीको 5.00 लाख रुपए प्राप्त हुए हैं।

सम्मान/विशिष्टियां

प्रो. विजय के. चौधरी, निदेशक :

सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, सूरत रक्तदान केन्द्र और अनुसंधान केन्द्र, सूरत

सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, मैसर्स यशराज बायोटेक्नालॉजी लि. नवी मुंबई

सदस्य, टीबी नैदानिक विशेषज्ञ समिति, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

सदस्य, टीबी नैदानिक कार्य–बल इंडिया टीबी रिसर्च कंसोर्टियम (आईटीआरसी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

सदस्य, संयुक्त वैज्ञानिक सलाहकार समिति, एनजेआईएल एवं ओएमडी, आगरा और एनआईआरटी, चेन्नई।

अनुसंधान प्रयोगशालाएं

डीबीटी, भारत सरकार ने दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर में वर्ष 2020 तक डीबीटी समर्थित जीनोमिक सुविधा का अनुमोदन कर दिया है जिसका कुल परिव्यय लगभग 200 लाख रुपए है। इस सुविधा में शामिल हैं – 96 – और 16 – कैपिलटी एप्लाइड बायोसिस्टम्स मशीनों का प्रयोग करते हुए सेंगर्स डीएनए सीक्वेंसिंग, एजिलेंट प्लेटफार्म पर माइक्रोएरे तथा एमआई से प्लेटफार्म पर नेक्स जेनेरेशन सीक्वेंसिंग (प्रधान अन्वेषक : प्रो. विजय के. चौधरी; सह–प्रधान अन्वेषक : डॉ. अमृता गुप्ता)।

डीबीटी, भारत सरकार ने 2020 तक ट्यूबर कुलोसिस के लिए प्वाइंट ऑफ केयर टेस्ट हेतु रीजेंटों के विकास तथा इम्युनोडायग्नोस्टिक क्षमता रखने वाले माइको वैक्टीरियल प्रोटीनों और नोवल एंटी जीनिक एपीटोरस की पहचान की परियोजना का अनुमोदन किया है जिसका कुल परिव्यय 99 लाख रुपए है तथा एनआईटीआरडी, नई दिल्ली इसका क्लीनिकल कोलेबोरेटर है। (प्रधान अन्वेषक : डॉ. अमृता गुप्ता; सह–प्रधान अन्वेषक : प्रो. विजय के. चौधरी एनआईटीआरडी, सह–प्रधान अन्वेषक : डॉ. रोहित सरीन)।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशाला

दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली में 6–8 मार्च, 2017 को जीनोम इंफार्मेटिक्स पर दूसरी राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मैसर्स बायोनिविड टेक्नालॉजी प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूर के सहयोग से मौके पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतिकरण

प्रो. विजय के. चौधरी

व्याख्यान, दि मौजिक ऑफ एंटी बॉडीज, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, जेपी इंस्टिट्यूट ऑफ इंफार्मेशन टेक्नालॉजी, नोएडा में 18, जुलाई 2016 को डाग्नोस्टिक्सऔर थेराप्यूटिक्स में हालिया प्रगति पर संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत।

पूर्ण–सत्र व्याख्यान, दि मैजिक ऑफ एंटीबॉडीज़, केन्द्रीय हरियाणा विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ में 28 फरवरी, 2017 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में।

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

24 सितम्बर, 2016 को किरोड़ीमल कॉलेज के बीएससी, (एनालाइटिकल कैमिस्ट्री) के 25 छात्रों के दल ने दो शिक्षकों के साथ सीआईआईडीआरईटी का दौरा किया तथा उन्हें विभिन्न उपकरणों के कार्यकरण और अनुप्रयोग से अवगत कराया गया, जैसे 96 – एवं 16 – कैपिलरी एप्लाइड बायोसिस्टम्स सीक्वेंसिंग मशीनें, माइक्रोऐसे के लिए एजिलेंट प्लेटफार्म, एमआई सेक प्लेटफार्म (इलुमिना) नेक्स्ट जेनेरेशन सीक्वेंसिंग के लिए, एकेटीए प्रोटीन फ्यूरीफिकेशन सिस्टम, प्रोटीन इंटरेक्शंस के अध्ययन के लिए बीआईए कोर 3000 आदि।

प्रो. विजय के. चौधरी ने युवा छात्रों को उनके कैरियर के रूप में अनुसंधान और अभिनवता को चुनने के लिए प्रेरित करने के प्रयोजनार्थ 'वाई यूज साइंस एंड टेक्नालॉजी एज़ए कैरियर' विषय पर एक व्याख्यान भी दिया।

***

पर्वत और पर्वतीय पर्यावरण अंतर–आयामी अध्ययन केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विद्युत परियोजनाओं के पर्यावरण प्रभाव आकलन तथा नदी द्रोणियों के पर्यावरणीय संवेदनशीलता अध्ययनों के क्षेत्र में केन्द्र के उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने इसे 2001–2002 में उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान की। इसकी स्थापना विद्युत क्षेत्र में पर्यावरण प्रभाव तथा पर्यावरण प्रबंध के मुद्दों से संबंधित अध्ययन संचालित करने के लिए एक अनुसंधान और विकास केन्द्र के रूप में की गई थी। केन्द्र ने समूचे भारत में पर्यावरण प्रभाव के आकलन तथा जैव–विविधता संरक्षण से संबंधित अनेक अध्ययन संचालित किए हैं। केन्द्र पर्यावरण प्रभाव आकलन तथा संधारणीय विकास के क्षेत्र में भारत सरकार की विभिन्न संस्थाओं, इसके सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों तथा निजी क्षेत्र को सलाहकार और परामर्शी सेवाएं भी प्रदान करता है। केन्द्र के पास एक अत्याधुनिक अवसंरचना है तथा पारिस्थितिकी जैव–विविधता, संरक्षण प्रबंध, जलीय पारिस्थितिकी रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के क्षेत्रों में व्यापक विशेषज्ञता उपलब्ध है। केन्द्र ने संधारणीय विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सरकारी और निजी क्षेत्र के संगठनों को सहायता प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

केन्द्र के संकाय सदस्य और वैज्ञानिक भी पर्यावरणीय अध्यन विभाग के पूर्णकालिक शिक्षण कार्यक्रमों तथा केन्द्र में पीएच.डी. स्तर पर शोध को मार्गदर्शित करने में भी कार्य कर रहे हैं।

सम्मान/विशिष्टयां

प्रो. महाराज के. पंडित, निदेशक, निर्वाचित फेलो, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी।

प्रकाशन

भट्ट जे.पी., तिवारी एस. एवं पंडित एम.के. (2017) मत्स्य संरक्षण के विशेष संदर्भ में पूर्वी हिमालय की ऊपरी तीता द्रोणी में नदी घाटी परियोजनाओं का पर्यावरणीय प्रभाव आकलन : एक समीक्षा इंपैक्ट एसेसमेंट एंड प्रोजेक्ट एप्रेज़ल http// doi.org/10.1080/14615517.20171354642

मनीष के., पंडित एम.के., तेलवाला वाई. नौटियाल डी.सी., कोह एल.पी. एवं तिवारी एस.(2017) एलीवेशनल प्लांट, स्पीशीज़ रिचनेस पैटर्न एंड देयर ड्राइवर्स एक्रॉस नॉन–एंडेमिक्स, एंडेमिक्स एंड ग्रोथ फार्म्स इन दि ईस्टर्न हिमालया, जर्नल ऑफ प्लांट रिसर्च डीओआई 10. 1007/एस–10265–017–0946–0

नौटियाल डी.सी. एवं गौड़ आर.0डी. (2017) पोआ एल. चेशीज़ इन उत्तराखण्ड, इंडिया एंड कीज फॉर देयर आइडेंटिफिकेशन ताइवानिया, 62(1), 75–92.

पंडित एम.के. (2017) लाइफ इन दि हिमालया : एन इकोसिस्टम एट रिस्क (पृष्ठ 364) हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

अनुसंधान परियोजना

एमओईएफ एंड सीसी, मुख्य परियोजना, 2015–2016 कम्युलेटिव इम्पैक्ट एसेसमेंट एंड कैरिंग कैपेसिटी स्टडी इन अपर रीचेज़ ऑफ रिवर गंगा इन उत्तराखण्ड, प्रो. एम.के पंडित, 66.00 लाख रुपए (इस वित्तीय वर्ष में 49.50 लाख रुपए प्राप्त)।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतिकरण

महाराज के. पंडित ने रेडक्लिफ इंस्टिट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडी, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, हार्वर्ड, यूएसए में 8 अप्रैल, 2016 में आयोजित कार्यक्रम में 'लेट ए थाउजेंड जेंटियंस ब्लूम' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

जे.पी. भट्ट ने राष्ट्रीय जल–विद्युत ऊर्जा निगम लि. में 10–11 नवम्बर, 2016 को आयोजित समारोह में मत्स्य और मात्स्यिकी के विशेष संदर्भ में पर्यावरणीय प्रभाव आकलन पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

कुमार मनीष :

विदेश मंत्रालय, ताइपे, ताइवान द्वारा 4–5 जुलाई तक जलवायु परिवर्तन पर आयोजित 2017 दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई, युवा संगोष्ठी में हाउ टु स्ट्रेंथन एंड कॉम्प्लीमेंट दि लॉस एंड डैमेज मेकेनिज्म प्रोवाइडेड अंडर दि पेरिस एग्रीमेंट : ए केस स्टडी ऑफ मेडागास्कर पर वार्ता प्रस्तुत की।

चौथी भारतीय जैव–विविधता कांग्रेस, 10–12 मार्च, 2017, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी, भारत में डिफरेंशियल रिस्पांसेस ऑफ नॉन–नेटिव एंड एंडेमिक स्पेसीज़ टु क्लाइमेंट चेंज इन दि हिमालय, पर वार्ता प्रस्तुत की।

जैव–विविधता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : वर्तमान परिदृश्य और भावी रणनीतियां, 6–8 अक्तूबर, 2016, सेंट बेडेज़ कॉलेज, शिमला, भारत में आइडेंटिफाइंग स्पीशीज़ एक्सटिंशन प्रोन रीजन्स ड्यू टु क्लाइमेट चेंज इन दि हिमालया पर वार्ता प्रस्तुत की।

बदलते विश्व में पर्वतों पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 1–2 अक्तूबर, 2016 काठमांडू इंस्टिट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंसेंज, काठमांडू, नेपाल में इम्पैक्ट्स ऑफ फ्यूचर क्लाइमेट चेंज ऑन दि हैबिटेट डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ रोडोडेंड्रोंस इन सिक्किम हिमालया पर वार्ता प्रस्तुत की।

24–25 अगस्त, रेडक्लिप इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी, हार्वड यूनिवर्सिटी, यूएसए में अर्थ सिस्टम प्रोसेसेस एंड डाइवर्जेंस ऑफ हिमालयन फ्लोरा पर रेडक्लिप व्याख्यात्मक संगोष्ठी में इनफेरिंग डाइवर्सिफिकेशन एंड एंसेस्ट्रल एरिया रीकंस्ट्रशन ऑफ फ्लोरा एंडेमिक्स इन दि हिमालया पर वार्ता प्रस्तुत की।

XIX राष्ट्रमंडल वानिकी कांफ्रेस, 3–7 अप्रैल, 2016, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, भारत में टेस्टिंग फॉर फाइलोजेनेटिक कंट्रोल इन प्लांट स्पीशीज़ रिस्पांस टु क्लाइमेट चेंज इन दि हिमालया पर पोस्टर प्रस्तुतिकरण (श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार के लिए चयनित)।

अंतर–सांस्थानिक सहयोग

प्रो. महाराज के. पंडित :

पारिस्थितिकी सर्वेक्षण एवं नदी द्रोणी अध्ययन

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

वैप्कोस लिमिटेड, गुड़गांव

एनएचपीसी लिमिटेड, फरीदाबाद

टीएचडीसी लिमिटेड, उत्तराखंड

संकाय–सदस्य संख्या :

स्थायी – 1,

***

उच्चतर शिक्षा व्यावसायिक विकास केन्द्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

केन्द्र (यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र) निरंतर ऐसे पाठ्यक्रम का आयोजन कर रहा है जिनका उद्देश्य विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के शिक्षण संकाय की विद्यमान सक्षमताओं को एक नया आयाम प्रदान करना है। प्रौद्योगिकीय क्रांति के वर्तमान युग में, जब कक्षा के शिक्षण को निरंतर अभिनव इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की उपलब्धता द्वारा निरंतर चुनौती प्रदान की जा रही है, शिक्षकों को पहले की तुलना में कहीं ज्यादा स्वयं को निरंतर पुनः आविष्कृत करने की आवश्यकता हो गई है। इस वर्ष हमने चार परिबोधन कार्यक्रम (192 प्रतिभागी), पांच पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (183 प्रतिभागी) और छह अल्पकालिक पाठ्यक्रम/कार्यशालाएं (178 प्रतिभागी) आयोजित की जिनमें समूचे देश से विश्वविद्यालयों/कॉलेज शिक्षा संकाय ने भाग लिया। जिन शिक्षकों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में भाग लिया उनमें विभिन्न लिंग, जातियों के शिक्षकों स्थानीय और बाह्य प्रतिभागियों तथा साथ ही दिव्यांग श्रेणी के शिक्षण शामिल थे। उपर्युक्त के अलावा, सीपीडीएचई ने इस वर्ष तीन पुस्तकें भी आईएसबीएन नम्बर के साथ प्रकाशित कीं, जिनमें सैकड़ों शिक्षण संकाय सदस्यों ने देश के विभिन्न भागों से अपने लेखों का योगदान दिया।

प्रकाशन

सिंह जी. :

(2016). इवोलूशन ऑफ एजुकेशन सिस्टम इन भारत सीपीडीएचई, नई दिल्ली : नई दिल्ली पब्लिशर्स, आईएसबीएन नं. 978–93–85503–46–7.

(2016). एजुकेशन सिस्टम इन भारत : चैलेंजेज़ एंड पॉसिबिलिटीज़ सीपीडीएचई, नई दिल्ली : नई दिल्ली पब्लिशर्स, आईएसबीएन नं. 978–93–85503–47–4.

(2017). इंडियन एंड वेस्टर्न आस्पेक्ट्स ऑफ आइडेंटिटी. सीपीडीएचई, नई दिल्ली : श्री कला प्रकाशन, – आईएसबीएन नं. 978–93–85329–22–7.

(2016). इंडियन एंड वेस्टर्न नॉलेज ट्रेडिशन, सीपीडीएचई, नई दिल्ली, शिवालिक प्रकाशन, आईएसबीएन नं. 978–93–85144–82–0.

(2016). डाइमेंशंस ऑफ हायर एजुकेशन सीपीडीएचई, नई दिल्ली, पब्लिशर्स, नई दिल्ली, आईएसबीएन नं. 978–93–85503–19–1.

(2016). मैं तेरे विश्वास में हूं, डायमंड बुक्स, नई दिल्ली, आईएसबीएन नं. 978–93–85975–67–7.

सिंह जी. एवं डा. शर्मा एन. (2016). क्वेस्ट फॉर एक्सेलेंस इन हायर एजुकेशन, रेनू पब्लिशर्स, नई दिल्ली, आईएसबीएन नं. 978–93–85502–15–6.

सिंह जी. एवं भारद्वाज पी. (2016). सूफियाना दिल्ली, डायमंड बुक्स, नई दिल्ली, आईएसबीएन नं. 978–93–85975–66–0.

आयोजित संगोष्ठियां

जेएनयू, नई दिल्ली में 29 जुलाई, 2016 से 30 जुलाई, 2016 तक कश्मीर में शांति, लोग, संभावनाएं' पर दो–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी का आयोजन;

प्रो. गीता सिंह

परिबोधन कार्यक्रम

(ओआर – 84) 20/05/2016 –17/06/2016

(ओआर –85) 20/05/2016 – 17/06/2016

(ओआर –86) 25/11/2016 – 23/12/2016

(ओआर –87) 25/11/2016 – 23/12/2016

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम :

समसामयिक अध्ययन (प्राकृतिक विज्ञान, शिक्षा, जैविक विज्ञान, पर्यावरणीय, जनसांख्यिकी एवं समाज–विज्ञान) (आईडीसी) 07/06/2016 – 27/06/2016.

अर्थशास्त्र (एसआरसी) 13/10/2016 – 03/11/2016

वैश्विक अध्ययन (सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी) (आईडीसी) 09/06/2016 – 29/06/2016

गणित विज्ञान (एसआरसी) 30/08/2016 – 20/09/2016.

भौतिकी (एसआरसी) 13/10/2016 – 03/11/2016.

अल्पकालिक पाठ्यक्रम :

शैक्षणिक और सृजनात्मक लेखन – 20/09/2016 – 26/09/2016.

शिक्षण और शोध में उच्चतम शिक्षा में नवाचार – 01/03/2017 – 07/03/2017

अभिनव शिक्षण क्रियाविधियां और शिक्षण में आईसीटी का प्रयोग –20/10/2016–26/10/2016

भाषा, साहित्य और भाषा–विज्ञान – 20/09/2016 – 26/09/2016

कार्यशाला

शैक्षणिक प्रशासन : 02/03/2017 – 03/02/2017

आध्यात्मिक मूल्य और नवाचार : 01/03/2017 – 03/03/2017

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतिकरण

गीता सिंह, निदेशक

' मानवाधिकार शिक्षा : समकालीन विश्व में प्रवृत्तियां ' और मुद्दे विषय पर मोहिनी देवी गोयन्का बालिका बी.एड. कॉलेज, घासू, लक्षमणगढ़ सीकर, राजस्थान द्वारा 1 मई, 2016 को आयोजित तथा आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मानवाधिकार पर पत्र प्रस्तुतिकरण।

वाणिज्य विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, भारत के सहयोग से गायडू कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज़, रायल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान द्वारा जीसीबीएस परिसर, गेडु, भूटान में 3–4 जून, 2016 को 'ग्रामीण विकास – संभावनाएं और चुनौतियां' पर आयोजित दो–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत में ग्रामीण विकास कार्यक्रम और मानव संसाधन विकास पत्र प्रस्तुतिकरण।

पंचामृतम धाम द्वारा ''नैनीताल–उत्तराखंड में पृथ्वी : मौलिक मूल्य एवं वैश्विक संकट'' विषय पर आयोजित (24.05.2017–25.05.2017) दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन भाषण।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में 12.05.2017 को 'व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व' पर आयोजित 126वें परिबोधन पाठ्यक्रम में संसाधन विशेषज्ञ के रूप में दो व्याख्यान।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, गुजरात में 27.1.2017 को 'आइए हरित शहरों की ओर चलें' विषय पर आयोजित सामाजिक पर्यावरणीय अध्ययन विज्ञान में 215वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन विशेषज्ञ के रूप में दो व्याख्यान।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में 17.01.2017 को 'उच्चतर शिक्षा में नवाचार और मूल्य' विषय पर आयोजित 3 सप्ताह के शीतकालीन विद्यालय में 'उच्चतम शिक्षा में उत्कृष्टता' पर संसाधन विशेषज्ञ के रूप में दो व्याख्यान।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, गुजरात में 28.1.2017 को 'पर्यावरण और संधारणीय विकास' विषय पर सामाजिक पर्यावरण अध्ययन विज्ञान में आयोजित 215वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन विशेषज्ञ के रूप में ओपन हाउस चर्चा का संचालन।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, देवी अहित्या विश्वविद्यालय, इंदौर में 16.01.2017 को 'उच्चतर शिक्षा में अग्रेता (मामला अध्ययन)' शीर्षक पर आयोजित 'उच्चतर शिक्षा में उत्कृष्टता' विषय पर 3 सप्ताह के शीतकालीन विद्यालय में संसाधन विशेषज्ञ के रूप में दो व्याख्यान।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, गुजरात में 03.10.2016 को 'नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास' विषय पर आयोजित 113वें परिबोधन कार्यक्रम में संसाधन विशेषज्ञ के रूप में दो व्याख्यान।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, गुजरात में 'सूक्ष्म –शिक्षण' पर सामाजिक विज्ञान में 03.10.2016 को 213वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन विशेष के रूप में दो व्याख्यान।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, गुजरात में 04.10.2016 को 'सूक्ष्म शिक्षण' पर आयोजित 213वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन विशेषज्ञ के रूप में दो व्याख्यान।

इतिहास विभाग, बीएचयू तथा अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली द्वारा 20–21 अगस्त, 2016 तक बीएचयू, वाराणसी में 'इतिहास दृष्टि, इतिहास लेखन एवं इतिहास के स्रोत' पर आयोजित दो–दिवसीय राष्ट्रीय महिला इतिहासकार संगोष्ठी में शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता।

दिल्ली कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड रिसर्च, दिल्ली, द्वारा 18 अगस्त, 2010 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में 'भारतीय शिक्षा युगों से – सत्र II में दो व्याख्यान।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा 24.06.2016 को 'तनाव प्रबंधन' और 'व्यक्तित्व विकास' विषयों पर आयोजित 117वें परिबोधन कार्यक्रम में संसाधन विशेषज्ञ के रूप में दो व्याख्यान।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा 23.06.2016 'समकालीन समय में शिक्षकों की भूमिका' और 'भारतीय उच्चतर शिक्षा' विषयों पर आयोजित 117वें परिबोधन कार्यक्रम में संसाधन विशेषज्ञ के रूप में दो व्याख्यान।

''पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण विकास मिशन'', उच्चतर शिक्षा प्रकोष्ठ, भारत सरकार, नई दिल्ली की शैक्षणिक नेतृत्व और शिक्षा प्रबंध केन्द्र परियोजना के भाग के रूप में यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, एएमयू, अलीगढ़ में 06.6.2016 को संसाधन विशेषज्ञ के रूप में दो व्याख्यान।

वाणिज्य विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ भारत के सहयोग से गाएडु कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, रॉयल यूनीवर्सिटी ऑफ भूटान द्वारा जीसीबीएस परिसर, गेडु भूटान में 03.06.2016– 04.06.2016 तक ''ग्रामीण विकास – संभावनाएं और चुनौतियां'' विषय पर आयोजित दो–दिवसीय अंतर–राष्ट्रीय सम्मेलन में ''गरीबी उपशमन'' तक तकनीकी सत्र में वक्ता के रूप में अध्यक्षता।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, देवी अहित्या विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा 09.05.2016 को 'एक प्रभावी नेता बनने की ओर' विषय पर परिबोधन कार्यक्रम में संसाधन विशेषज्ञ के रूप में दो व्याख्यान।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में 02.5.2016 को ''उच्चतर शिक्षा में परिबोधन की आवश्यकता'' पर आयोजित 71वें परिबोधन पाठ्यक्रम में संसाधन विशेषज्ञ के रूप में दो व्याख्यान।

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

गीता सिंह ने एनएएसी द्वारा 25 अप्रैल, 2017 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड़, नई दिल्ली में संशोधित प्रत्यायन फ्रेमवर्क पर आयोजित राष्ट्रीय परामर्श में प्रतिभागिता की; और उन्हें हंसराज कॉलेज (एनसीडब्ल्यूईबी), दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक समारोह के लिए 18 मार्च, 2017 को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

***

क्लस्टर इनोवेशन सेंटर

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

एम.एससी. (गणित शिक्षा) : एम.एससी (गणित शिक्षा) छात्रों के लिए शैक्षणिक वर्ष 2016–17 विभिन्न शैक्षणिक क्रियाकलापों के माध्यम से संचालित किया गया। कार्यक्रमों की परिधि में आमंत्रित वार्ताएं, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण, पैनल चर्चा, विद्यालय इंटर्नशिप, शोध कार्य तथा मैट्रिक मैथेमेटिक्स एजुकेशन सोसाइटी के अंतर्गत सीआईसी में दो–दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम शामिल थे। छात्रों ने कैमरा संचालन और फिल्म निर्माण की आधारभूत जानकारी हासिल की तथा गणित शिक्षा से संबंधित मुद्दों पर दो लघु फिल्में तैयार कीं। छात्रों ने विद्यालयों में अपनी इंटर्नशिप पूरी की तथा वास्तविक कक्षा परिस्थितियों में गणित पढ़ाने की कला सीखी। छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया तथा अपने कार्य को प्रस्तुत किया। सम्मेलनों में भागीदारी से उन्हें गणित शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधान विकास का अनुभव प्राप्त हुआ।

बी. टेक. (आईटी एवं एमआई) : सीआईसी में ई–यंत्रा के नोडल केन्द्र ने 28 मार्च, 2017 को ई–यंत्रा आइडिया कंपीटीशन (ई–वाइआईसी) के क्षेत्रीय फाइनल्स की मेजबानी की। सीआईसी की टीम ने इसमें भाग लिया तथा वे फाइनल्स के लिए चुनी गई। इस कार्यक्रम का निर्णायक मंडल आईआईटी–बंबई से आमंत्रित किया गया था। सीआईसी की रोबोटिक्स सोसाइटी 'ऑटोनोमी' ने छात्रों के लिए फरवरी, 2017 में एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसका उद्देश्य छात्रों को प्रोग्रामिंग और रोबोटिक की आधारभूत जानकारी प्रदान करना था। छात्रों ने एसएनयू, नोएडा, एलएनएमआईआईटी, बंबई द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सीआईसी की कंप्यूटर सोसाइटी – 'हैशइंक्लूड' ने नियमित कार्यशालाओं और सत्रों के स्थान पर समूह–आधारित स्व–शिक्षण क्रियाविधि को अपनाया है। इसे लागू करने के लिए इसी क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्रों के दल तैयार किए गए हैं। इन समूहों की नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं जिनमें छात्र परियोजना को सीखने, विचारों पर चर्चा करने तथा उन पर कार्य करने के लिए साथ आते हैं। इन सत्रों का संचालन वरिष्ठ छात्रों द्वारा किया जाता है। बी.टेक.(आईटी एवं एमआई) के छात्र नितिन अग्रवाल ने अपनी उच्चतर शिक्षा यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड में करने के लिए राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति प्राप्त की है। उचित गर्ग, IV वर्ष के बी.टेक. (आईटी एवं एमआई) छात्र ने सीएटी 2016 में 100 पर्सेंटाइल प्राप्त किए हैं।

सम्मान विशिष्टियां

डॉ. असानी भदूड़ी :

वर्ज बर्ग, जर्मनी में नॉन कोडिंग आरएनए इन इंफेक्शन पर ईएमबीओ प्रैक्टिकल कोर्स में भाग लेने के लिए ''ईएमबीओ यात्रा अनुदान'' (18–24 सितम्बर, 2016)।

प्रशस्ति–पत्र, चयनित अभिनवता परियोजनाएं, दिल्ली विश्वविद्यालय, स्थापना दिवस, 1 मई, 2016

डॉ. जोगेश्वर एस. पुरोहित 2016–17 के लिए विद्यार्थी विज्ञान मंथन, डीएसटी, विज्ञान प्रसार पहल के शैक्षणिक समिति सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए; तथा कनिष्ठ विज्ञान ओलम्पियाड राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर दल, 2016 के लिए चुने गए।

प्रकाशन

बगई एस. एवं निष्याद सी. (2016). बोयंसी इंड्यूस्ड फ्लो पास्ट ए नॉन–आइसोथर्मल एक्सीसिमेट्रिक बॉडी इमर्स्ड एन ए पोरोस मीडियम ऑफ वेरिंग प्रीमिएबिलिटी सैचुरेटेड बाई नॉन–न्यूओनियन नैनोफ्लूड्स, विज्ञान भारती 1(2), 141–158.

बगई एव., खजूरिया टी. एवं मदान पी. (2016). विभिन्न आकृतियों की बहुमंजिला भवनों पर भूकंप के प्रभाव के लिए गणितीय मॉडल, डीयू जर्नल ऑफ अंडरग्रेजुएट रिसर्च एंड इनोवेशन 2(1), 180–188.

मेनरिया पी., प्रजापति एम. भदूड़ी ए. एट ऑल (2016). स्ट्रक्चरल एनालाइसिस ऑफ कीटों सिंथेज डोमेन इन एस्परजिली एंड इट्स यूटीलिटी फॉर डेटेक्शन, इवोलूशनरी बायोइंफार्मेटिक्स, 12, 109–119.

मीर एस. एवं मिश्रा एन. (2017). मानव विकास के पथ पर भारत योजना 61(5), 43–46.

पुरोहित जे.एस., सिंह एन., हुसैन एस.एस. एवं चतुर्वेदी एमएम (2017). अटेनिंग एपीजेनेटिक रीजुवेनेशन : चैलेंजेज अहैड मॉडल्स मॉलीक्यूल्स एंड मेकेनिज्म्स इन बायोगेरोनोटोलॉजी (स्वीकृत)।

राय. ए., भदूड़ी ए., श्रीवास्तव एन. एवं मजूमदार एस. (2016). आइडेंटिफिकेशन ऑफ नोवेल सिग्नेचर जींस अटेस्टिंग अर्सेनिक–इंड्यूज्ड इम्यून अल्ट्रेशंस इन एडल्ट जेब्राफिश (डेनियो रेरियो)। जर्नल ऑफ हैजार्डस मैरी–रियल्स, 321, 121–131.

सिंह एन., पुरोहित जे.एस., शांति एस., सिंह ए., पाणिग्रही ए.के. एवं चतुर्वेदी एम.एम. (2017). कैरेक्टेराइजेशन ऑफ दि एन – टर्मिनली क्लिप्ड हिस्टोन एच 3 (Δ एच 3) फ्रॉम ओल्ड चिकेन एंड रैट लीवर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड एक्सपेरीमेंटल पैथालॉजी, 10(5), 5334–5342.

त्यागी पी., शर्मा जे., रंजन के., तोमर वी. एवं त्रिपाठी वी. (2016). ट्रिग–डिस्क : एन इनोवेटिव डिवाइस फॉर डिटेरमिनेशन ऑफ वैल्यू ऑफ ट्रिग्नोमीट्रिक फंक्शंस विद सिंगल मीजरमेंट इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड साइंटिफिक रिसर्च, 27(1), 216–224.

वार्ष्णेय डी. एवं मीर एस. (2016). जम्मू–कश्मीर में महिलाओं की स्थिति में क्षेत्रीय असमानताएं : भौगोलिक विश्लेषण इंडियन जर्नल ऑफ रीजनल साइंस, XLVIII(2), 111–124.

वशिष्ट एच., शर्मा जे. एवं त्यागी पी. (2016). डिजाइनिंग ऑफ ए बेसिक मैथेमैटिक्स फिट टु असिस्ट मैथेमेटिकल स्किल डेवलपमेंट अमंग चिल्ड्रन विद ऑटिज्म, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन एजुकेशन एंड टेक्नालॉजी, 3(3), 153–158.

यादव एन. एवं श्रीवास्तव टी. (2016). ए मॉडिफाइड कंवोलूशन बैक प्रोजेक्शन एल्गोरिद्म फॉर टोमोग्राफिक इमेज रीकंस्ट्रक्शन विद कोंटोप्लेट ट्रांसफॉर्म इंटरनेशनल जर्नल ऑु कंप्यूटिंग साइंस एंड मैथेमेटिक्स, 7(2), 156–165.

शोध परियोजनाएं

एसईआरबी, डीएसटी द्वारा स्टार्ट–अप शोध अनुदान (युवा वैज्ञानिक), 2016–18, आइडेंटिफिकेशन ऑफ विरुलेंस फैक्टर्स इन्वोल्व्ड इन दि इंफेक्शन प्रोसेस ऑफ एमेर्जिंग एंड नेग्लेक्टेड फूड–बोर्न पैथोजन कैम्पीलोबैक्टर जेजुनी, डॉ. असानी भदूड़ी को प्रदत्त।

दिल्ली विश्वविद्यालय अनुसंधान और विकास अनुदान :

दिल्ली विश्वविद्यालय अभिनवता परियोजना स्कीम, अक्तूबर 2015–अक्तूबर 2016, दिल्ली में जल का अभाव : मांग आपूर्ति विश्लेषण, डॉ. सलीम मीर, अनुदान 1.5 लाख रुपए।

दिल्ली विश्वविद्यालय अभिनव परियोजना स्कीम, 2015–16, ग्राम रूपांतरण के लिए अभिनवता : ग्रामीण विकास के हिवारे बाजार मॉडल का अन्वेषण, डॉ. सलीम मीर, डा. निर्मल यादव, सह–पीआई, अनुदान 3.5 लाख रुपए।

दि नीदरलैंड इनिशिएटिव फॉर कैपेसिटी डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (एनआईसीएचई), डेवलपमेंट ऑफ अर्ली नॉन–इ–वेसिब डायग्नोस्टिक इंटरनेशनल फॉर एएसडी, डॉ. निर्मल यादव, पीआई.

डीएसटी–एसईआरबी–ईएमआर; 2016–17, कैरेक्टेराइजेशन ऑफ दि एच 3 स्पेसिफिक प्रोटीज (एच 3 एएसई) एक्टिविटी ऑफ दि चिकन लीवर ग्लूटामेट डीहाइड्रोजिनेस (जीडीएच), डॉ. जे.एस. पुरोहित, अनुदान : 62.74 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां

आयोजित कार्यशालाएं/विशेषज्ञों द्वारा वार्ता/समारोह :

26 अप्रैल, 2016 को 'ग्रामीण भारत में सरकारी योजना पर डॉ. किरण बेदी से वार्तालाप।

26 अगस्त, 2016 को सिम्पलीलेंड के सह–संस्थापक श्री पुनीत गुप्ता के साथ चर्चा।

डॉ. सुशील चन्द्रा, वैज्ञानिक 'एफ', आईएनएमएएस, डीआरडीओ तथा देवेन्द्र सिंह, लीड क्लाउड आर्किटेक्ट, पब्लिक सेक्टर (अमेजन इंटरनेट सर्विसेज़ प्रा.लि.), द्वारा 5 अक्तूबर, 2016 को वर्चुअल रिएलिटी पर कार्यशाला।

21 अक्टूबर, 2016 को ''स्टार्ट–अप फाइनेंसिंग, कंपनी इंकार्पोरेशन एंड लीजेलिटीज़ पर सुश्री गरिमा मित्रा (सह–संस्थापक, ट्रीलाइफ कंसल्टेंसी) द्वारा वार्ता।

श्री पुनीत रमन, संस्थापक एवं निदेशक, प्रोविस्डम ग्रोथ प्रा.लि. द्वारा 22 फरवरी, 2017 को 'उद्यमवृत्ति आधारभूत सिद्धांत एवं उद्‌भावना' पर कार्यशाला।

प्रो. कावी आर्या, आईआईटी बंबई द्वारा 28 मार्च, 2017 को' बिल्डिंग इंक्लूसिवनेस इन पीबीएल : चैलेंजेज एंड आउटकम्स' पर वार्ता।

जून–जुलाई, 2016 में आयोजित क्लस्टर इनोवेशन सेंटर की प्रथम 'ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप' का सफल आयोजन, समन्वय और समाप्ति, जहां विभिन्न संस्थानों के 40 छात्रों को इंटर्नशिप कराई गई।

डॉ. विक्रम साराभाई के जन्मदिवस के अवसर पर 11 अगस्त, 2016 को ''भारत अंतरिक्ष में'' विषय पर प्रो. पैट्रिक दासगुप्ता द्वारा वार्ता।

एम.एससी. (गणित शिक्षा) :

सुश्री सिमरत गुलाटी (मीडिया और विज्ञापन के क्षेत्र में विशेषज्ञ) द्वारा ''शिक्षा के विश्व में संप्रेषण के कौशलों का प्रयोग करना'' पर 31 अगस्त, 1 सितम्बर और 25 सितम्बर, 2016 को 2 घंटे के तीन सत्रों का संचालन किया गया।

डॉ. एस. राजेन्द्रन (सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने 30 अगस्त, 2016 को शैक्षणिक अनुसंधान में सैंपलिंग पर वार्ता संचालित की।

प्रो. रामानुजन (गणित के प्रोफेसर, आईआईएमएस, चेन्नई) ने 30 सितम्बर, 2016 को गणित की प्रकृति पर तीन घंटे का संपर्क सत्र संचालित किया।

क्लस्टर अभिनवता केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में 30 सितम्बर को 'रोड फ्रॉम विजन टु प्रैक्टिस : ए क्लोजर लुक इन टु मैथ क्लासरूम' पर पैनल चर्चा आयोजित की गई।

29 सितम्बर और 1 अक्तूबर, 2016 को एमएसई छात्रों के लिए 'डिजाइन थिंकिंग एंड प्रोडक्ट प्रोटोटाइपिंग' पर दो–दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

17 अप्रैल, 2017 को भाषा, गणित और प्रौद्योगिकी पर प्रो. ऊषा शर्मा (प्रोफेसर इन एजुकेशन, एनसीईआरटी) द्वारा भाषा, गणित और प्रौद्योगिकी पर वार्ता आयोजित की गई।

सुश्री रश्मि कथूरिया (कुलाची हंसराज मॉडल स्कूल, अशोक विहार में वरिष्ठ गणित अध्यापिका तथा राष्ट्रीय श्रेष्ठ ई–शिक्षक पुरस्कार विजेता) द्वारा ''ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए शिक्षण संसाधनों का सृजन'' पर कार्यशाला में तीन सत्र आयोजित किए गए।

डॉ. वीणा कपूर (एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा 24 मार्च, 2017 को सामान्य भाषा के संदर्भ में गणित की भाषा समझने पर दो घंटे का व्याख्यान दिया गया।

श्री गौरव रमणन (सीईओ, आरकॉर्य) द्वारा 24–25 अप्रैल, 2017 को गणित शिक्षण के लिए आईसीटी कौशल सीखने पर 3 घंटे की कार्यशाला के दो सत्र संचालित किए गए।

28 मार्च, 2017 को क्लस्टर इनोवेशन सेंटर में शिक्षा अभिनवता (प्रौद्योगिकी और संसाधन) में उद्योग संपर्क समारोह आयोजित किया गया जहां शिक्षा/गणित के क्षेत्र में कार्य करने वाली कंपनियों/संगठनों के प्रतिनिधियों ने छात्रों के साथ बातचीत की।

29–20 मार्च, 2017 को अंतर–कॉलेज, शिक्षा एकेडेमिक कार्यक्रम 'मेट्रिक्स 1.1' आयोजित किया गया जहां विभिन्न कॉलेजों के 200 से अधिक छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतिकरण

आयुष शुक्ला, धीरज कुमार एवं असानी भदूड़ी, इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (आईआईएसएफ) में ''विज्ञान संप्रेषण : विज्ञान और समाज के बीच अंतर को पाटता हुआ'' विषय पर पोस्टर प्रस्तुतिकरण, 7–11 दिसम्बर, 2016.

जे.एस. पुरोहित, विद्यालय शिक्षकों के लिए विज्ञान शिक्षा में प्रयोग, अकाल विश्वविद्यालय, भटिंडा, फरवरी, 2017.

कौशिक एम., सोनिया त्यागी पी., एवं कुकरेती एस. (2016) मल्टीपल डाइमेंशंस ऑफ फंकशनल रेलेवेंस ऑफ जीनोसेंसर्स, प्रौद्योगिकीय प्रगत सामग्रियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीटीएएम), आई 120, 77–78, 7–11 नवम्बर, 2016, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत में 03–04 फरवरी, 2017 को ''मेकिंग सिटीज़ रेसीलिएंट : पोस्ट हैबिटैट III पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शहरी संरचना – जल आपूर्ति प्रबंध' पर पोस्टर प्रस्तुतिकरण (श्रेष्ठ पोस्टर प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया गया)।

दिल्ली विश्वविद्यालय में 19 नवम्बर, 2016 को आयोजित दीक्षांत समारोह में शोध प्रदर्शन में ''ग्राम रूपांतरण के लिए अभिनवता : ग्रामीण विकास के हिवारे बाजार मॉडल का अन्वेषण'' पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण (श्रेष्ठ पोस्टर प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया गया)।

यूनिवर्सिटैट वियना, वियना, आस्ट्रेलिया में 10–14 जुलाई, 2016 को 'दि फ्यूचर्स वी वांट : ग्लोबल सोशियोलॉजी एंड दि स्ट्रगल्स फॉर ए बैटर वर्ल्ड'' पर आयोजित सोशियोलॉजी के तीसरे आईएसए फोरम में'' कश्मीर घाटी : भारत में पारिस्थितिकी संकट के लिए रामबाण के रूप में आध्यात्मिकता'' पर प्रस्तुतिकरण।

इंडिया इंटरनेशनल कांफ्रेस माइक्रोब्स एंड बायोस्फेयर : व्हाट्स न्यू व्हाट्स नेक्स्ट, गुवाहाटी में 24–27 नवम्बर, 2016 को माइक्रोबायोलोजिस्ट्स के 57वें एसोसिएशन की ''युवा वैज्ञानिक'' श्रेणी के लिए मौखिक प्रस्तुतिकरण चयनित।

वर्ज़ बर्ग, जर्मनी में 18–24 सितम्बर, 2016 को ''नॉन–कोडिंग आरएनए इन इंफेक्शन'' पर ईएमबीओ प्रैक्टिकल कोर्स में मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतिकरण।

बी.ए. ऑनर्स (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान)

21 फरवरी, 2017 को व्यवसाय प्रशासन स्नातक (बीबीए–पर्यटन) के लिए आईआईटीटीएम नोएडा में दो व्याख्यान दिए (शीर्षक : पर्यावरणीय प्रक्रियाएं जलवायु)।

7 फरवरी 2017 को डॉन बॉस्को कॉलेज, गोलाघाट, असम में कला स्नातक (समाज–विज्ञान) के लिए दो व्याख्यान वितरित किए (वीडियोकांफ्रेसिंग के माध्यम से) (शीर्षक : व्याख्यान 1 : जियो – फिजिकल कैरेक्टेरिटक्स ऑफ इंडिया; व्याख्यान 2 : डेमोग्राफिक स्ट्रक्चर ऑफ इंडियन सोसाइटी)

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय स्तर मार्गदर्शक प्रशिक्षण कार्यक्रम (2016) के लिए 16 नवम्बर, 2016 को आईआईटीटीएम नोएडा में चार व्याख्यान दिए (शीर्षक : जम्मू–कश्मीर के पर्यटक उत्पाद)।

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय स्तर मार्गदर्शक प्रशिक्षण कार्यक्रम (2016) के लिए 5 अक्तूबर, 2016 को आईआईटीटीएम नोएडा में चार व्याख्यान दिए (शीर्षक : भूगोल और पर्यटन)।

अन्य अंतरःसांस्थानिक सहयोग

बी. टेक. (आईटी एवं एमआई)

आईआईटी बंबई : सदस्यों के रूप में दिल्ली के कॉलेजों के साथ सीआईसी में रोबोटिक्स शिक्षा और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए ई–यंत्र का उत्तरजोन नोडल केन्द्र।

आईयूएसटी, जम्मू–कश्मीर के तीन छात्रों ने सितम्बर, 2016 को प्रो. शोभा भगत के अंतर्गत अपनी इंटर्नशिप पूर्ण की।

नियोजन विवरण

एम.एससी. (गणित शिक्षा) : नियोजन – 60 प्रतिशत; उच्चतर शिक्षा/पाठ्यक्रम – 20 प्रतिशत, अन्य – 20 प्रतिशत।

बी. टेक. (आईटी एवं एमआई) : नियोजन 19 (50 प्रतिशत); उच्च शिक्षा/पाठ्यक्रम – 10 (26.3 प्रतिशत); अन्य 9 (23.6 प्रतिशत)।

संकाय सदस्य – संख्या :

स्थायी – 21

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

डॉ. असानी भदूड़ी को गूगल प्लस क्रिएट इंडिया का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया जहां उनके एक फोटोग्राफिक कलेक्शनों 'भारत के पक्षी' के 65,000 से अधिक फॉलोवर्स हैं।

***

कम्प्यूटर केन्द्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

पिछले वर्ष के दौरान, दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र (डीयूसीसी) ने दिल्ली विश्वविद्यालय की आईसीटी अवसंरचना और सेवाओं को सुदृढ़ बनाने का कार्य जारी रखा। समस्त आईटी संबंधी संसाधनों के केन्द्र के रूप में डीयूसीसी ने विश्वविद्यालय की इंटरनेट, डेटासेंटर, सॉफ्टवेयर और अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति की। नेटवर्क तथा इससे संबंधित समस्त सेवाओं की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क को समुचित रूप से योजनाबद्ध किया गया और उसे अनुरक्षित किया गया। समस्त सहयोजित कॉलेजों ने दूरसंचार विभाग के

दिशा–निर्देशों के अनुपालन में संकाय सदस्यों और छात्रों को इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करने में समर्थ बनाने के लिए अधिप्रमाणन सेवाओं का प्रयोग करना जारी रखा। कॉलेजों में संस्थापित वाई–फाई प्रणाली विभिन्न प्रकार के उपकरणों जैसे लैपटॉप, स्मार्ट फोन, टेबलेट्स आदि पर सभी छात्रों को इंटरनेट की एक्सेस प्राप्त कर पाने में समर्थ बनाती है। कॉलेजों में स्थापित वाई–फाई सुविधा ने विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए इंटरनेट की पहुंच प्राप्त करने में छात्रों को समर्थ बनाया है तथा उनके मध्य जानकारी का प्रसार किया है।

नेटवर्क, वेबसाइट, प्रशिक्षण आदि से संबंधित दैनिक क्रियाकलापों कंप्यूटर केन्द्र द्वारा अनेक नई पहलें भी संचालित की गई हैं ताकि विश्वविद्यालय आईसीटी की वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके। डीयूसीसी द्वारा वर्तमान में संचालित एवं अनुरक्षित की जा रही कुछ परियोजनाएं तथा पहलें इस प्रकार हैं:–

स्नातकपूर्व प्रवेश (मेरिट आधारित) 2017–18 :

डीयूसीसी को स्नातकपूर्व प्रवेश (2017–18) जिसमें प्रवेश के लिए कॉलेज पोर्टल भी शामिल था, के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रीकरण पोर्टल विकसित करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया था। डीयूसीसी ने एक सीमित अवधि के दौरान इसे सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया। स्नातकपूर्व प्रवेश पोर्टल की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं :

1. प्रवेश पोर्टल पर 3 लाख से अधिक आवेदन सफलतापूर्वक पंजीकृत किए गए।

2. 2.2 लाख आवेदकों ने सफलतापूर्वक पंजीकरण शुल्क का भुगतान किया।

3. ऐसे आवेदकों के 1 लाख से अधिक संव्यवहारों पर कार्रवाई की गई जिन्होंने प्रवेश शुल्क जमा कराया था।

4. समस्त सेट–अप श्रेष्ठ प्रक्रियाओं के आधार पर इस प्रकार डिजाइन किया गया था कि समस्त संसाधनों का इष्टतम उपयोग किया गया और किसी भी प्रकार का डाउनटाइम ध्यान में नहीं आया।

5. पोर्टल अत्यंत व्यस्त समय के दौरान भी पूर्णतः प्रचलन में रहा।

6. पोर्टल डीयू नेटवर्क के बाहर से भी पहुंच योग्य था।

7. खेल श्रेणी मूल्यांकन भी पूर्णतः स्वचालित था।

8. बैंक के विवरण धन–वापसी प्रयोजनों के लिए आवेदकों से प्राप्त किए गए थे।

9. दिल्ली की महिला आवेदकों को स्वतः ही एनसीडब्ल्यूईबी के लिए पंजीकृत किया गया था यदि उन्होंने नियमित स्ट्रीम में बी.ए. (प्रोग्राम) अथवा बी.कॉम चुना था।

10. आवेदकों से कोई प्रभार नहीं लिए गए थे, यदि पंजीकरण शुल्क का भुगतान नेट बैंकिंग अथवा डेबिट कार्ड से किया गया था।

11. अपलोड किए जाने वाले दस्तावेजों की स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए फोटोग्राफ, हस्ताक्षर और दस्तावेजों का न्यूनतम आकार विनिर्दिष्ट किया गया था।

12. आवेदक के प्रवेश शुल्क को उस स्थिति में समायोजित किया गया था, यदि उसने एक कॉलेज से नाम वापस लेते हुए दूसरे कॉलेज में प्रवेश ले लिया हो।

13. आवेदक द्वारा किए गए समस्त भुगतानों को आवेदक के डैशबॉक्स में दर्शाया गया था।

14. कट–ऑफ को अंतिम रूप प्रदान करने के लिए प्रत्येक कॉलेज को कार्यकारी सारांश उपलब्ध कराया गया था।

15. कॉलेजों को उनके डैशबोर्ड पर तत्काल संदर्भ के लिए प्रवेश सारांश (पाठ्यक्रमवार, श्रेणीवार, कटऑफ वार) उपलब्ध कराया गया था।

16. यदि आवेदक किसी कॉलेज के लिए अनुमोदित किया जाता है तथा कोई अन्य कॉलेज उसे प्रवेश देने का प्रयास करता है, तो समुचित एलर्ट सृजित किए गए थे।

17. कट–ऑफ कॉलेजों से ऑनलाइन लिए गए थे।

18. कट–ऑफ कॉलेजों के कार्यालय से ऑनलाइन अनुमोदित किए गए थे।

19. एनसीडब्ल्यूईबी के प्रवेश नीति फ्रेमवर्क के अंतर्गत सभी एनसीडब्ल्यूईबी प्रवेश ऑनलाइन संचालित किए गए थे।

20. यह सत्यापित करने के लिए अल्पसंख्यक कॉलेज के लिए एपीआई विकसित किया गया था कि क्या आवेदक द्वारा प्रवेश पोर्टल पर शुल्क का भुगतान किया गया था।

10 जीबीपीएस डी बैंडविड्थ

उत्तर और दक्षिण दोनों ही परिसरों तथा सहयोजित कॉलेजों में बैंडविड्थ उपयोग का उसकी पूरी क्षमता के अनुसार प्रयोग किया गया। राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) ने 10 जीबीपीएच की बैंडविड्थ उपलब्ध कराई जानी जारी रखी क्योंकि अतिरिक्त बैंडविड्थ आवश्यकता को समायोजित करने के लिए इसे ऐसा अनुरोध किया गया था। इसके परिणामस्वरूप उत्तर परिसर में बैंडविड्थ में 2 जीबीपीएस से 10 जीबीपीएस की वृद्धि हुई। दिल्ली विश्वविद्यालय समूचे देश में एनकेएन संसाधनों का सबसे बड़ा प्रयोगकर्ता है। दक्षिण परिसर में बैंडविड्थ में वृद्धि के मुद्दे को भविष्य में एनकेएन के साथ भी उठाया जाएगा।

एएए अधिप्रमाणन के साथ उत्तर और दक्षिण दोनों परिसरों में कैंपस वाइड वाई–फाई

उत्तर और दक्षिण, दोनों परिसरों में कैंपस–वाइड वाई–फाई प्रारंभ किया गया तथा यह सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। यह सेवा विश्वविद्यालय के संकाय, छात्रों और कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है जिनके पास अपने वैयक्तिक लॉगइन और पासवर्ड हैं। वाई–फाई सेट अप का निर्माण वैयक्तिक इंटरनेट प्रयोक्ता के स्तर पर अधिप्रमाणन, प्राधिकरण और लेखांकन (एएए) के लिए किया गया है। 6,000 से अधिक प्रयोक्ता पहले से ही परिसर वाई–फाई सुविधा का प्रयोग कर रहे हैं तथा यह संख्या दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

दूरसंचार विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुसार, किसी भी संस्था को पिछले 6 माह के लिए इंटरनेट ट्रैफिक लॉग्स को अनुरक्षित रखने की आवश्यकता होती है। डीयूसीसी निरंतर ऐसे लॉगिन तंत्र का प्रयोग कर रहा है, जिसमें वाई–फाई ट्रैफिक सहित समस्त नेटवर्क ट्रैफिक वैयक्तिक प्रयोक्ता के लिए लॉग किया जा रहा है।

वाई–फाई नेटवर्क मॉनीटरिंग

वाई–फाई नेटवर्क की अतिसक्रिय निगरानी करने के उद्देश्य से, हार्डवेयर की निगरानी की प्रक्रिया स्थापित की गई है, जो अतिसक्रिय ट्रबलशूटिंग में सहायता करती है तथा वाई–फाई नेटवर्क के लिए अधिकतम अपटाइम अनुरक्षित करती है।

कॉलेज संपर्क

समस्त ऑफ कैंपस कॉलेजो के लिए 100 एमपीबीएस की बैंडविड्थ जारी रही। इंटरनेट सेवाओं के अधिकतम अपटाइम की आवयश्यकता को ध्यान में रखते हुए, डीयूसीसी ने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं कि कॉलेज वीपीएन संयोजनता रिंग आर्किटेक्चर में रहे। एक ओर से वीपीएन संयोजना में व्यवधान आने की स्थिति में, नेटवर्क रिंग की दूरी ओर से उपलब्ध रहता है।

महत्वपूर्ण एप्लीकेशनों के लिए को–लोकेशन सर्वर होस्टिंग :

परीक्षा

ऑनलाइन यूजी प्रवेश

ऑनलाइन पीजी प्रवेश

ऑनलाइन भर्ती

बीएमएस प्रवेश

वर्चुअल कक्षाएं

क्लस्टर अभिनवता केन्द्र

डीयू समुदाय रेडियो

पुस्तकालय, सॉफ्टवेयर (सेंट स्टीफन कॉलेज)

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली

ब्रेल पुस्तकालय

स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग

वर्चुअल शिक्षण परिवेश (वीएलए)

नामांकन द्वारा प्रबंध प्रणाली (ईडीएमएस)

डीयूसीसी ने लाइव वेबकास्टिंग संचालित की है तथा यह निम्न वीडियो भी होस्ट करता है:

वार्षिक दीक्षांत–समारोह

भारत के राष्ट्रपति के संबोधन, संसद और नीति–निर्माण

विभिन्न पूर्व समारोहों के अभिलेख

प्रारंभ किए गए ई–जर्नल, वेबसाइटें और विभागीय वेबसाइटें :

दिल्ली यूनीवर्सिटी जर्नल ऑफ क्रिएटिव राइटिंग – डीयू विधा, खंड http://journals.du.ac.in/creative/index.html

दि दिल्ली यूनीवर्सिटी जर्नल ऑफ अंडरग्रेजुएट रिसर्च एंड इनोवेशन, खंड 1 अंक 1 एवं खंड 1 अंक 2 http://journals.du.ac.in/ugresearch/

काबुल परियोजना http://kabulproject.du.ac.in/

वनस्पति विज्ञान विभाग http://botany.du.ac.in

एनएएसी रिपोर्ट – http://naac.du.ac.in

पूर्व छात्र संस्करण 2 – http://alumni.du.ac.in

एसबीआई भुगतान गेटवे इंटीग्रेटेड :

केन्द्रीय नियोजन प्रकोष्ठ – छात्र पंजीकरण भुगतान

स्नातकोत्तर फीस संग्रहण

विविध फीस संग्रहण

छात्रावास फीस आदि।

कैंपस वाइड साफ्टवेयर :

डीयूसीसी ने डीयू संकाय, कर्मचारियों, शोध स्कालरों स्नातकोत्तर और स्नातकपूर्व छात्रों के लिए निम्नलिखित नेटवर्क लाइसेंस सॉफ्टवेयर प्रदान करने की सुविधा जारी रखी :

एसपीएसएस बी 22 + एएमओएस (विंडोज 32 बाइट एवं 64 बाइट, यूनिक्स एवं मैक प्लेटफार्म)

मैटलैब आर 2014 बी (विंडोज 32 बाइट एवं 64 बाइट, यूनिक्स एवं मैक प्लेटफार्म)

सिग्मा प्लॉट 12 (केवल विंडोज के लिए)

जावा सर्वर (केवल विंडोज के लिए)

डीयूसीसी में संचालित प्रशिक्षण :

डीयूसीसी ने संकाय, कर्मचारियों, शोध स्कॉलरों, स्नातकोत्तर छात्रों, कॉलेज प्रणाली प्रशासकों/तकनीकी कार्मिकों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जिनमें एक्सेल, एक्सेस, एसपीएसएस, मैथेमेटिक्स, मैटलैब वेबडिजाइनिंग में आरंभिक पाठ्यक्रमों से लेकर प्रगत पाठ्यक्रमों तक के समस्त आयामों को शामिल किया गया था जो शिक्षण, शोध उपकरणों तथा छात्रों द्वारा संचालित परियोजनाओं के लिए अत्यंत लाभप्रद सिद्ध हुए।

नियमित क्रियाकलाप :

नई पहलों के अलावा, दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केन्द्र (डीयूसीसी) भारत के विशालतम शैक्षणिक आईटी नेटवर्क को डिजाइन और प्रशासित करता है जिसके अंतर्गत वायर्ड नेटवर्क के माध्यम से 15000 से अधिक डिवाइसों तथा राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) के माध्यम से आज की स्थिति के अनुसार इंटरनेट आवश्यकताओं के लिए वाई–फाई पर 1.5 लाख से अधिक प्रयोक्ताओं को सुविधाएं प्रदान की जाती है।

डीयूसीसी दिल्ली विश्वविद्यालय की केन्द्रीय आईटी अवसंरचना को अनुरक्षित कर रहा है जिसमें शामिल हैं :

100 से अधिक सक्रिय डिवाइसों के साथ डाटा केन्द्र जिनमें सर्वर, कोर स्विच, जोनल स्विच, रूटर्स, यूटीएम डिवाइस, स्टोरेज आदि शामिल है।

वायर्ड उपकरण जो 400 से अधिक नेटवर्क स्विचों से मिलकर बने हैं (तथा इनमें वृद्धि हो रही है)

वाई–फाई उपकरण जिनमें 100 + स्विच तथा 500 वायरलैस एक्सेस प्वाइंट हैं।

43 किलोमीटर का फाइबर आप्टिक नेटवर्क जो दोनों परिसरों में बिछाया गया है।

विभिन्न एप्लीकेशनों की होस्टिंग करने वाले सर्वर जैसे कॉलेजों और विभागों की वेबसाइटें, जिनमें विश्वविद्यालय की मुख्य वेबसाइट, डीएनएस, प्रॉक्सी, ई–मेल, भुगतान गेटवे, लाइसेंस तथा वेबकास्ट सर्वर शामिल हैं।

परीक्षा, प्रशासन, वित्त, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग पुस्तकालय कैटालॉग तथा ब्रेल साफ्टवेयर आदि के लिए सह–स्थानिक सर्वर।

डीयूसीसी दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट के लिए विषय–वस्तु, तकनीकी सहायता का प्रबंधन करने तथा डीयू फेसबुक पेज को नियमित रूप से अद्यतन बनाने, कॉलेजों/विभागों/केन्द्रों के लिए वेब होस्टिंग करने, संकाय सदस्यों के लिए वेब होस्टिंग सुविधाएं प्रदान करने का कार्य भी सक्रियता से करता है।

नेटवर्क, वेब डिजाइनिंग तथा अनुरक्षण के अलावा, डीयूसीसी ने विभिन्न समारोहों जैसे लोक व्याख्यान श्रृंखला, स्टूडियो व्याख्यान, ज्ञानोदय, वार्षिक दीक्षांत समारोह, अंतर्ध्वनि आदि के लिए सफलतापूर्वक तकनीकी सहायता प्रदान की है तथा वीडियो होस्ट किए हैं।

डीयूसीसी के साथ 1500 से अधिक सदस्य हैं जिनमें स्नातकोत्तर छात्र, शोध स्कॉलर, संकाय सदस्य तथा ऐसे कार्मिक शामिल हैं जो निःशुल्क इंटरनेट और प्रिंटिंग सेवाएं प्राप्त करते हैं। डीयूसीसी की भावी योजनाओं में परिसर तथा कॉलेज वाई–फाई की वर्चुअल कंबाइनिंग की योजना शामिल है ताकि प्रयोक्ता उनकी अवस्थिति पर ध्यान दिए बिना इंटरनेट से जुड़े रहें। यह स्थिति अत्यंत प्रयोक्ताओं के लिए निर्बाध संयोजनता भी सुनिश्चित करेगी।

***

डी.एस. कोठारी विज्ञान, आचार और शिक्षा केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियॉं

डी.एस. कोठारी सेंटर फॉर साइंस, एथिक्स एंड एजुकेशन प्रत्येक वर्ष कार्यकारी पत्र प्रकाशित करता है। इस वर्ष तीन पत्र प्रकाशित किए गए। केन्द्र सम्मेलनों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन भी करता है। डी.एस.

कोठारी स्मारक व्याख्यान हर वर्ष आयोजित किया जाता है। छात्रों और शिक्षकों के लिए पुस्तकों के उत्कृष्ट संग्रहण में 17 नई पुस्तकें शामिल की गईं।

प्रकाशन

शर्मा ए. (2016). स्कूल वर्ल्ड : एन एथनोग्राफिक स्टडी. दक्षिण एशिया में समाज–शास्त्र तथा शिक्षा के सामाजिक मानव–विज्ञान पर श्रृंखला, नई दिल्ली, क्षेत्र प्रकाशन।

मीनाक्षी थापन (आगामी). (संपा.), एजुकेटिंग इंडिया : जे. कृष्णमूर्ति एंड दि प्रैक्टिस ऑफ एजुकेशन. ऑक्सफोर्ड यूनीवर्सिटी प्रेस के साथ प्रकाशन के लिए स्वीकृत, नई दिल्ली।

कक्कड़ एस. (2016–17). एसेंशियल एथिक्स, III, 9.

शर्मा आर. (2016–17). एन एथनोग्राफिक स्टडी ऑफ क्लचर/मेटा कल्चर इन एन अल्टरनेटिव स्कूल, आई, I, 24.

सूरी बी. (2016–17). बीइंग वैली : एन एथनोग्राफिक स्टडी ऑफ प्रोसेसेस ऑफ एन अल्टरनेटिव स्कूल, II, 28.

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

प्रोफेसर कृष्ण कुमार शिक्षा विभाग (सीआईई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय में मंगलवार, 9 अगस्त, 2016 को 'शिक्षा और प्रौद्योगिकी' पर डी.एस. कोठारी स्मारक व्याख्यान दिया गया। इस व्याख्यान की अध्यक्षता और संचालन प्रो. नंदिनी सुंदर, समाज–शास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था।

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली के सहयोग से मूल्य, नयाचार और शिक्षा पर 19–20 जनवरी, 2017 को दो–दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतीकरण :

मीनाक्षी थापन (समन्वयक) :

समाज–शास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय में 21 जुलाई, 2017 को 'डूइंग एथनोग्राफी टु रिसर्च स्टुडेंट' पर वार्ता के लिए आमंत्रित।

सेंटर फॉर कम्पैरेटिव एंड ग्लोवल एजुकेशन, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनीवर्सिटी, सोनीपत में 11 मई, 2017 को जे. कृष्णमूर्ति के विश्व–विचार और शैक्षणिक विचारधारा की समकालीन प्रासंगिकता पर वार्ता के लिए आमंत्रित।

दलाई लामा की अध्यक्षता में 28 अप्रैल, 2017 को नई दिल्ली में शिक्षा में सांप्रदायिक नवाचार क्रियान्वित करने वाले विशेषज्ञ दल के लिए प्रारंभिक विद्यालयी शिक्षकों हेतु ऑनलाइन शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम पर वार्ता के लिए आमंत्रित।

शिक्षा विभाग (सीआईई), दिल्ली विश्वविद्यालय में 29 मार्च, 2017 को अंडरस्टैडिंग एथनोग्राफी एंड स्कूलिंग टु रिसर्च स्टूडेंट्स पर व्याख्यान।

टोक्यो यूनीवर्सिटी ऑफ फारेन स्टडीज, टोक्यों में 7 फरवरी, 2017 को एफआईएनडीएएस (दक्षिण एशिया पर एकीकृत क्षेत्र अध्ययन) के तत्वावधान में फाइटिंग फेथ। वेस्टर्न इमेजिनिंग्स ऑफ स्पीरिचुअल इंडिया पर वार्ता के लिए आमंत्रित।

टोक्यो यूनीवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, टोक्यो में 2–4 फरवरी, 2017 को ''टुवर्ड्स दि को–एग्जिस्टेंस ऑफ वेरियस 'सिंगल' इन ग्लोबल सोसाइटीज़'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्प्रिचुअल स्ट्राइविंग अमंग विंगल वेस्टर्न वीमेन' पर पत्र प्रस्तुतीकरण।

डी.एस. कोठारी सेंटर फॉर साइंस, एथिक्स एंड एजुकेशन तथा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर द्वारा 19–20 जनवरी, 2017 को वैल्यूज एंड सेकुलर एथिक्स इन एजुकेशन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कृष्णमूर्ति, वैल्यूज़ एंड एथिक्स इन एजुकेशन' पर पत्र प्रस्तुतीकरण।

साइंस फॉर मांक्स प्रोग्राम के तत्वावधान में शेराब्लिंग मोनेस्टी बीर, हिमाचल प्रदेश में संवेदनाओं का विनियमन और रूपांतरण पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ओपनिंग अप इमोशनल पाथवेज़ इन एजुकेशन' पर पत्र प्रस्तुतीकरण, 11–14 नवम्बर, 2016.

वसंता महिला कॉलेज, राजघाट, वाराणसी के छात्रों के लिए 29 और 30 जुलाई, 2016 को 'विद्यालयी–शिक्षा, शिक्षण और कक्षा प्रबंध को समझना : शिक्षा में प्रतिबिंबन, प्रक्रियाएं, क्रियाकलाप और मूल्य तथा नयाचार– पर व्याख्यान।

***

विकासशील देशों का अनुसन्धान केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियॉ

केन्द्र ने शैक्षणिक वर्ष 2016–17 में लगभग 100 क्रियाकलाप संचालित किए जो स्वयं में एक उपलब्धि है। नियमित मासिक व्याख्यानों, विशेष व्याख्यानों, संपर्क वार्ताओं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं ने केन्द्र को सामाजिक विज्ञान के विषय क्षेत्र में एक प्रतिस्पर्धी अनुसंधान हब बनाया है। दो परियोजनाओं की सफलतापूर्वक समाप्ति अर्थात् समीक्षा : फरवरी–मार्च 2017 में उत्तर प्रदेश विधान सभा के चुनावों का सर्वेक्षण तथा उसके त्वरित निर्वाचन परिणाम और समीक्षा : दिल्ली नगर निगम चुनाव, 2017 ने शैक्षणिक क्षेत्र में देश के एक उभरते हुए चुनाव–विश्लेषण केन्द्र के रूप में हमारी उपस्थिति को सुदृढ़ बनाया है। इन परियोजनाओं के माध्यम से हम 21वीं शताब्दी के भारत की निर्वाचन राजनीति में उभरते हुए रूझानों में बड़ी संख्या में छात्रों को आधारभूत प्रशिक्षण प्रदान करने में सफल रहे हैं। आईसीएसएसआर, नई दिल्ली के सहयोग से, केन्द्र क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत देश के विश्वविद्यालयों/कॉलेजों मे युवा संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और स्कालरों को सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भी प्रयास कर रहा है।

प्रकाशन

डीसीआरसी वार्षिक प्रतिवेदन 2016–2017.

तिमाही न्यूजलैटर के चार अंक, खंड 2, सं. 1–4.

शोध परियोजनाएं

यूजीसी ने अपने क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रम के अंतर्गत दक्षिण एशिया पर एक शोध परियोजना संस्वीकृत की। यह परियोजना 31 मार्च, 2017, समाप्त हो गई, 51 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां/व्याख्यान

'विभाजन के भाषायी प्रभाव' पर संगोष्ठी का संयुक्त रूप से आयोजन डीसीआरसी तथा राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद द्वारा 13 अगस्त, 2016 को किया गया था। जिन वक्ताओं ने अपने व्याख्यान दिए उनमें शामिल थे – श्री राम माधवजी, महासचिव, बीजेपी के श्री राहुल देव, वरिष्ठ संपादक और डा. रवि टेकचंदानी, निदेशक, एनसीपीएसएल। शैक्षणिक विचार–विमर्श में भाग लेने वाले थे – प्रो. जे.पी.एस. ओबराय, प्रख्यात समाज शास्त्री, प्रो. आलोक भल्ला, जामिया मिलिया इस्लामिया तथा डा. सुकृता पॉल कुमार, लेखक और सेवानिवृत्त संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

केन्द्र ने 23, मार्च 2017 को 'ग्रासरूट्स सोशल साइंस कोलोक्विम ऑन नॉर्थ ईस्ट' आयोजित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और केन्द्र की विजिटिंगफेलो प्रो. मधु पूर्णिमा द्वारा की गई थी। जेएनयू की डा. नंदिता सैकिया आधार व्याख्याता थी।

केन्द्र ने 23 मार्च, 2017 को 11वां ओलिवर टैम्बो व्याख्यान आयोजित किया। इसे 'भारत में लोकतंत्र : हमारे विधान मंडल और हमारे प्रतिनिधि' विषय पर डा. सूर्य प्रकाश, लेखक, स्तंभकार और अध्यक्ष, प्रसार भारती द्वारा दिया गया था।

केन्द्र ने 20 अप्रैल, 2017 को 'कश्मीर : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में वर्तमान चुनौतियां' विषय पर स्थापना दिवस व्याख्यान आयोजित किया। इस विषय पर प्रख्यात लेखक और चिंतक श्री सुशील पंडित द्वारा व्याख्यान दिया गया। प्रो. संगीत के. रागी, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा श्री पी.के. सर्राफ, वरिष्ठ अधिकारी, भारत सरकार इस अवसर पर सम्मानित अतिथि थे।

केन्द्र ने प्रत्येक माह प्रथम कार्य–दिवस वाले शुक्रवार को मासिक व्याख्यान का आयोजन किया। प्रथम मासिक व्याख्यान में प्रो. एस.एम. पटनायक, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 8 अप्रैल, 2016 को श्रोताओं के सम्मुख, एंथ्रोपोलाजी इन कंवर्सेशन विद अदर डिसीप्लिंस : रिफ्लेशंस ऑन पब्लिक पॉलिसी'' पर व्याख्यान दिया।

डा. हिमांशु राय, प्रख्यात समाज वैज्ञानिक और फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, तीन मूर्ति, नई दिल्ली ने 6 मई, 2016 को द्वितीय मासिक व्याख्यान के अंतर्गत 'सबाल्टर्न डिस्कोर्स : एन अल्टर्नेटिव पर्सपेक्टिव' पर व्याख्यान दिया।

तीसरा मासिक व्याख्यान प्रो. अमिता बाविस्कर, आर्थिक विकास संस्थान द्वारा 3 जून, 2016 को 'इकोलॉजी एंड इक्विटी : अंडरस्टैंडिंग ऑफ डेवलपमेंट थ्रू दि लेंस ऑफ दि पालिटिक्स ऑफ नेचर' विषय पर दिया गया।

सी. उदय भास्कर, सुविख्यात रक्षा विश्लेषक ने 1 जुलाई, 2016 को 'भारत की सुरक्षा चुनौतियां' पर चौथा मासिक व्याख्यान दिया।

पांचवां मासिक व्याख्यान 13 जुलाई, 2016 को प्रो. परमजीत खुराना, पादप आण्विक जीवविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'जैव प्रौद्योगिकी का विश्व' पर दिया गया।

2 सितम्बर, 2016 को पद्म भूषण डॉ. आइशर जज अहलुवालिया, सुविख्यात अर्थशास्त्री और योजनाकार ने भारत के विकास में शहरों का योगदान पर वार्ता प्रस्तुत की। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. पमी दुआ, निदेशक, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा की गई थी। श्री रिचर्ड एवेरिटे, निदेशक, शिक्षा और सोसाइटी ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली सम्मानित अतिथि थे।

डा. सुब्रमणियम स्वामी, माननीय सांसद ने उपस्थित जनों को 26 सितम्बर, 2016 को 'भारतीय राजनीति में समसामयिक मुद्दे– पर संबोधन किया। प्रो. सुषमा यादव, अध्यक्ष, भारतीय राजनीति विज्ञान एसोसिएशन ने सत्र की अध्यक्षता की।

आठवां मासिक व्याख्यान 8 नवम्बर, 2016 को प्रो. पुष्पेश पंत, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञ द्वारा ''वैश्विक परिवर्तन : भारत के लिए उभरती चुनौतियां' परदिया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. शांता एन. वर्ता, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा की गई थी। श्री ग्रैगरी हार्वे, आस्ट्रेलियाई उच्चायोग समारोह में विशिष्ट अतिथि थे।

प्रख्यात अर्थशास्त्री डा. राजीव कुमार वरिष्ठ परिषद, नई दिल्ली ने 6 जनवरी, 2017 को नौवां मासिक व्याख्यान 'विमुद्रीकरण' पर दिया। प्रो. कविता शर्मा, वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने सत्र की अध्यक्षता की।

आयोजित सम्मेलन

केन्द्र ने आईसीएसएसआर के सहयोग से 17–18 फरवरी, 2017 को ''वैश्विक परिप्रेक्ष्य में दक्षिण एशिया मुद्दे और चुनौतियां'' विषय पर दो–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। प्रो. एस.डी. मुनि, प्रोफेसर एमेरिटस, जेएनयू ने उद्घाटन सत्र में आधार व्याख्यान दिया जिसकी अध्यक्षता श्री शशांक, पूर्व विदेश सचिव, भारत सरकार द्वारा की गई थी। श्री अमरेन्द्र कठुआ, महानिदेशक आईसीसीआर मुख्य अतिथि थे। अनेक अन्य महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों ने सम्मेलन में भाग लिया, जिनमें शामिल थे – श्री वीरेन्द्र गुप्ता, पूर्व डिप्लोमैट, श्री प्रवीन स्वामी, पत्रकार, श्री सुदर्शन रामाचन्द्रन, उप निदेशक, इंडिया फाउंडेशन, डा. हरीवंश झा, नेपाल, प्रो. तकाशी कुरोसाकी, आर्थिक अनुसंधान संस्थान, जापान, प्रो. शांता एन. वर्मा, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. वीना कुकरेजा, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. श्री प्रकाश सिंह, राजनीति विकास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. संगीता थपलियाल, जेएनयू, प्रो. हर्ष वी. पंत, किंग्स कॉलेज, लंदन, और प्री वलीउर रहमान, पूर्व विदेश सचिव, बांग्लादेश। श्री शक्ति सिन्हा, निदेशक नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय ने विदाई भाषण दिया।

अन्य अंतरसांस्थानिक सहयोग

केन्द्र ने 20–23 नवम्बर, 2017 तक जनार्दन राय नागर, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर के साथ एक शैक्षणिक–सह–क्षेत्रीय कार्य अनुसंधान दौरा आयोजित किया जिसमें केन्द्र ने 10 फेलो ने संकाय, छात्रों, स्कालरों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों के साथ पारस्परिक विचार–विमर्श किया।

केन्द्र के तीन फेलो ने एक दो–दिवसीय विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया तथा विकास और शोध केन्द्र दीन गांव, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड के सहयोग से 25–26 मार्च, 2017 को टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों का

दौरा किया।

विस्तार और संपर्क क्रियाकलाप

केन्द्र ने दो चुनाव सर्वेक्षण संचालित किए, समीक्षा : उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव सर्वेक्षण, फरवरी–मार्च, 2017 में तथा समीक्षा : दिल्ली नगर निगम चुनाव, 2017 जिसके माध्यम से हम दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों के अनेक छात्रों को अनुभवजन्य प्रशिक्षण प्रदान करने में सफल रहे।

संकाय सदस्य–संख्या :

अवैतनिक – 28

अन्य उल्लेखनीय जानकारी :

समीक्षा 2017 : उत्तर प्रदेश विधान सभा सर्वेक्षण : केन्द्र द्वारा ''समीक्षा 2017 : उत्तर प्रदेश चुनाव सर्वेक्षण'' शीर्षक के अंतर्गत सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध, वैज्ञानिक दृष्टि से तैयार किया गया तथा विषयपरकता के साथ संचालित चुनाव विश्लेषण अनुसंधान सर्वेक्षण निष्पादित किया गया था। अपने छात्रों और स्कॉलरों तथा संकाय – सदस्यों और फेलो की सहायता से, केन्द्र ने फरवरी–मार्च, 2017 के दौरान उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनावों का सर्वेक्षण संचालित किया। राज्य में चुनावों के सभी सात चरणों को कवर करते हुए सभी निर्वाचन–क्षेत्रों से लिए गए लगभग 83,000 मतदाताओं के नमूनों के साथ, समीक्षा 2017 भारत की स्वतंत्रता के पश्चात् इतिहास में किसी भी राज्य का प्रथम क्षेत्र आधारित चुनावी अध्ययन बन गया है।

केन्द्र ने विभिन्न समसामयिक विषयों पर अनेक संपर्क सत्रों का आयोजन किया। गोवा विश्वविद्यालय के डा. राहुल त्रिपाठी के साथ 26 मई, 2016 को ''भारतीय अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अर्थव्यवस्था की ओर : कुछ प्रतिबिंबन'' विषय पर एक संपर्क चर्चा का आयोजन किया गया।

डॉ. अश्वनी शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ 24 जून, 2016 को ''भारत में जलवायु परिवर्तन'' पर एक संपर्क सत्र का आयोजन किया गया।

24 नवम्बर 2016 को डा. एलाना मान, सिडनी विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया के साथ ''कंपीटिंग सोवेरनेटीज़ : स्टेट एंड नॉन–स्टेट एक्टर्स इन ग्लोबल गर्वेनेंस'' विषय पर एक संपर्क सत्र का आयोजन किया गया। प्रो. वीना कुकरेजा, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. बृज महाराज, कवाजुलु – नेटल विश्वविद्यालय दक्षिण अफ्रीका ने 29 नवम्बर, 2016 को ''जेनोफोबिया : दि न्यू एपार्थेड इन डेमोक्रेडिटक साउथ अफ्रीका'' विषय पर फेलो, संकाय, स्कॉलों और छात्रों के साथ पारस्परिक विचार–विमर्श किया। प्रो. सुरेश कुमार, विभागाध्यक्ष अफ्रीकाई अध्ययन, दिल्ली विश्वविद्यालय ने सत्र की अध्यक्षता की।

***

सूचना और संचार संस्थान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने विश्वविद्यालय सूचना प्रबंध प्रणाली (यूटीएमएस) की स्थापना करने के महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यूटीएमएस के अंतर्गत, आईआईसी. ऑनलाइन यूजी और पीजी प्रवेश के लिए इंटरप्राइज आवेदनों को विकसित करने और प्रबंधित करने, शिक्षण और गैर–शिक्षण कार्मिकों के लिए ऑनलाइन भर्ती, मानव संसाधन प्रबंध, वित्त प्रबंध, दस्तावेज प्रबंध, कॉलेज प्रबंध आदि का प्रयास कर रहा है तथा वर्तमान में छात्र जीवन–चक्र प्रबंधन क्रियान्वित किया जा रहा है।

संस्थान ने विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन किया जैसे औद्योगिक व्याख्यान श्रृंखला जिसमें प्रतिष्ठित व्यक्ति आईटी उद्योग क्षेत्र में वर्तमान प्रवृत्तियों पर विशेषीकृत व्याख्यान देने संस्थान का दौरा करते हैं। इसके अलावा, छात्रों और संकाय ने समय–समय पर उद्योग–विश्वविद्यालय संपर्क कार्यक्रम भी आयोजित किए है। संकाय ने सक्रिय रूप से विभिन्न प्लेटफार्मों में अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए हैं, जैसे राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशालाएं/पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी नियोजन क्रियाकलाप सक्रिय रूप से संचालित किया गया जिसके परिणामस्वरूप प्रथम चक्र ने 40 प्रतिशत नियोजन प्रदान किया गया। अनेक शीर्षस्थ आईटी उद्योग की कंपनियां परिसर नियोजन के लिए आ रही हैं। इस वर्ष संस्थान में आने वाले उद्योगों में शामिल हैं – स्नैपडील, जिलियस सोलूशंस, एरिसेंट टेक्नालॉजीज़ ह्यूजेज़ स्टीक, क्यूएइंफो टेक आदि।

सम्मान/विशिष्टियां

सुश्री नेहा राव को कैप्टन अनुज नय्यर स्मारक स्वर्ण पदक–2016 प्रदान किया गया, दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रकाशन

जैन ए. एवं दास एम.के. (2016). डायनेमिक पैटर्न्स इन प्रोसेजेज़ आफ साइंस सिस्टम्स : साइंस एकेडेमेक्सि एंड देयर जर्नल्स – एन इलस्ट्रेटिव एक्जाम्पल, जर्नल ऑफ साइंटोमेटिक रिसर्च 5(3), 43.

भट्टाचार्जी ए. एवं दास एम.के. (2017). एर्मेजेंट डायनैमिक्स ऑफ स्पिकिंग न्यूरोंस विद फ्लक्चुएटिंग थ्रेशहोल्ड, कम्युनिकेशंस इन नॉन जीनियर साइंस एंड न्यूमेरिकल सिमुलेशन, 46, 126–134.

कुमार एम., कुमार एस., बुद्धिराजा आर., दास एम.के. एवं सिंह एस. (2016). इंटरट्विनिंग लॉजिस्टिक मैप एंड सेल्युलर ऑटोमैटा बेस्ड कलर इमेज एंक्रिप्शन मॉडल, इन आईईईई इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन कंप्यूटेंशनल टेकनीक्स इन इंफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नालॉजीज़ (आईसीसीटीआईसीटी), 618–623.

कुमार एम., कुमार एस., बुद्धिराजा आर., दास एम.के. एवं सिंह एम. (2016). लाइटवेट द्वारा सिक्यूरिटी मॉडल फॉर आईओटी एप्लीकेशंस : ए डायनैमिक की अप्रोच इन आईईईई इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई–थिंग्स) एंड आईईईई कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशंस (ग्रीन कॉम) एंड आईईईई साइबर, फिजिकल एंड सोशल कंप्यूटिंग (सीपीएस कॉम) एंड आईईईई स्मार्ट डाटा (स्मार्ट डाटां), 424–428.

कुमार एम., कुमार एस., बुद्धिराजा आर., दास एम.के. एवं सिंह एम. (2017). ए क्रिप्टोग्राफिक मॉडल वेस्ड ऑन लॉजिस्टिक मैप एंड ए 3–डी मैट्रिक्स, जर्नल ऑफ इंफार्मेशन सिक्यूरिटी एंड एप्लीकेशंस, 32, 47–58.

कुमार एम., कुमार एस., बुद्धिराजा आर., दास एम.के. एवं सिंह एम. (2017).ए सिक्यूर एंड लाइट वेट आईओटी बेस्ड 12–लीड ईसीजी एक्वीजीशन सिस्टम, ईएसबीएम ट्यूनेशिया।

कुमार एस., कुमार एम., बुद्धिराजा आर., दास एम.के. एवं सिंह एम. (2017). ए रोबस्ट क्रिप्टोग्राफिक मॉडल फॉर सिक्यूटिंग मेडिकल इंफार्मेशन, ईएसबीएम, ट्यूनेशिया।

शोध परियोजनाएं

डीयू/डीएसटी 2014–2019, सेटिंग अप दि रिसर्च इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नेटवर्क आर्किटेक्चर एंड सिक्यूरिटी, साइबर सिक्यूरिटी एंड फॉरेंसिक, 14.3 लाख रुपए।

के–ग्रिड 2016–17, डेवलपमेंट ऑफ मोबाइल ऐप (एप्स) सिक्यूरिटी स्टैंडर्ड (एमएएसएस), 13.56 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियॉ

20 मार्च, 2017 को बायो–टेक पार्क, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर मे ''संश्लिष्ट प्रणालियां : विकासात्मक समस्याओं में अनुप्रयोग'' पर कार्यशाला।

डा. आर. बर्मन, पूर्व कार्यकारी निदेशक, आरबीआई भारत, रीथिंकिंग इकोनॉमिक्स एंड इकोनॉमिक स्टैटेस्टिक्स।

प्रो. कर्मेशु, कंप्यूटर और सिस्टम्स विज्ञान विभाग, जेएनयू, नॉल लीनियर मॉडल्स ऑफ सोशल सिस्टम : मॉडल्स ऑफ सोशल सिस्टम : रोल ऑफ स्टोचैरस्टिसिटी।

प्रो. कार्लोस गेर्शेन्सन, सेनसेबल सिटी लैब, एमए, यूएसए, स्व–संगठन के साथ शहरी संचालन में सुधार करना।

डॉ. अशोक जैन एवं डा. एम.के. दास, आईआईसी, यूडीएससी, कॉम्प्लेक्सिटी मीजर ऑफ डायनेमिक पैटर्न्स इन रिसर्च।

डॉ. अपर्णा बासु, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, संगठनों के नेटवर्क का विश्लेषण : सामाजिक असंतोष के लिए प्रयोग।

डॉ. संजीव सिंह, आईआईसी, यूडीएससी, मल्टी पैरामीटर मानीटरिंग इन आईओटी बेस्ड हैल्थ केयर सिस्टम्स : इशूज एंड चैलेंजेज़।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

एन्विसाज 16, छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए ओपन सोर्स प्रौद्योगिकी पर वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता–ज्ञापन

भारतीय/विदेशी कंपनियां/उद्योगों के साथ – 01

नियोजन विवरण

नियोजित छात्र – 19

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 05

नियोजित छात्र (परिसर से बाहर) – 06

नियोजित छात्रों की कुल संख्या और प्रतिशत – 25 और 71.42 प्रतिशत

संकाय सदस्य–संख्या –03

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

आईआईसी विभिन्न स्वचालन प्रक्रियाओं के लिए विश्वविद्यालय को आईटी आधारित समाधान और सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्व योगदान दिया है। एनआईसी, भारत सरकार ने 12वीं योजना पर हेकैथन आयोजित करने के लिए आईआईसी को कहा है तथा राष्ट्रीय स्तर की विचार चुनौती पुनः आयोजित की।

******

आजीवन अभिग्रहण संस्थान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियॉं

अप्रैल, 2016 से मार्च, 2017 तक की अवधि में आईएलएलएल की बेवसाइट vle.du.ac.in में ई–विषय–वस्तु अपलोड की गई : अंग्रेजी–55, गणित–60, राजनीति विज्ञान–65, वाणिज्य–54, भौतिकी–02, प्राणि विज्ञान–48, वनस्पति विज्ञान–20, कुल ई–पाठों की संख्या 304 है। 3 वीडियो व्याख्यान और 426 एमसीक्यू भी अपलोड किए गए हैं। अंग्रेजी की 10 तथा गणित की 14 ई–पुस्तकों को संकलित किया गया तथा उन्हें आईएसबीएन संख्या प्रदान की गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों को इंटरनेट पर निःशुल्क एक्सेस प्रदान की गई है तथा vle.du.ac.in पर अपलोड की गई ई–विषय–वस्तु निःशुल्क डाउनलोड की जा सकती है। छात्रों द्वारा इस ई–विषय–वस्तु के प्रयोग का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विचाराधीन अवधि के दौरान 1.81 लाख से अधिक छात्रों ने इस साइट पर विजिट किया और अपनी प्रतिक्रियाएं दीं।

सम्मान / विशिष्टियॉं

प्रो. शर्मिष्ठा पांजा, निदेशक (अंतरिम प्रभार) आईएलएलएल

प्रकाशन

सिडनी, स्पेंसर और रॉयल रीडर, कैम्ब्रिज स्कालर्स पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशन के लिए स्वीकृत, 2017.

पांजा एस. एवं सर्राफ बी.एस. (2016). पर्फार्मिंग शेक्सपीयर इन इंडिया : एक्सप्लोरिंग इंडियन नेस, लिट्रेचर एंड कल्चर्स, लॉस एंजेल्स, लंदन, नई दिल्ली : सेज।

लियु एस. (2016). इंटर कल्चरल थिएटर एंड शेक्सपीयर प्रोडक्शन्स इन एशिया : इंडिया, इन रूटलेज हैंडबुक ऑफ एशियन थिएटर (पृष्ठ 504–509), लंदन और न्यूयार्क रूटलेज।

मैरिज ऑफ टू माइंड्स बाई विलियम शेक्सपीयर, वर्ड्स ऑफ लास्टिंग इंट्रेस्ट, रीडर्स डाइजेस्ट, अप्रैल, 2016.

अनुसंधान परियोजनाएँ

छह विषयों में एमएचआरडी से एनएमई आईसीटी परियोजना।

आयोजित संगोष्ठी

सुश्री मनीला कोहली, फेलो अंग्रेजी आईएलएलएल ने प्रो. देसाई, डा. स्वाति पाल और डा. पायल नागपाल द्वारा वीडियो व्याख्यानों का समन्वय किया तथा इन्हें 'दि रेनेसां एंड शेक्सपीयर' पर एमओओसी द्वारा रिकार्ड किया गया। एनपीटीईएल के लिए 10 घंटे का एमओओसी (मनीला कोहली के साथ) फरवरी–मार्च, 2017 में प्रदान किया गया। अनटचेबल स्प्रिंग पर ई–पाठ अपलोड किए गए (अप्रैल, 2016).

इंटरएनिमेशन ऑफ वर्ड एंड इमेज, आईएचसी फोटोस्फेयर, इंडिया हैबिटेट सेंटर, दिसम्बर, 2016.

21 जून, 2016 को शिक्षकों तथा स्नातकपूर्व छात्रों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला; 23 सितम्बर, 2016 को विज्ञान में शिक्षकों और स्नातकपूर्व छात्रों के लिए कार्यशाला, वक्ता : डा. आदित्य सक्सेना, सहायक प्रोफेसर और डा. रमा सिसोदिया, सहायक प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं पूर्व–फेलो, आईएलएलएल।

कंप्यूटर विज्ञान में 30 सितम्बर, 2016 को शिक्षकों तथा स्नातकपूर्व छात्रों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला, वक्ता फातिमा सिद्दीका, व्याख्याता कंप्यूटर इंजनियरी राजकीय पॉलीटेक्नीक, शास्त्रीनगर, डी ब्लॉक, गाजियाबाद और आईएलएलएल के पूर्व तकनीकी कार्मिक।

इतिहास में 7 अक्तूबर, 2016 को शिक्षकों तथा स्नातकपूर्व छात्रों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला वक्त – डॉ. अर्चना और डॉ. अमृत कौर बरसा, एसोसिएट प्रोफेसर (आईएलएलएल में पूर्व–फेलो), दिल्ली विश्वविद्यालय।

राजनीति विज्ञान में 21 अक्तूबर, 2016 को शिक्षकों तथा स्नातकपूर्व छात्रों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला; वक्ता – प्रो. सुनील चौधरी, निदेशक, डीसीआरसी, दिल्ली विश्वविद्यालय।

गणित में 28 अक्तूबर, 2016 को शिक्षकों तथा स्नातकपूर्व छात्रों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला; वक्ता – डॉ. वीरेन्द्र कुमार, सहायक प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय और पूर्व–फेलो, आईएलएलएल।

अंग्रेजी में 4 नवम्बर, 2016 को शिक्षकों तथा स्नातकपूर्व छात्रों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला; वक्ता – शर्मिष्ठा पांजा, निदेशक आईएलएलएल तथा सुश्री देविन्दर मोहिनी आहूजा, एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय।

निःशक्त छात्रों के लिए 9 नवम्बर, 2016 को क्षमता निर्माण कार्यशाला; वक्ता – प्रो. अनिल अनेजा, दिल्ली विश्वविद्यालय।

विदेशी छात्रों के लिए 11 नवम्बर, 2016 को क्षमता निर्माण कार्यशाला; वक्ता – डॉ. अमृत कौर और डॉ. आर.के व्यस, आईसीटी समन्वयक।

16 और 17 नवम्बर, 2016 को नॉन–कॉलिजिएट छात्रों के लिए कंप्यूटर जागरूकता कार्यशाला, वक्ता : श्री आर.के. व्यास, आईसीटी समन्वयक।

आयोजित सम्मेलन

इंटर–एनिमेशन ऑफ वर्ड एंड इमेज, आईएचसी फोटोस्फेयर, इंडिया हैबिटेट सेंटर, दिसम्बर, 2016.

संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आई. शैल, ल्यूर यू नॉट विद आई ब्यूटी : जेंडर, ट्रांसलेशन एंड टैगोर्स सांग्स, बियांड पोस्ट कोलोनियल हर्मेनियूटिक्स : तुलनात्मक संदर्श, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज़ एंड ट्रेनिंग इग्नू, मार्च, 2017.

पूर्व–सत्र वक्ता, फ्रैंजाइल थियोराइजिंग अबाउट ग्लोबलाइजेशन : फूड मीडिया एंड मास्टरशेफ आस्ट्रेलिया, कुलिनरी रूट्स / रूट्स , अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली विश्वविद्यालय, नवम्बर, 2016.

दि ग्रेवडिगर्स सीन इन हैम्लेट, वर्ल्ड शेक्सपीयर कांग्रेस, 2016. स्ट्रैट फोर्ड अपोन एवन एंड लंदन, जुलाई–अगस्त, 2016.

शर्मिष्ठा पांजा, व्याख्यान के लिए आमंत्रित :

दि रेनेसां इन यूरोप : एन इंट्रोडक्शन टु दि इंटेलेक्चुअल बैक ग्राउंड, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, फरवरी, 2017.

पूर्ण सत्र, शेक्सपीयर इन इंडिया, भारत में शेक्सपीयर के संदर्भीकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन, एलएडी कॉलेज फॉर वीमेन, नागपुर, फरवरी, 2017.

आधार–व्याख्यान, हैदर के विशेष संदर्भ में भारतीय मंच और स्क्रीन में शेक्सपीयर, भारतीय साहित्य और भाषाओं में शेक्सपीयर, राष्ट्रीय सम्मेलन, साहित्य अकादमी, कोलकाता, जनवरी, 2017.

फ्रॉम दि मर्मर ऑफ प्रेज टु दि क्लैमर ऑफ एडाप्टेशन : शेक्सपीयर ऑन दि इंडियन स्टेज एंड स्क्रीन, चौथा वार्षिक व्याख्यान, सेंटर फॉर एशियन स्टडीज़ एंड पालीटिकल एंड बिजनेस डेली, ओडिशा, भुवनेश्वर, दिसम्बर, 2016.

सांग, सर्वेलेंस एंड ग्रेव याड्र्स : विशाल भारद्वाज की हैदर, हैमलेट, ब्रिस्टल विश्वविद्यालय, यूके जुलाई, 2016.

आधार–व्याख्यान, शेक्सपीयर और शिक्षा : बॉयडेल एंड बंगाल, शेक्सपीयर और शिक्षा, ब्राइटन विश्वविद्यालय, यूके, अप्रैल, 2016.

आधार–व्याख्यान, शेक्सपीयर फार एवर ऑर फॉर एडे? शेक्सपीयर 400 : फॉरएवर एंड ए डे, बिबिलोथेक एलेक्जेंड्रिया, एलेक्जेंड्रिया, मिश्र, अप्रैल, 2016

.

अन्य अंतर–सांस्थानिक सहयोग

अमेरिकन दूतावास के रीजनल इंगलिश लैंगुएज ऑफिस (आरईएलओ) के सहयोग से दो–दिवसीय शैक्षणिक लेखन कार्यशाला 21–22 नवम्बर, 2016.

एमओओसी : 10 घंटे एमओओसी 'दि रेनेसां एंड शेक्सपीयर, प्रो. शर्मिष्ठा पांजा और सुश्री मनीला कोहली द्वारा डिजाइन किया गया तथा एनपीटीईएल पोर्टल के माध्यम से प्रदान किया गया, फरवरी–मार्च, 2016.

संकाय सदस्य–संख्या – 5

***

पादप जीनोमिक्स अंतः–विषयक केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

हमारे दल ने पूर्व में अंतर्राष्ट्रीय पहल के भाग के रूप में चावल जीनोम की सीक्वेंसिंग में भाग लिया था। पिछले 10 वर्षों से, उत्पादन विकास में शामिल जीनों के कार्य से, उत्पादन विकास में शामिल जीनों के कार्य को समझने तथा चावल में अजीवी तनाव सहिष्णुता प्रदान करने पर अधिक बल प्रदान किया जा रहा था। अतः हमने चावल की तुलनात्मक कृषि–जोप जातियों का उपयोग किया जिन्होंने उस समय विभेद दर्शाया जब युवा चावल के पादपों को सूखा तनाव के प्रति रखा गया था। अभिव्यक्ति आंकड़ों के विस्तृत विश्लेषण ने एबीए, माध्यमिक मेटाबॉलिज्म और रेडोक्स स्थिति के साथ सहिष्णु चावल कृषि–जोपजाति में ऑस्मोटिक और डीटॉक्सीफिकेशन सिगनलिंग को सक्रिय बनाया। डाटाबेसों से क्यूटीए के साथ विभेदकारी एक्सप्रेस्ड जीनों को–लोकलाइजेशन करते हुए कैंडिडेट जीनों की पहचान की गई जिनमें वे भी शामिल थे, जो प्रमुख क्यूडीटीवाई 1.1 तथा कुछ नोवल जीन ओएसडब्ल्यूआरकेवाई 51 और ओएसवीपी 1 को रेखांकित कर रहे थे जिन्होंने चावल कृषि–जोपजातियों में सूखा सहयता प्रदान की तथा जो बाजार–सहायक प्रजनन के लिए संभावित महत्व के हो सकते हैं।

सम्मान–विशिष्टियां

इंडियन सोसाइटी फॉर प्लांट फीजियोलॉजिस्टों द्वारा उनकी दिसम्बर, 2016 को जीकेवीके, बेंगलूर में आयोजित वार्षिक बैठक में प्रो. एस.के. सिन्हा स्मारक व्याख्यान पुरस्कार।

डीएसटी–एफआईएसटी जीव–विज्ञान समिति की जून, 2016 के बाद से सह–अध्यक्षता।

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली (03 जनवरी, 2017 से 2 जनवरी, 2020) के सदस्य।

प्रकाशन

अग्रवाल पी., परीदा एस.के., रघुवंशी एस., कपूर एस., खुराना पी., खुराना जे.पी. एवं त्यागी ए.के. (2016). भारत में जीनोम आधारित कार्यात्मक विश्लेषण तथा आण्विक प्रजनन के माध्यम से चावल सुधार, चावल, 9(1), 1.

भट्टाचार्यजी ए., खुराना जे.पी. एवं जैन एम. (2016). चावल होमियोबॉक्स जीनों का विशेषता–वर्णन, ओएसएचओएक्स 22 और ओएसएचओएक्स 24, तथा ट्रांसजीनिक एराबिडॉप्सिस में ओएसएचओएक्स 24 की अति–अभिव्यक्ति अजैविक तना प्रतिक्रिया में उनकी भूमिका को सुझाती है, फ्रंटिसर्य इन प्लांट साइंस 7, 627.

बोरा पी., शर्मा ई., कौर ए., चंदेल जी., महापात्रा टी., कपूर एस. एवं खुराना जे.पी. (2017). माइक्रोएरे–आधारित ट्रांसक्रिप्टोमिक्स अप्रोच का प्रयोग करते हुए चावल की दो तुलनात्मक किस्मों में सूखा–सिगनलिंग नेटवर्क का विश्लेषण, साइंटिफिक रिपोटर्स, 7, 42131.

हरिता बी., कृष्णन एस.जी. प्रभु के.वी., सिंह एन.के., मिश्रा एस., खुराना जे.पी. एवं सिंह ए.के. (2016). आल्ट्रेशन इन हार्मोनल होमियोस्टैसिस ड्यू टु डिसरप्शन ऑफ ऑक्स 1 जीन इन गोल्डन राइस® जीआर 2– आर इवेंट रिजल्ट्स इन इंफीरियर एग्रोनॉमिक पर्फोमेंस, प्लोस वन 12(1).

कुमार आर., वर्मा एच, हैदर एस., बजाज ए., सूद यू., पुन्नूस्वामी के. नागर एस., नेगी आर. शकराद एम., सिंह वाई., खुराना जे.पी. गिल्बर्ट जे. एवं लाल आर. (2017). तुलनात्मक जीनोमिक विश्लेषण जीनस नोवोस्फिनग्लोबियम के भीतर हैबिटेट स्पेसिफिक जीन और रेगुलेटरी हब्स दर्शाता है। एम सिस्टम्स, 2(3), ई 00020–17

अनुसंधान परियोजनाएं

डीबीटी, 2015–2020, फंक्शनल वैलिडेशन ऑफ जींस इन्वॉल्ब्ड इन रेगुलेटिंग ट्रांसीशन ट फ्लावरिंग इन राइस, प्रो. जे.पी. खुराना 1.40 करोड़ रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां

प्रो. जे.पी. खुराना ने दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण पसिर, नई दिल्ली में 27 फरवरी, 2017 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित 'आईएनएसए–टीडब्ल्यूएस प्रायोजित पूर्ण–सत्र व्याख्यान का संचालन किया जिसे एक्स के प्रो. बलराम भार्गव द्वारा दिया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

प्रो. जे.पी. खुराना : मई, 2016 में भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूर में स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज में व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

वनस्पति–विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली – 110007, द्वारा 24 अगस्त, 2016 को डॉ. मानसी राम स्मारक व्याख्यान आयोजित किया गया।

आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 25 अक्तूबर, 2016 को आयोजित 'अभिनवता कांक्लेव' के दौरान 'मुख्य अतिथि' के रूप में व्याख्यान।

आईएआरआई, नई दिल्ली में नवम्बर, 2016 को 'प्लांट साइकोलॉजी एवं प्लांट बायोकैमिस्ट्रीय डिवीजन' की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित स्वर्ण–जयंती व्याख्यान।

इंडियन सोसाइटी ऑफ प्लांट फीजियोलॉजी तथा डिवीजन ऑफ क्रॉप फीजियोलॉजी, यूएएस, बेंगलूर द्वारा दिसम्बर, 2016 में आयोजित राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी के दौरान प्रो. एस.के. सिन्हा स्मारक व्याख्यान तथा एक सत्र की अध्यक्षता।

स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जेएनयू में जनवरी, 2017 को एडवांसेस इन ह्यूमन एंड मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स पर विचार–गोष्ठी में व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

बोस संस्थान, कोलकाता में 'इनसाइट टु पलॉट बायलॉजी इन दि मार्डन एरा' पर 8–10 फरवरी, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता और एक व्याख्यान दिया तथा बोस इंस्टिट्यूट शताब्दी समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित।

दिल्ली विश्वविद्यालय में फरवरी, 2017 को बायलॉजिकल टाइमिंग एंड हैल्थ इशूज़ इन दि 21स्ट सेंचुरी पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में सत्र की अध्यक्षता और व्याख्यान दिया।

सीएसआईआर–आईआईसीबी, कोलकाता में 'पादप जैव–प्रौद्योगिकी : औषधीय और फसल पादपों पर वर्तमान संदर्श' पर 3–5 मार्च, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में पूर्ण–सत्र।

स्कूल ऑफ लाइफ साइंसे़ज, जेएनयू में मार्च, 2017 को छात्रों द्वारा आयोजित शोध समारोह' बायोस्पार्क' में उद्घाटन व्याख्यान।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

7 संस्थानों के साथ एक परियोजना बहु–सांस्थानिक है तथा समन्वयक संस्था दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर, नई दिल्ली है।

संकाय सदस्य – संख्या – 4

***

विश्वविद्यालय विज्ञान इंस्ट्रूमेंटेशन केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

यूनीवर्सिटी साइंस इंस्ट्रुमेंटेशन सेंटर द्वारा विभाग तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के संघटक कालेजों के सभी शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए अत्यंत संश्लिष्ट विश्लेष्णात्मक उपकरणों से सज्जित एक केन्द्रीकृत सुविधा का अनुसरण किया जाता है। यह केन्द्र सप्ताह में छह दिन प्रातः 9 बजे से सांय 5:30 बजे खुला रहता है।

उपलब्ध उपकरण हैं :

ट्रांसमीशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप तथा सैंपल प्रीपेशन

वेरिएबल एंगल और बेरिएबल ब्रेवलैंथ एलीप्सोमीटर

पाउडर और सिंगल क्रिस्टल एक्स–रे किफ्रेक्टोमीटर

400 एमएचजैड, न्यूक्लीयर मेगनेटिक रेसोनेंस

सर्कुलर डिकरोइज्म स्पेक्ट्रो–पोलरीमीटर

एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमीटर (एफआरआर, एटीआर तथा स्पेकुलर रिफ्लेक्टेंस अटैचमेंट्स)

सीएचएनएसओ एनालाइजर्स

लेजर रामन स्पेक्ट्रोमीटर

डीटीए–टीजीए विद ऑटो सैंपलर एवं डीएससी

फ्लोरोसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर

600 लीटर लीक्विड नाइट्रोजन स्टोरेज टैंक

बी.ई.टी. सर्फेस एरिया एनालाइजर्स

निम्न तापमान अटैचमेंट के साथ वाइब्रेटिंग सैंपल मैग्नेटोमीटर

नोवाकंट्रोल इम्पीडेंस एनालाइजर

मास स्पेक्ट्रोमीटर (एचआर एमएस)

एसईएम एवं एफईएसईएम, ईडीएस के साथ

क्रिटिकल प्वांइट ड्रायर।

आयोजित सम्मेलन

दिल्ली विश्वविद्यालय कॉलेजों तथा विश्वविद्यालय विभागों के 72 प्रयोगशाला कर्मचारियों के लिए 6–27 फरवरी, 2017 तक तीन सप्ताह का प्रशिक्षण।

***

महिला अध्ययन और विकास केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

वीमेंस स्टडीज़ एंड डेवलपमेंट सेंटर (डब्ल्यूएसडीसी) द्वारा जेंडर और सोसाइटी के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अंतर्विषयक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जाते हैं। डब्ल्यूएसडीसी ने 2–16 जनवरी, 2017 तक यूनीवर्सिटी ऑफ बिस्कोसिन ईयू क्लेरे, यूएसए तथा भारतीय दलित अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के साथ सहयोग करते हुए 'ट्रांसनेशनल फेमीजिज्म : इशूज ऑफ माजिनेंलिज्म एंड इंटर सेक्शेनैलिटी' पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन और संचालित भी किया। लिंग असमानता तथा महिलाओं की भागीदारी की आवश्यकता से संबंधित मुद्दों को उजागर करने के लिए प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के साथ एक पैनल चर्चा का आयोजन 8 मार्च, 2017 को आस्ट्रेलियाई उच्चायोग के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में किया गया। इसके उपरांत इस्मत चुगतई के कार्यों से संबंधित नाटक भी संचालित किया गया। डब्ल्यूएसडीसी ने 9 मई, 2017 को आईआईसी में अपनी पुस्तक 'लोकेटिंग जेंडर इन न्यू मिडल क्लास इन इंडिया' भी जारी की। परियोजना से संबंधित एक क्षेत्रीय अध्ययन भी

संचालित किया जा रहा है। क्षेत्रीय अध्ययन पर एक लघु वृत्तचित्र के रूप में आडियो–विजुअल रिपोर्ट तथा एक लिखित रिपोर्ट भी तैयार की गई है।

सम्मान/विशिष्टियां

केन्द्र को 2016 में प्रगत अध्ययन केन्द्र का दर्जा दिया गया था। केन्द्र की 'दि एमेर्जिंग मिडल क्लास' शोध परियोजना से उस मायने में प्रमुख परिणाम प्रदान करने की अपेक्षा की जा रही है जिससे सामाजिक परिवर्तन शहरी क्षेत्रों में सामाजिक संचलनता को प्रभावित कर रहे हैं।

प्रकाशन

भाटिया एम. (संपा.) (2017). लोकेटिंग जेंडर इन दि न्यू मिडल क्लास इन इंडिया, शिमला : भारतीय प्रगत अध्ययन संस्थान, राष्ट्रप्रति निवास।

भाटिया एम. एवं तारा एस. (2017). न्यू मीनिंग्स ऑफ मदरहुड इन ग्लोबलाइजिंग मिडल क्लास होम्स इन इंडिया लोकेटिंग जेंडर इन दि न्यू मिडल क्लास इन इंडिया, शिमला : भारतीय प्रगत अध्ययन संस्थान, राष्ट्रपति निवास।

भाटिया एस. एवं तिवारी आर. (2017). माइग्रेंट वीमेन एट दि मॉल : अंडर स्टैंडिंग दि एम्पावरमेंट एंड हैबिट्स वीथिका – एक इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लीनरी रिसर्च जर्नल, 43–53.

त्यागी जे. (2016). दि क्वश्चन ऑफ वीमेंस एजेंसी : वीमने, वर्म एंड डोमेस्टिसिटी इन मर्ली अेक्सचुअल ट्रेडीशंस, इन विजया रामास्वामी (संपा.), वीमेन एंड वर्क, (पृष्ठ 65–87) न्यू दिल्ली : सेज पब्लीशर्स।

शोध परियोजनाएं

परियोजना डब्ल्यूएसडीसी द्वारा समर्थित की गई है – मॉल ए जेंडर्ड स्पेस. डा. मनजीत भाटिया (पीआई); रिद्धिमा तिवारी (सह–पीआई), यूजीसी–सीएएस परियोजना, अंडरस्टैडिंग चेंज इन जेंटर रिलेशसन इन दि न्यू मिडल इन इंडिया, डा. मनजीत भाटिया (पीआई)।

अंतर्सांस्थानिक सहयोग

केन्द्र ने ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग, नई दिल्ली के सहयोग से 'मेन नीड टु चैंपियन दि कॉज ऑफ वीमेंस इक्वैलिटी' विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया।

केन्द्र ने विसकांसिन ईयू क्लेयर विश्वविद्यालय, यूएसए तथा भारतीय दलित अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से 'ट्रांसनेशनल फेमिनिज्म' इशूज ऑफ मार्जिनाइलेशन एंडइंटरसेक्शनेलिटी' पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया, 2–17 जनवरी, 2017.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

जया त्यागी :

शोध–पत्र प्रस्तुतिकरण 'दि रिप्रेज़ेंटेशन ऑफ वीमेन इन पौराणिक ट्रेडीशंस,' आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 7 मार्च, 2017.

शोध–पत्र प्रस्तुतिकरण, प्राचीन भारत में राज्य से संबंधित विचाराधारा, हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 3 फरवरी, 2017.

शोध–पत्र प्रस्तुतिकरण, प्राचीन भारत में लिंग और धर्म, डब्ल्यूएसडीएस द्वारा यूनीवर्सिटी ऑफ स्कॉन्सिन ऑक्स सेंट क्लेटे तथा भारतीय दलित अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से 2 जनवरी, 2017 को 'ट्रांसलेशनल फेमेनिज्म' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में।

दिल्ली विश्वविद्यालय में गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए लिंग जागरूकता सत्र संचालित किया। जनवरी, 2017.

मनजीत भाटिया ने यूनीवर्सिटी ऑफ स्कॉन्सिन ऑक्स सेंट क्लेटे तथा भारतीय दलित अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से 4 जनवरी, 2017 को 'ट्रांसनेशनल फेमिनिज्म : इशूज ऑफ मार्जिनेलाइजेशन एंड इंटरसेक्शनैलिटी' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'जेंडर, मोबिलिटी एंड इंटर सेक्शनैलिटी : एक्सप्लोरिंग दि मॉल' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डा. रिद्धिमा तिवारी ने यूनीवर्सिटी ऑफ स्कॉन्सिन ऑक्स सेंट क्लेटे तथा भारतीय दलित अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से 5 जनवरी, 2017 को ''ट्रांसनेशनल फेमिनिज्म : इशूज ऑफ मार्जिनेलाइजेशन एंड इंटरसेक्शनैलिटी'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में जेंडर, सेक्सुएलिटी एंड लिट्रेचर पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

संकाय – सदस्य संख्या :

स्थायी – 03

अस्थायी – 03.

अन्य उल्लेखनीय जानकारी :

केन्द्र ने यूजीसी–सीएएस के अंतर्गत अपनी प्रमुख शोध परियोजना के लिए क्षेत्रीय कार्य आरंभ किया तथा इस क्षेत्रीय कार्य और दिल्ली–एनसीआर में संग्रहित आंकड़ों की डेटा एंट्री के कार्य को पूर्ण किया। सीमित संसाधनों के साथ, यह अनुभवजन्य कार्य के द्वितीय चरण के भाग के रूप में कोलकाता में क्षेत्रीय कार्य संचालित करने का प्रयास कर रहा है। डब्ल्यूएसडीसी ने अपनी शोध परियोजना के भाग के रूप में एक फिल्म भी तैयार की है – माल : दि जेंडर्ड स्पेस, जिसमें उसके भागीदार अर्थात् औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान द्वारा सहयोग दिया गया है। इस फिल्म का प्रयोग अध्ययन के लिए भी किया जा रहा है।

***

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना 19 मार्च, 1955 को की गई थी। इसका वर्तमान भवन 62 वर्ष से भी अधिक पुराना है। इन वर्षों में अनेक नई सुविधाएं शामिल की गई हैं। स्वास्थ्य केन्द्र (उत्तर परिसर) लगभग 1,50,000 लाभार्थियों को सेवा प्रदान करता है, अर्थात्, नियमित कर्मचारी, सेवानिवृत्त कर्मचारी और उनके आश्रित, निवासी और गैर–निवासी छात्र, तदर्थ और संविदा कर्मचारी, आदि। वित्तीय वर्ष 2016–2017 के दौरान ओपीडी में कुल उपस्थिति 1,47,025 थी तथा अन्य नैदानिक सेवाओं (फिजियोथैरेपी, पैथोलॉजी लैब, ईसीजी, नर्सिंग, ड्रेसिंग और एक्सरे) में उपस्थिति 1,33,167 थी। प्रतिदिन लगभग 470 रोगी ओपीडी में परामर्श प्राप्त करते हैं। इस संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है।

डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (दक्षिण परिसर) लगभग 12,000 लाभार्थियों को सेवा प्रदान करता है। प्रतिदिन ओपीडी सुविधाओं में (सप्ताह में छह दिन) लगभग 100 रोगी स्वास्थ्य केन्द्र (पूर्वी दिल्ली) 3,800 लाभार्थियों को सेवा प्रदान करता है। लगभग 20 रोगी प्रतिदिन डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (पूर्वी दिल्ली) में ओपीडी सेवाओं का लाभ उठाते हैं (सप्ताह में पांच दिन)। डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (पश्चिम दिल्ली) लगभग 4,000 लाभार्थियों को सेवा प्रदान करता है। लगभग 35 रोगी प्रतिदिन डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (पश्चिम दिल्ली) की ओपीडी सुविधाओं का लाभ उठाते हैं (सप्ताह में पांच दिन)।

01 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 तक वित्तीय वर्ष में कुल ओपीडी उपस्थिति :

उत्तरी परिसर : 1,47,025

दक्षिणी परिसर : 26,107

पूर्वी दिल्ली : 4,567

पश्चिमी दिल्ली : 8,921

वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 तक कुल नैदानिक सेवाएं:

उत्तरी परिसर : 1,33,167

दक्षिणी परिसर : 10,412

पूर्वी दिल्ली : 985

पूर्वी दिल्ली : 1,540

स्वास्थ्य केन्द्र ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित निम्नलिखित टूर्नामेंटों/आयोजनों के दौरान रविवार को भी आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराईं :

स्नातकपूर्व पाठ्यक्रमों, 2016–17 में खेल के आधार पर प्रवेश के लिए स्वस्थता परीक्षण और खेल परीक्षण : 24 जून, 2016 से 3 जुलाई, 2016.

दिल्ली विश्वविद्यालय के जूडो (पुरुष एवं महिला) के चयन परीक्षण : 24 और 25 अक्टूबर, 2016.,

अंतर्कालेज एथलेटिक प्रतियोगिता हॉफ मैराथन (पुरुष एवं महिला), रेस वॉकिंग (पुरुष एवं महिला) 2016–17 : 3 से 5 तथा 7 नवम्बर, 2016.

हॉफ मैराथन और रेस वॉकिंग (पुरुष एवं महिला) 2016–17ः 12 नवम्बर, 2016.

दिल्ली विश्वविद्यालय का 93वां वार्षिक दीक्षांत समारोह : 1 नवम्बर, 2016.

अंतर्कालेज बॉक्सिंग (पुरुष एवं महिला) चैंपियनशिप : 9 से 11 जनवरी, 2017.

13वीं के.के. लूथरा स्मारक अंतर्राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता : 13 से 15 जनवरी, 2017.

अंतर्कालेज कुश्ती (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता : 31 जनवरी से 1 फरवरी, 2017.

एचवाईएस मैराथन : 10 – 11 फरवरी, 2017.

दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर्कालेज फुटबॉल (पुरुष) टूर्नामेंट 2016–17 : 23 फरवरी, 2017.

दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर्कालेज क्रॉस कंट्री रेस (पुरुष) टूर्नामेंट, 4 मार्च, 2017.

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (उत्तरी परिसर) में विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल, 2016 को मनाया गया। इस वर्ष के विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय था 'बीट डाइबेटीज़ मिलिट्स (डीएम)। बीट डाइबेटीज़ मेलीरस (डीएम) के बारे में जानकारी दर्शाते हुए पर्चे सभी संकाय सदस्यों, विभागों/केन्द्रों/कॉलेजों/ छात्रावासों में वितरित किए गए जिनकी सभी के द्वारा प्रशंसा की गई। बीट डाइबेटीज़ मेलीरस (डीएम) पर एक लेख विश्वविद्यालय समुदाय की जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय तथा स्वास्थ्य केन्द्र की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

सितम्बर और अक्तूबर, 2016 में दिल्ली/एनसीआर में डेंगू बुखार अपने चरम पर था। विश्वविद्यालय परिसर तथा विश्वविद्यालय में स्थित कॉलेजों मे पायरेथ्रम स्प्रे कराया गया। डेंगू बुखार के बारे में जानकारी का प्रचार–प्रसार करने के लिए सभी को पर्चे बांटे गए। डेंगू बुखार पर एक लेख विश्वविद्यालय समुदाय की जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

प्रतिष्ठित अस्पतालों के सहयोग से समय–समय पर स्वास्थ्य जांच शिविरों, हृदय–रोग जांच शिविरों का आयोजन किया गया।

विद्यमान सुविधाएं

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (उत्तरी परिसर) में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, उनके आश्रितों तथा छात्रों के लिए 24 x 7 चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं। यह एक सप्ताह में छः दिन प्रातः 08:00 बजे से रात्रि 08:00 बजे तक ओपीडी सेवाएं उपलब्ध कराता है तथा यह रविवार और राजपत्रित अवकाशों के दिन भी खुला रहता है (प्रातः 08.30 से 10. 30 तक)। यह होली और दीवाली की छुट्टियों में भी दिन भर खुला रहता है। यह चौबीसों घंटे आपातकालीन सेवाएं मुहैया कराता है। इसके पास 4 पूर्णकालिक चिकित्सा अधिकारी, 1 चिकित्सा परामर्शक संविदा पर, 1 चिकित्सा अधिकारी संविदा पर, 3 अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी (संविदा), 12 अंशकालिक विजिटिंग विशेषज्ञ है, जो हृदय

रोग (सप्ताह में तीन बार), तंत्रिका–रोग (सप्ताह में एक बार), अनश्चिकित्सा रोग (सप्ताह में एक बार), ई.एन.टी. रोग (सप्ताह में पांच बार), शिशु रोग रोग (सप्ताह में चार बार), चर्म रोग रोग (सप्ताह में चार बार), नेत्र–रोग रोग (सप्ताह में तीन बार), दंत–रोग रोग (सप्ताह में छह बार) दो घंटे के लिए सेवाएं प्रदान करते हैं तथा ईसीजी सुविधाएं रोग (सप्ताह में पांच बार) प्रदान की जाती हैं। केन्द्र में एक पैथोलॉजी प्रयोगशाला, फीजियोथैरेपी यूनिट, एक्स–रे विभाग, नर्सिंग स्टेशन मरहम–पट्टी कक्ष तथा बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस भी है।

डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य सेंटर (दक्षिण परिसर) सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 09:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक तथा शनिवार को प्रातः 09:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक अपने लाभार्थियों को सेवाएं प्रदान करता है। इसके पास 1 पूर्णकालिक चिकित्सा अधिकारी, 2 अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी (संविदा), 1 चिकित्सा परामर्शक (संविदा) 2 अंशकालिक विजिटिंग विशेषज्ञ है, जो दो घंटे के लिए विशेषज्ञता सेवाएं प्रदान करते हैं, अर्थात् नेत्र–रोग रोग (सप्ताह में दो बार) तथा दंत–रोग (सप्ताह में तीन बार) केन्द्र में एक पैथोलॉजी प्रयोगशाला, फीजियोथैरेपी यूनिट, नर्सिंग स्टेशन, मरहम–पट्टी कक्ष ईसीजी सुविधाएं तथा बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस भी है।

डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (पूर्वी दिल्ली) और डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केन्द्र (पश्चिम दिल्ली) सोमवार से शुक्रवार प्रातः 09:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे अपने लाभार्थियों को सेवा प्रदान करते हैं। दोनों ही केन्द्रों में 1 पूर्णकालिक अधिकारी हैं। दोनों सेंटरों में पैथालॉजी प्रयोगशाला, फार्मेसी, चिकित्सा स्टोर तथा ड्रेसिंग रूम हैं।

संगोष्ठियां / सम्मेलन

संगोष्ठियों / सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण – 20

विस्तार और संपर्क क्रियाकलाप

विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न कॉलेजों में विषाणु जनित रोगों पर अनेक सार्वजनिक स्वास्थ्य व्याख्यान दिए गए।

चिकित्सकों की संख्या – 1 मुख्य चिकित्सा अधिकारी, 7 स्थायी चिकित्सक, 1 चिकित्सा अधिकारी (संविदा पर), 2 चिकित्सा परामर्शक (संविदा पर), 5 पूर्णकालिक चिकित्सा अधिकारी।

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

अति विशिष्ट व्यक्तियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। रोगियों को त्वरित और समय पर सेवाएं दी गईं।

***

डॉ. बी. आर. अंबेडकर जैव–चिकित्सा अनुसन्धान केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

अपनी स्थापना के समय से ही केन्द्र का प्रयास रहा है कि जैव–चिकित्सा विज्ञान की विधाओं का अन्वेषण करने के लिए युवा मस्तिष्कों को एक मंच उपलब्ध कराए। इस वर्ष भी एसबीआर के संकाय और छात्रों ने अपनी उपलब्धियों से केन्द्र को गौरवान्वित कियाहै। उनकी प्रयोगशालाओं से अनेक प्रकाशन अत्यंत प्रतिष्ठित पीर रिव्यूड जर्नलों का हिस्सा बन गए हैं। छात्रों ने भी अपने कार्य को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया है। केन्द्र

कोयह सूचित करते हुए गर्व हो रहा है कि प्रो. वाणी ब्रह्मचारी को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी फेलो (आईएनएसए) के रूप में चुना गया। पिछले पन्द्रह वर्षों से अपने संपर्क कार्यक्रमों के भाग के रूप में, एसीबीआर ग्रीष्मकालीन स्नातकपूर्व शोध कार्यक्रम (एसयूआरपी) संचालित कर रहा है जिनमें बी. एससी. का अध्ययन करने वाले छात्रों को एसीबीआर में विभिन्न प्रयोगशालाओं में 8 सप्ताह का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। शोध संस्थानों से अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को इन छात्रों के व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस वर्ष एसीबीआर ने इस कार्यक्रम का विस्तार करते हुए मैसूर विश्वविद्यालय के एम.एससी. के छात्रों को एक–दिवसीय दौरे पर आमंत्रित किया। इसी प्रकार, वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों को आण्विक जीव विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में अनुभवजन्य प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

सम्मान/विशिष्टियां

प्रो. वाणी ब्रह्मचारी, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी फेलो (आईएनएसए) के रूप में निर्वाचित।

डॉ. मनीषा यादव ने आईसीएमआर भारतीय बायोमेडिकल वैज्ञानिक 2017–18 की अंतराष्ट्रीय फेलोशिप प्राप्त की (युवा श्रेणी)।

प्रकाशन

शर्मा डी., तिवारी बी.के., महतो एस., एंथनी सी., कॉम जी., सिंह वाई. एवं नटराजन के. (2016). संप्रेशन ऑफ प्रोटेक्टिव रिस्पासेस अपॉन एक्टिवेशन ऑफ एल–टाइप वोल्टेज गैटवेड कैल्शियम चैनल इन मैक्रोफेजेज़ ड्यूरिंग माइकोबैक्टेरियम बोविस बीसीजी इंफेक्शन, प्लोस वन. 11(10), ई 0163845.

मैनी जे., घसेमी एम., यंधूरी डी., ठाकुर एस.एस. एवं ब्रह्मचारी वी. (2017). ह्यूमन पीआरई–पीआईके, पीआईके 3 से 2 बी, एन इंट्रोनिक सिस–एलीमेंट विद डुएल फंक्शन ऑफ एक्टिवेशन एंड रीप्रेशन बायोकैम बायोफिज एक्टा. 1860 196–204.

जैन एस., भट्टाचार्य के., बक्शी आर., नारंग ए., ब्रह्चारी वी. (2017). डिस्टिंगुशिंग बिटवीन बायोकैमिकल एंड सेलुलर फंकशन : आर देयर पेप्टाइड सिग्नेचर्स फॉर सेल्युलर फंकशन ऑफ प्रोटींस, प्रोटींस, 85, 682.693.

फेदली डी., मोन्टानी एम., बोर्डोनी एल., गलीजी आर., जयंत एम., ब्रह्चारी वी., ममसासेसी एल, लॉडैडियो ई एवं गैबियानेली आर. (2016) इन वीवों एंड इन सिलिको स्टडीज टु साइडेंटीफाई मेकेजिन्म्स एसोसिएटेड विद नूर 1 माडुलेशन फोलोइंग अर्ली लाइफ एक्सपोजर टु पर्मेथ्रिन इन रैट्स न्यूरोसाइंस 340, 411–423.

मेंदीरत्ता एस., भाटिया एस., जैन एस., कौर टी. एवं ब्रह्मचारी वी. (2016). : इंट्रेक्शन ऑु दि क्रोमैटिव रीमॉडलिंग प्रोटीन एचआईएनओ 80 विद डीएनए प्लोस वन 11, ई 0159370.

श्रीवास्तव के., नारंग आर., भाटिया जे. एवं सलूजा डी. (2016). एक्सप्रेशन ऑ हीट शॉक प्रोटीन 70 जीन एंड इट्स कोरिलेशन विद इंफ्लेमेट्री मार्कर्स इन एसेंशियल हाइपरटेंशन प्लोस वन, 11(3), ई 0151060.

अरोड़ा आर., साहनी एस. एवं सलूजा डी. (2016). पोटेंशियल थेराप्यूटिक अप्रोचेज फॉर दि स्टेटमेंट ऑफ एक्यूट मायलोइड लूके मिया विद एएमएल 1–ईटीओ ट्रांसलोकेशन. क्यूर कैंसर ड्रग टार्गेट्स, 16(3), 215.25.

फेक एम.ए., डाडा आर., कुमार ए., सलूजा डी एवं डाडा टी. (2016) ब्रेन : दि पोटेंशियल डाइग्नोसिस एंड थेराप्यूटिक टार्गेट फॉर ग्लूकोमा, सीएनएस न्यूरोल डिस्कार्ड ड्रग टार्गेट्स।

जैन आर., सोनकर एस.सी., चौधरी यू., बाला एम. एवं सलूजा डी. (2016). इन–सिलिको हाइरारकियल अप्रोच फॉर दि आइडेंटिफिकेशन ऑफ पोटेंशियल यूनीवर्स वैक्सीन कैंडिडेट्स (पीयूवीसी) फ्रॉम नेसेरिया गोनोरिया–जर्नल ऑफ थियोरेटिकल बायलॉजी, 410, 36–43.

सचदेव डी., कुमारी आई., बाला एम., कुमार पी एवं सलूजा डी. (2017). म्यूटेशन पैटर्न इन दि जीनोम ऑफनेसेरिया गोनोरिया एंड इट्स एसोसिएशन विद मल्टीड्रग–रेसीस्टैंट आइसोलेट्स फ्रॉम देहली, इंडिया, जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजी, 35(1), 109.

सेनी वी., मनराल ए., अरोड़ा आर., मीना पी., गुसाई पी.एस., सलूजा डी., एवं तिवारी एम., (2017). नोवल सिथेंटिक एनालॉग्स ऑफ डायलाइल डाइसल्फाइड ट्रिगर्स सैल साइकिल अरेस्ट एंड एपाप्टॉसिस वाया आरओएस जेनेरेशन इन एमआईए पीए सीए–2 सैल्स. फार्माकोलॉजिकल रिपोर्ट्स।

लूथरा पी.एस. एवं लाल एन. (2016). प्रोस्पेक्टिव ऑफ कर्क्यूमिन, ए प्लेओट्रापिक सिगनलिंग मॉलीक्यूल फ्रॉम करक्यूमा लोंगा इन दि ट्रीटमेंट ऑफ ग्लियोब्लास्टोमा .. यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल कैमिस्ट्री, 109, 23.35.

कुमार जे.एस., कुमारी आर. एवं लूथरा पी.एम. (2016). मॉड्यूलेशन ऑफ इनडोल रिंग एनुलेशन इन एर्गोलाइन पेम्प्लेट : मैमिस्ट्री, रिसेप्टर बाइडिंग एंड इन वीवा फार्माकोलॉजी विद 6 – आएचडीए मॉडल ऑफ पार्किंसंस डिजीज़, मेडिसिनल कैमिस्ट्री रिसर्च, 25(4), 596–608.

कुमार एन., कुमार आर., नेमायुष वी., लाल एनख एवं लूथरा पी.एम. (2016). बिस [(1, 4 – डाइमिथाइल 9 एच –3 – वाईएल.) मिथाइल] एमीने–मीडिएटेड एंटी कैंसर इफैक्ट ट्रिगर्ड बाई सीक्वेंस – स्पेसिफिक क्लीवेज ऑफ डीएनए लीडिंग टु प्रोग्राम्ड सैल डैथ इन दि ह्यूमन यू 87 सैल लाइन, आरएससी एडवांसेज, 6(72), 67925–67940.

कुमारी एन., अग्रवाल एस. एवं लूथरा पी.एम. (2017). फार्माकोलोजिकल असेस्टमेंट्स ऑफ पाटेंट ए 2 ए रिसेप्टर एटा गोनिस्ट आईडीपीयू [1– (7– इमिनो –3 – प्रोफाइल–2, 3 – टाइहाइड्रोथिएजोलो 4, 5 डी)] इन रोडेंड मॉडल ऑफ हेरोपे रिडोल इंड्यूस्ड पार्किन्सन लाइक सिम्पटम्स, न्यूरोसाइंस लैटर्स, 647, 53–60.

चौधरी आर., मलईरामन यू. एवं कल्याल ए. (2017). इनहिबिशन ऑफ 12/15, एलओएक्स एमिलियोरोट्स कोग्नीटिव एंड कोलिनेर्जिक डिस्फंकशन इन माउस मॉडल ऑफ हाइपोबेरिक हाइपोक्सिया वाया अटेनुएशन ऑु ऑक्सीडेटिव/नाइट्रोसेटिव स्टेस, न्यूरोसाइस, 359, 308–324.

रे आर.एस. एवं कत्याल ए. (2016). माइलोपेरोक्सीडेज : ब्रिजिंग दि गैप इन न्यूरोडीजेरेशन। न्यूरोसाइंस एंड बायोबिहेवियर रिव्यूज, 68, 611–620.

शर्मा एस., जयोति के. सिन्हा आर., कत्याल ए., जैन यू.के., एवं मदान जे. (2016). प्रोटेमाइन कोटेड प्रोलिपोसोम्य ऑफ रीकाम्बिनेंट ह्यूमन इंसुलिन इंकैश्ड इन यूडरैगिट एस 100 कोटेड कैप्सूल ऑफर इम्प्रूव्ड पेप्टाइड डिलीवरी एंड पर्मिनिएशन एक्रॉस काको–2 सैल्स मैटीरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग : सी, 67, 378–385.

कुमारी एस., चौधरी जे., सिक्का, वर्मा पी., झा पी., मिश्रा ए.के. एवं चोपड़ा एम. (2017). आइडेंटिफिकेशन ऑफ पोटेंट कोलेसाइस्कोकिनिन – बी रिसेप्टर एंटागोविस्ट; सिंथेसिस, मॉलीक्यूलर मॉडलिंग एंडएंटी–कैंसर एक्टिविटी अगेंस्ट पैनक्रिएटिक कैंसर सैल्स. मेडकैम कॉम।

कुमार पी. यादव एन., चिकारा ए., एवं चोपड़ा एम. (2017). रीसेंट प्रोग्रेस इन कंबोनेटोरियल सोलिड फेज सिंथेसिस : टेक्नीक्स, कैरेक्टेराइजेशन एंड इट्स एप्लीकेशन इन ड्रग डेवलपमेंट' करंट बायोकैमिकल इंजीनियरिंग, 4(1), 9–33.

वसीम एल. एवं चोपड़ा एम. (2016). पैनोबिनोस्टेट ऑक्सीजन स्पीसीज़ एंड सिनेर्जीज विद टोपो आइसोमिरेज़ इन हिबिटर्स इन सर्विकल कैंसर सैल्स, बायोमेडिसिन एंड फार्माकोथेरेपी, 84, 1393–1405.

कपूर एच., यादव एन., चोपड़ा, महापात्रा एस.सी. एवं अग्रवाल वी. (2017). स्ट्रांग एंटी–ट्यूमोरस पोटेंशियल ऑफ नाडोस्टैकीज़ जाटामानसी, रीजोम एक्ट्रैक्ट ऑन ग्लीयो ब्लास्टोमाएंड इन सिलिको एनालाइसिस ऑफ इट्स मॉलीक्यूलर ड्रग टार्गेट्स करंट कैंसर ड्रग टार्गेट्स, 17(1), 74–88.

वर्मा पी., दलाल के. एवं चोपड़ा एम. (2016). फार्माकोफोर डेवलपमेंट एंड स्क्रीनिंग फॉर डिस्कवरी ऑफ पोटेंशियल इन हिबिटर्स ऑफ एडीएएमटीएस – 4 फॉर आस्टेयोअर्थराइटिस थेरेपी. जर्नल ऑफ मॉलीक्यूलर मॉडलिंग, 22(8), 1–13.

कुमार पी., बहल जी., सिक्का एम., चिकारा ए. एवं चोपड़ा एम. (2016). पॉली (इथाइलीन ग्लाइकोल) को–मेथा क्रिलैमाइड–को–एकेलिक एसिड वेस्ड नैनासेल्स फॉर डिलीवरी ऑफ डॉक्सोरूबिसिन, जर्नल बायोमैटीरियल्स साइंस पॉलीमर एडीशन, 27(14), 1413–1433.

चौधरी एस., वर्मा डी., पाल के. एवं तिवारी टी. (2017). मोर्को – फीजियोकैमिकल एंड जेनेटिक कैरेक्टराइजेशन ऑफ राइस वेराइटीज़ (ओरीजा सतीवा एल.) इन डिफेरेंट ज्योग्राफिकल एरियाल ऑफ नार्दर्न इंडिया. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, 5, 831–832.

कैंथोला ए., हरितवाल टी., तिवारी एम., गुप्ता एन., परवेज, एस., तिवारी एम. एवं अग्रवाल पी.के. (2017). इम्युलोनॉलिकल अस्पेक्ट ऑफ रेडिएशन – इंड्यूस्ड न्यूमोनिटिस, करंट ट्रीटमेंट स्ट्रेटेजीज एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स, फ्रंटियर्स इन इम्युनोलॉजी 8.

मिश्रा सी.बी., कुमारी एस., एंजेली ए., मोंटी एस.एम., बाओनेनों एम., तिवारी एम. एवं सुपूरन सी.टी. (2017). डिस्कवरी ऑफ बेंजीन सल्फोनामाइड्स विद पोटेंट ह्यूमन कार्बोनिक एनहाइड्रेज इनहिबिटरी एंड इफेक्टिव एंटीकंवल्सैंट एक्शन : डिजाइन, सिंथेसिस एंड फार्माकोलोजिकल एसेसमेंट – जर्नल ऑफ मेडीसिनल कैमिस्ट्री, 60(6), 2456–2469.

सैनी वी., मंतराल ए., अरोड़ा आर., मीना पी., गुसाईं एस., सलूजा डी. एवं तिवारी एम. (2017). नोवेल सिंथेटिक एनालॉग्स ऑफ डायलाइल डाइसल्फाइड ट्रिगर्स सैल साइकिल अरेस्ट एंडएपॉप्टोसिस वाया आरओएस जेनेरेशन इन एमआईए पीएसीए – 2 सैल्स, फार्माकोलॉजिकल रिपोर्ट्स।

मिश्रा सी.बी., मोंगर आर.के., कुमारी एस., जेनोंग डी.के. एवं तिवारी एम. (2017). नोवल ट्रायजोल–पिपेरेजीन हाइब्रिड मॉलीक्यूल्स इंड्यूस एपाप्टोसिस वाया एक्टिवेशन ऑफ दि माइटोकांड्रियल पाथवे एंड एक्जीबिट एंटीट्यूमर एफिकेसी इन आस्टियोसारकामा जेनोग्राफर न्यूड माइस मॉडल. एसीएस कैमिकल बायलॉजी, 12(3), 753–768.

कुमारी एस., मिश्रा सी.बी., इदरीस डी., प्रकाश ए., यादव आर., हसन एम.आई एवं तिवारी एम.(2017). डिजाइन, सिंथेसिस, इन सिलिको एंड वायलॉजिकल एलालुएशन ऑफ नोवल 2– (4 – (4 सब्सिट्यूटेड पिपेरेजिन–1–वाईएल) बेंजालीडीन) हाइड्रेजिन कार्बोजेमाइड्स मॉलीक्यूलर डाइवर्सिटी, 21(1), 163–174.

मीना पी., मनराल ए., नेमेश वी., सैनी वी., सिराज एफ, लूथरा पी.एस. एवं तिवारी एम. (2016).नोवल इनसाइट्स इनटु मल्टीटार्गेटेड पोटेंशियल आफ एन – (4 – बेंजाइल पिपेरिडीन–1–वाईएल) – एल्काइलेमाइन डेरिवेटिव्स इन दि मैनेजमेंट ऑफ अल्जाइमर्स डिजीज एसोसिएटेड पैथोजीनेसिस, आरएससी एडवांसेस, 6(106), 104847–104867.

अरोड़ा आर. साहनी एस. सैनी सी., तिवारी एम. एवं सलूजा डी. (2016). एस्कुलेटिन इंड्यूसेस एंटी प्रोलिफेरेटिव एंड एडॉप्टोटिक रिस्पांस इन पैनक्रिएटिक कैंसर सैल्स बाई डाइरेक्टली बाइंडिंग टु केईएपीआई मॉलीक्यूलर कैंसर, 15(1), 64.

मिश्रा सी.बी., कुमारी एस., मनराल ए., प्रकाश ए., सैनी वी., लिन ए.एम. एवं तिवारी एम. (2017).डिजाइन सिंथेसिस, इन सिलिको एंड बायलॉजिकल इवेलुऐशन ऑफ नोवल डोनीपेजिल डेरिएटिव्स एज मल्टी–टार्गेट डायरेक्टेड लिगैंड्स फॉर दि ट्रीटमेंट ऑफ एलजाइमर्स डिजीज. यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल कैमिस्ट्री, 125, 736–750.

मिश्रा सी.बी., मनराल ए., कुमारी एस., सैनी वी. एवं तिवारी एम. (2016). डिजाइन, सिंथेसिस एंड एवालुएशन ऑफ नोवल इंडेन्डियोन डेरिवेटिव्स एज़ मल्टीफंक्शनल एजेंट्स विद कॉलीनेस्टेरेज इन हिब्शिन, एंटी – β –एमीलॉइड एग्रेशन, एंटीआक्सीडेंट एंड न्यूरो प्रोटेक्शन प्रोपर्टीज़ अगेस्ट एल्लाइमर्स डिजीज बायोआर्गेनिक एंड मेडिसिनल कैमिस्ट्री, 24(16), 3829–3841.

मिश्रा सी.बी., कुमारी एस., एंजेली ए., मोंटी एस.एस., बाओनैनो एम., प्रकाश ए. एवं सुपूरन सी.टी. (2016). डिजाइन, सिंथेसिस एंड बायलाजिकल एवालुएशन ऑफ एन – (5–मिथाइल – आइसोजेजोल – 3 – वाईएल/1, 3, 4 – थियाउियाजोल – 2 – वाइएल) – 4 – (3 – सब्सिट्यूटेड – फेनाइलुरेडो) बेंजीन सल्फोनेमाइड्स एज़ ह्यूमन कार्बोनिक एनहाइड्रेज साइसोइंजाइम्स I, II, VII, एवं XII इनहिबिटर्स, जर्नल ऑफ इंजाइम इनहिबिशन एंड मेडिसिनल कैमिस्ट्री, 31(संपा. 2), 174–179.

कुमार जे., मीना पी., सिंह ए., जमील ई, मकबूल एम., मोबाशिर एम. एवं जयराम बी., (2016). सिंथेसिस एंड स्क्रीनिंग ऑफ ट्राइ एजोलो पिरिमिडान स्कैफोल्ड एज मल्टी–फंक्शनल एजेंट्स फॉर एल्जामर्स डिजीज थेरेपीज़ यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल कैमिस्ट्री, 119, 260–277.

मकबूल एम., अंतराल ए., जमीन ई. कुमार जे., सैनी वी., शादिल्य ए., एवं जयराम बी. (2016).डेवलपमेंट ऑफ साइएनोपिरैडीन – टाइएजीन हाइब्रिड्स एज लीड मल्टीटार्गेट एंटी – एल्जाइमर एजेंट्स, बायोआर्गेनिक एवं मेडिसिनल कैमिस्ट्री, 24(12), 2777–2788.

मंतराल ए., मीना पी., सैनी वी., सिराज एफ, शालिनी एस. एवं तिवारी एम. (2016). डीएडीएस एनालॉग्स एमेलियोरेटेड दि कॉग्नीटिव इंजीयरेंट्स ऑफ अल्जाइमर – लाइक रैट मॉडल इंड्यूस्ड बॉईस्कोपोलेमाइन यूरोटाक्सिटी रिसर्च, 30(3), 407–426.

बिहाकी एस.डब्ल्यू., एल्रवामेशेह एस.आई एवं तिवारी एम. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइसेंस एंड रिसर्च, 8(2), 68–74.

कुमारी एस., मिश्रा सी.बी. एवं तिवारी एम. (2016). पालीफार्माकोाजिकल ड्रग्स इन दि ट्रीटमेंट ऑफ एपीलेप्सी : दि कांप्रीहेंसिव रिव्यू ऑफ मार्केटेड एंड न्यू एमर्जिंग मॉलीक्यूल्स, करंट फार्मास्यूटिकल डिजाइन, 22(21), 3212–3225.

मिश्रा सी.बी., मोंगट आर.के., कुमारी एस. जियांग डी.के. एवं तिवारी एम. (2016). सिथेसिस, इन विट्रो एंड इन वीवो एंटीकैंसर एक्टिविटी ऑफ नोवल 1 –(4 – इमिनो – 1– सब्सटिट्यूटेड –1 एच – पायराजोलो (3, 4 डी) पारिमिडिन – 5 (4एच) –वाईएल) यूरिया डेरिवेटिव्स आरएससी एडवांसेस, 6(29), 24491–24500.

मिश्रा सी.बी., कुमारी एस. एवं तिवारी एम. (2016). डिजाइन एंडसिंथेसिस ऑफ सम न्यू 1–फिनाइल–3/4[4 (एराइल/हेटेरोएराइल/एलकाइल–पिपेरेजीन–वाईएल)–फिनाइल–यूरियाज एज पोटेंट एंटी कान्वुल्सैंट एंड एटी डेप्रेसेंट एजेंट्स, आर्काइब्स ऑफ फार्माकल रिसर्च, 39(5), 603–617.

कुमारी एस., इदरीस डी., मिश्रा सी.बी. प्रकाश ए., अहमद एफ, हसन एम. आई एवं तिवारी एम. (2016). डिजाइन एंड सिंथेसिस ऑफ ए नोवल क्लास ऑफ कार्बोनिक एनहाइड्रेज– IX इनहिबिटर 1 –(3 – (फिनाइल/4)–फ्लोरो फिनाइल) –7 – इमिनो – 3–एच – [1, 2, 3) ट्राइएजोलो (4, 5डी], पिरीमिडीन 6 (7एच) वाईएल) यूरिया, जर्नल ऑफ मॉलीक्यूलर ग्राफिक्स एंड मॉडलिंग, 64, 101–109.

कुमारी एस., मिश्रा सी.बी. एवं तवारी एम. (2016). फार्माकोलॉजिकल इवेलुऐशन ऑफ नोवल 1 – [4 – (4 – बेंजो [1, 3] डाइआक्सोल – 5 – वाईएल मिथाइल – पिपेरेजिन – 1 – वाईएल) – फिनाइल 1] – 3 – फिनाइल यूरिया एज पोटेंट एंटीकंवुल्सैंट एंड एंटी डिप्रेसेंट एजेंट, फार्मोकोलाजिकल रिपोर्ट्स, 68(2), 250–258.

नागार्जुन डी., गेंड आर., धांडा आर.एस. एवं यादव एम. (2017). होल–जीनोम शॉटगन सीक्वेंस ऑफ एस्चेरिशिया कोलीस्ट्रेन एनएम 067 फ्रॉम इंडिया, ए कोमेनसल बैक्टीरियम विद पोटेंट पैथोजेनिक एबिलिटी जीनोम एनाउंसमेंट्स 5(12), ई 00054–17.

वर्मा वी., धांडा आर.एस. मोलेर एन.एफ एवं यादव एम. (2016). इंफ्लेमाजोम्स एंड देयर रोल इन इन्नेट इम्युनिटी ऑफ एक्सुएलिटी ट्रांसमिटेड इंफेक्शंस, फ्रंटियर्स इन इम्युनॉलॉजी, 7.

सोनकर एस.सी., यादव एस., मल्ला एन., धांडा आर.एस., खुराना एन., बग्गा आर., सलूजा डी.एवं मनीषा वाई (2016). इवालुएशन ऑफ डीएनए बेस्ड टेक्नीक्स फॉर दि डायग्नोसिस ऑफ वैजिनल ट्राइकोमोनिएसिस इन नार्थ इंडियन पॉपुलेशन ब्रिटिश माइक्रोबायलॉजी रिसर्च जर्नल, 17(6), 1–12.

जैन एस., नागार्जुन डी. गेंड आर. चोपड़ा एस., देबाता पी.के., डावर आर. एवं यादव एम. (2016).एस्चेरीशिया वल्नेरिस : एन अनयूजुअल कॉज ऑफ कम्प्लीकेटेड डायरिया एंड सेप्सिस इन एन इंफैट, ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू लिट्रेचर, न्यू माइक्रोब्स एंड न्यू इंफेक्शंस, 13, 83–86.

वर्मा वी., नागार्जुन डी., मित्तल जी., कुमार पी., धांडा आर.एस., गेंड आर. एवं यादव एम. (2016). डाटा शोइंग फीनोटाइपिक प्रोफाइल ऑफ यूरोपैथोजेनिक एस्चेरीशिया कोइल आइसोलेट्स फ्रॉम सेप्सिस पेशेंट्स, डाटा इन ब्रीफ, 7, 794–797.

वर्मा वी., कुमार पी., धांडा आर.एस. एवं यादव एम. (2016). काइनेटिक्स ऑफ साइटोकीन प्रोफाइल इन रिस्पांस टु माइकोबैक्टेरियम बोविस बीसीजी एंड स्ट्रेप्टोकोकस पायोजींस एक्टिवेटेड सैल्स. डाटा इन ब्रीफ, 7, 445–448.

कुमार टी., यादव एम. एवं राजेन्द्र कुमार सिंह एल. (2016). रोल ऑफ आस्मोलाइटेस इन रेगुलेटिंग इम्यून सिस्टम करंट फार्मास्यूटिकल्स डिजाइन, 22(20), 3050–3057.

शर्मा जी.एस. एवं सिंह एल.आर. (2017). पॉलीओल्स हैव यूनीक एबिलिटी टु रीफोल्ड प्रोटीन एज कंपेयर्ड टु अदर ओस्मोलाइट टाइप्स बायोकैमिस्ट्री (मास्को), 82(4), 465–473.

भट एम.वाई., दार टी.ए. एवं सिंह एल.आर. (2016). केस इन प्रोटींस : स्ट्रक्चर टु बायोलॉजिकल प्रोपर्टीज एंड हैल्थ आस्पेक्ट्स इन टेक.

ए. दार पी., आर. सिंह एल., ए कमल एम., एवं ए दार टी. (2016). यूनीक मेडिसिनल प्रोपर्टीज ऑफ विडेनिया सोम्नीफेरा : फाइटो कैमिकल कंस्टीटुएंट्स एंड प्रोटीन कंपोनेट्स करंट फार्मास्यूटिकल डिजाइन 22(5), 535–540.

कुमार टी., यादव एम. एवं राजेन्द्र कुमार सिंह एल. (2016).रोल ऑफ ओस्मोलाइट्स इन रेगुलेटि|ग इम्यून सिस्टम, करंट फार्मास्यूटिकल डिजाइन, 22(20), 3050–3057.

कुमार टी., शर्मा जी.एस. एवं सिंह एल.आर. (2016). होमासिस्टी नूरिया : थेरा पेयूटिक अप्रोच क्लीनिका किमिका एक्टा, 458, 55–62.

के. चौहान आर., अलीएफ. भर वाई, रहमान एस.आर, सिंह एल., अहमद एफ. एवं ए डार टी. (2016).एलानीज काउंटर एक्ट्स दि डिस्टेबिलाइजिंग इफेक्ट दैट यूरिया हैज ऑन आर नेज़ – ए, प्रोटीन एंड पीपल लैटर्स, 23(9), 795–799.

भट्ट एम.वाई, सिंह, एलआर. एवं डा टी.ए.ए. (2017). मॉडुलेशन ऑफ प्रोटीन एग्रेगेशन/फिब्रिलेशन बाई आस्मोलाइट्स इन सेल्युलर आस्मोलाइट्स (पृष्ठ 121–142) स्प्रिंगेर सिंगापुर।

सिंह एल.आर. एवं डार टी.ए. (संपा.) (2017). सेल्युलर आस्मोलाइट्स : फ्रॉम कैपेरोनिंग प्रोटीन फोल्डिंग टु क्लीनिकल पर्सपेक्टिव्स, स्प्रिंगेट।

शोध परियोजनाएं

विभागीय अनुदान, डीएसटी द्वारा वित्त–पोषित, डीयू–डीएसटी पर्स ग्रांट फेज II, 2014–17, 1.50 करोड़ रुपए।

विभागीय अनुदान, यूजीसी–एसएपी परियोजना द्वारा वित्त–पोषित, 2014–19, 1.50 करोड़ रुपए।

डीबीटी, डेसिफेरिंग दि रोल ऑफ कैल्शियम होम्योस्टैटिस इन मॉड्यूलेटिंग टी. सैल डायनेमिक्स ड्यूरिंग माइको–बैक्टीरियम ट्यूबर कुलोसिस इंफेक्शन, के. नटराजन, 69.62 लाख रुपए।

डीएसटी, 2016–2019. अंडरस्टैंडिंग दि रोल ऑफ एसआईएन 3, ए ग्लोबल ट्रांसक्रिप्शन रेगुलेटर इन नॉनजीनोटाक्सिक स्ट्रेस मीडिएटेड मॉडुलेशन ऑफ जीन एक्सप्रेशन, दमन सलूजा, 57 लाख रुपए।

डीबीटी, 2017–2019, डेवलपमेंट ऑफ हैंड हेल्ड मॉलीक्युलर पाइंट–ऑफ–केयर टेस्ट डिवाइस फॉर इंफेक्शियस डिजीगेज़ (इंडो–कनाडा इंपैक्ट प्रोजेक्ट, दमन सलूजा, 2.13 करोड़ रुपए।

स्टडी ऑफ एंटी कैंसर इफेक्ट ऑफ इंडियन मेडीसिनल प्लांट्स विज़ पुनिका ग्रानाटम, विटिस विनिफेरा, कैरिका पापाया इम्ब्लीका ऑफीशिनेलिस एंड एलोए वेटा यूजिंग इन विट्रो मॉडल ऑफ ग्लियोब्लास्टोमा (अर्बुदा), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक–चिकित्सा, यूनानी सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष), आयुष में कतिपय आशोधनों के साथ स्वीकृत।

इंडो–स्वीडन संयुक्त शोध परियोजना, डीएसटी, अंडरस्टैंडिंग दि एसोसिऐशन विटवीन प्रीवेलेंस ऑफ एंटीबायोटिक एंड सीएसआईएसपीआर रिपीट्स इन यूपीईसी ई–कोली कॉजिंग यूटीआई, मनीषा यादव, डीबीटी, भारत सरकार, 10 वर्ष 2006–2012 से, आगामी योजना अवधि 2012–2017 के लिए अनुमोदित, क्रिएशन ऑफ बायोइंफामेटिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटी (बीआईएफ) एट एसीवीआर, मधु चोपड़ा 50 लाख रुपए, 2013–14 6.40 लाख रुपए, 0.60 लाख रुपए 2014–15, 2015–16 8.50 लाख रुपए, 2016–17, 10 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां

विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थाओं के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने ग्रीष्मकालीन स्नातकपूर्व शोध कार्यक्रम (एसयूआरपी), 2017 में संगोष्ठियां प्रस्तुत कीं। प्रो. सुमन धर, विशेष आण्विक मेरिसिन सेंटर ने उद्घाटन व्याख्यान दिया। प्रो. योगेन्द्र सिंह, प्राणिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने समापन व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

डा. मधु चोपड़ा ने एसीबीआर में 23–25 मार्च, 2017 को बायो–इंफार्मेटिक्स एंड मॉलीक्यूलर मॉडलिंग पर 7वीं कार्यशाला का आयोजन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

के. नटराजन :

व्याख्यान के लिए आमंत्रित, मुंबई इम्युनोलॉजी ग्रुप मिनी–ट्यूबर कुलॉसिस विचार–गोष्ठी, 13 अक्टूबर, 2016.

आधार–व्याख्यान, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांइसेज़, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24 जनवरी, 2017.

दमन सलूजा, प्राग, चेक गणराज्य में 25–27 मई, 2017 को बीआईटी की गायनेकोलॉजी एंड ऑब्स्टेट्रिक्स की 5वीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

मधु चोपड़ा को आईआईटी, नई दिल्ली में 3 अक्टूबर, 2016. को बायोइंफार्मेटिक्स एंड कंप्यूटेशनल बायलॉजी की कार्यशाला में 'प्रोसेस ऑफ ड्रग डिलीवरी एंड डेवलपमेंट : इन्वेंटिंग ड्रग्स थ्रू यूज ऑफ कंप्यूटेशनल मेथड ड्रग डिजाइन एंड डेवलपमेंट' पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सहयोग

राष्ट्रीय :

डॉ. मनीषा यादव, सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली तथा पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के साथ सहयोग।

डॉ. अंजु कटयाल, डा. जितेन्द्र मदान, भेषजिक विभाग, चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मोहाली पंजाब के साथ सहयोग।

अंतर्राष्ट्रीय :

डॉ. अंजु कटयाल ने प्रो. रितु अनेजा, जार्जिया स्टेट यूनीवर्सिटी, यूएसए के साथ सहयोग किया।

डॉ. मनीषा यादव ने प्रो. नीलस्फ मोलेर, रिग्स हॉस्पिटल, कोपेनहेगन, डेनमार्क, तथा प्रो. ह्यूजेज़ डायरमेड, उपसाला यूनीवर्सिटी, स्वीडन के साथ सहयोग किया।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्र – 01

विस्तार तथा संपर्क क्रियाकलाप

एम.एससी. छात्रों द्वारा 10 जनवरी, 2017 को युवराजा कॉलेज, मैसूर विश्वविद्यालय का दौरा।

स्प्रिंगडेल्स विद्यालय, पूसा रोड के कक्षा– XII के छात्रों ने एसीबीआर का एक दिन का दौरा किया। उन्हें जीव–विज्ञान अनुसंधान के विभिन्न उपकरण दिखाए गए तथा उन्हें जैव–प्रौद्योगिकी की तीन तकनीकों पर प्रयोग (बैक्टीरियल स्टेनिंग, ड्रोसोफिला में जेनेटिक म्यूटेंशन रिस्ट्रिक्शन एंडो न्यूक्लीज़) संचालित करने का अवसर भी प्रदान किया गया।

एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियॉ

पीएच.डी. – 02

संकाय–सदस्य संख्या

स्थायी – 10,
तदर्थ – 2

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

संक्रामक रोग बायलॉजी पर डीबीटी कार्यबल, 2010 के लिए आज तक सदस्य के रूप में नाम–निर्दिष्ट

पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए ट्विनिंग अनुसंधान और विकास कार्यक्रम (आधारभूत और आधुनिक जैव–प्रौद्योगिकी) 2016 की स्क्रीनिंग समिति के अध्यक्ष।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए ट्विनिंग अनुसंधान और विकास कार्यक्रम (आधारभूत और आधुनिक जैव–प्रौद्योगिकी) 2016 की विशेषज्ञ समिति के सह–अध्यक्ष।

सदस्य अनुसंधान क्षेत्र पैनल एवं वैज्ञानिक परामर्श समिति, राष्ट्रीय इम्युनॉलोजी संस्थान 2015 – आज तक।

सदस्य, शैक्षणिक समिति, राष्ट्रीय ब्रेन रिसर्च केन्द्र 2016 – आज तक

***

विज्ञान शिक्षा और सम्प्रेषण केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियॉ

केन्द्र संप्रेषण के समस्त साधनों के माध्यम से विज्ञान और वैज्ञानिक मुद्दों के प्रति व्यापक रुचि का सृजन करता है। समाज और शिक्षा जगत के बीच निरंतर बदलते हुए संबंध के परिप्रेक्ष्य में, केन्द्र का उद्देश्य कौशल पहलों के माध्यम से विश्वविद्यालयी शिक्षा में अभिन्नता और उद्यमिता की संस्कृति आत्मसात करके, युवाओं को अधिकार संपन्न बनाते हुए, विश्वविद्यालय के अंतर्विषयक शोध प्रयासों के माध्यम से समाज की चुनौतियों का समाधान उपलब्ध कराते हुए तथा शिक्षा और उद्योग के मध्य संबंधों को और सुदृढ़ बनाते हुए अधिक व्यापक हो गया है। समस्त पहलकदम उत्प्रेरित शिक्षक नेटवर्क तथा विश्वविद्यालय के अभिनवता क्लब में संचालित किए जाते हैं। केन्द्र एनआईएससीएआईआर, विज्ञान प्रसार, जीनोटाइपिक टेक्नालॉजीज़ बेंगलूर तथा ईडीआईएल, अहमदाबाद के साथ सहयोग स्थापित करने की प्रक्रिया कर रहा है। सीएसईसी में कंप्यूटेशनल बायलॉजी में एक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम को डीबीटी द्वारा वित्त–पोषित किया जा रहा है तथा केन्द्र में एक विज्ञान मीडिया अनुसंधान प्रयोगशाला शीघ्र ही स्थापित की जाएगी।

सम्मान / विशिष्टियॉ

डॉ. दीपिका भास्कर, समन्वयक :

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 10 सितम्बर, 2016 को शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय अभिनवता क्लबों की प्रतियोगिता के लिए 08 मार्च, 2017 को राष्ट्रपति भवन के लिए नाम–निर्दिष्ट किया गया।

डीएसटी द्वारा भारतीय विज्ञान कांग्रेस, विज्ञान संप्रेषण दिल्ली चैप्टर के लिए नाम–निर्दिष्ट।

विज्ञान प्रसार द्वारा भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान फिल्म समारोह, 2017 में ज्यूरी सदस्य के रूप में नाम–निर्दिष्ट।

प्रकाशन

भास्कर डी., दिव्यदर्शन सी., अमेया ए., कीर्ति के. दोर्जे डी. (2017). वेंस : एन इम्पैक्ट एनालाइसिस ऑफ डीयू इनोवेशन प्रोजेक्ट्स, दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय।

भास्कर डी. (2016). ट्रांसेनेशनल अप्रोच एंड चैलेंजेज फॉर पर्सोनेलाइज्ड कैंसर, 19 नवम्बर, 2016, जेएनयू, नई दिल्ली में इनोवेटिव रिसर्च इन बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, कैंसर बायलॉजी, स्टेम सैल्स, बायो–इंफार्मेटिक्स एंडएप्लाइड बायोटेक्नालॉजी पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियों में।

भास्कर डी. (2016). एकेडेमिक इंटरप्रीनुएरशिप – लिंकिंग स्किल्स टु हायर एजुकेशन, दिल्ली यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ अंडरग्रेजुएट रिसर्च एंड इनोवेशन, 2(2), 9–16.

संपादकीय बोर्डों के संपादक / सदस्य के रूप में कार्य कर रहे संकाय सदस्य

प्रबंधन एडीटर, दि दिल्ली यूनीवर्सिटी जर्नल ऑफ अंडर ग्रेजुएट रिसर्च एंड इनोवेशन, खंड–I, अंक I, II, III खंड 2, अंक I, II.

शोध परियोजनाएँ

डीबीटी, 2017. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा / सर्टीफिकेट प्रोग्राम फॉर स्किल डेवलपमेंट इन कंप्यूटेशनल बायलॉजी, 35 लाख रुपए उपकरण अनुदान संस्वीकृत।

आरएंड डी अनुदान, 2016, जीनोमिक टेक्नालॉजीज़ फॉर पर्सोनेलाइज्ड कैंसर मेडिसिन, 3 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियाँ / कार्यशालाएँ

छात्रों के लिए अभिनवता और उद्यमवृत्ति में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण, 21 जून – 11 जुलाई, 2016 (36 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया)।

प्रयोगशाला अनुसंधान में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण, 16 जून – 15 जुलाई, 2016. (83 छात्रों ने 65 प्रयोगशालाओं में शोध अनुभव तथा प्रशिक्षण प्राप्त किया)।

शोध परियोजना प्रबंध में संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 जुलाई, 2016, डीएसटी, आईसीएमआर, एनएसटीईडीबी आदि से विशेषज्ञों द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में 80 कॉलेज शिक्षकों ने भाग लिया।

रामजस कॉलेज में आईपीआर चेयर के साथ प्रशिक्षक–आईपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, 21–22 अगस्त, 2016.

जीनोटाइपिक टेक्नालॉजीज़ बेंगलूर के साथ आगामी पीढ़ी सीक्वेंसिंग में अनुभवजन्य प्रशिक्षण, 30 सितम्बर से 01 अक्टूबर, 2016. 36 प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण से लाभ उठाया जो संकाय सदस्य, पोस्ट–डॉक्टोरल, डॉक्टोरल और स्नातकोत्तर छात्र थे।

भावी महिला उद्यमियों के लिए कौशल संवर्धन कार्यक्रम, 11–16 अक्तूबर, 2016. 21 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम से लाभ अर्जित किया।

भावी उद्यमियों के साथ संपर्क दिवस, 4 नवम्बर, 2016, क्लस्टर अभिनवता केन्द्र, दिल्ली।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शोध प्रदर्शन, 19 नवम्बर, 2016, शोध प्रदर्शन में पोस्ट प्रस्तुतीकरण के लिए 82 अभिनव परियोजनाओं का चयन किया गया।

विज्ञान संप्रेषण में प्रशिक्षण कार्यक्रम, 20–22 दिसम्बर, 2016, 38 संकाय सदस्यों, डॉक्टोरल, मास्टर्स और स्नातकपूर्व छात्रों ने शैक्षणिक क्षेत्र और समाज में विज्ञान को और अधिक प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने के लिए अपने कौशलों का विकास किया।

विज्ञान कॉलेज के छात्रों के लिए विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 'क्वेस्ट 2017' विभिन्न चक्र 15 फरवरी से 29 मार्च, 2017 तक आयोजित किए गए।

18 मार्च – 29 अप्रैल, 2017 तक आईटी परामर्श पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 27 संकाय सदस्यों तथा आईटी पृष्ठभूमि के छात्रों ने इसमें प्रशिक्षण प्राप्त किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण/व्याख्यान के लिए आमंत्रित

एथिकल डिलेमाज़ इन साइंटिफिक रिसर्च, आईपीआर कार्यशाला 10–11 अगस्त, 2016 को रामजस कॉलेज।

एकेडेमिक इंटीग्रिटी इन इंटेलेक्चुअल एक्सचेंज एंडएथिकल डिलेमाज़ इन साइंटिफिक रिसर्च, परिबोधन कार्यक्रम (ओरआर–86) 25 नवम्बर – 23 दिसम्बर, 2016, सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय 19 दिसम्बर., 2016.

मैनुस्क्रिप्ट राइटिंग एंड रिसर्च, पब्लीकेशन, विज्ञान संप्रेषण में प्रशिक्षण कार्यक्रम, सीएसईसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20–22 दिसम्बर, 2016.

विज्ञान संप्रेषण और पब्लिक एंगेजमेंट, विज्ञान संप्रेषण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, सीएसईसी, दिल्ली विश्वविद्यालय 20–22 दिसम्बर, 2016.

प्रेजेंटिंग यूआर प्रोफेशनल सेल्फ फॉर कैरियर इन्हैंसमेंट, वैज्ञानिक लेखन और संप्रेषण पर कार्यशाला, एआरएसडी कॉलेज, 20–21 फरवरी, 2017.

कम्युनिकेटिंग एंड डिसेमिनेटिंग साइंस – ए गाइड टु साइटिफिक राइटिंग, वैज्ञानिक लेखन और संप्रेषण पर कार्यशाला, एआरएसडी कॉलेज, 20–21 फरवरी 2017.

प्रोफेशनल एथिक्स एंड एकेडैमिक इंटीग्रिटी इन इंटेलेक्चुअल एक्सचेंज, राष्ट्रीय शैक्षणिक लेखन प्लागरिज्म एंड साइटेशन संगोष्ठी, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25 फरवरी, 2017.

*****

विभाग

अनुप्रयुक्त समाज विज्ञान और मानविकी

व्यावसायिक अर्थशास्त्र

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग ने 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 की अवधि के दौरान, सफलतापूर्वक व्यावसायिक अर्थशास्त्र में एमबीए कार्यक्रम और एक पीएच.डी. कार्यक्रम आरंभ किया। विभाग का नियुक्ति प्रकोष्ठ, अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए 59 नियुक्तियॉ और प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 35 नियुक्तियॉ कराने में सफल रहा। तीन छात्रों को डॉक्टरेट की डिग्री से सम्मानित किया गया। विभाग में विभिन्न विषयों पर चौदह साप्ताहिक विमर्श गोष्ठियॉ आयोजित की गयी थीं जिसमें उद्योग के विशेषज्ञों और शिक्षाविदों को आमंत्रित किया गया था। विभाग में आयोजित, छात्रों की अन्य गतिविधियों में उत्पत्ति, विश्लेषण, संस्मरण (वार्षिक पूर्व छात्र), वार्षिक सम्मेलन, अर्थनीति, मार्किबिज, पहल और ब्लूचिप्स जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

प्रकाशन

ए. जी.दस्तीदार, (2016), वृहद अर्थशास्त्र विश्लेषण में केनेसियन मॉडल (ब्लॉक 1, यूनिट 2), एमए (अर्थशास्त्र) कोर्स, एमईसी –2002, (नई दिल्लीः इग्नू)।

ए. जी. दस्तीदार, (2016),मुक्त अर्थ व्यवस्था वृहद अर्थशास्त्र, वृहद अर्थशास्त्र विश्लेषण में यूनिट 4 (ब्लॉक 1), एमए (अर्थशास्त्र) कोर्स, एमईसी –2002 (नई दिल्लीः इग्नू)।

ए. जी. दस्तीदार, (2016), आर्थिक विकास के सिद्धांत – भाग 3, मॉड्यूल 26, वृहद अर्थशास्त्र विश्लेषण और नीति, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 5, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

ए. जी. दस्तीदार और टी. दाश, (2016), चालू खाता घाटे और विनिमय दरों का प्रबंधन – भाग 1, मॉड्यूल 27, वृहद अर्थशास्त्र विश्लेषण और नीति, एमए (व्यापार अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 5, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी के एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

ए. जी. दस्तीदार और एस. पात्र, (2016), चालू खाता घाटे और विनिमय दरों का प्रबंधन – भाग 2, मॉड्यूल 28, वृहद अर्थशास्त्र विश्लेषण और नीति, एमए (व्यापार अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 5, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी के एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

ए. जी. दस्तीदार और ए.कुमार, (2016), भारत में मौद्रिक संचार और मौद्रिक नीति के माध्यम – भाग 1, मॉड्यूल 32, वृहद अर्थशास्त्र विश्लेषण और नीति, एमए (व्यापार अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 5, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एनएमईआईसीटी) एमएचआरडी का मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

ए. जी. दस्तीदार और पी. भल्ला, (2016), निष्कर्ष, मॉड्यूल 35, वृहद अर्थशास्त्र विश्लेषण और नीति, एमए (व्यापार अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 5, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

वाई. गुप्त, (2016), परिचय, मॉड्यूल 1, औद्योगिक अर्थशास्त्र, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 6, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

वाई. गुप्त, (2016), सामरिक प्रवेश निवारण, मॉड्यूल 12, औद्योगिक अर्थशास्त्र, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 6, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

वाई. गुप्त, और एस. सहाय, (2016), औद्योगिक क्रांति और जीडीपी में संरचनात्मक बदलाव, मॉड्यूल 2, औद्योगिक अर्थशास्त्र, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 6, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

वाई. गुप्त, और एस. सहाय, (2016), एशियाई बाघ और औद्योगिकीकरण, मॉड्यूल 3, औद्योगिक अर्थशास्त्र, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 6, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

वाई. गुप्त और एस. सहाय, (2016), औद्योगिक वर्गीकरण और एनआईसी, मॉड्यूल 4, औद्योगिक अर्थशास्त्र, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 6, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

वाई. गुप्त और एस. सहाय, (2016), फर्म का आकार और विकास, मॉड्यूल 19, औद्योगिक अर्थशास्त्र, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 6, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

वाई. गुप्त और एस. सहाय, (2016), कार्यक्षेत्र एकीकरण, अपूर्ण संविदाएँ और परिसंपत्ति विशिष्टता, मॉड्यूल 20, औद्योगिक अर्थशास्त्र, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 6, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

वाई. गुप्त और एस. सहाय, (2016), क्षैतिज विविधीकरण, मॉड्यूल 21, औद्योगिक अर्थशास्त्र, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) केलिएपेपर 6, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

वाई. गुप्त और एस. सहाय, (2016), रॉबिन मैरिस मॉडल, मॉड्यूल 22, औद्योगिक अर्थशास्त्र, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 6, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

वाई. गुप्त और एस. सहाय (2016), सामरिक गठबंधन, मॉड्यूल 24, औद्योगिक अर्थशास्त्र, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 6, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

एस. कुमार,(2016), अनिश्चितता के तहत चुनाव, मॉड्यूल 9, सूक्ष्म अर्थशास्त्र विश्लेषण, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 1, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

एस. कुमार, (2016), उत्पादन के सिद्धांत–द्वितीय, मॉड्यूल 11, सूक्ष्म अर्थशास्त्र विश्लेषण, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 1, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

एस. कुमार (2016), लागत का लघु चलन सिद्धांत, मॉड्यूल 13, सूक्ष्म अर्थशास्त्र विश्लेषण, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 1, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

एस.कुमार, (2016), लाभ – अलाभ विश्लेषण, मॉड्यूल 15, सूक्ष्म अर्थशास्त्र विश्लेषण, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 1, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

एस. कुमार, (2016), विश्वव्यापारः एकअवलोकन, मॉड्यूल 3, वैश्विक कारोबारी माहौल, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 11, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

एस. कुमार, (2016), भारत का विदेशी व्यापारः अवलोकन, मॉड्यूल 4, वैश्विक कारोबारी माहौल, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 11, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

एस. कुमार, (2016), भुगतान का संतुलन, मॉड्यूल 5, वैश्विक कारोबारी माहौल, एमए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) के लिए पेपर 11, ई–पीजी पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईसीटी मिशन), भारत सरकार (http://epgp.inflibnet.ac.in).

एस. शर्मा, वाई. गुप्त, और जी. कौर,(2016), दिल्ली की मलिन बस्तियों में किशोरों का पुनरुत्पादक स्वास्थ्य नईदिल्लीः सिनर्जी बुक्स।

आयोजित संगोष्ठी

प्रो.दीपक पेंटल (पूर्व उपकुलपति, डीयू), अनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें 15 सितंबर, 2016.

प्रो. अरुण कुमार (सीईएसपी, जेएनयू), प्रो. इंदिरा राजारामन (13 वें वित्त आयोग की सदस्य), और डॉ. एस. पी. शर्मा, (मुख्य आर्थिक सलाहकार, एसोचैम) विमुद्रीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव। 12 जनवरी, 2017.

श्री मानस महाजन (निदेशक, अमेरिकन एक्सप्रेस), व्यापारिक विश्लेषण। 9 मार्च, 2017.

आयोजित सम्मेलन

आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित, 11 अप्रैल 2016 को भारत की औद्योगिक नीति का पुनर्गठन, आयोजक समितिः सी. एम.ठकरास, अनन्या जी.दस्तीदार और यामिनी गुप्त।

सुनहरे भारत का निर्माण पर तैंतालीसवें वार्षिक सम्मेलन – 1 अक्टूबर 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के एस पी जैन सेंटर, नई दिल्ली में संभावित सुधार और उन्मुक्ति को बढ़ावा देना।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर राष्ट्रीय सम्मेलनः समकालीन मुद्दे और चुनौतियाँ, 28 फरवरी 2017, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्तपोषित, आयोजक समिति। सुनील कुमार, अनन्या जी.दस्तीदार, और यामिनी गुप्त।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

ए.जी.दस्तीदार :

सार्क देशों के साथ भारत के व्यापार में विनिमय दर में अस्थिरता का प्रभावःदक्षिण एशियाई आर्थिक विकास पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक मूल्यांकन (गणपति मेण्डाली और संयुक्ता दास द्वारा), अर्थशास्त्र संकाय, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2017 को।

व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर, 28 फरवरी, 2017 को कर्तव्य विपरिवर्तन और प्रभावी संरक्षण पर चर्चाः " भारतीय अर्थव्यवस्था पर राष्ट्रीय सम्मेलन : समकालीन मुद्दे और चुनौतियॉ " में कनिका पठानिया द्वारा एक सैद्धांतिक अध्ययन। ।

वाई .गुप्त,:

भारत में अनौपचारिक बैटरी पुनर्चक्रण पर आमंत्रित व्याख्यान– 5 मई, 2016 को नई दिल्ली में होटल रॉकलैंड में प्योर अर्थ द्वारा आयोजित जहरीले स्थलों की पहचान परियोजना (टीएसआईपी) तकनीकी समीक्षा कार्य क्षेत्र पर एक सिंहावलोकन।

दिल्ली और एनसीआर से यूलएबी–एक प्रारण अध्ययन के संग्रह पर आमंत्रित व्याख्यान। यूएसएआईडी द्वारा वित्तपोषित कार्यक्रम के लिए प्रारंभिक बैठक : 21 नवंबर, 2016 को भारत के पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में प्योर अर्थ द्वारा आयोजित "कम और मध्य आय वाले देशों में मान व स्वास्थ्य के लिए विषैले रासायनिक प्रदूषण के खतरे को कम करना"।

'भारतीय अर्थव्यवस्था : समकालीन मुद्दे और चुनौतियां,' पर राष्ट्रीय सम्मेलन, व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर में व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता में तेजी लाने के लिए सिस्टम गतिशीलता दृष्टिकोण पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित, 28 फरवरी, 2017

कुमार, एस :

10 अगस्त, 2016 को सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वैश्वीकरण के युग में गांधी को स्मरण करने के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में *अर्थव्यवस्था पर गांधी के दृष्टिकोण* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

16 फरवरी, 2017 को, गांधी स्टडी सर्कल और सत्यवती कॉलेज की आर्थिक सोसाइटी, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "उनके और हमारे समय में गांधी", में गांधी के आर्थिक विचारों की अहमियत पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया था।

28 फरवरी, 2017 को व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित, भारतीय अर्थव्यवस्था : समकालीन मुद्दे और चुनौतियां'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में व्यापार के दीर्घकालिक प्रभाव पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सी.एम.ठकरासः

28–29 सितंबर, 2016 को, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन, अनुकूलन और स्थायी विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एच.पी. में सेब उत्पादन और उत्पादकता पर इसके प्रभाव पर पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

28 फरवरी, 2017 को व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित 'भारतीय अर्थ व्यवस्थाः समकालीन मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में हिमाचल प्रदेश में कृषि विकास और फसल विविधीकरण पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

ए.जी.दस्तीदार, अमेरिकी फुलब्राइट–नेहरू शोधकर्ता (रोनाक कॉलेज, वर्जीनिया, संयुक्त राज्य अमेरिका के श्री ब्रैंडन मेयर) के लिए अगस्त, 2015 से मई 2016 तक शैक्षणिक पर्यवेक्षक थीं।

नियुक्तियों का विवरण

अंतिम चरण की नियुक्ति– 59 (90.76 प्रतिशत), भर्ती के लिए विभाग में आने वाली कंपनियां– 66

ग्रीष्म कालीन इंटर्नशिप – 35 छात्रगण (70.63 प्रतिशत), भर्ती के लिए विभाग में आने वाली कंपनियां– 25

विस्तार और पहुँच गतिविधियां

छात्रों ने रूट्स पहल के तहत समाज के वंचित वर्गों की सहायता के लिए गतिविधियों की शुरुआत की। इनमें गर्म कपड़े और सूखा राशन जमा करने का अभियान शामिल है।

एम.फिल. / पीएच.डी.डिग्री

पीएच.डी. – 3

संकाय की संख्या

स्थायी – 7

तदर्थ –1

*****

कला संकाय

अरबी

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

अरबी दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे पुराने विभागों में से एक है जिसकी शुरुआत 1922 में की गई थी जो दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना का वर्ष भी है। प्रारंभ में, इसकी कक्षाएं सेंट स्टीफन कॉलेज में आयोजित की जाती थीं

जो दिल्ली विश्वविद्यालय का ही एक संघटक कॉलेज है। विभाग के प्रारंभिक वर्षों में, प्रख्यात विद्वत हस्तियों जैसे शमसुल उल्मा मौलाना अब्दुर रहमान और मौलाना सईद अहमद अकबराबादी ने विभाग को अपनी सेवाएं प्रदान कीं। पचासवें दशक के मध्य में, अरबी विभाग को इसके दो अनुषंगी विभागों पर्सियन और उर्दू के साथ कला संकाय भवन में स्थाानांतरित किया गया। अरबी विभाग तीन अवस्थाओं से होकर गुजरा है। इसने अरबी, पर्सियन और उर्दू विभाग के अधीन भी कार्य किया है। इसके उपरांत, उर्दू विभाग स्वतंत्र विभाग बन गया जबकि अरबी और पर्सियन एक संयुक्त विभाग के रूप में कार्य करते रहे। अंततः अरबी विभाग 1978 में स्वतंत्र विभाग बन गया।

प्रकाशन

खान एम.एन (2017) *प्रो. खुर्शीद अहमद फरीक : उनका जीवन और कार्य* (अरबी), तकाफत–उल–हिंद, आईसीसीआर, नई दिल्ली 68(8), जनवरी–मार्च, 2017. आईएसएसएन 0970–3713.

खान एम.एन. (2016) *अल–गार्स अल वहीदी फिरासैल अल–शेख नईम बी. अल–महदी* (मजूमत रसैल द्वारा हजरत अल्लामा शाह मोहम्मद नईम अता अल–सलोनी, खानक्वाहे करीमियाह नई'मियाह, सोलन (उत्तर प्रदेश), आईएसबीएन 81–901947–4–7.

खान एम.एन (2016). *तारीख हदारत अल–हिंद, तारीख–ए–तमादुन–ए हिन्द* का अरबी अनुवाद द्वारा प्रो. मोहम्मद मुजीम, पूर्व कुलपति, जेएमआई, अरब थॉट फाउंडेशन, बेरूत, आईएसबीएन 978–9953–0–3621–2.

अख्तर एस.एच. (2017). *इस्लाम सज्जाद के आथरे अदबिया,* ताजालियत–ए–सज्जाद, चहारदेह सद सलाह जश्न इमाम सज्जाद, जलालपुर, अम्बेडकर नगर, उत्तर प्रदेश.

हसन नईमुल (2016). अल नवाब सिद्दीकी हसन खान : अरबी भाषा और साहित्य के विकास में उनका योगदान, मजल्लाह अल–मजाहिर, अल–जमीयतुल इस्लामिया, मजाहिर उलूम सहारनपुर, अगस्त–सितम्बर, 2016, आईएसएसएन 2348–2575.

हसन नईमुल (2016). मिश्र में अरबी भाषा के पुरोधा और अरबी साहित्य में उनका योगदान *मजल्लाह अलुगाह,* ऑनलाइन अंक आईएसएसएन 2394–4862.

हसन नईमुल (2016). एक भाषा से दूसरी भाषा में कविता का अनुवाद तथा अनुवादकों के समक्ष आने वाली कठिनाइयां, *मजल्लाह मल–मजाहिर, अल–जमैयतुल इस्लामिया,* मजाहिर उलूम सहारनपुर, नवम्बर–दिसम्बर, 2016. आईएसएसएन 2348–2575.

हसन नईमुल (2017). शाह वलीउल्लाह देहलवी इन दि लाइट ऑफ हिज़ राइटिंग्स, *मासिक बरहीन,* नई दिल्ली, 9(106), आईएसएसएन : 2395–3640.

हसन नईमुल (2017). शरियत वा तारीकत का इम्तियाज़ और शाह वलीउल्लाह का फलस्फा–ए–तसवुफ*, मासिक बरहीन,* नई दिल्ली, 9(106), आईएसएसएन : 2395–3640.

अकरम एम. (2016). चैप्टर इन बुक नकुश. *ई अजमल,* प्रथम संस्करण, (पृ. 157–64). केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली आईएसबीएन 81–87748–49–4.

अकरम एम. चैप्टर इन बुक *प्रो. शाह अब्दुसलाम शक्सियत और इल्मी नकुश.* (पृ. 177–187). एजुकेशन पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, आईएसबीएन 978–93–5073–944–0.

अकरम एम. चैप्टर इन बुक *उर्दू के परोध में अतिबा का हिसाह* (पृ. 207–2015). इस्लामी हैल्थेयर फाउंडेशन (आईएचएफ), नई दिल्ली आईएसबीएन 978–81–929741–3–7.

आयोजित सगोष्ठियॉ/सम्मेलन

दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, *भारतीय भाषाओं में अरबी स्रोतों का और इसके विपरीत अनुवाद,* 8–9 मार्च, 2017.

किंग अब्दुल्ला बिन अब्दुल अजीत इंटरनेशनल सेंटर, रियाद, केएसए के सहयोग से 1–7 अप्रैल, 2017 तक आयोजित सात–दिवसीय कार्यशाला – *अरबी शिक्षकों के लिए शिक्षण पद्धतियां।* प्रो. मुनेर हुसैन अल–मलीवी को विशेष व्याख्यान देने के लिए सउदी अरब में आमंत्रित किया गया।

प्रो. के.ए. फरीक स्मारक व्याख्यान माला–10, *अरबी भाषा और साहित्य के लिए गुजरात का योगदान,* वक्ता मुफ्ती अहमद देवल्वी, 8 मार्च, 2017

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

प्रो. एम.एन. खान, राष्ट्रीय संगोष्ठी, *समसामयिक परिप्रेक्ष्य में कुरान की सामाजिक और आध्यात्मिक शिक्षा,* प्रो. के.ए. निजामी, सेंटर फॉर कुरानिक स्टडीज़, एएमयू, अलीगढ़, 4–5 अप्रैल, 2016.

प्रो. एस. हुसैन अख्तर :

अरबी विभाग, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय और दारूल उलूम ताजुल मस्जिद, भोपाल के सहयोग से अखिल भारतीय अरबी शिक्षा एवं विद्वतजन द्वारा 27–29 मई, 2016 तक *'अनुवाद की पद्धतियां तथा अरबी की शिक्षा'* पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया।

पर्सियन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 23–24 फरवरी, 2017 को *मुंशी नवल किशोर एवं उपनिवेशी भारत में मुद्रण प्रेस* पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुंशी नवल किशोर एवं अरबी पुस्तकों की प्रिंटिंग' पर पत्र प्रस्तुत किया।

अरबी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 1–3 मार्च, 2017 तक 'अरबी भाषा और साहित्य पाठ्यचर्या का संशोधन और पुनर्गठन' पर आयोजित कार्यशाला में वार्ता।

डॉ. नईमुल हसन :

भारत अरब सांस्कृतिक केन्द्र, जेएमआई, नई दिल्ली द्वारा 4–15 फरवरी, 2017 तक 'भारत और अरब विश्व : अतीत वर्तमान और भविष्य की परिकल्पना' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में डिपिक्शन ऑफ इंडियन सोसाइटी एज़ रिफ्लेक्टेड इन मुसाहदत मिल अल–हिंद पर प्रस्तुतीकरण।

अरबी विभाग, जेएमआई, नई दिल्ली में 1–3 मार्च, 2017 तक 'वर्तमान आवश्यकताओं के परिप्रेक्ष्य में अरबी भाषा तथा सभी पाठ्यक्रमों की साहित्य पाठ्यचर्या का संशोधन और पुनर्गठन' पर आयोजित कार्यशाला में 'वर्तमान आवश्यकताओं के परिप्रेक्ष्य में अरबी भाषा तथा सभी पाठ्यक्रमों की साहित्य पाठ्यचर्या का संशोधन और पुनर्गठन' पर प्रस्तुतीकरण।

शरियत व तरीकत का इम्तेज़ाज और शाह वलीउल्लाह का फलसफा–ए–तसवुफ, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, शाह वलीउल्लाह और तसवुफ, शाह वलीउल्लाह संस्थान, नई दिल्ली, 14–16 मार्च, 2017.

नवाब सिद्दीकी हसन खान अल–कुआनब्जी द्वारा लिखी पुस्तक अब्जादुल उलूम का विश्लेषणात्मक अध्ययन, राष्ट्रीय संगोष्ठी, अरबी भाषा और इस्लामिक साहित्य के संवर्धन में शाहजहां बेगम और नवाब सिद्दीकी हसन खान का योगदान, अरबी विभाग, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, 23–25 मार्च, 2017.

अरबी भाषा सीखने में गैर–अरबी पृष्ठभूमि के छात्रों को आने वाली समस्याएं, कार्यशाला, गैर–अरबी भाषियों की समस्याएं तथा उनके लिए अरबी भाषा सिखाने की पद्धतियां, किंग अब्दुल्लाह बिन अब्दुल अजीज अरबी भाषा अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र एवं जेएमआई द्वारा आयोजित 18 अप्रैल, 2017.

अरबी भाषा की पुरानी पांडुलिपियों को किस प्रकार संपादित करें, अनुसंधान क्रियाविधियों और पांडुलिपि संपादन पर एक–दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, किंग अब्दुल्लाह बिन अब्दुल अजीज अरबी भाषा अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र एवं जेएमआई द्वारा आयोजित 19 अप्रैल, 2017.

किंग अब्दुल्लाह बिन अब्दुल अजीज इंटरनेशनल सेंटर फॉर अरेबिक लैंगुएज द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के अरबी विभाग के सहयोग से 7 अप्रैल, 2017 को आयोजित अरबी शिक्षकों के प्रशिक्षण पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

डॉ. मुजीब अख्तर :

अखिल भारतीय अरबी शिक्षक एवं विद्वतजन द्वारा अरबी विभाग, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय और दारूल उलूम ताजुल मस्जिद, भोपाल के सहयोग से 27–29 मई, 2016 को 'अरबी के अनुवाद और शिक्षण की पद्धतियां' पर आयोजित तीन–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और एक पत्र प्रस्तुत किया।

यूजीसी–एचआरडीसी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 30 मई से 18 जून, 2016 तक भाषाओं (अरबी–हिंदी–उर्दू) में यूजीसी प्रायोजित तीन–सप्ताह पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्रतिभागिता।

केन्द्रीय अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा एनसीपीयूएल और एआईएएटीएस के सहयोग से 'समाज, संस्कृति और नैतिकता : पूर्व और पश्चिम' पर 27–29 दिसम्बर, 2016 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अंतर्विषयक सम्मेलन पर पत्र प्रस्तुत किया।

भारतीय अरब सांस्कृतिक केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 14–15 फरवरी, 2017 तक 'भारत और अरब विश्व : अतीत, वर्तमान और भविष्य का परिकल्पना' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी पर पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. मोहम्मद अकरम

अखिल भारतीय अरबी शिक्षक और विद्वतजन द्वारा अरबी विभाग, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय और दारूल उलूम मसाजिद, भोपाल के सहयोग से 27–29 मई, 2016 को 'अरबी के अनुवाद और शिक्षण की पद्धतियां' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया।

जमैतुल फलाह बिलारिया गंज, आजमगढ़ द्वारा 5–6 नवम्बर, 2016 को 'इस्लाम का आएली निजाम, इंसानियत के लिए रहमत का पैगाम' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'औलाद की तर्बियत में मान का किरदार' पर पत्र प्रस्तुत किया।

किंग अब्दुल्ला बिन अबुल अजीज केन्द्र, रियाद द्वारा जेएनयू, नई दिल्ली में 21 दिसम्बर, 2016 को विश्व अरबी दिवस के अवसर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अरबी भाषा के संवर्धन में इस्लामिक जनसंख्या का योगदान' पर पत्र प्रस्तुत किया गया।

यूजीसी–एचआरडीसी जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 30 मई – 18 जून, 2016 को भाषाओं (अरबी, हिन्दी, उर्दू) पर आयोजित तीन सप्ताह के यूजीसी प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्रतिभागिता की।

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल.

पीएच.डी. – 3

एम. फिल – 3

संकाय – सदस्य संख्या

स्थायी – 15

****

बौद्ध अध्ययन

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

प्रगत अध्ययन केन्द्र

सराओ के.टी.एस.

(2017) निम्नलिखित प्रविष्टियां इंसाइक्लोपीडिया ऑफ इंडियन रिलीजंस में प्रकाशित की गई है, अरविंद के. शर्मा (संपा.) न्यूयार्क : स्प्रिंगर, आईएसबीएन 978–94–007–1988–0.

(2017). सर्च फॉर जेना एनापाडा, नेटिव इंडिया, 2(5), 2–4,

(2017). लीजेंड्स एज सोर्सज़ ऑफ हिस्ट्री : बौद्ध जीवनी से संबंधित लीजेंड्स का परीक्षण, प्रेजीडेंशियल एड्रेस (एंशिएंट सेक्शन), कार्यवाहियां, पंजाब इतिहास सम्मेलन, 48वां सत्र, 4–6 मार्च, 2016, (पृष्ठ 10–18), पटियाला : पब्लिकेशंस ब्यूरो, पंजाबी विश्वविद्यालय।

राणा आर.के.

(2017). उपय शर्मा, अरविंद (संपा.), *स्प्रिंगर इंसाइक्लोपीडिया ऑफ इंडियन रिलीजियंस,* स्प्रिंगर्स (इंडिया) प्रा.लि., भारत आईएसएसएन : 978–94024–0853–9.

(2017). सामंतभद्र शर्मा, अरविंद (संपा.), *स्प्रिंगर इंसाइक्लोपीडिया ऑफ इंडियन रिलीजियंस,* स्प्रिंगर्स (इंडिया) प्रा.लि, भारत आईएसएसएन : 978–94024–0853–9.

(2017). आर्यदेव शर्मा, अरविंद (संपा.), *स्प्रिंगर इंसाइक्लोपीडिया ऑफ इंडियन रिलीजियंस,* स्प्रिंगर्स (इंडिया) प्रा.लि, भारत आईएसएसएन : 978–94024–0853–9.

(2017). बोधीधर्म शर्मा, अरविंद (संपा.), *स्प्रिंगर इंसाइक्लोपीडिया ऑफ इंडिया रिलीजियंस,* स्प्रिंगर्स (इंडिया) प्रा.लि., भारत आईएसएसएन : 978–94024–0853–9.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. एच.पी. गांगनेगी, बौद्ध अध्ययन केन्द्र, यूजीसी, 7,50,000 / – रुपए।

प्रो. एच.पी. गांगनेगी, ई–कंटेंट राइटिंग, यूजीसी, 1,12,00,000 / – रुपए।

प्रो. के.टी.एस. सराओ, सीएएस (सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज़ – फेज) यूजीसी, 1,65,00,000 / – रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां / कार्यशालाएं

शैक्षणिक सत्र 2016–17 के दौरान विभागीय संगोष्ठी प्रत्येक शुक्रवार आयोजित की गई।

श्यामलाल कॉलेज तथा जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए।

संगोष्ठियों / सम्मेलनों में भागीदारी

– 35

प्रदत्त एम.फिल. / पीएच.डी.

पीएच.डी.– 7

संकाय – सदस्य संख्या

स्थायी – 14

****

अंग्रेजी

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

शैक्षणिक वर्ष के दौरान अंग्रेजी विभाग ने चार दो–दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया। विभाग तथा विभिन्न केन्द्रों द्वारा अनेक शैक्षणिक वार्ताओं का आयोजन किया गया – शैक्षणिक अनुवाद और पुरातत्व केन्द्र (सीएटीए), दलित

अध्ययन केन्द्र (सीडीएस) और हिंसा, स्मृति और आघात केन्द्र (सीएसवीएमटी)। सीएटीए द्वारा गजल कन्वेंशन एक उल्लेखनीय आयोजन था। भारतीय संविधान के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन करने के अतिरिक्त सीडीएस ने जोगेन्द्रनाथ मंडल का जीवन और समय पर एक फोटो–प्रदर्शनी का आयोजन भी किया। सीएसवीएमटी द्वारा विभाजन का स्मरण एक दो–दिवसीय कार्यशाला थी जिसका आयोजन ''दि 1947 पार्टीशन आर्काइव्स'' के सहयोग से किया गया था, जिसकी पर्याप्त प्रशंसा की गई।

प्रकाशन

पुस्तकें

कुमार राज (2017). भेडा (अखिल नायक के भेदा का अंग्रेजी अनुवाद), नई दिल्ली : ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस।

कुमार राज (2017). दलित पर्सनल नेरेटिव्स : रीडिंग कास्ट, नेशन एंड आइडेंटिटी, नई दिल्ली : ओरिएंट ब्लैक स्वान (पुनः मुद्रण)

चक्रवर्ती प्रशांत (2016). दि ओपुलेंस ऑफ एक्जिस्टेंस एसेज़ ऑन एस्थेटिक्स एंड पालिटिक्स, आईएसबीएन (एस) 978–93–83968–21–3.

जर्नल आर्टिकल्स

पांजा शर्मिष्ठा एवं सर्राफ बबली मोइत्रा (2016). प्रस्तावना, परफार्मिंग शेक्सपीयर इन इंडिया : एक्सप्लोरिंग इंडियननेस लिट्रेचर्स एंड कल्चर्स, लॉस एंजेल्स, लंदन, नई दिल्ली : सेज.

पांजा शर्मिष्ठा एवं सर्राफ बबली मोइत्रा (संपा.) (2016). प्रस्तावना. टु कंफाइन दि इलिमिटेबल : वीजुअल एंड वर्बल नेरेटिव्स इन टू बेंगाली रीटेलिंग्स ऑफ शेक्सपीयर, परफार्मिंग शेक्सपीयर इन इंडिया : एक्सप्लोरिंग इंडियननेस लिट्रेचर्स एंड कल्चर्स, लॉस एंजेल्स, लंदन, नई दिल्ली : सेज.

पांजा शर्मिष्ठा (2016). इंटरकल्चरल थिएटर एंड शेक्सपीयर प्रोडक्शंस इन एशिया : इंडिया, सियुआन लियू (संपा.) राउटलेट हैंडबुक ऑफ एशियन थिएटर, (पृष्ठ 504–509). लंदन एंड न्यूयार्क : राउरलेज।

पांजा शर्मिष्ठा (2016). मैरिज ऑफ टू माइंड्स बाई विलियम शेक्सपीयर, वर्ड्स ऑफ लास्टिंग इंट्रेस्ट, रीडर्स डाइजेस्ट।

पांजा शर्मिष्ठा (2016). सांग, सर्वेलेंस एंड ग्रेवयार्ड्स : विशाल भारद्वाज की हैदर, हैमलेट, ब्रिस्टल विश्वविद्यालय, यू.के.

डेवेडावसन क्रिस्टेल आर. (2017). विजुएलिटी, स्पेक्टेकल एंड ' दि कॉमन गुड' इन इंडिया टुडे, इन मार्क गार्नर (संपा.) उच्चतर शिक्षा पर विश्वास (पृष्ठ 1–10), लंदन : यू ऑफ रोहैम्पटन प्रेस.

कुमार राज (2017). हू इज दि ऑथर ऑफ मधुसूदन रावज़ वर्णबोध? इन सुमन्यु सत्पथी एंड अनिमेष महापात्र (संपा.). *नटवर सामंतरायः ए रीडर,* नई दिल्ली : साहित्य अकादमी.

कुमार राज (2017). ट्रेवलिंग थ्रू कास्ट इन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिलिजियंस टूरिज्म एंड पिल्ग्रिमेज, 4(6).

कुमार राज (2017). दि मेकिंग ऑफ हिस्ट्री. इन स्वराज बासु (संपा.), *रीडिंग्स ऑन दलित आइडेंटिटी: हिस्ट्री, लिट्रेचर एंड रिलीजन,* नई दिल्ली : ओरिएंट ब्लैकस्वान.

कुमार राज (2017). कास्ट एंड दि लिटेरेरी इमेजिनेशन इन दि कंटेक्स्ट ऑफ इंडिया लिट्रेचर : ए रीडिंग ऑफ अखिल नायक्स भेडा, इन जोशी के. अब्राहम एंड जुदिथ मिश्राही – बराक (संपाक), भारत में दलित साहित्य, नई दिल्ली : रॉटलेज

भट्टाचार्य रिमली (2017). बिटवीन दि लाइंस, लैंगुएज एंड लैंगुएज टीचिंग 6 (2–12), 64–72.

भट्टाचार्य रिमली (2017). पर्फोमेंस एंड बेगिंग मिशंस, इकानॉमिक्स एंड पालिटिकल वीकली, 52(19), 64–70,

बाबू हैली एम.टी. (2017), ब्रेकिंग दि चतुर्वर्णा सिस्टम ऑफ लैंगुएजेज़ : दि नीड टु ओवरहॉल दि लैंगुएज पालिसी, इकोनॉमिक एंड पालिटिकल वीकली, एल II 23, 112–119.

चटर्जी सुवर्णो (2016). लेबर, प्रीकैरिटी एंड दि यूनीवर्सिटी : थिंकिंग अबाउट इंडियन हायर एजुकेशन, इंग्लिश लैंगुएज नोट्स, 54 (2), 167–174

बासु तपन (2017). दि दलित पर्सनल नेरेटिव इन हिन्दी, बायोग्राफी. 40(1).

कुमार प्रिया (2016). मुहाजिर्स एज़ ए डास्पोरा इन इंतिजार हुसैन्स दि सी लाइज अहैड एंड कामिला शमशीज़ कार्टोग्राफी, साउथ एशिया : जर्नल ऑफ साउथ एशियन स्टडीज़।

कुमार प्रिया एवं कोठारी रीता (2016). सिंध 1947 एंड बियांड, साउथ एशिया : जर्नल ऑफ साउथ एशियन स्टडीज़।

चन्द्रा नंदिनी (2016). चाइल्ड स्पीक : चिल्ड्रंस पीरिऑडिकल्स इन कोलोनियल नार्थ इंडिया (1920–50) इन स्वप्न चक्रवर्ती एंड अभिजीत गुप्ता (संपा.), फाउंट्स ऑफ नॉलेज : बुक हिस्ट्री इन इंडिया, दिल्ली : ओरिएंट ब्लैकस्वान।

चन्द्रा नंदिनी (2016). शैडो इमेजेज़ ऑफ ए फैक्ट्री : दि कंट्राडिक्शंस ऑफ दि यूनीवर्सिटी एज़ ए सर्विस इंडस्ट्री, कैफे डिसेंसस (www.cafe dissensus.com), 28

भट्टाचार्य वैदिक (2016). ऑन कंपार्टिसम इन दि कॉलोनी : आर्काइव्स, मैथड्स एंड दि प्रोजेक्ट ऑफ वेल्टलीटेराटर, क्रिटिकल, इंक्वायरी, 42(3), 677–711.

वत्स निधि (2016). रासा इन कीट्स लामिया इन डा. नीरज कुमार (संपा.), दि इंटीरियर्स आईएसएसएन 2319–4804.

पुस्तक अध्याय :

भट्टाचार्य रिमली (2017). स्पीकिंग ऑफ फूड : एपल, आइसक्रीम, पोस्तो, पिस्ता, रोटी, इन रमा कांत अग्निहोत्री, एट एल. (संपा.) ट्रेंड्ज़ इन लैंगुएज टीचिंग (पृष्ठ 82–96) हैदराबाद : ओरिएंट ब्लैक स्वान प्राइवेट लिमिटेड।

चटर्जी स्वर्णो (2017). टु बी मेड ओवर : वियतनामीज़ – अमेरिकन री – एजुकेशन कैंप मैमोइर्स इन फिलिप डायर (संपा.) वार स्टोरीज़ : दि वार मेमोइर इन हिस्ट्री एंड लिट्रेचर (पृष्ठ 229–251), न्यूयार्क, ऑक्सफोर्ड, बर्घाहन।

चटर्जी स्वर्णो (2017). दि डिस्टैंट शोर्स ऑफ फ्रीडम : रीकलेक्टिंग एंड रीहैब्लीटेटिंग वियतनाम इन अमेरिका। इन स्टेफेनी वेलांगर एंड रेंसे डिकासन (संपा.), वार मेमोरीज़ : कोमेमोरेशन, रीकलेक्शन एंड राइटिंग्स ऑन वार, (पृष्ठ 115–129), मांट्रियल, लंदन, शिकागो : मैकगिल – क्वींस यूनीवर्सिटी प्रेस।

चटर्जी स्वर्णो (2017). हावएवर इंपर्फेक्ट दि रिप्रेजेंटेशन. इन जीन–जैक्वस मालो (संपा.), डब्ल्यू.डी. एहर्हार्ट इन कंवर्शन : वियतनाम, अमेरिका एंड दि रिटन वर्ल्ड (पृष्ठ 16–60) जैफरर्सन, एन सी : मैकफारलैंड एंड कंपनी इंक. प्रकाशक।

कादिर हैरिस (2016) ए प्रोस्टिट्यूट्स लैटर : टु पंडित जवाहरलाल नेहरू एंड कैद–ए–आजम जिन्ना। कविता चन्द्रा की उर्दू लघु कथा 'एक तवायफ का खत पंडित जवाहरलाल नेहरू और कैद–ए–आजम जिन्ना को' का अनुवाद, इन रीवर ऑफ फ्लेश एंड अदर स्टोरीज़ : दि प्रोस्टिट्यूरेट वीमेन इन इंडिया शॉर्ट फिक्शन, इंडिया : स्पीकिंग टाइगर्स।

कादिर हैरिस (2016). जफर अली खान की दो उर्दू कविताओं का दि ग्लोरी ऑफ इंडिया : इन एंथालॉजी, ऑफ उर्दू पोइट्री इन इंग्लिश ट्रांसलेशन में अनुवाद, इंडिया – वीवा बुक्स

एंथनी श्वेता (2017), ट्रांससेंडिंग दि (जेनेटिक) सेल्फ : लिमिनैलिटी इन मेरिली वेशबोड्स दि लव क्वीन ऑफ मालाबार : मेमोइर ऑफ ए फ्रेंडशिप विद कमला दास, इन श्रीनाथ मुरलीधरन के. एवं देवी के. (संपा.) एक्सपोरेशंस इन क्रिटिकल ह्यूमैनिटीज़ : ए कलेक्शन ऑफ एसेज, भारत : वीवा बुक्स

शोध परियोजनाएं

सिंह विनोद कुमार, अनुसंधान एवं विकास परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2016 में प्रस्तुत, एन एक्सप्लोरेशन ऑफ दि सेलिएंट फीचर्स ऑफ कंटेम्पोरेरी ट्राइबल राइटिंग्स, 40,000/– रुपए।

एंथोनी श्वेता, यूजीसी–एसएपी–III अनुदान के अंतर्गत यात्रा अनुदान : अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय 12–18 मार्च, 2017. दि जर्नी ऑफ केरलाज़ लैटिन कैथोलिक कम्युनिटी : स्टडी थ्रू दि मिशनरी नेरेटिव्स, 12917/– रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां

पांजा सर्मिष्ठा, सह–आयोजक, एज कैननॉट विदर : शेक्सपीयर 400 शेक्सपीयर फेस्टिवल, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नवम्बर, 2016.

विभाग द्वारा मेजबानीः

नायक जतिन, उत्कल विश्वविद्यालय, दि एंसाइक्लोपीडिया एज़ ए कोल्ड वारियर : ए पर्सपेक्टिव ऑन उड़िया ज्ञान कोश अथवा एंसाइक्लोपीडिया ओरसिना, 20 मार्च, 2017.11.13

थारू जैकब, ईएफएलयू, दि ब्रिज कोर्स एंज ए हेरिस्टिक डिवाइस, 9 मार्च, 2017.

वर्गीस एम्मा डी. इंडिपेंडेंट रिसर्चर, जॉनर फिक्शन ऑफ न्यू इंडिया : पोस्ट मिलेनियल कंफिगरेशंस ऑफ क्रिक लिट. लिट एंड क्राइम राइटिंग, 8 मार्च, 2017.

थारू जैकब, ईएफएलयू, मीजरिंग ह्यूमन क्वालिटीज़ इन एजुकेशनल सेटिंग्स, 7 मार्च, 2017.

गुप्ता सुमन, मुक्त विश्वविद्यालय, यूके. दि पर्पस ऑफ क्लोज रीडिंग, 6 मार्च, 2017 तथा क्राइसेस इन इंडियन इंग्लिश स्टडीज़ 27 फरवरी, 2017.11.13

शानहान जॉन डी पॉल यूनीवर्सिटी, डिजिटल ह्यूमैनिटीज़ : टूल्स फॉर लिट्रेचर एंड क्रिटिसिज्म, 18 जनवरी, 2017.

न्यूपोर्ट एम्मा, यूनीवर्सिटल और ससेक्स, बैंक्रप्ट्स, पेनी–पिंचेज एंड स्पेंड थ्रिफ्ट्स : वीमेन राइटर्स एंड मानीटरी फिक्शन इन दि एटीन्थ सेंचुरी, 16 दिसम्बर, 2016.

जार्ज जिबु मैथ्यू. ईएफएलयू, कीपिंग दि प्रोफेसर बिजी : जेम्स जॉयस एंड कंटेम्पररी क्रिटिकल डाटाबेसेज़, 21 नवम्बर, 2016 : एंचाटमेंट, डिसएंचांटमेंट एंड री–एंचांटमेंट ऑफ दि वर्ल्ड : रीथिंमिंग दि वेबरियन नरेटिव ऑफ रिलीजन, 18 नवम्बर, 2016; एंड फिलॉस्फी लुक्स एट दि वाई एंड हाउ ऑफ लिटेररी स्टडीज़, 17 नवम्बर, 2016.

चक्रवर्ती शिशेंदु, दिल्ली विश्वविद्यालय, विदाई व्याख्यान, टैगोर्स क्रीटिक ऑफ दि इन्ह्यूमिनिटी ऑफ प्योर आर्ट इन वेस्टर्न माडेर्निटी, 19 अक्तूबर, 2016.

शैक्षणिक अनुवाद और पुरालेख केन्द्र (सीएटीए) द्वारा मेजबानीः

दि गजल कन्वेंशन, एक–दिवसीय समारोह, 22 अक्तूबर, 2016.

हसन अंजुम, लेखक एवं संपादक, पुस्तक पाठन और चर्चा, 3 मार्च, 2017; साहित्य को क्या हुआ है? 1 मार्च, 2017; एवं अंतरा–एशिया परियोजना कार्यशाला, 5–6 दिसम्बर, 2016.

कमल अजमल, लेखक एवं संपादक, साहित्य प्रकाशन और अनुवाद की तिहाई–शताब्दी, 24 अक्तबर, 2016.

नैथानी साधना, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, राम गरीब चौबे एवं लोक कथाएं – उत्तरी भारत की दुनिया, 7 नवम्बर, 2016.

दलित अध्ययन केन्द्र (सीडीएस) द्वारा मेजबानीः

भारतीय संविधान के उपलक्ष्य में, एक–दिवसीय संगोष्ठी, 28 नवम्बर, 2016.

कुमार केशवर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दलित आंदोलन के सैद्धांतीकरण में राजनीतिक संदर्श, 27 अक्तूबर, 2016.

चटर्जी देवयुद्ध, दिल्ली विश्वविद्यालय, फोटो प्रदर्शनी, जोगेन्द्रनाथ मंडल का जीवन और काल, 28 नवम्बर – 16 दिसम्बर, 2016.

रविचन्द्रन बी., कार्यकर्ता और दलित कैमरा के संस्थापक सदस्य, मैपिंग दि बाउंड्रीज़ ऑफ दि अल्टरनेट एंड दि मेनस्ट्रीम (दलित कैमरा के लेंस से देखना : किसी अस्पृश्य की आंखों के माध्यम से) 13 फरवरी, 2017.

दास कल्याण, प्रेजीडेंसी यूनीवर्सिटी, अम्बेडकर और राष्ट्र, 17 फरवरी, 2017 एंड अम्बेडकर्स 'सोशल होप' एन्ड ए 'डेमोक्रेसी दैट इज टु कम' : ए पामेटोलॉजिकल रीडिंग्स स्पेकुलेटिव फिलास्फी, 22 फरवरी, 2017.

रविचन्द्रन बी. कार्यकर्ता और दलित कैमरा के संस्थापक सदस्य, कास्ट एंड टेरिटरी : दि मेकिंग ऑफ ए नॉन–नेरेटिव स्कावेंजर, 20 फरवरी, 2017.

हिंसा, स्मृति और आघात केन्द्र (सीएसवीएमटी) द्वारा मेजबानी :

अहमद अली, लेखक, कश्मीर–दि बार्डर एंड बियांड, 9 नवम्बर, 2016.

हेनरी ओडिले पेरिस 8 यूनीवर्सिटी, इंट्रोडक्शन टु पिएरे बोर्डियूज़ सोसियालॉजी, 11 जनवरी, 2017

बासु तमन्ना, कार्यकर्ता, वर्किंग्स ऑफ वायलेंस : सिंगुलर स्टोरीज़ ऑफ आर्डिनरी लाइफ, 18 जनवरी, 2017.

गुप्ता सुमन, ओपन यूनीवर्सिटी, यू.के. *नेरेटिवाइजेशन प्रोटेस्ट स्यूसाइड,* 8 मार्च, 2017.

मेमोरियलाइजिंग पार्टीशन दि 1947 पार्टीशन आर्काइव्स सहयोग से 2 दिवसीय कार्यशाला, 22 फरवरी और 12 अप्रैल, 2017.

आयोजित सम्मेलन

दो–दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, कलिनरी रूट्स/रूट्स, 2–3 नवम्बर, 2016

स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज के सहयोग से दो–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इतिहास, संस्कृति और साहित्य : अंतरों को पढ़ना, 24–25 फरवरी, 2017

दो–दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, मोड्स, मोटिव्स, मोटिफ्स एंड कंडीशंस इन इंट्रा–एशियन ट्रैवल, 20–21 मार्च, 2017

भारती कॉलेज के सहयोग से दो–दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, माइग्रेशन एंड डायस्पोरा : थियोरी,कल्चर्स एंड लिट्रेचर्स, 24–25 मार्च, 2017.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

पांजा सर्मिष्ठा

'आई शैल ल्यूर यू नॉट विद माई ब्यूटी : जेंडर, ट्रासलेशन एंड टैगोर्स, सांग्स, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बियांड पोस्टकोलोनियल हर्मेनेयूटिक्स : कंपेरिटिव पर्सपेक्टिव्स स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन, स्टडीज़ एंड ट्रेनिंग इग्नू, मार्च, 2017.

प्लेनरी स्पीकर, शेक्सपीयर इन इंडिया, राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत में शेक्सपीयर की परिकल्पना, एलएडी कॉलेज फॉर वीमेन, नागपुर, फरवरी, 2017

आधार व्याख्याता, हैदर के विशेष संदर्भ में भारतीय स्टेज और स्क्रीन पर शेक्सपीयर, राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय साहित्य और भाषाओं में शेक्सपीयर, साहित्य अकादमी, कोलकाता, जनवरी, 2017.

पूर्ण सत्र वक्ता फ्रेजाइल थ्योराइजिंग अबाउट ग्लोबलाइजेशन : फूड मीडिया एंड मास्टर शेफ आस्ट्रेलिया, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, क्यूलिनरी रूट्स/रूट्स, दिल्ली विश्वविद्यलय, नवम्बर, 2016.

दि ग्रेव डिगर्स सीन इन हैम्लेट, वर्ल्ड शेक्सपीयर कांग्रेस 2016, स्टार्टफोर्ड अपॉन एवन एंड लंदन, जुलाई–अगस्त, 2016.

आधार व्याख्याता, शेक्सपीयर एंड एजुकेशन : बॉयडेल एंड बंगाल शेक्सपीयर एंड एजुकेशन ब्राइटन विश्वविद्यालय, यू.के., अप्रैल, 2016.

आधार व्याख्यान, शेक्सपीयर फॉरएवर ऑर फॉर ए डे? शेक्सपीयर 400 : फॉर एवर एंड ए डे बिबलियाथेक एलेक्जेंड्रिया, एलेक्जेंड्रिया, मिश्र, अप्रैल, 2016.

यूरोप में पुनर्जागरण : बौद्धिक पृष्ठभूमि का परिचय, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, फरवरी, 2017.

फ्राम दि मर्मर ऑफ प्रेज टु दि क्लैमर ऑफ एडेप्टेशन : शेक्सपीयर ऑन दि इंडियन स्टेट एंड स्क्रीन, चौथा वार्षिक व्याख्यान, सेंटर फॉर एशियन स्टडीज एंड पॉलिटिकल एंड बिजनेस डेली, ओडिशा, भुवनेश्वर, दिसम्बर, 2016.

डेवडावसन क्रेस्टेल आर :

पोस्टकोलोनिकली यूअर्स : फ्लोरा एनी स्टील, लॉकवुड किपलिंग एंड दि इलस्ट्रेशन ऑफ फोकटेल, एफआईएलएलएम, मार्च, 2017

आधार व्याख्याता, 'वीजुएलिटी, स्पेक्टेकल एंड दि कॉमन गुड इन इंडिया टुडे', सीयूएसी, चेन्नई, जनवरी, 2017.

विजुअल पालीटिक्स एंड दि कंटेम्परारी री ट्रीवल ऑफ गांधी, राइटिंग दि कास्मोपोलिटन इमैजिनेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिसम्बर, 2016.

होमलैंड, होस्टलैंड एंड दि स्टोरी ऑफ रूथ, माइग्रेशन एंड डायस्पोरा, भारती कॉलेज, मार्च, 2017.

आधार व्याख्यान, मिथ–मेकिंग एंड दि भिमान्या, राम लाल आनंद कॉलेज, मार्च, 2017.

आधार व्याख्यान, दि जेस्ट इज हिस्ट्री : दि आफ्टरलाइफ ऑफ पिक्टोरियल सैटायर, लेडी श्रीराम कॉलेज, मार्च, 2017.

आधार व्याख्यान, टैल–टेल लाइंस : दि किपलिंग्स एंड दि पीस ऑफ फेकलोर, एआरएसडी कॉलेज, फरवरी, 2017.

पूर्ण सत्र संबोधन, हीरोइज्म, विजुएलिटी एंड दि गार्डनर इन दि वेस्टलैंड, हिस्ट्री, कल्चर एंड लिट्रेचर, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज फरवरी, 2017.

पूर्ण सत्र संबोधन, दि बटर बजट : ग्राफिक विटनेस एंड पैटनर्स ऑफ कंजम्प्शन इन कंटेम्परारी इंडिया, दिल्ली विश्वविद्यालय, नवम्बर, 2016.

आधार व्याख्यान, क्राइम इन टु टेक्स्ट : एक्रॉयड क्रिस्टी एंड सचेट, सनरेवलिंग क्राइम, हंस राज कॉलेज, अक्तूबर, 2016.

दि आर्डिनरीनेस ऑफ कल्चर : क्रिस्टीज इनहेरिटेंस, दिल्ली विश्वविद्यलय, मार्च, 2016.

दि आर्डिनरीनेस ऑफ कल्चर : लीगेसी, दिल्ली विश्वविद्यलय, मार्च, 2016.

कुमार, राज :

क्रिएटिव थियोरी इन दलित कंटेक्स्ट : रीडिंग अखिलानायक्स भेडा, भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद द्वारा आयोजित क्रिएटिव थियोरी कोलोक्वियम, दिल्ली, 5 सितम्बर, 2017.

अंडरस्टैंडिंग जेंडर इन इंडिया, अंग्रेजी विभाग, श्याम लाल कॉलेज (सांध्य), 16 अगस्त, 2017.

सोसियोलॉजी ऑफ सेल्फ रीडिंग इंडियन ऑटोबायोग्राफीज़, रिफ्रेशर्स कोर्स, आयोजक – सामाजिक प्रणाली केन्द्र, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 11 अगस्त, 2017.

अंडरस्टैंडिंग दलित एस्थेटिक्स, अंग्रेजी विभाग तथा शिक्षा विभाग, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ग्रीष्मकालीन विद्यालय, 3 अप्रैल, 2017.

ट्रेवलिंग थ्रू कास्ट इंन इंडिया, इंट्रा–एशिया ट्रेवल सम्मेलन, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20 मार्च, 2017.

फ्रॉम बीइंग टु बिकमिंग, दि ऑनटोलॉजी ऑफ दलित सेल्फ : अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अंग्रेजी विभाग, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज तथा अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 24 फरवरी, 2017.

अप्रोचिंग ऑटो/बायोग्राफी, कार्यशाला, बायोग्राफी, सेंटर ऑफ सोशियोलॉजी, न्यूरिक विश्वविद्यालय, जर्मनी तथा ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 30 जनवरी, 2017.

दि लैंग्वेज ऑफ दलित लिट्रेचर, अंग्रेजी विभाग, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर, हरियाणा द्वारा आयोजित विंटर स्कूल, 6 दिसम्बर, 2016.

ट्रैवलिंग थ्रू कास्ट इन ओडिशा, इंटरा–एशिया ट्रैवलिंग कार्यशाला, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 5 दिसम्बर, 2016.

कास्ट एट दि टाइम ऑफ भक्ति : रीडिंग महिमा धर्म एज़ ए न्यू हिस्ट्रियोग्राफी, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, श्याम लाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली 21 अक्तूबर, 2016.

सोसियोलॉजी ऑफ सेल्फ : रीडिंग दलित ऑटोबायोग्राफीज़, कॉलोक्वियम, सामाजिक अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 22 सितम्बर, 2016.

डिसेबिलिटी फ्रॉम ओडिशा, जवाहरलाल नेहरू प्रगत अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यशाला तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में एआईटीआईएएस दक्षिण–एशियाई क्षेत्रीय कार्यशाला, नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2016.

अंबेडकरवाद और दलित साहित्य, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विचार–गोष्ठी, 23 अगस्त, 2016.

विशेष व्याख्यान, समसामयिक मुद्दे तथा दलित साहित्य में प्रवृत्तियां, अंग्रेजी विभाग, संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा, 02 अगस्त, 2016.

ट्रांसलेटिंग दलित लिट्रेचर कुवेम्पू भाषा प्राधिकरण बेंगलुरु द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, 30 अर्प्रल, 2016.

विशेष व्याख्यान, इन्वोकिंग अम्बेडकर, श्याम लाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 22 अप्रैल, 2016

बाबा साहेब डा. बी.आर. अम्बेडकर : श्रद्धांजलि, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित कार्यशाला, 14 अप्रैल, 2016.

दि फिलॉस्फी ऑफ दलित लिट्रेचर, दर्शन–विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, 11 अप्रैल, 2016.

शर्मा, अंजना

अध्यक्ष और वार्ताकार, संगोष्ठी सत्र, विजुअल कल्चर्स एंड आइडेंटिटीज़, बिहार और झारखंड पर अंतिम एडीआरआई रजत जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : साझे दृष्टिकोण के लिए साझा इतिहास, एशियाई विकास अनुसंधान संस्थान (एडीआरआई), पटना, 27 मार्च, 2017.

ब्रिटिश रोमांटिक पॉइटिक्स एंड दि आइडिया ऑफ एशिया, अंतर्राष्ट्रीय अंतर्विषयक सम्मेलन इमेजनिंग एशिया : नेटवर्क्स, एक्टर्स, साइट्स एट दि नालंदा श्रीविजिया सेंटर एंड दि यूसोफ इशाक इंस्टिट्यूट, सिंगापुर, 10 अक्तूबर, 2016.

लोक व्याख्यान के लिए आमंत्रित, कल्चरल हैरिटेज एंड इंटर–एशियान इंटरेक्शंस, नालंदा श्रीविजिया सेंटर तथा यूसुफ इशाक इंस्टिट्यूट, सिंगापुर, 12 जुलाई, 2016.

लोक व्याख्यान के लिए आमंत्रित, दि रुइंस एंड दि यूनीवर्सिटीः कनेक्शंस, कन्वर्जेंसेज़, कमिटीज़, 29 जून, 2016.

लोक व्याख्यान के लिए आमंत्रित, दि नेताजी एंड दि महात्मा : ट्रेजडीज़ ऑफ नेशनेलिज्म एंड ब्लू प्रिंट्स ऑफ इंडिया संगोष्ठी, गांधी स्मृति और दर्शन समिति तथा चाचा नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय। इस व्याख्यान का प्रसारण राज्य सभा टीवी पर भी किया गया, 31 जनवरी, 2017.

चन्द्र नन्दिनी

दि डालेक्टिक ऑफ सेंसर्ड थॉट : दि केस ऑफ डा. फ्रेडिक वर्थम, सेंसरशिप और साहित्य संगोष्ठी, अंग्रेजी विभाग, दयाल सिंह कॉलेज, 10 अप्रैल, 2017.

दि एंथ्रो पॉलिजिक्स ऑफ इंडियन बायोग्राफिकल कॉमिक्स : राइटिंग दि कास्मोपोलिटिन इमैजिनेशन : जॉनर ट्रांसेक्शन इन ए ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड, अंग्रेजी और जर्मन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, और पॉट्स्डैम विश्वविद्यालय, जर्मनी, 13 दिसम्बर, 2016.

वार्ताकार, राष्ट्रीय सम्मेलन, ट्रेजेक्ट्रीज़ ऑफ पॉपुलर : फार्म्स, हिस्ट्रीज़, कंटेक्स्ट्स, अंग्रेजी अध्यन केन्द्र, जेएनयू, 16–17 फरवरी, 2017.

एब्स्ट्रैक्ट कंक्रीशन : विनोद कुमार शुक्लाज़ क्रिटिक ऑफ दि नीड इकॉनामी, रीथिंकिंग ग्लोबल कैपेटेलिज्म कांफ्रेंस, दिल्ली केन्द्र, शिकागो विश्वविद्यालय, 4 मार्च, 2017.

रीआर्टिकुलेटिंग दि आइडेंटिटी ऑफ रूरल लाइफ : विनोद कुमार शुक्लाज़ खिलेगा तो दिखेगा (1996). पैनल : पूंजीवाद का अपक्षय और पुनर्गठन : कल्याण सान्याल के आर्थिक सिद्धांत पर समालोचनात्मक संदर्श दक्षिण एशिया पर वार्षिक सम्मेलन, मैडिसन, 22 अक्तूबर, 2016.

दि एंथ्रोपॉलाज़ीज ऑफ इंडियन बायोग्राफिक्स : दि बायोग्राफी मोड इन इंडियन कॉमिक्स एंड ग्राफिक नॉवल्स, आत्म–जीवनी अनुसंधान केन्द्र, हवाई विश्वविद्यालय, मनोआ, 14 अप्रैल, 2016

भट्टाचार्य वैदिक

व्हाट कैन डेल्यूज़ एंड गौटरी टीच अस अबाउट वर्ल्ड लिट्रेचर ? एस्थेटिक्स एंड दि पॉलिटिकल इन कंटेम्पटरी इंडिया : डेल्यूजियन एक्सप्लोरेशंस, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टिस) मुंबई, भारत, 16 फरवरी, 2017.

कोलोनियल फिलोलॉजी एंड दि ऑर्डर ऑफ टाइम, अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 16 जनवरी, 2017.

व्हाट इज़ क्राइम फिक्शन? हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25 अक्तूबर, 2016.

मार्क्सिज़्म एंड लिटरेरी हिस्ट्री इन कंटेम्परारी बंगाल, विकासशील समाजों में अध्ययन केन्द्र, दिल्ली 4 मई, 2016.

कादिर हैरिस :

इन सर्च ऑफ फेमिनीन फेस ऑफ इस्लाम : साउथ एशियन सेकुलर सफरनामा बाई इंडियन मुस्लिम वीमेन, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2017.

अल्टरनेटिव रीटेलिंग्स : दि महाभारता एंड इंडो–मुस्लिम कल्चर्स, महाभारत और अंतर–एशियाई संस्कृतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, आईजीएनसीए, शिक्षा मंत्रालय तथा इंडोनेशिया दूतावास द्वारा आयोजित 2017.

रीथिंकिंग मुस्लिम कास्मोपॉलिटनिज़्म : दि आइडिया ऑफ उल्मा इन नाइट्स तक्वाकोर एंड जन मोहम्मद जेनेरेशन एम. कास्मोपोलिटनिज्म एंड जॉनर ट्रांसेक्शन, यूजीसी – डीएएडी, पोट्सडैम यूनीवर्सिटी, जर्मनी और दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा आयोजित, 2016.

सिंह, विनोद कुमार :

वार्ता, सम थॉट्स ऑन फेमिनिस्ट रिस्पांस टु रामायणा, नारी चेतना प्रोग्राम, नॉन–कालिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से साहित्य अकादमी के तत्वावधान के अंतर्गत आयोजित, जुलाई, 2016.

कंटेम्पटरी ट्राइबल लाइफ : फैक्ट्स फिक्शन, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, दलित और जनजातीय साहित्य और समाज में उभरती नई पहचानें, विभाग और विदेशी भाषा विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, सितम्बर, 2016.

एंटनी श्वेता :

इकोटोन्स एज पाइंटस ऑफ लिमिनैलिटी : एन एनालाइसिस ऑफ दि ज्योग्राफिकल स्पेसेस इन झुंपालाहिरीज़ दि लोलैंड, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पर्यावरणीय न्याय : संस्कृति, प्रतिरोध और नयाचार, डा.के.एन. मोदी विश्वविद्यालय, नवई टोंक, राजस्थान, 24–25 मार्च, 2017

हेटेरो–बायोग्राफी एज़ ए रिवीजनिस्ट नेरेटिव : ए स्टडी ऑफ मेरिली वेशबोर्डस दि लव क्वीन ऑफ मालाबार : मेमोइर ऑफ ए फ्रेंडशिप विद कमला दास. वर्णन, पहचान और संस्कृति कथा वर्णन में परंपराएं और नई दिशाएं पर सम्मेलन, कला और मानविकी विद्यालय, रीवा विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, 3–4 फरवरी, 2017.

गुरवा अंजू :

दि वीमेन एंड दि काउंटर रेवोलूशन : अंडर स्टैंडिंग राइज एंड फॉल ऑफ हिंदू वीमेन बाई डा. अम्बेडकर राइटिंग्स एंड स्पीचेज, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, राजनीतिक विज्ञान विभाग, श्यामलाल कॉलेज तथा बौद्ध अध्ययन विभाग, कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित जुलाई, 2017.

इमैंसिपेशन ऑफ इंडियन वीमेन : कंटेक्स्टचुएलाइजिंग हिस्टॉरिकल एज वैल एज कंटेम्परी पसर्पेक्टिव्स, लिंग समानता और महिला अधिकारिता : आयाम, दिशाएं और चुनौतियां, यूजीसी द्वारा आयोजित, समाज विज्ञान विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान, द्वारा आयोजित 25–26 नवम्बर, 2016.

आईसीटी एंड डाइमेंशन ऑफ असेर्शन, आधुनिक भारत : राजीव गांधी का योगदान, आरजीएससी द्वारा सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित, 19 मई, 2016.

दुबे योगेश कुमार, साहित्य और जनजातीय मुद्दे, राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारत में जनजातीय साहित्य और मौखिक अभिव्यक्ति, साहित्य अकादमी द्वारा जेएनआरएम के सहयोग से आयोजित, पोर्ट ब्लेयर, 2017.

प्रदत्त एम. फिल/पीएच.डी डिग्रियां

पीएच.डी – 06

एम. फिल. – 39

संकाय सदस्य–संख्या

स्थायी – 24

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

शर्मा, अंजना, वरिष्ठ फेलो, नालंदा श्री विजिया सेंटर तथा इंस्टिट्यूट ऑफ साउथ ईस्ट एशियन स्टडीज़, 15 जून – 15 जुलाई, 2017.

राजा इरा को दिल्ली विश्वविद्यालय तथा पोट्सडम के बीच संकाय आदान–प्रदान कार्यक्रम के भाग के रूप में छह माह की अवधि के लिए अंग्रेजी विभाग, पोट्सडम विश्वविद्यलय में नामनिर्दिष्ट किया गया।

एंटनी श्वेता को अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद से अंग्रेजी साहित्य में पीएच.डी. प्रदान की गई, दिसम्बर, 2016.

****

जर्मन भाषा और रोमांस अध्ययन

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग के प्रमुख क्रियाकलापों में शामिल है समसामयिक साहित्य में नए प्रयोगों पर वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत/लातिन अमेरिका : उभरते ज्ञान मीमांसात्मक विकल्प और अंतर/प्रति/परासांस्कृतिक वार्तालाप – लेंसेग्नेमेंट एट ला ट्रॉइसीमे रेपब्लिक पर सर/साउथ कांफ्रेस लेक्चर वेरोनीक जेग्लेर। इसके आलवा, स्पेन पिलर तबोडा और सेंटियागो में यूनीवर्सिटी ऑफ सेंटियागो डी कंपोस्टेला के प्रोफेसर द्वारा वार्ताए भी संचालित की गई।

प्रकाशन

अग्रवाल कुसुम (2016). लेस फ्रेंकोफोनीज पोस्टकोलोनियल्स, टेक्स्ट एट कंटेक्स्टेस, (संपा.), दिल्ली : लेंजर्स इंटरनेशनल, पृ 303 आईएसबीएन : 978–93–85478–06–02.

सबरवाल ज्योति (2016). गुटेर ग्रास शो यूअर टंग : सिटी स्पेसेस एंड कॉस–जॉनर. इन विभा सुरना/मेहेर भूत (संपा.), रीविजिटिंग गुटेर ग्रास वायसेस फ्रॉम इंडिया एंड जर्मनी, मुंबई विश्वविद्यलय प्रेस आईएसबीएन : 978–93–5258–806–0; कोनिगशॉसेन एंड न्यूमान., आईएसबीएन : 978–3–8260–6273–5.

तनेजा मनीषा (2016). डब्बू. अंजना चौहान की *दोज़ प्राइसी ठाकुर गर्ल्स* का हिन्दी अनुवाद, नई दिल्ली : वेस्ट लैंड लि., आईएसबीएन : 978–93–85724–28–2.

तनेजा मनीषा (2016). बोनू, अंजना चौहान के *दि हाउस दैट बी.जे. बिल्ट* का हिन्दी अनुवाद, नई दिल्लीः वेस्टलैंड लि. आईएसबीएन : 978–93–85724–31–2.

तनेजा मनीषा (2016). कस्तूरबा, चेन्नई : तूलिका पब्लीशर्स, आईएसबीएन : 978–93–5046–749–7.

मौर्य विभा (2016). क्रूसेस रेवोलूशियोनरिओस : ला रिसेप्शन डी ला पोइसिया डी पाब्लो नेरुडा एन ला इंडिया, इन सुसेन क्लेंगल एंड एलेक्जेंडर ओर्टिस वालनेर (संपा.)। सर–साउथ : पोइट्रीज एंड पालिटिक्स ऑफ थिकिंग लोन अमेरिका/इंडिया, आइब्रो अमेरिकाना, वेरुएर्टे, मैड्रिड, स्पेन।

साहनी मिन्नी (2016). जेहिनी रिवेरा वाई ससकोरीडोस : ला हिस्टोरिया डी अन डिसाफ्लो. इन रेमिरेज पिमीइंटा. जॉन कार्लोस, टेबुएंका – कार्डोबा, मरीना, सोकोरा. (संपा.) कैमेलिया ला टेक्साना वाई ओटराज मुजेरेस डी ला नार्कोकल्चरा (संपा.) (पृ. 139–160), सिनालोआ : यूनावर्सीडैड ऑटोनोमा डी सिनालेआ।

साहनी मिन्नी (2016). मेक्सिकन यू.एस. बॉर्डर लिट्रेचर एंड नार्को नावेल। इन राब, जोसेफ हर्टलेन, सिसकिया (संपा.) *स्पेसेस – कम्युनिटीज – डिस्कोर्सेस, चार्टिंग आइडेंटिटी एंड बिलॉगिग इन दि अमेरिकाज़* (पृष्ठ 51–65), टेम्पे, ए जैड – : बिलि गुअल प्रेस।

कुमार रमेश (2017). भारत व इटली के स्वतंत्रता संग्रामों का तुलनात्मक अध्ययन, वाक् सुधा, पृष्ठ 7–13, (1840–1860), आईएसएसएन : 2347–6605.

कुमार रमेश (2016). भाग्यशाली दाना (अनुदित इतालवी कहानी) परिसंवाद पृष्ठ 68–71, अंक 2(4), अंतर्राष्ट्रीय हिंदी पत्रिका (तिमाही) आईएसएसएन : 2394–4919.

कुमार रमेश (2016). शत्रु बनाना और सीमाएं निर्मित करना : कभी न समाप्त होने वाला मानवीय उद्यम, इन यूनीवर्सल रिव्यू, 7(2), 87–94, इंटरनेशन रेफ्रीड, बाय–जर्नल, आईएसएसएन : 2177–2723.

कुमार रमेश (2016). पांच दुस्साही (I सिनक्यू) (अनुदित इतावली कहानी), (इतालो कल्वीनों द्वारा विभिन्न उपबोलियों से संग्रहित और अनुदित खंड से ली गई) सूर्य प्रभा, अंक 4, पृष्ठ 21–27, आईएसएसएन : 23.48–4179.

कुमार रमेश (2016). हिन्दी में शोध लेख, पत्रकारिता का सांप्रदायिक सिद्धांत, सूर्यप्रभा, 16 मार्च, 7–12, आईएसएसएन : 2348–4179

वेंकटरमन विजया (2016). दि शेमलैस वन. 'लेहोन्टी' के रूप में अनुदित, इन ली डिनेर डेस ऑग्रेस कोंटेसेंटनों वेले से गुनेरेज़ (पृष्ठ 115–126). न्यू ओर्लीस/बोर्डेक्स प्रेसेस यूनीवर्सिटीज़ डु नोवेयू मोंडे, प्रथम संस्करण, आईएसबीएन – 13 : 978–1937030537.

वेंकटरमन विजया (2016). रीराइटिंग जॉनर/जेंडर : क्राइम फिक्शन बाई वीमेन ऑर्थस : इन भूदड़ी, सौगत और मुखर्जी, इंद्राणी (संपा.), ट्रांसकल्चर नेगोसिएशन ऑफ जेंडर : स्टडीज़ इन (बी) लांगिंग (पृष्ठ 83–92), स्प्रिगेट इंडिया डीओआई : एचटीटीपीः//लिंक.स्प्रिगेर.कॉम/चैप्टर/10.1007/978–81–322–2437–2_8# पृष्ठ–1.

आयोजित सम्मेलन

वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, समसामयिक साहित्य में नए प्रयोग, जर्मेनिक और रोमांस अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2–4 मार्च, 2017.

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत/लातिन अमेरिका : उभरते ज्ञान–मीमांसात्मक विकल्प और अंतर/प्रति/परासांस्कृतिक वार्तालाप, ए सुर/साउथ कांफ्रेस, आईसीएसएमआर द्वारा आंशिक रूप से प्रयोजित 10–12 नवम्बर, 2016.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

शास्वती मजूमदार, टु मार्केट, सम रिफ्लेक्शंस ऑन वर्ल्ड लिट्रेचर एंड जॉनर्स इन करंट टाइम्स, महानगर परिकल्पना को लिखना : वैश्वीकृत होते विश्व में जॉनर संव्यवहार, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 12–13 दिसम्बर, 2016.

मिन्नी साहनी, लातिन अमेरिकी अध्ययन एसोसिएशन, न्यूयार्क, 27–30 जून, 2016.

विजया वेंकटरमनः

आधार व्याख्यान, प्लूरल स्पेसेस : कंफिगरिंग ए लिटेररी कार्टोग्राफी ऑफ ग्वाटेमाला/एस्पेसियों प्लूरलेजः ला कंफिगरेशियन डीउना कार्टोग्राफिया लिटेरेनिया डी ग्वाटेमाला, यूरोपीय और लातिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, 30 मार्च 2017.

हमारे समय के लिए सर्वेंटेस का पुनर्सृजन, शेक्सपीयर के चार सौ वर्ष तथा सर्वेंटेस : स्मरणोत्सव, विरासत, जीवनोपरांत, अंग्रेजी विभाग, गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 18–19 जनवरी, 2017.

ज्योति सबरवाल :

लिटेररी मैपिंग्स् ऑफ कॉलोनियल एंड पोस्टकॉलोनियल सिटीज़ : ए स्टडी ऑफ जॉनर क्रासिंग्स इन कंटेम्परारी फिक्शंस फ्राम जर्मनी एंड इंडिया, अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक साहित्य एसोसिएशन कांफ्रेस, वियना विश्वविद्यालय, आस्ट्रिया, 22–27 जुलाई, 2016.

नेशनल, आइडेंटिटी एंड बार्डर्स : मैपिंग जॉनर क्रॉसिंग्स इन कंटेम्परारी सिटी फिक्शंस फ्रॉम जर्मनी एंड इंडिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, राइटिंग दि कास्मोपॉलिटन इमेजिनेशन : जॉनर ट्रांजिक्शन इन ग्लोब्लाइज्ड वर्ल्ड, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 12–13 दिसम्बर, 2016.

ट्रांसवर्सिंग जॉनर्स : एक्सपेरीमेंटेशंस इन सिटी फिक्शंस फ्रॉम जर्मनी एंड इंडिया, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, न्यू एक्सपेरीमेंट्स इन कंटेम्परारी लिट्रेचर, जर्मेनिक एंड रोमांस स्टडीज़ विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2–4 मार्च, 2017.

रमेश कुमार

पत्र प्रस्तुत किया, सोशल मीडिया : मुख्य धारा के मीडिया के लिए संकट अथवा चुनौती/सत्यवती कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान संदर्श में मीडिया की भूमिका पर सम्मेलन, 10 मार्च, 2017.

पत्र प्रस्तुत किया, शत्रु बनाना और सीमाएं तैयार करना : मनुष्य का सतत् व्यवसाय, तीन–दिवसीय सम्मेलन, बार्डर्स : मेटाफोरिकल एंड फिजिकल, जर्मेनिक एंड रोमांस स्टडीज विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 4 मार्च, 2016.

पत्र प्रस्तुत किया, सोशल मीडिया : समाज का प्रत्यारोपण करने का तरीका, सम्मेलन, वैश्वीकरण और मीडिया, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25 अप्रैल, 2016.

एना पांडा :

रिसीट डी वोयाज फोटो – लिटेरेर : उने एटुडे डी नोआ नोआ डी पॉल गौजुइन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, रिसीट दी वोयाज डैंसला लिटेरेर फ्रेंचेस एट फ्रैंकोफोन, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 2017.

डी कंस्ट्रक्टिंग दि क्वीर एस्थेटिक्स ऑफ ली ब्ल्यू एस्ट उने कोलेयर चौडे बाई जूली मारोह, समसामयिक साहित्य पर नए प्रयोग विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जर्मेनिक एंड रोमांस स्टडीज़ विभाग, 2017.

प्रदत्त एम. फिल/पीएच.डी डिग्रियां

एम. फिल. – 02

पीएच.डी – 01

संकाय सदस्य–संख्या

स्थायी – 15

******

हिन्दी

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

देश का एक अग्रणी हिन्दी विभाग होने के नाते, यह शैक्षणिक उत्कृष्टता के उच्च मानकों का सृजन करता है, उनमें अभिनवता लाता है तथा उसे प्रोत्साहित करता है। विभाग के पास एक गतिशील पाठ्यचर्या है जो बदलते समय की आवश्यकताओं, ज्ञान और अपेक्षाओं में त्वरित वृद्धि को प्रतिबिंबित करती है। विभाग द्वारा यूजीसी के मानदण्डों के अनुसार शोध का उच्च मानक अनुरक्षित किया जाता है। प्रमुख क्रियाकलापों में शामिल है – डीआरएस–एसएपी के अंतर्गत दो राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियां, जिसका वित्त पोषण यूजीसी द्वारा किया गया तथा जो 'हिंदी साहित्य के इतिहास का पुरालेखन' पर आयोजित की गई थीं तथा जम्बोजी साहित्य अकादमी बीकानेर के सहयोग से भक्ति आंदोलन और वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में गुरु जम्बोजी का चिंतन' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन। लेखक से मिलिए वार्तालाप आवधिक आयोजित की जाती है।

सम्मान/विशिष्टयां

प्रो. श्यौराज सिंह :

सुब्रमण्यम भारती सम्मान, 19 अप्रैल, 2016

कथा चक्र सम्मान, 24 सितम्बर, 2016

डॉ. विनोद तिवारी, कथा–आलोचना के क्षेत्र में योगदान के लिए वनमाली कथा – आलोचना सम्मान, 5 अप्रैल, 2016.

प्रकाशान

मिश्रा अल्पना (2017). स्याही में सुर्खाब के पंख, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन, आईएसबीएन : 978–81–267–3001–8.

नेगी स्नेहलता (2016), मैत्रेयी पुष्पा की रचनाओं का लोकपाल, दिल्ली : स्वराज प्रकाशन; आईएसबीएन : 978–93–83513–82–6.

नेगी स्नेहलता (2016), आक्रोश विस्थापित होते आदिवासियों का यथार्थ, आदिवासी साहित्य II (6), 70–73, आईएसबीएन : 2394–689 एक्स.

नेगी स्नेहलता (2016), किन्नूर की हस्तकलाएं, आदिवासी साहित्य II (7–8), 10–14, आईएसबीएन : 2394–698 एक्स.

पटेल रामनारायण (2017) छायावाद के प्रथम निबंधकार : मुकुटधर पांडेय, बहुवचन, 52, 150–154, आईएसएसएन : 2348–4586.

पटेल रामनारायण (2017) स्वतंत्र्योत्तर हिंदी कविता, रचनात्मक सरोकार, भाग I: पृष्ठ 51–53.

पटेल रामनारायण (2016) पारिभाषित शब्दावली : चिंतन के विविध पक्ष, गवेषणा, 107. 120–126, आईएसएसएन : 0435–1460.

पटेल रामनारायण (2016) मुकुटधर पांडेय और छायावादी कवि. अग्मित, 5, 43–45, आईएसएसन : 2277–520 एक्स.

राय अनिल (2016/2017). महाकवि मीर और उनकी कविता. नई धारा, पटना : 9–10

राय अनिल (2017), पेकिंग ओपरा, नई धारा, पटना, 11–12.

शर्मा, कुमुद (2017). भारतीय साहित्य के निर्माता – अंबिका प्रसाद वाजपेयी, नई दिल्ली : साहित्य अकादमी.

टंडन पूरन चंद (2017). (संपा.). साहित्य सिनेमा और समाज.

टंडन पूरन चंद (2017). (संपा.). महात्मा गांधी और हिंदी.

तिवारी विनोद (2016). (संपा). उपन्यास : कला और सिद्धांत भाग–I/II दिल्ली : अनन्य प्रकाशन.

तिवारी विनोद (2016). (संपा.). कथालोचना : दृश्य–परिदृश्य. हिंदी माध्यम कार्यान्वय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

तिवारी विनोद (2016). (संपा.) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के श्रेष्ठ निबंध, इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन।

तिवारी विनोद (2016). (संपा.) आद्‌य नायिका, शाहदरा, दिल्ली : बी.के. ऑफसेट।

नेगी स्नेहलता (2016). दलित आत्मकथाओं में सामाजिक संघर्ष। प्रो. सनंदा मोहिते (संपा) में। भारतीय दलित साहित्य (पृष्ठ 108–110), महाराष्ट्र : हर्षवर्धन प्रकाशन. आईएसबीएन : 978–93–85885–03–06.

नेगी स्नेहलता (2016). स्त्री छवि और हिन्दी पत्रकारिता, डॉ. कामना महेन्द्र (संपा)। मीडिया और समसामयिक समीकरण (पृष्ठ 70–34), चंडीगढ़ : श्री राम लॉ हाउस, आईएसबीएन : 9789385618420.

नेगी स्नेहलता (2016). गांधी की अहिंसा, सामाजिक सद्‌भाव और साहित्य, डॉ. रमा (संपा.) में। वर्तमान परिदृश्य और गांधी (पृष्ठ 81–87) दिल्ली : संवाद मीडिया प्रा.लि. आईएसबीएन : 978–93–84280–28–4.

नेगी स्नेहलता (2017). 'शिकंजे के दर्द और दलित स्त्री' पुस्तक समकालीन साहित्य और दलित विमर्श में अध्याय; संपादक प्रो. संजय एल. मदार, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली; पृष्ठ सं. 82–85, आईएसबीएन : 978–817965–281–7.

नेगी स्नेहलता (2017). आदिवासी कविताओं में अस्मिता की उभरती चेतना। डॉ. हरीश अरोड़ा (संपा.) में स्वतंत्र्योत्तर हिंदी कविता रचनात्मक सरोकार–I (पृष्ठ 73–75), दिल्ली : साहित्य संचय आईएसबीएन : 978–93–82597–72–08.

तिवारी विनोद (2016) प्रवचंना के क्षितिज को मिटाने में खुद ही मिटने वाला उपन्यास, लमही, I, 96–88

तिवारी विनोद (2016) निराशा के बावजूद उम्मीद की एक नयी वर्णमाला' समीक्षा, II, 16–18

तिवारी विनोद (2016),वक्त के चेहरे को आइना–ए–हुस्न में देखना, मंतव्य, VI, 195–204.

तिवारी विनोद (2017), लिखा है दस्त–ए–गैब कोई इस किताब में, बनास जन; 21, 294–297.

तिवारी विनोद (2017), मुक्तिबोध हाजिर हो!! अनहद, 7, 324–348.

तिवारी विनोद (2016), पंडित नरेन्द्र शर्मा की कहानियां, अभ्यांतर, I, 47–50.

तिवारी विनोद (2016), नित्यानंद तिवारी की आलोचना दृष्टि : समकालीन सोच; 63; 71–79.

तिवारी विनोद (2016), भक्तिकालीन कवियों की लोकधर्मी प्रवृत्ति, अभ्यंतर 2, 6–10.

शोध पत्र

डॉ. मंजु मुकुल कांबले, चालू प्रमुख शोध परियोजना, वर्तमान हिंदी जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की प्रक्रिया का भाषिक विश्लेषण, जुलाई, 2015 से 30 जून, 2018, यूजीसी द्वारा वित्त–पोषित, 12, 40,000/– रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां

प्रो. पूरन चंद टंडन ने 'अनुवाद : कार्यालयी मीडिया और साहित्यिक क्षेत्र' पर दो–दिवसीय अनुवाद कार्यशाला का आयोजन किया, 17–18 दिसम्बर, 2016.

आयोजित सम्मेलन

प्रो. पूरन चंद टंडन ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिन्दी पर दो–दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, मासंविमं, भारत सरकार, 4 फरवरी, 2017.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

कांबले मंजु मुकुल :

पत्र प्रस्तुत किया, दि न्यू टेक्नीक्स ऑफ फिल्म ट्रांसलेशन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अनुवाद : कला, शिल्प और क्रॉस कल्चरल प्रासिक्स, स्लावोनिक एंड फिनो उग्रेरियन अध्ययन विभाग, 25–26 अक्तूबर, 2016.

पत्र प्रस्तुत किया, भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय चेतना, राष्ट्रीय सम्मेलन, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय तथा हिंदी विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, 5–6 नवम्बर, 2016.

पत्र प्रस्तुत किया, सांस्कृतिक अस्मिता का प्रश्न और भाषा (हिंदी कविता के संदर्भ में), अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा और राष्ट्रीय सांस्कृतिक संस्थान, नई दिल्ली, 28–29 सितम्बर, 2016.

झा अपूर्वानंद, लोकेटिंग मल्टी लिंगुअल ज्योग्राफीज़, एसओएस द्वारा आयोजित, लंदन–भारत पार्टनर, लंदन, 23, 24, 25 जुलाई, 2016.

मिश्रा अल्पना :

रांची विश्वविद्यालय, रांची, 28 जुलाई, 2016.

आईआईटी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 11, 12, 13 अगस्त, 2016.

नेगी स्नेहलताः

पत्र प्रस्तुत किया, मूवमेंट ऑफ इंडीजीनस पीपल वर्ल्ड वाइड, विश्व स्वदेशी व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 8 अगस्त, 2016.

पत्र प्रस्तुत किया, समवेशी समाज के निर्माण में आदिवासी आंदोलन और जन नायक बिरसा मुंडा की भूमिका, दिल्ली विश्वविद्यालय शैक्षणिक फोरम, दिल्ली, विषय पर पत्र प्रस्तुत किया, 14 नवम्बर, 2016

पत्र प्रस्तुत किया, साहित्य और कश्मीर समस्या, शांति, लोग और कश्मीर में संभावनाएं, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में विश्वग्राम द्वारा आयोजित, नई दिल्ली, 29–30 जुलाई, 2016.

पत्र प्रस्तुत किया, प्रयत्न के सामाजिक–सांस्कृतिक सरोकार, पर्यटन के सामाजिक सरोकार, राजस्थान थार पर्यटन और ऐतिहासिक अकादमी, एलबीएस कालेज, जयपुर, 9–10 सितम्बर, 2016.

पत्र प्रस्तुत किया, आदिवासी कल्याण में स्त्री स्वर, स्वातंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य और संस्कृति, विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 28–29 सितम्बर, 2016.

पत्र प्रस्तुत किया, भारत में बेरोजगारी की समस्या और वर्तमान में रोजगार की संभावनाएं, भारत में रोजगार संवर्धन और आय सृजन तथा लोगों के कौशल में वृद्धि, अदिति कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 01 अक्तूबर, 2016.

पत्र प्रस्तुत किया, गांधी की अहिंसा, सामाजिक सद्भाव और साहित्य, वर्तमान परिदृश्य और गांधी, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 8–9 नवम्बर, 2016.

पत्र प्रस्तुत किया, सावित्री बाई फुले का सामाजिक योगदान, राजीव गांधी अध्ययन सर्किल, दिल्ली 05 जनवरी, 2017.

पत्र प्रस्तुत किया, आदिवासी कविताओं में अस्मिता की उभरती चेतना, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कतिवा में नए रचनात्मक सरोकार, पीजीडीएवी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 23–24 मार्च, 2017.

राय अनिल :

पत्र प्रस्तुत किया, दि ग्रेट पोइट मीर एंड हिज़ पोइट्री, अंतर्राष्ट्रीय उर्दू साहित्य कांग्रेस, एंटाल्या, टर्की, अंकारा विश्वविद्यालय, टर्की द्वारा आयोजित, 12–15 अक्तूबर, 2016.

कार्यात्मक हिंदी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद, द्वारा आयोजित 10–12 दिसम्बर, 2016.

पत्र प्रस्तुत किया, गुरु जम्बेश्वर वाणी में मानवीयता, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 'भक्ति आंदोलन और वैश्विक परिदृश्य के संदर्भ में गुरु जम्बोजी की विचारधारा,' विज्ञान भवन, नई दिल्ली जंबनी साहित्य अकादमी एवं हिंदी विभाग, 18–19 मार्च, 2017.

हिंदी का वैश्विक परिदृश्य : भाषा और साहित्य, राष्ट्रीय संगोष्ठी, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, 29–30 मार्च, 2017.

शर्मा कुमुद :

महिला लेखन में स्त्री विमर्श, दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 सितम्बर, 2016.

स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रीय चेतना, दिल्ली विश्वविद्यालय, 6 नवम्बर, 2016.

लेखन कैसा हो, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2 फरवरी, 2017.

जनमाध्यमों का सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, दिल्ली विश्वविद्यालय, 4 फरवरी, 2017.

भूमंडलीय युग में मीडिया, दिल्ली विश्वविद्यालय, 22 फरवरी, 2017.

साहित्य का राष्ट्रीय दायित्व, 17 मार्च, 2017.

तिवारी विनोद :

उपनिवेश युगीन भारत और अमृतलाल नागर के उपन्यास,

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी 12 नवम्बर, 2016.

समकालीन साहित्य, समाज और चुनौतियां, एसआईईएस कॉलेज, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई 30 दिसम्बर, 2016.

भीष्म साहनी की आत्मकथा : आज के अतीत; करीन सिटी कॉलेज, जमशेदपुर, 9 जनवरी, 2017.

हिंदी कहानी : भूमंडलोत्तर समय और संस्कृति, गांधीनगर, गुजरात विश्वविद्यालय, जनवरी, 2017.

हिंदी कथा साहित्य : दशा एवं दिशा मोतीलाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 21 जनवरी, 2017.

भारतीय उपन्यास में समाज और संस्कृति की रचना, एर्सियेस विश्वविद्यालय, टर्की एवं मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, 4 फरवरी, 2017.

समसामयिक परिदृश्य और हिंदी उपन्यास, हिंदी अकादमी, दिल्ली 24 मार्च, 2017.

भूमध्यकालीन रथयात्रा और नई सदी की कहानी, एसआईईएस कॉलेज, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, 20 अप्रैल, 2017.

प्रदत्त पीएच.डी. / एम.फिल.

पीएच.डी. – 11

एम. फिल – 22

संकाय – सदस्य संख्या

स्थायी – 21

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

डॉ. अल्पना मिश्रा ने वाल्मीकि कथा सम्मान, 2017 प्राप्त किया।

प्रो. कुमुद शर्मा ने सिंहस्थ महाकुंभ, उज्जैन में दूरदर्शन के लिए सीधा आंखों देखा हाल प्रसारित किया।

****

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान (एलआईएस) विभाग की स्थापना डा. एस.आर. रंगनाथन और प्रो. एस. दासगुप्ता के प्रयासों से 1946 में हुई थी तथा यह भारत का ऐसा पहला विभाग था तथा इसे यूनेस्को की एक सहयोजित परियोजना के रूप में भी मान्यता प्रदान की गई है। अपने अनुभवी संकाय–सदस्यों के साथ यह विभाग अपने पाठ्यक्रमों अर्थात् बी.एल.आई. एससी., एम.एल.आई. एससी, एम. फिल तथा पीएच.डी. के माध्यम से पुस्तकालय और सूचना विज्ञान शोध कार्य में तथा गुणवत्तापूर्ण ज्ञान के प्रचार–प्रसार में निरंतर कड़े प्रयास करता रहा है और इन क्रियाकलापों को संचालित कर रहा है। इसके छात्र संबंधित पाठ्यक्रमों को पूर्ण करने के उपरांत राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुस्तकालय प्रशासन और प्रबंधन का उत्तरदायित्व निभा रहे हैं।

सम्मान/विशिष्टियां

डॉ. के.पी. सिंह :

सदस्य, संपादकीय मंडल, आईजेकेसीडीटी – इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉलेज कंटेट डेवलपमेंट एंड टेक्नालॉजी, उत्तर कोरिया

सदस्य, संपादकीय मंडल, ज्ञान कोश, जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन मैनेजमेंट, इंडिया।

अध्यक्ष सतीजा पुस्तकालय और सूचना–विज्ञान प्रतिष्ठान, भारत।

दिल्ली लाइब्रेरी एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा प्रतिष्ठित पुस्तकालय विज्ञान शिक्षक, 2016 पुरस्कार प्रदान किया गया।

शोध परियोजनाएं

डॉ. के.पी. सिंह :

प्रमुख शोध परियोजना (एमआरपी), डिजाइन एंड डेवलपमेंट पोर्टल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस (एलआईएस) इन इंडिया, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा वित्त पोषित।

प्रमुख शोध परियोजना (एमआरपी) पूर्ण की, डिजाइन एंड डेवलपमेंट वेब इनेबल्ड डायरेक्ट्री ऑफ एरोस्पेस साइंटिस्ट्स इन इंडिया, वैमानिकी और अनुसंधान विकास बोर्ड (एआरएंडडीबी)। डीआरडीओ, भारत सरकार।

प्रकाशन

पुस्तकें

भट्ट आर.के. एवं अन्य (2016) (संपा.) पर्सपेक्टिव्स ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट, दिल्ली : के.के. पब्लिकेशंस।

जर्नल लेख

वालिया परमजीत के. एवं भट्ट प्रियंका (2016) आईसीटी कम्पोनेंट्स इन एमएलआईएस करिकुलम इन नॉर्थ इंडिया : ए कंटेंट एनालाइसिस आईओएसआर जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस 21.8वर. 7, 26–37 ई–आईएसएसएन : 2279–0837, प्रिंट आईएसएसएन 2279–0845.

कौर मनप्रीत एवं वालिया परमजीत के. (2016). इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्स कलेक्शन डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट लाइब्रेरीज़ कलेक्शन बिल्डिंग (एमेराल्ड) 35.3, 73–83, प्रिंट आईएसएसएन. 0160–4593.

गुप्ता मोनिका एवं वालिया परमजीत के. (2016). डब्ल्यूआईएसईआर रैंकिंग ऑफ दि अफ्रीकन नेशनल लाइब्रेरीज़ वेबसाइट्स इंफार्मेशन टेक्नोलॉजिस्ट 13.1, (159) आईएसएसएन : 1597–4316

भट्ट आर.के. एवं श्रीवास्तव गरिमा गौड़ (2016) लाइब्रेरी सर्विसेज़ इन इंक्लूसिव एनवायर्नमेंट : रोल ऑफ मार्केटिंग टूल्स इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफार्मेशन डिसेमिनेशन एंड टेक्नालॉजी, 6 (2), 122–26

भट्ट आर.के., कुमार अमित एवं यूसुफ मोहम्मद (2016). मार्केटिंग ऑफ एलआईएस प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेज़ इन सेलेक्ट इकानॉमिक लाइब्रेरीज़ इन दिल्ली डीईएसआईडीओसी जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन टेक्नालॉजी, 36.3, 131142.

भट्ट आर.के. एवं भारती (2016) चेंजिंग सिनारियो ऑफ लाइब्रेरीज़ इन वेब 3.0 इन आर.के. भट्ट एंड अदर्स (संपा.) पर्सपेक्टिव्स ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट, (पृष्ठ 294–304), दिल्ली : के.के. पब्लिकेशंस।

भट्ट आर.के., कुमार मनीष एवं श्रीवास्तव गरिमा गौड़ (2016). रोल ऑफ लाइब्रेरियन इन इलेक्ट्रानिक एन्वायर्नमेंट : अपोर्चुनिटीज एंड चैलेंजेज़ 'इन आर.के. भट्ट एंड अदर्स (संपा.) पर्सपेक्टिव्स ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट, (पृष्ठ 242–248), दिल्ली : के.के. पब्लिकेशंस

सिंह के.पी. एवं चन्दर हरीश (2017). पंजाबी में प्रकाशित पुस्तकें : भाषा विभाग, पंजाब का मामला–अध्ययन लाइब्रेरी हेराल्ड 55(1), 89–100.

सिंह के.पी. एवं चन्दर हरीश (2017). पब्लिकेशन आउटपुट ऑफ इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडीशनल नॉलेजः एक बिबलियो मीट्रिक्स एनालाइसिस लाइब्रेरी हेराल्ड 54(3), 277–289.

सिंह के.पी. एवं सिंह मोनिका (2016). दिल्ली में चुनिंदा सामाजिक विज्ञान पुस्तकालयों में पुस्तकालय उत्पाद और सेवाओं का विपणन : पुस्तकाध्यक्ष के दृष्टिकोण से अध्ययन जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस, 41(1–2),2016.

तस्निम जिया एवं सिंह के.पी. (2016). यूज ऑफ ई–जर्नल्स बाई फैकल्टी मैम्बर्स एंड रिसर्च स्कॉलर्स इन एरिया स्टडीज़ : ए केस स्टडी ऑफ सेलेक्ट एरिया स्टडीज़ सेंटर्स ऑफ जवाहरलाल नेहरू यूनीवर्सिटी, लाइब्रेरी हेराल्ड 54(4), 406–420.

कुमार मनीष, भट्ट आर.के. एवं श्रीवास्तव गरिमा गौड़ (2016). इलेक्ट्रॉनिक पर्यावरण में पुस्तकाध्यक्षों की भूमिका : अवसर और चुनौतियां, इन आर.के. भट्ट एंड अदर्स (संपा.) पर्सपेक्टिव्स ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट (पृ 242–248) दिल्ली : के.के. पब्लिकेशंस।

भारद्वाज राजकुमार एवं मधु सूदन एम. (2017) मेदांता फ्रेमवर्क फॉर ऑनलाइन लीगल इंफार्मेशन सिस्टम इन इंडियन इंवायर्नमेंट लाइब्रेरी रिव्यू (एमेराल्ड) 66.1/2, 49–68. आईएसएसएन : 0024 – 2535, आईएसआई जर्नल, एसजेआर – 0. 497 (2015); एच–इंडेक्स 16.

भारद्वाज राजकुमार एवं मधु सूदन एव. (2016), ऑनलाइन लीगल इंफार्मेशन सिस्टम फॉर इंडियन इवायर्नमेंट : ए यूजर्स पर्सपेक्टिव्स लाइब्रेरी रिव्यू (एमेराल्ड) 65.819, 593–624. आईएसएसएन : 0024–2535, आईएसआई जर्नल, एसजेआर – 0. 497 (2015); एच–इंडेक्स–16.

सलीक अहमद, डार एवं मधुसूदन एम. (2016) यूज ऑफ मोबाइल डिवाइसेस इन इन्हांसिंग इंफार्मेशन सर्विसेज एनालाइसिस ऑफ दि स्टूडेंट्स ओपीनियन इन दि यूनीवर्सिटी ऑफ देहली, डिजिटल लाइब्रेरीज़ पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियां (आईसीडीएल 2016), नई दिल्ली, भारत, 13–16622–635, आईएसबीएन : 978–81–7993–653–5.

भारद्वाज राजकुमार एवं मधुसूदन एम. (2016). मेदांता फ्रेमवर्क फॉर ऑनलाइन लीगल इंफार्मेशन सिस्टम इन इंडियन एंवायर्नमेंट, अर्थ क्वालिटेटिव एंड क्वांटिटेटिव मेथड्स इन लाइब्रेरीज़ (क्यूक्यूएमएल 2016) के चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियां, लंदन, यूके, 24–27 मई, 2016.

मधु सूदन एवं सलीक क्यू डार (2017). विश्वविद्यालय पुस्तकालयों में मोबाइल सूचना सेवाएं और पहलें : सूचना वितरण का नया तरीका, डीईएसआईडीओसी जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन टेक्नॉलॉजी, 37.2, 109–118 आईएसएसएन : 0976–4658, एसजेआर – 0.364 : एच – इंडेक्स–4

गुप्ता पारुल एवं मधुसूदन एम. (2017). आरएफआईडी टेक्नालॉजी इन लाइब्रेरीज़ : ए रिव्यू ऑफ लिट्रेचर ऑफ इंडियन पर्सपेक्टिव डीईएसआईडीओसी जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन टेक्नॉलॉजी 37.1, 58–93 आईएसएसएन : 976–4658, एसजेआर 0.364.

डार सलीक अहमद एवं मधुसूदन एम. (2016). क्विक रिस्पांस कोड इन यूनीवर्सिटी लाइब्रेरीज़ : यूजर एक्सपेक्टेशंस फॉर फास्ट रिट्रीवल ऑफ इंफार्मेशन एट दि यूनीवर्सिटी ऑफ दिल्ली, जर्नल ऑफ नॉलेज एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट, 6.2, 114–127, आईएसएसएन : 2277–7946.

भूषण गोपाल एवं मधुसूदन एम. (2016) एक्सेस वर्सेस ओनरशिप ऑफ इंफार्मेशन एंड डीईएसआईडीओसी बैलेंसिंग एक्ट डीईएसआईडीओसी जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन टेक्नॉलॉजी 36.5, 320–324, आईएसएसएन : 0976–4658, एसजेआर – 0.364.

मधुसूदन एम. (2016). डेवलपमेंट ऑफ वेब डायरेक्ट्री ऑफ एरोस्पेस टेस्टिंग फैसेलिटीज इन इंडिया डीईएसआईडीओसी जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन टेक्नॉलॉजी 36.4, 240–247, आईएसएसएन : 0976–4658, एसजेआर – 0.364

मधुसूदन एम. (2016). यूज ऑफ ऑनलाइन साइटेशन टूल्स बाई स्टूडेंट्स एंड रिसर्च स्कॉलर्स ऑफ दि डिपार्टमेंट ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, डीईएसआईडीओसी जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन टेक्नॉलॉजी 36.3, 164.172, आईएसएसएन : 0976–4658, एसजेआर – 0.364

जीमशा एस. एवं मधुसूदन एम. (2017). रोल ऑफ डेजिग्नेशन एंड एजेंसीज़ फॉर लर्निंग : ए स्टडी ऑफ लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स वर्किंग इन सेंट्रल यूनीवर्सिटी लाइब्रेरीज़ ऑफ साउथ इंडिया, अजीत कुमार (संपा.), (पृष्ठ 114–118), दिल्ली : जी बी बुक्स पब्लिशर्स – आईएसबीएन : 978–93–83930–66–1.

सम्मेलनों में प्रतिभागिता – 03

डॉ. एम. मधुसूदन :

आधार व्याख्याता, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ज्ञान सृजन, अन्वेषण और नेटवर्किंग (केजीडीएएन – 2017), पुस्तकालय और सूचना–विज्ञान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ – 202002, 15 एवं 16 फरवरी, 2017.

पत्र प्रस्तुत किया, यूज ऑफ मोबाइल डिवाइसेस इन इंहांसिंग इंफार्मेशन सर्विसेज़ : एनालाइसिस ऑफ दि स्टूडेंट्स ओपीनियन इन दि यूनीवर्सिटी ऑफ देहली, डिजिटल पुस्तकालय, स्मार्ट भविष्य : ज्ञान प्रवृत्तियां जो विश्व को बदल देंगी पर तीन दिन का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, टेरी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 13–16 दिसम्बर, 2016.

डिजिटल पुस्तकालय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीएल 2016) – स्मार्ट भविष्य : ज्ञान प्रवृत्तियां जो विश्व को बदल देंगी में तीन सत्रों की अध्यक्षता की, टेरी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 13–16 दिसम्बर, 2016.

संकाय सदस्य संख्या

स्थायी – 08

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

इस वर्ष विभाग ने शैक्षणिक दौरा कार्यक्रम दो भागों में आयोजित किया – स्थानीय पुस्तकालय दौरा तथा दिल्ली से बाहर शैक्षणिक दौरा तथा इन दौरों ने छात्रों को विभिन्न पुस्तकालयों के क्रियाकलापों और उनके कार्यक्रमों को देखने, सीखने तथा उनसे अनुभव ग्रहण करने का अवसर प्रदान किया। इसके अलावा, विभाग ने अन्य सांस्कृतिक क्रियाकलापों का भी आयोजन किया जिन्होंने छात्र समुदाय को सीखने तथा मनोरंजन का मंच प्रदान किया।

****

भाषा विज्ञान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

भाषा–विज्ञान में स्नातकोत्तर छात्रों के नियमित शिक्षण और शोध पर्यवेक्षण के अलावा, अवधि के दौरान एक पीएच.डी. और छह एम.फिल प्रदान किए गए। संकाय सदस्य छह प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों में शामिल थे, जिनमें दिल्ली विश्वविद्यालय तथा अन्य विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता–ज्ञापनों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग शोध–कार्य भी शामिल था। छात्र न केवल शोध और प्रकाशनों में योगदान करके अत्यंत लाभान्वित हुए बल्कि उनके साथ कार्य करके और अपने अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और कौशलों में वृद्धि करके भी लाभ अर्जित किया। विभाग एक वर्ष में दो बार कोरिया के छात्रों के लिए हिन्दी भाषा की कक्षाएं संचालित कर रहा है। भाषा–विज्ञान, एशिया–प्रशांत भाषा वेरिएशन तथा भारतीय भाषा–विज्ञान में प्रतिष्ठित जर्नलों के दो वर्तमान मुख्य संपादक विभाग के संकाय से हैं।

प्रकाशन

बागची तिस्ता (2017). इशूज इन (को.) रेफरेंस, सिंटेक्टिको – सिमेंटिक टाइपोलोजी एंड डिकोर्स रिप्रेजेंटेशन इन शैलेन्द्र के. सिंह एवं सारालिन ए. लिंगदोह (संपा.) सिंटैटिक टाइपोलोजी, लैंगुएज कॉन्टेक्ट एंड कंवर्जेंस, (पृष्ठ 42–52), गुवाहाटी, ईबीएच पब्लीशर्स।

बागची तिस्ता (2016). टैगोर, म्यूजिकल कंपीटेंस एंड पर्फोमेंस इन 'ग्लोब्लाइज्ड' एजुकेशन : प्रॉब्लम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स इन संगीता दत्ता एंड शुभोरंजन दास गुप्ता (संपा.), टैगोर : दि वर्ल्ड एज हिज़ नेस्ट, (पृ. 89–105), कोलकाता : जाधवपुर विश्वविद्यालय प्रेस।

बागची तिस्ता (2016). अंजनी के. सिन्हा की समीक्षा, 2015, संचार कौशलों का सशक्तीकरण, लैंगुएज एंड लैगुएज टीचिंग, 5.1 (9), 59–61 शिप्रा बुक्स, नई दिल्ली।

सत्यनाथ शोभा (प्रेस में). संपादकीय, एशिया पेसेफिक लैंगुएज वैरिएशन, 3(1), 1–4.

सत्यनाथ शोभा (प्रेस में). कोहिमा : लैंगुएज वैरिएशन एंड चेंज इन ए स्माल बट डाइवर्स सिटी इन इंडिया इन डिक स्मैकमैन एंड हेनरिच पैट्रिक (संपा.) अर्बन सोशियोलिंग्विस्ट्स : दि सिटी एज ए लिंगुइस्टिक प्रोसेस एंड एक्सपीरएंस (पृष्ठ 95–112) लंदन एंड न्यूयार्क, रोल्टलेज।

सत्यनाथ शोभा (2017). मैपिंग लिंगुइस्टिक डाइवर्सिटी इन कॉलोनियल बंगाल, इन निकोलस ओस्टलर एंड पंचनामा मोहंती (संपा.) लैंगुएज कोलोनाइजेशन एंड एंडेंजरमेंट : लॉग टर्न इफेक्ट्स, इकोज़ और रिएक्शन. 20वें एफईएल कांफ्रेस की कार्यवाहियां, इंग्लैंड : फाउंडेशन फॉर इंडेंजर्ड लैंगुएजेज़, आईएसबीएन 978–0–9560210–8–3

सत्यनाथ शोभा (2016). संपादकीय एशिया–पेसेफिक लैंगुएज वेरिएशन, 2(2), 121–123.

सत्यनाथ शोभा (2016). संपादकीय एशिया–पेसेफिक लैंगुएज वेरिएशन, 2(2), 121–123. 2(1), पृष्ठ 1–3.

सत्यनाथ शोभा और शर्मा रिचा (2016). दिल्ली में अंग्रेजी का विकास : बहुभाषाई सेटिंग में नए संदर्श, इन सिंह, जसपाल, अर्गाइरों कंटाराऔर डोरोटाया सेर्जो (संपा.) डाउन स्केलिंग कल्चर : रीविजिटिंग इंटरकल्चरल कम्युनिकेशन (पृष्ठ 192–223) न्यूकैसल : कैम्ब्रिज स्कालर्स।

भट्टाचार्य तन्मय (2017). पीपलिंग ऑफ दि नॉर्थईस्ट, भाग 4, ने–स्कॉलर वी3(2), 52–65.

भट्टाचार्य तन्मय (2017). एडॉप्शन ऑफ यूनीवर्सल डिजाइन फॉर लर्निंग फॉर मीनिंगफुल इंक्लूजन इन चाइल्ड एंड डिसैबिलिटी, डी सोनपाल, एस. प्रसाद और एस. वैशणव (संपा.) प्रभात पब्लिशिंग हाउस।

भट्टाचार्य तन्मय (2016). पीपलिंग ऑफ दि नार्थ ईस्ट, भाग–3, ने–स्कॉलर 3(1), 60–70.

भट्टाचार्य तन्मय (2016) पीपलिंग ऑफ दि नार्थ ईस्ट, भाग–2, ने–स्कॉलर 2(4), 66–75.

भट्टाचार्य तन्मय (2016). डाइवर्सिटी एट वर्कप्लेस इन एजुकेशन इन इंटेरोगेटिंग डिसएबिलिटी इन इंडियाः थियोरी एंड प्रैक्टिस, स्प्रिंडोर, 39–64.

भट्टाचार्य तन्मय (2016). इनर/आउटर पोलाइटनैस इन सेंट्रल मगधन प्राकृत लैंगुएजेज़ : एग्री एज़ लेबलिंग, लिंगुइस्टिक एनालाइसिस, 40 (3–4), 297–336.

भट्टाचार्य तन्मय (2016). टु बी ह्यूमन : दि इंट्रोडक्शन, जे–स्कॉलर, 66–73.

भट्टाचार्य तन्मय (2016). रिव्यू ऑफ एंपावरिंग कम्युनिकेशन बाई अंजनी कुमार साहा, इंडियन लिंगुइस्टिक्स, 76 (3–4).

भट्टाचार्य तन्मय (2016). बट वड्र्स कैन नैवर हर्ट : दि लिंगुइस्टिक कंस्ट्रक्शन ऑफ डिसेबिलिटी इन टेक्स्ट एंड डिस्कोर्स, एलएलटी 10, 5.3 (10), 53–60.

भट्टाचार्य तन्मय (2016). रिव्यू ऑफ रीथिंकिंग इन इंडिया, अनीता घई, एलएलटी 10.

भट्टाचार्य तन्मय (2016). सुझाया गया पाठन : साउथ एशिया डिसेबिलिटी स्टडीज : रीडिफाइनिंग बाउंड्रीज एंड एक्सटेंडिंग होराइजंस।

शोध परियोजनाएं

डॉ. तन्मय भट्टाचार्य इंडो–नार्वे सहयोग कार्यक्रम (आईएनसीपी), 2014–15, ए माइक्रोकम्पैरिटिव स्टडी ऑफ डब्लिंग' इन डायलेक्ट्स ऑफ मीटेलोन एंड नार्वेजियन एज ए केस ऑफ सिंटेक्टिक वेरिएशन, यूजीसी द्वारा वित्त–पोषित, 65, 81, 491/–रुपए

डॉ. तन्मय भट्टाचार्य, यूजीसी प्रमुख शोध परियोजना, 2015–18, लिंगुइस्टिक वेरिएशंस एक्रॉस सिक्स डायलेक्ट्स ऑफ मेटेलन, यूजीसी द्वारा वित्त–पोषित, 11, 99, 400/– रुपए

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

भाषा–विज्ञान विभाग में 'कक्षा में व्याकरण' पर दो–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ताओं में शामिल थे – क्रिस्टिन मेलुम ऐडे (एनटीएनयू), हेडी ब्रोसेथ एनटीएनयू, मारी नेगार्ड (एनटीएनयू), टोर एफर्ली (एनटीएनयू) तथा अनेक अन्य वक्ता, 20–21 फरवरी, 2017.

भाषा–विज्ञान और हिंदी में शिक्षण तथा विदेशी भाषाओ के रूप में अन्य भारतीय भाषाओं पर दो–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 27–28 फरवरी, 2017 के दौरान किया गया। 80 से अधिक प्रतिभागियों ने संगोष्ठी में भाग लिया और अपने पत्र प्रस्तुत किए।

भाषा–विज्ञान विभाग में तीन–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन एकॉस्टिक फोनेटिक्स पर 2–4 मार्च, 2017 तक किया गया। 40 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

प्रो. रमेश चन्द शर्मा :

मुख्य पत्र प्रस्तुत किया, एनएलपी एंड दि सायो–न्यूरोलिंगुइस्टिक इम्पलीकेशंस, राष्ट्रीय कार्यशाला सह संगोष्ठी, माडर्न पर्सपेक्टिव ऑफ एनएलपी फॉर हिंदी एंड अदर इंडियन लैंगुएजेज़, माहत्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा, 17–19 अगस्त, 2016.

समापन व्याख्यान, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ मीडिएटाइजेशन, कल्चरलाइजेशन एंड लैंगुएज अल्ट्रेशन, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 5–7 जनवरी, 2017 को आयोजित।

डा. पी. सोमशेखरन नैयर स्मारक व्याख्यान, दि इंटरनेशनल स्कूल ऑफ द्रविडियन लिंगुइस्टिक्स, तिरुवनतंपुरम, 9 फरवरी, 2017.

पत्र प्रस्तुत किया, इंडियन ग्रामैटिकल ट्रेडीशन एंड सिग्निफिकेंस ऑफ आईजीटी–लिंगुइस्टिक्स इंटरफेस, भारतीय वैयाकरणीय परंपरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, इंटरनेशनल स्कूल ऑफ द्रविडियन लिंगुइस्टिक्स, तिरुवनतंपुरम, 10 फरवरी, 2017.

प्रो. तिस्ता बागची :

पत्र प्रस्तुतीकरण के लिए आमंत्रित, कांटेक्ट ओवर मिलेनिया? लिंगुइस्टिक एंड टेक्सचुअल – परफार्मेटिव एक्सचेंजेज़ बिटवीन इंडियन एंड साउथ ईस्ट एशियन सिविलाइजेशंस, भारत, दक्षिण–पूर्व एशिया और पूर्व एशिया के बीच संपर्क वंशावली पर अंतर्विषयक संगोष्ठी, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व–विज्ञान और इतिहास विभागों, द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 19–20 जनवरी, 2017.

पत्र प्रस्तुतीकरण के लिए आमंत्रित, कैन दि क्लाज़ एंड प्रोपोजीशन बी ग्लीन्ड फ्रॉम एंशिएंट एंड मेडिवल लिंगुइस्टिक थॉट इन इंडिया एंड वेस्ट एशिया? भारतीय वैयाकरणिक परंपराओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा आयोजित, 20–21 फरवरी, 2017.

अनुपस्थिति में पत्र प्रस्तुति, ऑन एक्टिओनसार्ट इशूज रिलेटिंग टु डेटिव – एक्पीरिएंसर प्रीडिकेट्स इन इंडिया, 33वां दक्षिण एशियाई भाषा विश्लेषण गोलमेज (एसएएलए 33) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एडम मिकीविज यूनीवर्सिटी, पोजनान, पोलैंड, ईयू में आयोजित, 15–17 मई, 2017.

शारदा विश्वास के साथ पोस्टर प्रस्तुतीकरण टेक्टोग्रामेटिकल रीप्रेजेंटेशन एंड एनोनेशन इन हिंदी एंड बांग्ला : ए पॉसीबल स्ट्राटेजी फॉर सीमेंटिक इंफार्मेशन रीट्रीवल, भारतीय भाषा–विज्ञान सोसाइटी का 38वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओएलएसटी 38), आईआईटी गुवाहाटी, 10–12 नवम्बर, 2016.

डा. शोभा सत्यनाथ :

मैंपिंग लिंगुइस्टिक डाइवर्सिटी इन कालोनियल बंगाल लैंगुएज कोलोनाइजेशन एंड इंडेंजरमेंट : लांग–टर्म इफेक्ट्स इकोज़ एंड रिएक्शन 20वां एफईएल सम्मेलन, (9–12 दिसम्बर, 2016).

हाइब्रिडिटी मल्टीलिंगुएलिज्म, आईडेंटिटी एंड चेंज इन नागालैंड लैंगुएज पावर एंड आइटेंटिटी इन एशिया : क्रिएटिंग एंड क्रासिंग लैंगुएज बाउंड्रीज़ आईआईएएस लेदेन, नीदरलैंड्स (14–16 मार्च, 2016).

मोटिवेशन फॉर लैंगुएज चेंज इन लैंगुएज कांटेक्ट एनडब्ल्यूएवी – एपी 4, राष्ट्रीय चंग चेन यूनीवर्सिटी, ताइवान, (20–22 अप्रैल, 2017).

अंडरस्टैंडिंग लिंगुइस्टिक प्लूरैलिटी इन इंडिया एकेडेमिक कॉन्क्लेव, सेंट स्टीफंस कॉलेज (29–31 मार्च, 2017).

डॉ. तन्मय भट्टाचार्य :

दि स्ट्रक्चर ऑफ इंग्लिश इन–मिक्सिंग इन मेटोलोन एंड नार्वेजियन : डिफरेंट बट स्टिल दि सेम (विद टोर ए. अफार्ली), वैश्वीकरण के काल में भाषा संपर्क पर चौथा सम्मेलन (एलसीटीजी 4), ग्रेफ्सवाल्ड, 16 मार्च, 2017.

वार्ता के लिए आमंत्रित दि 'साइक्लिक' नेचर ऑफ क्लिटिक प्लेसमेंट इन मुंडा, मुंडा लिंगुइस्टिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, दक्कन कॉलेज, पुणे, 16 मार्च, 2017.

शिफ्टिंग दि एपिस्टेमिक सेंटर : टीचिंग साइन लिंगुइस्टिक्स, कक्षा में व्याकरण पर कार्यशाला आईएनसीपी, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20 फरवरी, 2017.

वार्ता के लिए आमंत्रित, ए. वॉइड–इंग, पैनल ऑन आइडेंटिटी इन दि कंटेम्परारी वर्ल्ड, लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20 जनवरी, 2017.

वार्ता के लिए आमंत्रित, लैंगुएज मिक्सिंग एंड कोएर्शन, साइनक्रांति, ईएफएलयू, हैदराबाद, 6 जनवरी, 2017.

वार्ता के लिए आमंत्रित, लैंगुएज इन नॉट स्पीच : दि नॉन लीनिएरिटी थीसेस, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, हरियाणा, 5 दिसम्बर, 2016.

वार्ता के लिए आमंत्रित, दि इंपोर्टेंस एंड अर्जेंसी ऑफ सेटिंग अप ऑफ सेंटर्स ऑफ डिसेबिलिटी स्टडीज़, जेएनयूवीसीएसएफ, जेएनयू, नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 2016.

वार्ता के लिए आमंत्रित, कोड–स्विचिंग विदाउट ग्रामर? एविडेंस फ्राम लैंगुएज मिक्सिंग इन मेटेलियन–इंगलिश एंड बांग्ला हिंदी, आईसीओएलएसआई 38, आईआईटी, गुवाहाटी, 11 नवम्बर, 2016.

वार्ता के लिए आमंत्रित, दि नॉन लीनिएरिटी थीसेस : लैंगुएज एंड एवोलूशन, एनआईटी, इंफाल, 3 नवम्बर, 2016.

वार्ता के लिए आमंत्रित, लैंगुएज एंड इवोलूशन, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल, 31 अक्तूबर, 2016.

गोल्ड बर्ग वेरिएशंस : आर्गुइंग अगेंस्ट सूडो – नानलेक्सि कैलिटी, सिनवार 3, सीएएसएल, डीयू, 13 अक्तूबर, 2016.

वार्ता के लिए आमंत्रित, दि इंपोर्टेंस ऑफ अंडरस्टैडिंग विद 'केयर' : दि केस ऑफ लैंगुएज मिक्सिंग एट एजुकेशन थ्रू एमटी, सीआईआईएल, मैसूर, 16 जुलाई, 2016.

वार्ता के लिए आमंत्रित, मेटेलन–इंग्लिश कोड स्विचिंग : ए नॉन लेक्सिकल अप्रोच मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल, 20 जून, 2016.

पत्र प्रस्तुत किया, प्राइमेसी ऑफ केस इन सेंटर – एम्बेडेड कंस्ट्रक्शंस इन असमीज़ एंड बांग्ला (अत्रेयी शर्मा के साथ) 22वीं हिमालयन भाषा–विज्ञान विचार–गोष्ठी, आईआईटी, गुवाहाटी, 8 जून, 2016.

पत्र प्रस्तुत किया, सी–ट्रांजिटिविटी इन मेटलेन (विद हिडम गौराश्याम सिंह) 22वीं हिमालयन भाषा–विज्ञान विचार–गोष्ठी, आईआईटी, गुवाहाटी, 8 जून, 2016.

डा. गेल कोएलहो :

विशेष व्याख्यान, दि बेटा कुरुम्बा बिंजी : इट्स रोल इन मेंटेनिंग ए डिस्टिंक्ट कम्युनिटी आईडेंटिटी, भारत के जनजातीय कला स्वरूपों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, केआईआरटीएडीएस, कोझिकोड, केरल, 25–27 मार्च, 2017.

आधार व्याख्यान, दि वैल्यू ऑफ लैंगुएज : वाईवी केयर, अका (ह्रूसो) लिपि, अका (ह्रूसो) सोसाइटी पर विचार–गोष्ठी, भालुकपोंग, अरुणाचल प्रदेश, 13–14 मई, 2016.

अंतर–सांस्थानिक सहयोग

हांकुक विदेशी अध्ययन संस्थान, दक्षिण कोरिया

बुसान विदेशी अध्ययन विश्वविद्यालय, बुसान, दक्षिण कोरिया

हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी।

प्रदत्त एम. फिल/पीएच.डी डिग्रियां

पीएच.डी – 01

एम. फिल. – 06

संकाय सदस्य–संख्या

स्थायी – 06

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

एम.ए. कार्यक्रम में कुल छात्रों की संख्या 68, एम.फिल. कार्यक्रम में 18 तथा पीएच.डी. कार्यक्रम में 16 है।

****

आधुनिक भारतीय भाषाएँ और साहित्यिक अध्ययन

प्रकाशन

पुस्तकें

बर्मन मिताली (संपा.). नीलकांति, नई दिल्ली : ममोनी रायसम गोस्वामी स्मारक न्यास दिल्ली।

नारायणप्पा वी. (2016). वामन–सर्वंजा–थिरुवलुवर्ला राकेनालू स्त्री पात्रा विन्यासम : ओका तुलनात्मक अध्ययन (वामन, सर्वंजा और थिरुवल्लूर की कविताओं में महिला : तुलनात्मक अध्ययन), दिल्ली की विनायक पराकुरानालु।

राजगोपाल जी (2016). एंटीक्स एंड इथोस : एथिक्स इन थिरु कुरल एंड अकराकोवाई, दिल्ली : सन इंटरनेशनल पब्लीशर्स।

राजगोपाल जी, (2016). बिहेवरियल साइकोलोजी एंड संघम पोइट्री, सारब्रुकन, जर्मनी : लाम्बेर्ट एकैडमिक पब्लिशिंग।

लेख

पटनायक पी.सी. (2016). लेप्चा ओरल नेरेटिव्स : विजिटिंग आथिंग के.पी. तमसांग्स कलेक्शन ऑफ फोक टेल्स, इन ल्यांगसांग तमसांग, संपा. लेप्चा भाषा, साहित्य और संस्कृति : लेप्चा विकास बोर्ड एवं आईएलटीए।

वेंकट रमैया गंपा (2017). धिलिलो तेलगु भाषा भिवरुद्धी : संघर्षना सहजीवनम (तेलुगु में). इन पवन कुमार, पम्मी (संपा.), लैंगुएज डेवलपमेंट स्ट्रेटेजीज़ इन दि एरा ऑफ ग्लोब्लाइजेशन : तेलुगु संपादन डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू. लैंगुएजइनइंडिया.कॉम, आईएसएसएन 1930–2940.

वेंकट रमैया गंपा (2017). भुवकसुरुला भगोतम विवारिंचे मुचाकरम नवाला (तेलुगु में) इन मलयाद्री, बी (संपा.), बेंगलुरु तेलुगु तेजम, संपादन : आईएसएसएन : 2319–2550.

शोध परियोजनाएं

राजगोपाल जी., दिल्ली विश्वविद्यालय (16 अक्तूबर, 2015 से 30 अक्तूबर, 2016), सांस्कृतिक काव्य तथा प्रारंभिक तमिल साहित्य (200 बीसी – एडी 600), 1,20,000/– रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां

राष्ट्रीय संगोष्ठी साहित्यिक संबंध : भारत और विश्व, 9–10 मार्च, 2017.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

पटनायक, प्रो. पी.सी.

सत्र की अध्यक्षता, राष्ट्रीय संगोष्ठी, साहित्यिक संबंध : भारत और विश्व, आधुनिक भारतीय भाषाएं और साहित्यिक अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा प्रकटनी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 9–10 मार्च, 2017.

सत्र की अध्यक्षता तथा आदिवासी परपंराएं और समुदाय पहचान पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में लेप्चा लैंड : ओरल ट्रेडीशन एंड आइडेंटिटी पर पत्र प्रस्तुतीकरण, उत्कृष्टता केन्द्र, उड़िया विभाग, विश्व भारती, शांति निकेतन द्वारा आयोजन, 2–4 मार्च, 2017.

आधार व्याख्यान, मैनुस्क्रिप्टोलाजी और पैलियोग्राफी पर राष्ट्रीय कार्यशाला, राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली तथा उड़िया विभाग, बेहरामपुर विश्वविद्यालय, उड़ीसा द्वारा संचालित, 27 जनवरी, 2017.

प्रारंभिक उद्बोधन लेप्चा सम्राट गयीबू अचयोग की जयंती के उपलक्ष्य में मायेल लाइयांग लेप्चा विकास बोर्ड, पश्चिम बंगाल द्वारा कलिंगपोंग में आयोजित कार्यक्रम में, 20 दिसम्बर, 2016.

उत्कृष्टता केन्द्र, उड़िया विभाग, विश्व भारती, शांति निकेतन द्वारा 'क्षेत्रीय कार्य और प्रलेखीकरण : पूर्वी भारत की जनजातियां' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में पांच व्याख्यान, 27–29 जून, 2016.

पत्र प्रस्तुत किया, दि जात्रा ट्रेडीशन ऑफ ओडिशा राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय थिएटर एवं ट्रांजिट मॉडर्निटी, गुजरात साहित्य अकादमी तथा एमआईएल एवं आईएस विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 7–18 मई, 2016.

राजगोपाल जी ने बहु परिप्रेक्ष्यों के माध्यम से प्राचीन तमिल संस्कृति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *पालानातमई संगक कविदैगलई मुनवेत्तु* (प्राचीन तमिल संस्कृति में उपपत्नीत्व : संगम कविता) पर पत्र प्रस्तुत किया, भारतीय भाषा केन्द्र, साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली, 17–18 मार्च, 2017.

गंपा, वेंकट रमैयाः

साहित्यिक संबंध : भारत और विश्व पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *वेमना एज़ विश्व कवि : दि रोल ऑफ वेस्टर्न स्कॉलर्स एंड देयर पर्सपेक्टिव्स* पर एक पत्र प्रस्तुत किया, आधुनिक भारतीय भाषा और साहित्यिक अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 9–10 मार्च, 2017.

समकालीन तेलुगु साहित्यम समालोचनाम (2000–2015) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में तेलुगुलों स्त्रीला स्वीया चरित्रालु : जेंडर ड्रक्थम (तेलुगु में) पर पत्र प्रस्तुत किया, तेलुगु अध्ययन विभाग, द्रविडियन यूनीवर्सिटी, कप्पम, 13–14 फरवरी, 2017.

राष्ट्रीय संगोष्ठी तेलुगुलो यात्रा साहित्यम में यात्रा साहित्यम – सौंदर्यामु पर पत्र प्रस्तुत किया, दिल्ली साहित्य वेदिका, दिल्ली द्वारा आयोजित, 27 नवम्बर, 2016.

वैश्वीकरण के युग में भाषा विकास कार्यनीतियां : तेलुगु पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में धिलिलो तेलुगु भाषाभिवरुद्धि : संघर्षना, सहजीवनाम (तेलुगु में) पर पत्र प्रस्तुत किया, तेलुगु विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 20–21 अक्तूबर, 2016.

साहित्य के दर्शन के संदर्श पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में रविशास्त्रीज इलु (दि हाउस) : सोशियोलॉजिकल पर्सपेक्टिव पर पत्र प्रस्तुत किया, दर्शन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 11–13 अप्रैल, 2016.

बर्मन मिताली :

स्व. प्रतिमा ठाकुरिया की स्मृति में सादौ असोम लेखिका समारोह समिति, गुड़गांव तथा दिल्ली शाखा द्वारा अर्टेमिस अस्पताल सभागार में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में दि ट्रांसलेशन ऑफ शार्ट स्टोरीज़ एंड नॉवल्स इन असमीज़ लिट्रेचर इन दि पोस्ट इंडिपेंडेंस एरा पर 05 मार्च, 2017 को पत्र प्रस्तुत किया।

असोम साहित्य सभा, दिल्ली शाखा द्वारा श्रीमंत शंकरदेव भवन, दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में कामरूपी लोकगीत पर प्रस्तुतीकरण और प्रदर्शन, 19 दिसम्बर, 2016.

लक्ष्मीनाथ बेजबरूआ अकादमी, पाठशाला, बारपेटा (असम) में संसाधन विशेषज्ञ के रूप में टीचिंग एंड मेथड्स टीचिंग पर व्याख्यान दिया, 7 अक्तूबर, 2016.

आधुनिक भारतीय भाषाएं और साहित्यिक अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गुजरात साहित्य अकादमी गांधीनगर के सहयोग से भारतीय थिएटर इन ट्रांजिट माडर्निटी पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ब्राह्मणम थिएटर (मोबाइल थिएटर) : एन यूनीक थ्रेड ऑफ थिएटर इन असम पर पत्र प्रस्तुत किया, 17–18 मई, 2016.

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल.

पीएच.डी. – 03

एम. फिल – 24

संकाय – सदस्य संख्या

स्थायी – 11

तदर्थ/अतिथि – 05

****

फारसी भाषा

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग को यूजीसी–डीएसए एसएपी–II अनुदान से सहायता प्रदान की जाती है! संकाय सदस्यों ने 2016–17 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के जर्नलों में पत्र प्रकाशित किए। कुछ संकाय सदस्य वृत्तिक सोसाइटियों तथा अनुदान एजेंसियों के साथ भी सहयोजित हैं। एक सदस्य विभिन्न विश्वविद्यालयों में यूजीसी विशेषज्ञ सहायता कार्यक्रम की सलाहकार समिति में हैं तथा यूजीसी और आईसीसीआर की विभिन्न समितियों के विशेषज्ञ के रूप में भी हैं। नियमित शिक्षण और शोध–कार्य के अलावा विभाग साप्ताहिक संगोष्ठियों, वार्षिक कार्यशालाओं तथा संगोष्ठियों का आयोजन भी करता है। वर्ष के दौरान, विभाग ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी का आयोजन भी किया।

प्रकाशन

प्रो. चन्द्र शेखर :

कालीलेहवा दिम्नेह, (हिरत विद्यालय से 16वीं शताब्दी की रामपुर पाण्डुलिपि का परिचय, जिसका सुलतान मुहामा नूर, जो सुलतान अली मसहाडी के शिष्य थे, द्वारा प्रतिलेखन किया गया था), प्रकाशक आईसीसीआर, नई दिल्ली, 2016. तेहरान में भारतीय पीएम द्वारा 23 मई, 2016 को निर्गत।

मीर अतुलस्तेलाह ऑफ आनंद राम मुखलिस (सह–संपा.) हामिद राजा गिलीचखानी एंड होमान यूसेफदाही), इलमी प्रकाशन, तेहरान, 2016.

(2016). टेक्नीक ऑफ स्वोर्ड मेकिंग एंड ट्रेड प्रैक्टिसेस : तैयद–ए–बिसारत, ए ट्रीटाइज़ फ्राम एटीन्थ सेंचुरी, इन (संपा.), पायस मालेकनदथील, मनोहर, दि इंडियन मोशन इन दि मेकिंग ऑफ अर्ली मॉडर्न इंडिया, पृ. 409–441, नई दिल्ली

(2017). आर्म्स एंड आर्मर्स इन जोधपुर रॉयल मेहरानगढ़ फोर्ट में तैद–ए–बिरासत का अंग्रेजी अनुवाद, परिशिष्ट–I. (संपा.), राबर्ट एल्गूड, नियोगी पब्लीकेशंस, नई दिल्ली 2017 (खण्ड III).

प्रो. अलीम अशरफ खान :

(2017). शाहजहांनी दस्तरखान के जैक, पृ. 9–15, दबीर, जनवरी – मार्च, 2017. काकोरी, लखनऊ.

(2017). अमीर हसन नूरानी और मुंशी नवल किशोर, पृ. 25–36, नवल किशोर शिनासी (संपा.), प्रो. सैयर शफीक अहमद अशरफी, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती उर्दू फारसी अरबी विश्वविद्यालय, लखनऊ.

(2017). मोराफी–ए–आसार–ए–मंजूम मिर्जा अब्दुल कादित बेदिलदार किताब कनाह–ए–सलार जंग, हैदराबाद, पृ. 256, उर्स बेदिल देहलवी, तेहरान, ईरान.

हजरत निजामुद्दीन औलिया के सार्वभौमिक भाईचारे तथा मानवीय परंपराओं के अंश, फवैदुल फौवाद में, पृ. 181–197, भारत में सूफीवाद, समूचे विश्व में सामाजिक–सांस्कृतिक सौहार्द, मनक प्रकाशन, नई दिल्ली.

कुमार राजेन्द्र :

(2016). जमाली देहलवी द्वारा सियार–उल–अशफिन के आयाम, दिल्ली : ग्रेट बुक कांट्रेक्टर, आईएसबीएन सं. : 978–93–85346–11–8.

(2016). पर्शियन लैंगुएज एंड लिट्रेचर ड्यूरिंग अकबर्स रीजीम एंड दि सफावी पीरियड. सैफ फैजी भारत की भौगोलिक, साहित्यिक और राजनीतिक जानकारी का स्रोत में (पृ. 111–118) एएमयू : पर्शियन अनुसंधान संस्थान, आईएसबीएन 978–93–84876–62–3.

डा. मेहताब जहान :

(2016). खय्याम की रूबाइयों के मुखतलिफ रंग ओएस : इंकलाब (आदाब अकाफत) डेली न्यूज पेपर संडे एडीशन.

(2016). इंशा अला खान इंशा और दरिया ई लताफत : इंकलाबा (आदाब ओ सकाफत) डेली न्यूज पेपर संडे एडीशन.

(2016). जहांगीर और फनून ए लतीफा : रेवान ए उर्दू, उर्दू अकादमी, आईएसएसएन : 2321–2888.

(2016).. दीवान तसव्वुर : इंकलाब (आदाब अकाफत) डेली न्यूज पेपर, संडे एडीशन, 15 नवम्बर.

प्रो. नज़ीर अहमद

(2016). चंद किताबों के हवाले से, ऐवान–ए–गालिब, (2017), अहद ए मुगलिया के इंडोर गेम्स : उमंग, उर्दू अकादमी, आईएसएसएन : 2321–2388, दिल्ली.

(2017). पंचतंत्र : एक जैजा, ऐवान–ए–उर्दू, उर्दू अकादमी, आईएसएसएन : 2321–2888.

(2017). उमर खय्याम की रूबाइयां के मुखतलिफ रंग पेशराफ्ट, नई दिल्ली, आईएसएसएन : 2349–3437.

शोध परियोजनाएं

डीआरएस एसएपी–II. इंडो पर्शियन लिट्रेचर, यूजीसी द्वारा वित्त–पोषित (2014–2019), 44,00,000/– रुपए.

आयोजित सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मुंशी नवल किशोर और उपनिवेशी भारत में प्रिंटिंग प्रेस, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा एनसीपीयूएल द्वारा समर्थित, 23 और 24 फरवरी, 2017.

सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

प्रो. चन्द्र शेखर

विशेष व्याख्यान, ड्राफ्टिंग ऑफ आफिशियल लैटर्स/मिसिव्स/कमांड्स इन मेडिवल एंड अर्ली मॉडर्न इंडिया, इंस्टिट्यूट ऑफ ओरिएंटन एंड इस्लामिक स्टडीज, बोन विश्वविद्यालय, बोन में दिया गया, 17 जून, 2017.

विशेष व्याख्यान, इंडेनिशेसन ऑफ पर्शियन टेक्स्ट : 16–18 (पर्शियन प्राइमर्स एंड अर्ली लेक्सिकंस) इंस्टिट्यूट ऑफ ओरिएंटन एंड इस्लामिक स्टडीज, बोन विश्वविद्यालय, बोन, 22 अगस्त, 2006.

पत्र प्रस्तुतीकरण, एमाल्गमेशन ऑफ इंडियन थाट्स इन दि डिस्कोर्सेस ऑफ बेदिल, इंटरनेशनल बेदिल फाउंडेशन, तेहरान, ईरान द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 17–21 जनवरी, 2017.

पत्र प्रस्तुतीकरण, पर्शियन प्राइमर्स इन अर्ली माडर्न इंडिया (सेवारत कार्मिकों के लिए), मार्बर्ग विश्वविद्यालय जर्मनी तथा एकेडमी ऑफ पर्शियन लैंगुएज एंड लिट्रेचर ऑफ ईरान, तेहरान द्वारा भारतीय पर्शियन अध्ययन पर संयुक्त रूप से आयोजित सम्मेलन, 19–22 फरवरी, 2017.

आधार व्याख्यान, इंडो–पर्शियन सोर्सेज़ ऑफ साइंसेज़ विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर भारत–प्रशिया स्रोत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (दक्कनी पर्शियन स्रोतों के विशेष संदर्भ में), मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, 21 मार्च, 2017.

पत्र प्रस्तुतीकरण, इंडो पर्शियन लिट्रेचर एंड सेकुलेरिज़्म, भारत, ईरान और मध्य एशिया के बीच साझी विरासत एवं क्रॉस सांस्कृतिक संबंध के रूप में पर्शियन और संस्कृत, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पर्शियन विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम, 9–11 फरवरी, 2017.

पत्र प्रस्तुतीकरण, पर्शियाई दस्तावेज तथा सामाजिक–सांस्कृतिक जीवन : बीकानेर दस्तावेजों का मामला अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बीकानेर राज्य पुरातत्व विभाग, बीकानेर, राजस्थान, 15–16 मार्च, 2017.

आधार व्याख्यान, आनंद राम मुखलिस, प्रेम के संदेशवाहक के रूप में इंडो–पर्शियन साहित्य के लिए राय रायन आनंद राम मुखलिस और बेदिल की सेवाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बेदिल अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान तथा पर्शियन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित, 28–31 मार्च, 2017.

फ्रॉम दि डेस्क ऑफ अब्दुर रहीम खान–ए–खाना, अब्दुर रहीम खान–ए–खाना का स्मारक उत्सव, आगा खान प्रतिष्ठान, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की दूसरे दिन की कार्यवाहियां, 11–12 मार्च, 2017, हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली.

पत्र प्रस्तुतीकरण अंतर्राष्ट्रीय कोलोक्वियम श्रृंखला, ओरिएंटल एंड इस्लामिक स्टडीज़ इंस्टीट्यूट बोन विश्वविद्यालय, बोन में। उस संस्थान में प्रो. एनीमेरी शिमेल चेयर पर विजिटिंग प्रो. के रूप में कार्यकाल के दौरान, 26 अगस्त, 2016.

अमीर खुसरो : यूरोप के किताब खानों में, गालिबनामा, विशेष व्याख्यान, प्रो0 नाज़िर अहमद, गालिब संस्थान, नई दिल्ली, मार्च, 2017.

प्रो. अलीम अशरफ खान :

पत्र प्रस्तुतीकरण, मिर्जा अब्दुल कादिर बेदिल देहलवी, पर्शियन शोध संस्थान, एएमयू द्वारा बेदिल देहलवी पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, 1–3 मार्च, 2017.

पत्र प्रस्तुतीकरण, बुअली सिनाज मौनुस्क्रिप्ट्स इन इंडियन कलेक्शंस, आईएचएफ, नई दिल्ली द्वारा तिब्बी मखतुतात मसयिल्वा वसामिल पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, 4–5 मार्च, 2017.

पत्र प्रस्तुतीकरण, उस्ताद अज़हर अली वा सफर नामा–ए–आनंद राम मुखलिस, बेदिल इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा आयोजित बंदिल अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, 28–31 मार्च, 2017.

पत्र प्रस्तुतीकरण कुलियात–ए–सादिके दूसरे मुशेही (संपा.) बहाउद्दीन खुर्रम शाही, एमएएपीआरआई टोंक राजस्थान द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, 7–9 मार्च, 2017.

पत्र प्रस्तुतीकरण, प्रो. नज़ीर अहमद का मारिफ में शयीक तेहकीकी मकाला : अहमद जंदेयी, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी मारिफ सदी मारिफ आजमगढ़, उ.प्र., मार्च, 2017.

विशेष व्याख्यान, भारत में सूफियाना संस्कृति, अरबी और प्रशिक्षण विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 9 मई, 2017.

प्रो. राजेन्द्र कुमार

पत्र प्रस्तुतीकरण, डिपिक्शन ऑफ ब्लैक कलर इन गालिब्स पोइट्री, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गालिब की फारसी कुल्लियत और उनका अहद : एक मुकाबला पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 1–3 फरवरी, 2017.

पत्र प्रस्तुतीकरण, राय चतुर्मन सक्सेना के चार गुलशन में बंगाल राज्य का वर्णन, भारत में मुगलों के अंतर्गत कला, साहित्य, संस्कृति और विज्ञान के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, पर्शियन, उर्दू और इस्लामिक अध्ययन विभाग, विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांति निकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित, 30–31 मार्च, 2017.

रिस्पांस ऑफ बेदिल टु हिज क्रिटिक्स एंड एन्वियस, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, पर्शियन अनुसंधान संस्थान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा बेदिल देहलवी पर आयोजित, 1–3 मार्च, 2017.

ट्रांसलेशन ऑफ शहनामे ऑफ फिरदौसी इन हिन्दी लैंगुएज, पर्शियन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा फिरदौसी और शाहनामे पर दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 7–8 मार्च, 2017.

डॉ. महताब जहां :

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय बौद्धिकता : पंचतंत्र/कलीलावा दिमनाह; परंपरा, इतिहास और संस्कृति, पंचतंत्र : इकजैरा पर, अरबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 8–10 मार्च, 2016.

दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्रो. नाजिर अहमद : चंद किताबों के हवाले से, ऐलान–ए–गालिब, दिल्ली में, 7–8 मार्च, 2016.

गालिब की कुल्यात, मथनवी चेराग एवं देरौर उसके ताराजिम पर तीन–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1–3 फरवरी, 2017.

मुंशी नवल किशोर पर दो–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, मुंशी नवल किशोर वा मौसीरांश, पर्शियन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 23–24 मार्च, 2017.

अंतर–सांस्थानिक सहयोग

प्रो. चन्द्र शेखर, बून विश्वविद्यालय, जर्मनी

प्रदत्त पीएच.डी. / एम.फिल.

पीएच.डी. – 01

एम. फिल – 04

संकाय – सदस्य संख्या

स्थायी – 05

तदर्थ – 02

अतिथि – 02

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

विभाग अनुवाद और भाषांतरण में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम, डिप्लोमा पाठ्यक्रम, एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम, एम.ए., एक–वर्षीय स्नातकोत्तर एम.ए. डिप्लोमा संचालित करता है, तथा पर्शियन में एम.फिल और पीएच.डी. कार्यक्रम चलाता है। प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम में छात्रों की कुल संख्या 279, डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 23, एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 14, एम.ए. में 14 पीएच. डी. में 20 तथा पीएच.डी. में 14 है।

****

दर्शन–शास्त्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

दर्शन शास्त्र विभाग का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय शिक्षाविदों के लिए अपने विचार और शोध प्रस्तुत करने हेतु सदैव एक मंच सृजित करता रहा है। यह वर्ष कोई भी भिन्न वर्ष नहीं रहा। कई प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को आमंत्रित किया गया और इसके फलस्वरूप काफी लाभप्रद और पारस्परिक चर्चाएं हुईं जो संकाय और छात्रों, दोनों के लिए मूल्यवान सिद्ध हुई। विभाग ने अन्य विषयों के छात्रों के लिए सफलतापूर्वक चार अन्तर–विधायी पाठ्यक्रमों की पेशकश की। गठित की गई विभिन्न समितियों ने अपना काम मेहनत से पूरा किया और कई शैक्षणिक और प्रशासनिक मामलों का प्रभावी रूप से समाधान किया। डॉ. एनाक्षी मित्रा की पुस्तक प्रकाशाधीन है। कई संकाय सदस्यों ने भी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में अपने पत्र प्रकाशित कराए। संकाय के सदस्यों ने संगोष्ठियों और सम्मेलनों में जोर–शोर से भाग लिया और कइयों को आधार व्याख्यान तथा विशेष और सार्वजनिक भाषण देने हेतु आंमत्रित किया गया।

सम्मान / विशिष्टियां

डॉ. प्रगति साहनी को 5 जनवरी, 2016 से 30 अप्रैल, 2016 तक एक सेमेस्टर के लिए कार्लटन

यूनिवर्सिटी, ओटावा, कनाडा के लिए आईसीसीआर का विजिटिंग प्रोफेसर नियुक्त किया गया।

प्रकाशन

पुस्तकें

ई. मित्रा (2017) *लेटर विटगेंस्टाइन ऑन लैंग्वंज एंड मेथेमेटिक्सः ए नान–फाउंडेशनल नरेशन*, शिमला, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज़, राष्ट्रपति निवास (प्रेस में)

पत्र और लेख

एन–भौमिक (2016), *ऑन दि क्वांटिफाइड अकांउट ऑफ कम्पलेक्स डेमोन्सट्रेटिव*, जर्नल ऑफ इंडियन काउंसिल ऑफ फिलोसफिकल रिसर्च, 33(3), 451–463 ।

बी. देवराकोंडा (2016) *पॉलिटिकल फिलोसफी ऑफ थॉमस हॉब्स।* ई–पीजी पाठशाला डीओआईः http://epgp.inthibnet.ac.in/ahl.hhp? (srno= 27)

आयशा गौतम (2017), *सेल्फ गवर्नेंस एंड रेस्पॉसबिलिटी इन ग्लोबल टाइम्स*, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मैनेजमेंट–एंड सोशल सांइसेज, 5–3 (iv), 30–35 पी. केशव कुमार (2016), दि प्राइड ऑफ आइडेंटिटी पॉलिटिक्स, फारवर्ड, (सं), वुली धनराजू, *वाइस ऑफ दि अदर, इन अंडरस्टेंडिंग मार्जिनल आइडेंटिटीज़,* (पृ. 9–12) दिल्ली जेन नेक्स्ट पब्लिकेशन्स, पी. केशव कुमार (2016) *प्लूरेलिज्म इन तेलुगू पोइट्री,* पोइंट्स ट्रांसलेटिंग पोइंट्स, पोइट्री ट्रेवर्सिस साउथ एशिया एंड जर्मनी गाइथ इंस्टीट्यूट, डी ओ आईः http://www.goethe.de/ins/in/lp/prj/ptp/magfen 15514250.htm

पी. केशव कुमार (2016), विज्जा ताराकामः दि दलित लीडर, राउंड टेबल इंडिया, डीओआईः http:/roundtableindia.co.in/index/php? option=com_content & view=8788:prop-p-kesava.kumar&catid=119:features&item id=132

पी. केशव कुमार (2016), *मथन्नी देवुदनी धिक्कार इन चाइना बौद्धम* (एडिटोरियल इन तेलुगू), भुजाना केरातालु, पृ. 2–3, ओंगल

ई. मित्रा (2016) *जोउनोतार तात्वा–दार्शेनिक आलोचना* (बांग्ला), अनुष्टुप, पृ. 237–253 (एक त्रिवार्षिक पत्रिका, कोलकाता)

ई–मित्रा (2016), *विटिगनशाइनर सोनक्षने शोचिद्रोनाथ* (बांग्ला),

अनुष्टुप पृ–213–255 (एक त्रिवार्षिक पत्रिका, कोलकाता), स्वर्ण जयन्ती विशेषांक,

एस मोतीलाल और डी. आर. जुयाल (2016),

ह्यूमन राइट्स एंड पब्लिक पालिसी फ्रेमवर्क्स ए कांतियन पर्सपेक्टिव, जर्नल ऑफ इंडियन काउंसिल ऑफ

फिलोसफिकल रिसर्च, 33(2), पृ. 241–251

शोध परियोजनाएं

प्रो. डी. बालागणपतिः

कार्यान्वयानाधीन परियोजना, 2015–2018, *ए स्टडी ऑफ डॉक्ट्रिनल डिफरेंसिज ऑफ डि अर्ली बुद्धिस्ट सेक्ट्स ऑफ आंध्रा* मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट

यूजीसी द्वारा 13,50,000/– रूपए के वित्तपोषण साथ, 2017–2019, *कल्चर थ्रू दि लेबरिंथ ऑफ ग्लोबलाइजेशनः ए स्टडी ऑफ पापुलर इमेजिनेशन्स एंड आल्टरनेटिव नरेटिव्स ऑफ डिजिटल एंड नॉन–डिजिटल तेलुगू लिटरेचर एज ए पार्ट दि मेजर फंडिंग प्रोजेक्ट ट्राइबल्स इंटरफेस ऑफ कल्चर एंड पालिटिक्स इन इंडियाः एन एक्सप्लोरेशन इन टू दि आल्टरनेटिव नरेटिव्स,* आईसीएसएसआर द्वारा 45,00,000/– रु. के साथ प्रायोजित।

डॉ. रेनु जायसवाल ने *अंडरस्टेंडिंग रावल्स थ्योरी ऑफ जस्टिसः दि प्राब्लम ऑफ जेंडर इनइक्वेलिटी*, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित एक परियोजना पूरी की।

आयोजित की गई संगोष्ठियाँ

डॉ. पाल डोनेली ने 29 जुलाई, 2016 को तिब्बतन कंस्पेशनस ऑफ मध्यमका संयोजक– प्रो. डी. बालागणपति। दया कृष्णा ने प्रो. डेनियल रावेह, तेल अवीव्स यूनिवर्सिटी, इजराइल के साथ 11 नवम्बर, 2016 को कंसेप्ट ऑफ फ्रीडम, संयोजक–प्रो. डी. बालागणपति ।

प्रो. जियो लाग ली, प्रो. ऑफ फिलोसिफी, सन मून यूनिवर्सिटी, साउथ कोरिया ने 8 दिसम्बर, 2016 को *धर्मा एज प्रिंसिपल ऑफ सेल्फ डीनायल एंड ऐम्पटीनेस*, संयोजक– प्रो. डी. बालागणपति ।

प्रो. जेई जिन जांग, डिपार्टमेंट ऑफ बुद्धिस्ट कल्चर एंड कंटेट स्टडीज, टांगम्योंग यूनिवर्सिटी, कोरिया ने 1 फरवरी, 2017 को *हाइबरडिटी ऑफ बुद्धिस्ट कल्चर एंड हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव्स इन इंट्रोडक्शन एंड डेवलपमेंट ऑफ बुद्धिज्म इन कोरिया* संयोजक प्रो. डी बालागणपति, सह–संयोजक–प्रगति साहनी और सुजाता राय अभिजात।

प्रो. हायन शेन, डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, शंघाई यूनिवर्सिटी, शंघाई ने 15 फरवरी, 2017 *को ताइनताइ थ्योरी ऑफ दि सब्टेलिटी ऑफ माइंड, बुद्धा एंड सेंटियेंट बीइंग्स*, संयोजक–प्रो.डी. बालागणपति

दि सोशल एंड एथीकल फिलोसिफी ऑफ श्री श्री आनंद मूर्तिजी, डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, दिल्ली यूनिवर्सिटी, 17 फरवरी, 2017, सह–संयोजक–डॉ. सुजाता राय अभिजात।

प्रो. एस. पन्नीरसेलवन द्वारा 16 और 17 मार्च, 2017 को *आईसीपीआर फैलो ऑन हर्मेनॉटिकल एंड एनालिटिकल मेथड्स इन इंडियन फिलोसिफी एंड थोट्स एंड वर्क्स ऑफ प्रो. टी एम पी महादेवन इन*

कंटेम्परी इंडियन फिलोसिफी, संयोजक प्रो. डी बालागणपति ।

आयोजित किए गए सम्मेलन

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा 11–13 अप्रैल, 2016 को एक आईसीपीआर राष्ट्रीय सम्मेलन–पर्सपेक्टिव्स इन फिलोसिफी ऑफ लिटरेचर, सह–संयोजक – प्रो. पी केशव कुमार।

आईसीपीआर नई दिल्ली के संयोजन से रामानुजन कालेज, नई दिल्ली द्वारा *सेन्टर फोर रिसर्च इन वैल्यूज एंड फिलोसिफी एंड वाशिंगटन डी सी* के 9 और 10 जनवरी, 2017 सहयोग से *आयोजित रिलर्निंग टू बी हयूमनः जस्टिस एंड रेस्पांसबिलिटी ड्यूरिंग ग्लोबल टाइम्स* / संयोजक प्रो. डी. बालागणपति सह–सयोजक – ड़ॉ. आयशा गौतम।

महासचिव, एपीसी, 2017 की हैसियत से प्रो. डी. बालागणपति द्वारा 11–14 फरवरी, 2017 को सांची यूनिवर्सिटी ऑफ इंडिक स्टडीज में आयोजित एशियन फिलोसिफी कांफ्रेंस 2017 ।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

आयशा गौतमः

9 फरवरी, 2017 को लेडी श्रीराम कॉलेज के डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी में *रिसेंट डेवलपमेंट्स इन कंटेम्परारी एपिस्टिमोलॉजी* पर एक व्याख्यान आमंत्रित किया, डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, दिल्ली यूनिवर्सिटी में (11 अप्रैल 2016) को आयोजित पर्सपेक्टिव्स इन फिलोसिफी ऑफ लिटरेचर पर आईसीपीआर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *ट्राइबल फोकलोर एंड फिलोसिफी इन इंडियन कंटेक्स्ट* पर एक पत्र प्रस्तुत किया ।

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, सिंहभूम कॉलेज, चांडिल, झारखंड द्वारा 7 फरवरी, 2017 को आयोजित एक यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन – कंटेम्परारी एथिक्स में *मारल नॉलेजः इट्स पासिबिलिटी एंड स्केप्टिकल चैलेंजिस* पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

आईएनएसआईएस वडोदरा एंड ओरिएंटल इंस्टीट्यूट एंड फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, दि महाराजा सायाजी राव यूनिवर्सिटी ऑफ बडौदा द्वारा 18 मार्च, 2017 को आयोजित *एंशियेंट विजडम एंड मल्टीमीडिया लर्निंग ट्रंसफोर्म्स मॉडर्न एजुकेशन* पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में *सेल्फ गवर्नेंस एंड रेस्पांसबिलिटी इन ग्लोबल टाइम्स* पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, जानकी देवी मेमोरियल कालेज द्वारा 11 मार्च, 2017 को आयोजित *ट्राइब्स ऑफ नार्थ ईस्ट इंडियाः एक्सप्लोरिंग आइडेंटटीज, कल्चर, पॉलिटिक्स एंड फिलोसिफी* पर आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *अंडरस्टेंडिंग जेंडर रिलेशन इन ट्राइबल्स ऑफ नॉर्थईस्ट इंडिया इन दि कंटेक्स्ट ऑफ ट्रेडिशनः मॉडर्ननिटी इंटरफेस* पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

इंडियन काउंसिल ऑफ फिलोसिफिकल रिसर्च, लखनऊ द्वारा 19 जनवरी, 2017 को आयोजित *कंटेपरेरी*

एपिस्टमोलॉजिकल इश्यूजः विद स्पेशल रेफरेंस टू एल्विन आई गोल्ड मैन्स कंट्रीब्यूशन्स पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में *वर्चुएपिस्टमोलॉजी एन इंटीग्रेटिड एप्रोच टू एपिस्टमोलॉजी* पर एक पत्र प्रस्तुत किया ।

एनाक्षी राय मियाः

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, बैजकुल मिलानी महाविद्यालय, ईस्ट मिदनापुर, पश्चिम बंगाल द्वारा 7–8 सितम्बर, 2016 को आयोजित *सेल्फ कॉशियसनेस एंड बॉडी ए कम्पेरिटिव रिफ्लेक्शन इन इंडियन एंड वेस्टर्न फिलोसिफी* पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, बैजकुल मिलानी महाविघालय, ईस्ट मिदनापूर, पश्चिम बंगाल द्वारा 7–8 सितम्बर, 2016 को आयोजित *सेल्फ कॉशियसनेस एंड बॉडी ए कम्पेरिटिव रिफलेक्शन इन इंडियन एंड वेस्टर्न फिलोसिफी* पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की *दि डिक्टोमी बिटविन डूअलिज्म एंड सिमेंटिक बिहेयरविज्म* पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा 11–13 अप्रैल, 2016 को *आयोजित पर्सपेक्टिव इन फिलोसिफी ऑफ लिटरेचर* पर आईसीपीआर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *रीडिंग सुकुमार रायॅस अबाक जोलपानः फ्रॉम ए फिलोसफिकल पर्सपेक्टिव ऑफ लैंग्वेज* पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

हंसराज कॉलेज द्वारा 20–21 जनवरी, 2017 को आयोजित *फैकल्टी डेवलपमेंट वर्कशाप ऑन रिसर्च मेथोडोलॉजी एन इन्टरडिसिप्लिनरी एप्रोच* में विषय विशेषज्ञ रहे।

नीलांजन भौमिकः

नॉर्थ बंगाल यूनिवर्सिटी, सिलिगुडी, पश्चिम बंगाल, में 17 फरवरी, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *वाट आर ऐस्थेटिक प्रिडिकेट्स रिलेटिव दूर टाक एट लैंग्वेज ऑफ आर्ट* पर प्रस्तुति दी।

आईसीपीआर संगोष्ठी, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 11–13 अप्रैल, 2016 को नोइंग थ्रू फिक्शन, इन पर्सपेक्टिव्स इन फिलोसिफी ऑफ लिटरेचर पर प्रस्तुति दी।

जेएनयू में 25 जनवरी, 2017 को *रिमार्क्स ऑन दि ओरिजनल प्रोजेक्ट*, संगोष्ठी चर्चा/वर्ल्ड फिलोसिफी डे पत्र प्रस्तुत की।

दौलत राम कॉलेज में 8 नवम्बर, 2016 को फाइडिंग दि सेंटर संगोष्ठी चर्चा में प्रस्तुति दी।

अशोका यूनिवर्सिटी 19 नवम्बर, 2016 को आयोजित *फर्स्ट अंडरग्रेजुएट कांफ्रेंस में इंडेक्सिकल्स एंड आंसरिंग मशीन्स* पर प्रस्तुति दी।

संगोष्ठी चर्चा/जर्मनिक एंड रोमांस स्टडीज, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 10 फरवरी, 2017 को *दि लाइट एंड दि क्विकः कैलविनो ऑन राइटिंग* पर प्रस्तुति दी।

प्रगति साहनी

कार्लटन यूनिवर्सिटी, ओटावा, कनाडा में 8 अप्रैल, 2016 को *सम रिफ्लेकशन्स ऑन बॉडी इन अर्ली बुद्धिस्ट लिटरेचर* पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया ।

दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा 9–10 जनवरी, 2017 को *आयोजित दि–लर्निंग टू बी हयूमनः जस्टिस एंड रेसपांसिबिलिटी इन ग्लोबल टाइम्स* संबंधी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *ऑन रेसपांसिबिलिटी* पर एक पत्र प्रस्तुत किया ।

जे.एन.यू, दिल्ली फिलोसिफी, साइंस एंड टेक्नोलॉजी में 25 जनवरी, 2017 को आयोजित वर्ल्ड फिलोसिफी डे सेमिनार में *केन देयर बी ए बुद्धिस्ट रेस्पांस टू जेनेटिक मॉडिफिकेशन* पर एक पत्र प्रस्तुत किया ।

मुंबई यूनिवर्सिटी में 22–24 मार्च, 2017 को आयोजित *बुद्धिज्म, रिलिजन एंड डेमोक्रेसी* नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *रेस्पांसबिलिटी, एन्वायरमेंट एंड अर्ली बुद्धिज्म* नामक पत्र प्रस्तुत किया ।

प्रो. डी. बालागणपतः

डिपार्टमेंट ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज, मुंबई यूनिवर्सिटी में 22 मार्च, 2017 *को फ्रीडम एंड डिसेंटः ए स्टडी ऑफ दि डेवलपमेंट ऑफ डेमोकेटिक आइडियल्स इन अर्ली बुद्धिस्ट संघ बुद्धिज्म, रिलिजन एंड डेमोक्रेसी,* पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

इंडियन सोसाइटी फॉर इंडिक स्टडीज (आईएनएसआईएस), वडोदरा और इंडियन काउंसिल ऑफ फिलोसिफिकल रिसर्च, आईसीपीआर नई दिल्ली द्वारा दिल्ली टेक्नोलाजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली में 14–15 अक्तूबर, 2016 में *एंशियेंट विज़डम एंड मल्टीमीडिया लर्निंग टू ट्रंसफार्म माडर्न एजुकेशन* पर आयोजित दो–किवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी *में पर्सपेक्टिव्स एंड शिफ्ट्स इन एजुकेशन ड्यूरिंग ग्लोबलाइजेशन* पर एक पत्र प्रस्तुत किया ।

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, कमला नेहरू कॉलेज, नई दिल्ली में 30 जुलाई, 2016 को आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय परिचर्चा में *पिलग्रिमेज एंड रिच्युअल्सः फिलोसिफिकल रिफलेक्शंस* पर प्रस्तुत किया ।

बेलगवी, कर्नाटक में 21–23 मई, 2016 को *ए पेराडिग्म ऑफ इंटीग्रल हयूमन डेवलपमेंट इन दि थाट्स ऑफ पंडित दीनदयाल उपाध्याय* पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में *प्लेस ऑफ दीनदयाल उपाध्याय इन इंडियन इंटलेक्यूअल ट्रेडिशनः ए क्रिटिकल अप्रेजल* पर एक पत्र प्रस्तुत किया ।

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, गोवा यूनिवर्सिटी, गोवा द्वारा 28–30 जनवरी, 2017 को आयोजित रिकंस्ट्रक्शन ऑफ इंडियन फिलोसिफिकल संगोष्ठी में *फिलोसिफिकल प्रेमवर्क क्वेस्ट फॉर डिकोडिंग मीनिंग* पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में *रिकंस्ट्रक्शन ऑफ इंडियन फिलोसिफिकल प्रेमवर्क कंटेक्ट्स, मेथोडोलॉजी एंड अप्रोच* पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली द्वारा सार्क यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के सहयोग से 25–26 मार्च, 2017 को आयोजित *फाक फिलोसिफी इन साउथ एशियाः एक्सप्लोरिंग कॉस्मिक एंड मुंडेन इन दि फाकलोर* पर दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *स्टोरी टेलिंग एंड आइडेंटिटी कंस्ट्रक्शनः डिबेटिंग कंटेम्परारी फाकलोर* पर

एक पत्र पर प्रसतुत किया।

प्रो.पी. केशव कुमारः

इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी, सेंट स्टीफंन्स कालेज दिल्ली, द्वारा 22–24 मार्च, 2017 को आयोजित *पेन प्वाइंट्स एंड गन प्वाइंट्स लिटरेरी वाइसिस ऑफ इंडियन डेमोक्रेटिक रिवोल्यूशन, कांग्रेंस ऑन रिवोल्यूशनः लिटरेचर एंड बियांड।*

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, दिल्ली यूनिवर्सिटी, मार्च 2016 का *कंटेपरेरी इंडियन थिंकर्स* पर आईसीपीआर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *कंटेपरेरी इंडियन इंटेलेक्चुअल ट्रेडिशन एंड डि क्यूश्यन ऑफ कास्टः फिलोसिफिकल एनलाइटमेंट ऑफ बी. आर. अम्बेडकर* ।

आंध्र लोयोला कॉलेज विजयवाडा द्वारा 28–29 अप्रैल, 2016 को आयोजित *एथेकिल इश्यूज ऑफ जेरियाटिक केयर* संबंधी राष्ट्रीय संगोष्ठी में *एथिक्स ऑफ केयर ऑफ एलहर्ल ए फिलोसिफिकल प्रोबिंग*, पर एक आधार व्याख्यान।

डॉ. बी आर अम्बेडकर्स 125 वीं इयर बर्थ एनीवर्सिरी सेलीब्रेशंस कमेटी, हैदराबाद यूनिवर्सिटी द्वारा 22–23 फरवरी, 2017 को आयोजित *फिलोसिफी एज एन आर्टिकुलेशन ऑफ सोशल प्रैक्टिसिस ऑफ इन आर्टिकुलेटिड, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पर्सपेक्टिव ऑन दि स्टेट सोसाइटी एंड इकोनॉमी रिविजिटिंग हिज विजन एंड मिशन* ।

सेंटर फॉर कम्पेरिटिव लिटरेचर, हैदराबाद यूनिवर्सिटी, द्वारा 15–16 सितम्बर, 2016 को आयोजित *फिलोसिफी ऑफ ऑटोबाइग्राफी रिफलेक्शंस ऑन नरेशन ऑफ दलित सेल्फ, नेशनल सेमिनार ऑन एक्सप्लोरिंग ऑफ सेल्फः ऑटोबाइग्राफी इन दि इंडियन कंटेक्स्ट* ।

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा 11–13 अप्रैल, 2016 को आयोजित *पर्सपेक्टिवस इन फिलोसिफी ऑफ लिटरेचर* पर आईसीपीआर राष्ट्रीय सम्मेल में *पालिटिक्स ऑफ फ्रीडमः वर्ल्डस ऑफ लिटरेचर एंड फिलोसिफी।*

जाकिर हुसैन कॉलेज, डिपार्टमेंट ऑफ पालिटिकल सांइस द्वारा 4 अक्तूबर, 2016 को *इंटेरोगेटिंग माडर्ननिटी* पर विशेष व्याख्यान।

डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा 27 अक्तूबर 2016 को *पॉलिटिकल पर्सपेक्टिवस इन थ्योराइजिंग दलित मूवमेंट* पर व्याख्यान आमंत्रित किए।

प्रो.शशि मोतीलालः

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, ऐशविले, एनसी, यूएसए, द्वारा 3 मार्च, 2017 को आयोजित *एमफेसिस ऑन एथिक्सः ब्रिजिंग ट्रेडिशंस एंड डिसिप्लिन्स* पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में *हयूमन मॉरल आब्लिगशेसः ब्रिजिंग रिलिजियस एंड कल्चर डिफरेंसिस* पर आधार व्याख्यान

आंमत्रित किए।

आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित और डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी द्वारा अप्रैल, 2016 में आयोजित फिलोसिफी एंड लिटरेचर पर राष्ट्रीय सम्मेलन में *फिक्शनल टर्म्स एंड देयर फिलोसिफिकल इम्प्लीकेशंस* पर एक पत्र प्रस्तुत किया ।

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, सावित्री बाई फुले, पुणे यूनिवर्सिटी द्वारा 24–25 फरवरी, 2017 को आयोजित *सोशल फिलोसिफी इन इंडियन कंटेस्टसः पास्ट एंड फ्यूचर* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *नेचर ऑफ सोशल जस्टिसः सम इनपुट्स फ्राम दि एंशियेंट इंडियन कंटेक्ट्स* पर एक पत्र प्रस्तुत किया ।

डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल सांइस, दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम, येल यूनिवर्सिटी एंड यूके आईईआरआई द्वारा 19 अगस्त, 2016 को आयोजित *दि फ्यूचर ऑफ डेवलपमेंट ऐथिक्स* संबंधी कार्यशाला में *दि डेवलपमेंट एजेड़ा एंड हयूमन राइट्स वायलेशंसः दि साउथ–एशियन कंटेक्ट्स* पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

यूनिवर्सिटी के द्विवार्षिक समारोह के अवसर पर डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित *एजेंसी एंड वैल्यूजः चैलेंजिस फॉर दि 21 सैंचुरी* पर राष्ट्रीय सम्मेलन *में दि नेचर ऑफ मॉरल एजेंसी सम रिफ्लेक्शंस* पर वक्ता को आमंत्रित किया और पत्र प्रस्तुत किए। ऋतु जायसवाल।

रि–लर्निंग टू बी ह्यूमनः जस्टिस एंड रेस्पांसिबिलिटी इन ग्लोबल टाइम्स, 9–10 जनवरी, 2017 को एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के सत्र की अध्यक्षता की।

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी द्वारा 18–19 फरवरी, 2017 को प्रमाणनवाद पर आयोजित दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *एन अटेंप्ट एट इंटीग्रेशन ऑफ दि थ्योरीज ऑफ ट्रूथ* पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी और पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एडमिनस्ट्रेशन, पी.जी गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, चंडीगढ द्वारा 29 मार्च, 2017 को आयोजित *अरिस्टोटल एंड दि गुड लाइफ* पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *एम्बीग्वीटीज इन अरिस्टोटलस कंसेप्टस ऑफ हैप्पीनेस एंड वर्चु* पर एक पत्र प्रस्तुत किया ।

डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसिफी एंड रिलिजन, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, द्वारा 12–14 अगस्त, 2016 को आयोजित *इंडियन ट्रेडिशन, शेवागम एंड वैल्यू फॉम तांत्रिक पर्सपेक्टिव ऑफ कमलाकर मिश्रा* पर आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *दि प्रायोर्टी ऑफ दि राइट आर दि गुडः ए स्टडी ऑफ प्रो कमलाकर मिश्रा कंसेप्ट ऑफ मोक्ष* पर एक पत्र प्रस्तुत किया ।

सुजाता राय अमिजातः

अरिस्टोटल एंड दि गुड लाइफ़ पर चंडीगढ में 29 मार्च, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में वूमेन एंड देयर हियारिकल पॉजिशनः अरिस्टोटल, पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

रिलिजन, कल्चरल प्रैक्टिसिस एंड एन्वायरमेंट, विंटर स्कूल सीपीएच ई, यूजीसी–एचआर डीसी, दिल्ली यूनिवर्सिटी, (3 मार्च, 2016) को एक पत्र प्रस्तुत किय ।

प्रदान की गई एम–फिल/पीएचडी उपाधियां

पीएच.डी–2

एम.फिल–7

संकाय संख्या

स्थायी–17

मनोविज्ञान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियाँ

विभाग ने कला संकाय, दिल्ली यूनिवर्सिटी से अन्य विभागों यथा– डिपार्टमेंट ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज, फिलोसिफी, साइकोलॉजी, इंग्लिश, संस्कृत, अरबी और लिंग्विस्टिक के छात्रों के लिए अंतर-विषयी स्वरूप के दो पत्र आंरभ किए। शोध क्रियाकलापों में समुदाय विकास, बहुविविध तकनीक, परामर्शी सेवाएं और कौशल, न्यूरो–इमेजिंग अनुसंधान में प्रगति, बुद्धिज्म और मनोविज्ञान, भारतीय मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से स्वयं को समझना, आर्ट थेरेपी और म्यूजिक थेरेपी पर ध्यान केंद्रित रहा। यूजीसी–एसएपी/सीएएस,आईसीएसएसआर, डीएसटी–एफआईएसटी, डीआरडीओ, एआईसीटीई, एलएसआरबी, आरएंडडी, डीयू से अनुदान सहायता प्राप्त हुई। हमें वर्ष 2015 में यूजीसी–एसएपी से 44 लाख रुपए (गैर–आवर्ती–5 लाख रुपए, आवर्ती–39 लाख रुपए) का अनुमोदित अनुदान प्राप्त हुआ और उसके अंतर्गत क्रियाकलाप चल रहे हैं।

प्रकाशन

एस गंगाधरन और एस.पी.के. जेना (2016), अंडरस्टेंडिंग माइंड थ्रू इंडियन साइकोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी 3.3.11 आईएसएनएन 2348–5396 (ई)

एस.पी.के. जेना (2016), जनरलाइजेशन एंड मेंनटेंनेस ऑफ ट्रेनिंग इन बिहेवियर मॉडिफिकेशन ऑफ दि चिल्ड्रन विद स्पेशल लीड्स आरईएनओवीए, 2(1), 42–47, आईएसएसएन 2454–1710

ए. प्रकाश (2016), अज्ञेय के लेखन में व्यक्ति की अवधारणा, पुस्तकवार्त्ता, वर्धा, महाराष्ट्र: महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय

ए. प्रकाश और आर.राय (2016), करिश्मा सफोकेटिंग क्रिएटिविटी, जर्नल ऑफ लीडरशिप स्टडीज, 10(1)।

ए. प्रकाश (2016), इमोशंस एज व्हीकल टू आर्गेनाइजेशनल चेंज: लर्निंग फ्रॉम सम इंडियन नरेटिव्स। इन आर्गेनाइजेशनल स्टडीज इन इंडिया, इन (एड्स) आर.सी.त्रिपाठी और रोहित द्विवेदी, ओरिएंट ब्लैक स्वान, दिल्ली, 351–374।

ए. प्रकाश (2017), कौशल और कौशलता की अवधारणा, सृजन चिन्तन, 10, 21–29।

शिवानी विज़ और नंदिता बाबू (2016), दि एक्सप्रेशन ऑफ ग्रेटिट्यूड इन इंडियन चिल्ड्रनः ए क्वालिटेटिव इंक्वायरी। ब्रिटिश जर्नल ऑफ आर्ट्स एंड सोशल साइंसेज XXI(1), 25–33, आईएसएसएनः 2046–9578।

शोध परियोजनाएं

प्रो. एस.पी.के.जेना, डेवलपिंग रिसाइलेंस एंड एंटरप्रिन्योरशिप स्किल्स इन अंडर प्रिवेलेज्ड यूथ बिलो पावर्टी लाइन, राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ डेवलपमेंट (2016–2017) द्वारा 6, 60, 000/– रुपए का वित्तपोषण।

प्रो. नंदिता बाबू, कम्युनिटी बेस्ड इंटरवेंशन फॉर पॉजीटिव यूथ, डेवलपमेंट, राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ डेवलपमेंट (2016–2017) द्वारा 1,50,000/– रुपए का वित्तपोषण।

प्रो. एस.पी.के.जेना, ए लांगिट्यूडनल स्टडी ऑफ पोस्ट ट्रूमेटिक स्ट्रेस, रिसाइलेंसी एंड अडेप्टेशन ऑफ चिल्ड्रन एक्पोज्ड टू ट्रूमेटिक स्ट्रेस एंड देयर रेस्पांस टू कॉजिनिटिव–बिहेवियरल ट्रीटमेंट, डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजी (2016–2017) द्वारा यूजीसी–एसएपी के तहत प्रथम चरण में 40,000/– रुपए का वित्तपोषण।

डॉ. अविनाश कुमार, असेसमेंट एंड इंटरवेंशन फॉर दि फैक्टर्स रिलेटिड टू जॉब सेटिसफेक्शन, ऑक्यूपेशनल स्ट्रेस, बर्नआउट, वर्क मोटिवेशन एंड कैपिसिटी बिल्डिंग इन स्कूल टीचर्स, डिपाटमेंट ऑफ साइकोलॉजी (2016–2017) द्वारा यूजीसी–एसएपी के तहत प्रथम चरण में 40, 000/– रुपए का वित्तपोषण।

डॉ. निधि प्रकाश, ट्रेनिंग इनीशिएटिव एंड इट्स इफेक्टिवनेस इन कम्युनिटी कपेसिटी बिल्डिंग, डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजी (2016–2017) द्वारा यूजीसी–एसएपी के तहत प्रथम चरण में 40,000/– रुपए का वित्तपोषण।

आयोजित की गई संगोष्ठियाँ

डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजी, दिल्ली यूनिवर्सिटी, द्वारा 9–10 मार्च, 2017 को 'इमर्जिंग फार्म्स ऑफ वलनरएबिलिटीज; डॉयलाग्स, डिस्कोर्स एंड डिवेट्स संबंधी राष्ट्रीय संगोष्ठी, संयोजक–प्रो. एन. बाबू।

7–8 मार्च, 2017 को 'एडवांस रिसर्च मैथड्सः चैलेंजिज ऑफ क्वालिटेटिव रिसर्च; एंड एप्लाइड बिहेवियर एनालिसिस एंड इंटरवेंशन इन ह्यूमन डेवलपमेंट पर दो–दिवसीय संगोष्ठी–पूर्व कार्यशाला।

संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लिया

प्रो. एस.पी.के.जेनाः

लाइफस्पैन डेवलपमेंटः करंट अंडरस्टेंडिंग एंड इमर्जिंग ट्रंड्स, नेशनल सेमिनार ऑन साइकोलॉजिकल सांइसेजः करंट पर्सपेक्टिव्स एंड इमर्जिंग एवेन्यूज ऑफ प्रैक्टिस, ट्रेनिंग एंड रिसर्च, डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजिकल साइंस, नार्थ बिहार सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी, पटना 24–26 मार्च, 2017।

न्यूरो साइकोलॉजी एग्जिस्टिंग प्रैक्टिसिज; नीड्स, प्रायरोरिटीज एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स, नेशनल सेमिनार ऑन साइकोलॉजिकल साइंसेजः करंट पर्सपेक्टिव्स एंड इमर्जिंग एवेन्यूज ऑफ प्रैक्टिस, ट्रेनिंग एंड रिसर्च, नार्थ बिहार सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी, पटना 24–26 मार्च, 2017।

डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, जाधवपुर यूनिवर्सिटी, जाधवपुर में 17–23 जनवरी, 2017 को 'पेरेन्टल इनवाल्व–मेंट इन दि एजुकेशन एंड रिहेबिलिटेशन ऑफ चिल्ड्न विद स्पेशल नीड्स पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी–सह–कार्यशाला में मुख्य वक्ता और विषय विशेषज्ञ।

22–23 मार्च, 2017 को 'क्वालिटेटिव रिसर्च मैथड्स' पर सम्मेलन–पूर्व कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ। साइकोलॉजिकल सांइसेजः करंट पर्सपेक्टिव्स एंड इमर्जिंग एवेन्यूज ऑफ प्रैक्टिस, ट्रेनिंग एंड रिसर्च पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 24–26 मार्च, 2017, डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजिकल साइंस, नार्थ बिहार सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी, पटना।

प्रो. ए. प्रकाशः

डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजी, लखनऊ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, में 9–11 मार्च, 2016 को क्वालिटेटिव रिसर्च पर तीन–दिवसीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ।

डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजी, गुवाहटी यूनिवर्सिटी, गुवाहटी में 30–31 मई, 2016 को संकाय सदस्यों के लिए क्वालिटेटिव रिसर्च पर दो–दिवसीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ।

संकाय संख्या

स्थायी (साउथ कैम्पस)–1

स्थायी (नार्थ कैम्पस)–6

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

मनोविज्ञान विभाग एम.ए. मनोविज्ञान, एम.ए. अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान और पीएचडी, मनोविज्ञान पाठ्यक्रम की शिक्षा प्रदान करता है। विभाग के दो एकक हैं–नार्थ कैम्पस में मनोविज्ञान एकक, तथा साउथ कैम्पस में

अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान एकक। नार्थ और साउथ दोनों कैम्पस में एम.ए. प्रोग्राम तथा पीएचडी प्रोग्राम में छात्रों की कुल संख्या क्रमशः 138 और 38 है।

पंजाबी

प्रमुख कियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने अकादमिक सत्र 2016–2017 के दौरान राष्ट्रीय सेमिनार, मेमोरियल लेक्चर और विशेष व्याख्यान इत्यादि का सफल आयोजन किया। अनुसंधान उन्मुख अध्ययन की ओर अग्रसर रहते हुए हमारे संकाय के सदस्यों ने सक्रिय रूप से सेमिनार/सम्मेलन/व्याख्यान/ रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया, जिनका आयोजन अन्य अकादमिक संस्थानों और सहित्यिक संस्थानों द्वारा किया गया। दिल्ली स्कूल ऑफ पंजाबी क्रिटिसिज्म का मुख्य केन्द्र होने की विरासत के कारण विभाग द्वारा बदलते समय के साथ चलने के लिए राष्ट्रीय सेमिनार/संगोष्ठियों, विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया गया। विभाग द्वारा विचारकों, लेखकों और अध्यापकों तथा बुद्धिजीवियों के बीच विचार–विमर्श के मंच ने यह सुनिश्चित किया कि विभाग पंजाबी साहित्य के दशकों में हो रहे परिवर्तनों के साथ चल सके।

प्रकाशन

पुस्तकें

जे. कौर, (2017)। डायसपोराः साहित्यिक प्रवचन, दिल्ली, दिल्लीः आरसी पब्लिशर्स

जे. कौर एंड एम सिंह (2017) रविन्द्र रवि रचित काव्य–संग्रह अपने खिलाफ, दिल्ली, दिल्लीः नेशनल पब्लिशर्स

जे. कौर एंड एम. सिंह एंड एच सिंह (2017)ः नैतिकताः सहित्यिक प्रवचन, दिल्ली, दिल्लीः मनप्रीत प्रकाशन

आर. कुमार (टी आर)(2016). अह गली विकाऊ नहीं (ट्रांसलेटर) (एन. पार्थासाथी द्वारा हिन्दी से पंजाबी में अनुदित साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत तमिल नोवल समुदाया विथी) दिल्ली, दिल्लीः साहित्य अकादमी

एम. सिंह (2017) नैतिकताः साहित्यिक प्रवचन (ईडी) दिल्ली, दिल्लीः मनप्रीत प्रकाशन

एम. सिंह (2017), डा. गुरूचरण सिंह दा मध्यकालीन साहित्य चिंतन (ईडी) दिल्ली, दिल्लीः आरसी पब्लिशर्स

एन. सिंह एंड एस कौर (2017), काम्पैक्ट इंगलिश–इंगलिश–पंजाबी डिक्शनरी, दिल्ली, दिल्लीः आक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रेस

आर सिंह (2017) स्वच्छता दी कहानी, दादी दी जुबानी (4 अंक), पब्लिकेशन डिविजन, भारत सरकार

लेख

जे कौर (2016). शबद/कविता/क्रांति, सुरिन्दर धंजाल दी कविता, दि लत द जश्न, भूपिन्दर धालीवाल (ईडी), सांझ प्रकाशन, जालंधर, पंजाब, पी पी 154–163

आर कुमार (2016). (जनवरी–मार्च, 2017) इक्कीसवीं सदी विच पंजाबियत दे सन्मुख चुनौतियां दे संभावी हाल, शब्द (कला और संस्कृति की एक अंतराष्ट्रीय साहित्यिक तिमाही पत्रिका) 77, 53–58

आर कुमार (2016). तनाज, त्रासदी, हौसले अते संघर्ष दी गाथाः लये होए, पवनप्रिंडा दा कलमी सफर, पुलंग प्रकाशन, बरनाला (टवेन्टी फर्स्ट सेंचुरी पब्लिकेशन्स, पटियाला के सहयोग से) पी पी. 145–153

आर कुमार (अक्तुबर– दिसम्बर 2016). कहानीकार दियोल दी कथा दृष्टि अते पंजाबी साहित सभ्याचार, प्रतिमान, 51, 40–42

आर कुमार (अक्टूबर– दिसम्बर 2016) पंजाबी भाषा, साहित अते सभ्यचारःवर्तमान अते भविख कहानीधारा 43,102–106

आर कुमार (अक्टूबर– दिसम्बर 2016) हरचरण सिंह दी कथा दृष्टि, आबरू, अंक (10–12), पृष्ठ संख्या 84–87

बी. सिंह (जुलाई– दिसम्बर 2016) अल्लाह, संवाद ,04, 49–54

बी. सिंह (2016) जे ओह हुन्दी (कहानी), सिरजना, 136,47, आईएसएसएन : 23951273

वाई सिंह (2016), हकः सुखम हिंसा दा इतिहासिक वृतांत, (पी पी 332–336), स्वराजबीर दा नात जगत (एड), डा. हरजोध सिंह, चेतना प्रकाशन, लुधियाना

वाई सिंह, पंजाब दे बौद्धिक प्रवचन दी निशानदेही, डेली पंजाबी ट्रिबयून, चण्डीगढ़, 12 मार्च, 2017

पत्रिका के लेख

वाई सिंह (2016), पंजाबी साहित के मौलिक काव्य–शास्त्रः पूरबवादी परिप्रेक्ष्य (पीपी178–187), संवाद खालसा कालेज अमृतसर, अंक 4. जुलाई–दिसम्बर, 2016

वाई सिंह (2016) पंजाबः हिंसा दी सियासत, (पीपी. 11–16), फिलहाल, अंक 26–27

शोध परियोजनाएं

प्रोफेसर रवेल सिंह, ट्रांसलेशन ऑफ नोवेल, वाराणसी– एम टी वासुदेवन नायर द्वारा एक उत्कृष्ट नावल, साहित्य अकादमी, दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (जारी)

प्रोफेसर मंजीत सिंह, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा वित्त पोषित मोनोग्राफ आन वर्ल्ड नोन सेमियोटेशन एण्ड फेमिनिस्ट थिंकर जूलिया क्रिस्टेवा (जारी)

डॉ. रवीन्द्र कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर) रिसर्च प्रोजेक्ट आन एन्टोनियो ग्राम्सी अन्डर वेस्टर्न थिंकर सीरिज़ पंजाबी अकादमी, दिल्ली सरकार, दिल्ली द्वारा वित्त पोशित (जारी)

डॉ. कुलवीर गोजरा (एसोसिएट प्रोफेसर) आधुनिक पंजाबी कविताः विचारात्मक पदत दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (जारी)

डॉ. नछत्तर सिंह (एसिस्टेंट प्रोफेसर) डिमार्टमेंट आफ लिटररी स्टडीज़, पंजाबी विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित (जारी)

आयोजित सेमिनार

मल्टीकल्चरिज्मः आईडेंटिटी एण्ड क्राईसिस (पंजाबी भाषा, संस्कृति और साहित्य), विषय पर एक दो दिवसीय सेमिनार साहित्य अकादमी, दिल्ली के सहयोग से 22–23 सितम्बर, 2016 को आयोजित किया गया।

प्रख्यात कवि और कलाकर श्री देवोन द्वारा 23 जनवरी 2017 को दोहरी प्रतिभाः संशय ते सरोका विषय पर प्रोफेसर हरभजन सिंह मेमोरियल व्याख्यान दिया गया

प्रख्यात कवि प्रोफेसर विश्वनाथ प्रसाद तिवारियन द्वारा 20 फरवरी 2017 भाषा समाज और लेखन विषय पर प्रोफेसर एस एस नूर मेमोरियल व्याख्यान दिया गया।

सेमीनार / सम्मेलन प्रस्तुतीकरण

7–9 दिसम्बर 2016 को पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला में बाला, रजनी, शोधपत्र, देशवंद बारे निजी अनुभव दी वृतांतकारी (पंजाबी स्वजीवनी दी हवेलियां) एक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विश्वव्यापी साहित्य सम्मेलन आयोजित किया गया।

कुलवीर गोजराः

7–9 दिसम्बर 2016 को पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला में हुए तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पंजाबी सफरनामा विच अमरीका दे बिम्ब दी निर्माणकारी पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कुलवीर गोजरा ने 3 फरवरी 2017 को डी ए वी कालेज नानिऑला (अंबाला) हरियाणा में 21 वी सदी दा पंजीबी साहित्य– दलित परिप्रेक्ष्य पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार में 21 वीं सदी दी पंजाबी कविता–दलित परिप्रेक्ष्य पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

जसपाल कौरः

22–23 सितम्बर 2016 को साहित्य अकादमी और पंजाबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा बहु संस्कृतवाद पर हुए गए राष्ट्रीय सेमीनार में प्रवासी पंजाबी कविता–बहुसश्यचारक परछाईयां पर एक लेख प्रस्तुत किया।

सितम्बर 2016 को पंजाबी अकादमी दिल्ली द्वारा डा. हरभजन सिंह –जीवन ते रचना पर एक राष्ट्रीय सेमीनार में 'रूख ते ऋषि– अद्धेत दा प्रवचन' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

1 मार्च 2017 को माता सुंदरी कालेज, करनाल, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा गुरू गोबिंद सिंह के व्यक्तित्व पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में जफरनामाः राजनीतिक अतः धार्मिक परिप्रेक्ष्य पर एक लेख प्रस्तुत किया।

मार्च 2017 को गुरू नानक देव खालसा कालेज, देवनगर द्वारा भुमण्डलीय परिप्रेक्ष्य में मानव की पहचान और गुरू गोविंद सिंह पर आयोजित एक राष्ट्रीय सेमीनार में जफरनामा–मानवी पहचान दा प्रवचन पर एक लेख प्रस्तुत किया।

मार्च 2017 को दयाल सिंह कालेज सांध्य, दिल्ली विश्वविद्यालय और उर्दू और पंजाबी भाषा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जफरनामे दी संभाविकता पर एक लेख प्रस्तुत किया।

रवीन्द्र कुमार–

28–29 अप्रैल 2016 को साहित्य अकादमी (नेशनल अकेडमी ऑफ लैटर्स) और दशमेश गर्ल्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बादल (मुक्तसर) द्वारा बादल में आयोजित पंजाबी सभ्यचार दे सम्मुख चुनौतियां शीर्षक पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार में एक शोध पर समन्वित और प्रस्तुत किया।

7 मई 2016 को भाई वीर सिंह साहित्य सदन में पंजाबी विभाग कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र द्वारा अन्होईयां नूं होईयां विच तबदील करन दी ख्वाहिश– गरदयाल सिंह दा कथा जगत विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय सेमीनार में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

11 मार्च 2017 को आर्य कन्या महाविद्यालय, शाहबाद मरकण्डा द्वारा आयोजित और हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी द्वारा प्रायोजित शाहबाद मरकंडा– समकाली पंजाबी कहानी– वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर एक राष्ट्रीय सेमीनार में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

22–23 मार्च 2017 को सुखानंद (मोगा) में साहित्य अकादमी (नेशनल अकेडमी ऑफ लैटर्स), नई दिल्ली और पंजाबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से संत बाबा भाग सिंह मेमारियल गर्ल्स कॉलेज, सुखानंद (मोगा) द्वारा पंजाबीयत– वर्तमान अतः भविख पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में मुख्य भाषण दिया।

27–28 मार्च 2017 को नई दिल्ली में पंजाबी विभाग, दयाल सिंह इवनिंग कालेज नई दिल्ली और राष्ट्रीय उर्दू भाषा प्रोन्नयन परिषद द्वारा भारत– दिल्ली, उर्दू और पंजाबी के बीच भाषायी एवं सांस्कृतिक संबंध पर एक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार के एक सत्र की अध्यक्षता की।

मंजीत सिंहः

9 अप्रैल को पंजाबी अकादमी, दिल्ली के सहयोग से दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित डॉ. एस एस वंजारा बेदी मैमोरियल व्याख्यान।

11 अप्रैल 2016 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पंजाब) में प्रो. हरभजन सिंह मैमोरियल व्याख्यान।

22 जुलाई 2016 को भाई वीर सिंह साहित्य सदन, नई दिल्ली में पंजाबी अकादमी, दिल्ली द्वारा ईश्वर चितरकश जीवंत रचना पर आयोजित एक चर्चा की अध्यक्षता की।

भाई वीर सिंह साहित्य सदन, नई दिल्ली में पंजाबी अकादमी, दिल्ली द्वारा पंजाबी पत्रों के कथा लेखक एवं कवि– दियोल के व्यक्तित्व और साहित्यिक रचनाओं पर आयोजित एक चर्चा की अध्यक्षता की।

1 अक्तूबर, 2016 को भाई वीर सिंह साहिन्य सदन में पंजाबी अकादमी द्वारा प्रख्यात कवि और सहित्यिक विचारक प्रो. हरभजन सिंह के साहित्यिक योगदान पर एक व्यक्तित्व आधारित सेमीनार के व्यवसायिक सत्र की अध्यक्षता की।

17 सितम्बर, 2016 को माता सुंदरी कॉलेज द्वारा गुरू गोविन्द सिंह जी के योगदान पर आयोजित एक राष्ट्रीय सेमीनार में एक लेख गुरू गोविन्द सिंह जी कालन समदर्शिता दा मॉडल प्रस्तुत किया।

1 मार्च 2017 को हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी के सहयोग से माता सुंदरी गर्ल्स कॉलेज निसिंग, करनाल (हरियाणा) द्वारा गुरू गोविन्द सिंह जी–जीवन अते विचारधारा पर एक राष्ट्रीय सेमीनार में मुख्य भाषण

3 मार्च 2017 को सत्यवती कॉलेज (एम) दिल्ली के सहयोग से एन सी पी एस एल द्वारा 'सूफीज्म– द रोड टू सेल्फ रिएलाइजेशन' पर आयोजित एक राष्ट्रीय सेमीनार में एक लेख 'पोलिटिकल अनकांशियस ऑफ पंजाबी सूफी पोएट बुल्ले शाह' प्रस्तुत किया।

नछत्तर सिंहः

22 अप्रैल 2016 को संत बाबा भाग सिंह मेमोरियल कॉलेज, सुखानंद (मोगा) द्वारा पंजाबी भाषा, साहित्य ते सभ्यचार– नव परिप्रेक्ष्य पर एक राष्ट्रीय सेमीनार में शोध पत्र 'नवी पंजाबी गायिकी की भाषाः नव परिप्रेक्ष्य।

24 जनवरी 2017 को डिपार्टमेंट ऑफ सिख स्टडीज़, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के सहयोग से साहित्य अकादमी (नेशनल अकेडमी ऑफ लैटर्स) द्वारा पंजाबी ग्रामर–थ्योरी एण्ड प्रेक्टिस पर आयोजित संगोष्ठी में शोध पत्र प्रेक्टिस ऑफ पंजाबी ग्रामर प्रस्तुत किया।

27–28 फरवरी 2017 को डिपार्टमेंट ऑफ लिंग्विस्टिक (सेन्टर फॉर एडवांस्ड स्टडीज़ इन लिंग्विस्टिक) द्वारा विदेशी भाषा के रूप में हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के अध्यापन एवं भाषा विज्ञान पर आयोजित संगोष्ठी मे शोध पत्र 'दूसरी भाषा के रूप में पंजाबी का अध्यापन' प्रस्तुत किया।

22 मार्च 2017 को स्कूल ऑफ पंजाबी स्टडीज़, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा पंजाबी भाषा अते भाषा विज्ञान– चुनौतियां अते संभावनाओं पर आयोजित सम्मेलन में शोध पत्र भाषा अते भाषा विज्ञान– चुनौतियां अते संभावनावां(फोरेंसिक भाषा विज्ञान दे विशेष संदर्भ विच)

28–29 अप्रैल 2016 को दशमेश गर्ल्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में हुए राष्ट्रीय सेमीनार में रवैल सिंह शोध पत्र

यादवेन्द्र सिंहः

22–23 सितंबर 2016 को पंजाबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में बहु–संस्कृति और पंजाबी साहित्य पर राष्ट्रीय सेमीनार में शोध पत्र 'बोल मर्दानियां–कैनाती जशन दा तसस्वुर।

नवंबर 2016 में गुरू गोविन्द सिंह खालसा कॉलेज, चण्डीगढ़ में आयोजित एक राष्ट्रीय सेमीनार में शोध पत्र बोल मर्दानियां–पूरबवादी काव्यशास्त्र दी तलाश।

5–6 दिसंबर 2016 को गुरू ग्रंथ साहिब सटडीज़ डिपार्टमेंट, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा हरमिन्यूटिक्स ऑफ गुरू ग्रंथ साहिब पर एक राष्ट्रीय सेमीनार में शोध पत्र 'प्रो. पूर्ण सिंहःब्रामण्डी जश्न दा कैनाती जश्न'

अन्य अंतर–संस्थानिक सहयोग

साहित्य अकादमी, दिल्ली और एस एस नूर फाउंडेशन, दिल्ली

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

संकाय और छात्र नियमित रूप से पंजाबी लिटरेरी फार्म, भाई वीर सिंह साहित्य सदन, नई दिल्ली में हर महीने तीसरे शनिवार को होने वाली पुस्तक चर्चाओं में भाग लेते हैं।

पुरस्कृत पीएच.डी. और एम.फिल.
पीएच.डी.–06
एम.फिल.– 21
संकाय के सदस्यों की संख्या
स्थायी –9
अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
पंजाबी विभाग एम. ए., एम.फिल., पीएच.डी., सर्टिफिकेट तथा डिप्लोमा कार्यक्रमों के छात्रों हेतु पाठ्यक्रम संचालित करता है।

संस्कृत

प्रमुख कियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग की प्रमुख गतिविधियों में 70 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेमिनारः 'श्री इन्द्रा विद्यावाचस्पति संस्कृत इलोक्यूशन कम्पीटिशन; द लिंग्विस्टिक स्पेकुलेशन इन इंडियन ट्रेडिशन्स' पर राष्ट्रीय सेमीनार; डिपार्टमेंट ऑफ अफ्रिकन स्टडीज़ तथा आई सी सी आर के साथ सहयोग; विद्यमान विश्वविद्यालय प्रणाली में संस्कृत शास्त्र अध्ययन पर राष्ट्रीय सेमीनार; और सत्यकाम भवन, सोशल साईंस एक्सटेंशन बिल्डिंग में 8 अप्रैल 2016 को पारंपरिक नववर्ष विक्रमसंवतसर – 2073 को मनाने संबंधी आयोजन शामिल हैं।

सम्मान/विशिष्टियां

डॉ. रंजन कुमार त्रिपाठी ने अखिल भारतीय विदवत परिषद, वाराणसी द्वारा 2016 में एक युवा प्रतिभा विदवत अलंकरण पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. रंजन कुमार त्रिपाठी ने विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, 2016 में विक्रम– कालिदास पुरस्कार (मध्य प्रदेश सरकार) प्राप्त किया।

प्रकाशन
करूणा आर्य 2017, श्वेताश्वतर उपनिषद का वृत्तवाद चिंतन, वेद–वेदांत तथा वेदांग ज्योतिष, परिमल प्रकाशन, दिल्ली, पी पी, 95–101
करूणा आर्य (जनवरी से मार्च 2016) अग्निपुराण वर्णाक्रम व्यवस्था, अनविक्षकी, 4 – पी पी, 108–113
करूणा आर्य 2017 भानुदया विलास एक समीक्षा, विलास काव्य संग्रह, परिमल प्रकाशन, पी पी 50–55

करूणा आर्य जनवरी से जून 2017, ऋगवेद के सूकत (3/61) उशास के आधार पर विशेषण शब्दों का व्युत्पत्ति मूलक अध्ययन , शोध नवनीत, पी पी 108–113

करूणा आर्य अक्टूबर से दिसंबर 2016, वेद संरक्षण के उपाय, वाकसूधा, 2 पी पी 7–10
करूणा आर्य 2017, ज्योतिष में नक्षत्र आदि का शुभाशुभात्वा तथा वॉर, रशियन– वैदाशिकोन की थे, वेद–

वेदांत तथा वेदांग ज्योतिष, परिमल प्रकाशन, दिल्ली, पी पी 237–250
रंजीत बेहरा (2016), संस्कृत साहित्य का इतिहास, टीम मेंबर, एन सी ई आर टी, नई दिल्ली
रंजीत बेहरा (2016),उवात्तचर्चासा वेदव्याख्यापेधितिय पवभनी, गुरूकुल प्रभात आश्रम, मेरठ, 2016

रंजीत बेहरा (जनवरी दृ फरवरी 2017), वेदभाष्यपरमपरायम उत्चार्यासा योगादनम, हरिप्रभा (हरियाणा संस्कृत अकादमी) अंक – 14/1–2, पी पी 11– 15

रंजीत बेहरा (जुलाई– दिसम्बर 2016), वेदिकाव्यमचे रूद्रासाया स्वरूपम, वेदिता वेग ज्याति, (गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय) अंक दृ 4/7, पी पी 132 – 137
रंजीत बेहरा (अक्टूबर– दिसम्बर 2016), वैदिकवनमय कृषिविजनम वक्सुधा, अंक– ½ पी पी 149–152
एस चन्द्रा (2017) नोलेज रिप्रिजेन्टेशन फोर संस्कृत वर्ब आरग्युमैंट बेलेंन्स आथेन्टिकेशनः एन ऑन्टोलोजिकल अप्रोच (प्रथम संस्करण) सारब्रूकेन, जर्मनीः स्कालर्स प्रेस

एस चन्द्रा (2017) मशीनी अनुवाद, यू जी सी, सी बी सी एस स्कीम के तहत बी ए (संस्कृत) के एईईसी–3 के पाठ्यक्रम पर आधारित (प्रथम संस्करण), नई दिल्ली, दिल्ली, विद्यानिधि प्रकाशन

एस तथा ए चन्द्रा (2017) पुराणिक सर्चः एन इंस्टेंट सर्च सिस्टम फार पुरानास, लेग्वेज इन इंडिया 17 (5), 324–329
http://languageindia.com/may2017/subashchandrapauranicsearchfinal.pdf से प्राप्त।

एस चन्द्रा, बी कुमार, वी कुमार तथा एस कुमार (28 मई 2017), लैक्सिकल रिसोर्सेज फॉर डिटेक्शन, एनालिसित एण्ड वर्ड फोर्मेशन प्रोसेस फॉर संस्कृत मोर्फोलॉजी। इंडियल लैंग्वेज डाटाः रिसोर्स एण्ड इवेल्यूएशन अन्डर टेंथ एडिशन ऑफ इट्स लैग्वेज रिसोर्स एण्ड इवेल्यूएशन कांफ्रेस (एल आर ई सी 2015) http://lrec2016.lrec-conf.org/en 27 जुलाई 2017 से प्राप्त।
एस चन्द्रा, बी कुमार, वी कुमार तथा एस कुमार (2017), एक्यूट स्पोरेडिक इंगलिश इन बॉलीवुड फिल्म सांग्स लिरिक्सः ए टैक्चुअल बेस्ड एनालिसिस ऑफ कोड मिक्सिग इन हिन्दी लैंग्वेज इन इंडिया 16 (11) 25–34. http://languageindia.com/nov2016/bollywoodhinglishsongs1.pdf 27 जुलाई 2017 से प्राप्त

एस चन्द्रा, बी कुमार, वी कुमार तथा एस कुमार (2017), लघु सिद्धान्त आधारित कम्प्यूटरकृत सुबन्तरूप सिद्धि प्रक्रिया (प्रथम संसकरण) नई दिल्ली, दिल्ली, विद्यानिधि प्रकाशन

एस चन्द्रा, बी कुमार, वी कुमार तथा एस कुमार (2017), इनोवेटिव टीचिंग एण्ड लर्निंग आफ संस्कृत ग्रामर थ्रू स्वागतम, लैंग्वेज इन इंडिया 17(1), 278 – 291।
http://languageindia.com/jan2017/subashswagatam.pdf 27 जुलाई 2017 से प्राप्त

डॉ. वेद प्रकाश डिन्डोरिया (अगस्त 2016), सम्वाकारा में चंदोयोजना। ग्लोबल थॉट, ईयर–1, इशु–1, (पेज 145–147), आई एस एस एन 2456–0898
विजय शंकर द्विवेदी और रंजन कुमार त्रिपाठी (2016) श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित कर्तव्यों की वर्तमान

प्रासंगिकता। श्रीमदभागवत गीता में कर्मयोग एवं आधुनिक भारतीय समाज, कानपुर साहित्य निलय नौबस्ता, कानपुर, पी पी 48–53

विजय शंकर द्विवेदी (2016) अर्थवेद में मानवाधिकार की आदर्श सुरक्षा। संस्कृत वांगमयी मानवाधिकारा, वाराणसी, युगान्तर प्रकाशन, पी पी 169–173

विजय शंकर द्विवेदी (2016), अर्थवेदय दामपत्य जीवन की वर्तमान प्रासंगगिकता। वानमयम, इलाहबाद। त्रिवेणिका संस्कृत परिषद, पी पी 40–43

विजय शंकर द्विवेदी (2016), वर्तमान समस्याओं का वैदिक समाधान। नेशन बिल्डिंग थ्रू हाईयर एजुकेशन, सेन्टर फॉर प्रोफेशनल डेवलेपमेंट इन हाइयर एजुकेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली। नई दिल्ली पब्लिशर्स, दिल्ली, पी पी 209– 214

विजय शंकर द्विवेदी (2017), वेदों में वर्णित सुकृत की वर्तमान प्रासंगगिकता। नैतिकता से आध्यात्मिकता की ओर साहित्य एवं धर्म, वाराणसी। युगान्तर प्रकाशन, पी पी 28– 33

आर के मीणा और एस चन्द्रा (2017) संस्कृत छंद प्रवेशिकाः यू जी सी, सी बी सी एस स्कीम के अंतर्गत बी ए (आनर्स/ पास) संस्कृत के पाठयक्रम ए ई ई सी दृ 5 तथा जी ई –3 हेतु पाठ्यपुस्तक (प्रथम संस्करण)। नई दिल्ली, दिल्ली : मुंशीलाल मनोहर लाल प्राइवेट लिमिटिड

भारतेन्दु पाण्डे (2016) वालमीकेर्वर्षावर्णनम, साहित्यामृतम, मेरठ अंक– 7, वर्ष 2016

भारतेन्दु पाण्डे (2017) शास्त्रवातायनम यश प्रकाशन, दिल्ली, 2017

राजीव रंजन (2016) महुरत शास्त्र में भद्रा विकारा, त्रिपथग अंक 3, 34 दृ 38

राजीव रंजन (2016), सूर्य सिद्धान्तः का विशिष्ट संदर्भ और नव विधा कला माना, वेद ज्योतिषमती अंक 9, 18–22

राजीव रंजन (2016), राजनीति में सफलता मेम सफलता और ज्योतिष शास्त्र । शोध नवनीत, अंक 6, 6 दृ 11

राजीव रंजन (2016), समृद्धि और दरिद्रता के ज्योतिषीय सूत्र। फयूचर समाचार (आई एस एस एन–2278–7941) पृष्ठ 39–41

राजीव रंजन (2016), सूर्य सिद्धान्त के मध्यम अधिकार मेम प्रतिपदिता युगा–विसायाका अवधारणा। शोध नवनीत अंक 7, 16–21

राजीव रंजन (2016),विवाहिका विघटना के विविध आयाम और ज्योतिषासशास्त्रय संदर्भ। फयूचर समाचार (आई एस एस एन–2278–7941) पृष्ठ 39–40

एस और एस चन्द्रा (2017) संस्कृत तदिथा एण्ड इंगलिश सुफिक्सेज–ए प्राईमरी इंवेस्टीगेशन लैंग्वेज इन इंडिया, 17(5), 296 – 302 http://languageindia.com/may2017/sakshitaddhita.pdf मई 2017 से प्राप्त

उमा शंकर (2016) इवोल्युशन आफ एजुकेशन सिस्टम इन भारत (संस्कृत साहित्य एवं राष्ट्र की संकल्पना), आई एस बी एन–978–93–85503–46–7, सी पी डी एच ई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

उमा शंकर (2016) विलास काव्य संग्रह (जयपुर– विलास का वास्तुशास्त्र विविचन) आई एस बी एन–978–93–83559–61–9, मान्यता प्रकाशन, दिल्ली, भारत

बलराम शुक्ला (2016) चित्रनैषधम, (द पिच्चरैस्क टेल्स ऑफ किंग नला), निर्माया पब्लिशिंग सर्विसेज़ प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई।

बलराम शुक्ला (2016) सूफियों की समा में श्याम रंग, तस्फिहा–सूफिज्म और इस्लामिक अध्ययन के एक द्वि–वार्षिक बहु–भाषी अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, जनवरी– जून – 2016 अंक, पी पी 330–348

बलराम शुक्ला (2016) व्याकरणिक कोटियों का अभिनवकृत दार्शनिक उपयोग, भाषा, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली (अंक 268) पी पी 121–134

बलराम शुक्ला (2016) शाम्भव्याः कथ्यं शिल्पं च, प्रोफेसर हंसाबेन हिंडोचा का अंक, प्रो. मनिभाई प्रजापति द्वारा सम्पादित, पी पी 214–226

बलराम शुक्ला (2016) सहृदय शास्त्र, गवेषणा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, संख्या 108/2016 पी पी 229–237

बलराम शुक्ला (2016) मेहर ओ नाहिद– द इरानियन हिस्टोरिकल रिसर्च क्वाटर्ली। संख्या 22 पी पी 11–17

बलराम शुक्ला (2016) रूमी एण्ड क्रिएटिव रेंडरिंग आफ पंचतंत्र टेल्स

बलराम शुक्ला (2016) 7 लेसन्स रिगार्डिंग इंडियन पोएटिक्स, ई–पीजी, पाठशाला, यू जी http://epgp.inflibnet.ac.in/ahl.php?csrno=18

बलराम शुक्ला (2016) अपोहस्तदपोहनं च, कश्मीरशैवबौद्धदर्शनमीमांसा, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठम, दिल्ली। पी पी 190–196

बलराम शुक्ला (2016) आदिकाव्य का जीवन दर्शन सम्बोधि– सम्बोधि, इंडोलॉजीकल रिसर्च जर्नल आफ एल डी इंस्टीट्यूट, अहमदाबाद (vol XXXVII-2015) पी पी 122 – 131

अवधेश प्रताप सिंह (2016) अद्वैत वेदान्तों में शिक्षण पद्धति, दिल्ली सी पी डी एच ई , दिल्ली विश्वविद्यालय, पी पी 28–33

अवधेश प्रताप सिंह (2016) डॉक्ट्रिन ऑफ ख्यातिवाद इन इंडियन फिलोसोफी, वाराणसी, त्रिपथगा, दिल्ली पी पी 209–214

अवधेश प्रताप सिंह (2017) अद्वैत वेदान्त का आचार दर्शन, वाराणसी, युगान्तर प्रकाशन, पी पी 169–173

अवधेश प्रताप सिंह (2017) मंडूक उपनिषद में वेदान्त तत्व, दिल्ली परिमल प्रकाशन, पी पी 40–43

डॉ. सत्यपाल सिंह (जून 2016) रूपावतारा इवा लघुसिद्धा नटाकामुंडी के संधिप्रकरानोम मेम सोधाप्रजना, उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, हरिद्वार उत्तराखण्ड, वर्षा– तृतीया, अंका : द्वितीय, पी पी 212–215: उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, हरिद्वार उत्तराखण्ड, आई एस बी एन.2347–9892, 2016

डी एस तिवारी (2015 – 2016)आर्यभट्ट का गणित और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में योगदानः माडर्न पर्सपेक्टिव इन इंडोलॉजिका टौरीरेशिया, टोरिनो, इटली अंक 41–42, पी पी 149–162, आई एस एस एन 1023–3881

डी एस तिवारी (अप्रैल – जून 2016) मेडिकल साइंस इन अथर्ववेदा, संस्कृत मंजरी, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली, अंक 04 संस्करण 02, पी पी 114–118 आई एस एस एन :2278–8360

डी एस तिवारी (अगस्त 2016) मैथमेटिक्स इन एंशिएंट संस्कृत टेक्स्ट, ग्लोबल थॉट, अंक 01, खण्ड01, पी पी 127–130 आई एस एस एन 2456–0898

डी एस तिवारी (फरवरी 2017) रंगमंच की दृष्टि से सहित्य दर्पण में वर्णित नायक–नायिका के भेदोपभेदों की प्रासंगगिकता : आधुनिक परिप्रेक्ष्य, ग्लोबल थॉट, नई दिल्ली, अंक03, पी पी 2–11, आई एस एस एन 2456–0898

डी एस तिवारी (जनवरी 2017) इम्पैक्ट ऑफ आर्किटेक्चरल साइंस एण्ड इट्स मेंटेनेंस्, पाटलीपुत्र जर्नल ऑफ इण्डोलॉजी, अंक 08, आरा, पी पी 112–117 आई एस एस एन 2320–351X

डी एस तिवारी (2016) इकोलॉजीकल अवेयरनेस इन द वेदास, पाटलीपुत्र जर्नल ऑफ इण्डोलॉजी, अंक 07, खण्ड 1, पी पी 01–10 आई एस एस एन 2320–351X

डी एस तिवारी (मई– जुलाई 2016) वैदिक वांगमय में पर्यावरण विज्ञान– आधुनिक परिप्रेक्ष्य, वाकसुधा, अंक 01, खण्ड 02, पी पी 34–36 आई एस एस एन 2347–6605

डी एस तिवारी (अक्टूबर–दिसम्बर 2016)ऋषि तत्व में वैज्ञानिक दृष्टिकोणः महर्षिकुलवैभवम एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य, वाकसुधा अंक 02, खण्ड 04, पी पी 64–66 आई एस एस एन 2347–6605

डी एस तिवारी (सितंबर – अक्टूबर 2016) अभिनवगुप्त की दृष्टि में रस एवं शिवतत्व भाषा, अंक 268, खण्ड 03, पी पी 101–107 आई एस एस एन– 0523–1418

डी एस तिवारी और ताहिर अली (जनवरी –मार्च 2017) वर्तमान विश्व में दारा शिकोह की प्रासंगिकता, वाकसुधा, नई दिल्ली, अंक 03, पी पी 28–33 आई एस एस एन 2347–6605

डी एस तिवारी और योगेश कुमार (2017) यतेन्द्र विमल चौधरी के जीवन चरित्रात्मक रूपकों में प्रतिबिम्बित धर्म, इन द प्रोसिडिंग ऑफ इंटरनेशनल कांफ्रेंस, चाकिया, यू पी , पी पी 395–398 आई एस बी एन –978–93–83291–25–0

डी एस तिवारी और मालती (नवम्बर 2016), ब्रज एक विहंगम दृष्टिः विभिन्न संप्रदायों के परिप्रेक्ष्य में ग्लोबल थॉट, अंक 02, खण्ड 02, पी पी 67–70, आई एस एस एन : 2456–0898

डी एस तिवारी और रवि कुमार मीणा (जनवरी –मार्च 2017) पिंगल का काल निर्धारण विभिन्न अवधारणाओं के परिप्रेक्ष्य में, वाक सुधा, अंक 03, पी पी 21–27, आई एस एस एनः 2347–6605

डी एस तिवारी और जग नारायण मिश्रा (2017) सम सामयिकी पर्यावरणीय समस्या एवं निदान (वैदिक चिंतन के परिप्रेक्ष्य में), इन द प्रोसिडिंग ऑफ इंटरनेशनल कांफ्रेंस, चकिया, उत्तर प्रदेश, पी पी 181–186, आई एस बी एन:978–93–83291–25–0

डी एस तिवारी और जग नारायण मिश्रा (फरवरी 2017) इतिहास कुरान की वेदी का आधार, ग्लोबल थॉट, नई दिल्ली, अंक 03, पी पी. 175–177, आई एस एस एन : 2456–0898

डॉ. आर. के. त्रिपाठी (जुलाई – सितम्बर 2016) हास्य रसः एक निदर्शन रिसर्च डिस्कोर्स, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत, आई एस एस एन–2277–2014

डॉ. आर. के. त्रिपाठी (अक्टूबर– दिसम्बर 2016) काव्य प्रकाशकार की दृष्टि में भावभूति। वाकसुधा, दिल्ली, आई एस एस एन–2347–6605

डॉ. आर. के. त्रिपाठी (जनवरी 2017) स्पीरिचुएलिटि मिस्टिसिज्म एण्ड फिलोसोफी मारेलिटी टू स्पीरिचुएलिटि, सोसाइटी एण्ड डेवलपमेंट, युगान्तर प्रकाशन, वाराणसी, आई एस बी एन–978–93–83291–24–3

डॉ. आर. के. त्रिपाठी (जुलाई –सितम्बर 2016) रघुवंश महाकाव्य में वनस्पतिक वैभव, शोध धारा, ऑराई, जलांव, आई एस एस एन–0975–3664

डॉ. आर. के. त्रिपाठी (जुलाई –सितम्बर 2016) रघुवंश महाकाव्य में वनस्पतिक वैभव, शोध धारा, ऑराई, जलांव, आई एस एस एन–0975–3664

डॉ. आर. के. त्रिपाठी (जुलाई 2016) कविप्रभादेवविमर्ष (काव्य मीमांसा के संदर्भ में)। शोध नवनीत, गोण्डा, स्तुति प्रच्यविद्या समिति, आई एस एस एन–2321–6581,

डॉ. रंजन त्रिपाठी (जुलाई – दिसम्बर 2016) आदि काव्य रामायण एवं तनहित मिथिला प्रस्थंका :एक अनुशीलन वेदान्जलि, वाराणसी, आई एस एस एन–2349–364X

पुस्तकें

डॉ. वेद प्रकाश डिन्डोरिया (2016) योगानुसस्नप्रकाशा. परिमल प्रकाशन, दिल्ली, आई एस बी एन 978–81–7110–543–4

डॉ. वेद प्रकाश डिन्डोरिया (2016) वक्रोक्तिजीवितम–प्रथमाउनमेषा शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली, आई एस बी एन 978–93–85144–76–9

डॉ. वेद प्रकाश डिन्डोरिया (2016) विलासकाव्यसमग्र, मान्यता प्रकाशन, नई दिल्ली. आई एस बी एन 97893–83559–61–9

डॉ. वेद प्रकाश डिन्डोरिया (2017) वेद–वेदान्तः तथा वेदान्ग ज्योतिष. (एडिटिड), परिमल प्रकाशन, दिल्ली. आई एस बी एन 978–81–7110–559–5

रंजन कुमार त्रिपाठी (2016) त्रिपुरदाह. दिल्ली, बी एस के प्रकाशन, आई एस बी एन 81–9303042–7

बलराम शुक्ला (2016) 'परिवाहा' साहित्य अकादमी, दिल्ली द्वारा प्रकाशित एक कविता संग्रह

बलराम शुक्ला तथा परमानंद झा 2016 पुस्तक लघु संदेशम , विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली

अनुसंधान अनुदान/ अन्य परियोजनाएं

2016–माईन्ड, मोरेलिटी एण्ड मोटिव्सःलर्निंग फ्रोम इंडियन ट्रेडिशन. 10,00,000/ आई सी एस एस द्वारा कुल दो वर्ष की अवधि के लिए वित्तपोषित – डा. बलराम शुक्ला

आयोजित सेमीनार

20 अगस्त, 2016 को 70 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेमीनार

28–29 मार्च 2017 को भारतीय परंपराओं में भाषायी आकलन पर राष्ट्रीय सेमीनार

दक्षिणी दिल्ली के कैम्पस में 11–12 मार्च 2016 को वर्तमान विश्वविद्यालय प्रणाली में संस्कृत शास्त्रों के अध्ययन पर राष्ट्रीय सेमीनार

संस्कृत विभाग ने 18.04.2016 को डिपार्टमेंट ऑफ अफ्रीकन स्टडीज़ तथा आई सी एस एस आर के साथ सहयोग किया।

सेमीनार/सम्मेलन प्रस्तुतीकरण

डॉ. करूणा आर्यः

15 दिसम्बर से 18 दिसम्बर 2016 तक भारतीय विद्या भवन, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में वैदिक ज्ञान के वैज्ञानिक पहलुओं पर आयोजित वेव्स 2016 के 12 वे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लेख प्रस्तुत किया और आधुनिक विज्ञान तथा वेद पर सत्र का समन्वय किया।

12 से 14 नवम्बर ,2016 को उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय तथा पतंजलि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑल इंडिया ऑरिएन्टल कांफ्रेंस, हरिद्वार, के 48 वें सत्र में लेख प्रस्तुत किया और एक सत्र अग्नि पुराण वर्षनम व्यवस्था का समन्वय किया।

18 फरवरी 2017 को संस्कृत विभाग, हंसराज कॉलेज द्वारा शैक्षणिक कौशल पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

28–29 मार्च 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के साऊथ कैम्पस से संस्कृत विभाग में भारतीय परंपरा में भाषायी आकलन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का समन्वय किया तथा इसमें भाग लिया।

डॉ. रंजीत बहेराः

14.08.2016 को स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, मेरठ द्वारा वेदार्थ प्रक्रियम भाष्यकरणम योगदनम पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में लेख वेदभाष्यपरंपरायम उवातचरियासा योगदनम प्रस्तुत किया।

19.08.2016 को डी ई एल, एन सी ई आर टी द्वारा संस्कृत इन स्कूलःवेयर एण्ड हाऊ वी आर पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में संस्कृत अध्यापन में सहायक सामग्री पर लेख प्रस्तुत किया।

13.11.2016 को उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय और पतंजलि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑल इंडिया ऑरिएन्टल कांफ्रेस के 48 वे सत्र में स्वर शास्त्र दृष्टया मंत्रा अर्थ विमर्श पर लेख प्रस्तुत किया।

15.12.2016 को संस्कृत विभाग, दौलतराम द्वारा आयोजित कौशल विकास पाठ्यक्रम में वर्तमाना समय संस्कृतास्य प्रासंगिकता पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
17.12.2016 को वेव्स इंटरनेशनल एण्ड वेव्स इंडिया द्वारा वैदित ज्ञान के वैज्ञानिक पहलुओं पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में वैदिका स्वरविजनम पर लेख प्रस्तुत किया।
3.3.2017 को संस्कृत विभाग, कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत साहित्य और मानव मूल्यों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में वेदोक्ता जीवनम मूल्यनम समप्रीतिकी प्रासंगिकता पर लेख प्रस्तुत किया।

प्रो. रमेश भारद्वाजः

पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में अक्टूबर 2016 को फिलॉसिफी ऑफ योगवशिष्ट पर राष्ट्रीय सेमीनार में मुख्य भाषण।

जनवरी - अप्रैल सत्र 2017 के दौरान कॉलेज के अध्यापकों के लिए यू डी एस सी में संस्कृत और विश्व साहित्य विषय पर एक दिन की कार्यशाला आयोजित की गई और इसी विषय पर मिरांडा, भारती, दौलतराम, कालिंदी कॉलेजों में व्याख्यान दिए।
21 मार्च 2017 को एस एन डी टी विश्वविद्यालय में संस्कृत और इसके महत्व पर लेख प्रस्तुत किया।
27 मार्च 2017 को एम डी विश्वविद्यालय, रोहतक में रामायण का इतिहास और भूगोल पर मुख्य भाषण दिया।

28–29 मार्च 2017 को यू डी में भाषायी आकलन की भारतीय परंपरा पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन और प्रमुख भाषण।
डॉ. ओम नाथ बिमलीः
3.3.2017 से 24.03.2017 तक श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा मेन्यूस्क्रिप्टोलॉजी एण्ड पोलियोग्राफी पर आयोजित कार्यशालाओं में व्याख्यान
19.03.2017 को संस्कृत विभाग, शांतिनिकेतन, कोलकाता द्वारा मेन्यूस्क्रिप्टोलॉजी एण्ड पोलियोग्राफी पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला (4.3.2017 से 24.3.2017) में हस्तलिपि संपादन में व्याकरण के महत्व पर व्याख्यान

वेद प्रकाश डिन्डोरियाः
8 फरवरी 2017 को संस्कृत विभाग, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, अशोक विहार में संस्कृत को एक अंतर्विषयक विषय के रूप में (जेनेरिक इलैक्टिव) लेने पर राजनीति शास्त्रों को संस्कृत की देन पर राष्ट्रीय सेमीनार
2–3 मार्च 2017 को वी वी बी आई एस और आई एस (पी यू) होशियारपुर, भारत में वेदार्थनिर्णवेंदागवी व्याकरणा–इश्चिटम पर राष्ट्रीय सेमीनार में दयानंदाभाष्य में व्याकरणाशास्त्र कावादनाः यजुर्वेद के 40 वें अध्याय के संदर्भ में।
18–19 मार्च 2017 को वैदिक मिशन, मुम्बई में वेदों में चिकित्सा विज्ञान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार में अथर्वेद में चिकित्सा पद्धतियां।

27 मार्च 2017 को संस्कृत विभाग, पालिकृत, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में वाल्मीकि रामायण में बताए गए इतिहास और भूगोल पर राष्ट्रीय सेमीनार में वाल्मीकि रामायण के अनुसरल कुवाकुवम समर परंपरा।

विजय शंकर द्विवेदीः
2–3 मार्च 2017 को दिल्ली संस्कृत अकादमी के सहयोग से संस्कृत विभाग, कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वार संस्कृत साहित्य और मानव मूल्यों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में एक लेख अथर्वेद में वर्णित मानव मूल्यों की वर्तमान प्रासंगिकता प्रस्तुत किया।

29–30 जनवरी 2017 को ज़ेड एक्सेस थॉट एक्सपेरिमेंटल लैब्स (टेल) प्रा. लिमिटिड के सहयोग से सावित्री बाई फूले गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कालेज द्वारा नैतिकता से बौद्धिकताः धर्म, समाज और विकास पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में एक लेख, वेदों में वर्णित सुमति एवं सुकृत की वर्तमान प्रासंगिकता।
15–18 दिसम्बर, 2016 को वेव्स (वर्ल्ड एसोसिशन फॉर वैदिक स्टडीज़) द्वारा वैदिक ज्ञान के वैज्ञानिक पहलु पर आयोजित 12 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और 20 वें भारतीय सम्मलेन में एक सत्र की अध्यक्षता की और वैदिक ज्ञान पद्धति पर एक लेख प्रस्तुत किया।

28–29 मार्च 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के साऊथ कैम्पस के संस्कृत विभाग द्वारा भारतीय परंपराओं में भाषायी आकलन पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार के सत्र को समन्वित किया।
16–18 मार्च 2017 को इन्दिरा गांधी नेशनल सेन्टर फॉर आर्टस, नई दिल्ली और सूचना और संस्कृति कार्य विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से सिद्धो–कान्हो–बिरसा विश्वविद्यालय, पुरूलिया, पश्चिम बंगाल द्वारा भारतीय सांस्कृतिक विरासत की सामाजिक– दार्शनिक परंपराओं के मद्देनजर एक तर्कसंगत पुनर्रचना पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में एक रिसोर्स पर्सन के रूप में एक लेख ट्रेडिशन ऑफ वैदिक फिलोसोफी प्रस्तुत किया।
12–14 नवंबर, 2016 को उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय और पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा आयोजित ऑल इंडिया ऑरिएंटल कांफ्रेंस के 48 वें सत्र में एक लेख, अर्थवेदिका दांपत्य जीवन की समस्यायिक प्रासंगिकता प्रस्तुत किया।

एम. किशनः
28–29 मार्च 2017 को संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय साऊथ कैंपस द्वारा भारतीय परंपराओं में भाषायी आकलन पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में एक लेख साहित्य शास्त्रारित्या शब्दबोध निरूपनम प्रस्तुत किया।

27–28 फरवरी 2017 को संस्कृत अकादमी, आदर्श संस्थान, ऑसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा अष्टदश विद्या पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में शोध पत्र कौटिल्य अर्थ शास्त्र कृषि विज्ञानम प्रस्तुत किया।

20 अगस्त 2016 को संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन और संस्कृत साहित्य पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में एक लेख स्वतंत्रता आंदोलन एवं मथुरा प्रसाद दीक्षित का नाट्य साहित्य प्रस्तुत किया।

टेक चन्द मीणा
8 फरवरी 2017 को संस्कृत विभाग, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली द्वारा आयोजित संस्कृत को एक अंतर्विषयक विषय के रूप में (जेनेरिक इलैक्टिव) लेने संबंधी राष्ट्रीय सेमीनार में भाग लिया और शोध पत्र अर्थशास्त्र की मूलभूत संकल्पनाएं एवं संस्कृत साहित्य प्रस्तुत किया।

राजीव रंजनः

11–12 मार्च 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय साऊथ कैम्पस में द लर्निंग ऑफ संस्कृत शास्त्रास इन द प्रेजेंट युनिवर्सिटी सिस्टम पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया और आधुनिक परिदृश्य में ज्योतिष शास्त्र के अध्यायों की दशा और दिशा शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
28–29 मार्च 2016 को में द लिंग्विस्टिक स्पेकुलेशन्स इन इंडियन ट्रेडिशन पर हुए राष्ट्रीय सेमीनार में एक रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया और भारतीय पंचांग पद्धति शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. उमा शंकरः
28–29 मार्च 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय साऊथ कैम्पस द्वारा आयोजित द लिंग्विस्टिक स्पेकुलेशन्स इन इंडियन ट्रेडिशन पर हुए राष्ट्रीय सेमीनार में सत्र समन्वयक के रूप में भाग लिया।

प्रो. शारदा शर्माः

2–3 मार्च 2017 को कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत साहित्य और मानव मूल्यों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में एक लेख मानव उन्नति में संस्कृत की भूमिका प्रस्तुत किया।

31 मार्च 2017 को पी जी डी ए वी (साध्यकालीन) में कम्प्यूटर और संस्कृत पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में आरम्भिक सत्र में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया

डा. बलराम शुक्लाः
24.01.2017 को नेशनल पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, बादलगंज, गोरखपुर में कालिदास के शाकुंतलम पर व्याख्यान दिया।
आई सी पी आर और श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तथा राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित द फिलॉसफी ऑफ अभिनव गुप्ता पर राष्ट्रीय सेमिनार में एक लेख प्रस्तुत किया।(26–26–27 दिसम्बर)।
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली में आई सी पी आर और महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा आयोजित रामचन्द्र शुक्ल के निबंध पर राष्ट्रीय सेमिनार पर एक लेख प्रस्तुत किया। (12–11–2016)

7–10–2016 को इंदिरा गांधी नेशनल सेन्टर फॉर आर्टस के कलानिधि डिवजन द्वारा ग्लोबल इम्पैक्ट ऑफ इंडियन मैन्यूसक्रिप्ट रिसोर्सेज विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में एक व्याख्यान दिया।
उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में पाली ई–रिसोर्सेज पर विशेष प्रस्तुतीकरण (21.05.2016)।

अवधेश प्रताप सिंह, 29–30 जनवरी 2017 को ज़ेड एक्सिस थॉट एक्सपेरिमेंटल लैब्स (टेल) प्रा. लिमिटिड, तमिलनाडु, भारत के सहयोग से सावित्री बाई फूले गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कालेज द्वारा नैतिकता से बौद्धिकता : धर्म, समाज और विकास पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में एक लेख अद्वैत वेदान्त का आचार दर्शन प्रस्तुत किया।

सत्यपाल सिंहः
27–28 फरवरी 2017 डिपार्टमेंट ऑफ लिंगविस्टिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाऑ के अध्यापन तथा लिंगविसटिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया तथा संस्कृत भाषा अध्यापन/अध्ययन के तरीके और आधुनिक शिक्षा पद्धति में इसके उपयोग पर एक लेख प्रस्तुत किया।

2–3 मार्च 2017 को संस्कृत विभाग, कालिन्दी कालेज, दिल्ली द्वारा तथा यू जी सी द्वारा प्रायोजित संस्कृत साहित्य और मानव मूल्य पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और वैदिक वांग्मय में उपलब्ध सौमनस्या, समानस्या, आत्मीयता और मानवी संदेशों की वर्तमान में उपयोगिता पर एक लेख प्रस्तुत किया।

डा. सोमवीर 12–14 नवंबर, 2016 को उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय और पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा आयोजित ऑल इंडिया ओरिएंटल कांफ्रेंस के 48 वें सत्र में एक लेख, भर्तहरि दर्शन में तत्व मीमांसा प्रस्तुत किया।

डा. डी एस तिवारीः
डी एस तिवारी (29–30 जनवरी 2017) सावित्री बाई फूले गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, चकिया चंदौली, उत्तर प्रदेश द्वारा नैतिकता से बौद्धिकताःधर्म, समाज और विकास पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में एक लेख वर्तमान समाज में भागवत गीता की सीख का महत्व प्रस्तुत किया।

डी एस तिवारी (28–30 दिसम्बर 2016) , यजुर्वेद के शूलभसूत्र का महत्वः आधुनिक संदर्भ, वैदिक गणित पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आई सी सी आर, रवीन्द्र नाथ टैगोर सेन्टर, कोलकाता।
डी एस तिवारी (15–18 दिसम्बर 2016), गणित के अध्ययन में यजुर्वेद का महत्वः आधुनिक परिप्रेक्ष्य, वैश्विक विरासत के रूप में वेदःआधुनिक परिप्रेक्ष्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जेएनयू, नई दिल्ली।

डी एस तिवारी (14 मई 2016), ऋषि–तत्व में वैज्ञानिक दृष्टिकोणः महर्षि कुलावयभवम एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य, शंकरशिक्षापतन और भरतीय पुरातत्व परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार।

डी एस तिवारी (10–11 अगस्त 2016) कालिंदी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित थिएटर और ड्रामाटर्जी पर राष्ट्रीय सेमिनार में रंगमंच की दृष्टि से साहित्य दर्पण में वर्णित नायक–नायिका के भेदों उपभेदों की प्रासंगिकताःआधुनिक परिप्रेक्ष्य।

रंजन कुमार त्रिपाठीः

10–11 अगस्त 2016 को कालिंदी कालेज, दिल्ली द्वारा आयोजित आधुनिक परिप्रेक्ष्य में थिएटर और ड्रामा पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और आधुनिक युग में रंगमंच का औचित्य एक लेख प्रस्तुत किया।
10–16 नवम्बर 2016 को विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन और कालिदास समिति द्वारा आयोजित 'ऑल

इंडिया कालिदास समारोह' पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और कालिदास के काव्य सौन्दर्य – विधान में कमल शीर्षक से एक लेख प्रस्तुत किया।

10 दिसम्बर 2016 को बुन्देलखण्ड कालेज, झांसी द्वारा बुन्देलखण्ड का सर्वांगीण विकास एवं राज्य निर्माण की आवश्यता पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और संस्कृत साहित्य की दृष्टि में बुन्देलखण्ड नामक एक लेख प्रस्तुत किया।

20 अगस्त 2016 को संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन और संस्कृत साहित्य पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और स्वतंत्रता आंदोलन– प्राचीन एवं आधुनिक संस्कृत साहित्य नामक एक लेख प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
अंतर्राष्ट्रीय– यूनवर्सिटी ऑफ हेडलबर्ग, जर्मनी ने एक छात्र श्री जोहेन्स यूबेलगुन को अकादमिक वर्ष 2016–17 में जुलाई–दिसम्बर 2016 के एक सेमेस्टर के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ विद्यमान समझौता ज्ञापन के अंतर्गत संस्कृत विभाग में नैमित्तिक सहबद्धता हेतु नामित किया।

दी गई एम.फिल/पीएचडी डिग्रियां
पीएचडी–25
एम. फिल– 13

संकाय के सदस्यों की संख्या
स्थायी–23

स्लोवेनिक एवं फिनो यूग्रीयन अध्ययन

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियाँ

स्लोवेनिक एवं फिनो यूग्रीयन अध्ययन विभाग को इस बात का गर्व है कि यह देश का एकमात्र विभाग है जहाँ रूसी के अलावा, बुल्गारियाई, चेक, क्रोएशियाई, हंगरी तथा पोलिश भाषाएँ पढ़ाई जाती हैं। इससे कक्षा में अध्यापन के अलावा विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित करने का अवसर मिलता है। इस शैक्षिक वर्ष में दो प्रमुख गतिविधियाँ आयोजित की गई - अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन *ट्रंसलेशनः आर्ट, क्राफ्ट एंड क्रॉस–कल्चरल प्रैक्सिस* तथा वार्षिक फिल्म समारोहः *लिटिल यूरोप - नॉस्टेल्जिया, रिमेंब्रेन्स एंड रिकलेक्शन* जिनके पश्चात छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह विभाग दौरे पर आने वाले विशेषज्ञों के व्याख्यान तथा अन्य गतिविधियों के आयोजन के लिए विदेशों के सांस्कृतिक केंद्रों के साथ नियमित रूप से सहयोग करता है।

प्रकाशन

पुस्तकें

मुंजाल, गिरीश (2016), *केसेज इन पोलिश ग्रामर (सीडी के साथ),* w gramatyce języka polskiego, नई दिल्ली में पोलिश संस्थान के सहयोग से प्रकाशित, लैंगर्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली, भारत (पुस्तक-52 पृष्ठ तथा सीडी –3060 पीपीटी स्लाइडें), आईएसबीएन 978–93–85478–33–8

मुंजाल, गिरीश (2016), *साधारण में असाधारण की खोज* (सर्च *फॉर एक्स्ट्राऑर्डिनरी इन ऑर्डिनरी)* वेसिली शुकशिन द्वारा रूसी लघु कथाओं के संकलन की हिंदी अनुवाद, लैंगर्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली, भारत द्वारा इंस्टीट्यूट फॉर लिटरेरी ट्रांसलेशन, मॉस्को, रूस के सहयोग से प्रकाशित, आईएसबीएन 978–93–85478–35–2

शोध–पत्रिकाओं में लेख

जोशी, रश्मि (2017), बुल्गारिया में हिंदी - संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, 20, पृष्ठ 44

कोव्स, मार्गिट (2017), साउंड ओडिसी – LanczkorGáborIndiában (हंगेरियाई में: साउंड ओडिसी – भारत में GáborLanczkor लिटेरा [इलेक्ट्रॉनिक जर्नल] 31 मार्च http://www.litera.hu/hirek/sound-odyssey-lanczkor-gabor-indiaban 2017 július 7.

कोव्स, मार्गिट (2017), हंगेरियन हेमलेट इनः लैंग्वेज इन शेक्सपीयर, येट अनॉदर रिव्यू, संपा. भीम एस. दहिया, वीवी बुक्स, नई दिल्ली, मुंबई, पृ. 49–64, आईएसबीएन 978–93–86243–69–0

मुंजाल, गिरीश (2016), एन आर्टिकल इन रशियन एन अटैम्प्ट टू अंडरस्टैंडिंग द इनकंप्रीहेंसिबल इन स्पोकन ट्रंसलेशन -

Попытка объять необъятное при устном переводе रशियन फिलोस्फी का 35वां संस्करण, स्कूल ऑफ रशियन स्टडीज का एक प्रकाशन, द इंग्लिश एंड द फॉरेन लैंग्वेजेस यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, भारत, पृ. 158–178, आईएसएसएन 2231–1564

राज कुमार योगेश (2017), अबॉर्शन एंड कल्चरः ए स्ट्रगल बिटवीन रीयलिटी एंड मॉरेलिटी इन पोलैंड शोध–पत्रिका - रिसर्च इनोवेटर (पृ. 35–40) आईएसएसएन - 23954744 2017

राज कुमार योगेश (2016), Развитие Навыков критического мышления и опыт прочтения романа Замятина Мы в Индийской аудитории Journal name- Современные образовательные технологии- средство и инструмент преподавания русского языка и литературы, Year-2016 Vol -1 ISBN- 74. 268.0

सक्सेना, रंजना (2017), (संपा.), कोस्त्यूकोवा, टी, टैक्नोलॉजीज़ ऑफ डेवलपमेंट ऑफ क्रीटिकल थिंकिंग्स प्रोसीडिंग्स ऑफ सेमिनार, टॉम्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी, रूस

सूर्यनारायण, नीलाक्षी (2017), फ्रॉम यशवंत प्लेस टू यश्का: ए केस स्टडी ऑफ कॉमोडिफिकेशन ऑफ रशियन इन इंडिया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायलिंग्वल एजूकेशन एंड बाईलिंग्विज्म, 20(4), राउटलेज, टेलर एंड फ्रांसिस, आईएसएसएनः 1367–0050

शोध परियोजनाएँ

डॉ. रश्मि जोशी, *ए टेक्स्ट बुक ऑन बुल्गारियन हिस्ट्री फॉर इंडियन स्टूडेंट्स*, अनुसंधान एवं विकास परियोजना द्वारा वित्तपोषित, दिल्ली विश्वविद्यालय (अक्तूबर 2015से अक्तूबर 2016) रु. 1, 00, 000/–

डॉ. गिरीश मुंजाल, *केसेज इन पोलिश ग्रामर*, माइनर प्रोजेक्ट पोलिश कल्चरल इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित, (2016), रु. 1,20, 000/–

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएँ

वार्षिक फिल्म समारोह व कार्यशालाः लिटिल यूरोप, 2016–2017 चेक रिपब्लिक दूतावास तथा रूसी संघ, रिपब्लिक ऑफ पोलैंड, हंगरी तथा क्रोएशिया के भारत स्थित दूतावासों के सक्रिय सहयोग से *नॉस्टेल्जिया, रिमेंब्रेन्स एंड रिकलेक्शन।*

चेक फिल्मः एम्पटीज़ (व्रात्ने लहावे), 2007की क्रीनिंग, तत्पश्चात फिल्म विदुषी सुश्री आंचल कपूर द्वारा कार्यशाला, सोमवार, 27 फरवरी 2017

बुल्गारियाई फिल्मः जर्नी टू जेरुसलेम (पुतुवाने काम येरूसलम) 2003 की क्रीनिंग, तत्पश्चात फिल्म विदुषी सुश्री मीरा द्वारा कार्यशाला, 28 फरवरी 2017

क्रोएशियाई फिल्मः हलीमा'ज़ पाथ (हेलिमिन पुत) 2012 की क्रीनिंग, तत्पश्चात फिल्म विद्वान मो. इरफान दार द्वारा कार्यशाला, 01 मार्च 2017

हंगेरियाई फिल्मः डॉलीबड्र्स (क्सीनीबाबा) 1997 की क्रीनिंग, तत्पश्चात फिल्म विदुषी सुश्री त्रिशा गुप्ता द्वारा कार्यशाला, 2 मार्च 2017

पोलिश फिल्मः एनलाइटन्ड सोलः द थ्री नेम्स ऑफ उमादेवी (ऑस्वीकोनी दुरुज़ाः त्र्जे इमियोना उमी देवी) 2015 की क्रीनिंग, तत्पश्चात फिल्म विदुषी सुश्री सौम्या शर्मा द्वारा कार्यशाला, शुक्रवार, 3 मार्च 2017

रूसी फिल्मः मॉस्को डज़ नॉट बिलीव इन टीयर्स (मोस्क्वा स्लेज़म ने वेरित) 1980 की क्रीनिंग, तत्पश्चात फिल्म विदुषी सुश्री त्रिशा गुप्ता द्वारा कार्यशाला, 6 मार्च 2017

छात्रों द्वारा प्रस्तुतीकरण तथा फिल्म समारोह का समापन, 8 मार्च 2017

आयोजित सम्मेलन

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, *ट्रांसलेशनः आर्ट, क्राफ्ट एंड क्रॉस–कल्चरल प्रैक्सिस*, इस सम्मेलन से स्लोवानिक देशों, हंगरी, भारत तथा बांग्लादेश से आए शिक्षाविद, अनुवादक तथा शोधार्थी एक दूसरे के नजदीक आए। 25–26 अक्तूबर 2016

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

अंतर्राष्ट्रीय

सक्सेना, रंजना, *थिंकिंग द पास्ट एंड इंटरप्रेटिंग द प्रेजेंट* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया, फोर्थ इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ ट्रांसलेटर्स, मॉस्को, 9–11 सितंबर 2016

सूर्यनारायण नीलाक्षी, *हीलिंग द क्रॉस–कल्चरल डिवाइड : रोल ऑफ रशियन लेंग्वेज वर्कर्स इन इंडिया'ज़ हैल्थ केयर सेक्टर* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया, नाइन्थ इंटरनेशनल कॉप्रेन्स ऑन लेग्वेजेज़ एंड लिंग्विस्टिक्स, एथेन्स इंस्टीट्यूट फॉर एजूकेशन एंड रिसर्च, एथेन्स, ग्रीस,4 –7 जुलाई 2016

कोव्स मार्गिट, *होजासजोलास : माग्यारोकतातास ए डेल्ही इग्येतेमेन* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया, कॉप्रेन्स सेकेंड मीटिंग ऑफ हंगेरियन वर्ल्ड वाइड हायर एजूकेशन इन द कार्पाथियन बेसिन, पेक्स, हंगरी, 31 मार्च 2017

मुंजाल गिरीश :

द प्रॉब्लम्स ऑफ एडीकेट ट्रांसलेशन ऑफ वी. शुकशिन'ज़ स्टोरीज़ इनटू इंग्लिश एंड हिंदी विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया, फोर्थ इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ लिटरेरी ट्रंसलेटर्स, इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसलेशन, मॉस्को, रूस, 8–11 सितंबर 2016

ट्रांसलेशन फ्रॉम पोलिश इनटू हिंदी एंड वाइस–वर्सा : चैलेंजेस एंड रेस्पोंसिबिलिटी ऑफ ए ट्रांसलेटर एज ए कल्चरल मीडिएटर, इंटरनेशनल कॉप्रेन्स कल्चर इन ट्रंसफर ट्रंसलेशन एंड ट्रांसकल्चरल कम्युनिकेशन, फिलोलोजी फेकल्टी, यूनिवर्सिटी ऑफ रॉक्ले, पोलैंड, 10 जून 2016

राष्ट्रीय

सक्सेना रंजना, शोध–पत्र प्रस्तुत, *कंटेम्परेरी रशियन लिटरेचर : एन इनवोकेशन टू डायलॉग*, सम्मेलन एक्सप्लोरिंग यूरेशिया : ट्रेडीशन एंड प्रोस्पेक्ट्स, वीमेन'स क्रिश्चियन कॉलेज, कोलकाता, नवंबर 2016

जोशी रश्मि :

शोध–पत्र प्रस्तुत, *इनडायरेक्ट ट्रांसलेशन - ए केस स्टडी ऑफ बुल्गारियन लिटरेचर,* अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ट्रंसलेशनः आर्ट, क्राफ्ट एंड क्रॉस–कल्चरल प्रैक्सिस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25–26 अक्तूबर 2016

शोध–पत्र प्रस्तुत, *द थ्रासियन कल्चर एंड फर्स्ट बुल्गारियन एम्पायर,* सम्मेलन हिस्ट्रीएंड कल्चर ऑफ बुल्गारिया, बुल्गारिया दूतावास, नई दिल्ली , 18 सितंबर 2016

सूर्यनारायण नीलाक्षी, शोध–पत्र प्रस्तुत, *लिटरेरी ट्रांसलेशन एज ए मीन्स ऑफ लिटरेरी इन्फ्लूंसेज़. ए केस स्टडी ऑफ हैरी पॉटर एंड तान्य ग्रोटर,* अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ट्रंसलेशनः आर्ट, क्राफ्ट एंड क्रॉस–कल्चरल प्रैक्सिस, स्लोवेनिक एवं फिनो युग्रीयन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25–26 अक्तूबर 2016

कोव्स मार्गिट :

शोध–पत्र प्रस्तुत, *द काल ऑफ इंडिया इन एलिजाबेथ सास ब्रूनर'स एंड एलिजाबेथ ब्रूनर'स पेंटिंग,* सम्मेलन इंडियन सब्जेक्ट्स, फॉरेन आर्टिस्ट्स, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, 10–11 अक्तूबर 2016

शोध–पत्र प्रस्तुत, *रिसेप्शन ऑफ हंगेरियन लिटरेचर इन इंडिया थ्रू ट्रांसलेशन्स,* ट्रंसलेशनः आर्ट, क्राफ्ट एंड क्रॉस–कल्चरल प्रैक्सिस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25–26 अक्तूबर 2016

शोध–पत्र प्रस्तुत, *यू आर टू मी,* क्रिज्टीना टॉथ'स अडेप्शन ऑफ शेक्सपीयर'स सॉनेज नं. LXXV कॉप्रेन्स रीवर्किंग शेक्सपीयरः ट्रांसलेशन, अडेप्टेशंस एंड री–एप्रोप्रिएशंस, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा, ए शेक्सपीयर'स एसोसिएशन (भारत), सिरसा, हरियाणा, 13–15 फरवरी 2017

शोध–पत्र प्रस्तुत, *बॉर्डर्स एंड बॉर्डर–क्रॉसिंग्स इन द प्रोस ऑफ क्रिज्टीना टॉथ,* सम्मेलन बॉर्डर्स एंड बॉर्डर–क्रॉसिंग्स : पॉलिटिक्स एंड पोएटिक्स ऑफ माइग्रेशन, सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, गॉयथे सोसाइटी ऑफ इंडिया, पुणे, महाराष्ट्र, 22–24 फरवरी 2016

शोध–पत्र प्रस्तुत, *प्ले ऑफ रजत्स्जास ए प्रोजेक्ट ऑफ कॉलेबोरेशन बिटवीन पोएट्स एंड पॉप म्यूजीशियंस इन हंगरी,* सम्मेलन न्यू एक्सपेरिमेंट्स इन कंटेम्परेरी लिटरेचर जर्मानीज्तिका–रोमानीज्तिका तान्स्जेक, डेल्ही एग्येतेम, 2–3 मार्च 2017

मुंजाल गिरीश :

शोध–पत्र प्रस्तुत, *अंडरस्टैंडिंग कल्चरल थ्रू लिटरेरी ट्रांसलेशन : रशियन, हिंदी, पोलिश एक्सपीरिएंस,* अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ट्रांसलेशनः आर्ट, क्राफ्ट एंड क्रॉस–कल्चरल प्रैक्सिस, स्लोवेनिक एवं फिनो युग्रीयन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25–26 अक्तूबर 2016

शोध–पत्र प्रस्तुत, *द इमेज ऑफ इंडिया एज ए रिफ्लेक्टेड इन रशियन लिटरेचर,* नेशनल सेमिनारः लिटरेरी रिलेशंसः इंडिया एंड द वर्ल्ड, आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 10 मार्च 2017

वशिष्ट दीपिका, शोध–पत्र प्रस्तुत, *जेंडर इन ट्रांसलेशन बाय शेरी साइमनः एन ओवरव्यू,* अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ट्रांसलेशनः आर्ट, क्राफ्ट एंड क्रॉस–कल्चरल प्रैक्सिस, स्लोवेनिक एवं फिनो युग्रीयन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25–26 अक्तूबर 2016

राजकुमार योगेश, शोध–पत्र प्रस्तुत, *ट्रांसलेशन एंड अनट्रांसलेटेबिलिटी ऑफ द अनरीयल वर्ल्ड,* अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ट्रांसलेशनः आर्ट, क्राफ्ट एंड क्रॉस–कल्चरल प्रैक्सिस, स्लोवेनिक एवं फिनो युग्रीयन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25–26 अक्तूबर 2016

प्रदान की गई एम.फिल./पीएच.डी. उपाधियाँ

पीएच.डी. - 01

एम.फिल. - 02

संकाय संख्या

स्थायी - 3

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

18 जनवरी 2017, रूसी कविता प्रतियोगिता, आरआईएफएमए– 2017

विभाग के सभी छात्रों तथा विभिन्न महाविद्यालयों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। आयोजकों द्वारा प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर आने वाले छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। छात्रों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

1 फरवरी 2017 को रूसी भाषा, साहित्य, इतिहास और संस्कृति पर एक अंतर–महाविद्यालयी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (अजबूका–2017) का आयोजन किया गया। विभाग के रूसी प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम के सभी छात्रों तथा विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को पुरस्कार तथा प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। छात्रों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

9 फरवरी 2017 को विश्व कविता दिवस पर रशियन स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूमैनिटीज़ के सहयोग से सिल्वर डे ऑफ रशियन पोएट्री विषय पर स्लोवेनिक एवं फिनो युग्रीयन अध्ययन विभाग में एक अंतर–विश्वविद्यालयी कविता–पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

15 फरवरी 2017 को हमारे विभाग के रूसी भाषा के छात्र रूसी भाषा, साहित्य तथा संस्कृति दिवसों के अवसर पर रशियन सेन्टर ऑफ साइन्स एंड कल्चर द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए गए। छात्रों ने कविता, रूसी तथा अंग्रेजी पर ओलिम्पियाड, गायन, पोस्टर मेकिंग तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिए। छात्रों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए।

15 मार्च 2017 को बुल्गारियाई तथा भारतीय त्योहारों के संबंध में एक इंटरेक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। डिपार्टमेंट ऑफ ईस्टर्न लेंग्वेजेज़, यूनिवर्सिटी ऑफ सोफिया के छात्रों क्लेमेंट ऑखरीद्स्की डेसीस्लावा मिखाइलोवा, प्लामेना वुलुचेवा तथा सोफिया एन्तोआनेता टोडोरोवा बुल्गारिया में क्रिसमस संध्या, क्रिसमस तथा ईस्टर पर हिंदी में बोले। हमारे विभाग के छात्र अनुज, राजेश, नीलू, पूर्णिमा तथा अमन भारत में होली, दीवाली, दशहरा, ईद तथा 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) के अवसर पर बुल्गारियाई में बोले।

***

उर्दू

प्रमुख क्रियाकलाप एवं उपलब्धियाँ

विभाग के अध्यापक उर्दू साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में शोध एवं प्रकाशन कार्य में सक्रिय रूप से लगे हैं। अनेक प्रतिष्ठित आगन्तुकों, प्राध्यापकों तथा प्रसिद्ध व्यक्तियों ने विशेष व्याख्यान देने तथा संकाय सदस्यों तथा छात्रों से वार्तालाप के लिए विभाग का दौरा किया।

सम्मान/विशिष्टियां

प्रो. एस.ए. करीम को एनसीपीयूएल के निदेशक के तौर पर नियुक्त किया गया।

प्रकाशन

प्रो. एन.एम. कमलः

फ़साना–ए–अजायब (मुकद्दम के साथ संपादित), किताबी दुनिया, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

नकूश–ए–अज़मल में शाइदा की उर्दू शायरी, सीसीआरयूएम, दिल्ली, 2016

इंतज़ार हुसैन में इंतज़ार हुसैनः हयात और फ़न, संपा. डॉ. नईम अनीस, कोलकाता, 2017

डॉ. मोहम्मद काजिम

इशारिया उर्दू साइंस महनामा, एजूकेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2017, आईएसबीएनः 9789386486059

वतन का कर्ज़, राशिद निराउवा राजदान रचित मंचीय नाटकों का संकलन, सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू, मॉरीशस द्वारा प्रकाशित, 2017, आईएसबीएनः 9789383322466

हेनरिक उब्सन के तीन ड्रामे, अरशिया प्रकाशन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2016, आईएसबीएनः 9789381029428

मोहम्मद मुजीब के ड्रामे, नेशनल कौंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लेंग्वेज़ (एनसीपीयूएल), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएनः 9789351600893

इंतजार हुसैन की जुस्तजू क्या है? इंतजार हुसैन नामक पुस्तक में : हयात–ओ–फ़न, संकलनकर्ता डॉ. नयीम अनीस, पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी, पश्चिम बंगाल सरकार, कोलकाता द्वारा प्रकाशित, 2017, आईएसबीएनः 9789384286378, पृ. 100–131

अल्लामा वाहशत और उनकी शिनाख्त, वाहशत कलकतवी फ़न और फ़नकार नामक पुस्तक में, डॉ. शकील अहमद खान द्वारा संकलित, सुभाष चंद्र बोस सेंटेनरी कॉलेज, लाल बाग, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल द्वारा प्रकाशित, 2016, आईएसबीएनः 9788186346648, पृ. 39–47

सआदत हसन मंटो की ड्रामा निगारी: एक अज़मली जायजा, मंटो फ़न और शख्सियत नामक पुस्तक में, डॉ. नौशाद आलम, राम नगर लेन फोरम ऑफ रिवोल्यूशन फॉर कम्यूनिटीज़ एजूकेशन, कोलकाता, आईएसबीएनः 9788186346464, पृ. 40–53

उर्दू ड्रामे का सफ़र और आजकल, मासिक आजकल, नई दिल्ली, जुलाई 2017, आईएसएसएन : 0971846X पृ. 21–23

इंतजार हुसैन की खुदनाविश सवानेह, अर्धवार्षिक हमारी आवाज, उर्दू विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, खंड 14, संस्करण 12, 2017, आईएसएसएन :23947381 , पृ. 64–78

खुश्क टहनी ज़र्द पत्ते का शायर : यूसुफ तकी, त्रैमासिक दरभंगा टाइम्स, दरभंगा, जनवरी–सितंबर 2017, आईएसएसएन : 23952016, पृ. 208–212

प्रो. शमीम निख़त : एक मुश्फिक उस्ताद, मुनफ़रीद फ़नकार, त्रैमासिक मिज़गान, कोलकाता, जुलाई–दिसंबर 2016, आईएसएसएन : 23487119, पृ. 636–640

सआदत हसन मंटो के किरदार और शाहिद अनवर का ड्रामाः गैर जरूरी लोग, रंगरस, कोलकाता, जनवरी–जून 2016, आईएसएसएन : 23949821, पृ. 32–40

डॉ. मुश्ताक आलम कादरी :

2017, मुंशी नवल किशोर : किया उर्दू तराजिम इन सैयद शफीक अहमद अशरफी, नवल किशोर शनाई, नई दिल्ली, एम.आर पब्लिकेशंस।

2017, जम्मू व कश्मीर में अदबी तर्जुमे की रिवायत, अदबोशक़ाफ़त (अर्धवार्षिक शोध एवं संदर्भित शोध पत्रिका) संस्करण 4, पृ. 175—206

2017, जम्मू व कश्मीर में उर्दू सहाफ़त, उर्दू दुनिया मासिक, मार्च 2017, खंड 19, संस्करण : 03, पृ. 36—38

2017, चोटी का जादा इसलाहा का एक पहलू, अंतर्राष्ट्रीय संदर्भित शोधपत्रिका, खंड3 , संस्करण 10वां, पृ. 52—55

2017, कलाम—ए—इकबाल में तसव्वुर—ए—जमाल, तरयाक़ मासिक, मुंबई

डॉ. अबू बकर अब्बाद :

तनक़ीद से परे, आईएसबीएन 81—7801880—2, काव्य आलोचना संबंधी विभिन्न लेख, फ्रिड बुक डिपो (प्रा.) लि., 110002

अब जहाना आफ़ताब में हम हैं, दरभंगा में उर्दू अफसाना निगारी में शामिल, डॉ. मोजीर अहमद आजाद, आईएसबीएन 978—93—86486—68—4, एजूकेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, पृ. 150—158

इस्मत, अफ़साना और नक़ीद, अस्मत चुगताई तनिसियत की पहली आवाज में शामिल, प्रकाशक मंसूर खुश्तर, आईएसबीएन 81—88912—72—7, बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली— 6द्वारा प्रकाशित, पृ. 28—36

आसमान—ए—शायरी के एक और सितारे की बज़ायाफ्त, कलाम—ए—शम्स गुलावठी में शामिल, नदीम माहिर, ग्रीन पेजेस, नई दिल्ली पृ. 42—52

2016, पसंद—ओ—नापसंद के दरम्यान का मुर्शीद—ए—कामिल, नज़र—ए—अबुल कलाम कासमी में शामिल, आईएसबीएन 978—93—5073—883—2, संपा. मोइदुर्रहमान, एजूकेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, पृ. 110—120

2016, पंडितानंद नारायण मुल्लाः एक बजायाफ्त, पंडितानंद नारायण मुल्लाः हयात—ओ—कमालात में शामिल, संपा. आसिफ आजमी और अजीज नबील, मजलिस—ए—फख्र—ए—बहराइन, बराएफरोग़—ए—उर्दू, दोहा, कतर, पृ. 427—444

पैगाम अफाकीकी नजमियाशायरी, पृ. 133—36, उर्दू (शैक्षिक अनुसंधान एवं संदर्भित शोधपत्र) वार्षिक पत्रिका, उर्दू विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना, 2017, आईएसएसएन : 2249—7854

2017, उर्दू का अव्वलीन जिद्दत पसंद शायर : कुलीकुतुब शाह, पृ. 12–18, सबरस, हैदराबाद, आईएसएसएन : 2778–6902

जन.–सित. 2017, बिहार का एक नादरयाफ्त हीराः डॉ. अहमद सज्जाद कासमी, पृ. 217–221, दरभंगा टाइम्स, दरभंगा, आईएसएसएन : 2395–2016

जन–मार्च 2017, उर्दू नॉवेल की तहजीबीजेहात और अहम किरदार, पृ. 352–57, संस्करण :4 , आबशा (त्रैमासिक) मियांवाली, पाकिस्तान

मोमिन और उनका कलाम, पृ. 77–85, फिक्र–ओ–नजर, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, आईएसएसएन : 2347–3401

ज़ौक–ए–सलीम और सुथरी शायरी का बानी, वालीदकनी, पृ. 19–28, सबरस, हैदराबाद, आईएसएसएन : 2778–6902

उर्दू ग़ज़ल का हिंदुस्तानी मोजद्दिद : गालिब, पृ. 168–184, त्रैमासिक अदब–ओ–सफ़ाक़त (संदर्भित शोधपत्रिका), संस्करण : 3, हैदराबाद, आईएसएसएन : 2455–0248

दाग़ : ज़ुबान–ए–उर्दू का शायर, पृ. 71–75, त्रैमासिक दाग़, दाग़ अकादमी, नई दिल्ली

कलीमआज़िज़ः एक और पहलू से, पृ. 37–44, दरभंगा टाइम्स (त्रैमासिक), दरभंगा, आईएसएसएन सं. 239500

दो हज़ार तरह तक के चांद, उर्दू नॉवेल, पृ. 216–227, अदब सिलसिला, दिल्ली, आईएसएसएनः 2456–0359

राजेन्दर सिंह बेदी के फन का क़ादरेमुख़्तलिफ़ मोतलिया, पृ. 100–110, सोहेल, कोलकाता, खंड 4, संस्करण 7–10, आईएसएसएन 2347–2392

ग़ालिब की ग़ज़ब कहानी, पृ. 240–250, ग़ालिब नामा, खंडः 39, संस्करण : 2, ग़ालिब इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली

इक़बालः आलमीवेहदत का शायर, पृ. 41–46, मेरापायम, नई दिल्ली, आईएसएसएन 9–780991–556984–97809

ग़ालिब, ग़ज़ल और अफसाना, पृ. 55–64, जहाँ–ए–ग़ालिब, आईएसएसएन 2349–0225, खंड 11, संस्करण - 22

अख़्तरुल ईमान तुम ही हो, पृ. 57–61, सबक़–ए–उर्दू, संस्करण :38 , भदोही, नई दिल्ली, आईएसएसएन 2341–1601

डॉ. अर्जुमंद आरा :

शुमालजी जानिब हिज़रत का मौसम (तायिबसलीह के उपन्यास 'सीजन ऑफ माइग्रेशन टू द नॉर्थ का उर्दू अनुवाद), एजुकेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, आईएसबीएन 978–93–86486–69–1

संग–ए–सबूर (अतीक रहीमी के उपन्यास 'पेशंस स्टोन' का उर्दू अनुवाद), सिटी प्रेस, कराची, आईएसबीएन 987–969-648-025-9

जहर मोहरा और दूसरी कहानियाँ (दिव्या माथुर की 24 लघु कथाओं का अनुवाद), एजुकेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, आईएसबीएन 978–93–5073–802–3

अफ़गान अदीब अतीक़ रहीमी और उनके नॉवेल, इमरोज़, अलीगढ़, पुस्तक 2, पृ. 34–55

नसीब और ग़ज़ल में वक्त और हक़ीक़त (रिनेट जैक़बी के 'टाइम एंड रीयल्टी इन नसीब एंड ग़ज़ल' का अनुवाद), उर्दू अदब, अंजुमन तरक्की–ए–उर्दू हिंद, नई दिल्ली, खंड 60 :238,पृ. 81–102, आरएनआई सं. 13640/57

लाश की नुमाइश (हसल ब्लासिम कृत ईराक़ी लघु कथा 'कोर्प्स एक्ज़ीबीशन का अनुवाद), तफ़हीम, राजौरी, जम्मू व कश्मीर, पुस्तक 12, पृ. 140–44, आईएसएसएन 2347–7415

संग–ए–सबूर (अतीक रहीमी के उपन्यास 'पेशंस स्टोन' का उर्दू अनुवाद), आज़, कराची, खंड 93, पृ. 9–107

शुमालजी जानिब हिज़रत का मौसम (तायिबसलीह के उपन्यास 'सीजन ऑफ माइग्रेशन टू द नॉर्थ का उर्दू अनुवाद), आज़, कराची, खंड 97, पृ. 9–144

डॉ. मिथुन कुमार :

डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर, एजुकेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली से 2016 में प्रकाशित।

कर्मावाली में भारत विभाजन की त्रासदी, परिसंवाद में 2016 में प्रकाशित।

अदम गोंडवी की कविताओं में सर्वहारा एवं दलित परिसंवाद में 2016 में प्रकाशित।

सलाम–बिन–रज़्ज़ाक़ के अफ़सानों में दलित सरोकार, तहज़ीब–उल–अख़लाक़ में 2017 में प्रकाशित

डॉ. इम्तियाज़ अहमद, इम्तियाज़ नामक एक पुस्तक लिखी जो कि एम.आर. पब्लिकेशंस, नई दिल्ली से प्रकाशित हुई, आईएसबीएनः 978–93–86125–22–4

डॉ. इरशाद अहमद खानः

उर्दू नॉवेल का चौथा पड़ाव, गुरेज़, आजकल, दिल्ली, जुलाई, 2016,

फ़न, मत्न, तारीख़ और यास्मीन–ए–शाम, *दरभंगा टाइम्स,* अगस्त–दिसंबर, 2016

नई सदी में उर्दू फ़साना : मौजोआत–ओ–मसाइल, ऐवान–ए–उर्दू, दिल्ली, 2016

शेर की फ़िकरे को असद चाहिए है दिलो–दिमाग़, किताबनुमा, मई, 2016

अमीर ख़ुसरो हिंदुस्तान की तहज़ीबियनसाज़ी का बन यदगुजार, नया दौर, मई 2016

अमीर खुसरो की तारीख़ी बसीरत, ऐवान–ए–उर्दू, जुलाई 2017

डॉ. अली अहमद इदरीसी

यशवंत राव चौहान मुक्त विश्वविद्यालय, नासिक, महाराष्ट्र के एम.ए. पाठ्यक्रम (उर्दू) के लिए आठ पुस्तकें लिखी गई हैं -

ज़दीद उर्दू ग़ज़ल

उर्दू शायरी में तंज़–ओ–मिज़ाह

अलीगढ़ तहरीक

अदबी तहरीकात ओ रुझानात

उर्दू ग़ज़ल पहला खंड

उर्दू ग़ज़ल दूसरा खंड

स्टडी ऑफ इक़बाल पहला खंड

स्टडी ऑफ इक़बाल दूसरा खंड

डॉ. शाज़िया ओमैर

अदब और एहतसाब, एजूकेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 6, 2016, आईएसबीएनः 978–93–5073–909–902

उर्दू अफ़साने में औरत की अक्कासी, उर्दू जर्नल, उर्दू विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना, खंड 7, संस्करण 7–8, 2017, आईएसएसएन : 2249–7854

हाली और तालीम–ए–निसवान, आजकल, नई दिल्ली, जनवरी 2017, आईएसएसएनः 0971–846X

आयोजित की गई संगोष्ठियां

निज़ाम वार्षिक व्याख्यान

ग़ालिब स्मृति व्याख्यान

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

डॉ. अली जावेद ने जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में *कंपोजिट ट्रेडिशन ऑफ हिंदी एंड उर्दू* विषय पर एक व्याख्यान दिया, 15 जून 2016

डॉ. मोहम्मद काज़िम:

ग़ालिब स्मृति व्याख्यान, 2016

निज़ाम उर्दू खुतबात, 2016

यूजीसी - मानव संसाधन विकास केद्र (एकेडमिक स्टाफ कॉलेज), गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के अध्यापकों के लिए 13 जुलाई 2017 को आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में *रिसर्च मेथडोलोजी इन लैंग्वेज* नामक व्याख्यान माला

यूजीसी - मानव संसाधन विकास केद्र (एकेडमिक स्टाफ कॉलेज), बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा द्वारा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के अध्यापकों के लिए 31 मई 2017 को ओरिएंटेशन कोर्स एवं रिफ्रेशर कोर्स में *मास कम्यूनिकेशन एंड अवर सोसायटी* नामक व्याख्यान माला।

यूजीसी - मानव संसाधन विकास केद्र (एकेडमिक स्टाफ कॉलेज), जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के अध्यापकों के लिए रिफ्रेशर कोर्स (अंतर–विधायी) में *पोस्ट पारसी इंडियन थियेटर* पर दो भिन्न–भिन्न व्याख्यान, 2016

आज़ादी के बाद दिल्ली में उर्दू ड्रामा, एंजेल्स एजूकेशन एंड सोशल वेल्फेयर सोसायटी, दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में एक की–नोट एड्रेस, 21 जनवरी 2017

दो दिवसीय राष्ट्रीय उर्दू मंच सम्मेलन में *माय काइंड ऑफ थियेटर* (निर्माण के लिए नाटक लेखन), लिटिल थेस्पियन द्वारा आयोजित, 25–26 फरवरी 2017

इंतजार हुसैनः शख्सियत और फ़न विषय पर पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी, पश्चिम बंगाल सरकार, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित दो दिवसीय सेमिनार *में इंतज़ार हुसैन की जुस्तजू क्या है?*, नवंबर 25–26, 2016

दाग़ देहलवी पर उर्दू विभाग, मौलाना आज़ाद उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में *दाग़ देहलवी अपने खुतूत के आइने में,* सितंबर 25–26, 2016

डॉ. मिथुन कुमार, भोपाल उर्दू अकादमी द्वारा 2017 में आयोजित *तर्जुमा की अहमियत ओ इफ़ादियत और दलित सरोकार* विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शाजिया ओमैरः

उर्दू जबान के फ़रोग़ में पॉपुलर अदब का किरदार विषय पर प्रगतिशील मजदूर जन कल्याण सेवा, दिल्ली द्वारा 11 मार्च 2017 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में पॉपुलर अदब में ख़्वातीन का हिस्सा शीर्षक से शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

पैग़ाम अफ़ाक़ी का तख़्लीकी कैनवस विषय पर सेवा, नई दिल्ली द्वारा 12 फरवरी 2017 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में मकानः एक मोतलिया शीर्षक से शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

अख़्तर मुस्लिमी फ़न और शख़्सियत विषय पर अंजुमन तलेबा–ए–क़दीम मद्रासतुलइश्लाह (दिल्ली यूनिट) द्वारा 9 फरवरी 2017 को नई दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में अख्तर मुस्लिमी की शेरी क़ायनात शीर्षक से शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

उर्दू और दीगर हिंदुस्तानी ज़ुबानों के लेसानी और तहज़ीबी रिश्ते विषय पर सपोर्ट इंडिया (2एस), नई दिल्ली द्वारा 13 नवंबर को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में उर्दू और हिंदी का लेसानी रिश्ताःखोसूसी शोरा के हवाले से शीर्षक से शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

फ़ारसी और उर्दूः लेसानी और अदबी रिवायत विषय पर फारसी विभाग, ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज द्वारा 21–22 फरवरी 2016 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में उर्दू शायरी पर फ़ारसी ज़बान–ओ–अदब के असरात शीर्षक से शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. एन.एम.कमलः

गांधी भवन, नई दिल्ली में *चिल्ड्रन लिटरेचर इन उर्दू* विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया, 22/09/2016

एमएएनयूयू, हैदराबाद में *नक्द–ए–दाग़ देहलवी* विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया, 22/09/2016

एमएएनयूयू, हैदराबाद में लघु कथा *दूद–ए–चिराग़–ए–महफ़िल* प्रस्तुत की, 23/09/2016

ग़ालिब अकादमी, दिल्ली में *जर्नी ऑफ उर्दू जर्नलिज़्म* विषय पर अध्यक्षीय भाषण दिया, 09/10/2016

ग़ालिब संस्थान, दिल्ली में *रिसर्च मेथडोलोजी* विषय पर अध्यक्षीय भाषण दिया, 01/11/2016

कंस्टीट्यूशन क्लब में *लिटरेरी कंट्रीब्यूशन ऑफ हकीम अज़मल खां* विषय पर अध्यक्षीय भाषण दिया, 09/11/2016

साहित्य अकादमी, दिल्ली में *अख़्तरुलऐमानः लाइफ़ एंड वर्क्स* विषय पर अध्यक्षीय भाषण दिया, 27/11/2016

ग़ालिब अकादमी में *रुसवाइयाँ पर्चियानात* के विमोचन समारोह में अध्यक्षीय भाषण दिया, 27/11/2016

जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली में *उर्दू मर्सिये में रज़्मनिगार* विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया, 23/04/2017

नोएडा में *उर्दू के फ़रोग़ में ग़ैर मुस्लिम अदीबों का किरदार* विषय पर सेमिनार में अध्यक्षीय भाषण दिया, 14/4/2017

अमीक़ ग्लोबल स्कूल, दिल्ली में *इंम्पोर्टेन्स ऑफ एजूकेशन* विषय पर अध्यक्षीय भाषण दिया, 15/4/2017

अल–अज़हर हिंद यूनिवर्सिटी, दिल्ली में *तालीम की अहमियत* विषय पर अध्यक्षीय भाषण दिया, 20/5/2017

दिल्ली उर्दू अकादमी में एक लघु कथा *मुज़रिम कौन* प्रस्तुत की, 21/5/2017

पुरस्कार एवं विशेष योग्यताएँ

डॉ. इम्तियाज़ अहमद, दिल्ली उर्दू अकादमी, दिल्ली द्वारा आयोजित *नए पुराने चिराग़* शीर्षक से आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार के सत्र का आयोजन किया, 29 मार्च–2 अप्रैल, 2017

डॉ. इरशाद अहमद खाँ :

उर्दू ग़ज़ल 1950 *से दौर–ए–हाज़िर तक* विषय पर एक की-नोट अभिभाषण दिया, गुजरात विभाग, आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, अहमदाबाद, गुजरात, 25 फरवरी 2017

इक्कीसवीं सदी में उर्दू अफ़सान : मौजोआत–ओ–मसाओ, उर्दू विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 27 अक्तूबर, 2017

प्रदान की गई एम.फिल./पीएच.डी. उपाधियाँ

पीएच.डी. - 05

एम.फिल. - 15

संकाय संख्या

स्थायी - 14

*****

वाणिज्य एवं व्यवसाय संकाय

वाणिज्य

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

इस वर्ष बीकॉम (ऑनर्स), बीकॉम और बीए (प्रोग्राम) में कुछ नए पेपरों की शुरुआत और कुछ मौजूदा पत्रों में संशोधन के रूप में में स्नातक पाठ्यक्रम के संशोधन किया गया। वर्ष के दौरान आयोजित मुख्य कार्यक्रमों में निम्नलिखित शामिल थे– रिम्निसेंस '16 – एमबीए पूर्व छात्र मिलन समारोह, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईजीओवी 2017) एनईजीडी, माल और सेवा कर पर संगोष्ठी के सहयोग सेः आगे का मार्ग, 21वां वार्षिक व्यापार सम्मेलन, इरुडेशन2016, दो दिवसीय 5वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय ''आरंभ से निरंतरताः पहल और चुनौतियां'' ,साइबर कानून और अपराध पर कार्यशाला – द डार्क साइड, दो दिवसीय वार्षिक प्रबंधन उत्सव – 'अथर्व' और स्वच्छ अभियान की पहल पर वाणिज्य सम्मेलन। इन कार्यक्रमों ने विभिन्न क्षेत्रों से प्रसिद्ध गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति के साथ, विद्यार्थियों, शोध विद्वानों, संकाय, पूर्व छात्रों को बहुमूल्य बातचीत और ज्ञान बांटने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान किया गया।

सम्मान/विशिष्टताएं

संकायः

कविता शर्मा को ईएससीपी यूरोप, मलयेशिया विश्वविद्यालय और मॉरीशस विश्वविद्यालय के सहयोग से 21–23 जून, 2016 को दिल्ली स्कूल ऑफ बिजनेस, वीआईपी द्वारा आयोजित शासन और स्थायित्व, कॉर्पोरेट वित्त पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत 'ऊर्जा कुशल उत्पादों की ओर उपभोक्ता व्यवहार के पूर्ववर्ती' पर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार।

वनिता त्रिपाठी को 20–21 दिसम्बर, 2016 के दौरान नई दिल्ली में एफआईआईबी द्वारा आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में प्रस्तुत 'भारतीय खानों द्वारा बाहरी विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के निर्धारक' के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार।

अमित कुमार सिंह, के वी भानुमूर्ति और अन्नू अग्रवाल को शहीद भगत सिंह (सांध्य) कॉलेज वित्तीय अध्ययन विभाग (दिल्ली दक्षिण कैंपस विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के साथ मार्च 1–2, 2017 के दौरान इंटरनेशनल फाइनेंशियल सिस्टम पर वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत 'स्टॉक रिटर्न्स और एक्सचेंज रेट के मैक्रो–इकनॉमिक पूर्ववृत्तः भारत के लिए चुनौतियां और प्रभाव, के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार।

छात्रः

राष्ट्रीय कार्यक्रम स्टॉक माइंडः विशाल (एम.कॉम.) बैच 2014–16 ने राष्ट्रीय राष्ट्रीय कार्यक्रम स्टॉक माइंड–4 (सर्वश्रेष्ठ उभरते निवेशक के लिए खोज) में पहला पुरस्कार जीता।

प्रकाशन

राष्ट्रीय प्रकाशनः

एस कविता और ए जरीन, (2016). ग्राहक जीवन समय मान का एक अध्ययन और ग्राहक प्रतिधारण पर इसका प्रभाव। *जर्नल ऑफ मार्केटिंग विस्ता,* 6(1), 14–25.

वी.के. श्रोत्रिय (2016). *छोटे हैं फिर भी सुंदर है।* एसएमई वर्ल्डए 9(9), 23.

वी त्रिपाठी, और पी चौधरी, (2016). भारतीय और चीनी स्टॉक मार्केट में अनुमानित अस्थिरता। बैंकिंग, जोखिम एवं बीमा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4(2), 37–49.

वी त्रिपाठी, और एस गर्ग, (2016). एक्सचेंज ट्रेडेड फंड की मूल्य निर्धारण क्षमता का क्रॉस कंट्री विश्लेषण। अनुप्रयुक्त वित्त की पत्रिका, 22(3), 41–63.

वी त्रिपाठी और वी भंडारी, (2016). 'बाजार स्थितियां और भारत में सामाजिक रूप से जिम्मेदार शेयर पोर्टफोलियो का प्रदर्शन' व्यापार परिप्रेक्ष्य,, 15(1), 1–19.

वी त्रिपाठी, और वी भंडारी, (2016). भारतीय शेयर बाजार के सभी क्षेत्रों में सामाजिक रूप से जिम्मेदार शेयर पोर्टफोलियो का प्रदर्शन। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में व्यवसाय नैतिकता की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(1), 10–24.

वी त्रिपाठी, और ए कुमार, (2016). कुल शेयर की कीमतों और ब्रिक्स स्टॉक मार्केट में मैक्रोइकॉनॉमिक कारकों के बीच लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते। प्रबंधन और सार्वजनिक नीति में उभरते रुझान, 1–28.

एस कानोजिया, और एन अरोड़ा, (2016). बुल एंड बियर मार्केट चरणः भारतीय स्टॉक मार्केट का एक अनुभवजन्य अवलोकन। वित्तीय प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,6 (2)

रश्मि और एच.के. डांगी, (2016). रिटेलर की तरह कार्य करें, एक ब्रांड की तरह सोचें: भारतीय संदर्भ में भविष्य के अनुसंधान के लिए फुटकर बिक्री ब्रांड इक्विटी और एजेंडे का अवलोकन। प्रबंधन अनुसंधान एवं नवाचार की एशिया प्रशांत पत्रिका, 12 (1), 67–84

के सिंह, और एच.के. डांगी, (2016) भारत में स्मार्टफोन का प्रसार। प्रबंधन की इंद्रप्रस्थ पत्रिका, 3(2), 91–100

एच.के. डांगी, और ए कृष्णा, (2016) भारत में चुनिंदा धार्मिक स्थलों की आपदा तैयारियों की योजना का आकलन दक्षिण एशिया के आपदा में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया।

ए के सिंह और ए के आनंद, (2016). प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्तावः साहित्य की समीक्षा इंस्पिरिया– आधुनिक प्रबंधन और उद्यमशीलता की पत्रिका, 6(3), 36–46.

ए के सिंह और पी बंसल, (2016). फर्मों के प्रदर्शन और मूल्यांकन पर वित्तीय सुविधाओं का प्रभावः एक पैनल डेटा विश्लेषण लेखांकन की भारतीय पत्रिका, XLVIII(2)

ए के सिंह, और ए अजमानी, (2016 भारत में बी2बी ईकॉमर्स का भविष्य– विक्रेताओं के परिप्रेक्ष्य का एक अनुभवजन्य विश्लेषण इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स, इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन, 69(3), जुलाई–सितंबर

ए के सिंह, और एम कुमार, (2016). अमेरिकी सबप्राइम संकट, संसर्ग और भारतीय शेयर बाजार और चीन और यू. एस.ए. के शेयर बाजारों के बीच अंतर–संबंधः एक अनुभवजन्य विश्लेषणए स्प्लिट इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोफेशनल.

पुस्तकें

वी त्रिपाठी, (2016). बुनियादी वित्तीय प्रबंधन। आईएसबीएन 978–93–86189–04–02, नई दिल्लीःटैक्समैन प्रकाशन

ए के सिंह, और आर श्रीवास्तव, (2017). 2010–2015 के दौरान एनएसई पर आईपीओ प्रदर्शन का आकलन। वाणिज्य और व्यवसाय प्रबंधन के उभरते मुद्दों में, आल क्लीयर प्रकाशन।

ए के सिंह, (2016). (संपा.) प्रबंधन सिद्धांत और अनुप्रयोग। आईएसबीएनः978–93–5262–299–3, नई दिल्लीः हिमालय पब्लिशिंग हाउस

विभाग द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएंः

जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज

संपादक / संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्यरत संकाय सदस्य
डॉ. सुनैना कनोजियाः
एमिटी जर्नल ऑफ कॉरपोरेट गवर्नेंस (एजेसीजी), एमिटी यूनिवर्सिटी के संपादकीय समीक्षा बोर्ड की सदस्य। आईएसएसएनः 2455–989 X (प्रिंट), आईएसएसएनरू 2456–1533 (ऑनलाइन)
ऑफ बिजनेस एनालिस्ट, श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के रेफ्रिड जर्नल के संपादकीय समीक्षा बोर्ड की सदस्य। आईएसएसएनः 0973211 X
विजन, वाणिज्य और प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के संपादकीय समीक्षा बोर्ड की सदस्य, आईएसएसएनः 0973–5976
व्यवसाय प्रबंधन एवं पर्यावरण स्थिरता के संपादकीय समीक्षा बोर्ड की सदस्य। आईएसएसएनः 22492054
डॉ. अमित कुमार सिंहः
व्यवसाय प्रबंधन में अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, मैक्रोथिंक इंस्टीट्यूट, लास वेगास, यूएसए में संपादकीय बोर्ड के सदस्य।
शहीदभगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की एक पत्रिका, *व्यवसाय अध्ययन की पत्रिका* के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

अनुसंधान परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, ऊर्जा बचत उत्पाद और सतत शहर, प्रो कविता शर्मा, 1,40,000 रुपए।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना, मेजबान देश की कंपनियों में बहु–राष्ट्रीय उद्यमों के स्वामित्व ढांचे को तय करने में संस्थागत पर्यावरण की भूमिका का अधिकारः चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं से साक्ष्य, डॉ. नीति भसीन, 1,00,000 रुपए।

डॉ हेमेंद्र के डांगी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना, भारत में चुनिंदा धार्मिक स्थानों की आपदा तैयारियों की योजना का आकलन करने के लिए, 1,00,000 रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां / सम्मेलन
पूर्व प्रवेश ग्रीष्मकालीन स्कूलः 'पूर्व –प्रवेश ग्रीष्मकालीन स्कूल' के माध्यम से एम.कॉमः ईडब्ल्यूएस/बीपीएल, एससी, एसटी, ओबीसी (गैर–मलाईदार) और अल्पसंख्यक वर्ग के एम.कॉम पाठ्यक्रम के उम्मीदवारों को निःशुल्क मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उपराष्ट्रपति प्रो योगेश त्यागी ने 30 मई, 2016 को इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया था। 23 संकाय सदस्यों ने इस स्कूल में 106 छात्रों को पढ़ाया। डॉ. उर्वशी शर्मा और डॉ. अमित कुमार सिंह ने इस स्कूल का समन्वय किया।

पूर्व–नेट शीतकालीन विद्यालयः ''पूर्व–नेट शीतकालीन विद्यालय'' के माध्यम से ईडब्लूएस/बीपीएल, एससी, एसटी, ओबीसी (गैर–मलाईदार) और अल्पसंख्यक जैसी श्रेणियों के एनईटी परीक्षा (यूजीसी) के उम्मीदवारों को निःशुल्क मार्गदर्शन प्रदान किया गया। 17 दिसंबर, 2017 वाणिज्य विभाग की प्रमुख, प्रोफेसर कविता शर्मा और रसायन

विज्ञान विभाग के प्रमुख श्रीकांत कुकरेती ने को इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। 26 संकाय सदस्यों ने यहां 104 छात्रों को पढ़ाया था। स्कूल का संयोजन सुश्री शिवानी गर्ग ने किया था।

डिजिटल भारत पर एक संगोष्ठीः संभावनाएं और आयामः वाणिज्य विभाग ने 27 फरवरी, 2017 को पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में एनजीडी के सहयोग से 'डिजिटल इंडियाः संभावनाएं और आयाम' पर चर्चा की। कॉमर्स विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की प्रोफेसर कविता शर्मा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। श्री रविंद्र विज और सुश्री सरिका श्रीवास्तव, प्रबंधक (आईटी), सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और श्री विजय ठाकुर, राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस डिवीजन के निदेशक को वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

संगोष्ठी, एमबीए (आईबी), आईआईएसएसी (उद्योग सहभागिता और छात्र गतिविधि समिति), वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा एक वार्षिक कॉरपोरेट सम्मेलन का आयोजन किया गया था। पूरे दिन के तीन सत्रों में विस्तारित और विभिन्न पृष्ठभूमि के विशेषज्ञों के एक पैनल के साथ आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य संकाय और छात्रों को कॉर्पोरेट जगत का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध कराने और कॉर्पोरेट दुनिया के बीच बिन्दुओं को जोड़ने के लिए एक विशाल भंडार का इस्तेमाल करने का अवसर प्रदान करना था। सरस्वती देवी के प्रति श्रद्धा के प्रतीक, ज्ञान के दीपक को प्रज्जवलित कर कार्यक्रम आरंभ किया। वक्ताओं के परिचय और डॉ. आशीष चंद्र (समन्वयक, एमबीए–आईबी) से कुछ शब्दों के बाद सत्र को खुला घोषित किया गया था ।

एमबीए (मानव संसाधन विकास) और एमबीए (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार) के छात्रों द्वारा संयुक्त रूप से 23–24 सितंबर, 2016 को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, संसद मार्ग, नई दिल्ली में 21वां वार्षिक व्यापार सम्मलेन इरुडिशन 2016 आयोजित किया गया था।

'ट्रान्सेंडः द फ्यूचर इज हियर' थीम के साथ 'इरुडिशन –16' ने शिक्षाविदों, उद्योगपतियों, उद्यमियों और प्रबंधन गुरुओं को व्यावहारिक ज्ञान साझा करने और छात्रों के साथ विश्व स्तर पर मौजूदा व्यापार प्रथाओं पर अपनी अंतदृष्टि साझा करने के लिए एक आम मंच प्रदान किया। डॉ. जगदीश मुखी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लेफ्टिनेंट गवर्नर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे और श्रीमती पिया खन्ना, एचआर (दक्षिण एशिया) की प्रमुख, ड्यू पॉन्ट मुख्य वक्ता थीं।

5वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलनः वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स ने 4–5 नवंबर 2016 को पल्लवी सभागार, वल्लभभाई पटेल चेस्ट संस्थान में 'आरंभ से निरंतरताः पहलें और चुनौतियां' पर दो दिवसीय 5वें अंतर्राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। सम्मेलन के पहले दिन राज्यसभा सदस्य, डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी, उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष थे। इस कार्यक्रम में डिजिटल इंडिया और सतत मुद्द पर समानांतर सत्र और चर्चाएं हुईं, जिनमें उद्योग और शिक्षा के क्षेत्र में गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। सम्मेलन में पूरे दिन पूरे देश के विद्वानों से लगभग 120 शोध पत्र प्रस्तुत किए।

आयोजित विशेष व्याख्यानः

श्री नीरज जस्रोटिया, इकाई प्रबंधक – वैश्विक साझा सेवाएं, एरिक्सन, कार्यबल योजना और विश्लेषिकी, 22.08. 2016

श्री सुब्रतो बाउल, मानव संसाधन प्रमुख दक्षिण एशिया, गैप इंक। मानव संसाधन में कैरियर के लिए योग्यता, 6.09. 2016

श्री प्रभाव मेहरा, एसोसिएट उपाध्यक्ष, लुकाइडस, डिजिटल पुनर्जागरण बिक्री रूपांतरण, 16.09.2016

श्री राजीव कंधारी, टीम प्रबंधक, रूपांतरण, रॉयल एनफील्ड जनरल, 22.09.2016

श्री राजीव जैन, निदेशक एवं सीएफओ, इंटेक्स, विमुद्रीकरण एवं उद्योग पर प्रभाव, 25.01.2017

श्री बीरेन मिश्र,एसोसिएट डायरेक्टर, यूनाइटेड हेल्थ ग्रुप, एक वीयूसीए पर्यावरण में नेतृत्व चुनौती, 07.02.2017

प्रो. एस पी पराशर, पूर्व निदेशक, आईआईएम इंदौर, प्रभावी शिक्षा के लिए शोध, 24.03.2017

संगोष्ठियों / सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

कविता शर्मा ने 19 –23 जुलाई, 2016 को पेरिस, फ्रांस में आयोजित विश्व विपणन कांग्रेस में अकादमी के विपणन विज्ञान में सूचना प्रसंस्करण और उपभोक्ता मूल्यांकन ट्रैक के तहत 'लेबल धारणा और उपभोक्ता का निर्णय लेनाः एक अनुभवजन्य जांच' शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वी के श्रोत्रिय ने 27 जून से 17 जुलाई 2016 को एचआरडीसी नार्थ–ईस्ट हिल विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा आयोजित विशेष ग्रीष्कालीन स्कूल के दौरान 'काम की खुशी और उपलब्धि', और 'अध्यापन – के रूप में आजीविका और स्व–विकास' पर व्याख्यान दिए

एसके जैन ने 7–9 मार्च, 2017 को यूनेस्को के सहयोग से राष्ट्रीय ई–प्रशासन अनुभाग (एनएजीडी), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय), भारत सरकार और संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय नीति चालित इलेक्ट्रॉनिक प्रशासन (यूएनयू–ईजीओवी) ऑपरेटिंग यूनिट द्वारा अशोक होटल, नई दिल्ली में आयोजित थ्योरी एंड प्रैक्टिस ऑफ इलेक्ट्रोनिक गवर्नेंस (आईसीएजीओवी) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया,

वनीता त्रिपाठी ने 29–31 जुलाई, 2016 के दौरान सेंट जॉन विश्वविद्यालय न्यूयॉर्क संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित विश्व वित्त सम्मेलन 2016 में 'निवेश' पर एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

सुनैना कनोजिया ने अगस्त, 2016 में कोलोन बिजनेस स्कूल, यूरोपीय विश्वविद्यालय एप्लाइड साइंसेज, कोलोन, जर्मनी, द्वारा सीएसआर, स्थिरता, नैतिकता और शासन पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कॉरपोरेट गवर्नेंस, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और फाइनेंशियल परफॉर्मेंसः सूचीवद्ध भारतीय बैंकों से साक्ष्य', पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एच.के. डांगी और रितु सपरा ने 5– 9 मई, 2016 के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका के ऑरलैंडो में आयोजित उत्पादन और परिचालन प्रबंधन सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन में 'आपदा संचालनों में नुकसान के आकलन के तरीकेः एक अन्वेषणपूर्ण अध्ययन' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

राष्ट्रीय एमओयू–सीएटी –2016

नियुक्ति का विवरण

एमबीए (आईबी) पहले एमआईबी के नाम से परिचित 2016–17 बैचः

नियुक्त छात्र – 37(80 प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 31

एमबीए (एचआरडी) पहले एमएचआरओडी के नाम से परिचित 2016–17 बैचः

नियुक्त छात्र – 29 (70प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 36

एम. फिल. / पीएच.डी. डिग्री

पीएच.डी. –10

एम. फिल. – 20

संकाय की संख्या

स्थायी – 16

तदर्थ – 16

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रो. रजनीश नरुला, निदेशक, जॉन एच. डनिंग सेंटर फॉर इंटरनेशनल बिजनेस, हेन्ले बिजनेस स्कूल, यूनाइटेड किंगडम द्वारा 16 मार्च, 2017 को 21 वीं सदी में आर्थिक विकास के एमएएनई क्यों मायने रखते हैं पर एक विशेष व्याख्यान।

24 मार्च, 2017 को प्रभावी अधिगम के लिए अनुसंधान पर एक इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किया गया था। सत्र के प्रख्यात वक्ता थे प्रोफेसर एस पी पराशर, जो कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो, संयुक्त राज्य अमेरिका में सहायक संकाय हैं और उन्होंने आईआईएम इंदौर के निदेशक के रूप में भी कार्य किया है।

राष्ट्रीय कार्यक्रम शेयर माइंडः विशाल (एम.कॉम.) बैच 2014–16 ने आईसीआईसीआई डायरेक्ट सेंटर फॉर फाईनेंसियल लर्निंग (आईसीएफएल) के तत्वावधान में 28 अप्रैल, 2016 को मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम स्टॉक माइंड– 4 (सबसे अच्छे उभरते निवेशक की खोज) में प्रथम पुरस्कार जीता। इस को मीडिया पार्टनर सीएनबीसी टीवी 18 द्वारा कवर किया गया था। समारोह को गौरवान्वित करने के लिए वाणिज्य विभाग की प्रमुख, कविता शर्मा को आमंत्रित किया गया था और विभाग ने स्टॉक माइंड सत्र– 4 के लिए रोलिंग ट्रॉफी प्राप्त की।

4 फरवरी, 2017 को पूर्व छात्र दिवस का आयोजन किया गया। यह पूर्व छात्रों को दुबारा विश्वविद्यालय और एक दूसरे तथा मौजूदा छात्रों से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इसे तीन प्रमुख सत्रोंः प्रकरण अध्ययन प्रतियोगिता, मजेदार गतिविधियों और पैनल चर्चा में विभाजित किया गया था।

***

वित्तीय अध्ययन

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

वित्तीय अध्ययन विभाग ने अपने चौबीसवें वार्षिक सम्मलेन का उद्घाटन किया। श्री पी.पी. मित्रा, प्रधान सलाहकार, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय सरकार और श्री ऑगस्टाइन पीटर, माननीय सदस्य, भारतीय प्रतियोगिता आयोग इस सम्मेलन के विशिष्ट अतिथि थे।

प्रकाशन

एस सहगलः

(2017). अस्थिरता प्रभाव और लाभ में दृढ़ गुणवत्ता कारक की भूमिकाःभारतीय इक्विटी मार्केट से साक्ष्य। आईआईएमबी प्रबंधन की समीक्षा,, 29(1), 18–28

(2017). उभरते हुए इक्विटी मार्केट्स में सूचना संपर्क : एक अनुभवजन्य अध्ययन। डिसीज़न, 44(1), 15–38

(2016). ईएमयू में रिटेल बैंकिंग से गैर–वित्तीय निगमों का एकीकरण। आर्थिक एकता की पत्रिका, 31(3), 674–735

(2016). सामान्य और संकट काल के लिए आर्थिक और मौद्रिक संघ में समय–भिन्न स्टॉक मार्केट एकीकरण का आकलन करना। यूरोपियन जर्नल ऑफ फाइनेंस, 23(11), 1–34

(2016). एनएसई निफ्टी स्पॉट और फ्यूचर्स मार्केट्स के बीच घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय सूचना संबंधः भारत के लिए एक अनुभवजन्य अध्ययन। डिसीज़न, 43(3), 239–258

(2016). पार–अनुभागीय अस्थिरता और स्टॉक रिटर्न :उभरते बाजारों के लिए प्रमाण। विकल्प, 31(3), 234–246

(2016). पार अनुभागीय क्षण और पोर्टफोलियो रिटर्नः चुनिंदा उभरते बाजार के लिए प्रमाण। आईआईएमबी प्रबंधन की समीक्षा. 28(3), 147–159

ए गुप्ता, और टी नैशियर, (2016). मजबूत प्रदर्शन पर संस्थागत स्वामित्व का प्रभाव कॉर्पोरेट गवर्नेंस की आईयूपी पत्रिका 15 (3), 36–55.

अनुसंधान परियोजनाएं

इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली, 2015–2017, सार्क क्षेत्र में वित्तीय एकीकरणः प्रायोगिक विश्लेषण और नीति के मुद्दे, प्रो. संजय सहगल।

आयोजित सम्मेलन

'भारतीय वित्तीय क्षेत्र में जोर और चुनौतियां –आगे की राह' पर 15 अक्टूबर 2016 को नई दिल्ली में होटल शांग्री–ला में 29वां वार्षिक सम्मलेन।

एमबीए (वित्तीय प्रबंधन) के छात्र निकाय, वित्त और नियंत्रण एसोसिएशन (एएफसीओएन) ने मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के सहयोग से 'कमोडिटी डेरिएटिव्स मार्केट का विकास' पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्घाटन वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के सलाहकार (सीएम) डॉ. शशांक सक्सेना ने किया। श्री एस.के. मोहंती, कार्यकारी निदेशक, सेबी ने मुख्य वक्तव्य दिया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

संजय सहगल और फ्लोरेंट डायस्टिंगः

वित्त के लिए दूसरी सांख्यिकीय पद्धति, चेन्नई गणितीय संस्थान, एशियाई आर्थिक समुदाय मंच (एईसीएफ) 2016 के आठवें सम्मेलन, इनचान, दक्षिण कोरिया में 'गतिशील मुद्रा सम्पर्क और उसके निर्धारकः ईस्ट एशियन इकोनॉमिक कम्युनिटी क्षेत्र के लिए एक अनुभवजन्य अध्ययन' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया (2016)

चौथे पैन–आईआईएम वर्ल्ड मैनेजमेन्ट कॉन्फ्रेंस, आईआईएम अहमदाबाद, भारत, 2016 में 'दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के बीच गतिशील मुद्रा संबंधों का परीक्षणः एक अनुभवजन्य अध्ययन' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

दक्षिण एशियाई आर्थिक विकास पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'दक्षिण एशियाई इक्विटी मार्केट्स में अलग–अलग समय पर एकीकरणः एक अनुभवजन्य अध्ययन' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत, 2017.

आईजीआईडीआर पीएच.डी. कोलोक्वियम 2016, मुंबई, 14वां आईएनएफआईएनआईटीआई सम्मेलन, इंटरनेशनल फाइनेंस, डबलिन, आयरलैंड में 'पूर्व एशियाई आर्थिक सामुदायिक क्षेत्र में स्टॉक मार्केट एकीकरण डायनेमिक्स और इसके निर्धारक' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
अमिताभ गुप्ता और टी. नैशियर ने 'परिवार के स्वामित्व और फर्म परफॉर्मेंसः भारत से साक्ष्य' विश्व वित्त सम्मेलन, न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका में 29 –31 जुलाई 2016 को एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन
विभाग ने बूकारेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज, रोमानिया और स्कूल ऑफ बिजनेस, पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के साथ दो समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करने का प्रस्ताव दिया है।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र
डॉ. मिहेला एमओसीएएनयू, व्याख्याता, बुखारेस्ट आर्थिक अध्ययन के विश्वविद्यालय, रोमानिया के लेखांकन और प्रबंधन सूचना अध्ययन, लेखांकन और लेखा परीक्षा विभाग के संकाय ने 5 जनवरी, 2017 और फरवरी 15, 2017 के बीच वित्तीय अध्ययन विभाग में एक शोध विकसित किया और *धोखाधड़ी एवं जोखिम प्रबंधनः भारत और रोमानिया में बैंकों की रिपोर्टिंग प्रथाओं का तुलनात्मक अध्ययन* के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य किया।

नियुक्ति का विवरण
नियुक्त छात्र – 21 (84 प्रतिशत)
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 14
विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ
विभाग ने 1–2 मार्च, 2017 को भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, लोधी रोड, नई दिल्ली में 'अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणालीः भारत के लिए चुनौतियां और प्रभाव' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के साथ ज्ञान साझेदार के रूप में कार्य किया। ।
एम फिल/ पीएच.डी. डिग्री
पीएच.डी – 5
संकाय की संख्या– 6

*****

शिक्षा विभाग

शिक्षा

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

शिक्षा विभाग को सामान्य तौर पर केंद्रीय शिक्षा संस्थान के रूप में जाना जाता है। यह शिक्षा के क्षेत्र में दो वर्ष का बी.एड., दो वर्ष का एम.एड., एम फिल (पूर्णकालिक और अंशकालिक प्री–डॉक्टरेट रिसर्च कार्यक्रम) और पीएच.डी. (शिक्षा में डॉक्टरेट अनुसंधान कार्यक्रम) पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग के सभी संकाय सदस्य पूरे वर्ष विभिन्न

मौजूदा पाठ्यक्रमों को विकसित और संशोधित करने, नए कार्यक्रमों को समृद्ध करने, नए कार्यक्रमों को लागू करने में सामने आने वाली चुनौतियों को हल करने में व्यस्त रहे। विभाग द्वारा विकसित कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों ने देश भर में कई संस्थानों के लिए एक मानदंड स्थापित किया है।

संकाय सदस्यों की एक बड़ी संख्या आईएएसई/एमएचआरडी और दिल्ली विश्वविद्यालय की अनुसंधान काउंसिल द्वारा वित्त–पोषित विभिन्न शोध परियोजनाओं में शामिल रही। वे पाठ्यक्रम के विकास और अध्ययन के पोर्टफोलियो तैयार करने के लिए अंतर–संस्थान सहयोग में भी व्यस्त रहे। कुछ देशों के विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने विभाग का दौरा किया।

प्रकाशनः

एन जैमिनी, (2016). शैक्षणिक ई–स्रोत के रूप में विज्ञान संग्रहालयः कार्य आधारित सुविधा। *मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(6),* 15–22.

वी. के. कांवरिया, और एस बिष्ट, (2016). सतत विकास के लिए शिक्षा में आईसीटी को एकीकृत करनाःएक सुविधा प्रदाता की अवधारणा। *शिक्षा एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3 (6),* 51–58.

वी. के. कांवरिया और गीतांजलि (2016). इंटरनेट आसक्तिःकॉलेज के छात्रों पर प्रभाव का एक अध्ययन। एम.गेरा, एम.पी.सिंह, एच.सिंह, और एस.बी. धीमान (संपा.) *मीडिया प्रौद्योगिकियांः एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन* (पृष्ठ 220–225) पटियालाः ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी पब्लिकेशन।

वी. के. कांवरिया और एन गुप्ता, (2017). वेब आधारित शिक्षा की खोज करनाःदूरस्थ शिक्षार्थियों की धारणा। वैश्विक संदर्भ में दूरी और ई–शिक्षण (पृष्ठ 316–324) *पटियालाःट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी पब्लिकेशन*।

वी. के. कांवरिया और डी कुकरेजा, (2017). वेब आधारित शिक्षण और शिक्षक शिक्षा में सीखनाःएक वास्तविकता या अभी भी एक दृष्टिकोण। वैश्विक संदर्भ में दूरी और ई–शिक्षण, 233–239. *पटियालाः ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी पब्लिकेशन।*

वी. के. कांवरिया और पी नाडर, (2016). टेलिविजन हिंसाः बच्चों में आक्रामकता को निष्क्रिय करना। मीडिया प्रौद्योगिकियांः एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन, 349–356. *पटियालाः ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी पब्लिकेशन।*

वी. के. कांवरिया और बी नागपाल, (2017). स्कूल में बुलेटिन बोर्ड शिक्षण की सुविधा के लिए एक उपकरण। *एडुस्पेक्ट्रा,* 3, 6–13.

वी. के. कांवरिया और पी यादव, (2017). एशिया के विकासशील देशों में शिक्षा पर आईसीटी नीतियांः ध्यान और प्राथमिकता वाले क्षेत्रः *शिक्षा की जामिया पत्रिका : एक अंतर्राष्ट्रीय अर्धवार्षिक प्रकाशन,* 3(2), 151–158.

वी. के. कांवरिया, (2016). *स्कूल में गणित का अभिनव शिक्षण–अधिगम तरीका।* नई दिल्लीः वीएल मीडिया सॉल्यूशन।

वी. के. कांवरिया, (2016). शब्दार्थ और गणितीय घटनाओं में उपयोगितावादः एक भाषा विज्ञान दृष्टिकोण। ई रीलियन, जी वॉकर, ए एलसी, और एल जैक्सन (संपा.) *आधुनिक शिक्षा में अनुप्रयुक्त शिक्षण सिद्धांत और डिजाइन पर अनुसंधान की पुस्तिका* (पृष्ठ 772–785) यूएसएःआईजीआई ग्लोबल।

वी. के. कांवरिया, (2017). सामाजिक रूप से वंचित समूह, शिक्षा और आईसीटी की भूमिका। एस. के. कलहोत्रा एवं आर. बक्षी (संपा.) शिक्षा पर समाजवैज्ञानिक अंतर्दृष्टि, 212–225 नई दिल्लीः अखण्ड प्रकाशन हाउस

एस. कुमार, (2017). *सामाजिक विज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र,* दिल्लीः पियर्सन

एस. कुमार, (2017). *हिंदी शिक्षण,* दिल्लीः पियर्सन

एस. लक्ष्यानी, (2016). *कलाकारों के रूप में कला शिक्षक,* दिल्लीः एम.एफ. हुसैन आर्ट गैलरी।

एस. लक्ष्यानी, (2016). *आर्ट फियेस्टा '16,* दिल्लीः एम.एफ. हुसैन आर्ट गैलरी।

एस. लक्ष्यानी, (2016). *आशा का जश्न मनाते हुए,* दिल्लीः विजुअल आर्ट गैलरी, भारत आवास केंद्र।

एस. लक्ष्यानी, (2016). *जड़ों पर लौटते हुए–2,* दिल्लीः एम.एफ. हुसैन आर्ट गैलरी।

एस. लक्ष्यानी, (2017). *भारत के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा चित्रों और मूर्तियों की अखिल भारतीय प्रदर्शनी।* दिल्लीः कला एवं संस्कृति का फिलिपोज केंद्र।

एस. लक्ष्यानी, (2017). *कला पर अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी।* रूसः कला और डिजाइन की सेंट पीटर्सबर्ग स्टैग्लिट्ज एकेडमी।

ए रंजन, (संपा.) (2017). शि*क्षा का द्वंद्ववादः तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण।* उत्तर प्रदेशःहर्ष प्रकाशन।

वी.सक्सेना, (2016). ई–शिक्षण वातावरणःस्कूलों में समावेशन को सुदृढ़ बनाना। *शिक्षा की जामिया पत्रिका,* 3 (1), 38–43.

वी.सक्सेना, (2016). आविष्कारशील सहकर्मी बातचीतः भारतीय स्कूलों में सफल समावेशन की कुंजी। *क्वेस्ट* – यूजीसी–एचआरडीसी पत्रिका, 10 (3), 264–269.

वी. सक्सेना, (2016). अदृश्य बचपन : लेकिन मुझे स्कूल क्यों जाना चाहिए? *हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय की पत्रिका,* 3, 18–20.

वाई.शर्मा, (2016). *स्कूल के प्राथमिक विभाग के बच्चों में ईश्वर की अवधारणा का अध्ययन।* दिल्लीः वैश्विक पुस्तक संगठन

वाई. शर्मा, (2016). *सीखने के संदर्भ में वैज्ञानिक रचनात्मकता।* दिल्लीः वैश्विक पुस्तक संगठन

अनुसंधान परियोजनाएं

एन. जैमिनी, प्रमुख अन्वेषक, अनुसंधान एवं विकास संकाय कार्यक्रम, दिल्ली विश्वविद्यालय, (2015–16), विज्ञान संग्रहालयों में विस्तारित सीखने के अनुभव के लिए संकल्पनात्मक रूपरेखा और मूल्यांकन संकेतक विकसित करना, रु.1,20,000.

वी.के.कांवरिया, प्रमुख अन्वेषक, अनुसंधान एवं विकास, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1 वर्ष, (2016).*स्कूली गणित में शिक्षण–अधिगम की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए संसाधन सामग्री का विकास करना,* रु.1,00,000.

ए रंजन, प्रधान अन्वेषक, आईएएसई–एमएचआरडी, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1 वर्ष, (2016–17)., रु.1,00,000. *शिक्षा का द्वंद्ववादः तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण,* रु. 1,00,000.

आयोजित सम्मेलनः

डी परिमल, राष्ट्रीय संगोष्ठी, विविधता के लिए शिक्षकों को शिक्षित करना। 22–24 फरवरी, 2017.

वी. के. कांवरिया, राष्ट्रीय संगोष्ठी, शैक्षणिक लेखन, साहित्यिक चोरी और उद्धरण। 25 फरवरी, 2017.

एस. कुमार, राष्ट्रीय संगोष्ठी, शिक्षण में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण का अन्वेषण। 28 जनवरी, 2017

वी. प्रीति मिश्रा, राष्ट्रीय संगोष्ठी, शिक्षक का मानसिक स्वास्थ्यः चिंताएं, हताहतों की संख्या और संभाल। 23 फरवरी, 2017

ए. रंजन, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, शिक्षा का द्वंद्ववादः तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, संयोजक, आईएएसई–एमएचआरडी, रु.1,00,000/–, 16 फरवरी, 2017.

वी. सक्सेना, राष्ट्रीय संगोष्ठी, समावेशी शिक्षा विज्ञान प्रवेश और परे, 3–4 फरवरी, 2017.

आयोजित सम्मेलन

एन. जैमिनी, संयोजक, राष्ट्रीय सम्मेलन, शिक्षण में अनुसंधानःपद्धतिगत मुद्दे और उभरते रुझान, 4 मार्च, 2017, आईएएसई–एमएचआरडी, रु.1,00,000/–.

एन. नारंग, संयोजक, राष्ट्रीय सम्मेलन, भाषा, साहित्य एवं समाजः एक समकालीन शैक्षणिक प्रवचन, 3 मार्च, 2017, आईएएसई–एमएचआरडी, रु.1.10 लाख।

पी.एम.राजू, आर. बाला एवं एम. राजेन्द्रन, संयुक्त संयोजक, शिक्षक शिक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन, वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं, 10–11 मार्च, 2017, आईएएसई–एमएचआरडी, रु.3,00,000/–.

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय

एच. गांधीः

शोधपत्र प्रस्तुत, गणित कक्षाओं को जीवंत बनाने के लिए अभिनव व्यवहार। विज्ञान और गणित शिक्षा में उभरते रुझान, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 4–5 जुलाई, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत, स्कूल पाठ्यक्रम में गणित के इतिहास को शामिल करने पर गणित शिक्षक। शिक्षक शिक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन, वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 10–11 मार्च, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत, गणित के शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन में गणित पाठ्यपुस्तकों की भूमिका पर प्राथमिक शिक्षक की धारणा। शिक्षक शिक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन, वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 10–11 मार्च, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत, अंशों के विभाजन के बारे में सेवारत मिडल–ग्रेड गणित शिक्षकों के वैचारिक ज्ञान को समझने के लिए एक मार्गदर्शक रूपरेखा प्रस्तुत करना। शिक्षक शिक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन, वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 10–11 मार्च, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत, कुछ सम्मिलित वस्तुओं से यादृच्छिकता का भाव बनाते समय बच्चों के तर्क। गणित शिक्षा में नवाचारः वर्तमान रुझान और मुद्दे, प्राथमिक शिक्षा विभाग, लेडी श्रीराम महिला कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, मार्च 3, 2017.

टी. गीता, शोधपत्र प्रस्तुत, *भारतीय स्कूलों में पर्यावरण शिक्षा पाठ्यक्रम में विश्व घोषणाएं और घरेलू राष्ट्रीय नीतियां,* तुलनात्मक शिक्षा सोसायटियों का सोलहवां वैश्विक कॉंग्रेस, बीजिंग सामान्य विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन, 22–26 जुलाई, 2016.

कंचन, शोधपत्र प्रस्तुत, *शिक्षकों की अधीनताः* एक नैतिक स्वयं का निर्माण। शिक्षक शिक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन, वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 10–11 मार्च, 2017.

वी. के. कांवरियाः

प्रस्तुति, *अकादमिक लेखनः नोट–लेखन से निबंध विकास के लिए एक सातत्य।* विश्वविद्यालय स्तर अनुसंधान संवर्धन/संगोष्ठी। दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 7 सितंबर, 2016.

प्रस्तुति, *शिक्षण और शिक्षा के लिए आईसीटी उपकरण और ओईआर।* व्याख्याताओं के लिए आईसीटी में राज्य स्तर के अभिविन्यास कार्यक्रम। एससीईआरटी, सोलन, हिमाचल प्रदेश, 16 सितंबर, 2016.

प्रस्तुति, *उच्च शिक्षा में नवाचार, आईसीटी, डिजिटल प्रौद्योगिकी और सामाजिक मीडिया की भूमिकाः क्या, क्यों और कैसे?* उच्च शिक्षा में नवाचार, आईसीटी, डिजिटल प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया में वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीएसआई, एचएसवी, चंडीगढ़, 28 अक्टूबर, 2016.

प्रस्तुति, *भारत में शिक्षक शिक्षाः सेवा–पूर्व शिक्षक और सेवा पूर्व शिक्षकों के अध्यापकों के बीच शैक्षिक प्रौद्योगिकी के बारे में गलत धारणाओं पर चलना।* शिक्षक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः चुनौतियां, अवसर और रणनीतियां जेएमआई, नई दिल्ली, 7 दिसंबर, 2016.

प्रस्तुति, *शैक्षणिक लेखन का एबीसीः आरंभ करने वालों के लिए एक विशेष चाभी।* अकादमिक लेखन, साहित्यिक चोरी और उद्धरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 25 फरवरी, 2017.

प्रस्तुति, *डिजिटल युग में सेवा–पूर्व शिक्षण में मूल्यांकन पद्धतियों की चुनौतियांः क्या डिजिटल साहित्यिक चोरी–रोकने से मदद मिलेगी?* शिक्षा शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलनःवर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 10 मार्च, 2017

प्रस्तुति, *वेब–आधारित शिक्षण की गुणवत्ता की तलाशःदूरस्थ शिक्षार्थियों की धारणा।* वैश्विक संदर्भ में दूरी और ई–लर्निंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, यूएसओएल, पीयू, चंडीगढ़, 15 फरवरी, 2017.

प्रस्तुति, *आईसीटीः शिक्षण–अधिगम की प्रक्रिया में एक शैक्षणिक उपकरण।* डिजीटलीकरण की आयु में समृद्ध शिक्षण, अधिगम एवं मूल्यांकन प्रणालियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, जीएनडीयू, अमृतसर, 24 मार्च, 2017.

प्रस्तुति, साहित्यिक चोरी, प्रशस्ति पत्र और संदर्भः संकल्पना और गलत धारणाएं। विश्वविद्यालय स्तर के विस्तार व्याख्यान, जेएमआई, नई दिल्ली, 22 मार्च 2017.

प्रस्तुति, *साहित्यिक चोरी, उद्धरण और संदर्भः मुद्दे और चुनौतियां।* विश्वविद्यालय स्तर के विस्तार व्याख्यान, जेएमआई, नई दिल्ली, 20 मार्च, 2017

प्रस्तुति, *डिजिटल उपकरण के साथ एक भाषा स्कूल कक्षा में शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन।* डिजिटलीकरण के युग में समृद्ध शिक्षण, प्रशिक्षण और मूल्यांकन प्रणाली पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। जीएनडीयू अमृतसर, 24 मार्च, 2017

प्रस्तुति, *विद्यालयी शिक्षा चयनः मानकता एक द्वंद्व।* शिक्षा के द्वंद्ववाद पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीः तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 18 फरवरी, 2017

प्रस्तुति, *शिक्षक की शिक्षा में वेब आधारित शिक्षण और अधिगमः एक वास्तविकता या अब भी एक दृष्टिकोण।* वैश्विक संदर्भ में दूरी और ई–लर्निंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। यूएसओएल, पीयू, चंडीगढ़, 15 फरवरी, 2017.

प्रस्तुतीकरण, एक पत्रिका के लिए लेख लिखनाः आइए हम प्रकाशित करें। विश्वविद्यालय स्तर अनुसंधान संवर्धन/संगोष्ठी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 25 जनवरी, 2017

एस. कुमारः

परियोजना आधारित शिक्षण, परियोजना आधारित शिक्षा पर शिक्षण अधिगम सामग्री के विकास पर कार्यशाला, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली, 2–4 फरवरी, 2017.

प्रस्तुति, *शिक्षक शिक्षाः विगत, वर्तमान और भविष्य के परिप्रेक्ष्य का समायोजन।* शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः विगत, वर्तमान और भविष्य के परिप्रेक्ष्य, पीडीएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, हरियाणा, 7 मई, 2016.

आमंत्रित व्याख्यान, *राजनीति विज्ञान में शिक्षा शास्त्र,* कार्यशाला, केवीएस, पीतमपुरा, दिल्ली, 26 मई 2016 .

शोधपत्र प्रस्तुत, *विकास के लिए अनुकूलन और प्रमुखता पर वापसीः तुलनात्मक शिक्षा के प्रवचन की महत्वपूर्ण समीक्षा।* शिक्षा के द्वंद्ववाद पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीःतुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 18 फरवरी, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत, भारत के टीईआईएस पर एनएएसी द्वारा प्रत्यायन के आकलन का प्रभाव। भारत के टीईआईएस पर एनएएसी द्वारा मान्यता के आकलन के प्रभाव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। शिक्षा का भगवान कृष्ण कॉलेज, आधोया, बरारा, अंबाला, 31 मार्च, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत, मनोसामाजिकः शिक्षा में एक उभरता प्रतिमान। शिक्षा में मनोसामाजिक दृष्टिकोणों की तलाश में राष्ट्रीय संगोष्ठी, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 18 फरवरी, 2017.

एस. लक्ष्यानी, एलकेए–संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय कला महोत्सव (कलाकार का शिविर) शिविर में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया, 09–15 जनवरी, 2017, कोच्चि, केरल, भारत सरकार।

डी. परिमल, शोधपत्र प्रस्तुत, *पारिवारिक संपत्तिः उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी के दौरान पश्चिम में सामाजिक प्रथाएं और सामाजिक विनियमन।* औपनिवेशवाद पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ट्रॉइस रिविएरेस, क्यूबेक, कनाडा, 16–17 जून, 2016।

पी. एम. राजू और आर रे, शोधपत्र प्रस्तुत, *इथियांपिया में शिक्षक के प्रारंभिक करियर की तुलना में शिक्षा व्यवसाय के प्रति वरिष्ठ शिक्षकों की प्रतिवद्धताः महत्वपूर्ण भविष्य वक्ता।* तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटी का सोलहवां विश्व सम्मेलन, बीजिंग सामान्य विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन, 22–26 जुलाई, 2016.

पी. एम. राजू और एस. सिंह, शोधपत्र प्रस्तुत, *सीसीई या दसवीं कक्षा के लिए बोर्ड की परीक्षा? वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल शिक्षकों की आवाजें।* शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलनःवर्तमान परिदृश्य और भविष्य, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 10–11 मार्च 2017.

ए. रंजनः

शोधपत्र प्रस्तुत, *इतिहास में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रमः भारतीय संदर्भ में प्रतियोगिताएं और चिंताएं।* तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटियों का सोलहवां विश्व सम्मेलन, बीजिंग सामान्य विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन, 22–26 जुलाई, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत, *राज्य, इतिहास पाठ्यक्रम और कार्यान्वयन भारत और संयुक्त अरब अमीरात के स्कूल के अनुभव।* तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटियों का सोलहवां विश्व सम्मेलन, बीजिंग सामान्य विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन, 22–26 जुलाई, 2016.

वी. सक्सेनाः

शोधपत्र प्रस्तुत, *एक्शन रिसर्च।* शिक्षा में अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलनः पद्धतिगत मुद्दे और उभरते रुझान, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 4 मार्च 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत, *मिशन पोषकता पर उत्साहीः अलग सोच या सोच में अंतर।* समावेशी अध्यापन पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः प्रवेश और उससे परे। सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 03–04 फरवरी, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत, *भाषा और साहित्य में लिंग, मीडिया और विकलांगता की खोज।* भाषा, साहित्य और समाज पर राष्ट्रीय सम्मेलनः एक समकालीन शैक्षिक प्रवचन, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 3 मार्च 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत, *शैक्षणिक और आकलन प्रथाएं।* शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलनः वर्तमान परिदृश्य और भविष्य, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 10–11 मार्च, 2017

शोधपत्र प्रस्तुत, *मनोसामाजिक परिप्रेक्ष्य में हाल के विकास और परिवर्तन*। शिक्षा में मनोसामाजिक परिप्रेक्ष्य, की खोज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 28 जनवरी, 2017.

वाई. शर्माः

शोधपत्र प्रस्तुत, *हाईस्कूल जीवविज्ञान में शैक्षणिक चुनौतियां और संभावनाएंः शिक्षकों की आवाजों से उभरती।* शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलनः मुद्दे और चुनौतियां, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 12 फरवरी, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत, *गुणात्मक अनुसंधान पर एक चिंतनशील विचार।* शिक्षा में अनुसंधानः पद्धतिगत मुद्दो और उभरते रुझान पर राष्ट्रीय सम्मेलन, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 4 मार्च 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत, *विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के बीच रचनात्मकता (सीडब्ल्यूएसएन): स्कूल शिक्षक के अनुभवों से।* शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलनः वर्तमान परिदृश्य और भविष्य, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 10–11 मार्च, 2017.

पीएच.डी. / एम. फिल. प्रदान किया गया
पीएच.डी. – 8
एम.फिल. – 10
संकाय की शक्ति– 26
प्रोफेसर –5
एसोसिएट प्रोफेसर – 9
सहायक प्रोफेसर – 12

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

वेबसाइट http://www.cie.du.ac.in द्वारा शिक्षकों, छात्रों, विशेषकर श्रवण शक्ति और दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए के लिए व्यापक सूचना दिया जाना जारी है। सीआईई प्रायोगिक बेसिक स्कूल कुशलतापूर्वक कार्य कर रहा है, जो विभागीय प्राधिकरण के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अंतर्गत काम करता है। स्कूल में इष्टतम शिक्षक–छात्र अनुपात है।

नागरिक सोसायटी, इतिहास सोसायटी और शैक्षिक प्रौद्योगिकी सोसायटी (सॉक्रेटस) जैसी विभिन्न छात्र सोसायटियों के माध्यम से समृद्ध और विकास संबंधी शैक्षणिक गतिविधियां विभागीय गतिविधियों का नियमित हिस्सा हैं। सक्षम यूनिट और एंटी रैगिंग–सह–डीआर समिति ने विद्यार्थियों को दिए गए जनादेश के प्रति उन्हें सतर्क किया है।

अंतर्विषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय

जीव–रसायन विज्ञान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने विभिन्न मानव रोगों से लड़ने के लिए आण्विक कार्यनीति के विकास के क्षेत्र में यूसीजी–एसएपी कार्यक्रम के प्रथम वर्ष को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया तथा एक लाभप्रद विचार–गोष्ठी का आयोजन भी किया। प्रो. पी.सी. घोष ने एक दीर्घ परिसंचारी वसीय सूत्रीकरण तैयार किया जो मलेरिया के प्रभावी उपचार के लिए मदुरामाइसिन से परिपूर्ण है। डॉ.

सुमन कुंडु ने दर्शाया कि न्यूरोग्लोबिन नाम सौम्य मस्तिष्क हेमोग्लोबिन झिल्लीनुमा चैनल का निर्माण करता है जो साइटोटॉक्सिक एमिलॉइड को उत्प्रेरित करता है जिससे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों की विवक्षाएं होती हैं। प्रोटीन के विरुद्ध समर्थ निरोधकों की पहचान करने के लिए नैदानिक इंजाइम डीबीएच को स्क्रीन किया गया जिसे बाद में यथास्थाने, बाह्यस्थाने वैधीकृत किया गया। इनमें से कुछ प्रतिरोधकों ने एल–नेम उत्प्रेरित रैट मॉडलों में बढ़े हुए रक्तचाप को सफलतापूर्वक विनियमित किया जिनमें हाइपरटेंशन और हृदय–हाइपरट्रॉफी को नियंत्रित करने की क्षमता थी। डॉ. एलो नाग की प्रयोगशाला ने एचएडीए 3 और पीएमएल संपर्कों के माध्यम से मानव कोशिकाओं में एक सौम्य डीएनए क्षति संवेदी तंत्र पर प्रकाश डाला तथा साइटोग्लोबिन के कुछ रोमांचक कोशिका चक्र विनियामक कार्यों को भी प्रदर्शित किया। इसके अलावा, उनकी प्रयोगशाला अब मलेरिया परजीवी प्लोज्मोडियम फैल्सीपेरम में पोस्टट्रांसनेशनल मोडिफिकेशन मशीनरी के अन्वेषण में कार्य कर रही है।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

प्रो. सुमन कुंडु ने अंतर्राष्ट्रीय हृदयवाहिका विज्ञान अकादमी (भारत शाखा) के 11 फरवरी, 2017 को वल्लभभाई पटेल चेस्ट संस्थान, दिल्ली में आयोजित 9वें वार्षिक सम्मेलन में अकादमी द्वारा प्रारंभ किया गया प्रो. सुरेश सी. त्यागी युवा संकाय पुरस्कार प्राप्त किया।

अनुसंधान स्कॉलर सुश्री यामा आरती ने कैंसर जीनोमिस्क : एन अप्रोच टु पर्सनलाइज्ड थैरेपी पर श्रेष्ठ निबंध पुरस्कार प्राप्त किया, वर्ष 2016, भारतीय कैंसर अनुसंधान एसोसिएशन, नई दिल्ली।

प्रकाशन

विभाग के संकाय द्वारा 2016–17 के दौरान 20 शोध–पत्र प्रकाशित किए गए।

चांद वी., नंदी डी., मंगला ए.जी., शर्मा पी., नाग एच. (2016)। टेल ऑफ ए मल्टीफेसेटेड को–एक्टीवेटर, एचएडीए 3:, फ्रॉम एम्ब्रयोजिनेसिस टु कैंसर एंड बियांड। *ओपन बायलॉजी,* 6(9) : पीआईआई : 160153. डीओआई : 10. 1098/आरएसओबी. 160153

गुप्ता ई.डी., पंचौरी एम., घोष पी.सी. एवं राजम एम.वी. (2016) टार्गेटिंग पॉलीएमाइन बायोसिंथेटिक पाथवे थ्रू आरएनएआई कॉज़ेज दि एब्रोगेशन ऑफ एमसीएफ 7 ब्रैस्ट कैंसर सैल लाइन। ट्यूमर बायलॉजी, 37 (17, 1159–1171)।

जेबा मर्सी जी., दुरई एस., प्रितीका यू., मरुधु पांडियन एस., दसौमी पी., कुंडु एस. एवं बालामुरुगन के. (2016)।

रोल ऑफ डीएएफ–21 *प्रोटीन इन केनोरहैब्डिरिस एलीगंस* इम्युनिटी अगेंस्ट प्रोटियस मिराबिलिस इंफेक्शन। जर्नल ऑफ प्रोटियोमिक्स 145, 81–90.

झा डी., राजा एम., अदक टी., एवं घोष पी.सी. (2016)। अल्ट्रेशन इन *प्लास्मोडियम फैल्सीपेरम* प्रोटियोम अपॉन ट्रीटमेंट विद वेरियस एंटी मलेरिया ड्रग्स, जर्नल ऑफ *प्रोटींस एंड प्रोटियोमिक्स,* 7(1). 1–17.

खरे जी., नागपाल पी., एवं त्यागी ए.के. (2016) डिफरेंशियल रोल्स ऑफ आयरन स्टोरेज प्रोटींस इन मेन्टेनिंग दि आयरन होमियोस्टैसिस इन *माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस.* प्लोसवन 12(1), ई 0169545.

खरे जी., चौहान पी., नागपाल पी., कार आर. एवं त्यागी ए.के. (2016) ट्यूबरकुलोसिस : करंट सिचुएशन, चैलेंज एंड इंटरवेंशन स्ट्रेटेज़ीज, ए. दत्ता एवं वी.पी. शर्मा (संपा.) रीसेंट एडवांसेस इन *कम्युनिकेबल एंड नॉल–कम्युनिकेबल डिजीजेज़* कैपिटल पब्लिशिंग ग्रुप (77–109) नई दिल्ली, भारत।

लक्ष्मीनारायण टी.एस., बसवराज मधुसूदन, प्रकाश के.बी. एवं घोष पी.सी. (2016) डेवलेपमेंट एंड इन विट्रो इवालुएशन ऑफ ऑक्सीटेट्रासाइक्लिन – लोडेड पीएमएमए नैनोपार्टिकल्स फॉर ओरल डिलीवरी अगेंस्ट एनाप्लाज्मोसिस, आईआईटी सूक्ष्म–जैव प्रौद्योगिकी (आई.एफः 1–5), आईईटी *नैनोबायोटेक्नल* 2017 फरवरी, 11 (1), 119–126, डीओआई 10. 1049/आईईटी–एनबीटी 2016–0061. पीएमआईडी : 28476972.

मुखी एन., धिंडवाल एस., उप्पल एस., कपूर ए., आर्य आर., कुमार पी., कौर जे. एवं कुंडु एस. (2016) स्ट्रक्चरल एंड फंकशनल सिग्निफिकेंस ऑफ द एन. एंड सी. टर्मिनल एपेंडेजेज़ इन *एराबिडोप्सिस* ट्रंकेटेड हेमोग्लोबिन। *बायोकैमिस्ट्री*, 55, 1724–1740.

मुखी एन., कुंडु एस. एवं कौर जे. (2017). एनओ डायऑक्सीजिनेस – एंड प्रीऑक्सीडेज़ – लाइक एक्टिविटी ऑफ एरोबिडॉप्सिस फाइटोग्लोबिन एंड इट्स रोल इन *स्क्लेरोटीनिया स्क्लेरोटियोरम डिफेंस नाइट्रिक ऑक्साइड*, 68, 150–162.

पंचेचिरा टी.जे., डे एस.के., मुखोपाध्याय ए., कुंडु एस. एवं थेल्मा बी.के. (2012), कैरेक्टेराइजेशन ऑफ एसएनपी इन दि डोपामीन–β–हाइड्रॉक्सीलेज जीन प्रोवाइडिंग न्यू इनसाइट्स इनटु इट्स स्ट्रक्चर–फंक्शन रिलेशनशिप न्यूरोजेनेटिक्स, 18, 155–168.

रोहिला ए., खरे जी. एवं त्यागी ए.के.[1](2017). वर्चुअल स्क्रीनिंग, फार्माकोफोर डेवलपमेंट एंड स्ट्रक्चर बेस्ड सिमिलैरिटी सर्च टु आडेंटिफाई इनहिबिटर्स अगेंस्ट आईडीईआर, ए ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर ऑफ *माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलासिस. सांइटिफिक रिपोर्ट्स*, 7,4653. ([1]सह–अनुरुप लेखक)।

राजेन्द्रन वी., हसन जी.एम., कुमार एन., दत्त एस., गर्ग एन., तिवारी पी. एवं घोष पी.सी. (2016). थेराप्यूटिक एफिकेसी ऑफ क्लोरोक्विन इन लांग सर्कुलेटिंग जिपोसोम फार्मुलेशंस अगेंस्ट क्लोरोक्विन–रेसीस्टेंट प्लाज्मोडियम बेर्घई इंफेक्शन इन माइस. *यूर जे बायोमेड एंड फार साइं*, 3, 258–264.

राजेन्द्रन वी., रोहरा एस., राजा एम., हसन जी.एम., दत्त एस. एवं घोष पी.सी. (2016). स्टीयरीलैमाइन लिपोसोमल डिलीवरी ऑफ मोनेंसिन, इन कांबिनेशन विद फ्री अर्टेमिसिनिन एलीमिनेट्स ब्लड स्टेजेज़ ऑफ प्लास्मोडियम फैल्सीपैरम इन कल्चर एंड पी. बेर्घई इंफेक्शन इन म्यूटीन मलेरिया, *एंटीमाइक्रोबियल एजेंट्स एंड कीमोथैरेपी*, 60(3), 1304–1318.

शर्मा बी., जामदार एस.एन. घोष बी., यादव पी., कुमार ए., कुंडु एस., गोयल वी.डी. एवं मखडे आर.डी. (2017).एक्टिव सोइट गेट ऑफ एम 32 कार्बोक्सीपेप्टिडेजेज़ इलुमिनेटेड बाइ क्रिस्टल स्ट्रक्चर एंड मॉलीकुलर डायनेमिक्स सिमुलेशंस, बायोकिमिका बायोफिजिका एक्टा. प्रेस में.

सिंघल पी., शर्मा यू., हुसैन एस., नाग ए. एवं भारद्वाज एम. (2016). आइडेंटिफिकेशन ऑफ जेनेटिक वैरिएंट्स इन टीएनएफ सिसेप्टर–2 विच आर एसोसिएटेड विद दि डेवलपमेंट ऑफ सर्वाइकल कार्सिनोमा, *बायोमेकर्स*. 21 (7) : 665–72.

उप्पल एस., सिंह ए.के., आर्य आर., तिवारी डी., जायसवाल एन., कपूर ए., वेरा ए.के., नाग ए., कुंडु एस. (2016). फी 28$_{बी10}$ इंड्यूसेस चैनल–फॉर्मिंग साइटोटॉक्सिक एमीलॉइड फिब्रिलेशन इन ह्यूमन न्यूरोग्लोबिन, दि ब्रेन–स्पेसिफिक हेमोग्लोबिन, *बायोकैमिस्ट्री,* 55(49), 6832–6847.

उप्पल एस., कुमार ए., शांडिल्य एम., मुखी एन., सिंह ए.के., कटेरिया एस., कौर जे. एवं कुंडु एस. (2016). पेंटा–एंड हेक्सा – कॉर्डिनेट फेरिक हेमोग्लोबिंस डिस्प्ले डिस्टिंक्ट पीएच टाइट्रेशन प्रोफाइल्स मीजर्ड बाइ सोरेट पीक शिफ्ट्स, *एनालैटिकल बायोमैकिस्ट्री,* 510, 120–128.

उप्पल एस., सिंह ए.के., आर्य आर., तिवारी डी., जायसवाल एन., कपूर ए., वेरा ए.के., नाग ए., कुंडु एस. (2016). फी 28$_{बी10}$ इंड्यूसेस चैनल–फॉर्मिंग साइटोटॉक्सिस एमीलॉइड फिब्रिलेशन इन ह्यूमन न्यूरोग्लोबिन, दि ब्रेन–स्पेसिफिक हेमोग्लोबिन, *बायोमैकिस्ट्री,* 55, 6832–6847.

वंदना एन., हसीन जे., घोष पी.सी., जैन एस., बोएत्रा ए., (2017). लिपोजोम्स : ड्रग डिलीवरी सिस्टम ऑर पासीबल डोपिंग एजेंट? *जे. ड्रग डिलीवरी एंड थेराप्यॉटिक्स,* 7(1). 25–29.

विग्नेश कुमार बी., दुरई एस., कुंडु एस. एवं बालामुरुगन के. (2016). प्रोटियोम एनालाइसिस रिवील्स ट्रांसलेशनल इन्हिबीशन ऑफ *केनोर हैब्डिटिस एलीगंस* इनहांसेस सस्पेटिबिलिटी टु प्सूडोमोनस एरुगिनोसा पीएओआई पैथोजिनेसिस, *जर्नल ऑफ प्रोटियोमिक्स,* 145–141–152.

शोध–परियोजनाएं

विभाग में इस समय पांच परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, जिनके लिए 2016–17 के दौरान 3.042 करोड़ रुपए का कुल अनुदान प्राप्त हुआ। विभाग के संकाय सदस्यों ने वर्ष 2016–17 के दौरान डीएसटी–पर्स ग्रांट से 36,25,000/– रुपए तथा यूजीसी एसएसी II विभाग परियोजना के रूप में 17,00,000 रुपए प्राप्त किए।

प्रोफेसर देबी पी. सरकार, जेसी बोस परियोजना, डीएसटी, अप्रैल 2016–मार्च 2021, 1,52,20,000/– रुपए।

डॉ. अमिता गुप्ता, डीबीटी, *अंडरस्टैंडिंग दि रोल ऑफ आरबी 1955–आरबी 1956 टॉक्सिन–एंटीटॉक्सिन (टीए) लोकस ऑफ माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस (एमटीबी) इन पैथोजन बॉयलॉजी,* जुलाई 2016–जुलाई 2019, 52,80,000/– रुपए।

डॉ. गरिमा खरे, डीबीटी, *अंडरस्टैंडिंग दि विर–एस मीडिएटेड एसिड इंड्यूज्ड रिस्पांसेस ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस इन मेंटेनिंग दि पीएच होमियोस्टेटिस इन विट्रो एंड इन होस्ट,* जुलाई, 2014–जुलाई, 2017, 43,22,000/– रुपए।

आयोजित किए गए सम्मेलन

एसएपी कार्यक्रम के माध्यम से यूजीसी विचार–गोष्ठी, *एडवांसेस इन डिजीज़ बायलॉजी एंड डिजीज़ मैंनेजमेंट,* जैव–रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर नई दिल्ली में, 18 मार्च, 2017.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

मोहसिन रज़ा और प्रह्लाद सी. घोष ने ईएमबीएल पाठ्यक्रम एक्स्ट्रासेलुलर व्हीकल्स : फ्रॉम बायलॉजी टु बायोमेडिकल एप्लीकेशंस, ईएमबीएल, हे डेल्बर्ग, जर्मनी में 27–31 मार्च, 2017 को *लिपोज़ोमल मेफ्लोक्विन – ए बैटर स्ट्रेटेजी फॉर एंटी – मलेरियल थैरेपी* पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

विनोद राजेन्द्रन, चंचल सिंह और प्रह्लाद सी. घोष ने 15वें वार्षिक वैज्ञानिक समारोह बायोस्पार्क्स, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 30–31 मार्च, 2017 को *थेराप्यूटिक एफिकेसी ऑफ डॉक्सीसाइक्लिन लोडेड लिपोज़ोम्स अगेंस्ट प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम इन कल्चर एंड पी. बेर्घेई इंफेक्शन इन माइस* मॉडल प्रस्तुत किया। प्रथम लेखक को श्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतीकरण पुरस्कार के लिए चुना गया।

चारू, मोहसिन रज़ा, संजय कुमार डे, रिचा आर्य, सुमन एस. और प्रह्लाद सी. घोष ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस सिंपोजियम 2017, दक्षिणी परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय में 27–28 फरवरी, 2017 को *स्क्रीनिंग ऑफ स्मॉल मॉलीक्यूल लाइब्रेरीज़ टु आइडेटिफाई पोटेंशियल इनहिबिटर्स अगेन्स्ट प्लासमोडियम फाल्सीपेरम डाइहाइड्रोफोलेट रेडक्टेज़ एंड इवालुएशन ऑफ देयर एंटी–मलेरियल थेराप्यूटिक एफिकेसी इन म्यूरीन मॉडल* पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

चंचल सिंह, विनोद राजेन्द्रन और प्रह्लाद सी. घोष ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस सिंपोजियम 2017, दक्षिणी परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय में 27–28 फरवरी, 2017 को *थेराप्यूटिक एफिकेसी ऑफ डॉक्सीसाइक्लिन लोडेड लिपोज़ोम्स अगेंस्ट प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम इन कल्चर एंड पी. बेर्घेई इंफेक्शन इन माइस मॉडल* पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

सुमन कुंडु को :

बायोस्पार्क्स 2017, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज़, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 31 मार्च, 2017 को *'टुवर्ड्स न्यू ड्रग्स फॉर हाई ब्लड प्रेशर एंड कार्डिएक हाइपरथेरेपी : ए हार्टनिंग इनीशिएटिव'* विषय पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रोटियोमिक्स एवं बायोइंफोर्मेटिक्स में वर्तमान रूझानों पर अंतर्विषयक जैव–प्रौद्योगिकी एकक, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 16 मार्च, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी–सह–बायोइंफार्मेटिक्स कार्यशाला में *इंजीनियरिंग अनप्रेसीडेंटेड हीमे स्टेबिलिटी इन हेमोग्लोबिन टु फैसिलिटेर यूज ऑफ आर्टिफिशयल ब्लड सब्टिट्यूट्स* पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

एमिटी विश्वविद्यालय, गुड़्गांव में 2 मार्च, 2017 को प्रोटीन रसायन विज्ञान में हालिया रूझानों पर *फ्रॉम ए कैमिकल रिएक्शन टु मीडिया रिएक्शन : ए प्रोटीन ड्रिवन जर्नी* पर आधार व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस विचार–गोष्ठी, एस.पी. जैन केन्द्र सभागार, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर में 27 फरवरी, 2017 को *टुवर्ड्स न्यू ड्रग्स फॉर हाई ब्लड प्रेशर एंड कार्डिएक हाइपरथ्रोपी : ए हार्टनिंग इनिशिएटिव* पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

हृदयवाहिका अनुसंधान में हालिया प्रगति : स्वास्थ्य और रोग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, हृदयवाहिका विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय अकादमी के 9वें वार्षिक सम्मेलन (भारत शाखा), वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली में 11 फरवरी, 2017 को *स्ट्रक्चर–बेस्ड ड्रग डिस्कवरी टु कॉम्बैट हाइपरटेंशन बाई मॉडुलेटिंग एन अनकवेंशनल इंजाइम टार्गेट : फ्रॉम डिफाइक्ड स्माल मालीक्यूल्स टु प्लांट एक्ट्रेक्ट्स* पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

इंजाइमोलोजी में प्रगति : स्वास्थ्य, रोग और नैदानिक प्रक्रिया में विवक्षाएं पर इंडो–यूएस सम्मेलन, एसीटीआरईसी, मुंबई में 18 जनवरी, 2017 को *इनहिबिटिंग डोपामीन बीटा हाइड्रोक्सलेज़ टु ट्रीट हाइपरटेंशन : प्रोमिजिंग टेल ऑफ स्ट्रक्चर बेस्ड ड्रग डिस्कवरी* पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी, राष्ट्रीय मानव जीनोम अध्ययन और अनुसंधान केन्द्र एवं विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में 21 अक्तूबर, 2016 को *पर्सस्पेक्टिव इन जीनोमिक्स एंड प्रोटियोमिक्स* पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

जीव–विज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी में द्वितीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम *हेमोग्लोबिन : नोवेल फीचर्स एंड एप्लीकेशंस मॉडल आर्गेनिज़्म एंड टॉपिक्स इन बायलॉजी* के लिए एकेडिमिक स्टाफ कॉलेज, जेएनयू, नई दिल्ली में 17 अक्तूबर, 2016 को विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए माइक्रोब्स पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, केन्द्रीय हरियाणा विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़, हरियाणा में 9 सितम्बर, 2016 को *दि इंटरेक्शन ऑफ एसाइल कैरियर प्रोटीन एंड फास्फोपेंटे थेनाइल ट्रांसफेरेज इन लीशमेनिया इज यूनीक एंड एमेनेबल टु स्माल मॉलीक्यूल इंटरवेंशन फॉर एंटी–लीशमेनियल एक्टिविटी* पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

नेक्सट–जेन सीक्वेंसिंग एंड मास स्पेक्ट्रोमीट्री, सेलेक्ट बायो, रेडिसन ब्लू प्लाजा, नई दिल्ली में 20 अगस्त, 2016 को *आइडेंटिफिकेशन ऑफ सिंगल म्यूटेशंस इन होमोग्लोबिन वैरिएंट्स यूजिंग मॉडिफाइड सैंपल प्रीप्रेशन एंड डाइजेशन मैथड एंड सेपेरेशन पावर ऑफ एलसी कपल्ड विद माल्टी एमएस/एमएस* पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

अलो नाग को :

राष्ट्रीय कैंसर निवारण और अनुसंधान संस्थान, नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा 20 अप्रैल, 2017 को कैंसर अनुसंधान में आण्विक तकनीकों पर आयोजित कार्यशाला में *रिवीलिंग दि ऑन्कोजेनिक ट्रिक्स ऑफ एचपीवी, वे टु न्यू थैरेपीज़* पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

जैव–रसायन विज्ञान विभाग, देशबंधु कॉलेज द्वारा 27 मार्च, 2017 को आयोजित बायोस्पार्क विचार–गोष्ठी में *ड्रीम टु एचीव विक्ट्री ओवर कैंसर* पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

जीव–विज्ञान एवं जैव–प्रौद्योगिकी में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, जेएनयू, नई दिल्ली में 18 अक्तूबर, 2016 को सैल साइकिल एंड कैंसर पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन – 43वीं आईएसओबीएम कांग्रेस, शिकागो, यूएसए में 1–9 सितम्बर, 2016 को *ह्यूमन पैपिलोमावायरस एन ऑन्कोजैनिक सूमो रेस्लर* पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

आईसीएआर–एसीओएस, नई दिल्ली द्वारा 8–10 अप्रैल, 2016 तक 'भारत में कैंसर : अंतर को पाटना' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में *इनसाइट्स इन टु नोवेल ऑन्कोजीनिक मेकेनिज्म ऑफ ह्यूमन पैपिलोमावायरस* पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

अलो नाग के दल (यामा अत्री, दीप्ताश्री नंदी, प्रदीप सिंह चीमा) ने जीव–विज्ञान एवं जैव–प्रौद्योगिकी संकाय, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय द्वारा 01 सितम्बर, 2016 को एचआईवी और हैपेटाइटिस पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय

विचार–गोष्ठी में *मैनूवरिंग सेलुलर सीयूएल 4ए एवं फॉक्स एमआई इन वायरस कोइर्स्ड कार्सिनोजेनिसिस* पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

अंतर्राष्ट्रीय

डॉ. सुमन कुंडु ने रक्त संरचनाओं पर अनुसंधान के लिए प्रो. जॉन ओल्सन, राइस यूनीवर्सिटी, यूएसए के साथ सहयोग किया। इसके समझौता–ज्ञापन पर पूर्व में हस्ताक्षर किए गए हैं।

राष्ट्रीय

डॉ. सुमन कुंडु ने :

हृदयवाहिका अनुसंधान (एनीमल मॉडल्स) के लिए प्रो. एस.के. मलिक, एम्स, नई दिल्ली के साथ सहयोग किया।

हृदयवाहिका अनुसंधान (एनीमल मॉडल्स) के लिए प्रो. सी.सी. कार्था, राजीव गांधी जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र, त्रिवेन्द्रम के साथ सहयोग किया।

प्रोटीन संरचनात्मक अध्ययनों (एक्स–रे डिफ्रेक्शन) के लिए डॉ. रवि मकडे और डॉ. वी. गणेशन राजा रमन्ना प्रदत प्रौद्योगिकी केन्द्र के साथ सहयोग किया।

प्रो. अलो नाग ने :

सर्वाइकल कैंसर के विकास तथा सर्वाइकल कैंसर के निदान पूर्व संकेतकों की पहचान के दौरान मेजबान और वायरल जीन संपर्क तथा उनके विनियमन पर डॉ. मौसमी भारद्वाज, राष्ट्रीय कैंसर निवारण और अनुसंधान संस्थान, नोएडा, उत्तर प्रदेश के साथ भागीदारी परियोजना की।

रेडियो प्रोटेक्टिव रोल ऑफ इम्युनोमोड्यूलेट्री साइटोकिनेज़ (2015–2018) पर डॉ. कुलभूषण शर्मा, परमाणु चिकित्सा और संबद्ध विज्ञान संस्थान, दिल्ली के साथ भागीदारी परियोजना की।

वक्ष कैंसर की मैलिगनेंट और स्टेमनैस विशेषताओं पर डॉ. चांदी मंडल, केन्द्रीय राजस्थान विश्वविद्यालय के साथ भागीदारी परियोजना की (2016–2019)।

ग्लियोब्लास्टोमा (जीबीएम) ट्यूमोरीजिनेसिस में फॉक्स एम1 की भूमिका पर डॉ. एल्लोरा सेन, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केन्द्र के साथ भागीदारी परियोजना की (2017–2018)।

डेसिफेरिंग दि ट्यूमर सप्रेसर फंशन ऑफ एमआई–आरएनए इन ग्लियोब्लाटोमा पर डॉ. रवीन्द्र वर्मा पोलीसेट्टी, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, नई दिल्ली के साथ भागीदारी परियोजना की (2016–2019)।

नियोजन विवरण

12 एम.एससी. छात्रों तथा 8 पीएच.डी. छात्रों (100 प्रतिशत) ने उच्चशिक्षा का चयन किया। (पीएच.डी., बी.एड., पोस्ट डाक्टोरेट आदि)।

प्रदत्त एम. फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. – 05

एम. फिल. – 01

संकाय – सदस्यों की संख्या – 07

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

विभाग ने 23 अगस्त, 2016 को 70वां स्वतंत्रता दिवस 'आजादी के 70 साल – भारत बेमिसाल' तथा 21 जून, 2017 को विश्व योग दिवस मनाया।

*****

जीव–भौतिकी

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

प्रो. शुभेंदु घोष झिल्ली जीव भौतिकी, विशेष रूप से आयन चैनलों और न्यूरो बायोफिजिक्स पर कार्य कर रहे हैं। प्रयोगों में शामिल हैं – इलेक्ट्रो–फीजियोलॉजिकल पद्धतियां अर्थात् सिंगल चैनल रिकार्डिंग, पैच क्लैंप। शिक्षण, स्मृति (कॉग्नीशन) और गणितीय एवं परिगणनात्मक तंत्रिका–विज्ञान पर विशेष बल प्रदान किया गया है। डॉ. मनीषा गोयल (सहायक प्रोफेसर) क्रिस्टेलोग्राफिक संरचना अवधारण और बायोइंफार्मेटिक्स पर कार्य कर रही है। उनकी प्रयोगशाला ने हाल ही में विभिन्न ज्ञात प्रतिरोधकों के साथ बैक्टीरिल गामा – ग्लूटैमिल ट्रांसपेप्टिडेज की अनेक संश्लिष्ट संरचनाओं को हल किया है। डॉ. मनीष कुमार की प्रयोगशाला प्रोटीन सीक्वेंस स्ट्रक्चर–फंक्शन कोरिलेशन, जीनोम एनोटेशन तथा माइक्रोब्स में एंटीबॉटिक प्रतिरोध के विकास को समझने में रुचि ले रही है!

सम्मान/विशिष्टियां

डॉ. मनीष कुमार और सुश्री अभिशिक्षा श्रीवास्तव ने पीओसी फार्मेट में एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोधी जीनों के त्वरित निरूपण के विकास के लिए रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन से अन्वेषण पुरस्कार प्राप्त किया (नवम्बर, 2016)।

रंजन श्रीवास्तव, प्रो. शुभेन्दु घोष का पीएच. डी. छात्र, ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, 27–28 फरवरी, 2017 के दौरान द्वितीय पुरस्कार (मौखिक प्रस्तुतीकरण) प्राप्त किया।

प्रकाशन

2016–17 के दौरान दस शोध–पत्र प्रकाशित किए गए।

कुमार एस., पाल आर.के., गुप्ता आर., गोयल एम., (2017). हाई रेजूलूशन एक्स–रे डिफ्रेक्शन डाटासेट फॉर बैकिलस लिचेनिफार्मिस, गामा ग्लूटामिल ट्रांसपेप्टिडेज – एसिविसिन, कॉम्प्लेक्स : सूमो–टैम रेंडर्स हाई एक्सप्रेशन एंड सोलुबिलिटी, *प्रोटीन जे.* फरवरी, 36(1), 7–16

कुमार एस., जैन के.के., रानी एस., भारद्वाज के.एन., गोयल एम., कुहाद आर.सी. (2016). इन विट्रो रिफोल्डिंग एंड कैरेक्टेराइजेशन ऑफ रिकॉम्बिनेंट लाकासे (कॉट ए) फ्रॉम बैकिलस प्यूमिलस एमके 00/एंड इट्स पोटेंशियल फॉर फीनोलिक्स डीग्रेडेशन. मोल बायोटेक्नोलॉजी, दिसम्बर, 58(12), 789–800.

गुप्ता आर., एवं घोष एस. (2017). फॉस्फोरिलेशन ऑफ प्यूरीफाइड माइटोकाड्रियल वोल्टेज – डिपेंडेंट एक्शन चैनल वाई सी–जन एन–टर्मिनल किनेज – 3 मॉडिफाइज़ चैनल वोल्टेज – डिपेंडेंस, *बायोकिमी ओपन*, 4, 78–87.

गुप्ता आर. एवं घोष एस. (2017). प्यूटेटिव रोल ऑफ माइटोकाड्रियल वोल्टेज – डिपेंडेंट एक्शन चैनल, बेल–2 फैमिली प्रोटींस एंड सी–जन एन–टर्मिनल किनेजेज इन इश्चैमिक स्ट्रोक एसोसिएटेड एपॉप्टोसिस, *बायोकिमी ओपन*, 4, 47–55.

गुप्ता आर., एवं घोष एस. (2017). जेएनके 3 फास्फोराइलेट्स बैक्स प्रोटीन एंड इंड्यूसेस एबिलिटी टु फोर्म पोर ऑन बाइलेयर लिपिड मेंब्रेन, *बायोकिमी ओपन*, 4, 41–46.

सिंघल एन., कुमार एम. एवं विर्दी जे.एस. (2016). रेसिस्टेंस टु एमॉक्सीसिलिन – क्लावुलेनेट एंड इट्स रिलेशन टु विरूलेंस–रिलेटेड फैक्टर्स इन येर्सीनिया एंट्रोकोलिटिका बायोवार 1 ए. *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजी*, 34 (1), 8

श्रीवास्तव आर., मलिक सी., एवं घोष एस. (2016). ओपन चैनल करंट नॉइज़ एनालाइसिस ऑफ एस 6 पेप्टिडेज फ्रॉम केवीएपी चैनल ऑन बाइलेयर लिपिड मैम्ब्रेन शोज़ बायमॉडल पावर लॉ स्केलिंग, *फिजिका ए*, 451, 533–540.

सिंघल एन., कुमार एम. एवं विर्दी जे.एस. (2016) माल्डी–टॉप एमएस इन क्लीनिकल पैरासाइरोलॉजी : एप्लीकेशंस, कंस्ट्रेंस एंड प्रोस्पेक्ट्स पैरासाइटोलॉजी, 143(12), 1491–500.

कुमार आर., कुमारी वी. एवं कुमार एस. (2016). प्रेड एचएसपी : सीक्वेंस बेस्ड प्रोटियोम – वाइड हीट शॉक, प्रोटीन प्रीडिक्शन एंड क्लासिफिकेशन टूल टु अनलॉक दि स्ट्रेस बायलॉजी, *पीएलओएस वन*, 11(5), ई 0155872.

सिंघल एन., कुमार एम., शर्मा पी. एवं विष्ट डी. (2016) कम्पैरेटिव प्रोटीन प्रोफाइलिंग ऑफ इंट्राफेगोसोमल एक्सप्रेस्ड प्रोटींस ऑफ माइकोबैक्टीरियम बोविस बीसीजी., *प्रोटीन एंड पेप्टाइड लैटर्स*, 23(1), 51–4.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. मनीष गोयल, डीबीटी – आरजीवाईआई (युवा अन्वेषकों के लिए त्वरित अनुदान), 2012–16 (3+1 वर्ष) *क्रिस्टेलोग्राफिक स्ट्रक्चर डिटेरमिनेशन ऑफ सीआरआईएसपीआर–सीएएस प्रोटींस*, 23,00,000/– रुपए।

आयोजित की गई संगोष्ठियां

डॉ. पंकज कुमार, *ड्रग रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस एंड डेवलपमेंट ऑफ न्यू इनहिबिटर्स*, मेडिसिन विभाग, जॉन होपकिंस स्कूल ऑफ मेडिसिन, बाल्टीमोर, यूएसए, 20 मार्च, 2017.

डॉ. अनिरूद्ध गांगुली, वैज्ञानिक, *ए जर्नी फ्रॉम कैंसर बायलॉजी रिसर्च फाइडिंग्स टु क्लीनिकल एप्लीकेशंस*, एनआईएच, यूएसए, 14 अक्तूबर, 2016.

प्रो. महेन्द्र के. वर्मा, *डाइनैमिकल पर्सपेक्टिव्स ऑफ फेज ट्रांसीशंस एंड इट्स एप्लीकेशंस*, भौतिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, 2 मई, 2016.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

डॉ. मनीषा गोयल को इंडियन बायोफिजिक्स सोसाइटी (आईबीएस – 2017) आईआईएसईआर, मोहाली में 25 मार्च, 2017 को *चैपेरोन रेपेरटॉयर्स एंड नेटवर्क्स एन आर्चियल जीनोक्स* पर वार्षिक विचार–गोष्ठी में वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रो. शुभेन्दु घोष को :

द्वितीय एम्स–एनबीआरसी–डीबीटी एपीलेप्सी एर्जरी और एपीलेप्सी न्यूरोबायलॉजी कार्यशाला में 1 सितम्बर, 2006 को *कलेक्टिव बिहेवियर ऑफ आयन चैनल्स : फ्रॉम फिजिक्स टु बायलॉजी* पर वार्ता हेतु आमंत्रित किया गया।

29 अगस्त, 2016 को जामिया मिलिया इस्लामिया में *स्कोप ऑफ बायोफिजिक्स* में आमंत्रित किया गया।

भारतीय रासायनिक जैविकी संस्थान, कोलकाता में 19 दिसम्बर, 2016 को एंडवांस्ड स्टडीज़ इन सैल सिगलिंग पर आयोजित तीसरी अंतर्राष्ट्रीय मीट में *स्ट्रक्चरल बेसिस ऑफ बायलाजिकल सिगनलिंग* पर सत्र की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया गया।

अन्य अंतर्सांस्थानिक सहभागिता

प्रो. शुभेन्दु घोष आईआईटी बंबई (जैव–विज्ञान और जैव–इंजीनियरी विभाग), आईआईटी मद्रास (जैव प्रोद्योगिकी विभाग और आईआईटी दिल्ली (स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल सांइसेज) के साथ सहभागिता कर रहे हैं।

प्रदत्त एम. फिल/पीएच.डी

पीएच.डी. – 02

संकाय – सदस्यों की संख्या –

स्थायी – 03

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

प्रो. शुभेन्दु घोष ने विजिटिंग रिसर्च सांइटिस्ट के रूप में 26 अक्तूबर से 07 नवम्बर, 2016 तक टेक्नीकल यूनीवर्सिटी ऑफ ड्रेस्डेन, जर्मनी का दौरा किया।

*****

इलेक्ट्रानिकी – विज्ञान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

संकाय सदस्य अनुसंधान तथा अनुसंधान पर्यवेक्षण के क्रियाकलापों में सक्रिय रूप से शामिल हैं जिनके फलस्वरूप ऑप्टिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, माइक्रोवेव्स और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स में पीएच.डी. डिग्री प्राप्त होती है। विभाग अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारियां की हैं तथा उसके पास यूजीसी, सीएसआईआर, डीएसटी आदि द्वारा वित्त–पोषित अनेक अनुसंधान परियोजनाएं हैं। पिछले अनेक वर्षों से फाइबर एवं इंटीग्रेटेड ऑप्टिकल उपकरणों,

माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स पदार्थ विज्ञान और माइक्रोवेव्स में सैद्धांतिक अनुसंधान को जारी रखने के अलावा ऑप्टिकल फाइबर मापन के क्षेत्र में प्रयोगात्मक सुविधाएं भी सृजित की गईं। एक एनेकोइक चैम्बर सुविधा को भी शामिल किया गया है तथा अनेक अधुनातन सॉफ्टवेयर भी अधिप्राप्त किए गए हैं। विभाग तथा आईईईई ईडीएस, दिल्ली शाखा ने 18–20 जनवरी, 2017 को दक्षिणी परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय ने संयुक्त रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया विकास पर द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीआरडीई–2017) का आयोजन किया। विभाग ने मार्च, 2017 में एआरआईईएस प्रेक्षणशाला, नैनीताल का वार्षिक शैक्षणिक भ्रमण भी आयोजित किया। श्री निखिलवास सिटी यूनीवर्सिटी, लंदन में एरास्मस मुंडुस आईएनटीएसीटी परियोजना के माध्यम से डॉक्टोरल विनिमय कार्यक्रम में 6 माह (दिसम्बर, 2016–जून, 2017 के दौरान) के शोध कार्य के लिए चुने गए ।

प्रकाशन

शर्मा वी.के., मदान डी., कपूर ए. (2017). एक्सट्रीमली शॉर्ट लेंथ एंड हाई एक्टिंक्शन रेशो प्लास्मोनिक टीई मोड पास पोलेराइजर, *आईईईई फोटोनिक्स टेक्नालॉजी लेटर्स,* 29(7) 559–562.

शर्मा एस., चौधरी एस., कपूर ए. (2017). स्ट्रक्चरल एंड आप्टिकल प्रोपर्टीज ऑफ थर्मली ट्रीटेड सीडीओ थिन फिल्म्स डिपोजिटेड ऑन आईटीओ कोटेड क्लास सबस्ट्रेट्स फॉर फोटोवोल्टेक एप्लीकेशंस, *जर्नल ऑफ सोल–जेल साइंस एंड टेक्नालॉजी,* 1 – 7.

शौकीन पी., जैन वी., गुप्ता वी. कपूर ए. (2017) मल्टीलेयर सिल्वर नैनोपार्टिकल्स एम्बेडेड इन ग्रेडेड – इंडेक्स डाइइलेक्ट्रिक लेयर्स, *ऑप्टिकल मैटीरियल्स,* 66, 29–34.

शौकीन पी., जैन ए., कपूर ए. (2017) प्लोज्मोनिक जैड एनओ/पी – सिलिकन हेट्रोजंक्शन सोलर सैल, *ऑप्टिकल मैटीरियल्स,* 67, 32–37.

सैनी बी., अधिकार एस., पाल एस., कपूर ए. (2017) पोलेराइजेशन कंपेंशेसन एट लो पी – जीएएन डोपिंग डेंसिटी इन आईएनजीएएन/जीएएन पिन सोलर सैल्स : इफेक्ट ऑफ आईएनजीएएन इंटरलेयर्स, *सुपरलैटिसेस एंड माइक्रो–स्ट्रक्चर्स,* 107, 127–135.

सैनी आर., कुमार एम., कुमार ए., भट्ट जी, खन्ना एम.के., कपूर ए., (2017) एनालाइसिस ऑफ सिलिकॉन क्लैड आप्टिकल वेबगाइड फॉर हाई एक्टिंशन रेशो टीई/टीएम पास पोलेराइजर्स यूजिंग रेसोनेंट कपलिंग बिटवीन गाइडेड मोड्स एंड लोसी मोड्स आईएसओआर, *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग,* 59–64.

कुमार ए., राकेश, कुमार एम., भट्ट जी., एम.के., कपूर ए. (2017) स्पेक्ट्रल इंटेरोगेशन ऑफ जैडएनओ थिन फिल्म फॉर लॉसी मोड रेनोसेंस सेंसर्स, *एडवांस साइंस लैटर्स*।

चेतना, कुमार एस. गर्ग ए., चौधरी ए., ढींगरा वी., चौधरी एस., कपूर ए., (2017) जिंक ऑक्साइड डोप्ड ग्रेफीन ऑक्साइड फिल्म्स फॉर गैस सेंसिंग एप्लीकेशंस, एआईपी कांफ्रेस प्रोसीडिंग्स, 1728 (1). 020579.

शर्मा एस., कश्यप जे., गुप्ता एस., नताशा, कपूर ए. (2017). इफेक्ट ऑफ एलुमीनियम एंड थेटरियम डोपिंग ऑन जिंग सल्फाइड नैनोपार्टिकल्स, *एआईपी कांफ्रेस प्रोसीडिंग्स,* 1728(1), 020697.

मदान डी., कौर डी., शर्मा वी.के., कपूर ए. (2017). टीई एवं टीएम पास इंटेग्रेटेड ऑप्टिक पोलेराइजर्स, *एआईपी कांफ्रेंस प्रोजीडिंग्स,* 1728 (1), 020209.

मदान डी., कौर डी., शर्मा वी.के., कपूर ए. (2017). हाई एंगुलर सेंसिटिविटी फिल्म थिन ऑक्साइड सेंसर. *एआईपी कांफ्रेंस प्रोजीडिंग्स,* 1728 (1), 020210.

शर्मा वी.के., मदान डी., कपूर ए. (2016). झाई एक्टिंशन रेशो एंड शॉट लेंथ सर्फेस प्लाज्मन पोलेरिटन, पोलेराइज़र, *आईईईई फोटेनिक्स टेक्नालॉजी लैटर्स,* 28 (14), 1541–1544.

कुमार एस., सिंह एफ., कपूर ए., (2016). स्टडी ऑफ वेलेंस बैंड टेलिंग इफेक्ट इंड्यूस्ड बाई इलेक्ट्रॉनिक एक्सिटेशंस इन नैनोक्रिस्टेलीन कैडमियम ऑक्साइड थिन फिल्म्स. *ओप्टिक–इंटरनेशनल जर्नल फॉर लाइट एंड इलेक्ट्रॉन ऑप्टिक्स,* 127(4), 2055–2058.

शौकीन पी., जैन ए., कपूर ए., गुप्ता वी. (2016). थिकनेस एंड एनीलिंग इफेक्ट्स ऑन दि पार्टिकल साइज ऑफ पीएलडी ग्रोन एजी नैनोफिल्म्स, प्लाज्मोनिक्स 11(2), 669–675.

शर्मा एस., सिंह एल., कपूर ए. (2016). इफेक्ट ऑफ वाइटीरियम डोपिंग ऑन स्ट्रक्चरल एंड ऑप्टिकल प्रोपर्टीज़ ऑफ जिंक एल्फाइड नैनोपार्टिकल्स. *मैटीरियल्स साइंस इन सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग, 56, 174–178.*

शौकीन पी., जैन ए., कपूर ए., गुप्ता वी. (2016). सिलिकन नैनोस्फेयर्स फॉर डाइरेक्शनल स्कैटेरिंग इन थिन–फिल्म सोलर सैल्स, *जर्नल ऑफ नैनोफोटोनिक्स,* 10(3), 036013–036013.

शौकीन पी., जैन ए., कपूर ए. (2016). थर्मल स्टेबिलिटी ऑफ पीएलडी ग्रोन सिल्वर नैनोपार्टिकल्स, *एआईपी कांफ्रेस प्रोसीडिंग्स,* 1728 (1), 020161.

शर्मा एस., कपूर ए. (2016) सिंथेसिस एंड स्टडी ऑफ जैडएनएस नैनोपार्टिकल्स फॉर फोटोवोल्टिक एप्लीकेशन, *एडवांस्ड साइंस लैटर्स,* 22(4), 1059–1063.

कोहली एन., श्रीवास्तव एस. एवं शर्मा ई.के. (2016) स्कैलर कपल्ड मोड थिथोरी एंड वैरीएशनल एनालाइसिस फॉर प्लानर एसओआई वेवगाइड एरेज़ : ए डिटेल्ड कम्पैरिजन, *ऑप्टिकल एंड क्वांटन इलेक्ट्रॉनिक्स,* 48 : 265, डीओआई : 10. 1007/एस 11082–016–0540 – जैड.

सितल एस. एवं शर्मा ई.के. (2016) डिजाइन मेथोडोलॉजी फॉर मेटल – क्लैड पोलेराइज़र इन एसओआई वेबगाइड्स, *आप्टिकल एवं क्वाटंम इलेक्ट्रॉनिक्स,* 48 : 369, डीओआई 10. 1007/एस 11082–016–0636–5.

बालियान ए., सितल एस., तिवारी यू., गुप्ता आर. एवं शर्मा ई.के. (2016). लांग पीरियड फाइबर ग्रेटिंग बेस्ड सेंसर फॉर दि डेटेक्शन, ऑफ ट्राइएसाइलग्लाइसेराइड्स, *बायोसेंसर्स एंड बायोइलेक्ट्रॉनिक्स,* 79, 693–700, एचटीटीपी ://डीओआई. ओआरजी/10.1016/जे. बायोस. 2015.12.089.

कुमार एम., हलदर एस., गुप्ता एम. एवं गुप्ता आर.एस. (2016). डीएस–स्कॉटकी बैरियर सिलिंडरिकल जीएए मॉस्फेट : नैनोसेंसर फॉर बायोचिप्स, *नैनोमैटीरियल्स एंड इनर्जी,* 5, (1), 13–17.

वर्मा जे.एच.के., हलदर एस., गुप्ता आर.एस. एवं गुप्ता एम. (2016) मॉडलिंग एंड सिमुलेशन ऑफ सिलैड्रिकल सराउंडिंग डबलगेट (सीएसडीजी) मोसफेट विद वैक्यूम गेट डाइइलेक्ट्रिल फॉर हॉट कैरियर रिलाएबिलिटी एंड पीएफ पर्फोरमेंस, *जर्नल ऑफ कंप्यूटेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स*, 15 (2), 657—665.

अभिषेक, नारंग आर., सक्सेना एम. एवं गुप्ता एम. (2016). इंपैक्ट ऑफ इंटरफेशियल फिक्स्ड चार्जेज़ ऑन दि इलेक्ट्रिकल कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ पाकेट — डोप्ड डबल गेट टनल एफईटी. आईईईई, *ट्रांजेक्शंस ऑफ डिवाइस एंड मैटेरियल रिलाएबिलिटी*, 16(2), 117—122.

योगेश, हलदर एस., गुप्ता आर.एस. एवं गुप्ता एम. (2016). गेट मैटीरियल इंजीनियर्ड जंक्शनलैस नैनोवायर ट्रांजिस्टर (जेएनटी) विद वैक्यूम गेट डाइइलेक्ट्रिक फॉर इन्हैंस्ड हॉट कैरियर रिलाइबिलिटी, *आईईईई ट्रांस. ऑन डिवाइस एंड मैटीरियल रिलाएबिलिटी*, जून, 2016.

कुमार एम., हलदर एस., गुप्ता एम. एवं गुप्ता आर.ए. (2016). एनालाइटिकल मॉडल ऑफ थ्रैशहोल्ड वोल्टेज डीग्रेडेशन ड्यू टु लोकलाइज्ड चार्जेज़ इन गेट मैटीरियल इंजीनियर्ड स्कॉटकी सिलिंडरिकल जीएए मोसफेट, *सेमीकंडक्टर साइंस एंड टेक्नालॉजी*, 13, 105013—105023.

अजय, नारंग आर., सक्सेना एम. एवं गुप्ता एम. (2016). पीएच सेंसिंग कैरेक्टरिस्टक्स ऑफ सिलिकन ऑन इंसुलेटर (एसओआई) जंक्शनलैस (जेएल) आईएसएफईटी, *एडवांस्ड साइंस, इंजीनियरिंग एंड मेडिसिन*, 8, 12, 960—967.

अजय, नारंग आर., सक्सेना एम. एवं गुप्ता एम. (2016). नोवेल जंक्शनलैस इलेक्ट्रोलाइट इंसुलेटर — इफेक्ट ट्रांजिस्टर (जेएल ईआईएसएफईटी) एंड इट्स एप्लीकेशन एज पीएच/बायोसेंसर, *माइक्रोसिस्टम एंड टेक्नालॉजी*, डीओआई 10. 1007/एस 00542 — 016 — 3013—1.

त्रिवेदी एन., कुमार एम., हलदर एस., देसवाल एस.एस., गुप्ता एम. एवं गुप्ता आर.एस. (2016). एनालाइटिक मॉडलिंग सिमुलेशन एंड कैरेक्टेराइजेशन ऑफ शार्ट चैनल जंक्शनलैस एक्युमुलेशन मोड सराउंडिंग गेट (जेएलएएमएसजी) मोस्फेट फॉर इंप्रूव्ड एनालॉग/आरएफ पर्फमिंस, *सुपरलैटिसेस एंड माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स*, 100, 1263—1275.

कुमारी वी., शर्मेथा के., सक्सेना एम., गुप्ता एम. (2017). अंडरलैप फिन एफईटी ऑन इंसुलेटर : क्वासी एनालाइटिक मॉडल, *सॉलिड स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स*, 129, 138—149.

मेहता एच. एवं कौर एच. (2017). हाई टेम्परेचर पर्फोमेंस ऑफ एसआई : एचएफओ 2 बेस्ड लांग चैनल डबल गेट फेरोइलेक्ट्रिक जंकशनलैस ट्रांजिस्टर्स, *सुपरलैटिसेस एंड माइक्रोस्ट्रक्चर्स*, 103, 78—84, डीओआई : 10.1016/ जे. एसपीएमआई 2017.01.009.

मेहता एच. एवं कौर एच. (2016). मॉडलिंग एंड सिमुलेशन स्टडी ऑफ नोवल गेट फेरोइलेक्ट्रिक जंकशनलैस (डीजीएफजेएल) ट्रांजिस्टर, *सुपरलैटिसेस एंड माइक्रोस्ट्रक्चर्स*, 97, 536—547, डीओआई : 10.2016/जे.एसपीएमआई. 2016. 07.024.

सिंह जे., प्रसाद एन., पेटा के.आर. एवं भटनागर पी.के. (2017). दि रोल ऑफ मल्टीलेयर ग्रेफीन इन इंप्रूव्ड इलेक्ट्रिकल एंड ऑप्टिकल कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ पी3एचटी बेस्ड फोटोवोल्टेक डिवाइस, *मैटीरियल्स रिसर्च एक्सप्रेस* (प्रकाशन के लिए स्वीकृत).

निर्वाल वी.एस., पेटा के.आर., रेड्डी वी.आर. एवं किम एम.डी. (2017). इंफ्लुएंस ऑफ रैपिड थर्मल एनीलिंग ऑन इलेक्ट्रिकल एंड स्ट्रक्चरल प्रोपर्टीज़ ऑफ जैडएनओ नैनोरॉड्स सिंथेसाइज्ड बाई हाइड्रोथर्मल मैथड. *कैमिकल फिजिक्स लैटर्स,* 662, 196–200.

गौतम के., सिंह आई., भटनागर के.आर. एवं पेटा के.आर. (2016). रोल ऑफ सीएल डोपिंग ऑन दि ग्रोथ एंड रिलेक्सेशन डायनैमिक्स़ ऑफ जैडएनओ नैनोरॉड्स सिंथेसाइज्ड बाई हाइड्रोथर्मल मैथड. *कैमिकल फिजिक्स लैटर्स,* 662, 196–200.

निर्वाल वी.एस., पेटा के.आर. (2016). बिहेवियर ऑफ टेम्परेचर डिपेंडेंट इलेक्ट्रिकल प्रोपर्टीज ऑफ पीडी/एयू स्कॉटकी कंटेक्ट टु जीएएन ग्रोन ऑन एसआई सब्सट्रेट बाई एमबीई. *मैटीरियल्स रिसर्च एक्सप्रेस,* 3(12).

गौतम के., सिंह आई., भटनागर पी.के., पेटा के.आर. (2016). दि इफेक्ट ऑफ ग्रोथ टेम्परेचर ऑफ सीड लेयर ऑन दि स्ट्रक्चरल एंड आप्टिकल प्रोपटीज़ ऑफ जेडएनओ नैनोरॉड्स, *सुपर लैटिसेस एंड माइक्रोस्ट्रक्चर्स,* 93, 101–108.

तिवारी पी., पटेल के., कृश्निया एल., कुमारी आर., त्यागी पी.के. (2017). पोटेंशियल एम्प्लीकेशन ऑफ मल्टीलेयर एन–टाइप टंगस्टन डिसेलेनाइड (डब्ल्यूएसई 2) शीट एज़ ट्रांसपेरेंट कंडक्टिंग इलेक्ट्रोड इन सिलिकन हेट्रोजंकशन सोलर सैल. *कंप्यूटेशनल मैटीरियल्स साइंस,* 136, 102–108.

पटेल के., त्यागी पी.के. (2017). सिंगल लेयर ग्रेफीन पोजेसिंग एनोमेलस डिस्पर्शन विद एक्जॉटिक माइक्रोवेव ट्रांसमिशन एंड डाइइलेक्ट्रिक प्रोपर्टीज़, *जर्नल ऑफ एलॉज़ एंड कंपाउंड्स,* 706, 250–259.

पटेल के., त्यागी पी.के. (2017). पी–टाइप मल्टीलेयर ग्रेफीन एज ए हाइली एफिशिएट ट्रांसपेरेट कंडक्टिंग इलेक्ट्रोड इन सिलिकन हेटेरोजंकशन सोलर सैल्स. *कार्बन,* 116, 744–752.

चौधरी आर., पटेल के., सिन्हा आर.के., कुमार एस., त्यागी पी.के. (2016). पोटेंशियल एप्लीकेशन ऑफ मोनो/बाई–लेयर मॉलीब्डेनम डाइसल्फेट (एमओएस 2) शीट एज एन एफिशिएंट ट्रांसपेरेंट कंडक्टिंग इलेक्ट्रोड् इन सिलिकन हेटेरोजंकशन सोलर सैल्स, *जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स,* 120 (1), 013104.

पटेल के., नेहा एन., त्यागी पी.के. (2016). इफेक्टिव रिलेटिव पर्मिटिविटी एंड कैरेक्टरिस्टिक इंजीडेंस ऑफ ग्रेफीन लोडेड माइक्रोस्ट्रिप लाइन बाई स्केलर एस – पैरामीटर्स, *एआईपी कांफ्रेंस प्रोसीडिंग्स,* 1728, 020617.

आकाश, बिरवाल ए. (2017) आईओटी – बेस्ड टेंपरेचर एंड ह्यमिडिटी मॉनीटरिंग सिस्टम फॉर एग्रीकल्चर, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन साइंस इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी,* 6(7) 12756–12761.

शोध परियोजनाएं

प्रो. मृदुला गुप्ता (पीआई), यूजीसी, 2015 – आज तक, फिजिक्स बेस्ड मॉडलिंग एंड सिमुलेशन ऑफ चैनल मैटीरियल इंजीनियर्ड रिंग एफईटी फॉर सेंसिंग एप्लीकेशन, 17,23,000/– रुपए।

सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण (अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय)

बालियान ए. एवं शर्मा ई.के., *एक्सपेरीमेंटल स्टडी ऑफ कॉनकेटेनेटेड लांग पीरियड फाइबर ग्रेटिंग सेपेरेटेड बाई ए सिंगल मोड फाइबर एज रेफ्रेक्टिव इंडेक्स सेंसर,* आईईईई 6वां अंतर्राष्ट्रीय फोटोनिक्स सम्मेलन, आईसीपी–2016 सारावाक, मलेशिया, 14–16 मार्च, 2016.

प्रताप वी. कुमार एम., हलदर एस., गुप्ता एम., गुप्ता आर.एस. *सेंसिटिविरी इंवेस्टिकेशन ऑफ गेट–ऑल–राउड जंकशनलैस ट्रांसिस्टर फॉर हाइड्रोजन गैस डिटेक्शन,* 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईएनईसी, चेंगडु, चीन, 9–11 मई, 2016.

कुमार, प्रताप वाई., हल्दर एस., गुप्ता एम., गुप्ता आर.एस., *डीएमजी इंसुलेटेड शैलो एक्सटेंशन सिलेंड्रिकल जीएए स्कॉटकी बेरियर मोस्फेट फॉर रिमूवल ऑफ एम्बीपोलैरिटी : ए. नोवल अप्रोच.* 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईएनईसी, चेंगडु, चीन, 9–11 मई, 2016.

अजय, नारंग आर., सक्सेना एम. एवं गुप्ता एम., *एनालाइसिस ऑफ जीएएसबी – आईएनएएस गेट ऑल अराउंड (जीएए) पी–आई–एन टनल एफईटी (टीएफईटी) फॉर एप्लीकेशन एज ए बायो सेंसर,* 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईएनईसी, चेंगडु, चीन, 9–11 मई, 2016.

दुबे ए., अजय, नारंग आर., सक्सेना एम. एवं गुप्ता एम., *एनालाइटिक मॉडल ऑफ जंकशनलैस डबल गेट रेडिएशन सेंसिटिव एफईटी (आरएडीएफईटी) डोसीमीटर,* 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईएनईसी, चेंगडु, चीन, 9–11 मई, 2016.

त्रिवेदी एन., कुमार एम., हलदर एस., देसवाल एस.एस., गुप्ता एम., एवं गुप्ता आर.एस. *एन्हैंस्ड एनालॉग पर्फार्मेंस ऑफ अंडरलैप सिलेंड्रिकल गेट ऑलराउंड मोस्फेट विद हाई–के डाइइलेक्ट्रिक मैटीरियल स्पेसर,* आईसीएएनएन–2016, जामिया मिलिया इस्लामिया, 4–5 नवम्बर, 2016.

कुमार एम. हलदर एस. गुप्ता एम. एवं गुप्ता आर.एस. *गौसियन ग्रेडेड चैनल (जीजीसी) स्कॉटकी बैरियर सराउंडिंग गेट मोस्फेट फॉर एनालॉग/आरएफ पर्फार्मेंस इंहांसमेंट,* नैनोमैटीरियल्स एवं नैनो–प्रौद्योगिकी में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएएनएन–2016, जामिया मिलिया इस्लामिया, 4–5 नवम्बर, 2016.

कुमारी वी., सक्सेना एम. एवं गुप्ता एम., *परफारमेंस इंवेस्टिगेशन ऑफ फील्ड प्लेट एलान/गन हेम्ट फॉर हाई वोल्टेज एप्लीकेशंस : मॉडलिंग एंड सिमुलेशन,* आईसीएएनएन–2016, जामिया मिलिया इस्लामिया, 4–5 नवम्बर, 2016.

त्रिवेदी एन., कुमार एम., हलदर एस., देसवाल एस.एस., गुप्ता एम., एवं गुप्ता आर.एस., *इंवेस्टिगेशन ऑफ एनालॉग/आरएफ पर्फार्मेंस ऑफ हाई–के स्पेसर जंकशनलैस एक्युमुलेशन – मोड सिलेंड्रिकल गेट ऑल राउंड* (जेएलएएम – सीजीएए) यूपी कॉन – 2016. आईआईटी, बीएचयू, वाराणसी 9–11 दिसम्बर, 2016.

उपासना, कुमार ए. एवं गुप्ता एम., *टनल एफईटी डिजाइन विद अनडोप्ड चैनल एंड अनडोप्ड ड्रेन रीजंस : नो एम्बीपोलर कंडक्शन इन एकुमुलेशन रिजीम,* तीसरा आईईईई उत्तर प्रदेश खंड अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (यूपीकॉन – 2016), आईआईटी, बीएचयू, वाराणसी, भारत, 09–11 दिसम्बर, 2016.

उपासना, नारंग आर., सक्सेना एम. एवं गुप्ता एम. *इंपैक्ट ऑफ डाइइलेक्ट्रिक मैटीरियल एंड टेम्प्रेचर बैरिएशंस ऑन दि पर्फोर्मेंस ऑफ टीएफईटी विद डाइइलेक्ट्रिक पॉकेट,* 13वां वार्षिक आईईईई भारत सम्मेलन (इंडिकॉन – 2016) जे.एन. टाटा सभागार, आईआईएस बेंगलुरु, भारत, 16–18 दिसम्बर, 2016.

कुमारी वी., सक्सेना एम. एवं गुप्ता एम., *पर्फोर्मेंस बस्टिंग यूजिंग डाइइलेक्ट्रिक पॉकेट इन ट्राई–गेट आईएन जीएएस–ऑन–नथिंग एफईटी,* उभरते इलेक्ट्रॉनिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईटी बंबई, 28–30 दिसम्बर, 2016.

अजय, नारंग आर., सक्सेना एम. एवं गुप्ता एम. इम्पैक्ट ऑफ क्लोज कैविटी एंड ओपन कैविटी ऑन डबल गेट मोस्फेट फॉर बायो–सेंसिंग एप्लीकेशन, उभरते इलेक्ट्रॉनिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईटी बंबई, 28–30 दिसम्बर, 2016.

त्रिवेदी एन., कुमार एम. हलदर एस., देसवाल एस.एस. गुप्ता एम एवं गुप्ता आर.एस. *कंपैरेटिव एनालाइसिस ऑफ डीएमजी एक्युमुलेशन मोड जंकशनलैस मोस्फेट विद एसएमजी जंकशनलैस एक्युमुलेशन मोड एंड जंकशनलैस सीएसजी मोस्फेट,* इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया प्रगति पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (एनसीआरडीई–2017) दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली, 17–18 फरवरी, 2017.

उपासना, नारंग आर., सक्सेना एम. एवं गुप्ता एम. (2017). स्टडी ऑफ गेट एंड ड्रेन कंट्रोलेबिलिटी ओवर डबल गेट (डीजी) टनल एफईटी थ्रू मॉडलिंग एंड सिमुलेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया प्रगति पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (एनसीआरडीई–2017) दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली, 17–18 फरवरी, 2017.

कुमार एस., कुमारी वी., सिंह एस., सक्सेना एम. एवं गुप्ता एम., *इम्पैक्ट ऑफ हाई–के गेट डाइइलेक्ट्रिक ऑन डबल गेट रिंग,* एफईटी (एचके – डीजी – रिंग एफईटी) आर्किटेक्चर, इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया प्रगति पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (एनसीआरडीई–2017) दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली, 17–18 फरवरी, 2017.

वर्मा जे., एच.के. हलदर एस., गुप्ता आर.एस. एवं गुप्ता एम. *एनालॉग/आरएफ पर्फोर्मेंस ऑफ सिलेंड्रिकल सराउंडिंग डबल गेट* (सीएसडीजी) मोस्फेट इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया प्रगति पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (एनसीआरडीई–2017) दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली, 17–18 फरवरी, 2017.

अजय, नारंग आर., सक्सेना एम. एवं गुप्ता एम., *टू–डाइमेंशनल सरफेस पोटेंशियल मॉडल फॉर गेट ऑल राउंड जंकशनलैस टनल फील्ड–इफेक्ट ट्रांसिस्टर,* इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया प्रगति पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (एनसीआरडीई–2017) दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली, 17–18 फरवरी, 2017.

कुमार एम., हलदर एस., गुप्ता एम. एवं गुप्ता आर.एस., *कंपैरिटिव लीनिएरिटी असेसमेंट ऑफ गौसियन ग्रेडेड चैनल (जीजीसी) एंड कंवेशनल स्कॉटकी बेरियर सराउंडिंग गेट मोस्फेट,* इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया प्रगति पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (एनसीआरडीई–2017) दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली, 17–18 फरवरी, 2017.

मेहता एच. एवं कौर एच., *हाई टेम्प्रेचर पर्फोर्मेंस इंवेस्टिगेशन ऑफ एलिप्टिकल गेट फेरोइलेक्ट्रिक जंकशनलैस ट्रांसिस्टर,* उभरते इलेक्ट्रॉनिक्स पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईई), आईआईटी बंबई, मुंबई, भारत, 27–30 दिसम्बर, 2016.

बंसल एम. एवं कौर एच., *एनालाइटिकल थ्रेशहोल्ड वोल्टेज मॉडल टु स्टडी दि इंपैक्ट ऑफ ग्रेडेड–चैनल (जीसी) डिजाइन एंड गेट इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग ऑन डिवाइस पर्फोर्मेंस ऑफ ट्राई–गेट मोस्फेट,* इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी में हालिया अभिनवताओं पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरआईईएटी) होटल कटारिया, हैदराबाद, भारत, 22–23 दिसम्बर, 2016.

मेहता एच. एवं कौर एच., *एनालाइटिक मॉडल टु स्टडी टेम्प्रेचर दि पेंडेंट नेगेटिव कैपिसिटेंस इफेक्ट ऑन लांग चैनल डबल गेट फेरोइलेक्ट्रिक जंकशनलैस ट्रांजिस्टर,* एशिया–प्रशांत माइक्रोवेव कांफ्रेंस (एपीएमसी) डीओआई : 10. 1109/एपीएमई. 2016. 7931309, होटल पुलमैन, एरोसिटी, नई दिल्ली, भारत, 5–9 दिसम्बर, 2016.

मेहता एच, एवं कौर एच., एनालाइटिक ड्रेन करंट मॉडल टु स्टडी दि इम्पैक्ट ऑफ नेगेटिव कैपिसिटेंस फिनोमेनन इन सिमिट्रिक डबल गेट जंकशनलैस ट्रांजिस्टर,

नैनोमैटीरियल्स एवं नैनो–प्रौद्योगिकी में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएनएन), जामिया मिलियन इस्लामिया, नई दिल्ली, 4–5 नवम्बर, 2016.

मेहता एच. एवं कौर एच., *थ्योरेटिकल स्टडी ऑफ इम्पैक्ट ऑफ फेरोइलेक्ट्रिक प्रोपर्टीज़ ऑफ इम्पैक्ट ऑफ एसबीटी/पीजैडटी एंड इंटरफेस लेयर ऑन डबल गेट सिमेट्रिक जंकशनलैस ट्रांजिस्टर,* इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया प्रगति पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (एनसीआरडीई–2017) दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली, 17–18 फरवरी, 2017.

गौतम के., सिंह आई, भटनागर सी., भटनागर पी.के. एवं राव पी.के., *इन्हैंस्ड मूवी एमीशन ऑफ रिड्यूज्ड ग्रेफीन ऑक्साइड कैप्ड जैडएनओ नैनोरॉड्स बाई सर्फेस प्लास्मन रेसोनेंस,* आईसीएमएटी–2017, सनटेक सिटी, सिंगापुर, 18–23 जुलाई, 2016.

निर्वाल वी.एस. एवं राव पी.के. *रिवर्स लीकेज ट्रांसपोर्ट मेकेनिज्म इन जीएएन स्कॉटकी डाइऑड,* आईयूएसआरएस – आईसीवाईआरएएम 2016, आईआईएस, बेंगलुरु, 11–15 दिसम्बर, 2016.

गौतम के. सिंह, आई., जेटली के. भटनागर पी.के., राव पी.के., *स्ट्रक्चरल एंड आप्टिकल कैरेक्टेराइजेशन ऑफ बोरोन डोप्ड जैडएनओ नैनोराड्स ग्रोन बाई हाइड्रोथर्मल मेथड,* आईसीएएनएन–2016, नई दिल्ली 4–5 नवम्बर, 2016.

चौधरी पी. एवं बिर्वाल ए., *कॉम्पैक्ट सर्कुलर पोलाराइज्ड मल्टीबैंड माइक्रोस्ट्रिप एनटीना सिद सर्कुलर डिफेक्टेड ग्राउंड,* आईईईई इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन कंप्यूटिंग फॉर सस्टेनेबल ग्लोबल डेवलपमेंट प्रोसीडिंग्स नई दिल्ली, 6727–6731, 2017.

गुप्ता एम., *सामाजिक एवं मानवीय इंजीनियरिंग में अभिनवता,* आईईईई इंडिकॉन 2016, आईआईएस बेगलुरु, पोवई, भारत, 13–15 दिसम्बर, 2016.

गुप्ता एम., *ट्रेंड्ज इन सोलर पावर जेनेरेशन एंड इनर्जी हार्वेस्टिंग,* इंटरनेशनल वर्कशॉप एमिटी यूनीवर्सिटी यूपी, दुबई कैंपस दुबई, यूएई, 27–29 मार्च, 2017.

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियां

पीएच.डी – 02

संकाय – सदस्य संख्या

स्थायी – 07

*****

आनुवांशिकी

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग के प्रमुख क्रियाकलाप रयूमेटॉइड अर्थराइटिस के लिए नैदानिक और चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने हेतु जीनोमिक्स का अन्वेषण तथा आनुवांशिक निष्कर्षों का रूपांतरण करना; शीजोफ्रेनिया जेसे रोगों में दुर्लभ वेरिएंट्स की पहचान करना; एक मॉडल के रूप में *ड्रोसोफिला* का प्रयोग करते हुए न्यूरोनल टॉपैथीस के पैथोजीनेसिस को समझना और न्यूरोजेनेरेटिव विकृतियों के विरुद्ध सौम्य औषधियों की पहचान करना; उस आण्विक तंत्र को समझना कि किस प्रकार कैंसर कोशिकाएं हाइपॉक्सिक परितिस्थितियों के अंतर्गत कीमोथेरेप्यूटिक्स के प्रति प्रतिरोध विकसित करती है, सरसों (*ब्रासिका जंशिया*) में जीनोम मैपिंग और आण्विक प्रजनन कवकीय रोगजनकों और कीट पतंगों के प्रति प्रतिरोधी ट्रांसजीनिक पादपों का विकास (टमाटर, गोभी) तथा लक्ष्यों की पहचान; एक मॉडल के रूप में *एराबिडपोसिस* का प्रयोग करते हुए अल्टेरनेरिया पैथोसिस्टम का विश्लेषण करना, यीस्ट में माइटोकांड्रियल रीबोजोम बायोजेनेसिस जीनों और तंत्र की पहचान करना; पार्तुलिंस द्वारा प्रोलाइल आइसोमेराइजेशन की भूमिका को समझना तथा *डिक्टीओस्टेलियम* की वृद्धि और विकास पर उनका प्रभाव और पादप प्रवर्त्तकों का विश्लेषण करना।

सामाजिक प्रभाव वाली दो प्रमुख उपलब्धियों में से, दिल्ली राज्य में मेटाबॉलिज्म की 40 से अधिक विभिन्न जन्मजात त्रुटियों के लिए 2,00,000 से अधिक नवजात शिशुओं की स्क्रीनिंग की गई और इस प्रकार पहले जानपदिक – रोग विज्ञान आंकड़े सृजित किए गए हैं जो जन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं और जनता के लिए रूपांतरणकारी औषधिक का उदाहरण हैं। ट्रांसजेनिक दृष्टिकोण के माध्यम से विकसित डीएमएच–11 *संकर* सरसों के लिए आनुवांशिक इंजीनियरी मूल्यांकन समिति (जीईएसी) द्वारा प्रदान की गई संस्वीकृति एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सम्मान/विशिष्टताएं

प्रो. प्रदीप कुमार को वर्ष 2016 के लिए आईएनएसए शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. तपस्या श्रीवास्तव को राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी का सदस्य निर्वाचित किया गया।

प्रकाशन

अब्बास एम.एम., गोविंदप्पा एस.टी., सुधामन एस., थेल्मा बी.के., जुयाल आर.सी., बेहारी एम., मुथेन यू.बी. (2016). अर्ली ऑनसेट पार्किन्संस डिजीज़ ड्यू टु डीजेआई म्यूटेशंस : एन इंडियन स्टडी, *पार्किन्सनिज्म रिलेट डिस्कॉर्ड,* 32, 20–24, डीओआई : 10.1016/जे. पार्करेल्डिस, 2016, 04.024.

अमि चौबे एवं राजम एम.वी. (2017), ट्रांसक्रिप्टम रिस्पांस एंड डेवलपमेंटल इंप्लीकेशंस ऑफ आरएनए.आई. मीडिएटेड ओडीसी नॉकडाउन इन टोबैको, *फंकशनल इंटेग्रे. जीनोमिक्स डीओआई,* 10.1007/एस 10142–016–0539–3.

चानू एस.आई., सरकार एस. (2107), टार्गेटेड डाउन–रेगुलेशन ऑफ डीएमवाईसी सप्रेसेस पैथोजिनेसिस ऑफ ह्यूमन न्यूरोनल तौपेथीज इन *ड्रोसोफिला* बाई लिमिटिंग हेट्रोक्रोमेटिन रिलेक्सेशन एंड ताउ हाइपर फास्फोरिलेशन *मोल न्यूरोबायलॉ,* 54, 2706–2719.

चौधरी जैड., जॉन जे., अनेजा एस., थेल्मा बी.के. (2017). पेडिग्री एनेलाइसिस ऑफ फेमिलियल प्राइमरी कॉन्कोमिटेंट होराइजनल स्ट्राबिस्मस इन नार्दन इंडिया, *स्ट्राबिस्मस* (प्रेस में)।

चौधरी एम.आर., चौहान एस., डबराल ए. , थेल्मा बी.के., गुप्ता एन., काबरा एम. (2017). वैलीडेशन ऑफ पॉलीमेरेज़ चेन रिएक्शन–बेस्ड ऐसे टु डिटेक्ट एक्चुअल नम्बर ऑफ सीजीजी रिपोर्ट्स इन एमएमआरआई जीन इन इंडियन फ्रैजाइल एक्स सिंड्रोम पेशिएंट्स जे चाइल्ड न्यूरोल, 32(4), 371–378.

डे एस.के., प्रभाकर पी., सैनी एम., जोसफ टी., थेल्मा बी.के., मलिक एस.के., कुंडु (2016). एस. एलबीओएस 02–05 इनहिबिटर्स ऑफ डोपामिन–β–हाइड्रॉक्सीलेज़ आब्टेंड बाई स्ट्रक्चर बेस्ड मैथड्स एग्जीबिटेड एंटी– हाइपरटेंसिव इफेक्ट इन आई–नेम इंड्यूज्ड हाइपरटेंसिव रैट्स जे. *हाइपरटेंस,* 34 सप्ली 1 : ई 550. डीओआई : 10 . 1097 / 01. एजजेएच. 0000501505.44923.17, पबमेड पीएमआईडी. 27643306.

ढाका एन., मुखोपाध्याय ए. पारितोष के. गुप्ता वी., पेंटल डी., प्रधान ए.के. (2017). आईडेंटिफिकेशन ऑफ जीनिक एसएसआर एंड कंस्ट्रक्शन ऑफ ए एसएसआर–बेस्ड लिकेंज मैप इन *ब्रासिका जंशिया यूफाइटिका,* 213–15.

ढाका एन., राउत के. यावदा एस.के., सोढी वाई.एस, गुप्ता वी. पेंटल डी. प्रधान ए.के. (2017). जेनेटिक डाइसेक्शन ऑफ सीड वेट बाई क्यूटीएल एनालाइसिस एंड डिटेक्शन ऑफ एलेलिक वेरिएशन इन इंडियन एंड ईस्ट यूरोपियन जीन पूल लाइंस ऑफ ब्रासिका जंशिया, *थियोर, एप्ल. जेनेट,* 130, 293–307.

गोगटे एन.जे., कपिलेश्वर एस.आर., साहूं एस.यू. बेंड खाले एस.आर., रामकृष्ण एस. श्रीधरन के., थेल्मा बी.के., एट. अल. (2016). इवोलुएशन ऑफ साइटोक्रोम पी 4502 ईआई पॉलीमार्फिज्म्स इन हैल्दी एडल्ट वेस्टर्न इंडियंस एंड पेशेंट्स विद एंटी ट्यूबरकुलोसिस ड्रग–इंड्यूस्ड हेपेटोटाक्सिटी, *इंडियन जे फार्माकोल,* 48(1), 42–6.

गुप्ता ए., जुयाल जी., सूद ए., मिधा वी., यामाजाकी के., विला ए.वी. एसाकी एम., मत्सुई एम., ताकाहाश्री ए., कुबो एम, वीर्स्मा आर.के., थेल्मा बी.के. (2016) ए क्रॉस–एथनिक सर्वे ऑफ सीएफबी एंड एसएलसी 44ए4, इंडियन अल्सरेटिव कोलिटिस जीडब्ल्यूएएस हिट्स, अंडरस्कोर्स देयर पोटेंशियल रोल इन डिजीज़ सस्पेटिबिलिटी, *यूर जे हम जेनेट,* 25(1), 111–122.

होकिप एन., नाओरेम ए. (2016). फंकशनल कैरेक्टेराइजेशन ऑफ पर्वुलिन–टाइप पेप्टिडाइल प्रोलाइल सिस–ट्रांस आइसोमेरेज, पिन ए इन *डिक्टीओस्टेलियम डिस्कोइडेयम, बायोकेम बायोफिस रेस. कॉमन्यु.* 482, 208–214.

ही जैड.एल., वांग, हार्पर ए.एल., हैल्विकोवा एल., प्रधान ए.के., पार्किन आई.ए.पी., बैंक्रोफ्ट एल. (2017). एक्सटेंसिव होमोलोगस जीनोम एक्सचेंजेज इन एलोपॉलीप्लाइड क्रॉप्स रिवील्ड बाई एम–आरएनए सीक्वेंस–बेस्ड *विजुलाइजेशन प्लांट बायोटेक्नालॉजी* जे., 15, 594–604.

इसरानी बी. एवं राजम एम.वी. (2017). साइलेंसिंग ऑफ एक्डीसन रिसेप्टर, इन्सेक्ट इंटेस्टाइनल म्यूसिन एंड सेरीकॉर्ट्रोपिन जीन्स बाई बैक्टीरियली प्रोड्यूस्ड डबल स्ट्रेंडेड आरएनए अफेक्ट्स लार्वल ग्रोथ एंड डेवलपमेंट इन *प्लूटेलेक्सीलोस्टेला एंड हेलीकोवेर थार्मिगेरा, इन्सेक्ट मॉलीक्यूलर बायलॉजी, डीओआई* : 10.1111 / आईएमबी. 12277.

जॉन जे., भाटिया टी., कुकशाल पी., चन्द्रा पी., निमगावंकर वी.एल., देशपांडे एस.एन., थेल्मा बी.के. (2016).एसोसिएशन स्टडी ऑफ एमआईआरएसएनपी विद शिजोफ्रेनिया एंड रिलेटेड ट्रेट्स. *शिजोफ्रेनिया रिसर्च,* 174(1–3), 29–34.

जॉन जे., कुकशाल पी., भाटिया टी., चौधरी के.वी., निमगावंकर वी.एल., देशपांडे एस.एन., थेल्मा बी.के. (2017). पॉसिबल रोल ऑफ वेरिएंट्स इन ट्रेस एमीन एसोसिएटेड रिसेप्टर 1 इन शिजोफ्रेनिया. *शिजोफर रेस.* पीआईआई : एस 0920 – 9964 (17), 30109–3, डीओआई : 10.1016 / जे. होरेस. 2017.02.020.

जॉन आर., गणेशन यू., सिंह बी.एन., कॉल टी., रेड्डी एम.के., ओपोरो एस.के. एवं राजम एम.वी. (2016). ओवर एक्सप्रेशन ऑफ टोपोआइसोमेरेज II इनहांसेस साल्ट स्ट्रेस टोलेरेंस इन टोबैको, *फ्रंटियर्स प्लांट* साइं 7, 1–9.

कहाली एम., सोनी के.के. बर्मा पी.के. (2017). स्टडीज़ इन ट्रांस जेनेरेशनल ट्रांसक्रिप्शनल साइलेंसिंग ऑफ क्राई 1 एसी जीन इन टोबैको ट्रांसजेनिक्स *अमेरिकन जनरल ऑफ मॉलीक्यूलर बायलॉजी* 7, 1–10.

काजला एस., मुखोपाध्याय ए. प्रधान ए.के., डेवलपमेंट ऑफ ट्रांजेनिक ब्रासिका जंशिया लाइंस फॉर रिड्यूज्ड 1 सीड सिनापिने कंटेंट बाई पर्टर्बिंग फिनाइल प्रोपेनाइड पाथवे *जीसं, प्लोस वन* (प्रेस में))।

कोइराला एल., बेहारी एम., शिशिर सी., थेल्मा बी.के. (2016). आइडेंटिफिकेशन ऑफ ए नोवल होमोजीनस म्यूरेशन एआरजी 459 पीआरओ इन एसवाईएनजे 1 जीन ऑफ एन इंडियन फैमिली विद औटोज़ोमल रिसेसिव जुवेनाइल पार्किंसनिज्म. *पार्किंसनिज्म रिलेटेड डिसआर्डर,* 31, 124–128.

कौल ए., योगेन्द्रन एस., शर्मा डी. कॉल एस., राजम एम.वी. एवं धर एम.के. (2016) कैरोटेनॉयड प्रोफाइलिंग, इन सिलिको एनालाइसिस एंड ट्रांसक्रिप्ट प्रोफाइलिंग ऑफ एमआई–आरएनए टार्गेटिंग कैरोटेनाइड बायोसिंथेटिक पाथवे जींस इन डिफरेंट डवेलपमेंट टिशूज़ ऑफ टोमेटो. *प्लांट फिजियो. बायोकैम.* 108, 412–421.

लोहिया आर., जैन पी., जैन एम., बर्मा पी.के., श्रीवास्तव ए., सरन एस. (2017). *डिक्टियोस्टेलियम डिसकॉइडियम* सर 2 डी प्रोटीन, एन ऑर्थोलोग ऑफ ह्युमन एसआईआरटीआई, मॉड्यूलेट्स सैल–टाइप स्पेसिफिक जीन एक्सप्रेशन एंड इज इन्वोलब्ड इन ऑटोफैगी दि इंटरनेशनल *जर्नल ऑफ डेवपलमेंट बायलॉजी,* 61, 95–104.

पांडे एन., धीमन एस., श्रीवास्तव टी., मजूमदार एस., ट्रांसीशन मेटल ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स आर इफेक्टिव इन इनहिबिटिंग लंग कैंसर सैल सर्वाइवल इन दि हाइपॉक्सिस ट्यूमर माइक्रोइवार्यनमेंट. *केम बायलॉ इंट्रेक* 2016, 4 जुलाई, 254, 221–30.

प्रतीक एम. एवं राजम एम.वी. (2017), आरएनएआई–मीडिएटेड साइलेंसिंग ऑफ एमएपी किनेज़ सिगनलिंग जीन्स (एफएमकेएल, एचओजीएल एंड पीबीएस 2) एन *फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम* रिड्यूसेस पैथोजिनेसिस ऑन टोमैटो प्लांट्स, *फंगल बायलॉ,* (प्रेस में)।

प्रधान एस., महाजन डी., कौर पी., पांडे एन., शर्मा सी., श्रीवास्तव टी. कॉम्बीनेशन ट्रीटमेंट ऑफ लो डोज़ सिस्प्लेटिन एंड स्क्रिप्टेड ओवरकम्स हाइपोक्सियाइंड्यूज्ड केमो–रेसिसटेंस इन लंग कैंसर सैल्स. *ऑन्कोटार्गेट 2016 नव.* 1, 7(44), 71841–71855.

प्रसाद एस., भाटिया टी., कुकशाल पी., निमगावंकर वी.एल., देशपांडे एस.एन., थेल्मा बी.के. (2017). अटेम्प्ट्स टु रेप्लीकेट जेनेटिक एसोसिएशंस विद शिजोफ्रेनिया इन ए कोहोर्ट फ्रॉम नॉर्थ इंडिया, *एनपीजे शिजोफ्रेनिया,* प्रेस में।

पंचेचिरा टी.जे., डे एस.के., मुखोपाध्याय ए., कुंडु एस., थेल्मा बी.के. (2017). कैरेक्टेराइजेशन ऑफ एसएनपीज़ इन दि डोपमाइन–β–*हाइड्रोक्सीलेज* जीन प्रोवाइडिंग न्यू इनसाइट्स इनटु इट्स स्ट्रक्चर–फंशन रिलेशनशिप *न्यूरोजेनेटिक्स* 98, 155–168. डीओआई : 10.1007/एस 10048–017–05193–3.

पंचेचिरा टी.जे., प्रसाद एस., देशपांडे एस.एन., थेल्मा बी.के. (2016). डीप सीक्वेंसिंग आइडेंटिफाइज़ नोवल रेगुलेटरी वैरिएंट्स इन दि डिस्टल प्रोमोटर रीजन ऑफ दि डोपामीन–β–हाइड्रोक्सीलेज जीन *फार्मोकॉग्नेट जीनोमिक्स*, 26(7), 311–23.

राज के., सरकार एस. (2017). ट्रांस सेक्टिवेशन डोमेन ऑफ ह्यूमन सी–मिक इन एशेंशियल टु ऐलिवेटेड पॉली (क्यू) मीडिएटेड न्यूरोटॉक्सिटीन *ड्रोसोफिला* डिजीज़ मॉडल्स जे. *मोल न्यूरोसाइं*, 62, 55–66.

राजाराममोहन एस., कुमार ए., गुप्ता जी., पेंटल डी., प्रधान ए.के. एवं कौर जे. (2017). आर्किटेक्चर ऑफ रजिस्टेंस टु अल्टेरनेरिया ब्रासिके इन एराबिडोप्सिस थालियाना : क्यूटीएल मैपिंग रिवील्स टू मेजर रेजिस्टेंस – कंफेरिंग लोकी. फ्रंट *प्लांट साइं*. 8, 260.

सेनापति एस., सूद ए., मिधा वी., सूद एन., शर्मा एस., कुमार एल., थेल्मा बी.के., (2016). शेयर्ड एंड यूनीक कॉमन जेनेटिक डिटेरमिनेंट्स बिटवीन पीडिएट्रिक एंड एडल्ट सेलिएक डिजीज़, बीएमसी *मेड जीनोमिक्स*, 22, 9(1), 44.

शर्मा एम, मुखोपाध्याय ए, गुप्ता वी. पेंटल डी, प्रधान ए.के, (2016), बीजूबी. सीवाईपी 79एफ 1 रेगुलेट्स सिंथेसिस आफ प्रोपाइल फ्रेक्शन ऑफ एलीफेटिक ग्लूकोसिनोलेट्स इन ऑइलसीड मस्टर्ड ब्रासिका *जंशिया, पीएलओएस वन* 11(2), ई 0150060.

सिंह ए.के, कुमार पी, कांत यू, बर्मा पी.के, पेंटल डी. (2016). हाई एक्सप्रेशन ऑफ सीआरवाई 1 एसी प्रोटीन इन कॉटन *(गोसिपियम हिरसुटम)* बाई कम्बैटिंग इंडिपेंडेंट ट्रांसजीनिक ईवेंट्स दैट टार्गेट दि प्रोटीन टु साइटोप्लाज्म एंड प्लास्टाइड. पीएलओएस वन 11(7), ई 0158603. डीओआई : 10.1371/जर्नल फोन – 0158603.

सुधामन एस., मुथेन यूबी., बेहारी एम., गोविद्प्पा एस.टी., जुयाल आर.सी., थेल्मा बी.के., (2016) एविडेंस ऑफ म्यूटेंट्स इन आरआईसी 3 एसीटाइलकोलीन रिसेप्टर चेपेरन एज़ ए नोवेल कॉज ऑफ ऑटोसोमल – डोमिनेंट पार्किंसन्स डिजीज़ विद नॉन–मोटर फीनोटाइप्स – *जे मेड जेनेट*, 53(8), 559–66.

सुधामन एस., प्रसाद पी., बेहारी एम., मुथेन यू.बी., जुयाल आर.सी., थेल्मा बी.के. (2016). डिस्कवरी ऑफ ए फ्रेमशिफ्ट म्यूटेशन इन पोडोकैलीक्सिन लाइक (पीओडीएक्सएल) जीन, कोडिंग फॉर ए न्यूटरल एडरेशन मॉलीक्यूल, एज़ कैजुअल फॉर ऑटोसोमल – रिसेसिव जुविनाइल पार्किन्सनिज्म, *जे. मेड जेनेट.*, 53(7), 450–6.

तेतोरया एम. एवं राजम एम.वी. (2017). आरएनए साइलेंसिंग ऑफ पीईएक्स6 जीन कॉजेज़ डिक्रीज इन पिगमेंटेशन, स्पोरुलेशन एंड पैथोजीनिसिटी ऑफ *फ्यूजेरियम ऑक्सीपोरम, प्लांट पैथोल, डीओआई* : 10.1111/पीपीए. 12712.

उपाध्याय ए., कोचर एम., राजम एम.वी. एवं श्रीवास्तव एस. (2017). अलरेवलिंग दि रोल ऑफ एक्पोली–सैक्राइड्स इन जिंक बायोसोर्पशन बाई फ्लोरेसेंस *स्यूडोमोनस* स्ट्रेन पीएसडी. *फ्रंटियर्स इन माक्रोबायलॉजी* 8 : 284 डीओआई 10. 3389/एफएमआईसीबी 2017. 00284.

उपाध्याय ए., कोचर एम., उपाध्याय ए., त्रिपाठी एस., राजम एम.वी. एवं श्रीवास्तव एस. (2017). स्मॉल आरएनए रेगुलेट दि बायोकंट्रोल प्रोपर्टी ऑफ फ्लोरेसेंट *स्यूडोमोनस स्ट्रेन पीएसडी माइक्रोबायोल* रेस. 196 : 80–88.

मेहरा यू., कौर जे., पांडे डी.के. एवं दत्ता के. (2017). ए यीस्ट स्पेसिफिक इंसर्शन एमिडस्ट ओबीजी फोल्ड इज क्रिटिकल फॉर दि माइटोकोन्ड्रियल फंक्शन ऑफ एमटीजी 2पी इन सैक्रोमाइसेस सेरेविस्टी *जर्नल ऑफ प्रोटीन एंड प्रोटियोमिक्स* 8(2), 75–84.

उप्पल एस., कुमार ए., शांडिल्य एम., मुखी एन., सिंह ए.के., कटेरिया एस., कौर जे., कंडु एस. (2016). पेंटा – एंड हेक्सा – कार्डिनेट फेरिक होमोग्लोबिंस डिस्प्ले डिस्टिंक्ट पीएच टाइट्रेशन प्रोफाइल्स मीजर्ड बाई सोरेट पीक शिफ्ट्स *एनल बायोकैम,* 510–120–8.

यादव आर., चारू एस.आई., राज के., निशा, सरकार एस. (2016). ड्रोसोफिला मेलेनोगेस्टर : ए प्राइम एक्सपेरिमेंटल मॉडल सिस्टम फॉर एजिंग स्टडीज़, *टॉपिक्स इन बायोमेडिकल जेरोन्टोलॉजी,* पी.सी. रथ, आर. शर्मा, एस. प्रसाद (संपादक), 3–33 (बुक चैप्टर), स्प्रिंगर नेचल पब्लिकेशन।

यादव आर., सरकार एस. (2016). *ड्रोसोफिला* ग्लोब 1 इज रिक्वायर्ड फॉर दि मेंटेनेंस ऑफ साइटोस्केलेटल इंटीग्रिटी ड्यूरिंग ऊजेनेसिस. डेव. डाइन. 245, 1048–1045.

योगिन्द्रन एस. एवं राजम एम.वी. (2016). आर्टिफिशल एमआई–आरएनए – मीडिऐटेड साइलेंसिंग ऑफ एक्डीसोन रिसेप्टर (ईसीआर) अफेक्ट्स लार्वल डेवलपमेंट एंड ऊजेनेसिस इन *हेलीकोवर्पोरमिंजेरा. इंसेक्ट बायोकैम. मोल. बायो.,* 77, 21–30

शोध परियोजनाएं

प्रो. अक्षय प्रधान, डीबीटी–यूडीएससी भागीदारी सेंटर ऑन *जेनेटिक मैनीपुलेशन ऑफ ब्रासिकाज़* (डीबीटी) 2016–2021. 11,87,66,000/– रुपए।

जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, *इंजीनियरिंग टीओ एलसीवी रेसिस्टेंस इन टोमेटो बाई यूजिंग सिंगल एंड मल्टीपल आर्टिफिशल माइक्रो आरएनए एंड सिंथेटिक रेप जीन कंटेनिंग मल्टीपल म्यूटेशंस टु रेसिस्ट* बीआईजीएस. 2 सितम्बर, 2014 से 1 सितम्बर, 2019, 2 वर्ष का विस्तार शामिल, 1,47,45,000/– रुपए।

प्रो. एम.वी. राजम (समन्वयक एवं पीआई), जैव–प्रौद्योगिकी विभाग : *फंक्शनल वैलीडेशन ऑफ यील्ड रिलेटेड जींस.* 19 अक्तूबर, 2016 – 18 अक्तूबर, 2019, 37,66,000/– रुपए।

प्रो. एम.वी. राजम (सीओ–पीआई) जैव–प्रौद्योगकी विभाग, *डेवलपमेंट ऑफ ट्रांसजीनिक काउपी फॉर इंसेक्ट रेजिस्टेंस थ्रू आरएनए इंटरफेरेंस टेक्नालॉजी,* 1 अप्रैल, 2015 – 31 मार्च, 2019, 33,47,000/– रुपए।

प्रो. एम.वी. राजम (पीआई) जीवंती वेलफेयर एंड चेरिटेबल ट्रस्ट (डाबर) : *इंडक्शन ऑफ रेसिन–डक्ट्स एंड प्रोडक्शन ऑफ गुगुलस्टेरोन फ्राम सैल्स एंड कैलस कल्चर्स, एंड सोमेटिक एंब्रयोज़ ऑफ कॉमिफोरा मुकुल.* 1 जुलाई, 2016 – 30 जून, 2019, 16,44,000/– रुपए।

डॉ. सुरजीत सरकार, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद : *स्टडीज ऑन दि रोल ऑफ ग्लोबिन जीन इन सप्रेशन ऑफ ह्यूमन टौपैथी मीडिऐटेड न्यूरो–डीजेनेरेशन इन ड्रोसोफिला डिजीज मॉडल्स.* 10 मई, 2016 – 09 मई, 2019, 23,30,000/– रुपए।

डॉ. केशव दत्ता, बीआरएनएस–डीएई : *एलुसिडेरिंग दि कंट्रोल एक्जर्टेड ऑन माइटोकांड्रियल एक्टिविटी बाई वाईडीआर 336 डब्ल्यू (एमआरएक्स 8), ए न्यूक्लीयर – एन्कोडेड जीटी–पेस इन सैक्रोमाइसेस सेरेविसिए.* मार्च, 2017 – मार्च, 2020, 35,00,000/– रुपए।

डॉ. अरुणा देवी नाओरम, एसईआरबी : *एलुसिडेट दि फंशन ऑफ वी फैमिली किनेज़ इन डिक्टियोस्टेलियम डिस्कोडियम,* मार्च, 2017 – मार्च, 2020, 42,24,000/– रुपए।

प्रो. पी.के. बर्मा, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, *एनालाइजिंग दि आर्गेनाइजेशन ऑफ टेपीटम स्पेसिफिक प्रोमोटर्स ऑफ प्लांट्स – यूजिंग दि प्रमोटर ऑफ ए9 जीन फ्रॉम अराबिडोप्सिस थैलिएना एज़ ए मॉडल* 1 अक्तूबर, 2013 – 31 मार्च, 2017, 26,00,000/– रुपए।

दाखिल किए गए/प्रदत्त पेटेंट

आवेदन संख्या 201611022018 दिनांक 27 जून, 2016, भारतीय पेटेंट के लिए दाखिल। कपास के केवल हरित ऊत्तकों में कीटनाशी प्रोटीनों की अभिव्यक्ति को नियमित करना : अमरजीत सिंह पारितोष कुमार, प्रदीप कुमार वर्मा, दीपक पेंटल।

आवेदन संख्या 201611018037 दिनांक 25 मई, 2016 भारतीय पेटेंट के लिए दाखिल। सीआरवाई 1 एसी जीन के साथ कपास में ट्रांसजीनिक घटना; अमरजीत सिंह, पारितोष कुमार, प्रदीप कुमार वर्मा, दीपक पेंटल।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

अंतर्राष्ट्रीय :

प्रो. वी.एस. राजन :

अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी *'फसल सुधार के लिए पादप जैव–प्रौद्योगिकी* भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, 20–22 जनवरी, 2017

विरोकॉन 2016 तथा *विषाणु रोग प्रबंध में वैश्विक संदर्श* पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीएआर – भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु, 7–10 दिसम्बर, 2016.

पर्यावरणीय परिरक्षण तथा मानव स्वास्थ्य : चुनौतियां और रणनीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा जैव–प्रौद्योगिकी एवं भेषजी एसोसिएशन का 10वां वार्षिक दीक्षांत–समारोह श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, 21–23 दिसम्बर, 2016,

8वीं अंतर्राष्ट्रीय जेमिनीवायरस विचार–गोष्ठी तथा छठी एसएसडीएनए *तुलनात्मक वीरोलॉजी* कार्यशाला, नई दिल्ली, 7–10 नवम्बर, 2016.

पादप आनुवांशिकी एवं जीनोमिकी पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कृषि–जीनोमिकी भारत, नई दिल्ली, 19–20 अगस्त, 2016.

प्रो. बी.के. थेल्मा :

38वां आयुर्वेद सम्मेलन, ओमिया, जापान, 20–22 अप्रैल, 2016

विश्व मनोचिकित्सा आनुवांशिकी कांग्रेस (डब्ल्यूसीपीजी) की 24वीं वार्षिक बैठक येरूशलम, इजराइल, 30 अक्तूबर से 3 नवम्बर, 2016 जैव–प्रौद्योगिकी द्वारा वित्त–पोषित।

डॉ. तपस्या श्रीवास्तव को एशियाई नैदानिक ऑनकोलोजी सोसाइटी (एसीओएस) के 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा भारतीय कैंसर अनुसंधान एसोसिएशन के 35वें वार्षिक कंवेन्शन, नई दिल्ली, 8–10 अप्रैल, 2016 में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. सुरजीत सरकार को युनीवर्सिटी ऑफ हैम्बर्ग, हैम्बर्ग, जर्मनी द्वारा 11–14 सितम्बर, 2016 को ऑक्सीजन बाइंडिग एंड सेंसिग प्रोटीन पर आयोजित XIXवीं अंतर्राष्ट्रीय बैठक (XIXवीं 02 बीआईपी) के सत्र–6 *'ड्रोसोफिला ग्लोब 1 अल रिक्वायर्ड फॉर डेवलपमेंट एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस रिस्पांस'* में वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

राष्ट्रीय

प्रो. एम.वी. राजम :

पादप ऊत्तक प्रवर्ध एसोसिएशन (भारत) की 38वीं वार्षिक बैठक तथा *''पादप जैव–प्रौद्योगिकी : औषधीय फसल पादप पर वतर्मना संदर्श''* पर राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी, भारतीय रासायनिक जैविकी संस्थान, कलकत्ता, 3–5 मार्च, 2017.

आनुवांशिकी दृष्टि से आशोधित खाद्य एवं खाद्य सुरक्षा (जीएमएफएफएस) – 2017 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, श्री एम.एंड एन. विरानी विज्ञान कॉलेज, राजकोट, 10–11 फरवरी, 2017.

प्रो. बी.के. थेल्मा :

नवजात स्क्रीनिंग – दिल्ली राज्य में एक नवीन जन–स्वास्थ्य पहल : विहंगावलोकन, सेब्ड बेबीज डे, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, 28 मार्च, 2017.

आयुर्जीनोमिकी : क्या यह पालीजेनिक विकृतियों की आनुवांशिकी को स्पष्ट करने में वैश्विक चुनौती के लिए रामबाण बन सकती हैं? भारतीय परंपरा में एस एंड टी, आईआईएस, बेंगलूर, 10–11 फरवरी, 2017.

रीविजिटिंग जीनोम्स बेस बाई बेस मेक्स हैडवे इन डिस्कवरी जीनोमिक्स : अवर सपोर्टिव फाइंडिंग्स, बायोसर्व एवं सीसीएमबी एनजीएस मीट, हैदराबाद, 22–24 फरवरी, 2017.

प्रौद्योगिकी में प्रभावी प्रगति तथा रोग जैविकी को समझने से जीएटीसी से जीनोमिकी चिकित्सा तक परिवर्तन होते हैं। ईएमबीओ वैश्विक विनिमय व्याख्यान पाठ्यक्रम मलेरिया जीनोमिकी एवं लोक स्वास्थ्य सीआरएमई, मदुरै, 2 फरवरी, 2017.

आगामी पीढ़ी सीक्वेंसिंग के साथ चिकित्सा जीनोमिकी में अंतर को कम करना. जीएटीसी 2017 मुंबई, 10–11 फरवरी, 2017

नेक्स्ट जेनेरेशन सीक्वेंसिंग, ए डोरवे टु कैजुअल जीन डिस्कवरी इन मेंडेलियन डिसऑर्डर्स : अवर सक्सेस स्टोरीज़. भारतीय मानव आनुवांशिक सोसाइटी का कार्यक्रम, आईआईएस, बेंगलूर, 2–4 मार्च, 2017.

डॉ. जगजीत कौर को *जेनेटिक डाइसेक्शन ऑफ अल्टरनेरिया लीफ ब्लाइट एट एराबिडॉप्सिस इन इमेरजिंग चैलेंजेज इन प्लांट बायलॉजी* पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया, आईआईएसईआर मोहाली, 20–22 मार्च, 2016.

डॉ. सुरजीत सरकार को :

एडवांस्ड इंस्ट्रुमेंटेशन रिसर्च फैसिलिटी (एआईआरएफ) सेंटर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 11 अगस्त, 2016 को *कॉनफोकल माइक्रोस्कोपी एंड लाइव सैल इमेजिंग* पर कार्यशाला में वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

स्कूल ऑफ स्टडीज़, जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वारा 2–3 फरवरी, 2017 को *स्टडीज़ ऑन दि रोल ऑफ ग्लिएल सैल्स इन प्रोग्रेशन ऑफ ह्यूमन न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसआर्डर्स एंड एजिंग मीडिएटेड न्यूरोनल एम्पीयरमेंट्स इन ड्रोसोफिला* पर जागरूकता सत्र में वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 5–6 मार्च, 2017 को जीन–इनवायर्न्मेंट इंट्रेक्शन इन डिज़ीज पर आयोजित विचार–गोष्ठी में *एक्सकावेटिंग एमीकेबल मालीक्यूलर टार्गेट्स टु कर्ब न्यूरोफिब्रीलरी टेंगल्स (एनएफटी) मीडिएटेड पैथोजिनेसिस ऑफ ह्यूमन न्यूरोनल टॉपैथीज़ इन ड्रोसिफिला* पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में 16–17 मार्च, 2017 को प्रोटियोमिक्स और बायो–इंफार्मेटिक्स में वर्तमान रूझान पर आयोजित राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी–सह–बायोइंफार्मेटिक्स कार्यशाला में *सी–मिक प्रोटो–आन्कोजीन, ए नोवल टार्गेट टु मिटिगेट दि पेथोजिनेसिस ऑफ ह्युमन पॉली (क्यू) डिसआर्ड्र्स* पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

अंर्तस्थानिक भागीदारी

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के साथ जैव–प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना पर भागीदारी जिसका शीर्षक है : *इंजीनियरिंग टीओएलसीवी रेसिसटेंस इन टोमेटो बाई यूजिंग सिंगल एंड मल्टीपल आर्टिफिशल माइक्रो आरएनए एंड सिंथेटिक रेप जीन कंटेनिंग मल्टीपल म्यूरटेशंस टु रेजिस्ट वीआईजीएस* अवधि 2 सितम्बर, 2014 – 1 सितम्बर, 2019, जिसमें विस्तार के दो वर्ष शामिल हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, गुवाहाटी के साथ जैव–प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना पर भागीदारी जिसका शीर्षक था : *फंक्शनल वैलीडेशन ऑफ यील्ड रिलेटेड जीन्स,* अवधि : 19 अक्तूबर, 2016 – 18 अक्तूबर, 2019.

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, गुवाहाटी के साथ जैव–प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना पर भागीदारी जिसका शीर्षक था : *डेवलपमेंट ऑफ ट्रांसजेनिक काउपी फॉर इंसेक्ट रेजिस्टेंस थ्रू आरएनए इंटरफेरेंस टेक्नालॉजी* अवधि 1 अप्रैल, 2015 – 31 मार्च, 2018.

जिवंती वेलफेयर एवं चैरेटेबल ट्रस्ट (डाबर) के साथ प्रायोजित परियोजना पर भागीदारी जिसका शीर्षक था : *इंडक्शन ऑफ रेसिन डक्ट्स एंड प्रोडक्शन ऑफ गुगलस्टेरोन फ्रॉम सैल्स एंड कैलस कल्चर्स एंड सोमेटिक एंब्रेयोज ऑफ कोमीफोरा मुकुल* अवधि : 1 जुलाई 2016 – 30 जून, 2019.

प्रदत्त एम. फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.– 14

एम. फिल. – 01

संकाय – सदस्यों की संख्या

स्थायी – 09

****

सूक्ष्मजैविकी

प्रमुख उपलब्धियां और क्रियाकलाप

विभाग बैक्टीरिया में एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) का त्वरित पता लगाने के लिए जीन मूल्यांकन–आधारित 'प्वाइंट ऑफ केयर' (पीओसीटी) विकसित कर रहा है। बैक्टीरिया में आयरन होमियोस्टैसिस में अपेक्षित प्रोटीन बैक्टीरियोफेरिटिन के लिए जीन को क्लोन तथा *ई. कोली* में अभिव्यक्त किया गया था। विभाग में संचालित एक अध्ययन ने दर्शाया कि एचसीवी ई1 प्रोटीन अभिवयक्ति तथा एचसीवी संक्रमण ने कैंसर कोशिकाओं पर प्रो. मेटास्टैटिक प्रभाव को उत्प्रेरित किया जो एनएम 23–एच 1 ट्रांसक्रिप्शनल डाउनरेगुलेशन और एनएम 23–एच1 प्रोटीन डीग्रेडेशन के समकालिक है। हिस्टन एसेटाइलट्रांस फेरेजेज़ एचएटी 2 तथा एचएटी 4 को शामिल करते हुए *लेशमेनिया* में क्रोमेटिन आशोधनों पर अध्ययनों ने दर्शाया कि एचएटी 4 कोशिका उत्तरजीविता के लिए गैर–अनिवार्य था जबकि एचएटी 2 अनिवार्य था। माइक्रोऐरे विश्लेषण ने यह दर्शाया कि एचएटी 2 अपक्षयन ने λ 200 जीनों का डाउनरेगुलेशन कारित किया। इस तथ्य पर भी विचार करते हुए कि हमारी प्रयोगशाला ने पूर्व में डीएनए रिपेयर इवेंट्स में एचएटी 3 की भागीदारी को दर्शाया है, यह प्रतीत होता है कि उच्चतर यूकेरिओट्स, *लेशमेनिया* में जैसा दिखाई दिया था, उसके विपरीत हिस्टन एसेटाइलट्रांसफेरेजेज़ के मध्य कार्यात्मक अतिरेक कम होता है। इंजाइन के सक्रिय स्थल पर प्वांइट म्यूटेशनों द्वारा *बैकिलस लिचेनिफोर्मिस* से गामा – ग्लूटामिल ट्रांस पेपटाइडेज़ (बीएलजीजीटी) की संवर्धित उत्प्रेरक कार्यकुशलता के साथ जैव–प्रौद्योगिकी दृष्टि से प्रासंगिक म्यूटैंट विकसित किए गए थे। *बैकिलस एट्रोफेयस* से एक अन्य जीजीटी इंजाइम ई–कोली में क्लोन को अभिव्यक्त किया गया था तथा उसका प्रयोग एक इम्यूनोमोडुलेटरी पेप्टाइट गामा–डी–ग्लूटामिल–एल–ट्राइप्टोफन के इंजीइमेटिक संश्लेषण के लिए किया गया था। *यारोविया लिपोलिटिका* एमएसआर 80 के विभिन्न लिपेज़ *ई. कोली* में क्लोन अभिव्यक्त किए गए थे तथा उनकी सब्सट्रेट विशिष्टता काइनेटिक तुलना और एनेन्टियोसेलेक्टिविटी के लिए उनका अध्ययन किया गया था। नैदानिक दृष्टि से महत्तवपूर्ण रिकम्बीनैंट प्रोटीनों जैसे स्ट्रेप्टोकिनेज़, एचआईएल–3 और एचआईएल–7 को बायोरिएक्टर स्तर पर इष्टतम बनाया गया था, जहां इन मॉलीक्युलों का ग्राम स्तर उत्पादन प्राप्त किया गया था।

सम्मान / विशिष्टियां

सूक्ष्म–जैविकी और जैव–भौतिकी विभागों की भागीदारी वाले यूडीएससी–एएमआर दल (टीम हेड – प्रो. जे.एस. विर्दी) को जैव–प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी – डीबीटी, भारत) तथा नेस्टा (इनोवेट परिषद, यूके) द्वारा संस्थापित डिस्कवरी पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रो. जे.एस. विर्दी को :

श्रेष्ठ प्रयोगशाला परामर्शक श्रेणी में इनविट्रोजेन साइंस हीरो 2016 पुरस्कार प्रदान किया गया।

जैव–प्रौद्योगिकी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (नोएडा); जे.पी. इंस्टिट्यूट ऑफ इंफार्मेशन टेक्नालॉजी (नोएडा); आईआईएस विश्वविद्यालय (जयपुर) मे सदस्य, बीओएस; इम्युनोलॉजी एवं वीरोलॉजी, एमिटी विश्वविद्यालय (नोएडा); में सदस्य, बीओएस के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय तथा विज्ञान भारती द्वारा 7–11 दिसम्बर, 2016 को सीएसआईआर – राष्ट्रीय फिजिकल प्रयोगशाला (एनपीएल) परिसर में भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान मेला, 2016 के भाग के रूप में आयोजित स्वदेशी विज्ञान और प्रौद्योगिकी, युवा वैज्ञानिक कांक्लेव में *यूज ऑफ दि पिचिया एक्सप्रेशन प्लेटफार्म फॉर हाई–लेवल एक्सप्रेशन ऑफ स्ट्रेप्टोकिनेज इन फेड–बैच कल्चर'* विषय पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

शोध परियोजनाएं

प्रो. जे.एस. वर्दी, बीआईआरएसी, *रेजिस्टेंस – जीन – एरे बेस्ड रैपिड डिटेक्शन ऑफ एंटीमाइक्रोबियल रिजिस्टेंस एंड एल्गोरिद्म ड्रिवन थैरेपी,* 12,50,000/– रुपए।

प्रो. स्वाती साहा, डीएसटी, डीएनए *रेप्लीकेशन प्रोटीन सीडीसी 45 इन दि प्रोटोजोअन पैरासाइट लीशमेनिया डोनोवानी,* 49,00,000/– रुपए।

प्रो. स्वाती साहा, डीबीटी, *दि रोल्स ऑफ दि जीएनएटी–फेमिली हिस्टन एसिटाइल ट्रांसफेरेजेज ईएलपी 3ए एंड ईएलपी 3बी इन दि प्रोटोजोअन लेशमेनिया डोनोवानी,* 67,50,000/– रुपए।

प्रकाशन

सिंघल एन., कुमार एम. एवं विर्दी जे.एस. (2016). एमएएलडीआई–टीओएफ एमएस इन क्लीनिकल पैरासिटोलॉजी : एप्लीकेशंस, कंस्ट्रेंट्स एंड प्रोस्पेक्ट्स, *पैरासिटोलॉजी,* 143 (12) : 1491–1500 डीओआई : 10.1017/एस 0031182016001189.

सिंघल एन, कुमार एम. एवं विर्दी जे.एस. (2016). रेजिस्टेंस टु एमॉक्सीसिलिन क्लावुलानेट एंड इट्स रिलेशन टु विरुलेंस – रिलेटेड फैक्टर्स इन येर्सीनिया एंट्रोकोलिटिका बायोवार 1ए, इंडियन जे मेड माइक्रोबायल, 34(1) : 85–87, डीओआई : 10.1403/0255–0857. 174125.

बजाज पी., सिंह एन.एस. एवं विर्दी जे.एस. (2016) *एस्चेरिशिया कोली* – β – लेक्टामासेस : व्हाट रीयली मैटर्स, *फ्रंट माइक्रोबायल,* 7, 417.

कुमारी एस, पाल आर.के, गुप्ता आर, गोयल एम. (2017) हाई रेजोलूशन एक्स–रे डिफेक्शन डाटासेल फॉर *बैकिलस चिलेनीफोर्मिस गामा ग्लूटेमिल* ट्रांसपेप्टिडेज़ – एसिविसन कम्प्लेक्स : सूमो – टैग रेंडर्स हाई एक्सप्रेशन एंड सोलुबिलिटी दि *प्रोटीन जर्नल,* 36(1), 7–16.

बिंदंल एस, शर्मा एस, सिंह टी.पी, गुप्ता आर. (2017). इवोल्विंग ट्रांसपेप्टिडेज एंड हाइड्रोलाइटिक वेरिएंट्स ऑफ γ – ग्लूटैमिल ट्रांसपेप्टिडेज फ्रॉम बैसिलस *लिंचेनी* – फोर्मिस बाई टारगेटेड म्यूटेशंस ऑफ कंजर्व्ड रेजिड्यू एआरजी 109 एंड देयर बायोटेक्नालॉजिकल रेलेवेंस, *जर्नल ऑफ बायोटेक्नालॉजी*, 249, 82–94.

बिंदल एस, गुप्ता आर. (2017), हाइपरटेंशन ऑफ γ – ग्लूटामिल ट्रांसपेप्टिडेज फ्रॉम बैकिलस *लिंचेनिफोर्मिस* ईआर–15झ दि प्रोसे ऑफ हाई साल्ट कंसन्ट्रेशन, प्रेसपेक्टिव *बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नालॉजी*, 47(2), 163–172

सैनी एम, बिंदल एस, गुप्ता आर. (2017) हेट्रोलोगस एक्सप्रेशन ऑफ γ – ग्लूटामिल ट्रांस पेप्टिडेज फ्रॉम *बैकिलस एट्रीफिअस* जीएस–16 एंड इट्स एप्लीकेशन इन दि सिंथेसिस ऑफ γ –डी ग्लूटैमिल –एल : ट्रिटोफन, ए नोन इम्युनोमोडुलेट्री पेप्टाइड, इंजाइम *माइक्रोबायलॉजी एंड टेक्नालॉजी*, 99, 67–76.

स्याल पी, गुप्ता आर. (2017) हेट्रोलोगस एक्सप्रेशन ऑफ लिपेज़ेज वाईएलआईपी 4, वाईएलआईसी 5, वाईएलआईपी 7, वाईएलआईपी 13 और वाईएलआईपी 15 फ्रॉम *यारोविया लिपोलिटिका* एमएसआर 80 इन ई. कोली : सब्सट्रेट स्पेसिफिसिटी काइनेटिक कंपेरिजन एंड एनंटियो सेलेक्टिविटी, *बायोटेक्नालॉजी, एंड एप्लाइड बायोकैमिस्ट्री* डीओआई : 10.1002/बीएबी 1542.

बिंदल एस. गुप्ता आर. (2016). थर्मो एंड साल्ट–टोलेरेंट चिटोसन क्रॉस लिंक्ड γ–ग्लूटामिल ट्रांसपेप्टिडेज फ्रॉम *बैकिलस लिचेनिफोर्मिस* ईआर 15. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलाजिकल मैक्रोमॉलीक्यूल्स*, 91, 544–553.

सिंह वाई, गुप्ता एन, वर्मा वी.वी, गोयल एम, गुप्ता आर. (2016) सेलेक्टिव डिसरप्शन ऑफ डाइसल्फाइड बोड्स लोवर्ड एक्टिवेशन इनर्जी एंड इंप्रूव्ड कैटेलिक एफिसिएंशी इन टीएएल आईपीबी फ्रॉम *ट्रिचोस्पोरोन एशाही* एमएसआर 54 : एमडी सिमुलेशंस रिवील्ड फ्लेक्सिबल लिड एंड एक्सटेंडेड सब्स्ट्रेट बाइडिंग एरिया इन दि *म्यूटैंट बायोकैमिकल एंड बायोफिजिकल रिसर्च कम्युनिकेशंस*, 472(1), 223–30.

यादव ए, चन्द्रा यू एवं साहा एस. (2016). हिस्टन एसीटाइलट्रांसफेरेज एचएटी 4 मॉडुलेट्स नेविगेशन एक्रॉस जी2/एम एंड री – एंट्री इन टु जीआई इन *लेशमेनिया डोनोवानी. साइंटिफिक रिपोर्ट्स* 6, 27510 डीओआई : 10. 1038/सरेप 27510.

डागर वी.के., अद्वितीय एवं खासा वाई.पी. (2017). हाई लेवल एक्सप्रेशन एंड एफिशिएंट रीफोल्डिंग ऑफ थेरापियूटिकली इंपोर्टेंट रीकांम्बीनेंट्स ह्यूमन इंटरल्यूकिन–3 (एचआईएल–3) इन ई–कोली, *प्रोटीन एक्सप्रेस प्यूरिफ*, 131, 51–59.

अद्वितीय एवं खासा वाई.पी. (2016) दि इवोलूशन ऑफ रिकाम्बिनेंट, थ्रोम्बोलाइटिक्स करंट स्टेटस एंड फ्यूचर डायरेक्शंस, *बायोइंजीनियर्ड*, प्रेस में।

अद्वितीय, डागर वी.के., देवी एन. एवं खासा वाई.पी. (2016). हाई लेवर प्रोडक्शन ऑफ एक्टिव स्ट्रेप्टोकिनेज इन पिचियां पेस्टोरिस फेड बैच कल्चर. *इंटर जर्न. बायोल मैक्रोमोल*, 83, 50–60.

देवी एस. अद्वितीय एवं खासा वाई.पी. (2016). ए कंबीनेटोरियल अप्रोच ऑफ एन. टर्मिनस ब्लॉकिंग एंड कोडोन आप्टिमाइजेशन स्ट्रेटेजीज टु इनहांस दि सोल्युबल एक्सप्रेशन ऑफ रीकम्बीनेंट एचआईएल–7 इन ई–कोली फेड बैच कल्चर. एप्ल. *माइकोबायोल बायोटेक्नोल*. 100 (23), 9979–9994.

डागर वी.के., अद्वितीय, देवी एन. एवं खासा वाई.पी. (2016). बायोप्रोसेस डेवलपमेंट फॉर एक्स्ट्रासेलुलर प्रोडक्शन ऑफ रीकॉम्बीनेंट ह्यूमन इंटर ल्यूकिन–3 (एचआईएल–3) इन पिचिया पैस्टोरिस. *जे इंड माइक्रोबायोल बायोटेक्नोल* 43(10), 1373–1386.

आयोजित सम्मेलन/प्रतिभागिता

प्रो. जे.एस. विर्दी को :

आईआईटी (दिल्ली) में 27 अगस्त, 2016 को *तकनीकी कार्मिकों के लिए कार्यशाला के दौरान प्रयोगशाला में जैव–सुरक्षा* पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

माइक्रोबियल जैव–प्रौद्योगिकी में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मैजेपी इंस्टिट्यूट ऑफ इंफार्मेशन टेक्ना. में 2–4 फरवरी, 2017 को *फ्रॉम येर्सीनिया जीनोमिक्स टु प्वाइंट ऑफ केयर टेस्टिंग फॉर एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस* पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर में 27–28 फरवरी, 2017 को 7वें राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2017 को *जीनोमिक इनसाइट्स इंटु क्लीनिकल एंड इंवायर्नमेंटल स्ट्रेंस ऑफ येर्सीनिया एंट्रोकोलिटिका फ्रॉम इंडिया* पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, में 8 मार्च, 2017 को माइक्रोबायलॉजी में प्रगत व्याख्यान श्रृंखला में *माइक्रोबियल जीनोमिक्स : क्यू पैराडिग्म ऑन दि होराइजन* पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

जैव–प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) में 22 मार्च, 2017 को बीआईआरएसी–नेस्टा एएमआर परामर्श बैठक में *रेजिस्टेंस – जींस – ऐरे बेस्ड रैपिड डिटेक्शन ऑफ एएमआर* पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल की संख्या

पीएच.डी – 04

संकाय सदस्य – संख्या

– 06

अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियां

श्रुति बिंदल, भविष्य के लिए खाद्य फैक्ट्री पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, लावल, फ्रांस, 19–21 अक्तूबर, 2016.

शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विज्ञान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

हमारे संकाय–सदस्य संसाधन विशेषज्ञों, आधार व्याख्याताओं, विभिन्न समितियों के तकनीकी विशेषज्ञों तथा यूजीसी कार्यक्रम के मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञों के रूप में विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थाओं का दौरा करते हैं। उन्हें अन्य विश्वविद्यालयों की विभिन्न सांविधिक समितियों के सदस्यों के रूप में भी नियुक्त किया गया है जैसे शोध–अध्ययन मंडल

आदि, विभिन्न संस्थाओं की प्रवरण समिति के सदस्यों के रूप में खेल–कूद के विभिन्न कार्यक्रमों में तथा संबंधी संगोष्ठियों आदि में। विभाग के पर्यवेक्षक खेलकूद मनोविज्ञान, खेलकूद बायोमैकेनिक्स, पाठ्यचर्या विकास, खेलकूद और व्यायाम शारीरिक विज्ञान, प्रशिक्षण और खेलकूद निष्पादन, खेलकूद में प्रबंध अवधारणा, खेलकूद संबंधी चोट तथा खेलकूद शाारीरिक विज्ञान में उपकरणों का निर्माण और विधिमान्यकरण।

सम्मान/विशिष्टियां

डॉ. संदीप तिवारी को जनवरी, 2004 से सीईसी की शारीरिक शिक्षा, खेलकूद और योग निगरानी समिति के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया है।

डॉ. जे.पी. शर्मा को योगिक विज्ञान विभाग (एलएनआईपीई) ग्वालियर में 2016–18 के लिए बीओएस में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया है।

डॉ. राकेश गुप्ता :

अप्रैल, 2016 में दिल्ली एथलेटिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए।

फरवरी, 2017 में दिल्ली एथेलिटक्स की चयन समिति के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त हुए।

रियो, ब्राजील में सितम्बर, 2016 को आयोजित रियो पैरालम्पिक्स खेलों के लिए भारतीय पैरा एथलीटों का चयन करने के लिए युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चयन समिति के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।

दुबई में आयोजित फाजा अंतर्राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप–2017 तथा बीजिंग में फरवरी, 2017 को आयोजित चीन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप–2017 के लिए भारतीय पैरा एथलीट दल का चयन करने के लिए भारतीय पैरालम्पिक समिति द्वारा चयन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

9वीं दिल्ली राज्य पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, फरवरी, 2017 के लिए दिल्ली द्वारा निदेशक (तकनीकी) नियुक्त किया गया।

एनएसएनआईएस, पटियाला में मई, 2016 में आयोजित भारतीय ग्रैंड प्रिक्स एथलेटिक प्रतिस्पर्धा के लिए भारतीय एथलेटिक परिसंघ द्वारा तकनीकी प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया।

रायपुर–भिलाई, छत्तीसगढ़ में 15 जनवरी, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के लिए भारतीय एथलेटिक्स परिसंघ द्वारा तकनीकी प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया।

नई दिल्ली में फरवरी, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय रेस वाकिंग चैंपियनशिप के लिए मुख्य तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ. प्रदीप कुमार ने :

2–6 मार्च, 2016 को चामुंडी विहार स्टेडियम, मैसूर, कर्नाटक में आयोजित 37वीं राष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप–2016 में 55–59 आयु वर्ग श्रेणी में 400 मी हर्डल में कांस्य पदक जीता।

दिल्ली राज्य मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2016 में दो स्वर्ण पद (कूद और 100 मी हर्डल) जीते।

प्रकाशन :

भारद्वाज एम. तिवारी एस. एवं शाह एम.एम. (2015). कार्डियो रेस्पिरेटरी फिटनेस बिटवीन चिल्ड्रन पार्टिसिपेटिंग विदिन स्कूल फिजिकल एक्टिविटी प्रोग्राम, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लीनरी रिसर्च एंड मॉडर्न एजुकेशन,* 2(1), 50–53.

शाह एम.एम., तिवारी एस. एवं तिवारी एस. (2016). एक नीले उपग्रह के लिए रियो दि जेनेरियो के हरित खेल, *कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियां, खेल, ओलंपिक और वैश्विक शांति,* महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित।

शाह एम.एम. एवं तिवारी एस. (2016). सरकारी और प्राइवेट स्कूल के लड़कों में शरीर वसा, प्रतिशत का आकलन और तुलना इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, (12) 536–538.

शाह एम.एम., तिवारी एस. एवं तिवारी एस. (2016) 14–17 वर्षीय विद्यालयी बालकों में ऊंचाई, वजन, ट्राइसेप्स और काफ स्किन : एक सह–तुलनात्मक अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, न्यूट्रीशन एंड फिजिकल एजुकेशन,* 1(2), 149–151:

शाह एम.एम. एवं तिवारी एस. (2016). 14–17 वर्षीय विद्यालयी बालकों में निचली कमर और हैमस्ट्रिंग मांस–पेशियों का लचीलापन, *इंटरनेशन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड हैल्थ,* 3(6), 370–372.

शाह एम.एम., तिवारी एस. एवं तिवारी एस. (2017). विद्यालयी बालकों में लीन बॉडी मास तथा बेसल मेटाबालिक दर में सहबद्ध परिवर्तन, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित *अंतर्राष्ट्रीय खेल–विज्ञान एवं योग कांग्रेस (आईसीएसएसआई–2017) की कार्यवाहियां*।

शाह एम.एम., तिवारी एस. एवं तिवारी एस. (2016). बेसल मेटाबालिक रेट एंड कार्डियो रेस्पेरेटरी एंड्यूरेंस : ए कोरिलेशनल स्टडी, यूनावर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइसेंज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित यूजीसी प्रायोजित *स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा में नवीनतम रूझान पर द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन* ।

कीर्ति, तिवारी एस. (2016) विश्वविद्यालय से बालीबॉल खिलाड़ियों में पैशन का आकलन *रिसर्च एम्बीशन–एन इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लीनरी* ई–जर्नल, 1(1), 97–102.

कुमार दीप, कुमार प्रदीप (2017). पूर्वी दिल्ली के श्रमिकों के विभिन्न शारीरिक विज्ञान स्वस्थता अवयवों का अध्ययन *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ योगिक, ह्यूमन मूवमेंट एंड स्पोर्ट्स साइंसेज़,* आईएसएसएन : 2456–4419, 2(2), 118–120.

डबास मीनू, कुमार अशीष एवं कुमार प्रदीप (2017). दिल्ली विश्वविद्यालय के इंटर–कॉलिजिएट क्रिकेट प्लेयरों के विकट कीपर बैट्समैनों के मानसिक प्रोफाइल का अध्ययन. *इंडियन जर्नल ऑफ मूवमेंट एजुकेशन एंड एक्सेरसाइजेज साइंसेज* (आईजेएमईईएस) 7 (2) जुलाई–दिसम्बर, 2017, ऑनलाइन आईएसएसएन 2249–6246, प्रिंट आईएसएसएन 2249–5010.

कुमार अशीष, डबास मीनू, एवं कुमार प्रदीप (2017). खिलाड़ियों और गैर–खिलाड़ियों पर स्व–प्रभावकारिता का आकलन। *इंडियन जर्नल ऑफ मूवमेंट एजुकेशन एंड एक्सेरसाइजेज साइंसेज* (आईजेएमईईएस) 7 (2) जुलाई–दिसम्बर, 2017, ऑनलाइन आईएसएसएन 2249–6246, प्रिंट आईएसएसएन 2249–5010.

डबास मीनू, कुमार अशीष एवं कुमार प्रदीप (2017). खिलाड़ियों और गैर–खिलाड़ियों पर स्व–प्रभावकारिता का आकलन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मूवमेंट एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज़* (आईजेएमईएसएस) 5(1) जनवरी–दिसम्बर, 2017, ऑनलाइन आईएसएसएन 2321–7200 प्रिंट आईएसएसएन 2348–5604.

डबास मीनू, कुमार अशीष एवं कुमार प्रदीप (2017). खिलाड़ियों और गैर–खिलाड़ियों के मध्य संवेदनात्मक विनियमन का आकलन *इंडियन जर्नल ऑफ मूवमेंट एजुकेशन एंड एक्सेरसाइजेज साइंसेज* (आईजेएमईईएस) 7(1), जनवरी–जून, 2017, ऑनलाइन आईएसएसएन 2249–6246, प्रिंट आईएसएसएन 2249–5010.

सिंह संदीप, कुमार प्रदीप (2017). दुडोज ग्राम, सीकर जिला, राजस्थान में प्रतिशत मान में बास्केटबॉल खेल के संवर्धन पर अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एवं हैल्थ,* 1(4), 226–228. आईएसएसएन, प्रिंट 2394–1685, ऑनलाइन – 2394–1693, कोडेन सं. – आईजेपीईजीबी, इंडेक्स जे एफ सं. 5.38.

सिंह संदीप, कुमार प्रदीप (2017). सीकर जिला, राजस्थान में कनिष्ठ स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ियों पर विनिर्दिष्ट क्षमता प्रशिक्षण के प्रभाव का प्रतिशत मान में अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एवं हैल्थ,* 4(2), 273–275. पी–आईएसएसएन : 2394–1685 ई–आईएसएसएन : 2394–1693 प्रभावकारक (आईएसआरए): 5.38

हूडा मनीष, कुमार प्रदीप (2016) पुरुष और महिला खिलाड़ियों के बीच भारतीय प्रतिस्पर्धी खेलों में डोपिंग प्रवृत्ति का आलोचनात्मक अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनहांस्ड रिसर्च इन एजुकेशनल डेवलपमेंट* (आईजेईआरईडी) 4(3), 15–18, आईएसएसएन : 2320–8708.

कुमार प्रदीप (2016) कैजुअल जीनेसिस – साइक्लिक नेचर ऑफ डेथ – रीवर्थ आईजीआईपीईएसएस मैगजीन प्रियदर्शन–2016.

शोध परियोजनाएं

डॉ. प्रदीप कुमार (प्रधान अन्वेषक) डॉ. संदीप तिवारी (सीओ–पीआई, एचओडी) और डॉ. संध्या तिवारी (सीओ–पीआई) ने अभिनवता परियोजना – 2015–16 पूर्ण की, दिल्ली विश्वविद्यालय, *डी.यू. कॉलेज छात्रों की शैक्षणिक और खेल उपलब्धियों के संदर्भ में वर्तमान स्थिति अभिवृत्ति, कुशलता, और मैत्री – एक संदर्भात्मक समझ।*

आयोजित संगोष्ठियां

प्रो. वर्लिन बी. हिंस्ज़, पीएच.डी, प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, नार्थ डकोटा स्टेट यूनीवर्सिटी, फार्गो, नार्थ डकोटा, यूएसए का 19 दिसम्बर, 2016 को *इफेक्टिव यूजेज़ ऑफ गोल सेटिंग फॉर मोटिवेटिंग पर्फोर्मेंस* पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

प्रो. मेग्डालीन एच. चलीकिया, प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, मिनेसोटा स्टेट यूनीवर्सिटी, मूरहैड, मिनोसोटा, यूएसए का *पर्सेप्शन एंड पर्सेप्चुअल इलूजंश* पर 19 दिसम्बर, 2016 को व्याख्यान आयोजित किया गया।

डॉ. राकेश गुप्ता को 31 जनवरी, 2017 को आईजीआईपीईएसएस, *दिल्ली विश्वविद्यालय में 'भारत में संपोषणीय विकास के लिए पैरालम्पिक खेलों को शामिल करना'* विषय पर आयोजित संगोष्ठी के लिए आयोजन सचिव के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ. जे.पी. शर्मा एवं डॉ. प्रदीप कुमार ने 30 जनवरी, 2017 को आधारशिला विद्यापीठ, पीतमपुरा दिल्ली में *'जीवन कौशल'* पर कार्यशाला का संचालन किया।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

डॉ. संदीप तिवारी को :

शारीरिक–शिक्षा खेल विज्ञान में संसाधन विशेषज्ञ नियुक्त किया गया तथा उन्होंने शारीरिक शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय में 16 जनवरी, 2017 को व्याख्यान दिया।

एलएनआईपीई (खेल मंत्रालय) ग्वालियर द्वारा 2–4 फरवरी, 2017 को विज्ञान भवन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पैनल चर्चा में मुख्य मोडरेटर नियुक्त किया गया।

मानव रचना इंटरनेशनल यूनीवर्सिटी द्वारा 13–14 फरवरी, 2017 को आयोजित इंडो–जापान कांक्लेव–III के सत्र के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

14–15 फरवरी, 2017 को यूसीएमएस पर द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञ वक्ता नियुक्त किया गया।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 18 फरवरी, 2017 को स्पोर्ट्स प्रशिक्षण में गणितीय अवधारणाओं पर आयोजित कार्यक्रम में संसाधन विशेषज्ञ रहे तथा विस्तार व्याख्यान भी दिया।

मनीपाल विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा 5–7 जनवरी, 2017 को आयोजित शारीरिक शिक्षा एवं शेल विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीईएसएस) में संसाधन विशेषज्ञ नियुक्त किया गया।

आईजीआईपीईएसएस (दिल्ली विश्वविद्यालय) में 28 फरवरी, 2017 को पैरालम्पिक्स एवं भिन्न रूप से समर्थ व्यक्तियों के लिए शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान की शिक्षा शास्त्र प्रौद्योगिकी पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. प्रदीप कुमार :

शिक्षा एवं शारीरिक शिक्षा स्कॉलर्स, शिक्षा विभाग, सीसीएस यूनीवर्सिटी, मेरठ, उत्तर प्रदेश में 13.01.2016 को प्री–पीएचडी पाठ्यक्रम वर्क–II के लिए संसाधन व्यक्ति रहे तथा उन्होंने खेल विज्ञान एवं कंडीशनिंग विज्ञान पर चार व्याख्यान दिए।

शारीरिक शिक्षा – 2016 के यूजी एवं पीजी पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम विषय–वस्तु पर संगोष्ठी में योगदान दिया।

डॉ. संध्या तिवारी ने :

यूनीवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 14–15 फरवरी, 2017 को स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा में नवीनतम रूझान पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में नवीनतम रूझान पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *इफेक्ट ऑफ स्टक्चर्ड एक्सेरसाइज ट्रेनिंग इन रिड्यूजिंग रिस्क ऑफ ब्रेस्ट कैंसर : मेटा एनालाइसिस फाइंडिंग्स* पर पत्र प्रस्तुत किया।

यूनीवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 14–15 फरवरी, 2017 को स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा में नवीनतम रूझान पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में *इफेक्ट ऑफ बिल्ट इन इंवार्यनमेंट विद फिजिकल एक्टिविटी* पर पत्र प्रस्तुत किया।

युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा डीएसटी राजस्थान द्वारा 5–7 जनवरी, 2017 तक स्वस्थता और खेल विज्ञान में उभरते रूझानों में प्रायोजित शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

एकता भूषण सत्संगी, संदीप तिवारी और शिवानी रावत ने शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मनीपाल विश्वविद्यालय, जयपुर में *'व्यायाम और व्यायाम न करने वाली महिलाओं के मध्य शारीरिक आकृति चिंताओं का तुलनात्मक अध्ययन'* पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

श्वेता तिवारी, एकता भूषण सत्संगी तथा मान सिंह ने विधि संकाय द्वारा 7 मार्च, 2017 को उमंग भवन, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में खेल विधि और कैरियर पर आयोजित सम्मेलन में प्रतिभागिता की।

प्रदत्त एम. फिल/पीएच.डी डिग्रियां

पीएच.डी.– 10

संकाय सदस्य – संख्या

स्थायी – शून्य

अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियां

विभाग ने 16 छात्रों को शारीरिक शिक्षा एवं खेल में पीएचडी. प्रोग्राम में दाखिला दिया। 39 छात्रों को एम.पी एड तथा 50 छात्रों को बी.पी. एड. प्रोग्राम में दाखिला दिया गया। शिक्षण सुविधाएं इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान, बी–ब्लॉक, विकासपुरी, नई दिल्ली में प्रदान की जा रही हैं। विभाग में नियमित संकाय को अभी तक नियुक्त नहीं किया गया है। तथापि, आज की तारीख तक परिनियम 19(2) के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा विभाग में आईजीआईपीईएसएस के 12 शिक्षकों को मान्यता दी गई है (तीन सेवानिवृत्त हो गए हैं)। वर्तमान में, एचओडी को मिलाकर आठ एसोसिएट प्रोफेसर कार्य कर रहे हैं। विभाग पीएच.डी. स्कालरों के क्रियाकलापों को भी मार्गदर्शित करता है। प्रोफेसर का एसोसिएट प्रोफेसर अथवा सहायक प्रोफेसर का कोई पद विभाग में नहीं है।

डॉ. संदीप तिवारी ने उच्चतर शिक्षा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर कंसोर्टिम फॉर एजुकेशनल कम्युनिकेशन, जो यूजीसी का स्वायत्तशासी केन्द्र है, के लिए वीडियो कैसेटों के विश्लेषण और संपादन के कार्य को जारी रखा, जिसका प्रसारण दूरदर्शन के राष्ट्रीय, ज्ञानदर्शन और यूजीसी कार्यक्रमों में किया जाता है। राकेश गुप्ता को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ (उ.प्र.) द्वारा अक्तूबर, 2016 में एम.पी.एड., बी.पी.एड., एम.पी.ई.एस. एंड बी.पी.ई.एस पाठ्यक्रमों के लिए सदस्य, केन्द्रीयकृत प्रवेश समिति (शारीरिक शिक्षा) के रूप में नियुक्त किया गया।

****

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया जाने वाला कार्य पादप आण्विक जीवविज्ञान तथा जैव–प्रौद्योगिकी के उपकरणों और तकनीकों का प्रयोग करते हुए अजीवी और जीवी तनाव सहिष्णुता पर विशेषज्ञ बल प्रदान करते हुए जीन विनियमनकारी पादप विकास के कार्यात्मक विश्लेषण के इर्द–गिर्द घूमता है। प्रो. जे.पी. खुराना मुख्य रूप से क्रिप्टोक्रोमों पर ध्यान–केन्द्रित करते हुए लाइट सेंसरी रिसेप्टर्स पर बल प्रदान करते हैं जो पादप ऊंचाई और पुष्पण समय को विनियमित करने के लिए यूवी–ए/ब्लू प्रकाश को महसूस करता है। प्रो. ए.के. तिवारी चावल में जल–अभाव तनाव प्रतिक्रिया पर कार्य कर रहे हैं। प्रो. परमजीत खुराना का मुख्य ध्यान गेहूं में उष्मा तनाव सहिष्णुता पर है तथा प्रो. अनिल ग्रोवर का ध्यान–केन्द्रण चावल पर है। प्रो0 इंद्रनील दासगुप्ता पादप–वायरल संपर्कों का अन्वेषण कर रहे हैं। प्रो. संजय कपूर नर गेमेटोफाइट विकास के आण्विक पहलुओं की समझ पर कार्य कर रहे हैं। प्रो. अरुण शर्मा की प्रयोगशाला टमाटर में परिपक्वता के विनियमन पर ध्यान केन्द्रित करती है। प्रो. गिरिधर पांडे कैल्शियम मीडिएटेड–सिगनल ट्रांसडक्शन पाथवे को स्पष्ट करने पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं। एस. रघुवंशी एमआई–आरएनए की द्वीप सीक्वेंसिंग और कार्यात्मक विशेषता–वर्णन के कार्य में व्यस्त हैं। डॉ. सुरेखा कटियार चावल में टेट्रास्पैनिन प्रोटीनों की जैविक भूमिका का पता लगाने का कार्य कर रही हैं।

सम्मान/विशिष्टियां

प्रो. ए.के. त्यागी को :

कृषि, 2016 पर भारत–यूएस संयुक्त कार्यकारी ग्रुप (जेडब्ल्यूजी) का सह–अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइसेंस, इटली द्वारा बायलॉजिकल सिस्टम्स एंड आर्गेनिज्म्स की सदस्यता परामर्श समिति, 2013–2018 के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

वैज्ञानिक समिति, अंतर्राष्ट्रीय चावल कार्यात्मक जीनोमिकी सिंपोजियम, 2016 का सदस्य नियुक्त किया गया।

डीएसटी, भारत सरकार द्वारा जे सी बोस राष्ट्रीय फेलोशिप पुरस्कार, 2007–2017 प्रदान किया गया।

भारतीय पादप शरीर–विज्ञान सोसाइटी, नई दिल्ली, 2017–18 का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

वित्त समिति, बायोटेक पार्क, लखनऊ, 2016–2019 का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

पादप जैव–प्रौद्योगिकी तथा संबद्ध क्षेत्र, डीबीटी, की शीर्षस्थ समिति, 2016–19 का सदस्य नियुक्त किया गया।

प्रोन्नति एवं मूल्यांकन समिति, आईआईसी, बंगलौर, 2016–18 का सदस्य नियुक्त किया गया।

पीएमसी ऑन सोलनेसीए जीनोम इनिशिएटिव, डीबीटी, नई दिली की पीएमसी का सदस्य नियुक्त किया गया, 2015–2018.

डीबीटी–आईआईएस भागीदारी कार्यक्रम, डीबीटी, नई दिल्ली की एसएसी का सदस्य नियुक्त किया गया, 2013–2018.

आईएलएस, भुवनेश्वर की एसएसी का सदस्य नियुक्त किया गया, 2012–2018.

शासी निकाय, सीआईएबी, मोहाली का सदस्य नियुक्त किया गया, 2012–19.

शासी निकाय, एसआरआई, दिल्ली का सदस्य नियुक्त किया गया, 2014 के उपरांत से।

निदेशक मंडल, मोहाली जैव–प्रौद्योगिकी पार्क, मोहाली का सदस्य (पदेन) नियुक्त किया गया, 2015–16.

बीआईआरएसी, नई दिल्ली के बोर्ड का गैर–शासकीय स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया, 2017–2020.

स्कूल बोर्ड, एसएलएस, सीयूआर, अजमेर का सदस्य नियुक्त किया गया, 2014–2017.

एसएसी, बोस संस्थान कोलकाता का सदस्य नियुक्त किया गया, 2014–2017.

प्रो. परमजीत खुराना को :

दि वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंस, ट्रिस्टे, इटी का फेलो नियुक्त किया गया, 2016.

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की परिषद का एनएएसआई सदस्य नाम निर्दिष्ट किया गया।

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की चयन समिति VII (पादप विज्ञान) का संयोजक नियुक्त किया गया, 2017.

भारतीय वनस्पति–विज्ञान सोसाइटी के वर्ष 2017 के बीरबल साहनी पुरस्कार पदक से सम्मानित किया गया।

भारतीय पादप शरीर–विज्ञान सोसाइटी का 2017 का प्रो. एस.के. सिन्हा स्मारक व्याख्यान पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रो. इंद्रनील दासगुप्ता को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा 26 दिसम्बर, 2016 से पांच वर्ष की अवधि के लिए जे.सी. बोस फेलोशिप प्रदान की गई।

प्रो. गिरधर के. पाण्डेय को :

जियांग्सु कृषि विज्ञान अकादमी, नानजिंग चीन के विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया, 2017.

एग्री बायोटेक्नालॉजी संस्थान, जियांग्सु कृषि विज्ञान अकादमी, नानजिंग, चीन का विजिटिंग प्रोफेसर नियुक्त किया गया, 2016.

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत, इलाहाबाद का निर्वाचित फेलो नियुक्त किया गया।

प्रकाशन :

बर्नवाल वी.के., नेगी एन. एवं खुराना पी. (2016). जीनोम–वाइड आइडेंटिफिकेशन ऑफ डब्ल्यूआरकेवाई कंपोनेट्स ऑफ मलबरी एंड देयर स्ट्रक्चरल फंकशनल एंड इवोलुशनरी एनालाइसिस, *साइंटिफिक रिपोर्ट्स,* 6,30,794 डीओआई : 10. 1038/एसआरईपी 30794.

बोरा बी.के., जरीन एफ, बरूआ जी. एवं दासगुप्ता आई. (2016). इनसाइट्स इंटु दि कंट्रोल ऑफ जेमिनीवायरल प्रोमोटर्स, *वीरोलॉजी,* 495–101–111.

चावला एम., वर्मा वी., कपूर एम. एवं कपूर एस. (2016) एक नोवल एप्लीकेशन ऑफ पीरिऑडिक एसिड–स्किफ (पीएएस) स्टेनिंग एंड फ्लोरेसेंस इमेजिंग फॉर एनालाइजिंग टेपटम एंड माइक्रोस्पोर डेवलपमेंट, *हिस्टोकैमिस्ट्री एंड सैल बायलॉजी,* 1–8 डीओआई : 10.1007/एस 00418–016–1481–0.

ग्रोवर ए. ट्वैल डी. एवं शेलिफ ई. (2016) पोलेन एज ए टार्गेट ऑफ इंवायर्नमेंटल चेंजेज, *प्लांट री प्रोडक्शन,* 29, 1–2.4.

केलकर वी., कुशवाहा ए.के. एवं दासगुप्ता आई. (2016). आईडेंटिफिकेशन ऑफ एमिनो एसिड रेजीड्यूज़ ऑफ द कोट प्रोटीन ऑफ *श्रीलंकन कसावा मोसेक वायरस अफेक्टिंग सिम्पटम प्रोडक्शन एंड वायरल टिटर इन निकोटीनिया हैंथामीनिया.* वयरस रिसर्च, 217, 38–46.

कुमार आर., सिंह ए.के., लवानिया डी., सिद्दीकी एम.एच., अल वहीबी एम.एच. एवं ग्रोवर ए. (2016). एक्सप्रेशन एनालासिस ऑफ सीएलपीबी/एचएसपी 100 जीन इन फाबा बीन (विसिया फाबा एल.) प्लांट्स इन रिस्पांस टु हीट स्ट्रेस, *साउदी जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज,* 23, 243–247.

लवानिया डी., कुमार आर., गोयल आई., राणा एस. एवं ग्रोवर ए. (2016). जेनेटिक इंप्रूवमेंट ऑफ राइस क्रॉप अंडर हाई टेम्परेचर स्ट्रेस : ब्रिजिंग प्लांट फिजियोलॉजी विद मॉलीकुर बायलॉजी. *इंडियन जे. प्लांट फिजियोलॉजी, 2*1, 391–408.

मैकलॉफलिन एफ., बाशा ई. फावलर एम.ई., किम एम., ब्रोडोविट्ज जे., कटियार – अग्रवाल एस. एवं वीयरलिंग ई. (2016). क्लास **I** एंड **II** स्मॉल हीट–स्ट्रोक प्रोटींस प्रोटेक्ट, प्रोटीन ट्रांसलेशन फैक्टर्स ड्यूरिंग हीट स्ट्रेस. *प्लांट फीजियोलॉजी,* 174(3), डीओआई : 10.1104/पीपी. 16.00536.

मिश्रा आर.सी., रिचा एवं ग्रोवर ए. (2016). कंस्टिट्यूटिव ओवर–एक्सप्रेशन ऑफ राइस सीएलपीडीआई प्रोटीन, इन्हांसेस टोलेरेंस टु साल्ट एंड डिसिकेशन स्ट्रेसेस इन ट्रांसजीनिक एराबिडोप्सिस *प्लांट्स साइंस,* 250, 69–78.

मिश्रा आर.सी., रिचा सिंह एवं ग्रोवर ए. (2016). कैरेक्टेराइजेशन ऑफ 5/यूटीआर ऑफ राइस सीएलपी–सी/एचएसपी 100 जीन : एविडेंस ऑफ इट्स इन्वोल्वमेंट इन पोस्ट – ट्रांसक्रिप्शनल रेगुलेशन. *सैल स्ट्रेस चैपरोन,* 21 271–283. डीओआई 10.1007/एस 12192–015–0657–1.

मुतुम आर.डी., कुमार एस., बाल्यान एस.सी., कंसल एस., माथुर एस. एवं रघुवंशी एस. (2016). आइडेंटिफिकेशन ऑफ नोवल एमआई–आरएनए फ्रॉम ड्रॉट टोलेरेंट राइस वैराइटी नगीना 22, *साइंटिफिक रिपोर्ट्स,* 6, 30786.

पांडे ए.,शर्मा एम. एवं पांडे जी.के. (2016). एमर्जिंग रोल्स ऑफ स्ट्रिगोलेक्टंस इन प्लांट रिस्पांसेस टु स्ट्रेस एंड डेवलपमेंट *फ्रंट प्लांट साइं.* 5, 7 : 434, डीओआई : 10.3389/एफपीएलएस. 2016.00434 ई–कलेक्शन 2016.

पिंगजी जैड, ल्यूबोमिर एल, सोकोलोव, ये.जे. तांग सी–वाई, शी जे, जेन वाई, लान डब्ल्यू., हांग जैड, क्वी जे, गुई–हुआ लु, पांडे जी.के., योंग हुआ वाई. (2016). दि लाइक सेक्स फोर 2 रेगुलेट्स रूट डेवलपमेंट बाई मॉडुलेटिंग रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज होमियोस्टेसिस इन एराबिडोप्सिस, *साइंटिफिक रिपोर्ट्स,* जून 28, 6 : 28683. डीओआई : 10. 1038/एसआरईपी 28683.

रघुवंशी एस, गौर पी. एवं जोसफ एस.वी. (2016) मैनुअली क्यूरेटेड डाटाबेस ऑफ राइस प्रोटींस (एमसीडीआरपी) ए डाटाबेस ऑफ डिजिटाइज्ड एक्सपेरिमेंटल डाटा ऑन राइस *करंट प्लांट बायलॉजी,* 7–8, 26–30.

शर्मा एम. एवं पांडे जी.के. (2016). एक्सपेंशन एंड फंक्शन ऑफ रिपीट डोमेन प्रोटीन्स ड्यूरिंग स्ट्रेस एंड डेवलपमेंट इन प्लांट्स. *फ्रंट प्लांट साइं,* 11(6), 1218.

सिंह ए, सराफ एस, दासगुप्ता आई एवं मुखर्जी एस.के. (2016). आइडेंटिफिकेशन एंड वैलीडेशन ऑफ ए वायरस–इंडुसिबल रासी–आरएनए–जेनेरेटिंग टीएएस 4 लोकस इन टोमेटो. *जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज़,* 41, 109–118.

वलारमथी पी., कुमार जी., रॉबिन एस., मननमणि एस., दासगुप्ता आई. एवं रवीन्द्रन आर. (2016). इवालुएशन ऑफ वायरस रेजिस्टेंस एंड एग्रोनोमिक पर्फोर्मेंस ऑफ राइस कल्टिवार एएसडी 16 आफ्टर ट्रांसफर ऑफ ट्रांसजीन अगेंस्ट *राइस टंग्रो बैसिलीफोरम वायरस* बाई बैकक्रॉस ब्रीडिंग वायरस जीन्स, 52 : 521–529.

अग्रवाल पी, कुमार आर, प्रतीक ए. एवं शर्मा ए.के. (2017) फ्रूट प्रीफेरेंशियल एक्टिविटी ऑफ टोमेटो आरआईपी 1 जीन प्रोमोटर इन ट्रांसजीनिक टोमेटो एंड *एराबिडोप्सिस. मोल. जेन. जीनोमिक्स,* 292. 145–146.

बरनवाल वी.के. एवं खुराना पी. (2017) जीनोम–वाइड स्ट्रक्चरल, फंक्शनल एंड एवोलूशनरी एनालाइसिस ऑफ मेम्ब्रेन इंट्रिंसिक प्रोटींस ऑफ मोरस नोटेबिलिस एंड देयर एक्सप्रेशन डायनेमिक्स इन डिफेरेंट स्पीशीज़ *प्लांट फीजियोलॉ एंड बायोकैम.*, 111, 204–317.

झा एस.के, मलिक एस., शर्मा एम., पांडे ए. एवं पांडे जी.के. (2017). रीसेंट एडवांसेज इन सब्सट्रेट आइडेंटिफिकेशन ऑफ प्रोटीन किनेज इन प्लांट्स एंडदेयर रोल इन स्ट्रेस मैनेजमेंट, *करंट जीनोमिक्स,* 18 : 000–000.

पांडे ए, यादव वी., शर्मा ए, खुराना जे.पी. एवं पांडे जी.के. (2017). दि यूएनसी–53 जीन नेगेटिवली रेगुलेट्स आरएसी जीटी–पेसेस टु इनहिबिट यूएनसी–5 एक्टिविटी ड्यूरिंग डिस्टल टिप सैल माइग्रेशंस इन सी. *एलेगंस सैल एड्ह. माइगर.* 5 :0, डीओआई : 10.1080/19336918, 2017, 1345413.

परीदा ए.पी, शर्मा ए, एवं शर्मा ए.के. (2017). एटीएमबीडीपी, ए मिथाइल सीपीजी बाइंडिंग डोमेन प्रोटीन, मेंटेंस जीन साइलेंसिंग इन एरेबीडोप्सिस बाई इंटेरेक्टिंग विद आरएनए बाइडिंग प्रोटींस *जे. बायोसाइं,* 42, 57–68.

रंजन आर, खुराना आर, मलिक एन, बदोनी एस, परीदा एस.के, कपूर एस. एवं त्यागी ए.के. (2017). बीएचएलएच 142 रेगुलेट्स वेरियस मेटाबॉलिक पाथवे–रिलेटेड जींस टु अफेक्ट पॉलेन डेवलपमेंट एंड एंथेर डेहिसेंस इन राइस. *साइंटिफिक रिपोर्ट्स,* 7, 43397. डीओआई : 10.1038/एसआरईपी 43397.

राव जी.एस, त्यागी ए.के. एवं राव के.वी. (2017). डेवलपमेंट ऑफ ए इंड्यूसिबल मेल–स्टेरिलिटी सिस्टम इन राइस थ्रू पॉलेन–स्पेसिफिक एक्सपेशन ऑफ एल–ओर्निथिनेज (एआरजीई) जीन ऑफ ई. कोली. *प्लांट साइंस,* 256, 139–147,

सईद बी. एवं खुराना पी. (2017). ट्रांसक्रिप्शनल एक्टिवेशन एक्टिविटी ऑफ ईआरडी 15 प्रोटीन फ्रॉम *मोरस इंडिका. प्लांट फिजियोल एंड बायोकैम* 111, 174–178.

सान्याल एस.के, कंवर पी., यादव ए.के, शर्मा सी, कुमार ए. एवं पांडे जी.के. (2017). एराबिडोप्सिस सीबीएल इंटरेक्टिंग प्रोटीन किनेज 3 इंट्रेक्ट्स विद एबीआर 1, एन एपीईटीएएलए 2 डोमेन ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर, टु रेगुलेट एबीए रिस्पांस, *प्लांट साइंस,* 254, 48–59.

सिंह ए. एवं पांडे जी.के. (2017). हाउ फास्फोलिपेज सी रेगुलेट्स स्ट्रेस टोलेरेंस एंड डेवलपमेंट इन प्लांट्स? *जे. सैल सिगनल*, 1, 132.

सिंह एस., विर्दी ए.एस, जसवाल आर., चावला एम. कपूर एस., महापात्रा एस.बी., मनोज एन., प्रतीक ए., कुमार एस., सिंह पी. (2017). ए टेम्प्रेचर रिस्पांसिव जीन इन सोरधम एनकोड्स ए ग्लाइसिन–रिच प्रोटीन दैट इंट्रेक्ट विद काल्मोडुलिन, *बायोकिमी*, 137, 115–123, डीओआई : 10.1016/जे. बायोची. 2017. 03.010.

जांग डी, हुआंग वाई, कुमार एम., वान क्यू, जू जैड, शाओ एच.बी. एवं पांडे जी.के. (2017). हेट्रोलोगम एक्सप्रेशन ऑफ जीएमएसआईपी 1;3 फ्रॉम सोयाबीन इन टोबैको शोड् एंड ग्रोथ रिटार्डेशन एंड टोलेरेंस टु हाइड्रोजन पैरॉक्साइड *प्लांट साइंस*, 263, 210–218.

जांग डी.वाई, कुमार एम, जू.एल., वान क्यू., हुआंग वाई.एच, जू जैड.एल, ही एक्स.एल, मा जे.बी., पांडे जी.के. एवं शाओ एच.बी. (2017). जीनोम–वाइड आइडेंटिफिकेशन ऑफ मेजर इंट्रिसिंक प्रोटींस इन ग्लाइसीन सोजा एंड कैरेक्टेराइजेशन ऑफ जीएमटीआईपी 2; 1 फंशन अंडर साल्ट एंड वाटर स्ट्रेस, *साइंटिफिक रिपोर्ट्स*, 23; 7(1), 4106.

संपादित पुस्तकें

पांडे जी.के. (2017). *मैकेनिज़्म ऑफ हारमोन सिगनलिंग अंडर स्ट्रेस*, विले – ब्लैकवेल, यूएसए, आईएसबीएन 13 : 9781118888964.

पांडे जी.के, प्रसाद एम., पांडे ए., बोहमेर एस. (संपादक) (2016). *एबायोटिक स्ट्रेस सिगनलिंग इन प्लांट्स : फंकशनल जीनोमिक इंटरवेंशन*, लॉसेन फ्रंटियर्स मीडिया डीओआई : 10.3389/978–2–88919–891–7.

पुस्तक अध्याय

सान्याल एस.के, राव एस, मिश्रा एल, शर्मा एम. एवं पांडेय जी.के. (2016) प्लांट स्ट्रेस रिस्पांसेस मीडिएटेड बाई सीबीएल–सीआईपीके फास्फोरिलेशन नेटवर्क *इंजाइम्स*, 40, 31–64.

गोयल आई, राणा एस. खुंगर एल, श्रीफंरुई आर. एवं ग्रोवर ए. (2017). ब्रीडिंग फॉर हाई टेम्परेचर रेजिस्टेंस इन राइस प्लांट्स बाई ट्रांसजीनिक अप्रोच *डायलॉग ऑन माडर्न ब्रीडिंग स्ट्रेटेजीज़ फॉर क्रॉप इंप्रूवमेंट*, के. मुरलीधर एवं ईए सिद्दीकी (संपादक) सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ राइस रिसर्च, डीआरआर, हैदराबाद, प्रेस में.

शोध परियोजनाएं

प्रो. अखिलेश के. त्यागी, जे.सी. बोस फेलोशिप, डीएसटी, 2007–2017, 1,21,10,000/– रुपए।

प्रो. ए.के. त्यागी, डीबीटी, *फंकशनल कैरेक्टेराइजेशन ऑफ जेनेटिक एंड एपीजेनेटिक रेगुलेटरी नेटवर्क्स इंवोल्ड इन दि रीप्रोडक्टिव डेवलपमेंट इन राइस*, 2015–2020, 9,87,42,000/– रुपए।

प्रो. अरुण कुमार शर्मा, डीबीटी, *रेगुलेशन ऑफ राइपेनिंग इन टोमेटो बाई मैनिपुलेशन ऑफ एपीजीनोम*, 2016–2021, 91,74,000/–

प्रो. संजय कपूर, डीबीटी–नाऊ, इंडो–डच भागीदार परियोजना *कैरेक्टेराइजेशन ऑफ मॉलीक्यूलर कंपोनेंट्स इन्वोल्व्ड इन पोलेन एर्बोशन ड्यूरिंग हाई टेम्परेचर स्ट्रेस*, 2015–2019, 1,50,07,000/– रुपए।

दाखिल किए गए प्रदत्त पेटेंट

पेटेंट सं. 278167, शीर्षक : एडीएनए कंस्ट्रक्ट फॉर जीन साइलेंसिंग इन राइस।

आयोजित संगोष्ठियां

प्रो. परमजीत खुराना ने :

25 नवम्बर, 2016 को बायोटेक भवन, यूडीएससी, नई दिल्ली में राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (एनएएसआई) के पुरस्कार व्याख्यान आयोजित किए।

10–11 फरवरी, 2017 को विज्ञान संस्थान, बीएचयू में एनएएसआई–बीएचयू प्रशिक्षकों के प्रशिक्षा की कार्यशाला *डान ऑफ जीनोमिक्स एरा इन प्लांट साइंसेज* आयोजित की।

आयोजित सम्मेलन

दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर में 24 मार्च, 2017 को *जैविक विज्ञान में भावी अनुसंधान के लिए रोडमैप* पर यूजीसी–एसएपी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रो. इंद्रनील दासगुप्ता ने 8वीं अंतर्राष्ट्रीय जमिनीवायरस विचार–गोष्ठी तथा छठी अंतर्राष्ट्रीय एसएस–डीएनए कम्पेरिटिव विरोलॉजी कार्यशाला का आयोजन किया, 7–10 नवम्बर, 2016, विज्ञान एवं इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड, डीएसटी, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली तथा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्त–पोषित।

प्रो. परमजीत खुराना :

व्याख्यान, *वर्ल्ड ऑफ बायोटेक्नालॉजी*, विकासशील देश अनुसंधान केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, 13 जुलाई, 2016. पूर्ण सत्र वार्ता, रेशम–कृषि पालन और रेशम उद्योग पर 24वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, क्वीन सिरिकिट नेशनल कंवेंशन सेंटर, थाइलैंड, 10–14 अगस्त, 2016.

जेएनयू, नई दिल्ली में 14 अक्तूबर, 2016 को लाइफ साइंसेस एंड बायोटेक्नालॉजी ऑन मॉडल आर्गेनिज्म तथा जीव विज्ञान पर शीर्षकों में शैक्षणिक स्टाफ कॉलेज पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में *'आरफन क्रॉप्स : चेंजिंग दि जीनोमिक लैंडस्केप'* पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

यूसीओएसटी, देहरादून में 2–4 दिसम्बर, 2016 तक राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के 86वें वार्षिक सत्र, भारत (एनएएसआई) विचार–गोष्ठी में साइंस, *टेक्नालॉजी एंड इंटरप्रेनुएरशिप फॉर ह्यूमन वेल्फेयर इन दि हिमालयन रीजन'* पर वार्ता क लिए आमंत्रित।

सीसीएसयू, मेरठ में 15 दिसम्बर, 2016 को फसल सुधार में जीनोमिक्स एवं एन ट्रांसलेशनल अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *'दि मलबेरी जीनोमिक्स लैंडस्केप'* पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 20 दिसम्बर, 2016 को 'विज्ञान संप्रेषण' पर विज्ञान शिक्षा और संप्रेषण केन्द्र के प्रशिक्षण कार्यक्रम में '*ग्रांट राइटिंग एंड रिसर्च प्रपोजल्स*' पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

डी.एस. कोठारी विज्ञान शिक्षा अनुसंधान और अभिनवता केन्द्र, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय में 5 जनवरी, 2017 को डीबीटी स्टार कॉलेज स्कीम विचार–गोष्ठी में *'प्रोस्पेक्टिंग फॉर रिसर्च प्रपोजल्स'* पर प्रारंभिक व्याख्यान।

एनएएसआई जागरूकता कार्यशाला, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति में 15–16 फरवरी, 2017 को *'टेक्नालॉजिकल इंपावरमेंट ऑफ वूमैन'* पर आधार व्याख्यान।

जैव–रसायनी विभाग, आईएआईआई, नई दिल्ली में 18 मार्च, 2017 को 'प्रगत ओमिक्स–फसल सुधार के लिए तकनीकें और उपकरण पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में *'दि मलबरी जीनोमिक्स लैंडस्केप : डिस्कवरीज टु एप्लीकेशन एंड बियांड'* पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

प्रो. अनिल ग्रोवर :

गोएथ विश्वविद्यालय, जर्मनी में सितम्बर, 2016 में वार्ता।

इंटर–ड्रॉट कांफ्रेस, हैदराबाद में फरवरी, 2017 में कार्यशाला के सत्र की अध्यक्षता और वार्ता प्रस्तुतीकरण।

बोस इंस्टीट्यूट पश्चिम बंगाल में फरवरी, 2017 में वार्ता।

प्रो. इंद्रजीत दासगुप्ता :

आईसीएआर – भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु में 8 दिसम्बर, 2016 को विरोकॉन 2016 सम्मेलन तथा विषाणु रोग प्रबंधन में वैश्विक संदर्श पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की सह–अध्यक्षता तथा *'एक्पलोरिंग दि इंटरेक्शंस बिटवीन राइस एंड दि वायरसेस कॉजिग दि टंग्रो डिजीज़'* पर वार्ता के लिए आमंत्रित।

प्रो. संजय कपूर, *ए क्वेस्ट फॉर रेगुलेटर्स ऑफ रीप्रोडक्टिव डेवलपमेंट इन राइस.* इन, इनसाइट्स टु प्लांट बायलॉजी इन दि मॉडर्न एरा, सेंटीनरी सेलीब्रेशंस, बोस इंस्टिट्यूट कोलकाता, 8–10 फरवरी, 2017.

प्रो. गिरधर के. पाण्डेय :

फ्रॉम जीनोमिक टु फंकशनल जीनोमि ऑफ प्लांट प्रोटीन फास्फेटेजेज़ इन सबायोटिक स्ट्रेस, पादप जेनेरिक एवं जीनोमिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एग्री–जीनोमिक इंडिया), चंडीगढ़, 20 जुलाई, 2017.

व्हाट आर वी लर्निंग फ्राम दि फंकशनल जीनोमिक्स ऑफ एबायोटिक स्ट्रेस? राइस प्रोटीन फॉस्फेटेजेग. लवण–मृदा कृषि केन्द्र, कृषि संसाधन और पर्यावरण संस्थान, जियांग्सु एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, नानजिंग, जि यांग्सु, चीन, 11 जुलाई, 2017.

कैल्शियम मीडिएटेड सिग्नलिंग इन प्लांट्स : इटरप्ले ऑफ किनेजेज़ एंड फास्फेटेज़ेज ड़्यूरिंग के 'डेप्रिवेशन स्ट्रेस स्कूल ऑफ प्लांट साइंसेज़ एंड फूड सिक्यूरिटी, फेकल्टी ऑफ लाइफ साइंसेज, तेल अवीव विश्वविद्यालय, इजराइल, 25 मई, 2017.

हाउ ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस रिस्पांसेस आर रेगुलेटेड इन एरेबिडॉप्सिस? स्टोरी ऑफ ए सीए$^{2+}$ मॉडुलेटेड किनेज एंड माइटोकांड्रियल गेटकीपर मॉड्यूल, फसल सुधार के लिए पादप जैव–प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय विचार–संगोष्ठी आईआईटी–गुवाहटी, असम, 20–21 जनवरी, 2017.

हाउ ए सीए$^{2+}$ रिगुलेटेड किनेज मॉडुलेट ऑक्सीडेटिव स्टेस रिस्पॅसेज इन एराबिडॉप्सिस? रोल ऑफ सीआईपीके – वीडीएसी मॉड्यूल. शंघाई सेंटर फॉर, प्लांट स्ट्रेस बायलॉजी, शंघाई इंस्टिट्यूट ऑफ बायलॉजिकल साइंसेज, शंघाई, चीन, 13 जनवरी, 2017.

न्यू इनसाइट्स ऑफ ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस रिस्पांसेस इन प्लांट : स्टोरी ऑफ सीए$^{2+}$ मॉडुलेटेड किनेज एंड माइटोकांड्रियल गेटकीपर मॉड्यूल. जियाग्सु एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज़ नानजिंग, चीन, 11 जनवरी, 2017

रोल ऑफ कैल्शियम मीडिएटेड सीबीएल – सीआईपीके मॉड्यूल इन रेगुलेशन ऑफ एबीए रिस्पांसेस इन प्लांट्स बायोस्पार्क – 2017. जीव–विज्ञान विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, मार्च, 2017.

हाउ कैल्शियम मीडिएटेड सिगनलिंग रेगुलेट एबीए रिस्पांसेस इन एराबिडॉप्सिस? रोल ऑफ सीबीएल 9 – सीआईपीके 3 – एबीआरए मॉड्यूल. सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल कैमिस्ट्स की 85वीं वार्षिक बैठक, सीएसआईआर – सीएफटीआरआई, मैसूर, 22 नवम्बर, 2016.

रेगुलेशन ऑफ मिनरल न्यूटरिएंट डेफिसिएंशी एंड बायोटिक स्टेस रिस्पांसेस बाई नॉन – सिम्बायोटिक हीमोग्लोबिंस मॉलीक्यूलर बायोलॉजी ऑफ स्ट्रेस रिस्पांसेज इन फोटोऑटोट्रोफ्स. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, 14 नवम्बर, 2016.

व्हाट वी आर लर्निंग फ्रॉम फंक्शनल जीनोक्स ऑफ स्ट्रेस सिग्नलिंग इन प्लांट्स? एचआरडीसी, जेएनयू, नई दिल्ली में जीव–विज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी में दूसरा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 25 अक्तूबर, 2016.

के+ सेंसिंग एंड सिग्नलिंग इन प्लांट्स : रोल ऑफ फास्फोरिलेशन – डी फोस्फोस्फिलेशन स्विच बायो–एपोह – 2016, जैव–प्रौद्योगिकी विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 15 मार्च, 2016 जीनोमिक्स टु फंक्शनल जीनोमिक्स ऑफ स्ट्रेस सिगनलिंग इन प्लांट्स हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, फरहा, मथुरा, उत्तर प्रदेश, 1 फरवरी, 2016.

डॉ. सौरभ रघुवंशी, *सीमेंटिक डिजिटाइजेशन ऑफ एक्सपेरिमेंटल डाटा इन बायोलॉजिकल साइसेंज,* इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन बायोलॉजिकल ऑन्टोलॉजी एंड बायोक्रिएटिव, ओरेगन स्टेट यूनीवर्सिटी, कोरवालिस, ओरेगन, यूएसए, 1–4 अगस्त, 2016.

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

विदेश जाने वाले : पीएच.डी. छात्रा सुरी माधवी नरेश ने यूरोपीय यूनियन, ब्रुसेल्स से एरास्मस मंडस निधि द्वारा वित्त–पोषित विनियम कार्यक्रम में प्रतिभागिता की तथा जनवरी से मार्च, 2017 तक तीन माह की अवधि के लिए हेलसिंकी विश्वविद्यालय, फिनलैंड का दौरा किया।

देश में आने वाले : श्री जैकसन वेनुस्तो मोदी लाडो, इथियोपिया, जो सीवी रमन (डीएसटी) फेलो हैं, सितम्बर, 2017 से छह माह के विनिमय कार्यक्रम के लिए प्रो. संजय कपूर की प्रयोगशाला में कार्य करेंगे।

प्रदत्त एम. फिल./पीएच.डी. डिग्रियॉ

पीएच.डी . – 06

एम. फिल. – 01

संकाय – सदस्य संख्या

स्थायी – 11

*****

विधि संकाय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँः

विधि संकाय के तीनों विधि केंद्रों में 2016–2017 में शैक्षणिक घटनाओं और गतिविधियों में सकारात्मक वृद्धि हुई है। केंद्रों की स्वतंत्र रिपोर्टों में तीनों विधि केंद्रों की घटनाओं और गतिविधियों का विवरण दिया गया है। शैक्षणिक सत्र 2016–17 में विधि संकाय की मुख्य गतिविधियों में, अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा पुनर्स्थापन न्याय पर कार्यशाला; भारत की आजादी के सत्तर वर्षों के बाद सामाजिक–आर्थिक न्याय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन; घरेलू और वैश्विक चुनौतियॉ; सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम; प्रो. रविंदर बार्न द्वारा बलात्कार कानूनों पर संगोष्ठी; भारत और इंग्लैंड में मिथक; राष्ट्रीय आयोग के सहयोग में वैवाहिक अधिकारों के पुनर्निर्माण पर राष्ट्रीय पैनल चर्चा; और कानून और व्यवसाय के कॉलेज, रामत–गान, इजराइल के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर शामिल हैं।

आयोजित संगोष्ठियाँ

डॉ. टेरी ओ'कॉनल, निदेशक, पुनर्स्थापन न्याय कार्यक्रम, ऑस्ट्रेलिया और श्री जीन श्मिटज, प्रशिक्षक, अंतर्राष्ट्रीय अभ्यास संस्थान, पेरू द्वारा अपराध, अपराधी और पीड़ितों के प्रति उत्तरःसुदृढ़ न्यायिक दृष्टिकोण, पर इंटरैक्टिव कार्यशाला, 1 सितंबर, 2016।

प्रो. रवीन्द्र बार्न, सामाजिक नीति के प्रोफेसर, स्कूल ऑफ लॉ, रॉयल होलोवे, लंदन विश्वविद्यालय द्वारा भारत और इंग्लैंड में बलात्कार मिथकों पर संगोष्ठी, 21 फरवरी, 2017.

आयोजित सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत की आजादी के सत्तर साल के बाद सामाजिक–आर्थिक न्यायः घरेलू और वैश्विक चुनौतियॉ, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, संयोजकः प्रो. वेद कुमारी, डॉ. महावीर सिंह, डॉ. अनुपम झा, डॉ. गुंजन गुप्ता, श्री चंचल कुमार, 18–20 नवंबर, 2016.

एक दिवसीय पैनल चर्चा, भारत में वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना की समीक्षा, महिला राष्ट्रीय आयोग के सहयोग से विधि संकाय द्वारा आयोजित, 25 मार्च, 2017

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

कानून संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, कानून और व्यवसाय के कॉलेज, रामत–गान, इजराइल के साथ संकाय और छात्रों के लिए तीन साल का समझौता ज्ञापन किया।

प्रदत्त एम. फिल. /पीएच.डी. डिग्रियॉ

पीएच.डी. – 9

संकाय की संख्याः

स्थायी – 35

तदर्थ– 81

अतिथि संकाय –21

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विधि संकाय ने 14–20 मार्च, 2017 से सात दिवसीय गहन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया। कानूनी दिग्गजों के योगदान और 41 उत्साही प्रतिभागियों के योगदान के साथ कार्यक्रम ने एक बड़ी सफलता अर्जित की थी।

विधि संकाय पुस्तकालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पुस्तकालय हेतु गुणवत्ता युक्त पुस्तकों का चयन और सिफारिश करने में संकाय सदस्यों और अन्य विद्वानों की सहायता के लिए लिए 3–4 मार्च, 2017 को एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

***

परिसर विधि केंद्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँः

परिसर कानूनी केंद्र (सीएलसी) ने लगातार भारत के शीर्ष कानून विद्यालयों में स्थान प्राप्त किया है और 2016 में इंडिया टुडे–नेलसन सर्वेक्षण में सीएलसी पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। सीएलसी ने, जनवरी 2017 में के.के. लूथरा मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन और श्रीलंका की अंतर्राष्ट्रीय टीमों सहित साठ टीमों ने भाग लिया। कानूनी सहायता सोसाइटी द्वारा नियमित रूप से आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। बहस और चर्चा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सीएलसी द्वारा संगोष्ठियों, बहस और चर्चा पर नियमित साप्ताहिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया। विद्यार्थियों को अनुभव प्रदान करने के लिए प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय विद्वानों द्वारा विभिन्न कार्यशालाएँ और वार्ताएँ आयोजित की गईं। परिसर कानूनी केंद्र की पत्रिका और सीएलसी काइलीडोस्कोप की वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित की जाती है। सीएलसी के छात्रों ने विभिन्न मूट अदालतों और मध्यस्थता प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीता है। कई छात्रों ने विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश प्राप्त किया है।

सम्मान/विशिष्टताएँः

सीएलसी को टुडे–नीलसन सर्वेक्षण में 2016 का भारत में दूसरा स्थान प्रदान किया गया है।

प्रो. (डा.) उषा टंडनः

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, निजी और संपत्ति कानून अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, नाइजीरिया
सदस्य, संपादकीय बोर्ड, अमेरिका–चीन कानून की समीक्षा
प्रो.एस.सी.रैना (छुट्टी पर) हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के उपकुलपति हैं।
प्रो.जे.एल.कौल(छुट्टी पर) एच एन बी गढ़वाल (केंद्रीय विश्वविद्यालय), उत्तराखंड के उपकुलपति हैं।
प्रो.कमला शंकरन(छुट्टी पर) तमिलनाडु राष्ट्रीय विधि विद्यालय के उपकुलपति हैं।

प्रकाशनः

जी.गुप्ता (2016). पराक्रम्य साधन अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत प्रादेशिक न्यायक्षेत्र दशरथ रुपसिंह राठौर मामला – एक आलोचना। *विवेकानंद अनुसंधान की पत्रिका,* 5(1), 143–165.

आर.मित्तल (2016). भारत में ट्रेडमार्क लेनदेन, आईरीन कैल्बोली और जैक्स डी वेरा में (संपा.) में, *ट्रेडमार्क लेनदेन पर अनुसंधान पुस्तिका,* 558–586. यूकेः एडवर्ड एल्गर।

आर.मित्तल (2017), लेवी और डीआरएम के माध्यम से कॉपीराइट कार्यों के भुगतान के लिए अंतिम–उपयोगकर्ता बनाने का तंत्र। कुंग–चुंग लियु और रेटो एम. हिल्टी (संपा.) में, *कॉपीराइट मालिकों का पारिश्रमिकः नए व्यापार मॉडल की विनियामक चुनौतियाँ,* 115–140. जर्मनीः स्प्रिंगर।

यू.टंडन एवं एस.लूथरा. (संपा.), (2016). *मानव अधिकार महिलाओं और बच्चों की तस्करी–कानूनी और नीति ढॉचा,* इलाहाबाद, उत्तर प्रदेशः केंद्रीय कानून प्रकाशन।

यू.टंडन (संपा.) (2016). *जलवायु परिवर्तनःकानून, नीति और शासन,* लखनऊ, उत्तर प्रदेशः ईस्टर्न बुक कंपनी।

यू.टंडन एवं एस.लूथरा. (2016). बलात्कार– औरत की शुद्धता या गरिमा का उल्लंघनः भारतीय कानून की एक स्त्रीवादी आलोचना, टीओईएपी, *टॉर्कल ओप्सहल अकादमिक* ईपब्लिशर, एफआईएचएलएल नीति संक्षिप्त श्रृंखला संख्या. 51. http://www.toaep.org/pbs-pdf/51-tandon-luthra
यू.टंडन(2016). महिला एवं लिंग समानता का सशक्तिकरण, तुलनात्मक कानून की राष्ट्रीय पत्रिका3(1), 16– 21.

आयोजित संगोष्ठियाँ

प्रोफेसर उपेन्द्र बख्शी और प्रोफेसर महेंद्र पाल सिंह, 16 सितंबर, 2016 को वार्षिक अभिविन्यास कार्यक्रम।

डॉ. राजेश सिंह, उप लाइब्रेरियन, केन्द्रीय पुस्तकालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और उप लाइब्रेरियन, परिसर विधि केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली में उपलब्ध *ई–संसाधन और अन्य संसाधन,* अक्टूबर, 2016.

डॉ. हर्ष पाठक, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वकील *सरकार और व्यापार इंटरफेसः एक वकील का परिप्रेक्ष्य,* 25 अक्टूबर, 2016.

सुश्री मोनिका अरोड़ा, एडवोकेट भारत का सर्वोच्च न्यायालय, एडवोकेट उमेश शर्मा और कर्नल दीपांशु चौधरी, लिम्का बुक रिकॉर्ड धारक, *राष्ट्रवादः गणतंत्र दिवस का जश्न मनाने के लिए हमारी पहचान,* 26 जनवरी, 2017.

सुश्री कीर्ति सिंह, वकील, भारत का सर्वोच्च न्यायालय और पूर्व सदस्य (अंशकालिक), भारतीय कानून आयोग इंडिया टुडे में परिवार कानून में महिलाओं की असमान स्थिति, IV, प्रोफेसर लतिका सरकार स्मृति व्याख्यान, 4

मार्च 2017 को माननीय अध्यक्ष, प्रो कुमुद शर्मा की अध्यक्षता में, सीडब्ल्यूडीएस के सहयोग से महिला विकास अध्ययन केंद्र (सीडब्ल्यूडीएस) में आयोजित।

श्री रणजी थॉमस, सीनियर एडवोकेट, भारत का सर्वोच्च न्यायालय और सुश्री अस्मिता बसु, कानून शोधकर्ता एवं सलाहकार, लिंग एवं मानवाधिकार में, चर्चा के रूप में पी. हिरल वि. हरसोरा कुसुम नरोत्तमदास हरसोरा 8 मार्च, 2017, आयोजन समितिः सेमिनार, बहस और चर्चा समाज, सीएलसी।

सुश्री मर्लिन ओलिवर, सदस्य, पर्यावरण न्यायालय, न्यूजीलैंड, न्यूजीलैंड में पर्यावरण की रक्षा में पर्यावरण न्यायालय की भूमिका। 27 मार्च, 2017.

श्री नवजीत बुधिराजा, सचिव, केंद्रीय जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, कैदियों के अधिकार, 17 फरवरी, 2017.

सम्मेलन का आयोजन

गर्भाधान पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994 (पीसीपीएनडीटी एक्ट), सुश्री इंदु मल्होत्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता, भारत का सर्वोच्च न्यायालय, सुश्री अनुश्री बर्नार्ड, अधिवक्ता और लुप्त होती लड़कियॉ अभियान के अभियान सह समन्वयक, डॉ. सत्यजीत कुमार, सीएमओ, दिल्ली पीसीपीएनडीटी सेल, सुश्री तहमीना अरोड़ा, अधिवक्ता और स्वतंत्रता का बचाव करने वाले संगठन के सलाहकार, श्री रॉबिन डेविड, पार्टनर, संसाधन व्यक्तियों के रूप में दुआ एसोसिएट्स और प्रोफेसर (डा.) उषा टंडन द्वारा संचालित, लुप्त होती लड़कियॉ अभियान द्वारा वित्त पोषित, 25 मार्च, 2017.

अर्द्धन्यायिक स्वयंसेवी प्रशिक्षण (पीएलवी), माननीय सुश्री न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय और दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष (मुख्य अतिथि), आयोजन समितिःपरिसर विधि केंद्र की कानूनी सहायता सोसायटी, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के साथ।

परिसर विधि केंद्र सम्मेलन के सह–आयोजकों में से एक है *प्रारंभिक परीक्षा में गुणवत्ता नियंत्रण परः प्रभाव, नीतियां और व्यवहार की समीक्षा,* पीस पैलेस, द हेग में अंतर्राष्ट्रीय कानून अनुसंधान और नीति केंद्र द्वारा आयोजित।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. अलका चावलाः

वार्ता, राउंड टेबल, *ऑनलाइन शिक्षा और कौशल के अंतराल को भरना,* मनुपात्रा सूचना समाधान प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित व्यावसायिक सफलता का मार्ग। दिल्ली, जून 6, 2016.

कॉपीराइट उल्लंघन : अनुसंधान और शिक्षण, भारत में शिक्षा प्रणाली का विकास, यूजीसी के सहयोग से सीपीडीएचई द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम(ओर –84), 15 जून, 2016.

अधिकार और प्रवर्तन का क्षेत्र, अवैध व्यापार का सामाजिक आर्थिक प्रभाव, परिवीक्षाधीन आईआरएस के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम, उत्पाद शुल्क और मादक द्रव्यों की राष्ट्रीय अकादमी, 15 जुलाई, 2016.

जालसाजी और तस्करी के अपराध और दंड से संबंधित कानूनी प्रावधान, दिल्ली पुलिस के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम, पुलिस अधिकारियों को स्मार्ट पुलिस के लिए अकादमी में दिया गया व्याख्यान, चाणक्यपुरी, दिल्ली, 22 जुलाई, 2016.

वार्ता, कॉपीराइटः अवधारणा, कानूनी फ्रेमवर्क और महत्व, कॉपीराइट चोरी और उल्लंघन, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण ट्रेनिंग, एमएचआरडी आईपीआर चेयर द्वारा आयोजित आईपीआर कार्यशाला, दिल्ली विश्वविद्यालय और रामजस कॉलेज, 10 अगस्त, 2016.

कानून की उचित प्रक्रियाः प्राकृतिक न्याय सिद्धांत, दिल्ली ज्यूडिशियल एकेडमी में, जजिंग टू जस्टिसिंग संगोष्ठी, 5 नवम्बर, 2016.

खुला आविष्कार और आईपीआर मुद्दे पर शोधपत्र प्रस्तुत किया, आईपीआर पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आईपी की रणनीति निर्माण, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी. चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से आयोजित, 16 दिसम्बर, 2016.

डॉ रमन मित्तलः

शोधपत्र प्रस्तुत किया, डिजिटल रेजिमेंट में अनुबंध, रॉयल्टी और कॉपीराइट, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय द्वारा विद्वानों के प्रकाशन और प्रकाशन के लैंडस्केप पर आयोजित संगोष्ठी, दिल्ली, 24–25 मार्च, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, बौद्धिक संपद/अनुबंध अंतरफलक, पॉचवीं वार्षिक आईपी शिक्षण कार्यशाला, एनएलयू दिल्ली, 1 अप्रैल, 2016।

शोधपत्र प्रस्तुत किया, कॉपीराइट संरक्षणःडिजिटल पर्यावरण में उभरते मुद्दे, डब्ल्यूआईपीओ समर स्कूल आईएसआईएल पर विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा आयोजित, नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, आईपीआर न्यायशास्त्र, एनसीयू लॉ स्कूल द्वारा आयोजित, नॉर्थकैप विश्वविद्यालय, गुड़गॉव, 26 अप्रैल, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, आईपीआर का व्यावसायीकरण और मुद्रीकरण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण – विनियामक मुद्दे, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स द्वारा आयोजित, 23 मई, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, वर्तमान दिवस अधिनिर्णय और बौद्धिक संपदा में आईपीआर न्यायशास्त्रः अंतर्राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय आयाम, डीजेएस के न्यायिक अधिकारियों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों और प्रवर्तन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, दिल्ली न्यायिक अकादमी, मई 27, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, आईपीआर को डिजिटल चुनौतियॉ, अंतर्राष्ट्रीय कानून की भारतीय सोसाइटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आयोजित 15वॉ ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम, 3 जून, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, ट्रेड मार्क्स, राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कॉर्पोरेट कानून के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम, दिल्ली, 16 जून, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, साइबर न्यायशास्त्र, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कानून और सामाजिक परिवर्तन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, सोनीपत, 15 जुलाई, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक फ्लैश, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कानून और सामाजिक परिवर्तन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, सोनीपत, 15 जुलाई, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, लाइसेंसिंग के माध्यम से ब्रांड व्यावसायीकरण, ब्रांड प्रबंधन, भारत पर्यावास केन्द्र में आयोजित मूल्यांकन और संरक्षण, नई दिल्ली, 8 नवंबर, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, बौद्धिक संपदा का मुद्रीकरण – लाइसेंसिंग समझौते लाइसेंसिंग के माध्यम से ब्रांड व्यावसायीकरण, बौद्धिक संपदा अधिकारों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, पीएचडी चेम्बर्स और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी हाउस में आयोजित, नई दिल्ली, 16–17 दिसम्बर, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, बौद्धिक संपदा अधिकार, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासनिक अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, जनवरी 16, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, अनुबंध कानूनःसामान्य सिद्धांत और प्रबंधन, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासनिक अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1 जनवरी, 2017.

अनुबंध कानूनः सामान्य सिद्धांत और प्रबंधन, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासनिक अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम, 13 जनवरी, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, साइबर अपराध और नागरिक गलतियॉ, संसदीय अध्ययन और प्रशिक्षण ब्यूरो, नई दिल्ली, 2 मार्च, 2017.

प्रो. (डॉ.) उषा टंडनः

डीडी न्यूज, 21 अप्रैल, 2016 को पिता की संपत्ति में विवाहित महिलाओं के अधिकार पर एक कार्यक्रम के प्रसारण के लिए विशेषज्ञ।

एनएलयू दिल्ली में, 29 अप्रैल, 2016 को विदेश मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित यूपीआर–III पर राष्ट्रीय चर्चा आयोजित की गई।

लिंग सुरक्षा कानून को समझने के लिए पुरुषों को शिक्षित करना और कानूनी ढांचे के भीतर पुरुषों की कमजोरियों के मिथक पर काबू पाने पर उनकी मदद करने पर वक्तव्य की, एशिया फाउंडेशन, के सहयोग से, 10 अगस्त, 2016, नई दिल्ली के सामाजिक अनुसंधान केंद्र द्वारा भारत पर्यावास केन्द्र में, हिंसा के खिलाफ लड़ने वाले पुरुषों और लड़कों पर आयोजित सम्मेलन। 10 अगस्त, 2016.

व्याख्यान, भारत में पर्यावरण कानून और नीतियों का अवलोकन, पर्यावरण कानूनःसमकालीन मुद्दे और चुनौतियॉ, पर भारतीय कानून संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला, 6 फरवरी, 2017

व्याख्यान, घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 से महिलाओं के संरक्षण की न्यायिक व्याख्या, विवेकानंद लॉ स्कूल, वीआईपी, 13 फरवरी, 2017.

17 फरवरी, 2017 को महिलाओं के विशेष संदर्भ के साथ सामाजिक न्याय पर श्री आनंदमूर्तिजी के विचारों पर व्याख्यान, दर्शन विभाग की सामाजिक और नैतिक दर्शन पर दिल्ली विश्वविद्यालय और पुनर्जागरण विश्वविद्यालय, दिल्ली।

सम्मानितविशिष्ट अतिथि, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 25–26 फरवरी, 2017 को आयोजित संगोष्ठी, परिवार कानूनः समकालीन मुद्दे और चुनौतियॉ।

लेखक की वार्ता, लिंग न्यायरू वास्तविकता या नाजुक मिथक एवं मानव अधिकारः औरतों और बच्चों की तस्करी, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा 3 मार्च 2017 को आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी।

8 मार्च, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के परिसर विधि केंद्र द्वारा आयोजित पैनल चर्चा। पी.हिरल, वी. हरसोरा, कुसुम नरोत्तमदास हरसोरा, (2016), एससीसी 165, पैनल चर्चा की अध्यक्षता और संचालन किया।

भारत में वैवाहिक अधिकारों के पुनर्स्थापना की समीक्षा, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय राष्ट्रीय आयोग के सहयोग से आईएसआईएल, दिल्ली में 28 मार्च, 2017 को आयोजित।

अध्यक्षीय संबोधन, पीसीपीएनडीटी अधिनियम, 1994 और इसके कार्यान्वयन पर कार्यशाला, परिसर विधि केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा 28 मार्च, 2017 को आयोजित।

सम्मानित अतिथि, उच्च शिक्षा के सीपीजे कॉलेज और स्कूल ऑफ लॉ, दिल्ली में (गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से संबद्ध) 30 मार्च, 2017 को स्वास्थ्य कानूनः मुद्दे और चुनौतियॉ।

श्रीमती नेहा, पैनलिस्ट, विधि संकाय द्वारा महिलाओं के राष्ट्रीय आयोग के सहयोग से 25 मार्च, 2017 को *भारत में वैवाहिक अधिकारों की बहाली* से संबंधित कानूनों की समीक्षा पर एक पैनल चर्चा, आयोजित किया गया।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

डीएसएलएसए (दिल्ली स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी) के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

2016–17 के शैक्षणिक वर्ष के लिए यूरोप के चार छात्र कैंपस लॉ सेंटर में आकस्मिक संबद्धता पर भर्ती हुए थे।

शैक्षणिक वर्ष 2016–17 के लिए यूरोप के चार छात्र परिसर विधि केंद्र में आकस्मिक संबद्धता पर भर्ती हुए थे।

भर्ती का विवरण

8 कंपनियों ने भर्ती के लिए परिसर का दौरा किया।

15 छात्रों को पहले ही काम पर रखा गया है (शैक्षणिक वर्ष 2016–2017 की विभिन्न भर्ती प्रक्रियाएॅ चल रही हैं)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

कानूनी सहायता सोसाइटी, सीएलसी ने 7 अक्टूबर, 2016 को मुखर्जी नगर, मुंशीराम डेयरी में एक कानूनी जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

कानूनी सहायता सोसाइटी, सीएलसी और दिल्ली राज्य कानूनी सेवा अधिकारियों ने दिल्ली के विभिन्न सरकारी स्कूलों में 15 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के छात्रों के बीच जन कानूनी साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया और एलडी न्यायिक अधिकारी, लायर्स बार, वकीलों के पैनल, वकीलों, शिक्षकों, कानूनी शिक्षाविदों, बाल मनोवैज्ञानिकों और अर्द्धन्यायिक स्वयंसेवकों ने जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 17 से 27 अक्टूबर, 2017 को विभिन्न सरकारी स्कूलों का दौरा किया।

विभिन्न प्रकार के कानूनी मुद्दों को उजागर करने के लिए 1 अक्टूबर, 2016 को चुनिंदा सिटी वॉक मॉल, साकेत में दिल्ली स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (डीएसएलएसए) द्वारा आयोजित नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में कानूनी सहायता सोसायटी, टीम तरकश ने अपने नाटक *क्यों हैं हम खामोश?* के लिए दूसरा पुरस्कार जीता।

14–16 नवम्बर, 2016 को पूर्व दिल्ली लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के तत्वावधान में, युवा खेल बोर्ड –III, सेवा कुटीर कॉम्प्लेक्स, किंग्सवे कैंप, नई दिल्ली में वार्षिक स्पोर्ट्स इवेंट और पुरस्कार वितरण समारोह में नाटक, क्यों हैं हम खामोश? का प्रदर्शन किया गया।

डीओएसएलएसए द्वारा सीएलसी की कानूनी सहायता सोसाइटी के सहयोग से 2 और 3 नवम्बर, 2016 को, दो दिवसीय द्वार–द्वार जन अभियान का आयोजन किया गया। परा कानूनी स्वयंसेवकों ने दिल्ली की झोपड़ियों में रहने वाली लक्षित आबादी को लीगल सर्विसेज प्राधिकरण अधिनियम 1987, अधिनियम के अंतर्गत निःशुल्क कानूनी सेवाओं का लाभ उठाने के मापदंड के बारे में सूचित किया और पर्चे भी वितरित किए।

परिसर विधि केंद्र के छात्रों ने पश्चिम डीएसएसएलएसए के साथ 28 और 29 नवंबर, 2016 को विमुद्रीकरण के कारण बैंकों के बाहर सहायता डेस्क का गठन करने में भाग लिया।

परिसर विधि केंद्र के छात्रों ने, गैर सरकारी संगठन बसेरा के साथ काम करने वाले विपरीतलिंगियों के साथ, दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) द्वारा 25 अक्टूबर 2016 को बैनर और साहित्य के साथ शहर भर में ट्रैफिक नियम जागरूकता अभियान आयोजित किया।

प्रगति मैदान में वर्ल्ड बुक मेले में 7–15 जनवरी, 2017 के दौरान एक सहायता डेस्क की स्थापना की गई थी, जहां परिसर विधि केंद्र की कानूनी सहायता सोसाइटी के एक वकील और अर्द्धन्यायिक स्वयंसेवियों ने लोगों की मदद की और कानूनी जागरूकता पैदा की।

कानूनी सहायता सोसायटी, परिसर विधि केंद्र, विधि संकाय ने 4 फरवरी, 2017 को पंपारी रोड भामाशाह मार्ग, सिगरेटवाला बाग, पुलिस ग्राउंड, मॉडल टाउन में एक कानूनी जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

परिसर विधि केंद्र की कानूनी सहायता सोसायटी ने 8 फरवरी, 2017 को कड़कड़डुमा कोर्ट, 11 फरवरी, 2017 को राष्ट्रीय लोक अदालत, 22 फरवरी, 2017 को तिहाड़ जेल, 7 मार्च, 2017 को मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएचबीएएस) पर न्यायालय का दौरा किया।

दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, कानूनी सहायता सोसायटी के अर्द्धन्यायिक स्वयंसेवकों के समर्थन के साथ परिसर विधि केंद्र ने एक क्षेत्रीय स्तर समिति का आयोजन किया जिसमें वरिष्ठ अभियंता, कनिष्ठ अभियंता, सामाजिक कार्यकर्ता, डीएसएलएसए पैनल के वकील एक अर्द्धन्यायिक स्वयंसेवी दिल्ली में हर सप्ताह दिल्ली के विभिन्न जिलों में स्थापित और रैन बसेरे के घरों का निरीक्षण करेंगे।

संकाय की संख्या

स्थायी – 10 (3 छुट्टी पर)
तदर्थ – 28
अतिथि – 07
अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पारिवारिक वकीलों की अंतर्राष्ट्रीय अकादमी (आईएएफएल) ने परिसर विधि केंद्र के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम पेश किया और इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक छात्र को विदेश में इंटर्नशिप की पेशकश की गई।

के. के. लूथरा मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का 13वॉं संस्करण भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, श्रीमान न्यायमूर्ति अमिताभ रॉय द्वारा आरंभ किया गया।. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति श्री अर्जुन कुमार सिकरी, पटना के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति श्री अजय कुमार त्रिपाठी, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, माननीय न्यायमूर्ति श्री वी. कामेश्वर राव और दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय श्री आर. के. गौबा, जज ने इस अवसर का गौरव बढ़ाया।

श्री आरिफ मोहम्मद खान, डॉ. सूरत सिंह और डॉ. चंद्र राजन ने 29 मार्च, 2017 को कानूनी सुधारों के रूप में परंपराएँ एवं सांस्कृतिक पहचान पर वार्षिक वादविवाद प्रतियोगिता ''कॉन्फेरो'' का निर्णय किया।

***

विधि केंद्र I

प्रमुख गतिविधियॉं एवं उपलब्धियॉं :

विधि केंद्र –1 संकाय संख्या और छात्र प्रवेश के मामले में विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा केंद्र है। कानूनी अध्ययनों में सिद्धांत–अभ्यास के अंतर को भरने के लिए, केंद्र ने 16 फरवरी, 2017 को एलसी–1 उद्यमशीलता कानून क्लिनिक का शुभारंभ किया, जो अपनी तरह का पहला कानूनी क्लीनिक था। केंद्र की मूटर्स सोसायटी ने सफलतापूर्वक तेरहवीं एलसी–1–एनसीआर मूट अदालत प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसने एनसीआर से विभिन्न टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिल्ली उच्च न्यायालय की माननीय न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी और माननीय न्यायमूर्ति गीता मित्तल ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अतिथियों के समक्ष विशेष प्रेरणात्मक भाषण दिए। केंद्र की कानूनी सेवा सोसायटी ने पूरे साल के दौरान विभिन्न कानूनी सहायता और जागरूकता कार्यक्रमों और जन कानूनी साक्षरता अभियानों का आयोजन किया।

प्रकाशन

एस. भारती, (2016) भारत में कपड़ों के फैशन डिजाइन की कानूनी सुरक्षाः कॉपीराइट और डिजाइन कानून के अंतर्गत एक दुविधा। दिल्ली विश्वविद्यालय के मानविकी और सामाजिक विज्ञान की पत्रिका, 3, 139–154- http://journals.du.ac.in/humsoc/pdf/Bharti_Final_9.pdf.से उद्धृत।

एस. भारती, (2016). गर्भवती महिलाओं भ्रूण के साथ दुरुपयोग पर मुकदमा चलाने की संभावना। सीमा परिहार और गीता सिंह (संपा.) में, लिंग और जगह, बहुविभागीय दृष्टिकोण, पृ. 87–100 दिल्लीः सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय।

पी.दास (2017). – डिजिटल माध्यम में प्रजनन अधिकार और शैक्षिक उद्देश्यों के लिए निःशुल्क उपयोग – भारत के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दायित्तवों का एक विश्लेषण जो कॉपीराइट की रक्षा के लिए सभी तरह की शिक्षा प्रदान करता है। एम.के. सिन्हा और वी. महलवार (संपा.) में, डिजिटल वर्ल्ड में कॉपीराइट, पृ.109–132. सिंगापुरः स्प्रिंगर पब्लिकेशन।

वी. कुमारी, (2017) किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015: महत्वपूर्ण विश्लेषण। नई दिल्लीः यूनिवर्सल लॉ पब्लिशिंग – लेक्सिस नेक्सिस का एक निशान।

एस. मिश्रा, (2017) आत्मरक्षा की परंपरागत अवधारणा के बल और चुनौतियों के इस्तेमाल के तरीकों को बदलना – एक समकालीन प्रतिबिंब। आशिष कुमार (संपा.) में, अंतर्राष्ट्रीय कानून में समकालीन विकास – कुछ यादृच्छिक प्रतिबिंब पृ. 1–20। नई दिल्लीः सत्यम लॉ इंटरनेशनल।

पी.बी. पंकजा, (2016)। विधायी तर्क – हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के संदर्भ में एक अध्ययन। मानविकी, कला और साहित्य में अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4 (9), 33–42.

पी.बी. पंकजा, (2016). रेवना सिद्दप्पा और एएनआर वी मल्लिकार्जुन एवं अन्य – ए मामले पर टिप्पणी। यूरो एशियाः अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 6(8), 45–52.

पी.बी. पंकजा, (2016) अकादमिक उत्कृष्टता के लिए लेखनः एक कानूनी शोध पत्र को कैसे शुरू और पूरा करें – कुछ दिशानिर्देश। मनोज कुमार सिन्हा और दीपा खर्ब (संपा.) में, कानूनी अनुसंधान क्रियाविधि, पृ. 233–244, नई दिल्लीः लेक्सिस नेक्सिस और आईएलआई प्रकाशन।

के रत्नाबाली और यू.सी. झा, (2017). सशस्त्र संघर्ष का कानून एक परिचय। दूसरा संशोधित संस्करण, नई दिल्ली विज बुक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

एम. रेलनला, अरोड़ा (2017). एक समान नागरिक संहिता एक विलंबित एजेंडा। विजेंदर कुमार, नरेश कुमार वत्स और विजय प्रताप तिवारी (सं.), विधि, न्यायपालिका और शासन – प्रोफेसर मूल चंद्र शर्मा के सम्मान में एक स्मारिका, पृ.343–361 नई दिल्लीः यूनिवर्सल लॉ पब्लिशिंग।

ए. शर्मा, (2016), महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा का सामाजिक आयाम। दिल्ली विश्वविद्यालय की मानविकी और सामाजिक विज्ञान की पत्रिका, 3, 185–208 http://journals.du.ac.in/humsoc/pdf/Sharma_Final_12.pdf से उद्धृत।

ए. शर्मा, (2017) न्यायपालिका और सुशासनः भारत में हाल के रुझान। विजेंदर कुमार, नरेश कुमार वत्स और विजय प्रताप तिवारी (संपा.), विधि, न्यायपालिका और प्रशासन– प्रोफेसर के. मूल चंद्र शर्मा सम्मान में एक स्मारिका, पृ. 127–144। नई दिल्लीरू यूनिवर्सल लॉ पब्लिशिंग।

ए.शर्मा, (2016), एक कानून बनानारू घरेलू हिंसा अधिनियम। गीता सिंह और सीमा परिहार (सं.) में, लिंग और अंतराल, बहुआयामी अंतर्दृष्टि, पृ. 71–86 नई दिल्लीः नई दिल्ली पब्लिशर्स

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. पूनम दास, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान एवं विकास परियोजना, महिलाओं की निजता में घुसपैठ और किए गए साइबर–अपराध – भारत में कानूनी स्थिति का विश्लेषण। 1,00,000 रुपए।

डॉ. सरबजीत कौर, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान एवं विकास परियोजना, नागरिक कानून के अंतर्गत अनुसंधान एवं विकास चिकित्सा लापरवाही के लिए दायित्व – हाल के रुझान।1,50,000 रुपए।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा, अनुसंधान एवं विकास,भारत में कॉपीराइट कानून का प्रवर्तन, 1,00,000 रुपए।

आयोजित संगोष्ठियाँ/ कार्यशालाएँ

एनसीडब्ल्यू द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय संगोष्ठी, महिला संबंधित कानून। वक्ताओं में उच्च न्यायालय की माननीय न्यायमूर्ति गीता मित्तल, दिल्ली उच्च न्यायालय के माननीय (पूर्व) न्यायमूर्ति मंजू गोयल और विधि संकाय की डीन, प्रो. वेद कुमारी शामिल थीं। 16–17 सितंबर, 2016.

एनसीडब्ल्यू द्वारा वित्त पोषित महिला संबंधित कानून (दूसरी श्रृंखला) पर दो दिवसीय संगोष्ठी। वक्ताओं में माननीय न्यायमूर्ति दीपा शर्मा, दिल्ली उच्च न्यायालय की माननीय न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी और विधि संकाय की डीन, प्रो. वेद कुमारी शामिल थीं। 3–4 फरवरी, 2017.

खेल कानून पर पहली बार संगोष्ठी, 7 मार्च, 2017.

महिला सशक्तिकरणः अलंकारिकता बनाम वास्तविकता पर संगोष्ठी, प्रोफेसर मोहन गोपाल, निदेशक, राजीव गांधी समकालीन अध्ययन संस्थान और प्रो. मंजूला बत्रा, पूर्व डीन, विधि संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, 8 मार्च, 2017.

संगोष्ठी, भारत के संविधान के अंतर्गत भाषण की स्वतंत्रता, श्री सुब्रमण्यम स्वामी, सांसद राज्य सभा, माननीय न्यायमूर्ति इकबाल अहमद अंसारी, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय और प्रोफेसर वेद कुमारी, डीन, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय,10 मार्च, 2017.

यूनिसेफ के सहयोग से एलसी–1 ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन हॉल में पुनर्स्थापन न्याय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया, 5–6 सितंबर 2016.

अनुप्रयुक्त आपराधिक कानून पर कार्यशाला श्रृंखलाः

प्रथम कार्यशाला, जमानत और अग्रिम जमानत। 4 फरवरी, 2017
धारा 482 सीआरपीसी के अंतर्गत दूसरी कार्यशाला, आपराधिक लेखन और याचिका। 25 फरवरी, 2017.
तीसरी कार्यशाला, आपराधिक मामलों में प्रमुख साक्ष्य और परीक्षा, 18 मार्च, 2017.
कार्यशाला, प्रौद्योगिकी, सूचना पूर्वानुमान और आकलन परिषद (टीआईएफएसी) के सहयोग से उन्नत बौद्धिक संपदा अधिकार।
प्रमुख वक्ताओं में सुश्री प्रतिभा एम. सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता, भारत का सर्वोच्च न्यायालय, डॉ. के.एस. कर्दम, वरिष्ठ संयुक्त नियंत्रक, पेटेंट एवं डिजाइन, आईपीओ और श्री जी.आर. राघवेंद्र, संयुक्त सचिव, कानून एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार शामिल थे। उमंग भवन, एलसी–1, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 16 फरवरी, 2017.
कार्यशाला, सर्वश्रेष्ठ व्यावसायिक व्यवहार, श्री अर्नोल्ड हार्वे, एडवोकेट, भारत सर्वोच्च न्यायालय और श्री राजीव मेहता, ग्रोइंडिया डॉट कॉम के सीईओ, एक अग्रणी भर्ती एजेंसी, 9 मार्च, 2017.

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. आलोक शर्माः

शोधपत्र प्रस्तुत किया, भारत में सरोगेसीः कानूनी विकास, सरोगेसी पर, मानव अधिकार रक्षा (अंतर्राष्ट्रीय), भारतीय कानून संस्थान, मई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी – घोंसले में घुसपैठ में,14 मई, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 2015ः उपभोक्ताओं के लिए बेहतर संरक्षण, उपभोक्ता कल्याण पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः मुद्दे, चुनौतियॉ और अवसर, एमएमएच कॉलेज और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, एमएमएच कॉलेज, गाजियाबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 16–17दिसंबर, 2016.

वार्ता, हिंदू महिलाओं के संपदा अधिकार, विभिन्न धर्मों की महिलाओं के संपत्ति और वैवाहिक अधिकारों के संबंध में कानूनों की प्रभावकारिता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, चेतना दिल्ली और राष्ट्रीय महिला आयोग, सरकार भारत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कानून सोसाइटी, नई दिल्ली में संयुक्त रूप से आयोजित, 25 फरवरी, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, महिलाऍ और घरेलू हिंसा, महिलाओं से संबंधित कानूनों पर कानूनी जागरूकता कार्यक्रम, विधि केंद्र– 1, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली सरकार के साथ राष्ट्रीय आयोग महिला, सरकार द्वारा आयोजित, 3–4 फरवरी., 2017.

डॉ. अवेकता वर्मा, शोधपत्र प्रस्तुत किया, भारत में विवाह के खिलाफ अपराध, महिलाओं से संबंधित कानूनों पर कानूनी जागरूकता कार्यक्रम, एलसी –1, कानून संकाय द्वारा महिलाओं के राष्ट्रीय आयोग के सहयोग से, 17 सितंबर, 2016.

डॉ. के. रत्नाबाली, वार्ता, विश्वविद्यालय के अधिनियम, नियम और अध्यादेश का एक परिचय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र में आयोजित विश्वविद्यालय और इसके कॉलेजों के सहायक रजिस्ट्रार/प्रशासनिक अधिकारियों के लिए चार सप्ताह की प्रशिक्षण कार्यक्रम,12 जनवरी, 2017.

डॉ. पी बी पंकजा, शोधपत्र प्रस्तुत किया, महिलाओं के संपत्ति अधिकार – कानूनी अधिकार और सामाजिक बाधाऍ, महिला से संबंधित कानूनों पर कानूनी जागरूकता संगोष्ठी, एलसी –1 द्वारा आयोजित, विधि संकाय (एनसीडब्ल्यू द्वारा प्रायोजित), 16 सितम्बर, 2016.

डॉ. सरबजीत कौर, शोधपत्र प्रस्तुत किया, टॉर्टस् लॉ के अंतर्गत मेडिकल लापरवाही के लिए दायित्वः बदलते न्यायिक रुझान, डॉ. बीआर अंबेडकर, अध्यक्ष, मानव अधिकार और सामाजिक न्याय केंद्र, कानून विभाग, केरल विश्वविद्यालय, केरल द्वारा कानून और चिकित्सा पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी चेयर, 16–17 दिसंबर, 2016.

डॉ. सुनंदा भारतीः
शोधपत्र प्रस्तुत किया, राज्य के हस्तक्षेप के लिए सीमाओं के प्रतिमानः कुछ विचार, पहली एनएलयू जोधपुर–केंद्र – क्या राज्य को नैतिकता लागू करनी चाहिए? विषय पर कानूनी सिद्धांत के लिए एनएलयू जोधपुर–केंद्र का पहला गोल मेज संवर्धन एनएलयू जोधपुर में 1 अप्रैल, 2016 को आयोजित किया गया।

शोधपत्र प्रस्तुत किया, विज्ञापन में भाषण की स्वतंत्रता, ग्रेटर नोएडा के लॉयड्स लॉ कॉलेज में भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीएलईए क्षेत्रीय सम्मेलन (भारतीय कानून आयोग के सहयोग से), 5 नवंबर, 2016.

प्रो. वेद कुमारीः
संसाधन व्यक्ति, सार्क सम्मेलन, भारतीय कानूनी अध्ययन संस्थान, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित। 25–26 फरवरी, 2017.
संसाधन व्यक्ति, तमिलनाडु नेशनल लॉ स्कूल, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में 10–11 फरवरी, 2017 को शिक्षण, अधिगम कार्यविधि पर कार्यशाला।

संसाधन व्यक्ति, एलसी–1, विधि संकाय(एनसीडब्ल्यू द्वारा प्रायोजित), 3–4 फरवरी, 2017 द्वारा आयोजित महिलाओं से संबंधित कानूनों पर कानूनी जागरूकता कार्यक्रम में।
संसाधन व्यक्ति, मद्रास के उच्च न्यायालय में आयोजित बाल संरक्षण और बाल पीड़ितों के राष्ट्रीय सम्मेलन में, 20–22 जनवरी, 2017.

संसाधन व्यक्ति, असम न्यायिक अकादमी, गुवाहाटी के साथ रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा 27–28 अगस्त, 2016 को आयोजित न्यायिक अधिकारियों के लिए मानवीय कानून पर कार्यशाला में।

संसाधन व्यक्ति, झारखंड न्यायिक अकादमी, रांची द्वारा, 18 जून 2016 को आयोजित बाल न्याय और बाल मनोविज्ञान के अंतर्गत किशोर न्याय बोर्ड, प्रधान मजिस्ट्रेट की शक्तियों और जिम्मेदारी पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम में।
20 मई 2016 को लखनऊ में यूनिसेफ के सहयोग के साथ, उत्तर प्रदेश बाल अधिकारों के संरक्षण आयोग द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण के राष्ट्रीय आयोग के समर्थन से आयोजित नए किशोर न्याय अधिनियम पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति।
बाल न्यायालय (बाल देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 के न्यायिक अधिकारियों के लिए विधि संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, द्वारा 1 मई, 2016 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति।

नियुक्ति का विवरण
छात्रों की संख्या और प्रतिशतरू 29 में से 6 नियुक्त (20.6ः)।
(टीआरएस लॉ फर्म,बीएसए लॉ फर्म, मानुपत्र ऑनलाइन, मैनगियम जुरीस लॉ फर्म)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ
विधि केंद्र–1 की कानूनी सेवा सोसाइटी के पास कानून के करीब 200 समर्पित छात्र हैं, जो जनता के बीच कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। सोसायटी स्वतंत्र रूप और डीएसएलएसए (दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण) के सहयोग से भी से कार्य करती है। 1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 के बीच की गई कुछ महत्वपूर्ण विस्तार और आउटरीच गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैंः

दिल्ली के विभिन्न इलाकों में 19 –25 अक्टूबर, 2016 के दौरान आयोजित यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और किशोर अधिकारों की सुरक्षा के निवारण पर सामूहिक कानूनी साक्षरता अभियान।

दिल्ली यातायात पुलिस की मदद से गया और एक गैर सरकारी संगठन बसेरा के सहयोग से दिल्ली में 25 अक्टूबर, 2016 से 7 दिसंबर, 2017 तक यातायात नियम और सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

2–3 नवंबर, 2016 को दिल्ली के विभिन्न इलाकों में, दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के साथ संयोजन में दरवाजे–दरवाजे कानूनी जागरूकता जन अभियान का आयोजन किया गया।

20 नवंबर, 2016 को, उत्तरी दिल्ली के मल्कागंज में, जरूरतमंद लोगों को कानूनी सहायता और सूचना देने के लिए लोगों का कानूनी सहायता अधिकार पर एक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कानूनी सेवा सोसाइटी की स्क्रीट एवं नुक्कड़ नाटक समिति ने तिहाड़ जेल के कैदियों को कानून के अंतर्गत अपने अधिकारों और उपायों के बारे में जागरूक बनाने के लिए 25 नवंबर 2016 को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

कानूनी सेवा सोसायटी के अर्द्धन्यायिक स्वयंसेवकों (पीएलवी) ने साकेत जिला न्यायालय में आयोजित लोक अदालत में भाग लिया। उन्होंने 10 दिसंबर, 2016 को बिल भुगतान, लोक अदालत के विविध प्रकार और प्रक्रिया के संबंध में जरूरतमंद नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर देकर लोक अदालत की कार्यवाही में सहायता की।

अर्द्धन्यायिक स्वयंसेवकों ने कड़कड़डुमा अदालत परिसर में आयोजित लोक अदालत में भाग लिया। उन्होंने जरूरतमंद आगंतुकों को ई–भुगतान, ई–पर्स और ऑनलाइन लेनदेन के फायदे और टीएम और भीम, 9–10 जनवरी, 2017 जैसे लोकप्रिय फोन एप्लिकेशन के उपयोग के बारे में सहायता प्रदान की।

सोसायटी ने डीएलएसए के सहयोग से उत्तर दिल्ली के मलकागंज में पंजीकरण और डिजिटल साक्षरता शिविर का आयोजन किया। अर्द्धन्यायिक स्वयंसेवकों ने पैन, आधार और वोटर आईडी कार्ड जैसे आवश्यक सरकारी दस्तावेजों के बारे में प्रश्नों के उत्तर दिए, इसके अलावा उन्हें सरकार की डिजिटल इंडिया पहल डिजिटल भुगतान, ई–पर्स और ऑनलाइन लेनदेन के उपयोग और लाभ के बारे में सूचित किया। 10–11 जनवरी, 2017.

डीएलएसए के सहयोग से 12 फरवरी, 2017 को पश्चिम दिल्ली के जखीरा के झुग्गी समुदायों में और 26 मार्च, 2017 को रेश्मा शिविर, कीर्ति नगर में मेगा सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संकाय की संख्या

स्थायी – 15

तदर्थ –30

अतिथि –10

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

केंद्र ने संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मिलकर 24 सितंबर, 2016 को उमंग भवन, एलसी –1, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 13वीं युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन किया।

केंद्र ने अपनी खेल समिति की सक्रिय मदद से 24 मार्च 2017 को उमंग भवन, एलसी–आई, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में महिलाओं के लिए आत्म रक्षा तकनीकों पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

एलसी –1 उद्यमशीलता कानून क्लिनिक का उद्घाटन, 16 फरवरी, 2017

एलसी–1 की नई वेबसाइट शुरू की गई है

माननीय कुलपति, प्रो. योगेश त्यागी ने मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति ए.के. पटनायक, जज (सेवानिवृत्त), भारत का सर्वोच्च न्यायालय के साथ 13वीं एलसी –1 एनसीआर मूट कोर्ट प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

***

विधि केंद्र– II

प्रमुख गतिविधि और उपलब्धियाँ

विधि केंद्र – II ने उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया, अर्द्धन्यायिक स्वयंसेवकों को एक संसदीय यात्रा पर भेजा, एक राष्ट्रीय स्तर की मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया।

इसने 100 छात्रों को विज्ञान भवन में मार्च, 2017 में आयोजित राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए भी भेजा। 25 छात्रों ने एनएचआरसी द्वारा 24 और 25 फरवरी, 2017 को तीनमूर्ति भवन में आयोजित बंधुआ श्रम पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। हमारे छात्रों ने विभिन्न मूट न्यायालय प्रतियोगिताओं में भाग लिया और विधि केंद्र–I, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दिल्ली एनसीआर मूट प्रतियोगिता 2017 के विजेता रहे; एसजीटी–इनबा में राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता –2017 में दूसरे स्थान पर रहे तथा और गीता इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ की 7वीं राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता –2017 में सर्वश्रेष्ठ एडवोकेट पुरस्कार प्राप्त किया।

सम्मान /विशिष्टताएँ

डॉ. वागेश्वरी अखिल भारतीय कानून शिक्षक कांग्रेस एसोसिएशन की कोषाध्यक्ष नियुक्त की गईं।

प्रकाशन

आर.अब्बी. (2017). भारत चीन संबंध। दिल्लीः रीडर्स पैराडाइज।

आर.अब्बी. (2017). संयुक्त राष्ट्र संगठनः तीसरी दुनिया के देशों के विकास में इसकी भूमिका। दिल्लीः रीडर्स पैराडाइज।

वी के आहूजा. (2017), नेत्रहीन विकलांगों के लिए प्रकाशित कार्यों तक पहुंच की सुविधा के लिए मारेकेश संधिः वैश्विक पुस्तक अकाल को समाप्त करना। मनोज कुमार सिन्हा और वंदना महलवार (सं,) में, डिजिटल विश्व में कॉपीराइट कानून चुनौतियां और अवसर पृ. 97–107 दिल्लीः स्प्रिंगर और आईएलआई

वी के आहूजा. (2017). कॉपीराइट संरक्षण को ध्यान में रखते हुए शिक्षाः समकालीन विकास। टीएसएन शास्त्री और दुर्गामिनी पटेल, कानून, विकास और न्याय में, पृ. 223–235 महाराष्ट्रः पुणे विश्वविद्यालय

वी के आहूजा, वी. आर्चा (2017) भारत में स्वास्थ्य के अधिकारः संवैधानिक, मानव अधिकार और आईपीआर प्रावधानों का विश्लेषण। विजेंद्र कुमार व अन्य में, कानून, न्यायपालिका और शासन पृ. 291–305 दिल्लीः यूनिवर्सल लेक्सिस नेक्सिस

वी. देसवाल, (2016), कानून के छात्रों के बीच न्याय की भावना पैदा करना कानूनी शिक्षकों की जिम्मेदारी। डॉ. बदरुद्दीन और डॉ. ए एस दलाल (सं.) में, भारत में कानूनी शिक्षा और कानून में कैरियर। पृ. 9–14 हरियाणाः एमडी विश्वविद्यालय

वी. देसवाल, (2016), महिला वेश्यावृत्ति और कानून, मॉड्यूल 19, महिलाएँ और कानून, महिला अध्ययन के लिए पेपर 7, ई–पाठशाला, यूजीसी (एमएचआरडी का एनएमईआईटीटी मिशन), भारत सरकार, http://epgp.inflibnet.ac.in/ahl.php?csrno=456.

ए. झा, (2016), भारत के विज्ञान, प्रौद्योगिकी (परमाणु ऊर्जा) और पर्यावरण शासन पर फुकुशिमा प्रभाव क्या है? रिचर्ड हिंडमार्श और रेबेका प्रीस्टली (सं.) में, फुकुशिमा प्रभावः राष्ट्रीय इतिहास, प्रतिनिधित्व और बहस, पृ.101–120 लंदन और न्यू यॉर्क रूटलेज

एस. मेहलावत, (2016) सामान्य लेकिन विभेदित उत्तरदायित्व के अंतर्गत जलवायु परिवर्तन की जिम्मेदारी नहीं लेने पर पुनर्दृष्टि। प्रो. उषा टंडन (संपा.) में, जलवायु परिवर्तनः कानून, नीति और शासन। पृ. 31–45,। दिल्लीः पूर्वी पुस्तक कंपनी।

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. किरण गुप्ता और डॉ. वागेश्वरी देसवाल द्वारा यूजीसी पाठ्यक्रम के लिए ई–पाठशाला (2014–17), महिला और कानून पत्र पर लिंग अध्ययन।

आयोजित संगोष्ठियाँ

डॉ. बी आर अम्बेडकर की 125वीं जयंती पर वाइस रीगल लॉज, दिल्ली विश्वविद्यालय में संगोष्ठी, संयोजकः डॉ महावीर सिंह, 14 अप्रैल, 2016.

एडीयोपेंट (एडीवाईओपीएएनटी) लीगल के साथ सहयोग में पॉच आपराधिक कानून कार्यशालाएँ (प्रतिदिन एक), आयोजन समितिः डॉ. किरण गुप्ता और डॉ. वागेश्वरी देसवाल, जनवरी–अप्रैल 2017.

महिला आयोग द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय को सौंपी गई परियोजना के अंतर्गत वैवाहिक अधिकारों के पुनर्निर्माण पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला। संयोजक डॉ. पिंकी शर्मा, 25 मार्च, 2017 को।

आयोजित सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत की आजादी के सत्तर वर्ष बाद आर्थिक सामाजिक न्यायरू घरेलू और वैश्विक चुनौतियॉ, संयोजकः डॉ. महावीर सिंह और डॉ. अनुपम झा, 18–20 नवंबर, 2016.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. अनुपम झाः
शोधपत्र प्रस्तुत किया, पेरिस समझौता और भारतः क्रीड़ा या गंभीर गठबंधन, 45वें वार्षिक सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय कानून की भारतीय सोसाइटी, नई दिल्ली, 7 मई, 2016.
व्याख्यान, राज्य उत्तराधिकार और राज्य मान्यता, ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय कानून की भारतीय सोसाइटी, नई दिल्ली, 2 जून, 2016.
व्याख्यान, अतिरिक्त न्यायिक निष्पादन और प्रत्यायोजित लोप, एनएलयू दिल्ली, द्वारका, नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2016.

डॉ. किरण गुप्ताः
व्याख्यान, भारत में चुनावः हिंदी की भूमिक और चुनाव सुधार, विधि भारती परिषद द्वारा आयोजित संगोष्ठी, 9 मार्च, 2017.
संसाधन व्यक्ति, मोटर दुर्घटनाओं के संदर्भ में अत्याचार संबंधी दायित्व पर सम्मेलनः एमएसीटी में लापरवाही का अन्याय, दिल्ली न्यायिक अकादमी में, 18 फरवरी, 2017.

संसाधन व्यक्ति, दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा मुस्लिम पर्सनल लॉ पर आयोजित, कार्यशाला, 4 फरवरी, 2017.

संसाधन व्यक्ति, व्याख्यान, श्रीलंका और भारत में पारिवारिक कानूनः एक तुलनात्मक अध्ययन, दिल्ली न्यायिक अकादमी में 12 दिसंबर, 2016 को श्रीलंका के न्यायिक अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में ।

संसाधन व्यक्ति, 27 जुलाई 2016, 31 अगस्त, 2016, 9 नवंबर, 2016, 8 फरवरी, 2017, 15फरवरी, 2017, 21मार्च, 2017 और 22 मार्च, 2017 को आईआईपीए द्वारा आयोजित चिकित्सा और उपभोक्ता संरक्षण में।

व्याख्यान, अन्याय (कोर्ट) में प्रशासन का दायित्व, लोक प्रशासन में आईआईपीए द्वारा आयोजित 42वां उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम, 31 अगस्त, 2016.

व्याख्यान, विरासत से संबंधित मुद्दे, वैवाहिक संपदा और भरण–पोषण, दिल्ली न्यायिक अकादमी, 16 सितंबर 2016.

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए), नई दिल्ली द्वारा आयोजित सीपीडब्ल्यूडी ईई (सिविल और इलेक्ट्रिकल) के लिए उच्च प्रशासन और कानूनी मामलों पर व्याख्यान, सरकारी संगठनों का उत्तरदायित्व, 21 जून, 2016

व्याख्यान, रखरखाव और विरासत कानून और उनकी व्याख्याएं तथा महिलाओं के खिलाफ अपराध और महिलाओं के संरक्षण के कानून, प्रशिक्षण कार्यक्रम, एचआईपीए, 18 जून, 2016 को राज्य सरकार के कानून अधिकारियों की (अतिरिक्त, सहायक और उप–महाधिवक्ता) की पेशेवर दक्षता बढ़ाना।

व्याख्यान, जटिल दायित्वः टोर्टस के अंतर्गत एक अवलोकन और सरकारी उत्तरदायित्व, आईटीएस और बीडब्ल्यूएस ग्रुप–ए अधिकारियों के लिए फाउंडेशन कोर्स, नीति अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय दूरसंचार संस्थान, प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, 27 मई, 2016

व्याख्यान, उपभोक्ता मामलों के विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित उपभोक्ता कल्याण पर प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए चिकित्सा लापरवाही और उपभोक्ता, 19वां प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम ।

डॉ. शबनम महलावतः

शोधपत्र प्रस्तुत किया, पुलिस हिरासत में इकबालिया बयान और मानव अधिकार, न्यायधीशों का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मुंबई, 26 मार्च, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, मानहानि और प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायधीशों का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मुंबई, 26 मार्च, 2017.

विशेष व्याख्यान भारतीय कानून संस्थान, नई दिल्ली में 8 फरवरी, 2017 को, ओजोन परत का विघटन।

शोधपत्र प्रस्तुत किया, भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत वैधता, विधि संकाय, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा में 20 सितंबर 2016 को आयोजित लिव–इन संबंधों के सामाजिक–कानूनी प्रभावों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

2017. मुक्ति पॉलिटेक्निक कॉलेज, गोहाना, हरियाणा में सितंबर 2016 और जनवरी 2017 में पर्यावरण और उपभोक्ता जागरूकता पर बीस व्याख्यान।

डॉ. वागेश्वरी देसवालः

शोधपत्र प्रस्तुत किया, हरियाणा में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के सीआरएस संस्थान, एमडीयू, रोहतक द्वारा 6 दिसंबर, 2016 को आयोजित लिंग और समाज पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

शोधपत्र प्रस्तुत किया, लिव–इन–रिश्तों के मामले में बलात्कार, कानून के संकाय, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक, 20 सितंबर 2016 द्वारा आयोजित लिव–इन संबंधों के सामाजिक–कानूनी प्रभावों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी,

शोधपत्र प्रस्तुत किया, कार्यस्थल पर लिंग भेदभाव– एक गंभीर वास्तविकता, भारत में कॉर्पोरेट क्षेत्रः सामाजिक–कानूनी मुद्दे और चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 27 अप्रैल 2016 को यूआईएलएमएस, गुड़गांव, द्वारा आयोजित ।

विशेष व्याख्यान, एसिड हमले के शिकार लोगों के लिए एनएएलएसए योजना, डीएसएलएसए अजमेर और एमडीएस विश्वविद्यालय, अजमेर द्वारा मार्च 2017 में आयोजित संगोष्ठी में।

विशेष व्याख्यान, लिंग न्याय, यूजीसी प्रायोजित बीपीएसडब्ल्यू विश्वविद्यालय, खानपुर में आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दौरान, 27 जुलाई 2016.

दो व्याख्यान, कार्यकारी मजिस्ट्रेटों की भूमिकाएं और उत्तरदायित्व, एचसीएस अधिकारियों के लिए, एचआईपीए, गुड़गांव में 9 और 16 दिसम्बर, 2016 को ।

आमंत्रित वक्ता, फैसले कार्यक्रम में, 6 जनवरी, 2017 को, महिला यौन उत्पीड़न व कानून पर लोकसभा टेलीविजन पर विषय विशेषज्ञ।

आमंत्रित वक्ता, विषय विशेषज्ञ, भारत में अवमानना के मामले में कानून, कार्यक्रम अंतर्दृष्टि में, 15 फरवरी, 2017

आमंत्रित वक्ता, विषय विशेषज्ञ, भारत में अदालत की अवमानना से संबंधित कानून, अंतर्दृष्टि कार्यक्रम में, 15 फरवरी, 2017

आमंत्रित वक्ता, 13 जनवरी, 2017 को फैसले कार्यक्रम में, विषय विशेषज्ञ, धर्म और राजनीति।

डॉ. वी के आहूजाः

व्याख्यान, राज्य की जिम्मेदारी पर आईएलसी के ड्राफ्ट आलेखः इसके कार्यान्वयन के लिए बाधाएँ, विधि विभाग, सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में 24 सितंबर, 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कानून के क्षितिज के विस्तार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

व्याख्यान, दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए प्रकाशित कार्यों तक पहुँच, कॉपीराइट और संबंधित अधिकारों को समझने के लिए भारतीय कानून संस्थान द्वारा 24 नवंबर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित ।

विशेष व्याख्यान, भौगोलिक संकेत भारतीय कानून संस्थान, 19 अप्रैल, 2016 के नई दिल्ली में।

विशेष व्याख्यान, गैर–पारंपरिक व्यापार चिह्न, एम.पी. लॉ कॉलेज, औरंगाबाद, 27 जनवरी, 2017

विशेष व्याख्यान, राज्य का उत्तरदायित्व, एम.पी. लॉ कॉलेज, औरंगाबाद, 28 जनवरी, 2017

विशेष व्याख्यान, सागर का कानूनरू एक अवलोकन, एम.पी. लॉ कॉलेज, औरंगाबाद, 28 जनवरी, 2017

व्याख्यान, भारत में स्वास्थ्य का अधिकार, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में यूजीसी रिफ्रेशर कोर्स, 25 जून, 2016.

व्याख्यान, मराकेश संधिरू शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित करना, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में यूजीसी रिफ्रेशर कोर्स में वीआईपीएस में 25 जून 2016.

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

कानूनी सहायता सोसाइटी, लॉ सेंटर–2 और डीएसएलएसए ने दिल्ली में विभिन्न सरकारी स्कूलों में 15–18 के आयु वर्ग के छात्रों के बीच जन कानूनी साक्षरता शिविर का आयोजन किया। जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य के साथ एलडी न्यायिक अधिकारी, वकीलों के बार, वकीलों के पैनल, वकीलों, शिक्षकों, कानूनी शिक्षाविदों, बाल मनोवैज्ञानिकों और परा लीगल स्वयंसेवकों ने 17–27 अक्टूबर, 2017 को सरकारी स्कूलों का दौरा किया।

31 अक्टूबर, 2016 को दिल्ली राज्य कानूनी सेवा अधिकारियों के संरक्षण में, विधि केंद्र–2 के छात्रों ने दूसरे छात्रों के सहयोग से बुराड़ी में सफलतापूर्वक कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया ।

डीएसएलएसए द्वारा पूर्वोत्तर जिले में कानूनी सहायता सोसाइटी के सहयोग से दो दिन का द्वार–द्वार, जन अभियान आयोजित किया गया था, जिसमें विधि केंद्र–2 के छात्रों ने भजनपुरा में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों में भाग लिया और गोकुलपुरी में 2–3 नवम्बर 2016 को नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया।

विधि केंद्र–द्वितीय के परा लीगल स्वयंसेवी (पीएलवी) द्वारा विधि केंद्र–द्वितीय के दूसरे छात्रों के साथ 6 नवंबर 2016 को लाडो सराय में (मेहरौली के पास), कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया गया।

डीएएसएलएसए द्वारा कानूनी सहायता सोसायटी के सहयोग से 15–16 नवंबर, 2016 को परा लीगल स्वयंसेवी (पीएलवी) प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था जिसमें 173 छात्रों ने भाग लिया और इसे सफलतापूर्वक पूरा किया था।

विधि केंद्र –2 के लीगल सर्विसेज क्लिनिक के अवसर पर 1 फरवरी, 2017 को विमुद्रीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

हमारी सरकार द्वारा विमुद्रीकरण के बाद नकद रहित लेनदेन के अभियान की शुरुआत के अनुसरण में गोपालपुर और राजकुमारी पार्क में डिजिटल इंडिया अभियान का आयोजन किया गया था।

कानून केंद्र –2 के लीगल सर्विसेज क्लिनिक आयोजित किया गया जिसमें 7–8 फरवरी 2017 को उन्हें नकद रहित लेनदेन के महत्व और विधि के बारे में जानकारी दी।

19 फरवरी, 2017 को दक्षिण पूर्व डीएलएसए के संरक्षण के अंतर्गत, विधि केंद्र–2 के छात्रों ने दूसरे छात्रों के सहयोग से, जाकिर नगर में सफलतापूर्वक कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया।

डीएसएसएलएसए ने कानूनी सहायता सोसायटी के पीएलवी के साथ 50 अर्द्धन्यायिक स्वयंसेवकों/विधि केंद्र –2 के छात्रों ने केंद्रीय जेल नंबर 1, 3 और 7, का दौरा किया, जिसमें 3 मार्च 2017 को कैदियों को फौजदारी कानून के महत्वपूर्ण पहलू के बारे में जानकारी दी गई।

कानूनी सहायता सोसायटी ने 15 मार्च 2017 को जागरूकता बढ़ाने के लिए सरोजिनी नगर बाजार में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया।

संकाय की संख्या
स्थायी – 9
तदर्थ – 21
अतिथि – 7

***

प्रबंधन अध्ययन संकाय

प्रमुख गतिविधि एवं उपलब्धियाँ

1954 में अर्थशास्त्र विभाग के एक हिस्से के रूप में स्थापित, प्रबंधन अध्ययन संकाय (एफएमएस) बाद में एक पूर्ण संकाय बन गया और यह प्रबंधन शिक्षा में एक औपचारिक डिग्री कार्यक्रम शुरू करने वाला देश का पहला संस्थान था। 1967 में अपना प्रमुख कार्यक्रम, एमबीए (पूर्णकालिक) शुरू करने के बाद से एफएमएस को देश के पाँच शीर्ष व्यवसायिक स्कूलों में से एक का दर्जा दिया गया है। वर्तमान में, एफएमएस प्रबंधन में एमबीए कार्यकारी, एमबीए कार्यकारी (स्वास्थ्य देखभाल प्रशासन) और पीएच.डी. पाठ्यक्रम चला रहा है।

इसके संकाय सदस्यों ने शोध पत्र, किताबें, मामले प्रकाशित किए हैं। अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है और समीक्षाधीन अवधि के दौरान विभिन्न संगठनों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम आयोजित किए हैं तथा कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

छात्रों का निकाय, प्रबंधन विज्ञान संघ, देश के विभिन्न बी–स्कूलों के प्रबंधन के छात्रों के लिए सक्रिय रूप से अतिथि व्याख्यान, शैक्षिक कार्यशालाएँ, सेमिनार, कॉलोकिया और खेल प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन कर रहा है। एफएमएस छात्रों ने कई शिक्षाविदों, व्यापार योजनाओं के साथ–साथ अन्य संस्थानों और कॉरपोरेट क्षेत्र द्वारा आयोजित किए गए अध्ययनों में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बी–स्कूल प्रतियोगिताएँ भी जीती हैं।

प्रकाशन

ए.के.बर्धन एवं एस.पटनायक (2017). नकारात्मक महत्वपूर्ण घटनाओं पर संचालन और विपणन के बीच पार–कार्यात्मक एकीकरण का प्रभाव। *समग्र गुणवत्ता प्रबंधन और व्यवसाय उत्कृष्टता* 28(11–12), 1357–1377.

हरप्रीत कौर एवं सिमरित कौर (2017). जलवायु परिवर्तन, कृषि उत्पादन और खाद्य सुरक्षाः भारत के लिए अर्थमितीय प्रमाण। *व्यापार विचार की पत्रिका,* 7 (अप्रैल 2016—मार्च 2017), 44—67.

एस.कौर एवं एच.कौर (2016) दक्षिण एशिया में परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा और जल प्रबंधनः क्षेत्रीय सहयोग के लिए निहितार्थ। *उभरते अर्थव्यवस्था अध्ययन* 2(अंक 1), 1—18.

एस.कौर एवं एस.मलिक (2017). विमुद्रीकरणः मास्टर गुगली या नो बॉल। वित्तीय एक्सप्रेस में राय अनुच्छेद (सह—संपा.) http://www.financialexpress.com/opinion/demonetisation-why-narendra-modis-note-ban-move-was-necessary/ 507513/, एवं at http://epaper.financialexpress.com/1070701/Indian-Express/Jan.-14, -2017#page/9/1
से उद्धृत।

एस.नागपाल एवं जी.गुप्ता (2016). हरित बनने के माध्यम से स्थिरताः सेवा फर्मों का एक अनुभवजन्य अध्ययन। *एफ्युलजेंस,* 14(2), 37—48.

नारायण एवं ए.रानी (2017). विमुद्रीकरण के बाद भारतीय शेयर बाजार की स्थिरता। *व्यापार विश्लेषक,*37(2), 39—56.

नारायण, एन.के.निगम एवं पी.पाण्डे (2016). भारतीय बाजार में निहित अस्थिरता के व्यवहार और निर्धारक। *प्रबंधन अनुसंधान में प्रगति की पत्रिका,* 13(3), 271—291.

ए.रानी, नारायण एवं एस. धवन,(2016). भारतीय कंपनियों के लाभ उठाने के फैसले के निर्धारकः एक अनुभवजन्य अध्ययन। *व्यापार विश्लेषक,* 37(1), 19—30.

संजीव, अपर्णा एवं एस. कौर (2017). व्यापक आर्थिक ढॉचे में ईंधन—वित्त संलिप्तता की जॉच करनाः भारत से अर्थमितीय सबूत। *सामाजिक—राजनीतिक अध्ययन की दक्षिण एशियाई पत्रिका* (एसएजेओएसपीएस), 17(2), (जनवरी—जून 2017), 87—97.

ए.के.शर्मा, ए.बर्धन, वी.गोयल, एस.श्रीधर, एस.अरोड़ा एवं जे.अहमद (2016). एक कमजोर संसाधन वाली व्यवस्था में घरों में जन्म के निर्धारकों को समझाने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण। *स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य की भारतीय पत्रिका,* 2(1), 11—28.

ए.वर्मा एवं जी.गुप्ता (2016). विदेशी ब्रांड और भौतिकवाद की ओर अग्रसरताः एक मात्रात्मकता। *एशिया व्यवसाय अध्ययन की पत्रिका,* 11(अंक 1), विशेष अंकः उभरते राष्ट्रों की ब्रांडिंगः एक बहुआयामी परिप्रेक्ष्य, (http://www.emeraldinsight.com/action/showPublications?pubType=journal से प्रकाशन—पूर्व संस्करण)

अनुसंधान परियोजनाएँ

हरित विपणन प्रथाएँः विनिर्माण क्षेत्र की चयनित कंपनियों का एक अध्ययन, 2015—16, अनुसंधान एवं विकास अनुदान, अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय, 60,000रुपए।

आयोजित संगोष्ठी संगठित

ए.के. ब़र्द्धन, ए.शर्मा और के.कुमार, जलग्रहण क्षेत्र की आबादी के विकल्प व्यवहार के आधार पर स्वास्थ्य सुविधा स्थान का मॉडल, इंफार्म्स की वार्षिक बैठक, नैशविले, टेनेसी, संयुक्त राज्य अमरीका में सूचित इसके अलावा एक तकनीकी सत्र, स्वास्थ्य देखभाल, सार्वजनिक– I) 13–16 नवंबर 2016.

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अंतर्राष्ट्रीय

प्रो.सिमरित कौर

सेंटर फॉर पॉलिसी डायलॉग (सीपीडी) बांग्लादेश द्वारा15–16 अक्टूबर 2016 को ढाका, बांग्लादेश में आयोजित नौवें दक्षिण एशियाई आर्थिक सम्मेलन (एसएईएस –IX) में *दक्षिण एशिया में असमानता को कम करनाः महत्वपूर्ण मुद्दे और नीति विकल्प* विषय पर विशिष्ट अध्यक्ष के रूप में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया। नौवें एसएईएस का व्यापक विषय था 2030 में दक्षिण एशिया की पुनर्कल्पना। वक्ता ने उस वार्ता को एक शोधपत्र में परिवर्तित किया जो अभी अप्रकाशित है।)

सेंट जॉन विश्वविद्यालय (मैनहटन कैम्पस), संयुक्त राज्य अमेरिका में 29–31 जुलाई, 2016 को आयोजित विश्व वित्त सम्मेलन– 2016 में *विकासशील एशिया के बुनियादी ढॉचे में सार्वजनिक निजी भागीदारी की वित्तीय चुनौतियों को संबोधित करना* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ए.के.बर्धन, ए.शर्मा, और के.कुमार, नैशविले, टेनेसी, यू.एस.ए. में 13–16 नवंबर, 2016 को आयोजित इंफार्म्स की वार्षिक बैठक में एक तकनीकी सत्र स्वास्थ्य देखभाल I की अध्यक्षता की।

राष्ट्रीय

प्रो .सिमरित कौर

भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद द्वारा 23 मार्च, 2017 को आयोजित *बिग डेटा की संस्थागत चुनौतियॉं, विदेश में व्यवसाय* करना पर सम्मेलन की अध्यक्षता की।

भारत पर्यावास केन्द्र, नई दिल्ली में 2–3 मार्च, 2017 को आयोजित प्रतिस्पर्धा कानून का अर्थशास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन में *भारत के ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल उद्योग में विलय और अधिग्रहण का अर्थशास्त्रः* प्रतिस्पर्धा नीति पर प्रभाव पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पैनलिस्ट ने भारत पर्यावास केन्द्र, नई दिल्ली, 2–3 मार्च, 2017 में 2–3 मार्च, 2017 को आयोजित प्रतिस्पर्धा कानून का अर्थशास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन में *फ्रंटियर ऑफ एंटी–ट्रस्ट अर्थशास्त्रः डिजिटल बाजार और डेटा प्रेरित नवाचार* पर व्याख्यान दिया।

प्रतिष्ठित संकाय के रूप में आमंत्रित, *एसओई की उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता पर आर्थिक सुधार के प्रभाव* पर बात की, एपीएसई प्रशिक्षण केंद्र, स्कोप मीनार, दिल्ली में 20–25 मार्च, 2017 को केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के कार्यकारी अधिकारियों को संबोधित किया।

वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया, *भारत में विमुद्रीकरण और उदारीकरण के युग में पीएसयू की भूमिका*, स्कोप द्वारा, गुड़गॉव रोड, नई दिल्ली में 27 फरवरी, 2017 को आयोजित भारतीय विमानपत्तन अकादमी के कार्यकारी विकास कार्यक्रम में।

श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स द्वारा 15 फरवरी, 2017 को विमुद्रीकरण पर पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित।

आज की अर्थव्यवस्था, दूरदर्शन द्वारा लाइव कार्यक्रम में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया। https://youtu.be/09OUcx-DkDQ. . और https://www.youtube.com/watch?v=09OUcx-DkDQ&index=56&list=UUKwucPzHZ7zCUIf7If-Wo1g. पर ऑनलाइन। चर्चा 27 जनवरी, 2017 को प्रसारित की गई थी।

सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की स्कोप अकादमी (एससीओपीई–एपीएसई) द्वारा एपीएसई प्रशिक्षण केंद्र, स्कोप मीनार, दिल्ली, 28 नवम्बर – 3 दिसम्बर में आयोजित *नए आर्थिक सुधारों के संदर्भ में एसईओ के निजीकरण* पर बोलने के लिए अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की स्कोप अकादमी (एसईसीओपीई दृएपीएसई) द्वारा प्रशिक्षण केंद्र, स्कोप मीनार, दिल्ली में 27 जुलाई, 2016 को आयोजित *नए आर्थिक सुधारों के संदर्भ में पीएसयू के भविष्य* पर बात करने के लिए अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

एस.के.जैन, जी.गुप्ता एवं एस.जैन, *ग्राहक संतुष्टि और खरीदारी व्यवहार पर खुदरा स्टोर के लक्षणों और सेवा की गुणवत्ता का प्रभावः* एक एसईएम विश्लेषण, भारतीय खुदरा बिक्री पर भारतीय खुदरा बिक्री सम्मेलनः क्या यह प्रयास करेगा या कामयाब होगा? अम्बेडकर विश्वविद्यालय, 26–27 फरवरी 2016.

एस.नागपाल एवं जी.गुप्ता. *हरित विपणन अभ्यास और वित्तीय स्थिरताःचयनित सेवा फर्मों का एक आकलन*, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सतत व्यापार मॉडलः अभिनव रणनीतियॉ और व्यवहार, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 16–17 मार्च 2016.

ए.वर्मा एवं जी.गुप्ता, *विदेशी ब्रांड नामों के लिए खरीद प्राथमिकताः एक खोजी अध्ययन* परिप्रेक्ष्य, ब्रांड प्रबंधन पर सम्मेलन(सीबीएम2016), आईआईटी–दिल्ली, 16–17 अप्रैल 2016.

जी.गुप्ता

हरित पी की और स्थिरताः विनिर्माण फर्मों का प्रदर्शन आकलन, पॉचवॉ वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन, स्थिरता के लिए आरंभः पहल और चुनौतियॉ, वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 4–5 नवंबर, 2016.

सतत पर्यटनः पर्यटकों की जागरूकता और पर्यावरण–अनुकूल व्यवहार को समझना, विपणन में उभरते मुद्दे और वर्तमान कॉर्पोरेट परिदृश्य में मानव संसाधन, दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 8 नवंबर, 2016.

हरित विपणन मिश्रणः स्थिरता का मंत्र, विपणन में उभरते मुद्दे और वर्तमान कॉर्पोरेट परिदृश्य में मानव संसाधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन, दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 8 नवंबर, 2016.

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन
राष्ट्रीय एमओयू–कैट–2016

नियुक्ति के विवरण

नियुक्त किए गए छात्रों की संख्याः 418/ 100%

कैंपस भर्ती के लिए ने वाली कंपनियों की संख्याः 130

प्रदत्त एम.फिल./ पीएच.डी. डिग्रियॉ

पीएच.डी. — 16

संकाय की संख्या

— 26

***

गणितीय विज्ञान संकाय

कंप्यूटर विज्ञान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियॉ

पाठ्यक्रम**:** यह विभाग स्नातकोत्तर डिग्री के दो पाठ्यक्रमों को चला रहा है– एमसीए और एम. एससी कंप्यूटर विज्ञान। विभाग ने वर्ष 1982 में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन (एमसीए) पाठ्यक्रम और वर्ष 2004 में एमएससी कंप्यूटर विज्ञान पाठ्यक्रम शुरू किया था जिसका लक्ष्य कंप्यूटर विज्ञान में छात्रों की वास्तविक दक्षता को विकसित करना और विकास संबंधी कार्यों की तैयारी करना एवं अनुसंधान के क्षेत्र में चुनौतियों से निपटना था।

अनुसंधानः इसके अतिरिक्त विभाग का कंप्यूटर विज्ञान की विभिन्न शाखाओं (कृत्रिम बुद्धि, समानांतर संगणना, डाटाबेस, डाटा माइनिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर ग्राफिक्स, नेटवर्किंग, वेब टेक्नोलॉजी, सूचना सुरक्षा, एग्लोरिथिम और बायोइंफोर्मेटिक्स) में अनुसंधान की गहन अभिरूचि रही है और यह डॉक्टर ऑफ फिलॉस्फी (पीएचडी) पाठ्यक्रम की सुविधा भी प्रदान करता है जिसका लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधानकर्ताओं को तैयार करना है। वर्तमान में इस विभाग में पीएच.डी. के लगभग 53 छात्र हैं और वर्ष 2016–17 में छह छात्रों को डिग्री प्रदान किया गया है। एमएससी अनुसंधान की 15 परियोजनाओं को शुरू किया गया था इनमें से कुछ प्रकाशन के विभिन्न चरणों में हैं।

नियोजनः आमेजन, ब्लेकरॉक, नेशनल इंस्ट्रुमेंट्स, सुमोलॉजिक, मार्गन स्टेन्ली, नागारो, थोरोगुड, एकोलाइट, एरिस्टोक्रेट जैसी नामी सॉफ्टवेयर कंपनियों ने कैंपस नियोजन प्रक्रिया में भाग लिया। न्यूनतम और अधिकतम वेतन पैकेज 3.5 लाख रूपए प्रतिवर्ष से 16 लाख रूपए प्रतिवर्ष था।

छात्रों की गतिविधियॉः कंप्यूटर विज्ञान विभाग के छात्रों द्वारा ग्यारहवॉ वार्षिक तकनीकी उत्सव 'संकलन' का आयोजन किया गया। इस उत्सव में भारत भर के महाविद्यालयों से कंप्यूटर विज्ञान के 400 छात्रों ने भाग लिया था।

प्रकाशन

जर्नल लेखः

वी. जिन्दल, पी. बेदी (2017)। रिड्यूसिंग वेटिंग टाइम विद पैरेलल प्रीइम्पटिव एग्लोरिथिम इन वेनेट्स। *वेहेकुलर कम्युनिकेशन एल्शवियर, 7,* 58–65 (इंपेक्ट फैक्टरः 5.108)

वी. जिन्दल, पी. बेदी (2017)। प्रीइम्पटिव एमएसीओ (एमएसीओ–पी) एग्लोरिथिम फॉर रिड्यूसिंग ट्रेवेल टाइम विद इन वेनेट्स। *एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंश,* टेलर एंड फ्रेंसिस 31 (2), 174–196 (इंपेक्ट फैक्टरः 0.652)

शर्मा, सी., बेदी, पी (2017). सीसीएफआरएस– कम्युनिटी बेस्ड कोलोबोरेटिव फिल्टरिंग रेकोमेंडर सिस्टम, आईएसटीए, 2016, *जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम,* 32(4), 2987–2995. आईएसओ प्रेस, नीदरलैंड्स (इंपेक्ट फैक्टरः 1.261)।

गौतम, ए., बेदी, पी., (2017). आईएसटीए 2016, डेवलपिंग कंटेंट बेस्ड रेकमेंडर सिस्टम यूजिंग हडूप मैप रिड्यूस। *जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम, 32*(4), 2997– 3008. आईएसओ प्रेस, नीदरलैंड्स (इंपेक्ट फैक्टरः 1. 261).

वशिष्ठ, पी., बेदी, पी. (2017). ए फजी हाइब्रिड रेकमेंडर सिस्टम, *जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम,* 1–16. आईओएस प्रेस.(इंपेक्ट फैक्टरः 1.261)

जिंदल, पी., बेदी, पी. (2016). हाई परफोर्मेंश एडॉप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल फॉर एफिशिएंट रिस्पांस इन वेहिकूलर एड हॉक नेटवर्क. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटेशनल साइंस एंड इंजीनियरिंग,* इंडर साइंस पब्लिशर्स (प्रेस में)

बेदी, पी., अग्रवाल, एस., सिंह, आर. (2016). ट्रस्ट एंड रेप्युटेशन बेस्ड मल्टी–एजेंट रेकमेंडर सिस्टम. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्युटेशनल साइंस एंड इंजीनियरिंग,* इंडर साइंस पब्लिशर्स (प्रेस में).

चावला, एस., श्रीवास्तव, एस., एंड बेदी, पी. (2016). गोल्स एंड सेनारियो बेस्ड वेब रिक्वारमेंट्स इंजीनियरिंग. *कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, 31*(1), 33–51

बेदी, पी. (2016). वेहिकूलर एड हॉक नेटवर्क– इंट्रोडक्शन, स्टैंडर्ड, राउटिंग प्रोटोकॉल्स एंड चैलेंजेज. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर साइंस इश्यूज (आईजेसीएसआई).* 13(2), 44–55. आईएसएसएनः 1694–2174.

जिंदल, वी., बेदी, पी., (2016). रिड्यूसिंग ट्रेवेल टाइम इन वेनेट्स यूजिंग एमएसीओ विद सीयूडीए ऑन जीपीयू. *जर्नल ऑफ नेटवर्क एंड इन्नोवेटिव कंप्यूटिंग (जेएनआईसी).* 4(1), 200–208. आईएसएसएनः 2160–2174

शर्मा, एन.के., गौर, वी., बेदी, पी., (2016). सेफगार्डिंग बायर्स विद अटैक– रेसिलियंट रेप्युटेशन पैरामीटर्स. *जर्नल ऑफ थियोरेटिकल एंड एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स रिसर्च (जेटीएईआर),* 11 (1), 46–66 आईएसएसएन 0718–1876

बेदी, पी., शर्मा, सी. (2016). कम्युनिटी डिटेक्शन इन सोशल नेटवर्क. *विले इंटरडिसिप्लिनरी रिव्यूः डाटा माइनिंग एंड एक्नॉलेज डिस्कवरी,* 6(3), 115–135. (इम्पेक्ट फैक्टर 2.111)

भटनागर, वी., कौर, एस., सक्सेना, आर., खन्ना, डी. (2017), डीएएससीः डाटा अवेयर एग्लोरिथिम फॉर स्केलेबल क्लस्टरिंग. *नॉलेज एंड इंफार्मेशन सिस्टम,* 50 (3), 851–881 (आईएफः 2.204)

भारद्वाज, एम., भटनागर, वी., शर्मा, के. (2016), कॉस्ट इफेक्टिवनेश ऑफ क्लासिफिकेशन एनसेम्बलस. *पैटर्न रिकग्निशन 57,* 84–96, (आईएफः 4.582)

सम्मेलन प्रकाशनः

बेदी, पी., ऋचा, अग्रवाल, एस. के. और भसीन, वी. (2016) ईएलएम बेस्ड इंप्युटेशन–बुस्टेड प्रोएक्टिव रिकॉमेंडर सिस्टम. इन प्रोसिडिंग आईसीएसीसीआई 2016– इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन *एडवांसेस इन कंप्युटींग, कम्युनिकेशन्स एंड इंफार्मेटिक्स,* जयपुर, भारत, सितम्बर 21–24, 2016ः 80–85. अमेरिकाः आईईईई एक्सप्लोर.

गौतम, ए., चौधरी, पी., सिंधवानी, के. और बेदी, पी., (2016). सीबीसीएआरएसः कंटेंट बूस्टेड कांटेक्स्ट– एवेयर रेकमेंडेशन्स यूजिंग टेंसर फेक्टोराइजेशन, इन प्रोसिडिंग आईसीएसीसीआई 2016– इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन *एडवांस इन कम्पयुटिंग कम्युनिकेशन्स एंड इंफार्मेटिक्स,* जयपुर, भारत, 21–24 सितम्बर, 2016ः 86–92. अमेरिकाः आईईईई एक्सप्लोर.

सिंघल, ए., बेदी, पी. (2016). लोकल बाइनरी पैटर्न ऑपरेटर बेस्ड स्टेनोग्राफी इन वेलवेट डोमेन, इन प्रोसिडिंग्स आईसीएसीसीआई 2016– इंटरनेशनल कांफ्रेंस *ऑन एडवांसेस इन कंप्युटि।ग, कम्युनिकेशन्स एंड इंफार्मेटिक्स,* जयपुर, भारत, 21–24 सितम्बर, 2016ः 831–836. अमेरिकाः आईईईई एक्प्लोर.

जिंदल, वी., शर्मा, वी. और बेदी, पी., (2016). ए प्रीइम्पटिव हाइब्रिड एंट पार्टिकल ऑप्टिमाइजेशन (एचएपीआ–पी) एग्लोरिथिम फॉर स्मार्ट ट्रांसपोर्टेशन, इन प्रोसिडिंग आईसीएसीसीआई 2016– इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन *एडवांसेस इन कंप्युटिंग, कम्युनिकेशन्स एंड इंफार्मेटिक्स,* जयपुर, भारत, 21–24 सितम्बर, 2016ः 1362–1368. अमेरिकाः आईईईई एक्सप्लोर.

ऋचा और बेदी, पी, (2016). पैरेलेल कांटेक्स्ट एवेयर रेकोमेंडर सिस्टम यूजिंग जीपीयू एंड जेसीयूडीए, इन प्रोसिडिंग्स आईसीएसीसीआई 2016– इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांसेस इन कंप्युटिंग, कम्युनिकेशंस एंड इंफोर्मेटिक्स, जयपुर, भारत, 21–24 सितम्बरः 1388–1394. अमेरिकाः आईईईई एक्सप्लोर.

बेदी, पी., भसीन, वी., और यादव, टी. (2016). 2एल–डीडब्लूटीएस– स्टेनोग्राफी टेक्नीक बेस्ड ऑन सेकेंड लेवल डीडब्लूटी, इन प्रोसिडिंग्स आईसीएसीसीआई 2016– इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांसेस इन कंप्युटिंग, कम्युनिकेशंस एंड इंफोर्मेटिक्स, जयपुर, भारत, 21–24 सितम्बरः 1548–1533. अमेरिकाः आईईईई एक्सप्लोर.

सक्सेना, आर., कौर, एस., भटनागर, वी., (2017), लिवरेजिंग हायरेरकी एंड कंम्युनिटी स्ट्रक्चर फॉर डिटरमाइनिंग इंफ्लुएंसर्स इन नेटवर्क, इन प्रोसिडिंग्स ऑफ डीएडब्लूएके 2017.

सक्सेना, आर., कौर, एस., दास, डी., भटनागर, वी., (2016) लिवरेजिंग हायरेरकी फॉर स्केलेबल नेटवर्क कम्पेरिजन, इन प्रोसिडिंग ऑफ डीईएसए 2016, पृष्ठ 287–302.

अनुसंधान परियोजनाएं

यूजीसी; 2013–2017; ट्रस्टवदी प्रोएक्टिव रेकेमेंडर सिस्टम; 13,38,800/– रूपए

डीएसटी (डीयू– डीएसटी पीयूआरएसई अनुदान); 2014–2018; सॉफ्ट कंप्यूटिंग एप्रोच टू मल्टी क्राइटेरिया ऑप्टिमाइजेशन मॉडल फॉर कंपोनेन्ट सेलेक्शन इन डिजाइनिंग फाउल्ट टोलेरेंट सॉफ्टवेयर सिस्टम. 6,12,000/– रूपए

आयोजित सेमिनार/ सम्मेलन

प्रोफेसर मुहम्मद अबुलेस, कम्प्यूटर साइंस विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, गहन दृष्टि के लिए बातचीत, संलयन संघटक और संरचनात्मक सूचना।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता

भारतीय / विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ

अंतर्राष्ट्रीय सहयोगः

अईजू विश्वविद्यालय, जापान

इपिटेक, यूरोपीयन इंस्टीट्यूट आफ इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी (ली क्रेमीलिन बायसेट्र, फ्रांस)

अन्य अंतर संस्थागत सहयोग

भारतीय अनुसंधान संगठन के साथ

डीआरडीओ

नियोजन संबंधी ब्यौरा

नियोजित छात्र– एमसीए और एम.एससी कंप्यूटर विज्ञान के 63 छात्रों का नियोजन हुआ

भर्ती के लिए कैंपस आने वाली कंपनियां– 25

छात्रों की संख्या जिन्हें पीएच.डी./एम.फिल. की डिग्री दी गयी

पीएचडी– 6

संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी –6

तदर्थ –6

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

कंप्यूटर विज्ञान विभाग के छात्रों ने संकलन के बारहवें वर्ष में ऑन लाइन और मुद्रित दोनों रूपों में ''सृजन'' पत्रिका'' का छठा संस्करण निकाला।

***

गणित

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग गणित विषय में एमए/एमएससी पाठ्यक्रम और एम. फिल/ पी.एचडी. पाठ्यक्रम की सुविधा प्रदान करता है। इस विभाग को यूजीसी–डीएसए दो, डीएसटी–पीयूआरएसई और डीएसटी–एफआईएसटी अनुदान सहायता प्राप्त है। इस विभाग को वर्ष 2016 के क्यूएस विश्व विद्यालय रैंकिंग में 301 –400 रैंक हासिल हुआ है। संकाय सदस्यों के पास वर्ष 2016–17 में अंतरराष्ट्रीय स्तर के 50 से अधिक जर्नल रहे हैं। कुछ संकाय सदस्य पेशेवर सोसाइटियों और अनुदान एजेन्सियों के साथ संबद्ध रहे हैं। कई संकाय सदस्य विभिन्न विश्वविद्यालयों में यूजीसी के विशेष सहायक कार्यक्रम संबंधी सलाहकार समिति में; और यूजीसी, डीएसटी और सीएसआईआर की कई समितियों में विशेषज्ञ के तौर पर रहे हैं। नियमित शिक्षण और अनुसंधान के अलावा विभाग नियमित सेमीनार, कार्यशाला और सेमीनारों का आयोजन करता है। वर्ष 2015–16 के दौरान, विभाग ने बीजगणित, विश्लेषण, कोडिंग, कूटविद्या के संबंध में अक्टूबर 14–15, 2016 के दौरान प्रो. बाल किशन दास की सेवानिवृत्ति के अवसर पर उनके सम्मान में एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। विभाग के नियोजन प्रकोष्ठ अनन्या द्वारा समन्वित कैंपस साक्षात्कार के माध्यम से उन्नीस छात्रों को नियोजित किया गया जिसका औसत वार्षिक पैकेज 6.26 लाख रूपए था।

सम्मान

प्रो. अजय कुमार, डीन अनुसंधान (पीएस एंड एमएस), डीयू (दिसम्बर 2016 तक); और नेताजी सुभाष इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सामान्य परिषद् में विश्वविद्यालय प्रतिनिधि, 2017–2020.

प्रो. वी. रविचंद्रन को श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, जम्मू एंड कश्मीर के विज्ञान संकाय के अंतर्गत गणित विभाग में एडजंक्ट प्रोफेसर के रूप में अगस्त, 2016 से दो वर्षों के लिए नियुक्त किया गया; और एसपीएम महाविद्यालय, दिल्ली के शासी निकाय के अध्यक्ष पक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रकाशन

अलारिफी, एन.एम., अली, आर.एम. रविचंद्रन, वी. (2017). ऑन द सेकेंड हैंकेल डिटर्मिनेंट फॉर द केथ–रूट ट्रांसफार्म ऑफ एनालिटिक फंक्शन्स, फिलोमेट, 31 (2), 227–245.

अम्बेडकर, वी., कुमार, एम., श्रीवास्तव, एम.के. (2016). न्यूमिरिकल सोल्युशंस ऑफ 2–डी अंस्टीडी इन्कांप्रीसेबल फ्लो इन ए ड्रिविन स्वायर केविटी यूजिंग स्ट्रीम फंक्शन –वोर्टिसिटी फॉर्मूलेशन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड मैथेमेटिक्स, *29* (*6*), *727-757*.

बंसल, ए., कुमार, ए., (2016). हाइसेनबर्ग अनसरटेन्टी इन्इक्विलिटी फॉर गेबोर ट्रांसफार्म., जे. मैथ. इन्इक्वल. ,*10*(*3*), *737-749*.

बंसल, ए., कुमार, ए. (2017). क्वालिटेटिव अनसरटेन्टी प्रिसिंपल फॉर गेबोर ट्रांसफार्म, बुल. कोरियन मैथ. सोस. ,54(1), 71-84.

बंसल, के., राय, पी., शर्मा, के. के., (2017). न्यूमिरिकल ट्रिटमेंट फॉर द क्लास ऑफ टाइम डिपेंडेंट सिंगुलरली पर्टर्ब्ड पाराबोलिक प्राब्लम्स विद जनरल शिफ्ट आर्गुमेंट्स. डिफर. इक्वी. डायन. सिस्ट., 25(2), 327-346.

बोहरा, एन., जोशी, के. (2016). स्ट्रॉंगली प्राइम एंड *-प्राइम क्रास्ड प्रोडक्ट्स. बेटर. एल्जेब्रा जियो.,57(3), 561-571.

बुसी, के., डे, डी., कुमार, एम., दास, बी.के., (2016). कुपी–नीव हैश फंक्शन. इटाल. जे. प्योर एप्लाइ. मैथ.,36, 929-944.

छाबरा, ए., दास, बी.के., मेहता, एस., (2016). मल्टी स्टेज ऑप्शनल अनरिलेटेड क्वैश्चन आरआरटी मॉडल. जे. स्टेट. थ्योरी एप्ला.,15(1), 80-95.

चो, एन., जैन, एन.के., रविचंद्रन, वी., (2017). कॉनवेक्स कॉम्बिनेशन ऑफ एनालिटिक फंक्शन्स दृ ओपन मैथ.,15, 331-339.

दास, पी. के., वशिष्ठ, एल.के. (2016). ऑन पर्टबेशन ऑफ बाइनरी लिनियर कोड्स, मैथ. एप्लाईड (बर्नो), 4(2), 91-99.

दास, पी.के., वशिष्ठ, ए.के. (2016). एरर लोकेटिंग कोड्स वाय यूजिंग ब्लॉक वाइज टेंसर प्रॉडक्ट ऑफ ब्लॉक वाइज डिटेक्टिंग / करेक्टिंग कोड्स. खय्याम जे. मैथ., 2(1), 6-17.

दास, आर., गर्ग, एम. (2017). एवरेज चेन ट्रांसिविटी एंड द अलमोस्ट एवरेज शेडोविंग प्रोपर्टी. कोरियन मैथ. सो., 032(1), 201-214.

दास, बी.के. शर्मा, एन., वर्मा, आर. (2017). परफेक्ट कोड्स इन पोसेट ब्लॉक स्पेसेस. एशियन–यूरोपीयन जे. मैथ. ,10(01), 1750005, 12 पीपी.

दास, बी.के. शर्मा, एन., वर्मा, आर. (2017). परफेक्ट कोड्स इन पोसेट ब्लॉक स्पेसेस. फाइनाइट फिल्ड्स एप्लाइड., 46, 90-106.

दीपशिखा., वशिष्ठ, एल.के. (2016). एक्सटेंशसन ऑफ वेल हेसनबर्ग वेव पॉकेट बेसेल सिक्वेंशेस टू डुअल फ्रेम इन एल2 (आर). जे. क्लास. अनल.,8(2), 131-145.

दीपशिखा., वशिष्ठ, एल.के. (2017). ए नोट ऑन डिस्क्रीट फ्रेम्स ऑफ ट्रांसलेट्स इन सीएन. टीडब्लूएमएस जे. एप्लाइ. इंजी. मैथ. 6(1) 143-149.

दीपशिखा., वशिष्ठ, एल.के. (2017). नेसेसरी एंड सफिसिएंट कंडिशन्स फॉर डिस्क्रीट वेवलेट फ्रेम्स. एन.जे. जियोमैट्रिक्स, फिजिक्स, 117, 134 -143.

ढ़ींगरा, एम., ललिता, सी.एस. (2016). वेल सेटनेस एंड स्केलेराइजेशन इन सेट ऑप्टिमाइजेशन. ऑप्टि. लेट. ,10(8), 1657-1667.

ढ़ींगरा, एम., ललिता, सी.एस. (2016). एप्रोक्सीमेट लेग्रेंजियन डुअलिटी एंड सेडल्ड प्वाइंट आप्टिमेलिटी इन सेट ऑप्टिमाइजेशन, आरएआईआरओ– ऑप. रेस. डोआई.: 10. 1051/आरओ/2016068.

दुबे, एस., कुमार, ए., मिश्रा, एम.एम. (2016). द न्यूमनन प्राब्लम फॉर द कोन–लेप्लेसियन ऑन द हइसेनबर्ग ग्रुप एचएन. पोटेन्शियल अनल.,45(1), 119-133

दुबे, एस., कुमार, ए., मिश्रा, एम.एम. (2017). पोलीहार्मोनिक न्यूमनन एंड मिक्स्ड बाउंड्री वेल्यू प्राब्लम्स इन इन द हेइसनबर्ग ग्रुप. काम्प्लेक्स वर. इलिप्टिक इक्व. 62(10), 1506-1518.

गर्ग, एम., दास, आर, (2016). रिलेशन ऑफ द ऑल्मोस्ट एवरेज शेडोइंग प्रोपर्टी विद इर्गोडिशिटी एंड प्रौक्सीमेलिटी. केओस सोलिटोन्स फ्रेक्टेल्स, 91, 430-433.

गर्ग, एस., वशिष्ठ, एल. के. (2016). ऑन एक्जेक्ट फ्रेम्स इन टोपोलॉजिकल अलजेब्रा, पेलेस्ट. जे. मैथ. 5(1), 131-134.

गोयल, एन., गुप्ता, आई., दुबे, एम.के. दास, बी.के. (2016/17). अनडिनाइबल सिग्नेचर स्कीम बेस्ड ओवर ग्रुप रिंग. एप्लाइ. अल्जेबा इंग्र. कॉम. कंप्युट., 27(6), 523—535.

जैन, एन. के. एंड रविचंद्रन, वी. (2016) रेडियस प्राब्लम्स फॉर प्राडक्ट एंड कन्वोल्युशन ऑफ यूनिवेलेंट फंक्शन्स. होनम जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स, 38(4), 701-724.

जैन, एन. के. रविचंद्रन, वी. एंड शर्मा, के. (2016). स्टारलाइक फंक्शन्स एसोसिएटेड विद ए कारडियोड, अफ्रिकामैथेमेटिका, 27(5), 923-939.

जेना, जे., सिंह, आर. (2016). इवोल्युशन ऑफ वीक वेव्स एंड सेंट्रल एक्पेंशन वेव्स इन ए नॉन डिल रिलेक्सिंग गैस. एइन शैम्स इंजीनियरिंग जर्नल,7, 409-413.

कौर, जे., सिंह, एच. के. सिंह, टी. (2016). सर्किल ग्रुप एक्शन ऑन द प्राडक्ट ऑफ टू प्रोजेक्टिव स्पेस. टोपोलॉजी प्रोक., 48, 163-172.

कुमार, ए., साहनी, एन., सिंह, डी. (2016). इन्वेरियंस अंडर बाउन्डेड एनालिटिक फंक्शन्सः जेनरलाइजिंग शिफ्ट्स. न्यूयार्क जे. मैथ., 22, 1249-1270.

कुमार, डी. कुमार, एस. (2016). अल्टीमेंट न्यूमेरिकल बाउंड एस्टीमेशन ऑफ केयोटिक डायनामिकल फाइनेंस मॉडल. मॉडर्न मैथेमेटिकल मैथ्स एंड हाई परफोरमेंस कंप्युटिंग इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, स्प्रिंगर प्रो. मैथ. स्टेट., 171, स्प्रिंगर, सिंगापुर,, 71-81.

कुमार, एस. (2016). एप्रोक्सीमेट कंट्रोलेब्लिटी ऑफ नॉन लोकल इंप्लसिव फ्रेक्शनल ऑडर सेमिलिनियर टाइम वेयरिंग डिले सिस्टम्स. नॉन लिनियर डायनामिक्स एंड सिस्टम थ्योरीः एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड सर्वे, 16 (4), 420-430.

कुमार, एस. (2016). माइल्ड सोल्युशन एंड फ्रेक्शनल आप्टिमल कंट्रोल ऑफ सेमिलिनियर सिस्टम विद फिक्स्ड डिले. जर्नल ऑफ ऑप्टिमाइजेशन थ्योरी एंड एप्लिकेशन्स, डिओआईः10.007/एस10957-015- 0828-03

कुमार, एस., रविचंद्रन, वी. (2016). ए सबक्लास ऑफ स्टारलाइक फंक्शन्स एसोसिएटेड विद ए रेशनल फंक्शन. साउथइस्ट एशियन बुल. मैथ., 40 (2), 199-212.

कुमार, एस., नागपाल, एस., रविचंद्रन, वी. (2016). कोफिशियंट इंइक्वलिटिज फॉर जेनोस्कीस्टारलाइकनेस. प्रोक. जंगजेओन मैथ. सो.,19(1), 83-1000.

पांडेय, एस. के., मिश्राा, पी. आर., दास, बी.के. (2017). काउंट एंड क्रिप्टोग्राफिक प्रोपर्टीज ऑफ जेनेरलाइज्ड सेमिट्रिक बूलियन फंक्शन्स. इटेल. जे. प्योर एप्लाइ. मैथ., 37, 173-182.

प्रांजली, गौर, ए., आचार्य, एम., (2016). सी– कन्सिस्टेंसी इन साइन्ड टोटल ग्राफ्स ऑफ कम्पयुटेटिव रिंग्स. डिस्क्रिट मैथ. एग्लोरिथिम एप्ला., 8(3), 1650041, 14 पीपी.

राजपाल, वी., कुमार, ए. (2016). अरेंस रेगुलेरिटी ऑफ प्रोजेक्टिव टेंसर प्रॉडक्ट्स. आर्क मैथ. (बासेल) *107*(5), 531-541.

रस्तोगी, एस., श्रीवास्तव, एस. (2016). क्वासी हाइपरबोलिसीटी एंड डिले सेमीग्रुप. एब्टर. एप्लाइ. अनल. आर्ट. आईडी 1984874, 6 पीपी.

रविचंद्रन, वी., वर्मा, एस. (2017). जेनेरलाइज्ड जेल्कमेन कंजेक्चर फॉर सम क्लासेस ऑफ एनालिटिक फंक्शन्स. जे. मैथ. एनल. एप्लाइ., *450*(1), 592-605.

शर्मा, के., जैन, एन. के., रविचंद्रन, वी. (2016). स्टारलाइक फंक्शन्स एसोसिएटेड विद ए कार्डियोड. एफ्रि. मैट., *27*(5-6), 923-939.

शर्मा, के., रविचंद्रन, वी. (2016). एप्लिकेशंस ऑफ थ्योरी ऑफ डिफरेंशियल सबआर्डिनेशन ऑफ फंक्शन्स विद फिक्स्ड इनिशियल कॉफिशिएंट. जे. क्लास. अनल.,*8*(2), 113–121.

शर्मा, के., रविचंद्रन, वी. (2016). सफिसिएंट कंडिशन्स फॉर जेनोवस्कीस्टारलाइक फंक्शन्स. स्टड. यूनिवर्सिटी बेब्स–बोलियाई मैथ., *61*(1), 63-76.

शर्मा, के., रविचंद्रन, वी. (2016). एप्लिकेशंस ऑफ सबआर्डिनेशन थ्योरी टू स्टारलाइक फंक्शन्स. बुल. ईरानियन मैथ. सोस,*42*(3), 761-777.

सिंह, एम., पटेल, ए., बजारगान, आर., (2016). स्टडी ऑफ ए वन–डायमेंशनल अनस्टडी गैस डायनामिक प्राब्लम बाय एडोमियन डिकम्पोजिशन मैथड. इंट. जे. एप्लाइ., मैथ., *29*(6), 775-794.

सिंह, एस. के., सिंह, टी. (2017). ए बोरसुक– उलाम टाइप थ्योरम फॉर द प्राडक्ट ऑफ ए प्रोजेक्टिव स्पेस एंड 3 स्फेयर. टोपोलॉजी एप्लाइ., *225*, 112-129.

सिंहा, के. बी., श्रीवास्तव, एस. (2017). थ्योरी ऑफ सेमीग्रुप्स एंड एप्लीकेशंस. टेक्स एंड रीडिंग्स इन मैथेमेटिक्स, 74. नई दिल्ली, हिन्दुस्तान बुक एजेंसी.

वशिष्ठ, एल. के., दीपशिखा. (2016). वीभिंग प्रॉपर्टीज ऑफ जेनरलाइज्ड कन्टीन्यस फ्रेम्स जेनरेटेड बाय एन इटिरेटेड फंक्शन सिस्टम., जे. जियोम. फिजिक्स., *110*, 282-295.

वशिष्ठ, एल. के., दीपशिखा. (2017). ऑन कंटुनियस विभिंग फ्रेम्स. एडव. प्योर एप्ल. मैथ. *8*(1), 15–31.

वशिष्ठ, एल. के., गर्ग, एस., खट्टर, जी. (2017). ऑन पर्टर्बेशन ऑफ फ्रेम्स इन लोकली कॉन्वेक्स स्पसेस. जार्डन जे. मैथ. स्टैट.,*9*(4), 271-286.

वर्मा, एस., रविचंद्रन, वी. (2017). रेडियस प्राब्लम्स फार रेसियो ऑफ जेनोस्कीस्टारलाइक फंक्शन्स विद देयर डेरिवेटिव्स. बुल. मलय. मैथ. साइंस. सोस. *40*(2), 819-840.

अम्बेडकर, वी., कुशवाहा, डी. (2017). न्यूमेरिकल सिमुलेशन्स ऑफ फ्लुड फ्लो एंड हीट ट्रांसफर इन ए फोर साइडेड लिड ड्रिविन रेक्टेंगुलर डोमेन. इंट. जे. हीट एंड टेक्नोलॉजी. *35*(2), 273-278.

अम्बेडकर, वी., कुशवाहा, डी. (2017). न्युमेरिकल सोल्युशंस ऑफ एन अनस्टीडी 2–डी इनकंप्रेसिबल फ्लो विद हीट एंड मास ट्रांसफर एट लो, मोडरेट एंड हाई रेनोल्ड्स नम्बर्स. जे. कोरियन सो. इंडस्ट्रियल एप्ल. मैथ्स., *21*(2), 89-107.

अम्बेडकर, वी., कुमार, एम. (2017). न्युमेरिकल सोल्युशंस ऑफ 2–डी स्टीडी इनकंप्रेसिबल फ्लो इन ए ड्रिवन स्क्वाइर केविटी यूजिंग स्ट्रीम फंक्शन– वोर्टिसिटी फॉर्मूलेशन. टर्क. जे. मैथ. कम्पयुट. साइंस. *6*, 10-22.

अम्बेडकर, वी., श्रीवास्तव, एम. के. (2017) न्यूमेरिकल सोल्युशंस ऑफ ए स्टीडी 2–डी इनकंप्रेसिबल डोमेन विद वाल स्लिप बाउंड्री कंडिशंस यूजिंग द फाइनाइट वोल्युम मेथड. जे. एप्लाईड मैथ एंड कंप्युट. मैक., *16*(2), 5-16.

अम्बेडकर वी., श्रीवास्तव, एम. के. एंड अली, जे. सी. (2017). न्यूमेरिकल स्टडी ऑफ कपल्ड फ्लूड फ्लो एंड हीट इन ए रेग्युलर डोमेन एट मोडरेट रिनॉल्ड्स नम्बर्स यूजिंग द कंट्रोल वोल्युम मैथड. इंट. जे. इंडस्ट्रीयल मैथेमेटिक्स. (स्वीकृत)

अनुसंधान परियोजनाएं

अनुसंधान और विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, प्रो. अजय कुमार, 2015–16, अनसर्टेंटी प्रिंसिपल एंड बाउंड्री वेल्यू प्राब्लम्स, 1.5 लाख रूपए।

अनुसंधान और विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, प्रो. सी. एस. ललिता,, 2015–16, स्केलेराइजेशन इन सेट–वेल्यूड ऑप्टिमाइजेशन, 1.3 लाख रूपए।

यूजीसी, प्रो. रूचि दास, 2013–17, ऑन डायनामिकल प्रोपर्टीज एंड केयोटिक बिहेवियर ऑफ मैप्स, 10.5 लाख रूपए।

डीएसटी फास्ट ट्रेक. डॉ.साची श्रीवास्तव, 2014–17, सेमीग्रुप ऑन नॉन कम्युटेटिव एलपी स्पेसेस, 12.3 लाख रूपए।

अनुसंधान और विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. ललित कुमार, 2015–16, वीभिंग फ्रेम, 1.3 लाख रूपए।

अनुसंधान और विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. अरविंद पटेल, 2015–16, ए स्टडी ऑफ रिसेंट एनालिटिक मैथड एंड एप्लिकेशन इन सोल्युशन ऑफ फ्लूड फ्लो प्राब्लम्स, 1.3 लाख रूपए।

अनुसंधान और विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. अतुल गौर, 2015–16, हेमिल्टेनियन प्रोपर्टी ऑफ मैक्सीमल ग्राफ्स एंड क्रोमेटिक नम्बर ऑफ इट्स लाइन ग्राफ,

अनुसंधान और विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. हेमंत कुमार सिंह, 2015–16, इंडेक्सेस ऑफ ए फिनिस्टिक स्पेस विद मॉड 2 कोहोमोलॉजी आरपीए^{एम} एक्सएस^{2} , 1.4 लाख रूपए।

अनुसंधान और विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. अनुज बिश्नोई, 2015–16, ऑन सेचुरेटेड डिस्टींग्विस्ड चेन्स एंड ओकुत्सु फ्रेम्स, 1.4 लाख रूपए।

अनुसंधान और विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, 2015–16, कंट्रोलेबलिटी ऑफ फ्रेक्शनल सेमीलिनियर डिले सिस्टम्स, 1.4 लाख रूपए।

अनुसंधान और विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. रंजना जैन, 2015–16, क्लोज्ड लाई आइडियल्स फार टेंसर प्रॉडक्ट ऑफ वोन न्यूमन एलजेब्रा, 0.6 लाख रूपए।

अनुसंधान और विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. रणधीर सिंह, 2015–16, नॉनलिनियर वेव प्रोपेगेशन इन नॉन आईडियल रिलेक्सिंग गेसस, 1.35 लाख रूपए।

आयोजित सेमिनार

डॉ. थॉमस कानिया, यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, यूके, रिकवरिंग ए कॉम्पेक्ट स्पेस फ्रॉम द फैमिली ऑफ इट्स कंटिन्यूअस, स्केलर–वेल्युड फंक्शन्सः द ओल्ड एंड द न्यू, 14 दिसम्बर, 2016, साउथ कैंपस।

प्रो. वोल्फगेग ए. एफ. रूपर्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ नेचुरल रिसॉर्स एंड लाइफ साइंसेस, वायेन, आस्ट्रिया, विकली आल्मोस्ट पेरियोडिक फंक्शंस एंड काम्पेक्टिफिकेशंस, 13 दिसम्बर, 2016, नोर्थ कैंपस।

प्रो. फ्रेडरिक के. डेशिएल, यूसीएलए एंड चेपमन यूनिवर्सिटी, द बेयरे क्लासेस ऑफ ए बनाक स्पेस, 7 दिसम्बर, 2016, नोर्थ कैंपस।

प्रो. फ्रेडरिक के. डेशिएल, यूसीएलए एंड चेपमन यूनिवर्सिटी, द बायडुअल ऑफ सी (के), 6 दिसम्बर, 2016, साउथ कैंपस।

प्रो. एंडर्स एम. हिंज, डिपार्टमेंट ऑफ मैथेमेटिक्स, लुडविंग– मैक्सिमिलियंस– यूनिवर्सिटी, म्युनिख, जर्मनी, अनकाउंटेबल!! 27 सितम्बर, 2016, नॉर्थ कैंपस।

प्रो. एम. के. कादलबाजू, डिपार्टमेंट ऑफ मैथेमेटिक्स, एलएनएमआईआईटी, जयपुर, द बाउंड्रीज ऑफ कंप्युटेबिलिटी, 28 जुलाई, 2016, नोर्थ कैंपस।

प्रो. महेन्द्र के. वर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, आईआईटी कानपुर, डायनामिकल पर्सपेक्टिव्स ऑफ फेज ट्रांजिशंस एंड इट्स एप्लिकेशंस, 2 मई, 2016, साउथ कैंपस।

आयोजित सम्मेलन

प्रो. बाल किशन दास की सेवानिवृत्ति के अवसर पर उनके सम्मान में गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 14–15, 2016 को बीजगणित, विश्लेषण, कोडिंग और क्रिप्टोग्राफी पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (डीआरडीओ, डीएसटी–पीयूआरएसई अनुदान और डीयू द्वारा वित्तपोषित)।

1–2 मई, 2017 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा गणित विज्ञान सोसाइटी (दिल्ली) का अनुसंधान विद्वान का सेमिनार और वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। (यूजीसी–एसएपी / डीएसटी–एफआईएसटी– पीयूआरएसई अनुदान द्वारा वित्तपोषण)।

सेमिनार / सम्मेलन प्रस्तुतिकरण

सी. एस. ललिताः

आईआईटी मद्रास में 9–10 जून, 2016 को गेम थ्योरी एवं ऑप्टिमाइजेशन संबंधी सम्मेलन में भिन्न विचार से सेट ऑप्टिमाइजेशन में वेल पोस्डनेस पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

दिनांक 6–8 जून, 2016 को आईआईटी मद्रास में वर्कशॉप ऑन गेम थ्योरी एंड ऑप्टिमाइजेनशन में वेक्टर ऑप्टिमाइजेशन में स्थायित्व पहलुओं पर व्याख्यान।

रंजना जैन ने 29 जून–1 जुलाई, 2016 के दौरान हैदराबाद विश्वविद्यालय में भारतीय महिलाओं और गणित पर सम्मेलन में बातचीत प्रस्तुत किया।

साची श्रीवास्तव को 29 जून–01 जुलाई, 2016 को आईडब्लूएम, हैदराबाद में बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया।

रणधीर सिंह ने जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली में दिनांक 15–17 नवम्बर, 2016 को डिफरेंशियल जियोमेट्री, अल्जेब्रा एवं एनालिसिस (आईसीडीजीएए–16) संबंधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वार डे वाल्स गैस में तरंग को तोड़े जाने की खोज पर प्रस्तुतिकरण दिया।

अम्बेडकर को 13 अगस्त, 2017 को एनसीआरएएम गणित विभाग, काकातिया विश्वविद्यालय में ए न्यूमेरिकल मेथड टू स्टडी एंड अनस्टीडी फ्लो विद हीट ट्रांसफर इन ड्राइवेन स्क्वायर केविटी पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया।

नियोजन संबंधी ब्यौरा

नियोजित छात्रों की संख्या – 19

कंपनियों की संख्या – 12

एम.फिल/ पीएचडी. डिग्री

पीएचडी – 15

एम.फिल – 18

संकाय सदस्यों की संख्या –23

***

परिचालन संबंधी अनुसंधान

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

परिचालन अनुसंधान विभाग ने ऑप्टिमाइजेशन और आंकड़ा विश्लेषण के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान हेतु एक अग्रणी केन्द्र के रूप में स्वयं को स्थापित किया। नियमित शिक्षण और अनुसंधान के अलावा छात्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए विभाग प्रति वर्ष एक व्यापक श्रृंखला में वैज्ञानिक क्रियाकलापों का आयोजन करता है जिसका ब्यौरा निम्न है।

कार्यशालाएं/ सम्मेलन/ सेमीनारः विभाग नियमित आधार पर छात्रों की रूचि और अनुसंधान से जुड़े कार्यशालाएं/ सम्मेलनों/ सेमिनारों का आयोजन करता है। वर्ष 2016–17 के दौरान विभाग ने आंकड़ा विज्ञान संबंधी तथा बड़ा आंकड़ा विश्लेषण एंव बिजनेस व इंटेलिजेंस संबंधी दो कार्यशालाओं का आयोजन किया है। औद्योगिक और शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ अपने विचारों का आदान–प्रदान किया और व्याख्यान दिया।

एयूआरओआरए (परिचालनात्मक अनुसंधान और इसके अनुप्रयोग के सार्वभौमिक मिलन स्थल की स्वीकृति): यह एक वार्षिक शैक्षणिक समारोह है, जिसमें कई प्रकार के क्रियाकलापों का आयोजन किया जाता है जिनमें सुप्रसिद्ध विद्वानों और पेशेवरों द्वारा अतिथि व्याख्यानों से लेकर छात्र केन्द्रित कार्यक्रम जैसे प्रश्नोत्तरी, समस्या निवारण, केस अध्ययनों का प्रस्तुतिकरण आदि शामिल हैं।

औद्योगिक दौराः प्रत्येक वर्ष विभाग देश के शहरों/ गांवों के समूहों का सप्ताह भर औद्योगिक दौरा करता है। इन दौरों का लक्ष्य छात्रों को विषय का व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने और कक्षाओं के भीतर दी जाने वाली शिक्षा को परिवर्तित करने/लागू करने में औद्योगिक प्रक्रियाओं और कार्यकलापों का प्रत्यक्ष अनुभव देना है।

सम्मान

प्रो. चन्द्र के. जग्गी को आईईओएम अतिविशिष्ट सेवा पुरस्कार– यह पुरस्कार 23–25 सितम्बर, 2016 को औद्योगिक इंजीनियरिंग एंड ऑपरेशन्स मैनेजमेंट सोसाइटी, डिट्रोइट, अमेरिका द्वारा औद्योगिक इंजीनियरिंग और ऑपरेशन्स प्रबंधन पेशा में विशिष्ट सहायता, सेवा, योगदान और वैश्विक सामुदायिक संबद्धता की मान्यता और मूल्यांकन के लिए दिया गया।

प्रो. पंकज गुप्ताः

अतिथि वैज्ञानिक, नॉर्विच बिजनेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंजेलिया, नॉर्विच, यूके, जनवरी, 2017.

अल्पावधि विदेशी विशेषज्ञ, स्कूल ऑफ इंफार्मेशन, कैपिटल यूनिवर्सिटी ऑफ इकानोमिक्स एंड बिजनेस, बीजिंग, चीन, जून– जुलाई, 2016.

डॉ. ओमपाल सिंह को विसरण प्रक्रिया के लिए मॉडलिंग नवोन्मेषी अनुकूलन एंड इष्टतम मॉडल चयन हेतु लेख एकीकृत दृष्टिकोण के लिए प्रबंधन अनुसंधान में एडवांस जर्नल द्वारा वर्ष 2017 का उत्कृष्ट पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. मुकेश कुमार मेहलावत:

अतिथि वैज्ञानिक, नोर्विच बिजनेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंजेलिया, यूके, जनवरी, 2017.

अतिथि वैज्ञानिक, स्कूल ऑफ इंफार्मेशन, कैपिटल यूनिवर्सिटी ऑफ इकानोमिक्स एंड बिजनेस, बीजिंग, चीन, जून– जुलाई, 2016.

डॉ. आदर्श आनंद को विसरण प्रक्रिया के लिए मॉडलिंग नवोन्मेषी अनुकूलन एंड इष्टतम मॉडल चयन हेतु लेख एकीकृत दृष्टिकोण के लिए प्रबंधन अनुसंधान में एडवांस जर्नल द्वारा वर्ष 2017 का उत्कृष्ट पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रकाशन

पुस्तक:

श्रीवास्तव, पी. डब्लू. (2017). ऑटिमम एक्सिलिरेटेड लाइफ टेस्ट मॉडल विद टाईम वेयरिंग स्ट्रेसेज, सिंगापुरः वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिसिंग यूरोप लिमिटेड।

जर्नल प्रकाशन:

अग्रवाल, एम., अग्रवाल, डी., आनंद, ए. और सिंह, ओ., (2017). मॉडलिंग मल्टी–जेनरेशन इन्नोवेशन एडॉप्शन बेस्ड ऑन कन्ज्वाइंट इफैक्ट ऑफ अवेयरनेस प्रोसेस. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेस, 2(2), 74–84.

अग्रवाल, वी., गोविंदन, के., दरबारी, जे. डी., एवं झा, पी. सी. (2017). एन ऑप्टिमाइजेशन मॉडल फॉर सस्टेनेबल सोल्युशंस टूबार्ड्स इम्प्लीमेंटेशन ऑफ रिवर्स लॉजिस्टिक्स अंडर कोलोबोरेटिव फ्रेमवर्क। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एस्युरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 7(4), 480–487.

अग्रवाल, ए. जी., ढ़ाका, वी. एवं निझावान, एन. (2017). रिलेबलिटी एनालिसिस फार मल्टी रीलिज ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर सिस्टम विद चेंज प्वाइंट एंड एक्पोनेनसिएटेड वेबुल फाउल्ट रिडक्शन फैक्टर. लाइफ साइकिल रिलेबलिटी एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग, *6*(1), 3-14.

अग्रवाल, ए. जी., जग्गी, सी. के. एवं निझावान, एन (2017). ऑप्टिमल रीलिज पॉलिसी फार मल्टीरीलिज सॉफ्टवेयर सिस्टम। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑपरेशन्स रिसर्च एंड इंफार्मेशन सिस्टम, *8*(3), 21-38.

अग्रवाल, के. के. एवं अनेजा, एस. (2016). एन ईओक्यू मॉडल विद इंस्पेक्शन एरर, रिवर्क एंड सेल्स रिटर्न। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड ऑपरेशंस मैनेजमेंट, *8*(3), 185-199.

अग्रवाल, के. के. एवं त्यागी, ए. के. (2017). इंवेंट्री एंड क्रेडिट डिसिजन अंडर डे टर्म क्रेडिट एंड स्टॉक डिपेंटेंड डिमांड। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सप्लाई चेन एंड इंवेट्री मैंनेजमेंट, स्वीकृत (प्रेस में)।

अग्रवाल, के. के. एवं त्यागी, ए. के. (2017)। इंवेंट्री एंड क्रेडिट डिसिज अंडर इंफ्लेशनरी कंडिशन विद इंफ्लेशन इड्यूस्ड बेड डेब्ट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑपरेशन रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम, स्वीकृत (प्रेस में)।

आनंद, ए. एवं बंसल, जी. (2017)। इंटरप्रेटिव स्ट्रक्चरल मॉडलिंग फॉर एट्रिब्यूट्स ऑफ सॉफ्टवेयर क्वालिटी। जर्नल ऑफ एडवांस इन मैनेजमेंट रिसर्च, *14*(3), 256-269.

आनंद, ए. और भट्ट, एन. (2016)। वर्नरेवलिटी डिस्कवरी मॉडलिंग एंड वेटेड क्रायटेरिया बेस्ड रैंकिंग। जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबलिटी एंड स्टेटिस्टिक्स, *17*(1), 1-10.

आनंद, ए., अग्रवाल, एम., अग्रवाल, डी. एवं सिंह, ओ, (2016)। यूनिफाइड एप्रोच फॉर मॉडलिंग इन्नोवेशन एडॉप्शन एंड ऑप्टिमल मॉडल सेलेक्शन फॉर द डिफ्यूशन प्रोसेस। जर्नल ऑफ एडवांसेस इन मैनेजमेंट रिसर्च, *13*(2), 154-178.

आनंद, ए., अग्रवाल, एम. तमुरा, वाई एवं यमाडा, एस। (2016)। इकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ सॉफ्टवेयर पैचिंग एंड ऑप्टिमल रीलिज सेड्यूलिंग। क्वालिटी एंड रिलेबलिटी इंजीनियरिंग इंटरनेशनल। डीओआईः 10.1002/क्यूआरई. 1997.

आनंद, ए., दीपिका, सिंह, ओ., (2016). इनकॉरपोरेटिंग फीचर्स एनहांसमेंट आर्कटाइप इन साफ्टवेयर रिलेबिलिटी ग्रोथ मॉडलिंग एंड ऑप्टिमल रीलिज टाइम डिटरमिनेशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन. *139*(4), 1-6.

आनंद, ए., सिंह, ओ., अग्रवाल, एम., गर्माबाकी एवं ए. एच. एस. (2016)। स्टडिंग प्रॉडक्ट डिफ्युजन बेस्ड ऑन मार्केट कवरेज। जर्नल ऑफ मार्केटिंग एनालिटिक्स, *4*(4), 135-146.

आनंद, ए., सिंह, ओ., अग्रवाल, आर. और अग्रवाल, डी. (2016)। डिफ्यूजन मॉडलिंग बेस्ड ऑन कस्टमर्स रिव्यू एंड प्राडक्ट सटिस्फेक्शन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टेक्नोलोजी डिफ्यूजन (आईजेटीडी), *7*(1), 20-31.

बाओ, टी. क्यू., गुप्ता, पी. एवं खान्ह, पी. क्यू. (2017). नेशेसरी ऑप्टिमली कंडिशंस फॉर मिनीमैक्स प्रोग्रामिंग प्रोब्लम्सस विद मैथेमेटिकल कांस्ट्रेंट्स. ऑप्टिमाइजेशन. *66* (11), 1755-1776.

भट्ट, एन., आनंद, ए., यादावल्ली, वी. एस.एस. एवं कुमार, वी. (2017) मॉडलिंग एंड कैरेक्टेराइजिंग साफ्टवेयर वल्नरेवलिटीज। इंरनेशनल जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल, इंजीनियिरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेज, *2*(4), 288-299.

दीपिका, सिंह, ओ, आनंद, ए. एवं सिंह जे. एन. पी. (2017)। टेस्टिंग डोमेन डिपेंटेंट साफ्टवेयर रिलेबलिटी ग्रोथ मॉडल्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेज, *2*(3), 140-149.

ढ़ाका वी., जग्गी, सी. के., प्रतीक, एस. एवं राय, पी. के. (2016)। ए जेंटल इंट्रोडक्शन टू द बेसियन पाराडाइम फॉर सम इंवेंट्री मॉडल्स। इन मंदीप मित्तल, नीता, एच. शाह (संस्करण), ऑप्टिमल इंवेंट्री कंट्रोल एंड मैनेजमेंट टेक्नीक (पृष्ठ 340–359)। यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिकाः आईजीआई ग्लोबल।

गोविंदन, के., दरबारी, जे. डी., अग्रवाल, वी., एवं झा, पी.सी., (2017)। फजी मल्टी ऑब्जेक्टिव एप्रोच फॉर आप्टिमल सेलेक्शन ऑफ सप्लायर्स एंड ट्रांसपोर्टेशन डिविजन्स इन एन एको एफिशिएंट क्लोज्ड लूप सप्लाई चेन नेटवर्क। जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, *165*, 1598-1619.

गोविंदन, के., गर्ग, के., गुप्ता, एस., एवं झा, पी. सी. (2016). इफेक्ट ऑफ प्राडक्ट रिकवरी एंड सस्टेनिबिलिटी एनहांसिंग इंडिकेटर्स ऑन द लोकेशन सेलेक्शन ऑफ मैनुफेक्चरिंग फेसिलिटी। इकोलोजिकल इंडिकेटर्स. *67*, 517-532.

गुप्ता, ए., अग्रवाल, एस., कोल, ए. एवं झा, पी. सी. (2016). आप्टिमल प्लेसमेंट ऑफ एडवरटिजमेंट्स ऑन ए पिक्सेलेटेड वेब बैनर। जर्नल ऑफ इंफार्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज. *37*(5), 693-716.

गुप्ता, ए., शर्मा, पी., मलिक, एस. सी., अग्रवाल, एन., और झा, पी. सी. (2016). प्रॉडक्टिविटी इम्प्रुवमेंट इन द चेसिस प्रीप्रेशन स्टेज ऑफ द एम्लिफायर प्रोडक्शन प्रोसेसः ए डीएमएआईसी सिक्स सिग्मा मैथोडोलॉजी। इंटरनेशल जर्नल ऑफ रिलेबलिटी, क्वालिटी एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग, *23*(6), 1640012.

गुप्ता, पी., गोविंदन, के., मेहलावत, एम. के, एवं कुमार, एस. (2016). ए वेटेड प्रोसिब्लिस्टिक प्रोग्रामिंग एप्रोच फॉर सस्टेनेबल वेंडर सेलेक्शन एंड ऑर्डर एलोकेशन इन फजी एनवायरामेंट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड मैनुफैक्चरिंग टेक्नॉलोजी, *86*(5), 1785-1804.

गुप्ता, पी., लिन, सी.टी., मेहलावत, एम. के., एंव ग्रोवर, एन. (2016)। ए न्यू मैथड फॉर इंस्टीट्यूनिस्टिक फजी मल्टी ट्रिब्यूट डिसिजन मेकिंग। ली ट्रांजेक्शन ऑन सिस्टम, मेन एंड साइबरनेटिक्सः सिस्टम, *46*(9), 1167-1179.

गुप्ता, पी., मेहलावत, एम. के. एवं ग्रोवर, एन. (2016)। इंट्यूशनिस्टिक फजी मल्टी–एट्रिब्यूट ग्रुप डिशिजन मेकिंग विद एन एप्लिकेशन टू प्लांट लोकेशन सेलेक्शन बेस्ड ऑन ए न्यू एक्सटेंडेड विकोर मैथड। इंफॉर्मेशन साइंस, *370-371*, 184-203.

गुप्ता, पी., मेहलावत, एम. के., ग्रोवर, एन. एवं चेन, डब्लू (2017). मॉडिफाइड इंस्टीट्यूनिस्टिक फजी सर एप्रोच विद एन एप्लिकेशन टू सप्लायर सेलेक्शन, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम, *32*(6), 4431-4441.

गुप्ता, वी. एवं कुमार, आर. (2017)। एन ऑप्शनल रिजुवेनेशन स्ट्रेटजी फॉर इंक्रिजिंग सर्विस रिलेब्लिटी ऑफ ए वीओआईपी सिस्टम विद मल्टीपन कंपोनेंट्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेज, *2*(4), 231-241.

जग्गी, सी. के., अली, एच. एवं अर्नेजा, एन., (2016)। ए टेक्नीकल नोट ऑन पेरियोडिक इन्वेन्ट्री मॉडल विद कंट्रोलेबल लीड टाइम अंडर सर्विस लेवल कांस्ट्रेंट। इलेक्ट्रॉनिक जर्नल ऑफ एप्लाईड स्टैटिकल एनालिसिस, *9*(1), 83-94.

जग्गी, सी. के., कार्डेनास– बैरोन, एल. ई., तिवारी, एस. एवं शफी, ए. ए. (2017). टू वेयरहाउस इंवेट्री मॉडल फॉर डिटेरियोरेटिंग आइटम विद इंपेक्ट क्वालिटी अंडर द कंडिशन्स ऑफ पर्मिसिबल डिले इन पेयमेंट्स। सेन्टिया इरानिका। ट्रांजेक्शन ई, इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग, *24*(1), 390-412.

जग्गी, सी. के., खन्ना, ए., एवं निधि, एन., (2016) इंपेक्ट ऑफ इंफ्लेशन एंड टाइम वेल्यू ऑफ मनी ऑन एन इंवेट्री सिस्टम विद डिटेरियोरेटिंग आइटम एंड पार्सियली बैकलोग्ड शॉर्टेज। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग कम्युटेशंस, *7*(2), 267-282.

जग्गी, सी. के., पारीख, एस., खन्ना, ए., एवं निधि, एन. (2016)। ऑप्टिमल रिप्लेनिसमेंट पॉलिसी फॉर फजी इंवेट्री मॉडल विद डिटेरियोरेटिंग आइटम एंड एलोवेबल शार्टेजेज अंडर इंफ्लेशनरी कंडीशन्स। युगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशन रिसर्च, *26*(4), 507-526.

जग्गी, सी. के., तिवारी, एस. एवं गोयल, एस. (2016) रिप्लेनिस्मेंट पॉलिसी फॉर नॉन इंस्टेनियर डिटेरियोरेटिंग आइटम इन ए टू स्टोरेज फेसिलिटीज अंडर इंफ्लेशनरी कंडिशंस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग कंप्युटेशंस, *7*(3), 489-506.

जग्गी, सी. के., तिवारी, एस. एवं गोयल, एस. के. (2017) । क्रेडिट फाइनेंसिंग इन इकोनोमीक ऑर्डरिंग पॉलिसिज फॉर नॉ इंस्टांनियस डिटेरियोरेटिंग आइटम विद प्राइस डिपेंडेंट डिमांड एंड टू स्टोरेज फेसिलिटी। अनल्स ऑफ आपरेशन रिसर्च, *248*(1-2), 253-280.

जग्गी, सी. के., यादावल्ली, वी. एस. एस. , शर्मा, ए. एवं तिवारी, एस. (2016)। ए फजी ईओक्यू मॉडल विद एलोवल शार्टेज अंडर डिफरेंट ट्रेड क्रेडिट आईटम. एप्लाइड मैथ इंफो. साइंस. *10*(2), 785-805.

झा, पी. सी., अग्रवाल, एस. एवं गुप्ता, . (2016) । आप्टिमल ड्यूरेशन ऑफ प्रोमोशन फॉर ड्यूरेबल टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट इन ए सेगमेंटेड मार्केट। जर्नल ऑफ प्रोमोशन मैनेजमेंट, *22*(5), 751-771.

झा, पी. सी., अग्रवाल, एस., गुप्ता, ए., एवं सरकार, आर. (2016)। मल्टी क्राइटेरिया मीडिया मिक्स डिसिजन मॉडल फॉर एडवरटाइजिंग ए सिंगल प्रॉडक्ट विद सेगमेंट स्पेसिफिक एंड मास मीडिया। जर्नल ऑफ इंडस्ट्रीयल एंड मैनेजमेंट ऑप्टिमाईजेशन, *12*(4), 1367-1389.

झा, पी. सी., अग्रवाल, एस., गुप्ता, ए., कॉल, ए. एवं कृष्णामूर्ति, एम. (2017)। मल्टीप्रोडक्ट डायनामिक एडवरटाइजमेंट प्लानिंग इन ए सेग्मेंटेड मार्केट। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ आपरेशन रिसर्च, *27*(2), 169-204.

खन्ना, डी., गर्ग, के., झा, पी. सी., और दायबत, ए., (2017)., इंटेग्रेटिंग डिएसेम्बली लाइन बैलेसिंग इन द प्लानिंग ऑफ ए रिवर्स लॉजिस्टिक्स नेटवर्क फ्राम द पर्सपेक्टिव ऑफ ए थर्ड पार्टी प्रोवाइडर. अनल ऑफ आपरेशन रिसर्च, *253*(1), 353-376.

कपूर, पी. के., सचदेवा, एन., एवं सिंह, ओ., (2017). ऑप्टिमल प्रोफिट फॉर मेनुफैक्चरर्स इन प्राडक्ट रिमेन्युफेक्चरिंग डिफ्युजन डायनॉमिक्स। जर्नल आफ इंडस्ट्रियल ऑफ प्राडक्शन इंजीनियरिंग, 1–12 डीओआईः 10.1080/21681015.2017.1295405.

कपूर, पी. के., श्रीवास्तव, के. ए., एवं सिंह, ओ.. (2017)। ह्वेन टू रिलिज एंड स्टॉप टेस्टिंग आफ ए सॉफ्टवेयर। जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी प्रोबेबलिटी एंड स्टेटिस्टीक्स, *18*(1), 19-37.

कॉल, ए., अग्रवाल, एस., गुप्ता, ए., दायमा, एन., कृष्णामूर्ति, एम., एवं झा, पी. सी. (2017)। ऑप्टिमल एडवरटाइजिंग ऑन ए टू डायमेंशनल वेब बैनर। इंटरनेशल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट। डीओई 10.1007/एस 13198-017-0590-जेड.

खन्ना, के., गौतम, पी. एवं जग्गी, सी. के. (2017)। इंवेट्री मॉडलिंग फॉर डिटोरियेरेटिंग इंपरफेक्ट क्वाइलिटी आईटम विद सेलिंग प्राइस डिपेंडेंट डिमांड एंड सोर्टेज बैक ऑडरिंग अंडर क्रेडिट फाइनेंसिंग । इरनेशनल जर्नल आफ मैथेमेटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेज, *2*(2), 110-124.

खन्ना, ए., किशोर, ए. एवं जग्गी, सी. के., (2016)। इंपेक्ट ऑफ इंफ्लेशन एंड ट्रेड क्रेडिट पॉलिसी ऑन एन इंवेंट्री मॉडल फॉर इंपरफेक्ट क्वालिटी आईटम्स विद एलावेबल शार्टेज। कंट्रोल एंड साइबरनेटिक्स में प्रकाशन के लिए स्वीकृत, *45*(1), 37-82.

खन्ना, ए., किशोर, ए., एवं जग्गी, सी. के. (2017)। इंवेट्री मॉडलिंग फार इंपरफेक्ट प्रॉडक्शन प्रोसेस विद इंस्पेक्शन एरर, सेल्स रिटर्न, एंड इंपरफेक्ट रिवर्क प्रोसेस। इंटरनेशनल जर्नल आफ मैथेमेटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेज,,*2*(42), 242-258.

खन्ना, ए., किशोर, ए., एवं जग्गी, सी. के. (2017) स्ट्रेटेजिक प्रोडक्शन मॉडलिंग फौर डिफेक्टिव आईटम्स विद इंपरफेक्ट इंस्पेक्शन प्रोसेस, रिवर्क एंड सेल्स रिटर्न अंडर टू लेवल ट्रेड क्रेडिट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग कंप्युटेशंस। *8*(1), 85-118.

खन्ना, ए., मित्तल, ए., गौतम, पी. एवं जग्गी, सी. के. (2016)। क्रेडिट फाइनेंसिंग फॉर डिटोरियेटिंग इंपरफेक्ट क्वालिटी आईटम्स विद एलोवेबल शार्टेज। डिसिजन साइंस लैटर्स, *5*(1), 45-60.

मनिक, पी., गुप्ता, ए., झा, पी. सी. एवं गोविंदन, के. (2016). ए गोल प्रोग्रामिंग मॉडल फॉर सेलेक्शन सेड्यूलिंग ऑफ एडवरटिजमेंट ऑन ऑनलाइन न्यूज मीडिया। एशिया–पेशेफिक जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, *33*(2), 1650012.

मेहलावत, एम. के. (2016), क्रेडिबलिस्टिक मीन–एंट्रोपी मॉडल फॉर मल्टी पोर्टफोलिया सेलेक्शन विद मल्टी च्वाइस आस्पिरेशन लेवल। इंफोर्मेशन साइंसेज. 345, 9-26.

मेहलावत, एम. के. एवं गुप्ता, पी. (2016)। ए न्यू फजी ग्रुप मल्टी क्राइटेरिया डिसिजन मेकिंग विद एन एप्लीकेशन टू द क्रिटिकल पाथ सेलेक्शन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड मैनुफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी 83, 1281-1296.

मित्तल, एम., जग्गी, सी. के. एवं खन्ना, ए., (2017)। रिटेलियेटर ऑर्डरिंग पॉलिसी फॉर डिटोरियेरेटिंग इंपर्फेक्ट क्वालिटी आइटम ह्वेन डिमांड एंड प्राइस आर टाइम–डिपेंडेंट अंडर इफ्लेशनरी कंडिशन्स एंड पर्मिसिबल डिले इन डिले इन पेयमेंट्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोक्योरमेंट मैनेजमेंट, *10*(4), 461- 494

सचदेवा, एन., कानपुर, पी. के. एवं सिंह, ओ. (2016). एन इन्नोवेशन डिफ्युशन मॉडल फॉर कंज्युमर ड्यूरेबल्स विद थ्री पैरामीटर्स। जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एनालिटिक्स। *3*(3), 240-265.

सचदेवा, एन., सिंह, ओ., कपूर, पी. के. एवं गलर, डी. (2016). मल्टी क्राइटेरिया इंस्टीट्यूशनिस्टिक फजी ग्रुप डिशिजन एनालिसिस विद टॉपसिस मैथड फॉर सेलेक्टिंग एप्रोप्रियेट क्लाउड सोल्युशन टू मैनेज बिग डाटा प्रोजेक्ट्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम इसोरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 7(3), 316-324.

श्रीवास्तव, पी. डब्लू, एवं गुप्ता, टी. (2017)। ऑप्टिमम मोडिफाइड रैंप स्ट्रेस एएलटी प्लान विद कॉर्पेटिंग काउजेज ऑफ फेल्युर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलियेबलिटी मैनेजमेंट, *34*(5), 733-746.

श्रीवास्तव, पी. डब्लू., एवं सविता (2016)। डिजाइन ऑफ रैंप स्ट्रेस एक्सीलेरेटेड लाइफ टेस्ट प्लान्स फॉर ए पैरेलल सिस्टम विद टू डिपेंडेंट कंपोनेंट्स, *12*(2), 241-248.

टंडन, ए., अग्रवाल, ए.जी. एवं निझवान, एन. (2016). एन एनएचपीपी एसआरजीएम विद चेंज प्वाइंट एंड मल्टीपल रिलिजेज. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफार्मेशन सिस्टम इन दी सर्विस सेक्टर, *8*(4), 57-68.

तिवारी, एस., कार्डेनेस –बैरोन, एल. ई., खन्ना, ए. एंड जग्गी, सी. के. (2016). इंपेक्ट आफ ट्रेड क्रेडिट एंड इंफ्लेशन ऑन रिटेलर्स आर्डरिंग पालिसिज फार नॉन इंस्टेंटेन्यस डिटेरियोरेटिंग आईटम इन ए टू वेयरहाउस एनवायरमेंट. इंटरनेशनल जर्नल आफ प्रोडक्शन इकोनॉमिक्स, *176*, 154-169.

तिवारी, एस., काडेनास– बैरोन, एल. ई., खन्ना, ए. और जग्गी, सी. के. (2016)। इंपेक्ट आफ ट्रेड क्रेडिट एंड इंफ्लेशन ऑन रिटेलर्स आर्डरिंग पालिसिज फार नॉन इंस्टेंटेन्यस डिटेरियोरेटिंग आईटम इन ए टू वेयरहाउस एनवायरमेंट. इंटरनेशनल जर्नल आफ प्रोडक्शन इकोनॉमिक्स, *176*, 154-169.

संकाय सदस्य जो संपादक मंडल में संपादक/सदस्य के रूप में कार्य कर रहे हों

प्रोफेसर चन्द्र के. जग्गीः

- संस्थापक मुख्य संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंवेट्री कंट्रोल एंड मैनेजमेंट, द एसोसियेसन फॉर द एडवांस्मेंट इन कॉम्बिनेटोरियल साइंस द्वारा प्रकाशित।
- मुख्य संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन मैथेमेटिकल एंड स्टैटिस्टीकल साइंसेज, अंतरराष्ट्रीय विज्ञान, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संबंधी वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन द्वारा प्रकाशित।
- संपादक, अंतरराष्ट्रीय जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, स्प्रिंगर।
- एसोसिएट संपादक, द जीएसटीएफ जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स, स्टैटिस्टीक्स एंड ऑपरेशंस रिसर्च।
- सदस्य, संपादक मंडल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम साइंसः ऑपरेशंस एंड लॉजिस्टिक्स, टेलर एवं फ्रांसिस.
- सदस्य, संपादक मंडल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्विसेज आपरेशंस एंड इफोर्मेटिक्स, इंडरसाइंस पब्लिसर्स लिमिटेड.सदस्य, संपादक मंडल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्विसेज आपरेशन एंड इफोर्मेटिक्स, इंडरसाइंस पब्लिसर्स लिमिटेड.
- सदस्य, संपादक मंडल, अमेरिकन जर्नल आफ ऑपरेशनल रिसर्च.
- सदस्य, संपादक मंडल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एन्टरप्राइज कंप्युटिंग एंड बिजनेस सिस्टम।
- सदस्य, संपादक मंडल, रिसर्च जर्नल आफ मैनेजमेंट साइंसेज, इंटरनेशनल साइंस कांग्रेस एसोसिएशन।

प्रो. पंकज गुप्ताः

सह संपादक, इंफॉर्मेशन साइंसेज (एल्सेवियर).

सह संपादक, आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन फजी सिस्टम (आईईईई कम्प्युटेशनल इंटेलिजेंस सोसाइटी).

संपादक, एप्लाईड साफ्ट कंप्युटिंग (एल्सेवियर).

डॉ. आदर्श आनंद:

सह संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस एंड इंजीनियरिंग मैनेजमेंट (स्प्रिंगर).

संपादकीय समीक्षा बोर्ड, एमिटी जर्नल ऑफ आपरेशन मैनेजमेंट– एन इंटरनेशनल, बायएनुअल, रेफर्ड जर्नल आफ आपरेशन मैनेजमेंट.

संपादक मंडल सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंस.

अनुसंधान परियोजना

वर्ष 2014–18 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से डीएसटी– पीयूआरएसई चरण दो अनुदान 25 लाख रूपए।

आयोजित सेमीनार/ सम्मेलन

डॉ. मुकेश कुमार मेहलावत, आयोजन सचिव, 24 फरवरी, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के संचालन अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित डाटा विज्ञान और वृहद डाटा विश्लेषण पर कार्यशाला।

डॉ. आदर्श आनंद, आयोजन सचिव, दिनांक 25 फरवरी, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में संचालन अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित कारोबार विश्लेषण और बौद्धिकता संबंधी कार्यशाला।

सेमिनार/ सम्मेलन प्रस्तुतिकरण

पंकज गुप्ताः

को दिनांक 11 जनवरी, 2017 को भारतीय सांख्यिकी संस्थान द्वारा आयोजित गणितीय प्रोग्रामिंग एवं गेम सिद्धांत पर विचार गोष्ठी में ''संभाव्यता अनुकूलन'' विषय पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया।

7 जनवरी, 2017 को केआईईटी, गाजियाबाद, भारत द्वारा आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी सीमांत संबंधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''संभाव्यता अनुकूलन'' विषय पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया।

दिनांक 5 जुलाई, 2016 को कैपिटल यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस, बीजिंग, चीन द्वारा आयोजित ''बहु मानदंड निर्णय निर्धारण'' संबंधी विषय पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया।

अनु जी. अग्रवालः

एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में 2017 में आयोजित ''अंतर्विषयक अनुसंधान संबंधी संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इंफोकॉम प्रौद्योगिकी और कारोबारी परिचालन संबंधी 8 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''मल्टी रिलिज ओपन सोर्स साफ्टवेयर सिस्टम हेतु चेंज प्वाइंट आधारित विश्वसनीयता विकास मॉडल'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में 2017 में आयोजित अंतर्विषयक अनुसंधान संबंधी संयुक्त अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इंफोकॉम प्रौद्योगिकी और कारोबारी परिचालन संबंधी 8 वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''आप्टिमल रिलिज टाइम एंड वारंटी फॉर ए सॉफ्टवेयर सिस्टम इंकोर्पोरेटिंग एंवायरामेंट फैक्टर'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में 2017 में आयोजित ' अंतर्विषयक अनुसंधान संबंधी संयुक्त अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इंफोकॉम प्रौद्योगिकी और कारोबारी परिचालन संबंधी 8 वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''मल्टी रिलिज रिलेयब्लिटी ग्रोथ मॉडलिंग फॉर ओपन सोर्स साफ्टवेयर अंडर इंपरफेक्ट डिबगिंग'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

बिम्टेक, ग्रेटर नोएडा में 2017 में आयोजित किए गए ''भारतीय संचालन अनुसंधान सोसाइटी के 49वें वार्षिक सम्मेलन तथा संचालन अनुसंधान में विश्लेषण के संबंध में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन'' में ''रिलेब्लिटी ग्रोथ एनालिसिस फॉर मल्टी रिलिज ओपन सोर्स साफ्टवेयर सिस्टम विद चेंज प्वाइंट'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

बिम्टेक, ग्रेटर नोएडा में 2017 में आयोजित किए गए ''भारतीय संचालन अनुसंधान सोसाइटी के 49वें वार्षिक सम्मेलन तथा संचालन अनुसंधान में विश्लेषण के संबंध में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन'' में ''रैंकिंग बी2सी ई–कामर्स वेबसाइट ऑन द बेसिस आफ सक्सेस फेक्टर्स यूजिंग एएचपी एंड टीओपीएसआईएस'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अदिति खन्ना:

16–17 मार्च, 2017 के दौरान स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज, विवेकानंद इंस्टीच्युट ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, दिल्ली में आयोजित ''विज्ञान, प्रौद्योगिकी, संचालन अनुसंधान और प्रबंधन में मूलभूत अनुसंधान विश्लेषण'' में ''एन इंटेग्रेटेड मॉडल फॉर डिटेरियोरेटिंग आइटम्स विद प्राइस सेंसिटिव डिमांड एंड प्रीजर्वेशन टेक्नोलाजी अंडर पार्सियल बैकलॉगिंग'' विषय पर भाषण दिया।

दिनांक 11– 2017 के दौरान सांख्यिकी विभाग, एम. डी. विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय अनुकूलन तकनीक सम्मेलन'' में ''इकॉनोमिक प्रोडक्शन क्वांटिटी मॉडल विद डिफेक्टिव्स, इंस्पेक्शन एरर एंड इंपरफेक्ट रिवर्क प्रोसेस'' विषय पर भाषण दिया।

आदर्श आनंद:

23–25 अगस्त, 2017 के दौरान सेंट पीटरबर्ग पोलिटेक्नीक यूनिवर्सिटी, रूस में आयोजित ''क्वालिटी एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड इंटरडिसिप्लीनरी रिसर्च (आईसीक्यूएईआईआर–2017)'' संबंधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लिया।

ने दिनांक 8–10 फरवरी, 2017 के दौरान एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में अंतर्विषयक अनुसंधान संबंधी संयुक्त अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा गुणवत्ता, विश्वसनीयता, इंफोकॉम प्रौद्योगिकी और कारोबारी परिचालन संबंधी 8 वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाषण दिया।

एम.फिल./ पीएच.डी. डिग्री

पीएच.डी. – 06

एम.फिल. – 15

संकाय सदस्यों की संख्या – 12

***

सांख्यिकी

प्रमुख क्रियाकलाप एवं उपलब्धियां

सांख्यिकी विभाग सांख्यिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षण कार्य करने में शामिल रहा है। इसने अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रूप से योगदान देने के लिए सांख्यिकी की ताकत और कम्प्यूटर के ज्ञान का इस्तेमाल किया है। इस विभाग का बल मूलभूत और प्रयुक्त अनुसंधान को करना और सांख्यिकी विषय में प्रशिक्षित

लोगों को तैयार करना है। विभाग तीन डिग्री अभिमुखी पाठ्यक्रम चलाता है यथा एम.ए./एम.एससी. सांख्यिकी, एम. फिल. एवं पीएचडी. जिनके सिलेबस में सांख्यिकी के विभिन्न क्षेत्रों में उभरते मुख्य क्षेत्रों को शामिल किया गया है। विभाग भारत और विदेश से प्रसिद्ध लोगों को बुलाकर विशेष बातचीत सभाओं का भी आयोजन करता है। लब्धप्रतिष्ठित प्रोफेसरों ने संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ अनुसंधान कार्यों पर बातचीत करने और विचारों के आदान प्रदान के लिए विभाग का दौरा किया है। विभाग ने प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों/संगठनों में छात्रों के उपयुक्त नियोजन में एक महान सफलता हासिल की है।

प्रकाशन

सिंह, पी., थपिलियाल, पी. और बुधराजा, वी. (2016). ए टेक्नीक टू कंस्ट्रक्ट लीनियर ट्रेंड फ्री फ्रेक्सनल डिजाइन यूजिंग सम लीनियर कोड्स। इंटरनेशल जर्नल ऑफ स्टेटिस्टीक्स एंड मैथेमेटिक्स, *3*(1), 73-81.

सिंह, पी., थपिलियाल, पी., और बुधराजा, वी. (2016). कंस्ट्रक्शन ऑफ लिनियर ट्रेंड फ्री फ्रेक्शनल फेक्टोरियल डिजाइन यूजिंग लिनियर कोड्स। इंटरनेशनल जर्नल आफ एग्रीकल्चर एंड स्टैटिकल साइंस. *12*(1), 13-19.

सिंह, पी., झा, एम. के. और प्रियदर्शनी, जी. (2016)। नेस्टेड क्रासओवर डिजाइन्स। मॉडल एसिस्टेड स्टैटिस्टीक्स एंड एप्लीकेशन, *11*, 247—259.

सिंह, पी., झा, एम. के. और प्रियदर्शनी, जी. (2016)। पार्टिशियली बैलेंस्ड क्रास ओवर डिजाइन फार कंज्यूमर ट्राइल्स। श्री लंकन जर्नल आफ एप्लाइड स्टैटिस्टीक्स, *17*(2), 71-85.

चतुर्वेदी, ए. और नंदचहल, एस. (2016)। श्रिंकेज एस्टीमेटर ऑफ द रिलाइब्लिटी कैरेक्टेरिस्टीक्स ऑफ ए फैमिली ऑफ लाइफटाइम डिस्ट्रीब्यूशन, स्टैटिस्टिका। *LXXVI* (1), 1-26.

चतुर्वेदी, ए. और व्यास, एस. (2017)। एस्टीमेंशन एंड टेस्टींग प्रोसीड्यूर फॉर द रिलेब्लिटी फंक्शन ऑफ एक्सपोनेशिएटेड डिस्ट्रीब्यूशन्स अंडर सेंसरिंग्स. स्टेटिसटिका, *77* (1), 13-31.

चतुर्वेदी, ए. और मल्होत्रा, ए. (2017)। इंटरफेरेंस ऑन द पैरामीटर्स एंड रिलेब्लिटी कैरेक्टिरिस्टिक आफ थ्री पैरामीटर बर डिस्ट्रीब्यूशन बेस्ड ऑन रिकार्ड्स। एप्लाइड मैथेमेटिक्स एंड इंफोर्मेशन साइंस, *11*(3), 1-13.

चतुर्वेदी, ए.. और कुमारी, टी. (2017)। रोबस्ट बेएशियन एनालिसिस ऑफ जेनेरलाइज्ड हाफ लॉजिस्टिक डिस्ट्रीब्यूशन। स्टैटिस्टीक्स, ऑप्टीमाइजेशन एंड इन्फार्मेशन कम्प्युटिंग, *5*, 158-178.

चतुर्वेदी, ए. और नंदचहल, एस. (2017)। श्रिंकेज एस्टीमेटर ऑफ द रिलाइब्लिटी कैरेक्टेरिस्टीक्स ऑफ जेनेरालाइज्ड हाफ लॉजिस्टिक डिस्ट्रीब्यूशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लिंग्विस्टिक्स एंड कंप्युटेशनल एप्लिकेशंस, *1*, 29-36.

स्वाईं, पी. के. , ग्रोवर, जी., चक्रवर्ती, एस., गोयल, के., और सिंह, वी. (2017), एस्टीमेशन आफ नम्बर आफ इन्वोल्भ्ड लैम्फ नोड्स इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट यूजिंग बेएशियन रिग्रेशन एप्रोच. जे. स्टेट. लेट., अमेरिका, *4*(1), 17-25.

ग्रोवर, जी., गोयल, के., और सेठ, डी. (2017)। एप्लिकेशन ऑफ यूनिवेरियेट फ्रेलिटी मॉडल्स इन मॉडलिंग सर्वाइवल डाटा विद द क्योर्ड फ्रेक्शन, जर्नल आफ एप्लाईड क्वान्टेटिव मेथड, आईलेली, *11*(4).

स्वाईं, पी. के. , ग्रोवर, जी., और गोयल, के (2016)। मिक्सचर एंड नॉन मिक्चर क्योर फ्रेक्शन मॉडल्स बेस्ड ऑन जेनरलाइज्ड गोम्पर्टज डिस्ट्रीब्यूसन अंडर बेएशियन एप्रोच। टेट्रा माउटेंस मैथेमेथिकल पब्लिकेशंस, स्लोवाकिया, *66*, 121-135.

गुप्ता, वी. के., ग्रोवर, जी., और अरोड़ा, एम. (2016). ट्रेंड इन बीएमआई जेड–स्कोर अमंग प्राइवेट स्कूल्स स्टुडेंट्स इन दिल्ली यूजिंग मल्टीपल इम्युटेशन फॉर ग्रोथ कर्व मॉडल. एपीडोमिओलॉजी, बायोस्टेटिसटिक्स एंड पब्लिक हैल्थ, *13*(2), ई 11836(1-8).

ग्रोवर, जी., गुप्ता, वी. के. और कुमार, पी. (2016). एस्टीमेंशन ऑफ सब डिस्ट्रीब्यूशन हैजार्ड रेसियो ऑफ एचआईवी/ एड्स पेसेंट्स फॉर इंटरवल सेंसर्ड डाटा विद लॉस टू फोलो अप एस ए कंपिटींग रिस्क. जे. कम्युन. डिस., *48*(3), 22-28.

स्वाईं, पी. और ग्रोवर, जी., (2016) . डिटरमिनेशन ऑफ प्रेडिक्टर्स एसोसिएटेड विद एचआईवी/ एड्स पेशेंट्स ऑन एआरटी यूजिंग एक्सीलिरेटेड फेल्योर टाइम मॉडल फॉर इंटरवल सेंसर्ड सर्वाइवल डाटा. अमेरिकन जर्नल ऑफ बायोस्टेटिक्स (यूएसए), *61*, 12-19.

सरण, जे. और नैन, के. (2016). रिकरेंस रिलेशंस फॉर मार्जिनल एंड ज्वाइंट मोमेंट एंड ज्वाइंट मोमेन्ट जेनरेटिंग फंक्शंस ऑफ जेनेरलाइज्ड आर्डर स्टेटिटिक्स फ्राम ए न्यू क्लास ऑफ परेटो डिस्ट्रीब्यूशन. जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिकल थ्योरी एंड एल्पीकेशंस, *15*(3), 259-272.

सरण, जे., पुस्करना, एन. और तिवारी, आर. (2016). रिलेशनशिप्स फॉर मोमेंट ऑफ जेनरलाइज्ड आर्डर स्टैटिसटिक्स फ्रॉम ए जेनरल क्लास ऑफ डिस्ट्रीब्यूसन. प्रोबस्टेट फोरम, *09*, 80-87.

पांडेय, आर., यादव, के. और एन. एस. ठाकुर (2016). एडॉप्टेड फैक्टर टाइप इंप्युटेशन स्ट्रेटजीज. जर्नल आफ साइंटिफिक रिसर्च, *8*(3), 321-339.

पांडेय, आर., यादव, के. (2016). एन अल्टर्नेटिव क्लास ऑफ एक्सपोनेशियल रेसियो प्रोडक्ट टाइप मीन इम्पुटेशन यूजिंग ऑक्जलरी इंफोर्मेशन. जर्नल ऑफ एप्लाड प्रोबेब्लिटी एंड स्टेटिस्टीक्स. *11*(2), 125-141.

पांडेय, आर., और यादव, के. (2016). मीन स्टेमिनेशन अंडर इंप्युटेशन बेस्ड ऑन टू हेज सैंप्लिंग डिजाइन यूजिंग एन ऑक्सलरी वेरियेबल. पाकिस्तान जर्नल ऑफ स्टेटिस्टीक्स एंड ऑपरेशन रिसर्च *12*(4), 639-658.

पांडेय, आर., और कुमारी, एन. (2016). ए न्यू लाइफ टाइम डिस्ट्रीब्युशन फॉर मॉडलिंग मोनोटोनिक डिक्रिजिंग सर्वाइवल पैटर्न्स. जर्नल आफ रिलियेब्लिटी एंड स्टेटिस्टीकल स्टडीज, *9*(2), 53-70.

पांडेय, आर., और कौर, सी. (2017). स्पेशियल एनालिसिस ऑफ फैक्टर्स इंफ्युएंसिंग बर्थ पैटर्न्स इन द स्टेट्स आफ इंडिया. जर्नल आफ साइंटिफिक रिसर्च, *9*(1), 43-56.

आयोजित सेमिनार (चयनित)

प्रो. आर. के. नरेन्द्र सिंह, जैव सांख्यिकी एकक, क्षेत्रीय गणितीय विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस), इंफाल, 19 दिसम्बर, 2016 को ''अनुसंधान संबंधी समस्या की पहचान और जर्नल के प्रभावकारी कारक'' विषय पर।

प्रो. सुब्रत कुंडू, सांख्यिकी विभाग, जार्ज वांशिगटन विभाग, वांशिंगटन डीसी, अमेरिका में 19 जनवरी, 2017 को ''ए न्यू एप्रोच टू मॉडलिंग साफ्टवेयर रिलेब्लिटी अंडर इंपरफेक्ट डिबगिंग'' विषय पर।

प्रोफेसर आर. एम. पांडेय, जैव सांख्यिकी विभाग, एम्स दिल्ली, 23 जनवरी, 2017 को ''क्लिनिकल ट्राइल एंड सैंपल साइज डिटर्मिनेशन'' विषय पर।

प्रोफेसर रमेश गुप्ता, गणित और सांख्यिकी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ माइन, अमेरिका द्वारा 21 फरवरी, 2017 को '' जनरल फ्रेलिटी मॉडल इन सर्वाइवल एनालिसिस'' विषय पर।

श्री ओंकार राय, महानिदेशक, एसटीपीआई, ''आईटी क्षेत्र में सांख्यिकी की भूमिका'' पर दिनांक 10 फरवरी, 2017 को सेमीनार.

श्री राज नेहरू, उप कुलपति, हरियाण विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, द्वारा 10 फरवरी, 2017 को ''सांख्यिकी और विश्लेषण'' विषय पर।

सेमिनार/ सम्मेलन प्रस्तुतिकरण

रंजीता पांडेय:

29–31 अगस्त, 2016 को सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय , वाराणसी एवं भारतीय गणित मॉडलिंग एवं सिमुलेशन अकादमी अकादमी, आईआईटी, कानपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित गणितीय मॉडलिंग एवं सिमुलेशन पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ''एक्प्लोरिंग स्पैटियल डायमेंशंस ऑफ बर्थ इन इंडियाः 1985–2011'' के संबंध में

शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

दिनांक 7–9 दिसम्बर, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्थिक विकास संस्थान में आईएएसपी द्वारा आयोजित भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ के 37 वें वार्षिक सम्मेलन में ''प्रोपोजिंग ए मॉडल फॉर बर्थ इन इंडिया'' पर शोध प. प्रस्तुत किया।

नियोजन संबंधी ब्यौरा

नियोजित छात्रों की संख्या ा – 49 (95%)

भर्ती के लिए कैंपस आने वाली कंपनियों की संख्या – (24)

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

नए बैच के लिए विषयबोध कार्यक्रम

एम.ए. /एम.एससी. के छात्रों के नियोजन के लिए विषयबोध कार्यक्रम

30 जनवरी, 2017 को ज्ञान साझा करने के लिए सत्र

10 जनवरी, 2017 से वस्त्र संग्रहण अभियान

नृजाति दिवस समारोह

सरस्वती पूजा/ बसंत पंचमी समारोह

बनावटी नियोजन अभियान

10 फरवरी, 2017 को हैरिटेज वाक

व्यक्तित्व विकास कार्यशालाः श्री रोनाल्ड पिंटो

सुश्री कल्पना मिश्रा, रक्षा मंत्रालय, दिनांक 14 जनवरी, 2017 को ''महिला हितैषी संवेदनशीलता और संप्रेषण कौशल'' के लिए।

पीएचडी/ एम. फिल.

पी एचडी. – 04

एम. फिल.– 01

संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी –05

तदर्थ –04

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

विभाग के पास स्वयं का क्रेडेन्स नामक एक नियोजन प्रकोष्ठ, जिसे वर्ष 2004 में सृजित किया गया था, जिसका उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में एम.ए./ एम.एससी. कर रहे छात्रों को नियोजन के लिए एक मंच प्रदान करना है। क्रेडेंस के माध्यम से छात्रों को कार्पोरेट की दुनिया में संगठनों के माध्यम से परस्पर रूबरू होने का अवसर प्राप्त होता है। प्रत्येक वर्ष लगभग 75 से 80 प्रतिशत छात्रों को नियोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से नियोजित किया जाता है। वर्ष 2016–17 में इस नियोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से 95 प्रतिशत छात्रों को नियोजित किया गया। विभाग की अपनी एक वेबसाइट हैः statistics.du.ac.in. नियोजन प्रकोष्ठ, संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों और विभाग के कर्मचारियों, विभाग द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों, सिलेबस और अन्य संबंधित सूचना को विभाग की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है।

विभाग के पास दो सुव्यवस्थित पूर्ण कंप्युटर प्रयोगशालाएं हैं जहां छात्रों और अनुसंधानकर्ताओं के इस्तेमाल के लिए अद्यतन सुविधाएं हैं।

*****

चिकित्सा विज्ञान संकाय

शरीर रचना विज्ञान(यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

डॉ. रेनु चौहान ने यूसीएमएस के स्त्री रोग विज्ञान और प्रसूति विज्ञान विभाग द्वारा *प्लेसेंटा अक्रेटा* संबंधी पुस्तक के लिए एनाटॉमी एंड एब्रियोलोजी ऑफ प्लेसेन्टा पर एक अध्याय लिखने में योगदान दिया। वह जर्नल ऑफ एनाटॉमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की समीक्षक बनीं। शवों का विच्छेदन शुरू करने से पहले बैच 2016–17 के एमबीबीएस विद्यार्थियों द्वारा शवदायी शपथ ली गई। शवों हेतु नए प्रवेशकों में सम्मान पैदा करने के लिए यूसीएमएस में पहली बार यह प्रणाली शुरू हुई थी। यूसीएमएस द्वारा एनाटॉमी विभाग में शवदायी दान की योजना बनाई जा रही है। एनाटॉमी विभाग, यूसीएमएस का संग्रहालय यूसीएमएस के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लाभ के लिए पुनर्निर्मित किया गया था।

प्रकाशन

झा, एस. (2016). बाल चिकित्सा तीव्र लिम्फोब्लास्टिक लेयुकिमिया के साइटोजेनेटिक अध्ययन में 48 घंटे बनाम 24 घंटे कल्चर पद्धति की तत्काल प्रभावकारिता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनाटॉमी एंड रिसर्च, 4 (4), 3175–78.

झा, एस., कुमार, डी., कौल, जे.एम., सिंह, टी.,दुबे, ए.पी. (2017). बाल चिकित्सा आयु वर्ग में तीव्र लिम्फोब्लास्टिक लेयुकिमिया के मामलों में साइटोजेनेटिक पैटर्न प्रोफाइलिंग। जर्नल ऑफ दि एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, 66, 48–53.

कालरा, एस., थमके, एस., खंडेलवाल, ए., खुरवाल, जी. (2016). कोरोकोइड प्रक्रिया और ग्लेनॉयड केविटी का मॉर्फोमेट्रिक विश्लेषण और सर्जिकल शरीर रचना विज्ञान। जर्नल ऑफ दि एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, 65(2), 114–117.

खुरवाल, जी., चौहान, आर., नागर, एम. (2017). अल्बिनो चूहों में यकृत पर साइक्लोफोस्फॉमाइड का प्रभाव : एक तुलनात्मक खुराक पर निर्भर हिस्टोमोर्फोलॉजिकल अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमेडिकल और एडवांस रिसर्च, 8(03), 102–107.

खुरवाल, जी., कालरा, एस. (2016). हेटरोटोपिक ऑसिफिकेशन अथवा रेडियस में असामान्य रंध्र ? इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मेडिकल साइंसेज, 4(12), 5510–5512.

एस्काकियामल, एन., खिजेर हुसैन अफ्रोज, एम., चौहान, आर., सुब्रमण्यम, एम., बालाजी टी.के., शैक, अजमतुल्ला. (2016). कुंटज की तंत्रिका के एनाटॉमिकल वैरिएंट्स तथा इसकी क्लिनिकल और सर्जिकल इम्प्लिकेशन्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनाटॉमी एंड रिसर्च, 4(2), 2502–07.

एस्काकियामल, एन., चौहान आर. (2016). गौण ग्रीवा कशेरुकाओं में सामान्य रंध्र ट्रांसवेरसेरियम की उपस्थिति का नैदानिक महत्व, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मेडिसिन, 4(12), 5231–5236.

नागपाल, एच., चौहान, आर. (2016). मूत्रवाहिनी के अपूर्ण द्विगुणन के साथ एकांगी डुप्लेक्स संग्रह प्रणाली – एक केस रिपोर्ट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मेडिकल साइंसेज, 5(5), 2254–2256.

सुमन, कालरा, एस., टिग्गा, एस.आर. (2016). अनडक्यूमेंटेड वैरिएंट ब्रांचिंग पैटर्न ऑफ आक्जिलरि अर्टरि। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मेडिकल साइंसेज, 4(11), 5068–5070.

थमके, एस., कालरा, एस., खंडेलवाल, ए. (2016). शुक्राणु साइनसेस का मोरफोमेट्रिक मूल्यांकन : सर्जिकल इंटरवेंशन्स में इसके इम्प्लिकेशन के साथ एनाटॉमिकल अध्ययन। जर्नल ऑफ मॉर्फोलॉजिकल साइंसेज, 3(2), 83–89.

सेमिनारों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

रेनु चौहान, 22 मार्च, 2017 को यूसीएमएस, दिल्ली में आयोजित ऑर्गनम डोनम संगोष्ठी में स्पीकर थीं।

सुनीता कालरा ने 29 नवंबर, 2016 को एआईएमएस, जोधपुर में एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 64वें राष्ट्रीय सम्मेलन में एनाटॉमी ऑफ कोरकोइड प्रक्रिया और ग्लेनॉयड गुहा एक मार्फोमेट्रिक अध्ययन पर पोस्टर प्रस्तुतिकरण किया।

गीतांजलि खोरवाल ने 20–21 फरवरी, 2017 को मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली में भ्रूण, शव परीक्षण और शव–चिकित्सा कौशल पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

राखी शर्मा, डॉ. रेनु चौहान ने 29 नवंबर, 2016 को एआईएमएस, जोधपुर में एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 64वें राष्ट्रीय सम्मेलन में अनोमालॅस ओरिजिन ऑफ पैनक्रिएटिकोडोडायनल अर्टरि : एक केस रिपोर्ट पर पोस्टर प्रस्तुतिकरण किया।

शर्मा आर., मिश्रा एस., कौल जे.एम., मानव गर्भ में खास प्रणाली के न्यूक्लियस(एनएसटी) के रोस्टरल भाग के विकास पर एक न्यूरोहिस्टोलॉजिकल अध्ययन। 29 नवंबर, 2016 को एआईएमएस, जोधपुर में एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 64वें राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुतिकरण में मौखिक प्रस्तुतिकरण।

सुनीता कालरा 29 नवंबर, 2016 को एआईएमएस, जोधपुर में एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 64वें राष्ट्रीय सम्मेलन में चिकित्सा शिक्षा के एक सत्र में अध्यक्ष थीं।

संकाय संख्या

प्रोफेसर – 2

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संकाय और रेजिडेंट्स (2 संकाय सदस्य और 5 रेजिडेंट्स) की भारी कमी के बावजूद एमबीबीएस; बीएससी. (फिजियोथेरेपी); बीएससी(रेडियोलॉजी); एमएलटी हेतु सत्र 2016–17 के लिए शैक्षणिक कार्य सफलतापूर्वक प्रबंधित हो सके।

डॉ. रेनु चौहान यूसीएमएस के ऑरगेनम डोनम बॉडी की संकाय सलाहकार हैं।

+++

एनास्थेसियोलॉजी (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

विभाग प्रत्येक महीने सीपीआर कार्यशालाओं; प्रत्येक वर्ष पीटीटी पाठ्यक्रम; सीएमई–एम्बुलेटॅरि; मासिक आईएसए नैदानिक बैठक में वैज्ञानिक प्रस्तुतियों का आयोजन करता है। अक्टूबर, 2016 में एनेस्थिसियोलॉजी विभाग द्वारा एलएचएमसी में एसीएलएस पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रकाशन

शर्मा, आर. (2017). कठिन मामलों में एन्डोट्रैचियल ट्यूब्स के ट्रेशियल प्लेसमेंट की पुष्टि करने के लिए बैकवर्ड अपवर्ड राइटवर्ड दबाव (बीयूआरपी) और इष्टतम बाहरी स्वरयंत्र(लेरिंजल) मैनिपुलेशन(ओईएलएम) का उपयोग। दि जर्नल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन, 52(6), 883.

शर्मा, आर. (2017). कफ इफ्लेशन तथा गम–इलास्टिक–बोगी का उपयोग कर कैप्नोग्राफी–असिस्टेड नासोट्रेचियल इंटुबैक्शन। दि जर्नल ऑफ इमरजेंसी मेडिसीन, 53(1), 139–40.

शर्मा, आर., बैरागी, एस., दास, एस., कुमार, जे.(2017). एमफोटेरिसिन राइनो–ऑर्बिटो–सेरेब्रल मुकार्मिस्कोसिस वाले मधुमेह रोगी में हाइपोकालेमिया प्रेरित करता है। एनास्थेसिया दर्द और गहन देखभाल, 21(1), 90–93.

शर्मा, आर., गुलिया, ए. (2017). गतिशील वायुमार्ग बाधा का एक असामान्य कारण। दि जर्नल ऑफ की इमरजेंसी मेडिसिन, प्रकाशन चरण : प्रेस में, सही प्रूफ ऑनलाइन प्रकाशित। डीओआई : http://dx.doi.org/10.101/j.jemermed. 2017.04.030.

शर्मा, आर., कौशल, वी., त्यागी, वी., मित्तल, ए. (2017). फाइबर ऑप्टिक इंटुबैशन के विफल होने के बाद बड़ी सुपराग्लोटि्टक वृद्धि वाले एक बच्चे में एयरवे प्रबंधन। बाल चिकित्सा अनुभाग में नैदानिक (क्लिनिकल) संचार के रूप में स्वीकार किया गया, दि जर्नल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन, प्रेस में, सही प्रूफ ऑनलाइन 02 सितंबर, 2017 को प्रकाशित। PubMed : 28874303 डीओआई : 10.1016/j.jemermed . 2017.06.036.

शर्मा, आर., भारती, वी., बैरागी, एस., रानी, डी. (2017). ट्रेचीओस्टोमाल माययासीस। चेतावनी(ए वर्ड ऑफ कॉशन)। इंडियन जर्नल ऑफ एनास्थेसिया।

हयारान, एन., सारदाना, आर., नंदिनी, एच., जैन, ए.जे. (2017). स्थानीय संवेदनाहारी विषाक्तता की असामान्य प्रस्तुति। जर्नल ऑफ का क्लिनिकल एनास्थेसिया, 36, 36–38.

हयारान, एन., गोयल, एन., जॉय, एस. जैन, ए.जे. (2017). केंद्रीय शिरापरक मूत्रनिस्सारक (कैथेटर) की कोयलिंग : एक दुर्लभ और रोकथामपूर्ण जटिलता। एनास्थेसिया : निबंध और शोध, 11(3), 773–775.

फैसल, आई., गंजु, पी., गर्ग, डी., बत्रा, यू. बी., श्रीवास्तव, ए. के., सिंह, एच. (2017). मस्तिष्क ट्यूमर वाले दो रोगियों में फीनीटोइन–प्रेरित घातक औषध प्रतिक्रियाएं : हमारे नियमित एंटीकॉनवुल्संट उपयोग के बारे में पुनः सोचने की आवश्यकता है। न्यूरोलॉजी इंडिया, 65, एस 95–7.

कोहली, पी. (2016)., ओपिओयड प्रेरित हाइपरल्जेसिया। आईएसएकॉन में एनास्थेसिया ईयर बुक–6, 2016 में जारी किया गया।

सिंह, आर. (2016)., सिंड्रोमिक शिशुओं के भंग तालु (क्लैप्ट पैलेट) में एनेस्थैटिक चुनौतियां। आईएसएकॉन में एनास्थेसिया ईयर बुक–6, 2016 में जारी किया गया।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. उषा साहा और डॉ. राधिका अग्रवाल, परियोजना, पूर्व–मौजूदा हृदयवाही रोग वाले मरीजों में पोस्टऑपरेटिव रुग्णता एनेस्थेसिया के तहत वैकल्पिक सर्जरी के दौर से गुजर रही है।

डॉ. अजय कुमार और डॉ. नितिन हायारान, परियोजना, एकल शॉट ब्रांचियल प्लिक्सस ब्लॉक के बाद न्यूरोलॉजिकल जटिलताओं के एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

डॉ. एस. के. सिन्हा तथा डॉ. राजीव शर्मा, परियोजना, सर्जरी के दौर से गुजर रहे मरीजों में केन्द्रीय शिरापरक कैथीटेराइजेशन के सूक्ष्मजीवविज्ञानी परिणामों का अध्ययन। डॉ. राधिका अग्रवाल और डॉ. उषा साहा, परियोजना, गैर–प्रसूति शल्य प्रक्रियाओं के दौर से गुजर रहे वयस्क मरीजों में सामान्य एनास्थेसिया के दौरान जागरूकता।

डॉ. प्रमोद कोहली और डॉ. मैत्री पांडे बनर्जी, परियोजना, वयस्कों में लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के बाद सामान्य एनास्थेसिया से रिकवरी का मूल्यांकन करने के लिए संशोधित एल्डेस्ट्रे स्कोर तथा फास्ट–ट्रैक मानदंड का अध्ययन।

डॉ. मैत्री पांडे और डॉ. प्रमोद कोहली, परियोजना, सामान्य एनास्थेसिया के तहत सर्जरी के बाद नियोनैट्स में परिणाम की भाविष्यवाणी करने के लिए प्रीऑपरेटिव जोखिम स्कोर्स का अध्ययन।

डॉ. रंजु सिंह और डॉ. अरुणा जैन, परियोजना, सुबराचानोइड ब्लॉक के तहत सीजेरियन डिलिवरी के बाद पोस्टऑपरेटिव दर्द से राहत का अध्ययन।

डॉ. रनविंदर कौर और डॉ. उषा साहा, परियोजना, सुबराचनोइड ब्लॉक के तहत सीजेरियन सेक्शन से गुजर रहे मरीजों में मातृ संवेदनात्मकता पर अंतःस्राव द्रव चिकित्सा (इंट्रा वेनिस फ्लुइड थेरेपी) के समय का प्रभाव।

डॉ. अंशु गुप्ता और डॉ. मैत्री पांडेय, परियोजना, बाल चिकित्सा रोगियों में पोस्ट–ऑपरेटिव हाइपोनेत्रिमिया की घटना का अध्ययन करने के लिए।

डॉ. अरुणा जैन और डॉ. निशांत कुमार, परियोजना, बिस्पेक्ट्रल सूचकांक मूल्यों और आयु के बीच के संबंधों का वैकल्पिक सर्जरी में सामान्य एनास्थेसिया के रखरखाव चरण के दौरान समायोजित न्यूनतम वायुकोशीय एकाग्रता का एक अध्ययन।

डॉ. उषा साहा और डॉ. राधिका अग्रवाल, परियोजना, सामान्य एनास्थेसिया के तहत वैकल्पिक शल्य चिकित्सा के दौरान रोगियों में पोस्टऑपरेटिव मूर्छा की घटना।

डॉ. सुनील के. सिन्हा और डॉ. राजीव के. शर्मा, परियोजना, आर्थोस्कोपिक पूर्वकाल क्रूसियेट लिगमेंट पुनर्निर्माण के मामलों में पोस्ट–ऑपरेटिव एनाल्जेसिया का मूल्यांकन : एक अवलोकन अध्ययन।

डॉ. राधिका अग्रवाल और डॉ. उषा साहा, परियोजना, वैकल्पिक लेप्रोस्कोपिक सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में गुर्दा कार्य (फंक्शन) में परिवर्तन – एक अवलोकन संबंधी अध्ययन।

डॉ. प्रमोद कोहली और डॉ. अंशु गुप्ता, परियोजना, सीजेरियन सेक्शन से गुजरने वाले पारचुरिएंट्स में सुबराचनोइड ब्लॉक की सफलता दर पर रोगी की स्थिति के प्रभाव का अध्ययन।

डॉ. मैत्री पांडे और डॉ. प्रमोद कोहली, परियोजना, आपातकालीन सीजेरियन डिलिवरी के लिए लाए गए प्रसूति रोगियों के बीच प्रीऑपरेटिव जोखिम स्कोर्स और मातृ परिणाम का अध्ययन।

डॉ. रंजु सिंह, डॉ. अरुणा जैन और डॉ. मंजू पुरी, परियोजना, सीजेरियन डिलिवरी से गुजरने वाले गर्भावस्था के उच्च रक्तचाप संबंधी विकार वाले रोगियों में प्री–ऑपरेटिव रक्तदाब नियंत्रण के लिए नसों में इस्तेमाल उच्च रक्तचाप विरोधी वाली दवाओं का मूल्यांकन।

डॉ. नितिन हायारान, डॉ. रंजु सिंह और डॉ. राजीव चड्ढा, परियोजना, पेट की बड़ी सर्जरी के बाद बच्चों में क्रोनिक पोस्ट पोस्ट सर्जिकल दर्द पर एक अवलोकन संबंधी अध्ययन।

डॉ. निशांत कुमार और डॉ. अरुणा जैन, परियोजना, वैकल्पिक सर्जरी में चार उत्तेजनाओं की ट्रेन का प्रयोग करके रोक्क्रोरेनियम 0.6 मिलीग्राम/किग्रा के साथ इंट्यूबेटिंग परिस्थितियों का मूल्यांकन।

डॉ. अंशु गुप्ता, डॉ. उषा साहा, परियोजना, मॉनिटॅरेड एनास्थेसिया केयर के तहत सर्जरी से गुजर रहे मरीजों में पोस्टऑपरेटिव संज्ञानात्मक रोग।

डॉ. प्रमोद कोहली, मैत्री पांडेय, परियोजना, प्रैक्टिक्टर ऑफ़ सुबराचनोइड ब्लॉक हेतु सफल स्पिनल टैप के भविष्यवक्ता के रूप में स्पाइनल बोनी लैंडमार्कस का अध्ययन।

डॉ. सुनील के. सिन्हा, डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. दिनेश कटारिया, परियोजना, क्रोनिक दर्द से पीड़ित वयस्क रोगियों में अवसाद, चिंता और तनाव के लक्षणों का मूल्यांकन करने के लिए चिकित्सालय आधारित अवलोकन संबंधी भावी अध्ययन।

डॉ. रंजू सिंह, डॉ. अरुणा जैन, डॉ. सुषमा नांगिया, परियोजना, गैर–वैकल्पिक सीजेरियन प्रसव में स्पाइनल एनास्थेसिया के दौरान हाइपोटेंशन के उपचार के लिए वेसोप्रेशर्स का तुलनात्मक अध्ययन ।

डॉ. नितिन हयारान, परियोजना, अधोमूत्रमार्गता की मरम्मत के बाद या तो कौडाल एपिड्यूरल ब्लॉक या पोडेंडल नर्व ब्लॉक के साथ पोस्टऑपरेटिव एंगलसेशिया की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।

डॉ. उषा साहा, डॉ. राधिका अग्रवाल, परियोजना, पेरीओपरेटिव श्वसन संक्रमण के साथ सामान्य एनास्थेसिया और इसके सहसंबंध के तहत वैकल्पिक सर्जिकल प्रक्रियाओं से गुजर रहे मरीजों में प्रीऑपरेटिव पल्मोनरी मूल्यांकन।

डॉ. मैत्री पांडेय, डॉ. प्रमोद कोहली, परियोजना, बच्चों में सर्वश्रेष्ठ फिर एन्डोत्रैचियल ट्यूब आकार की भविष्यवाणी के लिए विभिन्न सूत्रों की तुलनात्मक अध्ययन।

डॉ. राधिका अग्रवाल, डॉ. उषा साहा, परियोजना, सामान्य एनास्थेसिया के तहत लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से गुजर रहे मरीजों में पोस्ट–ऑपरेटिव फेफड़ों संबंधी (पल्मोनरी) फ़ंक्शन टेस्ट में परिवर्तन।

डॉ. अरुणा जैन, डॉ निशांत कुमार, परियोजना, मॉनिटर्ड एनास्थेसिया केयर – फास्ट ट्रैक रिकवरी के लिए कॉन्सिअॅस सिडेशन की अलग–अलग तकनीकों की तुलना।

डॉ. निशांत कुमार, डॉ. अरुणा जैन, परियोजना, सामान्य एनास्थेसिया से गुजर रहे मरीजों में डिस्फ्लारैन के साथ एयर अथवा नाइट्रस ऑक्साइड रिकवरी प्रोफाइल।

आयोजित संगोष्ठी

अगस्त, 2017 में एन–एम सिस्टम एल.ए. ड्रग्स, तंत्रिका ब्लॉक्स पर एनास्थेसिया में सेमिनार।

आयोजित सम्मेलन

डॉ. उषा साहा ने 4 मार्च, 2017 को एलएचएमसी में बाल चिकित्सा एनास्थेसिया में सीएमई का आयोजन किया।

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

सिन्हा ने इंडियन सोसाइटी ऑफ़ एनेस्थेटिस्ट्स 2016 सम्मेलन, दिल्ली शाखा में सहभागिता की और एनेस्थेसिया विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित बाल चिकित्सा एनेस्थेसिया अपडेट पर एक व्याख्यान दिया।

रक्षा ने नवंबर, 2016 में लुधियाना में आईएसएसीओएन सम्मेलन में भाग लिया और संकाय के रूप में पैनल चर्चा में सहभागिता की। उन्होंने आईएसएसीओएन 2016 में शोध और प्रकाशन पर एक कार्यशाला में भाग लिया और फरवरी, 2017 में राष्ट्रीय बाल चिकित्सा एनेस्थेसिया सम्मेलन में भाग लिया।

नितिन ने नवंबर 2016 में लुधियाना में आईएसएसीओएन सम्मेलन में भाग लिया। वह आईएसएसीओएन लुधियाना और फरवरी, 2017, दिल्ली में आईपीएसए, मैक्स साकेत में यू.एस.जी. कार्यशाला के लिए संकाय थे।

संकाय संख्या – 16

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संकाय शेड्यूल के अनुसार एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए स्नातक कक्षाएं लेती हैं।

सेमिनारों, ट्यूटोरियल, केस चर्चाओं और जर्नल क्लब्स के रूप में एक सप्ताह में तीन बार स्नातकोत्तर कक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

विद्यार्थियों और चिकित्सा कर्मचारियों के लिए नियमित मासिक आधार पर सीपीआर (बीएलएस) कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।

+++

एनास्थेसियोलॉजी (यूसीएमएस)

सम्मान/गौरव

डॉ. ए.के.सक्सेना :
वर्ष 2010 तथा 2016 में इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी), वॉशिंगटन, यूएसए की सदस्यता प्राप्त की।

क्रोनिक दर्द और कैंसर के दर्द की चिकित्सीय चिकित्सा की प्रगति संबंधी वैश्विक मुद्दों तथा दर्द के प्रति वैश्विक वर्ष के लिए थीम्स पर पहल हेतु वर्ष 2016–2018 के लिए 'कमेटी ऑफ कमेटीज' (सीओसी) के वैश्विक सदस्य के रूप में इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी), यूएसए द्वाराा नामित किए गए।

16 अक्तूबर, 2016 को विश्व एनेस्थेसिया दिवस पर एनेस्थेसिया और दर्द प्रबंधन के बारे में जनता में व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए आईएसए नेशनल द्वारा प्रशंसा प्रमाणपत्र दिया गया।

वर्ष 2017–18 के लिए प्रेसीडेंट ऑफ आईएसए दिल्ली चैप्टर के रूप में मार्च, 2017 में मनोनीत किए गए,

मई, 2016 में प्री–एनेस्थेटिक चेक–अप, ऑपरेशन थिएटर, पोस्ट–एनेस्थेसिया केयर यूनिट, तत्काल पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, और बाल चिकित्सा एनेस्थेसिया के लिए ड्राफ्टिंग एसओपी (दिल्ली सरकार के तहत सभी 38 सरकारी चिकित्सालयों के लिए) के लिए समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत।

जुलाई, 2016 में भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली में एनेस्थिसियोलॉजी, दर्द चिकित्सा और गंभीर देखभाल के क्षेत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित मनोनीत।

प्रकाशन

चिलकोती, जी. मेहता, एम., वाधवा, आर., सक्सेना, ए.के., शर्मा, सी.एस., शंकर, एन. (2016). बुनियादी जीवन समर्थन/उन्नत हृदय जीवन समर्थन शिक्षण के लिए संकर समस्या आधारित सीखने के प्रारूप के लिए विद्यार्थियों की संतुष्टि। इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थेसिया, 60 , 821–826.

चिलकोती, जी.टी., मेहता, एम., दुग्गल, एस., सक्सेना, ए.के. (2016). प्रोन स्थिति में रीढ़ की हड्डी की सर्जरी के लिए पॉट की रीढ़ के साथ एक गर्भवती रोगी संबंधी एनेस्थेटिक। इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थेसिया, 60, 518–9.

चिलकोती, जी.टी., मेहता, एम., जननी, एस. (2016). लारेंगोस्पैस्म एज ए केस ऑफ अनसक्सेजफुल प्लेसमेंट ऑफ मास्क एयरवे प्रोसियल, ए केस रिपोट। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ़ नर्स एनेस्थेटिस्ट्स, 84(6),420–422.

चिलकोती, जी.टी., मेहता, एम., कार्तिक, जी., सक्सेना, ए.के., (2017). अब्सेंट युवला, व्हाट मल्लामपति क्लास? इंडियन जर्नल ऑफ़ एनेस्थेसिया, 61, 85–6.

चिलकोती, जी.टी., मेहता, एम., सक्सेना, ए.के. (2016). मयोमेक्टोमी के दौरान इंट्रा–मायोमेट्रियल वसोप्रेसिन संबंधी एनेस्थेटिक। ऐन–शम्स जर्नल ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी, 09, 452–454.

चिलकोती, जी.टी, मेहता, एम., सक्सेना, ए.के., (2016). थायराइड दिसम्बरटॉमी के दौरान उपजिह्वा संरचनाओं के विजुअलाइजेशन के लिए एलएमए सीट्राच के साथ प्रारंभिक अनुभव। एनेस्थेसिया इंटेंसिव केयर, 44, 785–86.

चिलकोती, जी.टी, सक्सेना, ए.के. (2016). अस्थिर सरवाइकल रीढ़ की एनेस्थेटिक मैनेजमेंट – क्या एलएमए सीट्रैच सही विकल्प है? अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ नर्स एनेस्थेटिस्ट्स, 84, 280–282.

मेहता, ए., मेहता, एम. (2016). सटीक संदर्भ विश्वसनीयता में जोड़ते हैं। इंडियन पैडिएट्रिक्स, 53 (11), 1003–1006.

मेहता, एम., अग्रवाल, एम., सेठी, ए.के., हरीसिंह, पी., गुलेरिया, के. (2016). संभाव्य भ्रूण समझौता में पोस्ट–स्पाइनल हाइपोटेंशन के प्रबंधन के लिए एफेड्राइन तथा फिनाइलफ्रिन की यादृच्छिक डबल–ब्लाइंड तुलना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑबस्टेट्रिक एनेस्थेसिया, 27, 32–40.

मेहता, एम., कालरा, बी., सेठी, ए.के., कौर, एन. (2016). स्तन कैंसर सर्जरी में पैरावेटेब्रल ब्लॉक में एक सहायक के रूप में डेक्समेडेटोमिडाइन प्रभावकारिता। जर्नल ऑफ़ एनेस्थेसिया, 30(2), 252–260.

मेहता, एम. (2016). सोशल मीडिया, अवसरों का खान, लेकिन सावधानी से चलना! जर्नल ऑफ़ एनेस्थेसियोलॉजी क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, 32, 385–6.

नासरे, एन.वी., मेदिरात्ता, पी.के., बनर्जी, बी.डी., देशमुख, पी.एस., सक्सेना, ए.के., भट्टाचार्य, एस.एन., अहमद, आर.एस. (2016). ट्रांसलेशनल मेडिसिन, इम्पेक्ट ऑन सीएपी2डी6 पॉलीमॉर्फिज़्म विद रिस्पेक्ट टू ट्रामेडोल ट्रीटमेंट इन पोस्ट हरपेटिक न्यूराल्जिया। वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज. 5(3),377–419.

मलहोत्रा, आर., मेहता, एम., अग्रवाल, डी. सेठी, ए.के. (2016). निचले अंगों की आर्थोपेडिक शल्यचिकित्सा के लिए ट्रैमाडोल के साथ अथवा इसके बिना इन्ट्राथैकल रोपिवैक्सीन। जर्नल ऑफ़ एनेस्थेसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, 32, 483–6.

सक्सेना, ए.के., चिलकोटी, जी.टी., चोपड़ा, ए. (2016). क्रोनिक पर्सिस्टेंट पोस्ट सर्जिकल पैन फॉलोइंग स्टेगिंग लैपरोटॉमी फॉर कार्सिनोमा ऑफ़ ओवरी एंड इट्स रिलेशनशिप टू सिग्नल ट्रांसडक्शन जीन्स। कोरियन जर्नल ऑफ पैन, 29(4), 239–248.

सक्सेना, ए.के., लक्ष्मण, के., शर्मा, टी., गुप्ता, एन., बनर्जी, बी.डी., सिंघल, ए. (2016). मॉड्यूलेशन ऑफ सिरम बीडीएनएफ लेवल्स फॉलोइंग एन इंटीग्रेटेड मल्टीमोडाल एप्रोच यूजिंग पल्सड रेडियो फ्रीक्वेंसी लेसिऑनिंग ऑफ इंटरकॉस्टल नर्व एंड प्रेगाबालिन इन थोरेसिस पोस्थरपेटिक न्यूराल्जिया, ए रेंडॅमाइज्ड, डॅबल ब्लाइंड कंट्रोल्ड स्टडी। पैन प्रबंधन, 6(3), 217–27.

त्यागी, ए., सलहोत्रा, आर. (2016). एंडोथ्रेचियल ट्यूब की तुलना में प्रोजल लेरिनजेल मास्क एयरवे के जरिये लोअर ज्वार की मात्रा? जर्नल ऑफ़ एनस्थेसियोलॉजी एंड क्लिनिनिकल फार्माकोलॉजी, 32, 543–4.

मेहता, एम., अग्रवाल, एम. दिन देखभाल प्रक्रियाओं में गले में दर्द, पीड़ायुक्त आंख, घबराहट में पीएसीयू संकटों से निपटना। इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स के 64वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन समारिका में (पीपी 71–79).

मेहता, एम., चिलकोटी, जी.टी. (2016). ऑपरेटिंग रूम के बाहर एनेस्थेसिया, इष्टतम क्या है ? एनेस्थेसिया अपडेट बुक, (पीपी. 463–468), नई दिल्ली : दि हेल्थ साइंस पब्लिशर्स में।

मेहता, एम. खुराना, पी. (2016). सर्जरी की आवश्यकता वाले सामान्य जन्मजात विसंगतियों वाले बच्चे। आहुजा एस., भट्टाचार्य ए(ईडीएस.), एस्सेन्शियल ऑफ़ पेडियाट्रिक एनेस्थेसिया एंड इंटेसिव केयर, (पीपी.131–9), नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स में।

मेहता, एम., मोहता, ए. (2016). शल्यक्रिया की आवश्यकता वाले सामान्य जन्मजात विसंगतियों के साथ नवजात शिशु। (पीपी.131–9) अहुजा एस., भट्टाचार्य ए. (ईडीएस.), एस्सेन्शियल ऑफ़ पेअडियाट्रिक एनेस्थेसिया एंड इंटेसिव केयर, (पीपी.117–30) नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स में।

मेहता, एम. (2016). आघात वाले बच्चे। अहुजा एस., भट्टाचार्य ए. (ईडीएस.), एस्सेन्शियल ऑफ़ पेडियाट्रिक एनेस्थेसिया एंड इंटेसिव केयर, (पीपी. 182–9), नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स में।

सक्सेना ए.के. (2016). तीव्र दर्द प्रबंधन दिशानिर्देश और प्रोटोकॉल, साक्ष्य आधारित। एस.के. मल्होत्रा (ईडी.), प्रैक्टिस गाइडलाइन्स इन एनेस्थेसिया, (पीपी. 32–44), (लंदन प्रथम संस्करण 2016), नई दिल्ली : जेपी, दि हेल्थ साइंसेज पब्लिशर्स में।

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. ए.के. सेठी द्वारा ईओआरसीएपीएस, सितंबर 2016.

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

अर्चना, मोहता., एम., राधाकृष्णन, जी. ओरल बनाम इंट्रावेनस पेरासिटामोल फॉर पेरीऑपरेटिव एनालजेसिया इन पेसेंट अंडरगोइंग एब्डोमिनल हिस्टेरेक्टोमी–ए रेंडॅमाइज्ड डबल–ब्लाइंड कंट्रोल्ड ट्रॉयल। लुधियाना, पंजाब में 25–29 नवंबर, 2016 को आयोजित 64वीं आईएसए के वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में।

अतिफ्रोकाईना सी., मल्होत्रा आर., सेठी ए.के., चन्द्र एम., मेहता एम. कन्फर्मेशन ऑफ प्लेसमेंट ऑफ एंडोट्रैक्शियल ट्यूब– कम्पेरिजन ऑफ अल्ट्रासाउंड बेस्ड वर्सेस कनवेंशनल मैथेड, एन एक्सप्लॅरेटॅरि स्टडी, एक अन्वेषणपूर्ण अध्ययन। लुधियाना में 25–29 नवंबर, 2016 को आयोजित 64वीं आईएसए के वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में।

दुग्गल एस., मेहता एम., चिलकोटी जी. रेंडॅमाइज्ड डबल कम्पेरिजन ऑफ इफेड्राइन एंड फेनिलफ्राइन फॉर मेनेजमेंट ऑफ पोस्ट–स्पाइनल हाइपोटेंशन इन प्रीक्लेमपिसिया पेसेंट्स अंडरगोइंग सीजेरियन। लुधियाना में 25–29 नवंबर, 2016 को आयोजित आईएसए के 64वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में।

मलहोत्रा आर., गुलाटी एस., जैन ए., अग्रवाल डी., सेठी ए.के. फेल्ड फेब्रेपेटिकब्रोनस्कोस्कोपिक रिमूवल ऑफ लार्ज एंडोब्रॉनकियल ब्लड क्लॉट। वडोदरा में 16–18 सितम्बर, 2016 को आयोजित नेशनल एयरवे कॉन्फ्रेंस 2016 की कार्यवाही में।

सक्सेना ए. के, सिंह ए., शर्मना टी., बनर्जी बी.डी., सिंगल ए. एक्सप्लोरेशन ऑफ एक्सप्रेशन पीकेए, पीकेसी, ईआरके एंड एफीसेसि ऑफ पल्स्ड रेडियॉफ्रीक्वेंसी एप्लीकेशन एट डोरसल रूट गैंगलिऑन एंड प्रीजीबालिन इन थोरेसिस पोस्ट हरपेटिक न्यूराल्जिया, ए रेंडॅमाइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी। योकोहामा, जापान में 26–30 सितंबर, 2016 में आयोजित 16वें वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑन पैन की ऑफिसियल कॉन्ग्रेस प्रोसिडिंग।

त्यागी ए., सेठी ए.के., त्यागी ए., कुमार एम., मल्होत्रा आर. लेग कम्प्रेजन डिवाइस टू कॉम्बेट पोस्ट–स्पाइनल हाइपोटेंशन इन पेसेंट अंडरगोइंग सीजेरियन सेक्शन, ए रेंडॅमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रॅयल। लुधियाना में 25–29 नवंबर, 2016 को आयोजित आईएसए के 64वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में।

चौधरी एस. :

9–10 अप्रैल, 2016 को एम्स, दिल्ली में आयोजित 55वें आईएसएसीओएन

ईओआरसीएपीएस दिल्ली, 26 अगस्त – 3 सितंबर, 2016

14–16 अक्टूबर, 2016 को 26 आरएसएसीपीसीएएन, पटना में आयोजित एयरवे कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की तथा व्याख्यान दिया।

कठिन एयरवे पर पूर्व–सम्मेलन कार्यशाला,

लुधियाना, पंजाब में 25–29 नवंबर, 2016 को आयोजित आईएसए के 64वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की तथा व्याख्यान दिया।

4 फरवरी, 2017 को आरएपीएसीओएन 2017, सुपर स्पेशियलिटी पेडियाट्रिक हॉस्पिटल और पोस्ट–ग्रेजुएट टीचिंग इंस्टीट्यूट, नोएडा (यूपी) में आयोजित पेडियाट्रिक एनेस्थिसियोलॉजी में ताजा प्रगति।

मेहता एम., 25–29 नवंबर, 2016 को लुधियाना में आयोजित आईएसए के 64वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन.

मेहता एम., 4 फरवरी, 2017 को आरएपीएसीओएन 2017, सुपर स्पेशियलिटी पेडियाट्रिक हॉस्पिटल और पोस्ट–ग्रेजुएट टीचिंग इंस्टीट्यूट, नोएडा (यूपी) में आयोजित पेडियाट्रिक एनेस्थिसियोलॉजी में ताजा प्रगति।

रश्मी एस., 25–29 नवंबर, 2016 को लुधियाना में आयोजित आईएसए के 64वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन।

रश्मि एस., आरएपीएसीओएन, नोएडा, 4 फरवरी, 2017.

सक्सेना ए.के., 03–05 फरवरी, 2017 को जयपुर, राजस्थान में आयोजित आईएसएसपी के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में दर्द के मोज़ेक को समझने पर एक व्याख्यान दिया।

सक्सेना ए.के., 28–29 नवम्बर, 2016 को पंजाब, लुधियाना में आयोजित आईएसएसीओएन 2016 के दौरान रीजनल एनेस्थेसिया की जटिलताओं पर पैनल चर्चा के लिए मॉडरेटर और फैकल्टी।

आर. मल्होत्रा :

डीएमसी लुधियाना, पंजाब द्वारा 25–28 नवम्बर, 2016 को आयोजित का आईएसए के 64वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान असामान्य बीमारियों, मांसपेशीय दुर्विकास के लिए एनेस्थेसिया पर व्याख्यान दिया।

एलएचएमसी द्वारा 22–23 अक्टूबर, 2016 को आयोजित एनएआरसीएचआई, दिल्ली शाखा की 23वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान नॉन–हेमोरेहेजिक कोल्लेप्स, इंटेन्सिविस्ट्स के परिप्रेक्ष्य पर व्याख्यान दिया।

25 फरवरी, 2017 को जीआईपीएमईआर और जीबी पंत चिकित्सालय, दिल्ली द्वारा आयोजित पीजी असेंबली 2017 की कार्यवाही के दौरान ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थेसिया के लिए एनेस्थेटिक कंसिडेरेशन्स पर व्याख्यान दिया।

अक्टूबर, 2016 में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी चिकित्सालय द्वारा आयोजित मातृ पुनरुत्थान में ओब्स्टेट्रीशियन और गायनेकोलोजिस्ट के प्रशिक्षण के लिए संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

अप्रैल, 2016 में यूसीएमएस द्वारा आयोजित एक शिक्षण मॉड्यूल, चोट की रोकथाम और नियंत्रण की कार्यवाही के दौरान बुनियादी जीवन समर्थन कौशल में स्नातक विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के लिए संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

संकाय संख्या – 9

+++

जैव रसायन विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग स्नातक के चिकित्सा विद्यार्थियों को शिक्षण तथा स्नातकोत्तर एमडी प्रशिक्षण प्रदान करता है और इसमें सक्षम और योग्य संकाय शामिल हैं, जिन्हें वरिष्ठ/कनिष्ठ रेजिडेंट्स और अन्य सहायक कर्मचारी सहायता प्रदान करते हैं। यह एक 24 घंटे नैदानिक जैव रसायन प्रयोगशाला का संचालन करता है जहां स्वचालित क्लीनिकल कैमिस्ट्री विश्लेषक का उपयोग करके विभिन्न नियमित और आपातकालीन जैव रसायन संबंधी मापदंडों का परीक्षण किया जाता है। विभाग इलेक्ट्रोकेमिलिमिनेसिसेंस विश्लेषक का उपयोग करते हुए विभिन्न विशेष परीक्षणों जैसे हार्मोन एसेस, ट्यूमर मार्कर, विटामिन स्तर (विटामिन–डी, विटामिन–बी12, फोलेट) तथा आयरन स्टडीज (फेर्रिटिन) का संचालन करता है। यह विभिन्न नैदानिक पहलुओं जैसे सीएमएल, मेटाबोलिक सिंड्रोम, एथ्रोस्क्लेरोसिस, स्तन कैंसर, फेफड़े के कैंसर और मधुमेह पर शोध में भी शामिल है और यह शोध के लिए एक सेल कल्चर लैब से सुसज्जित है। विभाग में विभिन्न हेमेटोलॉजिकल कैंसर तथा अन्य ठोस कैंसर अर्थात् बीसीआर–एबीएल ट्रांसपोलेशन, जेएके 2 म्यूटेशन, सीएमएल मरीजों के लिए इमाटिनिब के प्रतिरोध के लिए टी 315i में आनुवंशिक असामान्यताओं का पता लगाने के लिए एक अति विशिष्ट आणविक नैदानिक सुविधा कार्यात्मक है।

सम्मान/गौरव

डीन, एमएएमसी से सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान कार्य के लिए जैव रसायन विभाग को प्रतिष्ठित फ्लेमिंग ट्रॉफी 2016 प्राप्त हुई।

डॉ. ए. सक्सेना चिकित्सा निदान प्रयोगशालाओं के लिए न्यूनतम मानकों का प्रारूप तैयार करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, समिति में जैव रसायन के लिए समूह के नेता थे; और यूजीसी द्वारा

इन्हें डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए विशेष सहायता कार्यक्रम डीआरएस–II के लिए सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

प्रकाशन

चिनाया, ए., रतन, एस.के., अग्रवाल, एस.के., गर्ग, ए., मिश्रा, टी.के. (2017). एसोसिएशन ऑफ सीरम इनबिइन बी एंड फोल्लिस्ले–स्टिमुलेटिंग हार्मोन विद टेस्टिक्युलर विस्क्युलैरिटी, वॉल्यूम और एकाटेक्सचर इन चिल्ड्रेन विद अनडेसेंडेड टेस्ट्स। जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेडियाट्रिक्स सर्जन्स, 22(1), 3–8.

ढोलरिया, एस., मीर, आर., जुबेरी, एम., यादव, पी., गांधी, जी., खुराना, एन., सक्सेना, ए., रे, पी.सी. (2016). पोटेंशियल इम्पेक्ट ऑफ (rs 4645878) बीएएक्स प्रोमोटर –248G >A एंड (rs 1042522) TP53 72 Arg >pro का पोलिमोर्फिस्म्स ऑन इपिथेलियल ओवेरियन कैंसर पेसेंट्स। क्लिनिकल एंड ट्रांसलेशनल ऑन्कोलॉजी, 18(1), 73–81.

गोपाल, एन., कोनेर, बी.सी., भट्टाचार्यजी, ए., भट, वी. (2016). मूत्र संबंधी प्रोटीन बाध्य सिलिक एसिड की जांच से स्टेरॉयड–प्रतिरोधी मामलों से स्टेरॉयडसेंसिटिव नेफ्रोटिक सिंड्रोम में अंतर कर सकते हैं। सऊदी जर्नल ऑफ किडनी डिसीज एंड ट्रांसप्लान्टेशन, 27(1), 37–40.

गोस्वामी, डी., रानी, आर., सक्सेना, ए., अरोड़ा, एम.एस., बत्रा, एस., श्रीनिवास, वी. (2016). सिंगलटन बनाम जुड़वा गर्भधारण में मातृ एवं नवजात में विटामिन–डी की स्थिति। जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजी रिसर्च, 42(10), 1250–7.

जावेद, जे., मीर, आर., सक्सेना, ए. (2016). गैर–छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर के विकास और प्रगति में CASP3 प्रमोटर पॉलिमॉर्फिज्म (–1337 C>G) का समावेश। ट्यूमर बॉयलॉजी, 37(7), 9255–62.

मसरुर, एम., जाविद, जे., मीर, आर., यादव, पी., अहमद, आई., जुबेरी, एम., मोहन, ए., रे, पी.सी., सक्सेना, ए. (2016). फुफ्फुस एडेनोकार्किनोमा मरीजों में सीरम ERBB 3 और ERBB 4 mRNA का पूर्वज्ञान संबंधी महत्व। ट्यूमर बॉयलॉजी, 37(1), 857–63.

माथुर, एन.बी., सैनी, ए., मिश्रा, टी.के. (2016). जन्म के समय में बहुत कम वजन वाले प्रीटर्म नेओनेट्स में विटामिन–डी की पूर्ति की पर्याप्तता का आकलन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। जर्नल ऑफ ट्रोपिकल पेडियाट्रिक्स, 62(6), 429–35.

मीर, आर., नजर, आई.ए., गुरु, एस., जावेद, जे., यादव, पी., मासोर, एम., जुबेरी, एम., फारूक, एस., भट, एम., गुप्ता, एन., रे, पी.सी., सक्सेना, ए. (2016). ए डिटेक्शन पोलिमोर्फिज्म इन दि आरआईजेड जीन इज एसोसिएटेड विद इनक्रीज्ड प्रोग्रेसन ऑफ इमटिनिब ट्रीटेड क्रोनिक मायलोयॉइड ल्यूकेमिया पेसेंट्स। ल्यूकेमिया और लिम्फोमा, 10, 1–8.

मिर्जा, एम., जावेद, जे., यादव, पी., मोहन, ए., रे, पी.सी., सक्सेना, ए. (2016). फेफड़े एडेनोकार्किनोमा के मरीजों में एक उपकरण के रूप में डीएनए और आरएनए को परिचालितकर HER 2 बहुरूपता और व्यंजक की जांच : एक केस नियंत्रण अध्ययन। अनल्स ऑफ ट्रांसलेशनल मेडिसिन, 4(11), 209.

मीर, आर., मासरुर, एम., जावेद, जे., अहमद, आई., फारूक, एस. यादव, पी., झुबेरी, एम., लोने, एम., रे, पी.सी., सक्सेना, ए. (2016). गैर–छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर रोगियों में P 53 जीन के एक्सॉन 5 के साइटोसिन विलोपन को क्लिनिकल निहितार्थ। साउथ एशियन जर्नल ऑफ कैंसर, 5(1), 33–6.

मीर, आर., भट, एम.ए., जावेद, जे., शाह, एन., कुमार्क, पी., शर्मा, ई., झू सी., बसक, एस., अमले, डी., रे, पी.सी., सक्सेना, ए., बनु, एस. (2016). ग्लुथैथियोन एस–ट्रांसफेरेसे M 1 और T 1 (rs 4025935 और rs 7174830 9)

नल जीनोटाइप्स भारतीय जनसंख्या में कोरोनरी धमनी रोग की बढ़ती संवेदनशीलता से जुड़े हैं। एक्टा कार्डियोलॉजिका, 71(6), 678–84.

रतन, एस.के., शर्मा, ए., कपूर, एस., पोलीपल्ली, एस.के., दुबे, डी. मिश्रा, टी.के., सिन्हा, एस.के., अग्रवाल, एस.के. (2016). MAMLD 1 जीन के 3′ UTR की बहुरूपता भारतीय बच्चों में अलग–थलग हाइपोस्पिडिया के बढ़े हुए जोखिम के साथ भी जुडे हुए है : एक प्रारंभिक रिपोर्ट। पेडियाट्रिक्स सर्जरी इंटरनेशनल, 32(5), 515–24.

सब्लनिया, पी., बत्रा, एस., सक्सेना, ए. (2016). इंसुलिन–जैसे ग्रोथ फैक्टर I रीसेप्टर (IGF–IR) ग्रीवा के स्क्वैमस इंट्रा–एपीथेलियल लेसियन (एसआईएल) में लिगैंड्स और बीएमआई। जर्नल ऑफ क्लिनिकल और डायग्नोस्टिक रिसर्च, 10(2), BC11–5.

सिंह, ए., कोनर, बी.सी., रे, पी.सी., प्रसाद, एस., जमटिया, ई., मसरुर, एम., सिंह, वी.के. (2016). BCYP1A1 जीन बहुरूपता का प्रभाव और मौलिक विश्लेषण पैरामीटरों पर मनोवैज्ञानिक अवसाद। रिप्रोडक्टिव हेल्थ, 13(1), 60.

सिन्हा, एम., त्रिपाठी, टी., राय, पी., गुप्ता, एस.के. (2016). जैव रासायनिक विकास परिपक्वता सूचक के रूप में सीरम और यूरिन इंसुलिन की तरह वृद्धि कारक–1। अमेरिकन जर्नल ऑफ़ ऑर्थोडैंटिक्स एंड डेंटेफेशियल ऑर्थोपेडिक्स, 150(6), 1020–7.

यादव, पी., मीर, आर., नंदी, के., जावैद, जै., मासरुर, एम., अहमद, आई., जुबेरी, एम., काजा, आर., जैन, एस., खुराना, एन., रे, पी.सी., सक्सेना, ए. (2016). उत्तर–भारतीय आबादी में स्तन कैंसर की संवेदनशीलता के लिए NQQ 1 जीन की C609T (Pro1877Ser) नल पॉलीमॉफिज़्म महत्वपूर्ण रूप से योगदान करती है : एक केस कंट्रोल स्टडी। एशियन पेसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर प्रीवेंशन, 17(3), 1215–9.

यादव, पी., मिर्जा, एम., नंदी, के., जैन, एस.के., काजा, आर.सी., खुराना, एन., रे, पी.सी., सक्सेना, ए. (2016). स्तन कैंसर के रोगियों के लिए एक पूर्वकथात्मक और चिकित्सीय बायोमार्कर के रूप में सीरम माइक्रो RNA–21 व्यंजक। ट्यूमर बीआईओएल., 37(11), 15275–82.

यादव, पी., मासरुर, एम., तनवर, के., मीर, आर., जावैद, जे., अहमद, आई., झुबेरी, एम., काजा, आर.सी., जैन, एस. के., खुराना, एन., रे, पी.सी., सक्सेना, ए. (2016). स्तन कैंसर के रोगियों में TP53 (R72P) और MDM 2 (T 309 G) बहुरूपता के नैदानिक महत्व। क्लिनिकल और ट्रांसलेशनल ऑन्कोलॉजी, 18(7), 728–34.

जुबेरी, एम., खान, आई., गांधी, जी., रे, पी.सी., सक्सेना, ए. (2016). सीरम MiR–199 के नैदानिक, प्रोडायग्नोस्टिक तथा चिकित्सीय क्षमता का समूह और उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर में क्लिनिकोडोलॉजिकल विशेषताओं के साथ सहयोग। ट्यूमर बीआईओएल., 37(8), 11259–66.

जुबेरी, एम, खान, आई., मीर, आर., गांधी, जी., रे, पी.सी., सक्सेना, ए. (2016). उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर में ट्यूमर सपरेसर जीन के एक पैनल के साथ एक नैदानिक और प्रज्ञानात्मक संकेतक और उसके गठबंधन के रूप में सीरम miR–125b की उपयोगिता। ओविरियन कैंसर। पीएलओएस एक.1(4), ई 0153902.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. ए. सक्सेना, आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित रिसर्च प्रोजेक्ट (आईसीएमआर–एसआरएफ) (2016–चालू), मॉलिकुलर मेकेनिज्म ऑफ ब्लास्ट ट्रांसफॉर्मेशन (पीडीजीएफआर की भूमिका) इन इमटिनीब ट्रीटेड सीएमएल पेसेंट्स।

डॉ. ए. सक्सेना, आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित रिसर्च प्रोजेक्ट (आईसीएमआर–एसआरएफ), मिर्गी सिंड्रोम के जीव विज्ञान को समझने के लिए आनुवंशिक परिवर्तन।

डॉ. ए. सक्सेना, यूजीसी द्वारा वित्तपोषित रिसर्च प्रोजेक्ट (यूजीसी– अल्पसंख्यकों के लिए मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप), सीएडी में थ्रोम्मोडालिन और जुड़े प्रोटीन के नैदानिक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक आनुवांशिक अध्ययन।

जीएनसीटी, दिल्ली द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 2016–17, स्तन कैंसर रोगियों में आनुवंशिक परिवर्तन का एक अध्ययन। रु.1.5 लाख.

डॉ. बीसी कोनेर : एसईआरबी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार भारत द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2014–चालू), L6 म्युट्यूब्स में इंसुलिन सिग्नलिंग पर कीटनाशकों का प्रभाव। रु. 41.24 लाख.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

अमीत समाधिया, 27वें वार्षिक सम्मेलन में केएमसी, मैंगलोर और दिल्ली सोसायटी ऑफ हेमटोलोजी में ACBICON–2016 में नए निदान सीएमएल मामलों में रोग का निदान निर्धारित करने में miRNA17 तथा 19B संबंधी मौखिक प्रस्तुति।

अमीत समाधिया, गुवाहाटी, भारत में नवम्बर 2016 में आयोजित नेशनल कॉफ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया (ACBICON–2016) में सीएमएल में एमआरएनए miRNA 19b की भूमिका मौखिक प्रस्तुतीकरण।

अल्पना सक्सेना, 6 आईटीसीआरसी, अहमदाबाद में फेफड़े के कैंसर के रोगियों में ERBB 3 और ERBB 4 के प्रसार पर मौखिक प्रस्तुतीकरण।

चंदूनी लांबा, गुवाहाटी, भारत में नवम्बर 2016 में आयोजित नेशनल कॉफ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया (ACBICON–2016) में आयोजित KRas जीन कोडन 12 म्यूटेशन तथा p53 ऑटोटेनिबॉडी के अध्ययन पर मौखिक प्रस्तुतीकरण।

प्रतिमान वर्मा, गुवाहाटी, भारत में नवम्बर 2016 में आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया (ACBICON–2016) में सीएडी में सीरम स्केलेरोस्टिन की भूमिका पर मौखिक प्रस्तुतिकरण।
पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित – 2

संकाय संख्या – 8

+++

जैव रसायन विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियॉ और उपलब्धियॉ

विभाग स्नातक के मेडिकल विद्यार्थियों को शिक्षण तथा स्नातकोत्तर एमडी प्रशिक्षण प्रदान करता है। हम 24 घंटे नैदानिक जैव रसायन प्रयोगशाला का संचालन करते हैं जहॉ स्वचालित क्लीनिकल कैमिस्ट्री तथा इम्युनोडायनिग्नॉस्टिक विश्लेषक का उपयोग करके विभिन्न अंग फ़ंक्शन परीक्षण और हार्मोन जांच की जाती है। हम केएससीएच के लिए नियमित और आपातकालीन जैव रसायन प्रयोगशाला संचालित करते हैं। हम ट्यूमर मार्कर, नए जन्म की स्क्रीनिंग और हार्मोन जांच जैसे इंसुलिन, पीटीएच, विटामिन बी 12 और पेडियाट्रिक और वयस्क रोगी देखभाल के लिए फोलेट जैसे और अधिक नैदानिक परीक्षण शुरू करने की प्रक्रिया में हैं। हम तपेदिक, मधुमेह,

एथेरोस्लेरोसिस तथा मातृ एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित मुद्दों पर भी शोध करते हैं। विभागीय टीम में सक्षम और योग्य संकाय शामिल हैं, जिन्हें वरिष्ठ/जूनियर रेजिडेंट्स और सहायक स्टाफ द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता हैं। हम सम्मेलनों में सक्रिय रूप से सहभागिता करते हैं और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में पेपर्स प्रकाशित करते हैं।

प्रकाशन

बलवानी, एम., सिंह, पी., सेठ, ए., देबिनाथ, ई.एम., नाइक, एच., डोने, डी., चेन, बी., (...), डिस्नीक, आर.जे. (2016). बच्चों में तीव्र आंतरायिक आनुवंशिक असामान्यता : एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। मॉलिकुलर जेनेटिक्स एंड मेटाबोलिज्म, 119(4), 295–299.

भेरवानी, एस., सौम्या, ए.एस., अहिरवार , ए.के., संध्या, ए.एस., प्रजापत बी., पटेल, एस, सिंह आर., घोटेकर, एल. एच. (2016). टाइप 2 मधुमेह मेलेटस वाले मरीजों में फोलिक एसिड की कमी और मधुमेह नेफ्रोपैथी संबंधी। इनडाक्रिन, मेटाबोलिक एंड इम्यून डिऑर्डर्स–ड्रग टारगेट, 16(2), 120–123.

भेरवानी, एस., जिभाटे, एस.बी., सौम्या, ए.एस., पटेल, एस.के., सिंह, आर., घोटेकर, एल.एच. (2016). हाइपोमैग्नेसायमिया : मधुमेह नेफ्रोपैथी के एक परिवर्तनीय जोखिम कारक। हार्मोन मॉलिकुलर बॉयलॉजी एंड क्लीनिकल इनवेस्टिगेशन, 29(3), 79–84.

देबनाथ, ई.एम., दत्ता, आर.आर., देबनाथ, पी.आर., जैन, ए. (2016). बाल कब्ज ; थायराइड कारणों से पर। जर्नल ऑफ पि नेपाल पेडियाट्रिक चिकित्सा सोसायटी, 36(2), 143–146.

देवी, ए., सिंह, आर., दावर, आर. (2016). एसोसिएशन ऑफ कोलेस्टरी एस्टर ट्रांसफर प्रोटीन (सीईटीपी) जीन–629 सी/ए पोलीमोर्फ़िज़्म विदा एंजियोग्राफिकली प्रोवेन एथ्रोसक्लोरोसिस। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री, 12291–016–0585–6.

देवी, ए., सिंह, आर., त्यागी, एस. (2016). लेसिथिन कोलेस्ट्रॉल एसिएलट्रांसफेरेज (एलसीएटी) एज बायोमार्कर्स ऑफ एंजियोग्राफिकली प्रोवेन एथ्रोसक्लोरोसिस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसेंट साइंटिफिक रिसर्च, 7 (6), 12177–79.

देवी, ए., सिंह, आर., त्यागी, एस. (2016). सीरम यूरिक एसिड एंड एल्ब्यूमिन एज रिस्क प्रेडिक्टॅर्स ऑफ एंजियोग्राफिकली प्रोवेन एथ्रोसक्लोरोसिस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर साइंस एंड रिसर्च, 1(7), 51–53.

देवी, ए., सिंह, आर., त्यागी, एस. (2016). अपोलीपोप्रोटीन बी/ए 1 रेसियो एज रिस्क प्रेडिक्टॅर ऑफ एंजियोग्राफिकली प्रोवेन एथ्रोसक्लोरोसिस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, 4(6), 1324–28.

त्रिपाठी, एस., अरोड़ा, एम., सैनी, वी., जैन, ए. (2017). बांझपन के मामलों में विटामिन डी की कमी, दिल्ली में एक प्रायोगिक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड मेडिकल रिसर्च, 6, 130–135.

त्रिपाठी, एस., राम, एस., सिंह, के., सिंह, आर. (2016). T 2 DM के डायस्लिपिडेमिया में Lp(a) शामिल नहीं है, उत्तर भारतीय आबादी में एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसेंट साइंटिफक रिसर्च, 7, 11221–11224.

डावर, आर., तबस्सुम (2016). मातृ विटामिन डी की कमी : उत्तर भारत में गेस्टेशनल डाईबेट्स मेल्लिटस के लिए एक जोखिम कारक। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 6(11), 67–69.

डावर, आर, शर्मा, एन. (2016). शिशु में संग्रहित मेथेमोग्लोबिनेमिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च, 8(8), 36269–36271.

एक्का, डी.सी., जैन, ए., पुरी, एम. (2016). अस्पष्टीकृत बांझपन में हार्मोन की भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्री , 20(1), 34–37.

गोगोई, पी., देबानाथ, ई., सिंह, आर., जैन, ए. (2017). प्रथम वर्ष एमबीबीएस विद्यार्थियों के बीच परंपरागत शिक्षण विधियों और केस चर्चा का तुलनात्मक अध्ययन। एस्ट्रोसाइट, 3, 209–12.

कुमार, एम., वजला, आर , शर्मा, के., सिंह एस., सिंह आर., गुप्ता, यू., भट्टाचार्यजी, जे. (2017). भारतीय जनसंख्या में भ्रूण की जीवनी के पहले त्रैमासिक संदर्भ केंद्र। दि जर्नल ऑफ मैटरनल फेटल एंड निवोनाटल मेडिसिन, 30(23), 2804–2811.

कुमार, एम., सिंह एस., शर्मा, के., सिंह आर., रवि वी., भट्टाचार्य, जे. (2017). प्रतिकूल भ्रूण के नतीजे : क्या पहली तिमाही अल्ट्रासाउंड और बायोमैर्चकर्स की तुलना में डॉपलर बेहतर भविष्यवक्ता है? दि जर्नल ऑफ मैटरनल फेटल एंड निवोनाटल मेडिसिन, 30(12), 1410–1416

कुमार, एम., शर्मा, के., सिंह, आर., सिंह, एस. रवि, वी., सिंह, के., गुप्ता, यू., भट्टाचार्य, जे. (2016). एशियाई जनसंख्या में जल्दी और देर से शुरू होने वाली गर्भावस्था के उच्च रक्तचाप के लिए स्कैनिंग में मातृ कारकों पीएपीपी–ए और डॉपलर की भूमिका। गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप, 35(3), 382–93.

कुमार, एम., गुप्ता, यू., भट्टाचार्यजी, जे. सिंह, आर., सिंह, एस., गोयल, एम., शर्मा, के., रहमान, एम.यू. (2016). कम–संसाधन सेटिंग में गर्भावस्था के दौरान उच्च रक्तचाप का प्रारंभिक पूर्वानुमान। 132 (2), 159–64.

कुमार, एम., गुप्ता, यू., भट्टाचार्यजी, जे. सिंह, आर. सिंह, एस., गोयल, एम., शर्मा, के., रहमान, एम. यू.(2016). कम–संसाधन सेटिंग में गर्भावस्था के दौरान उच्च रक्तचाप का प्रारंभिक पूर्वानुमान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गैनेकोलॉजी एंड ऑब्सट्रेट्रिक्स, 132(2), 159–64.

साहू, बी., अबय, पी., आनंद, आर., कुमार, ए., तोमर, एस., मलिक, ई. (2017). सी.टी गंभीरता सूचकांक और संशोधित सी.टी गंभीरता सूचकांक का उपयोग कर तीव्र अग्नाशयशोथ का गंभीरता से मूल्यांकन : संशोधित अटलांटा वर्गीकरण के अनुसार नैदानिक परिणामों और गंभीरता ग्रेडिंग के साथ पारस्परिक संबंध। इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग, 27, 152–60.

संके, एस., चंदर, आर., जैन, ए., गर्ग, टी., यादव, पी. (2016). महिलाओं में पॉलीस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम के फीनोटाइपिक समतुल्यता के साथ पुरुषों में प्रारंभिक एंड्रोगैनेटिक एलोपेसिया के हार्मोनल प्रोफाइल की तुलना। जेएएमए डर्मेटोलॉजी, 152 (9), 986–991.

सोनी, एस., सिंह आर., यादव ए., प्रकाश, ए. (2016). टाइप 2 डायबिटीज मेल्लिटस में सीरम परोक्सनसेज़ के स्तर : ऑक्सीडेटिव तनाव का एक मार्चकर। इंटरनेशल जर्नल ऑफ करंट मेडिकल एंड एप्लाइड साइंसेज, 10(3), 133–137.

वर्मा, एन., त्रिपाठी, एस., शर्मा, एस. (2016). मिर्गी वाले बच्चों में औषध अनुपालन : क्रास सेक्शन स्टडी, नई दिल्ली। इंडियन जर्नल ऑफ चाइल्ड हेल्थ, 3, 311–313.

यादव, एस., अरोड़ा, एम., मलिक, ई., संधू, आर., हसिजा, एस., जैन ए. (2016). गेस्टेशनल डायबिटीज मेल्लिटस (जीडीएम) के रोगियों में जोखिम कारक के रूप में फेरिटिन और एंडोट्लोनी–1 का जुड़ा होना। इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड मेडिकल रिसर्च, (6), 523–28.

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. अंजू जैन, परियोजना, क्लॉम्फेनी साइट्रेट के साथ पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम सहित बांझ महिलाओं की नैदानिक, हार्मोनल, मेटाबोलिक और ऑक्सीडेटिव तनाव प्रोफ़ाइल पर एन एसिटाइल सिस्टीन, मेटफॉर्मिन या प्लेसबो थेरेपी की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
डॉ. रितु सिंह, डॉ. जे. भट्टाचार्य, डॉ. रजनी डावर, डीएचआर–एमएचएफडब्ल्यु द्वारा स्वीकृत परियोजना : मायोकार्डियल रोधगलन में महत्वपूर्ण वाले सूजन और मैट्रिक्स रीमॉडेलिंग मार्गों के प्रोमोमीक और जेनेटिक बायोमार्कर के अध्ययन पर जी.बी. चिकित्सालय में अध्ययन।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

अंजू जैनः
अहमदाबाद में 18–20 फरवरी, 2016 को एनआईओएच द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिप्रोडक्टिव हेल्थ, अहमदाबाद में व्याख्यान दिया (पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम में फोल्लिस्ले हार्मोन रिसेप्टर जीन पॉलीमॉर्फिज़्म (ser680 asn) को उत्तेजित करता है।

प्रतिनिधि, एसजीआरएच द्वारा आयोजित, 6 फरवरी, 2016.

अध्यक्ष, आईएबीएस, आईएबीएस द्वारा आयोजित

27 फरवरी, 2016 को आईएचसी में विशिष्ट व्याख्यान

अध्यक्ष, डीसी–आईएसएआर आरएमएल और पीजीआईएमईआर द्वारा एथ्रोस्क्लेरोसिस की रोकथाम–पोषण और जीवनशैली पर पीजीआईएमईआर– डॉ. आरएमएल हॉस्पिटल नई दिल्ली में 6 अगस्त को आयोजित दिल्ली अध्याय ईएसएआर 2016 संगोष्ठी।

संयोजन और स्पीकर, एंबीकॉन गुवाहटी मेडिकल कॉलेज द्वारा 17– 20 नवम्बर, 2016 को 24 अंबिकॉन गुवाहटी में एक अच्छा वैज्ञानिक पत्र कैसे लिखें विषय पर एक संगोष्ठी।

जयश्री भट्टाचार्यः

नवंबर 2016 में एंबीकॉन, गुवाहाटी, असम द्वारा आयोजित टॉक में आमंत्रित की गईं।

नवम्बर, 2016 में आईएसएआर, एस्टर मेडसेटी, कोच्चि द्वारा आयोजित टॉक में आमंत्रित की गईं।

13–16 दिसंबर, 2016 को ए.सी.बी.सी.ओ.एन., मैंगलोर द्वारा आयोजित टॉक में आमंत्रित की गईं।

रितु सिंह :

नवंबर, 2016 में ईएसएआर, एस्टर मेडसिटी, कोच्चि द्वारा आयोजित 'इस्सीमिक हृदय रोग में एलडीएल का संशोधन' विषय पर वार्ता में आमंत्रित की गईं।

नवंबर 2016 में एंबिकॉन, गुवाहटी, असम द्वारा आयोजित 'संवहनी स्थिरता और कोरोनरी आर्टरी रोग में इनफलेम्मेशन तथा एमएमपी–9 की भूमिका' विषय पर आमंत्रित की गईं।

एकता देबनाथ :

प्रतिनिधि, फरवरी, 2016 में पीजीआईएमईआर और आरएमएल द्वारा अनोखात्मक विरूपताओं पर आयोजित।

आईएपीएससीओएन–2016 द्वारा आयोजित मौखिक प्रस्तुति,

सितंबर, 2016 में बाल चिकित्सा कब्ज–थायरॉयड कारणों से परे लगता है पर मौखिक प्रस्तुति।

प्रतिनिधि, प्रसूति और स्त्री रोग एलएचएमसी विभाग द्वारा 19 नवंबर को गर्भ में मधुमेह पर आयोजित सीएमई, मेडिकल एजुकेशन सेल, एलएचएमसी।

प्रतिनिधि, बाल चिकित्सा सर्जरी केएसएचएच द्वारा मार्च 2016 में बाल चिकित्सा सर्जरी शताब्दी समारोह में प्रगति पर आयोजित सीएमई।

प्रतिनिधिमंडल, डीसी–आईएसएआर आरएमएल और पीजीआईएमईआर द्वारा एथ्रोस्क्लेरोसिस की रोकथाम–पोषण और जीवनशैली पर पीजीआईएमईआर– डॉ आरएमएल हॉस्पिटल नई दिल्ली में 6 अगस्त को आयोजित दिल्ली अध्याय ईएसएआर 2016 संगोष्ठी।

स्मिता त्रिपाठी, आईएसएआरसीओएन, एस्टर मेडसेटी, कोच्चि द्वारा आयोजित टॉक में आमंत्रित की गई।

रजनी डावरः

मौखिक प्रस्तुति, 24वें एनुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया में एंबिकॉन गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज, असम, गुवाहाटी असम (नवम्बर 17–20, 2016) द्वारा आयोजित (गिटैशनल ट्राफोब्लास्टिक रोग में हाइपरथायरॉडीज).

प्रतिनिधि, आणविक जीवविज्ञान डिवीजन एनआईसीपीआर, नोएडा (पूर्व आईसीपीओ) द्वारा आयोजित, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंसन एंड रिसर्च (एनआईसीपीआर) में प्रशिक्षण पर कैंसर अनुसंधान–हैंड्स के लिए प्रासंगिक मूल आणविक जीवविज्ञान तकनीक। 6–9 दिसम्बर, 2016 .

प्रतिनिधि, डीसी–आईएसएआर, 2 द्वारा एथ्रोस्क्लेरोसिस की रोकथाम–पोषण और जीवनशैली पर पीजीआईएमईआर– डॉ. आरएमएल हॉस्पिटल नई दिल्ली में 6 अगस्त को आयोजित दिल्ली अध्याय ईएसएआर 2016 संगोष्ठी।

पारिजत गोगोई :

प्रतिनिधि, ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनोकोलॉजी विभाग, एलएचएमसी द्वारा मेडिकल एजुकेशन सेल, एस.जे. ऑडिटोरियम कॉम्प्लेक्स, एलएचएमसी, नई दिल्ली में 19 नवम्बर, को गर्भनिरोधक में मधुमेह पर आयोजित सीएमई.

प्रतिनिधि, मनोचिकित्सा विभाग द्वारा 27 फरवरी, 2016 को संगोष्ठी कक्ष, केएसएचएच में क्लिनिकल मनश्चिकित्सा में हिंसा पर आयोजित सीएमई.

अंतर–संस्थागत सहयोग

जी.बी. पंत के रूप में डीएचआर–एमओएचएफडब्ल्यु द्वारा स्वीकृत परियोजना : मायोकार्डियल रोधगलन में महत्वपूर्ण वाले सूजन और मैट्रिक्स रीमॉडेलिंग मार्गों के प्रोमोमीक और जेनेटिक बायोमार्कर के अध्ययन पर जी.बी. चिकित्सालय में अध्ययन।

पीएच.डी. से सम्मानित – 1

संकाय संख्या – 8

+++

जैव रसायन विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियॉं और उपलब्धियॉं

जैव रसायन विज्ञान विभाग ने स्नातक तथा स्नातकोत्तर प्रशिक्षण और अनुसंधान में महत्वपूर्ण प्रगति की है। एक विद्यार्थी को पीएच.डी. से सम्मानित किया गया और वर्तमान में विभिन्न संकाय सदस्यों के अधीन 16 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में कई फैकल्टी सदस्यों को शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। इनमें से कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ/तकनीकी/समीक्षक समितियों में भी प्रख्यात पद पर विद्यमान हैं। वर्तमान में चार परियोजनाएँ चल रही हैं और एक नई परियोजना को स्वीकृति दी गई है। संकाय सदस्यों ने उच्च प्रभाव कारक अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय जर्नल्स में सहकर्मी की समीक्षा में 30 से अधिक शोध लेख प्रकाशित किए हैं। ब्रोन्कियल अस्थमा, फेफड़े के फाइब्रोसिस और सीओपीडी रोगियों में एडेनोसिन डेमिनास स्तर पर अध्ययन किए जाने के क्षेत्र में जैव रसायन विज्ञान विभाग ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। फैकल्टी रोगी की देखभाल के लिए नैदानिक सेवाएं; शिक्षण, एमडी मेडिकल जैव रसायन विज्ञान के विद्यार्थियों का पर्यवेक्षण, पीएच.डी. मेडिकल जैव रसायन विज्ञान विद्यार्थियों और अन्य संस्थानों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने में अधिक सक्रिय है।

सम्मान/गौरव

युवा वैज्ञानिक मौखिक प्रस्तुति के लिए मनोज कुमार (पीएच.डी. विद्यार्थी) को द्वितीय पुरस्कार, क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री–2017 ट्रेस एलिमेंट्स के 6वें वार्षिक सीएमई में अस्थमा में एरिथ्रोसाइट झिल्ली प्रोटीन प्रोफ़ाइल में परिवर्तन–फारगॅटेन एसेन्सियल्स बायोकेमेस्ट्री विभाग, सर गंगा राम चिकित्सालय, नई दिल्ली और एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया (दिल्ली अध्याय और नॉर्थ जोन) ने 17 मार्च, 2017 को सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित किया।

युवा वैज्ञानिक मौखिक प्रस्तुति के लिए डॉ. भगवान सिंह पाटीदार (एमडी विद्यार्थी) के लिए प्रशंसा पुरस्कार, एडीनोसाइन डेमिनेज की गतिविधि और सीरम, लिम्फोसाइट्स और सीओपीडी रोगियों के एरिथ्रोसाइट्स में इसके आईजोजेम्स में बदलाव –फारगॅटेन एसेन्सियल्स बायोकेमेस्ट्री विभाग, सर गंगा राम चिकित्सालय, नई दिल्ली और एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया (दिल्ली अध्याय और नॉर्थ जोन) ने 17 मार्च, 2017 को सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित किया।

प्रकाशन

अग्रवाल, आर., कुमारी, आर., मेहंदीरत्ता, एम., राधाकृष्णन, जी., फरीदी, एम.एम., चंद्र, एन. (2016). प्रेग्नेंसी–एसोसिएटेड प्लाज्मा प्रोटीन ए लेवल्स इन लेट फर्स्ट ट्राईमेस्टर प्रेग्नेंसीज विद स्माल–फॉर–गेसेशनल एज निओट्स : एक संभावित केस कंट्रोल्ड स्टडी। द जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनोकोलोजी ऑफ इंडिया, 1–6.

आयमन ए. जाफरी, सुमन बी. शर्मा, उषा आर. सिंह, कल्पना लुथरा. (2016). हर्बल एंटि–हाइपरग्लिसेमिक यौगिक मधुमेह ग्रसित चूहों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण और इंसुलिन की संवेदनशीलता में सुधार करता है। जे डायबिटीज़ ओब्स., 3(2), 1–6.

गौतम, ए., गुप्ता, एस., मेहंदीराटा, एम., शर्मा, एम., सिंह, के., कालरा, ओ.पी., अग्रवाल, एस., गंभीर, जे.के. (2017). एसोसिएशन ऑफ NFKB1 1 जीन पॉलीमॉर्फिज्म (rs28362491) विद लेवल्स ऑफ इनफ्लेमेटरी बायोमेकर एंड सक्सेप्टिबिलिटी टू डायबिटिक नेफ्रोपैथी इन एशियन इंडियंस। वर्ल्ड जर्नल ऑफ डायबिटीज़, 8(2), 66.

गुप्ता, जी., शर्मा, एस.बी., गुप्ता, आर., गुप्ता, एस., सिंह, यू.आर. (2016). सेना आर्यिकुलता (एल.) के रोगाणुरोधी प्रभाव का आकलन। Roxb. चूहे मॉडल में शराब प्रेरित पाचनक्रिया पर छोड़ देता है। इंड. जर्नल ऑफ एक्पेरिमेंटल बायोलॉजी, 54 , 612–614.

हलदर, एस., कार, आर, मेहता, ए.के., भट्टाचार्य, एसके, मेदिरत्ता, पी.के., बनर्जी, बी.डी. (2016). क्युरेसेटिन मोडुलेट्स दि इफेक्ट्स ऑफ क्रोमियम एक्पोजर ऑन लर्निंग, मेमोरी एंड एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम एक्टीविटी इन एफ 1 जेनरेशन माइस। बायो. ट्रेस इलेम. रेज. 171 (2), 391–398.

कुमार, एम., सिंह, आर., मीना, ए., पाटीदार, बी.एस., प्रसाद, आर., छाबड़ा, एस.के., बंसल, एस.के. (2017). मानव इरिथ्रोसाइट झिल्ली प्रोटीन के समाधान के लिए एक बेहतर 2–आयाम जेल वैद्युतकण संचलन विधि। प्रोटीओमिक इनसाइट्स, 8 : 1–7.

महतो, एस., शर्मा एस.बी., द्विवेदी, एस., सेठी, एम., सक्सेना, आर. (2016). पोटेंशियल रोल ऑफ एपोलिपोप्रोटीन बी/ए1 रेशन इन ओबेसे एंड नॉन–ओबेसे फिमेल पेसेंट्स ऑफ कोरोनरी अर्टरि डिसीज। एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 7(3), 18–22.

नियोगी, एस.एस., मेहंदीरता, एम., गुप्ता, एस., पुरी, डी. (2016). नैदानिक रसायन प्रयोगशाला में पूर्व विश्लेषणात्मक चरण। जे क्लीन. साइंस रेज., 5, 171–8.

पाल, जी., रोहिल, वी., अख्तर, आर., बहल, टी., सुधा, बी., स्वैन, टी.आर., मोहम्मद, आई., जेना जे. (2017). फार्माकोलॉजिकल एंड बायोकेमिकल मोडुलेशन ऑफ स्ट्रेस मार्चकेर्स बाय एल–नेम एंड एल–एस्कोर्बिक एसिड इन क्रोनिक रेस्ट्रेंट मॉडल इन विस्टर रैट्स। एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 8(1), 15–20.

रोही, वी., विजयन, वी. के., कुमार, आर., जोशी, आर., पवानी, पी., पॉल, एस., शर्मा, ए., रहमान, एम.यू. (2017). उत्तर भारतीय जनसंख्या में सीओपीडी और धूम्रपान में मैट्रिक्स मेटालोपोटिनेज एमएमपी 1 के संबंध में एक अध्ययन। एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 8(1), 5–14.

शर्मा, ए., रोहिल, वी., पॉल, एस., कुमार, ए., जोशी, आर., कुमार ए.पी., भट्टाचार्य, जे. (2017). मानव फेफड़ों के कैंसर ए 549 सेल लाइन में एलागिक एसिड परससेट की एंटीकैंसर गतिविधि।, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट मेडिकल एंड फार्मास्युटिकल रिसर्च, 3(2), 1341–1347.

शर्मा, एम., गुप्ता, एस., सिंह, के., मेहंदीरत्ता, एम., गौतम, ए., कालरा, ओ.पी., शुक्ला, आर., गंभीर, जे.के. (2016). एसोसिएशन ऑफ़ ग्लुटाथियोन–एस–ट्रान्सफर विद पेसेंट ऑफ टाइप 2 डायबिटीज मेल्लिट्स विद विदाउट नेफ्रोपैथी। डायबेटिक एंड मेटोबोलिक सिंड्रोम : क्लीनिकल रिसर्च एंड रिव्यु, 31, 10(4), 194–7.

शर्मा, एम., मेहंदीरत्ता, एम., गुप्ता, एस., कालरा, ओ.पी., शुक्ला, आर., गंभीर, जे.के. (2016). एनएडी (पी) एच क्वीनन ऑक्सिडरेक्टेस (एनक्यूओ 1* 2) पॉलिर्मोफिज्म विद एनक्यूओ 1 लेवल्स एंड रिस्क ऑफ डायबेटिक नेफ्रोपैथी. बॉयलॉजिकल कमेस्ट्री, 1, 397(8), 725–30.

तंवर, आर.एस., शर्मा, एस.बी., प्रभु, के.एम. (2016). स्ट्रिपटोजोटोकिन प्रेरित मधुमेह चूहों में यूजेनिया जम्बोलाना के फल–लुगदी से अलग प्राकृतिक फिटाकोमिकल की एंटीबायोटिक और एंटीऑक्सीडेटिव गतिविधि के विवो मूल्यांकन में। रेडॉक्स रिप., 21, 1–7.

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. मोहित मेहंदीरत्ता, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 2.5 वर्ष हेतु, रोल ऑफ विटामिन (ए, सी, डी तथा ई) टेल्मोरे बायोलॉजी तथा केएपीएल–Nrf 2–ARE पाथवे इन डिवेलपमेंट ऑफ इडियापैथिक प्रीटर्म प्रीलेबर रप्चर ऑफ मेमबरेन्स, रुपये 22,31,260/–

डॉ. राजर्षि कार, डीबीटी आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 3 वर्षों तक, प्राइमरी कल्चर्स ऑफ एपिथेलियल ओवारियन कैंसर एज ए टूल टू डिटेक्ट रजिस्टेंस टू कीमोथेरेप्यूटिकएजेंट्स–ए पायलट स्टडी, रु.23,57,000/–

डॉ. एस. के. बंसल, डॉ. डी.एस. कोठारी, पोस्ट डॉक्टरल फैलोशिप द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 3 वर्ष के लिए, एरिथ्रोसाइटिक मेमबरेन प्रोटीन्स : अभिव्यक्ति प्रोटिओमिक्स एंड दियर सिगनिफिकेंस इन ब्रोन्कियल अस्थमा, रु. 19,54,000/–

डॉ. एस. के. बंसल, डीबीटी–एसआरएफ द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 5 वर्ष के लिए, स्टडी ऑन एरिथ्रोसाइट मेमबरेन प्रोटीन प्रोफाइल एंड ऑक्सीडेंट और एंटीऑक्सिडेंट स्टेट्स ऑफ ब्लॅड इन ब्रोन्कियल अस्थमा, रु. 17,26,000/–

डॉ. एस. के. बंसल, यूजीसी–एसआरएफ द्वारा वित्त पोषित परियोजना, रोल ऑफ इन्नेट इम्मुन रेसपॉन्स मेकेनिज्मज इन डेवेलपमेंट ऑफ बेलोमोसिन इनक्लूडेड लंग्स फाइब्रोसिस, रु.19,00,000/–

डॉ. एस. के. बंसल, आईसीएमआर–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषित परियोजना, ए स्टडी ऑन CRHR1 एंड GR जीन पोलीमॉर्फिज्म एंड दियर कोरिलेशन विद दि एक्सप्रेसन ऑफ वेरियस इनफ्लेमेटॅरी सायटोकिनेस इन अस्थमा इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन, रु.21,00,000/–लाख.

डॉ. सीमा गर्ग, डीआरआर (एमआरयू, यूसीएमएस के तहत) वित्त पोषित परियोजना, (चालू), 3 वर्ष, इंटरप्ले बिटविन प्लेटलेट एक्टिवेटिंग फैक्टर–एसीटायल हाइड्रॉलेज (पीएएफ–एएच) इनफ्लेमेशन एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन मेटाबोलिक सिन्ड्रोम, लगभग रु.8,00,000/–

डॉ. विश्वजीत रोहिल, डीबीटी द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 3 वर्ष के लिए, कैल्रेटीकुलिन ट्रांसएसेटायलेज़ मेडिएटेड हिस्टोन्स, हाइपरएसेटालेशन इन्ड्यूस्ड एपीगेंनेटिक मोडुलेशन बाय पॉलिफेनोलिक एसिटेट्स इन जीन्स इमप्लीकेटेड इन लंग्स ट्यूमोरिजिनेसिस, रु.32,16,000/–

डॉ. विश्वजीत रोहिल, एमआरयू (आईसीएमआर) द्वारा वित्त पोषित परियोजना, टू एलुसिडेट दि रोल ऑफ एल्लेजिक एसिड एंड इट्स डेरिवेटिव वाया CRTAase इन दि जीन एक्सप्रेसन प्रोफाइल ऑफ लंग्स कार्सिनोजेनेसिस, रु. 3,00,00,000/–

आयोजित सम्मेलन

18 जुलाई, 2016 को वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट/डीआईपीएएस/आईएनएएसएस तथा दिल्ली चैप्टर, एसीबीआई पर सिस्टमिक हाइपोक्सिया और ऑगर्न डिसफंक्शन पर सेमिनार।

5 अगस्त, 2016 को वल्लभभाई पटेल चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय में जेनेटिकली इंजिनियर्ड वैक्सीन अगेंस्ट एंथ्रेक्स : फ्रॉम क्लोन टू क्लीनिकल।

22–25 अक्तूबर, 2016 को को वल्लभभाई पटेल चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय में आईसीएआईसीओएन 2016–स्वर्ण जयंती सम्मेलन।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियॉ

बंसल एस.के, 22–25 अक्टूबर, 2016 को आईसीएआईसीओएन–2016–स्वर्ण जयंती सम्मेलन वीपीसीआई, डीयू, दिल्ली, में अस्थमा में स्टेम सेल थेरेपी विषय पर व्याख्यान दिया।

बंसल एस.के, अध्यक्षता प्रो. सुरेश सी. त्यागी पुरस्कार सत्र (युवा संकाय), 9–11 फरवरी, 2016 को वीपीसीआई, डीयू, दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ कार्डियोवास्कुलर साइंसेज (इंडिया सेक्शन) के 9वें वार्षिक सम्मेलन में कार्डियोवस्कुलर रिसर्च में ताजा प्रगति : स्वास्थ्य और रोग पर प्रभाव।

मेहंदीरत्ता, एम., 21–23 अक्टूबर, 2016 को नई दिल्ली, भारत में आयोजित 46वां वार्षिक सम्मेलन–ईएसकॉन 2016 में पोस्टर प्रस्तुति।

गर्ग, सीमाः

23 अप्रैल, 2016 को जीआईपीएमईआर, नई दिल्ली में कार्डियक बायोमार्कर्स में उन्नति : एक अपडेट विषय पर संगोष्ठी आयोजित किया।

6 अगस्त, 2016 को पीजीआईएमईआर, डॉ. आरएमएल हॉस्पिटल, नई दिल्ली में डीसी–ईएसएआर संगोष्ठी 2016 – एथेरोस्क्लेरोसिस को रोकना – पोषण और जीवन शैली।

5 मई, 2016 को पेंटल मेमोरियल स्वर्ण जयंती ऑडिटोरियम, वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली –7 में स्ट्रक्चरल बायोइनफॉर्मेटिक्स और आण्विक डॉकिंग।

21–23 अक्टूबर, 2016 को नई दिल्ली, भारत में आयोजित 46वां वार्षिक सम्मेलन– ईएसकॉन 2016 में पोस्टर प्रस्तुति की।

कार राजर्षि :

आईएएसओ, नई दिल्ली के एशियाई नैदानिक ओनोकोलॉजी सोसाइटी के 12वें सम्मेलन और इंडियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च एंड मिड–टर्म सम्मेलन के 35वें वार्षिक सम्मेलन, 8–10 अप्रैल, 2016.

कार्डिएक बायोमैर्चकेर्स में उन्नति : एक अपडेट, 23 अप्रैल, 2016.

डीसी–ईएसएआर संगोष्ठी 2016 : एथ्रोस्केलेरोसिस को रोकना– पोषण और जीवन शैली, 6 अगस्त, 2016.

भारत के एंडोक्राइन सोसायटी के 46वें वार्षिक सम्मेलन, 21–23 अक्तूबर, 2016.

भारत के मेडिकल बायोकैमिस्ट्सि की एसोसिएशन की 24वां वार्षिक सम्मेलन, 18–20 नवंबर, 2016.

पुरी, दिनेश, भारत के मेडिकल बायोकैमिस्ट्सि एसोसिएशन की 24वां वार्षिक सम्मेलन, 18–20 नवंबर, 2016.

पुरी, दिनेश, मंगलौर में आयोजित भारत के नैदानिक बायोकैमिस्ट्सि एसोसिएशन के 43वें वार्षिक सम्मेलन में व्याख्यान दिया, 12–15 दिसम्बर, 2016.

मेहंदीरत्ता, मोहित :

एशियाई नैदानिक ऑंकोलॉजी सोसाइटी के 12वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और कैंसर शोध, नई दिल्ली, भारत के लिए भारतीय संघ के 35वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया। 08–10 अप्रैल, 2016.

23 अप्रैल, 2016 को जीआईपीएमईआर, नई दिल्ली में कार्डियक बायोमार्कर्स में उन्नति : एक अपडेट विषय पर आयोजित संगोष्ठी में सहभागिता की।

6 अगस्त, 2016 को पीजीआईएमईआर, डॉ. आरएमएल हॉस्पिटल, नई दिल्ली में डीसी–ईएसएआर संगोष्ठी 2016 – एथेरोस्क्लेरोसिस को रोकना – पोषण और जीवन शैली विषय पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

21–23 अक्टूबर, 2016 को नई दिल्ली, भारत में आयोजित 46वां वार्षिक सम्मेलन– ईएसकॉन 2016 में पोस्टर प्रस्तुति की।

21–22 जनवरी, 2017 को नई दिल्ली में आयोजित मैक्स मेडिकॉन 2017 में भाग लिया।

रोहिल विश्वजीत ने द सोसायटी ऑफ बायोमेडिकल लेबोरेटरी वैज्ञानिकों (एसबीएमएलएस) द्वारा आयोजित द्वितीय एसबीएमएलएस विद्वान की बैठक के पूर्ण सत्र में एपिगनेटिक मॉड्यूलेशन के माध्यम से एक नोवेमबेरल तंत्र के द्वारा फेफड़े के कैंसर में चिकित्सीय क्षमता की पोलीफेनॉल एसिटेट्स की सुविधा पर एक पूर्ण व्याख्यान दिया।

शर्मा, सुमन बाला .:

चेयरिंग/ऑरेशंस, आईएबीएससीओएन, 2017, बायोमेडिकल साइंसेज पर ताजाा प्रगति पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, भावनगर, गुजरात, 5–8 जनवरी, 2017.

चेयरिंग/ऑरेशंस, एस्टर मेडेसिटी, कोच्चि में आईसकॉरन 2016, 21 अक्तूबर, 2016.

चेयरिंग/ऑरेशन, डीसी–आईएसएआर, 6 अगस्त, 2016 को डॉ. आरएमएल चिकित्सालय, नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी एथेरोस्क्लेरोसिस को रोकना – पोषण और जीवन शैली।

अंतर–संस्थागत सहयोग

30 नवंबर, 2016 को अन्य संस्थानों के सहयोग से शीर्षक : फेफड़े ट्यूमोरिजेनसिस में जीन निहितार्थ में पॉलीफेनोलिक एसीटेट द्वारा हास्टोन हाइपर एसिटिलेशन प्रेरित एपिनेटिक मोडुलेशन मध्यस्थता कैलेरेटिकुलिन ट्रांससेटेलेज़ की भूमिका की जांच करने के लिए बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित परियोजना को पूर्ण किया।

संस्थान : वल्लभभाई पटेल चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत तथा वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग चिकित्सालय, नई दिल्ली, भारत। (सह–अन्वेषक : प्रो. जयश्री भट्टाचार्य, निदेशक प्रोफेसर और प्राचार्य, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग चिकित्सालय, नई दिल्ली)। प्रमुख अन्वेषक और समन्वयक : डॉ. विश्वजीत रोहिल, क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री, बायोकैमिस्ट्री विभाग, वी.पी. चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय।

एम.फिल/पीएचडी डिग्री से सम्मानित

पीएच.डी. – 1
यूसीएमएस – 2
वीपीसीआई –1

संकाय संख्या

यूसीएमएसः 7
वीपीसीआईः 2

+++

जैव रसायन विज्ञान (वीपीसीआई)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

वीपीसीआई रोगी देखभाल के लिए नैदानिक सेवाएं प्रदान करता है; अनुसंधान, शिक्षण और पर्यवेक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है, एमडी चिकित्सा जैव रसायन विद्यार्थियों (अध्ययनरत 1), पीएचडी मेडिकल जैव रसायन विद्यार्थियों (अध्ययनरत : 2); और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के (8) विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया है। नैदानिक सेवाएं इनडोर और बाहरी रोगियों को प्रदान की जाती हैं, नमूनों को AU480 स्वतः विश्लेषक बेकमैन कल्टर द्वारा विश्लेषित किए गए। डॉ. वी. रोहिल की देखरेख में नए क्लीनिकल बायोकेमिकल मापदंडों को जोड़ा गया : कुल कोलेस्ट्रॉल, एलडीएल, एचडीएल, वीएलडीएल, ट्राइग्लिसराइड, ग्लाइकेटेड हेमोग्लोबिन। 1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 तक परीक्षणों की संख्या 52,627 है। बहु–संस्थागत डीबीटी परियोजना की अंतिम रिपोर्ट को पूरा किया और प्रस्तुत किया तथा

एक एमआरयू (आईसीएमआर) परियोजना डॉ. वी. रोहिल के साथ चल रही है, दोनों के पीआई हैं। जारी एमआरयू परियोजना में 4(ii), मानव गैर छोटे सेल फेफड़ों (A549) सेल लाइन मेंनटेंट रखे गए हैं और A549 सेल लाइन में CLAR जीन के क्षणिक अभिकर्मक किए गए, एसिड एल्लिजिक का IC50 और वैल्पोरिक एसिड, H 3–हिस्टोन की कार्यात्मक परख, RT–PCR द्वारा फेफड़े के कैंसर से संबंधित जीनों का पिघल–कर्द विश्लेषण किया गया।

सम्मान / गौरव

मनोज कुमार (पीएचडी विद्यार्थी) ने यंग वैज्ञानिकों के मौखिक प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार जीता, 6वें वार्षिक सीएमई क्लिनिकल बायोकेमेस्ट्री–2017 मे अस्थमा में एरिथ्रोसाइट झिल्ली प्रोटीन प्रोफाइल में परिवर्तन कियाा। 17 मार्च, 2017 को बायोकेमेस्ट्री विभाग, सर गंगा राम चिकित्सालय, नई दिल्ली द्वारा ट्रेस एलीमेंट्स – भूल गहन आवश्यकताएं आयोजित किया गया और सर गंगा राम चिकित्सालय, नई दिल्ली द्वारा एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया (दिल्ली चैप्टर और उत्तरी क्षेत्र) आयोजित की गई।

डॉ. भगवान सिंह पाटीदार (एमडी विद्यार्थी) युवा वैज्ञानिकों के लिए मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रशंसा पुरस्कार जीता, सीओपीडी 6वें वार्षिक सीएमई क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री–2017 में रोगियों के एडीनोसाइन डेमिनास की गतिविधि और सीरम में इसके आइसोएंजाइम्स, लिम्फोसाइट्स तथा एरिथ्रोसाइट्स में परिवर्तन, 17 मार्च, 2017 को ट्रेस एलिमेंट्स – भूल गहन आवश्यकताएं आयोजित किया गया और सर गंगा राम चिकित्सालय, नई दिल्ली द्वारा एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया (दिल्ली चैप्टर और उत्तरी क्षेत्र) आयोजित की गई।

डॉ. विश्वजीत रोहिल :

29 सितंबर, 2016, 14 दिसंबर, 2016, 16 मार्च, 2017 और 17 मार्च, 2017 को डिफेंस इंस्टिट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज (डीआईपीएएस), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में आयोजित XIIFYP परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए परियोजना निगरानी और समीक्षा समिति की बैठक में भाग लेने के लिए डीआईपीएएस द्वारा बाहरी विशेषज्ञ बनाया गया।

16 दिसंबर, 2016 को गांधी शांति फाउंडेशन 221–23, दीन दयाल उपध्याय मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित दि सोसायटी ऑफ बायोमेडिकल लेबोरेटॅरी साइंटिस्ट्स(एसबीएमएलएस), भारत द्वारा आयोजित BIOMEDCON 2016 के अवसर पर मेडिकल बायोकैमिस्ट्री के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और सम्मान के लिए उन्हें वर्ष के वैज्ञानिक पुरस्कार 2016 से सम्मानित किया गया।

16 दिसंबर, 2016 को गांधी शांति प्रतिष्ठान 221–23, दीन दयाल उपध्याय मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित दि सोसायटी ऑफ बायोमेडिकल लेबोरेटॅरी साइंटिस्ट्स(एसबीएमएलएस), भारत द्वारा आयोजित SBMLS के दूसरे वार्षिक स्कॉलर्स साइंस मीट के दौरान सत्र अध्यक्षता के लिए पूर्ण व्याख्यान देने के लिए उत्कृष्टता का प्रमाणपत्र।

प्रकाशन

कुमार, एम., सिंह, आर., मीना, ए., पाटीदार, बी.एस., प्रसाद, आर., छाबड़ा, एस.के., बंसल, एस.के. (2017). मानव इरिथ्रोसाइट झिल्ली प्रोटीन का समाधान करने के लिए एक बेहतर 2–आयामी जेल वैद्युतकणसंचलन विधि : प्रोटेओमिक इनसाइट्स, 8, 1–7.

पाल जी, रोहिल, वी, अख्तर आर, बहल टी, भारती एस, स्वैन, टी.आर, इमरान, एम, जेना, जे. (2017). फार्माकोलॉजिकल एंड बायोकेमिकल मोडुलेशन ऑफ स्ट्रेस मार्चकेर्स बाय एल–नेम एंड एल–एस्कोर्बिक एसिड इन क्रोनिक रेस्ट्रेंट मॉडल इन विस्टर रैट्स। एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 8(1), 15–20.

रोहिल, वी., विजयन, वी. के., कुमार, आर., जोशी, आर., पावनी, पी., पॉल एस., शर्मा, ए., रहमान, एम. (2017). उत्तर भारतीय जनसंख्या में सीओपीडी और धूम्रपान में मैट्रिक्स मेटालोपोटिनेज एमएमपी 1 के संबंध में एक अध्ययन। एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 8(1), 5–14.

शर्मा, ए, रोहिल, वी, पॉल, एस, कुमार, ए, जोशी, आर, प्रसाद, ए. के, भट्टाचार्यजी, जे. (2017). मानव फेफड़ों के कैंसर A549 सेल लाइन में एलेगिक एसिड परससेटेट की एंटीकैंसर गतिविधि। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट मेडिकल एंड फार्मास्युटिकल रिसर्च, 3(2), 1341–1347.

अग्रवाल, एम.के, बंसल, एस.के. (2016). इम्यून रिस्पांस एंड आईजीई– मेडिएटेड टाइप– I एलर्जिक रेसपिरेटॅरी डिसआर्डर. इन : एलर्जी एंड इम्यूनोथेरेपी मैनुअल (संपादकः राजकुमार्क), प्रकाशक : नेशनल सेंटर ऑफ रेसपिरेटॅरी एलर्जी अस्थमा एंड इम्यूनोलॉजी, 1–12.

अग्रवाल, एम.के., बंसल, एस.के. (2016). इम्यून रिस्पांस एंड आईजीई– मेडिएटेड टाइप– I एलर्जिक रेसपिरेटॅरी डिसआर्डर. इन शंकर एनपीएस, गौर एसएन, राजकुमार्क (ईडीएस.), एलर्जीन टेस्टिंग और इम्यूनोथेरेपी–वर्कशॉप बुक), (पीपी. 45–58) मुंबई : उन्नत मल्टीस्पेशलिटी चिकित्सालय, होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज परिसर।

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. एस. के. बंसल, प्रो. आर. प्रसाद, प्रो. एस.के. छाबड़ा, डॉ. डी.एस. कोठारी पोस्ट डॉक्टरल फैलोशिप (डॉ.राजेंद्र सिंह पीडीएफ के रूप में) द्वारा वित्तपोषित परियोजना, 18 अप्रैल, 2013 (परियोजना 17 अप्रैल, 2016 को पूरी हो गई थी), एरिथ्रोसाइटिक झिल्ली प्रोटीन : एक्सप्रेशन प्रोटिओमिक्स और ब्रोन्कियल अस्थमा में उनका महत्व। रुपये 19. 54लाख.

प्रो. एस. के. बंसल, प्रो. राजेंद्र प्रसाद, प्रो. एस. के. छाबरा, डीबीटी–एसआरएफ (श्री मनोज कुमार) द्वारा वित्तपोषित परियोजना, 18 अप्रैल, 2011 (पांच वर्ष के लिए), एरिथ्रोसाइट झिल्ली प्रोटीन प्रोफ़ाइल और ऑक्सीडेंट और ब्रोन्कियल अस्थमा में खून की एंटीऑक्सीडेंट की स्थिति पर अध्ययन। रु.17.26 लाख.

प्रोफेसर एस. के. बंसल, डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ, यूजीसी–एसआरएफ द्वारा वित्तपोषित परियोजना, 2 जुलाई, 2012, ब्लीमोसिन प्रेरित फेफड़ों के फाइब्रोसिस के विकास में सहज प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया तंत्र की भूमिका। रु. 19.00लाख.

प्रो. एस. के. बंसल, प्रो. एस. के. छाबरा डॉ. बी. के. मेनन, आईसीएमआर–जेआरएफ द्वारा वित्तपोषित परियोजना, 28 जनवरी, 2014. आईसीएमआर–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषित परियोजना, ए स्टडी ऑन CRHR1 एंड GR जीन पोलीमॉर्फिज्म एंड दियर कोरिलेशन विद दि एक्सप्रेसन ऑफ वेरियस इनफ्लेमेटॅरी सायटोकिनेस इन अस्थमा इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन। रु. 21.00 लाख.

डॉ. विश्वजीत रोहिल (पूर्ण) डीबीटी द्वारा वित्तपोषित परियोजना (26 सितंबर, 2013 – 30नवंबर, 2016): कैल्रेटीकुलिन ट्रांसएसेटायलेज़ मेडिएटेड हिस्टोन्स, हाइपरएसेटालेशन इन्ड्यूस्ड एपीगेंनेटिक मोडुलेशन बाय पॉलिफेनोलिक एसिटेट्स इन जीन्स इमप्लीकेटेड इन लंग्स ट्यूमोरिजिनेसिस। रु. 32.16 लाख.

डॉ. विश्वजीत रोहिल, प्रमुख अन्वेषक, एमआरयू (आईसीएमआर) द्वारा वित्तपोषित परियोजना, सितंबर, 2016 में शुरू हुई, टू एलुसिडेट दि रोल ऑफ एल्लेजिक एसिड एंड इट्स डेरिवेटिव वाया CRTAase इन दि जीन एक्सप्रेसन प्रोफाइल ऑफ लंग्स कार्सिनोजेनेसिस। रु.3.00 करोड़.

आयोजित सम्मेलन

डॉ. एस. के. बंसल :

सदस्य, आयोजन समिति, वी.पी. चेस्ट संस्थान/डीआईपीएएस/आईएनएएसएस और दिल्ली अध्याय, एसीबीआई, सिस्टिमिक हाइपॉक्सीआ और ऑगर्न डिसफंक्शन एट पेंटल मेमोरियल गोल्डन जुबली ऑडिटोरियम, वी.पी. चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 18 जुलाई, 2016.

वल्लभभाई पटेल चेस्टी संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय में जेनेटिकली इंजीनियर्ड वैकेंसी अगेनस्ट एनथ्राक्स : फ्रॉम क्लोन टू क्लिीनिकल ट्रायल, 5 अगस्त, 2016.

संयुक्त सचिव (सदस्य, कार्यकारी परिषद), एकमोडेशन के अध्यक्ष, स्थानीय सलाहकार समिति के उप समिति के सदस्य, वीपी चेस्ट संस्थान, पेन्टल मेमोरियल गोल्डन जुबली ऑडिटोरियम, वी.पी. चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय में आईसीएएआईसीओएन–2016 –स्वर्ण जयंती सम्मेलन, 22–25 अक्टूबर, 2016.

एसीबीआई, एसजीआरएच और एसीबीआई दिल्ली अध्याय और नॉर्थ जोन के उपाध्यक्ष के रूप में सहभागिता की, विट्रो एलर्जी निदान में नैदानिक उपयोगिता और ऑटोइम्यून विकार के निदान में नवगठित दृष्टिकोण, सर गंगा राम चिकित्सालय, करोल बाग, दिल्ली, 25 जनवरी, 2017.

डॉ. विश्वजीत रोहिल :

सदस्य, ICAAICON 2016 की आयोजन समिति, सम्मेलन : ICAAICON 2016, 22–25 अक्टूबर, 2016, वित्तपोषित एजेंसी, समर्थन : इंडियन कॉलेज ऑफ, एलर्जी, अस्थमा और एप्लाइड इम्युनोलॉजी(आईसीएएआई) के तत्वावधान में वी.पी. चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय (भारत) द्वारा आयोजित।

सदस्य, 9वें वार्षिक IACS –भारत बैठक की आयोजन समिति। सम्मेलन शीर्षक : आईएसीएस–भारत बैठकसम्मेलन शीर्षकः कार्डियोवास्कुलर रिसर्च में ताजा प्रगति पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन : स्वास्थ्य और बीमारी पर प्रभाव, 9वें वार्षिक IACS –भारत की बैठक, 9–11 फरवरी, 2017। वित्तपोषित एजेंसी, समर्थन : अकादमी ऑफ कार्डियोवास्कुलर साइंसेज (इंटरनेशनल ऑफ एकाडमी ऑफ कार्डियोवास्कुलर साइंसेज–इंडिया चेप्टर) के सहयोग से वी.पी. चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियां

एस.के. बंसल, वी.पी. चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अस्थमा में स्टेम सेल थेरेपी में एक व्याख्यान दिया। संगोष्ठी, ICAAICON 2016– गोल्डन जयंती सम्मेलन, वी.पी. चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 22–25 अक्टूबर, 2016।

एस.के. बंसल, अध्यक्ष, प्रो. सुरेश सी. त्यागी पुरस्कार सत्र (युवा संकाय), वी.पी. चेस्ट संस्थान द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्डियोवस्कुलर रिसर्च में ताजा प्रगति : स्वास्थ्य और बीमारी पर प्रभाव– 9वें वार्षिक कॅन्फ्रेंस ऑफ इंटरनेशनल एकाडमी ऑफ कार्डियोवस्कुलर साइंसेज (इंडिया सेक्शन), वी.पी. चेस्ट वल्लभभाई पटेल चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 9 अक्टूबर, 2011.

विश्वजीत रोहिल :

(पूर्ण व्याख्यान; दिसम्बर 2016)। एपिगनेटिक मॉड्यूलेशन वाया नोवेंबेल तंत्र के माध्यम से फेफड़े के कैंसर में पोलीफेनोल एसिटेट्स की चिकित्सीय क्षमता। दि सोसायटी ऑफ बायोमेडिकल लैबोरेटरी साइंटिस्ट्स (एसबीएमएलएस), BIOMEDCON 2016 सार पुस्तक, पीपी.31–33 ।

डीसी–आईएसएआर 2016 में पोस्टर प्रस्तुतीकरण, बायोकैमिस्ट्री विभाग, पीजीआईएमईआर–आरएमएल चिकित्सालय, नई दिल्ली द्वारा 6 अगस्त, 2016 को 12 से 5 बजे तक आयोजित दिल्ली अध्याय–आईएसएआर पर 'एथोरसक्लेरोसिस न्यूट्रीशन एंड लाइफस्टाइल को रोकना' पर 2 संगोष्ठी। स्थान : ऑडिटोरियम, पीजीआईएमआर–आरएमएल चिकित्सालय, विषय : प्रीक्लम्पसिया की शुरुआती भविष्यवाणी के लिए पीएपीपी–ए और

एमएमपी–9 का मूल्यांकन। लेखक : करुणा शर्मा, रितु सिंह, विश्वजीत रोहिल, मनीषा कुमार, उषा गुप्ता, जयश्री भट्टाचार्य।

पूर्ण व्याख्यान, दि सोसायटी ऑफ बायोमेडिकल लैबोरेटरी साइंटिस्ट्स (एसबीएमएलएस) द्वारा आयोजित द्वितीय एसबीएमएलएस स्कॉलरों की बैठक के पूर्ण सत्र में एपिगनेटिक मॉडुलन के जरिए फेफड़े के कैंसर में पोलीफेनोल एसिटेट्स की चिकित्सीय क्षमता और इसे BIOMEDCON 2016 सार पुस्तक में प्रकाशित किया गया है। ।

अंतर–संस्थागत सहयोग

डीबीटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय dia द्वारा वित्त पोषित एक परियोजना के लिए वर्धनमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग चिकित्सालय, नई दिल्ली के साथ सहयोग।

एम. फिल / पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित – 1

संकाय संख्या – 2

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. सुभ्रादीप कर्माकर (एआईआईएमएस) ने 2 डीएसटी वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं (एआईआईएमएस) में सह–अन्वेषक के रूप में डॉ. विश्वजीत रोहिल को शामिल करने के लिए अधिष्ठाता शोध, एआईआईएमएस को एक पत्र भेजा था, दो परियोजनाओं के प्रमुख अन्वेषकों क्रमशः डॉ. सुभ्रादीप कर्माकर (एआईआईएमएस) और डॉ. जीवन सिंह टिटयाल (एआईआईएमएस) हैं। यह परियोजनाएं हैं:

मानव में एरिथ्रोसाइट भेदभाव के दौरान एरीथ्रोपोएटिन (ईपीओ) द्वारा टीईटी 2 प्रोटीन का विनियमन और तीव्र मायलोयॉइड ल्युकेमिया में अपनी भूमिका की जांच करना।

फुच्स एंडोथिलियल कॉर्नियल डिस्ट्रोफी (एफईसीडी) में नोवेम्बरिल ट्रांसक्रिप्ट्स और गैर–कोडिंग आरएनए की पहचान।

+++

समुदाय औषधि (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग ने नियमित एमबीबीएस, एमडी, पीएचडी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अतिरिक्त अवधि के दौरान नौ प्रशिक्षण कार्यक्रम / सेमिनार / कार्यशाला / सम्मेलनों का आयोजन किया है। आठ एमडी शोध प्रबंध पूरा हुए, एक पीएच.डी. शोध प्रबंध प्रस्तुत किया गया था, और दो आईसीएमआर छात्रवृत्ति परियोजनाएं पूरी की गईं। आईसीएमआर / एमएएमसी द्वारा वित्तपोषित पांच परियोजनाओं को वर्तमान में विभाग में किया जा रहा है। 40 प्रकाशनों और 4 पुस्तकों / अध्याय में फैकल्टी ने योगदान दिया। संकाय सदस्यों ने कई सम्मेलनों / कार्यशालाओं / सेमिनारों में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया, स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया, अथवा पेपर्स प्रस्तुत किए। विभाग ने चार स्वास्थ्य केंद्रों में 25,386 मरीजों को ओपीडी सेवाएं मुहैया करायी, बच्चों को प्रतिरक्षित किया और महिलाओं को गर्भ निरोधक प्रदान किए; और कम्यूनिटी में कई स्वास्थ्य वार्ता, स्कीट्स, नाटकों का आयोजन किया।

सम्मान/गौरव

डॉ. एम.एम. सिंह को 19 मार्च, 2016 को होटल अशोका, नई दिल्ली में डबल हेलीकल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सम्मानित किया गया।

डॉ. सुनेला गर्ग को 19 मार्च, 2016 को होटल अशोका, नई दिल्ली में डबल हेलीकल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य पुरस्कार में सामुदायिक चिकित्सा में सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. सुनेला गर्ग को 3–6 जुलाई, 2016 को डब्ल्यूएचओ मुख्यालय, जिनेवा के लिए तदर्थ परामर्शदाता और बहरेपन के नियंत्रण और रोकथाम के लिए हितधारक की बैठक हेतु आमंत्रित किया गया था।

भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ (आईपीएचए) ने मार्च, 2016 में डॉ. पी. शर्मा को फैलोशिप प्रदान किया था।

प्रकाशन

अहलावत, पी. सिंह, एम.एम., गर्ग, एस., रामलिंगम, ए. (2016). रजोनिवृत्ति के बाद के लक्षणों का प्रसार, दिल्ली के शहरी पुनर्वास कॉलोनी में पोस्टमेनियोपॉज़ल महिला के बीच स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार और संबद्ध फैक्टर। IJHSR, 6 (4), 51–56.

दाश, आर., सिंह, एम.एम. (2016). लिंग आधारित हिंसा में स्वास्थ्य क्षेत्रों की भूमिका को मजबूत बनाना। Int. J Community Med. पब्लिक हेल्थ, 3(6), 1341–1347.

देवी, आर, कपूर, बी, सिंह, एम.एम.(2016). पूर्व दिल्ली, भारत में टाइप II मधुमेह के रोगियों के बीच पैरों की देखभाल के बारे में ज्ञान और प्रैक्टिस पर स्व–सीखने के मॉड्यूल की प्रभावकारिता। Int. J Community Med. पब्लिक हेल्थ, 3(8), 2133–2141.

देवी, आर., कपूर, बी., सिंह, एम.एम. (2016). दिल्ली के एक आवासीय क्षेत्र में 20 वर्ष से ऊपर के वयस्कों के बीच आत्म–रिपोर्ट टाइप 2 मधुमेह मेल्लिटस और संबद्ध सामाजिक–आर्थिक–जनसांख्यिकीय कारकों का प्रचलन। एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 7(4), 6–13.

धुरीया, एम., शर्मा, एन., चोपड़ा, के.के., चंद्र, एस. (2016). दिल्ली जेलों में डीओटीएस की सार्वभौमिक पहुंच : हमारी क्या स्थिति है? इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, doi : 10.10.16/j.ijtb.2016.01.05.

गर्ग, एस., बसु, एस., रामलिंगम, ए. (2016). अतिरिक्त टीकाकरण के कारण भारत में एंटी–रेबीज वैक्सीन और रेबीज इम्युनोग्लोबिनिन का छुपा अपव्यय। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिकेबल डिसीज, 2(1), 87–90.

गर्ग, एस., आनंद, टी., सिंह, आर. (2016). मेडिकल इंटर्नस अथवा भारत में मेडिकल जनशक्ति की कमी के समाधान के लिए स्नातकोत्तरों को प्रशिक्षण– एक दुविधा। एमिटी जर्नल ऑफ़ हेल्थकेयर मैनेजमेंट, 1(1), 51–56.

गर्ग, एस., कोहली, सी. (2016). मलेरिया की ओर तथा भावी चुनौतियों पर ध्यान देने के लिए आवश्यकता है। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिकेबल डिसीज, 2(1), 71–75.

गर्ग, एस., रामलिंगम, ए., सिंह, एम.एम., श्रीराम, टी. (2016). जन्मजात रूबेला सिंड्रोम का मुकाबला करने की रणनीतियां : एक सिंहावलोकन। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिकेबल डिजीज, 2(1), 29–32.

गर्ग, एस., चक्रवर्ती, ए., सिंह, आर., गोयल, आर.सी., चतुर्वेदी, आर.एम., राजेश, जे.जी., गांगुली, ई., रमेश मस्ती, एन. आर., शर्मा, एन., सिंह, एम.एम., नेलोन, जे., मौरेउ, ए., फेरेइरा, जी., ओझा, एस. (2016). डेंगू सीरोटाइप – भारत में 5–10 वर्ष के बच्चों में विशिष्ट सर्फलेवलेंस : एक समुदाय आधारित क्रास सेक्शनल स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनफेक्शियस डिसीज. http://authours.elseiver.com/sd/article/ S1201971216312140.

गर्ग, एस., मंगला, वी. सिंह, एम.एम. (2016). विसियस वायरस। रिसीव्ड फ्रॉम http://doublehelical.com/wp-content/uploads/2016/11/DH_Oct.-2016_web.pdf.

कोहली, सी., भास्करन, यू., गर्ग, एस. शर्मा, एन. (2016). बर्डन ऑफ ईयर मोरबिडिटीज अमॉन्ग चिल्डरेन इन प्राइमरी केयर सिटिंग इन दिल्ली। क्लीनिकल ईपिडेमिओलॉजी एंड ग्लोबल हेल्थ. doi 10.1016/j.cegh .2016.08.010.

कुमार, पी., मेहरा, ए., इंदर, डी., शर्मा, एन. (2016). नियमित और संविदात्मक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं की संगठनात्मक प्रतिबद्धता और आंतरिक प्रेरणा। J. फैमिली मेड. प्राइमरी केयर. 5, 94–100.

सिंह, एम.एम., गर्ग, एस., दाशा, आर., कुमार, आर., जैन, एन., शर्मा, एन., आनंद, टी. (2016). दिल्ली के सार्वजनिक चिकित्सालयों में समूह डी कार्यबल में लिंग आधारित हिंसा के बारे में जागरूकता पर अध्ययन – एक लिंग परिप्रेक्ष्य। इंट. जे. कम्युनिटी मेड. पब्लिक हेल्थ, 3(6), 1510–1515.

संधू, एस., सिंह, एम.एम., चौहान, आर., माजा, एस.आर., पराशर, ए. (2016). पब्लिक इंस्टिट्यूशन ऑफ शिमला, हिमाचल प्रदेश, भारत में गैर–संचारी रोगों के लिए जोखिम कारक प्रोफाइल। इंट. जे. कम्युनिटी मेड. पब्लिक हेल्थ, 3(11), 3063–3067.

सिंह, एम.एम., डुहान, एस., संधू, एस., देवी, आर. (2016). दिल्ली, भारत के तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में वयस्कों के बीच सकारात्मक सोच और स्वास्थ्य स्थिति। इंट. जे. कम्युनिटी मेड. पब्लिक हेल्थ, 3(12), 3511–3514.

सिंह, एम.एम., देवी, आर. (2016). टीचिंग मेडिकल एथिक्स। रिट्राईवड फ्रॉम http://bmj.com/content/355/bmj.j6415/rr

सिंह, एम.एम., देवी, आर. (2016). मरीजों में धूम्रपान बंद करने के लिए रोल मॉडल के रूप में डॉक्टर। रिट्राईवड फ्रॉम http:// bmj.com/content/355/bmj.j6571/rr-0

सिंह, एम.एम., देवी, आर. (2016). मादक दुरुपयोगकर्ता के लिए सामाजिक जागृति, समर्थन और पुनर्वास की आवश्यकता है। रिट्राईवड फ्रॉम http://bmj.com/content/355/bmj.i592.

सिंह, एम.एम., देवी, आर. मंगला, वी. (2016). व्यक्तिगत संतृप्त वसा अम्ल और अमेरिका के पुरुषों और महिलाओं में कोरोनरी ह्दय रोग के जोखिम को अध्ययन : संभव पूर्वाग्रह। रिट्राईवड फ्रॉम http://bmj.com/content/355/bmj.i5796rr-7.

सिंह, एम.एम., देवी, आर. मंगला, वी. (2016). भारत की आबादी में विटामिन डी पूरकता के लिए आवश्यक है। रिट्राईवड फ्रॉम http://bmj.com/content/355/bmj.i6183-7.

सिंह, एम.एम., देवी, आर. (2016). जनरल प्रैक्टिशनर : विकासशील देशों में स्वास्थ्य देखभाल का एक अभिन्न अंग है। रिट्राईवड फ्रॉम http://bmj.com/content/355/bmj.i5698/rr.

सिंह, एम.एम., देवी, आर. (2016). वायु प्रदूषण से निपटना : भारतीय संदर्भ। रिट्राईवड फ्रॉम http://bmj.com/content/355/bmj.i5620/rr.

सिंह, एम.एम., देवी, आर. (2016). प्रमाण आधारित अनुसंधान के व्यवहार्यता। रिट्राईवड फ्रॉम http://bmj.com/content/355/bmj.i5440/rr-2.

सिंह, एम.एम., (2016). अध्ययन की वैज्ञानिक वैधता के लिए आंकड़े। रिट्राईवड फ्रॉम http://bmj.com/content/355/bmj.i5649/rr.

सिंह, एम.एम., (2016). भारत ने राष्ट्रीय कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम के लिए योजना की शुरूआत की। http://bmj.com/content/355/bmj.i5574/rr-0.

सिंह, एम.एम., देवी, आर. मंगला, वी. (2016). क्या हमें मलेरिया उन्मूलन के लिए टीकों पर निवेश करना चाहिए? रिट्राईवड फ्रॉम http://bmj.com/content/352/bmj.i908/rr-5.

सिंह, एम.एम., देवी, आर. (2016). भारत में प्रस्तावित नए कानून के तहत सरोगेट मां। रिट्राईवड फ्रॉम http://bmj.com/content/354/bmj.i4669/rr.

सिंह, एम.एम., देवी, आर. (2016). शोधकर्ताओं का कहना है कि भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का बेहतर इस्तेमाल कर काला–अजारा निदान में सुधार किया जा सकता है। रिट्राईवड फ्रॉम http://bmj.com/content/350/bmj.i769/rr.

सिंह, एम.एम., देवी, आर. (2016). भारत में कैंसर स्क्रीनिंग के लिए एक रूपरेखा विकसित करने में विचार। रिट्राईवड फ्रॉम http://bmj.com/content/353/bmj.i2634/rr.

सिंह, एम.एम., देवी, आर. (2016). जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य प्रभाव : हर किसी की जिम्मेदारी है। रिट्राईवड फ्रॉम http://bmj.com/content/355/bmj.i5245/rr-8.

शर्मा, एन., ढकेड, एस., कुंडू, डी., दास, ए. (2016). भारत मे सिलिकॉसिस और सिलीको–टीबी : परिप्रेक्ष्य. बुलेटिन ऑफ दि वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन, 94, 777–78 डीओआईः http://dx.doi.org?10.2471?BLT.15.163550.

शर्मा, एन., वेंकट रमन, ए., ढकेड, एस., कुमार, पी.(2016). भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन के विकास की एक व्यापक समीक्षा। एमएएमसी जे मेड. साइंस, 2, 116–21.

शर्मा, एस., कोहली, सी., शर्मा, एन., मेहरा, डी. (2016). दिल्ली में अधूरा टीकाकरण कवरेज : कारण और समाधान प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल : ओपन एक्सेस, डीओआई : 10.4172/2167–1079.1000240.

शर्मा, एन., ढकेड, एस., वांकुमा, सी., कोहली, सी., आनंद, टी., सिंह, एम.एम. धुआँ मुक्त दिल्ली : एंटी–स्मोकिंग कानून और शैक्षिक संस्थानों में इसकी धारणा के कार्यान्वयन की स्थिति। एमएएमसीजे मेड. साइंस में प्रकाशन के लिए स्वीकृत.

शर्मा, पी., राठी, ए., तनेजा, डी.के., गर्ग, एस. (2016). राष्ट्रीय टीकाकरण शेड्यूल में आईपीवी परिचय का इम्प्लीकेशन और कमी की लड़ाई के लिए रणनीतियां। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वैक्सीन रिसर्च रिव्यू आर्टिकल.

उधेय, बी., शर्मा, एन., माधना, वी.के., कोहली, (2016). दिल्ली के शहरी पुनर्वास कॉलोनी में बचपन की बीमारियों की महामारी विज्ञान। क्लिनिकल इपिडेमिओलॉजी एंड ग्लोबल हेल्थ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल रिसर्चः स्पेशल इश्यू. doi 10.1016/j.cegh

गर्ग, एस. कान और सुनने की देखभाल : स्थिति विश्लेषण उपकरण। डब्ल्यूएचओ मैनुअल में।

गर्ग, एस. कान और सनुने की देखभाल के लिए डब्ल्यूएचओ सर्वेक्षण उपकरण का विकास : राष्ट्रीय रणनीतियों की योजना और निगरानी : एक पुस्तिका। डब्ल्यूएचओ मैनुअल में ।

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. सुनेला गर्ग, आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित परियोजना, गर्भावस्था में घरेलू हिंसा के परिमाण का परिप्रेक्ष्य अध्ययन, यह एसोसिएटेड कारक है, दिल्ली में संबंधित मातृ स्वास्थ्य और जन्म के परिणाम हैं।

डॉ सुनेला गर्ग, परियोजना, डब्लूएचओ और एसएसएचआई द्वारा दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में कान और सुनने के देखभाल की स्थिति.

डॉ नंदीनी शर्मा, परियोजना, टीबी इंटरवेंशन टारगेटिंग मोबाइल पॉपुलेशन (ट्रक चालकों और हल्परों)।

डॉ. एम.एम. सिंह, आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित परियोजना, दिल्ली में लिंग आधारित हिंसा के बारे में स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच स्वास्थ्य देखभाल सुविधा तैयार करने और ज्ञान, रवैया और प्रैक्टिसेज।

डॉ. प्रज्ञा शर्मा, परियोजना वित्तपोषित आईसीएमआर,यौन सक्रिय विवाहित महिलाओं में आपातकालीन गर्भनिरोधकों के बारे में ज्ञान, रवैया, प्रैक्टिसेज और दिल्ली में गर्भपात चाहने वालों के बीच गैर–उपयोग के कारण।

आयोजित सेमिनार/कार्यशालाएं

भारत में 10–11 नवंबर, 2016 को डब्लूएचओ कान और सुनने संबंधी सर्वेक्षण प्रोटोकॉल के फील्ड टेस्टिंग पर एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसके अध्यक्ष डॉ. सुनीला गर्ग और संयोजक डॉ. जीएस मीणा और डॉ. एम. एम. सिंह थे।

ओटिटिस मीडिया पर एक संगोष्ठी : कुल समाधान; प्राथमिक से तृतीयक 30 जुलाई, 2016 को आयोजित की गई, जिसके डॉ. सुनेला गर्ग और संयोजक डॉ. एम.एम. सिंह, डॉ. पासे और डॉ. ए.के. अग्रवाल थे।

17 सितंबर, 2016 को रिपोर्ट के प्रसार पर एक कार्यशाला – स्वास्थ्य देखभाल सुविधा की तैयारी और दिल्ली में लिंग–आधारित हिंसा के बारे में हेल्थकेयर प्रदाता के बीच ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार, जिसके समन्वयक डॉ. एम. एम. सिंह और अध्यक्ष डॉ. सुनेला गर्ग थे।

रेज़न फाउंडेशन के सहयोग से तंबाकू नियंत्रण के लिए हार्म रेडॅक्शन रणनीति पर एक तकनीकी सत्र आयोजित किया गया था, जिसके समन्वयक डॉ. सुनेला गर्ग तथा डॉ. एम. एम. सिंह थे।

डॉ. एम.एम. सिंह द्वारा 7 मार्च, 2017 डॉक्टरों के लिए स्तन जागरूकता पर कार्यशाला आयोजित की गई।

डॉ. एम एम सिंह द्वारा 3 मार्च, 2017 को नर्सों के लिए स्तन जागरूकता पर कार्यशाला आयोजित की गई।

डॉ. एम.एम. सिंह द्वारा 17 मार्च, 2017 को मेडिकल इंटर्नस के लिए स्तन जागरूकता पर कार्यशाला आयोजित की गई।

डॉ. ब्रताति बनर्जी द्वारा 1 मार्च 2017 को डॉक्टरों के लिए गैर संचारी रोगों पर कार्यशाला आयोजित की गई।

डॉ. ब्रताति बनर्जी द्वारा 9 मार्च, 2017 को स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए गैर संचारी रोगों पर कार्यशाला आयोजित की गई।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

सुनेला गर्ग :
8–10मार्च, 2017 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान लिंग : विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर पेपर प्रस्तुत किया।

10 मार्च, 2017 को वायु प्रदूषण–स्वास्थ्य सलाहकारों पर अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली में वायु प्रदूषण और फेफड़े के फ़ंक्शंस संबंधी हानि पर पेपर प्रस्तुत किया।

24–26 फरवरी, 2017 में आईपीएचए, जोधपुर में एक तृतीयक केस टीचिंग चिकित्सालय के पूर्व–प्रारंभिक क्लीनिक एटेंडीस लोगों के बीच लिंग आधारित हिंसा और दृष्टिकोण के बारे में ज्ञान से संबंधित।

24–26 फ़रवरी, 2017 को भारत से एनपीपीसीडी मामले के अध्ययन पर एक वार्ता प्रस्तुत की गई : बहुदेश कान और सुनने की देखभाल स्थिति का विश्लेषण उपकरण और आईआईपीएचए, जोधपुर में शिशु के सुनने और केस स्थिति विश्लेषण उपकरण।

ओटिटिस मीडिया पर सम्मेलन के दौरान ओटिटिस मीडिया का महामारी विज्ञान प्रस्तुत किया : कुल समाधान; प्राथमिक से तृतीयक 30 जुलाई, 2016 को आयोजित किया गया था।

डब्ल्यूएचओ कान और भारत में सुनने संबंधी सर्वेक्षण प्रोटोकॉल के फील्ड परीक्षण पर प्रजेंटेड कान और सुनने संबंधी देखभाल स्थिति के विश्लेषण उपकरण कार्यशाला।

7 मार्च, 2017 को डॉक्टरों के लिए स्तन जागरूकता पर कार्यशाला के दौरान स्तन कैंसर–स्क्रीनिंग पर पेपर प्रस्तुत किया।

16 मार्च, 2017 को नर्सों के लिए स्तन जागरूकता पर कार्यशाला के दौरान स्तन कैंसर–स्क्रीनिंग पर पेपर प्रस्तुत।

17 मार्च, 2017 को मेडिकल इंटर्नस के लिए स्तन जागरूकता पर कार्यशाला के दौरान स्तन कैंसर–स्क्रीनिंग के बारे में पेपर प्रस्तुत किया।

नंदिनी शर्मा :
7–9 जनवरी, 2016 को आईएपीएसएम वार्षिक सम्मेलन गांधीनगर में पेपर प्रस्तुत किया। भारत में वयस्कों में सीएडी का बोझ पोस्टर में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

19–21 फरवरी, 2016 को एनएटीसीओएन लखनऊ में पेपर प्रस्तुत किया। दिल्ली के शहरी इलाकों में डीओटीएस केंद्रों में भाग लेने वाले पेडैट्रिक टीबी रोगियों का उपचार करने में बाधाएं और चुनौतियां।

4–6 मार्च, 2016 को आईपीएचए 46वें वार्षिक सम्मेलन देहरादून में पेपर प्रस्तुत किया। दिल्ली के शहरी इलाकों में डीओटीएस केंद्रों में भाग लेने वाले पेडैट्रिक टीबी रोगियों में महामारी विज्ञान और उपचार के परिणाम।

9–10 मार्च, 2016 को पब्लिक हेल्थ पीजीआई चंडीगढ स्कूल द्वारा आयोजित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज पर वार्षिक पब्लिक स्वास्थ्य संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया। प्राथमिक शहरी स्वास्थ्य केंद्र, दिल्ली में स्वास्थ्य देखभाल सुविधा देने में चुनौतियॉ कठिन हैं। पोस्टर में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

ब्रट्टी बनर्जी :

4–6 मार्च, 2016 को देहरादून, उत्तर प्रदेश मे आयोजित इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन के 43वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में गैर–संचारी रोगों पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ अमित उज्जैनिया द्वारा एमएमएचएस, मेलबोर्न में 5–6 नवंबर, 2016 को मौखिक प्रस्तुति के लिए सह–लेखक दिल्ली, भारत की एक शहरी क्षेत्र की शहरी क्षेत्र जनसंख्या के बीच डब्ल्यूएचओ क्यूओएल बीआरईएफ पैमाने का उपयोग कर जीवन की गुणवत्ता और संबंधित कारकों का आकलन करने के लिए एक समुदाय आधारित क्रॉस–सेशनल स्टडी सह लेखक के रूप प्रस्तुत की।

डॉ. मालविका शर्मा द्वारा दूसरे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पब्लिक हेल्थ, कोलंबो, श्रीलंका में 28–29 जुलाई, 2016 को स्कूल जाने वाले किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता का आकलन को सह–लेखक के रूप में मौखिक प्रस्तुति की।

एमएम सिंह :

7 मार्च, 2017 को डॉक्टरों के लिए स्तन जागरूकता पर कार्यशाला के दौरान स्तन कैंसर के महामारी विज्ञान पर पेपर प्रस्तुत किया।

16 मार्च, 2017 को नर्सों के लिए स्तन जागरूकता पर कार्यशाला के दौरान स्तन कैंसर की महामारी विज्ञान पर पेपर प्रस्तुत किया।

17 मार्च, 2017 को मेडिकल इंटर्नस के लिए स्तन जागरूकता पर कार्यशाला के दौरान स्तन कैंसर के महामारी विज्ञान पर पेपर प्रस्तुत किया।

राजेश कुमार ने 1992–2015 तक आईपीएचए, जोधपुर में 24–26 फरवरी, 2017 को भारत के अविकसित राज्य के मातृ एवं बाल स्वास्थ्य घटकों के तुलनात्मक अध्ययन पर पेपर प्रस्तुत किया।

एस.वी. सिंह सत्र की थीम 6 (मौखिक सत्र 6) में अध्यक्ष थे – रासायनिक और विकिरण जोखिम और जल प्रदूषण विषय पर तीसरी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ऑक्यूपेशनल एंड इनवायरमेंट हेल्थ में।

विस्तार और बाह्य क्रियाएं

विभाग चार केंद्रों गोकुलपुरी, बरवाला, दिल्ली गेट और बीवीके, नई दिल्ली में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करता है।

एम. फिल./पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित

एमडी – 8

संकाय संख्या – 10

+++

समुदाय औषधि (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधि और उपलब्धियॉ

विभाग 1 से 7वें सेमेस्टर में एमबीबीएस विद्यार्थियों के स्नातक सिद्धांत और व्यावहारिक शिक्षा का कार्य करता है। प्रत्येक वर्ष पाठ्यक्रम में 200 विद्यार्थियों का एक बैच शामिल होता है। इसके अतिरिक्त, सामुदायिक चिकित्सा में एमडी में दाखिला पाए विद्यार्थियों के लिए स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदान की जाती है (स्वीकृत संख्या – प्रतिवर्ष 8 विद्यार्थी। विभाग एलएचएमसी और एसोसिएटेड चिकित्सालयों के सभी विभागों के साथ एमबीबीएस विद्यार्थियों के इंटर्नशिप का आयोजन और समन्वय करता है। सभी पीजी विद्यार्थियों के अभिविन्यास प्रशिक्षण भी प्रोटोकॉल विकास और अनुसंधान परियोजनाओं के विश्लेषण पर आयोजित किए जाते हैं। विभाग को पल्स पोलियो अभियान के लिए क्षेत्रीय वैक्सीन स्टोर के रूप में नामित किया गया है और वर्ष 2016–17 के दौरान पल्स पोलियो प्रतिरक्षण के सभी दौरों में भाग लिया गया है। विभाग वेक्टर बोरने रोगों के लिए निगरानी का समन्वय भी करता है। समुदाय में शहरी स्वास्थ्य केंद्र (कल्याणपुरी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पालम), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (मेहरौली) और बाल स्वास्थ्य प्रोमोशन केंद्र, केएसएच, नई दिल्ली के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का प्रावधान किया जाता है।

सम्मान/गौरव

कई एमडी की डिग्री से सम्मानित किया गया, एमडी (सामुदायिक चिकित्सा)–5 (2016–17).

प्रकाशन

आचार्य, ए.एस., आचार्य, ए. (2016). डेंगू बुखार : मानसून खतरा. इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटी, 7, 139–41.

भट्ट, ए, रे., टी.के., विभो, जे.के. साहनी. (2016). दिल्ली के वंचित बच्चों के बीच कान की बीमारियों के लिए स्वास्थ्य व्यवहार और प्रैक्टिस की मांग। इंडियन जर्नल ऑफ यूथ एंड एडोलसेंट हेल्थ, 3(1), 27–30.

अरोड़ा, एस., रे., टी.के. (2016). इबोला संक्रमण – एक बढ़ती सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती। दि इंडियन प्रैक्टिशनर 69(7), 31–39.

भट्ट, ए., रे., टी, के. विभा, साहनी, जे.के. (2016). दिल्ली के वंचित समुदाय के बच्चों में सुनने संबंधी नुकसान। इंडियन जर्नल ऑफ़ कम्यूनिटी एंड फैमिली मेडीसिन, 2(2), 53–56.

दहिया, एन., आचार्य, ए.एस., बचानी, डी., गोयल, एम.के. (2016). विकासशील देशों को में किशोरों में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए रणनीतियाँ–एक दृष्टिकोण। इंडियन जे. मेड. स्पेशलाइटीज, 7, 35–8.

दहिया, एन., बचानी डी., आचार्य, ए.एस., शर्मा, डी.एन., गुप्ता, एस., हरेश, के.पी. (2016). दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल संस्थान में उन्नत ग्रीवा कैंसर का निदान करवाने वाली महिलाओं के सामाजिक–जनसांख्यिकीय, प्रजनन और नैदानिक प्रोफाइल। जे. ओब्स्टेट गायनेक. ऑफ इंडिया, 67(1), 53–60.

दाहिया, एन., बचानी, डी., आचार्य, ए.एस., शर्मा, डी.एन., गुप्ता, एस., हरेश, के.पी., रथ, जी.के. (2016). केमो–रेडियोधर्मी से पहले और बाद में उन्नत ग्रीवा कैंसर वाले मरीजों की जिंदगी की गुणवत्ता। एशियन प्रसिफिक जे. कैंसर प्रीवेंशन, 17, 3095– 9.

डाबर, डी., दास, आर., एस नागेश, यादव, वी., मंगल, ए. (2016). दक्षिण दिल्ली के एक शहरी गांव में पांच बच्चों के विकास और वृद्धि का एक समुदाय आधारित अध्ययन। जे. ट्रोप. पेड., 1–11.

नोनिता, डी., खांडेकर जे., बचानी, डी., महतो, डी. (2016). थैलेसीमिया मेजर : हम जीवन की गुणवत्ता में सुधार कैसे करते हैं? स्प्रिंगर प्लस, 5, 1985, 1–6.

दिंडी, के., बचानी, डी. (2016). फैक्टर इनफ्लूयेन्सिंग दि यूटीलाइजेशन ऑफ जनुरयानी सुरक्षा योजना : अरुणाचल प्रदेश में एक अध्ययन। इंटरनेशनल जे. प्रिवेंटिव, क्युरेटिव एंड कम्युनिटी मेडिसिन, 2(3–4), 55–60.

प्रसून, जे.जी., माथुर, एम.. भारत में किशोरावस्था के स्वास्थ्य के लिए कारगर योजना : भारत सरकार की पहल एनएआरसीएचआई, किशोरों के स्वास्थ्य पर दिल्ली अध्याय विशेष मुद्दे.

कौर, आर., आचार्य, ए.एस., यादव, वी. डाबर, डी. (2016). परिवार नियोजन में पुरुष की भागीदारी : धारणाओं और प्रेक्टिसेज का एक गुणात्मक अध्ययन। इंट. जे. प्रीवेन. क्यूरेट. मेड. 2(3 एवं 4), 30–36.

कुमार, जी., प्रसून, जी.जे. (2016). मेनार्के और मेनसुरेशन के लिए पुरुषों और महिलाओं का ज्ञान और रुख – एक प्रजनन स्वास्थ्य समस्या। इंडियन जर्नल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड मेडिकल रिसर्च(2), 508–514.

कुमार, जी, प्रसून, जीजे (2016). सामाजिक लेखा परीक्षाः सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में वर्तमान आवश्यकता इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सामुदायिक चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य, 1 (1), 703–708

गोयल, रे., टी.के., वी. यादव, ए. कुमार (2016). जनुरयानी सुरक्षा योजना के कार्यान्वयन का मूल्यांकन : हरियाणा के ग्रामीण ब्लाकों में एक सुरक्षित मातृत्व इंटरवेंशन। दि इंडियन पैक्टिशनर, 69(5), 38–42.

गोयल, एम. के. रे., टी.के., गोयल, आई., एट. अल. (2016). फ्रेमनिंग रिसर्च क्यूश्चन एंड फार्मूलेटिंग हायपोथेसिस फॉर टेस्टिंग : क्रिटिकल स्टेप इन रिसर्च। इंडियन जर्नल ऑफ यूथ एंड एडोलसेंट.स्वास्थ्य, 3(1), 36–39.

साहू, एम. प्रसुन, जे.जी. (2016). जुड़वां अध्ययन : एक अद्वितीय महामारी विज्ञान उपकरण, इंडियन जर्नल ऑफ कम्यूनिटी मेडिसिन, 41(3), 177–182.

सिंह टी., नागेश एस., रे टी.के., शर्मा एस. (2016). वृद्धावस्था महिला : एक अनहर्ड वॉयस। जर्नल ऑफ कम्प्रेहेंसिव हेल्थ, जन., 5(1), 76–86.

सूरी, एस., दास, आर. (2016). भारत में विनिर्माण क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों की व्यावसायिक स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल। नेट मेड जर्नल इंडस्ट्रीज, 29(5), 277–81.

सूरी, एस. और आचार्य, ए.एस. (2016). पांच–पांच बच्चों में उप–नैदानिक विटामिन ए की कमी : वर्तमान परिदृश्य और भविष्य के दृष्टिकोण। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशियलिटीज, 7(2), 83–87.

ठाकुर ए., रे. टी.के., गोयल, एम.के. (2016). भारत में ई–कचरा प्रबंधन प्रैक्टिसेज। इपिडेम. इंट., 1(3), 21–25.

वर्मा, डी., आचार्य, ए. एस., बचानी, डी., सेठ, ए. (2016). टेरटियरी केयर चिकित्सालय, दिल्ली में एचआईवी के साथ रहने वाले एंटीरिट्रोवायरल नैवेचक बच्चों का क्लिनिको–सोशल एंड इम्योनोलॉजिकल प्रोफाइल; सार्क जे. टी.बी., फेफड़े डिस. एंड एचआईवी/एड्स, 13(1), 32–8.

यू. श्रीवास्तव, ए., मिश्रा, वी., मोहन, आर., उन्नीकृष्णन तथा डी. बचानी (2016). भारत में मोटापा, मधुमेह और हृदय रोग : सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियां. करंट, 12(4), 1–16.

रसानिया, एस.के. आर.के.एस.के. कार्यक्रम, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत चिकित्सा अधिकारियों और ए.एन.एम के लिए किशोर स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण मॉड्यूल में परिचयात्मक अध्याय।

प्रसून, किशोरों के अनुकूल स्वास्थ्य सेवाओं पर जे.जी. अध्याय–आर.के.एस.के. कार्यक्रम, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत चिकित्सा अधिकारियों और ए.एन.एम. के लिए किशोर स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण मॉड्यूल के संशोधन और डिजाइनिंग।

प्रसून, ग्लोबल अंडर ग्रेजुएट्स के लिए एड्स शिक्षण के अध्यापन पर जे.जी. अध्याय : ए नीड ऑफ ऑवर, ने पहले संपर्क चिकित्सक के लिए योग्यता आधारित कौशल विकास के तहत आर.के.एस.के., डब्लूएचओ प्रायोजित।

आचार्य, ए.एस. (2017) उद्धरण और संदर्भः क्यों और कैसे करें यह कैसे करें? मुंजाल वाई.पी. में, प्रकाश ए., पेंगटेई जी.एस. (ईडीएस.) पर्ल्स ऑन साइंटिफिक पेपर राइटिंग. .2017

रे., टी.के. (2016) खाद्य विषाक्तता, टाइफाइड और हैजा पर अध्याय। कक्षा *III-X* के विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा नियमावली में। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार 2016 द्वारा प्रकाशित।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. डी. बचानी (अन्वेषक), डॉ. एस.के. रसानिया, डॉ. जे. खांडेकर, डॉ. ए. आचार्य (सह–अन्वेषक), आईसीएमआर द्वारा प्रायोजित, स्वास्थ्य लेखा योजना : बहु–क्षेत्र समन्वय के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल के लिए लोगों को सशक्तीकरण– एक आपरेशनल मूल्यांकन, लगभग रुपये 30लाख (प्रक्रिया के तहत)

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

2016 का विश्व स्वास्थ्य दिवस समारोह। सर्वश्रेष्ठ मधुमेह : सेमिनार, वाद–विवाद, प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

2016 का विश्व एड्स दिवस समारोह : एचआईवी की रोकथाम के लिए हैंड्स अप; सीएमई, पोस्टर.

प्रतियोगिता, हाथ पेंटिंग प्रतियोगिता, मटका पेंटिंग प्रतियोगिता और निबंध लेखन प्रतियोगिता।

डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण पर स्कूली बच्चों के बीच अभिविन्यास प्रशिक्षण। डेंगू निगरानी टीम एनडीएमसी के सहयोग से 19 जुलाई, 2016 को प्राइमरी स्कूल एलएचएमसी में आयोजित की गई।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

ग्लोबल हेल्थकेयर शिखर सम्मेलन 2016, दिसंबर 29, 2016 एआईआईएमएस, नई दिल्ली

एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू. नई दिल्ली, 23–25 सितंबर, 2016 में व्यावसायिक और पर्यावरण स्वास्थ्य पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

राष्ट्रीय सम्मेलन

ए.आई.आई.एस जोधपुर, राजस्थान, 24–26 फरवरी, 2017 कों इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन (आई.पी.एच.ए) के 61वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन।

44 वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, विज्ञान शहर कोलकाता में आई.ए.पी.एस.एम, 10–12 फरवरी, 2017.

अंतर–संस्थागत सहयोग

विद्यार्थियों को आईजीएनओयू (एक कार्यक्रम अध्ययन केंद्र के रूप में) से मातृ एवं बाल स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएमसीएच) के लिए नामांकित किया गया है।

बी.एससी.(एच) एलएचएमसी के कॉलेज ऑफ नर्सिंग (महामारी विज्ञान और अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी विषय) के नर्सिंग विद्यार्थियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य नर्सिंग में एम.एससी. के लिए प्रशिक्षण।

महाविद्यालय परिसर में निगरानी और वेक्टर नियंत्रण के लिए एन.डी.एम.सी. के साथ सहयोग करना।

पोलियो उन्मूलन गतिविधियों के लिए एनपीएसपी भारत के सहयोग से आईपीपीआई गतिविधियों के लिए आरवीएस प्रभारी और नोडल अधिकारी।

संकाय संख्या –11

+++

समुदाय औषधि (यूसीएमएस)

सम्मान / गौरव

डॉ. चतुर्वेदी एस :

अस्थायी सलाहकार, दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्रों का मूल्यांकन, 2016–2018, डब्ल्यूएचओ।

इको हेल्थ रिसर्च कोर ग्रुप सदस्य, आईडीआरसी, भारत में डेयरी दुग्ध में बोवाइन क्षय रोग और एंटीबायोटिक दवाओं के स्तर पर पीईआरआईएमआईएलके अध्ययन, 2014–2017, कनाडा–आईएलआरआई–पीएचएफआई–आईवीआरआई.

केन्द्रीय समन्वय टीम सदस्य, डब्ल्यूएचओ, केरल और तमिलनाडु राज्यों में शिशुओं के एक दल के लिए नियमित रूप से यूआईपी टीकाकरण से मौत और चिकित्सालय में भर्ती होने वाले सभी कारणों की संभाव्य सम्प्रेषण की खोज, 2013–2017,

केंद्रीय समन्वय दल सदस्य, मध्य प्रदेश में एचबीएनसी और एचबीएनसी+ का मूल्यांकन, 2013–2017, भारत सरकार, जीओआई–एनआईपीआई–आईएनसीएलईएन.

इको हेल्थ रिसर्च कोर ग्रुप सदस्य, आईडीआरसी, भारत में डेयरी दुग्ध में बोवाइन क्षय रोग और एंटीबायोटिक दवाओं के स्तर पर पीईआरआईएमआईएलके अध्ययन, 2014–2017, कनाडा–आईएलआरआई –पीएचएफ आई–आईवीआरआई.

संयोजक, डेंगू निवारण और नियंत्रण, 2016 पर जीएनसीटीडी संचालन समिति ।

डॉ. खान ए. एम., अवार्डेड दि फेलोशिप ऑफ फॉर फाउंडेशन फॉर एडवांस्ड इंटरनेशनल मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च सीएमसी, लुधियाना, फेमियर रीजनल इंस्टिट्यूट, इन, फरवरी, 2017।

डॉ. शर्मा ए.के., ईएसआरआई उपयोगकर्ता सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार, 19–20 जनवरी, 2017.

प्रकाशन

चटर्जी, पी. ककर, एम., चतुर्वेदी, एस. (2016) विकासशील देशों की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों में एक स्वास्थ्य को एकीकृत करना, भारत के खोए अवसर. इनफेक्ट, डिस. पोवरिटी, 5(1), 87.

आईएनसीएलईएन स्टडी ग्रुप के लिए चतुर्वेदी, एस., रामजी, एस., अरोड़ा, एन.के., रेवल, एस., दासगुप्ता, आर., देशमुख, वी. (2016) टाइम कंस्ट्रेड मदर एंड एक्सपेंडिंग मार्केट, इमर्जिंग मॉडल ऑफ अंडर–न्यूट्रिशियन इन इंडिया। बीएमसी पब्लिक हेल्थ, 16, 632.

गुप्ता, जी. शर्मा, ए.के., चौधरी, टी. (2016) एन्थ्रोपोमेट्रिक असफलता के समग्र सूचकांक का उपयोग करते हुए, 5वर्ष की आयु से नीचे के बच्चों में पोषण का आकलन। इंडियन जे. कम्यूनिटी हेल्थ, 29(1), 1–4.

कक्कर, एम., ढोले, टी.एन., रोगवस्की, ई.टी., चतुर्वेदी, एस. (2016) सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला निगरानी और जापानी एन्सेफलाइटिस का निदान, फिर से आने के लिए समय। इंडियन पेडियाट्रिक, 53, 33–35.

खान, ए.एम., सिद्धार्थ, आर. (2016) बायोमेडिकल रिसर्च लिटरेचर में रिपोर्टिंग सांख्यिकी, दि नंबर सेय वल आल। इंडियन पेडियाट्रिक, 53, 811–4.

खान अमीर, मरोफ, राहुल शर्मा, जितेंद्र माझी, कपिल शर्मा, अनिता गुप्ता (2016). अंडरवेट और उसकी भविष्यवाणियों का प्रचलन, पूर्व दिल्ली के एक शहरीकरण गांव में बच्चों के साथ खिलवाड़ है। इंडियन जर्नल ऑफ कम्यूनिटी एंड फैमिली मेडिसिन, 2(1), 83–88.

कुमार, आर., इंद्रेयन, ए., छाबड़ा, पी. (2016) 'बहुविध मॉडलिंग दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए भारतीय चिकित्सा पत्रिकाओं में बहुव्यापी लॉजिस्टिक प्रतिगमन की गुणवत्ता का मूल्यांकन' इंडियन जे. पब्लिक हेल्थ, 60, 99–106.

मेहता, एम., फरीदी, एम.एम.ए., शर्मा., एस., सिंह, ओ., शर्मा, ए.के. (2016). ब्रेकमिल्क लैक्टोफेरिन के साथ जन्में और सहसंबंध में 1800–2499 g वजन के स्तनपान वाले शिशुओं में आयरन की स्थिति का एक संभावित अध्ययन। इंटरनेशनल जे. पेडियाट्रिक चाइल्ड हेल्थ, 4, 42–51.

प्रतीक हरने, अमीर मारूफ खान. (2016). उत्तर भारत से चिकित्सालय आधारित सर्वेक्षण, काम कर रही महिलाओं में आपातकालीन गर्भधारण की गोलियों का जागरूकता और उपयोग। इंटरनेशनल जे. रिप्रोड कॉन्ट्राप्ट ऑब्स्टेट गायनकोल., 5 (4), 1202–1206.

राजा, जे.डी., भसीन, एस.के. (2016). दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटरों में नियुक्त कॉल हैंडलरों की नींद की गुणवत्ता, इंडिया इंट जे ऑक्यूप. एनवायर. मेड., 7 , 207—214.

रविकुमार, आर., राजोरल, ओ.पी., शर्मा, आर., भाटिया, एम.एस. (2017). दिल्ली में स्नातकोत्तर मेडिकल विद्यार्थियों में भावनात्मक इंटेलिजेंसी का एक अध्ययन। *Cureus*,, 9(1), *e* 989 doi: 10.775 9/ cureus.989.

शर्मा, एस, अग्रवाल, ए., खान., ए.एम, इंगले, जी.के. (2017). दिल्ली के ग्रामीण और शहरी मलिन बस्तियों में कुत्तों के काटने की व्याप्तता, एक समुदाय आधारित अध्ययन। एनुअल मेड. हेल्थ विज्ञान रेज., 6(2), 115—119.

सोमदट्टा, पी., उपाध्याय, एम., छाबरा, पी., (2016). ग्रीवा के कैंसर की जागरूकता और स्क्रीनिंग कार्यक्रम में भाग लेने की इच्छा, सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति के प्रभाव। जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक।

नीलिमा, टी., छाबरा, पी., दधीच, जे.पी., गुप्ता, ए., चांदोला, वी. (2016). दिल्ली में पुनर्वास कॉलोनी में माताओं के बीच स्तनपान कराने की समय सीमा शुरू करने का निर्धारण करने के लिए प्रचलित और कारकों का आकलन करना। इंडियन जे.चाइल्ड हेल्थ, 3, 147—53.

(2016) एसोसिएट एडीटर, कम्युनिटी मेडीसिन की पाठ्यपुस्तक। पीयूष गुप्ता, अमीर मारूफ खान (ईडीएस.), सीबीएस पब्लिशर्स, दिल्ली, भारत.

खान ए.एम. और शाह, डी. (2016). सामुदायिक पेडियट्रिक विज्ञान की अवधारणा। ओ.पी. मिश्रा, शकुंतला प्रभु और सुरजीत सिंह (ईडीस.), नेल्सन की आवश्यकतानुसार बाल रोग, अध्याय. 5, प्रथम दक्षिण एशिया के ईडन.दिल्ली : एल्सेवियर पब्लिशर्स में।

खान, ए.एम. (2016). भारत में बाल स्वास्थ्य। ओ.पी. मिश्रा, शकुंतला प्रभु और सुरजीत सिंह (ईडीएस.) में, नेल्सन की आवश्यकतानुसार बाल रोग, अध्याय. 5, प्रथम दक्षिण एशिया के ईडन.दिल्ली : एल्सेवियर पब्लिशर्स में।

खान, ए.एम. (2016). पब्लिक स्वास्थ्य देखभाल वितरण प्रणाली। ओ.पी. मिश्रा, शकुंतला प्रभु और सुरजीत सिंह (ईडीएस.) में, नेल्सन की आवश्यकतानुसार बाल रोग, अध्याय. 5, प्रथम दक्षिण एशिया के ईडन.दिल्ली : एल्सेवियर पब्लिशर्स में।

खान, ए.एम. (2016). भारत में चाइल्ड हेल्थ कार्यक्रम। ओ.पी. मिश्रा, शकुंतला प्रभु और सुरजीत सिंह (ईडीएस.) में, नेल्सन की आवश्यकतानुसार बाल रोग, अध्याय. 5, प्रथम दक्षिण एशिया के ईडन.दिल्ली : एल्सेवियर पब्लिशर्स में।

खान, ए.एम. तथा ओ.पी. (2016). समुदाय में स्वास्थ्य और रोग। सामुदायिक चिकित्सा की पाठ्यपुस्तक दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स।

कुमार, ए. और खान, ए.एम. स्वास्थ्य और मेडिसिन की प्रणाली। पीयूष गुप्ता, आमिर मारूफ खान (ईडीएस.), कम्युनिटी मेडिसिन की पाठ्यपुस्तक में। दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्सगुप्ता, पी. खान, ए.एम. ग्लोबल डिसेज बोर्डेन, स्वास्थ्य सूचक और पहल। पीयूष गुप्ता, आमिर मारूफ खान (ईडीएस.), कम्युनिटी मेडीसिन की पाठ्यपुस्तक में। दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स चटर्जी, पी., चतुर्वेदी, एस. 2016). गली के बच्चे। गुप्ता पी मेनन पीएसएन, रामजी एस., लोढ़ा आर, (ईडीएस.) में, बाल चिकित्सकों की स्नातकोत्तर पाठ्यपुस्तक। द्वितीय संस्करण (पीपी. 2777—2781) नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स.

चतुर्वेदी, एस., (2017) (सेक्शन एडीशन) व्युल्नेरेअल चाइल्ड। गुप्ता पी., मेनन पीएसएन, रामजी एस., लोधा आर., (ईडीएस.), बाल चिकित्सकों की स्नातकोत्तर पाठ्यपुस्तक। द्वितीय संस्करण (पीपी. 2777—2781) नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स.

खान, ए.एम. (2017). भारत में गंभीर तीव्र कुपोषण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए कार्यक्रम और नीतियों की प्रगति, सीवियर एक्यूट मालन्यूट्रिशियन, दिल्ली : सीबीएस प्रकाशक में।

राघवेंद्र, ए.एच, छाबरा, पी., शर्मा, ए. के., मधू, एस.वी. (2016). पूर्वी दिल्ली के एक शहरी गांव में मधुमेह रोग का प्रसार। नेशनल जर्नल ऑफ कम्यूनिटी मेडिसिन, 7, 302–306.

ठाकुर, एन., गुप्ता, ए., छाबरा, पी., दधीच, जय, पी.ए. (2016). दिल्ली, भारत के पुनर्वास कॉलोनी में शिशु आहार तरीकों के निर्धारकों का अध्ययन। इंट. जे. कम्युनिटी मेड पब्लिक हेल्थ, 3(12), 3357–3363.

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. छाबरा पी., आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित परियोजनाएं, पूर्वी दिल्ली एसटीएस 2016, रु.10,000/- के शहरी पुनर्वसन कॉलोनी में 40 वर्ष से अधिक आयु के महिलाओं में रजोनिवृत्ति के बाद रजोनिवृत्ति के लक्षणों और जीवन की गुणवत्ता का प्रसार।

डॉ पत्रा एस., आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित परियोजनाएं, एक अंडर ग्रेजुएट विद्यार्थी के लिए आईसीएमआर द्वारा एक अल्पकालिक छात्रवृत्ति (एसटीएस) प्रोजेक्ट प्रदान किया गया, 'दिल्ली के शहरी पुनर्वास कॉलोनी में एल्डर अबाउज इन पर एक अध्ययन', 2016, रु.10,000.

डॉ. उपाध्याय एम, आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित परियोजनाएं, अल्पकालीन छात्रवृत्ति परियोजना के लिए पर्यवेक्षक, दिल्ली, में तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में मरीजों के सदस्यों में अंग दान के प्रति ज्ञान और रुख, 2016, रु. 10,000.

डॉ. चतुर्वेदी एस., आईसीएमआर–आईएनसीएलईएन द्वारा वित्तपोषित परियाजनाएँ, चाइल्ड ओबेसिटी और अन्य जीवनशैली संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने के लिए व्यवहार, पब्लिक लोक स्वास्थ्य और क्रॉस सेक्टर रणनीति में नवाचार के लिए सोसायटी निगरानी प्रणाली के लिए प्रतिभा (ब्रेन) हेतु आधारभूत कार्य। स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर स्वस्थ भोजन के जीवन पाठ्यक्रम स्थापित करने के लिए कनाडा–भारत सहयोग। स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान–मैकगिल विश्वविद्यालय, कनाडा हेतु कनाडियन संस्थान (पूरा कर लिया है)

डॉ. शर्मा ए.के., एच एंड एफडब्ल्यू, जीओआई, शहरी भारतीय सेटलमेंट्स (एसटीईपीसीआरयूआईएसई) में क्रोनिक श्वसन संबंधी बीमारी की स्पैटिओ–टेम्पोरल एपिडेमियोलॉजी, भारत में चयनित महिला प्रवासी जनसंख्या के लिए एचआईवी भेद्यता मूल्यांकन अध्ययन। स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, रु.31,45,233.

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

दास, पी., छाबरा, पी., मैरोफ, के.ए., स्वास्थ्य बीमा कवरेज और उन महिलाओं के बीच उपयोग जिन्होंने कोलकाता में 09 फरवरी, से 11 फरवरी, 2017 तक आयोजित 42वें वार्षिक निवारक और सामाजिक चिकित्सा मेडिसिन राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएपीएसएमसीओएन 2016) की कार्यवाही में बच्चों को जन्म दिया था।

डोले, एम., छाबरा, पी., पात्राा, एस., भाटिया, एम.एस. पैटर्न, कोलकाता में 09 फरवरी, से 11 फरवरी, 2017 तक आयोजित 42वें वार्षिक निवारक और सामाजिक चिकित्सा मेडिसिन राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएपीएसएमसीओएन 2016) की कार्यवाही में पूर्वी दिल्ली के अनब्रेनाइज्ड गांव में बच्चों के जन्म के बाद नींद की गुणवत्ता।

डोले, एम., छाबरा, पी., पात्रा, एस., भाटिया, एम. एस. .24 फरवरी, 2017 से फरवरी, 26, 2017 तक जोधपुर में आयोजित 61वें प्रथम भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ की वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान पूर्वी दिल्ली के एक शहरी गांव में पोस्टमार्टम अवसाद का प्रचलन और इसकी असंबद्धता।

गुप्ता, जी., उपाध्याय., एम. फरवरी, 2017 में एआईआईएमएस, जोधपुर में भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ की 61 वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन मे, उत्तर–पूर्व दिल्ली के स्नातक मेडिकल विद्यार्थियों में नींद की स्वच्छता और नींद का पैटर्न।

अग्रवाल., के., पात्रा, एस. सिंह, एम., आलिया, एस. पूर्वी दिल्ली के निवासियों में कथित वायु प्रदूषण का आकलन, 'क्रॉस–सेक्शनल स्टडी' 61वां भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ का वार्षिक सम्मेलन। 24 –26 फरवरी,, 2017.

अग्रवाल, के., पात्रा, एस., कुमार., वी. शहरी पुनर्वास कॉलोनी के निवासियों के बीच मुंह कैंसर के बारे में जागरूकता, 61वां भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ का वार्षिक सम्मेलन, 24–26 फ़रवरी, 2017.

वैश्य, के., पात्रा, एस., छाबरा, पी. पूर्वी दिल्ली के जेरियाट्रिक पॉपुलेशन के बीच बॉडी मास इंडेक्स के आकलन पर एक अध्ययन। 61वां भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ का वार्षिक सम्मेलन, 24–26 फ़रवरी, 2017.

डुग्ग, पी., छाबरा, पी., शर्मा, ए.के. एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं में प्रजनन इच्छाएं, जिन्होंने कि 24–26 फरवरी, 2017 को जोधपुर में आयोजित 61वें भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ की कार्यवाही में पूर्वी दिल्ली में एआरटी सेंटर में सहभागिता की।

टिटोरिया, आर., गुप्ता, जी. अनुशंसित एंटी रेबीज वैक्सीन शेड्यूल, एक रेबीज क्लिनिक आधारित अध्ययन।

टिटोरिया, आर., गुप्ता, जी. निष्क्रिय पोलियो वैक्सीन की पैरेंटल स्वीकृति, 24–26 फरवरी, 2017 में जोधपुर में आयोजित 61वें भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ की वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में एक क्रास–सेक्शनल स्टडी।

श्यामभावी, छाबरा, पी., राजौरा, ओ.पी. महिला और जोखिम कारक हृदय रोग – 24–26 फरवरी, 2017 में जोधपुर में आयोजित 61वें भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ की वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में एक समीक्षा।

उपाध्याय, एम., साहू, एम., आजाद, एस., डुग्ग, पी. आईआईएमएस, जोधपुर में फरवरी, 2017 को 61वें भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्वी दिल्ली में तृतीयक देखभाल अस्पताल में उपचार के चलते कैंसर के मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी गुणवत्ता का आकलन।

भसीन एस.के., 4–6 मार्च, 2016 को हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसेज, देहरादून में आयोजित आईपीएचए की 60वीं वार्षिक सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता के रूप में कार्य किया।

छाबड़ा पी., सीएफएनईयू, खाद्य और पोषण बोर्ड के सहयोग से सामुदायिक मेडिसिन विभाग, यूसीएमएस में 'निजी स्वच्छता तथा पर्यावरण स्वच्छता और पोषण' विषय पर स्वच्छता पाखवाड़ा के संबंध में कार्यशाला, 10 मार्च, 2017.

चतुर्वेदी एस. :

बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की ज्वाइंट वर्किंग ग्रुप की बैठक– भारत, नई दिल्ली, बचपन में निमोनिया पर आई एनसीएलईएन, 27 मार्च, 2017।

बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के लिए मूल्यांकन बैठक भारत, एसकेआईएमएस, श्रीनगर बचपन में निमोनिया पर आईएनसीएलईएल परियोजना, 15–16 मार्च, 2017.

स्वास्थ्य अनुसंधान में गुणात्मक शोध पद्धति का उपयोग, एक साक्ष्य आधारित आईसीएमआर–आईएनसीएलईएन कार्यशाला, नई दिल्ली, 3–5 मार्च, 2017.

हेल्थकेयर लीडरशिप पर एनएएमएस सीएमई का मूल्यांकन, एआईआईएमएस, जोधपुर, 23 फरवरी, 2017।

भारत, एआईआईएमएस, नई दिल्ली में बचपन निमोनिया पर बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन–आईएनसीएलईएन परियोजना के लिए मूल्यांकन बैठक, 4 फरवरी, 2017.

एचबीएनसी और एचबीएन+ प्रोग्राम का मूल्यांकन, आईआईएमएस–भोपाल, 17 दिसंबर, 2016.

दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र, नई दिल्ली में डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्रों के मूल्यांकन पर परामर्श, 20–21 अक्टूबर, 2016।

एनयूएचएम, नई दिल्ली, में चिकित्सा महाविद्यालयों की भूमिका पर कार्यशाला, 25 अक्तूबर, 2016.

मानव–पशु–पर्यावरण अंतरफलक पर राष्ट्रीय प्रसार बैठक, पीएचएफआई, नई दिल्ली, 20 सितंबर, 2016.

एईएफआई, सातारा में गुणात्मक अध्ययन के लिए तकनीकी सलाहकार समूह बैठक, 8–12 अगस्त, 2016.

दक्षिण पूर्व एशिया में एक स्वास्थ्य पाठ्यक्रम के मुख्य धारा के लिए संचालन समूह की बैठक, 22–22 जुलाई, 2016.

इग्नू, नई दिल्ली, में पीजीडीएमसीएच प्रोग्राम को संशोधित करने के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक, 5 जुलाई, 2016

यूनिसेफ टाइम और मोशन स्टडी ऑफ फ्रन्टलाइन वर्कर्स, हैदराबाद पर राष्ट्रीय परामर्श, 29–30 जून, 2016.

भारत में बचपन के मोटापा के सामाजिक और पर्यावरण कारकों पर व्याख्यान आमंत्रित किया। कार्डियो–मेटाबोलिक अडवर्स्टिज़ ऑफ एंथ्रोपोलॉजी, दिल्ली पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 25 सितंबर, 2016.

खान ए. एम. :

हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, डोईवाला, देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ के 60वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया, 4–6 मार्च, 2016.

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साईंसेज, दिल्ली द्वारा आयोजित स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के नवीनतम रुझान पर यूजी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया, 14–15 फरवरी, 2017.

भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ के 61वें राष्ट्रीय सम्मेलन और एआईआईएमएस, जोधपुर में आयोजित आईपीएचए के 1 स्टेट चैप्टर सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया, 24–26 फरवरी, 2017.

अतिथि संकाय के रूप में, इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एंड रिसर्च, लखनऊ में 5 नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ कॉन्सोर्टियम रेबीज़, सीएआरसीओएन–2017 4–5 मार्च, 2017।

आईएपी अनुसंधान तथा लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और कलावती सरन चिल्ड्रन चिकित्सालय, नई दिल्ली के दौरान बाल चिकित्सा समूह तथा बाल चिकित्सा विभाग और एलएचएमसी और केएसएचएच के सहयोग से भारतीय बाल चिकित्सा संस्थान द्वारा आयोजित अनुसंधान कार्यविधि पर कार्यशाला हेतु एक संसाधन संकाय। 16–18 सितंबर, 2016.

शिकागो विश्वविद्यालय दिल्ली केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित कार्यशाला निरुत्साही संवाद, चिकित्सा शिक्षा में पुनर्जीवित मानविकी में सहभागिता की और योगदान दिया, 2–4 नवंबर, 2016.

एआईआईएमएस, जोधपुर में आयोजित भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ के 61वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान संचारी रोगों के लिए थीम पर शोध प्रेजेंटेशन हेतु अध्यक्षता, 24–26 फरवरी, 2017.

नेशनल रेबीज कंट्रोल प्रोग्राम (एनआरसीपी) के नोडल अफसरों और प्रशिक्षकों की बैठक और प्रशिक्षण, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), दिल्ली में मार्च 2, 2017।

सी.एम.सी. लुधियाना द्वारा 6–11 फ़रवरी, 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय एडवांसमेंट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एफएआईएमईआर) हेतु फाउंडेशन का फैलोशिप पाठ्यक्रम के तीसरे सत्र में भाग लिया।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा होटल ललित, नई दिल्ली में 11–12 जनवरी, 2017 को एमएए कार्यक्रम पर राष्ट्रीय अभिविन्यास सह समीक्षा कार्यशाला।

पात्रा एस., राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू), मुनीरका, दिल्ली में 22–26 फरवरी, 2016 को वैज्ञानिक लेखन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

राजौरा ओ.पी., आईएपीएसएम की वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन और आईएपीएसएम और आईपीएचए (XXIII) और आईपीएचए (V) संयुक्त गुजरात राज्य सम्मेलन, गांधी नगर, गुजरात, 7–9 सितंबर, 2016

राजौरा, ओ.पी., राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में 23–25 सितंबर, 2016 को आयोजित व्यावसायिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य की तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक पेपर सत्र की अध्यक्षता।

शर्मा ए.के. :

दिल्ली में 19 –20 जनवरी, 2017 को आयोजित 17वीं ईएसआरआई इंडिया यूजर कॉन्फ्रेंस.

कोलकाता में 9–12 फ़रवरी, 2017 को आयोजित आईएपीएसएम का 44वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन.

एआईआईएमएस, जोधपुर में 23–26 फरवरी, 2017 को आयोजित भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ का 61वां राष्ट्रीय सम्मेलन.

कोलकाता में 9–12 फ़रवरी, 2017 को आयोजित आईएपीएसएम सम्मेलन में 'सार्वजनिक स्वास्थ्य में जीआईएस के अनुप्रयोग' पर पूर्व सम्मेलन कार्यशाला.

जोधपुर में 23–26 फरवरी, 2017 को आयोजित आईपीएचए सम्मेलन में 'सार्वजनिक स्वास्थ्य में जीआईएस के अनुप्रयोग में व्यावहारिक एवं क्रियाशील प्रशिक्षण पर पूर्व कार्यशाला'.

उपाध्याय एम., एआईआईएमएस, जोधपुर में 24–26 फरवरी, 2017 को भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ का 61वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन।

डोले, मिगॉम., 27–24 फ़रवरी, 2017 जोधपुर में आयोजित 61वीं भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ की वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्वी दिल्ली के एक शहरी गांव में 'पोस्टमार्टम अवसाद और उसके निर्धारकों की व्यापकता पर पेपर प्रस्तुति हेतु सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार।

डुग्ग, प्रीति।, जोधपुर में 24–26 फरवरी, 2017 को आयोजित 61वीं भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ की कार्यवाही में 'पूर्वी दिल्ली में एआरटी केंद्र में भाग लेने वाली एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं में प्रजनन इच्छाएं' पर पेपर प्रस्तुति हेतु सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार।

संकाय संख्या – 10

+++

त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग (यूसीएमएस)

प्रकाशन

बिसरवाल, के., पंढी, डी., सिंगल, ए., गुलेरिया, के., मिश्रा, के. (2016). यौन संचारित संक्रमण क्लिनिक में भाग लेने वाली महिलाओं में ग्रीवा और गुदा इंटरेपिथेलियल नियोपलाशिया का मूल्यांकन। इंडियन जे. डर्मेटोल वेनेरेओल लेप्रोल, 82, 498–504.

बिसारवाल, के., पांधी, डी., सिंगल, ए., शर्मा, एस. (2016). टीकाकरण के बाद इन्फैन्टिल बुल्लस पेम्फीगॉइड। इंडियन पेडिटर., 53, 425–6.

बिसरवाल, के., सिंगल, ए., पांधी, डी., शर्मा, एस. (2017). हाईपोपिग्मेंटेड मायकोसिस फुनग्वाईड्स : क्लीनिकल, हिस्टोलॉजिकल एंड इम्युनोहिस्टोकेमिकल रिमिशन इंड्यूस्ड बाय नेरो–बैंड अल्ट्रावियोलेट बी. इंडियन जे. डेरमेटोल., 62(2), 203–206.

दौलताबाद, डी., ग्रोवर, सी., तनवीर, एन., बंसल, डी. (2016). ग्रेनुलर सेल ट्यूमर इन ए चाइल्ड : एन अनकॉमन कुटेनिअस प्रेजेंटेशन. इंडियन डेरमेटोल ऑनलाइन जे., 7(5), 390–392.

दौलताबाद, डी., पांधी, डी., सिंगल, ए. (2016). मस्सा में इम्यूनोथेरेपी के लिए बीसीजी वैक्सीन : क्या यह एक क्षयरोग के क्षेत्र में सचमुच सुरक्षित है ? डेरमेटोल थेर, 29, 168–72.

धवन, ए.के., बिशरवाल, के., ग्रोवर, सी., दिवाकर, पी. (2016). हाथ पर ऐनुलर एट्रोपिक प्लेक। इंडियन डेरमेटोल ऑनलाइन जे., 7(4), 340–2.

धवन, ए.के., बिशरवाल, के., ग्रोवर, सी., शर्मा, एस. (2017). एन एसिम्प्टोमेटिक इनग्वाइनल : लिम्फेटिक फाइलेरियासिस । इंडियन जे. डेरमेटोल वेनेरिओल लेप्रोल, 82(4), 446–8.

ग्रोवर, सी., कश्यप, बी., दौलताबाद, डी., धवन, ए., कौर, आई.आर. (2016). सिगनिफेंश एंटी–साइक्लिक सिट्र्लिलेटेड पेप्टाइड ऑटोंटिबॉडीज इन इम्मून मेडिएटेड इनफ्लेमेटॅरि स्किन डिऑर्डर विद एंड विदाउट आर्थरिट्स। इंडियन जे. डेरमेटोल, 61(5), 510–4.

पांधी, डी., बिश्वरवाल, के., सिंगल, ए., गुलेरिया, के., मिश्रा, के. (2016). इम्मूनआउटस्टेंडिंग एज प्रेडिक्टॅर ऑफ एनल एंड सर्वाइकल डायसप्लासिया इन वूमेन। इंडियन जे सेक्स ट्रांसम. डिस., 37, 151–156.

पांधी, डी., सिंघल, ए., वाधवा, एन. (2016). लइकेन स्करोफुलोसोरम : येट एनअॅदर डिसीज मेनिफेस्टिंग दि कोएब्नेर फेनॉमेनॅन? इंट. जे. डेरमेटोल, 55, 809–10.

सक्सेना, ए.के., लक्ष्मण, के., शर्मा, टी., गुप्ता, एन., बनर्जी, बी.डी., सिंगल, ए. (2016). इंटरकोस्टल तंत्रिका और प्रीगाबालिन की स्पंदित रेडियोफ्रीक्वेंसी के बाद पोस्टहेपेटिक न्यूरुलिया में सीरम बीडीएनएफ स्तर का मॉड्यूलेशन। पैन मेनेज., 6(3), 217–27.

सिंघल, ए., दौलताबाद, डी., ग्रोवर, सी. (2016). ग्रेईंग सिवेरिटी स्कोरिंग : ए यूजफूल टूल्स फॉर इवेल्युशन ऑफ प्रीमेच्योर केनिटिज। इंडियन डर्माटोल ऑनलाइन जे., 7(3), 164–7.

सिंघल, ए., गोगोई, पी., पांधी, डी., भट्ट, एस. (2016). सुबन्गुअल फाइब्रो–ओस्सियस स्यूडोटुमोर ऑफ दि डिजिट : ए रेयर ऑकरेंस। इंटरनेशनल जे. डेरमेटोल., 56, e11–13.

सिंघल, ए., पांधी, डी., कटारिया, वी., अरोड़ा, वी.के. (2016). मुंड लिंग के क्षय रोग : जननांग अल्सर रोग का एक महत्वपूर्ण विभेदक निदान। इंटरनेशल जे. स्टीडी एआईडीएस, 956462417703027. doi: 10. 1177/0956462417703027.

सिंघल, ए., दौलताबाद, डी., पांधी, डी., अरोड़ा, वी.के. (2016). फेसियल बेसल सेल कार्सिनोमा ट्रीटेड विद टोपिकल 5% इंपिक्यूमोड क्रीम विद डेरमोस्कोपिक इवेलुएशन। जे. कुटान ऑस्थेट सर्ज., 9(2), 122–5.

सिंघल, ए., वोहरा, एस., शर्मा, आर., भट्ट, एस. (2016). ब्लू रबर ब्लैक नेवस सिंड्रोम विद मस्कुलो–स्केलेटल इनवॉल्वमेंट एंड पुल्मोनरी स्टेनॉसिस. इंडियन पेडियाट., 53(6), 525–7.

सिंघल, ए., दौलताबाद, डी. (2017). नेल टिक डिसऑर्डर : मेनिफेस्टेशन्स, पैथॉजेनेसिस एंड मैनेजमेंट। इंडियन जे. डेरमेटोल वेनेरिओल लेप्रोल., 83, 19–26.

सिंघल, ए., दौलताबाद, डी., ग्रोवर, सी. (2016). ग्रेईंग सिवेरिटी स्कोरिंग : ए यूजफूल टूल्स फॉर इवेल्युशन ऑफ प्रीमेच्योर केनिटिज। इंडियन डेरमेटोल ऑनलाइन जे., 7(3), 164–7.

सोनथालिया, एस., सिंगल, ए. (2016). स्मेग्मा पर्लस इन यंग अनसरकमसाइज्ड बॉयज। पेडियाट. डेरमेटोल, 33(3), e–186– e 189.

दौलताबाद, डी., ग्रोवर, सी., सिंगल, ए. (2016). जीवन की गुणवत्ता और समयपूर्व केनिटिज के मनोवैज्ञानिक प्रभाव : उत्तर भारत से एक अध्ययन। पिगमेंट इंट., 3, 24–8.

सिंघल, ए. (2016). सम्मेलन रिपोर्ट यूरोपीय नेल सोसायटी (ईएनएस) 2016 की वार्षिक बैठक, 28 सितंबर, 2016, 25 ईएडीवी कांग्रेस के दौरान, 28 सितंबर–2 अक्टूबर, 2016, विएना (ऑस्ट्रिया)। ओनोकोस्कोप, 6(1), जनवरी 2017.

पहवा, एम., ग्रोवर, सी. (2016). एडवांसेज इन नेल सर्जरी। इन माजिद आई, (ईडी.), आईएडीवीएल रिसेंट एडवांसेज इन डेरमेटोलॉजी। दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स.

सरदाना, के., तेजस्वी, टी.आर., पांधी, डी., अरोड़ा, आर., मेनन, आर. (2016). बायोलॉजिकल। इन सरदाना के. (ईडी.), सिस्टमेटिक ड्रग्स इन डेरमेटोलॉजी, प्रथम ईडेन. (पीपी 266–303) नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स.

विश्वनाथ, वी., पांधी, डी. ऑटोइम्यून कनेक्टिविटी टिशू डिसीज। इन चटर्जी एम, वासुदेवन बी.(ईडीएस.), आईएडीवीएल एटलस ऑफ डेरमेटोलॉजी, प्रथम संस्करण, (पीपी। 103–32), नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स.

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियॉं

ग्रोवर, सी .:

नाखून विकारों का उपचार सत्र के लिए आमंत्रित संकाय : 2 मार्च, 2017 को होटल हिल्टन, ऑरलैंडो, फ्लोरिडा, यूएसए के लिए नाखून विकारों के लिए परिषद के 21वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान रासायनिक छीलन।

19 फ़रवरी, 2017 को दिल्ली में सर गंगा राम चिकित्सालय में आयोजित 2 मुँहासे भारत शिखर सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान, मुँहासे के उपचार के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

31 जनवरी और 2 फरवरी, 2017 को यूसीएमएस, दिल्ली में आयोजित शोध लेखन कार्यशाला –2017 की कार्यवाही के दौरान सत्र सारांश और निष्कर्ष के लिए आमंत्रित संकाय।

13–15 जनवरी, 2017 को साइंस सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में आयोजित आईएडीवीएल के 45वें राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान निशान के सर्जिकल प्रबंधन हेतु आमंत्रित अध्यक्ष।

12 जनवरी, 2017 को साइंस सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में आयोजित आईएडीवीएल के 45वें राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान नेल डिसीज का प्रबंधन, एक पैनल चर्चा हेतु आमंत्रित पैनलिस्ट।

17 दिसंबर, 2016 को होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर, राजस्थान में आयोजित 5 ओनीकोकोन, एनुअल नेशनल कांफ्रेंस ऑफ नेल सोसायटी ऑफ इंडिया के भाग के रूप में नेल सर्जरी पर कार्यशाला के दौरान नेल का प्रबंधन, एक वीडियो प्रदर्शन के लिए आमंत्रित संकाय।

17–18 दिसंबर, 2016 को होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर, राजस्थान में आयोजित 5 ओनीकोकोन, एनुअल नेशनल कांफ्रेंस ऑफ नेल सोसायटी ऑफ इंडिया की कार्यवाही के दौरान इन–विवो नेल डायग्नोसिस : ओनीकोस्कोपी हेतु संकाय।

17–18 दिसंबर, 2016 को होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर, राजस्थान में आयोजित 5 ओनीकोकोन, एनुअल नेशनल कांफ्रेंस ऑफ नेल सोसायटी ऑफ इंडिया की कार्यवाही के दौरान पेरिअंगुअल वार्टस–प्रबंधन के लिए आमंत्रित संकाय।

17–18 दिसंबर, 2016 को होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर, राजस्थान में आयोजित 5 ओनीकोकोन, एनुअल नेशनल कांफ्रेंस ऑफ नेल सोसायटी ऑफ इंडिया की कार्यवाही के दौरान नेल डिजीज पर इंजेक्शनेबल थेरेपी हेतु आमंत्रित संकाय।

17–18 दिसंबर, 2016 को होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर, राजस्थान में आयोजित 5 ओनीकोकोन, एनुअल नेशनल कांफ्रेंस ऑफ नेल सोसायटी ऑफ इंडिया की कार्यवाही के दौरान गैर–मेलेनोसिटिक नेल ट्यूमर के लिए आमंत्रित संकाय।

दिलचस्प नाखून मामलों के लिए आमंत्रित संकाय, 20 नवंबर, 2016 को दिल्ली में होटल ली मेरिडियन में आयोजित वार्षिक कटिकॉन– आईएडीवीएल दिल्ली राज्य शाखा की कार्यवाही के दौरान इंटरेसटिंग नेल केसेस, एक पैनल चर्चा हेतु आमंत्रित संकाय।

11 नवंबर, 2016 को चंडीगढ़ के सेक्टर 32 स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज और चिकित्सालय में आयोजित इन–विवो डायग्नॉस्टिक डरमेटोलॉजी एंड एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ डिमेटोपैथोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया पर पूर्व सम्मेलन कार्यशाला की कार्यवाही के दौरान ओनायकोस्कोपी के लिए आमंत्रित संकाय।

13 नवंबर, 2016 को नई दिल्ली में होटल इरोज, नई दिल्ली में आयोजित एसीएस (I) नॉर्थ जोन डर्माटोसर्जरीज़ कार्यशाला 2016 की कार्यवाही के दौरान बेसिक नेल सर्जरी; एंड एडवांस्ड नेल सर्जरी हेतु आमंत्रित संकाय।

21–23 अप्रैल, 2016 को एसीएसआईसीओएन–2016 की कार्यवाही के दौरान नेल डिसआर्डस के लिए आमंत्रित संकाय, महाराष्ट्र के महाबलेश्वर में हुए कटियन सर्जन्स (I) की 14वीं राष्ट्रीय सम्मेलन में नेल बायोप्सी टेकनिक्स पर एक वार्ता प्रस्तुति की।

13–16 अक्टूबर, 2016 को मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित एशियन डरर्मेटोलॉजिकल कांग्रेस–2016 की कार्यवाही के दौरान डर्माटोस्कोपी पर कार्यशाला में ऑनकोस्कोपी के लिए आमंत्रित संकाय। ऑनकोस्कोपी पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

9 अक्टूबर, 2016 को नई दिल्ली में आयोजित बाल चिकित्सा त्वचा अद्यतन के लिए आमंत्रित संकाय। कार्यवाही के दौरान मैनेजमेंट ऑफ इन्फेंटाइल हेमेनेजिओमस – करंट प्रैक्टिस पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

11 सितम्बर, 2016 को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और राजेंद्र चिकित्सालय, पटियाला में आयोजित आईएडीवीएल–डर्माटोसर्जरी कार्यशाला–2016 हेतु समन्वयक और संसाधन संकाय। नेल सर्जरी तकनीकों हेतु संकाय का नेतृत्व किया।

4 सितंबर, 2016 को मेदांता, गुड़गांव में आयोजित प्रथम जेरिएटिक डर्मेटोलॉजी संगोष्ठी की कार्यवाही के दौरान इरुप्शन ऑफ सेनेससेंस : वृद्धि और निओलास्म्स पर एक सत्र को नियंत्रित करने के लिए आमंत्रित संकाय।

12–20 अगस्त, 2016 को आयोजित प्रोटोकॉल लेखन कार्यशाला–2016 के लिए समन्वयक और संसाधन संकाय। प्रयोजन और उद्देश्यों के लिए एक शीर्षक और सुविधा प्रदान, परिणाम के उपायों और टेम्प्लेट का उपयोग करके योजना को प्रोटोकॉल में कनवर्ट करने के लिए लीड संकाय। एक प्रोटोकॉल प्रस्तुत करें।

1–3 जुलाई, 2016 को नई दिल्ली में आयोजित 3 त्वचा विज्ञान और एलाइड स्पेशियलिटीज शिखर की कार्यवाही के दौरान हाउ आई मैनेज पेरिउंगुअल वार्ट हेतु आमंत्रित संकाय।

1–3 जुलाई, 2016 को नई दिल्ली में आयोजित 3 त्वचा विज्ञान और एलाइड स्पेशियलिटीज शिखर की कार्यवाही के दौरान डर्मेटोस्कोपी–कार्यशाला के लिए आमंत्रित संकाय। डर्माटोस्कोपी और ओनीकोस्कोपी के परिचय– एक व्यावहारिक गाइड पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

15 मई, 2016 को दिल्ली में आईएडीवीएल–डीएसबी द्वारा आयोजित मिड ईयर कटिकॉन –2016 के लिए आमंत्रित संकाय। त्वचाविज्ञान में नया क्या है पर एक वार्ता प्रस्तुत की। ”
7 मई, 2016 को जयपुर में नेल डिसऑर्डस हेतु आमंत्रित संकाय। नाखून विकारों और नाखून बायोप्सी में इनजेक्टेबल थेरेपीज –कब और कैसे करें? पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

पांधी, डी. :

पेम्फिगुस में रिटि्क्समैब, 1 जुलाई, 2017 को नई दिल्ली में आयोजित तीसरे त्वचा विज्ञान और एलाइड स्पेशियलिटीज शिखर (डीएएएस) में पल्स थेरेपी के लिए एडीयू के लिए बोली लगाने का समय है में आमंत्रित व्याख्याता।

18–19 मार्च, 2007 को जयपुर में आयोजित दूसरे ‘CLINICON 2017’ के दौरान 'विसकोबुलस विकारों का प्रबंधन' पर पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

18–19 मार्च, 2007 को जयपुर में आयोजित दूसरे ‘CLINICON 2017’ में 'विसकोबुलस विकारों का प्रबंधन' में नए रूझान वार्ता के लिए आमंत्रित स्पीकर।

19 फ़रवरी, 2017 को नई दिल्ली में आयोजित 2 मुँहासे भारत शिखर सम्मेलन में मुँहासे–मिथकों हेतु पैनलिस्ट।

11–15 जनवरी, 2017 को कोलकाता में आयोजित भारतीय त्वचा विज्ञान विशेषज्ञ, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट संघ(आईएडीवीएल) के 45वें राष्ट्रीय सम्मेलन में एसटीडी और एचआईवी पर पैनल चर्चा, हेतु आमंत्रित मॉडरेटर।

11–15 जनवरी, 2017 को कोलकाता में आयोजित भारतीय त्वचा विज्ञान विशेषज्ञ, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट संघ(आईएडीवीएल) के 45वें राष्ट्रीय सम्मेलन में एआईडीएस में गैर–संक्रामक म्युकेक्यूटिअस मेनिफेस्टेशन हेतु आमंत्रित स्पीकर।

11–15 जनवरी, 2017 को कोलकाता में आयोजित भारतीय त्वचा विज्ञान विशेषज्ञ, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट संघ(आईएडीवीएल) के 45वें राष्ट्रीय सम्मेलन में संयोजी ऊतक रोग पर आमंत्रित पैनलिस्ट।

17–18 दिसंबर, 2016 को जयपुर में 5वें राष्ट्रीय ओनकोकोन 2016 में कॉन्टेक्ट एवं ऑक्यूपेशनल डेरमेटोसेज ऑफ नेल्स पर व्याख्यान दिया।

17–18 दिसंबर, 2016 को जयपुर में 5वें राष्ट्रीय ओनकोकोन 2016 में ऑनिकोमीकोसिस के प्रबंधन आमंत्रित पैनलिस्ट।

13–16 अक्टूबर, 2016 को मुंबई, भारत में 10 एशियाई त्वचाविज्ञान कांग्रेस (एडीसी 2016) में एचआईवी/एड्स और त्वचेय और जननांग दुर्भावनाओं का बर्डेन–उभरते हुए मुद्दे पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किए गए।

21 से 23 अक्टूबर 2016 तक नई दिल्ली में पब्लिक इंटरफेस में सामाजिक दुविधाओं के नैतिक, मेडिकल और कानूनी पहलुओं के आधार की खोज पर बैठक में जीवित रहना–एन आईसीआर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का निर्णय कौन लेता है, पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया।

15–17 जुलाई, 2017 तक चंडीगढ़ में डेरमाजोन नॉर्थ इंडिया 2016 में बुखार तथा लाल चकत्ते वाले बच्चों के इलाज पर अतिथि स्पीकर।

2–3 अप्रैल, 2017 को नई दिल्ली में नेशनल पिगमेंटर्यकॉन में निःशुल्क पेपर सत्र हेतु निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया।

दिनांक 9 अक्टूबर, 2016 को हाउ आई वार्ट्स इन चिल्ड्रेन एट पैडिएट्रिक्स डर्मेटोलॉजी अपडेट बाय आईएडीवीएल (दिल्ली शाखा) में आमंत्रित वक्ता।

सिग्नल ए :

आमंत्रित वक्ता : 25–26 मार्च, 2017 को एनआईएमएचएएनएस बैंगलोर में आयोजित पहले मल्टी स्पेशियलटी नैशनल कांफ्रेंस ऑफ कम्यूनिटी डर्मेटोलॉजी सोसायटी (सी.डी.एस.) में हाईजीन मैटर्स के दौरान ''हेयर क्लिनर्स '' पर वक्ता आमंत्रित।

आमंत्रित पैनलिस्ट : 25–26 मार्च, 2017 को एनआईएमएचएएनएस बैंगलोर में आयोजित पहले मल्टी स्पेशियलटी नैशनल कांफ्रेंस ऑफ कम्यूनिटी डर्मेटोलॉजी सोसायटी (सी.डी.एस) में हाईजीन मैटर्स के दौरान ''हेयर एंड नेल केयर; माइथ एंड फैंक्टस'' पर आमंत्रित पैनलिस्ट ।

आमंत्रित पैनलिस्ट : 25–26 मार्च, 2017 को एनआईएमएचएएनएस बैंगलोर में आयोजित पहले मल्टी स्पेशियलटी नैशनल कांफ्रेंस ऑफ कम्यूनिटी डर्मोटोलॉजी सोसायटी (सी.डी.एस) में हाईजीन मैटर्स के दौरान ''पर्सनल हाईजीन प्रोडक्ट्स '' पर आमंत्रित पैनलिस्ट।

आमंत्रित वक्ता : 18 मार्च, 2017 को जयपुर में आयोजित ''क्लिनिकॉन 2017'' के दौरान ''काटेनस टयूबरोकोलिसः इंटरेस्टिंग परस्पक्टिव'' पर आमंत्रित वक्ता।

आमंत्रित वक्ता : 5 मार्च, 2017 को पी.जी.आई, चंडीगढ़ में आयोजित ''अर्टिकेरिया एंड क्यूटेनियस एडवर्स ड्रग रिएक्शन्स'' पर सिम्पोजियम के दौरान ''नेल; एडवर्स ड्रग रिएक्शन्स '' पर आमंत्रित वक्ता।

विशिष्ट आमंत्रित वक्ता : एम्स् दिल्ली में एक माह के सी.एम.ई. ऑफ आई.ए.डी.वी.एल. डी.एस.बी. 2017 के दौरान सत्र : द करेन्ट एपिडेमिक ऑफ टॉपिकल स्टेरोयड एब्यूज।

आमंत्रित वक्ता : 25 फरवरी, 2017 को दिल्ली मे रेड्डीस फार्मास्यूटीकल द्वारा आयोजित डर्मा एकेडमी मीटिंग के दौरान '' पेडिएट्रिक एलोपेसिया ; डाग्नोसिस एंड मैनेजमेंट '' पर आमंत्रित वक्ता।

दिनांक 28 जनवरी 2017 को एम.ए.एम.सी., आहिल्याबाई ऑडीटोरियम में आई.ए.डी.वी.एल. डी.एस.बी. द्वारा आयोजित कुष्ठरोग पर सी.एम.ई के दौरान 'कुष्ठरोग के प्रबंधन में चुनौतियां'' पर पैनल चर्चा के लिए मध्यस्थ।

12 से 15 जनवरी, 2016 को कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मोटोलॉजिस्ट,वेनेरियोलॉजिस्ट एंड लेप्रोलॉजिस्ट (आई.ए.डी.वी.एल) के 45वें राष्ट्रीय सम्मेलन में ''नेल डिजीजेज– नेलिंग द नेल प्राब्लम्स् इन प्रैक्टिस पर पैनल चर्चा के लिए मध्यस्थ।

12 से 15 जनवरी, 2016 को कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मोटोलॉजिस्ट, वेनेरियोलॉजिस्ट एंड लेप्रोलॉजिस्ट (आई.ए.डी.वी.एल) के 45वें राष्ट्रीय सम्मेलन में ''केराटिनीजेशन,एचथियोसिस एंड पाल्मों प्लांटर केरैटोडर्मा रोगों पर पैनल चर्चा के लिए मध्यस्थ।

12 से 15 जनवरी, 2016 को कोलकाता में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मोटोलॉजिस्ट, वेनेरियोलॉजिस्ट एंड लेप्रोलॉजिस्ट (आई.ए.डी.वी.एल) के 45वें राष्ट्रीय सम्मेलन में ''केशटिनीजेशन,एचथियोसिस एंड पाल्मों प्लांटर एपिडर्मोलीसिस बुलोसा पर पैनलिस्ट के तौर पर आमंत्रित।

नेल सोसायटी ऑफ इंडिया और जयपुर डर्मोलॉजिस्ट ग्रुप,जयपुर (राजस्थान) द्वारा 17–18 दिसम्बर 2016 को आयोजित 5 वनीचोकॉन के कार्यवाही के दौरान नेल एज ए रेफलेक्शन ऑफ इंटरनल डिसीज के लिए फेकल्टी के रूप में आमंत्रित।

नेल सोसायटी ऑफ इंडिया और जयपुर डर्मोलॉजिस्ट ग्रुप,जयपुर (राजस्थान) द्वारा 17–18 दिसम्बर 2016 को आयोजित 5 वनीचोकॉन के कार्यवाही के दौरान इंटरेस्टिंग नेल केसेज के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित।

नेल सोसायटी ऑफ इंडिया और जयपुर डर्मोलॉजिस्ट ग्रुप,जयपुर (राजस्थान) द्वारा 17–18 दिसम्बर 2016 को आयोजित 5 वनीचोकॉन के कार्यवाही के दौरान ओनीकोमायकोसिस : हाउ डु आई मैनेज पर पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित।

नेल सोसायटी ऑफ इंडिया और जयपुर डर्मोलॉजिस्ट ग्रुप, जयपुर (राजस्थान) द्वारा 17–18 दिसम्बर 2016 को आयोजित 5 वनीचोकॉन के दौरान सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ इनग्राउन टो नेल पर कार्यशाल हेतु संसाधन व्यक्ति।

होटल ली मेरीडियन, दिल्ली में 20 नवम्बर 2016 को आई.ए.डी.वी.एल. दिल्ली राज्य शाखा द्वारा आयोजित वार्षिक कटिकॉन के दौरान 'डेंगू एवं चिकनगुनिया एसोसिएटेड मैनीफेश्टेशन्स' पर वक्ता के तौर पर आमंत्रित।

दिनांक 13–16 अक्टूबर को मुम्बई, भारत में हुए 10वें एशियन डर्मोजाजिकल कांग्रेस(ए.डी.सी.) के दौरान 'हिडेन माईकासेज'पर वक्ता और 'ट्रापिकल डर्मोलॉजी'पर सत्र हेतु सत्र नियोजक।

दिनांक 13–16 अक्टूबर को मुम्बई, भारत में हुए 10वें एशियन डर्मोलॉजिकल कांग्रेस(ए.डी.सी.) के दौरान 'नेल डिसीजेज'पर सत्र हेतु पैनलिस्ट आमंत्रित।

होटल ली मेरीडियन नई दिल्ली में दिनांक 9 अक्टूबर 2016 को आई.ए.डी.वी.एल.,डी.एस.बी. द्वारा आयोजित पैडिएट्रिक डर्मोलॉजी अपडेट्स के दौरान पैडिएट्रिक एलोपेसिया; स्पेक्ट्रम एंड मैनेजमेंट पर वक्ता आमंत्रित।

दिनांक 28 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2016 को वियना, आस्ट्रेलिया में आयोजित 25वें यूरोपियन एकैडमी ऑफ डर्मोलॉजी एंड वेनेरिओलॉजी कांग्रेस (ई.ए.डी.वी.) के दौरान यूरोपियन नेल सोसायटी (ई.एन.एस.) की साइंटिफिक मीटिंग में 'ट्रापिकल नेल डिस्आडर्स'पर वक्ता आमंत्रित।

दिनांक 28 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2016 को वियना, आस्ट्रेलिया में आयोजित 25वें यूरोपियन एकैडमी ऑफ डर्मोलॉजी एंड वेनेरिओलॉजी कांग्रेस (ई.ए.डी.वी.) के दौरान यूरोपियन नेल सोसायटी मीटिंग (ई.एन.एस.) साइंटिफिक मीटिंग में 'ट्रापिकल नेल डिस्आडर्स'पर वक्ता आमंत्रित।

दिनांक 28 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2016 को वियना, आस्ट्रेलिया में आयोजित 25वें यूरोपियन एकैडमी ऑफ डर्मोलॉजी एंड वेनेरिओलॉजी कांग्रेस (ई.ए.डी.वी.) के दौरान ' हिडेन माईकोसेज'पर वक्ता आमंत्रित।

दिनांक 07 सितंबर 2016 को सर गंगा राम अस्पताल में आई.ए.पी. दिल्ली चैप्टर द्वारा आयोजित पैडिएट्रिक डर्मोलॉजी सत्र के दौरान ''इंफेक्शन इन चिल्ड्रेन एंड एटोपिक डर्माटिटिस' सत्र हेतु पैनलिस्ट आमंत्रित।

दिनांक 04 सितंबर 2016 को मेदान्ता अस्पताल गुड़गांव में एस.आई.जी. गैरिएट्रिक डर्मोलाजी एंड आई.ए.डी.वी. एल. हरियाणा राज्य शाखा द्वारा आयोजित गैरिएट्रिक डर्मोलाजी सम्मेलन के दौरान 'प्रुरिटस इन अल्डर्ली' सत्र हेतु पैललिस्ट आमंत्रित।

दिनांक 21 अगस्त 2016 को मुंबई में आई.ए.डी.वी.एल. के सहयोग से टोरंटो फर्मा द्वारा आयोजित टी.वाई.एस.ए. क्विज 2016 , पश्चिम जोन हेतु ज्यूरी एवं मध्यस्थ आमंत्रित।

दिनांक 15–17 जुलाई 2016 को आई.ए.डी.वी.एल. पंजाब,चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश शाखा द्वारा आयोजित द्वितीय पीजीकॉन एंड डर्माजोन नार्थ के दौरान 'थेराप्यूटिक इंडीकेशन ऑफ नेल सर्जरी' पर वक्ता आमंत्रित।

दिनांक 15–17 जुलाई 2016 को आई.ए.डी.वी.एल. पंजाब,चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश शाखा द्वारा आयोजित द्वितीय पीजीकॉन एंड डर्माजोन नार्थ के दौरान 'डिफ्यूज हेयर लॉस इन ओमन' पर केस प्रजेंटेशन सत्र हेतु मध्यस्थ आमंत्रित।

दिनांक 11 और 12 जून , 2016 को आई.ए.डी.वी.एल. कर्नाटक शाखा द्वारा आयोजित नैशनल सिम्पोजियम ऑफ क्लिनिकल डर्मालॉजी एंड बिसाइडस इंविस्टीगेशन्स के दौरान 'नान इनफेक्टिव नेल डिस्आर्डस ;डाग्नोस्टिक नेल चेन्जस पर वक्ता आमंत्रित।

होटल ली मेरीडियन नई दिल्ली में दिनांक 15 मई 2016 को आई.ए.डी.वी.एल.,दिल्ली राज्य शाखा द्वारा आयोजित मिड–समर कटिकान के दौरान 'इंटरेस्टिंग केसेज इन डर्मेटोलॉजी' सत्र हेतु पैनलिस्ट आमंत्रित।

दिनांक 8 मई 2016 को जयपुर में जयपुर डर्मोलाजी ग्रुप द्वारा आयोजित नेल सर्जरी पर सिम्पोजियम के दौरान ' रिजेवेन्स ऑफ नेल इग्जामिनेशन इन डर्मोलॉजी' पर वक्ता आमंत्रित।

दिनांक 8 मई 2016 को जयपुर में जयपुर डर्मोलाजी ग्रुप द्वारा आयोजित नेल सर्जरी पर सिम्पोजियम के दौरान ' मैनेजमेन्ट ऑफ इनग्रोविन टो नेल' पर वक्ता आमंत्रित।

30 अप्रैल – 1 मई 2016 के दौरान मुम्बई में महाराष्ट्र राज्य शाखा के साथ सहभागिता में आयोजित दिसंबररोड कंट्रावर्सिज इन डर्मोलॉजी के दौरान ' शुड डर्मोलॉजिस्ट ट्रीट पीकास आर रेफर बहस हेतु फेकल्टी आमंत्रित।

21 –23 अप्रैल 2016 तक महाबलेश्वर में 14वें वार्षिक कांफ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ क्यूटेनियस सर्जन (एक्सीकॉन) के दौरान ' नेल मैट्रीसेक्टोमी' पर वक्ता आमंत्रित ।

संकाय संख्या – 5

+++

फारेंसिक चिकित्सा (यू.सी.एम.एस.)

सम्मान / गौरव

हैदराबाद के डॉ. एन. के. अग्रवाल,आई.ए.एम.एल.ई 2016 के राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य है।

डॉ. एन. के. अग्रवाल, सम्पादकीय समिति के सदस्य, दिल्ली साइक्रेट्रीक जर्नल, दिल्ली साइक्रेटिक सोसायटी द्वारा प्रकाशित। डॉ. ए. कोहली, जर्नल ऑफ फारेंसिक मेडिसिन एंड टैक्सीकोलॉजी के अंतरराष्ट्रीय सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य।

डॉ. ए. कोहली, इंटरनैशल जर्नल ऑफ मेडिकल टैक्सीकोलॉजी एंड लीगल मेडिसिन के प्रबंध सम्पादक।

डॉ. एस.के.वर्मा :

सदस्य,सम्पादकीय बोर्ड, दिल्ली साइक्रेट्रीक जर्नल

सदस्य, सलाहकार परिषद,जर्नल ऑफ इंडियन अकैडमी ऑफ फारेंसिक मेडिसिन।

सदस्य, अंतरराष्ट्रीय सलाहकार परिषद, जर्नल ऑफ फारेंसिक मेडिसिन एंड टैक्सीकोलॉजी।

सदस्य,सम्पादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ डेंटीस्ट्री एंड ओरल डिस्आर्डर्स, आस्टिन पब्लिशिंग ग्रुप, यू.एस.ए।

प्रकाशन :

कुमार, एम., कुमार,एम.,कोहली,ए,त्यागी, ए.के.,कुमार,ए,गुप्ता,एस.के. (2017) । प्रडिक्शन ऑफ सर्वावल यूजिंग ट्रिस न ट्रेन एक्सीडेंट विक्टिज्म इन टरटियरी केयर हास्पिटल, दिल्ली । जे. फोरेंसिक चेम. टैक्सीकॉल.3(1), 5–10 ।

शेट्टी, एस., ए.के., ए, अग्रवाल, एन.के.कुमार, ए (2016)। प्वाइजनिंग डेथ ट्रेन्डस इन नार्थ ईस्ट दिल्ली– ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी. जे इंडियन एकैडमी फोरेंसिक मेडि. , 38 (2),213–6 ।

वर्मा, ए.के. मेडिकोलीगल इस्यू इन हेल्थ प्रैक्टिस। इन गुप्ता,पी.,खान,ए.एम. (एजू.), टैक्सबुक ऑफ कम्यूनिटी मेडिसिन। नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स एडं डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लिमि.।

संकाय संख्या – 5

***

माइक्रोबायलोजी (एम.ए.एम.सी.)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां :

मौलाला आजाद मेडिकल कालेज का माइक्रोबायोलॉजी विभाग, स्नातक (एम.बी.बी.एस, बी.डी.एस., बी.एस–सी. नर्सिंग), स्नातकोत्तर (एम.डी. माइक्रोबायलाजी) एवं पीएच.डी. के छात्र/छात्राओं को क्लीनिकल माइक्रोबायलाजी के सिद्धांतों और कला के शिक्षण में अग्रणी है। विभाग के शिक्षक अपने शैक्षणिक और अनुसंधान दायित्वों को पूरा करने के अलावा लोकनायक अस्पताल, नई दिल्ली से आने वाले मरीजों के डायग्नोस्टिक और प्रोग्नोस्टिक प्रयोगशाला सेवाओं की निगरानी भी करते है। प्रयोगशाला नवीनत्म उपकरणों जैसे विटेक–2 कम्पैक्ट सिस्टम, बैक/टी अलर्ट सिस्टम,डी.एन.ए. सेक्योन्सर,कोबास टेकमैन 48 एनालाजर, बीडी–एफएसीएस काउंट सिस्टम एवं पुर्णतः स्वचालित इलिसा प्रोसेसर से सुसज्जित है। विभाग की एचआईवी प्रयोगशाला राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) की अगुवाई में एचआईवी के लिए स्टेट रेफरेंस लैबारेटरी (एसआरएल) के तौर पर कार्य करता है। एच.आई. वी. प्रयोगशाला की एन.ए.बी.एल की मान्यता को दो वर्षों हेतु 12 अगस्त 2016 से अंतरराष्ट्रीय मानक आईएसओ 1189ः 2012 के अनुरूप माइक्रोबायलोजी एवं सेरोलॉजी के क्षेत्र में नवीनीकृत किया गया है।

प्रकाशन :

अशरफ,ए, चक्रवर्ती, ए, राय, पी.,कार,पी,सिद्दीकी ओ. (2016)। फ्रीक्वेंसी ऑफ न्यूक्लियोंटाड सेक्वेंस वैरिएशन्स इन इटर्नल रिबोसोम एन्ट्री साइट रीजन ऑफ हेपटाटिस सी वायरस आरएनए आइसोलेटेड फ्राम रिस्पांडिंग एंड नान–रिस्पांडिंग पेशेन्टस विथ हेपटाइटस सी वायरस जेनोटाइप 3 इनफेक्शन। वायरस डिसीज,335–337.

अशरफ,ए, चक्रवर्ती, ए, राय, पी.,कार,पी,सिद्दीकी ओ.,गोयल, एस (2016)। एच–सीवी–एन–एस5ए रीजन एंड रेस्पांस टू पेजीनेटेड–इंटरपेरन अल्फा प्लस रिबेविरियन थैरेपीः म्यूटेशनल एनालिसिस इन पेसेंट विथ क्रोनिक एचसीवी इंफेक्शन। इंटरनैशनल जर्नल ऑफ करेंट रिसर्च,8,38114–38123.

अशरफ,ए, चक्रवर्ती, ए, राय, पी.,पी,सिद्दीकी ओ.,गोयल, एस,कपूर एन. कार पी(2016)। रिविजिंटिंग द यूटिलिटी ऑफ बायोकैमिकल प्रोफाइन द डाग्नोस्टिक एंड मैनेजमेंट ऑफ हेपटाइटिस सी वायरस इंफेक्शन : अ स्टडी फ्राम इंडिया. जे फर्मा बायोमड. साइंस,6(09), 502–50.

चक्रवर्ती ए चौहान, एम.एस. बनर्जी, एस एंड राय,पी. (2016)। कम्प्रीजन ऑफ मल्टीपल्स आरटी–पीसीआर एंड रियल टाइम हाइबप्रोब एस्से फार सेरोटाइपिंग ऑफ डेंगू वायरस यूजिंग रेफरेंस स्ट्रेन्स एंड क्लिनिकल सैम्पल्स फ्राम इंडियां। इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायलॉजी, 59 (3),330–33.

चक्रवर्ती ए चौहान, पी. मलिक एस सिद्दीकी ओ, ठाकुर ,पी. (2016)। ए स्टडी ऑन जेंडर–रिलेटेड डिफरेंसेस इन लैबोटरी कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ डेंगू फीवर। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजी,34(1): 82–8.

चौरसिया एस,संकर एम. जे.,अग्रवाल, आर यादव,सी.पी. आया. एस. कपिल ए गेंड आर विष्णुबाटाला एस चेल्लानी एच रामजी एस कुमार एस देवरती ए. के. पॉल वी. के. अग्रवाल के.सी. देब एम. प्रकाश एस.के. गुप्ता एन ठुकराल ए. नटराजन सी.के. (2016)। दिल्ली न्यूनटाल इंफेक्शन स्टडी (डेनिस) कोलैबरेशन। कैरेक्टराइटेशन एंड एंटीमाइक्रोबायल रेजिस्टैंस ऑफ सेप्सिस पैथोजेंस इन नियोनेटस बार्न इन टरटियरी केयर सेंटर्स इन दिल्ली, इंडियाः ए कोहॉर्टी स्टडी । लैंसेट ग्लोब हेल्थ, 4: ई 752–760.

दीपा पांडे, सी.पी. बवेजा, विनय कमाल एच.एस. हीरा। (2016)। डायग्नोस्टिक कम्प्रीजन ऑफ टू स्ऐनिंग टेक्निक्स इन स्प्यूटम सैम्पल्स ऑफ पल्मोनरी टयूबरकोलोसिस केसेज। इंटरनैशनल जर्नल ऑफ करेंट रिसर्च , 8 (6),32644–32648.

गर्ग एस. चक्रवर्ती ए सिंह आर मास्थी एन.आर.आर. गोयल आर.सी. जिम्मी आर. जी. गांगुली ई. शर्मा एन. सिंह एम. एम.फरेरा जी.मौर्य ए. ओझा एस निलोल जे. (2016) । द डी–एनजी 10 स्टडी ग्रुप। डेंगू सेरोटाइप स्पेसिफिक सेरोप्रेवेलेंस अमंग 5 टू 10–ईयर–ओल्ड चिल्ड्रेन इन इंडिया : ए कम्यूनिटी बेस्ड क्रास–सेक्शनल स्टडी। इंटरैशनल जर्नल ऑफ इंफेक्शस डिसीज,10.030.

कुमार एस. सैगल एस.आर. सेठी आर.जी. कुमार एस. (2016)। एप्लीकेशन ऑफ सेरोलॉजी एंड नेस्टेड पॉलीमेरेस चेन रिएक्शन फॉर आइडेंटीफिकेशन च्लामिडोफिया न्यूमोनिया न कम्यूनिटी– एक्वायर्ड लोअर रैस्पेरेटरी ट्रैक्ट इंफेक्शन इन चिल्ड्रेन। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायल.59,499–50.

लारेंस मधुमिता देबबर्मा सी.पी. बवेजा सुरिन्दर कुमार अश्वनी खन्ना जोसेफ सपप्रियना (2016)। कम्परेटिव इवैलुएशन ऑफ फलोरेसेंट स्ऐनिंग विद नेल–निल्सन एंड किनयोन स्ऐनिंग इन डायग्नोस्टिक ऑफ क्लिनिकली सस्पेक्ट केसेज ऑफ पल्मनरी टयूबोकुलोसिंस , इंटरनैशनल जर्नल ऑफ कंटेम्परारी मेडिकल रिसर्च,3(7),1970–1974.

मल्होत्राा आर. यूर्स ए.बी. चक्रवर्ती ए. कुमार एस. गुप्ता वी.के. महाजन बी. (2016) । कोरिलेशन ऑफ सिफ्रा 21–1 लेवल्स इन सलाइवा एंड सेरम विद सीके19 एम–आरएनए एक्प्रेशन इन ओरल स्कवैमस सेल कारसिनोमा। ट्यूमर बियोल।

राय ए. बवेजा सी.पी. कुमार एस. (2016) । कम्प्रेशन ऑफ रिकवरीज ऑफ माईकोबाक्टेरियम टयूबरकोलोसिस यूजिंग द आटोमेटेड बैक्टिक, मजिट 960 सिस्टम एंड लॉवंसटेन– जेंसेन मेडियम इन क्लिनिकली सस्पेक्ट केसेज ऑफ टयूबरकुलर मेंनिंगटिस्ज्म चिल्ड्रेन। इंटरनैशनल जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एंड एडवांस रिसर्च,7 (2),94–96।

सिद्दीकी ओ. चक्रवर्ती ए. एंड अभिषेक के.एस. (2016)। डेंगू : लेशन ऑफ ऑउटब्रेक। जे क्लिन. डियांग. रेस.

ठाकुर पी. चक्रवर्ती ए. अग्रवाल एस. उप्पल बी. भल्ला पी. (2016)। इलीवेटेड लेवल्स ऑफ वासकुलर इंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर इल एडल्टस विथ सेवेर डेंगू इंफेक्शन। वायरस डिसीज,27(1), 48–54.

अनुसंधान परियोजनाएं :

इंटरग्रेटेड काउंसलिंग एंड टेस्टिंग सेंटर (आई.सी.टी.सी.) फॉर एचआईवी अंडर द एजिस ऑफ नाको एंड डी–सैक्स।

स्टेट रेफेरंस लैबोटरी (एसआरएल) फॉर एचआईवी अंडर द एजिस ऑफ नाको एंड डी–सैक्स।

लैबोटरी फॉर इन्यूमरेशन सीडी4 टी–लिमहोसाइट बाय फ्लो किटोमट्री अंडर द एजिस ऑफ नाको एंड डी–सैक्स।

नैशनल स्ऐफिलोकोकल फेज टाइपिंग सेंटर अंदर द एजिस ऑफ गवर्नमेंट ऑफ एन.सी.टी., दिल्ली ।

रिजनल एस.टी.आई. रेफरेंस, रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर लैबोरेटरी।

आयोजित सेमीनार :

दिनांक 12 जनवरी 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के एम.डी(माइक्रोबायलोजी) के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए स्टेफिलोकोकल फेज टाइपिंग पर कार्यशाला आयोजित की गयी।

दिनांक 20 फरवरी 2017 एवं 17 मार्च 2017 को एक्टर्नल क्वालिटी एसेसमेंट स्कीम फॉर एचआईवी सेरोलॉजी फॉर लैबोटरी टेक्नीशियन्स ऑफ लिक्कड आईसीटीसीएस एंड पीपीटीसीटीएस पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी।

दिनांक 08–09 अगस्त 2016 और 10 नवम्बर 2016 को नाको द्वारा नामांकित दो नाको–बीडी सीडी4 गुड लैबोटरी प्रैक्टिसेस (जी–एलपी) ट्रेनिंग प्रोग्राम्स फॉर लैबोरेटरी टेकनीशियंस ऑफ सीडी4 टेस्टिंग लैबोरेटरीज आयोजित की गयी।

संकाय सख्या– 5

+++

माइक्रोबायलोजी (यू.सी.एम.एस.)

सम्मान / गौरव

डॉ. दास एस,

सर्वोत्तम प्रकाशन–सतीश चन्द्रा मेमोरियल अवार्ड इन आईएएमएम–दिल्ली चैप्टर, 19 नवम्बर 2016 ।

2017 हेतु आईएएमएम–दिल्ली के अध्यक्ष के तौर पर नामित।

2016–2019 हेतु आईएएमएम राष्ट्रीय समिति में कार्यकारी सदस्य।

डॉ. कुमार ए. को 28 मार्च 2017 को डॉ. बी.सी.राय मेमोरियल अवार्ड फॉर इमीनेंट मेडिकल टीचर फॉर द ईयर 2014 प्रदान किया गया।

डॉ. कुमार ए, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए एमसीआई के प्रतिनिधि। सदस्य–कार्यकारी समिति और उप समिति ,वित्त।

डॉ. रामचन्द्रन वीजी,

सलाहकार, टेक्नीकल रिसोर्स ग्रुप–नाको–एड्स नियंत्रण विभाग, भारत सरकार।

सदस्य– अनुसंधान समिति, एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ वायरोलॉजी एंड इम्यूनोलॉजी, ए.यू.यू.पी, नोएडा।

विषेशज्ञ– एरिया एडवायजरी बोर्ड, एमिटी विश्वविद्यालय , नोएडा ।

रिव्यूवर फॉर जर्नल्स – क्लिनिकल आर्थोपैडिक्स एंड रिलेटेड रिसर्च ;इंडियन पैडिएट्रिक्स एंड इंडियन जर्नल्स ऑफ आर्थोपैडिक्स।

सदस्य, परियोजना समीक्षा समिति , डीबीटी,डीएसटी,भारत सरकार।

डॉ. एन.पी.सिंह :

ए.एम.यू. में प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी के पद हेतु चयन समिति विशेषज्ञ, 5 अगस्त, 2016 ।

जज फॉर प्रेटीशियस अवार्ड मुम्बई बेलगांव बेस्ट पेपर इन बैक्टीरियोलॉजी।

पं. बी.डी. शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस,रोहतक में प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर, माइक्रोबायलोजी के पद हेतु चयन समिति में विशेषज्ञ, 6 दिसम्बर, 2016 और 8 फरवरी ,2017 ।

सुपरस्पेशियलटी पैड्रिएट्रिक हॉस्पिटल और पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग इंस्ट्रीयूटट, नोएडा एक्सपर्ट में तकनीकी सदस्य में विशेषज्ञ सदस्य नामित, 2 फरवरी ,2017।

ईएसआई मेडिकल कालेज, फरीदाबाद के चयन समिति में विशेषज्ञ।

प्रकाशन :

अरोड़ा, पी., मलिक, एम.,सचदेवा,आर., सक्सेना, एल.,दास, जे.,रामचन्द्रन, वी. जी., पाल,आर. (2016)। इननेट एंड हयूमोरल रेकगनाइजेशन ऑफ प्रोडक्ट्स ऑफ सेल डेथ, डिफरेंटियल एंटीजेंनेसिटी एंड इम्यूनोजेनिसिटी इन ल्यूपस। क्लीनिकल एंड एक्सपेरीमेंटल इम्यूनोलॉजी, ईपब अहेड ऑफ प्रिंट,डीओआई : 10.1111/सीईआई. 12889.

बंसल ,डी.,शर्मा ,एस.,अग्रवाल,एस., साहा, आर,गुप्ता, एन. (2016) , डिटेशन ऑफ हेलीकाप्टर पिलोरी इन नसल पोलिप्स। हेड एंड नेक पैथालॉजी, 699–704 ।

डार , एस., हक, एस., मंडल, सिंह, आर., वाहिद, टी., जावेद, एम.,पांडा, ए. आदित्य , नसीम,एन, मोहत्सिम, आर., मोहम्मद, ए. ,राय , जी.,दत्ता, एस.,भट्टाचार्य, एस.एन, रामचन्द्रन,वी.जी.,विश्वनामपेटई, दास .एस. (2016) । इंटरल्यूकिन–6–174[जी] >C (rs1800795) पॉलीमोरफिन डिस्ट्रीब्यूशन एंड इट्स एसोसिएशन विद हीम्यूटोयड आर्थिराइटिस, ए केस–कंट्रोल स्टडी एंड मेटा–एनालिसिस। आटोइम्यूनिटी जीएयूटी–0034.आर 2 ।

डार, एस.,ए. हक, एस., मंडल, आर. के., सिंह, टी., जावेद, एम.,डब्ल्यू.ए. पांडा, ए.के. अख्तर, एन., लोहानी, एम. ,अरीसी, एम.वाई., राय, जी.,दत्ता, एस.,भट्टाचार्य, एस.एन, रामचन्द्रन,वी.जी., दास .एस. (2016)। इंटरल्यूकिन–6–174[जी] >C (rs1800795) पालीमोरफिन डिस्ट्रीब्यूशन एंड इट्स एसोसिएशन विद हीम्यूटोयड आर्थिराइटिस, ए केस–कंट्रोल स्टडी एंड मेटा–एनालिसिस। आटोइम्यूनिटी 1-12.http,//dx.doi.org/10.1080/08916934.2016.1261833.

दास ,एस.,साहा,आर.,राय ,पी.,हाडा,वी., कौर, आई.आर, मुक्तेश, जी. मधु, एस.वी. (2016)। ए केस ऑफ फाइब्रोकैल्क्यूलस पैनक्रीएटिक डायबिट्स (एफसीपीडी) विद पेल्विक एंड एसरोटल एबसेस काज्ड बॉय कनाडियन ग्लाबराटा। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेसियलटीस, 7 ,90–92।

गोयल, एन.,कश्यम,बी., सिंह , एन.पी., कौर, आई.आर. (2016)। कम्परेटिव डाग्नोस्टिक यूटिलिटी ऑफ न्यूपटरिन एंड आईएफएन––γ / IL-2 इन एक्ट्रापल्मोनरी टयूबरकुलोसिस। *Ind J Clin Biochem*, 1-6. doi,10.1007/s12291-016-0624-3.

गोयल, एन.,कश्यप,बी., सिंह, एन.पी., कौर, आई.आर. (2016)। न्यूपटरिन एंड आक्सीडेटिव स्ट्रेस मार्कर्स इन द डाग्नोसिस ऑफ एक्ट्रापल्मोनरी टयूबरकुलोसिस। बॉयोमार्कर्स, 1–20 ।

ग्रोवर, सी.,कश्यप , बी., दौलताबाद, डी., धवन, ए. , कौर, आई.आर.(2016)। सिगनीफिकेंस ऑफ एंटी–सीसीपी आटो–एंटीबाडीज इन एम्यून मीडिएटेड इनफ्लेमेटरी स्किन डिस्आडर्स विथ एंड विदाउट अर्थराइटिस। इंडियन जे डर्माटोल, 61 (5) , 510–4.

गुप्ता, सी., जोंगमैन, एम., दास, एस., स्नेहा, के., भटटाचार्या, एस.एन., सैयदमौसवी, एस., वैन डायपनिंजेन ए.डी. (2016)। जेनोटाइपिंग एंड इन विट्रो एंटीफंगल सससेप्टीबिलिटी टेस्टिंग ऑफ फुसारियम आइसोलेट्स फ्राम आनीचोमिकोसिस इन इंडिया। माइकोपैथोलोजिया, 181(7–8), 497–04।

गुप्ता , पी., नारंग, एम., साहा, आरा. (2016)। इफेक्ट ऑफ क्यूनाइन एंड आर्टसुनेट कम्बिनेशन थैरेपी ऑन प्लेटलेट काउंट ऑफ चिल्ड्रेन विथ सर्व मलेरिया। पेडिएट्रिय इंट चाइल्ड हेल्थ।

गुप्ता, एस., कश्यप , बी. (2016)। बैक्टेरियोलॉजिकल प्रोफाइल एंड एंटीबायोग्राम ऑफ ब्लड कल्चर आईसोट्स फ्राम अ टर्टिअरी केयर हॉस्पिटल ऑफ नार्थ इंडिया। ट्रापिकल जे मेड रेस, 19(2), 94–99 ।

जैन, सी., दास, एस., आर. रामाचन्द्रन, वी.जी., साहा, आर., भटटाचार्य, एस.एन., डार, एस.(2017)। मलेसिजिया ईस्ट एंड कायटोकाइन जेन पालीमोरफिज्म इन अटोपिक डर्मटिटस । जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डाग्नोस्टिक रिसर्च, 11(3), 1–5.

जैन, सी., दास, एस., आर. रामाचन्द्रन, वी.जी., साहा, भटटाचार्य, एस.एन., डार, एस.(2017)। डिटेक्शन ऑफ साफफोलिफेस प्रोडक्शन बाय ईसीजी योक–अगर इन मलेसेजिया आईसोलेटस फ्राम डिसीज्ड एंड हेल्दी ह्यूमन हॉस्ट। इंटरनैशनल जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस एंड एंड पब्लिक हेल्थ। डीओई,10.455/आईजेएमएसपीएच।

जैन,एस., दास, एस.,साहा, आर. रामाचन्द्रन, वी.जी., भटटाचार्य, एस.एन., डार, एस.(2017)। मलेसिजिया ईस्ट एंड कायटोकाइन जेन पालीमोरफिज्म इन अटोपिक डर्मटिटस। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डाग्नोस्टिक रिसर्च, 11(3), 1–5.

कश्यप , बी.,दीवान,पी.,कश्यप, ए. ,कौर, टी., फरीदी, एम.एम.ए.,कौर, आई.आर. (2017)। इफेक्ट ऑफ बर्थ वेट ऑन इम्यूनोजेनिसिटी ऑफ हेपेटाइटिस बी वेक्सीन अमंग एनआईसीयू ग्रेजूएट्स। ट्रॉपिकल जे मेड रेस,20(1),31–35.

कश्यप ,बी., गुप्ता, एस., गोयल,एन., सरीन, आई. (2016)। डिवायस–एसोसिएटेड इनफेक्शन रेट्स विद माइक्रोबायलॉजिकल प्रोफाइल एंड एंटीबायोग्राम पैटर्न फ्राम एन एडल्ड मेडिकल–सर्जिकल आईसीयू ऑफ ए टर्टिअरी केयर हास्पिटल। इंडियन जे मेड स्पेशलीटीस ,8(1),2–30.

कश्यप ,बी., गुप्ता, एस.., सरीन, वाई के (2016)। डिवायस–एसोसिएटेड इनफेक्शन रेट्स विद माइक्रोबायलॉजिकल प्रोफाइल एंड एंटीबायोग्राम पैटर्न फ्राम एन एडल्ड मेडिकल–सर्जिकल आईसीयू ऑफ ए टर्टिअरी केयर हॉस्पिटल। इंटरनैशनल जे इंफेक्शंस डिस ,45,300.

कश्यप , बी.,गुप्ता, एस.(2016)। अवायरनेस टुवर्डस आक्यूपैशन एक्सपोजर अमंग हेल्थ केयर वर्कर्स ऑफ ए टर्टिअरी केयर हॉस्पिटल ,ए केएपी सर्वे। इंटरनैशनल जे हॉस्पिटल रेस, 1–6.

कश्यप, बी., कुसुमारकर, के., सरीन, वाई.के. (2016)। फैटल न्यूनटाल पेरीटोनल कंडीडाइसिस मिमिकिंग म्यूकोरमाइकोसिस– ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिट्रेचर। जे ट्रापिकल पैडिएट्रिक्स,62(5),425–8.

कौशिक, एस.,साहा,आर. ,एस.,रामाचन्द्रन, वी.जी., गोयल, ए. (2016)। एसएसयू–आर आरएनए टारगेट एम्पलीफिकेशन ऑफ इंटेस्टिनल माइक्रोस्पोर्डिया, ए सेंसटिव डाग्नोस्टिक टूल फॉर एक्यूरेट इस्टीमेट ऑफ इट्स प्रीवीलेंस। जे गैस्ट्रोइंटेसटिनल इंफेक्शंस,6(1),50–53.

कीर्ति, एन.,रूम्पा, एस.,रामचन्द्रन, वी.जी.,भट्टाचार्य, एस.एन., दास,एस., मोघा, एन.एस.(2017). को–इंफेक्शन ऑफ एचएसवी इन जोनोकोक्कल अर्थराइटिस पेशेंटस्। जे कामन डायस ,48 (3),19–21.

कीर्ति, एन.,रूम्पा, एस.,रामचन्द्रन, वी.जी.,भट्टाचार्य, एस.एन., दास,एस., मोघा, एन.एस.(2017). मल्टीपल एक्वैजिसंश ऑफ एसटीआई–एस, इनवायटेशंस टू क्लिनिकल केयर एंड समन्स टू इंटैन्जीबल्स इन लैबोटरी डाग्नोस्टिक। जे बायोम्ड साइं., 3(1), 3–10.

कीर्ति , एन.,साहा,आर. , रामचन्द्रन,वी. जी., भटटाचार्य, एस.एन., दास., एस. (2016) । रेजिस्टैंस इन नाइजेरिया गोनोरहोइओ, ए केस ऑफ कंसर्न ? इटनै. जे कारे. माइक्रोबायोल एप्प साइंस,5 (11), 140–144.

मलिक, एम., अरोड़ा, पी.,सचदेवा, आर.,शर्मा ,आर.,रामचन्द्रन, वी.जी.,पाल, आर. (2016)। एलूसीडेशन ऑफ द पोटेंशियल डिसीज–प्रमोटिंग इंफलुएंस ऑफ आईजीएम एपोपटिक सेल–रिएक्टिव एंटीबाडीज इन ल्यूपस, ल्यूपस। पीआईआई, ईपब अहेड ऑफ प्रिंट,. 0961203315624023.

मिश्रा, पी.के., कौर, आई.आर. मनचंदा, वी.,बत्रा, पी., सिंह, एन.पी. (2016) । यूटिलिटी ऑफ रियल टाइम पीसीआर इन कल्चर नेगेटिव एक्यूट बैक्टेरिया मिनिंगजिटिस इस पैडिएट्रिक एज ग्रुप । आईजेसीआर,08(05),30363–30636.

मिश्रा, पी.के.,सिंह, एन.पी.,बत्रा ,पी.कौर, आई.आर. (2016)। बैक्टेरियोलॉजिकल प्रोफाइल ऑफ एक्यूट प्योनेनिक मेनिनगिटिस इन पैडिएट्रिक एज ग्रुप फ्राम ए टर्टिअरी केयर हॉस्पिटल ऑफ ईस्ट दिल्ली । जे फर्मा बायोम्ड साइंस,6(3), 174–178.

निर्मल, के.,साहा,आर.,रामचन्द्रन, वी.जी., भट्टाचार्य, एस.एन. (2016)। रेजिस्टैंस इन नेटसेरिया गोनोरहायी, ए कॉज ऑफ कंसर्न? इंटनैशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायलॉजी एंड एप्लायड साइंसेज, 5(11), 140–144.

निर्मल, के.,साहा,आर.,रामचन्द्रन, वी.जी., दास,एस., भटटाचार्य, एस.एन. मोघा, एन.एस.कौर, आई.आर. (2016)। कोइनफेक्शन ऑफ एचएसवी इन जोनोकोक्कल अर्थराइटिस पेशेंट्स। जर्नल ऑफ कम्यूनिकेबल डिसीज , 48(3), 19–21.

निर्मल, के.,साहा,आर.,रामचन्द्रन, वी.जी., संबित, एन., भट्टाचार्य, एस.,नरेन्द्र एस.,मोघा, एन.एस. (2016)। मल्टीपल एक्यूजिशन्स ऑफ एसटीआईज, इनविटेशन टू प्रीसिशन इन क्लीनिकल केयर एंड समन्स टू इंटैजिबल्स इन लैबोटरी डाग्नोसिस। जर्नल ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज । 3(1),3–8.

पांडा, पी.एस.,कश्यप, बी.,प्रसाद, एस. (2016)। माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफाइल ऑफ सर्विस ऑफ फिमेल्स अटेंडिंग इन–विट्रो फर्टिलाइजेशन क्लीनिक ऑफ ए टर्टियरी केयर हॉस्पिटल, नार्थ इंडिया। जे रिप्रोडक्टिव हेल्थ मेड., (1), एस7–एस10.

राय , एस., रानी, एम., चौधरी, डी.डी., एन.पी., गुप्ता, ए. ,मनचन्दा, वी.(2016)। फेलियर टू डिसेम्बरालोनाइज म्यूपिरोसिन एंड लाइनजोलिड रेजिस्टैंट एमआरएसए फ्रॉम ए पेशेंट विद नेक्रोटिजिंग सॉफट टिस्यू इनफेक्शन। जे इनफेक्ट. पब्लिक हेल्थ, 9(5),667–9.

रामचंद्रन, वी.जी.,दास, एस.,राय ,पी.,हादा, वी., मोघा, एन.एस. चिकुनगुनिया, ए रिमजिंग इंफेक्शन स्प्रेडिंग ड्यूरिंग 2010 डेंगू फीवर आउटब्रेक इन नैशनल कैपिटल रीजन ऑफ इडिया। वायरस डिस. डीआईओ : 10.1007/s13337-016-0314.

रामचंद्रन, वी.जी., राय ,पी., दास ,एस., मोघा, एन.एस., बंसल, ए.के.(2016) । इम्पीरिकल मॉडल फॉर कैल्कुलेटिंग डेंगू इंसीडेंस यूजिंग टेंप्रेचर , रेनफॉल एंड रिलेटिव हयूमिडिटी,ए 19 ईयर रेट्रोस्पेक्टिव एनॉलिसिस इन ईस्ट दिल्ली, इंडिया। एपीडेमीलॉजी एंड हेल्थ, डीआईओ : 10.4178 / epih.e2016052.

रामचंद्रन, वी.जी.,दास, एस.,राय ,पी.,हादा, वी., मोघा, एन.एस.(2016)। चिकुनगुनिया, ए रिमर्जिंग इंफेक्शन स्प्रेडिंग ड्यूरिंग 2010 डेंगू फीवर आउटब्रेक इन नैशनल कैपिटल रीजन ऑफ इडिया। वायरस डिस. डीआईओ : 10.1007/s13337-016-0314 –z.

रोनसार्ड, एल., गांगुली ,एन., सिंह, वी.सिंह., मोहनकुमार, के., राय, टी ,श्रीधरन,एस.,पंजानिरादजे, एस.,कुमार, बी., राय,डी., चौधरी, एस.,कुमार,सी.,कौमार, एम.एस.,रामचन्द्रन,वी.जी, बनर्जी., ए.सी.(2017)। इम्पैक्ट ऑफ जेनेटिक वैरिएशंस इन एचआईवी–1 टैट ऑन एलटीआर–मेडिएटेड ट्रांसक्रिप्शन वाया टीएआर आरएनए इंटरैक्शन। फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायलॉजी, doi: 10.3389/ fmicb.2017.00706.706.

राय, पी., दास,एस.,सिंह,एन.पी.साहा,आर., राजला, जी. स्नेहा, के.,गुप्त, वी.पी.(2017)। चेजिंग ट्रेन्ड्स इन फुंगल एंड बैक्टीरियल प्रोफाइल ऑफ इंफेक्शन केराटिटिस एट ए टर्टिअरी केयर हॉस्पिटल, ए सिक्स ईयर स्टडी। क्लिन. इपीडोमिअल गलाब. हेल्थ,5,40–45.

साहा, आर.,रामचन्द्रन, वी.जी.,राय, पी.,दास,एस., चटर्जी, आर., कौशिक, एस., अहिर, एम, मोघा, एन.एस.(2017), निडिल स्टिक इंजुरी अमंग हेल्थ केयर वर्कर्स एंड आफटरमैथ इन ए टर्टियरी केयर हॉस्पिटल इन ईस्ट दिल्ली, इंडिया। जर्नल ऑफ कम्यूनीकेबल डिसीज,49(1), doi, 10.24321/0019-5138.20170214-20.

साहा,आर.,राय ,पी., दास,एस., चैटर्जी, आर., कौशिक, एस., अहिर, एम, मरूफ, के.ए., रामचन्द्रन, वी.जी., मोधा ,एन. एस.(2017), निडिल स्टिक इंजुरी एवं हेल्थ केयर वर्कर्स, एक्सपोजर्स एंड आफटरमैथ। जे. कम्यूकेबल डिस, 49(1), 14–20.

साहा,आर.,राय, पी.,दास,एस.कौर,आई.आर. (2016)। एमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन द एंटिओलॉजी एंड एंटीमाइक्रोबायल सक्पेटिबिलिटी पैटर्न ऑफ इंटरिक पैथेजेम्स इन नार्थ इंडिया। इंट. जे करेंट रेस. एकैडमी रिव. 4,80–84.

साहा,आर.,राय,पी.,दास,एस. (2016)।एंटीसिस्टीसर्कस एंटीबॉडी डिटेक्शन इन सलाइवा एस ए पोटैंशियल डायग्नोस्टिक टूल फॉर न्यूरोसिस्टीसेकोस। एनल्स ऑफ इंडियन एकैडमी ऑफ न्यूरोलॉजी। 14.139.60.131।

सिंह, एन.पी.,रानी,एम.,गुप्ता, के.,सागर, टी., कौर.,आई.आर. (2017)। चेंजिंग ट्रेस्ड्स इन एंटीमाइक्रोबायल सक्सेप्टीबिलिटी पैटर्न ऑफ बैक्टेरियल आइसोलेट्स इन ए बर्न यूनिट। बर्नस, एस0305–4179(17)30031–1.

सिंह, एन.पी.,सागर,टी., निर्मल, के.,कौर, आई.आर. (2016)। प्योजेनिक लिवर एब्ससेस कास्ज्ड बॉय एसिनेटोबैटर लोफी, ए केस रिपोर्ट। जे क्लिन डायगन दृ रेस. 10(6), डीडी01–डीडी02.

सिंह, टी., दास, एस.,रामचन्द्रन, वी.जी., मरूफ, के.ए.,(2016)। एंटीमाइक्रोगबायल रसिस्टैंस, फिलोजेनेटिक डिस्ट्रीब्यूशन एंड मोलेकुलर डाकिंग ऑफ इटरग्रोस इन मल्टीड्रग्स रजिस्टैंट डायरेंजेनिक ई.कोली आईसोलेटेड फ्राम चिल्ड्रेन अंडर फाइव इन दिल्ली, इंडिया।इंटरनैशनल जर्नल ऑफ इंफेक्शन डिसीज, 45,68–69.

सिंह, टी., दास,एस.,रामचन्द्रन, वी.जी.साहा,आर.,राय,ए.(2016) । टिपिकल एंड एटिपिकल इंटरपैथोजेनिक ई. कोली इन डायरिया एंड देयर रोल एस कैरियर इन हेल्दी चिल्ड्रेन अंडर फाइव। आईजेएमआर।

सिंह, टी.,दास.,रामचन्द्रन,वी.जी.,वानी,एस.,शाह,डी.,मरूफ, के.ए., शर्मा,ए. (2017)। डिस्ट्रीब्यूशन आफ इंटरग्रोन्स एंड फिलोजेनेटिक ग्रप्स अमंग इंटरोपैथेजेनिक इसचेरिचिला काली आईसोलेट्स फ्राम चिल्ड्रेन। फ्रंटियर इन माइक्रोबायलॉजी, doi:10.3389/fmicb.2017.00561.

विशनामपेटई.जी.रामचनद्रन, वी.जी.,राय ,पी.,दास, एस.,मोघा, एन.एस., बंसल, एक.के.(2016)।इम्पीरिकल मॉड फॉर इस्टीमेटिंग डेंगू यूजिंग टेम्प्रेचर, रेनफाल,एंड रिलेटिव हयूमिडिटी, ए 19 ईयर रेस्ट्रोस्पेक्टिव एनॉलिसिस इन ईस्ट दिल्ली। एपीडेमियोलॉजी एंड हेल्थ, (8),1–8।

रामचन्द्रन वी.जी.(2017)। एम्यूनाइजेशन, जैपनीज इनसेफलिटिस वैक्सीन। इन पोस्ट ग्रेजुएट टेक्स्ट बुक ऑफ पैडिएट्रिक्स, चैप्ट.23.1, पियुष गुप्ता, पी.एस.एन. मेमन , सिद्धार्थ रामजी, राकेश लोधा विपिन एम. वशिष्टा, न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिसर्स (प्रा.) लिमि. (इन प्रेस)

रामचन्द्रन वी.जी.(2017)। एपीडेमियोलॉजी ऑन इंफेक्शन डिसीज। इन पोस्ट ग्रेजुएट टेक्स्ट बुक ऑफ पैडिएट्रिक्स, चैप्ट.23.1, पी.एस.एन. मेमन , सिद्धार्थ रामजी, राकेश लोधा विपिन एम. वशिष्टा, न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिसर्स (प्रा.) लिमि. 2017(इन प्रेस)

रामचन्द्रन वी.जी.(2017)। नेचुरल हिस्ट्री ऑफ बैक्टेरियल इनफेक्शंस। पोस्ट ग्रेजुएट टेक्स्ट बुक ऑफ पैडिएट्रिक्स, चैप्ट.29.1, पी.एस.एन. मेमन , सिद्धार्थ रामजी, राकेश लोधा विपिन एम. वशिष्टा, न्यू दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिसर्स (प्रा.) लिमि. (इन प्रेस)

इंडिया हैबिटेट सेंटर दिल्ली में, 9–10 सितम्बर, 2016.

इंडिया हैबिटेट सेंटर दिल्ली में, में एआईएमएम डीसी वार्षिक सम्मेलन एवं प्री सम्मेलन सीएमई,19 नवम्बर 2016.

वी.जी.रामचन्द्रन :

वैरिएशंस इन एचआईवी–1 नेफ, इट्स फंक्शनल कांसेक्वैंश एंड पैथेजेनेटिक इम्प्लीकेशंस।

वीरोकॉन –2016। इंटरनैशनल कांफ्रेंस ऑन ग्लोबल परस्पेक्टिव इन वायरस डिसीज मैनेजमेंट इंडिया इंस्टीटयूट ऑफ हार्टीकल्चर रिसर्च (आईसीएआर), बैंगलोर, दिस. 7–10,2016।

ओरल प्रेजेंटेशन ऑन द सिग्नीफिकेंश ऑफ न्यूपटेरिन एज ए सर्कुलेटिंग डायग्नोस्टिक बायोमार्कर इन एक्ट्रापल्मोनरी टयूबरकुलोसिस एट माइक्रॉकान 2016 , पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलाजिस्ट का 40वां वार्षिक सम्मेलन। (23 से 27 नवंबर 2016)

इम्यूलॉजी दिवस पर गलगोटिया विश्वविद्यालय , ग्रेटर नोएडा में अतिथि वक्ता, (29 अप्रैल,2016)

आईएचसी–दिल्ली में एसोसिएशन ऑफ प्रैक्टिसिंग पैथोलॉजिस्ट में अतिथि वक्ता , 25 सितम्बर, 2016.

40वें वार्षिक सम्मेलन–आईएएमएम/माइक्रॉन में वक्ता आमंत्रित, नवम्बर, 2016

पीजीआईएमईआर–चंडीचढ़, 26 नवम्बर, 2016 ।

पैथकॉन एंड लैब एक्पो.2016–आईएचसी–दिल्ली में वक्ता आमंत्रित, 17 दिसम्बर,2016 ।

एम्यूनोकॉन 2016,जीआईटीएएम यूनिवर्सिटी, विशाखापट्नम में वक्ता आमंत्रित, 16–18 फरवरी, 2017

पीओएसएचसीए सोसायटी द्वारा 3 मार्च, 2017 को आयोजित कार्यशाला । डॉ. वी.जी.रामचन्द्रन।

7–10 दिसम्बर, 2016 को इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ हार्टीकल्चर रिसर्च (आईसीएआर), बैगलोर में ग्लेबल परस्पेक्टिव्स इन वायरस डिसीज मैनेजमेंट पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।

आईएएमएम–दिल्ली चैप्टर, इंडियन हैबिटेट सेंटर–दिल्ली, 19 नवम्बर,2016

एन.पी.सिंह ,

एम्स में एएसएम द्वारा एमर्जिंग इंफेक्शंस इन इंडिया पर आयोजित सीएमई सह कार्यशाला में अतिथि वक्ता । विषय ,लाइनजोलिड रेजिस्टैंस स्टेफिलोकोकस एरूयूस ,एन एमर्जिंग कंसर्न, 21 अप्रैल, 2016

अध्यक्ष, डाग्नोसिस ऑफ द वायरल इंफेक्शंस, एन इजिग्म एट माइक्रो–कॉन 2016, 8वां वार्षिक सम्मेलन आईएचसी, दिल्ली, 19 नवम्बर, 2016।

25–27 नवम्बर, 2016 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आईएएमएम के वार्षिक सम्मेलन, (ओरल) इन माईक्रान 2016।

अध्यक्ष, यू.पी.– माईक्रॉन 2017, थीम – वेक्टर बार्न डिसीजेज , 12–13 फरवरी, 2017 ।

संकाय संख्या – 6

+++

माइक्रोबायलोजी (वी.पी.सी.आई.)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां :

वी.पी.सी.आई में माइक्रोबायलॉजी विभाग डाग्नोस्टिक, शिक्षण और अनुसंधान कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल है। बैक्टेरिओलॉजी, एनोरोबिक बैक्टेरियोलाजॉजी, माईकोबैक्टेरियोलॉजी, विरोलॉजी एवं माइकोलॉजी से संबंधित बड़ी संख्या में डाग्नोस्टिक्स किये जाते हैं। उच्चस्तरीय सुविधाएं जैसे लेने विशेषज्ञ, एमजीआईटी, जेने सेक्योंसर एवं एम.ए.एल.डी.आई– टी.ओ.एफ.एफ फैथोजेन्स की पहचान के लिए उपलब्ध है। मेडिकल माइकोलॉजी, प्रयोगशाला ने सेंटर ऑफ यूरोपियन सोसायटी ऑफ क्लीनिकल माइक्रोबायलॉजी एंड इनफेक्शन डिसीज के साथ सहभागिता करके एक उप्लब्धि प्राप्त की है। मेडिकल माइक्रोलॉजी ने कैंडिडा आउरिश का प्रथम डे–नोवा होल जेनोम सेक्योंश प्रकाशित किया जो भारतीय अस्पतालों में एक मल्टीड्रग रेजिस्टैंट बैक्टेरियल पैथोजेन के रूप में उभर रहा है। मल्टीड्रग रेजिस्टैंट बैक्टेरियल पैथोजेन्स में एन्टीबायोटिक रेजिस्टैंस मैकेनिज्म, उनके मोनेकुलर चैरैक्टराजेशन एवं प्रकार, ड्रग रेजिस्टैंश प्रोफाइलिंग और एम. ट्यूबरकुलोसिस आइसोलेट्स के मोलेकुलर टाइपिंग, ईथमबुटोल रेजिस्टैंश मैकेनिज्म्स, एम. ट्यूबरकुलोसिस के ड्रग रेजिस्टैंस में ईफलक्स पम्प्स की भूमिका, नवीन डाग्नोस्टिक तकनीकियां में अनुसंधान सक्रिय रूप से किया गया। वाइरालजी इंफ्लूएंजा वायरस डाग्नोस्टिक एवं वायरल अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल है।

सम्मान / गौरव

डॉ मंदिरा वर्मा बासिल : सचिव, इंडियन एसोसिएशन ऑफ माइक्रोप्लाज्मोलॉजिस्ट एवं सदस्य आचार समिति राजा बाबू इंस्टीट्यूट ऑफ पल्मोनरी मेडिशिन एंड ट्यूबरकुलोसिस।

आस्था गिरि (पीएच.डी. छात्र): बेस्ट फ्री पोस्टर अवार्ड, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजिस्ट (आई.ए.एमएम)दिल्ली चैप्टर, 25 मार्च, 2017, एम्स्,नई दिल्ली।

डॉ मधु खन्नाः टैक्सास विश्वविद्यालय, आस्टिन, यू.एस.ए.(2–4 जून, 2015) में नावेल एंटीवायरल थैरेपीज फॉर इंफ्लुएंजा एंड रेस्पेरेटरी वायरसेसः बेंच टू बिसाइड्स कांफ्रेंस में शामिल होने पर इंटरनैशनल सोसायटी फॉर इंफ्लुएंजा एंड अदर रेस्पेरेटरी वायरस (आईएसआईआरवी)–एंटीवायरल ग्रुप (आईएसआईआरवी–एवीजी) द्वारा ट्रवेल अवार्ड।

डॉ. अनुराधा चौधरी, फेलो (निर्वाचित), यूरोपियन कांफेडेरेशन ऑफ मेडिकल माइकोलॉजी, 2017।

प्रकाशन :

अभिमन्यू, बोस, एम., वर्मा–बसिल एम, जैन, ए., सेठी, टी., तिवारी,पी.के., अग्रवाल, ए., बनावालिकर, जे.एन., भौमिक, के.टी.(2016)। इस्टेबलिस्मेंट ऑफ इलेवेटेड सेरम लेविस ऑफ आईएल–10,आईएल–8 एवं टीएनएफ– - β एस पोटेंशियल पेरीफेरल ब्लड बायोमार्कर्स इन ट्यूबरकुलर लिम्फैडेनिस्टटिस्ट : ए प्रोस्पेक्टिव आब्जर्वेशनल कोहोर्ट स्टडी, *PLoS One.19*, *11*(1), e0145576. doi: 10.1371/journal.pone.0145576. eCollection. Impact Factor: 3.234.

चांग, एच., अशु, ई., शर्मा, सी., कथुरिया, एस., चौधरी, ए.,एक्सयू.जे.(2016)। डायवर्सिटी एंड ओरिजिन्स ऑफ इंडियन मल्टी–ट्रायजोल रेजिस्टैंट स्ट्रेंस आफ एस्पेरगिल्स फुमिग्राटुस, मैसूर, 59,450–466.

चन्दर,जे.सिंगला, एन. कुंडु, आर., हांडा, यू.,चौधरी, ए. (2017)। फाओहाफोमायकोसि काज्ड बाय हाइडीस्टोन रूफुल्म एंउ रिव्यू ऑफ लिट्रेचर। माइकोपैथोलोजियां, 182, 403–407.

चौधरी, ए., ओस, ए., मीस, जे.एफ. (2016)। मल्टीड्रग–रेजिस्टैंट कैंडिडा आरिसः 'न्यू किड ऑन द ब्लॉक' इन हॉस्पिटल– एसोसिएटेड इंफेक्शंस? जे हास्प इंफेक्टेड,94,209–2012.

गिरार्ड,वी.,मेलर, एस., चेत्री, एम.विदाल, सी.,दुरैंड, जी.वैन, बेल्कम, ए, कोलम्बो, ए. एल.हाजेन, एफ., मीस, जे, एफ. चौधरी, ए.(2016)। आइडेंटिफिकेशन एंड टाइपिंग ऑफ एमर्जिंग पैथोजेन कैडिडा आरिस बाय मैट्रिक्स–एसिस्टैंड लेजर डीसॉर्पशन आइसोलेशन टाइम ऑफ फाइटिंग मास स्पेक्ट्रोमेट्री, माइकोसेस, 59, 535–538 ।

कांक्लेव्स, एस.एस.,सूजा, ए.सी.चौधरी, ए.मीस, जे.एफ., कोलम्बो, ए.एल.(2016)। इपीडेमियोलाजी एंड मालेकुलर मैकेनिश्म ऑफ एंटीफुंगल रेजिस्टैंस इन कैनेडा एंड एस्परगिल्स। माइकोसेस, doi: 10.1111/ myc.12469.

खन्ना एम.नन्दी टी.राय एस और सैनी एस. (2016)।जीका वायरस :एक संक्षिप्त समीक्षा। आस्टिन विरोल एंड रेट्रोविरोलॉजी।3(1), 1021.

खन्ना, एम., अग्रवाल, एन., गुप्ता, एस, सैनी, कुमार, बी.,कुमार,जे., कुमार, एच., मालिनी,एस., एवं सैनी, एस. (2016)। प्रेवेलेन्स ऑफ रेस्परेटरी वायरस इन एक्एसेब्रेशन ऑफ क्रानिक आबस्टैक्टिव पल्मनोरी डिसीज। आस्टिन विरोल एंड रेट्रोविरोलॉजी. 3(1), 1018.

कुमार, ए.,प्रकाश, ए.सिंह, ए.,कुमार, एच.,हेगेन, एफ., मीज, जे.एफ., चौधरी, ए,(2016)।कैंडिडा हेमोलोनी स्पाइसेस काम्प्लेक्स : एन एमर्जिग स्पाइसेस इन इंडिया एंड इट्स जेनेटिक डायवर्सिटी एसेस्ड विद मल्टीलोकोस सेक्योंस एंउ एम्प्लीफिकेशन फ्रेगमेंट–लेन्थ पालीमारफिन एनालिसेस। एमर्ज माइक्रोब्स इनफैक्ट.,25,5ः ई 49.

लोकहार्ट, एस.आर, इटीएन, के.ए., वल्लाभानेनी, एस., फारूकी, जे., चौधरी, ए., गोवेन्दर, एन.पी., कोलोम्बो., ए.एल., काल्वो, बी., कुमो, सी.ए., देसजारदिन, सी.ए.,बरकोव, ई.एल., कास्टेनहीरा, एम.मगोबो, आर.ई,जाबीन, के.,असगर, आर. जे.मीस, जे.एफ., जैक्सन, बी., चिल्लर, टी, लिटविनटसेवा, ए.पी.(2017)। सिमुलटेनियस, आरजेंस ऑफ मल्टीड्रग–रेजिस्टैंट कानडिड आरिस ऑन 3 कांटीनेट्स कंफर्म बाय होल–जेनोम सेक्वैंसिंग एंड इपीडेमिओलॉजिकल एनालिसेस। क्लिन इनफेक्ट डिस.., 64,134–140.

मसीह, ए.,सिंह, पी.के.,कथुरिया, एस., अग्रवाल, के. मीस, जे. एफ., चौधरी, ए.(2016)। आइडेंटिफिकेशन बाय मालेकुलर मेथड्स एंड मैट्रिक्स–असिस्टैड लेजर डेस्पोशन आयोनिजेशन–टाइम ऑफ फ्लाइट ऑफ फ्लाइट मास स्पेक्ट्रोमेट्री एंड एंटीफंगल सससेप्टीबिलिटी प्रोफाइल ऑफ क्लिनकली सिगनीफिकैंट रेयर एस्परजीलस स्पाइसेस इन ए रेफरल चेस्ट हॉस्पिटल इन दिल्ली, इंडिया। जे क्लिन माइक्रोबायोल, 54, 2354–64.

मीस, जे.एफ., चौधरी., ए., होडेस.,जे.एल., फिशर, एम.सी., वेरवीज, पी.ई. (2016)। क्लिनिकल इम्प्लीकेशंस ऑफ ग्लोबली एमंर्जिंग एजोन रेजिस्टैंस इन एसपरगिलस फुमिगेटस। ट्रांस.आर.लोर्ड.बी बिओल । साइंस, 5, 371(1709)। पीआईआई, 20150460.

मीस,जे.एफ., चौधरी, ए., होड्स, जे.एल., फिसर, एम.सी., वेरवीज, पी.ई. (2016)। क्लिनिकल इम्प्लीकेशंस ऑफ ग्लोबली एमजिंग एजोल रिजिस्टैंश इन एस्परगुल्स फुमिगटस। फिलोस।ट्रांस. आर.साक. लोड.बी बायल.सांस,5,371 (1709). पी–आईआई, 20150460.

मेहता, पी.के., सिंह, एन., धरा,आर.,दहिया, बी., शर्मा, एस.,शिवरन, ए. , गुप्ता, के.बी., चोधरी, डी., मेहता,एन. ,वमा–बासिल एम. (2016)। डाग्नोसिस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस बेस्ड ऑन द दिटेक्शन ऑफ ए काकटेल ऑफ माईबैक्टेरियल एंटीजेन 85बी,ईसैट–6 एंड कार्ड फैक्टर बॉय इम्यूनो –पी.सी.आर. जे माइक्रोबाओल। मेथड्स,127,24–7.

राज, ए., सिंह., एन., गुप्ता, के.बी., चौधरी , डी.,यादव,ए. , चौधरी, ए., अग्रवाल, के., वर्मा–बासिल एम.,प्रसाद, आर., खुल्लर, जी.के., मेहता,पी.के.(2016)। कम्पेरेटिव इवैलुएशन ऑफ सेवेरल जेन टारगेट् फार डिसाइनिंग ए मल्टीप्लेक्स–पीसीआर फार एन अर्ली डाग्नोसिस ऑफ एक्ट्रापल्मोनरी ट्यूबरकोलोसिस। योंसेई मेड जे.75(1), 88–96.

राठौर, एन., गरिमा, के., शर्मा, एन.के., नारंग, ए., वर्मा–बासिल एम, बोस, एम.(2016)। एक्सप्रेशन प्रोफाइल ऑफ एमसीई4 ओपेरान आफ माईक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकोलोसिस फालोविंग इनवायरमेंट स्ट्रेस. इंट.ज. माइकोबैक्टोरिअल, http://dx.doi.org/10.1016/j.ijmyco.2016.08.004.

शरीफ , एम., अदिति.(2016)। एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टैंस : चैलेंजेस एंड द वे फॉरवार्ड । इंड जे.चेस्ट डिस. एलायड सां.,58,157–159.

सैनी, एन.के., सिंहा., आर.,सिंह, पी.,शर्मा, एम., पाठक, आर.,राठौर, एन.,वर्मा–बासिल एम, बोस, एम.(2016)। एम–सीई4ए प्रोटीन ऑफ माईक्रोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस इनड्यूसेस प्रो इंफ्लमेमटोरी साइटोकाइन रेस्पोंस लीडिंग टू मारकोफेज एपोपटोसिस इन ए टीएफएफ– α डिपेन्डेंट मैनर। माइक्रोब पैथोग.,100,43–50.

सीलेंज, एस.,हजेन, एफ रोड्स, जे.एल.,अब्डोरलरासौली, ए., चौधरी, ए. हॉल, ए.,रयान,एल., शकलेटोन, जे. ,ट्रिमलेट्स,आर., मीस, जे.एफ.,अर्मस्ट्रांग–जेम्स डी, फिशर, एम.सी. (2016)। फस्ट हॉस्पिटल आउटब्रेक ऑफ द ग्लोबली इमर्जिंग कैनडिडा आरिस इन ए यूरोपियन हॉस्पिटल। एंजीमाइक्रोब रेजिस्ट. इनफेक्शट.। कन्ट्रोल, 5,35। कलेक्शन, 2016.

सिंह, ए., सिंह, पी.के., कुमार, ए., चंदर, जे.,खन्ना, जी.राय , पी., पीस, जे.एफ., चौधरी,ए. (2017)। मोलेकुलर एंड मैट्रिक्स–असिस्टेड लेजर डेसापसन आइनीजेशन–टाइम ऑफ फ्लाइट मास स्पेक्ट्रोमेट्री चैरक्टरराइजेशन ऑफ क्लिनिकली सिगनीफिकैट मेलानाइज्ड फुंगी इन इंडिया। जे क्लिन। माइक्रोबियोल., 55,1099–1103.

शर्मा, के., कुमार, एन., पांडेय ,आर., मीस, जे. एफ., चौधरी, ए. (2016)। होल जेनोम सेक्वैशिंग ऑफ इमर्जिंग मल्टीड्रग रेजिस्टैंट कैनडिडा आरिस आइसोलेट्स इन इडिया डेमोस्ट्रेट्स लो जेनेटिक वैरिएशन। न्यू माइक्रोब्स एंड न्यू इनफेक्ट, 13,77–82.

श्रीवास्तव, के., गरिमा, के, नारंग, ए., भट्टाचार्य, के, विश्नोई, ई. सिंह, आर. के., चौधरी, ए., प्रसाद, आर., बोस, एम. ,वर्मा–बासिल एम (2017).

टारवी148सी: ए न्यू डाग्नोस्टिक मार्कर फार आइडेंटिफिकेशन ऑफ एम. ट्यूबरकुलोसि काम्प्लेक्स इन ए नोवल डुपलेक्स पी.सी.आर एसाय। जे मेड. माइक्रोबोअल।

वर्मा–बासिल, एम., नारंग, ए., चक्रवर्ती, एस., गरिमा, के., गुप्ता, एस., शर्मा,एन.,गिरि, ए., जोजिओ, टी., कौविन,डी., हनीफ, एम., भटनागर, ए.के., मेमन, बी.के., नायमन, एस.,रस्तोगी, एन., अलन्द, डी.,बोस, एम.(2016)। ए स्नैपसॉट ऑफ दी प्रीडॉमिनैंट सिंगल न्यूक्िओटाइड पालीमोरफिज्म क्लस्टर ग्रुप्स ऑफ ट्यूबरकुलोसिस क्लीनिक आइसोलेट्स इन दिल्ली, इंडिया। ट्यूबरकुलोसिस,100, 72–81।

नैशनल जर्नल्स सब्सक्राइब्ड (ऑनलाइन + पेपर बैक)–1+11

इंटरनैशनल जर्नल्स सब्सक्राइब्ड (ऑनलाइन + पेपर बैक)–14+22

अनुसंधान परियोजनाएँ :

डॉ. मालिनी शरीफ, डीबीटी वित्तपोषित परियोजना (मार्च 2015–2 वर्षीय) ,माइक्रोबायोम ऑफ ह्यूमन लंग इन सीओपीडी पेशेंट्स अटेंडिंग वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली–रु. 17.8 लाख (पूर्ण)।

डॉ. मालिनी शरीफ, आईसीएमआर वित्तपोषित परियोजना (मार्च 2015–3 वर्षीय), आइसोलेशन एंड कैरक्टराइजेशन ऑफ एनैरोबिक बैक्टेरिया क्रॉसिंग लोवर रेस्पेरेटरी ट्रैक इंफेक्शंस इन पेशेंट्स अटेंडिंग वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली।

डॉ. मंदिरा वर्मा, आईसीएमआर वित्तपोषित परियोजना (2014–2017)। फेनोटाइपिक एंड जेनोटाइपिंक इंडीकेटर्स ऑफ ड्रग रेजिस्टैंट ट्यूबरकुलोसि : कैन दे बी यूज्ड एस अर्ली वार्निंग सिस्ट्म्स फॉर एम.डी.आर एंड एक्सडीआर ट्यूबरकुलोसिस?

डॉ. मंदिरा वर्मा, डी.एस.टी. एवं सीएसआईआर वित्तपोषित परियोजना (2014–2017), प्रोजेक्ट, प्वाइंट आफ केयर डाग्नोस्टिक एसाय फॉर ट्यूबरकुलोसि।

डॉ. मधु खन्ना, सीएसआईआर वित्तपोषित परियोजना(2013–2016), परियोजना, टू स्टडी द हेटेरोसबटाइपिक इम्यूनिटी प्रोवाइडेड बाय पैनडेमिक इंफ्लूएंजा ए एच1एन1 (2009) वायरस इनफेक्टेड सेल्स। रु. 30 लाख (पूर्ण)।

डॉ. मधु खन्ना, आयुष वित्तपोषित परियोजना(2014 से 2017), परियोजना, इवैलुएशन ऑफ एंटीवायरल एक्टिविटी ऑफ मेडिसिनल प्लांट्स एजेन्ट्स इंफलुएंजा ए वायरस।''– रु. 25.23 लाख (पूर्ण)

डॉ. मधु खन्ना, अपाची वित्तपोषित परियोजना (2013 से 2016), प्रोफाइल ऑफ एंटीबॉडी रेस्पोन्सेस एंड ड्यूरेबल ऑफ प्रोटेक्शन फालोविंग इनफलूएंजा वैक्सीनेशन फॉर एडल्ट (65 वर्ष से अधिक).'' 30,604 यूएसडी (पूर्ण)

डॉ. मधु खन्ना, डी.एस.टी.–एसईआरबी वित्तपोषित (2016–2019), एप्आमेर–एम आरएनए सिमेरा' द नेक्ट जनरेशन आरएनए वैक्सीन '' रु 39 लाख।

सेमीनार/सम्मेलन में प्रस्तुतियॉं

अनुराधा चौधरी, प्रदीप कुमार सिंह द्वारा एक पोस्टर का प्रस्तुतीकरण, इवैलूएशन ऑफ मैट्रिक्स–असिस्टेड लेजर डीसार्पशन/आईनीजेशन टाइम ऑफ–फ्लाइट मास स्पेक्ट्रोमेट्री फॉर आईडेंटिफिकेशन आफ क्लिनिकली सिगनीफिकैंट फिलमेंटस बेसिडियोमिसेट्। यूरोपियन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल माइक्रोगबायलॉजी एंड इंफेक्शन डिसीज। 26वां यूरोपियन कांग्रेस ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायलॉजी एंड इंफेक्शन डिसीज,एमर्स्टडम , नीदरलैंड, 12 सितम्बर, 2016.

अनुराधा चौधरी, चेष्ठा शर्मा द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान, प्रीवेलेंस ऑफ एजोल रिजिस्टैंस इन क्लिनिकल एस्पेरगिल्स फ्लेवस आइसोलेट्सः प्रेसेंस ऑफ नावेल एस196एफ, ए324पी, एन423डी एवं वी46एम सब्सीट्यूशन इन सिप1सी जेने। यूरोपियन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायलॉजी एंड इंफेक्शन डिसीज। 26वां यूरोपियन कांग्रेस ऑफ क्लिनिकल माइक्रोगबायलॉजी एंड इंफेक्शन डिसीज,एमर्स्टडम , नीदरलैंड, 12 सितम्बर, 2016।

अनुराधा चौधरी :

प्रस्तुत व्याख्यान,इमजेंस एंड स्प्रेड ऑफ एजोल रजिस्टैंट एसपरगिल्लुस एट आईएसएचएम/यूरोपियन कांफेडरेशन ऑफ मेडिकल माइकोलोजी एआरएस वर्किंग ग्रुप, 1 आईएसएचएम/यूरोपियन कांफेडरेशन ऑफ मेडिकल माइकोलोजी एआरएस वर्किंग ग्रुप मीटिंग, निजमेजेम, द नीदरलैंड्स, 20–21 जनवरी, 2017.

अतिथि व्याख्यान की प्रस्तुती– इमर्जिंग फिल्मेंटस बेसिडायमिसेट्स एट इंटरनैशनल सोसायटी फॉर हयूमन एंड एनीमल माइकोलॉजी एंड गिल्ड। फोरम ऑन फुंगल इनफेक्शन इन द मिडल ईस्ट, दुबई, यूएई, 22–23 अप्रैल, 2016 .

अतिथि व्याख्यान की प्रस्तुति– मोलेकुलर कैरेटराइजेशन एंड एंटीफुंगल सकसेप्टीबिलिटी प्रोफाइल ऑफ ब्लैक फुंगी इन डायवर्स क्लिनिकल इनटाइटीस इन इंडिया एट इंटरनैशनल सोसायटी फॉर हयूमन एंड एनीमल मायक्रोलॉजी वर्किंग ग्रुप ब्लैक ईस्ट्स एंड रिलेटिव्स। 6 मीटिंग्स ऑफ आईएसएचएम वर्किंग ग्रुप ब्लैक ईस्ट्स एंड रिलेटिव्स विटर्बो ,इटली, 15–17 सितम्बर, 2016.

अतिथि व्याख्यान की प्रस्तुती–इपीडेमियोलॉजी ऑफ एजोल रेजिस्टैंश इन अस्परगिल्लस। आयोजनक का नाम– इंटरनैशनल सोसायटी फॉर हयूमन एंड एनीमन मायकोलॉजी वर्किंग ग्रुप एट 2 ड्यूडेन कांफ्रेस/1 आईएसएचएएम/यूरोपियन कांफिडरेशन ऑफ मेडिकल मायकोलॉजी एआरएस वर्किंग ग्रुप मीटिंग । 20–21 जनवरी,2017, निजमेजेम, नीदरलैंड।

अतिथि व्याख्यान की प्रस्तुती– स्पेक्ट्रम एंड एंटीफुंगल ससपैक्टिबिलिटी प्रोफाइलिंग ऑफ कैनडिदा स्पाइसीज इन वाल्वोवैंजिनल कैंडीडायसेस बॉय मोलेकलर मेथड एंड एमएएलडीआई–टीओएफ एमएस एट इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजिस्ट, चंडीगढ़, 23–27 नवम्बर ,2016.

अतिथि व्याख्यान की प्रस्तुती– मोलेकुलर कैरेक्टराइजेशन एंड जेनोटाइपिंग ऑफ ग्लोबल कैनडिडा अफ्रीकना आईसोलेट एट इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजिस्ट का वार्षिक सम्मेलन, चंडीगढ़, 23–27 नवम्बर ,2016.

अतिथि व्याख्यान की प्रस्तुती– कैरेक्टराइजेशन बॉय मैट्रिक्स असिस्टेड लेजर डिसार्पसन आइनीजेशन –टाइम ऑफ फ्लाइट्स मास स्पेक्टोमेट्री (एमएएलडीआई–टीओएफ एमएस) ऑफ कैनडिदा स्पाइसिस काजिंग कैनडिडेमिया इन टर्टियरी केयर हॉस्पिटलस,भारत। इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजिस्ट का वार्षिक सम्मेलन, चंडीगढ़, 23–27 नवम्बर, 2016.

कमल श्रीवास्तव, पोस्टर प्रेजेंटेशंस, क्लिनिकल सिग्नीफिकेंस ऑफ नॉनट्यूबरकुलस मायकोबैक्टेरिया आइसोलेटेड इन ए मायकोबैक्टेरियोलॉजी लैबोटरी इन दिल्ली, भारत। 74वां यूनियन वर्ल्ड कांफ्रेस ऑन लंग हेल्थ लीवरपूल, यूके, 26–29 अक्टूबर,2016.

मंदिरा वर्मा बासिल, लैक ऑफ एसोसिएशन ऑफ यूबीए म्यूटेशंस विद इथमबुतोल रेजिस्टैंस इन क्लिनिकल आइसोलेट् ऑ मायकोबैक्टीरियम टयूबरकुलोसिस फ्राम नार्थ, इंडियां। 74वां यूनियन वर्ल्ड कांफ्रेस ऑन लंग हेल्थ लीवरपूल, यूके, 26–29 अक्टूबर, 2016.

मधु खन्ना, 5वां आईएस आईआरवी–एवीजी कांफ्रेंस, प्रीवेंशन एंड ट्रीटमेंट ऑफ आरवीआई–एस : एंटीवायरल्स, ट्रेडिशनल थैरेपी एंड हॉस्ट–डायरेक्टेड इंटरवेंशंस 12–13 जून 2016 ,शंघई, चीन।

मधु खन्ना, अपासी इंफलुएंजा कार्यशाला , 24–26 अक्टूबर, 2016, क्वालम्पपुर, मलेशिया।

मालिनी शरीफ :

दिनांक 20 अगस्त 2016 को मेदान्ता अस्पताल में हुए आईएएमएम दिल्ली एवं एनसीआर चैप्टर की द्वितीय तिमाही बैठक।

दिनांक 17–19 नवम्बर को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में नवीन चुनौतियां विषय पर आईएएमएम दिल्ली एवं एनसीआर चैप्टर का 8वां वार्षिक सम्मेलन।

25 मार्च, 2017 को अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान नई दिल्ली में हुए आईएएमएम दिल्ली एवं एनसीआर चैप्टर की 31वीं तिमाही बैठक।

मलिनी शरीफ, अदिति, मौखिक प्रस्तुतीकरण, फ्राम द हॉस्पिटल इनवायरमेंट। माइक्रोकॉन 2016 (इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्राबायलॉजिस्ट के वार्षिक सम्मेलन)17–19 नवम्बर 2016 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में।

अदिति, मलिनी शरीफ, मौखिक प्रस्तुतीकरण, क्लिनिकली सिगनिफिकेंस अनकॉमन नॉन–फारमेंटर्स आईसोलेट्स फ्राम रेस्पेरेटरी स्पेसिमेन्स। माइक्रोकॉन 2016 (इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्राबायलॉजिस्ट– दिल्ली चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन)17–19 नवम्बर 2016 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में।

अदिति, मलिनी शरीफ, पोस्टर प्रस्तुतीकरण, रेजिस्टैंश प्रोफाइल ऑफ कमेंसल स्यूडोनोमस एरिजिनोसा आइसोलेट्स।एएसएम सीएमई ऑन एंटीबायोटिक रेजिस्टैंश : रिनिव्ड फियर्स (2016)। 10 सितंम्बर 2016 इंडिया इंटरनैशनल सेंटर।

अनुराधा चौधरी, आशुतोष सिंह द्वारा एक पोस्टर प्रस्तुतीकरण , मोलेकुलर कैरेक्टराइजेशन एंड एंटीफुंगल सस्सपेक्टिबिलिटी प्रोफाइल ऑफ क्लिनिकली आइसोलेटस ऑफ फसारियम स्पायसेस इन दिल्ली,भारत । 23–27 नवम्बर 2016 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजिस्ट चंडीगढ़ के वार्षिक सम्मेलन में।

23–27 नवम्बर 2016 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजिस्ट चंडीगढ़ के वार्षिक सम्मेलन में अनुराधा चौधरी, शालिनी उपाध्याय द्वारा एक पोस्टर प्रस्तुतीकरण, ट्रेन्डस इन एमआईसी डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ कैनडिडा इस्पाइसिस आइसोलेट्स फ्राम पेशेंट्स विथ ब्लडस्ट्रीम कैंडीडायसिस एटानौल।

कमल श्रीवास्तव,(पीएच.डी. छात्र), आइसोलेशन एंड एंटीमाइक्रोबायल ससपैक्टिबिलिटी टेस्टिंग ऑफ क्लीनिकली रिलीवेंट रैपिडली ग्रोविंग मायकोबैक्टेरिया इन ए माइक्रोबायलॉजिस्ट लैबोटरी इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजिस्ट–दिल्ली चैप्टर, 25 मार्च, 2017 को एम्स् दिल्ली ।

नरेश कुमार शर्मा ,(मौखिक प्रस्तुतीकरण),डिफरेंटियल एक्प्रेशन ऑफ मायकोलिक एसिड इन एम. ट्बरकुलोसिस फ्राम पेशेंट्स ऑफ पाल्मोनरी एंड लिम्पह नोड ट्बरकुलोसिस अंडर सर्फेस स्ट्रेस, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजिस्ट चंडीगढ़, भारत के 40वे वार्षिक सम्मेलन् 23–27 नवम्बर 2016.

पूजा सिंह, (पोस्टर प्रस्तुतीकरण), इंक्रीज्ड एकुमुलेशन ऑफ लिपिड्स डयू टू ओवरएक्प्रेशन ऑफ कोलेस्ट्रोल इम्पोर्ट जेन इन एम.टयूबरकोलोसिस H37Rv. इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजिस्ट –दिल्ली चैप्टर, 25 मार्च 2017 एम्स् दिल्ली।

आशा गिरि, (पोस्टर प्रस्तुतीकरण), पालीमोरफिज्म अपस्ट्रीम टू इम्ब ए लीड टू हाई–लेवल इथमबुटोल रेजिस्टैंश इन क्लीनिकल आइसोलेट् ऑफ मायकोबैक्टेरियम टयूबरकुलोसिस फ्राम नार्थ इंडियन। इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजिस्ट –दिल्ली चैप्टर, 25मार्च 2017 एम्स् दिल्ली।

चंचल कुमार, (पोस्टर प्रस्तुतीकरण), कम्प्रीजन ऑफ एन इन हाउस डुप्लेक्स पीसीआर एसाय विथ द एमजीआईटी टीबी–सी आईडी एसाय फॉर आईडेंटीफिकेशन ऑफ मायकोबैक्टेरियम टयूबरकुलोसिस काम्प्लेक्स। इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजिस्ट –दिल्ली चैप्टर, 25 मार्च, 2017 एम्स् दिल्ली।

अंतर संस्थागत सहभागिता

जैवरसायन विभाग, डी.एम.यू., रोहतक ।

पी.एचडी. / एम.फिल. से सम्मानित – 6
संकाय संख्या –04

+++

मेडिसिन (यूसीएमएस)

सम्मान / गौरव

डॉ. अग्रवाल ए., अमेरिकन कॉलेज ऑफ फिजीशियन, 2016 के फैलोशिप

प्रकाशन

अग्रवाल, ए., बंसल, एन., अग्रवाल, आर. (2016)। नोनकीटोटिक हाइपरग्लाईसेमिया द्वारा मोनोबलिस्म के रूप में प्रस्तुत करना। जर्नल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन, 50, ई133–134.

अग्रवाल, ए, श्रीवास्तव, एस., गुप्ता, ए. (2016)। संरक्षित इंजेक्शन अंश से हार्ट की विफलता का प्रबंधन, माथुर पीसी एड क्लीनिकल मेडिसिन अपडेट 2016 ग्वालियर, भारत, इंडियन एकेडमी ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन पब्लिकेशन, 2015–222.

अग्रवाल, ए., श्रीवास्तव, एस., गुप्ता, ए. (2016). इन नैनोमेडिसिन. माथुर पीसी (एड.) में, क्लीनिकल मेडिसिन अपडेट 2016 (पीपी. 67–80), ग्वालियर, भारत : इंडियन एकेडमी ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन पब्लिकेशन.

अग्रवाल, ए., श्रीवास्तव, एस., वेलमुरुगन, एम.(2016). युवाओं में कोरोनरी धमनी रोग का नया दृष्टिकोण। वर्ल्ड जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी, 26,728–734.

अग्रवाल, ए. (2017). एक प्रभावी निष्कर्ष लेखन. मुंजाल वाईपी (एड.) में, पर्लस ऑफ साइंटिफिक पेपर राइटिंग। (पीपी. 46–48), दिल्ली, भारतः फिजीसियन रिसर्च फाउंडेशन।

अग्रवाल, आर., अग्रवाल, एम.पी., अवस्थी, आर. (2017). तीव्र इस्कीमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में ग्लाइसेमिक स्थिति का आकलन। इंडियन जर्नल ऑफ इन्डोक्रिनोलॉजी एण्ड मेटाबोलिज़्म, 21,33. (सार)

बंसल, आर., यादव, ए., रायजादा, ए., शर्मा, एस., गोयल, ए. (2016).। क्या मलेरिया ट्रिगर सिस्टमेटिक ल्यूपस अर्थेमेटोसिस हो सकता है ? ट्रोप डॉक्टर, पीआईआई, 0049475516655071

भगत, आर., अग्रवाल, एम.पी., अग्रवाल, ए. (2016). एथिलीन डिब्रोमाइड पॉयज़निंग–अंतर्ग्रहण। संतोष यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ हेल्थ साइंस, 2, 45–46.

गुप्ता, एन., गिरि, एस., राठी, वी., रंगा, जी.एस. (2016). फ्लो मेडिएटिड डायलेशन, कैरोटिड इन्टिमा मीडिया थिकनेस, एंकिल ब्रेकिअल प्रेशर इन्डेक्स और भारत में युवा पुरुषों में मियोकार्डिअल इन्फर्क्चर के बाद रोगियों में पल्स प्रेशर। जे क्लिन. डायग्न. रेस., 10, ओसी35–ओसी39.

मलिक, एस., गिरि., एस., मधु, एस.वी., राठी, वी., बनर्जी, बी.डी., गुप्ता, एन. (2016). रोगियों में प्रवाह सहित विटामिन डी के स्तर का संबंधि – मायोकार्डियन इनफाक्शन एवं स्वस्थ नियंत्रण रोगियों में मीडिएटिड डायलेशन ऑफ ब्रेकियल आर्टरी, एक केस–नियंत्रण अध्ययन। इंडियन जे. इन्डोक्राइनोल मेटब., 20,684–689.

मुखर्जी, एस., थवानी, आर., रॉय, पी., अग्रवाल, ए., दास, एस., गोयल, ए. (2017). स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के रूप में चिकित्सा छात्रों की भूमिका को समझने में मरीजों के साथ सहभागिता। फार्म बायोमेड विज्ञान., 7,40–45.

श्रीवास्तव, एस., अग्रवाल, ए., गुप्ता, ए. (2016). टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस में इंसुलिन का उपयोग। माथुर पीसी (एड.), क्लीनिकल मेडिसिन अपडेट 2016 में. (पीपी.119–124), ग्वालियर, भारतः इंडियन एकेडमी ऑफ क्लीनिकल मेडिसिन पब्लिकेशन।

सुंदरम टीजी, अग्रवाल एमपी, कुमार ए, नारंग एस. (2016). इंडियन जे गैस्ट्रोएन्ट्रोल., 35 (नचचस 1), 64–65 (सार)।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियां

एम.पी. अग्रवाल, इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन का ग्यारहवां राष्ट्रीय स्ट्रोक सम्मेलन (आईएनएससी 2017), अमृतसर, 17–19 मार्च, 2017।

ए. अग्रवालः

9–10 अप्रैल, 2016 नई दिल्ली में 24वां डायबीकॉन 2016 मधुमेह पर वार्षिक सम्मेलन।

8 मई, 2016 नोएडा में रीयूमेटोलॉजी अपडेट 2016।

6 अगस्त, 2016 नई दिल्ली में डीसी–आईएसएआर संगोष्ठी, 2016।

28 अगस्त, 2016 नोएडा में सीएमई, मधुमेह पर संवाद।

22–25 सितम्बर, 2016 आबू रोड, राजस्थान में 11वां वर्ल्ड कांग्रेस ऑन क्लीनिकल, प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी एण्ड इमेजिंग (डब्ल्यूसीसीपीसीआई 2016)।

21–23 अक्टूबर, 2016 कोच्चि, केरल में इंडियन सोसाइटी फॉर एथेरोसिलेरोसिस रिसर्च एण्ड इंटरनेशनल सिम्पोसियम ऑन एथेरोसिलेरोसिस पर 29वां वार्शिक सम्मेलन।

1–2 अक्टूबर, 2016 उत्तर प्रदेश डायबिटीज एसोसिएशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश का 15वां वार्षिक सम्मेलन।

15–16 अक्टूबर, 2016 एपीआई दिल्ली राज्य चैप्टर, नई दिल्ली का 27वां वार्षिक सम्मेलन।

9 अक्टूबर, 2016 आरएसएसडीआई दिल्ली चैप्टर, नई दिल्ली का 12वां वार्षिक सम्मेलन।

4–6 नवम्बर, 2016 इंडियन एकेडमी ऑफ क्लीनिकल मेडिसिन, ग्वालियर, मध्य प्रदेश का 24वां वार्षिक सम्मेलन।

11 दिसम्बर, 2016 पूर्वी दिल्ली चिकित्सक एसोसिएशन, नई दिल्ली का 17वां वार्षिक सम्मेलन।

24–25 दिसम्बर, 2016 एपीआई हरयाणा राज्य चैप्टर, गुरुग्राम, हरयाणा का वार्षिक सम्मेलन।

12 फरवरी, 2017 फिज़ीशियन ऑफ इंडिया एसोसिएशन, नोएडा चैप्टर, नोएडा का वार्षिक सम्मेलन।

14–15 फरवरी, 2017 स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा पर नवीनतम रूझान, दिल्ली की द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन।

12 फरवरी, 2017 रीमेटोलॉजी (संधिवातीयशास्त्र) अपडेट 2017, नई दिल्ली।

24–25 मार्च, 2017 वार्षिक न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट, 2017 गुरुग्राम, हरियाणा।

25–26 मार्च, 2017 कार्डियोलॉज़िकल सोसाइटी ऑफ इंडिया दिल्ली ब्रांच, नई दिल्ली का 31वां वार्षिक सम्मेलन।

29–30 मार्च, 2017 तम्बाकू नियंत्रण और स्वास्थ्य सूचना, एनआईसीपीआर, नोएडा, उत्तर प्रदेश पर कार्यशाला।

संकाय संख्या – 14

+++

चिकित्सा शिक्षण इकाई (यूसीएमएस)

प्रकाशन

धालीवाल, यू. (2017). मेरा पसंदीदा व्यक्ति। मेड मानविकी, डोईः 10.1136/मेडहम–2016–011182 ऑनलाइन प्रकाशित, 03 फरवरी, 2017।

धालीवाल, यू., सुपे, ए., गुप्ता, पी., सिंह, टी. (2017)। सक्षम चिकित्सक बनाना – कला और विज्ञान कर नैदानिक कौशल शिक्षण। इंडियन पेडिएट्र, पी, एस097475591600040. [Epub ahed of print]

गुप्ता पी., खान ए.एम. (2016). कम्युनिटी मेडीसिन पाठ्यपुस्तक (1म) नई दिल्ली : सीबीएस प्रकाशक, आईएसबीएन, 9788123929736

जोशी, ए., सिंह, एस., जसवाल, एस., एट अल (2016). कॉन्सेप्ट मैप, वेब–आधारित संवादात्मक शिक्षण में ज्ञान प्रबंधन और संश्लेषण के लिए एक टूल। इंट. जे. एप्पल.बेसिक रेज., *6(3)]* 151&56-

कालरा, जे., सिंह, एस., बद्याल, डी., बरुआ, पी., शर्मा, टी., धसमाना, डी.सी., सिंह, टी. (2016). औषध विज्ञान शिक्षण में काव्य – संभावनाओं की खोज। इंडियन जे. फार्माकोल., *48(S1)*] 61&4-

खान, ए.एम., रामजी, एस.। (2016), बायोमेडिकल रिसर्च लिटरेचर में रिपोर्टिंग स्टेटिस्टिक्स, यह सब संख्या बताती है। इंडियन पेडिया.., 53¼9½] 811&814.

खेत्रपाल, ए., सिंह, एस. (2016) भाषाई मतभेदों को फिर से शुरू करना! *प्दकपंद श्र डमक म्जीपबेए 1*(3), 162–66.

कुमार, एच.बी., खान, ए.एम., अरोड़ा, वी.के, सिंह, एन. (2017). फाइन नीडिल एस्पायरेषन बायोप्सी, साइटोपैथोलॉजी स्नातकोत्तर प्रशिक्षण में एनट्रस्टेबल व्यावसायिक गतिविधि। *जे. सायटोल.., 34*] 84&89.

महाजन, आर., अंशु, गुप्ता, पी., सिंह, टी. (2017) स्नातकोत्तर चिकित्सा प्रशिक्षण में अभ्यास–आधारित शिक्षण और सुधार (पीबीएलआई), मील का पत्थर, निर्देशात्मक शिक्षण और आकलन रणनीतियां। इंडियन पेडिया., *pii,* S097475591600042. [Epub].

महाजन, आर., बद्याल, डी.के., गुप्ता, पी., सिंह, टी. (2016)। ग्रेजुएट मेडिकल ट्रेनिंग के दौरान अजीवन खेती कौषल का ज्ञान। *Indian Pediatr., 53¼9½]* 797&804.

मिश्रा, डी., गुप्ता, पी., सिंह, टी. (2017). नैदानिक त्रुटियों को कम करने के लिए अध्यापन। इंडियन पेडिया., *54*¼1½] 37&45-

मोदी, जे.एन., अंशु, छटवाल, जे., गुप्ता, पी., सिंह, टी. (2016)। शिक्षण और मूल्यांकन संचार कौशल में अंडर ग्रेजुएट मेडिकल ट्रेनिंग। इंडियन पेडिया., *53*¼6½] 497&504-

सिंह एस. (2017). परजरवेंस पेस. हालदर, एस और आसफ, एल (Eds.), समावेशन, विकलांगता और संस्कृति, एन इथनोग्राफिक एप्रोच ट्रेवर्सिंग एबिलिटीज़ एण्ड चेलेंज। स्प्रिंगर (प्रेस में) आईएसबीएन 978–3–319–55223–1.

सिंह, एस. (2016) संपादकीय, एम्ब्रेसिंग ब्रोकनेस. *RHiME,3,* 39-41.

सिंह, एस., बरुआ, पी., धालीवाल, यू., सिंह, एन. (2017). अनुभवात्मक शिक्षा के लिए चिकित्सा मानविकी का उपयोग करना। इंडियन जे. मेडिकल इथिक्स, *http//ijme.in/* लेख/अनुभवात्मक शिक्षा के लिए चिकित्सा मानविकी का इस्तेमाल करना/? गैली = एचटीएमएल।

सिंह, टी., मोदी, जे. एन., कुमार, वी., धालीवाल, यू., गुप्ता, पी., सूद, आर. (2017) अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश, एकल प्रवेश परीक्षाओं की तलाश। इंडियन पेडिया., *54*¼3½] 231&238- Epub.

+++

प्रसूति–विज्ञान और स्त्रीरोग–विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियॉ और उपलब्धियॉ

प्रसूति और गायनोकॉलॉजी विभाग के रोगियों को तृतीयक देखभाल तथा प्रसूति एवं स्त्री रोग में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम आयोजित करता है। यह प्रतिवर्ष 250 स्नातक और 20 स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाने और प्रजनन दवाओं और उच्च जोखिम वाले गर्भावस्था में प्रत्येक के लिए दो राष्ट्रीय बोर्डों की फेलोशिप में शामिल है। विभाग में बांझपन और आईवीएफ, उच्च जोखिम गर्भावस्था, गर्भाशय चिकित्सा, गायनाकोलोजिक एंडोक्राइन, गायनाकोलोजिक ओंकोलॉजी और मिड–लाइफ हेल्थ पर विशेष क्लीनिक उपलब्ध है। विभाग ने अक्टूबर, 2016 में ओबीजीवाई में 19वां व्यावहारिक पाठ्यक्रम और सीएमई का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम में भारत से 300 से अधिक स्नातकोत्तर छात्र शाामिल हुए और पूरे संकाय ने व्याख्यान और केस चर्चाएं की। साक्ष्य आधारित गायनोकॉलॉजी पर एक पुस्तक विभाग से प्रकाशित की गई। विभाग में नियमित रूप से परिवार नियोजन और पीपीआईयूसीडी के लिए प्रशिक्षकों (टोट्स) को प्रशिक्षण दिया जाता है। आईवीएफ प्रक्रिया के 300 मामले 42–45ः की सफलता दर से विभाग में आयोजित किये गये थे।

सम्मान/गौरव

डॉ. ए. टेम्प ने प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान के सभी अस्पतालों के लिए प्रसूति एवं स्त्रीरोग में एसओपी की तैयारी के लिए दिल्ली सरकार की ओर से 'प्रशंसा पुरस्कार' प्राप्त किया।

विभाग ने अधिकतम नसबंदी और पीपीआईयूसीडी प्रविष्टि के लिए केन्द्रीय जिला दिल्ली के लिए पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशन

अनुक्रमित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में अनुसंधान आलेख :

भटनागर, जी., शर्मा, एस., कुमार, ए., प्रसाद, एस., अग्रवाल, एस., कार, पी. (2016)। हेपेटाइटिस ई संक्रमण और गर्भावस्था के परिणाम में ग्लूटाथियोन में कमी। जे. ओब्सटेट गायनेकोल. रेज.,*14*.doi: 10.1111/jog.12986 (Epub ahead of print)

भीलवार, एम., लाल, पी., शर्मा, एन., भल्ला, पी., कुमार, ए. (2016). दिल्ली, भारत की झुग्गी बस्तियों में विवाहित महिलाओं में गर्भपात और गर्भनिरोधक के उपयोग के प्रचलन के लिए प्रेरित करना। इंट. जे. गायनेको. ओबसटेट, 1-4.

गोस्वामी, डी., रानी, आर., सक्सेना, ए., अरोड़ा, एम.एस., बत्रा, एस., श्रीनिवास, वी. (2016). सिंगलटन गर्भधारण में ट्विन वर्सस मातृ एवं नवजात विटामिन–डी का स्टेटस। जे. आबसटेट रेज., *42*(10), 1250-1257.

गुप्ता, बी., अरोड़ा, पी., खुराना, एन., टेम्पे, ए. (2017). प्रसूती के 14 वर्षीय बालिका में अंडाशय के म्यूसीनस सिस्ताडेनोकार्सीनोमा पर एक केस रिपोर्ट। गायनेकोल. साइंस, *60*(2), 227-31. राष्ट्रीय पत्रिका (सहकर्मी की समीक्षा)

कुमार, ए. (2016). सीजेरियन अनुभाग सर्जिकल तकनीकः कोरोनिस आंशिक, फैक्टोरियल, अनमास्क्ड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण का 3 वर्श का अनुवर्तीकरण। लेनसेट, doi.org / 10.1016 / S0140-6736 (16)30355-5

साहू, एल., रानी, आर., राठौड़, ए.एम. (2016). कार्डियोमायोपैथी जटिल गर्भधारण। 25 मामलों का परिणाम और साहित्य की समीक्षा। यूरोपियन जे. बायोमेडिकल एंड फार्मास्युटिकल साइंस, *3*(9), 357-363.

साहू, एल., ठाकुर, पी., गांधी, जी., अग्रवाल, के. (2016). लेबर के तीसरे चरण के सक्रिय प्रबंधन में ऑक्सीटोसिन, मिसोप्रोस्टोल, 15–मिथाइल पीजीएफ2ए, मिथाइलगोमेट्राइन के प्रभाव की तुलना के लिए यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन। यूरोपियन जे. बायोमेडिकल एंड फार्मास्युटिकल साइंस, *3*(5), 273-278.

सिंह, एस., कररा, वी.के, दगा, एम.के., कुमार, ए., हुसैन, एस.ए., चौधरी, एस., हज़ाम, आर.के., गुम्मा, पी.के., पोलीपल्ली, एस.के., कार, पी. (2016)। एचईवी संक्रमण में प्रतिकूल गर्भावस्था के परिणाम के साथ एस्ट्रोजेन रिसेप्टर बीटा जीन में एएलयू आई बहुरूपता का एसोसिएशन करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोसेस, *5*(11), 5016-5020.

टेम्पे, ए., सिंह, एन., बजाज, जे (2016). एकाधिक स्केलेरोसिस सहित गर्भावस्था – प्रसूति के दृष्टिकोण। *MAM J* ऑफ मेडिकल साइंस, *2*, 1062-8.

अनुक्रमित भारतीय पत्रिकाओं में शोध आलेखः

भीलवार, एम., लाल, पी., शर्मा, एन., भल्ला, पी., कुमार, ए. (2016)। दिल्ली, भारत के शहरी झुग्गियों में विवाहित महिलाओं के बीच प्रेरित गर्भपात और गर्भनिरोधक उपयोग का प्रचलन। इंट. जे. गायनेकोल. ओबसटेट., 1–4.

कुमार, ए., कौर, एस. (2017) कैल्शियमः गर्भावस्था में पोषक तत्व। जे. ओबसटेट. गायनेकोल. इंडिया, doi:10.1007/s13224-017-1007-2

कुमार, ए., शर्मा, के.ए., मित्तल, एस., कुमार, जी. (2016). प्रीमीनोपॉज़ल एवं पोस्टमीनोपॉज़ल उत्तर भारतीय महिलाओं में बॉडीमास इन्डेक्स एवं बोन मिनरल डेन्सिटी के बीच संबंध। जे. ओबसटेट. गायनेकोल. इंडिया, *66*(1), 52-56. doi:10.1007/s13224-014-0629-x

कुमार, ए. (2017) ताओ ब्रश। जे. ओबसटे. गायनेकोल., *67*(4), 304-305.

शर्मा, एस., कुमार, ए., कार, पी., अग्रवाल, एस., रामजी, एस., हुसैन, एस.ए., प्रसाद, एस., शर्मा, एस. (2017). हेपेटाइटिस ई वायरस संक्रमण के ऊर्ध्वाधर संचरण के लिए जोखिम कारक। जे. वायरल हेपट,, doi: 10.1111/jvh.12730 (Epub ahead of print)

शर्मा, एस., कुमार, ए., प्रसाद, एस., शर्मा, एस. (2016)। उत्तर भारतीय जनसंख्या में गर्भावस्था के दौरान विटामिन डी की स्थिति का वर्तमान परिदृश्य। जे. ओबसटे. गायनेकोल., *66*(2), 93-100.

गैर–अनुक्रमित पत्रिकाओं में शोध आलेख :

आयशा., झा, वी., गोस्वामी, डी. (2016). प्रीमेच्योर ओवेरियन फेल्योर : स्व–प्रतिरक्षित बीमारियों सहित एसोसिएशन। जे. क्लिन. डायग. रेस.*10*(10), QC10-QC12.

बेनिवाल, एस., मक्कर, बी., बत्रा, एस., गांधी, जी., गोस्वामी, डी., जुत्शी, वी. (2016). कोल्पोस्कोपी के दौरान परिवर्तन जोन (टीजेड) के विजुअलाइजेशन में सुधार करने के लिए वेजाइनल बनाम ओरल एस्ट्रडियोल एडमिनिस्ट्रेशन की तुलना। जे. क्लिन. डायग. रेस., *10*(7), QC18.

राणा, ए., अग्रवाल, के. (2017) प्रिटर्म नियोनेट्स में 34 से कम गर्भावस्था में विलंबित अभिन्न कॉर्ड क्लैंपिंग की सुरक्षा। इंडियन जे. पेडियाटि., *84*(5), 414. doi:10.1007/s12098-016-2289-6

टेम्पे, ए., सिंह, एन., बजाज, जे (2016). मल्टिपल सिलेरोसिस सहित गर्भावस्था – प्रसूति विशेषज्ञ दृष्टिकोण, *MAMCJ* मेडिकल साइंस, *2*, 1062 - 8.

वर्मा, एस., अग्रवाल, के., गांधी, जी. (2016). 65वर्ष की गर्भावस्था, जोखिम और जटिलता। जे हम रिपोर्ड साइंस, *9*(2), 119-20.

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ सुधा प्रसाद, आईसीएमआर वित्त पोषित परियोजना, प्रजनन सहायतार्थ के दौर से गुजरने वाली महिलाओं में नैदानिक गर्भावस्था की दर और गर्भाशय धमनी प्रवाह मानकों के आधार पर योग आधारित तनाव प्रबंधन के साथ परामर्श के प्रभाव का अध्ययन करना।

डॉ. अशोक कुमार, यूजीसी वित्त पोषित परियोजना, गर्भावस्था में विटामिन–डी पूरकता।

डॉ. अशोक कुमार, आईसीएमआर वित्त पोषित परियोजना, मधुमेह ग्रसित गर्भवती महिलाओं में प्रीक्लम्पसिया हेतु पूर्वानुमान मॉडल का विकास करना।

आयोजित सम्मेलन

5 फरवरी, 2017 को बांझपन और प्रजनन सहायतार्थ सम्मेलन।

18 फरवरी, 2017 – द्वितीय एमएएमसी – फीटल ग्रोथ रिस्ट्रक्शन पर मातृ भ्रूण चिकित्सा कार्यशाला।

5–7 मार्च, 2017– आईएससीसीपी के राष्ट्रीय सम्मेलन।

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुतियॉ

टेम्पे ए., खांडे पी., विट्रो फर्टीलाइजेशन चक्र में भ्रूण स्थानांतरण से पहले मानवीय कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन हार्मोन का इन्ट्रोटराइन इन्स्टालेशन का प्रभाव। 22वां आईएफएफएस वर्ल्ड कांग्रेस, 2016.

टेम्पे टी, खांडे के., गर्भावस्था में ओस्टिओजेसिस अपूर्णता : प्रबंधन का मुद्दा। नार्ची–2016.

अप्रैल, 2016 सोनीपत में ओब्स्टेट्रिक्स, गायनोकॉलॉजी और एन्डोस्कोपिक सम्मेलन के हरियाणा शाखा के मध्यस्थ, पैनलिस्ट एवं अध्यक्ष।

शुद्ध जीसिकन, 2016 'गर्भावस्था में मधुमेह' पर पैनलिस्ट और अध्यक्ष और जून, 2016 में बांझपन सत्र।

जुलाई 2016 में अमेरिका में उपस्थित एमएएमसी के ममकोआना मेडिकल स्नातकों को अटेंड किया सितम्बर, 2016 में मिनेस्सोटा में संकाय के रुप में उपस्थित दी।

अगस्त, 2016 में मातृ भ्रूण चिकित्सा पर सीएमई में जीबी पंत सभागार में डॉ अनिल कुमारन के साथ प्रसवोत्तर रक्तस्राव पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

पीजी अद्यतन में आईयूजीआर पर एक सत्र आयोजित किया गया।

11–14 नवम्बर, 2016, होटल अशोक, दिल्ली में असफल प्रेरण, कम या नगण्य शुक्राणु संख्या एवं गर्भावस्था में कार्डियक रोग सबंधित एओजीडी बैठक में तीन व्याख्यान।

एलएचएमसी पर आयोजित सीएमई में गर्भावस्था में मधुमेह मेलेटस पर एक सत्र और पैनलिस्ट का चुनाव किया।

नवम्बर, 2016 सफदरजंग अस्पताल में 'गर्भावस्था में क्रिटिकल केयर' पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

अक्टूबर, 2016 में एमएएमसी में स्नातकोत्तर के लिए प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान में व्यावहारिक पाठ्यक्रम के लिए आयोजन की अध्यक्षता, गर्भावस्था और एडनेक्सल मास में उच्च रक्तचाप पर सत्र का आयोजन।

पुरुष बांझपन सत्र में एक पैनलिस्ट; और सितम्बर, 2016 ग्रेटर नोएडा में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईएफएफएस में दो पत्र प्रस्तुत किये।

पैनल के सदस्य, बांझपन अपडेट आयोजन के अध्यक्ष और 5 फरवरी, 2017 को एमएएमसी में आयोजित पुरुष बांझपन और मुलेरियन एजेंनेसिस सत्र का आयोजन।

मातृ भ्रूण चिकित्साः 18 फरवरी, 2017 एमएएमसी में आईयूजी में सीएमई के लिए अध्यक्षता।

ए. कुमारः

गर्भावस्था में मधुमेह का प्रबंधन। 8 अप्रैल, 2016 को दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सीएमई पर प्रसूति कन्ट्रोवर्सीज।

गर्भावस्था में एंटीहाइपरटेंसिव– एक अपडेट। 9–10 अप्रैल, 2016 दिल्ली में आईसीओजी एवं एफओजीएसआई द्वारा आयोजित 'कन्ट्रोवर्सीज़ टू कोन्सेन्सस इन ओब्सट्रेटिक्स एण्ड गायनाकॉलॉजी' पर 3 गोल सम्मेलन।

स्त्रीरोग इंस्ट्रुमेंट; गुरुकुल कक्षाएंः डीएनबी फोरम 2016, 25–26 मई, 2016. प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान संस्थान, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली।

आयरन और महिला पेल्विक हेल्थ। आयरन शिखर सम्मेलनः 3 जून, 2016 को चंडीगढ़ और 4 जून, 2016 को गुड़गांव में यूपीएचए (यूरोपेल्विक हेल्थ एसोसिएषन ऑफ इंडिया) द्वारा आयोजित किया गया।

आयरन सुक्रोज। आयरन शिखर सम्मेलनः 4 जून, 2016 गुड़गांव में यूपीएचएआई (यूरोपेल्विक हेल्थ एसोसिएषन ऑफ इंडिया) द्वारा आयोजित किया गया।

मल्टिपल गर्भावस्था – लांग प्रकरण पर चर्चाः बैंग्लोर सोसाइटी ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एण्ड गायनोकोलॉजी सीएमई, 2016, 15–19 जून, 2016 बैंग्लोर।

एयूबी में प्रोजेस्टेरोन। प्रोजेस्टेरोन शिखर सम्मेलनः 18 जून, 2016 नई दिल्ली में यूपीएचएआई (यूरोपेल्विक हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया) द्वारा आयोजित किया गया।

पिछले सिजेरियन सेक्सन, लांग प्रकरण पर चर्चाः एओजीडी – पीजी अपडैट, 13–14 अगस्त, 2016 दिल्ली के प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा।

पैनल चर्चा के मॉडरेटर :

पोस्टमार्टम थायरायडिटीस। महिलाओं के एन्डोक्रीनोलॉजिकल डिसऑर्डर पर सीएमई; 20 अगस्त, 2016 दिल्ली के प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा।

ब्रीच प्रेजेंटेशन– केस चर्चा; गर्भावस्था में एन्टेपार्टम हेमोरेज – केस चर्चा; फोकस 2016 – सभी भारतीय पीजी प्रशिक्षण कार्यक्रम; 22–26 अगस्त, 2016 जुबली मिशन मेडिकल कॉलेज, त्रिचूर, केरल।

रिकरिंग प्रिग्नेन्सी लॉसः बीओएच और एंटेपार्टम हैमॉरेज लॉग केस चर्चा; क्वेस्ट 2016 :पीजी प्रशिक्षण कार्यक्रम, 18–21 अक्टूबर, 2016 कलकत्ता।

प्लेसेंटा प्रीविआ एक्रीटा में कंजर्वेटिव मैनेजमेंट की भूमिका। 22 और 23 अक्तूबर, 2016 को दिल्ली में भारत में प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य, दिल्ली शाखा के लिए एनएआरसीएचआई राष्ट्रीय संगठन के 23 वार्षिक सम्मेलन।

पैनल चर्चा के मॉडरेटरः

गर्भावस्था के दौरान एनीमियाः नोन एनीमी। 25–29 जनवरी, 2017 अहमदाबाद में 60 प्रसूति एवं स्त्री रोग अखिल भारतीय कांग्रेस।

पैनल चर्चा के सदस्यः प्रसव पूर्व देखभाल (अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न)। जन्मजात देखभाल पर आईएमए आम सहमति वक्तव्य (नोलेज पार्टनरः एसोसिएशन ऑफ ऑस्टेट्रिशियन एंड गायनकोलॉजिस्ट्स, दिल्ली) 15 फरवरी 2017, नई दिल्ली।

पैनल चर्चा के सदस्यः गर्भावस्था में पीलिया के चुनौतीपूर्ण मामले। गर्भावस्था में लिवर पर सीएमई – एओजीडी की बहुआयामी समिति द्वारा चिकित्सकीय अभ्यास की दुविधाएं। 1 मार्च, 2017, नई दिल्ली।

वैज्ञानिक सत्र –4 में पैनल चर्चा के सदस्यः वायु प्रदूषण पर अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में वायु प्रदूषण में स्वास्थ्य सलाहकार – 10 मार्च, 2017 नई दिल्ली एशिया और ओशिनिया (सीएमएएओ) में चिकित्सा संघों के परिसंघ के साथ भारतीय चिकित्सा संघ द्वारा आयोजित स्वास्थ्य सलाहकार।

पैनल चर्चा के सदस्य : एफजीआर में केस परिदृश्य। 26 मार्च, 2017 नई दिल्ली में एओजीडी के तत्वावधान में आईएमए, जनकपुरी द्वारा अपडेट 19 वार्षिक स्त्रीरोग।

11–14 नवम्बर, 2016, दिल्ली के ओब्स्टेरिसियन एण्ड गायनाकोलॉजी एसोसिएशन के 38वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत पत्र।

ए सेटिया, ए टेम्पे, एन. सिंह, जी. कुमारी, प्रिडोमिनेन्ट लेसिन ऑफ यूटिरीन कॉरपस पर कार्सिनोवा सेर्विक्स द्वारा प्रस्तुत केस रिपोर्ट : नैदानिक और प्रबंधन दुविधा प्रस्तुतिकरण।

ए टेम्पे, पी खांदे, एन सिंह, क्या भ्रूण स्थानांतरण (ईटी) से पहले मानव कोरियोनिक हार्मोन (एचसीजी) की अंतर्गर्भाशयी आसवन परिचय गर्भनिरोधक (आईवीएफ) चक्रों में गर्भावस्था के परिणामों में सुधार करता है।

अहीबेम बी, शर्मा आर, प्रसाद एस., टेरटियरी केयर हॉस्पिटल में महिलाओं द्वारा गर्भनिरोधक तरीकों के उपयोग का तुलनात्मक विश्लेषण।

अनोशा के. रवि, कृष्ण अग्रवाल, रामजी एस, गांधी जी, गैर–संपन्न आबादी में भ्रूण वृद्धि एटीए टेरटेयरी केयर हॉस्पिअल और इंटरग्रोथ के साथ इसकी तुलना – 21 मानक : सामूहिक अध्ययन।

एरोन ए, त्रिपाठी, त्यागी एस., प्रसवोत्तर महिलाओं के पेल्विक फ्लोर में शिथिलता : समस्या विवरण।

अरोड़ा डी, कुमार ए, गुप्ता एम, गर्ग एस, चंद्रा एल., गर्भावस्था में हेपेटाइटिस ई वायरस के संक्रमण सहित महिलाओं में भ्रूण और मातृत्व परिणाम।

भंडारी ए, राठौर ए, साहू एल., गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप सहित महिलाओं में प्रोटीन्यूरिया की मात्रा के लिए स्पॉट यूरिनरी प्रोटीन क्रिएटिनिन अनुपात का मूल्यांकन : एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

चिकारा यू, साहू एल, राठौर ए, बर्थ आर्डर, प्रस्तुति और प्रसव मोड के अनुसार जुड़वाओं का नवजात जन्म। चिकारा यू, साहू एल, राठौर ए, टीबी पुल्पर सीए वुल्वा की तरह मास्क्वरेडिंग कर रहा है : नार्ची 2016.

धीमन एन, गुप्ता वी और चतुर्वेदी जे., प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं के बीच परिवार नियोजन के तरीकों में से संबद्धः अस्पताल आधारित अध्ययन।

गोस्वामी डी., दिल्ली में 28 मई 2016 को भारतीय रजोनिवृत्ति सोसायटी की थीम 'प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी विषय पर वार्षिक क्षेत्रीय सम्मेलन (उत्तरी क्षेत्र) में स्क्रीनिंग दिशानिर्देश प्रस्तुत किये।

गोस्वामी डी., गर्भावस्था में थायरॉयड ग्रंथिः सीएमई में फिजियोलॉजी और जटिलताएंः महिलाओं में एन्डोक्रिनोलोजिकल विकार। और चुनिंदा प्रोजेस्टेरोन रिसेप्टर मॉड्यूलर्स की भूमिका।

गुप्ता पी, गुप्ता एम. मातृत्व, भ्रूण और हाल ही में जन्मे बच्चों के जोखिम कारकः 11–14 नवम्बर, 2016 को एसोसिएशन ऑफ ऑब्स्टेट्रीशियन एण्ड गायनोकोलॉजी ऑफ दिल्ली के 38 वें वार्षिक सम्मेलन में तृतीयक केयर केन्द्र में अनुभव, का प्रस्तुतिकरण।

के. भाटिया, वाई.एम. माला, त्रिपाठी आर. प्लेसेंटा प्रीविया सहित रोगियों में पेरिपार्टम जटिलताओं का पूर्वानुमान हेतु स्कोरिंग मॉडल का सत्यापन।

कश्यप पी., प्रसाद एस., दिल्ली के अर्ध शहरी इलाकों में प्रजनन आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में परिवार नियोजन सेवाओं के इस्तेमाल के लिए ज्ञान, रवैया और प्रथाओं का एक अध्ययन।

कौर एस., कुमार ए., बेगम एन., प्रसाद एस., शर्मा एस., आवर्ती गर्भावस्था हानि सहित महिलाओं की प्रसवपूर्व नियमित देखभाल प्रतिकूल गर्भावस्था के परिणामों को कम कर देता है।

कुमार ए. प्राथमिक सिजेरियन की सुरक्षित रोकथामः ब्रीच के लिए पुनरीक्षा संकेत। प्रीकॉन्फ्रेंस कार्यशालाः सुरक्षित मातृत्व।

मीना एस., धीमन एन., सेठी सी., गुप्ता एम., कुमार ए., घातक मिश्रित मुलेरियन ट्यूमर का एक दुर्लभ मामला।

मीनो एस., त्रिपाठी आर., माला वाई. एम., त्यागी एस., रामजी एस., सर्वाइकल रीक्रिएशन एवं ट्रांसवेजाइनल सर्वाइकल लेन्थ में फ्रॉस्फोराइलेटेड इंसुलिन ग्रोथ फैक्टर बाइंडिंग प्रोटीन–1 (फिगएफबीपी–1) की भूमिका से अपरिपक्व प्रसूति सहित अपरिपक्व जन्म की भविष्यवाणी करना है।

नाग एस., कौर एस., धीमन एन., सेठी सी., माधवी एम.जी., कुमार ए., गर्भावस्था में ताक्यासु आर्टरीटिसः मामले की रिपोर्ट।

नंदाल एस., गांधी जी., अवशिष्ट शल्यक्रिया निशान आरोपण उत्पाद प्रबंधन।

पाल ए., त्रिपाठी आर., त्यागी एस., फीटल मेक्रोसोमिया में मेटरनल डिसलिपिडेमिया।

कश्यप एस, माला वाई. एम., आर. त्रिपाठी। हाई ग्रेड एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल सार्कोमा (ईएसएस)।

खुशबू एस, प्रसूती परिणाम सहित प्रसूती के संशोधित सक्रिय चरण का मूल्यांकन।

पाठक एस, गांधी जी, जैन एस. एल., अग्रवाल के., एपीथिलियल सैल की सूजन असमानता दर्शाते हुए सर्वाइकल साइटोलॉजी सहित रजोनिवृत्ति उपरांत महिलाओं का कोपोस्कोपिक मूल्यांकन।

सहारे ए., सिंह एन., मिश्रा पी., कुमार डी., टेम्पे ए.। नवजात मौत के लिए अग्रणी, जन्मजात वारफारिन सिंड्रोम का एक दुर्लभ मामला।

सरीन बी., गुप्ता एस., प्रसाद एस., गर्ग ए., तन्वर आर। ट्रांसवेजाइनल स्कैन और सफल प्रसूती की भविष्यवाणी में डिजिटल परीक्षा का तुलनात्मक अध्ययन।

शर्मा, आर, सचदेवा पी.। भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में आरक्षित बिना अनारक्षित माताओं में प्रीक्लेम्पसिया एवं इक्लेम्पसिया।

सिंह एन., टेम्पे ए., सेठी एन., सहारे ए.। दिल्ली में तृतीयक केयर सरकारी अस्पताल में अपने अनुभव के बारे में रोगी की प्रतिक्रिया का विश्लेषण।

सोनोवाल सी., प्रसाद एस., गांधी जी., सीजेरियन निशान गर्भावस्था – एक नैदानिक और चिकित्सीय दुविधा : केस रिपोर्ट।

सोनोवाल एस., गोस्वामी जी., गांधी जीः प्राथमिक डिम्बग्रंथि कमी सहित महिलाओं में लिपिड प्रोफाइल पर हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी का प्रभाव।

तनेजा सी., शर्मा पी., सिंह एन., टेम्पे ए., कुमार डी.। पैल्विक मास पोजिशन डायग्नोस्टिक डाइयलेमा सहित एक युवा लड़की का प्रकरण।

टेम्पे ए., सोनिया, सिंह एन., मिश्रा पी.। प्लेसेंटा एक्करेटे का प्रबंधनः दो मामलों की रिपोर्ट।

संकाय संख्या – 17

+++

प्रसूति–विज्ञान और स्त्रीरोग–विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियॉ

ऑब्स्टेट्रिक्स और गायनोकॉलॉजी, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल का विभाग 325 बेडड डिपार्टमेंट चलाने के भारी नैदानिक भार सहित 500–600 मरीजों की दैनिक ओपीडी उपस्थिति और निकटतम 20,000 डिलीवरी प्रतिवर्ष की दर के बावजूद अकादमिक रूप से सक्रिय है। इसके बावजूद विभाग को इसके श्रेय के लिए सहकर्मी की समीक्षा के अनुक्रमित पत्रिकाओं में कई प्रकाशन हैं। विभाग राष्ट्रीय कार्यक्रमों, जेएसवाई, जेएसएसके, थैलेसिमिया स्क्रीनिंग प्रोग्राम, पीपीटीसीटी, पीएमएसएमवाई और एमएए में शामिल है। यह नियमित रूप से स्त्रीरोग विशेषज्ञों के ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने के लिए सीएमई और कार्यशालॉ आयोजित करता है। संकाय और निवासियों को सर्वश्रेष्ठ पत्र और पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में पुरस्कार और इनाम प्राप्त हुए हैं। ऑब्सट्रेट्रिक्स और गायनोकोलॉजी (एफओजीएसआई द्वारा सम्मानित) में सर्वश्रेष्ठ थिसिस लेखन के लिए

प्रतिष्ठित आर. डी. पंडित पुरस्कार इस विभाग (2016–17) द्वारा लगातार 15 बार जीता। कई वर्षों से डॉ कुसुम पंडित पुरस्कार–यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल में सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर शोध के लिए विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों को सम्मानित किया गया है।

सम्मान / गौरव

अल्पना सिंह, 1–3 अप्रैल, 2016 उत्तर क्षेत्र युवा एफओजीएसआई में गोल मेज सम्मेलन में द्वितीय और पोस्टर प्रस्तुतिकरण में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

वसुधा गुप्ता, 21–25 सितम्बर, 2016 को आईएफएफएस वर्ल्ड कांग्रेस में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

कुमारी अनुक्रिती, गाइड – किरण गुलेरिया, आरडी पंडित को सबसे अच्छी अखिल भारतीय स्नातकोत्तर थीसिस, 2016–17 के लिए एफओजीएसआई पुरस्कार दिया गया।

मेपोंग बेंगिया, गाइड – किरण गुलेरिया, कुसुम पंडित पुरस्कार, 2016–17।

सिंह खुशबु, राजाराम एस, गुप्ता बिंदिया को 22 एवं 23 अक्टूबर, 2016 में नार्ची के 23वें वार्षिक सम्मेलन, दिल्ली शाखा, विविध श्रेणी पेपर प्रस्तुतिकरण में द्वितीय पुरस्कार।

भारतीय विष्णु, 22 एवं 23 अक्टूबर, 2016 लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में नार्ची के 23वें वार्षिक सम्मेलन, में द्वितीय पुरस्कार – पोस्टर दिया गया।

गुप्ता बिंदिया, राजाराम शालिनी, गुप्ता ज्योत्सना, जैन संध्या, द्वितीय पुरस्कार, 7वां राष्ट्रीय सम्मेलन, एओजीआईएन भारत 2016, पटना, भारत, अक्टूबर, 2016।

प्रियदर्शिनी वर्षा, अल्पना सिंह, 11–14 नवम्बर, 2016 को एओजीडी नई दिल्ली में आयोजित 38वें वार्षिक सम्मेलन में पेपर प्रस्तुति के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

अनुक्रिति कुमारी, किरण गुलेरिया, 11–14 नवम्बर, 2016 को 38वें वार्षिक एओजीडी सम्मेलन दिल्ली में प्रतियोगिता पेपर कम्पटीशन के लिए रजत पदक दिया गया।

सिंह खुशबू, राजाराम एस. गुप्ता बिंदिया, 11–14 नवम्बर, 2016 नई दिल्ली ओब्स्टेट्रिकियन और स्त्री रोग विशेषज्ञ संघ दिल्ली की 38वीं वार्षिक सम्मेलन में प्रतियोगी पेपर प्रस्तुत करने के लिए कांस्य पदक दिया गया।

गुप्ता ज्योत्सना, बिंदिया गुप्ता, शालिनी राजाराम, संध्या जैन, 11–14 नवम्बर, 2016 ओब्स्टेट्रिकियन और स्त्री रोग विशेषज्ञ संघ दिल्ली की 38वीं वार्षिक सम्मेलन में कैंसर विज्ञान पर सबसे अच्छा पेपर प्रस्तुत करने के लिए स्वर्ण पदक दिया गया।

ऋचा शर्मा, 12–13 नवम्बर, 2016 एओजीडी की 38वें वार्षिक सम्मेलन में जनसंख्या स्थिरीकरण पर डॉ सुनीता मित्तल स्वर्ण पदक दिया गया।

ऋचा शर्मा, 25–29 जनवरी, 2017 अहमदाबाद में 60 वें एआईसीओजी में एफओजीएसआई–आईपीएएस यंग टेलेंट प्रमोषन एण्ड एमटीपी कमेटी अवार्ड दिया गया।

नवम्बर 2016 में दिल्ली, अध्यापन और कॉर्पोरेट अस्पतालों में सर्वोत्तम नैदानिक बैठक के लिए एओजीडी के ऑगेटेट्रिक्स और गायनोकोलॉजी विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, एस एन मुखर्जी रोटेटिंग ट्राफी 2016–17 प्रदान की गयी।

श्रुति जैन, किरण गुलेरिया, अमिता सुनेजा, नीलम बी. वेद, शर्मिला आहूजा, जॉन जे. सिआरा कम/मध्यम आय वाले देश को बेस्ट क्लीनिकल रिसर्च आर्टिकल के लिए, 2017 आईजेजीओ पुरस्कार पेपर अवार्ड दिया गया।

प्रकाशन

अमृता, जैन. एस, शर्मा, एस, राजाराम, एस., गुप्ता, बी. (2016)। ऑक्सीकृत सेल्युलोजः पोस्ट हिस्टेरेक्टोमी रक्तस्राव का एक असामान्य कारण। इंट. रिप्रोड ओबसटेट गायनेकोल, *5*(8), 2866-2868.

भारतीय, वी., शर्मा, आर., कुमार, ए., श्रीवास्तव, एच. (2016)। कार्डियोटोकोग्राफी प्रवेशः नवजात परिणाम का एक अनुमानक। जर्नल ऑफ ओबसटेट गायनेकोल, *66*(S1), S321-S329.

चावला, एस., जैन, एस., शर्मा, एस., राजाराम, एस., गोयल, एन. (2016)। भ्रूण की हड्डियों को बनाए रखना। असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव का असामान्य कारण। इंट. रिप्रोड. कॉंट्रासेप्ट ओबसटेट. गायनेकोल., *5*(6), 2032-2033.

चावला, एस., जैन, एस., सुनेजा, ए., गुलेरिया. के. (2016)। डिग्लोविंग इनजरी ऑफ बाउल। सर्जिकल गर्भपात की अनसुनी जटिलता। *J Clinl Diagn Res, 10(5), QD01-QD02*

गुप्ता, बी., स्नेहा श्री, राजाराम, एस., गोयल, एन. (2016)। जननांग तपेदिकः असामान्य प्रस्तुतियॉं। इंटरनेशनल ऑफ जर्नल ऑफ माइक्रोबॉयलॉजी, DOI 10.1016 / j.ijmyco.2016.06.017

गुप्ता, बी., पथरे, ए., राजाराम, एस., गोयल, एन (2017)। गर्भाशय का दुर्लभ ट्यूमर – स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा एण्ड एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल सारकोमा। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, *11*(2), 20-22

गुप्त, जे., जैन, एस., राजाराम, एस., गोयल, एन., गुप्ता, बी. (2017)। फेसियल डिस्मोरफिस्म। लेविटीरसिटम सहित अनपेक्षित टेराटोजेनिसिटी। *J Clin Diagn Res*, *11*(1), QD08-09.

जोसेफ एल. मैथ्यू., गुप्ता, बी., चावला, डी. (2016)। हेपेटाइटिस बी माता–से–बच्चे को ट्रांसमिशन की रोकथाम के लिए टेनोफोविर। इंडियन पेडियोट्रिक्स,*53*(10),907-911(Journal club)

जैन, एस. शर्मा, एस., चावला, एस., वैद, एन., कालरा, एन., सुनेजा, ए., गुलेरिया, के., कौर, एल. (2016)। भारतीय महिलाओं में अपरिपक्व डिलीवरी के लिए जोखिम कारक के रूप में पीरियोडॉन्टल रोग। जे. इवोलुशन मेड. डेंट. साइंस, *5*(88),6565-6569. DOI 10.14260/ Jemds/2016/ 1484

जैन, एस. शर्मा, एस. (2016)। पार्टोग्राम – नई दुनिया के लिए नए शब्दों के लिए समय। इंट. ओबस्टेट. गायनेकोल., *6*(4), 20-24.

जैन, एस., वार्ष्णेय, के., वैद, एन.बी., गुलेरिया, के., वैद, के., शर्मा, एन.ए. (2016)। गर्भावस्था के दौरान अंतरंग साथी हिंसा का अस्पताल आधारित अध्ययन। इंट. गायनेकोल. ओबस्टेट, DOI: 10.1002/ijgo.12086

जैन, पी., राजाराम, एस., गुप्ता, बी., श्रीवास्तव, एच. (2016)। लेयियोमायमा प्रेरित भारी माहवारी रक्तस्राव वेजाइनल हिस्टेरेक्टोमी बनाम थर्मल बलून एबलेषन का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। *IJGO*,doi 10.1016/j.ijgo.2016.04.020

जैन, एस., गुलेरिया, के., वैद, एनबी., सुनेजा, ए., अहूजा, एस. (2016)। प्रिडिक्टर एण्ड आउटकम ऑफ ओब्सटेरिक एडमिशन के लिए इन्सेन्टिव केयर यूनिटः एक तुलनात्मक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ.*60*(2),doi: 10.4103/0019-557X.184575

मीना, पी., जैन, एस., लक्खा, वी., राजाराम, एस., गोयल, एन. (2016)। थैलेसीमिया इंटरमीडिया सहित रोगियों में गर्भावस्था। एक जटिल मामले की रिपोर्ट। ओबग. रेव : जे. ओबस्टेट गायनेको., *2*(2).

प्रिया, के., राजाराम, एस. (2016)। क्या इडियोपैथिक पैल्विक पेन इलाज योग्य इकाई है। एक टिप्पणी। रिप्रोड सिस्ट. सेक्स डिस्आर्डर, 5, 199. doi: 10.4172/2161-038X.1000199.

पांडे, जी., राजाराम, एस., गोयल, एन., कुमार, एम. (2016)। योनि हिस्टेरेक्टोमी के दौरान लैपरोस्कोपिक वर्सिस वेजाइनल सलपिन्गोओफोरेक्टॉमी की तुलना। जर्नल ऑफ गायनेकोलॉजिक सर्जरी, *32*(4), 220-225. doi:10.1089/gyn.2015.0036

प्रिया, के., राजाराम, एस., गोयल, एन. (2016)। पुराने पेल्विक पेन के उपचार के लिए संयुक्त हार्मोनल वेजाइनल रिंग और लो डोज़ कम्बाइंड ओरल हार्मोनल पिल्स की तुलनाः एक यादृच्छिक परीक्षण। इयुर. जे. ओबस्टेट. रिप्रोड बायालो., *207*, 141-46.

राजाराम, एस., गुप्ता, पी., गुप्ता, बी., गोयल, एन. (2016)। क्रोनिक पैल्विक पेन में तपेदिक के निदान के लिए लैपरोस्कोपी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइक्रोबायलॉजी doi: 10.1016/j.ijmyco.2016.06.016

सिंगला, ए., श्री, एस., मेहता, एस. (2016)। पेम्फिगोइड जेस्टेसनिश सहित गर्भावस्था। एक जटिल वास्तविकता। जे. क्लीनि. डायग्नो. रेस., *10*(7),QD06–QD07.

सिंगला, ए., हुआंग, के.जी. (2016)। ब्लैडर पेरीटोनियल एंडोमेट्रियोसिस का लैप्रोस्कोपिक एक्सीशन। गायनेकोल. मिन. इनवेसिव. http://dx.doi.org/10.1016/j.gmit.2016.06.005.

सिंगला, ए., मुंद्रा, आर., फोगट, एल., मेहता, एस., राजाराम, एस. (2016)। आपातकाल पेरिपार्टम ह्यस्टेरेक्टॉमी। टेरटियरी केयर सिटिंग में संकेत और परिणाम। जे. क्लीनि. डायग्नो. रेस., doi: 10.7860/JCDR/2016/19665.0000

शर्मा, आर., राधाकृष्णन, जी., राधिका, ए.जी., सिंगला, ए. (2016)। पैरानिओप्लास्टिक सेरेबेलर डिजनरेशन – डिम्बग्रंथि द्वेश का दुर्लभ प्रस्तुतीकरण। जे. गायनेकोल. इंडिया, *66*(2), 686-689.

शर्मा, आर., गुलेरिया, किरन., सुनेजा, अमिता, भारतीय, विष्णु (2017)। पोस्‍अ सिजेरियन ड्रेन प्लेसमेंट – मामूली जटिलता के लिए प्रमुख प्रक्रिया। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च. *11*(1), QD03-QD04.

शर्मा, आर., राधाकृष्णन, जी., मेहदीरत्ता, ए., गुप्ता, आर. (2017)। पूर्व दिल्ली के तृतीयक केंद्र में एमटीपी सीकर्स के बीच गर्भपात कानून के प्रति जागरूकता, मनोभाव और स्वीकार्यता। *प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान के दक्षिण एशियाई फेडरेशन के जर्नल में स्वीकार किया गया।*

सिंह, ए., श्री, एस., मिश्रा, वी., राधाकृष्णन, जी. (2016)। म्युलेरियन डक्असिस्ट मिसडायग्नोस्टिक एज़ ओवेरियन सिस्टः एक जटिल मामला रिपोर्ट। इंट. जे. रिप्रोड कॉन्ट्रेसेप्ट ओबस्टेट. गायनेकोल.., *5*(4), 1260-1262.

सिंह, ए., सिंह, एस., राधाकृष्णन, जी., राधिका, ए. जी., शर्मा, आर. (2016)। पोस्ट ऑपरेटिव मामले में डेंगू की एक असामान्य प्रस्तुति। प्रबंधन में चुनौती। ट्रोपिकल डॉक्टर, *46*(2), 115-117.

सिंह, ए., जहां, एन., राधाकृष्णन, जी., बनर्जी, बी.डी. (2016)। पुरुष बंध्यता में सेमिनल प्लाज्मा में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस पैरामीटर्स पर कॉम्बिनेशन एंटीऑक्सीडेंट थेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, *10*(7), QC14-QC17.

सिंह, ए., वत्स, जी., राधिका, ए.जी., मीना, पी., राधाकृष्णन, जी. (2016)। पोस्टमेनियोपॉजिकल पायोमेट्रा के मामले में सर्वाइकल ज़ेन्थोग्रेनुलोमाः एक जटिल मामला रिपोर्ट। ओबस्टेट. गायनेकोल. साइंस, *59*(5), 411-414.

सिंह, ए., मीना, पी., राधाकृष्णन, जी., रुटेला, एम. (2016)। तृतीयक केयर अस्पताल प्रसवोत्तर महिलाओं में गर्भनिरोधकों की जागरुकता और स्वीकृति पर जानकारी, दृष्टिकोण और अभ्यास अध्ययन। इंट. जे. रिप्रोड. कॉनेट्रेसेप्ट ओबसटेट गायनेकोल., *5*, 1921-4.

सिंह, ए., चावला, एस., पांडे, डी., जहां, एन., अनवर, ए. (2016)। तृतीयक केयर रेफरल अस्पताल दिल्ली, भारत में प्री–इक्लंपसिया के मामले में फीटोमेटरनल परिणाम। एक पूर्वव्यापी विश्लेषण। इंट. जे. साइंस स्टुड., *4*(2), 100-103.

श्रीवास्तव, एच., अटल. (2016)। रप्चर्ड रीनल आर्टरी एन्यूरिज्मः गर्भावस्था में सदमे का एक दुर्लभ कारण। इंट. जे. कर. रेस,*8*(7), 35266-35268,

सिंह, ए., गुलेरिया के., वैद बी., नीलम, जैन, एस., (2016)। प्रसूति संबंधी विकार के एक पूर्ववर्ती के रूप में मातृ प्रारंभिक प्रसूति चेतावनी प्रणाली (एमईओडब्ल्यूएस चार्ट) का मूल्यांकन। एक संभावित अवलोकन अध्ययन। *प्रसूति, स्त्री रोग, और प्रजनन जीव विज्ञान के यूरोपीय जर्नल।*

शर्मा, आर., गुलेरिया, के., सुनेजा, ए., भारतीय, वी. (2016)। पोस्ट–सीजेरियन ड्रेन प्लेसमेंट – I प्रमुख जटिलता के लिए अग्रणी मामूली प्रक्रिया। जे. क्लि. डायग्नो. रेस.,*1*, QD03-QD04.

त्यागी, एन., सुनेजा, ए., मिश्रा, के., जैन, एस., वैद, एन. बी., गुलेरिया, के. (2017)। सरवाइकल लेसन के निदान के लिए सर्वाइकल पंच बायोप्सी फोरसेप सहित बायोप्सी उपकरण कुंजी की तुलना। *गायनेकोल. ओबसटेट. इनवेस्ट.*, *82*(2), 157-162.

तनवीर, एन., गुप्ता, बी., पथरे, ए., राजाराम, एस., गोयल, एन. (2017)। गर्भाशय का जटिल कलिज़न ट्यूमर – स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और एंडोमेट्रियल स्ट्रॉमल सरकोमा। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, *11*(2), ED20-ED22.

यादव, पी., सिंगला, ए., सिदाना, ए., सुनेजा, ए., वैद, एन. बी. (2017)। एक्टोपिक गर्भावस्था के पूर्वानुमान के रूप में सोनोग्राफिक एंडोमेट्रियल पैटर्न और एंडोमेट्रियल मोटाई का मूल्य *इंट. जे. गायनेकोल. ओबसटेट.*,*11*, *136*(1), 70-75.

गोयल, एन., श्रीवास्तव, एच., गुप्ता, बी. (ईडीएस.) (2016)। *गर्भनिरोध।* नई दिल्लीः सीबीएस प्रकाशक।

जैन, एस., गुलेरिया के., सुनेजा, ए., वैद, एन.बी., आहूजा, एस. (2016)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गायनेकोलॉजी एंड ओबसेट्रिक्स*132*, 332-336.

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. अमिता सुनेजा, डॉ. किरन गुलेरिया (सह–अन्वेषक) इन्डक्शन ऑफ लेबर के सर्वाइकल राइपनिंग से पूर्व डिलेपान्स/डिलासॉफ्ट ओस्मोटिक डायलेटर के उपयोग पर अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षण ई–रजिस्ट्री, मेडिसिम इंटरनेशनल द्वारा वित्तपोशित परियोजना । 2.5 लाख रुपये।

डॉ. ए.जी. राधिका, डब्ल्यूएचओ–भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना, *भारत में गर्भवती महिला विकारों में फेरस सुक्रोज ;थ्मैच्द्ध* – एन ओपिन लेबल रेनडोमाइज़्ड कन्ट्रोल्ड ट्रायल। नवम्बर, 2015–नवम्बर, 2017, 1.6 लाख रुपये।

डॉ. बिंदिया गुप्ता सह–अन्वेषक, डीबीटी (जैव प्रौद्योगिकी विभाग) द्वारा वित्त पोषित, परियोजना, *कीमोथेरेपी एजेंटों के प्रतिरोध का पता लगाने का एक उपकरण के रूप प्राइमरी कल्चर इपीथीलियल ओवेरियन कैंसर – 2016–18 डॉ. राजर्षि कार, जैव रसायन विभाग, के साथ प्रारंभिक अध्ययन।* अनुदान राशि 23.57 लाख रुपये।

आयोजित सेमिनार

क्लीनिक पैथोलॉजिक बैठक का आयोजन की तिथि 26 अक्टूबर, 2016।

अतिथि संकाय, डॉ. नूतन अग्रवाल, एम्स, दिल्ली।

आयोजित सम्मेलन

11 नवम्बर, 2016 एओजीडी के तत्वावधान में दिल्ली के होटल अशोक में प्रसूति एवं गायनोकोलॉजी विभाग द्वारा एडवान्सड गाइना ऑन्कोलॉजी वीडियो वर्कशॉप।

10 सितंबर, 2016, जीटीबी अस्पताल में मातृत्व पुनर्जीवन पर सीएमई।

28 नवंबर, 2016, डीएफडब्ल्यू के तत्वावधान में गैर स्केलपेल पुरुष नसबंदी पर सीएमई।

26 मार्च, 2017, आईएफआई के तहत प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा आईयूआई पर सीएमई सह कार्यशाला।

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

एस. राजाराम, एओजीआईएन सिंगापुर, अतिथि व्याख्यानः सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग में बायोमार्करः फोरम एओजीआईएन भारत मेंः सरवाइकल कैंसर की रोकथाम, दिल्ली, भारत, 12–14 अगस्त, 2016.

एस राजाराम, संचालक, पैनल चर्चा गर्भाशय सार्कोमा, इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एण्ड पैडीएट्रिक ओन्कोलॉजी, दिल्ली का वार्षिक सम्मेलन, 5 नवम्बर, 2016.

ए. सिंह, 15–21 सितम्बर, 2016 पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम सहित महिलाओं में मेटाबोलिक मापदंडों पर मेटोफार्मन और एन–एसिटाइलसीस्टीन की तुलना में दिल्ली, एनसीआर में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ फर्टिलिटी सोसाइटीज (आईएफएफएस) में पेपर प्रस्तुति।

एच. श्रीवास्तव, 12–13 नवम्बर, 2016, नई दिल्ली में एओजीडी के 38वें वार्षिक सम्मेलन में गर्भनिरोधक मधुमेह और गर्भावस्था के परिणामों में एकल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमारफिज़्म के एसोसिएशन पर पेपर प्रस्तुति।

सुनेजा अमिताः

10 से 11 सितम्बर, 2016, प्रिवेंटिव गाइने ऑन्कोलॉजी एवं इसके अलावा संत परमानंद अस्पताल, दिल्ली से सीएमई के दौरान ओवेरियन कैंसर मैनेजमेंट में चुनौतियां पर पैनल चर्चा के लिए पैनलिस्ट।

23 से 25 सितम्बर, 2016, जयपुर में विश्व कांग्रेस नार्चिकॉन 2016 के दौरान एचपीवी वैक्सीन अपडेट पर अतिथि व्याख्यान।

15–16 अक्टूबर, 2016 चंडीगढ़, पीजीआईएमईआर में मीनोपॉज़ और ऑन्कोलॉजी में राइडिंग वेव्स के दौरान सीआईएन–वीडियो के प्रबंधन पर अतिथि व्याख्यान।

22–23 अक्टूबर, 2016 मॉडरेटर फॉर पैनल मॉलरियन ट्रैक्ट एनोमलीज – एलएचएमसी, दिल्ली में एनएआरसीआई के 23वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान केस आधारित चर्चा।

12 नवम्बर, 2016 अशोक होटल, नई दिल्ली में एओजीडी के 38 वार्षिक सम्मेलन के दौरान एंडोमेट्रियल एंड डिम्बग्रंथि के कैंसर में जोखिम कम करने संबंधी रणनीतियों पर पैनल में पैनलिस्ट।

20 नवम्बर, 2016 डुमरा डीएमसीएच लुधियाना में प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान में वर्तमान प्रवृत्तियों पर प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान उत्तर भारत के उत्तरी अध्याय की बैठक के दौरान सीआईएन प्रबंधन पर अतिथि व्याख्यान।

22 नवम्बर, 2016 केजीआईवीएफ और दिल्ली में आयोजित आईएफएस फेलोशिप के फैलाशिप के लिए एक्टोपिक गर्भधारण के निदान और प्रबंधन पर अतिथि व्याख्यान।

22 जनवरी, 2017 दिल्ली में प्रसूती और स्त्रीरोग में वर्तमान अवधारणाओं–मैक्स मेडिकोन के दौरान सीआईएन प्रबंधन पर अतिथि व्याख्यान।

राजाराम शालिनीः

अंतर्राष्ट्रीय, एओजीआईएन सिंगापुर, अतिथि व्याख्यानः एओजीआईएन इंडिया में सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग इंडिया फोरम में बायोमार्कर। सर्वाइकल कैंसर की रोकथामः दिल्ली, भारत, 12 अगस्त, 2016।

संचालक, ओन्कोफर्टिलिटी पर पैनल चर्चाः समय की आवश्यकता, इंटरनेशनल गायनीकोलॉजिक कैंसर कांग्रेस 2017, गायनोकोलोजिक ऑन्कोलॉजी में ब्रिजिंग इनोवेशन एंड प्रैक्टिस, धर्मशाला कैंसर अस्पताल, 18 एवं 19 फरवरी, 2017.

4 एवं 5 मार्च, 2017 इंडियन सोसाइटी ऑफ कोलपोस्कोपी एवं सर्वाइकल पैथोलॉजी (आईएससीसीपी), दिल्ली का 11वां वार्षिक सम्मेलन।

14–16 अक्टूबर, 2016 पटना में 7वां एओजीआईएन राष्ट्रीय सम्मेलन इंडिया।

2–4 दिसम्बर, 2016 पैनल चर्चा के लिए मॉडरेटर, 'गायानाकोलॉजिक कैंसर के बाद हार्मोन थेरेपी और गायानाकोलॉजिक कैंसर के लिए हार्मोन' एजीओआईसीओएन 2016, गुड़गांव, भारत।

10 और 11 सितम्बर, 2016 मॉडरेटर, पैनल चर्चा, 'ओवेरियन कैंसर प्रबंधन में चुनौतियां' प्रिवेंटिव गाइने ऑन्कोलॉजी एंड बियॉन्ड, संत परमानंद हॉस्पिटल, सिविल लाइंस दिल्ली आईएससीसीपी के तत्वावधान में एओजीडी की ऑन्कोलॉजी कमेटी।

29–31 जुलाई, 2016 अतिथि व्याख्यान, कार्सिनोमा सर्वेक्स स्टेज 1बी2 के प्रबंधन में विवाद, एफओजीएसआई गाइना ऑन्कोलॉजी सम्मेलन, गोवा, भारत।

27 और 28 अगस्त, 2016 अतिथि व्याख्यानः 'बड़े' पैल्विक ट्यूमर, फर्टिप्रोटैक्ट 2016, को निकालने संबंधी फर्टीलिटी स्पेरिंग सर्जरी, भारत के प्रजनन संरक्षण सोसायटी, बेंगलुरु, भारत, का वार्षिक सम्मेलन।

28 और 28 मई, 2016, अतिथि व्याख्यानः एंडोमेट्रियल कार्सिनोमाः जोखिम कारक और रोकथाम, भारतीय रजोनिवृत्ति सोसायटी, दिल्ली का वार्षिक जोनल सम्मेलन।

5 नवम्बर, 2016 संचालक, गर्भाशय सार्कोमा पर पैनल चर्चा, ˙चिकित्सा और इंडियन सोसायटी ऑफ मेडिकल एण्ड पेडिएट्रिक ओन्कोलॉज़ी, दिल्ली, का वार्षिक सम्मेलन।

5 अगस्त, 2016 संचालक, लाइव एंडोस्कोपी कार्यशाला, इंडोफर्ट–2016, जेएनयू सभागार, एम्स, दिल्ली में एंडोस्कोपी और इन्फर्टिलिटी–बेसिक एण्ड एडवान्स्ड, गाइनी इन्डोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया (जीईएसआई)।

5 अगस्त, 2016 पैनल के सदस्य, पैनल चर्चा, 'स्त्रीरोग एंडोस्कोपी' जिसकी सीमा नहीं है ? एन्डोफर्ट–2016, एंडोस्कोपी एण्ड फर्टीलिटी – बेसिक एण्ड एडवान्स्ड, गाइनी इन्डोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया (जीईएसआई), जेएनयू सभागार, एम्स, दिल्ली।

22 नवम्बर, 2016 स्तन कैंसर के मरीजों में हार्मोनल कॉन्ट्रासेप्सन और कॉन्ट्रासेप्सन के उपयोग से स्तन कैंसर का खतरा, सीएमई पर हार्मोनल कॉन्ट्रासेप्सन अपडेट – कम ज्ञात तथ्य'', मैक्स हॉस्पिटल, दिल्ली।

16–18 अक्टूबर, 2016 अतिथि व्याख्यान, भारत में उपचार की पहुँच बढ़ाना, उच्च स्तरीय सम्मेलन – सरवाइकल कैंसर की रोकथाम और भारत और बाहर नियंत्रणः उन्मूलन की दिशा में एक व्यापक दृष्टिकोण', विश्व स्वास्थ्य रणनीतियाँ के लिए बैठक, दिल्ली।

24 फरवरी, 2017 पैनल चर्चा के लिए पैनल के सदस्यः स्थायी गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम का कार्यान्वयन, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, साक्ष्य आधारित चिकित्सा, मुंबई।

24 फरवरी, 2017 विशेषज्ञ, सरवाइकल कैंसर स्क्रीनिंग और टीकाकरण के लिए कोर समिति की बैठक, 24 फरवरी, 2017 टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, साक्ष्य आधारित चिकित्सा 2017।

गुलेरिया किरनः

10 मई, 2016 महिला पुलिस कार्मिक, स्मार्चट पुलिस प्रशिक्षण अकादमी के लिए एसोचैम महिला फाउंडेशन और दिल्ली पुलिस स्पेशल कार्यशाला में महिला पुलिस के स्वास्थ्य और स्वच्छता के मुद्दे, मदर टेरेसा क्रीसेंट रोड, नई दिल्ली।

24 सितम्बर, 2016 जयपुर में ओएस टाइटनिंग – नार्चीकोन–2016 पर नई रूपात्मकता, 13वीं वर्ल्ड कांग्रेस और नार्ची का 21वां भारतीय सम्मेलन।

22–23 अक्टूबर, 2016 पेनलिस्ट – प्री–इक्लेम्पसिया में जटिलताओं को समाप्त करना, नार्ची, दिल्ली शाखा का 23वां वार्षिक सम्मेलन। एलएचएमसी दिल्ली।

14 अगस्त, 2016 होटल विक्रम, नई दिल्ली में एओजीडी स्नातकोत्तर के लिए डिफीकल्ट डिलीवरी ऑफ फीटल हेड।

20–21 अगस्त, 2016, वीवीएफ रिपेयरः फीटल मेडिसिन, ओब्सेट्रिक्स एण्ड गायनी सोसाइटी ऑफ नोर्थर्न इंडिया, आईजीएमसी शिमला में सीएमई सह–कार्यषाला में खतरनाक जटिलता पर सरल समाधान।

10 सितम्बर, 2016 एमएएमसी, दिल्ली में आरसीओजी एओजीडी कार्यशाला में पीपीएच–बलून टेम्पोन्ड (कनवीनर) पर कार्यशाला।

ओएस टाइटनिंग – नार्चीकॉन–2016 पर नए रूपात्मकता, 24 सितम्बर, 2016 जयपुर में 13वीं वर्ल्ड कांग्रेस और 21वां इंडियन नार्ची सम्मेलन।

14–16 अक्टूबर, 2016 एयूबी और गर्भनिरोध पैनल – एमएएमसी, नई दिल्ली में 19 स्नातकोत्तर व्यावहारिक पाठ्यक्रम और सीएमई में मामले में विशेषज्ञ चर्चा।

21 अक्टूबर, 2016 पेनलिस्ट – एसजीआरएच दिल्ली में भ्रूण चिकित्सा, उच्च जोखिम वाले गर्भधारण में अन्तर्धिपूर्ण भ्रूण निगरानी पर प्री–कॉग्रेस एनएआरसीएचआई कार्यशाला।

22–23 अक्टूबर, 2016 एनएआरसीएचआई, दिल्ली शाखा, एलएचएमसी, दिल्ली के 23वें वार्षिक सम्मेलन में प्रीक्लम्पसिया में जटिलताओं को समाप्त करना।

12 नवम्बर, 2016 पेनलिस्ट – एओजीडी के 38वें वार्षिक सम्मेलन, होटल अशोक, नई दिल्ली में टाइम फॉर इनवर्टिंग द पिरामिड ऑफ एन्टेनेटल केयर।

30 नवम्बर, 2016 गर्भावस्था में टॉर्च संक्रमण का प्रबंधन – एफओजीएसआई सीएमई उत्तर क्षेत्र, डीएमसी लुधियाना।

18 दिसम्बर, 2016 जीओजीएस गाजियाबाद द्वारा आईसीओजी–सीएमई–2016 में एडेरेन्ट प्लेसेंटा : एन ओब्सटेरिसियन्स नाइटमेयर।

08 फरवरी, 2017 पेनलिस्ट – 2 एमएएमसी पर एफजीआर में केस परिदृष्य – फीटल ग्रोथ रिस्ट्रिक्शन पर एमएफएम कार्यशाला, दिल्ली।

26 मार्च, 2017 पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में वेजाइनोप्लास्टी एवं वीवीएफ रिपेयर पर एफओजीएसआई उत्तर क्षेत्र का वार्षिक सम्मेलन।

गर्भावस्था में हेपेटाइटिस सेरोलोजी परीक्षण की प्रासंगिकता – सीएमई में लिवर और गर्भावस्था : एओजीडी द्वारा प्रसूति चिकित्सकों के अभ्यास में दुविधाएं।

1 मार्च, 2017 बहु–विषयक समिति और वीएमएमसी और एसजेएच, दिल्ली।

जैन संध्या :

भारतीय महिला में डिम्बग्रंथि दुर्बलता का पता लगाने के लक्षण सूचकांक – अहमदाबाद में ओब्स्टेट्रिशियन और गायनकोलॉजिस्ट (एआईसीओजी) सम्मेलन के अखिल भारतीय सम्मेलन में एक अस्पताल आधारित अवलोकन अध्ययन।

ऑक्सीडाइज़ड सेल्यूलोज़ः पोस्ट गर्भाशय रक्तस्राव का एक असामान्य कारण। 28 जनवरी, 2017 अहमदाबाद के एआईसीओजी सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति।

विशाल दुर्लभ वुल्वु ट्यूमरः एक केस श्रृंखला। 12 नवम्बर, 2016 होटल अशोक, दिल्ली, में प्रसूति और स्त्रीरोग विशेषज्ञ दिल्ली एसोसिएशन (एओजीडी) में पोस्टर प्रस्तुति।

भारतीय महिलाओं में डिम्बग्रंथि दुर्बलता का पता लगाने के लक्षण सूचकांक – 23–25 सितम्बर, 2016 नार्ची वर्ल्ड कांग्रेस, जयपुर के 13वें सम्मेलन – एक अस्पताल आधारित अवकलोकन अध्ययन।

यूरोपियन सोसाइटी ऑफ कॉन्ट्रासेप्सन एण्ड रिप्रोडक्टिव हेल्थ (ईएसएचआरई), बासेल, स्विटजरलैंड में पोस्टर प्रस्तुतिकरण। डिस्फंक्शनल यूट्री ब्लीडिंग में ओरल कम्बाइंड एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टोजन तैयारी सहित इन्ट्रावेजाइनल कॉन्ट्रासेप्टिव रिंग (न्यूवरिंग) के प्रभाव, स्वीकार्यता और साइड–प्रभाव प्रोफाइल की तुलना में एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

सितम्बर, 2016 एमएएमसी, दिल्ली में प्रसूति संबंधी क्रिटिकल केयर पर कार्यशाला में पैनलिस्ट।

श्रीवास्तव हिमश्वेता, 12 एवं 13 नवम्बर, 2016 नई दिल्ली में एओजीडी, के 38 वार्षिक सम्मेलन में गर्भावधि मधुमेह में एडीपोनिक्टिन जीन और गर्भावस्था के परिणामों में एकल न्यूक्लियोटाइड बहुरूपता के एसोसिएशन पर पेपर प्रस्तुति और 1 अप्रैल, 2016 गाजियाबाद में आयोजित युवा फोग्सी 2016 उत्तर क्षेत्र प्री–कांग्रेस कार्यशाला में पैनल सदस्य।

बिंदिया गुप्ता :

सर्वाइकल कैंसर नार्चिकॉन 2016 के अग्रगामी के रूप में एचपीवी पर अतिथि व्याख्यान, 13वीं वर्ल्ड कॉग्रेस ऑफ नेशनल एसोसिएशन ऑफ रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ ऑफ इंडिया, जयपुर, 23 सितम्बर, 2017.

पैनल चर्चा के मध्यस्थः कोल्पोस्कोपी पर विशेषज्ञों और प्रतिभागियों द्वारा केस इंटरैक्शन। नार्चीकोन 2016, 13वीं विश्व कांग्रेस और नेशनल एसोसिएशन ऑफ नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ ऑफ इंडिया जयपुर, 2016.

1–3 अप्रैल, 2016 नॉर्थ जोन युवा एफओजीएसआई सम्मेलन में एक असामान्य केस के पैनल चर्चा में पैनलिस्ट (4 टी के लिए द् फियर सम एण्ड फोरसम)।

10–11 सितम्बर, 2016 एसओजीडी के आईएससीसीपी और ऑन्कोलॉजी कमेटी के तत्वावधान में संत परमानंद अस्पताल में आयोजित कैंसर इन वुमेन–इंडियन सिनेरियो सीएमई ऑन प्रिवेंटिव गायनी ओनकोलॉजी एण्ड बियॉन्ड पर अतिथि व्याख्यान।

1–3 अप्रैल, 2016 फीटल ग्रोथ रिस्ट्रक्शन पर अतिथि व्याख्यान : सेव मदरहुड एसएवीएमए सम्मेलन इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में प्लेसेंटल एबनोर्मलटीस इन एफओजीएसआई नेषनल कॉन्फ्रेंस।

25 अक्टूबर, 2016 प्रसूति स्त्री रोग विशेषज्ञ के लिए जेनाइटल वार्ट्स एण्ड वाल्वर रोग पर पैनल के मॉडरेटरः एओजीआईएनके 7वें राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत, पटना में केस आधारित चर्चा।

अक्टूबर, 2016 एओजीआईएन, पटना में बोझ, जोखिम कारकों और लक्षणों में कम्युनिटी स्क्रीनिंग कार्यशाला – सर्वाइकल कैंसर पर व्याख्यान।

कम्युनिटी स्क्रीनिंग कार्यशाला एओजीआईएन, पटना में डेवलपिंग ए कम्युनिटी अवेयरनेस प्लान पर व्याख्यान।

अक्टूबर, 2016 में वीडियो प्रदर्शन (सरवाइकल नमूना संग्रह तकनीक – पीएपी/एचपीवी; वीआईए), भूमिकाः वीडियो प्रस्तुतकर्ता, कम्युनिटी स्क्रीनिंग कार्यशाला एओजीआईएन, पटना।

सह–मॉडरेटर, हार्मोन और स्त्रीरोग कैंसर पर पैनल चर्चाः दिसम्बर, 2016 एजीओआईसीओएन में एचआरटी आफ्टर गायनी कैंसर/हार्मोनल थैरपी फॉर गायनी कैंसर।

वर्श 2016 आईएससीसीपी के वार्षिक सम्मेलन में संकाय, कॉल्पोस्कोपी पर व्याख्यानः नया क्या है ?

7 अगस्त, 2016 वीडियो सत्र में अध्यक्ष;एंडोफर्ट–2016 गाइनी एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया (जीईएसआई) के अंतर्गत एंडोमेट्रिओसिस, एन्डोस्कोपी और यूरो–गाइनोकॉलोजी समितियों के सहयोग से एफओजीएसआई, 2016।

बिंदिया गुप्ता, सथीजा पीके, शालिनी राजाराम, विनोद के. अरोड़ा। 13–14 अगस्त, 2016 सिंगापुर में एओजीआईएन पर वार्षिक सम्मेलन। पोस्टर प्रस्तुति सर्वाइकल प्रिकैंसरस लेसन के निदान में बायोमार्करों p16ink4a/ki-67 की भूमिका की।

राजाराम एस, गुप्ता बी, रेड्डी ए, गोयल एन, एट अल। क्लिनिकोपैथोलॉजिकल संबंध और कार्सिनोमा सर्वेक्स की प्रारंभिक अवस्था में सहायक रेडियोथेरेपी की आवश्यकता। एओजीआईएन 2016 मेन कांग्रेस, 13–14 अगस्त, 2016 सिंगापुर।

लिचेन प्लानुस के वल्वोवैजाइनल मैनिफेस्टेशन पर पोस्टर में सह–लेखकः एओजीएन 2016, पटना, बिहार में एक जटिल मामला रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा।

बिंदिया गुप्ता, राजश्री कार, नीलम वाधवा, शालिनी राजाराम। नवम्बर, 2016 में युवा गाइनी कैंसर विज्ञान सत्र में पेपर प्रस्तुतिकरण। प्राइमरी कल्चर ऑफ इपीथीलियल ओवेरियन कैंसर की स्थापना और आईसी 50 डोज़ के कार्बोप्लेटिन और पैक्लिटेक्सल के निर्धारण पर लखनऊ में एजीओआई का नार्थ जोन सम्मेलन। गुड़गांव के वार्षिक सम्मेलन में पेपर प्रस्तुतिकरण हेतु चुना गया।

आस्था श्रीवास्तव, बिंदिया गुप्ता, शालिनी राजाराम, नीरजा गोयल, पोस्टर, दूसरी तिमाही में लाइफ थ्रेटनिंग हीमोरेज़ः दो असामान्य मामले। एओजीडी सम्मेलन। 11–13 नवम्बर, 2016.

सोनिया चावला, संध्या जैन, बिंदिया गुप्ता, शुचि लखनपाल, अंशुजा सिंगला, शालिनी राजाराम, नीरजा गोयल। बड़ें एवं जटिल वल्वल ट्यूमर। केस सीरीज़।एओजीडी सम्मेलन। 11–13 नवम्बर, 2016.

रश्मि, केस रिपोर्ट पर पेपर प्रस्तुति। किशोरावस्था में विशाल गर्भाशय नियोप्लाज्म – 12 और 13 नवंबर, 2016 एओजीडी के 38वें वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली में एक दुर्लभ प्रस्तुति; और मुलेरियन ट्रैक्ट विसंगतियों पर पैनल चर्चा में पैनलिस्टः 22 एवं 23 अक्टूबर, 2016 को एलएचएमसी, नई दिल्ली में एनएआरसीआई, दिल्ली शाखा के 23वें वार्षिक सम्मेलन में केस आधारित चर्चा।

श्रुति जैन, किरन गुलेरिया, अमिता सुनेजा, नीलम बी. वैद, शर्मिला आहूजा। इंटेंसिव केयर यूनिट, 2017 में दाखिल प्रसूति रोगियों मे परिणामों के मूल्यांकन के लिए क्रमिक अंग विफलता आकलन स्कोर का उपयोग।

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियां

पूर्वी दिल्ली में सरवाइकल कैंसर स्क्रीनिंग शिविर।

आकाशवाणी पर संकाय डिलीवर्स रेडियो टॉक।

संकाय संख्या – 17

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग अत्यधिक अकादमिक नैदानिक लोड के बावजूद बहुत सक्रिय है और प्रसिद्ध पत्रिकाओं में कई प्रकाशन किए हैं। विभाग ज्ञान और कौशल वृद्धि में अद्यतन करने के लिए राष्ट्रीय प्रोगामों तथा सीएमई तथा कार्यशालाएं सक्रिय रूप से आयोजित करता है। विभाग के संकाय को विभिन्न शैक्षिक निकायों अर्थात् एमसीआई, संघ लोक सेवा आयोग, डीएमसी, एनबीई, एफओजीएसआई, एओजीडी, एओजीआईएन में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया है और विभाग विभिन्न संगठनों अर्थात् एओजीआईएन भारत, एनएआरसीएचआई और एओजीडी के कार्यालय चलाता है। संकाय इन संगठनों में मुख्य पदों पदों पर कार्य किया है और बड़ी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निपटान किया है। संकाय को व्याख्यान देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी आमंत्रित किया है और ख्यातिप्राप्ति विभिन्न शैक्षणिक सम्मेलनों में अपनी विशेषज्ञता को साझा किया है। यूसीएमएस परामर्श के दौरान स्नातकोत्तर की पहली पसंद है।

+++

ऑर्थोपेडिक्स (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

विकलांग विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज दोनों स्नातक और स्नातकोत्तर विभाग एक उच्च शैक्षणिक स्तर की अनेक लेख प्रकाशित करने के लिए जारी रखा है के लिए विकलांग के क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा के एक उच्च स्तर बनाए रखने के लिए जारी रखा है और इन प्रकाशित किया गया है ख्याति के समकक्ष समीक्षा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में और तमचनजम.जैम संकाय सदस्यों की किताबों में अध्याय में योगदान दिया है अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में अतिथि व्याख्यान और प्रस्तुत कागजात दिया और देश भर में विभिन्न पाठ्यक्रमों और मंचों में अतिथि संकाय और विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया है।

विभाग सफलतापूर्वक जो संकाय सदस्यों के country-Most भर में 300 से अधिक पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों को आकर्षित किया विभिन्न विश्वविद्यालयों में परीक्षकों के रूप में आमंत्रित किया गया है और भारत और डी एन बी के मेडिकल काउंसिल के साथ शामिल हड्डी रोग में लोकप्रिय पोस्ट ग्रेजुएट निर्देशक कोर्स का संचालन करने के लिए जारी रखा और चिकित्सा जांच की दिशा में योगदान दिया।

प्रकाशन

थोरा, ए, भटनागर, एन., तिवारी, ए., लिंगाइया, पी., रस्तोगी, एन.। (2017)। स्पाइन सर्जरी में कशेरुकी स्तर के सटीक स्थानीयकरण के लिए एक टिकाऊ पूर्व ऑपरेटिव त्वचा मार्कर के रूप में हेना का प्रयोग करना। इंट. जे. रेस. आर्थोप.,*3*(3)

थोरा, ए., भटनागर, एन., तिवारी, ए., लिंगाइया, पी., रस्तोगी एन. (2017)। हीमोफिलिया में सहज एपीड्यूरल रक्तगुल्म का नॉन–ऑपरेटिव प्रबंधन। इंट. जे. रेस. आर्थोप.,*3*(2)

तिवारी, ए., भटनागर, एन., कारखुर, वाई., असलम, ए., शर्मा, ए. (2017)। कालकेनियम का क्षय रोग। एक केस श्रृंखला और साहित्य की समीक्षा। इंट. जे. रेस. आर्थोप., *3*(4), 761-765

मुखर्जी, ए., शर्मा, ए., गर्ग, वी., मैनी, एल., बजाज, पी. (2017)। एसीएल की कमी वाले भारतीय लोगों में पोस्टीरियर टिबिल स्लोप की भूमिका। *आर्थ्रीस्कोपी और संयुक्त सर्जरी के जर्नल। ऑनलाइन*

मेन, एल, कुमार, एस., बत्रा, एस., गुप्ता, आर., अरोड़ा, एस. (2016)। आब्ट्यूरेटर एक्सटरनस की मांसपेशियों के आकारिकी का मूल्यांकन और फिमोरल हेड के एसिटाबुलर फ्रैक्चर में एवासिक नेक्रोसिस के प्रिडिक्टर्स में पीरफॉर्मिस। स्ट्रेटिजिस ट्रामा लिंब रिकॉस्ट्र., (2), 105-11.

मैनी, एल., शर्मा, ए. झा, एस., शर्मा, ए., तिवारी, ए. (2016) तीन आयामी मुद्रण और रोगी–विशिष्ट प्री–कोन्टर्ड प्लेट : ऐसीटाबुलम फ्रैक्चर निर्धारण का भविष्य ? इयुर ट्रामा इमर्ज सर्ज.

भटनागर, एन., लिंगाइया, पी., तिवारी, ए., महाजन, एन., अरोरा, एस., धाल, ए. (2016)। जांध की हड्डी का प्राथमिक लियोमायोसारकोमा। जर्नल ऑफ क्लीनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रामेटोलॉजी, *7*(s),125-127.

भटनागर, एन, लिंगाइया, पी., अरोरा, एस., धाल, ए. (2016)। प्लांटर फिब्रोमाटोसिस मासक्वेरेडिंग एज़ लिपोसारकोमा। एक केस रिपोर्ट और साहित्य समीक्षा। जर्नल ऑफ बोन एंड सॉफ्ट टिश्यु ट्यूमर,*2*(2), 25-29.

भटनागर, एन., लिंगाइया, पी, लोधी, जे., कारखुर, वाई. (2017)। पैथलोजिकल फ्रैक्चर ऑफ फीमोरल नेक लीडिंग टू ए डायग्नोसिस ऑफ विल्सन्स डिसीज़: एक केस रिपोर्ट और साहित्य समीक्षा।

गौतम वी.के, सैनी, आर., शर्मा, एस. (2017)। तीव्र सेप्टिक गठिया के लिए निदान परीक्षण के रूप में ल्यूकोसाइट एस्ट्रेटिस की प्रभाविकता। जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जरी,*25*(1), 1-6.

युगल कारखुर, अनुराग तिवारी, निशित भटनागर (2017)। बच्चों में इप्सिलैटरल डिस्टल रेडियस अल्ना फ्रैक्चर सहित मोन्टेजिआ फ्रैक्चर डिस्लोकेशन। जर्नल ऑर्थोपेडिक ट्रामा एंड सर्जरी,*12*(2), 16-22

शर्मा, ए., तिवारी, ए., वर्मा, टी., मैनी, एल. (2016)। बच्चों में नॉन–यूनियन नेक फीमरः वल्गुस ऑस्टियोटॉमी द्वारा रीकन्सट्रक्शन – एक न्यूनतम इनवेसिव दृष्टिकोण। जे. क्लीनि. ऑर्थो. ट्रामा, (Suppl 1):8-11.

वर्मा, टी, शर्मा, ए, शर्मा, ए., मैनी, एल. (2016)। विशाल सेल ट्यूमर में पुनर्निर्माण के लिए अनुकूलित श्रोणिफलक कृत्रिम अंग। एक अनूठा उपचार दृष्टिकोण। जे. क्लीनि. ऑर्थो. ट्रामा, (Suppl 1)

कारखुर वाई, तिवारी, ए., वर्मा, टी., मैनी, एल. (2017)। कोन्डोप्लास्टोमा मिमिकिंग ट्रेवर्स रोग की असामान्य प्रस्तुति। जे. पोस्टग्रेजु. मेड.., *PMID*: 28272066

सुरल, एस. *ऑर्थोपेडिक्स और फ्रैक्चर की समीक्षा मानक उपचार दिशानिर्देश*। संस्करण 4, ओडिशा राज्य के लिए विशेष संस्करणः वाल्टर क्लुवर

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. अनिल ढाल, प्रोजेक्ट, भारतीय आबादी में 1, 2 आईसीएसआरए आधारित वैक्सीलाइज्ड बोन ग्राफ्ट शारीरिक विविधता – शव का अध्ययन।

डॉ. अजय गुप्ता, प्रोजेक्ट, इंट्रा थिकल प्रेशर भिन्नता से सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूड ड्रिनेज और सर्जिकल डिकम्प्रेषन से डोर्सल स्पाइन फेक्चर वाले रोगियों में एक्यूट स्पाइनल कोर्ड इन्जरी : एक भावी यादृच्छिक परीक्षण।

डॉ वीके गौतम, प्रोजेक्ट, कुल घुटने बदलने की पोस्ट ऑपरेटिव रोगियों में एनल्जेषिया के लिए दो कॉकटेल पेरी–आर्टिकुलर इन्फिल्ट्रेषन का तुलनात्मक मूल्यांकन।

डॉ. मनोज कुमार, प्रोजेक्ट, एक्स्ट्रकोरपोरिएली इरेडिकेटिड/लोकली एग्रेसिव बोन ट्यूमर में इनएक्टिव ऑटोग्राफ्ट प्रोस्थेसिस का मूल्यांकन – एक पायलट अध्ययन।

डॉ. विनोद कुमार, प्रोजेक्ट, हेमस्ट्रिंग ऑटोगेट का उपयोग करते हुए आर्थोस्कोपिक एसीएल पुनर्निर्माण में क्लिनिक–रेडियोलॉजिकल परिणामों पर अवशेष संरक्षण का प्रभाव – संभावित तुलनात्मक अध्ययन।

डॉ. सुमित सुरल, प्रोजेक्ट, थोरेसिस स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस में इंस्ट्रूमेंटेशन के बिना या इसके बिना डीकंप्रेसन के परिणाम की तुलना में यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

डॉ. ललित मैनी, प्रोजेक्ट, टोटल हिप आर्थोप्लास्टी में कप प्लेसमेंट के लिए रोगी विशिष्ट एसीटाबुलर जिग का मूल्यांकन।

द्विध्रुवी के लिए पूर्वकाल और पीछे के दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन फ्रैक्चर गर्दन के ऊर्ध्वाधर में हेमीआर्थप्रोपली

फीमर नेक के फ्रैक्चर में बाइपोलर सीमेंटिड हेमी–आर्थोप्लास्टी के लिए एन्टीरियर और पोस्टीरियर एप्रोच का तुलनात्मक अध्ययन, अध्ययन जारी, 2016–18.

डिस्टल रेडियस के माल्युनिटिउ एक्स्ट्रा–आर्टीकुलर फ्रेक्चर में जेड करेक्टिव ओस्टिओमी, अध्ययन जारी 2016–18.

एसीटैबुलर फ्रैक्चर फिक्सेशन के लिए कॉन्ट्रा–लेटरल हेमी–पेल्विस पर प्लेट की डिजाइनिंग की कम्प्यूटरीकृत सहायता की सटीकता का मूल्यांकन, अध्ययन जारी, 2016–18.

हैगलंड रोग के लिए सर्जिकल उपचार के रूप में 3 पोर्ट तकनीकों का उपयोग कर एन्डोस्कोपिक कैल्केनोप्लास्टी का मूल्यांकन करने का एक संभावित अध्ययन, अध्ययन जारी, 2016–18.

हेमीआर्थोप्लास्टी बनाम डीएचएस इन अनस्टेबल फ्रेक्चर इन्टरट्रोचेन्टेरिक फीमर का तुलनात्मक अध्ययन, अध्ययन जारी, 2016–18.

हैन्सेन रोग में पेरीफ्रल न्युरोपैथी के अर्ली न्यूरोलाइसिस का कार्यात्मक मूल्यांकन, अध्ययन जारी, 2016–18.

घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस में मेडियल कम्पार्टमेंट में अन्तर्निहित डिस्टल ट्यूबरोसिटी ओस्टियोटमी सहित ओपन वेज हाइ टिबिल ओस्टओटॉमी का मूल्यांकन। अध्ययन जारी, 2016–18.

आयोजित सम्मेलन

01 से 04 फरवरी, 2017 डॉ. वी.के. गौतम पाठ्यक्रम निदेशक और डॉ. सुमित सुराल, आयोजन सचिव के साथ ऑस्टोपेडिक्स में 17वां पोस्ट ग्रेजुएट निर्देशात्मक कोर्स।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियां

सुमित सुराल :

स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस के नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और प्रयोगशाला निदान पर अतिथि व्याख्यान। 18 फरवरी, 2017 को दिल्ली आर्थोपेडिक एसोसिएशन की सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली की तिमाही बैठक।

7–10 मार्च, 2017 एमएएमसी, नई दिल्ली में 'दिल्ली में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता में सुधार और दवाओं के तर्कसंगत उपयोग' पर द्वितीय सीएमई कार्यशाला का आयोजन।

25–26 फरवरी, 2017 शिमला में आरएनटीसीपी के माध्यम से व्यापक क्षयरोग नियंत्रण के लिए मेडिकल कॉलेजों की भागीदारी के लिए जोनल टास्क फोर्स कार्यशाला (उत्तर क्षेत्र) का आयोजन।

अंतर–संस्थागत सहयोगः

जेरिएट्रिक मेडिसिन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमः डॉ. अनिल ढाल, डॉ. वी.के. गौतम, डॉ. सुमित सुराल (प्रधान और सहअन्वेषक), इग्नू (प्रायोजन संगठन)।

फ्रैक्चर एसिटाबुलम के निर्धारण के लिए मरीज की विशिष्ट प्री–कंटेस्ड प्लेट्स विकसित करने के लिए अनुसंधान का सहयोग। डॉ. सुनील झा (प्रमुख अन्वेषक), मैकेनिकल आईआईटी विभाग दिल्ली, मैकेनिकल आईआईटी दिल्ली विभाग द्वारा प्रायोजित।

संकाय संकाय – 15

+++

आर्थोपेडिक्स (यूसीएमएस)

सम्मान /गौरव

डॉ. जैन ए.के., 25 मार्च, 2017 को विकलांगता–2017 में उत्कृष्ट योगदान के लिए स्व. कर्नल संघम सिंह मेमोरियल ओरेसन नेशनल मेडिकल विज्ञान अकादमी से सम्मानित किया गया।

डॉ. जैन ए.के., स्व. टी.पी. श्रीवास्तव वाराणसी भाषण, यूपीओआरटीएचओसीओएन, 2017, गोरखपुर।

डॉ रेहान उल हक, नवम्बर, 2016 से मई, 2017 यूनाइटेड किंगडम में तर्कसंगत कॉमनवेल्थ एकेडमिक फैलोशिप।

प्रकाशन

जैन, ए.के. (2016), भारत में आर्थोपेडिक शिक्षा की वर्तमान स्थिति। इंडियन जे. ऑर्थोपे., *50*(4) 341-4.

उल हक, आर., कुमार, जे., धम्मी, आई., जैन, ए.के. (2016) इप्सीलेट्रल इन्टरट्रोकेन्टेरिक फ्रैक्चर सहित हिप का पोस्टीरियर डिसलोकेशन। इंडियन जर्नल ऑर्थोपेडिक्स.*50*(5),571-576. इम्पेक्ट फैक्टर 0.64

श्रीवास्तव, ए., जैन, ए.के., धम्मी, आई.के., हक, आर.यू. (2016)। पोस्ट–ट्राटमेटिक प्रगतिशील क्यूबिटस वेरस डिफॉर्मिटी मेनेज़्ड बाय लेटरल कॉलम शॉर्टनिंग : नोवेम्बरल शल्य चिकित्सा। क्लीनि. जे. ट्रामेटोल.*19*(4),229-30.

जैन, एन., सैनी, एन.एस., कुमार, एस. राजगोपालन, एम., चक्रवर्ती, के.एल., जैन, ए.के. (2016)। पोट्स स्पाइन में तंत्रिका स्थिति सहित डिफ्सूज़न टेन्सर इमेजिंग पैरामीटर के सहसंबंध। *SICOT J*,doi: 10.1051/sicotj/2016014 Impact Factor 2.110.

जैन, ए.के. (2016)। रीढ़ की हड्डी का क्षय रोगः उपचार के दिशा–निर्देशों के अनुसंधान साक्ष्य। इंडिया जे. ऑर्थोपे. .,*50*(1), 3-9.

श्रीवास्तव, ए., अग्रवाल, ए. एन, मिश्रा, पी, भतेजा, डी. (2016), 7–वर्षीय बच्चे में एक ओमनियुअस मस्क्यूरेड के रूप में दिखाई देता फीमोरल फ्रैक्चर। जे. क्लीनि. ऑर्थोप. ट्रामा,*7*(Suppl 1),27-29.

पैथ्रोट, डी., उल हक, आर., अग्रवाल, ए.एन., नगर, एम., भट्ट, एस. (2016), शॉर्ट सेफेलोमेडुलरी नेल्स प्लेसमेंट के लिए प्रॉक्सिमल फीमर की ज्योमेट्री का आकलन। ड्राई फीमोरा और लिविंग विषयों में पर्यवेक्षणीय अध्ययन। इंडियन जे. ऑर्थोपे.*50*(3), 269-76

पुस्तक

जैन, ए.के. संपादक और सैद्धान्तिक लेखक, हड्डी का ट्यूबरकुलोसिस, जोड़ और स्पाइन। नई दिल्लीः सीबीएस प्रकाशक।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियां

चड्ढा एम, दिल्ली आर्थोपेडिक एसोसिएशन (डीओएसीओएन 2016) नई दिल्ली का वार्षिक सम्मेलन, 27 नवम्बर, 2016.

चड्ढा एम, स्पाइन सर्जन संघ भारत, (एएसएसआईसीओएन–2017) हैदराबाद का वार्षिक सम्मेलन, 26–29 जनवरी, 2017.

जैन ए.के. :

आगरा स्पाइन संगोष्ठी, आगरा, 30 अप्रैल2016.

जे एण्ड के चिकित्सा विज्ञान कांग्रेस 2016, 21 मई, 2016.

एमपीआईओएसीओएन, 2016 जबलपुर, 15–16 अक्टूबर, 2016.

भारतीय विकलांग एसोसिएशन (आईओएसीओएन) कोच्चि–2016 13–17 दिसम्बर, 2016.

भारत के स्पाइन सर्जन संघ, (एसीकोन–2017) हैदराबाद का वार्षिक सम्मेलन, 26–29 जनवरी, 2017.

दिल्ली आर्थोपेडिक एसोसिएशन (दोआकोन 2016) नई दिल्ली का वार्षिक सम्मेलन, 26 नवंबर, 2016.

पश्चिम बंगाल आर्थोपेडिक एसोसिएशन (डब्ल्यूबीओएसीओएन 2017) का वार्षिक सम्मेलन, 11 फरवरी, 2017.

पीजी कोर्स, इंदौर केईएम अस्पताल मुंबई, 24–26 फरवरी, 2017.

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. ए.के. जैन ने विकसित बोन और ज्वाइंट टृयूबरक्यूलोसिस दिशानिर्देशों में एक टीम लीडर, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के रूप में राष्ट्रीय कार्यक्रम में योगदान दिया।

संकाय संख्या – 9

+++

नेत्र विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग की ईएनटी विभाग के साथ एक संयुक्त एकल विभाग के रूप में शुरूआत हुई तथा वर्ष 1972 में यह एक अलग विभाग बन गया। वर्तमान में, इसमें पांच संकाय सदस्य और पांच वरिष्ठ रेजिडेंट्स हैं। इसके अलावा,

ओप्थल्मोलॉजी में एमएस करते हैं एवं चार पोस्ट ग्रैजुएट छात्रों को हर वर्ष भर्ती किया जाता है। विभाग एमबीबीएस पाठ्यक्रम और बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए स्नातक प्रशिक्षण प्रदान करता है। ऑप्थामोलॉजी इंटर्न एक अनिवार्य 15 दिनों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। यह व्यापक ऑप्थाल्मिक सेवाएं भी प्रदान करता है और विभिन्न क्षेत्रों जैसे फालोमोलासिफिकेशन, ग्लूकोमा, ओक्यूलोप्लास्टी, स्क्विंट, रेटिना, बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान सहित आरओपी स्क्रीनिंग एंड मैनेजमेंट। में विशेष सेवाएं प्रदान करता है। विभाग के संकाय सदस्य और रेसीडेन्टस समय–समय पर विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग ले रहे हैं और मुफ्त पेपर एवं पोस्टर प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने इन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में पुरस्कार भी प्राप्त किए हैं।

प्रकाशन

चौधरी, जेड., डेमेर, जे. एल. (2016)। सैगिंग आई सिंड्रोम में स्माल–एंगिल साइक्लोवर्टिकल स्ट्रैबिस्मस के लिए ग्रेडिड वर्टीकल रेक्टस टेनोटॉमी। *Br J Ophthalmol.*, *100*(5), 648-51(IF:2.9)

चौधरी, जेड., पंचलोथू, ए.के., शर्मा, ए., डेमेर, जे.एल. (2016)। ऑर्बिटल मोर्फोलॉजी में आइसोलेटिड क्रैनीओसिनोस्टोस और प्रबंधन में इसके प्रभाव। ली जे.सी. (एड.), क्रैनियोसाइनोस्टोसिस और दुर्लभ क्रैनिओफेशियल क्लेफ्टसः निदान, उपचार और परिणाम। न्यूयॉर्कः नोवेम्बेरा साइंस पब्लिशर्स।

गुप्ता, वी., गुप्ता, एस., चौधरी, जेड. (2016)। *मायोपिया इन हाई डिप्लोपिया। नेत्र विज्ञान के विशेषज्ञ समीक्षा, 11(3), 191–200.*

मदन, एस., चौधरी, जेड. (2016)। कोन्जेनाइटल क्रेनियल डाइसिनेरवेषन सिंड्रोम के इटियो–पैथोजेनेसिस में पैरामीडम्स स्थानांतरण। *जेएसएम नेत्र विज्ञान, 4;1, 1042.49 32.*

नागपाल, एम., चौधरी, जेड. (2016)। स्टेटिक एन्सेफैलोपैथी में ओक्यूलर विसंगतियां। एक समीक्षा। *वर्तमान भारतीय नेत्र अनुसंधान, 3, 13–20.*

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. राजीव गर्ग, डॉ. सरिता बेरी, डॉ सुमैया, प्रोजेक्ट, *पेटीरिजियम सर्जरी में लो डोज़ मीटोमाइसिन सी सहित एम्नियोटिक झिल्ली का मूल्यांकन।*

डॉ. जिया चौधरी, डॉ. राजेश जैन, डॉ. एस. अनेजा, डॉ. राजिंदर के. धमिजा, प्रोजेक्ट, *बच्चों और वयस्कों में एक्वायर्ड सेरिब्रल विजुअल इम्पेयरमेंट में फंक्सनल विजुअल पैरामीटर।*

डॉ राजेश जैन, डॉ. सरिता बेरी, डॉ. अंजू सेठी, प्रोजेक्ट, *कोन्जेनाइटल हाइपोथायरोडिज्म सहित बच्चों के ओकुलर प्रोफाइल।*

डॉ. ओम प्रकाश, डॉ. ए. चक्रवर्ती, प्रोजेक्ट, *कोन्जेनाइटल डेक्रियो सिस्टिटिस सहित रोगी में लेक्रिमल सेक मषाज से पहले और बाद में नियमित नासिक एक्ज़ामिनेषन की भूमिका।*

डॉ जिया चौधरी, डॉ. ओम प्रकाश, डॉ. सुवासिनी शर्मा, प्रोजेक्ट, *ड्यूसेन मस्कुलर डिस्ट्रोफी वाले बच्चों के समूह में रंगीन दृष्टि।*

डॉ राजीव गर्ग, डॉ. सरिता बेरी, डॉ. अंजू जैन, प्रोजेक्ट, *प्रिमार्ची ओपिन एंगल मोतियाबिंद के रोगियों में क्लिनिकोबायोकेमिकल प्रोफाइल ऑफ टियर फ्लूड।*

डॉ. सरिता बेरी, डॉ. सुषमा नांगिया, डॉ. सुनीता शर्मा, प्रोजेक्ट, *आरओपी के विकास में भ्रूण हीमोग्लोबिन और अन्य जोखिम वाले कारकों की भूमिका।*

डॉ. राजेश जैन, डॉ. सरिता बेरी, डॉ. अंजू सेठ, प्रोजेक्ट, *5 वर्ष की अवधि के टाइप 1 डायबिटीज मेल्लिटस वाले बच्चों में ओक्यूलर प्रोफाइल।*

आयोजित आयोजन

26 अगस्त, 2016 एमबीबीएस छात्रों के लिए एलएचएमसी में आयोजित नेत्र दान कार्यशाला।

2 सितम्बर, 2016 एमओएचएफडब्ल्यू की मदद से एलएचएमसी में आयोजित नेत्र दान पर एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

आर. गर्ग., एम्स में ग्लूकोमा और जनरल नेत्र विज्ञान पर एक सत्र आयोजित किया – 10–12 मार्च, 2017 आरपीसी स्वर्ण जयंती नेत्र विज्ञान कांग्रेस।

एस. बेरी., एम्स में ग्लूकोमा और जनरल नेत्र विज्ञान पर एक सत्र आयोजित किया – 10–12 मार्च, 2017 आरपीसी स्वर्ण जयंती नेत्र विज्ञान कांग्रेस।

श्वेता सी., गर्ग आर. और बेरी एस., एआईओसी, 2017 ऑप्टिक डिस्क क्यूपिंग के सोनोग्राफिक मूल्यांकन और मोतियाबिंद में अपनी नैदानिक प्रदर्शन।

ओ प्रकाश, एआईओएस 2017 जयपुर में निःशुल्क पेपर प्रस्तुतिः फेकोमल्सीफिकेषन कॉन्ट्रेक्ट सर्जरी के बाद 1 डी एस्टिमेटिज़्म सहित रोगी में स्टीप मेन्सन इन्सिज़न का प्रभाव।

चौधरी जेड, जॉन, अनेजा एस, थेल्मा बीके., उत्तर भारत में कोन्कोमिटेंट होरिज़ोन्टल स्ट्रेबिस्मस का पैडिग्री विश्लेषण। 28 सितम्बर – 01 अक्टूबर, 2016 बुडापेस्ट, हंगरी में यूरोपीय स्ट्रेबिज़्मोजिकल एसोसिएशन के 38वें सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति।

चौधरी जेड, डेमर जेएल., सेगिंग आई सिंड्रोम में स्ट्रेबिस्मस का पोस्ट–सर्जिकल रिकरेंष। 28 सितम्बर – 01 अक्टूबर, 2016 बुडापेस्ट, हंगरी में यूरोपीय स्ट्रेबिज़्मोजिकल एसोसिएशन के 38वें सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति।

चौधरी जेड, पुन्चोलोथो एके. शर्मा ए., क्रैनीओसिनेनोसिस में स्ट्रेबिस्मस का प्रोफाइल और वितरण। 28 सितम्बर – 01 अक्टूबर, 2016 बुडापेस्ट, हंगरी में यूरोपीय स्ट्रेबिज़्मोजिकल एसोसिएशन के 38वें सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति।

चौधरी जेड, नागपाल, एम, जैन आर., सेरेब्रल पाल्सी में स्ट्रैबिज़्मस मोटर इम्पेयरमेंट की सीवियरटी को इन्डिकेट करता है। 28 सितम्बर – 01 अक्टूबर, 2016 बुडापेस्ट, हंगरी में यूरोपीय स्ट्रेबिज़्मोजिकल एसोसिएशन के 38वें सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति।

चौधरी जेड, प्रकाश पी, और जैन आर., होरिज़ोन्टल स्ट्रेबिस्मस के लिए होरिज़ोन्टल रेक्टस मसल सर्जरी (एचआरएमएस) के बाद ओब्ज़ेक्टिव टोर्सिओन (ओटी) में परिवर्तन। 2–4 दिसम्बर, 2016 जयपुर में एएपीओएस–एसपीओएसआई इंटरनेषनल पर्सपेक्टिव मीटिंग में मौखिक प्रस्तुति।

शांडिल ए, प्रकाश ओ, चौधरी जेड, यूनिलेट्रल कोन्जेनाइटल नासोलेक्रिमल डक्ट ओब्सट्रकषन (सीएनएलडीओ) अपवर्तक त्रुटियों के साथ प्रस्तुत करता है। 16–19 फरवरी, 2016 जयपुर में 75वीं ऑल इंडिया ओफ्थाल्मोलॉजिकल सोसाइटी सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

01 अगस्त, 2016 एलएचएमसी और एसएसके अस्पताल में एनपीसीबी भारत सरकार के राष्ट्रीय नेत्र बैंक, हॉस्पिटल कॉर्नियल पेसेंट कार्यक्रम (एचसीआरपी) के साथ समझौता ज्ञापन।

अंतर–संस्थागत सहयोग

विभाग जन्मजात रूबेला सिंड्रोम निगरानी की आईसीएमआर प्रोजेक्ट में एक शाखा के रूप में चुना गया है।

सामुदायिक सेवाएं

शहरी स्वास्थ्य केंद्र कल्याणपुरी में सामुदायिक आउटरीच सेवाएं गुरुवार को प्रदान की जाती हैं।

संकाय संख्या – 5

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग दिल्ली सरकार के एनपीसीबी, एनसीटी के अंतर्गत सरकार प्रायोजित कार्यक्रम में और दिल्ली में विभिन्न नेत्र शिविरों में रोगियों की जांच में भी भाग लेता है।

+++

नेत्र विज्ञान (यूसीएमएस)

सम्मान/गौरव

डॉ. गुप्ता वी.पी.:

अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी द्वारा सर्वश्रेष्ठ लेक्रिमल पेपर पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ एफपी–1378 के लिए उप–परिसर के कॉस्मेटिक और कार्यात्मक परिणामों की तुलना। डीसीआर बनाम पारंपरिक ईएक्सटी। डीसीआर) फरवरी, 2017।

दिल्ली नेत्र विज्ञान सोसायटी द्वारा डॉ पी.के. जैन मेमोरियल ओरेशन 2017 सम्मान।

मनोनीत शासी परिषद सदस्य, डीएससीआई।

मनोनीत शासी परिषद सदस्य, आईएचबीएएस।

+++

आंख–नाक–गला चिकित्सा (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग को उन्नत बायोनिक कोचलियर इम्प्लांट्स और बोन एंकोर्ड हीयरिंग एड्स के लिए एक केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। विभाग दिल्ली में अधिकतम मिडिल ईयर प्रत्यारोपण कर रहा है। विभाग स्कल बेस, नोज़ और परानोज़ल साइनस के लिए साइलेंडोस्कोपी और नेविगेषन सिस्टम इन एन्डोस्कोपिक सर्जरी सुविधा भी प्रदान कर रहा है। विभाग प्रत्येक वर्ष ईयर सर्जरी में हालिया एडवांसेस पर उन्नत पाठ्यक्रमों का आयोजन करता है। हाल ही में मिडिल ईयर पुनर्निर्माण पर एक अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था, इसमें भाग लिया गया और प्रतिनिधियों ने इसकी सराहना भी की।

सम्मान/गौरव

डॉ. एन गुप्ता, सदस्य, गवर्निंग बॉडी, न्यूरो–इक्वीलिब्रिओमेट्रिक सोसायटी ऑफ इंडिया।

डॉ. पी. पी. सिंहः

इंडियन सोसायटी ऑफ फेसियल प्लास्टिक एण्ड रिकन्सट्रक्टिव सर्जरी के गवर्निंग बॉडी के सदस्य के रूप में चुने गए।

न्यूरो–ओटोलॉजिकल एण्ड इक्वीलिब्रिओमेट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष के रूप में कार्यकारी सदस्य।

कान, नाक, गला के एशियन जर्नल के संपादकीय सदस्य।

डॉ. एच.सी. तनेजा, न्यूरोइक्वीलिब्रिओमेट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के सचिव के रूप में चुने गए।

डॉ. लक्ष्मी वैद, इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलर्यंगोलॉजी एण्ड हेड एण्ड नेक सर्जरी के सदस्य ।

डॉ. लक्ष्मी वैद, एनईएस, भारत गवर्निंग बॉडी के सदस्य।

प्रकाशन

भाटिया, के., वैद, एल., तनेजा, एच.सी. (2016)। सीएसओएम रोगियों के जीवन की क्वालिटी में टाइप 1 टिम्पेनोप्लास्टी का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओटोलारिन्गोलॉजी हेड नेक सर्जरी,*68*(4), 468-474.

गुप्ता, एन., कौर, आर., राय, ए., वाधवा, एन, सिंह, पी.पी. (2016)। गाल और नाक डोरसम के न्यूरॉफिब्रोमाः एक केस रिपोर्ट और एक लघु समीक्षा। *International Journal of Otolaryngology*, *8*(2), 62-64.

हम्मेल, टी., विटक्रॉफ्ट, के.एल., एंड्रयूज़, पी., एल्टुडेंग, ए., सिंघी, सी., कोस्टेज़ो, आर.एम., डैम, एम., फ्रेसनिली, जे., गुड्ज़िओल, एच., गुप्ता, एन. (2017)। ओल्फैक्टोरी डिस्फंक्षन पर पोज़िसन पेपर। *Rhinology*, *54*(26),1-30.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ विपिन अरोड़ा, प्रोजेक्ट, साइटोकेरेटिन 181 ओर्गोएल स्क्वेमस सैल कार्सीनोमा का मूल्यांकन।

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुतियां

पी.पी. सिंह, न्यूरो–ओटोलॉजिकल एंड इक्विलिब्रिओमेट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के वार्षिक सम्मेलन में एकोस्टिक न्यूरोमा थेरेपी पर एक सिंपोसियम के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

विपिन अरोड़ा, आयोजन सचिव, थायराइड कैंसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 24 सितम्बर, 2016.

+++

बाल दंत–चिकित्सक व निवारक दंत–चिकित्सक (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियॉ और उपलब्धियॉ

विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई सेवाओं में दांतों की चिकित्सा पद्धतियों जैसे एंडोडॉन्टिक थेरेपी, अनियमित दांतों का ओर्थोडोंटिक सुधार एवं मुंह की शल्यचिकित्सा के अलावा दिन–प्रतिदिन की सेवाओं में दांत निष्कासन, इंट्रा–ओरल रेडियोग्राफी, स्केलिंग और ओरल प्रोफाइलेक्सिस जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। विभाग अंतःविषयी रोगी देखभाल करने के साथ अन्य विशिष्टताएं जैसे तत्काल प्रोफाइलेक्सिस और ऑन्कोलॉजी रोगियों के लिए उपचार, ऑब्स और गाइनी विभाग के मामलों में वेजाइनोप्लास्टी और ईएनटी विभाग के मरीजों के लिए अस्थायी ओब्टयूरेटर्स प्रदान करने में सहयोग कर रहा है। विभाग पेडॉडोन्टिक सेंटर जो कतार में है, विकसित करने का प्रयास कर रहा है। अनुसंधान में सर्वप्रथम, थैलेसेमिक मरीजों के लिए फेसियल विशेषताएं, पैपिलोन लेफ्वेर सिंड्रोम सहित रोगियों में दंत लक्षण, दंत चिकित्सा सर्जरी में प्रीम्पटिव दर्दनाशक दवाएं और बाल चिकित्सा दंत रोगियों में डे केयर निश्चेतना का एक कार्यशील मॉड्यूल तैयार किया गया है। कम्प्यूटरीकृत डिजिटल रेडियोग्राफी भी तैयार की गई है।

सम्मान/गौरव

प्रो. नमिता कालरा को यूनेस्को समर्थित दंत पाठ्यक्रम में बायोएथिक्स का एकीकरण कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रो. नमिता कालरा पेशे में योगदान आधारित नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज की सदस्य चुनी गईं।

प्रकाशन

गोधी, बी., त्यागी, आर. (2016)। प्राइमरी मोलर के वाइटल पल्प पर एमएटीए पल्पोटॉमी की सफलता की दर। *Int J Clin Pediatr Dent*, *9*(3), 222-27.

कालरा, एन., त्यागी, आर., खत्री, ए., पोसवाल, ए., पनवार, जी., गर्ग, के. (2016)। डबल लिपः एक असामान्य चेहरा विसंगति। दो मामलों की रिपोर्ट। *Int J Clin Pediatr Dent*.

खत्री, ए., कुमार, एस., कालरा, एन., त्यागी, आर. (2016)। एक जटिल क्राउन के फ्रग्मेंट रीअटैचमेंट – प्राइमरी मैक्ज़िलरी सेंट्रल इन्साइज़र में में रूट फ्रैक्चर एवं 1 वर्ष का फोलो–अप. *SRM J Res Dent Sci.*, *7*, 124-7.

गर्ग, के., कालरा, एन., त्यागी, आर., खत्री, ए., पंवार, जी. (2017)। युवा मधुमेह ग्रसित बच्चे में ओरोट्रेकियल स इंटूबेसन उपरांत एन इनसीडिअस एनलार्ज ट्रॉमेटिक पेलेटल पर्फोरेषन का प्रोस्थेटिक रिहेबिलियेषन।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

नमिता कालरा ने मानव रचना डेंटल कॉलेज, फरीदाबाद, हरियाणा में एक अतिथि व्याख्यान दिया।

नमिता कालरा ने 'बायोएथिक्स की कोर कमेटी की बैठक' लंदन में राष्ट्रीय दंत चिकित्सा अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पेडोडोंटिक्स और प्रिवेंटिव डेनटिस्ट्री में पोस्ट ग्रेजुएट कार्यक्रम पांच वर्ष से सफलतापूर्वक चल रहा है।

पीजी उत्तीर्ण करके भारत और विदेशों में कार्यरत हैं।

पब मेड इंडेक्स पत्रिकाओं में थीसिस प्रकाशित हैं।

प्लास्टिक सर्जरी विभाग के साथ नासो एल्वोलर मोल्डिंग और नेटाल और नवजात शिशु के दांत निकासी पर केस श्रृंखला और बाल चिकित्सा विभाग के साथ प्रबंधन जैसे प्रमुख मामलों में कार्य किया जा रहा है।

प्लास्टिक सर्जरी की सहायता पद्धति के रूप में नेज़ल स्टेंट की मदद से नाक की ट्रॉमेटिक इन्जरी रिपेयर शुरू की गई है।

संकाय संख्या – 04

+++

पैथोलॉजी (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

पैथोलॉजी विभाग दिल्ली की आबादी का एक तिहाई से भी अधिक और आसपास के राज्यों में सेवाएं प्रदान करता है। यह उत्कृष्ट नैदानिक, अनुसंधान और स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण सुविधाएं प्रदान करता है। विभाग हिस्टोपैथोलॉजिकल, साइटोलॉजिकल, हीमेटोलॉजिकल, नैदानिक रोग विज्ञान और आनुवांशिक नैदानिक सुविधाएं प्रदान करता है। एक वर्ष में 15,000 से अधिक बायोप्सी, 7000 कोशिका संबंधी नमूनों और 9,000 हिमैटोलॉजिकल नमूनों की सूचना दी गई है। विभाग द्वारा कई सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं जैसे नेफ्रोपैथोलॉजी, साइटोजेनेटिक, इम्यूनोलॉजी, कोयूग्यूलेशन स्टडीज, फ्रोजन सेक्शन आदि भी प्रदान की जाती हैं। क्लिनिकल पैथ लैब (केंद्रीकृत) लगभग 254,000 रक्त नमूनों, 65,000 मूत्र नमूनों, 9000 साइटोलॉजी नमूनों, 3000 वीर्य विश्लेषण और 200 एलिसा परीक्षणों का प्रबंधन करता है।

समान/गौरव

डॉ. श्यामा जैनः

जनवरी, 2016 केजीएमसी, लखनऊ में पीएचडी थीसिस के लिए बाह्य परीक्षक।

मार्च, 2016 मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में पूरक द्विती एमबीबीएस के लिए आंतरिक परीक्षक।

फरवरी, मार्च, अप्रैल, अगस्त 2016 में ईएसआई फरीदाबाद और द्वारका में संकाय पदों के लिए चयन समिति के बाह्यविशेषज्ञ।

मार्च 2016 एचआईएमएसआर दिल्ली में एमबीबीएस परीक्षा के लिए बाह्यपरीक्षक।

सितंबर 2016 बीएसएएच दिल्ली में संकाय पदों के लिए चयन समिति के बाह्यविशेषज्ञ।

सितंबर 2016 जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली में यूजीसी के अंतर्गत बी वोकेशनल और सामुदायिक कॉलेज कार्यक्रम में सलाहकार समिति के सदस्य।

यूपीएससी के पैनल सदस्य/विषय विशेषज्ञ और सलाहकार।

सितंबर 2016 एमएएमसी में एमडी थीसिस हेतु प्रोटोकॉल प्रस्तुति में समिति के सदस्य।

अक्टूबर 2016 सीएसआईआर दिल्ली में रिसर्च प्रोजेक्ट के प्रोटोकॉल प्रेजेंटेशन के लिए विषय विशेषज्ञ और समिति के सदस्य।

अक्टूबर, 2016 एलएनजेपी अस्पताल में वरिष्ठ रेसिडेंट्स के चयन हेतु साक्षात्कार के विषय विशेषज्ञ और समिति के सदस्य।

अक्टूबर, 2016 एमडी पैथोलॉजी परीक्षा (पूरक) के लिए आंतरिक परीक्षक।

एम्स, दिल्ली, लखनऊ (यूपी), पीजीआईएमआर और जीएमसी चंडीगढ़, उड़ीसा से पोस्ट ग्रेजुएट और पोस्ट डॉक्टरेट थीसिस के मूल्यांकन के लिए विषय विशेषज्ञ।

यूपी, उड़ीसा, गुजरात विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों के लिए अंडर–ग्रेजुएट/पोस्ट–ग्रेजुएट पैथोलॉजी परीक्षा के लिए पेपर सेटर।

दिसंबर, 2016, 2 एमबीबीएस पैथोलॉजी की वार्षिक प्रैक्टिकल और थ्योरी परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक एवं पेपर सेटर।

डॉ. नीता खुराना :

आर एंड आर आर्मी हॉस्पिटल, 2016 में आयोजित डीएनबी पैथोलॉजी परीक्षा के लिए बाह्यपरीक्षक।

सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ में एमडी पैथोलॉजी 2016 परीक्षा के लिए बाह्यपरीक्षक।

बीडीएस पैथोलॉजी 2016 वार्षिक और पूरक के लिए आंतरिक परीक्षक।

सुभारती मेडिकल कॉलेज, मेरठ में एमडी पैथोलॉजी पाठ्यक्रम के अध्ययन के लिए विशेषज्ञ।

डीएनबी पैथोलॉजी पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, पाठ्यक्रम समिति के संशोधन के लिए विशेषज्ञ।

एमडी पैथोलॉजी वार्षिक परीक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए आंतरिक परीक्षक।

डॉ. सारिका सिंह, दिसंबर, 2016 एमबीबीएस वार्षिक के लिए आंतरिक परीक्षक।

डॉ. रिचा गुप्ता, दिसंबर, 2016 एमबीबीएस वार्षिक के लिए आंतरिक परीक्षक।

डॉ. श्रमाना मंडल, दिसंबर, 2016 एमबीबीएस वार्षिक के लिए आंतरिक परीक्षार्थी

प्रकाशन

अरोड़ा, पी., सरदाना, के., मदन, ए., खुराना, एन. (2016)। एन ओल्ड वुमन विथ ए लम्प। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, *61*(6), 697-699.

बोहरा, एस., अग्रवाल, एस., खुराना, एन., पांडे, पी. एन. (2016)। प्राथमिक इन्ट्रासेस्सियस एटिपिकल इन्फलेमेटरी मेनिन्जियामा को एक लिटिक सकल लेज़न के रूप में पेश करना। साहित्य समीक्षा सहित केस रिपोर्ट। इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी,*59*(3), 386-8.

गुप्ता, ए., जैन, एस., खुराना, एन., कक्कड़, ए.के. (2016)। मेलिग्नेंट थायराइड ट्यूमर में पी63 और बीसीएल–2 की अभिव्यक्ति और अन्य डाइग्नोस्टिक इम्यूनोसाइटोकेमिकल मार्करों के साथ सहसंबंध। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च ऑफ डॉक्टर्स, *10*(7), EC04-8.

गुप्ता, ए., गुप्ता, पी., मनक्तला, यू., खुराना, एन. (2016)। पैराओवैरीय सिस्ट का क्लीनिकल, रेडियोलॉजिकल और हिस्टोपैथोलॉजिकल विश्लेषण। जर्नल ऑफ मिडःलाइफ हेल्थ, *7*(2), 78-82.

गुप्ता, ए., सिंह, एम., रानी, पी., खुराना, एन., अनुराग (2017)। थायरॉयड ग्रंथि का प्राथमिक सारकोमाक– तीन मामलों की श्रृंखला सहित थायराइड के स्पिंडल सेल घावों की संक्षिप्त समीक्षा। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च,*11*(2), ER01-ER04.

गुप्ता, ए., सिंह, एम., रानी, पी., जैन, एस., खुराना, एन., लतिका, एस. (2017)। ओवरी का मलिग्नेंट मिक्सड मुलेरियन ट्यूमर – स्क्रेप साइटोलॉजीः साहित्य समीक्षा सहित निष्कर्ष। जर्नल ऑफ सायटोलॉजी, *34*(2), 125-126.

गुप्ता, बी., यादव, एस., खुराना, एन., शर्मा, एम. (2016)। 10 वर्षीय बच्चे की योनि में ज्यूविनाइल ज़ेन्थोग्रेन्यूलोमा। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च ऑफ डॉक्टर्स,*10*(11), ED 21-22.

गुप्ता, डी., राठौड़, पी.के., चौहान, ए., खुराना, एन. (2016)। नाक के कोर्डोमा की असामान्य प्रस्तुति। इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलेरिनगोलॉजी– हेड नेक सर्जरी, *68*(3), 380-3.

जायसवाल, ए., माल्या, वी., सिंह, वी., वालिया, एम., खुराना, एन. (2017)। कई संक्रमणों के कारण हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस – दुर्लभ इकाई मामले की. इंडियन जर्नल ऑफ पैथॉलॉजी एंड माइक्रोबायलॉजी,*60*, 137-38.

खुराइजाम, बी., सोबती, पी., सैंग्पिलिंग, डी., खुराना, एन. (2016)। पिलोमैट्रिकोमा मामले में एक्ट्रेमीड्यूलरी हिमेटोपोइएसिस। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, *10*(6), ED17-8.

खान्गर, बी., माल्या, वी., खुराना, एन., सचदेवा, पी., कश्यप, एस. (2017)। कोइक्ज़िस्टिंग लेइयोमायोमाता पेरीटोनियल डिसइमिनाटा और ओवेरियन लेओमायोमा। जर्नल ऑफ मिड–लाइफ हेल्थ, *8*, 45-47.

माहेश्वरी, बी., रॉय, एम., अग्रवाल, एस., देवी, एस., सिंह, ए., खुराना, एन., गुप्ता, एस. (2016)। नाभीय गर्भनाल एल्सेरेशन : अंडरडायग्नोस्ड इकाई। ओब्सटेट गायनेको. साइंस, *59*(5), 388-92.

रानी, पी., राठी, आर., गुप्ता, एजे., मंडल, एस, खुराना, एन., त्रिपाठी, आर. (2016)। 15 महीने की विलंबता के साथ वेजाइनल कार्सिनोमा पोस्ट–केमोरेडिएशन के एक रोगी में थेरेपी से संबंधित तीव्र माइलॉइड ल्यूकेमियाः केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ ओबस्टेट्रिक गायनेकोल.,*6*, 1-2.

रानी, पी., सोबती, पी., जैन, गुप्ता., अरोड़ा, पी. सिंह, एम., जैन, एस., राठौर, ए. (2017)। ओवेरियन पेपिलरी सीरस एडेनोकार्सिनोमा में रहने वाले फिरलियल वर्म–एक जटिल मामला रिपोर्ट। पब्लिकेशन इन डायग्नोस्टिक सायटोपैथोलॉजी, *44*(11), 952-954.

शर्मा, एम., माल्या, वी., खुराना, एन., कुमार, पी., दुग्गल, आर. (2017)। लिम्फाटिकोवीनस मालफोर्मेसन– दो मामलों की रिपोर्ट। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, *11*, ED03-04.

शर्मा, एम., खान्गर, बी., माल्या, वी., खुराना, एम., गुप्ता, एस. (2017)। कोइग्ज़िस्टिंग ब्रेनर्स ट्यूमर और एंडोमेट्रियल कार्सीनोमा – मामले की रिपोर्ट। जर्नल ऑफ मिड–लाइफ हेल्थ, *8*, 80-91.

सिंह, एस., यादव, एस., खुराना, एन., सिंह, सी.बी. (2016)। एक युवा रोगी में गैस्ट्रिक गैंगरेन का एक दुर्लभ मामला। यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड मेडिकल रिसर्च, *3*(10), 325-326.

यादव, पी., मिर्जा, एम., नंदी, के., जैन, एस.के., काजा, आर. सी., खुराना, एन., राय, पी.सी., सक्सेना, ए. (2016)। स्तन कैंसर के रोगियों के लिए प्रोग्नोस्टिक और थेराप्यूटिक बायोमार्कर के रूप में सीरम माइक्रो आरएनए–21 अभिव्यक्ति। ट्यूमर बॉयलॉजी, *37*(11), 15275-15282.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. प्रेरणा अरोड़ा, प्रोजेक्ट, *हिर्स्चस्प्रुंग रोग में कैज़ल (आईसीसी) के मध्यवर्ती कोशिकाओं का संस्थागत प्रोजेक्ट वितरण। इम्युनोहिस्टोकैमिकल अध्ययन।*

डॉ. रीना तोमर, प्रोजेक्ट, *ट्रिपल निगेटिव स्तन कैंसर में कैंसर स्टेम सेल मार्करों सीडी44, सीडी133 और सीडी49एफ की भूमिका और हिस्टोलॉजिकल ग्रेड, प्रोलिफेरेषन इंडेक्स, एंजियोजेनेसिस और मेटास्टैसिस के साथ उनका सहयोग।*

डॉ. ऋचा गुप्ता, अरोड़ा पी, जैन एस, गुप्ता एन, प्रोजेक्ट, *इंडियन सीएलएल/एसएलएल मरीजों में सीडी38 और जैप70 का फैलाव और अन्य प्रोग्नोस्टिक कारकों के साथ इसके सहसंबंध।*

डॉ. सारिका सिंह, डॉ. श्यामा जैन, डॉ. प्रेरणा अरोड़ा, डॉ. ए विंदल, प्रोजेक्ट, तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र में मायसी, बीसीएल 2 और बीसीएल 6 की अभिव्यक्ति द्वारा डिफ्यूज बड़े बी सेल लिंफोमा का जीनोटाइपिक सबक्लासिफिकेशन

डॉ. शर्मा मंडल, प्रोजेक्ट, *पी 16 और गैलेक्टिन 1,3 और 9 की अभिव्यक्ति में डिस्प्लीजियस और बुक्कल म्यूकोसा का स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा।*

डॉ. शर्मा मंडल, प्रोजेक्ट आईसीएमआर एसटीएस द्वारा वित्त पोषित, *प्रोस्टेटिक एडेनोकैरिनोनोमा में ग्लैसन स्कोर सहित पीएसए स्तर का सहसंबंध।*

डॉ. वरुणा सिपैया, प्रोजेक्ट, *डिम्बग्रंथि के सीरस ट्यूमर में फैलोपियान ट्यूबों के मोर्फोलॉजिकल और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन।*

आयोजित सम्मेलन

पैथोलॉजी विभाग द्वारा अगस्त 2016 में इंडियन एकेडमी ऑफ पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी के दिल्ली क्षेत्र की तिमाही बैठक।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

रीना तोमर, 10–12 अगस्त, 2016 संयुक्त राज्य अमेरीका, लास वेगास में साइटोलॉजी और हिस्टोपैथोलोजी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मे मौखिक पेपर प्रस्तुति।

सारिका सिंह, साइटोकॉन 2016 में ओरल पेपर प्रस्तुति।

वरुण माल्या, साइटोकॉन 2016 में ओरल पेपर प्रस्तुति।

मीता सिंह, साइटोकॉन 2016 में पोस्टर प्रस्तुति।

सारिका, हेमटोकॉन, जयपुर में संकाय के रूप में लिम्फोमा वर्कशॉप में मामले प्रस्तुत किये।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

डॉ. रीना तोमर ने 19–21 जून, 2016 को एमएएमसी मे योग दिवस का आयोजन किया।

संकाय संख्या – 10

+++

पैथोलोजी (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियॉं तथा उपलब्धियॉं :

इस विभाग का हिस्टोपैथोलॉजी अनुभाग प्रतिवर्ष 84,000 से अधिक मामलों की जांच करता है। यहां हिस्टोकैमिकल तथा इम्यून– हिस्टोकैमिकल टेस्ट, टयूमर्स की फिनोटाइपिंग तथा अल्ट्रा–स्ट्रक्चरल स्टडीज सुविधाएं उपलब्ध हैं। शव–परीक्षण सेवाओं में अधिकांशतः नवजात का शव–परीक्षण किया जाता है। साइटोपैथोलॉजी अनुभाग 46,000 से अधिक नमूनों की जॉच करता है, जिनमें फाइन नीडल एस्पिरेशन गाइनेकोलोजिक तथा अन्य एक्स्फोंलिएटिन सामग्री शामिल है। अनुसंधान संबंधी गतिविधियों में कैंसर–स्पैसिफिक मार्कर्स, कुष्ठ रोग में हिस्टोपैथोलोजी तथा हिवैटोकार्सिनोजिनेसेस, डॉट्स चिकित्सा लेने वाले मरीजों में ट्यूबर्कुलस लिम्फ–नोड्स में मोर्फोलोजिक परिवर्तन तथा विल्म्स ट्यूमर की जेनेटिक प्रोफाइलिंग सम्मिलित है। अन्य अभिरुचि क्षेत्र ल्यूकीमिया तथा कोएगुलेशन डिसॉर्डर्स है। विभाग के पास विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), यूनिसेफ, आईजीएमआर तथा सीएसआई आर जैसी एजेंसियां द्वारा अनुदान प्राप्त कई परियोजनाएं हैं ।

सम्मान / गौरव

डॉ. अरोड़ा टी, डॉ. बंसल डी, डॉ. दिवाकर पी, डॉ. हल्दर ए, डॉ. जैन एम, डॉ. मिश्रा के, डॉ. वधवा एन, इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलोजिस्ट्स के 46 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इवेल्यूएशन ऑफ एचःटर्क जीन एक्सप्रेशन इन सर्वाइकल साइटोलोजी स्पोर्समेन्स ऐज़ मार्कर ऑफ हिस्टोलोजीकल ग्रेड ऑफ सर्वाइकल इन्फ्रा–एपेथीलियल नियोप्लैशिया' के लिए नलिनिबाई ठक्कर अवार्ड इन साइटोकोन, 2016, नागपुर, नवम्बर, 19–20, 2016.

डॉ. बंसल डी, डॉ. दिवाकर पी, डॉ. हल्दर ए, डॉ. वधवा एन, डॉ. मिश्रा के, एशिया ओशिएनिया रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन ऑन जेनोइटल इन्फेक्शन्स एण्ड नियोप्लैशिया के सातवें वार्षिक सम्मेलन में 'एच–टर्क जीन एक्सप्रेशन इन सर्वाइकल साइटोलोजी स्पेसिमेन्स ऐज ए पोटेन्शियल मार्कर ऑफ हाई ग्रेड सर्वाइकल इन्ट्राए पैथीलियल नियोप्लैशिया उत्कृष्ट मौखिक पत्र, भारत, अक्टूबर 14–16, 2016.

डॉ. देवी एल एन, डॉ. गोगोई पी, डॉ. कुमार सी, डॉ. सिंह यू आर, डॉ. तनवीर एन. श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल, बराथ विश्वविद्यालय, चैन्नै द्वारा सर्जिकल पैथोलोजी पैथसर्जः 2016 के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में (सार), पृ. 112 के पी ए–44.0, 22 – 24 अगस्त, 2016. जैन्थोग्रैन्यूलोमेटर उफोराइटिस प्रेजेन्टि एज ओवेरियन मासेज सर्वश्रेष्ठ पोस्टर श्रेणी में तृतीय पुरस्कार ।

डॉ. कोटरा एम, डॉ. पाथर ए, डॉ. सिक्का एम, केस सीरीज श्रेणी में तृतीय पुरस्कार, डॉ. बी एल कपूर मेमोरियल हॉस्पीटल द्वारा आयोजित दिल्ली सोसायटी ऑफ हीमैटोलोजी का 27 वां वार्षिक सम्मेलन, सीरम ट्रान्सफेरिन रिसेप्टर इन दि डायग्नोसिस ऑफ आईडीए इन चिल्ड्रेन, 25 सितम्बर, 2016.

ब्लंड बैंक सितम्बर 2016 ऐएनएबीएच से संबद्ध ।

प्रकाशन

बंसल, आर., यादव, ए., रायजादा, ए., शर्मा, एस., तथा गोयल, ए. (2016)- कैन मलेरिया ट्रिगर सिस्टमोटिक ल्यचूपस एरिथोमेटोसस ट्रॉपिकल डॉक्टर।

बर्मन, एस., दिवाकर, पी., बंसल, डी., वधवा, एन., तथा सिंह, जी (2016) एनीयूरिसमल बोन सिस्ऍन अनकॉमन सेकेन्डरी इवेन्ट इन कैल्केनियल कोन्ड्रोब्लास्टोमा जॅर्नल ऑफ क्लीनिकल एण्ड डायग्नोस्टिक रिसर्च। जे सी डी आर, 10 (16), ई डी 14.

हिमानी, बी., मीरा, एस., अभिमन्यु, एस., तथा उषा, आर. (2016) की –67 इम्यूनोस्टेनिंग एण्ड इट्स कोरिलेशन विद माइक्रोवेसल डेन्सिटी इन पेशेन्ट्स विद मल्टीपल मायलोमा, एशियन पेस. जे कैंसर प्रिव. 17, 2559–2564.

भट्ट, एस., वर्मा, पी., मीना, एन., टंडन, ए., तनवीर, एन. तथा बंसल, डी. ग्लोमस वैगल ट्यूमर, कैन इट बी डायग्नोस्ड लोनली ऑन सोनोग्राफी । जॅर्नल ऑफ अल्ट्रासाउन्ड, 20(1), 73-79.

विशेरवाल, के., सिंहल, ए., पान्धी, डी. तथा शर्मा, एस. (2016) इन्फेन्टाइल बुलौस पेम्फीगॉयड फॉलोइन्ग वैक्सीनेशन। इंडियन पीडिएट्रिक. 53(5), 425-6.

बिशेरवाल, के., सिंहल, ए., पान्धी, डी. तथा शर्मा, एस (2017) हिप्पोपिग्मेंटेड मायकोसेस फन्गॉएड्स : क्लीनिकल, हिस्टोलोजीकल एण्ड इम्यूनोहिस्टोकैमिकल रेमिशन इन्ड्यूस्ड बाई नैरोः बैन्ड अल्ट्राबॉयलेट बी. इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलोजी, 62(2) 203.

चहर, डी., श्रीनिवासन, आर., चावला, ए., वर्मन, एस., तनवीर, एन. तथा पंकज, ए. (2016) ट्यूबर्कुलोसिस : ऍन अनयूजअल एटिओलोजी ऑफ बेकर्स सिस्ट । जॅर्नल ऑफ आथ्रोस्कोपी एण्ड जॉएन्ट सर्जरी । 3(2), 78-82

धवन, ए.के., बिशेरवाल, के., गांधी, वी., कावतेकर, पी. तथा दिवाकर, पी. (2016). एक्वाजेनिक सिरीजिन्यल एक्रोकिरेटोडर्मा ! इंडियन डर्मेटोलोजी ऑनलाइन जर्नलः 7(4), 327

धवन, ए.के., बिशेरवाल, के., ग्रोवर, सी. तथा दिवाकर, पी. (2016). एन्यूलर एट्रोफिक प्लाक ओवर दी आर्म। इंडियन डर्मेटोलोजी ऑनलाइन जर्नल, 7(4), 340.

धवन, ए.के., बिशेरवाल, के., ग्रोवर, सी. तथा शर्मा, एस. (2016). ऍन एसिम्प्टोमैटिक इन्विनल स्वेलिंग : लिम्फैटिक फाइलेरिएसिस ।

दौलताबाद, डी., ग्रोवर, सी. तथा तनवीर, एन. (2017). नेवाएड हाइपर ट्रिकोसिस इन ए प्री. एडोलेसेन्ट गर्ल । इंडियन डर्मेटोलोजी ऑनलाइन जर्नल, 8(2), 143.

दौलताबाद, डी., ग्रोवर, सी. तथा तनवीर, एन. तथा बंसल, डी. (2016). ग्रैन्यूलर सैल ट्यूमर इन ए चाइल्डः एन अनकॉमन क्यूटेनियस प्रेजेन्टेशन । इंडियन डर्मेटोलोजी ऑनलाइन जॅर्नल 9(5), 390.

गोयल, ए., गौड़, एम.के., शर्मा, एस. तथा गर्ग, पी.के.(2017). स्किन लम्प्स एण्ड लेग हम्प्स रु एन अनयूजुअल प्रेजेन्टेशन ऑफ ए कॉमन विसरल मेल्गिनेन्सी । जॅर्नल ऑफ ग्रस्टेइन्टेस्टाइनल कैंसर, 1–3.

गोयल, ए., तनवीर, एन. तथा शर्मा, पी. (2017) व्हॉट्स एप फॉर टीचिंग पैथोलोजी पोस्टग्रेजुएट्स : ए पायलट स्टडी । जॅर्नल ऑफ पैथोलोजी इन्फोर्मेटिक्स, 8.

गोम्बर, एस., जैन, पी., शर्मा, एस. तथा नारंग, एम. (2016). कॅम्पैरेटिव एफीकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ ओरल आयरन किलेटर्स एण्ड देअर नोवेल कॉम्बिनेशन इन चिल्ड्रेन विद थैलासीमिया । इंडियन पीडिएट्रि.., 53(3), 207-10.

कोटरु एम. मुंजाल, एस. एस., मुटरेजा, डी., कुमार, जी., सिंह, एम., सेठ, टी., पति, एच. पी.। पति, एच.पी.। सेवेरिन्टी ऑफ अनीमिया एण्ड हीमोस्टैटिक पैरामीटर्स आर स्ट्रान्टग प्रिडिक्टर्स ऑफ आउटकम इन पोस्ट ऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल पेशेन्ट्स। एशियन जे. न्यूरो सर्ज. इन प्रेस.

कोटरु, एम. मुंजाल, एस. एस., मुटरेजा, डी., पुरोहित, ए., त्यागी, एस. महापात्रा, एम., सक्सेना, आर. तथा पति, एच. पी. (2016) माइल्ड ब्लीडर्सः डायग्नोसिस इन एलूसिव इन लार्ज नंबर ऑफ पेशेन्ट्स । मोडिटिरेनियन जर्नल ऑफ हीमैटोलोजी एण्ड इन्फेक्शियस डिसीजेज, 8(1).

कुमार ए., अग्रवाल के., अग्रवाल, एच., शर्मा, एस., गर्ग पी.के. (2016). यूनिसेन्ट्रिक कैसल मैनडिसीजः ऍन अनयूजअल कॉज ऑफ ऍन आइसोलेटेड नेक मास। मलेशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइन्सेज, 23(4), 86-9.

कुमार एच., तनवीर एन., गुप्ता, एन. तथा मिश्रा के. (2016). लार्ज सैल कैल्सिफाइंग सेरटोली सैल ट्यूमर ऑफ टेस्टिस –ए रेयर केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एण्ड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 10(11) ई डी 03.

नारंग एन. कोटरु एम., राव के., सिक्का एम., (2016). मिगैलोब्लास्टिक एनीमिया विद रिंग साईडरोब्लासट्स। नॉट आलवेज एमडीएस। टर्किश जर्नल ऑफ हीमैटोलोजी, डीओआई 10.4274/tjh.0090 प्रकाशन से पूर्व ई प्रकाशन।

परिहार ए. तथा एस. (2016). बाईलेटरल जैन्थोग्रैन्युलो मैटस ऑर्किपिडिमाइटिस इन ए डायबोटिक पेशेन्ट। जॅर्नल ऑफ क्लीनीकल एण्ड डायग्नोसिटक रिसर्च, जे सयी डी आर., 10(7) ई एल 01.

पटनायक, एन., दिवाकर पी., सिंह बी., अरोड़ा, वी.के. (2016). साईटोमोर्फोलोजीकल फीचर्स ऑफ ऑन्कोसाइटिक वैरिएन्ट ऑफ पैपिलरी थायरायड कार्सिनोमा विद लिम्फोसाइटिक थायरायडाइटिसः ए केस रिपोर्ट। एशियन जे. ऑन्कोल, 2,85–7.

पुरी. वी., बर्मन एस., शर्मा, एस., सिक्का, एम. (2016). कॉन्जेनाइटल एक्यूट मायलॉयड ल्यूकीमिया विद सूडो चेडिऍक हिगाशी लाईक ग्रैन्यूल्स : ए केस रिपोर्ट । जर्नल ऑफ क्लीनिकल एण्ड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 10, 19–20.

पुरी, वी., गांधी, ए. तथा शर्मा, एस. (2017). रेनल बायोप्सी इन पैरोक्सीमल नॉक्चर्नल हीमोग्लोबीन्यूरिया : ऍन इनसाइट इन्टू दी स्पेक्ट्रम ऑफ मॉर्फोलोजिक चेन्जेज। रेडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलोजी, 27(4), 284.

राठौड़, आर., अरोड़ा, डी., अग्रवाल, एस., शर्मा, एस.। कोरिलेशन ऑफ एफ ओ एक्स एल 2 विद इनहिबिन एण्ड कोलरेटिनिन इन दी डायग्नोसिस ऑफ ओवेरियन सेक्स कार्ड स्ट्रोमल ट्यूमर्स। टर्किश जर्नल ऑफ पैथोलोजी, 33(2), 121-128.

राठौड़, आर., शर्मा, एस. तथा अरोड़ा, डी. (2016) । स्पैक्ट्रम ऑफ चाइल्डहुड एण्ड एडोलेसेन्ट ओवेरियन ट्यूमर्स इन इंडिया : 25 इयर्स एक्सपीरिएन्स एट ए सिंगल इन्स्टीट्यूशन। ओपन एक्सेस मेसीडोनियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइन्सेज, 4(4), 551.

रावत, ए. दिवाकर, पी., गोगोई, पी., सिंह, बी. (2016)। प्रिवैलेन्स एण्ड चेंजिग ट्रैन्ड्स ऑफ ट्रान्सफ्यूजन ट्रान्समिटेड इन्फेक्शन्स एमन्ग ब्लड डोनर्स इन ए रीजिनल ब्लड ट्रान्सफ्यूजन सेंटर। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च।

सहगल, वी. एन., अग्रवाल, ए., सैयद, एन. एच., रसूल, एफ., वर्मा, पी., तथा शर्मा, एस. (2016). पाल्मोप्लान्टर किरैटोडर्मा एज ए वैरिएन्ट ऑफ लिचेन प्लेनस । स्किन्म्ड, 14(1), 56-60.

शर्मा, ए., गोगोई, पी., कुमार, एस. (2016) । प्राइमरी हाइडेटेड सिस्ट ऑफ स्प्लीन : ए केस रिपोर्ट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइन्टिफिक रिसर्च, 5(6).

शर्मा ए., सिक्का एम., भनकर एच, गोम्बर एस., शर्मा एस., हीमैटोलोजिक पैरामीटर्स एण्ड स्क्रीनिंग टेस्ट्स ऑफ हीमोस्टेसिस इन चिल्ड्रन विद सेन्सिस : रिजल्ट्स फ्रॉम ऍन इंडियन टर्टिएरी केयर सेंटर। मलोशियन जॅर्नल ऑफ पैथोलोजी ।

शर्मा ए., सिक्का एम., भनकर एच, गोम्बर एस., शर्मा एस.। मार्कर्स ऑफ फाइब्रिनोलिसिस इन चिल्ड्रेन विद सेप्सिस। इरानियन जर्नल ऑफ पैथोलोजी ।

शर्मा ए., सिंह यू. आर. तथा सिहाग पी. शर्मा ए., (2016) । फ्रन्टल बोन हिमैन्जियोमा इन ऍन 8–इयर–ओल्ड फीमेल : ए कॉमन ट्यूमर इन ए रेयर लोकेशन । जॅर्नल ऑफ न्यूरोसाइन्सेज इन रुरल प्रैक्टीस, 7(1) एस 21.

सिक्का एम., रावत ए., रसिया, यू., गुलेरिया, के. (2016) । एन्टी फास्फोलिपिड एन्टी बॉडीज इन इंडियन विमेन विद स्पॉन्टेनियस, रेकरेन्ट फीटल लॉस । इंडियन जर्नल ऑफ हलमैटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रान्सफ्यूजन । 32(1) एस 294–2 एस 250.

सिंह के., शर्मा, एस., सिंह, यू. आर., भट्टाचार्य, एस. एन. (2016). ए कॅम्पैरिजन ऑफ वर्टीकल एण्ड ट्रान्सवर्स सेक्शन्स इन दि हिस्टोलोजिकल डायग्नोसिस ऑफ एलोपीशिया एरिआटा स्काल्प बायोप्सी स्पेसीमिन्स । इंट. जे. ट्राइको., 8(3), 111-5.

सोनी के. कोटरु., दीवान पी., मीक पी. (2016)। प्रस्तुतीकरण इंटरनेशनल जॅर्नल ऑफ लैबोरेटरी हीमैटोलॉजी, डी ओर आईऋ 10.1111/ijLh.12613.

श्रीवास्तव आर., वधवा एन., राजदान, यू., गुप्ता, एस. (2016) । नैजल पोलीव ऍन इन्सीडेन्टल पैरागैन्गिलयोमा। टर्क पैटोलोजी डेर्ग. 32, 196–9.

तनवीर एन., गुप्ता बी., पाथरे ए., राजाराम एस., गोयल, एन. (2017). ए रेयर कोलिजन ट्यूमर ऑफ यूटेरस स्क्वैमस सैल कार्सिनोमा एण्ड एन्डोमैटीरियल स्ट्रामल सारकोमा। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एण्ड डायग्नोस्टिक रिसर्च, ईडी 20–22 पी एम आई डीः 28384878.

तनवीर एन. (2017). सोशल मीडिया, दि न्यू फरन्टीयर फॉर पैथोलोजिस्ट्स। इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलोजी एण्ड माइक्रोबायोलोजी, 60–143–4, पी एम आई डी : 28195121.

तनवीर एन., सोनी के. (2016). बोन मैरो ट्यूबरकुलोसिस : ए डायग्नोसिस नॉट इ बी मिस्ड। जर्नल ऑफ एप्लाईड हिमैटोलोजी, 7, 81–2.

वधवा एन. गुप्ता एम., अग्रवाल, एस. तथा मिश्रा के. (2016)। क्लीनिकोपैथोलोजिक कोरिलेट्स ऑफ हेलिकोबैक्टर पाइलोरी इन गैस्ट्रिक म्यूकोसा। एप्ल. इम्यूनोहिस्टोकैम. मोल. मोर्फ. प्रकाशन से पूर्व ई. प्रकाशित।

गोयल आर., कोटरु एम., शर्मा, एस. (2016). डिफेक्ट्स इन सिमेन एनालीसिस विद नॉर्मल एण्ड एब्नॉर्मल स्पर्म काइन्ट्स । इंड. जे पैथोल. स्पैक्ट्रम ऑफ क्वालिटेटिव माइक्रोबायोल. (सप्ल.)

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. प्रियंका गोगोई, एसटीएस परियोजना द्वारा अनुदान प्राप्त परियोजना– (आई.जी.एम.आर..) संदर्भ कूट–2016–06453, अप्रैल 2016, इवैल्यूएशन ऑफ आयरन स्टोर्स इन रेगुलर रिपीट वॉलन्टरी डोनर्स इन नार्थ इंडिया । रू. 10,000/-

डॉ. सोनल शर्मा, वि. अनु. आयोग द्वारा अनुदान प्राप्त परियोजना, अप्रैल 2016, टू स्टडी दि रोल ऑफ टाईप I रेग्युलेटरी टी सैल्स इन स्किन इन पेशेन्ट्स विद पेम्फिगस वल्गेरिस ड्यूरिंग एक्यूट डिसीज एण्ड रिमिशन । रू. 14,20,000/-

डॉ. नीलम वधवा, डीएसटी बजट द्वारा अनुदान प्राप्त परियोजना (पूर्ण) संदर्भ कैरेक्टराइजेशन ऑफ डिस्फन्क्शनल एन्जियोजेनेसिस इन प्री–एक्लेम्सिया–क्वान्टिफिकेशन एण्ड लोकलाईजेशन ऑफ क्रिटिकल रेग्युलेटिंग प्रोटीन्स । रू. 39,30,000/-

आयोजित सम्मेलन :

दिल्ली सोसायटी ऑफ हीमैटोलोजी का तिमाही मिलन, 10 दिसम्बर, 2016 दिल्ली सोसायटी ऑफ हीमैटोलोजी का 27वां वार्षिक सम्मेलन इंडियन सोसायटी ऑफ हीमैटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रान्सफ्यूजन का 57वां राष्ट्रीय सम्मेलन, जयपुर, नवम्बर, 2016.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान पुस्तक लेखकों की कार्यशाला पी.जी .आई. एम.ई.आर., डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय, नई दिल्ली में इंडिया एकैडमी ऑफ सिस्टोलोजिस्ट्स के दिल्ली चैप्टर का 5 वां वार्षिक सम्मेलन।

बी.एल.के सुपर स्पेशियेलिटी हॉस्पीटल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित चेजिंग पैराडाइम्स इन हीमैटोलोजी प्रैक्टिस विषय पर दिल्ली सोसायटी ऑफ हीमैटोलोजी का 27 वां वार्षिक सम्मेलन ।

सेमिनार/संगोष्ठी में प्रस्तुतियॉ

भारद्वाज एन., शर्मा एस., मधु एस. वी., सिक्का, एम., एन्डोथीलियल नाइट्रिक ऑक्साइड सिन्थेस जीन पॉलीमॉर्फिस्म इन डायबेटिक पेशेन्ट्स विद एण्ड विदआउट नेफ्रोपैथी, अमेरीकन सोसायटी ऑफ नेफ्रोपैथोलोजी के वार्षिक सम्मेलन में, शिकागो, यू.एस.ए., नवम्बर, 2016.

मीरा सिक्का, नेशनल इन्स्टीट्यूट फॉर कैन्सर प्रिवेन्शन एण्ड रिसर्च (एनआईजीपीआर), नोएडा द्वारा आयोजित कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ दी फैकल्टी/रिसर्चर्स इन दी मेडिकल कॉलेजेज/रिसर्च इन्स्टीट्यूशन्स विषय पर क्षेत्रीय कार्यशाला तथा एन ए बी एलऋ एशेन्शियल फॉर एक्सेलेन्स विषय पर सेमिनार, नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एण्ड कैलिब्रेशन । इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 11 मार्च, 2016.

मृणालिनी कोटरू :

डिपार्टमेन्ट ऑफ हैल्थ रिसर्च, आई सी एम आर द्वारा नेशनल इन्स्टीट्यूट फॉर कैंसर प्रिवेन्शन एण्ड रिसर्च एन (एनआईजीपीआर), नोएडा में कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ दि फैकल्टी/रिसर्चर्स इन दि मैडिकल कॉलेजेज/रिसर्च इन्स्टीट्यूटशन्स विषय पर क्षेत्रीय कार्यशाला ।

पीजीआईएमईआर, डॉ. राममनोहर लोहिया 6 चिकित्सालय, नई दिल्ली में इंडियन एकेडमी ऑफ सिस्टोलोजिस्ट्स के दिल्ली चैप्टर का 5 वां वार्षिक सम्मेलन ।

प्रैक्टीसीट पी डी हिंदुजा 6 चिकित्सालय तथा मेडिकल रिसर्च सेंटर, मुंबई में सीएमई (आईएपीआईडी), इमेज–गाइडेड इंटरप्रेटेशन लेसन्स लर्न्ड विषय पर 19 वां वार्षिक सम्मेलन।

मल्टीपर्पज हॉल, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइन्सेज तथा नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फार टेस्टिंग एण्ड कोलाब्रेशन लैबोरेटरीज द्वारा आयोजित एन ए बी एल एसेन्शियल फॉर एक्सेलेन्स विषय पर सेमिनार।

प्रीति दिवाकर :

आईएसओ 51189:2012 के अनुरूप पश्चिम विहार, नई दिल्ली में क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम्स एण्ड इंटरनेशनल ऑडिट इन मैडिकल लैबोरेटरीज विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

ले मेरिडियन होटल, गुड़गांव में एशियन एसोसिएशन ऑफ ट्रान्सफ्यूजन मेडिसिन द्वारा आयोजित प्रिवेन्शन ऑफ टी टी आई. फ्यूचर डायरेक्शन विषय पर सेमिनार।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलोस्टि्स एण्ड माइक्रोबायोलोजिस्टस का 65 वां वार्षिक सम्मेलन, ए पी सी ओ एन 2016, बी.एम.बिरला ऑडिटोरियम, जयपुर।

जीटीबी चिकित्सालय तथा यूसीएमएस, दिल्ली में एनएबीएच ब्लड बैंक विषय पर कार्यशाला ।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलोजिस्ट्स एण्ड माइक्रोबायोलोजिस्ट्स का 32 वां वार्षिक सम्मेलन, डीएपीसीओ एन 2017, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेजन, नई दिल्ली, 26 मार्च, 2017.

प्रियंका गोगोई, प्रशिक्षण निदेशालय, यूनियन टेरिटेरीज सिविल सर्विसेज, रा.रा.क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा 'सेन्सिटाइजेशन फॉर प्रिवेन्शन ऑफ सेक्सुअल हरासमेन्ट ऍट वर्कप्लेस' विषय पर प्रशिक्षण ।

सतेन्द्र शर्मा :

आईएसएचटीएम का वार्षिक सम्मेलन, हिमैटोकॉन 2016, जयपुर, 11–13 नवम्बर, 2016.

इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलोजिस्ट्स के दिल्ली चैप्टर का 5 वां वार्षिक सम्मेलन, पी.जी.एम.ई.आर, डॉ. आर. एम. एल. चिकित्सालय, नई दिल्ली।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलोजिस्ट्स एण्ड माइक्रोबायोलोजिस्ट्स का 65 वां वार्षिक सम्मेलन, जयपुर राजस्थान।

इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ पैथोलोजी– इंडियन डिवीजन। वार्षिक सम्मेलन 2016, जयपुर, राजस्थान, 2–4 दिसम्बर, 2016.

एशियन डर्मेटोलोजीकल कांग्रेस 2016, मुंबई, भारत।

तीसरा अंतरराष्ट्रीय रीनल पैथोलोजी कॉन्फ्रेन्स, अ.भा.आयु.संस्थान, दिल्ली।

सीएमईइन डर्मेटोलोजी, इंडियन हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली

आहुजा एस, शर्मा ए, दिवाकर पी, वधवा एन, अरोड़ा वी के. ऐसिनिक सैल कार्सिनोमा विद लिम्फायड स्ट्रोमाः रिपोर्ट ऑफ ए केस विद साइटोलोजिक डायग्नोसिस ऑन एफ एन ए सी, एल एच एम सी, दिल्ली द्वारा 26 मार्च, 2017 को संचालित डीएपीसीओएन 2017 की कार्यवाही व पत्रिका । पोस्टर कोड पी पी – 101.

अरोड़ा टी, वधवा एन, अग्रवाल डी, दिवाकर पी, अरोड़ा वी के. मायोपेरिसायटोमा–ऍन अनयूजुअल पेरिसाइटिक ट्यूमर एल एच एम सी, दिल्ली द्वारा 26 मार्च, 2017 को संचालित डी ए पी सी ओ एन 2017 की कार्यवाही व पत्रिका।

अरोड़ा टी, वधवा एन, पांधी डी, अरोडत्रा वी के, दिवाकर पी, जैन एम, हल्दर ए., स्पेक्ट्रम ऑफ ऐनल साइटोलोजी एण्ड जीन एक्सप्रेशन स्टेटस ऑफ टेलोमिरेस एन्जाइम (एचटीईआरटी), इन केस ऑफ ऐनल स्क्वैमस डिस्पलैशिया। पैथोलोजी में अंतर्राष्ट्रीय सीएमई (हिस्टोपैथोलोजी एण्ड साइटोपैथोलोजी), गोवा 2–4 फरवरी, 2017।

बंसल डी., अरोड़ा टी, दिवाकर पी, वधवा एम, मिश्रा के, राजाराम एस, जैन एम, हल्दर ए, इवैल्यूएशन ऑफ एच टर्क जीन एक्सप्रेशन इन सर्वाइकल साइटोलोजी स्पेसीमेन्स एज ए मार्कर ऑफ हिस्टोलोजिक ग्रेड ऑफ सर्वाइकल इन्ट्राएपीथीलियल नियोप्लैशिया। साइटोकॉन 2016, नागपुर, 19–20 नवम्बर, 2016.

बंसल डी, दिवाकर पी, वधवा एन, मिश्रा के, राजाराम एस, हल्दर ए, इवेल्यूएशन ऑफ एच–टर्क जीन एक्सप्रेशन इन सर्वाइकल साइटोलोजी स्पेसीमेन्स ऍज ए मार्कर ऑफ हिस्ट्रोलॉजीकल ग्रेड ऑफ सर्वाइकल इन्ट्राएपीथीलियल नियोप्लैशिया, इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलोजिस्ट्स का दिल्ली चैप्टर, सितम्बर, 2016.

बंसल डी. यू आर., शर्मा एस, तनवीर एन, एक्सप्रेशन ऑफ बाई बी–1 इन ब्रेस्ट कार्सिनोमा एण्ड इट्स कोरिलेशन विद प्रोग्नोस्टिक एण्ड प्रिडिक्टिव मार्कर्स – ए मैनुअल टिश्यू माइक्रोऐरे स्टडी (सार), इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलोजिक एण्ड माइक्रोबायोलोजिस्टि्स के 32वां वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही, स्वर्ण जयंती हॉल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली, 26 मार्च, 2017 पत्र. 14 पीपी–12.

चौरसिया जेड., शर्मा एस, भारद्वाज एन, एपीथेलॉएड हीमैन्गलोएन्डोथैलियोमा प्रेजेन्टिंग एज इलियो–कोलिक इन्टसससेप्शन्स : ए केस रिपोर्ट, एपकोन दिल्ली चैप्टर 32 वां वार्षिक सम्मेलन, 2017, 26 मार्च, 2017.

चौरसिया जेड., शर्मा एस, शर्मा पी, गर्ग पी के, सूडोग्लैनड्युलर श्वान्नोमा : ए केस रिपोर्ट। ऍपकोन– दिल्ली चैप्टर का 32 वां वार्षिक सम्मेलन, 2017, 26 मार्च, 2017. रिपोर्ट

छाबड़ा एस., दिवाकर पी, गोगोई पी, बंसल डी, शर्मा एस, एप्लासिटक एनीमिया एसोसिएटेड विद मल्टीड्रग थिरेपी फॉर लैप्रोसी। दिल्ली सोसायटी ऑफ हीमैटोलोजी का 27 वों वार्षिक सम्मेलन, बी एल के सुपर स्पेशियेलिटी 6 चिकित्सालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित चैंजिंग पैराडाइम इन हिमैटोलोजी प्रैक्टिस, 201.

डाबर एस, गोगोई पी, दिवाकर पी, अग्रवाल पी तथा सिंह बी, प्रीवैलेन्स ऑफ वीक डी अमन्ग एन्टीनेशनल केसेजः इम्प्लीकेशन्स एण्ड फ्यूचर स्टैटजीः ए हॉस्पीटल बेस्ट स्टडी । इंडियन सोसायटी ऑफ टीमैटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रान्सफ्यूजन, 2016, जयपुर। पोस्टर कोड टी एम 21 तथा इंडियन जर्नल ऑफ हीमैटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रान्सफ्यूजन में सार प्रकाशित, 32 (2) : एस 490.

दिवाकर पी., वधवा एन, अरोड़ा वी के., रश्चिम, ई आर एल्फा एण्ड इट्स की इंटरेक्टिंग मॉलीक्यूलस आर डिरेन्ज्ड इन इन्फ्लेम्ड एन्डोमीट्रियमः एल एच एम सी, दिल्ली द्वारा 26 मार्च, 2017 को संचालित डैप्कोन 2017 की कार्यवाही व पत्रिका में प्रकाशित। पोस्टर कोड पी पी–32.

दिवाकर पी., वधवा एन, गोगोई पीत्र. अरोड़ा वी के, सिंह एन अनयूजुअल प्रेजेन्टेशन ऑफ लैप्रोमैटस लेप्रोसी विद ल्यूसिओ फिनोमिनाः ए केस रिपोर्ट । एप्कॉन 2016, आई ए पी एम का 65वां वार्षिक सम्मेलन, 1–4 दिसम्बर, जयपुर । पोस्टर कोड–पी पी 108.

दीक्षित एस, चोपड़ा. एन, तनवीर एन., एल्विओलर सॉफ्ट पार्ट सारकोमा विद अटिपिकल प्रेजेन्टेशन–ए केस रिपोर्ट। इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलोजिस्ट्स एण्ड माइक्रोबायोलोजिस्ट्स के दिल्ली चैप्टर का 32वां वार्षिक सम्मेलन, 2017, स्वर्ण जयंती हॉल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली, 26 मार्च, 2017, पी–108, पी पी–104.

गोयल ए, पाठक पी, शर्मा पी, शर्मा एस, रोल ऑफ एफ एन ए सी इन डायग्नोसिंग लेशियन्स इनहैन्ड एण्ड रिस्ट । 32 वां वार्षिक सम्मेलन, एप्कॉन–दिल्ली चैप्टर, 2017, 26 मार्च, 2017.

जैन पी, वधवा एन, दिवाकर पी, अरोड़ा वी के, एल्टर्ड प्रोटीन एक्सप्रेशन इन गैस्ट्रिक एडिनोकार्सिनोमा। ऍप्कॉन 2016, आई ए पी एम का 65 वां वार्षिक सम्मेलन, 1–4 दिसम्बर, 2016, पोस्टर कोड – पी पी 162.

जैन पी, वधवा एन, दिवाकर पी, अरोड़ा, वी के, इवैल्यूएशन फॉर हर 2 निड इम्यूनोएक्स्प्रेशन इन गैस्ट्रिक एडिनोकार्सिनोमा, एल एच एम सी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही व स्मारिका में प्रकाशित, 26 मार्च, 2017, पोस्टर कोड पी पी – 28.

कुमार सी, देवी एल एन, गोगोई पी, तनवीर एन, सिंह यू आर, जैन्थोग्रैन्युलोमैटस उफोराइटिस प्रसेन्टिंग एज ओवैरीयन मासेज रिपोर्ट ऑफ थ्री केसेज। श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज तथा हॉस्पीटल, बराथ विश्वविद्यलय, चैन्नै द्वारा आयोजित सर्जिकल पैथोलोजी पैथसंर्ज 2016 के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में (सार), 22–24 अगस्त, 2016, पृ. 112, पी ए–44.

कुमारी ए, दिवाकर पी, गोगोई पी, वधवा एन, अरोड़ा वी के, गर्ग, पी के, प्राइमरी एक्स्ट्रान्यूरल एपेडिमोमा ऑफ दि बोर्ड लिगामेन्टः ए रेयर एन्टिटीः एल एच एम सी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही व स्मारिका में, 26 मार्च, 2017. पोस्टर कोड पी पी–103.

मारू पी, निहारिका एन, दिवाकर पी, गोगोई पी, वधवा एन, अरोड़ा वी के, प्राइमरी रीनल एक्सपरगिलेसिस इन ऍन इम्यूनोकम्पोनेन्ट पेशेन्ट ए केस रिपोर्ट, एल एच एम सी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही व स्मारिका में प्रकाशित, 26 मार्च, 2017. पोस्टकर कोड पी पी 114.

मोरे एस, शर्मा एस, हिस्टोलोजीकल एण्ड डायरेक्ट इम्यूनोफ्लोरेन्स कोरिलेशन इन क्यूटेनियस वैस्क्यूलाइटिसः 32 वीं वार्षिक सम्मेलन ऍप्कॉन– दिल्ली चैप्टर 2017, 26 मार्च, 2017.

मुरी डब्ल्यू टी, दिवाकर पी, गोगोई पी, सिंह बी, ऍनालीसिस ऑफ डेफरल पैटर्न इन ए रीजिनल ब्लड ट्रान्सफ्यूजन सेंटर इन दिल्ली, इंडियन सोसायटी ऑफ हीमैटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रान्सफ्यूजन का 57वां राष्ट्रीय सम्मेलन, 2016 जयपुर । पोस्टर कोड टी एम 12 तथा जॅर्नल ऑफ हीमैटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रान्सफ्यूजन में सार प्रकाशित, 32(2),एस 487.

मुरी डब्ल्यू टी, गोगोई पी, दिवाकर पी, सिक्का एम, हेरोडिटरी एलिप्टोसाइटिस–ए, केस रिपोर्ट, दिल्ली सोसायटी ऑफ हीमैटोलोजी, बी एल के सुपर स्पेश्येलटी हॉस्पीटल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित चैजिंग पैराडाइम्स इन हीमैटोलोजी प्रैक्टिस विषय पर 27वां वार्षिक सम्मेलन, 2016.

पासवान वी, शर्मा एस, सिंह यू आर, भट्टाचार्य एस एन, डाइरेक्ट इम्यूनोफ्लोरेन्स ऑफ आउटर रूट शीद इन ऍन्जन हेयर इन पेम्फिगस, कैन इट रिप्लेस बायोपसी ? ऍप्कॉन–दिल्ली चैप्टर 2017, 26 मार्च, 2017.

रंजन के, देवी एन जी एल, दिवाकर पी, वधवा एन, अरोड़ा वी के., 'प्राइमरी लियोमायोसारकोमा ऑफ दि ऑरविट. ए रेयर केस रिपोर्ट, एल एच एम पी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही और स्मारिका में प्रकाशित, 26 मार्च, 2017, पोस्टर कोड पी.पी– 112.

सैनी, के. यादव ए, अरोड़ा टी, वधवा एन, दिवाकर पी, अरोड़ा वी के, ब्लू ब्लैक कलर्ड क्यूटोनियस मीटसटेसेस आर पैथोग्नोमिक ऑफ मैलिग्नैंट मिलैनोमा, एल एच एम सी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही व स्मारिका में प्रकाशित, 26 मार्च, 2017, पोस्टर कोड पी पी–115.

शर्मा पी, शर्मा एस, साइटोमोरफोलोजिकल स्पैक्ट्रम ऑफ स्कैल्प लेजियन्स इन दि पॉपुलेशन ऑफ डिवेलपिंग स्कैल्प लेजियन्स इन दि पॉपुलेशन ऑफ ए डिवेलपिंग कन्ट्री– ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी, ऍप्कॉन– दिल्ली चैप्टर का 32 वां वार्षिक सम्मेलन 2017, 26 मार्च, 2017.

शर्मा एस. गिरोत्रा वी, 'साइटोलोजीकल स्पेक्ट्रम ऑफ स्कैल्प लेजियन्स इन दि पॉपुलेशन ऑफ ए डिवेलपिंग कन्ट्री– ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी, ऍप्कॉन– दिल्ली चैप्टर का 32 वां वार्षिक सम्मेलन 2017, 26 मार्च, 2017.

शर्मा एस, गोगोई पी, दिवाकर पी, शर्मा ए, कोटरू एम, सिक्का एम, पाठक आर, कॅन्जेनाईटल मिथेमोग्लोबिनेमिया, ए रेयर ऍन्टिटी । इंडियन सोसायटी ऑफ हीमैटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रान्सफ्यूजन का 57वां वार्षिक सम्मेलन, 2016, जयपुर । पोस्टर कोड वी एच एल 33 तथा इंडियन जॅर्नल ऑफ हीमैटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रान्सफ्यूजन में सार प्रकाशित, 32(2),एस 402.

शास्त्री एम. सिंह ए, दिवाकर पी, गोगोई पी, वधवा एन, अरोड़ा वी के, 'प्राइमरी मैलिग्नैन्ट मिक्स्ड मलेरियन ट्यूमर ऑफ सरविक्सः ए रेयर एन्टिटी, एल एच एम सी दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही तथा स्मारिका में प्रकाशित दिल्ली, 26 मार्च, 2017, पोस्टर कोड पी पी– 113.

सिंह ए, भारद्वाज एन, दिवाकर पी, गोगोई पी, वधवा एन, अरोड़ा वी के, लिम्फ नोड मिटासेसिस इज ए रेयर इवेन्ट इन गैस्ट्रो इन्टेस्टाइनल स्ट्रॉमल ट्यूमर, एल एच एम पी द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही तथा स्मारिका में प्रकाशित, 26 मार्च, 2017, दिल्ली पोस्टर कोड पी पी –111.

सिन्हा पी, तनवीर एन, बंसल टी, अरोड़ा वी के, 'फाइटोस्टिोलोजीकल कोरिलेशन इन ए रेयर केस ऑफ लिम्फोएपिथीलियोमा जाइक कार्सिनोमा ऑफ पैरोटिड ग्लैन्ड। इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलोजिस्ट्स एण्ड माइक्रोबायोलोजिस्ट्स के दिल्ली चैप्टर के 32वां वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में (सार),–2017 लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली, 26 मार्च, 2017, पृ. 109, पी पी –105 वर्मा ए, गोगोई पी, दिवाकर पी, शर्मा एस डी, सुमन, 'एक्नेकेलॉएडैलिस न्यचै–ए केस रिपोर्ट। एल एच एम सी, दिल्ली द्वारा संचालित ऍप्कॉन 2017 की कार्यवाही व स्मारिका में प्रकाशित, 26 मार्च, 2017 पोस्टर कोड पी.पी – 109.

एन भारद्वाज, शर्मा एस वी मधु, एम सिक्का। 'एन्डोथीलियल नाइटिक ऑक्साइड सिन्थेस जीन पोलीमॉरफिज्म इन डायबेटिक पेशेन्ट्स विद एण्ड विदाउट नेफ्रोपैथी। अमेरिकन सोसायटी ऑफ नेफ्रोपैथी के वार्षिक सम्मेलन में, नवम्बर, 2016, शिकागो, यू एस ए.

आरती गोयल, प्रिया पाठक, पूजा शर्मा, 'रोल ऑफ एफ एन ए सी इन डायग्नोसिंग लेजियन्स इनहैन्ड एण्ड रिस्ट। ऍफ्कॉन– दिल्ली चैप्टर का 32 वां वार्षिक सम्मेलन, 2017, 26 मार्च, 2017.

सी कुमार एल एन देवी, पी गोगोई, एन तनवीर, यू आर सिंह, 'जैन्थोग्रैन्युलोमैटस उफोराइटिस प्रेजेन्टिंग ऍज ओवेरियन मासेज । रिपोर्ट ऑफ थ्री केसेज'। सर्जिकल पैथोलोजी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही ।

दिव्या बंसल, तन्वी अरोड़ा, प्रीति दिवाकर, नीलम वधवा, किरण मिश्रा, शालिनी राजाराम, मनीश जैन, आशुतोष हल्दर, 'इवैल्यूएशन ऑफ एच–टर्क जीन एक्सप्रेशन इन सर्वाइकल साइटोलोजी स्पेसिमेन्स एज ए मार्कर ऑफ हिस्टोलौजीकल ग्रेड ऑफ सर्वाइकल इन्ट्राऐपीथीलियल नियोप्लैशिया'। साईटून 2016, नागपुर, 19–20 नवम्बर, 2016.

दिव्या बंसल, प्रीति दिवाकर, नीलम वधवा, किरण मिश्रा, शलिनी राजाराम, आशुतोष हल्दर इवैल्यूएशन ऑफ एच–टर्क जीन एक्सप्रेशन इन सर्वाइकल साइटोलोजी स्पेसिमेन्स एज ए मार्कर ऑफ हिस्टोलौजीकल ग्रेड ऑफ सर्वाइकल इन्ट्राऐपीथीलियल नियोप्लैशिया' । ए ओ जी आई एन, 2016, परनला, 14–16 अक्टूबर, 2016.

आशा सिंह, निशु भारद्वाज, प्रीति दिवाकर, प्रियंका गोगोई, नीलम वधवा, विनोद के अरोड़ा, 'लिम्फ नोड मिटेसिस ए रेयर इवेन्ट इन गैस्ट्रो इन्टेस्टाइनल स्ट्रामल ट्यूमर । एल एच एम सी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही व स्मारिका में प्रकाशित, 26 मार्च, 2017, पोस्टर कोड पी पी–111.

अनीता कुमारी, प्रीति दिवाकर, प्रिवेश गोगोई, नीमल वधवा, विनोद के अरोड़ा, पंकज कुमार गर्ग, 'प्राइमरी एक्स्ट्रान्यूरल एपेन्डाइमोमा ऑफ दि ब्रोड लिगामेन्टः ए रेयर एन्टिटी : एल एच एम जी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन, 2017 की कार्यवाही व स्मारिका में प्रकाशित, 26 मार्च, 2017, पोस्टर कोड पी पी–103.

करिश्मा रंजन, एन जी लीरा देवी, दिशांत कुमार मलिक, प्रीति दिवाकर, नीलम वधवा, विनोद केत्र. अरोड़ा, 'प्राइमरी लियोमायोसारकोमा ऑफ दि ऑरबिट : ए रेयर केस रिपोर्ट । 'एल एच एम पी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही तथा स्मारिका प्रकाशित, 26 मार्च, 2017, पोस्टर कोड पी पी–112.

मालविका शास्त्री, आकांक्षा सिंह, प्रीति दिवाकर, प्रियंका गोगोई, नीलम वधवा, विनोद के. अरोड़ा, प्राइमरी मैलिग्नैन्ट मिक्स्ड मल्लेरियन ट्यूमर ऑफ सर्विक्सः ए रेयर एन्टिटी, 'एल एच एम पी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही तथा स्मारिका प्रकाशित, 26 मार्च, 2017, पोस्टर कोड– पी पी 112.

प्रज्ञा जैन, नीलम वधवा, प्रीति दिवाकर, विनोद के. अरोड़ा, इवैल्यूएशन ऑफ हर 2 निड इम्यूवोएक्स्प्रेशन इन गैस्ट्रिक एडिनोकार्सिनोमा, 'एल एच एम पी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही तथा स्मारिका प्रकाशित, 26 मार्च, 2017, पोस्टर कोड पी पी –28.

प्रीति दिवाकर, नीलम वधवा, विनोद के अरोड़ा, रश्मि, ई आर एलफा एण्ड इट्स की इंटरैक्टिंग मोलीक्यूलस आर डिफरेन्ज्ड इन इन्फलेम्ड एम्डोमीट्रिअम, 'एल एच एम पी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही तथा स्मारिका प्रकाशित, 26 मार्च, 2017, पोस्टर कोड पी पी – 32.

बिनोद के. अरोड़ा, प्राइमरी लीयोमायोसारकोमा ऑफ दि ऑर बिटः ए रेयर केस रिपोर्ट 'एल एच एम पी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही तथा स्मारिका प्रकाशित, 26 मार्च, 2017, पोस्टर कोड पी पी – 112.

दिव्या बंसल, प्रीति दिवाकर, नीलम वधवा, किरण मिश्रा, शालिनी राजाराम आशुतोष हल्दर, एच ट्री जीन एक्स्प्रेशन इन सर्वाइकल साइटोलोजी स्पेसिमेन्स इज ए पोटेन्शियल मार्कर ऑफ हाई ग्रेड सर्वाकइकल इन्ट्रा एपीथीलियल नेयोप्लैशिया । इंडियन एकेडमी ऑफ साईटोलोजिस्ट्स का दिल्ली चैप्टर, दिल्ली, सितम्बर, 2016.

किरण सैनी, आशीष यादव, तन्नी अरोड़ा, नीलम वधवा, प्रीति दिवाकर, विनोद कुमार अरोड़ा, 'ब्लू ब्लैक कलर्ड क्यूटेनियस मीटास्टेसेज आर पैथोग्नोमिक ऑफ मैलिग्नैन्ट मीलैनोमा'। 'एलएचएमपी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही तथा स्मारिका प्रकाशित, 26 मार्च, 2017 । पोस्टर कोड पी.पी–115.

पहेली मास, नेहा निहारिका, प्रीति दिवाकर, प्रियंका गोगोई, नीलम वधवा, विनोद के. अरोड़ा, 'प्राइमरी रीनल एस्परगिलोसिस इन ऍन इम्यूनोकॅम्पोनेन्ट पेशेन्टः ए केस रिपोर्ट, 'एल एच एम पी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही तथा स्मारिका प्रकाशित, 26 मार्च, 2017 । पोस्टर कोड पी पी – 114.

पैथसर्ज 2016, श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, बराथ यूनिवर्सिटी, चेन्नै द्वारा आयोजित, 22–24 अगस्त, 2016, पृ.112, पी.ए.– 44 (सर्वश्रेष्ठ पोस्टर श्रेणी में तृतीय पुरस्कार).

प्रीति दिवाकर, नीलम वधवा, प्रियंका गोगोई, डॉ. विनोद के. अरोड़ा, नवजीवन सिंह, 'अनयूजुअल प्रेजेन्टेशन ऑफ लैप्रोमैटस लैप्रोसी विद ल्यूशिओज फिनोमिनाः ए केस रिपोर्ट' । ऍप्कॉन 2016, आई ए पी एम का 65वां वार्षिक सम्मेलन, 1–4 दिसम्बर, 2016, जयपुर । पोस्टर कोड– पी पी 108.

प्रज्ञा जैन, नीलम वधवा, प्रीति दिवाकर, डॉ. विनोद के. अरोड़ा, ऍल्टर्ड प्रोटीन एक्स्प्रेशन इन गैस्ट्रिक एडिनोकार्सिनोमा । ऍप्कॉन 2016, आई ए पी एम का 65 वां वार्षिक सम्मेलन, 1–4 दिसम्बर , 2016, जयपुर । पोस्टर कोड– पी पी – 162.

पूजा शर्मा, सोनल शर्मा, 'साइटोमोर्फोलोजीकल स्पेक्ट्रम ऑफ स्कैल्प लेजियन्स इन दि पॉपुलेशन ऑफ ए डिवेलपिंग कन्ट्री– ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी।' ऍप्कॉन– दिल्ली चैप्टर का 32 वां सम्मेलन, 2017, 26 मार्च, 2017.

पी सिन्हा, एन तनवीर, टी बंसल, वी. के. अरोड़ा, 'साइटोहिस्टोलोजीकल कोरीलेशन इन ए रेयर केस ऑफ लिम्फोएपिथेलियोमा लाईक कार्सिनोमा ऑफ पीरियड ग्लैन्ड।' इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलोजिस्ट्स एण्ड माइक्रोबायोलोजिस्ट्स के दिल्ली चैप्टर के 32 वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में (सार), लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली, 26 मार्च, 2017, पृ. 109, पी पी– 105.

टी बंसल, यू आर सिंह, एस शर्मा, एन तनवीर, 'एक्सप्रेशन ऑफ वाई बी–1 इन ब्रेस्ट कार्सिनोमा एण्ड इट्स को–रिलेशन विद प्रोग्नोस्टिक एण्ड प्रीडिक्टिव मार्कर्स– ए मैनुअल टिश्यू माइक्रो एरे स्टडी । इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलोजिस्ट्स एण्ड माइक्रोबायोलोजिस्ट्स के दिल्ली चैप्टर के 32 वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में (सार),– 2017, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, 26 मार्च, 2017, पृ. 14, पी पी – 12.

स्ना आहूजा, अभिमन्यु शर्मा, प्रीति दिवाकर, नीलम वधवा, विनोद कुमार अरोड़ा, 'एसिनिक सैल कार्सिनोमा विद लिम्फॉयड स्ट्रोमाः रिपोर्ट ऑफ ए केस विद साइटोलोजिकल डायग्नोसिस ऑन एफ एन ए सी ।'एल एच एम पी, दिल्ली द्वारा संचालित डैप्कॉन 2017 की कार्यवाही तथा स्मारिका प्रकाशित, 26 मार्च, 2017 । पोस्टर कोड पी पी– 101.

एस दीप्ति, एन चोपड़ा, एन तनवीर, 'एल्वीओलर सॉफ्ट पोर्ट सारकोमा विद एटिपिकल प्रेजेन्टेशन'– ए केस रिपोर्ट । इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलोजिस्ट्स एण्ड माइक्रोबायोलोजिस्ट्स के 32 वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में (सार), – लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली, मार्च, 2017, पृ.108, पीपी104.

सतेन्द्र शर्मा, प्रियंका गोगोई, प्रीति दिवाकर, आशा शर्मा, मृणालिनी कोटरू, मीरा सिक्का, राजेश पाठक, 'कॉन्जेनाइटल मेथेमोग्लोबिनेमियाः ए रेयर एन्टिटी' इंडियन सोसायटी ऑफ हीमैटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रान्वसफ्यूजन में सार प्रकाशित, 32(2) एस 402.

शिखा डाबर, प्रियंका गोगोई, प्रीति दिवाकर, पंकज अग्रवाल, भरत सिंह, 'प्रिवेलेस ऑफ वीक डी एमन्ग एन्टीनेटल केसेजः इम्प्लीकेशन्स एण्ड फ्यूचर स्ट्रैटेजीजः ए हॉस्पीटल बेस्ड स्टडी । इंडियन सोसायटी ऑफ हीमैटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रान्वसफ्यूजन का 57वां वार्षिक सम्मेलन, जयपुर, पोस्टर कोड टी एम 21 तथा इंडियन जॅर्नल ऑफ हीमैटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रान्वसफ्यूजन में सार प्रकाशित, 32(2) एस 490.

शिल्पा छाबड़ा, प्रीति दिवाकर, प्रियंका गोगोई, दिव्या बंसल, सतेन्द्र शर्मा, एप्लास्टिक एनीमिया एसोसिएटेड विद मल्टी ड्रग थिरेपी फॉर लेप्रोसी।' दिल्ली सोसायटी ऑफ हीमैटोलोजी का 'चेंजिंग पैराडाइम्स इन हीमैटोलोजी प्रैक्टिस' विषय पर 27 वों वार्षिक सम्मेलन, 2016, बी एल के सुपर स्पेश्येलिटी हॉस्पीटल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ।

शिल्पी मोरे, सोनल शर्मा, 'हिस्टोलोजीकल एण्ड डायरेक्ट इम्यूनोफ्लोरोसेन्स कोरिलेशन इन क्यूटेनियस वैस्कुलाइटिस।' ऐंफ्कॉन–दिल्ली चैप्टर का 32 वां वार्षिक सम्मेलन, 2017, 26 मार्च, 2017.

सोनल शर्मा, वैभव गिरोत्रा, 'सायटोलोजीकल स्पेक्ट्रम ऑफ वाल्वेनल एण्डोमिनल वॉल लेजियन्स'। ऐंफ्कॉन–दिल्ली चैप्टर का 32 वां वार्षिक सम्मेलन, 2017, 26 मार्च, 2017.

तन्वी अरोड़ा, नीलम वधवा, दीपिका पान्धी, डॉ. विनोद के. अरोड़ा, प्रीति दिवाकर, मनीष जैन, आशुतोष हल्दर, 'स्पेक्ट्रम ऑफ एनल साइटोलोजी एण्ड जीन एक्सप्रेशन स्टेटस ऑफ टेलोमिरेस एन्जाइम (एचटीईआरटी), इन केसेज ऑफ एनल स्क्वैमस डिस्प्लैशिया।' इंटरनेशनल सी एम ई इन पैथोलोजी (हिस्टोपैथोलोजी एण्ड साइटोपैथोलोजी), 2–4 फरवरी, 2017, गोवा ।

तन्वी अरोड़ा, नीलम वधवा, दिव्या अग्रवाल, प्रीति दिवाकर, विनोद के. अरोड़ा, 'मायोपेरिसाइटोमा – ऐंन अनयुजुअल पेरिसाइटिक ट्यूमर।' ''एल एच एम पी, दिल्ली द्वारा संचालित डेफ्कॉन 2017 की कार्यवाही तथा स्मारिका प्रकाशित, 26 मार्च, 2017.पी पी 106.

विनीता पासवान, सोनल शर्मा, उषा रानी सिंह, सोवित नाथ भट्टाचार्या, डायरेक्ट इम्यूनोलोरोसेन्स ऑफ आउटर रूट शीथ इन एनाजेन हेयर इन पेम्फिगसः कैन इन रिप्लेस बायोप्सी ?" एफ्कॉन– दिल्ली चैप्टर का 32 वां वार्षिक सम्मेलन, 2017. 26 मार्च, 2017

वोन्चीबेन टी. मुरी, प्रियंका गोगोई, प्रीति दिवाकर, मीरा सिक्का, 'हेरेडिटरी एलिप्टोसाइटिस–ए केस रिपोर्ट।' वी एल के सुपर स्पेशियल्टी हॉस्पिटल, नई दिल्ली द्वारा 'चैंजिंग पैराडाइम्स इन हीमैटोलोजी प्रैक्टिस, पर आयोजित 27वां वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली।

वोन्चीबेन टी. मुरी, प्रीति दिवाकर, प्रियंका गोगोई, भरत सिंह, 'एनालीसिस ऑफ डोनर डेफरल पैटर्न इन ए रीजिनल ब्लड ट्रान्सफ्यूजन सेंटर इन दिल्ली । इंडियन सोसायटी ऑफ हीमैटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रान्सफ्यूजन का 57 वां वार्षिक सम्मेलन, 2016, जयपुर । पोस्टर कोड टी एम 12 तथा इंडियन जर्नल ऑफ हीमैटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रान्सफ्यूजन में सार प्रकाशित, 32(2) एस 487.

जिनी चौरसिया, सोनल शर्मा, पूजा शर्मा, पंकज कुमार गर्ग, 'सूडोग्लैन्ड्यूलर श्वैनोमाः ए केस रिपोर्ट।' ऐंफ्कॉन दिल्ली चैप्टर का 32 वां वार्षिक सम्मेलन, 2017, 26 मार्च, 2017.

जिनी चौरसिया, सोनल शर्मा, निशु भारद्वाज, 'एवीथीलियल हीमैन्जियोएन्डोथैलियोमा प्रेजेन्टिंग एज इलिया–कोलिक इन्टरससेप्शनः ए केस रिपोर्ट, ऐंफ्कॉन– दिल्ली चैप्टर का 32 वां वार्षिक सम्मेलन, 26 मार्च, 2017.

एक्सटेंशन व आउटरीच गतिविधियाँ :

विभाग ने नेशनल थैलेसीमिया स्क्रीनिंग प्रोग्राम ऑफ प्रेग्नेन्ट वुमेन में भाग लिया, थैलेसीमिया डे केयर सेंटर तथा हीमोफीलिया केयर सेंटर को प्रयोगशाला सहायता प्रदान की ।

एम. फिल./पीएच.डी. से सम्मानित

एम.डी. (पैथ) –12

संकाय सदस्य संख्या – 12

+++

बाल–चिकित्सा (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियॉ तथा उपलब्धियॉ

सभी संकाय सदस्य सक्रिय रूप से स्नातक तथा स्नातकोत्तर पढ़ाने में लगे हैं तथा राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में विभिन्न पत्र प्रकाशित करवाता है तथा कार्यशालाएं व संगोष्ठियां आयोजित की है। बहुत बड़ी संख्या में संकाय सदस्य पीएचडी कार्यक्रमों में भी सक्रिय रहते हैं तथा साथ ही विभिन्न राजकीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भागीदार होते हैं ।

सम्मान / गौरव

डॉ. के. राजेश्वरी को 'ए स्टडी ऑफ पीडिएँट्रिक डायरिया विद स्पेशल रेफरेन्स टू एन्टरपैथोजेनिक ऐशेरिचिया कोली इन्फेक्शन' विषय पर शोध के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से माइक्रोबायोलोजी में पीएच.डी. प्रदान की गई।

डॉ. डी. मिश्रा को बैंगलोर में 54 वें पेडीकॉन में 'फैलोशिप ऑफ इंडियन एकेडेमिक ऑफ पीडिएँट्रिक्स (ईएसएससी) को प्रदान किया गया ।

एस. कपूर, डीबीटी के बायोटेक्नोलोजी बेस्ड प्रोग्रैम फॉर विमेन–बायोटेक्नोलोजी बेस्ड प्रोग्राम फॉर विमेन बायोटेक्टनोलोजी बेस्ट प्रोग्राम फॉर करल सैक्शन्स एण्ड बायोटेक्नोलोजी सेक्शन्स की एक्सटर्नल स्टैन्डिंग–कम–स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य नियुक्त किये गए ।

डॉ. चन्द्रावती कुमारी को 'इवैल्यूएशन ऑफ सॉलिड फेज एण्ड सोल्वेन्ट फेज एक्सट्रेक्शन प्रोसीजर्स फॉर यूटिनरी ऑर्गेनिक एसिड्स एण्ड मॉलीक्यूलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ मिथाइलमैलोनिक एकेडीमिय' विषय पर डॉ. सीमा कपूर के निर्देशन में दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की ।

प्रकाशन

दीपक के, गरिमा जी., झाम्ब यू. (2015), 'बाइलेटरल एक्यूट नियोनेटल सपुरेटिव पैरोटाइटिसः ए रेयर फाइंडिग इन नियोनेटल एज'। जर्नल ऑफ नियोनेटल–पेरिनेटल मेडिसिन, 8, 63–65.

दीपक के., गरिमा जी, झाम्बर यू (2016), 'प्रून वेली सिन्ड्रोम एसोसिएटेड विद एनोरेक्टल मैलफोर्मेशन एण्ड एसिएनोटिक कॉन्जेनाइटल हार्ट डिफेक्टः ए रेयर फाइंडिंग।' स्कॉलर्स एकेडमिक जॅर्नल ऑफ बायोसाइन्सेज, 4 (3 ए), 228–229.

दीपक के., गरिमा जी, झाम्ब यू (2017), 'ईमाफेगियल डुप्लीकेशन सिस्टः टू केसेज प्रेजेन्टिंग एज रेकरेन्ट चेस्ट इन्फेक्शन एण्ड स्ट्राइडोर'। जर्नल ऑफ पीडिएँट्रिक सर्जरी केस, 18, 10–12.

कौर आर., कटारिया पी, धाकड़ एम एस, मेहरा बी, झाम्ब यू तथा दुबे ए.बी. (2016). 'ऍन अनयूज़ूअल केस ऑफ सिस्टिक फाइब्रोसिस एसोसिएटेड न्यूमोसीस्टिका जिरोवेकी न्यूमोनिया इन ऍन इन्फैन्ट'। केस रिपोर्टर्स इन इन्फेक्शियस डिसीजेस, 2016.

अजीज एम., शाम्भवी, पात्रा बी, सिंह ए, कपूर एस (2016), 'पेन्ड्रेड सिन्ड्रोम इन ए न्यूबोर्न विद नेक स्वेलिंगः ए केस रिपोर्ट।' जर्नल ऑफ ट्रोपीकल पीडिएट्रिक्स, 62(4), 338–40.

गोयल एम., कपूरी एस., इकेवागस एस, निशिमुरा जी, (2016), 'स्टिकलर सिन्ड्रोम टाइप I विद शार्ट स्टेचर एण्ड एटीपिकल ऑक्यूलर मेनीफैस्टशन्स'। केस रिपोर्ट इन पीडिएट्रिक्स, 3198597.

कुमारी सी., वर्गीज बी., रामजी एस., कपूर एस. (2016). 'लीक्विड–लीक्विड एक्स्ट्रैक्शन एण्ड सॉलिड फेज एक्स्ट्रैक्शन फॉर यूरिनरी ऑर्गेनिक एसिड्सः ए कॅम्पेरेटिव स्टडी फ्रॉम ए रिसोर्स कॅन्स्ट्रेन्ट सेटिंग ।' इंडियन जर्नल क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्री, 31(4), 414-22.

पोलिपली, एस.के., कारा, वी.के., जिंदल ए, पुपाला एम, सिंह पी, रावत के, कपूर एस, (2016). 'सिस्टोजेनिक एनालीसिस फॉर सस्पेक्टेड क्रोमोजोमल ऍबोरमेलाइटिसः ए फाइव इयर्स एक्सपीरिएन्स।' जर्नल ऑफ क्लीनिकल एण्ड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 10(9), जी जी 01– जी जी 05.

रतन एस के. शर्मा ए, कपूर एस, पोलीपली एस.के., दुबे डी, मिश्रा टी के, सिन्हा एस के, अग्रवाल एस के (2016) । 'पोलीमॉफिज्म ऑफ 3 यू टी आर ऑफ एम ए एम एल डी आई जीन इन आल्सो एसोसिएटेड विद इन्क्रीज्ड रिस्क

ऑफ आइमोलेटेड हाइपोस्पैडियास इन इंडियन चिल्ड्रन : ए प्रीलिमिनरी रिपोर्ट ।' पीडिएँट्रिक सर्जरी इंटरनेशनल, 32 (05), 515–24.

सरकार टी, सिंह एन पी, कार पी, हुसैन एस ए, कपूर एस, पोलीपली एस के, कुमार ए, गर्ग एन (2016). 'इज एन्जियोटेन्सिन–कॅन्वर्टिंग एन्जाईम –1 (एसीई–1), जोन पॉलीमार्फिज्म लीड टू क्रॉनिक किडनी डिजीज एमन्ग हाइपरटेन्सिव पेशेन्ट्स, रीनल फेल्यर, 38 (5), 765–9.

शर्मा आर, सेठ ए, चन्द्रा जे, गोहान एस, कपूर एस, सिंह पी, पेम्डे एच (2016), 'एन्डोक्राइनोपेथीज इन एडोलेसेन्टस विद थैलेसीमिया मेजर रिसीविंग ओरल आयरन चिलेटियन थिरेपी।' पीडिएँट्रिक्स एण्ड इंटरनेशनल चाइल्ड हेल्थ, 36 (1), 22–9.

सिंह ए., ब्रायन एम.एम., रोनी जे.सी, कलिनेन ए आर, बघाल डब्ल्यू ए, खुराना एन, कपूर एम (2016), 'ए क्लीनिकल रिपोर्ट ऑफ चेडियाक–हिगाशी सिन्ड्रम इन इन्फैन्सी विद ए नोवेल जीनोटाईप फ्राम दी इंडियन सब–कॉन्टिनेन्ट।' इंटरनेशनल जॅर्नल ऑफ डर्मेटोलोजी, 55 (3), 317–21.

सिंह ए., प्रसाद आर., गुप्ता ए. के., शर्मा ए., ऍलन्स एस., कुटिन्हो एम. एफ., कपूर एस., मिश्रा ओ. पी. (2016). आईसैल डिसीज (म्यूकोलिपिडोसिस II अल्फा/बीटा): फ्राम स्क्रीनिंग टू मॉलीक्यूलर डायग्नोसिस ।' इंडियन जर्नल पीडिएँट्रिक्स ।

सिंह ए., प्रसाद आर, सिंह आर, कपूर एस, भुयां जैड ए, मिश्रा ओ पी (2016) । जेनेटिक ऍनालीसिस ऑफ जर्नल एण्ड लान्गो नीलसेन सिन्ड्रोम विद ए नोवेल म्यूटेशन इन के सी एन क्यू 1 जीन।' इंडियन जर्नल आफ पीडिएँट्रिक्स, 83 (9), 1038-09 डी ओ आई 10.1007/एस 12098–016–2017–18.

सिंह ए., श्नाज डी., अग्रवाल एन., प्रसाद आर., मिश्रा ओ पी. सिंह आर, कपूर एस., जेनकर एम (2016). ट्रान्समिशन ऑफ बार्बर– से सिन्ड्रोम फ्रॉम ए मोजाएक फादर टू हिज चाइल्ड इन ऍन इंडियन फैमिली। क्लीनिकल डिस्मोर्फोलोजी, 25 (4), 81-5.

कुमार ए, जुनेजा एम, मिश्रा डी (2016). 'प्रीवेलेन्स ऑफ ऑटिज्म स्पेक्ट्रक्म डिजॉर्डर्स इन सिब्लिंग्स ऑफ इंडियन चिल्ड्रन विद ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिजॉर्डर्स। जर्नल ऑफ चाइल्ड न्यूरोलोजी, निकुंजन एन के, मिश्रा डी तथा तालुकदार बी (2016).'एटियोलोजी एण्ड शॉर्ट–टर्म आउटकम ऑफ फर्स्ट सीजर इन हॉस्पीटैलाइज्ड इन्फैन्टस'। इंडियन पीडिएट्रिक्स, 53 (10), 924-926.

कुमार ए, जुनेजा एम, मिश्रा डी (2016).'प्रीवेलेन्स ऑफ ऑटिज्म स्पेक्ट्रक्म डिजॉर्डर्स इन सिब्लिंग्स ऑफ इंडियन चिल्ड्रन विद ए एस डी ।' जर्नल ऑफ चाइल्ड न्यूरोलोजी, 31:873–8.

चौधरी एस के., अग्रवाल ए, मंडल आर एन, ग्रोवर आर (2016). हीमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टोसाइटोसिस एसोसिएटेड विद हीपेटाइटिस ए एण्ड हीपेटाइटिस ई को–इन्फेक्शन ।' इंडियन जॅर्नल ऑफ पीडिएट्रिक्स, 8 (6), 607-608.

शर्मा एस, अग्रवाल ए, खान ए. एम, इन्गले जी के (2016). 'प्रीवेलेन्स ऑफ डॉग बाइट्स इन रूरल एण्ड अर्बन स्लम्स ऑफ दिल्लीः ए कम्यूनिटी–बेस्ड स्टडी।' दि ऍनल्स ऑफ मेडिकल एण्ड हेल्थ साईन्सेज रिसर्च, 6 (2), 7115–9

कुमार ए., जुनेजा एम, मिश्रा डी (2016). 'प्रीवैलेन्स ऑफ ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिजॉर्डर्स इन सिब्लिंग्स ऑफ इंडियन चिल्ड्रेन विद ए एस डी।' जर्नल ऑफ चाइल्ड न्यूरोलोजी, 31, 873–8.

मिश्रा डी, गुप्ता पी, सिंह टी (2017). 'टीचिंग फॉर रिड्यूसिंग डायग्नोस्टिक एरर्स।' इंडियन पीडिएट्रिक्स । '54, 128–31.

खलील एस, मिश्रा डी, मिश्रा आर, गुप्ता एस (2017). फैक्टर्स अफैक्टिंग सब्सिक्वेंट फुल–टेक्स्ट पब्लिकेशन ऑफ पेपर्स प्रजेन्टेड ऍट दि नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ पीडिएट्रिक्स. इंडियन पीडिएट्रिक्स, 54, 128–31.

निकुंज एन के, मिश्रा डी, जुनेजा एम, तालुकदार बी (2016). 'इटियोलोजी एण्ड शॉर्ट–टर्म आउटकम ऑफ फर्स्ट सीजर इन हॉस्पीटैलाइज्ड इन्फैक्टस ।' इंडियन पीडिएट्रिक्स, 53, 924–6.

खलील एस, मिश्रा डी, (2016).'शेयरिंग क्लीनिकल एक्सपीरिएन्स विद दि साइन्टिफिक कम्यूनिटीः हाड टू राईट ए केस रिपोर्ट ।' इंडियन पीडिएट्रिक्स, 53, 513–6.

सिंह जे, वर्मा आर, तिवारी ए, मिश्रा डी, सिंह एच पी (2016). रेटिनोपैथी ऍज ए प्रोग्नोस्टिक मार्कर इन सेरेब्रल मलेरिया, इंडियन पीडिऍट्रिक्स, 53, 315–7.

मंतन एम., ग्रोवर आर., कौर एम., बतरा सी. (2016). कॅलेप्सिंग ग्लोमैरुलोपैथी ऐसोसिएटेड विद हीपेटाइटिस बी इन्फेक्शन : ए केस रिपोर्ट इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलोजी, 26,4,291–3.

सिंह एम., सेठी जी. आर., मंतन एम., खन्ना ए., हनीफ एम. (2016). एक्सपर्ट आरएमटीबी/आरआईएफ ऐसे फॉर दि डायग्नोसिस ऑफ पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस एंड लंग डिसीसेज, 20,6,839–43.

मंतन एम, ग्रोवर आर, कौर एस, बतरा वी, (2016). 'कोलैप्सिंग ग्लोमेसलोपैथी एसोसिएटेड विद हिपैटाइटिस बी इन्फेक्शनः ए केस रिपोर्ट इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलोजी, 26,4,291–3.

गुप्ता ए., मंतन एम. तथा सेठी एम. (2016). न्यूट्रिशनल एसेसमेंट इन चिल्ड्रन विद क्रॉनिक किडनी डिसीज' सउदी जॅर्नल ऑफ किडनी डिसीसेज एंड ट्रांसप्लान्टेशन, 27, 4, 733.

सिंह एम., सेठी जी. आर., मंतन एम., खन्ना ए. तथा हनीफ एम. 2016 एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ ऐसे फॉर दि डायग्नोसिस ऑफ पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस एंड लंग डिसीज, 20,6,839–843.

<u>शोध परियोजनाएं</u>

डॉ़ एस यादव, 'ए सीमलेस, सीक्वेन्शियल फेज–3, रैन्डोमाइज्ड, मल्टी सेंटर सिंगल ब्लाइंड स्टडी टू इवैल्यूएट इम्यूनोजेनिसिटी, सेफ्टी, रियेक्टोजेनिसिटी ऑफ लिक्विड रोटाबैक 5 सी फॉर्मुलेशन ऑफ दि लाइव अटेन्युएटेड रोटावायरस वैक्सीन एज ए, 3–डोज सीरीज वैन कॅम्पयर्ड विद रोटाबैक इन इन्फैन्ट्स।'

डॉ. यू. साम्ब. तथा डॉ. दीपक, प्रोजेक्ट फन्डेड वाई सी एस आई आर, कॅम्पैरिजन ऑफ स्पॉन्टेनियस ब्रीदिंग ट्रायल विद स्लो बीविंग इन वेन्टिलेटेड पेशेन्ट्स।

डॉ़ एम. जुनेजा, आई एम. सी. आर. से अनुदान प्राप्त, 'कॅम्पैरिजन ऑफ केयरगिवर एडमिनिस्टर्ड बिहोवियरल इंटरवेंशन प्रोग्राम विद वीकली वर्सेज सिक्स–वीकली ट्रेनिंग सेशन्स फॉर चिल्ड्रन विद ऑटिज्म : ए रेन्डोमाइज्ड ट्रायल।'

डॉ सीमा कपूर, रा.रा. क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त परियोजना, ऐन्टीनेशनल स्क्रीनिंग ऑफ विमेन फॉर थैलेसीमिया स्टेटस।'

डॉ सीमा कपूर; 'ए नोवेल फीजिबिलिटी स्टडी ऑफ न्यूवोर्नस्क्रीनिंग फॉर ट्रीटेवल डिजोर्डर्स एंड एपिडोमिओलोजिक डैटा जेनरेशन फॉर इनवोर्न मेटाबोलिक एरर्स इन दिल्ली स्टेट।'

डॉ सीमा कपूर; मल्टीसैट्रिक कोलेबोरेटि स्टडी ऑफ दि क्लीनिकल, बायोकैमिकल एंड मैलीक्यूलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ लाइजोजोमल स्टोरेज डिजॉर्डर्स इन इंडिया–दि इनिशिएटिव फॉर रिसर्च इन लाइसोसोमल स्टोरेज डिसार्डर्ज एंड वेब डिजाइनिंग एंड क्वालिटी एश्योरेंस फॉर कोलैबोरेटिव स्टडी ऑन क्वालिटी एश्योरेंश।'

डॉ मुक्ता मंतन, को–प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर फॉर दि ट्रायल; ए सीमलैस, सीक्वेंशियल फेज–3 रैन्डोमाइज्ड, मल्टी सेंटर सिंगल ब्लाइंड स्टडी टू इवैल्यूएट इम्यूनोजेनिसिटी, सेफ्टी, रिएक्टोजेनिसिटी ऑफ लीक्विड रोटावैक 5 सी फॉर्मुलेशन ऑफ दि लाइव अटेन्युएटेड रोटावायरस वैक्सीन एज ए 3–डोज सीरीज वैन कॅम्पेयर्ड विद रोटवैक इन इन्फैन्ट्स।

डॉ डी मिश्रा; कॅम्पैरीजन ऑफ केयरगिवर एडमिनिस्टर्ड इंटरवैशन प्रोग्रेम विद वीकली वर्सेज 6 वीकली ट्रेनिंग सेशन्स फॉर चिल्ड्रेन विद ऑटिज्म : ए रैन्डोमाइज्ड ट्रायल।'

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

एस यादव :

प्रोफेसर बैजामिन श्नीडर, गैस्ट्रोइन्टेरोलोजी हीपैटोलोजी तथा न्यूट्रिशन सर्विस के प्रमुख, टैक्सास चिल्ड्रेन हॉसपिटल एंड प्रोफेसर ऑफ पीडिएट्रिक्स, बेलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के द्वारा जैनेटिक कोलेस्टेटिक डिसॉर्डर्स इन चिल्ड्रेन' विषय पर एक वार्ता में सहभागिता, वीडियो–कॉन्फरेंसिंग द्वारा, 5 मार्च, 2016.

एन. ए. ए. सी. सेल्फ स्टडी रिपोर्ट, एस एस आर, द्वारा विश्वविद्यालय का मूल्यांकन और संबद्धता तथा इवैल्यूएटिव रिपोर्ट, (ई आर) मीटिंग ऑफ यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, 12 अप्रैल, 2016.

यूरोपियन सोसायटी ऑफ पीडिएँट्रिक एन्डोक्राइनोलोजी की 55वीं वार्षिक बैठक में दो पोस्टर प्रस्तुतीकरण, 10–12 सितंबर, 2016, पेटिस, फ्रांस.

एंडोलेसकॉन 2016, आगरा में एडोलेसेन्ट काउन्सलिंग वर्कशॉप में सहभागिता, सितंबर, 2016.

संयोजक व संकाय, 'हाउ टू राईट ए साइन्टिफिक पेपर', 10 फरवरी, 2016.

अध्यक्ष व संकाय, 'रिसर्च मेथोडोलोजी फॉर दि क्लीनिशियन', 12–13 मार्च, 2016 प्रस्तावना प्रस्तुतीकरण वाई रिसर्च मैथेडोलोजी।

विभागीय सेमिनार, एक्यूट फ्लैसिड पैरालिसिस, ए एफ पी, कार्यशाला, 31 मार्च.

पीडिएॅट्रिक्स विभाग ने आई.ए.पी, दिल्ली के साथ मिलकर न्यूट्रिशन एजुकेशन प्रोग्राम आयोजित किया, 7 मई, 2016.

पीडिएट्रिक्स के अध्यक्ष के रूप में इंटरनेशनल कोर्स अपडेट आयोजित, 18–20 फरवरी, 2017.

चाइल्डन्यूरोकोन, 2017 में विसाईट न्यूरोलोजी के पत्र के लिए अध्यक्ष, 4 फरवरी, 2017.

अध्यक्ष के रूप में 'रिस्क एडोलेसेन्ट' पर एक कार्यशाला आयोजित, एम.ए.एम.सी., नई दिल्ली, 2 दिसंबर, 2016.

'न्यू बोर्न स्क्रीनिंग' पर कार्यशाला की अध्यक्षता, मार्च, 2017 रेयर डिसीज डे के लिए पैनलिस्ट, 28 फरवरी, 2017.

सैक्सीइंडीकॉन मीजल्स/एम आर/एम एम आर–वाई एंड वैन में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित, अप्रैल 2016, कोलकाता।

थायरॉयड डे डिजॉर्डर्स के लिए आमंत्रित संकाय, थायरोमिगैली पर वक्तव्य प्रस्तुतीकरण, दिल्ली, मई, 2016.

नेपाल, काठमांडू में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित, 'वल्नेरोविलिटी ऑफ चिल्ड्रेन इन डिजास्टर्स सिच्युएशन्स' तथा ' ग्रोथ एंड प्यूवर्टी' पर दो वार्ताओं का प्रस्तुतीकरण।

वैक्सीइंडीकॉन, जयपुर में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित जुलाई, 2016 वैक्सीइंडीकॉन में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित 'पोलियो एंड गेम स्ट्रैटेजी' पर प्रस्तुतीकरण , अगस्त, 2016.

एजोलेस्कॉन 2016 में इम्प्लीकेशन्स ऑफ ग्रोथ एंड पुवरटी में अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित, 2016, आगरा 'ग्रोथ एंड एडोलेसेन्ट' स; की अध्यक्षता, पोस्टर सेशन की अध्यक्षता।

पी पी एन आई में हैडेस पर सत्र के लिए मॉडरेटर, दिसंबर, (2016). इंडियन एकेडमी ऑफ पीडिएॅट्रिक्स, पीडिकॉन 2017, के 54वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'न्यूआर इमर्जिंग वैक्सीन्स' विषय के लिए आमंत्रित वक्ता, बेंगलुरू, जनवरी, 2017.

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडिएॅट्रिक्स, पीडिकॉन 2017, के 54वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मीट दि एक्सपर्ट अनरैवालिंग दि मिस्टरीज व्हाट इज एफीकेसी, इम्यूनोजेनिसिटी एंड फेज 1, 2 एंड 3 ट्रायल्स' विषय पर सत्र में आमंत्रित वक्ता, बैंगलुरू, 22 जनवरी, 2017.

डी जी एम संगोष्ठी में नेशनल साइक्लोन मिटिगेशन प्रोजेक्ट पर वार्ता आमंत्रित विषय 'रिड्यूसिंग इम्पैक्ट ऑफ डिसासटर्स–लीविंग नो स्टोन अनटर्न्ड इंडियन एकेडमी ऑफ पीडिएॅट्रिक्स में 54वां राष्ट्रीय सम्मेलन में ट्रायल्स, बैंगलुरू, 22 जनवरी, 2017.

चाइल्डन्यूरोकोन, 2017 में विसाइड न्यूरोलोजी विषय सत्र की अध्यक्षता, 4 फरवरी, 2017.

5 प्रैक्टिकल पीडिएॅट्रिक एन्डोक्राइन वर्कशॉप की अध्यक्षता व संकाय, कानपुर, 25–26 फरवरी, 2017.

रेयर डिसीज डे के लिए पैनलिस्ट, 28 फरवरी, 2017.

इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बाइलिएटी साइन्सेज द्वारा आयोजित क्लीनिकल सिनेरियोज पीडिएॅट्रिक लीवर डिसीजेज के लिए पैनलिस्ट, 4 मार्च, 2017

बी. आर. अम्बेडकर हॉसपिटल में पीडिएॅट्रिक फैकल्टी साक्षात्कार के लिए विशेषज्ञ, मार्च, 2017.

नॉर्थ दिल्ली मेडिकल कॉलेज में संकाय साक्षात्कार के लिए विशेषज्ञ संकाय, मार्च 2017.

मैकोनिकल वैटिलेशन पर कार्यशाला में 'मॉनीटरिंग ऑफ वेंटिलेटेड पेशेन्ट' विषय पर व्याख्यान, हिंदू राव अस्पताल, दिल्ली, 20 मार्च, 2016.

बर्कले हेल्थ एजुकेशन में पीडिएॅट्रिक इन्टेन्सिव केयर सोसायटी पर कार्यशाला में 'सिम्युलेशन बेस्ड ट्रेनिंग इन इमरजेंसी पीडिएॅट्रिक्स ,(एस टी ई पी) के लिए संकाय, 9–11 जुलाई, 2016. 'मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट अस्थमा इन इमरजेन्सी, सिम्युलेशन स्टेशन्स ऑन अस्थमा मैनेजमेंट, डिफिकल्ट कॅम्युनिकेशन्स, ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी' पर वार्ता.

डी. मिश्रा;

इंडियन पीडिएॅट्रिक्स द्वारा अपोलो अस्पताल, (सितंबर, 2016), तथा एस जी आर डी मेडिकल कॉलेज, अमृतसर, (दिसंबर, 2016), में दो दिवसीय 'आर्ट एंड साईन्स ऑफ पेपर राइटिंग' विषय पर आयोजित कार्यशाला में आमंत्रित संकाय।

नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन द्वारा संकाय सदस्यों के लिए दिल्ली , (अप्रैल, 2016), हैदराबाद, (अगस्त, 2016), तथा पुणे, (सितंबर, 2016), को 'थीसिस राइटिंग एंड रिसर्च मेथोडोलोजी' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में आमंत्रित संकाय इंडियन पीडिएट्रिक्स द्वारा लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय 'रिसर्च मैथोडोलोजी' कार्यशाला में आमंत्रित संकाय 16–18 सितंबर, 2016.

ए. अग्रवाल

एसेन्शियल वैक्सिनोलोजी कोर्स में सहभागिता, होटल वेस्टिन, सोहना, 19–22 फरवरी.

आई ए पी, दिल्ली में 16 मासिक क्लीनिकल बैठकों का आयोजन, 2016.

सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में आई ए पी उर्मा समिट, 65 प्रतिनिधियों द्वारा सहभागिता, 22 मई,2016

माता चन्नन देवी अस्पताल, नई दिल्ली में न्यूट्रिशन एजुकेशन प्रोग्राम, (एन.ई.पी.), नई दिल्ली, 40 प्रतिनिधियों द्वारा सहभागिता, रविवार, 12 जून, 2016.

जयपुर गोल्डन हॉसपिटल, रोहिणी में 'डिवलेपमेंट फॉर आलक्रेडल टू क्रेयोन्स एंड बियॉन्ड कार्यशाला, 31 जुलाई, 2016. एफ एन वी पी भोपाल 5–8 जनवरी, रांची, झारखंड, 7–10 मई, सफदरजंग अस्पताल, 15–18 मई, जबलपुर, 1–4 सितंबर.

एन.आर.पी., कोलकाता, 8 जून

'रेवीज प्रीवेन्शन' पर सी एम ई, हेडगेवार अस्पताल, 27 अप्रैल, मेवात मेडिकल कॉलेज, 25 अक्टूबर

यू. झाम्ब, 'मैनेजमेंट ऑफ शॉक ऑन पीडिएट्रिक सर्जरी अपडेट' पर व्याख्यान ,25–28 . 2 .16, एल एन एफ, 25 फरवरी, 2016.

एम जुनेजा

7वां ए ओ सी एन सम्मेलन में 'ऑटिज्म–डायग्नोसिस' पर वार्ता, लखनउ, फरवरी, 2016.

पीडिएट्रिक कांफ्रेंस ऑफ नॉर्थ इंडिया में ए.डी.एच.डी. एंड ए.एस.डी.: इंडियन स्क्रीनिंग टूल्स फॉर ऑफिस प्रैक्टिस' पर वार्ता, दिसंबर, 2016

एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड न्यूरोलोजी, दिल्ली के वार्षिक सम्मेलन 'चाइल्डन्यूराकोन में फार्माकोथिरेपी ऑफ ए डी एच डी' पर वार्ता, 4 फरवरी, 2017

नेशनल ट्रेनिंग एकेडमी एम्प्लॉईज स्टेट इन्श्योरेंश कॉर्पोरेशन द्वारा आमंत्रित किए जाने पर वीडिया कॉन्फरेन्स में 'स्लो चाईल्ड–अर्ली डायग्नोसिस, मैनेजमेंट एंड काउन्सलिंग' विषय पर व्याख्यान, 6 फरवरी, 2017.

जेनेटिक्स यूनिट, पीडिएट्रिक्स विभाग, एम.एम.एम.सी. द्वारा आयोजित 'रेयर डिसीज डे' के दौरान 'म्यूकोपोलीसैक्रिडोसिस' विषय पर पैनल डिस्कशन के मोडरेटर, 28 फरवरी, 2017.

पीडिएट्रिक्स विभाग, एम.ए.एम.सी. द्वारा आयोजित 'पीडिएट्रिक अपडेट' के लिए संकाय, 16–18 फरवरी, 2017. केसेज ऑन सी पी, टी बी एम तथा बेसिक न्यूरा–फीजियोलोजी पर पैनलिस्ट.

ह्यूमैन जेनेटिक्स की 13वीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस आई पी एच जी, 2016 द्वारा आयोजित कान्फ्रेंस में 'जेनेटिक्स एजुकेशन फॉर अंडरग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन इन एशिया' पर वार्ता, क्योटो, 3–7 अप्रैल, 2016.

आई.ए.पी, उत्तर प्रदेश के 37वें वार्षिक सम्मेलन के उपलक्ष्य में यूपी पेडीकॉन में 'आई ई एम सिम्प्लीफाइड–ट्रीटेवल वन्स एंड होप' विषय पर वार्ता, 16 अक्टूबर, 2016.

एन ए ए आर पी की पूर्व संध्या पर 'न्यूबोर्न स्क्रीनिंग' पर वार्ता, 23 अक्तूबर, 2016.

हीमैटोलोजी विभाग, ए आई आई एम एस के सहयोग से जवाहरलाल ऑडिटोरियम ए आई आई एम एस, नई दिल्ली में 'एप्रोच टू प्रीवेक्शन एमन्ग नॉन कैरियर्स' पर 8वें राष्ट्रीय थैलेसीमिया सम्मेलन में वार्ता, 17–18 दिसंबर, 2016.

ऍनाटमी विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में 'जेनेटिक लेसन्स लर्न्ट फ्रॉम फीटल अटॉप्सी' पर फीटल अटॉपि एंड कैडावरिक स्किल्स' पर व्याख्यान, 20–21 फरवरी, 2017.

सिद्धार्थ होटल में फैजाइला एक्स सिन्डोम पर आई ए पी कॅन्सेन्सस बैठक में 'फैलाइल एक्स स्पेक्ट्रम' पर अतिथि व्याख्यान, 25 फरवरी, 2017.

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, में पीडिएट्रिक इन्स्ट्रक्शनल कोर्स ,एम ए एम जी पीडिएट्रिक अपडेट, का आयोजन, 16–18 मार्च, 2017.

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में 8वें अंतरराष्ट्रीय रेयर डिसीज डे का आयोजन, 28 मार्च, 2017.

आई एम एस–बी एच यू में 'इनबोर्न एरर ऑफ मेटाबोलिज्म' पर सी एम ई में 'न्यूबोर्न स्क्रीनिंग एंड मैनेजमेंट ऑफ आई ई एम' पर व्याख्यान, 26 मार्च, 2017

इंडियन हैबिटैट सेंटर में आई एस ओ पी ए आर बी प्रीकॅन्फरेन्स फेटल मेडिसीन कार्यशाला में 'जेनेटिंग काउन्सलिंग' पर व्याख्यान, 7 अप्रैल, 2017.

एम.मंतन

इंटरनेशनल पीडिएट्रिक नेफ्रोलोजी एसासिएशन की 17वीं कांग्रेस में 'रिफरैक्टरी रिकेट्स इन दि मास्टरक्लास' पर सत्र की अध्यक्षता, इगुएकु, ब्राजील, 20–24 सितंबर, 2016.

इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित पीडिएट्रिक कॉन्फरेंश ऑफ नॉर्थ इंडिया में 'रीनल रिप्लेसमेंट थिरेपी एंड बियॉन्ड' विषय पर पैनल डिस्कशन में मॉडरेटर, 3–4 दिसंबर, 2016.

इंडियन सोसायटी ऑफ पीडिएट्रिक नेफ्रोलोजी के 28वें वार्षिक सम्मेलन में 'सी के डी एंड के डी आई जी ओ' पर पैनल डिस्कशन में प्रतिभागी, कटक, ओडिशा, 10–11 दिसंबर, 2016.

वी एम एम जी तथा सफदरजंग हॉसपिटल, नई दिल्ली में आयोजित आई ए मी, दिल्ली की मासिक क्लीनिकल बैठक में 'डाइलैमाज इन मैनेजमेंट ऑफ यू टी आई : ए पीडिएट्रीशियन्स पर्सपेक्टिव' पर पैनल डिस्कशन्स, 17 मार्च, 2016.

'करंट पर्सपैक्टिन्स इन मैनेजमेंट' पर अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित 'विटामिन डी : दि अल्टीमेंट सुपर पिल? विषय पर सत्र के मॉडरेटर, 16 अक्टूबर, 2016.

'पीडिएट्रिक सर्जरी अपडेट, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज तथा लोक नायक अस्पताल के नई दिल्ली में 'रोल ऑफ कीमोप्रोफीलैक्सिस इन वी यू आर' पर वार्ता, 25–26 फरवरी, 2016.

एक्सटेंशन व आउटरीच गतिविधियॉ

डॉ. ए.पी. दुबे तथा डॉ. एस. यादव द्वारा ऑल इंडिया रेडियो तथा दूरदर्शन पर वार्ताएं।

डॉ. एस. यादव द्वारा स्कूल एडोलेसेन्ट्स के लिए कार्यशाला संचालित।

अन्य उल्लेखनीय जानकारीः

विभिन्न विश्वविद्यालयों की एम बी बी एस, एम डी तथा डी एन बी परीक्षाओं के लिए संकाय सदस्य विशेषज्ञ व परीक्षक।

डॉ. एस. यादव : इंडियन एकेडमी ऑफ पीडिएट्रिक्स में ए सी बी आई पी के सदस्य; बी आर अंबेडकर अस्पताल में पीडिएट्रिक संकाय साक्षात्कार के लिए विशेषज्ञ, मार्च, 2017; नॉर्थ दिल्ली मेडिकल कॉलेज में संकाय चयन साक्षात्कार के लिए विशेषज्ञ, मार्च, 2017.

डॉ. एस. कपूर ; दिल्ली सरकार तथा केंद्रीय सरकार के स्तर पर रेयर डिसीज कमेटी के सदस्य; आर वी एस के ग्रुप ऑन डाउन्स सिन्ड्रोम के सदस्य।

डॉ. डी. मिश्रा, इंडियन पीडिएट्रिक्स में प्रबंधक निदेशक

डॉ. ए. अग्रवाल, सचिव, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडिएट्रिक्स, दिल्ली संख्या – 13

+++

बाल–चिकित्सा (यूसीएमएस)

विभाग में 36 बेडेड लेवल–3 एन आई सी यू सहित 200 बेड हैं। विभाग आयरन किलेशन थिरैपी सुविधा के साथ एक अत्याधुनिक थैलेसीमिया डे केयर सेंटर भी चलाता है। पीडिएट्रिक्स कैजएल्टी लगभग सभी उपकरण हैं और सभी प्रकार की चाइल्डहुड इमरजेंसीज का इलाज करने की क्षमता है। विभाग ने एक चाइल्ड डिवलपमेंट क्लीनिक तथा एक हीमोफीलिया डे केयर सेंटर स्थापित करके विशेषीकृत सामुदायिक सेवा को उपलब्ध कराया है। नियोनेटल इन्टेन्सिव केयर यूनिट में यूनिवर्सल ब्रेस्ट मिल्क फीडिंग पर बल दिया जाता है तो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। सभी प्रकार का अनुसंधान कार्य हमारे देश से जुड़ी मूलभूत स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित रहता है। विभाग में शोध कर चुके तीन छात्रों ने आई.ए.पी. के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र प्रस्तुतीकरण तथा उनमें से दो ने स्वर्ण पदम जीते। विभाग अली यावर जुग नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हियरिंग हैन्डीकैप्ड, भारत सरकार के विद्यार्थियों को भी शिक्षा प्रदान करता है तथा आर पी एच कार्यक्रम, भारत सरकार के तहत नर्सों को सेवाकालीन प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। कुछ संकाय सदस्य राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न समितियों/आयोगों के सदस्य नियुक्त किए गए हैं।

सम्मान/गौरव

डॉ. पी. गुप्ता

पेडीकॉन थीम ओरेशन प्रदान किया गया, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडिएट्रिक्स, राज पेडीकॉन, माउंट आबू, राजस्थान, 19 नवंबर, 2016.

अध्यक्ष, प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी, चाइल्डहुड इंजरीज, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली

सदस्य, प्रोजेक्ट रिव्यू ग्रुप, चाइल्ड हेल्थ, इंउियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली

डॉ. पी. बतरा

एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज ,एम ए एम एस, की सदस्यता, अक्टूबर, 2016

ए आई आई एम एस, नई दिल्ली के सहयोग से चौथे वर्ष इंडो–यू एस इमरजेंसी एंड ट्रॉमा कोलैबोरेटिव के अंतर्गत एफ ए सी ई ई – पी ई एम ,फैलो एकेडमिक कॉलेज ऑफ इमरजेंसी एक्सपट्र्स : पी ई एम, के लिए राष्ट्रीय समन्वय।

ए आई आई एम एस, नई दिल्ली में फैलोशिप ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन के लिए ओरल बोर्ड एक्जामिनर यू सी एम एस, दिल्ली में नेशनल नियोनैटोलोजी फोरम के फैलोशिप के लिए परीक्षक डॉ. एम. नारंग, सदस्य, एथिकल कमेंटी फॉर रिसर्च इन एनीमल्स।

प्रकाशन

अग्रवाल ई, शाह डी, गुप्ता पी , (2017) ; डेन्गी फीवर ट्रिगरिंग कावासाकी डिसीज' इंडियन पीडिएट्रिक्स 54, 51–2

अलवधी वी, डबास ए., अगवाल ए, फरीदो एम.एम.ए, (2016) ; 'पेन एब्डोमेन इन चाइल्ड–ऍन अनकॉमन कॉज'; इंडियन जर्नल ऑफ चाइल्ड हैल्थ; 3,4, 351–352

अरोड़ा वी, अग्रवाल ए, वर्मा एस, नारंग एम, (2016) ; 'कॉज ऑफ बोन मैरो सप्रैशन इन ए चाइल्ड'; आई जे एम पी सी आर, 8,2, 1–4

अरोड़ा वी, अग्रवाल ए, वर्मा एस, नारंग एम, (2016) ; 'लिनेजोलिड थिरेपी कॉज ऑफ बोन मैरो सप्रेशन इन ए चाइल्ड'; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेड. एंड फार्मा, केस रिपोर्ट्स 8, 2 : 1–4

बंसल एन., अग्रवाल ए, फरीदी एम एम ए, शर्मा, तुषा, बैनर्जी, बी. डी., 2017; 'एसोसिएशन ऑफ लेड लेबल्स एंड सेरेब्रल पाल्सी'. ग्लोबल पीडिएट्रिक हैल्थ, 4, 1–16.

बंसल एन., अग्रवाल ए, वधवा एन., (2016); एच आई बी इन्फेक्शन इन चाइल्ड प्रैजेन्टिंग ऍज हीमोफैगोसाइटिक लिम्फोहीस्टियोसाइटोसिस'. एन. क्लीन केस रिपोर्ट, 1, 1069.

बेदी एन, गुप्ता पी, 2016; 'एन्टीमाइक्रोबियल स्ट्यूबार्डशिप इन पीडिऍट्रिक्स : ऍन इंडियन पर्सपोक्टिव' इंडियन पीडिऍट 53, 293–8

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के आईपीडी/ओपीडी दोनों में उपयुक्त हस्तक्षेप करने वाली रणनीतियों के साथ निर्धारित की गई लेखा परीक्षा चालू।

भारत के फार्मा–को–विजिलेंस कार्यक्रम के माध्यम से रोगी की देखरेख में हस्तक्षेप।

आयोजित सम्मलेन

इंडियन सोसाइटी ऑफ रैशनिकल फार्माकोथेरेप्यूटिक्स (आईएसआरपीटी) वार्षिक सम्मेलन, रायगढ़ (छत्तीसगढ़), 2017.

लिपिड्स पर तीसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय लिपिड एसोसिएशन, नई दिल्ली, 2016.

50वां वार्षिक गोल्डन जयंती सम्मेलन का उद्घाटन, भारतीय भेषज गुण संघ (एआईजीजेसीनिप 2017).

अंतर–संस्थागत सहभागिता

विभाग, भारतीय फार्माकोपिया आयोग, भारत सरकार के सहयोग से भारत के फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम में शामिल होता है।

डॉ. एच.एस. रेहाना और डॉ. ललित कुमार गुप्ता विभिन्न विषयों में सीडीएससी की विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में योगदान देते हैं।

डॉ. एच.एस. रेहान यूसीएमएस की विच्छेदन निगरानी समिति के एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य करता है।

डॉ. ललित कुमार गुप्ता राष्ट्रीय एंटी डोपिंग एजेंसी के विशेषज्ञ हैं।

पीएच.डी एम.फिल एमडी से सम्मानित

एमडी (फार्माकोलॉजी)– 3

संकाय संख्या – 4

अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी

विभाग आईपीसी गाजियाबाद के सहयोग से भारत के फार्माकोविलिंस कार्यक्रम में शामिल हो रहा है और प्रतिकूल ड्रग रिएक्शन मॉनिटरिंग और रिपोर्टिंग की मात्रा और गुणवत्ता के मामले में शीर्ष पांच राष्ट्रीय केंद्रों में से एक है।

+++

औषध विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रकाशन

अग्रवाल, आर., गुप्ता, आर., भारद्वाज, आर.के. (2016). पैरासिमपैथेटेथिक नर्वस सिस्टम पर ड्रग्स प्रयोग, एस के गुप्ता (संस्करण) में, ड्रग्स स्क्रीनिंग मेथड्स, (पीपी 360–368) नई दिल्ली जेपी ब्रदर्स मेड पब्लिशर्स।

गुप्ता, आर. (2016), एनालजेसिक (दर्दनाशक), एस. के. गुप्ता (संस्करण), ड्रग्स स्क्रीनिंग मेथड्स, (पीपी 476–494), नई दिल्ली जेपी ब्रदर्स मेड पब्लिशर्स।

गुप्ता, आर. (2016). एंटी ड्रग्स, एस. के. गुप्ता (संस्करण), ड्रग्स स्क्रीनिंग मेथड्स, (पीपी 152–169), नई दिल्ली में जेपी ब्रदर्स मेड पब्लिशर्स।

गुप्ता, आर., गुप्ता, के., त्रिपाठी, ए.के., भाटिया, एम.एस, गुप्ता, एल.के. (2016). गंभीर अवसाद के साथ प्रमुख निराशाजनक विकार के रोगियों में ब्रेन–उत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर और ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर– α के सीरम स्तर पर मर्टाजेपीन उपचार का प्रभाव, औषधिविज्ञान. 97,184–188.

खन्ना, एन. अग्रवाल, ए. जैन, एस. (2016). एमोक्सिसिलिन क्लबुलैनीक एसिड के साथ एमोक्सिसिलिन सल्बैक्टम की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए कम शोधन तंत्र संक्रमणों के प्रबंधन में मूल्यांकन. मेड. इंडस्ट्रीज, 11, 5–9

कुमार, एस., पेंगटे, जी., गुप्ता, आर., रेहान, एचएस., गुप्ता, एल.के. (2017). पारंपरिक और जैविक बीमारी–संशोधित एंटीरयूमेटिक दवाओं पर संधिशोथ गठिया रोगियों में एंटी–कार्प एंटीबॉडी, रोग गतिविधि और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन. रयूमेटोलोजिया, 55, 4–9.

मित्तल, आर., गुप्ता, आर. (2016). एन्टी–एचआईवी ड्रग्स एस.के. गुप्ता (संस्करण), ड्रग स्क्रीनिंग मेथड्स, तीसरा संस्करण (पीपी 84–98), नई दिल्ली जेपी ब्रदर्स मेड पब्लिशर्स।

प्रसाद, ए., जैन, एस., कुमार, एम., रस्तोगी, टी., भट्टाचार्य, एस.के. (2016). इफेक्ट ऑफ एन–ऐसिटीलसाईस्टीन ऑन सम बिहेविरल एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस पैरामीटर्स इन स्लीप डेप्राइव्द माइस. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट ट्रेंड साइंस टेक्नोलॉजी., 19 (3) 404–409.

रंजन, ए., त्रिपाठी, ए., सौरभ, ए., कलाइसेल्वन, वी., गुप्ता, आर., गुप्ता, एस.के., अग्रवाल, एस.एस. (2016). फार्माकोविजिलेंस में संकेत अनुसंधान, विषयगत बायेशियन इनफोरेंस का आवेदन. जे एडवोकेट. फार्माकोपेड ड्रग सेफ्टी, 4, 207–211.

संगोष्ठी /सम्मलेन में प्रस्तुतियॉ

भारद्वाज पी., जैन एस., गुप्ता आर, हल्दर एस., सामान्य मानसिक विकारों में मनोवैज्ञानिक दवाओं का औषधि उपयोग का अध्ययन। फरवरी 9–11, 2017, कार्डियोवास्कुलर रिसर्च वीपीसीआई, दिल्ली में मौजूदा प्रगति पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।

गौतम एस. आर., जैन एस., मेदिरत्ता पी.के., बनर्जी बी डी. प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ एन–एसटीलसाईसटीन ऑन डाईपेंटीलथलेट इंड्यूस्ड कोगनिटिव डिसफंक्शन एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन माइस. फरवरी 9–11, 2017, कार्डियोवास्कुलर रिसर्च वीपीसीआई, दिल्ली में मौजूदा उपलब्धियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।

प्रमुख अवसादग्रस्त विकार के मरीजों में स्ट्रेस बायोमार्कर पर फ्लूक्सैटिन का प्रभाव. गुप्ता, आर., घोष, आर., घोष, एम.एस., भाटिया, त्रिपाठी, ए.के. आईपीएससीओपी 2016, 21–23 फरवरी,2016, चंडीगढ।

तफसीर एस., गुप्ता आर., जैन एस., भाटिया एम. एस., प्रमुख अवसादग्रस्त विकारों वाले रोगियों में एस्सिटलोप्राम की प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन. 9–11 फरवरी, 2017, कार्डियोवस्कुलर शोध वीपीसीआई, दिल्ली में हाल ही में उपलब्धियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।

संकाय संख्या – 3

+++

शरीर विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख उपलब्धियां एवं गतिविधियाँ

विभाग में कुल नौ संकाय सदस्य अध्यापन में शामिल हैं। यह विभाग शिक्षण के अलावा अनुसंधान और प्रशासनिक कार्यों में भी व्यस्त है। ये विभाग एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए संस्थान के साथ इंटर्नशिप कार्यक्रम को भी आयोजित करता है। डॉक्टरों और संकायों को प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित भी किया गया है और उन्होंने पुस्तकों के लेखन में (34 शीर्षकों के साथ 68 पुस्तकें) योगदान दिया है। डॉक्टरों को औषधि के विभिन्न क्षेत्रों में अपने विचारों और व्याख्यानों को साझा करने के लिए नियमित रूप से आमंत्रित किया जाता है।

सम्मान/गौरव

डॉ. अजय के. जैन :

एक वर्ष में छह पुस्तकों के लेखन हेतु प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एम्स, नई दिल्ली में विस्तृत व्याख्यान हेतु गेस्ट ऑफ ऑनर पुरस्कार प्रदान किया गया।

लोक सेवा आयोग, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए संकाय पदों के चयन हेतु एक विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।

पंजाब में (अमृतसर विश्वविद्यालय) विशेषज्ञ की भर्ती के लिए चयन समिति के विशेषज्ञों के लिए पैनल के रूप में नियुक्त किया गया।

कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस और रिसर्च, मोदीनगर (यू.पी.) के डी.जे. महाविद्यालय के पैनल के सलाहकार के रूप में नियुक्त किये गये।

एचएएमआरसी अनुसंधान सलाहकार समिति डीआईपीएएस, नई दिल्ली में विशेषज्ञों के पैनल के रूप में नियुक्त किया गया और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली के एक परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।

अमृतसर, इलाहाबाद और राजस्थान विश्वविद्यालय में परास्नातक शोधप्रबंध के मूल्यांकन के लिए परीक्षार्थी के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

भारतीय चिकित्सा परिषद् (एमसीआई), नई दिल्ली में मानद निरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।

भारत के फार्माकोलॉजिस्ट और फिजियोलॉजिस्ट संघ के लिए आजीवन सदस्य नामित।

स्नातक–पूर्व और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के सदस्य, भारतीय चिकित्सा परिषद, नई दिल्ली।

फिजियोलॉजी, ईएसआई अस्पताल, रोहिणी, नई दिल्ली, में संकाय पदों का चयन करने के विशेषज्ञ।

बनारसीदास चंडीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी, कालकाजी, नई दिल्ली में फिजियोथेरेपिस्ट पोस्ट जर्नल (पत्रिकाओं) के सलाहकार।

आईपीएच, नई दिल्ली नैतिक समिति के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु सलाहकार नियुक्त।

एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज के सदस्य– संपादकीय बोर्ड।

डॉ. वी.पी. वार्ष्णेय, थीसिस प्रोटोकॉल के अनुमोदन के लिए यूजी और पीजी प्रकोष्ठ के सदस्य.

डॉ. दया आर. हल्द्वानी, को एमसीआई की सदस्य और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड और एमसीआई निरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ. प्रीती जैन, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा विभिन्न स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षाओं की विभिन्न एमसीक्यू सत्यापन कार्यशालाओं के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया और एसटीएस प्रस्तावों और परियोजना रिपोर्टों की समीक्षा करने के लिए आईसीएमआर द्वारा एक विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रकाशन

हल्द्वानी, डी., यादव, ए., राठौड़, पी.के., टंडन, ओ.पी. (2016). प्राइमरी हाइपरटेन्सिड मरीजों (उच्च रक्त चाप से ग्रस्त) और एमएबीपी के साथ इसके सहसंबंध में मस्तिष्क की श्रवण संबंधी साक्ष्य संभावित प्रतिक्रियाएं। इंटरनेशनल थेरप्युटिक एप्लीकेशन जर्नल्स, 32, 28–34.

राज, वी., जैन, ए.के., हल्द्वानी, डी., भदोरिया, डी. पी. (2016). विस्तृत पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट द्वारा अस्थमा के मरीजों की नार्मल फर्स्ट डिग्री रिलेटिव्स में एक्सरसाइज ब्रोन्कियल लाइबिलिटी की प्रबलता होना. अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विज्ञान और अनुसंधान पत्रिका (आईजेएचएसआर), 6, 112–117.

माहौर, आर, महाजन, ए. एस, जैन, ए.के., सिंह टी., धनवल, डी.के., गुप्ता, एम. (2016). संज्ञानात्मक कार्य एवं उप–क्लिनिकल हाइपोथायरॉयड रोगियों के मूल्यांकन में घटना संबंधी संभाविता की भूमिका. एमएएमसी जे मेड एससी, 2, 43–7.

जैन, एस. और जैन, पी. (2016). प्रथम वर्ष के मेडिकल अवर स्नातक छात्रों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य का मूल्यांकन– एक अनुदैर्ध्य अध्ययन. अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान जर्नल. 5, 69–71.

निम, एस, गौतम, एम., कृष्णा, बी (2016). बैकलसिन द्वारा 6–ओएचडीए द्वारा इलाज किए गए उम्र के चूहे में स्ट्राटल डोपामाइनजिक न्यूरॉन्स की इन्हैंस न्यूरोप्रोटेक्शन. अंतरराष्ट्रीय विज्ञान इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी जर्नल.4

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. प्रीती जैन, आईसीएमआर एसटीएस द्वारा वित्तपोषित परियोजना, धूम्रपान आग्रह हेतु क्रियाकलापों पर तीव्र प्रभाव और धूम्रपान के कारण अस्थायी बचाव के दौरान धूम्रपान करने वाले भारतीय पुरुषों का संज्ञानात्मक प्रदर्शन।

डॉ. प्रीती जैन पर्यवेक्षक, एमडी थीसिस, टू द इन्फलुएंस ऑफ गेमिंग ऑन कॉग्निशन ऑन यंग एडल्ट्स।

डॉ. वी.पी. वार्ष्णेय एवं डॉ. मोना बेदी, परियोजना, फिजियोलॉजी ऑफ हैण्डराइटिंग एंड इट्स एप्लीकेशन इन द आइडेंटिफिकेशन प्रोसेस।

डॉ. वी.पी. वार्ष्णेय एवं डॉ. मोना बेदी, रीढ़ के रोगियों के इलाज में एक्यूपंक्चर के लिए परियोजना, भूमिका।

डॉ. वीपी वर्धन और डॉ. मोना बेदी, परियोजना, एएनएस और लिपिड प्रोफाइल का अध्ययन, फर्स्ट डिग्री रिलेटिव्स ऑफ टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस।

संगोष्ठी/सम्मलेन में प्रस्तुतियॉ

दामोर रॉबिन्सन, 28 वें भारतीय फिजियोलॉजी सोसाइटी (पीएचआईसीआईसीओएन –2016) का राष्ट्रीय सम्मेलन, 18 से 20 नवंबर, 2016 तक मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) में आयोजित किया गया।

वी.पी. वार्ष्णेय, जीबीपीएच (जीआईपीएमईआर), एमएएमसी, फरवरी 17–19, 2017, नई दिल्ली में श्तंत्रिका मांसपेशी विकारोंश पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन।

बाल कृष्ण, हरियाणा के फिजियोलॉजिस्ट एसोसिएशन द्वारा 11 अगस्त, 2016 को पेन फिजियोलॉजी फ्रॉम परसेप्शन टू एलीविएशन।

दया आर. हल्द्वानी :

डीएनबी कार्यालय, द्वारका, नई दिल्ली में 25 अक्टूबर, 2016 को एनईईटी पीजी 2016 का आयोजन।

डीएसटी के अंतर्गत विकसित स्वदेशी प्राद्यौगिकी और राष्ट्रीय हब द्वारा स्वास्थ्य देखभाल उपकरण विकसित (एनएचएचआईडी) के लिए प्रोन्नत, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई के लिए फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, 27 मार्च 2017, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया।

हरियाणा में फिजियोलॉजिस्ट एसोसिएशन के द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित 4 और 5 मार्च 2017, को फिजियोलॉजी विभाग, ईएसआईसी मैडिकल कॉलेज और अस्पताल, फरीदाबाद द्वारा आयोजित।

आरती एस. महाजन :

41वें, 42वें, 43वें मिनी–कार्यशाला संशोधित मूल पाठ्यक्रम कार्यशाला मई, अगस्त, सितंबर, 2016।

1–3 फरवरी, 2017 को वरिष्ठ निवासियों के लिए शैक्षिक विज्ञान प्रौद्योगिकी पर 44वीं मिनी–कार्यशाला।

15–17 फरवरी, 2017 को वरिष्ठ निवासियों के लिए शैक्षिक विज्ञान प्रौद्योगिकी पर 45वीं मिनी–कार्यशाला।

7–17 मार्च, 2017 को संकाय के लिए मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजी के लिए 70वें एनटीटीसी कोर्स।

मोना बेदी ने 17–19 फरवरी, 2017 को जीबीपीएच (जीआईपीएमईआर), एमएएमसी, नई दिल्ली में 'नर्व मसल डिसऑर्डर' पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी

डॉ. दया आर. हल्दवानी : पहले एमबीबीएस विद्यार्थियों के ट्यूटोरियल ऑफिसर इंचार्ज, स्टोर ऑफिसर इनचार्ज, फिजियोलॉजी विभाग, एमएएमसी स्थानीय क्रय समिति के सदस्य (खेल कर्मचारी संघ), टेलिफोन उपकरणों से संबंधित खरीद के लिए स्थानीय क्रय समिति का सदस्य सिनैप्स 2016 में ऑब्जर्वर (निरीक्षक) के रूप में नियुक्ति, एमएएमसी, एसजीटी मेडिकल यूनिवर्सिटी, गुड़गांव, हरियाणा में पेपर बनाने वाले के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ. आरती एस. महाजन : सदस्य–स्नातक स्वागत समिति और वार्षिक रिपोर्ट के लिए वार्षिक रिपोर्ट समिति नए प्रवेशकों के उन्मुखी कार्यक्रम के लिए प्रबंधन समिति का सदस्य नियुक्त.

डॉ. मोना बेदी : केन्द्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालय अधिकारी; पशु गृह (विभाग) के प्रभारी; शिकायत समिति के सदस्य, एमएएमसी; आटोमेटिक प्रयोगशाला के ओ/आई; रेजिडेंट्स के ओ/आई।

+++

शरीर विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियॉ और उपलब्धियॉ

विभाग सृजनात्मक क्षमता, अनुकूल माहौल और कार्यस्थल फिजियोलॉजी, दर्द और व्यवहार फिजियोलॉजी के साथ–साथ कार्डियोवैस्कुलर, श्वसन प्रणाली, न्यूरोफिजियोलॉजी, क्लिनिकल इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी के क्षेत्र में बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान में शामिल है। विभाग बी.एससी. (चिकित्सा प्रौद्योगिकी)– रेडियोलोजी, बी.एससी. (फिजियोथेरेपी) और मुक्त स्कूली कक्षाएँ को सहायता देता है। विभाग में किये गये लाभदायक जांच वीईपी, एनसीपी, पी300, बीईआरए, ईसीजी, ईएमजी स्वायत्त कार्य परीक्षण और पल्मोनरी फंक्शन जांच आदि हैं। विभाग रोगी की देखभाल भी करता है और ऐसे जांच–पड़ताल बाल चिकित्सा, ईएनटी, नेत्र विज्ञान, दवा और संज्ञाहरण (एनेस्थीसियोलोजी) विभाग की जरूरतों को पूरा करते हैं। विभाग ने सीसीआरवाईएन (आयुष, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार) के सहयोग से योग और जीवन शैली हस्तक्षेप क्लिनिक शुरू किया है जो विभिन्न बीमारियों जैसे हाइपरटेंशन, सीए डी, डायबिटीज. थाइरोइड डिसफंक्शन, अस्थमा और न्यूरोलोजी से जुड़ी समस्याओं से ग्रसित मरीजों और स्टाफ की जरूरतों को पूरा करती है। क्लिनिक ने अपनी स्थापना वर्ष से 1000 से अधिक मरीजों को सहायता दी है। एक्युप्रेशर थेरेपी भी पहले ही शुरू हो चुकी है। विभाग ने समस्या आधारित अधिगम (पीबीएल) और वैकल्पिक संरचित प्रैक्टिकल परीक्षा (ओएसपीई) को भी शामिल किया है। इन कार्यक्रमों का मूल्यांकन परिणाम विभिन्न सम्मेलनों और कार्यशालाओं में प्रस्तुत किया जा चुका है।

सम्मान / गौरव

डॉ. सिंह सतेन्द्र :

विश्व विकलांगता दिवस की पूर्व संध्या पर 02 दिसंबर, 2016, को सामाजिक कार्य के क्षेत्र में विकलांग व्यक्ति के द्वारा असाधारण उपलब्धि के लिए दिल्ली सरकार द्वारा राज्य पुरस्कार।

4 दिसंबर, 2016 को आयोजित इंडियाज फस्ट ब्लेड रनर अभियान चलाने की परिणति पर व्यक्तिगत चुनौतियों से ऊपर उठकर समाज के लिए योगदान देने हेतु केंद्रीय रक्षा सचिव द्वारा स्वच्छ क्षमता पुरस्कार दिया गया।

कर्मवीर चक्र और रेक्स ग्लोबल फेलोशिप 2016, संयुक्त राष्ट्र द्वारा एसोसिएशन में स्थापित और 27 नवंबर, 2016 को सामाजिक न्याय और क्रियाकलाप पर कार्य करने के लिए देशों के संघ का एनजीओ (आईकांगों)।

प्रकाशन

हल्द्वानी, डी.आर., यादव, ए., राठौड़, पी.के., टंडन, ओ.पी. (2016). मस्तिष्क तंत्र श्रवण के कारण प्राथमिक उच्च रक्तचाप से ग्रस्त मरीजों में संभावित प्रतिक्रिया पैदा होती है और अर्थात औसत धमनी रक्तचाप होता है। इंटरनेशनल थेरेपी एप्लीकेशन जर्नल, 32,28–34.

इंदोरा, वी., खालिक, एफ, वानी, एन (2017). यातायात पुलिसकर्मियों में श्रवण संबंधी मार्ग का मूल्यांकन. जर्नल ओक्यूप पर्यावरण. मेड, 8, 108–115.

जोशी, ए, सिंह, एस, जसवाल, एस, एट अल (2016). संकल्पना मानचित्र वेब–आधारित संवादात्मक शिक्षण में ज्ञान प्रबंधन और विश्लेषण के लिए एक टूल. इंटरनेशनल जर्नल एप्लीकेशन, बेसिक मेड रेस., 6 (3), 151–56.

कालरा, जे., सिंह, एस, बैद्याल, डी., बरुआ, पी., शर्मा, टी., धसमाना, डी.सी., सिंह, टी. (2016). फार्माकोलॉजी शिक्षण में कविता संभावनाओ की खोज. इंडियन जर्नल फार्मा को. 48(एस 1), 61–4.

खान. ए. जई वाई. खालिक एफ. (2017). ऑक्यूपेशनल रेस्पिरेटरी डिसफंक्शन अमंग बेकरी वर्कर्स. इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेश्यालीटीज. एचएचटीटीपीः//डीएक्स.डीओआई.ओआरजी10.1016जे.आईएनएमएस. 2017.02.003

खतरपाल, ए., सिंह, एस. (2016). रेप्रोड्युसिंग डिफरेंसेस लिंग्विस्टक्ली. इंडियन जर्नल मेड एथिक्स.1(3),162–66.

कुमार, एस, खालिक, एफ., सिंह, एस., एट अल. (अप्रैल, 2016). कॉपर प्रोसेसिंग उद्योग के श्रमिकों में पल्मोनरी फंक्शंस, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और डीएनए नुकसान. इंट., जर्नल ऑफ ओक्युप एनवायरनमेंट मेड 7(2),107–15.

मनीष, जी, प्रतिभा, जी, टंडन, ओ. पी. (2016), दिल्ली में वाहन उत्सर्जन से संपर्क में आने वाले ट्रैफिक पुलिसकर्मियों में फेफड़े की क्रियाकलापों का आकलन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, 5(1), 118–23.

सक्सेना, आर, गुप्ता, एम., शंकर, एन., जैन, एस., सक्सेना, ए. (2017), पुरानी पेल्विक दर्द से महिलाओं में जीवन की गुणवत्ता और पेन स्कोर पर योग हस्तक्षेप का प्रभाव. इंटरनेशनल. जर्नल ऑफ योग,10.9–15.

सिंह, एस. (2016), एम्ब्रेसिज ब्रोकनेस डिसेबिलिटी एंड बॉडी इमेज. आरएचआईएमई. 3.39–41.

सिंह, एस., बरुआ, पी., धालीवाल, यू., सिंह, एन. (2017), अनुभव संबंधी शिक्षा के लिए चिकित्सा से जुड़ी मानविकी का इस्तेमाल. भारतीय मेडिकल एथिक्स जर्नल, 2017 पुनःप्राप्त, एचटीटीपीः//टीआईएनवाईयूआरएल.सीओएम. केओएमआरयू 2जेड.

वर्मा, आर, लक्ष्मी, वी., वानी, एन., भट्टाचार्य, एन., टंडन, ओ.पी., सुनेजा, ए. (2017), गर्भावस्था के तीन ट्राईमेस्टर के दौरान स्वायत्तता की स्थिति का मूल्यांकन. जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस 6274–280.

पुस्तकों में अध्याय

शंकर, एन, कौशिक, आर (2016). फिजयोलॉजी ऑफ कॉन्ट्रेसेप्शन (अध्याय 2) गोयल एन, श्रीवास्तव एच, गुप्त बी,(संस्करण), कंट्रासेप्शन. नई दिल्ली सीबीएस पब्लिशर्स।

शंकर, एन, कौशिक, आर. प्लैकेंट फिजियोलॉजी एंड फंक्शन अल्पना सिंह, रिचा शर्मा, नीरजा गोयल, (एडीएस), द प्लेसेंटा एंड इट्स क्लीनिकल सिग्निफिकेंस. नई दिल्ली सीबीएस।

सिंह, एस, गुप्ता, पी. (2016). पर्सन्स विथ डिसेबिलिटी, अध्याय 13 – गुप्त पी. एंड खान एएम (संस्करण), टेक्स्टबुक ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन (पीपी545–74) नई दिल्ली सीबीएस प्रकाशक।

सिंह, एस. (2017), प्रीजर्वेस पेज, एस एंड असफ, एल (संस्करण), इन्क्लूजन, डिसेबिलिटी और कल्चर ऐन एथानोग्राफिक अप्प्रोच ट्रेवर्सिंग एबिलिटी एंड चलेंजेज, स्प्रिंगरय (मुद्रणालय में). आईएसबीएन 978–3–319–55223–1.

सिंह, एस. (2016). द राइट्स ऑफ ड्राइवर्स विद डिसेबिलिटीज. हरीश कुमार (संस्करण), एबिलिटी ऑन व्हील्स, एनेबलिंग डिवाइबिलिटी (प्रथम संस्करण). अहमदाबाद आर्टसन पब्लिशिंग हाउस, 2016.

वानी, एन. (2016) इलेक्ट्रिकोडाइग्नोसिस, अध्याय में तुर्कस ऑर्थोपेडिक्स, प्रिंसिपल्स एंड दियर एप्लीकेशन, 7वां संस्करण वोटर क्लुवर.

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. मनीष गुप्ता, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना, इंटरनेट डिसऑर्डर अमंगस्ट मेडिकल अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट्स.

फराह खालिक, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना, पुल्मोनरी फंक्शंस इन बेकरी वर्कर्स.

डॉ. नीलम वानी, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना, जागरूकता पर कार्यरत कंप्यूटर स्क्रीन की पृष्ठभूमि के रंग का प्रभाव और मेडिकल छात्रों की स्मृति और एकाग्रता क्षमताओं को शामिल करने वाले कार्यों का प्रदर्शन.

डॉ. फराह खालिक, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना, प्रीवलेंस ऑफ सब्सटेन्स एब्यूज अमंग अंडरग्रेजुएट मेडिकल स्टूडेंट्स एंड इट्स रिलेशनशिप विद अकेडमिक परफॉरमेंस.

डॉ. नीलम वानी, यूजीसी द्वारा वित्त पोषित परियोजना, भारत के अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ियों के श्वसन सूचकों पर प्राणायाम का प्रभाव.

संगोष्ठी/सम्मलेन में प्रस्तुतियॉ

इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी पर संक्षेप: फिजियोलॉजी विभाग, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, फरीदाबाद (हरियाणा) में डॉ. नीलिमा शंकर द्वारा हरियाणा की फिजियोलॉजी संघ के द्विवार्षिक सम्मेलनों की कार्यवाहियों में चिकित्सकों को एक वरदान।

संकाय संख्या –6

अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी

22 जून, 2016 को आयुष के तहतयोग प्रयोगशाला, फिजियोलॉजी विभाग के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस। .

स्नातक–पूर्व और स्नातकोत्तर प्रयोगशालाओं के उन्नयन और डॉक्टरों और तकनीकी स्टाफ को नए उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया।

+++

शारीरिक शिक्षा (यूसीएमएस)

प्रमुख उपलब्धियां और गतिविधियां

यूसीएमएस का पिछले कई वर्षों से खेलों में एक शानदार इतिहास रहा है। विद्यार्थी वर्ष भर विभिन्न खेल गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं और नियमित रूप से मैच, फुटबॉल, बास्केटबॉल, क्रिकेट, टेबल टेनिस और अन्य कई खेल अकादमिक वर्ष के दौरान आयोजित किये जाते हैं। खेलों के लिए कॉलेज में उपलब्ध अवसंरचना राष्ट्रीय स्तर के हैं जिसमें बास्केटबॉल कोर्ट, फुटबॉल का मैदान, क्रिकेट का मैदान और एक जिम सहित 2 एकड़ में खेल के मैदान फैले हैं। स्क्वाश और बैडमिंटन सुविधाओं वाले इंडोर स्टेडियम और दो सिंथेटिक टेनिस कोर्ट्स कॉलेज की

योजना में खेल अवसंरचना के विकास हेतु योजनाधीन हैं और निकट भविष्य में इसके पूरे होने की सम्भावना है। अकादमिक वर्ष के दौरान दो अनौपचारिक खेल बैठक –एरीना, खेल सप्ताह और आवालंशे आयोजित की गईं हैं जिनमें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों, इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और एनसीआर के अन्य महाविद्यालय बड़ी संख्या में हिस्सा लेते हैं।

प्रकाशन

शारीरिक शिक्षा और अनुप्रयुक्त व्यायाम विज्ञान पत्रिका, 2017 एलएनआईपीई गुवाहाटी।

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. चक्रवर्ती, यूजीसी द्वारा वित्तपोषित परियोजना, रिलेशनशिप ऑफ सिलेक्टेड किनेमटिक वेरिएबल्स विद दि परफॉरमेंस ऑफ नेशनल लेवल जुडोकास इन काटा गुरुमा (शोल्डर व्हील)।

संगोष्ठी/सम्मलेन में प्रस्तुतियाँ

आर. चक्रवर्ती, 9–11 दिसंबर, 2016 खेल नेशनल कॉलेज, त्रिची में पुनर्जागरण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।

आर. चक्रवर्ती, 14–15 दिसंबर, 2017 स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा, यूसीएमएस, दिल्ली में नवीनतम रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

संकाय–1

अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी

लाइट्स के अंतर्गत संगठित फुटबॉल और बास्केट बॉल।

वालीबॉल को फिर से शुरू किया गया।

टेबल टेनिस डबल्स को फिर से शुरू किया गया।

एरीना 2017 में इंटर कॉलेज हार्डबॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेता एरेना 2017 में इंटर कॉलेज बास्केटबॉल प्रतियोगिता, एरीना इंटर कॉलेज टेबल टेनिस प्रतियोगिता, एरीना 2017 में एमएएमसी, इंटर कॉलेज में बास्केट बॉल का आयोजन।

एरीना, 2017 में सॉफ्टबॉल क्रिकेट इंटर कॉलेज प्रतियोगिता के उपविजेता, फुटबॉल (सॉकर), एरीना में अंतर कॉलेज प्रतियोगिता, एरेना 2017 में टेबल टेनिस इंटर कॉलेज प्रतियोगिता, 2017.

+++

मनोचिकित्सा (यूसीएमएस)

सम्मान/गौरव

डॉ. भाटिया एम.एस., डॉ. रवि नेहरू मेमोरियल अवार्ड ऑफ दिल्ली साइकेट्रिक सोसाइटी फॉर बेस्ट–.पब्लिश्ड पेपर इन न्यूरोसाइकेट्री/न्यूरोसाइकोलॉजी, दिसंबर, 2016।

डॉ. श्रीवास्तव एस. :

डॉ. रवि नेहरू मेमोरियल अवार्ड ऑफ दिल्ली, न्यूरोसाइकेट्री/न्यूरोसाइकोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पेपर के लिए मनोचिकित्सीय सोसायटी, दिसंबर, 2016 नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमएएनएएमएस), नई दिल्ली, 2016 के सदस्य के रूप में प्रदान किया गया।

इंडियन साइकेट्रिक सोसाइटी (आईपीएस) नॉर्थ जोन में फेलो के रूप में 2016 के लिए चयनित।

22–23 जून, 2016 उदयपुर, राजस्थान, में आयोजित भारतीय सांस्कृतिक सोसाइटी, नार्थ जोन (आईपीएस–एनजेड) वार्षिक सम्मेलन में मस्तिष्क ट्यूमर वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और मनोवैज्ञानिक रोग के लिए जीसी बॉयलर पुरस्कार।

प्रकाशन

भाटिया, एम.एस., गौतम, पी. (2016). बच्चे की एंग्जायटी संबंधी विकार की रिपोर्ट जो दूरस्थ भूकंप के कारण हुआ था, जिसे स्थानीय समाचारों में बड़े पैमाने पर कवर किया गया था. शंघाई अभिलेखागार मनोचिकित्सा, 28(1),52–5.

भाटिया, एम.एस., साहा, आर., गौतम, पी. (2016) सेरेबेलर कॉग्निटिव अफेकटिव सिंड्रोम– एक केस रिपोर्ट. सीएनएस विकारों की प्राथमिक देखभाल सहचर, 31, 18 (2), डीओआईः 10.4088/पीसीसी.15 स01851.

भाटिया, एम.एस., साहा, आर., गौतम, पी., कौर, जे. (2016) इन्हेलेंट्स प्रेरित मनोविकृतिः एक केस रिपोर्ट. वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड फार्मास्युटिकल साइंसेस, 5(4), 1823–1827.

डोवाल एन., गोयल, ए., साह, आर., भाटिया, एम. एस. (2016). सब्सटेन्स एब्यूज एंड बॉर्डरलाइन पर्सनालिटी डिसऑर्डरः मैनेजमेंट चलेंजेज़. वर्ल्ड जर्नल ऑफ़ फार्मेसी एंड फार्मास्युटिकल रिसर्च, 5 (11), 1686–1690.

डोवाल, एन., साहा, आर., भाटिया, एमएस, गोयल, ए. (2016). ऐन अनकामन केस ऑफ इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी विद मूड डिसऑर्डर यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोकैमिकल एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज. 3 (7), 511–513.

गोयल, ए., साहा, आर., डोवाल, एन., भाटिया, एम.एस. (2016). प्रेंटम अंग सिंड्रोम– केस रिपोर्ट वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड फार्मास्युटिकल साइंसेस, 5(7),1768–1772.

गुप्त, आर., गुप्ता, के., त्रिपाठी, ए.के., भाटिया, एम.एस., गुप्ता, एल.के. (2016). गंभीर अवसाद के साथ अवसादग्रस्तता विकार के मरीजों में मस्तिष्क–व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर और ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर– के सीरम स्तर पर मिर्चजापीन उपचार का प्रभाव. फार्माकोलाजी, 97 (3–4), 184–8.

कौर, एन., मदन, पी., राणा, जी., कुमार, पी., मल्होत्रा, एस, भाटिया, एम.एस. (2017). एबोला वायरस रोग और जीका वायरस रोगरू न्यूरोसाइजिकट्रिक सिक्वेल. यूरोपीय जर्नल ऑफ बायोमेडिकल और फार्मास्युटिकल साइंसेज के, 4(2), 115–122.

निमीषा, डी., भाटिया, एन.के., भाटिया, एम.एस. (2016). मोर्सिकेशनलिंग्वारम : केस स्टडी, यूरोपीय जर्नल ऑफ बायोमेडिकल फार्मास्युटिकल साइंसेज, 3 (12), 361–362

रविकुमार, आर, राजौरा, ओ.पी., शर्मा, आर, भाटिया, एम.एस. (2017). दिल्ली में स्नातकोत्तर चिकित्सा विद्यार्थियों के मध्य भावनात्मक गुप्त अध्ययन, सेरेस, 9(1),ए–989.

साहा, आर., भाटिया, एम.एस., डोवल, एन. (2016) कई मनोरोग सह–रोगों के साथ ट्यूबर्स स्केलेरोसिस कॉप्लेक्स एक केस रिपोर्ट. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड रिसर्च, 6 (4), 566–568.

श्रीवास्तव, एस., भाटिया, एम.एस., साहा, आर. (2016). बाल चिकित्सा मनोविकृति के निदान में सूक्ष्म व्यवहार में बदलाव का महत्व. जर्नल ऑफ न्यूरोसाइकोफोरामाक्लोलॉजी और मानसिक स्वास्थ्य, 1, 21–2.

श्रीवास्तव, एस., भाटिया, एम.एस., भार्गव, एस.के., कुमारी, आर., चन्द्र, एस. (2016), वाक्सेल–आधारित विश्लेषण का उपयोग करते हुए एक प्रसार तंत्रिका इमेजिंग अध्ययन, व्हाइट–मैटर में असामान्यता का विश्लेषण करने के लिए रेजिन–ऑफ–इंटरेस्ट विधि प्रथम–एपिसोड, ट्रीमेंट–नैवे प्रमुख निराशाजनक विकार। जर्नल ऑफ न्यूरोसाइकायट्री और क्लिनिकल न्यूरोसिंसीज, 28,131–137.

श्रीवास्तव, एस., शेखर, एस., भाटिया, एम.एस., द्विवेदी, एस. (2017), कोरोनरी आर्टरी रोग और अतिविकार वाले मरीजों में जीवन की गुणवत्ता : एक तुलनात्मक अध्ययन। ओमान मेडिकल जर्नल, 32(1), 20–26.

श्रीवास्तव एस., भाटिया एम.एस., कटारिया डी. (2016). सामान्य मानसिक विकारों के प्रबंधन में परिणाम के रूप में जीवन की गुणवत्ता। इंडियन जर्नल सोशल साइको., 32 (4), 419.

पुस्तकों में अध्याय

भाटिया एम.एस. भारतीय मनोचिकित्सक सोसाइटी द्वारा प्रकाशित किया जा रहे स्नातक–पूर्व मनोचिकित्सकों पर किताब में सोमैटॉफॉर्म डिसऑर्डर अध्याय के लिए एक लेखक के रूप में आमंत्रित।

पुस्तकें

भाटिया, एम.एस. (2016). एसेंशियल्स ऑफ साईकेट्री, 8वां संस्करण, नई दिल्ली : सीबीएस प्रकाशक और वितरक प्राइवेट लिमिटेड।

भाटिया, एम.एस., कौर एन., (2016) मणिपाल विश्वविद्यालय (एमएएचई) पीजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा। नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड।

भाटिया, एम.एस. (2016). मरियम सफारा, ईरान द्वारा बच्चों और विशिष्ट बालकों में व्यवहार की समस्याएं अनुदित और पर्सियन में प्रकाशित।

दत्त, ए. (2016) मानसिक अशांति से पीड़ित लोगों की सहायता करने में मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा गंभीर होती है। 10 अक्टूबर, 2016 के हिंदुस्तान टाइम्स में, www.jagran.com. 8 अक्टूबर, 2016.

आयोजित सम्मलेन/ कार्यशालाएँ

डॉ. एम.एस. भाटिया की अध्यक्षता में दिल्ली मनोचिकित्सीय सोसाइटी, यूसीएमएस के सहयोग से अक्टूबर 3 –10, 2016 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर सभी के लिए मनोवैज्ञानिक एवं मानसिक स्वास्थ्य प्राथमिक चिकित्सा, 2016 (थीम विषय) को आयोजित किया गया।

दिनांक 14 दिसंबर, 2016 को मेडिकल डायरेक्टर, डॉ. सुनील कुमार, जीटीबी चिकित्सालय, ट्रेनिंग सेल, जीटीबी चिकित्सालय के अनुमोदन से यूसीएमएस और जीटीबी चिकित्सालय के सम्मलेन कक्ष में अंतरराष्ट्रीय स्टैटिस्टिकल एंड रिलेटेड हेल्थ प्रोब्लेम्स विषय पर डॉक्टरों के लिए शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

आयोजित सम्मलेन / कार्यशालाएं

श्रीवास्तव एस., भाटिया एम.एस., गौर ए., ब्रेनट्यूमर वाले मरीजों में जीवन की गुणवत्ता और मनोदशात्मक रोग. भारतीय मनोचिकित्सक सोसाइटी–नार्थ जोन, 2016, उदयपुर, राजस्थान का वार्षिक सम्मेलन।

श्रीवास्तव एस., भाटिया एम.एस., शर्मा ए., पोस्टर दिवसं 4. जीवन में गुणवत्ता और मेटाबोलिक प्रोफाइल स्कीजोफ्रेनिया के रोगियों में जो बाह्य संरचना में उपचार प्राप्त कर रहे हैं। इंडियन जर्नल सोशियो.साईके. अक्टूबर–दिसंबर, 2016, 32 (4), 473.

श्रीवास्तव एस., जिलोहा आर.सी., भाटिया एम.एस., कटारिया डी. संगोष्ठी 19, संस्कृति, सामाजिक पदानुक्रम और चेंजिंग इंडियन सोसाइटी के संदर्भ में मानसिक बीमारी। इंडियन जर्नल सोशियो साईके., अक्टूबर–दिसंबर. 2016, 32 (4), 350.

डॉ. श्रीवास्तव एस. ने 04 दिसंबर, 2016 को मुक्त पत्र सत्र की अध्यक्षता की और नवंबर 30–दिसंबर 4, 2016 को नई दिल्ली में XXII वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ दि वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर सोशल साईकेट्री संघ में एक सिम्पोजियम प्रस्तावित किया।

दिनांक 14–15 मार्च, 2017 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली (मुख्य पैट्रन, प्राचार्य, डॉ.वी. पी.गुप्ता के अंतर्गत) द्वारा आयोजित पॉजिटिव मेंटल हेल्थ एंड मेंटल डिसऑर्डर्स हेतु जीवनशैली हस्तक्षेप विषय पर स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा में नवीनतम ट्रेंड्स पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित 2 राष्ट्रीय सम्मेलनों में मेडिकल अप्रोच के संकाय के रूप में (इंटरनल)।

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. भाटिया एम.एस.,– एसटीएस, टू स्टडी दि प्रीवैलेंस ऑफ साइकोलॉजिकल मोर्बिडिटी। कॉग्निटिव फंक्शन एंड एब्यूज इन कम्युनिटी बेस्ड एल्डरली पोपुलेशन।

डॉ. भाटिया एम.एस., आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना, टू स्टडी को–मोर्बिडिटी ऑफ आटिज्म इन इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी इन चिल्ड्रेन एज्ड 6–12 इयर्स इन अ टरशियरी केयर हॉस्पिटल ऑफ ईस्ट दिल्ली।

डॉ. श्रीवास्तव एस, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना, ओसीडी में फेनोटाइपिक क्लस्टर की पहचान हेतु अन्वेषणपूर्ण, बहु–केन्द्रीय अध्ययन।

डॉ. श्रीवास्तव एस, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना, ओब्सेस्सिवे, कम्पल्सिव डिसऑर्डर में नैदानिक संबंधी जीवन की समग्र स्वास्थ्य संबंधी गुणवत्ता, विकलांगता, का आकलन करने हेतु।

डॉ. श्रीवास्तव एस. टू डिटरमाइन को–मोर्बिडिटी ऑफ आटिज्म इन इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी इन चिल्ड्रेन एज्ड 6–12 इयर्स इन अ टेररियरी केयर हॉस्पिटल ऑफ ईस्ट दिल्ली।

डॉ. श्रीवास्तव एस., टू स्टडी मेटाबोलिक प्रोफाइल एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन पेशेंट्स विद सीरियस मेंटल इलनेस (एसएमआई) विसिटिंग टरशियरी केयर, टीचिंग चिकित्सालय।

संकाय संख्या – 2

अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी

विभाग ने एक विकलांगता क्लिनिक शुरू किया जो प्रत्येक गुरुवार, 2 बजे मूल्यांकन और प्रमाणन के लिए कार्य करता है। हम आईसीडी–10 पर यूसीएमएस और जीटीबी चिकित्सालय के मेडिकल स्टाफ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करते हैं। विभाग साइकोलॉजिकल प्राथमिक चिकित्सा सहायता भी उपलब्ध कराता है। वर्तमान में विभाग आईसीएमआर एसटीएस कार्यक्रम के अंतर्गत मेडिकल विद्यार्थियों को नियमित प्रशिक्षण प्रदान करता है और यह मेडिकल साइंसेज के तहत एकमात्र साइकेट्रिक विभाग है जो साइकेट्रिक और क्लिनिकल साइकोलॉजी में पीएच.डी प्रशिक्षण देता है।

+++

फेफड़ा औषध (वीपीसीआई)

प्रमुख उपलब्धियां और गतिविधियां

वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट (वीपीसीआई) ने शिक्षा, अनुसंधान और रोगी की देखभाल संबंधी गतिविधियों को जारी रखा है। संस्थान ने शैक्षिक कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में इस अवधि के दौरान व्याख्यानों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं जनभाषणों और अन्य कार्यक्रमों को आयोजित किया था। स्नातकोत्तर मेडिकल शिक्षा संस्थान के सबसे मुख्य क्षेत्रों में से एक है। पल्मोनरी चिकित्सा में डीएम और एमडी डिग्री पाठ्यक्रमों हेतु विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जाता है; बायोकेमिस्ट्री, फिजियोलॉजी, माइक्रोलोजी और फार्माकोलोजी में एमडी और चेस्ट मेडिसिन और सहायक विज्ञानों में पीएचडी के लिए और इन अकादमिक क्रियाकलापों के अतिरिक्त कई अन्य गतिविधियों को वीपीसीआई में अवधि के दौरान चिन्हित किया जाता है। संस्थान ने आजादी–70 याद करो कुर्बानी, शिक्षक दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, सतर्कता जागरूकता दिवस, स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) इत्यादि समारोहों को आयोजित किया था। वरिष्ठ डाक अधीक्षक, दिल्ली द्वारा नीलाम्बरी–2016 में आयोजित जिला स्तर की डाक टिकट संग्रहण प्रदर्शनी में 30 सितम्बर, 2016 को सरदार वल्लभभाई पटेल तथा वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट के भवन के फोटो वाले डिजाइन किए गए डाक लिफाफे जारी किए गए।.

सम्मान / गौरव

डॉ. राज कुमार :

अतिथि सम्मान, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिनांक 29 मार्च, 2017 को 21 वीं सदी भारतीय और वैश्विक संदर्भ के पर्यावरण संबंधी सम्मेलन पर द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन।

सदस्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, सीएएस–2010 के अंतर्गत निजी संवर्धन मामले के लिए चयन समिति।

सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं (एमआरपी) के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक।

विशेषज्ञ, डीएम औषधि चिकित्सा के लिए डीएम थीसिस मूल्यांकन, पीजीआई चंडीगढ़।

विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, राष्ट्रमंडल मेडिकल फैलोशिप के उम्मीदवारों हेतु साक्षात्कार।

बाह्य विशेषज्ञ, एलआरएस टीबी और श्वसन रोग संस्थान, नई दिल्ली, यूसीएमएस और परचेज, एम्स में बॉडी प्लेथिसमोफोग्राफी।

सदस्य, चयन समिति, हिंदू कॉलेज प्राचार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

सदस्य, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, सरकार भारत के प्रतिनिधि, स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, यूपी में तंबाकू नियंत्रण (डब्ल्यूएचओ एफसीटीसी) पर डब्ल्यूएचओ फ्रेमवर्क कन्वेंशन के लिए।

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, राजकुमारी अमृतकौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग–नियुक्तियां के शासी निकाय में विश्वविद्यालय प्रतिनिधि।

सदस्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए संसदीय समिति।

अध्यक्ष, कार्यकारी परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय, डब्ल्यू यूएस दिल्ली विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र।

अध्यक्ष, 3 वर्ष की अवधि के लिए मेडिकल साइंस के संकाय के तहत पल्मोनरी मेडिसिन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

सदस्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, वर्ष 2016–17 के लिए जांच अनुशासन समिति।

विशेषज्ञ, विभाग की पल्मोनरी मेडिसिन, एआईआईएमएस, नई दिल्ली, सीओपीडी और अस्थमा संबंधी दिशा–निर्देश तैयार करने में मदद हेतु तकनीकी कार्य समूह।

05 जून, 2016 को इंडिया आई इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स ऑब्जर्वर द्वारा भारत और भूटान, इंडिया इस्लामिक सेंटर, लोदी एस्टेट, नई दिल्ली के सहयोग से भारत आई इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स प्रेक्षक द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पैनल चर्चा के अवसर पर अतिथि का सम्मान।

प्रकाशन

पूंगादन, एम.एन., गुप्ता, एन., कुमार, आर. (2016). भारत में जीवनशैली के कारकों और अस्थमा– एक केस–नियंत्रण अध्ययन. न्यूमोनोल एल्रगोल पोल., 84, 104–108.

पूंगादन, एम एन., गुप्ता, एन, कुमार, आर. (2016). भारत में आहार पैटर्न और अस्थमा, न्यूमोनोल एल्रगोल पोल., 84, 160–167.

कुमार, आर. (2016). भारत में मरीजों में गंभीरता, जीवन की गुणवत्ता, नींद की गुणवत्ता और इन्फ्लेमेटरी मार्करों पर मोटापा और मेटाबोलिक सिंड्रोम का प्रभाव. न्यूमोनोल एल्रगोल पोल., 84, 158–264.

कुमार, आर., गोयल, एन., कुमार, एस., कुशवान, ए. एस., विजयन, वीके (2016). तम्बाकू समाप्ति केंद्र पर तंबाकू उपयोगकर्ताओं की महामारी विज्ञान प्रोफाइल–ऐन इंडियन एक्स्पेरियंस. इंडियन जर्नल चेस्ट डिस. एलाइड साइंस, 58, 93–97.

कुमार, आर. (2016). अस्थमा नियंत्रण में आहार पैटर्न और जीवन शैली कारक। इंडियन जर्नल एलर्जी अस्थमा इम्मुनोल, 30, 80–90.

कुमार, आर., गुप्ता, एन, पूंगादन, एम.एन., बालासुब्रमैनिन, वी. (2016). भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में 106 सिगरेट, बीड़ी और गैर–धूम्रपान करने वाले फेफड़े के कैंसर के रोगियों के क्लिनिकल स्पेक्ट्रम। इंडियन जर्नल चेस्ट डिस. अलाइड साइंसेज – स्वीकृत.

प्रसाद, आर. और कुमार, आर. (2016). प्रशिक्षण मैनुअल में सुधार – भारत में एलर्जी की स्थिति, श्वसन संबंधी एलर्जी, निदान और प्रबंधन पर 41वीं कार्यशाला, वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट, 4–8, अप्रैल, आईएसबीएन 968–81–920556–2–9.

कुमार, आर. भारत में एलर्जी की स्थिति, अध्याय, टेक्स्ट बुक, राज कुमार (संस्करण), श्वसन एलर्जी, निदान और प्रबंधन, नई दिल्ली : नीलम ग्राफिक्स. आईएसबीएन 978–81–920546–5–0.

कुमार, आर. एलर्जी टेस्टिंग, अध्याय, टेक्स्ट बुक, राज कुमार (संस्करण), श्वसन एलर्जी, निदान और प्रबंधन, नई दिल्ली : नीलम ग्राफिक्स. आईएसबीएन 978–81–920546–5–0.

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. राज कुमार, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2015), इनडोर एयर पल्यूशन एंड अस्थमा एक्सासरबेशन इन चिल्ड्रेन अ चिल्ड्रेन बेस्ड स्टडी, 1.25 करोड़.

डॉ. राज कुमार (सह–अन्वेषक), आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2016), इफेक्ट ऑफ आउटडोर एयर पल्यूशन ओं एक्यूट रेस्पिरेटरी सिम्पटम्स इन दिल्ली– ए मल्टीसाइट प्रोजेक्ट रु.1.25 करोड़.

डॉ. राज कुमार (समन्वयक), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, सरकार भारत द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2016), वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली में तंबाकू क्विटलाइन सर्विसेज (टीयूएलएस). 1.2 करोड़ (अनुमानित).

आयोजित संगोष्ठी

श्वसन एलर्जी पर 41वीं एलर्जी कार्यशाला : 4 से 8 अप्रैल, 2016 को नेशनल सेंटर ऑफ रेस्पिरेटरी एलर्जी, निदान और प्रबंधन का आयोजन श्वासनल एलर्जी, अस्थमा और इम्यूनोलॉजी (एनसीआरएएआई), वीपी चेस्ट संस्थान, दिल्ली द्वारा आयोजित संस्थान के जीनोमिक्स एंड इंटिग्रेटिव बायोलॉजी, दिल्ली के वीपी चेस्ट संस्थान, दिल्ली में आयोजित किया गया था। डॉ. राज कुमार, आयोजन सचिव.

विश्व तम्बाकू दिवस 2016 का आयोजन वी.पी. चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा सोसाइटी टोबैको कंट्रोल और नेशनल कॉलेज ऑफ सीस्ट फिजिशियन (भारत), 3 जून 2016 वी.पी. चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय में किया गया था।

22–25 अक्टूबर,, 2016 को 50वां आईसीएएआईसीओएन–2016, नेशनल कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा और एप्लाइड इम्यूनोलॉजी का स्वर्ण जयंती नेशनल कांफ्रेंस, वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया था। सम्मेलन में एक दिवसीय कार्यशाला 22 अक्टूबर 2016 को स्किन प्रिक टेस्ट एंड इम्यूनोथेरेपी को शुरू हुई और इसमें 'स्किन प्रीक टेस्ट और इम्यूनोरेपीरेपी' के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं को कवर किया गया था। इस सम्मेलन में अमेरीका, नीदरलैंड, जर्मनी और श्रीलंका के 12 अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी द्वारा अतिथि व्याख्यान दिए गए थे और लगभग 50 अतिथि व्याख्यान भारत के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संकाय द्वारा दिए गए थे। डॉ. राज कुमार, आयोजन सचिव.

संगोष्ठी/सम्मलेन में प्रस्तुतियाँ

अनिल कुमार मावी, कमल सिंह, दीपक कुमार, राज कुमार, सेंसटाईजेशन टू पिजोन एलर्जेंस, कॉमन एरोएलेर्जेंस इन अस्थमा पेशेंट्स, 50वें आईसीएआईसीओएन –2016 का आयोजन वीपी चेस्ट संस्थान में इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा और एप्लाइड इम्यूनोलॉजी की स्वर्ण जयंती नेशनल कांफ्रेंस, दिल्ली, 22–25 अक्टूबर, 2016. को किया गया था।

राज कुमार, कमल सिंह, जितेंद्र के. नागर, मनोज कुमार, अनिल कुमार मावी, दिल्ली के ग्रामीण इलाके के बच्चों में एलर्जी श्वसन रोग सहित इंडोर एयर पल्यूशन एसोसिएशन, 50वीं आईसीएआईसीओएन–2016 में, इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड एप्लाइड इम्युनोलोजी की स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन वीपीसीआई, दिल्ली, 22–25 अक्तूबर, 2016 (एब्सट्रैक्ट 24) में आयोजित की गई।

राजकुमार, कमल सिंह, जितेंद्र के. नागर, मनोज कुमार, अनिल कुमार मावी, रवींद्र प्रताप सिंह, भारत में अस्थमा और एलर्जिक राइनाइटिस के रोगियों में एरोएलार्जेस का प्रकोप, जो 50 आईसीएआईसीओएन–2016 में स्किन प्रिक टेस्ट रेअक्टिविटी पर आधारित है, स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा और एप्लाइड इम्यूनोलॉजी का सम्मेलन, वी.पी. छावनी संस्थान, दिल्ली, 22–25, 22 अक्टूबर (एब्सट्रैक्ट 25) में आयोजित किया गया।

राज कुमार, कमल सिंह, जितेंद्र के. नागर, मनोज कुमार, अनिल कुमार मावी, दिल्ली एनसीआर की महिलाओं में इंडोर एयर पल्यूशन और अस्थमा, 50वीं आईसीएआईसीओएन–2016 में, इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड एप्लाइड इम्युनोलोजी की स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन 22–25 अक्तूबर, 2016 (एब्सट्रैक्ट 26) वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली में आयोजित की गई.

श्वसन संबंधी एलर्जी : निदान और प्रबंधन, पर वीपीसीआई, दिल्ली, में 4–8 अप्रैल, 2016 को 41वीं कार्यशाला में ब्रोन्कियल अस्थमा में खाद्य एलर्जी पर संकाय व्याख्यान।

4 अप्रैल, 2016 को वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली को हैंड्स ऑन प्रैक्टिकल ट्रेनिंग– श्वसन संबंधी एलर्जी : निदान और प्रबंधन पर 41वीं कार्यशाला में एसपीटी।

10 अप्रैल, 2016 को आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल), नई दिल्ली में श्वसन चिकित्सा में वर्तमान रुझान के बारे में सीएम पर धूम्रपान बंद–वर्तमान स्थिति पर अतिथि व्याख्यान।

एसीसी–स्लीप मेडिसिन (ए सर्टिफिकेट कोर्स इन स्लीप मेडिसिन), वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट, 21 अप्रैल, 2016 में स्कोप ऑन स्लीप मेडिसिन पर संकाय व्याख्यान।

राष्ट्रीय तंबाकू क्विटलाइन, विश्व तंबाकू दिवस 2016 पर प्रस्तुति और 30 मई, 2016 को नई दिल्ली, ली मेरिडियन होटल, नई दिल्ली में नेशनल टुबैको क्विट लाइन का शुभारंभ.

3 जून, 2016 को वीपीसीआई, दिल्ली मे विश्व तंबाकू दिवस 2016 के तहत धूम्रपान करने की समाप्ति पर सार्वजनिक व्याख्यान, 2016 –कोई तम्बाकू नहीं – अपनी जीवन शैली बदलें।

7–8 जुलाई, 2016 को एएसआई 2016 में 'इम्यूनोथेपी के संकेत' पर अतिथि व्याख्यान, बेंगलुरु में एलर्जीन स्पेसिफिक इम्युनोथेरेपी पर आम सहमति।

7–8 जुलाई, 2016 को एएसआई 2016 में निर्धारित एआईटी और खुराक शूड्यूलों पर अतिथि व्याख्यान, बेंगलुरु में एलर्जीन विशिष्ट प्रतिरक्षण चिकित्सा पर आम सहमति से मुलाकात।

07 अगस्त, 2016 को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी, रेस्पिरेटरी मेडिसिन एंड स्लीप (रिस्पॉकोन–इंडिया) पर नेशनल कॉन्फ्रेंस में धूम्रपान करने की समाप्ति पर अतिथि व्याख्यान।

11 सितंबर, 2016 को प्राइजियोलॉजी विभाग, श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज और चिकित्सालय, चेन्नई, में तमिलनाडु के फिजियोलॉजिस्ट के साथ इंडोर वायु प्रदूषण– बच्चों में फेफड़े के स्वास्थ्य पर पर्यावरण व्याख्यान और व्यावसायिक स्वास्थ्य (इएनवीओसीसीओएन 2016) पर अतिथि व्याख्यान।

22 अक्टूबर, 2016 को एलर्जी और इम्यूनोथेरपी कार्यशाला 50वां आईसीएएआईसीओएन–2016 के दौरान क्लिनिकल इम्यूनोलॉजिकल डायग्नोसिस ऑफ फूड एलर्जी पर वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली में एलर्जी, अस्थमा और एप्लाइड इम्यूनोलॉजी के स्वर्ण जयंती नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन।

25 अक्तूबर, 2016 को लाइफ स्टाइल– डायट एंड अस्थमा पर अतिथि व्याख्यान, 50वां आईसीएएआईसीओएन–2016 पर वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली में एलर्जी, अस्थमा और एप्लाइड इम्यूनोलॉजी की द गोल्डन जुबली नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया।

नवंबर 24–27, होटल ग्रैंड हयात मुंबई, में चेस्ट फिजिशियन (एनसीसीपी) और भारतीय चेस्ट सोसायटी (आईसीएस) नैपॉन– 2016 के 18वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत में खाद्य एलर्जी–स्थिति 2016 पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

30 दिसंबर, 2016 को एएपीआई ग्लोबल हेल्थ केयर समिट–2016 के दौरान 'भारत में खाद्य एलर्जी' पर अतिथि व्याख्यान, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत के सहयोग से उदयपुर, राजस्थान में आयोजित किया गया।

29 जनवरी, 2017 को 'स्किन प्रिक टेस्ट न्यूर पैरडाइम्स इन एलर्जी डायग्नोसिस' के अंतर्गत एलर्जी निदान ग्लोबल रेकॉमेंदेशन एंड इट्स कोरिलेशन विद क्लिनिकल प्रैक्टिस' पर रमजान होटल, गुड़गांव में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

29 जनवरी, 2017 को स्किन प्रिक टेस्ट न्यूर पैरडाइम्स इन एलर्जी डायग्नोसिस के अंतर्गत 'इम्प्रोविंग आउटकम इन एलर्जी रायनाइटिस एंड एलर्जिक अस्थमा' पर रमजान होटल, गुड़गांव में आयोजन।

29 जनवरी, 2017 को हैंड्स ऑन एक्स्पेरियंस स्किन प्रीक टेस्ट इन स्किन प्रीक टेस्ट रमादान होटल, गुड़गांव, में एलर्जी निदान में न्यूर पैराडिम्स का आयोजन।

25 फरवरी, 2017 को इको–क्लब के तहत श्वसन एलर्जी और एप्लाइड इम्यूनोलॉजी पर किरोड़ी मल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में अतिथि व्याख्यान।

4 मार्च, 2017 को 'चाइल्डहुड एलर्जी प्रोग्राम' के दौरान 'हाउ कैन आई गेट रीड ऑफ माय एलेर्जीज? बुक टू बेडसाइड पर सर गंगा राम अस्पताल द्वारा आईएपी रेस्पिरेटरी चैप्टर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी

22–25 अक्टूबर, 2016 को आयोजित 50वें नेशनल कांफ्रेंस ऑफ इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड एप्लाइड इम्मुनोलोजी में डॉ. निपुम मल्होत्रा. एमडी पल्मोनरी मेडिसिन, प्रोफेसर राजकुमार, विभागाध्यक्ष, नेशनल सेंटर ऑफ रेसपेरिटरी एलर्जी, अस्थमा एंड इम्युनोलोजी, वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के दिशा–निर्देश में स्नातकोत्तर रेजिडेंट को वी.राजू अवार्ड टू द मेजर इफेक्ट ऑफ एनवायरनमेंट टूबैको स्मोक एक्सपोजर ऑन दि रेस्पिरेटरी हेल्थ ऑफ चिल्ड्रेन इन रूरल एरिया ऑफ दिल्ली–एनसीआर, आईसीएआईसीओएन–2016, दिया गया।

+++

रेडियो निदान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग नैदानिक और साथ ही अनुसंधान कार्य भी करता है। हमारी ताकत में अनुभवी वरिष्ठ संकाय और एक सामंजस्यपूर्ण कामकाजी वातावरण का मार्गदर्शन शामिल है जो दलीय– कार्य पर स्थापित है। अनुसंधान कार्य एमडी छात्रों को आवंटित सभी विषयों के रूप में किया जाता है। हमारे छात्र रेडियोलोजी के व्यावहारिक पहलुओं को सीखते हैं क्योंकि वे नैदानिक मामलों, विशेषकर बाल चिकित्सा मामलों की एक विस्तृत विविधता के साथ सामने आते हैं। इस साल, हमारा विभाग आईएपी, रेस्पिरेटरी खंड के 28वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में, पेडियाट्रिक चेस्ट रेडियोलॉजी– बाल चिकित्सा की बुनियादी बातें, पर एक सम्मेलन पूर्व कार्यशाला के आयोजन में शामिल था। यह हमारे छात्रों के साथ ही भाग लेने वाले बाल चिकित्सकों के लिए सीखने का एक अच्छा अवसर था। हमारे छात्रों ने कई अन्य सम्मेलनों में भाग लिया, और शोध पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए। हमारे संकाय शिक्षण गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे और विभिन्न सम्मेलनों में व्याख्यान दिया।

सम्मान /गौरव

संकाय विभिन्न सरकारी अस्पतालों की खरीद समितियों में रेडियो निदान उपकरणों की खरीद के विशेषज्ञों के रूप में शामिल है।

डॉ. राम आनंदः

आईआरआईए (भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन) की दिल्ली शाखा से प्रतिष्ठित सेवा पुरस्कार प्राप्त किया।

एम्स में एमडी रेडियो निदान परीक्षा के लिए परीक्षक नियुक्त किए गए, 2016.

जून 2016 में केजीएमयू लखनऊ में एमडी रेडियो निदान परीक्षा के लिए परीक्षक नियुक्त किए गए।

बी.एससी. मेडिकल टेक. (रेडियो निदान और इमेजिंग) भाग –III अगस्त, 2016 में पीजीआई चंडीगढ़ में व्यावहारिक और मौखिक परीक्षा के परीक्षक।

अक्टूबर, 2016 में केजीएमयू लखनऊ में डीएमआरडी प्रायोगिक परीक्षा नियुक्त किए गए।

नवंबर 2016 में लुधियाना डीएमसी और बाबा फरीद विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान में एमडी रेडियो निदान के लिए परीक्षक नियुक्त किए गए।

मई, 2016 में रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के वैज्ञानिकों के लिए मूल्यांकन बोर्ड में विशेषज्ञ नियुक्त किए गए।

स्वामित्व वाली वस्तुओं की खरीद और अस्पताल विभाग के उपकरणों के लिए रखरखाव की मरम्मत की समिति के सह–अध्यक्ष।

उपकरण खरीद समिति के अध्यक्ष।

इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईजेआरआई) के समीक्षक नियुक्त किए गए।

जेसीडीआर के लिए समीक्षक नियुक्त किए गए।

डॉ. पूजा एबे को इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईजेआरआई) की समीक्षक नियुक्त किया गया है।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

डॉ. हरप्रीत सिंह कपूर, प्रथम पुरस्कार, आईआरआईए मासिक बैठक, एलएचएमसी, नवम्बर, 2016

डॉ. कानिका चावला, आईआरआईए मासिक बैठक, एलएचएमसी, नवंबर 2016 में दूसरा पुरस्कार; मौखिक पेपर प्रस्तुति में सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट, राष्ट्रीय आईआरआईए, भुवनेश्वर जनवरी, 2016; दूसरा पुरस्कार, क्विज–जीआई इमेजिंग सीरीज, एम्स, नवंबर, 2016.

डॉ. विश्वनाथ साहू, ई–पोस्टर प्रस्तुति में सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट, राष्ट्रीय आईआरआईए, भुवनेश्वर जनवरी, 2016; एनडी द्वितीय पुरस्कार क्विज जीआई इमेजिंग सीरीज, एम्स, नवम्बर 2016; मौखिक पेपर प्रस्तुति में सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट, राष्ट्रीय आईआरआईए, जयपुर, जनवरी, 2017य ई–पोस्टर प्रस्तुति, मोशनल आईआरआईए, जयपुर, जनवरी, 2017.

डॉ. साहिल सिद्दीकी, मौखिक पेपर प्रस्तुति में सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट, राष्ट्रीय आईआरआईए जयपुर, जनवरी, 2017.

डॉ. प्रियंका राणा, मौखिक पेपर प्रस्तुति में सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट और ई–पोस्टर प्रस्तुति में सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट, राष्ट्रीय आईआरआईए, जयपुर, जनवरी, 2017

प्रकाशन

पी. एबे., एच. एस. कपूर, आर. आनंद, आर. सिंह, (2016), चेस्ट रेडियोग्राफ पर केंद्रीय रेखा की असामान्य स्थितिः एक असामान्य विसंगति का संकेत। यंग इंडिया, 33, 680–1.

एस. के. भार्गव, के. वर्मा, एस. भट्ट, एस. तोमर, एस. भार्गव, (2016), व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए रेडियो–निदान, नई दिल्लीः सीबीएसई

पुस्तक अध्याय

डॉ. एस. तोमर, *डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी* एस के भार्गव के साथ सह लेखक, नई दिल्लीः सीबीएसई।

पी. शेरवानी, ए. वीर, आर. आनंद, आर. गुप्ता (2016), *लंग लीज्डः फुफ्फुसीय भागीदारी के साथ गाउचर रोग का एक मामला।* यंग इंडिया, 33, 108–10.

पी. शेरवानी, ए. वीर, आर. आनंद, जी, श्रीवास्तव, (2016), *हाइपरडेन्स वेसल साइनः बियांड थ्रोम्बोसिसः ए मामले की रिपोर्ट,* दंत एवं चिकित्सी विज्ञान की पत्रिका, 15 (12), 62–64

पी. शेरवानी, ए. वीर, आर. आनंद, एम. जाजू, (2016), *अस्पष्ट शिरापरक कैथेराईजेशन गलत हो गयाः हेपेटिक जटिलताएं,*

पी. शेरवानी, एस. श्वेता, एन. कुमार, एम.के. नरुला, आर. आनंद, ओ. पी. पठानिया, (2016), *वास्तविक समय के माध्यम से निदान स्तन फिलारियेसिस सोनोग्राफिक इमेजिंगः एक मामले की रिपोर्ट,* रेडियोलॉजी की ईरान की पत्रिका, 13 (1), ई –179 91

आयोजित सम्मेलन

सम्मेलन पूर्व कार्यशाला – पीडीएट्रिक चेस्ट रेडियोलॉजी – एक बाल रोग विशेषज्ञ के लिए बुनियादी बातें, 18 नवंबर, 2016 को आयोजित आईएपीए श्वसन अध्याय (रेस्पिकॉन 2016) के 28वें वार्षिक नेशनल कॉन्फ्रेंस में में भागीदारी।

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में 26 नवंबर, 2016 को दिल्ली राज्य आईआरआईए की मासिक बैठक।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

राम आनंदः

संकाय, 69वां आईआरआईए भुवनेश्वर जनवरी 21 से 24, 2016.

संकाय, डीआईयू फरवरी, 2016.

संकाय, पीजी एआईआरपी कोर्स न्यूरो रेडियो 26 से 28, 2016

संकाय, हरनाम सिंह मध्यावधि सीएमई 2016 दिल्ली

संकाय, चेस्ट रेडियोलॉजी पर एम्स रेडियोलॉजी कोर्स

संकाय, सम्मेलन पूर्व कार्यशाला और मुख्य सम्मेलन– 28वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में ''बाल चिकित्सा विज्ञान के लिए पीडीएट्रिक सीस्ट रेडिओलॉजी बेसिक्स''।

संकाय, आईएपी सम्मेलन, श्वसन अध्याय (रेस्पिकॉन, 2016)।

संकाय, आईएसपीआर कोलकाता सितंबर, 2016

संकाय, एम्स एमएएमसी पीजीआई नवम्बर, 2016।

संकाय, एम्स न्यूरो रेडियोलोजी डिजाईन अपडेट, दिसंबर 2016.

संकाय, आईएसपीआर कोलकाता सितंबर, 2016

संकाय, एम्स एमएएमसी पीजीआई नवम्बर, 2016.

संकाय, एम्स न्यूरो रेडियोलोजी डिजाइन, दिसंबर 2016.

पूजा एबेः

एम्स, नई दिल्ली, 30 जुलाई और 31 जुलाई, 2016 को एम्स, पीडीएट्रिक चेस्ट रेडियोलॉजी कोर्स संकाय।

15–16 अक्टूबर, 2016 को जीबी पंत इंस्टिट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली के ऑडिटोरियम में आयोजित एप्लाइड रेडियोलॉजिकल फिजिक्स और टेक्नोलॉजिकल प्रगति पर सीएमई।

10–12 सितंबर, 2016 को एमएएमसी, नई दिल्ली में आईआरआईए आवासी शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आईएपी के 28वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में शल्य चिकित्सा अध्याय (रेसिसन 2016) में बाल रोग विशेषज्ञों के लिए पीडीएट्रिक चेस्ट रेडियोलॉजी – एक बाल रोग विशेषज्ञ के लिए बुनियादी बातें पर सम्मेलन पूर्व कार्यशाला।

भवानी सतीजा, संकाय के रूप में, आईएपी, श्वसन अध्याय (रेस्पिकॉन 2016) के 28वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पीडीएट्रिक चेस्ट रेडियोलॉजी –एक बाल रोग विशेषज्ञ के लिए बुनियादी बातें' पर सम्मेलन पूर्व कार्यशाला।

विकास चौधरी, संकाय, आईएपी, श्वसन अध्याय (रेस्पिकॉन 2016) के 28वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पीडीएट्रिक चेस्ट रेडियोलॉजी – एक बाल रोग विशेषज्ञ के लिए बुनियादी बातें' पर सम्मेलन पूर्व कार्यशाला।

अंतर–संस्थागत सहयोग

बाल चिकित्सा विभाग और बाल चिकित्सकों की भारतीय अकादमी (आईएपी) – 18 नवंबर, 2016 को आयोजित आईएपी, श्वसन अध्याय (रेस्पिकॉन–2016) के 28वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में पीडीएट्रिक चेस्ट रेडियोलॉजी – एक बाल रोग विशेषज्ञ के लिए बुनियादी बातें' में भागीदारी। ।

दिल्ली राज्य आईआरआईए के साथ – लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में 26 नवंबर, 2016 को मासिक बैठक।

संकाय की संख्या – 7

+++

विकिरण चिकित्सा विज्ञान (यूसीएमएस)

सम्मान / गौरव

डॉ. ए. के. श्रीवास्तव को 4 मार्च, 2017 को प्रेसीडेंट एप्रीसिएशन अवार्ड दिल्ली आईआरआईए 2016–17 प्रदान किया गया।

प्रकाशन

अग्रवाल, आर., चौधरी, एस., कार, आर., राधाकृष्णन, जी., टंडन, ए.(2017). प्रेडिक्शन ऑफ प्रीक्लेम्पसिया इन प्रिमिग्रेविदा इन लेट ट्राईमेस्टर यूजिंग सीरम प्लेसेंटल ग्रोथ फैक्टर एलोन एंड बाय कॉम्बिनेशन मॉडल। जर्नल ऑफ ऑब्स्ट्रेट्रिक्स और गायनोकोलॉजी. डीओआई : 10.1080 / 01443615.2017.1309367.

अग्रवाल, आर., तिवारी, ए., वाधवा, एन., राधाकृष्णन, जी., भट्ट, एस., बत्रा, पी. (2017). असामान्य नाभि धमनी डॉपलर वैलोसिमेट्री और प्लैंटल हिस्टोपैथोलॉजिकल सहसंबंध, भ्रूण विकास प्रतिबंध. दक्षिण अफ्रीकी जर्नल प्रसूति एवं गायनोकोलॉजी, 23(1). डीओआई 10.7196 / एसएजेओजी.2017. vi23i1.1109.

भट्ट, एस., टंडन, ए., सिंह, ए.के., मनचंदा, एस, जैन, एस., मीना, एन. (2016). क्यूडल रिग्रेसेशन सिंड्रोम : जन्मजात सोनोग्राफी के साथ किए गए आम अंतर निदान की जुड़ी समीक्षा के साथ एक केस स्टडी। जर्नल ऑफ डायग्नॉस्टिक मेडिकल सोनोग्राफी, 1–4. डीओआई 10.1177 / 8756479316677012.

भट्ट, एस., अहमद, एम., बत्रा, पी., टंडन, ए., रॉय, एस., मंडल, एस. नियोनाटल एड्रेनाल हेमोर्रहेज प्रेजेंटिंग एज 'एक्यूट स्क्रोटम' – लुकिंग बिऑन्ड दि ऑबियश : ए सोनोग्राफी इनसाइट। जे. अल्ट्रासाउंड. डीओआई10. 1007 / एस40477–017–0248–3.

भट्ट, एस., मिश्रा, बी., टंडन, ए., मनचंदा, एस. पार्थासार्थि, जी.(2017). सुपीरिएयर मेसेंटेरिक आर्टरी सिंड्रोम इन एसोसिएशन विद एबडोमिनल ट्यूबरक्लुसोसिस : एन आई ओपनर. मलायस.जे मेड. विज्ञान, 24(3), 96–100 http://doi.org /10.21315 / mjms 2017.24.3.12.

भट्ट, एस. मिश्रा, बी., टंडन, ए., मनचंदा, एस., पार्थसारथी, जी. (2017)। सुपीरिएयर मेसेंटेरिक आर्टरी सिंड्रोम इन एसोसिएशन विद एबडोमिनल ट्यूबरकुलोसिस : एन आई ओपनर. मलायस.जे मेड. विज्ञान, 24(3), 96–100 http://doi.org /10.21315 / mjms 2017.24.3.12.

भट्ट, एस., राजपाल, एन., राठी, वी., अवस्थी, आर. (2016). कॅन्ट्रास्ट इन्ड्यूस्ड नेफ्रोपैथी विद इंटरावेनॅस आयोडाइनेटेड कॅन्ट्रास्ट मीडिया इन रुटीन डायग्नोस्टिक इमेजिंग : एन इनीशियल एक्सपेरियंस इन ए टेरटिअरी केयर हॉस्पिटल। रेडियोल रेस प्रैक्ट, 8792984. डीओआई : 10.1155 / 2016 / 8792984. ईपब. 2016 मार्च 16. पीएमआईडी, 2709686.

भट्ट, एस., सुंबुल, एम., राजपाल, राधाकृष्णन, जी. (2017)। गैर–अंशदायी हिस्टीरोसलप्रिंगोग्राफी वाले बांझ रोगियों में तीन आयामी मल्टीडेटक्टर सीटी हिस्टीरोसलपिंगोग्राफी के मूल्य : एक भावी अध्ययन। जे. रेप्रोड. इन्फरटाइल., 18(3),323–654.

भट्ट, एस., सुशीला, टंडन, ए., भार्गव, एस.के. (2016), परंपरागत रेडियोग्राफी में विकिरण खुराक का आकलन। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल मेडिकल साइंस एकेडमी 29(3), 146–150.

भट्ट, एस., टंडन, ए., सिंह, ए.के., मनचंदा, एस., जैन, एस., मीना, एन. क्यूडाल रिग्रेसेशन सिंड्रोम : ए केस स्टडी विद एसोसिएटेड रिव्यू ऑफ कॉमन डिफरेंसियल डायग्नोसेस मेड विद एडिनटाएंटल सोनोग्राफी.जर्नल ऑफ डायग्नॉस्टिक मेडिकल सोनोग्राफी, 1–4. doi : 10.1177 / 875647931667701.

भट्ट, एस., वर्मा, पी., ग्रोवर, आर. के., शर्मा, पी., राजाराम, एस. (2017)। सक्सेस, इफेक्टिवनेस एंड सेफ्टी ऑफ कम्बाइंड सोनोग्राफिक एंड फ्लोरोस्कोपिक गाइडेड पेरकुटेनिअस नेफ्रोस्टोटॉमी इन मालिग्नेंट यूरेटेरनल ऑब्स्ट्रक्शन। इंटरनेशनल जर्नल रेडिओल, रेडिया थेरेपी. 3(1),00,048. doi : 10.15406 / ijrrt.2017.03.00048ण

भट्ट, एस., वर्मा, पी.।, मीणा, एन., टंडन, ए., तनवीर, एन., बंसल, डी. ग्लोमसवेगेटेट्यूरोर, क्या इसका सोनोग्राफी पर ही निदान किया जा सकता है? जे. अल्ट्रासाउंड. doi : 10.1007 / एस 40477–016–0237–वाई (ई–आईएसएसएन 1876–7931)

भट्ट, एस. गोयल, एम., गुप्ता, ए., टंडन, ए., रॉय, एस.(2017), डायग्नोसिस ऑफ यूरेथ्रेल ऑन डायनेमिक वॉयइडिंग ट्रांस्वेजिनेल सोनुरेथ्रोग्राफी। जर्नल ऑफ डायग्नोस्टिक मेडिकल सोनोग्राफी, 1–4। doi : 10.1177 / 87564793 1 6688435.

भट्ट, एस. (2016), पुस्तक समीक्षा : पेडियेट्रिशियन्स के लिए क्लिनिकल रेडियोलॉजी. इंडियन पेडियेट्रिक्स 53(1), 86.

दीवान, पी., टंडन, ए., रोहतगी, एस., कुरेशी, एस. (2016), तीन वर्ष के बच्चे में बहुपेशीय ट्यूबरकुलस ऑस्टियोमाइलाइटिस. पेडियाट्रिक्स एंड इंटरनेशनल चाइल्ड हेल्थ।

गुप्ता, एस., भट्ट, एस., भार्गव, एस.के., सिंगल, ए., भार्गव, एस. (2016), हाई रेजोल्युशन सोनोग्राफिक परीक्षा : कुष्ठ रोगी में अलनर तंत्रिका न्यूरोपैथी का अध्ययन करने के लिए एक नई तकनीक. लेप्रोसी रिव्यु, 87(4), 464–475.

पाथमोट, डी., उल्हाक, आर, अग्रवाल, एन.एन., नगर, एम., भट्ट, एस. (2017), एसेसमेंट ऑफ दि जियोमेट्री ऑफ प्रोक्सीमल, डीओआई : 10.12659 / पीजेआर. 900198.

रॉय, एस, भट्ट, एस, रावल, आर, टंडन, ए, मीना, एन. (2017), स्प्लेनिक वेन थ्रोम्बोसिस एज ए रेयर कॉम्प्लिकेशन ऑफ डिसेमिनेटेड ट्यूबरकुलोसिस – इमेजिंग डायग्नोसिस एंड केस रिपोर्ट। पोल. जे रेडोल., 82, 106–109.

सिंगल, ए., पांधी, डी., गोगोई, पी., भट्ट, एस. सूजुगल फाईब्रो–ओस्सियस स्यूडोटमोर अंक : एक दुर्लभ घटना. इंट. त्वचाविज्ञान जर्नल, डीओई : 10.1111 / आईजेडी.1341.

सिंगल, ए, वोहरा, एस, शर्मा, आर, भट्ट, एस. (2016), ब्लू रबर ब्लैक नर्वस सिंड्रोम, मस्कुल्लो–कंकाल इनवोल्फेमेंट एंड पल्मोनरी स्टेनोसिस. भारतीय पेडियेट्रिक्स 53, 525–7.

सान्याल, एस., प्रसाद, के., उपरीती, एल., गारगा, यू.सी. (2016), असामान्य अतिरिक्त नोडल नरम ऊतक सम्मेलन के साथ लिम्फोप्रोलीफेरेक्टिव मैलिग्नेन्स में रेडियोलॉजिकल मैनिफेस्टेशन के स्पेक्ट्रम. जे क्लीन. डायग्न. रीस, 10 (7).

टंडन, ए, दीवान, एस, भट्ट, एस, जैन, ए.के., कुमारी, आर. (2017). कंधे के चिपकने वाला कैप्सूलिटिस के निदान में सोनोग्राफी : एक केस कंट्रोल अध्ययन, जर्नल ऑफ अल्ट्रासाउंड. (स्वीकृत).

टंडन, ए, श्रीवास्तव, पी., वाधवा, एन, गुप्ता, एन, भट्ट, एस, जैन, बीके, पंत, सीएस (2017). स्तन कैंसर की हार्मोन रिसेप्टर स्थिति की भविष्यवाणी में सोनोग्राफी. भावी अध्ययन. जर्नल ऑफ डायग्नोस्टिक मेडिकल सोनोग्राफी (स्वीकृत).

टंडन ए., (2016) फीमर फॉर शॉर्ट सेफेलोमेड्युलरी नेल्सक प्लेसमेंट : एन ऑब्जर्वेशनल स्टडी इन ड्राई फेमोरा एंड लिविंग सब्जेक्ट्स। इंडियन जे. आर्थोप., 50, 26 9 –76 http//www.ijoonline.com/test.asp?2016 / 50 / 3 / 269 / 181785.

यादव, ए., बंसल, आर., टंडन, ए., वाधवा, एन., भट्ट, एस. (2017), डिसेमइनेटेड हिस्टोप्लाज्मोसिस : ए रेयर केस प्रेजेंटेशन। ट्रोपिकल डॉक्टर.

यादव, ए., बंसल, आर., टंडन, ए., वाधवा, एन., भट्ट, एस. (2017). डिसेमइनेटेड हिस्टोप्लाज्मोसिस : ए रेयर केस प्रेजेंटेशन। ट्रोपिकल डॉक्टर. 0(0), 1–3.

खुराना, आर., अग्रवाल, ए., डबास, ए., गुप्ता, एन. (2017), मैसिव हेपटोमेगाली इन ए नियोनेट–एन अनयूजअल केस। इनट. जे. कॉटेम्प. पेडियाट्रि. 4(1), 274–275.

कुमार, एच., तनवीर, एन. गुप्ता, एन., मिश्रा, के. (2016), लार्ज सेल कैलिफोसिटिंग सर्टोली सेल ट्यूमर ऑफ टेस्टिस– ए रेयर केस रिपोर्ट। जे क्लिन. डायग. रिसर्च, 10(11), ईडी 03.

सेमिनार सम्मेलन में प्रस्तुतियॉ

अहमद एफ, गुप्ता एन, उप्रेती एल, खुल्लर टी, राठी वी., स्पेक्ट्रम ऑफ इमेजिंग फाइंडिंग्स इन यूथरी ट्रैक्ट इन्फेक्शंस एंड सीक्ले।

गर्ग डी, स्वरुप एमएस, उप्रेती एल, गुप्ता एन, राठी वी, स्वेलिंग एट एंगल ऑफ मैंडिबल–इमेजिंग स्पेक्ट्रम ऑफ पेडियाट्रिक पैरोटिड और पेरी–पैरोटिड लेसेन्स।

हाफ्लॉन्गबार टी, उप्रेती एल, गुप्ता एन, स्वरुप एमएस, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल वोल्वुलस– ए मल्टीमोडिलिटी पिक्चोरियल रिव्यू।

स्वरूप एमएस, उप्रेती एल, राठी वी, सिंह पीपी, मिश्रा के, गुप्ता एन :

पैरोटिड ग्रंथि ट्यूमर के मूल्यांकन में 64 स्लाइसा एमडीसीटी पर्फ्यूसन इमेजिंग की भूमिका :

21–21 मई, 2016 को डॉ. हरमन सिंह मिडटर्म सीएमई –2016, दिल्ली ने इमेंजनिंग इन गायनोकोलोजिकल एमरजेन्सिस।

3 केएसआर आईआरआईए दिल्ली में 23 जुलाई 2016 को मैत्री संगोष्ठी में इमेजनिंग इन बाउल इस्सेमिया

आईआरआईए आवासीय शिक्षा कार्यक्रम (आईआरईपी) दिल्ली में 10 से 12 सितंबर 2016 को इमेजनिंग इन स्माल बाउल टूमर्स का आयोजन किया गया।

24 सितंबर, 2016 को थायरॉइड कैंसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में थायरॉयड नोडल्स के मूल्यांकन में अल्ट्रासाउंड की भूमिका।

05–08 जनवरी, 2017 को जयपुर, राजस्थान में आयोजित आईआरआईए के 70वें राष्ट्रीय सम्मेलन में इमेजनिंग इन एब्डोमिनल एमरजेन्सिस पर आईसीआरआई के डॉ. एन. जी. गाडेकर मेमोरियल ऑरेशन।

दिसंबर, 2016 से मार्च 2017 तक रेडियोलॉजी परीक्षणों में व्यावहारिक कौशल पर 10 फिल्म रीडिंग सत्र का आयोजन किया गया।

25 मार्च, 2017 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू), अलीगढ़, यूपी में आयोजित आवासीय शिक्षा कार्यक्रम में फिल्म रीडिंग सत्र

संकाय संख्या –8

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

यूजी तथा पीजी प्रयोगशालाओं का उन्नयन

नये उपकरणों के उपयोग हेतु डॉक्टर और तकनीकी कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

+++

सर्जरी (एमएएमसी)

सम्मान /गौरव

डॉ. पी., एन अग्रवाल को जनवरी, 2016 में सराहनीय सेवाओं हेतु दिल्ली सरकार द्वारा पुरस्कृत किया गया।

डॉ. पवनेंद्र लाल :

डॉ. बी.सी. रॉय पुरस्कार.

डॉ. एस. के. सेन मेमोरियल ओरेशन 2016– एएसआई (दिल्ली अध्याय)–12 नवम्बर, 2016– सर्जरी –चुनौतियां और समाधान में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण।

मेडिकल शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए बीएमजे दक्षिण एशिया पुरस्कार 2016– रनरअप.

डॉ. अनुभव विंडाल को अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन इंटरनेशनल स्कॉलरशिप 2016 से सम्मानित किया गया।

डॉ. अनुभव विंडाल, फेलोशिप ऑफ अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स का अवार्ड प्रदान किया गया।

डॉ. अनुराग मिश्रा

वॉशिंग्टन डीसी, यूसए, में अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स के फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

प्रमुख, एडवोकेसी, लेनसेट कमीशन ऑफ ग्लोबल सर्जरी–इंडिया (आईएलसीओजीएस) के रूप में निर्वाचित।

मेडिकल साइंसेज के एमएएमसी जर्नल में सेक्शन एडीटर (मैं यह कैसे करूँ) के रूप में नियुक्त किया है।

राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह में एनएमए और एएमए, एमएएसी द्वारा बधाई दी गई।

डॉ. लोवनीश कुमार को 11–13 नवम्बर, 2016 सर्जिकॉन 2016 में नई दिल्ली में प्रथम पुरस्कार–सर्वश्रेष्ठ पोस्टर।

प्रकाशन

बैंस, एल. (2016)– मूत्र पथरीय मेटास्टैसिस की वजह से डुओडनल बाधा, साहित्य की समीक्षा के साथ केस प्रस्तुति–12वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि एशियन क्लिनिकल ओनकोलॉजी सोसायटी का सार, जर्नल ऑफ कार्सिनोजेनेसिस, 15, ,एस 231.

बैंस, एल. (2016)– मिश्रित मेडयुलरी– फॉलिक्युलर कार्सिनोमा ऑफ थायरॉइड : बड़े थायराइड में दुर्लभ दोहरी मैलिगेंसी। 12वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि एशियन क्लिनिकल ओनकोलॉजी सोसायटी का सार, जर्नल ऑफ कार्सिनोजेनेसिस,15, ,एस 240.

बैंस, एल. विंडाल, ए., पवनेंद्र एल. (2015). बड़े पैमाने पर हाइपेटिक हाइडैटिडोसिस में पित्त वाहिनी के संचार में कम से कम आक्रामक तकनीकों के साथ काम किया गया. एमएएमसी जे. मेड. साइंस, 1, 37–40.

बैंस, एल. (2016)– सिस्टिक नलिका का प्राथमिक कार्सिनोमा : ए एक्सट्रीमली रेयर मैलिगेंसी. केस तथा समीक्षा. 12वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि एशियन क्लिनिकल ओनकोलॉजी सोसायटी का सार, जर्नल ऑफ कार्सिनोजेनेसिस, 15, एस 232.

बैंस, एल. (2016)– विशालकाय सिस्टिक फीट्रोमोसाइटोमा : मूक बढ़ती विपत्ति, 12वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि एशियन क्लिनिकल ओनकोलॉजी सोसायटी का सार, जर्नल ऑफ कार्सिनोजेनेसिस, 15– एस 254.

बैंस, एल., गुप्ता, ए., कौर, डी., बातिशा, ए.(2016) मोबाइल राइट कोलन सिंड्रोम : ओब्स्कयूर केस ऑफ लोअर राइट एब्डोमिनल पैन. एनल्स ऑफ कोरेक्टल रिसर्च, 4(2).

बैंस, एल., कौर, डी., बातिश, गौतम, के.के. (2016). ट्रावुमेटिक एब्डोमिनल वाल हेर्नियां विद प्राइमरी कोलोनिक हेर्निएशनःएन अनकॉमन प्रेजेंटेशन। नटल मेड. जे. इंडिया, 29(4) (सार).

बैंस, एल. (2016). पोर्टल वेन थ्रोम्बोसिस ऑफ्टर ब्लंट ट्रावुमा एब्डोमेन : ए डायग्नोस्टिक एम्बिगुइटी। नटल मेड. जे. इंडिया, 29(4)सप्ल.,76.(सार).

बैन्स, एल. (2016). पोस्ट ट्रावुमेटिक सेयुडोनेउरीस्म ऑफ रिप्लेस्ड राइड हेपाटिक आर्टरि मैनेज्ड विद क्वायल इम्बोलाईजेशन। नटल मेड. जे. इंडिया, 29(4)सप्ल.,121.(सार).

बैंस, एल. (2016). स्पेक्ट्रम ऑफ ट्रांसनेल हाई प्रेशर बारोट्रामा काजिंग कोलोरेक्टल इंज्यूरिएस : एन इंस्टीट्यूशल एक्सपीरिएंस। नटल मेड. जे. इंडिया, 29(4) सप्ल., 138–9(सार).

बैंस, ,एल.(2016). मेलिगेंट मेलानोमा ऑफ दि अनोरेक्टम : ए बिजारे प्रेजेंटेशन। दि साउथेस्ट एशिया जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट एंड रिव्यु. (प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया)

बैंस, एल. (2016). उत्तरी भारत में एक तृतीयक देखभाल चिकित्सालय का दौरा, रक्तदाता और प्राप्तकर्ता जनसंख्या के बीच रीथ्रोसाइट ऑलियोमिमुजनाइजेशन और ऑटोइम्युनाइजेशन. जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च. (प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया)

बैन्स, एल., कौर, डी., ककर, ,ए.के. बातिश, राव, एस.(2017). सिस्टिक नलिका का प्राथमिक कार्सिनोमा : एक केस रिपोर्ट एंड रिव्यु ऑफ क्लासीफिकेशन्स। वर्ल्ड जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, 15(1), 30.

बैंस, एल. (2016). कार्सिनोमा मूत्राशय के लिए रेडिकल क्रिस्टोनोमी परिणामी उपचार : एक भारतीय अनुभव। एशियाई नैदानिक ओंकोलॉजी सोसाइटी के 12वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सार, जर्नल ऑफ कार्सिनोजेनेसिस, 15(1), एस164.

गुप्त, ए., बैंस, एल., अग्रवाल, एम. के. गुप्ता, आर. (2016). विशालकाय पुटीय फेयोक्रोमोसाइटोमा : एक सायलेंट इनटिटी। यूरोलॉजी एन्नल्स, 8(3), 384.

गुप्ता, बी., वर्मा, एन., खुराना, एन., जैन, एस.के.(2016). डर्माटिफिब्रोसारकोमा प्रोटुबेरन्स ऑफ दि स्कैल्प, विद फाइब्रोसार्काट्स एरियाज मासक्यूरेडिंग एज इपिडेरमल इनक्लूजन सायस्ट. बीएमजे केस रिपोर्ट्स, 2016215427.

जैन, आर., बाली, आर. एस., चंदर, जे., निओगि, एस., गुप्ता, ए.(2016)– अल्टरेशन इन रेसिसटिव इनडेक्स ऑफ रेनल वास्कल्चर फालोइंग एक्स्ट्रापोकोरपोरियल शॉक वेव लिथोट्रिप्सी फॉर रेनल स्टोन्स। बीआर. जे. ऑफ मेडि. मेडिकल रिसर्च, 17, 1–6.

कुमार, एल., सिंह, एम., सक्सेना, ए., कोल्हे, वाई., करांडे, एस.के., सिंह, एन., वेंकटेश, पी., मीना आर.(2015). अनयूजवल प्रेजेंटेशन ऑफ डेंगू फीवर लीडिंग टू अननेससरी एप्पेंडेक्टोमी। केस रिपोर्ट. इंफेक्ट. डिस., 465238.

पवनेंद्र, एल. (2016). दि हिस्ट्री ऑफ मिनिमल एक्सेस सर्जरी इन एमएएमसी–लेसन टू लर्न। जे मेड. साइंस, 2,113. 5.

पवनेंद्र, एल., विंडाल, ए., मिधा, एम., नागपाल, पी., मनचंदा, ए., चंदर, जे. (2014). अरली पोस्ट–ऑपरेटिव वेट लॉस ऑफ्टर लेप्रोस्कोपिक स्लीव गेस्ट्रेक्टोमी कोरिलेट्स विद दि वाल्यूम ऑफ दि एक्साइज्ड स्टोमेक एंड नॉट विद दैट ऑफ दि स्लीव! प्रीलिमिनरी डाटा फ्राम ए मल्टी–डिटेक्टॅर कॅम्प्यूटेड टोमोग्राफी–बेस्ड स्टडी! सर्ज. इंडोस्क.

पवनेंद्र, एल., किशोर, जे. (2015). एडिटोरियल, वेल्कम टू एमएएमसीजेएमएस। एमएएमसी जे. मेड. साइंस, 1,1–2.

पवनेंद्र एल. (2015). संपादकीय, विदर मेडिकल एजुकेशन और हेल्थकेयर. एमएएमसी जे. मेड. साइंस, 1, 59–63.

पवनेंद्र एल., बाबुल, बी., आर., शर्मा, जी, प्रधान. (2016). लेप्रोस्कोपिक टीईपी रिपेयर ऑफ इनग्युइनल हेरनिया डज नॉट अल्टर टेस्टीकुलर परफ्युजन। हेरनिया, 20,429.434.

......

सक्सेना, ए., कुमार, एल., सिंह, एम., कोल्हे, वाई, करांडे, ,एस.के., वेंकटेश, पी., सहाय, एन.(2015). स्पॉन्टेनियश क्लोजर ऑफ एन इलेओस्टोमी : ए रेयर आक्करेंस। इंट. जे. सर्ज. केस रिप., 7सी, 124–6.

सिंह, एम., कुमार, एल., सिंह, आर, जैन, ए.के., करांडे, एस.के., सरदना, ए., प्रशांत, यू.(2014). गालब्लेडर परफोरेशन : ए रेयर कॉम्प्लीकेशन ऑफ एनटेरिक फीवर। इंट. जे. सर्ज. केस रिप., 5(2), 73–5.

श्रेष्ठा, एस., घुलियानी, डी. (2016). एब्डोमिनल ट्यूबरकुलोसिस : ए रिट्रॉस्पेक्टिव एनालेसिस ऑफ 45 केसस। इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, 63(4), 219–24.

विंडाल, ए. पवनेंद्र एल. (2015). दि वेरेस्स नीडल काजेज मोस्ट लेपरोस्कोपिक इन्जूरियस एंड शुड बी एबेंडेड : फॉर : दि ओपेन टेक्निक इज सेफर एंड सेव्स टाइम। बीजेओजी, 122(1), 141.

विंडाल, ए. चंदर, जे., पवनेंद्र एल., महेंद्र बी. (2015). कॅपेरिजन बिटविन इनट्रऑपरेटिव कोलेंगिओग्राफी एंड कोलेडोकोस्कोपी फार डक्टल क्लीयरेंस इन लेपरोस्कोपी सीबीडी एक्सप्लोरेशन : ए प्रोस्पेक्टिव रेंडॅमाइज्ड स्टडी. सर्ज. इंडोस्क., 29, 1030–1038.

यादव, पी., मिर्जा, एम., नंदी, के., जैन, एस.के., काजा आर.सी., खुराना एन, रे., पी.सी., सक्सेना, ए.(2016). सीरम माइक्रोआरएनए–21 एक्प्रेशन एज ए प्रोग्नोसटिक एंड थेरेप्युटिक बॉयोमार्कर फॉर ब्रेस्ट कैंसर पेसेंट्स। ट्यूमर बायो. 37(11), 15275–15282.

यादव, पी., मासरुर, एम., तनवर, के., मीर, आर., जाविद, जे., अहमद, आई., जुबेरी, एम, काजा, आर.सी., जैन, एस. के, खुराना, एन., रे, पी.सी., सक्सेना, ए. (2016). क्लिीनिकल सिग्निफिकेंस ऑफ टीपी 53(आर72पी) एंड एमडीएम 2 (टी 309जी) पोलिमोरफिज्म इन ब्रेस्ट कैंसर पेसेंट्स। क्लिीनि. ट्रॉन्सले. ओनकोल., 18(7), 728–34.

यादव, पी., मीर, आर. नंदी, के., जाविद, जे., मसरुर, एम., अहमद, आई., जुबेरी, एम., काजा आर. जैन, एस.के., खुराना एन, रे, पी, सी., सक्सेना, ए. (2016). दि सी609टी (पीआरओ187एसईआर), नल पोलिमोरफिज्म ऑफ एनक्यूओ 1, जीन कॉट्रीब्यूट्स सिगनिफिकेंटली टू ब्रेस्ट कैंसर सस्पेक्टिबिलिटी इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन्सः ए केस कंट्रोल स्टडी। एशियन पेक. जे. कैंसर प्रेव., 17(3), 1215–9.

पवनेंद्र, एल. (2016). संपादकीय, फ्रॉम रोट लच रिजिनिंग : दि पैराडिग्म शिफ्ट रिक्वायर्ड इन मेडिकल इंट्रेंस एक्जामिनेशन एंड बिऑन्ड ! एमएएमसी जे. मेड. साइंस., 2,1–5.

पुस्तकों में अध्याय

पवनेन्द्र, एल. एब्डोमिनल लिंफोमा. इन टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलोजी, प्रकाशन हेतु स्वीकृत. जेपी ब्रदर्स पब्लिशर्स.

शल्य चिकित्सा अद्यतन 2016 में सर्जरी विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में चौंतीसवें राष्ट्रीय सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम की कार्यवाही में निम्नलिखित अध्यायों का योगदान दिया गयाः

एस.के. टुडू, एल कुमार, अंडकोषीय द्रव्यमान के रोगी का कार्य।

पी एन अग्रवाल, ए मिश्रा, स्तन द्रव्यमान के रोगी के लिए दृष्टिकोण।

एल पवनिंद्र, बेरिएट्रिक सर्जरी

सी. बी. सिंह, थायरॉयड रोगों का प्रबंधन।

पवन एल, एनो में व्रण का प्रबंधन।

आर सिंह, एल कुमार, पेरिफेरल वैस्कुलर डिसीज

एस एस नियोगी, आंत में घाव वाले रोगी का प्रबंधन।

ए विन्दल, अवरोधक पीलिया के रोगी का कार्य।

ए विन्दल, सीबीडी स्टोनों का वर्तमान प्रबंधन।

डी घुलियानी, थायराइड सूजन के रोगी में नैदानिक दृष्टिकोण और जांच का औचित्य।

एल कुमार, जांघ में सूजन वाले रोगी के प्रति एक दृष्टिकोण।

एल कुमार, पुरुष वंध्यत्व।

टी चंद, आंत्र द्रव्यमान वाले रोगी के प्रति एक दृष्टिकोण।

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. राजदीप सिंह, सहायक प्रो. अनुराग मिश्रा, परियोजना, बहुकेंद्र अवलोकन अध्ययन – भारत में ट्रॉमा ट्रिएजीएस अध्ययन (टीटीआरआईएस) – अस्पतालों को आने वाले वयस्क ट्रॉमा मरीजों में ट्रिएज के लिए पूर्वानुमान मॉडल की तुलना।

सहा. प्रो .दीपक घुलियानी, परियोजना, तीन नकारात्मक स्तन कैंसर में कैंसर स्टेम सेल मार्करों सीडी44, सीडी133 और सीडी49एफ की भूमिका और उतकीय ग्रेड, प्रसार इंडेक्स, एंजियोजेनेस और मेटास्टेसस के साथ उनका सहयोग।

आयोजित सम्मेलन

सर्जरी एपडेट, 26 सितंबर, 2016 – 1 अक्टूबर, 2016, संयोजक अध्यक्ष, प्रो. संजीव कुमार टुडु।

सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां

पवनेंद्र लाल :

आमंत्रित संकाय अग्न्याशय पैन्क्रियास बिनाइन– जीआई सर्जिकॉन, होटल क्राउन प्लाजा, रोहिणी, दिल्ली, 7 फरवरी,2016.

आमंत्रित संकाय, वैरिकाज वेन्स–स्कोप 2016, पीजीआईएमआर और डॉ. आरएमएल हॉस्पिटल, नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2016 .

आमंत्रित संकाय, पीवीडी –स्कोप 2016, पीजीआईएमईआर और डॉ. आर एम एच हॉस्पिटल, नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2016.

आमंत्रित संकाय, विशेष परिस्थितियां, क्या करें? ओसिसन 2016 राष्ट्रीय सम्मेलन, 13 फरवरी, 2016.

आमंत्रित संकाय, भारत में मिनी गैस्ट्रिक बाइपास – क्या सावधान रहना चाहिए? ओसिसन 2016 राष्ट्रीय सम्मेलन, 13 फरवरी, 2016.

आमंत्रित संकाय, आस्तीन के गठिया में बाउजी आकार, सबूत क्या है? ओसिसन 2016 राष्ट्रीय सम्मेलन, 13 फरवरी, 2016.

आमंत्रित संकाय, सुरक्षित शल्य चिकित्सा अभ्यास, ईएसआई–पीजीआईएमएसआर, नई दिल्ली, सीएमई, 25 फरवरी, 2016

आमंत्रित संकाय, लाइव लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी, एन्डोसर्ज 2016, एम्स, 4–5 मार्च, 2016.

आमंत्रित संकाय, एमजीबी पर पैनल चर्चा – एसीएमओएमएस 2016 – चेन्नई – फिशरमैन्स कोव, 21–22 जुलाई, 2016.

आमंत्रित विद्यालय, पेट की दीवार बंद करना ईबीएम बनाम दैनिक अभ्यास एचसीआईओसीओएन 2016, औरंगाबाद, 2 सितंबर, 2016

आमंत्रण संकाय, अवरोधक पीलिया – प्रबंधन और मामला शल्य चिकित्सा अद्यतन एमएएमसी, 27 सितंबर, 2016।

आमंत्रित संकाय, बारिएट्रिक सर्जरी – सर्जरी अपडेट एमएएमसी 2016, सितम्बर 30, 2016

आमंत्रित संकाय, लाइव लैप्रोस्कोपिक सर्जरी – सेल्सिसन 2016 और आईएचएससीएन 2016, आगरा, 4–6 नवंबर, 2016.

आमंत्रित संकाय, एमजीबी का विकास और एमएजीबी बनाम एलएसजी का एमएएमसी – बार्किकॉन 2016, रोजैटैट, नई दिल्ली, 3 दिसंबर, 2016.

आमंत्रित संकाय, बारिएट्रिक रोगी के लिए परामर्शदाता और प्री–ऑपरेटिव कार्य – बेरिएट्रिक सर्जरी में एफएएलएस कोर्स मैक्स साकेत, 8 दिसंबर, 2016.

आमंत्रित संकाय, ऑब्सट्रक्टिव जांडिस पर पैनल चर्चा के लिए मॉडरेटर – एएसआईसीओन 2016, मैसूर, 15–18 दिसंबर, 2016.

प्रत्युषा प्रियदर्शिनी, टाइप 2 मधुमेह पर लैप्रोस्कोपिक स्लेव गैस्ट्रॉटोमी का प्रभाव

एस के जैन, नवंबर, 2016 में दिल्ली राज्य खंड का वार्षिक सम्मेलन।

सी बी सिंह, नवंबर 2017 में एओजीडी (ओब्स्टेट्रीशियन और स्त्रीरोग विशेषज्ञ का संगठन) का वार्षिक सम्मेलन।

राजदीप सिंहः

13 जनवरी, 2016 को आयोजित वार्षिक अधिवेशन दिल्ली खंड, एएसआई (सर्जिकॉन 2016) में हार्निया सर्जरी पर आयोजित सत्र।

12 फरवरी, 2016 को आरएमएल हॉस्पिटल, दिल्ली में अवांछित वृषण के लिए सीमित अध्यक्ष, स्कोप कोर्स।

22 मार्च, 2016 को सर गंगा राम अस्पताल में कोलोरेक्टल सम्मेलन में एनो में व्रण प्रबंधन के व्याख्यान के लिए अध्यक्ष। 12 अप्रैल, 2016 को दिल्ली अधिवेशन एएसआई की वार्षिक सम्मेलन के दौरान एनो में व्रण के प्रबंधन पर सीमित व्याख्यान बहस।

28 अगस्त, 2016 को आरएमएल अस्पताल में पेट की नालियों पर सीमित व्याख्यान।

सुशांत नियोगीः

संकाय और अध्यक्ष के रूप में सर्जरी अपडेट 2016.

पुरुष परिवार नियोजन क्लीनिक लोक नायक अस्पताल में एनएसवी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा।

नवंबर 2016 में प्रगति मैदान में आयोजित एनएसवी शिविर का हिस्सा।

अनुभव विंदलः

प्रतियोगी पेपर्स, एन्डोसर्ग 2016, 10वां एम्स सर्जिकल वीक, 4–6 मार्च, 2016,

संकाय, सर्जरी अपडेट 2016 – सर्जरी में तैंतीसवां राष्ट्रीय सीएमई प्रोग्राम, सितंबर 2016, शल्य चिकित्सा विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय अतिथि विद्वान, पेपर प्रस्तुति, भारत में सरकारी शिक्षण अस्पताल में बेरिएट्रिक सर्जरी – 5 वर्षों का हमारा अनुभव। अमेरिकी कॉलेज ऑफ सर्जन्स क्लिनिकल कांग्रेस 2016, वाशिंगटन डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका, 17–20 अक्टूबर 2016.

सर्जिकॉन 2016, एएसआई के दिल्ली राज्य खंड का वार्षिक सम्मेलन, 12 नवम्बर, 2016

हार्निया के इलाज के लिए मेरेश एंड फिक्सेशन डिवाइसेज के क्या हमारे पास सबसे अच्छे उपकरण है? पर अतिथि व्याख्यान, सेल्सिकॉन और आईएचएससीओएन 2016, 4–6 नवंबर, 2016, आगरा, उत्तर प्रदेश

लैप्रोस्कोपिक हर्निया के इलाज के लिए गेस्ट लेक्चर, प्रोस्थेशेस और फिक्सेशन विभाग में आज हम कहां खड़े हैं? एएससीओएन 2016, नेशनल कांफ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ सर्जन ऑफ इंडिया, 14 दिसंबर, 18, 2016, मैसूर, कर्नाटक।

अनुराग मिश्राः

एसीएस, वाशिंगटन डीसी, यूएसए का वार्षिक कांग्रेस

सर्जरी अपडेट– 2016

एआरएसआईसीओएन–2016

बहस पर एक चर्चा प्रस्तुत की गईः स्टैप्ल्ड बनाम पारंपरिक हेमोराहेइडॉक्टामी, सर्जिकॉन 2016, नई दिल्ली।

संकाय के रूप में स्कोप कोर्स 2015, 2016.

मानवतावादी विदेशी मेडिकल टीमों में माध्यमिक ट्रैमेटिक तनाव स्तर प्रस्तुत किया, नेपाल भूकंप 2015, स्वास्थ्य, कल्याण और सोसाइटी 2016, वाशिंगटन डीसी, संयुक्त राज्य अमरीका में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

लवनीश कुमारः

ओसिकॉन (ओएसएसआईसीओएन)–2016, भारतीय मोटापा एवं मेटाबोलिक सर्जरी सोसाइटी, चंडीगढ़ का वार्षिक सम्मेलन। 12–14 फरवरी, 2016.

एंडोसर्ज 2016, इंटरनेशनल मिनिमल एक्सेस सर्जरी कॉन्फ्रेंस, सीएमई सह लाइव कार्यशाला, भारतीय हर्निया सोसाइटी, एम्स, नई दिल्ली का 8वां राष्ट्रीय सम्मेलन। 4–6 मार्च, 2016

तीसरी अंतरराष्ट्रीय लिवर संगोष्ठी, मेदांता लीवर संस्थान, गुड़गांव 1–3 अप्रैल, 2016.

सामान्य हेपेटोपैंसिब्रोबिलियरी सर्जिकल समस्याओं पर पुनर्विचार, जेपी हॉस्पिटल, नोएडा। 3 अप्रैल, 2016.

एसीओएस–2016, एशियाई नैदानिक ऑंकोलॉजी सोसाइटी का 12वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और नई दिल्ली का कैंसर अनुसंधान संगठन का 35वां वार्षिक सम्मेलन एवं आईएएसओ का मध्यावधि का सम्मेलन। 8–10 अप्रैल, 2016

ट्रॉमा कांग्रेस 2016, ट्रामा केयर के विश्व संगठन का तीसरी अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस और ट्रामा और एक्यूट केयर की इंडियन सोसाइटी का 8वां वार्षिक सम्मेलन। विज्ञान भवन, नई दिल्ली 17–20 अगस्त, 2016

बैरिकॉन 2016, फॉर्मस का पहला अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सीएमई सह लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली 1–3 दिसम्बर, 2016.

डीएमसीओएन 2016, दिल्ली राज्य का 59वां वार्षिक चिकित्सा सम्मेलन, तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली 9–11दिसम्बर, 2016

संजीव कुमार टुडू, नवंबर 2016 में दिल्ली राज्य खंड के वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया।

संजीव कुमार तुडू, फरवरी, 2016 में आरएमएल हॉस्पिटल, दिल्ली में स्कोप (एएसआई) पाठ्यक्रम में सीमित अध्यक्ष थे।

सी. बी. सिंह को नवंबर 2017 में एओजीडी (एसोसिएशन ऑफ ओब्स्टेट्रीशियन और गायनोलॉजिस्ट) के वार्षिक सम्मेलन के दौरान स्तन स्क्रीनिंग और हस्तक्षेप पर एक व्याख्याता के रूप में आमंत्रित किया गया।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा सर्जरी अद्यतन– 2016 में निम्नलिखित व्याख्यान दिए गए:

पी एन एग्रवाल, अनुराग मिश्रा, स्तन में गांठ के रोगी का प्रबंधन।

पवनेंद्र लाल बारिएट्रिक सर्जरी ।

पवनेंद्र लाल, अनुभव विंडल, अवरोधक पीलिया के रोगी के प्रति दृष्टिकोण।

सी बी सिंह, दीपक घुलियानी, नोडिकल गोयटार के रोगी के प्रति दृष्टिकोण।

पवन लाल, पेरिअनल फास्ट्यूला

पवन लाल, प्रेमकेश कुमार, वृषण के द्रव्यमान के रोगी का प्रबंधन।

राजदीप सिंह, लवनिश कुमार, पेरीफरल वैस्कुलर रोग।

सुशांतो नियोगी, त्रिलोक चंद, आंत्र द्रव्यमान के रोगी का प्रबंधन।

सुशांतो नियोगी, लवकेश कुमार, इनगुइनल सूजन वाले रोगी का प्रबंधन

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ अनुराग मिश्रा ने मसारी, पटना में डॉक्टरों द्वारा आप के लिए, एनजीओ द्वारा संचालित में ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया और विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों में भाग लिया; ग्लोबल सर्जरी के लैनसेट आयोग के तत्वाधान में दूरदराज के इलाकों में शल्य चिकित्सा सेवाओं में सुधार के लिए सक्रिय रूप से कार्य किय; हरदोई, यूपी में किशोरियों के लिए उड़ान शिविर का दौरा किया और उन्हें प्राथमिक चिकित्सा, स्वास्थ्य स्वच्छता और सामान्य बीमारी प्रबंधन में प्रशिक्षण दिया गया; हरियाणा के नूह–मेवात में किशोरियों के लिए उड़ान शिविर का दौरा किया और उन्हें प्राथमिक चिकित्सा, स्वास्थ्य स्वच्छता और आम बीमारियों के प्रबंधन में प्रशिक्षित किया गया।

संकाय – 16

+++

सर्जरी(एल.एच.एम.सी.)

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के शल्य चिकित्सा विभाग में 250 से अधिक मामलों का उपचार वीडियो असिस्टेड एनल उपचार(वी.ए.ए.एफ.टी.) द्वारा किया गया। शल्य चिकित्सा, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में प्री–हॉस्पिटल ट्रेनिंग कोर्स का आयोजन किया गया। ज्यादातर प्रशिक्षित विद्यार्थी सी.ए.टी. एंबुलेंस में कार्यरत हैं और ट्रॉमा पीड़ितों के प्री–हॉस्पितल देखभाल में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। बैरियाट्रिक शल्य–चिकित्सा नियमित रूप से लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के शल्य चिकित्सा विभाग द्वारा डॉक्टर आर.एम.एल हॉस्पितल में किया जा रहा है। एंड्रोलॉजिकल प्रक्रिया जैसे कि टी.यू.आर.पी (बी.एच.पी. के लिए), टी.यू.आर.बी.टी.(ब्लैडर ट्यूमर), यू.आर.एस. साधारणतः शल्य–चिकित्सा विभाग में किया जाता है। 400 से अधिक वैसकूलर सर्जरी प्रक्रिया– सी.आर.एफ रोगी के लिए ए–वी फिस्टूला (प्रतिक्षित प्रत्यारोपण/डायलिसिस के दौर से गुजर रहे) किए जा चुके हैं। गैस्ट्रोइंटेस्टिनल, यूरोलॉजिकल, ब्रेस्ट कैंसर के व्यापक शल्य एवं चिकित्सीय प्रबंधन के अलावा, निदानकारी एवं शोध उद्देश्य के लिए इंपिडेंस पी.एच. मॉनिटरिंग और इसोफेजियल मैनोमीटरी भी शुरू किए जा चुके हैं। हाई डिफिनिशन कैमरा के साथ एडवांस लैप्रोस्कोपिक सर्जरी नियमित रूप से किया जाता है।

सम्मान/गौरव

डॉ. प्रो. अजय कुमार ने बतौर उप–प्राचार्य, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध हॉस्पितल, नई दिल्ली का कार्यभार दिनांक 9 मार्च, 2016 को ग्रहण किया।

डॉ. मनोज एंडले, डॉ. देबॉरसी शर्मा और डॉ. ज्ञान सौरभ को सोसाइटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टिनल एवं इंडोस्कोपिक सर्जनस, हुस्टन, टेक्सास, यू.एस.ए. की मार्च 22 से मार्च 25, 2017 तक चल रही वार्षिक बैठक में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिए गए यात्रा अनुदान के तहत भाग लिया और अपनी शोध को प्रस्तुत किया।

डॉ. शाजी थॉमस, एक्सपर्ट रिव्यूर फॉर द जर्नलस, वर्ल्ड जर्नल ऑफ सर्जरी, इंडिया जर्नल ऑफ सर्जरी एवं नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया

डॉ. शाजी थॉमस, परीक्षक–एम.एस.(सर्जरी), एम्स एवं डी.एन.बी. नेशनल बोर्ड ऑफ इक्जामिनेशंस, परीक्षक–अंतिम एम.बी.बी.एस. एल.एच.एम.सी., दिसंबर, 2016

डॉ. देबॉरसी शर्मा

कोलकाता में नंवबर 16–20, 2016 तक चल रहे 11वां अमेरिकन 2016 के दौरान एसोसिएशन ऑफ मिनिमल एक्सेस सर्जनस ऑफ इंडिया के संयुक्त सचिव के रूप में चयनित हुए।

दो बार फरवरी, 2016 (4 दिन) एवं अगस्त, 2016 (2 दिन) को सर्जरी क्लीनकल ऑरिएंटेड पोस्ट ग्रेजुएट एक्जामिनेशन(SCOPE) के टीचिंग प्रोग्राम में आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया जिसमें संपूर्ण देश के सर्जरी पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थियों ने भाग लिया।

संघ लोक सेवा आयोग में नेशनल बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन एवं इम्पलॉय स्टेट इंशुरेंस मेडिकल कॉलेज के फैकल्टी सेलेक्शन बोर्ड के लिए विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त ।

बाबा फरीदकोट विश्वविद्यालय, पंजाब, दाता मेघे विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र एवं श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम में मास्टर ऑफ सर्जरी परीक्षक के रूप में नियुक्त ।

डॉ. प्रिया हजरह विख्यात इंडेक्सड इंटरनेशनल जर्नलस में पीयर रिव्यूयर एवं रिव्यूयर, पोस्ट–ग्रेजुएट थीसिस, एम्स

डॉ. ज्ञान सौरभ :

एमर्स्टडम, नीदरलैंड में जून 15 से 18, 2016 तक आयोजित 24वां इंटरनेशलन कांग्रेस ऑफ यूरोपियन एसोसिएसन फॉर एंडोस्कोपिक सर्जरी में एक शोध पत्र 'रोल ऑफ 24 आवर एंबुलेटरी मल्टीचैनल इंटराल्यूमिनल इंपीडेंस पी.एच मानिटरिंग इन द मैनेजमेंट ऑफ सिंप्टोमेटिक गैस्ट्रो इसोफैजियल रिफल्कस डिजिज– अ डिस्क्रिटिव' प्रस्तुत किया। इस शोध पत्र के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा यात्रा अनुदान दिया गया।

कोर आयोजन समिति के सदस्य, वर्ल्ड ट्रॉमा कांग्रेस 2016 अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस ऑफ वर्ल्ड कोलिशन फॉर ट्रॉमा केअर एवं 8वां वार्षिक कांफ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रॉमा एवं एक्यूट केयर ऑर्गनाइज्ड बाई एम्स, नई दिल्ली फ्रॉम 17–20 अगस्त, 2016 एट विज्ञान भवन, नई दिल्ली ।

एल.एच.एम.सी. में आयोजित शिक्षक प्रशिक्षण कोर्स के कोर फैकल्टी। वह एल.एच.एम.सी, दिल्ली के मेडिकल शिक्षा विभाग के एक्टिव मेंबर हैं।

एडवांस ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स(ए.टी.एल.एस.आइ.डी:404187), जो अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जनस, अमेरिका से मान्यता प्राप्त हैं, में अंतर्राष्ट्रीय फैकल्टी के रूप में हैं। उन्हें एम्स, नई दिल्ली एवं डॉ. आर.एम. एल. हॉस्पिटल, नई दिल्ली में आयोजित ए.टी.एल.एस कोर्स में बतौर एडवांस ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट फैकल्टी के रूप में बुलाया जा चुका है।

वर्द्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग हॉस्पिटल, नई दिल्ली में 9 से 14 दिसंबर, 2016 तक एम.बी.बी.एस परीक्षा(दिसंबर, 2016) के लिए इक्सटर्नल इक्जामिनर के रूप में कार्य किया।

डॉ. पवन कुमार ने अदेश इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एवं रिसर्च, भटिंडा के एम.बी.बी.एस परीक्षा (दिसंबर, 2016) में एक्सटर्नल एक्जामिनर।

डॉ. रनवीर सिंह, पी.जी. 3 को 11वां अमेरिकन 2016 जो कोलकाता में नवंबर 16 से नवंबर 20, 2016 तक आयोजित कार्यक्रम में बेस्ट पेपर यंग स्कॉलर अवार्ड से सम्मानित।

प्रकाशन

खत्री, पी., चौधरी, एम., जैन, एम., थॉमस, एस.(2017). रोल ऑफ मॉर्फोमेट्री इन द साइटोलॉजिकल डिफरेनशिएशन ऑफ विनाइन एंड मैलिनेंट थाइराइड लेसियंस. जर्नल ऑफ साइटोलॉजी, 34(1), 1–4.

कुमार, जे., रैना, आ., कुमार, पी.(2016). मेडिकल एरर, एन एवॉयडेबल ट्रैजडी, पैसिफिक जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 1(1), 7–10.

कुमार, पी., कुमार, जे., शर्मा डी.(2016). स्मॉल बाउल औब्सट्रक्शन एज लेट सेक्यूल ऑफ ब्लंट एब्डौमिनल ट्रॉमा. पेसिफिक जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 1(1), 7–10.

शर्मा, डी., यादव, वाइ., बोरघरिया, एस.(2016), नन–ट्रामेटिक एक्सट्राहेप्टिक बिलियरी परफोरेशनः अ डायग्नोस्टिक अनसरटेंटी एंड मैनेजमेंट डायलेमा. हेलेनिक जर्नल ऑफ सर्जरी. 88(2), 131–134.

शर्मा, डी., हजरह, पी., सत्तावन, एस., गांगुली, पी.के., लाल, आर.(2016). मिसएडवेंचर ड्यूरिंग लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमीः वाई इट हैपेनड ? हाउ टू प्रिवेंट एंड रिकवर फ्रॉम इट? आर्क ब्रास सर रिग, 29,134–135.

शुक्ला, एस., सिंह, बी.के., पठानिया, ओ.पी., जैन, एम.(2016). इवैल्यूएशन ऑफ एच.इ.आर.2 / नियू ऑनकोप्रोटिन इन सिरम एंड टिसू सैंपलस ऑफ वीमन विद ब्रेस्ट कैंसर. इंडिया जे. मेद रेस, 143 सप्ली, एस52–एस58. डॉयः10. 4103 / 0971–5916.191769

सुहानी, अलि, ए., देसाइ, जी., शर्मा, के., थॉमस, एस. (2016). इनसाइजनल हार्निया एज ए काउज ऑफ ब्लैडर आउटलेट औब्सट्रक्सनः अ केस रिपोर्ट. जे क्लीन डियाग्न. रेस., 10(9), पीडी26–पीडी27. ई–पब

थॉमस, एस., सुहानी., देसाई, जी., शदन, ए.(2016). क्लीनकोःएपीडिमिओलॉजिकल प्रोफाइल ऑफ ब्रेस्ट कैंसर पैंसेंटस एंड द रिट्रोस्पेक्टिव एप्लीकेशन ऑफ गेल मॉडल 2, एन इंडियन पर्सपेक्टीव. ब्रेस्ट डिजिज, 36, 15–22.

वत्स, एम., पांडे, डी., शाह, एस., तलवार, एन., सौरभ।, जी., एंडले, एम., कुमार, ए.(2016). एसेसमेंट ऑफ सिस्टेमेटिक इनफ्लेमेटरी रिसपॉन्स आफ्टर टोटल एक्सट्रा पेरिटोनियल रिपेयर एंड लिचेंस्टिन रिपेयर फॉर इनग्यूनल हर्निया. हर्निया, डॉयः10.1007 / एस10029–016–1543–1

पुस्तक / अध्याय

दिओ, एस.वी.एस., श्रीवास्तव, ए., साह, एस., चुंबर, एस.(2016). माउथ. इन सुनिल चुंबर(एड.), क्लीनकल सर्जरी, अ टेक्सट एंड एटलस, (पीपी 253–267), नई दिल्लीः जेपी.

गर्ग, एस., साह, एस., चुंबर, एस.(2016). नेक. इन सुनिल चुंबर(एड.), क्लीनकर सर्जरी, अ टेक्सट एंड एटलस, (पीपी 305–317), नई दिल्लीः जेपी.

खड़गावट, आर., टंडन, एन., विश्वनाथ, शहा, एस., चुंबर, एस.(2016). थाइराइड. इन सुनील चुंबर(एड.), क्लीनिकल सर्जरी, अ टेक्सट एंड एटलस, (पीपी 285–305), नई दिल्लीः जेपी.

कुमार, आर. एम.सी.क्यू. फॉर जी.डी.एम.ओ. जेपी ब्रदर्स.

कुमार, आर. एल्सवियर्स कंप्रिहेंसिव गाइड टू कंबाइंड मेडिकल सविसेज. एल्सवियर्स पब्लिकेसंस.

कुमार, ए., शहा, एस., श्रीवास्तव, ए., चुंबर, एस.(2016). सैलिवरी ग्लैंड्स. इन सुनील चुंबर(एड.), क्लीनिकल सर्जरी, अ टेक्सट एंड एटलस, (पीपी 267–275), नई दिल्लीः जेपी.

मिश्रा, एम.सी., असुरी, के., शहा, एस., चुंबर, एस. (2016). इन सुनील चुंबर(एड.), क्लीनिकल सर्जरी, अ टेक्सट एंड एटलस, (पीपी 503–520), नई दिल्लीः जेपी.

शहा, एस., अग्रवाल, एन., पाल, एस., चुंबर, एस.(2016). रेक्टम एंड एनस. इन सुनील चुंबर(एड.), क्लीनिकल सर्जरी, अ टेक्सट एंड एटलस, (पीपी 493–503), नई दिल्लीः जेपी.

आयोजित सेमिनार

सर्जरी क्लीनिकल औरिएंटेड पोस्ट ग्रैजुएट इक्जामिनेशन कोर्स (स्कोप कोर्स), दिल्ली स्टेट चैप्टर ऑफ ए.एस.आइ., स्कोप कोर्स, फरवरी 11–14, 2016, पीजीआइएमइआर, डॉ. आर.एम.एल. हॉस्पिटल, नई दिल्ली, डॉ. देबॉरशी शर्मा, आयोजन सचिव।

आयोजित सम्मेलन

दिल्ली चैप्टर ऑफ एसोसिएसन ऑफ सर्जनस ऑफ इंडिया, सितंबर, 2016, डॉ. अजय कुमार.

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुतियां

सर्जरी विभाग, एल.एच.एम.सी. के सभी संकाय सदस्यों ने एल.एच.एम.सी. में सितंबर 2016 में दिल्ली चैप्टर ऑफ एसोसिएसन ऑफ सर्जनस ऑफ इंडिया की मासिक बैठक में बतौर प्रतिनिधि मंडल के रूप में भाग लिया।

अजय कुमार :

आयोजन चेयरमैन, दिल्ली चैप्टर ऑफ एसोसिएसन ऑफ सर्जनस ऑफ इंडिया, सितंबर, 2016 में एल.एच. एम.सी. में आयोजित दिल्ली चैप्टर ऑफ ए.एस.आइ. की मासिक बैठक ।

चेयरपर्सन, बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल्स, नई दिल्ली, सर्जिकन–2016/बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल्स, नई दिल्ली, नवंबर 11–13, 2016।

डायरेक्टर–प्रोफेसर, एक्सपर्ट लेक्चर, इंटेस्टिनल फिस्टूला, एम.ए.एम.सी. सर्जरी अपडेट एंड नेशनल सी.एम.इ., एम.ए.एम.सी., सितंबर, 2016 ।

फैकल्टी वर्कशॉप ऑन इफेक्टिव कम्यूनिकेशंस एंड कंफिलिक्ट रिजॉल्यूशन, मेडिकल एजुकेशन यूनिट, एल. एच.एम.सी., दिसंबर 15, 2016।

रिसोर्स पर्सन, टीचर ट्रेनिंग कोर्स–संशोधित एम.सी.आइ. बेसिक कोर्स. मेडिकल एजुकेशन यूनिट एल.एच.एम. सी. फरवरी 21–23, 2017

चेयरपर्सन, एस.इ.एल.एस.आइ. कनसेंसस मीट टू फॉरमूलेट, इंडियन गाइडलाइंस फॉर प्रिवेंशन एंड मैनेजमेंट ऑफ बिले डक्ट इंज्यूरी ड्यूरिंग लैप्रोस्कोपिक कोलेसीस्टेक्टोमी, एम्स, नई दिल्ली, अकटूबर 2, 2016।

चेयरपर्सन, डॉ. आर.एम.एल. हॉस्पितल, नई दिल्ली, सी.एम.इ.–स्कोप सर्जरी क्लीनिकल औरिएंटेड पीजी परीक्षा कोर्स, मार्च 12, 2017।

चेयरपर्सन, ब्रेस्ट कैंसर इन द इरा ऑफ प्रिसिजन मेडिसिन, आर.जी.सी.ओ.एन., 16 वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस–आर.जी.सी.ओ.एन., इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, फरवरी 4, 2017।

चेयरपर्सन, एम्स, नई दिल्ली, सिम्पोसिया ऑन थोरेसिस सर्जरी, एम्स, जनवरी 21–22, 2017।

ज्ञान सौरभ :

चेयरपर्सन, एम्स, नई दिल्ली, इ.एन.डी.ओ.एस.यू.आर.जी. 2017– 11वां एम्स सर्जिकल सप्ताह, अंतर्राष्ट्रीय लाइव कार्यशाला, सी.एम.इ. कम कॉन्फ्रेंस, मार्च 16–19, 2017।

प्रजेंटेड रिसर्च पेपर ऑन रोल ऑफ 24 आवर एंबुलेटरी मल्टीचैनल इंटराल्यूमिनल इंपीडेंस पी.एच. मॉनिटरिंग इन द मैनेजमेंट ऑफ सिंप्टोमेटिक गैस्ट्रो इसोफैजियल रिफल्कस डिजीज – अ डिसक्रिप्टिव स्टडी, यूरोपियन एसोसिएसन ऑफ एंडोस्कोपिक सर्जनस(इ.ए.इ.एस.), 24 इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ यूरोपियन एसोसिएसन फॉर एंडोस्कोपिक सर्जरी, हेल्ड इन अमस्टर्डम, नीदरलैंड, जुन 2015 से जुन 18, 2016 तक।

चेयरपर्सन, एम्स, नई दिल्ली, बैरिकॉन–2016, एम्स, नई दिल्ली, दिसंबर 1–3, 2016।

गेस्ट लेक्चर, एडवांस ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स, अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जनस, हैव डेलिवर्ड गेस्ट लेक्चर्स इन वेरियस ए.टी.एल.एस. प्रोवाइडर एंड इंस्ट्रक्टर कोर्सेज हेल्ड एट एम्स, नई दिल्ली एवं डॉ. आर. एम.एल. हॉस्पितल, नई दिल्ली।

फैकल्टी, वीडियो प्रजेनटेशन ऑन वी.ए.ए.एफ.टी. बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पितल, नई दिल्ली, सर्जिकॉन–2016, बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नवंबर 11–13, 2016।

वी.के. रामटेक, चेयरपर्सन, बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, सर्जिकॉन–2016/बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, नवंबर 11–13, 2016।

ओ.पी.पठानिया, चेयरपर्सन, बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, सर्जिकॉन–2016/बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, नवंबर 11–13, 2016।

अशोक कुमार, डेलिगेट, बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, सर्जिकॉन–2016/बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, नवंबर 11–13, 2016।

राहुल पसलरी, डेलिगेट, बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, सर्जिकॉन–2016/बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, नवंबर 11–13, 2016।

ललित अग्रवाल, फैकल्टी, बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, सर्जिकॉन–2016/बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, नवंबर 11–13, 2016।

राजीव कुमार, डेलिगेट, बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, सर्जिकॉन–2016/बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, नवंबर 11–13, 2016।

एम.पी. अरोरा, चेयरपर्सन, एम.ए.एम.सी., सर्जरी अपडेट एंड नेशनल सी.एम.इ., एम.ए.एम.सी., सितंबर, 2016।

रोमेश लाल, चेयरपर्सन, एम.ए.एम.सी., सर्जरी अपडेट एंड नेशनल सी.एम.इ., एम.ए.एम.सी., सितंबर, 2016।

मनोज एंडले, फैकल्टी, लेक्चर ऑन रेक्टल प्रोलैप्स, एम.ए.एम.सी., सर्जरी अपडेट एंड नेशनल सी.एम.इ., एम.ए.एम. सी., सितंबर, 2016।

देबॉरशी शर्मा :

स्पीकर, लिवर ट्रॉमा, एम.ए.एम.सी., सर्जरी अपडेट एंड नेशनल सी.एम.इ., एम.ए.एम.सी., सितंबर, 2016।

फैकल्टी लेक्चर, लैप्रोस्कोपिक मैनेजमेंट ऑफ पैंक्रियाटिक स्यूडोसिएस्ट, 40 ए.एम.ए.एस.आइ. स्किल कोर्स, सर्जरी विभाग, एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज, जयपुर।

पोस्टर प्रजेंटेंशन, क्लोजर ऑफ डिफेक्ट ड्यूरिंग लैप्रोस्कोपिक इनसिजनल हर्निया रिपेयर : लांग टर्म फौलो–अप रिजल्ट्स, सोसाइटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टिनल इंडोसर्जनस(एस.ए.जी.इ.एस. 2016), बोस्टन, यू.एस.ए., सोसायटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टिनल इंडोसर्जनस, एल.ए., कैलिफोर्निया, यू.एस.ए.।

पोस्टर प्रजेंटेंशन : रोल ऑफ एम.डी.सी.टी. बेस्ड कंपोनेंट सेपरेशन इंडेक्स(सी.एस.आइ) इन मैनेजमेंट ऑफ लार्ज वेंट्रल हर्निया बाइ कंपोनेंट सेपेरेसन टेक्नीक, सोसाइटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टिनल इंडोसर्जनस(एस.ए.जी.इ.एस. 2016), बोस्टन, यू.एस.ए., सोसायटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टिनल इंडोसर्जनस, एल.ए., कैलिफोर्निया, यू.एस.ए.।

फैकल्टी लेक्चर, लैप्रोस्कोपिक इन एक्यूट एबडोमेन एंड ट्रॉमा, फैकल्टी लेक्चर ऑन लैप्रोस्कोपिक मैनेजमेंट ऑफ पैंक्रियाटिक स्यूडोसिस्ट, 42, ए.एम.ए.एस.आइ. स्किल कोर्स, सर्जरी विभाग , सूर्या हॉस्पितल , पुणे ।

स्पीकर, प्रौस्थेसिस इन हर्निया सर्जरी, वाट इस न्यू ?, पी.जी. मास्टर क्लास एंड सी.एम.इ., गुवाहाटी सिटी चैप्टर ऑफ असम स्टेट चैप्टर ऑफ ए.एस.आइ.।

फैकल्टी लेक्चर ऑन ट्रबल शुटिंग इन लैप्रोस्कोपी, लैप्रोस्कोपिक बैरियाट्रिक सर्जरी, लैप्रोस्कोपिक मैनेजमेंट ऑफ पैंक्रियाटिक स्यूडोसिस्ट लैप्रोस्कोपिक मैनेजमेंट ऑफ लिवर हाइडेटिड सिस्ट, 43 अमासी स्किल कोर्स, सर्जरी विभाग, एस.एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा।

मॉडरेटर : ब्रेस्ट लंप, वेनट्रल हर्निया, पी.जी. मास्टर क्लास, ए.एस.आइ., राजस्थान चैप्टर, डॉ. देबॉरशी शर्मा, फकल्टी लेक्चर ऑन इनसिजनल हर्निया रिपेयर, 44 अमासी स्किल कोर्स सर्जरी विभाग, आइ.पी.जी.आइ. एम.इ.आर., कोलकाता।

मॉडरेटर : लाइव सर्जरी, सिल्स–जी.बी., टी.ए.पी.पी., फेलोशिप इंडियन एसोसिएसन ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टिनल इंडोसर्जनस कोर्स, सर्जरी विभाग, फोर्टिस मेमोरियल हॉस्पितल, गुड़गॉव।

गेस्ट लेक्चर : इंडोस्कोपिक कंपोनेंट सेपारेसन ड्यूरिंग एल.वी.एच.आर. : करेंट सिनेरियो, 27 एसाकॉन 2016(एन्यूल कॉन्फ्रेंस ऑफ असम स्टेट चैप्टर ऑफ ए.एस.आइ.), बोंगियागांव सिटी चैप्टर, असम स्टेट चैप्टर ऑफ ए.एस.आइ.।

स्पीकर लैप्रोस्कोपिक स्यूडोसिस्ट ड्रेनेज, इयर्स ऑफ इक्सपीरिएंस एवंड इज इट अ गोल्ड स्टैंडर्ड टूडे?

स्पीकर, डिबेट, इंडोस्कोपिक कंपोनेंट सेपारेशन इज बेनेफिसियल ड्यूरिंग एल.वी.एस.आर.(फार द मोशन)।

स्पीकर, सिंपोसियम ऑफ पेपर राइटिंग : प्रिपेयरिंग अ मैनूस्क्रिप्ट एंड सबमिशन, 11 वां इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ मिनिमल एक्सेस सर्जनस ऑफ इंडिया(अमेसिकॉन 2016), सर्जरी विभाग, आइ.पी.जी.एम.इ.आर., कोलकाता।

स्पीकर, ओबेसिटि सर्जरी इन वीमन, डॉ. आर.एम.एल.एस. इक्सपीरियंस, ओबेसिटि डे प्रोग्राम, ओबेस्ट्रिक्स एवं गाइनेकोलॉजी विभाग, पी.जी.आइ.एम.इ.आर एंड डॉ. आर.एम.एल. हॉस्पिटल, नई दिल्ली।

स्पीकर, डिबेट–डिफेक्ट क्लोजर इज बेनेफिसियल इन एल.वी.एच.आर.(फॉर द मोशन), स्पीकर : टी.इ.पी. या टी.ए.पी.पी. बिग्नर्स च्वॉइस, चेयरपर्सन, डॉ. एस.के. सेन मेमोरियल ओरेशन, बी.एल.के. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, नवंबर 11–13, 2016।

संकाय संख्या –24

+++

सर्जरी (यू.सी.एम.एस.)

सम्मान/गौरव

डॉ. गर्ग, पी.के. :

कम्यूनिकेशन वर्कशॉप अवार्ड ड्यूरिंग आइ.ए.एस.एल.सी. 17वां वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस ऑन लंग कैंसर इन वियना, ऑस्ट्रिया, दिसंबर, 2016।

यू.आइ.सी.सी. ट्रेवल अवार्ड टू अटेंड वर्ल्ड कैंसर कांग्रेस एट पेरिस, फ्रांस, 2016, अक्टूबर 31 से नवंबर 3, 2016

नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट (एन.सी.आइ), संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा आयोजित यू.आइ.सी.सी. मास्टर कोर्स ऑन डिसेमिनेशन एंड इंप्लीमेंटेशन रिसर्च इन कैंसर कंट्रोल सफतापूर्वक पूर्ण किया।

अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जनस में एसोसिएट फेलो नियुक्त।

प्रकाशन

अग्रवाल, वी., जोशी, एम.के., जैन, एम., गुप्ता, एस.(2016), अफेक्ट ऑन क्वालिटी ऑफ लाइफ फौलोइंग रबर बैंड लिगेशन ऑर क्रियोसर्जरी फॉर हेमॉरहॉयड्स: अ रैंडमाइज्ड क्लीनिकल ट्रायल. न्यू इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी. 7(2), 185–189. डी.ओ.आइ.: एच.टी.टी.पी.एस://dx.doi.org/10.21088/nijs.0976.4747.7216.21

गर्ग, पी.के.., दियो, एस.वी., कुमार, आर., शुक्ला, एन.के., थुल्कर, एस., गोगिया, ए., शर्मा, डी.एन., माथुर, एस.आर. (2016). स्टेजिंग पी.इ.टी.–सी.टी. स्कैनिंग प्रोवाइड सुपीरियर डिटेक्शन ऑफ लिम्फ नोड्स एंड डिस्टेंट मेटास्टेसेस दैन ट्रैडिशनल इमेजिंग इन लोकली एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर। वर्ल्ड जे. सर्ग., 40(8), 2036–42.

गर्ग, पी.के., गोयल, ए., जैन, बी.के.(2016). पॉजिट्रॉन7इमिसन टोमोग्राफी – कंप्यूटेड टोमोग्राफी फॉर कैंसर स्क्रीनिंग : बून या बेन. इंडियन जे सर्ग., 79, 84–85.

गर्ग, पी.के., जखेटिया, ए., शर्मा, जे., रे, एम.डी., पांडे, डी.(2016). लिम्फाडेनेक्टोमी इन गैस्ट्रिक कैंसर : कनटेनटियस इसूज। वर्ल्ड जे. गैस्ट्रोइंटेस्ट. सर्ज., 8(4), 294–300.

गर्ग, पी.के., कुमार, ए.(2016). मेल ब्रेस्ट कैंसर : एन ऑफ्न फॉरगॉटेन डायग्नोसिस. एनन एफर मेड, 15, 93–4.

गर्ग, पी.के., शर्मा, जे., जखेटिया, ए., गोयल, ए., गौर, एम.के.(2016). प्रिऑपरेटिव थेरपी इन लोकली एडवांस्ड इसोफैजियल कैंसर. वर्ल्ड जे. गैस्ट्रोइंट्रोल., 22(39), 8750–8759.

गर्ग, पी.के., सिंह, एस.के., प्रकाश, जी., जखेटिया, ए., पांडे, डी.(2016), रोल ऑफ पॉजिट्रॉन इमीशन टोमोग्राफी–कंप्यूटेड ओमोग्राफी इन नन–स्मॉल सेल लंग कैंसर. वर्ल्ड जे मेथोडॉल., 6,105–11.

गौर, एम.के., गोयल, ए., गुप्ता, एस. (2017). एन एलिफैंटाइन प्रोब्लम. अर जे इंटर्न मेड., pii:S0953-6205(17)30078-X0doi:10.1016/j0ejim.2017.02.016. इपब अहेड ऑफ प्रिंट, पी.एम.आइ.डी:28238567.

सिंह, आई., गौतम,

पुस्तक

गुप्ता एस.(2016), रिट्रोपेरिटोनियल ट्यूमर्स. इन मिश्रा पी.के.(एड), टेक्टबुक ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटरोलॉजी. पहला एडिशन, (पीपी 399–406), नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिसर्स(पी) लिमि.

सम्मेलन/सेमिनार में प्रस्तुतियां

गर्ग, पी.के.:

कम्यूनिकेशन वर्कशॉप ड्यूरिंग आइ.ए.एस.एल.सी. 17वां वर्ल्ड कांफ्रेंस ऑन लंग कैंसर इन वियना, ऑस्ट्रिया, दिसंबर 3, 2016.

को–ऑर्गनाइज्ड नेशनल सिम्पोसियम ऑन थाइरॉइड कैंसर एट इंडियन इस्लामिक कल्चरल सेंटर, नई दिल्ली, सितंबर 24, 2016.

पार्टिसिपेटेड एज फैकल्टी इन वर्कशॉप ऑन थीसिस राइटिंग एंड रिसर्च मेथेडोलॉजी आर्गनाइज्ड बाइ नेशनल बोर्ड ऑफ इक्जामिनेशन, हेल्ड फ्रॉम जनवरी 6–9, 2017 इन स्वामी दयानंद हॉस्पिटल.

इनवाइटेड लेक्चर इन प्रि–कांग्रेस ए.ओ.जी.डी. एडवासंस गाइनी ऑनकोसर्जरी वीडियो वर्कशॉप आर्गनाइज्ड बाइ ए.ओ.जी.डी. ऑनकोलॉजी कमिटि एंड डिपार्टमेंट ऑफ ऑब्सेट्रिक्स एंड गाइनेकोलॉजी, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड गुरू तेग बहादुर हॉस्पितल, दिल्ली एट होटल अशोक, दिल्ली, नवंबर 11, 2016.

इनवाइटेड लेक्चर इन नेशनल सिम्पोसियम ऑन थाइरॉयड कैंसर एट इंडियन इस्लामिक कल्चरल सेंटर, नई दिल्ली, सितंबर 24, 2016.

पार्टिसिपेटेड एज फैकल्टी इन पोस्ट ग्रैजुएट थीसिस प्रोटोकॉल राइटिंग वर्कशाप आर्गनाइज्ड बाइ मेडिकल एजुकेशन यूनिट, यू.सी.एम.एस., इन यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली, अगस्त 12–20, 2016.

कौर, एन., पेपर ऑन अ स्टडी ऑन रिस्क फैक्टर प्रोफाइल इन यंग वीमन विद ब्रेस्ट कैंसर वॉन स्पेशल प्राइज इन द पोस्टर प्रजेंटेसन कैटेगरी एट द एबीसकॉन–2016, 5 एन्यूल कॉन्फ्रेंस ऑफ एसोसिएसन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन ऑफ इंडिया, बंगलुरू, कर्नाटक, 1–3 जुलाई.

संकाय संख्या – 9

+++

संगीत एवं ललित कला संकाय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

संगीत और ललित कला संकाय ने वर्ष 2016–2017 में शैक्षिक और सांस्कृतिक दोनों क्षेत्रों में समग्र रूप से प्रगति की है। छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और प्रतिष्ठित संगीत सम्मेलनों में भाग लिया। उनमें से कुछ ए.आई.आर. और दूरदर्शन के वर्गीकृत कलाकार बन गए हैं। संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए– विदुषी कृष्णा बिष्ट ने संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, 2016 प्राप्त किया। दलचंद शर्मा को तानसेन सम्मान –2016 से सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ाने के लिए, विशेष सहायता कार्यक्रम (डीएसए–I) को मंजूरी दी।. विभाग ने अगस्त 2016 में वार्षिक *मल्हार उत्सव* और मार्च 2017 में *राष्ट्रीय संगोष्ठी* के साथ–साथ छात्रों के लाभ के लिए चार दृश्य–श्रव्य कार्यक्रमों और तीन कार्यशालाओं सहित प्रदर्शन की एक श्रृंखला का आयोजन किया। 1 फरवरी, 2017 को विभागीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, छात्रों ने सरस्वती पूजा के अवसर पर प्रदर्शन किया।

सम्मान/विशिष्टताएं

प्रोफेसर अनुपम महाजन को *स्ट्रिंग एंड स्टेप्स* से अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिला – मार्च 2017

प्रो. दीप्ति भल्ला ने जनवरी, 2017 में दिल्ली कर्नाटक संगीत सभा और तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम, दिल्ली से *नृत्य शिखरमणि पुरस्कार* प्राप्त किया।

प्रोफेसर ओजेश प्रताप सिंह को अप्रैल, 2016 में संगीतसभा, पठानकोट द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

विभागीय द्वि–वार्षिक पत्रिका, वागेश्वरी (संस्करण XXX), सितंबर, 2016 में प्रकाशित हुई। संपादक – प्रो. सुनीरा कासलीवाल, संपादक – मंडल–प्रो. दीप्ति भल्ला, प्रो शैलेंद्र गोस्वामी, डॉ. अनन्य कुमार दे, डॉ. जगबंधु प्रसाद, डॉ. राजपाल सिंह, डॉ. अजय कुमार और डॉ. ऋषितोश कुमार।

वागेश्वरी XXX में आलेख और शोध पत्रः

ए कुमार. (2016). दक्षिण पूर्व एशिया के मेम्ब्रेनोफोन।

एम वी बिंदु (2016). मालाबार क्षेत्र के विशेष संदर्भ के साथ लोक कला।

ए के दे. (2016).तराना–अर्थहीन पाठ्यक्रम की अर्थपूर्ण अभिव्यक्ति

वी गोस्वामी. (2016).मुरादाबादी शैली की रामलीला।

जे प्रसाद. (2016). भक्त कवियों के पदों में संगीत दर्शन।

आर कुमार.(2016). तबला वादन के निकास विधि में दीपुस्कर वाद्य एवं दिल्ली घराना–एक समीक्षात्मक विवेचन।

एस शर्मा. (2016). हरियाणा के लोकगीतों में रंगात्मक अनुभूति।

एच के तिवारी. (2016). भारतीय संगीत के मंच मप्रदर्शन में श्रोताः एक विश्लेषण।

डी भल्ला

(2016). (संपा.), स्वर भारती, 2016. संगीत रत्नाकर, 8

(2016). सहकर्मी समीक्षक, तुर्की में प्राथमिक विद्यालय शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में प्रस्तावित संगीत पाठ्यक्रम का विश्लेषण। यूएसएः होरॉइजन पब्लिशिंग हाउस

टी वी मानिकंदन (2016) संत अरुणा गिरीनाथर और थिरुप्पुगाज। अनहदलोक।

ए देव. (2016).रवींद्रनाथ टैगोर की संगीत रचना पर हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का प्रभाव, 2(2).

आर कुमार. (2016). सीडी जारी, बनारस की तालबद्ध झलक। स्वर अनंत संगीत प्राइवेट लिमिटेड।

वी गोस्वामी. (2016). सीडी जारी, नाद समर्पण, स्वर अनंत संगीत प्राइवेट लिमिटेड।

अनुसंधान परियोजनाएं

संगीत नाटक अकादमी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत, संस्कृति मंत्रालय, सरकार भारत, 2015 – 2017, पंडित अनोखे लाल मिश्र की परंपराः बनारस घराने की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए, डॉ. अजय कुमार की देखरेख में।

श्रीनिवास मल्लियाह स्मारक थिएटर शिल्प संग्रहालय, नई दिल्ली, 2015–2016, संगीत उपकरणों का संरक्षण और मरम्मत और उनकी सूची तैयार करना, प्रो. सुनीरा कासलीवाल।

आयोजित संगोष्ठियां

7 और 8 मार्च, 2017 को सर शंकर लाल कॉन्सर्ट हॉल में भारतीय शास्त्रीय संगीत में महिलाओं का योगदान – 2017, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

आयोजित सम्मेलन

हर साल, अगस्त में महीने के संगीत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय शास्त्रीय संगीत का महोत्सव, मल्हार उत्सव 2016 मनाया जाता है, यह भारतीय शास्त्रीय संगीत का एक दो दिवसीय उत्सव है। यह मल्हार राग के कई प्रकार के गायन और वाद्ययंत्रों के माध्यम से बरसात के मौसम की खुशी और उत्साह को दर्शाता है, जिनमें मियां की मल्हार, गौड़ मल्हार, मेघ मल्हार मुख्य हैं। पिछले दो वर्षों से, यह अत्यंत प्रतिष्ठित कन्वेंशन हॉल, वाइस रीगल लॉज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित किया जा रहा है।

30 और 31 अगस्त 2016 को आयोजित उत्सव में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर योगेश त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में और पद्म विभूषण विदुषी कपिला वात्स्यायन ने सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विदुषी वात्स्यायन ने दो दुर्लभ संगीत वाद्ययंत्र भेंट किए, जिन्हें उनकी माँ बजाया करती थीं।

कार्यक्रम ने कई कलाकारों ने कंठ और वाद्य संगीत दोनों में बहुत सुंदर रचनाएं प्रस्तुत कीं।

मंगल ध्वनि नामक एक तबला प्रस्तुति, अमृत वर्षिणी नामक कर्नाटक संगीत प्रस्तुति हुई और छात्रों द्वारा एक हिन्दुस्तानी गायन और वाद्यसंगीत– मंगल वर्षा प्रस्तुत किया गया और दोनों ही दिन संगीत विभाग के शिक्षकों द्वारा आयोजनों का संचालन किया गया।

इनके अलावा, पहले दिन, विभाग के एक पूर्व छात्र स्मित तिवारी द्वारा एक सरोद गायन, चेन्नई के श्री विष्णुदेव नंबुदरी द्वारा कर्नाटक संगीत का गायन और विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल के पं. बुद्धदेव दास और उनके छात्रों द्वारा एक एसराज प्रस्तुत किए गए।

संगीत विभाग के एक वरिष्ठ स्टाफ कलाकार, दिल्ली के पं. दल चंद शर्मा ने अपने पखवाज वादन द्वारा और श्रीमती गौरी पठारे ने अपने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के गायन से दर्शकों को सम्मोहित किया।

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

सुनीरा कासलीवालः

भारतीय संगीत शास्त्र सोसायटी के तत्वावधान में, 21 जनवरी, 2017 को एनसीपीए, मुंबई में आयोजित *''वाद्य उपकरण तब और अब''* पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *''बोइंग इंस्ट्रूमेंट्स''* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली में, 28 जनवरी, 2017 को तार वाद्य बनाने पर *''सुरबहार''* की कार्यशाला में विशेष दस्तावेजीकरण विशेषज्ञ।

अनुपम महाजनः

संगीत नाटक अकादमी में, 28 जनवरी, 2017 को सुरबहार उपकरण के बारे में प्रलेखन पर पैनल चर्चा में विशेषज्ञ।
आईसीसीआर में 21 मार्च, 2017 को *रसअनुभूति* पर व्याख्यान प्रदर्शन।
जी. एन. डी. यू, अमृतसर में 23 और 24 जनवरी, 2017 को भारतीय संगीत अनुसंधान में संदर्भ व्याख्यान, महत्व और प्रलेखन।

प्रतीक चौधरीः
स्टीन ऑडिटोरियम, भारत पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में 2 अप्रैल, 2016 को रामपुर सेशवान घराना के गायक उस्ताद गुलाम सादिक खान की स्मृति में आयोजित सिलसिला नामक संगीत सम्मेलन में संगीत प्रस्तुति।
तलगाजारदा, भावनगर जिला, गुजरात में मोररी बापूजी द्वारा, 19 अप्रैल, 2016 को आयोजित संगीत सम्मेलन में संगीत प्रस्तुति।
कनॉट प्लेस, नई दिल्ली, 7 मार्च 2017 को सेंट्रल पार्क में साहित्य कला परिषद में युवा महोत्सव में विशेष सितार समूहों द्वारा आयोजित भारत के सितार का संचालन।
संगीत विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा 21 मार्च 2017 को आयोजित, वैकल्पिक चिकित्सा के रूप में संगीत और योग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान प्रदर्शन और शोधपत्र प्रस्तुति।

एम वी बिंदुः
संगीत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मार्च, 2017 में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में कर्नाटक संगीत को वीना धनमल का योगदान शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

ऋषितोष कुमार

19 नवंबर, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के 93वें दीक्षांत समारोह में और खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 14 दिसम्बर, 2016 को बाइसवें डीएई–बीआरएनएस उच्च ऊर्जा भौतिकी संगोष्ठी में तबला वादन प्रस्तुत किया।

हर्ष तिवारीः

चेंबुर, मुंबई में 10 अप्रैल 2016 को आयोजित अल्लादियान खान संगीत समारोह में प्रदर्शन किया।
27 और 28 दिसंबर, 2016 को संगीत नाटक अकादमी, दिल्ली द्वारा आयोजित भारतीय नृत्य पर कार्यशाला।
अप्रैल 2016 में संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित स्वर प्रभात में सुबह के राग प्रस्तुत किये।
अनुपम महाजन, दीप्ति भल्ला, केरल के पारंपरिक कला प्रारूप पर व्याख्यान, ऑनलाइन पाठ्यक्रम व्याख्यान, हैदराबाद विश्वविद्यालय, मार्च 2017.
ओजेश प्रताप सिंह, अप्रैल, 2017 में माता सुंदरी कॉलेज में व्याख्यान प्रदर्शन

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र
कोयम्बटूर के रवि राज संस्थान के छात्र 25 दिसंबर, 2016 को हमारे विभाग में आए। लगभग 50 छात्रों ने हमारे पुस्तकालय और संग्रहालय का दौरा किया और छात्रों का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विभाग के छात्रों ने संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा 29–31 मार्च, 2017 को राजकोट, गुजरात में आयोजित कंठ संगीत और वाद्य यंत्रों के सूर पूर्व उत्सव में भाग लिया, उत्सव में उत्तर–पूर्व पर विशेष ध्यान दिया गया था।

वाद्य विभाग (तार वाद्य) के दो विद्यार्थियों ने अगस्त, 2016, में कोरिया के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सियोल, दक्षिण कोरिया में आयोजित सिल्क–रोड यूनिवर्सिटी नेटवर्क (एसयूएन) के उत्सव तीसरे सिल्कार्डिया फिलहारमोनिक ऑर्केस्ट्रा के प्रदर्शन में भाग लिया।

पीएच.डी. / एम.फिल

पीएच.डी. – 18

एम.फिल. – 25

संकाय की संख्या

स्थायी – 16

तदर्थ – 8

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
साध्ययनः युवाओं और क्षमतावान छात्रों को विभाग के भीतर से बढ़ावा देने के लिए, समय–समय पर एक बैठक (संगीत गोष्ठियों की शैली में फर्श पर बैठ कर) का आयोजन किया जाता है, ताकि उन्हें स्थापित कलाकारों के समक्ष अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच उपलब्ध कराया जा सके। वर्ष में दो बार ऐसी संगीत गोष्ठियों आयोजित की गई थीं।
तीन संगीतकारों द्वारा दो दिवसीय कार्यशालाएं आयोजित की गईः

28 अगस्त, 2016 को पंडित राज कुमार मिश्रा द्वारा तबला कार्यशाला।

17–18 अक्टूबर, 2016 के पं. विद्याधर व्यास द्वारा गायन कार्यशाला।

20–21 अक्टूबर, 2016 को पं. अशोक पाठक द्वारा सितार कार्यशाला।

दृश्य–श्रव्य प्रदर्शन (ऑडियो विजुअल शो):

विभाग ने संगीत नाटक अकादमी द्वारा प्रायोजित कई दृश्य–श्रव्य प्रदर्शन आयोजित किए। चारो धाराओं के विद्यार्थियों के लिए दृश्य–श्रव्य प्रदर्शन प्रस्तुत करने के लिए कई क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था:

पं. डी. वी. पलुस्कर (हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक) 05 अगस्त, 2016.
उस्ताद अल्लाउद्दीन खान (वादक) 21 सितंबर, 2016.
विदुषी एम. एस शुभलक्ष्मी (कर्नाटक संगीत) 25 जनवरी, 2016.
उस्ताद अहमद जान थिरकुवा (तबला) 28 फरवरी, 2016।

***

विज्ञान विभाग

नृविज्ञान (एंथ्रोपोलॉजी)

विभाग की प्रमुख प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

विभाग के अनुसंधान कार्यों में मानवतावादी गतिशीलता से संबंधित जीवन शैली की समस्याओं, जीवन की गुणवत्ता, मोटापा, अनुवांशिक संकेतकों, भारत के पूर्वी और पश्चिमी तटीय क्षेत्र के तटीय अनुकूलन आदि शामिल है। एम. फिल. में नए पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए हैं, जिनका मुख्य लक्ष्य पारंपरिक और आधुनिक विकास विधियों को शामिल करने वाले कौशल विकास और समग्र दृष्टिकोण पर है। यूजीसी–एमएचआरडी द्वारा विभाग को मानव विज्ञान में ईपीजी पाठशाला और एमओसी कार्यक्रम आवंटित किया गया था। भारतीय आबादी में हस्ताक्षर, चेहरे की पहचान, साइबर अपराध और बायोमेट्रिक गतिशीलता पर ध्यान देने के साथ 2016 में फॉरेंसिक विज्ञान शोध के विभिन्न आयाम आरंभ किए गए हैं। वर्तमान में, विषय का ध्यान न्यूरोएंथ्रोपोलॉजी, फैशन नृविज्ञान, जीवन शैली में परिवर्तन और विभिन्न आबादी समूहों की स्वास्थ्य पद्धति जैसे अनुसंधान के नए क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है। विभाग के विद्वान यूरोपीय संघ परियोजना के अंतर्गत ईवीएस स्वयंसेवकों के रूप में डेब्रेसेन गए।

सम्मान/विशिष्टताएं:–

प्रोफेसर ए.के.कपूर डब्रोवनिक, क्रोएशिया में 4–7 मई, 2016 को आयोजित मानव–विज्ञान और मानव शरीर क्रिया विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय संघ–2016 के सत्र अध्यक्ष थे।

प्रो. पी सी जोशी बच्चों के लिए सशक्त विकास लक्ष्यों पर नई दिल्ली में आयोजित संसद सदस्यों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न देशों से आने वाले सांसदों को व्याख्यान देने के लिए बाल कुपोषण के विशेषज्ञ के रूप में चिह्नित किए गए। 10–11 दिसंबर, 2016.

प्रकाशन

एस. के. आचार्य एवं जी. के. क्षत्रिय (2016). पश्चिम बंगाल और ओडिशा की चयनित जनजातियों में पोषण और उच्च रक्तचाप का भार। ए. के. कपूर एवं एम. सैनी (संपा.) में, *मानव विकास नृवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य,* I, 68–92.

एस. के. आचार्य, पी. के. दास एवं जी. के. क्षत्रिय (2016). भारत में मानव अधिकारों और मुद्दों से संबंधित जैवचिकित्सा अनुसंधान नैतिकताः सूचित सहमति और अवैध चिकित्सा। औषधि प्रयोगों के उल्लंघन से टिप्पणियां। डॉ. पी. वत्सला (संपा.), *मानवाधिकार शिक्षाः मुद्दे और चुनौतियां,* 32–48.

एस. अकेरकर, पी.सी. जोशी एवं एम. फोर्दम,(2016). पात्रता और सामाजिक सुरक्षा की संस्कृतिः बाढ़ प्रवण बहराइच, उत्तर प्रदेश, भारत से साक्ष्य। *विश्व विकास,* 86, 46–58.

एच. अरोड़ा एवं के. सतवंती, (2016). क्षय रोग, कुपोषण और सामाजिक–जनसांख्यिकीय विशेषताएंः एक प्रकरण नियंत्रण अध्ययन। वी. के. श्रीवास्तव, ए.के. कपूर, एम. ढल (संपा.) में, पर्यावरण, विकास, *सार्वजनिक नीति और स्वास्थ्यः नृवैज्ञानिक दृष्टिकोण.* बी. आर. पब्लिकेशन।

ए. हिमांशु एवं के. सतवंती,(2016). दिल्ली में तपेदिक रोगियों के बीच उपचार के दौरान खो जाने वाले निर्धारकों का अनुसरण करना। *चिकित्सा अनुसंधान एवं स्वास्थ्य विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,* 5(1), 145–152.

एस.के. बंदुमी, ए.एम.हसीजा, एम.एल.देवी एवं पी.सी. जोशी (2017). स्थानीय समुदायों और गैर–सरकारी संगठनों की भागीदारीः गढ़वाल हिमालय में टिकाऊ विकास की दिशा में एक कदम। *वर्ल्ड फोकस,* 450, 111–117.

ए. बंसल एवं पी.सी. जोशी (2017). स्थानीय समुदायों और गैर–सरकारी संगठनों की भागीदारीः गढ़वाल हिमालय में टिकाऊ विकास की दिशा में एक कदम। *नृविज्ञान की यूरेशियाई पत्रिका,* 7(2), 37–50.

ए. बंसल एवं पी.सी. जोशी (2016). दिल्ली, भारत की शहरी आबादी में अवसाद के साथ कार्डियोवास्कुलर रोग जोखिम का परिवर्तन युक्त संगठन। *दिल्ली की मनोचिकित्सा पत्रिका.* 19(2), 45–53.

पी. भसीन एवं एस. कपूर, (2016). भुजाओं और हृदय जोखिम के बीच रक्तचाप रीडिंग में अंतरः एक शहरी भारतीय अध्ययन। *एथेरोस्क्लेरोसीस,* 252, ई18.

प्रेरणा भसीन, सतवंती कपूर, वाई.पी.कपूर, (2017). किशोरावस्था में कार्डियो–चयापचय जैव संकेतकः तीन पीढ़ियों से पिंडल संबंधों के माध्यम से स्वास्थ्य जोखिम का अनुमान लगाना। *हृदय रोग की नैदानिक पत्रिका,* 1(1), 1002.

एम. भुकेर एवं एस. कपूर, (2017). भारतीय वयस्कों में अस्थमा की स्क्रीनिंग के लिए अस्थमा जीवन गुणवत्ता परीक्षण (एएलक्यू) की मान्यता। *छाती के रोग और संबद्ध विज्ञान की भारतीय पत्रिका,* प्रेस में।

एस. चंदेल एवं एस.एल.मलिक (2017). उत्तर प्रदेश, भारत की क्षत्रिय और कुर्मी महिलाओं में शरीर के आकार और शरीर अनुपात में अंतर–जनसंख्या में अंतर। एस.घोष एवं डी. के. लिम्बू में, *जैविक नृविज्ञान में अध्ययन।* नई दिल्लीः बी आर पब्लिशिंग हाउस , प्रेस में।

के. चांडियाक., पी.आर. मंडल, सी. महाजन एवं के.एन. सरस्वती (2016). भारत के हरियाणा राज्य की जाट महिलाओं के बीच प्रजनन व्यवहार के जैविक और सामाजिक निर्धारक। *मानव विज्ञान की पत्रिका,* 2016.

एस. चन्ना (2017). लोकतंत्र के हाशिये पर पर पहचान की मांगः उत्तरकाशी के जदभुटियां। वी. अरोड़ा एवं एन. जयराम में, *हिमालय में लोकतंत्रीकरणः रुचियां, संघर्ष, और वार्ता।* 27–53, नई दिल्लीः रूटलेज।

वी.चौधरी एवं ए.के.कपूर, .(2016). दिल्ली के जन समूह में पहचान गतिशीलता। *नृविज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाहीः रहस्य का अनावरण,* दिल्लीः आईजीएनओयू, प्रेस में।

वी. दीपानी एवं ए.के.कपूर, .(2016). पश्चिमी भारत के जनसमूह में पीटीसी और रंग–अंधत्व की विविधता। *नृविज्ञान में अनुसंधान की भारतीय पत्रिका,* 2(1), 39–43.

वी. दीपानी, एम.सैनी एवं ए.के.कपूर.(2017). चुनिंदा भारतीय जनजातियों के बीच स्वास्थ्य प्रबंधन का संज्ञानात्मक आयाम। *जीनस होमो,* प्रेस में।

वी. दीपानी, एम.सैनी एवं ए.के.कपूर. (2017). हिमालय की आबादी में जनसांख्यिकीय उतार–चढ़ाव। *मानव विज्ञान में अनुसंधान की भारतीय पत्रिका,* प्रेस में।

वी. दीपानी, एम.सैनी एवं ए.के.कपूर.(2017). हस्तलेखन के माध्यम से जातीय समूहों की पहचान। *मिस्र के फॉरेन्सिक विज्ञान की पत्रिका,* प्रकाशन के लिए भेजा गया।

एस.दे एवं ए.के.कपूर, .(2016). अंक अनुपात (2डीः 4डी) –उत्तर भारतीय आबादी में लैंगिक द्विरूपता के लिए एक फोरेंसिक मार्कर। *मिस्र के फॉरेन्सिक विज्ञान की पत्रिका,* 6(4), 422–428.

एस.दे एवं ए.के.कपूर, .(2016). हाथ सूचकांकः भारत में मानव पहचान के लिए एक एंथ्रोपो–फोरेंसिक उपकरण। *एशियाई विज्ञान और अनुप्रयुक्त प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,* 5(2), 1–9.

जे.के.ढल एवं ए.के. कपूर, (2016). गीले पाउडर निलंबन का उपयोग करते हुए विनाशकारी अपराधिक परिदृश्य स्थितियों के संपर्क में अव्यक्त प्रिंटों का विकास। *मिस्र के फॉरेन्सिक विज्ञान की पत्रिका,* 6(4), 396–404.

एस.दुआ, एम. ढल, एवं एस. कपूर, (2016). दिल्ली के पंजाबी निवासियों में मोटापे का परिमाण और रक्तचाप से उसका संबंध। *चिकित्सा एवं और स्वास्थ्य विज्ञकन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,* 5(1), 20–26..

एन.फिरोज, एम. ढल, एवं एस. कपूर, (2016). मधुमेह के खतरे के व्यवहारिक संकेतकः मणिपुर में एक समुदाय आधारित अध्ययन, *मधुमेह अनुसंधान – खुली पत्रिका,* 2(1), 8–13.

यू.गुप्ता, एम. ढल, एवं एस. कपूर, (2017). दिल्ली के वयस्क महिलाओं में उच्च रक्तचाप और मोटापे की संघटना। *मानवाधिकार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,* 5(1), 27–30.

पी.सी. जोशी (2017). अतिथि संपादक, पर्यावरण और सतत विकास पर विशेष अंकः उभरती चुनौतियां। वर्ल्ड फोकस, 450.

पी.सी. जोशी (2016). जलवायु परिवर्तन की पुरातनता और नवीनता। *वर्ल्ड फोकस,* 442, 5–8.

पी.सी. जोशी (2016). भारत में चिकित्सा नृविज्ञान का उद्भव। *पूर्वी नृवैज्ञानिक,* 69(1), 1–11.

पी.सी. जोशी (2016). चरम मौसम की घटनाएं और हिमालयः हाल की बाढ़ आपदाओं से सीख। *वर्ल्ड फोकस,* 437, 12–16.

पी.सी. जोशी (2016). सहभागिता के संबंध में बातचीत और छायांकनः जौनसर–बरवार में किए गए क्षेत्रीय कार्य से नोट। *भारतीय मानव विज्ञान सोसायटी की पत्रिका,* 51 (3), 117–127.

पी.सी. जोशी (2017). टिकाऊ विकास और भारतीय प्रयोगों में उभरती चुनौतियां। *वर्ल्डफोकस,* 450, 12–15.

पी.सी. जोशी पुस्तक समीक्षा. (2016). ए एन नायक, ग्रामीण उड़ीसा में लिम्फेटिक फिलारासीस का बोझः चिकित्सा नृविज्ञान में एक अध्ययन। *पूर्वी नृवैज्ञानिक,* 69, 3 एवं 4, 522–524.

पी.सी. जोशी, पुस्तक समीक्षा। (2016). एस.के. गुप्ता और वी.के. श्रीवास्तव (संपा.) भारतीय समाज का अन्वेषणः योगेश अटल के सम्मान में निबंध। *पूर्वी नृवैज्ञानिक,* 69, 3एवं 4, 521–522.

पी.सी. जोशी(2017). मानवाधिकार, वन्य जीवन और पर्यावरण संरक्षण। *सामाजिक परिवर्तन,* 47(1), 1–10.

पी.सी. जोशी, पी. खत्री, एवं के.शर्मा (2016). चरम मौसम की घटनाओं के लिए सामाजिक प्रतिक्रियाः भारत से कुछ अनुभवजन्य प्रमाण। पूर्वी नृवैज्ञानिक, 69, 3एवं4, 489–508.

जी.कामिह एवं जी.के. क्षत्रिय(2016). मणिपुर के चंदेल जिले की लैमकेंग जनजाति में प्रजनन क्षमता और उसके निर्धारक। *मानव जीवविज्ञान समीक्षा,* 5(1) 92–103.

ए.के.कपूर.(2016). फोरेंसिक मानव विज्ञानः शास्त्रीय अनुशासन में एक प्रतिमान बदलाव। *फॉरेंसिक मानव विज्ञान की पत्रिका।* 1,(1).

ए.के. कपूर एवं वी. दीपानी (2017). तटीय मानव विज्ञानरू भारत में भविष्य की एक गतिशीलता। *सामाजिक विज्ञान और मानविकी अनुसंधान के अन्वेषण की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,* 4(7), 3576–3581.

ए.के.कपूर एवं के. सिंह(2016). दिल्ली के क्षय रोग के रोगियों में जनसांख्यिकीय गतिशीलता। *चिकित्सा अनुसंधान एवं स्वास्थ्य विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,* 5(4), 43–49

ए.के.कपूर एवं के. सिंह(2016). दिल्ली की जीवन शैली और टीबी अध्ययन के बीच संबंध। *अनुप्रयुक्त अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,* 6(5), 131–135.

ए.के.कपूर, वी. दीपानी, एम. ढल, एवं एस. कपूर, (2016). टीबी रोगियों और नियंत्रणों के बीच सामाजिक–आर्थिक और स्वास्थ्य पहलुओं के तरीकों की पत्रिका। *तपेदिक की भारतीय पत्रिका,* 63(4), 230–235.

ए.के.कपूर, वी. दीपानी, एम. ढल, एवं एस. कपूर, (2016). टीबी रोगियों और नियंत्रणों के बीच सामाजिक–आर्थिक और स्वास्थ्य पहलुओं का पैटर्न। *तपेदिक की भारतीय पत्रिका,* 63(4), 230–235.

ए.के.कपूर, एम. ढल, वी. दीपानी, के सिंह, एवं एस. कपूर, (2016). संक्रामक रोग के रोगियों में पर्यावरण और स्वास्थ्य कारकः क्षय रोगों में रुझान। *संक्रमण एवं जन स्वास्थ्य की पत्रिका,* मुद्रण के लिए प्रेषित.

ए.के.कपूर, एम. ढल (2016). भारत की जनजातियों में गरीबी, कुपोषण और जैविक गतिशीलता। स्वास्थ्य विज्ञान की पत्रिका, *10*(3:5), 1-5.

ए.के.कपूर,एम. ढल, वी. दीपानी, एवं एस. कपूर, (2016). टीबी रोगियों और नियंत्रण के बीच में मार्फो–शारीरिक गतिशीलता। भारतीय मानव विज्ञान सोसायटी की पत्रिका, प्रेस में।

एस. कौर, एवं एस. चंदेल (2017). शरीर में आयु के साथ परिवर्तन और बीएमआई के साथ उसका संबंधः राजस्थान, भारत के स्कूल जाने वाले लड़कों में एक पार–अनुभागीय अध्ययन। मानव जीवविज्ञान समीक्षा, 250–262.

एच. के. कोहली, एस. कपूर,, एम. ढल, एवं एस. दुआ, (2017). पिथौरागढ़ की कुमाऊंनी राजपूत महिलाओं की प्रजनन स्वास्थ्य। सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका , 3(1).

ए. कोटवानी, सी. वाटल, पी.सी. जोशी, एवं के. होलोवे (2016). नई दिल्ली, भारत में उच्च विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के बीच एंटीबायोटिक के उपयोग और प्रतिरोध पर ज्ञान और धारणाः एक गुणात्मक अध्ययन। फार्माकोलॉजी की भारतीय पत्रिका, 48(4), 365.

जी.के.क्षत्रिय एवं एस.के. आचार्य (2016). भारतीय जनजाति की युवा महिलाओं में पोषण की व्यापकता में लिंग असमानता और उच्च जोखिम। प्लोस वन, 11(7), ई0158308.

जी.के.क्षत्रिय एवं एस.के.आचार्य, (2016). भारतीय जनजातियों में मोटापा, पोषण और हृदय रोग के खतरे का तिहरा बोझ। प्लोस वन, 11(1), ई0147934.

जी.के.क्षत्रिय, जी. कामेह एवं टी. पानमेई (2016). मणिपुर की जेमे और कूकी जनजातियों की जीनोमिक संरचना, उत्तर–पूर्व भारत। मानव जीवविज्ञान समीक्षा, 5(4), 471–482.

जी.के.क्षत्रिय एवं एस.सिंह, (2016). झारखंड के पूरब सिंहभूम जिले के संथाल महिलाओं में जन्म के पहले के अंतराल का निर्धारण। *मानव विज्ञान में अनुसंधान का भारतीय पत्रिका,* 2(2), 101–107.

जी. के. क्षत्रिय एवं एस के आचार्य, (2016). भारत के छह जनजातीय आबादी समूहों के बीच पोषण की उच्चतर दर और उच्च रक्तचाप का प्रचलन। पी के पेट्रा, आर गौतम (संपा.) में, *मानव विकास और पोषण: एक जैव सांस्कृतिक संश्लेषण*,117–136.

एस. कुमारी, एवं जी.के. क्षत्रिय(2016). झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले की ओरांव महिलाओं में गर्भनिरोधकों के प्रयोग का अध्ययन। मानव जीवविज्ञान समीक्षा, 5(2), 176–191.

एस. ए. लैमकेंग, पी.सी. जोशी, एवं एम.एम. सिंह. (2016). मणिपुर, भारत में एचआईवी/ एड्स के प्रति ज्ञान, रवैया, व्यवहार और अभ्यास (केएबपी) पर एक अध्ययन। *एड्स अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका*, 3(4), 59–67.

सी. महाजन, (2016). समीक्षा, 1983 की नेली नरसंहारः दंगाइयों की एजेंसी माकिको किमुरा द्वारा। सामाजिक बुलेटिन, 65(3), 486–488.

एन.महाजन, ए.कुमारी एवं जी.के. क्षत्रिय (2016). भारत के किशोरों में चयापचय विकारों का प्रसार और जुड़े जोखिम कारकोंः एक व्यवस्थित समीक्षा। *मानव जीवविज्ञान समीक्षा*, 5(4), 405–421.

आर.के.मीनाक्षी एवं पी.सी. जोशी(2016). आपदाओं में महिलाओं की असुरक्षाः कोसी में आई बाढ़ पर एक नजर। *वर्ल्डफोकस*, 437, 92–95.

आर.के.मीनाक्षी एवं पी.सी. जोशी (2017). सतत विकास और पर्यावरणः चुनौतियां और जिम्मेदारियां। वर्ल्ड फोकस. 450, 106–110.

एस.मित्रा एवं जी.के. क्षत्रिय(2016). पीओएन1 में क्यू192आर और एल55एम पॉलिमोरफिज्म पर जेनेटिक विविधता। पर्यावरण विष विज्ञान और औषध विज्ञान, 45, 251–256.

एन.के.मुनिग्रेफी, एम. ढल, एवं एस. कपूर, (2016). आदत संबंधी शारीरिक गतिविधि, शरीर संरचना और हृदय श्वसन स्वास्थ्यः जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश के राजपूत महिलाओं में अध्ययन। डॉ. पी के पात्र और डॉ .राजेश गौतम (संपा.), मानव विकास और पोषणः एक जीववैज्ञानिक विश्लेषण,173–195.

एम डी नीलुफर एवं एस. कपूर, (2017). मुस्लिम महिलाओं में तनाव और उच्च रक्तचाप के साथ प्रकार 2 मधुमेह का संबंधः एक प्रकरण–नियंत्रण अध्ययन। मानवाधिकार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(1), 24–26.

टी पानमाई, जी कामिह, एस मित्रा, एवं जी.के. क्षत्रिय(2016). मणिपुर, भारत की नागा जनजातियों में डोपामाइन रिसेप्टर जीन डीआरडी2 का अलेलिक रूपांतर और हापलोटाइप संरचना। विज्ञान और अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(1), 313–317.

एस एम पटनायक, (2016). सार्वजनिक नीति में नृविज्ञानः भारत से प्रतिबिंब, एन किंग्सवर और सूसन हयात (संपा.), समकालीन नृविज्ञान पर रूटलेज कम्पेनियन, न्यू यॉर्क रूटलेज।

एस के पेटेन्यूनो एवं एम. ढल (2017). रजोनिवृत्त महिलाओं में तनाव और रक्तचाप की भूमिका। मानवाधिकार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(1), 41–44.

आई पोनगेन, सुमाल्या., एम. ढल, एवं एस. कपूर, (2016). दिल्ली विश्वविद्यालय के सुरक्षा गार्ड और छात्रों में व्यवसाय, शारीरिक फिटनेस और एडिपोसिटी मार्कर। स्वास्थ्य, 08(10), 978–985.

आर. रोहतगी एवं ए.के.कपूर, .(2016). मूल फ्यूसिन डाई पर आधारित एसपीआर के साथ गीली गैर–छिद्रपूर्ण सतहों पर गुप्त उंगलियों के निशान के विकास। फॉरेन्सिक विज्ञान की मिस्र की पत्रिका, 6(2), 179–184.

पी रुलु., एम. ढल, एवं एस. कपूर, (2016). जलवायु संबंधी लक्षणों को मापनाः नागालैंड की लोथा महिलाओं में एक समुदाय आधारित अध्ययन। महिला स्वास्थ्य – ओपन जर्नल, 2(1), 1–7.

एम.सैनी एवं ए.के.कपूर, (2016). फोरेंसिक पहचान में बॉयोमीट्रिक्सः अनुप्रयोग और चुनौतियां। फॉरेंसिक मेडिसिन की पत्रिका,1(2), 1–6.
के. शर्मा एवं पी.सी. जोशी. (2017). पर्यावरण प्रबंधन में ''सतत विकास''को दोबारा परिभाषित करना। वर्ल्ड फोकस, 450, 58–61.
के. शर्मा एवं पी.सी. जोशी, (2016). प्राकृतिक आपदाओं के दायरे के भीतर लिंग का पता लगाना। *वर्ल्ड फोकस,* 437, 83–87.
एम.के.सिंह (2016). कोंडापेटा I, का आंध्र प्रदेश टाइपो–तकनीकी विश्लेषण। एशियाटिक सोसाइटी की पत्रिका, 8(1 एवं 2), 41–66.

पुस्तकें:
ए.के. कपूर एवं जी. गावली, (संपा.), (2016) मानव विकासः मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टि। नई दिल्ली, दिल्ली:निर्मल प्रकाशन।
ए.के. कपूर एवं जी.के. क्षत्रिय(संपा.). (2016). मानव विकासः व्यवहार विज्ञान अंतर्दृष्टि नई दिल्ली, दिल्लीः निर्मल प्रकाशन।
ए.के. कपूर एवं एम सैनी, (संपा.), (2016). मानव विकासः मानवविज्ञान की अंतर्दृष्टि. संस्करण–I- नई दिल्ली, दिल्ली:निर्मल प्रकाशन।
ए.के. कपूर एवं एम सैनी (संपा.), (2016). मानव विकासःमानवविज्ञान की अंतर्दृष्टि. संस्करण –II- नई दिल्ली, दिल्लीः निर्मल प्रकाशन।
ए.के. कपूर, एम. ढल एवं वी.चौधरी,(संपा.), (2016) मानव विकासः पोषक अंतर्दृष्टि, नई दिल्ली, दिल्लीः निर्मल प्रकाशन।
ए.के. कपूर, एम.सैनी एवं ए पी कपूर, (संपा.), (2016). मानव विकासःशैक्षिक और प्रबंधन अंतर्दृष्टि, नई दिल्ली, दिल्लीः निर्मल प्रकाशन।
ए.के. कपूर, एम. के. सिंह एवं वी के वर्मा. (संपा.) (2016). मानव विकासःजातीय–पर्यावरण और पुरातात्विक अंतर्दृष्टि नई दिल्ली, दिल्ली:निर्मल प्रकाशन।
ए.डी. नोरेम एवं एम.के.सिंह (2017). उत्तर–पूर्व भारत की नवपाषाण संस्कृति (मणिपुर के विशेष संदर्भ में)। दिल्लीः रिसर्च इंडिया प्रेस।
वी. के. श्रीवास्तव.,ए.के. कपूर एवं एम. ढल (संपा.), (2016). पर्यावरण, विकास, सार्वजनिक नीति और स्वास्थ्यः मानव विज्ञानी परिप्रेक्ष्य, संस्करण–I. नई दिल्ली, दिल्लीः बी आर पब्लिशिंग कंपनी।
वी. के. श्रीवास्तव.,ए.के. कपूर एवं एम. ढल (संपा.) (2016). पर्यावरण, विकास, सार्वजनिक नीति और स्वास्थ्यः मानव विज्ञान दृष्टिकोण, संस्करण –II, नई दिल्ली, दिल्लीः बी आर पब्लिशिंग कंपनी।
वाई. वत्स एवं ए.के. कपूर(2016). लिप प्रिंट्सः एक एंथ्रोपो– फॉरेंसिक डायनेमिक्स दिल्लीः श्री कला प्रकाशन (आईएसबीएन 978–93–85329–18–0)

अनुसंधान परियोजनां:
प्रोफेसर ए.के. कपूरः
डीयू–डीएसटी प्रायोजित परियोजना, 2014–2018, तटीय भारत के मत्स्य पालक समुदाय में जैव–सामाजिक और स्वास्थ्य गतिशीलता, 38,00,000 रुपए।

एमएचआरडी, यूजीसी प्रायोजित परियोजनाएं, 2014–2017, पीजी ई–पाठशाला परियोजना, 1,12,000 रुपए।
यूजीसी प्रायोजित परियोजनाएं, एमओओसीएस 2016, भारत सरकार, एमएचआरडी.

प्रो. सतवंती कपूर, डीयू–डीएसटी पर्स अनुसंधान, 2014–2018, शहरी और ग्रामीण आबादी समूहों में चयापचय विकार के लक्षणों के साथ जेनेटिक भिन्नताओं का संगठन, 31,00,000 रुपए।

प्रो. पी.सी जोशी (प्र.अ.) और डॉ.. के एन सरस्वती (सहप्र.अ.), आईएसएसआर, नई दिल्ली,2017–18, आत्मघाती व्यवहार के निर्धारकः तेलंगाना राज्य से एक अध्ययन, 8,00,000 रुपए।

डॉ. मीनल ढल, युवा वैज्ञानिकों के लिए डीएसटी प्रमरगभिक अनुदान, 2015–2018 उत्तर भारतीय वयस्कों में चयापचय विकार और उसके संबंधित आनुवंशिक मार्करों के साथ जीवन की गुणवत्ता, 25,00,000 रुपए।

आयोजित संगोष्ठियाँ

प्रो. सतवंती कपूरः
राष्ट्रीय संगोष्ठी, राष्ट्रीय विकास में नृविज्ञान और फॉरेंसिक विज्ञान की भूमिका, नृविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 24–25 मार्च, 2017.
सह–आयोजक, कार्यशाला, एसपीएसएस की डीकोडिंग, सम्मेलन केंद्र, उत्तरी परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, मार्च, 17.

कार्यशाला, योग और राष्ट्र निर्माणः नृविज्ञान विभाग में एक मानव विज्ञान परिप्रेक्ष्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, जून 21, 2017.

प्रो सुभद्रा चन्ना ने हाशिये से उत्पन्न ज्ञान और एक वैश्विक दुनिया में इसकी प्रासंगिकता पर पैनल का आयोजन किया और हाशिये से जाति और भारत समाज को देखनाः दलित परिप्रेक्ष्य से योगदान, पर एक शोधपत्र पढ़ा, आईयूएईएस, डबरोवनिक, क्रोएशिया, मई, 2016.

प्रो सौमेंद्र एम पटनायक ने नव–उदारवादी अर्थव्यवस्था में नस्ल विज्ञान और सार्वजनिक नीति से जुड़े पर एक पैनल का आयोजन किया, डूब्रोवनिक में आईयूएईएस की अंतर–कांग्रेस, क्रोएशिया, 2016.

डॉ.एम केनेडी सिंहः

मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''राष्ट्रीय विकास में मानव विज्ञान और फोरेंसिक विज्ञान की भूमिका'' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए आयोजन समिति के संयुक्त सचिव, 24–25 मार्च, 2017, दिल्ली

21 जून 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में एक दिवसीय संगोष्ठी के संयोजक।

आयोजित सम्मेलन

राष्ट्रीय संगोष्ठी, क्षेत्र कार्य पर वार्ता :संस्थागत व्यवहार और समकालीन चुनौतियों का खुलासा, 16–17 सितम्बर, 2016, इंटरनेशनल गेस्ट हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रो. सुभद्रा चन्नाः

गैर–पश्चिमी/स्वदेशी परिप्रेक्ष्य से बीमारी और चिकित्सा के संज्ञानात्मक आयामों को समझाते हुए, एशियाटिक सोसाइटी द्वारा, कोलकाता, में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी *जनजातीय स्वदेशी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली परः पी ओ बोडिंग को श्रद्धांजलि,* शोधपत्र प्रस्तुत किया, 23–24 फरवरी, 2017.

प्रकृति और संस्कृति और भारत चीन संस्थान, द न्यू स्कूल के साथ धर्म के अध्ययन की अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी द्वारा सह–आयोजित पैनल, पर्वत और पवित्र परिदृश्य पर न्यूयॉर्क में न्यू स्कूल में सामाजिक सक्रियता के लिए पवित्र स्रोत के रूप में पर्वत, में देवता, दानव और दुश्मनीः हिमालयी सीमाओं के पवित्र वातावरण पर बातचीत में शोधपत्र प्रस्तुत किया, 20–23 अप्रैल, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, हाशिये से जाति और भारतीय समाज को देखनाःदलित परिप्रेक्ष्य से योगदान,' आईयूएईएस, डबरोवनिक, क्रोएशिया, मई,2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, भारत की समकालीन उत्तर–पूर्वी जनजातियों और भारतीय राज्य के संदर्भ में एलविन के जीवन दर्शन और लेखन की प्रासंगिकता/अपरिवर्तनीयता, वेरियर एल्विन के योगदान पर सम्मेलन, उत्तर–पूर्व अध्ययन केंद्र, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, दिल्ली, सितम्बर, 2016.

प्रो. सतवंती कपूरः
शोधपत्र प्रस्तुत किया और सत्र की अध्यक्षता, एस वी विश्वविद्यालय, तिरुपति में भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ द्वारा आयोजित 103वां भारतीय विज्ञान कांग्रेस, 3–7 जनवरी, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत किया. विश्व मानव विज्ञान और ज्ञान का निजीकरणः सार्वजनिक क्षेत्र में नृविज्ञान को संलग्न करना, आईयूएईएस इंटर–कॉग्रेस, डबरोवनिक, क्रोएशिया 4–9 मई, 2016.

प्रो. ए के कपूर
आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय सम्मेलन, फॉरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनलिक्स, अगोरा 2016ः आपराधिक जांच में फोरेंसिक्स की गुणवत्ता के उपयोग का पोषण करना, अफॉरेंसिक साइंस अनुभाग, वुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान के स्कूल में, गैलागियस यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा,21–22 अप्रैल, 2016.

सत्र के अध्यक्ष, नृविज्ञानःमानव विज्ञान का जश्न, नृविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, राष्ट्रीय संगोष्ठी 22–23 अप्रैल, 2016.

सत्र अध्यक्ष, पैनल 160ः पोषण के लिए जैव–सामाजिक दृष्टिकोण, स्वास्थ्य और पहचान, अंतर्राष्ट्रीय मानव विज्ञान और मानव विज्ञान विज्ञान–2016, डबरोवनिक, क्रोएशिया में मध्य–कांग्रेस। 4–9 मई, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत, आईयूएईएस कांग्रेस 2016, डबरोवनिक, क्रोएशिया, 4–9 मई,2016.

प्रो. पी.सी जोशी, चिकित्सा नृविज्ञान में अध्यापन और अनुसंधान की स्थिति पर, स्काइप के माध्यम से मुख्य पत्र प्रस्तुत किया, अस्थिर वैश्वीकृत दुनिया में मेडिकल नृविज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, मास्को, रूस, जून, 29– जुलाई, 1, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, प्रोफेसर सौमेंद्र एम पटनायक, संस्थागत क्षेत्र के विस्तार के रूप में टीम नृवंशविज्ञानः पावर डायनेमिक्स की तलाशः संस्थागत व्यवहार और समकालीन चुनौतियों का खुलासा, राष्ट्रीय संगोष्ठी अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह, दिल्ली विश्वविद्यालय, 16–17 सितम्बर, 2016.

डॉ अवीटोली जी झीमोः

शोधपत्र प्रस्तुत किया, दृश्यों में नृविज्ञान और नृविज्ञान में दृश्य, राष्ट्रीय संगोष्ठी, मानव विज्ञान का जश्न मना रहा है, मानव विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 22–23 अप्रैल, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, पर्यावरण और स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियां, जेमे का रिफलेक्सिव अकाउंट, आज के पर्यावरण मानवविज्ञान पर संगोष्ठी आजः चुनौतियां और सड़क आगे, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 अक्टूबर, 2016.

पैनल चर्चा का सारांश प्रस्तुत किया, डीआरआर अभियान के लिए कार्यशाला तैयारी, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 21 अक्टूबर, 2016.

डॉ. एम के सिंहः

शोधपत्र प्रस्तुत किया, प्रागैतिहास में संस्कृति का संक्रमण, भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 104वें सत्र में, एस वी विश्वविद्यालय, तिरुपति, 3–7 जनवरी,2017.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, यूरोप में सबसे पहले मानव अस्तित्व, राष्ट्रीय संगोष्ठी, नृविज्ञान और राष्ट्र विकास में फोरेंसिक विज्ञान, नृविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 24–25 मार्च, 2017.

शोधपत्र की प्रस्तुति और सत्र का आयोजन, एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य में गंगा के मैदान पर कृषि प्रथाओं का प्रारंभ, आठवीं विश्व पुरातात्विक कांग्रेस, क्योटो विश्वविद्यालय, क्योटो, जापान, अगस्त, 28– सितम्बर,02, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, यूरोप से प्रथम विधि संस्कृति का प्रमाणः कुछ मुद्दे, राजनीति, जातीयता और लोक संस्कृति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दक्षिण एशिया में सोसाइटी और संस्कृति, लखनऊ, 3–5 मार्च,2017.

डॉ. मीनल ढलः

मुख्य वक्ता, योग और राष्ट्र निर्माण पर योग और स्वास्थ्य कार्यशालाःएक मानव विज्ञान परिप्रेक्ष्य, नृविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 21 जून, 2017.

आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय संगोष्ठी, जीनोमिक्स और सांस्कृतिक भारतीय आबादी की भिन्नताः स्वास्थ्य और रोग की संवेदनशीलता का मूल्यांकन, नृविज्ञान विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, 23–24 फरवरी, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, दिल्ली के वयस्कों में तनाव, रक्तचाप और मांसपेशियों की ताकत के साथ हीमोग्लोबिन का संबंध। जरा–चिकित्सा और वृद्धावस्था पर 13 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय जरावस्था सोसायटी, 10–11 दिसंबर 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, शारीरिक गतिविधि और जीवन शैली संकेतक, कींसियोलॉजी और व्यायाम विज्ञान पर 12वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एथेंस, ग्रीस, 25–28 जुलाई, 2016.

डॉ. एम केनेडी सिंहः

शोधपत्र प्रस्तुत किया, स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की बीमारी, राष्ट्रीय संगोष्ठी, मानव विज्ञान और स्वास्थ्य विभाग, नृविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित, 28 जनवरी, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, मणिपुर में लाइ हराओबा के मानव विज्ञान की समझ, राष्ट्रीय संगोष्ठी, मानव विज्ञान और पर्यावरण, नृविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, दिल्ली, 26 फरवरी, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, उमांग लाई हराओबा की सामाजिक–सांस्कृतिक अनिवार्यता, राष्ट्रीय संगोष्ठी, स्वदेशी लोगों की मौखिक और अभिव्यंजक परंपराः पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के परिप्रेक्ष्य, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल द्वारा आयोजित (आईजीआरएमएस), 24–25 अगस्त, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, प्रशासनिक अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थानों में फील्डवर्क के अनुभवों पर विचार, राष्ट्रीय संगोष्ठी, फील्डवर्क का वार्ताः संस्थागत व्यवहार और समकालीन चुनौतियों का खुलासा, भारतीय नृविज्ञान संघ द्वारा आयोजित, नृविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 16 –17 सितम्बर, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, मणिपुर में बदलते कृषि अभ्यास, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, कृषि मानव विज्ञानः अंतर्दृष्टि और रास्ते, मानव विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, हैदराबाद, 16–17 फरवरी, 2017.

योग और कल्याण पर व्याख्यान, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 21 जून ,2017.

डॉ. मीताश्री श्रीवास्तवः

शोधपत्र प्रस्तुत किया, भारत में उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण, भारत में उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 2030, सतत् विकास लक्ष्यों के विशेष संदर्भ में, एमबीपी सरकारी पी.जी. कॉलेज, 28 जनवरी, 2017.

सत्र की सह–अध्यक्षता एवं शोधपत्र प्रस्तुत किया, प्रचलित बौद्ध धर्म और बौद्ध पहचानः मानव विज्ञान दृष्टिकोण, राष्ट्रीय संगोष्ठी, नृविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विकास में मानव विज्ञान और फोरेंसिक विज्ञान की भूमिका, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24–25 मार्च, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, एक बौद्ध पहचान की खोज – एक बीएसजी जिला केंद्र में नई बौद्ध महिलाओं का मानवविज्ञानी अध्ययन, नई दिल्ली में लिंग, संस्कृति और अधिकारिता पर बौद्ध धर्म के दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईजीएनसीए दिल्ली, 27–29 मार्च, 2017.

रिपोर्टर, राष्ट्रीय संगोष्ठी, डीआरआर इंडिया अभियान के लिए कदम, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 21 अक्टूबर, 2016.

श्री महाजन चक्रवर्तीः

शोधपत्र प्रस्तुत किया, *चुनावी राजनीति, जम्मू और कश्मीर में विकास और हिंदू–मुस्लिम संबंध,* राष्ट्रीय संगोष्ठी, धर्मनिरपेक्षता, समानता और समावेशः भारतीय आधुनिकता के विरोधाभास को समझना, समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर। 10–11 मार्च, 2017.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, रोजमर्रा की सांप्रदायिकता और जम्मू और कश्मीर में खाद्य प्रथाओं का स्थानांतरण, राष्ट्रीय संगोष्ठी, राष्ट्र, समकालीन भारत में समुदाय और नागरिकता, सामाजिक विज्ञान के स्कूल द्वारा आयोजित, उन्नत अध्ययन का राष्ट्रीय संस्थान, बैंगलोर, 9–10 जनवरी, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, धन, समय और क्षेत्रीय कार्यः संस्थागत प्रथाओं और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के हाशिये की खोज, क्षेत्रीय कार्य के बारे में राष्ट्रीय संगोष्ठीः संस्थागत व्यवहार और समकालीन चुनौतियों का खुलासा, भारतीय मानव विज्ञान संघ, दिल्ली द्वारा आयोजित, 16–17 सितम्बर, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, संदिग्ध स्थितिः असंतोष के नृवंशविज्ञान पर एक संघर्ष क्षेत्र कार्यशाला में अंतरजातीय संबंधों की नृवंशविज्ञान कार्यशालाः एक गंभीर जांच, भेदभाव और बहिष्कार के अध्ययन केंद्र, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेस, जेएनयू, दिल्ली, 27–28 अप्रैल, 2016.

शोधपत्र प्रस्तुत किया, सहिष्णुता के नृविज्ञान की ओरः किश्तवार में साझा पवित्र स्थान और धार्मिक सह–अस्तित्व, राष्ट्रीय संगोष्ठी, नृविज्ञान का जश्न मानव विज्ञान विभाग, नृविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित, 22–23 अप्रैल, 2016.

डॉ. शिवानी चंदेल. शोधपत्र प्रस्तुत किया, खेल में मानव विज्ञान की प्रासंगिकता, राष्ट्रीय संगोष्ठी, नृविज्ञान का जश्नः मानव विज्ञान, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, दिल्ली, 22–23 अप्रैल, 2016.

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

हम दिल्ली/ एनसीआर क्षेत्र में स्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ स्नातकोत्तर छात्रों के आदान–प्रदान कार्यक्रम शुरू करने के लिए जा रहे हैं।

प्रदत पीएच.डी/एम.फिल डिग्रियॉ

पीएच.डी. – 03
एम.फिल. – 10

संकाय की संख्या

स्थाई– 20

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

नृविज्ञान विभाग के छात्र भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, गैर सरकारी संगठनों, शिक्षण नौकरियों, जनगणना विभाग में कार्यरत हैं। डॉ. मीनल ढल ई–पीजी पाठशाला (यूजीसी–एमएचआरडी परियोजना) की समन्वयक हैं। नृविज्ञान मानव विकास, विकास और पोषण और अनुभागीय रिकॉर्डर, मानव विज्ञान और व्यवहार विज्ञान के मानव विज्ञान विभाग, भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन पर शोध पत्र (2017–2018)।

प्रो. पी.सी जोशी ने इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टैक्नोलॉजी द्वारा आयोजित गिलगित–ब्लूचिस्तान और तिब्बत के साथ लद्दाख व्यापार संबंध की समाप्ति के प्रभाव पर चर्चा करने के लिए 22–23, सितम्बर 2016 को अवंतीपोरा, लेह, लद्दाख, कश्मीर में आयोजित एक परामर्श बैठक में भाग लिया। आईयूएसटी के अलावा, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और जेएनयू, नई दिल्ली ने भी इस बैठक में भाग लिया। प्रो .जोशी दिल्ली विश्वविद्यालय

अभिनव परियोजना के भी मार्गदर्शक थे, गढ़वाल में लाची गेड वाटरशेड में बाहरी प्रवास के कारण मुख्य रूप से भूमि उपयोग के तरीके में बदलाव की पहचान और मूल्यांकन में जीपीएस और जीआईएस का इस्तेमाल (2016), भूगोल विभाग, शहीद भगत सिंह कॉलेज, नई दिल्ली।

***

वनस्पति विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

वनस्पति विज्ञान विभाग वर्गीकरण, प्रजनन जीव विज्ञान, फसल आनुवंशिकी, टिशू कल्चर ट्रांसजेनिक प्रौद्योगिकी, विकासवादी जीव विज्ञान, फिजियोलॉजी और बायोकेमेस्ट्री, पारिस्थितिकी, पौधे के आणविक जीव विज्ञान और जैव सूचना विज्ञान और कई अन्य सहित पादप जीव विज्ञान में अनुसंधान क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में शामिल है। 2016–17 में, एलीसिआर्पस की दो नई प्रजातियों, ए. गौटलेंसिस और ए. पॉक्लियनस को वर्णित किया गया था। दुर्लभ फर्न प्रजातियों के लिए पुनर्जनन के तरीके विकसित किए गए ताकि उनके प्राकृतिक निवास स्थान में पुनः बहाल किया जा सके। एकलिंगी फसलों के लिए नर और मादा पौधों की पहचान और मान्यता के लिए पीसीआर आधारित लिंग से जुड़े आणविक संकेतक विकसित किये गए। वृक्षारोपण और आनुवंशिक परिवर्तनों के माध्यम से बड़े पैमाने पर सुधार के लिए ~ 25 वाणिज्यिक और औषधीय महत्वपूर्ण पौधों के लिए माइक्रो प्रचार तरीके विकसित किए गए थे। मानव–कोशिका लाइनों में कैंसर विरोधी गतिविधि और मलेरिया, फेरलियल, डेंगू और जापानी एन्सेफलाइटिस वैक्टर के खिलाफ लार्वासाइडल प्रभावकारिता के लिए पौधे आधारित जैवसक्रिय यौगिकों के अलगाव के लिए प्रौद्योगिकियां विकसित की गई थीं। ब्रैसिका जांकिया, कार्थामास टिंकटोरियस और अरेबिडोप्सिस जैसे पौधों में फसल सुधार और/या पौधे के विकास जीव विज्ञान में बुनियादी अध्ययन के लिए पौधों पर आधारित ट्रांसजेनिक्स विकसित किए जा रहे हैं। कई संकाय सदस्य पौधों में प्रतिरोध/संवेदनशीलता और उन्मूलन की रणनीति के आणविक तंत्र में जैव और अजैविक तनाव पर अध्ययन कर रहे हैं। विभिन्न फसल पौधों में जीनोमिक (ट्रान्सस्क्रिप्टम/छोटे आरएनम) और आनुवंशिक संसाधन (एसएनपी–आधारित मार्कर, एसएसआर) तैयार करने के लिए अगली पीढ़ी के अनुक्रमण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सम्मान/विशिष्टताएँ

प्रो. ए.के. पांडे को भारतीय वानस्पतिक सोसाइटी का अध्यक्ष पूर्वी हिमालयी सोसाइटी ऑफ स्पर्मेटोफाइट वर्गीकरण का उपाध्यक्ष और एंजियोस्पर्म वर्गीकरण के भारतीय संघ का सचिव (आउटस्टेशन) चुना गया था।

प्रो. एस मजूमदार को मिरांडा हाउस के भूतपूर्व छात्र संघ, दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रतिष्ठित भूतपूर्व छात्र पुरस्कार 2017 प्राप्त हुआ।

प्रोफेसर के. एस. राव को लैनीयन सोसाइटी ऑफ लंदन, ब्रिटेन का फेलो और आंध्र प्रदेश की विज्ञान अकादमी, अमरावती का फेलो चुना गया था।

प्रोफेसर वीणा अग्रवाल को एनएएएस ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में फरवरी, 2017 में आयोजित ग्रामीण विकास में तकनीकी प्रगति और सतत कृषि पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पादप अनुसंधान सोसायटी द्वारा उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार, 2016 प्रदान किया गया।

प्रोफेसर शैलेंद्र गोयल को लैनीयन सोसाइटी ऑफ लंदन का फेलो चुना गया था।

प्रकाशन

ए.अग्रवाल, वाई.मुद्गिल, एस.पाण्डे, डी.फर्दयाल एवं एम.के. रेड्डी (2016). पैनिसेतम ग्लुकम से पीजीईआईएफ4ए2 (यूकेरियोटिक अनुवाद आरंभ कारक) की संरचनात्मक मॉडलिंग और वंशावली, विश्लेषण तनाव सहिष्णुता और विकास में एक भूमिका के साथ हस्ताक्षर रूपांकन प्रकट करते हं। जैव सूचना, 12(12), 416.

ए.अग्निहोत्री एवं सी.एस.सेठ (2016), बाहरी रूप से लागू नाइट्रेट प्रकाश संश्लेषक प्रदर्शन और आर्सेनिक (वी) विषाक्तता के अंतर्गत टमाटर सोलनुमिलीकोपेर्सिकम एल. सीवी पुसा रोहिणी) में नाइट्रोजन चयापचय को बेहतर बनाता है। पौधों का शरीरक्रिया विज्ञान और आणविक जीव विज्ञान। 22(3), 341–349.

डी.अरोड़ा एवं एस.सी.भाटिया (2017). मेलाटोनिन और नाइट्रिक ऑक्साइड सीयू/जेडएन एसओडी और एमएन एसओडी की अंतर अभिव्यक्ति के साथ नमक तनाव के अंतर्गत सूर्यमुखी के अंकुर विकास को विनियमित करते हैं। मुक्त मूल जीवविज्ञान तथा चिकित्साशास्त्र 106, 315–328.

पी.बर्मन, ए.के.चौधरी एवं आर.गीता (2017). एक संशोधित प्रोटोकॉल बेहद म्यूसीलाजिनस डायोस्कोरा कंद से उच्च गुणवत्ता 3.आरएनए पैदावार दिलाता है। बायोटेक 7(2), 150.

ए.बिदालिया, एम.हनीफ एवं के.एस.राव (2017). कोर्थ मिट्राजीना पर्विफोलिया (रॉक्सब) के अंकुर की एनएसीएल लवणता के लिए सहनशीलता। फोटोसिंथेटिका, 55(2), 231–239

एस.पी.चौरसिया एवं आर.देसवाल (2017). 2डी रेडॉक्स एसडीएस पेज (2–आयामी विकर्ण रेडॉक्स सोडियम डोडसील सल्फेट पॉलीएक्रिलामाइड जेल वैद्युतकणसंचलन) का उपयोग करते हुए ब्रैसिका जांकिया के अंकुरों से और प्रमुख रेडॉक्स संशोधित प्रोटीन की पहचान और इन सिलिको विश्लेषण। प्रोटीन की पत्रिका 36 (1), 64–76.

एस.के.छेत्री, एच.कपूर एवं वी.अग्रवाल (2016). कैसिया एन्स्टिफोलिया वहल में पूर्ववर्ती सेवन के माध्यम से सेनोसाइड जैवसक्रिय यौगिकों की वृद्धि और इसके बायोसिंथिथेसिस में शामिल आइसोकोरिज्मेट सिन्थेस जीन की क्लोनिंग को चिह्नित किया गया।पादप सेल, ऊतक और अंग संस्कृति (पीसीटीओसी) 124(2), 431–446.

आर.चोंगथाम, एस.वाइखोम, ए.कुमार, एस.गोयल, एम.अग्रवाल एवं जगन्नाथ (2017). सरसों एफिड (लिपापिएस ईरीसिमी) के पालन के लिए विभिन्न मेजबान और प्रयोगशाला परिस्थितियों का मूल्यांकन और तिलहन फसल ब्रैसिका जांकिया (भारतीय सरसों) के एफिद–प्रतिरोधी ट्रांसजेनिक पौधों की स्क्रीनिंग के लिए उनका उपयोग। वनस्पति–पादप अनुसंधान की एक अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, 30(विशेषांक) 185–190.

एस.डांडा, एस.सुब्रह्मण्यम, एस.ए.राथर एवं ए.के.पाण्डे (2016). मेघालय, भारत से क्रोलटोरिया (फैबेसी, क्रोटलॉरिएया), की एक नई प्रजाति व्यवस्थित वनस्पति विज्ञान 41(2), 307–315.

के. दास, एस.एच. गनी, वाई. मंगला, एम. चौधरी, आर.के.ठाकुर, आर.टण्डन एवं एस.गोयल. (2017).लद्दाख क्षेत्र (जम्मू और कश्मीर) में उच्च ऊंचाई पर उगने वाले हिप्पोफा रमोंएड्स एसएसपी ट्र्केस्टनिका के लिंग पहचान और आनुवांशिक निदान के लिए आईएसएसआर मार्कर। प्रोटोप्लाज्मा, 254(2), 1063–1077.

एम.एल.देवी, आर.टी.संवर एवं पी.एल.उनियाल (2016). पोडोस्टेमकेई के बीज की विशेषताएं और ताजे पानी की पारिस्थितिकी प्रणालियों में उनके अस्तित्व की रणनीति। रहीदा,26(1), 29–36.

जे.दिनाकरन, ए.बिदालिया, ए.कुमार, एम.हनीफ, ए.मीना एवं के.एस.राव (2016). भारतीय मिट्टी में कार्बन और नाइट्रोजन के निर्धारण के लिए निकट–इन्फ्रारेड–स्पेक्ट्रोस्कोपी। मृदा विज्ञान और वनस्पति विश्लेषण में संचार 47(12), 1503–1516.

के.दिनेश, एम.अल–हसन, ओ.विसेन्ट, ए.वीना एवं एम.बोसकाउ (2016). ओलियंडर (नेरियम ऑलैंडर एल.) में नमक तनाव के प्रति प्रतिक्रिया के तंत्रझ कृषि विज्ञान और पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय क्लुज–नापोका की बुलेटिन, बागवानी, 73(2), 249–251.

ए.गोलामी एवं ए.के.पाण्डे (2016). एलीसपरपस गौटलेंसिस (लेगुमिनोजाः डिस्मोडिया), महाराष्ट्र की एक नई प्रजाति, भारत, फीटोटाक्सा 266(2), 141–145.

ए.गोलामी एवं ए.के.पाण्डे,(2016). एलीसिआर्पस पॉक्लियानस (फैबेसी, डेस्मोडाइए) भारत की एक नई प्रजाति। फीटोकीज, 68, 117.

ए.गोलामी, एस.सुब्रह्मण्यम, आर.गीता एवं ए.के.पाण्डे (2017). न्यूक्लियर रिबोसोमल अनुक्रम विश्लेषण पर आधारित इंडियन एलीसिआर्पस (फैबैसी) की आणविक प्रणाली. जेनेटिक्स की पत्रिका 96(2), 353–363.

पी.गुप्ता, एस.श्रीवास्तव एवं सी.एस.सेठ (2017). 24–एपिब्रसिनोलिड और सोडियम नाइट्रोप्रससाइड प्रोलाइन, नाइट्रोजन चयापचय और एबसिसिक एसिड के बीच परस्पर संपर्क के माध्यम से ब्रैसिका जांकिया एल सीवी वरुण में लवणता का तनाव कम करते हैं। संयंत्र और मृदा 411(1–2), 483–498.

पी.जैन, डी.अरोड़ा एवं एस.सी.भाटिया (2016). पौधे के विकास और संबंधित प्रक्रियाओं को समझने में भूतल प्लासॉन अनुनाद आधारित हाल की प्रगति। बायोकेम एनल बायोकेम, 5, 300.

ए.जैन एवं एस.दास (2016), ब्रैसीकाई में सूक्ष्मता और मिश्रित प्रतिरक्षा, संरक्षण, और संरचना का तुलनात्मक विश्लेषण से वंशावली और उप–जीनोम–विशिष्ट परिवर्तनों का पता चलता है। कार्यात्मक और एकीकृत जीनोमिक्स 16(3), 253–268.

पी.जैन एवं एस.सी.भाटिया (2017), पौधों में प्रोटीन के टाइरोसिन नाइट्रेशन और एस–नाइट्रोसिलैलेशन के माध्यम से नाइट्रिक ऑक्साइड संकेतों से संबंधित आणविक तंत्र। कार्यात्मक वनस्पति जीवविज्ञान।

एच.कपूर, एन.यादव, एम.चोपड़ा, एस.सी.महापात्रा एवं वी.अग्रवाल (2017). ग्लियोब्लास्टोमा पर नर्डोस्टाचिस जटामांसी राइजोम एक्स्ट्रेक्ट और इसके आणविक ड्रग लक्ष्य के सिलिको विश्लेषण में मजबूत ट्यूमर विरोधी क्षमता। वर्तमान कैंसर ड्रग लक्ष्य 17(1), 74–88.

पी.कश्यप एवं आर.देशवाल (2017). हिप्पोफे रमनोड्स से एक नया वर्ग I चिटिनेसः आईसीई–सीबीएफ के ठंड तनाव संकेत मार्ग में भाग लेने के मार्ग। पादप विज्ञान, 259, 62–70.

पी.कौर, एन.शुक्ला, जी.जोशी, सी.विजय कुमार, ए.जगन्नाथ, एम.अग्रवाल एवं ए.कुमार (2017). टमाटर (सोलनम लाइकोपर्सिकम) अतिसंवेदनशील प्रतिक्रिया के दौरान जड़ों और जड़ कीगाँठ निमेटोड (मेलोइडोग्ने इंकॉग्निटा) से जीनोम–व्यापी पहचान और लक्षण वर्णन। प्लोस वन, 12(4), ई0175178.

ए.कुमार, एल.पाल एवं वी.अग्रवाल (2017), ग्लुटाथिऑन और साइट्रिक एसिड से सोलनल लिकोपर्सिकम एल. एक्टा फिजियोलाजे दो किस्मों में सीसा और आर्सेनिक–प्रेरित पादप विषाक्तता और जीनविषाक्तता प्रतिक्रिया का परिवर्तन। प्लेंटारम, 39(7), 151.

जे.कुमार एवं वी.अग्रवाल (2017), सिमारुबा ग्लाकुआ डीसी (एक महत्वपूर्ण जैव ऊर्जा फसल) में आनुवंशिक विविधता और आबादी आनुवंशिक संरचना का विश्लेषण। औद्योगिक फसलें और उत्पाद, 100, 198–207.

जे.कुमार, एम.हेक्रुजाम एवं वी.अग्रवाल (2016), एंटीऑक्सिडेंट, लिपिड पेरोक्सीडेशन और शारीरिक अध्ययनों का उपयोग कर नर और मादा जोजोबा पौधों की विशेषता का वर्णन। अमेरिकन ऑयल केमिस्ट्स सोसाइटी की पत्रिका, 93(7), 911–920.

पी.कुमार, पी.केशरी, एस.धिंडवाल, ए.के.चौधरी एवं एम.कातिकि (2017). पौधे के हार्मोन को घटाने में ग्लोबुलिन के लिए एक नया कार्यः ऑक्सिन सहित योगिकों में राइटिया टिन्क्टरिया 11एस ग्लोब्युलिन की क्रिस्टल संरचना। वैज्ञानिक रिपोर्टें, 7.

एम.लेलीका, पी.एल.उनियाल एवं आर.टण्डन(2016). कृत्रिम परिवेश में पॉलीप्लुरुम स्टाइलोसम वेर लेसिनियाता (पॉडोस्टेमेसिए) के बीजों के अंकुरण और आकृति विज्ञान पर अध्ययन। विज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी की कार्यवाही, भारत खंड बीः जैव विज्ञान, 1–7.

के.लिंडनर, वाई.हू, ए.के.पाण्डे एवं एच स्काफर (2017). डेक्टिलाइंड्रा (क्यूकुर्बिटाइसी) में नामीब–थार रेगिस्तान विस्थापन भारत की हालिया परिचय का नतीजा है। व्यवस्थित वनस्पति विज्ञान 42(1), 63–72.

एस.मलिक, बी.ए.मीर, एच.के.सिंह, एम.चौधरी, एस.एन.रैना एवं एस.बी.बब्बर, डीएनए बारकोड इथानिया सोम्नीफेरा और विथानिया अश्वगंधा में अंतर करते हैं। विज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी की कार्यवाही, भारत खंड बी, जैव विज्ञान, 1–12.

वाई. मुद्गिल, ए.कार्वे, पी.जे.टेक्सेरा, के.जियांग, एम.टंकयोजडेमीर एवं ए.एम.जोन्स (2016).अरबिडॉप्सिस में हीट्रोटिमेरिक जी प्रोटीन योगिक द्वारा मध्यस्थता वाली मूल प्रणाली वास्तुकला का फोटोसिथेट विनियमन। वनस्पति विज्ञान में फ्रंटियर्स, 7.

आर.नन्दा एवं वी.अग्रवाल (2016). जस्ता और तांबे से प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव, कैसिया एग्जिस्टिफोलिया वहल में बीज अंकुरण के दौरान डीएनए क्षति और रक्षा प्रणाली के सक्रियण को स्पष्ट करता है। पर्यावरण और प्रायोगिक वनस्पति 125, 31–41.

आई. परवीन, ए.के.सिंह, एस.मलिक, एस.रघुवंशी एवं एस.बी.बब्बर(2017). भारतीय ऑर्किड की बारकोडिंग के लिए पांच विभिन्न लोसि (आरबीसीएल, आरपीओबी, आरपीओसीएल, एमएटीके और आईटीएस) का मूल्यांकन। जीनोम, (जेए).

पी.राठौर, आर.गीता एवं एस.दास (2016). ब्रेसीकिया के पांच सदस्यों में सूक्ष्म संगठित एमआईआरएनए परिवारों के माइक्रोसिन्टेनी और फिलेगोनेटिक विश्लेषण से जटिल प्रतिधारण और नुकसान के इतिहास का पता चलता है। पादप विज्ञान, 247, 35–48.

ए.रस्तोगी, एस.शेखर, डी.कुमार, ए.जयसवाल, वी.भट्ट एवं एन.बी. सरीन. 2016. कृत्रिम परिवेशी कल्चर से एक सौम्य इंडियन मूसा (एए) किस्म मैती की अनुवांशिक शुद्धता का पता चलता है। वनस्पति एवं कृषि अनुसंधान में प्रगति, 4(3).

एस.शर्मा, आर.गुप्ता एवं आर.देशवाल (2017). डायोस्कोरा अल्ता कंद प्रोटियोम विश्लेषण से तीस से अधिक डायोस्कोरिन आइसोफारेमों और नए कंद प्रोटीन का पता चलता है। वनस्पति शरीर क्रिया विज्ञान एवं जैव रसायन, 114, 128–137.

एस.शर्मा, ए.शेहरावत एवं आर.देशवाल (2016). आसडा–हॉलिवेल मार्ग, डायोस्कोरालटा कंद में रेडॉक्स स्थिति बनाए रखता है जो अंकुरण में मदद करता है। पादप विज्ञान, 250, 20–29.

ई.शर्मा, जी.आनन्द एवं आर.कपूर (2017). पौधों में शाकाहारी कीड़े के खिलाफ तर्पेरोनोइड और आर्बुस्क्युलर मायकोर्हाइजा–प्रबलित रक्षा। वनस्पति विज्ञान का इतिहास 119(5), 791–801.

एन.शुक्ला, आर.यादव, पी.कौर, एस.रसमुस्सेन, एस.गोयल, एम.अग्रवाल एवं ए. कुमार (2017). संक्रमित टमाटर (सोलेनम लिकोपर्सिकम) की जड़ों के मूल–गाँठ नेमेटोड के ट्रांसक्रिप्टम विश्लेषण (मेलोइडोजाइन इंकोग्निटा) से अतिसंवेदनशील और प्रतिरोध प्रतिक्रियाओं के दौरान मेजबान और निमेटोड के चयापचय नेटवर्क और जटिल जीन प्रोफाइल दोनों का पता चलता है। आणविक पादप पैथोलॉजी.

डी.सिंह, ए.अग्निहोत्री एवं सी.एस.सेठी (2017). भारतीय सरसों में (ब्रैसिका जांकिया एल। वरुन) क्रोमियम समझ, स्थानांतरण और प्रकाश संश्लेषण गुण पर ईडीटीए और ऑक्सालिक एसिड के परस्पर प्रभाव। वर्तमान विज्ञान, 112(10), 2034.

एन.के.सिंह, एस.आनन्द, ए.जैन एवं एस.दास (2017). जीवाणु इतिहास के विश्लेषण के लिए ब्रेसिका के विभिन्न जीनोमों और उप–जीनोमों में केसीएस 17–केसीएस 18 समूह का तुलनात्मक जीनोमिक्स और सिंटेनी विश्लेषण।वनस्पति का आणविक जीवविज्ञान रिपोर्टर 35(2), 237–251.

वी.सिंह, एस.कुमार एवं एस.लखनपॉल(2017). खेत की परिस्थितियों में तिल (सेसमम इंडेक्स एल।) में फायलोडी की प्रगति के दौरान फाइटप्लाज्मा का भिन्नता युक्त वितरण–रोगग्रस्त ऊतक के प्रभावी नमूनाकरण के लिए एक महत्वपूर्ण विचार। फसल सुरक्षा।

वी.सिंह, एस.कुमार, एन.बी.रेड्डी, एम.के.नाइक, के.वी.भट्ट एवं एस.लखनपॉल (2016). आनुवंशिक रूप से पादपप्लाज्मा विविध उप–समूहों द्वारा भारत के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में तिल (सेसमम इंडिकॉम एल।) की फसल की बरबादी। फसल सुरक्षा 86, 24–30.

वाई. सौग्राकपम एवं आर.देशवाल (2016). हिप्पोफा रमनोइड एन–ग्लाइकोप्रोटेम विश्लेषण – सीबकथार्न प्रोटीयोम खनन की ओर एक छोटा कदम। शरीर विज्ञान और पौधों का आणविक जीवविज्ञान 22(4), 473–484.

एस.श्रीवास्तव, एन.लैसराम, एच.राम एवं वी.पी.सिंह (2017). मेथिलोबैक्टीरियम एसपी. के साथ टिशू कल्चर की जैव–प्राइमिंग द्वारा उगाए गए डिकेलिपिस अरयालपाथरा (जे जोसेफ और वी. चंद्रास.) वेंटर, केएमए 05 के फाइलोस्फेरिक बैक्ट्रियम क्लोन और इनका संभावित जैव नियंत्रण। वेगाटोज–पादप अनुसंधान की एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 30 (विशेष) 44–54.

जे.ठाकुर, एम.डी.द्विवेदी, पी.सौरभ, पी.एल.यूनियाल एवं ए.के.पाण्डे (2016). एससीओटी, आईएसएसआर और आरएपीडी मार्करों का उपयोग करते हुए एक स्थानिक और लुप्तप्राय औषधीय पौधे – सूक्ष्म प्रसारित पिट्सस्पोरम एरिओकार्पम रॉयल में जेनेटिक समरूपता का पता लगाना। प्लोस वन, 11(7), ई0159050.

एल.थॉमस, एच.राम एवं वी.पी.सिंह (2017). आर्किया, बैक्टीरिया और यूकेरिया के सेल्यूलसेस विकासवादी संबंध और टाक्सा–विशिष्ट संरक्षित हस्ताक्षर इंडल्स। गणनात्मक जीवविज्ञान की पत्रिका

पी.वर्मा, एम.कुमार, जी.मिश्रा एवं डी.साहू (2017). जैव ईंधन और बेहतर रसायनों के लिए जैव संसाधन के रूप में उनकी क्षमता को चिह्नित करने के लिए समुद्री शैवाल का फैटी एसिड और जैव रासायनिक गठन का बहुभिन्नरूपी विश्लेषण। जैव संसाधन प्रौद्योगिकी 226, 132–144.

एन.यादव, ए.के.पाण्डे एवं ए.के.भटनागर, (2016). एसर आंबोंगम (सैपइंडसेई) में गुप्त मोनेसी और फूलों के आकारः एक लुप्तप्राय टैक्सॉन। पौधों का आकृति विज्ञान, वितरण, कार्यात्मक पारिस्थितिकी, 224, 183–190.

अनुसंधान परियोजनाएं

डीएसटी–एसईआरबी, 2017–2020, जंगली पेड़ों की प्रमुख प्रजातियों की विविधता और प्रदर्शन एवं उत्तराखंड में एक ऊँची ढाल के साथ अंतर और अंतर रहित क्षेत्रों में ब्रोइफाइट्स।

डीएसटी–एसईआरबी, 2017–2021, विभिन्न जलवायु परिदृश्यों में पश्चिमी हिमालय के उत्तराखंड में एक उठती ढलान में विभिन्न वन पारिस्थितिकी तंत्रों की ग्रहण क्षमता के साथ पारिस्थितिकी तंत्र के कुल कार्बन स्तर का मापन।

डीएसटी–एसईआरबी, 2013–2016, दिल्ली एनसीटी की रिज वन पारिस्थितिकी तंत्र में मृदा कार्बन की जब्ती।

डीएसटी, 2017, एनडीएल प्रोटीन मेंः पौध विकास और प्रगति के नियमन में कार्रवाई का आणविक तंत्र।

यूजीसी, 2015–2018, प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों के नमक तनाव प्रेरित परिवर्तन और सूरजमुखी के अंकुरों में उनके सफाई तंत्र।

डीबीटी, 2012–2017, प्रजातियों के जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों के अनुप्रयोगों के माध्यम से पौधों की विलुप्त प्राय स्थिति की रोकथाम के लिए सुधार और संरक्षण।

डीबीटी, 2013–2016, भारतीय सरसों (ब्रेसिका जांकिया) में बहुत लंबी श्रृंखला पॉलीअसंतृप्त फैटी एसिड का प्रवेश और जैव संश्लेषण के तरीके।

डीबीटी, 2013–2016, समुद्री शैवालों के जीवशोधों का विकास और बायोइथेनॉल उत्पादन का प्रायोगिक प्रदर्शन।

यूजीसी–एमआरपी, 2015–2018, इंपेटेन्स की फीलोजेनेटिक प्रणालियां और जैवभूगोल।

डीबीटी, 2015–2018, जैव विविधता और संरक्षण के संदर्भ में प्रोसोपिस जूलिफ्लोरा की आक्रमण पारिस्थितिकी।

यूजीसी, 2015–2018, डी अल्ता कंदों के विभिन्न विकास चरणों और रेडॉक्स स्थिति से उनके संबंधों के लिए आण्विक, जैवरसायन और रूपात्मक (प्ररूपी) मार्करों की एक खोज।

डीबीटी–आईबीएसडी, 2017–2019, न जमने वाले प्रोटीन के लिए सिक्किम में अ–अन्वेषित सीबकथोर्न जर्मप्लाज्म का पता लगाना, माध्यमिक चयापचय, हिमाचल प्रदेश, लाहौल और स्पीति घाटी के जर्मप्लाज्म के साथ इसकी तुलना और स्थानीय लोगों की आजीविका बढ़ाने के लिए जैव संसाधनों का उपयोग करना।

आईसीएआर, 2013–2016, अपने मेजबान पौधे और कीट वैक्टर के साथ फीटोप्लाज्मा का संबंध। बुनियादी, रणनीतिक एवं सीमांत अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय कोष।

आईसीएआर, 2016–2017, भारत की प्रमुख वनस्पति फसलों को प्रभावित करने वाले फास्फोरस का पता लगाना और लक्षण वर्णन।

आईसीएआर, 2016–2017, प्रमुख बागवानी फसलों को संक्रमित करने वाले फिटोप्लाज्मा की विशेषता और महामारी विज्ञान।

डीएसटी–एसईआरबी, 2013–2016, निश्चित अवधि के लिए बाट्राइटिस धूसर पदार्थ में विषाक्तता के लिए जिम्मेदार जीन की टैगिंग के लिए एग्रोबैक्टेरिअम ट्यूमएफिएन्स की मध्यस्थता परिवर्तन का आवेदन।

डीएसटी–एसईआरबी, 2017–2020, नर्डोस्टाचिस जटमांसी, सोरला कैरीलीफोलिया और प्लम्बागो जेलेनेका से कैंसर रोधी जैवसक्रिय यौगिकों का जैव–परख निर्देशित अलगाव, पहचान और निष्कासन।

डीबीटी–उत्कृष्टता अनुदान केंद्र, चरण द्वितीय 2015–2020 सरसों एफिड्स के प्रतिरोध के लिए ट्रांसजेनिक दृष्टिकोण, ''जेनोम मानचित्रण और ब्रैसिका के आणविक प्रजनन पर उत्कृष्टता केंद्र' के अंतर्गत सैटेलाइट परियोजना दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर और दिल्ली विश्वविद्यालय को सौंपी गई।

डीएसटी–एसईआरबी, 2013–2017, डीएसटी–एसईआरबी, 2013–2017, सिमंडसिया चिनेसिस (लिंक) श्नाइडर (जोजोबा) के नर और मादा पौधों का मार्कर समर्थित चयन–एक बहुउद्देशीय एकलिंगी फसल।

यूजीसी, 2013–2016, एलिसिटरों के माध्यम से कैसिया एंगुस्टिफोलिया (सेना) से कैंसर विरोधी जैवसक्रिय यौगिकों का इन विट्रो मूल्यांकन, अलगाव और विनियमन और मानव कैंसर सेल लाइनों के खिलाफ उनकी जैवप्रभावकारिता।

पेटेंट दायर / स्वीकृत

प्रोफेसर वीणा अग्रवाल, पेटेंट संख्या:27949434, भारतीय पेटेंट, जैवसक्रिय सोरलेन कंपाउंड के निष्कर्षण के लिए एक प्रक्रिया, 4 जनवरी, 2017

आयोजित सम्मेलन

नेशनल सेमिनार, पहचान और परभक्षी पत्रिकाओं में प्रकाशन की उपेक्षाः शोधकर्ताओं के लिए एक सबक, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 18 मार्च, 2017।

संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

जे. ठाकुर. एवं पी.एल.उनियाल, पोस्टर प्रस्तुति, एक घातक आर्किड प्रजाति के उपयुक्त निवास की भविष्यवाणी के लिए पारिस्थितिक आवास की मॉडलिंगः भारत में मेलाक्सिकुमिनाटा डी. डॉन, जलवायु परिवर्तन, औषधीय और पुष्पोत्पादक पौधों और टिकाऊ आर्थिक उपयोग पर विशेष ध्यान सहित ऑर्किड जीव विज्ञान में प्रगति, वाईएसआर कृषि विश्वविद्यालय, वेंकटरामगुंडम, आंध्र प्रदेश, 26–28 फरवरी, 2016 .

जे. ठाकुर., पी.एल.उनियाल एवं ए.के.पांडे, मौखिक प्रस्तुति, स्कीमियालाओरेला (रुतैसी) के लिए उपयुक्त निवास स्थान का अनुमानः पारिस्थितिक आवास मॉडलिंग के माध्यम से एक दुर्लभ औषधीय पौधा। कृषि–प्रौद्योगिकी में, औषधीय और सुगंधित पौधों के वाणिज्य और स्थायी उपयोग में, औषधीय पौधों के संरक्षण और संसाधन विकास की सोसाइटी, एनएएएस कॉम्प्लेक्स, आईएआरआई, नई दिल्ली, 6–7 फरवरी, 2016.

डी.कुमार, एम. कुमार, जी मिश्रा, एवं डी. साहू, लाल कवक प्रजातियों ग्रासीलारिया एडुलिस से संभावित और टिकाऊ बायोइथानॉल उत्पादन की संभावना, भारत का अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव– 2016, युवा वैज्ञानिक एनक्लेव, सीएसआईआर–एनपीएल, दिल्ली, 8–11 दिसंबर 2016.

ए.के.पांडे, सिस्टमैटिक्स और फिलेजेनेटिक विश्लेषण – प्रश्न क्या है? जैव विविधता में संरक्षण और सतत उपयोग पर भारतीय संघ का वार्षिक सम्मेलन और एंजियोस्पर्म वर्गीकरण का छब्बीसवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कोल्हापुर 7–9 नवंबर. 2016.

आर. देशवालः
प्रस्तुति, हिमालयी झाड़ी के प्रोटेयोमिक्स परिवर्तक अनुसंधान की दिशा में एक कदम, कार्यात्मक और प्रतिक्रिया प्रोटेयोमिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः खाद्य और स्वास्थ्य में आवेदन, नई दिल्ली, भारत,14–17 दिसंबर 2016.

आमंत्रित व्याख्यान, पौधों में जेल आधारित प्रोटेयोमिक्स के अनुप्रयोग– ब्रेसिका जांकिया में नाइट्रिक ऑक्साइड संकेत (नाइट्रोसिलैशन) की जांच, प्रोटेयोमिक्स सोसाइटी की आठवीं वार्षिक बैठक और एशिया ओशिनिया कृषि प्रोटेयोमिक्स संगठन की तीसरी बैठक में, पौधों के जीनोमिक, जीनोमिक अनुसंधान का राष्ट्रीय संस्थान, नई दिल्ली,12–13 दिसंबर 2016.

एस. बी. बब्बर, आमंत्रित भाषण, बिना शारीरिक उपस्थिति प्रजाति की पहचानः डीएनए बारकोडिंग – संकल्पना, इतिहास, अनुप्रयोग, क्रियाविधि और पौधों में विकास, टाई बीएससी के लिए कार्यशाला। वनस्पति विज्ञान, 2016–2017 आर.जे. कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, बॉटनी बोर्ड ऑफ स्टडीज, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई के तत्वावधान में आयोजित, 11 जून, 2016.

ए.मदन, पी.एल. उनियाल एवं ए.के.भटनागर, थूनबर्गिया ग्रैंडिफ्लोरा (रॉक्सब एट रॉटलर) रोक्स्ब में नव–डिस्क विकास (एन्थैथीके) और परागण पर इसके निहितार्थ, यौन पौध प्रजनन पर 24वां अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, एरिजोना, अमरीका, 18–23 मार्च, 2016.

एस.सी.भाटला, आमंत्रित व्याख्यान, नाइट्रिक ऑक्साइड और मेलाटोनिन क्रोसस्टक रिएक्टिव ऑक्सीजन प्रजातियों में स्नायविक एंजाइमों की अजैविक तनाव सहिष्णुता बदलते हैं। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, पौधों के संकेत और व्यवहार, कोमारोव बोटानिकल इंस्टीट्यूट आरएएस, सेंट पीटर्सबर्ग में, 19–24, जून, 2016.

पी. गुप्ता, सी एस सेठ, 24–एपिब्रसिनोलिड और नाइट्रिक ऑक्साइड ब्रैसिका जांकिया (एल.) सीवी वरुण में लवणता द्वारा संचालित क्षति का विरोध करते हैं। राष्ट्रीय सेमिनार, पर्यावरण विष विज्ञान में हालिया प्रगति, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली,13–14 फरवरी, 2017.

पी. महापात्र, डी.एच. सिंह, जी. मिश्रा, आर.एन.शुक्ला, एम. अग्रवाल, ए. जगन्नाथ, ए. कुमार, पी.ओजियास–अकिन्स, डब्ल्यूडब्ल्यू हाना एवं एस गोयल, केआईआईटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित छोटे आरएनए प्रोफाइलिंग के माध्यम से एपोमीक्सि के विकासात्मक पहलुओं को समझना, डिग्रेडियम और पेनिसेतम ग्लोकम में यौनता के कोशिका विशिष्ट मार्कर और अतिरिक्त लाइनें, 20वां एडीएनएटी सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, जीनोम संपादन तकनीकें और जीव विज्ञान, औषधि और कृषि में उनके आवेदन। 16–18 फरवरी. 2017.

पी. महापात्र, डी.एच. सिंह, शर्मा, एम. अग्रवाल, ए. जगन्नाथ, ए. कुमार, पी.ओजियास–अकिन्स, डब्ल्यूडब्ल्यू हाना एवं एस गोयल, पादप अनुसंधान सोसायटी (वीजेईटीओएस) और अफ्रीकी–एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) द्वारा आयोजित, स्थायी कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए प्रौद्योगिकीय उन्नति (टेसार्ड–इंडिया .2017) पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, पेनिसेतम ग्लोकम की यौन और अतिरिक्त लाइनों में कोशिका विशिष्ट आणविक मार्करों के माध्यम से एपोमिक्सि के विकासात्मक पहलुओं की पहचान। 20–22 फरवरी. 2017.

पी.वर्मा, एम कुमार, डी. कुमार, जी. मिश्रा एवं डी.साहू, कवकः फाइन के लिए एक संभावित जैवसंसाधन। फार्माकोग्नॉसीः पादपरसायनों की दृष्टि से अनन्वेषित औषधीय पौधों पर राष्ट्रीय सम्मेलनः वनस्पति विज्ञान विभाग जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, दिल्ली, 12 जनवरी, 2017.

एस लखनपाल, आमंत्रित व्याख्यान, फाइटोप्लाज्मा से संबंधित फिलाडी प्रभावित तिल (सेसमुमिंडिकम एल.) पौधों में अंगो का विकास करने वाले जीन की जेनेटिक रिप्रोग्रामिंग, माइकोप्लाजलिस्टो के भारतीय संघ का दसवां वार्षिक सम्मेलन, एम्स, नई दिल्ली, 20 मार्च, 2017.

वी.सिंह, एस. कुमार एवं एस. लखनपाल, पीपीएलओ संस्कृति विधि का उपयोग करते हुए कैथरेन्थसस रोजस एल के फास्टिडियस एंडोफिटिक बैक्टीरिया फ्लोरास की जांच, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और आउटरीच कार्यक्रम, पर्यावरण और पारिस्थितिकीः स्थिरता और चुनौतियां, दिल्ली विश्वविद्यालय, 4–6 जनवरी, 2017.

एस. कौशिक, ए वशिष्ठ, एवं एस लखनपाल, प्रस्तुति, केरियलेकाका (केर.) से जुड़ी वोल्बाकीया की एमएलएसटी प्रोफाइलिंग। पर्यावरण और पारिस्थितिकीरू स्थिरता और चुनौतियां, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और आउटरीच कार्यक्रम, दिल्ली विश्वविद्यालय, 4–6 जनवरी, 2017.

वी अग्रवाल**:**

आमंत्रित व्याख्यान, जोजोबा (सिममंड्सिया चिनेसिस (लिंक) श्नाइडर) में सेक्स और अनुवांशिक विविधता विश्लेषण की पहचान के लिए आणविक मार्करों का उत्पादन और सत्यापनः एक संभावित तेल उपज एकलिंगी फसल, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सतत कृषि और ग्रामीण विकास के लिए तकनीकी उन्नयन (टीएएसएआरडीएडीआर–भारत), राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर (एनएएससी), नई दिल्ली, 2017.

आमंत्रित व्याख्यान, पौध आधारित चिकित्सकीय बायोमोलेक्यूल्स को उजागर करनाः बायोएसे के मार्गदर्शन में संभावित औषधीय पौधों से मलेरिया विरोधी कैंसर रोधी यौगिकों का पृथक्करण और निष्कासन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, फार्मा साइंसेज और जैव प्रौद्योगिकी (आईसीपीएसबी –017), बाली, इंडोनेशिया, 16–18 जनवरी, 2017 .

एस अब्दी, एवं वी भट्ट, पोस्टर कार्यवाही, सेन्च्रस सिलारिस में एपोमीक्सिस से जुड़े सह–प्रभावशाली इंट्रॉन लंबाई बहुरूपता मार्करों का विकास। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सतत कृषि और ग्रामीण विकास के लिए तकनीकी उन्नयन, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर (एनएएससी), नई दिल्ली,20–22 फरवरी 2017, पृ. 236.

जे. ठाकुर एवं पी.एल.उनियाल, पोस्टर प्रस्तुति, ऑर्किड क्रिप्डीयुमा कुमिनेम (डी. डोन) स्जलाचः की जड़–संबद्ध कवक विविधता पर अध्ययन एक दुर्लभ और औषधीय महत्वपूर्ण टैक्सॉन। 29वां फंगल जेनेटिक्स कॉन्फ्रेंस, जेनेटिक्स सोसायटी ऑफ अमेरिका, कैलिफोर्निया, 2017.

ए.मदन, पी.एल.उनियाल एवं ए. के. भटनागर, ऑर्किड पराग में माइक्रोबियल विविधताय औषधीय और फूलों की महत्वपूर्ण ऑर्किड की प्रवृत्तियां और महत्व, जीव विज्ञान, संस्कृति, संरक्षण, व्यवसायीकरण और स्थायी उपयोगों के हालिया रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, ग्राफिक युग विश्वविद्यालय, देहरादून, 24–26 मार्च 2017.

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

संयुक्त यूजीसी–इजरायल साइंस फाउंडेशन अनुसंधान अनुदान, एडवेंटीक मूल विकास के दौरान कैल्शियम और ऑक्सिन संकेत और संभावित नाइट्रिक ऑक्साइड परस्पर संपर्क का विश्लेषण, 2017–2020.

इंडो–बेलारूस संयुक्त अनुसंधान परियोजना, अजैविक तनाव के अंतर्गत सूरजमुखी के पौधे में चोट और जीवन रक्षा के एक प्रमुख निर्धारक के रूप में आरओएस/आरएनएस–प्रेरित के+हानि, 2017–2019.

डीएई–बीआरएनएस द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना, आरएनएआई दृष्टिकोण के उपयोग से पॉलीकॉम्ब जीन सीसीईजेड1 को नियंत्रित कर पेनिसेतम प्रजातियों में स्वतः एंडोस्पर्म विकास का प्रेरण, 2016–2019.

भारत के वनस्पति सर्वेक्षण के साथ एक सहयोगी परियोजना, जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों के माध्यम से पौधों की विलुप्तता की रोकथाम और संरक्षण की स्थिति में सुधार।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

टेरी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित डीबीटी प्रायोजित टिकाऊ कृषि एवं वानिकी में मायकोर्हिजा की भूमिका पर कार्यशाला में भागीदारी, 22 मार्च, 2017.

प्रकृति, दक्षिण दिल्ली के साथ काम करने में सहयोग से संजय वन में बागान कार्यक्रम में भागीदारी, 19 जुलाई, 2016.

प्रदत्त एम. फिल/ पीएच.डी. डिग्री

पीएच.डी. – 22

एम फिल – 7

संकाय की संख्याः

स्थायी – 24

***

रसायन विज्ञान

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियाँ

रसायन विज्ञान विभाग ने एमएससी पाठ्यक्रम को संशोधित और अद्यतित करने में विशेष प्रगति की है। पीएचडी स्तर पर उन्नत स्तर के वैकल्पिक पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं। विभाग के संकाय सदस्य अत्याधुनिक अनुसंधान के साथ–साथ पीएचडी, एम.एससी और डॉक्टरेट पश्चात् अध्ययन करने वाले छात्रों के मार्गदर्शन में लगे हुए हैं। दिल्ली में और उसके बाहर भारत की कई शोध प्रयोगशालाओं और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोगपूर्ण अनुसंधान कार्यक्रम में पारस्परिक लाभ के साथ बहुत सफलतापूर्वक काम चल रहा है। विभाग ने अपने को भौतिक और जैविक विज्ञान के साथ रसायन विज्ञान और रसायन विज्ञान के क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में अभिनव और अग्रणी अनुसंधान के लिए एक केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित किया है। विभाग को रसायन विज्ञान (2011) के अंतरराष्ट्रीय वर्ष में डीएसटी द्वारा देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले रसायन विज्ञान विभाग के रूप में मान्यता दी गई है। संकाय सदस्यों ने शीर्ष पत्रिकाओं में, अपने प्रासंगिक क्षेत्र में अपने कार्य की विशेषज्ञता को प्रकाशित किया है और विभिन्न वैज्ञानिक बोर्डों और समितियों के सदस्यों के रूप में भी काम किया है। वर्तमान में विभाग भविष्य की अनुसंधान गतिविधियों के लिए इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा को उन्नत करने के लिए अधिक वैज्ञानिक उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया में व्यस्त है।

सम्मान / विशिष्टताएं

प्रोफेसर अशोक के. प्रसाद, जेएआईएसटी में विजिटिंग प्रोफेसर, कानोजवा, जापान (2016–2017)

प्रोफेसर गुरमीत सिंह, जेएआईएसटी में विजिटिंग प्रोफेसर, कानोजवा, जापान (2016–2017)

प्रकाशन

पी,अग्रवाल, एन तिरुपति, एवं एम नथाजी, (2016). एरिल ब्रोमाइड्स की सुजुकी–मीयुरा युग्मन प्रतिक्रियाओं में, साइक्लोपेलाडेटेड एन, एन', एन'' –ट्राइएरिलगुनाइडीन्स [के2 (सी, एन)) पीडी (पायराजोल) 2 एक्स] (एक्स = बीआर, ओसी (ओ) सीएफ 3, और पीएफ 6) संश्लेषण, संरचनात्मक पहलू, समाधान व्यवहार और कैटलिटिक उपयोगिता। आर्गेनोमेटालिक्स 35(18), 3112–3123.

पी अग्रवाल, जे एम थॉमस, सी शिवशंकर, एम नथाजी, एवं एन तिरुपति, (2016). छह सदस्यी साइक्लोपेलाडेटेड एन, एन', एन'' – ट्राइएरिलगुनाइडीन्स, [{के2(सी, एन) पीडी} 2 (μ–ओएसी)(μ–पीजेड)],[के2(सी, एन) पीडी (μ– पीजेड), 2 और एक नए [एजीएनओ 3⊂{{के 2 (सी, एन) पीड} 2 (μ– एनओ3)(μ– पीजेड}, का संश्लेषण, प्रतिक्रियात्मक अध्ययन, संरचनात्मक पहलू और समाधान व्यवहार। पॉलीहेड्रॉन, 117, 679–694

आर अरोड़ा एवं आर कक्कर, (2016). कुछ डाइजोकार्बोनील यौगिकों के वोल्फ पुनर्गठन तंत्र का सैद्धांतिक अध्ययन गणनात्मक और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान, 1094, 32–41.

आर अरोड़ा, एवं आर कक्कर, (2017). कुछ डायजोकेटोन के नकारात्मक आयन वोल्फ पुनर्गठनः एक सैद्धांतिक यांत्रिक अध्ययन। गणनात्मक और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान, 1106, 50–57.

आर अरोड़ा, यू इस्सर, एवं आर कक्कड़, (2017). 1105, 18–26. आण्विक संरचना का सैद्धांतिक अध्ययन और बेंजोहाइड्रोक्सामिक एसिड में इंट्रामोलेक्युलर प्रोटॉन ट्रांसफर। गणनात्मक और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान, 1105, 18–26

बी बधानी एवं आर कक्कड़, (2017). गैलिक एसिड और गैस के चरण में और एनीअनस समाधान में इसके आयनों के संरचनात्मक और इलेक्ट्रॉनिक गुणों का डीएफटी अध्ययन। संरचनात्मक रसायन विज्ञान, 1–14

बी बधानी एवं आर कक्कड़, (2017). संभावित एमसीएफ–7 अवरोधकों पर इन सिलिको अध्ययनः फार्माकोफोर और 3 डी–क्यूएसएआर मॉडलिंग, वर्चुअल स्क्रीनिंग, आणविक डॉकिंग और फार्माकोकाइनेटिक विश्लेषण का संयोजन। जैव आणविक संरचना और गतिशीलता की पत्रिका, 35(9), 1950–1967.

बी बधानी, एन शर्मा, एवं आर कक्कड़, (2015). गैलिक एसिडः प्रोमोशनल चिकित्सीय और औद्योगिक अनुप्रयोगों के साथ एक बहुमुखी एंटीऑक्सीडेंट। अनुसंधान में प्रगति,5 (35), 27540–27557

एम के बग्गा, आर.गदी, ओ एस यादव, आर कुमार, आर चोपड़ा एवं जी सिंह, (2016). एच2एसओ4 माध्यम से हल्के स्टील पर फिकस्रेसमोसा स्टेम से निकाले हुए पौध रसायन घटकों और जंग निषेध संपत्ति की जांच। पर्यावरण रसायन इंजीनियरिंग की पत्रिका, 4, 4699–4707

के चंद, ए के शर्मा, एवं एस के शर्मा, (2016). नए 2–पिरिडीन व्युत्पन्न के (1) एच और (13) सी एनएमआर कार्य का संश्लेषण। रसायन विज्ञान में चुंबकीय अनुनादः एमआरसी, 54 (1), 91–102

ए दीक्षित, देवी यादव, जी सिंह, एम चौहान, और एस सिंह, (2016). 1– (क्लोरोमिथाइल)–डीबीको के नमकः एपॉक्साइड के अल्कोहलाइसीस के लिए एक अत्यधिक कुशल ऑर्गेनटेक्टालिस्ट, वर्तमान उत्प्रेरक, 5(3), 203–211.

एस डूमोगा, एन दे, ए कौर, एस सिंह, ए के मिश्रा, एवं डी कक्कड़, (2016). बीपीटी और बीपी4ईटी लोहे के चेलटरों को संपुटित करने के लिए नए बायोटिन–सक्रियकृत लिपिडिक सूक्ष्मसंवाहकः ए549 चूहों के मॉडल में कृत्रिम परिवेशीय, जीवाणु समाहित और फार्माकोकाइनेटिक अध्ययनों द्वारा संभावित ट्यूमर की प्रभावकारिता का मूल्यांकन। अनुसंधान में प्रगति, 6(66), 61585–61598.

एम गोयल, ओ यादव, आर कुमार, आर के शर्मा, एवं जी सिंह, (2017). मेथॉक्सीकार्बिलएममिथिलटीफिन्लीन फॉस्फोरियम ब्रोमाइड (एमसीएमटीपीपीबी) द्वारा हल्के स्टील के एसिड जंग निषेध का प्रायोगिक, सतह लक्षण वर्णन और गणनात्मक मूल्यांकन। 24, 256–268.

एस ग्रोवर, एस गोयल, आर बी मैरिची, वी साहू, जी सिंह, एवं आर के शर्मा, (2016). सभी ठोस–स्थिति छद्मोधारित्र पॉलीएनलाइनः प्रदर्शन विकास में रूपात्मक भिन्नताओं की भूमिका। इलेक्ट्रोकिमिका एक्टा, 196, 131–139.

आर गुप्ता, एफ हुसैन, एम सदाकाने, सी काटो, के इनू, और एस निशीहारा, (2016). डिकोबाल्ट (द्वितीय) – विस्थापित केगिन प्रकार के फास्फोटोंगास्टेट्स के α–1, 5 आइसोमर का लिंथोलाइड टेम्प्लेट पृथक्करणः संश्लेषण, लक्षण वर्णन और चुंबकीय गुण। अकार्बनिक रसायन शास्त्र, 55(17), 8292–8300.

आर गुप्ता, आई खान, एफ हुसैन, ए एम बोसोह, आई.एम. मबेम्केल, पी.डी.ओलिवेराएवं एस निशीहारा, (2017). दो नए सैंडविच प्रकार के मैंगनीज {एमएन5} –विस्थापित पॉलीकॉक्सोटॉग्स्टेट्सः संश्लेषण, क्रिस्टल संरचनाएं, इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, और चुंबकीय गुण। अकार्बनिक रसायन शास्त्र, 56(15), 8759–8767.

आर गुप्ता, एस प्रभाकर, जे एन बेहरा, एवं एफ हुसैन, (2016). 3डीदृ4एफ हीट्रोमेटलिक युक्त जर्मनोटंगस्टेट्स [{सीयू 2 (1, 10–पीएचईएन) 2 (μ–ऊीएच3 सीओओ) 2} एलएन (α–जीईडब्ल्यू 11 ओ 39) 2, 11–के सैंडविच प्रकार के जैविक–अजैविक संकरः संश्लेषण, क्रिस्टल संरचनाएं, चुंबकीय और फोटोल्युमिनेसिसेंस गुण। अकार्बनिक रासायनिक संचार, 74, 72–78.

एफ हुसैन, (2016). ग्लाइकोजेन सिंथेस काइनेज–3बी जैसे सूजन विरोधी क्षमता युक्त अवरोधकों के साथ नए ऑक्सजोलो [4, 5–ब]पैरिइडिन–2–एक आधारित 1, 2, 3–ट्राइजोल का संश्लेषण। रसा. जीव. औषध डेस., 918–926.

एफ हुसैन, के एम.सैनी, आर गुप्ता, एवं एस सिंह, (2016). यट्रियम युक्त डिमरिक और टेट्रामर्मिक केगिन प्रकार फास्फोटंगास्टेट्सरू संश्लेषण, क्रिस्टल संरचना और पानी में एक ऑक्सीडेंट के रूप में एच2ओ2 का उपयोग करते हुए शराब ऑक्सीकरण के लिए उत्प्रेरक गतिविधि। वर्तमान उत्प्रेरक, 5(1), 66–76.

यू इस्सर, टी कुमारी, आर अरोड़ा, एवं आर कक्कड़, (2017). गैसीय चरण और जलीय घोल में डीएनए गौण ग्रुव बांधने वाले हॉचेस्ट 33258 के गठनात्मक गुण। गणनात्मक और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान 1113, 32–41.

पी के शर्मा, डी माथुर, एस. मल्होत्रा, एन राणा, के बी. सिंह, ए. प्रसाद एवं आर खुद. (2016). नए कॉर्बाक्सीकुमेरिन एमाइड्स के ट्रायफेनील फॉस्फेट–मध्यस्थता युक्क हरित संष्लेशण। वर्तमान हरित रसायन शास्त्र, 3(4), 366–373.

आर कक्कड़ एवं एम भंडारी (2017). पिरुवेट डिहाइड्रोजनेज काइनेसेस (पीडीएचके) और उनका निषेधः मधुमेह, हृदय इस्केमिया और कैंसर के लिए इलाज की एक संभावित रेखा। एस पी गुप्ता (संपा.) में, एंजाइम अवरोधन अध्ययन में प्रगति, संस्करण 2. विविध दवाएं पृ. 91–112. न्यूयॉर्क, एनवाईः नोवा साइंस पब्लिशर्स आईएसबीएनः 2474–9 242(प्रिंट); 978–1–53610–521–6 (ई–पुस्तक)।

आर कक्कड़, 2017. पीडीएचके अवरोधक की इन सिलिको डिजाइनः छोटे अणुओं से बड़े फ्लोरिनेटेड यौगिकों तक। टी चक्रवर्ती, पी रंजन, ए पांडे, (संपा.)में, संरचनात्मक जीव विज्ञान और सामग्री विज्ञान में गणनात्मक रसायन विज्ञान पद्धति ऐप्पल अकादमिक प्रेस (सीआरसी प्रेस) टेलर एंड फ्रांसिस। आईएसबीएनः9781771885683.

आर कक्कड़, आर अरोड़ा, एवं एस जैदी, (2017). एसिड उत्प्रेरित कूर्टियस प्रतिक्रिया पर डीटीएफ अध्ययनः शिमट प्रतिक्रिया संरचनात्मक रसायन विज्ञान,1–14.

के कंसाल, आर चोपड़ा, आर कुमार, ए कुमार, बी यादव, आर के शर्मा, एवं जी सिंह, (2017). सल्फ्यूरिक एसिड में स्टील के हल्के जंग पर 2, 3–डायहाइड्रोक्सीक्वाइनोक्साइलिन के विरोधी संक्षारक गुण। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की पत्रिका, 24, 169–177.

के कश्यप, एवं आर कक्कड़, (2017). हार्पीसवायरस प्रोटेसेस और उनके अनरोधक, सत्य पी. गुप्ता (संपा.) में, रोगाणु प्रतिरक्षा और उनके अवरोधक, अकादमिक प्रेस आईएसबीएन:978–0–12–809712–0(प्रिंट), 978–0–12–809682–6 (ई–पुस्तक).

ए. खान, एस प्रसाद, वी एस परमार, एवं एस के शर्मा, (2016). नए ट्राइजोलिल बेंडोऑक्सीन व्युत्पन्नों और उनकी प्रसार रोधक और एंटीबायोटिक गतिविधि के मूल्यांकन की डिजाइन और संश्लेषण। हीट्रोसायक्लिक रसायन विज्ञान की पत्रिका, 53(4), 1264–1275.

आई खान, एम ए तांतरा, एच हमीद, एम एस आलम, ए कलाम, एफ हुसैन और ए धुलप, (2016). ग्लिसोजेन सिन्थेस काइनेस–3बी अवरोधकों के रूप में अवसाद विरोधी गतिविधि के साथ पिरीमिडिन –4–वन–1, 2, 3–ट्राइजोल संयुग्मों का संश्लेषण। जैव रसायन विज्ञान, 68, 41–55.

आई खान, एम ए तांतरा, एच हमीद, एम एस आलम, ए कलाम, एफ शेख, ए, शाह, और एफ हुसैन, (2016). अवसाद रोधक गतिविधि युक्त ग्लाइकोन सिंथेस काइनेज –3 बी जैसे वृत आधारित पिपराजीन वृत्त आधारित एमाइडों वाहक नए पाइरिमीडीन–4–वन वाहक का संश्लेषण।रसायन जीवविज्ञान और औषधि डिजाइन, 87(5), 764–772.

वी. खत्री., एस भाटिया, के अखाजी,, एस दीप, ई कोहली, एस. के शर्मा, एवं ए. के. प्रसाद.(2017). इंडोकेनिन हरित के संपुटन और स्थिरीकरण के लिए चीनी–पेग आधारित एम्फिफाइल की लाइपेस–मध्यस्थता का संश्लेषण। अनुसंधान में प्रगति, 7(60), 37534–37541.

वी. खत्री, ए. कुमार, बी. सिंह, एस. मल्होत्रा एवं ए. के. प्रसाद.(2015). बी–सी–ग्लाइकोपाइरान्सोल एल्डेहाइड और 2, 6–एनहाइड्रो–हेप्टीइटोल का संश्लेषण। कार्बनिक रसायन विज्ञान की पत्रिका,80(21), 11169–11174.

ए. कुमार, ए. खान, एस. मल्होत्रा, आर मोसुरकोल, ए धवन, एम के पांडे एवं एल ए सैम्युलसन(2016). लाइपस उत्प्रेरित बायोकेटिकल प्रतिक्रियाओं के माध्यम से मैक्रोमॉलिक्युलर प्रणालियों का संश्लेषणः अनुप्रयोग और भविष्य के परिप्रेक्ष्य। रासायनिक सोसायटी समीक्षा, 45(24), 6855–6887.

ए. कुमार, एस. सिंह, एस. के. शर्मा, वी एस परमार, एवं ई वी वान डेर आईकेन. (2016). स्वर्ण–उत्प्रेरित साइक्लाइजेशन प्रक्रियाएंः कार्बनिक संश्लेषण के लिए निर्णायक मार्ग। रासायनिक रिकॉर्ड, 16(1), 73–83.

ए. कुमार, एम. त्रिवेदी, बी. यादव, आर. के. शर्मा एवं जी. सिंह (2017). एक शिफ आधार और एच2सीओ4 में हल्के स्टील पर इसकी जंगविरोधी गतिविधि का कृत्रिम, विस्तृत ओर संरचनात्मक अध्ययन।रसायन विज्ञान की नई पत्रिका,.

एम. कुमार, आर. कुमार, एन.राणा एवं ए.के. प्रसाद (2016). 3'–अजीदो/–मिनो–एक्सलॉबिकीक्लोन्यूक्लॉसाइड का संश्लेषण। उन्नत अनुसंधान, 6(21), 17713–17719.

एम. कुमार, के. सोनी, जी.डी. यादव, एस.सिंह एवं एस.डेका (2016). सुगन्धित एमाइन से सुगन्धित एजेडओ व्युत्पन्न का सरफेक्टेंट निर्देशित एजी 1– एक्स एनआई एक्स मिश्र धातु सूक्ष्मकण से उत्प्रेरित संश्लेषण। अनुप्रयुक्त उत्प्रेरण, 525, 50–58.

आर. कुमार एवं एन. तिरुपति (2017). स्थानांतरण हाइड्रोजनीकरण (टीएच) और टीएच–एटिरिफिकेशन में (η 5–सी 5 एमई 5) आरएच (पपप) गुनिडीनतो यौगिकों का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और उत्प्रेरक भूमिका। उन्नत अनुसंधान, 7(54), 33890–33904.

आर.कुमार, आर. चोपड़ा एवं जी. सिंह (2017). अम्लीय मीडिया में हल्के स्टील के जंग के लिए एक नए पर्यावरणीय रूप से सौम्य कार्बनिक अवरोधक के इलेक्ट्रोकेमिकल की रूपात्मक और सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि। आणविक तरल पदार्थों की पत्रिका, 241, 9–19.

आर. कुमार, एम. कुमार, जे. माइति एवं ए.के.प्रसाद (2016). 3′–ओ, 4′–सी–मेथिलिन–लिंक्ड –एल–अराबिनो न्यूक्लियोसाइड का केमो–एंजाइमैटिक संश्लेषण। उन्नत अनुसंधान, 6(85), 82432–82438.

आर. कुमार, एम. कुमार, ए. सिंह, एन. सिंह, जे. माइति एवं ए.के. प्रसाद (2017). नए सी–4′–स्पीरो–ऑक्तनो–ए–एल –रिबोन्यूक्लॉसाइड का संश्लेषण। कार्बोहाइड्रेट अनुसंधान, 445, 88–92.

आर. कुमार, एन. यादव, आर लाविला, डी. ब्लासी, जे. क्विनटाना, जे.एम ब्रेया एवं आर कक्कड़, (2017). पाइरेनोपीराजोल–लिंक्ड 1,4–डिहाइट्रोपाइरिडाइनों जैसे संभावित सकारात्मक इनोट्रोप्स का संश्लेषण, फार्माकोलॉजिकल मूल्यांकन और आणविक डॉकिंग। आणविक भिन्नता, 1–14.

आर. कुमार, ओ. एस. यादव एवं जी. सिंह (2017). अम्लीय माध्यम में हल्के स्टील के लिए एक नए पर्यावरण अनुकूल जंग अवरोधक का विद्युत रासायनिक और सतह लक्षण वर्णनरू एक संचयी अध्ययन। आणविक तरल पदार्थों की पत्रिका, 237, 413–427.

एस.कुमार, के. अचाजी, के. लिचा, पी. मनचन्दा, आर हाग एवं एस.के. शर्मा. (2017). साइनाइन डाई संपुटन के लिए डेन्ड्रोनाइज्ड पॉलिमरका केमो–एंजाइमैटिक संश्लेषण। पॉलिमर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति,.

एस. कुमार, आर.पार्थसारथी, ए.पी.सिंह, बी. विकमैन, एम. थिरुमल एवं ए.के.गांगुली (2017). एनएएनबीओ3/सीडीएस कोर/शेल हीट्रोस्ट्रक्चर में एनएएनबो3 की बढ़ी हुई फोटोकेटलाइटिक गतिविधि के लिए प्रमुख {100} पहलू की चयनात्मकता। उत्प्रेरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी, 7(2), 481–495.

एस. कुमार, एस. प्रसाद, बी. कुमार, एच.के.गौतम एवं एस.के. शर्मा(2016). नए ट्राइजोलिल पाइरानोक्रोमेन–2 (1 एच) –वन और उनकी जीवाणुरोधी गतिविधि मूल्यांकन का संश्लेषण औषधीय रसायन अनुसंधान, 25(6), 1057–1073.

एस. कुमार, ए.पी. सिंह, सी.बेरा, एम.थिरुमल, बी.आर. मेहता एवं ए.के.गांगुली (2016). एनएएनबीओ3/एज2एस कोर–शैल हीट्रोसंरचना का दृश्य–प्रकाश से संचालित फोटो इलेक्ट्रोकेमिकल और फफोटोकैटलाटिक प्रदर्शन। केम सस केम, 9(14), 1850–1858.

एस.कुमार, ए.पी. सिंह, एन. यादव, एम.थिरुमल, बी.आर.मेहता एवं ए.के.गांगुली (2016). दृश्य प्रकाश के अंतर्गत फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल और फोटोकेटलिटिक गतिविधि को बढ़ाने के लिए टीआईओ 2/सीडीएस/एजी 2 एस नैनो–हीट्रोसंरचना फोटोनोड का निर्माण। केमेस्ट्री सलेक्ट, 1(15), 4891–4900.

वी.कुमार, डी. माथुर, एस.श्रीवास्तव, एस. मल्होत्रा, एन.राणा, एस.के.सिंह एवं आर.सी. कुहद. (2016). राइजोपस ऑरजी लाइपेस (आरओएल) द्वारा नए आंशिक एस्टर के बायोएक्टिव डाइहाइड्रोक्सी 4–मिथाइलकुमेरिन का बायोकेलाइटिक संश्लेषण । मॉलिक्यूल्स, 21(11), 1499.

एस. ललवानी, वी.साहू, आर.बी.मरीचि, जी. सिंह एवं आर.के. शर्मा (2017). उच्च निष्पादन ठोस स्थिति सुपरकैपिसीटर के लिए छेदयुक्त ग्रेफीन नैनोरिबन पर मस्तिष्क में स्थिर, मैग्नेटाइट नैनोप्लेटलेट। इलेक्ट्रोकिमिका एक्टा, 224, 517–526.

जे. माइति, एस. श्रीवास्तव, वाई.एस.संघवी, ए.के.प्रसाद एवं आर. स्ट्रोमबर्ग, (2017). सोडियम मोनोब्रोमोइसोन्यूरेट (एसएमबीआई) का प्रयोग कर ब्रोमोन्युक्लियोसाइड के लिए सहज पहुंच। न्यूक्लिक एसिड रसायन में वर्तमान प्रोटोकॉल, 1–39.

एस. मल्होत्रा, एस.सिंह, एन. राणा, एस. तोमर, पी. भटनागर, एम. गुप्ता एवं सी.लेन. (2017). दृश्य रूप से समृद्ध फ्लुकोनाजोल एनालॉग्स की केमोएंजाइमैटिक संश्लेषण, नैनोटाइजेशन और एंटी–एस्परगिलस गतिविधि। रोगाणुरोधी एजेंट और केमोथेरेपी, एएसी–00273.

एस. मल्होत्रा, एम.तवाक्कोली, एन. एद्राकि, आर. मिरि, एस.के.शर्मा, ए.के. प्रसाद एवं ओ. फिरुजि. (2016). 4–मिथाइलकुमेरिनों का न्यूरोप्रोटेक्टिव और एंटीऑक्सीडेंट क्रियाकलापः संरचना–गतिविधि रिश्ते का विकास। जैविक और औषधि बुलेटिन, 39(9), 1544–1548.

पी.मनचंदा, बी. प्रसाद, ए. कुमार, आर.के.तिवारी, ए.एन.शिराजी, के.परांग एवं एस.के. शर्मा. (2017).. पायरेथिलपीरीमिडीनोलामिनोफेनिल व्युत्पन्नों की डिजाइन, संश्लेषण, और काइनेज निषेध क्षमता का मूल्यांकन। आर्चिव डेर फार्माजी, 350(3–4).

आर.बी. मरीचि, वी.साहू, एस. ललवानी, एम.मिश्रा, जी. गुप्ता, आर.के.शर्मा एवं जी. सिंह. (2016). निकल–कोबाल्ट हाइड्रॉक्साइड नैनोफाइबर्स का निकेल–खोल समर्थित विकास और उनके सममित/असममित अतिसंवेदनशील विशेषताएं। ऊर्जा स्रोतों की पत्रिका,, 325, 762–771.

आर. मिरि, एम.नेजाति, एल.सासो, एफ. खाकदान, बी. परसाद, डी.माथुर एव. ओ. फिरुजी. (2016). एंटीकैंसर एजेंटों के रूप में 4–मिथाइलकुमेरिन व्युत्पन्नों की संरचना–गतिविधि संबंध का अध्ययन। औषधीय जीवविज्ञान, 54(1), 105–110.

एम. नटराजन, आई.के.पाण्डे एवं एस.कौर–घुमान, (2017). डायरॉन मोनोथिलालेट योगिकों का संश्लेषण और विद्युतीय उत्प्रेरणः [एफईएफई] हाइड्रोजनीज एनजाइम के छोटे अणुओं की नकल। केमिस्ट्री सलेक्ट, 2(4), 1637–1644.

आर.गाईन, एन. गली, ए.के.सिंह, एफ. पाउलस, डी.स्टोबेनर, सी. स्कलेसनर एवं सी. लेन. (2017). माइक्रोवेव इरिडियेशन द्वारा बड़े पैमाने पर ग्लिसरॉल ऑलिगोमराइजेशन के लिए एक सरल और कुशल प्रक्रिया। उत्प्रेरक, 7(4), 123.

पी.मैथ्यू, बी.एन. बत्रा एवं एम. नाथ. (2016). नैथ्थो [ई] बीआईएस [1, 3] ऑक्सीजन का एक सुविधाजनक एक–पात्र जलीय चरण संश्लेषण और गुण। वर्तमान हरित रसायन विज्ञान, , 3(4), 360–365.

आई.के. पाण्डे, एम. नटराजन, एफ. हुसैन एवं एस. कौर–घुमान. (2016).एक चेलेट डीफॉस्फिन लिजेंड एल = (ऑक्सिडी –2, 1–फिनलीन) बीआईएस (डिफेनिलफोसफीन) युक्त डायरोन कॉम्प्लेक्स [एफई2 (सीओ) 5

(μ–पीडीटी/एमईबीडीटी) (एल)]: जैवउत्प्रेरित [एफईएफइ] हाइड्रोजनीज मॉडल कॉम्प्लेक्स। केमिस्ट्री सलेक्ट, 1(18), 5671–5678.

एस. प्रभाकर, आर. गुप्ता. जे.एन.बेहेरा एवं एफ. हुसैन. (2016).सिलिकोसंगस्टेट [{सीयू 2 (1, 10–एफक्यूयू) 2 (μ–सीएच 3 सीओओ) 2} एलएन (α–एसआईडब्ल्यू11 ओ 39) 2] 11– {एलएन = पीआर III (1 ए) , एनडी III (2एं), एसएम III (3एं),: ईयू III एनडी III (2ए), एसएम III (3ए), इयूIII (4एं), जीडी III (5एं) और डीवाई III (6एं)} के सैंडविच प्रकार कार्बनिक–अकार्बनिक संकर का संश्लेषण, क्रिस्टल संरचनाएं, फोटोल्युमिनेसिसेंस और चुंबकीय गुण। अकार्बनिक रसायन विज्ञान संचार, 72, 117–121.

बी. प्रसाद, ए.जे.दुराइसामी, एस.सैनी, पी.यादव, पी. वत्स एवं एस.शर्मा. (2016). पॉलीहाइड्रोक्सी कुमेरिन व्युत्पन्न के एंटीऑक्सीडेंट क्षमता के संश्लेषण और एसएआर अध्ययन। औषधीय रसायन विज्ञान (ओएमआईसीएस अंतर्राष्ट्रीय, लॉस एंजिल्स), 6(7), 506–514.

बी. प्रसाद, एम.कुमारी, के. अकाजी, सी. बोचर, आर. हग एवं एस. के. शर्मा. (2016). दवा के वितरण के लिए परफ्लूरोएल्काइल –कार्यात्मक डेंन्ड्रोनाइड्ज्ड पॉलिमरों से दवाओं का एंजाइम–प्रेरित जारीकरण। पॉलिमर्स (एमडीपीआई), 8, 311.

एन.फोगट,ए. कुमार चिल्लर, ए. कुमार प्रसाद, एन.एन.सेनापति, एस.एन.खत्री, एम. कुमार एवं आर. डाबर. (2016). सह–औषधियों के रूप में कुमेरिन व्युत्पन्नः सिलिको फिजिकोकैमिकल लक्षण वर्णन से लेकर कृत्रिम परिवेशी ग्राम पॉजिटिव बैक्टीरिया का मूल्यांकन। मिश्रित रसायन विज्ञान और उच्च प्रवाह क्षमता की जांच, 19(6), 489–496.

एस.प्रसाद, के.अकाजी, सी.बोचर, आर.हाग एवं एस.शर्मा. (2017). जैवचिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए गैर–आयनिक एम्फिफील्स के स्वयं–गठित माध्यम से अतिसूक्ष्मसंरचना का निर्माण। उन्नत अनुसंधान, 7, 22121 – 22132.

एस.प्रसाद, बी.कुमार, एस.कुमार, के.चांद, एस. एस. काम्बले, एच.के. गौतम एवं एस.के. शर्मा, (2017). संभावित कोलिनस्टेरेस अवरोधकों के रूप में एक्टामाइड व्युत्पन्नों ऑफ क्रोमेन –2, आर्चिव डेर फार्माजी, 350(8).

एन.पी. राधिका, आर.सेल्विन, आर.कक्कड़ एंड एच.एल. (2017). बेंजाइल अल्कोहल के साथ एनिसोल के तरल चरण बेनजाइलेशन के लिए उत्प्रेरक के रूप में जिओलाइट जेडएसएम–5 के नेनो क्रिस्टल। नैनोसाइंस एवं नैनोटेक्नोलॉजी की पत्रिका,17(2), 1329–1337.

एन.पी.राधिका, आर.सेल्विन, आर.कक्कड़ एव ए.उमर. (2016). कार्बनिक संश्लेषण के लिए नैनो–फोटो उत्प्रेरकों में हालिया प्रगति। रसायन विज्ञान की अरबी पत्रिका,

एस.रंगास्वामी, आर.वार्शनी, ए.के.तिवारी, एस.के.सेठी, एच.ओझा एवं ए.के.मिश्रा. (2016). जीडी (तृतीय) –डीओ3ए–एसबीएमपीपीः वर्धित राहत के साथ एमआरआई कंट्रास्ट एजेंट का विकास करने का एक प्रयास। केमिस्ट्री सलेक्ट, 1(19), 6206–6211.

रश्मि, एस.के.शर्मा (2016). कार्बोहाइड्रेट आधारित बोलाएम्फिफाइल और उनके जैवचिकित्सकीय अनुप्रयोग। कार्बनिक अनुसंधान के रुझान, 8(4), 1–8.

वी.साहू, एस. गोयल, ए.के. तोमर, जी.सिंह एवं आर.के.शर्मा. (2017). सुपरकैपिसिटर ऊर्जा भंडारण के लिए ग्रेफीन नैनोरिबन्स/वैनेडियम ऑक्साइड नोनोस्ट्रिप। इलेक्ट्रोकिमिका एक्टा, 230, 255–264.

वी.साहू, एस.ग्रोवर, एम.शर्मा, ए.पाण्डे, जी.सिंह एवं आर.के.शर्मा (2016). उच्च निष्पादन गैर–एंजाइमेटिक के लिए सीयूओ/अवक्रमित ग्रेफीन ऑक्साइड नैनोकंपोजिट, लागत प्रभावी ग्लूकोज सेंसर सेंसर पत्र,, 14(11), 1117–1122.

वी.साहू, एस.ग्रोवर, जी. सिंह एवं आर.के.शर्मा (2016). उच्च निष्पादन तरल के साथ–साथ ठोस स्थिति सुपरकैपिसिटर कोशिकाओं के लिए नाइट्रोजन में डुबाई गई कार्बन सूक्ष्म चादरें। उन्नत अनुसंधान, 6(41), 35014–35023.

वी. साहू, आर.बी.मरीचि, जी.सिंह एवं आर.के.शर्मा (2017). ठोस स्थिति सममित/असममित सुपरकैपिसिटर के लिए कार्बन एरगेल से प्राप्त वनस्पति तेल पर पदानुक्रमित पोलियांइलिन स्पाइक। इलेक्ट्रोकिमिका एक्टा, 240, 146–154.

वी.साहू, वी.के.मौर्या, एस.पटनायक, जी. सिंघा एवं आर.के. शर्मा. (2017). लेसी अवक्रमित ग्रैफीन ऑक्साइड नैनो–रिबन में वर्दि्धत लौहचुंबकत्व। एआर*Xiv*प्रिंट एआर*Xiv*:1705.06531.

वी.साहू, एम.मिश्रा, जी. गुप्ता, जी. सिंह एवं आर.के.शर्मा. (2016). उच्च प्रदर्शन कार्बन/एमएनओ 2 सुपर कैपेसिटिव ऊर्जा भंडारण सामग्री में खतरनाक डीजल सूट चालू करना। एसीएस सतत रसायन विज्ञान और इंजीनियरिंग, 5(1), 450–459.

वी. साहू, एस.शेखर, आर.के.शर्मा एवं जी.सिंह (2015). लेसी अवक्रमित ग्रैफीन ऑक्साइड नैनो–रिबन से अति उच्च प्रदर्शन सुपरकैपिसिटर। एसीएस अनुप्रयुक्त सामग्री और इंटरफेस, 7(5), 3110–3116.वी.

एस.साहू, आर.के.शेखर, जी.शर्मा एवं सिंह, (2016) लेसी अवक्रमित ग्रैफीन ऑक्साइड नैनो–रिबन से अति उच्च प्रदर्शन सुपरकैपिसिटर, एसीएस अनुप्रयुक्त सामग्री और इंटरफेस, (स्वीकृत)।

ए.के.शर्मा, एस.प्रसाद एवं एस.के.शर्मा (2017). संश्लेषण और नए बेन्जोक्जाइन आधारित एरीलिडिनल सुसिनिमाइड व्युत्पन्न के लक्षण वर्णन कृत्रिम संचार, (स्वीकृत)।

ए.के.शर्मा, पी.यादव, के.चांद, एस.के.शर्मा (2016) नए एन–एलिकीलेटेड पाइरिडिन –2 (1 एच)–वन्स का संश्लेषण और लक्षण वर्णन। रसायन विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 55बी, 492–500.

डी.शर्मा, एच.ओझा, एम.पाठक, बी.सिंह, एन.शर्मा, ए.सिंह एवं आर.के.शर्मा (2016). बोवाइन सीरम एल्बिन के साथ मेटफोर्मिन के बंधन तंत्र का स्पेक्ट्रोस्कोपिक और आणविक मॉडलिंग अध्ययन। आण्विक संरचना की पत्रिका, 1118, 267–274.

पी.के.शर्मा, एस.बलवानी, डी.माथुर, एस.मल्होत्रा, बी.के.सिंह, ए.के.प्रसाद एवं वी.एस.परमार (2016). संश्लेषण और नए ट्रायजोलिल–इसाटिन संकर की सूजन–विरोधी गतिविधि का मूल्यांकन और संश्लेषण। एंजाइम अवरोध और औषधीय रसायन विज्ञान की पत्रिका, 31(6), 1520–1526.

आर.के.शर्मा, एल.के.गजानन, एम.एस.मेहता, एफ.हुसैन एवं ए.कुमार,(2016). नए पोर्फिरिन एनालॉग के प्रतिदीप्ति संश्लेषण, लक्षण वर्णन और व्यवहारः मेटा–बेंजिपोरफोडिमेथेन्स। स्पेक्ट्रोकिमिका एक्टा भाग एः आणविक और जैवआणविक स्पेक्ट्रोस्कोपी, 169, 58–65.

वी.के.शर्मा, एस.के.सिंह, पी.एम.कृष्णमूर्ति, जे.एफ.अल्टरमैन, आर.ए.हरास्ट्जी, ए.खोरोवा एवं जे.के.वाट्टस, (2017). ट्रायजोल से जुड़े न्यूक्लिक एसिड का संश्लेषण और जैविक गुण। रासायनिक संचार, 53(63), 8906–8909.

ए.के.सिंह, आर.गाइन,एन.गेली, आर.हग, एस.के.शर्मा एवं सी. लेन, (2016). ओलिगोग्लिसरॉल व्युत्पन्न का केमो–एनजाइमैटिक संश्लेषण। मॉलिक्यूल्स, 21(8), 1038.

ए.के.सिंह,बी.एन. थोटा, बी.स्केड, के.अकाजी, ए.खान, सी.बोचर एवं आर.हग. (2017).. गैर–आयोनिक जुड़वां एमफिफाइल्स का एकत्रीकरण व्यवहार और जैवचिकित्सा सूक्ष्मवाहक के रूप में उनका अनुप्रयोग। रसायन विज्ञान–एक एशियन पत्रिका।

ए.सिंह, वी.खत्री, एस.मल्होत्रा एवं ए.के.प्रसाद. (2016). मैक्रोसाइकल समावेशी अनुप्रयोगों और चिरल मान्यता के लिए शुगर–आधारित नए चिराल। कार्बोहाइड्रेट अनुसंधान, 421, 25–32.

डी.के.सिंह एवं एम.नाथ. (2016). एस–बी–ट्राइजोलोमिथाइल–ब्रिज्ड पोर्फिरिन–बेंजो–ए–पायरोन डाइड्स का संष्लेषण, लक्षण वर्णन और फोटोफिजिकल अध्ययन। रसायन विज्ञान की पत्रिका, 128(4), 545–554.

जी.सिंह एवं आर.के.शर्मा (2017). डीजल सूट का इस्तेमाल करवाये जारी होने की तारीखः10.1038 / निनइंडिया.10, 30 जनवरी, 2017 (वैज्ञानिक पत्रिका प्रकृति भारत में शामिल)

एस.स्टेफनी, एस.होंजके, जे.एल.सी.कामचो, एफ.न्यूमैन, ए.के.प्रसाद, एस हेडट्रिक एवं पी.सर्विन. (2016). त्वचीय औषधि की प्रदायगी के लिए हाइपरब्रांच्ड ग्लिसरॉल–आधारित मूल–एम्फीफिलिक ब्रांच्ड शेल नैनोट्रांस्पोर्टर्स। पॉलीमर, 96, 156–166.

एस.स्टेफनी, आई.एन.कुर्नैश, एस.के.शर्मा, सी.बोचर, पी.सर्विन एवं आर.हग. (2016). नए जैवनिम्नीकरण औषध वितरण प्रणाली के रूप में एक एम्फिफिलिक ब्रांच्ड शेल के साथ ट्राइग्लिसरल आधारित हाइपरब्रांच्ड पॉलीएस्टर्स। पॉलीमर रसायन विज्ञान, 7(4), 887–898.

एस.स्टेफनी, एस.के.शर्मा, आर.हग एवं पी.सर्विन (2016). पीईजीलेटेड हाइड्रोफोबिक हाइपरब्रांच्ड पॉलीएस्टरों पर आधारित मूल–शेल सूक्ष्मवाहक। यूरोपीय पॉलिमर की पत्रिका, 80, 158–168.

आर. टण्डन एवं एम.नाथ. (2017). औषध प्रतिरोधी क्षय रोग से निपटनाः वर्तमान रुझान और दृष्टिकोण। औषधीय रसायन विज्ञान में संक्षिप्त समीक्षा,17(6), 549–570.

एम.ए.तन्त्रेय,आई.खान, एच.हामिद, एम.एस.आलम, एस.उमर, वाई अलि एवं एफ. हुसैन. (2016). संभावित सूजन–विरोधी के साथ ग्लाइकोजेन सिंथेस काइनेज –3 बी अवरोधक के रूप में नए ऑक्सजोलो [4, 5–बी] पाइरिडिन–2–एक आधारित 1, 2, 3–ट्रायजोल्स के संश्लेषण। रासायनिक जीवविज्ञान और औषधि डिजाइन, 87(6), 918–926.

सी.टेकुरी, डी.के.सिंह एवं एम.नाथ. (2016). बी– प्रतिस्थापित पाइरोलो–और इन्डोलो [1, 2–ए] क्विनॉक्सालिनोपोराफिरिन का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और दृश्य गुण।रंग और रंगद्रव्य, 132, 194–203.

एम.त्रिवेदी, ए.कुमार, जी. सिंह, ए.कुमार एवं एन.पी.रथ. (2016). कमरे के तापमान पर क्रोमियम में कमी और कार्बन डाइऑक्साइड के रूपांतरण के लिए कुशल उत्प्रेरक के रूप में मेटल–कार्बनिक फ्रेमवर्क एमआईएल–101 समर्थित बैंपेटिक पीडी–सीयू नैनोक्रिस्टल्स। रसायन विज्ञान की नई पत्रिका, 40(4), 3109–3118.

एम.त्रिवेदी, जी.सिंह, ए.कुमार एवं एन.पी.रथ. (2016). नए पेंटामिथाइलीन–कार्यात्मक बीआईएस–इमिडाजोलियम डिकेसन लिजेंड्स के सिल्वर (I) और पैलेडियम (II) यौगिक और हेक एंड सुजुकी–मीयुरा युग्मन रिएक्शन में इसका अनुप्रयोग। इनआर्गेनिक किमिका एक्टा, 449, 1–8.

के.वेंकटेश्वरन, ए.श्रीवास्तव, पी.के.अग्रवाल, ए.प्रसाद, एन.कालरा, पी.आर.पाण्डे एवं बी.एस. द्वारकानाथ. (2016). चूहों में पॉलीफेनोलिक एसीटेट 7, 8–डायसेटॉक्सी –4–मिथाइलथियोकुमेरिन द्वारा विकिरण से प्रेरित हेमाटोपोएटिक चोट का शमन। वैज्ञानिक रिपोर्ट्स, 6, 37305.

जी.डी.यादव एवं डी.एस.सिंह. (2017). 1, 4–डायजाबिसाइक्लो [2.2.2] ऑक्टेन ट्रायफ्लूरोएसेटेटः विलायक मुक्त स्थिति के अंतर्गत कार्बोनिल यौगिकों की साइनोसीलाइलेशन के लिए एक अत्यधिक कुशल ऑर्गेनोउत्प्रेरक। केमिस्ट्री सलेक्ट, 2(17), 4830–4835.

जी.डी.यादव एवं एस.सिंह. (2016). (एल)–प्रोलिनामाइड इमिडाजोलियम हेक्साफ्लुरोफॉस्फेट विलायक मुक्त हालत में प्रत्यक्ष असममित अल्डोल प्रतिक्रिया के लिए एक कुशल पुनः प्रयोज्य ऑर्गेनो उत्प्रेरक आयनीकृत तरल। उन्नत अनुसंधान, 6(102), 100459–100466.

जी.डी.यादव एवं एस.सिंह. (2016). एन–एरिलप्रोलिनामाइड इसाटीन के साथ एसिटोन की प्रत्यक्ष असममित एल्डॉल प्रतिक्रिया के लिए एक ऑर्गेनोउत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है। टेट्राहेड्रनःअसममित, 27, 123–129.

जी.डी.यादव एवं एस.सिंह. (2016). इसाटीन के साथ एसीटोन के प्रत्यक्ष असममित आल्डोल की प्रतिक्रिया के लिए एक कुशल उत्प्रेरक के रूप में ट्रान्स –4–हाइड्रोक्सी– (एल) – प्रोलिनामाइड। टेट्राहेड्रनः असममिती, 27, 463–466.

पी.यादव, बी.कुमार, एच.के.गौतम एवं एस.के.शर्मा. (2017). ट्रायजोलिल पिरानोक्रोमेनोन्स के चतुर्धातुक अमोनियम व्युत्पन्न का संश्लेषण और जीवाणुरोधी गतिविधि की जांच। रसायन विज्ञान की पत्रिका, 129(2), 211–222.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रोफेसर ए.के.प्रसादः

रसायन इंक, कार्ल्सबाड सैन डिएगो, यूएसए (दिसंबर 2017 तक), न्यूक्लियोसाइड – आधारित जैवसक्रिय यौगिकों का संश्लेषण और उनके पूर्ववर्ती, 6,57,570 रुपए।

डीआईपीएएस (डीआरडीओ), तिमारपुर, नई दिल्लीः (जुलाई 2017 तक), संभावित वितरण एजेंटों के रूप में चीनी–पीईजी आधारित एम्फिफील्स का संश्लेषण, विशेषता, साइटोटॉक्सीसिटी और कोशीकीय तेज अध्ययन, 9,60,000रुपए।

सीएफईईएस (डीआरडीओ), तिमारपुर, दिल्ली (दिसंबर 2016 तक), कुछ फ्ल्युरोफॉस्फोनोडाइस्टर्स और फ्लुरोफॉस्फोट्राइस्टर्स की अग्नि शामक क्षमता का संश्लेषण और अध्ययन, 1,21,84,100 रुपए।

प्रो सुनील के शर्मा, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी–डीएसटी), जनवरी, 2016–दिसम्बर, 2018, जैवचिकित्सा अनुप्रयोग के लिए ओलिगोग्लिसरोल और पीईजी आधारित सूक्ष्मवाहकों के डिजाइन और संश्लेषण, 47,26,000 रुपए।

डॉ सुरेंद्र सिंह, डीएसटी–एसईआरबी, 2017–2020, जैविक महत्वपूर्ण अणुओं के संश्लेषण के लिए असममित फ्रिडल क्राफ्ट प्रतिक्रिया के लिए कुशल और पुनःप्रयोज्य चिरल उत्प्रेरक का विकास, 35,93,480 रुपए।

डॉ एफ हुसैन, सीएसआईआर–परियोजना, जुलाई, 2013–जून, 2016, फास्फोटंगस्टेट वाले लेंथोनाइडः संश्लेषण, संरचनात्मक लक्षण वर्णन और भौतिक गुणों का अध्ययन, 16,00,000रुपए।

संगोष्ठी का आयोजन

विभाग ने वर्ष के दौरान उत्कृष्ट राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोधकर्ताओं द्वारा वार्ता और संगोष्ठियों का नियमित रूप से आयोजन किया था।

सम्मेलन का आयोजन

प्रोफेसर अशोक के. प्रसाद, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, कार्बोहाइड्रेट रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान में नई सीमाएं, ओएनजीसी, आईसीएमआर, डीआरडीओ द्वारा समर्थन अनुदान,14–16 नवम्बर, 2016.

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

प्रो गुरमीत सिंहः

सामग्री विज्ञान 2017 पर जापान–भारत संगोष्ठी (जेआईएसएमएस–2017), उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, इशिकावा, जापान, 6–7 मार्च, 2017.

आमंत्रित वार्ता, विनिर्माण प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, क्रोनिकाजड्रोज और क्राकोव, पोलैंड, 11–18 अप्रैल, 2016.

व्याख्यान, समृद्ध छोर, अति उच्च प्रदर्शन सुपर कैपेसिटिव ऊर्जा भंडारण उपकरणों के लिए छेददार ग्राफीन नैनो रिबन इलेक्ट्रोड, मेडगर एवर कॉलेज ऑफ द सिटी, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, 3 नवम्बर, 2016.

दो राष्ट्रीय सम्मेलनो में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान।

प्रो अशोक के प्रसादः

आमंत्रित वार्ता, नए चीनी संशोधित न्यूक्लियोसाइड, सह–पॉलिमर और स्यूडोरोटैक्सन, जेएआईएसटी जापान–भारत सामग्री विज्ञान पर संगोष्ठी, 6–7 मार्च, 2017. आमंत्रित वार्ता, नए एम्फिफील्स और ग्लूकोस *[2]* स्यूडोरोटैक्सन, सीएबायोमास – 2016 कैंपीज्न, फरांस, 9–11 मार्च, 2017. आमंत्रित वार्ता, चीनी आधारित एम्फिफाइल और महत्वपूर्ण स्यूडोराटेक्सन, कार्बोहाइड्रेट पर इंडो–जर्मन कार्यशाला (आरएसीसीबी–2017), आईआईटी बीएचयू, वाराणसी, 14–16 फरवरी, 2017.

आमंत्रित वार्ता, नए न्यूक्लॉसाइड के लिए पूर्ववर्ती के रूप में संशोधित शुगर्स, एम्फिफील्स और स्यूडोरोटैक्सन, कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर, 10–11 जनवरी, 2017.

आमंत्रित वार्ता, न्यूक्लॉसाइड के संश्लेषण के लिए संशोधित चीनी पूर्ववर्ती, एम्फिफील्स और स्यूडोरोटैक्सन, यूजीसी–एचआरडीसी कार्यशाला,यूजीसी–एचआरडीसी कार्यशाला, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, जनवरी, 2017.

आमंत्रित वार्ता, चीनी–संशोधित न्युक्लिओसाइड्स और सूक्ष्मसंवाहकों के रूप में चीनी–आधारित एम्फतफाइल, 23वां आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एसआरएम विश्वविद्यालय चेन्नई, 8–10 फरवरी, 2017.

प्रो सुनील के शर्मा

दो व्याख्यान दिये। i. जैवउत्प्रेरकः ऑर्गेनिक संश्लेषण के आधुनिक उपकरण, ii. जैवचिकित्सा अनुप्रयोग के लिए जैव संगत पॉलीमर और डेन्ड्रिटिक नैनो–आर्किटेक्चर का केमो एंजाइमेटिक संश्लेषण, रसायन विज्ञान में रिफ्रेशर कोर्स, आईआईटी–आईएसएम धनबाद, 14 जून, 20.

आमंत्रित वार्ता, पायरिडील्पाइरीनिलामाइनोफिनायल व्युत्पन्नों का संश्लेषण और काइनाज अवरोध अध्ययन, 23वां आईएससीबीसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी –2017), एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई, 8–10 फरवरी, 2017.

आमंत्रित वार्ता, ड्रग डिलिवरी के विकल्प और चुनौतियां, रसायन विज्ञान में रिफ्रेशर कोर्स, यूजीसी–यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 18 जनवरी, 2017.

आमंत्रित वार्ता, औषध विकास में चुनौतियां, डीएसटी–इंस्पायर इंटर्नशिप साइंस कैंप, एसआरएम यूनिवर्सिटी, दिल्ली–एनसीआर, 22 दिसम्बर, 2016.

आमंत्रित वार्ता, जैवचिकित्सा अनुप्रयोग के लिए एम्फीफिलिक डेन्ड्रिटिक आर्किटेक्चर, विभागीय संगोष्ठी, आईआईटी–आईएसएम, धनबाद, सितम्बर, 26, 2016.

आमंत्रित वार्ताएं, i. औषधि डिलीवरी अनुप्रयोगों के लिए कार्यात्मककृत पॉलिमेरिक आर्किटेक्चर का केमो–एनजाइमैटिक संश्लेषण, ii. कैंसर नियंत्रण के लिए काइनेज अवरोधकों की डिजाइन और विकास, अनुप्रयुक्त रसायन शास्त्र विज्ञान में हालिया रुझानों पर कार्यक्रम टीईक्यूआईपी–II प्रायोजित अल्पावधि प्रशिक्षण, अनुप्रयुक्त रसायन शास्त्र विभाग, एसवीएनआईटी, सूरत, अक्टूबर, 19, 2016.

आमंत्रित वार्ता, जैवचिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए पेरफ्लूरोअल्काइल–कार्यात्मक डेंड्रोनाइज्ड पॉलीमरों का केमो एंजाइमेटिक संश्लेषण, स्थायी पॉलिमरों में प्रगति पर संगोष्ठी (एएसपी–16), क्योटो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, क्योटो, जापान, 3–7 अगस्त, 2016.

आमंत्रित वार्ता, मार्गदर्शक के रूप में, प्राकृतिक स्रोतों से ड्रग विकास, डीएसटी–इंस्पायर इंटर्नशिप प्रोग्राम, लालबहादुर सिंह स्मारक महाविद्यालय, गोहावर (बिजनौर, यूपी), जुलाई, 29, 2016.

आमंत्रित वार्ता, परफ्लूरोअल्काइल–कार्यात्मक डेंड्रोनाइज्ड पॉलीमर जैवचिकित्सा अनुप्रयोग का केमो–एनजाइमैटिक संश्लेषण, एफयूबी–डीयू संयुक्त अनुसंधान कार्यशाला सुपरमॉलिक्यूलर कैमिस्ट्री और नैनोस्केल सिस्टम पर, इंस्टीटुट फर केमी एंड बायोकेमी, फ्रेई यूनिवर्सिटेट बर्लिन, 8–10 जून, 2016.

प्रो महेंद्र नाथः

आमंत्रित वार्ता, एरेंस और हीट्रोएरेंस के लिए पर्यावरण के अनुकूल सौहार्दपूर्ण प्रोटोकॉल का विकास विज्ञान और इंजीनियरिंग में सामग्री पर अभिनव अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन, (आईआरएमएसई –2016), संकाय विकास

कार्यक्रम के अंतर्गत, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, एम जे पी रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली, उत्तर प्रदेश,17–22 अप्रैल, 2016.

आमंत्रित पूर्ण वार्ता, डीबीएसए–उत्प्रेरित प्रतिक्रियाओं के माध्यम से एरेंस और हीट्रोएरेंस के लिए परिस्थिति–अनुकूल विधियों का विकास का विकास, रसायन विज्ञान में राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीसी 2016): पर्यावरण और सौहार्द पूर्ण विकास, रसायन विज्ञान विभाग, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 7–8 अप्रैल, 2016.

प्रो एन तिरुपतिः

संक्षेप में, वी ठाकुर, एन तिरुपति, सुजुकी–मीयुर पार युग्मन एरील ब्रोमाइड और सक्रिय एरील क्लोराइड में उत्प्रेरक के रूप में साइक्लोपलाडेटेड एन, एन, एन–ट्रायरीलगुआनिडाइंस [□2(सी, एन) पीडी (□3ओएएसी)]2 और [□2 (सी, एन) पीडी (पीपीएच 3) बीआर)] कैमिस्ट्री पीपी81 पर 19वीं सीआरएसआई राष्ट्रीय संगोष्ठी, रसायन विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, 2016.

संक्षेप में, आर कुमार, एन तिरुपति, आधा सैंडविच रूटेनियम *(II)* इलेक्ट्रॉन की कमी युक्त ट्राइएरिगुआंडिनिटो यौगिकः एजिडे–अलकाइन साइक्लोडिशन प्रतिक्रियाओं में प्रतिक्रियात्मक अध्ययन और उत्प्रेरक गतिविधि रसायन विज्ञान की 19वीं सीआरएसआई राष्ट्रीय संगोष्ठी, पीपी83, रसायन विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, 2016.

संक्षेप में, वी मिश्रा, एन तिरुपति, एम नेथाजी, पीटी 2 एजी 2 क्लस्टर्स *[*□2 ¼h] ,u½i hMh ¼ □2& सीएफ 3) 2 एज*]2* का संरचनात्मक अध्ययन एवं सोल्यूशन व्यवहार, जिसमें छह–सदस्यी साइक्लोप्लेटेटिनेटेड एन, एन□ एन□–ट्रायएरिलगुआनिडाइन, का संश्लेषण, संरचनात्मक अध्ययन और सॉल्युशन व्यवहार। रसायन विज्ञान में 19वीं सीआरएसआई राष्ट्रीय संगोष्ठी, पीपी88, रसायन विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, 2016.

संक्षेप में, पी अग्रवाल, एन तिरुपति, एम नेथाजी, *[*सीडी*(* ओ,□2ओ□–ओसी *(*ओ*)* टीबीयू*)2*(एच 2 ओ)2*]* और *{*एनए *2 [*सीडी(□2vk]vk□&vkh ¼एमई)(□2ओ,ओ)□–ओसी *(*ओ*)* टीबीयू*)(* ओसी*(O)* टीबीयू*)2]·2* टीबीयूसी *(*ओ*)* ओएच*}*∞, 18वीं सीआरएसआई राष्ट्रीय संगोष्ठी, पी9, पंजाब विश्वविद्यालय और नैनोसाइंस और प्रौद्योगिकी संस्थान, मोहाली, 2016.

संक्षेप में, आर कुमार, एन तिरुपति, *[((*□5–एमई5)आरएचसीएल{□2(एन,एन')(एआएन)2सी□एन(एच)एआर},2016 द्वारा उत्प्रेरित केटोनस और एलडीहाइड की हाइड्रोजनीकरण ट्रांसफर, रसायन विज्ञान में 18वीं सीआरएसआई राष्ट्रीय संगोष्ठी, पी200, पंजाब विश्वविद्यालय और नैनोसाइंस और प्रौद्योगिकी संस्थान, मोहाली, 2016.

संक्षेप में, वी मिश्रा, एन तिरुपति, एमाइड कॉम्प्लेक्सस एन–एरील–एन',एन" – डीपिरिडाइलगुआइनिडाइन से व्युत्पन्न बीआईएस–चेलेट पैलेडियम *(II)*एमाइड यौगिकः हेक–मिजोरिकी युग्मन प्रतिक्रियाओं के लिए पूर्व–उत्प्रेरक स्टिरीन और एरिक ब्रोमाइड्स/ सक्रिय एरिल, रसायन विज्ञान में 18वीं सीआरएसआई राष्ट्रीय संगोष्ठी, पी258, पंजाब विश्वविद्यालय और नैनोसाइंस और प्रौद्योगिकी संस्थान, मोहाली, 2016.

प्रो. एम. थिरुमलः

आमंत्रित वार्ता, सतत रसायन और सामग्री विज्ञानःप्रगति और चुनौतियां! रसायन विज्ञान और पर्यावरण प्रौद्योगिकी में हालिया नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एससीएमएस –2016), श्री अरबिंदो कॉलेज, दिल्ली, 3–4 मार्च, 2017.

आमंत्रित वार्ता, सतत रसायन और सामग्री विज्ञान:प्रगति और चुनौतियां! सतत रासायनिक और सामग्री विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एससीएमएस –2016), एसएस जैन सुबोध कॉलेज जयपुर, 5–6 अगस्त, 2016.

आमंत्रित वार्ता, (सार), एम थिरुमल, योगिता बिष्ट और रिचा तोमर, माइक्रोवेव डीइलेक्ट्रिक्सः पेरोव्कास्काइट में जटिलताओं को समझना, सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1–4 मार्च, 2016.

डॉ संदीप कौर–घुमानः

वार्ता, जैवअनुकारक बनाम जैवउत्प्रेरित हाइड्रोजन परिवर्तन प्रणाली, उन्नत जैविक अकार्बनिक रसायन विज्ञान पर 5 वीं संगोष्ठी (एसएबीआईसी), द स्टैडेल, कोलकाता, आईएसीएस जादवपुर और टीआईएफआर, मुंबई द्वारा आयोजित, 7–11 जनवरी, 2017.

वार्ता, हाइड्रोजन उत्पादक आयरन आधारित आणविक उत्प्रेरक का उपयोग करते हुए, सुपरमॉलीक्युलर केमिस्ट्री और नैनोस्केल सिस्टम परएफयूबी–डीयू संयुक्त उद्यम अनुसंधान कार्यशाला, फेरी यूनिवर्सिटी बर्लिन, जर्मनी ताकुस्तर 3,एसआर 31.09, 8–10 जून, 2016.

आमंत्रित वार्ता, हाइड्रोजन रूपांतरण प्रणालियों के रूप में आयरन थियलेट यौगिक प्रयोग और सिद्धांत द्वारा संश्लेषण और लक्षण वर्णन, इनऑर्गेनिक और ऑर्गेनमेटिक्स में फ्रंटियर्स पर संगोष्ठी, स्कूल ऑफ कैमिस्ट्री, आईआईटी इंदौर, अप्रैल, 2016

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोगः

प्रो. अशोक के. प्रसाद, डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज के साथ सहयोग (डीआरडीओ), लखनऊ रोड, तिमारपुर, दिल्ली की परियोजना संभावित वितरण एजेंट के रूप में चीनी–पीईजी आधारित एम्फिफील्स की साइटोटॉक्सिटी का अध्ययन और कोशिकीय तेज का संश्लेषण, लक्षण वर्णन।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

श्री अमित कुमार (पीएचडी छात्र) 1 अप्रैल से 31 मार्च तक एआरएसएमस प्लस कार्यक्रम के अंतर्गत फ्रेई विश्वविद्यालय, बर्लिन का दौरा किया (प्रो अशोक के. शर्मा)

श्री बद्री प्रसाद को उन्नत अनुसंधान प्रशिक्षण के लिए छह महीने (अक्टूबर 2016 से मार्च 2017) के लिए फ्रेई विश्वविद्यालय, बर्लिन, जर्मनी की यात्रा के लिए ईरासमस+ फेलोशिप प्रदान किया गया।

श्री अभिषेक कुमार सिंह को उन्नत अनुसंधान प्रशिक्षण के लिए छह महीने (अक्टूबर 2016 से मार्च 2017) के लिए फ्रेई विश्वविद्यालय,बर्लिन, जर्मनी का दौरा करने के लिए ईरासमस+ फेलोशिप प्रदान किया गया। (प्रो सुनील के शर्मा)

प्रदत्त एम.फिल. /पीएचडी डिग्री की संख्याः

पीएचडी – 12,

संकाय की संख्याः

स्थायी– 37

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

वर्तमान में विभाग में एमएससी के 600 छात्र और 250 पीएचडी विद्वान हैं।

***

पर्यावरण अध्ययन

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियाँ

हमारे विभाग के शिक्षक मूलभूत पारिस्थितिक, पर्यावरण और व्यवहारिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध के अग्रणी क्षेत्रों में शामिल हैं। हम राष्ट्रीय विकास से जुड़े सामाजिक रूप से प्रासंगिक क्षेत्रों में भी अनुसंधान करते हैं और पर्यावरणीय क्षरण से उत्पन्न होने वाले मुद्दों की समस्या हल करने में योगदान करते हैं। अनुसंधान के विषय पारिस्थितिकी और पर्यावरण के मौलिक और व्यावहारिक पहलुओं में नए योगदानों पर केंद्रित हैं। हमारे संकायों को सौंपी गई बाहरी अनुसंधान परियोजनाएं, प्रशिक्षण में शामिल युवा अनुसंधान विद्वानों को अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं के विकास और उन्नयन की सुविधा प्रदान करती हैं। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ सहयोग करने के अलावा, हमारे संकाय सदस्यों को नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में मुख्य व पूर्ण व्याख्यान देने के माध्यम से अपने नए अनुसंधान निष्कर्षों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

सम्मान /विशिष्टताएं

प्रो महाराज के पंडित

जीव विज्ञान के क्षेत्र में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के उन्नत अध्ययन के रैडक्लिफ संस्थान में हार्डी फेलो के रूप में कार्य किया।

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्लीः, भारत के फेलो चुने गए।

भारत सरकार द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के (निदेशक मंडल) में स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किए गए।

जल संसाधन और नदी विकास मंत्रालय, भारत सरकार की नदियों को आपस में जोड़ने के लिए गठित विशेष समिति के सदस्य नियुक्त किये गए।

प्रो. इंदरजीत सिंह को अमेरिका की पारिस्थितिक सोसाइटी द्वारा प्रतिष्ठित पारिस्थितिकी वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

यू.के.बागेश्वर, एम. श्रीवास्तव, पी.पार्थ–सारथी, एस.पॉल, एस.गोथन्डपानी, आर.एस.जाट, पी.शंकर, आर.यादव, डी.आर. विश्वास, पी.ए.कुमार, जे.सी.परदरिया, पी.के.मण्डल, के.अन्नपूर्णा एवं एच.के.दास.(2017). एक पर्यावरण अनुकूल तैयार किया गया अजोटोबैक्टर यूरिया उर्वरक की पर्याप्त मात्रा को बदल सकता है और फिर भी गेहूं की समान उपज को बनाए रख सकता है। अनुप्रयुक्त और पर्यावरणिक सूक्ष्म जीव विज्ञान, 83, ई00590–17.

पी.बेसेरा, आर.कालावे, जे.कैटफोर्ड, इंदरजीत, के.एण्डोनियन, एम.लूस, ई.ऐसहॉग एवं डी. मॉनटेसिनॉस. (2017). गैर–मूल क्षेत्रों में पौधों के विकास और प्रजातियों की समृद्धि पर यूकलिप्टस ग्लोब्यूलस के निषेधात्मक प्रभाव अधिक होते हैं। वैश्विक पारिस्थितिकी और जीवविज्ञान,(प्रेस में)।

जे.पी.भट्ट, के.मनीष, आर.मेहता एवं एम.के.पंडित. (2016). भारतीय नदी घाटियों में ताजे पानी के मछलियों के संभावित संरक्षण और बहाली के क्षेत्रों का आकलन करना। पर्यावरण प्रबंधन, 57(5), 1098–1111.

ए.ए.कैरिगी, जी.सी.स्टॉट्ज, एम.ए.डेट्टालाफ, जी.जे.पेक, इंदरजीत, एन.इर्बलगिन एवं जूनियर जे.एफ.काहिल, (2016). एस्पेन पार्कलैंड में चिकनी ब्रोम (ब्रोमस इनर्मिस) के विकास और अस्तित्व के सामुदायिक स्तर निर्धारक।वनस्पति परिस्थिति विज्ञान, 217, 1395–1413.

एन.गोयल एवं जी.पी.शर्मा. (2016). जीन भंडार विविधता और फसल सुधार। खेती के आबाद क्षेत्र से उभरते हुए आक्रमणकारीः एक आक्रमण परिप्रेक्ष्य। 271–290. स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन।

इंदरजीत, जे.ए.कैटफोर्ड, एस.कालिस्ज, डी सिम्बरलॉफ एवं डी.ए. वार्डले. (2017). मानव चालित वनस्पति परिवर्तन को समझने के लिए एक रूपरेखा, ओइकोस।

एम.जैन, डी.दावा, आर.मेहता, ए.पी.डिमरी एवं एम.के. पण्डित. (2016). बहु–अस्थायी उपग्रह डेटा का उपयोग करके भारत, दिल्ली में भूमि उपयोग में बदलाव और उसके वाहकों की निगरानी करना। मॉडलिंग पृथ्वी प्रणाली और पर्यावरण, 2, 1–14.

आर.जी.कामेह एवं एस.डी.बिजू. (2016). इच्थीओफिस हुसैनी की टैक्सोनॉमिक स्थिति पर, पिल्लई और रविचंद्रन, 1999 (एम्फीबियाः जिमनोफियोनाः इचिथाओहिडी) जूटॉक्सा, 4079(1), 140–150.

डी.कोठामासी, जे.वानिन, एम.वैन हीस, आर.नॉट्स, ए.वैन गोम्पेल, एन.वैनहाउड एवं एच.वैनडेनहोव. (2016). रिजोफेगस इरेग्यूलरीस एमयूसीएल 41833 रूट आर्गन संस्कृति में गायन विकिरण आयनिंग के संपर्क के बाद प्लांटगो लेंकेओलाता के पी तेज और उपनिवेश में सुधार कर सकते हैं। *माइकोरिजा,* 26(3), 257–262.

एन. कुमारी, आर.कुमार, वी.मिश्रा एवं एस.यादव. (2016). शुद्ध सीसी–एनबीएस–एलआरआर के विरूद्ध प्रौढ़ लैजनरिया सेसारिया के बीज और इम्यूनोलोकलालिजेशन से प्रोटीन के टुकड़े जैसे पॉलिक्लोनल एंटीबॉडी का विकास। *प्रोटीन की पत्रिका,* 35, 379–390.

एस.मजुमदार, यू.सानवाल एवं इंदरजीत. (2017). मिट्टी और पौधों के बीज अंकुर के विकास पर सोर्गहम हेलपेंस की हस्तक्षेप क्षमता। *पादप और मृदा,* 418, 219–230.

के.मनीष, वाई तेलवाला, डी.सी.नौटियाल एवं एम.के.पण्डित. (2016). हिमालयी अल्पाइन घास के घाटियों जलवायु परिवर्तन से नुकसानः झाड़ियों के आगे बढ़ने से घास वाले पौधों को खतरा। पृथ्वी प्रणाली और पर्यावरण की मॉडलिंग, 2,92.10.1007/एस40808एल 016एल 0163एल1

एल. बी. मार्टिनेज–गार्सिया, जी.बी. दे डेन, एफ.आई. पुगनैर, डी.कोठामासी एवं एम.जी.वैन डेर हेजीडेन. (2017). सहजीवी मृदा कवक जलवायु परिवर्तन के लिए पारिस्थितिकी तंत्र के लचीलापन को बढ़ाता है। *वैश्विक परिवर्तन जीवविज्ञान।*

एस.एस.मीना, आर.एस.शर्मा, पी.गुप्ता, एस.कर्मकार एवं के.के.अग्रवाल. (2016). एक दूषित स्थल से बेसिलस मेगाटेरेमियम वाईबी3 का अलगाव और पहचान पाइरीन को कुशलतापूर्वक कम कर देता है। *बुनियादी सूक्ष्म जीव विज्ञान की पत्रिका,* 56, 369–378.

आर.मिश्रा, एस.सिंह, आर.एस.शर्मा एवं वी.मिश्रा. (2016). आर्टिकुलैटिन–डी में तीव्र टी–सेल ल्यूकेमिया सेल लाइन में कस्पेस –8 के सक्रियण के माध्यम से एपोपोसिस को प्रेरित करता है। *आण्विक और सेलुलर जैव रसायन,* 426, 87–99.

एम.के.पण्डित. (2017). हिमालय में जीवनः एक पारिस्थितिकी तंत्र जोखिम मूल्यांकन। *हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।*

आर.प्रसाद, एन.शबनम एवं पी. पार्थ–सारथी. (2016). माइक्रोलॉजे के भंडारण और संरक्षण के लिए सूती कपड़े के टुकड़ों पर स्थिरता आदर्श है। शैवाल अनुसंधान, 20, 172–179.

डी.रावत, वी.मिश्रा, आर.एस.शर्मा. (2016). पर्यावरणीय प्रक्रियाओं के संदर्भ में अजो रंगों का विषाक्तीकरण। *केमोस्फीयर,* 155, 591–605.

जी.सेनेविरत्ने, एस.गर्ग, आर.कर्ने, एम.मीगास्कुमबुरा एवं एस.डी.बिजू,(2016). भारतीय नर्तक मेढक परिवार के माइक्रोसाइलिडीए के फैसियोरल टेडपोल का पता लगाना। *प्लोस वन,* 11(3), ई0151781.

जी.सेनेविरत्ने, जी.सोनाली, एस.महोनी, आर.जी.कामेइ, ए.थॉमस, वाई शाउच, सी.जे.रैक्सवर्थी, मीगास्कुम्बुरा एवं एस. बॉक्सलेयर. (2016). फ्रैंकिक्सलुस, वृक्ष छेद के एक नए रैकोफोरिड जीन, ओफोगस टैडफोल के साथ मेंढ़क पैदा करता है। प्लोस वन, 11(1), ई0145727.

जी.सेनेविरत्ने, ए.थॉमस, आर.कर्ने, जे.हान्केन, एस.डी.बिजू एवं एम.मीगास्कुम्बुरा. (2016). जकड़ से खुदाई तकः भारतीय बैंगनी मेंढक के भ्रूण पश्चात् कंकाल की ओंटोजेनी, नासिकबात्राक्रस साहयाड्रेंसिस (आनुराः नासिकबाट्राचिडा)।प्लोस वन, 11(3), ई0151114.

एन.शबनम एवं पी.पार्थ–सारथी. (2016). पोटैमोगेटन नोडोसस की तैरती और जलमग्न पत्तियां एक पारिस्थितिकी भौतिक अनुकूली रणनीति के रूप में ऑक्सीकरण विरोधी प्रणाली में भिन्नता दर्शाती हैं। कार्यात्मक पादप जीवविज्ञान, 43(4), 346–355.

एन.शबनम, पी.शर्मिला एवं पी.पार्थ–सारथी. (2017). स्पिरोडेला पॉलिरिझा में प्रकाश संश्लेषक घटनाओं के प्रकाश में आयनिक और नैनोकण प्रजातिकरण स्थिति का प्रभाव। *पादपसुधार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,*19(1), 80–86.

एन.शबनम, पी.शर्मिला, एच.के.गोविन्दजी एवं पी.पार्थ–सारथी. (2017). रजत आयनों के प्रति तालाब में उगने वाली लंबी पत्ती वाली शैवालों पोंडवेड की तैरती और जलमग्न पत्तियों की भिन्न प्रतिक्रिया। *वनस्पति विज्ञान में फ्रंटियर्स, 8.*

एन.शबनम, पी.शर्मिला, एच.किम एवं पी.पार्थ–सारथी. (2016). स्पिनेच थिलाकॉइड/क्लोरोप्लास्ट द्वारा चांदी के नैनोकणों में हल्की मध्यस्थता का उत्पादन। *प्लोस वन, 11(12), ई0167937*

एन.शबनम, आई.त्रिपाठी, पी.शर्मिला एवं पी.पार्थ–सारथी. (2016). प्रोलिन की मात्रा बढ़ाने के लिए एक तेज, आदर्श और पर्यावरण–अनुकूल प्रोटोकॉल। प्रोटोप्लाज्मा, 253(6), 1577–1582.

एम.शर्मा, वी.मिश्रा, एन.राव एवं आर.एस.शर्मा. (2016). खदान से साइड्रोफोरे उत्पादन करने वाली आर्थ्रोबैक्टर ग्लोबिफोर्मिस के टीकाकरण के जरिये मक्का के लौह–तनाव में लोच की वृद्धि। बुनियादी सूक्ष्म जीव विज्ञान की पत्रिका, 56, 719–735.

पी.शर्मा, आर.जैन, सी.घोष. (2016). ऑक्सीकरण प्रदूषण के खिलाफ पौधों को सहिष्णुता प्रदान करने में एस्कॉर्बिक एसिड की भूमिका। *वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(8), 43–47.*

पी.शर्मिला, पी.के.कुमारी, के. सिंह, एन.वी.एस.आर.के.प्रसाद एवं पी.पार्थ–सारथी. (2017). कैडमियम विषाक्तता से प्रेरित प्रवाल संचय लोहे की कमी से युग्मित है।*प्रोटोप्लाज्मा, 254(2), 763–770.*

जी.सिंह, एम.देब एवं सी.घोष. (2016). भारत में दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यमुना नदी का शहरी चयापचय। *उन्नत अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4(8), 1240– 1248.*

एस.सिंह, आर.मिश्रा, आर.एस. शर्मा एवं वी. मिश्रा. (2017). पैरोक्सीडेज द्वारा एक आक्रामक मेस्क्विट से फेनोल का उपचारः पर्यावरण घाव को ज्ञान में बदलना। *खतरनाक सामग्री का पत्रिका, 334, 201–211.*

एन.के.तिवारी एवं ए.जे.उर्फी. (2016). उत्तर भारत की बस्तियों में रंगीन सारस (मैक्टेरिया लेकुस्कोफेला) के घोंसले में जीवन रक्षाः घोंसले के जीवन का महत्व, वार्षिक वर्षा और शीतकालीन तापमान। जलपक्षी, 39(2), 146–155.

ए.जे.उर्फी. (2016). विभिन्न माध्यमों में पशु गतिविधि। आर्द्रभूमि जीवों के रूपांतरण। रेजॉनेंस,21(6), 545– 556.

एन. विजयतिलक, एस.गर्ग, जी. सेनविरत्ने, एन. करुणारत्न, एस.डी.बिजू एवं एम.मीगास्कुम्बुरा. (2016). श्रीलंका से प्रजाति माइक्रोहाला (आनुराः माइक्रोहाइलीडे) एक नईः एक एकीकृत टैक्सानामिक दृष्टिकोण। जूटॉक्सा, 4066(3), 331–342.

बी. विलर्ट, आर. सुयश, एस.गर्ग, वी.बी.गिरि, एम.ए.बी एवं एस.डी.बीजू. (2016). एक नये रूप और मादा पुकार के विवरण के साथ बॉम्बे नाइट मेढकों(निक्टीबाट्राचस ह्युमूनी) में गर्भ निषेचन के दौरान भौतिक संपर्क के बिना एक अनोखी संभोग रणनीति।सहयोगी पत्रिका, 4, ई2117.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. महाराज के.पंडित, एमओईएफसीसी परियोजना, डब्ल्यूएपीसीओएस परियोजना

प्रो.इंदरजीत सिंह, जैव प्रौद्योगिकी विभाग विभाग, भारत सरकार, जैव विविधता और संरक्षण के संदर्भ में प्रोसोपिसजिलिफ्लोरा का आक्रमण पारिस्थितिकी।

प्रो.आर.एस.शर्माः

नई दिल्लीः पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली, वनस्पति जैव प्रणाली में उन्नत प्रशिक्षण और अनुसंधान

यूजीसी–डीयू. फेज–जीवाणु की भूमिका ... .माइन

प्रो.आर.एस.शर्मा/ डॉ. वन्दना मिश्राः विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, पोषक तत्वों के तनाव ग्रस्त क्षेत्रों में बैक्टीरिया में विविधताः जीवाणुओं की भूमिका।

डॉ. चिरश्री घोष

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में इंडोर वायु प्रदूषण (आईएपी) की निगरानी और इसके मानव स्वास्थ्य प्रभावों का आकलन।

स्वास्थ्य और पारिवारिक मामलों का मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, शहरी भारतीय बस्तियों (एसटीईपीसीआरयूआईईएसई) में पुरानी श्वसन संबंधी बीमारियों का स्थानिक–अस्थायी महामारी विज्ञान।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय पर्यावरण केजैव अयस्क प्रदूषण का मानव स्वास्थ्य पर प्रभावः उत्तर भारतीय जनसंख्या में सीओपीडी की तीव्रता के लिए एक ''प्रकरण–नियंत्रण अध्ययन''।

डॉ. डैविड कोथामश, यूजीसी–डीयू. माइकोराइजल को आकार देने में आवास की भूमिका। सामुदायिक संरचनाएं

डॉ. वन्दना मिश्राः

यूजीसी–डीयू. यूजीसी–ड्यू। खदान.......पॉलीफोस्फेट की प्रचुरता और पारिस्थितिक महत्व।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, रिरोबैक्टीरिया को बढ़ावा देने के लिए पौधे के विकास में कार्यात्मक और टैक्सोनोमिक विविधता........ फ्लाई ऐश पर्यावरण।

डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, डॉ. स्वाति दिवाकरः विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, एक आक्रामक पौधे (हाइप्टिस सुवेयोलेंस) पर शाकाहारीकीटः मेजबान बदलाव, पारिस्थितिक फिटिंग या विकासवादी जाल का मामला है?

डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, रुझान जिनसे फर्क पड़ता है ... भारतीय उप–महाद्वीप

डॉ. स्वाति दिवाकरः विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, भारत में वीटाः ध्वनिक संचार, प्रणालियां और व्यवहार पारिस्थितिकी।

संगोष्ठी /सम्मेलन प्रस्तुति

महाराज के पंडित, एक हजार जेंटिनों को खिलने दें, उन्नत अध्ययन का रैडक्लिफ संस्थान, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, हार्वर्ड, संयुक्त राज्य अमेरिका, 8 अप्रैल , 2016.

इंद्रजीतः

पूर्ण व्याख्यान, 8वां विश्व एलेलोपैथी कांग्रेस, मार्सिले, फ्रांस,24–28 जुलाई, 2017.

प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा के वैश्विक जोखिम मूल्यांकन पर समूह सहकर्मी। यूरोपीय और भूमध्यीय पौध संरक्षण संगठन (ईपीपीओ) द्वारा दो आक्रामक पौधों, प्रोसोपिस जूलिफ्लोरा और हकीया सेरीका की प्रजातियों का कीटनाशक विश्लेषण तैयार करने के लिए आमंत्रित किया गया, 15–19 मई, 201, पेरिस, फ्रांस।

मुख्य व्याख्यान, कुनमिंग विश्वविद्यालय और चीन के शेनझेन जीनोम संस्थान के साथ सहयोग में एगारेटीना एडिनोफोरा और मिकानिया माइक्रान्टा के आक्रमण और प्रबंधन पर काम। 19–24 मार्च, 2017,

जमीन के उपर के पैटर्न और जमीन के नीचे की प्रक्रियाओं पर एगारेटिना एडिनोफोरा का प्रभाव। पौध संरक्षण संगठन, चीन की विज्ञान अकादमी, बीजिंग, चीन, 22–26 मार्च, 2016

अक्षय शंकर, अरुण यादव, पालक बल्यान, शुकादास, चिरश्री घोष, शहरों में घर के अंदर जैव एलर्जी के जोखिम की गतिशीलता, सम्मेलन की कार्यवाहीः पादप और सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी विभाग में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पीएमबी–2017), सूचना प्रौद्योगिकी का जेपी संस्थान (जेआईआईटी), नोएडा, 2–4 फरवरी, 2017.

एस कर्मकार, वी मिश्रा और आर एस शर्मा, बैक्टीरियल मेजबान के वितरण का पैटर्न और मिट्टी के वातावरण में इसके चरण। पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान पर 5 वीं वैश्विक कांग्रेस, अटलांटा, जॉर्जिया, यूएसए, 28–30 नवम्बर, 2016.

एस कर्मकार, वी मिश्रा और आर एस शर्मा, एसएसडीएनए बैक्टीरियल वायरस के पर्यावरण अनुप्रयोग, 8वीं अंतर्राष्ट्रीय जेमिनिवायरस संगोष्ठी और छठी अंतर्राष्ट्रीय एसएसडीएनए तुलनात्मक विषाणु विज्ञान कार्यशाला, जेएनयू, नई दिल्ली, 7–10 नवम्बर, 2016.

आर मिश्रा, ए यादव, आर एस शर्मा, वी मिश्रा, विस्कोम आर्टिकुलेतम से लैक्टिन को निष्क्रिय करने वाले एक राइबोसोम का शुद्धिकरणः कई एंजाइमेटिक गतिविधियों युक्त एक प्रोटीन। विश्व जैव प्रौद्योगिकी कांग्रेस, जेएनयू, नई दिल्ली 2017.

आर मिश्रा, आर एस शर्मा, वी मिश्रा, मानव ल्युकेमिया कोशिकाओं पर विस्कम आर्टिकुलेतम, पत्ती रहित मिस्टलेटो के जलीय सत्व की कैंसर विरोधी क्षमता का मूल्यांकन। प्राकृतिक उत्पाद और पारंपरिक चिकित्सा से दवा की खोज में नई प्रगति पर पाँचवा द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एनआईपीईआर, मोहाली, पंजाब, 2016.

पी बल्यान, और सी घोष, इमारतों के अंदर बने पर्यावरण में जैव–एरोसोल नमूनाकरण विधियों की तुलना पर्यावरण प्रदूषण पर राष्ट्रीय सम्मेलनः प्रभाव आकलन और सुधार के उपाय। पर्यावरण विज्ञान का स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली, मार्च, 29, 2017.

पी बल्यान, और सी घोष, बी डी बनर्जी, और शुक्ल दास, मौखिक प्रस्तुति, विविध निर्मित व्यवस्थाओं में जैव–एरोसोल और उससे संबद्ध स्वास्थ्य प्रभाव का आकलन। भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ का 61वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (आईपीएचएसीओएन), एम्स, जोधपुर, 24–26 फरवरी, 2017.

एन गोयल, और जी पी शर्मा, विकिरण के लिए लक्षण अनुकूलनः. रिसीनस कम्युनिस (अरंडी) की आक्रामक वृद्धि क्षमता की कुंजी। जंगली घास विज्ञान का सातवां अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस प्राग, चेक गणराज्य, चेक 19–25 जून, 2016.

एन गोयल, और जी पी शर्मा, स्थायी पर्यावरण के लिए औद्योगिक प्रदूषण का मुकाबला करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन – औद्योगिक और वैज्ञानिक प्रयासों का एक मिश्रण (सीआईपीएसई–2016), गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 22–23 सितम्बर, 2016.

एस कुमार, एस त्यागी और सी घोष, भारी धातु प्रदूषण सूचकांक–यमुना नदी के शहरी–विस्तार में धातु विषाक्तता के आकलन के लिए एक उपयोगी उपकरण। *स्थायी पर्यावरण के लिए औद्योगिक प्रदूषण का मुकाबला करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन – औद्योगिक और वैज्ञानिक प्रयासों का एक मिश्रण (सीआईपीएसई–2016),* गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 22–23 सितम्बर, 2016.

पी शर्मा, और सी घोष, शहरी वनस्पतियों को बढ़ते कणिका तत्वों की चुनौतियां का सामना करना पड़ रहा है। *पर्यावरण प्रदूषण पर राष्ट्रीय सम्मेलनः प्रभाव आकलन और उपचार,* पर्यावरण विज्ञान के स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली, 29 मार्च, 2017.

जी शर्मा, और सी घोष, *माइक्रोप्लास्टिकः पर्यावरण से खाद्य श्रृंखला के लिए अदृश्य यात्रा।* पर्यावरण प्रदूषण पर राष्ट्रीय सम्मेलनः प्रभाव आकलन और उपचार, पर्यावरण विज्ञान के स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली, 29 मार्च, 2017.

जी शर्मा और सी घोष, *माइक्रोप्लास्टिकः पर्यावरण में जहरीले रासायनिक छिद्र का स्रोत।* स्थायी पर्यावरण के लिए औद्योगिक प्रदूषण का मुकाबला करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन–औद्योगिक और वैज्ञानिक प्रयासों का एक मिश्रण (सीआईपीएसई–2016), गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 22–23 सितम्बर, 2016.

अंतर–संस्थागत सहयोग

प्रो महाराज के पंडित, प्रो एंड्रयू नॉल, प्रो ओलिवर जगुट्ज, एमआईटी, प्रो टेलर पेरॉन, एमआईटी, प्रो लियन पिन कोह, हार्वर्ड विश्वविद्यालय के साथ अनुसंधान सहयोग, मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी), अमेरिका, एडिलेड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, उन्नत अध्ययन का रेडक्लिफ संस्थान, हार्वर्ड विश्वविद्यालय।

प्रोफेसर पी पार्थ–सारथी, प्रो गोविंदजी, प्रोफेसर एमेरिटस, प्रो रेटो जे स्ट्रैसर, प्रकाश संश्लेषण और नैनो जैव प्रौद्योगिकी पर जांच, जावरसायन, जैवभौतिकी और पादप जीव विज्ञान, यूआईयूसी, के साथ अनुसंधान सहयोग, बायोफिजिक्स और प्लांट बायोलॉजी, यूआईयूसी, 265 मॉरिल हॉल, 505, साउथ गुडविन एवेन्यू, अर्बाना आईएल61801–3707, अमेरीका, बायो एनर्जेटिक्स प्रयोगशाला, जिनेवा विश्वविद्यालय, 1254 जसी/ जिनेवा, स्विटजरलैंड

संकाय की संख्या
स्थायी– 11

***

भूविज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

विभाग ने 1966 में अपनी स्थापना के बाद से 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं। विभाग की स्वर्ण जयंती के अवसर पर, जनवरी, 2017 में भू विज्ञान शिक्षा– एक एकरूपतावादी परिप्रेक्ष्य पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई थी। इस वर्ष के दौरान विभाग की मुख्य उपलब्धियों में – प्रो जी वी आर प्रसाद द्वारा क्रेतेसियस डायनोसॉर अंडे से संबंधित अध्ययन, प्रो जे पी श्रीवास्तव द्वारा सीओ 2 कैप्चर, बोले बेड, और क/पीजी सीमा से संबंधित दक्षिणी जाल पर शोध, द्रवीकरण क्षमता से संबंधित अनुसंधान, भूस्खलन जोखिम क्षेत्र और अनुमान और प्रो. सी.एस. दुबे द्वारा भूस्खलन की संवेदनशीलता का मानचित्रण, प्रो. ए चट्टोपाध्याय द्वारा भूकंपी गलती के लिए स्यूडासाइटिस की जांच और उनके निहितार्थ शामिल हैं। उन्होंने भारत में पहली बार विकृत अयस्क–असर वाली चट्टानों के डिजिटल भूवैज्ञानिक मानचित्रण पर एक एसईआरबी–प्रायोजित कार्यक्रम भी तैयार किया है। प्रो. पी. पी. चक्रवर्ती ने सिंसोरा ग्रुप के मेसोप्रोटेरोजोइक अवसादन के इतिहास पर शोध किया, प्रीकैंब्रियन के दौरान शुरुआती पलेओप्रोटेरोजोइक

महासागर और उथली समुद्री ग्लौकोनी के लिए सब–ऑक्सिक सागर मॉडल का प्रयोग किया।प्रो. डी के. सिन्हा और डॉ. ए के सिंह ने पालेयोमानसून, पालेयोओसनाग्रफिक परिवर्तनों की खोज की। प्रो. एन सी पंत ने नेरोप्रोटेरोजोइक ऑर्गेनी, हिमालयी क्रायोस्फीयर, अंटार्कटिक भूविज्ञान और सरस्वती नदी पालेयोचौनेल पर शोध किया। डॉ. वी सिंह ने अंतरपर्वतीय घाटी में चैनल चौड़ाई और नदी की आकारिकी पर तरलता नियंत्रण की जांच की।

सम्मान / विशेषताएं

प्रो जी वी आर प्रसाद

दूसरी बार 5 साल की अवधि के लिए जे.सी.बोस नेशनल फेलोशिप प्रदान की गई।
पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान में स्वर्ण जयंती फैलोशिप के लिए डीएसटी विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष मनोनीत (2016–2017).
पेरिस, फ्रांस में जुलाई से आयोजित होने वाले पाँचवें अंतर्राष्ट्रीय पालेओंटोलॉजिकल सम्मेलन की वैज्ञानिक समिति के सदस्य मनोनीत 9–13 जुलाई, 2018.
आईएनएसपीआईआरई संकाय चयन समिति के सदस्य (2017).

प्रो. जे पी श्रीवास्तव को आईएससीए के प्रोफेसर डब्ल्यू डी वेस्ट मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया, 2017.

डॉ विमल सिंह, सदस्य, आईजीसीपी वैज्ञानिक बोर्ड (जिओहार्ड थीम)।

प्रो सी.एस. दूबेः

विशेषज्ञ सदस्य, एचपीडीईसी यूजीसी – उच्च क्षमता दूरस्थ शिक्षा समिति (2017– 2020).
विशेषज्ञ सदस्य, अनुसंधान परिषद, रक्षा क्षेत्र अनुसंधान प्रयोगशाला, डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
विशेषज्ञ सदस्य, राष्ट्रीय भू–स्थानिक नीति, डीएसटी सलाहकार समिति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
प्रो एन सी पंतः
उप मुख्य अधिकारी, अंटार्कटिक अनुसंधान पर वैज्ञानिक समिति के भूविज्ञान समूह (एससीएआर) (2012–2016).
सदस्य, एससीएआर पर आईएनएसए समिति
अन्वेषण अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य (ईआरएसी), उत्तरी क्षेत्र, परमाणु खनिज निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग
सदस्य, संपादकीय बोर्ड, भारतीय भू विज्ञान की पत्रिका
राष्ट्रीय संयोजक, आईजीसीपी–470 (पैन–अफ्रीकी इवेंट)।
भारतीय अंटार्कटिक वैज्ञानिक अभियान के लिए पृथ्वी विज्ञान कार्यक्रम के चयन के लिए विशेषज्ञ (2015, 2016)
सदस्य (पृथ्वी विज्ञान), इंस्पायरफैलोशिप पर डीएसटी विशेषज्ञ समिति।
प्रकाशन

एस.अली, एस.के.ठाकुर, ए.सरकार एवं एस.शेखर (2016). फ्लोराइड द्वारा दुनिया भर में जल प्रदूषण, पर्यावरण रसायन विज्ञान पत्र, 14, 291–315.

डी.अरोड़ा, एन.सी.पंत, फरीद्दुदीन, एस.शर्मा एवं आर.राम, एम.सादिक. (2017). रोडिनिया के विच्छेद से पूर्व एक ननियोप्रोटेरोजोइक ऑर्गेनी का जिक्र करते हुए सिरोही ग्रुप। एन डब्ल्यू इंडिया, एन सी पंत, एस दासगुप्ता, (संपा.)

भारत और अंटार्कटिका का क्रिस्टल मूल्यांनः श्रेष्ठ महादेशीय संबंध। भूवैज्ञानिक सोसाइटी, लंदन, विशेष प्रकाशन, 457, https://doi.org/10.1144/SP457.3

एस.बनर्जी, एस.मंडल, पी.पी. चक्रवर्ती, एवं एस.एस.मीना. (2016). विशिष्ट गठनात्मक विशेषताओं और प्रीकैमब्रियन ग्लौकोनी के विकास की प्रवृत्तिः भालूकोना की संरचना, छत्तीसगढ़ घाटी, भारत से उदाहरण। प्रीकैंबेरियन अनुसंधान, 271, 33–48.

डी.भट्टाचार्जी, वी.जैन, ए.चट्टोपाध्याय, आर.एच.विश्वास एवं ए.के.सिंघवी. (2016) भौगोलिक साक्ष्य और क्रोटोनिक क्षेत्र में कई नेगोटेकोनिक घटनाओं का कालक्रमः गाविल गढ़ फॉल्ट जोन, मध्य भारत के परिणाम टेक्टोनोभौतिकी, 677–678, 199–217.

पी.पी.चक्रवर्ती, एस. साहा एवं पी.दास. (2016). मेसोप्रोटेरोजोइक छत्तीसगढ़ घाटी का भूविज्ञान, मध्य भारतः वर्तमान स्थिति और भविष्य के लक्ष्य, भूवैज्ञानिक सोसाइटी, लंदन,एमईएम. 43, 185–205.

के.दास, पी.पी.चक्रवर्ती, के.होरी, वाई. सुसुमी, एस.साहा एवं एस. बालकृष्णन. (2017). डिट्रिटल जिक्रोन यू–पीबी भू–विज्ञानी क्रोनोलॉजी, सिंहोर समूह, मध्य भारत से एनडी आइसोटोप का मानचित्रण और तलछट भू–रसायनः उत्पत्ति, उसके बदलाव और क्षेत्रीय स्तरीकरण सहसंबंध के निहितार्थः अवशिष्ट उत्पत्ति मेंः स्रोत से कुंड तक रचनात्मक परिवर्तन पर प्रभाव। पुस्तक अध्याय –15, एल्जेवियर, पृ..403–451.

एच. धीमान, वी.वर्मा, जी.वी.आर. प्रसाद. (2017). भारत की निचली नर्मदा घाटी में, पद्मला के पास डायनासोर के अंडे और ऊपरी क्रैटेसस लामिता गठन के घोंसले की सूक्ष्मसंरचना और टेफाइनन का प्रारंभिक अध्ययन। पी पी.के. कथाल, आर निगम, ए. तालिब. (सं.) में, उन्नत माइक्रोपालेयोंटोलॉजी, पृ..211–232, वैज्ञानिक प्रकाशक, नई दिल्ली।

ई.डिंगल, एच.डी.सिनक्लेयर, एम.अट्टल, डी.टी. मिलोडोस्की एवं वी.सिंह. (2016). गंगा के मैदान में नदी के आकारिकी और दमनों के आकार पर सहायक नियंत्रण। विज्ञान की अमेरिकी पत्रिका, 316(8), 778–812.

ए. दिव्यदर्शिनी एवं वी.सिंह. (2016). केंद्रीय नेपाल के चितवन और हेटाडा डुन के लिए भूकंपी खतरा, वर्तमान विज्ञान 111(8), 1309–1310.

टी.जे.डी.हालीडे, जी.वी.आर.प्रसाद एवं ए. गोस्वामी. (2017). मैडागास्कन और भारतीय उत्तर क्रेटासियस मेरुदंडी प्राणियों में प्राणिवर्गीय समानता पालेयोग्राफी, पालेयोक्लाइमेटोलॉजी, पालेयोइकोलॉजी 468, 70–75.

ए.ए.खान, एन.सी.पंत, एस.के.टंडन, ए.सरकार, एम.थाम्बन एवं के.महालिंगनाथम. (2016). हिमालयी क्रायोस्फीयर – भागीरथी घाटी में हिमनद के पिघले अंश का एक महत्वपूर्ण आकलन और मूल्यांकन। भूविज्ञान फ्रंटियर्स, http://dx.doi.org/10.1016/j.gsf.2015.12.009

ए.कुमार, जे.पी.श्रीवास्तव एवं वी. पाठक., (2017) दक्षिणपूर्वी ज्वालामुखीय प्रांत, भारत के थोलीएटीक बेसाल्ट में सीओ2 के सिकुड़ने से जल–संतृप्त, जल–तापीय जैसी स्थितियों और संख्यात्मक अनुकार के अंतर्गत खनिज कार्बोनेशन प्रतिक्रियाएं। अनुप्रयुक्त भू–रसायन शास्त्र, 84, 87–104.

एस.कुमार, ए.सरकार, एस.के.ठाकुर एवं एस. शेखर (2017). एकीकृत दृष्टिकोण के द्वारा दिल्ली के पल्ला बाढ़ मैदान में एक्विफेर का हाइड्रोजियोलॉजिकल लक्षण वर्णन भारतीय भूभौतिकीय सोसायटी की पत्रिका. प्रेस में।

डी.कुमार, एम.ठाकुर, सी.एस.दूबे एवं डी.पी.शुक्ला(2017). समर्थन वेक्टर मशीन का उपयोग कर भारत के गढ़वाल हिमालय में मंदाकिनी नदी घाटी के लिए भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण और अनुमान। भू–आकृति विज्ञान 295, 115–125.

आर.एस.लोरम्बम, जी.वी.आर.प्रसाद एवं पी.ग्रोवर. (2017). मध्य प्रदेश, भारत के छिंदवाड़ा जिले के, पिपलनारायणवार के ऊपरी क्रेटासियस अंतरनिहित सतहों से इचथियोप्राणी (कोंड्रिकथाइस, ऑस्टिकथाइ) आयलैंड आर्क., 26(1). (प्रेस में)

के.मल्लिक, बी.बारिक, ए.के.सिंह, डी.के.सिन्हा, वी.पी.सिंह एवं टी.कौशिक. (2017). पूर्वी भूमध्य प्रशांत के विशेष सन्दर्भ के साथ महासागर के ट्रैसर के रूप में मिश्रित परत प्लैंकटोनिक फोरेमिनिफेरल प्रजातियों का प्रयोग।भूवैज्ञानिक अनुसंधान में रूपरेखा यू.यू. भूविज्ञान में विशेष प्रकाशन, 15, 171–179. आईएसबीएनः 81–900907–0–4.

एस.एम. मेहदी, एन.सी.पंत, एच.एस.सैनी, एस.ए.आई मुज्तबा एवं पी.पाण्डे. (2016). डिजिटल रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के माध्यम से भारत के हरियाणा के हिस्सों और राजस्थान में सरस्वती नदी घाटी में पालेयोचौनल विन्यास की पहचान। एपिसोड्स, जारी होने की तारीखः 10.18814/epiiugs/2016/v39i1/89234

एस.के.मुखोपाध्याय, एस.पाल एवं जे.पी.श्रीवास्तव. (2017). सियाल व अन्य (2016) द्वारा प्रकाशित पत्र पर टिप्पणियां, क्रैटेसियस–पालेओजीन सीमाओं के उत्तरार्द्ध में पारे का संवर्धन और एचजी आइसोटोपः ज्वालामुखी और पलायन पर्यावरण प्रभावों से संबंध। अनसंधान, 66, 60–61.

एम.मुकुल एवं वी.सिंह (2016). 2012–2016 के दौरान भारत में सक्रिय टेक्टोनिक्स और भू रूपात्मक अध्ययन। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही, 82(3), 727–735.

एन.सी.पंत, एस.रॉय, वी.रविकांत एवं आर रविन्द्र (2017). अंटार्कटिक भूविज्ञान के लिए हालिया योगदान – एक भारतीय दृष्टिकोण। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही, 83, 269–278. जारी होने की तारीख :. 10.16943/ptinsa/2017/48948

एस.परिदा, एस.के.टण्डन एवं वी.सिंह. (2017).उत्तर–पश्चिम हिमालय के प्रत्यावर्तन क्षेत्र के अंतरपर्वतीय घाटी में चैनल की चौड़ाई पर नियंत्रण। भू–आकृति विज्ञान, 278, 12–27.

वी.परमार, आर.मगोत्र, आर.नूरबू एवं जी.वी.आर. प्रसाद. (2016). कलुंता, रामनगर, जम्मू, भारत के निचले सिवालिक उपसमूह का कृत्रिम स्थिति आधारित मूल्यांकन। अलकेरिंगा 41, http://dx.doi.org/10.1080/03115518.2016.1196435

वी.पाठक, एस.पाटिल एवं जे.पी.श्रीवास्तव., (2017) भारत के दक्षिणपूर्वी ज्वालामुखी प्रांत के मंडला लोब में लावा पैकेजों की टेक्टोनो–मेमेटिक व्यवस्थाः पालेमैग्नेटिज्म और मैग्नेटोस्ट्रेटीग्राफिक साक्ष्य। भूवैज्ञानिक सोसाइटी, लंदन, https://doi.org/10.1144/SP445.3

जी.वी.आर.प्रसाद, वी.वर्मा, ए.साहनी, आर.एस.लोवरम्बम एवं आर.के. प्रियदर्शिनी. (2016). भारत की नर्मदा घाटी के क्रेतेसियस बाघ समूह से एलासोमो शाखा के जीवः पालेयोजैव भौगोलिक संदर्भ। आयलैंड आर्क. प्रेस में।

जी.वी.आर.प्रसाद, वी.वर्मा, पी.ग्रोवर, आर.के. प्रियदर्शिनी, ए.साहनी एवं आर.एस.लोवरम्बम. (2016). नर्मदा घाटी के कोरेलिन लाइमस्टोन (बाग ग्रुप) के ऊपर अलग–अलग आर्कोसोरों के दाँतः एब्सलिसोरेडिन पूर्व– मास्त्रीशीयन अवसादों की उपस्थिति के साक्ष्य। आयलैंड आर्क. (ऑनलाइन पत्र)

जी.वी.आर.प्रसाद एवं एस.वाजपेयी. (2016). भारत के उत्तर की ओर और एशिया के साथ टकराव के संदर्भ में मेसोजोइक–पालेओजीन वर्टेब्रेट पेलियोन्टोलॉजी में हालिया प्रगति का अवलोकन। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही, 82(3), 537–548

एस.राजपूत एवं एस.शेखर. (2016). भू–भूमंडलीय परिप्रेक्ष्य और सैद्धांतिक रूपरेखा में दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के गुड़गांव और फरीदाबाद क्षेत्रों में भूजल की गुणवत्ता का स्थानिक विश्लेषण। भारतीय भूजल, 6, 75–82. आईएसएसएनः 2347–8063

एस.राजपूत एवं एस.शेखर. (2016). हरियाणा के फरीदाबाद जिले में भूजल स्रोतों के संदर्भ में भूजल के नमक का मूल्यांकन और लक्षण वर्णन। भू–तकनीकी इंजीनियरिंग की पत्रिका, 3(2) 18–22.

एन.रानी, जे.पी.श्रीवास्तव एवं आर.के.वाजपेयी. (2016). भूवैज्ञानिक भंडार में परमाणु कचरे और प्राकृतिक सीसे का दीर्घकालिक प्रदर्शन मूल्यांकनः एक भू–रासायनिक मॉडलिंग। *वर्तमान विज्ञान,* 110, 214–219.

ए.एस.राठौर, पी.ग्रोवर, वी.वर्मा, एल.एस.लोवरम्बम एवं जी.वी.आर.प्रसाद.(2017). खार से उत्तर क्रेतेसियस (मैस्ट्रिक्टियान) गैर–समुद्री ओस्ट्राकोड प्रजाति, एक नया अंतरनिहित इलाका, खारगांव जिला, मध्य प्रदेश, भारत। पालेयोंटोलॉजिकल अनुसंधान, (प्रेस में)

एस.रॉय, एन.सी.पंत, ए.कुंडु, ए.धारवडकर, पी.कुमार, एस.जोशी, आर.राम, एम.सादिक. (2017). सीडीएम में पूर्वी अफ्रीकाई उत्पत्ति (ईएओ) की निरंतरता स्थापित करने के लिए शर्मिकर मरुद्यान और वोहल्थेट पहाड़ों के बीच बाल्स्रुद्फजेललेटनुनाटक में भूवैज्ञानिक अध्ययनः एन सी पंत, एस दासगुप्ता, (संपा.) में, भारत और अंटार्कटिका के क्रिस्टल मूल्यांकनःश्रेष्ठ महाद्वीपीय संबंध। भूवैज्ञानिक सोसाइटी, लंदन, विशेष प्रकाशन, 457, https://doi.org/10.1144/SP457.3

डी.साहा, एस.शेखर, एस.अली, एस.एस.विट्टल एवं एन.जे.राजू. (2016). भारत में हाल के जलविज्ञान अनुसंधान। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही, 82 (3), 787–803.

ए.सैकिया, बी.गोगोई, टी.कौलिना, एल.लियालिना, टी.बेनोवा एवं एम.अहमद. (2017), बथानी ज्वालामुखी अवसादी अनुक्रम के ग्रेनाइट की भूरासायनिक और यू–पीबी जिक्रोन आयु के लक्षण वर्णन, छोटा नागपुर ग्रेनाइट गनीस कॉम्प्लेक्स, पूर्वी भारतःकेन्द्रीय भारतीय टेक्टोनिक जोन में नुना सुपरकोच के अवशेष. पंत में,

एन.सी., एस.दासगुप्ता. (संपा.) भारत और अंटार्कटिका का क्रिस्टल मूल्यांकनरूसुपर महाद्वीप कनेक्शन भूवैज्ञानिक सोसाइटी, लंदन, विशेष प्रकाशन, 457. https://doi.org/10.1144/SP457.11

ए.सरकार, एस.शेखर, एस.पी.राय, वी.सोनी, पी.आर.कौशिक, ए.शर्मा, एस.अली एवं एफ.जहान. (2016). नोएडा–फरीदाबाद क्षेत्र में यमुना नदी के बाढ़ के मैदान की भूजल गुणवत्ता को नियंत्रित करने वाले कारक। पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान में प्रगति की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 4 (2) 7–1.

ए.सरकार, एस.अरोड़ा एवं एस.शेखर.,(2016). राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के भूजल में बोरान। जल प्रदूषण और शोधन अनुसंधान की पत्रिका, 3(2), 30–36.

एस.शेखर. (2016). पर्यावरण प्रवाह और नदी कायाकल्प। भारतीय भूभौतिकीय सोसायटी की पत्रिका. 88, 813–814.

ए श्रीवास्तव, ए के सिंह, डी के सिन्हा, के तुषार, वी पी सिंह एवं के मल्लिक. (2016). ग्लोबिगेरीना बुलोइड्स डी 'ऑर्बिग्नि का महत्वः पालोओ मानसून और अतीत के उत्थान के रिकॉर्ड के लिए एक फार्मेनिफेरल प्रॉक्सी. जलवायु परिवर्तन की पत्रिका, 2, 99–110.

जे.पी.श्रीवास्तव, आर.कुमार एवं एन. रानी. (2016). सतपुड़ा पर्वत की उत्तरी ढलान में फीडर और डेक्कन ट्रैप डाइक की गतिविधियों के बादः 40एआर–39एआर युग के नए साक्ष्य। भूविज्ञान फ्रंटियर्स. जारी करने की तारीखः10.1016/j.gsf.2016.04.001.

जे.पी.श्रीवास्तव, एन.रानी एवं वी. पाठक. (2016). दक्षिणपूर्वी ज्वालामुखी प्रांत से बेसाल्ट में सीओ2 के दीर्घकालिक पुनर्वास के लिए प्राथमिक सिलिकेट्स के खनिज कार्बोनेशन पर भूरासायनिक मॉडलिंग और प्रायोगिक अध्ययन। भारतीय भूभौतिकीय संघ की पत्रिका (विशेष खंड), 1, 42–58.

डी.पी.शुक्ला, एस.गुप्ता, सी.एस.दूबे एवं एम.ठाकुर.(2016). भू–स्तरीय प्रौद्योगिकी के लिए भूस्खलन जोखिम और अनुमान, रिमोट सेंसिंग के पर्यावरणीय अनुप्रयोग, मार्घेनी, मेगाद (संपा.), आईएसबीएन 978–953–51–2444–3, मुद्रण आईएसबीएन 978–953–51–2443–6, अध्याय इनटेक पब्लिशर्स द्वारा 08जून, 2016 को सीसी बीवाई 3.0 लाइसेंस के अंतर्गत प्रकाशित किया गया। जारी करने की तारीखः10.5772/60828, 281–308.

ए.के.सिंह, टी.मनीष, ए.श्रीवास्तव, डी.के.सिन्हा एवं आर.रमेश. (2016). अंतिम हिमनदों की अधिकतम सीमा से पश्चिमी अरब सागर में पवन शक्ति परिवर्तनशीलताः दक्षिण पश्चिम बनाम पूर्वोत्तर मानसून मोड। जलवायु परिवर्तन की पत्रिका, 2, 57–70.

वी.पी.सिंह, ए.के.सिंह, डी.के.सिन्हा एवं के. मल्लिक, (2017). सूक्ष्म चतुर्भाग के दौरान सुलु सागर में पॉलेओसोनोग्राफिक परिवर्तन के संकेतक के रूप में प्लैंक्टिक फोरामिनीफेरा। भूवैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र यू.यू. भूविज्ञान में विशेष प्रकाशन (15),132–139. आईएसबीएनः 81–900907–0–4

पी.श्रीवास्तव, जे.पी.श्रीवास्तव, एस.जे.सांगोड एवं एस.श्रीवास्तव, (2016) दक्षिणपूर्वी ज्वालामुखी प्रांत में मंडला लोब से ज्वालामुखी अंतरप्रवार के अंतर की मौसम संबंधी विशेषताएं। कैटेना, 140, 169–181.

पी.श्रीवास्तव, एम.आरुच, ए.आर्य, डी.के.पाल एवं एल.पी.सिंह.(2016). भारतीय–गांगेय मैदानों की मिट्टी में समकालीन और अवक्षेपण वाली पेडोजेनिक प्रक्रियाओं का एक माइक्रोप्रोफोलॉजिकल रिकॉर्डः. खनिज अपक्षय, उत्पत्ति और जलवायु परिवर्तन के लिए प्रभाव। पृथ्वी सतह की प्रक्रियाएं और भू–रूप,4, 771–790.

एल.थोइथोई, सी.एस.दूबे, पी.एस.निंगथाउजाम, डी.पी.शुक्ला, आर.पी.सिंह एवं एम. सरजू. (2016). दिल्ली क्षेत्र के उपसतही मिट्टी परतों के द्रवीकरण का संभावित मूल्यांकन। भारतीय भूवैज्ञानिक सोसायटी की पत्रिका 88 (2), 147–150.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो.ए.चट्टोपाध्याय, एसईआरबी परियोजना, अप्रैल, 2015 से मार्च, 2018. प्राकृतिक विकृत संरचनाओं का जीआईएस आधारित डिजिटल मानचित्रणः संरचनात्मक रूप से नियंत्रित अयस्क जमा करने के लिए कार्यप्रणाली और आवेदन का विकास। 37,06,000 रुपए।

प्रो.पी.पी.चक्रवर्ती, यूजीसी, 2017, उत्तर भारतीय क्रैटन में पालेओ–प्रोटेरोजोइक अवसादनः ग्वालियर और बिजावर घाटी के मूल भाग से साक्ष्य।

डॉ. एस.शेखर, अनुसंधान एवं विकास अनुदान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2016, भूवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में दिल्ली के भूजल में फ्लोराइड एकाग्रता की स्थानिक विविधता का आकलन।

प्रो. जे पी श्रीवास्तवः

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार, 2017, भू रासायनिक प्रवाह का स्तर विज्ञान, दक्षिणी ज्वालामुखी की आयु और अवधि– कोयना ड्रिल–कोर साइट से अवसादी विरासत। 62, 53, 000 रुपए।

2016. यूएम–सोहेरींगकेव नदी खंड की केध्पीजी परत के साथ पार्श्व निरंतरता का आकलन करने के लिए, महादेव– चेरापूंजी खंड के उत्तरार्ध की क्रैटेसीस–प्रारंभिक पालेसीन विरासत के तलछट पर क्ले–ऑर्गेनोमॉलिक्युलर अध्ययन, मेघालयः पालेयो पर्यावरणीय प्रभाव और के/पीजी संक्रमण। 31, 90, 080 रुपए।

आईयूएसी परियोजना, 2016. समस्थानिक रचनाएं, कश्मीर के दिलपुर के गठन से ^{10}बीई और ^{14}सी उत्तर–पालेयोसोल का समय निर्धारणः पालेयो जलवायु पुनर्निर्माण, 5, 79, 000 रुपए।

प्रो. पी श्रीवास्तव, डीएसटी एसईआरबी परियोजना, 2016, पूर्वोत्तर हिमालय की घाटी की पालेयोजीन जीवाश्म मिट्टीः भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे पुराने उष्णकटिबंधीय मौसम और मानसूनी परिस्थितियों का प्रभाव। 27,66,800 रुपए।

प्रो एन सी पंतः

डीएसटी एसईआरबी परियोजना, 2013–2017. गंगा घाटी में हिमनदों के पिघल पानी की फिंगर प्रिंटिंग– हिमालय नदी प्रणाली में जल विज्ञान के मॉडलिंग के प्रभाव। 25,02,680 रुपए।

एमओईएस परियोजनाः 2017–2020. एक 100 केए हिमनद का जमाव – लद्दाख की हिमनद के पिघलने का इतिहासः उत्तर भारत के जलोढ़ मैदानी इलाकों में और सतलुज घाटी में प्रभावों के साथ इसकी तुलना। 85,00,000रुपए।

पेटेंट दायर/स्वीकृत

प्रो सी एस दूबे, फाइल न. 4145/डीईएल/2015, स्कोलीलाइट के साथ दूषित पानी में आर्सेनिक उपचार प्रौद्योगिकी। प्रकाशन वर्ष, 2016.

संगोष्ठी का आयोजन

प्रो एन सी पंत, भूविज्ञान शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलनः एक एकरूपतावादी परिप्रेक्ष्य, 27 जनवरी, 2017 को आयोजित किया गया था।

संगोष्ठी /सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रो एन सी पंत, सत्र संयोजक और मौखिक प्रस्तुति, चौंतीसवां एससीएआर ओपन साइंस सम्मेलन, 2016, कुआलालंपुर, मलेशिया में, अगस्त, 2016.

प्रो सी एस दूबेः

मुख्य शोध पत्र टिप्पणी, 21वीं सदी में भू–आपदाओं के सतत विकास और जोखिम का मानचित्रणः भारतीय हिमालय और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में भागों का अध्ययन, यूजीसी एसएपी डीआरएस–1 प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, खनिज और जीवाश्म ऊर्जा संसाधनों के सतत विकास के लिए चुनौतियां और अवसर (सीओएसडीएमएफईआर–2017) भूविज्ञान विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, 24–25 मार्च, 2017.

आमंत्रित वक्ता, दूरस्थ शिक्षा में विफलता और सफलता, भारत में दूरस्थ शिक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलनः उभरती चुनौतियां और संभावनाएं, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, 8–9 सितम्बर, 2016.

आमंत्रित वक्ता, डिजिटल प्रौद्योगिकी और ऑनलाइन शिक्षण के माध्यम से मुक्त और दूरस्थ शिक्षा में बाधा डालने वाले सामरिक सत्रः युवा भारत में शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति के लिए एक रास्ता 2030ःहम स्थायी दुनिया के लिए डिजिटल परिवर्तन उच्च शिक्षा के दर्शन का नेतृत्व चाहते हैं, यूनेस्को मुख्यालय, पेरिस, फ्रांस, मई, 24, 2017.

विशेष आमंत्रण, यूसी बर्कले में टाइम्स उच्च शिक्षा विश्व समझौते द्वारा आयोजित विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक कल्याण पर नेतृत्व शिखर सम्मेलन, अमेरीका, 26–28 सितम्बर, 2016.

प्रो जे पी श्रीवास्तव, आमंत्रित वक्तव्य, स्तर विज्ञान, दक्षिणपूर्वी ज्वालामुखीय भौगोलिक प्रवाह प्रांत के मांडला लोब से बेसाल्ट की आयु और पेट्रोजेनेसिस, आईएससीए के 105वें सत्र में। तिरुपति, भारत, जनवरी, 2017.

प्रो ए चट्टोपाध्याय, पूर्ण चर्चा, जीआईएस मंच पर डिजिटल मानचित्रणः क्या यह भौगोलिक क्षेत्रीय काम का भविष्य है? पिछले दशक में भूविज्ञान में विकास पर सम्मेलन – भविष्य के लिए उभरती हुई प्रवृत्तियों और समाज पर उनका प्रभाव, एजीएम, भारतीय भू–वैज्ञानिक सोसाइटीः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, 21–23 अक्तूबर, 2016.

डॉ एस शेखरः

आमंत्रित वार्ता, उत्तर पश्चिम भारत में क्षेत्रीय मोटे ग्रिड की संख्यात्मक भूजल मॉडलिंग – एक प्रकरण अध्ययन। (हाइड्रोजियोलॉजिकल उपकरण के रूप में भूजल मॉडल का उपयोग), नरम चट्टान वाले क्षेत्रों में भूजल प्रबंधन के लिए केन्द्रीय भूजल बोर्ड द्वारा आयोजित भूजल मॉडलिंग कार्यशाला, जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास और गंगा कायाकल्प, भारत सरकार, आईआईटी खड़गपुर, पश्चिम बंगाल में, 1 सितम्बर, 2016.

आमंत्रित वार्ता, विश्व पर्यावरण दिवस पर, लोगों को प्रकृति–मार्ग से जोड़ना, उन्नत जल प्रौद्योगिकी और प्रबंधन केंद्र, मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, फरीदाबाद, हरियाणा, जून, 06, 2017.

ए चट्टोपाध्याय,(2016). सार और प्रस्तुति, गाविलगढ़–टैन कतरन क्षेत्र में नियोप्रोटेरोजोइक ट्रांस्प्रेसन और पॉलीफेज गलती का पुनर्सक्रियणः 35वां अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस में केंद्रीय भारतीय क्रैटन के विवर्तनिक विकास के निहितार्थ, सत्र टी33, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका, 31 अगस्त, 2016.

ए सरकार, ए चट्टोपाध्याय, (2016). सार और प्रस्तुति, भारतीय क्रैटन से स्यूडोटाइलेइट्स की माइक्रोसंरचना और रासायनिक भिन्नता तथा भूकंपीय दोषों के साथ घर्षण से पिघलने की प्रक्रिया पर इसके प्रभाव, 35वां अंतर्राष्ट्रीय भूगर्भीय कांग्रेस, सत्र टी43, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका, 1 सितम्बर, 2016.

ए दिव्यदर्शनी, वी सिंह, (2016). केन्द्रीय नेपाली हिमालय में प्रमुख खंडों की ज्यामिति और प्रसार को नियंत्रित करते हुए अनुप्रस्थ संरचना की भौगोलिक जांच। भारत की भूवैज्ञानिक सोसायटी की वार्षिक आम बैठक।

ई डिंगले, एच डी सिंक्लेयर, एम अटल, डी टी मिलोदोस्की, वी सिंह, (2016). गंगा के मैदान में नदी के आकारिकी पर नियंत्रण। ईजीयू महासभा सम्मेलन।

ए दिव्यदर्शनी, वी सिंह, (2016). चितवन अंतर पर्वतीय घाटी के दक्षिण में अग्र सिवालिक रेंज का जोर और मोड़ों का विकास, अनुभागीय जुड़ाव और मोर्फो–टेक्टोनिक विकास, केंद्रीय नेपालः स्थलाकृति और जल निकासी विकास के साक्ष्य। राष्ट्रीय भू–अनुसंधान विद्वानों की बैठक, हिमालय के भूविज्ञान का वाडिया संस्थान, देहरादून,1–4 जून, 2016.

एन बशीर, वी सिंह, एस परिदा, एस शेखर, (2016). रिमोट सेंसिंग आधारित नदी की चौड़ाई मापन का उपयोग करके नदी के निर्वहन का अनुमान – यमुना नदी से एक प्रकरण अध्ययन। राष्ट्रीय भू–अनुसंधान विद्वानों की बैठक, हिमालय के भूविज्ञान का वाडिया संस्थान, देहरादून, 1–4 जून, 2016.

एस परिदा, वी सिंह, एच टंडन, आर पटेल, एन सिंह, (2016). *देहरादून की नदियों के साथ दानों के आकार के वितरण पर नियंत्रण।* राष्ट्रीय भू–अनुसंधान विद्वानों की बैठक, हिमालय के भूविज्ञान का वाडिया संस्थान, देहरादून,1–4 जून, 2016.

आर कुमार, वी सिंह, (2016). मध्य भारत से चंबल नदी के खंड की मिट्टी खनिज का अध्ययन। राष्ट्रीय भू–अनुसंधान विद्वान मिलो, राष्ट्रीय भू–अनुसंधान विद्वानों की बैठक, हिमालय के भूविज्ञान का वाडिया संस्थान, देहरादून, 1–4 जून, 2016.

एन बी चक्रवर्ती, वी जैन, एस शेखर, (2016). एक बड़ी नदी प्रणाली के संपर्क पर एक बड़े शहर का प्रभाव। 35 वां अंतर्राष्ट्रीय भूगर्भीय कांग्रेस, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका, 27 अगस्त–4 सितम्बर, 2016

ए सिंह, एस गुप्ता, आर सिन्हा, ए एल डेंशमोर, जे पी बाय्लैर्ट, ए कार्टर, डब्ल्यू एम वैन–दिज्क, एस के जोशी, एन नायक, पी जे मेसन, डी के कुमार, एम मंडल, ए एस मूरे, एस पी राय,एस शेखर, (2016). पंखाकृति वास्तुकला और स्तर विज्ञान का उपयोग कर परिवर्तनशील स्केल चैनल अलगाव का इतिहास और उत्तर चतुर्भाग के दौरान गंगा के उत्तर–पश्चिमी मैदानों में सतलज–यमुना पक्षो के तलछट का उद्भव। ईजीयू महासभा 2016, वियना, ऑस्ट्रिया, पृ. 17423, 17–22 अप्रैल, 2016.

एस शेखर, (2016). दिल्ली की भूजल आपूर्ति की चुनौतियां और जल संसाधन प्रबंधन दक्षिण एशियाई भूजल मंचः क्षेत्रीय चुनौतियां और किसानों के लिए सूखे का निर्माण और जलवायु में लचीलेपन के अवसर, शहर और गांव, भारत सरकार द्वारा, अंतर्राष्ट्रीय जल संघ और विश्व बैंक, चोखी धानी, जयपुर राजस्थान, 1–3 जून, 2016.

एस भट्टाचार्य, और एम.के. पाणिग्रही, (2016). पूर्वी धारवाड़ क्रैटन के रामगिरी–पेनाकचेरला क्षेत्रों में ऑरोजेनिक स्वर्ण जमाओं के आसपास ग्रैनिटाइड के साथ जुड़ी वाष्पशीलता, दक्षिण भारत, द्रव संवर्द्धन पर वर्तमान एशियाई अनुसंधान पर छठे द्विवार्षिक सम्मेलन में, एसीआरओएफआई, मुंबई, 25–27 नवम्बर, 2016. संक्षिप्त संस्करण. (पृ. 164–167).

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

प्रो ए सरकार, प्रो पी पी चक्रवर्ती, डॉ के दास, आईआईटी, खड़गपुर के साथ अनुसंधान सहयोग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, आईआईटी, मुंबई, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय, हयकुनिन–को शिन्जुकु–कु, टोक्यो, जापान, डीएसटी, आईआईटी, और जेएसपीएस द्वारा वित्त पोषित।

प्रो आर सिन्हा, डॉ एस शेखर, अतीत, वर्तमान और भविष्य के मौसमों के अंतर्गत उत्तर–पश्चिमी भारत में भूजल प्रणाली की संरचना और गतिशीलता, सहयोगीः भारतः दिल्ली विश्वविद्यालय, आईआईटी, कानपुर, एनआईएच रुड़की, एनजीआरआई हैदराबाद। भारत के बाहरः डरहम विश्वविद्यालय, यू.के. और इंपीरियल कॉलेज लंदन, यू.के., एमओईएस, भारत और एनईआरसी, यू.के. द्वारा वित्त पोषित

छात्रों की नियुक्ति का विवरण

14 (जीएसआई, ओएनजीसी, बीएआरसी, आईआईटी, एयू)
प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री
पीएचडी 10
एम.फिल. 3
संकाय की संख्या
स्थायी–13

***

भौतिकी और खगोल भौतिकी

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

विभाग ने शिक्षण और अनुसंधान में उच्च मानकों को सुनिश्चित करना जारी रखा है। कई सालों के बाद विभाग ने कॉलेज शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में शैक्षणिक व्याख्यान, प्रयोगशाला अनुभव और कंप्यूटर आधारित सत्र शामिल हैं। अनावरण व्याख्यान और अनुसंधान प्रयोगशालाओं के दौरों से शिक्षकों को विभाग में किए गए अनुसंधानों की झलक और प्रमुख बातों का विवरण प्राप्त हुआ। पूरे देश से भाग लेने वाले शिक्षकों ने सीपीडीएचई के साथ इस संयुक्त पहल पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की।. इस अवधि

के दौरान विभाग ने कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया। एक अतिथि कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भौतिक विज्ञान की कई शाखाओं के कई प्रतिष्ठित संकायों ने उत्कृष्ट वार्ताएं प्रस्तुत कीं। हमारे स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों तथा सम्मानित वक्ताओं द्वारा नियमित रूप से संगोष्ठिया आयोजित की गई। हमारे विभाग के दो संकाय सदस्य सभी अर्थात् तीनों राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के अध्येता हैं। विज्ञान दिवस के अवसर पर, एक पोस्टर प्रदर्शनी आयोजित की गई और दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने विभाग का दौरा किया।

सम्मान/ विशिष्टताएं

संजय जैन, एडी एवं हेरॉल्ड ब्रोटमैन, सदस्य, साइमंस सेंटर फॉर सिस्टम बायोलॉजी, संस्थान फॉर एडवांस्ड स्टडी, प्रिंसटन, यूएसए।

अविनाश खरे, आईएनएसए बीरेन रॉय मेमोरियल अवार्ड लेक्चर 2016

विनय गुप्ता, सदस्य, (आईयूएसी), दिल्ली वैज्ञानिक सलाहकार समिति, अंतर–विश्वविद्यालय त्वरण केंद्र (आईयूएसी), दिल्ली

एच पी सिंह डीएसटी भारत द्वारा इंडो–जापान साइंस काउंसिल के सद्स्य नियुक्त।

प्रकाशन

पी.भदोला एवं एन.देव (2016). एक प्रोटीन परिवार के कार्यात्मक रूपांकनों को लक्षित करना। भौतिक समीक्षा ई 94(4), 042409.

आर.बोकोलिया, एम.मण्डल, वी.के.राय एवं के. श्रीनिवास (2017). (ईआर3+, वाईबी3+, औरडब्ल्यू6+) त्रि–अवमग्न बीआई4 टीआई3 ओ12 फेरोइलेक्ट्रिक ऑक्साइड में संवर्धित अवरक्त–से–दृश्य –रूपांतरण उत्सर्जन और तापमान संवेदनशीलता, अनुप्रयुक्त भौतिकी की पत्रिका 121(8), 084101.

एस.फोर्सटर, एम.ट्रॉटमैन, एस.रॉय, ड्ब्ल्यू.ए. एडीग्बो, ई.एम.जोल्नर, आर.हैमर, एफ.ओ.स्कमैन, के.मीनेल, एस.के.नायक, के.मोहसेनी, डब्ल्यू. हर्गर्ट, एच.एल.मेयरहेम एवं डब्ल्यू. विडुरा (2016). ऑक्साइड क्वासीसिस्टल का अनुमान लगाना और संरचना निर्धारण, भौतिक समीक्षा पत्र 117(9), 095501.

एस.गोयल, एन.सिन्हा, एच.यादव, ए.जे.जोसेफ एवं बी.कुमार (2017). डाई–संवेदीकृत सौर कोशिकाओं में एलए में डुबाये जेडएनओ नैनोकणों संरचनात्मक, विद्युत रहित, फेरोइलेक्ट्रिक और पीजोइलेक्ट्रिक गुणों पर प्रायोगिक जांच और उनका अनुप्रयोग। फिजिका ईः निम्न–आयामी सिस्टम और नैनोसंरचना 91, 72–81.

आर.गोयल, एन.सहदेव, एस.लाम्बा एवं एस.अन्नपूर्णी (2016). उन्मुख एल1 0 एफईसीओपीटी त्रिमिश्र धातुओं में केंद्रक नियंत्रित चुंबकत्व उलटने का तंत्र। ठोस स्थिति संचार, 226, 44–50.

ए.प्रसाद, के.सकाई एवं वाई.होशिनो (2017). प्रत्यक्ष युग्मनः वैकल्पिक असर में फल उत्पादन को नियंत्रित करने के लिए संभव रणनीति। वैज्ञानिक रिपोर्टें, वैज्ञानिक रिपोर्टें 7.

ए.राणा, डी.जैन, एस.महाजन एवं ए.मुखर्जी (2016). गैर–पैरामीट्रिक प्रतिगमन विधि का उपयोग कर दूरस्थ द्विरूपी संबंधों की पुनर्समीक्षा, ब्रह्माण्ड विज्ञान और एस्ट्रोपार्टिकल भौतिकी के पत्रिका 2016(07), 026.

पी.डी.सहारे एवं एस.के.श्रीवास्तव (2016). एमजीबी4ओ7ः एमएन2+ का उपयोग कर उच्च ऊर्जा वाई विकिरण का प्रकाशसंबंधी मात्रा मापन। रेडियोविश्लेषक और केंद्रीय रसायन की पत्रिका, 307(1), 31–36.

वाई शर्मा एवं एस. मुरुगावेल(2017). ग्लास और क्रिस्टल का गैर आदर्श व्यवहार। भौतिक रसायन विज्ञान बी की पत्रिका 121(19), 5116–5124.

एम.के.व्यास एवं ए. चन्द्रा .(2016). आयन–इलेक्ट्रॉन–संवीक पॉलिमर कंपोजिटः संभावना युक्त विद्युत चुम्बकीय हस्तक्षेप सामग्री संरक्षण एसीएस अनुप्रयुक्त सामग्री और इंटरफेस। 8(28), 18450–18461.

अनुसंधान परियोजनाएं

बिनय कुमार, एसईआरबी–डीएसटी, 2016–2019, ऊर्जा संचयन और दबाव संवेदक के लिए पीजोइलेक्ट्रिक नैनोक्रिस्टल्स–कार्बनिक संकर शीट का निर्माण और लक्षण। 72,00,000 रुपए।

बिनय कुमार एआरएमईआरबी (डीआरडीओ), जून 2015–2018, पीजोइलेक्ट्रिक और पाइरोइलेक्ट्रिक अनुप्रयोगों के लिए (एमजीएल1/3एनबी2/3)ओ3–पीबीटीआईओ3 (पीएमएनटी) एकल क्रिस्टलों का प्रवाही विकास 86,00,000 लाख रुपए।

अजीत के. महापात्रः

एसएसपीएल,डीआरडीओ, 2017–2019, टीई जेनरेटर अनुप्रयोगों के लिए कैल्शियम कोबाल्ट ऑक्साइड के थर्माइलेक्ट्रिक(टीई) गुणों (सीए3सीओ4ओ9) और ग्रेफीन व्युत्पन्नो (नैनो–समावेश के रूप में) की जांच। 9,83,000 रुपए।

एलएसआरबी, डीआरडीओ, 2014–2017, ट्यूमर के उपचार के लिए चुंबकीय तरल हाइपरथेमिया का उपयोग कर चुंबकीय नैनोकणों का संश्लेषण और लक्षण वर्णन, 38,88,000 रुपए।

सुमलय रॉय, एसईआरबी–डीएसटी, 2017–2019, कम ऊर्जा आयन बीम का उपयोग करते हुए पतली फिल्म नैनो संरचनाओं के चुंबकीय और अन्य कार्यात्मक गुणों का निर्माण, 60,00,000रुपए।

अवधेश प्रसाद, एसईआरबी–डीएसटी, 2016– 2019, गैर–अक्षीय गतिशील प्रणालियों में सतत अंक को समझना 23,75,000 रुपए।

एस.मुरुगावेलः

डीएसटी, 2014–2017, अव्यवस्थित संरचना के साथ ठोस इलेक्ट्रोलाइट्स में क्षार आयनों की परिवहन और गतिशीलता। 48,85,000रुपए।

सीएसआईआर, 2015–2018, उन्नत ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों के लिए सूक्ष्म संरचनायुक्त ओलिविना फॉस्फेट कैथोड सामग्री पर जांच। 56,40,000रुपए।

कीर्ति रंजन

डीएसटी, 2014–2019, कॉम्पैक्ट म्यून सोलनेओड (सीएमएस) का अद्यतन, संचालन और उपयोग। 9,99,00,000रुपए।

डीएसटी, 2014–2019, क्षेत्रीय डब्लूएलसीजी ग्रिड प्रणाली का अद्यतन और संचालन। 25,30,000रुपए।

विनय गुप्ताः

डीएसटी, 2014–19, संवेदन अनुप्रयोगों के लिए एक मंच के रूप में पतली फिल्म भूतल ध्वनिक वेव डिवाइस का विकास। 4,24,38,000रुपए।

डीआरडीओ, 2015– 2017, हेलोन्स विकल्प की आणविक मॉडलिंग। 2,76,07,000 रुपए।

अंतर–संस्थागत सहयोग

एच.पी.सिंह (पीआई)ए इंडो–यूएस परियोजना केंद्रीय संस्थान के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय और भागीदार संस्थान के रूप में सनी (ओसवेगा), टेक्सास ए एवं एम विश्वविद्यालय, गैएंसविले में फ्लोरिडा विश्वविद्यालय और आईयूसीएएए (पुणे)।

अविनाश खरे, मौलिक अनुसंधान की टाटा संस्थान. ऑफ प्लाजामा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर के साथ।

सी.सेवि मुरुगावेल, डीयू और आईजीसीएआर के बीच सहयोगात्मक कार्य।

श्याम रथ, एक्सेलेलेटर ज्ञान पोर्टल में प्रदर्शित, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, वियेना, (http://nucleus.iaea.org/sites/accelerators/Pages/default.aspx)

अशोक कुमार, ए.भारद्वाज, बी.सी.चौधरी, एम.नैमुद्दीन, के.रंजनः कॉम्पैक्ट म्यून सोलनॉइड (सीएमएस) पर देशव्यापी सहयोग राष्ट्रीय (टीआईएफआर, एसआईएनपी, बीएआरसी, आदि) और अंतर्राष्ट्रीय (सीईआरएन, फर्मीलाब, डीईएसई आदि) ऊर्जा संस्थाओं के साथ उच्च ऊर्जा भौतिकी में प्रयोग।

सम्मेलनों का आयोजन/भागीदारी

अजीत के महापात्र, तकनीकी रूप से उन्नत सामग्री पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं फेरोइलेक्ट्रिकिटी पर एशियाई बैठक (आईसीटीएएम–एएमएफ 10), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 7–11 नवंबर 2016.

मो.नैमुद्दीन, बाइसवीं डीएई–बीआरएनएस संगोष्ठी, दिसंबर, 2016.

उपस्थित/भागीदारीः

अजीत के महापात्र, ईएमएसआई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2017, कंफ्लुएंस बैंक्वेट्स एंड रिसॉर्ट्स, महाबलीपुरम, तमिलनाडु, 17–19 जुलाई, 2017.

बिनय कुमार, आमंत्रित वार्ता, क्रिस्टल विकास एवं एपिटैक्सी, कैलिफोर्निया, यूएसए, पर एएसीएजी पश्चिमी खंड सम्मेलन 12–15 जून, 2016.

एस.मुरुगावेल, आमंत्रित वार्ता, आमंत्रित वार्ता, ठोस स्थिति आयनिक्स पर एशियाई सम्मेलन (एसीएसएसआई–2016), आईआईटी पटना 27–30 नवंबर 2016.

सुरेश कुमार, आमंत्रित वार्ता, झुके हुए एक्सिस की क्रैंकिंग, गामा स्पेक्ट्रोस्कोपी (स्कूल) में प्रायोगिक तकनीक, आईयूएसी, नई दिल्ली, 25–29 अप्रैल, 2016.

अमरजीत कौर, आमंत्रित वार्ता, 2016 में कृत्रिम धातु विज्ञान के विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसएम2016), गुआंगजौ कन्वेंशन सेंटर, गुआंगजौ, चीन, 26 जून– 1 जुलाई, 2016.

मो.नइमुद्दीन, आमंत्रित वार्ता, उच्च ऊर्जा भौतिकी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएचईपी) 2016, शिकागो विश्वविद्यालय, शिकागो, यूएसए 3–10 अगस्त, 2016,

राष्ट्रीय सम्मेलन

एस.मुरुगावेल, आमंत्रित वार्ता, स्मार्ट एवं स्वच्छ शहरों के लिए टिकाऊ ऊर्जा प्रौद्योगिकियां (एसईटीएस और सीसी) सम्मेलन, तिरुपति, 27–29 जुलाई, 2016.

विनय गुप्ता

आमंत्रित वार्ता, इंस्पायर कार्यक्रम, डीएसटी प्रायोजित इंस्पायर कार्यक्रम, एसआरएम विश्वविद्यालय, कुंडली, हरियाणा, 20 जुलाई, 2016.

आमंत्रित वार्ता, पतली फिल्मों और नैनोसंरचना के लिए प्रसंस्करण तकनीक, सामग्री प्रसंस्करण की तकनीकों पर कार्यशाला, हरियाणा का केंद्रीय विश्वविद्यालय, 27–29 अप्रैल 2016.

एस.के.चमोलीः आमंत्रित वार्ता, अंतर विश्वविद्यालय त्वरण केंद्र, दिल्ली में प्रायोगिक तकनीकों के स्कूल 28 अप्रैल, 2016.

प्रदत्त पीएच.डी. 2एम.फिल डिग्रियां
पीएच.डी. – 10
संकाय की संख्या
स्थायी– 42

***

प्राणी विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

प्राणि विज्ञान विभाग देश के प्रमुख गहन अनुसंधान विभागों में से एक है। यहां सूक्ष्म जीवों से लेकर मानव तक विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान किया जाता है। पिछले एक वर्ष में संकाय सदस्यों ने उच्च प्रभावी सहकर्मी समीक्षा पत्रिकाओं में लगभग 150 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध निष्कर्ष भी प्रस्तुत किए हैं। उनमें से कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किए गए हैं और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों वित्त पोषण एजेंसियों से विबाग को पर्याप्त धन प्राप्त हुआ है। प्राणि विज्ञान विभाग डीएसटी–एफआईटीटी, यूजीसी–एसएपी/सीएएस और डीयू–डीएसटी पीयूआरएसई योजनाओं के लिए मान्यता प्राप्त है। विभाग लगभग 180 छात्रों को प्राणि विज्ञान के उन्नत क्षेत्रों में एमएससी शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, पिछले एक साल में 10 छात्रों के एम. फिल. और 20 छात्रों को पीएच.डी. की डिग्री से सम्मानित किया गया है।

सम्मान/विशिष्टताएं

प्रो रूप लालः

राष्ट्र के विकास में उत्कृष्ट कार्य, उपलब्धियों, प्रतिबद्धता और योगदान के लिए चमन सेवा संस्थान, हिमाचल प्रदेश से कुलदीप ढतवालिया उत्कृष्टता पुरस्कार –2017 प्राप्त हुआ। 2017.
आईएसएमई के राजदूत (अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी फॉर माइक्रोबियल पारिस्थितिकी), नीदरलैंड (मार्च 2017 से आगे)।
विकासशील देशों में अनुसंधान, शिक्षा या प्रौद्योगिकी में सूक्ष्म जीव विज्ञान के पेशे को पर्याप्त रूप से आगे बढ़ाने के लिए अनुकरणीय नेतृत्व और प्रतिबद्धता के लिए अमेरिकी सोसायटी के माइक्रोजीव विज्ञान (एएसएम) से मोसेलियो शाएचर
उत्कृष्ट सेवा अवार्ड–2016 प्राप्त किया।
वर्ष 2016 के लिए एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एएमआई) द्वारा माइक्रोबियल विविधता पर प्रो.बी.एन. जोहरी जौहरी पुरस्कार (द्विवार्षिक)।
सदस्य, एनआईआईटी विश्वविद्यालय के अनुसंधान सलाहकार बोर्ड, नीमराना, राजस्थान, फरवरी, 2016 से।
राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, रायपुर की अनुसंधान सलाहकार समिति (एनआईएमबीएसएम) के सदस्य, 26 मई, 2015–2018.

सदस्य, आईएमटेक–जेएनयू अकादमिक समिति, मई, 2015 से मार्च, 2017.

प्रो एम.एम. चतुर्वेदीः

बाहरी सदस्य, अनुसंधान अध्ययन मंडल, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय के सदस्य
सदस्य, प्रशासक मंडल, प्रबंध समिति के सदस्य, जीएसएफसी विश्वविद्यालय वडोदरा, गुजरात
सदस्य, सीपीसीएसईए, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार
वर्ष 2016 के बाद से जैविक विज्ञान के अध्यापकों के भारतीय संगठन
प्रो नीता सहगल, विशेषज्ञ, परामर्श, सीआईएफई, मुंबई

प्रो विनोद कुमारः

क्रोनजीव विज्ञान की भारतीय सोसाइटी के अध्यक्ष निर्वाचित
नेता और प्रधान अन्वेषक, इंडो बायोलॉजिकल टाइमिंग का अमेरिकी केंद्र 2014–16,
सचिव, इंडियन सोसाइटी फॉर क्रोनजीव विज्ञान,
सदस्य, कार्यकारी समिति,
अंतर्राष्ट्रीय सोसाइटी ऑफ एवियन एंडोक्रिनोलॉजी की अंतर्राष्ट्रीय सोयायटी।

प्रो डी के सिंहः
अध्यक्ष, भर्ती और पदोन्नति समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली,
अध्यक्ष, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अपिव और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में विशेष श्रेणी में प्रवेश दिलाने में सक्षम करने वाली समिति (दिल्ली विश्वविद्यालय), 2016–17.
प्रो रीता सिंहः

सलाहकार, पुनरुत्पादक जैव औषधियां, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, 2017 से आगे।
कार्य–बल सदस्य, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 2016 से आगे
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान भवन, नई दिल्ली के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 5 और 6 फरवरी 2016 को आयोजित ''वैश्विक जैव प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन'' की आमंत्रित सदस्य।
प्रो.आर.आर.रमण तीसरा कॉलमैन व्याख्यान, 2016 (यूएएस, जीकेवीके, बैंगलोर)
प्रो. मालिकार्जुन शकराद, कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, इथोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया

विज्ञान संबंधी पत्रिकाओं के संपादक/संपादकीय मंडल के सदस्य
संपादकः

प्रो.रूप लाल, एमसिस्टम्स, अमेरिकन सोसायटी फॉर माइक्रोजीव विज्ञान (एएसएम), यूएसए द्वारा प्रकाशित, माइक्रोजीव विज्ञान की भारतीय पत्रिका (आईएनजेएम)।
प्रो.वाई सिंह, माइक्रोजीव विज्ञान की भारतीय पत्रिका स्प्रिंगर प्रेस

संपादकीय बोर्ड के सदस्य

प्रो.योगेन्द्र सिंह, पत्रिका ऑफ जैविक रसायन शास्त्र की पत्रिका (जेबीसी)
प्रो. रूप लाल, पत्रिका ऑफ जीव विज्ञान और जैवइन्जिनियरिंग (जेबीबी) की पत्रिका, पर्यावरण माइक्रोजीव विज्ञान (ईएम), पर्यावरण माइक्रोजीव विज्ञान रिपोर्ट (ईएमआईआर), माइक्रोबियल जैव प्रौद्योगिकी पत्रिका, बीएमसी जैव प्रौद्योगिकी, ओए जैव प्रौद्योगिकी।
प्रो.एम .एम.चतुर्वेदी,ओंकोलिटिक विषाणु विज्ञान की पत्रिका, प्रायोगिक जीवविज्ञान की भारतीय पत्रिका (आईजेईबी)
प्रो.विनोद कुमार, वर्तमान विज्ञान

संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य
प्रो.वाई सिंह एंटी–संक्रमण–विरोधी ओषधि अनुसंधान पर हालिया पेटेंट, (बेन्थम साइंस पब्लिशर्स)।
आर.के.सेठ एंटॉमोलॉजी की भारतीय पत्रिका, जे। परमाणु कृषि जीव विज्ञान।

प्रकाशन

शोध आलेखः

के.अदिति, एम.एन.शकराद एवं एन.अग्रवाल (2016). हंटिंगटन रोग के ड्रोसोफिला मॉडल में परिवर्तित लिपिड चयापचय. वैज्ञानिक रिपोर्टें, 6, 31411.

एस.बजाज, एस.सागर, एस.खरे एवं डी.के.सिंह (2017). एचसीएच डंपसाइट से हेलोफिलिक जीवाणु क्रोमोहेलोबैक्टर एसपी एलडी2 द्वारा अलग किए गए वाई–हेक्सक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (लिंडेन) का जीव–श्रेणीकरण। अंतर्राष्ट्रीय जैव–अवक्षय और जैवनिम्नीकरण, 122, 23–28.

आर.बसाक, ए. रॉय एवं यू.राय (2016). धब्बेदार म्युरल चाना पंक्टाटस नरों में प्रजनन का मौसमःवृषणों में ऊतकीय परिवर्तन के साथ प्लाज्मा सेक्स स्टेरॉयड के साथ पर्यावरण परिवर्तन का सहसंबंध। मत्स्य शरीर विज्ञान और जैव रसायन, 42(5), 1249–1258.

ए.चोंगथाम एवं एन.अग्रवाल (2016). कर्क्यूमिन कोशिका की मृत्यु को नियंत्रित करता है और हंटिंग्टन के रोग मॉडल में सुरक्षात्मक है। वैज्ञानिक रिपोर्टें, 6, 18736.

आर.दास, के.ठाकुर, ए.श्रीवास्तव, ए.पुरी, एवं एम.मुत्सुद्दी (2017) एपीडीनेटिक अंतिम बिंदुओं की पहचान कीटनाशक के संपर्क से कैंसर के विकास के जोखिम को कम कर सकते हैं : एक समीक्षा। उन्नत अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(1), 1093–1097.

डी.दत्ता, पी. खत्री, सी.बनर्जी, ए.सिंह, आर.मीना, डी.आर.साहा एवं एस.मजुमदार.(2016).कैल्शियम और सुपरऑक्साइड–मध्यस्थता मार्ग नाइट्रिक ऑक्साइड–आश्रित एपोपोसिस को प्रेरित करने के लिए माइकोबैक्टीरियम में फॉक्टुम–संक्रमित मछली मैक्रोफेज। प्लोस वन, 11(1), ई0146554.

पी.दे, डी.गोला, ए.मिश्रा, ए. मलिक, पी.कुमार, डी.के.सिंह एवं एन.जेहमिल्च (2016). कई खतरनाक धातुओं को एक साथ हटाने के लिए बहु–धातु प्रतिरोधी कवक उपभेदों का तुलनात्मक प्रदर्शन मूल्यांकन। खतरनाक सामग्री की पत्रिका 318, 679–685.

एन.गर्ग, पी.लता, एस.जीत, एन.सांगवान, ए.के.सिंह, वी.द्विवेदी एवं एन.नय्यर (2016). हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (एचसीएच) से संदूषित मिट्टी का प्रयोगशाला और क्षेत्र पैमाने पर जैवसंवर्धन और जैवउत्प्रेरण। जैव–निम्नीकरण 27(2–3), 179–193.

एच.गुवो, टी.चेंग, जेड चेन, एल.जियांग, गुवो वाई, जे. लिउ एवं के.पी. अरुण कुमार (2017). बॉम्बिक्स मोरी के केमोसंवेदी अंगों में स्वाद ग्रहण करने वाले जीनों के एक पूरे सेट की अभिव्यक्ति का चित्रण। कीट जैव रसायन और आणविक जीवविज्ञान, 82, 74–82.

एन.जे.गुप्ता, वी.कुमार एवं एस.पाण्डा (2017). कैमरा–फोन आधारित अध्ययन में भारत में वयस्कों के बीच अनियमित भोजन आदतें और दैनिक खाने–उपवास चक्र को बाधित दिखाया गया है। प्लोस वन, 12(3), म0172852.

वी.गुप्ता, एस.हैदर, यू सूद, जे.ए.गिल्बर्ट, एम रामजी, के.फोर्ब्स एवं आर.लाल (2016). नए एक्निनेटोबैक्टर सिम्बिनेट का तुलनात्मक जीनोमिक विश्लेषण रू एक संयुक्त प्रणाली जीव विज्ञान और जीनोमिक्स दृष्टिकोण, वैज्ञानिक रिपोर्टें, 6.

वी.गुप्ता, एस. हैदर, यू सूद, जे.ए.गिल्बर्ट, एम.रामजी, के.फोर्ब्स एवं आर.लाल (2016). नए एक्निनेटोबैक्टर सिम्बिनेट का तुलनात्मक जीनोमिक विश्लेषणः एक संयुक्त प्रणाली जीव विज्ञान और जीनोमिक्स दृष्टिकोण। वैज्ञानिक रिपोर्टें, 6.

आर हूड–नावोट्नी, ए.हरारी, आर.के.सेठ, एस.एल.वी, डी.ई.कोलोंग, डी.एम.सकलिंग, एवं जे.ई.कार्पेन्टर (2016). स्थिर आइसोटोप मार्कर बाँझ कीट तकनीक कार्यक्रमों में बड़े पैमाने पर पाले गए और जंगली लेपिडोप्टेरा के बीच अंतर दर्शाता है। फ्लोरिडा कीटविज्ञानी, 99 (एसपी1), 166–176.

आर हूड–नावोट्नी, ए.हरारी, आर.के.सेठ, एस.एल.वी, डी.ई.कोलोंग, डी.एम.सकलिंग, एवं जे.ई.कार्पेन्टर (2016). स्थिर आइसोटोप मार्कर बाँझ कीट तकनीक कार्यक्रमों में बड़े पैमाने पर पाले गए और जंगली लेपिडोप्टेरा के बीच अंतर दर्शाता है। फ्लोरिडा कीटविज्ञानी, 99 (एसपी1), 166–176.

ए.जेम्स, डी.के.सिंह एवं पी.जे.खानखाने (2017). हाइड्रोफाइट–जीवाणु संघों द्वारा बढ़ाये गए एट्रोजीन हटाना और उनकी पादप विकास को बढ़ावा देने की क्षमता के लिए अलग किए गए अंशों की कृत्रिम परिवेश में जांच। पादपसुधार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (हाल में स्वीकृत), 00–00.

एम.झा, एस.के.पटेल, ए.के.झण्ड एवं ए.श्रीवास्तव (2017). उत्तर भारत की आवादी में ओएससीसी रोगियों में एफएचआईटी और पी14 जीन का प्रमोटर हायपरमिथाइलेशन। कैंसर थेरेपी और ओंकोलॉजी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(2).

एम.झा, एस.के.पटेल, एस.गुप्ता, ए.के.झा एवं ए. श्रीवास्तव (2016). फेफड़ों के कैंसर में गाँठ का शमन करने वाले जीन का प्रमोटर हायपरमिथाइलेशन। औषधि, जैविक और रासायनिक विज्ञान के अनुसंधान की पत्रिका, 7(5) 2016.

एन.ए.झा एवं वी.कुमार (2016). प्रोटीन समृद्ध भोजन वयस्क जेबरा फिंच, टेनिओपीजिया गुताता के गायन व्यवहार और गीत की गुणवत्ता को प्रभावित नहीं करता है, वर्तमान विज्ञान (00113891), 111(10).

एन.ए.झा एवं वी.कुमार (2017). महिला समरूपता अतालिक पुरुष जेबरा फिंच के तालबद्ध गायन व्यवहार को बहाल करती है। जीव विज्ञान की पत्रिका, 42(1), 139–147.

बी.के.खानगेम्बम, ए.एस.निनावे एवं आर.चक्रवर्ती (2017). पाचन एंजाइम प्रोफाइल पर कोर्टिसोल और ट्राईयोडोथोरोनिन स्नान उपचार का प्रभाव और ऑटोजेनिक विकास के दौरान कटाला कटाला लार्वा का विकास। एक्वाकल्चर रिसर्च, 48(5), 2173–2185.

पी.कोहली, एन.नय्यर, ए.शर्मा, ए.के.सिंह एवं आर. लाल (2016). एक संदूषित डम्पसाइट से पृथक किए गए हेक्साकोरोक्साक्लोहेक्सेन एल्गोरिफागस रोजस एसपी नव.। व्यवस्थित और विकासवादी सूक्ष्म जीव विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 66(9), 3558–3565.

पी.कोहली, एन.नय्यर, ए.शर्मा, ए.के.सिंह एवं आर. लाल (2016). एक संदूषित डम्पसाइट से पृथक किए गए हेक्साकोरोक्साक्लोहेक्सेन पोंटिबैक्टर वायर्सस एसपी नव.। व्यवस्थित और विकासवादी सूक्ष्म जीव विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 66(11), 4395–4400.

पी.कोहली, एच.एच.रिचनाऊ एवं आर.लाल (2017). यौगिक–विशिष्ट स्थिर आइसोटोप विश्लेषणः कृत्रिम परिवेश और क्षेत्रीय परिस्थितियों में हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन पर प्रभाव का आकलन। सूक्ष्म जीव विज्ञान की भारतीय पत्रिका, , 1–12.

ए.कुमार, जी.के.संघा, ए.श्रीवास्तव एवं जे.कौर (2017). एक नए पुनः संयोजक लीपक्यू (आरबी2485सी) प्रोटीन के माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की मानव मैक्रोफेज सेल लाइनों पर प्रतिरक्षाविरोधी प्रभाव। सूक्ष्म जीवी रोगजनन, 107, 361–367.

आर.कुमार, एच. वर्मा, एस.हैदर, ए.बजाज, यू.सूद, के.पोन्नुसामी एवं जे.पी.खुराना (2017). तुलनात्मक जीनोमिक विश्लेषण जीनस नोवोसिफिंगोबियम के आवास– विशिष्ट जीन और विनियामक केंद्र का खुलासा करता है। एमसिस्टम्स, 2(3), ई00020–17.

आर.कुमारी, के.रावत, ए.कुमारी एवं ए. श्रीवास्तव (2017). मेलाटोनिन द्वारा डाल्टन के लिंफोमा प्रेरित एंजियोजेनेसिस का उन्नयन।ट्यूमर जीव विज्ञान, 39(6), 1010428317705758.

आर.कुमारी, पी.सिंह एवं आर.लाल (2016). जीनस अमीकोलोटॉप्सिस की अनुवांशिकी और जीनोमिक्स। सूक्ष्म जीव विज्ञान की भारतीय पत्रिका, इंडियन पत्रिका ऑफ माइक्रोजीव विज्ञान 56(3), 233–246.

आर.कुमारी, पी.सिंह, पी.स्कुमन एवं आर.लाल. (2016). एक लिन्डेन उत्पादन कारखाने की जल निकासी प्रणाली से अलग किए गए टेसेराकोकास फ्लैवेस एसपी नव.। व्यवस्थित और विकासवादी सूक्ष्म जीव विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 66(4), 1862–1868.

यू.कुमारी, एन.श्रीवास्तव, ए.शेली, पी.खत्री, एन.शरत, डी.के.सिंह एवं एस.मजुमदार (2016). प्रेरित हेडकिडनी साइटोक्रोम पी 50 चलने वाली कैटफिश क्लारीस गेरीपिनस में एन्डोसल्फान प्रतिरक्षा विषाक्तता को बढ़ाता है, जलीय विष विज्ञान, 179, 44–54.

डी.लाल, एम.वर्मा, एस.के.बेहुरा एवं आर.लाल (2016). फाइलम एक्टिनोबैक्टीरिया में कोडन का इस्तेमालः पर्यावरणीय अनुकूलन और मेजबान रोगजन्यता की प्रासंगिकता। सूक्ष्मजीव विज्ञान में अनुसंधान 167(8), 669–677.

आर.लोहिया, पी.जैन, एम.जैन, पी.के.बर्मा, ए.श्रीवास्तव एवं एस.सारन (2017). डेक्टिओस्टेलियमडिस्कोडियम एसआआर2डी सेल–प्रकार की विशिष्ट जीन अभिव्यक्ति को नियंत्रित करता है और स्वपोषी में शामिल होता है। विकासवादी जीव विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 61(1–2), 95–104.

वी.मिन्हास, ए.श्रेष्ठ, एन.वाधवा, आर.सिंह एवं एस.के.गुप्ता (2016). नए शुक्राणु और गोनाडोट्रोपिन–रिलीज करने वाले हार्मोन आधारित पुनर्संयोजक मिश्रित प्रोटीनः पुरुष और महिला चूहों के सह–प्रतिरक्षण द्वारा 100ः निरोधक प्रभावकारिता की उपलब्धि। आणविक प्रजनन और विकास 83(12), 1048–1059.

आई मिश्रा एवं वी.कुमार (2017). उच्च मेरुदंडधारियों में मौसमी समय का सर्केडियन आधार। जैविक लय अनुसंधान, 1–16.

आई.मिश्रा, एस.के.भारद्वाज, एस.के.मलिक एवं वी.कुमार (2017). तीव्र और पुराने लंबे दिनों में समवर्ती हाइपोथैलेमिक जीन अभिव्यक्तिः गाने वाले प्रवासी पक्षियों में फोटोऑपरिडिक प्रतिक्रिया की शुरुआत और रखरखाव का प्रभाव। आणविक और सेलुलर एंडोक्रिनोलॉजी 439, 81–94.

आई.मिश्रा, डी.सिंह एवं वी.कुमार (2016). रेडहेड बंटिंग के केंद्रीय और परिधीय ऊतकों में न्यूरोट्रांसमीटर के लिए कोडिंग जीन की दैनिक अभिव्यक्तिःगाने वाले पक्षियों में फिजियोलॉजी के सर्केडियन विनियमन के प्रभाव,अंतर्राष्ट्रीय क्रोनोजीव विज्ञान, 33(3), 280–292.

आई. मिश्रा, डी.सिंह एवं वी.कुमार (2017). प्रवासी ब्लैकहैडड बंटिंग में फोटोपिरियोडिक ट्रांसडक्शन और न्यूरोस्टेरॉयड–आश्रित प्रक्रियाओं में शामिल जीन की हाइपोथैलेमिक अभिव्यक्ति के दैनिक लय में मौसमी परिवर्तन। न्यूरोएंडोक्रोनोलॉजी की पत्रिका, 29(5).

एन.मिश्रा एवं एम.एन. शकरद (2016). प्रजनन के पूर्व प्रौढ़ स्वास्थ्य पर माता–पिता और सब्सट्रेट क्वालिटी का प्रभाव अंतरअनुशासनीय शोध के इंपीरियल जर्नल, 2(8).

डी.नाइक, एस.एल.,वी.कुमार, आर.जोशी एवं ए.सी.भारती (2016). ग्रीवा कैंसर के विभिन्न ग्रेड में एसटीएटी3 सिग्नलिंग मार्ग से एचपीवी सूजन मध्यस्थ आईएल–6. कैंसर अनुसंधान आणविक औषधि की पत्रिका, 3(1–2016), 103.

एन.सी.नवीन, आर.चौबे, डी.कुमार, के.बी.रेबिजिथ, आर.राजगोपाल, बी.सुब्रह्मण्यम एवं एस.सुब्रह्मण्यम (2017). भारतीय उपमहाद्वीप में सफेद मक्खी में एशिया– I, एशिया– II –1 और एशिया– II –7 के बामिसिया तबासी आनुवंशिक समूहों में कीटनाशक प्रतिरोध की स्थिति, वैज्ञानिक रिपोर्टें, 7.

एन.नय्यर एवं आर.लाल (2016). हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन दूषण और समाधानः सीटबॉलिक जीन और रास्ते के विकास के अध्ययन के लिए संक्षिप्त इतिहास और उससे परे उभरते मॉडल। जैवसुधार और जैव निम्नीकरण की पत्रिका, 7, 338.

एन.नय्यर, पी.कोहली, एन.के.महतो एवं आर.लाल (2016). हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन संदूषित तालाबों की तलछट से अलग किए गए पैंटिबैक्टर म्यूकस एपी. नव.। व्यवस्थित और विकासवादी सूक्ष्म जीव विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 66(6), 2234–2240.

नीरजा, जे.ग्रेवाल, ए.भट्टाचार्य, एस.कुमार डी.के.सिंह एवं एस.के.खरे (2016). सेरेटिया मार्ससेकेंस एनसीआईएम 2919 का उपयोग करते हुए 1,1,1–1–ट्राइक्लोरो–2, 2–बीआईएस(4–क्लोरोफेनिल) एथेन (डीडीटी) का जैव निम्नीकरण। पर्यावरण विज्ञान और स्वास्थ्य की पत्रिका, भाग बी, 51(12), 809–816.

आर.के.नेगी, बी.डी.जोशी, जे.ए.जॉनसन, आर.डे एवं एस.पी.गोयल (2017). भारत में मीठे पानी की मछली पंटियस सोफोर का फाईलोज्योग्राफी। मिटोकॉन्ड्रियल डीएनए भाग ए, 1–13.

आर.के.नेगी, जे.बी.दत्ता, जे.ए.जॉनसन एवं एस.पी.गोयल (2016). डीएनए बारकॉड्स का प्रयोग करके पुनिटीस प्रजाति की पहचान करनारू वन्यजीव फॉरेंसिक में प्रभाव। आणविक प्राणि विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 6.

आर.के.नेगी, बी.डी.जोशी, जे.ए.जॉनसन एवं एस.पी.गोयल (2016). माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए अनुक्रमों के आधार पर मछली प्रजातियों की पहचान में गणनात्मक विधियों का उपयोग। वर्तमान विज्ञान, 110(11), 2172.

वी.नेगी एवं आर.लाल (2017). तालाब की तलछट में मौजूद एक जटिल समुदाय का मेटाजीनोमिक विश्लेषण। जीनोमिक की पत्रिका, 5, 36.

वी.नेगी, वाई.सिंह, पी.स्कुमन एवं आर.लाल (2016). हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन– संदूषित मिट्टी से अलग किए गए कोरिनेबैक्टीरियमपोल्यूटिसोली एसपी नव.। व्यवस्थित और विकासवादी सूक्ष्म जीव विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 66(9), 3531–3537.

एस.पाल, एन.पटेल, ए.मलिक एवं डी.के.सिंह (2016) दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के उप–शहरी कृषि क्षेत्र में यमुना के प्रदूषित पानी से सिंचित फसलों में सूक्ष्म जैविक प्रजातियां और उनकी जैव विविधता मौजूद है। शुद्ध और अनुप्रयुक्त सूक्ष्म जीव विज्ञान की पत्रिका, 10(3), 2113–2120.

वी.पटेल, ए.शर्मा, आर.लाल, एन.ए.अल–ढाबी, डी.मदमवार (2016). खाद्य तेल के तनाव औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रदूषण में रहने वाले मिट्टी के सूक्ष्म जैविक समुदायों की प्रतिक्रिया और लचीलापन। बीएमसी सूक्ष्म जीव विज्ञान, 16(1), 50.

एम.प्रियम, एम.त्रिपाठी, यू.राय एवं एस.एम.घोराई (2016). मेरुदंडधारियों में पैटर्न मान्यता रिसेप्टर होमोलॉग्स का विकासवादी वंश अनुरेखणः दीवार की छिपकली स्पिनीक ट्रांस्क्रिप्टम के नोडो अनुक्रमण के माध्यम से सरीसृप प्रतिरक्षा में एक अंतर्दृष्टि। पशु चिकित्सा इम्यूनोलॉजी और इम्यूनोपैथोलॉजी, 172, 26–37.

ए.पुरी, ए.राय, पी.एस.धनराज, आर. लाल, डीडी पटेल, ए.केकर एवं एम.वर्मा (2016). रोगजनक प्रजातियों, हेलिकोबैक्टर पाइलोरी की पहचान के लिए एक इन सिलिको दृष्टिकोण। सूक्ष्म जीव विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 56(3), 277–286.

ए.राज, पी.शाह एवं एन.अग्रवाल (2016). सोने के नैनोकणों (एयूएनपी) का अंतर्ग्रहण एक खुराक आधारित रूप में ड्रोसोफिला के जीवन को प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5, 544–546.

ए.राज, पी.शाह एवं एन.अग्रवाल (2017). ड्रोसोफिला की प्रजनन क्षमता और अस्तित्व पर चांदी नैनोकणों (एजीएनपी) का खुराक निर्भर प्रभावः एक इन–विवो अध्ययन। प्लोस वन, 12(5), ई0178051.

एम.राणा एवं एस.बासु–मोदक ए.राज, पी.शाह एवं एन.अग्रवाल (2016). चूहों के प्लेजेन्टा में हेमे ऑक्सीजनस, प्रोलैक्टिन और वीईजीएफ का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल विश्लेषण। वैज्ञानिक अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(11), 24–28.

पी.रानी, एन.के.महतो, ए.शर्मा, डी.एल.एन. राव, के.कामरा एवं आर.लाल (2017). जीनोम खनन और एडिफोफिलिक रिजोबैक्टिरियम स्यूडोमानल फ्लूरोसेंस पीटी14 के अनुमान की कार्यात्मक प्रोफाइलिंग।सूक्ष्म जीव विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 57(2), 155–161.

पी.रानी, यू. मुखर्जी, एच.वर्मा, के.कामरा और आर.लाल ए.राज, पी.शाह एवं एन.अग्रवाल (2016). हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन– दूषित मिट्टी से पृथक किए गए ल्यूटिमेनस सहिष्णु एसपी नव.। व्यवस्थित और विकासवादी सूक्ष्म जीव विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 66(4), 1851–1856.

डी.रश्मि, पी.श्री एवं डी.के.सिंह (2017). भारतीय गेहूं की भौगोलिक खोजकता निर्धारण में स्थिर आइसोटोप अनुपात विश्लेषण। खाद्य नियंत्रण, 79, 169–176.

ए.रस्तोगी, एस.मलिक, एस.रानी एवं वी.कुमार (2016). गाने वाले गैर–प्रवासी और प्रवासी पक्षियों के बीच घ्राण प्रणाली की न्यूरल गतिविधि में वार्षिक जीवन–इतिहास निर्भर मौसमी अंतर। व्यवहार मस्तिष्क अनुसंधान, 296, 233–239.

ए.राय, ए.भादुड़ी, एन.श्रीवास्तव एवं एस.मजुमदार (2017). वयस्क जेब्राफिश (दानियो रेरियो) में आर्सेनिक प्रेरित प्रतिरक्षा परिवर्तन परीक्षक नए हस्ताक्षर जीन की पहचान। खतरनाक सामग्री का पत्रिका, 321, 121–131.

ए.राय, आर.बसाक एव. यू. राय (2017). ताजे पानी के धब्बेदार साँप जैसे सिर वाले चन्ना पंकटेटस के विभिन्न प्रजनन चरणों से वृषण ट्रांस्क्रिप्टम का डी नोवो अनुक्रमण और तुलनात्मक विश्लेषण। प्लोस वन, 12(3), ई0173178.

बी.सचदेव, जेड खान, एम.जरीन, पी.मल्होत्रा, आर.के.सेठ एवं आर.के.भटनागर. (2017). फेनोलॉक्सीडेस मार्ग पर विकिरण प्रभाव और स्पोडोप्टेरा लिट्यूरा (लेपिडोप्टेराः नॉटुइइडे) में एक ऑक्सीकरण विरोधी रक्षा तंत्र और रेडियो–आनुवंशिक ''एफ 1 चालकता'' में इसका प्रभाव और जैव उदार कीट दमन रणनीति। कीट वैज्ञानिक अनुसंधान का बुलेटिन, 107(3), 281–293.

एच.सरकार, एस.आर्य, यू.राय एवं एस.एस.मजुमदार (2016). शुक्राणुजनन की शुरूआत और स्तनधारियों के लिए इसकी प्रासंगिकता के लिए हेमिडाटाइलस फ्लैविविरीडीस (दीवार छिपकली) के विभिन्न प्रजनन चरणों में वृषण समूहों की अंतर अभिव्यक्ति का अध्ययन। प्लोस वन, 11(3), ई0151150.

जी.के.सौरभ, जी.दैमे, वी.एस.राणा, एस.पोपली एवं आर.राजगोपाल (2016). थ्रिप्स पाल्मी कार्नी (थिस्सानोप्टेराः थ्रिपिडे) में उल्बेबिया का पता लगाना और स्थानीयकरण। सूक्ष्म जीव विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 56(2), 167–171.

आर.के.सेठ, जेड खान, डी.के.राव एवं एम.जरीन (2016). विकिरणित स्पॉडोपेटरा लिट्यूरा (लेपिडोप्टेरारू नोक्टूइडे) की एक महत्वपूर्ण विशेषता के रूप में शुक्राणु गतिशीलता मूल्यांकन और कीट दमन के ''वंशानुगत बाँझपन तकनीक'' के मूल्यांकन के लिए इसकी एफ1 संतति का मूल्यांकन। फ्लोरिडा कीटविज्ञानी, 99(एसपी1), 105–118.

आर.के.सेठ, जेड खान, डी.के.राव एवं एम.जरीन (2016). कीट प्रबंधन तरीकों में विरासत में मिली बंध्यता के उपयोग के लिए विकिरणित स्पॉडोपेटरा लिट्यूरा (लेपिडोप्टेराः नोक्टूइडे) नरों और उनकी एफ1 संतति की उड़ान गतिविधि और संभोग व्यवहार। फ्लोरिडा कीटविज्ञानी, 99(एस1), 119–130.

आर.के.सेठ, एम.जरीन, जेड खान एवं आर.सेठ (2016). फेनाकोकाकस सोलनॉपिसिस (हेमिप्टेराः स्यूडोकोकिडे) के खिलाफ एक पादप स्वच्छता उपचार के रूप में आयनीकृत विकिरण। फ्लोरिडा कीटविज्ञानी, 99, 76.

आर.सेठ, एम.जरीन, जेड खान एवं आर.के.सेठ (2016). मैकोनोलिकोकस हर्सुत्सस के खिलाफ पादप स्वच्छता विकिरण (हेमीपाटेराः स्यूडोकोकिडे) फ्लोरिडा कीटविज्ञानी, 99(एसपी2), 102–113.

आर.सेठ, एम.जरीन, जेड खान एवं आर.के.सेठ (2016). पैराकोकास मार्जिनैटस (हेमिपेटरारूस्यूडोकोकिडे) के पादप स्वच्छता विकिरण की ओरः सभी जीवन स्तरों के रेडियोसंवेदनशीलता की पहचान करना। फ्लोरिडा कीटविज्ञानी, 99(एसपी2), 88–101.

आर.के.सेठ (2016). अनुप्रयुक्त कीटनाशकों में विकिरण का उपयोग करने के विभिन्न दृष्टिकोण। विकिरण और कैंसर

ए.शर्मा एवं आर.लाल (2017). सूक्ष्मजीवी समुदाय की गतिशीलता को समझने के लिए सर्वेक्षण (मेटा) जीनोमिक दृ ष्टिकोण। सूक्ष्म जीव विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 1–16.

ए.शर्मा, जे.ए.गिल्बर्ट एवं आर.लाल (2016). सूक्ष्मजीव समुदाय गतिशीलता को समझने के लिए (मेटा) जीनोमिक तरीकों का सर्वेक्षण। वैज्ञानिक रिपोर्टें, 6.

ए.शर्मा, पी.कोहली, वाई सिंह, पी.स्कुमन एवं आर.लाल (2016). हिमालय पर्वत के ऊपर एक गर्म झरने की एक सूक्ष्मजीवी परत से फिक्टीबेसिलस हालोफीलस एसपी. नव.। व्यवस्थित और विकासवादी सूक्ष्म जीव विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 66(6), 2409–2416.

ए.के.शर्मा, डी.अरोड़ा, एल.के.गंगवाल, ए.साजिद, ए. मोल वी. एण्ड वी.के. नन्दीकूरी (2016).. सटीक कोशिका विभाजन और जीवाणु के अस्तित्व के लिए माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्युलोसिस का सीरिन/थ्रेऑनिन प्रोटीन फॉस्फेटस पीएसटीपी आवश्यक है। जैव वैज्ञानिक रसायन की पत्रिका, 291(46), 24215–24230.

एस.शर्मा एवं डी.के.सिंह (2017). जयपुर, राजस्थान में कृषि और परती जमीन पर डायजोट्राफिक समुदाय और एनआईइफएच प्रतिलेख स्तर अस्थायी बदलाव, सूक्ष्म जीव विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 57(1), 92–99.

एन.श्रीवास्तव, जे.जोशी, एन.सहगल एवं आई.पी.कुमार. (2017). नए साइक्लोक्सीजीनेज–2 को रेडियोपरिवर्तक स्कॉपोलामाइन मिथाइल ब्रोमाइड के संभावित लक्ष्य के रूप में पहचाना गया हैः एक सिलिको अध्ययन। खोजी गई दवाओं के बारे में सूचना।

डी.सिंह एवं वी.कुमार (2017). गाने वाले पक्षियों में अतिरिक्त–हाइपोथैलेमिक मस्तिष्क घड़ियां: रात–प्रवासी ब्लैकहैडड बंटिंग, एम्बरिजा मेलानोसेफला में फोटो आवधिक स्थिति निर्भर जीन ऑसिलेशन। फोटोकेमेस्ट्री एवं फोटोबायोलॉजी की पत्रिका बीः जीव विज्ञान, 169, 13–20.

डी.सिंह, एन.त्रिवेदी, एस.मलिक, एस.रानी एवं वी.कुमार (2016). समयबद्ध खाद्य उपलब्धता सर्केडियन व्यवहार को प्रभावित करती है, लेकिन एटिपिकल हल्के पर्यावरण के संपर्क में आने वाले भारतीय वीवरबर्ड की न्यूरोपैप्टाइड वाई अभिव्यक्ति को नहीं। शरीर विज्ञान और व्यवहार, 161, 81–89.

एन.सिंह, जे.एस.पुरोहित, एस.शांति, ए.सिंह, ए.के.पाणिग्रही एवं एम.एम.चतुर्वेदी (2017). पुराने चिकन और चूहा जिगर से एन–टर्मिनली काटे गए हिस्टोन एच3 (Δ एच 3) का लक्षण वर्णन। नैदानिक एक्स पैथालॉजी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 10(5), 5334–5342.

ओ.सिंह, एस.कुमार, यू.सिंह, वी.कुमार, आर.एम.लेचन एवं पी.एस.सिंग्रू (2016). जेबरा फिंच, टायनीओपीजीया गतुता के मस्तिष्क में कोकीन और एम्फैटेमिन–विनियमित ट्रांस्क्रिप्ट पेप्टाइड (कार्ट) रून्यूरोपैप्टाइड वाई के साथ संगठन, संपर्क और ऊर्जा की स्थिति में परिवर्तन के प्रति जवाब। तुलनात्मक तंत्रिका विज्ञान की पत्रिका, 524(15), 3014–3041.

पी.सिंह, आर.कुमारी, एन.नय्यर एवं आर.लाल (2017). संदूषित मिट्टी से पृथक किए गए हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (एचसीएच) पोंटिबैक्टर आवरेसिकस एसपी. नव.। व्यवस्थित और विकासवादी सूक्ष्म जीव विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 67(5), 1400–1407.

आर.सिंह, सी.बनर्जी, ए.राय, पी.राजामणि एवं एस.मजुमदार (2016). फ्लोराइड प्रेरित हेडकिडनी मैक्रोफेज सेल एपोप्टोसिस में सीएएमकेआईआई जी ईआरके 1द्2–कैपेज–8 अक्षःएपोप्टिक झरने की शुरुआत में सुपरऑक्साइड की भूमिका का सक्रियण। विषाक्तता अनुसंधान, 5(5), 1477–1489.

आर.सिंह, पी.भारद्वाज एवं एस.सागर (2016). पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोमः क्या यह बीपीए द्वारा अंतःस्रावी विघटन का एक परिणाम है? प्रजनन स्वास्थ्य, पर पर्यावरण प्रभाव पर प्रजनन और प्रजनन क्षमता (आईएसएसआरएफ) के अध्ययन के लिए भारतीय समाज की समाचार पत्रिका,समीक्षा, आईएसएसआरएफ समाचार पत्र, 85–88. आईएसएसएन, 2395–2806

आर.सिंह, पी.खत्री, एन.श्रीवास्तव, एस.जैन, वी.ब्रह्मचारी, ए.मुखोपाध्याय एवं एस.मजुमदार. (2017). फ्लोराइड अनावरण सूजन पूर्व प्रतिक्रिया को रोकता है और जेब्रा फिश (डानियो रेरियो) जीवाणु संक्रमण के लिए अतिसंवेदनशील इन विवो एपोप्टोसिस प्रतिपादन करती है। मछली एवं खोल वाली मछली की प्रतिरक्षा, 63, 314–321.

टी.सिंह एवं डी.के.सिंह (2017). ऑर्गेनोक्लोरीन कीटनाशकों का पादप सुधारः संकल्पना, विधि और हाल की घटनाएं। पादपसुधार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 17, 834–843.

वी.सिंह, एम.प्रियम, एम.त्रिपाठी एवं यू.राय (2017). एक सरीसृप में 25–हाइड्रोक्सीकोलेस्टोरेल की शुद्धि और पहचानःमौसमी विविधता और हार्मोनल विनियमन। सामान्य और तुलनात्मक एंडोक्रिनोलॉजी, 247, 130–137.

एस.सिन्हा, एस.वर्मा एंड एम.एम.चतुर्वेदी (2016). चूहे के मॉडल में पुनर्जीवन के दौरान एसडब्ल्यूआई/एसएनएफ क्रोमेटिन पुनर्परिवर्तक उप इकाइयों ब्रह्मा और ब्रह्मा संबंधित जीन ड्रग से प्रेरित जिगर की चोट की विभेदक अभिव्यक्ति। डीएनए और सेल जीवविज्ञान, 35(8), 373–384.

टी.जे.स्टीवेन्सन एवं वी.कुमार (2017). गाने वाले पक्षियों के प्रवासन का दैनिक और मौसमी समय पर तंत्रिका नियंत्रण। तुलनात्मक फिजियोलॉजी की पत्रिका,ए, 1–11.

सुरभि, ए.रस्तोगी, एस.मलिक, एस.रानी एवं वी.कुमार (2016). फोटोसंवेदन और फोटोपरिवर्तक सतह प्रवासी रेडहेड बंटिंग्स में प्रजनन और ऊर्जा होमेयोस्टैसिस से संबंधित मस्तिष्क पेप्टाइड्स में बदलाव। सामान्य और तुलनात्मक एंडोक्रिनोलॉजी, 230, 67–75.

सुरभि, ए.रस्तोगी, एस.मलिक, एस.रानी एवं वी.कुमार (2016). उप उष्णकटिबंधीय गैर–संज्ञेय और तलहटी–भारतीय प्रवासी गाने वाले नर पक्षियों में गीत–नियंत्रण और श्रवण अग्रभाग क्षेत्रों में मौसमी न्यूरॉनल प्लास्टिसिटी। तुलनात्मक तंत्रिका विज्ञान की पत्रिका, 524(14), 2914–2929.

एस.टी. तौफिक एवं वी.कुमार (2016). अचानक प्रकाश वातावरण के संपर्क में आने वाले भारतीय घरेलू कौओं के संज्ञानात्मक प्रदर्शन के जवाब में हिप्पोकैम्पल, पालियाल और मध्य मस्तिष्क क्षेत्रों में विभेदक सक्रियण और टाइरोसिन हाइड्रॉक्सिलेज वितरण। व्यवहार मस्तिष्क अनुसंधान, 314, 21–29.

एस.टी.तौफिक, एन.ए.झा एवं वी.कुमार (2016). सर्कैडियन ताल भारतीय घरेलू कौवे, कोर्वेस स्प्लेडेंस में गतिविधि, निमंत्रण और सौंदर्य व्यवहार का समय निर्धारित करता है। वर्तमान विज्ञान, 110(5), 897.

सी.त्रिपाठी, एन.के.महतो, पी.रानी, वी.सिंह, के.कामरा एवं आर.लाल (2016). हिमालय के गर्म पानी के झरने के अलग किए गए आर्सेनिक समृद्ध सूक्ष्मजीवों का लिम्प्रप्रियाडिया कोहेरेन्स स्ट्रेन सीटी6टी तनाव का ड्राफ्ट जीनोम अनुक्रम। जीनोमिक विज्ञान में मानक, 11(1), 64.

ए.के.त्रिवेदी, एस.मलिक, एस.रानी एवं वी.कुमार (2016). पाइनएलेक्टोमी सर्कैडियन व्यवहार को खत्म कर देता है और मस्तिष्क और यकृत में सर्कैडियन घड़ी जीन दोलनों में हस्तक्षेप करता है लेकिन गाने वाले प्रवासी पक्षियों के रेटिना को नहीं। शरीर क्रिया विज्ञान और व्यवहार, 156, 156–163.

ए.त्यागी, के.विश्नोई, एस.मेहता, जी.वर्मा, वाई.श्रीवास्तव, एस.मसलदन एवं बी.सी.दास (2016). सरवाइकल कैंसर स्टेम कोशिकाएं चुनिंदा तरीके से एचपीवी ओंकोप्रोटीन ई6 के एचईएस1 के ऊपर विनियमन के माध्यम से स्टेमनेस और आत्म–नवीकरण को नियंत्रित करता है, नैदानिक कैंसर अनुसंधान, 22(16), 4170–4184.

के. वेंकटेश्वरन, ए.श्रीवास्तव, पी.के.अग्रवाल, ए.प्रसाद, एन.कालरा, पी.आर.पाण्डे एवं बी.एस.द्वारकानाथ। (2016). चूहों में पॉलीफेनोलिक एसीटेट 7, 8–डायैसेटोक्सी –4–मिथाइलथियोकुमेरिन द्वारा विकिरण से प्रेरित हेमाटोपोएटिक चोट का शमन। वैज्ञानिक रिपोर्टें, 6, 37305.

के.वेंकटेश्वरन, ए.वर्मा, ए.एन.भट्ट, ए.श्रीवास्तव, के. मण्दा, एच.जी.राज, ए.प्रसाद, सी.लेन, वी.एस.परमार, बी.द्वारकानाथ (2017).कैंसर में कैलेस्ट्रिकुलिन की उभरती भूमिकाः चिकित्सा के लिए उसके निहितार्थ, वर्तमान प्रोटीन और पेप्टाइड विज्ञान, 14, 2495–2507.

जी.वर्मा, के.विश्नोई, ए.त्यागी, एम.जल्दी, टी.सिंह, ए. गोयल, ए.शर्मा, के.अग्रवाल, एस.सी.प्रसाद, डी.पाण्डे, एस.शर्मा आर.मेहरोत्रा, एस.एम.सिंह और ए.सी.भारती (2017). एचपीवी–पॉजिटिव और एचपीवी–नकारात्मक मौखिक कैंसर के आणविक हस्ताक्षर के रूप में प्रमुख प्रतिलेखन कारकों के लक्षण वर्णन, कैंसर औषधि, 6(3), 591–604.

वी.के.वर्मा, के.रानी, एन.सहगल एवं ओ.प्रकाश (2016). एयरोमोनास हाइड्रोफिला से संक्रमित चन्ना पंक्टाटा के जिगर, प्लीहा और गुर्दे में हिस्टोपैथोलॉजिकल नुकसान की रोकथाम, रोकथाम, 2(1), 227–232.

के.विश्नोई, एस.मेहता, ए.त्यागी, ए.पाण्डे, जी.वर्मा, एम.जदली एवं ए.सी.भारती (2016). मानव पपिलोमावायरस ओंकोप्रोटीन 5–एफयू–प्रतिरोधी ग्रीवा कैंसर कोशिकाओं में एपिथेलियल–मेसेनचिमल संक्रमण के बीच के अंतर को विनियमित करते हैं। ट्यूमर जीव विज्ञान,, 37(10), 13137–13154.

के.विश्नोई, एस.मेहता, ए.त्यागी, ए.पाण्डे, जी.वर्मा, एम.जदली, एवं ए.सी.भारती (2016). मानव पापीलोमावायरस ओंकोप्रोटीन और हेजहोग संकेत के बीच पार संपर्क ग्रीवा कैंसर सेल में स्टेमनेस को बढ़ावा देता है। वैज्ञानिक रिपोर्टें, 6, 34377.

ए.यादव, आर.कुमार, जे.तिवारी, वी.कुमार एवं एस. रानी (2017). पक्षियों में नींद गतिविधि और आराम की निरंतरता पर निर्भर होती है। जैविक ताल अनुसंधान, 1–10.

पुस्तकें

आर. लाल (संपा.) (2016). जैव प्रौद्योगिकी का एक परिचयः एक जेनेटिक हेरफेर परिप्रेक्ष्य, (पृ. 207) आई.के. अंतर्राष्ट्रीय पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2016
आर. लाल (2017). जैविक टाइमकीपिंगः घड़ियां, ताल और व्यवहार, स्प्रिंगर–वेरलाग (संपा)
आर. लाल (2017). जैविक ताल अनुसंधान, विशेष अंक, टेलर–फ्रांसिस, (अतिथि संपा.), यू.के.
आर. लाल (2017). कैंसर के कैमोरेजिस्टन्स में न्यूट्रास्यूटिकल की भूमिका, ए सी भारती और बी.बी. अग्रवाल (संपा.) में, एल्जेवियर, संयुक्त राज्य अमेरिका,

पुस्तक अध्यायः
जे एस पुरोहित, एम एम चतुर्वेदी, (2016). क्रोमैटिन और बुढ़ापा, रथ में, पी.सी., शर्मा आर, एस. प्रसाद (संपा.), जैवचिकित्सा जराविज्ञान में विषय, पृ. 205–241 स्प्रिंगर।
पी.जैन, पी.शारा, ए.श्रीवास्तव, एस.सारण (2016). डिक्टियॉस्टेलिअम डिस्कोइडियमः स्वतः मध्यस्थता जीवन विस्तार अध्ययन के लिए एक मॉडल प्रणाली, रथ में. पी.सी., आर.शर्मा, एस.प्रसाद, (संपा.), जैवचिकित्सा जराविज्ञान में विषय, पृ.. 35–55, स्प्रिंगर।

दिलीप के.सिंह एवं एन.शरत सिंह (2017). एंडोसल्फान एक साइक्लोडाइन आर्गेनोक्लोराइन कीटनाशकः इसके जैव–निम्नीकरण के संभावित रास्ते, (स्प्रिंगर) जनवरी, 2017, कीटनाशकों के माइक्रोब–प्रेरित जैव–निम्नीकरण में, पृ. 105–130. जारी होने की तारीखः 10.1007/978-3-319-45156-5_5
ए. के.त्रिवेदी, डी.सिंह, ए.एस.दीक्षित और वी. कुमार (2017). स्तनपायी मेरुदंडधारियों में पीनल ग्रंथि, मेलाटोनिन और गैर टाइमकीपिंगरूएवियन परिप्रेक्ष्य। विनोद कुमार (संपा.) में जैविक टाइमकीपिंगरू घड़ियां, ताल और व्यवहार, पृ. 521–541स्प्रिंगर नेचर, स्प्रिंगर भारत, नई दिल्ली.
एस.रानी, एस.सिंह, एस.मलिक और वी. कुमार (2017). गाने वाले पक्षियों में वसंत प्रवासन के नियमन में अंतर्दृष्टि। विनोद कुमार (संपा.) में जैविक टाइमकीपिंगः घड़ियां, ताल और व्यवहार, पृ. 625–642 स्प्रिंगर नेचर, स्प्रिंगर भारत, नई दिल्ली।

जी.सिसोदिया, बी.सी.दास और ए.सी.भारती (2017). एचपीवी संक्रमण और सरवाइकल कार्सिनोजेनेसिस के दौरान माइक्रो आरएनए आधारित विनियमनः हम कहाँ खड़े हैं? आर.सी. सोबती, एस पुरी, वी.एल. शर्मा और ए जे एस भंवर (सं.) में, मानव जीनोमिक्स और अनुप्रयोग, पृ. 21–37. नरेंद्र पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, भारत.

अनुसंधान परियोजनायें

राष्ट्रीय

प्रो रूप लाल

डीबीटी, फरवरी 2017 से जनवरी 2020, हिमाचल प्रदेश, भारत में हिमालय पर्वत के ऊपर गर्म पानी के वसंत में रहने वाले जीवाणु समुदायों की विविधता, कार्यात्मक गतिशीलता और जैव–प्रौद्योगिकी संबंधी अनुप्रयोगों का अन्वेषण करना। 52,20,000 रुपए।

डीबीटी, अक्तूबर 2015 से सितंबर 2018, एमीकोलोटॉप्सिस मेडिटरेनी एस699 के राइफैमिसिन पॉलीकेइड बायोसिंथेटिक जीन क्लस्टर के हेरफेर द्वारा मैकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के बहु–औषध प्रतिरोधी (एमडीआर) उपभेदों के खिलाफ राइफैमिसिन एनालॉग्स का उत्पादन और तपेदिक से पीड़ित रोगियों में एंटीबायोटिक उपचार आहार के अंतर्गत मानव माइक्रोबियम में बदलाव को समझना 64,00,000 रुपए।

प्रो. रूप लाल, सह–पीआई, डीएसटी, 2016–2019, प्रदूषण के संकेतकों के रूप में निरू शुल्क जीवित रहनेवाले प्रतिवादों का लक्षण वर्णन और दिल्ली, भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) से बहती यमुना नदी के सूक्ष्म–पारिस्थितिकी पर उनका प्रभाव। 55,76,000 रुपए।

प्रो. विनोद कुमार, डीएसटी–एसईआरबी, 2016–2019, प्रजनन और चयापचय पर भोजन से प्रेरित प्रभावों का तंत्ररू जेबरा फिंच पर एक अध्ययन।

प्रो आर के सेठ, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम), कृषि मंत्रालय, सरकार भारत, 2013–2017, आईपीएम में एक अभिन्न घटक के रूप में विकिरण प्रौद्योगिकी पर जोर के साथ वर्तमान कबूतर कीट परिसर और उनके प्रबंधन पर जांच (दिल्ली विश्वविद्यालय और कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर के बीच संयुक्त परियोजना), 1,66,000 रुपए (डीयू का हिस्सा)।

अंतरराष्ट्रीयः

प्रोफेसर आर के सेठ, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), वियना, 2016–2021, ''बड़े पैमाने पर पाले गए पतंगों की गुणवत्ता में सुधार और कीट दमन के लिए, में एसआईटी कार्यक्रमों (आईएईए संविदा संख्या 20565 / आरबी) में बाँझ नर लेपिडोप्टेरा के बेहतर फील्ड प्रदर्शन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए एफएओ/आईएईए सीआरपी (डी 41026) के अंतर्गत वशानुगत वंध्यता तकनीक के माध्यम से खेतों में नकली पिंजरों में रेडियो वंध्याकृत लेपिडोप्टेरान कीट स्पोडोपेटरा लिट्यूरा और इसकी एफ1 संतति की प्रतिस्पर्धात्मक योग्यता का मूल्यांकन। € 40,000 यूरो

प्रोफेसर रीना चक्रवर्ती, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का नॉर्वेजियन विश्वविद्यालय (एनटीएनयू), 2014–18, नेपाल में मत्स्य पालन विकासः एक्सट्रूडर मेड प्लांट–आधारित आहार का उत्पादन 56,00,000 रुपए

प्रो. रूप लाल, डीएसटी–डीएएडी, 2014–2016, कंपाउंड–विशिष्ट स्थिर आइसोटोप विश्लेषण (सीएसएए) का उपयोग करते हुए संदूषित फील्ड साइटों में कीटनाशक हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (एचसीएच) के प्राकृतिक और उत्तेजित जैवनिम्नाकरण का मूल्यांकन। 9,80,000 रुपए

प्रो डी.के. सिंह, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए)/एफएओ, 2011–2016, भारत में खाद्य पदार्थ और आहार के लिए परमाणु और आणविक तकनीकों का उपयोग करके उनकी पहचान योग्यता का अनुमान, 32000 यूरो।

आयोजित संगोष्ठी

प्रोफेसर अनिल शंकर, जैव रसायन एवं कैंसर जीव विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर, मेहरी मेडिकल कॉलेज, वेंडरबिल्ट विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, कैंसर इम्यूनोथेरेपीः चुनौतियां और हालिया प्रगति, प्राणि विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में। दिल्ली, 17 फरवरी, 2017.

प्रो अशोक कुमार, एनाटॉमिकल साइंसेज और तंत्रिका जीवविज्ञान विभाग में प्रोफेसर और विशिष्ट विश्वविद्यालय विद्वान, स्कूल ऑफ मेडीसिन, लुइसविले विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, प्राणि विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नायु स्टेम सेल होमोस्टैसिस और कार्यों का विनियमन। दिल्ली, 10 फरवरी, 2017.

प्रो. भरत बी अग्रवाल, निदेशक सूजन अनुसंधान केंद्र, सैन डिएगो, कैलिफोर्निया, अमरीका और प्रायोगिक चिकित्सा विज्ञान, कैंसर केंद्र, ह्यूस्टन, टेक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका के सेवानिवृत्त प्रोफेसर, वैज्ञानिक अनुसंधान के मॉड्यूल और मडल्स, प्राणि विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 6 फरवरी, 2017.

प्रो आर एन एन के बामजई, जेएनयू, दिल्ली विज्ञान एवं अनुसंधान करना – एक जुनून, असंख्य चुनौतियों के साथ अन्य करियर से अलग। 28 अक्टूबर, 2016.

आयोजित सम्मेलन

प्रो. विनोद कुमार, इक्कीसवीं सदी में जैविक समय और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर भारत–अमेरिका कार्यशाला और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। 21–24 फरवरी, 2017

संगोष्ठी/ सम्मेलन प्रस्तुतियों

सम्मेलनों में सत्र की अध्यक्षता

अंतरराष्ट्रीयः

प्रो. रूप लाल,

सत्र की अध्यक्षता, इक्कीसवीं सदी में जीव विज्ञान और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सत्र, दैनिक सत्र और मौसमी लय, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग में, 21 फरवरी, 2017 को।

मृदा विज्ञान संस्थान, चीनी विज्ञान अकादमी, नानजिंग, चीन में 14 जुलाई, 2016, माइक्रोबियल पारिस्थितिकी और जैव सूचना विज्ञान विश्लेषण पर चौथे सत्र की अध्यक्षता।

आर.के. सेठ ने कीटनाशकों का क्षेत्र वार प्रबंधनः बाँझ कीट और संबंधित परमाणु और अन्य तकनीकों के एकीकरण पर, खाद्य और कृषि में परमाणु तकनीकों के संयुक्त एफएओ–आईएईए अनुभाग, आईएईए, विएना, ऑस्ट्रिया द्वारा आयोजित तकनीकी सत्र, नई विकास और उपकरणः बाँझ कीट और संबंधित परमाणु और अन्य तकनीकों को एकीकृत करना, (आईएईए–सीएन –248), खाद्य और कृषि, खाद्य और कृषि, में परमाणु तकनीकों के संयुक्त एफएओ/आईएईए प्रभाग द्वारा आईएईए, विएना, ऑस्ट्रिया में 22–26 मई, 2017 को आयोजित तीसरे एफएओ–आईएईए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. विनोद कुमार

इक्कीसवीं सदी में जैविक समय और स्वास्थ्य मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्राणि विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 21 फरवरी, 2017।

एशिया क्रोनोबायोलॉजी फोरम, होहोट, चीन, जून, 2017

अंतर्राष्ट्रीय जीव विज्ञान पर सम्मेलन, चीन, 2016

राष्ट्रीय

डॉ. आर.के. नेगी, स्वर्ण जयंती समारोह में प्राणि विज्ञान विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित मानव कल्याण में प्राणि विज्ञान के नए क्षितिज के विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 23–24 नवंबर, 2016।

आमंत्रित व्याख्यान

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

आर लाल.:

अतिथि व्याख्यान, टीबी के खिलाफ एंटीबायोटिक प्रतिरोध का मुकाबला एएसएम–सीएमई एंटीबायोटिक प्रतिरोधः नवीनीकृत भय, बहुउद्देशीय हॉल, भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 2017। आमंत्रित व्याख्यान, मैग्नेनोमिक्स का प्रयोग करते हुए सूक्ष्मजीवी परस्पर क्रिया में अंतरदृष्टिः विवेकी मित्र और शत्रु, माइक्रोबियल जैव प्रौद्योगिकी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (माइक्रोकॉन 2017ः द साइंस स्प्रिंग), पंजाब विश्वविद्यालय , चंडीगढ़, फरवरी 17, 2017

मुख्य वक्ता, मेटेनैनोमिक्स के संदर्भ में पौधे और पशु जीव विज्ञान के अध्ययन में नए मोड़ः भविष्य के लिए दृष्टि, एस वी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में 4 जनवरी, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी पर आउटरीच कार्यक्रम, निरंतरता और चुनौतियां (ईएनसीओएन –017) में।

आईयूएमएस–आईएनएसए (अंतर्राष्ट्रीय यूनियन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिकल सोसाइटीज–इंडियन नेशनल साइंस अकादमी) और एएमआई दिल्ली यूनिट, दिल्ली विश्वविद्यालय और आईएनएससीआर (इंडियन नेटवर्क फॉर सॉइल कॉस्मेटिनेशन्स अनुसंधान) के तत्वावधान में प्राणि विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 22 सितंबर, 2016 को आयोजित माइक्रोबियल जीनोमिक्स और मेटाजेनोमिक्स पर जीनोमिक्स से मेटगेनिमिक्स कार्यशाला।
मुख्य वक्ता, एमएसीसी, पुणे में 13 सितंबर, 2016 को, बीआईएसएमआईआईएस (बेर्ज्जी माइक्रोबियल सिस्टामैटिक्स की अंतर्राष्ट्रीय सोसाइटी) 2016 मेटेनोगोनिक दृष्टिकोण का उपयोग करते तनाव ग्रस्त आवासों में समुदाय वार दृष्टिकोण।

मेटाजोनॉमिक्स की अगुवाई करने वाले चरम वातावरण, मृदा विज्ञान का संस्थान, ज्ञान की चीनी अकादमी, नानजिंग, चीन, 13 जुलाई, 2016.

प्रो रीता सिंहः

पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम में चयापचय गड़बड़ी के एफएसएच की भूमिकाः पीसीओएस ग्रैन्यूलोसा कोशिकाओं में एफएसएचआर (जीपीसीआर) सक्रियण में एक आंशिक दोष, हार्मोन और सेल विनियमन पर 41वीं यूरोपीय संगोष्ठीः शारीरिक प्रक्रियाओं की सही ट्यूनिंग के लिएः जीपीसीआर गतिशीलता, मोंटे स्टे ऑडिले, अलसैसं, फ्रांस , 5–8 अक्टूबर, 2016.
पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम में चयापचय गड़बड़ी के एफएसएच की भूमिका, प्रजननशील जैवऔषधियों पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, रॉयन संस्थान, तेहरान, ईरान, 31 अगस्त–2 सितंबर, 2016. पीसीओएस रोगियों में पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) और बांझपन का अनुमान, प्रजनन जैवऔषधियों पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, रॉयल संस्थान, तेहरान, ईरान, 31 अगस्त, 31 2 सितंबर, 2016.
प्रो. अंजू श्रीवास्तव, 9 –11 सितंबर, 2016 को कोचीन, केरल में आईएनसीडी–2016 में फाइटोकेमिकल्स कैंसर और प्रतिरक्षा कोशिकाओं के बीच परस्पर संपर्क स्थापित कर ट्यूमर प्रतिरोघ को फिर से प्रतिस्थापित करते हैं।

प्रो आलोक सी. भारतीः
सरवाइकल कैंसर स्टेम सेल और केमोरेजिस्टेंस के रखरखाव में वायरल ओंकोप्रोटीन की भूमिका, रोग आनुवंशिकी में प्रगति पर 22 जनवरी, 2017 को प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन का अशोक संस्थान, वाराणसी में रोग के जीनेटिक्स की प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
प्रौद्योगिकी इंडियन संस्थान ऑफ टेक्नोलॉजी गुवाहाटी द्वारा कोचीन में, 9 सितंबर, 2016 को आयोजित न्यूट्रास्यूटिकल और क्रोनिक रोगों पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हर्बल व्युत्पन्नों द्वारा मानव पिपिलोमावायरस संक्रमण और ग्रीवा कैंसर को लक्षित करना।

प्रो. रीना चक्रवर्ती, मछलियों में पाचन एंजाइम, एक्वाकल्चर संस्थान, स्टर्लिंग विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड में द्विपक्षीय विनिमय के अंतर्गत भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) भारत और रॉयल सोसाइटी ऑफ एडिनबर्ग (आरएसई), ब्रिटेन द्वारा आयोजित, 21 जून–4जुलाई, 2016.

राष्ट्रीयः

प्रो आलोक सी. भारतीः

सरवाइकल कैंसर स्टेम सेल और केमोरेजिस्टेन्स का रखरखावः संभावित चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में वायरल ओंकोप्रोटीन, पुनरुत्पादक औषध में हाल की प्रगति पर सम्मेलन, स्टेम सेल टिश्यू इंजीनियरिंग और जैवचिकित्सा एक्जिलेंस केंद्र, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, 31 मार्च, 2017

एचपीवी परीक्षण की विधियां–व्यावहारिक पहलू, आईएससीसीपी का 12वां वार्षिक सम्मेलन, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में, 3 मार्च 2017.

सरवाइकल कैंसर – एक बचावक्षम कैंसर, लेकिन अभी तक नहीं रोका नहीं गईः सर्जिकल स्ट्राइक के लिए रास्ते, हालिया रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन प्रबंधन संस्थान, गाजियाबाद में जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति, 26 नवंबर, 2016

15 अक्टूबर, 2016 को होटल अशोक, पातलिपुत्र में, सामान्य जनसंख्या और जननांग कैंसर, एचपीवी प्रकार की महामारी विज्ञान, एओजीन–भारत वार्षिक सम्मेलन में।

होटल अशोक, पाटलिपुत्र में 14 अक्टूबर, 2016 को एओजीएन–भारत के वार्षिक सम्मेलन के दौरान ग्रीवा कोशिका और एचपीवी जांच के साथ इसके एकीकरण पर कार्यशाला, मौखिक एचपीवी संक्रमणः क्या वे जननांग संक्रमण से अलग हैं।

एचपीवी वायरल ओंकोप्रोटीनः गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की शुरुआत और प्रगति से परे भूमिका, कैंसर अनुसंधान के भारतीय संघ (आईएसीआर 2015) का 35वां वार्षिक सम्मेलन, 10 अप्रैल, 2016 को दिल्ली में।

प्रो रीता सिंहः

पर्यावरण प्रदूषण एवं स्वास्थ्य जोखिम, अध्यक्ष एवं संयोजक, जीवन शैली और प्रजनन स्वास्थ्य चुनौतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और जागरूकता कार्यक्रम, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 29 मार्च, 2017.

पॉलीसिस्टिक ओवरी विकार (पीसीओएस)ः क्या यह एक आनुवंशिक या पर्यावरण संबंधी विकार है? संचारी और गैर संचारी विकारों की राष्ट्रीय संगोष्ठी, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़, 21 फरवरी,

पर्यावरण, जीवन शैली और युवा महिलाओं की प्रजनन स्वास्थ्य चुनौतियां, बांझपन के लिए रणनीतियों पर विशेष जोर सहित प्रजनन स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सहायता सहित प्रजनन और परिवार नियोजन, एम्स, नई दिल्ली, 23–25 जनवरी, 2017.

अंतः स्रावी परेशानियां, पीसीओएस और प्रजनन स्वास्थ्य : प्लास्टिक का खतरा, अध्यक्ष, बिड़ला बालिका विद्यापीठ के वरिष्ठ स्कूल के छात्रों के लिए प्रजनन स्वास्थ्य जागरूकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, बीआईटीएस कैंपस, पिलानी, राजस्थान, 10–11 सितम्बर, 2016

प्रो. एम एम चतुर्वेदी

प्रमुख/पूर्ण व्याख्यान, जीवन विज्ञान में संभावनाएंरू प्राणी विज्ञान में अध्यापन और अनुसंधान में प्रतिमान बदलाव। छत्तीसगढ़ की जियोलॉजिकल सोसाइटी (जेडएससी) का दूसरा छत्तीसगढ़ कांग्रेस, 2–3 मार्च, 2016.

आमंत्रित व्याख्यान, चयापचय रिप्रोग्रामिंग और जीन अभिव्यक्ति के एक नियामक के रूप में क्रोमैटिन, कार्यात्मक जीवविज्ञान में उभरते क्षितिज पर सम्मेलन, एनईएचयू, शिलांग, मार्च 24, 2017.

प्रो. आर. के. सेठः

कीटनाशक विज्ञान और इसकी प्रासंगिकता पर्यावरण और मानव जाति, बीएचयू शताब्दी समारोह, कीटनाशक एवं कृषि विभाग प्राणि विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, बीएचयू, वाराणसी, 25मार्च, 2017.

प्रभावी कीट कीट प्रबंधन में परमाणु प्रौद्योगिकी की संभावित भूमिका, बीएचयू शताब्दी समारोह, कीट विज्ञान और कृषि प्राणि विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, बीएचयू, वाराणसी, 25 मार्च , 2017.

आमंत्रित व्याख्यान, कीट प्रजननः विकासवादी अध्ययन और कीट प्रबंधन रणनीति के लिए एक लक्ष्य मॉडल। डीएसटी–एसईआरबी डीएसटी–एसईआरबी कीट जीवविज्ञान स्कूल में, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, 1–15 अक्तूबर, 2016.

आमंत्रित व्याख्यान, आमंत्रित व्याख्यान, एकीकृत और समेकित कीट प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में परमाणु ऊर्जा, डीएसटी–एसईआरबी, कीट जीवविज्ञान का स्कूल, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, 1–15 अक्टूबर, 2016.

आमंत्रित व्याख्यान, कीट प्रजनन से संबंधित व्यावहारिक अभ्यास और एंटीमोलॉजिकल अनुप्रयोग में रेडियेशन का उपयोगः पारिस्थितिक मजबूत कीट दमन में परमाणु ऊर्जा। डीएसटी–एसईआरबी, कीट जीवविज्ञान का स्कूल, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, 1–15 अक्टूबर, 2016.

प्रो रूप लालः

प्रिडेटरी पत्रिकाओं में पहचान और लुप्तप्राय प्रकाशनः हमारे अनुभव, प्रिडेटरी पत्रिकाओं में पहचान और प्रकाशन से बचने के लिए शोधकर्ताओं का एक बयान, वनस्पति विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी, 18 मार्च, 2017.

अतिथि व्याख्यान, बैक्टीरियल वर्गीकरण, जीनोमिक्स और मेटेनॉमिक्स का शोध, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, दिल्ली, 3 मार्च 2017 में जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के संकाय।

पूर्ण व्याख्यान, न्यू होराइजन्स में मेटागोनामिक्स रिवोल्यूशन के माध्यम से बायोलॉजी विभाग, बीएचयू, वाराणसी, 23 फरवरी, 2017, पर्यावरण विज्ञान में मुद्दे और चुनौतियां (आईसीईएस –017), नेशनल संगोष्ठी।

व्याख्यान, मेटानॉमिक्स का उपयोग करने वाले माइक्रोबियल इंटरैक्शन में अंतर्दृष्टिः बुद्धिमान सहयोगी और दुश्मन, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, 20 फरवरी, 2017.

व्याख्यान, माइक्रोबायोलॉजीः तब और अब, दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 15 फरवरी, 2017।

अतिथि वक्ता, वैज्ञानिक नवाचार जिसने विश्व और भारत को बदल दिया है। तब और अब, एनएसआई–बीएचयू शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला, बीएचयू, वाराणसी, 10 फरवरी, 2017।

वार्ता, असीम अनुप्रयोगों के साथ जीवाणुओं की असीमित दुनिया, गार्गी कॉलेज, 8 फरवरी, 2017।

वार्ता, वैज्ञानिक नवाचार जिसने विश्व और भारत को बदल दियाः तब (1990 से पहले) और अब, डीएसटी, जम्मू और कश्मीर सरकार प्रायोजित कार्यक्रम, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर, 20 जनवरी, 2017

वार्ता, वैज्ञानिक नवाचार जिसने विश्व और भारत को बदल दियाः तब (1990 से पहले) और अब, डीएसटी प्रायोजित 7वां इंस्पायर कार्यक्रम, एशियाई शिक्षा संस्थान, पटियाला, 10 जनवरी, 2017।

भारत अब और तब, दिल्ली विश्वविद्यालय, आईएनएसए आउटरीच प्रोग्राम और डीबीटी स्टार कॉलेज प्रोजेक्ट, सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बानी, हमीरपुर, एचपी, के रामजस कॉलेज के अधीन बानी स्कूल नवीकरण शिविर (बीएएसआईसी) –2016 (ड्रीम स्कूल) आयोजित किया गया। 23–24 दिसंबर, 2016

जैव प्रौद्योगिकीः जीन से जीनोमिक्स और मेटैजेनोमिक्स सत्र सीएडीडीः कंप्यूटर की सहायता से दवा की डिजाइनिंग, एनआईटी और एन.एस.सी.बी.एम. गवर्नमेंट कॉलेज, हमीरपुर, एच.पी., 12 दिसम्बर, 2016
मुख्य वक्ता, माइक्रोबियल जीनोमिक्स से मेटैजेनोमिक्स एक प्रतीकात्मक बदलाव 57वां एएमआई (भारत की माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसोसिएशन) वार्षिक सम्मलेन–2016, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, 26 नवंबर, 2016.

24–डेसमेथिल्रफैमिसिन बी का विकास– बहु–औषध प्रतिरोधी मैकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ रिफामाइसिन बी का एक नया एनालॉग, 57वां एफएएमआई (एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया) वार्षिक सम्मलेन –2016, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, एएसएम–एएमआई के संयुक्त सत्र, 25 नवंबर, 2016।

माइक्रोबियम क्रांतिः भविष्य के लिए दृष्टि, मानव कल्याण के नए क्षितिजों का विकास, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी। 23 नवम्बर, 2016.
जैव प्रौद्योगिकीः जीनस से जीनोमिक्स और मेटैजिनॉमिक्स, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, 14 नवंबर, 2016।

टैक्सो–जीनोमिक्सः पॉलीफायोटिक दृष्टिकोण से आगे, माइक्रोबियल रिसोर्स सेंटर पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और माइक्रोबियल भिन्नता का संरक्षण, एमटीसीसी, सीएसआईआर–आईएमटीईसीएच, चंडीगढ़, 8 नवंबर, 2016.
चरम वातावरणः जीनोमिक्स और मेटेनॉमिक्स के लिए एक उपयुक्त लक्ष्य, प्रौद्योगिकी का वेल्लोर संस्थान (वीआईटी), वेल्लोर, 17 अक्टूबर, 2016.
जैव प्रौद्योगिकीः आनुवंशिकीविदों का सपना, अनुप्रयोग, अवसर और गलत धारणाएं, सूक्ष्म जीव और माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ टैक्नोलॉजी, मोहाली, पंजाब, भारत`, चंडीगढ़ यूनिट, 23, अगस्त,2016.
प्रो अंजू श्रीवास्तवः
फाइटोकेमिकल्स और कैंसर की रोकथामः एनएफ– केबी सिग्नलिंग, एपिनेटिक्स, और सेल मौत तंत्र, बायोटैक्नोलॉजी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय , चंडीगढ़, मार्च, 9, 2017.
कैंसर और प्रतिरक्षा कोशिकाओं के बीच परस्पर संपर्क को पुनःव्यवस्थित करके प्रतिरोधी प्रतिरक्षा पुनः स्थापित करना, एक संभावित चिकित्सीय रणनीति, जीन–पर्यावरण पर रोग पर बातचीत के लिए संगोष्ठी में, विकास और विकास, जूट विज्ञान विभाग, बीएचयू, वाराणसी, 5–6 मार्च, 2017.

दिल्ली, सीपीडीएचई में विकारों को हराने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को पुनःव्यवस्थित करना, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली, अक्टूबर, 10, 2016.

प्रोफेसर डी. के. सिंहः

सतत पर्यावरण के लिए औद्योगिक प्रदूषण का मुकाबला – औद्योगिक और वैज्ञानिक प्रयासों का मिश्रण, गार्गी कॉलेज में राष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, सितम्बर, 22, 2016.

पर्यावरण एवं सशक्त विकास (एनसीसी 2016), रसायन शास्त्र में यूजीसी प्रायोजित नेशनल कांफ्रेंस, रसायन विज्ञान विभाग, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 7–8 अप्रैल, 2016.

शोधपत्र/ पोस्टर प्रस्तुतिः

अंतर्राष्ट्रीयः

एन चौहान, एन अग्रवाल, और एम शकरद, त्वरित विकास के साथ ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर में प्रमुख विकासशील जीनों की उच्च अभिव्यक्ति विकासवादी जीवविज्ञान का 18 वां अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस आईएसबीडी सिंगापुर–2017, ,18–22 जून, 2017.

आर के सेठ, जेड खान, डी के राव, एम जरीन, और आर सेठ, शुक्राणु व्यवहार एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में, आर्थिक रूप से गंभीर भारतीय कीट, स्पोडोप्टेरा लिट्यूरा (फैबर.) (लेपिडोप्टेराः नोक्टुइडे) प्रयोगशाला और खेत में नकली पिंजरों में आबादी दमन के लिए रेडियो–आनुवंशिक 'एफ 1 स्तरीय तकनीक की संचालन क्षमता को सुनिश्चित करता है। कीटों का क्षेत्रीय प्रबंधनः बाँझ कीट और संबंधित न्यूक्लियर और अन्य तकनीकों को एकीकृत करने पर तीसरा एफएओ–आईएईए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएईए–सीएन –248), खाद्य और कृषि में परमाणु तकनीकों का संयुक्त एफएओ/आईएईए प्रभाग, आईएईए, विएना में, आस्ट्रिया, 22–26 मई, 2017.

आर के सेठ, बी वी पाटिल, आर वी हावेरी, एस जी हांचीनल, एम जारिन, जेड खान, एंड आर सेठ, फलियां काटने वाले ब्रुचीड प्रजातियों के खिलाफ फसल–स्वच्छता उपचार के पश्चात् एक सामान्य विकिरण की खुराक की स्थापना (कोलेयोपटेराः क्रिसोमेलिडे)। कीटों के क्षेत्रीय प्रबंधन परः बाँझ कीट और संबंधित परमाणु और अन्य तकनीकों को एकीकृत करना, (आईएईए–सीएन –248), खाद्य और कृषि में परमाणु तकनीकों का संयुक्त एफएओ/आईएईए प्रभाग, आईएईए, विएना, ऑस्ट्रिया, 22–26 मई, 2017.

बी वी पाटिल, एस जी हांचीनल, जेड खान, एम जरीन, आर वी हावेरी, चंद्रशेखर, एस येलशेट्टी, और आर के सेठ, फूल वेबर पर गामा विकिरण की प्रभावकारिता सुनिश्चित करना, मारुका विट्रटा (फैबर.) (लेपिडोपाटेराः क्रैम्बिडे) भारत में मटर कीट के प्रबंधन के लिए वंशानुगत वंध्याकरण तकनीक स्थापित करने के लिए कीटों के क्षेत्रीय प्रबंधन पररूः बाँझ कीट और संबंधित परमाणु और अन्य तकनीकों को एकीकृत करना, (आईएईए–सीएन –248), खाद्य और कृषि में परमाणु तकनीकों का संयुक्त एफएओ/आईएईए प्रभाग, आईएईए, विएना, ऑस्ट्रिया, 22–26 मई, 2017.

आर वी हावेरी, एस जी हांचीनल, चंद्रशेखर, एम जरीन, जेड खान, बी वी पाटिल, एस येलशेट्टी, और आर के सेठ, पोड बोररों, मारुका विट्राटा (फिब्रा) (लेपिडोप्टेराः क्राम्बिडा) के बड़े पैमाने पर पालन के लिए अर्ध–कृत्रिम आहार का अनुकूलन, कीट दमन के लिए विरासती वंध्यता तकनीक का उपयोग कीट पतंगः तीसरे एफएओ–आईएईए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कीट किटों के क्षेत्रीय प्रबंधन परः बाँझ कीट और संबंधित न्यूक्लियर और अन्य तकनीकों को एकीकृत करना, (आईएईए–सीएन –248), खाद्य और कृषि में परमाणु तकनीकों का संयुक्त एफएओ /आईएईए प्रभाग, आईएईए, विएना, ऑस्ट्रिया, 22–26 मई, 2017.

एक बक्शी और यू राय, पुनरुत्पादक जीवविज्ञान और तुलनात्मक एंडोक्रिनोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और पुनरुत्पादक जीवविज्ञान और तुलनात्मक एंडोक्रिनोलॉजी की सोसाइटी की 35 वीं वार्षिक बैठक, हैदराबाद विश्वविद्यालय, पृ. 29

पी. लकरा, के. अदिती और एन अग्रवाल.. न्यूरॉन्स से परे उत्परिवर्ती हंटिंगटन का हानिकारक प्रभावः ड्रोसोफिला में चयापचय गतिविधि का फेरबदल। 58वां वार्षिक ड्रोसोफिला अनुसंधान कॉन्फ्रेंस, सैन डिएगो, सीए, यूएसए, मार्च 2017.

एम. चटर्जी और एन अग्रवाल, उत्परिवर्ती हंटिंगटन के सरीन अवशेषों के फास्फोराइलेशन, ड्रोसोफिला में हंटिंगटन रोग में चयापचय कार्य में योगदान देता है। 58वां वार्षिक ड्रोसोफिला अनुसंधान कॉन्फ्रेंस, सैन डिएगो, सीए, यूएसए, मार्च 2017.

के. सिंह, आर. के. सेठ. और वी. कुमार, एक नाक्टुइड उष्णकटिबंधीय कीट, स्पोडोप्टेरा लिट्यूरा (फैब्रिकियस) (लेपिडोप्टेराः नोक्टूइडे) के वृषण में घड़ी जीन की अभिव्यक्ति के पैटर्न। 21 वीं सदी में जैविक समय और स्वास्थ्य मुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, दिल्ली विश्वविद्यालय, 21–24 फरवरी, 2017।

प्रोफेसर वी. कुमार, मछली में एस्ट्रडियोल –17 बी ए के प्रभाव के अंतर्गत जिगर में हीट शॉक प्रोटीन की अभिव्यक्ति। पोस्टर प्रस्तुति, 21 वीं सदी में जैविक समय और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर, भारत अमेरिकी कार्यशाला और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 21–24 फरवरी, 2017.

प्रोफेसर नीता सहगल, ताजे पानी की मछली के विटेलोजेनिक ओक्साइट्स से लिपोवेटेलिन का विशेषता वर्णन। पोस्टर प्रस्तुति, 21वीं सदी में जैविक समय और स्वास्थ्य मुद्दे पर भारत अमेरिकी कार्यशाला एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 21–24 फरवरी, 2017

एम. चटर्जी और एन अग्रवाल, उत्परिवर्ती हंटिंग्टन के सरेन अवशेष फास्फोरायलेशन एचडी पैथोजेनेसिस को उन्नत बनाता है। 21 वीं सदी में दिल्ली, 21–24 फरवरी, 2017 में जैविक समय और स्वास्थ्य मुद्दों पर भारत अमेरिकी कार्यशाला और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

पी. लकरा, के. अदिती और एन अग्रवाल, ड्रोसोफिला में चयापचय गतिविधि में उत्परिवर्ती हंटिंग्टन की उभरती भूमिका। 21 वीं सदी में जैविक समय और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर भारत अमेरिकी कार्यशाला और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, दिल्ली, 21–24 फरवरी, 2017.

रानी कुमारी, कविता रावत और अंजू श्रीवास्तव. मेलाटोनिन ट्यूमर प्रेरित एंजियोजीनेसिस, अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला और 21वीं सदी में जैविक समय और स्वास्थ्य मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्राणि विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 21–24 फरवरी, 2017.

जोहा अहमद, एस. अनुपमा, कुमारी अम्मा सइदा, आनंद स्वरूप शुक्ला और अंजू श्रीवास्तव, मेलटोनिनः ट्यूमर से संबंधित मैक्रोफेज : एक संभावित प्रतिरक्षा–परिवर्तक, अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला और 21वीं सदी में जैविक समय और स्वास्थ्य मुद्दों पर संगोष्ठी, प्राणि विज्ञान विभाग, डीयू, 21–24 फरवरी, 2017 ।

वी. नेगी, एन. के. महतो और आर. लाल जटिल सूक्ष्मजीव बातचीत को समझने के लिए तालाब की तलछट का मेटाजेनोमिक विश्लेषण। जोहान हेनरिक वॉन थूनें–संस्थान, ब्रेनशेविग, जर्मनी, 14–16 दिसंबर, 2016 में आयोजित मृदा मेटेनैमिक्स पर तीसरी थूनेन संगोष्ठी।

आर. के. सेठ., जेड. खान, डी. के. राव और एम जरीन, स्पोडोपटेरा लिट्यूरा (एफ) (लेपिडोप्टेरारू नोक्टुइडे), एक उष्णकटिबंधीय कीट के दमन के लिए ''विरासती वंध्यता'' रणनीति में विकिरणित नर और उनकी एफ1 संतति के

महत्वपूर्ण गुणों के रूप में शुक्राणु गतिविधि और संभोग की योग्यता। कीट विज्ञान का पच्चीसवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीई 2016), ऑरलैंडो, फ्लोरिडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, 25–30 सितंबर 2016.

जेड. खान और आर. के. सेठ. ऑक्सीडेटिव तनाव और विकिरणित उष्णकटिबंधीय कीट, स्पोडोप्टेरा लिट्यूरा (फैबर।) और इसकी एफ 1 संतति में डीएनए की क्षति पर उप–स्तरीय आयनिंग विकिरण का प्रभाव। कीट विज्ञान का पच्चीसवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीई 2016), ऑरलैंडो, फ्लोरिडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, 25–30 सितंबर 2016.

एम जरीन, आर.सेठ, और आर. के. सेठ, सोलोनोप्सिस मेलीबग की विभिन्न आनुवांशिक अवस्थाओं के खिलाफ पादप स्च्छता विकिरण की जैव–प्रभावकारिता, फेनाकोकास सोलेनोप्सिस (होमोपटेराः स्यूडोकोकिडे)।कीट विज्ञान का पच्चीसवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीई 2016), ऑरलैंडो, फ्लोरिडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, 25–30 सितंबर 2016.

कविता रावत, रानी कुमारी और अंजू श्रीवास्तव. ट्यूमर वाहक चूहों के प्रमुख अंगों में न्युट्रोफिल की प्रेरण से टिनसपोरा कॉर्डिफोलिया का प्रभावः 9 –11 सितंबर, 2016 से एक प्रतिरक्षा परिवर्तक एवं ट्यूमर विरोधी भूमिका, आईएनडीडी–2016 कोचीन, केरल।

रानी कुमारी, कविता रावत और अंजू श्रीवास्तव. डाल्टन के लिम्फैमा–प्रेरित एंजियोजेनेसिस पर टिनोसपोरा कार्डिफोलिया का प्रभावः एक विवो अध्ययन में, आईएनसीडी–2016 कोचीन, केरल, 9–11 सितंबर, 2016. (सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति को समेट दिया गया)

आर. बसाक, ए. राय और यू. राय, एओएसईईसी का 8वां कांग्रेस – तुलनात्मक से अनुवादकारी अनुसंधान, कोरिया विश्वविद्यालय, कॉलेज ऑफ मेडीसिन, सियोल, कोरिया, पृ. 57, 2016.

एच. सरकार, यू. राय और एस. एस.मजूमदार. मेओसिस पर गॉर्डन अनुसंधान कॉन्फ्रेंस, न्यू लंदन, एनएच, यूएसए, पृ. 28, 2016।

राष्ट्रीय

ए. बजाज, ए. पुरी, एच. वर्मा, वाई. सिंह और आर. लाल, माइक्रोबियल अनुप्रयोगों के लिए रासायनिक संदूषित साइटों की खोजः अलगाव, लक्षण वर्णन और बैक्टीरियल वर्णक के जैव रासायनिक मूल्यांकन और जैव–सिंथेटिक मार्ग का जीनोम आधारित विश्लेषण। मौखिक प्रस्तुतिकरण, भारत के सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

आर. कुमार, एस. नागर, ए. पुरी, ए. बजाज, वी. गुप्ता, एन.के. महतो, यू. सूद, आर. के. नेगी, एम. के. शकरद, वाई. सिंह और आर. लाल, *जीनस पैरापेडोबैक्टर का तुलनात्मक जीनोमिक विश्लेषणः आनुवंशिक गुणों और जीनोमिक पात्रता लक्षणों में अंतर्दृष्टि।* पोस्टर प्रस्तुतिकरण, भारत के सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

एन. नय्यर, पी. कोहली, एन.के. महतो और आर. लाल, हेक्सच्लोरोक्साइक्लोसेन से एक दूषित तालाब के तलछट से पृथक किए गए हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (एचसीएच) एक नए जीवाणु उपभेद(पीबी 3 टी), जीनस पोंटिबैक्टर से संबंधित है। पोस्टर प्रस्तुतिकरण, भारत के सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

वी. नेगी और आर. लाल, जटिल माइक्रोबियल प्रतिक्रिया को समझने के लिए तालाब की तलछट का मेटाजीनोमिक विश्लेषण। पोस्टर प्रस्तुतिकरण, भारत के सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

वी.गुप्ता, एस. हैदर, यू. सूद, ए. जे. गिलबर्ट, एम. रामजी के. फ्रोब्स, वाई. सिंह, एस.बी. लोप्स और आर. लाल। भेड़ के गट एसिनेटोबैक्टर सिम्बिनेट का तुलनात्मक जीनोमिक विश्लेषणः प्रणाली जीव विज्ञान और तुलनात्मक जीनोमिक्स
दृष्टिकोण का उपयोग करना। पोस्टर प्रस्तुतिकरण, भारत के सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

पी सिंह, आर कुमारी, और आर लाल, एमीकोलोटि्सस मेडिटरेनी एस 699 में राइफैमिसिन बी एनालॉग तैयार करने के लिए रिफामाइसीन पॉलीकीटाइड सिंथेस जीन क्लस्टर के एसीएल ट्रांसफेरेस डोमेन का जेनेटिक हेरफेर। पोस्टर प्रस्तुतिकरण, भारत के सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

एन के महतो, ए शर्मा, वाई सिंह, और आर लाल, भारतीय गरम पानी के झरनों का तुलनात्मक मेटैगनियमिक विश्लेषण तापमान संचालित समुदाय और कार्यात्मक गतिशीलता दिखाता है। पोस्टर प्रस्तुतिकरण, भारत के सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

आर कुमारी, पी सिंह, सी तलवार, आर के नेगी, और आर लाल, जीनस टेसेराकोकास का तुलनात्मक जीनोमिक विश्लेषणरू उनके आवास विशिष्ट अनुकूलन का खुलासा करना। पोस्टर प्रस्तुतिकरण, भारत के सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

सी. त्रिपाठी, एन.के. महतो, पी. रानी, वाई. सिंह, के. कमरा और आर. लाल, लैम्प्रोपैडीयन काउहएरेन के संपूर्ण जीनोम विश्लेषण। मणिकरण, भारत में गर्म झरने की माइक्रोबियल परत से पृथक बायोफिल्म बनाने वाला जीवाणु। पोस्टर प्रस्तुतिकरण, भारत के सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

पी. रानी, के. कमरा और आर. लाल, जीनोम खनन और एक रेजोबैक्टेरियम की कार्यात्मक प्रोफाइलिंगरू स्यूडोमोनस फ्लुरेसेन्स पीटी14. पोस्टर प्रस्तुतिकरण, भारत के सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

पी. हीरा, डी.एल.एन.राव, आर. लाल और एम. शकरद. स्यूडोमोनस फ्लुरोसेन्स का तुलनात्मक जीनोमिक अध्ययनः उनकी विविधता और उपनिवेश की रणनीति की अंतर्दृष्टि। पोस्टर प्रस्तुतिकरण, भारत के सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

यू. सूद, डी.एल.एन.राव, आर. लाल और एम. शकरद, स्यूडोमोनस एरुगिनोसा के बाहरी इलाकों का तुलनात्मक जीनोमिक विश्लेषणः वीसी स्राव प्रणाली प्रकार के निगमन का प्रमाण। सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

ए. पुरी, ए. बजाज, एच. वर्मा, वाई. सिंह और आर. लाल टैरो–जीनोमिक कैरेटिनोइड का उत्पादन करने वाले जीवाणु पैराकाकेस एसपी, नया उपभेद एके26। सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

एच. खुराना, सी. तलवार, एस. नागर, आर. लाल, वाई सिंह एवं आर. के. नेगी, संस्कृति–आश्रित और संस्कृति–स्वतंत्र दृष्टिकोण के माध्यम से पूरे हिमालय पर्वत की एक लुप्तप्राय मछली प्रजाति टोर पुटितोरा (हैम) की सूक्ष्म जीवों की विविधता की खोज। सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

एच. मिश्रा, सी. त्रिपाठी और आर. लाल. का विकास के द्वारा बैक्टीरिया में वातावरण संचालित विकास को समझने के लिए एक उपकरण के रूप में तुलनात्मक जीनोमिक्स। सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ (एएमआई) का 57वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24–27 नवंबर 2016.

कविता रावत, रानी कुमारी और अंजू श्रीवास्तव. डाल्टन के लिम्फोमाइन बाल्ब/सी चूहों की प्रगति पर टिनोसपोरा कार्डिफोलिया का प्रभावः एक जैव रासायनिक, हेटमैटोलॉजिकल और हास्टोलॉजिकल अध्ययन, स्वास्थ्य देखभाल में जैव प्रौद्योगिकी परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन। 16 जुलाई, 2016.

रानी कुमारी, कविता रावत और अंजू श्रीवास्तव. चूहे के मेसेन्ट्री में डीएल–प्रेरित एंजियोजीनेसिस पर टिनोसपोरा कॉर्डिफोलिया का प्रभावरू ट्यूमर से प्रेरित एंजियोजेनेसिस का अध्ययन करने के लिए विवो मॉडल में एक अच्छे, स्वास्थ्य देखभाल में जैव प्रौद्योगिकी परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 16 जुलाई, 2016 (सबसे उतकृष्ट पोस्टर प्रस्तुति घोषित)।

आनंद स्वरूप शुक्ला, जोहा अहमद एवं अंजू श्रीवास्तव. डाल्टन के लिंफोमा में हाइड्रोजन सल्फाइड का स्तरः ट्यूमर से जुड़ी मैक्रोफेज की भूमिका, हेल्थकेयर में जैव प्रौद्योगिकी परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन, जुलाई 16, 2016.

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

प्रोफेसर रीना चक्रवर्ती

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का नॉर्वेजियन विश्वविद्यालय (एनटीएनयू) – (2014–18), नेपाल में मतस्य पालन विकासः एक्सट्रूडर मेड प्लांट–आधारित आहार का उत्पादन। 56 लाख रुपए।

डीबीटी (2014–2017), अचिरेंथेस एस्पेरा का प्रयोग करते हुए कैटला कैटला और क्लेरियस बत्राचस के लिए पेलेटेड डाइट का विकास और तालाब संस्कृति प्रणाली में इसके प्रतिरक्षण गुणों का मूल्यांकन, (संयुक्त परियोजना दिल्ली प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालय, दिल्ली, मत्स्य शिक्षा, रोहतक, हरियाणा की केंद्रीय संस्थान और दिल्ली विश्वविद्यालय) 80 लाख रुपए, डीयू का हिस्सा।

प्रो. रूप लाल, डीएसटी–डीएएडी, (2014–2016), कम्पाउंड–विशिष्ट स्थिर आइसोटोप विश्लेषण (सीएसआईए) का उपयोग करते हुए खेत के दूषित स्थानों में कीटनाशक हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सन (एचसीएच) के प्राकृतिक और उत्तेजित जैव निम्नीकरण का मूल्यांकन। 9,80,000 रुपए।

प्रोफेसर विनोद कुमार, डीबीटी, (2013–2018), जीन में प्रत्याशाः रात–प्रवासी गाना गाने वाले पक्षियों में आणविक, शारीरिक और व्यवहार सह–संबंध मौसम के लिए लगभग वार्षिक घड़ियों की प्रतिक्रिया। लखनऊ विश्वविद्यालय, सी. सी.एस. विश्वविद्यालय, मेरठ, एनईएचयू, शिलांग, एनआईएसईआर, भुवनेश्वर, सेंट अलायसिस कॉलेज, मंगलौर। 1,59,00,000 रुपए।

प्रो आर.के. सेठ, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम), कृषि मंत्रालय, सरकार भारत की, (2013–2017), आईपीएम में एक अभिन्न घटक के रूप में विकिरण प्रौद्योगिकी पर जोर के साथ वर्तमान मटर कीट यौगिकों और उनके प्रबंधन पर जांच। दिल्ली विश्वविद्यालय और कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर के बीच संयुक्त परियोजना, 1,66,000 रुपए (डीयू का हिस्सा)।

प्रोफेसर डी. के. सिंहः

एनएफबीएसएफएआरए (आईसीएआर) (2013–2017), प्रदूषित साइटों में दूषित पदार्थों का जैवसुधारः जंगली पौधों का उपयोग। दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (सहकारी केंद्र), डीडब्लूएसआर जबलपुर (मुख्य केंद्र), जल प्रौद्योगिकी केंद्र, आईएआरआई (सहकारी केंद्र)। 48,29,000 रुपए (डीयू का हिस्सा)

डीबीटी रिसर्च परियोजना, (2013–16), एक्स्ट्रीमोफाइलों के क्लोरीनटेड ऑर्गेनिक्स का जैवनिम्नीकरण:प्रभावी सुधार के लिए जैवउत्प्रेरकों का विकास। आईआईटी दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

एनएफबीएसएफएआरए–आईसीआर (2012–2016) यमुना में उपस्थित कृषि–रसायनों और भारी धातुओं के जैवसुधार और शहरी और उप–शहरी कृषि क्षेत्रों में सिंचाई के लिए जल निकासी। दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, (नेतृत्व केंद्र), आईआईटी, दिल्ली (सहकारी केंद्र) और आईएआरआई, दिल्ली (सहकारी केंद्र), 94,22,000 रुपए (डीयू का हिस्सा)

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए)ध्एफएओ (2011–2016), भारत में खाद्य पदार्थों और आहारों के लिए परमाणु और आणविक तकनीकों का उपयोग करके उनका पता लगाए जाने की क्षमता का अनुमान लगाना, सहयोगीः संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, भारत, चीन, मोरक्को, चिली, पुर्तगाल के संस्थान/विश्वविद्यालय, सिंगापुर, थाईलैंड, बोत्सवाना, लेबनान, युगांडा। € 32000 यूरो।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

प्रोफेसर रूप लालः

आईयूएमएस–आईएनएसए (अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म जीव विज्ञान संस्थान – भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी) एएमआई दिल्ली यूनिट, दिल्ली विश्वविद्यालय और आईएनएससीआर (मिट्टी संदूषण अनुसंधान के भारतीय नेटवर्क) के तत्वावधान में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग में माइक्रोबियल जीनोमिक्स और मेटाजीनॉमिक्स पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 22 सितंबर, 2016.

दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आईएनएसए आउटरीच प्रोग्राम और डीबीटी स्टार कॉलेज परियोजना, रामजस कॉलेज के अंतर्गत 23–24 दिसम्बर, 2016 को बानी, हमीरपुर (एच.पी.) के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल (जीएसएसएस) में बानी स्कूल नवाचार शिविर (बीएएसआईसी) –2016 (ड्रीम स्कूल) आयोजित किया गया।

प्रोफेसर रीता सिंह

युवावस्था में पीसीओएस/पीसीओडी प्रबंधन पर स्त्री रोग विशेषज्ञ–छात्र संपर्क कार्यशाला, प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सभागार में, 12 अगस्त, 2016.
बिड़ला बालिका विद्यापीठ, पिलानी की सीनियर स्कूल के छात्राओं के लिए प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य जागरूकता, 10–11 सितम्बर, 2016.
आणविक एंडोक्रिनोलॉजी और प्रजनन में विशेषज्ञता वाले स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में लड़कियों के चार छात्रावासों में विश्वविद्यालय की छात्राओं के लिए प्रजननात्मक स्वास्थ्य जागरूकता, जनवरी–मार्च, 2016.

प्रदत्त पीएच.डी–/एम.फिल.की संख्या

एम.फिल– 10

पीएच.डी.– 20

संकाय की संख्या

स्थायी – 18

***

सामाजिक विज्ञान संकाय

प्रौढ़, सतत् शिक्षा एवं विस्तार

प्रमुख क्रियाकलाप तथा उपलब्धियां

यह विभाग 1985 से सामाजिक विज्ञान संकाय का हिस्सा रहा है। इसकी शुरूआत 1978 में एक प्रकोष्ठ के रूप में हुई थी। इस विभाग से लाईफ लॉग लर्निंग एण्ड एक्सटेंशन में एम. ए., एम फिल और पीएचडी की जा सकती है। विभाग ने युनिवर्सिटी आफ वुर्ज़बर्ग, जर्मनी के साथ संकाय सदस्य और छात्र आदान–प्रदान हेतु एक करार किया गया है। इस करार के अंतर्गत 2015, 2016 और फरवरी 2017 में प्रथम बार में 6 छात्र, दूसरे बैच में 11 छात्र और तीसरे बैच में 10 छात्र भाग ले चुके हैं। वुज़बर्ग युनिवर्सिटी के छात्रों ने भी अक्टूबर 2016 में दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया। सहभागी विश्वविद्यालय के एक शोधकर्ता ने अपने शोध कार्य के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में 2 माह का समय बिताया और उन्हें उनके कार्य हेतु शैक्षिक सहायता प्रदान की गई। इस आदान–प्रदान कार्यक्रम के 3 साल तक जारी रहने की संभावना है। विभाग ने छात्रों और समुदाय के लोगों को उनकी निजी रूचि एवं कौशल में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए एक विशेष लघु अवधि पाठ्यक्रम का विकास किया है। इसमें कुछ लोकप्रिय पाठ्यक्रम इस प्रकार हैः स्पीड रीडिंग विद कम्प्रेशन, ट्रैवल एण्ड टूरिज्म, परामर्श एवं मार्गदर्शन, विज्ञान और खेल और पत्रकारिता एवं रेडियो कम्यूनिटी।

उपाधियां/विशिष्टियां

प्रो जे पी दूबे, को न्यूजपेपर एसोसिएशन आफ इंडिया द्वारा सर्वोत्तम शिक्षाविद का पुरस्कार दिया गया।

प्रो. जे पी दूबे को दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिषद की स्थायी समिति का सभापति नियुक्त किया गया।

प्रो. वी के दीक्षित ने 2016 में वुर्ज़बर्ग युनिवर्सिटी का दौरा किया।
6–7 फरवरी, 2017 को वुर्जबर्ग युनिवर्सिटी की शरद कार्यशाला में एम. ए., एम. फिल. और पीएचडी के दस छात्रों ने भाग लिया।

प्रकाशन

जे पी दूबे (2017)। प्रोफेशनल कम्पीटेंस इन हाइयर एजुकेशनःएडवोकेसी फोर लाइफलॉग लर्निंग। इन एसएस रावत (एड), हाइयर एजुकेशन क्वालिटी मेनेजमेंट एण्ड सोशल रिस्पोंसिबिलिटी,(पी पी 1–13) आगराः राखी प्रकाशन।

वी के दीक्षित (2016) ए स्टडी आफ प्रोस्पैक्ट एण्ड इफैक्टिवनेस आफ अल्टरनेटिव एजुकेशन सिस्टम। इंडियन जर्नल आफ लाइफलोंग लर्निंग एण्ड एजुकेशनल गाइडेंस, 3(1), 125–133

वी के दीक्षित (2016)। स्प्रैडिंग आऊट आफ टेकनीकल एजुकेशन इन वैली आफ कश्मीरः ए केस स्टडी आफ इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट इन साऊथ कश्मीर। इंटरनेशनल जर्नल आफ एडवांस्ड रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट, 4, 43–45

ए कुमार और वी के दीक्षित (2016) आइडेंटिफिकेशन आफ प्रोब्लम्स एण्ड चेलेन्जेज आफ सेकेन्डरी स्कूल काऊंसलर्स, इंडियन जर्नल आफ अडल्ट एजुकेशन, 77, 47–58।

राजेश और सुषमा (2016). लाईफ स्किल असेसमेंट इंवेट्री। इंटरनेशनल जर्नल आफ एजुकेशन एण्ड ह्युमेनिटीज़, एपीएच पब्लिशिंग कार्पोरेशन 5(1), 5–9

राजेश (2016). इनोवेशन्स एण्ड अपोर्चुनिटीज़ टू द मार्जिनलाइज्ड ग्रुप्स इन इंडियाः शेयरिंग एक्सपीरिएंस आफ द कम्युनिटी लर्निंग सेन्टर, इंडियन जर्नल आफ लाइफलोंग लर्निंग एण्ड एजुकेशनल गाइडेंस 3(1), 1–12।

रजनी और वी सिसोदिया (2016). रोल आफ एजुकेशन एण्ड एक्सटेंशन इन द प्रोमोशन आफ हेल्थ एण्ड वेल–बिंग इन कांफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, अंक 1, इंटरनेशनल कांफ्रेंस आन पब्लिक हेल्थ इशूज़, चेलेंजेज़, अपोर्चुनिटीज़, प्रिवेंशन, अवेयरनेस, दौलत राम कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 15 जनवरी 2016।

वी सिसोदिया (2016). स्टडी आफ साइकल रिक्सापुलर्स इन नार्थ कैम्पस एरिया आफ डेली युनिवर्सिटी, इंटरनेशनल जर्नल आफ मल्टीडिसिप्लिन एजुकेशनल रिसर्च, 5(6), 139–154।

आर. यादव (2016) पुस्तक समीक्षा, ग्लोबलाईज़ेशन, लाइफलोंग लर्निंग एण्ड द लर्निंग सोसाइटी, सोशियोलाजीकल पर्सपेक्टिव्स, अंक 2, पीटर जार्विस, इंटरनेशनल जर्नल आफ मल्टीडिसिप्लिनिरी एजुकेशनल रिसर्च 5(11)(2), 192–194।

शोध परियोजनाएं

एडल्ट एण्ड लाइफलोंग एजुकेशनः इंडिया एण्ड जर्मन इंसाईट, यूजीसी (जर्मन एकेडेमिक एक्सचेंज सर्विस में उच्चतर शिक्षा में भारत–जर्मन सहभागिता (डीएएडी)) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), पी आई प्रो. जे पी दूबे, 88,00,000/– रुपए

आयोजित संगोष्ठियां

21–22 अक्टूबर, 2016 को ' एजुकेशन पॉलिसी स्ट्रेटेजीस एण्ड एडल्ट एजुकेशनः ए कम्पैरेटिव एनालाईसिस आफ यूरोप एण्ड इंडिया ' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।''

संगोष्ठी/ सम्मेलन प्रस्तुतीकरण

जे पी दूबेः

22 फरवरी 2017 को जम्मू विश्वविद्यालय में ग्रामीण विकास और विस्तार पर मुख्य भाषण।
22 जुलाई 2016 को पंजाब पुलिस अकादमी में पुलिस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, फिल्लौर, पंजाब में व्याख्यान।

28 फरवरी 2017 को कालिंदी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'कैरियर काऊंसलिंग एण्ड लाईफ स्किल्स बिल्डिंग' पर व्याख्यान।

24 नवंबर, 2016 को एकेडेमिक स्टाफ कालेज, हरियाणा महिला विश्वविद्यालय में 'पेडागोजी वर्सेज़ एंड्रागोजी' पर व्याख्यान।
डिपार्टमेंट आफ अफ्रिकन स्टडीज़, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठि में 'इंक्लुसिव एजुकेशन इन अफ्रीका' पर लेख प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/ अंतराष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

जे एम यूनिवर्सिटी, वुर्ज़बर्ग, जर्मनी के साथ भारत–जर्मन परियोजना समझौता ज्ञापन।

अन्य अंतर–संस्थानिक सहयोग
आईआरइए तथा सरकार तथा गैर सरकारी संगठन।

आदान प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र
जे एम युनिवर्सिटी, वुर्ज़बर्ग, जर्मनी

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप
'विषय वस्तु के संदर्भ' के संबंध में समझ के महत्व को प्रौढ़, सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग के क्षेत्र प्रेक्टिकम में दर्शाया गया है। अपने विस्तार क्रियाकलापों पर ध्यान देते हुए विभाग समुदाय और इन समुदायों के साथ कार्य कर रहे संगठनों के साथ मिल जुल कर कार्य करता है। पिछले कई सालों में विभाग ने अपने छात्रों की सुगमता के लिए गैर सरकारी संगठनों और सामाजिक संगठनों के साथ आपसी समझ का विकास किया है। शैक्षिक ज्ञान के साथ व्यवहारिक अनुभव की झलक इसके हस्तक्षेप कार्यक्रमों के स्पष्ट दिखती है। छात्र इंटर्नशिप और समवर्ती क्षेत्र कार्य संबंधी कार्य हेतु सामाजिक संगठनों का दौरा करते हैं।

दी गई एम फिल और पीएचडी डिग्रियां
पीएचडी– 2

संकाय के सदस्यों की संख्या
स्थायी –6
अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

नए लघु अवधि कार्यक्रमों का विकास किया गया– रेडियो ब्राडकास्टिंग, विश्वविद्यालयी और गैर विश्वविद्यालयी समूहों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के रूप में व्याख्या सहित स्पीड रीडिंग तथा अंग्रेजी भाषा प्रवीणता पाठ्यक्रम (ईएलपीसी)
28 जून, 2016 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित साक्षर भारत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रो. जे पी दूबे ने भाग लिया।

अफ्रीकी अध्ययन

प्रमुख क्रियाकलाप तथा उपलब्धियां
डिपार्टमेंट आफ अफ्रीकन स्टडीज़, दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना 6 अगस्त 1955 को हुई थी और

इसने वर्ष 2005 में अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे किए। विभाग शोध करने के लिए शिक्षाविदों के अध्यापन और प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से कार्यरत रहता है। एम फिल और पीएचडी शिक्षा विदों को अफ्रीका से संबंधित मुद्दों पर शोध करने तथा सर्वोत्तम शोध पत्र बनाने हेतु प्रशिक्षित किया जाता है। इसके अलावा विभाग में पूर्वी अफ्रीका में बोली जाने वाली एक प्रमुख अफ्रीकी भाषा स्वाहिली भी पढ़ाई जाती है। 2005 में विअआ द्वारा विभाग में ही सेन्टर फॉर अफ्रिकन स्टडीज़ की स्थापना की गई। विअआ द्वारा प्रदत्त अनुदानों से विभाग के लिए अपने शैक्षिक क्रियाकलाप जैसे संगोष्ठियों, सम्मेलनों एवं विशेष व्याख्यानों का आयोजन तथा विभागीय पुस्तकालय के लिए पुस्तकें एवं पत्रिकाओं की खरीद संभव हो पाती है। इसके अतिरिक्त अनुदान के माध्यम से संकाय के सदस्य प्रथम दृष्टया अनुभव प्राप्त करने के लिए अफ्रीका का दौरा कर पाते हैं। अनुदान का एक हिस्सा पीएचडी शिक्षाविदों के लिए आबंटित किया जाता है ताकि वे शोध के लिए आंकड़े एकत्र करने हेतु अफ्रीका का दौरा कर सकें। विभाग समय–समय पर परियोजनाएं शुरू करता है जैसे साऊदर्न अफ्रीका डेवलेपमेंट कम्यूनिटी (एसएडीसी) द्वारा भारत, एनएएम और साऊदर्न अफ्रीका के मुक्ति में इसकी भूमिका पर कार्य करने हेतु हाशिम मबिता परियोजना। विभाग द्वारा स्थापित अध्ययन समूहों जैसे भारत अफ्रीका संबंधों पर अध्ययन समूह, दक्षिण अफ्रीका, मानव अधिकार, रिफ्युजी पर अध्ययन समूह और सूडान अध्ययन इकाईयों में चुने गए मुद्दों पर गहन अध्ययन और शोध संचालित करता है।

प्रकाशन

एस कुमार और ए फैज़ल (2016) इंडिया एण्ड डबल्यूएएनए; इकोनोमिक एण्ड जिऑपोलिटिकल इंगेजमेंटस। दिल्लीःन्यू सेन्चरी पब्लिकेशन्स।

एस कुमार और बी हालिलू (2017) स्माल आर्म्स प्रोलिफरेशन एण्ड कांफ्लिक्ट इन वेस्ट अफ्रीका। यूएसए : लम्बार्ट इंटरनेशनल पब्लिकेशन्स

एस दाश (2017) रीजनल रेजरजेंस इन अफ्रीकाः प्रोस्पेक्टस एण्ड चेलेन्जेज़ आफ अफ्रीकन यूनियन। नई दिल्लीः विज बुक्स।

एस कुमार (2017). जीएसटी एज़ ए गेम चेंजर। इन अंजलि अग्रवाल (एड), गुड्स एण्ड सर्विसेज़ टैक्स (जीएसटी) इम्पैक्ट ऑन इंडियन इकोनोमी, (पी पी. 174–177)। दिल्लीः न्यू सेंचुरी पब्लिकेशन्स।

जी सिंह (2016).इम्पैक्ट ऑन द कोलोनियल पॉलिटिक्स ऑन ब्रिक्स डेवलपमेंट। जेसर, 5।

जी सिंह (2017).हिन्दी और स्वाहिली लोक कथाएं। ग्लोबल थॉट, मई 2017।

शोध परियोजनाएं

भारत और अफ्रीका में योग संबंध का विकास, आर एण्ड डी, दिल्ली विश्वविद्यालय, पी आई, प्रो. सुरेश कुमार।

आधुनिक मानव की आनुवांशिक जड़ेंः दक्षिण अफ्रीका की खुदाई, आर एण्ड डी, दिल्ली विश्वविद्यालय, पी आई, डा. गजेन्द्र सिंह।

जलवायु परिवर्तन और मत्स्यपालन पर इसका असरः कीनिया और केरल का तुलनात्मक अध्ययन आर एण्ड डी, दिल्ली विश्वविद्यालय, पी आई, डा रश्मि कपूर।

प्रदान की गई पीएचडी/एम फिल

एम फिल – 9

संकाय के सदस्यों की संख्या

स्थायी –7

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डा. विधान पाठक ने डिपार्टमेंट आफ अफ्रीकन स्टडीज़, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की पत्रिका इंडियन जर्नल आफ अफ्रीकन स्टडीज़ के 2 अंकों (4 संस्करणों) का सम्पादन किया।

डा. विधान पाठक ने सेन्टर आफ अफ्रीकन स्टडीज़, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई की पत्रिका अफ्रीकन करंटस के 5 अंकों (8 संस्करणों) का संपादन किया।

'''

पूर्व एशियाई अध्ययन

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

इस विभाग में ईस्ट एशियन स्टडीज़ में एम.ए., जापानी में एम ए और ईस्ट एशियन स्टडीज़ में पीएचडी पाठ्यक्रम किए जा सकते हैं। विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में क्षेत्र के अध्ययन हेतु अंतर–विषयात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाता है। भाषा इस पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा है और छात्र पूर्वी एशिया की तीन भाषाऑ नामतः चीनी, जापनी अथवा कोरियाई सीख सकते हैं। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र विषय और संबद्ध भाषा का व्यापक और समेकित ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम हो पाते हैं। इसका उद्देश्य पूर्वी एशिया के संबंध में ऐसे विशेषज्ञ तैयार करना है जो विचारकों के रूप में गैर सरकारी संगठनों, सरकारी एजेंसियों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, समाचार एजेंसियों इत्यादि में कार्य कर सकें। इसके अतिरिक्त विभाग से चीनी, जापानी और कोरियाई भाषाऑ में दो वर्ष का स्नातकोत्तर डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा किया जा सकता है। इन पाठयक्रमों को पूरा करने वाले छात्रों को भारत तथा विदेश में कंपनियों में काम मिल जाता है। इस वर्ष की महत्वपूर्ण घटना पूर्वी देशों के राजदूतों द्वारा वार्ता श्रृंखला की शुरूआत है। जापानी सिखाने के लिए अतिथि संकाय सदस्य जापान ऑवरसीज़ कार्पोरेशन वोलंटीयर प्रोग्राम के अंतर्गत विभाग में जापान से भेजे गए थे। मेमोरियल व्याख्यानों, संगोष्ठियों और सम्मेलनों के लिए प्रख्यात वक्ताऑ को आमंत्रित किया गया था। संकाय के कई सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध प्रस्तुत किए। प्रतिभावान छात्रों को उच्चतर शिक्षा के लिए चीन, ताईवान, जापान और कोरिया जाने के लिए छात्रवृत्तियां प्रदान की गई। विभाग की प्लेसमेंट सेल के माध्यम से कई छात्रों को रोजगार मिला।

उपाधियां/विशिष्टियां

अनिता शर्मा, निर्वाना पीस फाऊंडेशन, चिटगोंग, बांग्लादेश द्वारा पत्रकार बिमलेन्दु बरूआ शांति पुरस्कार 2016, 16 जुलाई, 2016

अनिता शर्मा, इंटरनेशनल वुमेन्स क्लब सिडनी, आस्ट्रेलिया द्वारा शांति के क्षेत्र के उपलब्धियों हेतु पुरस्कार, 30 मार्च 2017।

प्रकाशन

ए. भट्टाचार्य (2016) कांसेप्चुअलाईजिंग द सिल्क रोड इनिशिएटिव इन चाइनाज पेरिफेरी पॉलिसी। ईस्ट एशियाः एन इंटरनेशनल क्वाटर्ली, 33 (4),309–328

ए. भट्टाचार्य (2016), कांसेप्चुअलाईजिंग द सिल्क रूट इनिशिएटिव इन चाइनाज फारेन पॉलिसी। नई दिल्लीः मानक पब्लिशर्स।

आर नरसिम्हा, सह लेखकः एन मिकी, एस काईवाहन (2016) लर्निंग हिन्दी–हिन्दी कंवर्सेशन. टोक्यो युनवर्सिटी आफ फारेन स्टडीज़।

एन. के. पाण्डा (2016), इंडो ऑडिशासू उटकोरू डाईगाकू नी ऑकेरू नी होगनो क्योकूनोकोकोरोमी (ऑडिशा राज्य में उत्कल विश्वविद्यालय में जापानी भाषा शुरू करने संबंधी परीक्षण) कोटोबा टू मोजी, अंक 5, जुलाई 36–45

एन. के. पाण्डा (2016) टैगोर एण्ड जैपनीज़ लैंग्वेजः फ्रोम द राइटिंग्स आफ सानो जिनासूके, इन बैनजी एट ऑल (एड) टैगोर एण्ड जापान– डायलोग, एक्सचेंज एण्ड एंकाऊंटर, (पी पी. 18–27), नई दिल्ली– सिनर्जी बुक्स।

एन. के. पाण्डा (2017) बार्शा क्यू नो डोरी (वर्षा के भय के बिना), एमिनी मो मेकेज़ू मियाज़वा कैन्सी इनटू आडिया का अनुवाद। इन जार्ज (एड), जापानीज लिटरेचर इन इंडियन ट्रांसलेशन्सः इशूज एण्ड चैलेंज़ेज, (पी पी. 242–243), नई दिल्लीः नार्दन बुक सेन्टर

एन. के. पाण्डा (2017) एमिनी मो मकाजेऊ वो आडियागो नी हनियाकुसरू साई मेंशिटा मोंडाई टेन, (एमिनी मो मकाजेऊ को उड़िया भाषा में अनुवाद करते समय आई समस्याएं) इन जार्ज (एड), जापानीज लिटरेचर इन इंडियन ट्रांसलेशन्सः इशुज़ एण्ड चैलेंज़ेज, (पी पी. 187–193), नई दिल्लीः नार्दन बुक सेन्टर

एस. राय (2016) बुक आफ प्रोवर्बसः चाईनीज, इंगलिश, हिन्दी, दिल्लीः गोयल पब्लिशर्स।

ए. कुमार और जे. साहू (2016) इंडियाज चाइना पॉलिसी अन्डर मनमोहन सिंहः रिस्पोंसिव इंगेजमेंट। इन जी जयचन्द्रा रेड्डी (एड) , डायनेमिकस् आफ इंडिया एण्ड चाइना रिलेशन्स इम्पलिकेशन फॉर न्यू वर्ल्ड आर्डर,(पी पी 405–29), तिरूपति, यूजीसी सेन्टर फार साऊथ ईस्ट एशियन एण्ड पैसिफिक स्टडीज़, श्री वेंकटेश्वरा युनिवर्सिटी।

जे. साहू (2016) ताईवान स्टडीज़ इन इंडिया। इन डी पी त्रिपाठी एण्ड बी आर दीपम (एड), इंडिया एण्ड ताईवानः फ्रोम बिनाइन नेग्लेक्ट टू प्रेग्मेटिज्म, (पी पी 201–15), दिल्ली : विज बुक्स इंडिया प्रा. लि।

आर. ठाकुर (2016) वुमेन इंटरप्रेन्योर इन चाईना, ऑन ट्रेड, वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर, मुंबई, 3 (2) , 34–36।

आर. ठाकुर (2016) द ब्रिक्स बैंकः गोल्स एण्ड लिमिटेशन्स। इकोवॉच, एफआईसीसीआई, अक्टूबर। 1,10–12।

शोध परियोजनाएं

अक्टूबर 2015 से अक्टूबर 2016 तक बुद्धिस्ट टुरिज्म इन इंडिया एण्ड इंडियाज़ बुद्धिस्ट डिप्लोमेसी इन ईस्ट एण्ड साऊथईस्ट एशिया, दिल्ली विश्वविद्यालय शोध परिषद, रंजना मुखोपाध्याय। 1.5 लाख रुपए

जैपेनीज़ पिलग्रिमेज टू बोधगयाः बुद्धिस्ट रिवाइवल मूवमेंट इन इंडिया एण्ड एक्सचेंज बिटवीन इंडिया एण्ड जापान। आईसीएचआर–जेएसपीएस संयुक्त परियोजना (2016–2018) रंजना मुखोपाध्याय, 5 लाख रुपए

ताइवान्स प्रेसिडेंटिशियल इलेक्शन 2016 एण्ड द फ्यूचर ऑफ क्रॉस–स्ट्रेट रिलेशन्स दिल्ली विश्वविद्यालय शोध परिषद, अक्टूबर 2015 – अक्टूबर 2016। 1 लाख रुपए

आयोजित संगोष्ठियां

13 अप्रैल 2016 को हार्वर्ड–येंचिंग इंस्टीट्यूट के पूर्व एसोसिएट डारेक्टर, प्रो. एडवार्ड जे बेकर द्वारा जर्नीज़ ऑफ साऊथ कोरियाः अचीवमेंटस एण्ड टास्क अहेड पर वी पी दत्त मेमोरियल व्याख्यान।

22 अगस्त 2016 को जापान के दूतावास महामहिम श्री हीरामात्सु केंजी द्वारा भारत–जापान संबंध पर विशेष व्याख्यान।

19 सितम्बर, 2016 को नोट्रे डेम सेशिम युनिवर्सिटी, जापान के एसोसिएट प्रोफेसर डा. यामाबे जुंजी द्वारा 'वेयर वी पुट एक्सेंट इन न्यू जापानीज़ वड्स' पर व्याख्यान।

26 सितम्बर, 2016 को कोरिया गणराज्य के राजदूत महामहिम डा. चो ह्यून द्वारा इंटिग्रेशन इन नार्थ

इस्ट एशिया पर विशेष व्याख्यान।

30 जनवरी 2017 को डा. रोवेना वार्ड, जापानी की वरिष्ठ लेक्चरर, स्कूल ऑफ ह्युमेनिटीज़ एण्ड सोशल इंक्वारी युनिवर्सिटी ऑफ वोलोनगांग, आस्ट्रेलिया द्वारा 'नार्थ ईस्ट एशियाज़ टेरिटोरियल डिस्प्यूट्सः आर दे जस्ट अ रैम्नेंट ऑफ वर्ल्ड वार 2' पर विशेष वार्ता।

20 फरवरी 2017 को श्री शुनिची इनाओ, डेप्यूटी हैड, पोलिटिकल सैक्शन, भारत में जापान दूतावास द्वारा एशियाज़ स्ट्रेटेजिक ट्राइएंगलः जापान–इंडिया–चाइना रिलेशन्स पर वार्ता।

6 मार्च 2017 को श्री जयदेव रानाडे, पूर्व अपर सचिव, मंत्रिमंडल सचिवालय, भारत सरकार, चीन विश्लेषण एवं रणनीतिक केन्द्र के अध्यक्ष द्वारा चाइना–पाकिस्तान इकोनोमिक कोरिडोर (सीईपीसी) पर विशेष वार्ता।

29 मार्च, 2017 को प्रो. अकीहिको तनाका, टोकियो युनिवर्सिटी, जापान द्वारा जापान्स सिक्योरिटी पॉलिसी इन द चेंजिंग वर्ल्ड सिस्टम पर वी पी दत्त मेमोरियल व्याख्यान।

आयोजित सम्मेलन

24 अक्टूबर, 2016 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ ईस्ट एशियन हिस्ट्री के सहयोग से टेरिटोरियल इशूज़ इन साऊथ एण्ड ईस्ट एशिया पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला।

12–13 नवम्बर, 2016 को जे एन यू, इंस्टीट्यूट आफ चाइनीज़ स्टडीज़, बीजिंग लू युन कल्चर फाऊंडेशन, बीजिंग और इंटरनेशनल सोसाइटी फोर लू युन स्टडीज़, सिऑल के सहयोग से 'ए पोएटिक डायलोगः लू युन एण्ड टैगोर' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

10–11 मार्च 2017 को सुन यात–सेन युनिवर्सिटी, सिओल के सहयोग से आयोजित इंडिया–चाइना क्रॉस कल्चरल डायलोग 2017, न्यू मीडिया, ट्रांस्फार्मिंग सोसाइटीज़ एण्ड द कमिंग आफ द इंफोर्मेशन एज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

25 मार्च 2017 को जापानी भाषा, संस्कृति और साहित्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

संगोष्ठी/सममेलन प्रस्तुतीकरण

3 फरवरी 2016 को अबंती भट्टाचार्य ने अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन अकादमी, जामिया मीलिया युनिवर्सिटी, नई दिल्ली में कांसेप्चुएलाइजिंग द चाइनीज़ सिल्क रूट स्ट्रेटेजी पर एक लेख प्रस्तुत किया।

अनिता शर्माः

19–20 दिसम्बर, 2016 को सेकन्ड काठमाण्डू कल्चरल फोरम, काठमाण्डू, नेपाल में कल्चरल कांटेक्ट थ्रू एंशिएंट सिल्क रोड पर एक लेख का प्रस्तुतीकरण किया।

19 जुलाई 2016 को इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में लेख ग्लिम्सेज़ आफ चाइनाः यूरूम्की, तर्पन एण्ड डन्हुआंग प्रस्तुत किया।

24 सितम्बर, 2016 को दयाल बाग एजुकेशन इंस्टीट्यूट, आगरा में लेख इंडियाज़ प्रोजेक्शन आफ इटस साफ्ट पावर इन द इरा आफ ग्लोबलाईजेशन प्रस्तुत किया।

25 अक्टूबर, 2016 को सिम्पोज़ियम ऑन चाइना स्टडीज़, बीजिंग में भारत में बौद्ध गुफाओं के विशेष संदर्भ में युगों से हो रहे भारत–चीन सांस्कृतिक संबंध पर एक लेख प्रस्तुत किया।

9–10 दिसम्बर, 2016 को आईसीडबल्यूए, नई दिल्ली में फर्स्ट इंडिया–चाइना थिंक टैंक फोरम में भारत के बौद्ध स्थलों के विशेष संदर्भ मे भारत–चीन सांस्कृतिक संबंध पर लेख प्रस्तुत किया।

9 मई 2016 को साहित्य अकादमी में 'टैगोर एण्ड गांधी : डायलैमा, डायलॉग्स एण्ड डाकोटोमीज़' पर संगोष्ठी में इंफयुएंस आफ गांधी इन चाइना पर एक लेख प्रस्तुत किया।
12 अप्रैल, 2016 को क्लस्टर इनोवेशन सेन्टर, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'ट्रांसलेटिंग मिथ्स आफ क्रिएशन–फ्रोम अराऊंड द ग्लोब– चाइनीज़' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

24–28 अक्टूबर, 2016 को नागोया कांग्रेस सेन्टर, नागोया, आईची प्रिफैक्चर, जापान में इंटरनेशनल मेट्रोपोलिस कांफ्रेस (आईएमसी) में 'माइग्रेशन आफ द हाइली स्किल्डःइशूज़ फॉर इंडिया एण्ड जापान' पर जी बालाटचण्डीराने ने एक लेख प्रस्तुत किया।

जनार्दन साहूः

23 मई, 2016 को यिनजिआंग अकेडमी आफ सोशल साइंसेज़ उरुम्की, चीन में 'चाइनाज़ इनिशिएटिव ऑन वन बेल्ट, वन रोड' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

10–11 मार्च, 2017 को सुन यात–सेन युनिवर्सिटी, गुआंगझाऑ, चीन के सहयोग से डिपार्टमेंट आफ ईस्ट एशियन स्टडीज़ , दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'इंडिया– चाइना क्रास कल्चरल डायलॉग 2017' में चाइनीज़ पॉलिसी एण्ड द इंटरनेट पर एक लेख प्रस्तुत किया।

30 सितम्बर, 2016 को यूजीसी सेन्टर फॉर साऊथर्इस्ट एशियन एण्ड पैसिफिक स्टडीज़, श्री वेंकटेशवरा युनिवर्सिटी में ताइवान्स प्रेसिडेन्शियल इलेक्शन 2016 एण्ड द फ्यूचर ऑफ क्रास–स्ट्रेट रिलेशन्स पर एक लेख प्रस्तुत किया।

नबीन कुमार पाण्डाः

11–12 नवम्बर , 2016 को जापान फाऊंडेशन, नई दिल्ली में हुए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डाई हाचीकाई इंडो कोकुसाई निहोन बुनगाकु केन्क्यूशुकाई में प्रस्तुत। उड़िया भाषा में अनुवाद जुजो गेंजी– कुरोतसुबो।
26–27 अक्टूबर, 2016 को सेन्टर फोर जापानीज़ स्टडीज़, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित मियाज़ावा केन्जी के अमेनी मो माकेज़ू का उड़िया भाषा में अनुवाद, स्टेट आफ जापानीज़ लिटरेचर इन इंडियन ट्रांसलेशन : रिसेप्शन एण्ड एप्रिसिएशन एण्ड रिसाईटेशन आफ सिलेक्टिड लाईब्रेरी वर्क्स एण्ड ट्रांसलेशन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुतीकरण।

परेश कुमारः

18–19 नवम्बर, 2016 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हुए साऊथ एशिया सेमिनार मे कारियाई भाषा और साहित्य पर शिक्षा एवं शोध विषय के अंतर्गत 22 वे अंतर्राष्ट्रीय कोरियाई अध्ययन सम्मेलन में टीचिंग कोरियन लैंगवेज थ्रू मोरल बेस्ड स्टोरीज़ पर एक लेख प्रस्तुत किया।

5–10 जुलाई, 2016 को कोरिया फाऊंडेशन, सिओल, कोरिया गणराज्य द्वारा प्रायोजित कोरियन लिटरेचर वर्क्शाप ओवरसीज़ डॉक्टोरल स्टूडेन्टस में ए कम्पैरेटव स्टडी आफ द रिएलिज़्म इन कोरियन एण्ड इंडियन (हिन्दी) माडर्न लिटरेचर विद स्पेशल रेफरेंस टू द राइटिंग्स आफ हिऑन जिंगोन एण्ड मुंशी प्रेमचंद पर एक लेख प्रस्तुत किया।

डिपार्टमेंट आफ जापानीज़ (निपोन भवन), विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में टैगोर और जापान तथा जापान के विभिन्न पहलु और उसकी संस्कृति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रंजना मुखोपाध्याय ने स्टडी आफ जापानीज़ रिलीजन एण्ड सोसाइटी :रिसर्च अप्रोचेज़ एण्ड मेथडोलोजी पर एक लेख प्रस्तुत किया।

रवनी ठाकुरः
10–11 मार्च, 2017 को डिपार्टमेंट आफ ईस्ट एशियन स्टडीज़ , दिल्ली विश्वविद्यालय में 'इंडिया चाइना न्यू मीडिया एण्ड ट्रांस्फोर्मेशन्स' पर हुए सम्मेलन में साइबर कंट्रोल एण्ड मीडिया पालिसी इन इंडिया एण्ड चाइना पर एक लेख प्रस्तुत किया।

8 सितम्बर, 2016 को नेशनल डिफेंस कालेज, दिल्ली में पैराडाईम आफ कांफ्लिक्ट रिजोल्यूशन इन चाइनाः द रोल आफ लीडरशिप टू स्टाफ कोर्स 2016 पर व्याख्यान।
24 नवम्बर 2016 को नालन्दा विश्वविद्यालय में द डायनेमिक्स आफ सोशल स्ट्रेटिफिकेशन इन चाइना टुडे पर व्याख्यान।

12–13 नवम्बर, 2016 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित ए पोएटिक डायलॉगः लू शुन एण्ड टैगोर पर अंतर्राट्रीय सम्मेलन में श्रीपर्णा राय ने 'द मेसेज आफ टैगोर एण्ड लू शुन ऑन लाईफः वाट कैन वी लर्न' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

श्रीमती चक्रवर्तीः
16–17 जून, 2016 को सुन यात–सेन युनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट आफ चाइनीज़ स्टडीज़, गुआंज़ाऑ, चीन द्वारा आयोजित 'न्यू पैराडाइम आफ लोकल, रीजनल एण्ड ग्लोबल गवर्नेंस इन इंडिया एण्ड चाइनाः इंडिया–चाइना क्रास–कल्चरल डायलॉग 1' पर सम्मेलन में भारत और चीन में उच्चतर शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर एक लेख प्रस्तुत किया।

12 नवम्बर, 2016 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'ए पोएटिक डायलोगः लू युन एण्ड टैगोर' पर आयोजित सम्मेलन में 'ए रिअसेसमेंट आफ टैगोर्स चाइना ट्रेवल्स' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

26 अक्टूबर, 2016 को डिपार्टमेंट ऑफ ईस्ट एशियन स्टडीज़, दिल्ली तथा द नार्थईस्ट एशिया हिस्ट्री फाऊंडेशन, सियोल, साऊथ कोरिया, द्वारा आयोजित 'टेरिटोरियल इशुज़ इन ईस्ट एण्ड साऊथ एशिया' पर सम्मेलन में दक्षिण एशिया में सीमा विवादों संबंधी राऊंडटेबल में पैनल के सदस्य।

17 फरवरी, 2017 को इंडिया–चाइना ट्रेड सेन्टर, आईआईसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिइमेजिनिंग इंडिया एण्ड चाइनाः न्यू अप्रोचेज़ टू डायमेंनशन्स इन ट्रेड एण्ड इंवेस्टमेंट' पर राऊंडटेबल में 'इशूज़ इन करंट इंडिया–चाइना पोलिटिकल रिलेशन्स' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग
सेन्टर फॉर एयर पावर स्टडीज़, नई दिल्ली

सेन्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली

इंस्टिट्यूट ऑफ चाइनीज़ स्टडीज़, नई दिल्ली

इंस्टीट्यूट ऑफ पीस एण्ड कांफ्लिक्ट स्टडीज़, नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

नियुक्ति संबंधी ब्यौरा
कैम्पस भर्ती के लिए पांच कम्पनियां आईं।
100 प्रतिशत छात्रों को कंपनियों, थिंक टैंक्स, सरकारी संगठनों में रोजगार मिला अथवा भारत और विदेश में उच्चतर शिक्षा के लिए प्रवेश प्राप्त हुआ।

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

छात्रों ने ऑल इंडिया कोरियन स्पीच कांटेस्ट में भाग लिया।
छात्रों ने जापानीज़ लैंग्वेज जेएएलटीएआई एस्से कांटेस्ट में भाग लिया।
विभाग में संविधान दिवस मनाया गया।
दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के माध्यमों से चीनी, जापानी और कोरियाई में अंश–कालिक सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा करवाया जाता है।

दी गई पीएचडी/एम. फिल

पीएचडी–1
एम. फिल–4

संकाय के सदस्यों की संख्या

स्थायी	–	14
तदर्थ	–	3
अतिथि	–	5
विजिटिंग	–	3

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
जापान में शोध करने के लिए तीन छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई।
जापान दूतावास द्वारा जेईएनईएसयूएस के अंतर्गत तीन छात्रों ने जापान का 10 दिन का दौरा किया।
कोरिया में युवा प्रतिनिधिमण्डल के लिए तीन छात्र चुने गए।
चीन में युवा प्रतिनिधिमण्डल के लिए दो छात्र चुने गए।
एक छात्र को ताईवान में चीनी भाषा के अध्ययन हेतु छात्रवृत्ति दी गई।

डिपार्टमेंट आफ ईस्ट एशियन स्टडीज़ के स्नातकोत्तर छात्रों को कई विचारक संस्थाऑ में रोजगार मिला नामतः विवेकानंद इंटरनेशनल फाऊंडेशन, इंस्टीट्यूट फोर पीस एण्ड कांफ्लिक्ट स्टडीज़, इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज़ एण्ड एनालिसिस, ऑब्जरवर रिसर्च फाऊंडेशन, सेन्टर फॉर एयर पावर स्टडीज़, इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज़ स्टडीज़, तथा इंडियन काऊंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स। हमारे विभाग के भाषा छात्रों को भारत और विदेश में कई कंपनियों में रोजगार मिलने की संभावना है नामतः विवो मोबाल्स, लाईटिऑन टेक्नोलॉजी कार्पोरेशन, ऑटो मोबाइल्स, हिन्दुस्तान कम्प्यूटर्स लिमिटेड, मितसुभिषी कार्पोरेशन, एल जी इलैक्ट्रोनिक्स, हुआवी टेलिकम्यूनिकेशन्स, सैमसंग, अमेरिकन एस्कप्रेस, शिनहेन बैंक, वीएफएस वीज़ा सर्विसेज़, मारूति सुजुकी और ऑरेकल्स। चीन, ताईवान, जापान और कोरिया में उच्चतर शिक्षा के लिए छात्रों के लिए विभिन्न छात्रवृत्तियां हैं जैसे युनेस्को/पीपल्स रिपब्लिक आफ चाइना–ग्रेट वाल सह प्रायोजित अध्येतावृत्तियां, ताईवान हुआयू छात्रवृत्ति, हुआवी छात्रवृत्ति, मितसुभिषी कार्पोरेशन इंटरनेशनल

स्कॉलरशिप, जापान फाऊडेशन द्वारा जापानीज लैग्वेज स्कालरशिप फॉर आउटस्टैंडिंग स्टुडेंटस, शिन्हेन बैंक छात्रवृत्ति, मैसर्स एलजी इलैक्ट्रोनिक्स लिमिटिड द्वारा छात्रवृत्ति, जान होपकिंस युनिवर्सिटी द्वारा अमरीका–भारत–चीन पहल, हावर्ड येंचिंग फेलोशिप इत्यादि।

जापान ऑवरसीज़ कोऑप्रेशन वोलंटियर प्रोग्राम के अतर्गत सितम्बर, 2016 से अतिथि संकाय सदस्य के रूप में श्री मसाकी टाचिकी विभाग आए।

अर्थशास्त्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियॉ

अप्रैल, 2016 से मार्च 2017 की अवधि के दौरान, विभाग के सदस्यों ने महत्वपूर्ण तरीकों से अर्थशास्त्र के क्षेत्र में योगदान देना जारी रखा। कई संकाय सदस्यों ने अग्रणी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर जर्नलों में अपने शोध कार्य प्रकाशित कराए। उन्होंने लोकप्रिय जर्नलों में लेखन के माध्यम से नीतिगत चर्चाओं में भी भाग लिया और दो महत्वपूर्ण आर्थिक भविष्यवाणियां की। विभाग एडवांस स्टडी का यू जी सी केन्द्र बना रहा और लगातार छठे साल इसे रिपेक जो अर्थशास्त्र में वर्किंग पत्रों और प्रकाशनों का एक वैश्विक इलेक्ट्रानिक अभिलेखागार है, (http://ideas.repec.org/top/top.india.html) द्वारा भारत में यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्र विभागों में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। संकाय के सदस्यों ने अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भी भाग लिया। वर्ष के दौरान, विभाग ने दो बड़े अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों तथा एक साप्ताहिक संगोष्ठी श्रृंखला का आयोजन किया जिसमें भारत तथा विदेशों के प्रतिष्ठित वक्ताओं को अपना शोध कार्य प्रस्तुत करने का मौका मिला। विभाग ने एम.ए, एम.फिल और पीएच डी प्रोग्रामों को समर्थन दिया। 2016–17 में, 4417 छात्रों ने एम.ए. प्रोग्राम हेतु आवेदन किया। विभाग अपने एम.फिल. और पीएच.डी. प्रोग्राम के लिए शोध छात्रों को आकृष्ट करना जारी रखे हुए है। यूनिवर्सिटी के नियमों में अर्हता संबंधी शर्तों में संशोधन करने से पीएच डी छात्रों के लिए नियमित रूप से साहित्यिक सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें शोध छात्रों ने अपने चल रहे शोध कार्य को प्रस्तुत किया और संकाय सदस्यों ने शोध विधियों तथा आचार पर व्याख्यान दिया। शोध छात्रों ने पेशेवर सम्मेलनों में भी अपना कार्य प्रस्तुत किया। विभाग अपने मास्टर्स स्नातकों को कारपोरेट रोजगार तथा विदेश स्थित शीर्ष यूनिवर्सिटी में पीएच डी प्रोग्रामों में स्थान दिलाने में सफल रहा है।

सम्मान/विशिष्टयॉ

प्रो. पम्मी दुआ को भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति का एक सदस्य नियुक्त किया गया।

प्रो. राम सिंह को भारत में कॉलेजों और यूनिवर्सिटियों के लिए यू जी सी तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित वेतन समीक्षा समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।

डा. दिव्येन्दु मैती को जून, 2016 में नॉर्वेयिन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन अफेयर्स, ओस्लो का विजिटिंग फैलो नियुक्त किया गया।

प्रकाशन

एस. बेग 'अंडरस्टेंडिंग स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग एंड कोरिलेट्स इन स्लम्सः एन एनालिसिस यूजिंग मोनिटरी वर्सेज मल्टीडाइमेंशनल अप्रोचिज इन थ्री इंडियन सिटीज। (http://www.nopoor.eu/publication/understanding-standard-living-and-correlates-slums-analysis-using-monetary-versus) से उद्धृत।

ए. भट्टाचार्य और यू.बी.सिन्हा (2016) इंटरनेशनल कार्टल्स विद टेरीटोरियल एलोकेशनः ए मॉडल विद पैराडाक्सियल इम्पलीकेशंस, इंडियन इकनोमिक रिव्यू 51, 181–195।

ए भट्टाचार्य और एफ. सिंधवानी (2016) दि इंडियन फार्मास्युटिकल सेक्टरः एंटीट्रस्ट इश्यूज एंड केसिस इन फाक्स, इलियनर, फर्स्ट, हैरी, चार्बिट, निकोलस एंड रामुंडो, एलिसा (संपा) एंटीट्रस्ट इन अमर्जिंग एंड डेवलपिंग कंट्रीजः फीचरिंग अफ्रीका, ब्राजील, चाइना, इंडिया, मैक्सिको; दूसरा संस्करण, पृ. 47–58; न्यूयार्कः इंस्टीट्यूट फॉर कंपटीशन लॉ।

ए. भट्टाचार्य और यू.बी. सिन्हा (2016) इंटरनेशनल कार्टल्स विद टेरीटोरियल एलोकेशनः ए मॉडल विद पेराडाक्सियल इम्पलीकेशंस, इंडियन इक्नोमिक रिव्यू 51, 181–195।

ए. भट्टाचार्य (2016) रिसेंट ट्रेंड्स इन मेगा मर्जर्स इन इंडिया एंड लेसंर्स फॉर कम्पटीशन पॉलिसीः इनसाइट्स फ्रॉम मर्जर केसिस अंडर दि कम्पटीशन एक्ट। इन सी वीरामणि और आर नागराज (संपा) इंटरनेशनल टेह्रड एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट इन इंडियाः इमर्जिंग टेह्रंड्स, पैटर्नस एंड इश्यूज़, नई दिल्ली, ओरियंट ब्लैकस्वान।

ए. भट्टाचार्य और ओ.डे (2016) एंटी–कार्टेल एनफोर्समेंट इन इंडिया, जर्नल ऑफ एंटी–ट्रस्ट एनफोर्समेंट 5, 166–196।

ए. देशपांडे (2017) दि ग्रामर ऑफ कास्टः इकोनॉमिक डिस्क्रिमिनेशन इन कंटम्परारी इंडिया, पेपरबैंक, एक नए संस्करण के साथ, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

पी.दुआ और डी. टुटेजा (2016)फाइनेशियल क्राइसिस एंड डायनेमिक लिंकेजिज अक्रास इंटरनेशनल स्टॉक एंड करेंसी माक्रिट्स। इकनोमिक माडलिंग, 59, 249–261।

पी.दुआ और डी. टुटेजा (2016)लिंकेजिज बिटविन इंडियंस एंड यू एस फाइनंशियल माक्रिट्सः इम्पेक्ट ऑफ ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस एंड यूरोजोन डेबट क्राइसिस। मेक्रो– इकानोमिक्स एंड फाइनेंस इन इमर्जिंग माक्रिट इकनोमिक्स, 9, 217–240।

पी. दुआ और डी. टुटेजा (2016)ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस एंड यूरोजोन डेबट् क्राइसिसः इम्पेक्ट ऑन एक्पोर्ट्स ऑफ चाइना एंड इंडिया। इन पी अग्रवाल (संपा) पॉलिसीज फॉर सस्टेनिंग हाईग्रोथ रेट्स इन इंडिया, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

पी. दुआ (2016)मेक्रो इकनोमिक्स मॉडलिंग एंड बेइसियान मैथड्स। जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकनोमिक्स, 15, 209–226।

पी. दुआ और एच. कपूर (2017) मेक्रो स्ट्रेस टेस्टिंग ऑफ इंडियन बैंक ग्रुप्स। मार्जिनः दि जर्नल ऑफ एप्लाइड इकनोमिक रिसर्च।

पी.दुआ, के.एल. कृष्णा, वी. पंडित और के. सुन्दरम (2017) पर्सपेक्टिव्स ऑन इंडियन इकनोमिक डेवलपमेंट एंड पॉलिसी इन इंडिया। सं.–स्प्रिंगर।

डी. गोयल, एस. खन्ना और आर. मोरीसेटे ;(2016) एन एनालिसिस ऑफ अर्निंग्स इनइक्विटी ऑफ पेड वक्रर्स इन रूरल इंडिया फ्रॉम 2004/05 टू 2011/12, नो पूअर पॉलिसी, संक्षि. वर्णन–17।

डी. गोयल और एस.गुप्ता (2017) दि इफेक्ट ऑफ मेट्रो एक्सपेंशंस ऑन एयर पॉल्यूशन इन दिल्ली। दि वर्ल्ड बैंक इकनोमिक रिव्यू, 31 ;1द्ध, 271–294।

ए. कार, जी. ग्रिमाल्डा और ई. प्रोटो (2017) प्रोसीजरल फेयरनेस इन लाटरीज असाइनिंग इनीशियल रोल्स इन ए डायनमिक सेटिंग, एक्सपेरिमेंटल इकनोमिकस।

एस.खन्ना, डी. गोयल और आर.मोरी. सेटे (2016) डी–कम्पोजिशन एनालिसिस ऑफ अर्निंग्स इनइक्वालिटी इन रूरल इंडियाः 2004–2012 आई जेड ए जर्नल ऑफ लेबर एंड डेवलपमेंट–5 18 डीओआईः 10. 1186/40175–016–0064–8।

एस. कुमार और पी. प्रभाकर (2016) नेगेटिव कार्बन लीकेजः एविडेंस फ्रॉम साऊथ एशियन कंट्रीज वर्किंग पेपर न. 109–16। साऊथ एशियन नेटवक्र फॉर डेवलपमेंट एंड एनवायरमेंटल इकानॉमिक्स। http://www.sandeeonline.org/uplods/documents/abstract/1089_ABC_Final_WP_Surender_Prerna_109_16.pdf

एस. कुमार और पी.प्रभाकर (2017) इंडियाज ट्रेड पोटेंशियल एंड फ्री ट्रेड एग्रीमेंटसः ए स्टोचेस्टिक फ्रंटियर ग्रेविटि एप्रोच। ग्लोबल इकॉनामी जर्नल 17(1)

यू.लेले डब्ल्यू.ए. मास्टर्स जे. किनाबो जे.वी. मीनाक्षी वी. रामास्वामी जे. टेगवायरी विद डब्ल्यू.बैल और एस. गोस्वामी (2016) मेजरिंग फूड एंड न्यूट्रीशन सिक्योरिटीः एन इंडिपेंडेट टेक्नीकल असेसमेंट एंड यूजरस गाइड फॉर एक्जिसटिंग इंटीकेटरसॉ मेजरिंग फूड एंड न्यूट्रीशन सिक्योरिटी टेक्नीकल वर्किंग ग्रुप रोमः फूड सिक्योरिटी इंफोर्मेशन नेटवर्क रिट्राइवड फ्रॉम http://www.fsincop.net/topics/fns-measurement.

डी. मैती, डी. नारायण और एस. (2016) रेगुलेशन कोस्टस एंड इंफोर्मेलिटिः दि केस ऑफ फिजी जर्नल ऑफ पेसिफिक स्टडीज 36(2) 149–69।

डी.मैती और एस.कुमार ;2016, रीजनल एग्रीमेंटस ट्रेड कोस्टस एंड फ्लोज इन दि पेसिफिक आइसलेंड इकॉनोमिक्स इकॉनामिका पॉलिटिकॉ 33(2), 181–199doi: 10.1007@40888–016–0029.

डी.मैती और एस. कुमार (2016) पेसिफिक इंटीग्रेशन विद एशिया इन डी. चक्रवर्ती एंड जे. मुखर्जी (ईडीएस.) ट्रेड इंवेस्टमेंट एंड इकॉनामिक डेवलपमेंटः एमपीरिकल मेथर्डस एंड पॉलिसी इशूज राउटलेज

जे.वी. मीनाक्षी (2016) ट्रेंडस एंड पैटर्नस इन दि ट्रिपल बर्डन ऑफ मालन्यूट्रीशन इन इंडिया एग्रीकल्चरल इकॉनामिक्सॉ 47, 115–134

जे.वी. मीनाक्षी और एन–मित्तल (2016) डज दि आई सी डी एस इंप्रूव दि क्वांटिटि एंड क्वालिटि ऑफ चिल्र्डनस डाइट्सध सम एविडेंस फ्रॉम रूरल बिहारः ए सेंटर फॉर डेवलपमेंट इकॉनामिक्स वर्किंग पेपर 257, http://www.cdedse.org/pdf/work257.pdf

जे.वी. मीनाक्षी (2016) न्यूट्री–फार्मसःए रिव्यू ऑफ दि एविडेंस ऑन दि न्यूट्रीशनल इम्पेक्ट ऑफ एग्रीकल्चर इन इंडिया इन फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन ऑफ दि यूनाइटेड नेंशस एंड एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (संपा) फैमिली फार्मिंगः मीटिंग दि जीरो हंगर चैलेंजए (पी पी. 195–212) एकेडमिक फाउंडेशन

के.प्रकाश और डी. मैती (2016) डिवेल्यूऐशन ट्रेड बैलेंसिज एंड दि जे–कर्व फिनोमिननः दि केस ऑफ फिजी इकॉनामिक मॉडलिंग 55 382 –393

एस.ए. शाह (2017), हाऊ रिस्की इज ए रेंडम प्रोसेस? जर्नल ऑफ मेथामेटिकल इकॉनामिक्स 72सी 70–81

एस.शेट्टी और एस. कुमार (2016) ऑपेकनेस ऑफ एनवायरमेंटल इंफ्रार्मेशन इन इंडिया इकॉनामिक एंड पॉलिटिकल वीकली 51(30), 15–19

आरण सिंह (2017) इज लैंड ए बोटलनेक फॉर इकॉनामिक डेवलपमेंट इन इंडिया इन दस्तीदार अनन्या घोष मल्होत्रा राजीव और सुनेजा विवेक (संपा) डेवलपमेंट पॉलिसी इन ए ग्लोबलाइज्ड वर्ल्डः रिसेंट ट्रेंडस थ्योरीज एंड लेसंस नई दिल्लीः टेलर एंड फ्रांसिस

यू.बी.सिन्हा (2016) गेस्ट एडिटर स्पेशल इशूः एपलाइड गेम थ्योरी एंड पॉलिसी इंडियन इकॉनामिक रिव्यू 51

यू.बी. सिन्हा (2016) ऑप्टिकल वेल्यू ऑफ ए डयूओपोली पेटेंट इन एन एसिमेटरिक कोरनोट मार्केट इकॉनामिक मॉडलिंगॉ 57, 93–105

यू.बी. सिन्हा और टी. कबीराज (2016) स्ट्रेटिजिक आउट सोर्सिंग विद टेक्नॉलाजी ट्रांसफर अंडर प्राइस कॉम्पीटिशन इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ इकॉनामिक्स एंड फाइनेंस 44 281–290

यू.बी. सिन्हा (2016) इकॉनामिक्स ऑफ स्केल एंड (नोन) एगाजिसटेंस ऑफ स्ट्रेटिजिक ऑउटसोर्सिंग इन कोरनोट डयूओपोसी इकॉनामिक्स बुलेटिन 36(3) 1260–66

शोध परियोजनाएं

आईजीसी प्रोजेक्ट कोडः 1–वी आर एस–वी आई एन सी–VXXXX.89209ए इज च्वाइस ऑफ प्रोक्योरमेंट कॉन्ट्रेक्ट मैटर फॉर कोस्ट एंड क्वालिटी ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर? पीआईए राम सिंह

एक्सप्लोरिंग दि डाइमेंशनन्स एंड डाइनैमिक्स ऑफ इंडियन अर्बन पावर्टीः मल्टीडाइमेंशनल एंड पॉलिटिकल आसपेक्टसए फंडिंग एजेंसीः यूरोपियन कमीशन, वर्षः मार्च, 2012 से सितम्बर 2017 तक पीआईः सुगाता बैग

आयोजित की गई संगोष्ठियां

विद्या सौदरराजन, आईआईएमए बैंगलोर, रोल ऑफ पॉलिटिकल एक्टिविस्ट्रस इन क्लाइनटिलिस्टिक सेटिंग्सः एविडेंस फ्रॉम एन इंडियन पब्लिक वर्क्स प्रोग्राम, 30 मार्च, 2017

रिंकू मुरगई, दि वर्ल्ड बैंक, पाथवेज टू रिड्यूसिंग पॉवर्टी एंड शेयरिंग प्रोसपेरिटी इन इंडियाः लेसंस फ्रॉम दि लास्ट टू डिकेड्स, 23 मार्च, 2017

एलिजाबेथ वेबस्टर, स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, अस्ट्रेलिया, दि इफेक्ट ऑफ पेटेंटस ऑन ट्रेड, 10 मार्च, 2017

सोनलडे देसाई, यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैंड एंड सीनियर फैलो, एन सी ए ई आर, डू पब्लिक वर्क्स प्रोग्राम इंक्रीज वूमेन्स इकोनॉमिक एम्पावरमेंट? एविडेंस फ्रॉम रूरल इंडिया, 7 मार्च, 2017

प्राची मिश्रा, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, दि ट्रांस मिशन ऑफ मोनेटिरी पॉलिसी विदइन बैंकसः एविडेंस फ्रॉम इंडिया, 2 मार्च, 2017

जोनेस उरप्लिलेनियन, कोलंबिया यूनिवर्सिटी बार्किंग अप दि रोंग ट्रीः रेट्रोस्पेकटिव वोटिंग, नेचुरल डिजास्ट्रर्स, एंड इलेक्टोरल बैकलैश, 19 जनवरी, 2017

कुंदन किशोर, यूनिवर्सिटी ऑफ विसकोनसिन– मिलवैकी, दि रोल ऑफ इंफ्लेशन, एंड स्लैक इन रियल–टाइम इंफलेशन फॉरकास्टिंग, 14 जनवरी, 2016

स्कॉट बेडफोर्डॉ ब्रिंघम यंग यूनिवर्सिटी, जनरल इक्युलिब्रियम मॉडल ऑफ माइग्रेशन एंड पॉवर्टी, 12 जनवरी, 2017

वीनू कक्कड़, सेन फ्रांसिसको स्टेट यूनिवर्सिटी, एसेट प्राइसिज एंड ऑप्टिमल मॉनेटिरी पॉलिसी, 10 जनवरी, 2017

एस.प्रसाद भट्टाचार्य, डिएकिन यूनिवर्सिटी, दि पॉलिटिकल इकोनोमी ऑफ लैंड रिफॉर्म इनेक्टमेंट एंड इंप्लीमेनटेशनः न्यू क्रॉस–नेशनल एविडेंस (1900.200),6 दिसम्बर, 2016

शीतल सेखरी, यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया, जेंडर्ड कॉनसिक्यूऐनसिज ऑफ इमप्रूविंग पब्लिक सर्विस डिलिवरी, 24 नवंबर, 2016

अमित बासोले, यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाच्युएट्स बोस्टन, इंफॉर्मलिटी एंड फलैक्सिबल स्पेशलाइजेशनः इंफॉर्मल नॉलिज, टेक्लिकल चेंज, एंड लेबर मार्केट इंस्टीट्यूशंस इन दि बनारस सिल्क वीविंग इंडस्ट्री, 17 नवंबर,2016

वरूण गुप्ता, वाइस प्रेजिडेंट, क्यू आर कैपिटल मैनजमेंट, क्वाइनटिटेटिव इंवेस्टमेंट स्ट्रेटीजीसः ऑवरव्यू ऑफ थ्योरी एंड एविडेंस, 27 अक्तूबर, 2016

सुषमा मूर्ति यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सीटर, मेजरिंग यूनिलेटर्ल एंड मल्टीलेटर्ल गेंस फ्रॉम टेक्लिग करेंट इकॉनामिक इनऐफिशियंसिज इन CO_2रिडक्शंसः थ्योरी एंड एविडेंस, 20 अक्टूबर, 2016

रेणुका शाणे, आई एस आई, नई दिल्ली, मिसलेड एंड मिस–सोल्डः फाइनेंशियल मिसबिहेवियर इन रिटेल बैंक्स? 22 सितम्बर, 2016

देवेश रायॅ, आई एफ पी आर आई, नई दिल्ली, एन ऐप्लीकेशन (ऑर टू) आल दि संथेटिक कंट्रोल मेथड (एस सी एम) इन पॉलिसी इवेल्यूऐशन, 1 सितंबर, 2016

केहिंदे अजेई, बोस्टन यूनिवर्सिटी, स्टूडेंट परफ्रोर्मेंस एंड दि इफेक्ट्स ऑफ स्कूल क्वालिटी वर्सिज स्कूल फिट, 23 अगस्त, 2016

अर्का रायॅ चौधरी, इंडियन स्ट्रेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली, मेनडेटिड पॉलिटिकल रिप्रजेंटेशन एंड डेवलपमेंट ऑउटकम्सः एविडेंस फ्रॉम इंडिया, 18 अगस्त, 2016

सौरभ भट्टाचार्य, रॉयल होलोवे, यूनिवर्सिटी ऑफ लंडन, पॉसिब्लिटी थ्योरम ऑन इंफॉर्मेशन एग्रीगेशन इन इलेक्शंस, 16 अगस्त, 2016

अनुकृति, बोस्टन कॉलेज, डॉउरीः हाऊसहोल्ड रेसपोन्सिज टू एक्सपेक्टिड मैरिज पेयमेंटस, 11 अगस्त, 2016

देबोशीश मंडल, आई आई टी, दिल्ली, प्राइवेट प्रॉविजन ऑफ पब्लिक गुड एंड एंडोजीन्यूअस इनकम इन इकवेलिटी, 4 अगस्त, 2016

चंदन कुमार झा ली मोयने कॉलेज, सायराक्यूज, एन वाई, दि रोल ऑफ हिस्टोरिकल रिसोर्स स्कार्सिटी इन मार्डन जेंडर इन इकवेलिटी, 26 जुलाई, 2016

परिमल कांति बाग, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, सीक्रेट डेलिबरेशन्स, 22 जुलाई, 2016

राम सेवक दूबे, मोन्टक्लेयर स्टेट यूनिवर्सिटी, ऑन दि कॅन्स्ट्रक्शन ऑफ सोशल वेलफेयर आर्डर्स सेटिसफाइिंग हममोंड इक्यूटि एंड वीक परेटो एक्जियम्स, 21 जुलाई, 2016

आयोजित किए गए सम्मेलन

विभाग ने 13–15 दिसंबर, 2016 के दौरान अपने 11वें वार्षिक सम्मेलन 'विंटर स्कूल 2016' का आयोजन किया।

विभाग ने 29–30 सितंबर, 2016 के दौरान 'पॉलिटिकल इकॉनामी एंड डेवलपमेंट' पर दो–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। विभाग ने 10 नवम्बर, 2016 को 'बायोफोरटिफिकेशन' पर प्रो. हओअर्थ बोइस के सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतिकरण

ए.भट्टाचार्य ने स्लाईवेनियास इंडियन प्रिकर्सर एंड इट्स लीगेसी यूट्रेचट यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ इकॉनामिक्स, दि नीदरलैंडस में अक्टूबर, 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

ए.कारः

इकॉनामिक ग्रोथ एंड डेवलपमेंट, इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली, इंडिया संबंधी 12वें वार्षिक सम्मेलन में एक पत्र प्रस्तुत किया। नो पूअर पॉलिसी संगोष्ठीः एडयूकेशन, एम्पलायमेंट, नेटवर्कस एंड पॉवर्टी, सेंटर फॉर डेवलेपमेंट इकॉनामिक्स एंड सेंटर फॉर सोशल साइंसिज एंड हयूमेनिटीज, दिल्ली स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स, दिल्ली पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डी.मैतीः

ट्रेड नेगोशिएशंस अंडर डब्ल्यू टी ओः इशूज बिफॉर डेवलपिंग वर्ल्ड, नेशनल सेमिनार पर श्यामलाल कॉलेज यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली में अप्रैल 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

ट्रेड कॉम्पटिशन लेबर मार्केट ड्यूलिटी एंड प्रोडक्टिविटी ग्रोथः सम इशूज विद रेफरेंस टू इंडिया पर सी एम आईए बर्जन नार्वे में जूनए 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

फाइनेंस इनोवेशन एंड एक्सपोर्टस–थ्योरी एंड एविडेंसिज ट्रेड एंड डेवलपमेंट वर्कशॉप पर डियकिन यूनिवर्सिटी, मेलबॉर्न, ऑस्ट्रेलिया में अगस्त, 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

जे.वी. मीनाक्षी

दि न्यूट्रीशन ट्रांजिशन इन इंडिया ग्लोबल फूड रिसर्च करिकुलम पर यूनिवर्सिटी ऑफ गोयटिंजन, में जून, 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

दि इंट्रा– हाउसहोल्ड ड्यूल बर्डन ऑफ मॉलन्यूट्रीशन इन रूरल इंडियाए एशियन डेवलपमेंट बैंक इंस्टीट्यूट एंड मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ, पलाऊ काफ्रेंस ऑन ओबेसिटी इन इंडिया एंड दि पैसिफिक पर कोरोरए पलाऊ में अगस्त, 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

डज दि आई सी डी एस इंप्रूव दि क्वांटिटि एंड क्वालिटी ऑफ चिर्ल्डनस डाइट्स/सम एविडेंस फ्रॉम रूरल बिहार, सी डी ई–सी ए जी ई वक्रशॉप ऑन पॉलिटिकल इकॉनामी एंड डेवलपमेंट पर दिल्ली में सितंबर 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

दि ट्रिपल बर्डन ऑफ मालॅन्यूट्रीशन इन इंडिया पर कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, इथाका में अक्टूबर 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

पी. दुआः

क्वालिटी एंड वेल्यूज इन एजुकेशनए पेक्टिसिंग क्वालिटी कल्चर इन इंस्टीट्यूशंन ऑफ हायर एजुकेशन, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली में अप्रैल, 2016 को आरंभिक भाषण दिया।

इकॉनोमेट्रिक्सः थ्योरी एंड ऐप्लीकेशंस इन ए वर्कशॉप ऑन फाइनेंशियल इंजीनियरिंगए आई आई टी दिल्ली में मई 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया। इंडियाज प्रोजेक्शन ऑफ इट्स सोफ्ट पावॅर इन दि एरा ऑफ ग्लोबलाइजेशनए दयालबाग एड्यूकेशनल इंस्टीट्यूट (प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी)ए आगरा में सितंबर, 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

मैक्रो स्ट्रेस टेस्टिंग एंड रीसाइलेंस असेसमेंट ऑफ इंडियन बैंकिंग संबंधी दि इंडियन इकॉनोमेट्रिक सोसाइटी के 53वें वार्षिक सम्मेलन, भुवनेश्वर में दिसंबर 2016 को व्याख्यान आमंत्रित किया।

चाइना एंड इंडिया इन दि फेस ऑफ रिसेंट क्राइसिजः ए मारकोन–स्विचिंग एनेलिसिज, एनआईपी एफ पी कांफ्रेंस ऑन पेपरस इन पब्लिक इकॉनामिक्स एंड पॉलिसी पर मार्च 2017 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

आर.सिंहः

एमिनेंट डोमेन टू एक्वायर प्राइवेट प्रोपर्टीजः एयूएस– इंडिया कंपेरिजन पर यूनिवर्सिटी ऑफ विसकनसिन, मेडिसन में अप्रैल 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

इंटरडिपेंडेंट इंवेस्टमेंटस एंड (यूएन) बंडलिंग कॉन्ट्रेक्ट्स पर डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स हावर्ड यूनिवर्सिटी में अप्रैल 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

इंटरडिपेंडेंट इंवेस्टमेंट्स एंड (यूएन) बंडलिंग कॉन्ट्रेक्ट्स पर डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, ब्राऊन यूनिवर्सिटी में अप्रैलए 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

लिटिगेशन ऑवर कम्पेनसेशन अंडर लैंड एक्यूजीशनः एक्टरस एंड आउटकम्स पर लैंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्राम, वर्ल्ड बैंक में जून, 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

इकोनॉमिक एनालिसिस ऑफ एमिनेंट डोमेन लॉः री–एक्जामिनेशन, पेरिस सेंटर फॉर लॉ एंड इकोनॉमिक्स पर यूनिवर्सिटी ऑफ पेरिस में अक्टूबर, 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया। कम्पेरिटिव कोजेशन, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कोजेशन इन लॉ पर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉरेन नेनसीए फ्रांस में अक्टूबर, 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

इकोनॉमिक एनालिसिस ऑफ एमिनेंट डोमेन लॉः री–एक्जामिनेशन, इंटरनेशल काप्रेंस ऑफ ग्रोथ एंड डेवलपमेंट पर इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली में दिसंबर, 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

पीपीपी कान्ट्रेक्टसः इनसेंटिव्स एंड ऑउटकम्स सीपीए– टीएमएमएल इंटरनेशनल काफ्रेंस ऑन पीपीपी पर टीएमएमएल नई दिल्ली में जनवरी, 2017 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

पीपीपी फॉर इंफ्रास्ट्रक्चरः इंडियन एक्सपीरीयेंस, इंटरनेशनल काफ्रेंस ऑन ग्रोथ एंड डेवलपमेंट इन इंडिया पर जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में मार्च 2017 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

एस.बागः

मल्टीडाइमेंन्शनल अर्बन पावॅर्टी एंड इट्स कोरिलेट्सः ए स्टडी ऑफ स्लम डवैलरस ऑफ थ्री मेट्रो सिटीज इन इंडिया पर नो पूअर अफ्रीका पॉलिसी कांफ्रेंस अक्रास घाना। नो पूअर एंड सेंटर फॉर डेमोक्रेटिक डेवलपमेंट घाना। अक्रा घाना में मई 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

मल्टीडाइमेनशनल अर्बन पावर्टी एंड इट्स कोरिलेटसः ए स्टडी ऑफ स्लम डवैलरस ऑफ थ्री मेट्रो सिटीज इन इंडिया संबंधी नो पूअर प्रोजेक्ट की वार्षिक बैठक टेक्नालोजिको डे मोंतेरेए मैक्सिको में जुलाई 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया। अंडरस्टैंडिंग स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग एंड कोरिलेटस इन स्लग्सः एन एनेलिसिस यूजिंग मोनेटरी वर्सिज मल्टीडाइमेनशनल एप्रोचिज इन थ्री इंडियन सिटीज पर वर्ल्ड टवायलेट डे की यूएनयू–मेरिट कांफ्रेंस दिल्ली इंडिया में नवंबर 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

अंडरस्टैंडिंग स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग एंड कोरिलेटस इन स्लम्सः एन एनेलिसिस यूजिंग मोनेटरी वर्सिज मल्टीजइमेनशनल एप्रोचिज इन थ्री इंडियन सिटीज पर इकॉनामिक ग्रोथ एंड डेवलपमेंट के 12वें वार्षिक सम्मेलन, इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली में दिसम्बर, 2016 को एक पत्र प्रस्तुत किया।

एस.कुमारः

साउथ कैंपस दिल्ली यूनिवर्सिटी में अगस्त, 2016 को आयोजित शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज में ग्रीन जीडीपी संबंधी संगोष्ठी में अतिथि वक्ता।

गुरू गोविन्द सिंह इद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा सितम्बर 2016 में आयोजित ग्लोबलाइजेशन एंड इट्स इम्पेक्ट ऑन दि इंडियन इकोनॉमी के 25 वर्ष पूरे होने पर हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ग्लोबलाइजेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट' पर विशेष व्याख्यान।

सीडीई–डीएसई एंड वारविक यूनिवर्सिटी द्वारा सितम्बर, 2016 में आयोजित श्कारपोरेट इन्वायरमेंटलिज्म इन इंडियाः डेट्रिमेंट्स एंड डेटरेंस, सीडीई– सीएजीई वक्रशाप ऑन पॉलिटिकल इकोनॉमी एंड डेवलपमेंट पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकनोमिक्स, इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट में सीईसीएफईई, यूनिवर्सिटी ऑफ गोथनबर्गए स्वीडन द्वारा मार्च 2017 में सह–आयोजित 'इंडस्ट्रियल एनर्जी प्राइसिस एंड एक्सपर्ट कम्पटीटिवनेसः एविडेंस फ्रॉम इंडिया, वक्रशाप ऑन डेवलपमेंट इन कम्पेरिटिव पर्सपेक्टिव पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

दिल्ली स्कूल ऑफ इकनोमिक्स का अर्थशास्त्र विभाग वर्ल्ड प्रोजेक्ट एलआईएन के (नोबेल पुरस्कार प्राप्त स्वर्गीय प्रो. लारेन्स केन द्वारा मार्गनिर्देशित और आरंभ किया गया) का भारतीय समकक्ष है जो स्वतंत्र रूप से विकसित भारतीय बृहत मॉडलों को एक वैश्विक मॉडल के साथ बृहत आर्थिक भविष्यवाणी और नीति को विश्लेषण हेतु समेकित करता है और उसका समन्वय यू एन डिपार्टमेंट ऑफ इकनोमिकल एंड सोशल अफेयर्स तथा टोरंटो यूनिवर्सिटी द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है। आरंभिक चरण में इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनामिक ग्रोथ के प्रो. वी. पंडित और स्वर्गीय के. कृष्णामूर्ति प्रोजेक्ट एलआईएन के से सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे। अर्थशास्त्र विभाग से प्रो. के सुन्दरम और प्रो. पम्मी दुआ हाल ही के वर्षो

तक संयुक्त रूप से जुड़े रहे। वर्तमान में प्रोजेक्ट का प्रबंधन प्रो. वी. पंडित के परामर्शी सहयोग से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी के प्रो. पामी दुआ और एम.आर. भानुमूर्ति द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है।

नियोजन का ब्यौरा

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत–99 और 91.66 प्रतिशत कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या–33

प्रदान की गई एम.फिल/पीएचडी उपाधियाँ

पीएच. डी.–4
एम.फिल.–2
संकाय संख्या–21
तदर्थ–6

****

भूगोल

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियॉ

यह विभाग अंतर– विषयी, नवोन्मेषण तथा समावेशिता पर बल देने के माध्यम से भारत में भूगोल विषय को मजबूत करने में लगा हुआ है। भूगोल विभाग का लक्ष्य अपने शिक्षण और अनुसंधान क्रियाकलापों के माध्यम से भौतिक विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान के बीच के अंतर को कम करना है। विभाग के संकाय सदस्यों ने इस वर्ष में हाई इम्पेक्ट फैक्टर पीयर रिव्यू जर्नलों में अनुसंधान लेख प्रकाशित करे हैं यथा–जियोमार्फोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लाइमेटोलॉजी, जीआईसांइस एंड रिमोट सेसिंग, नेचुरल हजार्डस, सोशल एंड कल्चरल जियोग्राफी, सिटी, कल्चर एंड सोसाइटी, डायलॉग इन ह्यूमन जियोग्राफी, जर्नल ऑफ स्टोचेस्टिक एन्वायरमेंटल रिसर्च एंड रिस्क असेसमेंट आदि। यह विभाग पर्यावरण, दूर संवेदी/जीआईएस और लिंग अध्ययन के क्षेत्र में अपने विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है। विभाग को यूजीसी अनुसंधान सहायता कार्यक्रम डीआरएस–III (2013–18) के तहत विशेष सहायता भी मिल रही है।

सम्मान/विशिष्टियॉ

डा. अनन्दिता दत्ता को जेंडर एंड जियोग्राफी के लिए वर्ष 2020 तक दूसरी बार आईजीयू कमीशन की संचालन समिति में मनोनीत किया गया था और वे 2015 से जेंडर, प्लेस एंड कल्चरः ए जर्नल ऑफ फेमिनिस्ट जियोग्राफी के एडिटोरियल बोर्ड की सदस्य बनी हुई हैं।

प्रो. आर.बी.सिंह बीजिंग, चीन में 33वें इंटरनेशनल जियोग्राफी कांग्रेस, 2016 के आईएनएसए राष्ट्रीय शिष्टमंडल के नेता थे। उन्हें इंटरनेशनल जियोग्राफिकल यूनियन (2016–20) का पुनः उपाध्यक्ष भी चुना गया। उन्हें बदलते शहरी परिवेश (2016–18) में हेल्थ एंड वेलबीइंग संबंधी आईसीएसयू सांइस कमेटी का सदस्य भी मनोनीत किया गया।

प्रो. एस.सी.रॉय ने विली एंड चार्टर्ड इंस्टीट्यूशन ऑफ वाटर एंड एन्वायरमेंटल मैनेजमेंट (सीआईडब्ल्यूईएम) लंदन,यू.के. से हाइली कमेंडिड पेपर अवार्ड–2016 प्राप्त किया।

प्रकाशन

एस. अग्रवाल, एस.सी. राय, पी.के. ठाकुर और ए. एम्मर (2017), इन्वेंटरी एंड रिसेंटली इनक्रीजिंग जीएलओएफ सुससेप्टि–बिलिटी ऑफ ग्लेशियल लेक्स इन सिक्किम, इस्टर्न हिमालय, जियोमार्फोलाजी, 295, 39–54

एस.आनंद और एस.जी. बासुमतारी (2016), एन ओवरव्यू ऑफ स्मार्ट सिटीज इन इंडिया। दि होरिजन, टप्(1) 23–35

एस.आनंद और पी.यादव (2016), अंडरस्टेंडिंग हयूमन एन्वायरमेंट इंटरएक्शन एंड इको डेवलपमेंट इनीशिएटिव्स फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर ऑफ सरिस्का नेशनल पार्क, राजस्थान, इंडिया। जर्नल ऑफ वाटर एंड लैंड यूज मैंनेजमेंट, 16 (1 और 2), 120–138।

एस. आनंद, यू.रानी और एम.जी. बासुमतारी (2016), डिजास्टर मैंनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, वर्ल्ड फोकस, 437 (पृ.–117–121)।

एस.आनंद (2017), परस्पेशन ऑफ वेस्ट मैंनेजमेंट इन दिल्ली, इन बी. ठाकुर, एच.एस.शर्मा, एस.मिश्रा, एस. चट्टोपाध्याय और एस.सिंह (ईडी), रीजनल डेवलमपेंटः थ्योरी एंड प्रैक्टिस, 2 मेजरिंग डेवलपमेंट, (पृ.–148–162), नई दिल्लीः कनसेप्ट पब्लिकेशंस कंपनी।

एन. बंधोपाध्याय और ए.के. साहा (2016), ए कम्पेरिटिव एनालिसिस ऑफ फोर डाट इनडाइसिस यूजिंग जियोस्पेटिकल डाटा इन गुजरात इंडिया। अरबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसेज, 9(5), पृ.–341।

एन. बंधोपाध्याय, सी. भुंइया और ए.के. साहा (2016), हीट वेव्स, टेम्परेचर एक्सट्रीम्स एंड देयर इम्पेक्ट्स ऑन मानसून रेनफाल एंड इटियोरोलॉजिकल ड्राट्स इन गुजरात, इंडिया। नेचुरल हजार्ड्स, 82 (1), 367–388

एन.बाथला और एस.सी.राय (2016), रेन वाटर हार्वेस्टिंगः ए सोल्यूशन टू वाटर स्कारसिटी इन दि नेशनल केपिटल रीजन (एनसीआर), दिल्ली, इंडिया। एनल्स ऑफ दि नेशनल एसोसिएशन ऑफ जियोग्राफर्स, इंडिया, 36(1), 53–65।

ए.बेगम और ए.के. साहा (2017), फेसिलिटी मैंनेजमेंट सिस्टमः ए केस स्टडी ऑफ यूनिवर्सिटी कैम्पस। पी.इन शर्मा और एस. राजपूत (संपा), सस्टेनेबल स्मार्ट सिटीज इन इंडियाः चैलेंजिंज एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स, (पृ.–213–225)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल।

सी. भुइंया, ए.के. साहा, एन. बंधोपाध्याय और एफ.एन. कोगन (2017), एनालाइजिंग दि इम्पेक्ट ऑफ थर्मल स्ट्रेस ऑन वेजिटेशन हेल्थ एंड एग्रीकल्चर ड्रॉट–ए केस स्टडी फ्रॉम गुजरात, इंडिया। जी आई सांइस एंड रिमोट सेंसिंग, 54(5), 678–699।

ए.दत्ता (2016), जेंडर्सकेप्स ऑफ हेटः ऑन वाइलेंस अगेनस्ट वूमेन इन इंडिया, डॉयलाग्स इन ह्यूमन जियोग्राफी 6(2), 178–181।

ए.दत्ता (2016), ये भूगोल शास्त्र नहीं हैः ऑन (इन) विजिबिलाइजिंग जेंडर्ड जियोग्राफिक्स ऑफ रेजिस्टेंस एंड एजेंसी इन इंडिया। सोशल एंड कल्चरल जियोग्राफी।

ए.डे (2016), स्पेटियलाइजेशन ऑफ सेल्वसः रिलिजन एंड लाइबेवल स्पेसिज अमंग हिन्दुज एंड मुस्लिम्स इन दि वाल्ड सिटी ऑफ अहमदाबाद, इंडिया। सिटी कल्चर एंड सोसाइटी, 7, 149–154।

ए.डे. और एस. मोइनुद्दीन (2016), नेगोशिएटिंग वूमेनहुड एंड साउथ एशियन नेशनलिज्म्सः ब्लारिंग बोर्ड्स एंड आइडेनटिटीज इन साउथ एशिया, इन एम. फ्राइडमैन और एस. शुल्टरमैनल (ईडी)। क्लिक एंड किनः ट्रांसनेशनल आइडेंटिटी एंड क्विक मीडिया, (पृ. 74–94), टोरंटोः यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो प्रेस।

डब्ल्यू डुबान, एच.बिन, एन.साहू, एल.पिंगपिंग, एन. डेनियल और टी. कारू (2016), स्पेटियोटेंपोरल वेरिएबिलिटी ऑफ होकाइडोस सीजनल प्रेसीपिटेशन इन रीसेंट डीकेड्स एंड कनेक्शन टू वाटर पेपर फ्लक्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लाइमेटोलॉजी।

ए.हुसैन और पी. कुमार (2017), ड्रिंकिंग वाटर एंड हेल्थ रिलेटिड इश्यूजः ए केस स्टडी ऑफ पटपडगंज सोसाइटीॉ नई दिल्ली। इन बी.डब्ल्यू पांडे (ईडी), वाटर रिर्सोसिज़ पोटेंशियलिटी, वलनरएबिलिटी एंड मैनेजमेंटः इंडियन एक्सपीरियेनसिज़, (पृ.166–183)। नई दिल्लीः रिसर्च इंडिया प्रेस।

पी.कुमार और एस. रहमान (2017), एलायड एक्टिविटीज़ एंड एग्रीकल्चर पैटर्नस ऑफ मालदा डिस्ट्रिकट, वेस्ट बंगाल, इन एस. सहदेव और एम. कुमार (ईडी) एनवायरमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंटः ए जियोग्राफिकल अप्रेजल, (पृ. 76–100), नई दिल्लीः कन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी।

पी. कुमार और रश्मि (2017), एनवायरमेंट एंड कम्युनिटी रिसिलियेंस। इन एस. सहदेव और एम.कुमार (ईडी), एनवायरमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंटः ए जियोग्राफिकल अप्रेजल, (पृ. 157–167) नई दिल्लीः कन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी।

ए.पी.मिश्रा, ए.सेन और ए.कुमार (2017), एक्सप्लोरिंग पोटेशियल्स एंड चैलेजिंज इन मेकिंग स्मार्ट सिटीज इन इंडिया ए केस स्टडी ऑफ इलाहाबाद सिटी, उत्तर प्रदेश। इन पी.शर्मा और एस. राजपूत (संपा), सस्टेनेबल स्मार्ट सिटीज इन इंडियाः चैलेंजिज एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स, (पृ. 123–142) स्प्रिंगर इंटरनेशनल।

एस.मिश्रा और ए. सेन (2017), वाटरिंग दि पॉप–अप मेगा सिटीः ए स्टडी ऑफ वाटर सप्लाई इन कुंभ मेला–2013 इन इलाहाबाद। इन बी. डब्ल्यू पांडे (संपा), वाटर रिसोर्सिज पोटेंशियलिटी, वलनरएबिलिटी एंड मैनेजमेंटः इंडियन एक्सपीरी एन सिंज, (पृ. 173–185) नई दिल्लीः रिसर्च इंडिया प्रेस।

नीतू और आर.बी.सिंह (2016), डायनेमिक्स ऑफ हिल एग्रीकल्चर इन अमर्जेंट रूरल इकोनॉमी ऑफ कांगडा डिस्ट्रिक्ट, हिमाचल प्रदेश, जर्नल ऑफ सॉयल एंड वाटर कन्जर्वेशन, 15(4), 337–344।,

बी.डब्ल्यू. पांडे, ए.एस. प्रसाद, एच. मिश्रा और एस. गोदारा (2017) अर्बन डायनेमिक्स एंड रिसोर्सिज कंजप्शनः ए केस स्टडी ऑफ एनसीटी ऑफ दिल्ली। इन.पी शर्मा और एस. राजपूत (संपा), सस्टेनेबल स्मार्ट सिटीज इन इंडियाः चैलेंजिज एंड फ्यूचर (पृ. 333–352) स्प्रिंगर सर्पेक्टिव्स इंटरनेशनल।

ए.पंत, बी.डब्ल्यू पांडे और वी.एस. नेगी (2016), हजार्ड रिस्क एसेसमेंट थ्रू कम्युनिटी पार्टिसिपेशनः ए केस स्टडी ऑफ गौला रिवल कैचमेंटः कुमाऊ हिमाचल, डेक्कन जियोग्राफर्स, 52(2), 11–16।

एस.सी. राय और पी.के. मिश्रा (2016), इंडीजिनीयस नॉलेज ऑफ टेरेस मैनेंजमेंट इन सिक्किम हिमालय, इंडिया। इन के.के. यादव, एस.पी.एल. श्रीवास्तव और पी. कुमार (संपा), इन्वायरमेंट, पाल्यूशन एंड सोशियो इकोनॉमिक डेवलपमेंट इन इंडिया, वाराणसीः विजय प्रकाशन मंदिर।

एस.सी.राय और जे. नागपाल (2017), एन असेसमेंट ऑफ डोमेस्टिक वाटर यूज प्रैक्टिसिज इन दिल्ली। इन. पी. शर्मा और एस. राजपूत (संपा), सस्टेनेबल स्मार्ट सिटीज इन इंडियाः चैलेंजिग एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स (पृ. 445–458), स्प्रिंगर इंटरनेशनल। एस.सी. राय (2017), हाइड्रोलॉजी एंड वाटर रिसोर्सिजः ए जियोग्राफिकल पर्सपेक्टिव, नई दिल्लीः एनी बुक्स प्रा.लिमि.

ओ. रंजन, एस. आनंद और बी. डब्ल्यू. पांडे (2016), अंडरस्टेंडिंग कल्टीवेशन इकोलॉजी इन त्वांग–चू रिवर बेसिन, अरूणाचल प्रदेश। इन पी.सिंह (संपा), क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, (पृ. 189–203), दिल्ली शब्द वाणी प्रकाशन।

ओ. रंजन और एस. आनंद (2017) अंडेपटेशन एंड सस्टेनेबिलिटी इन डेवलपमेंटः ए केस स्टडी ऑफ त्वांग डिस्ट्रिक्ट, अरूणाचल प्रदेश। इन बी. डब्ल्यू. पांडे (संपा), वाटर रिसोर्सिज पोटेंशिएलिटी, वलनरएबिलिटी एंड मैनेंजमेंटः इंडियन एक्सपीरियनसिज, (पृ. 261–281)। नई दिल्ली–रिसर्च इंडिया प्रेस।

एन.राय और बी.डब्ल्यू पांडे (2016), कन्सेप्ट एंड प्रैक्टिसिज इन डिजास्टर मैनेंजमेंट, वर्ल्डफोकस, 437, 127–129।

एन.साहू, ए. राबर्टसन, आर.बोर, एस.बहेरा, डी.जी.डी विट, टी.कोरू, एम, कुमार और आर.बी. सिंह (2016), प्रोबेबिलिस्टिक सीजनल स्ट्रीमफ्लो फोरकास्ट्रस ऑफ दि सिटारम रिवर, इंडोनेशिया, बेस्ड ऑन जनरल सर्कुलेशन मॉडल्स। जर्नल ऑफ स्टोकास्टिक एनवायरमेंटल रिसर्च एंड रिस्क असंसेमेंट।

एन. साहू (2017), ग्लोबल एनवायरमेंटल चैलेंजिज एंड इंडियन ओशियन डिपोल। इन एस.सहदेव और एम. कुमार (संपा),एनवायरमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंटः ए जियोग्राफिकल अप्रेजल, (पृ. 276–285), नई दिल्लीः कन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।

ए. सेन, एस.आनंद और ए.पी. मिश्रा (2016), इलाहाबाद एज ए स्मार्ट सिटीः एसडब्ल्यूओटी एनलिसिस, दि होरिजन, अपपप ;प्प्द्ध 131–143।

ए.सेन और ए.यादव (2017), रि.इमेजिंग पोस्ट–इंडस्ट्रियल सिटीजः एक्सप्लोरिंग न्यूअर आइडेंटिटीज इन फरीदाबाद, हरियाणा। इन पी.शर्मा और एस. राजपूत (संपा), सस्टेनेबल स्मार्ट सिटीज इन इंडियाः चैलेंजिज एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स, (पृ. 85–108),स्प्रिंगर इंटरनेशनल।

शोध परियोजनाएं

पापुलर इमेजिनरीज एंड डिस्कोर्सिस ऑन पॉलिटिक्स इन इंडियाः एक्सप्लोरिंग कल्चरल नेरेटिव्स एज साइट्स ऑफ नौलेज कंस्ट्रशन, आईसीएसएसआर, 2017–2019, 40 लाख रूपए, डा. अपराजिता डे, सह–निदेशक।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

बी.डब्ल्यू पांडे ने यूनिवर्सिटी ऑफ फाइबर्ग, स्विटज़रलैंड में 30 जून–7 जुलाई, 2016 को आयोजित कार्यशाला में स्विस एजेंसी फार डेवलपमेंट एंड को–आपेरेशन (एसडीसी) के ग्लोबल प्रोग्राम ऑन क्लाइमेट चेंज (जीपीसीसी) तथा इंडियन हिमालयाज क्लाइमेट एडॅप्टेशन प्रोग्राम (आईएचसीएपी) नामक इंडो–स्विस परियोजना पर पत्र प्रस्तुत किया।

पी.के. पाठक ने (13–14 मार्च, 2017) को इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कॉनटेक्सुअलाइजिंग प्रोडक्टिव एजिंग इन एशिया, एशियन रसिर्च इंस्टीट्यूट (एआरआई), नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस), सिंगापुर में पत्र प्रस्तुत किया।

पी.के. पाठक ने 7–12 अप्रैल, 2017 को इंटरनेशनल वर्कशाप ऑन मॉडलिंग एंड प्रोजेक्टिंग सबनेशनल पापुलेशन ट्रेंडस, एशियन डेमोग्राफिक रिसर्च इंस्टीट्यूट (एडीआरआई), शंघाई यूनिवर्सिटी, शंघाई, चीन में पत्र प्रस्तुत किया।

एस.सी.राय ने 12–14 मई, 2017 को दि 2017 एनुअल कांफ्रेंस ऑन जियोग्राफिक रिसर्च फॉर दि नार्दन चीन रीजन, शीजीरजुआंग, चीन में पत्र प्रस्तुत किया।

अंजन सेन, अपराजिता डे ने 27–30 जुलाई, 2016 में ईएएसएएस 24 यूरोपियन कांफ्रेंस ऑन साउथ एशियन स्टडीज वारसा, पोलैंड में पत्र प्रस्तुत किए।

आर.बी.सिंह, बी.डब्ल्यू पांडे, अंजन सेन, अपराजिता डे, पंकज कुमार,ने 21–25 अगस्त, 2016 को 33 वें इंटरनेशनल जियोग्राफिकल कांग्रेस (आईजीसी बीजिंग), चीन में पत्र प्रस्तुत किए।

आर.बी.सिंह, सुभाष आनंद, बी.डब्ल्यू पांडे, पंकज कुमार ने 23–25 दिसम्बर, 2016 को आईसीएसएसआर और जापान सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस (जेएसपीएस) बाइलेटरल सेमिनार, हिरोशिमा, जापान में प्रस्तुतीकरण दिया।

प्रदान की गई एम.फिल/पीएचडी उपाधियॉ

पीएच.डी.–6

एम.फिल.–13

संकाय संख्या

स्थायी–13

इतिहास

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियॉ

विभाग की स्थापना 1922 में हुई थी और वर्तमान में इसमें 32 संकाय सदस्य हैं जो शोध और शिक्षण कार्यों में सक्रिय हैं। संकाय सदस्य इतिहास विषय के प्रख्यात चिंतक और योगदानकर्ता तथा शोध के अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं। यह सम्मेलनों में आधार व्याख्यान देने और अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लेने हेतु नियंत्रण प्राप्त करने से स्पष्ट होता है। इतिहास विभाग के संकाय सदस्य इतिहास की कुछ सर्वाधिक प्रतिष्ठित जर्नल के संपादक मंडल के सदस्य है इतिहास विभाग विश्व में सर्वाधिक कठिन और प्रतिष्ठित एम.फिल कार्यक्रमों को चलाता है। वार्षिक तौर पर नामांकित लगभग 25 छात्रों में से लगभग 3–5 छात्रों को नियमित रूप से अपनी पीएचडी के लिए शीर्ष के अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से पूर्ण छात्रवृति मिलती है। हमारा एक एम.ए. प्रोग्राम है जिसमें काफी पाठ्यक्रम हैं और एक नया संशोधित अवरस्नातक प्रोग्राम है

उपाधियॉ/विशिष्टियॉ

डा. विश्वमोई पती, नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी, सीनियर फैलोशिप, 2015–17

डा. संघमित्रा मिश्रा, नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी, फैलोशिप 2015–17

प्रोफेसर एस.जेड.एच. जाफरी, सेक्शनल प्रेजिडेंट, मेडिवल इंडियन हिस्ट्री इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस, 2016

डा. यासर अराफात, डा.एल.एम. सिंधवी विजिटिंग फैलोशिप, सेंटर ऑफ साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज, 2016–17।

डा. शालिनी जैन, सीएसटी लाइब्रेरी स्कॉलर, क्लेरमोंट स्कूल ऑफ थियोलॉजी, क्लेरमोंट कैलिफोर्निया, यूएसए, 2015–17।

शोध परियोजनाएं

अंतर्राष्ट्रीय

डा. विश्वमोई पती, यूजीसी/न्यूजीलैंड रिसर्च काउंसिल इंटरनेशनल प्रोजेक्ट, यूजीसी में वित्तपोषण एजेंसी, कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड इनोवेशनः हेल्थ, इंडियन डायसपोरास इन दि साउथ पेसिफिक एंड दि एंटीपोड्स, 2014–16 कुल अनुदानः 22 लाख रूपए।

डा. विपुल सिंह, सिमोन मुलर (पीआई) डीएफजी ऐमी–नादर रिसर्च ग्रुप में परियोजना भागीदार, हर्जाड्स ट्रैवल्स, घोस्ट एक्ट्स एंड दि ग्लोबल वेस्ट इकोनॉमी, रॉशेल कार्सन सेंटर, म्यूनिख (जर्मनी), 2016–2020

राष्ट्रीयः

डा. चारू गुप्ता, सीएएस ट्रैवल एंड रिसर्च ग्रांट, डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री, दिल्ली यूनिवर्सिटी, सेक्स इन दि वर्नाकुलरः दि राइटिंग्स ऑफ संतराम, 2016–17।

प्रकाशन

पियर रिव्यू/रेफर्ड जर्नलों में प्रकाशित लेखः

राष्ट्रीय–6, अंतर्राष्ट्रीय–2

मोनोग्राफ की संख्या–6

संपादित पुस्तकों की संख्या–11

पुस्तकों में अध्याय–24

ए.रियाजुद्दीन (2016), लिटरेरी एंड हिस्टोरिकल प्रैक्टिसिस इन मेडिवल एंड अर्ली माडर्न इंडिया। डेविड कुर्ले के साथ सह–संपादित। दिल्ली/लंदनः मनोहर एंड राउटलेज

ए.फारूकी 2016, रिलिजन, दि रायट ऑफ 1807 इन दिल्ली, एंड एंटी–कंपनी सेंटीमेंट/स्टडीज इन पीपल्स हिस्ट्री, 3(2), 174–184

आर. गोविन्द (2017) दि किंग्स पलंडर, दि किंग्स जस्टिसः सोवर्निटी इन ब्रिटिश इंडिया, 1756–1776 स्टडीज इन हिस्ट्री, 33 (2), 1–36।

सी.गुप्ता (2016/17) एलीगोरीज ऑफ 'लव जेहाद' एंड घर वापसीः इंटरलॉकिंग दि सोशियो–रिलिजियस विद दि पालिटिकल। आर्चिव ओरियंटलानी, 84,2,219–316।

एस.जेड.एच. जाफरी (2016) अवध फ्रॉम मुगल टू कोलोनियल रूलः स्टडीज इन दि एनाटॉमी ऑफ ट्रांसफार्मेशन। नई दिल्लीः ज्ञान पब्लिशिंग हाउस।

एस. कुमार और उनियाल सी.पाडा (2016), (ईडी), राजीव गांधीः पायनियर ऑफ इंडियाज ट्वंटीफस्ट सेंचुरी, नई दिल्लीः स्वराज प्रकाशन

ए.मल्होत्रा (2017), पायरो एंड दि गुलाबदासीज, नई दिल्लीः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

डी. जोउ (2016/17), एनवायरमेंट, सोशल आइडेंटिटी एंड इंडीविजुअल फ्रीडम इन दि करंट हिस्टोरियोग्राफी इन नार्थ ईस्ट इंडिया। स्टडीज इन हिस्ट्री, 32(1), 1–13।

आयोजित किए गए सम्मेलन–4

प्रो. सुनील कुमार ने दि इंडियन इकोनॉमिक एंड सोशल हिस्ट्री वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला का सह–आयोजन किया, स्टीन आडिटोरियम, इंडिया हैबिटेट सेंटर, दिल्ली, दिसम्बर, 2016।

सम्मेलन/संगोष्ठी में प्रस्तुतीकरण

पारूल पांडया धर ने जनवरी, 2017 में यूजीसी प्रोग्राम के तहत कलकत्ता यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'लाइनेजिस ऑफ इंटरएक्श्ंास बिटवीन साउथ, साउथईस्ट एंड साउथ एशिया' नामक सम्मेलन में 'दि आइकोनोग्राफी ऑफ क्रास कल्चरल एक्सचेंज बिटवीन इंडिया एंड साउथ ईस्ट एशिया' में एक पत्र प्रस्तुत किया'।

अंतर–संस्थागत सहयोग

डॉ. शालिनी जैन का क्लारेमोंट लिंकन यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया, यूएसए के प्रोफेसर फिलिप क्लेटोन के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग है।

प्रदान की गई पीएचडी/एमफिल उपाधियॉ

पीएच.डी.–17

एम.फिल.–18

संकाय संख्या

स्थायी–33

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संकाय सेवारत है–

राष्ट्रीय समितियां–21

अंतर्राष्ट्रीय समितियां–5

संपादक बोर्ड–42

कोई अन्य–3

राजनीति विज्ञान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धिंयॉ

राजनीतिक विज्ञान विभाग का शिक्षण और शोध कार्यक्रम व्यापक सामाजिक विज्ञान, दृष्टिकोण पर आधारित है जो समाज शास्त्रीय, आर्थिकी दर्शनशास्त्र और सांस्कृतिक आयामों को एकीकृत करता है यह भारतीय वास्तविकताओं को ध्यान में रखकर राजनीतिक क्षेत्र के व्यापक अध्ययन को प्रोत्साहित करता है। विभाग विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगठनों तथा दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित 16 परियोजनाओं के साथ पांच अंतर–संस्थागत सहयोग परियोजनाओं पर काम कर रहा है। विभाग ने दो अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, चार राष्ट्रीय कार्यशालाओं, एक संकाय संगोष्ठी, बारह विभागीय साप्ताहिक संगोष्ठियों, छह विशेष वार्ताओं और पीएचडी छात्रों

द्वारा एक वर्क–इन–प्रोग्रेस कार्यशाला की मेजबानी की है। विभाग ने उभरते क्षेत्रों में शोध करने हेतु कालेज अध्यापकों के सहयोग से रिसर्च ग्रुपों और नेटवक्र की एक श्रृंखला शुरू की है। इनमें शामिल हैः साउथ ईस्ट–एशिया रिसर्च ग्रुप इंटेलेक्चुअल हिस्ट्री रिसर्च ग्रुप, कानून और राज्य सहित फेमिनिस्ट एंगेजमेंट पर रिसर्च नेटवर्क और पीस एंड कनफि्लक्ट स्टडीज रिसर्च ग्रुप। विभाग ने सभी अंडर–ग्रेजुएट कोर्सों के लिए हिन्दी भाषा में शिक्षण सामग्री तैयार तथा संकलित करने के लिए कॉलेज अध्यापकों की सहायता से एक अभियान चलाया है संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान और पुरस्कार मिले हैं तथा वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहे हैं और उन्हें अपने विशिष्ट क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय संघों/निकायों में पेशेवर हैसियत मिली हुई है।

सम्मान/विशिष्टियॉ

बिपिन कुमार तिवारी को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा 3 दिसम्बर, 2016 को रोल मॉडल श्रेणी के अंतर्गत 'एम्पावरमेंट ऑफ पर्सन्स विद डिसएबिलिटी' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला।

एन. सुकुमार को 2016 में तेजपुर सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी द्वारा अम्बेडकर चेयर प्रदान की गई।

नवनिता चड्ढा बहेरा को 2017 में इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन गवर्निंग काउंसिल द्वारा स्थापित 'ग्लोबल साउथ टॉस्क फोर्स' का को–चेयर नियुक्त किया गया।

नवनिता चड्ढा बेहरा को मार्च, 2016 में इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन कन्वेंशन में सृजित 'साउथ एशिया इन दि वर्ल्ड पॉलिटिक्स' पर आईएसए सेक्शन के लिए फर्स्ट को–चेयर चुना गया और उन्हें 2017 में इसी सेक्शन के लिए पुनः को–चेयर चुना गया।

नवनिता चड्ढा बेहरा को लॉग रेंज प्लनिंग कमेटी, इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन, यूएसए (2015–17) का सदस्य और कमेटी ऑन दि स्टेटस ऑफ वूमेन, इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन, यूएसए (2014–16) का सदस्य नियुक्त किया गया।

प्रकाशन

बेहरा–एन चड्ढा (2016), एजेंसी, ऑटोनॉमी एंड कम्पलायंस इन (पोस्ट)– कनफि्लक्ट सिचुएशंसः पर्सपेक्टिव फ्रॉम जम्मू एंड कश्मीर, साइप्रस एंड बोस्निया एंड हर्जेगोविना। एलिमा बी. स्टावरिवेस्का, सुमोना दासगुप्ता और बिर्टेवोगल के साथ सह– लेखक, इन जे–पीटर बुर्जेस, ओलिवर रिचमंड और रणवीर समादर (संपा), 'कल्चर्स ऑफ गवर्नेस एंड पीसः ए कम्पेरिजन ऑफ ई यू एंड इंडियन थियोरेटिकल एंड पॉलिसी अप्रोचिज, (पृ. 88–112), मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी प्रेस ।

बेहरा–एन.चड्ढा (2016), इंटरनल कनफि्लक्ट्स एंड गवर्नेंसः अंडरस्टेंडिंग इंडियाज प्राइक्स। इन गाल्वानेक, बी. जानेल, जे.हंस, गिसमैन और मीर मुबाशिर (संपा), 'नार्म्स एंड प्रीमिसिस ऑफ पीस गवर्नेसः सोशियो– कल्चरल सिमिलेरिटीज एंड डिफरेंसिस इन यूरोप एंड इंडिया, बर्ज होफ आकेजनल पेपर न.–32, बार्लिन, बर्ज होफ फाउंडेशन।

बेहरा–एन. चड्ढा (2016), नॉलेज प्रोडक्शन। स्पेशल इश्यू ऑन 'ग्लोबल आईआर एंड रीजनल वर्ल्ड', इंटरनेशनल स्टडीज रिव्यू, मार्च 18 (१), 1–3।

बेहरा–एन.चड्ढा (2016), दि कश्मीर कनफि्लक्टः मल्टीपल फाल्ट लांइस। जर्नल ऑफ एशियन सिक्युरिटी एंड इंटरनेशनल अफेयर्स, 3 (1), 41–63।

बेहरा–एन.चड्ढा (2016), मैपिंग रिसर्च एंड टीचिंग ट्रेजेक्टरीज ए क्रिटिकल टर्न इन इंडियन आईआर, इंटरनेशनल रिलेशंस, जून 51 (4), 133–151।

एस.के. चौधरी (2016), (ईडी), पॉलिटिकल साइंस ग्लासिरी, (पृ.–622), कमीशन फॉर साइंटिफिक एंड टेक्नीकल टर्मिनोलॉजी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

एस.के. चौधरी (2016), पाब्लो नेरूदा (1904–1973), ए लिटर्‌री पॉलिटिकल लीजेंड। 10वीं पाब्लो नेरूदा लेक्चर बुकलेट,(पृ.–2–3), डेवलपिंग कंट्रीज रिसर्च सेंटर, दिल्ली यूनिवर्सिटी।

एस. के चौधरी और ए.नाथ (2016), सम हिट्‌स एंड मेनी फ्‌लाप्सः ए रियलिटी चैक ऑफ वन ईयर ऑफ एएपी गवर्नेंस इन दिल्ली, दि इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल सांइस, (2) अप्रैल–जून, 175–176।

एन.चौधरी (2016), डिसप्लेसमेंट–ए स्टेट ऑफ एक्सेपशन एंड बियांडः इश्यूज एंड पर्सपेक्टिव इन फोर्स्ड माइग्रेशन इन साउथ एशिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइग्रेशन एंड बार्डर स्टडीज, 2(2)।

एस.गिरि (2016), दि हैप्पी इंसिडेंट ऑफ यूटोपिया। इन जिजेक, स्लावोज एंड फ्रेड्रिक जेमसोम (ईडी) एन अमरीकन यूटोपिया लंदनः वर्सो।

एस.गिरि (2017), पैरासिटिक एंटी–कोलोनिज्म। इन क्रिसिक, जेला (ईडी), द फाइनल काउंटडाउनः यूरोप, रिफ्‌यूजीज एंड दि लेफ्ट। वियनाः इरविन एंड वायनर फेस्टवोकन।

एस.एच.एम. कुमार और वी. रघुवंशी (2016), सिनेमेटिक कंस्ट्रशन ऑफ अदरः ए केस ऑफ परफोर्मिंग पाकिस्तान इन हिन्दी सिनेमा। इन परेरा, सासंका और देव एन. पाठक (ईडी) परफोर्मेटिव कम्युनिकेशंस कल्चर एंड पॉलिटिक्स इन साउथ एशिया, लंदन, राउटलेज।

एस.एच.एम. कुमार (2017), मेटोनायमिस ऑफ फीचरः इस्लामफोबिया एंड दि मेकिंग ऑफ मुस्लिम आइडेंटिटी इन हिन्दी सिनेमा, सोसाइटी एंड कल्चर इन साउथ एशिया नं.–2, 233–255।

बी. कुकरेजा (2017), डायनेमिक्स ऑफ चेंज एंड कंटिन्युटी इन इंडियाज फॉरेन पॉलिसी अंडर नरेन्द्र मोदी जी रिजीम। इन सिंह, संतोष कुमार (ईडी) इंडियाज फॉरेन पॉलिसीः कंटिन्युटी विद डिफरेंस अंडर मोदी गवर्मेंट, नई दिल्लीः मानक पब्लिकेशंस, 1–17।

बी. कुकरेजा (2016), दि मीनेस ऑफ नार्को पावर इन पाकिस्तान। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, LXII (2), अप्रैल–जून।

एस.के. रागी (2016), इनफिल्ट्रेशन ऑफ इल्लिगल माइग्रेंट्‌स एंड इलेक्टोरल पॉलिटिक्स इन असाम, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, खंड–स्ग्प्‌ जुलाई–सितम्बर।

एस.के. रागी (2017), एडमिनिस्ट्रेटिव थिंकर्स (संशोधित संस्करण), दिल्ली, ट्रिनिटी।

आर. सक्सेना (2017), मल्टीलेयर्ड गवर्नेंस इन दिल्ली, इन हिमांशु राय एंड एम.पी.सिंह (ईडी), स्टेट पॉलिटिक्स इन इंडिया, दिल्ली, प्राइमस।

एस.पी. सिंह (2017), तिलक्स नेशनलिज़्म एंड स्वराज। इन हिमांशु राय और एम.पी.सिंह (ईडी), इंडियन पॉलिटिकल थॉट्‌सः थीम्स एंड थिंकर्स, नई दिल्लीः पीयरसन।

एस.पी. सिंह (2016), डा. अम्बेडकर ऑन नेशन एंड नेशनलिज्म, आर्गेनाइज़र, नई दिल्ली, अप्रैल।

एन. सुकुमार (2016), गोइबेलसियन डबलस्पीकः बी.आर. अम्बेडकर एंड दि आरएसएस। मेनस्ट्रीम, खंड पृष्ठ सं.–24, नई दिल्ली, 4 जून http://www.mainstreamweekly.net/article6458.html पर उपलब्ध।

एन.सुकुमार (2016), रेड सन इन दि ब्लू स्काइः रोहित्स यूरोपियन रिपब्लिक, सोशल चेंज, काउंसिल फॉर सोशल डेवलपमेंट, खंड– 46, सं.–3, 451–457, नई दिल्ली, सेज पब्लिकेशंस।

बी. के. तिवारी (2016), सामाजिक न्याय की धारणा और महिला विधेयक, योजना, सितम्बर, पृ.–33–34।

शोध परियोजनाएं

बिपिन के. तिवारी ने 'नॉन–ट्रेडिशनल सिक्युरिटी इन इंडियाः अंडरस्टेंडिंग एनवायरमेंटल इश्यूज इन हिमालयन रीजन', संबंधी एक शोध परियोजना पर कार्य किया, आर एंड डी अनुदान, दिल्ली, यूनिवर्सिटी।

एन.सुकुमार ने ''एजुकेशन एज ए साइट ऑफ एक्सक्लूजनः ए स्टडी ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज', आई सी एस एस आर संबंधी शोध परियोजना पर कार्य किया।'

नसरीन चौधरी ने 'दि पॉलिटिक्स ऑफ ऑटोनोमस माइग्रेशनःए स्टडी ऑफ इंडियन मिडिल क्लास वूमेन', आई सी एस एस आर संबंधी शोध परियोजना पर कार्य किया।

नसरीन चौधरी ने 'जेंडर्ड डाइमेंशन ऑफ माइग्रेशन इन इंडिया,' संबंधी एक शोध परियोजना पर कार्य किया, आर एंड डी अनुदान, दिल्ली यूनिवर्सिटी।

नवनीता सी.बेहरा ने 'डेमोक्रेसी, नार्म्स एंड इंस्टीट्यूशंस,' आइ सी एस एस आर संबंधी शोध परियोजना पर कार्य किया।

नवनीता सी. बेहरा ने 'रि–वर्किंग दि नॉलेज स्ट्रक्चर्स इन इंटरनेशनल रिलेशंसः इंडियन कंट्रीब्यूशंस,' आई सी एस एस आर संबंधी शोध परियोजना पर कार्य किया।

राजेश देव ने 'लीगल प्लूरिज़्म एंड इंडिजिनियस गवर्नेंस,' संबंधी एक शोध परियोजना पर कार्य किया, आर एंड डी अनुदान, दिल्ली यूनिवर्सिटी।

रेखा सक्सेना ने 'पॉलिटिकल साइंस जेंडर्ड फेडरलिज़्मः ए केस स्टडी ऑफ इंडिया' संबंधी एक शोध परियोजना पर कार्य किया, आर एंड डी अनुदान, दिल्ली यूनिवर्सिटी।

संगीत के. रागी (प्रो.जी.पी. ठाकुर, सीएआरडीसी के साथ) ने 'सोशल साइकोलॉजी ऑफ मार्जिलाइजेशन एंड एक्सक्लूजनः ए केस स्टडी ऑफ डोम एंड मूसहर कम्युनिटी इन बिहार, आई सी एस एस आर संबंधी एक शोध परियोजना पर कार्य किया।

संगीत के. रागी ने 'डिकोडिंग मुज़फ़्फ़रनगर राइट्स 2013ः रोल ऑफ स्टेट, 'सोशल मीडिया एंड पॉलिटिकल पार्टीज,' संबंधी एक शोध परियोजना पर कार्य किया, आर.एंड डी अनुदान, दिल्ली यूनिवर्सिटी ।

संजीव कुमार एच.एम ने 'पापुलर इमेजनरीज एंड डिस्कोर्स ऑन पॉलिटिक्स इन इंडियाः एक्सप्लोरिंग कल्चरल नरेटिव्स एज आल्टरनेटिव्स साइट्स ऑफ नॉलेज कंस्ट्रशन,' आई सी एस एस आर संबंधी एक शोध परियोजना पर कार्य किया।

सत्यजीत सिंह ने 'लोकल गवर्नमेंट्स, क्लाइमेंट, चेंज एंड अडप्टेशन' संबंधी एक शोध परियोजना पर कार्य किया, आर एंड डी अनुदान, दिल्ली यूनिवर्सिटी।

श्री प्रकाश सिंह ने 'प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन परम्पराओं का विश्लेषण' संबंधी एक शोध परियोजना पर कार्य किया, आर एंड डी अनुदान, दिल्ली यूनिवर्सिटी।

उज्जवल के. सिंह ने 'इलेक्ट्रोरल पॉलिटिक्स एंड इलेक्शन कमीशन, ऑफ इंडिया' संबंधी एक शोध/परियोजना पर कार्य किया, आर एंड डी अनुदान, दिल्ली यूनिवर्सिटी।

वीना कुकरेजा ने 'डेमोक्रेटाइजेशन ऑफ स्टेट इन साउथ एशिया,' आई सी एस एस आर संबंधी एक शोध परियोजना पर कार्य किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों का आयोजन किया

राष्ट्रीय स्तरः

'पॉलिटिक्सः थ्योरी एंड प्रैक्टिसिस' पर 2 अप्रैल, 2016 को एक दिवसीय संकाय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

'डेमोक्रेसी एंड माइनारिटी राइट्स' पर 29 अगस्त–2 सितम्बर, 2016 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रो. रेखा सक्सेना द्वारा 5–6 दिसम्बर, 2016 को लीवरहयूम प्रोजेक्ट के एक भाग के रूप में 'कंटिन्यूटी एंड चेंज इन इंडियन फेडरलिज्म़' पर एक राष्ट्रीयकार्यशाला का आयोजन किया गया ।

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और सेज (इंडिया) के सहयोग से 13 जनवरी, 2017 को 'वार जोन टूरिज़्म इन श्रीलंकाः टेल्स फ्रॉम डार्कर प्लेसिस इन पेराडाइज' पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

20 जनवरी, 2017 को पीएचडी वर्क–इन–प्रोग्रेस कार्यशाला का आयोजन किया गया।

साउथ ईस्ट एशिया रिसर्च ग्रुप (एस ई ए आर जी) द्वारा 2 फरवरी, 2017 को 'दि आइडिया ऑफ आसियान ' पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

प्रो. संजीव कुमार एच.एम. द्वारा 17–18 फरवरी, 2017 को 'रि–इमेजिंग साउथ एशियाः एन एक्सप्लोरेशन इन टू दि हिस्ट्री ऑफ आइडियाज' पर एक आई सी एस एस आर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीयसंगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इंटेलेक्चुअल हिस्ट्री रिसर्च ग्रुप (आई एच आर जी) द्वारा 23 फरवरी, 2017 को 'गांधी एंड दि डिसेंटिंग ट्रेडिशन इन दि वेस्ट' पर प्रो. अकील बिलग्रामी के सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

साउथ ईस्ट एशिया रिसर्च ग्रुप (एस ई ए आर जी) द्वारा 9 मार्च, 2017 को 'चेंजिंग स्ट्रेटेजिक कॉन्टोर्स ऑफ दि इंडो–पेसिफिक' पर प्रो. हर्ष वी. पान के सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

रिसर्च नेटवर्क ऑन फेमिनिस्ट एंगेजमेंट विद लॉ एंड दि स्टेट, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा 29 मार्च, 2017 को 'फेमिनिस्ट एंगेजमेंट विद लॉ एंड दि स्टेट' पर एक राष्ट्रीयकार्यशाला का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय स्तरः

एन. सुकुमार ने 24वें यूरोपियन कांफ्रेंस ऑन साउथ एशियन स्टडीज वारसा में 27–30 जुलाई, 2016 को 'फैक्चर्ड फ्रीडम्सः आइडेंटिटीज एंड अजरशंस फ्रॉम दि मार्जिन्स इन पोस्ट कोलोनियल इंडिया' पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

प्रो. नवनीता चड्ढा बेहरा ने 7 नवम्बर, 2016 को इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, वारसा यूनिवर्सिटी के सहयोग से 'चेंजिग पावर इक्वेशंस इन दि एशिया–पेसिफिक' पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

साउथ ईस्ट एशिया रिसर्च ग्रुप एस ई ए आर जी द्वारा 16 दिसम्बर, 2016 को 'विजिट ऑफ इंटरनेशनल डेलिगेशन फ्रॉम वियतनाम' का आयोजन किया गया।

प्रो. रेखा सक्सेना द्वारा 10–13 जनवरी, 2017 को साउथ एशिया इंस्टीट्यूट, हीडलबर्ग यूनिवर्सिटी और फोरम ऑफ फेडरेशन, कनाडा के सहयोग से लीवरहयूम प्रोजेक्ट के एक भाग के रूप में 'कंटिन्यूटी एंड चेंज इन इंडियन फेडरलिज्म़' पर अंतर्राष्ट्रीयसम्मेलन का आयोजन किया गया।

प्रो. नवनीता चड्ढा बेहरा द्वारा 13 फरवरी, 2017 को मेलबोर्न यूनिवर्सिटी और बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के साथ 'सिक्युरिटी प्रॉब्लम–इस्यूसः नॉलेज प्रोडक्शन एंड प्राकिक्स' पर एक इंटरनेशनल कोलोबरेटिव नेटवर्किंग एंड रिसर्च कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

अशोक आचार्य ने 15–17 जून, 2016 को इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ बायोएथेक्सि ईडनबर्ग में 'डू वी नीड ए मेटानरेटिव ऑफ हेल्थ फॉर दि ग्लोबल साउथ' पर एक आधार व्याखान दिया।

अशोक आचार्य ने 10–13 जनवरी, 2017 को लीवरहयूम इंटरनेशनल नेटवर्क ऑफ यूनिवर्सिटीज ऑफ ईडनबर्ग, ब्रिस्टल एंड नाटिंघम (यू.के.) और बर्धमान यूनिवर्सिटी, दिल्ली और हैदराबाद द्वारा आयोजित 'कंटिन्युटी एंड चेंज इन इंडियन फेडरलिज्म़' संबंधी अंतर्राष्ट्रीयसम्मेलन में नेगोशिएटिंग डिफरेंस/डिसएडवांटेजः मल्टीकल्चरल सिटिजनशिप एंड दि फेडरल कम्पेक्ट पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

विपिन बिहारी ने 28 फरवरी, 2017 को कालिंदी कालेज में 'रोल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर स्पेशियली एबल्ड पर्सन्स' पर एक वार्ता की।

विपिन बिहारी ने 22 अगस्त, 2016 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'लॉ, इंस्टीट्यूशंस एंड पॉलिटिकल फिलोसफी' संबंधी अंतर्राष्ट्रीयकार्यशाला में 'राइट ऑफ पर्सन्स विद डिसएबिलिटी' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मधुलिका बैनर्जी ने सेंटर ऑफ सोशल मेडीसन एंड कम्युनिटी हेल्थ, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी द्वारा 10–11 फरवरी, 2017 को आयोजित 'इंडिजिनियस हीलिंग प्रैक्टिसिस अमंग दि ट्राइब्सः चैलेंजिज इन रिकोगनाइजिंग एंड मेनस्ट्रीमिंग' संबंधी राष्ट्रीयसम्मेलन में 'हीलर्स, मेडीसन, पॉवरः स्ट्रेटजीज ऑफ लेजीटिमेशन फॉर 'एथनोमेडिकल' प्रैक्टिशनर इन उदयपुर' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मधुलिका बैनर्जी ने मिरांडा हाउस, दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा 24–25 जनवरी, 2017 को आयोजित एक राष्ट्रीयसम्मेलन में 'डिकोडिंग रिटोरिक इन इंडियाः पॉलिसी एंड पॉलिटिक्स ऑफ 'नॉलेज सोसाइटी' एंड 'मेक इन इंडिया'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

एन.सुकुमारः

1–2 सितम्बर, 2016 को इंडो–स्विस ज्वाइंट रिसर्च प्रोग्राम इन सोशल साइंसेज में वेल–बीइंग, पावर्टी एंड वलनरबिलिटी, आई सी एस एस आर और लासेन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

22–24 फरवरी, 2017 को हायर एजुकेशन एंड सोशल जस्टिस, नेशनल कांफ्रेंस ऑन एजुकेशन इन कटेंम्परारी इंडिया, सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, दिल्ली यूनिवर्सिटी संबंधी पैनल चर्चा में पैनलबद्ध थे।

25–26 फरवरी, 2017 को स्वामी श्रद्धानंद कालेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी में हिस्ट्री, कल्चर एंड लिटरेचरः रीडिंग दि मार्जिन्स संबंधी अंतर्राष्ट्रीयसम्मेलन में 'मैपिंग दि मेमोरीज ऑफ दि डिस्पोसेज्ड' पर एक पत्र प्रस्तुत किया गया।

27–28 फरवरी, 2017 को नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, दिल्ली में 'स्टूडेंट डाइवर्सिटी एंड डिसक्रिमीनेशन इन हायर एजुकेशन' इन इंडिया में लिंग्विस्टिक हेजीमनी एंड दि लेंग्वेज डिसक्रिमीनेशन इन हायर एजुकेशन इन इंडिया (दीपक कुमार के साथ संयुक्त पत्र) पर पत्र प्रस्तुत किया।

डा. अम्बेडकर सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ डेमोक्रेसी एंड सेक्युलरिज्म़, मुंबई यूनिवर्सिटी द्वारा 12–13 मार्च, 2017 को आयोजित प्लूरलिज्म़ एंड दि काइसिस ऑफ आइडेंटिटी संबंधी राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'दि मार्जिन एंड दि सोशल हिस्ट्री' पर पत्र प्रस्तुत किया।

नसरीन चौधरीः

एडम मिकीविकज यूनिवर्सिटी, पेजनान, पोलैंड में 12–15 जुलाई, 2016 को आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर दि स्टडी ऑफ फोर्स्ड माइग्रेशन (आई ए एस एफ एम) में डिसप्लेसमेंट– 'ए स्टेट ऑफ एक्स सेप्शन एंड बियांड इश्यूज एंड पर्सपेक्टिव्स इन फोर्स्ड माइग्रेशन इन साउथ एशिया' पर एक गोलमेज वार्ता की अध्यक्षता की।

मइग्रेशन एंड सिटीजनशिप, आई आई ए एस, शिमला, इंडिया, में 30 मई 1 जून, 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मेकिंग सिटीजंस फ्रॉम बिलोः बिलांगिग एंड राइट्स ऑफ रिफ्यूजीज इन कैंप्स इन तमिलनाडु' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

एडम मिकीविकज यूनिवर्सिटी, पेजनान, पोलैंड में 12–15 जुलाई, 2016 को आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर दि स्टडी ऑफ फोर्स्ड माइग्रेशन (आई ए एस एफ एम) XVI में 'इंटेरोगेटिंग कैम्प एंड रिफ्यूजीज एज दि प्लेस ऑफ एक्ससेप्शन इन फोर्स्ड माइग्रेशन स्टडीज' में एक पत्र प्रस्तुत किया ।

नवनीता चड्ढा बेहराः

कालिंदी कालेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 19–20 जनवरी, 2017 को ग्लोबलाइजेशन एंड फेडरल गवर्नेंस इन इंडियाः अंडस्टेंडिंग दि आमर्जिंग इश्यूज संबंधी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फेडरलिज़्मः थिरोरेटिकल अजम्पशन,' पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

बाल्टीमोर, यू एस ए में फरवरी, 2017 को अंडरस्टेंडिंग चेंज इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स संबंधी 57वें आई एस ए वार्षिक सम्मेलन में रिफार्मिंग ग्लोबल गवर्नेंस संबंधी आई एस ए के फ्लैगशिप सफायर सीरीज के एक भाग के रूप में राउंडटेबल स्पीकर बने।

57वें आई एस ए वार्षिक सम्मेलन, फरवरी, 2017 में ऑफ नोइंग एंड चेजिंग दि आइडिया ऑफ दि इंटरनेशनल पर प्रेजीडेंशियल राउंडटेबल चर्चा के लिए पैनलबद्ध हुए ।

57वें आई एस ए वार्षिक सम्मेलन, फरवरी, 2017 में ग्लोबल आई आर एंड पाथवेज फॉर चेंज इन आई आर थ्योरी पर प्रेजीडेंशियल राउंडटेबल चर्चा के लिए पैनलबद्ध हुए ।

57वें आई एस ए वार्षिक सम्मेलन, फरवरी, 2017 में कम्पेरिटिव फिलोसोफिकल ट्रेडिशंस एंड आई आर थियोराइजिंग संबंधी पैनल में 'वाट हैज धर्मा गोट टू डू विद आई आर थियोराइजिंग' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

57वें आई एस ए वार्षिक सम्मेलन, फरवरी, 2017 में में 'रि–थिंकिंग आई आर इन साउथ एशिया' पर एक गोलमेज चर्चा के लिए पैनलबद्ध हुए ।

57वें आईएसए वार्षिक सम्मेलन, फरवरी, 2017 में 'दि–मेकिंग दि स्टेटः दि चुर्निंग विद इन साउथ एशिया' पर एक प्रेजीडेंशियल पैनल चर्चा की अध्यक्षता की।

रेखा सक्सेनाः

दिल्ली यूनिवर्सिटी में लीवरहयूम इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के आखिरी सम्मेलन को मेजबानी की तथा 10–13 जनवरी, 2017 को हुए ज्यूडिशल फेडरलिज़्म एंड राज्यसभा एज ए फेडरल सेकिंड चैम्बर (सह–लेखक) पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट एंड कम्युनिकेशन (आई डी सी) चंडीगढ के सहयोग से 17–18 मार्च, 2017 को लिंग्विस्टिक फेडरलिज्मः ए केस ऑफ पंजाब, नेशनल कंसलटेशन ऑन पंजाब इन कंपरेटिव पर्सपेक्टिवः पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमी रिसर्च प्रोमोशन सेल (आर पी सी) पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ में एक पत्र प्रस्तुत किया।

संगीत के.रागीः

लीवरहयूम इंटरनेशनल नेटवर्क ऑफ यूनीवर्सिटीज ऑफ ईडनबर्ग, ब्रिस्टल एंड नाटिंघम (यू.के.) और बर्धमान यूनिवर्सिटी, दिल्ली और हैदराबाद (इंडिया) द्वारा 10–13 जनवरी, 2017 को आयोजित कंटीन्यूटी एंड चेंज इन इंडियन फेडरलिज़्म संबंधी अंतर्राष्ट्रीयसम्मेलन में 'गोवा आफ्टर स्टेटहुड' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सत्यजीत सिंहः

यू एन डी पी– बांग्लादेश सरकार ढाका, 4 दिसम्बर, 2016 को रिफोर्मिंग एन जी ओ अफेयर्स ब्यूरो पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

शांता वर्माः

राजनीति विज्ञान विभाग, कालीकट यूनिवर्सिटी, केरल में 21 जुलाई, 2016 को आयोजित संगोष्ठी में 'क्लाइमेट चेंज एंड इंडियाः प्रोफिलिंग दि चैलेंजिज एंड रेस्पांसिस' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

यू जी सी मानव संसाधन विकास केन्द्र, नई दिल्ली में 19 सितम्बर, 2016 को 'डायनेमिक्स ऑफ दि इंडिया यू एस पार्टनरशिपः ए प्रोफाइल' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

यू जी सी, एच आर डी सी, जे एन यू फॉर आई डी सी– एनवायरमेंट स्टडीज में 22 सितम्बर, 2016 को 'इंडियाज एनवायरमेंटल इथोज एंड मूवमेंट्स' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डेवलपिंग कंट्रीज रिसर्च सेंटर, दिल्ली यूनिवर्सिटी, में 11 नवम्बर, 2016 को 'ग्लोबल चेंजः इमर्जिंग चैलेंजिज फॉर इंडिया' पर पैनल की अध्यक्षता की ।

दिल्ली यूनिवर्सिटी में 5 दिसम्बर, 2016 को कंटीन्युटी एंड चेंज इन इंडियन फेडरलिज़्म पर लीवरहयूम इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क प्रोजेक्ट सम्मेलन में 'दि साइलेंट वैली सक्सेसः दि स्टेट एंड दि पीपुल' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

भारतीय जन संचार संस्थान, आई आई एम सी, नई दिल्ली में 10 फरवरी, 2017 को विशेष आमंत्रिती के रूप में आई टी ई सी और एस सी ए एपी कार्यक्रम के तहत फॉरेन मिड–कैरियर जर्नलिस्ट एंड कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित डेवलपमेंट जर्नलिज़्म कोर्स के लिए मीडिया एंड फॉरेन पॉलिसी पर व्याख्यान दिया।

नेशनल कंसलटेटिव मीट ऑफ इंस्टीट्यूशनल एथिक्स रिव्यू बोर्ड ;आई ई आर विद फॉर आई सी एम आर ड्राफ्ट नेशनल एथेकिल गाइडलांइस फॉर रिसर्च इन सांइस एंड सोशल साइंसेज, जे एन यू में 15 फरवरी, 2017 को 'एथिक्स एंड सोशियो– बिहेवियरल रिसर्चः सम इंटरनेशनल डाइमेंशंस' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डेवलपिंग कंट्रीज रिसर्च सेंटर एंड आई सी एस एस आर, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 17 फरवरी, 2017 को 'साउथ एशिया इन ग्लोबल पर्सपेक्टिव्सः इश्यूज़ एंड चैलेंजिज,' संबंधी अंतर्राष्ट्रीयसम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

दयाल सिंह कालेज, नई दिल्ली में 30 मार्च, 2017 को 'इंडिया इन ए ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड' संबंधी संगोष्ठी में 'इंडिया यू एस एंगेजमेंट एंड दि ट्रम्प डायलेक्ट' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

श्री प्रकाश सिंहः

सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड द्वारा 12 अप्रैल, 2016 को आयोजित 'सॉफ्ट पावर' संबंधी राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एंशियंट इंडिया एंड सॉफ्टपावर' पर विदाई भाषण दिया।

डा. हरिसिंह गौड सेन्ट्रेलिटी यूनिवर्सिटी, सागर, मध्य प्रदेश में 14 अप्रैल, 2016 को आयोजित 'डा. अम्बेडकर स्मारक व्याख्यान' पर विदाई भाषण दिया।

डा. बी.आर. अम्बेडकर कालेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा 16 अप्रैल, 2016 को आयोजित 'डा.बी.आर. अम्बेडकर 10वें स्मारक व्याख्यान' पर विदाई भाषण दिया।

नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी, तीन मूर्ति और लाल बहादुर स्मृति न्यास, नई दिल्ली द्वारा 3 अक्तूबर, 2016 को आयोजित 'लाल बहादुर शास्त्री स्मारक व्याख्यान पर आधार व्याख्यान दिया।

शहीद भगत सिंह कालेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी और जे एन यू, नई दिल्ली द्वारा 25 अक्तूबर, 2016 को आयोजित 'मोदी डॉक्ट्राइन' पर विदाई भाषण दिया।

राजनीति विज्ञान विभाग, सी सी यू, मेरठ, उत्तर प्रदेश द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली में 19 नवम्बर, 2016 को आयोजित 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय इकोनॉमिक फिलोसिफी' पर व्याख्यान दिया।

महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा गांधी स्मृति और दर्शन, नई दिल्ली में 25 नवम्बर, 2016 को आयोजित 'कन्सेप्ट ऑफ राष्ट्र एंड नेशनलिज़्म इन इंडिया' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा 30 नवम्बर, 2016 को पुस्तक विमोचन समारोह में 'फेडरलिज़्म एंड आर्टिकल 356 एंड इट्स इम्पेक्ट ऑन इंडियन पॉलिटिक्स' पर एक आधार व्याख्यान दिया।

जी एन डी खालसा कालेज, नई दिल्ली में 13 जनवरी, 2017 को यू जी सी द्वारा प्रायोजित 'रिसर्च मैथोडोलॉजी' पर एक आधार व्याख्यान दिया।

वनस्थली यूनिवर्सिटी, राजस्थान में 21 जनवरी, 2017 को 'रिसर्च मैथोडोलॉजी इन एंशियंट इंडियन लिटरेचर' पर विदाई भाषण दिया।

इंडिया फाउंडेशन एंड यंग थिंकर्स चेन्नई, चेन्नई द्वारा 11 फरवरी, 2017 को आयोजित पंडित दीन दयाल उपाध्याय पर एक आधार व्याख्यान दिया।

राजनीति विज्ञान विभाग, बी एच यू/आई सी एस एस आर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा 1 मार्च, 2017 को 'रिसर्च मैथोडोलॉजी ऑफ सोशल साइंसेस' पर एक आधार व्याख्यान दिया।

एमिटी यूनिवर्सिटी/आई सी एस एस आर, नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा 29 मार्च, 2017 को 'स्टेट्स ऑफ पॉलिटिकल थाट्स इन साउथ एशिया' पर विदाई भाषण दिया।

सुनील के.चौधरीः

24वें वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ इंटरनेशनल पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन, पोजनान, पोलैंड में 27 जुलाई, 2016 को इंटीग्रेटिंग दि 'मार्जिनल्सः कम्पेयरिंग इजराइल एंड इंडिया' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सत्यवती कालेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 22 मार्च, 2017 को आयोजित 'इंडियन डेमोक्रेसी एट क्रासरोड्सः इश्यूज एंड चैलेंजिज' संबंधी राष्ट्रीयसंगोष्ठी में 'डायसपोराः चैंजिंग नेचर' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

वीना कुकरेजाः

राजनीति विज्ञान विभाग, शहीद भगत सिंह कालेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा 24–25 अक्तूबर, 2016 को आयोजित 'चेंजिंग डायनेमिक्स ऑफ इंडियाज फॉरेन पॉलिसी अंडर मोदीज रिजीम संबंधी राष्ट्रीय संगोष्ठी में डायनेमिक्स ऑफ चेंज एंड कंटीन्युटी इन इंडियाज फॉरेन पॉलिसी अंडर नरेन्द्र मोदीज रिजीम' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

<u>अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग</u>

अशोक आचार्य, यू के आई ई आर आई प्रोजेक्ट ;2013–16ः येल यूनिवर्सिटी, बर्मिंघम यूनिवर्सिटी और दि इंटरनेशनल डेवलपमेंट एथिक्स एसोसिएशन (आई डी ई ए) के साथ न्यायः दि ग्लोबल जस्टिस प्रोजेक्ट।

मधुलिका बैनर्जी, इंस्टीट्यूट ऑफ रूटल मैनेंजमेंट, आनंद, अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी और साउथ एशियन नेटवक्र फॉर डेम्स, रिवर्स एंड पीपुल के सहयोग से आई सी एस एस आर की भागीदारी में नॉलेज, डेवलमपेंट एंड पॉलिटिक्स इन पोस्ट– कोलोनियल इंडियाः कानटेस्टेशंस इन स्टेट, मार्केट एंड सिविल सोसाइटी।

नवनीता सी.बेहरा और डा. नसरीन चौधरी, यू–21 (यूनिवर्सिटीज 21) मेलबॉर्न यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया और बर्मिंघम यूनिवर्सिटी, यू.के. के साथ मास्टर्स प्रोग्राम के एक भाग में रूप में स्पेशल मॉड्यूल।

नवनीता सी.बेहरा, कॉलेज ऑफ विलियम एंड मैरी, यूएस ए के साथ टीचिंग, रिसर्च एंड इंटरनेशनल प्रोजेक्ट (टी आर आई पी) सर्वे।

रेखा सक्सेना तीन यूरोपियन यूनिवर्सिटीः नाटिघम यूनिवर्सिटी, इडनबर्ग यूनिवर्सिटी एंड ब्रिस्टन यूनिवर्सिटी तथा तीन भारतीय यूनिवर्सिटीः दिल्ली यूनिवर्सिटी, बर्धवान यूनिवर्सिटी और हैदराबाद यूनिवर्सिटी के सहयोग से लीवर हयूम ट्रस्ट लीवरहयूम इंटरनेशनल रिसर्च नेटवक्र के साथ कंटीन्युटी एंड चेंज इन इंडियन फेडरलिज़्म।

प्रदान की गई एम.फिल और पीएचडी उपाधियॉ

पीएचडी–11

एम.फिल–15

संकाय संख्या

स्थायी–19

*****

समाज कार्य

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियाँ

यह विभाग यूजीसी सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडीज़ के उत्कृष्ट स्तर पर बना हुआ है। पिछले शैक्षिक सत्र में इस विभाग ने कैंपस प्लेसमेंट में 97 प्रतिशत सफलता प्राप्त की। शेष छात्रों ने उच्च शैक्षिक पाठ्यक्रमों का चुनाव किया अतः कैंपस प्लेसमेंट के लिए प्रस्तुत नहीं हुए। यह विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय हेतु समुदाय विकास प्रकोष्ठ की मेजबानी करके गौरवान्वित महसूस करता है, जो कि भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसरण में प्रारंभ की गई एक पहल है। इस पहल के अंतर्गत,समुदाय विकास प्रकोष्ठ द्वारा समुदाय विकास पहलों की जरूरत वाले पाँच गाँवों का चयन एवं अंगीकरण किया गया है। यह विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए उन्नत भारत अभियान इनीशिएटिव के कार्य का भी नेतृत्व करता है। दस छात्रों और चार संकाय सदस्यों ने दिल्ली में पाँच समुदायों में आवश्यकता–आधारित,नियोजित तथा सतत समुदाय पहलें प्रारंभ की। राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ डेवलपमेंट (आरजीएनआईवाईडी) के सहयोग से अजा/अजजा/अपिव युवाओं के लिए पाँच दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। रिसर्च कोलोक्वियम के तत्वावधान में विभिन्न विषयों पर अतिथि व्याख्यान भी आयोजित किए गए। विभाग ने समाज कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर कम्यूनिटी डेवलपमेंट एंड एक्शन, द एक्सटेंशन एंड डेमोन्स्ट्रेशन यूनिट के अंतर्गत अजीत विहार, बुराड़ी में 8 मार्च 2017 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हेतु समारोह आयोजित किए।

सम्मान/विशिष्टियां

आउटलुक सर्वे 2017 के अनुसार विभाग भारत में सर्वश्रेष्ठ समाज कार्य संस्थानों में दूसरे स्थान पर बना हुआ है।

दो महत्वपूर्ण प्रतिमानों यथा शैक्षिक उपलब्धियाँ तथा प्लेसमेंट में पहले स्थान पर है।

भारतीय समाज विज्ञान संघ द्वारा 10 फरवरी 2017 को प्रो. संजय भट्ट को प्रो.वी.के.आर.वी.राव मेमोरियल लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड 2017 प्रदान किया गया।

प्रकाशन

अग्निमित्रा, एन. (2016), *डिजास्टर मैनेजमेंट एंड सोशल वर्क एजूकेशनः प्रैक्सिस ऑफ लर्निंग एंड प्रेक्टिस, जर्नल ऑफ सोशल वर्क एजूकेशन, रिसर्च एंड एक्शन,* खंड2 , (2), मई–अगस्त 2016

आनंद, एम. (2016), *वीमेन्स रिप्रोडक्टिव राइट्स एंड सोशल वर्क प्रैक्टिस, एमिटी ग्लोबल सोशल वर्क रिव्यू,* 1(1), एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, सह–लेखक

आनंद, एम. (2016), *द चेंजिंग फेस ऑफ हेल्थकेयर इन इंडियाः चैलेंजेस टू सोशल वर्क प्रैक्टिस, कंटेम्परेरी सोशल वर्क,* वर्ष4 , अंक2 , समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, सह–लेखक

आनंद, एम. (2016), *जेंडर्ड एस्पेक्ट ऑफ मेंटल हेल्थः इश्यूज़ एंड स्ट्रेटेजीज़,* शीमा अलीम एवं नवेद इक़बाल (संपा.) *पॉजिटिव विस्टाज़ ऑफ हैल्थ एंड वेल–बीइंग* में, एक्सेल इंडिया पब्लिशर्स

बेहेरा, पी.सी., (2016), *लिवलीहुड क्राइसिस इन द शेड्यूल्ड एरियाज़ इन ओडिशाः रेलीवेंस ऑफ पीईएसए एंड इट्स इंप्लीमेंटेशंस,* नई दिल्ली, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, रावत पब्लिकेशंस

भट, आई. एवं मास्के, एस., (2017), *एंटी–ऑप्रेसिव सोशल वर्क थ्योरी एंड प्रैक्टिसः कंटेक्सचुअलाइजिंग द कास्ट डिबेट इन इंडियन सोशल वर्क एजूकेशन,* आर.जारे एवं एस. काले (संपा), *कास्ट इन मॉडर्न इंडियाः एट्रोसिटीज़ अगेन्स्ट दलित्स* में, स्टेडियम प्रेस एलएलसी, यूएसए पी.ओ. बॉक्स200 722 , हाउस्टन, टीएक्स– 77072

भट्ट, एस. (2016), *सोशल वर्क एजूकेशन इन इंडिया, जर्नल ऑफ सोशल वर्क एजूकेशन, रिसर्च एंड एक्शन,*2 (1)

भट्ट, एस. (2016), *यूथ वॉलंटीयरिज्म इन मैनेजिंग डिजास्टर्स लर्निंग थ्रू एक्शन,* छाया पटेल (संपा), *सोशल डेवलपमेंट इन इंडियाः क्रिटिकल एसेसमेंट* में, रावत पब्लिकेशंस

भट्ट, एस. (2016), *सोशल वर्क एजूकेशन इन इंडिया, इन ट्रावेल सोशल ऑतोर दू मोंदे,* द्वारा जूलियन बोये एत योहान बराता, पेरिसः chroniquesociale-com

देव, एस.आर. (2016), *रूरल हैल्थ केयर इफ्रास्ट्रक्चर इन इंडिया,* कुरुक्षेत्र, भारत सरकार,65 (2),23 – 27 दिसंबर

देव, एस.आर. (2016), *हैल्थ एंड सेफ्टी ऑफ डिफरेंटली एबल्डः इंटीग्रेटेड स्ट्रेटेजीज़,* योजना, भारत सरकार,60 ,48 –53, मई

देव, एस.आर. (2016), *सोशल मार्जिनलाइजेशन एंड हैल्थ इनइक्वेलिटी एन असेसमेंट ऑफ स्टेटस ऑफ चाइल्ड न्यूट्रीशन इन गुजरात,* राष्ट्रीय स्तर पर संदर्भित शोध पत्रिका, *रीसेंट रिसर्चेज़ इन सोशल साइंसेज एंड ह्यूमेनिटीज़,*8 –16, मई

कौशिक, ए., (2016), यूज़ ऑफ सेल्फ इन सोशल वर्क रीटोरिक ऑर रीयल्टी, जर्नल ऑफ सोशल वर्क वैल्यूज़ एंड एथिक्स में प्रकाशनार्थ, प्रिंग2017 ,14 , सं.1 , एसोसिएशन ऑफ सोशल वर्क बोड्र्स, यूएसए

कौशिक ए., (2016), *लव एंड इंटीमेसी एज़ वल्नरेबिलिटी टू एचआईवी इंफेक्शनः ए केस स्टडी ऑफ एमएसएम, सोशल वर्क क्रॉनिकल5,* अं1 ,1 – 25

कौशिक, ए., (2016), एल्डर एब्यूजः ए रिव्यू ऑफ लिटरेचर, हैल्पेज इंडिया रिसर्च एंड डेवलवमेंट जर्नल, 22, सं.2 , मई

कौशिक, ए., (2016), *बनारसी साड़ी वीविंग सेक्टर ऑफ वाराणसी - ए स्टडी ऑफ द वर्किंग कंडीशन ऑफ द अनऑर्गनाइज्ड वर्कर्स,* सह–लेखक, कुमार सत्यम, एकेडेमियाः1, सं. 1

कौशिक, ए., (2016), *लेबर बांडेज़ एंड इग्नोर्ड रियल्टी ऑफ इंडिया, 50 मिलियन पीपल ट्रैप्ड इन स्लेवरी, डिफरेंट ट्रुथ्स,* एक ऑनलाइन शोधपत्रिका] http://differenttruths.com/human-rights/subaltern-dalits/labour-bondage-an-ignored-reality-of-india-50mn-people-trapped-in-slavery/ से लिया गया

कौशिक, ए., (2016), *एल्डर एब्यूजः ए हिडन, हार्श रियल्टी, डिफरेंट ट्रुथ्स,* एक ऑनलाइन शोधपत्रिका, http://differenttruths.com/cover-story/elder-abuse-a-hidden-harsh-reality/ से लिया गया

कौशिक, ए., (2016), *वर्ल्ड ह्यूमेनिटेरियन डे बीइंग ह्यूमेर इज़ द एसेंस ऑफ बीइंग ह्यूमन,* (सह लेखकः सुश्री कृष्णामणि भगवती), *डिफरेंट ट्रुथ्स,* एक ऑनलाइन शोधपत्रिका, http://differenttruths.com/human-rights/advocacy/world-humanitarian-day-being-humane-is-the-essence-of-being-human/ से लिया गया

मालती, ए. (2016)ए *असेसमेंट एंड इवेल्यूएशन इन सोशल वर्क एजूकेशन* (आगामी) रजत प्रकाशन, सह–लेखक, सीमा शर्मा

मालती, ए. (2016)ए *लुकिंग इनवार्ड एंड लुकिंग फोरवार्ड21 स्ट संेचुरी चैलेंजेस फॉर सोशल वर्क प्रोफेशनल्स इन इंडियाए* सह–लेखक, नमिता जेनर इन संजय भट्ट एवं सुरेश पठारे (संपा.) *सोशल जस्टिस एंड सोशल वर्क प्रोफेशन इन इंडिया चैलेंजिंग रेस्पांसेज़ एंड रेस्पांडिंग चैलेंजेस,* नई दिल्लीः मानस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

मालती,ए. (2016)ए *इंटेरोगेटिंग मेनस्ट्रीम कन्सेप्शंस ऑफ हेल्थ एंड वेल बीइंग,* सह–लेखक, नमिता जेनर, शीमा अलीम एवं नवेद इकबाल (संपा.) *पॉज़िटिव विस्टाज़ इन हैल्थ एंड वेल–बीइंग,* नई दिल्ली एक्सेल पब्लिशर्स, सह–लेखक, नमिता जेनर

पांडेय, एन., (2017) *लैंग्वेज ऑफ एलियनेशनः ए साइट ऑफ कल्चरल वायलेंस,* सह–लेखन, *द जर्नल ऑफ एक्सक्लूज़न स्टडीज़,7* , सं.1 , फरवरी

रॉय, एस., (2016), *लाइफ स्किल्स एजूकेशनः ए पोटेंट टूल टू कॉम्बेट सोशल मैलफंक्शनिंग इन एडॉलीसेंट्स, इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ इंडिया* दो, अंक छह फरवरी

रॉय एस.ए (2016). *इंडिया हैंकरिंग फॉर फूड सिक्योरिटी,* साउथ एशिया पॉलिटिक्स. नवंबर. 2016.15 ,7 , 21– 26

रॉय एस.ए (2016). *सर्विस टू ह्यूमेनिटी,* प्रो. जी.थॉमस *सोशल वर्क द वरुलंरिद्भयफ्ष्ि प्रोफेशन.* जयपुर एवं नई दिल्ली रावत पब्लिकेशंस

शर्मा सी.ए (2016–17) *मिलिटरी सोशोलॉजी एंड जेंडरः* ए. भट्टाचार्य. *वीमेन एंड कन्फिलक्ट.* नई दिल्ली ई–पाठशाला प्रोग्राम, एमएचआरडी

शर्मा सी.ए (2016) *इंडीजीनस प्रैक्टिसेज़ एंड सस्टेनेबिलिटी, इंडियन जर्नल ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट*

शर्मा सी.ए (2017) *रीसीलिएंस एक्टिविस्टः द प्रॉडक्ट ऑफ हायर एजूकेशन इन द प्रोसेस ऑफ सीबीडीआरएमए* टीआईईएमएस न्यूज़लेटर विशेषांक मार्च

सेठी सी.ए (2016) *बिहेवियर प्रॉब्लम्स अमंग चिल्ड्रन इन एकेडेमिया एन इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल इन सोशल साइंसेज, ह्यूमेनिटीज़ एंड लैंग्वेजेज़,*1 (1), जनवरी–जून,136 – 146

शर्मा, एस. एवं मान, डी (2016), *कम्यूनिकेशन फॉर सोशली रेस्पांसिबल इनीशिएटिव्स, इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस,* 52 (1)ए जुलाई

सिंगला पी. (2016), *फील्डवर्क एज़ ए सिग्नेचर पेडेगॉजी ऑफ सोशल वर्क एजूकेशनः एज़ आई सी इट सोशल वक्र जर्नल* (द्विवार्षिक) असम विश्वविद्यालय, सिल्चर6 (1)ए जनवरी–जून 2015

सिंगला, पी.ए (2016) *वी वांट डाटर्स–इन–लॉज़ एंड नॉट डाटर्स फोर्स्ड मेरिजेस इन झज्जर डिस्ट्रिक्ट ऑफ हरियाणा* सोशल वक्र जर्नल (द्विवार्षिक), असम विश्वविद्यालय, सिल्चर, 5(2)ए जुलाई–दिसंबर, 2014

तनेजाए जे.ए (2016) *द प्लाइट ऑफ चिल्ड्रन ग्रोइंग अप इन एचआईवी अफेक्टेड फेमिलीज़ इन डेल्ही* विषय पर *एशियन जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज़* में सह–लेखित पत्र का प्रकाशन खंड4 ए 48–54ए अप्रैल

थॉमस एन.टी.ए (2016) *द डायनेमिक्स एंड पॉलिटिक्स ऑफ सेल्फ गवर्नेंस अमोंग पोउमाई नागा इन सेनापति डिस्ट्रिक्ट* जेटीआईसीआई (3)ए5 ए66 –83ए जून

वर्मा एस. (2016) *आई विल टॉक अबाउट इन्टॉलरेंस बिकॉज आई वांट टू प्रोटेक्ट पीपल आई लव* साहस 2016 भारतः धानक

एस. मास्के (2016) नागराज मंजुल द्वारा निर्देशित प्रसिद्ध मराठी फिल्म *सैराट* पर मराठी भाषा में लेख *सैराट वावा जी* लोकशाहीसाथी सामंजस्य संवाद (मराठी) में प्रकाशित संपादक श्री अरुण खोरे वर्ष–2ए जून–2016ए खंड6 ए पृ.24 – 28

एस. मास्के एवं ए. सेबास्टियन (2016)ए *सोशल पैडेगॉजी कंटेक्सचुअलाइजिंग इन सोशल वर्क प्रैक्टिस इन रूरल सेटिंग ऑफ इंडिया* संपादित खंड मेंए डॉ. एस. रॉय एवं डॉ. बी.एम. दास *फील्ड वर्क इन सोशल वर्क एजूकेशनः कंटेम्परेरी प्रैक्टिसेज़ एंड पर्सपेक्टिव्स* (पृ.65 –80)ए नई दिल्ली अटलांटिक पब्लिकेशन

शोध परियोजनाएँ

सस्टेनेबल डेवलपमेंट ऑफ माउन्टेन कम्यूनिटीज़ः ए पार्टीसिपेटरी अप्रोच एन्हान्सिंग लिवलीहुड फूड सिक्योरिटी एंड केपेसिटी डेवलपमेंट फॉर डिज़ास्टर प्रीपेयर्डनेस एंड रेस्पोंस आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजितए राशिः रु.49 ए93ए500.00; वर्ष 2016

पॉवर्टी रिडक्शन मेज़रमेंट थ्रू सीबीआर इंटरवेन्शंसः ए बेस लाइन स्टडीए सीबीएम इंडिया ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित राशिः रु.6 ,30,000.00; वर्ष2016

सोश्यो इकनोमिक स्टडी ऑफ जेएफपी कालाए बीएसईएस राजधानी पॉवर लिमिटेड द्वारा प्रायोजित राशिः रु. 748000. 00वर्ष 2016

टारगेटेड इंटरवेन्शन विद एफएसडब्ल्यू/आईसीटीसी) एंड अदर एक्टिविटीज़, दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा प्रायोजित राशिः रु.871248. 00वर्ष 2016

सर्वे ऑफ टायलेट्स कंस्ट्रक्टेड बाय एचपीसीएल इन फाइव स्टेट्सए एचपीसीएल द्वारा प्रायोजित राशिः रु. 1965000. 00वर्ष 2016

ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑफ डीएसडब्ल्यूबीए दिल्ली राज्य कल्याण बोर्ड द्वारा प्रायोजित, राशिः रु.2 ,87,000.00; वर्ष 2016

एन्हान्सिंग एजूकेशनल एंड वोकेशनल एस्पिरेशंस अमोंग शेड्यूल्ड कास्ट्स एंड शेड्यूल्ड ट्राइब स्टूडेंट्सः एन एक्शन रिसर्च, आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित, राशिः रु.8 ,00,000.00; वर्ष 2017

आयोजित संगोष्ठियाँ

समाज कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में अजा–अजजा, अपिव युवाओं के लिए पाँच दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम, राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ डेवलपमेंट (आरजीएनआईवाईडी) तमिलनाडु द्वारा प्रायोजित, तमिलनाडु, 27 से 31 जनवरी, 2017

स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर वीमेन एंड चिल्ड्रन (एसपीयूडब्ल्यूसी) तथा एएचएडी सोसाइटी फॉर वेल्फेयर एंड डेवलपमेंट के सहयोग से पुलिस स्टेशनों और महाविद्यालयों में जेंडर सेंसिटाइजेशन प्रशिक्षण कार्यशालाएँ

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण :

अभिषेक ठाकुर ने डिपार्टमेंट ऑफ सोश्योलोजी यूनिवर्सिटी ऑफ पेराडेनियाए श्रीलंका द्वारा आयोजित *इंटरनेशनल कंसोर्टियम फॉर सोशल डेवलपमेंट* में *अंडरस्टेंडिंग द पर्सनेलिटी डेवलपमेंट बैरियर्स ऑफ विजुअली इम्पेयर्ड फीमेल स्टूडेंट्स इन द इंडियन हायर एजूकेशन सिस्टम* विषय पर पत्र प्रस्तुत कियाए 29सितंबर 2016

अर्चना कौशिक ने बालीए इंडोनेशिया में आयोजित *इंटरनेशनल काप्रेन्स ऑन एमर्जिंग चैलेंजेस फॉर सोशल डेवलपमेंट एंड ह्यूमन सर्विसेज़ प्रैक्टिस इन द एशिया पेसिफिक रीजन* में *एम्पॉवरिंग द ऑप्रेस्ड दलित कम्यूनिटीज़ इन वाराणसी ए केस फ्रॉम इंडिया* विषय पर पत्र प्रस्तुत कियाए17 – 19जून 2016

अर्चना कौशिक ने बालीए इंडोनेशिया में आयोजित *इंटरनेशनल काप्रेन्स ऑन एमर्जिंग चैलेंजेस फॉर सोशल डेवलपमेंट एंड ह्यूमन सर्विसेज़ प्रैक्टिस इन द एशिया पेसिफिक रीजन* में *एड्रेसिंग वल्नरेबिलिटी अमोंग द एल्डरली थ्रू सोशल सपोर्ट* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया 17 – 19जून 2016

चिन्मयी शर्मा ने डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस इकनोमिक्सए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित *नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन इंडियन इकनोमी कंटेम्परेरी इश्यूज़ एंड चैलेंजेस* में पत्र प्रस्तुत किया, 28 फरवरी, 2017

मीनू आनंदः

मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यूजीसी एसएपी *नेशनल सेमिनार ऑन इमर्जिंग फॉर्म्स ऑफ वल्नरेबिलिटीज़ः डायलॉग, डिस्कोर्स एंड डिबेट्स* में म्यूटिलेटेड बॉडीज़ एंड सबजूगेटेड माइंड्सः अंडरस्टेंडिंग द कल्चर ऑफ डोमेस्टिक वायलेंस विषय पर पत्र प्रस्तुत किया, 9– 10मार्च, 2017

राजनीति विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित *यूजीसी एसएपी डीआरएस– 1 नेशनल सेमिनार ऑन राइट्स–बेस्ड डेवलपमेंट एंड गुड गवर्नेंस प्रैक्टिसेज़ इन इंडिया* में *राइट टू मेन्टल हैल्थः ए फेमिनिस्ट पर्सपेक्टिव* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया,1 – 2मार्च, 2017

उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स के सहयोग से एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित *नेशनल सोशल वक्र कॉन्फ्रेन्स– 2017ऑन न्यू डाइमेंशंस एंड चैलेंजेस ऑफ सोशल वर्क द रोडमैप अहेड* में *वीमेन्स रिप्रोडक्टिव राइट्स एंड सोशल वर्क प्रैक्टिस* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया, अनुसमर्थ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 31 जनवरी 2017

डिपार्टमेंट ऑफ एंथ्रोपोलॉजी द्वारा आयोजित *नेशनल सेमिनार ऑन सेलीब्रेटिंग एंथ्रोपोलॉजी द ह्यूमन साइंस* में *फील्ड वक्र इन द 21 सेंचुरी द चेंजिंग पैराडाइम* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया,22 – 23 अप्रैल 2016

मनोविज्ञान विभाग (यूजीसी डीआरएल), जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित *इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन साइको सोशल पर्सपेक्टिव ऑफ हैल्थ एंड वेल बीइंग* में *जेंडर्ड एस्पेक्ट्स ऑफ मेन्टल हैल्थः इश्यूज़ एंड स्ट्रेटेजीज़* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया,1 – 2अप्रैल, 2016

नीना पांडेय ने निधि कटारिया के साथ यूनिवर्सिटी फाइव ईयर लॉ कॉलेज (एफवाईएलसी) द्वारा आयोजित नेशनल सेमिनार में *सरोगेसी फेसेज़ द सरोगेट ट्रीटमेंटः ए कंटेस्टेबल प्रोपोजीशन टू अचीव* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया, 17 सितंबर, 2016

नीना पांडेय ने नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्ल्यूआई) तथा समाज कार्य विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उ.प्र., द्वारा आयोजित फोर्थ इंडियन सोशल वर्क कांग्रेस में *सरोगेसी प्रैक्टिस ऑर पॉलिटिक्स* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया, 22 – 24अक्टूबर, 2016

नीरा अग्निमित्रः

समाज कार्य विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उ.प्र., द्वारा आयोजित *फोर्थ इंडियन सोशल वर्क कांग्रेस* में *सोशल डेवलपमेंट एंड सोशल वर्क प्रोफेशनः इश्यूज़ एंड चैलेंजेस* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया,22 – 24अक्तूबर, 2016

एनआईडीएम, एमएचए, भारत सरकार, टीआईईएमएस के सहयोग से आयोजित *टीआईईएमएस वर्कशॉप ऑन हायर एजूकेशन इन डिज़ास्टर मैनेजमेंटः ऑपरच्यूनिटीज़ एंड चैलेंजेस* में *डिज़ास्टर मैनेजमेंट एंड सोशल वर्क एजूकेशनः प्रेक्सिस ऑफ लर्निंग एंड प्रैक्टिस* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया, 10 फरवरी, 2017

पोस्ट डिज़ास्टर स्टडीज़ नीड्स एसेसमेंट; पीडीएनए) स्टडी के अंतर्गत विकसित परिदेय हेतु प्रस्तुतिकरण सह चर्चा सत्र एनसीआरएमपी–एनआईडीएमए गृह मंत्रालय भारत सरकारए 17 मार्च 2016

पामेला सिंह :

सेंटर फॉर जेंडर स्टडीज़ एंड डेवलपमेंट, एनआईआरडीपीआर, हैदराबाद द्वारा आयोजित *नेशनल सेमिनार ऑन जेंडर इक्वेलिटी एंड एम्पॉवरमेंट ऑफ वीमेन एंड गर्ल्स* में *वीमेन एंड पॉलिटिकल पार्टीसिपेशनः अवेलेबल प्रेमवर्क्स एंड रिसर्च फाइंडिंग्स* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया, 27 फरवरी– 1 मार्च, 2017

केआईएलए, त्रिसूर, केरल द्वारा *आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन डीसेंट्रलाइजेशन, पॉवर्टी एंड मार्जिनलाइजेशन* में *वॉयसेज़ ऑफ द पूअरः लेसन्स फॉर पॉलिसी मेकर्स* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया,19 – 22नवंबर, 2016

सेंटर फॉर सोशल रिसर्च तथा एशिया फाउन्डेशन, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित *ऐंगेजिंग मैन एंड बॉयज़ इन फाइटिंग वॉयलेंस* पर सम्मेलन *में क्रियेटिंग एनेबलिंग एन्वायरमेंट इन कॉलेजेस* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया, 10 जुलाई 2016

सेंटर फॉर जेंडर स्टडीज़ एंड डेवलपमेंट, एनआईआरडीपीआर, हैदराबाद द्वारा आयोजित *नेशनल सेमिनार ऑन जेंडर इक्वेलिटी एंड एम्पॉवरमेंट ऑफ वीमेन एंड गर्ल्स* में *जेंडर एंड माइग्रेशन* पर सत्र के लिए चर्चा सामग्री प्रदान की, 27 फरवरी– 1मार्च, 2017

प्रताप चंद्र बेहरा ने इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसाइटी, डिपार्टमेंट ऑफ एंथ्रोपोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित *नेशनल सेमिनार ऑन निगोशिएटिंग फील्डवर्क अन्फोल्डिंग ऑफ इंस्टीट्यूशनल प्रैक्टिसेज़ एंड कन्टेम्परेरी चैलेंजेस* में *स्लम एज़ ए फील्ड एंड फील्डवक्र एज़ ए मैथड: पर्सपेक्टिव्स ऑन एवरीडे लाइफ* पर पत्र प्रस्तुत किया

प्रताप चंद्र बेहरा ने नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्ल्यूआई) तथा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उ.प्र., द्वारा आयोजित *फोर्थ इंडियन सोशल वर्क कांग्रेस* में *डायलेक्टिक्स ऑफ द फील्ड: पर्सपेक्टिव ऑन फील्ड वर्क इन ए स्लम इन डेल्ही* पर पत्र प्रस्तुत किया

पुष्पांजलि झा ने *नेशनल सेमिनार ऑन निगोशिएटिंग फील्डवर्क अन्फोल्डिंग ऑफ इंस्टीट्यूशनल प्रैक्टिसेज़ एंड कन्टेम्परेरी चैलेंजेस* में *प्रोटेस्ट्स एज़ एवरीडे प्रैक्टिसेज़: एन एक्सप्लोरेशन ऑफ प्रोटेस्ट्स एट जंतर मंतर* पर पत्र प्रस्तुत किया

संजय भट्ट :

समाज कार्य विभाग, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर, उ.प्र. में आयोजित *सोशल मोबिलाइजेशन एंड नेशनल इंटीग्रेशन: रोल ऑफ सिविल सोसाइटी एंड मीडिया* विषयक संगोष्ठी में की–नोट व्याख्यान, 21 जनवरी, 2016

फिफ्थ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन बिल्डिंग कम्यूनिटी रिसीलिएंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट में *प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल लिवलीहुड* विषय पर प्लेनरी वक्ता, सीएसआरडी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, अहमद नगर, 20 फरवरी, 2016

फिफ्थ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन बिल्डिंग कम्यूनिटी रिसीलिएंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट में विदाई व्याख्यान, सीएसआरडी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, अहमद नगर, 21 फरवरी, 2016

बाली, इंडोनेशिया में एमएएसडब्ल्यूई द्वारा ब्रिस्बेन इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रंग्थ्स बेस्ड प्रैक्टिस, आस्ट्रेलिया के सहयोग से *आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन एमर्जिंग चैलेंजेस फॉर सोशल डेवलपमेंट एंड ह्यूमन सर्विस प्रैक्टिस इन द एशिया पेसिफिक रीजन* में उद्घाटन भाषण,17 – 19जून, 2016

रोडा मिस्त्री कॉलेज ऑफ सोशल वक्र एंड रिसर्च सेंटर, हैदराबाद के स्वर्ण जयंती समारोह में *नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑफ सोशल वर्क एजूकेशन इन इंडिया पर्सपेक्टिव एंड चैलेंजेस* में की–नोट भाषण, 18 नवंबर, 2016

समाज कार्य विभाग, काशी विद्यापीठ, वाराणसी में *नेशनल सेमिनार ऑन सोशल वर्क प्रोफेशन एंड फिलोसफी ऑफ सोशल जस्टिस* में विदाई भाषण, 9 फरवरी, 2016

समाज कार्य विभाग (यूजीसी सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडी), समाज विज्ञान संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित *इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन सोशल वक्र एजूकेशन एंड प्रैक्टिस में मिसिंग लिंक बिटवीन सोशल वर्क एजूकेशन एंड प्रैक्टिस* पर वार्ता आमंत्रित, 22 फरवरी 2017

एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एंड साइकियाट्रिक सोशल वक्र प्रोफेशनल्स, उत्तर प्रदेश द्वारा किंग जॉर्ज'स मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में *आयोजित फोर्थ नेशनल सेमिनार ऑफ ऑल*

इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल्स में *सोशल वक्र प्रैक्टिस इन हैल्थ केयरः एडवांस अप्रोचेस एंड एमर्जिंग ट्रेन्ड्स* विषय पर उद्‌घाटन भाषण, 28 जनवरी 2017

एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, एमिटी यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, भारत द्वारा यूपीएपीएसडब्ल्यू के सहयोग से आयोजित *नेशनल सोशल वर्क कॉन्फ्रेन्स* में *न्यू डाइमेंशंस एंड चैलेंजेस ऑफ सोशल वर्क द रोडमैप अहेड* विषय पर उद्‌घाटन भाषण, 31 जनवरी 2017

सीमा शर्मा ने समाज कार्य विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली द्वारा आयोजित *कॉन्फ्रेन्स ऑन सोशल वर्क एजूकेशन एंड प्रैक्टिस* में *स्ट्रक्चरल चेंज वर्सेज वेल्फेयरः चैलेंज बिफोर द प्रोफेशन* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया,20 – 22फरवरी,2017

शशि रानी देव ने इंडियन सोशल वर्क कांग्रेस (आईएसडब्ल्यूसी) *में मेंटल हैल्थ एंड केयर गिविंगः एन एक्प्लोरेशन ऑफ द एरियाज़ ऑफ सोशल वर्क इंटरवेंशन* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया,22 – 23अक्टूबर, 2016

सुधीर मास्के ने नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्ल्यूआई) तथा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उ.प्र., द्वारा आयोजित फोर्थ इंडियन सोशल वर्क कांग्रेस 2016 में *क्रिएटिविटी एंड इनोवेशंस इन सोशल वर्क एजूकेशनः मिसिंग बोट एंड स्पोराडिक एफर्ट्स* विषय पर संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया,22 – 24अक्तूबर, 2016

सुधीर मास्के ने समाज कार्य विभाग, केद्रीय राजस्थान विश्वविद्यालय तथा आईएसपीएसडब्ल्यू, बैंगलौर द्वारा आयोजित *थर्टीफोर्थ नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन सोशल वर्क एंड सेस्टेनेबल डेवलपमेंट* में *रूरल एजूकेशन कैम्पः ए विस्डम बेस्ड लर्निंग पैडेगोजी टू लीड सोशल ट्रंसफोर्मेशनः ए केस स्टडी ऑफ मानपुरा विलेज, किशनगढ़,* राजस्थान विषय पर संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया,24 – 26फरवरी 2016

सुरेद्र वर्मा ने केरल इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन, त्रिसूर, केरल द्वारा आयोजित *इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑफ डीसेन्ट्रलाइजेशन, पॉवर्टी एंड मार्जिनलाइजेशन* में *डीसेन्ट्रलाइजेशन इन लोकल गवर्नेन्सः ए ड्रीम ऑफ रीयलिटी* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया,19 – 22नवंबर,2016

सुरेद्र वर्मा ने विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित *इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन सोश्यो–इकोनॉमिक जस्टिस आफ्टर सेवन्टी ईयर्स ऑफ इंडियाज़ इन्डिपेन्डेन्सः डोमेस्टिक एंड ग्लोबल चैलेंजेस* में *मैनुअल स्कावेंजिंगः एन अनफिनिश्ड इनिंग्स ऑफ गवर्नमेंट पॉलिसीज़* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया,18 – 20नवंबर, 2016

संपादक मंडल के संपादक/सदस्य

अर्चना कौशिक सोशल वर्क क्रॉनिकल के संपादक मंडल की सदस्य हैं।

मनोज के. झा नेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, असम काजीरंगा विश्वविद्यालय के संपादक मंडल के सदस्य हैं।

नीरा अग्निमित्राः

व्हिओसे पब्लिशिंग, सिंगापुर द्वारा प्रकाशित जर्नल *एनवायरमेंट एंड सोशल साइकोलॉजी* के संपादन मंडल की सदस्य।

डॉ. विखे पाटिल फाउंडेशन सेन्टर फॉर मैनेजमेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट, पुणे के जर्नल *सीजेएमआर जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च* के संपादन मंडल की सदस्य।

शैक्षिक सलाहकार, लर्निंग कम्यूनिटी (इंटरनेशनल *जर्नल ऑफ एजूकेशनल एंड सोशल डेवलपमेंट),* नई दिल्ली

पॉमेला सिंह *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमेनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज* के संपादक मंडल की सदस्य हैं।

संजय भट्टः

प्रबंध संपादक, *जर्नल ऑफ सोशल वर्क एजूकेशन,* रिसर्च एंड प्रैक्टिस, एनएपीएसडब्ल्यूआई द्वारा प्रकाशित

सदस्य, संपादन मंडल, *न्यू होरीजन्स इन यूनिवर्सिटी एजूकेशन - ए जर्नल ऑफ डेवलपमेंट एंड सोशल जस्टिस,* सीएसआरडी, अहमदनगर द्वारा प्रकाशित

सदस्य, समीक्षा मंडल, *सोश्यो इकनोमिक पर्सपेक्टिव्स - ए क्वार्टरली रेफर्ड जर्नल,* लखनऊ

सदस्य, सलाहकार मंडल, *सोशल वर्क क्रोनिकल्स,* नई दिल्ली

सदस्य, सलाहकार मंडल, द इंडियन जर्नल ऑफ सोशल वर्क एंड सोशल साइंसेज़, एमएसएस इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर

सदस्य, संपादन मंडल, जर्नल, *एनवायरमेंट एंड सोशल साइकोलॉजी,* व्हिओसे पब्लिशिंग प्रा. लि., सिंगापुर

संजय रॉयः

सदस्य, संपादन मंडल, *लर्निंग कम्यूनिटी - एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजूकेशन एंड सोशल डेवलपमेंट*

सदस्य, संपादन मंडल, *डॉक्ट्रीन,* रिसर्च एकेडमी, उ.प्र. द्वारा प्रकाशित

सदस्य, संपादन मंडल, जर्नल समझ बोध, आईएसएसएनः2231 –0207, लखनऊ

सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार मंडल, *एन्साइक्लोपीडिया ऑफ सोशल वर्क,* एनएएसडब्ल्यू, यूएसए

सहयोगी संपादक, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिलीजन एंड प्रिचुएलिटी इन सोसाइटी,* यूएसए

सुधीर केशव मास्के, सदस्य, संपादन मंडल, *इंडियन जर्नल ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट* (आईजेएसडी), समाज कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा पब्लिशिंग इंडिया ग्रुप, दिल्ली द्वारा प्रकाशित

सुषमा बत्रा, सदस्य, सलाहकार मंडल, *डिसएबिलिटीज़ एंड इम्पेयरमेंट्स,* एक इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल, अक्षत प्रकाशन (दिल्ली) द्वारा प्रकाशित

सुषमा बत्रा, सदस्य, संपादन मंडल, *इंडियन जर्नल ऑफ वीमेन स्टडीज़,* अलगप्पा विश्वविद्यालय

अंतर–संस्थागत सहयोग

विभाग का अग्रणी समाज कार्य संस्थानों यथा टीआईएसएस, मुंबई तथा इसकी अन्य शाखाएँ; समाज कार्य विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली; अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय; एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ोदा;

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट, हैदराबाद; केंद्रीय राजस्थान विश्वविद्यालय तथा अन्य के साथ राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग है।

इस विभाग की अपने समवर्ती तथा ब्लॉक फील्ड वर्क प्रोग्रामों के लिए लगभग 100 सरकारी तथा गैर–सरकारी संगठनों के साथ जोशपूर्ण भागीदारी है।

यह विभाग कई सरकारी तथा गैर–सरकारी संगठनों हेतु शोध सहभागी है, जिनका ब्यौरा ऊपर के खंड में दिया गया है।

प्लेसमेंट ब्यौरा

छात्रों की संख्या एवं प्रतिशतता 67 - छात्रों ने विभागीय प्लेसमेंट सैल के पास पंजीकरण कराया, जिनमें से 65 छात्रों को प्लेसमेंट मिला (97:)

कैम्पस भर्ती हेतु दौरा करने वाली कंपनियाँ/गैर सरकारी संगठन – 34

विस्तार तथा सेवा–संस्था–सहायता क्रियाकलाप

भावनात्मक रूप से परेशान तथा सामाजिक रूप से वंचित बच्चों, किशोरों तथा उनके परिवारों को निदान, उपचार तथा रेफर करने संबंधी सेवाएँ प्रदान करने के लिए समाज कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के परिसर में सेन्टर फॉर कम्यूनिटी डेवलपमेंट एंड एक्शन (सीसीडीए) कार्यरत है।

कम्यूनिटी डेवलपमेंट सेल (सीडीसी) के अंतर्गत, विभाग ने पाँच ऐसे गाँवों को अंगीकार किया है जिन्हें भारत के राष्ट्रपति के संरक्षण के अंतर्गत कार्यक्रमों के अंतर्गत समुदाय विकास पहलों की आवश्यकता है। यह इस कार्यक्रम के अंतर्गत दूसरे वर्ष भी कार्यरत है।

दिल्ली विश्वविद्यालय हेतु उन्नत भारत अभियान पहल के अंतर्गत कार्य का विभाग द्वारा नेतृत्व किया जा रहा है। विभाग के छात्रों एवं संकाय द्वारा पूरे वर्ष आवश्यकता आधारित तथा प्रतिभागितापूर्ण समुदाय विकास पहलों का आयोजन किया गया।

सेन्टर फॉर चाइल्ड एंड एडोलीसेंट वेलबीइंग (सीसीएडब्ल्यू) बच्चों को नैदानिक सेवा और सहायता प्रदान करता है तथा किशोर स्वास्थ्य के कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

यह विभाग निःशक्तता तथा पुनर्वास, लैंगिक कार्य, पर्यावरण तथा आपदा प्रबंधन, सामुदायिक भागीदारी, बुजुर्ग की देखभाल तथा सीएसआर सहित समाज कार्य प्रैक्टिस के अन्य क्षेत्रों में गैर सरकारी संगठनों को लगातार तकनीकी दिशा–निर्देश तथा प्रबंधन कौशल प्रदान करता है।

यह विभाग प्रोफेशनल समाज कार्य को बढ़ाने तथा विकास के लिए राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रोफेशनल संगठनों के साथ सहयोग भी करता है।

प्रदान की गई पीएच.डी./एम.फिल. उपाधियाँ

पीएच.डी.7 -

एम.फिल. 14 -

संकाय संख्या

स्थायी 18 -

तदर्थ 2 -

अतिथि . 5

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

यह विभाग ऐसे संस्थान के रूप में उभर कर आया है जिसने समूचे भारत के भिन्न–भिन्न सिविल सोसाइटी संगठनों, सरकारी संगठनों/मंत्रालयों/विभागों के साथ–साथ जनांदोलनों एवं नागरिक समूहों के साथ निकट संबंध स्थापित किए हैं। यह न केवल उनके साथ सुदृढ़ नेटवर्क विकसित कर पाने में समर्थ हुआ है अपितु उनके साथ सारपूर्ण पारस्परिक तथा व्यावहारिक संबंध का लाभ उठाता है। यह इस बात की पृष्ठभूमि है कि विभाग ने भविष्य के समाज कार्य विद्यालयों की, उनके पाठ्यचर्या तथा शिक्षा विज्ञान में मानकीकरण तथा एकरूपता अर्जित कराने में सहायता प्रदान करने हेतु संसाधन केद्र के रूप में उभरने की योजना बनाई है।

तीन नए केद्रोः सेन्टर फॉर कम्यूनिटी डेवलपमेंट एंड डेवलपमेंट प्रैक्टिस (सीसीईडी), सेन्टर फॉर डिफरेंटली एबल्ड एंड अदर पर्सन्स (सीडीपीओ) तथा सेन्टर फॉर कॉरपोरेट सोशल रिस्पोंसिबिलिटी (सीसीएसआर) की स्थापना करके एक अग्रणी संस्थान बनने का ध्येय रखता है।

उच्च शैक्षिक शोध तथा शोध उत्कृष्टता में विभाग के योगदान को मान्यता देते हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने समाज कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय को समाज कार्य में सेन्टर फॉर एडवांस्ड स्टडी (सीएएस) के तौर पर मंजूरी दी है।

समाज विज्ञान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

वर्ष 2016–17 में, समूचे वर्ष रोमांचक शैक्षणिक क्रियाकलाप संचालित किए जाते रहे। विभाग ने चार कार्यशालाओं का आयोजन किया जिनमें से दो विश्वविद्यालय में संचालित किए जा रहे स्नातकपूर्व पाठ्यक्रमों पर केन्द्रित थीं। इस वर्ष बीस से अधिक शोध विचार–गोष्ठियों का आयोजन किया गया, जो विभाग की दीर्घकालिक परंपरा रही है। इसके अलावा दस पीएच.डी. पूर्व प्रस्तुतीकरण संगोष्ठियां आयोजित की गई तथा विभाग के शोध विद्वतजनों ने शोध विद्वत कार्यशाला में अत्यंत उत्साह से प्रतिभागिता भी की। प्रो. एंड्रे बेटेले, प्रोफेसर एमरेटिस ने विभाग में एक शिक्षक के रूप में अपनी सेवाओं के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय पुरस्कार प्रदान किया। यह लगातार द्वितीय वर्ष था जब संकाय के सेवानिवृत्त सदस्य को सम्मानित किया गया है। संकाय ने नियमित शिक्षण और ट्यूटोरियलों के साथ–साथ अपने शोध परियोजनाओं, प्रकाशनों, प्रस्तुतीकरणों के साथ अत्यंत लाभप्रद और उत्पादक समय व्यतीत किया। विभाग में दो अतिथि फेलो थे। मार्च, 2017 में आयोजित किया गया विभाग दिवस एक जीवंत कार्यक्रम था जिसने छात्रों ने सभी के लिए भोजन बनाने की पहल संचालित कर इसे और भी रोमांचक बना दिया।

सम्मान/विशिष्टयां

रीता बरारा तीन माह के लिए म्यूनिख, जर्मनी में राशेल कार्सन पर्यावरण और सोसाइटी अध्ययन केन्द्र में कार्सन फेलो थीं। नंदिनी सुंदर को 2016 का ईस्टर बोसेरप पुरस्कार प्रदान किया गया। इस समारोह में प्रोफेसर सुंदर ने कोपनहेगन में 22 मई, 2016 को एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया।

प्रकाशन

अब्राहम जे. (2016). क्यू वोंट डायर लेस वोइसिंस? : लेजिटिमाइट, कंट्रोले सोशल एट इंफ्लूएंस सोशियोकल्चरेले डेस वोइसिंस इन इंडे (फ्रेंच में). डियोजीन, 251–2, 176–192.

अब्राहम जे. (2017). हिंदू एंड मुस्लिम वेलिंग इन नॉर्थ इंडिया : बियांड दि पब्लिक/प्राइवेट डिकोटॉमी. अन्ना मारी अल्मीला एवं डेविड इंग्लिस (संपा.) में, दि रूटलेज इंटरनेशनल हैंडबुक टु वेल्स एंड वेलिंग प्रैक्टिसेस. संपा. लंदन एवं न्यूयार्क : रूटलेज.

अब्राहम जे. (2017). शैक्षणिक मूल्यांकन, बाबू जद्दारिया (संपा.) में, दि बेस्ट ऑफ दि थिरुवला : टुवर्डस माडेर्निटी एंड बियांड, थिरुवला, सीएसएस.

अग्रवाल ए. (2017). चेंजिंग कल्चर्स ऑफ फोटोग्राफी : विजुलाइजिंग विजुअल एक्सेस/एक्सेस इन टूरिस्ट प्लेसेस, सोसाइटी एंड कल्चर इन साउथ एशिया में फोटो लेख, 3(1), 92–100.

अफुन के. एवं शर्मा जे.पी. (2016). एक्युमुलेशन ऑफ कैपिटल एंड पोस्ट कॉलोनियल डिस्कोर्स : लोकेटिंग डि मार्जिंस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडिजेनस एंड मार्जिनल अफेयर्स, 2 (1 एवं 2), पृ. 21–33.

अफुन के. एवं शर्मा जे.पी. (2017). प्रीमिटिव एकुमुलेशन एट दि मार्जिंस : कमोडिफिकेशन ऑफ लैंड एंड लेबर इन छत्तीसगढ़, इकानॉमिक एंड पालिटिकल वीकली, 52(28).

आरिफ वाई. (2016) लाइफ, अर्मेजेंट, दि सोशल इन दि आफ्टरलाइव्स ऑफ वॉयलेंस मिनीपोलिस : यूनीवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा प्रेस.

आरिफ वाई. (2016). एंथ्रोपोलोजाइजिंग दि वर्ल्ड एंड वर्ल्डिंग दि एंथ्रोपोलोजिस्ट, अमेरिकन एंथ्रोपोलोजिस्ट 118(4), 848–851.

चटर्जी आर. (2016). स्क्रिप्टिंग दि फोक : हिस्ट्री, फोकलोर एंड दि इमैजिनेशन ऑफ प्लेस इन बंगाल, एनुअल रिव्यू ऑफ एंथ्रोपोलोजी, 45, 377–94.

चोपड़ा आर. (2016). हैबिट्स ऑफ ट्रस्ट : सर्विट्यूड इन कोलोनियल इंडिया, विग्डिस ब्रोच–ड्यू एंड मार्गिट स्अेंस (संपा.) में, ट्रस्टिंग एंड इट्स ट्रिबुलेशंस, (पृ. 213–234). न्यूयार्क एंड ऑक्सफोर्ड : बेर्घाहन बुक्स.

चोपड़ा आर. (2017). सीइंग ऑफ दि डेड : पोस्ट–मॉर्टम फोटोग्राफ्स, दरबार साहिब में, सिख फार्मेशंस : रिलीजन, कल्चर, थियोरी, 12 (2–3), 207–222.

देशपांडे एस. (2016). हायर एजुकेशन : एन एजसर्टेन पॉलिसी प्रोसेस, इकानॉमिक एंड पालिटिकल वीकली, 51(35), पृ. 37–40

देशपांडे एस. (2016). विश्वदृष्टि विश्वविद्यालय और राष्ट्र, व्हाट दि नेशन रीयली नीड्स टु नो. इन आर. आजाद, जे. नायर, एम. सिंह और एम. सिन्हा–राय (संपा.) दि जेएनयू नेशनलिज्म लेक्चर्स, (पृ 270–80), नई दिल्ली : हार्पर कोलिंस.

पटेल टी. (2016). न्यू फेसेस ऑफ दि इंडियन फेमिली इन दि ट्वेन्टीफर्स्ट सेंचुरी : सम एक्सप्लोरेशंस, इंडियन जर्नल ऑफ सोशल वर्क, 77(4), 361–386.

पाल्रीवाला आर. एवं ई–हिल (2017). इंडिया : इकानामिक इनइक्वैलिटी एंड सोशल रीप्रोडक्शन, बेयर्ड एम., एम. फोर्ड एवं ई. हिल्स (संपा.) में, वीमेन, वक्र एंड केयर इन एशिया – पेसेफिक न्यूयार्क एंड लंदन : रूटलेज.

सिंह एस.बी. (2016). लिविंग टुगेदर सेपेरेटली : दलित्स इन एन एमेर्जिंग कलेक्टिविटी इन राजस्थान विलेज, इकानॉमिक एंड पालिटिकल वीकली, 51(33), पृ. 65–72.

सिंह एस.बी. चैलेजेंस इन एग्रीकल्चर : सम रिफ्लेशंस फ्रॉम ए माइक्रोस्टडी, ठाकुर, बी : एट. एल (संपा.) में, रीजनल डेवलपमेंट : थियोरी एंड प्रैक्टिस, 5(पृ. 17–35).

सुंदर एन. (2016) दि बर्निंग फारेस्ट : इंडियाज़ वार इन बस्तर, जगेरनॉट प्रेस, दिल्ली

सुंदर एन. (2016). इनइक्वैलिटी एंड सोसाइटी मोबिलिटी इन पोस्ट–रिफार्म इंडिया, समकालीन दक्षिण एशिया में विशेष मुद्दे, 24(3).

सुंदर एन. (2016). स्नेक्स एंड लैडर्स : रीथिकिंग सोशल मोबिलिटी इन पोस्ट रिफार्म इंडिया (प्रस्तावना), समकालीन दक्षिण एशिया, 24(3).

वासन एस. (2017). बीइंग लदाखी, बीइंग इंडियन : आइडेंटिटी फार्मेशन, कल्चर एंड कम्युनिटी, इकानॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 52(14), 43–49.

शोध परियोजनाएं

अभिजीत दासगुप्ता ने सकारात्मक कार्यवाही तथा बंगाल में मुस्लिम दलित पर एक शोध परियोजना पर कार्य किया, दिल्ली विश्वविद्यालय, आर एंड डी अनुदान 1.3 लाख रुपए।

अनुजा अग्रवाल ने आर्य समाज और विवाह पर शोध परियोजना पर कार्य किया, दिल्ली विश्वविद्यालय, नवम्बर, 2015 से अक्तूबर, 2016 तक की अवधि के लिए आर एंड डी अनुदान 40,000/– रुपए.

राधिका चोपड़ा, प्रधान अन्वेषक हैं, दिल्ली विश्वविद्यालय और यूनीवर्सिटी ऑफ बेर्गेन रिसर्च, प्रोजेक्ट – इंडियन कास्मोपोलिटन अल्टरनेटिव्स : रीचुअल्स इंटर सेक्शन्स एंड दि प्रोसक्रिप्शन ऑफ रिलीजियस ऑफेंस. यह परियोजना 2014 में आरंभ हुई थी अभी चल रही है। यूरो 34700/– (भारतीय रुपए 2637200)।

रजनी पालीवाल महिलाओं और बालिकाओ के विरुद्ध हिंसा – महिलाओं की आर्थिक अधिकारिता के अनाशयित परिणाम के रूप में : घरेलू, सार्वजनिक और कार्य स्थलों के भीतर नवीन लिंग गत्यामकता को समझना, डीआईएफडी द्वारा वित्त–पोषित, जनवरी, 2016–मार्च, 2017.

रजनी पालीवाल दैनिक जीवन और लिंग में रूपांतरण : भारत में वृद्धाओं का जीवन इतिहास पर एक परियोजना में शामिल थीं। यह परियोजना क्योतो विश्वविद्यालय, मियागी–गकुइन विश्वविद्यालय, सेंदेई, निगाता अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, निगाता तथा शिबौरा प्रौद्योगिकी संस्थान, टोक्यो के सहयोग से संचालित की गई थी तथा इसकी अवधि 2013–16 थी।

रोमा चटर्जी शब्द और चित्र : वर्णात्मक परंपराओं में अंतर्मध्यस्थ स्थानांतरण पर एक परियोजना में कार्य कर रही हैं। उन्हें भारतीय कला प्रतिष्ठान से 2.8 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है, नवम्बर, 2015 से अगस्त, 2017.

मीनाक्षी थापन पिछले एक वर्ष से परिपूर्ण दृश्य–श्रव्य के लिए पाठ्यचर्या सामग्री सृजित, तैयार और व्यवस्थित करने तथा समूचे देश में प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों के लिए ऑनलाइन शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम तैयार करने की पहल पर कार्य कर रही हैं। यह कार्यक्रम ऋषि वैली इंस्टिट्यूट फॉर एजुकेशनल रिसोर्सेस (रीवर) में स्थित है तथा इसने डीआईईटी केन्द्रों के

क्रियान्वयन के लिए आंध्र प्रदेश सरकार का ध्यान पहले से ही आकर्षित किया है। राज्य स्तर पर क्रियान्वयन के लिए विवरणों और कार्य–रीतियों को तैयार किया जा रहा है।

आयोजित संगोष्ठियां

डा. एलिस डब्ल्यू क्लार्क (पूर्व में यूनीवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया – बेर्केले में)। एस्पिरेशनल फेमिलीज़ एंड द प्रोफेशनल इमेजनरी, 3 फरवरी, 2017.

डा. अनंत कुमार गिरी, मद्रास इंस्टिट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़ विद एंड बियांद एपिस्टेमोलोजीज़ फ्रॉम साउथ, 27 जनवरी, 2017.

डा. अनुज भुवानिया, समाज–विज्ञान, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, दि पालिटिक्स ऑफ पब्लिक इंट्रेस्ट लिटिगेशन इन पोस्ट इमेरजेंसी इंडिया, 17 फरवरी, 2017.

प्रो. अरी सितास, समाज–विज्ञान, केपटाउन विश्वविद्यालय, बिटवीन दि कैनन एंड दि कैनन – प्री रीजंस वाई वी सोशियॉजिस्ट्स शुड अनलर्न बिफोर वी टीच, 22 अप्रैल, 2016.

डा. चारू साहनी, शोध एसोसिएट, समाज–विज्ञान विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, इंटरनली डिस्प्लेस्ड कश्मीरी हिंदूज : एक्सेस टु कल्चरल कैपिटल एंड रीसेटलमेंट, 29 अप्रैल, 2016.

प्रो. जी. बालाचन्द्रन, प्रोफेसर, अंतर्राष्ट्रीय इतिहास एवं राजनीति शास्त्र, ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एंड डेवलपमेंट स्टडीज़ जिनेवा, कोलोनियल करंसीज़ एंड मनी इलूजंस, 10 फरवरी, 2017.

डा. गीतिका बापना, शोध स्कॉलर, समाज–विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, लेस्बियन गठबंधनः पोर्ट्रेट ऑफ ए सोशल वर्कर, 23 सितम्बर, 2016.

प्रो. जॉन बोर्नेमैन, एंथ्रोपोलॉजी, प्रिंसटन विश्वविद्यालय, दि सीरियन रिफ्यूजी क्राइसेस इन जर्मनी : एरोटिक कंफ्लिक्ट एंड फॉर्नर इंटीग्रेशन, 2 सितम्बर, 2016.

डा. महुया बद्योपाध्याय, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज़, मुंबई, अंडरस्टैंडिग प्रिजन सोशिएलिटी : सर्वेलेंस, एव्रीडे लाइफ एंड एथनोग्राफिक मैथड, 31 मार्च, 2017.

प्रो. नंदिनी सुंदर, समाज–विज्ञान विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, जस्टिस इन ए लुकिंग ग्लास वर्ल्ड, 13 जनवरी, 2017.

डा. फिलिप ज़ेमिश्च, पोस्टडॉक्टोरल रिसर्च फेलो, सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज़ एंड डिपार्टमेंट ऑफ सोशल एंड कल्चरल एंथ्रोपोलॉजी, एलएमयू क्यूनिख, दि इन विजिबल आर्क्रिटेक्ट्स ऑफ अंडमान : मैनिफेस्टेशंस ऑफ एबओरिजनल माइग्रेशन फ्रॉम रांची, 7 अक्तूबर, 2016.

डा. प्रथमा बनर्जी, सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज़ (सीएसडीएस) दिल्ली दि एबाइडिंग बायनरी : सोशल/पालिटिकल इन माडर्न इंडिया, 11 नवम्बर, 2016

डा. रवि नंदन सिंह, सहायक प्रोफेसर, समाज–विज्ञान, हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, लिविंग एंड डेड इन दि शिफ्टिंग शैडोज़ ऑफ प्लेस–नेम्स, 3 मार्च, 2017.

प्रो. रे ब्रोम्ले, भूगोल और योजना, स्टेट यूनीवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क, पैट्रिक गेडेस एंड दि अर्ली डेज़ ऑफ इंडियन सोशियोलॉजी, 9 सितम्बर, 2016.

डा. रुचि चतुर्वेदी, समाज–विज्ञान विभाग, केपटाउन विश्वविद्यालय दि प्रोटेस्टर, दि परफार्मर एंड ए कॉमन पॉलिटिकल इमेजिनेशन, 6 जनवरी, 2017.

डा. रूपल ओज़ा, एसोसिएट प्रोफेसर, महिला एवं लिंग अध्ययन विभाग, हंटर कॉलेज, सीयूएनवाई व्हाट इज़ ए ड्रोन? एथिक्स, टेक्नालॉजी एंड ज्योग्राफी (सह–लेखक मदिहा ताहिर), 8 अप्रैल, 2016.

जस्टिस डा. एस. मुरलीधर, न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय, केस इन कोर्ट : ब्रिंजिंग लॉ एंड सोसाइटी इशूज़ बिफोर दि ज्यूडिशिएरी, 10 मार्च, 2017.

डा. सिद्धार्थ सरीन, पोस्ट डाक्टोरल फेलो, मैक्स वेबेर सेंटर फॉर एडवांस्ड कल्चरल एंड सोशल स्टडीज़, एफर्ट तथा आर्थिक विकास संस्थान, डिसकोर्सेस अरांउड लॉगिंग : फ्रेमिंग एक्सट्रेक्शन ऑफ वुड फ्राम वेस्ट सिंह भूम्स कंफ्लिक्टेड फोरेस्ट्स, 30 सितम्बर, 2016.

प्रो. स्टीफन लेग, स्कूल ऑफ ज्योग्राफी, यूनीवर्सिटी ऑफ नॉटिंघम, मेकिंग इंडिया इन लंदन : इम्पीरियल इंटरनेशनेलिज्म, एटमोस्फेयर्स एंड फेलियर्स एट दि राउंड टेबल कांफ्रेंस, 1930–32, 24 मार्च, 2017.

डा. सुबश्री कृष्णन, मीडिया लैब, इंडियन इंस्टिट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट (आईआईएचएस), व्हाट दि फील्ड रिमेंबर? 4 नवम्बर, 2016.

डा. सुनील बाबू सी.टी., सहायक प्रोफेसर, समाज–विज्ञान, दिल्ली स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, एंथ्रोपोलोजाइजिंग इंडियन सोसाइटी : दि कोलोनियल प्रोजेक्ट, 21 अक्तूबर, 2016.

डा. स्वाति पी. शाह, एसोसिएट प्रोफेसर, जेंडर एंड सेक्सुएलिटी स्टडीज एंड डिपार्टमेंट ऑफ एंथ्रोयोलोजी, यूनीवर्सिटी ऑफ मैसाकुलसेट्स, एम्हेर्स्ट, मेकिंग सेक्सुअल सब्जेक्ट्स : फ्रॉम एजेंसी टु 'मजबूरी', 28 अक्तूबर, 2016.

आयोजित सम्मेलन

15 सितम्बर, 2016 को टीचिंग किनशिप पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

29 सितम्बर, 2016 को शोध स्कॉलर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

20 जनवरी, 2017 को एथनोग्राफिक फिल्म मेकिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

23–24 मार्च, 2017 को इवेंट एंड एब्रीडे : इम्पीरियलिज्म एंड एपीस्टेमोलॉजीज पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

अभिजीत दासगुप्ता :

भारत में कृषि परिस्थिति : मुद्दे और संघर्ष पर हीरक जयंती संगोष्ठी में सीड्स ऑफ डिस्कंटेंट : लोकल नॉलेज एंड एग्रीकल्चरल ग्रोथ इन इंडिया पर पत्र प्रस्तुत किया, एंथ्रोपोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, केन्द्रीय प्रादेशिक केन्द्र, नागपुर, 22–24 नवम्बर, 2016.

एम.डी. गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता में 28 नवम्बर, 2016 को कास्ट एंड सोशल एक्सक्लूजन इन इंडिया पर पत्र प्रस्तुत किया गया।

सेंटर फॉर स्टडीज़ ऑफ डिस्क्रिमिनेशन एंड एक्सक्लूजन, जेएनयू में 6 जनवरी, 2017 को मार्जिनेलिटी, माइनॉरिटी एंड आइडेंटिटीज़ पर आयोजित सम्मेलन में दि मेकिंग ऑफ दि मुस्लिम दलित्स इन बंगाल पर पत्र प्रस्तुत किया।

जियान्गटन यूनीवर्सिटी, जियान्गटन, चीन में 9–12 जून, 2017 तक आयोजित संगोष्ठी में सोसाइटी एंड गवर्नेन्स : कम्पेरेटिव स्टडीज़ ऑन इंडिया एंड चाइना पर पत्र प्रस्तुत किया।

अनुजा अग्रवाल :

पॉलिटिक '17 में अनएंडिंग स्टिग्मा : डीनोटिफाइड कम्युनिटीज़ इन इंडिया पर पत्र प्रस्तुत किया, राजनीति विज्ञान विभाग, कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2 मार्च, 2017.

जेंडर क्वेश्चन एट दि मार्जिंस : दि केस ऑफ डिनोटिफाइड कम्युनिटीज इन इंडिया इन दि सीरिज फेमिनिस्ट बियांड बांउड्रीज पर पत्र प्रस्तुत किया, 9 सितम्बर, 2016, ऑक्सफोर्ड बुकस्टोर एंड अपने आप वीमेन वर्ल्ड वाइड।

मार्क्सवाद और समकालीन दक्षिण एशिया : मुद्दे और प्रासंगिकता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रीविजिटिंग दि मार्क्सिस्ट अप्रोच टु सेक्स वक्र पर पत्र प्रस्तुत किया, समाज–विज्ञान विभाग, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय एवं रोजा लक्जर्मबर्ग स्टिफ्टंग, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 11–12 नवम्बर, 2016.

समाज–विज्ञान विभाग, अम्बेडकर विश्वविद्यालय में फैमिली एंड किनशिप : इक्जामिनिंग दि एर्मेजिंग कोंटोर्स पर पत्र प्रस्तुत किया, 18 नवम्बर, 2016.

जानकी अब्राहम :

महिला अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा नवम्बर, 2016 में आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में दि ब्रीच ऑफ एंडोगैमी : व्हाट इन एट स्टेक पर पत्र प्रस्तुत किया।

नई दिल्ली में 10–12 दिसम्बर, 2016 को आयोजित ला सनेट इंटरनेशनल सम्मेलन में सहमति पर गोलमेज चर्चा के दौरान सहमति और विवाह पर पत्र प्रस्तुत किया।

मुंबई विश्वविद्यालय में फरवरी, 2017 में आयोजित संगोष्ठी में दि लाइव्स ऑफ अदर्स : दि प्रोडक्शन एंड इंफ्लुएंस ऑफ नेबरहुड कल्चर्स इन टाउन्स इन इंडिया पर पत्र प्रस्तुत किया।

जानकी देवी स्मारक कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 8 मार्च, 2017 को अंडर स्टैडिंग दि शिफ्ट्स इन रूल्स ऑफ एंडोगैमी पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मीनाक्षी थापन :

वसंत महिला कॉलेज, राजघाट, वाराणसी में 29–30 जुलाई को अंडरस्टैडिंग स्कूलिंग, टीचिंग एंड क्लासरूम मैनेजमेंट : रिफ्लेक्शंस, प्रोसेसेस, एक्टिविटीज पर तथा वैल्यूज एंड एथिक्स इन एजुकेशन पर पत्र प्रस्तुत किया।

सांइस फॉर मोंक्स प्रोग्राम के तत्वावधान में शेराब्लिग मोनेस्टेरी, बीर, हिमाचल प्रदेश में 11–14 नवम्बर, 2016 को संवेदनाओं का विनियमन और रूपांतरण पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ओपनिंग अप इमोशनल पाथवेज पर पत्र प्रस्तुत किया।

डीएस कोठारी विज्ञान, नयाचार और शिक्षा केन्द्र तथा भारत इंटरनेशनल सेंटर द्वारा 19–20 जनवरी, 2017 तक शिक्षा में मूल्य और धर्मनिरपेक्ष नवाचार पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कृष्णामूर्ति, वैल्यूज़ एंड एथिक्स इन एजुकेशन पर पत्र प्रस्तुत किया।

टोक्यो यूनीवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज़, टोक्यो में 2–4 फरवरी, 2017 को टुवड्र्स दि को–एक्जिस्टेंस ऑफ वेरियस 'सिंगल' इन ग्लोबल सोसाइटीज़ पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्पिरिचुअल स्ट्राइविंग अमंग सिंगल वेस्टर्न वीमेन पर पत्र प्रस्तुत किया।

टोक्यो यूनीवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज़, टोक्यो में 7 फरवरी, 2017 को 'फाडिंग फेथ : वेस्टर्न इमेजिनिंग्स ऑफ स्पिरिचुअल इंडिया पर पत्र प्रस्तुत किया।

शिक्षा विभाग (सीआईई), दिल्ली विश्वविद्यालय में 29 मार्च, 2017 को अंडरस्टैंडिंग एथनोग्राफी एंड स्कूलिंग पर पत्र प्रस्तुत किया।

नंदिनी सुंदर :

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 9 जुलाई, 2016 को ब्रेसिट : पॉलिटिकल रेटोरिक एंड ग्राउंड रिएलिटी पर आयोजित पैनल चर्चा में भाग लिया।

आईपीएस अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, दिल्ली में 26 जुलाई, 2016 को वर्टिकल इंटेरेक्शन पाठ्यक्रम में पुलिसिंग दि वल्नेरेबल प्रोटेक्टिंग दि मार्जिनलाइज्ड पर पत्र प्रस्तुत किया।

जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद में जी.बी. पंत स्मारक व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत 10 सितम्बर, 2016 को दि प्रोपागेंडा वार्स पर पत्र प्रस्तुत किया।

मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय में 15 सितम्बर, 2016 को नागरिकता, लोकतंत्र और प्रभाव पर पत्र प्रस्तुत किया।

इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज, राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 16 सितम्बर, 2016 को ''महिला, राज्य और शक्ति : लोकतंत्र पर प्रतिबिंबन'' विषय पर स्वर्ण जयंती सम्मेलन में जेंडर एंड इन्वार्यनमेंट इन इंडिया टुडे पर पत्र प्रस्तुत किया।

इंडिया टुडे तथा बर्टेल्समैन स्टिफटंग, जर्मनी द्वारा ताज पैलेस, नई दिल्ली में 23 सितम्बर, 2016 को आयोजित समारोह में सोशल कोहेशन इन ट्रांसफार्मेशन : दि एक्सपीरिएंस ऑफ इंडिया एंड बियांड पर पत्र प्रस्तुत किया।

जिंदल राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में 26 सितम्बर, 2016 को रीथिंकिंग कंफ्लिक्ट्स इन दि एज ऑफ डेवलपमेंट पर आधार व्याख्यान दिया।

एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में 26 सितम्बर, 2016 को तुर्की, भारत और यूके में राष्ट्रीय सुरक्षा और शैक्षणिक स्वतंत्रता पर आयोजित कार्यशाला में हाउ नेशनल सिक्यूरिटी रिटोरिक अंडरमाइंस एकेडेमिक फ्रीडम पर पत्र प्रस्तुत किया।

सेंटर फॉर साउथ एशियन स्टडीज़, यूनीवर्सिटी ऑफ मिशीगन, एन एर्बर में 15 नवम्बर, 2016 को थ्री विलेजेज़, टू इंवेस्टिमेशंस एंड दि रूल ऑफ लॉ इन इंडिया पर वार्ता।

सीयूएनवाई जीसी, न्यूयार्क में 17 नवम्बर, 2016 को टेल्स फ्रॉम तदमेल्टा पर वार्ता।

क्लब ऑफ रोम के भूमि, जल और वन सत्र में पैनल चर्चा के दौरान पैनलिस्ट, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, 23 नवम्बर, 2016.

थेक्स लिट फेस्टिवल, भारत पर्यावरण केन्द्र, नई दिल्ली में 26 नवम्बर, 2016 को दि बर्निंग फारेस्ट पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट।

गोवा साहित्यिक समारोह में 8–9 दिसम्बर, 2016 को दि बर्निंग फारेस्ट पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट।

मंथन, हैदराबाद में 4 जनवरी, 2017 को इंडियाज़ वार इन बस्तर पर वार्ता।

आईआईटी, हैदराबाद में 5 जनवरी, 2017 को 'नॉट ह्यूमन, नॉट एनीमल : इन इंडिया हैव रूम फॉर दि आदिवासी? पर अतिथि व्याख्यान दिया।

विकास उत्प्रेरित विस्थापन पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, एमजी विश्वविद्यालय, कोट्टयम, केरल में 31 जनवरी, 2017 को डेवलपमेंट, डिस्प्लेसमेंट एंड वायलेंस : एस्टोरी इन थ्री एक्ट्स पर आधार व्याख्यान।

टाइम्स लिट फेस्ट, बेंगलूर में 11 फरवरी, 2017 को इन टेंडम : क्लास, प्रिविलेज एंड लॉस' विषय पर आयोजित दि बर्निंग फॉरेस्ट पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट।

गांधी भवन, बेंगलूर में 12 फरवरी, 2017 को पीस, बियांड थ्रेशहोल्ड ऑफ कन्फिलक्टस पर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में 'स्पीकिंग पीस इन टाइम्स ऑफ वार' पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट।

स्कूल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में 15 फरवरी, 2015 को 'दि हार्ट इज़ ए फ्रैक्चड ऑब्जेक्ट : क्रोनिक्लिंग ए सिविल वार पर वार्ता।

बर्निंग फारेस्ट पर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 22 फरवरी, 2017 को आयोजित पुस्तक चर्चा में भाग लिया।

पैनल चर्चा मे पैनलिस्ट. दि पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ विच पर्सेक्यूशन एंड लैंड राइट्स, लैंड एक्वीजीशन एंड इंक्लूसिव डेवलपमेंट इन इंडिया, सीपीआर द्वारा आयोजित, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 2 मार्च, 2017.

लुकिंग अराउंड, नॉट लुकिंग डाउन : व्हाट वी कैन लर्न फ्रॉम दि आदिवासी लाइव्स पर वार्ता टेड–एक्स टॉक, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, 18 मार्च, 2017.

ओ.पी. जिंदल, ग्लोबल यूनीवर्सिटी, यूनीवर्सिटीज ऑफ दि फ्यूचर : नॉलेज इनोवेशन एंड रिस्पांसिबिलिटी में 19 मार्च, 2017 को 'टॉकिंग ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइसेंज सीरियसली : इंटेलेक्चुअल एडवांसमेंट्स एंड इंस्टिट्यूशनल ऑब्लीगेशंस : फोर क्वेश्चंस पर पैनलिस्ट।

जामिया समाज–विज्ञान समारोह, जामिया मिलिया इस्लामिया में 30 मार्च, 2017 को डिकोडिंग डिसेंट पर वार्ता।

राधिका चोपड़ा ने दिल्ली विश्वयविद्यालय, सिडनी में 5–6 जनवरी, 2017 तक बाजार विविधता कार्यशाला में रीथिंकिंग रिलीजियस सिंथेसिस इन इंडिया : एन एंडेंजर्ड कास्मोपॉलिटन अल्टरनेटिव? पर प्रस्तुतीकरण दिया।

रजनी पालीवालाः

यूनीवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ, आईसीआरडब्ल्यू तथा आईएमसी वर्ल्ड वाइड द्वारा 15 मार्च, 2017 को काठमांडू में महिला, कार्य और हिंसा पर आयोजित कार्यशाला में रिफ्लेक्शंस ऑन दि चैलेजेज़ फेसिंग वीमेन इन साउथ एशिया पर पत्र प्रस्तुत किया।

राजनीतिक विज्ञान विभाग, जाकिर हुसैर दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 8 मार्च, 2017 को इक्कीसवीं शताब्दी के भारत में पितृसत्ता को सामान्य बनाना पर पैनल में 'स्ट्रक्चर्स, प्रोसेसेस एंड रिलेशंस इन वीमेंस ऑप्रेशन टुडे' पर पत्र प्रस्तुत किया।

अखिल भारतीय अधिवक्ता संघ द्वारा 7 मार्च, 2017 को तीस हजारी में न्याय की तलाश में महिलाओं पर पैनल में माइरियाड ओप्रेशंस एंड माइरियाड स्ट्रगल्स पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

थुनछथ इजुथाचान मलयालम विश्वविद्यालय, तिरूर, केरल में 3 मार्च, 2017 को 'रिलीजन, लैंगुएज एंड कंपैरिजन इन ड्इंग सोशियोलॉजी पर पत्र प्रस्तुत किया।

समाज–विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़, हैदराबाद विश्वविद्यालय में 20 फरवरी, 2017 को रैशनैलिटी, इंस्ट्रुमेंटेलिटी एंड दि एफेक्टिव : फ्रेमिंग रिलेशंस ऑफ केयर एंड इंटिमेसी पर पत्र प्रस्तुत किया।

आईडब्ल्यूएस द्वारा 22–25 जनवरी, 2017 को चेन्नई में आयोजित महिला अध्ययन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 21वीं शताब्दी दक्षिण एशिया में महिलाओं द्वारा सवेतन और गैर–वेतन कार्य के बदलते प्रतिमान पर पैनल में डाइमेंशंस ऑफ पेड एंड अनपेड वर्क्र एंड एनपेड केयर वर्क्र इन इंडिया पर पत्र प्रस्तुत किया।

तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा दिसम्बर, 2016 को रीथिंकिंग सोशलॉजिकल ट्रेडीशंस पर आयोजित 42वें अखिल भारतीय समाज–विज्ञान सम्मेलन में न्यू पर्सपेक्टिव इन दि थीम्स ऑफ फैमिली, मैरिज, किनशिप पर पूर्ण–सत्र में 'कंटेम्पररी कसर्न्स इन फैमिली, मैरिज, किन शिप : कंसेप्चुअल शिफ्ट्स एंड सब्सटेंटिव थीम्स' पर पत्र प्रस्तुत किया।

लुंड यूनीवर्सिटी, स्वीडन में 20–22 सितम्बर, 2016 तक 'आधुनिक पदार्थ : दक्षिण एशिया में दैनिक जीवन में भविष्य पर बातचीत करना' पर आयोजित सैसनेट सम्मेलन के भाग के रूप में रविन्दर कौर (आईआईटी, दिल्ली) और सोनाल्डे देसाई (मैरीलैंड विश्वविद्यालय) के साथ 'यूथफुल मॉडर्ननिटिजी : नेगोसिएटिंग विद दि पास्ट, दि प्रेजेंट एंड दि फ्यूचर पर नौ पत्रों के साथ पैनल आयोजित किया।

रोमा चटर्जी :

मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय में 19 अगस्त, 2016 को रेटोरिक्स ऑफ डेवलपमेंट पर पाठ्यक्रम में फेयरी टेल्स पर वार्ता।

आईआईसी, दिल्ली में 23 अगस्त, 2016 को हिंसा और स्मृति का बोझ, रिमेम्बरेंस एंड इरेज़र इन सिन्हाला कंसाइंसनेस पर ससांका परेरा 2016 की पैनल चर्चा में पैनलिस्ट थीं।

फाउंडेशन फॉर क्रिएटिव सोशल रिसर्च द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 5–6 अगस्त, 2016 को आयोजित तीसरी सृजनात्मक सिद्धांत कार्यशाला में 'रिसेप्शन, इंप्रोवाइजेशन, ट्रेडीशन, डेलियूजिएन थीम्स इन दि फोल्क आर्ट ऑफ बंगाल' पर पत्र प्रस्तुत किया।

समाज–विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 29 सितम्बर, 2016 को आयोजित रिसर्च स्कॉलर कार्यशाला में ब्यूरोक्राइटेशन ऑफ क्राफ्ट बाई निमिता कॉल पर वार्ता।

दि लॉरेंस स्कूल, सानावार द्वारा 23 अक्तूबर, 2016 को आयोजित सानावार साहित्यिक समारोह में देवगाथा पर वार्ता।

स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 4 नवम्बर, 2016 को मनासा ऑन दि माडर्न स्टेज पर वार्ता।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल द्वारा 20 सितम्बर, 2016 को मिथ्स, सिमिलीज़ एंड मेमोरी ट्रेसेस : दि इमेजनरीज़ ऑफ एब्डक्शन इन दि रामायणा यूनीवर्स पर सार्वजनिक व्याख्यान।

सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज, जेएनयू द्वारा 16–17 जनवरी, 2017 को राइटिंग इंडिया : रीविजिटिंग हिस्टोरियोग्राफी आईडियोलॉजी एंड जॉनर पर 'स्क्रिन्टिंग दि फोल्क : फोकलोर एंड दि इमेजिनेशन ऑफ प्लेस पर वार्ता।

अंकुर दत्ता द्वारा 24 फरवरी, 2017 को जम्मू और कश्मीर में विस्थापित पंडितों में अनिश्चित आधार पर पैनल चर्चा पर पैनलिस्ट।

स्कूल ऑफ सोशल साइंस, इग्नू द्वारा 16–17 मार्च, 2017 को इंटरप्रेटिंग कल्चरःसब्जेक्टिविटी, आईडियोलॉजी एंड आइडेंटिटी पर 'मिथ्स, सिमिलीज़ एंड मेमोरीज़ ट्रेसेस : इमेंरेरीज़ ऑफ एब्डक्शन इन दि रामायण यूनीवर्स पर वार्ता।

गैलरी एस्पेस, सेरेंडिपिटी आर्ट्सट्रस्ट, तीर्था आर्टिस्ट्स कलेक्टिव एवं साउथ एशिया यूनीवर्सिटी द्वारा 29 मार्च, 2017 को ट्विन आर्ट्स गैलरी, आईजीएनसीए, दिल्ली में 'क्रॉसिंग बॉर्डरस, बाउंड्रीज़ एंड टेम्पोरैलिटीज : ए कन्वर्सेशन ऑन दि हिस्ट्री, मिथ, पॉलीटिक्स एंड आर्ट अराउंड दि भारतीय मिक्स मीडिया आर्ट प्रोजेक्ट, ए टेल ऑफ टू सिटीज वाराणसी एवं अनुराधापुर' पर आयोजित पैनल वार्ता में पैनलिस्ट।

सतीश देशपांडे

अधिगम का प्रशासन और संस्कृति पर सम्मेलन में पैनलिस्ट, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, 23 सितम्बर, 2016.

वार्षिक अंजन घोष स्मारक कार्यशाला में 26 सितम्बर, 2016 को सामाजिक विज्ञान अध्ययन केन्द्र, कोलकाता में 'वोट बैंक' के संकल्पनात्मक कैरियर पर टिप्पणियां पर पत्र प्रस्तुत किया।

समाज और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु द्वारा 24 अक्तूबर, 2016 को रीडिस्कवरिंग बाबासाहेब अम्बेडकर पर आयोजित सम्मेलन में दि एनिहिलेशन ऑफ कास्ट एट ऐटी : दि मैनी लाइव्स ऑफ ए क्लासिक टेक्स्ट पर आधार–व्याख्यान प्रस्तुत किया।

समाज–विज्ञान विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गैंगटोक द्वारा 4 नवम्बर, 2016 को भारत में विकास और परिवर्तन : पूर्वावलोकन और संभावनाओं पर आयोजित सम्मेलन में डेवलपमेंट एंड आइडेंटिटी पॉलीटिक्स पर आधार–व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सौध संवाद अनुसंधान स्कॉलर्स फोरम, भाषा विद्यालय, जेएनयू, नई दिल्ली में 21 नवम्बर, 2016 को भारतीय भाषाएं और समाज विज्ञान पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

सैटर्डे डिशकशन ग्रुप, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 26 नवम्बर, 2016 को समकालीन भारत में जाति पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

भारतीय समाज–विज्ञान सोसाइटी, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर में 28–30 दिसम्बर, 2016 को आयोजित 42वें अखिल भारतीय समाज–विज्ञान सम्मेलन में दि नॉन–एकेडेमिक यूज ऑफ दि कंटेम्परेरी यूनीवर्सिटी पर पत्र प्रस्तुत किया।

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज़ बेंगलुरु में 9 जनवरी, 2017 को समकालीन भारत में राष्ट्र समुदाय और नागरिकता पर 'नोट्स ऑन दि कंसेप्चुअल कैरियर ऑफ दि वोट बैंक' पर पत्र प्रस्तुत किया।

इंडियन एसोसिएशन फॉर वीमेंस स्टडीज़ के चेन्नई में 21 जनवरी, 2017 को आयोजित पन्द्रहवें सम्मेलन में प्री–कांफ्रेस कोलोक्वियम, दि फ्लक्स इन इंडियाज हायर एजुकेशनल सिस्टम में पैनलिस्ट।

समाज–विज्ञान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 4 फरवरी, 2017 को समकालीन भारत में उच्चतर शिक्षा पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

डिफिकल्ट डायलॉग्स कांफ्रेस, गोवा में 11 फरवरी, 2017 को हाउ डज़ सोशल एक्सक्लूशन इंपैक्ट हैल्थ पर थीम पैनल में पैनलिस्ट।

उद्घाटन व्याख्यान : मेथॉलाजिकल पर्सुएशन, समाज विज्ञान अनुसंधान पर परिबोधन कार्यक्रम, औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली, 6 मार्च, 2017.

ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय, सोनीपत में 19 मार्च, 2017 को यूनीवर्सिटीज़ ऑफ फ्यूचर पर आयोजित सम्मेलन में टॉकिंग ह्यूमैनिरीज़ एंड सोशल साइंस सीरियसली पर पैनल में पैनलिस्ट।

लेडी श्रीराम कॉलेज, नई दिल्ली की बी.ए. प्रोग्राम यूनियन के वार्षिक महोत्सव 'समागम' 17 में 24 मार्च, 2017 को सामाजिक पदानुक्रम व्यवस्था के आधार पर भेदभाव के लिए आमंत्रित।

भारत में इंजीनियर और समाज पर सम्मेलन में समापन भाषण ईएचईएसएस, पेरिस, 27–28 मार्च, 2017.

यासमीन आरिफ :

समाज–विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय मे 23 मार्च, 2017 को 'इवेंट एंड एव्री डेःइम्पीरियलिज्म एंड एपिस्टेमोलॉजीज, पर आयोजित कार्यशाला में 'इवेंटःए वे टु बोइंग एंड ओपनिंग/क्लोजिंग रिमार्क्स' पर पत्र प्रस्तुत किया।

सेंटर फौर स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज़ (सीएसडीएस) दिल्ली में 2 मार्च, 2017 को 'लाइफ, इमेरजेंटःदि सोशल इन दि आफ्टरलाइव्स ऑफ वायलेंस' पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट।

मिरांडा हाउस दिल्ली विश्वविद्यालय में समाज–विज्ञान विभाग के वार्षिक महोत्सव में 15 फरवरी, 2017 को 'वायर्ड : डिकोडिंग टेक, इनकोडिंग सोसाइटी पर पत्र प्रस्तुत किया।

दि इंस्टिट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडीज़ एंड इंटरडिसिप्लीनरी सेंटर फॉर दि स्टडी ऑफ ग्लोबल चेंज, मिनेसोटा विश्वविद्यालय, ट्विन सिटीज, यूएसए में 16 नवम्बर, 2016 को 'लाइफ एमेर्जेंट : ए सोशल इन दि आफ्टरलाइव्स ऑफ वायलेंस' पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट।

यूनीवर्सिटी ऑफ सिडनी बिजनेस स्कूल, डिसिप्लिन ऑफ बिजनेस लॉ में 12 अक्तूबर, 2016 को कल्चर ऑफ मनी ऑन गिफ्ट्स, कमीशंस, ब्राइब्स एंड बिजनेस इंटीग्रिटी पर गोलमेज सम्मेलन में पैनलिस्ट।

समाज–विज्ञान और समाज सिद्धांत विभाग, सिडनी विश्वविद्यालय में 13 अक्तूबर, 2016 को 'इमोशनल सिटीज़ : दि अर्बन एज़ दि फ्रंटियर ऑफ क्राइसेस एंड कम्पेशन' पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रदत्त एम. फिल और पीएचडी.

पीएच.डी – 12

एम. फिल – 18

संकाय – सदस्य संख्या

प्रोफेसर – 7

एसोसिएट प्रोफेसर – 6

सहायक प्रोफेसर – 5

''''''

प्रौद्योगिकी, इंस्ट्रुमेंटेशन और नियंत्रण इंजीनियरिंग संकाय

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

विभाग इंस्ट्रुमेंटेशन एवं नियंत्रण इंजीनियरिंग के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान करता है। हर साल, हम अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम के लिए लगभग 180 छात्रों को दाखिला देते हैं, गेट के माध्यम से दो स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में लगभग 20 छात्रों (प्रक्रिया नियंत्रण और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स में एमटेक)

और पीएचडी में लगभग 5–10 छात्रों को को दाखिला दिया जाता है। हमारे विभाग में कुछ श्रेष्ठ शिक्षक हैं और संकाय सदस्य बुनियादी उपकरण और नियंत्रण इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विभिन्न अनुसंधानों से जुड़े हैं। हमारे संकाय सदस्य नियमित रूप से शीर्ष–स्तरीय सहकर्मी समीक्षा पत्रिकाओं में अपने शोध निष्कर्ष प्रकाशित करते हैं। हमने प्रकृति, विज्ञान और अन्य उच्च प्रभाव युक्त पत्रिकाओं में प्रकाशन किया है। हमारे संकाय सदस्यों ने अपने क्षेत्र में विश्व के नेता के रूप में मान्यता मिली है, वे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ व्यापक रूप से सहयोग करते हैं। हमारे शिक्षकों को नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में मुख्य व पूर्ण व्याख्यान के माध्यम से अपने अभिनव अनुसंधान निष्कर्षों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

सम्मान / विशिष्टताएं

प्रो. स्मृति श्रीवास्तवः

बंगलौर के बीएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज और आईयूसीईई, भारत द्वारा, जनवरी, 2015 में इंजीनियरिंग शिक्षा में परियोजना आधारित शिक्षण पर श्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया।

सूचना प्रणाली डिजाइन और बुद्धिमान अनुप्रयोगों में हथेली की छाप और पृष्ठीय हाथ की नसों का बहु स्तरीय संलयन, शोध पत्र के लिए स्प्रिंगर और भारत द्वारा सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्प्रिंगर इंडिया, दिसंबर, 2015।

प्रोफेसर प्रेरणा गौड़ को 2016 में आईईईई अनुभाग, नई दिल्ली द्वारा श्रेष्ठ शाखा काउंसलर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर प्रेरणा गौड़ और प्रो. ए पी मित्तल को कंप्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोगों में प्रगति, भारत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक्ट्यूएटर के साथ एक रोबोट मैनिप्युलेटर में कुकू खोज कलन विधि पर आधारित एफओपीआईडी नियंत्रकों के लिए शोधपत्र प्रदर्शन मूल्यांकन पर सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आयोजित विशेष व्याख्यान / कार्यशालाएं

आईसीई डिवीजन द्वारा इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआईईए), पर 26–30 दिसंबर, 2016 के दौरान एक सप्ताह का अल्पावधि पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

आईसीई डिवीजन द्वारा 17–21 जुलाई, 2017 के दौरान इंजीनियरिंग समस्याओं को सुलझाने के लिए सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीक में प्रगति (एएससीटीएसईपी) पर एक सप्ताह का अल्पावधि पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रकाशन

पत्रिकाएंः

गोपाल, एस श्रीवास्तव, एस भारद्वाज और एस भार्गव (2016). हथेली के निशानों और हाथ की पृष्ठीय नस के साथ हथेली की रेखाओं का मिश्रण। अनुप्रयुक्त सॉफ्ट कंप्यूटिंग की पत्रिका, जारी करने की तारीखः 10.1016/j.asoc.2016.05.039

एस श्रीवास्तव, गोपाल और एस भारद्वाज, वक्ता की पहचान के लिए बहु–परिदृश्य डेटासेट। बुद्धिमान और फज़ी सिस्टम के जर्नल, आईओएस प्रेस, (स्वीकृत)।

आर कुमार एस श्रीवास्तव और जे आर पी गुप्ता, लाइपुनोव स्थिरता मानदंड का उपयोग कर गैर–रेखीय गतिशील प्रणाली का विकर्ण आवर्तक तंत्रिका नेटवर्क आधारित अनुकूली नियंत्रण। आईएसए ट्रांजेक्शन्स (स्वीकृत).

आर कुमार एस श्रीवास्तव और जे आर पी गुप्ता, रेडियल आधार कार्य नेटवर्क का उपयोग कर गैर–अक्षीय गतिशील प्रणालियों की मॉडलिंग और अनुकूली नियंत्रण। सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 1–17. जारी करने की तारीखः 10.1007/s00500-016-2447-9

आर कुमार एस श्रीवास्तव और जे आर पी गुप्ता,(2016). गाऊसी रेडियल आधार फंक्शन नेटवर्क का उपयोग कर रोबोटिक मैनिपुलेटर्स की ऑनलाइन मॉडलिंग और अनुकूली नियंत्रण। तंत्रिका कम्प्यूटिंग और अनुप्रयोग, 1–17. जारी करने की तारीखः 10.1007/s00521-016-2695-8

गोपाल, एस श्रीवास्तव (2017) हथेली की रेखाओं के निशान का उपयोग कर स्कोर स्तर और फीचर स्तर मिश्रण द्वारा सटीक मानव पहचान। विज्ञान और इंजीनियरिंग की अरबी पत्रिका, स्प्रिंगर, 42(7).

जी चौधरी, एस श्रीवास्तव और सौरभ भारद्वाज. (2017). वक्ता की पहचान के लिए विशेषताओं के निष्कर्षण की विधि एक समीक्षा। पैटर्न मान्यता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 31(12).

आर कुमार एस श्रीवास्तव और जे आर पी गुप्ता.(2017). लियापुनोव अनुकूली गतिशील प्रोग्रामिंग का उपयोग कर गैर–अक्षीय गतिशील प्रणालियों का स्थिरता आधारित नियंत्रण और पहचान। सॉफ्ट कंप्यूटिंग 21.15, 4465–4480.

जी चौधरी, शेफाली श्रीवास्तव और एस श्रीवास्तव,. (2016). स्थानीय सबस्पेस अनुकूली हिस्टोग्राम समताकरण का उपयोग कर बॉयोमीट्रिक प्रमाणीकरण। बुद्धिमान और फर्ज़ी सिस्टम के जर्नल, आईओएस प्रेस, (स्वीकृत)

जी चौधरी, एस श्रीवास्तव और एस भारद्वाज. (2016). एक मजबूत बॉयोमेट्रिक्स बहु स्तरीय मिश्रण योजना। इमेज माइनिंग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका. (स्वीकृत)

पी अरोड़ा, एस श्रीवास्तव, एस भार्गव एवं एम हनमांडलु. (2016). सूचना सेट सिद्धांत पर आधारित बहुआयामी बॉयोमेट्रिक सिस्टम और परिशोधित स्कोर। सॉफ्ट कंप्यूटिंग, स्प्रिंगर, जारी करने की तारीख:10.1007/s00500-016-2108-z

एम, तुसीर, एस श्रीवास्तव(2016). कर्नेल आधारित क्लस्टरिंग के लिए विभिन्न कर्नेल कार्यों की खोज। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एव सॉफ्ट कंप्यूटिंग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, इंडर साइंस, 5.3177–193. जारी करने की तारीखः 10.1504/IJAISC.2016.078482

डी क्लेर., पी शर्मा, ए बनर्जी, के पी एस राना, वी कुमार, वाष्पीकरण दर के आधार पर जल चक्र कलन विधि का उपयोग कर पीवी सेल और मॉड्यूल कुशल पैरामीटर अनुमान। समूह और विकासवादी संगणना, एल्जेवियर. (स्वीकृत)

टी के प्रसाद, पी एस राना, वी कुमार, आवृत्ति परिवर्तन के लिए एक बुद्धिमान तापमान की डिजाइन और मॉडलिंग पर टिप्पणियाँ, मेजरमेंट, 102, 138–141, एल्जेवियर. जारी करने की तारीखः 10.1016/j.measurement.2017.01.042

के पी एस राना, वी कुमार, ए गुप्ता (2016). वर्द्धित पोस्ट–अस्थायी प्रदर्शन के साथ एक ध्रुव–त्रिज्या–भिन्न आईआईआर पायदान फिल्टर। जैव चिकत्सा प्रसंस्करण और नियंत्रण, एल्जेवियर, 13, 379–391, (स्वीकृत). जारी करने की तारीखः 10.1016/j.bspc.2016.12.015

वी कुमार, के पी एस राना, जे कुमार., पी मिश्रा, अनिश्चित और गैर–लाइन सक्रिय निलंबन प्रणाली के लिए स्व–व्यवस्थित मजबूत आंशिक आदेश फर्ज़ी पीडी नियंत्रक। तंत्रिका कम्प्यूटिंग और अनुप्रयोग, स्प्रिंगर, जारी करने की तारीखः 10.1007/s00521-016-2774-x

वी कुमार और के पी एस राना, एक नियंत्रण पाश में प्रकार –2 और प्रकार –1 के सेंसर शोर दमन पर फज़ी पीआई नियंत्रकों का तुलनात्मक अध्ययन। नियंत्रण इंजीनियरिंग और अनुप्रयुक्त सूचना विज्ञान की पत्रिका. (स्वीकृत)

वी कुमार और के पी एस राना, पेलोड के साथ 2–लिंक प्लैर कठोर मैनिप्युलेटर का गैररेखीय अनुकूली भिन्नात्मक आदेश फज़ी पीआईडी नियंत्रण, जर्नल ऑफ द फ्रैंकलिन इंस्टीट्यूट, एल्जेवियर (स्वीकृत) जारी करने की तारीखः 10.1016/j.jfranklin.2016.11.006

के पी एस राना, वी कुमार, एन मित्रा, एन प्रामाणिक (2016). क्षेत्र निर्देशयोग्य गेट अरे पर आंशिक आदेश इंटीग्रेटर/विभेदक का कार्यान्वयन। अलेक्जेंड्रिया इंजीनियरिंग जर्नल, साइंस डायरेक्ट, एल्जेवियर, 55 (2), 1765–1773 (स्वीकृत). जारी करने की तारीखः 10.1016/j.aej.2016.03.030

वी कुमार और के पी एस राना, (2016). आनुपातिक और व्युत्पन्न किक दमन के लिए हाइब्रिड फज़ी आईपीडी नियंत्रकों पर कुछ जांच।

स्वचालन और कम्प्यूटिंग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, स्प्रिंगर 13(5),516–528,स्वीकृत, जारी करने की तारीखः10.1007/s11633 -016-1009-z

ए के यादव और पी गौड़, बेहतर आईएमसी तकनीक का उपयोग करके अनिश्चित हेवी ड्यूटी वाहन की गति नियंत्रण। विज्ञान और इंजीनियरिंग की अरब की पत्रिका, स्प्रिंगर, 42(7), 2981–2991. (एससीआईई, प्रभाव कारक= 0.865).

ए के यादव और पी गौड़, (2016). गैररेखीय हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों की गति नियंत्रण के लिए संशोधित स्व–ट्यूनिंग फज़ी आनुपातिक– एकीकृत व्युत्पन्न बनाम फज़ी–अनुकूली आनुपातिक–एकीकृत–व्युत्पन्न। कम्प्यूटेशनल और गैर रेखीय गतिशीलता की पत्रिका, एएसएमई ट्रांजेक्शन्स, 11(6), 061013–061013–7. (एससीआईई, प्रभाव कारक– 1.732).

डी गोयल और पी वार्ष्णेय (2017). सीसीआईआई और आरसी खंडन आधारित आंशिक क्रम वर्तमान समाकलक। माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक जर्नल, 65, 1–10. जारी करने की तारीखः 10.1016/j.mejo.2017.05.002

वी कुमार, के पी एस राना, एस नारंग, (2017). एक नियंत्रण लूप में सेंसर शोर दमन पर टाइप –2 और टाइप –1 फज़ी पीआई नियंत्रक का तुलनात्मक अध्ययन। नियंत्रण इंजीनियरिंग और अनुप्रयुक्त सूचना विज्ञान की पत्रिका, 19(2), 20–30, एससीआई सूचकांक, प्रभाव कारक – 0.695)

वी कुमार, के पी एस राना, जे कुमार, पी मिश्रा और एस एस नायर. (2017). गैर–रेखीय और अनिश्चित प्रणाली के लिए एक मजबूत आंशिक आदेश फज़ी पी. फज़ी आई. फज़ी डी। स्वचालन और कम्प्यूटिंग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, स्प्रिंगर , 14(4), 474–488. जारी करने की तारीखः 10.1007/s11633-016-0981-7

डी क्लेर, पी शर्मा, ए बनर्जी, के पी एस राना, वी कुमार (2017). वाष्पीकरण दर आधारित जल चक्र कलन विधि का उपयोग कर पीवी सेल और मॉड्यूल कुशल पैरामीटर अनुमान। समूह एव विकासवादी संगणना, एल्जेवियर, 35, 93–110. एससीआई सूचकांक, प्रभाव कारक–3.893)

टी प्रसाद, के पी एस राना, वी कुमार, आवृत्ति परिवर्तक के लिए एक बुद्धिमान तापमान के डिजाइन और मॉडलिंग पर टिप्पणियाँ। मेजरमेंट, एल्जेवियर 102, 138–141, एससीआई सूचकांक, प्रभाव कारक – 2.359)

एस एस नायर, के पी एस राना, वी कुमार, अभिषेक चावला, (2017). एंट लियन ऑप्टिमाइजर का उपयोग करके रैखिक असतत फिल्टर की कुशल मॉडलिंग। सर्किट, सिस्टम और सिग्नल प्रोसेसिंग, स्प्रिंगर, 36(4), 1535–1568. एससीआई सूचकांक, प्रभाव कारक –1.694) जारी करने की तारीखः 10.1007/s00034-016-0370-z

के पी एस राना, वी कुमार, जे मेंद्रिता. (2017). सीरीज प्रतिरोध–अधिष्ठापन–कैपेसिटेंस सर्किट के बुनियादी सिद्धांतों के अध्ययन के लिए एक शैक्षिक प्रयोगशाला आभासी इंस्ट्रुमेंटेशन सूट सहायक प्रयोग। इंजीनियरिंग शिक्षा यूरोपियन पत्रिका। टेलर और फ्रांसिस प्रकाशन. (स्वीकृत)

के पी एस राना, वी कुमार, टी प्रसाद, (2017). वीसीओ थर्मिस्टर सर्किट के लिए एएनएन–आधारित रैखिककरण तकनीक की विकास पर टिप्पणियाँ। आईईईई सेंसर जर्नल, 17(4), 1187–1189. एससीआई सूचकांक, प्रभाव कारक – 2.512)

के पी एस राना, वी कुमार, ए गुप्ता, (2017). वर्द्धित पोस्ट–क्षणिक प्रदर्शन के साथ एक ध्रुव–त्रिज्या–भिन्न आईआईआर पायदान फिल्टर। जैव चिकत्सा प्रसंस्करण और नियंत्रण, एल्जेवियर 33, 379–391. एससीआई सूचकांक, प्रभाव कारक – 2.214)

वी कुमार, के पी एस राना, (2017). पेलोड के साथ 2–लिंक प्लानर कठोर मैनिपुलेटर का गैररेखा अनुकूली भिन्नात्मक आदेश फज़ी पीआईडी नियंत्रण। फ्रैंकलिन संस्थान की पत्रिका, एल्जेवियर, 354(2), 993–1022. जारी करने की तारीखः:10.1016/j.jfranklin.2016.11.006 एससीआई सूचकांक, प्रभाव कारक – 3.139)

वी कुमार, के पी एस राना, (2017). चर पेलोड के साथ रोबोटिक हेरिएपर के लिए प्रयुक्त दो–स्तरित आंशिक क्रम फज़ी लॉजिक नियंत्रक की डिजाइन पर टिप्पणियाँ अनुप्रयुक्त सॉफ्ट कंप्यूटिंग, एल्जेवियर, 51, 145–146. एससीआई सूचकांक, प्रभाव कारक – 3.541)

के पी एस राना, वी कुमार, ए बत्रा, (2016). थर्मामीटर रैखीयकरण के लिए एफपीजीए संसाधन आवश्यकताएँ :एक तुलनात्मक अध्ययन। प्रयोगात्मक तकनीकें, स्प्रिंगर, जारी करने की तारीखः 10.1007/s40799-016-0164-z एससीआई सूचकांक, प्रभाव कारक – 0.932)

के पी एस राना, वी कुमार, एन मित्रा, एन प्रामाणिक (2016). फील्ड निर्देशयोग्य गेट ऐरे पर आंशिक आदेश इंटीग्रेटर/ विभेदक का कार्यान्वयन। अलेक्जेंड्रिया इंजिनियरिंग जर्नल, साइंस डायरेक्ट, एल्जेवियर, 55(2), 1765 – 1773. जारी करने की तारीखः :10.1016/j.aej.2016.03.030

वी कुमार, के पी एस राना, पी मिश्रा, (2016). आंशिक आदेश फज़ी पीडी और पीआई नियंत्रकों का उपयोग करते हुए कैसकेड कंट्रोल लूप में हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन का मजबूत गति नियंत्रण। फ्रेंकलिन संस्थान की पत्रिका, एल्जेवियर 353(8), 1713–17141. जारी करने की तारीखः 10.1016/j.jfranklin.2016.02.018 एससीआई सूचकांक, प्रभाव कारक – 3.139)

पी मिश्रा, वी कुमार, के पी एस राना, वायवीय नियंत्रण वाल्व के रोकथाम की उपस्थिति में बुद्धिमत्ता युक्त अनुपात नियंत्रण। विज्ञान और इंजीनियरिंग की अरबी पत्रिका, स्प्रिंगर, 41(2),677–689, जारी करने की तारीखः10.1007/s13369-015-1853-0 (एससीआईई इंडेक्स, प्रभाव कारक–0.865)

के पी एस राना, वी कुमार, वाई गर्ग, एस एस नायर, (2016). नेल्डर–मीड सिम्प्लेक्स कलन विधि का उपयोग कर असतत भरावक आदेश विभेदकों का कुशल डिजाइन सर्किट, सिस्टम और सिग्नल प्रोसेसिंग, स्प्रिंगर, 35(6), 2155–2188, जारी करने की तारीखः 10.1007/s00034-015-0149-7 (एससीआईई इंडेक्स, प्रभाव कारक–1. 694)

वी कुमार और के पी एस राना, (2016). आनुपातिक और व्युत्पन्न किक दमन के लिए हाइब्रिड फज़ी आईपीडी नियंत्रकों पर कुछ जांच। स्वचालन और कम्प्यूटिंग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, स्प्रिंगर 13(5), 516–528, जारी करने की तारीखः 10.1007/s11633-016-1009-z

एस के झा (2016). रोट लर्निंगः विज्ञान और आध्यात्मिकता के बीच एक ट्रान्सेंडैंटल ब्रिज। इंजीनियरिंग शिक्षा में परिवर्तन की पत्रिका (जीत), 29(3), 143–149.

एस के झा (2016). उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं के निहितार्थः क्या भारत दुनिया में योगदान कर सकता है? अर्थशास्त्र और व्यवसाय प्रबंधन के क्षेत्र में प्रगति की पत्रिका (एईबीएम), 03(5), 554–559.

ए. कुमार और आर शर्मा (2017). दो लिंक रोबोटिक मेनीप्युलेटर के लिए लीयापुनोव फज़ी मार्कोव खेल नियंत्रक। बुद्धिमान और फज़ी सिस्टम की पत्रिका में स्वीकृत, आईओएस प्रेस, (एससीआई, आईएफ 1.261).

एच मलिक और आर शर्मा (2017). संशोधित फज़ी क्यू लर्निंग का उपयोग कर ट्रांसमिशन लाइन के दोष का वर्गीकरण आईईटी उत्पादन, पारेषण एवं वितरण में स्वीकृत, (एससीआई, आईएफ 2.808)

ए. कुमार और आर शर्मा, रोबोटिक मैनिपुलेटर के लिए भाषाई लियापुनोव सुदृढीकरण सीखना नियंत्रण। न्यूरोकंप्यूटिंग में स्वीकृत, एल्जेवियर, (एससीआई, आईएफ 3.317)

नंदन कुमार नवीन और आर शर्मा (2017). थर्मल यूनिट प्रतिबद्धता समस्या के लिए एक फज़ी सुदृढीकरण शिक्षण दृष्टिकोण। तंत्रिका कम्प्यूटिंग और अनुप्रयोगों में स्वीकृत, स्प्रिंगर. (एससीआई, आईएफ 2.505)

एच मलिक पी अरोड़ा और आर शर्मा (2017). निर्णय ट्री और एमएलपी तंत्रिका नेटवर्क दृष्टिकोण का उपयोग कर भारत के उत्तरी–पश्चिमी क्षेत्र के लिए पवन ऊर्जा पूर्वानुमान मॉडल। अंतःविषय पर्यावरण पत्रिका में स्वीकृत, इंडरसाइंस पब्लिशस।

ए. कुमार और आर शर्मा (2017). गैर रेखीय प्रणाली के लिए फज़ी लाइपुनोव सुदृढीकरण सीखना, आईएसए ट्रांजेक्शन्स, एल्जेवियर साइंस, पृ. 151–159, संस्करण. 67, 2017 (एससीआई, आईएफ 3.394)

एच मलिक और आर शर्मा (2017). पारेषण लाइन के लिए ईएमडी और एएनएन आधारित बुद्धिमान दोष निदान मॉडल। बुद्धिमान और फज़ी प्रणालियों की पत्रिका, 32, 3043–3050, (एससीआई, आईएफ 1.261).

आर शर्मा (2016). गैर रेखीय प्रणाली के लिए लाइपुनोव सिद्धांत आधारित स्थिर मार्कव खेल फज़ी नियंत्रण। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इंजिनियरिंग अनुप्रयोग, एल्जेवियर साइंसेज, 55, 119–127, (एससीआई, आईएफ3.177)

आर शर्मा (2016). स्कारा मैनिपुलेटर्स के लिए एक बुद्धिमान खेल सैद्धांतिक नियंत्रक, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आईआरजेईटी), 03(5), 3366–3371.

आर शर्मा (2016). रोबोटिक मैनिपुलेटर के लिए संकर फज़ी काल्पनिक खेल आधारित नियंत्रण। इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आईआरजेईटी), 03 (6), 3100–3107.

एच मलिक, आर शर्मा, पारेषण लाइन के लिए ईएमडी और एएनएन आधारित बुद्धिमान दोष निदान मॉडल। बुद्धिमान और फज़ी सिस्टम की पत्रिका में स्वीकृत, आईओएस प्रेस. (प्रभाव कारकः 1.004). http://www.iospress.nl/journal/journal-of-intelligent-fuzzy-systems/

एच मलिक, एस मिश्रा,(2016). डीजीए का उपयोग करते हुए पावर ट्रान्सफॉर्मर्स फॉल्ट डायग्नोसिस में जीन अभिव्यक्ति प्रोग्रामिंग (जीईपी) का आवेदन। उद्योग अनुप्रयोगों पर आईईईई लेनदेन, 99, जारी करने की तारीखः 10.1109/TIA.2016.2598677

एच मलिक, एस मिश्रा, (2016). टर्बसिम, फास्ट और सिमुलिंक का उपयोग कर कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क और अनुभवजन्य मोड अपघटन आधारित पवन टरबाइन के असंतुलन दोष का निदान, आईईटी नवीकरणीय विद्युत उत्पादन, जारी करने की तारीखः10.1049/iet-rpg.2015.0382

एच मलिक एस मिश्रा, (2017). चरम लर्निंग मशीन आधारित पावर ट्रांसफार्मर दोष निदान मॉडल के लिए सिद्धांत घटक विश्लेषण का उपयोग कर सबसे प्रासंगिक आदान पैमाने का चयन। विद्युत ऊर्जा अवयव और प्रणालियों की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, टी एयलर फ्रांसिस में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

एच मलिक एस मिश्रा,(2017). पवन टरबाइन के दोष निदान के लिए फास्ट और सिमुलिंक आधारित अनुकरण जांच का उपयोग। नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशन के लिए स्वीकृत, इंडरसाइंस

पारुल, एच मलिक आर शर्मा (2017). विजन ट्री और मल्टी–लेयर पेपरट्रॉन न्यूरल नेटवर्क दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए भारत के उत्तरी–पश्चिमी क्षेत्र के लिए पवन गति पूर्वानुमान का मॉडल। नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, इंडरसाइंस

एच मलिक (2017). के–निकटतम पड़ोसी कलन विधि का उपयोग करते हुए वेवेलेट और हिल्बर्ट हुआंग परिवर्तन आधारित विंड टर्बाइन असंतुलन दोष वर्गीकरण मॉडल। नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशन के लिए स्वीकृत, इंडरसाइंस

एच मलिक और कुमार एल (2017). ऊर्जा प्रबंधन के लिए वेवेलेट और एचएचटी आधारित एएनएन मॉडल का उपयोग करते हुए पारेषण लाइन दोष निदान। नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशन के लिए स्वीकृत, इंडरसाइंस

ए के यादव, वी शर्मा, एच मलिक, एस एस चंदेल. (2017). राहत विशेषता मूल्यांकनकर्ता आधारित रेडियल बेसिस फंक्शन न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करते हुए ग्रिड–इंटरैक्टिव फोटोवोल्टेइक संयंत्र की दैनिक सरणी उत्पादन का पूर्वानुमान।

अक्षय और सतत ऊर्जा समीक्षा, एल्जेवियर में प्रकाशन के लिए स्वीकृत। एल्जेवियर, जारी करने की तारीखः https://doi.org/10.1016/j.rser.2017.06.023. (प्रभाव कारकः 8.05).

पुस्तकों में अध्यायः

जी चौधरी, एस श्रीवास्तव, एस भारद्वाज और एस श्रीवास्तव (2016). पशु बायोमेट्रिक पहचान में सूचना का मिश्रण। सूचना प्रणाली डिजाइन और बुद्धिमान अनुप्रयोग में, स्प्रिंगर इंडिया।

आर कुमार एस श्रीवास्तव और जे आर पी गुप्ता (2016). अरेखीय गतिशील प्रणालियों की माडलिंग के लिए एक सॉफ्ट कंप्यूटिंग दृष्टिकोण। बुद्धिमत्ता पूर्ण प्रणालियों और संगणना के क्षेत्र में प्रगति में (एआईएससी) श्रृंखला, स्प्रिंगर.

आर कुमार एस श्रीवास्तव और जे आर पी गुप्ता (2016). सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीक आधारित ऑनलाइन पहचान और गतिशील सिस्टम का नियंत्रण। बुद्धिमत्ता पूर्ण प्रणालियों और संगणना के क्षेत्र में प्रगति श्रृंखला में स्वीकृत, स्प्रिंगर.

गोपाल चौधरी, स्मृति श्रीवास्तव और सौरभ भारद्वाज. (2016). हथेली की छाप और हाथ की पृष्ठीय नसों का बहु स्तरीय संलयन। सूचना प्रणाली डिजाइन और बुद्धिमान अनुप्रयोग, (पृ. 321–330). स्प्रिंगर इंडिया. जारी करने की तारीखः 10.1007/978-81-322-2755-7_34

पी अरोड़ा, एस श्रीवास्तव, एचावला, शुभकरम सिंह (2016) फज़ी लॉजिक, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और कॉम्प्यूटेशनल मॉडल्स का उपयोग कर मानव गति की पहचान, स्प्रिंगर सिंगापुर, संस्करण. 412, पृ. 277–287. जारी करने की तारीखः 10.1007/978-981-10-0251-9_27

पी अरोड़ा, एस श्रीवास्तव, आर जैन, पी तोमर (2016). पैरामीट्रिक वक्र आधारित मानव गति की पहचान, सूचना प्रणाली डिजाइन और बुद्धिमान अनुप्रयोग, (पृ. 367–375). स्प्रिंगर इंडिया. जारी करने की तारीखः10.1007/978-81-322-2757-1_37

पी अरोड़ा, एस श्रीवास्तव और शिवानिक, गेट फ्लो इमेज और एक्सटेंशन न्यूरल नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुए मानवीय गति की पहचान। बुद्धिमत्ता पूर्ण प्रणालियों और संगणना में प्रगति, स्प्रिंगर, 380, 1–10. जारी करने की तारीखः 10.1007/978-81-322-2523-2_1

जी गर्ग, वी सिंह (2016). नविभिन्न जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए अपनाया गया एकीकृत वेवेलेट रूपांतरण विश्लेषण। विविध सेटिंग्स में डेटा विश्लेषण के लिए बुद्धिमान तकनीकें, पुस्तक श्रृंखला (पृ.1– 21). आईजीआई ग्लोबल पब्लिशिंग।

जी गर्ग, एवं वी सिंह (2016). एसवीएम अधिगम का उपयोग कर बायोमेडिकल सिग्नल के लिए वेवलेट की विशेषताओं का चयन। विविध सेटिंग्स में डेटा विश्लेषण के लिए बुद्धिमान तकनीकें, पुस्तक श्रृंखला (पृ.306–315). आईजीआई ग्लोबल पब्लिशिंग।

जे कुमार, वी कुमार और के पी एस राना, (2016). स्व संगठित फज़ी नियंत्रक का उपयोग कर जटिल प्रणालियों का नियंत्रण। अराजकता सिद्धांत और बुद्धिमान नियंत्रण में प्रगति, फज़ीनेस और सॉफ्ट कम्प्यूटिंग में अध्ययन,337, (पृ. 753–772). स्वीटजरलैंडः स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग। जारी करने की तारीखः10.1007/978-3-319-30340-6_31

एस एस नायर, के पी एस राना और वी कुमार, (2016). 3डी अराजक प्रणालियों के अनुमान के लिए विभिन्न प्रकृति प्रेरित अनुकूलन एल्गोरिदमों का तुलनात्मक विश्लेषण। अराजकता सिद्धांत और बुद्धिमान नियंत्रण में प्रगति, फज़ीनेस और सॉफ्ट कम्प्यूटिंग में अध्ययन,337, (पृ. 773–790). स्वीटजरलैंडः स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग। जारी करने की तारीखः 10.1007/978-3-319-30340-6_32

सम्मेलनों की कार्यवाहीः

आर कुमार एस श्रीवास्तव और जे आर गुप्ताः

गतिशील प्रणालियों के ऑनलाइन नियंत्रण के लिए कृत्रिम न्यूरल नेटवर्क आधारित पीआईडी कंट्रोलर। पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटेलिजेंट कंट्रोल एंड एनर्जी सिस्टम, आईईईई (आईसीपीईआईसीईएस 2016) – डीटीयू, नई दिल्ली पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वीकृत।

न्यूरल नेटवर्क आधारित पीआईडी नियंत्रक का उपयोग कर एक–लिंक रोबोटिक मैनिपुलेटर की मॉडलिंग और नियंत्रण, कंप्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान में प्रगति (आईसीएसीसीआई–2016)–एलएनआईएमआईटी, जयपुर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में स्वीकृत।

आर कुमार, केंद्रित समय लैग्ड रेडियल बेसिस कार्य ने टवर्क का इस्तेमाल करते समय समय श्रृंखला पूर्वानुमान, सूचना प्रौद्योगिकी पर 2016 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएलसीआईटीई–2016)– अगली पीढ़ी के आईटी सम्मेलन में स्वीकृत।

आर कुमार एस श्रीवास्तव, ए दास, एस श्रीवास्तव, न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करते हुए शेयर बाजार का पूर्वानुमान, 11वें इंडियाकॉम, इंडियाकॉम –2017, आईईईई कॉन्फ्रेंस आईडीः 40353 2017, 01 – 03 मार्च, 2017 को भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट (बीवीआईसीएम), नई दिल्ली में, निरंतर वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, (स्वीकृत).

गोपाल, एस श्रीवास्तव , एस भारद्वाज और पी किरण. (2016). एमएफसीसी और जीएफसीसी के स्कोर स्तर का उपयोग करने वाले गाउसियन सदस्यता फंक्शन आधारित स्पीकर की पहचान। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस की कार्यवाही में, स्प्रिंगर, पृ.283–291. स्प्रिंगर सिंगापुर, 2016. जारी करने की तारीखः10.1007/978-981-10-0767-5_31.

ए दास, आर कुमार, एस श्रीवास्तव, रफ सेट और फज़ी सेटः एक तुलनात्मक विश्लेषण। 11वें इंडियाकॉम, इंडियाकॉम –2017, आईईईई कॉन्फ्रेंस आईडीः 40353 2017, 01–03 मार्च, 2017 को भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट (बीवीआईसीएएम), नई दिल्ली में, निरंतर वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, (स्वीकृत).

गोपाल, पी अरोड़ा और एस श्रीवास्तव, हथेली की छाप और आंख की पुतली के स्कोर लेवल फ्यूजन के आधार पर बहुआयामी बॉयोमीट्रिक प्रमाणीकरण। 11वें इंडियाकॉम, इंडियाकॉम –2017, आईईईई कॉन्फ्रेंस आईडीः 40353 2017, 01 – 03 मार्च, 2017 को भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट (बीवीआईसीएएम), नई दिल्ली में, निरंतर वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, (स्वीकृत).

पी अरोड़ा, गोपाल, औरएस श्रीवास्तव, पृष्ठीय नस की पहचान के लिए ओरिएंटेड ग्रेडिएंट हिस्टोग्राम का दोहन। 11वें इंडियाकॉम, इंडियाकॉम –2017, आईईईई कॉन्फ्रेंस आईडीः 40353 2017, 01 – 03 मार्च, 2017 को भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट (बीवीआईसीएएम), नई दिल्ली में, निरंतर वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, (स्वीकृत).

ए गुप्ता, वी कुमार और के पी एस राना, तीन लिंक मैनिप्युलेटर नियंत्रण के लिए पीआईडी गेन्स की ट्यूनिंग के लिए अनुकूलन के तरीके का अध्ययन। 12–13 जनवरी, 2017 को एमीटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश, नोएडा, भारत में आयोजित सातवें आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कन्फ्यूलेन्स–017ः क्लाउड कम्प्यूटिंग, डेटा साइंस एवं इंजीनियरिंग पर सातवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

एस एस नायर, के पी एस राना, वी कुमार, कुकू सर्च कलन विधि का उपयोग करते हुए कुशल द्वितीय क्रम डिजिटल आईआईआर विभेदक डिजाइन। 2 से 3 फरवरी 2017 को एमिटी यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश, नोएडा, भारत में सिग्नल प्रोसेसिंग और इंटिग्रेटेड नेटवर्क पर (एसपीआईएन –017)आयोजित आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

एस एस नायर, के पी एस राना, वी कुमार, बाधित जेनेटिक कलन विधि आधारित अनुकूलन का उपयोग करते हुए कुशल एफआईआर फिल्टर डिजाइन। संचार नियंत्रण और बुद्धिमान प्रणाली (सीसीआईएस–2016), पर, 18–20 नवंबर 2016 को जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा, उत्तर प्रदेश, भारत में आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

एस एस नायर, के पी एस राना, वी कुमार, कुकू सर्च कलन विधि का उपयोग कर कुशल द्वितीय क्रम पूर्ण बैंड डिजिटल आईआईआर इंटीग्रेटर की डिजाइन। संचार नियंत्रण और बुद्धिमान प्रणाली (सीसीआईएस–2016), पर, 18–20 नवंबर 2016 को जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा, उत्तर प्रदेश, भारत में आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

ए भटनागर, एन एस नरुला, वी कुमार, के पी एस राना, एक सिंगल–लिंक लचीले–जोड़ मेनिप्युलेटर के लिए बैकस्टेपिंग कंट्रोलर को व्यवस्थित करने के लिए एक शिक्षक–शिक्षा आधारित अनुकूलीकरण दृष्टिकोण। संचार नियंत्रण और बुद्धिमान प्रणाली (सीसीआईएस–2016), पर, 18–20 नवंबर 2016 को जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा, उत्तर प्रदेश, भारत में आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

एस गुप्ता, एस श्रीवास्तव और पी वार्ष्णेय, आंशिक आदेश अराजक प्रणालीः एक सर्वेक्षण, कम्प्यूटिंग, संचार और स्वचालन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया (आईसीसीसीए 2017) 5–6 मई 2017.

एन श्रीवास्तव और पी वार्ष्णेय, निरंतर वैश्विक विकास (इंडियाकॉम) के लिए कंप्यूटिंग पर चौथे आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन–2017 में विलंब के साथ समय आंशिक क्रम प्रणाली का विश्लेषण प्रस्तुत किया।

डी गोयल और पी वार्ष्णेय, मार्च, 2017 में दिल्ली में आयोजित सतत वैश्विक विकास के लिए कम्प्यूटिंग पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आधा आदेश पीआई नियंत्रक की सीसीआईआई आधारित प्राप्तियां, प्रस्तुत की गई।

नकारात्मक निष्क्रिय तत्वों के साथ डीवीसीसीटीए आधारित पीआईडी, विद्युत, ऊर्जा और नियंत्रण पर कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस का अभिनव अनुप्रयोग और मानवता पर उसका प्रभाव पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय, (सीआईपीईसीएच), गाजियाबाद, 2016, पृ. 41–45. जारी करने की तारीखः10.1109/CIPECH.2016.7918734.

एम मेहरोल, डी गोयल और पी वार्ष्णेय, विभेदक वोल्टेज करेंट कन्वेयर ट्रांसकॉन्डिक्टेंस एम्पलीफायर आधारित इंस्ट्रूमेंटेशनएम्पलीफायर, पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटेलिजेंट कंट्रोल और एनर्जी सिस्टम्स (आईसीपीईआईसीईएस), पर पहला अंतर्राष्ट्रीय आईईईई सम्मेलन, दिल्ली, 2016. पृ. 1–5.जारी करने की तारीखः10.1109/ICPEICES.2016.7853350

एन श्रीवास्तव और पी वार्ष्णेय, क्रम घटाने की तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण। विद्युत, ऊर्जा और नियंत्रण पर कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस के अभिनव अनुप्रयोगों और मानवता पर इनके प्रभाव, 2016 पर द्वितीय आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, पृ. 46–50.

एन श्रीवास्तव और पी वार्ष्णेय, उच्च आवृत्ति आंशिक क्रम विभेदक का कार्यान्वयन। विद्युत, ऊर्जा और नियंत्रण पर कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस के अभिनव अनुप्रयोगों और मानवता पर इनके प्रभाव, 2016 पर द्वितीय आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, पृ. 267–270.

गौरव कुमार, एच मलिक, भारत के पश्चिमी क्षेत्र के लिए सामान्यीकृत प्रतिगमन न्यूरल नेटवर्क आधारित पवन गति पूर्वानुमान मॉडल, एल्जेवियर प्रोसिडिया कंप्यूटर साइंस में, संस्करण 93, पृ. 26 – 32, 2016. जारी करने की तारीखः10.1016/j.procs.2016.07.177.

गौरव कुमार, संदीप शर्मा, एच मलिक, वर्तमान हस्ताक्षर विश्लेषण का उपयोग कर थ्री फेज इंडक्शन मोटर के लिए लर्निंग वेक्टर क्वांटाइजेशन न्यूरल नेटवर्क आधारित बाहरी दोष निदान मॉडल। एल्जेवियर प्रोसिडिया कंप्यूटर साइंस में, संस्करण 93, पृ. 1010–1016, 2016. जारी करने की तारीखः10.1016/j.procs.2016.07.304.

पी गर्ग, एस के सोय, ए पी मित्तल एच मलिक ए के यादव, राजस्थान, भारत के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र के लिए इनफोगेन विशेषता मूल्यांकनकर्ता और एएनएन आधारित पवन गति पूर्वानुमान मॉडल। बेहतर जीवन के लिए नैनोटेक्नोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में। संस्करण 3, सं. 1, पृ. 233, 2016. जारी करने की तारीखः10.3850/978-981-09-7519-7nbl16-rps-233.

एच मलिक एस मित्तल, चरम अधिगम मशीन (एएलएम) का अनुप्रयोग, पॉवर ट्रांसफार्मर के के पेपर इन्सुलेशन अवक्षय का अनुमान, बेहतर जीवन के लिए नैनोटेक्नोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में।संस्करण 3, सं. 1, पृ. 209, 2016. जारी करने की तारीखः10.3850/978-981-09-7519-7nbl16-rps-209.

आर शर्मा, ए अग्रवाल, एच मलिक, वेका का उपयोग कर कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क आधारित संचरण लाइन दोष निदान मॉडल के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक आदान पैमाने का चयन, बेहतर जीवन के लिए नैनोटेक्नोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में।संस्करण 3, सं. 1, पृ. 176, 2016. जारी करने की तारीखः10.3850/978-981-09-7519-7nbl16-rps-176.

ए पी मित्तल, एच मलिक प्रिय गर्ग और एस के सोय, कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क आधारित हवा की गति के पूर्वानुमान मॉडल के लिए वेका का उपयोग कर सबसे अधिक प्रासंगिक आदान पैमाने का चयन, 17–19 मार्च 2016 को जेएनयू जयपुर, भारत, एल्जेवियर, विज्ञान में परिप्रेक्ष्य (आईएसएसएनः 2213–020 9) में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

सविता,एच मलिक ए के यादव, उत्तर–पश्चिम भारत में पवन ऊर्जा संसाधन क्षमता के आकलन के लिए जीन अभिव्यक्ति प्रोग्रामिंग (जीईपी) आधारित पवन गति भविष्यवाणी, 17–19 मार्च 2016 को जेएनयू जयपुर, भारत एल्जेवियर, विज्ञान में परिप्रेक्ष्य (आईएसएसएनः 2213–020 9) में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

सविता, एम ए अंसारी, एन सिंह पाल,एच मलिक, जीआरएनएएन का उपयोग करते हुए भारत के प्रमुख पवन ऊर्जा संभावित राज्यों की पवन की गति और शक्ति पूर्वानुमान, 4–6 जुलाई 2016 को डीटीयू दिल्ली में आयोजित होने वाले आईईईई आईसीपीईआईसीईएस –2016 (पेपर आईडीः 1570258195) में स्वीकृत।

एच मलिक आस्था अग्रवाल, रजनीश शर्मा, ट्रांसमिशन लाइन के दोष निदान के लिए संभाव्य तंत्रिका नेटवर्क के माध्यम से ईएमडी और वर्गीकरण का उपयोग करते हुए गुणों का निष्कासन, 4–6 जुलाई 2016 को डीटीयू दिल्ली में आयोजित होने वाले आईईईई आईसीपीईआईसीईएस –2016 (पेपर आईडीः 1570274820) में स्वीकृत।

एच मलिक, सविता, दीर्घकालिक पवन गति पूर्वानुमान के लिए कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का अनुप्रयोग, 9–11 जून 2016 को पुणे में आयोजित होने वाले आईईईई सीएएसपी–2016 में स्वीकृत।

एच मलिक सुकुमार मिश्रा, तेज एवं टर्बसिम का उपयोग कर डायरेक्ट–ड्राइव विंड टर्बाइन की स्वास्थ्य स्थिति की जांच के लिए जीन अभिव्यक्ति प्रोग्रामिंग (जीईपी) का प्रयोग, 17–19 नवम्बर 2016 को थापर विश्वविद्यालय, पटियाला में आयोजित होने वाले आईईईई आईआईसीपीईई–2016 (पेपर आईडीः 1570316632) में स्वीकृत।

एच मलिक और सुकुमार मिश्रा, जेनरेटर करेंट सिग्नलों का उपयोग कर पवन टरबाइन असंतुलन गलती की पहचान के लिए फज़ी क्यू लर्निंग (एफक्यूएल) तकनीक का प्रयोग। 25–27 नवंबर 2016 को बीकानेर, राजस्थान में आयोजित होने वाले आईईईई पीआईआईसीओएन 2016 में स्वीकृत।

अब्दुल अजीम, गौरव कुमार और एच मलिक, भारत में पवन ऊर्जा मूल्यांकन के लिए कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क आधार चतुर मॉडल, 25–27 नवंबर 2016 को बीकानेर, राजस्थान में आयोजित होने वाले आईईईई पीआईआईसीओएन 2016 में स्वीकृत।

सईद साद और एच मलिक, कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क के लिए कंक्रीट संकुचित शक्ति अनुमान मॉडल आधारित वेका का उपयोग कर अत्यधिक प्रासंगिक आदान पैमाने का चयन। 25–27 नवंबर 2016 को बीकानेर, राजस्थान में आयोजित होने वाले आईईईई पीआईआईसीओएन 2016 में स्वीकृत।

ए कुकेर, आर शर्मा और एच मलिक, हिल्बर्ट हुआंग परिवर्तन और कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग कर ईएमजी सिग्नल के अग्रगामी आंदोलनों का वर्गीकरण। 25–27 नवम्बर 2016 को बीकानेर, राजस्थान में आयोजित होने वाले आईईईआई पीआईआईसीओएन –2016 में स्वीकृत।

अब्दुल अजीम, गौरव कुमार और हशमत मलिक, पवन गति पूर्वानुमान के लिए ज्ञान विश्लेषण आधारित कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क मॉडल के लिए वायकातो पर्यावरण का अनुप्रयोग, 25–27 नवंबर 2016 को बीकानेर, राजस्थान में आयोजित होने वाले आईईईई पीआईआईसीओएन 2016 में स्वीकृत।

ए के यादव एच मलिक एस एस चंदेल., हिमाचल प्रदेश, भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में पीवी सिस्टम की स्थापना के लिए झुकाव कोण की गणना, एनआईटी भोपाल में 14–16 दिसंबर 2016 को आयोजित होने वाले आईईईई आईसीईपीईएस 2016 में स्वीकृत।

अमित कुकेर, एच मलिक और रजनीश शर्मा, अग्रगामी आंदोलनों के वर्गीकरण के लिए प्रायोगिक मोड अपघटन और हिल्बर्ट हुआंग परिवर्तन आधारित निर्णय वृक्ष दृष्टिकोण। 19 मार्च 2017 को दिल्ली में आयोजित होने वाले आईईईई इंडीकॉम 2017 में स्वीकार किया गया।

कुमार एल, एच मलिक और आर शर्मा, ए कुकेर, के–निकटतम पड़ोसी कलन विधिका प्रयोग कर वेवेलेट और हिल्बर्ट हुआंग आधारित ट्रांसमिशन लाइन फॉल्ट क्लासिफिकेशन मॉडल, इसे 1–3 मार्च 2017 को दिल्ली में आयोजित आईईईई इंडीकॉम 2017 में स्वीकृत।

पारुल, एच मलिक और आर शर्मा भारत के उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्र के लिए बहु स्तरीय पेपरट्रॉन न्यूरल नेटवर्क आधारित पवन गति पूर्वानुमान मॉडल, मार्च को दल्ली 2017 को दिल्ली में आयोजित आईईईई इंडीकॉम 2017 में स्वीकृत।

एस के झा, ए के यादव और पी गौड़, (2016). एक विमान प्रणाली के रवैये के नियंत्रण के लिए विभिन्न बुद्धिमान कंट्रोल तकनीक, बीवीआईसीएएम, नई दिल्ली, 16–18 मार्च 2016 को सतत वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर आईईईई तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

एस के झा और ए दास (2016). सीएनसी सिस्टम के लिए जैव–प्रेरक मजबूत नियंत्रक का अन्वेषणशील विश्लेषण, सतत वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर 16–18 मार्च, 2016. आईईईई तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बीवीआईसीएएम, नई दिल्ली

सम्मेलन आयोजित/भागीदारीः

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन पर आठवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2 जुलाई, 2017.

सातवां आईईईई पावर इंडिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीआईआईसीओएन 2016, 25–27 नवंबर, 2016 को सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर, राजस्थान।

सतत वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर आईईईई तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 16–18 मार्च 2016 को बीवीआईसीएएम, नई दिल्ली।

प्रदत्त पीएच.डी डिग्री

पीएच.डी – 3

संकाय की संख्या

स्थायी– 18

***

कंप्यूटर इंजिनियरिंग

प्रकाशन

पत्रिकाओं एवं पुस्तकों में अध्यायः

एस चक्रवर्ती और एम सारस्वत.(2017). पार क्षेत्रीय सिफारिश के लिए भावना आधारित प्रोफाइल की समीक्षा। मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग, स्प्रिंगर, ऑनलाइनः1–24, जारी करने की तारीखः10.1007/s11042-017-4767-x

एस शर्मा, एस चक्रवर्ती, ए शर्मा और जे कौर (2017). भावना विश्लेषण के लिए एक संदर्भ–आधारित कलन विधि। कम्प्यूटेशनल विजन एवं रोबोटिक्स के इंडरसाइंस पत्रिका, एल्जेवियर, 7(5), जारी करने की तारीखः 10.1504/IJCVR.2017.10005890

एस चक्रवर्ती, ए यादव ंदक आर सिब्बल (2016). अंतर्निहित विश्वास पर रेटिंग समानता की प्रभावशीलता का मूल्यांकन। सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण और खनन की पत्रिका. जारी करने की तारीखः10.1007/s13278-016-0395-0.

वी खंदुजा, एस चक्रवर्ती और ओ पी वर्मा. (2016). मजबूत एकाधिक वॉटरमार्क का उपयोग करके स्वामित्व के साथ सूचना पुनर्प्राप्ति को सक्षम करना। सूचना सुरक्षा और अनुप्रयोगों की पत्रिका 29, 80–92. जारी करने की तारीखः10.1016/j.jisa.2016.03.005. http://authors.elsevier.com/sd/article/S2214212616300175 से उद्धृत।

एस रानी और एस चक्रवर्ती (2017). फज़ी रबर सेट का उपयोग करके रूपक का पता लगाना और अलंकरण में मॉडलिंग करना। एल पोल्कोवस्की व अन्य में (संपा), रफ समूह। आईजेआरसीएस 2017. 10313, स्प्रिंगर लेक्चर नोट्स इन कम्प्यूटर साइंस (एलएनसीएस) बुक सीरीज,

वी खंदुजा, एस चक्रवर्ती और ओ पी वर्मा. (2016). रिलेशनल डेटा के स्वामित्व और छेड़छाड़ का पता लगानाः संरचना, तकनीक और सुरक्षा विश्लेषण। सी वाई अहन, एम अली, एम पंत (संपा.) पुस्तक में अध्याय,

इन डाटा छिपाने में बुद्धिमत्ता को अंतर्निहित करना, जीसीएसआर 5, 21–36, साइंस गेट पब्लिशिंग। जारी करने की तारीखः10.15579/gcsr.5.ch2

एस हंस और. एस चक्रवर्ती. (2017). कौशल उन्मुखी सहयोग के साथ सीखना, अधिगम प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, इंडरसाइंस, 7(5).

आर सिब्बल, आर शर्मा और एस सब्बरवाल (2017). बहु–मानदंड निर्णय लेने वाली तकनीकों का उपयोग करते हुए सॉफ्टवेयर भेद्यता प्रकार को प्राथमिकता देना। जीवन चक्र विश्वसनीयता और सुरक्षा इंजीनियरिंग, स्प्रिंगर.

जी अग्रवाल और एस सब्बरवाल (2017). दूरी के ढांचे का उपयोग करते हुए डेटा वेयरहाउस जटिलता मीट्रिक का औपचारिक सत्यापन। बुद्धिमान प्रणालियों और अनुप्रयोग, स्वीकृत।

एम अग्रवाल, एस सब्बरवाल और एस दुदेजा (2016 एफटीसीआईरू इंटरैक्शन टेस्टिंग के लिए संयोजनों को संचालित करने वाली विफलता की पहचान करने वाला एक उपकरण। विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भारतीय पत्रिका, 9(38). जारी करने की तारीखः10.17485/ijst/2016/v9i38/102969

जी अग्रवाल और एस सब्बरवाल (2017). दूरी के ढांचे का उपयोग करते हुए डेटा वेयरहाउस जटिलता मीट्रिक का औपचारिक सत्यापन बुद्धिमान प्रणालियों और अनुप्रयोग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, स्वीकृत।

एम अग्रवाल और एस सब्बरवाल (2016). संयोजक परीक्षण में प्राथमिकता तकनीकी सर्वेक्षण। आईआईसीआईपी –2016.

एम अग्रवाल, एस सब्बरवाल और एस दुदेजा. 2016. एफटीसीआईः इंटरैक्शन टेस्टिंग के लिए संयोजनों को चालित करने वाली विफलता की पहचान करने वाला एक उपकरण। विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भारतीय पत्रिका.

पी बंसल., एस सब्बरवाल, एन मित्तल और एस अरोड़ा (2016). एबीसी–सीएजी5 कृत्रिम मधुमक्खी कॉलोनी कलन विधिका उपयोग करके युगल–वार परीक्षण के लिए सरणी जनरेटर को शामिल करना। ई–इंफोर्मेटिका सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग जर्नल, 10(1), 9–29.

पी बंसल., एस सब्बरवाल, एन मित्तल और एस मलिक. (2016). अनुवांशिक एल्गोरिथम में संभावनात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए युग्म–वार परीक्षण के लिए मिश्रित आवरणों का निर्माण।विज्ञान और इंजीनियरिंग की अरब की पत्रिका, 41(8), 2821–2835.

एस सब्बरवाल और एम अग्रवाल (2016). संयोजक परीक्षण की निष्कर्षक प्रतिक्रियाओं के लिए एक नया दृष्टिकोण। इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी, एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका।

एस सब्बरवाल, पी बंसल. और एन मित्तल (2016). अनुवांशिक कलन विधि का उपयोग कर टी–वे आवरण सारणी का निर्माण।प्रणाली आश्वासन इंजीनियरिंग और प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 1–11.

एस सब्बरवाल, एस नागपाल और जी अग्रवाल (2016). अपर्यवेक्षित मशीन सीखने की तकनीकों का उपयोग कर डेटा भंडार के वत्यु उन्मुख बहुआयामी मॉडल के लिए मैट्रिक्स का अनुभवजन्य विश्लेषण। प्रणाली आश्वासन इंजीनियरिंग और प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका।

पी कौर, आर सिब्बल और एस सब्बरवाल (2017). चुस्त सॉफ्टवेयर विकास में सिस्टम की जटिलता को मापने के लिए उपयोगकर्ता कहानी आधारित दृष्टिकोण। नियंत्रण सिद्धांत और आवेदन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 10(8), 99–111.

एस यादव और पी चक्रवर्ती. (2017). दो से पांच साल की आयु के बच्चें एक स्मार्ट फोन के साथ लिखने और चित्र बनाने में सक्षम हैं। एक्टा पेडिट्रिका, 106(6), 991–994.

पी चक्रवर्ती. वस्तु उन्मुख संकलक – एक समीक्षा (2017)। सूचना प्रौद्योगिकी की पत्रिका।13(1), 36–47.

टी गुप्ता, एस यादव और पी चक्रवर्ती. (2017). संकलक बूटस्ट्रैपिंग और पार संकलन। वर्तमान विज्ञान, 112(5), 906–907.

ए जैन, ए गोयल और पी चक्रवर्ती. (2016). रेखा चित्र के लिए एक डोमेन विशिष्ट भाषा। रेखा खींचने के लिए एक डोमेन–विशिष्ट भाषा। कंप्यूटर विज्ञान और दूरसंचार, 15(3), 49–55.

ए जैन, ए गोयल और पी चक्रवर्ती. (2017). पीपीवीटीरू पूर्वानुमान पार्सिंग की कल्पना करने के लिए एक उपकरण। एसीएम इनरोड्स, 8(1), 43–47.

डी जोसेफ, जी कौर और पी चक्रवर्ती. (2016). आरआईएससी मॉडल का अनुकरण कर हार्डवेयर एंड सॉफ्टवेयर कोडिंग पर एक अभ्यास। इंजीनियरिंग शिक्षा में कंप्यूटर अनुप्रयोग, 24(2), 305–312.

पी चक्रवर्ती. वस्तु उन्मुख संकलक – एक समीक्षा (2017)। सूचना प्रौद्योगिकी की पत्रिका। 13(1), 36–47.

पी रानी (2017). स्काईलाइन क्वेरी और पारस्परिक स्कोरिंग तकनीक का उपयोग कर सामाजिक अनुशंसित प्रणाली। इंजीनियरिंग की आईओएसआर पत्रिका, 7(3).

आर. शर्मा, आर. सिब्बल, और ए. के. श्रीवास्तव (2016). खुला और बंद स्रोत सॉफ्टवेयर के लिए भेद्यता खोज की मॉडलिंग, सुरक्षित सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 7(4)

वी खंदुजा (2017). एनओएसक्यूएल डाटाबेस में गतिशील वॉटरमार्क इंजेक्शन।

कंप्यूटर विज्ञान अनुप्रयोगों और सूचना प्रौद्योगिकी की पत्रिका, 1–5.

ए गुप्ता, एच के ठाकुर, ए गर्ग और ए गर्ग. (2016). भारित निर्देशित गतिशील नेटवर्क में आवधिक पैटर्न का खनन और विश्लेषण। आईजेएसएसएमईटी, 7(1), 1–26.

ए गुप्ता, डी तिवारी, पी गुप्ता और ए कुलश्रेष्ठ. (2016). सीडीआईए–डीएसः डाटा स्ट्रक्चर का उपयोग करते हुए मिश्रित दस्तावेज छवि के कुशल पुनर्निर्माण के लिए एक ढांचा. आईसी 3, 1–7

ए गुप्ता, एच के ठाकुर, ए गर्ग (2016). भारत निर्देशित गतिशील नेटवर्क में आवधिक पैटर्न का खनन और विश्लेषण। आईजेएसएसएमईटी, 7(1): 1–26.

ए गुप्ता, डी तिवारी, पी गुप्ता और ए कुलश्रेष्ठ. (2016). सीडीआईए–डीएसरू डाटा स्ट्रक्चर का उपयोग करते हुए मिश्रित दस्तावेज छवि के कुशल पुनर्निर्माण के लिए एक ढांचा. आईसी 3, 1–7

सम्मेलनों की कार्यवाहीः

एस. रानी, एस. चक्रवर्ती और डी. तायल. (2017). फज़ी वैचारिक सुविधाओं का उपयोग कर रूपकों की पहचान करना। कम्प्यूटर और सूचना विज्ञान में संचार, सूचना, संचार और कंप्यूटर प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही की सीसीआईएस पुस्तक श्रृंखला, आईसीआईसीसीटी 2017, नई दिल्ली।

एस. शर्मा, एस. चक्रवर्ती और ए. जौहरी. (2017). पाठ में भावना विश्लेषण के लिए विचारों में भिन्नता स्विच और डोमेन ओटोलॉजी का उपयोग। कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में संचार, कम्प्यूटेशनल बुद्धिमत्ता, संचार और व्यापार विश्लेषिकी पर कोलकाता के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही की सीसीआईएस पुस्तक श्रृंखला।

जी सक्सेना और एस चक्रवर्ती (2017). विकिपीडिया लेख में संबंध निकालना और संरचनात्मक ज्ञान को समृद्ध करना, सतत वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और 11वां इंडियाकॉम – 2017, नई दिल्ली,

जी सक्सेना और एस चक्रवर्ती (2016). हर्स्ट पैटर्न का उपयोग करते हुए ग्राफ क्लस्टरिंग द्वारा शब्द क्लस्टर्स जेनरेट करना। सूचना प्रसंस्करण पर आईईईई भारत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

एस रानी, एस चक्रवर्ती और डी तायल. (2016). सशर्त यादृच्छिक फील्ड का उपयोग करके पर्यवेक्षित मेटाफर डिटेक्शन। प्राकृतिक भाषा संसाधन में रूपक पर चौथी कार्यशाला, एनएएसीएल–एचएलटी, सैन डिएगो.18–27

एम सारस्वत और एस चक्रवर्ती. (2017). भावना आधारित अनुशंसा प्रणाली का मूल्यांकन, सतत वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और 11वां इंडियाकॉम – 2017, नई दिल्ली, आईईईएक्सप्लोर में छपने के लिए।

एस शर्मा, एस चक्रवर्ती (2016). ट्रैकिंग प्रलेख पाठ दस्तावेजों में संदर्भ स्विचों का पता लगाना और भावना विश्लेषण के लिए इसका अनुप्रयोग। आईसीएमईटीई–2016

एस शर्मा, एस चक्रवर्ती (2016). भावना विश्लेषण में संदर्भ स्विच का पता लगाना के लिए एक दृष्टिकोण। उन्नत कंप्यूटिंग और इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग आईसीएसीआईईई पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

एम सारस्वत, एस चक्रवर्ती, एन महाजन और एन टोकास. (2016). पार डोमेन सिफारिशों और निर्णय लेने के लिए समीक्षाओं और टिप्पणियों का उपयोग करने पर। सतत वैश्विक विकास (इंडीकॉम) के लिए कंप्यूटिंग में, तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 3656–3659.

वी चौधरी, डी मलिक और एस नागपाल(2017). सिफारिश प्रणालियों में गुरुत्वीय खोज कलन विधि। समूह बुद्धिमत्ता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

एमपीएस भाटिया., वीनू और पी चंद्र (2016). एफएफएएनएन के लिए विभिन्न वजन आरंभीकरण तकनीकों का अनुभवजन्य अध्ययन। सूचना प्रसंस्करण पर आईईईई इंडिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

एस अग्रवाल (2017). चिकित्सा में शब्दों के साथ कंप्यूटिंग के अनुप्रयोग। फज़ी सिस्टम पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन,स्वीकृत.

जी गबरानी, एस सब्बरवाल और वी के सिंह ,(2016). कृत्रिम बुद्धि आधारित सिफारिश प्रणालीः एक सर्वेक्षण कंप्यूटिंग और डेटा साइंस में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही।

एम अग्रवाल और एस सब्बरवाल (2016). संयोजक परीक्षण में प्राथमिकता तकनीकें :एक सर्वेक्षण। आईआईसीआईपी–2016. जारी करने की तारीखः10.1109/IICIP.2016.7975314

ए गुप्ता, ए बंसल और वी खंदुजा (2017). आधुनिक दोषरहित संपीड़न तकनीकेंः समीक्षा, तुलना और विश्लेषण। विद्युतीय, कंप्यूटर और संचार प्रौद्योगिकी पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 1083–1090.

वी खंदुजा, ए अरोड़ा और एस गर्ग (2017). असली दुनिया में बिग डेटा के अनुप्रयोग। कंप्यूटिंग, संचार और स्वचालन पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

पी रानी (2016). बीएसएस का उपयोग करते हुए डब्लूएसएन में लिबिस हमले के पता लगाने और रोकथाम के लिए अनुकूलित लीच राउटिंग प्रोटोकॉल का कार्यान्वयन। पोस्टर, कंप्यूटिंग और संचार प्रौद्योगिकी में हालिया रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

पी रानी (2017). वायरलेस बाड़ी क्षेत्र नेटवर्क के लिए स्थिर संवर्धित मल्टी–हॉप प्रोटोकॉल पर आधारित राउटिंग प्रोटोकॉल। पोस्टर, कंप्यूटिंग और संचार प्रौद्योगिकी में हालिया रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

पी रानी (2017). सोशल नेटवर्क के लिए लिंक पूर्वानुमान में समस्या और चुनौतियां। सतत वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आर सिब्बल(2017). तेज विकास परियोजनाओं में परीक्षण स्वचालन को अपनानाः भारतीय सॉफ्टवेयर संगठनों का एक आधारित सिद्धांत अध्ययन, तेज सॉफ्टवेयर विकास पर आठवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्वीकृत.

एस अग्रवाल(2017). चिकित्सा में शब्दों के साथ कंप्यूटिंग के अनुप्रयोग फज़ी सिस्टम पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्वीकृत।

***

जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

डीबीटी/डीएसटी, विज्ञान मंत्रालय, सरकार भारत द्वारा वित्त पोषित तीन नई अनुसंधान परियोजनाएं हैं – स्ट्रेप्टोमाइजस क्रैस्टोमाइसेटिकस स्ट्रक्चर एडीपी4 से रोगजनक कैंडिडा एसपीपी की गतिविधियों के साथ यौगिकों के शोधन और लक्षण वर्णन और उनकी बायोफिल्म्स, द्विविशिष्ट एंटीबॉडी के निर्माण के लिए स्तनधारियों की अभिव्यक्ति प्रणाली का विकास – एक संभावित बायोमाकर और चिकित्सीय, उन्मूलन और विपरीत प्रवाह प्रसंस्करण पर विशेष ध्यान देने के साथ अपशिष्ट कृषि बायोमास से जिलिटाल के उत्पादन के लिए कम लागत वाली प्रक्रिया का विकास। 13 शोध और समीक्षा लेखों का प्रकाशन हुआ। इस वर्ष (2017) बायोकेमिकल इंजीनियरिंग में एक नया एम.टेक डिग्री कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

सम्मान/विशिष्टताएं

प्रो ए.के. दुबे (विभागाध्यक्ष, बीएसई प्रभाग) को इरास्मस. टीचिंग मोबिलिटी अवार्ड (2016–2017)

डॉ. संजीव कुमार (संकाय) डीबीटी और आईयूएसएसटीएफ से अत्याधुनिक (बी एसीएआर, 2017) के लिए जैवऊर्जा पुरस्कार।

प्रकाशन

आर के सिंगला, एल स्कोटी, ए के दुबे. (2017). सिलिको अध्ययन में तनाव विरोधी अणु अरसोलिक एसिड के कई न्यूरोलॉजिकल लक्ष्यों का पता चला है। वर्तमान न्यूरोफर्माकोलॉजी, (लेख प्रेस में)।

आर के सिंगला, आर सिंह. और ए के दुबे। (2016) भोजन पश्चात मधुमेह विरोधी दवा, एकरबोस के महत्वपूर्ण पहलू, औषधीय रसायन विज्ञान में वर्तमान विषय, 16(23), 2625–2633.

वी श्रीवास्तव. और ए के दुबे (2016). कैंडिडा अल्बीकान्स के खिलाफ स्ट्रिप्टोमायसेस क्रेस्टोमायसेटिकस स्ट्रेन एडीपी4 के चयापचयों की जैवफिल्म विरोधी गतिविधि। बायोसाइंस एवं बायोइन्जिनियरिंग की पत्रिका, 122(4), 434–440

एम तिवारी और ए के दुबे (2016). एक नए भारी धातु सहिष्णु तनाव से भारी धातुओं की उपस्थिति में साइपर मेथ्रीन जैविक सुधार, बासिलस एसपी अंतर्राष्ट्रीय जैव–अवक्षय जैव–निम्नीकरण,108, 42–47

एस रानी, एस भटनागर (2017). हाइपर लिपिडामिया और कार्डियोवास्कुलर रोगों में नए लिपिडोमिक जैवमार्करः एक एकीकृत जीवविज्ञान विश्लेषण। ओएमआईसीएसः एकीकृत जीवविज्ञान की एक पत्रिका, 21(3),132–142

एस रानी, एस भटनागर (2016). हाइपरलिपिडिमिया, रोग संघ, और शीर्ष 10 संभावित औषधि लक्ष्यः एक नेटवर्क दृष्टिकोण ओएमआईसीएसः एकीकृत जीवविज्ञान की एक पत्रिका, 20(3), 152–68.

ए धीमान, ए राही, एम गोपलानी, एस बाजपाई., एस भटनागर., आर भटनागर. (2016). डीएनए बाध्यता और विशिष्टता में बेसिलस एंथीर्सिस से प्रतिक्रिया नियामक डब्ल्यूएएलआर के मान्यता हेलिक्स की भूमिका। जैविक अणुओं का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 96, 257–264.

ए गुप्ता, एस भटनागर (2016). थर्मोबास्पांडीन –1 का मुख्य क्षेत्र के कैल्शियम प्रेरित गठनात्मक परिवर्तनः संवहनी रोग के लिए प्रभाव। रिसेप्टर्स और संकेत पारगमन अनुसंधान की पत्रिका,37(3), 239–251

एल स्कोटी, जे मेडोन्का, एफ जे बी एच, एच इसीकीएफएफ रिबिरो, आर के सिंगला, एफजेएम बारबोसा., एम एस डी सिल्वा, एम टी स्कोटी, (2017). मल्टी लक्ष्य ड्रग्स के लिए डॉकिंग अध्ययन करता है। वर्तमान दवा लक्ष्य,18(5), 592–604.

एस डी नागर, बी अग्रवाल, एस जून, आर भटनागर, एस भटनागर(2016). एक मॉडल के रूप में इशरीकिया कोली का उपयोग करते हुए जीवाणु में तनाव प्रतिक्रिया को समझने के लिए नेटवर्क जीवविज्ञान दृष्टिकोण। एओएमआईसीएसः एकीकृत जीवविज्ञान की एक पत्रिका,,20(5), 310–24.

पी मोहंती, एस भटनागर (2016). हृदय अतिवृद्धि में क्षेत्रीय मध्यस्थता संकेतन को लक्षित करने वाली नाभीय आसंजन का संरचनात्मक आधार। रिसेप्टर्स और संकेत पारगमन अनुसंधान की पत्रिका, 37(1), 38–50

एल स्कोटी, आर के सिंगला, एम एस स्कोटी (2016). संपादकीयः चयापचय विकारों और उनके संबंधित संक्रामक रोगों के खिलाफ दवा खोज में प्राकृतिक नेतृत्व। औषधीय रसायन विज्ञान में वर्तमान विषय, 16(23), 2523–2524

एल स्कोटी, आर के सिंगला, एच एम इसीकी, जे बी एम जे फ्रांसिस्को, एम एस डी सिल्वा, जेबीएम फिल्हो, एम एस स्कोटी(2016). प्राकृतिक हाइलुरोनडाइज अवरोधकों में हाल की प्रगति। औषधीय रसायन विज्ञान में वर्तमान विषय, 16(23), 2525–2531

अनुसंधान परियोजनाएं

एसईआरबी, 2017, रोगजनक कैंडिडा एसपीपी और उनकी जैवपरतों के खिलाफ गतिविधियों के साथ स्ट्रेप्टोमायस क्रैस्टोमायटेक्टिकस स्ट्रेन एपीपी4 से यौगिकों की शुद्धि और लक्षण वर्णन। अंतिम स्वीकृति आदेश की प्रक्रिया चल रही है। भारत–अमेरिकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंच और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2016, भारत–अमेरिका उन्नत जैव ऊर्जा सहायता संघ, 52, 84,500 रुपए

डीएसटी, 2016–17, द्विविशिष्ट एंटीबॉडी के निर्माण के लिए एक स्तनधारी अभिव्यक्ति प्रणाली का विकास – एक संभावित बायोमाकर और चिकित्सीय, अंतिम स्वीकृति आदेश की प्रक्रिया चल रही है।

एसईआरबी–डीएसटी, 2016, एंजाइम रूप से पूर्व उपचारित कवकीय बायोमास से एक साथ इथेनॉल और मीथेन उत्पादन के लिए युग्मित प्रक्रिया, 23,49,600 रुपए

डीबीटी, 2017, डिलीग्नीफिकेशन और विपरीत धारा प्रसंस्करण पर विशेष ध्यान देने के साथ अपशिष्ट कृषि बायोमास से ऑक्सीलीटोल के उत्पादन के लिए कम लागत की प्रक्रिया का विकास, 12,50,000 रुपए

आयोजित संगोष्ठियां /सम्मेलन

29 नवंबर, 2016 को 'तीसरी पीढ़ी अनुक्रमण प्रौद्योगिकियों' पर एक दिवसीय सेमिनार, संसाधन व्यक्तिः जीनोटाइपिक टेक्नोलॉजी (पी) लिमिटेड के संस्थापक और सीईओ डॉ राजा सी मुगेसिमंगलम।

17 फरवरी, 2017 को 'स्वास्थ्य देखभाल में विकासशील राष्ट्र से विकासशील दुनिया तक विपरीत नवाचार' पर एक दिवसीय संगोष्ठी। संसाधन व्यक्तिः प्रो. माइकल फ्राइबे।

बीएसई अनुभाग के छात्रों के लिए एक सप्ताह की अनुसंधान संगोष्ठी, कार्यशाला और शिक्षण कक्षाएँ। संसाधन व्यक्तिः प्रो. स्वरुप रंजन, नॉटिंघम विश्वविद्यालय, यूके

24–25 जून, 2016 को दो दिवसीय कार्यशाला (जैवखतरा प्रबंधन) आयोजित की गई। एनएसआईटी द्वारा समर्थित।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

आर के सिंगला, ए के दुबे, (2017). कोकोस न्यूसीफेरा एन्डोकार्प सत्व की ए–एमीलेज अवरोधक क्षमताः इन विट्रो और इन सिलिको अध्ययन। 7– 9 अप्रैल, 2017 को जेएनयू, नई दिल्ली में ड्रग डिजाइन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन(आईसीडीडी)।

वी श्रीवास्तव, ए के दुबे, (2016). स्ट्रेप्टोमायस क्रस्टोमाइसेटिक स्ट्रेन एडीपी4 द्वारा प्रदत्त यौगिकों द्वारा कैंडिडा अल्बिकन्स बायफिल्म का अवरोध। गुवाहाटी में 24–27 नवंबर, 2016 से भारत के माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसोसिएशन का 51वां वार्षिक सम्मेलन

पी मोहंती और एस भटनागर,(2017). पैथोलॉजिकल कार्डियक हायपरट्रॉफी में एक ड्रग लक्ष्य के रूप में नाभीय आसंजन काईनेस की प्रोटीन प्रतिक्रिया। 7–9 अप्रैल, 2017 से जेएनयू, नई दिल्ली में ड्रग डिजाइनिंग (आईसीडीडी) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

एस रानी और एस भटनागर, (2017). हाइपरलिपिडिमिया और इससे संबंधित रोगों के लिए ड्रग लक्ष्य और बायोमार्कर। 1 अप्रैल, 2017 को आईआईआईटीडी, नई दिल्ली में रिसर्च शोकेस 2017 (आरएस 17) पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

एन सिंह, और एस भटनागर,(2017). नेटवर्क जीवविज्ञानः उपकरण और अनुप्रयोग पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया। मलेरिया जीनोमिक्स और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए ईएमबीओ –ग्लोबल एक्सचेंज लेक्चर कोर्स द्वारा 29 जनवरी 11 फरवरी, 2017 को सीआरएमई, मदुरै में आयोजित एक व्याख्यान पाठ्यक्रम में भाग लिया।

एस रानी और एस भटनागर,(2016). हाइपरलिपिडाइमिया के अध्ययन के लिए एकीकृत लिपिड–प्रोटीन प्रतिक्रिया नेटवकरूं पैथोजेनेसिस, प्रगति और ड्रग लक्ष्य। 21 मई, 2016 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, कैंसर जीवविज्ञान, बायोइनफॉरमैटिक्स और एप्लाइड बायोटेक्नोलॉजी (एबीईसीबीएबी–2016) की प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक सत्र प्रस्तुत किया गया।

पी मोहंती और एस भटनागर(2016). रोग संबंधी कार्डियक हाइपरट्रॉफी के लिए नाभीय आसंजन काइनेस के लिए एक दवा लक्ष्य के रूप में प्रतिक्रिया। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 21 मई 2016 को बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, कैंसर जीवविज्ञान, बायोइनफॉरमैटिक्स और एप्लाइड बायोटेक्नोलॉजी (एबीईसीबीएबी–2016) में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक सत्र प्रस्तुत किया गया।

ए गुप्ता, और एस भटनागर,(2016). थर्मोबोस्पांडिन –1 के हस्ताक्षर डोमेन में संरचनात्मक अंतर्दृष्टि। 21 मई, 2016 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, कैंसर जीवविज्ञान, बायोइनफॉरमैटिक्स और एप्लाइड बायोटेक्नोलॉजी (एबीईसीबीएबी–2016) की प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक सत्र प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

ईपीएफ इकोल्डेड इनजेनियर्स (सीएक्स), फ्रांस और प्रौद्योगिकी के नेताजी सुभाष संस्थान, भारत के बीच सहयोग के लिए सामान्य संरचनात्मक अनुबंध।

नॉटिंघम विश्वविद्यालय, यू.के और प्रौद्योगिकी के नेताजी सुभाष संस्थान के बीच, इरास्मस और कर्मचारी गतिशीलता का कार्यक्रम।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

अंतर्राष्ट्रीय संकाय आदान–प्रदानः

अंतर–संस्थागत सहयोग 2015–17 नॉटिंघम विश्वविद्यालय, यू.के. और और प्रौद्योगिकी के नेताजी सुभाष संस्थान के बीच अध्यापन के लिए इरास्मस योजना।

एनएसआईटी और नॉटिंघम विश्वविद्यालय, यू.के. के बीच संकाय आदान–प्रदान आरंभ किया गया है, एनएसआईटी., भारत से प्रोफेसर ए.के. दुबे नॉटिंघम विश्वविद्यालय, यू.के. गए और नॉटिंघम विश्वविद्यालय, यू.के. से प्रोफेसर स्वरूप ने एनसीआईटी, भारत का दौरा किया।

नियुक्ति का विवरण
नियुक्त छात्रः 90 प्रतिशत (बायोटेक अनुभाग)
भर्ती के लिए परिसर का दौरा करने वाली कंपनियां – 40

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी डिग्रियां
पीएच.डी. – 01
संकाय की संख्या– 08

***

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग (ईसीई) बी.ई. पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें प्रति वर्ष 184 छात्रों को दाखिला दिया जाता है, संकेत प्रसंस्करण में एम.टेक कार्यक्रम में प्रति वर्ष 23 छात्र और एंबेडेड सिस्टम और वीएलएसआई में प्रति वर्ष 13 छात्रों को दाखिला दिया जाता है। इसके अलावा, यह ईसीई के संबद्ध क्षेत्रों में पीएचडी कार्यक्रम भी प्रदान करता है। शिक्षण के अलावा, संकाय सदस्य और छात्र उत्साह के साथ अनुसंधान कार्य करते रहे हैं। विभाग में विभिन्न यूजी/ पीजी और अनुसंधान प्रयोगशालाएं हैं, जो अत्याधुनिक उपकरणों और उन्नत सॉफ्टवेयर से लैस हैं। यहां इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी केंद्र (सीईडीटी) और टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स सेंटर फॉर एम्बेडेड प्रोडक्ट एंड डिजाइन (टीआई–सीईपीडी) नामक दो केंद्र हैं। टीआई–सीईपीडी, एनएसआईटी दिल्ली के तहत माइक्रोकंट्रोलर आधारित एंबेडेड सिस्टम डिजाइन पर ग्रीष्मकालीन/ शीतकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है।

प्रकाशन

ए अग्रवाल, टी के रावत और डी के उपाध्याय. (2016). एल1–आदर्श आधारित आईआईआर डिजिटल विभेदकों और बैट कलन विधि का उपयोग करने वाले समाकलक की इष्टतम डिजाइन। आईआईटी सिग्नल प्रोसेसिंग,, 11(1), 26–35.

ए अग्रवाल, एम कुमार, टी के रावत और डी के उपाध्याय, (2017). अनुकूली अपरिमित आवेग प्रतिक्रिया प्रणाली की पहचान लेवी उड़ान के साथ संशोधित–आंतरिक खोज कलन विधि का उपयोग करना। आईएसए ट्रांजेक्शन्स, (एल्जेवियर), 67, 266–279.

यू बंसल, एम गुप्ता, और यू सिंह, (2017). नकारात्मक कैपेसिटेंस और फ्लिप वोल्टेज अनुयायी का उपयोग कर दो चरण सीएमओएस सर्किट का आवृति की क्षतिपूर्ति। एनालॉग एकीकृत सर्किट और सिग्नल प्रोसेसिंग, 90(1), 175–18

यू बंसल और एम गुप्ता, (2017). आवृत्ति क्षतिपूर्ति के लिए कम वोल्टेज संचालन और एसएसएफ के लिए एफज़ीएमओएस का उपयोग कर दो चरण वर्ग एबी–एबी एम्प्लीफायर। इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार की एईयू–अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 73 (2017): 59–67.

यू बंसल, एम गुप्ता और एस के राय. (2017). फीड–फॉरवर्ड और नकारात्मक क्षतिपूर्ति के दोहरे दृष्टिकोण का उपयोग करके दो चरण एम्प्लीफायर का जीबीडब्ल्यू संवर्धन। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की मजलेसी पत्रिका, 11(1).

एन शर्मा,टी के रावत, एच पार्थसारथी और जी कुमार. (2016). एक विद्युतचुंबकीय क्षेत्र के साथ प्रिटरबिंग त्रि–आयामी हार्मोनिक ऑस्कीलेटर द्वारा गुरुत्वाकर्षण खोज एल्गोरिथम का उपयोग करते हुए क्वांटम गेट का अहसास, क्वांटम सूचना प्रोसेसिंग (स्प्रिंगर),15(6), 2275–2302.

पी पुरी, पी गर्ग और एम अग्रवाल (2016). टीडब्ल्यूआर समर्थित एफएसओ प्रणाली में कई उपयोगकर्ता जोड़ी अनुसूचियां। ऑप्टिकल कम्युनिकेशन एवं नेटवर्किंग की आईईईइ/ओएसए पत्रिका, 8 (5).

पी शर्मा, के वंसल, पी गर्ग, टी त्सिफ्तिस. और आर बैरियोस, (2016). एपर्चर औसत रिसीवर और मिसलिग्न्मेंट त्रुटियों के साथ प्रसारित एफएसओ संचार। आईईटी कम्युनिकेशंस,, 11 (1),45–52.

एस अय्यर और एस पी सिंह. (2016). एकल और बहु–लाइन–दर ऑप्टिकल तरंगदैर्घ्य विभाजन मल्टिप्लेक्सड (डब्लूडीएम) नेटवर्क में स्पेक्ट्रल और पावर क्षमता की जांच, फोटोन नेटवर्क कम्यूनिकेशन्स, स्प्रिंगर, 33(1), 39–51.

एस अय्यर, एस पी सिंह. (2017).. मिश्रित लाइन दर (एमएलआर) ऑप्टिकल वेवलेंथ डिवीजन मल्टीप्लेक्स (डब्लूडएमडी) नेटवर्क के डिजाइन पर चौनल रिक्ति का प्रभाव। ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस जर्नल (जेओसी) जारी करने की तारीखः 10.1515/joc-2016-0127

संगोष्ठियों / सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

उर्वशी बंसल, मनीषा गुप्ता (2017). फ्रीक्वेंसी पूरित सीडीओए द्वारा उच्च लाभ और बैंडविड्थ की पेशकश, इंडियाकॉम –2017, 1–3 मार्च, 2017 को दिल्ली में सतत वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

संकाय की संख्या– 17

***

मैन्युफेक्चरिंग प्रॉसेस एंड ऑटोमेशन इंजिनियरिंग

(विनिर्माण प्रक्रियाएं और स्वचालन इंजिनियरिंग)

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

विभाग विनिर्माण प्रक्रियाओं एवं स्वचालन इंजीनियरिंग (एमपीएई) और मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमई) में दो बी.ई. कार्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें क्रमशः 120 और 60 छात्रों को दाखिला दिया जाता है। यह प्रोडक्शन इंजीनियरिंग (पीई) और इंजीनियरिंग मैनेजमेंट (ईएम) में एम.टेक कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है और प्रत्येक शाखा में 18 छात्रों को दाखिला दिया जाता है। इसके अलावा, एमपीएई / एमई के संबद्ध क्षेत्रों में यह पीएचडी प्रदान करता है।

सामग्री परीक्षण, वेल्डिंग, मैट्रोलॉजी जैसे पारंपरिक प्रयोगशालाओं और एक अच्छी तरह से सुसज्जित कार्यशाला के अलावा विभाग में ईडीएम, सीएनसी, एफएमएस, यूटीएम, एफडीएम, रोबोटिक्स, ईसीएम, एसएडब्ल्यू, सेंट्रल लेद, शेपर्स, यूएमएम, वीएमएम, मफल और नियंत्रित वायुमंडल भट्टियों जैसी सुविधाओं के साथ एडवांस वेल्डिंग, मैकेनिकल साइंसेस, कंप्यूटर इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग, रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इत्यादि से संबंधित प्रयोगशालाएं हैं।

प्रकाशन

बी सिंह, जेड ए खान, ए एन सिद्दिकी, एस माहेश्वरी,.(2016). विकसित एग्लोमरेटेड फ्लक्सों का उपयोग कर डूबे हुए चाप वेल्डिंग में प्रभाव शक्ति और कठोरता पर सीएएफ 2, एफईएमएन और एनआईओ का प्रभाव। ऑफ मिश्र धातु एवं यौगिकों की पत्रिका, एल्सेवियर, 667, 158–169.

एम श्रीवास्तव, एस माहेश्वरी, टी के कुंद्रा, आर यशस्वी, (2016). एफडीएम प्रक्रिया, स्प्रिंगर, सीएडी / सीएएम, रोबोटिक्स और भविष्य के कारखानों में निर्माण समय और मॉडल सामग्री मात्रा पर प्रक्रिया पैरामीटर के प्रभाव के पूर्वानुमान के लिए प्रतिक्रिया सतह कार्यप्रणाली के साथ फज़ी लॉजिक का एकीकरण।

एम श्रीवास्तव, एस माहेश्वरी, टी के कुंद्रा, एस राठी (2016). आरएसएम तकनीक का उपयोग करते हुए एफडीएम प्रक्रिया में समय पूर्वानुमान के लिए प्रक्रिया पैरामीटर की प्रायोगिक जांच। सीएडी / सीएएम, रोबोटिक्स और भविष्य के कारखाने। स्प्रिंगर।

वी अग्रवाल, एच पार्थसारथी (2016). रोबोटिक मेनिपुलेटर के लिए विस्तारित काल्मन फिल्टर वाले एक स्थिति पर्यवेक्षक के रूप में अशांति अनुमानक। नैनोलाइनर डायनॉमिक्स, स्प्रिंगररू प्रभाव कारकः3, 84(4), 1–17.

आर सिंगला, वी अग्रवाल, एच. पार्थसारथी, आर राना. (2016). गतिशीलता और प्रतिक्रिया में यादृच्छिक शोर की उपस्थिति में मास्टर–दास टेलीऑपरेशन ट्रैकिंग के लिए प्रतिक्रिया अनुकूलन समस्या। नैनोलाइनर डायनॉमिक्स, स्प्रिंगरः प्रभाव कारकः 3, जारी करने की तारीखः10.1007/s11071-016-2908-9, 1-28

एन नागपाल, बी भूषन, वी अग्रवाल (2016). मालिक–गुलाम रोबोट सिस्टम के लिए स्टोचस्टिक पर्यावरण बल का अनुमान। साधना, स्प्रिंगर, प्रभाव कारकः 0.476

पी के वाजपेयी, (2016). ग्रीन कंपोजिट बॉयोडिग्रेडेबल पॉलीस्टर्स पर आधारित सामग्री, बायोडेग्रेडेबल ग्रीन कंपोजिट, 9 299.

एतेवातिया और एस के श्रीवास्तव. (2016). असतत प्रबलित धातु मैट्रिक्स कंपोजिट के थकान दरार विकास जीवन पर अवशिष्ट थर्मल तनाव का प्रभाव। इंजीनियरिंग सामग्री और संरचनाओं की थकान और फ्रैक्चर, जारी करने की तारीखः10.1111/ffe.12477Rathee,

एस माहेश्वरी, ए एन सिद्दीकी, एम श्रीवास्तव (2016). घर्षण ज्वार प्रसंस्करण के माध्यम से सतह समग्र निर्माण में सुदृढीकरण कण वितरण पर उपकरण की गोता गहराई का प्रभाव। रक्षा प्रौद्योगिकी, स्कोपस इंडेक्स, एल्जेवियर, आईएसएसएनः 2214–9147

एस राठी, एस माहेश्वरी, ए एन सिद्दीकी., एम श्रीवास्तव (2016). एए 6061/सीआईसी सतह कंपोजिट्स के घर्षण ज्वार प्रसंस्करण (एफएसपी) के माध्यम से गठित वर्धित माइक्रोहार्डनेस के लिए प्रोसेस पैरामीटर अनुकूलन। मटिरियल्स टुडे की कार्यवाही, एल्जेवियर, स्कोपस इंडेक्स, 3(10), भाग बी, 4151–4156, आईएसएसएनः 2214–7853

एस राठी, एस माहेश्वरी, ए एन सिद्दीकी., एम श्रीवास्तव (2016). घर्षण हलचल प्रसंस्करण के माध्यम से एआई मिश्र धातु बनाने वाली शीट के निर्माण में सतह गुणों के संवर्धन में माइक्रोस्ट्रॉचरल परिवर्तन का विश्लेषण। मटिरियल्स टुडे की कार्यवाही, एल्जेवियर, स्कोपस इंडेक्स, आईएसएसएनः 2214–7853

एस के शर्मा और एस माहेश्वरी(2017) एचएसएलए (एपीआई एक्स 80) इस्पात के जलमग्न चाप वेल्डिंग के लिए आर्क चरित्रीकरण अध्ययन। मैकेनिकल साइंस और प्रौद्योगिकी की पत्रिका, 31(3),1383–1390, एससीआई एवं स्कोपस इंडेक्स्ट. आईएसएसएन 1976–3824.

एस के शर्मा और एस माहेश्वरी(2016). जीआरए–पीसीए दृष्टिकोण का उपयोग कर सूक्ष्म मिश्रित उच्च शक्ति वाले पाइपलाइन स्टील के जलमग्न चाप वेल्डिंग के लिए एचएजेड विशेषताओं का बहुउद्देशीय अनुकूलन। विनिर्माण विज्ञान और उत्पादन की पत्रिका, (डी–ग्रुएटर), 16(4), पृष्ठ 263–271, जारी करने की तारीखः:https://doi.org/10.1515/jmsp-2016-0027), आईएसएसएन 2191–0375 (उभरता स्रोत उद्धरण सूचकांक)

एस के शर्मा और एस माहेश्वरी, एस राठी (2016). आरएसएम–फज़ी दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए एपीआई एक्स 80 पाइपलाइन स्टील के डूबे चाप वेल्डिंग के लिए बीड ज्यामिति का बहुउद्देशीय अनुकूलन। विनिर्माण विज्ञान और उत्पादन की पत्रिका, (डी–ग्रुएटर), 16(3), 141–151. जारी करने की तारीखः https://doi.org/10.1515/jmsp-2016-0009.**ISSN 2191-0375**

एस राठी, एस माहेश्वरी, ए एन सिद्दीकी और एम श्रीवास्तव, एस शर्मा. (2016). एए 6063/एसआईसी सतह कंपोजिट्स के घर्षण ज्वार प्रसंस्करण (एफएसपी) के माध्यम से गठित बढ़े माइक्रोहार्डनेस के लिए प्रक्रिया पैरामीटर अनुकूलन। मटीरियल्स टुडेः कार्यवाही, (एल्जेवियर), 3(10), भाग बी,4151:4156.

एम श्रीवास्तव, एस माहेश्वरी, टी के कुंद्रा, एस राठी, एस के शर्मा (2016). फ्यूज्ड डेपोसिशन मॉडलिंग द्वारा कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत सामग्री की आभासी डिजाइन, मॉडलिंग और विश्लेषण। मटीरियल्स टुडेः कार्यवाही, (एल्जेवियर),3(10), भाग बी, 3660–3665, स्कोपस इंडेक्स्ड।

वी सिंह, जेड ए खान, ए एन सिद्दीकी., एस माहेश्वरी, एस के शर्मा (2016). तन्य शक्ति और वेल्ड्स का प्रतिशत बढ़ाव पर प्रवाह संयोजन का प्रभाव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अभिलेखागार, (डी–ग्रुएटर),, 63(3), 337–354, जारी करने की तारीखः10.1515/meceng-2016-0019

सम्मेलनों की कार्यवाहीः

आर शांडले, ए नरसिंहलु, रॉक क्लाइम्बिंग होल्ड के विकास के लिए असंतृप्त पॉलिएस्टर राल के यांत्रिक गुणों पर संगमरमर पाउडर एकाग्रता का प्रभाव होता है। सामग्री और विनिर्माण में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी एएमएम–2016), (पृ. 569–575), 8–10 दिसंबर, 2016, हैदराबाद, आईएसबीएनः978–93–86256–19–5

एस राठी, एस माहेश्वरी, ए एन सिद्दीकी. एम श्रीवास्तव (2016). घर्षण हलचल प्रसंस्करण का उपयोग करते हुए एए606 /एसआईसी सतह कंपोजिट का उत्पादन, उत्पादन और औद्योगिक इंजीनियरिंग पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर, आईएसबीएन – 978–93–5267–403–9.

एस राठी, एस माहेश्वरी, ए एन सिद्दीकी. एम श्रीवास्तव, (2016)., घर्षण हलचल प्रसंस्करण का उपयोग करते हुए एए6082/एसआईसी सतह कंपोजिटों का संश्लेषण, भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2016, एनपीएल परिसर, 7–11 दिसंबर,2016.

एस के शर्मा और एस माहेश्वरी (2016). जलमग्न चाप वेल्डिंग की चाप विशेषताओं पर प्रक्रिया मापदंडों के प्रभाव। उन्नत उत्पादन और औद्योगिक इंजीनियरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (आईसीएपीआईई–2016), (पृ.. 265–269). 9–10 दिसंबर 2016, डीटीयू–दिल्ली, आईएसबीएनः 978–93–85909–51–1,

एस के शर्मा और एस माहेश्वरी (2016). उच्च शक्ति पाइपलाइन स्टील्स से बनी संरचनाओं में हाइड्रोजन अभिकर्मन।. उत्पादन और औद्योगिक इंजीनियरिंग पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीपीआईई–2016), (पृ. 19–21) दिसंबर, 2016, एनआईटी–जालंधर, पंजाब।

वी अग्रवाल (2016). स्टोकेस्टिक शोर के साथ ओमनी रोबोट का वास्तविक समय अनुमान और नियंत्रण के लिए एक विस्तारित कालमैन फिल्टर। आईईईई मानवता के लिए प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाना, इंडिया कॉम – 2016, आईएसएसएन 0973–7529. आईएसबीएनः978–93–80544–20–5

ए भारद्वाज, ए जैन, वी अग्रवाल (2016). रेवेन–2 सर्जिकल रोबोटिक्स प्लेटफॉर्म के लिए हेप्टिक फीडबैक के साथ ऑपरेशन पूर्व योजना अनुकारी। आईईईई मानवता के लिए प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाना, (पृ. 3642–3647).

अनुसंधान परियोजनाएं

एआईसीटीई, 2013, हेपटिक्स के साथ एसरोबोटिक्स रोबोटिक सर्जरी सेटअप सिमुलेशन, 13,41,667 रुपए।

डीएसटी, 2014, एआई और हेपटिक्स का प्रयोग करते हुए सर्जिकल रोबोटिक्स के लिए एसरोबोटिक प्री–ऑपरेटिव योजना प्रणाली, 21,98,600 रुपए।

संकाय की संख्या–16

*****

कॉलेज

आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज (एएनडीसी)

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

एनएएसी द्वारा ''स्कोर 3.31'' सहित ''ग्रेड ए'' के साथ प्रमाणित एएनडीसी, डीबीटी, भारत सरकार द्वारा ''स्टार कॉलेज'' के रूप में मान्यता प्राप्त है, जिसमें सात विज्ञान विभाग हैं, जिन्हें स्टार विभाग के रूप में मान्यता दी गई है। एएनडीसी को प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा विभाग, जीएनसीटीडी द्वारा प्रति वर्ष 1.5 करोड़ रुपये के अनुदान के साथ तीन वर्ष के लिए 'इनक्यूबेशन सेंटर' के दर्जे से सम्मानित किया गया। कक्षा में विज्ञान शिक्षण और अनुसंधान के बीच के अंतर को कम करने के लिए टीएचएसटीआई (ट्रांसलेशनल हेल्थ विज्ञान एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट) के सहयोग से एक विज्ञान सेतु कार्यक्रम शुरू किया गया था। डॉ. रवि टूटेजा और डॉ. गगन धवन को क्रमशः मेधावी शिक्षक पुरस्कार– 2016 और अमेरिका में अनुसंधान के लिए यूजीसी रमन पोस्ट–डॉक्टरेट फेलोशिप प्रदान किया गया। दो अभिनव परियोजनाओं को दिल्ली विश्वविद्यालय में 'सर्वाधिक संभावना युक्त नवाचार' के रूप में मान्यता दी गई थी, तीन छात्रों को विश्वविद्यालय का विज्ञान योग्यता पुरस्कार प्रदान किया गया और चार को डीएचई, जीएनसीटीडी द्वारा शीर्षस्थ मेधावी छात्र (2015–16) पुरस्कार दिया गया। एक पोस्ट–डॉक्टरेट फेलो, एक शोध सहयोगी और चौदह शोध विद्वान, इस समय कॉलेज में पांच विभागों में संकाय की देखरेख में पीएचडी कार्यक्रम में शामिल हैं। अब तक छह छात्रों को पीएचडी की डिग्री से सम्मानित किया गया है। इस वर्ष एक विद्वान ने शोध प्रबंध जमा किया है और तीन शोध विद्वानों को एएनडीसी संकाय में पीएच.डी. के लिए पंजीकृत किया गया है।

सम्मान / विशिष्टताएं

डॉ. सावित्री सिंहः

सदस्य, अंतर–विभागीय और अनुप्रयुक्त विज्ञान पाठ्यक्रम प्रवेश समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2017.

टीईआरआई द्वारा आयोजित डिजिटल पुस्तकालयों (आईसीडीएल 2016) पर पांचवे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''डिजिटल दुनिया में शैक्षिक अखंडता'' की चर्चा पर आमंत्रित पैनलिस्ट; दिसम्बर 13–16, 2016.

विश्व शिक्षक दिवस फोरम और शिक्षा के एशियाई एवं प्रशांत ब्यूरो द्वारा आयोजित ओईआर के प्रयोग में 'शिक्षकों को सुविधान्वित करने पर विशेषज्ञ बैठक' में आमंत्रित यूनेस्को, बैंकाक; अक्टूबर 5–6, 2016

एनसीईआरटी, एसएसपीपी (माध्यमिक स्कूल तैयारी कार्यक्रम) की समीक्षा बैठक में विशेषज्ञ, एनसीईआरटी, 4 मई, 2016.

फरवरी, 2016 से राज्य परियोजना निदेशालय के सफल कार्यान्वयन की समिति – राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (आरयूएसएए), उच्च शिक्षा निदेशालय की सदस्य।

डॉ.रवि टूटेजा, उच्च शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार द्वारा मेधावी शिक्षक पुरस्कार 2016 से सम्मानित।

डॉ. गगन धवन ने मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, बोस्टन, अमरीका में 2016–17 के लिए स्नातकोत्तर शोध के लिए यूजीसी रमन फैलोशिप प्राप्त किया।

डॉ. उर्मि वाजपेयी ने 30 मार्च 2017 को ''टीचर्स वे इन'' में पूरे भारत के जीव विज्ञान के पूर्वस्नातक शिक्षकों के साथ साक्षात्कार की श्रृंखला में शामिल हुईं।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

अंकित पंत, बी.एससी. (ऑनर्स) ने कम्प्यूटर विज्ञान ने सर्वश्रेष्ठ छात्र वर्ग के लिए रजत जयंती पुरस्कार जीता (रु. 10,000)।

बलबीर सिंह, बी.एससी. (ऑनर्स) गणित – IV ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

आयुष कुमार, बी.एससी. (ऑनर्स) कैमिस्ट्री–VI ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रियंका दासगुप्ता, बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणिविज्ञान –VI ने विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मदन खतिवाड़ा, बी.एससी. (ऑनर्स) ने जैवचिकित्सा विज्ञान–IV में विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एम. श्रीदेवी बीएससी भौतिक विज्ञान– II ने विश्वविद्यालय (दक्षिण परिसर) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अदिति शर्मा बीएससी जीव विज्ञान – II ने विश्वविद्यालय (दक्षिण परिसर) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन (चयनित)

एस चंद्रा, एस हूडा, पी.के. तोमर, ए. मलिक, ए.कुमार, एस. मलिक, और एस गौतम, (2016). बीआईएस निटारटो [4–हाइड्रोक्सि एसीटोफेनोन अर्द्ध कार्बाजोन, निकल (II)यौगिकों के कायोनोफोर थियोसाइनेट–चयनात्मक इलेक्ट्रोड के लिए संश्लेषण और लक्षण वर्णन। *सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग सी,* 62, 18–27.

ए.चौधरी एवं सी.के.गुप्ता (2017). बेंगलुरु, भारत में ठेठ निर्माण स्थल पर पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) की सांद्रता का आकलन। *पर्यावरण विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका,* 6(2), 1–5.

के.इनियान, ए.कुमार, जी.वी.रायसम, ए.परिध, एवं यू. बाजपेयी(2016). माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में मूर पथ अवरोधक की जांच और पहचान के लिए एक पॉत्र परख का विकास। *वैज्ञानिक रिपोर्ट,* 6, 35134.

सी.के.गुप्ता और ए.चौधरी (2016). परिवेश में पार्टिकुलेट सामग्री के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य को क्षति। *इंजीनियरिंग अनुसंधान एवं संबंधित विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आईजेईआरएएस),*(9), 1–5.

सी.के.गुप्ता, एस सिंह, ए. सिंह, पी याज्ञिक, बी के दास, और ए चौधरी (2016). दिल्ली में सम–विषम संख्या की कारों प्रयोग का एक कण पदार्थ आधारित वास्तविक समय विश्लेषण। *पूर्वस्नातक अनुसंधान एवं नवाचार की दिल्ली विश्वविद्यालय की पत्रिका,* 2(1), 31–39.

आर. कुमार, डी.के. आर्य और एन. सिंह, (2016). यमुना नदी की तलछट और अन्य नदियों में भारी धातु सांद्रता का तुलनात्मक अध्ययन। *फार्मास्यूटिकल और जैव चिकित्सा विश्लेषण पत्रों की पत्रिका,* 4(2), 34–42.

आर कुमार, डी के आर्य, एन सिंह, और एच के वत्स, (2016). चावल की भूसी की संशोधित राख और शोषक के उपयोग द्वारा जलीय घोल से सीयू और पीडी को निकालने का तुलनात्मक अध्ययन।*इंजीनियरिंग की आईओएसआर पत्रिका (आईओएसआरजेईएन),* 6 (2), 1–5.

आई. नकवी, आर. गुप्ता, एस. मखीजा, आर. टूटेजा, जे. एस अब्राहम, एस श्रीपूर्ना और एच. ए. एल–सेरी, (2016). दिल्ली, भारत से एक नए ऑक्सीट्रिचिड सिलिएट, नोटोहीमेना लिमस एन. एप. (सीलीओफोरा, ऑक्सीट्रिचिडे) का आकृति विज्ञान और मार्फोजिनेसीस। जैविक विज्ञान की सऊदी पत्रिका, 23 (6), 789–794.

ए पंत, ए गुप्ता, ए गुप्ता, वी गिरि, वी गौर, और आर कौर, 2016). नेत्रहीनों के लिए कम लागत नेविगेशन प्रणाली। कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी में प्रगति (एसीएसआईटी), 3(5), 422–425.

ए शर्मा, एस कुमार, और पी त्रिपाठी, (2016). डेंगू वेक्टर के एक भारतीय तनाव के खिलाफ पॉच स्वदेशी जंगली घासों की लार्वासाइडल प्रभावकारिता का मूल्यांकन, एडेस इजिप्ती एल। (डिप्टेराः कॉलीसिडे) पैरासिटोलॉजी अनुसंधान की पत्रिका। 1–8.

संपादक/संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवारत शिक्षक–7

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. अरिजीत चौधरी, डॉ. चारु खोसला गुप्ता, डॉ. सावित्री सिंह, डीएसटी (इंडो–स्लोवेनिया संयुक्त परियोजना), 2015–2018, भारत और स्लोवेनिया के प्रभावित शहरों में परिवेश वायु प्रदूषण (एएपी) और एचजी प्रदूषण का जोखिम–प्रतिक्रिया आकलनः एक तुलनात्मक अध्ययन, 16.11 लाख रुपए।

डॉ. चारु खोसला गुप्ता (वनस्पति विज्ञान), डॉ. सरिता कुमार (प्राणि विज्ञान). दिल्ली विश्वविद्यालय अभिनव परियोजना, 2016–2017, एएनडीसी 301, क्षेत्रीय जल कीटाणुशोधन के लिए भौतिक, रासायनिक और जैविक निस्पंदन के साथ कम लागत वाले, मजबूत, पोर्टेबल जल शोधक प्रोटोटाइप का विकास और प्राकृतिक आपदाओं के कारण प्रभावित कठोर परिस्थितियों वाले क्षेत्र में पीने योग्य जल का उत्पादन। 6 लाख रुपए।

डॉ. मनीषा खन्ना और श्री रविंदर कुमार सागर (प्राणिविज्ञान), डॉ सुनीता हुड्डा (रसायन विज्ञान)। दिल्ली विश्वविद्यालय अभिनव परियोजना,2016–2017, एएनडीसी 302, माइक्रोबियल बाह्य एंजाइम द्वारा अपशिष्टों का जैव क्षरण। 6.50 लाख रुपए।

डॉ. रवि टूटेजा और डॉ सीमा मखीजा (प्राणि विज्ञान), डॉ. गीतु गंभीर (रसायन विज्ञान), दिल्ली विश्वविद्यालय अभिनव परियोजना, 2016–2017, एएनडीसी 303, मिट्टी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए सेलुलर उपकरण के रूप में साइलेट विविधता। 6.50 लाख रुपए।

डॉ. अरिजीत चौधरी (भौतिक विज्ञान), डॉ. चमन सिंह और डॉ. सदानंद प्रसाद (गणित)। दिल्ली विश्वविद्यालय अभिनव परियोजना, एंड्रॉइड् सक्षम मोबाइल फोन पर मात्रात्मक परिवेश वायु प्रदूषण (एएपी) माप वायरलेस डेटा ट्रांसफर प्रोटोकॉल के लिए स्वायत्त और विशिष्ट ऑपरेशन के साथ पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक नोज का विकास। 6 लाख रुपए।

डॉ. पंकज खन्ना और डॉ. नीति मिश्रा (रसायन विज्ञान), डॉ. विभा गौड़ (कम्प्यूटर विज्ञान) दिल्ली विश्वविद्यालय अभिनव परियोजना, 2016–2017, एएनडीसी 305, पूर्वस्नातक छात्रों के लिए आभासी रसायन विज्ञान प्रयोगशाला तैयार करना, 6 लाख रुपए।

डॉ. गगन धवन (जैव चिकित्सा विज्ञान), डॉ. सीमा गुप्ता और डॉ. पूजा भगत (रसायन विज्ञान) दिल्ली विश्वविद्यालय अभिनव परियोजना, 2016–2017, एएनडीसी 306, समुद्री प्राकृतिक उत्पाद फ्लस्ट्रामिनॉल–बी के एनालॉग संश्लेषण की दिशा में आक्सींडोल आधारित आइसोक्साजॉलाइंस की डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन। 4.50 लाख रुपए।

डॉ. सुनीता नारंग (कम्प्यूटर विज्ञान) डॉ. शालू महाजन और डॉ. सुरिंदर कौर (वाणिज्य), दिल्ली विश्वविद्यालय अभिनव परियोजना, 2016–2017, एएनडीसी 307, डिजिटल भारतः चुनौतियां और अवसर। 3.50 लाख रुपए।

डॉ. गीतिका कालरा और डॉ. सौम्या सक्सेना (वनस्पति), डॉ. मनीषा जैन (रसायन विज्ञान) दिल्ली विश्वविद्यालय अभिनव परियोजना, 2016–2017, एएनडीसी 308, मस्तिष्क टॉनिक के रूप में सुझाए गए वनस्पति स्रोतों की प्रभावकारिता का विश्लेषण, 4 लाख रुपए।

डॉ. ममता भाटिया और डॉ. सुभाष कुमार (भौतिक विज्ञान), सुश्री सुनीता जेटली (जैव चिकित्सा विज्ञान)। दिल्ली विश्वविद्यालय अभिनव परियोजना, 2016–2017, एएनडीसी 309, खगोल विज्ञान और स्वास्थ्य देखभाल के लिए बिग डेटा का इस्तेमाल करना, 5 लाख रुपए।

डॉ. रूपेश टिहरी (गणित), डॉ. हरिता आहूजा (कंप्यूटर विज्ञान)। दिल्ली विश्वविद्यालय अभिनव परियोजना, 2016–2017, एएनडीसी 310, वास्तविक समय कृषि डेटा अधिग्रहण और प्रसंस्करण के लिए सब–के लिए–एक मॉड्यूल का विकास, 5 लाख रुपए।

डॉ. अमित गर्ग और श्री विशाल ढिंगरा (इलेक्ट्रॉनिक्स), डॉ. अभिषेक कुमार मेहता (जैव चिकित्सा विज्ञान)। दिल्ली विश्वविद्यालय अभिनव परियोजना, 2016–2017, एएनडीसी 311, विकलांग व्यक्तियों के लिए बहु–सेंसर जेस्चर नियंत्रित व्हीलचेयर प्रणाली का विकास, 5 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

प्रो. पवन कुमार धर, जैव प्रौद्योगिकी स्कूल, ''विज्ञान के विकास में नवाचार की भूमिका'' पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, फरवरी 2, 2017.

प्रो. डी. एस. देसीराजू, आईआईएससी बेंगलुरु, ''क्रिस्टलोग्राफी'', 25 मार्च, 2017.

श्री अनुज भसीन, क्षेत्रीय विपणन प्रबंधक, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, 'स्टॉक वर्ल्ड के लिए एक पोर्ट की', 6 फरवरी, 2017.

डॉ. अरुण शर्मा, उप डीन (सूचना मामले) और एसोसिएट प्रोफेसर (आईटी विभाग, इंदिरा गांधी दिल्ली महिला प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली), 'स्वचालित कंप्यूटिंग पर अनुसंधान मुद्दे', 3 अक्टूबर, 2016.

प्रोफेसर शिवनाथ मजूमदार, प्राणि विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, ''प्रतिरक्षा प्रणाली की अच्छाई, बुराई और कुरूपता'', 21 फरवरी, 2017.

आयोजित कार्यशालाएं/सम्मेलन (चयनित)

24–25, जनवरी, 2017 को ''युवाओं में लिंग संवेदीकरण'' पर कार्यशाला और एक दिवसीय लेखांकन कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यशाला 24 जनवरी, 2017 को ''लेखा की संचय प्रणाली को समझना'', आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज के आईक्यूएसी द्वारा आयोजित।

ऑनलाइन उपस्थिति और आंतरिक मूल्यांकन हेतु शिक्षकों के लिए कार्यशाला, ई–सामग्री होस्टिंग और ऑनलाइन मूल्यांकन 16 सितम्बर, 2016 से 9 जनवरी, 2017, आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज में कॉलेज ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर के माध्यम से छुट्टी के लिए ऑनलाइन आवेदन और रिकॉर्ड।

नवाचार सम्मेलन–2016: पूर्व स्नातक स्तर पर शोध करना, रजत जयंती उत्सव के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी, 25–26अक्टूबर, 2016 को आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) गोविंदपुरी, कालकाजी, नई दिल्ली, भारत।

24 जनवरी, 2017 को आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज में ''अकाउंटिंग स्टैंडिंग एक्सील्यूट सिस्टम'' के अंतर्गत लेखांकन कार्यकर्ताओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला। दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों से तैंतीस लेखा पदाधिकारियों, एयूडी और संगीत नाटक अकादमी ने कार्यशाला में भाग लिया।

गड्ढों की भराई पर बोझ कम करने, पर्यावरण स्वच्छ रखने, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और ऊर्जा की बचत के बारे छात्रों और कर्मचारियों को जागरूक बनाने के लिए आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज के पर्यावरण–क्लब द्वारा 6 अक्टूबर, 2016 को आयोजित ''स्रोत पर पुनर्नवीकरणीय अपशिष्ट के अलगाव और प्रबंधन'' पर कार्यशाला ।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (चयनित)

जे एस इब्राहिम, एस सोमसुंदरम, एस जंगरा, के यादव, एस सिंह, एस जुत्शी, बी सिंह, जे दागर, ए कुमार, ए गोयल, एम भटनागर, एम उपाध्याय, ए चौधरी, आर टूटेजा, आर गुप्ता, जी गंभीर और एस मखीजा, (2016) ''मिट्टी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए दिल्ली, भारत के तीन अलग–अलग जगहों से एकत्रित मिट्टी सेलीएयों का जैव विविधता और सामुदायिक संरचना''। पीआरओटीआईएसटी –2016 फोरम, मॉस्को, 6–10 जून, 2016, पृष्ठ 5.

एम भाटिया, (2016) ''भारतीय संदर्भ में मुक्त शिक्षाः नए दृष्टिकोण और चुनौतियां''। मुक्त शिक्षा पर 13वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन रिचमंड, यूएसए, 3–5 नवम्बर, 2016.

एम भाटिया, (2016) "कौशल विकास चुनौतियांः सामुदायिक कॉलेजों की भूमिका पर विचार, वैश्विक बनना 2016." ब्रिटिश काउंसिल. केप टाऊन, दक्षिण अफ्रीका. 2–4 मई, 2016.

ए.चौधरी और सी.के.गुप्ता (2016) ''पोर्टेबल और स्वायत्त इलेक्ट्रॉनिक नोज का उपयोग करते हुए दिल्ली में एमएसडब्ल्यू भूमि भराई से वास्तविक समय में भूमि भराई गैस सांद्रता की दूरस्थ निगरानी।'' पर्यावरण संरक्षण और प्रबंधन के लिए रणनीतियाँ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसईपीएम – 2016) जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली। 11–13 दिसम्बर, 2016. पृष्ठ ईएस2 –ईएस3.

वी धींगरा, एस कुमार, ए गर्ग, ए चौधरी, (2016) ''गैस संवेदी अनुप्रयोगों के लिए सीयू और एजी नैनोकणों से भरी हुई ग्रैफीन ऑक्साइड (जीओ) पतली फिल्म।'' नैनोविज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन –2016 (आईसीआरएएनएन –2016). नैनो विज्ञान का विशेष केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 19–20 दिसम्बर, 2016, पृष्ठ 107.

के.इनियान, ए.कुमार., जी.वी.रायसम, ए.परीध, और यू.बाजपेयी(2016) ''पेप्टाइडोग्लाइकेन जैवसंश्लेषण के मुर एंजाइम्स को लक्षित करने वाली जांच, नए अवरोधकों के लिए एक पात्र जांच का विकास।'' 7वीं ईएमबीओ बैठक 2016. मैनहेम, जर्मनी, 10–13 सितम्बर, 2016.

सी.के.गुप्ता, डी कोकमेन, और ए.चौधरी(2016) ''इद्रिजा में एचजी खान क्षेत्र, स्लोवेनिया और भारत के दरतबा कलां में सोने के थोक बाजार की वायु में वायुमंडलीय पारा (एचजी) एकाग्रता स्तर की तुलना'', पर्यावरण संरक्षण और प्रबंधन की रणनीतियाँ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसईपीएम – 2016). जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 11–13 दिसम्बर, 2016. पृष्ठ 3–4.

एस हुड्डा, जी गंभीर, एस अग्रवाल, एच श्रीवास्तव और डी शर्मा, (2016) ''कुछ शीतल पेय पदार्थों का निर्धारण और कुछ भारी धातुओं द्वारा प्रदूषण''। पर्यावरण निरंतरता में हरित रसायन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीजीसी –2016). रसायन विभाग, दौलत राम कॉलेज, नई दिल्ली, 17–18 नवम्बर, 2016. पृष्ठ 03.

एस कुमार और एस सिंह, (2017) ''सामग्री निर्माताओं के बीच 'ओईआर' के बारे में जागरूकता पर एक अध्ययन''। ओई वैश्विक सम्मेलन 2017: 8 –10 मार्च, 2017, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका।

एस कुमार, ए गर्ग, और ए चौधरी (2016), ''सीयू और एजी नैनो कणों के जल शुद्धिकरण गुणों की तुलना में सजाई हुई ग्रैफीन ऑक्साइड (जीओ) झिल्ली''। नैनोविज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन –2016 (आईसीआरएएनएन –2016). नैनो विज्ञान का विशेष केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 19–20 दिसम्बर, 2016.

एस कुमार, ए गर्ग और ए चौधरी (2016). ''जल शोधन अनुप्रयोगों के लिए सीयू नैनोकणों के साथ एम्बेडेड ग्रैफीन ऑक्साइड (जीओ) झिल्ली का विकास''। नैनो सामग्री और नैनो प्रौद्योगिकी में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली 4–5 नवम्बर, 2016.

एस कुमार, सी के गुप्ता और एस सिंह, (2017) ''दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा ओईआर को अपनानाःविद्यार्थी की तैयारी और स्वीकृति''। ओई वैश्विक सम्मेलन 2017, 8 –10 मार्च, 2017, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका।

आर सक्सेना, एस कौर, डी दास और वी भटनागर, (2016) ''माप योग्य नेटवर्क तुलना के लिए संरचनात्मक पदानुक्रम का उपयोग करना''। डाटाबेस और विशेषज्ञ प्रणाली अनुप्रयोग पर 27वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन – डीईएक्सए 2016, पोर्टो, पुर्तगाल, 5–8 सितम्बर, 2016, पृष्ठ 287–302.

ए सन्दीप, एस. वाजपेयी, एच. अरोड़ा, एस. तिवारी, एस. गुप्ता, आर. कुमार, के. अरोड़ा, एन. मित्तल, के मेवाड़ी, एस. गुप्ता, पी. भगत, के. विश्वास और जी. धवन, (2016) ''समुद्री प्राकृतिक उत्पाद फ्लस्ट्रमिनॉल–बी के एनालॉग संश्लेषण के लिए आक्सींडोले–आधारित आइसॉक्सैजोलिन की डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन''। पर्यावरण निरंतरता और रासायनिक शिक्षा में हरित रसायन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, डीआरसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 17–18 नवम्बर, 2016.

एस सोमसुंदरम, जे एस इब्राहीम, आर टूटेजा, आर गुप्ता, और एस मखीजा, (2016) ''भारी धातु विषाक्तता को रोकने के लिए स्प्रिरोट्रीच में आणविक रक्षा तंत्र''। पीआरओटीआईएसटी –2016, फोरम, मॉस्को, 6–10 जून, 2016, पृष्ठ 76.

एस. सोमसुंदरम, जे. एस. इब्राहीम, आर. टूटेजा, एस. मखीजा और आर गुप्ता, (2016) ''भारी धातुओं की तीव्र विषाक्तता का मूल्यांकन और ताजे पानी के सिलिएट में एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम की गतिविधि'' पीआरओटीआईएसटी –2016, फोरम, मॉस्को, 6–10 जून, 2016, पृष्ठ 77.

एस कुमार ने 'ओई वैश्विक 2017' केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में 8–10 मार्च, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दो पत्र प्रस्तुत किए और गोवा, भारत में 20–23 सितम्बर, 2016 को आयोजित जीवविज्ञान शिक्षा के एशियाई एसोसिएशन के 26वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'रुझानों में जीव विज्ञान शिक्षा और अनुसंधानः व्यवहार और चुनौतियां' में दो सत्रों की अध्यक्षता की।

सी. के. समल ने कम्प्यूटिंग संचार और स्वचालन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की (आईसीसीसीए– 2016)य गैलागियस यूनिवर्सिटी, 29–30 अप्रैल, 2016.

एम. भाटिया को राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा, 22 जुलाई, 2016 को ''कानूनी सेवाएंः भारत के कौशल विकास पहल के अंतर्गत कार्यबल विकास'', पर एक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापन)

आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज (एएनडीसी) और अनुवादकीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई) के बीच फरीदाबाद में जुलाई 2016 विज्ञान सेतु कार्यक्रम के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह कार्यक्रम कक्षा विज्ञान शिक्षण और अनुसंधान के बीच की खाई को कम करने के लिए शुरू किया गया है। टीएचएसटीआई

के वैज्ञानिक सक्रिय रूप से अपने अनुसंधान के हितों को पूर्वस्नातक छात्रों के साथ साझा करेंगे और अपने दिशानिर्देश के अंतर्गत छात्रों को टीएचएसटीआई में अल्पकालिक परियोजनाओं पर काम करने का अवसर प्रदान करेंगे।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

भीतर/बाहर – 01

मंगोलिया से पैगडमुलम बलदोरज (विकासशील देशों के वैज्ञानिक (आरटीएफ–डीसीएस) प्रशिक्षुओं के लिए अनुसंधान प्रशिक्षण फैलोशिप), एनएएम एस एवं टी केंद्र द्वारा प्रायोजित, डॉ. मोनिसा खन्ना के परामर्श के अंतर्गत (जनवरी 2016–जुलाई 2016) एएनडीसी के प्राणिविज्ञान विभाग में ''प्रभावी और औद्योगिक रूप से महत्वपूर्ण उपभेदों के लिए मंगोलिया से पृथक्कीकृत सूक्ष्मजीवों की आणविक जैव विविधता और प्रभावी जांच'' की परियोजना पर काम किया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 88 (55प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियॉ/उद्योग –12

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

एनएसएस टीम ने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत कॉलेज परिसर के अंदर और बाहर कई स्वच्छता अभियानों का आयोजन किया। कॉलेज ने पाँच गांवों को अपनाया है और स्वच्छता और स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अपनाये गए गांवों के स्कूलों में पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। 26 सितंबर, 2016 को छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए थैलेसीमिया की जांच के लिए एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 14 छात्रों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। 21 अक्टूबर 2016 को वार्षिक दिवाली मेला (सहयोग) आयोजित किया गया था, जसमें कई गैर–सरकारी संगठनों ने वंचितों को प्रोत्साहित और मजबूत करने के लिए काम किया। इन गैर–सरकारी संगठनों के लिए 1,00,000 रुपए की राशि जमा की गई थी। भ्रष्टाचार से लड़ने के प्रयास में और बिटिया साक्षरता अभियान के अंतर्गत, एनएसएस सदस्यों ने ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे स्थानीय विक्रेताओं का दौरा किया और उन्हें कई अनुप्रयोगों और उनके लाभों के बारे में जानकारी दी। एनएसएस के सदस्यों ने एक गैर–सरकारी संगठन मुस्कान के साथ काम कर स्वयंसेवा की और एनजीओ की बिक्री (मानसिक रूप से विकलांग बच्चों द्वारा तैयार की गई वस्तुओं) को बढ़ावा देने में मदद की। 21 अक्टूबर, 2016 को एक पटाखा विरोधी अभियान का आयोजन किया गया। छात्रों ने बच्चों और निवासियों को पटाखों के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देने के लिए बैनर लेकर कॉलेज परिसर से गोविंदपुरी आवासीय क्षेत्र, बाजार क्षेत्र और मेट्रो स्टेशन तक मार्च किया और पटाखों के इस्तेमाल की निंदा की। विभिन्न पर्यावरणीय जोखिमों से उत्पन्न स्वास्थ्य खतरे के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, 17 फरवरी, 2017 को पर्यावरण स्वास्थ्य संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया था। युवाओं के बीच लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, 24–25 जनवरी, 2017 को महिला सशक्तिकरण सोसायटी ने युवाओं के बीच ''युवाओं में लिंग संवेदनशीलता'' पर एक दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। 8 मार्च, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर, महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए गोविंदपुरी में एक छात्र रैली आयोजित की गई थी।. 20 फरवरी, 2017 को जेंडर चैंपियंस और छात्र परिषद के सदस्यों के लिए साकेत कोर्ट परिसर में एक यात्रा का आयोजन किया गया ताकि उन्हें डीएसएलएसए गतिविधियों, महिला न्यायालयों और फास्ट ट्रैक कोर्ट के बारे में अवगत कराया जा सके।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज ने 19 अगस्त, 2016 को रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान (आरएफआईडी) आधारित पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली की शुरुआत की। संकाय और छात्रों के लिए कॉलेज पुस्तकालय में 20–21 सितंबर, 2016 से वार्षिक पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। इस साल पुस्तकालय में लगभग 630 पुस्तकों और 2 पत्रिकाओं को शामिल किया गया था। पुस्तकालय में पुस्तकों, पत्र और पत्रिकाओं की कुल संख्या क्रमशः 29679, 18 और 10 तक पहुंच गई है।

संकाय की संख्या
स्थायी – 73; तदर्थ– 52;(विषम सत्र); 49 (सम सत्र)
वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
स्वीकृत अनुदान– 25,71,00,000 रुपए
अनुदान का उपयोग– 23,43,68,087 रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. सावित्री सिंह, प्रधानाचार्या, 2015 से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित स्कूल शिक्षा में आईसीटी पर राष्ट्रीय संसाधन समूह (एनआरजी) की सदस्य हैं।

डॉ. मनीषा खन्ना, डॉ. सरिता कुमार, डॉ. उर्मि बाजपेयी, डॉ. सुनीता हुड्डा, डॉ. अमित गर्ग, डॉ. उदयबीर सिंह, डॉ. सरजीत कौर, डॉ. विभा गौड़, डॉ. सीमा मखीजा, डॉ. गगन धवन, डॉ. सदानंद प्रसाद, डॉ. चमन सिंह और डॉ. लक्ष्मी नारायण आदि संकाय सदस्य पीएच.डी. के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त शोध पर्यवेक्षक हैं।

कॉलेज ''ईएलआईटीई योजना'' (एक जीवंत अभिनव प्रशिक्षण पर्यावरण में शिक्षा) की पेशकश करता है, जिसके अंतर्गत एएनडीसी के छात्र गर्मियों की छुट्टियों के दौरान (दो महीने) अल्प अवधि की अनुसंधान परियोजनाएं आरंभ करेंगे। कॉलेज उन्हें 1,000 रुपए का एक फेलोशिप प्रदान करता है। ग्रीष्मकाल में, 96 स्नातक छात्रों ने ईएलआईटीई के अंतर्गत अनुसंधान परियोजनाओं पर काम किया।

उपस्थिति के लिए ईआरपी के साथ–साथ आंतरिक मूल्यांकन, ऑनलाइन परीक्षा, परिणाम विश्लेषण, ऑनलाइन रियायती आवेदन, अपनी छुट्टी का खाता, एसएमएस और बैठक नोटिस, ऑनलाइन सेवा अनुरोध आदि का उपयोग किया जाता है। सभी जगहों पर हाथों की रेलिंग के साथ रैंप के निर्माण से भवन के भूतल को दिव्यांगों के लिए सुलभ बनाया गया है। शुल्क जमा करने की ऑनलाइन व्यवस्था शुरू की गई है, इसलिए एकाउंट अनुभाग के काउंटरों पर खड़े होने की कोई जरूरत नहीं है। कॉलेज की सभी महत्वपूर्ण जानकारियों को कॉलेज ई–नोटिस और एसएमएस के माध्यम से सभी शिक्षण और गैर–शिक्षण संकायों के साथ साझा किया जाता है।

2016–2017 में, चार और संकाय सदस्यों ने पुस्तकों में अध्याय जोड़ने/पाठ्य पुस्तकों की समीक्षा में योगदान दिया, दो संकाय सदस्यों ने वेब पर शैक्षिक ई–सामग्री अपलोड की और दो संकाय सदस्य एनसीईआरटी द्वारा स्कूल की पाठ्य पुस्तकों की समीक्षा और उन्नयन और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाओं में संसाधन व्यक्ति थे।

कॉलेज के पूर्वस्नातक छात्रों ने जीव विज्ञान में स्नातक विज्ञान की शिक्षा को बदलने के लिए पूरे देश में शोध वैज्ञानिकों के साथ कॉलेज के शिक्षकों और छात्रों की नेटवर्किंग के एक कार्यक्रम, एचबीसीईई, टीआईएफआर, मुंबई के क्यूब कार्यक्रम में हिस्सा लेना जारी रखा है। ''चिंतन प्रयोगशाला'' को एक ऐसे स्थान के रूप में विकसित किया गया है, जो छात्रों को सरल, लागत प्रभावी मॉडल प्रणालियों का उपयोग करके अत्याधुनिक वैज्ञानिक प्रश्नों को संबोधित करने के माध्यम से अनुसंधान का संचालन करने की सुविधा देता है।

कॉलेज, भारत में क्रिएटिव कॉमन्स का एक सहयोगी है, इसका एक सक्रिय एसपीआईई (सोसायटी ऑफ फोटो–ऑप्टिकल इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियर्स, यूएसए) छात्र खंड है, जो विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत

सरकार द्वारा वित्त पोषित गणितीय और कम्प्यूटेशनल जैवलॉजी (एनएनएमसीबी) के नेशनल नेटवर्क का दिल्ली केंद्र है।

सिमरन विर्दी और शाजेब अहमद (बीएससी (ऑनर्स) जैव चिकित्सा विज्ञान के) छात्रों को सिसकॉन–2016 में आईईडीसी परियोजना कार्य (पीआई डॉ उर्मि वाजपेयी) जैव चिकित्सा अनुसंधान में हालिया प्रगतिःरणनीति और नवाचार, पेश करने के लिए एम्स, नई दिल्ली में 26 –27 मई, 2016 को ''यंग एचीवर्स अवार्ड' दिया गया था।

***

अदिति कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

छात्राओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए कॉलेज ने व्यवसायिक श्रेणी के दो आरओ सिस्टम और सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें स्थापित की हैं। हमें छह नई कक्षाओं, एनसीसी/एनएसएस/कॉमन रूम प्रावधान के साथ कैंटीन परिसर के निर्माण के लिए मंजूरी मिल गई है, जिससे कॉलेज के बुनियादी ढांचे में तेजी से सुधार हो रहा है। कॉलेज की खेल गतिविधियों में सुधार के लिए 10 लाख से अधिक का अनुदान भी मिला है। कॉलेज परिसर में हर्बल उद्यान की अवधारणा भी आरंभ की गई है।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. ममता शर्मा, प्रधानाचार्या, को ग्रामीण लड़कियों की शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला क्लब द्वारा चेक राजदूत श्री मिलान हॉवोरका के हाथों सम्मानित किया गया। उन्हें संविधान क्लब, नई दिल्ली में 32वां डॉ. एस. राधाकृष्णन राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार – 2016 प्रदान किया गया।
डॉ. भावना राजपूत को उच्च शिक्षा निदेशालय, दिल्ली की एनसीटी सरकार से ''सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार, 2017'' मिला।
डॉ. आशा शर्मा ने 15 अक्टूबर, 2016 को भारत के आर्किटेक्ट्स द्वारा आयोजित संविधान क्लब में प्रतिष्ठित पुरस्कार ''हिंदी संस्कृति'' पुरस्कार प्राप्त किया।
डॉ.सुरुचि सिंह ने संयुक्त राज्य अमेरिका में पोस्ट–डॉक्टरेट अनुसंधान के लिए रमन फेलोशिप प्राप्त की।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

बीए (कार्यक्रम) प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री उषा ने अंतर कॉलेज प्रतियोगिता में, रामानुजन कॉलेज में भारोत्तोलन में द्वितीय पुरस्कार जीता और जम्मू में आयोजित राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैम्पियनशिप के लिए भी चुनी गई।
बीए (कार्यक्रम) प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री वैशाली ने 3 से 5 नवम्बर 2016 तक जूनियर स्टेट ओपन वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
बी.ईआई.एड. की अंतिम वर्ष की छात्राओं ने सुश्री शिल्पा और श्रीमती दीपाली विश्वविद्यालय में द्वितीय और चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

आर देवी, (2016). वैश्विक जलवायु परिवर्तन का मूल्यांकनः विस्तार और प्रभाव। सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2 (4), 886–894.
एन गोयल, (2016). संदर्भित शिक्षण और स्कूल गणित। सामाजिक विज्ञान और भाषाविज्ञान की पत्रिका, 6 (1).
एन कुमार, (2016). शशि देशपांडे की लम्बी चुप्पी में बदलते परिप्रेक्ष्य, जी. एच. नागराज में, दक्षिण एशियाई उपन्यासों में सामाजिक–सांस्कृतिक मूल्य, (पृष्ठ 71–81). दिल्लीः मंगलम प्रकाशन।

पी. सहरावत ,(2016). कृषि और किसानः वर्तमान परिदृश्य। वैश्विक शिक्षा सोसाइटी एवं विकास की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 8(2).
यू. सेठ, एस. वात्स्ययान, एम. गोयल और एस. गंगवार, (2016). आओ खाद्य लेबल पढ़ें और समझें, दिल्लीः शिवालिक प्रकाशन।
एम. शर्मा, (2016). उच्च शिक्षा में मानव संसाधन प्रबंधन। प्रबंधन एवं सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, आईएसएसएन –2321–1784 (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)
एम. शर्मा, (2016). राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में सामाजिक आर्थिक स्थिति से प्रभावित जल और मृदा के भौतिक रासायनिक गुण। दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्वस्नातक अनुसंधान एवं नवाचार की पत्रिका, 2(1), 109–115.

अनुसंधान परियोजनाएं
डॉ आशा, यूजीसी, 2015–2018, हिंदी रंगमंच के विकास में महिलाओं का योगदान, 11 लाख रुपए। (लगभग)
डॉ. भावना राजपूत, यूजीसी, 2015–2018, वित्तीय समावेशन में अंतरराज्यीय रूपांतर – एक भारतीय साक्ष्य, 10,08,400 लाख रुपए।
दिल्ली विश्वविद्यालय की तीन नवाचार परियोजनाएं (एएम –301, 302, 303) पूरी हुईं।

आयोजित संगोष्ठियां
श्री केशव कृष्ण, सामूहिक उपदेशक, ''भागवत गीता और तनाव प्रबंधन'' पर इस्कॉन, 1 मार्च, 2017.
सुश्री आस्था सचदेवा, परामर्शदाता, ''मानसिक स्वास्थ्य पर एमिटी यूनिवर्सिटीः एक शुरुआत'', 24 जनवरी, 2017.
सुश्री उषा अग्रवाल, मेधाविनी सिंधु श्रीजन ''आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग को बैंक/पीओ परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन सहायता''30 मार्च, 2017.
श्री संतोष जॉर्ज ''एक मिशन के साथ बीज सहेजें'' पर ''कुपोषण और भुखमरी की मौतों से मुक्त दुनिया'', 21 फरवरी, 2017.
न्यायमूर्ति धीरेन्द्र राणा, सचिव, ''महिला सुरक्षा के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम'' पर डीएलएसए,16 जनवरी, 2017.आयोजित संगोष्ठियां।

प्रकाशन
आर देवी, (2016). वैश्विक जलवायु परिवर्तन का मूल्यांकनः विस्तार और प्रभाव। सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2 (4), 886–894.
एन गोयल, (2016). संदर्भित शिक्षण और स्कूल गणित। सामाजिक विज्ञान और भाषाविज्ञान की पत्रिका, 6 (1).
एन कुमार, (2016). शशि देशपांडे की लम्बी चुप्पी में बदलते परिप्रेक्ष्य, जी. एच. नागराज में, दक्षिण एशियाई उपन्यासों में सामाजिक–सांस्कृतिक मूल्य, (पृष्ठ 71–81). दिल्लीः मंगलम प्रकाशन।
पी. सहरावत ,(2016). कृषि और किसानः वर्तमान परिदृश्य। वैश्विक शिक्षा सोसाइटी एवं विकास की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 8(2).
यू. सेठ, एस. वात्स्ययान, एम. गोयल और एस. गंगवार, (2016). आओ खाद्य लेबल पढ़ें और समझें, दिल्लीः शिवालिक प्रकाशन।
एम. शर्मा, (2016). उच्च शिक्षा में मानव संसाधन प्रबंधन। प्रबंधन एवं सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, आईएसएसएन –2321–1784 (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)
एम. शर्मा, (2016). राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में सामाजिक आर्थिक स्थिति से प्रभावित जल और मृदा के भौतिक रासायनिक गुण। दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्वस्नातक अनुसंधान एवं नवाचार की पत्रिका, 2(1), 109–115.

अनुसंधान परियोजनाएं
डॉ आशा, यूजीसी, 2015–2018, हिंदी रंगमंच के विकास में महिलाओं का योगदान, 11 लाख रुपए। (लगभग)

डॉ. भावना राजपूत, यूजीसी, 2015–2018, वित्तीय समावेशन में अंतरराज्यीय रूपांतर – एक भारतीय साक्ष्य, 10,08,400 लाख रुपए।
दिल्ली विश्वविद्यालय की तीन नवाचार परियोजनाएं (एएम –301, 302, 303) पूरी हुईं।

आयोजित संगोष्ठियां
श्री केशव कृष्ण, सामूहिक उपदेशक, ''भागवत गीता और तनाव प्रबंधन'' पर इस्कॉन, 1 मार्च, 2017.
सुश्री आस्था सचदेवा, परामर्शदाता, ''मानसिक स्वास्थ्य पर एमिटी यूनिवर्सिटीः एक शुरुआत'', 24 जनवरी, 2017.
सुश्री उषा अग्रवाल, मेधाविनी सिंधु श्रीजन ''आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग को बैंक/पीओ परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन सहायता''30 मार्च, 2017.
श्री संतोष जॉर्ज ''एक मिशन के साथ बीज सहेजें'' पर ''कुपोषण और भुखमरी की मौतों से मुक्त दुनिया'', 21 फरवरी, 2017.
न्यायमूर्ति धीरेन्द्र राणा, सचिव, ''महिला सुरक्षा के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम'' पर डीएलएसए,16 जनवरी, 2017.आयोजित संगोष्ठियां।

आयोजित सम्मेलन

अलग प्रकार से सक्षम व्यक्तियों के सशक्तिकरण के मुद्देःचिंता और हस्तक्षेप, दिव्यांग व्यक्तियों का पं. दीन दयाल उपाध्याय राष्ट्रीय संस्थान और शारीरिक विकलांगता व्यक्तियों का सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, 2 मार्च, 2017.

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुति (चयनित)

ममता शर्मा, जेएनयू और जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान सोसाइटी, भारत में आयोजित पर्यावरण संरक्षण और प्रबंधन की रणनीति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्तराखंड में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव।

मनीषा वाधवाः
(2017) ''स्कूली संस्कृति, छिपे पाठ्यक्रम और समाजवाद'' शिक्षा में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोणों की खोज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 जनवरी, 2017.
(2017) ''कक्षा में सक्रिय शिक्षण को प्रोत्साहित करना''। शिक्षा के द्वंद्ववाद पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 18 फरवरी, 2017.

निधि गोयलः
(2016) ''पूर्व–सेवा शिक्षकों का गणित की प्रकृति के बारे में विश्वास।'' शिक्षकों की शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलनःचुनौतियां, अवसर और रणनीतियां, शिक्षा संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 7–8 दिसंबर 2016.
(2017) ''स्कूल गणितःएक संदर्भ परिप्रेक्ष्य''। शिक्षा में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोणों की खोज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 जनवरी, 2017.
(2017) ''गणित शिक्षकों के लेंस के माध्यम से शैक्षणिक सामग्री में ज्ञान की खोज करना''। शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलनःवर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 10–11 मार्च, 2017.
अब्लीशा बाजाः
(2017) ''कक्षा में सक्रिय शिक्षण को प्रोत्साहित करना''। शिक्षा के द्वंद्ववाद पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 18 फरवरी, 2017.

(2017) ''कक्षाओं में एकरसता को तोड़नाःएक वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य''। समकालीन भारत में शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, शिक्षा का केंद्रीय संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 22–24 फरवरी, 2017.
(2017) ''विद्यार्थियों का सामाजिक अनुभव और हिंदी की पाठ्य पुस्तकें''। भाषा, साहित्य और समाज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 3 मार्च, 2017.

नीनू कुमारः
(2017) ''सीमाओ से परेः सड़क, तमन्ना, वेलकम टू सज्जनपुर और बोल में ''तीसरे लिंग'' की स्थानिक पहचान''। इतिहास, संस्कृति और साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः हाशिये को पढ़ना, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, अलीपुर, दिल्ली में अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से कला संकाय, उत्तरी कैम्पस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में, 24–25 फरवरी, 2017.
(2017) ''अमिताभ घोष के द हंगरी टाइड और रोहिन्टन मिस्त्री के अ फाइन बैलेंस में विरोध का प्रवचन''। प्रवासन और प्रवासियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठीःसिद्धांत, संस्कृति और साहित्य, भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24–25 मार्च, 2017.
(2016) ''आधुनिक तरीके की कल्पित कथाओं को लोकप्रिय बनाना– अमिश त्रिपाठी, चेतन भगत और दुर्जय दत्ता के उपन्यासों का एक विहंगावलोकन''। भारतीय लोकप्रिय कल्पना के संबंध में राष्ट्रीय सम्मेलनःवैश्वीकरण और इसके असंतोष, जाकिर हुसैन कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय, 3–4 मार्च, 2016.
प्रोमिला सहरावत (2016) ''भारत में रोजगार– चुनौतियों पर एक कार्य संक्षिप्तःडीडीयू–जीकेवाई''। दिल्ली की जनसंख्या की आय बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन, अदिति कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1 अक्टूबर 2016.

रोशनी देवीः
(2017) ''हिमाचल प्रदेश में जलवायु परिवर्तन से प्रमुख अस्थिरता और जोखिम का मूल्यांकन''। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के लिए स्थानिक निर्णय समर्थन प्रणाली पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1–2 फरवरी, 2017.

(2017) ''हिमाचल प्रदेश के शिमला शहर में जलवायु परिवर्तन और आपदा का जोखिम, भारत''। शहरों को लचीला बनाने पर राष्ट्रीय सम्मेलनःपोस्ट हैबिटेट –3, कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 3–4 फरवरी, 2017.

उपासना सेठ। (2017) 26 फरवरी, 2017 को वैश्विक पारंपरिक खाद्य सम्मेलन में "पारंपरिक खाद्यों की पैकेजिंग और लेबलिंग" पर आमंत्रित वक्ता।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

टिमलीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ अल्पावधि पाठ्यक्रम के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र – 5 (10.02%)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 01

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

शाहबाद डेयरी ग्राम को दत्तक लिया गया।

पुस्तकालय विकास

इस अकादमिक सत्र में छह सौ छह नई पुस्तकें शामिल की गईं। पुस्तकालय के स्वचालन की प्रक्रिया चल रही है। कंप्यूटर भी स्थापित किए गए।

संकाय की संख्या—108

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
स्वीकृत अनुदान — 15.26 करोड़ रुपए (लगभग)
उपयोग किया — 15.55 करोड़ रुपए (लगभग)
अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. ममता शर्मा को स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्यशाला में स्थानिक प्रौद्योगिकी और आपदा निवारण, सम्मानित अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था।

***

अहिल्या बाई कॉलेज ऑफ नर्सिंग

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

अहिल्या बाई *कॉलेज ऑफ* नर्सिंग, लोक नायक अस्पताल को स्कूल ऑफ नर्सिंग से कॉलेज ऑफ नर्सिंग के रूप में नवीनीकृत किया गया था, इसमें 39 छात्रों की वार्षिक भर्ती की क्षमता है, जिनमें से 2–3 सीटें जम्मू–कश्मीर की छात्राओं के लिए अरक्षित हैं। हमने अब जल्द ही एक एमएससी नर्सिंग कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव पेश किया है। इग्नू विश्वविद्यालय द्वारा हमारे कॉलेज को 2009 से नर्सिंग कार्यक्रम में मूल बी.एससी. के बाद की शिक्षा के केंद्र के रूप में चयनित किया गया है और सुश्री एलेन बेक कार्यक्रम की समन्वयक हैं। हमने कॉलेज में विश्व योग दिवस, स्वास्थ्य दिवस मनाया और हमारी छात्राओं ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रतिस्पर्धाओं और स्वास्थ्य (मेला) जागरूकता अभियानों में भाग लिया।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशाला

16 मार्च, 2017 को एलएनएच में स्तन स्व–परीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुति

23 फरवरी, 2017 को एएनसी ओपीडी, एलएनएच में छात्रों के एक समूह द्वारा एचआईवी/एड्स की रोकथाम और संक्रमण पर स्वास्थ्य जागरूकता भाषण प्रस्तुत किया गया था।

छात्रों ने 23 फरवरी, 2017 को गुर्दा दिवस समारोह के अवसर पर राम मनोहर लोहिया अस्पताल द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

21 जून 2016, को कॉलेज ऑडिटोरियम में विश्व योग दिवस मनाया गया, इसमें कॉलेज के सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

अक्तूबर, 2016 को ''सभी के लिए मनोवैज्ञानिक और मानसिक स्वास्थ्य प्राथमिक चिकित्सा'' के विषय पर विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया।
सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम (11 जनवरी, 2016).
प्रशिक्षु छात्रों द्वारा कैंसर जागरूकता के लिए वॉक (5 फरवरी, 2017) और पेडियाट्रिक्स ओपीडी, एलएनएच में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम (15 फरवरी, 2017) आयोजित किया गया।
संकाय की संख्या

भारतीय नर्सिंग काउंसिल के मानकों के अनुसार

***

अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी
अमर ज्योति पुनर्वास एवं अनुसंधान केंद्र

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ
अमर ज्योति संस्थान में फिजियोथेरेपी में उच्चतम मानकों की शिक्षा प्रदान करने के लिए हर साल विकास जारी है और यह भारत में फिजियोथेरेपी चिकित्सा में स्नातक शिक्षा का एक प्रसिद्ध केंद्र है। इस वर्ष मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी (एमपीटी) कार्यक्रम का सफल प्रक्षेपण हुआ। यह 2 साल की अवधि का एक नियमित पूर्णकालिक कार्यक्रम है और दो धाराओं मस्क्युलोस्केलेटल फिजियोथेरेपी और न्यूरोलॉजिकल फिजियोथेरेपी में विशेषज्ञता प्रदान करता है। संस्थान के फिजियोथेरेपी क्लिनिक, मस्क्युलोस्केलेटल और स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपी, बाल रोग और वयस्क न्यूरोलॉजिकल फिजियोथेरेपी, महिला स्वास्थ्य फिजियोथेरेपी, लाइफस्टाइल डिसऑर्डर में फिजियोथेरेपी, फॉल्स प्रिवेंस और वेस्टब्यूलर रिहेबिलिटेशन के अपने विशेष क्लीनिक में 100 से ज्यादा रोगियों का इलाज करते हैं।

सम्मान/विशिष्टताएं
डॉ. राजू के पराशर, निदेशक/प्रधानाचार्य को 2016 में शैक्षणिक क्षेत्र, नैदानिक अभ्यास, नवाचार और अनुसंधान के दायरे में समुदाय को फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान करने में उनके उत्कृष्ट पेशेवर गुणों को मान्यता देने के लिए भौतिक चिकित्सा–एम्स 2016 के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 10 दिसंबर, को फिजियो रत्न से सम्मानित किया गया।
विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र
बीपीटी छात्राओं ने जून–जुलाई 2016 में आयोजित विश्वविद्यालय की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विषय वार 60 डिस्टिंक्शन होते हैं, छह छात्राओं ने समग्र डिस्टिंक्शन प्राप्त किया।
प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू कश्यप ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
द्वितीय वर्ष की छात्रा श्रेया वशिष्ठ ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
तृतीय वर्ष की छात्रा पिंकी मसीह ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
तृतीय वर्ष की छात्रा हरिथमा वाधवा ने विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
प्रथम वर्ष की स्पर्श जैन ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
अंतिम वर्ष (साढ़े चार सालों का) की बरखा टंडन ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
प्रकाशन–2
एस जयंती, एन अरुमुगम, आर के पराशर, (2016). डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर से पीड़ित प्राथमिक स्कूल के बच्चों में शारीरिक फिटनेस और गति कौशल का मूल्यांकन– प्रायोगिक अध्ययन। वर्तमान अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाय 8(9), 38886–38891.
एस जयंती, एन अरुमुगम, आर के पराशर, (2016). एक एडीएचडी बच्चे में संचालन कौशल, शारीरिक फिटनेस और ध्यान पर न्यूरोलिंग्युस्टिक प्रोग्रामिंग और संरचित व्यायाम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन –एक प्रकरण अध्ययन। वर्तमान अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 8(12), 43648–43651.

संपादक/संपादकीय मंडल के सदस्य के रूप में सेवा करनेवाले शिक्षक – 3

अनुसंधान परियोजना

डॉ. एस जयंती, डॉ. नरकेश अरुमुगम, डॉ. राजू के पराशर, स्व वित्त पोषित, 2017–19, न्यूरो भाषा विज्ञान प्रोग्रामिंग (एनएलपी) और संचालन (मोटर) कौशल पर संरचित व्यायाम की प्रभावशीलता, एडीएचडी बच्चों में शारीरिक स्वास्थ्य और ध्यान – एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

डॉ. क्षितिज बंसल, डॉ. बरखा भटनागर, डॉ. राजू के पराशर, स्व–वित्त पोषित, 2017, प्राथमिक स्कूल के बच्चों में शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षा अंतर–दर निर्धारित करने वाली विश्वसनीयता, एक प्रायोगिक अध्ययन।

डॉ. क्षितिज बंसल, डॉ. बरखा भटनागर, डॉ. राजू के पराशर, स्व–वित्त पोषित, 2017, शहरी प्राथमिक स्कूलों के बच्चों के स्वास्थ्य, व्यायाम, पोषण और सामाजिक आर्थिक स्थिति का प्रभाव।

डॉ. संपदा जहागीरदार, डॉ. राजू के पराशर, स्व वित्त पोषित, 2016–17, घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस स् पीड़ित वयस्कों के लिए शारीरिक वजन समर्थन ट्रेडमिल प्रशिक्षण– एक प्रकरण अध्ययन।

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. समीर श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, गैर–आक्रामक कार्डियोलॉजी, फोर्टिस – एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट, ''कार्डियाक पुनर्वास में हालिया प्रगति'' पर दिल्ली, 14 अक्तूबर, 2016.

डॉ. दीपक कुमार, ''मैनुअल थेरेपी फॉर सरवाइकल स्पाइन'' पर कैपरी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनुअल थेरेपी, 14 दिसम्बर, 2016

डॉ. कौशल भट्ट, प्रमाणित एनडीटी प्रैक्टिशनर, भावनगर, गुजरात ''तंत्रिका विकास उपचार दृष्टिकोण के व्यावहारिक पहलू पर, 17 दिसम्बर, 2016.

डॉ. रिबेकाह दास, सहायक व्याख्याता, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय, 'साक्ष्य आधारित अभ्यास' पर एडिलेड, 23 जनवरी, 2017.

कार्यशालाओं का आयोजन

डॉ. एम जॉन सुलैमान, सह – प्राध्यापक, मनीपाल विश्वविद्यालय ''वेस्टिबुलर रिहैबिलिटेशन'', 16–17 सितम्बर, 2016.

डॉ. मनीष अरोड़ा, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, भौतिक चिकित्सा विभाग, एसबीएसपीजीआई, देहरादून में ऑस्टियोपैथी एवं लम्बोस्कोराल डिसफंक्शन पर एडवांस मैनुअल टेक्निक्स,24–25नवम्बर, 2016.

डॉ. राजीव अग्रवाल, प्रभारी, एनएससी, एआईआईएमएस, दिल्ली में ''गंभीर बीमार रोगियों की निगरानी और उपचार'', 15–16 अक्तूबर, 2016.डॉ.स्निग्धा मेहता ''प्रसव पूर्व एवं पश्चात् फिजियोथेरेपी'' पर, 18–19 मार्च, 2017.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

राजू के. पराशर को 8 सितम्बर, 2016 को भौतिक चिकित्सा के दिन जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में ''शारीरिक गतिविधि और बेहतर स्वास्थ्य के लिए व्यायाम'' पर संगोष्ठी के लिए आमंत्रित किया गया था,

क्षितिजा बंसल (2017) ''शहरी समुदायों में रहने वाली महिलाओं में मूत्र असंयम''। बैंगलोर में आयोजित भारतीय फिजियो थेरेपिस्ट सोसाइटी का दूसरा वार्षिक सम्मेलन,10–12 फरवरी, 2017.

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित –1

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ: 1 (न्यूजीलैंड विश्वविद्यालय, डेनमार्क)

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

आंतरिक / बाहरी – 2

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

आसपास के इलाकों में आठ शिविर (प्रत्येक शिविर में 6 छात्र) आयोजित किए गए थे, जहां लगभग 60–70 रोगियों को दाखिला / शामिल किया गया था। प्रत्येक शिविर के लिए लगभग पांच घंटे का समय समर्पित था।

पुस्तकालय विकासः

कुल बजटः समग्र – रु. 2,98,395.00. 27 पुस्तकें और फिजियोथेरेपी से संबंधित छह पत्रिकाओं के लिए सदस्यता ली गई।

संकाय की संख्या–15 (13 अकादमिक एवं नैदानिक)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सरदार भगवान सिंह पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ जैव मेडिकल साइंसेस एंड अनुसंधान, बालावाला, देहरादून ने 10–11 फरवरी 2017 को वार्षिक सरदार गुरचरण सिंह मेमोरियल 10वीं राष्ट्रीय बहस प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें लगभग 50 कॉलेजों ने भाग लिया। बहस का विषय ''विमुद्रीकरण'' था।सुश्री शिवांगी शर्मा (बीपीटी – चतुर्थ वर्ष), श्री दिग्विजय सिंह (बीपीटी –तृतीय वर्ष), सुश्री श्रेया वशिष्ठ (बीपीटी – द्वितीय वर्ष) और सुश्री साक्षी शांडिल्य (एमपीटी– प्रथम वर्ष) ने भाग लिया और न्यायाधीशों से काफी सराहना प्राप्त की।

स्वामी श्रृद्धानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 7 मार्च 2017 को एक अपरंपरागत और प्रोमेथियस बहस प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस बहस का विषय था ''कक्षा में उपस्थति अनिवार्य होनी चाहिये?'' जिसमें लगभग 50 महाविद्यालयों ने हिस्सा लिया था। हमारे छात्र श्री दिग्विजय सिंह (बीपीटी –तृतीय वर्ष सुश्री शिवांगी शर्मा (बीपीटी – चतुर्थ वर्ष) ने तीसरा पुरस्कार जीता जिसमें नकद पुरस्कार शामिल था। प्रोमेथियस बहस प्रतियोगिता (अंग्रेजी) में तीन राउंड शामिल थे। पहले दौर में एक सामूहिक चर्चा थी और विषय था ''एमएनसी– भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक कदम?''। दूसरे दौर मे तुरंत दिए गए विषय का दौर था और इसका विषय था ''बॉलीवुड में महिलाओं की गरिमा का अपमान''। अंतिम दौर डबल फायर राउंड था और विषय था ''आरक्षण अच्छा है या नहीं?'' सुश्री शिवांगी शर्मा (बीपीटी – चतुर्थ वर्ष) को नकद पुरस्कार मिला।

***

आर्यभट्ट कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

वर्ष के दौरान, कालेज में नियमित रूप से पांच नए पाठ्यक्रम अर्थात् बीए (ऑनर्स) हिस्ट्री, बीए (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स, बीए (ऑनर्स) साइकोलॉजी, बीएससी (ऑनर्स) कम्प्यूटर साइंस और बीएससी (ऑनर्स) गणित आरंभ किए गए। इसके अलावा, कॉलेज द्वारा बैचलर ऑफ मैनेजमेंट अध्ययन पाठ्यक्रम शुरू करने की मंजूरी प्राप्त की गई है और यह 2017–18 शैक्षणिक सत्र से शुरू हो जाएगा। तरेगना ब्लॉक (एसपीएस पार्ट–बी) का उद्घाटन किया गया। इस ब्लॉक में दो मंजिला पुस्तकालय ब्लॉक, दो मंजिला कैंटीन और एक संकाय अनुसंधान कक्ष है। इसके अलावा, माननीय युवा मामले और खेल मंत्री, भारत सरकार, श्री विजय गोयल ने नए बहु–मंजिला अकादमिक ब्लॉक का शिलान्यास किया।

सम्मान / विशिष्टताएं

रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय तायक्वोंडो चौम्पियनशिप में सुमेधा राठी, भरत सिंह शेखावत और कौस्तव बरुआ ने दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और सुमेधा राठी, भरत सिंह शेखावत ने को तायक्वोंडो स्वर्ण पदक और कौस्तव बरुआ ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्रः
श्री नेहाल अनुराग, बी.एससी. (आनर्स) गणित, चतुर्थ सत्र,88.53 प्रतिशत।
सुश्री प्रियंका रानी, बी.कॉम (एच), चतुर्थ सत्रः 80.31 प्रतिशत।
श्री अमित ठाकुर, बीए (आनर्स) अर्थशास्त्र, चतुर्थ सत्रः 78.88 प्रतिशत।

प्रकाशन
एम. अग्रवाल और एस. के. सिंह, (2016). प्रबंधन सिद्धांत और अनुप्रयोग, नई दिल्ली, हिमालय पब्लिशिंग हाउस, आईएसबीएनः 978–93–5262–299–3
पी राय और डी कुमार, (2017).(संपा.), पुस्तकालाध्यक्ष, आज और कलःसमकालीन समस्या। नई दिल्लीःबुक एज प्रकाशन, आईएसबीएनः 978–93–83281–68–8

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

विनय भूषण अग्रवाल, मैन्सफिल्ड कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''कहानी कहने'' पर 9वीं वैश्विक बैठक में ''इतिहास कथाः एक विवादास्पद संबंध'' शोधपत्र प्रस्तुत किया।

गीता बुधराजा के विदेश मंत्रालय द्वारा मेक्सिको सिटी में आयोजित विश्व के पारंपरिक खाद्य पदार्थ के पहले सम्मेलन में अपनी पुस्तक *भोगः* भारत के मंदिरों का खाद्य के आधार पर एक व्याख्यान–प्रदर्शन देने के लिए मेक्सिको आमंत्रित किया गया था।

बी. मंगलम ने उन्नत अध्ययन के जवाहरलाल नेहरू संस्थान में ''संस्कृतियों के पार अनुवाद अक्षमता पर आयोजित तीन दिवसीय आईएटीआईएस दक्षिण–एशियाई क्षेत्रीय कार्यशाला में ''लघु कथा के अनुवाद में अक्षमता पर वार्तालाप'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

देवेन्द्र सिंह ने जम्मू एवं कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा 4–6 जनवरी, 2017 को श्री श्री रवि शंकर के आश्रम, बैंगलोर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''भारतीय कला और सौंदर्यशास्त्र में आचार्य अभिनव गुप्ता का योगदान'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

कामायनी कुमार ने विकासशील देशों और अनुसंधान केंद्र तथा सिंधी भाषा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 13 अगस्त, 2016, को आयोजित ''विभाजन का भाषाई प्रभाव;; पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''गर्म हवा, मम्मो और रामचंद पाकिस्तानी के माध्यम से शरणार्थी और प्रवासन की राजनीति का अध्ययन'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

विनय भूषण अग्रवाल ने जर्मनी में उन्नत अध्ययन के फ्रीबर्ग संस्थान में 28–30 सितम्बर, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''सुपरहीरो पुनःअन्वेषणःभारतीय ट्विस्ट के साथ वैश्विक सुपर हीरो,'' लोकप्रिय संस्कृति में एक वैश्विक घटना के रूप में नायकत्व'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सुरजीत देव ने आय एवं धन में अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन (आईएआरआईडब्ल्यू), ड्रेस्डन, जर्मनी में 21–27 अगस्त, 2016 को आयोजित 34वें महासम्मेलन में ''विकलांगता और गरीबी के बीच संबंधः भारत में राज्यों के आंकड़ों के आधार पर विश्लेषण'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सुरजीत देव ने 12–14 दिसम्बर, 2016 को मुंबई विश्वविद्यालय में आयोजित चीनी अध्ययन के 9वें अखिल भारतीय सम्मेलन (एआईसीसीएस) में ''चीन के शहरीकरण और आर्थिक विकास के माध्यमिक शहरों की भूमिका'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सतीश कुमार झा, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में 23 सितंबर, 2016 को आयोजित आईसीएसएसआर उत्तरी सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में ''समकालीन भारत में सांस्कृतिक राजनीति'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 66 (81.48%)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 08

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

एडवेंचर सोसायटी ने फरवरी–मार्च 2017 में अपने 26वें वार्षिक हिमालयन पर्वतारोहण अभियान का आयोजन किया। पहले में 69 प्रतिभागी और दूसरे ट्रेक में 74 प्रतिभागियों के साथ दो चार दिवसीय आयोजित किए गए थे। सभी प्रतिभागियों ने उत्तराखंड में नगत्तिबाबा ट्रेक सफलतापूर्वक पूरा किया, जो निचले हिमालय में सबसे ऊंचा स्थान है।

राष्ट्रीय समाज सेवाः

एनएसएस यूनिट ने 2016–17 के शैक्षणिक सत्र में विभिन्न गतिविधियों, सेमिनारों और शिविरों का आयोजन किया। कॉलेज परिसर में राष्ट्रीयता का संदेश फैलाने वाले आजादी 70– याद करो कुर्बानी (स्वतंत्रता पखवाड़ा), एक ध्वज मार्च और ध्वजारोहण आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। एनएसएस यूनिट के स्वयंसेवकों ने भी 22 अगस्त, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में तिरंगा मार्च में भाग लिया। अगस्त और सितंबर, 2016 के महीने में स्वच्छ भारत और स्वच्छ पखवाड़ा अभियान में, नानपुर, मोती बाग के निकट स्वच्छता जागरूकता अभियान *स्वच्छ भारत* में एक नाटक और संगोष्ठी का आयोजित किया गया था। कॉलेज ने 24 सितंबर, 2016 को एनएसएस दिवस मनाया। कॉलेज परिसर में दो नुक्कड़ नाटकों, नारा लेखन प्रतियोगिता और एक नशामुक्ति जागरूकता रैली आयोजित की गई थी। मतदान के अधिकार और साथ ही मतदान के कर्तव्य के बारे में युवाओं को संवेदनशील बनाने के लिए विशेष चुनाव शिविर भी आयोजित किए गए थे। रेलटेल के साथ सहयोग में 5 नवंबर, 2016 को ईमानदारी को बढ़ावा देने और भ्रष्टाचार को खत्म करने में सार्वजनिक भागीदारी पर एक बहस प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी। बिटिया साक्षरता अभियान (वीआईएसएकेए) के अंतर्गत मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों के एक अभियान के अंतर्गत 12 दिसंबर, 2016 से 12 जनवरी 2017 तक एक डिजिटल वित्तीय साक्षरता अभियान का आयोजन किया गया। एनएसएस यूनिट ने 12 जनवरी, 2017 को राष्ट्रीय युवा दिवस और 25 जनवरी, 2017 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया। शैक्षिक फाउंडेशन के सहयोग से, वीआईएसएकेए अभियान के अंतर्गत काले धन के उन्मूलन पर एक संगोष्ठी का आयोजन कियाः *विमुद्रीकरण और आगे क्या?* 8 मार्च 2017 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, एनएसएस यूनिट ने कॉलेज के परिसर में ''एक दिवसीय निःशुल्क हृदय एवं कैंसर चेक–अप कैंप और दंत स्वास्थ्य परीक्षण और जागरूकता शिविर'' का भी आयोजन किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने 22 मार्च, 2017 को, विश्व जल दिवस पर इंडिया गेट पर वाल्कथोन–वॉक फॉर वॉटर में भाग लिया।दिल्ली विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना(एनएसएस) द्वारा शीर्ष आठ विश्वविद्यालय छात्रों में आर्यभट्ट कॉलेज की एनएसएस स्वयंसेवी एकता कुमारी को चयनित किया गया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी):

हमारे कैडेटों ने कॉलेज (यूनिट), यूनिवर्सिटी स्टाफ स्तर और साथ ही पूरे भारत में अच्छी नौकरियां प्राप्त की हैं।

पुस्तकालय विकास

छात्रों के वर्तमान अध्ययन कक्ष के छोटा पड़ने के कारण, पुस्तकालय (पहली मंजिल पर) के ऊपर लगभग 100 छात्रों की बैठने की क्षमता के साथ कंप्यूटर और इंटरनेट सुविधाओं वाला एक नया अध्ययन कक्ष निर्मित किया गया है। इसके अलावा, पुस्तकालय (पहली मंजिल पर) के ऊपर शिक्षकों के लिए लगभग 20 लोगों के बैठने की क्षमता वाले एक अध्ययन कक्ष का निर्माण किया गया है। टेरेगना ब्लॉक में एक नया पुस्तकालय सह वाचन कक्ष बनाया गया है और यह 2017–18 शैक्षणिक सत्र में काम करने लगेगा।

संकाय की संख्या

स्थायी–55; तदर्थ –23

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान – 21,78,61,555 रुपए (लगभग)

उपयोग किया गया – 13,78,58,076 रुपए (लगभग)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

जनवरी, 2017 में कॉलेज ने एक इंटर कॉलेज टीम बिल्डिंग इवेंट– ''रोस्टर'' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान 6 कॉलेजों के 380 छात्रों और 170 छात्राओं ने एक टीम में काम करने, एक टीम का नेतृत्व करने और टीमों का प्रबंधन करने के तरीके जानने के लिए एक सप्ताह–लंबे कार्यक्रम में भाग लिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कुछ अन्य कॉलेजों के साथ हमारे कॉलेज के पांच छात्रों ने भुवनेश्वर में आयोजित आईआईटी प्रीमियर लीग –20–20 में दिल्ली विश्वविद्यालय की टीम का प्रतिनिधित्व किया।

एनेक्ट्स आर्यभट्ट के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाएं और घटनाएं निम्नानुसार हैंः

महिलाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने एवं महिला सशक्तिकरण और आत्म–निर्भरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से परियोजना शक्ति शुरू की गई थी। यह वंचित महिलाओं के लिए एक व्यापार मॉडल पर भी केंद्रित है जहां हमारी टीम उन्हें मिर्च स्प्रे बेचने के लिए विपणन कौशल और रणनीतियों में प्रशिक्षित करेगी।

परियोजना उत्कर्ष एक अनूठी पहल है जिसमें हमारे इलाकों में स्थित जूस की दुकानों में उत्पन्न गाजर और चुकंदर जैसी सब्जियों के अवशिष्ट गूदे का उपयोग नमकीन वेफर्स बनाने के लिए किया जाता है जो स्वादिष्ट और उच्च पोषण युक्त होते हैं।

परियोजना इब्तिदाह एक वित्तीय साक्षरता पहल है, जिसमें 20 छात्र सदस्यों की एक टीम को वित्तीय साक्षरता की गंभीर आवश्यकता की पहचान करने के प्रयास में दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करने की जिम्मेदारी दी गई है। वे बुनियादी वित्तीय ज्ञान का प्रसार करने के लिए काम कर रहे हैं और अब तक दो झुग्गियों– कीर्ति नगर और जीटीबी नगर में सरकारी योजनाओं पर चर्चा की है। टीम ने कीर्ति नगर और जीटीबी नगर दोनों का तीन–तीन बार दौरा किया है।

पहचान परियोजना का लक्ष्य विभिन्न पृष्ठभूमि, समुदायों और जीवन शैली के लोगों से संपर्क करना, उनकी विविध जीवन कथाओं, उनकी यात्रा को जानना और सामाजिक मीडिया के माध्यम से एक मंच प्रदान करना है, जहां जरूरतमंद लोगों की मदद की जा सकती है।

चुनाव अभियान के दौरान प्रचारात्मक उद्देश्यों के रूप में भारी मात्रा में उपयोग किए जाने वाले कागज को इकट्ठा और पुनः उपयोग करने के उद्देश्य से डीयूएसयू ने चुनाव अभियान के दौरान एनेक्टस आर्यभट्ट द्वारा एक स्वच्छता

अभियान का आयोजन किया था। रजिस्ट्रर बनाने के लिए अपशिष्ट कागजों का पुर्ननवीकरण किया गया था, जिन्हें छात्रों और शिक्षकों को कम कीमत पर बेचा गया था।

समाज के वंचित वर्ग के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए *देने का आनन्द* सप्ताह मनाया गया। इस घटना को अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

***

आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

एआरएसडी कॉलेज, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), भारत सरकार के समर्थन से नवाचार और उद्यमशीलता नेतृत्व केंद्र (सीआईईएल) की स्थापना के साथ, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत अपने परिसर में एक प्रौद्योगिकी बिजनेस इनक्यूबेटर रखने वाला पहला कॉलेज बन गया है। स्टार्ट अप इंडिया स्कीम के अंतर्गत, सीआईईएल आगामी स्वतंत्र उद्यमियों को सिफारिश पत्र जारी करने के लिए अधिकृत इनक्यूबेटर भी है। वाणिज्य विभाग और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज संस्थान लिमिटेड (बीएसई) के साथ मिलकर कौशल विकास और उद्यमशीलता प्रकोष्ठ ने ''मास्टरिंग स्टॉक मार्केट्स–एक्सपेरिअन्टियल लर्निंग'' नामक एक एड–ऑन कोर्स आरंभ किया है। कॉलेज जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एसटीए आर कॉलेज स्कीम का प्राप्तकर्ता है। एआरएसडी कॉलेज की उत्तर–पूर्व कल्याण समिति ने 21 फरवरी 2017 को तीसरे इंद्रधनुष उत्सव का आयोजन किया, जिसमें उत्तर–पूर्व की विविध संस्कृतियों का प्रदर्शन किया गया। कॉलेज ने राष्ट्रीय महत्व दिवस का उत्सव मनाया, जिसमें संविधान दिवस, आजादी 70– याद करो कुर्बानी, राष्ट्रीय युवा दिवस और राष्ट्रीय एकता सप्ताह का आयोजन किया गया।

सम्मान/विशिष्टताएं

संस्थागत पुरस्कार और मान्यताः

एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एआरएसडी कॉलेज को पूरे भारत के कॉलेजों में पांचवां स्थान दिया गया है।

2017 में कॉलेज को राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद (एएएसी) द्वारा ए ग्रेड प्रदान किया गया था।

कॉलेज को 8 मार्च 2017 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में रोजगार उत्पन्न करने वाली महिला एजेंसी (डब्ल्यूएजीई) द्वारा बालिका शिक्षा और अधिकारिता पुरस्कार 2017 और ग्रीन कैंपस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

डब्ल्यूएजीई ने उसी समारोह में प्रधानाचार्य डॉ. जी. के. झा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया।

स्वच्छता शिक्षण एवं अनुसंधान के राष्ट्रीय संस्थान (एनआईसीईआर) के साथ मिलकर विश्व शांति के अतर्राष्ट्रीय संघ (संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध) और भारतीय विश्वविद्यालयों के परिसंघ (सीआईयू) ने प्राचार्य, को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया और 12 मार्च, 2017 को आईआईसी में आयोजित कौशल और व्यावसायिक शिक्षा (एसएवीई) शिखर सम्मेलन के अवसर पर कॉलेज का स्वच्छ परिसर पुरस्कार प्रदान किया।

प्राचार्य को 9वें नटसम्राट थियेटर अवार्ड्स के भाग के रूप में नटसम्राट थिएटर ग्रुप द्वारा सर्वश्रेष्ठ थियेटर प्रोत्साहक पुरस्कार प्रदान किया गया था।

कॉलेज को फूलों के पौधों की सालाना प्रविष्टि के लिए एक प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया था और 59वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी, दिल्ली विश्वविद्यालय में कॉलेज उद्यान और फ्रेंच मैरीगोल्ड के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जगदम्बा प्रसाद ने सर्वश्रेष्ठ माली का पुरस्कार जीता था।

संकाय पुरस्कारः

डॉ. ज्योत्सना फनीजा बोलाः
तेलुगू कविता *''समयम सेरुव्याइंदी''* के लिए दिसम्बर, 2016 में एक्स–रे मुख्य पुरस्कार।
तेलुगु कविता ''ओ पाता विनोभाई समयम'' के लिए नवंबर 2016 में पातुरी मानिक्यम्मा स्मारक साहित्य पुरस्कारम।
तेलुगु कविता ''पोदी वाना'' के लिए जून 2016 में राधेया श्रेष्ठ कविता पुरस्कारम।
मार्च 2016 में एक अनुकरणीय महिला होने के लिए विजयवाड़ा का अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पुरस्कार।
डॉ. सैयद मुबिन जेहर को 2016 में लैंगिक संवेदनशीलता पर उनके लेखन के लिए लाडली मीडिया एवं एडवरटाइजिंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

एनसीसी के अंतर्गत आयोजित सबसे प्रतिष्ठित शिविरों में से एक गणतंत्र दिवस शिविर के लिए दो एनसीसी कैडेटों, कैडेट ऋषभ पुरोहित और कैडेट सूरज का चयन किया गया था। बी.ए. तृतीय वर्ष की सपना और रविकांत प्रसाद को तृतीय वर्ष दिल्ली संस्कृत अकादमी से मेरिट पुरस्कार प्राप्त हुआ।

निम्नलिखित छात्रों को अकादमिक विशिष्टता पुरस्कार मिला।

आकेश ग्रोवर, बी.कॉम (आनर्स) तृतीय वर्ष को विश्वविद्यालय परीक्षा में 87.04 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए।

निकिता मिश्रा, बी.ए. (एच)अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष ने विश्वविद्यालय की परीक्षा में 84.30 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

अविनाश बनर्जी, बीए (आनर्स) हिंदी द्वितीय वर्ष ने विश्वविद्यालय परीक्षा में 87.71 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

जितेंद्र कुमार, बीएससी (आनर्स) भौतिकी द्वितीय वर्ष विश्वविद्यालय परीक्षा में 93.33 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

तरुण गर्ग, बीएससी (आनर्स) विश्वविद्यालय की परीक्षा में सीएस द्वितीय वर्ष में 94.61 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

प्रकाशन (चयनित)

एस एस बाघेल, (2017). *मीडिया का बाजारीकरण और लोकतंत्र,* दिल्लीः यश प्रकाशन लिमिटेड।

जे बोला, (2016). *सिरेमिक शाम (कविता संग्रह),* कलकत्ताःराइटर्स वर्कशॉप।

वी एम झा, (2016). *हॉल्टटन का बिहार, भारत का दिल,* दरभंगाः बिहार हेरिटेज सीरीज।

कौशिकेटल (2016). लचीले कोलेस्ट्रॉल जैवसेंसर सब्सट्रेट के लिए कार्बन अनोफाइबर पर एक कदम तांबे की कोटिंग। *रसायन विज्ञान सामग्री की पत्रिका बी,* 4, 229–236.

एच ए रेशी, ए वी सिंह, एस पिल्लई, टी ए पारा, एस धवन, वी शेल्के, (2016). मल्टीफेरोरीक बाईएफईओ3 नैनोमटीरियल परिरक्षण में एक्स–बैंड आवृत्ति प्रतिक्रिया और विद्युतचुंबकीय हस्तक्षेप। *अनुप्रयुक्त भौतिकी पत्र,* 109, 142904.

एन शर्मा, टी एस चंदावत, एस सी महापात्र, एस भगत, (2016). फ्लोरिनेटेड एन, एस–एसिटल के माध्यम से नए फ्लोरिनेटेड मल्टिसब्स्टीट्यूट पाइरीमिडीन और 1,5–बेंजोडियाजिपिन्स का संश्लेषण, *सिंथेसिस,* 48. 4495–4508.

ए सिंह, (2016). दक्षिण चीन सागर विवादः ''इंडियाज लुक ईस्ट से एक्ट ईस्ट पॉलिसी में एक भारतीय परिप्रेक्ष्य'' अवसरों और चुनौतियों पर नजर रखना। प्रो. मनमोहिनी कौल और डॉ अनुष्का चक्रवर्ती (संपा.) में, भारत–प्रशांत, नई दिल्लीः पेंटागन प्रेस।

जे सिंह, पी सिंह, ए सिंह, (2016). फ्लोराइड आयन बनाम प्रौद्योगिकियों को हटानाः एक अध्ययन," विशेष अंकः पर्यावरण रसायन विज्ञान रसायन विज्ञान की अरबी पत्रिका, 9. 815–824.

एस सिंह, एस एन दुबे, के नेगी, बी किशन, (2017), ''दिल्ली स्थानीय स्व सरकार और सामाजिक–आर्थिक और राजनीतिक विकास के परिधीय क्षेत्रों में शहरी शासन की चुनौतियां (संपा.), दिल्लीः सनराइज प्रकाशन।

एस.एस सुब्रमण्यम, एम कुमार, (2016). फेरामैग्नेटिक–पीबीजेडआर $_{0.52}$टीआई$_{0.48}$ओ$_{3}$ नैनो कंपोजिट का संरचनात्मक, चुंबकीय, डिइलेक्ट्रिक और चुंबक–डिइलेक्ट्रिक युग्मन विश्लेषण, सामग्री विज्ञान की पत्रिकाः इलेक्ट्रॉनिक्स में सामग्री, 27, आईएसएसएनः 1573–482एक्स

संपादक और संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवा करने वाले शिक्षक –13

अनुसंधान परियोजनाएं

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, 2015–2018, ई. जांबोलाना और इसके संरचनात्मक एनालॉग से पृथक प्राकृ तिक उत्पादों की डिजाइन और संश्लेषण, आईएनटीजेड प्रेरित मधुमेह की संभावित मधुमेह विरोधी क्षमता का आकलन, 54 लाख रुपए।

डीएसटी–एसईआरबी, 2015–2018, जैविक महत्व के कुछ नए समुद्री प्राकृतिक उत्पादों की डिजाइन और रणनीतिक संश्लेषण, 43 लाख रुपए।

डीएसटी–एसईआरबी, 2016–2019, आईटी–एसओओएफसी के लिए लागत प्रभावी ठोस इलेक्ट्रोलाइट की जांच और विकास, 35 लाख रुपए।

डीएसटी–एसईआरबी, 2017–2020, यम आयन आधारित इलेक्ट्रोलाइट्स के साथ ग्रैफीन (नैनो–कार्बन)/मेटल–ऑक्साइड नैनो–कंपोजिट इलेक्ट्रोड का उपयोग कर हाइब्रिड कैपेसिटर्स के प्रदर्शन पैरामीटर की डिजाइन और अनुकूलन। 43 लाख रुपए।

यूजीसी, 2013–2017. चीनी मिट्टी सामग्री की तैयारी के लिए एआई (Ill),V (V), टीआई (IV) और संबंधित धातु के कुछ एकल स्रोत आणविक पूर्ववर्तियों का संश्लेषण और लक्षण वर्णन अध्ययन, 13.71 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां(चयनित)

डॉ. मल्लारिका सिन्हा रॉय, महिला अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर, और डॉ. निवेदिता सेन, हंस राज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में अंग्रेजी की एसोसिएट प्रोफेसर, महाश्वेता देवी के कार्यों में प्रतिनिधित्व की राजनीति पर दिल्ली विश्वविद्यालय, 16 सितम्बर, 2016.

प्रो. आर. कविता राव, माल और सेवा कर को समझने पर एनआईपीएफपी, 8 फरवरी, 2017.

प्रोफेसर संगीत के रागी, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, श्री आशुतोष भटनागर, कार्यकारी निदेशक, जेके स्टडी सर्किल और कर्नल जैबंस सिंह, वरिष्ठ सलाहकार, जम्मू और कश्मीर पर एएनआईः राजनीतिक या सुरक्षा समस्या, 3 नवम्बर, 2016.

डॉ विपिन कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक, सीआईएसआईआर–नेशनल फिजिक्स लैबोरेटरी साहित्य से नवाचार तक एक यात्रा – लुमिनेसेंट ग्रैफीन और इसके गुण, 3 फरवरी, 2017.

डॉ. वी. के. त्रिपाठी, प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली, प्लाज्मा और उसके अनुप्रयोगों पर, 20 फरवरी, 2017.

लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखलाः

डॉ. कुमार कृष्ण, वरिष्ठ वैज्ञानिक, नासा, अंतरिक्ष क्यों मायने रखता है, 10 फरवरी, 2017.

श्री सुशांत सरीन, वरिष्ठ फेलो, वीआईएफ और सुश्री प्रभा राव, वरिष्ठ फेलो, आईडीएसए, प्रोफेसर, चिंतामणि महापात्र, रेक्टर, भारत–पाकिस्तान संबंधों में एक कारक के रूप में बलूचिस्तान, जेएनयू, 21 अक्तूबर, 2016.

आयोजित सम्मेलन

किनारे करना नहीः साहित्य और दृश्य कला, 27–28 फरवरी, 2017 को अंग्रेजी विभाग, एआरएसडी में अंग्रेजी संघ द्वारा आयोजित अंग्रेजी संगोष्ठी।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (चयनित)

नूतन शर्मा और सुनीता भगत (2016) ''विविध रूप से प्रतिस्थापित ए–ऑक्सोकेटिन डायथोएसिटल्स से सॉलिड सपोर्ट मध्यस्थता वाले केमो–और 3एच–15–बेंजोडायजेपाइन का रेजिओसेक्लेक्टिव संश्लेषण।'' पर्यावरण निरंतरता और रासायनिक शिक्षा में हरित रसायन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 17–18 नवंबर, 2016.

नूतन शर्मा, तेजपाल सिंह चंदावत, सुनीता भगत (2016) ''नाइट्रोजन बिन्यूक्लेयोफिल्स का उपयोग करते हुए नए फ्लोरेनेटेड बहु विस्थापित पाइरीमिडीन और 1,5–बेंजोडायजेपाइन के संश्लेषण के लिए फ्लोरिनेटेड एन, एस–एसिटल के एक्जीपिन्ट अन्वेषण''। रसायन–संबद्ध विज्ञान इंटरफेस में फ्रंटियर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, राजस्थान विश्वविद्यालय, 25–26 अप्रैल, 2016.

सुनीता बंसल, संगीता अग्रवाल, अंकित कुमार, भवनेश कुमार (2016) "संक्रमण धातुओं द्वारा कार्यात्मक नैनो–ग्रेफीन का अध्ययन और आकार और सह–आयन पर निर्भर चालकता, बैंड अंतर''। पर्यावरण चुनौतियां, मानव स्वास्थ्य और समाज पर राष्ट्रीय सम्मेलन, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, 08–10 सितम्बर, 2016.

परमिंदर कौर (2016), "फ्रेंचाइजर–फरैन्चाइसी संबंध में स्वायत्तता और निर्भरता पर अनुभवजन्य अध्ययन''। 5वां अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन 2016, वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 4–5 नवंबर, 2016.

नीतिका शर्मा, प्रीतम शर्मा और ज्योतिका जोगी। (2016) ''नैनो–डायमेंशनल इन एएलआईएस/आएनजीएएस के सिंगल गेट एचईएमटी में गतिशीलता अवक्षय'', आईईईई कॉन्फ्रेंस टीईएनसीओएन 2016 की कार्यवाही में, 22–25 नवंबर, 2016, मरीना बे सैंड्स, सिंगापुर, आईएसएसएनः 2159–3450, आईएसबीएनः 978–1–5090–2596–1.

प्रीतम शर्मा, आर एस गुप्ता और ज्योतिका जोगी (2016) ''दृश्य रोशनी के अंतर्गत आईएनएएलए/आईएनजीएएस के लिए एचईएमटी उपकरण व्यवहार का अनुकरण''। प्रणाली अनुकरण के क्षेत्र में प्रगति पर आठवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एसआईएमयूएल 2016, (पृ–52–55), 21–25, अगस्त, 2016, रोम, इटली, आईएसएसएनः2308–4537, आईएसबीएनः 978–1–61208–50

अचिंगलु कमीई (2017) ''जनजातीय संस्कृति और महिलाः ईसेरीन कियर की ''ए टेरेबल मेट्रैर्की के करीबी अध्ययन के आधार पर महिलाओं की स्थित पर एक आलोचना''। अंग्रेजी विभाग, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज द्वारा अंग्रेजी विभाग,

दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 24–25, फरवरी, 2017 को आयोजित इतिहास, संस्कृति और साहित्य पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः हाशिए से पढ़ना।

सैयद मुबिन जेहर (2016) ''सिख शाहिदाने–ए–वफा– एक सूफी मार्सिया– एक विश्लेषणात्मक स्रोत जिसे दूसरा करबला कहा जाता है'' इतिहास विभाग, माता सुंदरी महिला कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय पर द्वारा 6–7 अक्तूबर, 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी।

एम सादिक, आशीष कुमार यादव, अनिल आर्य, मनोज के सिंह, ए एल शर्मा, (2016) ''पॉलिमर–आयन–क्ले परस्पर सक्रियता और पॉलिमर नैनोकंपोजिट इलेक्ट्रोलाइट्स फिल्में में आयन आयन सहभागिता की योजना''। बेहतर जीवन जीने के लिए नैनो प्रौद्योगिकी पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर, भारत 25–29 मई, 2016

इंद्र मोहन झा (2017) ''मोदी की विदेश नीति और कूटनीति?'' राष्ट्रीय सेमिनार, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, 28–29 मार्च, 2017.

अमित सिंह (2017)''भारत एक उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में: भारतीय प्रवासियों की भूमिका और उसके प्रवासियों के संपर्क पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' प्रवासियों के पहल (ओडीआई) के संगठन द्वारा आयोजित तुलनात्मक वैश्विक अभ्यास सीएएस–एसआईएस, जेएनयू, प्रवासी और अंतर्राष्ट्रीय माइग्रेशन प्रोग्राम (डीआईएमपी), बेंगलुरु में हेनरिक बॉल फाउंडेशन, भारत और विदेश मंत्रालय,10–11, जनवरी, 2017.

अमित सिंह (2017) ''भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और उसके प्रवासी''। अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं विकास (सीएसआईआरडी) में अध्ययन के केंद्र द्वारा आयोजित ''नए भारतीय प्रवासी और अनुबंधित प्रवासीः भारतीय विदेश नीति के लिए उभरते अवसर'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। कोलकाता, ओडीआई, विदेश नीति अध्ययन संस्थान (आईएफपीएस), कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा कोलकाता में आईसीएसएसआर और एमईए के सहयोग से, 3–4 नवम्बर, 2016.

चारु माथुर (2016) ''मानवाधिकार और शरणार्थी अधिकारः क्षेत्रीय मानवाधिकार में आगे एक आम मार्ग''। सामाजिक विकास एवं लोगों के कार्य सोसाइटी द्वारा आयोजित संगोष्ठी, 27 अगस्त, 2016.

इंद्रजीत कुमार झा (2016) ''असंगठित श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा की चुनौतियांः सीडब्ल्यूजी कामगार मामलों के लिए एशियाड श्रमिकों के मामले का अनुभव'' श्रम कानून पर राष्ट्रीय संगोष्ठी असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम–2008 का सुधार और क्रियान्वयन, महात्मा गांधी श्रम संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात, 31मार्च, 2016.

इंद्रजीत कुमार झा (2017) ::मुख्यधारा की राजनीति और गैर–दलीय राजनीति की प्रासंगिकता का संकट''। आईसीएसएसआर, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में, उदयपुर और उत्तरी–क्षेत्रीय केंद्र – आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान आयोजित पांचवां उत्तर क्षेत्रीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, 24–26 फरवरी, 2017.

विकास कुमार (2017) ''ट्रेड यूनियन आंदोलन एंड लोकतांत्रिक अधिकार 1900 के बादः दिल्ली–एनसीआर श्रम आंदोलन के संदर्भ में''। पांचवां उत्तरी क्षेत्रीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र– आईसीएसएसआर, नई दिल्ली और मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, 24–26फरवरी, 2017.

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

कॉलेज के निम्नलिखित के साथ 5 समझौता ज्ञापन हैं –

12 सितंबर, 2016 से कॉलेज के अपशिष्ट कागजों के पुर्नचक्रण के लिए जागृति।

''पोमपोम रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ सितंबर 2016 से सूखे कचरे को लेने और पुनर्चक्रण के लिए।

बीएसई लिमिटेड की सहायक कंपनी बीएसई इंस्टीट्यूट लिमिटेड के साथ अगस्त 2016 से, ''मास्टरिंग स्टॉक मार्केट्स– एक अनुभवात्मक शिक्षा''।

आईआईटी–मुंबई के साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा समर्थित स्पोकेन ट्यूटोरियल परियोजना।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार स्टार कॉलेज फंडिंग योजना के अंतर्गत, इस योजना के अंतर्गत, कॉलेज को जैविक अध्ययन और जीव विज्ञान में स्नातक स्तर के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों में महत्वपूर्ण सोच और प्रयोगात्मक कार्य को सुधारने और बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। तीन वर्ष के लिए 47 लाख रुपए।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र–139 (2%)

भर्ती के लिए परिसर में आनेवाली कंपनियां/उद्योग – 09

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा 01–09–2016 से 16–09–2016 तक ''स्वच्छता पाखवाड़ा'' मनाया गया। इस पखवाड़े के हिस्से के रूप में ''अपशिष्ट कागजों के पुनर्चक्रण पर एक संगोष्ठी, कॉलेज में सफाई अभियान, बाजार में स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक स्वच्छता रैली और द्वार–द्वार अभियान तथा सत्यनिकेतन के जे जे क्लस्टर जैसी कई गतिविधियां आयोजित की गईं। कॉलेज में ''स्वच्छ भारत अभियान'' की अगुआ होने के नाते एनएसएस यूनिट ने इस सत्र में कॉलेज में विभिन्न सफाई अभियान चलाए थे। एनएसएस स्वयंसेवकों, एनसीसी कैडेटों, छात्रों और शिक्षकों ने बड़ी संख्या में ''श्रमदान'' में भाग लिया।

2 सितंबर, 2016 को स्वच्छता रैली और द्वार–द्वार जागरूकता अभियान आयोजित किया गया था, जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साह के साथ बड़ी संख्या में भाग लिया था। रैली कॉलेज से धौला कुआं बस स्टैंड, सत्यनिकेतन मार्केट से होते हुए सत्यनिकेतन के जे. जे. क्लस्टर और कॉलेज में वापस लौटी और इस तरह कॉलेज में सफाई के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए बहुत से लोगों को लक्षित किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 1,10,000 से अधिक पुस्तकें हैं, जिनमें से 45,936 पाठ्यपुस्तकें हैं। इसने 41 पत्रिकाओं, 19 अखबारों और 29 पत्रिकाओं की सदस्यता ली है। मेजेनाइन स्लैब्स का उपयोग कर, 177 वर्ग मीटर का एक अतिरिक्त स्थान विकसित किया गया है, जिससे शिक्षकों के पढ़ने और पुस्तकालय में अधिक स्थान विकसित किया गया है। रखरखाव संचालनों को स्वचालित करने के लिए पुस्तकालय एसओयूएल एकीकृत लाइब्रेरी प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है। लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर ओपीएसी (ऑनलाइन सार्वजनिक एक्सेस कैटलॉग) के कार्यों की सुविधा भी देता है, जिससे उपयोगकर्ता अपने आवश्यक दस्तावेजों का उपयोग कर सकें। कॉलेज लाइब्रेरी ने आईएनएफएलआईबीएनईटी–एनएलआईएसटी डेटाबेस की सभी सदस्यता ली है।

संकाय की संख्या
स्थायी – 137, तदर्थ – 55
वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
स्वीकृत अनुदान – 35.8501 करोड़ रुपए।

उपयोग किया – 35.5429 करोड़ रुपए।
अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में, छात्र चिंताओं, शिकायतों और प्रतिक्रिया पर चर्चा की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रत्येक विभाग में एक छात्र–संकाय समिति का गठन किया गया है। इस मंच में प्रत्येक विभाग के प्रत्येक संकाय के चार संकाय सदस्य और शैक्षिक रूप से शीर्ष पर रहने वाले छात्र शामिल हैं। समिति छात्र निकाय द्वारा सामना किए जाने वाले मुख्य मुद्दों को संभालने के अलावा, कॉलेज के शैक्षिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में नवाचार पर भी ध्यान केंद्रित करेगी।

वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में, कॉलेज ने छात्रों और कर्मचारियों की भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए एक मनोवैज्ञानिक और परामर्शदाता, श्रीमती कुशल कौशिक को नियुक्त किया है।

राजनीति विज्ञान बीए (ऑनर्स) की छात्राओं प्रियंका कथुरिया और ऋषिका राय ने ने 2–6 नवंबर 2016 को अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल साइंस (आईएपीएसएस) द्वारा आयोजित पेरिस के एक अध्ययन दौरे में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। पूरी दुनिया से बीस और भारत से चार छात्रों का चयन किया गया था (जेएनयू और जादवपुर विश्वविद्यालय से एक–एक और हमारे कॉलेज में से दो)

कॉलेज वॉलीबॉल टीम ने दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज मैन वॉलीबॉल टूर्नामेंट में पहला स्थान प्राप्त किया। एआरएसडी कॉलेज की नाटक सोसायटी, 'रंगायन' ने प्रशंसित हिंदी नाटक आलोचक डॉ. जयदेव तनेजा के सम्मान में 11 से 13 जनवरी, 2017 तक अपने तीसरे तीन दिवसीय नाटक महोत्सव, ''रंगेश्वर जयदेव नाट्य उत्सव'' का आयोजन किया। यह नाटक उत्सव आयोजित करनेवाला एकमात्र कॉलेज है।

छात्रों ने विकासशील देश अनुसंधान केंद्र द्वारा आयोजित, उत्तर प्रदेश चुनाव 2017 पर एक चुनाव सर्वेक्षण में भाग लिया। इस सर्वेक्षण में 55 छात्रों और दो संकाय सदस्यों की एक टीम ने भाग लिया।

विकास प्रकोष्ठ ने 14 सितंबर, 2016 को लिंग संवेदीकरण पर एक संगोष्ठी ''महिलाओं की महत्ता सम्मान करना''। का आयोजन किया, पैनल में सुश्री ईशा पांडेय, आईपीएस, अतिरिक्त डीसीपी, ओरगा के संस्थापक श्रीमती दीप्ति रावत और सामाजिक अनुसंधान केंद्र की निदेशक रंजना कुमारी शामिल थे। अंग्रेजी डिबेटिंग सोसाइटी, निम्बस ने फरवरी 2017 में अपने पहली अंतर–कॉलेज एआरएसडी यूथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जिसमें 150 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

***

आयुर्वेदिक और यूनानी तिब्बिया कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

ए और यू तिब्बिया कॉलेज और अस्पताल ने 21 जून को आयुष के निदेशक की उपस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। पूरी तरह से वातानुकूलित ओपीडी का नवीनीकरण किया गया था। हमने द्रव्यगुण विभाग में शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई का आयोजन किया जिसमें पूरे भारत के संकायों ने भाग लिया।

प्रकाशन
एम ईदरीस, एम सलीम, (2016). पुदीना (मेन्था अर्वेनसिस) भोजन के योजक से लेकर बहुआयामी दवा में परिवर्तन तक। फार्मास्युटिकल साइंसेज की एआरसी पत्रिका, 2(2),6–15.
एम टी ईदरीस, (2016). ट्रांस–चर्म यूनानी स्त्री गर्भनिरोधक तैयार करना–डिजाइन और इन–विट्रो ट्रांसडर्मल गतिविधि मूल्यांकन। फार्मास्युटिकल अनुसंधान की इंडो–अमेरिकन पत्रिका, 6(7),6265–70.

आई. कुशवाहा, बी. बेहरा, एस. महापात्र, वी. भूषण, (2017). एचपी टीएलसी का अध्ययन यष्टिमधु (ग्लिसरीहिजा ग्लोब्रा) के कच्चे औषध मानकीकरण के लिए एक दृष्टिकोण। आयुर्वेद विज्ञान की विश्व पत्रिका 2(2).
एस मिश्रा, (2016). मासिक धर्म संबंधी विकारों का योगिक प्रबंधन, अनुप्रयुक्त आयुर्वेदिक अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2(9), 2347–6362.
मोहराना व अन्य. (2017). आयुर्वेदिक शिरोधारा की कार्रवाई का तंत्र और चिकित्सीय प्रभावकारिता। आयुर्वेद विज्ञान की विश्व पत्रिका, 2(1),131–139.
एच मोहराना, (2017). शालक्य तंत्र–भाग–1 पर एक पाठ्य पुस्तक नई दिल्लीः चौखंबा ओरेनितालिया।
एस. पांडे, पी. रसाले, (2017). वीएएस का उपयोग करके एनो में तीव्र विषाणु के रोगियों में करपूर तेल की मादक द्रव्य की एनाल्जेसिक संपत्ति का आकलन। औषध विज्ञान की वैश्विक पत्रिका, 216–218.
एम शामकुवर, एस राजन, एस सिंहई, (2016). तमक श्वास में विरेचन कर्म का व्यावहारिक दृष्टिकोण, पंचकर्म और आयुर्वेदिक चिकित्सा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 1(1), 55–59.
आर. शर्मा, आई. कुशवाहा, (2017). मैक्रो और माइक्रोस्कोपिक अध्ययन के साथ औषधीय पौधे। छमू नई दिल्लीः दया पब्लिकेशन हाउस।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुति
सुजाता राजन (2016) ''मोटापा–प्रबंधन और रोकथाम के विशेष संदर्भ के साथ जीवन शैली में आयुर्वेद की भूमिका'', बहुविभागीय स्वास्थ्य देखभाल सम्मेलन एम्स, नई दिल्ली
मनोज शामकुवर (2016) ''पिंड स्वेद'' बहुविभागीय स्वास्थ्य देखभाल सम्मेलन, एम्स, नई दिल्ली
दीपा मिश्रा (2016) "बहुविभागीय स्वास्थ्य देखभाल सम्मेलन में ''पीसीओ के संबंध में बचपन से मातृत्व'' एम्स, नई दिल्ली
फहमिदा कौसर (2016) केन्द्रीय यूनानी विकास द्वारा राष्ट्रीय कार्यशाला में ''बाल चिकित्सा में दवा''।
रविशंकर खत्री, ''बचपन में डायबिटीज के प्रबंधन में आहार और जीवन शैली की भूमिका'' एआईआईए द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी।
शालिनी वार्ष्णेय, (2016). ''दर्द प्रबंधन और पुनर्वास में औषधीय पौधों पर साक्ष्य आधारित समीक्षा।'' बहुआयामी स्वास्थ्य देखभाल सम्मेलन एम्स, नई दिल्ली।

संकाय की संख्या

आयुर्वेद एवं यूनानी– 51

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
स्वीकृत अनुदान– गैर–योजना– 19,00,00,000 रुपए, योजना– 9,50,00,000 रुपए।
उपयोग किया गया – गैर–योजना– 18,83,92,363रुपए, योजना– 9,16,91,041 रुपए।

***

भगिनी निवेदिता कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

वर्ष के दौरान, 53.85 प्रतिशत छात्रों को प्रथम श्रेणी के साथ सभी सेमिस्टरों के लिए कुल उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत 95.08 प्रतिशत था। कॉलेज ने कई सह–पाठ्यचर्या और अतिरिक्त गतिविधियों का आयोजन किया। जनवरी 2017 में

डिजिटल साक्षरता कार्यशाला के आयोजन के साथ राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया जिसमें 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। एक महीने के साक्षरता कार्यक्रम के दौरान, एनएसएस छात्रों ने अन्य विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों को, बिटिया साक्षरता अभियान (वीआईकेएएसए) के अंतर्गत डिजिटल भुगतान के विभिन्न तरीके सिखाये, कॉलेज के भौतिक विज्ञान विभाग ने कैर गांव में अप्रैल में कई बार डिजिटल साक्षरता शिविर का आयोजन किया। इस शिविर की सुविधा के लिए, 480 घरों में द्वार–द्वार सर्वेक्षण किया गया। अक्टूबर 2016 में, 250 से अधिक स्वयंसेवकों और स्वच्छ भारत कमेटी के साथ एनएसएस यूनिट ने कॉलेज के परिसर में स्वच्छ भारत अभियान किया। सफाई के लिए एक प्रतिज्ञा की गई और एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

सुश्री गुनीत कौर (बीए प्रोग्राम, द्वितीय वर्ष) नई दिल्ली में 8 मार्च, 2017, को बिटिया साक्षरता अभियान (विकास) राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर विज्ञान भवन में मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री और कानून मंत्री के मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद से सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशन

सी शर्मा, (2016). प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के विकास कौशल को बढ़ावा देने में रचनात्मक नाटक की भूमिका। बच्चों के साथ नाटक और रंगमंच मेंः अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, यूकेः रूटलेज।

सी शर्मा, (2016). रचनात्मक नाटक के उपयोग से बच्चों में सामाजिक कौशलों का आनंददायक शिक्षण और संवर्धन। शिक्षा के रूप में सामाजिक निर्माणः सिद्धांत, अनुसंधान और व्यवहार में योगदान, संयुक्त राज्य अमरीकाःताओस संस्थान प्रकाशन।

सी. शर्मा, (2016).(संपा.),बच्चों के साथ नाटक और रंगमंचः अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, यूकेःरूटलेज।

वी. शर्मा, (2016). भारतीय शास्त्रीय संगीत में सितार द्वारा सौन्द्रर्यानुभूति वागेश्वरी।

के. गोविंदन, के. गर्ग, एस. गुप्ता और पी. सी. झा, (2016). विनिर्माण इकाई के स्थान चयन पर उत्पाद वसूली और स्थिरता बढ़ाने के संकेतकों का प्रभाव। पारिस्थितिक संकेतक, 67, 517–532.

जे. डी. दरबारी और एस. गुप्ता, (2016). ''वैश्विक खुदरा बिक्री प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए रफ सेट थ्योरी दृष्टिकोण'', कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी में प्रगति राष्ट्रीय सम्मेलन–2016 (एनसीएसीआईटी–2016) (पृष्ठ 39–44), आईएसबीएनः 978–93– 5258–249–5.

एस गुप्ता और सी पी भट्ट, (2016). ''खुदरा क्षेत्र में पूरे विश्व भर के 52 देशों का प्रदर्शन आकलन और टीओपीएसआईएस के आधार पर रैंकिंग'', भारत में खुदरा विपणन रुझान और भविष्य की अंतर्दृष्टि, (पृष्ठ 130–143), एमरेल्ड पब्लिशिंग, आईएसबीएनः 978–1–7863541–0–5.

अनुसंधान परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय नवाचार अनुसंधान परियोजना, 2016, महिला कैडेटों में नए एकरूप डिजाइन पर एन्थ्रोपोमेट्रिक विचार, बीएनसी–301, 5.5 लाख रुपए।

दिल्ली विश्वविद्यालय नवाचार अनुसंधान परियोजना, 2016, सिंथेटिस ऑफ थर्मोइलेक्ट्रिक नैनोमेट्रेट का संश्लेषण और ऊर्जा हार्वेस्टिंग में उनका उपयोग, बीएनसी –302, 5.5 लाख रुपए।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

चारु शर्मा ने बच्चों के विकास और स्कूलों में सीखने की प्रक्रिया की सुविधा के लिए एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में नाटक पर एक व्याख्यान दिया, कनाडा विश्वविद्यालय।

अलका दत्ता (2016) ''भारत की विदेश नीति में दक्षिण कोरिया की स्थिति, ''भारत की विदेश नीति'' थीम पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी जवाहर लाल विश्वविद्यालय, 24–25 अक्टूबर 2016.

अलका दत्ता (2017). वैश्वीकरण और संघीय प्रशासन विषय पर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 19–20 जनवरी, 2017 को आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में ''सहकारी संघवाद के रुझान और चुनौतियां''।

अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के स्कूल द्वारा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 18–19 अप्रैल, 2016 को आयोजित आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में *एक बहुआयामी साझेदारी के निर्माण* पर अलोका दत्ता के शोधपत्र को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पर सत्र का सर्वश्रेष्ठ पत्र चुना गया था।

सीमा गुप्ता (2016) ''वैश्विक खुदरा बिक्री प्रदर्शन का विश्लेषण के लिए रफ सेट सिद्धांत दृष्टिकोण।'' 19–20 दिसम्बर, 2016 को यूजीसी और डीआरडीओ द्वारा प्रायोजित और कम्प्यूटर साइंस विभाग, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कम्प्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी प्रगति कार्यक्रमों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, कम्प्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी–2016,

सीमा गुप्ता (2016) ''वैश्विक खुदरा बिक्री प्रदर्शन का विश्लेषण के लिए रफ सेट सिद्धांत दृष्टिकोण।'' 19–20 दिसम्बर, 2016 को यूजीसी और डीआरडीओ द्वारा प्रायोजित और कम्प्यूटर साइंस विभाग, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कम्प्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी प्रगति कार्यक्रमों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, कम्प्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी–2016,

शुभ्रा (2017). 4 मार्च, 2017 को शिमला में एपी गोयल विश्वविद्यालय में पेशेवर और तकनीकी शिक्षा के माध्यम से महिलाओं के लिए रोजगार और उद्यमशीलता अवसर बनाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

राष्ट्रीय एकता सप्ताह के अवसर पर एनएसएस यूनिट ने 300 से अधिक स्वयंसेवकों के साथ प्रतिज्ञा ली और नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया और कार्यक्रम को कॉलेज से मित्राओं तक 'एकता के लिए दौड़' आयोजित किया गया था। अक्टूबर 2016 में, एनएसएस यूनिट ने 250 से अधिक स्वयंसेवकों और स्वच्छ भारत कमेटी के साथ कॉलेज के परिसर में स्वच्छ भारत अभियान किया। इसके अलावा, सफाई के लिए एक प्रतिज्ञा ली गई और एक नुक्कड नाटक प्रस्तुत किया गया।

पुस्तकालय विकास

चालू वर्ष के दौरान पुस्तकों की कुल संख्या में 858 पुस्तकें शामिल की गई हैं। पुस्तकालय समिति ने जगह बनाने और अधिक प्रकाश और हवा को आने देने के लिए पुस्तकालय की बैठने की व्यवस्था को बदल दिया। एक ऑडियो–विजुअल अनुभाग स्थापित किया है और डीवीडी के लिए ऑर्डर दिया है। अब पुस्तकालय के भीतर शिक्षकों, छात्रों और पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। मैनुअल कैटलॉग के काम को अद्यतित किया गया। छात्रों की मांग पर, सीसीटीवी कैमरे लगाये गए थे।

संकाय की संख्या

स्थायी –40, तदर्थ– 31

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान – 14,59,00,000 रुपए

उपयोग किया गया – 11,48,82,932 रुपए

***

भारती कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

इस शैक्षिक सत्र के उच्च बिंदुओं में से एक है 17 सितंबर 2016 को डॉ सतबीर बेदी, सदस्य सचिव और महिला आयोग द्वारा कॉलेज के हॉस्टल का उद्घाटन। यह जनवरी, 2017 से पूरी तरह कार्यात्मक हो गया है। इसकी शानदार इष्टतम संरचना व्यवस्थित गलियारे, स्नान कक्ष, वाटर कूलर, गर्म पानी के लिए सौर पैनल से युक्त है। छात्रावास के आवासी कॉलेज में उपलब्ध पुस्तकालय, जिम और खेल सुविधाओं का लाभ उठाने का अतिरिक्त लाभ भी उठा सकते हैं। छात्रावास में सप्ताह में पाँच दिन सुबह–शाम एक डॉक्टर भी उपलब्ध हैं। कॉलेज एक नर्स को नियुक्त करने की प्रक्रिया में है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए अंग्रेजी भाषा कौशल बढ़ाने और गणित और अर्थशास्त्र में छात्रों की सहायता करने के लिए एक शैक्षणिक सहायता सेल और चालू वर्ष में आईक्यूएसी इसकी एक अन्य प्रमुख पहल है।

सम्मान/विशिष्टताएं

दिल्ली की एनसीटी सरकार द्वारा डॉ. मुक्ति सान्याल को उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा भारती कॉलेज की सर्वश्रेष्ठ व्याख्याता के तौर पर सम्मानित किया गया।

डॉ. अनुभूति मौर्य को इतिहास विभाग से शैक्षणिक वर्ष 2016–17 के लिए कोलंबिया विश्वविद्यालय का विजिटिंग स्कॉलर चुना गया था।

5 फरवरी, 2017 को डॉ. रश्मि कुमारी को नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्टुडेंट एजुकेशन (एनआईएसई) ग्रुप द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री अंकुर बेतागिरि को कन्नड़ साहित्य परिषद और कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा संयुक्त रूप से कन्नड़ में क्रिएटिव राइटिंग के लिए "अरालू प्रशस्ति–2015" से सम्मानित किया गया।

डॉ .नंदिनी सी. सेन ने टाइम्स ग्रुप द्वारा मई, 16 में राष्ट्रव्यापी सर्वश्रेष्ठ कहानी प्रतियोगिता के लिए आयोजित "लिखें इंडिया" प्रतियोगिता जीती।

डॉ. सुतपा दास ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को विश्व लिंग संवेदीकरण पुरस्कार प्राप्त किया था।

यह पुरस्कार भारतीय अंतर्राष्ट्रीय सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 2017 के विश्व बालिका बाल शिक्षा और अधिकारिता शिखर सम्मेलन के अवसर पर राजनयिकों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में बोत्सवाना की उच्चायुक्त सुश्री लेसेगो एथेल मोत्सुमी द्वारा दिया गया था।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित विश्व बालिका बाल शिक्षा और सशक्तिकरण शिखर सम्मेलन में प्राचार्य डॉ. मुक्ति सन्याल, भारती कॉलेज को "द ग्रीन कैंपस अवार्ड" दिया गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

छह एथलीटों ने छह किमी के क्रॉस कंट्री रन के लिए यूनिवर्सिटी ओपन ट्रायल्स में हिस्सा लिया और चौथा स्थान प्राप्त किया।

कॉलेज ने किरोड़ीमल कॉलेज और श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज एथलेटिक इन्वेटेशनल चौम्पियनशिप में 100 मीटर दौड़, ऊँची कूद और गोला फेंकने में विशेष स्थान प्राप्त किया।

डॉ. सोनाली जैन के निर्देशन में चिलमन (नाटक विज्ञान सोसायटी) ने कई जगहों पर सआदत हसन मंटो की प्रसिद्ध कहानी के आधार पर 'खोल दो' का प्रदर्शन किया। कालिंदी कॉलेज में टीम को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार मिला। जेनिफर ए चुक्स को महिला श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ मॉडल, ''स्पलैश'' चुना गया था, लेडी हार्डिंग कॉलेज के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव और डीयूएसयू (दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ) समारोह में, विश्वविद्यालय स्टेडियम में पोलो ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में प्रथम स्थान हासिल किया।

प्रकाशन (चयनित)

पुस्तकें:

वी बंसल, (2017). व्यापार कानून, दिल्लीः विकास प्रकाशन लिमिटेड

वी बंसल, (2017). कॉर्पोरेट कानून, दिल्लीः विकास प्रकाशन लिमिटेड

एस कौशिक, (2016). साइबर अपराध, दिल्लीः गलगोटिया प्रकाशन.

के कटारिया, और रजनी (2016). वित्तीय संस्थाएं, वित्तीय बाजार और वित्तीय सेवा, दिल्लीः गलगोटिया प्रकाशन.

डी श्रीवास्तव, (2017). राजनीतिक सिद्धांत दिल्लीःदूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा का केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया।

अनुसंधान प्रकाशनः

आर जैन, (2017). चरम सीमा पर स्थित सामाजिक वर्ग के लिए न्याय की मांगःभारत में हिजरा का एक अध्ययन। मानविकी और सामाजिक विज्ञान की दिल्ली की पत्रिका, 5, 7–11.

बी काले, (2017). क्या हास्य गेंडर्ड है? एक सैद्धांतिक और प्रासंगिक विश्लेषण। द क्राइटिरियन, 8(1).

एस कुमार, (2016). बी आर अंबेडकरःअतीत, वर्तमान और भविष्य में जाति। भारतीय आर्थिक पत्रिका, 2(1), 298–303.

एस रानी, (2017). सामाजिक मीडियाः संभावनाएं और चुनौतियां, दिल्ली।

के सरोहा, (2017). बामाः एक दलित महिला दृष्टिकोण से, अनुप्रयुक्त अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,3(1), 444–448.

अनुसंधान परियोजनाएं

यूजीसी, 2016–17, यूजीसी, 2016–17, 21वीं सदी में शहरीकरण के मद्देनजर ऐतिहासिक संरक्षणः दिल्ली और कोलकाता दो शहरों की खोज, 1.6 लाख रुपए (लगभग)।

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

डॉ. नंदिनी सी सेन पर ''कार्यकर्ता–लेखक महाश्वेता देवी की शतक की इच्छाः एक श्रद्धांजलि'', 16 अगस्त, 2016.

श्री अंकुर बेटागिरी पर ''भारतीय अंग्रेजी के मानकीकरण का एक मामला'', 20 सितंबर, 2016.

डॉ. कांता भाटिया, ''आधुनिक समय में अभिज्ञानशाकुंतलम की प्रासंगिकता'', 7 फरवरी, 2017.

सुश्री अनविशा बनर्जी, ''बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और उन्नीसवीं शताब्दी के औपनिवेशिक बंगाल में महिलाएं'' 11 अप्रैल, 2017.

ऋषिकेश कुमार सिंह, एएसएलई, ''पर्यावरण और साहित्य'' पर अध्यक्ष, 6 फरवरी, 2017.

आयोजित सम्मेलन

प्रवासन और प्रवासीःसिद्धांत, संस्कृति और साहित्य, 24–25 मार्च, 2017 को आयोजित और आईसीएसआर द्वारा प्रायोजित।

25 जनवरी, 2017 को आधुनिक संस्कृत साहित्य, कॉलेज की आईक्यूएसी समिति द्वारा आयोजित किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुति

अनुभूति मौर्य, (2017) ''साम्राज्य का युगः नौवीं से सत्रहवीं शताब्दी तक के यात्रा वृतांतों में कश्मीर का प्रतिनिधित्व।'' संगोष्ठी नियंत्रण की रेखाएंः सीमाओं और सीमाक्षेत्र पर पुनर्विचार, शिकागो विश्वविद्यालय, 2–3 मार्च 2017.

शैलजा सिंह, (2016) ''समकालीन विश्व में सुरक्षाः सुरक्षित 'क्या' और ''कैसे", अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संघ (उत्तर–पूर्व) का 44वां वार्षिक सम्मेलन, बाल्टीमोर, मैरीलैंड, अमरीका, 3–4 नवंबर, 2016.

सलोनी गुप्ता, (2016) ''विलासिता बाजार में अमूर्त का वित्तीय लाभः 2015 का एक पार अनुभागीय अध्ययन।'' पर वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ''आरंभ से निरंतरताः पहल और चुनौतियां'', 4–5 नवम्बर, 2016.

रजनी, (2016) ''दिल्ली में कॉलेज के छात्रों के बीच वित्तीय साक्षरता और वित्तीय व्यवहार का विश्लेषण।'' अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय के फॉर्च्यून संस्थान द्वारा आयोजित ''वैश्विक अर्थव्यवस्था में नवाचार और सतत विकास पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन'' नई दिल्ली, 20–21 दिसम्बर, 2016.

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन
एनआईईएलआईटी अर्हता प्राप्त करने के लिए एनआईआईटी एंबिट कम्प्यूटिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन।
गूगल प्ले पर कॉलेज ऐप के लिए क्रिप्टॉस सॉल्यूशंस के साथ समझौता ज्ञापन

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र – 35 (25:)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां/उद्योग – 7

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

कॉलेज ने आसपास के इलाकों में नौ शिविर आयोजित किए जिनमें 25 छात्रों ने भाग लिया और 25 लोगों को दाखिला/शामिल किया गया। इन शिविरों के लिए कुल 27 घंटे समर्पित किये गए थे। इसके अलावा, डॉ. रेखा

सपरा के मार्गदर्शन में आउटरीच और विस्तार प्रकोष्ठ ने निर्मल छाया के बच्चों के लिए निः शुल्क पुस्तकालय सुविधाएं प्रदान करने के लिए ''हर शुक्रवार पुस्तकालय'' कार्यक्रम की शुरूआत की। कॉलेज ने सीएफएआर (वकालत एवं अनुसंधान केंद्र) के सहयोग से ओबीआर (वन बिलियन राइजिंग) अभियान के अंतर्गत 6 और 7 फरवरी, 2017 को एक सार्वजनिक आर्ट शो का आयोजन किया। कला प्रदर्शनी से स्कूल परियोजना के भाग के रूप में पिछले वर्ष विभिन्न कार्यशालाओं से उभरे रचनात्मक उत्पादों को एक साथ लाया गया।

पुस्तकालय विकास

इस वर्ष, पुस्तकालय के संग्रह में 767 पुस्तकों को शामिल किया गया जिससे पुस्तकों की कुल संख्या 51,061हो गई। संकाय सदस्यों में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए, इस वर्ष एन–सूची की संस्थागत सदस्यता को नवीनीकृत किया गया था। इसके अलावा, पुस्तकालय में अलग–अलग विकलांग छात्रों के लिए एक सक्रिय इकाई शुरू की गई थी। पुस्तकालय की पहली मंजिल पर छोटे बच्चों के साथ 5–10 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के लिए बच्चों के कोने का निर्माण किया गया था। चूंकि कॉलेज क्रेच उपलब्ध कराने की स्थिति में नहीं है इसलिए स्टाफ के सदस्यों के बच्चों द्वारा बच्चों के कोने का उपयोग किया जा सकता है।

संकाय की संख्या

स्थायी – 66, तदर्थ– 32

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
स्वीकृत अनुदान– 1564.25 रुपए।
उपयोग किया गया– 1765.03261 रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

भारती कॉलेज नॉन–कॉलेजिएट सेंटर ने एक रोमांचक और मजेदार शैक्षणिक सत्र रहा। नए शैक्षणिक सत्र 2016–17 के पहले दिन 7 अगस्त 2016 को एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। भारती एनसीडब्ल्यूईबी केंद्र के तीन छात्रों ने इसे समग्र रूप से एनसीडब्ल्यूईबी के शीर्ष स्तर पर पहुँचाया और उन्हें वार्षिक दिवस में सम्मानित किया गया। केंद्र द्वारा समर्पित संसाधन व्यक्तियों को आमंत्रित कर कई आउटरीच और जागरूकता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारती एनसीडब्ल्यूबी की दो छात्राओं हिमानी और शालू को श्याम लाल (सांध्य) कॉलेज में आयोजित नुक्कड नाटक प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ अभिनय का पुरस्कार मिला। अंशुल और स्मिता को पीजीडीएवी कॉलेज प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार मिला।

गैर–शिक्षण कर्मचारियों में प्रशासनिक कर्मचारी श्री पवन बब्बर ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शैक्षिक प्रशासन, विश्वविद्यालय प्रबंधन, वित्त और लेखा पर चार सप्ताह के कार्यक्रम में भाग लिया। श्री परममानंद सिंह ने आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज द्वारा आयोजित लेखा पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया, जो यूजीसी द्वारा प्रायोजित कौशल वृद्धि प्रशिक्षण सत्र था। श्रीमती पूनम खोसला, श्री गविश चंद्र और सुश्री लाजवन्ती ने श्री वेंकटेश्वर कॉलेज द्वारा आयोजित शैक्षिक प्रशासन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। सुश्री पूनम खोसला ने दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्मार्ट ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

***

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

अनुप्रयुक्त विज्ञान के भास्कराचार्य कॉलेज ने ऐसे विद्वानों और बुद्धिजीवियों को तैयार कर समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जो वैश्विक स्तर पर अद्वितीय ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं। हमारे कॉलेज के तीन विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में शीर्ष दर्जा हासिल किया है और खेल, सह–पाठ्यचर्या और अतिरिक्त गतिविधियों में ख्याति अर्जित की है। पाठ्यक्रम में संवर्धन कार्यक्रमों की शुरूआत और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा बड़े पैमाने पर समाज की समृद्धि के लिए किए गए प्रयासों की मान्यता में हाल ही में कॉलेज को स्टार कॉलेज का दर्जा प्रदान किया गया है। कॉलेज के संकाय सक्रिय रूप से अनुसंधान में लगे हुए हैं, उन्होंने स्नातक छात्रों के लिए अतिरिक्त संसाधन प्राप्त करने में भी मदद की है। कुछ संकाय सदस्यों को विभिन्न संगठनों द्वारा शिक्षण और अनुसंधान के लिए सम्मानित किया गया है। कॉलेज में कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन, संगोष्ठियां, कार्यशालाएं आयोजित की गई थीं। कॉलेज द्वारा कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं, जिन्होंने शैक्षिक जीवन, शिक्षा की गुणवत्ता, छात्रों और संकाय द्वारा किए गए शोध के बेहतर मानकों को नए आयाम दिए हैं।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. शालिनी सहगल को भारत में एएटीएसईए, थाईलैंड और एसएबी, द्वारा ''खाद्य प्रौद्योगिकी 2016 में उत्कृष्टता'' और सोसाइटी के फेलो के रूप में नामांकित किया गया।

डॉ. ललित कपूर को अपने शोधपत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ सामग्री का पुरस्कार मिला, ''माले खिलाड़ी छात्र और विज्ञान विभाग पृष्ठभूमि के गैर खिलाड़ी छात्रों में चयनित हृदय दर भिन्नता एवं श्वसन अंतर की आदृति क्षेत्र का विश्लेषण।''

डॉ. विजया कुमार नाल्ला ने एमएचआरडी प्रायोजित ''चीनी सरकार की छात्रवृत्ति'' प्राप्त की।

डॉ. उमा चौधरी को एक शोध समस्या पर स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए वर्ष 2016–18 के लिए यूजीसी शोध पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

डॉ. उमा धवन ने न्यूरोलॉजी, बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए में डॉक्टरेट पश्चात् शोध करने के लिए यू.जी.सी. रमन फैलोशिप (2016–17) को प्राप्त किया है।

विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

बी.एससी. (ऑनर्स) की जैवचिकित्सा विज्ञान की तृतीय वर्ष की छात्रा सुश्री स्टबोनिया माजी ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वस्त्र और परिधान विज्ञान में एम.एससी. की सुश्री स्वाती यादव ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आहारशास्त्र और सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा की छात्रा सुश्री पल्लवी कात्याल ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अंजलि गौड़ ने दिल्ली तायक्वोंडो टूर्नामेंट 2017 और राष्ट्रीय जूनियर तायक्वोंडो चैम्पियनशिप 2016 में स्वर्ण पदक जीता।

प्रकाशन

पी. कुमार, ए. के बाली और एल कपूर, (2016). खेल और गैर–खेल पृष्ठभूमि से विज्ञान के छात्रों के चयनित भिन्नताओं में अंतर (टाइम डोमेन) का तुलनात्मक अध्ययन। ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय अनुसंधान पत्रिका.6, 267–272.

बी दीप, एन कुमार और पी कुमार, (2016). क्लाउड–आधारित पर्यावरण में डाटा सेंटर का अवलोकन, ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईजेईईई) की पत्रिका, 8(2)372–376.

एन बंसल, टी ढेवा, एम ठाकुर, एस सहगल, (2016). भारतीय बाजार में प्रोजैवटिक ड्रग्स और लेबलिंग प्रैक्टिस, पूर्व स्नातक अनुसंधान और नवाचार की दिल्ली की पत्रिका। 2(1): 215–223.

जी भट्ट, एम खन्ना, और बी पानी, (2016). नई दिल्ली में मोबाइल उपयोगकर्ताओं के बीच उपभोग का तरीका, व्यवहार और ई–कचरे के प्रति जागरूकता। पर्यावरण नीति और निर्णय लेने की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 2(1).

एस के शुक्ला, पी पी गोवेंडर, और एन जी गिरी, (2016). चिकित्सीय अनुप्रयोगों में जैवनिम्नीकरण पॉलिमेरिक नैनोस्ट्रक्चर, अवसर और चुनौतियां। आरएससी में प्रगति की पत्रिका 6(97) 94325–94351.

आर नैन, डी सिंह, एम जस्सल और ए के अग्रवाल, (2016). नैनोरॉड ने उच्च ग्राफिक सामग्री युक्त इलेक्ट्रोस्पन पाली नैनोफाइबरों के कार्बन नैनोफाइबर में रूपांतरण के लिए जिंक ऑक्साइड की सहायता से त्वरित एक–चरण प्रक्रिया। नैनोस्केल 8 4360–4372.

संपादक/संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के रूप में सेवा करने वाले शिक्षक – 06

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. बलराम पानी और डॉ. मनजीत सिंह, 2016–2018, परमाणु विज्ञान अनुसंधान परिषद (बीआरएनएस), उत्तर प्रदेश के छह जिलों (आगरा, मथुरा, महामाया नगर, कांशीराम नगर, इटाह और बदायून) के भूजल सतह के पानी में यूरेनियम और संबंधित जल गुणवत्ता मानकों का स्थानिक वितरण। 26.94 लाख रुपए।

डॉ. बलराम पानी और डॉ दीपक गुप्ता, 2016–2018, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), आरई और आरयू आधारित मेटलसाइकल्स का स्वगठन पश्चात कार्यात्मक करण का संश्लेषण और फोटो भौतिक और विद्युत रासायनिक गुणों पर इसके प्रभाव, 23.29 लाख रुपए।

डॉ. उमा चौधरी और डॉ बलराम पानी, 2017–2019, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), 22.72 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

'बौद्धिक संपत्ति अधिकारः अनुसंधान परिणति'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 23–24 सितंबर, 2016 को आयोजित की गई थी।

डॉ. गीता शेषाद्रि, सहायक निदेशक, औद्योगिक अनुसंधान का श्री राम संस्थान, दिल्ली ''नैनो टेक्नोलॉजीः नैनो फिल्मों का विकास और खाद्य पैकेजिंग में इसका अनुप्रयोग'', 20–22 फरवरी,2017.

प्रोफेसर अरुण जगन्नाथन, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, ''अनुवांशिक रूप से संशोधित जीव विज्ञान'', 30 मार्च, 2017.

डॉ. अमूल्य पांडा, वैज्ञानिक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी ने ''जैव निम्नीकरण पॉलीमर कणों का उपयोग करते हुए टीका प्रदायगी और टिशू इंजीनियरिंग'' पर एक व्याख्यान। 21 अप्रैल, 2016

डॉ. अविनाश बजाज, जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्रीय केंद्र के एसोसिएट प्रोफेसर ''नैनोप्रौद्योगिकी का परिचय – हर रोग का भविष्य'' 21अप्रैल, 2016.

डॉ. अंशु भारद्वाज, सीएसआईआर–मुक्त स्रोत औषध डिस्कवरी, 3 जून, 2016 को ''एक्नीटोबैक्टर बूमानी में बढ़ते औषध प्रतिरोध''

प्रोफेसर बी. सी. दास, जीन, जीनोमिक्स और कैंसर पर एमिटी यूनिवर्सिटी, 31 जनवरी, 2017.

7 फरवरी, 2017 को कॉलेज के कैरियर परामर्श और नियुक्ति प्रकोष्ठ के सहयोग से विज्ञान और समाज में ''मौजूदा चुनौतियांः नए स्नातकों के लिए अवसर पर लोकप्रिय व्याख्यान आयोजित किया गया।

डॉ. दीपक के सैनी, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर में एसोसिएट प्रोफेसर, जैवचिकित्सा विज्ञान में करियर की संभावनाएं, 16 फरवरी 2017

आयोजित सम्मेलन

स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा पर राष्ट्रीय सम्मेलनः रासायनिक और पर्यावरण संबंधी पहलू (एनसीजीई –017) 17 फरवरी, 2017 को आयोजित किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुति

उमा धवन, (2016) स्ट्रक्चरल बायोइनफॉर्मेटिक्स और आण्विक डॉकिंग। जैवरसायन विभाग, वीपी चेस्ट इंस्टीच्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय, 5 मई, 2016.

शालिनी सहगल, (2016) ''भारतीय बाजार में प्रोबायोटिक फूड्स की उपभोक्ता धारणा और गुणवत्ता आकलन।''वर्तमान
परिदृश्य में भोजन और स्वास्थ्य के मुद्दों की पोषण, कार्यात्मक और सुरक्षा चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, एसएचआईएटीएस, इलाहाबाद, 6–7 अक्तूबर, 2016.

ईराम एस राव, (2016) ''खाद्य सुरक्षा संस्कृति का आकलनः भारत में तेजी से विकसित होते खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की गति को ध्यान में रखते हुए।'' खाद्य, कृषि रसायन, चिकित्सा उपकरण और फार्मास्यूटिकल्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर संगोष्ठी, आईआईसी, नई दिल्ली, भारत, 16 नवम्बर,2016.

नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्र – 05
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 02

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

21 अक्टूबर 2016 को 'विवेकानंद विचार मंच' ने वैश्विक भातृत्व दिवस मनाया। 12 जनवरी 2017 को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। सूक्ष्म जीव विज्ञान और जैव चिकित्सा विज्ञान विभाग के छात्रों ने स्कूली छात्रों को मोटापे से जुड़ी समस्याओं में प्रशिक्षित करने के लिए पहल की। खाद्य पदार्थों में सूक्ष्म जीवी प्रदूषण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विज्ञान प्रसार और चिल्ड्रन बुक ट्रस्ट में कई कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में संदर्भ पुस्तकें, पत्रिकाओं के 336 सजिल्द खंडों और 978 सीडी रोम सहित पुस्तकों के 24,506 संस्करणों का संग्रह है। कुछ पत्रिकाओं की नियमित सदस्यता के अलावा, इस साल पुस्तकालय ने आईएनएफएलआईबीएनईटी की एन–सूची (नेशनल लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर स्कॉलरी कंटेंट्स) कार्यक्रम को नवीनीकृत कर लिया है। इसने पूरे वर्ष छात्रों और कर्मचारियों को 24 x 7 बड़ी मात्रा में ई–संसाधनों तक पहुंचने की सुविधा प्रदान की है।

संकाय की संख्या

स्थायी – 46, तदर्थ – 37

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 15,27,00,000 रुपए।

उपयोग किया गया – 1445323533.43 रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

यूजीसी के निर्देशों के अनुसार एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन कक्ष (आईक्यूएसी) ने काम करना शुरू कर दिया है। वर्ष 2015–16 में दिल्ली विश्वविद्यालय की बारह अभिनव परियोजनाओं में से पांच परियोजनाओं को दिल्ली विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान प्रदर्शन के लिए चुना गया और विशेष पुरस्कार प्राप्त हुए।

21 अक्टूबर, 2016 को आयोजित इंजीनियरिंग और प्रबंधन विज्ञान में हालिया नवाचार पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भव्य दीप को ''क्लाउड पर्यावरण में सुरक्षा और डाटा ट्रांसमिशन तकनीक'' पर सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

***

डॉ. भीम राव अम्बेडकर कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

कॉलेज ने एनडीएलएम टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट की सुविधा देते हुए, डिजिटल इंडिया पहल के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया प्रो. संजीत कुमार और प्रो. श्री प्रकाश द्वारा ''बाबा साहेब स्मारक व्याख्यान'' दिया गया। बाबा साहब की 125 वीं जयंती के अवसर पर और 61वें महापारिनिर्वाण दिवस के अवसर पर विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए। कॉलेज ने संविधान दिवस पर एक बहस और एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया; एक इंटर कॉलेज बाबा साहेब मेमोरियल ट्राफी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, दो दिवसीय छात्र केंद्रित कार्यक्रम 'अभिविज्ञान' और 'दिव्यांगजन महोत्सव', 'दिल्ली बेस्ट कैडेट अवार्ड 2016' का आयोजन किया और भारत सरकार प्रायोजित 'एकता के लिए दौड़' में हिस्सा लिया तथा 'हर्बल एंड रोज गार्डन्स', 'समाजशास्त्र विभाग कप और जागरण देवी मेमोरियल कप जीता'। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कॉलेज को जीएनसीटीडी और एनसीसी यूनिट–2 दिल्ली गर्ल्स बटालियन द्वारा नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया था। बीआईटीएस पिलानी में कॉलेज टीम ने वॉलीबॉल टूर्नामेंट और इंटर कॉलेज और अंतर–विश्वविद्यालय सॉफ्टबॉल टूर्नामेंट जीता।

सम्मान/विशिष्टताएं

एसयूओ अवधेश कुमार ने कॉलेज के पूर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित दिल्ली बेस्ट कैडेट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

सीएटीसी–I में आयोजित फायरिंग प्रतियोगिता के दौरान जेयूओ अमरचंद को सर्वश्रेष्ठ शूटर चुना गया था।

एसयूओ, पूजा प्रधान के नेतृत्व में 16 महिला कैडों ने, *प्रधानमंत्री रैली* में भाग लिया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

2016–17 के शैक्षणिक सत्र में पुस्तकालय में उच्चतम उपस्थिति प्राप्त करने के लिए तीन छात्रों निकिता, फिरोज और अमरनाथ को प्रमाण पत्र दिया गया।

प्रकाशन (चयनित)

जी. के. अरोड़ा, (2016), मेक इन इंडियाः खोई हुई कड़ियां। अकादमिया – सामाजिक विज्ञान, मानविकी और भाषा में एक अंतर्राष्ट्रीय बहु विभागीय द्वि–वार्षिक पत्रिका में, जनवरी–जून 1(1), बीआरएसी, नई दिल्ली। आईएसएसएन –2395–0161.

टी. भारद्वाज, (2016). भारतीय संस्कृति में सेरोडिस्कार्डेंस और लिंग गतिशीलता। ''मिश्रित एचआईवी स्थिति के साथ जोड़ों पर पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्यः सकारात्मक से परे, न्यूयॉर्क, एलसीसीः स्प्रिंगर

तुष्टि भारद्वाज, (जुलाई, 2016). कमजोर सामाजिक सहायताय सामाजिक दायित्व बढ़ाना, www.psychevisual.com.पर एक ऑनलाइन व्याख्यान।

बी एम दास, (2016). शिक्षकता, और सम्मान तथा जीवन का मूल्य। प्रो. ग्रेशियस थॉमस (संपा.) में दो अध्याय, सामाजिक कार्य–एक मूल्य आधारित व्यवसाय, जयपुरः रावत प्रकाशन.

विष्णु मोहन दास, (2016). ''खाद्य सुरक्षा और बाल श्रम'' सामाजिक कार्य की बीएसएसएस पत्रिका में पुस्तक समीक्षा,7 (1).

ए.कुमार. (2016). ई–कॉमर्स और उपभोक्ता हित दिल्लीः राज पब्लिकेशन, आईएसबीएनः 978–93–82281–60–3

एस. कुमार, (2016). कृषि उत्पादन पर संस्थागत ऋण का प्रभाव, अकादमिया शिक्षा, सामाजिक विज्ञान में एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविभागीय द्विवार्षिक पत्रिका, मानविकी और भाषाएं, 1(1), आईएसएसएनः 2395–0161ण

एस कुमार, (2016). संगठनात्मक परिवर्तन और कर्मचारियों के दृष्टिकोण पर इसका प्रभावः शक्ति वितरण पर एक अध्ययन उन्नत व्यापार और सामाजिक अध्ययन (एपीजेएबीएसएस) की एशिया प्रशांत पत्रिका, ऑस्ट्रेलिया, 2(2), आईएसएसएनः 2205–6033, आईएसबीएन (ई–पुस्तक)ः 978 0 9943656 7 5.

के नेहरा, (2016). एक दलित मसीहा का सामाजिक संघर्ष। सामान्य जन पत्रिका, सितंबर–अक्टूबर, 2016.

आर प्रसाद, (2016). सकल राष्ट्रीय प्रसन्नताः भूटान के विकास का दर्शन। बी ठाकुर, एच एस शर्मा, एस मिश्रा, एस चट्टोपाध्याय और एस सिंह, (संपा.) में, क्षेत्रीय विकासः सिद्धांत और व्यवहार, *II*, (दिसंबर. कान्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी (पी) लिमिटेड. आईएसबीएन सं.. 93–5125–202–7.

कॉलेज द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएं

कॉलेज 'अकादमिया' पत्रिका प्रकाशित करता है, जिसे कॉलेज जी.बी. द्वारा 17 अक्टूबर, 2016 को जारी किया गया था।

संपादक/संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवा करने वाले शिक्षक– 02

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. मोहनीश कुमार, डॉ.मोनिका अहलावत, श्री पुरुषोत्तम, दिल्ली विश्वविद्यालय नवाचार परियोजना, 2016, दिल्ली विश्वविद्यालय के उद्यमशीलता उद्यम का विकास (दैनिक उपयोग) बोतलें: तकनीक/ आर्थिक और विपणन व्यवहार्यता का एक अध्ययन, 3.5 लाख रुपए।

डॉ. डी के पांड्या, डॉ. विनोद कुमार और डॉ. सुनीता शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय नवाचार परियोजना, 2016, बुजुर्ग आबादी का सामाजिक और आर्थिक मूल्य आधारित अध्ययन: ब्रिज क्षेत्र का एक प्रकरण अध्ययन, 3.5 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

वैभव गर्ग (पूर्व छात्र बीबीई) द्वारा आर स्टूडियो का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर दो दिवसीय कार्यशाला।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुति

जी के अरोड़ा (2016) ''विकास मॉडल के रूप में मेक इन इंडिया: अनुपलब्ध कड़ियों का विश्लेषण''। कनाडा में आयोजित 36 वां अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अनुसंधान सम्मेलन, 12–16 जुलाई, 2016.

तुष्टि भारद्वाज (2016) ''एचआईवी–स्थिति का खुलासा: सार्वजनिक स्वास्थ्य में व्यवसायिक सहायता के लिए मांग'' सियोल, दक्षिण कोरिया में आयोजित सामाजिक कार्य शिक्षा पर विश्व सामाजिक कार्य सम्मेलन, विकास एसडब्ल्यूएसडब्लू–2016.

अनिल कुमार (2016) ''हिमाचल प्रदेश में पर्यावरण पर्यटन का एक अध्ययन।'' 69वां अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, 11–13 नवम्बर, 2016.

सोनम दत्ता, (2016) ''स्टार्ट अप इंडिया के लिए क्वालिटी फंक्शन डिप्लॉयमेंट एंड टारगेट कोस्टिंग का एसोसिएशन'' 69वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन, 11–13 नवम्बर, 2016.

एम. के. गल्होत्रा, (2016) ''सामाजिक सशक्तिकरण में पुस्तकालयों की भूमिका।'' कॉम्पैक्ट सोसायटी फॉर सोशल वेलफेयर (सीएसएसडब्ल्यू) द्वारा आयोजित,21–22 अक्तूबर, 2016

कदयन मोहिंदर सिंह, (2016) ''कृषि में ऊर्जा उपयोग का इनपुट–आउटपुट विश्लेषण: हरियाणा के भिवानी जिले में एक माइक्रो–स्तर अध्ययन।'' 38वां भारतीय भूगोल कांग्रेस (एनएजीआई), मैसूर विश्वविद्यालय, 26–28 दिसम्बर, 2016.

राकेश शाहनी, (2016) "एस एवं पी एनएसई 500 इंडेक्स के लाभ के व्यवहार में संरचनात्मक विभाजन की उपस्थिति की अनुभवजन्य जांच।" अनुप्रयुक्त वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र (भारतीय अर्थमिति सोसाइटी के साथ सहयोग) में दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एसएमवीडीयू, कटरा, 2016

अरविंद कुमार यादव, (2016), ''दिल्ली में कॉस्मोपॉलिटन जनजातियां: उत्तर पूर्व के प्रवासियों का एक अध्ययन।'' जनजातीय जनसंख्या के सतत विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत: सामाजिक विज्ञान के भोपाल स्कूल (बीएसएसएस) द्वारा आयोजित चुनौतियां और रणनीतियां, 5 नवम्बर, 2016.

नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्र– 101

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 14
विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

बीएसडब्ल्यू तृतीय वर्ष के छात्रों ने 3 से 7 अक्टूबर, 2016 के बीच, रूपवास, भरतपुर, राजस्थान में समृद्धि–ग्राम नियोजन केंद्र ग्रामीण शिविर का आयोजन किया। कॉलेज के संकाय ने गांव के छात्रों को उच्च शिक्षा और सामुदायिक विकास की ओर प्रेरित करने के लिए कई मुद्दों पर बात की।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकों की संख्या 200. छात्र सहायता निधि योजना (एसएएफ): के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभाशाली छात्रों को प्रदान की गई पुस्तकें: (क) छात्रों की संख्या 60; और (ख) पुस्तकों की संख्या 200. कॉलेज लाइब्रेरी का कम्प्यूटरीकरण किया गया है और सीसीटीवी निगरानी और *लिबसिस सॉफ्टवेयर* के जरिए इसे कवर किया गया है। यह ओपीएसी (ऑनलाइन सार्वजनिक एक्सेस कैटलॉग) सुविधा भी प्रदान करता है जो पुस्तकालय को अपने खातों की जांच करने में मदद करता है। 100 पाठकों के लिए स्थान सहित पुस्तकालय में अखबारों और पत्रिकाओं के संदर्भ के लिए एक अलग जगह है। डॉ. अम्बेडकर, गांधी, नेहरू और अन्य व्यक्तित्वों के विशेष संग्रह प्रत्येक मंजिल पर शब्दकोशों के साथ उपलब्ध हैं और ये पाठ्य पुस्तक अनुभाग से जारी नहीं किए जाएंगे। 26 अगस्त 2016 को छात्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। पुस्तकालय द्वारा छात्रों/संकाय सदस्यों के लिए कई अन्य पहलों और उपलब्ध कराई गई सेवाओं में निम्नलिखित शामिल हैं: वाई–फाई कनेक्टिविटी और लैपटॉप चार्जिंग सुविधा सहित डेस्कटॉप कंप्यूटर डी.यू.एल.एस. से पुस्तकालय के ई–संसाधन तक पहुंचने के लिए लिंक, आईएनएफएलआईबीएनईटी की एन–सूची कार्यक्रम तक पहुंच पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र नौकरी के अवसरों की अधिसूचना और विषय–वार मंजिल–वार साइनेज। पुस्तकालय दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान करता है। इसमें दो कंप्यूटरों के साथ अलग वातानुकूलित केबिन (हेलेन केलर यूनिट नामक); निःशुल्क सुगम्य पुस्तकालय की ऑनलाइन सदस्यता और ब्रेल अध्ययन सामग्री पढ़ने के लिए बैठने का अलग स्थान शामिल है।

संकाय की संख्या

स्थायी – 73, तदर्थ – 43

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 21,22,00,000 रुपए (दिल्ली सरकार द्वारा 100प्रतिशत वित्तपोषित)

उपयोग किया गया– 21,55,40,216 रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एक नया कोर्स बी. ए. (ऑनर्स), इतिहास आरंभ किया गया है।

डॉ. सुनीता चाकी ने 'ई' पाठशाला (यूजीसी परियोजना) के लिए सामग्री लेखक के रूप में पांच मॉड्यूल पूरे किए।

कॉलेज की तंबाकू विरोधी समिति द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में तंबाकू के सेवन के मानव स्वास्थ्य पर दुष्परिणाम पर डॉ. मंजू गुप्ता व हिंदू राव अस्पताल की पूर्व प्रमुख मोनिका गुप्ता (4 नवम्बर, 2016) द्वारा विशेष वार्ता और गोलकपुरी गांव (8 नवंबर, 2016) में तंबाकू–विरोधी रैली व कॉलेज में पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता (3 नवम्बर, 2016)।

मनोविज्ञान विभाग ने 7 अक्टूबर, 2016 को डॉ. उदय सिन्हा के साथ अपने छात्रों के लिए एक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया, मुख्य अतिथि के रूप में तत्कालीन कार्यवाहक आयुक्त, आईएचबीएएस, दिल्ली उपस्थित थे।

कैडेट रोहित ने गणतंत्र दिवस शिविर (ऑल इंडिया गार्ड ऑफ ऑनर) और सीसी कैलाश राणवा ने पूर्व–गणतंत्र दिवस शिविर 2017 में भाग लिया।

***

व्यावसायिक अध्ययन का कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा कॉलेज को 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है। हमने 27 सितंबर, 2016 को विश्व पर्यटन दिवस का उत्सव मनाया, जिसमें छात्रों की पता लगाने की क्षमताओं, त्वरित बुद्धि, आर्थिक प्रश्नोत्तरी और तर्क के प्रयोग के परीक्षण के लिए 'माइंड पैलेस', 'प्रश्नोत्तरी', 'क्यूरिओसिटी' और 'इपोकैलिस' जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। छात्रों को बड़े पैमाने पर संवेदनशील बनाने के लिए कॉलेज के महिला विकास कक्ष द्वारा लिंग समानता अभियान का आयोजन किया गया था। इकोनॉक्सः कॉलेज की अर्थशास्त्र सोसायटी ने कार्यक्रमों का आयोजन किया।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ इंदरजीत, प्राचार्य

अक्टूबर, 2014 से 2016 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिषद के सदस्य।

दिल्ली विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष, व्यापार सलाहकार समिति, शैक्षिक परिषद की स्थायी समिति (छात्र) और बी.वोक के लिए प्रवेश पद्धतियां तैयार करने के लिए समिति द्वारा नामित किए गए। वर्ष 2016 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ वाणिज्य और व्यवसाय पाठ्यक्रमों की प्रवेश समिति।

इग्नू के उप–कुलपति द्वारा बी.वोक.कार्यक्रम डिजाइन करने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नामांकित।

2016–2017 में भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा 'जोखिम प्रबंधन' पत्र के अंतिम वर्ष के पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए डॉ. सुरेन्द्र सिंह को विशेषज्ञ समूह के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।

डॉ. आशुतोष कुमार को पर्यटन विभाग द्वारा 20–22 मई 2016 को इंडोनेशिया में डब्ल्यूटीटीसी द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में एक महत्वपूर्ण नोट पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

बी.कॉम (ऑनर्स) के प्रशांत शर्मा ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) की रितिका खुराना ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) के अमृतांश कुमार ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) की ऐश्वर्या झा ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रबंधन स्नातक अध्ययन की पूर्वी पांडे ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

एम नांगिया, (2016).बैंकिंग क्षेत्र में सुधारः 'बैंकिंग प्रणाली पर विमुद्रीकरण के प्रभावों को स्पष्ट रूप से देखने की आवश्यकता क्यों है? बोलो मत, बताओ मत, हिंदू। भार वेब लिंक, 'द वायर' से प्राप्त।

एस सिंह, (2016). प्रबंधन लेखांकन। नई दिल्लीः पीएचआई लर्निंग।

एस सिंह, (2016). लागत लेखांकन के बुनियादी सिद्धांत और लागत लेखा के तत्व। इलाहाबाद : किताब महल।

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रमुख अनुसंधानकर्ताः डॉ.गौरी मिश्रा, श्रीमती अनुराधा बावा सिंह और डॉ. अनु सत्याल, दिल्ली विश्वविद्यालय नवाचार परियोजना, 2016, सीवीएस –301

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

संस्थान के संस्थापक और मुख्य संरक्षक श्री चड्डा द्वारा आईपी विश्वविद्यालय में गणित के प्रसिद्ध शिक्षक द्वारा आईटी में करियर जागरूकता पर एक संगोष्ठी। श्री धीरज चौहान और श्रीमती जुही चौहान, कॉलेज के वित्त एवं निवेश प्रकोष्ठ द्वारा सितंबर, 2016 में एक प्रेरक व्याख्यान आयोजित किया गया।

सुश्री रोमा रोका, अक्टूबर, 2016 में टेडेक्स गेटवे कैंपस कनेक्ट के भारतीय प्रमुख, 'वैश्विक शिक्षा प्रणाली उद्यमिता कौशल' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

श्री रवि कुमार, मर्केदेव, कॉलेज की विपणन सोसायटी ने अक्टूबर, 2016 में 'समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार कौशल' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

श्री सिद्धार्थ मारवाह और श्री ध्रुव भूषण, लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में सबसे कम उम्र के उद्यमी और धारक, विश्व मेरिट वैश्विक युवा नेता, टेक क्रंच टॉप स्टार्ट–अप संस्थापक, टीईबी ने मार्च 2017 में 'उद्यमिता कौशल विकास' पर 2 दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रस्तुति

नंदिनी गुहा, (2016). संस्कृतियों के पार विकलांगता को बदलने पर आईएटीआईएस दक्षिण–एशियाई क्षेत्रीय कार्यशाला में ''बांग्ला उपन्यास में विकलांगता को अनुवादित करना। उन्नत अध्ययन का जवाहरलाल नेहरू संस्थान, नई दिल्ली।

इंदर जीत ने वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र स्कूल द्वारा आयोजित पाँचवें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2016 में ''स्थिरता के लिए आरंभः पहल और चुनौतियां'' पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

सुरेंद्र सिंह ने 2016–2017 में संस्थान की वेबसाइट पर सीए अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन पर एक लाइव वेब कास्ट कार्यक्रम में भाग लिया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र एवं प्रतिशत – 83 (33%)

भर्ती के लिए परिसर में आनेवाली कंपनियां–29

पुस्तकालय विकास– 52,000रुपए

संकाय की संख्या

स्थायी – 44, तदर्थ – 77

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 21,17,89,316 रुपए।

उपयोग किया गया– 16,17,71,806 रुपए।

***

कला कॉलेज (कॉलेज ऑफ आर्ट्स)

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

कॉलेज ने वार्षिक प्रेरण दिवस, शैक्षिक अध्ययन दौरे, खेल बैठक और कला प्रदर्शनी आदि कई गतिविधियों का आयोजन किया। 20 जुलाई, 2006 को संकाय, कर्मचारी और छात्रों से मिलने के लिए ''स्वागत समारोह'' के साथ कॉलेज में नए छात्रों और उनके माता–पिता का स्वागत किया गया। भारत के पूर्व विदेश सचिव, श्री ललित मानसिंह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और प्रो. सुनेरा कासलीवाल, डीन, संगीत और ललित कला संकाय सम्मानित अतिथि थे। 64 वीं कला प्रदर्शनी में (7–21 फरवरी, 2017) छात्रों के चयनित कार्य को प्रदर्शित किया गया और इस कार्यक्रम का उद्घाटन एक प्रसिद्ध कला विदुषी, पद्म विभूषण डॉ. कपिला वात्सयान ने किया। श्रीमती पुण्य सलिला श्रीवास्तव, आईएएस, सचिव डीटीटीई, श्री मनोज कुमार, आईएएस, निदेशक, डीटीटीई, श्री नंद कात्याल, प्रख्यात कलाकार (चित्रकारी 1961 बैच), प्रो. सुनेरा कासालीवाल (डीन संगीत और ललित कला संकाय), दिल्ली विश्वविद्यालय, सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। 10 जनवरी, 2017 को नई दिल्ली पुस्तक मेला 2017 के दौरान मानव संसाधन विकास के केंद्रीय मंत्री, श्री प्रकाश जावडेकर द्वारा सुश्री सुप्रिया सोनी, अनुप्रयुक्त कला विभाग, एमएफए अंतिम वर्ष और सुश्री एस एलंचजियान, चित्रकारी विभाग, एमएफए अंतिम वर्ष को नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत का कैलेंडर डिजाइन करने के लिए नामित किया गया।

सम्मान / विशिष्टताएं

मूर्तिकला एमएफए के विभाग से अरुण भंडार की मूर्ति, धूमिमल आर्ट गैलरी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 25वीं रवि जैन वार्षिक कला प्रदर्शनी में चुनी गई थी।

राजीव रंजन, बीएफए, मूर्तिकला विभाग ने चामराजेंद्र गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ विजुअल आर्ट्स, मैसूर द्वारा आयोजित 9वीं राष्ट्रीय स्तर की छात्र कार्यशाला में भाग लिया।

बीएफए (अनुप्रयुक्त कला) के अंतिम वर्ष के अशोक कुमार विश्वकर्मा ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बीएफए (प्रिंटमेकिंग) अंतिम वर्ष की कशिश गुप्ता ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बीएफए (कला इतिहास) अंतिम वर्ष की रिया जोस ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एमएफए (अनुप्रयुक्त कला) अंतिम वर्ष की सुप्रिया सोनी ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एमएफए (पेंटिंग) अंतिम वर्ष की संगीता ग्रोवर ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

प्रसिद्ध दृश्य कलाकार और मूर्तिकार श्री. नंद कुमार पीके ने छात्रों और संकाय के साथ बातचीत की और कॉलेज के सभागार में 3 फरवरी, 2017 को अपने काम का प्रदर्शन करते हुए एक व्याख्यान/स्लाइड शो प्रस्तुत किया।

श्री मनोज नायर ने कला मीडिया पर एक व्याख्यान/स्लाइड शो प्रस्तुत किया। श्री एच.जी. अरुण कुमार ने मूर्तिकला और प्रतिष्ठानों पर वार्ता प्रस्तुत की।

कॉलेज ने छह विषयों के विशेष वर्गों के बीएफए तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए 7–21 फरवरी, 2017 के दौरान वार्षिक शैक्षिक अध्ययन दौरे का आयोजन किया।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

एमएफए चित्रकारी विभाग के ऋतिक शर्मा ने हैप्पी मूव कैंप – 2016 में स्वयंसेवा की, यह भारत और कोरिया के बीच एक सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम सीनियर– जूनियर कलाकारों की प्रदर्शनी – एआईएफएसीएस 2016 है।

एमएफए अनुप्रयुक्त आर्ट और एमएफए विजुअल कम्युनिकेशन के छात्रों ने डॉ. सुमिता कथुरिया और डॉ. कुमार जिगीशू के साथ प्रमुख थॉम्पसन प्रेस, ओखला का दौरा किया।

चित्रकारी विभाग बीएफए चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने चुनाव आयोग में प्रभावशाली भागीदारी और योगदान दिया है।

पुस्तकालय विकास

बजट 4 लाख रुपये था, 205 पुस्तकें शामिल की गईं और 17 पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई।

संकाय की संख्या

स्थायी – 15

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अनुप्रयुक्त कला विभाग द्वारा एमएफए आरबीआई कला प्रतियोगिता 2016 में एक प्रभावशाली योगदान किया गया था।

कॉलेज ने 24 मार्च, 2017 को नई दिल्ली के कर्नल सिंह स्टेडियम में वार्षिक खेल समारोह का आयोजन किया।

***

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

कॉलेज ऑफ नर्सिंग, आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) 30 छात्राओं के वार्षिक दाखिले के साथ बीएससी (आनर्स) नर्सिंग कोर्स आयोजित करता है। 01 जून 2016 को एएचआरआर के आयुर्विज्ञान सभागार में कॉलेज दिवस मनाया गया। सेना प्रमुख की पत्नी श्रीमती नमिता सुहाग, अध्यक्ष एडब्लूडब्लूए इस समारोह की मुख्य अतिथि थीं। कॉलेज ने इस अवसर पर अपनी पहली पत्रिका 'तरंगिनी' का विमोचन किया। 70वें स्वतंत्रता दिवस पर एक इंटरहाउस समूह गायन प्रतियोगिता और नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। भारतीय सेना के सैनिकों की कड़ी मेहनत, समर्पण और बलिदान के लिए आभार प्रकट करते हुए छात्रों ने 'धन्यवाद कार्ड' बनाया। 'वायु प्रदूषण' पर एक इंटरहाउस मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और 10 मार्च 2017 को आईएमए में वायु प्रदूषण पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान कॉलेज और विजेताओं को पुरस्कार दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर, कॉलेज के नर्सिंग कैडेट मैस में योग और इसके लाभों पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। छात्रों ने योग की प्रतिज्ञा ली और विभिन्न मुद्राओं/आसनों का प्रदर्शन किया, जिसका उन्होंने प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों की देखरेख में अभ्यास किया था।

सम्मान/विशिष्टताएं

बी.एससी. (आनर्स) नर्सिंग की तृतीय वर्ष की एन/कैडेट मौसमी परवीन ने आरएसी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, नई दिल्ली में आयोजित राज्य स्तरीय एसएनए पोस्टर की बनाने प्रतियोगिता में भाग लिया और दूसरा स्थान प्राप्त किया।

द्वितीय वर्ष बी.एससी. (आनर्स) की एन/कैडेट रेणु बिष्ट ने नर्सिंग की राज्य स्तरीय एसएनए मिस पर्सनेलिटी प्रतियोगिता में भाग लिया और पहला स्थान प्राप्त किया।

इस कॉलेज की छात्राओं ने एसएनए राज्य स्तरीय रिले रेस और 100 मीटर दौड़ में भाग लिया और दोनों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

बीएससी (आनर्स) नर्सिंग के पाँचवें सेमेस्टर की नवंबर–दिसंबर 2016, डीयू–एन/कैडेट अरुणिमा जीपी।

बीएससी (आनर्स) नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा नवंबर–दिसंबर 2016, डीयू–एन/कैडेट पारुल।

प्रकाशन

जिल्मी, अनु .जोस (2016). सुई स्टिक चोट की रोकथाम की प्रथाओं में संरचित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता। नर्सिंग टुडे की पत्रिका, 1(2), 11–20.

संपादक/संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के रूप में सेवा करने वाले शिक्षक– 01

अनुसंधान परियोजनाएं

लेफ्टिनेंट कर्नल डोला बनर्जी, सशस्त्र बल चिकित्सा अनुसंधान समिति, 2014–2016, एक तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल अस्पताल में तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता में स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता निडल स्टिक आघात के मौजूदा प्रोटोकॉल के अनुपालन का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन, 20,000 रुपए।

लेफ्टिनेंट कर्नल राजुशा राजू, सशस्त्र बल चिकित्सा अनुसंधान समिति, 2014–2016, एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कंगारू माता देखभाल बनाम पारंपरिक देखभाल से नवजात शिशुओं मे दर्द की प्रतिक्रिया के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन, 65000 रुपए।

लेफ्टिनेंट कर्नल अल्का थॉमस, छात्रों द्वारा स्व–वित्त पोषित अध्ययन के रूप में पाठ्यक्रम 2016–17 के पाठ्यक्रम का हिस्सा था, नर्सिंग के चयनित कॉलेज के नर्सिंग छात्रों के बीच इंटरनेट की लत का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

लेफ्टिनेंट कर्नल रीना ओझा, छात्रों द्वारा स्व–वित्त पोषित, 2016–17, नई दिल्ली के चयनित उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढ़ाते किशोरावस्था के बीच एचआईवी/एड्स के बारे में ज्ञान का आकलन करने के लिए एक विस्तृत अध्ययन।

लेफ्टिनेंट कर्नल मैरी प्रिया ए वी, छात्रों द्वारा स्वयं वित्त पोषित, 2016–17, एक चयनित क्वार्टर अस्पताल नई दिल्ली के नेफ्रोलॉजी विभाग की सेवाओं का लाभ उठाने वाले गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं के बीच संक्रमण नियंत्रण के ज्ञान और प्रथाओं का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुति

एसीएलएस बीएलएस, 21–27 नवम्बर 2016 को डीजीएएफएमएस पर सतत नर्सिंग शिक्षा कार्यक्रम।

29 दिसंबर, 2016 को ''समुदाय में गृह प्रक्रियाएं''पर कार्यशाला, नर्सिंग आर्मी अस्पताल (आर एंड आर) के नर्सिंग छात्रों के 58 वें बैच द्वारा स्व–वित्त पोषित।

उन्नत नर्सिंग प्रक्रियाओं पर कार्यशाला, 28 जनवरी, 2017 को नर्सिंग आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) कॉलेज के पीबी डिप्लोमा ट्रेनी अधिकारियों द्वारा स्व– वित्त पोषित।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र – 116 (96.66प्रतिशत)

परिसर में भर्ती के लिए कंपनियों को आमंत्रित नहीं किया जाता है क्योंकि कॉलेज ऑफ नर्सिंग एएचआरआर एक सशस्त्र बल संगठन है और प्रशिक्षण पूरा होने के बाद सभी छात्राओं को सुरक्षा बल की सेवा के लिए नियुक्त कर लिया जाता है।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

छात्रों ने यूएएचसी द्वारका सेक्टर–II में 11 जनवरी, 2017 को ''सामान्य आकलन'' पर आम जनता के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। तृतीय वर्षीय बीएससी (आनर्स) नर्सिंग की छात्राओं ने नजफगढ़ के ग्राम उज्वा में 22 फरवरी, 2017 को एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कया था, जिसमें महिला भ्रूण हत्या की रोकथाम के बारे में जागरूकता पैदा करने के साथ–साथ नाटक प्रदर्शित किया गया था। छात्राओं ने महिला दिवस समारोह में भाग लिया और एनडब्ल्यूडब्ल्यूए द्वारा आयोजित नवल ऑडिटोरियम में महिला स्वास्थ्य पर एक नाटक में भूमिका निभाई। इस समारोह के मुख्य अतिथि नौसेना प्रमुख एडमिरल सुनील लांबा थे। 28 फरवरी, 2017 छात्रों ने सशस्त्र बलों के परिवारों के लिए एडब्ल्यूडब्ल्यूए द्वारा आयोजित एनसीसी ऑडिटोरियम में अवसाद पर ''चलो बात करें'' में एक भूमिका निभाई। इस अवसर पर श्रीमती मधुलिका रावत, अध्यक्ष, एडब्ल्यूडब्ल्यूए मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने पोषण मेला का भी आयोजन किया, जिसमें 19 मार्च 2017 को महिलाओं के बीच लौह समृद्ध खाद्य और एनीमिया रोकने के लिए जागरूकता पैदा करने का आयोजन किया गया। ''विश्व वन सप्ताह समारोह'' के अवसर पर 132 क्षेत्रीय

सेना (पारिस्थितिकी) राजपूत रिंग में 88 विद्यार्थियों ने 225 पौध लगाए। वनों की कटाई के हानिकारक प्रभावों पर छात्राओं ने एक व्याख्यान भी दिया। उन्होंने 21 मार्च 2017 को एसीएमएस में ''विश्व स्वास्थ्य दिवस'' पर संगोष्ठी में भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज ऑफ नर्सिंग में पुस्तकों की कुल संख्या – 4630

सेना के अस्पताल (आर एंड आर) पुस्तकालय में कुल पुस्तकों की संख्या – 10000

संकाय की संख्या

कुल– 25, तदर्थ – 03

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान
एसीजी अनुदान – 9,01,349 रुपए
टीटीआईईजी अनुदान – 2,04,444रुपए
सीएसडी फंड – 4,08,742 रुपए
आईएचक्यू फंड – 62,500 रुपए
उपयोग किया – 100 प्रतिशत।

***

दौलतराम कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

रोजगार उत्पन्न करने की महिला एजेंसी (डब्ल्यूएजीई) द्वारा गठित खोज समिति द्वारा कॉलेज को हरित परिसर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। विज्ञान विभागों में अभिनव प्रथाओं के लिए डीआरसी को जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा स्टार स्टेटस से सम्मानित किया गया। सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण के राष्ट्रीय संस्थान, भारत सरकार द्वारा सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण के राष्ट्रीय संस्थान द्वारा जागरूकता अभियान में ''नशे को ना कहें'' में भाग लेने के लिए डीआरसी को प्रशंसा का पुरस्कार दिया गया था। विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के लिए कॉलेज में विज्ञान उपकरण प्रयोगशाला, ड्रोसोफिला प्रयोगशाला और जेब्रा मछली प्रयोगशाला बनाई गई है। इस वर्ष कॉलेज की मान्यता के लिए राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) से सहकर्मी टीम ने कॉलेज का दौरा किया और कॉलेज को 'ए' ग्रेड मान्यता प्राप्त हुई। डीआरसी में पिछले वर्ष आरंभ की गई हरित पहल के लिए, 102 प्रजातियों से संबंधित 540 वृक्षों को नाम और संख्या के साथ मैटलॉग विभाग के डॉ. मल्कानी द्वारा मैप किया गया है। कॉलेज के बुनियादी ढांचे में एक नया सम्मेलन कक्ष, पेयजल सुविधा और शौचालय ब्लॉक जोड़ा गया है।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. सविता रॉय, प्रधानाचार्या को रोजगार उत्पन्न करने की महिला एजेंसी द्वारा लाइफ टाइम सीमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. मितु खोसला को एसएसआर अनुसंधान फैलोशिप (2016–17) प्रदान किया गया था।

दिल्ली एनसीटी क्षेत्र में ''यमुना नदी के पानी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए एक जैवसंवेदी के तौर पर जेब्रा मछली पर नवाचार परियोजना'', दिल्ली यूनिवर्सिटी सम्मेलन 2016 में अनुसंधान पोस्टर का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. चित्रा भसीन, डॉ. पद्मश्री मुदगल, डॉ. अनीता मंगला और डॉ. मधु।
डॉ. रश्मि सरोहा ने दिसंबर 2016 में शिक्षा के क्षेत्र में सेवाओं के लिए यंग अचीवर पुरस्कार प्राप्त किया।
बी.एससी (आनर्स) जैवरसायन की सिमरन मोटवाणी, प्रथम वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
बी.एससी (आनर्स) जैवरसायन की रश्मि शर्मा प्रथम वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
बी.एससी (आनर्स) जैवरसायन की वर्षा सिंह, द्वितीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
बी.ए. (आनर्स) दर्शन द्वितीय वर्ष की भूमिक त्यागी ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष के मीनू ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन (चयनित)
सी भसीन, पी मुदगल एवं अन्य (2016), यमुना नदी की स्थल विशिष्ट जल संरचना के सूचक के रूप में जेब्रा मछली प्रारंभिक चरण के विकास संबंधी दोष। पूर्वस्नातक अनुसंधान एवं नवाचार की दिल्ली विश्वविद्यालय की पत्रिका, 2 (1), 40–45.
भसीन एवं अन्य, (2016).यमुना नदी की स्थल विशिष्ट जल संरचना के संकेतक के रूप में जेब्राफिश के प्रारंभिक विकास संबंधी दोष। पूर्वस्नातक अनुसंधान एवं नवाचार की दिल्ली विश्वविद्यालय की पत्रिका, 2(1), 40–55.
गर्ग एवं अन्य, (2016)। जैवसंवर्द्धन और जैव उत्प्रेरण के माध्यम से हेक्साक्लोरोक्साइक्लोसेन (एचसीएच) दूषित मिट्टी का प्रयोगशाला और फील्ड स्तर जैवउपचार। जैवक्षरण, 27, 17 9 –1 9 3
क्षेत्रपाल एवं अन्य, जैवअपशिष्ट से हरे डिटर्जेंट का एक पात्र संश्लेषण, पूर्वस्नातक अनुसंधान एवं नवाचार की दिल्ली विश्वविद्यालय की पत्रिका 2 (1), 92–98
एम खोसला, (2016). फिल्म ''जिंदगी ना मिलेगी दोबारा'' की मनोविश्लेषणात्मक व्याख्याः स्वयं में एक झांकना सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन का अनुसंधान पत्रिका, 64, 72–77.
एम खोसला, (2016). दूसरों की भावनाओं को समझना। सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन की अनुसंधान पत्रिका,5(9), 69–74.
एन पी मलकानी, (2016). सामान्य घास चीनोपोडियम एल्बम की आवास प्रतिक्रिया और अस्तित्व। फीटोमार्फोलॉजी, 66 (1–2), 21–33.
एम ओंकार,, एस रॉय और के ओस्टिकोव, (2016). तीसरे–चौथे अर्धचालक का घना प्लाज्मा आधारित नैनोफैब्रिकेशनः अनूठी विशेषताएं और हालिया प्रगति। नैनासामग्री, 6(1), 4.
पी वी आनंद, (2016). भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ानाः एक हस्तक्षेप आधारित अध्ययन। सकारात्मक मनोविज्ञान की पत्रिका, 4(1,2), 5–16.
आर सरोहा, (2016). भारतीय नौकरशाही में लिंग अंतरः एक तुलनात्मक अध्ययन। बहु–विषयक अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 6(3), 136–140.

अनुसंधान परियोजनाएं
एसईआरबी – ईसीआरए, 2017–2020, ''ग्लूब्लास्टोमा के इन–विट्रो और इन–विवो मॉडल के लिए दवा देने के लिए रणनीति तैयार करें।'' 46 लाख रुपए।
यूजीसी–एफआरपीएस प्रारंभिक अनुदान, 2017–20, ''नैनोलिपोसॉमल तैयार करने के दवा जारी करने के काइनेटिक्स के वर्णन और निगरानी के लिए इन–सीटू चिक क्रोरिऑलेंटिक मॉडल का अनुकूलनं।'' 10 लाख रुपए।

वित्त वर्ष 2016–17 से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित स्टार नवाचार परियोजनाओं को वित्त पोषित किया गया था: "कैंपस स्थिरता सूचकांक – कार्बन पदचिह्न और कॉलेज परिसर के हस्ताक्षर।'' 7.21 लाख रुपए।
''युवा लड़कियों में पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम का असर''। 3.71 लाख रुपए।
पर्यावरण प्रभाव विवरणः माइक्रोबियल ईंधन सेल के साथ कचरे से साफ ऊर्जा। 3.36 लाख रुपए।
कचरे से पुनर्नवीनीकरण पोलिविनायल अल्कोहल (पीवीए) और इसके अनुप्रयोग। 6.51लाख रुपए।
जैव आधारित मेसोफेरस सामग्री के संश्लेषण और पानी में इसके आवेदन। 4.51लाख रुपए।
''दिल्ली के झुग्गियों में महिलाओं, बच्चों और युवाओं की स्थितिः स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार पर ध्यान के साथ।'' 2.86 लाख रुपए।
"एक आदर्श प्रणाली के रूप में जेब्रा फिश का उपयोग कर कशेरुक विकास और संगठनात्मक पदार्थों पर आम खाद्य योजकों के प्रभाव का मूल्यांकन।'' 17.91 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां

19 –20 जनवरी 2017 से 'आचार्य अभिनव गुप्ता के योगदानः 'भारतीय विचारधारा की समग्र विकास और उन्नति के लिए कश्मीर का दर्शन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। वक्ताः श्री सुनील अंबेकर जी, राष्ट्रीय आयोजन समिति, एबीवीपी, आईसीपीआर के अध्यक्ष प्रो. एस आर भट्ट, प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्रा, पूर्व उपकुलपति, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रोफेसर एच एस प्रसाद प्रमुख, दर्शन विभाग, डीयू, डॉ आशुतोष भटनागर, निदेशक, जम्मू और कश्मीर अध्ययन केंद्र, प्रो. भरत गुप्त, ट्रस्टी और सदस्य ईसी, आईजीएनसीए ट्रस्ट, प्रो हरि राम मिश्रा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, डॉ. रजनीश मिश्रा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और डॉ. जय प्रकाश सिंह, फीचर एडिटर, दिव्या हिमाचल।

30–31 मार्च, 2017 से ''विभिन्न कला रूपों के साथ दर्शनशास्त्र का इंटरफेस'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। वक्ताः आईसीसीआरए के महानिदेशक श्री अमरेन्द्र खतुआ, कला कार्य के तौर पर नाटक, चित्रकला, नाटक और नृत्य के राष्ट्रीय विद्यालय के निदेशक, प्रोफेसर वामन केन्द्र, प्रसिद्ध चित्रकार मनीष पुष्क्ले, गुरु प्रेरणा श्रीमाली, कथक नृत्यांगना, जयपुर घराना, प्रोफेसर विजय तनखा, सुधीर मिश्रा, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता, शिवानी वजीर पासचिक, प्रसिद्ध नृत्यांगना और अभिनेत्री, प्रोफेसर बालागनपटी दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के डॉ निलानंजन भौमिक।

आयोजित सम्मेलन

पर्यावरण निरंतरता और रासायनिक शिक्षा (आईसीजीसी–2016) में हरित रसायन, 17–18 नवंबर, 2016, एसईआरबी, डीबीटी और डीआरडीओ द्वारा प्रायोजित।
सार्वजनिक इंटरफेस में सामाजिक दुविधाओं की नैतिक, चिकित्सा और कानूनी पहलुओं के मिलन स्थल की खोज, 21–23 अक्टूबर, 2016, आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति (चयनित)

एम दीपशिखा, बर्टम्यूली (2017) ''लोक/परी कथाओं में हिंसा और भयः कोथानोदी के माध्यम से बुरहि अय्यर जाधु को पढ़ते हुए।'' स्थान, पहचान, एकता पर राष्ट्रीय सम्मेलनः प्रधानता का गठन और प्रतिरोध (उत्तर पूर्व पर विशेष ध्यान के साथ), आईआईटी गुवाहाटी में 15–17 फरवरी, 2017.

इंदु जैन (2016) "कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता नीति के माध्यम से पर्यावरण प्रबंधन में कंपनियों की भूमिका।'' हरित रसायन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 17–18 नवंबर, 2016।

मिंटू खोसलाः

(2017) ''नैतिकता, संस्कृति और स्वास्थ्य।'' अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, पेरिस डेसकार्टेस विश्वविद्यालय, पेरिस, फ्रांस, 28 जनवरी,2017.

(2016) ''मानव विकास और प्रगति में भावनाओं की भूमिकाः एक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य।'' डब्ल्यूआईएसपी, वर्साय विश्वविद्यालय, पोलैंड, 15 नवम्बर, 2016.

(2016) ''संस्कृति, भावना और संचारः कल्याण के निहितार्थ, अंतर्राष्ट्रीय शाखाओं का सामाजिक उच्च विद्यालय।'' वर्साय, पोलैंड, 29 नवम्बर,2016.

(2016) ''मानव विकास और प्रगति में भावनाओं की भूमिकाः एक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य।'' मनोविज्ञान विभाग, ग्दान्स्क विश्वविद्यालय, ग्दान्स्क, पोलैंड, 01 दिसम्बर,2016.

(2016) "आध्यात्मिकता और भावनात्मक कल्याण" कार्दिनलास्टेफनावाइस्जीसिको विश्वविद्यालय में आमंत्रित व्याख्यान, वर्साय, पोलैंड, 25 नवम्बर, 2016.

(2016) ''मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए कदम।'' यूएसआईईएफ, दिल्ली द्वारा अमेरिकन सेंटर में आयोजित, 19 मई, 2016.

(2016) ''संस्कृति और शिक्षा फुलब्राइट–नेहरू स्कॉलर ओरिएंटेशन प्रोग्राम'' यूएसआईईएफ, दिल्ली,27 मई, 2016.

मोनिका प्रभाकर (2016) "निकोमैचेन नैतिकता और भगवद्गीता की नैतिक एकता।'' कांग्रेस अरस्तू 2400 वर्ष, अरस्तू के अध्ययन का अंतःविषय संस्थान, ग्रीस का थिस्सलोनिकी अरिस्टल विश्वविद्यालय, 23 –28 मई, 2016.

पद्मश्री मुदगल (2016) ''मानव स्वास्थ्य पर जल प्रदूषण के प्रभाव का आकलन करने के लिए जैव–सेंसर के रूप में जेब्रा मछलीा।'' जेब्रा मछली रोग मॉडल पर नौवां सम्मेलन, सिंगापुर, 4–7 अक्तूबर,2016.

पूजा वी आनंद (2016) ''भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आशावादः स्वास्थ्य व्यवहार के साथ संबंध को समझना।'' स्वास्थ्य और कल्याण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

पूनम लखोटिया (2017) ''कम्प्यूटेशनल हिल्बर्ट रिक्त स्थान में कम्प्यूटेशनल फ्रेम्स।'' प्रचलित विश्लेषण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीएए 2017, गणित विभाग, शहीद भगत सिंह कॉलेज, 8 –11 फरवरी, 2017.

सरिता नंदा, अंजू जैन, अन्ना सेनुंग (2016)''धातु संदूषित मिट्टी के लिए पादप सुधार पौधे।'' पर्यावरण स्थिरता एवं रसायन शिक्षा (आईसीजीसी–2016) में हरित रसायन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 17–18 नवम्बर, 2016.

(2017) ''हाशिये से मुख्य धारा तकः सांस्कृतिक अनुशासन, राजनीति और विपणन।'' अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी हाशिये को पढ़ना, अंग्रेजी विभाग, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25–26 फरवरी, 2017.

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

कॉलेज ने निम्नलिखित एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं –

परिसर में कचरे के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के लिए 7 जुलाई, 2016 को डीआरसी (रीसाइक्लिंग यूनिट) के साथ स्वावलंबन।

6 मई, 2016 को अनुसंधान सहयोग के लिए जूलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ।

29 मई, 2015 से परिसर के अपशिष्ट कागजों के पुनर्चक्रण के लिए ग्रीनोबिन पुनर्चक्रण प्राइवेट लिमिटेड के साथ।

22 जून, 2015 से शिक्षा और अनुसंधान के लिए संस्कृति फाउंडेशन के साथ।

विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान सेतु कार्यक्रम के लिए 26 मार्च, 2015 से राष्ट्रीय विज्ञान संस्थान (एनआईआई) के साथ।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

सम्मेलन और डिजिटल विज्ञापन के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय का अन्वेषण के लिए डीआरसी, कृषि संस्कृति के साथ।

पद्मश्री मुदगल, जैवरसायन, आईजीआईबी–सीएसआईआर, मथुरा रोड, दिल्ली, अनुसंधान।

के निर्मला, जैवरसायन, साहित्य अकादमी, दिल्ली, पुस्तक प्रदर्शनी–सह–बिक्री।

सरिता नंदा, जैवरसायन, डीआईपीएएस, मॉल रोड, अनुसंधान।

नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्र– 19
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 7

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

दौलत राम कॉलेज के पूर्वोत्तर सेल (डीआरसी) ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास (डीओएनईआर) के साथ मिलकर अंतर–कॉलेज पूर्वोत्तर सांस्कृतिक अवास्तविकता पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें डीओएनईआर राज्य मंत्री, डॉ जितेंद्र सिंह उपस्थित थे। एनएसएस डीआरसी यूनिट ने एक महीने के लिए ''स्वच्छता पखवाड़ा – स्वच्छता अभियान'' आयोजित किया था, जिसकी अध्यक्षता डॉ. अशोक रावत, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, करोल बाग ने की थी। भारत के चुनाव आयोग के सहयोग से, डीआरसी ने मतदाता दिवस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें श्रीमती मंजू, उप–विभागीय मजिस्ट्रेट, भारत चुनाव आयोग ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को गौरवान्वित किया था। एनएसएस यूनिट ने ई–पर्स, डिजिटल भुगतान और उनके लाभों के महत्व के लिए एक जागरूकता अभियान आरंभ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दिल्ली पुलिस के सहयोग से साइकिल रैली का आयोजन किया गया था जिसका उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। ''अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस'' पर एनएसएस यूनिट ने संस्थान में गैर–शिक्षण महिला कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

पुस्तकालय विकास

शैक्षणिक वर्ष के दौरान, पुस्तकालय में 1151 पुस्तकों को जोड़ा गया और ई–लर्निंग को बढ़ावा देने और सुविधा के लिए नए कंप्यूटर और सर्वर स्थापित किए गए।

संकाय की संख्या–174
वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
स्वीकृत अनुदानः यूजीसी से (2016–17)– 24,63,10,000 रुपए।
उपयोग किया गया– 30,71,59,027 रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एनएएसी द्वारा दौलत राम कॉलेज को 'ए' ग्रेड के साथ मान्यता प्रदान की गई।

सोनिया मेहता को ''विज्ञान और समग्र स्वास्थ्यः मुद्दे, चुनौतियां, अवसर, रोकथाम, जागरूकता'' पर चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष'' से सम्मानित किया गया। कृषि संस्कृति प्रकाशन और जेएनयू, नई दिल्ली में डॉ मिश्रा शैक्षणिक फाउंडेशन द्वारा आयोजित (समग्र स्वास्थ्यः 2017) 25 फरवरी, 2017.

दिव्या गुप्ता ने वाणिज्य विभाग, अर्थशास्त्र के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनामिक्स द्वारा 4–5 नवम्बर, 2016 को आयोजित 5वें वार्षिक वाणिज्य सम्मेलन में ''डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र को बदलनाः अवसर और चुनौतियां'' शोध पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार प्रदान किया गया।

दिव्या गुप्ता को दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 15–16 जनवरी, 2016 को आयोजित सार्वजनिक स्वास्थ्य सम्मेलन में 'भारत में बाल कुपोषण में अंतर राज्यीय असमानताओं की जांच' शोध पत्र के लिए ''सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र प्रस्तुतकर्ता/अध्यक्ष'' से सम्मानित किया गया।

दिव्या गुप्ता को नवाचार परियोजना में ''प्रभावी छात्रों की सुविधा के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने का एक अनुभवजन्य अध्ययन'' के लिए 19 नवंबर, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पोस्टर प्रस्तुति में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. रेखा काठल ने शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में जल और वायु गुणवत्ता पर, वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 22 मार्च, 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''यमुना नदी का प्रदूषण स्थिति–एक राष्ट्रीय चिंता'' सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार जीता।

डॉ.विधि चौधरी ने शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में जल और वायु गुणवत्ता पर, वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 22 मार्च, 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''यमुना नदी का प्रदूषण स्थिति–एक राष्ट्रीय चिंता'' सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार जीता।

***

दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

वर्ष 2016–17 हमारे कॉलेज के इतिहास का एक महत्वपूर्ण वर्ष है। इसे भारत के सामान्य डिग्री कॉलेजों में एमएचआरडी द्वारा एनआईआरएफ रैंकिंग में 9 वें स्थान पर रखे जाने का गौरव प्राप्त हुआ है। पिछले पांच सालों के दौरान, इंडिया टुडे – नेल्सन बेस्ट कॉलेजिज सर्वेक्षण में इस कॉलेज को लगातार दिल्ली के कॉलेजों में 8 वें और 9 वें स्थान पर और अखिल भारतीय स्तर पर 40वें स्थान पर रखा गया है। द्वारका में हमारे शानदार परिसर, जुलाई 2016 से आरंभ हो गया है। इस वर्ष, संकाय सदस्यों को एसईआरबी, यूजीसी, आईसीएसएसआर और दिल्ली विश्वविद्यालय जैसी विभिन्न वित्तपोषण एजेंसियों से अनुदान प्राप्त हुआ है। संकाय सदस्यों द्वारा पुस्तकों/प्रकाशित पुस्तकों में अध्यायों की संख्या 11 है और 7 पुस्तकों और सम्मेलन की कार्यवाही को संपादित किया है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय पत्रिकाओं और अन्य पत्रिकाओं में 54 लेख प्रकाशित किए गए हैं। संकाय सदस्यों ने सम्मेलनों/कार्यशालाओं में 14 आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएं प्रस्तुत कीं और 27 मौखिक तथा 16 पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी कीं। उनके मार्गदर्शन के अंतर्गत चार छात्रों को पीएचडी की डिग्री से सम्मानित किया गया है।

सम्मान/विशिष्टताएं

नितिन लूथरा को 2016–17 के शैक्षणिक वर्ष में ओहियो विश्वविद्यालय (यूएस) में एक विदेशी भाषा शिक्षण सहायक (एफएलटीए) के रूप में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (यूएस सरकार) से फुलब्राइट फेलोशिप प्राप्त हुई।

डॉ. सुधीर वर्मा को मदुरई कामराज विश्वविद्यालय (जून–जुलाई, 2016) में यूजीसी–एनआरसीबीएस विजिटिंग अनुसंधान फेलोशिप प्रदान किया गया।

डॉ मनोज सक्सेना को आईईईई–ईडीएस संयुक्त राज्य अमेरिका के आईईईई इलेक्ट्रॉन उपकरण सोसायटी के विशिष्ट व्याख्याता के रूप में मान्यता दी गई है।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

रोहित कुमार, बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान ने विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय से मेधावी पुरस्कार प्राप्त किया।

शशांक, बीएससी (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान, प्रथम वर्ष ने विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय से मेधावी पुरस्कार प्राप्त किया।

अमन सैनी, बी.ए. द्वितीय वर्ष ने निम्न पदक जीतेः

7–12 सितंबर, 2016, ताइवान में व्यक्तिगत और टीम कार्यक्रमों में एशिया कप स्टेज –2 रजत पदक, तथा 20–25 मार्च, 2017 को थाईलैंड में टीम स्पर्धा में एशिया कप स्टेज –2स्वर्ण पदक।

प्रकाशन

एच.सी जैन और पी सचदेवा, (2016). कॉर्पोरेट टैक्स प्रोत्साहन और रासायनिक उद्योग की वृद्धि, प्रबंधन एवं सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आईजेएमएसएसआर), 5(6) 47–51.

एच.सी जैन और पी सचदेवा, (2016). कर प्रोत्साहन और भारत में कागज उद्योग का विकास प्रबंधन एवं सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आईजेएमएसएसआर,) 5(5), 1–5.

एम अग्रवाल, (2016). आईआरए, भारत में एक वाणिज्यिक बैंक के निवेश पोर्टफोलियो में तरलता पर विचार, आईआरए – विकास प्रबंधन एवं सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3(2), 149–162.

श्रीवास्तव एवं अन्य (2016). शुष्क उष्णकटिबंधों में एसओसी गतिशीलता पर जैविक संशोधन का प्रभावः अकार्बनिक–एन भंडारों की सापेक्ष उपलब्धता की एक संभावित भूमिका। कृषि, पारिस्थितिक तंत्र और पर्यावरण 235ः 38–50.

वी सिंह, आर सिंह और एम जेनवा,(2016). डाई संवेदीकृत सौर सेल में फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल प्रभावः सीटीलट्राइमिथालमोनियम ब्रोमाइड–ब्रोमोथिमल ब्लू–ऑक्जिलिक एसिड सिस्टम। शिक्षा एवं विज्ञान अनुसंधान समीक्षा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, III (2) पृष्ठ 1.

पुस्तकें /पुस्तकों में अध्याय

ए ए राजपाल और आर बी मिश्रा, (2016). डीडब्ल्यूटी डोमेन में सेमी–ब्लाइंड ग्रे स्केल इमेज वॉटरमार्किंग के लिए एक्सट्रीम लर्निंग मशीन, पी म्यूलर, एस थम्पी, एम आलम भुइयां को आर, आर डॉस, अलकाराज कैलोरो जे। कंप्यूटिंग और संचार में सुरक्षा। कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में संचार, 625. सिंगापुर, स्प्रिंगर, आईएसबीएनः 978–981–10–2737–6 (प्रिंट) 978–981–10–2738–3 (ऑनलाइन)

ए सोनी और वी गौर, (2016). प्रयोक्ता की आवश्यकताएं, कम्प्यूटेशनल विज्ञान और इसके अनुप्रयोगों से निर्भरता प्रकार की पहचान करने के लिए एक पद्धतिगत दृष्टिकोण। आईसीसीए 2016, भाग IV, संस्करण 9789, कम्प्यूटर विज्ञान में व्याख्यान श्रृंखला नोट्स में पृष्ठ 374–391. स्विट्जरलैंडः स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन आईएसबीएनः 978–3–319–42088–2.

एच सी जैन और एच एन तिवारी, (2017) व्यापार में कंप्यूटर अनुप्रयोग दिल्लीः टैक्समैन प्रकाशन. आईएसबीएन 978–93–86394–58–3.

महावीर, (2016).एवकाडोः एक आश्चर्यजनक फल औषधीय पौधे। नई दिल्लीः कैम्पस बुक्स इंटरनेशनल, आईएसबीएनः 978–81–8030–474–3.

एस वर्मा और पी गोयल, (2016). प्रजनन प्रणाली।एस 5 के लिए जीवविज्ञान कार्यक्रम में, रवांडा प्रकाशन। आईएसबीएनः 978–0–8389–9227–2.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. अवनींद्र कुमार सिंह, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 2016–17, प्लाज्मा निदान के लिए बहु–आयनों की परमाणु प्रक्रियाओं का अध्ययन, 44,07,480 रुपए।

डॉ. वर्निका भाटिया, यूजीसी शुरुआती अनुदान, 2016. कैंसर विरोधी प्रभावकारिता को बढ़ाने के लिए, मेटाबोलिक इंजीनियरिंग, 10 लाख रुपए।

डॉ. संगीता मोहन, आईसीएसएसआर, 2016–2018, तेज ड्राइविंग के परिणाम स्वरूप राजमार्ग पर हत्या, शहरी और ग्रामीण भारत का एक अप्रकट अध्ययन, 7 लाख रुपए।

सुश्री सोनल सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय नवाचार परियोजना, 2016, सौर ऊर्जा और इसकी शक्ति का अन्वेषणः दिन–प्रतिदिन के उपयोगिता उपकरणों/वस्तुओं का निर्माण, 5 लाख रुपए, अक्टूबर 2016 में पूरी हुई।

डॉ. वी.के. सिंघानिया, ''रिटर्न की ई–फाइलिंग'' पर एक प्रसिद्ध कर विशेषज्ञ,. भारतीय अकाउंटिंग एसोसिएशन, दिल्ली खंड और डीडीयूसी के आईक्यू एसी के सहयोग से 14 जनवरी 2017 को आयोजित।

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

एक वरिष्ठ सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्री विकास कुंद्रा, जोश लैब्स, 4 फरवरी, 2017 को ''डीआरएफ और एंग्यूलरजेएस का उपयोग कर मोबाइल अनुप्रयोगों का विकास'' पर पूरे दिन की कार्यशाला के दौरान एक सत्र आयोजित किया।

डॉ. एम के राधाकृष्णन, क्षेत्र और अध्याय के उपाध्यक्ष, ''सिलिकॉन नैनोडिवाइसःइंटरफेस फिजिक्स एंड एनालिसिस चुनौतियों'' पर 04 अप्रैल, 2016 को साइंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइसेज सोसाइटी और नैनो रेल तकनीकी कंसल्टेंट्स सिंगापुर के निदेशक।

श्री वेद प्रकाश सैंडलस, परामर्शदाता, आईटीएम विश्वविद्यालय, गुड़गांव, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, 28 फरवरी, 2017 को 'सैटेलाइट कम्युनिकेशन ट्रेंड्स' पर।

सुश्री रूपा कपूर, सदस्य पोषण और बाल अधिकार पर राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के सदस्य, 23 मार्च, 2017. गैर सरकारी संगठनों– जमघट, प्रार्थना, बढ़ते कदम और कावेरी सड़क के बच्चों के पुनर्वास के लिए काम कर रहे प्रतिनिधियों ने पैनल चर्चा में भाग लिया।

आयोजित सम्मेलन

वार्षिक व्यवसाय सम्मेलन, एक्लेसिआ '17, इंडियाज एज ओवर द वर्ल्ड, 10 फरवरी 2017 को होटल अशोक, नई दिल्ली में। भारत के माननीय मानव संसाधन विकास केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

वर्तमान कॉर्पोरेट परिदृश्य में विपणन और मानव संसाधन में उभरते मुद्दे। 8 नवंबर, 2016.

भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रबंधः भविष्य के लिए चुनौतियां, 11 फरवरी, 2017.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (चयनित)

आर. एम. भारद्वाज (2017) तिब्बत में भिक्षुओं का प्रशिक्षणः अतीसा दीपंकर की बोधिपथप्रदीप, ''अतीसा दीपंकर की बोधिपथप्रदीप में बोधिसत्व वार्ता एवं कार्य'' और ''नालंदा की विरासत एवं इसकी शैक्षिक परंपरा''। भारत–तिब्बती अध्ययन के महत्व पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः नालंदा परंपरा का एक सांस्कृतिक विरासत, भारत–तिब्बती अध्ययन विभाग, विश्व–भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, 27–28 मार्च, 2017.

हेम चंद जैन (2016) महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर में 5–6 दिसंबर, 2016 को एबीआरएसएम और वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित ''परीक्षा सुधार'' उच्च शिक्षा में परीक्षा सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

राकेश कुमार (2016) ''अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में चढ़ाव और उभरते स्टॉक मार्केट्स के व्यवहार'' पर वाईएमसीए विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा में 26–27, 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

मोनिका बंसल (2017) ''नेतृत्व पर डिजिटल युग का प्रभाव'' डिजिटल युग को अपनानाः प्रबंधन परिप्रेक्ष्य पर गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 13 जनवरी 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।

मोनिका बंसल (2017) ''नेतृत्व पर डिजिटल युग का प्रभाव'' वाणिज्य और प्रबंधन में उभरते मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 7 जनवरी 2017.

अंकित राजपाल (2016). संकेत प्रसंस्करण, संचार और कंप्यूटिंग (आईसीएसपीसीसी) पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। हांगकांग, चीन में 5–8 अगस्त, 2016 को आयोजित।

अंकित राजपाल (2016). जयपुर, भारत में 21–24 सितंबर, 2016 को सुरक्षा, कम्प्यूटिंग और संचार पर आयोजित चौथी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

संगीता मोहन (2016) ''संकट के दौरान टीम की गतिशीलता के प्रबंधन में सामाजिक जज्बे की भूमिकाः इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का एक अध्ययन।'' मीडिया प्रौद्योगिकी और राजनीति की शक्ति। इंडियन कॉन्वेंटिकल, मास कम्युनिकेशन विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय आईजॉल, 24 नवंबर, 2016.

मनोज सक्सेनाः

(2016) ''सुरंग फील्ड प्रभाव ट्रांजिस्टर और इसका आवेदन अत्यधिक संवेदनशील और तेज जैवसंवेदक।'' ई. डी. विश्वविद्यालय के कलकत्ता छात्र शाखा अध्याय में आईईईई विशिष्ट व्याख्यान, कलकत्ता, 22 सितंबर, 2016.

(2016) ''डीइलेक्ट्रिक पॉकेट एमओएसएफईटीः नया उपकरण आर्किटेक्चर।'' ईडी वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी – चेन्नई स्टूडेंट शाखा अध्याय, चेन्नई में 14 अक्टूबर, 2016 को आईईईई विशिष्ट व्याख्यान।

(2016) ''जैवसंवेदक के रूप में टोनल फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर की मॉडलिंग और अनुकरण।'' इडी वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी छात्र शाखा अध्याय, वेल्लोर, तमिलनाडु में 15 अक्टूबर 2016 को आईईईई विशिष्ट व्याख्यान।

(2017) ''जैवसंवेदक के रूप में टोनल फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर की मॉडलिंग और अनुकरण।'' ईडी उत्तर प्रदेश खंड कानपुर अध्याय कानपुर द्वारा 03 मार्च, 2017 को आयोजित आईआईटी कानपुर में कॉम्पैक्ट मॉडलिंग (उपकरण अनुकरण सहित) पर एक दिवसीय कार्यशाला में आईईईई विशिष्ट व्याख्यान।

(2017) ''डीइलेक्ट्रिक पॉकेट एमओएसएफईटीः नया उपकरण आर्किटेक्चर पर क्वांटम उपकरणों पर 7वां आईईईई ईडी मिनी–कॉलोक्यूम।'' विज्ञान और प्रौद्योगिकी के राष्ट्रीय संस्थान, पलूर हिल्स, ब्रह्मपुर, ओडिशा में 07 मार्च, 2017 को आईईईई विशिष्ट व्याख्यान, (2017) ''जैवसंवेदक के रूप में टोनल फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर की मॉडलिंग और अनुकरण।'' ''ट्यूनल फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर का जैवसेंसर के रूप में आवेदन'' एकीकृत सर्किट (डेवआईसी) के लिए 2017 उपकरणों के द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वाता' कल्याणी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में 23–24 मार्च, 2017 को आईईईई केजीईसी छात्र शाखा अध्याय द्वारा ईसीई, केजीईसी द्वारा तकनीकी रूप से आयोजित सहकारी प्रायोजित, आईईईई ईडीएस कोलकाता, अध्याय द्वारा सह–प्रायोजित।

(2017) ''एम्बेडेड इन्सुलेटर आधारित नए नैनोस्कैल्ड नई एमओएसएफईटी संरचनाएं'' कोलकाता के मेघनाद साहा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में ईडी मेघनाद साहा टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट शाखा अध्याय द्वारा कोलकाता, भारत में 25 मार्च 2017 को आयोजित आईईईई के विशिष्ट व्याख्यान।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र – 116

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां— 11

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

इस वर्ष, हमारे स्वयंसेवकों ने अपनी पढ़ाई में (1) एक जेएन कॉलोनी सेक्टर 16 बी, द्वारका में एक गैर सरकारी संगठन 'रणभूमि फाउंडेशन' और (2) रमेश नगर केंद्र में 'आगे बढ़ें और इसे पारित करें' (आरओ पीआईओ) द्वारा चलाए जाने वाले केंद्रों में झुग्गियों और जे. जे. कालोनियों के बच्चों को पढ़ा कर उनकी मदद की। सामाजिक न्याय मंत्रालय के सहयोग से दिल्ली के मुख्य चुनाव आयुक्त, दिल्ली द्वारा प्रशिक्षित में आठ एनएसएस स्वयंसेवकों ने 9 अप्रैल, 2017 को निर्वाचित मतदाताओं को चुनाव (राजौरी गार्डन) में अपना मतदान करने में मदद की। दीन दयाल लोक फाउंडेशन के साथ मिलकर तीन डिब्बों में शीतकालीन कपड़े एकत्रित किए गए और उन्हें जरूरतमंदों में वितरित किया गया। प्रतिभा को बढ़ावा देने और सेक्टर 16, द्वारका और रमेश नगर के बच्चों को प्रेरित करने के लिए, 25 मार्च, 2017 को एनएसएस यूनिट द्वारा एक दिन का उत्सव आयोजित किया गया था। उनके लिए कई खेल और प्रतिभा की खोज प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें 50 से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

हमारा पुस्तकालय पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है और इसमें एक समर्पित पुस्तकालय सॉफ्टवेयर है। इसमें पुस्तकों और पत्रिकाओं के अद्यतित ग्रंथ सूची डेटाबेस हैं। पुस्तकालय में पाठ्य पुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों के 43,573 संस्करण (इस वर्ष के 1134 के साथ) हैं। पुस्तकालय ने प्रासंगिक विषयों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के 68 पत्र और पत्रिकाओं की सदस्यता ली है।. इसके अलावा पुस्तकालय ने 15 राष्ट्रीय समाचार पत्रों की सदस्यता ली है। इसके संग्रह में 594 सजिल्द संस्करण और 800 सीडी हैं। ई–लर्निंग के साथ कक्षा– शिक्षण के लिए, पुस्तकालय में 8 एमबीपीएस एमटीएनएल ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के माध्यम से इंटरनेट एक्सेस सुविधा दी गई है। विश्वविद्यालय के माध्यम से 100 एमबीपीएस फाइबर ऑप्टिक समर्पित रेलटेल लिंक प्रदान की गई, पुस्तकालय में 44,000 से अधिक सहकर्मी समीक्षा पत्रिकाएं, 84 डेटाबेस और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सदस्यता प्राप्त अन्य शैक्षणिक सामग्रियों तक पहुंच है। यूजीसी–इनफ्लिबनेट के एनआईएलआईटी कार्यक्रम के माध्यम से, संकाय और छात्र 6000 ई–पत्रिकाओं और 9 7,000 ई–पुस्तकों तक दूरस्थ पहुंच की सुविधा का आनंद लेते हैं। इसके अलावा, पुस्तकालय विद्यार्थियों के तैयार संदर्भ के लिए अपने स्थानीय नेटवर्क पर सार्वजनिक विषय में उपलब्ध प्रासंगिक विषय सामग्री और अन्य उपयोगी जानकारी भी डाउनलोड करता है। पुस्तकालय की दो मंजिलों में विस्तृत लगभग 300 लोगों के बैठने की क्षमता के साथ पूरी तरह से वातानुकूलित अध्ययन कक्ष की सुविधा है, जिसमें से एक मंजिल में इंटरनेट आधारित पुस्तकालय सेवाओं की सुविधा भी उपलब्ध है।

संकाय की संख्या—130

स्थायी — 93 तदर्थ — 37

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत— 33, 12, 61,364 रुपए।

उपयोग किया गया— .25, 59, 38,838 रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

भारत सरकार, योजना आयोग द्वारा स्थापित निर्माण उद्योग विकास परिषद द्वारा, नए परिसर को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचा परियोजना के रूप में विश्वकर्मा पुरस्कार प्रदान किया गया।

रोबोटिक्स क्लब ने 2016–17 के दौरान आठ कार्यशालाओं का आयोजन किया और 28 फरवरी 2017 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर, हमारे छात्रों ने सुरक्षा अलार्म, मैटल डिटेक्टरों, मिट्टी की नमी की मोबाइल चेतावनी, ब्लूटूथ और आईआर नियंत्रित रोशनी, स्वचालित हाथ के ड्रायर, चुंबकीय सेंसर का उपयोग कर दीपक को जलाने

जैसी अभिनव और वास्तविक समय परियोजनाओं का प्रदर्शन करने वाली एक परियोजना प्रदर्शनी का आयोजन किया।

एक फायरबर्ड–वी परेड भी दिखाया गया था।

डॉ. नित्यानंद अगस्ती ने ब्रिटेन के नॉटिंघम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ केमिस्ट्री में सफलतापूर्वक एमएसआरएस (एमआरएस) को पूरा किया, जिसके लिए उन्हें 2016 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई थी।

डॉ. वार्निका भाटिया को 'पर्यावरण और कृषि क्रांति के लिए 21 वीं सदी के लिए खोज' (स्प्रिया 2016) के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक शोध–पत्र पुरस्कार प्रदान किया गया, जो सोसायटी फॉर प्लांट रिसर्च एंड डिपार्टमेंट ऑफ प्लॉटनी, दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विभाग की पादप अनुसंधान सोसायटी द्वारा आयोजित की गई थी।

कॉलेज ने एक विदेशी भाषा केंद्र भी स्थापित किया, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मन और रोमन अध्ययन विभाग द्वारा फ्रेंच में एक नया एड–ऑन सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया गया।

कॉलेज ने मार्च, 2017 में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम'' का आयोजन किया, जिसमें सिक्किम और असम पर ध्यान केंद्रित किया गया और देश की सांस्कृतिक जीवंतता का जश्न मनाया गया। जिसके तीन प्रमुख आकर्षण थेः दो राज्यों के साहित्यिक कार्यक्रम, पर्यटन, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधन दिवस और इन राज्यों से हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों की एक प्रदर्शनी।

कई छात्रों को ऑन–कैम्पस इंटर्नशिप के लिए चुना गया था। आईडीबीआई फेडरल लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड द्वारा कुल 18 छात्रों का चयन किया गया। इसके अलावा, सोशियोवाश, इन्टरशाला नेशन वाइड ऑनलाइन प्रतियोगिता, वेबलर, भारतीय अर्थशास्त्री, अस्मत, यूनिवर्सिटी एक्सप्रेस, स्क्रेपलैब फेलोशिप प्रोग्राम, स्पोर्टिडो, हेल्पिज, सेविअर्स, एनजीओ, आईडीबीआई फेडरल लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड रोपोसो, सिटी फर्निश, ब्रेकथ्रू, आर्कन, चॉकस्ट्रीट, स्पोर्ट्सपैल, फीडिंग इंडिया, ओयो रुम्स, शशवैंक ट्रेवल्स जैसी कई कंपनियों ने छात्रों को परिसर के बाहर इंटर्नशिप के लिए आमंत्रित किया है।

***

कला एवं वाणिज्य का दिल्ली कॉलेज (दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स)

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

कॉलेज ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, संविधान दिवस और राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। कॉलेज में सफाई अभियान चलाकर स्वच्छ भारत अभियान को स्मरण किया गया। कॉलेज ने सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन स्थापित की और इसका उद्‌घाटन किया गया। कॉलेज ने एक एनजीओ महिला के सहयोग से महिला दिवस का जश्न मनाया। कॉलेज के शिक्षण और गैर–शिक्षण कर्मचारियों तथा छात्रों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए एक अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का गठन किया गया था। कॉलेज की एनसीसी इकाई ने गणतंत्र दिवस शिविर, उन्नत नेतृत्व शिविर, अखिल भारतीय ट्रेकिंग अभियान शिविर, अखिल भारतीय पर्वतारोहण, संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, थल सैनिक कैंप, प्रधान मंत्री की रैली/मुख्यमंत्री की रैली, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के साथ यातायात प्रबंधन अभियान और वीवीआईपी कवलकेड आदि में भाग लिया। कॉलेज की एनएसएस इकाई ने अपनी सामाजिक और शिक्षा गतिविधियों को नए सिरे से ऊर्जित किया और उत्साह के साथ अपने तन्जाल, कला और शिल्प, स्वच्छ और हरित जैसे कार्यक्रमों को जारी रखा है। डीसीएसी के पर्यावरण सोसाइटीः प्रकृति ने कॉलेज के आसपास कई वृक्षारोपण सह जागरूकता अभियानों का आयोजन किया।

सम्मान/विशिष्टताएं

अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. दीप्ती तनेजा को उच्च शिक्षा निदेशालय, जीएनटीटी दिल्ली द्वारा वर्ष 2016–17 के लिए सर्वश्रेष्ठ व्याख्याता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बिहार सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2017 के अवसर पर अंग्रेजी विभाग की डॉ. शिल्पा चौधरी को सम्मानित किया गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

आसाना टोकस (स्विमिंग) ने राज्य स्तर पर 4 स्वर्ण पदक जीते।

दिनेश को (मुक्केबाजी) राष्ट्रीय खेलों में द्वितीय स्थान मिला।

साहिल पवार (तैराकी) ने राज्य स्तर पर 4 स्वर्ण पदक जीते।

नवजीत कौर (आइस हॉकी) को अंतरराष्ट्रीय खेलों में तृतीय स्थान मिला।

शौर्या राठे (तायक्वोंडो) ने अंतर–विश्वविद्यालय खेलों में 1 स्वर्ण पदक जीता।

प्रकाशन (चयनित)

एम बगोरिया, (2016). कनाडाई स्वदेशी संप्रभुता, स्व–सरकार और पहचानः हालिया विखंडन बौद्धिक अनुनादः डीसीएसी की अंतरविभागीय अध्ययन की पत्रिका 3(4), 1–8.

ए भेला (2016). शेक्सपियर और लोकप्रिय संस्कृतिः भारतीय संदर्भ, पत्रिका ऑफ राजस्थान एसोसिएशन फॉर स्टडीज इन इंग्लिश,12(2016):1–7. आईएसएसएन 09753419

भूपिंदर (2016) वित्तीय लेखा की बुनियादी बातें। दिल्लीः गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी। आईएसबीएन 978–93–86184– 09–2

आर चोपड़ा, (2016). स्टॉक मार्केट में निवेश करना। नई दिल्लीः सुप्रिया बुक्स, 978–90–84471–10–1

गुप्ता– वी चतुर्वेदी, (2016). लोकप्रिय हिंदी सिनेमा में राष्ट्र की बदलती छविः नेहरू समाजवाद से लेकर वर्तमान तक। बौद्धिक अनुनाद, डीसीएसी की अंतरविभागीय अध्ययन की पत्रिका, 3(4). आईएसएसएनः 2321–2594

एस सक्सेना और एम देब, (2016). उन्नति और विकास की विभिन्न श्रेणियों में भारतीय राज्यों के संक्रमण का पैटर्न आर्थिक उदारीकरण के बाद का अनुभव। व्यवसाय और आर्थिक क्षितिज, 12(3), 121–140. आईएसएसएन 1804–5006.

डी तनेजा, (2016). भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के विकास और बहाव का पैटर्न। भारतीय आर्थिक पत्रिका, विशेष अंक। आईएसएसएनः 0019–466)

ए के यादव, (2016) (रित्विका सिंह के साथ) धूमिल की कविताओं संसद से सड़क तक का अनुवाद किया। म्यूज इंडियाः साहित्यिक ई–पत्रिका, अंक 69 (आईएसएसएन सं.: 0975–1815).

नीलम यादव, (2016). विलियम डेलरिम्पल के नाइन लाइव्स में परंपरा और आधुनिकता का एकीकरण बौद्धिक अनुनादः डीसीएसी की अंतरविभागीय अध्ययन की पत्रिका 3(4) 156–168. आईएसएसएनः 2321–2594.

कॉलेज द्वारा प्रकाशित पत्र

बौद्धिक अनुनाद, एक यूजीसी अनुमोदित अंतरविभागीय अध्ययन की पत्रिका।

संपादकीय/संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य करने वाले शिक्षक–7

आयोजित संगोष्ठियां/ कार्यशालाएं (चयनित)

वाणिज्य विभाग ने 29 दिसंबर, 2016 को शिक्षा शास्त्र के बदलते प्रतिमान पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

श्री सुभाशीश दत्ता, डीडीबी मुद्रा के वरिष्ठ रचनात्मक निदेशक (कला), ने 29 अक्टूबर 2016 को विज्ञापन में रचनात्मकता पर चर्चा की।

डॉ. सुमंगला दामोदरन, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, एयूडी ने संगीत और सामाजिक परिवर्तन पर व्याख्यान दियाः आईपीटीए की भूली हुई परंपरा। मार्च, 2017,

विख्यात यात्रा वृतांत लेखक और इतिहासकार विलियम डेलरिम्पल ने 2 मार्च 2017 को 'कोहिनूर' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

उपन्यासकार डॉ. सामी अहमद खान ने 24 मार्च, 2017 को 'रचनात्मक लेखन' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

सम्मेलनों/ संगोष्ठियों में प्रस्तुति

अनिमेश महापात्र (2017) ''पश्चिम से परे देखनाः नटबरा सामंतराय के महत्वपूर्ण अभ्यास का एक अध्ययन।'' साहित्य अकादमी के सहयोग से अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यालय, इग्नू में 3–5 मार्च, 2017 को ''उपनिवेशोत्तर समय से परे व्याख्यात्मकताः तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य, पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ''।

अनीता भेला (2016) ''पावा कथकलीः शास्त्रीय कथकली के समान भारत का कठपुतली लोक रंगमंच।'' अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक साहित्य संघ (आईसीएलए) वियना में वियना विश्वविद्यालय द्वारा 21–27 जुलाई, 2016 में आयोजित कई भाषाओं के तुलनात्मक साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

दीप्ति तनेजा (2016) ''भारत में विदेशी निवेश का विकास और बहाव पैटर्न।'' भारतीय आर्थिक संघ का 99वां वार्षिक सम्मेलन, 27–29 दिसम्बर, 2016.

देविका नरुला (2016) ''दक्षिण एशियाई महिला लेखकों के उपन्यासों में प्रतिरोध और लचीलापन।'' अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक साहित्य संघ (आईसीएलए) वियना में वियना विश्वविद्यालय द्वारा 21–27 जुलाई, 2016 में आयोजित कई भाषाओं के तुलनात्मक साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

शालिनी सक्सेना (2017) ''जीवन का सशक्तिकरणः सतत विकासशील सामाजिक–आर्थिक विकास दृष्टिकोण।'' आईआईएलएम इंस्टीट्यूट फॉर बिजनेस एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली द्वारा 9–11 फरवरी 2017 को आयोजित ''स्थिरता और नवाचारः जिम्मेदार प्रबंधन के मुख्य चालक'' पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र पीआरएमई सम्मेलन। इस शोधपत्र ने सम्मेलन का सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार जीता।

मुकेश बोगोरिया (2016) ''वर्तमान समय में भारत कनाडा संबंध।'' राजनीति विज्ञान विभाग, शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25 अक्टूबर, 2016 को मोदी के शासन के अंतर्गत भारत की विदेश नीति की गतिशीलता बदलने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

नीरु कपूर (2016) ''मोबाइल मार्केटिंग के बारे में उपभोक्ताओं की धारणा।'' वेस्टर्न ईस्ट इंस्टीट्यूट, बार्सिलोना, स्पेन में 7–9 मार्च, 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक सम्मेलन।

शालिनी सक्सेना, नीरू ऐलावाडी और स्मिता बनर्जी (2017) ''क्षाताः जीवन का सशक्तिकरण, सतत सामाजिक समावेशी सामाजिक आर्थिक विकास दृष्टिकोण।'' आईआईएलएम, नई दिल्ली में 9–11 फरवरी, 2017 को स्थिरता और नवाचार पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जिम्मेदार प्रबंधन के प्रमुख वाहक। सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार (1500 अमरीकी डालर का नकद पुरस्कार)

स्मिता बनर्जी (2016) ''एकाधिक ग्रंथ, एकाधिक स्वत्वः महिला तारिकाओं की जीवनी के माध्यम से भद्रमहिला का प्रदर्शन।'' वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड में 27–30 जुलाई, 2016 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दक्षिण एशियाई अध्ययनों पर 24वां यूरोपीय सम्मेलन।

विनीता गुप्ता चतुर्वेदी (2016) ''साहित्य और सिनेमा में मौन की भाषा।'' अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक साहित्य संघ (आईसीएलए) वियना में वियना विश्वविद्यालय द्वारा 21–27 जुलाई, 2016 को आयोजित कई भाषाओं के तुलनात्मक साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र – 140 (84प्रतिशत लगभग)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां– 38

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

कॉलेज की एनएसएस इकाई अपनी विभिन्न सामाजिक–शैक्षिक गतिविधियों के साथ समाज के हाशिए पर स्थित वर्गों तक पहुंच रही है। इकाई ने शैक्षणिक जागरूकता कार्यक्रमों, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों, नशीली दवाओं या पदार्थों के उपयोग कार्यक्रम आदि जैसे विभिन्न गतिविधियों को क्रियान्वित करने के लिए दिल्ली के आर के पुरम क्षेत्र में एआरडी परिसर के पास के एक झुग्गी क्षेत्र को अपनाया है। यह क्षेत्र के स्थानीय निवासियों को अपनी गतिविधियों में शामिल करती है। कॉलेज के ईएनएसीटीयूएस इकाई, समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, खासकर महिलाओं में उद्यमशीलता कौशल विकसित करने के लिए विभिन्न परियोजनाएं चलाती है।

पुस्तकालय विकास

7,35,00,000 रुपए के बजट के साथ पुस्तकालय में शिक्षकों और छात्रों के लिए पूरी तरह से वातानुकूलित अध्ययन कक्ष, छात्रों के लिए एक नया पत्रिका और समाचार पत्र अनुभाग,शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए मुद्रण और फोटोकॉपी की सुविधा, छात्रों के लिए ई–संसाधन अनुभाग उपलब्ध हैं। एन–लिस्ट और डेलनेट सुविधाओं की सदस्यता, डीयूएलएस के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकें और पत्रिकाओं, परिसर में छात्रों और शिक्षकों के लिए वेब–ओपैक सुविधाएं आदि उपलब्ध करा कर इंटरनेट की सुविधाओं को उन्नत किया गया है।

संकाय की संख्या– 93

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 1755.65 + 747.21 लाख रुपए (प्रारंभिक शेष)

उपयोग किया गया– 2073.42 लाख रुपए।

***

दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेस एंड रिसर्च

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ
कॉलेज को "युवा वैज्ञानिकों के लिए फास्ट ट्रैक योजना", डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. मीनाक्षी के चौहान और डॉ रजनी माथुर जैसे "सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों की वैज्ञानिक विशेषज्ञता का उपयोग" जैसी विभिन्न योजनाओं के लिए 83.16 लाख रुपए के अनुदान की स्वीकृति मिली है। 2016 में कॉलेज द्वारा फार्मासिस्ट दिवस, गुरुपर्व, खेल दिवस, फ्रेशर्स डे, शिक्षक दिवस और स्वतंत्रता दिवस जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र
लकी मौर्य (डी .फॉर्मा द्वितीय वर्ष)
मंजूषा (बी. फार्मा तृतीय वर्ष)
शीना शर्मा (बी.फार्मा चतुर्थ वर्ष)
तन्वी राजपूत (एम .फॉर्मा द्वितीय वर्ष)

प्रकाशन (चयनित)

एस. अमीन, ए. पार्ले, (2016). नाजुक, सुगंधित, रात की रानी– एक औषधीय उपहार। औषधीय पौधों के अध्ययन की पत्रिका, 4(6), 13–17.
पी. अरोड़ा, एस. एच अंसारी, वी. अंजुम, आर. माथुर और एस. अहमद, (2017). चूहों में ओवलब्यूमिन–प्रेरित ब्रोन्कायल अस्थमा और वायुमार्ग सूजन में कनकासाव की अस्थमा विरोधी क्षमता की जांच। जे. एथनोफार्माकोल, 197, 242–249.
ए. आर्य, डी. के. मजूमदार, डी. पी. पाठक, ए. के. शर्मा और ए.आर रे, (2016). पीएच–संवेदनशील माइक्रोपार्टिकल्स के निर्माण के लिए एक्रिलेट पॉलीमर संवाहकों का डिजाइन और मूल्यांकन। ड्रग देव एंड फार्म, 43(2), 305–318.
एम. के. चौहान, एन. भट्ट, (2016). मुँह से लिए जाने के लिए एम्फोटेरिसिन–बी भरे चिटोजान नैनोपार्टिकल्स खरगोश के मॉडल में जैववितरण, फार्माकोकाइनेटिक्स और स्कंटिग्राफी अध्ययन। इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी विज्ञान एवं अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3(11), 1–6
आई. कौर, एस. आर. वाकोडे, एच. पी. सिंह, एस. मनचंदा, (2016). भारी और फार्मास्यूटिकल खुराक के रूप में कनाग्लिफ्लोजीन के निर्धारण के लिए एक स्थिरता संकेतक विपरीत चरण एचपीएलसी–पीडीए विधि का विकास और सत्यापन। औषधीय पद्धतियां, 7, 54– 62.
आर. के. केसरवानी, ए. के. शर्मा, यू. जारौलिया और ए. के. सिंह, (2016). ईबोला वायरस रोग और इसकी जटिलताएं। औषधीय अनुसंधान की वैश्विक पत्रिका, 1(1), 1–5.
बी. कुमार, पी. के. साहू, (2017). एक स्वप्रतिरक्षा बीमारी रोगग्रंथि पर एक अध्ययन । औषधीय अनुसंधान की वैश्विक पत्रिका, 9(3), 1–5.
एस. कुमार, आर. बी. बोडला, एच. बंसल, (2016). एग्लेमारमोल्स कोरिया के रॉक्सब के पत्तों के सत्व की एंटीऑक्सिडेंट गतिविधि फार्माकोगोग्सी जर्नल, 8(5), 447–450.
आर. सक्लानी, एस. के. गुप्ता, आई. आर. मोहंती, बी. कुमार, एस. श्रीवास्तव और आर. माथुर, (2016). एसटीजेड प्रेरित मधुमेह ग्रस्त चूहों में एंटीऑक्सिडेंट प्रभाव के साथ टीएनएफ–ए, सीआरपी, और बीएनपी स्तर में परिवर्तन के माध्यम से रूटीन के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव। मोल सेल बायोकैम, 420(1–2), 65–72.
एस सिंहऔर एम वी सिंह, (2016). हेमेलिया पेटन के हवाई भागों की इन विट्रो सूजन विरोधी गतिविधि की तुलनात्मक जॉच। नवाचार विज्ञान एवं अनुसंधान की वैश्विक पत्रिका, 5(9), 855– 861.

अनुसंधान परियोजनाएं

डीएसटी–यूकेईआईआरआई परियोजना, 2015–2017, मधुमेह के रेटिनोपैथी की रोकथाम और उपचार के लिए हर्बल दवाओं का विकास और प्रायोगिक चूहे के मॉडल में उनके कार्यवाही तंत्र को स्पष्ट करना, 18.24 लाख रुपए।

युवा वैज्ञानिकों के लिए डीएसटी फास्ट ट्रैक योजना, 2015–2018, नए फास्फोडिएस्टरश –4 (पीडीई 4) अवरोधकों की डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन, 25 लाख रुपए।

युवा वैज्ञानिकों विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) के लिए डीएसटी फास्ट ट्रैक योजना, 2015–2018, अल्जाइमर रोग और पार्किंसंस रोग मनोभ्रंश के उपचार के लिए रिवास्टिगमाइन भारित सूक्ष्म संरचनात्मक लिपिड वाहक (एनएलसी) एकीकृत स्कैफोल्ड ट्रांसडर्मल पैच प्रणाली, 20.54 लाख रुपए।

डीबीटी, 2015–2018, कृंतक मॉडल में फ्रुक्टोज प्रेरित बचपन– अधिक वजन/मोटापा आंत्र फ्रुक्टोज परिवहन (जीएलटीयू 2 और जीएलटीयू 5 वाहकों के माध्यम से) का अध्ययन और उसमें औषधीय पौधों की निवारक क्षमता की जांच, 19.38 लाख रुपए।

आयोजित सम्मेलन

31 अक्टूबर, 2015 को डीएसटी, डीबीटी और आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित ''फार्माकोइकोनॉमिक्स और परिणामों के अनुसंधान'' का चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

डीपीएसआरयू द्वारा इंटरैक्टिव सोसाइटी फॉर एडप्टिव मेडिसिन के साथ मिलकर, 22 अप्रैल, 2016 को आयोजित हृदय स्वास्थ्य एवं अनुसंधान में हालिया प्रगति पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

संगोष्ठियों / सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

एच. अग्रवाल, एच. कौर, एन. सबा, एम तिवारी, आर माथुर (2016) ''हेपीजी 2 कोशिकाओं में फ्रुक्टोस द्वारा विषम बनाए गए यकृत इन्सुलिन सिग्नलिंग मार्ग (पीआई 3 के/एमटीओआर) को पुनर्व्यवस्थित कर अनुकूल रूप से रुटिनाएलेविएट्स इंसुलिन प्रतिरोध।'' भारतीय औषधि संस्था का 49वां वार्षिक सम्मेलन चंडीगढ़, भारत, 20–23 अक्टूबर, 2016.

एस. अग्निहोत्री, एस. के गुप्ता, (2017) ''स्ट्रेपोटोझोटोकिन प्रेरित मधुमेह चूहा मॉडल में मधुमेह के कार्डियोमायोपैथी के खिलाफ कर्क्यूमा लोंगा और टर्मिनलिया अर्जुन छाल की क्षमता का मूल्यांकन।'' फार्माकोइकॉनॉमिक्स और परिणामों के अनुसंधान (भारत अध्याय) का 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन डीपीएसआरयू, नई दिल्ली, 3–4 मार्च,2017.

एम. के. चौहान और एन. यादव, (2017) ''दवा वितरण और ऊतक इंजीनियरिंग के लिए अत्यधिक स्थिर हाइड्रोजेल में एक सुविधानित रूप से सीमित अत्यधिक छुद्र पेप्टाइड का एक त्वरित स्व–संयोजन।'' 2017. भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा प्रायोजित ''बायोइनफॉर्मेटिक्स एवं प्रोटियोमिक्स चालित जैवमार्कर विकास'' पर पाँचवां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। चिटकारा विश्वविद्यालय पंजाब, 2017

एन शर्मा, डी पी पाठक, आर के शर्मा, (2017) ''अभिनव सामयिक विकिरण परिशोधन सूत्रीकरण।'' रसायन विज्ञान में राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीसी 2016): पर्यावरण और सामंजस्यपूर्ण विकास, रसायन विज्ञान विभाग, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, अप्रैल 2017।

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापन)

यूकेआईईआरआई परियोजनाः एक

एआरपीई –19 सेल लाइन के लिए अरविंद चिकित्सा अनुसंधान फाउंडेशन, मधुरई और दीपसार (दिल्ली विश्वविद्यालय) के बीच अनुसंधान सहयोग।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 47 (100 प्रतिशत)

परिसर में आने वाली कंपनियां/उद्योग – 16

पुस्तकालय विकास

फार्मास्यूटिक्स, फार्मास्यूटिकल कैमिस्ट्री, फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिकल बायोटेक्नोलॉजी, फार्माकोग्नॉसी और फार्मास्यूटिकल टेक्नोलॉजी की सभी शाखाओं को शामिल करने वाली 17,000 से अधिक पुस्तकों के साथ –साथ चिकित्सा, पैथोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री और माइक्रोबायोलॉजी जैसे बुनियादी विज्ञानों की भारत में सबसे समृद्ध फार्मेसी पुस्तकों का संग्रह है। वर्ष 2015–16 के दौरान पुस्तकालय में 334 पुस्तकें शामिल की गई हैं। इसने 8 अंतरराष्ट्रीय और 17 राष्ट्रीय पत्रिकाओं की भी सदस्यता ली है।

संकाय की संख्या

स्थायी – 11, संविदात्मक– 05

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान – 111800 रुपए।

उपयोग किया गया – 57326.2 रुपए।

***

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

कॉलेज की टीमों ने खेल और खेल गतिविधियों में– तीरंदाजी में राज्य/विश्वविद्यालय स्तर के खिताब बरकरार रखे। छात्रों ने यू.एस. में भारत का प्रतिनिधित्व किया, ओपन इंटरनेशनल तायक्वोंडो चौम्पियनशिप, लास वेगास, नेवादा थिएटर ओपन इंटरनेशनल तायक्वोंडो चैम्पियनशिप और बैंकाक में रजत पदक जीते। उन्होंने पहले मस्तिस्सा ओपन इंटरनेशनल तायक्वोंडो चैम्पियनशिप, कुआलालम्पुर में भी भाग लिया। संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित फेलोशिप, सम्मान और मान्यताएं हासिल की, जिनमें नौवें विश्व औषधि डिलीवरी शिखर सम्मेलन, न्यू ऑरलियन्स, संयुक्त राज्य अमेरिका में डॉ. सीमा लाल को यंग रिसर्च फोरम अवार्ड महिला उम्मीदवारों के लिए डॉक्टरेट फेलोशिप के बाद, यूजीसी आदि शामिल हैं। डॉ सुनीता सावरिया ने एक पेटेंट (आर. के. श्रीवास्तव, बी. नंदन, एन. कांकरिया, जे. पाल के साथ) भारतीय पेटेंट 847–डी ईएल–2013 दायर किया।

विभिन्न विभागों ने पूरे देश से प्रो. आर के शर्मा, निदेशक एसएसपीएल, डीआरडीओ भारत सरकार, प्रो. अखिलेश त्यागी, जे सी बोस नेशनल फेलो, दिल्ली दक्षिण कैम्पस विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और अध्यक्ष, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस, भारत, शांतिनिकेतन के एक प्रसिद्ध कलाकार मिमी राधाकृष्णन आदि विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को आमंत्रित कर सम्मेलन/संगोष्ठी/महत्वपूर्ण हितों पर चर्चा का आयोजन किया।

सम्मान/ विशिष्टताएं

डॉ मीनाक्षी प्रज्ञेशू ने – 19 नवंबर, 2016 को दीक्षांत समारोह में आयोजित अनुसंधान प्रदर्शनी में ''भविष्य के लिए खाद्यः कुट्टू (फागॉपीरमसक्लेन्टम) पोषण संबंधी मूल्य पर अध्ययन – जड़–सड़ांध रोग के खिलाफ छद्म आधारित वनस्पति के छद्म और प्रभावकारिता कार्य की नवाचार परियोजना के लिए प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

डॉ सीमा को 30 जून –2 जुलाई 2016 को न्यू ऑरलियन्स, लुसियाना राज्य, संयुक्त राज्य अमेरिका के क्राउन प्लाजा में आयोजित नौवें विश्व ड्रग डिलिवरी सम्मेलन में गुणवत्ता की नवीनता और महत्व पर शोध पत्र के लिए युवा शोध फोरम पुरस्कार से सम्मानित किया गया, और 30 जून –2 जुलाई 2016 को क्राउन प्लाजा, न्यू ऑरलियन्स, लुसियाना राज्य, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित 9 वें विश्व औषध वितरण सम्मेलन में शोध पत्र पेश करने के लिए एडीबीटी यात्रा अनुदान प्रदान किया गया ।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

अक्षय कुमार ने चेक गणराज्य में शूटिंग होप्स की 26 वीं बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में दो कांस्य पदक जीते।

छात्रों ने यू.एस. ओपन इंटरनेशनल तायक्वोंडो चैम्पियनशिप, लास वेगास, नेवादा थैते ओपन इंटरनेशनल तायक्वोंडो चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया और बैंकाक में रजत पदक जीता।

बीए राजनीति विज्ञान (आनर्स) की डिंपल सेहरावत ने सीएफएफएआई प्रथम एशियाई सर्कल फेंसिंग चैंपियनशिप 2016, मलेशिया में भाग लिया।

बी.ए. पाठ्यक्रम की रजनी ने जम्मू में आयोजित राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

बी.ए. पाठ्यक्रम के आतिश ने यू –23 यूथ नेशनल फेन्सिंग चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उन्हें छठे फेंसिंग फेडरेशन कप और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय फेंसिंग चैंपियनशिप में क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान मिला।

प्रकाशन (चयनित)

बी सिंह, (2016). ''जलवा''– एक लघु कथा, नई दिल्ली हंस, ISSN No. 2454–4450.

जी सिंह, ए कुमार, लीलावती, के के शर्मा, एस त्यागी, (2015). सूजन विरोधी और एंटीबायोटिक एजेंटों के रूप में 2–(4–क्लोरोफिनायल)–4, 5–डाइफिनायल इमिडाजोल आंशिकता वाले कुछ इमिडाजोल व्यूत्पन्नों की संरचना और संश्लेषण। हीट्रोसाइक्लिक लेटर्स, 5(2), 205–212.

आई दत्त,(2017). जैव रसायन विज्ञान अंक–2, नई दिल्लीः मानकिन प्रेस, ISBN– 9789384370619

के. सिंह, (2015). कौशल विकास के माध्यम से महिला सशक्तिकरण। नई दिल्ली डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, ISBN– 978–93–5056–7562

एस केयेथ और के के गुप्ता, (2016). लाल कपास बाग, डाइसेरसस कॉनिजीफेब्रिसियस (हेटरोपटेराः पीयरहोकोरिडीए) के पांचवें इनस्टार निम्फ पर पौधे के सत्व की एंटीफेडेंट क्षमता और कीटनाशक गतिविधि का आकलन। कीटविज्ञान और प्राणि विज्ञान अध्ययन की पत्रिका। 4(4)रू 216–222.

एम प्रजनेशू, एन बी पाठक, एम गौर, एस सूरी, (2016). बीज गेहूं (फेगोपीरम सप) में अंकुरण व्यवहार और जैवसक्रिय घटकों की प्रारंभिक जांच। दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व स्नातक अनुसंधान एवं नवाचार की पत्रिका,2(1), 121–130. आईएसएसएन – 2395–2334.

एन बी पाठक और एम प्रजनेशू, (2016). कुट्टू (बकह्वीट): हमारे आहार में एक संभावित मुख्य अनाज। समावेशी विकास के लिए नवाचार की पत्रिका, 1(1), 43–45. आईएसएसएन – 2456–4478

पी सिंह, के गंभीर, पी सिंह, के डी जे, आर मेहरोत्रा, (2015). रिटनोनिरिर सल्फेट की तापीय स्थिरता और जलयोजन व्यवहारः एक कंपन स्पेक्ट्रोस्कोपिक दृष्टिकोण। फार्मास्युटिकल विश्लेषण की पत्रिका, 5, 348–355.

संजय कुमार (2016). जीनब फफूंद नाशक के व्यवहार के मूल्यांकन के लिए अध्ययन। पर्यावरण विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका6(5). आईएसएसएन 0976–4402

आर. सेठ, एम. जरीन, जेड. खान, और आर. के. सेठ, (2016). पैराकोकासमार्गिनैटस (हेमिपेटराः स्यूडोकोकिडे) के फाइटोसेनिट्री विकिरण की ओर सभी जीवन स्तरों की रेडियो संवेदनशीलता की पहचान करना। फ्लोरिडा कीट विज्ञानी 99(एसपी2).88–101

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. प्रतिभा कुमारी, डीएसटी–एसईआरबी, 2016–2019, प्रारंभिक अनुसंधान, ''नए कैलीसेरेंस फंक्शनाइज्ड मैग्नेटाइट (एफई3ओ4) नैनोसामग्री का संश्लेषण और अपशिष्ट जल उपचार में उनके संभावित अनुप्रयोगः'' बड़ी समस्याओं का छोटा हल ' 18.8 लाख रुपए।

डॉ. उमेश कुमार, यूजीसी, (2017–2019), उनके सुपरमौलिकल्युलर आर्किटेक्चर और उत्प्रेरक गतिविधियों के लिए ओ/ एन–दाता के साथ नी (II) /सीओ (II) परिसर, 6 लाख रुपए।

दिल्ली विश्वविद्यालय की बारह नवाचार अनुसंधान परियोजनाएं (डीबीसी 301–डीबीसी 312) में (अक्टूबर 2015–नवंबर 2016) पूरी हो गईं। 60 लाख रुपए।

डीबीसी 301ः भविष्य के लिए खाद्यः कुट्टू (फागपीरम स्पेक्लेन्टम) के पोषण संबंधी मूल्य पर अध्ययन– सड़ांध रोग के खिलाफ घास आधारित वनस्पति की छद्मअनाज और प्रभावकारिता, 4 लाख रुपए।

डीबीसी 302: दिल्ली के जल निकायों को बचाने के लिए धार्मिक गतिविधियों से आने वाले जैव पदार्थ की पुनर्चक्रण, 3.1 लाख रुपए।

डीबीसी 303: जैवचिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए रजत चाल्कोजीनेड नैनोपर्टिकल्स और उनके उत्प्रेरक, 5 लाख रुपए।

डीबीसी 304: कार्बोजेल मोइटी से निकाले गए स्किफ आधारित संभावना युक्त धातु यौगिकों के माइक्रोवेव समर्थित संश्लेषण से बने पदार्थों की खुराक: एक हरित प्रयास, 6 लाख रुपए।

डीबीसी 305: जीवनशैली की दीर्घकालिक बीमारियों पर किशोरावस्था के दौरान जीवन शैली में बदलाव का प्रभाव, 4 लाख रुपए।

डीबीसी 306: चुंबकीय आयरन ऑक्साइड आधारित नैनोसामग्री का उपयोग करके मिट्टी से जैविक संदूषकों का उपचार, 7 लाख रुपए।

डीबीसी 307: ट्रॉइबायोइलेक्ट्रिक जनरेटर की बिजली उत्पादन क्षमता में सुधार पर जांच: नैनोसामग्री की भूमिका का विश्लेषण। 5.5 लाख रुपए।

डीबीसी 308: नए धातु नैनोकणों को संश्लेषित करने के लिए हरित दृष्टिकोण और सतह संवर्द्धित रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी में उनका अनुप्रयोग, 5 लाख रुपए।

डीबीसी 309: पॉलीमर जेल इलेक्ट्रोलाइट आधारित सभी ठोस डाई संवेदीकृत सौर सेल का निर्माण सुधार और तकनीकी संवर्धन, 5 लाख रुपए।

डीबीसी 310: डेटा संग्रहण अनुप्रयोगों के लिए स्पिन्ट्रोनिक उपकरण, 4.5 लाख रुपए।

डीबीसी 311: दिल्ली में अपराजेय वायु प्रदूषण: बचाव के लिए पेड़ – दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए विभिन्न पौधों का एक तुलनात्मक अध्ययन, 5.5 लाख रुपए।

डीबीसी 312: स्व–गठित दृष्टिकोण से ब्लॉक कॉपोलीमर्स से नैनोफायर के संश्लेषण के लिए अनुकूलन की स्थिति, 4 लाख रुपए।

डॉ. रंजना सेठ ने इंटरनेशनल आईएईए अनुसंधान परियोजना, अनुबंध संख्या 15852/आरबी, (2009–2016) पूरी की। 'मेली बग एसपीपी. के फाइटोसेनिटरी उपचार के लिए सामान्य विकिरण खुराक का विकास' आईएईए सीआरपी डी 62008 के अंतर्गत ''संगरोधक उपचार के लिए सामान्य विकिरण खुराक का विकास'' 32 लाख रुपए।

पेटेंट दायर / स्वीकृत– 1

डॉ. सुनीता सावरिया, आर. के. श्रीवास्तव, बी. नंदन, एन. कांकरिया, एस. संवरिया, जे. पाल को तीन आयामी झरझरा मचान बनाने की सॉल्वेंट मुक्त प्रक्रिया पर एक पेटेंट दिया गया था। भारतीय पेटेंट 847–डीईएल –2013

संगोष्ठी का आयोजन

प्रो. अरुण जगन्नाथ, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, ''पादप जीवविज्ञान: बिना सीमा के विज्ञान,'' 5 अक्टूबर, 2016.

डॉ. जे एस शर्मा, महाप्रबंधक (रसायन विज्ञान) और प्रमुख पर्यावरण प्रभाग, ओएनजीसी, नई दिल्ली ''ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर हाइड्रोकार्बन क्षेत्र'' 9 मार्च, 2017

यूपीसी–एचआरडीसी जेएनयू नई दिल्ली के निदेशक प्रो अतुल कुमार जौहरी ने ग्रुप स्ट्रेप्टोकोकस के खिलाफ टीका विकास के लिए रिवर्स वैक्सीनोलॉजी दृष्टिकोण का इस्तेमाल किया जो नवजातों में उच्च मृत्यु दर का कारण है। 9 मार्च, 2017

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रीती करवाल (2016) ''पर्यावरणीय प्रदूषक के संपर्क के आणविक संकेतकों के रूप में ट्रांसजेनरेशनल एपिजेनेटिक प्रभावों का उपयोग करने के नए तरीके'', पर्यावरण पर दूसरी राष्ट्रीय संगोष्ठीः देशबंधु कॉलेज में आयोजित अधिक हरित भविष्य और जागरूकता, 19 मार्च,2016.

एकलव्य चौहान (2016) ''शास्त्रीय आनुवांशिकी में कुछ अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न।'' सीपीडीएचई (यूजीसी–एचआरडीसी), समकालीन अध्ययन में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, दिल्ली विश्वविद्यालय, 10 जून,2016.

धर्मेंद्र के मलिक (2016) ''वायु गुणवत्ता सूचकांकः दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण की जांच करने के लिए एक कुशल उपकरण'', ''पर्यावरण स्थिरता और रासायनिक शिक्षा में हरित रसायनशास्त्र'' (आईसीजीसी–2016), दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 17–18 नवंबर,2016.

अपर्णा शेखर (2016) ''नई नैनोहर्बल फॉर्म्युलेशन रणनीतियांः लक्षित दवा वितरण प्रणाली में सुधार के लिए एक नया प्रतिमान।'' नैनो बायोटेक्नोलॉजी, टेरी विश्वविद्यालय, बीओआईटीआईसीओएस 2016 की राष्ट्रीय संगोष्ठी।

एम जरीन, रंजना सेठ और आर के सेठ, (2016) ''सोलोनोप्सिस मेलीबग फेनाकोकासोलोनोपिस (होमपेटराः स्यूडोकोकिडे) की विभिन्न आनुवांशिक अवस्थाओं के खिलाफ पादप स्वच्छता विकिरण की जैव–प्रभावकारिता।'' कीटविज्ञान की पच्चीसवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीई 2016), ऑरलैंडो, फ्लोरिडा, यूएसए, 25–30 सितम्बर,2016.

इरेंबैम रॉकी मांगेंगचा, अजय कुमार अरोड़ा, नुपूर भार्गव, निखिल शर्मा, सौम्या मिश्रा, अरविंद शर्मा, मानिक गुप्ता, अंकिता माढेशिया, नीलम, मानवेंद्र कुमार, रोमरिया अधिकारी, इंद्रकांत कुमार सिंह। (2016) ''उत्तर भारत की शहरी आबादी में धूम्रपान, शराब पीने की लत और शारीरिक व्यायाम का अभाव और मानसिक तनाव एवं उच्च रक्तचाप के बीच संबंध।'' पर्यावरण निरंतरता और रासायनिक शिक्षा में हरित रसायन विज्ञान (आईसीजीसी–2016), दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 17–18 नवम्बर,2016.

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

सीयूबीई (जीववैज्ञानिक शिक्षा की सहयोगी समझ) –टीआईएफआर (टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च) मुंबई के साथ देशबंधु कॉलेज (जूलॉजी विभाग) दिल्ली विश्वविद्यालय की इकाई।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 160 (80प्रतिशत)

आने वाली कंपनियां– 15

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

एनएसएस इकाई ने 10 फरवरी, 2017 को रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से रक्त दान शिविर का आयोजन किया। परियोजना ट्रेया (मानव तस्करी से बचाए गए लोगों का रोजगार, सशक्तिकरण और संवर्धन), परियोजना अमर्त्य (दृ ष्टि विकलांग महिलाओं और एसिड हमले में बचे लोगों के सर्वांगीण विकास और संवर्धन और उन्हें बुनियादी स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से रोहिंग्या शरणार्थियों के शिविर (सरिता विहार) की यात्रा की। एनेक्टस

देशबंधु ने 1000 लाख सुविधा संपन्न छात्रों द्वारा 1000 लाख गरीब बच्चों के जीवन को सुधारने में सहायता करने के लिए छात्रों को नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी द्वारा आरंभ किए गए "1000 लाख के लिए1000 लाख'' अभियान के बारे में जागरूक करने के लिए 'बचपन बचाओ आंदोलन' अभियान पर दो कार्यशालाओं और ''शेरोज'' की निर्देशक सुश्री अवनि पारेख के साथ उद्यमशीलता पर एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

1 फरवरी 2017 को कॉलेज की डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया। इस साल कुल 2476 पुस्तकों को शामिल किया गया। नेत्रहीन छात्रों के लिए ई–सुविधा तैयार की गई है और वेबपैक सुविधा के साथ पुस्तकालय सॉफ्टवेयर को भी उन्नत किया गया है। सभी कोनों को कवर करने के लिए पुस्तकालय के अंदर विभिन्न स्थानों पर 32 एचडी कैमरों के साथ सीसीटीवी मॉनिटरिंग स्थापित किया गया। इसके अलावा, लिबसिस के माध्यम से लाइब्रेरी के लेनदेन को देखने के लिए परिसंचरण काउंटर और पुस्तकालय डेटाबेस तक पहुंचने के लिए दो टच स्क्रीन सूचना कियोस्क के लिए दो 40 इंच की एलईडी स्क्रीन स्थापित किए गए। 100 विद्यार्थियों की क्षमता के साथ वातानुकूलित अध्ययन कक्ष और शिक्षकों की सुविधा के लिए अध्ययन कक्ष भी स्थापित किए गए। पुस्तकालय के विभिन्न वर्गों का नवीनीकरण किया गया और पुस्तकालय में शिक्षकों के सूचना संसाधन केंद्र को बहाल किया गया। पुस्तकालय प्रयोक्ता अब कॉलेज की वेबसाइट के माध्यम से ई–शोधसिंधु, नाइलिस्ट, ओपन एक्सेस ई–संसाधनों और अन्य उपयोगी ई–संसाधनों तक पहुंचने में सक्षम हैं।

संकाय की संख्या

स्थायी – 124, तदर्थ –79

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 50,63,09,000रुपए

उपयोग किया गया– 43,81,58,846रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कॉलेज को एनएएसी द्वारा बी++ ग्रेडिंग के साथ मान्यता दी गई है।

डॉ. रंजना सेठ को आईएईए मुख्यालय, विएना, ऑस्ट्रिया में 22–26 मई, 2016 को आयोजित ''कीट–पतंगों का क्षेत्रवार प्रबंधनः बाँझ कीट और संबंधित परमाणु और अन्य तकनीकों को एकीकृत करने पर तृतीय एफएओ–आईएईए क्षेत्रीय प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''फलियों को संक्रमित करने वाली ब्रूक्ड प्रजातियों (कोलेप्टेराः क्रिस्योमेलिडे) के खिलाफ फसल पश्चात् पादप–स्वच्छता उपचार के रूप में एक सामान्य विकिरण खुराक की स्थापना'' पर एक पेपर प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. माधुरी गोयलः रसायन विज्ञान और औद्योगिक रसायन शास्त्र में यूजीसी मॉडल पाठ्यक्रम के आधार पर पूर्वस्नातकों के लिए एनएमई–आईसीटी परियोजना के अंतर्गत (सीईसी) नई दिल्ली के अंतर्गत ई–सामग्री के विकास के लिए एजुकेशनल मल्टीमीडिया रिसर्च सेंटर (ईएमआरसी), रुड़की के साथ संबंद्ध।

सीबीएसई द्वारा आयोजित उड़ान के लिए रसायन विज्ञान की सामग्री के संशोधन और उसकी गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए सीबीएसई द्वारा एक विशेषज्ञ के रूप में मनोनीत।

***

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

शिक्षा संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय और भारत की पुनर्वासन परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त दृष्टिहीन लोगों के लिए विशेष शिक्षा में स्नातक स्तर पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए 2006 में कॉलेज की स्थापना की गई थी। कॉलेज को एक प्रमुख गैर–सरकारी संगठन ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन दिल्ली द्वारा स्थापित किया गया और वही इसे संचालित करता है। कॉलेज को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक शीर्ष निकाय दृश्य हानि (दिव्यांगजन) वाले लोगों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान से आंशिक वित्तीय समर्थन प्राप्त होता है। कॉलेज में प्रति शैक्षणिक सत्र में 27 छात्रों को प्रवेश देने की क्षमता है। कॉलेज ने 3–6 अक्टूबर, 2016 को ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार पर कार्यशाला आयोजित की। प्रथम वर्ष के बैच के सभी प्रशिक्षु शिक्षकों ने कार्यशाला में भाग लिया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र
कॉलेज के निम्न दृष्टिहीन छात्रों ने 13–16 दिसम्बर, 2016 को आईबीएसए–बीआरए खेलों में भाग लिया।
राजू कुमारः जावलीन, शॉट पुट
अफजलः 200 मीटर, जॅवलिन, डिस्क थ्रो
अरविंद कुमारः जॅवलिन, डिस्क थ्रो, शॉट पुट
धर्मेंद्रः 100 मीटर, 200 मीटर और 1500 मीटर दौड़
नरेश कुमारः शतरंज
सुनीता मेहराः 100 मीटर, 200 मीटर
सुश्री जूलीः लम्बी कूद, शॉट पुट
कुमारी प्रियंकाः लम्बी कूद, शॉट पुट

प्रकाशन

एस के दुबे, (2017). विशेष शिक्षा और पाठ्यक्रम

आयोजित सम्मेलन/ प्रस्तुतिकरण

पुबली अग्रवालः

(2017) ''दृश्य अक्षमता वाले शिक्षक प्रशिक्षुओं की शिक्षा में आईसीटी की आवश्यकता और महत्व'', शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलनः वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 11 मार्च, 2017.

2017) ''दृश्य अक्षमता वाले बच्चों के बीच वर्णालीवाद'' भाषा, साहित्य और सोसाइटी पर राष्ट्रीय सम्मेलनः एक समकालीन शैक्षिक प्रवचन, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 03 मार्च, 2017

(2016) ''दृश्य अक्षमता वाले लोगों के लिए पर्यावरण में बाधाओं को संबोधित करना'' एमिटी यूनिवर्सिटी, 22 अक्टूबर, 2016

(2016), एनआईएमएच द्वारा आयोजित ''दृश्य अक्षमता – कारण और विशेषताएं'' 19 मई, 2016.

(2016), 26 अक्टूबर 2016 को आशा फाउंडेशन, कश्मीर और राष्ट्रीय एसोसिएशन फॉर द ब्लाईंड, दिल्ली द्वारा आयोजित ''युद्ध या आपदाओं में अपनी दृष्टि खोने वाले किशोरों के लिए स्वतंत्र जीवन कौशल को कैसे सिखाएं''

पुबली अग्रवाल, गगनदीप बजाज के साथ दृष्टि समस्याओं वाले बच्चों पर ध्यान देने के साथ किशोरों की समझ को विकसित करने के साथ–साथ ''माध्यमिक में समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने पर मॉड्यूल स्तर।'' आरएमएसए परियोजना में संयुक्त रूप से एक मॉड्यूल (इकाई –4) के एक लेखक और समीक्षक के रूप में योगदान दिया।

अंतर–संस्थागत सहयोग

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, इग्नू, डीआईईटी, एनसीईआरटी, आरसीआई और एनआईवीएच आदि के साथ अतिथि व्याख्यान, पेपर सेटिंग, परीक्षा लेने के मामले में कॉलेज का करीबी सहयोग है।

नियुक्तियों का विवरण

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनिया/उद्योगः दिल्ली और अन्य राज्यों के विभिन्न गैर सरकारी संगठनों और सार्वजनिक/निजी स्कूलों ने कॉलेज से विशेष शिक्षकों को लेने के लिए अनुरोध किया।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज पुस्तकालय में 4219 पुस्तकें (प्रिंट. ब्रेल), 2101 शीर्षक, शिक्षा पर 22 छपी पत्रिकाओं (विशेष शिक्षा सहित), 200 एमपी 3 और डेजी प्रारूप पुस्तकों, यूजीसी–आईएनएफओएनईटी डिजिटल लाइब्रेरी कंसोर्टियम के अंतर्गत एन–सूची कार्यक्रम के माध्यम से ई संसाधन (ऑनलाइन) 6000 ई–पत्रिकाएं और 9 3000 ई–पुस्तकें हैं।

संकाय की संख्या

स्थायी – 4

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

वित्तीय बजटः 73 लाख रुपए, जिसमें से आंशिक रूप से दृश्य हानि (दिव्यांगजन) व्यक्तियों के सशक्तिकरण के देहरादून के राष्ट्रीय संस्थान से स्वीकृत अनुदान 34,43,338 रुपए था।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कॉलेज के देख सकने वाले प्रशिक्षु शिक्षकों (प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष) ने 13–16 दिसम्बर, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले जे. एल. नेहरू स्टेडियम में भारतीय अंध क्रीड़ा समारोह के लिए स्वयंसेवा की।

***

दयाल सिंह कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

कॉलेज को ''ए'' ग्रेड (सीजीपीए 3.01) के साथ एनएएसी प्रत्यायन मिला। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने एनआईआरएफ में कॉलेज को पूरे भारत में आठवां दर्जा प्रदान किया है। कॉलेज में ग्रिड से जुड़ा 100 किलोवाट सौर ऊर्जा पैनल स्थापित किया है और 9,74,840 रुपए अर्जित किए, सीओ$_2$ उत्सर्जन के 97.48 टन की कमी की है, कुल 121703.42 किलोवाट बिजली उत्पन्न की गई थी। 10 केएलडी क्षमता का प्रवाह उपचार संयंत्र (ईटीपी) लगाया गया है। प्राचार्य, डॉ आई.एस. बक्षी को एनआईसीईआर द्वारा स्वच्छ परिसर पुरस्कार और लाइफ टाइम

अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया था। आईक्यूएसी ने 8 मार्च 2017 को आरएफआई स्मिथ, मेलबोर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया द्वारा ''उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में भारत'' पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। कॉलेज के कर्मचारियों और छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में सक्रिय रूप से भाग लिया सीआईआई वाईआई युवा डीएससी सदस्यों ने ''प्रभावी संचार पर वार्ता'', ''युवा निर्माताओं'' सम्मेलन, ''हॉर्न ठीक है नहीं कृपया'' जैसे कार्यक्रमों में भाग लिया। अखंडता और सुशासन के उच्चतम मानदंडों को बनाए रखने और अपनी गतिविधियों के संचालन में नैतिक प्रथाओं का पालन करने के लिए केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा ''प्रतिबद्धता का प्रमाणपत्र'' प्रदान किया गया था।

सम्मान/विशिष्टताएं

कॉलेज ने कॉलेज वाटिका, गुलाब उद्यान, जड़ी–बूटी उद्यान, स्वच्छ/हरित परिसर और कट फूलों के लिए 59 वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में 10 पुरस्कार जीते।

बॉक्सिंग टीम ने 9 पदक जीते, जिसमें से 5 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक लड़कों ने जीता और 2 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक लड़कियों ने जीते, अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में, मिस अंजलि ने रजत और श्री चिराग ने कांस्य पदक जीता।

कॉलेज की शूटिंग टीम को विभिन्न आयोजनों में 2 स्वर्ण, 3 रजत, 3 कांस्य पदक मिले। पुणे में आयोजित 60 वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप राइफल में, श्री अनिल कुमार (स्वर्ण), श्री शिवम सिंह (रजत), श्री नवाचार चौधरी (कांस्य) प्राप्त किए। बत्तीसवीं दिल्ली राज्य शूटिंग चैम्पियनशिप में श्री अनमोल अरोड़ा (स्वर्ण), श्री विवेकानंद (रजत और कांस्य), श्री आतेश कुमार (रजत) जीते हरियाणा शूटिंग चैम्पियनशिप में, श्री हिमांशु जिंदल ने कांस्य पदक जीता।

विशेष क्षमता वाले छात्र श्री वैभव राजोरिया ने 100 मीटर फ्री स्टाइल और 50 मीटर फ्री स्टाइल तैराकी चैंम्पियनशिप में रजत जीता। उन्होंने नौवीं दिल्ली राज्य की पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप, लांग जंप और 400 मीटर दौड़ में 3 स्वर्ण पदक जीते। श्री हिमांशु ओटवाल ने ऊंची कूद में स्वर्ण, शॉटपुट में रजत, भाला फेंकने में रजत, 100 मीटर में रजत और ईओसी मीट इंटर कॉलेज में स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा दिल्ली राज्य पैराओलिंपिक स्विमिंग टूर्नामेंट में 50 मीटर बैक स्ट्रोक में स्वर्ण पदक, 50 मीटर फ्री स्टाइल में स्वर्ण पदक जीता।

इंटर कॉलेज एथलेटिक्सः कुमारी शिवा ने हेपथलॉन इंटर कॉलेज डीयू में कांस्य पदक जीता। चंदर शेखर ने डिकैथलॉन इंटर कॉलेज टूर्नामेंट डीयू में रजत पदक जीता।

कुश्ती श्री पंकज वर्मा इंटर कॉलेज फ्री स्टाइल कुश्ती में 65 किग्रा वजन श्रेणी में तीसरे स्थान पर रहे। तीरंदाजी इंटर कॉलेज तीरंदाजी टूर्नामेंट, श्री आयुष नंदन ने रजत पदक जीता, श्री आयुष को इंटर–यूनिवर्सिटी तीरंदाजी के लिए चुना गया। टूर्नामेंट फुटबॉल टीम ने रिलायंस कप सेमीफाइनल तक पहुंची।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

श्री मोहित यादव, बीएससी (आनर्स) प्राणि विज्ञान को प्रथम और द्वितीय वर्ष का विश्वविद्यालय विज्ञान योग्यता पुरस्कार दिया गया था।

प्रकाशन (चयनित)

एन. अरोड़ा, एच. बनती, (2016). नेटवर्क में सामुदायिक पहचान के लिए बहुउद्देशीय समूह खोज अनुकूलन दृष्टिकोण। एप्लाइड इवोल्यूशनरी कंप्यूटेशन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 7(3), 50–70.

एच. बनती, एन. अरोड़ा, (2016). जटिल नेटवर्क में समुदायों का पता लगाया जा रहा है– एक असतत संकर विकासवादी
दृष्टिकोण। कंप्यूटर और एप्लीकेशन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 38(1), 29–40.

एच. बनती, आर. चौधरी, (2016). बेहतर खोज के साथ मल्टी–मोडल बैट एल्गोरिथम (एमएमबीएआईएस)। कम्प्यूटेशनल विज्ञान की पत्रिका,जारी होने की तारीखः 10.1016/j.jocs.2016.12.003

ए. फोजैल, डी. सिंह, पी. वी. आर्य और एच. एस. सिंह, (2016). मोनोकोटिलिडे, एन्सीलोडिस्कोडिडे, एन्सेरोसेफैलिडे, सिलीकडोगिरिडे और पॉलीस्टामेडा जैसे मोनोगिनेया के पांच प्रमुख परिवारों के कुछ सदस्यों पर उनकी संबंधितता और वैश्विक विविधता वितरण की जांच के लिए इन–सिलिको फिलाजेनेटिक उपकरण का उपयोग। पत्रिका प्रायोगिक प्राणि विज्ञान की पत्रिका, भारत,19(1), 505–513.

टी. एस. कृष्णा, एम. गौरीशंकर, ए. के. नैन और बी. मुनिभादरेया, (2016). इमिडाजोलियम आधारित आयनिक तरल पदार्थ के बाइनरी मिश्रण के थर्मोफिजिकल और ऑप्टिकल गुणों का तापमान आधारित अध्ययन। भारतीय रसायन की पत्रिका, 55, 664–675.

ए. के. नैन, (2016). 293.15 से 318.15 के तापमान पर ग्लूकिन, एल–अलैनिन, एल–वेलिन और एल–आइसोलेयुसीन में घुलनशील–डी–मैनोस समाधानों में घुलन–विलायक और विलायक–विलायक प्रतिक्रिया का भौतिक–रसायन अध्ययन। जे. केम. थर्मोडीन., 98, 338–352.

ए के नैन, पी ड्रोलिया, आर के मनचंदा, ए खुराना, और डी नायक, (2016). 298.15, 308.15 और 318.15 के पर वॉल्यूमेट्रिक, ध्वनिक, विस्कोमेट्रिक और अपवर्तक सूचकांक माप का उपयोग करके इथेनॉल में एसिड सल्लिसिलियम के होम्योपैथिक फॉर्म्यूलेशन (बेहद पतला समाधान) का भौतिक रसायन अध्ययन। मोल.लिक.जे.,215, 680–690.

ए के नैन, आर पाल और पी ड्रोलिया, (2016). फिजियोकेमिकल विधियों का उपयोग करके अलग–अलग तापमान पर जलीय–स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट समाधानों में से कुछ एमिनो एसिडों की होमोलॉगस श्रृंखलाओं की सोल्यूट–सोल्यूट और सोल्यूट –विलायक प्रतिक्रिया का अध्ययन। केम. थर्मोडीन. जे., 95, 77–98.

पी के पांडे, (2016). ओडीई के हेल्महोल्ट्ज प्रकार सामान्य जुड़वां सीमा मान समस्याओं के संख्यात्मक समाधान के लिए एक कुशल विधि। गणितीय मॉडलिंग और कम्प्यूटेशंस का अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 6(4), 291–99.

पी के पांडे, (2016). क्वार्टिक स्पलाइनों के साथ तृतीय क्रम सीमा मूल्य समस्या को हल करना। स्प्रिंगर प्लस 5(1), 1–10.

ए पी सिंह, (2016). गैर–बढ़ते कार्यों के लिए ग्रैंड लेबेस्गुए रिक्त स्थान पर पूरी तरह से मापने योग्य ग्रैंड लेबेस्ग्यू स्पेस और हार्डी टाइप ऑपरेटरो का द्वंद्व। ए राजमादेज गणित संस्थान का लेनदेन। 170, 34–46.

अनुसंधान परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय की 6 नवाचार परियोजनाएं पूरी हुई (2015–2016). प्राप्त कुल अनुदान 31 लाख रुपए था ।

यूजीसी, 2015–2018, मेक्रोसाइक्लिक लिजेंडस एवं धातव यौगिकों का संश्लेषण और विशेषता वर्णन, 7 लाख रुपए।

यूजीसी, 2015–2018, जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए पेप्टाइड आधारित स्व–संगठित सूक्ष्मसंरचनाओं का संश्लेषण और अध्ययन, 13.7 लाख रुपए।

यूजीसी, 2015–2018, पंजाबी प्रवासी साहित्यः सांस्कृतिक पहचान के मुद्दे, 997 लाख रुपए।

सीसीआरएच, नई दिल्ली, व्हॉल्यूमेट्रिक, अकौस्टिक, विसकोमेट्रिक, ऑप्टिकल और कंडक्टोमेट्रिक मापन का उपयोग करके होम्योपैथिक ड्रग फार्मूलों का भौतिक रसायन अध्ययन, 44.68 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,भारत सरकार के अधिकारियों के लिए 22–23 मार्च, 2016 के दौरान विकलांगता युक्त व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग द्वारा वित्तपोषित विकलांगता और उच्च शिक्षा पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी, आयोजित की गई थी।

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

ए. के. नैन, (2016). ''ईथेनॉल में सल्फर के होम्योपैथिक फॉर्म्यूलेशन का फिजिकोकैमिकल अध्ययन।'' विश्व होम्योपैथी दिवस पर सीसीआरएच और लीगा मेडिकोरम होमियोपैथिका इंटरनेशनलिस (एलएमईआई) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विज्ञान भवन, नई दिल्ली, 9–10 अप्रैल, 2016.

एच. बनती, (2016) ''डेटा विश्लेषिकी में समस्याएं और चुनौतियां'' डेटा एनालिटिक्स में रुझानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में तकनीकी सत्र में आमंत्रित वक्ता, गीता रतन अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूल, दिल्ली द्वारा आयोजित, 8 अक्तूबर, 2016

ए. गुप्ता, (2016) ''दवा संवाहक वाहनों के रूप में बी अमीनो एसिड के छोटे ओलिगोमरों से स्वतःएकत्रित सूक्ष्मसंरचनाएं।'' पॉलिमर और सामग्री विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बैंकाक, थाईलैंड, 14–16 जनवरी,2016.

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 220+

परिसर में आने वाली कंपनियां –58+

विस्तार और पहुँच कार्य

आसपास के इलाकों में नौ शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें 17 छात्रों ने काम किया और लगभग 100–150 लोगों को दाखिला/शामिल किया गया था। इन शिविरों को समर्पित घंटे की संख्या 5–8 घंटे/प्रति शिविर थी।

पुस्तकालय विकास

97,000 से अधिक पुस्तकों के साथ एक अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय, बड़ी संख्या में पत्रिकाओं और पत्रिकाओं और इंटरनेट सुविधा, दृष्टिहीन छात्रों/संकाय सदस्यों के लिए आईटी आधारित सेवाएं मौजूद हैं। पुस्तकालय ने दिल्ली लाइब्रेरी एसोसिएशन के आठ छात्रों को एक महीने का प्रशिक्षण दिया है।

संकाय की संख्या

स्थायी – 163, तदर्थ – 88

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान – 46,13,37,000रुपए

उपयोग किया गया – 46,39,00,000रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कॉलेज ने कॉलेज की रैंकिंग के लिए एनआईआरएफ 2017 प्रस्तुत किया है।

***

दयाल सिंह सांध्य कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

1958 में स्थापित दयाल सिंह सांध्य कॉलेज विश्वविद्यालय द्वारा संचालित एक स्नातक संस्था है। वर्तमान में इसमें ग्यारह विभाग और लगभग 2850 छात्र हैं। कॉलेज शिक्षकों और छात्रों की भलाई के लिए सक्रिय रूप से अभियान और कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। 2016–17 के शैक्षणिक वर्ष के दौरान कॉलेज ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'', ''युवा दिवस'', ''ड्रग एंड सबस्टैंस फ्री कैंपस अभियान'', ''दान अभियानः कपड़े और खाद्य'' ,''रक्तदान शिविर'' और ''स्वच्छता अभियान'' (स्वच्छता अभियान) आयोजित किए।. कॉलेज ने 1 मार्च 2017 को अलग–अलग छात्रों के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया जिसमें गुजरात के गवर्नर श्री ओ.पी. कोहली ने एक प्रेरक व्याख्यान दिया और छात्रों के साथ बातचीत की।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

बीकॉम (आनर्स) की हीना अंसारी ने विश्वविद्यालय परीक्षा में 85 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

बी.कॉम (पास) की कोमल ने विश्वविद्यालय परीक्षा में 85 प्रतिशत प्राप्त किये।

बीकॉम (पास) की शिखा सिंह ने विश्वविद्यालय परीक्षा में 82 प्रतिशत प्राप्त किये।

बी.कॉम (आनर्स) की ऐश्वर्या लक्ष्मी जैन ने विश्वविद्यालय परीक्षा में 81प्रतिशत प्राप्त किये।

बी.कॉम (पास) की रिधि सिंह ने विश्वविद्यालय परीक्षा में 81प्रतिशत प्राप्त किये।

प्रकाशन

पुस्तकें

पी चंद, (2016). सार्वजनिक नीतिः अवधारणाएं, सिद्धांत और व्यवहार (सह–लेखक) नई दिल्लीःसेज प्रकाशन।

एस के सिंह, (2016). प्रबंधन लेखांकनः सिद्धांत और अभ्यास। नई दिल्लीः ए के प्रकाशन।

एस के सिंह, (2016). प्रबंधन सिद्धांत और अनुप्रयोग (सह–लेखक) नई दिल्लीः हिमालय पब्लिशिंग हाउस।

एस सिंह, (2017). प्रशासनः मुद्दे और चुनौतियां (संपादित). नई दिल्लीःसेज प्रकाशन

पी शर्मा, (2017). काश पंख होते हमारे। नई दिल्लीः किताबघर प्रकाशन

पी आर थापर, (2017). बंता सिंह चत्था दी गल्पा केटाना की कथा। नई दिल्लीःपहली वारा

अनुसंधान प्रकाशन

एम दीपक, एम के हुसैन– पर्यावरण परस्परक्रिया। डॉ. शिवानी सिंह (संपा.) में, प्रशासनः मुद्दे और चुनौतियां, सेज प्रकाशन।

आर कुमारी, (2016). योग और एक्यूपंक्चर के साथ समग्र स्वास्थ्यः एशिया चिकित्सा पर पर्यटन और प्रतिबिंब, भारत–कोरियाई संबंधों के विकास मेंः दक्षिण एशिया पर परिप्रेक्ष्य, मानक पब्लिकेशन।

एम आर ओरॉवं, (2016). लोक सेवा वितरण और भारत में अच्छा प्रशासन। डॉ. शिवानी सिंह (संपा.) में, प्रशासनः मुद्दे और चुनौतियां, सेज प्रकाशन।

ए सिंह, (2016). मीरा नायर की फिल्म मिसिसिपी मसाला में अव्यवस्थित पहचान और सामाजिक जागरूकता की भावना। पाठ संदर्भ, सिद्धांत और प्रेक्स मेंः साहित्य और मानविकी पर चयनित निबंध, अंक–I, ब्लबर. इंक. सैन फ्रांसिस्को, सी.ए. अमेरिका। आईएसबीएन 97 813 676 14901.

एन. सिंह, यक्ष आइकनोग्राफीः विषयगत परिवर्तन और इसके प्रभाव, दो खंड सेट पुरातत्व और परंपरा में प्रोफेसर डी. एन. त्रिपाठी, बी. आर. मनी, आई.डी. द्विवेदी और विमल तिवारी द्वारा प्रशस्ति पत्र, अगम कला प्रकाशन।

एस. सिंह, मनरेगा सार्वजनिक नीति पर एक पुस्तक में अधिकार आधारित नीति। प्रो. बिद्युत चक्रवर्ती, डॉ. प्रकाश चंद द्वारा सह–लेखक, सेज प्रकाशन।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. भावना पांडे, यूजीसी लघु अनुसंधान परियोजना, 2016–17.

डॉ. प्रकाश चंद, आईसीएसएसआर, 2016–17, भारत में राजनीति विज्ञान, पर्यावरण नीति और राजनीति विभाग दिल्ली में वायु प्रदूषण का एक प्रकरण अध्ययन, 8 लाख रुपए

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. मोहम्मद अब्दुल्ला, सहायक प्रोफेसर, मुंबई विश्वविद्यालय, ''पंजाबी और उर्दू के लोक गीत'', उर्दू और पंजाबी के बीच भाषाई और सांस्कृतिक संबंधों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 27 मार्च, 2017.

श्री गुरुबचन सिंह भुल्लर, प्रसिद्ध पंजाबी लेखक ने ''पंजाबी और उर्दू के बीच संबंध'' पर बात की। उर्दू और पंजाबी के बीच भाषाई और सांस्कृतिक संबंधों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 28 मार्च, 2017.

एक पेशेवर प्रशिक्षक, श्री नीतीश ने कैरियर लॉन्चर के साथ मिलकर 23–24 मार्च, 2017 को ''तार्किक तर्क'' और ''करियर इन फाइनेंस'' पर एक कार्यशाला आयोजित की।

21 सितंबर, 2016 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा वर्तमान संदर्भ में लोकतंत्र पर चर्चा पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी। श्री राम बहादुर राय, अध्यक्ष आईजीएनसीए, प्रोफेसर आनंद कुमार जेएनयू से, श्री जॉयदीप चोकर, संस्थापक अध्यक्ष, लोकतांत्रिक सुधार संगठन पर चर्चा डॉ राजीव शर्मा ने अध्यक्षता की थी।

संगोष्ठियों सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

आभा सिंह (2016) ''बच्चों के विश्व में कल्पना और शेक्सपियर पर पुनर्विचार।'' एशियाई शेक्सपियर एसोसिएशन का द्वितीय द्विवार्षिक सम्मेलन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली, 1–3 दिसम्बर,2016.

आभा सिंह (2016) ''हिन्दी और भोजपुरी साहित्य में शेक्सपियर के नाटकों का स्थानीयकरण और अनुमोदन।'' दसवीं विश्व शेक्सपियर कांग्रेस ,स्टार्टफोर्ड–एवन और लंदन में 31 जुलाई, –6 अगस्त, 2016.

पंजाबी विभाग के पृथ्वीराज थापर ने दिल्ली में ''वरिष्ठ नागरिकों की प्रेरणा'' पर एक व्याख्यान दिया।

बृजेश कुमार (2016) ''समकालीन कविता के सांस्कृतिक आयाम।'' जेएनयू में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 28–29, सितंबर 2016.

पूनम गुप्ता (2017) ''भारत में इलेक्ट्रॉनिक भुगतान में हालिया घटनाओं और रुझानों का एक अध्ययन'' इनबुस एरा विश्व सम्मेलन, फरवरी, 2017

प्रिया शर्मा (2016) ''मोक्ष और नानक वाणी की अवधारणा।'' भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित संगोष्ठी, नई दिल्ली, 7 मई, 2016.

नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्र– 100
परिसर में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियां– 10

पुस्तकालय विकास
वातानुकूलित और अर्ध कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय में 1490 से अधिक पुस्तकें, 25 पत्रिकाए और 13 समाचार पत्र हैं।

संकाय की संख्या

स्थायी– 32, तदर्थ– 57

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
प्राप्त अनुदान – 18, 9297000 रुपए
उपयोग किया गया– 14, 8024927 रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
दयाल सिंह कॉलेज (सांध्य) को एक दिवस कॉलेज में परिवर्तित कर दिया जाएगा।
एनएएसी रिपोर्ट संकलित की गई और उसे कॉलेज की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

कॉलेज कला एवं संस्कृति संगठन ने 2016–17 के शैक्षणिक वर्ष के दौरान 100 से अधिक इंटर कॉलेज पुरस्कार जीते। राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा मोदी युग के दौरान भारत की विदेश नीति पर एक चर्चा आयोजित की गई थी। इसे प्रो. संजय भारद्वाज (जेएनयू) ने संबोधित किया था। भारतीय भाषा क्लब ने ''गुरु गोबिंद सिंह – शक्ति और भक्ति'' विषय पर एक इंटर कॉलेज पेपर रीडिंग का आयोजन किया गया। विभिन्न भाषाओं अर्थात् संस्कृत, उर्दू, पंजाबी, हिंदी और अंग्रेजी के छात्रों ने अपने पत्र पढ़े। अन्य कॉलेजों के छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

***

गार्गी कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

''मानवता की सेवा'' विषय के साथ कॉलेज के स्वर्ण जयंती वर्ष का उद्घाटन हुआ और विभिन्न गैर–सरकारी संगठनों के बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए आमंत्रित किया गया। पूरे साल अखिल राष्ट्रीय सम्मेलन, व्याख्यान श्रृंखला, कार्यशालाएं, अतिरिक्त पाठ्यक्रमों, संगोष्ठी, पूर्व छात्र बैठक आदि आयोजित किए गए। एक आमंत्रणमूलक इंटर कॉलेज टूर्नामेंट भी आयोजित किया गया था। गार्गी कॉलेज को पर्यावरण की सुरक्षा में उल्लेखनीय योगदान के लिए, रोजगार सृजन करने वाली महिला एजेंसी (वेज) द्वारा ''ग्रीन कैंपस अवार्ड'' से सम्मानित किया गया है। ''सतत पर्यावरण के लिए औद्योगिक प्रदूषण का मुकाबला करने पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन – औद्योगिक और वैज्ञानिक प्रयासों का एक मिश्रण (सीआईपीएसई 2016)'' आयोजित किया गया। स्टडी ओवर सीसॉ के साथ सहयोग में आयोजित वार्षिक ''वैश्विक शिक्षा मेले'' में यूके, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए से 25 कॉलेज/यूनिवर्सिटी प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। कॉलेज ने बारिश का पानी जमा करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड के साथ मिलकर अपने परिसर में वर्षा जल संग्रहण स्थलों की तीन पायलट परियोजनाएं लागू की हैं।

सम्मान/विशिष्टताएं

पर्यावरण की सुरक्षा (डब्ल्यूएजीई) में उल्लेखनीय योगदान के लिए गार्गी कॉलेज को रोजगार सृजन करने वाली महिला एजेंसी (वेज) द्वारा ''ग्रीन कैंपस अवार्ड'' से सम्मानित किया गया।

गणित विभाग की प्रमिला कुमार को उच्च शिक्षा निदेशालय से वर्ष 2015–16 के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकार से ''मेरिटोरिअस टीचर अवार्ड'' और 8 मार्च, 2017 को रोजगार सृजन करने वाली महिला एजेंसी द्वारा ''लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड'' से सम्मानित किया गया।

हमारे संकाय सदस्य चिंग्रिशन कैथिंग (रसायन विज्ञान विभाग), प्रियंका वार्ष्णेय (प्राथमिक शिक्षा विभाग), सुप्रिया सिंह और उषा कुमारी (जूलॉजी विभाग) को पीएचडी डिग्री से सम्मानित किया गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा बारह छात्रों को विज्ञान योग्यता पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और दस छात्रों ने दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय में विशेष स्थान प्राप्त किया।

सुश्री शुभा गुलाटी ने जापान के चिबा में आठवीं एशियाई सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

सुश्री पिनकी बाल्हारा ने विश्व स्कूल खेलों में तुर्की का प्रतिनिधित्व किया और जूडो में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय, जूनियर राष्ट्रीय, दिल्ली राज्य और दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

प्रकाशन (चयनित)

वी. भंडारी, (2016). 'भारतीय शेयर बाजार के क्षेत्र में सामाजिक जिम्मेदार पोर्टफोलियो का प्रदर्शन' उभरती अर्थव्यवस्थाओं में व्यवसाय नीति की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(1), 10–24.

गुप्ता व अन्य, (2016). शैक्षिक व्यवस्था में पारिस्थितिक जीवन का चिंतनशील अभ्यास। पूर्व स्नातक अनुसंधान एवं नवाचार की दिल्ली विश्वविद्यालय की पत्रिका, 2(2) 7–16.

पी. गुप्ता, (2016). ग्लास मैनेजरी और प्रतिबिंबित पहचान। पायल नागपाल (संपा.) में, द ग्लास मैनेजरी का वर्ल्डव्यू क्रिटिकल एडीशन, (पृष्ठ 161–167), दिल्लीः वर्ल्डव्यू।

पी. कुमार और बी. शर्मा, (2016). सामान्यीकृत (एफ, पी) के माध्यम से बहुविकल्प विविधता समस्या – उच्च आदेश के इंवेक्स फंक्शन। एप्लाइड नॉनलाइनर विश्लेषण पर संचार 23(3), 79–92. आईएसएसएन 1074–133एक्स।

टी. कुमारी, आर. चौहान, एन. शर्मा, के. कौर, ए. कृष्णमूर्ति, पी. पांडे, और एस. अग्रवाल, (2016). जस्ता क्लोराइड के रूप में एसिटामाइड आधारित गहरी यूटेटिक विलायक। पूर्व स्नातक अनुसंधान और नवाचार की दिल्ली विश्वविद्यालय की पत्रिका. 2 (1), 203–210.

वी. लूथरा, ए. कौर, एस. सैनी, डी. अहुजा, ए. नागपाल, एम. पाल, एम. यूनियाल, और ए. भारद्वाज, (2016) विज्ञान और गणित शिक्षा के लिए मुक्त/खुले सॉफ्टवेयर की जागरूकता और उपयोग। मानविकी सामाजिक विज्ञान और शिक्षा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका. 3(11) 65–69.

बी नेगी, डी कुमार, डब्ल्यू कुंबुकगोला, एस जयवीरा, पी पोन्नान, आर सिंह, एस अग्रवाल, डी रावत, (2016) एंटी–मेथिसिलिन प्रतिरोधी स्ट्रैफिलोकोकस ऑरियस गतिविधि, ऑक्सैकिलिन और मैक्रोअनलोडाइल ट्रायजोल संकर की आणविक डॉकिंग अध्ययन के साथ सिनेरजिज्म। चिकि. रसा. की यूरोपीय पत्रिका। 115, 426–437. आईएसएसएनः 0223–5234

आर रंजन, आर खुराणा, एन मलिक और अन्य। (2017), बीएचएलएच142 पराग के विकास को प्रभावित करने के लिए विभिन्न चयापचय मार्ग–संबंधित जीनों को नियंत्रित करता है और चावल में कुछ अन्य दोषों को प्रभावित करता है। वैज्ञानिक रिपोर्टें, 7, 43397.

एम के रावल, ए बनर्जी, ए शाह, एम खान व अन्य। (2016) कैंडिडा अल्बिकैंस के सीडीआर1 प्रोटीन न्यूक्लियोटाइड बाध्यकारी डोमेन में नए रूप से पहचाने गए रूपांकनों में सूक्ष्मदर्शी औषधि प्रतिरोध उप–पारिवारिक–विशिष्ट और कार्यात्मक रूप से असममित है। वैज्ञानिक रिपोर्टें, 6, 27132.

ए रस्तोगी, एस शेखर, डी कुमार, ए जायसवाल, बी भट, और एन बी सरीन, (2016). एक अलीट इंडियन मूसा (एए) वैराइटी मैटी की इन विट्रो कल्चरर्स में आनुवंशिक फिडेलिटी। पौधों और कृषि अनुसंधान में प्रगति 4(3). 00141.

एस रस्तोगी, एस मजूमदार और पी शर्मा, (2016). मानव स्तन कैंसर कोशिकाओं में जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल का इन सिलिको विश्लेषण। जैव प्रौद्योगिकी और जैवचिकित्सा विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2, 9–13.

जी सैनी, वी शर्मा, वी लूथरा, आर.पी टंडन, (2017). डायरेक्ट एरिलेशन पॉलीमराइजेशन के माध्यम से तैयार किए गए 3–एल्किथिएनिइल थियोफेन आधारित पॉलिमर का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और फोटोवोल्टाइक्स अध्ययन। उन्नत सामग्री पत्र। 8(7), 813–818.

ए सिवाल, और आर के अग्रवाल, (2016). कार्यबल विविधताः उत्पादकता में सुधार लाने की एक महत्वपूर्ण कुंजी। अनुसंधान निर्देशः अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषयक अनुसंधान पत्रिका, 3(11), 1–5.

डी वर्मा और टी सत्यनारायण, (2016). मेटाग्नामिक दृष्टिकोण से पर्यावरणीय मेटगानेमों से जियालेन्स जीन का पुनर्प्राप्ति। सैफ हमीद और जीशान फातिमा (संपा.)में। जैव प्रौद्योगिकी प्रगति और अनुप्रयोग, (पृष्ठ 19–34). आईएसबीएन 978–93–5124–729–6

संपादक/संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य करने वाले शिक्षक – 03

अनुसंधान परियोजनाएं

बीना नेगी, यूजीसी–बीएसआर रिसर्च प्रारंभिक–अनुदान, 10 लाख रुपए।

अंजना नीरा देव, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की भारतीय परिषद, 2017, भारतीय साहित्य और लोक कथाओं में गंगा। 9 लाख रुपए।

सुतपा दत्ता, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग लघु अनुदान, प्रारंभिक मातृभाषा वार्ता पुस्तकें: औपनिवेशिक बंगाल में भाषा और पहचान।

मधु यशपाल, यूजीसी प्रारंभिक अनुदान, पादप मध्यस्थता संश्लेषित स्वर्ण सूक्ष्मकणों के जीवाणुनाशक गुण और कार्य। 10 लाख रुपए।

सुप्रिया सिंह, यूजीसी–संकाय अनुसंधान संवर्धन योजना प्रारंभिक अनुदान, मानव इम्यूनोडिफीसिअन्सी वायरस (एचआईवी) के आणविक लक्षण वर्णन और वायरल प्रसार पर एचएलए का प्रभाव। 10 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां(चयनित)

अंसल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो राज धनकर, दिल्ली स्कूल ऑफ बिजनेस के महानिदेशक प्रो आई. एम. पांडे, सुश्री नेहा पुनटर, पार्टनर – केपीएमजी (मुंबई) के फाइनटेक और टुडे रिटेल्स, इंडिया टुडे ग्रुप के सीईओ श्री गौरव काच, राष्ट्रीय स्तर के संगोष्ठी ''फिनटेकः वित्त में एक पुनर्जागरण'' पर कैकेड, 6 अक्टूबर, 2016.

राष्ट्रीय सम्मेलन और साहित्य महोत्सव पर ''स्मरणोत्सव, विरासत, उत्तरार्द्ध शेक्सपियर और सर्वेंटेस के चार सौ वर्ष'', 17–19 जनवरी, 2017.

नृत्यांगना नवतेज जौहर, फिल्म निर्माता रयान लोबो, विभा मौर्य, प्रोफेसर शीर्षेंदु चक्रवर्ती, सौम्यब्रत चौधरी, सुमन्यु सत्पथी, एसपी गांगुली और विजया वेंकटरामन, सुरभि सोन्या गुप्ता और एनपी एशले, राष्ट्रीय संगोष्ठी और साहित्य उत्सव ''स्मारक, शताब्दी, उत्थान पर शेक्सपियर और सर्वेंटेस के चार सौ वर्ष,'' 17–19 जनवरी, 2017.

21 अक्टूबर 2016 को मनोविज्ञान विभाग और शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा जीवन शैली की आदतों, भोजन की आदतों, नींद के पैटर्न, अभ्यास और कॉलेज जाने वाले छात्रों के तनाव अनुभवों पर केंद्रित, ''मानसिक स्वास्थ्य और जीवन शैली'' पर एक राष्ट्रीय स्तर की अंतर–विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

विपणन सोसायटी, गणित विभाग और अर्थशास्त्र विभाग के साथ मिलकर 30 सितंबर, 2016 को एक अंतःविषय संगोष्ठी ''विपणन पर विज्ञापन का प्रभाव एक आदर्श बदलाव''।

श्री दिलीप चेरियन (भारतीय छवि गुरु), श्री सुधीर चौधरी (संपादक और चैनल प्रमुख, जी न्यूज), पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त श्री पुष्पेश पंत, डॉ सुशीला मदान (लेखक), श्री प्रवीण जयपुरिया (विपणन के प्रमुख डाबर) और श्रीमती विभा पॉल (निदेशक, टाटा केमिकल्स) ने विपणन सोसाइटी, गणित विभाग और अर्थशास्त्र विभाग में 30 सितंबर, 2016 को ''विपणन पर विज्ञापन के प्रभाव एक प्रतिमान बदलाव'' पर एक अंतःविषय संगोष्ठी का आयोजन किया।

डॉ. ज्योति राघवन, सहायक प्रोफेसर, पत्रकारिता विभाग और सुश्री गौरी सिंह, हमारी पूर्व छात्र और विधि संकाय की छात्र द्वारा 18 अक्टूबर, 2016 को ''बिजनेस वर्ल्ड में घोटाले'' पर एक पैनल चर्चा।

प्रोफेसर अजय के घटक अध्यक्ष एनएएसआई दिल्ली अध्याय और पूर्व प्रोफेसर, आईआईटीडी, डॉ. हेमा वी राघवन, पूर्व प्रिंसिपल, गार्गी कॉलेज और प्रोफेसर प्रतीक कुमार (एम्स) एनएएसआई – दिल्ली अध्याय के साथ मिलकर 23 मार्च, 2017 को ''भौतिकी और सोसाइटी'' विषय पर व्याख्यान श्रृंखला की कार्यशाला।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं (चयनित)

22–23 सितंबर, 2016 को ''स्थायी पर्यावरण के लिए औद्योगिक प्रदूषण का मुकाबला करना – औद्योगिक और वैज्ञानिक प्रयासों का एक मिश्रण (सीआईपीएसई 2016)'' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें पांच तकनीकी सत्रों ने व्याख्यान, मौखिक प्रस्तुतीकरण, पैनल चर्चा और एक पोस्टर सत्र आयोजित किया गया।

दो अंतर कॉलेज कार्यशालाएं, एक प्रयोगशाला कर्मचारियों (14–15 जुलाई, 2016) के लिए और दूसरी ग्रीन केमिस्ट्री पर कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम को पढ़ाने वाले संकाय सदस्यों (13 अगस्त, 2016) के लिए आयोजित की गईं।

आईआईटी बॉम्बे और रोबोकार्ट के ई–सेल के सहयोग से 10–11 जनवरी, 2017 को आई–सेन्सो रोबोटिक्स कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें हमारे छात्रों ने आरडुइनो का इस्तेमाल करते हुए रोबोट तैयार करना सीखा।

24–25 जनवरी, 2017 को दृश्य पटकथा और वृत्तचित्रों के लिए लेखन की बारीकियों पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी।

14–15 मार्च, 2017 को प्रयोगशाला उपकरणों के व्यावहारिक ज्ञान और आणविक जीव विज्ञान के तरीकों की जानकारी प्रदान करने के लिए 'यह मेरे जीन में हैः एक आणविक जीव विज्ञान दृष्टिकोण' पर एक कार्यशाला।

संगोष्ठियों / सम्मेलनों में प्रस्तुति

अंजना रस्तोगी (2016), पादप आनुवांशिक संसाधनों पर राष्ट्रीय संस्थान (एनआईपीजीआर) नई दिल्ली द्वारा 14–17 दिसंबर, 2016 को आयोजित कार्यात्मक और इंटरैक्शन प्रोटेयोमिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। वनस्पति विज्ञान विभाग को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

ज्योतिका बहल (2016), जलवायु परिवर्तन के उभरते मुद्देः निरंतरता और आर्थिक प्रतिरूप पर 21–22 अक्टूबर, 2016 को आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित और श्री अरबिंदो कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बीबीई विभाग की ज्योतिका बहल को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता से सम्मानित किया गया।

सबीन एच रिजवी (2016), जापान के नागोया में पार सांस्कृतिक मनोविज्ञान के अंतर्रराष्ट्रीय एसोसिएशन की 23वीं बैठक 30 जुलाई–3 अगस्त, 2016 को आयोजित की गई। मनोविज्ञान विभाग ने विटकिन–ओकोनजी पुरस्कार प्राप्त किया।

इंदु टकर सिधवाणी, सुष्मिता चौधरी और वीणा तू (2016) टिकाऊ पर्यावरण के लिए औद्योगिक प्रदूषण का मुकाबलाः औद्योगिक और वैज्ञानिक प्रयासों का मिश्रण(सीआईपीएसई –2016) पर 22–23 जून 2016 को गार्गी कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।

रेखा नवनीत (2016) ''प्राचीन भारतीय परंपरा में पशुओं के प्रति दयालुता, मित्रता और सम्मान की परंपरा।'' ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के मैन्सफिल्ड कॉलेज में 1 9–21 सितंबर, 2016 को पशु–मानव लगाव पर तीसरा विश्व सम्मेलन।

नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्र– 108 (22.3प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां– 35

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

एनएसएस गार्गी ने स्वच्छ भारत की सरकारी योजना के अंतर्गत, कई सफाई अभियान चलाए। 1 सितंबर को, कॉलेज के स्वयंसेवक छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सफाई अभियान में भाग लेने के लिए इंडिया गेट के पास गए। गार्गी कॉलेज और उसके आसपास स्वच्छता की अवधारणा को बढ़ावा देने और इसके बारे में लोगों को उत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। एनएसएस ने ग्रीन पार्क मेट्रो स्टेशन के पास जागरूकता अभियान का आयोजन किया। एनएसएस गार्गी ने 7 अक्टूबर को रक्त संपर्क और एम्स के सहयोग

से एक रक्त दान शिविर का आयोजन किया। एनएसएस ने देने की खुशी सप्ताह मनाया और गैर सरकारी संस्था जीओओएनजी, को 27 अक्टूबर को दान सामग्री सौंप दी गई। एनएसएस ने दिवाली मेला का आयोजन किया, जिसमें डीयू के विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने जामघाट, आदी, चेशायर होम आदि 15 से अधिक एनजीओ के साथ भाग लिया। 19 जनवरी को, एक मैमोग्राफी परीक्षण शिविर आयोजित किया गया, तीस महिलाओं की जांच की गई, इसके बाद स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक संगोष्ठी आयोजित की गई। एनेक्टस गार्गी ने गाजियाबाद समुदाय में अपनी दूसरी परियोजना उदयाचल की शुरुआत की। रोट्रेक्ट क्लब, फरीदाबाद के सहयोग से महिलाओं और बच्चों के लिए स्वच्छता और सफाई पर कई अभियान किए गए। क्लब लोगों की आवश्यकताओं के अनुसार प्रमाणित मेडिकल पेशेवरों के लिए प्रावधान कर रहा है। एनेक्टस गार्गी ने सैनिटरी नैपकिन बनाने के उद्देश्य से एक स्व–सहायता समूह के रूप में समुदाय की महिलाओं की मदद की।

पुस्तकालय विकास

वर्ष के दौरान डब्ल्यूईबीओपीएसी और यूजीसी आईएनएफएलआईबीएनईटी की सुविधा और डीयू लाइब्रेरी कैटलॉग तक पहुंच जारी रहा। 736 पुस्तकें शामिल की गईं, पुस्तकालय में कुल मिलाकर 73408 अभिलेख पुस्तकें हो गई हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में 217 सीडी है और 47 समाचार पत्रों और 10 पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई है। ई–संसाधनों के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधन पैकेजः एनएलआईएसटी द्वारा उपयोगकर्ता नियंत्रण प्रदान किए गए। पुस्तकालय यूजीसी–इन्फोनेट के माध्यम से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की सदस्यता लेती है, जिसमें 97000़ ई पुस्तक और 6000़ ई–स्रोत और दिल्ली विश्वविद्यालय से कनेक्टिविटी शामिल हैं। जिसके लिए दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के माध्यम से पहुंच के लिए बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक संसाधन उपलब्ध हैं।

संकाय की संख्या

स्थायी – 149, तदर्थ – 61

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
स्वीकृत अनुदान– 384887000 रुपए (यूजीसी)
उपयोग किया गया – 425637483 रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

यूसुफ हमीद रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (लंदन) के सहयोग से रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 24–25 अक्टूबर, 2016 को स्कूल विज्ञान अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए प्रेरणादायक रसायन विज्ञान कार्यक्रम आयोजित किया गया था। विभिन्न स्कूलों से तीस शिक्षक लाभान्वित हुए।

गार्गी कॉलेज की एरोबिक्स टीम दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों द्वारा आयोजित सभी इंटर कॉलेज एरोबिक्स टूर्नामेंट में नाबाद चैंपियन बनी। दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज प्रतियोगिता में क्रिकेट और जूडो टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बॉल बैडमिंटन टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। बॉल बैडमिंटन टीम ने मिरांडा हाउस स्पोर्ट फेस्ट और कालिंदी कॉलेज स्पोर्ट फेस्ट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

हमारी सांस्कृतिक समितियों ने विश्वविद्यालय और राज्य स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में ख्याति अर्जित की है।

***

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

आंतरिक गुणवत्ता प्रमाणन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) ने पांच कार्यशालाएं, छह संकाय विकास कार्यक्रम और संकाय सदस्यों के संवर्धन के लिए एक संगोष्ठी और पुस्तकालय, प्रशासनिक और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। छात्र–शिक्षक संबंध और प्रशिक्षण मेले को मजबूती प्रदान करने के लिए आईक्यूएसी द्वारा संरक्षण सप्ताह आयोजित किया गया, जहां करीब 50 कंपनियों ने भाग लिया। संकाय सदस्यों द्वारा शोध पत्रों, लोकप्रिय आलेख, किताबें और किताबी अध्याय सहित कुल 117 प्रकाशन लिखे गये थे। डीबीटी स्टार कॉलेज प्रोग्राम के तत्वावधान में 52 लघु शोध परियोजनाओं के साथ नौ कार्यशालाएं और आमंत्रित व्याख्यानों का आयोजन किया गया। 43 शिक्षकों के साथ 130 छात्रों ने सफलतापूर्वक दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत 13 नवोन्मेष परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया। 115 फुट लंबे खंभे पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज मुख्य लॉन में रखा गया है। कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय, इंद्रप्रस्थ फ्लावर शो एंड एट गार्डन ऑफ फाइव सेंसेस द्वारा आयोजित वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में कई पुरस्कार हासिल किए।

वर्ष 2016–17 में हंसराज कॉलेज ने 9 स्वर्ण पदक जीते थे।

20 ने प्रथम स्थान, 17 द्वितीय और 20 तृतीय स्थान प्राप्त किये।

मेन एयर पिस्टल, एयर रायफल, स्क्वैश, टेबल टेनिस, तीरंदाजी (कंपाउंड), तीरंदाजी (इंडियन राउंड) और टेबल–टेनिस (महिला) में इंटर–कॉलेज चौम्पियनशिप।

अर्जुन मान, बी.ए. (एच), इतिहास, प्रथम वर्ष, ने इंटरनेशनल जूनियर शॉटगन चौम्पियनशिप, फिनलैंड, इटली में ट्रैप शूटिंग में कांस्य पदक हासिल किया।

अर्जुन मान, बी.ए. (एच) इतिहास, प्रथम वर्ष ने अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग चौम्पियनशिप में एक स्वर्ण पदक भी हासिल किया।

डॉ. मोना भटनागर को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार (डॉ. एस राधाकृष्णन मेमोरियल राष्ट्रीय शिक्षक और मीडिया नेटवर्क पुरस्कार – 2016) और शिक्षा में वुमेन एक्सेलेंस अवार्ड, लायंस क्लब द्वारा नवाजा गया।

डॉ, अर्चना सिंह को यूजीसी रमन फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी
2016–17 के दिल्ली विश्वविद्यालय के स्वर्ण पदक विजेता
मिस प्रीतिका धवन –एम.एससी. भौतिक विज्ञान
मिस अदिती टेलर –एम.एससी. वनस्पति विज्ञान
मिस्टर अनूप दास – बी.एससी. (आनर्स) प्राणि विज्ञान
मिस शिवानी ग्रोवर – बी.एससी. (आनर्स) भौतिकी
मिस्टर सार्थक मल्होत्रा – बी.एससी. (आनर्स) नृविज्ञान

प्रकाशन

एस. चांद (2017). मशीनी अनुवाद उपकरणों का अनुभवजन्य सर्वेक्षण। कम्प्यूटेशनल बुद्धिमत्ता और संचार नेटवर्क में अनुसंधान पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (आईसीआरसीआईसीएन), 181–185

सी. गुप्ता, बी. राठी, एन. गुप्ता, एस. शर्मा, आर.के. शर्मा, एच.बी. बोहिदार, (2016)। चुंबकीय आयरन ऑक्साइड नैनोकणों में हार्स रेडिश पेरोक्साइड (एचआरपी) का आवरण हैः कैंसर थेरेपी में संभावित अनुप्रयोगों के लिए मुक्त कणों के निर्माण के लिए संश्लेषण, लक्षण वर्णन और संवाहक। आरएससी एडवांसेज 6, 111099–111108

एम. हनीफ,एन. पांडेय, (2016). मैलोटसफिलिपिंसिज (लैम.) मुल. आर्गः इसकी एथोबोटैनी एवं पारस्थितिकी. बोटैनिका, 66, 1–5.

एस. कुमार, (2017). पारंपरिक विधि से ट्रिस– (4–फेनोक्सीफेनी1) एमिन का संश्लेषण एवं लक्षण वर्णन। केम.सा. ट्रांस. 6(1), 8–12.

वी.आर. राजपाल, अंबिका, अंजलि (2016). कैंसर.रोधी एवग एंटीमाइक्रोबायल गुणों से युक्त हर्बल सौंदर्य प्रसाधन, जे मैट. नैनो साइंस. 3(1) एस 1–एस 23, एस 15

बी. राणा, ए. जुनेजा, आर.के. अग्रवाल, (2017). फ्यूजी कर्नेल फीचर एक्सट्रैक्शन एवं संकर गुणों के चयन का उपयोग कर सिजोफ्रेनिया का एफएमआरआई आधारित कम्प्यूटर–ऐडेड निदान। मल्टीमीडिया टूल्स ऐंड ऐप्लीकेशन्स, 1–27.

ए. सिंह, बी राठी, एम. द्विवेद्वी, वी.वी., शिश्किन, ओ बहादुर, वी. सिंह, टी, सिंह, बी.के., विजयन, एन. बालाचंद्रन, वी. गोरोबेट्स, यू. एन. (2016)। द्वितीय क्रम एनएलओ एजेंट्स के रुप में अन्वेषित कार्यात्मक ऑर्गेनिक संरचनाएं . जे. केम.साइंस., 128, 297–309.

सुब्रमण्यम, एस., राथर, एस.ए., दंदा, एस. (2016) हिमाचल प्रदेश (भारत) के सिरमौर जिले से वनस्पतियों क दो नए रिकॉर्ड, *10*;2; 406.408.

एस.एस. सुब्रमण्यम, एस,ए., राथर, एस दंदा, ए.के. पांडे, (2016). मेघालय, भारत से क्रोटेलैरिया (फैबेसी, क्रोटेलैरियाइ) का एक नया मसाला , सिस्टेमैट, बोट., 41 (2), 307–315

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. बृजेश राठी, एसईआरबी, 2016–19, मलेरिया प्रतिरोधकों की एक नई श्रेणीः मलेरिया प्रतिरोधी उपचार के लिए नए तरीकों का गठन। 32.89 लाख रुपए।

डॉ. बृजेश राठी, डीआरडीओ, 2017–20, नई कार्यात्मकता की डिजाइन एवं बड़े पैमाने पर उत्प्रेरण संश्लेषण। डॉ अपर्णा बंसल, यूजीसी, 2016–18, स्ट्रक्चर डाइवरसिटी ऐंड स्टेबिलिटी ऑव जी–रिच डीएनए सिक्वेन्सेज. 6 लाख रुपए।

डॉ. बृजेश राठी, इंडो–हंगरियन बाइलेटरल रिसर्च ग्रांट, डीएसटी, 2017–20, व स्थिर ग्लाइकोमिमेटिक्स एवं शिरल ऑक्सैथियाक्राउन ईथर्स के संश्लेषण के लिए थिओ–क्लिक पद्धति। 36.81 लाख रुपए।

डॉ. बृजेश राठी, डीएसटी, 2015–17, टीवायरल कंपाउंड एयूवाई1 के कॉन्जुगेट्स एवं एनॉलॉग्स। 24.28 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठी

अंतर्राष्ट्रीयः

हंसराज कॉलेज में 20 जनवरी 2017 को ''वैश्विक पटल पर प्रवासी हिंदी साहित्य'' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विख्यात कहानीकार एवं सिनेमा विशेषज्ञ तेजेन्द्र शर्मा (लंदन), विख्यात प्रवासी उपन्यासकार सुषमा बेदी (अमेरिका) ने वक्ता के रूप में भाग लिया।

राष्ट्रीय संगोष्ठीः

प्रो. सलिल गुप्ता, संयोजक, आईएससीए, दिल्ली चैप्टर, डॉ. कौशिक, सलाहकार, एनआईआई, डॉ. सुनील मित्तल, न्यूरोसर्जन, डॉ. प्रभात रंजन, टीआईएफएसी, डीएसटी, भारत सरकार, 'दिव्यांग जनों के लिए विज्ञान और प्रौद्यौगिकी', फरवरी 28, 2017

डॉ. डी के तुली, डीबीटी–आईओसी उन्नत जैव ऊर्जा अनुसंधान केंद्र, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, और डॉ. बी बसु, एनर्जी बायोसाइंस ओवरसीज अध्यक्ष, डीबीटी–आईओसी डीबीटी–आईओसी उन्नत जैव ऊर्जा अनुसंधान केंद्र में सतत विकास में विश्लेष्णात्मक विज्ञान की भूमिका, 4–5 मार्च, 2016।

मिस्टर उपेंद्र गुप्ता, आईआरएस, आयुक्त जीएसटी, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, सीए अतुल गुप्ता और प्रो. कविता शर्मा, प्रमुख और डीन, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, ''वस्तुएं एवं सेवा कर – आगे का मार्ग'' पर 15 फरवरी 2017 को स्व–वित्तपोषित संगोष्ठी आयोजित की गई।

7 जनवरी 2017 को ''वाणिज्य और व्यवसाय प्रबंधन में उभरते मुद्दे'' पर स्व–वित्तपोषित संगोष्ठी में सीए अमरजीत चोपड़ा, आईसीएआई के पूर्व अध्यक्ष, दिल्ली स्कूल ऑव इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. मदन लाल, प्रो. एच.के. डांगी, प्रोफेसर कविता शर्मा, प्रो. जे. एस. पसरिचा, प्रोफेसर एमेरिटस, डॉ. श्रद्धा मयूरेश भोम, एसोसिएट प्रोफेसर और को–ऑर्डिनेटर, बीएएफ, डिन्यानासढाणा कॉलेज, ठाणे, महाराष्ट्र के सतीश प्रभान, प्रबंधन विकास संस्थान, गुड़गांव में समन्वयक–अंतर्राष्ट्रीय संबंध से प्रो. किरीट शर्मा, फैकल्टी ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड कॉमर्स, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के सचिव, प्रो. अश्विनी भल्ला, रजिस्ट्रार, डीएवी विश्वविद्यालय, जालंधर के प्रो. वी. के. सरीन, प्रो के. वी. भानुमूर्ति, पूर्व डीन और प्रमुख, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय ने भाग लिया। इसे 3 क्षेत्रों, अर्थात् वित्त, मानव संसाधन और विपणन में विभाजित किया गया था।

डॉ. वी. बी. अग्रवाल, डीन (इन्फोटेक), आईआईएमएस, प्रो. एम. मोनी, पूर्व डीजी, एनआईसी, डॉ. हुजूर सरन, प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, दिल्ली, श्री अनुज अग्रवाल, अध्यक्ष, सेंटर फॉर रिसर्च ऑन साइबर क्राइम ऐंड साइबर लॉ और डॉ. अनूप गिरधर, सीईओ–संस्थापक, सेड्यूलिटी सॉल्यूशंस एंड टेक्नोलॉजीज, साइबर क्राइम इनवेस्टिगेटर और साइबर सिक्योरिटी कंसल्टेंट ऑन क्लाउड कंप्यूटिंग एंड सोशल नेटवर्किंग में साइबर सुरक्षा। जनवरी 12, 2017।

संगोष्ठी /सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

एम कौल और ठाकुर (2016) ''नई दिल्ली के शहरी इलाकों में वायु प्रदूषण कम करने के लिये वृक्षारोपण।'' शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में जल और वायु गुणवत्ता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन. नई दिल्ली, (पीपी. 62–67) 22, मार्च, 2016 ..

वी.आर. राजपाल, आर. ठाकुर, ए. सोनकर, एस.एन. रैना, (2016). ''टीएलसी और एचपीएलसी का उपयोग करते हुए बारबेरिन का मात्रात्मक आकलनः टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया, टी. सिनेसिस और टी. क्रिस्पा।'' विज्ञान प्रौद्योगिकी की एकीकृत पत्रिका। 42:एस 1–एस 23, एस 2.

एस गुलिया और आर. कक्कड (2017) ''थियोरेटिकल इन्वेस्टिगेशन ऑफ जलीय चरण में ग्लाईसिन (जेडएनओ)12 एवं सिस्टीन–(जेडएनओ)12 यौगिकों की सैद्धांतिक जांच, यूजीसी–द्वारा रसायन विज्ञान एवं पर्यावरण प्रौद्यौगिकी में

हाल के नवाचारों पर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, श्री अरबिंदो कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2017, श्री कला प्रकाशन, दिल्ली।

यादव, पी., एस. श्रुतिका, और एच. कौर (2017) ''भावना विश्लेषण तकनीकियों का तुलनात्मक अध्ययन और ट्विटर पर इनके आवेदन''. सूचना प्रौद्योगिकी और व्यापार विश्लेषिकी (एनसीआईटीबीए 2017) के लिये राष्ट्रीय सम्मेलन।

सोनम. एस. जीएच–बैंक लिंकेज मॉडल– महिलाओं के राजनीतिक भागीदारी पर इसका प्रभाव, वाणिज्य और व्यवसाय प्रबंधन में उभरते मुद्दों पर अनुष्ठान, वाणिज्य विभाग, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 7 जनवरी (पीपी. 127–135). एसीपी।

राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

ए के एस विश्वविद्यालय, सतना, एम.पी. के साथ

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र – 476 (29 प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां– 40

विस्तार और पहुंच गतिविधियां

एनएसएसः

लड़कियों के लिए सुचारू शौचालय सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवकों के साथ एक सह–शिक्षा विद्यालय में मुआयने का आयोजन किया गया। विभिन्न जगहों पर एंटी मलेरियल फॉगिंग अभियान और कूड़ेदानों को स्थापित किया गया और छात्रों को उनका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। गैर–शिक्षण और कैंटीन कर्मचारियों के साथ कचरे के ठीक से निपटान और कैंटीन के भोजन के उचित पोषण मूल्य के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक संवादमूलक सत्र का आयोजन किया गया था।

लड़कियों के एक अनाथालय *''किलकारी''* में खाद्य वस्तुएं वितरित की गईं। *पढ़ाकू* संस्था को एनएसएस के छात्रों द्वारा स्टेशनरी वस्तुओं और नोटबुकों का वितरण किया गया। सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस को ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के रूप में मनाया जाता है। 31 अक्टूबर 2016 को एक सामूहिक प्रतिज्ञा समारोह और एकता दौड़ का भी आयोजन किया गया था। एक गैर सरकारी संगठन की मदद से महत्वपूर्ण परियोजना, *''समर्पण''* विकसित ग्राम अभियान शुरू की गई जिसमें जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के पास एक झोपड़पट्टी, भालसवा भीड़भाड़ वाली जगह को अपनाया गया था। यहां ई–साक्षरता और महिला सशक्तिकरण के कई सत्र आयोजित किए गए।

गुड़गांव स्थित बधवारी में बुजुर्ग लोगों से मिलने और गठिया रोगियों के लिये खाद्य पदार्थों, स्पंज गेंदों, दवाइयां और इंजेक्शन वितरित करने के लिए अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन का दौरा किया गया। कश्मीरी गेट स्थित लड़कियों के अनाथालय *किलकारी रेनबो* होम का दौरा किया और 140 अनाथ और विस्थापित लड़कियों के साथ समय बिताया गया। *फ्रेंडिकोज,* डिफेंस कॉलोनी जंगपुरा में स्थित है और घायल, बीमार तथा छोड़ दिये गये कुत्तों की देखभाल करता है। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और यूएसएस के थिएटर समूह, *अविक्षा* द्वारा *द इंडियन मुस्लिम* विषय पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। ब्लड कनेक्ट तथा लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के सहयोग से कॉलेज परिसर में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। उसी दौरान पढ़ने वाले के बच्चों के दांतों की जांच के लिये ''आईस्माइल''के साथ एक आयोजन किया गया था।

एनसीसीः

देहरादून में अखिल भारतीय ट्रेकिंग कैंप में सात कैडेटों ने भाग लिया, मेरठ में 9 कैडेट आर्मी संयोजन के लिए गए।

जनवरी में, 24 कैडेटों ने दिल्ली के पश्चिम विहार में वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (एटीसी) में भाग लिया और इस सत्र का अंतिम शिविर एसएसबी गुजरात में था, जहां एनसीसी हंसराज, 15 जनवरी को वीर चक्र पुरस्कार प्राप्त कर्नल टी.पी. त्यागी से को मिले। दो कैडेटों ने थल सैनिक कैंप फाइनल में भाग लिया, जिनमें से एक कैडेट एनसीसी राष्ट्रीय खेल 2016 के ऑल इंडिया परेड कमांडर रहे। दो एटीसी में कुल 37 कैडेट थे, 3 कैडेटों ने दो एएलसी में, 3 कैडेटों ने प्री–रिपब्लिक डे कैम्प और 11 कैडेटों ने सेना के संयोजन शिविर में हिस्सा लिया।

''सद्भाव और शांति के लिये योग'' विषय पर भारतीय योग संस्थान से योग प्रशिक्षक श्री प्रवीण जी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। एनसीसी हंसराज ने भी कॉलेज में 27 सितंबर को स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन किया और सभी कैडेटों की पूर्ण सक्रिय भागीदारी रही। 27 नवंबर को एनसीसी दिवस मनाया गया। इस आयोजन में मोनिका अरोड़ा (वकील, सुप्रीम कोर्ट) और कर्नल कंवरपाल सिंह (सीओ, 6डीबीएन) का स्वागत करने का सुअवसर मिला। कैडेटों ने कॉलेज में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया और दिल्ली विश्वविद्यालय में स्मारकीय राष्ट्रीय झंडा फहराया। एनसीसी के सीनियरों ने भीम ऐप को बढ़ावा देने के लिए पास के बाजारों में कैशलेस इंडिया के प्रचार अभियान का नेतृत्व किया था। एनसीसी ने टग–ऑफ वॉर खेल में ट्रॉफी और स्वर्ण पदक जीता।

पुस्तकालय का विकास

पुस्तकालय में विशाल अध्ययन कक्ष, चर्चा कक्ष, कंप्यूटर कक्ष और साथ ही साइंस और आर्ट्स–कॉमर्स स्ट्रीम के लिये अलग–अलग बड़े हॉल शामिल हैं। पुस्तकालय में जरूरतमंद छात्रों के लिए एक पुस्तक बैंक भी है, जहां एक वर्ष के लिए किताबें उधार पर उपलब्ध रहती हैं। प्रौद्योगिकी के साथ तालमेल रखते हुए पुस्तकालय प्रणाली तेजी से और उपयोगकर्ता के अनुकूल आरएफआईडी आधारित प्रणाली की ओर बढ़ रही है। आरएफआईडी तकनीक एआईडीसी तकनीक से मिलता–जुलता है जो वस्तुओं की पहचान के लिए मौजूदा विकल्पों पर विशाल फायदे देती है। ''कोहा'' के साथ आरएफआईडी सिस्टम को एकीकृत करने के प्रयास भी किए गए हैं, जो एक ओपन सोर्स इंटीग्रेटेड लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम (आईएलएमएस) है, यह सिस्टम आरएफआईडी के लिए व्यापक कार्यात्मकता प्रदान करती है।

संकाय शक्ति – 188

वित्तीय आवंटन और उपयोग
अनुमोदित राशि– 38,94,00,000 रुपए।
उपयोग की गयी राशि – 38,16,52,316 रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

हमारी सांस्कृतिक मण्डली ने विश्वविद्यालय और राज्य स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में ख्याति अर्जित किया है।

इस साल कॉलेज में कई नए निर्माण और मरम्मत के कार्य किए गए। वर्षा जल संचयन उपाय, अब दृष्टिहीन लोगों के लिए एक जगह और सहज मार्ग है, जो कॉलेज परिसर के सभी गलियारों में निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक कक्षा के कमरे में एलसीडी ओवरहेड प्रोजेक्टर स्थापित किये गये हैं। कॉलेज के युवा कर्मचारियों की सुविधा के लिए परिसर में एक क्रैच की स्थापना की गई है, जिसमें नन्हे और छोटे बालक–बालिकाओं की देखभाल की जाती है। एक नयी मीडिया और कंप्यूटर प्रयोगशाला भी (मानविकी और वाणिज्य) विभाग और सोसायटी के कमरे के साथ वाले कमरे में बनाई गई हैं। रंगशाला, कॉलेज कार्यालय और सेमिनार रूम को भू–तल और विज्ञान खंड की पहली

मंजिल के साथ पुनर्निर्मित किया गया था। तीसरी और चौथी मंजिल के निर्माण के साथ पुस्तकालय की पहली और दूसरी मंजिल का पुनर्निर्माण किया गया।

***

हिन्दू कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

इस वर्ष कॉलेज ने उल्लेखनीय उपलब्धिया प्राप्त कीं, 15 फरवरी 2017 को 118 वें संस्थापक दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय लेफ्टीनेंट गवर्नर मिस्टर अनिल बैजल, दिल्ली उपस्थित रहे। कॉलेज को एनएएसी द्वारा 'ए' श्रेणी के साथ 3.6 अंक प्रदान किया गया। कॉलेज ने व्यापक हरित लेखापरीक्षा और लिंग लेखापरीक्षा की जिम्मेदारी भी ली। चयनित छात्रों ने टाऊन हाल दिल्ली में अगस्त 2016 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से 'सहभागी लोकतंत्र की भावना का उत्सव मनाना' विषय पर मुलाकात की। 5 जनवरी 2017 को कॉलेज ने मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा ''वित्तीय साक्षरता अभियान'' पर एक व्याख्यान आयोजित किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के उपकुलपति, प्रोफेसर योगेश त्यागी भी उपस्थित थे।
लगभग 62 संकाय सदस्यों द्वारा 2 पीएच.डी थीसिस, लगभग 108 अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रकाशन और सम्मेलन पत्र, 13 अध्याय /आलेख, 14 ई–सामग्री मॉड्यूल्स, वीडियो व्याख्यान, 19 आमंत्रित वार्ताएं, 14 समीक्षाएं प्रकाशित किए गए। लेख/मॉड्यूल्स, 46 कार्यशालाओं का आयोजन किए/ भाग लिया।

सम्मान/विशिष्टताएं

आईआईएफएस, 2016, रसायन विज्ञान में सहायक प्रोफेसर डॉ. नीरा शर्मा को उनकी सेवाओं, उत्कृष्ट प्रदर्शन और उल्लेखनीय भूमिका के लिए ''भारत ज्योति पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया।

वालजत कॉलेज ऑफ एप्लायड साइंस, मसकट, सल्तनत ऑफ ओमान में 24–25 फरवरी, 2016 को इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन में नवोन्मेष पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान (ओमान विजन 2020: अवसर एवं चुनौतियां) सांख्यिकी में सहायक प्रोफेसर मनोज कुमार वार्ष्णेय ने ''प्रतिस्पर्धा जोखिमों की मौजूदगी में एआरटी पर एचआईवी/एड्स रोगियों की मृत्यु दर का अनुमान लगाने के लिए सीडी 4 सेल की गणना और अन्य अवसरवादी संक्रमणों की भूमिका का आकलन करना'' विषय पर शोध पत्र के लिए द्वितीय पुरस्कार हासिल किया।

विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

संगीत में बी.ए. (ऑनर्स) के दिवाकर शर्मा ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।
सांख्यिकी में बी.एससी. (ऑनर्स) के भानु बत्रा ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।
इतिहास में एम.ए. की सारिका चौधरी ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
राजनीति शास्त्र में एम.ए. की नियति शर्मा ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।
राजनीति शास्त्र में एम.ए. की पायल यादव ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।

प्रकाशन (चयनित)

जी भल्ला, (2016) एक्स–बैंड माइक्रोवेव विकिरण के खिलाफ मेलाटोनिन की रोग निरोधी भूमिका स्विस अल्बिनो चूहों के वृषण में विषाक्तता पैदा करती है। वर्तमान अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, प्रेस में।

वी चोपड़ा, (2016)। ब्रोमहेक्सिन हाइड्रोक्लोराइड के संचालन के लिए अन्यतम ओरोडिस्पर्सिबल ड्रग आपूर्ति प्रणाली का निर्माण और मूल्यांकन। फार्मेसी और फार्मास्युटिकल साइंसेस की विश्व पत्रिका, 5, 2278–4357।

एस. कुमार, एच. वशिष्ठ, (2017) एल.ओ., ओलासुन्कान्मी, आई बहादुर, एच. वर्मा मधुसूदन गोयल, गुरमीत सिंह, 2017, 0.5 एम एच$_2$ एसओ$_4$ में हल्के स्टील के लिये जंगरोधी के रूप में ट्राई–ब्लॉक कोपोलीमर्स आधारित पॉलीउरथैन। औद्योगिक और इंजीनियरिंग रासायनिक अनुसंधान, 56 (2), 441–456

एस. कुमार, (2016). कुछ संश्लेषित पॉलीउरथैन ट्राई–ब्लॉक सह–पॉलिमर द्वारा हल्के स्टील के जंग के प्रतिरोध पर प्रायोगिक और सैद्धांतिक अध्ययन। वैज्ञानिक रिपोर्ट 6, 30937.

वे एम के कुट,. ए. सारस्वत, ए. श्रीवास्तव, जूनियर सी.यू. पिटमैन, डी. मोहन, (2016) अफ्रीकी भूजल और स्थानीय उपायों के तरीकों में फ्लोराइड की समीक्षा। सतत विकास के लिये भूजल, 2–3, 190–212

आर मनोचा, (2016)। क्या द्विपक्षीय निवेश संधि एफडीआई अंतर्वाह को बढ़ावा देता है? भारत से साक्ष्यः विकल्पः आईआईएम अहमदाबाद की पत्रिका, 41.4

ए.के. पासवान, (2016). लेखा परीक्षा गुणवत्ता, लेखा परीक्षक की स्वतंत्रता और अन्य दल, प्रबंधन की एकेजीआईएम पत्रिका, 6(2)

पी.शर्मा, आर जैन, सी.घोष. (2016). ऑक्सीकरण प्रदूषकों के खिलाफ पौधों में सहनशीलता प्रदान करने में एस्कोर्बिक एसिड की भूमिका, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(8), 43–47।

एस. सूर्यनारायण, (2016). मेरी घाटी कितनी हरी है? सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति के जागरण में कर्नाटक राज्य के विकास का मूल्यांकन। सुषमा प्रांजल (संपा.) में। औद्योगिक विकास का शहरीकरण ईबीएच पब्लिशर्स (भारत)। गुवाहाटीः ईस्टर्न बुक हाउस।

ए.पी. टंडन, (2016) पहियों पर शिक्षा के माध्यम से आध्यात्मिक सम्बंध को बरकरार रखना। पी.के. श्रीवास्तव, प्रतिभा राय, (संपा.) में। आध्यात्मिक पारिस्थितिकी और स्थिरता, अभ्यास और संगम। ऑथर प्रेस

एच. वर्मा, (2016). कुछ संश्लेषित पॉलीउरथैन ट्राई–ब्लॉक को–पॉलिमर द्वारा हल्के स्टील के जंग के निषेध पर प्रायोगिक और सैद्धांतिक अध्ययन। वैज्ञानिक रिपोर्टें 6, 30937.

अनुसंधान परियोजनाएं

शैक्षिक सत्र 2015–2016 में कॉलेज संकाय और 80 छात्रों ने मिलकर दिल्ली विश्वविद्यालय के खर्चे पर निम्नलिखित आठ अंतःविषयक अन्वेषण परियोजनाएं पूरी की। कुल अनुदान 43 लाख रुपए प्राप्त हुए थे।

डॉ. के. के. कौल, डॉ. अंजू श्रीवास्तव, डॉ. रीना जैन, डीयू नवाचार परियोजना, 2016, कुछ हरे सूक्ष्म शैवालों का न्यूट्रास्यूटिकल मूल्यांकन, एचसी –301 5.5 लाख रुपए।

डॉ. सोमा एम. घोराई, डॉ. मीनू श्रीवास्तव, डॉ. नेहा कपूर, डीयू नवाचार परियोजना, एमआरआई के विपरीत एजेंट एचसी –302 के तौर पर कर्क्यूमिन–ऑलिगोन्यूक्लियोटाइड–पृथ्वी के दुर्लभ धातु आधारित नैनोपार्टिकिल जांच के साथ थेरैनोस्टिक्स आधारित उत्पाद का विकास, 2016, 6 लाख रुपए।

डॉ. सी. के. सेठ, डॉ. नीरा शर्मा, डॉ. मानसी सक्सेना, डीयू नवाचार परियोजना, 2016, इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशाला नोटबुक की डिजाइन और कार्यान्वयन, एचसी –303, 4.5 लाख रुपए।

डॉ. सचिन वशिष्ठ, डॉ. सुदर्शन कुमार, डॉ. हेमंत कुमार, डीयू नवाचार परियोजना, 2016, साइक्लोहेक्सन प्रोपोनिक एसिड, में हल्के स्टील के लिए जंग प्रतिरोधक के रूप में कुछ पीईजी आधारित पॉलीयूरेथेंस की उष्मप्रवैगिकी विद्युत रासायनिक और प्रमात्रा की रासायनिक जांच, एचसी –304, 5 लाख रुपए।

श्री अजय कुमार, डॉ. एन. सांता क्रूज, डॉ. ललित कुमार, डीयू नवाचार परियोजना, 2016, स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत के रूप में एक कुशल जिंक ऑक्साईड आधारित सौर सेल का अध्ययन, एचसी–305, 6 लाख रुपए।

डॉ. अपर्णा सक्सेना, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. रंजीत कुमार, डीयू नवाचार परियोजना, 2016, कुछ हरे सूक्ष्म शैवालों का न्यूट्रास्यूटिकल मूल्यांकन, , एचसी–306, 6 लाख रुपए।

डॉ. हरिंदर कुमार, श्री संजीव डी शर्मा, श्री सिद्धार्थ कनौजिया, डीयू नवाचार परियोजना, 2016, आईसीटी का प्रभावी उपयोग और सस्ते निजी स्कूलों में सीखने की ललक को बढ़ाने के लिए अन्य नवीन तरीके।, एचसी –307, 4 लाख रुपए।

डॉ. सी.एल. जॉनवाल, डॉ. वी. एस. रावत, डॉ. गीतिका भल्ला, डीयू नवाचार परियोजना, 2016, पुरुष बांझपन में 10 गीगाहर्ट्ज विकिरण का प्रभाव और मेलाटोनिन (पीनियल ग्रंथ द्वारा स्रावित हार्मोन) द्वारा इसमें सुधार। एचसी –308, 6 लाख रुपए।

आयोजित सम्मेलन – 46+ 6 अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधियां
संगोष्ठियों / सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ– 58 अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन पत्र
चंदन सिंघा. (2016) ''भारत के दार्जिलिंग जिले में किसानों द्वारा मिट्टी संरक्षण की प्रथाओं को अपनाने का विश्लेषण।'' पर्यावरण और संसाधन अर्थशास्त्रियों के यूरोपीय संघ का 22 वां वार्षिक सम्मेलन, ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड, 24 जून, 2016

कृष्ण मणि पाठक. (2016) ''संलयन और चेतना के मिश्रण के रूप में अंतर्दृष्टि कांत और जे. कृष्णमूर्ति के मानसिक प्रतिनिधित्व की परिभाषाओं के बीच समानता की एक परीक्षा।'' हांगकांग बैपटिस्ट विश्वविद्यालय, हांगकांग, में आयोजित एशिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में द्वितीय कैंट 17–20 दिसंबर, 2016

अनुपम वी. शर्मा. (2016) ''स्पोडोप्टेरा लिट्यूरा फैब (लेपिडोप्टेराःनोक्टूइडे), तंबाकू इल्ली के प्रबंधन में धतुरा इनोक्सिया मिल(संलेनसिके) की संभावना–अवरोध गतिविधि की संभावना। ''कीटविज्ञान का पच्चीसवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन", ऑरलैंडो, फ्लोरिडा, यूएसए, 25–30 सितंबर, 2016।

रीना जैन. (2016) ''गंदे पानी में नये, कम लागत वाले और हरे रंग के शोषक का प्रयोग करते हुए विषाक्त कार्बनिक रंगों को हटाना। हिंदू कॉलेज, ग्रीन केमिस्ट्री नेटवर्क केंद्र तथा दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''ग्रीन केमिस्ट्री ऐंड वॉटर ट्रीटमेंट" पर होटल मेडेन्स, नई दिल्ली, भारत में 17 अक्टूबर, 2016 को आयोजित आरएससी कार्यशाला।

सुधीर कपूर. (2017) ''दक्षिण अफ्रीका में सकारात्मक कार्रवाईः श्रम बाजार की असमानता को संबोधित करना।'' राजनीति विज्ञान विभाग, श्री अरबिंदो कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''सिद्धांत और व्यवहार में सकारात्मक कार्यवाहीः उपलब्धियां और चुनौतियां''पर 6–7 जनवरी, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी।

शालिनी सूर्यनारायण. (2016) ''महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए संभावनाएँ : कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय नीतियों पर एक नजर।'' कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं के सशक्तीकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलनः राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति के अध्ययन केंद्र में चुनौतियां और अवसर, मैसूर विश्वविद्यालय में 1 जुलाई, 2016 को प्रायोजित।

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

अंतर्राष्ट्रीय – 6, राष्ट्रीय –1

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ

2011 से एक छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रम के लिए सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के साथ समझौता। इस समझौते के अंतर्गत, एनयूएस के छात्र प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में एक छमाही बिता रहे हैं।

अपने पहले वर्ष में, कॉलेज हिडेलबर्ग, जर्मनी और यूबीसी, कनाडा के विश्वविद्यालयों के साथ संबंधित विश्वविद्यालयों के छात्रों की मेजबानी कर रहा है।

कॉलेज समझौता ज्ञापन के माध्यम से विदेशी भाषा पाठ्यक्रम का प्रस्ताव देता है और गेटे संस्थान, जर्मन के लिए मैक्समूलर भवन, स्पैनिश के लिए इन्स्टिट्यूट सर्वेंट्स, फ्रांसीसी के लिए फ्रैन्काइज, दिल्ली और स्लावोनिक विभाग और रूसी के लिये फिनो–उग्रीयन स्टडीज जैसे प्रसिद्ध संस्थानों के साथ संयुक्त सहयोग प्रदान करता है।

छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रम के लिए 2014 के बाद से राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान तथा विज्ञान एवं तकनीक विभाग के साथ *साइंस सेतु प्रोग्राम* नामक समझौता ज्ञापन किया है। इस समझौते के अंतर्गत, हिंदू कॉलेज के छात्र प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में ग्रीष्म और शीतकाल के प्रयोगशाला प्रशिक्षण कर रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत हमारे छात्रों ने इसके साथ जुड़े विभिन्न कार्यशालाओं और उपग्रह कार्यक्रमों में भी भाग लिया है।

विश्व बैंक प्रायोजित काबुल विश्वविद्यालय–दिल्ली विश्वविद्यालय विनिमय कार्यक्रम की परियोजना में, कॉलेज संकाय ने पाठ्यक्रम तैयार किया और कॉलेज ने प्रशिक्षण के लिए अपने संकाय की मेजबानी की।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

कॉलेज, टीईआरआई के लेडअर्थशिप–टेरी टेट्रा–पाक युवा पहल कार्यक्रम के मुख्य समूह का सदस्य है। यह कार्यक्रम उन स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए है जो व्यवसाय और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हैं और भविष्य के युवा नेताओं के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा होने का लक्ष्य रखते हैं, जिनके पास अपना व्यक्तिगत वैश्विक दृष्टिकोण हो जो स्थिरता, नैतिकता और नवप्रवर्तन में गहराई लिये हुए हों।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

श्री जेले वेरिलिन्डे–लीडेन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड्स, बी.ए.(एच) ने एक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदू कॉलेज में समाजशास्त्र में हिस्सा लिया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 70 (लगभग 40प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 15 से अधिक प्रसिद्ध कंपनियां और आरंभ

विस्तार और पहुंच गतिविधियां

कॉलेज में एनएसएस, एनसीसी और अन्य सोसायटियों के माध्यम से विस्तार गतिविधियां आयोजित की जाती है, जो मुख्यरूप से पर्यावरण सोसायटी (पंचतत्व), समान अवसर सेल (अंकुर), महिला विकास कक्ष (डब्लूडीसी), आदि से जुड़ी हैं। आस–पास के क्षेत्रों में बहुत सारे शिविरों का आयोजन में लगभग 250 लोगों को नामांकित किया गया और 200 से अधिक लोग शामिल हुए, 200 छात्रों की भागीदारी रही। एनएसएस ने स्वास्थ्य शिविर, सफाई अभियान, रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण, धूम्रपान विरोधी अभियान और जागरूकता अभियान का आयोजन किया। एनसीसी ने संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, जहाज संलग्न शिविर, गणतंत्र दिवस शिविर, पैरा सेलिंग शिविर, नौसैनिक शिविर, रक्तदान शिविर और योग कार्यशाला का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

इस साल का कुल बजट 8,71,500 रुपए (बुक फंड) और 8,71,500 रुपए (पुस्तकालय विकास शुल्क) था। कुल 1334 पुस्तकों और पत्रिकाओं को जोड़ा गया। इसके अलावा, आंतरिक सुविधा को उन्नत किया गया था और अब पुस्तकालय में वाईफाई सुविधा उपलब्ध है।

संकाय की संख्या—163

वित्तीय आवंटन और उपयोग
स्वीकृत अनुदान – 22,39,25,000रुपए
उपयोग किया गया – 31,35,65180रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

8–9 फरवरी, 2017 को रसायन विज्ञान विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन प्रयोगशाला अध्यापन में नवोन्मेष पर राष्ट्रीय सम्मलेन में रसायन विज्ञान के सहायक प्रोफेसरों डॉ. हेमंत वर्मा और डॉ. ऋचा त्यागी को पोस्टर ''साधारण थर्मोकेमिकल विधि द्वारा कमजोर अम्ल और कमजोर क्षार के लिए निष्क्रियता की उष्णधारिता का निर्धारण" की प्रस्तुति में तीसरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जीव विज्ञान में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनुपम वी. शर्मा को ''स्पोडोप्टेरा लिट्यूरा (फैब.) (लेपिडोप्टेराः नोक्ट्यूडे) पर धतूरा इनोक्शिया की ओवीसिडाल क्रिया'' पर पोस्टर प्रस्तुति के लिये दूसरा स्थान दिया गया। कीट विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जीव विज्ञान विभाग और पर्यावरण विज्ञान, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला और कीट विज्ञान एसोसिएशन 3–5 दिसंबर 2016।

कॉलेज संकाय ने दो पीएच.डी थीसिसों का पर्यवेक्षण किया।

पहली अंतर कॉलेज संजय श्रीवास्तव मेमोरियल बहस, वक्तव्य '17; वार्षिक सम्मेलन; मुशायरा 2017– साहित्य उत्सव और मक्का–सांस्कृतिक महोत्सव आदि कई सफल वार्षिक आयोजन किए गए।

***

होली फैमिली नर्सिंग कॉलेज

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियॉं
छात्रों ने एक फ्रेशर पार्टी और प्रतिभा प्रदर्शन के साथ अकादमिक सत्र आरंभ किया। अस्पताल में नैदानिक पोस्टिंग से पहले, नर्सों ने लैंप प्रज्ज्वलन समारोह में प्रभावी ढंग से मरीजों की देखभाल करने का वचन दिया। सितंबर 2016 में (एसएनए) नर्स छात्राओं के संगठन के लिए चुनाव आयोजित हुए थे। एसएनए छात्राओं की सह–पाठयक्रम गतिविधियों की सहायता करने और छात्रों की मदद करने में शामिल है। कॉलेजों के छात्राओं ने अक्टूबर 2016 में एमएएमसी, दिल्ली में आयोजित सभी मेडिकल छात्रों के लिए एमटीएनएल स्वास्थ्य मेला और मेडिको–मस्ती में भाग लिया। छात्रों ने नृत्य में प्रथम पुरस्कार और समूह गीत में नृत्य और स्कीट में द्वितीय पुरस्कार जीता। स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाए गए थे। कॉलेज ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से दिवाली, क्रिसमस जैसे विभिन्न त्यौहार मनाए। 29 जनवरी, 2017 को होली फॅमिली हॉस्पिटल में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। फरवरी में वार्षिक खेल सप्ताह मनाया गया। छात्राओं ने एसएनए द्वारा आयोजित विभिन्न यूनिट स्तर और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. (श्रीमती) रामिंदर कालरा को नर्सिंग में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) से सम्मानित किया गया।
विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी
अल्फी अल्फोंसा जॉर्ज
अंजली बाबू
ब्लेसी बाबू
दीया जोस
एलिजाबेथ टी थॉमस
जेनी जेम्स
प्रकाशन
ए थॉमस और एस पटनायक, (जुलाई–दिसंबर 2016)। उच्च रक्तचाप के रोगियों के महत्वपूर्ण मापदंडों पर पैर रिफ्लेक्सोलॉजी का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ नर्सिंग स्टडीज, 7 (2), 48– 58

अनुसंधान परियोजनाएं
नई दिल्ली के एक चयनित अस्पताल में प्रसवपूर्व ओपीडी में शामिल पूर्व–प्रारंभिक माताओं के बीच स्टेम सेल और नाभि गर्भनाल रक्त बैंकिंग के बारे में ज्ञान और व्यवहार का आकलन करने के लिए एक विस्तृत अध्ययन।
नई दिल्ली के चयनित अस्पताल के प्रसूति माताओं के बीच प्रसूति संबंधी रोगों से संबंधित ज्ञान और स्वास्थ्य की मांग के व्यवहार का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।
दिल्ली में एक चयनित निजी अस्पताल के पूर्वकाल क्लीनिक में उपस्थित पूर्व–प्रारंभिक महिलाओं में एनीमिया की रोकथाम और प्रबंधन के बारे में ज्ञान और व्यवहार का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन।
नई दिल्ली के चयनित अस्पताल के बाल चिकित्सा इकाई में बच्चों के व्यवहार समस्याओं के बारे में माताओं के ज्ञान का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन।
नियोजित शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन और मूल्यांकन करने के लिए एक पूर्व–प्रायोगिक अध्ययन नई दिल्ली के चयनित अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ के बीच ज्ञान और व्यवहार के संदर्भ में एंटीबायोटिक चिकित्सा के बारे में कार्यक्रम।
दिल्ली की चयनित शहरी मलिन बस्तियों में एक नियोजित शिक्षण कार्यक्रम के पहले और बाद में प्रजनन पथ पर वयस्क महिलाओं के ज्ञान का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

आयोजित सम्मेलन
26 फरवरी, 2017 को एचएफसीएएन द्वारा ''अवसादः आओ बात करें'' आयोजित किया गया।

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ
टीएनएआई द्वारा आयोजित ''प्रभावी एवं कुशल नर्सिंग केयर के लिए नर्सिंग एडमिनिस्ट्रेशन एवं सुपरविजन'' पर एक कार्यशाला के लिए राइमर कालारा एक संसाधन व्यक्ति थे।
अन्नी अवार्चन और शर्ली थॉमस ने आईएएमए हाउस में 05/10/2016 को ''बाल यौन दुर्व्यवहार'' पर एक सत्र में भाग लिया।
थ्रेसियम्मा जॉर्ज ने ''बहु–विभागीय स्वास्थ्य प्रणाली'' पर 4–6 अक्टूबर, 2016 को एम्स, नई दिल्ली में कार्यशाला में भाग लिया।
2016 में 20 दिसंबर, 2016 को एचएफसीएएन ने ''नर्सिंग केयर में गुणवत्ता और उसके मानक'' पर सत्र का आयोजन किया था और उसमें जिनसी, एंजेल, कोचथ्रेसीया, स्मिथ, शांति, मीना ने भाग लिया था।

सिमिल बाबू ने 30 दिसंबर, 2016 को संविधान क्लब आईटीओ में ''स्तनपान'' पर मार्केट बलों'' पर आधा दिन की संगोष्ठी में भाग लिया।
एचएफसीएएन द्वारा 16 फरवरी, 2017 को ''साहस और कायरता'' पर सलमान अख्तर द्वारा एक व्याख्यान आयोजित किया गया था।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र – 100 प्रतिशत

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – उत्साहित नहीं किया गया और सभी छात्राओं को पैरेंट अस्पताल (पवित्र परिवार अस्पताल) में नौकरी की पेशकश की गई।

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

एम.एससी. की पाँच छात्राओं द्वारा डायबिटीज मेलिटस और हाइपरटेन्शन की जांच के लिए अली विलेज में एक स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्था की गई थी। नर्सिंग (सीएच) छात्राओं ने शिविर के अंतर्गत 25 अक्टूबर, 2016 को 107 लोगों की जांच की। स्कूल हेल्थ कैंप सितंबर 2016 में आयोजित किया गया। एक निजी स्कूल में 50 छात्रों के लिए पूरी तरह से स्वास्थ्य मूल्यांकन (आंख, दंत और पोषण मूल्यांकन सहित) किया गया था। प्रदर्शनी और सड़क प्ले सहित आयोजित स्वास्थ्य शिक्षा सत्रों की आवश्यकता थी। विटामिन की खुराक और डीवर्मिंग की आवश्यकता वाले छात्रों को दवाएं दी गईं। शिविर में काम करने वाले 50 छात्रों को रेफरल सेवाएं भी प्रदान की गईं। एमएससी द्वारा प्रासंगिक वार्ता के साथ एक आपदा ड्रिल आयोजित किया गया था। नर्सिंग छात्राओं ने 28 मार्च, 2017 को एमसीडी स्कूल सुभाष शिविर लगाया।

पुस्तकालय विकास

इस वर्ष, 15 नई पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई है। नर्सिंग पाठ्यपुस्तकों पर 1,34775रुपए खर्च किए गए। वर्तमान विषयों और सामान्य हितों पर कुल पत्रिकाओं की संख्या 12 है। वर्ष 2016–2017 में पुस्तकालय में नर्सिंग पर पुस्तकों की कुल संख्या 4421 थी।

संकाय की संख्या

स्थायी–29

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान – स्वयं वित्तपोषण – उत्पन्न आय 22,019,227रुपए।

होली फैमिली अस्पताल से अंशदान– 26,45,311रुपए।

उपयोग किया – 24,664,538.76 रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कॉलेज ने शैक्षणिक सत्र 2016–17 से बीएससी की 23 छात्राओं और एमएससी नर्सिंग की 25 छात्राओं के साथ दो नए पाठ्यक्रम – पोस्ट बेसिक शुरू किए।
नर्सिंग कॉलेज के पहले स्नातक समारोह का आयोजन 17 मार्च, 2017 को हुआ था। नागरिक समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. विश्वविद्यालय के उप कुलपति, योगेश त्यागी थे, और इसकी अध्यक्षता जे.टी. क्यूटो, अध्यक्ष, नई दिल्ली होली पारिवारिक कॉलेज ऑफ नर्सिंग सोसाइटी के अध्यक्ष आर्चबिशप अनिल ने की थी।

***

इंदिरा गांधी भौतिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान

प्रमुख गतिविधियाँ तथा उपलब्धियाँ

संस्थान ने 2016–17 के लिए उच्चतर शिक्षा निदेशालय, एन.सी.टी. दिल्ली सरकार को रुसा (राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान) के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। संस्थान ने 3 अगस्त, 2016 को अपना 29 वाँ स्थापना दिवस, 16 अगस्त से 1 सितंबर, 2016 तक स्वच्छता पाखवाड़ा, पूर्व छात्र बैठक – 2017, छात्र सांस्कृतिक उत्सव – शंखनाद, वार्षिक दिवस समारोह आदि मनाया। कॉलेज में पहला नियुक्ति अभियान, स्वास्थ्य प्रशिक्षक पाठ्यक्रम, योग शिक्षा पर प्रमाणित अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर निःशुल्क योग शिविर, जन वृक्षारोपण कार्यक्रम, बुनियादी जीवन समर्थन और आपातकालीन प्रबंधन पर कार्यशाला, राष्ट्रगान, हथकरघा और रस्साकशी अन्तर–भित्ति चित्र, शिक्षक दिवस, रोगाणु जनित बीमारियों पर व्याख्यान, रक्त दान शिविर, सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, सात हेवन फुटबॉल क्रीडायुद्ध, बहस प्रतियोगिता, अंतर कॉलेजपुरुष हैंडबाल, क्रिकेट, पूर्व छात्र खेल और खेल मिलन, वार्षिक एथलेटिक मिलन का आयोजन किया। संस्थान छात्रों की दैनिक सभा का आयोजन करता है, जो राष्ट्रीय गान के पाठ के साथ समाप्त होती है।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. धनंजय साव को 9 सितंबर, 2016 को नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''विज्ञान संकाय पृष्ठभूमि के खिलाड़ी और गैर खिलाड़ी छात्रों में चयनित धड़कन परिवर्तनशीलता (एचआरवी) और श्वसन आवृत्ति क्षेत्र विश्लेषण– एक तुलनात्मक विश्लेषण'' एएसएआर उत्कृष्ट शोधपत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. सरिता त्यागी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अनुसंधान प्रदर्शन के दौरान नवाचार परियोजना के अनुसंधान प्रदर्शन आईजीपीई–301, पोषण संबंधी स्थिति और शारीरिक संरचना के चयनित शारीरिक उपयुक्तता मापदंडों के साथ संबंध के चयन के लिए 19 नवंबर, 2016 को प्रशंसा पत्र प्राप्त किया।

विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

एम.पी. एड की मीनू डाबास ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
एम.पी. एड की प्रीती त्यागी ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
बी.पी. एड की शालिनी राठी ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
बी.पी. एड की निधि सिंह ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
बीएससी के ध्रुव अरोड़ा ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
बी.एससी की पूजा ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन (चयनित)

एस रेड्डी अवुटु, डी. भाटिया, डी. साव, (2016)। एथलीटों में पूरी तरह से विस्तारित घुटने के समसामयिक संकुचन के दौरान चयनित घुटनों के विस्तारण के लिए मांसपेशियों के लिंग और प्रदर्शन का प्रभाव। कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2 (2) 1–6.

एम. कौर, एस. नारा, डी. साव, डी. भाटिया (2016)। एथलीटों के लिंग और प्रदर्शन के संबंध में निरंतर स्क्वैट आसन (एक योगिक आसन) में चुने हुए घुटनों के विस्तारक स्नायुओं की ईएमजी विषमता। नयी भौतिक चिकित्सा पत्रिका, 6, 322.

एम. कौर, एस. सिंह, डी. साव (2016)। ईएमजी वर्गीकरण के लिए नरम कंप्यूटिंग विधियों में प्रगति। जैव–चिकित्सीय अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 20 (3), 253–271

एस. नारा, एम. कौर, डी. भाटिया, डी. साव (2016)। एथलीटों में निरंतर स्क्वैट आसन (एक यौगिक मुद्रा) के दौरान घुटने के स्थायीकरण स्नायुओं का सह–संकुचन। योग और भौतिक चिकित्सा पत्रिका, 6, 256. जारी होने की तारीख 10.4172 / 2157–7595.1000256.

ई. सत्संगी, (2016) शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में व्यायाम करने और न करने वाली महिलाओं के शरीर की शारीरिक आकृति पर तुलनात्मक अध्ययन, स्वास्थ्य और खेल विज्ञान के उभरते रुझान में कला विभाग, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित।

डी. साव, आर. कुमार, एन. सिंह, और एस. ए. भट्ट, (2016)। पश्चिमी दिल्ली के पब्लिक विद्यालय के खेलने और न खेलने वाले छात्रों पर पिट्सबर्ग नींद की गुणवत्ता सूचकांक और पिट्सबर्ग अनिद्रा श्रेणी निर्धारण परीक्षा का प्रभाव। प्रबंधन समाजशास्त्र और मानविकी की अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 7 (3), 36–40। 12 जुलाई, 2017 को संशोधित।

डी. साव, आर. कुमार, एन. सिंह, और एस. ए. भट्ट, (2016)। प्रशिक्षण नवाचार (एक दीर्घकालिक अध्ययन) के प्रारुप के दोहराए गए उपायों में चयनित स्वोनामिक और हृदय–परिसंचरण चर के संबंध में चयनित क्रीडा और खेलों के बीच भिन्नता। प्रबंधन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, 7 (3), 31–34

डी. साव, आर. कुमार, एन. सिंह, और एस. ए. भट्ट, (2016)। बस्वा अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय के खेलने और न खेलने वाली छात्राओं पर पिट्सबर्ग नींद की गुणवत्ता सूचकांक और पिट्सबर्ग अनिद्रा श्रेणी निर्धारण परीक्षा का प्रभाव। प्रबंधन समाजशास्त्र और मानविकी की अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 7 (4), 66–71.

आर. सिंह, (2017). प्रो–कबड्डीः सामाजिक–सांस्कृतिक आयाम के साथ एक भव्य व्यावसायिक सफलता। खेल और व्यायाम पर वैज्ञानिक पत्रिका, 13 (1), 49–54

एस. त्यागी, (2016). व्यायामशाला प्रबंधन. भारतः मित्र प्रकाशन आईएसबीएनः 978–81–7216–485–0

कॉलेज द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएं

प्रियदर्शिनी – 2016.

संपादक / संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के रूप में कार्य करने वाले शिक्षक–07.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. सरिता त्यागी, दिल्ली विश्वविद्यालय नवाचार परियोजना, 2016–2016, पोषण संबंधी स्थिति और खिलाड़ियों की शरीर रचना – चयनित शारीरिक और शारीरिक दुरुस्ती मापदंडों के साथ उनका संबंध, रु. 5.0 लाख।

डॉ. प्रदीप कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय नवाचार परियोजना, 2016–2016, कॉलेजके छात्रों का शैक्षिक और खेल उपलब्धि के संबंध में दृष्टिकोण, भलाई, दोस्ती –एक प्रासंगिक समझ, रु. 3.6 लाख।

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

कर्मचारी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान में 2 दिन (5–6 अगस्त, 2016) के लिए आयकर लाभ– पूँजी का ई–रिटर्न भरने पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

एनएएसी और एसएसआर पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी – प्रक्रिया और अनुवर्ती कार्रवाई 26–27 अगस्त, 2016 के दौरान आयोजित।

30 सितंबर, 2016 को नवाचार परियोजना के अंतर्गत ''शारीरिक दुरुस्ती पोषण और खेल के प्रदर्शन'' विषय पर संस्थान में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

21 अक्टूबर, 2016 को नवाचार परियोजना –302 के अंतर्गत संस्थान द्वारा ''खेल और शैक्षणिक प्रदर्शन के मनो–सामाजिक निर्धारक'' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

दिल्ली की पैरालिम्पिक कमेटी के साथ मिलकर, 31 जनवरी, 2017 को ''भारत में सतत विकास के लिए पैरालम्पिक खेलों का समावेश'' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

28 फरवरी, 2017 को ''पेरालिंपिक और अलग–अलग व्यक्तियों के लिए शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के शैक्षणिक प्रौद्योगिकी'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

05–11 मई, 2016 और 13–17 जून, 2016 को शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में एसएसपीएस के अनुसंधान योजना और आवेदन पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

4–18 नवम्बर 2016 के दौरान ''शारीरिक शिक्षा विज्ञापन खेल विज्ञान में शोधकर्ता के लिए मतलब अनुप्रयोग'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

22–24 अगस्त, 2016 और 29 अगस्त – 01 सितंबर, 2016 को ''शारीरिक शिक्षा और अनुसंधान के लिए उम्दा योग्यता'' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

एक दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला ''शारीरिक शिक्षा में पाठ्यक्रम प्रारुप और विकास'', 23–24 मार्च, 2017।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

धनंजय सावः

(2016), ''भारत में विश्वविद्यालय खेल के व्यावसायिक प्रबंधन'' एम डी विश्वविद्यालय और भारतीय विश्वविद्यालयों का संगठन (एआईयू), नई दिल्ली, 06 अप्रैल, 2016।

''व्याख्यान और पारस्परिक व्यवहारः भौतिक गतिविधि दृष्टिकोण को परिष्कृत करता है''। सभी के खेलने लिये अखिल भारतीय खेल संगठन और आदित्य कॉलेजदिल्ली विश्वविद्यालय अतिथि गृह में, 27 जुलाई, 2016.

जैव यांत्रिकी और पुनर्वास अभियांत्रिकी (बायोरिहैब – 2016) पर राष्ट्रीय सम्मेलन, जैव–चिकित्सीय अभियांत्रिकी विभाग, उत्तरी पूर्वी हिल विश्वविद्यालय (एनईएचयू), शिलांग, 15–16 सितंबर, 2016.

''स्वास्थ्य के लिए एकीकृत जैव–चिकित्सा में वर्तमान उन्नति'' भारतीय राष्ट्रीय चिकित्सीय वैज्ञानिकों का 37 वां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन, शोबित विश्वविद्यालय, मेरठ, 3–6 नवंबर, 2016.

(2017), ''खेल प्रदर्शन और पुनर्वास के लिए लचीलेपन की यांत्रिकी'' शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, 5–7 जनवरी, 2017

(2017), ''जैव यांत्रिकी सिद्धांत – खेल प्रशिक्षण और प्रदर्शन संवर्धन'' खेल विज्ञान और योग पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (आईसीएसएसई – 2017), शारीरिक शिक्षा का लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय संस्थान युवा मामलों के मंत्रालय और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत, 2–4 फरवरी, 2017.

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र – 64 (53.33प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां– 03

विस्तार और पहुँच कार्य

छात्रों द्वारा 12 अगस्त, 2016 को हरित पर्यावरण अभियान और आजादी 70 के अंतर्गत आईजीआईपीईएस परिसर में लगभग 250 पेड़ों के लिए बागान कार्यक्रम के साथ जनसंपर्क किया गया था। आईजीआईपीईएस के एनएसएस यूनिट द्वारा 16 अगस्त से 1 सितंबर 2016 तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया था। 22 सितंबर, 2016 को भारत में रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों और कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। 13 जनवरी, 2017 को प्रजापति ब्रह्म कुमारी की ईश्वरीय

विश्वविद्यालय और दिल्ली यातायात पुलिस के सहयोग से सड़क सुरक्षा के लिए छात्रों और कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए संस्थान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व छात्र बैठक –2017 और आईजीआईपीईएसएस संकाय, पूर्व छात्रों और छात्रों के लिए शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के विकास के लिए 23 जनवरी, 2017 को संस्थान में मिलन उत्सव आयोजित किया गया जिसमें 1987 से लेकर सभी वर्ग के पुराने छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। पूर्व छात्र और वर्तमान छात्रों के बीच रचनात्मक प्रतियोगिता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान में 26 जनवरी, 2017 को पूर्व छात्र खेल और खेल समारोह आयोजित किया गया।

पुस्तकालय विकास

डिजिटल लाइब्रेरी के सफल कार्यान्वयन के साथ, आईजीआईपीईएसएस के उपयोगकर्ता डिजिटल प्रारूप में पूर्ण पाठ दस्तावेजों पुराने प्रश्नपत्र, एम.पी.एड., बी.पी.एड. बीएससी पाठ्यक्रम, सभी पीएच.डी. शोध प्रबन्ध और सभी 2013 से प्रदान किये गये एम.पी.एड. निबंध तक पहुंच सकते हैं। वर्तमान में आईजीआईपीईएसएस पुस्तकालय डेटाबेस ''विद्या:पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर'' एक्सएएमपीपी सर्वर के माध्यम से ऑन लाइन पर उपलब्ध है। पुस्तकालय के कुल संग्रह 12177 (8748 अनुमोदित पुस्तकें, 2154 वाचनालय, 677 शोध प्रबन्ध और 598 विभागीय किताबें) को डेटाबेस और बार कोडित कर कम्प्यूटरीकृत किया गया है जो कि ऑनलाइन सार्वजनिक अभिगम सूचीपत्र (ओपीएसी) के माध्यम से खोजा जा रहा है। भौतिक और डिजिटल सूचना संसाधनों के उपयोग को बढ़ाने के लिए पुस्तकालय ने तीन पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

संकाय की संख्या

स्थायी – 27 (सहायक प्राचार्य सहित)

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान – 12,59,00,000 रुपए।

उपयोग किया गया– 10,64,43,573 रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संस्थान के 100 छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तर से लेकर राज्य, अंतर–विश्वविद्यालय और अंतर–कॉलेज स्तर से लेकर अलग–अलग कार्यक्रमों में भाग लिया/जीते।

डॉ. धनंजय साव ने अक्टूबर 2015 से नवंबर 2016 तक व्यावहारिक विज्ञान के भास्करचार्य महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय (बीसीएएस 301) के दिल्ली विश्वविद्यालय नवाचार परियोजना में ''चयनित कॉलेजों के शैक्षिक और खेल पृष्ठभूमि के छात्रों के साथ चयनित स्वनॉमिक तंत्रिका तंत्र कार्य, लिपिड प्रोफाइल, इलेक्ट्रालाइट के नियमों का विकास'' में संरक्षक के रूप में कार्य किया, स्वीकृत राशि रु 6 लाख थी।

***

इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज (इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वूमेन)

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन कक्ष का गठन किया गया। अतिरिक्त रिक्त स्थान–सम्मेलन रूम और रिसर्च रूम के साथ नए अकादमिक ब्लॉक, 30 सीटें और छात्रावास, पुस्तकालय के पढ़ने के कमरे और संगोष्ठी कक्ष में लिफ्ट बनाए गए। पृथ्वी अध्ययन केंद्र (सीईएस) और सेंटर फॉर अंतर–विभागीय अध्ययन केंद्र (सीआईडीएस) के लिए दो अतिरिक्त शिक्षण संसाधन केंद्र बनाए गए।एक संदर्भ और सनकारी समीक्षा की अनुसंधान पत्रिका, फॉर समावेशी विकास के लिए नवाचार की पत्रिका शुरू की गई थी। ''संपादन एवं छपाई (द्विभाषी)'' और ''आपदा जोखिम तैयारी: ज्ञान के लिए जीवन'' अतिरिक्त सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया गया। सभी दस्तावेज और नोटिस हिंदी में

प्रकाशित किए जाते हैं। छात्रों की जानकारी के लिए टाइम टेबल, फीडबैक और मोबाइल ऐप के लिए सॉफ्टवेयर विकसित किए गए। शताब्दी दशक पूर्व–स्नातक अनुसंधान अनुदान के लिए दो लाख रुपए के साथ कॉलेज की अनुसंधान गतिविधियों के लिए 10 लाख रुपए निर्धारित किए गए थे। अभिविन्यास दिवस पर माता–पिता के साथ एक सफल बातचीत आयोजित की गई थी। कॉलेज में बीए (आनर्स) एमएमएमसी और विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सात अन्य प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की गई थी।

सम्मान / विशिष्टताएं

डॉ. बबली मोइत्रा सर्राफ, प्रधानाचार्या को 30 मार्च, 2017 को लड़कियों के लिए प्रशासन और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला क्लब (यूएनएफ की एक इकाई) द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

चित्रा जोशी को हंबोल्ट यूनिवर्सिटी, जर्मनी में ''वर्क, बॉडी एंड टाइम : फैक्ट्री से परे श्रम नियमों को समझना'' पर अक्टूबर 2016 से जुलाई 2017 के फैलोशिप से सम्मानित किया गया ।

श्री रजत रॉय ने न्यूजीलैंड इंडिया रिसर्च इंस्टीट्यूट, वेलिंगटन, न्यूजीलैंड में *उपनिवेशोत्तर काल के राजनीति में लेखन जातिः बंगाल के नमशुद्रों का एक अध्ययन* पर नवम्बर 2016 से न्यूजीलैंड इंडिया रिसर्च इंस्टीट्यूट से फेलोशिप प्राप्त किया।

विशेष योग्यता प्राप्त छात्र

पच्चीस छात्रों को पाठ्यचर्या से परे महत्वपूर्ण और व्यक्तिगत पहलों के लिए प्रिंसिपल के ऑनर रोल से सम्मानित किया गया। सात छात्रों द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुत किए गए। एनसीसी के दो छात्र आरडीसी 2016 में गणतंत्र दिवस मार्चिंग दल में चयनित। तायक्वोंडो, शतरंज और शूटिंग चौंपियनशिप में खेल में आठ स्वर्ण पदक (राष्ट्रीय और राज्य स्तर)।

प्रकाशन (चयनित)

डी चोपड़ा, (2016) मशीन से सीखने का उपयोग करके सॉफ्टवेयर एंट्रोपी आधारित बग पूर्वानुमान का एक अनुभवजन्य अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 7 (2), 7–18।

बी दास, (2016)। ईकोफेमिनिज्मः महिला.प्रकृति संबंध। स्त्रीःमहिला अध्ययन की एक पत्रिका, 7 (7), 1 9 –21

एस के मिश्रा, (2016)। उपनिषतपरम–प्राणायाम गहन–अपारिस्थीकीय–चिंतनम। संस्कृत–रत्नाकरह, 2 (26), 12–13

एस पांजा और बी एम सर्राफ, (संपा.) (2016)। भारत में शेक्सपियर प्रदर्शनःभारतीयता की खोज। साहित्य और संस्कृतियां। नई दिल्ली, नई दिल्लीः ऋषि प्रकाशन

साहा–ए रॉय (2016). मनरेगा एक पर्यावरण नीति के रूप मेंः पिथौरागढ़, उत्तराखंड का एक प्रकरण अध्ययन समावेशी विकास के नवाचार की पत्रिका, 1 (1), 3–10.

आर सेठी, (2016) विज्ञापन : भाषा और संरचना। नई दिल्ली, नई दिल्लीः वाणी प्रकाशन

शगुफ्ता। (2016)। एक वैश्वीकृत विश्व में भारत – स्वामित्व, संप्रभुता और सामाजिक वास्तविकता पर प्रतिबिंब। राजनीति शास्त्र की भारतीय पत्रिका, *LXXVI* (4), 774-778.

एच बी शर्मा, (2016)। लिंग परिप्रेक्ष्य में विरोधाभास प्रबंधनः भारतीय पद्धति के माध्यम से नेतृत्व और समाधान की खोज का प्रश्न। विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5 (4), 136–142

जी सिंह, (2016) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, भारत में यमुना नदी का शहरी चयापचय। उन्नत अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4 (8), 1240–1248..

आर सिंघल और ए सिंघल, (2016)। क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग कर नरम सॉफ्टवेयर विकास का उभरता भविष्यः एक अजाइल प़्द्धति–एससीआरयूएम के अलग–अलग चरणों में क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग कर एक अध्ययन। कंप्यूटर टैक्नोलॉजी एवं एप्लीकेशन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 7 (2), 240–246

कॉलेज द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएं

समावेशी विकास के नवाचार की पत्रिका, (आईएसएसएन 2456–4478, प्रिंट एवं ऑन लाइन), पृथ्वी विज्ञान अध्ययन केंद्र की पत्रिका *कोड*, अनुवाद और अनुवाद अध्ययन की पत्रिका ।

संपादक/संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवा करने वाले शिक्षक– 06

अनुसंधान परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय, 2016–2017, ''स्वतंत्रता पश्चात् युग में भारतीय राज्यों का संदर्भ –नीति उन्मुखीकरण में वेलफेरिज्म के परिप्रेक्ष्य पर एक अध्ययन'' 1.2 लाख

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2015–2018, ''हाशिये पर विनाशः बिहार और बंगाल के क्षेत्र से लोक गीतों और मौखिक कथाओं का अध्ययन।'' 7.5 लाख

आईसीएसएसआर, जून 2014–2016,''आर्थिक सुधार, मेट्रोपॉलिटन मध्यम वर्ग एवं भारत में जनतंत्रःनोएडा की सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री के कार्यकर्ताओं के व्यवहार का एक प्रकरण अध्ययन।'' 5 लाख

इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज अक्टूबर 2016–2017ः

''दृष्टिहीन छात्रों के लिए एक ऑडियो रिपॉजिटरी मोबाइल एप्लिकेशन'' 29,500 रुपए।

''कबीर गानः समय और सीमाओं के परे बदलाव'', 30,000 रुपए।

''पार्क, स्थान और भवनः दिल्ली के वर्तमान में अतीत'', 39,000 रुपए।

''एक मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सक होने के नातेः एक मनोवैज्ञानिक जांच'', 30,000 रुपए।

''किशोरावस्था में बाध्यकारी लेखन का प्रभाव'' और बाध्यकारी व्यवहार में व्यक्तित्व विशेषताओं की भूमिका'', 30,000रुपए।

आयोजित संगोष्ठी

प्रोफेसर एम. के. पंडित, डीन, विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान विभाग के संकाय, अंतरग्रथित भौगोलिक और पारिस्थितिक प्रक्रियाएं, हिमालयी पुष्प दोष का एक प्रकरण अध्ययन, पर दिल्ली विश्वविद्यालय 31 अगस्त 2016।

आईक्यूएसी, आईपी महिला कॉलेज द्वारा आयोजित 'आईसीटी का उपयोग कर अनुसंधान बढ़ाने' पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी), 17 दिसंबर 2016.

आईक्यूएसी, आईपीएसी आईपी महिला कॉलेज द्वारा आयोजित ''जनमत और सर्वेक्षण अनुसंधान'' पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी), 12–14 जनवरी, 2017

आईक्यूएसी, आईपी महिला कॉलेज द्वारा आयोजित ''मनोविज्ञान में अध्यापन और अनुसंधान नवाचार'' पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी), 14–20 मार्च 2017

आयोजित सम्मेलन

महिला, राज्य और शक्तिः लोकतंत्र पर प्रतिबिंब, राजनीति विज्ञान विभाग, इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज, 15–16 सितंबर, 2016।

दिल्लीः दिल्ली पर परिप्रेक्ष्य, अंतर–अनुशासनात्मक अध्ययन केंद्र, इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज, 06 अक्टूबर, 2016.

वाणी फाउंडेशन के सहयोग से हिंदी महोत्सव, 3–4 मार्च, 2017.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

सराफ, बबली मोइत्राः

(2017) ''द शैलेट और अन्य स्विस मिथ्स – लोकप्रिय कल्पना के बारे में स्विटजरलैंड के बारे में मिथकों को हटाना'' स्विस पूर्णसत्र। आधुनिक भाषा एवं साहित्य (एफआईएलएलएम, यूनेस्को) अंतर्राष्ट्रीय संघ का सत्ताइसवां अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली, 15–17 मार्च, 2017

''हिंदी और विदेशी भाषाएंः समवाद और अनुवाद। हिंदी महोत्सव।'' इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और वाणी फाउंडेशन, दिल्ली, 03 मार्च, 2017।

''युद्ध में महिलाएंः सुभाष चंद्र बोस और झांसी रेजिमेंट की रानी'' पैनलिस्ट और चर्चा, भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली, 01 फरवरी, 2017।
''घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 (पीडब्ल्यूडीवीए) से महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति'' राष्ट्रीय स्तर का गोलमेज सम्मेलन घरेलू हिंसा के समर्थन में पुरुषों और लड़कों की संबद्धता, सामाजिक अनुसंधान केंद्र नई दिल्ली, 31 जनवरी, 2017
''वैश्वीकरण और भारतीय शहरी मध्य वर्ग पहचान का उदय'' वी.वी गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा, 08 नवंबर, 2017 (2016)''अनुवाद, याददास्त, परिचक्रण और पुनर्प्राप्तिः दक्षिण एशिया से एक प्रकरण अध्ययन।'' अनुवाद एवं अंतर सांस्कृतिक अध्ययन पर 5वां एशिया–प्रशांत, यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई'' मैनोआ, होनोलुलु, हवाई, 28–30 अक्टूबर, 2016.

''एक पाठ्यक्रम तैयार करना हिंसा के खिलाफ लड़ने में पुरुषों और लड़कों को जोड़ने पर सम्मेलन।'' सेंटर फॉर सोशल रिसर्च एंड द एशिया फाउंडेशन, नई दिल्ली, 9 –10 अगस्त, 2016।

बीआर आलमेलु, (2016) ''वैश्वीकरण और भारत में दृष्टिहीन महिलाओं के लिए विशेष संदर्भ के साथ शिक्षा। 21वीं सदी में नेत्रहीन महिलाओं का सशक्तीकरणः चुनौतियां और रणनीतियां। ''ऑल इंडिया कन्फ्रेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड, नई दिल्ली,'' 12–13 नवंबर, 2016.
मनस्विनी एमयोगी, (2016) ''स्मृतियों के झरोखे से – रामलीला की सांस्कृतिक स्मृति। स्मृति, स्मारक और संचारः पीछे देखना, आगे की तलाश। ''अंतर्राष्ट्रीय मीडिया और संचार अनुसंधान वार्षिक सम्मेलन के लिए एसोसिएशन, लीसेस्टर, यूनाइटेड किंगडम, 27–31 जुलाई, 2016।

मयूरी गोगोई, (2016) ''सहानुभूतिः कर्म–योग के मूल्य का फाउंडेशन (सही कार्रवाई)।'' सहानुभूति परियोजनाः तीसरी वैश्विक बैठक, मैन्सफिल्ड कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, यूनाइटेड किंगडम, 14–16 जुलाई, 2016।
एम मोनिका नंदी, (2016) ''संघीय राजधानियों का शासनः दिल्ली का एक प्रकरण अध्ययन।'' छठा वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीएसआईआरआईआर 2016, जीएसटीएफ, पीएसआईएसआईआर, सिंगापुर, 26–27 सितंबर, 2016 के साथ।

पापारी कोनवर, (2016) ''महिलाएं और भारत में भोजन का अधिकारः परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम।'' राजनीतिक विज्ञान, समाजशास्त्र और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर छठा वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वैश्विक विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंच, सिंगापुर, 26–27 सितंबर, 2016।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग
शांति और आपदा प्रबंधन के लिए अखिल भारतीय फाउंडेशन; सहपीडिआ; वाणी फाउंडेशन; ऑस्ट्रेलियाई अनुसंधान परिषद, प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया; इग्नू–कथा; राष्ट्रीय कौशल विकास निगम – टीम लीज; अंतर्राष्ट्रीय न्याय बोर्ड; आई–मेड; एनआईडीए स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज; यू एस आई ई एफ; रिया; गोल्डन की इंटरनेशनल सोसाइटी; राष्ट्रीय संग्रहालय; हिंदुस्तान टाइम्सद्ध एनेक्टस;दिल्ली हेरिटेज वॉक्स बुक क्लब; युवा लोगों के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार; वन्यजीव बचाव; हेरिटेज एसोसिएट्स; जाग्रुति; दैनिक डंप के साथ।

नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्र – 77 (38.5 प्रतिशत)

कंपनियों ने भर्ती के लिए परिसर में दौरा किया– 24

विस्तार और पहुंच गतिविधियाँ

ऑलोक वैद मेनन के साथ सार्वजनिक – क्वियर और एलजीबीटी जागरूकता कार्यक्रम में ''गैर–कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) में नामांकित छात्रों का सर्वेक्षण'' और ''खुशी, महिलाएं और उम्र बढ़ना – मध्यम आयु और वृद्धा महिलाओं का तुलनात्मक अध्ययन'' कार्यक्रम पर छात्र अनुसंधान परियोजनाएं। एशले जुड के साथ एक वार्तालाप '' मेरे मन में क्या है और मुझे बताओ तुम्हारे मन में क्या है?'' महिलाओं के राष्ट्रीय आयोग के उत्तर–पूर्व सेल के सहयोग से कानूनी जागरूकता कार्यक्रम;भारत में कंट्रोल आर्म्स फाउंडेशन (सीएएफआई) के सहयोग से ''जाति, भाषा, संस्कृति पर पैनल चर्चाः पूर्वोत्तर में भारत का पता लगाना; राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स, दिल्ली और कामकुस क्लिनिक, लंदन के सहयोग से ''चिकनगुनिया और डेंगू का प्रकोप'' पर सार्वजनिक व्याख्यानः का आयोजन किया गया।

दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली की एनसीटी सरकार द्वारा पूरे कॉलेज समुदाय के लिए अग्नि सुरक्षा तैयारियों पर नकली ड्रिल का आयोजन किया गया और पटाखा विरोधी और सुरक्षित होली अभियान आयोजित किए गए। लोकतंत्रशाला–स्कूल लोकतंत्र के लिए नेरिटेज वाक्स और सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला भी आयोजित की गई थी।''याद करो कुर्बानी'', ''स्वच्छता पखवाड़ा'', ''सतर्कता जागरूकता सप्ताह'' और ''बिटिया साक्षरता अभियान'' पर भारत सरकार के कार्यक्रमों का कार्यान्वयन किया गया; वीएच छात्रों के लिए ब्रेल मेनू; अनुभव कार्यक्रम के अंतर्गत वीएच छात्रों की राष्ट्रीय संग्रहालय की यात्रा का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय विकास

कॉलेजओपीएसी, यूजीसी–एनलिस्ट, डेलनेट ऑनलाइन सेवाएं और रीप्रोग्राफिक सेवा प्रदान करता है जिसमें फोटो कॉपी और प्रिंटिंग सर्विस और बुक बैंक सर्विस शामिल हैः ईडब्ल्यूएस छात्रों के लिए पाठ्यपुस्तकें। हमारे पास पीएच/ वीएच सुविधाएं और सेवाएं भी हैं जो लिफ्ट से पूरी तरह से पहुंच योग्य हैं। अन्य विशेषताओं में कंप्यूटर के साथ विशेष क्यूबिकल्स, एक में तीन एंजल पॉकेट डेजी प्लेयर; डेजी बुक्स (बोलती किताबें); ब्रेल पुस्तकें; ब्रेल पत्रिकाएं; ब्रेल संदर्भ पुस्तकें – शब्दकोश, जॉज सक्षम कंप्यूटर स्कैनर, एम्बॉसर (ब्रेल प्रिंटर) और नोटबुक के साथ लेक्स–एयर कैमरा (मुद्रण सहायक उपकरण) आदि शामिल हैं।

संकाय की संख्या

स्थायी – 92, तदर्थ– 71.

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 22,82,93,000रुपए (संशोधित अनुमान के आधार पर अस्थायी)

उपयोग किया गया – 27,87,95,000रुपए . (वास्तविक गैर–लेखापरीक्षित व्यय)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कॉलेज ने अपना 94वां कॉलेज दिवस मनाया।

प्रो. योगेंद्र यादव द्वारा 11 वां वार्षिक सार्वजनिक व्याख्यान कॉलेज परिसर में आयोजित किया गया था।

कॉलेजकी संगीत सोसायटी को राजा के जन्मदिन और वसंत के आगमन के अवसर पर स्वीडिश दूतावास में प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

आईपी कैंपस में केजी छात्रावास (70 वर्ष पुराने) का नवीनीकरण और विस्तार किया गया

***

गृह अर्थशास्त्र संस्थान (इंस्टीच्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

गृह अर्थशास्त्र संस्थान आज भारत में महिलाओं के लिए सार्थक, समकालीन ज्ञान और शिक्षा का प्रसार करने वाले उच्च शिक्षा संस्थानों में एक प्रमुख स्थान रखता है। इस संस्थान की स्थापना 1961 में हमारे संस्थापक निदेशक डॉ. एस. मल्हान द्वारा की गई थी, जिसमें महिलाओं की शिक्षा के लिए एक दृष्टिकोण शामिल था। समय के साथ इसकी शक्ति में वृद्धि होती रही और अब यह गृह विज्ञान, सूक्ष्मजीवविज्ञान, जैव रसायन, बी.एल.आई.एड में स्नातक पाठ्यक्रम के साथ ही कुछ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। इस वर्ष दो नए पाठ्यक्रम अर्थात् खाद्य प्रौद्योगिकी में बीएससी (ऑनर्स) और पत्रकारिता में बीए (ऑनर्स) शुरू किए गए हैं। संस्थान को नवंबर 2016 में राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया। संस्थान को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से फिस्ट अनुदान (विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए धन) प्रदान किया और भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्टार कॉलेज योजना के अंतर्गत विज्ञान के शिक्षण में मान्यता और समर्थन के लिए चुना गया था। मान्यताएं और समर्थन हमारे संस्थान द्वारा छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत और प्रयासों का एक स्पष्ट साक्ष्य हैं।

सम्मान / विशिष्टताएं

कपड़ा और परिधान विज्ञान विभाग से डॉ. हर्षिता चौधरी तथा खाद्य और पोषण विभाग से डॉ. सोनल गुप्ता और डॉ. रितु जैन को दिल्ली के दीक्षांत समारोह में डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की गईं।

अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारः

लोकप्रिय संस्कृति संघ द्वारा जनवरी 2017 में डॉ. निधि गुलाटी को अमेरिका दौरा करने के लिए मैडोना और माइकल मार्सडेन इंटरनेशनल ट्रैवल ग्रांट से सम्मानित किया गया।

डॉ. निधि गुलाटी को अक्टूबर 2016 में अध्यापन (एफडीएटी) कार्यक्रम, यूएसआईईएफ में फुलब्राइट विशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री पंकज दास को मार्च 2017 में कोबे, जापान में एसीईआईडी सम्मेलन में लेख प्रस्तुत करने के लिए पूर्ण छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

सुश्री शर्मिला राठी को जुलाई, 2016 में फूडन यूनिवर्सिटी शंघाई में युवा नवप्रवर्तन प्रतियोगिता वाईआईसीजीजी, 2016 में भाग लेने के लिए चुना गया।

सुश्री श्रद्धा चौहान और डा. बाणी टी एरि को ''डिस्लेपीडिमिया के प्रबंधन में किसी विशिष्ट खाद्य तेल के उपभोग की तुलना में आहरण एवं जीवन शैली अपरिवर्तन की भूमिका'' पर लेख प्रस्तुत करने के लिए सितंबर, 2016 को कोपेनहेगन, डेनमार्क में आयोजित नैदानिक पोषण एवं उपापचय (ईएसपीएएन) कांग्रेस 2016 के लिए 38वें यूरोपियन सोसायटी में सर्वश्रेष्ठ अमूर्त पुरस्कार (यात्रा अध्येतावृत्ति) के लिए चुना गया।

राष्ट्रीय पुरस्कार प्रतिशत

नवंबर, 2016 को बैंगलोर में आयोजित भारतीय वार्षिक पोषण समाज सम्मेलन में सुश्री श्रद्धा चौहान और डा. बाणी टी एरि को उनके शोध पत्र ''वयस्कों के बीच सामान्यतः उपभोग किए जाने वाले अन्य तेल की तुलना में कैनोला तेल के लिपिड निम्नन प्रभाव'' के लिए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विशेष योग्यता वाले विद्यार्थी

बी.ईएल.एड चतुर्थ वर्ष की सुश्री नेहा शाहिद ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।

एम.एससी की सुश्री स्वाती यादव ने वस्त्र और परिधान विज्ञान में विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।

स्नात्तकोत्तर डिप्लोमा की सुश्री पल्लवी कत्याल ने आहारिकी और सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण में विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।

सुश्री अंजली गौर ने दिल्ली तायक्वोंडो टूर्नामेंट 2017 और राष्ट्रीय जूनियर तायक्वोंडो चैम्पियनशिप 2016 में स्वर्ण पदक जीता।

सुश्री गरिमा टोकस ने दिल्ली जूडो टूर्नामेंट 2017 में स्वर्ण पदक जीता।

छात्राओं ने ''डॉ. भारत राम स्पोर्ट्स मीट में कई पदक जीते''– पूजा चौधरी द्वारा ट्रिपल जंप और लांग जंप में रजत पदक और 100 मीटर की दौड़ में कांस्य पदक। ऊंची कूद में उषा दागारिन ने कांस्य पदक जीता।

प्रकाशनः कुल 63

एच. चौधरी, डी. गुप्ता, और सी. गुप्ता, (2017)। बहुक्रियाशील रंगाई तथा सेरिसिन और बेसिक रंजक के साथ पॉलिएस्टर का परिष्करण। वस्त्र संस्थान की पत्रिका , 108 (3), 314–324

बी. कौर, चंचल और आर. अरोड़ा, (2016)। रक्षक परिधानः वस्त्रों के गीले प्रसंस्करण की आवश्यकता। विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका। 5 (10), 252–256

ललिता और रेखी, टी. (2016) दिल्ली में उच्च प्राथमिक कक्षाओं में मात्रा मानदंडों के अनुसार मिड–डे मील (एमडीएम) की पोषक योगदान। अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक एवं अनुसंधान प्रकाशन की पत्रिका, 6 (10), 60–76

पी. मैगू, (2016) दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा बनाए गए शहरी रसोई का अध्ययन। सिविल इंजीनियरिंग और पर्यावरण प्रौद्योगिकी की पत्रिका, 3 (9), 774–778

मार्टिनेऔ व अन्य., (2017) तीव्र श्वसन संक्रमण की घटनाओं पर विटामिन डी के पूरक के प्रभावः व्यवस्थित समीक्षा और व्यक्तिगत रोगी डेटा (एवीआईडी–एआरआई) का मेटा–विश्लेषण बीएमजे 15, 356, आई 6583

एन. सोनी, ए. चित्रा, और एम.एस. परमार, (2017)। तेल और गैस उद्योगः अग्नि खतरा और रक्षात्मक वस्त्रों पर समीक्षा। विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में उन्नत अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 1 (6) : 275–282।

पी. पन्नू, कटारिया, डी. और अग्रवाल, एस. (2016)। स्ट्रीट फूड की सुरक्षा की दिशा में उपभोक्ता परिप्रेक्ष्य। पूर्वस्नातक अनुसंधान एवं नवाचार पर दिल्ली विश्वविद्यालय की पत्रिका, 2 (2), 80–90

शर्मा, डी. और चंचल (2016)। थर्मोकोल और पॉलिएस्टर यार्न के संरचनात्मक व्यवहार का आकलन। विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 7 (5), 642–45

सुधा, गुप्ता, सी., और अग्रवाल, एस. (2016)। पेनिसीलियम मिनिऑलूटियम से प्राप्त सूक्ष्मजीवी कलरेंट के साथ गीली नीली अजाचर्म की रंगाई। क्लीनर प्रोडक्शन की पत्रिका, 127, 585–590.

सूरी, एम., सैनी, एन., और गुप्ता, एस. (2017) कॉलेज जाने वाली महिलाओं के आहार सेवन पर योग और आहार परामर्श के प्रभाव की खोज करना। शारीरिक शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,, 4 (1), 155–160

संपादकीय बोर्ड के संपादक सदस्य के रूप में सेवा करने वाले शिक्षक– 06

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ गीता त्रिलोक कुमार, और डॉ. शिप्रा गुप्ता, ''भारत–ब्रिटेन सहयोग को बढ़ाने के लिए यूके–भारत शिक्षा और अनुसंधान पहल (यूकेआईईआरआई)द्वारा वित्त पोषित परियोजना, ''सांख्यिकी और महामारी विज्ञान की क्षमता निर्माण'', 53 लाख रुपए।

डॉ. सविता अग्रवाल और डॉ. गीता पुनह्नी, यूजीसी द्वारा वित्त पोषित परियोजना ''लिंग और जलवायु स्मार्ट कृषिप्रतिशत ग्रामीण महिलाओं की अनुकूली क्षमता पर संवृद्धि'', 15 लाख रुपए।

डॉ. सीमा पुरी और डॉ. तेजमित रेखी, टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा द्वारा वित्त पोषित परियोजना, ''लौह आरक्षित चाय की उपभोक्ता स्वीकार्यता परीक्षण।''

संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं का आयोजन

सेमिनार, फरवरी, 2017 में आयोजित ''स्वास्थ्य जागरूकता पर व्यायाम विज्ञान की भूमिका''

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, यूजीसी–यूकेआईइआरआई विषयगत साझेदारी के अंतर्गत ''एसटीएटीए का उपयोग करने वाले स्वास्थ्य शोधकर्ताओं के लिए अनुप्रयुक्त सांख्यिकी'': भारत–ब्रिटेन सहयोग को बढ़ाने के लिए सांख्यिकीय और महामारी विज्ञान की क्षमता निर्माण, नवंबर, 2016 में आयोजित की गई।

दो कार्यशालाएं – ''फिल्म निर्माणः स्क्रीन प्ले और लेखन'' और ''फिल्म निर्माणः विचारण और उत्पादन'' का आयोजन क्रमशः श्री संजीव कुमार, निदेशक एवं संप्रेषण परामर्शदाता, सहयोगी, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय एवं सुश्री अकृति सुमन, निदेशक मीडिया नेटवर्किंग लिमिटेड के सहयोग से अगस्त 2016 में किया गया ।

श्री बालकृष्णन द्वारा ''अरी कार्य कसीदाकारी'' और श्री सुधीर कुमार द्वारा ''फैशन चित्रण'' 2016 में कार्यशाला आयोजित की गई।
छात्रों को अनुभव प्रदान करने के लिए ''आणविक जीवविज्ञान और प्रतिरक्षाविज्ञान की तकनीक'' पर अगस्त, 2016 में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन
नवंबर, 2016 में भारतीय बाल दुर्व्यवहार उपेक्षा और बाल श्रम (आईसीएएनसीएल) समूह और भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी के सहयोग से प्रारंभिक बचपन की व्यापक देखभाल एवं विकासः स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा'' पर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

दिसंबर, 2016 में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर में आयोजित 14 वें अंतर्राष्ट्रीय मानविकी कार्य और कार्य पर्यावरण 2016 में ''बचपन के खेल में संक्रमणः माल के क्रीडा क्षेत्र के माध्यम से बच्चों के मानसिक कल्याण की तलाश'' पर भावना नेगी ने आलेख प्रस्तुत किया।

नवंबर, 2016 में भारत के वाईएमसीए, नई दिल्ली में आयोजित ''विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रबंधन'' में नवप्रवर्तनकारी प्रवृत्ति पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भूपिंदर कौर ने ''टेक्सटाइल के आर्द्र प्रसंस्करण के लिए पारिस्थितिक दृ ष्टिकोण'' पर आलेख प्रस्तुत किया।

दिव्या पुरी, दीपशिखा कटारिया और वंदना सभरवाल ने एएफएसटी (आई) –एचक्यू और अमृतसर चैप्टर द्वारा नवंबर 2016 में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में आयोजित खाद्य वैज्ञानिकों और तकनीशियनों (आईसीएफओएसटी–एक्सएक्सवी) के 25 वें भारतीय कन्वेंशन में ''पाक तेल की स्थिरता पर करक्यूमिन परिवर्धन का प्रभाव'' पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

दिव्य पुरी, दीपशिखा कटारिया और वंदना सभरवाल ने होटल प्रबंधन, कैटरिंग एवं पोषण तथा अनुसंधान एवं विकास संगठन अंतर्राष्ट्रीय संघ द्वारा अक्तूबर, 2016 के दौरान आयोजित नवप्रवर्तन एवं सतत विकासः विजन 2020 के माध्यम से अर्थव्यवस्था के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में करक्यूमिन परिवर्धन द्वारा सोयाबीन तेल की स्थिरता में बढ़ोतरी'' पर आलेख प्रस्तुत किया।

प्रतिमा सिंह ने बच्चों के स्वास्थ्य, पर्यावरण और सुरक्षा अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क(आईएनसीएचईएस), पर्यावरण आकलन और जल अनुसंधान संस्थान (आईडीएईए) और स्पैनिश वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईसी) द्वारा बार्सिलोना, स्पेन में सितंबर 2016 में संयुक्त रूप से आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''दिल्ली में एयर–कंडीशनयुक्त और स्वाभाविक रूप से संवातनित स्कूलों में भीतरी वायु गुणवत्ता का आकलन'', पर आलेख प्रस्तुत किया।
सीमा पुरी ने सितंबर, 2016 में ग्रेनाडा, स्पेन में आयोजित 17 वें अंतर्राष्ट्रीय आहारिकी कांग्रेस में ''संक्रमण में समाजःआहारिकी पेशेवर के लिए चुनौतियां'' पर आलेख प्रस्तुत किया।

पंकज दास ने जुलाई 2016 में ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय वैनकूवेर में ''एन्थ्रोपोसेन आयु में शिक्षा'' पर आयोजित संगोष्ठी में ''स्कूल छोड़ने की संभावित दुर्बलता की स्थितिगत विश्लेषणः भारतीय स्कूलों का प्रकरण अध्ययन'' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

शर्मिला राठी ने यूनाइटेड किंगडम के ब्राइटन में अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक फोरम द्वारा 29 जून से 3 जुलाई, 2016 के दौरान आयोजित ''शिक्षा पर यूरोपीय सम्मेलन'' में ''समावेशी शिक्षाः इसके संकल्पनाकरण में कौन सा सामाजिक मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण जोड सकता है?'' पर आलेख प्रस्तुत किया।

अक्षिमा शर्मा, सविता अग्रवाल और गीता पुनह्नी ने दिसंबर, 2016 के दौरान आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2016 में सीएसआईआर–युवा वैज्ञानिक सम्मेलन में ''ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए आईसीटी की क्षमताः हिमाचल प्रदेश का प्रकरण अध्ययन'' पर आलेख प्रस्तुत किया।

बानी टी. एरी को अप्रैल, 2016 में नई दिल्ली में होटल रॉयल प्लाजा में, दिल्ली मधुमेह फोरम द्वारा मधुमेह पर 24 वीं वार्षिक सम्मेलन में ''कम कैलोरी मिठाई– एक वरदान या विष'' विषय पर बोलने के लिए अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

डॉ. गीता चोपड़ा ने बिहार, झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ राज्यों में काम करने वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य संसाधन नेटवर्क (पीएचआरएन) और उसके सहयोगी संगठनों के कार्यक्रम प्रबंधकों और समन्वयकों के लिए ''स्क्रीनिंग एंड प्रारंभिक खोज – स्क्रीनिंग उपकरण का परिचय'' पर जनवरी 2017 में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. कविता वासुदेव ने संपूर्ण भारत के दिल्ली पब्लिक स्कूल के शिक्षकों के सहयोग से दिसंबर, 2016 के दौरान दिल्ली पब्लिक स्कूल, द्वारका, दिल्ली में ''पहले 6 वर्षों के दौरान शारीरिक और प्रेरक विकासः उपलब्धियां और निहितार्थ'' पर व्याख्यान का आयोजन किया।

नियुक्तियों का विवरण

विभिन्न संगठनों जैसे कि आरोहण, फ्री पाठशाला, गो बेयरफूट, मैश परियोजना समूह, फ्लाईविंग्स स्टिम्यूलेअर, 24 एलाईफ, मायरस सॉल्यूशंस, इन्टरशाला टीच फॉर इंडिया और अमेरिकन एक्सप्रेस ने नियुक्तियों के लिए छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए अपने उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। हेरिटेज, प्रेसिडियम, लीड स्कूल, टीचर सिटी, डीपीएस आदि कई स्कूलों ने भी नियुक्तियों के लिए संस्थान का दौरा किया। कई बी.ईएल.एड. विद्यार्थियों को शिक्षण पदों के लिए दिल्ली स्कूल द्वारा चुना गया। स्क्रीनिंग प्रक्रिया प्रगति पर है। नौ छात्रों को अब तक रखा जा चुका है। डॉ. शिखा शर्मा नुट्रीहेथ, इनक्लेन और वीएलसीसी द्वारा खाद्य और पोषण एम.ए.सी विद्यार्थियों के लिए अप्रैल 2016 में परिसर में नियुक्ति ड्राइव का आयोजित किया गया। बीस छात्रों को वीएलसीसी (6), डॉ शिखा शर्मा न्यूट्रीहेल्थ (9) और इनक्लिन (5) में डाइटीशियन के रूप में नौकरी की पेशकश की गई।
इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को, इशी खोसला होल फूड्स (1), सेंटर फॉर क्रोनिक डिसीज कंट्रोल (1), सोशल डेवलपमेंट एंड प्रमोशन सेंटर, नेपाल (1), आईएलएसआई–इंडिया (2), दिल्ली यूनिवर्सिटी (1) और गोगिया केमिकल इंडस्ट्रीज (1) द्वारा परिसर में नियुक्ति के माध्यम से भी नियुक्त किया गया।
कॉलेज ने अल्प सुविधा प्राप्त महिलाओं और लड़कियों के लिए अवशिष्ट कपड़े, रबर बैंड, झुमके, हाथ बैंड आदि से रचनात्मक सामान बनाने का कौशल प्रदान करके उन्हें रोजगार प्रदान करने के लिए एक परियोजना, ''संरचना'' की शुरुआत की है। इन उत्पादों को बिक्री के लिए कॉलेज के विभिन्न उत्सवों में प्रदर्शित किया गया।
कॉलेज से एनएसएस यूनिट के लगभग 100 स्वयंसेवकों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया जिसमें समुदाय, बाजार, मेट्रो स्टेशन, एनजीओ, स्कूल और कॉलेज के छात्रों के साथ काम करना शामिल था। सार्वजनिक स्थानों की सफाई के लिए आम जनता को प्रेरित करने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा और एकता सप्ताह भी आयोजित की गईं।

डिजिटल भुगतान को अपनाने के लिए निकटवर्ती बाजारों के दुकानदारों को शिक्षित और प्रवृत्त करने के लिए विसाका अभियान का आयोजन किया गया। एनएसएस यूनिट ने छात्रों और समुदाय के अन्य लोगों के लिए बनाए गए मतदाता कार्ड प्राप्त करने के लिए चुनाव कार्यालय के लिए फोरम के रूप में कार्य किया। मानव विकास विभाग के मार्गदर्शन के अंतर्गत कॉलेज द्वारा एक प्रयोगशाला खेल विद्यालय, आरंभिस शुरू की गई जिसमें बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज में पर्याप्त बुनियादी ढांचे और पाठ्य/संदर्भ पुस्तकें, पत्रिका, थीसिस और सामयिकी आदि 25,000 से अधिक संदर्भ सामग्रियों के एक समृद्ध संग्रह के साथ पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय है। कॉलेज लगभग 40 राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और दिल्ली विश्वविद्यालय की पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। पुस्तकों के संचलन के लिए स्मार्ट कार्ड और स्कैनर के साथ बार कोड सिस्टम का इस्तेमाल किया जाता है। पुस्तकालय में पुस्तकों के स्थान का पता लगाने और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंच के लिए छात्रों के लिए लैपटॉप उपलब्ध हैं।

संकाय की संख्या

स्थायी – 47

तदर्थ – 56

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान – 16.11 करोड़ रुपए

उपयोग किया गया –15.41 करोड़ रुपए

कॉलेज ने शैक्षणिक सत्र 2017–18 से दो नए पाठ्यक्रम अर्थात् बी.एस.सी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी और बी.ए. (ऑनर्स.) पत्रकारिता शुरू किए।

***

मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएचबीएएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

आईएचबीएएस एक शीर्ष तंत्रिका–मनोविकार संस्थान के रूप में समुदाय के लिए अस्पताल आधारित देखभाल से परे रोगी देखभाल सेवाओं का विस्तार करने के लिए लगातार काम कर रहा है। यह कार्य दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में सामुदायिक आउटरीच सेवाओं के माध्यम से विभिन्न हितधारकों की भागीदारी को सुगम बनाने के लिए एनजीओ, उपयोगकर्ता और देखभाल समूहों, आरडब्लूए और संवेदीकरण कार्यक्रमों के साथ सक्रिय संपर्क से किया गया है। इसके अतिरिक्त न्यूरोसाइकैट्रिक बीमारियों की रोकथाम और सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं से सामुदायिक उन्मुख कार्यक्रम और स्कूल के बच्चों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता, कार्यशालाओं, संगोष्ठी जैसे कार्यक्रम आयोजित किये गए।

यह वर्ष आईएचबीएएस के लिए पुरस्कारों का वर्ष था, संस्थान को इस साल प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय *"रोज पारसल्सस"* पुरस्कार और *स्कोच* पुरस्कार मिला। आईएचबीएएस को दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन द्वारा शुरू की गई एक पहल, कायाकल्प में सांत्वना पुरस्कार मिला।

7 फरवरी, 2017 को महिलाओं के लिए सक्षम ए और पुरुषों के लिए सक्षम बी के नाम से दो आधे रास्ते के घर/लंबे समय तक रहने वाले घर खोले गए। अस्पताल के परिसर में सरकार द्वारा चलाया जाने वाला यह पहला घर

है जो यह सुनिश्चित करेगा कि रोगियों की उपेक्षा नहीं की गई है। अक्टूबर 2016 में आईएचबीएएस में मरीजों के लाभ के लिए दिल्ली स्टेट लीगल क्लिनिक नामक एक अनूठी पहल का उद्घाटन हुआ। 1 जुलाई, 2016 को युवाओं की नशे के लत छुड़ाने के लिए पांच बेड जोड़ दिए गए हैं। शैक्षणिक वर्ष 2017–18 से एमडी मनोचिकित्सीय सीटों को 04 से बढ़ा कर 08 कर दिया जाएगा।

प्रकाशन

पी. सिन्हा, एन. जी. देसाई, ओ. प्रकाश, एस. कुशवाहा, सी.बी. त्रिपाठी, (2017). अल्जाइमर–प्रकार के मनोभ्रंश और मनोविकृति में देखभाल करने वाले का बोझः भारत से तुलनात्मक अध्ययन। मनोरोगों की एशियन पत्रिका, 26, 86–91

एम. गौरी–देवी, आर. गुप्ता, वी. शर्मा, वी. परदासानी, एस. माहेश्वरी, (2017) प्रश्नावली का उपयोग करते हुए भारत में एमीट्रोफिक पार्श्व स्केलेरोसिस के रोगियों में मृत्यु की इच्छा पर एक अंतर्दृष्टि। न्यूरोलॉजी भारत, 65(1), 46–51.

डी. के. झा, एम. चतुर्वेदी, एम. जैन, ए. आर्य, एस. कुशवाहा, (2016). अटलांटो–ओसीपिटल डिस्लोकेक्शन का विलंबित प्रस्तुतीकरण जिसमें निदान संबंधी चुनौती के साथ जुड़ी हुई हड्डियों (एओडीएफ) के फ्रैक्चरः दो मामलों की रिपोर्ट। न्यूरोट्रामा की भारतीय पत्रिका, 13, 124–127.

डी. के. झा, पी. पांडे, एम. के. जैन, ए. आर्य, एस. कुशवाहा, आर. कुमारी, (2016). पीछे के दृष्टिकोण के माध्यम से लंबर और लम्ब्रोसैक्रल रीढ़ की सर्जरी में स्पाइनल स्तरीय स्थानीयकरण के नैदानिक तरीके। स्पाइनल सर्जरी की पत्रिका, 3(2), 1–6.

डी. के. झा, ए. ठाकुर, सी. बी. त्रिपाठी, एम. जैन, आर. कुमारी, एम. चतुर्वेदी, ए. आर्य, (2016). उत्तर भारतीय जनसंख्या में ऊपरी वायुमार्ग आयामः लैरीगोस्कोप ब्लेड की उचित लंबाई के लिए एक संभावित गाइड। न्यूरोट्रामा की भारतीय पत्रिका, 13, 88–93.

टार. मिश्रा, एस. के. कर, पी. गोयल, डी. कुमार, यू. के. सिन्हा, एस. के. गुप्ता, (2016). एक किशोर लड़के में लिंग पहचान विकारः बचपन के प्रतिकूल अनुभव की एक विशेषता। बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य के भारतीय एसोसिएशन की पत्रिका,12(4), 336–344.

सी. बी त्रिपाठी, आर. कुमार, आर. सी. शर्मा, आर. अग्रवाल,(2016). पैबोन लास्सो मॉडल का उपयोग कर एक तृतीयक देखभाल में सेवा के प्रदर्शन का मूल्यांकन। चिकित्सा विज्ञान की एशियाई पत्रिका, 7(6), 69–74.

वी. गौतम, आर. गुप्ता, सीएनएस ट्यूबरकुलोसिसः नैदानिक चुनौतियां और हाल के प्रयोगशाला जांच की समीक्षा। चिकित्सा विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(1), 56–61.

आई. पंत, एस. चतुर्वेदी, वी.के. गौतम, पी. पांडे, आर. कुमारी, (2016). सेरेबेलपोन्टाइन एंगल में अतिरिक्त–अक्षीय मेडुलोब्लास्टोमाः साहित्य की समीक्षा के साथ एक दुर्लभ इकाई की रिपोर्ट। बाल तंत्रिका विज्ञान की पत्रिका, 11(4), 331–334.

ए. गुप्ता, एस. मिर्जा, एस. खुराना, आर. सिंह, एस. चतुर्वेदी, बी. सिंह, रहस्यपूर्ण कमजोर डी एंटीजनः पूर्वी दिल्ली के तृतीयक देखभाल अस्पताल में एक अनुभव। क्लीनिकल निदान अनुसंधान की पत्रिका,10(6), 12–15.

एस. शर्मा, एफ. तबस्सुम, एस. खुराना, के. कपूर, (2016). *भारत में दवा सुरक्षा के प्रति अगली पंक्ति के श्रमिकों की धारणा औषध सुरक्षा में चिकित्सीय प्रगति*,1–13ए जारी करने की तारीखः10.1177/ 2042098616665290

के. सरबजीत, एस. श्वेता, भारत का राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमः इतिहास की समीक्षा और वर्तमान परिदृश्य। सामुदायिक चिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 3(10), 2696–2704.. जारी करने की तारीखःhttp://dx.doi.org/10.18203/2394-6040.ijcmph20163191

अनुसंधान परियोजनाएं

न्यूरोलॉजी विभाग (सितंबर 2016): न्यूरोलॉजी के विश्व संघ (डब्लूएफएन) की परियोजना – मस्तिष्क को बचाना– सामान्य चिकित्सकों, स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों और समुदाय में थ्रोम्बोलिसिस (तीव्र स्ट्रोक प्रबंधन) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रस्ताव को पूरा किया गया।

पेटेंट दायर /स्वीकृत

डी के झाः

शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए लकड़ी के स्पाइनल मॉडल। पेटेंट कार्यालय पत्रिका, आवेदन संख्या।201711007374 ए,प्रकाशन तिथिः 24/03/2017.

रीढ़ की हड्डी में शल्य चिकित्सा के लिए एकल ब्लेड प्रत्यागामी। पेटेंट कार्यालय पत्रिका। 1 जून 2016 को दायर, आवेदन संख्या.210611018817, प्रकाशन तिथिः 10/06/2016

पूर्वकाल सरवाइकल विच्छेदन के लिए एकल ब्लेड वर्टेब्रल स्प्रेडर। पेटेंट कार्यालय पत्रिका। (17.08.2016 को दायर, आवेदन संख्या. 201611027957 ए, प्रकाशन तिथिः 02.09.2016

विस्तार और पहुँच कार्य

आईएचबीएएस, 1993 में स्थापना के बाद से, सर्वोच्च न्यूरोसाइक्याट्री संस्थान के रूप में अस्पताल आधारित समुदाय के समक्ष रोगी देखभाल सेवाओं को विस्तारित करने के लिए प्रेरित हुआ। आईएचबीएएस द्वारा विभिन्न प्रकार की समुदाय आधारित पहलें की जा रही हैः

जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक आउटरीच सेवाएंः
बेघर जनसंख्या के लिए सामुदायिक आउटरीच पहल
सामुदायिक जागरूकता गतिविधियाँ
उपयोगकर्ता और देखभाल समूह के साथ संपर्क
आईएचबीएएस में रोगी के समुदायीकरण के प्रयास
मोबाइल मानसिक स्वास्थ्य इकाई (एमएमएचयू)

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय एवं सूचना केंद्र संस्थान की शैक्षिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान की शिक्षा और उन्नति को सक्षम करता है। पुस्तकालय ने पुस्तकों, पत्रिकाओं, मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरोसाइंस के क्षेत्र में वार्षिक रिपोर्ट का एक अद्यतन संग्रह विकसित किया है। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर लगभग 279 नए शीर्षक शामिल किए गए थे और वर्ष के दौरान 144 वैज्ञानिक पत्रिकाओं (85 विदेशी और 46 भारतीय) की सदस्यता ली गई थी। वर्ष के दौरान उपयोगकर्ताओं को सुविधा प्रदान करने के लिए ग्लोबल सदस्यता के अंतर्गत डब्ल्यूएचओ संसाधन (प्रिंट) की भी सदस्यता ली गई है। लाइब्रेरी और सूचना केंद्र ने 1998 से 2017 तक 17 ई–पत्रिकाओं की श्रृंखला और पाँच ई–पुस्तकों की श्रृंखला के साथ कारगर ई–संसाधन पैकेज की सदस्यता ली ।

संकाय की संख्या – 38

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान – 9000.00 लाख रुपए

उपयोग किया गया – 7784.21 लाख रुपए

***

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज एक ऐसा कॉलेज है, जो अपने छात्रों के लिए जीवन विशिष्ट और बड़े पैमाने पर समाज के लिए एक उत्कृष्ट संसाधन आधार बनाने का प्रयास करता है। 1959 में प्रसिद्ध गांधीवादी श्री बृज कृष्ण चंडीवली ने अपनी माता श्रीमती जानकी देवी की याद में महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज की स्थापना की थी। बदलते वैश्विक परिदृश्य को ध्यान में रखकर, कॉलेज ने अपनी प्राथमिकताओं और दृष्टिकोण को बदल दिया है जो सिलेबाई और पाठ्यक्रम में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। संकाय सदस्यों और कैरियर काउंसिलिंग सेल के लिए एक शोध सुविधा बनाई गई है जिसमें लगभग 10 कंप्यूटर और प्रिंटर है। कॉलेज का पर्यावरण क्लब अवनि जीओओएनजे के लिए राहत सामग्री इकट्ठा करने में शामिल था और स्थानीय परिषद के कार्यालय तक स्वच्छता मार्च में भाग लिया। जेडीएमसी एक ई–कचरा संग्रह केंद्र बन गया है, जो पड़ोस में एकमात्र संगठन है। जीएससी–जेडीएमसी को यह घोषणा करते हुए खुशी है कि पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट, ओस्लो, दुनिया में शांति और संघर्ष संकल्प अध्ययन में लगे प्रमुख संस्थानों में से एक ने जीएसएमसी–जेडीएमसी शांति और संघर्ष अध्ययन पाठ्यक्रम में नामांकित एक विद्यार्थी को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय समर स्कूल के लिए 24 जून से ओस्लो विश्वविद्यालय में नॉर्वे में प्रायोजित करने की पेशकश की है।

सम्मान/विशेष योग्यता

कालेज ने अपनी हरित प्रथाओं के लिए डब्ल्यूएजीई (रोजगार सृजन करने वाली महिला एजेंसी) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रशंसा प्राप्त की है और 8 मार्च 2017 को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त कैंपस के लिए ''ग्रीन कैंपस अवार्ड'' से सम्मानित किया गया ।

डॉ. स्वाती पाल को डब्ल्यूएजीई द्वारा लिंग विकास के अलावा शैक्षिक नियोजन और प्रशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

डॉ. दीपशिखा शाही को कोट हैम्बर्गर कालेज, डुइसबर्ग–एसेन विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा पोस्ट–डाक्टरेट अनुसंधान अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया।

डॉ राजश्री चंद्र को सितंबर 2016 में लॉ सोसायटी एसोसिएशन, अमरीका द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोगात्मक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. सौम्या गुप्ता ने एशियाई अध्ययन संघ –एशिया सम्मेलन, सियोल, ''बियॉन्ड बॉर्डर्स एंड बाउंड्रीज'' में भाग लेने के लिए चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट रिसर्च ग्रांट, 2017 और एशियाई अध्ययन संघ अनुदान प्राप्त किया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

एआईसीबी में आयोजित प्रतियोगिता में चार छात्रों को एक–एक लैपटॉप मिला है। दस विद्यार्थियों को वाइस चांसलर्स फंड दिल्ली, विश्वविद्यालय, हेल्प द ब्लाइंड फाउंडेशन (चेन्नई) और दो यूपी सरकार से छात्रवृत्तियां प्राप्त हुई।

नेहा चौधरी बीए(ऑनर्स) गणित द्वितीय वर्ष ने अपने अकादमिक रिकॉर्ड के लिए गुड ईयर मेरिट छात्रवृत्ति प्राप्त की।

शैलका बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास प्रथम वर्ष को शिक्षा निदेशालय, दिल्ली के एनसीटी सरकार से 2016 में ''शिक्षा में उत्कृष्टता पुरस्कार'' प्राप्त किया।

अमृत, बी.ए.(ऑनर्स) अंग्रेजी तृतीय वर्ष ने राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में कराटे में स्वर्ण पदक जीता।

आकांक्षा वर्मा, बी.ए.(ऑनर्स.) अंग्रेजी द्वितीय वर्ष ने लगातार दो वर्षों के लिए हेरोक्स इंटरनेशनल कम्पीटीशन (आलेख लेखन) में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इन पत्रों पर काम करने के लिए उन्होंने आईआईटी हैदराबाद के सौरभ हंस के साथ मिलकर काम किया।

श्रुति प्रधान बी.ए.(ऑनर्स.) समाजविज्ञान तृतीय वर्ष टीईआरआई के सहयोग से यूनेस्को द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम ''सतत विकास नेतृत्व प्रशिक्षण के लिए शिक्षा'' के लिए चयनित हुई और भाग लिया। उसने प्रौढ़ और बाल शिक्षा अनुसंधान (आरएसीई) ओडिशा द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण कॉम्प्लेक्स, कोपेनहेगन, डेनमार्क में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय युवा नेतृत्व प्रशिक्षण और सशक्तिकरण कार्यक्रम (आईवाईएलटीईपी) में भी भाग लिया।

निमशा देवी, बी.कॉम (प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष ने विभिन्न अंतर–कॉलेज प्रतियोगिताओं में अपने शास्त्रीय ओडिसी नृत्य प्रदर्शन के लिए एक दर्जन से भी अधिक पुरस्कार जीते।

प्रकाशन कुल– 85

अरोड़ा, पी. (2016) संगीतकार के संगीत संकाय और पर्यावरण वागेश्वरी – संगीत और ललित कला संकाय की पत्रिका, दिल्ली विश्वविद्यालय आईएसएसएन 0975–7872

चंद्र, आर. (2016)। कानून (में) बदलाव को समझनाः नियामगिरी मामला भारतीय समाजशास्त्र को योगदान, 50 (2) जारी करने की तारीखः [10.1177/0069966716635395](https://doi.org/10.1177/0069966716635395)

खुशी, बी. दे., डी., कुमार, एम. और दास, बी. (2016) कुपी–नीव हैश फंक्शन। शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित की इतालवी पत्रिका।

मेघा, एम. (2016)। औपनिवेशिक काल में महिलाओं और स्वास्थ्य देखभालः सीडीए (1860–19 40) का एक केंद्रित अध्ययन। इतिहास और संस्कृति अध्ययन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 2 (2) आईएसएसएन नंबरः 2349 0934

शाही, डी. (2016) पोस्ट–9/11 अफगानिस्तान में पोस्ट–सेक्युलर क्षण में शामिल होनाः एक मानवतावादी राजनीतिक प्रोक्ति की खोज। अंतर्राष्ट्रीय मामलों की कैम्ब्रिज समीक्षा, आईएसएसएनः 0955–7571

पुस्तकें:

चंद्र, आर. (2017) भारत में किसानों के अधिकारः वैश्विक रूप से सुई जेनेरिस। दक्षिण एशिया क्रोनिकल, फोकसः प्रकरण में कानूनः भारत के लिए केस अध्ययन।

एस. गुप्ता, सी. कुमार और एल. राइमी, (2017) वैश्विक राजनीति को समझना। *ज्ञान विश्व।*

पी. नागपाल (2016) *विलियम शेक्सपियर के मैकबेथ।* नई दिल्लीःवर्ल्डव्यू प्रकाशन, आईएसबीएनः978–93–82267–23–2.

आर. शर्मा, (2016) मृच्छकटिक के स्त्रीपात्र। ''संस्कृत साहित्य परिशीलनम–दिल्ली संस्कृत अकादमी, आईएसबीएनः–978–93–83636–14–3

डी.शाही, (2017) पोस्ट9/11 के पश्चात् अफगानिस्तान को समझना : हनटिंगटन के सभ्यतावादी दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि। *ई अंतर्राष्ट्रीय रिलेशन्स पब्लिशिंग,* ब्रिस्टलः ब्रिटेन 2017, आईएसबीएन 978–1–910814–25–3 (पेपरबैक) आईएसबीएन 978–1 9 –10814–26–0 (ई–बुक)

संपादक /संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य करने वाले शिक्षक – 03

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ सौम्य गुप्ता, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) और विज्ञान को बढ़ावा देने वाली जापानी सोसायटी फॉर(जेएसपीएस, दक्षिण एशिया में खाद्य और शरीर के विचारों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाः कुकबुक्स के विश्लेषणों में वर्तमान में मध्यकालीन टाइम्स का निर्माण होता है।

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

संगोष्ठी, जापान में त्सुरु विश्वविद्यालय, प्रोफेसर इको ओहिरा द्वारा ''अंग्रेजी में महिलाओं के लेखन में लिंग''
संगोष्ठी, कोलंबिया विश्वविद्यालय में दर्शन के सिडनी मोर्गेनबेसेर प्रोफेसर प्रो अकील बिल्ग्राम की, ''क्या कोई भारतीय धर्म निरपेक्षता है?''
संगोष्ठी, 29 सितंबर, 2016 को आयोजित श्री बेजवाडा विल्सन, मैगसेसे अवार्डी द्वारा ''मैनुअल स्कॅवेन्गिंग के संघर्ष''
27 सितंबर, 2016 को व्याख्यान श्रृंखलाः प्रोफेसर आदित्य भट्टाचार्य (दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स) विषय ''प्रतियोगिता नीति के अर्थशास्त्र'' पर, डॉ. रजत कथुरिया (निदेशक और मुख्य कार्यकारी, आईसीआरआईईआर) ''वॉयस से डाटा, द रिवॅाल्यूशन विद इन'' विषय पर. डॉ. फरजाना अफरीदी (भारतीय सांख्यिकी संस्थान) विषय पर ''महिला श्रम बल भागीदारी भारत में क्यों घट रही है।''
डॉ. विजया नाथ स्मारक व्याख्यान, प्रो विनय श्रीवास्तव द्वारा ''जाति व्यवस्था'' 27 अक्टूबर, 2016 को आयोजित।

आयोजित सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कॉलेज में आयोजित ''प्रवासी साहित्यः भाव और विचार''
इतिहास विभाग, गांधी स्मृति और दर्शन समिति (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय) के सहयोग से, 27 मार्च 2017 को ''भारतीय संस्कृति की गतिशीलताः बा और बापू पर विशेष जोर देने वाला विगत, वर्तमान और भविष्य'' एक दिन के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।
भारतीय दर्शनशास्त्र परिषद के तत्वावधान के अंतर्गत दर्शन विभाग ने तीन दिन का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया, ''पूर्वोत्तर की जनजातियां : तलाश, पहचान, संस्कृति, राजनीति और दर्शन'' 9 से 11 मार्च 2017 के दौरान।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

16 मार्च, 2016 को संगीत और ललित कला संकाय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी समारोह में प्रेरणा अरोड़ा ने एक शोधपत्र प्रस्तुत किया,
''भारतीय संगीत में प्रदर्शन प्रैक्टिसिंग का परिदृश्य बदलना''

रुचिका भाटिया ने ''एक ग्राफिक उपन्यास में जाति और लिंग स्थान पर पुनःवार्तालापः बंजर भूमि में एक माली का अध्ययनः ज्योतिबा फुले का मुक्ति के लिए संघर्ष'', दक्षिण एशियाई अध्ययन, वॉर्साय विश्वविद्यालय, पोलैंड में आयोजित 24 वें यूरोपीय सम्मेलन में 27 से 30 जुलाई, 2016 के दौरान एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सौम्य गुप्ता ने फिट्जविलियम कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज में 6 से 8 अप्रैल, 2016 के दौरान आयोजित ब्रिटिश एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन, ''राष्ट्र और इसकी रसोई हिंदी व्यंजन विधि पुस्तिकाओं से आहारशास्त्र का निर्देश'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

जून 2016 में आयोजित स्टॉकहोम के इंटरनेशनल फेडरेशन थियेटर रिसर्च में इंदु जैन ने ''परंपरागत प्रतिनिधित्व विरासत का विचार और वार्ताः अनमिका हक्सरकी अंतर यात्रा'' नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
मृदुल मेघा ने 6 से 8 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित आईसीटीसीईएसएस 2017– चौथा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और सामाजिक विज्ञान सम्मेलन, इस्तांबुल, तुर्की में ''शारीरिक राजनीतिः औपनिवेशिक कामुकता, स्वास्थ्य और स्वच्छता में (1860–1930)'' एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
पूजा पाल ने हरारे में 16 से 20 जनवरी 2017 के दौरान आयोजित समकालीन ग्लोबल साउथ में श्रम सवाल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''1990 के उत्तरार्ध से भारत की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षाः निर्माण क्षेत्र में कल्याण बोर्ड का विश्लेषण'' एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
नैयर आजम ने अरब सांस्कृतिक केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 15 से 16 दिसम्बर, 2016को आयोजित ''भारत में इस्लामः राजनीति, समाज और संस्कृति'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''अलीगढ़ आंदोलन और सर सैयद अहमद डॉ खान में मुस्लिम महिला व्याख्या'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राहुल के. मौर्य ने 18 और 19 जनवरी, 2017 के दौरान उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आयोजित ''एल्विन आई गोल्डमैन के योगदान के लिए विशेष संदर्भ के साथ समकालीन ज्ञानमीमांसा मुद्दे'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''कारण, सत्य और ज्ञान'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सीमा शर्मा द्वारा जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय (20 जुलाई–9 अगस्त, 2016) यू.जी.सी. – मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम आपदा प्रबंधन (अंतर्विभागीय) पेपर प्रस्तुति : हिन्दी सिनेमा में अभिव्यक्त आपदा का स्वरूप।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

अनुवाद में सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए भारतीय अनुवाद परिषद के साथ मिलकर काम किया।

9 से 11 मार्च, 2017 के दौरान भारतीय दर्शनशास्त्र अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर) के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, ''पूर्वोत्तर जनजातियांः तलाश, पहचान, संस्कृति, राजनीति और दर्शन'' का आयोजन किया गया।

27 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित गांधी स्मृति और दर्शन समिति के साथ मिलकर ''भारतीय संस्कृति की गतिशीलताः बा और बापू पर विशेष जोर देने के साथ अतीत, वर्तमान और भविष्य'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

नियुक्ति का विवरण

नियुक्त छात्र – 132 (55 प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां– 06

(कॉन्सट्रिक्स, ऐन हेविट, जेनपैक्ट, ईवाई, यूनिवर्सल डेटा सॉल्यूशंस और एफआईएस ग्लोबल सर्विसेज इन्ड प्राइवेट लिमिटेड)

विस्तार और पहुंच गतिविधियां

लिंग संवेदनशीलता, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण संवर्धन के क्षेत्रों में विस्तार और पहुंच सोसाइटी का जोर था।

जेडीएमएम ने अपने छात्रों में साथी मनुष्यों के प्रति जिम्मेदारी, मानवीय रवैया और संवेदनशीलता विकसित करने के लिए इन मुद्दों में और आसपास के विभिन्न गतिविधियां कीं। इनमें से कुछ हैंः

एनएसएस ने 21 जून 2016 को कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया और हमारे पांच स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय में आयोजित शिविर में भाग लिया। एनएसएस यूनिट ने अवनी के स्वयंसेवकों के साथ एक मार्च का आयोजन किया और छात्रों और जनता के बीच बड़े पैमाने पर स्वच्छता की भावना पैदा करने के लिए स्थानीय विधायक के कार्यालय का दौरा किया। छात्रों में हेडफोन के साथ सड़कों पर चलने ड्राइविंग के दौरान सीट बेल्ट और हेलमेट नहीं पहने के प्रति खतरों जिम्मेदारी की भावना पैदा करने के लिए ट्रैक्स के सहयोग से, सड़क सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

16 अगस्त से 1 सितंबर 2016 तक कॉलेज में स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया था और स्वयंसेवकों ने कॉलेज को ही नहीं बल्कि कॉलेज के चारों ओर के आसपास के इलाकों को साफ करने में भी हिस्सा लिया। 28 सितंबर 2016 को रक्त संपर्क और डीडीयू अस्पताल के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। लगभग 50 छात्रों ने रक्त दान किया मैराथन पर चलने वाले विकलांग छात्रों के स्कूलों में कैंसर और सलवान मैराथन के बारे में जागरूकता बनाने के लिए बीएलके अस्पताल द्वारा आयोजित गुलाबी मैराथन में छात्र स्वयंसेवकों ने भाग लिया। सालवन मैराथन में भागीदारी एनएसएस सेल की एक नियमित विशेषता है। एनएसएस और एनसीसी के स्वयंसेवकों ने एमएचआरडी के विशाका अभियान में भाग लिया। छात्र भुगतान के डिजिटल मोड के बारे में केवल प्रबुद्ध और जागरूक ही नहीं हुए हैं, बल्कि भुगतान के डिजिटल मोड के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न बाजारों, गैर सरकारी संगठनों, पड़ोस की झुग्गियों का भी दौरा किया है।

दो स्वयंसेवकों शिवानी चौहान और कृतिका धूलिवाल को कॉलेजका एसवेईपी राजदूत नियुक्त किया गया है और छात्रों, शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों ने समान रूप से 25 जनवरी, 2017 को एक मतदाता प्रतिज्ञा ली गई है।

पुस्तकालय विकास
कॉलेज में पर्याप्त बुनियादी ढांचे के साथ एक पूर्ण कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय है और पाठ्य/संदर्भ पुस्तकें, पत्रिकाओं, थीसिस और पत्रिकाओं के रूप में 1273 से अधिक संदर्भ सामग्रियों का एक समृद्ध संग्रह है। कॉलेज लगभग इकहत्तर पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। पुस्तकों के संचालन के लिए स्मार्ट कार्ड और स्कैनर के साथ एक बार कोड सिस्टम का इस्तेमाल किया जाता है। पुस्तकालय में पुस्तकों के स्थान का पता लगाने और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंचने के लिए छात्रों के लिए लैपटॉप उपलब्ध कराए गए हैं। ई–संसाधनः इन्फ्लिबनेट के माध्यम से विश्लेषक डेटाबेस में सदस्यता भी है।

संकाय की संख्या
स्थायी – 78
तदर्थ – 77

वित्तीय आवंटन और उपयोग
स्वीकृत अनुदान – 28.61 करोड़ रुपए।
उपयोग – 28.21 करोड़ रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
छात्रों के आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत, प्रशिया घोष ने पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी ओस्लो द्वारा जून और अगस्त 2017 के महीनों के दौरान प्रायोजित पीस एंड कॉन्फ्लिक्ट स्टडीज सर्टिफिकेट कोर्स में भाग लिया था। इस कॉलेज ने ''वृक्ष गणना और लेबलिंग'' परियोजना का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य परिसर की वनस्पतियों की संख्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसकी महत्ता समझाने के प्रयास में छात्रों को कॉलेज परिसर में मौजूद सभी पेड़ों की पहचान कराना था। इस छोटी सी पहल पहले ''ग्रीन ऑडिट'' के लिए लॉन्च पैड बन गई, जो विभिन्न संकाय और अवनी– द पर्यावरण क्लब के छात्रों की मदद से सह–आयोजित हुई थी।
कॉलेज के कैंटीन को पूरी तरह से पुनर्निर्मित और पुनःसज्जित किया गया है और यह अब एक आकर्षक और आरामदायक जगह है, जहां एक नया कैटरर पौष्टिक भोजन प्रदान करता है
अवनी ने कॉलेज की ग्रीन ऑडिट पूरी कर ली है। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) टीम ने रक्तदान शिविरों का आयोजन किया, छात्रों और जनता के बीच स्वच्छता की भावना पैदा करने के लिए स्वच्छता पाखवाड़ा में भाग लिया, स्थानीय विधायक के कार्यालय का दौरा किया।

***

जीसस एण्ड मैरी कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

कॉलेज ने वर्ष 2016–17 के दौरान शिक्षा खेल शैक्षणिक सामाजिक गतिविधियों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया। दिनांक 7 फरवरी 2014को नोबल पुरस्कार विजेता दलाई लामा जी का आगमन कॉलेज की एक मुख्य उपलब्धि रहा। दलाई लामा जी ने ''दया सहानुभूति व सार्वभौमिक जिम्मेदारी'' का संदेश लेकर विद्यार्थियों और स्टाफ के एक बड़े समूह का मार्गदर्शन किया, जिसके बाद एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। 29 जुलाई 2016 को जेएमसी के अंतर्राष्ट्रीय ई–जनरल– जेएमसी समीक्षाःआलोचना कर एक अंतःविषयक सामाजिक

विज्ञान पत्रिका, व्यवहार एवं सिद्धांत का उद्घाटन कॉलेज द्वारा शिक्षा व शैक्षणिक क्षेत्र में किए गए अथक प्रयास का एक नमूना है।

सम्मान / विशिष्टताएं

डॉ रेनी थॉमस को अमेरिकन एकेडमी ऑफ रिलिजन न्यूयॉर्क द्वारा आयुध पूजाः मशीन,परंपरा और धर्म के क्षेत्र में शोध के लिए अंतर्राष्ट्रीय शोध अनुदान प्रदान किया गया।

डॉ. रेनी थॉमस, समाजशास्त्र, न्यूयार्क, संयुक्त राज्य अमेरिका (2016–17) के समाजशास्त्र के लिए एसोसिएशन के सदस्य बने।

विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

अनन्या पटनायक समाजशास्त्र को बेस्ट जर्नलिस्ट का अवार्ड दिया गया।

समाजशास्त्र विभाग की तीरथा इसका को 2016 में आयोजित इजिप्ट के अंतर्राष्ट्रीय खेलों में 2016–17 का विशिष्ट खिलाडी माना गया।

एनसीसी, सार्जेंट श्रुति को एनसीसी राष्ट्रीय खेल, 2016 में दिल्ली बास्केटबॉल टीम में चुना गया।

प्रकाशन

आर मारवाह (2016). प्रापिन मनोमाइवतबूल एवं चिह में नेपाल व श्रीलंका के परिप्रेक्ष्य –यू शिह संबंध। बैकाकः एशिया रिसर्च सेंटर ,(पृष्ठ 717100) थाईलैंडः चहलालोंगकार्न विश्वविद्यालय।

डॉ. एम ए नंदी (2016). ग्रामीण भारत में खतरे उठाने और उपभोग को आसान बनाने में माइक्रो ऋण की भूमिका। माइक्रोफाइनेन्स समीक्षा,*8*(2), 67-82.

एस मुखर्जी,एस रामा स्वामी (2016). तुलनात्मक राजनीति का सैद्धांतिक आधार। हैदराबायेंट ब्लैकस्वान, आईएसबीएन:978-93-86296-30-6

आर थॉमस (2016)। धार्मिक होने, वैज्ञानिक होने के नातेः समकालीन भारत में विज्ञान धर्म और नास्तिक विज्ञान। यफ्टेक फेहगे (संपा.) विज्ञान एवं धर्मः पूर्व और पश्चिम लंदनः रूटलेज आईएसबीएनः978113866813-3

आयोजित संगोष्ठियां / कार्यशालाएं

अंतर्राष्ट्रीय

''भारत– ब्रिटेन के संबंध'' पर 24 मार्च 2017 को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता थे श्री हाना कॉकबर्न, राजनीतिक एवं द्विपक्षीय मुद्दों के उच्चायुक्त, नई दिल्ली।

18 अप्रैल 2017 को ''इकोनॉमिक्स सर्वे''पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

व्याख्यान श्रृंखला, 11 जनवरी 2017 को ''दक्षिण एशिया में आधुनिकता'' पर का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता थे एशियाई एवं अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, एल कोलेलियो डी मेक्सिको के प्रोफेसर श्री सौरभ दुबे।

राष्ट्रीय

यूजीसी राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''भारत के विकास में चुनौतियांः नई पीढ़ी के लिए विचार'' दिनांक 28 मार्च 2017 को आयोजित।

यूजीसी राष्ट्रीय संगोष्ठी, द स्ट्रेंजर्स केसः आउट राइडर्स, एलियन्स एवं अन्य'' अंग्रेजी विभाग द्वारा 13 अक्टूबर 2016 को आयोजित।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

नीलिमा चितगोटेकर द्वारा कीन विश्वविद्यालय, न्यू जर्सी, अमेरिका में जून 2016 में ''शिवाः अनिच्छुक पारिवारिक व्यक्ति'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया गया।

रेनी थॉमस ने यूनिवर्सिटी ऑफ मेनचेस्टर, अमेरिका में 2 जून 2017 को ''संघर्ष और पूरकता से परेः समकालीन भारत में विज्ञान और धर्म'' पर भाषण दिया।

ए मानी नंदी ने कोपनहेगन यूनिवर्सिटी में दिनांक 7 जुलाई से 9 जुलाई 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''खाद्य सुरक्षा व रोजगार सृजन में सूक्ष्म ऋण का अभिनव प्रयोगः भारत के तमिलनाडु राज्य से अम्मा उन्नाव के एक केस अध्ययन'' विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सुशीला रामा स्वामी ने पोजनान, पोलैंड में 23 जुलाई से 28 जुलाई 2016 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन (असमानता की एक दुनिया में राजनीति) के चौबीसवें वर्ल्ड कांग्रेस में ''भारत का शासन का संकटः महिलाओं के परिप्रेक्ष्य में, महिलाओं के लिए कोटा मेंः लिंग असमानता को कम करने के लिए एक विधि (आर.सी. 19.10)'' विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अमिता पालीवाल ने सेंट बीड कॉलेज, शिमला में 6 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2016 के बीच आयोजित एक संगोष्ठी में ''जैव–विविधताः वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की रणनीतियां'' पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रिचा राज ने पंजाब यूनिवर्सिटी पटियाला में 7–9 अक्टूबर 2016 में आयोजित चौथे दक्षिण एशियाई इतिहास के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''साम्राज्य को शिक्षित करने के विकल्पः पंजाब में औपनिवेशिक शिक्षा के लिए राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया का एक अध्ययन, 1890–19 30'' पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

के. ए. मोली ने सेल्सियन कॉलेज, सोनाडा दार्जिलिंग में 14–15 मार्च, 2017 को आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हमारी संस्कृति हमारी पहचानः हिमाचल प्रदेश के गद्दी जनजाति के जीवन में सांस्कृतिक पैटर्न का मिलान'' पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नीलिमा चिटगोपेकर ने विदेश मंत्रालय के सहयोग से जकार्ता इंडोनेशिया में जनवरी, 2017 में आयोजित एशियन सम्मेलन में ''डिजिटलाईजेशन के जरिए समन्वय निर्माण'' पर अपना शोधपत्र पढ़ा।

माया जॉन ने महिलाओं पर अध्ययन के भारतीय संघ द्वारा, 23 जनवरी, 2017 को चेन्नई में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वर्ग, समाज और शहरी बलात्कार की घटनाः समकालीन समय में अरक्षितता, भेद्यता, अभियोज्यता को समझना'' पर अपना शोधपत्र पढ़ा।

अमृता शास्त्री ने समाजशास्त्र विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर राजस्थान में 30 मार्च 2015 को आयोजित लैंगिक समानता और महिला अधिकारिताःआयाम, दिशायें और चुनौतियां पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''समकालीन समय में लिंगों की बदलती भूमिकाएं'' पर अपना शोधपत्र पढ़ा।

अन्य संस्थानों के साथ सहयोग

फोकस लर्निंग ग्रुप के साथ मिलकर ''कॉरपोरेट संचार और जन संपर्क'' पर एक नया पाठ्यक्रम शुरु किया गया।

फोकस लर्निंग ग्रुप के साथ मिलकर ''वित्तीय प्रबंधन'' पर एक नया पाठ्यक्रम शुरु किया गया।

आर के फिल्म और मीडिया एकेडमी के साथ मिलकर मीडिया अध्ययन पर एक नया पाठ्यक्रम शुरु किया गया।

एसईडीए (खेल शिक्षा विकास ऑस्ट्रेलिया) के साथ मिलकर ''खेल और इवेंट मैनेजमेंट'' पर एक नया पाठ्यक्रम शुरु किया गया।

नियुक्तियों का विवरण

75 कंपनियों ने भर्ती के लिए परिसर में दौरा किया और 73 विद्यार्थियों को नौकरी दी गई।

विस्तार और पहुंच गतिविधियाँ

इतिहास विभाग द्वारा 5 अप्रैल से 10 अप्रैल 2017 के बीच सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम चलाया गया।

8 मार्च 2017 को दक्षिण परिसर के कॉलेजों डब्ल्यूडीसी और महिला संस्थानों ने मिलकर महिला दिवस मनाया और इस अवसर पर एक पब्लिक कल्चरल मीटिंग का आयोजन किया गया।
फरवरी 2017 में राही फाउंडेशन द्वारा ''कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न की समस्याओं, और समस्याओं पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
एनएसएस द्वारा 24, 29 और 30 अगस्त 2016 को सफाई अभियान चलाया गया।

पुस्तकालय विकास
वर्ष 2016–17 के दौरान पुस्तकालय में 748 नई किताबें लाई गईं। वर्ष के दौरान 95 नई पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई, जिनमें से 79 राष्ट्रीय पत्रिकाएं और 16 विदेशी पत्रिकाएं थीं। पुस्तकालय में किताबों के कुल संग्रह में 53458 अर्थात् 47055 सामान्य किताबें + 4975 दान की गई किताबें + 1428 किताबों की वृद्धि हुई है। वर्ष के दौरान पुस्तकालय को एनसूची (आईएनएफएलआईबीएनईटी) में शामिल किया गया है, जिसमें उपयोगकर्ता 6000 ई–जर्नल व 97 हजार ई–पुस्तकों तक पहुंच सकते हैं। इस साल पुस्तकालय विकास का कुल बजट 11.22 लाख रखा गया है

संकाय की संख्या– 131
वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

गैर योजना के लिए स्वीकृत अनुदान–25.34 करोड़ रुपए।

उपयोग की गई राशि– 24.38 करोड़ रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

जेएमसी रिव्यू संस्थान की अपनी अंतःविभागीय संदर्भ ई–पत्रिका है, जिसे जीसस एण्ड मेरी कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली द्वारा प्रकाशित किया जाता है। यह आलोचना, व्यवहार और सिद्धांत की पत्रिका है। इसमें मानव विकास, संस्कृति अध्ययन, अर्थशास्त्र, शिक्षा, अंग्रेजी अध्यन, इतिहास, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, दर्शन, राजनीति, मनोविज्ञान व समाजशास्त्र शामिल है। इसका मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक विचारों के आदान प्रदान के लिए एक सांझा मंच प्रदान करना है।

***

कालिंदी कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

एनएएसी (राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद) द्वारा कॉलेज को ''ग्रेड ए'' के साथ मान्यता प्रदान की गई है। उत्तर–पूर्व में महिला उद्यमशीलता के आईबीएसडी–कालिंदी केंद्र और कालिंदी कॉलेज तथा उत्तर पूर्व केंद्र के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर मणिपुर की गवर्नर डॉ. नजमा ए हैपतुल्ला ने हस्ताक्षर किए थे। कॉलेज छब्बीस बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूरा करके अपने बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में सक्षम रहा है। संस्कृत, गणित, विज्ञान और पत्रकारिता विभागों द्वारा चार राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया गया। कॉलेज के अड़तालीस छात्र सौ प्रतिशत अंक हासिल कर चुके हैं और 625 छात्रों ने विभिन्न विभाग प्रश्नपत्रों में 95 प्रतिशत से 99.5 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित पांच नवाचार परियोजनाएं, 04 प्रमुख परियोजनाएं, 02 आईयूएसी और एनएएसआई द्वारा वित्त पोषित प्रत्येक परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। आईएसआर की पहल के अंतर्गत, कॉलेज के छात्रों ने पास के सरकारी विद्यालय के कक्षा बारहवीं के छात्रों की बोर्ड की परीक्षाओं की तैयारी में मदद की।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉक्टर अनुला मोरिया, कॉलेज की प्राचार्या को उनके द्वारा शैक्षणिक योजना प्रशासन व लैंगिक विकास क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2017 के अवसर पर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया।

डॉ आरती सिंह को दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा ''कॉलेज व्याख्याता 2015–16'' पुरस्कार दिया गया।

मिस अनुराधा कोटियाल को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री हरीश रावत द्वारा ''युवा मूर्ति अवार्ड'' दिया गया।

डॉ वंदना रानी ने प्रोग्राम नॉटिंगम विश्वविद्यालय ब्रिटेन से 2016 में जीव विज्ञान में उन्नत जिनोमिक और प्रोटियोमिक विज्ञान में अपनी मास्टर डिग्री पूरी की।

विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता की तापसी बंसल ने विश्वविद्यालय में पांचवां स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता की शुभ्रा शर्मा विश्वविद्यालय में आठवां स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता की हिमानी ने विश्वविद्यालय में ग्यारहवां स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता की निशा ने विश्वविद्यालय में बारहवां स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. की छात्रा पिंकी ने पहली टीआईए ओपेन अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया।

जीव विज्ञान में बी.ए. की छात्रा भारती कौशिक ने इंटर कॉलेज खेलों में गोल्ड मेडल प्राप्त किया

कला स्नातक छात्रा राखी ने दिल्ली राज्य जुडो प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया

कला स्नातक छात्रा दीपिका सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में रजत पदक व इंटर कॉलेज खेलों में स्वर्ण पदक और दिल्ली राज्य प्रतियोगिताओं में कांस्य पदक प्राप्त किया

प्रकाशन

एन अरोड़ा और एच. बनती, (2016) नेटवर्क में सामुदायिक पहचान के लिए बहुउद्देशीय समूह खोज अनुकूलन दृष्टिकोण। अनुप्रयुक्त विकासवादी संगणना की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, (आईजेएईसी) आईजीआई अंतरराष्ट्रीय वैश्विक प्रकाशक। 7 (3), 50–70

एन कपूर, (2016) कॉर्पोरेट प्रशासन में इलेक्ट्रॉनिक पहलः भारत में शेयरधारक परिप्रेक्ष्य का एक अध्ययन। आईएमएस समूह की पत्रिका, 13 (2) जुलाई दिसंबर।

एम कुमार, एन साहू, ए. डब्ल्यू. रॉबर्टसन, आर बोअर, एस बेहरा, डीजी डीविट, के. टकारा और आर. बी सिंह, (2016), सामान्य संचयन मॉडल के आधार पर, सेंटरम नदी, इंडोनेशिया के संभावित मौसमी प्रवाह पूर्वानुमान। स्टोकेस्टिक पर्यावरण अनुसंधान और जोखिम मूल्यांकन, स्प्रिंगर, जारी करने की तारीखः 10. 1007/एस00477–016–1297–4.

आर.आर. मिश्रा, (2016). आनुवंशिक रूप से संशोधित पौधेः वरदान या अभिशाप? एवरीमैन साइंस, 50 (5), 320–324

रजनी (2017). मानव संसाधन प्रबंधन के लिए ज्ञान प्रबंधन को संबद्ध करनाः एक वैचारिक अध्ययन। सामाजिक विज्ञान के नवाचार की पत्रिका, 5.1

वी. सिंह, एम. प्रियम, एम. त्रिपाठी, और यू. राय, (2017) सरीसृपों में 25–हाइड्रोक्सीकोलेस्ट्रोल की शुद्धि और पहचानः मौसमी विविधता और हार्मोनल विनियमन। सामान्य और तुलनात्मक एंडोक्रिनोलॉजी .1 (247), 130–137

वी. के. वर्मा, वी. के. रानी, एन. सहगल और ओ. प्रकाश,(2016). एयरोमोनस हाइड्रोफिलिया से संक्रमित चन्ना पंक्टाटा के यकृत, प्लीहा और गुर्दे में हिस्टोपैथोलॉजिकल नुकसान की रोकथाम। दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व स्नातक अनुसंधान और नवाचार की पत्रिका। 2 (1), 227–232

आयोजित संगोष्ठियां

18 व 20 जनवरी 2017 को ''भारत में वैश्वीकरण और संघीय प्रशासन'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

1 और 2 फरवरी 2017 के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ''संयुक्त राष्ट्र सतत स्थिरता विकास लक्ष्यों के लिए स्थानिक निर्णय समर्थन प्रणाली''।

स्वर्ण जयंती उत्सव के अवसर पर 2 और 3 मार्च 2017 के दौरान दिल्ली संस्कृत अकादमी के सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''संस्कृत साहित्य और मानवीय मूल्य''।

हिंदी अकादमी द्वारा प्रायोजित, दिल्ली सरकार 9 और 10 मार्च 2017 के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 'सोशल मीडिया में साहित्य का बदलता स्वरूप'।

10 और 11 अगस्त 2016 को संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''आधुनिक परिप्रेक्ष्य में थियेटर और नृत्य''।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापन)

कालिंदी कॉलेज में उत्तरपूर्वी में महिला उद्यमिता के लिए एक आईबीएसडी–कालिंदी केंद्र स्थापित करने के लिए जैव संसाधनों और सतत विकास, इंफाल, मणिपुर संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू)।

कॉलेज की एनएसएस यूनिट ने भारतीय सड़क सुरक्षा अभियान के लिए आईआईटी दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए– सड़क सुरक्षा पर ध्यान देने के लिए और सड़कों पर विपत्ति निरोधक बनाने के लिए एक राष्ट्रीय परियोजना– आईआरएससी।

बी–वोक (प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी) के लिए दैनिक जागरण, नोएडा और बी–वोक के लिए सीसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज के साथ समझौता ज्ञापन। (वेब डिजाइनिंग)।

''वीडियो उत्पादन'' और ''फोटो जर्नलिज्म''पर आर के फिल्म्स और मीडिया अकादमी के लिए अतिरिक्त पाठ्यक्रम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास पर अतिरिक्त पाठ्यक्रम के लिए इंगलीट्यूड अकादमी के साथ समझौता ज्ञापन।

स्मार्ट पहचान पत्र बनाने के लिए एआरआईएस कम्युनिकेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा, उत्तर प्रदेश के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

सौर फोटोवोल्टेइक पावर प्लांट के लिए हीरो सौर ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र –56
भर्ती के लिए परिसर कर दौरा करने वाली कंपनियां/उद्योग–06

विस्तार और पहुंच गतिविधियाँ

आईक्यूएसी ने बाबा रामदेव सर्वोदय कन्या विद्यालय, प्रसाद नगर के सहयोग से विद्यार्थियों को जरुरी शैक्षणिक सहायता देने का प्रयास किया गया। 6 अप्रैल, 2016 को कॉलेज की एनएसएस. यूनिट नें ''बुजुर्गो की देखलाल'' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने आर्य महिला वृद्ध आश्रम, राजेंदर प्लेस, नई दिल्ली के वृद्धों के साथ पूरा दिन बिताया। एनएसए की नुक्कड़ नाटक टीम ने सामाजिक बुराईयों पर मंडी हाउस व इंडिया गेट पर व्यंगात्मक नाटक पेश कर लोगों को जागरूक किया।

13 अगस्त 2016 को ऑर्गन इंडिया के साथ अंग दान जागरूकता कैंप लगाया गया. सुनैना सिंह (सीईओ–ऑर्गन इंडिया) ने कॉलेज में अंग दान से जुड़ी जटिलताओं पर भाषण दिया.

एनएसएस स्वयंसेवकों ने परिसर में छात्रों को शिक्षित कर और टैंक रोड मार्किट पर वितीय साक्षरता अभियान चला कर जागरूकता फैलाई। पासपोर्ट प्रक्रिया के संदर्भ में पासपोर्ट जागरूकता शिविर लगाया गया। प्राणि विज्ञान विभाग व तम्बाकू विरोध प्रकोष्ठ के साथ मिलकर कैंसर व ड्रग्स और पोलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम विषय पर स्वास्थ्य शिविर व जागरूकता वार्ता का आयोजन किया गया.

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2016–2017 के दौरान पुस्तकालय संसाधनों को बढाया गया और पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या 78758 तक पहुंची जिसमें बुक बैंक व छात्रों द्वारा जोड़ी गई पुस्तकें शामिल हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में विभिन्न रुचियों पर हिंदी व अंग्रेजी भाषाओँ में 101 पत्र/पत्रिकाएं व 15 अखबार आते हैं। पुस्तकालय में ई–संसाधनों के उपयोग के लिए एक वेब सेण्टर व अलग अध्ययन कक्ष तथा सभी विद्यार्थियों व कर्मचारियों के लिए फोटोकॉपी सुविधा उपलब्ध है। पुस्तकालय द्वारा एन–लिस्ट लॉग इन आई.डी. से रिमोट लॉग इन एक्सेस की सुविधा दी गयी है।

संकाय की संख्या

स्थायी– 81

तदर्थ–87

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 23.85 करोड़ रुपए।

उपयोग किया गया– 25.25 करोड़ रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कॉलेज की स्वर्ण जयंती के अवसर पर 20 जुलाई 2016 को टीआरआई ब्लाक में हवन करवाया गया। इसमें कॉलेज के सभी सेवानिवृत व वर्तमान शिक्षक, सभी विद्यार्थी व भूतपूर्व विद्यार्थी शामिल थे। श्री दीपक मारवाह, गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष ने सभी को बधाई व आशीर्वाद दिया। स्वर्ण जयंती पर एक खास लोगो भी बनाया गया। कॉलेज की स्वर्ण जयंती के अवसर कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

शारीरिक शिक्षा विभाग ने 13 जनवरी से 16 जनवरी 2017 तक स्वर्ण जयंती उत्सव मनाया। स्वर्ण जयंती पर अंतर–कॉलेज बॉल बैडमिंटन, फुट्बॉल, कब्बडी, वॉलीबॉल व योगानंद प्रश्नोत्तरी, शतरंज एवं कैरम आदि खेल आयोजित किए गए। उप मुख्य मंत्री दिल्ली सरकार, श्री मनीष सिसोदिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व श्री बिपिन तिवारी, समन्वयक, ई.ओ.सी. दिल्ली विश्वविद्यालय सम्मानित अतिथि थे।

20 फरवरी 2017 को एन.सी.सी. ने उडान उत्सव मनाया। इस अवसर पर श्री बिकास चन्द्र बोस एक्स. डेपुटी जनरल एन.सी.सी., मुख्य अतिथि और कर्नल वी.एस. धनखड़ उप–मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, रक्षा मंत्रालय कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि थे। दिल्ली विश्वविद्यालय के लगभग 23 कॉलेजों ने भाग लिया। अंग्रेजी विभाग ने 22 व 23 फरवरी 2017 को अशक्तों पर फिल्म फेस्टिवल मनाया। अंधी औरतों व अशक्तों के एनएबी भारत केंद्र की मानद सचिव, श्रीमती शालिनी खन्ना कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं।

अर्थशास्त्र विभाग ने 28 फरवरी 2017 को "क्या हम डिजिटल इंडिया के लिए तैयार हैं?" विषय पर राष्ट्रीय स्तर की शोधपत्र प्रस्तुति प्रतियोगिता ''युवा मस्तिष्कों का संघर्ष'' का आयोजन किया। अन्य मुख्य आकर्षण थे कनेक्टोनोमिक्स, मैगजीन कवर डिजाइनिंग, फोटोग्राफी व एड–मैनिया। 18 अप्रैल 2017 को स्वर्ण जयंती का समापन समारोह मनाया गया व इस दिन को कॉलेज के लिए एक नए युग की शुरुआत कहा गया।

***

कमला नेहरू कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

सन 1964 में स्थापित कमला नेहरू कॉलेज ने उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान कर समाज को अपना सार्थक योगदान देते हुए अपने गौरवशाली 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के स्वायत्त निकाय (यूजीसी), राष्ट्रीय मूल्यांकन तथा प्रत्यायन समिति (एनएएसी) ने इस कॉलेज को "ए श्रेणी" (सीजीपीए 3.33) के प्रमाणपत्र से विभूषित किया है। संचयी ग्रेड पॉइंट औसत (सीजीपीए) के मानदंड के अनुसार इस कॉलेज को फरवरी 2017 तक एनएएसी द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के दस शीर्ष कॉलेजों में से एक होने का गौरव प्राप्त है।

सम्मान/विशिष्टताएं

पीएच. डी उपाधिः

पत्रकारिता विभाग में डॉ. अल्बर्ट अब्राहम तथा डॉ. कारमेल क्रिस्टी, इतिहास विभाग में डॉ. शुभ्रा सिन्हा, मनोविज्ञान विभाग में डॉ. शिवानी दत्ता, डॉ. इतिषा नागर को तथा पुस्तकालय अध्यक्षा डॉ. सुमन अरोड़ा को डॉक्टर की उपाधि से विभूषित किया गया।

राष्ट्रीय पुरस्कारः

डॉ. सुषमा चौधरी को दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा अगस्त, 2016 में ''संस्कृत संवर्धक सम्मान'' से सम्मानित किया गया

विशिष्टता प्राप्त छात्र

संगीता चौधरी ने वर्ष 2016 में ट्रायथलन दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दिल्ली राज्य एथलीट मिलन 2016 में तनुजा ने प्रथम स्थान हासिल किया।

कॉलेज के क्रिकेट दल ने प्रथम कल्पना चावला यादगार महिला क्रिकेट टूर्नामेंट 2016 में हिस्सा ले कर प्रथम स्थान हासिल किया।

पिंकी तथा कल्पना ने वीमेन ट्राएंगुलर सीरीज 2016 –17 में लखनऊ टीम की सदस्या बन कर हिस्सा लिया तथा प्रथम स्थान हासिल किया।

कॉलेज की फुटबाल टीम सीआईआई फुटबाल टूर्नामेंट 2016 की विजेता रही।

एल. एस. आर. डॉ. भरत राम खेल समारोह 2016 के 44 किलोग्राम के भारोत्तोलन प्रतियोगिता में फरीदा ने स्वर्ण पदक तथा नीतू ने रजत पदक और 52 किलोग्राम के भारोत्तोलन में नसरीन और सौम्या ने कांस्य पदक हासिल किए। 63 किलोग्राम के भारोत्तोलन में शर्मा ने रजत पदक हासिल किया।

प्रकाशनः पुस्तकों की कुल संख्याः 5, पत्रिकाओं का प्रकाशन : 20, पुस्तकों के अध्यायः 8

ए. अग्रवाल (2016). भारत में जीएसटीः आवश्यकता बनाम व्यावहारिकता कंपनी एक्ट 2013

गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) इन इंडिया, आईएसबीएन संख्याः978–83047–91–8

एस अरोड़ा(2017) सूचना का आंकलन एवं उसकी जरूरतेंःसंकाय सदस्यों द्वारा एक प्रकरण अध्ययन। नई दिल्ली, दिल्लीःबुक ऐज. आईएसबीएन संख्या 978–9383281–66–4.

के. भाकुनी (2016) कुमायूं हिमालय की प्राकृतिक सुन्दरता का मूल्यांकनः एक संसाधन परिप्रेक्ष्य. नई दिल्ली, दिल्लीःआर के बुक्स ।

के. भकुनी (2016). कुमायूं में समुदाय पर आधारित पर्यावरणीय पर्यटन. नई दिल्ली. दिल्लीः आर के बुक्स

के. भकुनी(2016) नैनीताल में सतत पर्यटन के मुद्दे तथा चुनौतियाँ। भारत के सतत स्मार्ट शहर, नई दिल्ली, दिल्लीः स्प्रिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ।

आर. भारद्वाज (2016) नौकरीपेशा महिलाओं का व्यक्तित्व, मानसिक तनाव तथा समाधान के उपाय। स्वास्थ्य तथा कल्याण सम्बंधित भारतीय पत्रिका। 7(9) आईएसएसएन संख्या 877–883.

पी. गौतम (2016).दो अर्ध आंशिक बी–मेट्रिक स्थान में एक नया साझा त्रिगुणीय नियत बिंदु परिणाम। गणित तथा कम्प्यूटर की ब्रिटिश पत्रिका। 13(2) आईएसएसएनः2231–0851.

एस खन्ना (2016) दरिंदा का लेख एवं टीका "मानव विज्ञान के प्रवचन में संरचना, साइन एवं प्ले। अंजना नीरा देवः साहित्यिक सिद्धांत के लिए एक आलोचनात्मक पाठक। नई दिल्ली, दिल्लीः पिनाकल लर्निंग

ए सिंह (2016) "भीतर से बाहरःमलिक सज्जाद की एक अनोखी पुस्तक "मुन्नू :कश्मीर का एक लड़का" में आत्मकथा, कैफे डिसेन्सस।

कॉलेज द्वारा प्रकाशित पत्रिकाः एकादमोसः एकदमोस का दसवां अंक कमला नेहरू कॉलेजके बहु विषयक अनुसंधान से सम्बंधित दशक को दर्शाती पत्रिका है। 2016–17 से यह पत्रिका सह–कर्मियों द्वारा समीक्षित उच्च मान के अनुसंधान को दर्शाती है। इस पत्रिका की सह–सम्पदिकाएं अंग्रेजी विभाग की नमिता पॉल तथा अमृता सिंह हैं तथा इसके हिंदी विभाग की संपादिका हिंदी विभाग की सुषमा सहरावत हैं ।

आयोजित संगोष्ठियां /कार्यशालाएं

फरवरी 2017 में "ज्ञान की परंपरा में भारतीय महिलाएंःफलसफा, आध्यात्म प्रकृति एवम् संस्कृति" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

जुलाई 2016 में "नए युग– ब्लागर के दृष्टिकोण में विपणन" विषय पर केन्द्रित संगोष्ठी आयोजित हुआ।

वाणिज्य विभाग ने शैक्षिक वर्ष 2016–17 में "बौद्धिक सम्पदा अधिकार", "उद्यमी दृष्टिकोण का विकास" तथा "आय कर रिटर्न की व्यक्तिगत कर योजना तथा ई–फाइलिंग" विषय पर क्रमशः तीन संगोष्ठी आयोजित की गई।

"पंचायत स्तरीय योजना तथा शासन के लिए समाज का डिजिटल सशक्तिकरण" विषय पर अंतर–कॉलेज कार्यशाला आयोजित की गई ।

अक्टूबर 2016 में पत्रकारिता विभाग द्वारा अपने तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए एक कैमरा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कॉलेजकी फोटोग्राफी समिति "स्नैपशॉट" ने पर्ल अकादमी,दिल्ली के सहयोग से "पोर्टेट फोटोग्राफी" विषय पर 9 नवम्बर 2016 को एक कार्यशाला आयोजित की।

आयोजित सम्मेलन

"हिमालय के परिप्रेक्ष में–भूमि, लोग तथा संसाधन" विषय पर 12 अप्रैल 2016 को एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

"तीर्थयात्रा एवं रिवाज धर्म तथा संस्कृति पर दार्शनिक प्रतिबिम्ब" विषय पर 30 जुलाई 2016 को एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में उत्तर एरिजोना विश्वविद्यालय, फ्लेगस्टॉफ (एरिजोना, यूएसए)के तुलनात्मक संस्कृति अध्ययन विभाग के डॉ. पॉल दोनेल्ली तथा सुश्री जेनिफर हंटर ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया ।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

जीजीएससीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2016 में "तेजी से बढ़ता सेवा क्षेत्रःउपलब्धि से विकास संभावना" विषय पर आयोजित तृतीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में अलका अग्रवाल ने "भारत में सेवा क्षेत्र : मुद्दे एवं संभावनाएं" विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

बंगलुरु में 20–21 जनवरी 2017 को आयोजित "आईओडीःकार्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी के 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में ज्योति धवन ने, "सीएसआर सही दिशा में सही कार्य में रत" पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

21 से 25 अगस्त 2016 को 33वें अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक कांग्रेस के बेजिंग में हुए अधिवेशन में सोमा सेनगुप्ता ने "भारत की नाजुक परिस्थिति वाले क्षेत्र में पर्यावरण पर्यटन–एक सामाजिक विपणन दृष्टिकोण" विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 18 अक्टूबर को गार्गी कॉलेज में आयोजित संगोष्ठी "कामिकोनो संकट भाग–2" में ज्योति राघवन ने "व्यापार घोटालों में मीडिया कवरेज" पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 15–17 नवम्बर 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "ज्यामिति तथा बीजगणित में अंतर तथा उसका मूल्यांकन" में प्रगति गौतम ने "अर्ध आंशिक बी मीट्रिक स्थान में कुछ नए युग्मित निश्चित बिंदु प्रमेय" विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, भारत में 14 से 17 दिसम्बर 2016 को अमेरिकन मैथेमेटिकल सोसाइटी (एएमएस) के तत्वावधान में एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "द इंडियन मैथेमेटिक्स कन्सोर्टियम(एएमएस)" में प्रगति गौतम ने "सह कुशल बिंदु के साथ अर्ध आंशिक बी मीट्रिक स्थान में युग्मित निश्चित बिंदु प्रमेय) विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्था, भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा कालिदास अकादमी ऑफ संस्कृत म्यूजिक एंड फाइन आर्ट द्वारा 13 व 14 फरवरी 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सुषमा चौधरी ने "पर्यावरण सुरक्षा संस्कृत साहित्य के परिप्रेक्ष में" विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा 11–12 मार्च 2016 को आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में सुषमा चौधरी ने "संस्कृत शास्त्रों का अध्ययन रू कॉलेजों के विशिष्ट सन्दर्भ में" विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

संगीता वर्मा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित 'बदलता भारतीय परिदृश्य और स्वातंत्योत्तर हिंदी नाटक' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 12–13 फरवरी 2016 को भाग लिया तथा 'समकालीन रंगमंच :हिंदी बाल नाटकों की रंगमंचीयता के सन्दर्भ में ' विषय पर शोध–आलेख प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर–संस्थान सहयोगः

प्रांतीय अंग्रेजी भाषा दफ्तर (आरईएलओ,अमेरिकी एम्बेसी) के अंग्रेजी भाषा के फेलो (ईएलएफ) कार्यक्रम की सहयोगिता में डेलावेर विश्वविद्यालय, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के टोनी मकलौघ्लान कॉलेज के विजिटिंग प्राध्यापक रहे ।

कमला नेहरू कॉलेज के राजीनीति शास्त्र विभाग ने भारत में कनाडा के उच्चायोग के सहयोग से "आर्थिक स्वतंत्रता एवं कौशल सशक्तिकरणःकितना सही?" विषय पर एक चर्चा का आयोजन किया ।

नियुक्तियों का विवरणः

नियुक्त छात्रः 54

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कम्पनियां–10

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

अंग्रेजी विभाग ने अगस्त से नवम्बर 2016 तक सुधार कक्षाएं चलाईं। ये कक्षाएं प्रति सप्ताह 2 से 3 घंटा चलती थीं। प्राध्यापक अपनी पाठ्य योजना विद्यार्थियों के प्रत्येक दल की रूचि, क्षमता, आवश्यकता के अनुसार बनाया करते थे।

भूगोल विभाग ने 17 से 22 सितम्बर 2016 को मध्य प्रदेश के जबलपुर तथा उसके आसपास के क्षेत्रों के शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया ताकि छात्रों को वहाँ की संस्कृति को समझने का मौका मिलेगा।

कमला नेहरू कॉलेज समान अवसर प्रकोष्ठ तथा वितरण इकाई समाज में महत्वपूर्ण योगदान देने का उद्देश्य रखती है। इस इकाई के प्राध्यापको तथा छात्रों ने जनकपुरी के विशिष्ट क्षमता वाले छात्रों तथा उनके परिवार के सदस्यों से वार्तालाप कर उनकी मदद की। इस दल ने श्याम विहार, नजफगढ़ स्थित "उन्नति" नामक एक बहुद्देशीय पुनर्वासन संस्था का भी भ्रमण किया।

कॉलेज के एनसीसी के कैडेटों ने गणतंत्र दिवस समारोह तथा कॉलेज के वार्षिकोत्सव में हिस्सा लिया। अक्टूबर 2016 में स्वच्छ भारत अभियान मुहिम के अंतर्गत इन कैडेटों ने कॉलेज परिसर तथा इसके आसपास के क्षेत्र को साफ करने का अभियान चलाया। 21 जून 2016 को कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जहाँ एनएसएस तथा एनसीसी के अनेक कैडेटों ने हिस्सा लिया। 16 अगस्त 2016 को "स्वच्छ पखवाड़ा" के अंतर्गत विशेष पखवाड़े की शुरुआत की। 24 सितम्बर 2016 को कॉलेज परिसर में एनएसएस दिवस का पालन भी किया गया। इस अभियान का विषय था "नशा मुक्ति"।

कॉलेज की महिला उन्नति दल ने गूँज नामक संस्था के सहयोग से अगस्त 2016 में बाढ़ पीड़ितों के लिए वस्त्र संग्रह अभियान चलाया। डब्लूडीसी ने कॉलेज से ही दान राशि एकत्रित कर "दान की खुशी" मुहिम के अंतर्गत 225 स्कूली बस्तों का दान किया।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज का पुस्तकालय पूर्णतः स्वचालित तथा स्थानीय क्षेत्र के नेटवर्क के ग्यारह ग्राहकों तथा एक सर्वर से जुड़ा है। यह पुस्तकालय दो कम्प्यूटरों तथा इंटरनेट की सुविधा से परिपूर्ण है ताकि प्राध्यापक तथा छात्र कॉलेज से ही दिल्ली विश्वविद्यालय के जेस्टर तथा मूस जैसी योजनाओं तथा अन्य इलेक्ट्रानिक संसाधनों से जुड़े रह सकें। इस कार्य के लिए डेलनेट (पुस्तकालय उन्नयन नेटवर्क) सभी उपभोक्ताओं को उपलब्ध है। वर्ष 2016 में पुस्तकालय ने 2135 नयी पुस्तकें अपने भंडार में शामिल कीं जिससे पुस्तकों की संख्या बढ़ कर 94871 हो गईं, साथ ही 394 सीडी तथा 592 डीवीडी भी उपलब्ध हैं। 77 पत्रिकाओं (62 अंग्रेजी तथा 15 हिंदी) के साथ ही 11 दैनिक समाचारपत्रों (7 अंग्रेजी तथा 4 हिंदी) की सदस्यता छात्रों तथा कर्मचारियों की सुविधा के लिए ली गई है। छात्रों में पठन की रूचि बढ़ाने के लिए पुस्तक क्लब की सुविधा भी उपलब्ध है।

संकाय की संख्या

स्थायी–93– अस्थाई–69

वित्तीय आवंटन तथा उपयोग

स्वीकृत अनुदान–21.71 करोड़ रुपए

उपयोग किया गया अनुदान–29.09 करोड़ रुपए (घटित राशि आवंटित परन्तु अब तक प्राप्त नहीं)।

अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएंः

कई संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया गया थाः

"समाज शास्त्र में उन्नत अनुसंधान" का आयोजन वाणिज्य विभाग द्वारा 23 से 30 जुलाई 2016 को किया गया।

भूगर्भशास्त्र विभाग द्वारा 9 जनवरी 2017 को "खुले स्रोतों का प्रदर्शन जीआईएस–क्यूजीआई एस" का आयोजन हुआ।

कमला नेहरू कॉलेज के प्राध्यापकों को छात्रों की सही देखभाल तथा मार्गदर्शन के प्रभावी उपाय बताने के लिए 9 तथा 10 अगस्त 2016 को अंग्रेजी विभाग की डॉ. अंजना श्रीवास्तव तथा नमिता पॉल द्वारा "युवा वयस्कों की संभाल" कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस समान अवसर प्रकोष्ठ ने नवम्बर 2016 को कॉलेज के तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए एक कार्यशाला, "साक्षात्कार का सामना करने के लिए वार्ता विधा" का आयोजन किया।

कॉलेज के नृत्य विभाग की नुपुर ने सितम्बर 2016 में गुरु मधुमिता राउत के निर्देशन में "ओड़िसा–एक सौंदर्यशास्त्र" का आयोजन किया।

***

केशव महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

केशव महाविद्यालय, एनआईआरएफ क्रमांक के अंतर्गत भारत के शीर्ष 200 कॉलेजों में 15 वें स्थान पर था। कॉलेज ने हाल ही में डॉ. अंजलि ठकराल को पाठ्यक्रम समन्वयक बना कर रेडियो पर एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का प्रसारण आरंभ किया है। रेडियो प्रसारण पर पाठ्यक्रम की अवधि 40 घंटे है और इसे परामर्शक आर के सिंह, सलाहकार (तकनीकी और कार्यक्रम) और दिल्ली विश्वविद्यालय सामुदायिक रेडियो (डीयूसीआर) के परामर्श से डिजाइन किया गया है।

गैर–विज्ञान–संबंधी महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) की स्थापना की गई, जो महिला छात्रों को शनिवार और अवकाश के दौरान अध्ययन करने की अनुमति देता है।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. दिव्या हरिदास ने उच्च शिक्षा निदेशालय, दिल्ली के एनसीटी सरकार से उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. प्रदीप कुमार को वर्ष 2016–18 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिषद के सदस्य के रूप में चुना गया था।

डॉ. दिव्या हरिदास को बीटेक इलेक्ट्रोनिक्स पोस्टर के अपने छात्र हर्षित गोयल के साथ 19 नवंबर, 2016 को आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान प्रदर्शन के लिए चुना गया था। टीम को एक प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया था।

विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

बीएससी (ऑनर्स) गणित के नमन शर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह समारोह में राय बहादुर बृजमोहन लाल साहेब मेमोरियल गोल्ड मेडल, श्री सुरेश भाटिया मेमोरियल गोल्ड मेडल और डॉ जे.एन.मित्र मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.टेक इलेक्ट्रॉनिक्स के हर्षित गोयल, रोहित भारती और रिधिमा भंडारी को आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज में, 25 और 26 अक्टूबर 2016 के दौरान आयोजित अभिनव सम्मेलन में उनके पोस्टर, ''एसओ$_2$ और एनओएक्स के उत्सर्जन को कम करने में सक्षम एक रासायनिक फिल्टर तैयार करने'', के लिए 1000 रुपए के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बीएससी, कंप्यूटर विज्ञान के द्वितीय वर्ष के आदित्य ने थाईलैंड ओपन में मार्च 2017 में राजकुमारी कप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

सार्थक कटारिया ने दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज तायक्वोंडो चौम्पियनशिप 2016–17 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

पी. अरोड़ा और एच. अरोड़ा, (2016)। बैंक की विशेषताएं, स्वामित्व और वाणिज्यिक बैंकों की लाभप्रदताः भारत से पैनल साक्ष्य। सेवाओं और संचालन प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 26 (3), 347–364.

ए. बंसल और ए. कुमार, (2016)। गैबर परिवर्तन के लिए हाइजेनबर्ग अनिश्चितता असमानता। जे. मैथ. असमान, 10(3), 737–749.

आर. गुप्ता और पी. सहगल,(2016)। आईरिस जीवमितिय प्रणाली पर हमलों का एक सर्वेक्षण। जैव –जीवमिति की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 8(2), 145–178

वी. जिंदल और पी. बेदी (2017). समानांतर रिक्तिपूर्व कलन विधि' वैनेट के साथ इंतजार करने का समय कम करना। वाहन संचार एल्जेवियर, 7, 58–65.

एस. पंडित, (2016)। भारत में घरेलू स्तर की खपतः एनएसएस इकाई स्तर के तथ्य का उपयोग कर एक अध्ययन। मानविकी और सामाजिक अध्ययन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4(11), 6–12.

वी.के.शर्मा, डी. मदन और ए. कपूर, (2016)। उच्च विलुप्त होने का अनुपात और लघु लंबाई वाली सतह प्लैसमॉन पोलारिटॉन पोलाईजर। आईईईई फोटोनिक्स प्रौद्योगिकी पत्र, 28(14), 1541–1544.

एन. शर्मा,(2016)। चुंबकीय अतिसूक्ष्मकणों का उपयोग करते हुए अतिताप उपचार में आवश्यक शक्ति का अनुकूलन करना।

एम. सिंह, (2016)। साक्ष्य के रूप में दलित पाठः बामा के साथ वार्तालाप। भारतीय साहित्य, 59(3), 23–44.

ए.के. सिंह, जी. शंकर और ए. सचदेवा, (2016)। कार्य जीवन व्यवहार की कार्यप्रणाली और कार्य पर उनके प्रभाव जीवन संतुलन और जीवन संतोषः शिक्षाविदों के बीच एक अनुभवजन्य अध्ययन। सकारात्मक मनोवैज्ञानिक पत्रिका, 4(1), 59–72.

आयोजित संगोष्ठी

एक संगोष्ठी, ''एक रचनात्मक क्रांति तैयार करनाः विचार से नवाचार तक'', का आयोजन 21 फरवरी 2017 को पहचान 2017 के भाग के रूप में किया गया।

संगोष्ठी / सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

29 अगस्त, 2016 को लखनऊ में बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में आयोजित ''समग्र स्वास्थ्य के लिए योग पर राष्ट्रीय सम्मेलन'' में सुरिंदर सिंह ने ''पहलवान और मुक्केबाज के सहभागिता समय की तुलना'' एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वीरेंद्र यादव ने 21 और 22 अक्टूबर, 2016 के दौरान श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित ''भक्ति अंदोलन मुख्य संत चरित मानववाद और जाति सम्बन्ध विचार'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''संत नामदेव के मानवतावाद तथा जाति सम्बन्ध विचार'' नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

डेजी शर्मा ने 23 और 24 सितंबर 2016 को दिल्ली में दिल्ली विश्वविद्यालय के माता सुंदरी महिला कॉलेज में आयोजित 66सफल उम्र बढ़ने के परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन'' में ''आध्यात्मिकता और बुढ़ापाः बुजुर्गों के मनोवैज्ञानिक सुख के लिए प्रभाव'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

रितु अरोड़ा ने 14 और 15 अक्टूबर, 2016 को, दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग, द्वारा आयोजित ''बीजगणित, विश्लेषण, बीजकोष और कूटलेखन पर राष्ट्रीय सम्मेलन'' के दौरान ''रेखीय भिन्नात्मक द्विस्तरीय कार्यरचना की समस्या के साथ बहु विकल्पीय मापदण्ड'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सिंह ने 11 से 12 नवंबर, 2016 को, शहीद मंगल पांडे लड़कियों के सरकारी पीजी महाविद्यालय, मेरठ, यूपी के गणित विभाग, द्वारा आयोजित ''गणित और उसके अभिकलनात्मक जटिलता पहलुओं में हालिया अग्रिम'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान ''एक पत्र "बीजीय पद्धति और तकनीकों का उपयोग करके जटिल प्रणाली मॉडल की प्रणाली में विफलता के लिए विश्वसनीयता और माध्य–समय का विश्लेषण" प्रस्तुत किया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र–13

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां–08.

विस्तार और पहुँच गतिविधियां

कई जिलों में 1 से 7 जुलाई, 2016 तक एक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया था। कई छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और उन्होंने निम्न स्थानों पर 600 पौधों को रोपण का लक्ष्य हासिल कियाः गैर सरकारी संगठन संपूर्ण, क्षेत्र 9, रोहिणी, कार्यान्वित महिला छात्रावास, क्षेत्र 9, रोहिणी, केन्द्रीय विद्यालय, क्षेत्र 11, रोहिणी। केशव कॉलेज के रोटरेक्ट संघ के सदस्यों ने 24 अक्टूबर 2016 को हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में विश्व पोलियो दिवस गठन का हिस्सा बनने के लिए स्वेच्छा से रोटरी डिस्ट्रिक्ट के साथ रोटेट डिस्ट्रिक्ट कश्मीर से कन्याकुमारी तक सायकिल रैली का आयोजन किया। यह साइकल रैली, सभी प्रकार के साइकिल चालकों और अन्य लोगों के लिए एक राष्ट्रीय मंच पर अपनी तरह का पहला अवसर था।

केशव कॉलेज के रोटरेक्ट संघ ने बच्चों के साथ दिवाली मनाने के लिए 28 अक्टूबर 2016 को रोहिणी के क्षेत्र –5 में विशेष बच्चों के लिए एक स्कूल, स्पर्श, का दौरा किया। क्लब ने कॉलेज परिसर में एक पुस्तक दान अभियान भी आयोजित किया। एकत्र की गई किताबों को अनाथालयों में दान दिया गया।

सक्षम – एक साक्षरता परियोजना का आयोजन, दीपाली चौक रोहिणी में स्थित एक गैर सरकारी संगठन आशिमा फाउंडेशन में किया गया। संघ के छात्रों ने गैर सरकारी संगठनों के बच्चों को कंप्यूटरों की मूल बातें सिखाने के लिए गैर सरकारी संगठनों का दैनिक दौरा किया।

5 फरवरी, 2017 को कैंसर जागरूकता कार्यक्रम, अर्थात् ''जीवन का एक कदम'' भी आयोजित किया गया।

पुस्तकालय विकास

2016–17 के शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न विषयों में 1051 पुस्तकें शामिल की गईं।

संकाय की संख्या

स्थायी–47,

तदर्थ–53.

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 13.91 करोड़ रुपए।

उपयोग किया गया– 12.847 करोड़ रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
पर्यावरण क्लब एक स्थायी तरीके से बढ़ती जड़ी बूटियों के लिए कॉलेज में हर्बल उद्यान विकसित कर रहा है। परिसर कें ग्रीन और फूड कचरे का निपटान करने के लिए कॉलेज परिसर में दो खाद गड्ढे बनाए गए थे और इसका उपयोग उद्यान में स्वस्थ पौधों के बढ़ाने के लिए किया जाता है।

***

किरोड़ीमल कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

1954 में स्थापित, किरोड़ी मल कॉलेज, सभी शैक्षिक और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा के प्रमुख संस्थानों में से एक है। छह दशकों से अधिक की अपनी यात्रा में, कॉलेज अपनी विनम्र शुरुआत से पूरे देश में हजारों छात्रों के लिए एक पसंदीदा संस्थान में विकसित हुआ है। आधुनिकता के प्रसार के लिए समाज वित्त पोषित संस्था उच्च शिक्षा के मंदिर के नेहरूवादी मॉडल में स्थापित, कॉलेज ने समाज के विभिन्न वर्गों के छात्रों के लिए एक उत्कृष्ट पर किफायती उच्च शिक्षा प्रदान करने के अपने आदर्श को जारी रखा है। कॉलेज को हाल ही में 3.54 के एक सीजीपीए स्कोर के साथ एनएएसी ए+ ग्रेड के साथ मान्यता प्राप्त हुई है। ऑडिटोरियम की पुनर्निर्माण और असंख्य अकादमिक प्रमाण पत्रों के झंडे की स्थापना के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए मुंबई में श्री अमिताभ बच्चन के साथ एक पूर्व छात्र बैठक आयोजित की गई थी। हाल ही में छात्रावास ब्लॉक को पूरी तरह से पुनर्निर्माण और मरम्मत की गई थी, छात्रों के लिए नई सुविधाएं, नए अध्ययन कक्ष और किताबों की बढ़ती संख्या के साथ पुस्तकालय की सुविधा बढ़ाई गई, वाई–फाई सक्षम परिसर, कॉलेज जिम्नेजियम का नवीकरण, लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए आम कमरों का नवीकरण, अलग प्रकार से सक्षम छात्रों के लिए रैंप जैसी सुविधाएं, एंजल रिकॉर्डिंग सिस्टम, हिंदी ब्रेल सॉफ्टवेयर आदि, एक मिनी शैक्षणिक ऑडिटोरियम, कैंटीन परिसर की मरम्मत और नवीकरण, बैठकों और अन्य गतिविधियों के लिए एक नया समिति कक्ष, एक नई परीक्षा सह मूल्यांकन केंद्र आदि स्थापित की गई।

सम्मान/विशिष्टताएं

पीएच.डी. पुरस्कारः

इतिहास विभाग से डॉ. अमित कुमार सुमन को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की गईं।

डॉ. अमित कुमार सुमन को भारत में ट्रांसनेशनल अनुसंधान ग्रुप गरीबी एवं शिक्षा की फेलोशिप के साथ जर्मन हिस्टोरिकल इंस्टीट्यूट, लंदन, यूके, 2017 में सम्मानित किया गया।

डॉ. सीमा जोशी 3 से 7 अप्रैल, 2017 तक टोक्यो, ओसाका और क्योटो (जापान) में आयोजित महिलाओं के लिए औद्योगिक मानव संसाधन विकास पर बहुद्देशीय अध्ययन मिशन पर विदेशी मामलों के मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित एपीओ की परियोजना में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. सीमा मेहर परिहार यूरोपियन सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ एक्सट्रीमिज्म, कैम्ब्रिज, इंग्लैंड, यूनाइटेड किंगडम के सलाहकार बोर्ड की सदस्य हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कारः

डॉ. अनीता कामारा वर्मा को एसबीएमएलएस (एफबीएमएलएस) की फेलोशिप के साथ ''भारत के जैवचिकित्सा की प्रयोगशाला की सोसायटी'' द्वारा ''नैनोटेक्नोलॉजी'' के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

गणित में बी.एससी. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की सिमरन अरोड़ा ने विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

भौतिकी बी.एससी. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की क्रुनल बीपिन जीडिया ने विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) सांख्यिकी के तृतीय वर्ष के लक्ष्य वर्मा ने विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) जूलॉजी तृतीय वर्ष की क्षितिजा मोहन धीयाणी ने विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बीकॉम (ऑनर्स) सांख्यिकी तृतीय वर्ष की शेरी ग्रोवर ने विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

रामजस टूर्नामेंट और केएमसी इनविटेशनल टूर्नामेंट में बास्केटबॉल टीम (लड़कियां) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अंतर कॉलेज बास्केटबॉल टूर्नामेंट में बास्केटबॉल टीम (लड़कों) ने द्वितीय स्थान और हंसराज कॉलेज के आमंत्रण टूर्नामेंट और एसआरसीसी इनविटेशनल टूर्नामेंट और सिरी फोर्ट ओपन टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कृतिका सोलंकी और प्रियंका खंडेलवाल ने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय (कॉर्फबॉल) में तृतीय स्थान हासिल किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मुक्केबाजी के इंटर–कॉलेज टूर्नामेंट के दौरान, कॉलेज ने 3–स्वर्ण, 2–रजत और 1–कांस्य के साथ प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल कर लिया।

प्रदीप ने इंटर–कॉलेज मुक्केबाजी टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक और भारत के अंतर विश्वविद्यालय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

दिशू शर्मा ने इंटर कॉलेज मुक्केबाजी टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता।

साहिल कटारिया, हर्षित मोंगिया और सौरभ चौधरी ने अंतर कॉलेज मुक्केबाजी टूर्नामेंट में रजत पदक जीता।

मनोज पाल ने अंतर कॉलेज मुक्केबाजी टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता।

प्रकाशन

एस. जोशी, (2017). विमुद्रीकरणःराष्ट्रीय हित में एक बोल्ड आर्थिक निर्णय। पीएचडी चैंबर बुलेटिन, 39 (1): पृष्ठ 97–98.

एस. जोशी, (2017). भारत में युवा विकासः रुझान और नीति प्रतिक्रियाएं। विकास, स्थिरता और खुशी में: युवा 2025 के लिए परिप्रेक्ष्य और चुनौतियां। नई दिल्लीः प्रभात पंकज ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

एस. जोशी, (2017). एजिंग सोसाइटियों की चुनौतियां का सामना करने के लिए महिला श्रम बल की भागीदारी में वृद्धि। उत्पादकता समाचार, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, नई दिल्ली। 54(02), 33–36.

एस. जोशी, (2017). जापान में लिंग अंतर को बंद करने के लिए पर्यावरण को सक्षम करना चाहिए। पीएचडी चैंबर बुलेटिन, 39(07), 44.

एम. ए. खान, (2016). हम उदास हैं (नाजम) दबिस्तान–ए–इल्म–ओ–अदब, बदगाम, कश्मीरः सारल एडब प्रकाशन।

डी. खट्टर, (2017). गुणात्मक योग्यता। पियर्सन पब्लिकेशन्स (चौथा संशोधित संस्करण)

डी. खट्टर, (2016). राबिनोविच प्रणाली की भविष्यवाणी का नियंत्रण। वातम प्रेसः गैर–लाइनर प्रणाली और अनुप्रयोगों की पत्रिका,5(3), 90–94.

डी. खट्टर, (2017). अराजक प्रणाली के निचले क्रम में मल्टी–स्विचिंग का संकर समन्वय। गणितीय और कम्प्यूटेशनल विज्ञान की पत्रिका, 7(2), 414–429.

एन. शर्मा, और आर.के. सिंह, (2016)., विश्व विज्ञान रिपोर्ट की समीक्षा, 2010 समकालीन संदर्भ में उभरती चुनौतियां इंडियन जर्नल ऑफ आजीवन शिक्षा एवं शैक्षिक निर्देश की भारतीय पत्रिका,3(1).

संपादक/संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के रूप में सेवा करने वाले शिक्षक–03

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. अमित कुमार सुमन, अप्रैल 2017 में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की भारतीय परिषद द्वारा वित्त पोषित परियोजना, ''शिक्षा पर औपनिवेशिक नीतियाँ और स्वदेशी अध्ययन के केंद्र'' के लिए दो लाख रुपए।

डॉ. सीमा मेहरा परिहार, अप्रैल 2017 में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित परियोजना, ''जम्मू और कश्मीर में हाइड्रोपॉलिटिक्स के भौगोलिक आयाम का मानचित्रण'' आठ लाख रुपए।

डॉ. बेनू गुप्ता, वर्ष 2016 में युवा मामलों और खेल मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना, ''भारतीय एथलीटों की असमानता को छोड़ने के साथ मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल और प्रदर्शन स्थिरताः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन'' के लिए दस लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियाँ

5 अप्रैल 2017 को ''मीडिया और स्वस्थ समाज'' पर आयोजित संगोष्ठी।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अमित कुमार सुमा ने सीआईई, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में ''बगाल प्रेसीडेंसी में औपनिवेशिक राज्य, शिक्षा और स्वदेशी ज्ञान प्रणाली'' पर 18 फरवरी, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "शिक्षा के द्वंद्ववादः तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रवीण कुमार अंशुमानः

अंग्रेजी विभाग, एसजीएनडी, खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 9 और 10 फरवरी, 2016 को आयोजित ''साहित्य और संस्कृति में अंतरिक्ष के एक्जिजेस'' पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''मानव दुनिया में फोनेटिक विरासत का स्थानः भूल जाने वाले पहलुओं पर विचार करना'' एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

संस्कृत अध्ययन के विशेष केंद्र, जेएनयू में 28–29 सितम्बर, 2016 को ओशो की अंतर्दृष्टि का एक ब्योरा पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''स्वतंत्रता के बाद स्वतंत्र भारतीयय साहित्य और संस्कृति भाषा, संस्कृति और राष्ट्र के पुनः वर्णन का विचार''एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

''ट्रांस (लिंगी) जीवनः मौन और बहिष्कार के अभ्यास''पर यूजीसी प्रायोजित अंग्रेजी विभाग, एसजीएनडी, खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 9 और 10 फरवरी, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''ट्रांसजेंडर मानवता की कहीं नहीं: मिपिक सेंसिबिलिटी की एक आलोचना'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

''आज की लोकप्रिय संस्कृति के साथ एसोटरिक वर्ल्ड को पुनः कल्पनाः ओशो रजनीश के शिल्प में आत्मनिरीक्षण'' पर यूजीसी प्रायोजित अंग्रेजी विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य) दिल्ली विश्वविद्यालय में 3 और 4 मार्च 2016 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारतीय लोकप्रियता की कल्पनाः वैश्वीकरण और उसके असंतोष की कल्पना'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।।

सीमा जोशीः

स्कूल ऑफ पेट्रोलियम मैनेजमेंट, पंडित दीनदयाल विश्वविद्यालय, गांधी नगर में 18 और 19 फरवरी, 2016 को आयोजित ''ऊर्जा एवं बुनियादी ढांचा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' में ''भारत के विकास में अवरोध डालने वाली बुनियादी ढांचा एवं संस्थागत चुनौतियां'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।।

5 से 7 अप्रैल 2016 को टोक्यो, जापान में आयोजित ''एपीओ परियोजना महिला कार्यबल भागीदारी और उत्पादकता संवर्धन'' के दौरान ''भारत में महिला कार्यबल भागीदारीः नीतियां, समस्याएं और संभावनाएं'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

चंडीगढ़ में ग्रामीण और औद्योगिक विकास अनुसंधान केंद्र में9 और 10 दिसम्बर 2016 को ''शिक्षा और विकासः मुद्दे, चुनौतियां और अवसर पर आयोजित 17वें आईएएसएसआई वार्षिक सम्मेलन में ''भारत में उच्च शिक्षा क्षेत्रः आगे की चुनौतियां'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में 17 और 18 फरवरी, 2017 को आयोजित ''यूथ 2025ः मार्ट, स्थिरता और खुशी का विकास करने के लिए युवाओं को संगठित करनाः सार्क और उभरते एशियाई देशों (आईसीएचएडीएसएच–2017) के लिए प्रेरणा और चुनौतियां'' पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत में युवा विकास'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

टोक्यो, ओसाका और क्योटो, जापान में 3 से 7 अप्रैल, 2017 के दौरान आयोजित ''बहुदेशीय अध्ययन मिशन पर भारतीय महिलाओं के लिए मानव संसाधन विकास'' पर एपीओ परियोजना में ''महिला सशक्तिकरण के वैकल्पिक मार्ग'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र—101(35प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियाँ—25

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

कॉलेज की एनएसएस टीम ने सहयोग परियोजना शुरू की, जिसमें छात्र स्वयंसेवकों ने लगभग 80 वंचित बच्चों को पढ़ाया। टीम ने वंचित बच्चों को सशक्त बनाने और उनका उत्थान करने के लिए एक परियोजना, साहस भी शुरू की। एनएसएस यूनिट के नुक्कड़ नाटक समूह, दर्पण ने समाज में सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के लिए काम किया। स्वच्छ भारत अभियान के बारे में छात्रों को जानकारी देने के लिए एक संगोष्ठी और 16 अगस्त से 1 सितंबर, 2016 तक ''स्वच्छ पखवाड़ा'' आयोजित किया गया।

पुस्तकालय का विकास

कॉलेज में पर्याप्त बुनियादी ढांचे के साथ एक पूर्ण कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय और पाठ/संदर्भ पुस्तकों, पत्रिकाओं, थीसिस और पत्रिकाओं के रूप में लगभग 1,46,839 संदर्भ सामग्री का एक समृद्ध संग्रह है। कॉलेज में कुल 5,897 किताबों का संग्रह है। नेत्रहीन विकलांगों के लिए 38 एंजल और 75 नोटबुक के साथ कुल 2,162 पुस्तकों को जोड़ा गया। कुल बजट अनुमान 16,46,010 रुपए था, जिसमें से पुस्तकालय के विकास के लिए 1,29,001 रुपये और आई—कार्ड व्यय के लिए 88,914 रुपए की राशि का इस्तेमाल किया गया था । 5,28,095 रुपए का व्यय का सारांश दिया गया था।

संकाय की संख्या

स्थायी—148, तदर्थ— 60
वित्तीय आवंटन और उपयोग
स्वीकृत अनुदान— 45.42 करोड़ रुपए।
अनुदान का उपयोग—43.79 करोड़ रुपए।
अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) ने कॉलेज को (ग्रेड ए+) और 3.54 सीजीपीए से सम्मानित किया।

दस छात्रों को न्यू आउटलुक (वार्षिक पत्रिका) पुरस्कार प्रदान किया गया है।

पांच छात्रों को एन एस प्रधान पुरस्कार से प्रदान किया गया है।

दो छात्रों को डॉ. एन सुब्रमण्यम पुरस्कार प्रदान किया गया है।

***

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

लेडी इरविन कॉलेज विकास और व्यावसायिक शिक्षा में युवा महिलाओं की अंतःविषयक शिक्षा और क्षमता निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। कॉलेज को स्नातकोत्तर और दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययन के डॉक्टरेट पाठ्यक्रम के साथ पहला कॉलेज होने का गौरव प्राप्त है। 1950 में पूर्वस्नातक पाठ्यक्रम शुरू किया गया, इसके बाद 1952 में पहला स्नातकोत्तर कार्यक्रम, शिक्षा में स्नातक की डिग्री आरंभ की गई। होम विज्ञान में स्नातक कार्यक्रमों में विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में पास और आनर्स पाठ्यक्रम शामिल थे। इसके बाद, गृह विज्ञान के प्रत्येक विशेषज्ञता में स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। कॉलेज के कई संकाय सदस्यों ने देश में कई विश्वविद्यालयों, एससीईआर, एनसीईआरटी और सीबीएसई के बोर्ड ऑफ स्टडीज के साथ सक्रिय भागीदारी से समाज का समर्थन जारी रखा है। कॉलेज के संकाय सामान्य तौर पर उच्च शिक्षा नीति और योजना के बारे में और विशेष रूप से गृह विज्ञान की विशेषज्ञता के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र जैसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सरकारों और गैर–सरकारी संगठनों के लिए परामर्श में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। हमारे कई सुयोग्य संकाय सदस्यों ने अपने शिक्षण, अनुसंधान और प्रकाशन के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है। वे यूजीसी, आईसीएसएसआर और नामित सरकारी विभागों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों जैसे संस्थानों द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल होते हैं।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. सुचि गौड़ ने युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया और अपने डॉक्टरेट अनुसंधान कार्य में उत्कृष्टता प्राप्त की।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

खाद्य और पोषण में एम.एससी. की द्वितीय वर्ष की सृष्टि सिन्हा को प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए बी. तारा बाई पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सोनाक्षी गोयल को वस्त्र और परिधान विज्ञान एम.एससी द्वितीय वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए संजम रंधावा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्रुति पोखरियाल को मानव विकास और बचपन अध्ययन में एम.एससी. द्वितीय वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए बाल विकास छात्रवृत्ति पुरस्कार प्रदान किया गया।

बिदिशा दास को विकास संबंधी संचार और विस्तार एम.एससी. द्वितीय वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए दुर्गा देवुलकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

निशा झा और सोमैया बाथला को क्रमशः बी. एड. गृह विज्ञान और बी. एड. विशेष शिक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करने के बी. एन. ऐंडेली पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जैस्मीन कोचर ने डॉक्टरेट और सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में प्रथम स्थान हासिल किया।

यानी गूसैन को बी.एससी. (ऑनर्स) गृह विज्ञान में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए सुबाशनी मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सृष्टि पुरोहित को बी.टेक खाद्य प्रौद्योगिकी में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए कॉलेज पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

प्रकाशन

एस. आनंद, और ए. कुमार, (2016). मानव संचार की गतिशीलता। नई दिल्लीःओरिएंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड,आईएसबीएन –978–81–250–6325–4

एस गोयल, (2016). सतत विकास के लिए संसाधनों का प्रबंधन, ओरिएंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड,, आईएसबीएन –978–81–250–6349–0

अनुसंधान परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय की चार नवाचार परियोजनाओं को जारी रखा गया।

डॉ. रवीन्द्र चड्ढा और डॉ. रेणुका पाठक, यूजीसी द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 'एनसीआर में युवा बीपीओ कर्मचारियों में चयापचय सिंड्रोम का प्रचलन और जोखिम कारकः जीवनशैली प्रबंधन कार्यक्रम का विकास जो इसके परिवर्तनीय जोखिम वाले कारकों पर केंद्रित है' (2013–2016).

डॉ. पूजा गुप्ता, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित परियोजना (डीएसटी) 'निरंतर विकास के लिए ऊर्जा प्रबंधन के संबंध में युवाओं की क्षमता का निर्माण' (2013 से आगे)।

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

संगोष्ठी, 'विकलांगता अध्ययन के लिए अंतःविषय अनुशासन'

संसाधन प्रबंधन और डिजाइन विभाग और कॉलेज के इको–क्लब द्वारा आयोजित संगोष्ठी और कार्यशाला, 'अपशिष्ट प्रबंधनः परिप्रेक्ष्य और चुनौतियां'।

कमला पूरी सभरवाल वार्षिक व्याख्यान ''भारत में महिला और बाल पोषण में सुधार करना, विगत प्रयासों, वर्तमान ध्यान और भविष्य की चुनौतियां।''

संचार शिक्षा विभाग ने साइबर सुरक्षा पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रो. उमर रियाज (पूर्व अध्यक्ष, गवर्निंग बॉडी, लेडी इरविन कॉलेज) ने भारत में मुस्लिम पर्सनल लॉ पर एक व्याख्यान दिया था।

विकास आयुक्त (हथकरघा) और एसीएएसएएच के कार्यालय के सहयोग से कपड़ा परिधान विज्ञान विभाग, वस्त्र मंत्रालय ने तीन दिवसीय हथकरघा उत्सव का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

शिक्षा विभाग द्वारा 20 अप्रैल, 2017 को तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन 'शिक्षा और संस्कृति' पर आयोजित किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

''भारत के शहरी युवाओं में अवकाश और कल्याणः संघर्ष, बातचीत और संकल्प'' अंतर्राष्ट्रीय समाजशास्त्र संगठन, विएना में ।

कला और विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका द्वारा (आईजेएएस) हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित शिक्षण और शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''विश्वविद्यालय स्तर पर सीखने की विशिष्ट अक्षमता वाले छात्रः उनकी चुनौतियों और मुद्दों पर अंतर्दृष्टि'' ।

कला और विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आईजेएएस) द्वारा हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित शिक्षण और शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजित पेस्टर पावरःभारतीय होटल उद्योग में अंतर्दृष्टि''।

शिक्षण और शिक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जो कि हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, यूएसए में आयोजित किया गया था।

यूनेस्को, बैंकाक, थाईलैंड द्वारा सीखने की लचीली रणनीतियों पर एशिया शिक्षा शिखर सम्मेलन में ''पीकेएम परियोजना के माध्यम से अनुभवः विद्यालय से बाहर नशा करने वाले किशोरों के जीवन कौशल का निर्माण करना''।

अजमान, संयुक्त अरब अमीरात में अजमन चौथे अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन में प्रस्तुत– एआईईसी 2016, ''सौर ऊर्जा के माध्यम से ग्रामीण विद्युतीकरणः भारत के छत्तीसगढ़ राज्य से अंतर्दृष्टि''।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

विदेशी छात्रों के विनिमय कार्यक्रमों के लिए मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के साथ समझौता ज्ञापन चल रहा है। सिराक्रुज विश्वविद्यालय न्यूयॉर्क राज्य, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ समझौता ज्ञापन। वर्ष 2016 में बाहर से आने वाले छात्रों ने खाद्य और पोषण विभाग का दौरा किया।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

खाद्य और पोषण विभाग ने कृषि विस्तार, आईसीएआर–आईएआरआई, नई दिल्ली के साथ एक परियोजना ''पौष्टिक सुरक्षा और लिंग सशक्तिकरण को बढ़ाने'' के लिए सहयोग किया।

खाद्य और पोषण विभाग ने श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के साथ मिलकर, जीडब्ल्यूआर (पियानो गायन) में भागीदारी की। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के दो छात्रों को मानवीय प्रदर्शन के लिए समग्र पोषण सेवाओं के लिए 4–6 महीने के डायटेटिक्स और पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में प्रशिक्षित किया गया।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

विस्तार कार्यक्रम के भाग के अंतर्गत संचार शिक्षा विभाग द्वारा वार्षिक युवा शक्ति मेला का आयोजन किया गया था।

संसाधन प्रबंधन और डिजाइन विभाग ने सशर्त आवास और सामाजिक–सांस्कृतिक पर्यावरण के लिए असाइनमेंट के हिस्से के रूप में स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण समाधान के साथ दिल्ली में रहने वाले कुम्हारों के आधारभूत सर्वेक्षण का आयोजन किया।

डायटेटिक्स और पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा छात्रों ने विश्व रिकॉर्ड के गिनीज बुक के लिए, मानवीय प्रदर्शन के लिए संपूर्ण पोषण के लिए सेवाएं प्रदान की हैं।

खाद्य और पोषण में एम.एससी. के छात्रों ने कृषि विस्तार, आईसीएआर–आईएआरआई, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''कृषि–पोषण पर किसान–वैज्ञानिक अंतरफलक'' के भाग के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में लाछोदा गांव, बागपत जिले के किसानों के लिए पोषण संबंधी शैक्षिक गतिविधि में भाग लिया।

पुस्तकालय का विकास

पुस्तकालय निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करता हैः ऋण सेवाएं, ओपीएसी सुविधाएं (ऑनलाइन सार्वजनिक एक्सेस कैटलॉग), इंटरनेट पर ओपीएसी, डेलनेट, संदर्भ सेवाएं, पुस्तकालय–सेवा, इंटरनेट सर्फिंग के लिए फाइबर ऑप्टिक कनेक्टिविटी, डीयू, यूजीसी–आईएनएफएनईटी, इन्फ्लिबनेट जैसे ई–जर्नलों और डेटाबेस की ऑनलाइन खोज सुविधाएं ईबीसी ओ, स्कोपस, जे–स्टोर, स्प्रिंगर, एल्सेवियर, ब्लैकवेल, टेलर और फ्रांसिस और अन्य सार्वजनिक डोमेन डेलनेट (पुस्तकालय नेटवर्क का विकास करना) सीडी–रोम डिजिटल डाटाबेस के माध्यम से कनेक्टिविटी

और खोजः आईएसआईडी, योजना और सांख्यिकीय डाटाबेस, पुनप्रोग्राफिक सुविधाएं (संविदात्मक आधार पर) भी उपलब्ध हैं।

संकाय की संख्या

स्थायी– 50, तदर्थ/अस्थायी संकाय–60

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 24.86 करोड़ रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संचार विभाग ने बिजनेस और कम्युनिटी फाउंडेशन, नई दिल्ली के साथ कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पर अल्पावधि पाठ्यक्रम शुरू किया। व्यापार और सामुदायिक फाउंडेशन भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा मान्यता प्राप्त एक प्रमाणित सीएसआर प्रशिक्षण संगठन है।

सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतिः धारवाड़, कर्नाटक में विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर 31 वें द्विवार्षिक सम्मेलन में रुचि यादवः पहुंच से बाहर पहुंचना।

सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कारः आई. कटारिया, आर. चड्ढा, आर. पाठक, ''जीवनशैली संबंधी विकार–आणविक तंत्र को समझना'' पर शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी।

सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कारः एन. अरोड़ा और एस. शेखरी, 11 वें अंतर्राष्ट्रीय परिधान और होम टेक्सटाइल्स पर सम्मेलन में।

एच. कौर और एस. गोयल द्वारा प्रस्तुत पत्र, ई–कचरा प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशित सर्वोत्तम पांच शोध पत्रों में से चुना गया था, एक्सएलआरआई, टाटा नगर, जमशेदपुर।

***

लक्ष्मीबाई कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

लक्ष्मीबाई कॉलेज ने परिसर के अंदर सभी लेनदेन करने के लिए आरएफआईडी कार्ड की शुरुआत के साथ विमुद्रीकरण से पहले ही कैशलैस होने वाला दिल्ली विश्वविद्यालय में और संभवतः भारत में भी अपनी तरह का पहला कॉलेज बनते हुए उच्च शिक्षा में तकनीकी प्रगति में एक अच्छी छलांग लगाई है। कॉलेज के अपने स्वयं के मोबाइल एप, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, इंटरैक्टिव स्मार्ट बोर्ड, सूचना कियॉस्क है जो विभिन्न क्षेत्रों में इसका मजबूत आधार बनाता है। इस वर्ष के मुख्य आकर्षणों में से एक पहला पुस्तक मेला था, जो यह दिखाता है कि कैसे डिजिटल विश्व को प्रिंट की स्थायी शक्ति के साथ संतुलित किए जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा हमने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अपने छात्रों के लिए एक सप्ताह का एक कैंप भी आयोजित किया और एक दो–दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर और रक्तदान शिविर भी कॉलेज की सीएसआर–पहल के रूप में आयोजित किया गया। खेल के मैदान से लेकर इंटर कॉलेज प्रतियोगिताओं तक, लक्ष्मीबाई कॉलेज एथलेटिक्स, क्रॉस कंट्री, बेसबॉल, सॉफ्टबॉल, पॉवर–लिफ्टिंग, वेट–लिफ्टिंग और योग सहित सात खेलों में चैंपियन के रूप में उभरा है।

सम्मान/विशिष्टताएं

वेज द्वारा प्रदत्त ग्रीन कैंपस पुरस्कार।
अपने प्रदर्शन के आधार पर, देशभर में 334 सर्वश्रेष्ठ विसाका स्वयंसेवकों में तीन छात्रों का चयन किया गया।
लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से 400 संस्थानों में स्थान बनाने वाला एकमात्र कॉलेज था।
डॉ अनीता मल्होत्रा को उच्च शिक्षा विभाग, जीएनसीटीडी, 2016 द्वारा प्रतिभाशाली कॉलेज शिक्षक पुरस्कार दिया गया।

विशिष्टता प्राप्त छात्र

रेणुका, बीए (आनर्स)गणित तृतीय; शजगुन, बीकॉम (आनर्स) तृतीय दिव्या सूरी, बीए (आनर्स) अर्थशास्त्र तृतीय; अंशु ग्रादे, बीएससी (आनर्स)गणित द्वितीय; रिचा, बी ए संस्कृत (आनर्स) प्रथम शैक्षिक विशिष्टता प्राप्त करने वाले छात्र हैं।
पूजा गुप्ता और फातिमा ने योग में स्वर्ण पदक जीता।
एथलेटिक्स में लक्ष्य शर्मा, क्रॉस कंट्री में सरोज, नेटबॉल में संजना, अंजलि और निधि ने कांस्य पदक जीता।
पॉवरलिफ्टिंग में प्रीति; वेटलिफ्टिंग में दीपिका; और योगा में दिव्या अग्रवाल ने अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में रजत पदक जीता।
एथलेटिक्स में हथौड़ा फेंक में लक्ष्य शर्मा बेसबॉल में मनीषा चौधरी, चेतना शर्मा, अर्चना, प्रीतम कौर, ज्योति और कविता और सॉफ्टबॉल में अर्चना, प्रीतम कौर, निर्मला प्रजापति, अंजलि रावत और ज्योति ने अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में कांस्य पदक जीता।
वंदना, कीर्ति और दीपा ने उत्तर–जोन इंटर–यूनिवर्सिटी प्रतियोगिताओं में क्रिकेट में तीसरा स्थान हासिल किया।

प्रकाशन

एस. गौबा, (2017) बजट 2017: सबका घर हो अपना, गुड़गाँव टुडे (हिन्दी समाचार पत्र): 4.
एस. गौबा, (2017) सूझ बूझ से करें निवेश। गुड़गाँव टुडे (हिन्दी समाचार पत्र): 4.
आर कौल (2016).बाल अधिकार और स्कूल के बाहर के बच्चे, नई दिल्ली प्रतिशत ज्ञान पब्लिशिंग हाउस।
आर. कौल (2016) महिलाएं एवं उच्च शिक्षाः मुद्दे एवं आगे का मार्ग, इंडियन जर्नल ऑफ ह्युमन रिलेशन्स, 49–50
एस. कौशिक (2016–17). शारीरिक प्रशिक्षण के प्रगतिशील और निरंतर भार के कारण दिल्ली विश्वविद्यालय के पुरुष छात्रों के चयनित स्किनफोल्ड मापन में प्रतिशत परिवर्तन। ह्युमैन किनेटिक्स
एस. कौशिक (2016–17). समकालीन संदर्भ में साहित्यिक चोरी (लेखन में नैतिकता संबंधी मुद्दे) समकालीन संदर्भ में वैदिक साहित्य में नैतिकता की अवधारणा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। (पृष्ठ : 548–553)
ए. मल्होत्रा (2016)। डाइट बाइट। इंडियन डायटैक्टिक्स ऐसोसिएशन, दिल्ली चैप्टर।
आर. नांगिया, स्टॉक मार्केट में निवेश। नई दिल्लीः एनी बुक्स प्रा. लि.।
उज्जयिनी, (2017) भारत का बाहरी क्षेत्रः हालिया अतीत में चालू खाता घाटे में रुझान। गीता सिंह (संपा.), भारत और पहचान के पश्चिमी पहलू। नई दिल्लीः कला प्रकाशन।
पी. वत्सला (2016). मानवाधिकार व्यवस्थाःसंवाद और बहस। नई दिल्लीः ज्ञान पब्लिशिंग हाउस।

अनुसंधान परियोजनायें

डॉ. अलका हरनेजा, लक्ष्मीबाई कॉलेज द्वारा 2016–17 में वित्त पोषित परियोजना, ''कॉलेजों में छात्रों का सामूहिक स्वास्थ्य बीमाः मुद्दे और चुनौतियां।'' 5000 रुपए।
डॉ. रेखा कौल, 2016–17 में लक्ष्मीबाई कॉलेज द्वारा वित्त पोषित '' भारत में आयोजित क्षेत्र में श्रम कानून का अध्ययन'', 5000 रुपए।
डॉ. अनिता मल्होत्रा, लक्ष्मीबाई कॉलेज द्वारा 2016–17 में वित्त पोषित परियोजना, 'एक फूड प्लाजा न्यूट्री बाइट' स्थापित करना 5,000 रुपए।

डॉ. अनिता मल्होत्रा, लक्ष्मीबाई कॉलेज द्वारा 2016–17 में वित्त पोषित परियोजना, 'मिल्लेट आधारित व्यंजन विधियों पर परियोजना रिपोर्टः सेवोरीज एंड स्वीट्स' 5,000रुपए।
डॉ. अमृता शिल्पी, ग्रेजुएट वुमेन अंतर्राष्ट्रीय (सीएचएफ 1900) द्वारा 2016–17 में वित्तपोषित परियोजना, 'शिक्षा और य2आय सृजन परियोजनाओं के माध्यम से महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण' 5 लाख रुपए।
डॉ. रेखा कौल और डॉ. अनिता मल्होत्रा, आइसीएसएसआर द्वारा 2016–17 में 1.5 लाख रुपए के लिए वित्तपोषित परियोजना,' 'महिलाएं और विकासः मुद्दे और चुनौतियां'।

आयोजित संगोष्ठियां
3 फरवरी 2017 को "भारत की बौद्धिक परंपरा की दृष्टि से मानविकी और सामाजिक शास्त्र को उपनिवेश मुक्त करने की आवाश्यकता" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रख्यात वक्ता 'इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, शिमला की अध्यक्ष, प्रोफेसर चंद्रकला पडिया थीं।
"गैर शिक्षण स्टाफ के लिए क्षमता निर्माण" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 22–23दिसंबर 2016 को किया गया।

आयोजित सम्मेलन
दक्षिण कोरिया की संस्था अंतर्राष्ट्रीय महिला शांति समूह के साथ 'युवाओं और महिलाओं' पर अंतर्राष्ट्रीय शांति संम्मेलन का सह संयोजन, जामिया मिलिया इस्लामिया में किया गया।
सम्मेलन, ''उच्च शिक्षा में नवाचार शिक्षण, शिक्षा, मूल्यांकन और अनुसंधान'' 15 से 21 दिसम्बर 2016 को आयोजित किया गया था।
आईसीएसएसआर प्रायोजित सम्मेलन, ''महिला और विकासः मुद्दे और चुनौतिया'' 3–4 मार्च 2017 को आयोजित किया गया।

संगोष्ठियों/ सम्मेलन में प्रस्तुति
रेखा कौल ने, लक्ष्मीबाई कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय में 3 मार्च 2017 को आयोजित आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "महिलाएं और विकासः मुद्दे और चुनौतियां" में ''महिला और विकासः एक सिंहावलोकन'' शोध पत्र प्रस्तुत किया।
लता शर्मा ने आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज मे 3–4 मार्च, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "महिलाएं और विकासः मुद्दे और चुनौतियां" में ''ओलंपिक में महिला भागीदारी का पुनरीक्षण" शोध पत्र को सह–प्रस्तुत किया।
अल्का हरनेजा ने आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज मे 3–4 मार्च, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "महिलाएं और विकासः मुद्दे और चुनौतियां" में ''भारतीय निगमन में महिला केंद्रित मानव संसाधन नीतिया'' शोधपत्र प्रस्तुत किया।
अनीता मल्होत्रा ने 4 मार्च, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "महिलाएं और विकासः मुद्दे और चुनौतियां" में ''लिंग आधारित और पोषण असमानता का समाधान – छत्तीसगढ़ के सर्गुजा जिले के आदिवासी ब्लॉकों में फुलवाड़ी योजना का एक अध्ययन" शोध पत्र प्रस्तुत किया।
सुचेता चतुर्वेदी ने आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज मे 3 मार्च, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''महिलाएं और विकासः मुद्दे और चुनौतियां" में शोध पत्र ''बलात्कार कानूनों की अपर्याप्तताः एक साहित्यिक परिप्रेक्ष्य'' प्रस्तुत किया।
दीबा जाफिर ने इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी, जे.एन.यू में 14–16 सितंबर 2016 को हुई पांचवीं आईएटीआईएस दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय कार्यशाला ''संस्कृतियों के पार विकलांगता का अनुवादः आधुनिक भारतीय लघु कहानी में विकलांगता का अनुवाद और प्रतिनिधित्व''में शोध पत्र ''एक अनुकूल प्रिज्मः चयनित उर्दू लघु कथाओं में विकलांगता परिदृश्य'' प्रस्तुत किया।

सीमा कौशिक ने आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज मे 3–4 मार्च, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''महिलाएं और विकासः मुद्दे और चुनौतियां" में ''ओलंपिक में महिलाओं की भागीदारी पर पुनर्विचार'' शोधपत्र प्रस्तुत किया।

बबीता वर्मा 3–4 नवंबर, 2016 को बर्लिन लेगे विश्वविद्यालय में ह्यूगो सम्मेलन में ''जलवायु परिवर्तन प्रवासन और लैंगिक विषमता'' शोधपत्र प्रस्तुत किया।

गीता आर्य ने आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज मे आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''महिलाएं और विकासः मुद्दे और चुनौतियां" में 3 मार्च, 2017 को ''अठारहवीं शताब्दी में अवधी सूफी कथाः नूर मुहम्मद द्वारा महिलाओं और संस्कृति का प्रतिनिधित्व'' शोधपत्र प्रस्तुत किया।

ए पोर्सेलवी ने "आरंभ से स्थिरता तक– प्रयास और चुनौतियां" पर पाँचवें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन में ''पर्यावरणीय प्रकटीकरण और दृढ़ प्रदर्शन के बीच संबंध – भारत में स्टील उद्योग का एक अनुभवजन्य विश्लेषण'' शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अनू छाबड़ा ने 22–24 दिसम्बर 2016 के दौरान आयोजित मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर में अंतःविषयक गणित, सांख्यिकी और गणनात्मक तकनीक (आईएमएससीटी 2016–एफआईएमएमएक्सएवी) पर 25 वीं रजत जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''बहु स्तरीय वैकल्पिक असंबंधित प्रश्न आरआरटी मॉडल'' शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज मे आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''महिलाएं और विकासः मुद्दे और चुनौतियां" में 3 मार्च, 2017 को सबरीना सरीन ने ''भारतीय परिधान उद्योग में महिला श्रमिकः चुनौतियां और सिफारिशें'' शोध पत्र प्रस्तुत किया।

उमा ने 19 मार्च, 2016 को आयोजित एक संगोष्ठी सह संवादात्मक कार्यशाला "उद्यमशीलताः महिलाओं के सशक्तिकरण की कुंजी" में,''21 वीं सदी में 'लापता महिला' के लिए विकल्प एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

उमा ने, ''महिलाएं और विकासः मुद्दे और चुनौतियां'' पर दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज में 3–4 मार्च, 2017 आयोजित दो दिवसीय आईसीएसएसआर–प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''भारत में लापता होती महिलाएं चुनाव या असमानता द्वारा'' शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अमृता शिल्पी, राजश्री रॉय और गोबिना ने 14–15 दिसंबर 2016 को श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित डब्ल्यूडीसी राष्ट्रीय सम्मेलन 2016 'लिंगभेद और लोकप्रिय संस्कृतिः प्रतिनिधित्व और अवतरण' में शोध पत्र ''ब्लीडिंग वुमनः हू केयर'' प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

वुमन एंड लीगल लिट्रेसी (ड्ब्ल्यूएलएल) दिल्ली स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (डीएसएलएसए) और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों (आईएफआरएस) के सहयोग से काम करता है।

अर्नस्ट एंड यंग के सहयोग से भारतीय लेखा मानक (इंडैस) पाठ्यक्रम चलाया जाता है।

पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से चीनी भाषा में एक साल का प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (सीपी–1), जापानी भाषा में एक साल का सर्टिफिकेट कोर्स (जेपी–1) कराया जाता है।

एमएफए (म्यूचुअल फंड एजेंट) पाठ्यक्रम टीम लीज (एनएसडीसी) के साथ सहयोग में चलाता है और एनआईआईटी के सहयोग से दो और कोर्स–'वर्किंग विद एमएस ऑफिस ' और एडवांस एक्सेल चलाया जाता है'

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र – 121

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 4

विस्तार और पहुँच गतिविधियां प्रतिशत

कॉलेज के छात्रों ने एनएसएस और एनसीसी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखा। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर कॉलेज के लिए विभिन्न प्रशस्तियां प्राप्त की।

कॉलेज उन छात्रों को शिक्षा की सुविधा प्रदान करने के लिए एनसीडब्ल्यूईबी और इग्नू केंद्र चलाता है जो नियमित कॉलेज का हिस्सा बनने में सक्षम नहीं हैं, लेकिन फिर भी ज्ञान की खोज में हैं। छात्रों के परिणाम इस शैक्षणिक वर्ष में भी संतोष जनक रहे हैं।
जनवरी, 2017 में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर–क्रीमी लेयर) और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए अंग्रेजी संचार और व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम के 40 घंटे का प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम, लागू किया गया।

पुस्तकालय विकास
कॉलेज लाइब्रेरी समिति लाइब्रेरी में सुधार करने और अपना पुस्तक संग्रह बनाने में सक्रिय रूप से कार्यरत है। पुस्तकालय में अब छात्रों और शिक्षकों के लिए अपने स्मार्ट आई–कार्ड के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। समिति ने 08 फरवरी, 2017 को पुस्तक मेला आयोजित किया। इसमें कई प्रकाशकों और पुस्तक वितरकों ने भाग लिया। यह छात्रों और शिक्षकों के लिए समृद्धिकारक अनुभव था।

संकाय की संख्या
स्थायी – 91, तदर्थ –70

वित्तीय आवंटन और उपयोग
आबंटित अनुदान – रु 20.75 करोड़
उपयोग– रु 20.75 करोड़

****

लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ
शैक्षणिक वर्ष 2016–17 के दौरान कई गतिविधियां आयोजित की गईं। इस वर्ष के आमंत्रित वक्ताओं में विश्व बैंक के अध्यक्ष डा. यम योंग किम की उनके इंटरैक्टिव सत्र के लिए सराहना की गई। यह कार्यक्रम एनडीटीवी के सहयोग से अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) ने भी संगोष्ठी का आयोजन किया था। कक्षाओं में गुणवत्ता के शोध को बढ़ाने और शैक्षणिक तरीकों में सुधार लाने में विभिन्न तकनीकी उपकरणों की भूमिका और उनकी उपयोगिता पर विचार–विमर्श किया गया। कॉलेज ने नवंबर 2016 में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के सहयोग से सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2016 मनाया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पंजाब नेशनल बैंक ने शिक्षकों को बैंक में महिलाओं के लिए उपलब्ध विभिन्न डिजिटल योजनाओं को समझने के लिए एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया। ''अदृश्य हाथ से आगे की सोचः वैकल्पिक विकास मिसालों की खोज'' विषय पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विद्यार्थी संगोष्ठी आयोजित किया गया था। इकॉनविस्टा में विभिन्न स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कॉलेजों से बड़ी संख्या में भागीदारी हुई और यह बौद्धिक रूप से उत्तेजक साबित हुए । प्राथमिक शिक्षा विभाग ने स्कूल गणित शिक्षकों और शिक्षकों के शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जिसका विषय था "गणित शिक्षा में नवाचार वर्तमान रुझान और मुद्दे" दिल्ली एनसीआर के विद्यालयों के लगभग 100 शिक्षकों और विभिन्न कॉलेजों के 20 शिक्षकों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन के पूर्ण वक्ता और पैनलिस्ट ने चार मुख्य विषयों पर बात की: गणित कक्षाओं में अभिनव प्रथाएं, गणित के शिक्षण और सीखने में तकनीक की भूमिका, शिक्षक ज्ञान और पेशेवर विकास और गैर–औपचारिक रिक्त स्थान में अभिनव गणितीय प्रथाएं।

सम्मान / विशिष्टताएं
माया जोशी को फिलाडेल्फिया विश्वविद्यालय में फुलब्राइट फैलोशिप से सम्मानित किया गया।
डॉ. सुनालिनी कुमार को 2016–17 से फुलब्राइट नेहरू पोस्ट डॉक्टरेटल फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

सुश्री आरती मिनोका अप्रैल–जून 2016 में जेएनयू और किंग्स कॉलेज, लंदन के बीच स्नातकोत्तर अनुसंधान एक्सचेंज फैलोशिप पर थीं।
डा. शेरनाज कामा को यूनेस्को पारजोर के मानद निदेशक के रूप में सम्मानित किया गया था और भारत सरकार के एवरलास्टिंग फ्लेम अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में भी नियुक्त किया गया, जो जोरास्ट्रियनों के समुदाय पर दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। इस घटना ने तीन शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ–साथ ''नई सहस्राब्दी में जोरोस्ट्रियनवाद'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को जोड़ा।
सुश्री त्रिप्ती बस्सी ने विश्व शांति के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स (रोजगार सृजन करने वाली महिला एजेंसी) द्वारा आयोजित विश्व जनसंख्या दिवस और विश्व महिला सशक्तिकरण शिखर सम्मेलन के अवसर पर 11 जुलाई 2017 को राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण और विकास पुरस्कार प्राप्त किया।
डॉ. जनाकी बी. घोष को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में 11 जुलाई 2017 को विश्व महिला सशक्तिकरण शिखर सम्मेलन और विश्व शांति (संयुक्त राष्ट्र – ईसीओएसओसी, यूनेस्को, यूनिसेफ से संबद्ध) के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिला।
सुश्री मीनाक्षी पाहूजाः
वर्ष 2016 में लिम्का बुक रिकॉर्ड धारक बन गई। उन्हें दो प्रमाण पत्रों से सम्मानित किया गया, एक मैनहट्टन 28.5 मील की दौड़ को सफलतापूर्वक पार करने वाली पहली भारतीय होने के लिए और दूसरा दक्षिण अफ्रीका के प्रसिद्ध आइकॉनिक रोबेन द्वीप तक सफलतापूर्वक तैरने के लिए।
प्रतिष्ठित पीएचडी चैंबर स्पोर्ट्स अचीवर्स अवॉर्ड फॉर ओपन वाटर्स से सम्मानित– अगस्त 2016– नई दिल्ली और मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स अवार्ड्स एक्जीलेंस एंड ओपन वाटर्स /स्विमिंग में योगदान– अक्टूबर। '2016 नई दिल्ली।
भारतीय राष्ट्रीय शिक्षक कांग्रेस (आईएनटीईसी) द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय का सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार दिया गया। उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षक के रूप में उनके योगदान और खुले पानी की दुनिया में उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मान दिया गया।

तिनका तिनका तिहाड़, तिहाड़ कैदियों द्वारा गाये गए इस गीत की अवधारणा, निर्माण, और निर्देशन वर्तिका नंदा द्वारा किया गया है। यह गीत लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया, यह लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में उनकी दूसरी प्रविष्टि है। यह गीत श्रीमती सुमित्रा महाजन, अध्यक्ष, लोक सभा द्वारा 2015 में जारी किया गया था।

विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी
संस्कृत विभाग की कविता शुक्ला, रोशन आरा, अकांक्षा श्रे, रचना, प्रिया कौशिक, अरुशी निगर और जुही कुमारी को दिल्ली संस्कृत अकादमी ने प्रतिभा पुरस्कार प्रदान किया।
एनसीसी की मोनिका बनर्जी ने वियतनाम में 2016 में यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व किया।
इमान रहमान और यशा स्प्रिहा को यूएस स्टेट डिपार्टमेंट द्वारा वित्त पोषित ''यूएस इंस्टीट्यूट्स (एसयूएसआई) प्रोग्राम'' के लिए चुना गया। इमान ने वाशिंगटन, सिएटल विश्वविद्यालय में मीडिया ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में भाग लिया जबकि यशा यूनिवर्सिटी ऑफ कैनसस में महिला नेतृत्व संस्थान में एक प्रतिनिधि थी।
संजना सेहरावत ने कांस्य पदक हासिल किया और उनकी टीम ने शूटिंग हॉप्स, चेक गणराज्य की 26वीं प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
आशी रास्तोगी को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ और एशियाई एयर गन शूटिंग चैंपियनशिप में उनकी टीम को कांस्य पदक मिला। कुवैत में एशिया शूटिंग चैम्पियनशिप में एक टीम स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने जूनियर आईएसएसएफ विश्व कप, जर्मनी में एक रजत पदक और अजरबेजान में जूनियर आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में टीम का कांस्य जीता।
नयनी भारद्वाज ने एशियाई एयर गन चैंपियनशिप के साथ–साथ कुवैत में एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया।

प्रकाशन

एस. कामा (2016) निरंतरता के सूत्रः जोरास्थ्रियन जीवन एवं संस्कृति। नई दिल्लीः अल्पसंख्यक मामलों की यूनिस्को–पराजोर–मिनिस्ट्री आईएसबीएनः 970–81– 910957–2–2
एस. सरदाना (2017) ई–मार्केटिंग। नई दिल्लीः गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी आईएसबीएनः 9789386184214
जे. डी. दरबारी, वी. अग्रवाल, के. गोविंदन और पी.सी .झा (2017) पर्यावरण–कुशल बंद लूप आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क में आपूर्तिकर्ताओं के अधिकतम चयन और परिवहन निर्णयों के लिए फजी बहुउद्देशीय दृष्टिकोण। स्वच्छ उत्पादन की पत्रिकाए 165, 15989 –1 9
के. पी. घई (2017) कुछ वैदिक शब्दों की औषधीय व्याख्या। क्वेस्ट इंटरनेशनल मल्टी डिसिपिनेरी रिसर्च जर्नल 6 (1), 1–4
एम कुमार, एस. सिंह, के. शर्मा, आर. सिंह, वी. रवि और जे.भट्टाचार्य (2017) प्रतिकूल भ्रूण परिणामः क्या पहली तिमाही का अल्ट्रासाउंड और डॉपलर बायोमार्कर की तुलना में बेहतर भविष्यवाणी है? मातृ–भ्रूण और नवजात चिकित्सा की पत्रिकाए 30 (12), 1410–1416
एस. मदान, और जे. बी. अरोड़ा (2016) लेनदेन और भुगतान प्रणालियों को सुरक्षित करना एम–कॉमर्स नई दिल्लीः आईजीआई ग्लोबल आईएसबीएनः 9781522502364
वी नंदा (2016) तिनका तिनका दसना। नई दिल्लीः तिनका तिनका फाउंडेशन। आईएसबीएनः 978–93–5265–730–8
एस. सहगल (2017) नियोगः प्रारंभिक भारत में वंश के लिए वैकल्पिक तंत्र, एक सामाजिक–ऐतिहासिक जांच, दिल्लीः प्राइमस बुक्स।
एन. सिंह (2016) आउटवर्ड एफडीआई प्रकार और स्वामित्व मोडः घरेलू देश के निर्यात पर प्रभाव ध्यानः अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की पत्रिका। 3 (2), 11–34
के. वर्मा (2016) हिंदी में शेक्सपियर का सुखांत नाटकः अनुपयुक्त भाषा और कथ्य नई दिल्लीः ईपीएच आईएसबीएनः 9 789350736104

कॉलेज द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएंः
एक्लेट (गणित विभाग)
इजतिहाद (इतिहास विभाग)
सेहर (प्राथमिक शिक्षा विभाग)
जब्बरवॉक (अंग्रेजी विभाग)
तेजस (संस्कृत विभाग)
लर्निंग कर्व (मनोविज्ञान विभाग)
इकोलोक्विल (अर्थशास्त्र विभाग)
कॉमकोर्ड (वाणिज्य विभाग)
सबब (राजनीति विज्ञान विभाग)
नोएसिस (दर्शनशास्त्र विभाग)
फील्डवर्क जर्नल (समाजशास्त्र विभाग)

संपादक मंडल के सदस्य और संपादक के रूप में कार्यरत अध्यापक : 4
अनुसंधान परियोजनाएं
यूजीसी द्वारा स्वीकृत परियोजना, डॉ. सुमन शर्मा, वर्ष 2016 में ''जलवायु परिवर्तन'', 2.5 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां
संगोष्ठी, 25 मार्च, 2017 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा के शैक्षणिक अभ्यास में एकीकृत डिजिटल प्रौद्योगिकी।
संगोष्ठी, 1 अक्टूबर, 2016 को आयोजित ''राजनीति का समाचारः प्रमुख विचारधारा का निर्माण''।

संगोष्ठी, ''पोलपोरी'' 31 मार्च से 1 अप्रैल, 2017 तक आयोजित।
संगोष्ठी, ''एनिग्मा'' 3 और 4 मार्च, 2017 को आयोजित।
संगोष्ठी, ''संस्कृति 17'' 10 और 11 फरवरी, 2017 के दौरान संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित।

आयोजित सम्मेलन

राष्ट्रीय सम्मेलन, ''गणित शिक्षा में नवाचारः वर्तमान रुझान और समस्याएं'' स्कूलों के गणित शिक्षकों और शिक्षकों के प्रशिक्षकों लिए 3 और 4 मार्च 2017 के दौरान आयोजित।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ (केवल चयनित)

सुमन शर्मा को 4 से 6 अगस्त, 2016 तक केरल में मलककरा में ''श्री आत्मानंद मेमोरियल स्कूल में चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की चर्चा'' में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

सुमन शर्मा को 12 जनवरी, 2017 को नई दिल्ली में ''हार्वर्ड दक्षिण एशिया संस्थान द्वारा आयोजित'' दक्षिण एशिया के लिए प्रासंगिक वैश्विक मुद्दों पर शिक्षण और शोध'' पर पैनल चर्चा में आमंत्रित किया गया।

अरविंद कुमार ने ''डिजिटल वर्ल्ड में मार्केटिंग रणनीतियों'' पर एक सत्र की और 24 फरवरी, 2016 को एमिटी बिजनेस स्कूल, एमिटी यूनिवर्सिटी, हरियाणा द्वारा आयोजित ''न्यू डिजिटल एजः रेसिपिंग स्ट्रटेजीज'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की।

मधु ग्रोवर ने इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ एड्वांस्ड स्टडी शिमला में किपलिंग सोसायटी, यूनाइटेड किंगडम के साथ मिलकर 26 से 28 अप्रैल 2016 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत में किपलिंगः किपलिंग में भारत'' में शोध पत्र ''ऑन द एजःद कोन्युन्ड्रम ऑफ किप्लिंगज अम्बिलेन्ट फिक्शन'' प्रस्तुत किया।

आर्ती मिनोचा ने 5 और 6 दिसम्बर 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय में दलित अध्ययन केंद्र, हिंसा, याद्दाशत और ट्रामा के अध्ययन केन्द्र और अकादमिक अनुवाद केंद्र और अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित ''अंतर–एशियाई यात्रा परियोजना कार्यशाला में ''भारतीय आंखों से इंग्लैंड लेखन'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

माया जोशी ने एक आमंत्रित वक्ता के रूप में 17 से 19 मार्च, 2017 को ''नालंदा वार्ताः बीसवीं सदी में बौद्ध धर्म राजगीर, परिप्रेक्ष्य और उत्तरदायित्व को वैश्विक चुनौतियों और संकट" पर बिहार में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र,''बौद्ध शांतिः कुछ प्रश्न'' प्रस्तुत किया।

जोनाथन कोशी वर्गीस को 8 मार्च, 2017 को भारत अरब सांस्कृतिक केंद्र और अंग्रेजी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित ''ट्रांस्लेटिंग/ट्रांसक्रिएटिंग ट्रैवल एंड लाइफ ''राइटिंग्स'' फ्राम द अरब वर्ल्ड इन विजुअल मोडस" पर एक अंतर्राष्ट्रीय संस्मरण में एक विशेष चर्चाकर्ता और वक्ता के रूप में अपना पत्र ''आफ्टर द लास्ट स्काई एंड रीडिंग द फोटोग्राफ''" पेश करने के लिए आमंत्रित किया गया ।

स्मृति शर्मा ने 19 से 21 नवम्बर, 2016 तक तिरुपति, आंध्र प्रदेश में आयोजित सातवें अंतर्राष्ट्रीय सीईएसआई (भारत की समकालीन शिक्षा सोसाइटी) सम्मेलन में ''तुलनात्मक शैक्षिक गंतव्यः दर्शन, दुविधा और चुनौतियां''में ''शिक्षकों को स्वयं पर प्रतिबिंबित करने के लिए तैयार करनाः रिश्तों में बदलाव और शिक्षक संगठन बनाना" नामक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया,।

जोनाकी घोष ने गुजरात के अतुल विद्यालय, अतुल, गुजरात में 26 से 28 दिसम्बर, 2016 तक आयोजित एक सम्मेलन में एसोसिएशन ऑफ मैथमेटिक्स टीचर्स ऑफ इंडिया(एएमटीआई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित वक्ता के रूप में ''विकासशील छात्रों को गणितीय सोच प्रौद्योगिकी के माध्यम से विकसित विचार'' के बारे में बताया।

तृप्ती बस्सी ने 14 से 16 दिसम्बर, 2016 तक तिरुपति में आयोजित सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''तुलनात्मक शैक्षिक गंतव्यः

दृष्टि, दुविधा और चुनौतियां'' में ''शिक्षा जाति और लिंग असमानताः सिख कन्या महाविद्यालय'' का एक अध्ययन प्रस्तुत किया।

प्रीति प्रकाश प्रजापति को नवंबर 2016 में ऑल इंडिया रेडियो के कार्यक्रम ''रचनात्मक अभिव्यक्ति और साहित्यिक व्याख्यान'' में ''शरतचंद्र के लेखन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व'' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

कंचन वर्मा ने 27 से 29 दिसंबर 2016 तक अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी सम्मेलन ''सोसाइटी, कल्चर एंड मोरैलिटीः ईस्ट एंड वेस्ट'' के दौरान एक पत्र ''रेंडरिंग मोरैलिटीः शेक्सपियर्ज किंग लीयर'' प्रस्तुत किया।
सुचेता नायक ने गणित विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (आईसीआरएएमटीए –2016) राजस्थान 10 से 12 जुलाई 2016 तक द्वारा आयोजित ''गणित और उनके अनुप्रयोगों में हालिया विकास'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना पत्र "गैर–अक्षीय एकल सीमा मान मूल्य समस्या की प्रणाली के लिए परिवर्तनीय जाल विच्छेदन" प्रस्तुत किया।
कृष्णा मेनन ने 17 मार्च, 2017 को एक पैनल ''नारी शरीर अैर इसकी सुगंधः दक्षिण एशिया में समझौते, हिंसा एवं प्रतिरोध'' की अध्यक्षता की, और कनाडा के टोरंटो में एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र ''भारतीय लोकतंत्र के अनेक निकाय'' प्रस्तुत किया।
स्नेहिल कैकर ने 14 और 15 फरवरी, 2017 को बौद्ध अध्ययन विभाग, कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय और राजनीतिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "समकालीन भारत में डॉ. अंबेडकर की विचारधारा की प्रासंगिकता" में शोधपत्र ''21 वीं सदी में डॉ. अम्बेडकर के अंतर–अनुशासनिक दृष्टिकोण का मूल्यांकन अनुसंधान और इसकी प्रासंगिकता" प्रस्तुत किया। ।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन
भारतीय/ विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन –10

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र
आने वाले –10
बाहर गए –11
नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्र –120(26.67प्रतिशतः)
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 72

विस्तार और पहुँच गतिविधियां
समानता, उपयोग, क्षमता और मानवता की पुष्टि करने का संक्षेप रीच, एक ऐसी पहल है जिसने 2002 में शैक्षणिक उत्कृष्टता और एक्सेस (एफएईए) फाउंडेशन से समर्थन से एलएसआर में शुरू किया गया था। रीच (आरईएसीएच) कॉलेज के समान अवसर सेल के रूप में कार्य करता है। रीच ने एक समग्र मंच प्रदान करने के उद्देश्य से पूरे साल विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया ताकि छात्र अंतर और विविधता का जश्न मनाते हुए एक समुदाय का हिस्सा बनने की क्षमता विकसित कर सकें।
रीच ने क्रमशः 8 सितंबर, 2016 और 23 सितंबर 2016 को श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स और इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वूमेन का दौरा किया। यह भ्रमण मुख्य रूप से अधिक अक्षम–अनुकूल प्रौद्योगिकी और अधिक सुलभ बुनियादी सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए किया गया जो एलएसआर के मुकाबले इन कॉलेजों में अधिक हैं। इन दोनों कॉलेजों में पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों की संख्या बहुत अधिक है, जिनके लिए उनके पास असंख्य सुविधाएं उपलब्ध हैं और हम उनके बारे में जानना चाहते हैं।

केपीएमजी के सहयोग से रीच ने पुरानी दिल्ली में सर्राफ अस्पताल में दृष्टि विकलांगता वाले छात्रों के आँखों की जांच की गई। व्हाइट केन दिवस के अवसर पर, रीच ने प्लानेटा एबलेड की संस्थापक नेहा अरोड़ा के साथ एक बात भी की। हर साल 15 अक्टूबर को पूरे विश्व में व्हाइट केन दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य यह संदेश व्यक्त करना है कि विकलांग व्यक्ति एक स्वतंत्र जीवन व्यतीत कर सकता है। इस प्रकार, 27 अक्टूबर, 2016 को, रीच के सदस्य प्लैनेट एबल्ड के संस्थापक के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र में शामिल हुए।

नेशनल सर्विस स्कीम (एनएसएस) यूनिट ने 25 से ज्यादा एनजीओ के साथ सफलतापूर्वक सहयोग का स्थापित किया है और इसमें 700 से ज्यादा स्वयंसेवकों का एक संगठन है।

2016–17 में एनएसएस की गतिविधियों पर एक दृष्टि

इस वर्ष का मुख्य आकर्षण ''रचनात्मक पुनर्वास एवं पुनर्गठन कार्यक्रम 2016–17'' था जिसे तिहाड़ जेल की महिला कैदियों के लिए आयोजित किया गया था। इस परियोजना में 20 एलएसआर स्वयंसेवकों और 25 से अधिक महिला कैदियों ने भाग लिया। इस परियोजना का उद्देश्य महिला कैदियों को थिएटर और चिंतनशील नृत्य कार्यशालाओं के जरिए रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदान करके और मुख्यधारा में जोड़ना और उनके द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पादों का बाजार में कौशल और विपणन करके उन्हें पुनर्वास प्रदान करना है। यह सहभागी कैदियों के लिए आय उत्पन्न करने के साथ–साथ लोगों में आपराधिक वृत्ति के सुधार के महत्व के बारे में संवेदनशीलता भी प्रदान करता है। अंत में, दिसम्बर में, जेल संख्या 6 की महिला सहकर्मियों ने थिएटर और प्रवाह कला, पेपर क्राफ्ट, डायरी बनाने और सिलाई सहित प्रदर्शन और रचनात्मक कला के लिए व्यावसायिक कौशल (एनएसएस–एलएसआर परियोजना के मार्गदर्शन बस्ताः वेस्ट टू वर्थ) का आयोजन किया गया।

परंपरा का पालन करते हुए, एनएसएस एलएसआर ने अक्टूबर के महीने में एक विशाल और सफल दिवाली मेले का आयोजन किया। जिसके लिए ''नूर'' नाम का सुझाव दिया गया, जिसका लक्ष्य एनएसएस एलएसआर को सभी तक पहुंचाना है। मुख्य अतिथि, सुश्री दक्षिता दास, (सड़क मंत्रालय के संयुक्त सचिव) और श्री शैलेंद्र सिंह (दक्षिण दिल्ली नगर निगम के अध्यक्ष) ने औपचारिक रूप से मेले का उद्घाटन किया, जिसमें 'नूर' की शुरुआत का उल्लेख था। एनएसएस एलएसआर ने तमन्ना, अध्ययन, कोशिश, सीडीपी, इंद्रधनुष, उद्यान केयर, डीसीडब्ल्यूए और शांति सहयोग जैसे विभिन्न एनजीओ के बच्चों ने मेले में हिस्सा लिया।एलएसआर का अपना 'उद्यमशीलता उद्यम, बस्ताः अपशिष्ट से मूल्य' ने 'नूर' में एक स्टाल लगाया और इसे 10,000 रुपए का लाभ हुआ, यह पैसा जमीरपुर गांव की ग्रामीण महिलाओं को आय के रूप में दिया गया।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज पुस्तकालय में पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत उपयोगकर्ता–अनुकूल डेटा फाइलिंग व्यवस्था के साथ लगभग 11,00882 पुस्तकों, 6386 सजिल्द पत्रिकाओं, 1300 रिप्रोग्राफिक सामग्री और लगभग 300 सीडी और डीवीडी का एक अमूल्य संग्रह है। यह कई समाचार पत्रों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए सदस्यता लेता है। पुस्तकालय में एक पुस्तक बैंक अनुभाग है, जिससे छात्र दीर्घकालिक आधार पर पुस्तकें उधार लेते हैं। पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जो पाठ और सामग्री तक पहुंच की सुविधा प्रदान करता है। पुस्तकालय सुबह 8.00 बजे से शाम 8.00 बजे तक खुला रहता है और पूरी तरह से सभी पुस्तकों और सजिल्द पत्रिकाओं के एक त्रुटि मुक्त डेटाबेस के साथ कम्प्यूटरीकृत है, इसे इन–हाउस टीम द्वारा बनाया और संभाला जाता है।

संकाय की संख्या

स्थायी – 101, तदर्थ –44

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आबंटित अनुदान – 22.05 करोड़ रुपए।

उपयोग– 24.72 करोड़ रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. कृष्णा मेनन और डॉ. रचना जौहरी को 2016 में अंबेडकर विश्वविद्यालय से 2 लाख रुपए की राशि प्राप्त हुई। डॉ. श्वेता सिंह को 2015–16 में संयुक्त राष्ट्र महिला और स्विट्जरलैंड के दूतावास से 12,00,000 की राशि मिली। डॉ. जोनाकी बी. घोष को 2016 में नैशनल बोर्ड ऑफ हायर मैथेमैटिक्स, डिपार्टमैंट ऑफ एटोमिक एनर्जी, भारत सरकार से विद्यालय के गणित शिक्षकों के एक राष्ट्रीय सम्मेलन हेतु 2,30,000 रुपए प्राप्त हुए।

***

महाराजा अग्रसेन कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

महाराजा अग्रसेन कॉलेज वर्षों से अपने अनुभव से सीखने और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में सबसे ऊपर आता है। कॉलेज में दाखिला लेने वाले उज्ज्वल और प्रतिभाशाली छात्रों ने इस साल अकादमिक और अतिरिक्त पाठयक्रम गतिविधियों में उल्लेखनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों ने भी बेहतर प्रदर्शन के लिए तेजी से प्रगति की। इस साल आयोजित की जाने वाले कुछ गतिविधियां हैंः वार्षिक दिवस, अभिविन्यास दिवस, योग दिवस, संविधान दिवस, बेटी बचाओ उत्सव, स्वामी विवेकानंद मेमोरियल व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस और युवा, सांस्कृतिक महोत्सव आदि। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किए गए थे। कॉलेज हमेशा विभिन्न नवीन शैक्षणिक तकनीकों के प्रयोग के साथ सह–शैक्षिक विकास में विश्वास करता है, जिसमें सीखने की आवश्यकता होती है। विभिन्न पाठ्यक्रम में छात्र सम्मेलनों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। छात्र कांग्रेस का आयोजन किया गया जहां छात्रों ने बड़ी संख्या में शोध कार्य प्रस्तुत किया। समाज के कमजोर वर्गों से आने वाले छात्रों को कई छात्रवृत्तियां दी गई हैं। कॉलेज सबसे जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है। एनएएसी से 'ए' ग्रेड के साथ, कॉलेज ने इंडिया टुडे नीलसन सर्वेक्षण 2016 में सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों में अपना स्थान बनाए रखा है।

सम्मान / विशिष्टताएं

पी.एचडी से सम्मानितः

अंग्रेजी विभाग की डॉ. अनुपमा जयदेव को अप्रैल 2017 के महीने में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की गई थी। उनकी थीसिस का शीर्षक ''संप्रभुता, राज्य और व्यक्तिः साहित्य में राष्ट्रीय आपातकाल'' था।

अंग्रेजी विभाग की डॉ. गुंताशा तुलसी को अगस्त, 2016 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। थीसिस का शीर्षक था ''औपनिवेशिक आधुनिकीकरण और स्वदेशी पहचान संरचनाः सिख जर्नलों में सिख शिक्षा का एक विश्लेषण (19 00–1920)।''

वाणिज्य विभाग के डॉ रितेश वर्मा को जनवरी 2017 में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा डॉक्टरेट की डिग्री से सम्मानित किया गया था। उनके शोध कार्य का शीर्षक था ''बैंकिंग सुधार और उत्पादकता और दक्षता पर उनका प्रभावः भारत में सार्वजनिक, निजी और विदेशी बैंकों की तुलनात्मक अध्ययन।''

अंग्रेजी विभाग की डॉ. संगीता मित्तल को उनके ''दिल्ली संस्कृतिः एक साहित्यिक परिप्रेक्ष्य'' शीर्षक शोध प्रबंध के लिए डॉ. के एन मोदी विश्वविद्यालय, नेवाई, राजस्थान द्वारा डॉक्टरेट की डिग्री से सम्मानित किया गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

बी ए पाठ्यक्रम के तृतीय वर्ष के अंशु सिंह नें कॉलेज में उच्चतम अंक प्राप्त किये।

बी ए (ऑनर्स) अंग्रेजी तृतीय वर्ष के अभिनव आनंद ने कॉलेज में उच्चतम अंक प्राप्त किये।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनति शास्त्र तृतीय वर्ष की पूजा कसना ने कॉलेज में उच्चतम अंक हासिल किये।

बीए (ऑनर्स) इकोनॉमिक्स तृतीय वर्ष के पारस जसराय ने कॉलेज में उच्चतम अंक हासिल किये।

बी. ए. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स के संतोष कुमार ठाकुर ने कॉलेज में उच्चतम अंक प्राप्त किए।

प्रकाशन

आर कुमार, (2017). वैश्वीकरण के समय में लघु उद्योग क्षेत्रः भारत के लघु उद्योग क्षेत्र का एक अध्ययन। उन्नत अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 4(12), 1439–1444.

एस. राज, पी. गुप्ता, और ओ. सिंह, (2016). बिग डाटा के लिए आर प्रोग्रामिंग पर काम करनाः एक समीक्षा। विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजिनियरिंग में उन्नत अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(7), 272–282.

ओ. सिंह, पी. गुप्ता, आर. कुमार, (2016). साइबर सुरक्षा की दिशा में भारतीय दृष्टिकोण की समीक्षा। वर्तमान इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका टेक्नोलॉजी, 6(2),644–648.

पी.के. श्रीवास्तव, (2016). विरहा बारहमासा में अलगाव और तड़प। दिल्ली विश्वविद्यालय की मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की पत्रिका ,3,43–56.

एस. यादव, आर. अग्रवाल और बी. कौर, (2016). पृथ्वी के सूरज की परिक्रमा दर के आसपास पृथ्वी चंद्रमा प्रणाली के कोणीय दर के कारण एक तुल्यकालिक उपग्रह की परेशानी में अनुनाद। उन्नत खगोल विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 4(2), 68–75.

जी सक्सेना, और आर. मुखर्जी, (2017). इलेक्ट्रानिक्स में हालिया विकास (एनसीआरडीई 2017) पर द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित मतलब का प्रयोग करते हुए वस्तु का पता लगाने और मुद्रा मान्यता के लिए प्रणाली। आईएसबीएनः 978–81–933475–3–9

जी सक्सेना, और आर मुखर्जी, (2016). इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग और शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाईड साइंसेस फॉर विमेन (एसआरसीएएसडब्ल्यू) के इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंस्ट्रुमेंटेशन और इलेक्ट्रॉनिक्स (आरटीआईई) में हालिया रुझानों पर दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन की सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित फ्यूजी लॉजिक का उपयोग करते हुए डिजिटल छवियों पर वॉटरमार्किंग के लिए डाटा–एन्क्रिप्शन तकनीक और एल्गोरिथ्म आईएसबीएन 10ः 1539305422 आईएसबीएन 13ः 978– 1539305422

कॉलेज द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएं — सामाजिक जांच की भारतीय पत्रिका 8(2), जून, 2016.

संपादक/संपादक बोर्ड के सदस्य के रूप में काम करने वाले शिक्षक—03

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ गीतिका जैन सक्सेना, परियोजना यूजीसी द्वारा वित्त पोषित, ''मॉडलिंग, सिमुलेशन और ऑप्टिकल लाभ मीडिया की शुरूआत करके धातव तरंगनिर्देशों पर भूतल प्लाज्मॉन पोलारिटन्स और उनके नुकसान मुआवजे का अनुकूलन''

डॉ अंशुल तनेजा, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना (स्टार अभिनव परियोजना) 'मैक 305 अभिनव परियोजना' नवम्बर, 2017 में पूरी हुई। कार्यस्थल अनुकूलन पर सीआईएमएसी/स्टार इनोवेशन प्रोजेक्ट के अंतर्गत काम करना। (3 साल की परियोजना)

डॉ सुष्मिता रजवार, विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना दिल्ली (स्टार अभिनव परियोजना), ''मैक 301ः दिल्ली प्रवासियों का एक शहरः प्रवासियों की सामाजिक–आर्थिक और राजनीतिक दशाओं का अध्ययन''।

आयोजित सम्मेलन

सम्मेलन, 20 और 21 मार्च, 2017 के दौरान आयोजितत ''प्रवास का अध्ययनः खंडित इतिहास, झूठी कथाएं''।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अमित पुंडीर, राजशेखर मुखर्जी, धर्मेंद्र महतो, गौरव भंडारी और गीतिका जैन सक्सेना ने 22 से 24 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित बेतार संचार पर, सिग्नल प्रोसेसिंग और नेटवर्किंग (वाईएसपीएनईटी 2017), पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''आकृति विज्ञान के लिए एक मजबूत एल्गोरिथ्म, स्थानिक छवि छनन और चरित्र वर्णन निष्कर्षण और मानचित्रण वाहन संख्या प्लेट मान्यता के लिए कार्यरत'' पर एक प्रस्तुति दी।

अनुपमा जयदेव ने सामाजिक विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 26 सितंबर, 2016 के दौरान आयोजित ''खंडित इतिहास, सन्निहित कथाएं'' पर संगोष्ठी में ''भारत में अल्पसंख्यक यूरोप और रोमानी समुदाय'' प्रस्तुत किया।

चारू आर्य ने ''ट्रामाः साहित्य में याद और इतिहास'' पर यूजीसी प्रायोजित अंग्रेजी विभाग, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 8 और 9 अप्रैल, 2016 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में, ''दलित कथाएंः करुक्कू और जीनाथन में जाति का जमा हुआ आघात'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
अनुपमा जयदेव एक कागज, प्रस्तुत पर महाराजा अग्रसेन कॉलेज, नई दिल्ली में 16 और 17 फरवरी, 2017 के दौरान ''जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन'' पर आयोजित 7वें राष्ट्रीय सम्मेलन में ''शांगरी ला समाधानः लोकप्रिय विज्ञान और परे के प्रवचन के माध्यम से बायोज–प्रौद्योगिकी– विरासत का अध्ययन'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
गीतांजलि चावला ने मैक्स फाइनल कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, यूनाइटेड किंगडम में अंतःविषय–नेट द्वारा 13 और 14 सितंबर, 2016 के दौरान आयोजित ''जड़ें और विरासतः पहली वैश्विक बैठक'' एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मार्गों के रूप में जड़ें: पहचान के निर्माण के लिए गतिशील स्थान के रूप में लोक कथाए'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

गीतांजलि चावला ने 24 और 25 मार्च, 2017 के दौरान भारतीय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और डायस्पोरा और ट्रांसनेशनैलिज्म पर ग्लोबल रिसर्च फोरम (जीआरएफडीटी) द्वारा आयोजित ''माइग्रेशन एंड डायस्पोराः थ्योरी, कल्चर एंड लिटरेचर'' नामक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पॉप–लोकः प्रवासियों में प्रवासी पहचान की पुनर्व्याख्या' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

इंद्राणी दास गुप्ता ने साहित्यिक, सामाजिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक अनुसंधान की भारतीय परिषद, गुजरात आर्ट्स और कॉमर्स कॉलेज (इवनिंग) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एचआरडीसी, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा 25 से 27 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित ''इमागी/ नेशनः इंडिया/कनाडा विगत, वर्तमान और भविष्य'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''विज्ञान के माध्यम से राष्ट्र को उभारनाः सुकुमार रे के हेशोरम हुशीयारेर डायरी, अमिताव घोष का द कलकत्ता क्रोमोसोम और मंजूला पद्मनाभन की लघु कहानी गांधी–टॉक्सिन'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

इंद्राणी दास गुप्ता ने महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 20 और 21 मार्च, 2017 को ''प्रवास का अध्ययनः खंडित इतिहास, झूठी कथाएं'' पर राष्ट्रीय अंतःविषय सम्मेलन में ''अमिताव घोष के द कलकत्ता क्रोमोसोम में विज्ञान का प्रवासीकरण'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मुकेश अग्रवाल ने कैथोलिक यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका, वाशिंगटन डीसी, संयुक्त राज्य अमरीका पर 20 और 21 अक्टूबर, 2016 को आयोजित ''स्वास्थ्य, कल्याण और सोसाइटी'' पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''विश्वविद्यालयों के एथलीटों में उनके शरीर के संबंध में फिटनेस और स्वास्थ्य'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

निखिल शर्मा, हरीस अहमद, मोहम्मद अजहरुद्दीन, मोहम्मद नामान, धर्मेंद्र कुमार महतो, गीतिका जैन सक्सेना ने 16 से 18 फरवरी, 2017 को आईईईई ईडीएस दिल्ली अध्याय और इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ''इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया विकास (एनसीआरडीईई 2017)'' पर दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में ''उन्नत समय की उपस्थिति और प्रतिक्रिया के लिए पंजीकरण और विश्लेषण के लिए प्रणाली और विधि'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
नीरज कुमार ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी कॉलेज द्वारा 19 और 20 जनवरी, 2017 को ''भारत में वैश्वीकरण और संघीय प्रशासनः उभरते मुद्दे को समझना'' पर आयोजित एक संगोष्ठी में 'भारतीय लोकतांत्रिक विकास की स्थिति' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रेम कुमारी श्रीवास्तव ने साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के साथ उन्नत अध्ययन संस्थान, शिमला में, 5 से 7 अप्रैल, 2017 के दौरान आयोजित 'भारतीय साहित्य और सामाजिक विकासः सिद्धांत, व्यवहार और सामुदायिक प्रभाव' पर

राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''लोक की आनुवांशिक अभिव्यक्तियाः देशीवाद और उत्तरी भारत के बारहमासा'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रेम कुमारी श्रीवास्तव ने अंग्रेजी विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 20 और 21 मार्च, 2017 को आयोजित तीसरे राष्ट्रीय अंतर–अनुशासनात्मक सम्मेलन में ''हाशिये को पढ़नाः खंडित इतिहास, जाली कथाएं'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
शारदा रानी, अमित पुंडीर, अक्षिता सक्सेना और संगीता यादव ने आईईईई ईडीएस दिल्ली अध्याय और इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े हाल के विकास (एनसीआरडीई 2017) पर 16 से 18 फरवरी, 2017 के दौरान संयुक्त रूप से आयोजित दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में, 'एज डिटेक्शन टेक्निक का उपयोग करके विरासती चित्रों का विश्लेषण और वर्गीकरण' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
सुष्मिता राजवार ने डायस्पोरा इनिशिएटिव (ओडीआई) के संगठन द्वारा 10 से 12 जनवरी, 2017 को बेंगलुरु में आयोजित, 'भारत और उसके प्रवासियों का संबंधः तुलनात्मक वैश्विक प्रथाएं' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'दक्षिण अफ्रीका में भारतीय प्रवासी' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सुष्मिता रजवार ने अंग्रेजी विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 20 और 21 मार्च 2017 को आयोजित ''हाशिये को पढ़नाः खंडित इतिहास, जाली कथाएं'' एक राष्ट्रीय अंतःविषय सम्मेलन में ''भारत द्वारा दक्षिण अफ्रीका में अपने प्रवासियों की तलाशः दक्षिण अफ्रीकी भारतीयों से जवाब'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

विनोद वर्मा ने श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 7 और 8 फरवरी, 2017 को आयोजित ''पार (लिंगी) जीवनः मौन और बहिष्कार के प्रैक्सिस'' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''समलैंगिक रचनात्मकताः बाइनरी रीडिंग होने के नाते एक समलैंगिक कलाकार के आत्म–सम्मान का समाजशास्त्र पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

पुस्तकालय का विकास
लाइब्रेरी ने 16,40,000 रुपए का बजट प्राप्त किया और अपने संग्रह में 1498 पुस्तकें शामिल कीं।

संकाय की संख्या
स्थायी – 64, तदर्थ–59

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
स्वीकृत अनुदान– 19.92 करोड़ रुपए।
अनुदान का उपयोग–19.62 करोड़ रुपए।

***

महर्षि वाल्मीकि शिक्षा कॉलेज

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ
कॉलेज के अकादमिक सत्र का आरंभ द्विवर्षीय बी.एड. कार्यक्रम के सभी पहलुओं को संबोधित करते हुए एक अभिविन्यास कार्यक्रम से हुआ। 16, नवम्बर 2016 को स्थापना दिवस समारोह के दौरान ''शिक्षक शिक्षा का पुनर्निर्माण'' विषय पर विद्यालय की पूर्व प्रमुख और डीन, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारती बावेजा ने

स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। 10 फरवरी, 2017 को वार्षिक खेल दिवस आयोजित किया गया। अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए कई यात्राओं का आयोजन किया गया। बी.एड. प्रथम वर्ष के छात्रों को राष्ट्रीय संग्रहालय, गांधी स्मृति और दर्शन समिति, राष्ट्रीय बाल भवन और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र का दौरा कराया गया। सरकारी और पब्लिक स्कूलों के सहयोग से छात्रों के लिए क्षेत्र अवलोकन और स्कूल अनुभव कार्यक्रम को सफलता पूर्वक पूरा किया गया। स्वतंत्रता दिवस, हिंदी दिवस, गांधी जयंती, बाल अधिकार दिवस, गणतंत्र दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, विश्व ज्ञान दिवस और मानवाधिकार दिवस पर विशेष सभाओं में छात्रों ने पूरे दिल से भाग लिया। छात्रों ने भी राष्ट्रीय एकता सप्ताह, 'आजादी –70: याद करो कुर्बानी', स्वच्छ अभियान, एक भारत श्रेष्ठ भारत और सतर्कता जागरूकता सप्ताह में भाग लिया। एक योग शिविर का आयोजन किया गया और 21 जून 2016 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कॉलेज की गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी निर्वाचित छात्र पंचायत के जरिए हुई, जो कि 11 जनवरी, 2017 को डॉ सुशील धीमान द्वारा बनाई गई थी।

प्रकाशन

एम. चावला(2017), शिक्षा और रोजगार पर युवाओं की धारणाएं, डी. परिमल (संपा.) में, भारत में उच्च शिक्षा की चुनौतियां और संभावनाएं। दिल्ली, कनिष्क पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स

निशा (2016), बचपन और इसकी विचित्रताः बाल यौन दुर्व्यवहार में अन्वेषण, अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन, प्रशासन, नेतृत्व और शिक्षा की पत्रिका, 2(2), 62–73.

निशा (2016), जीवन कौशल शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना, शिक्षा,समाज और विकास की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2(4), 95–101.

आयोजित संगोष्ठियां

''शिक्षा की व्यावहारिक और तार्किक आधारशिला'' 30 जनवरी से 01 फरवरी, 2017 तक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसे इंडियन काउंसिल ऑफ फिलॉसॉफिकल रिसर्च (आईसीपीआर) द्वारा प्रायोजित किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

ज्योति कोहली ने 10 और 11 मार्च, 2017 को केंद्रीय शिक्षण संस्थान, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलन ''शिक्षक की शिक्षाः वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाओं'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''सेवा पूर्व शिक्षक शिक्षाः सिद्धांत निर्माण के लिए स्थान के रूप में विद्यालय और व्यावहारिक प्रयोग का उदय'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

कैलाश गोयल ने 10 और 11 मार्च, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय, शिक्षा विभाग, केंद्रीय शिक्षा संस्थान में आयोजित ''शिक्षक शिक्षाः वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र ''शिक्षक की शिक्षा और शिक्षक का व्यावसायिक विकास'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

कैलाश गोयल ने 3 मार्च, 2017 को केंद्रीय शिक्षा संस्थान, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित ''भाषा, साहित्य और समाजः एक समकालीन शैक्षिक प्रवचन'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भाषा, साहित्य और मीडिया'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मंजरी गोपाल ने 10 और 11 मार्च 2017 को केंद्रीय शिक्षा संस्थान, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित ''शिक्षक शिक्षाः वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाओं'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र ''शिक्षक की शिक्षाः कुछ विचार और संभावनाएं'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
नीलम मेहता बाली ने 30 जनवरी से 1 फरवरी के दौरान आयोजित ''शिक्षा की व्यावहारिक और तार्किक आधारशिला'' पर आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''शिक्षा शास्त्र का तर्क कांतियन परिप्रेक्ष्य''।

प्रमेश कुमार शर्मा ने 30 जनवरी से 1 फरवरी, 2017 के दौरान आयोजित ''शिक्षा की व्यावहारिक और तार्किक आधारशिला'' पर आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''शिक्षा की तार्किक और रचनात्मक भावना'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

आईएएसई एमएचआरडी, भारत सरकार और सीआईई के तत्वावधान में में आयोजित शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी "समावेशी शिक्षाशास्त्रः प्रवेश और परे" में 03–04 फरवरी, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रमेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में प्रोफेसर अंजली बाजपेई ने प्रमुख भाषण, ''शिक्षा में मूल्यांकनः नियमित कक्षा के संदर्भ में" प्रस्तुत किया।

राघवेन्द्र प्रपन्नाः

18 फरवरी, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग में आयोजित ''शिक्षक की शिक्षाःमुद्दे और चुनौतियां'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''बाल केंद्रित एवं समाजी–सांस्कृतिक शिक्षणशास्त्र के द्वंद्व, दुविधा और चुनौतियां'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 18 फरवरी, 2017 को ''शिक्षा के द्वंद्ववादः तुलनात्मक एवं अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य''पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''शिक्षा, एवं अलोचनात्मक चिंतन एवं अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय शिक्षा'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

3 मार्च, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग में आयोजित ''भाषा, साहित्य और समाजः एक समकालीन शिक्षा व्याख्यान'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''नारीवादी ज्ञान मीमांसा के प्रश्न एवं विद्यालय'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 10 और 11 मार्च, 2017 को आयोजित ''अध्यापक की शिक्षाः वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं'' विषय पर नेशनल कॉन्फ्रेंस में एक पत्र ''पाठाचार्य ज्ञान के साथ संलग्नता, शिक्षिका की अवस्थति एवम संम्मानिता की भाषा'' प्रस्तुत की। ।

विस्तार और पहुँच गतिविधियां

छात्र पास के झुग्गी इलाकों में विभिन्न सामुदायिक सेवा की गतिविधियों में शामिल थे और प्रवासी श्रमिकों के बच्चों को शिक्षित किया गया। कुछ छात्रों ने विद्यालय जाने में नियमितता और निरंतरता के बारे में लड़कियों के माता–पिता के संवेदीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय द्वारा 1,01,687 रुपए की राशि का इस्तेमाल पुस्तकें, पत्रिकाओं आदि की खरीद के लिए किया गया। इस वर्ष पुस्तकालय में लगभग 117 नई पुस्तकें जुड़ गईं। डीयूएलएस द्वारा इसके लिए उपलब्ध ई–पत्रिकाओं के अलावा पुस्तकालय ने 18 पत्रिकाओं की सदस्यता भी ली ।

संकाय की संख्या

नियमित —14; तदर्थ —4

वित्तीय आवंटन और उपयोग

कुल आवंटित अनुदान — रु 6.02 करोड़

उपयोग— रु 4.52 करोड़

***

मैत्रेयी महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कॉलेज को एनएएसी द्वारा ए ग्रेड के साथ मान्यता दी गई है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने कॉलेज के चार विभागों वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, जूलॉजी को स्टार कॉलेज की स्थिति दी गई है। कॉलेज ने स्कूलों को कॉलेजों के साथ जोड़कर विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए एक पहल की है जो दिल्ली विश्वविद्यालय में अपनी तरह का पहला कार्य है। संस्कृत स्कूल के सहयोग से मैत्रेयी कॉलेज द्वारा एक संगोष्ठी ''ब्रिजिंग द गैप'' का आयोजन किया गया । कॉलेज ने टीएचएसटीआई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके अंतर्गत छात्रों और शिक्षकों के लिए कई कार्यशालाएं आयोजित की गई। लड़कियों के छात्रावास के लिए आधारशिला, उपकुलपति, प्रो. वाई. के. त्यागी ने रखी। कई कार्यशालाएं, संगोष्ठियां और व्याख्यान न केवल विद्यार्थियों के लिए अपितु शैक्षणिक और गैर– शैक्षणिक स्टाफ के लिए भी उनकी समझदारी, विश्वसनीयता और प्रासंगिक मुद्दों और प्रोफाइलों के विस्तार हेतु आयोजित किए गए। छात्रों की भागीदारी और छात्र केंद्रित सीखने के माहौल को बढ़ाने और विस्तार देने के लिए, कॉलेज ने अल्पावधि पाठ्यक्रम शुरू किए, फ्रेंच और स्पेनिश भाषा में दो प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम जर्मन और रोमन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से सफलतापूर्वक शुरू किए गए।

सम्मान / विशिष्टताएं

डॉ. प्रमोद कुमार को 17 अगस्त 2016 को दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा ''संस्कृत समर्थक सम्मान'' से सम्मानित किया गया।

डॉ. रमेश कुमारी की देखरेख में डॉ. लता वोधवाल, डॉ पूजा बावेजा को ''नैनो तकनीकों का उपयोग करके जैवअपशिष्ट से उर्वरकों की धीमी गति से रिलीज का विकास" के लिए 19 नवंबर, 2016 को 93 वें दीक्षांत समारोह में ''सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव'' का सम्मान प्रदान किया गया।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

आफरीन खान, शिबा, प्रतिभा गोयल बीएससी (ऑनर्स।) जूलॉजी III वर्ष, ने दिल्ली विश्वविद्यालय में क्रमशः I, II, III स्थान प्राप्त किये।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित तृतीय वर्ष की दिव्यंशी शर्मा ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी. एससी भौतिक विज्ञान की छात्रा, प्रकृति शर्मा के नेतृत्व में दिल्ली विश्वविद्यालय की टीम ने गूगल ऑनलाइन मार्केटिंग कंपिटीशन 2.17 में एशिया पैसिफिक टाइटल जीता। 10 वर्षों के इतिहास में पहली बार दिल्ली विश्वविद्यालय की किसी भी टीम ने यह चुनौती जीती है। टीम में तीन सदस्य शामिल थेः प्रकृति शर्मा, अंकिता ग्रेवाल और आईआईपी कॉलेज से राघव, इस कॉलेज से जी लाल उनके परामर्शदाता थे।

प्रकाशन – 74

ए. चौधरी और जेएम खुराणा (2016) 2–हाइड्रोक्सी –4–नेथ्थोक्विनोनः कार्बनिक संश्लेषण में एक बहुमुखी संश्लेशक। वर्तमान जैव रसायन, 20 (12), 1314–1344।

ए. चौधरी, जेएम खुराणा और पी. सलुजा। (2016)। बहुघटकीय प्रतिक्रियाओं में मेलड्रम एसिड के उपयोग में हालिया प्रगति। करेंट ग्रीन केमिस्ट्री, 3, 328–345।

जे एम खुराणा, ए लम्ब, और ए चौधरी (2017)। एनएबीआरओ3/बीएमआईएम [एचएसओ4]: 1,2–डायोल, एल्फा–हाइड्रोक्साकेट, और अल्कोहल के चयनात्मक ऑक्सीकरण के लिए एक बहुमुखी प्रणाली। मोनैशफ्ट फ्यूर केमी, 148,381–386

सी कुमार। एन. के. मिश्रा, ए. कुमार, एम. भट्ट, पी. चौधरी और आर. सिंह (2016)। सूक्ष्म जेल मार्ग द्वारा संश्लेषित नैनोमिश्रित एसएनओ2 एआई2ओ3 की संरचनात्मक जांच। एप्लाइड नैनोसाइंस, 6 (7), 1059–1064

एस. लम्ब्स, एस लम्ब, और वी. प्रसाद। (2016)। 'रोविब्रेशनल स्पेक्ट्रा ऑफ बॉडेड डॉयमैटिक मॉलीक्यूलस', क्वांटम केमिस्ट्री इंटरनेशनल जर्नल, 117 (6) 2533 9.

एस. लम्ब्स, एस. लम्ब्स, के.डी. सेन, और वी प्रसाद ,(2017) आणविक संरचना के अभिविन्यास और संरेखण पर द्विध्रूवीय क्षणों का प्रभाव। जर्नल ऑफ मॉलीक्यूलर स्ट्रकचर, 1137, 300–30 9.

एस मट्टू और एस बढानी (2017)। एंड्रॉइड मैलवेयर का पता लगानारू कलात्मक स्थिति।इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्फर्मेशन टेकनोलोजी, 9 (1), 111–117

आई. नकवी, आर. गुप्ता, एस. मखीजा, आर टोटेजा, जे एस इब्राहीम, एस. श्रीपूर्ना, ,एच. ए. एल–सेरी, और एफ ए अल–मिस्ने (2016)। 'मॉर्फोलोजी एंड मोर्फोजैमेसिस ऑफ अ न्यू ऑक्सीट्रिचिइड सिलिएट, नैनोहाइमेन लिमस एन. एसपी. (सिलीओफोरा, ऑक्सीट्रिचिडे)' दिल्ली से, सउदी जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेस, 23 (6), 78 9 –794।

बीएम सिंह, एच भंडारी, जी रुही, एसपी गियोरोला और एस.के. धवन,(2017). एक उन्नत स्व चिकित्सा और पॉली (अनिलिन–सह–पेंटफ्लोरोअनिलिन)/जेडआरओ2, हल्के स्टील पर नैनोकोमोसाइट के साथ संशोधित अत्यधिक टिका. जंग सुरक्षात्मक इपॉक्सी कोटिंग का मूल्यांकन। करेंट स्मार्ट मैटीरियल, 2 (2), 1–16

एम शंकरदास (2016) महिलाएं और उम्र का बढ़नाः एक अंतर्राष्ट्रीय, अंतःक्रिया शक्ति का परिप्रेक्ष्य एशियन जर्नल ऑफ वूमन स्टडीज, 22 (3), 351–353

संपादक मंडल के सदस्य और संपादक के रूप में कार्यरत अध्यापक – 02

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. ब्रोतोती रॉय, बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 'चन्ना पेंटाटस प्रसारण में सृजन के संकेत तंत्र को समझना' 40 लाख।

डॉ. रजनी, यूजीसी (स्टार्टअप प्रोजेक्ट) द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 'सिलिका आधारित कार्बनिक–अकार्बनिक संकर सामग्रीः संश्लेषण, लक्षण वर्णन और उनके जैविक परिवर्तनों के लिए उत्प्रेरक के रूप में प्रयोग' 6 लाख।

डॉ. हेमा भंडारी, यूजीसी (स्टार्ट–अप प्रोजेक्ट) द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 'पॉलिमर नैनोकोमोसाइट्स को एंटीटैक्टिक और एंटीमिक्रोबियल एप्लीकेशन के लिए सजावटी सामग्रियों का विकास' 6 लाख।

डॉ. लता चंद्र, यूजीसी (स्टार्ट–अप प्रोजेक्ट) द्वारा वित्त पोषित परियोजना, ''संभावित इमिजाजोज के डिजाइन और संश्लेषण [2,1–बी][1,3,4] – एंटीकैंसर एजेंट के रूप में त्रिआयाजोल डेरिवेटिव '' 6 लाख।

डॉ. अंकिता चौधरी, यूजीसी (स्टार्ट–अप प्रोजेक्ट) द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 'बायोएक्टिव हेटरोसायकल्स के संश्लेषण और उनके जैविक मूल्यांकन के लिए कुशल नवीन सिंथेटिक पद्धतियों का विकास' 6 लाख।

डॉ. राम सिसोदिया, यूजीसी द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 'बांस डेंड्रोकैलेमस सिक्रस के चयनित फूलों की पहचान और लक्षण वर्णन' 3 लाख।

आयोजित संगोष्ठियां

संगोष्ठी, 'हार्मोनिक ओस्सीलेशन और फूरियर ट्रांसफॉर्मेशन' 29 मार्च, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय, (पूर्व) डीन रिसर्च, प्रो. अजय कुमार।

संगोष्ठी, 'बॉर्डर्स के बिना हाइड्रोजन बॉण्ड इंटरैक्शन', 25 फरवरी, 2017 को भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर से प्रो गौतम देसीराजु।

संगोष्ठी, 'अंतरिक्ष में यात्राः मंगल ग्रह के भूतल पर्यावरण की हालिया अवधारणा', प्रोफेसर एस के टंडन, सर जे सी बोस, आईआईएसईआर भोपाल, 16 जनवरी, 2017।

संगोष्ठी, 'सहायक तकनीक' प्रो अनिल अनेजा, ओएसडी, ईओसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, 21 अप्रैल 2016 ।

डॉ. अनीता खोखर, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, वर्धमान मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल द्वारा अक्टूबर, 2016 में 'स्तन कैंसर का पता लगाना' पर संगोष्ठी।

आयोजित सम्मेलन

''बहुविभागीयः संभावनाएँ एवं चुनौतियां'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 5 से 7 अप्रैल 2017 के दौरान स्टार कॉलेज योजना, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वावधान में किया गया।

संगोष्ठियों और सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

17 और 18 नवंबर, 2016 को दौलत राम कॉलेज द्वारा आयोजित ''पर्यावरण स्थिरता और रासायनिक शिक्षा में ग्रीन रसायन विज्ञान'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अंकिता चौधरी ने एक पत्र प्रस्तुत किया।

14 से 16 नवंबर, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग में आयोजित ''कार्बोहाइड्रेट रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान में नई सीमाओं'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लता वोडवाल ने एक पत्र प्रस्तुत किया।

दिव्या सिंह ने 17 और 18 नवंबर, 2016 को 'दौलत राम कॉलेज' द्वारा आयोजित ''पर्यावरणीय स्थिरता और रासायनिक शिक्षा में ग्रीन रसायन विज्ञान'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र प्रस्तुत किया।

जसप्रीत कौर ने 4 से 6 जनवरी, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र में आयोजित ''पर्यावरण और पारिस्थितिकीः स्थिरता और चुनौती'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रमोद कुमार ने 27 व 28 सितंबर, 2016 को गांधी भवन, वाराणसी में आयोजित ''शारीरिक शिक्षा, योगिक और मित्र देशों के विभिन्न पहलू'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

कॉलेज ने भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, बायोटैक्नोलॉजी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान, टीएचएसटीआई (ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र – 55(39.3प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 07

विस्तार और पहुँच गतिविधियां

संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए विभिन्न पहुँच और विस्तार गतिविधियां आयोजित की गईंः

सांईस सेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने ''ड्रग डिलिवरी, बाल चिकित्सा जीव विज्ञान, वायरल और संक्रामक रोग अनुसंधान'' के क्षेत्र में विशेषज्ञों के साथ बातचीत की।

''विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी'' के बारे में जागरूकता पैदा करने और अपंगता वाले एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए शामिल किए जाने वाले विषय के पक्ष में 28 दिसम्बर, 2017 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मनाया गया, एन एस एस के स्वयंसेवकों ने नेत्रहीन चुनौतीपूर्ण छात्रों के लिए पाठकों और लेखकों के रूप में काम किया।

नशा विरोधी अभियान आयोजित किया गया था।

पुस्तकालय विकास

यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के केंद्र, आईएनएफएलआईएनईटी द्वारा विकसित एसओएलएल सॉफ्टवेयर के माध्यम से पुस्तकालय सेवाएं स्वचालित की गईं। कॉलेज पुस्तकालय ने 1568 पाठ्य पुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों का अधिग्रहण किया और 10 से अधिक पत्रिकाओं की सदस्यता ली। पुस्तकालय एन–लिस्ट और इन्फ्लिबनेट के माध्यम से ई–संसाधनों (6000़ ई–पत्रिकाओं और 97000़ ई–पुस्तकों) की सदस्यता लेता है।

संकाय की संख्या– 104
वित्तीय आवंटन और उपयोग
आबंटित अनुदान – रु 30.38 करोड़
उपयोग– रु 37.12 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

हमारे कई छात्रों ने एनसीसी और एनएसएस कार्यक्रमों में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाग लिया और कई पुरस्कार जीते।
संस्थान ने परिसर को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए कई पहल की हैं।
वर्षा जल संचयन प्रणाली का उचित रखरखाव सुनिश्चित करना।
हर्बल और औषधीय उद्यान संवर्धन
अपशिष्ट पुनर्चक्रण एवं कार्बन/जल पदचिह्न के रूप में संवेदीकरण अभियान
केंचुआ खाद बनाने का अभ्यास करना

***

माता सुन्दरी महिला कॉलेज

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

यह साल माता सुंदरी महिला कॉलेज का स्वर्ण जयंती वर्ष है। कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत कॉलेज परिसर में चल रहे उत्सव के दौरान एक ''इंटर यूनिवर्सिटी सांस्कृतिक लोक गीत प्रतियोगिता''वेहरा शगना दा" – का आयोजन किया गया। 50 वें स्वर्ण जयंती वर्ष के लिए आमंत्रित अंतर–कॉलेज वॉलीबॉल, जूडो एंड चेस चौम्पियनशिप (नेत्र बाधित छात्रों) का भी आयोजन किया गया था। संस्कृत विभाग की 'ज्ञानवर्धनी सभा' ने सितंबर 2016 से मार्च 2017 के बीच अंतर–स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। स्वर्ण जयंती उत्सव के अवसर पर सारांग में पहली बार चित्र कर्मा प्रतियोगिता, श्लोक अन्ताक्षरी, श्लोकआवृत्ति एवं प्रश्न मंच आयोजित किए गए। "माता सुंदरी जी के जीवन" विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। सात विभागों ने ई–पत्रिकाओं/न्यूजलेटर जारी किए । पूर्व छात्रों से मिलने का कार्यक्रम सभी विभागों में आयोजित किया गया। पुलिस उपायुक्त ने 21 फरवरी, 2017 को हमारे कॉलेज में महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराधों की सुरक्षा की युक्तियों और कानूनी पहलुओं पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से दो राष्ट्रीय स्तर के संगोष्ठी आयोजित किए गए थे। विश्वविद्यालय द्वारा दो नए पाठ्यक्रमों, बी.एस.सी सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान की स्वीकृति प्रदान की गई। ये पाठ्यक्रम अगले शैक्षणिक सत्र से शुरू किए जाएंगे।

सम्मान/ विशिष्टताएं

कॉलेज को 2016–2020 की अवधि के लिए ग्रेड 'बी' के साथ मान्यता दी गई है ।
शालिनी ने कोलकाता में 19–23 सितम्बर, 2016 को आयोजित 15 वीं अखिल भारतीय वरिष्ठ राष्ट्रीय रग्बी महिला चौम्पियनशिप में रजत पदक जीता।
रितू गोला और सपना उस रोकिट बाल टीम का हिस्सा थे जिसने 16 से 18 जुलाई 2016 तक फुएन्त्शोलिन्ग, भूटान में हुए भारत–भूटान रॉकिट बाल चौम्पियनशिप के छह मैच की श्रंखला जीती थी ।

प्रकाशन

जे. कौर (2017)। मनमोहन बावा दी पंजाबी कहानीः इकपादत आबरू। आईएसएसएनः 2456–253एक्स
आई. विर्डी (2017) हरित विपणन मिश्रणः एमएनसी द्वारा आयोजित रणनीतियों का एक अध्ययन। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, साइंस एंड टेक्नोलॉजी आईएसएसएन 2348 9 367
अरोड़ा, आर (2016)। एसएमई और मिड कॉरपोरेट लैंडिंग अभिज्ञान में लेन–देन संबंधी ऋण जोखिम की पूर्वानुमानी मॉडलिंग। द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फोरे स्कूल ऑफ मैनेजमेंट।
एम दे (2016)। मनरेगाः सफलता या विफलता दिल्लीः एड्रोइट पब्लिशर्स आईएसबीएनः 978–81–87393–07–8
के. कौर (2016) छोटे और मध्यम उद्यम वित्त में प्रवेश करने में कठिनाई और भारत के विकास में उनके प्रभावः विजन। जर्नल ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज 1, 167–172

एल. मीना, (2016) यौनिकता विमर्स रीति काव्य में वाद–संवाद, आईएसएसएन सं.. 2348–8662
डी.प्रधान (2016) सीमा विहीन साहित्यः विक्रम सेठ की कोस्मोपोलिटन संवेदनशीलताः ट्रांसलेशन टुडे। 10 (1), 274–286 आईएसएसएन 0972–8740
सविता (2016) .रुकोगी नहीं राधिका उपन्यास में नारी की एक नई दृष्टि, मुहा, मेरठ, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय आईएसएसएन.973 / 5577
के. सेठी (2016) बलिहारी कुदरत वसायाः गुरु ग्रन्थ साहिब विच पारिस्थितिक सन्देश। समदर्शी, पंजाबी अकादमी दिल्ली। (दिल्ली सरकार, एनसीटी)
के. सेठी (2016) सिक्खों का पहला राजः द लाइफ एंड टाइम्स ऑफ बंधासिंह बहादुर। बाबा बंधासिंह बहादुरः महान सिख जर्नेल डॉ. हरबंस कौर सग्गू द्वारा संपादित, दिल्लीः मनप्रीत प्रकाशन । आईएसबीएनः 81–87762

आयोजित संगोष्ठियां
पहला राष्ट्रीय सम्मेलन, ''सफल एजिंग के परिपेक्ष्य'' इंडियन एसोसिएशन ऑफ पॉजिटिव साइक्लोजी (आईएपीपी) और यूजीसी के तत्वाधान में 23–24 सितंबर, 2016 को आयोजित किया गया था। डॉ. एन.के. चड्ढा, अध्यक्ष आईएपीपी, डॉ. गिरीश्वर मिश्रा उपकुलपति, इंदिरा गांधी अन्तराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, डॉ. एस एस नाथावत, निदेशक अमेटी इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज एंड एलाइड साइंसेज, प्रोफेसर पूर्णिमा सिंह, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी, दिल्ली, डॉ अरविंद मिश्रा, जेएचईसीईएस, जेएनयू, न्यू दिल्ली आदि इसमें शामिल कुछ उल्लेखनीय गणमान्य व्यक्ति थे।।
एक राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''18 वीं सदी का पंजाब'' 6–7 अक्टूबर, 2016 को आयोजित की गई थी। पैनल में उपरोक्त सम्मेलन से ही प्रतिभागी थे।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ
ईशप्रीत विर्दी ने आईआईएम लखनऊ में 5–9 जनवरी, 2017 के दौरान आयोजित आईआईएम लखनऊ, नोएडा परिसर में इमर्जिंग मार्केट सम्मेलन बोर्ड के वार्षिक सम्मेलन में, "खरीदने की इच्छा और दुबारा खरीदने के इरादे के कथित धोखे के प्रभावः एक खोजपूर्ण अनुसंधान'' पर अपनी प्रस्तुति दी ।
चारू आर्य ने फरवरी, 2017 में श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''मीडिया और आजीविका'' पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।
निधि कुंवर ने आईएएसई, एमएचआरडी, भारत सरकार के तत्वावधान में केंद्रीय शिक्षा संस्थान में 28 जनवरी, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''शिक्षा में मनोवेज्ञानिक दृष्टिकोणों का अन्वेषण'' के विषय में ''साक्षरता के अनुभव, इस्तेमाल और अनुभवः "हाशिए पर स्थित समुदाय के लिए एक रुकावट'' पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।
पूनम शर्मा ने 10 अगस्त 2016 को आयोजित सत्यवती कॉलेज (सुबह) में गांधी अध्ययन मंडल में ''गांधी और महिला सशक्तिकरण'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
रचना कुमारी ने 12 दिसम्बर, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी गेस्ट हाउस में ''एक पृथ्वी, सामान्य मानवता'' पर आयेजित संगोष्ठी में ''लिंग के क्षेत्र के माध्यम से वन अधिकारों को समझना'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।।

नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्र – 76

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां –6
विस्तार और पहुँच बढाने की गतिविधियां
कॉलेज ने 16 अगस्त से 1 सितंबर, 2016 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। इस अवसर पर ''कार्मिक स्वच्छता और आसपास के स्वच्छ वातावरण'' पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई । छात्रों ने सफाई के बारे में जागरूकता फैलाने

के लिए कॉलेज के पास एक झुग्गी का दौरा किया। उन्होंने डॉ. दीन दयाल विकलांग जन संस्थान का दौरा किया ताकि वहां उनकी सफाई के लिए अपनी सेवाएं समर्पित कर सकें।
बी.ईएल.एड. का संयुक्त उद्यम और बी.ए. (शिक्षा) द स्कूल कोलोबरेशन परियोजना – सहयोगः एक साथ आगे बढ़ना ने आगे बढ़ते हुए, 'एसजीएचके गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल' के साथ सफल अनुभव के बाद दूसरे स्कूल 'कमलेश बालिका विद्यालय' के साथ सहयोग शुरू किया।

पुस्तकालय विकास
वर्ष 2016–17 के दौरान 2572 (सामान्य 2455 और बी.ईएल.एड 117) पुस्तकें शामिल की गईं। पुस्तकालय ने 70 पत्र और पत्रिकाओं की सदस्यता ली है।

संकाय की संख्या
स्थायी – 86; तदर्थ –82

वित्तीय आवंटन और उपयोग
स्वीकृत अनुदान – 28.06 करोड़ रुपए
उपयोग – 28.65 करोड़ रुपए

***

मिरांडा हाउस

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

एचआरडी मंत्री श्रीमान प्रकाश जावेडकर द्वारा 3 अप्रैल 2017 को घोषित भारत रैंकिंग 2017 में मिरांडा हाउस को एनआईआरएफ ऑल इंडिया रैंक वन से सम्मानित किया गया है। एमएएच को एनएएसी द्वारा सीजीपीए 3.61 के साथ ए+ संस्थागत ग्रेड दिया था। दिल्ली विश्वविद्यालय के 94 वें स्थापना दिवस समारोह में डॉ. मोनिका तोमर शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करने वाली एकमात्र कॉलेज शिक्षिका थी। डीबीटी द्वारा तीन साल तक 76 लाख रुपये की मंजूरी के साथ ही कॉलेज के विज्ञान विभाग को स्टार कॉलेज की स्थिति का दर्जा दिया गया। कॉलेज ने अपने सात पूर्व छात्रों का सम्मान करके और पूर्व प्रिंसिपल डॉ टीएस रुक्मानी और डॉ. किरण दातर को अलुमनी एसोसिएशन उत्कृष्टता और उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित करते हुए, मार्च, 2017 में अपने सत्तरहवें वर्ष समारोह का शुभारंभ किया। मणिपुर की गवर्नर डॉ. नजमा हेपतुल्ला ने फरवरी, 2017 में जैव संसाधनों और सतत विकास के संस्थान के साथ साझेदारी में उत्तर–पूर्व अध्ययन के लिए मिरांडा हाउस सेंटर का उद्घाटन किया। इस वर्ष लगभग 150 छात्रों को इन्स्पायर स्कॉलरशिप प्राप्त हुई और प्रथम वर्ष से 120 आवेदन प्राप्त हुए।

सम्मान/ विशिष्टताएं

डॉ. प्रतिभा जॉली को 50 वीं जीआईआरईपी संगोष्ठी की वर्षगांठ पर, भौतिक विज्ञान की शिक्षा और शिक्षा में सुधार के लिए अनुसंधान–आधारित प्रस्तावों, प्रयोगशाला के काम पर ध्यान केंद्रित, जेयू इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, जगियोलनियन यूनिवर्सिटी, क्राको, पोलैंड के लिए 50वीं जीआईआरईपी वर्षगांठ का पदक दिया गया और उन्हें इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (रीजनल काउंसिल – दिल्ली और हरियाणा) ने आईएपीटी क्षेत्रीय अध्याय आरसी1 के चौथे वार्षिक सम्मेलन में देश में भौतिकी शिक्षा में उम्र भर के योगदान के लिए सम्मानित किया गया था।

डॉ. शर्मिला पुराकायस्थ ने फुलब्राइट नेहरू पोस्टडोक्टरल फेलोशिप, 2016–2017 प्राप्त किया।

डॉ. मोनिका तोमर को 1 मई, 2016 को, विश्वविद्यालय स्थापना दिवस पर "कॉलेजों में उत्कृष्ट शिक्षक" पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

सुश्री सुवासिनी ने शिक्षा में पीएचडी करने के लिए ससेक्स विश्वविद्यालय से चांसलर अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च छात्रवृत्ति प्राप्त की।

दो डीयू नवाचार परियोजनाएं, ''एमएच 301ः जलवायु परिवर्तन, जल सुरक्षा और आजीविका लचीलापनः राजस्थान, भारत में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक प्रौद्योगिकी की भूमिका'' और ''एमएच 306ः हरित और पारिस्थितिकी के अनुकूल जैवसक्रिय एजेंटों का उपयोग कर सस्ते जल शोधन उपकरणों की डिजाइन'' को प्रशंसा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया और ये 1 मई 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय स्थापना दिवस पर पोस्टर प्रेजेंटेशन के लिए चयनित 400 डीयू नवाचार परियोजनाओं में से शीर्ष 20 में हैं ।

विशिष्टता प्राप्त छात्रः
बी.ए. (ऑनर्स) दर्शन–तृतीय वर्ष की सुप्रिया बाजपेई ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
बीएससी (ऑनर्स), वनस्पति विज्ञान तृतीय वर्ष की निनादिनी शर्मा ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
एम.एस.सी. (अंतिम) गणित ने प्रथम स्थान विश्वविद्यालय में प्राप्त किया।
एम.ए. (अंतिम) संगीत की दिव्या दत्त ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
बी.ए. की स्मृति बाला (ऑनर्स) ने संस्कृत तृतीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
विश्वविद्यालय में बीए (ऑनर्स) बंगाली तृतीय वर्ष की अनामिका मन्ना ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
बी.ए. (ऑनर्स) म्यूजिक तृतीय वर्ष की अनामिका शर्मा ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
बीएससी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान तृतीय वर्ष की रुचि भट्ट ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
तायक्वोंडो टीम ने लगातार चौथे वर्ष अपनी जीत जारी रखते हुए 6 स्वर्ण पदक और 1 रजत पदक के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज तायक्वोंडो चैम्पियनशिप में विजेता बन गई।
टेनिस टीम और नेटबॉल टीम दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज टेनिस और नेटबॉल चैम्पियनशिप में विजेता बन गई।
दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज तीरंदाजी चौम्पियनशिप में तीरंदाजी टीम ने इंडियन राउंड में द्वितीय स्थान हासिल किया।
योग टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज योग चौम्पियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
एथलेटिक्स टीम ने 2 स्वर्ण, 4 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर 92 वें दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज एथलेटिक्स मीटिंग में चौथा स्थान हासिल किया।
इंटर कॉलेज भारोत्तोलन चैंपियनशिप में वेटलिफ्टिंग टीम ने 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीता और पावर लिफ्टिंग टीम ने 3 कांस्य पदक इंटर कॉलेज पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में जीता।

प्रकाशन
एस. अग्रवाल और सी. गुप्ता, (2016)। हस्ताक्षरित दूरी पर आधारित नई रैंकिंग पद्धति के माध्यम से सहज ज्ञान युक्त फजी ठोस परिवहन समस्या को हल करना। अनिश्चितता, अस्पष्टता एवं ज्ञान आधारित प्रणाली की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 24, 483–501
आर. गुप्ता, एम. तोमर, एस. राममोहन, आर. एस. कटियार और वी. गुप्ता, (2016), दोहरी कार्यक्षमता का उपयोग कर बिजली उत्पादन के लिए मल्टीफ्रोरिक ब्रैकट। अनुप्रयुक्त भौतिकी की पत्रिका, 109, 193901
जिंदल, के., तोमर, एम., कटियार, आर और गुप्ता, वी। (2016)। एन भारित जेडएनओ पतली फिल्मों के रमन स्कैटरिंग और फोटोल्युमिनेसेंस जांचः स्थानीय कंपन मोड और प्रेरित फेरोमोगनेटिज्म। अनुप्रयुक्त भौतिकी की पत्रिका , 120, 135305

बी. कौर, (2016) भारत में सतत विकासः मुद्दे और चुनौतियां। इंड. जे इकोनॉमिक्स एंड डेवलप, 12 (4), 751–758
एम. पाठक, एम शर्मा,एच ओझा, आर कुमारी, एन शर्मा, बी रॉय और जी जैन, (2016)। हरे रंग का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और चांदी नैनोकणों की जीवाणुरोधी गतिविधि। ग्रीन केमिस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी पत्र,2 ,108–115.

शर्मा, एम., पाठक, एम., ओझा, एच., कुमारी, आर, शर्मा, एन, रॉय, बी और जैन, जी। (2016)। हरे रंग का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और चांदी नैनोकणों की जीवाणुरोधी गतिविधि। ग्रीन केमिस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी पत्र 2 (2), 103–109
साराव, आई, पांडे, के., शर्मा, एम., सिंह, एस, दत्ता, पी., भारद्वाज, ए और शर्मा, एस. (2016). मैकेबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के एमईएमए ऑपेरोन प्रोटीन के वाध्यकारी वर्ग 1 और वर्ग 2 अणुओं के प्रमुख एंटीजेनिक टी सेल एपिटंप्स की भविष्यवाणी करते हुए। संक्रमितजेनेट और इवोल, 44, 182–189
सिन्हा, आर.एस., मुखर्जी, एस, बलार्ड, बीआर. और एस.के. दास, (2016)। ए–लैक्टैल्बुमिन द्वारा महिला चूहों में स्तन कैंसर के खिलाफ डायमिथेलबेन्ज [ए] एंथ्रेसीन प्रेरित संरक्षण। कैंसर एंड ऑन्कोलॉजी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3 (1), 1–6
तलवार, जे, मोहंती, आर के और सिंह, एस (2016)। एव्रिअब्ल मेश पर 1 डी अर्ध–रेखीय परवलयिक समीकरणों के लिए स्प्लीन तनाव पर आधारित एक नया एल्गोरिथ्म। कंप्यूटर मैथमैटिक्स की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 93 (10), 1771–1786

अनुसंधान परियोजनाएं
दिल्ली विश्वविद्यालय के स्टार इनोवेशन प्रोजेक्ट्स योजना, 2016–17 के लिए 1.3 करोड़ रुपए।

डॉ. प्रतिभा जॉली, डॉ. बानी राय, डॉ. मल्लिका वर्मा, डॉ. जानकी सुब्रह्मण्यन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 'यूरेका माई लैब! दृष्टि हीनों के लिए विकासशील संसाधन और प्रत्यक्ष विज्ञान गतिविधियां – एमएच01' के लिए 37.50 लाख रुपए।

डॉ. साधना शर्मा, डॉ. स्मृति भाटिया, डॉ. रेखा कुमारी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 'औषधीय पौधों की चिकित्सीय क्षमता संस्कृति, निष्कर्षण, भौतिक रासायनिक विशेषता और साईंटोटॉक्सिक या इम्यूनोस्टीमुलेटरी प्रॉपर्टी – 'एमएच 02' के लिए 26.67 रुपए।

डॉ. प्रतिभा जॉली, डॉ. बानी राय, डा. अमृता त्रिपाठी शेख, डॉ मल्लिका पाठक, डॉ. ज्योति अरोड़ा, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना, '3 आरः कम करें, दुबारा उपयोग करें, पुनः तैयार करें एमएच–03' के लिए 40.88 लाख रुपए।
दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित कॉलेज परियोजना, 'स्टार इनोवेटिव प्रोजेक्ट के अंतर्गत कॉलेज बुनियादत ढांचे के मूल विकास' के लिए 26 लाख रुपए ।

प्रोफेसर विनय गुप्ता और डॉ. मोनिका तोमर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से वित्त पोषित परियोजना, 'सेंसिंग अनुप्रयोगों के लिए एक मंच के रूप में पतली फिल्म सतह का ध्वनिक वेव डिवाइस का विकास' 4,44,34,603 रुपए।

डॉ. साधना शर्मा और डॉ. मोनिका शर्मा, बायोटेक्नोलॉजी विभाग से वित्त पोषित परियोजना, 'आण्विक क्लोनिंग और मजबूत टी सेल एपीटोपों साथ एम क्षय रोग के तीन काल्पनिक प्रोटीनों की रोग प्रतिरक्षण मान्यता' 66.48 लाख रुपए।
यूजीसी द्वारा वित्त पोषित परियोजना, डॉ. पूनम कुमरिया, ''कार्यात्मक नैनोसामग्री का प्रयोग करते हुए पर्यावरण मुख्य रूप से कीटनाशकों के जैविक प्रदूषण का निर्मूलीकरण' 66.48 लाख रुपएझ

डॉ. राखी परिजात और डॉ. नम्रता सिंह, जेएनयू, आपदा अनुसंधान कार्यक्रम से वित्त पोषित परियोजना, 'पड़ोस का मानचित्रण' 2 लाख रुपए।

पेटेंट दायर

डॉ. मोनिका तोमर द्वारा दायर किया गया पेटेंट बहु–स्थिति गैर–वाष्पशील ऑप्टो–फेरो इलेक्ट्रिक मेमोरी – आवेदन संख्या – 201611001338 13 जनवरी 2017 में दायर।

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. किट पैट्रिक, दर्शन विभाग, स्कूल ऑफ आर्ट्स, ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी, यूके द्वारा 23 जनवरी 2017 को आयोजित संगोष्टी "रीडल ऑफ रवेंस''।

संगोष्ठी, प्रोफेसर जॉन एस. हव्ले, अंतर्राष्ट्रीय, कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा 23 फरवरी, 2017 को 'मेवाड़ पेंटिंग्स में देखा गया नेत्रहीन कवि'

संगोष्ठी, डॉ. अलेक्जेंडर फोलमैन, व्याख्याता और शोधकर्ता द्वारा 'गवर्निंग रिवरस्केप' भूगोल संस्थान, कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी सितम्बर 28, 2016.

संगोष्ठी, केन सिलबर्न, संस्थापक और समन्वयक, आईएसटीईएम ऑस्ट्रेलिया द्वारा 3 अगस्त, 2016 तक 'विज्ञान शिक्षा में नवाचार'

आयोजित सम्मेलन

सम्मेलन, 'भाषा, नैतिकता और शासन : तर्क की व्याख्या, भारतीय राजनीति में तर्क और बयानबाजी', 24 जनवरी से 25 जनवरी, 2017

सम्मेलन, 15 फरवरी 2017 को 'सूचना प्रौद्योगिकी और समाज'

सम्मेलन, 15 फरवरी 2017 को 'विरासत के कई अर्थ'

सम्मेलन, 14 से 15 जनवरी 2017 'विश्व साहित्य में महाकाव्य और संस्कृत'

9वां भारत– डच सहयोग कार्यक्रम, 25–29 जनवरी, 2017 तक 'प्रबंधन और सांस्कृतिक संदर्भ'।

2 नवम्बर 2016 को अंतर्राष्ट्रीय कॉस्मिक दिवस।

प्रतिभा जॉली ने ईरासमस प्रोजेक्ट के वार्षिक फोरम में ''पूर्ण, भौतिक विज्ञान और वैश्विक चुनौतियां'' एक शोध पत्र प्रस्तुत किया ''भौतिकी शिक्षा में क्षितिच (होप); यूरोपीय संघ का आजीवन शिक्षा प्रोग्राम; कोंस्टेनटा, रोमानिया 7 से 11 सितंबर, 2016 के दौरान आयोजित ।

प्रतिभा जॉली ने भौतिकी शिक्षा (डब्ल्यूसीपीई), साओ पाउलो विश्वविद्यालय, साओ पाउलो, ब्राजील, 11 से 15 जुलाई 2016 तक आयोजित समकालीन विज्ञान शिक्षा और वर्तमान समाज में चुनौतियांः भौतिक विज्ञान शिक्षण और शिक्षा में परिप्रेक्ष्य'' पर आईसीपीई–जीआईआरईपी विश्व सम्मेलन में 'भौतिकी और भौतिक विज्ञान शिक्षा में महिलाएं' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

साधना शर्मा ने एक पत्र प्रस्तुत किया, 9 से 12 अप्रैल 2016 को नीदरलैंड में एम्स्टर्डम में आयोजित ''यूरोपियन कांग्रेस ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी और संक्रामक रोगों'' में 26 वें ईसीसीएमआईडी कांग्रेस में ''लेटेंसी से जुड़े एंटीजेन्स आरवी 2032 और आरवी 2626 सीसी ने मैकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ अच्छे टीके के रूप में उभरे'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

साधना शर्मा ने 25 से 29 अक्टूबर, 2016 तक किस्टोन संगोपासिया, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित में ''एस 1 ट्रांसजनल वैक्सीनोलॉजी फॉर ग्लोबल हेल्थ'' में , ''आरवी 2626 सी और आरवी 2032 टुब्रक्रोलोसिस मरीजों और उनके स्वस्थ सम्पर्कों में एक टीएच 1 प्रतिक्रिया प्रस्तुत करते हैं'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मल्लिका वर्मा ने 31 मई से 03 जून 2016 तक टोरंटो में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेस कॉन्फ्रेंस' में ''इंस्पायर इंटर्नशिप शिविरः विज्ञान के युवा छात्रों का पोषण'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

बिजयलक्ष्मी नंदा 14 से 24 मार्च, 2016 तक न्यूयॉर्क, अमरीका में आयोजित ''स्टेटस ऑफ वुमन (सीएसडब्ल्यू –60) संयुक्त राष्ट्र आयोग के 60 वें सत्र'' में सामाजिक अनुसंधान केंद्र द्वारा आयोजित पैनल में ''साइबर क्रांति में महिलाओं की बराबर भागीदारी सुनिश्चित करना'' पर एक पैनलिस्ट थीं।

बाशबी गुप्ता ने 20 से 22 सितंबर, 2016 तक यूनिवर्सिटी ऑफ लुंड, स्वीडेन में आयोजित ''आधुनिक मामलेः दक्षिण एशिया में रोजमर्रा के जीवन में भविष्य की बातचीत'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'छवियां और आजीविकाः भारत में बांग्ला विवाह अनुष्ठानों और प्रथाओं का निर्माण' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
मोनिका तोमर ने 21 से 25 अगस्त, 2016 को जर्मनी के दर्मस्टेट में आयोजित संयुक्त आईईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और पोलर डायलेक्ट्रिक्स पर आवेदनों के यूरोपीय सम्मेलन (ईसीएपीडी) तथा ''पिजोयलेक्ट्री फोर्स माइक्रोस्कोपी (पीएफएम)'' पर कार्यशाला ''मल्टीफेरॉयक बीएफओ/बीटीओ हिटरो स्ट्रक्चर में प्रमुख फोटो–वोल्टेइक प्रतिक्रिया'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कलावती सैनी ने मियामी, संयुक्त राज्य अमरीका में 4– दिसम्बर 9, 2016 में उन्नत सामग्री कांग्रेस पर अमेरिकन कांफ्रेंस (एएएमसी–2016) में ''एकाग्रता–आधारित क्वांटम डॉट और तांबे के नैनोकणों के आद्य–विद्युत् रासायनिक संश्लेषण और मेथल नारंगी के आकार–आश्रित गिरावट'' पर पत्र प्रस्तुत किया।

ए. आर. लक्ष्मी ने अंताल्या, तुर्की में 01 से 05 नवंबर, 2016को अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद् के विज्ञान शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित एक विश्वस्तरीय एसटीई 2016 "5वें विज्ञान और तकनिकी शिक्षा सम्मलेन" में रचनात्मक दृष्टिकोण पर आधारित हस्तक्षेप के माध्यम से रासायनिक संबंधो के बारे में छात्रों को समझाना" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर
अंतरराष्ट्रीयः
यूट्रेक्ट बिजनेस स्कूल, नीदरलैंड इंडो डच प्रोग्राम
लिंचबर्ग कॉलेज, यूएस, संकाय और छात्रों के द्विपक्षीय आदान प्रदान
जॉर्ज वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, वाशिंगटन डीसी, यूएसए, अकादमिक सहयोग
ओन्टारियो विश्वविद्यालय, कनाडा, छात्रों का आदान–प्रदान कार्यक्रम
जीआईआरईपीः ग्रुप अंतर्राष्ट्रीय डे रीशेर्क सुर एल एन एनसिमेंट डे ला फिजिक, इंटरनैशनल रिसर्च ग्रुपः भौतिकी शिक्षा और भौतिक विज्ञान शिक्षा अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देना, जानकारी साझा करना और अन्य सहयोगी प्रयास

राष्ट्रीयः
राष्ट्रीय इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (एनआईआई); विज्ञान सेतु कार्यक्रम
आईआरआईएस प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड; प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

गूगल लिमिटेड, शिक्षा के लिए गूगल एप्स का उपयोग करें

आईपीसीए, प्लास्टिक कचरे के सुरक्षित निपटान के साथ सहायता

टाटा सोलर पावर उद्योग आधारित परियोजना का काम

गाइडिंग स्टार डिजिटल प्रकाशक; एप्लिकेशन विकसित करें

सोनेमय दिग्गज स्थापित करने और बनाए रखने के लिए

अन्य अंतर सहयोग
एसपी जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट
शिकागो विश्वविद्यालय, ग्राहम स्कूल ऑफ कंटिनिंग लिबरल एंड प्रोफेशनल स्टडीज, यूएसए
शिकागो विश्वविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय
यूट्रेक्ट बिजनेस स्कूल, नीदरलैंड
जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय, वाशिंगटन डीसी, यूएसए
लिंचबर्ग कॉलेज, वर्जीनिया, यूएसए
विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, यूएसए
ससेक्स, यूके विश्वविद्यालय
किंग्स कॉलेज, लंदन, यूके
सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया
अमरीकी दूतावास
ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग

विनिमय कार्यक्रम के अतर्गत छात्र
बाहर जाने वाले
एसपी जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंटः मिरांडा हाउस की पहल (2 छात्र दिसम्बर 2016)
सामरिक प्रबंधन और संस्कृति का यूट्रैक्ट बिजनस स्कूल जून से जुलाई 2016 तक (2 शिक्षक और 12 छात्र)
लिंचबर्ग कॉलेज (एक छात्र को विज्ञान शिक्षा में मास्टर के लिए चुना गया है)
विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय (2 शिक्षक और 2 छात्र, अगस्त 2015)
शिकागो विश्वविद्यालय (1 छात्र को लिबरल आर्ट्स में मास्टर्स करने के लिए उदार वितीय सहायता दी जायेगी)
ससेक्स विश्वविद्यालय (1 छात्र को ससेक्स यूनिवर्सिटी अंतर्राष्ट्रीय समर स्कूल में चार हफ्ते के समर स्कूल मोड्यूल जो की विश्व परिदृश्य में स्वास्थ पर जुलाई से अगस्त 2016 में होगा)

बाहर से आने वाले
यूट्रेक्ट बिजनेस स्कूल (10 छात्र)

विवरण
छात्रों को नौकरी मिली –90 (90प्रतिशत)
भर्ती के लिए परिसरों में आने वाली कंपनियां/ उद्योग –40

विस्तार और पहुँच बढाने की गतिविधियां
मिरांडा हाउस में विभिन्न मंच विस्तार और पहुँच बढाने में व्यस्त हैं।
स्वच्छ पर्यावरणः एनएसएस स्वयंसेवकों और एमएच वातवर्तन सदस्य नियमित रूप से डीयू परिसर में सफाई अभियान, यमुना सफाई अभियान, स्वच्छ भारत हरी भारत, भरी मात्रा में वृक्षारोपण अभियान में भाग लेते हैं।
वंचित बच्चों के लिए शिक्षा। 60 एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्कूल जाने वाले छात्रों को अपने होमवर्क के साथ मदद करने के लिए बदल दिया है, एनएसएस के 3 शिक्षण केंद्र वर्तमान में एक कीर्ति नगर की झुग्गी बस्तियों में है, दूसरा मल्कागंज की झुग्गी है और हडसन लेन में तीसरा है।

विकलांगों की सहायता करनाः एनएसएस और सक्षम करने वाले सोसायटी के स्वयंसेवकों ने दृष्टि से चुनौतीपूर्ण छात्रों को कई तरीकों से पढ़ा और पढ़ना और पढ़ना, आदि से शैक्षणिक सहायता प्रदान की।

20 सितंबर, 2016 को कैंसर जागरूकता कार्यक्रम और एलजीइमर जैसे रोगों पर जागरूकता पैदा करने के लिए जागरूकता ड्राइव

दो अच्छी तरह से स्थापित परियोजनाएं, तरंग और जफरन, महिलाओं को मजौल में आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने का लक्ष्यः एन्क्टस स्वयंसेवकों ने सामाजिक उद्यमों के जरिए समुदायों को सशक्त बनाने का काम किया है।

पुस्तकालय विकास

कुल स्वीकृत बजट 19,74,293रुपए, 2016–17 के शैक्षणिक वर्ष में, पुस्तकों के 686 संस्करण शामिल किए गए थे। लंबे गलियारों के साथ यह नया पुनर्निर्मित पुस्तकालयय प्राकृतिक प्रकाश और वायु वेंटिलेशन के प्रवाह के साथ विशाल लेखन हॉल लाइब्रेरी के अधिभोग में वृद्धि हुई है। लिबसीज एलएसईई प्रबंधन सॉफ्टवेयर को वेब केंद्रक ओपीएसी में अपग्रेड किया गया था, जो ड्यू लैन से जुड़ा हुआ था, यह ड्यूल और प्रमुख डेटाबेस जैसे कि एन–लिस्ट और इनफ्लिबनेट तक पहुंच प्रदान करता है। अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन संकाय के लिए किया गया था और अब ओपीएसी इंट्रानेट पर उपलब्ध है। ड्यूल पोर्टल पर उपलब्ध ई–संसाधनों पर उन्हें नवीनीकृत करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के सहयोग से संकाय और छात्रों के लिए सूचना साहित्य कार्यशाला का आयोजन किया गया था। पुस्तक प्रदर्शनियों हर साल आयोजित की जाती हैं

संकाय की संख्या
स्थायी –139
तदर्थ – 52

वित्तीय आवंटन और उपयोग
स्वीकृत अनुदान 42 करोड़
अनुदान का उपयोग –41 करोड़ रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रों को सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में इंटर्नशिप के लिए चुना गया है। विकिरण साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, इसरो, चेन्नई गणितीय संस्थान, एनआईयूएस, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, फिजिक्स रिसर्च लैबोरेटरी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, इंटर–यूनिवर्सिटी एक्सीललेटर सेंटर, जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिकेशन अनुसंधान (जेएनसीएएसआर) मिरांडा हाउस में विज्ञान शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार के लिए डी एस कोठारी केंद्र में पचास से अधिक छात्रों ने गर्मियों में इंटर्न के रूप में काम किया।

***

मोतीलाल नेहरू कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

कॉलेज में पूरे साल कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। रसायन विज्ञान सोसाइटी ''क्विमी'' ने 15 सितंबर, 2016 को उद्घाटन व्याख्यान का आयोजन किया। वाणिज्य सोसाइटी ने एक सम्मेलन का आयोजन किया। कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने 2016 और 2017 के वर्षों में दो सफल विभागीय उत्सव टेकनोफ्रेक का आयोजन किया। अर्थशास्त्र विभाग ने अपने वार्षिक उत्सव रिटशैफट का आयोजन किया। अंग्रेजी विभाग ने अपना त्यौहार लिटसेलिब्रेट 2017 मनाया और एक स्लैम कविता प्रतियोगिता भी आयोजित की।

गणित समाज ने अपने वार्षिक सांस्कृतिक त्योहार फ्रेडेटल 2 के –17 का आयोजन किया। भौतिकी संघ ने 28 मार्च 2017 को एक–दिवसीय भौतिकी उत्सव का आयोजन किया। राजनीति विज्ञान विभाग ने छात्रों के लिए व्याख्यान और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। संस्कृत विभाग ने कुछ व्याख्यान और एक प्रतियोगिता श्लोकोच्चारण और प्रश्नमंच प्रातियोगिता का आयोजन किया था।

सम्मान / विशिष्टताएं

डॉ. खोले टिमोथी पौमाई को गणित में पीएचडी से सम्मानित किया गया।

डॉ. मुकेश कुमार ने एमएससी में एक कोर्स नॉटिंघम विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र और वित्तीय अर्थशास्त्र, यू.के. (संकाय विकास कार्यक्रम) पूरा किया।

विशिष्टता प्राप्त करने वाले छात्र

जान्हवी गुप्ता, पी.एफ. बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष को प्रथम स्थान मिला।

बीएससी (ऑनर्स) भौतिकी के अर्पन होसल प्रथम वर्ष को प्रथम स्थान मिला।

बी एस सी (ऑनर्स) गणित के आकाश कर्मकार को प्रथम स्थान मिला।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र की भार्गवी दास को प्रथम स्थान मिला।

प्रकाशन

एस अग्रवाल, (2017). संश्लेषण, 1,2,4–त्रिजोल शिफ बेस का लक्षण वर्णन 3 डी–मेटल कॉम्प्लेक्स से प्राप्तः एचपीजी 2, एमसीएफ –7 सेल लाइन, बीएसए बाध्यकारी प्रतिदीप्ति और डीएफटी अध्ययन में साइटोटॉक्सिसिटी को प्रेरित करता है। स्पेक्ट्रोकिमिका एक्टा भाग एः आणविक और जैवआणविक स्पेक्ट्रोस्कोपी,171, 246–248.

एम गुप्ता, (2016). शेयरबैक और फर्मों का प्रदर्शनः चयनित भारतीय कंपनियों का अध्ययन। अनुसंधान और विकास में रुझानों की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (आईजेटीआरडी)3(4), 1–6. आईएसएसएनः 2394–9333

एस.बी. भारद्वाज, (2016). प्रतियोगिताएं और आवासः मुगल भारत में मियोस, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली

वी. मौर्य (2016). प्रदूषण और पौधेः बदलते नीति प्रतिमान. कुरुक्षेत्र में ,यू . एवं पी. सक्सेना, (संपा.), वायु प्रदूषण को पौधों की प्रतिक्रिया, (पृष्ठ 151–163).

कौशल्या, (संपा.) मानवाधिकार के उद्धरणः भारतीय समाज। नई दिल्लीः सानिध्य बुक्स. आईएसबीएन सं. 978–81–932311–2–8

आयोजित संगोष्ठियाँ

संगोष्ठी, भारत–बदलती भूमिकाओं में 'नारीत्व, स्थिति और धारणाएं' 8 मार्च, 2017 को आयोजित

संगोष्ठी, 'संस्कृत और विश्व साहित्य' 3 फरवरी, 2017 को आयोजित की गई।

संगोष्ठी, 'साम्राज्य के भीतर, साम्राज्य से परेः भारतीय इतिहास में क्षेत्र' 22 मार्च, 2017 को आयोजित।

22 मार्च, 2017 इतिहास की सोसाइटी अतीत ने 'साम्राज्य के भीतर, साम्राज्य से परेः भारतीय इतिहास में क्षेत्र' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

हिन्दी विभाग द्वारा 2013–14 में 'मध्यकाल और समकालीन प्रश्न' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किए गए, शोध आलेखों पर हिन्दी विभाग के अध्यापक डॉ. धनंजय दुबे द्वारा संपादित पुस्तक 'मध्यकालः एक पुनर्मूल्यांकन' (नटराज प्रकाशन, दिल्ली) का लोकार्पण, 27 जनवरी, 2017 को किया गया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 55 (37 प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 05

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ –तीन

पुस्तकालय का विकास
चालू वर्ष के दौरान 10,28,750 रुपए मूल्य के 1990 संस्करण जोड़े गए और कुल 114800 संस्करण हो गया है|. लाइब्रेरी में पुस्तक बैंक / छात्र सहायता खोज अनुभाग में 23800 से अधिक पुस्तकें हैं। पुस्तकालय फिलहाल साहित्यिक, वैज्ञानिक और सामान्य रुचि के लगभग 86 पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की सदस्यता ले रहा है।
दृष्टिहीन छात्रों के लिए विशेष सॉफ्टवेयर के साथ पुस्तकालय में दो कंप्यूटर सिस्टम हैं। दृष्टिहीन छात्रों के लिए विशेष सॉफ्टवेयर के साथ पुस्तकालय में तीन लैपटॉप और दो ई6 उपकरण भी हैं। सभी उपयोगकर्ताओं के लिए पुस्तकालय की सभी पुस्तकों का नवीनतम ऑनलाइन कैटलॉग (ओपीएसी) उपलब्ध है।

संकाय की संख्या
स्थायी — 87 , तदर्थ– 56
वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
स्वीकृत अनुदान— 24.21 करोड़ रुपए।
उपयोग किया गया —. 27.60 करोड़ रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
डॉ विद्या प्रधान और डॉ स्वाती अग्रवाल ने संगोष्ठियों में प्रस्तुत पत्र किए।
श्री मनीष कुमार ने सफलतापूर्वक अपने पीएचडी वाइवा का बचाव किया।
डॉ. अनु पांडे, मोनिका गुप्ता, डॉ. देवेंद्र जरवल, डॉ. दीप्ति सिंह और डॉ, सीमा श्रीवास्तव विभिन्न सम्मेलनों में शोधपत्र प्रस्तुत किया।
डॉ. आजाद सिंह, डॉ अमृत लाल मीणा और डॉ महेंद्र सिंहः दिल्ली विश्वविद्यालय में रिफ्रेशर कोर्स में शामिल हुए।
हम डीयू के कॉलेजों में न्यूनतम शुल्क पर समाज के सभी वर्गों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। कॉलेज एनसीसी ने युवा कार्यक्रम, साहसिक शिविर खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों और सामुदायिक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। खेल विभाग ने 20 मार्च, 2017 को वार्षिक खेल दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री गुरुबीर सिंह (अर्जुन पुरस्कार–शूटिंग) को आमंत्रित किया था।

***

मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य)

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ
जुलाई 1965 में एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् डॉ. आर.के. भान द्वारा एक संस्थापक प्रधानाचार्य के रूप में स्थापित मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय के एक घटक कॉलेज हैं। सीबीसीएस के अंतर्गत बीबीए (ऑनर्स) अंग्रेजी, बीए (ऑनर्स) हिंदी, बीए (ऑनर्स) हिस्ट्री, बीए (ऑनर्स) पॉलिटिकल साइंस, बीकॉम (ऑनर्स) जैसे बीकॉम और बीए कार्यक्रम तीन साल के डिग्री प्रोग्राम के विभिन्न लोकप्रिय पाठ्यक्रमों में शिक्षा देने के अलावा कॉलेज छात्रों के चरित्र निर्माण पर जोर देता है और उच्च नैतिक मूल्यों से उन्हें तर्कसंगत, जिम्मेदार और आत्मनिर्भर इंसानों के रूप में आकार देने का प्रयास करता है। इस साल कॉलेज के विभागों ने छात्रों के लिए विभिन्न वार्ताओं और कार्यशालाओं का आयोजन किया। द एस्थेट्स, 'द लिटरेरी सोसाइटी ऑफ इंग्लिश डिपार्टमेंट ने एक दिवसीय साहित्य उत्सव का आयोजन किया। वाणिज्य विभाग ने कॉलेज के छात्रों के लिए तीन कैरियर परामर्श सत्र आयोजित किए|. कॉलेज की लिंग संवेदीकरण समिति ने दिल्ली पुलिस के सहयोग से कार्यक्रम

आयोजित किए, जिसमें महिलाओं को महिलाओं के अधिकार, किशोर अपराध और छेड़छाड़ से संबंधित कानूनों के बारे में सूचित किया गया।

सम्मान/ विशिष्टताएं

डॉ. आर.एन. त्रिपाठी ने रिसर्च फेलो के रूप में 1 सितंबर, 2016 से 30 नवंबर, 2017 तक जेम्स ई लिंच इंडिया और दक्षिण एशिया व्यापार केंद्र, यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स, ब्रिटेन का दौरा किया।

डॉ. प्रदीप शरण को 30 जून से 02 जुलाई 2016 तक हैदराबाद में इंटरनेशनल इल्टाई सम्मेलन में ''हम अपनी अंग्रेजी भाषा की पाठ्यक्रम पुस्तकों को प्रासंगिक और सामग्री समृद्ध कैसे बना सकते हैं'' पर पैनल चर्चा के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

कॉलेज कबड्डी टीम, दिल्ली विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में विजेता रही।

अमृतसर में आयोजित पारंपरिक गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीजीईआई) के राज्य प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार।

श्री अंकित टोकास ने दिल्ली विश्वविद्यालय के ताए–क्वोन–डो प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।

प्रकाशन

अजहरुद्दीन (2016). वियतनाम पर पुनर्विचारः वियतनाम युद्ध साहित्य में राजनीति और प्रतिनिधित्व की राजनीति में परिवर्तन। एकेडोमास,10 94–107.

पी बत्रा, (2016). ठाकरे के वैनिटी मेले में शरीर, लालसा और प्रदर्शनात्मकता। साहित्यिक विविध, साहित्यिक अध्ययन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5 43–53.

पी. बत्रा, (2016). एलिस की जिज्ञासु प्रकृति की जांच करनाः कैरोल की ऐलिस बुक का एक अध्ययन। डी.डी. हालदर (सं.) में, द लुकिंग ग्लास माध्यम से और ऐलिस को वहां क्या मिला, दिल्ली, डीएलः बुकएज। (पृष्ठ 183–191).

ए. रानी, (2016). बाजार में बाजार के विरुद्ध। युवा संवाद 159

पी. शरण, (2016). अंग्रेजी भाषा शिक्षणः एक आधुनिक दृष्टिकोण। एस कुमार (सं.), अंग्रेजी भाषा शिक्षण मेंः एक आधुनिक दृष्टिकोण, दिल्ली, डीएलः अटलांटिक प्रकाशक।

पी. शरण, (2016). मार्गरेट एटवुड, डेरेक वाल्कोट और कमला दास– कविताओं में पहचान का थीमः ए उत्तर–औपनिवेशिक परिप्रेक्ष्य। साहित्यिक विविध, साहित्यिक अध्ययन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका।

पी. शरण, (2016). भारत में ईएलटी में गुणवत्ता की शिक्षक शिक्षाः भविष्य के लिए सुझाव। उस्मानिया जर्नल ऑफ इंग्लिश स्टडीज, उस्मानिया, हैदराबाद।

आर. त्रिपाठी, (2017). मानव अधिकार और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्वः अनिवार्य दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता है। वाणिज्य और प्रबंधन की पत्रिका, 19, 1–6.

आर. त्रिपाठी, (2016). एक लोकतांत्रिक समाज की पहेलीः भारत में राजनैतिक शक्ति और मानव अधिकार प्रश्न। यू अधिकारी और पी वी दाहिया (संपा.) में, भारत का समकालीन शासनः लोकतंत्र के विभिन्न पहलुओं का एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन। (पृष्ठ 319–334).

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. गजेंद्र नाथ त्रिवेदी, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित परियोजना, ''लोकतांत्रिक आंदोलनों की बदलती आकृतिः बिहार और झारखंड में लोकतांत्रिक आंदोलनों का विश्लेषण'' 1 अगस्त 2016 से दो वर्ष की अवधि के लिए और 5 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियाँ

राजनीति विज्ञान विभाग ने भारतीय सामाजिक परिषद अनुसंधान परिषद द्वारा वित्तपोषित ''21वीं सदी के भारत में मानव अधिकारः उभरते मुद्दे और चुनौतियां'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 29 और 30 मार्च 2017 को किया था। 14 तकनीकी सत्रों में 120 से अधिक शोध पत्र पेश किए गए थे।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अंतर्राष्ट्रीय

राजेश कुमार ने एशियाई विकास अनुसंधान संस्थान (एडीआरआई) पटना (बिहार) द्वारा 24–28 मार्च, 2017 के दौरान बिहार और झारखंड पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "साझे दृष्टिकोण से साझा इतिहास'' में 'स्वामी सहजन और सरस्वती, बिहार प्रांतीय किसान सभा और जाति का राजनीति 1910–1939' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अजहरुद्दीन ने एक पत्र प्रस्तुत किया, जर्मन और रोमांस अध्ययन विभाग द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय ने 2 से 4 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में '9/11 की दृढ़ता और दृश्यता' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रदीप शरण ने वासवी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, हैदराबाद में 30 जून से 2 जुलाई 2016 तक आयोजित इंटरनेशनल इल्टाई कॉन्फ्रेंस में 'भारत के कॉलेजों में पूर्वस्नातकों को साहित्य के माध्यम से व्याकरण सिखानाःएक कार्य–आधारित शिक्षा'पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रिया भल्ला ने, कोलोराडो कॉलेज, यूएसए में आयोजित एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वित्तीय क्षेत्र की इकाइयों का आकार बढ़ाना और सूक्ष्म अर्थशास्त्र स्थिरता पर इसका प्रभाव' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

आर एन त्रिपाठी ने एक पत्र प्रस्तुत किया, ब्राइटन यूनिवर्सिटी में 10 और 11 अक्टूबर, 2016 के दौरान ब्राइटन, ब्रिटेन में यूरोपीय अध्ययन परिषद के सहयोग से आयोजित 'सामाजिक आंदोलन सम्मेलन' में 'भारत में मानव अधिकार आंदोलनः दुविधाएं और चुनौतियां', पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

आर. एन. त्रिपाठी ने दिल्ली में दिल्ली के सत्यवती कॉलेज द्वारा 22 और 23 मार्च, 2017 के दौरान ''भारतीय राजनीति के मोड़ः मुद्दे और चुनौतिया'' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत में लोकतंत्र और मानव अधिकार आंदोलन' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

एम.ए. आनेस्त मोहिदीन ने मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) में 29 और 30 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित ''भारतीय राजनीति के मोड़ः मुद्दे और चुनौतियां'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उपभोक्ता अधिकार और आधुनिक बाजार में उनका व्यवहार' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अर्चना रानी ने, सत्यवती कॉलेज (सांध्य) में 10 मार्च, 2017, को आयोजित की गई राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी समाचार चौनल में मुख्य स्त्री प्रश्न' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
अजहरुद्दीन ने राजनीति विज्ञान विभाग, मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 29 और 30 मार्च, 2017, आयोजित ''21 वीं सदी के भारत में मानव अधिकारः उभरते मुद्दे और चुनौतियां'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जीवन का अधिकार, किसानों की आत्महत्या और कानून का नियमः एक समीक्षा' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 25

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियाँ– 2

पुस्तकालय का विकास

इस वर्ष पुस्तकालय में 1844 पुस्तकें शामिल की गईं। पुस्तकालय ने 08 जर्नल, 08 पत्रिकाएं और 12 अंग्रेजी और हिंदी समाचार पत्रों की सदस्यता ली है। पुस्तकालय ने एन–लिस्ट (ऑनलाइन ई–पत्रिकाओं और पुस्तकें) की सदस्यता भी ली है।

संकाय की संख्या

स्थायी– 38, तदर्थ–45

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

अनुदान स्वीकृत/प्राप्त– 14.81 करोड़ रुपए

अनुदान का उपयोग–14.80 करोड़ रुपए

***

नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

इस समय सीमा में इ.पी.ए.बी.एक्स प्रणाली का प्रतिस्थापन एवं प्रवेश तथा बाहरी द्वार पर गार्ड कक्ष का निर्माण किया गया । कार्यालय प्रमुख एवं चिकित्सा अधीक्षक के कमरों के मरम्मत का कार्य प्रकियाधीन है।

शोध परियोजना

लाइफस्टाइल डिसॉर्डर्स	– सोमवार
स्किन एवं सोरियासिस	– मंगलवार
रिसपायरेटरी डिजिज/अस्थमा	– मंगलवार
साइकेटिक्र् डिसॉर्डर्स	– बुधवार
फाइबोरिड/पी.सी.ओ.डी./फाइब्रोएडेनोमा ब्रेस्ट	– बुधवार
विटिलिगो	– वीरवार
रिनल स्टोन्स/गैलस्टोन	– शुक्रवार
चिल्ड्रन डिजिज	– शुक्रवार
डिजिज फॉर ओल्ड ऐज	– शनिवार
रियोमेटॉयड अर्थराइटिज	– शनिवार
ऑस्टियोर्थराइटिज	– शनिवार

पुस्तकालय विकास

इंटरनेट एवं फोटोकॉपी की सुविधा पुस्तकालय में उपलब्ध करवाया गया है।

संकाय संख्या

स्थायी – 25
अतिथि फैकल्टी – 08

***

पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

1957–58 में पांच स्नातक पाठ्यक्रमों के साथ पीजीडीएवी कॉलेज की स्थापना की गई थी। बाद में गणित, कंप्यूटर विज्ञान, आदि भी शामिल किए गए। इसका उद्देश्य 21वीं सदी की तकनीकी जनशक्ति जरूरतों को पूरा करने के लिए वाणिज्य के क्षेत्र में पेशेवर शिक्षा, प्रशिक्षण, और अनुसंधान और विकास, कला और कंप्यूटर अध्ययन को बढ़ावा देना है। कॉलेज का लक्ष्य पाठयक्रम और सह–पाठ्यचर्यागत पहलुओं के प्रभावी निष्पादन के माध्यम से समकालीन वैश्विक परिदृश्य की मांगों का सामना करना है। शैक्षणिक उत्कृष्टता, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक अभिविन्यास इसके मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। इस वर्ष के कुछ मुख्य आकर्षण हैं, हाइपरियन, सांस्कृतिक सोसाइटी द्वारा विभिन्न अंतर और अंतर–विश्वविद्यालय कार्यक्रमों में कई शीर्ष स्थान प्राप्त करना। छात्रों को अपनी संस्कृति के पोषण हेतु के लिए मंच प्रदान करने के लिए, 28 मार्च, 2017 को एक कव्वाली कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जहां उस्ताद यूसुफ अली निजामी ने अपनी प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पर्यावरण सोसाइटी, जिओ–क्रूसेडर ने 9 से 23 अगस्त, 2016 तक वृक्षारोपण अभियान किया और उन्होंने परिसर में लगे हुए पेड़ों को उनके सामान्य और वैज्ञानिक नामों का उल्लेख करते हुए टैग करने की पहल की, इसके अलावा संजय वन, मेहरौली शहर के वन के बहाली में अपने प्रयासों को जारी रखा। एनएसएस ने सफलतापूर्वक रक्त दानकर्ताओं और जरूरतमंदों के बीच अंतर को कम करने के लिए एक ऐप का शुभारंभ किया।

सम्मान /विशिष्टताएं

डॉ. मनोज कुमार केन को अंबेडकर मिशन द्वारा 'डॉ अम्बेडकर स्वच्छ भारत स्वप्न पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

बी.ए. कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के मीरवान विनायक ने मास्टर–शेफ इंडिया में अपनी भागीदारी के माध्यम से भारत के लोकप्रिय कूकिंग शो में प्रशंसा अर्जित की।

कॉलेज की थिएटर सोसाइटी 'नवरंग' के सदस्य दीपक जांगीड़ ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार जीता और अनुपम खेर के अभिनय संस्थान एक्टर्स प्रिपेयर, मुंबई से चार महीने की छात्रवृत्ति प्राप्त की।

कॉलेज की थिएटर सोसाइटी 'नवरंग' के सदस्य दिव्यशेखर झा ने कॉलेज थिएटर सोसाइटी' के सदस्य से और एक्टर्स प्रिपेयर से छात्रवृत्ति अर्जित की, और उन्हें एलटीजी रिपर्टरी दिल्ली के सदस्य कलाकार के रूप में भारत सरकार की एक पहल के रूप में चुना गया ।

प्रकाशन

के अग्रवाल (2016–2017). पार्टनरशिप फर्म (ई–पाठ) के विघटन के लिए लेखांकन, http://vle-du-ac-in/file-php/479/Accounting_for_Dissolution_of_the_Partnership_Firm/Dissolution_of_Partnership&Khusboo_Aggarwal-pdf से प्राप्त।

के. अग्रवाल (2016–2017). कंपनियों के एकीकरण के लिए लेखांकन (ई–पाठ),retrieved from: http://vle-du-ac-in/file-php/699/Accounting_For_Amalgamation_of_Companies/Amalgamation_of_companies_and_Internal_Reconstruction_12_april-pdf से प्राप्त।

आर बेदी, एस के अग्रवाल और वी भसीन. (2016) ईएलएम आधारित अभिकर्मक–प्रेरित सक्रिय सक्रियण सिस्टम कम्प्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान में प्रगति पर पाँचवा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जयपुर भारत, आईईईईः (पृष्ठ 69–74).

पी बेदी, वी भसीन और टी यादव. (2016). द्वितीय स्तर डीडब्ल्यूटी पर आधारित 2 एल–डीडब्ल्यूटी–स्टेग्नोग्राफी तकनीक। कम्प्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान में प्रगति पर पाँचवा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जयपुर भारत, आईईईईः (पृष्ठ 1362–1368).

जी कलुचा (2017). स्तरीकृत नमूनाकरण में एक संवेदनशील चर के मध्य का बेहतर अनुपात और प्रतिगमन अनुमानक सांख्यिकी और अनुप्रयोगों का विशेष अंक15 (1–2), 63–78.

पी सिंह, एम के झा और जी प्रियदर्शनी (2016). नेस्टेड क्रॉस–ओवर डिजाइन मॉडल की मदद से सांख्यिकी और अनुप्रयोग. 11, 247–259.

ए वर्मा और एम के झा. (2016). गुणात्मक और मात्रात्मक कारकों के लिए नई तीन–स्तरीय प्रयोगात्मक डिजाइन। गणितीय आर्काइव की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 7(5), 55–59.

एस वर्मा, (2016). उच्च शिक्षा में नवाचारः दिल्ली विश्वविद्यालय की खोज।सम्मेलन की कार्यवाही –नवाचार व्यवहार पर राष्ट्रीय स्तर बहु विषयक
सम्मेलन – उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन और संरक्षण के लिए मार्ग।

संपादक/संपादक बोर्ड के सदस्य के रूप में काम करने वाले शिक्षक– 2

आयोजित संगोष्ठियाँ

''विदेशी मुद्रा निर्धारण'' पर 16 फरवरी, 2017 को संगोष्ठी आयोजित की गई थी। जिसमें प्रख्यात वक्ता डॉ आभा शुक्ला, सहायक प्रोफेसर, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय शामिल थे।

''भारत में ऋण और इक्विटी निवेशः वर्तमान परिदृश्य'' पर 11 मार्च, 2017 को संगोष्ठी आयोजित की गई थी। जिसमें प्रख्यात वक्ता श्री हरिंदर सिंह सोखी, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने वक्तव्य दिया।

''बीमांकिय विज्ञान'' पर 26 सितम्बर, 2016 को संगोष्ठी आयोजित की गई थी ।

संगोष्ठी, ''वैश्विक आतंकः भारत की प्रतिक्रिया'' पर 20 अक्टूबर, 2016 को संगोष्ठी आयोजित की गई थी। प्रख्यात वक्ता प्रोफेसर अश्विनी महापात्र, प्रोफेसर, पश्चिम एशियाई अध्ययन स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जेएनयू ने वक्तव्य दिया।

आयोजित संगोष्ठियां/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अंतर्राष्ट्रीय

गीता कालूचा ने उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय में ग्रीन्सबोरो, संयुक्त राज्य अमेरिका में 30 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2016 तक आयोजित ''अंतःविषय सांख्यिकी और संयोजक (एआईएससी 2016) में प्रगति'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्तरीकृत नमूनाकरण में एक संवेदनशील चर के अर्थ का बेहतर अनुपात और प्रतिगमन आकलनकर्ता' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

गीता कालूचा ने मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर में 22 से 24 दिसंबर, 2016 तक आयोजित ''अंतःविषय गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल तकनीक'' आईएमएससीटी–2016–एफआईएम XXV के मंच की रजत जयंती इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में "आरआरटी मॉडल के अंतर्गत माध्य के अनुपात आकलन पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
उर्वशी साबू ने सेंट जेवियर्स कॉलेज, जयपुर में 27 और 28 जनवरी, 2017 के दौरान आयोजित ''भावनाओं के कार्टोग्राफी के रूप में साहित्यः होने के तरीके और (रहने) की लालसा'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ओर्वेल, फेसबुक, और मैत्री मंत्रालयः 21 वीं सदी में डिजिटल साम्राज्यवाद' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय
रजनी जागोटा ने रामानुज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 2 और 3 अप्रैल, 2016 को आयोजित,'भारतीय मन और सामाजिक चिंताएःएक अंतःविषय संवाद'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सह–लेखक के रूप में 'वित्तीय समावेश की नया पहलः जन धन योजना' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वरुण भूषण ने मसीह विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक में 13 फरवरी, 2017 को आयोजित 'भारत में उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्रः मुद्दे और चुनौतियां'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कौशल विकास पहल और भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्र—175 (70प्रतिशत)

परिसर में आने वाली कंपनियां—10 (पूर्वस्नातक कॉलेज होने के नाते अधिकांश छात्रों ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने का निर्णय लिया)

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ
कॉलेज, अपने पुस्तकालय के बुक बैंक अनुभाग के माध्यम से, बिना किसी अतिरिक्त लागत पर पूरे सेमेस्टर के लिए किताबें जारी करके आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी छात्रों की सहायता करता है। कॉलेज को बुक बैंक सेक्शन में पुस्तकों की कुल संख्या 12,000 से अधिक होने पर गर्व है।
कॉलेज में स्वआश्रित एक सक्रिय इकाई है, जो न केवल अलग–अलग ढंग से सक्षम लोगों की समस्याओं का समाधान करती है, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन करती है।

पुस्तकालय विकास
कॉलेज के पुस्तकालय में इस साल लगभग 3000 पुस्तकों को जोड़ा गया है, इस प्रकार कुल संग्रह 95,000 तक पहुंच गया है।. इस वर्ष, एन–लिस्ट (विद्वानों के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवाओं का आधारभूत ढांचा) की संस्थागत सदस्यता, आईएनएफआईएलबीएटी की एक पहल का प्रस्ताव दिया गया है, जो संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के दूरस्थ पहुंच को सक्षम करने में सक्षम होगा। कॉलेज पुस्तकालय ने एक संकाय विकास कार्यक्रम, ''मानविकी में इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग'' भी आयोजित किया।

संकाय की संख्या
स्थायी –115, तदर्थ– 48

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
स्वीकृत अनुदान– 28.85 करोड़ रुपए
उपयोग किए गए– 28.85 करोड़ रुपए

***

पीजीडीएवी कॉलेज (सांध्य)
(पन्नालाल गिरिधारीलाल दयानंद एंग्लो वेदिक कॉलेज)

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ
पी जी डी ए वी (सांध्य) कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय का एक कॉलेज है और यह 17 अगस्त 1957 को शुरू हुआ। काम करने वाले छात्रों को उच्च अध्ययन का अवसर प्रदान करने के प्राथमिक उद्देश्य के 18 जुलाई, 1958 को कॉलेज की शाम की कक्षाओं को शुरू किया गया था। कॉलेज ने कॉलेज के परिसर में एक डॉक्टर और कानूनी विशेषज्ञ की निःशुल्क सेवाएं शुरू की हैं। कानूनी जागरूकता पर अतिरिक्त पाठ्यक्रम शुरू किए गए और समय–समय पर कई संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इस साल कई विभागों ने अपनी प्रतिभाओं और उपलब्धियों का प्रदर्शन करने वाली अपनी दीवार पत्रिकाओं की शुरुआत की है। ई–कचरा, कागज अपशिष्ट और खाद्य अपशिष्ट रीसाइक्लिंग प्रक्रिया भी शुरू हुई थी। कॉलेज में एक हर्बल उद्यान स्थापित किया गया है।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र
बीकॉम (ऑनर्स) की सुनीता साहू ने कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
बीएससी (ऑनर्स) गणित के सुजीत कुमार ने कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन– 10
अनुसंधान प्रकाशन
एम कुमार, पी.के. सेठी, और पी शर्मा, (2016). इंटर कॉलेज पुरुष कबड्डी खिलाड़ियों पर बीएमआई स्थिति रिपोर्ट। अनुसंधान महत्वाकांक्षाः एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक ई–पत्रिका,, 1(1), 118–122.
पी.के. सेठी, (2016).. दिल्ली के स्वास्थ्य केन्द्रों में उत्पाद बिक्री। बहुविषयक अध्ययन की वैश्विक पत्रिका .5(6), 113–116.

पुस्तकें
पी.के. सेठी,

(2016). हर किसी के लिए योग। वरुण प्रकाशन, आईएसबीएन 978–93–84865–16–0
(2016).. शीतकालीन खेलों का विश्वकोश। खेल प्रकाशन, आईएसबीएन 978–81–7879–957–5
तायक्वोंडो कैसे खेलें। प्रेरणा प्रकाशन, आईएसबीएनः 978–93–81867–88–4
(2016). रोलर स्केटिंग कैसे खेलें, लक्ष्य प्रकाशन, आईएसबीएनः 978–93–81869–80–5
(2016). फिगर स्केटिंग कैसे खेलें, लक्ष्य प्रकाशन, आईएसबीएनः 978–93–81868–81–2
(2016). कॉम्बैट खेल का विश्वकोश। खेल प्रकाशन, आईएसबीएनः 978–81–7879–959–9

(2016). तनाव मुक्ति के लिए योग। श्री प्रकाशन, आईएसबीएनः 978–81–8329–776–9.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ
सोनिका नागपाल ने श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 16 और 17 मार्च, 2016 को आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'ग्रीन मार्केटिंग प्रैक्टिस और वित्तीय स्थिरताः चुनिंदा सर्विस फर्मों का आकलन' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सोनिका नागपाल ने एक शोध पत्र 'स्थिरता के माध्यम से हरित बननाः सेवा फर्मों का एक अनुभवजन्य अध्ययन 'ईएफएफयूएलजीईएनसीई' में प्रस्तुत किया, जो द्वि–वार्षिक प्रबंधन पत्रिका है, 14 (2), (पृष्ठ 37–48) 2016 में प्रकाशित हुआ। आईएसएसएनः 0972–8058

पी.के. सेठीः

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में मार्च, 2017 के महीने में आयोजित ''योग विज्ञान में व्यावसायिक कौशल विकास के लिए अभिनव रुझानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी''के दौरान 'खेल विज्ञान में योग की भूमिका' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मार्च, 2017 के दौरान स्कूल के बच्चों के बीच बायो–फीडबैक की मदद से दिल की दर पर योग हस्तक्षेप का प्रभाव पर ''योग के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' में 'सब जूनियर और सीनियर के बीच चयनित शारीरिक फिटनेस उपकरणों की तुलना, पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

फरवरी, 2017 के महीने में ''स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के नवीनतम रुझानों पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन'' के दौरान बालिकाओं की श्रेणी।

2016 में बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित ''समग्र स्वास्थ्य के लिए योग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी'' में 'एक मंच पर योग के प्रभाव का अध्ययन में "फुटबॉल खिलाड़ियों के समय पर प्रतिक्रिया का एक अध्ययन' प्रस्तुत किया।

रमेश कुमार ने 6 नवंबर, 2016 को हंस राज कॉलेज के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित ''रिसर्च डेटा विश्लेषण का उपयोग एक्सेल और एसपीएसएस'' पर एफडीपी में भाग लिया।

रमेश कुमार ने 31 जनवरी 2017 को वाणिज्य विभाग, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज द्वारा आयोजित ''स्टॉक मार्केट्स में निवेश'' पर एफडीपी में भाग लिया।

पुस्तकालय का विकास
कुल बजट– 9,04,396रुपए
शामिल की गई पुस्तकों की संख्या– 54,371
पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई– 1,656
संकाय की संख्या
स्थायी– 41, तदर्थ– 40

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
स्वीकृत अनुदान – 12,86,18,000 रुपए

उपयोग किया गया– 15,16,80,772 रुपए
नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्र– 61
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियाँ– 6
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझा ज्ञापन)
वर्सेटाइल नेटवर्क प्काइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ
हिमाचल प्रदेश के सोलन में एक एनसीसी ट्रैकिंग शिविर का आयोजन चार दिनों के लिए किया गया, जिसमें सैंतालीस छात्रों का नामांकन हुआ और उन्होंने इसमें भाग लिया।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
कला संकाय, उत्तर परिसर में 20 से 22 सितंबर 2016 तक तीन दिन की नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम के दौरान, एनएसएस स्वयंसेवकों ने अन्य कॉलेजों की एनएसएस टीमों के साथ बातचीत करने और ऐसे बड़े मंच पर विभिन्न प्रबंधन कौशल सीखने के लिए प्रबंधन टीम में भाग लिया। 20 सितंबर, 2016 को डेंगू मच्छर संकट को खत्म करने के लिए श्रीनिवासपुरी में फोगिंग गतिविधि का आयोजन किया गया। कॉलेज की एनएसएस टीम ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। अप्रयुक्त कपड़े, स्थिर और टूटे हुए चार्जर और सीडी जैसे ई–कचरे को एकत्रित करने के लिए एक दिवसीय दान बॉक्स केंद्र आयोजित किया गया था, यह सामग्री झुग्गी क्षेत्रों में वितरित की गई थी।

***

'''

पंडित दीन दयाल उपाध्याय्य राष्ट्रीय संस्थान
शारीरिक अक्षमताओं वाले व्यक्तियों के लिए (दिव्यांगजन)

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ
संस्थान सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के वित्तीय नियंत्रण के तहत बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी), बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरपी (बीओटी) और बैचलर ऑफ प्रॉस्थेटिक्स एंड ऑरथिक्स (बीपीओ) पाठ्यक्रम चलाता है। इस वर्ष संस्थान ने 3 दिसंबर, 2016 को अलग ढंग से सक्षम लोगों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह के सफल संचालन के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के साथ सक्रिय रूप से सहभागिता और सहायता की।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. मीनाक्षी बत्रा को फरवरी, 2017 को जयपुर में ओटीकॉन 2017 के उद्घाटन समारोह में व्यावसायिक शोध में विशाल अनुसंधान और शैक्षणिक योगदान के लिए व्यावसायिक चिकित्सा शैक्षणिक परिषद (एफएसीओटी) द्वारा फैलोशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया, और
फरवरी, 2017 में जयपुर में व्यावसायिक चिकित्सक संघ (एआईओटीए) के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन ओटीकॉन 17 में ''दृश्यमान क्षेत्र घाटे को संशोधित करने के लिए आंखों की पट्टियां'' की सह–लेखिका के रूप में सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पत्र के लिए कमला वी निंबकर ट्रॉफी पुरस्कार प्रदान किया गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

सोनी झा, ऐश्वर्या आर्य, आद्या कुमार, पूजा सिंह, और माधवी ने डिस्टिंक्शन के साथ भौतिक चिकित्सा के स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

प्रकाशन

एन आर्या, एस पांडियन और डी कुमार(2017). कार्य–आधारित दर्पण चिकित्सा स्ट्रोक में इप्सिलेशनल मोटर कार्यों को बढ़ाती हैः एक प्रायोगिक अध्ययन। शारीरिक काम और आंदोलन चिकित्सा की पत्रिका,21(2), 334–341.

एन आर्या, एस पांडियन और डी कुमार(2016). क्या स्ट्रोक में ऊपरी और निचले अंगों पदानुक्रमित मोटर घटकों के बीच एक संघ मौजूद है? शारीरिक काम और के आंदोलन चिकित्सा की पत्रिका, 20(3) 504–511.

एन आर्या, एस पांडियन और डी कुमार (2016). क्रोनिक–स्ट्रोक में फूगल–मेयर आकलन के निचले–छोर के न्यूनतम चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर। स्ट्रोक पुनर्वास में विषय, 23(4) 233–239.

टी मरियम, डी सोलंकी, ए मरियम, एम वत्स और पी आनंद (2016). एक साधारण शक्ति संवेदन प्रणाली एफईएलआईईएसएस की डिजाइन और निर्माण। वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,7(12) 151–156.

बी. विजय और बी मीनाक्षी (2017). गहन देखभाल में श्वसन मांसपेशी रोग के नैदानिक मार्करों को लक्षित करना। व्यवसायिक चिकित्सा की भारतीय पत्रिका., 49(1), 12–16.

जी वधावा और आर ऐकत (2016). रीढ़ की हड्डी की चोट में ''बैठने में संतुलन उपाय'' (एसबीएम) के विकास, वैधता और विश्वसनीयता। स्पाइनल कार्ड, 54, 319–323.

एम वत्स और पी आर मीना (2017). स्वस्थ युवा वयस्कों में स्थिर शांत स्तब्ध मौखिक संतुलन की रणनीति के लिए एन्थ्रोपोमेट्रिक विशेषता का संगठन। चिकित्सा और पुनर्वास अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,6(2), 160–167.

आयोजित संगोष्ठिया / कार्यशालाएं

आत्मकेंद्रित स्पेक्ट्रम विकार में चिकित्सीय हस्तक्षेप पर 29 और 30 मार्च 2017 के दौरान आयोजित संगोष्ठी।

कार्यशाला, ''स्ट्रोक पुनर्वासः साक्ष्यों को व्यवहार में बदलना''। 19 नवंबर, 2016 को आयोजित।

बीपीटी विभाग ने प्रत्यक्ष अनुभव कार्यशाला 'टेपिंग' का आयोजन किया था।

प्रत्यक्ष अनुभव कार्यशाला, बीपीटी विभाग द्वारा 'साइरिएक्स तकनीक' का आयोजन किया गया था।

कार्यशाला, 24 अक्टूबर, 2016 को ''निम्न चरम ओर्थोटिक्स प्रिस्क्रिप्शन और निर्माण पर गतिशील कार्यशाला'' आयोजित की गई थी।

संगोष्ठियों / सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

शांता पांडियन और कमल नारायण आर्य ने भौतिक विकलांगता के लिए राष्ट्रीय संस्थान, नई दिल्ली में 29 और 30 मार्च, 2017 को आयोजित 'आत्मकेंद्रित स्पेक्ट्रम विकार में चिकित्सीय हस्तक्षेप' पर एक संगोष्ठी में 'आत्मकेंद्रित स्पेक्ट्रम विकार और व्यावहारिक चिकित्साः' आगे देखने के लिए उपलब्ध साक्ष्य'' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विकास, कमल नारायण आर्य और शांता पांडियान ने ''अखिल भारतीय व्यावसायिक चिकित्सक संघ'' के 54वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्ट्रोक में संवेदी–मोटर प्रशिक्षण के लिए मिरर भ्रमः एक आरसीटी' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया,

कमल नारायण आर्य और शांता पांडियान ने जयपुर में 17 से 19 फरवरी, 2017 को आयोजित ''अखिल भारतीय व्यावसायिक चिकित्सक संघ'' के 54वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में ''स्ट्रोक के मोटर पुनर्वास में समन्वयक लिंकिंग का उपयोगः एक प्रायोगिक अध्ययन।' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मीनाक्षी बत्रा और विजय बत्रा ने 3 से 7 जनवरी 2017 को चेन्नई में आयोजित 104 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस में 'न्यूरो विकास संबंधी देरी वाले बच्चों में संज्ञानात्मक क्यूईंग आधारित सेंसरमिटर प्रसंस्करण रणनीतियों' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मीनाक्षी बत्रा और विजय बत्रा ने फरवरी, 2017 के दौरान जयपुर में आयोजित वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन ''एआईआईटीए (ओटीकॉन 17)'' में 'सेरेब्रल पाल्सी में कार्यात्मक गतिशीलता कौशल पर मैनुअल क्षमता का असर' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया,

मीनाक्षी बत्रा ने पं. दीनदयाल उपाध्याय भौतिक विकलांगता के राष्ट्रीय संस्थान, नई दिल्ली में 29 और 30 मार्च, 2017 को ''ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार में चिकित्सीय हस्तक्षेप'' पर आयोजित एक सम्मेलन में 'आत्मकेंद्रितों में सामाजिक कौशल का निर्माण' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया,

मीनाक्षी बत्रा और विजय बत्रा ने 3 से 7 जनवरी 2017 को चेन्नई में आयोजित 104वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस में 'स्थान पर कब्जे वाले घावों वाले रोगियों में बैलेंस रोग' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया,

मीनाक्षी बत्रा और विजय बत्रा ने फरवरी, 2017 के दौरान जयपुर में आयोजित वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन ''एआईआईटीए (ओटीकॉन 17)'' में दृश्य क्षेत्र घाटे को संशोधित करने के लिए 'पलकों के क्रच' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मीनाक्षी बत्रा और विजय बत्रा फरवरी, 2017 के दौरान जयपुर में आयोजित वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन ''एआईआईटीए (ओटीकॉन 17)'' में 'वैज्ञानिक प्रदर्शन के रूप में लैरिंगोवोकल संवर्धित उपकरण' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय समझा ज्ञापन
कॉलेज ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें भौतिक विकलांगता वाले व्यक्ति के लिए कृत्रिम घुटने के जोड़ और पैर के डिजाइन और विकास के लिए 'इसरो' के साथ समझौता किया गया है।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग
प्रोस्थेटिक्स और प्रोस्थेटिक्स विभाग, एनएसआईटी द्वारका और मौलाना आजाद मैडिकल कॉलेज, दिल्ली

नियुक्तियों का विवरण
परिसर भर्ती के लिए बीओटी विभाग में आने वाली कंपनियां–3
नियुक्त छात्र–6 प्रतिशत
परिसर भर्ती के लिए बीपीटी विभाग में आने वाली कंपनियां–6
नियुक्त छात्र–100 प्रतिशत
इस प्रतिशत की गणना कॉलेज के माध्यम से नियुक्ति किए गए छात्रों की संख्या के आधार पर की जाती है।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ
प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स विभाग की आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से पुनर्वास शिविरों का संचालन करने के लिए पेशेवर और संकाय सदस्यों को नियुक्त किया गया था। पूरे देश में शारीरिक विकलांग लोगों के लिए प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक्स उपकरण वितरित करने के लिए बारह पुनर्वास शिविर आयोजित किए गए थे। 2016–17 के दौरान इन कैंपों के माध्यम से कुल 6083 लोग लाभान्वित हुए।

पुस्तकालय का विकास

वर्ष 2016–17 में पुस्तकालय का कुल 20 लाख रुपए का बजट था। उपलब्ध पुस्तकों की संख्या 13436 है। व्यावसायिक/गैर व्यावसायिक पुस्तकों पर व्यय 15.52 लाख रुपए हुआ। 14 व्यावसायिक विदेशी पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई थी और पत्रिकाओं पर व्यय लगभग 5.59 लाख रुपए था। लाइब्रेरी उपयोगकर्ताओं की संख्या 30,661 थी। हमारी सीडी/डीवीडी संसाधनों के डिजिटल अभिलेखागार बनाने की प्रक्रिया चल रही है जो संस्थान परिसर में छात्रों और पीडीयूएनआईपीपीडी के संकाय के लिए सुलभ होगी। ऑनलाइन पत्रिकाओं की खरीद की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है

संकाय की संख्या

स्थायी– 28, अस्थायी/अतिथि – 53

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

गैर योजना :13.65 करोड़ रुपए

योजना :8.30 करोड़ रुपए

उपयोग किया गया

गैर योजना :13.65 करोड़ रुपए

योजना : 8.13 करोड़ रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

के. रामप्रभु ने बांग्लादेश में अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम ''डिप्लोमा इन ऑर्थोपेडिक मेडीसिन –सिरेक्स'' में भाग लिया।

***

राजधानी कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

कॉलेज ने हाल ही में बड़े पैमाने पर बिजली की आवश्यकताओं के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करने के लिए रूफटॉप सौर पैनल स्थापित करने के लिए टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) के साथ करार किया है। कॉलेज के कार्बन पदचिह्न को कम करने के लिए पेपर रीसाइक्लिंग मशीन स्थापित की गई थी। कॉलेज को 3 मार्च, 2017 को सरकारी ई–मार्केटिंग के साथ पंजीकृत किया गया है। दूरसंचार कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल) के पोर्टल से ई–प्रोक्योरमेंट की प्रक्रिया भी शुरू हुई है। कॉलेज ने 2016–17 के शैक्षणिक सत्र से अपने परिसर में एक गैर–महाविद्यालयीन महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) केंद्र आरंभ कर पड़ोसी क्षेत्रों की छात्राओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सम्मान/विशिष्टताएं

कॉलेज ने स्वच्छता शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनआईसीईआर) से स्वच्छ कैंपस पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. उर्वशी अरोड़ा ने वर्ष 2017 के लिए अमेरिकी गणितीय सोसायटी के लिए व्यक्तिगत संबद्ध सदस्यता प्राप्त की।

डॉ. रविंद्र कुमार दास को वर्ष 2017 में दिल्ली के प्रगति मैदान में प्रतिलिपि लोकप्रिय कविता सम्मान से सम्मानित किया गया।

डॉ. शिखा कौशिक ने रसायन विज्ञान विभाग, श्री अरबिंदो कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित केमिकल साइंस और पर्यावरण प्रौद्योगिकी में हालिया नवाचारों पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''पीई प्रकार इंटरमॉलिक्युलर डीएनए ट्रिपलेक्स का गठन'' के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. पवन राय को ''फास्फिनस और फंक्शनलाइज्ड पीएनपी पिंसर लिजेंड्सका विकासः ग्रुप 8 मेटल कॉम्प्लेक्स और कैटेटलिक एप्लीकेशन के साथ गैर–निर्दोष व्यवहार का अध्ययन'' डीएसटी द्वारा प्रारंभिक अनुसंधान पुरस्कार प्रदान किया गया।

सुश्री रचना सेठी एफओआरटीईएलएल की उपाध्यक्ष (अंग्रेजी भाषा और साहित्य शिक्षकों के मंच) और इसकी पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य कर रही हैं।

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद शुक्ला को दिल्ली सरकार के गजट में अधिसूचित दिल्ली भवन निर्माण सैनीरमैन बोर्ड का तकनीकी विशेषज्ञ चुना गया।

डॉ. मधु वर्मा को 5 सितंबर, 2016 को शिक्षक दिवस के अवसर पर उज्जैन, विद्यार्थी विकास मंच समिति द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया।

डॉ. चित्रा भारद्वाज और डॉ. असीश कुमार को 17 अगस्त, 2016 को दिल्ली में जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज में आयोजित संस्कृत दिवस के अवसर पर दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली सरकार द्वारा संस्कृत समर्दधक सम्मान से सम्मानित किया गया था।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

बीएससी (ऑनर्स), रसायन विज्ञान द्वितीय वर्ष की रिया जैन को डॉ. एन के आनंद मेमोरियल पुरस्कार प्रदान किया गया।

बीएससी (ऑनर्स), भौतिकी तृतीय वर्ष के प्रशांत राहुल को एसएस राव मेमोरियल पुरस्कार प्रदान किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स), हिंदी तृतीय वर्ष के सुमन कुमार को मां मूर्ति देवी स्मृति पुरस्कार प्रदान किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स), हिंदी प्रथम वर्ष की निशा कुमारी को श्री शिव नंदन शर्मा स्मारक पुरस्कार प्रदान किया गया।

बीकॉम (ऑनर्स), प्रथम वर्ष की दीक्षा अग्रवाल और बीकॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के अनंत रिलान को श्री सुल्तान चंद एंड कं. मेमोरियल स्कॉलरशिप प्रदान किया गया।

प्रकाशन

आर. के. दास, (2017). प्रजा मे कोई असंतोष नहीं, (कविता संग्रह), जयपुर, राजस्थानः बोधि प्रकाशन।

वी. गुप्ता, (2016). रस सिद्धांत श्रृंगार रस के प्रकाश मेंः दिव्य प्रेम का प्रतिनिधित्व।इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर।

ए. कुमार, (2016). राज तत्व का सुक्ष्म विश्लेषणः शुक्रनीति के विशेष संदर्भ में। अनंत, संस्कृत अनुसंधान की एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, दिल्ली, आईएसएसएनः 2394–7519

अनिल कुमार, (2016). दक्षिण एशियाई देशों में साक्षी के मानवाधिकार। एनआईयू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन राइट्स।

एस. कुमार, (2016). कॉम्प्लेक्स वेवलेट ट्रांसफॉर्म्स का उपयोग करके रंगीन छवियों के लिए स्टेग्नोग्राफी एल्गोरिथम हाई एडीटिंग रेट का अध्ययन। इंटरनैशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटर साइंस एंड मोबाइल कम्प्यूटिंग, (आईजेसीएसएमसी), आईएसएसएन 2320–088एक्स

डी. मीना, (2016). मधुका इंडिका की औषधीय और वाणिज्यिक क्षमता। औषधीय और स्वास्थ्य अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2(12),23–26.

एम. एच. मीर, (2016) यूरिया डेनेचर्ड सिटोक्रोम सी के संदर्भः कैथिक मिथुन सर्फेक्ट्स के हाइड्रोफोबिक टेल की भूमिका। जर्नल ऑफ कोलाइड इंटरफेस साइंस, 48, 205–212.

आर. सेठी, (2016) पुस्तक की समीक्षा, प्रभु घाटे के द्वारा अंगूठे, खुर और पहिएरू ग्लोबल दक्षिण में यात्रा। पुस्तक की समीक्षा में, XL,(4).

सी. एस. सिंह (2016). पाणिनी का व्याकरण और प्रोसोडेइक विशेषताएँ। द्रविड़ भाषाविज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 45(2), 1–15.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. पवन कुमार, डीएसटी द्वारा वित्त पोषित परियोजना, ''फॉस्फिनस एंड फंक्शनलाइज्ड पीएनपी पिंसर लिजेंड्स का विकासः 8 धातु यौगिकों के समूह और उत्प्रेरक अनुप्रयोगों के साथ गैर–निष्पक्ष व्यवहार का अध्ययन''। 33.74 लाख रूपए के लिए।

आयोजित संगोष्ठियाँ

अर्थशास्त्र विभाग ने 24 जनवरी, 2017 को विमुद्रीकरण और नकदी रहित अर्थशास्त्रः हाल ही में भारतीय अनुभव पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया ।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

उपासना ढांडा ने 31 मई, 2016 को मलेशिया के कुआलालम्पुर में आयोजित एसईआरडी द्वारा आयोजित ''सीएसआर और सतत विकास'' पर चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में, ''सेंसेक्स कंपनियों ने सीएसआर पहल में कैसा प्रदर्शन किया?'' शीर्षक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया,

रजनी ग्रोवर ने दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में '60 प्रतिशत एसीटोनिट्रिअल माध्यम के डीएमई पर श्कुछ अमीनो एसिड (एलनिन, सेरीन) और 4,4,4–ट्राइफ्लोरो–1–(2–नॅपथाइल) ब्यूटेन–1,3–के साथ'' कैडमियम (मिश्रित) के मिश्रित–लिजेंड कॉम्प्लेक्सस डीआईएनआई का गठन' पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया,

सुशील कुमार ने आईएमआरएफ, ज्योति निवास कॉलेज, बेंगलुरु, करणतका में 16 और 17 फरवरी, 2017 को आयोजित ''गणित और कंप्यूटर विज्ञान'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''छवि स्टेगानोग्राफी के लिए एक टीक्यूडब्ल्यूटी आधारित दृष्टिकोण'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सुशील कुमार ने ए दिल्ली तकनीकी परिसर, नई दिल्ली में 29 जनवरी, 2017 को एडवांस रिसर्च एंड इनोवेशन (आईसीएआरआई –017) के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''स्व–सिंक्रनाइजिंग वेरिएबल लम्बाई कोडरू टी–कोड'', पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सस्मिता मोहंती ने मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) द्वारा 29 और 30 मार्च 2017 को आयोजित ''21 वीं सदी भारत में मानव अधिकारः उभरते मुद्दे और चुनौतियां'' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में, ''पारंपरिक व्यवहार और लोकतांत्रिक आकांक्षाएं: भारत में खाप पंचायत, महिला और मानव अधिकार'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।इसे दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय विज्ञान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित किया गया।

रितू पायल ने 17 और 18 नवंबर 2016 को दौलतराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में ''पर्यावरणीय स्थिरता और रासायनिक शिक्षा (आईसीजीसी –2016) में ग्रीन केमिस्ट्री'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''अम्ल–क्षार अनुमापन में लागत प्रभावी रसोई सामग्री का प्रयोगःएक ग्रीनर दृष्टिकोण'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रितू पायल ने दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 17 और 18 नवंबर, 2016''पर्यावरण निरंतरता और रासायनिक शिक्षा में ग्रीन रसायन विज्ञान (आईसीजीसी –2006)'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''प्रयोगशाला अपशिष्ट जल से एरिकम ब्लैक टी (ईबीटी) के उन्मूलन के लिए राइस हस्क फॉर पोर्श सिलिका नैनोपैंटिक्स'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया ।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 2प्रतिशत

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या – 7

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

कॉलेज के गांधी स्टडी सर्किल द्वारा कई आउटरीच गतिविधियों का आयोजन किया गया। सदस्यों ने ''गांधी, शास्त्री और किसान'' पर एक विशेष प्रसारण के साथ 2 अक्टूबर, 2016 को डीडी किसान वाद –संवाद द्वारा एक कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में कुलदीप नायर, राजीव वोरा, सुनील शास्त्री और डॉ राजीव रंजन गिरी जैसे प्रमुख व्यक्ति उपस्थित थे। छात्रों ने 23 से 30 दिसंबर, 2016 तक गांधी विचार परिषद द्वारा आयोजित ''अखिल भारतीय विश्वविद्यालय शिविर, वर्धा'' में भाग लिया। गाँधी अध्ययन मंडल के सदस्य श्री अनुपम मिश्रा जी की स्मृति में 7 जनवरी, 2017 को याद करते हुए गांधी शांति फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्वेच्छा से आए। सदस्यों ने गांधी शांति फाउंडेशन द्वारा 30 जनवरी, 2017 को अंग्रेजी व्याख्यान श्रृंखला के 42 वें संस्करण में भाग लिया जिसमें डॉ रामानजान्युलू जी.वी. ने ''प्रकृति–किसान–उपभोक्ताः एक स्वस्थ त्रिकोण के लिए विचार'' पर बात की

एनएसएस यूनिट ने 27 अक्टूबर, 2016 को दीवाली समारोह के भाग के रूप में ''सहयोग'' का आयोजन किया, शिक्षण, गैर–शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों को पंजाबी बाग झुग्गी क्षेत्र गरीब बच्चों के लिए धन की बजाय समान रूप से इस्तेमाल किए गए कपड़े, किताबें और स्टेशनरी दान करने के लिए प्रोत्साहित किया। हमारे एनएसएस स्वयंसेवक इन बच्चों के लिए शैक्षिक कार्यक्रम में भी शामिल हैं। एनएसएस यूनिट ने 31 अक्टूबर2016 से 5 नवम्बर, 2016 तक कॉलेज परिसर में को दिल्ली मेट्रो रेल निगम के सहयोग से सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2016 का भी आयोजन किया। डीएमआरसी की टीम ने इस अवसर पर भ्रष्टाचार या कदाचार के दायरे को खत्म करने या कम करने के उद्देश्य से संगठन के मौजूदा नियमों और प्रक्रियाओं को विस्तृत रूप से समझाते हुए एक स्ट्रीट प्ले भी किया। एनएसएस छात्रों ने कॉलेज परिसर में भ्रष्टाचार विरोधी पर जागरूकता रैली में भाग लिया। जनवरी, 2017 में, यूनिवर्सिटी ने कॉलेज कैम्पस के राजनीति विज्ञान विभाग और नेहरू युवा केंद्र, युवा और खेल मामलों के मंत्रालय के सहयोग से कॉलेज परिसर में राज्य स्तर प्रतियोगिता का आयोजन किया।

पुस्तकालय का विकास

कॉलेज लाइब्रेरी स्वचालित है जहां उपयोगकर्ता एक स्वचालित तरीके से पुस्तकालय तक पहुंच सकते हैं। इसमें विभिन्न विषयों पर 1.15 लाख से अधिक विद्वानों की किताबें हैं और 33 अखबारों और लगभग 55 पत्र और पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई है। यह यूजीसी आईएनएफओएनईटी के एन–लिस्ट प्रोग्राम से भी जुड़ा हुआ है, जिसके माध्यम से पुस्तकालय के उपयोगकर्ता दूरस्थ प्रवेश सुविधा के साथ 6000 ई–पत्रिकाओं और 31,35,000 ई–पुस्तकों तक पहुंच सकते हैं। पुस्तकालय में संकाय के लिए एक विशेष वातानुकूलित पढ़ने का कोने और अलगरूप से सक्षम छात्रों के लिए इंटरनेट सक्षम उच्च गति वाले कंप्यूटर, स्कैनर और प्रिंटर की व्यवस्था है। शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए दो पुस्तकालय कर्मचारियों को डीयू द्वारा प्रशिक्षित किया गया था। पुस्तकालय छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए कॉलेज परिसर में हर साल किताब प्रदर्शनी का आयोजन करता है।

संकाय की संख्या

स्थायी –92, तदर्थ –72

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 23.08 करोड़ रुपए।

उपयोग किया गया –.23.6 करोड़ रुपए।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

यह कॉलेज अलग–अलग छात्रों के लिए भौतिक बुनियादी ढांचे के प्रावधान में शामिल रहा है। कॉलेज ने हाल ही में कॉलेज में फोटोग्राफी क्लब शुरू किया है ताकि छात्रों को फोटोग्राफी में अपना कौशल और रचनात्मकता दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। विभिन्न समितियों और सोसायटी अर्थात् सांस्कृतिक समिति, डिबेटिंग सोसाइटी, इको–क्लब समान अवसर सेल, गांधी स्टडी सर्किल, प्लेसमेंट सेल, एनसीसी, एनएसएस, उत्तर पूर्व छात्र कल्याण समिति, एससी/ एसटी परामर्श कक्ष, ट्रेकिंग, पर्वतारोहण और पर्यावरण सुरक्षा सह फोटोग्राफी क्लब और महिला विकास कक्ष छात्रों के बहुआयामी विकास का ध्यान रखते हैं और उन्हें समाज और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता प्रदान करते हैं।

***

राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

नर्सिंग गतिविधियों में मॉडल कार्यक्रमों के विकास के उद्देश्य से 1946 में राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग की स्थापना की गई थी। कॉलेज नर्सिंग में चार नियमित कार्यक्रम बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग, एमएससी, एम.फिल और पीएचडी प्रदान करता है। इसके अलावा, अल्पकालीन शिक्षा पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संस्था स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) के साथ घनिष्ठ संबंध में काम करती है और विभिन्न अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों और संबद्ध एजेंसियों के साथ सहयोग करती है। बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग कार्यक्रम के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों और एमएससी नर्सिंग कार्यक्रम के लिए सेमेस्टर सिस्टम के अंतर्गत संशोधित पाठ्यक्रम लागू किया गया है। कॉलेज में एक ग्रामीण शिक्षण केंद्र भी है, जो 1950 में स्थापित किया गया था ताकि उद्देश्य उन्मुख ग्रामीण समुदाय का स्वास्थ्य अनुभव प्रदान किया जा सके। परिवार नियोजन, प्रतिरक्षण, परिवार कल्याण सेवाओं आदि सहित एमसीएच सेवाओं पर जोर दिया जाता है। छात्र और संकाय सदस्य मलेरिया नियंत्रण, डेंगू नियंत्रण, एड्स नियंत्रण, संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण, नाड़ी पोलियो कार्यक्रम आदि विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।. एक सक्रिय छात्र नर्स संघ यह सुनिश्चित करता है कि छात्र विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

अनेक छात्राओं ने उच्च अंक प्राप्त किए।

प्रकाशन

एस पूनम, और बी मौली, (2016). दिल्ली में चयनित एआरटी केंद्रों में पीएलएचआईवी का अनुभव। एक व्यवस्थित समीक्षा। मानव संसाधन और सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका 3(4), 125–142

एस जिवा, और बी मौली, (2016) चयनित शहरी क्षेत्र बेंगलुरु कर्नाटक में द्वितीय टाइप मधुमेह के प्रबंधन के बारे में मधुमेह के मरीजों की स्व–देखभाल प्रथाओं का आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नर्सिंग एजुकेशन एंड रिसर्च, 4(4), 2454–2660.

अनुसंधान परियोजनाएं

परियोजना, ''कपास औद्योगिक श्रमिकों में व्यावसायिक स्वास्थ्य समस्या का आकलन करने और हरियाणा के चयनित कपास उद्योग में ज्ञान और प्रथाओं के संदर्भ में व्यावसायिक स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम पर नियोजित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।''

परियोजना, ''नस्लीय चिकित्सा प्राप्त करने वाले रोगियों में स्लेबिटिस की पहचान करने और ठंड आवेदन और थ्रोंबोफोब जेल (हेपरिन जेल) की प्रभावशीलता दिल्ली के चुने हुए अस्पताल में मरीजोंके बीच राहत के लिए तुलना करने के लिए एक अध्ययन''।

परियोजना, ''दिल्ली के अस्पतालों में मल्टी ड्रग प्रतिरोधी क्षय रोग (एमआरडी–टीबी) के रोगियों के द्वितीय–पंक्ति उपचार के प्रतिकूल प्रभावों का आकलन करने और चयनित टीबी में ज्ञान और व्यवहार के संदर्भ में उपचार के प्रतिकूल प्रभाव के साथ जीवन शैली में संशोधन संबंधी दिशानिर्देशों की प्रभाविता का मूल्यांकन करना।''

परियोजना, ''दिल्ली के चुनिंदा (प्राथमिक शहरी स्वास्थ्य केंद्र) पीएचसी में एकीकृत और बचपन की बीमारी (आईएमएनसीआई) के समेकित प्रबंधन के आधार पर पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में कुपोषण के आकलन और प्रबंधन पर ज्ञान और व्यवहार के बारे में शिक्षण पैकेज की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने का एक अध्ययन''।

परियोजना, ''दिल्ली के चुने हुए अस्पताल में स्तन वृद्धि के साथ जन्म के समय कम वजन वाले नवजातों की माताओं में मातृत्व संतुष्टि और दूध पिलाने की पर्याप्तता के लिए गरम संपीड़न बनाम स्तन सम्पीडन तकनीक की प्रभावीता का एक तुलनात्मक अध्ययन।''

आयोजित सम्मेलन

सम्मेलन, 27 फरवरी से 3 मार्च, 2017 तक 'स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय' के साथ आयोजित ''नर्सिंग प्रबंधन में उभरते रुझान''

सम्मेलन, 17 से 21 अप्रैल, 2017 तक 'स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय' के साथ आयोजित ''नर्सिंग शिक्षा में उभरते रुझान''

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

सरिता शोखंडा ने, 27 फरवरी, 2017 को दिल्ली के राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित ''नर्सिंग प्रबंधन में उभरते रुझान''पर संगोष्ठी में ''नर्सिंग प्रैक्टिस, नर्सिंग शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन''शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एच गोयल ने 2 मार्च, 2017 को राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित ''नर्सिंग प्रबंधन में उभरते रुझान''संगोष्ठी में 'नर्सिंग में पेशेवर प्रदर्शन के मानक' शोध पत्र प्रस्तुत किया

एम बाबू ने 2 मार्च, 2017 को राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित ''नर्सिंग प्रबंधन में उभरते रुझान'' संगोष्ठी में ''ग्रुप डायनेमिक्स और क्वालिटी नर्सिंग केयर'' शोध पत्र प्रस्तुत किया

एच गोयल ने 2 मार्च, 2017 को राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित ''नर्सिंग प्रबंधन में उभरते रुझान'' संगोष्ठी में ''नर्सिंग शिक्षा में मानव संबंध'' शोध पत्र प्रस्तुत किया

सरिता शोखंडा ने 18 अप्रैल, 2017 को राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित ''नर्सिंग प्रबंधन में उभरते रुझान''संगोष्ठी में ''गुरु के रूप में शिक्षक'' शोध पत्र प्रस्तुत किया

मौली बाबू ने 18 अप्रैल, 2017 को राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित ''नर्सिंग प्रबंधन में उभरते रुझान'' संगोष्ठी में ''टेली नर्सिंग''शोध पत्र प्रस्तुत किया

मधुमिता दे ने 20 अप्रैल, 2017 को राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित ''नर्सिंग प्रबंधन में उभरते रुझान''संगोष्ठी में ''नर्सिंग शिक्षा में अनुकरण की भूमिका, एक नियामक धारणा'' शोध पत्र प्रस्तुत किया

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

ग्रामीण शिक्षण केंद्र स्थापित किया गया था, जो छात्रों को ग्रामीण समुदाय के स्वास्थ्य अनुभव प्रदान करता है। यह लगभग 23,000 की आबादी को कवर करता है और कॉलेज से 35 किलोमीटर दूर स्थित है। यह केंद्र समुदाय के लिए एक एकीकृत व्यापक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सेवा प्रदान करता है। एमसीएच सेवाओं, परिवार नियोजन, प्रतिरक्षण, परिवार कल्याण सेवाएं, पोषण और किशोर लड़कियों के स्वास्थ्य पर विशेष जोर दिया गया है। आरएचटीसी, नजफगढ़ के कर्मचारियों के सहयोग से ग्रामीण यूनिट के छात्रों और कर्मचारियों द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कर्मचारियों और छात्रों ने मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम, डेंगू नियंत्रण कार्यक्रम, संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम, एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, डायरिया रोग नियंत्रण और तीव्रता वाले पल्स पोलियो कार्यक्रम आदि राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भाग लिया। टीबी और एमडीआर टीबी रोगियों की जांच और उपचार के लिए केंद्र में डॉट्स और माइक्रोस्कोप सेंटर भी हैं। आरएफटीसी चावला 10 गांवों को कवर करने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम के लिए एक ''टीम मूवमेंट पॉइंट'' (टीएमपी) भी है। मलेरिया क्षेत्र के अंतर्गत टीएमपी को राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम के लिए सर्वश्रेष्ठ टीएमपी माना जाता है।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज लाइब्रेरी कुल 20,381 पुस्तकें है। वर्ष के दौरान की गई खरीदारी में 206 पुस्तकें, 18 विदेशी पत्रिकाएं, 18 भारतीय पत्रिकाएं, 6 समाचार पत्र और 7 पत्रिकाएं शामिल हैं। इस अवधि के दौरान पुस्तकों और पत्रिकाओं पर कुल 14.30 लाख रुपए का व्यय हुआ।

संकाय की संख्या – 33
वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
एमओएचएफडब्ल्यू से स्वीकृत बजट अनुमान
योजना 2.0 करोड़ रुपए
गैर–योजनाः 8.50 करोड़ रुपए

उपयोग किया गया
योजनाः 1.45 करोड़ रुपए
गैर–योजनाः 8.35 करोड़ रुपए

***

रामानुजन कॉलेज

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

कॉलेज ने प्रबंधन अध्ययन के स्नातकों (बी.एम.एस.) और उसके साथ साथ पांच अन्य पाठ्यक्रमों, बीए (ऑनर्स) प्रायोगिक मनोविज्ञान, बीए. (ऑनर्स) दर्शन, बी.एससी (ऑनर्स) कम्प्यूटर विज्ञान, बी. एस.सी. (ऑनर्स) गणित, बी. एससी (ऑनर्स) सांख्यिकी का पहला बैच इस अकादमिक वर्ष (2016–17) से शुरू किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों में, जहां इन पाठ्यक्रमों – बीएमएस, बीबीई, बीबीए (एफआईए) की प्रवेश प्रक्रिया का समन्वय करने की पेशकश की जा रही है, के लिए कॉलेज को प्रधान केन्द्र के रूप में चुने जाने का गौरव प्राप्त है। ज्ञान प्राप्त करने और कुशल मानव क्षमताओं और आजीविका के उन्नयन के लिए 'दीन दयाल उपाध्याय केंद्र' (डी.डी.यू. कौशल) को भी शुरू किया गया था। इस पहल के माध्यम से कॉलेज बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं और सॉफ्टवेयर विकास में रोजगार में स्नातक के पाठ्यक्रम प्रस्तुत करने में सक्षम रहा है। कॉलेज को 2017–18 सत्र से बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, शुरू करने के लिए अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली अर्थशास्त्र विद्यालय से औपचारिक अनुमोदन प्राप्त हुआ है। हाल ही में कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय के 'मुक्त शिक्षा स्कूल विद्यालय' (एसओएल), दिल्ली

विश्वविद्यालय की गैर–महाविद्यालयीन महिला शिक्षा मंडल (एनसीडब्ल्यूईबी) और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) अध्ययन केंद्र, तीनों शिक्षण केंद्रों की मेजबानी की। नए कॉलेजभवन का निर्माण भी तेजी से हो रहा है और उम्मीद है कि यह कुछ महीनों में पूरा हो जाएगा।

सम्मान / विशिष्टताएं

कॉलेज को अखिल भारतीय एनआईआरएफ क्रमांक में 33वें स्थान पर रखा गया है। आईक्यूएसी ने अनुसंधान, नवीन शैक्षणिक प्रथाओं, प्रशासनिक सुधारों और योग्यता के अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक योगदान को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए ''रामानुजन कॉलेज उपलब्धि पुरस्कार'' के लिए संस्था की सिफारिश की है।

दोनों कॉलेज पत्रिकाओं, अर्थात् (ए) व्यापार और अनुसंधान की रामानुजन अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, और (बी) प्रायोगिक नैतिकता के लिए अंतरराष्ट्रीय पत्रिका को यूजीसी की पत्रिकाओं की सूची में मान्यता दी गई है।

पर्यावरण, योग और सामाजिक सुरक्षा संस्थान द्वारा कॉलेज के महाप्रबंधक को प्रतिष्ठित ''पीपीएस सहस्राब्दी राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया है। उन्हें दिल्ली के व्यापार के श्रीराम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया है।

प्रशासनिक अधिकारी जफर अजीज अब्बासी को अपनी पुस्तक ''साहिर लुधियानवी शख्सियत और फन – 2015'' के लिए ''उत्तर प्रदेश अकादमी'' और ''दिल्ली उर्दू अकादमी'' से सम्मानित किया गया है।

डॉ. बी.एस. गौतम को नवंबर 2016 में हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय में डॉ. अंबेडकर सभा के अध्यक्ष प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया है।

विषेश उपलब्धि प्राप्त करने वाले छात्र

बी.एससी.(ऑनर्स) गणित की तीसरी वर्ष की छात्रा नीति पहवा ने सबसे ज्यादा, 95.17% अंक हासिल किए।

तकनीक (कम्प्यूटर विज्ञान) के तीसरे वर्ष के छात्र अनुभव गुप्ता, ने 93.42% के सर्वोच्च अंक हासिल किए।

बी.एससी. (ऑनर्स) आंकड़े के तीसरे वर्ष के छात्र आकांक्ष ने 86.33% के सर्वोच्च अंक हासिल किए।

बीकॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष की मनीषा राठौर ने 85.1% के उच्चतम अंक हासिल किए।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान तृतीय वर्ष के स्वीन शर्मा ने 84.23% के सर्वोच्च अंक हासिल किए।

खेल उपलब्धियाँ:

बी.कॉम (पास) तृतीय वर्ष के शुभम भारद्वाज ने निम्नलिखित पदों पर जीत हासिल की: अंतर–कॉलेजमुक्केबाजी चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान। ग्रामीण खेलों में रजत पदक अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता, 2016, हरियाणा राज्य मुक्केबाजी प्रतियोगिता में दूसरा स्थान, जिला मुक्केबाजी प्रतियोगिता में दूसरा स्थान।

जूडो दल ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया: बी.ए. (पास) प्रथम वर्ष के मोहम्मद इकबाल को गोहती में आयोजित कुराश जूनियर राष्ट्रीय में प्रथम स्थान मिला।

भारोत्तोलन, सर्वोत्तम काया औरपावर लिफ्टिंग – सुरक्षित स्थिति (लड़के और लड़कियाँ): बी.ए. (पास) प्रथम वर्ष के धर्मेंद्र और बी.कॉम. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष की अश्वनि गौड़ ने अंतर–कॉलेजपॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। कई अन्य छात्रों ने भी प्रथम स्थान हासिल किया।

प्रकाशन

एस.पी.अग्रवाल, एस.गुप्ता और ए.अग्रवाल, (2016)। भारतीय संदर्भ में सीएपीएम परीक्षण का एक अध्ययन। व्यापार और अनुसंधान की रामानुजन अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, 1, 83–93.

हेमलता, (2017)। हिंदी उपन्यास नई दिल्लीःनटराज प्रकाशन.

एम. कौशिक, (2016) । हिंदी कहानी संचयन। दिल्लीः के.एल. पचौरी प्रकाशन.

ए. कुमार, (2016) । नेपाल में माओवादी विद्रोहः विचारधारात्मक परिवर्तन और सामरिक

लचीलापन का एक अध्ययन। न्यूमैन की बहु अनुशासनिक अध्ययन अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, 3 (6), 4–14.

एम. लह्कर, (2017), प्रतियोगी वास्तविकताएंः भीमायान में पाठ, संदर्भ। समकालीन साहित्यिकपत्रिका, 9 (1), 1–13.

के. लता और ए.कुमार, (2016), भारतीय शेयर बाजार प्रदर्शन और व्यापक आर्थिक चर के बीच संबंधः एक अनुभवजन्य अध्ययन। वित्तीय बाजार की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका.2 (4), 109–121

के.के.रघुवंशी, (2017) बादल (क्लाउड) सुरक्षा के विकास पर अध्ययन इंजीनियरिंग और वैज्ञानिक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, विशेष अंक ।

ए.के. शुक्ला, (2017) स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण के अंतर्गत पृथक जनसंख्या माध्यम के आकलन के लिए पृथक प्रतिगमन – प्रकार अनुमानक (सामान्यीकृत कक्षा) ।

अभियांत्रिकी और वैज्ञानिक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, विशेष अंक।

ए. शुक्ला, (2017) संरक्षण और पर्यावरणःपर्यावरण की समस्याओं के लिए देखभाल की नैतिकता और पर्यावरण के मुद्दे परइसके अनुप्रयोग । प्रायोगिक नैतिकता की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 5 (1), 15 9 –173

एन.सामंत, (2016)। भारत में एनिमेशन सिनेमा में भगवान का दर्शन । गांधीग्राम साहित्यिक समीक्षा । 4.

अनुसंधान परियोजनाएं

तीन साल तक चलने वाली 'सर्वोतम नवाचार', दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित पांच परियोजनाएं चल रही हैं और अब उनके दूसरे वर्ष हैं। 87,50,000रुपए

डॉ. शालिनी शर्मा, डॉ. डी.एन. तिवारी और डॉ. राजीव नयन, किशोरावस्था में जीवन शैली और स्वास्थ्य (शारीरिक और मानसिक) से संबंधित समस्याओं का अध्ययन, जनवरी, 2016।

डॉ. मेघा अग्रवाल और डॉ. सुमित नागपाल,अगले स्तर पर रामानुजन का काम ले जानाः कूटलेखन में एक नवीन परियोजना, जनवरी, 2016।

डॉ. निखिल राजपूत, सुश्री भव्या आहुजा, सुश्री शीतल सिंह और श्री साहिल पाठक, स्वास्थ्य देखभाल में यंत्र मानव शास्त्र , जनवरी 2016।

डॉ. सचिन तोमर, डॉ. आशीष कुमार शुक्ला और डॉ. ब्रिजेश कुमार, नवाचार के लिए वास्तविक दुनिया के विश्वसनीय आंकड़े, जनवरी, 2016।

डॉ. निखिल राजपूत, सुश्री भव्या आहुजा, सुश्री शीतल सिंह और श्री साहिल पाठक, सामाजिक परिवर्तन (सोसिओवेशन), जनवरी, 2016।

कॉलेज स्तर पर, कॉलेज अनुसंधान समिति ने छात्रों और शिक्षकों से जुड़े पांच ''अंतर–अनुशासनात्मक परियोजनाओं'' को मंजूरी दी है। सभी परियोजनाओं की निधीयन संस्था रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय है।

कार्रवाई के प्रति रवैयाः पूर्वस्नातक स्तर के कॉलेज के छात्रों के बीच लिंग और शैक्षणिक धाराओं के संबंध में पर्यावरण जागरूकता और व्यवहार पर एक अध्ययन, डॉ. तेनेजिन ठाकुर, 49,000 रुपए .

भारत में दवा उद्योग में प्रत्यक्ष विदेशी निवेशः वरदान या अभिशाप?, डॉ. टी. के. मिश्रा, 60,000रुपए

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए गैर–अनुदानित निजी स्कूलों में आरक्षणः समस्याएं और संभावनाएं, डॉ. मोहिंदर पॉल, 55,000रुपए

गुलजार द्वारा निर्देशित हिंदी फिल्मों में मानवीय सम्वेदना का वस्तु विश्लेषण, डॉ. आलोक रंजन पांडेय, 60,000रुपए

उच्च शिक्षण संस्थान और संचार माध्यम द्वारा प्रतिवेदन, डॉ. अनुपम कुमार, 60,000रुपए .

रामगढ़ (उत्तराखंड) के विशेष संदर्भ के साथ लेखक की रचनात्मकता पर पर्यावरण के प्रभाव पर मन और पर्यावरण के व्यापक अध्ययन, डॉ. मधु बट्टा, 60,000रुपए

आयोजित सम्मेलन / कार्यशालाएं

2 और 3 अप्रैल, 2016 के दौरान मनोविज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी (एनओएपी) के साथ मिलकर प्रायोगिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 'भारतीय मन और सामाजिक चिंताः एक अंतर–अनुशासनात्मक संवाद' का आयोजन किया गया। गणमान्य व्यक्तियों द्वारा इस संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया –डॉ.एस. पी अग्रवाल, प्रधान–अध्यापक, रामानुजन महाविद्यालयय प्रो. आनंद प्रकाश, कॉलेज के अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, दिल्ली विश्वविद्यालयय प्रोफेसर दौग ओमान, सार्वजनिक स्वास्थ्य विद्यालय,कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले और सेमिनार के संयोजक डॉ. डी. एन. तिवारी, प्रायोगिक मनोविज्ञान विभाग।

यूजीसी ने, अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित,राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''आघातःसाहित्य में स्मृति और इतिहास'' का आयोजन 8 एवं 9 अप्रैल 2016 को प्रायोजित किया था।

कार्यशाला, ''मैं बेहतर हूँ'' 29 और 30 सितंबर, 2016 को आयोजित की गयी थी।

एक संगोष्ठी–सह–कार्यशाला, 3 अक्टूबर, 2016 को पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पुनरावर्तन कंपनी पोम के सहयोग से ''ठोस अपशिष्ट प्रबंधन'' का आयोजन किया गया था।

दिल्ली के कमल मंदिर में 24 और 25 मार्च, 2017 को आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, श्चेतना सिद्धांतों भारतीय और पश्चिमी परिप्रेक्ष्य का आयोजन किया गया था।

1 सितंबर, 2016 को विपिन कुमार द्वारा एक कार्यशाला, 'बिग डाटा और हडुप प्रौद्योगिकी' का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

सम्मेलन, ''वैश्विक समय के लिए मानव होना, फिर से सीखनाः न्याय और जिम्मेदारी'' दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और मूल्यों और दर्शन में शोध के लिए परिषद, वाशिंगटन डी. सी. के साथ 9 और 10 जनवरी, 2017 को सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था।

टीईडीएक्स रामानुजन कॉलेज की घटनाओं का उद्देश्य उभरती मनसाओं को एक साथ लाना है, शिक्षा के उद्देश्य, चर्चा करने के लिए विचारों को एक विस्तृत श्रृंखला पर केंद्रित करने के लिए प्रेरणा और प्रोत्साहित करने और जानने के लिए उत्सुक होने के लिए और वार्तालाप को उकसाने के लिए विचार केंद्रित है, यह मामला 17 दिसंबर 2016 को आयोजित किया गया था। घटना का विषय ''सम्मेलनों से परे वास्तविकता'' था ।

संगोष्ठियों / सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

25 सितंबर, 2016 को, अजय कुमार ने,एमजीई और डब्ल्यू सोसाइटी के मानविकी और सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र , कल्याण (पश्चिम) के सहयोग से महिन्द्र सिंह कबल सिंह कला और वाणिज्य स्तर महाविद्यालय, कल्याण (पश्चिम) द्वारा आयोजित ''मानविकी और वाणिज्य में हाल ही में रुझान'' पर अंतर– विभागीय राष्ट्रीय सम्मेलन में ''ताराबाई शिंदेः भारत का पहला नारीवादी लेखक'' नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

2 और 3 अप्रैल, 2016 को, आलोक रंजन पांडे ने यूजीसी द्वारा प्रायोजित और रामानुजन कॉलेज के प्रायोगिक मनोविज्ञान विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठी, "भारतीय मन और

सामाजिक चिंता : एक अंतर– विभागीय संवाद'', में ''वर्तमान संदर्भ में गांधी की प्रसंगिकता'' नामक पत्र प्रस्तुत किया ।

अंसिका अग्रवाल ने 12 और 13 फरवरी, 2017 को आयोजित ''निगम से संबंधित शासन प्रणालीः पूर्वप्रदर्शन और संभावना'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत में मुद्रास्फीति और शेयर बाजारः एक विश्लेषण'' प्रस्तुत किया।

2 और 3 अप्रैल, 2016 को,अश्विनी कुमार ने रामानुजन कॉलेजके प्रायोगिक मनोविज्ञान विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठी, ''भारतीय मन और सामाजिक चिंताः एक अंतर–विभागीय संवाद'', में ''भय के खिलाफ बफर के रूप में सावधानीः एक अंतर– विभागीय संवाद'' नामक पत्र प्रस्तुत किया ।

22 से 25 फरवरी, 2017 को, डी.एन. तिवारी ने फ्रेंच भाषा विभाग, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश में आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध पत्र ''लैटिन अमेरिकन साहित्य में बनारस की धारणा''को प्रस्तुत किया।

2 और 3 अप्रैल, 2016 को, हरि कृष्ण शर्मा ने रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र में ''भारतीय मन और सामाजिक संबंधोंः एक अंतःविषय विश्लेषण'' पर प्रायोगिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''भारत में धर्मनिरपेक्षतावाद का जिज्ञासु मामला'' नामक पत्र प्रस्तुत किया।

मैडिसन, विस्कॉन्सिन में दक्षिण एशियाई सम्मेलन में ''विज्ञान, प्रौद्योगिकी और चिकित्सा'' पर पूर्व सम्मेलन में मेधा सक्सेना एक आमंत्रित अध्यक्षा थीं। उन्होंने प्रसिद्ध मानवविज्ञानी लॉरेंस कोहेन के साथ ''दक्षिण एशिया में स्टेम के लिए नए दृष्टिकोण'' नामक पत्र प्रस्तुत किया और उन्होंने इतिहास और विज्ञान संवर्धन विज्ञान के समाजशास्त्र में एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया।

8 और 9 अप्रैल, 2016 को मूला राम ने अंग्रेजी, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''अभिघातःसाहित्य में स्मृति और इतिहास'' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''कलंकित पहचान का अभिघात : लक्ष्मण गायकवाड़ की द ब्रांडेड का एक व्याख्यान'' प्रस्तुत किया।

एसपी अग्रवाल ने 12 और 13 फरवरी , 2017 को प्रबंधन अध्ययन संस्थान,गाजियाबाद द्वारा आयोजित ''निगम से संबंधित शासन प्रणालीः पूर्वप्रदर्शन और संभावना (आईसीसीजी आईएमएसजीजेडबी 2017)'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत में मुद्रास्फीति और शेयर बाजारः एक विश्लेषण'' नामक पत्र प्रस्तुत किया।

श्रुति जैन ने 18 फरवरी, 2017 को अंग्रेजी विभाग, आईआईएस विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित ''लैंगिक शहरी रिक्त स्थान'' स्व–आधिपत्य के बयान'' पर राष्ट्रीय गोष्ठी पर एक पत्र ''दहलीज से परे यात्रा'' प्रस्तुत किया।

12 और 13 फरवरी, 2017 को गाजियाबाद प्रबंधन अध्ययन संस्थान द्वारा व्यवस्थित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन,''निगम से संबंधित शासन प्रणालीः पूर्वप्रदर्शन और संभावना (आईसीसीजी आईएमएसजीजेडबी 2017)'', में सोनिया ने रचनात्मक लेखांकन और कॉर्पोरेट प्रशासन पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

14 और 15 अक्टूबर, 2016 को गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, ''बीजगणित, विश्लेषण, बीजकोष और कूट–लेखन'' (डीआरडीओ द्वारा प्रायोजित) में सुमित नागपाल ने एक पत्र, ''लयबद्ध कोबे प्रकार्य के पेचीदा गुण और 2–स्टार जैसे मानचित्रण के साथ इसका संबंध'' प्रस्तुत किया।

28 मई 2016 को सुबोध कुमार सज्जन ने शास्त्री इंडो–कैनेडियन संस्थान द्वारा भारत के पर्यावास केंद्र, दिल्ली में ''भारत और कनाडा को शामिल करनाः कनाडा और भारत के बीच ग्लोबल शैक्षिक सहयोग के लिए स्थलचिह्न और रोड मैप'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय परिषद में एक पत्र ''राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का एक संस्थान इतिहासः भारत और कनाडा के तुलनात्मक अध्ययन'' प्रस्तुत किया।

27 और 28 नवंबर, 2016 को, सुचि पट्टी ने, ''दृष्टिकोण –2030, उद्योगों और शिक्षा के लिए रणनीतियाँ'' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, जो कि प्रबंधन अध्ययन विभाग, सरकारी महाविद्यालय, बिलासपुर (एचपी) में हिमाचल प्रदेश वाणिज्य और प्रबंधन संघ (एचपीसीएमए) के सहयोग से आयोजित किया गया था, में एक पत्र, ''भारत में ई–कॉमर्स संभावनाएं और चुनौतियां'' प्रस्तुत किए।

विभाष कुमार ने, 26 फरवरी, 2017 को, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में आयोजित, ''स्थिरता और जलवायु परिवर्तन के लिए व्यावसायिक प्रक्रिया को फिर से शामिल करना' मुद्दे और परिप्रेक्ष्य'' पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन में एक पत्र ''भारतीय व्यक्तिगत निवेशक व्यवहारः टिकाऊ और समावेशी विकास को पूरा करने के लिए एक मॉडल आधारित अध्ययन'' प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

छात्रों को टैली ईआरपी 9 के प्रशिक्षण के लिए सॉफ्टवेयर कंपनी ''टैली'' से समझौता

गैर–सरकारी संगठन रूपान्तरण, जिसके अंतर्गत कॉलेज ने दो झुग्गी शिविरों को अपनाया है। हमारे छात्र वहां रहने वाले बच्चों और महिलाओं को सेवाएं मुहैया कराएंगे, जबकि रूपान्तरण बुनियादी ढांचा सुविधाओं को प्रदान करेगा।

20 अक्टूबर, 2016, अपशिष्ट पुनचक्रण इकाई, पोम। एमओयू के अनुसार, कंपनी पाक्षिक रूप से संस्था से सूखा और ठोस अपशिष्ट इकट्ठा करेगी और कचरे के मौद्रिक मूल्य कॉलेज को देगी जो हाउसकीपिंग स्टाफ को एक प्रोत्साहन के रूप में दिया जाएगा।

मार्च 2016 में एक कागज पुनचक्रण इकाई, जागृति। समझौते के मुताबिक, कॉलेज अखबारों, पत्रिकाओं, कार्यालय क्रमिक दस्तावेज, विद्यार्थियों के पुराने समनुदेशन और सभी प्रकार के अपशिष्ट कागज जागृति को देगा और बदले में जागृति कॉलेज को पुनर्नवीनीकरण के बाद कागज देगा जिसमें कॉलेज के प्रतीक चिह्न के साथ ए 4 आकार वाले सफेद कागज और लेखन दस्ता शामिल होंगे ।

कई अन्य समझौता/ज्ञापन भी हस्ताक्षर किए गए थे। ये अंकीय महासागर, भारतीय मुक्त तथ्य संस्था, जक्सट स्मार्ट मैनेट एनालिटिकल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, एसेनटिया सॉफ्टसर्व, मैनैक्ले प्राइवेट लिमिटेड, नास्कॉम और एआईए, लंदन शामिल थे ।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद (एनएसडीसी) ने सहयोगी विश्लेषक पर एक पाठ्यक्रम शुरु किया है।

भारतीय वित्तीय सूचित मानकों (आईएफआरएस) पर भारतीय लेखा अकादमी (एनसीआर अध्याय) के साथ तीन महीने के अधिकार दायक पत्र का दूसरा खेप शुरू किया गया है।

ई–शिक्षा सेवासामग्री प्रबंधन प्रणाली को एक मुक्त स्रोत मंच पर विकसित किया गया है – मूडल जो कि समनुदेशन जमा करने, परखने और अपलोड करने के लिए सक्षम बनाता है।

कौशल केंद्र के सहयोग से हिंदी विभाग ने सम्पर्क साधन पर एक प्रमाणित पाठ्यक्रम शुरू किया है। रेडियो प्रसारण पर एक अन्य प्रमाणित पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक अपने दूसरे वर्ष में चल रहा है।

मानवाधिकार अध्ययन केंद्र ने मानव अधिकारों पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित तीन महीने के प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का चौथा सत्र (अ – नवंबर 2016)पूरा किया।

कॉलेज ने नवगठित अनुसंधान परामर्श और सेवाएं गुट्ट के माध्यम से बाहरी संस्थाओं को परामर्श प्रदान करना भी शुरू कर दिया है। कॉलेज ने कॉलेज द्वारा क्रमादेशित कम्प्यूटर प्रणाली के माध्यम से स्टेट बैंक अधिकारी संघ के लिए अलगाव और डाक मतपत्र की गिनती में रु. 3 लाख के मूल्यांकन की परामर्श सेवाएं मुहैया कराई हैं।कॉलेज ने विश्वसनीय आँकड़ों के समाधान, मूल्यांकन स्क्रिप्टों के मूल्यांकन और सारणीकरण के गोपनीय कार्य करने के लिएभी रु. 3 लाख के मूल्यांकन की परामर्श सेवाएं मुहैया कराई हैं।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर, लेकिन (एलईसीआईएन) और साई संस्कार प्रतिष्ठान के सहयोग से सामाजिक नवाचार केंद्र ने बच्चों के बीच देशभक्ति की भावना विकसित करने और उन्हें अपनी रचनात्मकता दिखाने का अवसर देने के लिए स्वतंत्रता दिवस मनाया।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

दिल्ली विश्वविद्यालय और हक्काडो विश्वविद्यालय, जापान के बीच विनिमय कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, श्रीमती अमातोतो ने अपनी पढ़ाई के लिए रामानुजन कॉलेज में प्रवेश किया। वह वर्तमान में बीए(ऑनर्स) राजनीति विज्ञान की पढ़ाई कर रहीं हैं।

तीन बी.एम.एस. पहले साल के छात्रों को 46 दिनों के लिए रूस में क्रॉस सांस्कृतिक इंटर्नशिप के अंतर्गत मास्को और सेंट पीटर्सबर्ग जैसे शहरों में भेजा गया। यात्रा की गतिविधियों में अंधे समाज में स्वयंसेवा करने और गरीब बच्चों को पढ़ाने जैसे भिन्न–भिन्न कार्य शामिल थे।

नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्र– 285 छात्र
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां– 23 कंपनियां

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
प्रायोगिक मनोविज्ञान विभाग के छात्र एक गैर सरकारी संगठन ''उदीयमान लोक कल्याणकारी समाज'' के साथ मिलकर काम किया और अल्पाधिकार प्राप्त बच्चों के साथ कुछ घंटे बिताए। विद्यालय आपूर्ति उपहार में दी गई थी। इतिहास विभाग ने मनचले कटुम्ब प्रतिष्ठान का समुदाय (एक संगठन जो सड़क के बच्चों के साथ काम करता है) का आयोजन किया और 10 मार्च 2017 को कंज्यूर 2017 – प्रबंधन और अर्थशास्त्र उत्सव में प्रदर्शन किया।

प्रबंधन अध्ययन विभाग ने डी.टी.ई.ए., वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, आर.के. पुरम सेक्टर IV, नई दिल्ली 27 जनवरी 2017 को, छात्रों के लिए प्रबंधन कौशल की गतिविधियों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूरे दिन विद्यालय का प्रबंधन करना था और ऐसी गतिविधियां थीं जो छात्रों का एक अभिनव और मजेदार तरीके से ज्ञान और जानकारी प्रदान करे ।

दार्शनिक विभाग ने निर्माण मजदूरों के बच्चों और प्रारंभिक प्राथमिक शिक्षा के लिए कक्षाएं संगठित कीं। राजनीति विज्ञान विभाग, समाज के वंचित और वंचित वर्गों तक पहुंचने के प्रयास में, 8 नवंबर, 2016 को इंदिरा कल्याण विहार, ओखला औद्योगिक एस्टेट के झुग्गी इलाकों में स्वच्छता के बारे में एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

नैतिकता और मूल्य केंद्र ने 21 अक्टूबर 2016 को झुग्गी बच्चों के कल्याण के लिए एक पहल ''आशा–वाली दीवाली'' का आयोजन किया। इन बच्चों से दिवाली के लिए कई शिल्प वस्तुओं का अनुरोध किया गया और बाद में कॉलेजमें उन्हें बेच दिया गया। एकत्र की गई राशि उसी अनाथालय को दी गई थी। सामाजिक नवाचार केंद्र, जून 2016 में ''झुग्गी में रहने वाले छात्रों के लिए वैदिक गणित''पर एक शैक्षिक सत्र का आयोजन किया गया जिसमें वहां रहने वाले बच्चों को मूल गणितीय ज्ञान प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया था। रुपांतरण को मई 2016 के दौरान वसंत विहार के कूली कैंप में आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य बच्चों को स्कूल जाने और शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना था।

सामुदायिक पहुँच कार्यक्रम का आयोजन गाळिब सभागार में 12 अगस्त 2016 को सुधा शिविर, कालकाजी, दिल्ली, स्कूल के बच्चों के लिए किया गया। संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में कुछ कॉलेजके छात्र इस कार्यक्रम में शामिल थे जैसे शैक्षिक अवसर, शारीरिक स्वास्थ्य और खेल और आरोग्यशास्त्र और स्वच्छता।

पुस्तकालय विकास
इस वर्ष खरीदी गई पुस्तकों की कुल संख्याः 1,913, मूल्य 8,57,900 रुपए
इस अकादमिक वर्ष में खरीदी गई कुल पत्रिकायेंः 75, मूल्य 1,44,927 रुपए
पुस्तकालय ने इनफ्लिबनेट (यूजीसी); और विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क (डीईएलएनईटी) के एन–लिस्ट कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न ई–पुस्तकों और ई–पत्रिकाओं की भी सदस्यता ली ।
लाइब्रेरी ने दो ई–पुस्तक पठन उपकरण 'किंडल' खरीदे ।
पुस्तकालय ने कॉलेज के संकाय सदस्यों के लिए संकाय प्रतीक्षालय–सह–संदर्भ पढ़ने के कमरे भी शुरू कर दिए।
पुस्तकालय टॉड़ रूम के पुराने रैक/आलमारियों को गोदरेज किताब रैक में बदल दिया गया।

संकाय की संख्या–90

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान:

14.53 करोड़ रुपए (गैर योजना) और 3.68 करोड़ रुपए (योजना के अंतर्गत)

उपयोग की गई राशि – 9.71 करोड़ रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

फोटोशॉप और कोरल ड्रॉ पर तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया था, ताकि छात्रों को फोटो और वीडियो संपादन सॉफ्टवेयर्स का उपयोग करने के कौशल को साझा किया जा सके। बीज ब्लैज 2017 (वार्षिक विभागीय उत्सव) 16 और 17 फरवरी, 2017 को आयोजित किया गया था। इसमें बहुत लोगों ने हिस्सा लिया और इसमें फीफा प्रतियोगिता, स्टार्ट–ए–बज, बिग बैंग कॉम क्विज, बिड फॉर डेड, लोगो क्विज और बीट द क्लॉक जैसे विभिन्न आयोजनों के लिए कई कॉलेजों से भागीदारी प्राप्त हुई थी। वाणिज्य विभाग, जगन्नाथ अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन विद्यालय, कालकाजी, वाणिज्य के सहयोग से ईसाई और मैरी संस्था कॉलेज और बॉम्बे शेयर बाजार और भारतीय लेखा संघ (एनसीआर अध्याय) ने 10 मार्च 2017 को कॉलेजपरिसर में ''नकली शेयर प्रतियोगिता'' का आयोजन किया जिसमें आकर्षक पुरस्कार, दिलचस्प प्रारूप और व्यापक भागीदारी शामिल थी। कॉलेज के चार छात्र ने एक एंड्रॉइड एप्लीकेशन ''रामानुजन महाविद्यालय'' विकसित किया जो कि गूगलप्ले स्टोर का हिस्सा है। यह अनुप्रयोग पाठ्यक्रमों, समय सारणी और घटनाओं पर सूचनाओं सहित कॉलेज की पूरी जानकारी प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कॉलेजसमिति की वार्षिक उत्पादन, ''चिन्मय'' को जनवरी, 2017 में रिलीज किया गया था और इसने कलकत्ता अंतरराष्ट्रीय धर्म–संप्रदाय फिल्म उत्सव में और यूसुफ और मैरी कॉलेजके फिल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार जीता। फिल्म ने दूसरी सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ संपादन, सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट और उड़ान फिल्म समारोह में दूसरी सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय का पुरस्कार जीता। कॉलेजके नाट्यशाला मंडली ''जज्बा'' ने आईआईटी गुवाहाटी में प्रथम स्थान हासिल किया और आईआईटी दिल्ली में दूसरा स्थान हासिल किया। पश्चिमी नृत्य सोसायटी ''डीएनएः नृत्य न्यूक्लिक एसिड' जीडी गोयनका आवरण में 2016 में प्रथम स्थान, भागिनी निवेदिता कॉलेज में प्रथम स्थान, और 2016 में जीआईबीएस में दूसरा स्थान प्राप्त किया। कॉलेज सोसायटी 'ब्रश स्ट्रोक' ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों, जैसे हिंदू कॉलेज, किरोड़ीमल कॉलेज, गृह अर्थशास्त्र संस्थान के वार्षिक कार्यक्रमों में कई पुरस्कार जीते ।

***

राम लाल आनन्द कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कॉलेज ने अपने बुनियादी ढांचे को उन्नत किया, जिसमें एक नया चिकित्सा कक्ष, पूरी तरह से कार्यात्मक वाई–फाई, चार आईटी सक्षम कक्षाएं, लैपटॉप के लिए नई भंडारण सुविधा, दृष्टिहीनों के लिए स्पर्श समर्थन के साथ फुटपाथ की स्थापना, नई लिफ्ट और छात्र के बैठने की उच्च क्षमता के साथ पुस्तकालय का नवीकरण शामिल है। प्रशासनिक और अकाउंट ब्लॉक का नवीनीकरण प्रगति पर है। दो नए स्नातक पाठ्यक्रम बीए (ऑनर्स) मैथमैटिक्स और बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (बी.एम.एस.) को शैक्षणिक सत्र, जुलाई 2017 से शुरू करने के लिए मंजूरी दे दी गई है। इस सत्र के दौरान, एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) भी गठित किया गया है। उत्तर पूर्वी राज्यों के छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए एक नई ''पूर्वोत्तर सोसायटी'' का गठन किया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय नवाचार परियोजनाओं के माध्यम से, विभिन्न विभागों के साठ स्नातक छात्रों को प्रशिक्षित और करियर के रूप में अनुसंधान का पीछा करने के लिए प्रेरित किया गया। दो छात्रों ने दिल्ली विश्वविद्यालय की

वार्षिक परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है और उन्हें यूनिवर्सिटी दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। कॉलेज ऑफिस और कैफेटेरिया को नकदी रहित भुगतान के लिए पूरी तरह से परिवर्तित किया गया है। कॉलेज ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

सम्मान/ विशिष्टताएं

कौशल और व्यावसायिक शिक्षा शिखर सम्मेलन में ''स्वच्छ भारत अभियान'' के उद्देश्य को मजबूत बनाने के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर ऑफ वर्ल्ड पीस (एनजीओ संबद्ध संयुक्त राष्ट्र संघरू ईसीओएसओसी, यूएनडीपीआई–2017,) की सिफारिशों पर कॉलेज ने भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित समारोह में ''क्लीन कैम्पस अवार्ड'' हासिल किया।

वर्तमान प्राचार्य, डॉ. राकेश कुमार गुप्ता को माइक्रोबायोलॉजी विभाग एनआईसीईआर (इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर की सिफारिशों पर संयुक्त राष्ट्र संघ के एनजीओ संबद्धः ईसीओएसओसीओ, यूएनडीपीआई) द्वारा स्कील इंडिया की पहल के लिए लाइफ टाइम अचिवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

अंग्रेजी विभाग की डॉ. प्रेरणा मल्होत्रा को संविधान क्लब, नई दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर 32वें डॉ. एस. राधा कृष्णन मेमोरियल राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार –2016 से सम्मानित किया गया।

डॉ. रीता जैन और डॉ. नीना मित्तल, सांख्यिकी विभाग और डॉ. एससी दबास, हिंदी विभाग को ''अध्ययन से पता चलता है कि संज्ञानात्मक गतिविधियों में 60 से अधिक उम्र के मनोभ्रंश में देरी से दवाएं नवाचार अनुसंधान परियोजनाओं के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में नवाचार परियोजना की प्रस्तुति के लिए ''सर्वश्रेष्ठ पोस्टर'' से सम्मानित किया गया।

डॉ. निधि चंद्र, माइक्रोबायोलॉजी विभाग को बोटानिका के सह–संपादक, दिल्ली विश्वविद्यालय बॉटनिकल सोसाइटी के रूप में सम्मानित किया गया है।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

बी.एससी. (ऑनर्स.) माइक्रोबायोलॉजी के तरुण आदर्श का अप्रैल–जुलाई 2016 में जवाहर लाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बैंगलोर, फिजिकल साइंसेज में ग्रीष्मकालीन रिसर्च फेलोशिप प्रोग्राम चयन किया गया था।

तीन विद्यार्थियों, जियोलॉजी विभाग के नितिन खंडेलवाल और जी अरविंद शर्मा तथा माइक्रोबायोलॉजी विभाग अभिषेक शर्मा को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से प्रतिवर्ष 80,000 रुपया की इंस्पायर फेलोशिप प्रदान की गई है।

भू–विज्ञान विभाग की श्रव्य श्रीवास्तव (तृतीय वर्ष), अंशिका सिंह (द्वितीय वर्ष), को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) के ''ग्रीष्मकालीन अनुसंधान फैलोशिप कार्यक्रम'' के लिए चुना गया है

माइक्रोबायोलॉजी विभाग के आशीष सिंह और जिओलॉजी विभाग की नुपूर पंत 2016 में विश्वविद्यालय की अंतिम वर्ष की परीक्षा में शीर्ष पर रहे।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग से एक एनएसएस छात्र स्वयंसेवक, सार्थक धवन को युवा मामले और खेल मंत्रालय के सहयोग से रोहतक, हरियाणा में आयोजित युवा समारोह में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए 62 कॉलेजों में से चुने गए 10 छात्रों में से एक के रूप में चुना गया था।

बी.ए. (कार्यक्रम) के सिद्धार्थ रावल विभिन्न कार्यक्रमों में एक ताकतवर पेन, राष्ट्रीय स्तर की बहस, राष्ट्रीय स्तर के स्लैम काव्य और आशु भाषण नें शामिल हुए। स्लैम कविता में, उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार जीता। ''विमुद्रीकरण'' पर उनकी प्रस्तुति को राष्ट्रीय स्तर पर चुना गया था और उन्हें आईआईटी, खड़गपुर स्प्रिंग फेस्ट 2017 में अपना शोध पत्र को पढ़ने के लिए आमंत्रित किया गया था।

वाणिज्य स्नातक (कार्यक्रम) के द्वितीय वर्ष के अंकित कुमार राणा ने सीनियर राष्ट्रीय संतोष ट्रॉफी (फुटबॉल) में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

बीकॉम (कार्यक्रम) प्रथम वर्ष के अमित शर्मा ने सीनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन टूर्नामेंट में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

अंग्रेजी (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के शुभम ने दिल्ली राज्य जूडो चौम्पियनशिप में रजत पदक जीता।

हिंदी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के साहिल ने 65वें सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

बी.ए. (कार्यक्रम) प्रथम वर्ष की मेघा बिष्ट ने 19वीं जूनियर (महिला) दिल्ली स्टेट बॉक्सिंग चौम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

राजनीति शास्त्र (ऑनर्स) प्रथम वर्ष की पृथ्वी ने दिल्ली राज्य जूडो चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

बी.ए. (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष के सचिन गौतम ने इंटर कॉलेज जूडो चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता।

बी.ए. प्रथम वर्ष के तन्मय कुमार झा, कंप्यूटर साइंस के प्रथम वर्ष की पारूल गहलोत ने इंटर कॉलेज जूडो चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता

बीए (कार्यक्रम) के विजय मलिक ने इंटर कॉलेज बॉक्सिंग टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता।

एन सी सी कैडेट अल्ताफ अहमद और अक्षय ने इंटर डायरेक्टरेट शूटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण और रजत पदक जीते।

प्रकाशन

एम. एस. आलम, एम. जीशान, पी मित्रा, वी. चौधरी और वाई. डी. शर्मा, (2016). पीवीटीआरएजी35.2 की प्लास्मोडियम विवाक्स ट्रिप्टोफैन समृद्ध एंटीजन और परजीवी विकास अवरोध गतिविधि के रिसेप्टर विशिष्ट बाध्यकारी क्षेत्र। सूक्ष्मजीव संक्रमित, एस1286–4579(16), 30047–30048.

वी के भाटिया, (2016). 21वीं सदी में भारत–मंगोलिया का संबंध चुनौतियां और संभावनाएं। वैज्ञानिक अनुसंधान की ग्लेशियर पत्रिका,11, 31–44.

वी के भाटिया, (2016). वैश्वीकरण के युग में मानव अधिकार। वैज्ञानिक अनुसंधान की ग्लेशियर पत्रिका,7, 67–78.

ए भौमिक, डी ओझा, डी गोस्वामी, आर दास, एन एस चंद्रा, टी.के. चटर्जी, ए चक्रवर्ती, एस चक्रवर्ती और डी चट्टोपाध्याय, (2017). इनॉसिटॉल हेक्सा फॉस्फोरिक एसिड (फिटिक एसिड), एक न्यूट्रास्यूटिकल, लोहे से प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव को हटा देते हैं और लौह ओवरलोडेड चूहों में जिगर की चोट को कम करते हैं। बायोमेडिसिन और फार्माकोथेरेपी. 87, 443–450.

एच. चक्रवर्ती, डी. ओझा, ए. के कोनरेड्डी, सी. बाल, एन. एस. चंद्रा, ए. शेरोन, और डी. चट्टोपाध्याय, (2016), एंटी–एचएसवी एजेंट के रूप में मल्टीरिंग–फ्यूज इमिडाजो [1,2–ए] आईसोक्विनोलिन आधारित फ्लोरोसेंट मंच का संश्लेषण। एंटीवायरल कैमिस्ट्री और केमोथेरपी,25 (5–6), 127–135.

एन. एस. चंद्रा, वी. अग्रवाल, और डी. चट्टोपाध्याय, (2016), हेपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) के खिलाफ एंटीवायरल गतिविधि वाले पौधे। द बोटानिका, 64, 52–55.

एच. देवल, के. कटोच, डी. एस. चौहान, ए. के. त्यागी, आर. के. गुप्ता, आर. कमाल, ए. कुमार, वी. एस. यादव, वी. एम. कोटोच और टी. हुसैन, (2016). माइकोबैक्टीरियम लेप्रे की टिला प्रोटीनः सक्रिय संक्रमण का एक संभावित जैव मार्कर। लिपर समीक्षा, 87, 501–515.

डी ओझा, ए दास, ए बनर्जी, आर दास, एन एस चंद्रा, और डी चट्टोपाध्याय, (2016), एथोनीमेडीस्किन के माध्यम से एंटी–वायरल ड्रग डिस्कवरीः एक अद्यतन। द बोटानिका, 64, 63–67.

पेटेंट दायर/स्वीकृत

30 मार्च, 2017 को सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. वंदना गुप्ता द्वारा ''हेपेटाइटिस सी वायरस के खिलाफ स्क्रीनिंग अवरोध के तरीके'' पर पेटेंट दर्ज किया गया है।

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

जनवरी, 2017 में रा ष्ट्रीय संगोष्ठी, ''स्थानिक डेटा विश्लेषिकी और वायरलेस सेंसर नेटवर्क'' का आयोजन किया गया था। इसके प्रख्यात वक्ताओं में स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम्स साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डी के लोबियाल और प्रोफेसर सोना मिनज शामिल थे।

24 अप्रैल, 2017 को ''सामाजिक बहिष्कार को समझना'' पर संगोष्ठी, आयोजित की गई थी। प्रख्यात वक्ताओं डॉ रतन लाल, एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदू कॉलेज और डॉ. ज्योति अटवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, जेएनयू शामिल थे।

मार्च, 2017 में ''सभ्यताओं के विकास में नदियों की भूमिका'' पर संगोष्ठी आयोजित की गई थी। इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, के प्रो. आर. सी. सी. ठाकन इसके प्रख्यात वक्ता थे।

प्रोफेसर कविता शर्मा द्वारा 13 फरवरी, 2017 को ''उद्यमशील संस्कृति का विषय'' पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रो. एन. सी. पंत द्वारा अंटार्कटिक विज्ञान में भूवैज्ञानिकों की भूमिका ''आँखों के नीचे क्या है'' पर संगोष्ठी आयोजित की गई थी। सुप्रसिद्ध व्याख्याता थे, सुश्री देवासमृद्धि और सुश्री मनी पांडे ने एसोसिएशन ऑफ पोलर अर्ली कैरियर वैज्ञानिकों (एपीईसीएस) के।

''बायोमेडिकल रिसर्च में सांख्यिकीय मुद्दे और चुनौतियां'' पर 22 फरवरी, 2017 को संगोष्ठी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे डॉ. एच एस चतुर्वेदी, वैज्ञानिक, एनआईएमएस (आईसीएमआर)।

राष्ट्रपति अवार्डी श्रीमती अंबिका देवी के मार्गदर्शन में बारहवें योजना अनुदान यूजीसी द्वारा एसपीआईसी एमएसीएवाई के आरएलए अध्याय द्वारा 22 से 24 मार्च, 2017 को मधुबनी पेटिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था। ।

11 मार्च, 2017 को ''पेट्रोलियम उत्पादन में वितरण, अन्वेषण और अनुकूलन तकनीकों'' पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला आयोजित की गई थी। ओएनजीसी के प्रख्यात वैज्ञानिकों ने भारत में तेल एवं गैस की खोज के विभिन्न पहलुओं पर अपनी तकनीकी विशेषज्ञता साझा की, बारहवां योजना अनुदान यूजीसी।

अबबीसीसा एचआर कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एक दिवसीय योग्यता मूल्यांकन कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जो हमारे बाहर जाने वाले छात्रों को कॉलेज के बाद की दुनिया का सामना करने के लिए तैयार करने के लिए किया गया था, बारहवां योजना अनुदान यूजीसी।

18 अप्रैल, 2017 को सेंटर फॉर ह्यूमन माइक्रोबियल पारिस्थितिकी (सीएचएमई), टीएचएसटीआई के सहयोग से ''मानव माइक्रोबाइमः हमारा दूसरा जीनोम पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। वक्ताओं में प्रोण टी राममूर्ति, डॉ भाभातोस दास, डॉ प्रभांशु त्रिपाठी और टीएचएसटीआई से डॉ अमित अवस्थी शामिल थे।

22 अक्टूबर 2016 को ''डेटा एनालिटिक्स और चीजों के इंटरनेट'' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। प्रख्यात वक्ता थे श्री हंस टेक्नोलॉजी से राहुल बजाज और ग्लोबल लॉजिक से श्री अमित सूद।

रविंदर सिंह ने फिलीपींस यूनिवर्सिटी के लिसेयुम, मनीला, फिलीपींस में 2 से 4 फरवरी, 2017 के दौरान आयोजित ''सतत विकास पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः व्यवसाय और वाणिज्य में नवाचार'' में ''भारत में ऑनलाइन विपणन पर प्रभावः अवसर और चुनौतियां'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राकेश गुप्ता ने 24 से 27 नवंबर, 2016 के दौरान गुवाहाटी में आयोजित ''57 वें वार्षिक सम्मेलन और भारत के माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसोसिएशन की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी'' में ''दिल्ली सबवे के भीड़ भरे मेट्रो स्टेशनों की हवा में कार्बापेनम और मल्टीड्रग प्रतिरोधी ग्रैम सकारात्मक बैक्टीरिया की मौजूदगी'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राकेश गुप्ता और सुनीला हूडा ने 11 से 13 दिसंबर, 2016 के दौरान जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में आयोजित ''पर्यावरण संरक्षण और प्रबंधन (आईसीएसईपीएम –2016) की रणनीति के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' में ''दिल्ली पर्यावरण के एरोमिक्राफ्लोरो में एंटिमाइक्रोबियल प्रतिरोध का प्रसार सार्वजनिक स्वास्थ्य एक गंभीर प्रभाव'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रेरणा दीवान और सैलोम जॉन ने 24 से 27 नवंबर, 2016 के दौरान गुवाहाटी में आयोजित 57 वें वार्षिक सम्मेलन और भारत के माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसोसिएशन की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''मल्टी–ड्रग प्रतिरोधी बैक्टीरिया के तनाव के खिलाफ जीवाणुरोधी गतिविधियों के लिए पौधों का सत्व निकालना।'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कुसुम आर गुप्ता ने, 24 से 27 नवंबर, 2016 के दौरान गुवाहाटी में आयोजित ''57 वीं वार्षिक सम्मेलन और भारत के माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसोसिएशन के अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी'' में ''दिल्ली क्षेत्र से पृथक्कीकृत मल्टी–ड्रग प्रतिरोधी उपभेदों पर चांदी नैनोकणों का रोग विरोधी प्रभाव'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

निधि किरण ने, 16 और 17 मार्च, 2017 के दौरान पांडिचेरी विश्वविद्यालय में आयोजित दो–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''महिला की खोज में – वाल्मीकि के रामायण में मामूली जगहों से महिला को पुनर्जीवित करने का एक प्रयास'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विजय कुमार भाटिया ने नवंबर, 2016 के दौरान दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित ''अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन'' में ''किर्गिस्तान में लोकतांत्रिक परिवर्तन और राजनीतिक संस्थान'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विजय कुमार भाटिया ने विज्ञान तुर्कमेनिस्तान अकादमी द्वारा आयोजित ''तुर्कमेनिस्तान में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' में ''अराल सागर में पर्यावरण के क्षरणःचुनौतियां और संभावनाएं'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कृष्ण गोपाल त्यागी ने 15 से 18 दिसंबर, 2016 के दौरान भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली में आयोजित ''वैदिक ज्ञान के वैज्ञानिक पहलुओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन वेब्स 2016'' में ''वैदिक ज्ञानः विस्तार और चुनौतियां'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संजय शर्मा ने श्याम लाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय में 23 और 24 मार्च, 2017 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''तुलसीकृत रामचरित मानस वर्णाश्रम धर्म'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राजेश गौतम ने 23 और 24 मार्च, 2017 के दौरान श्याम लाल कॉलेज (सांध्य) दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, ''तुलसी के साहित्य में संस्कृतिक जागरण'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

कॉलेज ने ''विज्ञान सेतु'' कार्यक्रम के अंतर्गत एक वैकल्पिक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान (टीएचएस टीआई), फरीदाबाद (बायोटैक्नोलॉजी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान, भारत सरकार) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एक वैज्ञानिक सोच पैदा करने में मदद करेगा और छात्रों को विचारों और नवाचारों को प्रयोगशाला बेंच से समुदाय तक स्थानांतरित करने की आवश्यकता से परिचित कराएगा।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ. प्रेरणा दीवान, सीएसआईआर–केन्द्रीय ग्लास और सीरामिक रिसर्च इंस्टीट्यूट के डॉ. कौशिक बिस्वास के साथ जीवाणुरोधी परख अध्ययन में सहयोग कर रही हैं।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र – 12

आईबीएम, एओएन हैविट, अमेरिकन एक्सप्रेस और कोक्यूब टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड जैसे उद्योग जगत ने कॉलेज परिसर में परिसर भर्ती अभियान में चयन प्रक्रिया के पहले दौर के लिए 100 से अधिक छात्रों को पंजीकृत किया।

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

कॉलेज में एनएसएस, एनसीसी, महिला कल्याण समिति जैसी कई समितियां छात्रों में जिम्मेदारी की भावना पैदा करने के लिए काम करती हैं। 2016 –17 के दौरान कॉलेज के अंदर और बाहर स्वच्छता अभियान और ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' विषय पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, डिजिटल वित्तीय साक्षरता, चुनावी भागीदारी को बढ़ावा देने, वृद्धाश्रमों के दौरे, जल दिवस मार्च, टीबी पर जागरूकता अभियान जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किया गया

पुस्तकालय विकास

वर्तमान में हमारे पास पुस्तकालय में लगभग 60,000 पुस्तकें हैं 2016–17 के सत्र में, विभिन्न विषयों के लिए 12.23 लाख रुपये की 1,908 पुस्तकें खरीदी गई हैं।

संकाय की संख्या

स्थायी –40, तदर्थ –37

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान – 21.08 करोड़ रुपए

उपयोग किया गया – 15.40 करोड़ रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सभी सत्रों में अतिरिक्त शिक्षण की आवश्यकता वाले छात्रों के लिए नियमित रूप से उपचारात्मक कक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

कॉलेज जरूरतमंद और अकादमिक रूप से योग्य छात्रों को शुल्क रियायत के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस वर्ष 81 छात्रों के बीच 2.63 लाख रुपये की वित्तीय सहायता वितरित की गई है।

कॉलेज में स्पाइक मैके अध्याय एक सक्रिय है, 4 फरवरी, 2017 को सबसे प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक डॉ. अश्विनी भिडे–देशपांडे का एक संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

योग और मध्यस्थता समिति ने 20 अक्टूबर से 8 नवंबर 2016 तक 8 से 9 बजे के बीच छात्रों और शिक्षकों के लिए एक योग शिविर का आयोजन किया गया।

***

सत्यवती कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कॉलेज को 2016–17 के दौरान मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से ग्रेड 'ए' प्रत्यायन मिला है। कॉलेज एक ग्रीन हाउस और साथ ही एक हर्बल गार्डन के निर्माण द्वारा बुनियादी ढांचे के विस्तार करने में भी सफल रहा। दिव्यांग छात्रों के लिए रैंप का भी निर्माण किया गया और लिफ्ट की स्थापना की प्रक्रिया भी शुरू हुई है। कुछ विभागों द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां आयोजित की गई थीं। कॉलेजका पहला पूर्व छात्र मिलन उत्सव 24 अगस्त, 2016 को आयोजित किया गया था।

प्रकाशन (चयनित)

एस. सिन्हा, (2017). नया दूसरा सेक्स, अफ्रीकी साहित्य पर विशेष अंक में क्रॉस पर रक्त और शैतान का पेटल।

के. बी. झा, (2016). हिंदू राष्ट्रवाद का विचार बदलती हुई रूपरेखाः 19वीं सदी के उत्तरार्ध से 20 वीं शताब्दी के पूर्वार्ध तक। शिक्षा का आयाम (चच.47–58), नई दिल्लीः नई दिल्ली प्रकाशक।

के कुमार, (2016). भारतीय संविधान बी आर अंबेडकर का विजन, बौद्धिक अनुनाद। अंतः विभागीय अध्ययन की डीसीएसी पत्रिका, II (4).

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 10 अगस्त, 2016 को ''वैश्वीकरण के युग में गांधी को याद करते हुए''विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (चयनित)

बी के झा, (2017). आजादी पूर्व में ''हिंदू रूचियों'' के विचार का उद्‌भव, लाल चंद, मालवीय, श्रद्धानंद और मून्जे का योगदान। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन पर पुनर्विचार करने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। भारतीय फाउंडेशन, दिल्ली, 18 मार्च, 2017

एस सिंह, (2016).सामाजिक समावेश और मोदी सरकार। गांधी स्मृति और दर्शन समिति, नई दिल्ली और रामभाऊ महलगी प्रबोधिनी मुंबई, दिल्ली में 4 मार्च, 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 90

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां/उद्योग –5

पुस्तकालय विकास

हमारे पुस्तकालय के विकास के लिए 10,45,500 रुपए का कुल बजट मंजूर किया गया था। इस अकादमिक सत्र में 1,242 पुस्तकें खरीदी गई थीं। पुस्तकालय 48 समाचार समाचारपत्रों, पत्रों और पत्रिकाओं के लिए सदस्यता लेता है।

संकाय की संख्या

स्थायी– 105य तदर्थ– 35

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान–31,78,00,000रुपए

उपयोग किया गया – 33,29,40,000रुपए

***

ओपन लर्निंग का स्कूल (मुक्त शिक्षा विद्यालय)

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

2016–2017 के शैक्षणिक वर्ष (आई, द्वितीय और तृतीय वर्ष) के लिए सभी पूर्वस्नातक कार्यक्रमों के लिए लगभग 4.7 लाख छात्रों को 100 प्रतिशत ऑनलाइन प्रवेश दिया गया, जो दिल्ली विश्वविद्यालय में पहली बार हुआ है। शैक्षणिक सत्र 2016–17 के लिए सभी पूर्वस्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए आई–कार्ड (पहचान–पत्र)/हॉल टिकट और मांग–सह–परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन जारी किया गया। शैक्षणिक सत्र 2016–17 के लिए पूर्वस्नातक के व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रमों के संचालन के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एसओएल के लगभग 30 अध्ययन केंद्र स्थापित किए गए। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भी मनाया गया। आंतरिक शिकायत समिति, एसओएल ने दो बार स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग की छात्राओं के लिए स्व–रक्षा प्रशिक्षण कक्षाओं का आयोजन किया गया।वर्ष के दौरान बीपीएल श्रेणी के छात्रों के लिए व्यक्तित्व और कौशल विकास पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले छात्र

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में दो छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय विकास के लिए 1,38,00,000 रुपए की राशि को मंजूरी दे दी गई है और 6,270 नई पुस्तकें खरीदी गई थीं। आठ नई पत्रिकाओं की सदस्यता भी ली गई। स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (मुक्त अधिगम) ने डेलनेट (विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क) सेवाओं की सदस्यता ली है छात्र अब उन दस्तावेजों के लिए अनुरोध कर सकते हैं, जो एसओएल पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं हैं। दस्तावेज डीएलएनईटी के सदस्य पुस्तकालयों से एकत्र किए जाएंगे और उन्हें केवल पुस्तकालय परिसर में परामर्श के लिए उपलब्ध कराया जायेगा। ओपन लर्निंग (मुक्त अधिगम) के स्कूल ने छात्रवृत्ति संबंधी सेवाओं के लिए अपने छात्रों को एन–लिस्ट (नेशनल लाइब्रेरी और सूचना) मुहैया कराई है। 10 साल और अधिक पुरानी 31,35,809. ई–पुस्तकों के साथ 6257+ ई–पत्रिकाएं उपलब्ध हैं। ये संसाधन सभी विषयों से संबंधित हैं और इन तक कहीं से भी 24 X 7 पहुंचा जा सकता है। समान सुविधा सेल (ईओसी) में दृष्टिगोचरता के लिए खास गैजेट्स और सॉफ्टवेयर के साथ पूरी सुविधा है, अर्थात् सीका वी3 ब्रेल डिस्प्ले, ब्रेल सेंस यू2 नोट टेकर, रीडइट स्कॉलर – एचडी, डीएफआई की आसान गति वाली रीडिंग मशीन, डेजी प्लेयर, और ब्रेल फेस, एनवीडीए और सुगम्य पुस्तकालय –अपंग छात्रों के लिए प्रिंट सुलभ सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध कराती है। दृष्टिहीन छात्र 2, 30,000 से अधिक पुस्तकों के संग्रह का उपयोग कर सकते हैं। यह अशक्त छात्रों के लिए इस ऑनलाइन सेवा का सहयोगी सदस्य बन गया है। यह भारत में सुलभ प्रारूपों में पुस्तकों का सबसे बड़ा संग्रह बनने के लिए तैयार है और अंधापन, कमजोर दृष्टि या किसी अन्य विकलांगता वाले सभी लोगों की पढ़ने की आवश्यकताओं के लिए उपलब्ध है जो मानक प्रिंट नहीं पढ़ सकते हैं। प्रिंट अपंगता वाले लोगों के लिए किताबें साझा करने की सबसे बड़ी अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन लाइब्रेरी भी सुगम्य पुस्तकालय में एकीकृत है।

संकाय की संख्या – 28

***

शहीद भगत सिंह कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कॉलेज ने 16 जुलाई, 2016 को भारत पर्यावास केंद्र में स्वर्ण जयंती उत्सव के उद्घाटन समारोह का जश्न मनाया। दिल्ली के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर श्री नजीब जंग ने स्वर्ण जयंती समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए 50 साल की एक बहुरूपदर्शक युक्त एक रंगीन स्मारिका जारी की गयी थी। कॉलेज ने स्वर्ण जयंती उद्घाटन समारोह में एसबीएससी सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट की स्थापना की घोषणा की। वाणिज्य विभाग के एक पहल, एसबीएससी अल्यूमनी एसोसिएशन के सहयोग से इस केंद्र में युवा उद्यमशीलता सोसाइटी, इंटर्नशिप सेल और कैंपस को कॉर्पोरेट सेल में शामिल किया गया है ताकि छात्रों को कॉर्पोरेट जगत के लिए तैयार किया जा सके और स्वयं को रोजगार देने की संभावनाओं के बारे में जानकारी मिल सके। डॉ. अनिल सरदाना, टीचर इन–चार्ज, वाणिज्य विभाग अपनी गतिविधियां और कार्यक्रमों का समन्वय कर रहे हैं।

1 सितंबर, 2016 को कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान शहीद भगत सिंह अध्ययन और अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन कॉलेज के लिए एक प्रमुख उपलब्धि है। इतिहास विभाग की एक पहल, अध्ययन केंद्र, साम्राज्यवाद के खिलाफ भारतीय क्रांतिकारी संघर्ष के उग्र और उत्साही इतिहास पर प्रकाशित और अप्रकाशित सामग्री के समृद्ध संग्रह को लाने का इरादा रखता है जिसमें भगत सिंह और उनके विचारों की एक अनुकरणीय उपस्थिति है। डॉ. मीता हुसैन, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, अपनी गतिविधियों और कार्यक्रमों का समन्वय कर रही हैं।

एक हर्बल गार्डन को 25 अक्टूबर, 2016 को हरितक्रम द्वारा कॉलेज में स्थापित किया गया था – पर्यावरण मंत्रालय, पर्यावरण विभाग, दिल्ली सरकार के एनसीटी द्वारा समर्थित दीक्षा से अनुसंधान परामर्श के साथ हुआ। उद्यान में हर्बल और अन्य पौधों का एक संग्रह है जो समझ, संरक्षण, शिक्षा, प्रदर्शन और उनके उपयोगिता को लोकप्रिय बनाने और संबंधित पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनके मूल्यों के उद्देश्यों के लिए है।

प्रकाशन (चयनित)

एस.अरोड़ा,(2016), भारतीय ऑनलाइन कंपनियों का परिदृश्य बदल रहा है– ग्राहक का गूढ़ रहस्य, आईआईएमएस जर्नल ऑफ मैनेजमेंट साइंस, 7 (3)।

एस.अरोड़ा, (2016), फेसबुकः इसे नफरत करे या प्यार, लेकिन आप इसे अनदेखा कर सकते हैं? अमेरिका और भारत का तुलनात्मक अध्ययन। सूचना विज्ञान सिद्धांत और अभ्यास की पत्रिका, 4 (1), 65–73 में।

एस.पी.मित्तल,(2016), संगठनात्मक जलवायु पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रभावः चयनित भारतीय बीमा संगठनों काएक अध्ययन। वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 7 (7)में।

आर.के.मोहंती,एम.एच.सरवर और एस.एच.सेतिया, (2016) गैर–रैखिक चौथे क्रम के साधारण अंतर समीकरणों के समाधान के लिए ऑफ–चरण निर्बाध के आधार पर अर्ध–परिवर्तनशील मेष विधियों के वर्गीकरण, दृचिलेट और न्यूमनसीमा शर्तों के साथ। अंतर समीकरणों में स्थितियां, 248.

एन.मुखर्जी, (2017), नौच से नृत्य तक नृत्य और उपसंहार में टेगौर का नृत्य नाटक, आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 52 (3).

के.बी.वी.पाऊ, (2016), देवोंद और आधुनिक मनुष्यों की अस्तित्व की स्थिति की प्रतीक्षा की जा रही है। जिर्मयाह वी. डुओमाई (सं.) में, विश्वविद्यालय और राष्ट्र को शामिल करनाः ए ईसाई परिप्रेक्ष्य (पीपी 57–65), नई दिल्लीः ट्रेसी ।

वी.ए.वी. रमन, (2016), जियो–एथ्रोपोजेनिक पर्यावरणः एक मूल्यांकन दिल्लीःए के प्रकाशन।

वी.आर. शर्मा, (2016), यमुना नदी, दिल्ली के साथ भूमि उपयोग/कवर और प्रदूषण के सामाजिक–आर्थिक प्रभाव की निगरानी और मॉडलिंग। पूर्वस्नातक अनुसंधान एवं नवाचार की पत्रिका, 2 (2), 172–180.

पी.आर.वर्मा,(2016), दो बराबर समानांतर दरारों के साथ पीजोइलेक्ट्रिक पट्टी के लिए दरार–सीमा सीमा की शर्तों का अध्ययन। एप्लाइड मैथेमेटिक्स और मैकेनिक्स, 8 (4), 573–587.

पी.आर.वर्मा, (2016), पीजो–इलेक्ट्रो–चुंबकीय पट्टी के लिए पट्टी–संतृप्ति–प्रेरण मॉडल मोड– III समाधान। गणित और सांख्यिकी (कार्यवाही), 117.

अनुसंधान परियोजनाएं
डॉ. सूरज मल, यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना, अमेरिका और ज्यूरिख विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड, उत्तराखंड में बाढ़ का खतरा, भारतः:2013 आपदा से सीखना और उभरती हुई धमकियों की आशंका (संयुक्त रूप से ज्यूरिख विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड,

शहीद भगत सिंह कॉलेज, विश्वविद्यालय दिल्ली और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी, रुड़की)
डॉ. स्वाती राजपूत, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, शहरी परिवेश में शहरी कृषि और वानिकी की भूमिका निभाते हुएः दिल्ली के शहरी भूमि उपयोग में हरे रंग की जगह का मानचित्रण और विश्लेषण।

डॉ. विश्व राज शर्मा (प्रधान अन्वेषक), डॉ. नेहा अरोड़ा और श्री. के. कृष्णदास (सह–जांचकर्ता), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, भूकंप आपदा भेद्यता मूल्यांकन और प्रबंधन दिल्ली में।

आयोजित संगोष्ठी (चयनित)

24–25 अक्टूबर, 2016 को राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा मोदी के शासन के दौरान भारत की विदेश नीति को बदलने वाली थीम पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन (चयनित)

28–29 सितंबर, 2016 को भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में ''निरंतर विकास लक्ष्यः आगे कर राह'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय युवा सम्मेलन हुआ।

22–23 नवंबर, 2016 को भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में ''बिल्डिंग डिजिटल इंडियाः लाइब्रेरी और सूचना के माध्यम से क्षमता बढ़ाने'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन।

3–4 मार्च, 2017 को सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, उत्तरी परिसर, नई दिल्ली में ''शहरों को लचीला बनानाः आवास तृतीय के बाद'' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ।

8–11 फरवरी, 2017 के दौरान सत्यकाम भवन, उत्तरी परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रयोज्य विश्लेषण पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति (चयनित)

ए.सैनी (2017), ब्रांड एसोसिएशन के निर्माण में मशहूर हस्तियों की भूमिका – ब्रांड साहित्य में एक समीक्षा योगदान। एफआईआईबी, और ब्लूम्सबरी द्वारा प्रबंधन में प्रगति में प्रकाशित।

सी.ग्रोवर (2016), अनुचित प्रमाणीकरण और उत्पादों के पर्यावरण–लेबलिंग। सीईएसवाई द्वारा कैसौंग स्कॉलर का सम्मेलन। मार्च, 2017 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

के अरोड़ा (2017), ग्रीन स्पेस और शहरी कल्याणः दिल्ली के पर्यावरण मनोविज्ञान का मानचित्रणः ''स्वास्थ्य और कल्याण'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः एक अंतःविषय अनुशासनात्मक पूछताछ'' मनोविज्ञान विभाग, 22–23 मार्च, 2017 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, में हुआ ।

के.गांधी (2017), पाकिस्तान में लैंगिक किए गए राजनीतिक स्थानः बेनजीर भुट्टो और फातिमा भुट्टो। लैंगिक शहरी रिक्त स्थान पर राष्ट्रीय सम्मेलनः स्व–कब्जे की कथाएं। इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली, के सहयोग से 17–18 फरवरी, 2017 को आईआईएस विश्वविद्यालय, जयपुर में हुआ ।

के.बी.वीओपाओ (2017), मौखिक से लिखित मेंः नागाओं की सतत कहानी कहने की परंपरा मौखिक। नागाओं की मौखिक परंपरा और ठोस विरासत। *द मखेल,* 24 मार्च 2017 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में पूर्वोत्तर अध्ययन और नीति अनुसंधान।

कृष्णानंद, (2016), लैंडस्केप की उत्तेजना–प्रतिक्रिया सिद्धांत। डीयूएसएफ नई दिल्ली में 28–29 सितंबर, 2016 को दो दिवसीय राष्ट्रीय युवा सम्मेलन।

एम मेहता (2017), पीएमजेडीवाईः वित्तीय समावेशन का प्रवेश द्वार। इंजीनियरिंग विज्ञान में अभिनव अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। प्रबंधन और मानविकी (आईसीआईआरएसएचएच –17), 19 फरवरी, 2017

पी शर्मा (2017), टिकाऊ और सुरक्षित ऊर्जा प्राप्त करने में पहाड़ों की भूमिकाः हिमालय के हिसाब से मूल्यांकन ''राष्ट्रीय स्थिर विकास लक्ष्यों के लिए स्थानिक निर्णय समर्थन प्रणाली'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। 1–2 फरवरी, 2017 को कालिंदी कॉलेज, दिल्ली में।

आर.आर.आनंद (2017), दिल्ली के कम आय वाले आवासों में पानी, स्वच्छता, अपराध और कल्याण, शहरों को लचीला बनाने पर राष्ट्रीय सम्मेलनः III के बाद के आवास। 3–4 फरवरी, 2017 को शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

आर.गुप्ता (2016), पांच–आयामी सेलिब्रिटी अनुमोदन स्केल का निर्माण और मान्यता। आईकोरिया (विज्ञापन में अनुसंधान पर 15वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) लिजब्लियाना विश्वविद्यालय, स्लोवेनिया, 30 जून – 2 जुलाई, 2016.

एस.अरोड़ा (2017), भारतीय ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं में बास्केट निष्ठा संघर्ष। सीआईटी–2016 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः ''चीजों की इंटरनेट'' विषय पर अगली पीढ़ी का सूचना प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन। एमिटी यूनिवर्सिटी यूपी, नोएडा, 6–7 अक्टूबर, 2017.

एस.मोहंती(2016), ''2008 से कश्मीर घाटी में लामबंदी की नई लहरः धार्मिक या राजनीतिक? दक्षिणी राजनीतिक विज्ञान संघ (एसपीएसए) का वार्षिक सम्मेलन। न्यू ऑरलियन्स, लुइसियाना, 12–14 जनवरी, 2017.

वी.ए.वी.रमन (2017), उत्तर–पश्चिमी हिमालय के ठंडे रेगिस्तानी इलाके में जीओमोर्फोसाइट्स आधारित मौसमी अर्थव्यवस्था। ''जियोमोर्फोलॉजी और प्राकृतिक खतरों'' पर भारतीय भू–वैज्ञानिकों (आईजीआई) का 29वां वार्षिक सम्मेलन। कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 24–27 नवंबर, 2016.

वी.आर.शर्मा (2016), यमुना नदी, दिल्ली में पानी की गुणवत्ता का आकलन और प्रबंधन। अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक कांग्रेस (आईजीसी) बीजिंग, चीन, 21–25 अगस्त, 2016.

नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्र–20
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां–16.
पुस्तकालय विकास
इस साल पुस्तकालय का कुल बजट 18,50,500 रुपए था। संग्रह में 2,016 पुस्तकें जोड़ी गई। इंटरनेट सुविधाओं की उपलब्धता में भी सुधार हुआ है।

संकाय की संख्या

स्थायी– 97; तदर्थ– 50

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
स्वीकृत अनुदान– 25,09,43,000 रुपए।

उपयोग–24,53,87,789 रुपए।

***

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

शैक्षणिक सत्र 2016–17 में तीन नए पाठ्यक्रम अर्थात बीएससी (आनर्स) भौतिकी, बीएससी (आनर्स) केमिस्ट्री और बीएससी (आनर्स) गणित शुरू किए गए थे। इसके साथ ही, दिल्ली विश्वविद्यालय के इनोवेशन प्रोजेक्ट स्कीम के अंतर्गत कॉलेज ने पंद्रह नवाचार परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। पूर्व छात्र पोर्टल और छात्र डेटा बैंक के लिए संकाय और छात्रों द्वारा संयुक्त रूप से सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है। टीम ने अंतर–सेमेस्टर परिणामों का विश्लेषण भी किया है इसके अलावा छात्र परिषद के संविधान को जारी किया गया और 10 फरवरी, 2017 को एक समारोह में अपनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री मोनिका अरोड़ा (वकील, सर्वोच्च न्यायालय) उपस्थित थीं। विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, स्वच्छ अभियान, एनएसएस अभिविन्यास दिवस, एनएसएस दिवस, ग्रेफीति प्रतियोगिता, प्लास्टिक संग्रह ड्राइव, स्टेशनरी संग्रह, एकता दिवस, वृद्धाश्रम गृह/ अनाथालय की यात्रा साक्षरता अभियान, दीवाली मेला पर स्टॉल, वर्मीकंपोस्टिंग, आईआरएससी (भारतीय सड़क सुरक्षा अभियान) का उन्मुखीकरण, सड़क सुरक्षा, स्व रक्षा शिविर, एचआईवी/एड्स सेमिनार, बिटुया साक्षरता अभियान/ कार्यशाला, मतदाता दिवस आदि पर प्रश्नोत्तरी जैसे कई महत्वपूर्ण आयोजन किए गए। इको क्लब ने वृक्षारोपण अभियान, अपशिष्ट पदार्थों से सबसे अच्छा, अपशिष्ट पेपर से बने नये नोट पैड आदि जैसे विभिन्न जागरूकता अभियान आयोजित किए।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. पायल मागो (प्राचार्या) ने भारतीय शिक्षा एजेंसी (सीआईयू) के रोजगार और संघ निर्माण के लिए महिला एजेंसी द्वारा लैंगिक विकास के अलावा शैक्षणिक नियोजन और प्रशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए आजीवन उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त किया।

सरकार द्वारा वर्ष 2015–16 के लिए डॉ. रेखा मेहरोत्रा (एसोसिएट प्रोफेसर) को दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, राज्य का योग्य शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया गया था।

डॉ। अमिता कपूर (एसोसिएट प्रोफेसर) को कोरसरा मेंटर के रूप में एरियल रोबोटिक्स कोर्स की सलाहकार के तौर पर 1 जनवरी, 2017 को 6 महीने के लिए कोरसरा, पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय भेजा गया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

बीएससी (आनर्स) (बायोमेडिकल साइंसेज) में महिमा को डिस्टिंक्शन मिला।

बीटेक (कंप्यूटर विज्ञान) में दीक्षा तिवारी को डिस्टिंक्शन मिला।

बीटेक(इलेक्ट्रॉनिक्स) में रितु गुप्ता को डिस्टिंक्शन मिला।

बीटेक (खाद्य प्रौद्योगिकी) में श्रुति गोयल को डिस्टिंक्शन मिला।

बीटेक (इंस्ट्रूमेंटेशन) में प्रेरणा सिंह को डिस्टिंक्शन मिला।

प्रकाशन(चयनित)

एस, अली, एस कुमार और अली, एस, (2016), क्रोमियम की आनुवांशिक स्थिति को पहचानकर मानव वाई गुणसूत्र को उजागर किया गया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड टैक्नोलॉजी इन इंजीनियरिंग एंड साइंस, 4 (1), 127–137

एन. देव, एम. धमीजा और डी. मालकस (2016). व्युत्क्रम पॉला–एग्जेनबर्गर वितरण पर आधारित स्टांकु–कांटोरोविच ऑपरेटर्स। अनुप्रयुक्त गणित और कम्प्यूटेशन, 273, 281–289.

एम. धमीजा (2016). विपरीतपॉला–एग्जेनबर्गर वितरण से जुड़े जैन–दुरमेयर ऑपरेटर्स। अनुप्रयुक्त गणित और कंप्यूटेशन, 286, 15–22.

एम. धमीजा और एन. देव, (2017). बर्नस्टीन–कांत्रोवीचऑपरेटरों द्वारा बेहतर सन्निकटन परिणाम. लोबचेवस्की गणित के जर्नल, 38(1), 94–100.

एस. जैन, पी. सक्सेना और एच. लांबा (2017). दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र में उपलब्ध त्रिकोणीय एफिनम–ग्रीक्यूम (मेथी) बीज के एंटीऑक्सिडेंट गुणों पर स्प्राउटिंग टाइम का प्रभाव। इन्ट जे करी रास रेव,9(5), 33.

एस. कुमार, आर. चोपड़ा और आर. आर. सक्सेना (2016). ट्रैपोजाइडल फजी संख्या के भुगतान के साथ मैट्रिक्स गेम को हल करने के लिए एक तेज तरीका। ऑपरेशनल रिसर्च का एशिया–प्रशांत जर्नल, 33(06), 1650047.

एस मिश्रा, एम खत्री और वी मेहरा (2017), क्षयरोग अनुसंधान में परीक्षण और कठिनाइयां:वनस्पति आधारित दवा(ओं) का समाधान हो सकता है? रासायनिक जीवविज्ञान पत्र, 4(1), 33–47.

पी सक्सेना (2016), दिल्ली परिवहन निगम की दक्षता का आकलनरू एक डाटा कवर विश्लेषण दृष्टिकोण। प्रोक. आईसीएओआर में, 34.

जी एस सोधी और जे कौर (2016), उंगलियों के अस्पष्ट निशान की पहचान के लिए भौतिक डेवलपर विधिः एक समीक्षा फॉरेन्सिक विज्ञान की मिस्र की पत्रिका, 6(2), 44–47.

एस के शर्मा, आई अरोड़ा, के जावेद, एम अख्तर और एम शमीम (2016), मस्तिष्क की डिलीवरी वाहन का इस्तेमाल करते हुए मस्तिष्क आइसकेमिया के खिलाफ रीलोजोल की न्यूरोप्रोटेक्टेव पावर में संवर्धन। एसीएस अनुप्रयुक्त सामग्री और इंटरफेस, 8(30), 19716–19723.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. स्नेहा काबरा, एसईआरबी (डीएसटी), नैदानिक अनुसंधान के लिए अल्गैनध्गैन एचईएमटी आधारित लैक्टिक एसिड और यूरिक एसिड बायोसेन्सर की मॉडलिंग, सिमुलेशन और विकास।

डॉ. वर्षा मेहरा, एसईआरबी (डीएसटी), मानव मैक्रोफेज के भीतर इन विट्रो और एक्स विवो में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ माइकोबैक्टीरियल गतिविधि के लिए असफाबोडा इंडिका घटकों का अलगाव और लक्षण वर्णन।

आयोजित संगोष्ठियाँ (चयनित)

डॉ रोमा कुमार, मैक्स हॉस्पिटल और गंगा राम अस्पताल में वरिष्ठ मनोचिकित्सक ''मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और तनाव प्रबंधन, 3 मार्च, 2017.

डॉ अनिल कुमार, वैज्ञानिक–जी, आणविक इमेजिंग और रिसर्च सेंटर, इनमेस और प्रो अरुण मल्होत्रा, रेडियोलॉजी विभाग, एडीएस ऑन रेडियॅफर्सी और न्यूक्लियर मेडिसिन, 21 अक्टूबर, 2016.

प्रो. सौविक महापात्र, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी बॉम्बे, ''सीएमओएस ट्रांजिस्टर पर – ऑपरेशन, स्केलिंग, विश्वसनीयता और आगे का रास्ता,'' 23 जनवरी, 2017.

प्रो. वी. रविचंद्रन, प्रमुख, गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ''गणित में विरोधाभास पर'', 3 अक्टूबर, 2016.

आयोजित कार्यशालाए/ सम्मेलन (चयनित)

बायोमेडिकल साइंस विभाग द्वारा 24–25 जनवरी, 2017 को ''जटिल बीमारियों के तंत्र और चुनौतियां (यूएमसीसीडी –017) को समझना'' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन

इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के सहयोग से 5–6 अक्टूबर 2016 को इंस्ट्रुमेंटेशन और इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया रुझानों पर (आरटीईई –2006) दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।

संगोष्ठियों / सम्मेलनों में प्रस्तुति (चयनित)

एस. अली (2016), क्रोमियम की आनुवांशिक स्थिति को पहचानकर मानव वाई गुणसूत्र को उजागर किया गया। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2016.

आई. अरोड़ा एवं पी. कुमार (2017), श्री वेंकटेश्वर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 4–6 जनवरी, 2017 को पर्यावरण और पारिस्थितिकीरू स्थिरता और चुनौतियां, पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और आउटरीच कार्यक्रम में पानी से कीटनाशक को हटाने के लिए ट्रांजिशन मेटल आधारित स्पिनलॉक्साइड ग्रेपरिन नैनोबंबन कंपोजिट।

आई. अरोड़ा (2017), फरवरी, 2017, में फार्मास्युटिकल, मेडिकल और बायो साइंसेज में ब्रिजिंग नवाचार (इनोफार्म 2) पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रतुआ ग्रैवोलेंस लिन सुदाब रुपाके के पौधे के सत्व का इस्तेमाल करते हुए चांदी और सोने के नैनोकणों का विश्लेषण और लक्षण वर्णन पर पोस्टर प्रस्तुतिकरण।

ए. कपूर (2016), अगस्त 2016, में सैन फ्रांसिस्को, सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण और खनन में अग्रिम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एसए में किशोरों के करीबी समूह में केन्द्रीय उपायों और व्यक्तिगत चरित्र शक्तियों के साथ उनका सहयोग।

एम. खत्री (2017), 2–4 फरवरी, 2017, को फार्मास्युटिकल साइंसेज में वर्तमान रुझानः नई औषध खोज और विकास में प्रगति पर 8वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में नए प्रतिस्थापित अल्किल कार्बोक्जिलिक एसिड डेरिवेटिव की एंटीबायोटिक गतिविधि का डिजाइन, संश्लेषण और मूल्यांकन पर पोस्टर प्रस्तुति।

वी. मेहरा. (2016), 27–30 नवंबर, 2016 को 13वीं विश्व जैव प्रौद्योगिकी कांग्रेस, सैन फ्रांसिस्को, यूएसए में सिनर्जिस्टिक और जीवाणुरोधी क्षमता और एलेलेटिआराकार्डोमियम, पाइपरनिग्राम और ऐरेमेटम्युटिसाइजीयम का कुल बायोएक्टिव घटक निर्धारण।

पी. राय (2017), महिलाओं के लिए एप्लाइड साइंसेज के शहीद राजगुरु कॉलेज में आरएफआईडी का आवेदन, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतः चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं लंदन विश्वविद्यालय यूनाइटेड किंगडम,27 मई, 2016,

पी. सक्सेना (2017), 28–30जून, 2016 को एप्लाइड ऑपरेशनल रिसर्च के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएओआर), रॉटरडैम, नीदरलैंड में दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन की दक्षता का आकलनः एक डेटा विश्लेषण विश्लेषण दृष्टिकोण।

आर सिंह (2016). 27–29 अक्टूबर, 2016 को रोम, इटली,में खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी पर 15वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, सोया से पुष्ट भारतीय पारंपरिक नाश्ते के विकास पर ई–पोस्टर प्रस्तुति

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

एएमसीएटी परीक्षा के लिए एस्पायरिंग माइंड्स प्राइवेट लिमिटेड (प्लेसमेंट कंपनी) के साथ समझौता ज्ञापन।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

2014–15 में आईआईटी बॉम्बे के ई–यंत्र परियोजना के सहयोग से कॉलेज में रोबोटिक्स क्लब की स्थापना की गई थी। यह आईसीटी के माध्यम से राष्ट्रीय मिशन पर शिक्षा के माध्यम से एमएचआरडी द्वारा प्रायोजित है (एनएमईआईटीटी)।

विनियम कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

आने वाले/ जाने वाले– 2

सिक्किम के सरकारी विज्ञान कॉलेज, चकंग, पश्चिम सिक्किम के दस छात्रों और दो संकाय सदस्यों ने ''एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम'' के अंतर्गत छात्र विनिमय कार्यक्रम में (10 दिन) के लिए कॉलेज का दौरा किया।

नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्र– 38 (13.92 प्रतिशत)
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियाँ– 4 (परिसर में), 12 (परिसर के बाहर), 12(एएमसीएटी के द्वारा)

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ
समाज के वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए एक कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन, सितंबर, 2016 से नवंबर, 2016 और जनवरी, 2017 से एक और सत्र चल रहा है
वसुंधरा एनक्लेव में महिला कल्याण और सशक्तिकरण के लिए काम कर रहे एक सक्रिय एनजीओ, सखी सहेली के सहयोग से गृहीणियों के लिए डिजिटल सशक्तिकरण (डीईएच) कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवकों ने दो साल से, कॉलेज परिसर में वंचित बच्चों को रोजाना पढ़ाया है।

पुस्तकालय का विकास

इस शैक्षणिक वर्ष पुस्तकालय में शामिल की गई पुस्तकों की कुल संख्या 1,212 है। छात्र पुस्तकालय के ऑनलाइन डाटाबेस के माध्यम से एबीआई इन्फॉर्म (बिजनेस), जेएसटीओआर (सामान्य बहुविषयक), लेक्सिसनिक्स (अकादमिक न्यूज), साइकेनोफो–साइकोलॉजी, पबमेड/मेडलाइन–मेडिसिन, साइंस डायरेक्ट–साइंस बहुविषयक, वेब–साइंस–जनरल इत्यादि तक पहुंच सकते हैं।

संकाय की संख्या

स्थायी–23, तदर्थ– 36

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 125500000.0 रुपए

अनुदान का उपयोग–122219801.26 रुपए

***

शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

विगत वर्षों में कॉलेज ने नवीन ऊँचाइयाँ हासिल की हैं। विद्यार्थियों द्वारा अर्जित उपलब्धियाँ गुणवत्ता एवं संख्यात्मक रूप में बढ़ी है। विद्यार्थियों के नियोजन की संख्या एवं पैकेज बढ़े हैं। बहुत से विद्यार्थियों ने विभिन्न उद्यमों में कार्य करना प्रारंभ किया है और सफल हुए हैं। सम्मेलनों, एफडीपी, उन्मुखीकरण एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रम एवं प्रकाशन के

माध्यम से संकाय का विकास हुआ है। विद्यार्थी संकाय अनुसंधान एवं सामाजिक विकास को सरल बनाने के लिए अनेक नवीन परियोजनाएं अनुमोदित की गई हैं। रोहिणी में जुलाई 2017 से नवीन परिसर कार्य करने लगेगा। दिल्ली सरकार के एनसीटी द्वारा अनुमोदित एवम पोषित ऊष्मायन केंद्र कार्य कर रहा है और विद्यार्थियों के पाँच नवीन उपक्रमों (कॉलेज के विद्यार्थियों के) को विभिन्न चरणों में की गई कठिन जाँच के पश्चात ऊष्मायन समर्थन देने का निर्णय लिया गया है।

सम्मान/विशिष्टताएं

कॉलेज में सक्रिय ऊष्मायन केंद्र (एसएससीबीएस नवाचार एवं ऊष्मायन केंद्र–एसआईटीएफ) है, जो विद्यार्थियों और कर्मचारियों में उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है। कॉलेज के विद्यार्थियों के पांच उद्यमी उपक्रमों को ऊष्मायन समर्थन मिलता है।

कॉलेज की प्रश्नोत्तरी सोसायटी (इल्यूमिनेटी) के दो विद्यार्थियों ने सम्पूर्ण भारत में एलआईसी डायमंड जुबली प्रश्नोत्तरी में नकद 5 लाख और एक लाख रुपऐ की पुरस्कार राशि जीती है।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

शैक्षिक प्रतिशत

रवतेज सिंह (बीएमएस) एक सफल क्विजर हैं, उन्होंने कॉलेज का प्रतिनिधित्व करते हुए डीयू, आईआईटी व अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा आयोजित की गईं 50 प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ जीती हैं। रवतेज सिंह ने गौरव जैन के साथ मिलकर पैन इंडिया में एल आई सी डायमंड जुबली प्रश्नोत्तरी में भाग लिया और 5 लाख रुपए का नकद पुरस्कार जीता।

गौरव जैन (बीएमएस) ने कॉलेज की तरफ से अनेक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में भाग लिया और दिल्ली विश्वविद्यालय, आईआईटी व अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आयोजित की गईं 42 प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ जीतीं। रवतेज सिंह के साथ पैन इंडिया पर आयोजित एलआईसी डायमंड जुबली प्रश्नोत्तरी में नकद 5 लाख रुपए का पुरस्कार जीता।

अनमोल वासन को मॉन्ट्रियल,क्यूबैक, कनाडा में 09–13 अगस्त 2016 को विकिमीडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित वार्षिक विकिमेनिया 2017 में भाग लेने का अवसर मिला, जो पूर्णतः प्रायोजित यात्रा थी।

अनुपम गुप्ता के दो शोध प्रबंध अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

खेलकूद

मो. अमीन जेन को दिल्ली राज्य रायफल शूटिंग में रजत पदक मिला। उन्होंने प्री नेशनल में सफलता प्राप्त की। तत्पश्चात बालवाड़ी स्टेडियम पुणे में 12 से 26 दिसंबर 2016 के मध्य आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्माल बोर रायफल और पिस्टल कार्यक्रमों में न्यूनतम प्राप्तांक अर्जित करके राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध भारतीय निशानेबाज बने।

प्रकाशन

के. गर्ग व एन के शेरावत (2017) *हैंडबुक ऑन वैल्यूएशन*। नई दिल्ली, प्रतिशत भारत लॉ हाउस प्राइवेट लिमिटेड।

डी. खत्री (2016), व्यवसायिक अध्ययन के शहीद सुखदेव कॉलेज के पूर्व स्नातक छात्रों का सोशल सर्च बिहेवियर, वीएसआरडी पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका *II*(IV).

एन. कुमार, एम. सिंह, एम. सी. गोविल एवं ए. जैसवाल (2016), ध्वनि युक्त छवियों में प्रमुख विशेषताएं, *कृत्रिम बुद्धिमत्ता में प्रगति, 9673* ,(पृ109–114). (कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर 29वें कनाडियन सम्मेलन की कार्यवाही)

आर कुमार (2016), सतत विपणनःविपणन में समकालीन मुद्दों में पर्यावरण संबंधी मुद्दे, नई दिल्लीःग्लोबल विजन पब्लिशिंग हाउस

टी मारवाह (2017) आईएमटी–सीडीएल के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों में आईसीटी कौशल स्तर का अध्ययन करना। एडुस्पेक्ट्राः अनुसंधान और शिक्षा का एक अंतःविषय पत्रिका , 3, 14–38

निगम इन के एंड जैन एस (2017) बाजार के बीच संबंध व्यवस्थित जोखिम और लेखा चर निर्धारित करता है। शोधकर्ताओं की दुनियाः कला, विज्ञान और वाणिज्य के पत्रिका, *VIII* (1), 61–69

परिधि (2016) शिक्षा प्रणाली का उद्देश्यः प्राचीन भारत और आधुनिक भारत का तुलनात्मक अध्ययन। भारत में शिक्षा प्रणाली के विकास की पत्रिका, 1,81–85

सेहरावत एन के(व अन्य) (2017) इक्विटी मुआवजा और फर्म प्रदर्शनःभारत से सबूत। सामाजिक विज्ञान रिपोर्टर, 7(1), 68–91

सुष्मिता (2016) भारतीय अर्थव्यवस्था में अनौपचारिक क्षेत्र की जीवन शक्ति। खुदरा बिक्री और ग्रामीण व्यवसाय परिप्रेक्ष्य की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5(3), 2339–2347

टंडन ए , अग्रवाल ए जी एंड निझावन एन (2016),एनएचपीपी एसआरजीएम परिवर्तन बिंदु और कई रिलीज के साथ।

सेवा क्षेत्र में सूचना प्रणाली की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका8(4), 57–68

अनुसंधान परियोजनाएं (चयनित)

नीलू गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा वित्त पोषित, अगस्त 2015 से नवंबर 2016, स्किलिंग इंडिया के लिए श्रमदानः विकास के लिए युवा शक्ति का उपयोग

श्री के के शर्मा दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा वित्त पोषित, 2016–17, परियोजना राहत

कर्नल आर जोहरी, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा वित्त पोषित, 2016–17, ई–कचरा प्रबंधनः स्थिरता की दिशा में एक सामाजिक दायित्व,

डॉ. नवीन कुमार, एक शैक्षिक संस्थान के स्व–मूल्यांकन के लिए वेब आधारित स्वचालन, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा वित्त पोषित, सितंबर 2015 से अगस्त 2016,

प्रो. सी पी गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, 2016–17, भारतीय युवाओं में वित्तीय साक्षरताः दिल्ली के छात्र विश्वविद्यालय के एक अध्ययन

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

श्री सौरभ गर्ग द्वारा (एडोब सिस्टम) 03 फरवरी 2017 को करियर काउंसिलिंग सत्र।

07–08 मार्च 2017 को आर प्रोग्रामिंग पर एसएससीबीएस द्वारा आयोजित कार्यशाला।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं (चयनित)

20 जनवरी 2017 को संरक्षण 2017 (एसएसबीएस का वार्षिक प्रबंधन सम्मेलन) आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

बीएसई एफएमएटी कोर्स चलाने के लिए (फाइनेंसियल मॉडलिंग एंड अल्गो ट्रेडिंग)

एनसीसीएमपी चलाने के लिए एनएसई (एनएसई सर्टिफाइड कैपिटल मार्केट्स प्रोफेशनल) कोर्स

विनिमय प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यार्थी

आने वाले/बाहर जाने वाले – 2

2 विद्यार्थियों ने कॉलेज में बीबीएस किया

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र – 126 (79.75प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 48

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में नियमित रूप से नई पुस्तकें जुड़ीं और उनकी कुल संख्या 20,764 हो गयी। पुस्तकालय में इस वर्ष 47 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाएँ 13 व्यापारिक अखबारों की सदस्यता ली गई। पुस्तकालय में इस वर्ष बिजनेस कम्युनिकेशन, कंप्यूटर साइंस, अर्थशास्त्र, फाइनेंस, मानव संसाधन प्रबंधन, मार्केटिंग और अन्य क्षेत्रों के लिए खरीदारी की गई।

प्रिंट संसाधनों के अतिरिक्त शिक्षण और रिसर्च में काफी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक जनरल, रिपोर्ट, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रकरण अध्ययन जैसे इलेक्ट्रॉनिक संसाधन लिए गए। पुस्तकालय नेटवर्क में जेसीसीसी और कनिम्बस के दो फेडरेटेड/कॉमन सर्च इंजन, 12 संदर्भ और उद्धरण स्रोत, 07 जीवनी, 02 उद्धरण विश्लेषण संसाधन स्कोपस और वेल ऑफ साइंस तथा प्रबंधन अध्ययन और कंप्यूटर साइंस आदि में पूर्ण डाटा बेस शामिल किया गया।

इसके अलावा, पुस्तकालय में विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क (डेलनेट) और एन–लिस्ट (विद्वानों के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवाओं की बुनियादी सुविधा) की एक संस्थागत सदस्यता है। सबसे महत्वपूर्ण बात, सभी कॉलेज पुस्तकालय गतिविधियां पूरी तरह से आधुनिक वेब आधारित ओपन सोर्स समाधान का उपयोग कर स्वचालित हो गई हैं, यानी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली कोहा से जुड़ गई हैं। यह कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के पहले कुछ कॉलेज पुस्तकालयों में से एक है, जिसने लिबटेक डॉस आधारित पुस्तकालय प्रणाली से कोहा ओपन सोर्स लाइब्रेरी प्रबंधन सॉफ्टवेयर में स्थानांतरित कर दिया है। कोहा का मूल उद्देश्य अपने उपभोक्ता आधार की जरूरतों को पूरा करना अर्थात् पुस्तकें, पत्रिकाएं, अखबार आदि संसाधन प्रदान करता है । कोहा सॉफ्टवेयर के उपयोग के साथ, हमारे कॉलेज संकाय सदस्यों के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों जैसे अनुसंधान पत्र, लेख आदि को संसाधित किया गया है और विशेष रूप से इंटरैक्टिव लाइब्रेरी कैटलॉग के रिसर्च पब्लिकेशंस कैटेगरी के अंतर्गत रखा गया है।

कैशलेस वातावरण को बढ़ावा देने के लिए पुस्तकालय के ओएचए द्वारा रिपोर्ट तैयार करता है। विद्यार्थी, संकाय और कर्मचारी सदस्य आसानी से पुस्तकालय संसाधन का ऑनलाइन सार्वजनिक उपयोग कैटलाग (ओपीएसी) चेक

कर सकते हैं तथा पुस्तकालय के पोर्टल पर स्कैन्ड सिलेबस और प्रश्नपत्र का उपयोग कर सकते हैं। यह कैटलॉग एडवांस्ड सर्च स्ट्रेटेजीज को सवंर्द्धित कैटलॉग के रूप में प्रदर्शित करता है। पुस्तकालय में हिंदी साहित्य की पुस्तकें तथा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए अलग से पुस्तकों का एक विभाग है।

साथ ही सम्पूर्ण पुस्तकालय संसाधन को बारकोड किया गया है और सॉफ्टवेयर को चेक डेस्क पर इंस्टाल किया गया है जिससे संकाय व विद्यार्थियों की पुस्तकालय में आने वाली संख्या का विश्लेषण किया जा सके।

इस वर्ष, पुस्तकालय ने 3,04,478 रुपए की लागत से 899 पाठ्यपुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों को जोड़ा। पुस्तकालय ने इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध 47 पत्रिकाओं के लिए 1,18,805 रुपए और 13 समाचार पत्र 22,472 रुपए रुपए खर्च किए। पुस्तकालय ने डिजिटल डाटाबेस, डेलनेट और एन–लिस्ट की सदस्यता लेने के लिए क्रमशः 11,500 रुपए और 5,750 रुपए खर्च किए।

संकाय की संख्या

स्थायी—35, तदर्थ— 04.

***

शिवाजी कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

एनएएसी द्वारा कॉलेज को ग्रेड ए के साथ मान्यता दी गई है और एक पर्यावरण–अनुकूल परिसर के रूप में इसकी सराहना भी की गई है। कैंपस को वाहन मुक्त, तम्बाकू से मुक्त और सौर ऊर्जा पैनलों के साथ जोड़ा गया जिससे संस्थान के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद मिली। यह वर्मीकंपोस्टिंग गड्ढे, वर्षा जल संचयन की सुविधा और एक हर्बल उद्यान के विकास, जैसी कई अन्य अच्छी पद्धतियों का भी अनुसरण करता है। कॉलेज ने लैंगिक जागरूकता और रैगिंग फ्री जोन के लिए संवेदीकरण कार्यक्रमों में अग्रणी भूमिका निभाई। कॉलेज के महिला विकास प्रकोष्ठ ने इस वर्ष शलिंग मेला का आयोजन किया। कॉलेज द्वारा जीजाबाई अचीवर्स पुरस्कार की स्थापना करना इसकी महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है, जिसके माध्यम से उन भारतीयों और अंतरराष्ट्रीय नागरिकों को सम्मानित किया गया है, जो दृढ़ संकल्प और दृढ़ता से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अथक प्रयास करते हैं। कॉलेज के संकाय सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रों, सहकर्मी समीक्षा की पत्रिकाओं में कर्मशः 17 पत्रों 59 शोध पत्र, 24 पुस्तकें और संपादित पुस्तकों में 24 अध्याय में 17 पत्रों में 59 पत्र प्रकाशित किए।

सम्मान/विशिष्टताएं

संकाय सदस्य

डॉ. अमरजीवा लोचन ने 2016 में भारतीय विज्ञान संस्थान, उज्जैन, भारत में योगदान के लिए विदुषी विद्योत्तमा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. दर्शन मलिक ने उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार और शिक्षकता का उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. रीतिका राणा को एनएफपी फैलोशिप के लिए चुना गया था, जो डच विदेश मंत्रालय के वित्त मंत्रालय द्वारा वित्त सुरक्षा के लिए मार्केट एक्सेस पर खाद्य सुरक्षा (27 नवंबर, 16 दिसंबर, 2016) के लिए वित्त पोषित था।

डॉ. शशि निझावन को महिलाओं की रोजगार सर्जक एजेंसी द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्लीनिंग एंड रिसर्च (एनआईसीईआर) द्वारा पर्यावरण शिक्षा प्रसार पुरस्कार और एकॉन्स द्वारा उत्कृष्टता के लिए नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

छात्रों को पुरस्कार व सम्मान

छात्रों ने 19 नवंबर, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कन्वेंशन सेंटर द्वारा नवाचार परियोजना ''एल–एस्पर्गिनेज, एक एंटी–ट्यूमर एजेंटः प्रोडक्शन, कैरेक्टराइजेशन और आणविक दृष्टिकोण'' पर शोध के लिए प्रशंसा का प्रमाण पत्र और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता।

छात्रों को 19 नवंबर, 2016 को ''लाइफस्टाइल डिसऑर्डरः एटियोलॉजी, जागरूकता और प्रबंधन'' नवाचार परियोजना के अनुसंधान प्रदर्शन के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रशंसा का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ और सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव का पुरस्कार भी जीता।

छात्रों को 19 नवम्बर 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''मानव उपभोग के लिए इसके रेखांकित लाभों के साथ खाद्य तेलों के व्यावसायिक रूप से उपलब्ध नए ब्रांडों का तुलनात्मक रासायनिक विश्लेषण'' पर प्रशंसा का प्रमाण पत्र मिला और सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव वाली परियोजना का पुरस्कार जीता।

छात्रों को 19 नवंबर, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''दिल्ली में स्थानीय साइटों और जैविक दुकानों से एकत्र सब्जियों में भारी धातु विषाक्तता और कीटनाशक संदूषण के तुलनात्मक विश्लेषण'' नवाचार परियोजना के अनुसंधान प्रदर्शन के लिए प्रशंसा का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ और इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव वाली परियोजना का प्रमाण पत्र जीता।

शोध परियोजना के छात्रों को 24 नवंबर, 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अभिनव शिखर सम्मेलन में मैल्टिंग पॉट 2020 के एक भाग के रूप में उनके काम ''ट्रैवल सुविधा के लिए वास्तविक समय एंड्रॉइड एप्लीकेशन'' के लिए 1 9 नवंबर, 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इनोवेशन अवार्ड प्राप्त हुआ और अनुसंधान प्रदर्शन के लिए प्रशंसा का प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

बी.कॉम (आनर्स) प्रथम वर्ष की छात्रा आस्था गुप्ता को 9 00 के सीजीपीए मिला।

बी.ए. (आनर्स) अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष की एक छात्रा रशीका सहगल को 8.77 सीजीपीए मिला।

बी.ए. (आनर्स) इतिहास की प्रथम वर्ष की छात्रा, प्रत्याशा तालुकदार को 8.77 सीजीपीए मिला।

बी.एससी (ऑनर्स) गणित द्वितीय वर्ष की छात्रा शम्मी ने 800 में से 776 अंक प्राप्त किए (97 प्रतिशत)।

बी.एससी(ऑनर्स) कैमिस्ट्री प्रथम वर्ष की छात्रा प्रज्ञा शर्मा को 8.68 सीजीपीए मिला।

प्रकाशन (चयनित)

एस निझावन, ए चोपड़ा, आई डंडोना, आर राना, बी भवानी और ए वसल (संपा.), (2017). उदयनः एक नई शुरुआत नई दिल्लीः शिवाजी कॉलेज

गिरि व अन्य(2016). चिकित्सीय अनुप्रयोगों में बायोडिग्रैडबल पॉलीमेरिक नैनोस्ट्रक्चरःअवसर और चुनौतियां आरएससी एडवांस, 6, 94325–94351.

वी गुलाटी(2016). अम्मू की त्रासदीः अरुंधति रॉय की गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स की एक अलग आवाज। पृष्ठ 165–169

अल मलिकेत (2016) भारतीय पूर्व स्नातक छात्रों के समूह में क्वेटलेट के सूचकांक और शरीर में वसा प्रतिशत के बीच के संबंध का आकलन। दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व स्नातक अनुसंधान एवं नवाचार की पत्रिका,2(1), 56–69.

डी पांडे (2016), नाट्य तत्वों की कसौटी पर मोहन राकेश कृत 'अषाढ़ का एक दिन'. शैक्षिक अनुसंधान और विकास की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका

के राम (2016), भारत में गैर–खाद्य वस्तुओं के उपभोग का रुझान और पैटर्न 1993–94 से 2011–12, अनुकृति, 6 (7), 119–124.

आर राना (2016). निजी वाहन मालिकों के लिए एक मोटर वाहन ईंधन के रूप में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की आर्थिक व्यवहार्यता। वैश्विक व्यापार और आर्थिक संकलन, 1, 115–127.

बी रत्नु एवं टी राना. (2016). पश्चिमी राजस्थान में जल प्रबंधन। दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व स्नातक अनुसंधान एवं नवाचार की पत्रिका 2(2), 165–171.

एस सिंह और वी प्रभावती (2016). एग्रोबैक्टीरियम–मध्यस्थता परिवर्तन और कैटरस सीनेंसिस के विकास का मानकीकरण। ट्रांसजेनिक्स, 3(2), 155–159.

आर वर्द्धन. (2016). दूध में कैर्सिनोजेनिक और ऑर्गो विषाक्त यौगिक। जीवन स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,2 (2), 55–70.

अनुसंधान परियोजनाएं (चयनित)

डॉ. कुमारी प्रियंका, एसईआरबी, 2016–2019 द्वारा वित्त पोषित, लगातार अवसरों और उनके अनुप्रयोगों पर संवेदनशील लक्षणों की डिजाइन और विश्लेषण, 19, 08,100 रुपए।

डॉ. कुमारी प्रियंका, यूजीसी द्वारा वित्त पोषित, 2013–2017, सफल अवसरों और उसके अनुप्रयोगों पर अच्छे रोटेशन पैटर्न की खोज, 10, 89,303 रुपए।

डॉ. प्रबुद्ध कुमार मिश्र, आईसीएसएसआर, 2017–2019, सिक्किम हिमालय में मिट्टी, जल और पोषक तत्व संरक्षण के लिए स्वदेशी पारिस्थितिक ज्ञान, 6, 00,000 रुपए।

डॉ विजय कुमार, यूजीसी द्वारा वित्त पोषित, 2016–2018, दिल्ली और इसके आसपास के सतह और भूजल के पारा संदूषण और जैव सुधार पर अध्ययन, 4, 25,000 रुपए।

सुश्री अंशु चोपड़ा, सुश्री आभा वसल और सुश्री प्रीती शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, 2015–2016, यात्रा सुविधा के लिए रियल टाइम एंड्रॉइड एप्लिकेशन, 4,00,000 रुपए।

आयोजित संगोष्ठियाँ (चयनित)

14–18 दिसंबर, 2016 को बायोकैमिस्ट्री विभाग, वनस्पति विज्ञान, जूलॉजी और रसायन विज्ञान द्वारा आयोजित डीएसटी प्रायोजित स्कूल के छात्रों के लिए प्रेरक विज्ञान शिविर ।

21 –27 नवंबर, 2016 वाणिज्य विभाग ने ''अनुसंधान क्रियाविधि और डेटा विश्लेषण'' पर एक सप्ताह का राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

2–3 फरवरी, 2017 को महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा ''एक महिला होने के नाते,'' पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित एक लिंग मेले का आयोजन किया गया।

21 फरवरी, 2017 को संस्कृत विभाग द्वारा ''वेदों में आधुनिक विज्ञान'', विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी।

10–14 जुलाई, 2017 को बायोकैमिस्ट्री, वनस्पति विज्ञान और रसायन विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान और जूलॉजी विभाग द्वारा ''प्रयोगशाला स्टाफ के लिए प्रयोगशाला कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम'' आयोजित एक कार्यशाला।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं (चयनित)

16–17 अप्रैल 2017 को, अंग्रेजी विभाग द्वारा कई पुतिषियां, कई पदधारिताएंः पुनः उत्तर–पूर्व भारत की कथाओं में लिंग पर पुनर्विचार पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।

20–21 मार्च, 2017 को राष्ट्रीयताः अलग–अलग दांव पर राष्ट्रीय सम्मेलन, इतिहास विभाग द्वारा आयोजित।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (चयनित)

जे. शर्मा(2017),. बुडापेस्ट, हंगरी में 7 जून, 2017 को आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय साहित्य और सांस्कृतिक सम्मेलन में सामाजिक और सांस्कृतिक संस्कृति की हिंदीः कल और आज।

जे. शर्मा (2017), लॉजेन विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड में 16 मई, 2017 को महिला पात्रों का सामाजिक–ऐतिहासिक योगदान, जयशंकर प्रसाद के नाटक।

एस सिंह (2016). फुकेत, थाईलैंड में 24–25 अप्रैल, 2016, कार्यात्मक अणुओं के तरल मिश्रणों का भौतिक–रासायनिक समन्वयः ऑस्कोरोविस्मीटर और जीवविज्ञान मापन और टेस्ट मेथोडोलॉजी, टेक्नोलॉजीज और एप्लीकेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन,

एस. गर्ग (2017). अंग्रेजी अध्ययन का विकेंद्रीकरणः ग्लोबल साउथ में साहित्य का अध्ययन, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 19–21 जनवरी, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में झुम्पा लाहिरी में ''द लोलैंड'' रहना, सीखना, याद रखनाः प्रवासी महिलाओं की यात्रा और चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी ''द वाइन ऑफ डिजयर''।

आर. वर्द्धन (2016). ओसाका अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र, सिंगापुर में11–12 जुलाई, 2016 को चिकित्सा, औषध और स्वास्थ्य विज्ञान (एमएमएचएस–2016) पर, 16 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दूध में पैदा होने वाले रोगाणुः अलगाव और पहचान, जनसंख्या विशेष रूप से युवाओं के लिए स्वास्थ्य जोखिम।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 170

परिसर में आने वाली कंपनियां– 10

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

पहलः एक प्रयास, एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा एक शिक्षा अभियान आरंभ किया गया था। उन्होंने रघुबीर नगर में एक झुग्गी के वंचित बच्चों को बेहतर गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिदिन दो घंटे समर्पित किये।

बायोकैमिस्ट्री विभाग, गणित विभाग और जूलॉजी विभाग के कुछ संकाय सदस्यों ने छात्रों, शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ के लिए 19 सितंबर 2016, 1 अक्टूबर, 2016, विश्व हृदय दिवस 29 सितंबर, 2016 को तीन स्वास्थ्य कैंप आयोजित किए और 18–19 अक्टूबर, 2016 को स्वास्थ्य जागरूकता डेस्क आयोजित किया।

एनएसएस द्वारा दिल्ली यातायात पुलिस के समन्वय से 20 अगस्त, 2016 को एक यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

एनसीडी कैडेट और एनएसएस के सदस्यों ने कॉलेज और आसपास के स्थानों को साफ करने के उद्देश्य से 29–30 अगस्त, 2016 को स्वच्छता पखवाड़ा में भाग लिया।

शिवाजी कॉलेज की एनएसएस टीम ने लोगों को एक करने के लिए एक माध्यम के रूप में सोशल मीडिया का लाभ उठाकर 2 नवंबर 2016 को प्रदूषण के खिलाफ ऑनलाइन अभियान चलाया। 8 नवंबर, 2016 को रोटरी क्लब के सहयोग से एनएसएस टीम ने एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। एनएससी कैडेटों के लिए 3 जनवरी, 2017 को बिटिया साक्षरता अभियान के अंतर्गत कैशलेस लेनदेन पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। एक उद्देश्य के लिए 10 जनवरी 2017 को एनएसएस टीम द्वारा पीढ़ियों में जुड़ाव को बढ़ावा देने पर कार्यशाला आयोजित की गई।

निष्कामः 20 फरवरी, 2017 को रघुबीर नगर के बच्चों के लिए एनएसएस द्वारा स्वास्थ्य शिविर, पुस्तक वितरण और लंगर का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय का विकास

पुस्तकालय के लिए स्वीकृत कुल बजट 19,32,697 रुपए था। पुस्तकालय डेटाबेस में 2,663 नई पुस्तकों को जोड़ा गया है।

संकाय की संख्या

स्थायी–108, तदर्थ–85

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 36,12,64,602 रुपए

उपयोग किया गया– 32,46,61,944. रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

शिवाजी कॉलेज विश्वविद्यालय का केवल एकमात्र कॉलेज है, जो नाममात्र प्रीमियम पर प्रति छात्र 1 लाख का दुर्घटना/जीवन बीमा पॉलिसी कराता है। छह संकाय सदस्य पीएचडी के छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। कॉलेज छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देता है और कई शैक्षिक यात्राओं के माध्यम से प्रत्यक्ष अनुभव को प्रोत्साहित करता है। छात्रों के लिए विज्ञान–सेतु कार्यक्रम के अंतर्गत एक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया।

कॉलेज के सभी विभागों ने अपने वार्षिक शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें छात्रों को पद्मश्री पुरस्कार विजेता प्रोफेसर आर.एम.के. जैसे प्रतिष्ठित लोगों के साथ बातचीत करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। बमजेई, पूर्व उप–चांसलर जम्मू विश्वविद्यालय और श्री नरेश बेदी, वन्यजीव फोटोग्राफर, रक्षामंत्री केंद्रीयमंत्री मनोहर परिकर, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू और राज्य सभा के सदस्य और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की।

एक स्पिक मैके कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बेहद सम्मानित डॉ. दीप्ती ओमचेरी भल्ला ने मोहिनीयाट्टम का प्रदर्शन किया। वायम, द थिएटर सोसाइटी ने, दिल्ली के परिसर में आयोजित वार्षिक रंगमंच महोत्सव उदय उत्सव में प्रथम पुरस्कार जीता।

***

श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

कॉलेज ने इस वर्ष अपनी स्थापना के 90वॉ शानदार वर्ष पूरा किया है। नब्बे वर्ष के समारोह का उद्घाटन कार्यक्रम 20 फरवरी, 2017 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। भारत के माननीय राष्ट्रपति इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। केन्द्रीय वित्त मंत्री, युवा मामले और खेल राज्य मंत्री, उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति, कॉलेज के शासी निकाय के अध्यक्ष भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मार्च, 2017 में छात्रों का वार्षिक मेगा सांस्कृतिक उत्सव''क्रॉसरोडस'' आयोजित किया गया, जिसमें प्रसिद्ध पार्श्व गायकों अरमान मलिक और के के ने अपने प्रदर्शन किये। वित्त और निवेश, विपणन, शेयर बाजार, उद्यमशीलता, सामाजिक पहुँच, शुरुआत, बहस, नाटक, ललित कला, कंप्यूटर, भाषा और साहित्य के क्षेत्र के कार्यक्रमों और गतिविधियों के आयोजन में छात्रों की बड़ी भागीदारी रही। पूरे विश्वविद्यालय से युवा खेल का उत्सव भी आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन फरवरी, 2017 के महीने में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्यमंत्री द्वारा किया गया। इसमें विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा भागीदारी की गई। वर्ष के दौरान एक छात्र पत्रिका "स्ट्राइड" शुरू की गयी।

सम्मान/ विशिष्टताएं

अगस्त, 2016 के दौरान कॉलेज के आकलन और मान्यता के लिए, एनएएसी की एक सहकर्मी टीम के तीन दिवसीय दौरे के बाद, एनएएसी ने कॉलेज को 3.65 की सीजीपीए के साथ ए + ग्रेड प्रदान किया। राष्ट्रीय संस्थागत श्रेणी ढांचा (एनआईआरएफ) द्वारा महाविद्यालयो के अखिल भारतीय क्रमांक में वर्ष 2016–17 के लिए कॉलेज को तीसरा स्थान प्रदान किया गया था।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

सुश्री रिचा गोयल एम. कॉम. में शीर्ष पर रही।
श्री प्रमोद अब्राहम ने जीबीओ में पी जी डिप्लोमा में शीर्ष स्थान पर रहे।
श्री अखिल जैन बी कॉम (ऑनर्स) में सबसे ऊपर बने रहे।
सुश्री तिशरा गर्ग ने बी.ए. (ऑनर्स) इको में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन (चयनित)

पी. चौधरी, (2016). शेयर की वापसी की वाष्पशीलताः भारत और चीन का तुलनात्मक अध्ययन। दिल्लीः लैंबर्ट शैक्षिक प्रकाशन।
दीपाश्री, (2016). भारतीय अर्थव्यवस्थाः प्रदर्शन और नीतियां। दिल्लीः छात्र तकनीक प्रेस।
दीपाश्री, (2016). सूक्ष्मअर्थशास्त्र – सिद्धांत और अनुप्रयोग। दिल्लीः छात्र तकनीक प्रेस
ए. दीवान, (2016). संगठनात्मक संस्कृति और मानव संसाधन प्रबंधनः विलय और अधिग्रहण के मामले में एक परिदृश्य। एमिटी वैश्विक एच आर एम समीक्षा, 6, 62–65
एन. गिलाचेन, (2016). ओआईसीएल का वित्तीय मूल्यांकनः एक विश्लेषण। व्यापार विश्लेषक, 37 (1), 47–62
आर. गुप्ता और जी. अहुजा, (2017). प्रत्यक्ष कर कानून और अभ्यास. दिल्लीः वाल्टर क्लुवर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
आर. जावा, (2017). ई–विपणन. दिल्ली. दिल्लीः सिंघल प्रकाशन.
ए. कुमार, (2017). शासन की नीति, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व। दिल्लीः टैक्समेन।
ए. कुमार, (2017). निगमित लेखांकन। दिल्लीः सिंघल प्रकाशन

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

कॉलेज में 17 सितंबर 2016 को, तकनीक–एचआर के उद्भव पर शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य वक्ताः श्री नितिन ठाकुर, मानव संसाधन प्रमुख, प्रतिभा प्रबंधन, एपीएसी, रॉकवेल ऑटोमेशन।

27 जनवरी 2017 से 31 जनवरी 2017 तक वैश्विक स्थिरता पर एक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। वक्ताः श्री नवीन जिंदल, सुश्री मीरा कुमार डॉ पवन अग्रवाल और श्री राजीव मिमानी आदि।

18–19 मार्च, 2017 को दुबई में एक वैश्विक सहस्राब्दी शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। संस्कृति और ज्ञान विकास मंत्री (संयुक्त अरब अमीरात) और युवा मामलों और खेल (भारत) के राज्यमंत्री द्वारा शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

1–2 मार्च, 2017 को किगली (रवांडा) में व्यापार और सूचना प्रौद्योगिकी और डॉक्टरेट संवर्धन की अग्रिम बैठक का आयोजन किया गया।

ए. दीवान, (2017). संस्कृति और इसके आयाम. निगम से संबंधित शासन प्रणाली पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः पिछली समीक्षा और संभावनाएं आईएमएस, गाजियाबाद, 12–13 जनवरी, 2017.

वी. जैन, (2017). भारत से बाहरी एफडीआई के दृढ़ स्तरीय निर्धारक. किगली विश्वविद्यालय, नामीबिया और एसआरसीसी, डीयू, किगाली, रवांडा, द्वारा आयोजित व्यापार और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रिम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मार्च 1–2, 2017.

एम. कुमार, (2016). भारत में वित्तीय सहकारिता की सामाजिक आर्थिक स्थिरता। वैश्विक व्यापार, अर्थशास्त्र, वित्त और बैंकिंग, पर तीसरे यूरोपीय अकादमिक अनुसंधान सम्मेलन, पेरिस, फ्रांस, 3 जुलाई, 2016.

राष्ट्रीयः

आर. कौशिक, (2017). अंग्रेजी शिक्षक–कम–सामग्री विकासकर्ता होने के मुद्दे और चुनौतियांः एक परिप्रेक्ष्य. केंद्रीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, डीयू, दिल्ली, मार्च 03, 2017.

के. कौर (2017). दिल्ली के स्तर पर जीवन स्तर की कॉलेज स्तर की महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी गुणवत्ता और अकादमिक उपलब्धि का एक प्रतिबिंब। स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के नवीनतम रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, डीयू, दिल्ली, 14–15 फरवरी, 2017.

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

कॉलेज ने यूनेस्को, पेरिस के साथ, सांस्कृतिक क्षेत्र के लिए सहयोग किया। यह युवा मामलों के मंत्रालय, भारत के साथ शुरुआत के लिए भी जुड़ा हुआ है। जेरॉक्स मुख्यालय रोचेस्टर, न्यूयॉर्क ने भी नवाचार के लिए हमारे साथ सहयोग किया।

विनियम कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

भीतरी /बाहरी – 32

कॉलेज ने अपने परिसर में 16 भीतरी कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें पेन राज्य विश्वविद्यालय, एच यू विश्वविद्यालय, त्सिंगहुआ विश्वविद्यालय, एन एफ यू सी ए जापान, एन टी यू (सिंगापुर), किंग्स कॉलेज(लंदन), क्यूंग ही विश्वविद्यालय (कोरियाई) आदि से छात्रों ने भाग लिया। इसके अलावा, 16 बाहरी कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिसमें कॉलेज के छात्रों ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय, विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, एच यू विश्वविद्यालय, एम डी एक्स विश्वविद्यालय (दुबई), कोलंबिया विश्वविद्यालय (न्यूयॉर्क), सेंट जोन्स कॉलेज (यूएसए) आदि में भाग लिया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र – 50 स्नातकोत्तर (91प्रतिशत), 340 पूर्व स्नातक (47 प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां/ उद्योग – 37 (स्नातकोत्तर के लिए), 50 (पूर्व स्नातकों के लिए)

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियां

आसपास के क्षेत्रों में 10 परियोजनाओं/शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें 274 में छात्रों ने स्वयंसेवकों के रूप में काम किया। इन शिविरों में विभिन्न समुदायों के लगभग 7,600 लोग नामांकित/ शामिल हुए। ऐसी एक शिविर परियोजना कुशली (सोनीपत, हरियाणा) ग्रामीण समुदाय के सशक्तीकरण के लिए आयोजित की गई थी। एक अन्य बाल सहयोग (कनॉट प्लेस, दिल्ली) में आयोजित किया गया था, जो स्वच्छता अभियान था। छात्रों ने ग्रीन दिवाली को बढ़ावा देने के लिए एक फ्लैश मॉब (कमला नगर, दिल्ली) का भी आयोजन किया। आजादपुर बाजार, दिल्ली में वित्तीय साक्षरता अभियान का आयोजन किया गया। दिल्ली में मंगोलपुरी में एक सामाजिक उद्यमशीलता पहल, परियोजना "विश्वास" का आयोजन भी किया गया था। बाल शिक्षा के प्रचार के लिए मॉडल केन्द्र, दिल्ली में परियोजना संस्कार शुरू की गई थी शहरी गंदी बस्ती के निवासियों को सशक्तीकरण के लिए परियोजना सशक्त (रोहिणी, दिल्ली) शुरू की गई थी। परियोजना समर्थ रिक्शा चालकों के बीच साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए एक अन्य पहल है। हॉकर्स और विक्रेताओं के कल्याण के लिए परियोजना उत्थान (कमला नगर, दिल्ली) को शुरू किया गया था।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में संकाय को एक विशेष कमरे में कंप्यूटर, प्रिंटर और इंटरनेट की सुविधा प्रदान की गई है। संकाय को पुस्तकालय से संबंधित ई–चेतावनी की सुविधा भी प्रदान की गई है। लाइब्रेरी में इलेक्ट्रॉनिक सूचना पट्ट स्थापित किया गया है। प्रश्न पत्र बैंक की सुविधा शुरू की गई है और छात्रों के लिए कंप्यूटर पर पिछले साल के प्रश्न पत्र उपलब्ध कराए जाते हैं। छात्रों से पुस्तकालय प्राप्ति के लिए पीओएस मशीन स्थापित की जा रही है ।

संकाय की संख्या

स्थायी – 60, तदर्थ– 66

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 24, 83,00,000रुपए।

उपयोग किया गया– 20,18,00,000रुपए।

***

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

कॉलेज के आईक्यूएसी ने बीएसई संस्थान लिमिटेड जैसे विभिन्न सम्मानित संगठनों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की। बॉम्बे शेयर बाजार लिमिटेड की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अपने प्रमुख पाठ्यक्रम जीएफएमपी के साथ और अन्य लघु अवधि के पाठ्यक्रमों के लिए, एनआईएफएम, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी), एमएचआरडी अपने किताब प्रकाशन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, टी.आई.एम.ई. ने विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता और उनके मूल्य में वृद्धि के लिए नरम कौशल, बहुराष्ट्रीय व्यापार प्रशिक्षण शाला और कई अन्य संस्थानों के पाठ्यक्रमों के लिए सहयोग की प्रक्रिया शुरू की गई। कॉलेज ने वाणिज्य और प्रबंधन का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 'असपायर' प्रकाशित किया।

प्रकाशन (चयनित)

आर. भारद्वाज, (2016). भारत के लिए नीतिगत रणनीति तैयार करना।

आई. भूषण, (2016). व्यापार और समुदायः भारत में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की कहानी. असपायरे, 3, 66–67.

आर. गुप्त, (2017). राष्ट्रीयता का बदलता स्वरूप और दिनकर का काव्य।

एस. गुप्त, (2016). भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में उत्पादकता को मापनाः एक डाटा भरोसा विश्लेषण. असपायरे, 3, 21–27.

डी. रावत, (2016). राग दरबारी में रोमानियत से यथार्थवाद की यात्रा. शोध वैचारिक।

ए. सिंह, (2017). विषस्यविषमौषधमः अनाचार पर प्रहार का पथ। नाटककार भारतेन्दु – नये संदर्भ नये विमर्श।

वी. सिंह, (2016). औपनिवेशिक नारीवादः बापसी सिद्धवा द्वारा पहचान पर प्रतिबिंब। बहु–अनुशासनिक अनुसंधान की बीआरडीयू अंतरराष्ट्रीय पत्रिका।

डी. वर्मा, (2017). महिला नाट्य–लेखन में स्त्री भाषा का संदर्भ. रंगभाषा, स्वरूप और विकास।

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

16 से 21 जनवरी 2017 तक वाणिज्य विभाग ने ब्याज के विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों के प्रति जागरूकता के लिए एक वक्ता मंच (एक सप्ताह का शिविर) का आयोजन किया।

वाणिज्य विभाग ने 1 फरवरी, 2017 को 'पूंजी बाजार को समझना' पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।

एएमओयूआर के सहयोग से कॉलेज की कौशल विकास समिति ने 17 से 23 फरवरी 2017 तक ''जीविका उन्नति के लिए कौशल विकास'' पर एक सप्ताह की लंबी कार्यशाला आयोजित की।

वाणिज्य विभाग ने 13 अप्रैल, 2017 को ''नागरिक और अन्य सेवाओं में कैरियर के अवसर'' पर भी चर्चा की।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं (चयनित)

हिंदी और अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित 20 अक्टूबर, 2016 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली के ऑडिटोरियम में भक्ति आंदोलन में मानविकी और जाति श्रेणीकरण पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन किया गया।

अकादमिक अनुसंधान केंद्र में डॉ. अंबेडकर की विचारधारा की प्रासंगिकता पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जीवनकाल सीखने वाला संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 14–15 फरवरी, 2017.

संगोष्ठियों / सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (चयनित)

अंतर्राष्ट्रीयः

ए. सिंह, (2017). *भक्ति आंदोलन या कबीर का समाज समरस*। एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जो श्याम लाल कॉलेज (संध्या) के हिंदी और अंग्रेजी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था, 20–21अक्टूबर, 2016।

डी. वर्मा, (2017). भक्ति–आंदोलन का मानवीय पक्ष। भक्ति आंदोलन में हैजोग्राफी, मानवतावाद और जाति पदानुक्रम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, श्याम लाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली, 20–21 अक्टूबर, 2016।

के. देवी, (2016). भक्ति आंदोलन में समानता और सामाजिक मुक्ति का विचारः एक आलोचना। भक्ति आंदोलन में हैजोग्राफी, मानवतावाद और जाति पदानुक्रम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, श्याम लाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली, 20–21 अक्टूबर, 2016.

एम. उमेश, (2016). मलूकदास के लेखन में मानवतावाद। भक्ति आंदोलन में हैजोग्राफी, मानवतावाद और जाति पदानुक्रम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, श्याम लाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली, 20–21 अक्तूबर, 2016.

एस. गुप्ता, (2017). भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में विलय और अधिग्रहण। व्यापार प्रबंधन और व्यवहार विज्ञान पर XIV अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

एस. सक्सेना, (2017). संत काव्य में नीति तत्व। भक्ति आंदोलन में मानवतावाद और जाति पदानुक्रम के बारे में दो दिन का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, श्याम लाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली, अक्तूबर 20–21, 2016.

सरिता, (2017). संत काव्य का सामाजिक परिप्रेक्ष्य। भक्ति आंदोलन में हैजोग्राफी, मानवतावाद और जाति पदानुक्रम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, श्याम लाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली, 20–21 अक्टूबर, 2016.

वी. सिंह, (2017). डॉ. भीमराव अम्बेडकरः मानवतावादी, समकालीन भारत में डॉ अंबेडकर की विचार की प्रासंगिकता पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, फरवरी 14–15, 2017.

राष्ट्रीयः

आर. कुमार, (2017). मोदी की विदेश नीति को समझना। ''समकालीन भारत, में भारतीय विदेश नीति से पहले चुनौतियां'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, मार्च 28–29, 2017।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र–178 (28.7प्रतिशत) (अधिकांश वाणिज्य और अर्थशास्त्र से)

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 49,652 पुस्तकें हैं और वर्तमान में 12 हिंदी और अंग्रेजी समाचार पत्रों, 30 पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की सदस्यता है। छात्रों और कर्मचारियों को खुली पहुंच की सुविधाएं भूमि तल और ऊपरी पुस्तकालय भवन पर उपलब्ध हैं। भू तल पर कॉलेज पुस्तकालय और साथ ही ऊपरी क्षेत्र भी वातानुकूलित हैं।

पुस्तकालय रेखिकी कूट पुस्तकों और सदस्यता पत्रक के साथ कम्प्यूटरीकृत हो गया है। कर्मचारी सदस्यों के लिए जेरॉक्स की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। 36 कंप्यूटरों के साथ कंप्यूटर प्रयोगशाला अब विश्वविद्यालय इंटरनेट के माध्यम से छात्रों के दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय संसाधनों और अन्य संसाधनों का उपयोग करने के लिए उपलब्ध है।

संकाय की संख्या

स्थायी – 48; तदर्थ– 28

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान–10,76,25,000 रुपए।

उपयोग किया गया– 10,76,25,000 रुपए (पूरी राशि खर्च की गई)

***

श्यामलाल कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

कॉलेज ने स्काईप सॉफ्टवेयर के माध्यम से वैश्विक विशेषज्ञों के साथ आभासी व्याख्यान आयोजित करके अग्रणी पहल की। अंग्रेजी विभाग, एसएलसी ने 2 फरवरी, 2017 को एसएलसी सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में ''पोस्ट–रंगभेद साहित्य और औपनिवेशिक उत्तर प्रवचन'' पर आभासी व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें प्रो. माइकल चौपमैन, क्वाजुलू विश्वविद्यालय नेटाल (डरबन) के प्रोफेसर एमेरिटस और फेलो ने भाग लिया था। कॉलेज ने एमएचआरडी की डिजिटल इकोनॉमी प्रोजेक्ट बिटिया साक्षरता अभियान (वीकाका) में भाग लिया। कॉलेज की सीएफडी टीम ने 1000 घरों और लगभग 200 विक्रेताओं को भुगतान का डिजिटल मोड अपनाने में सक्षम बना दिया है। कॉलेज में एक पूरी तरह कार्यात्मक सौर ऊर्जा संयंत्र है, जो कि हमारी अधिक मांग के 55 प्रतिशत को पूरा करने के लिए बिजली उत्पन्न करता है। आईपीजीसीएल, दिल्ली की एनसीटी सरकार के साथ एक सहयोगी पहल के रूप में कॉलेज में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया था, जिसमें उक्त सरकारी एजेंसी ने सौर पैनलों की स्थापना की पूरी लागत की जिम्मेदारी ली थी। एक संस्थान ने पानी की बर्बादी और इस कीमती वस्तु के हर बूंद की शक्ति का इस्तेमाल करने के लिए प्रतिबद्ध होने के कारण, परिसर में वर्षा जल संचयन प्रणाली को शामिल करके एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। संस्थान, गैर–सरकारी संगठन जाग्रुति के साथ मिलकर, कागज के कचरे की रीसाइक्लिंग को शुरू कर चुकी है और बदले में उसे 500 रीम कागज प्राप्त हुआ है।

सम्मान / विशिष्टताएं

श्याम लाल कॉलेज की टीम ने हमारे छात्रों के बहुमूल्य समर्थन के साथ विभिन्न मोर्चे पर विकास परियोजना में सक्रिय रूप से संलग्न होने के लिए एमएचआरडी से प्रशंसा प्राप्त की। 334 स्वयंसेवकों की राष्ट्रीय सूची में दो

छात्रों को सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवकों के रूप में चुना गया और उन्होंने एमएचआरडी और आईटी मंत्रालय से टेबलेट प्राप्त किए।

एसएलसी की ई–सेल टीम ने 29 जनवरी, 2017 को आईआईटी–बॉम्बे में आयोजित राष्ट्रीय उद्यमी चैलेंज नामक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता जीती। पूरे देश से 300 से अधिक टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया था।

खेलः

एसएलसी की पुरुष हॉकी टीम दिल्ली विश्वविद्यालय की अंतर–कॉलेज हॉकी टूर्नामेंट की चैंपियन बनी।

चेष्ता चौधरी (बीकॉम (पास), द्वितीय वर्ष, की अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय एक्वाटिक चैम्पियनशिप 2016–17 में 3एम स्प्रिंग बोर्ड डाइविंग इवेंट में स्वर्ण पदक जीता।

(बीए प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष के जितेंद्र कुमार ने अंतर कॉलेज एथलेटिक चैम्पियनशिप में 21 केएम इवेंट में 2016–17 और दिल्ली स्टेट एथलेटिक चैम्पियनशिप में 2016–17 के 5केएम कार्यक्रम में स्वर्ण पदक जीता।

सर्वजीत कुमार सिंह (एमए हिंदी अंतिम वर्ष) ने वरिष्ठ राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक चैंपियनशिप 2016–2017 में 4 गुणे 100 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता।

सचिन मलिक (बीए प्रोग्राम द्वितीय वर्ष) इंटर कॉलेज जुडो चैम्पियनशिप 2016–2017 में 81 किग्रा नीचे स्वर्ण पदक जीता।

अभय नारायण तिवारी (बीकॉम कार्यक्रम तृतीय वर्ष) ने अंतर कॉलेज जूडो चैम्पियनशिप 2016– 2017 में 90 किलो से कम का कांस्य पदक जीता।

प्रकाशन (चयनित)

के अरोड़ा, (2016). भारत में कोष प्रबंधकों की स्टॉक चयन कौशलः एक अनुभवजन्य जांच, वित्त भारत, 30(2).

आर एन कर. (2016). बहुराष्ट्रीय उपक्रमों में स्थिरता के उभरते आयामः अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में नए क्षितिज। यूकेः एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग लिमिटेड के लिए सह संपा.

एच कुकरेती (2017). सामान्य हिन्दीः व्याकरण एवं रचना. सोर्सबुक्स, दिल्ली

एस कुम्हार. (2017). नई सदी में महात्मा गांधीः आदर्श, दर्शन और प्रासंगिकता, बुक वन, दिल्ली

के मजूमदार (2017). अमिताभ घोष की समुद्री पॉपपीज द इंडो–अमेरिकन रिव्यू में दासता का विषय। ई–यूनिट, एक पायल की सिल्लापट्टम कथाः इलांको अतिकाल। आईएलएलएल वेब पोर्टलः दिल्ली विश्वविद्यालय

एस पांडे. (2017). फगुआ गीत. साहित्य यात्रा, 2349–1906.

आर प्रसाद (2017). हाशिये के लोगों का जन संघर्ष. पुस्तकवार्ता.

पी शर्मा. (2017). हिन्दी कविता में आपदा विमर्श. साहित्य यात्रा.

एन शिरीष. (2017). संयुक्त राष्ट्रः चुनौतियां और वैश्विक संघर्ष। दिल्लीः हिंदी मिडियम निदेशक, दिल्ली विश्वविद्यालय।

के तिवारी, (2017). नैदिन गोरडिमर की पोस्ट–वर्णभेदी शख्सियत में सौन्दर्य आयाम। वर्तमान लेखन मेंः पाठ और रिसेप्शन, दक्षिण अफ्रीका में, लंदनः टेलर और फ्रांसिस

अनुसंधान परियोजनाएं(चयनित)

डॉ. भारत भूषण, डॉ कविता अरोड़ा और श्री जितेंदर कुमार, प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार (गुरु),

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, दिल्ली में वृद्धाश्रम–उनके द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियां और समाज में उनके योगदान को समझना।

डॉ. विजय के. शर्मा, डॉ. सीमा दब्बास और डॉ संजय कुमार शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, पर्यावरण बचाने के लिए अपशिष्ट जल में रंजक को कम करने में टीओओ 2 नैनोकणों का उपयोग।

डॉ. हेमंत कुकरेती, श्री वी.के. वाजपेयी और डॉ. प्रभात शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, दिल्ली में दरगाहों की सामाजिक–सांस्कृतिक स्थिति।

डॉ गायत्री चतुर्वेदी, डॉ पंकज चौधरी और श्री राहुल तोमर, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, प्राचीन भारत में पर्यावरण संरक्षण की अवधारणा और विधियों में अध्ययन।

डॉ. समरेन्द्र कुमार (हिंदी विभाग, एसएलसी), डॉ अमिताभ कुमार (हिंदी विभाग, एसएलसी) और श्री संजय कुमार (इतिहास विभाग, एसएलसी), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, हिंदी सिनेमा में मध्यकालीन भारतीय भक्ति आंदोलनः मिथक, किंवदंतियां, साहित्य और लोकप्रिय यादें।

डॉ नरेंद्र सिंह और डॉ. सनी अग्रवाल और प्रोफेसर मोहन (गुरु), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, रिलेटिविस्टिक परमाणु संरचना गणना प्लाज्मा और खगोल भौतिकी के लिए उपयोगी है।

आयोजित संगोष्ठियां(चयनित)

वाणिज्य विभाग ने 16 फरवरी, 2017 को ''संक्रमण की हलचलः 21वीं सदी में विश्व व्यवस्था का अंतिम आकार'' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। एपीयू जापान के प्रोफेसर मुनीम के. बरई इसके संसाधन व्यक्ति थे।

19 अप्रैल, 2017 को इतिहास विभाग ने ''नीचे से इतिहास का दर्शनः भारतीय इतिहास में जाति, वर्ग, लिंग और जनजातियां'' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

अंग्रेजी विभाग, श्याम लाल कॉलेज में 2 9 जुलाई, 2016 को ''औपनिवेशिकता और लिंग'' विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया गया। फारूकी वर्जीनिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मेहर अफांस और जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रो. बरन फारूकी इस चर्चा सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के पास थे।

हिंदी विभाग ने 3 मार्च 2017 को ''रितिकालः नया मार्ग'' पर एक चर्चा का आयोजन किया।

राजनीति विज्ञान विभाग ने वर्ष 2016 में ''भारत में मतदाता सुधार'' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस सम्मेलन में प्रोफेसर जगदीप चोकर, प्रोफेसर आनंद कुमार और अमलेश राजू (पत्रकार, जनसत्ता) ने वक्तव्य दिया।

अर्थशास्त्र विभाग ने 19 जनवरी, 2017 को भारतीय अर्थव्यवस्था पर विमुद्रीकरण का प्रभाव पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया

आयोजित सम्मेलन/ कार्यशालाएं

महिला विकास कक्ष (डब्ल्यूडीसी), एसएलसी ने आईसीएसएसआर, यूजीसी और एमडब्ल्यूसीडी के सहयोग से, 14 और 15 दिसंबर, 2016 को पूर्ण हॉल, आईएलआई में ''लिंग और जनसंख्या संस्कृतिः प्रतिनिधित्व और अवतार''पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

संगोष्ठिया/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

ए ठाकुर (2017). भारतीय दर्शनशास्त्र अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली और राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद द्वारा 24–26 मार्च, 2017 को डॉ. राम मनोहर लोहिया का राजनीतिक दर्शन पर राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन।

जी चतुर्वेदी (2016). प्राचीन भारतीय महाकाव्य महाभारत में महिलाओं के चित्रण के माध्यम से आधुनिक भारतीय महिलाएं सम्मान से देखी जाती हैं। श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 14–15 दिसंबर, 2016 को *लिंग और लोकप्रिय संस्कृतिः प्रतिनिधित्व और अवतार*, पर डब्ल्यूडीसी राष्ट्रीय सम्मेलन

के तिवारी (2017). गांधीवादी विचारधारा और लिंगवादी राष्ट्रीयता। गांधी का सत्याग्रह और महिलाओं का आंदोलन पर राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केंद्, दिल्ली में 30 मार्च, 2017.

आर शर्मा (2016). भू रसायन और इसके पर्यावरणीय प्रभाव। ''भारत के प्रीकैम्ब्रियन'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन और क्षेत्रीय कार्यशाला, झांसी का बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, 22–24 नवंबर, 2016.

एस कुमार,

(2017). "साहिर लुधियानवी" पर एक उपचारात्मक प्रदर्शन 23 जनवरी, 2017.

(2017). संश्लेषण और विकिरण के लक्षण वर्णन के लिए दवाओं के वितरण में उपयोग के लिए साइलेयम–एनवीपी आधारित हाइड्रोजल्स क्रॉसलेंक। राष्ट्रीय सम्मेलन में रसायन शास्त्रः पर्यावरण एवं सद्भाव पूर्ण विकास, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, दिल्ली।

(2017). एक सच्चा राष्ट्रवादी कवि। राष्ट्रवादी कवि प्रदीप को श्रद्धांजलि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। मानव उत्तर दायित्व, नई दिल्ली, 12 मार्च, 2017.

राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

कॉलेज ने श्याम लाल कॉलेज और फिनलैंड के तीन विश्वविद्यालयों – तुर्कू स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स/पोरी यूनिट (टूर्कू विश्वविद्यालय), दक्षिण पूर्वी फिनलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (एक्सएएमके), टूर्कू यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (समन्वयक) के बीच फिनलैंड आधारित फिनलैंड और भारत व्यापार (1 सितंबर, 2016 – 31 अगस्त, 2018) के लिए परियोजना के लिए जिम्मेदार व्यावसायिक पेशेवरों के, द सेंटर फॉर इंटरनेशनल मोबिलिटी (सीआईएमओ), फिनलैंड द्वारा वित्त पोषित अकादमिक विनिमय कार्यक्रम की व्यवस्था की है, सीआईएमओ ने 2016–17 में छात्रों को एक माह के लिए फिनलैंड में भी प्रायोजित किया।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र
अंदर/बाहर– 4
सीआईएमओ, फिनलैंड द्वारा वित्त पोषित, प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय परियोजना ''फिनलैंड और भारत व्यापार के लिए जिम्मेदार व्यवसाय पेशेवर'' के अंतर्गत शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम के लिए एक्सएमएम और टीयूएएस, फिनलैंड के चार में से चार छात्रों का चयन एसएलसी से किया गया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 88
परिसर में आनेवाली कंपनियाँ – 10
विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

आसपास के इलाकों में नौ एनसीसी कैंप आयोजित किए गए थे और इन शिविरों में 110 छात्र नामांकित थे। इन शिविरों में छात्रों द्वारा कुल 850 घंटे समर्पित किए गए, जिससे 120 लोग प्रभावित हुए।

पुस्तकालय का विकास

पुस्तकालय में कुल 6,82,785 रुपए खर्च किए गए हैं। इस वर्ष कुल 1,712 पुस्तकें खरीदी गई थीं। हमारे पुस्तकालय में 39 पत्रिकाओं को भी शामिल किया गया था।

संकाय की संख्या

स्थायी – 66, तदर्थ– 57

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान – 21,98,47,000 रुपए

अनुदान का उपयोग–21,97,18,734 रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एसएलसी ''स्किल इंडिया'' और ''डिजिटल इंडिया'' जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में पूर्ण उत्साह के साथ भाग ले रहा है।

कॉलेज में एक कौशल विकास समिति गठित की गई है और इस उद्देश्य के लिए कम्प्यूटर साक्षरता के लिए एक दिवसीय कार्यशालाओं से लेकर एक महीने के कार्यक्रम तक गतिविधियों का आयोजन किया गया है जिसमें कॉलेज, सक्रिय महिला विकास प्रकोष्ठ के अंतर्गत महिला विकास और लिंग संवेदीकरण के लिए कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है। अवसरों को चिह्नित करने के लिए विशेषज्ञों द्वारा इंटरैक्टिव व्याख्यान आयोजित किए गए थे।

***

श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज (महिलाओं के लिए)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कॉलेज जीवन के कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण गतिविधियों और उपलब्धियों के साथ यह एसपीएम कॉलेज के लिए एक और अच्छा वर्ष था। कॉलेज संकाय सदस्यों ने देश और दुनिया भर में सम्मेलनों और संगोष्ठियों में 29 प्रस्तुतियां कीं। एक शिक्षक ने पीएचडी डिग्री प्राप्त की और दूसरे को एम. फिल. डिग्री से सम्मानित किया गया। कुल मिलाकर, संकाय ने 12 पुस्तकें, 3 पुस्तक अध्याय और 44 लेख विभिन्न पत्रिकाओं और पत्रिकाओं में प्रकाशित किए। कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने कॉलेज में एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। तीन नवाचार परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की गईं और जमा की गईं और उनमें से एक ने सार्वजनिक परिवहन की पूलिंग की सुविधा के लिए हमसफर नाम का एक मोबाइल एप्लिकेशन बनाया। कॉलेज की एनएसएस टीमों ने बहुत सक्रिय रूप से स्वच्छता अभियान और बिटिया साक्षरती अभियान में भाग लिया, साथ ही अन्य गतिविधियों का भी आयोजन किया।

एसपीएम कॉलेज हॉकी टीम ने विश्वविद्यालय चौम्पियनशिप, श्याम लाल इंटर–कॉलेज चौम्पियनशिप, और विद्यापीठ हॉकी टूर्नामेंट जीता। खोखो टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर–कॉलेज टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। कबड्डी में, हमारी टीम ने दिल्ली स्टेट चौंपियनशिप स्वर्ण पदक जीता। कॉलेज एनसीसी ड्रिल टीम ने मिरांडा हाउस, भीमराव अम्बेडकर और जाकिर हुसैन कॉलेजों में आयोजित प्रतियोगिताओं में तीन स्वर्ण पदक जीते। छात्रों और शिक्षकों ने कॉलेज में उपयोग के लिए कई ऐप्लिकेशंस विकसित किए और इनमें से समय–सारणी ऐप उल्लेखनीय है जिसका कॉलेज समय सारिणी बनाने के लिए उपयोग किया जा रहा है। 30 जुलाई 2016 को कॉलेज परिसर में राज्य सभा के टीवी कार्यक्रम किताब में महाश्वेता देवी पर रिकॉर्डिंग भी आयोजित की गई थी

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. पूजा वशिष्ठ, कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने नई दिल्ली में 11 वें नवंबर 2016 को इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा समर्थित शिक्षा 2016 पर डिजिटल एज आईसीटी सम्मेलन में शीर्ष कॉलेज सीटीओ पुरस्कार प्राप्त किया ।

डीयू द्वारा वित्त पोषित ''महिलाओं की सुरक्षा के लिए सार्वजनिक पूलिंग सिस्टम'' पर एक नवाचार परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और इस परियोजना को विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह 2017 में रिसर्च डिस्प्ले में ''सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार'' मिला। यह मोबाइल एप्लिकेशन हमसफर नाम से गूगल प्ले स्टोर पर डाउनलोड और उपयोग के लिए उपलब्ध है ।

कम्प्यूटर साइंस डिपार्टमेंट के एक छात्रा प्रीतिका माथुर ने एसपीएम कॉलेज की वेबसाइट का एक मोबाइल ऐप बनाया है, जिसका उपयोग छात्रों द्वारा सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

एनसीसी कैडेट्स ने ग्रुप डांस, स्किट एंड ड्रिल प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता और अगस्त, 2016 में दिल्ली कैन्ट में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में एकल नृत्य में पहला पुरस्कार प्राप्त किया

कैडेट, मनीषा मित्तल और आशका मौर्य ने आगरा कैडेट पूजा जांगड़ा में आयोजित उन्नत नेतृत्व शिविर में भाग लिया, सितंबर, 2016 में आगरा में आयोजित पैरा बेसिक कैंप के लिए चुना गया था।

राष्ट्रीय खेल– 2016 के समापन समारोह में, 50 कैडेटों ने भाग लिया।

खो–खो प्रतियोगिता में 5 कैडेटों की एक टीम को प्रथम पुरस्कार मिला।

सितंबर, 2016 में, पूर्व टीएससी –1 के लिए 9 कैडेट्स का चयन किया गया था। अगले कार्यकर्ताओं के लिए 4 कैडेटों ने थाई सैनिक शिविर को पूरा किया और टीएससी धारक बन गए। 2 अक्टूबर 2016 में प्री–आरडीसी 1 के लिए 2 कैडेट्स भेजे गए थे और उनमें से एक को पूर्व–आरडीसी 2 के लिए चुना गया था।

कैडेट चारु गुप्ता को नवंबर, 2016 में मेरठ में आयोजित सेना के अनुलग्नक शिविर के लिए चुना गया था।

दिसम्बर 16 में आयोजित पैरा–स्लाइडरिंग कार्यक्रम में फाइनल के लिए दो कैडेटों को मंजूरी दे दी गई। 2017 में फरवरी में अंडमान और निकोबार द्वीप में आयोजित विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर में कैडेट चारु गुप्ता का चयन किया गया।

खेलः

कॉलेज की 11 में से 9 टीमों ने राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय के स्तर पर आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में कॉलेज के लिए पुरस्कार जीते।

हॉकी में, कॉलेज ने इंटर कॉलेज प्रतियोगीता में पहला पुरस्कार जीता। उन्होंने मेरठ (यूएपी) और मुंदका (दिल्ली) में क्रमशः बिजनेस हॉकी टूर्नामेंट और मनोज मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट जीते।

हमारे कॉलेज से शिवानी, आरती, मंजू, मनीषा, सरिता और रेणु और अंशिका ने अमृतसर में आयोजित अंतर–विश्वविद्यालय हॉकी चैम्पियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और पटना में आयोजित ओपन हॉकी टूर्नामेंट में भाग लिया।

कॉलेज कबड्डी टीम ने राजगुरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। मनीषा, माया और किरण ने अमृतसर, पंजाब में आयोजित अंतर–विश्वविद्यालय खो खो मैच में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। रीमा और निशा पटियाला में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में खेली. एनसीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय टूर्नामेंट जीतने वाली टीम में हमारे कॉलेज के 4 खिलाड़ी थे।

कर्नाटक में आयोजित अंतर– विश्वविद्यालय खेलों में हैंडबाल खिलाड़ियों दीपा, गार्गी, बबिता और दीप्ति ने दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। दीप और बबिता ने भी छत्तीसगढ़ में आयोजित टूर्नामेंट में भाग लिया। कॉलेज टीम इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में दूसरे स्थान पर रही।

कॉलेज की योग टीम ने अंतर कॉलेज तालबद्ध योग प्रतियोगिता में और मिरांडा कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिता में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रही।

कॉलेज की कबड्डी टीम ने कालिंदी इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने दिल्ली राज्य कबड्डी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। शीतल, कोमल और चंचल ने रोहतक (हरियाणा) में आयोजित इंटर विश्वविद्यालय गेम्स में दिल्ली विश्वविद्यालय में भाग लिया और इसका प्रतिनिधित्व किया।

बेसबॉल खिलाड़ी भारती, अंजलि और एप्सा ने चंडीगढ़ में आयोजित अंतर–विश्वविद्यालय बेसबॉल टूर्नामेंट में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने केरल में आयोजित सॉफ्टबॉल अंतर– विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भी दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

एस.रीमा ने क्रॉस कंट्री रनिंग में तीसरा पुरस्कार जीता। प्राची इंटर कॉलेज स्कीम टूर्नामेंट के अंतर्गत डाइविंग में पहले स्थान पर रहीं। उन्होंने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया। कॉलेज ने इंटर कॉलेज हैंडबाल चैम्पियनशिप का आयोजन किया।

प्रकाशन (चयनित)

ए .बंटोलिया, (2017) पर्यावरण अध्ययन। नई दिल्लीः गलगोटिया प्रकाशन

के.गौरव, (2016) सास्त्रिक स्रोतों में महिलाओं के काम की गतिशीलताः घरेलू और उससे परे। विजया रामास्वामी (संपा.) में, पूर्व–औपनिवेशिक भारत में महिला और कामः एक अध्याय (पृष्ठ 31–48)। दिल्लीः ऋषि प्रकाशन।

एन.एन. कुमार, (2016) एड्रियान कैनेडीरू बीट्स के लिए एक समान आत्मा। देबोरा. आर. गीस (संपा.) में, बीट ड्रामाः नाटककारों और प्रदर्शनियों की ''होल'' पीढ़ी (पृष्ठ 125–135) लंदन, ऑक्सफोर्ड, न्यूयॉर्क, नई दिल्ली, सिडनीः ब्लूमस्बरी ड्रामा ।

ए.मिर्जा (2016) राजीव गांधी और आई.टी.। चयनिका उनियाल (संपा.) में, आधुनिक भारत के राजीव गांधी पायनियर, (पृष्ठ 1–14)। दिल्लीः स्वरप्रकाशन।

ए.मिर्जा(संपा.), (2016)। आज फिर से इंदिरा को खोजना। दिल्लीः स्वराज प्रकाशन।

एन.मित्तल, (2016) जे.एम.कोटेजीः ऐतिहासिक वास्तविकता का निर्माण और प्रतिनिधित्व (प्रभाव) कॉप्लुटेंस जर्नल ऑफ इंग्लिश स्टडीज, V (1), 89–101.

एस.रानी, (2017) अगली रिलीज समस्याः आवश्यकता इंजीनियरिंग की उभरती प्रवृत्ति। इंजीनियरिंग और अनुसंधान में हाल के नवाचार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 2 (2), 58–65.

एन शाह, (2017 ए)। शताब्दी बहस पर एक नजरः अनिवार्य शिक्षा। दीपा इडनानी (संपा.) में, शिक्षा और विद्यालय जाने का अधिकार, (पृष्ठ 12–25), दिल्लीः रावत प्रकाशन।

एम.शिवारे, (2016) दर्शनशास्त्री नारीवाद धर्मदर्शन और नीतिशास्त्र.नई दिल्लीः शिवालिक प्रकाशक ।

आर. थारेजा, (2016)। कंप्यूटर प्रोग्रामिंग (जेएनटीयू काकीनाडा) नई दिल्लीः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ।

आर. थारेजा, (2016)। कंप्यूटर अवधारणाओं पर कोर्स। नई दिल्लीः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ।

अनुसंधान परियोजनाएं (चयनित)

डॉ. वीणा कपूर, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, मोदी का मेक इन इंडियाः स्वदेशी या विदेशी, 350000 रुपए।

डॉ.कुलबीर कौर, डॉ. गरिमा और श्री विरेंद्र प्रताप यादव, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषण, आक्रामकता और व्यवहार संशोधनः युवाओं के एक सामाजिक मनोवैज्ञानिक अध्ययन, 350000 रुपए दिए गए ।

डॉ.पूजा वशिष्ठ, डॉ.बलजीत कौर, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, महिला सुरक्षा के लिए प्यूबिक पूलिंग सिस्टम, 400000 रुपए दिए गए।

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

वाणिज्य विभाग ने 13 फरवरी, 2017 को ‘अचिवर्स टॉक नामक एक उत्पादक सत्र का आयोजन किया। श्री सार्थक जैन, निदेशक, पारस डाइज और केमिकल्स लिमिटेड; श्री प्रशांत पंवार, लेखक और उद्यमी प्रमुख वक्ता थे।

डॉ. मुकुल प्रियदर्शी, एसोसिएट प्रोफेसर, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 20 अक्टूबर 2016 को ''द्विभाषी शिक्षणः कक्षा की प्रवचन की भाषाएं'' पर गोलमेज सम्मेलन किया।

अंग्रेजी विभाग ने 10 नवंबर, 2016 को ''भीमायान–एक काल्पनिक ग्राफिक'' पर एक बात करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की अंग्रेजी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नंदिनी चंद्र को आमंत्रित किया।

इतिहास विभाग ने डॉ. मीरा विश्वनाथन, इतिहासकार और विश्वविद्यालय के एक संकाय सदस्य शिव नादर को 4 अक्टूबर, 2016 को ''प्राचीन भारत में लेखन का इतिहास'' पर एक चर्चा देने के लिए आमंत्रित किया ।

आयोजित सम्मेलन /कार्यशालाएं (चयनित)

रोबोटिक्स एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फाउंडेशन (आरएआईएफ) के साथ कंप्यूटर साइंस विभाग ने दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। उन्होंने कॉलेज में 23–24 अगस्त, 2016 को रोबोट प्रीमियर लीग 2016 का भी आयोजन किया था।

19 –20 दिसंबर, 2016 को यूजीसी और डीआरडीओ द्वारा प्रायोजित ''कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी में अग्रिम'' (एनसीएसीआईटी) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था ।

संगोष्ठियों /सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अंतर्राष्ट्रीयः

एन.शाह,(2016)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और तकनीकी – वैज्ञानिक शिक्षा (1885–1947) भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटी, तिरुपति, भारत द्वारा 19 –20 नवम्बर, 2016 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ।

पी.वाशिष्ठ और बी.कौर, (2016)। हमसफरः एक एंड्रॉइड मोबाइल एप्लिकेशन जो यात्रा करने का एक सुरक्षित तरीका सक्षम करते हैं, वचनाघाट, भारत में 22–24 दिसंबर, 2016 को समानांतर, वितरित और ग्रिड कंप्यूटिंग आईईईई पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

राष्ट्रीयः

किरण किरण, (2017) प्राणान्यवाद पर विशद भारतीय और पश्चिमी प्रतिबिंब–– दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा 18–19 फरवरी, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ।

ए.मिर्जा, (2017) दिल्ली के शासन का प्रकरणअध्ययन लेवल। हूल्म इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, भारत पर्यावास केंद्र, दिल्ली, 15 जनवरी, 2017.

ए.मिर्जा,(2017)फिल्म ज्ञान और इतिहास पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 1फरवरी, 2017 को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित।

पी.शर्मा, (2016) पंचायती राज एवं महिला सशक्तिकरण। महिला सशक्तिकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, अक्टूबर 2016 ।

पी.शर्मा (2016) भारतीय लोकतंत्र के द्रष्टा। महिला सशक्तिकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, अक्टूबर 2016 में आयोजित।

ए. सिंह (2016) कहानियां और मुक्तिः जातक और उनके दक्षिण पूर्व एशियाई मुठभेड़ों मेंः वार्ता, सेंटर फॉर एस्कलेनेशन ऑफ पीस, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, 12 जुलाई, 2016 ।

सी.यूनियाल (2017), विवाद का प्रकरण अध्ययनः फिल्मों द्वारा इतिहास और साहित्य का मुकाबला। जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी जोधपुर ,राजस्थान ,के अंग्रेजी विभाग द्वारा 1 फरवरी 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन ।

नियुक्तियों का विवरण

टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड द्वारा 13 छात्रों को बैंकिंग वित्तीय सेवाओं और वित्त और लेखांकन के लिए 1.3 लाख से लेकर 1.18 लाख रुपए तक के वार्षिक वेतन पर और 2.75 लाख रूपए के पैकेज के साथ सहायक अधिकारी प्रशिक्षु के रूप में रखा गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) के माध्यम से बी. टेक. कम्प्यूटर साइंस के लगभग सभी छात्रों को अलग–अलग कंपनियों में रखा गया है। चार कंपनियां परिसर में भर्ती के लिए आईं, जिनमें से एक (जेनपैक्ट) दुसरी बार आया।।

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

कॉलेज की एनएसएस यूनिट ने 16 अगस्त से 18 सितंबर तक 'स्वच्छ पाखवाड़ा' आयोजित किया। उन्होंने 17 अगस्त, 2016 को ''स्वच्छता'' पर एक संगोष्ठी आयोजित की, जिसमें दक्षिण दिल्ली के मेयर, श्याम शर्मा मुख्य अतिथि थे। एनएसएस द्वारा 17 अगस्त, 2016 को परिसर की सफाई और बागवानी परियोजनाएं भी आरंभ की गईं। इसके बाद स्वयंसेवकों ने सफाई की । छात्र स्वयंसेवकों ने स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए रैलियों का आयोजन किया । एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा 24 सितंबर, 2016 को, पदार्थों के दुरुपयोग के बारे में एक जागरूकता अभियान आयोजित किया गया था। 20 दिसंबर, 2016 से 11 जनवरी 2017 तक बिटिया साक्षरता

अभियान का आयोजन किया गया था । विभिन्न ऑनलाइन और ऑफलाइन भुगतान मोडों पर लोगों को शिक्षित करने के लिए बैंक अधिकारियों के साथ सहयोग से 20 दिसंबर 2016 से 11 जनवरी 2017 तक एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

एसपीएम कॉलेज की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन सी सी) इकाई ने समन्वयक के रूप में डॉ. पूजा वशिष्ठ के साथ दिल्ली और देश के अन्य भागों में विभिन्न स्थानों पर आयोजित अनेक कार्यक्रमों में भाग लिया। एनसीसी कैडेटों ने दिसम्बर 16 में ''स्वच्छता पखवाड़ा'' में भाग लिया ।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज पुस्तकालय लगभग 73,237 पुस्तकों के डेटाबेस के साथ पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत हो गया है। लाइब्रेरी में संसाधनों तक आसान और त्वरित पहुंच के लिए एक कम्प्यूटरीकृत कैटलॉग शुरू किया गया है। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर पुस्तकों का बहुत समृद्ध संग्रह है। इसमें संदर्भ पुस्तकें, सामान्य किताबें, और अंग्रेजी और हिंदी में नवीनतम उपन्यासों का दुर्लभ संग्रह शामिल है। लाइब्रेरी में करीब 80 पत्रिकाओं की सदस्यता है, जिसमें सामान्य पत्र, पत्रिकाएं शामिल हैं। पुस्तकालय के सूचना केंद्र में अनुसंधान सामग्री तक पहुंचने के लिए 25 कंप्यूटर हैं। वाई–फाई की उपलब्धता ने अब अपने लैपटॉप पर छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए इंटरनेट सुलभ बना दिया है। सभी सदस्यों को 4000 से अधिक पत्रिकाओं, यूजीसी–इनफोनैट पर उपलब्ध ई–डाटाबेस के लिए मुफ्त पहुंच के लिए पासवर्ड प्रदान किए जाते हैं। लाइब्रेरी में ब्रेल पुस्तकों का एक अद्वितीय संग्रह है। विशेष सॉफ्टवेयर के साथ रिकार्डर और लैपटॉप उनके पाठ्यक्रम की संपूर्ण अवधि के लिए अलग–अलग छात्रों को जारी किए जाते हैं। इसके लिए कुल 12, 62,500 रुपए का बजट आवंटित किया गया है। हमने इस साल अपनी लाइब्रेरी में 1,712 पुस्तकें और 5 पत्रिकाओं को जोड़ा है ।

संकाय संख्या
स्थायी — 86, तदर्थ— 70

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
यूजीसी अनुदान— 269038000 रुपए।
दिल्ली प्रशासन से अतिरिक्त अनुदान — 10,00,000रुपए।
उपयोग किया गया— 100 प्रतिशत।

***

श्री अरबिंदो कॉलेज (सांध्य)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

डॉ. सुमति वर्मा, संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वाणिज्य विभाग के सभी प्रोफेसर, 25–30 जून, 2016 को अंतर्राष्ट्रीयकरण के प्रारंभिक वाहक – भारतीय आईटी उद्योग का एक अध्ययन पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। डॉ. सुमति वर्मा को नॉर्थ कैरोलिना विश्वविद्यालय की एक अंतरराष्ट्रीय सहयोगी प्रायोगिक परियोजना एक्स–कल्चर के एक्सीक्यूटिव बोर्ड में नियुक्त किया गया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय, डोरलिंग केंडर्सली (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड–पियर्सन एजुकेशन के लिए – इंटरनेशनल बिजनेस 3/ई – यूनिवर्सिटी विशिष्ट संस्करण एक पुस्तक भी प्रकाशित की। छात्रों ने अंतर–कॉलेज मुक्केबाजी चौम्पियनशिप में तीन पदक जीते। हमारे छात्रों में से तीन नीरज ने द्वितीय, अंकिट शेरॉन ने द्वितीय और जितेन्द्र दीनान – द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हमारे छात्रों – गौरव, मुनीश कुमार और अफजल ने पंजाब विश्वविद्यालय में आयोजित सभी भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

सम्मान/विशिष्टताएं

सुश्री अर्शिया कोचर, बीए (आनर्स) अनुप्रयुक्त भौतिकी तृतीय वर्ष ने 76.49 प्रतिशत अंक प्राप्त किया।

सुश्री रचिता रावत, बीए (आनर्स) अनुप्रयुक्त भौतिकी तृतीय वर्ष ने 75.7 प्रतिशत अंक प्राप्त किया।

सुश्री आकांक्षा मलिक, बीए (आनर्स) अनुप्रयुक्त भौतिकी तृतीय वर्ष ने 75.56 प्रतिशत अंक प्राप्त किया।

विशेष उपलब्धि प्राप्त छात्र

श्री प्रणव गौतम को विषय कोड (241385) में 100 प्रतिशत मिले।

श्री पुनीत निगम को विषय कोड (241487) में 100 प्रतिशत मिले।

सुश्री निशा कुमारी को एफआईयूपी कामर्स एमजीडी.एसीजी में 100 प्रतिशत मिले।

श्री प्रभाष कुमार, बीकॉम (आनर्स) द्वितीय वर्ष, सत्र– 3 के मैक्रो इकनॉमिक्स में 100 प्रतिशत मिले

श्री बी.कॉम. (आनर्स) द्वितीय तृतीय वर्ष, सत्र–4 को आयकर में 99 प्रतिशत अंक मिले

प्रकाशन (चयनित)

एम के ड्रोलिया (2017). बेरोजगारी के मनोवैज्ञानिक परिणामः ग्रामीण क्षेत्रों में नियोजित और बेरोजगार युवाओं का एक तुलनात्मक अध्ययन। मनोवैज्ञानिक शास्त्र की भारतीय पत्रिका। 7(1), 54–59.

जी सी जोशी (2017). आधुनिक हिंदी नाटकों में युवा चेतना। दिल्लीः नमन प्रकाशन

प्रज्ञेंदु, (2016). विभिन्न व्यवसायों में आध्यात्मिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन। अनुप्रयुक्त अनुसंधान की भारतीय पत्रिका, 6(1), 339–343.

ए के सिंह (2016). अंदरूनी सूत्र व्यापारः भारतीय व्यापार संगठन।दिल्ली व्यवसायिक समीक्षा, 17 (2).

एस वर्मा (2017). अंतरराष्ट्रीय व्यापार। दिल्ली पियर्सन एजुकेशन.

एस वर्मा एवं पी अग्रवाल. (2017). दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय एकीकरण –भारत श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौते (आईएसएलएफटीए) पर विशेष ध्यान और व्यापार और निवेश पर इसके प्रभाव। न्यू हराइजन, 13(2).

एस वर्मा एवं एन अरोड़ा (2016). पहियों पर स्थिरता – डीएमआरसी का एक प्रकरण अध्ययन।द डिस्कसेंट, 4(4).

अनुसंधान परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय, 2016, भारत की संस्कृति के समर्थक मनो–सामाजिक निर्धारक, .3,00,000 रुपए।

आयोजित संगोष्ठी

सितंबर, 2016 में अमेरिकन सेंटर, नई दिल्ली में ''इंटरनेट/कार्यशाला अर्थव्यवस्था'' पर संगोष्ठी।

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग ने घरेलू हिंसा, लिंग असमानता, बेरोजगारी, अंतर–समूह संघर्ष, जाति भेदभाव जैसे विभिन्न मनोवैज्ञानिक–सामाजिक मुद्दों को समझने के लिए पीआरए की विभिन्न तकनीकों का उपयोग करते हुए 15 मार्च, 2017 से 19 मार्च, 2017 के बीच धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश के पास के समुदायों धर्मशाला में एक सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन अध्ययन आयोजित किया था।

वाणिज्य विभाग के छात्रों ने प्रोजेक्ट एक्स कल्चर और एनाक्टस में भाग लिया, जो 40 देशों में 800 विश्वविद्यालयों को शामिल कर एक बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय शिक्षा परियोजना थी। यह उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की गई एक अंतर्राष्ट्रीय परियोजना थी।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज में इस वर्ष पूरी तरह सुसज्जित वातानुकूलित पुस्तकालय बनाया गया है। पुस्तकालय को मैन्युअल रूप से स्वचालित रूप से दोनों तरीकों में कार्यात्मक बनाया गया है। यह पुस्तकालय प्रबंधन के आर.डी. सॉफ्टवेयर सिस्टम पर काम करता है। पुस्तकालय में 38,802 (सामान्य पुस्तकें– 34020, एसएएफ –1378, बीबी –576, उपहार में मिली –828) पुस्तके हैं, यह 08 पत्रिकाओं, 08, समाचारपत्रों, 05 पत्रिकाओं और पुस्तकालयों की सदस्यता भी लेता है जिसमें 704 सजिल्द पुस्तकें, 120 ढीली पत्रिकाएं और 133 पुस्तकों के सीडी/डीबीडी शामिल हैं। पुस्तकालय में ब्रिटानिका का विश्वकोश, अमेरिका के विश्वकोश और विभिन्न विषयों के विश्वकोषों का एक पूरा सेट है। इंटरनेट और ओपेक तक पहुंच इंटरनेट पर उपलब्ध है। छात्रों, संकाय और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए इंटरनेट के माध्यम से मुफ्त और सहज पहुंच (वाई–फाई के माध्यम से) ने एसएसी (सांध्य) के लिए शिक्षा में उच्च और वैश्विक स्तर तक पहुंचना संभव बना दिया है।

संकाय शक्ति

स्थायी – 42, तदर्थ –18

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान – 13, 49,14,847 रुपए

उपयोग – 12,60,91,844 रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पर्यावरण अध्ययन विभाग ने 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस, 02 फरवरी, 2017 को विश्व झील दिवस, 20 मार्च, 2017 विश्व गौरैया दिवस पर और 22 मार्च, 2017 को विश्व जल दिवस पर ओजोन परत, आर्द्रभूमि, गौरैयों की कमी वाली आबादी और पानी की खपत से संबंधित मुद्दों और क्रमशः प्रत्येक विशिष्ट दिनों के संरक्षण से जुड़े पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में छात्रों को संवेदनशील करने के लिए पर विशेष व्याख्यान/कक्षा आधारित गतिविधियों का आयोजन किया। विश्व गौरैया दिवस पर छात्रों को श्री अरबिंदो कॉलेज परिसर के पक्षियों और पेड़ों की आम प्रजातियों के बारे में संवेदित किया गया।

***

श्री अरबिन्दो कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ तथा उपलब्धियाँ

कॉलेज ने ई–सेल एस.ए.सी.एण्ड्राइड अनुप्रयोग विकसित किया तथा ई–सेल मर्केन्डाइज को ऑन–लाइन स्टोर्स पर परिचित कराया। इसने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित भारत का पहला स्टार्ट अप कार्यक्रम आयोजित किया। मोक्ष के अध्यक्ष सुमित अरोडा (ड्रामेटिक्स सोसाइटी) को उड़ान महोत्सव में बेहतरीन कलाकार निर्देशक का पुरस्कार मिला। मोक्षनाट्य संस्था ने कुल 40 पुरस्कार जीते। वाद–विवाद सोसाइटी– सेजने 26 और पश्चिमी नृत्य सोसाइटी– क्रंक ने शहर और देश के विभिन्न भागों में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में 20 पुरस्कार जीते।

सम्मान/ विशिष्टताएँ

डॉ. अश्विनी कुमार, सहायक प्रोफेसर, इलेक्ट्रानिक को यू.जी.सी. द्वारा दिया जाने वाला सम्मान रमन पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप के लिए चुना गया।

विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

डॉ. आर. पी. ऋषिस्वर तथा श्रीमती बन्दना भल्ला के निर्देशन में वी.टेक इलेक्ट्रानिक्स छात्रों द्वारा दो शोधपत्रः – बी.टी.पी.– 24(स्पीच सिगनल प्रोसेसिंग) तथा बी.टी.पी.– 25 (प्रोस्थेटिक अंग) को प्रस्तुत किये गये।

प्रकाशन (चयनित)

ए. चौहान, (2016), डिग्री प्रथम वर्ष (पहले सत्र) के छात्रों के लिए जैव रसायन विज्ञान। नई दिल्ली, विवा बुक्स।

वी. कौर, आर अग्रवाल तथा एस.यादव. (2016), 2+ 2 निकायों के रोब की प्रतिबंधित परेशानी की समस्या जब प्राइमरी एक रॉश दीर्घवृत्ताभ – त्रिअक्षीय प्रणाली का गठन करते हैं। *प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,* 150–160

ए मित्तल, आर अग्रवाल, मुहम्मद एस सनम तथा एस. विष्ट(2016) परिवर्तनशील मॉस के साथ प्रतिबंधित शरीर की चार समस्याओं में मुक्ति बिंदु की स्थिरता।, एस्ट्रोफिजिक्स एवं स्पैस साइन्स, 361 (10).

टी. शहनाज, (2016) *इंग्लिश एवं संचार कौशल भाग– II.* नई दिल्लीः कैमब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

एस. पी. सिंह. (2017). *प्रसंगवस,* नई दिल्लीः श्री नटराज प्रकाशन।

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

आईसीएसएसआर. द्वारा प्रायोजित "बदलते भारत के लिए सुधार, आगे खुलता रास्ता" जिसे 17–18 फरवरी, 2017 को वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 6–7 जनवरी, 2017 को 'प्रयोग एवं सिद्धांत के सकारात्मक कायः उपलब्धियाँ तथा चुनौतियाँ"।

यूजीसी द्वारा प्रायोजित और डीआरडीओ, ओएनजीसी तथा एसईआरबी (डीएएसटी) द्वारा समर्थित 3–4 मार्च, 2017 को "रासायनिक विज्ञान तथा वातावरण तकनीक में वर्तमान नवाचार" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

संगोष्ठियाँ/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (चयनित)

अंतर्राष्ट्रीयः

ए. चौहान (2017), जैव ईंधन – भारतीय परिदृश्य पर्यावरण निरंतरता और रासायनिक शिक्षा में ग्रीन केमिस्ट्री पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

टी शाहनाज (2016) हाशिये से लेखनःएड्रियान रिच और कमला दास की कविता के माध्यम से अंतर–सांस्कृतिक संदर्भ में (लिंगी) कृत स्वयं को दुबारा देखना। अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक साहित्य संघ का 21वां विश्व कांग्रेस (आईसीएलए 2016), विएना, ऑस्ट्रिया, जुलाई, 2016।

एच नागपाल (2016) भारत में पर्यटकों के प्रवाह पर विश्व व्यापार संगठन के नियमों का असरःपर्यावरणीय स्थिरता और रासायनिक शिक्षा में ग्रीन केमिस्ट्री पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''जैव ईंधन– भारतीय परिदृश्य'' और ''जैवइथेनॉल उत्पादन में जलकुंभी बायोमास की सुरक्षा के लिए सल्फ्यूरिक एसिड पूर्वउपचार का अनुकूलन'', दौलत राम कॉलेज।

सेवाओं में वैश्विक व्यापार पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः विश्व व्यापार का परिप्रेक्ष्य, वाणिज्य विभाग द्वारा, शहीद भगत सिंह सांध्य कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मार्च, 2016 में आयोजित।

राष्ट्रीयः

ए चौहान (2017) अपशिष्ट से धनःजलकुंभी – एक नया हरा ईंधन स्रोत। 94वां स्थापना दिवस, वाइसरीगल लॉज, दिल्ली विश्वविद्यालय में पोस्टर प्रेजेंटेशन।

ए चौहान (2017) यमुना नदी के दिल्ली खंड पर जलकुंभी की पादपसुधार क्षमता – एक प्रारंभिक अध्ययन स्थाई पर्यावरण के लिए औद्योगिक प्रदूषण का मुकाबला करने के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन– दिल्ली और गार्गी कॉलेज में औद्योगिक और वैज्ञानिक प्रयासों का मिश्रण।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र–127 (84 छात्रों को कॉलेज में इंटर्नशिप मिली)

भर्ती के लिए कॉलेज में आने वाली कंपनियां–18

पुस्तकालय विकास

कुल 1,710 पुस्तकें खरीदीं गईं, 8 पत्रों और 32 पत्रिकाओं/समाचार पत्रों की सदस्यता ली गई थी।

संकाय की संख्या– 131

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान – 2320 लाख रुपए।

अनुदान का उपयोग – 2212 लाख रुपए।

***

श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

अकादमिक प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय आकलन और अभिकर्ता परिषद (एनएएसी) द्वारा कॉलेज को 'ए' मान्यता प्राप्त हुई। इस वर्ष, कॉलेज ने संबंधित विभागों और पाठ्यक्रमों के लिए अलग–अलग अकादमिक सोसायटियों को मजबूत किया है ताकि संबंधित संयोजकों के परामर्श के अंतर्गत कई घटनाओं को आयोजित करने और प्रबंधित करने में कौशल को बढ़ाने में पर्याप्त अवसर मिल सकें। इन समाजों और क्लबों को मोटे तौर पर शिक्षाविदों, कला में रचनात्मकता, छात्र समूह, विविधता और समावेशन, समुदाय और सार्वजनिक अनुबंधों और करियर, कौशल और व्यावसायिक विकास में वर्गीकृत किया गया है। कॉलेज की सालाना किताब में गतिविधियों का विवरण प्रदर्शित किया गया है। ऊर्जा, कॉलेजके वाणिज्य समाज, ने 25 अक्तूबर 2016 को अकादमिक सत्र 2016–17 की पहली घटना के रूप में एक समिति की चर्चा का आयोजन किया। युवा सम्मेलन '16– कॉन्फ्लूएंशिया मंच प्रदान करने और युवा और रचनात्मक मन को बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक छात्र पहल थी। कॉलेज ने अपने तीसरे द्वितीय वार्षिक सम्मेलन का आयोजन– 25 साल के आर्थिक सुधारों पर किया: क्या भारतीय ने छुट्टी ले ली है? – भारतीय आवास केंद्र में, 22 फरवरी, 2017 को। इस घटना में विभिन्न संस्थानों के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और विद्वानों की उपस्थिति ने गौरवान्वित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, डॉ सुब्रमण्यम स्वामी, संसद सदस्य, थे।

सम्मान/विशिष्टताएं

बी.टेक अंतिम वर्ष के चैतन्य बावेजा एक उत्कृष्ट छात्र रहे। ''एम क्यू –135 सेंसर के उत्पादन प्रतिरोध अनुपात पर तापमान और आर्द्रता का प्रभाव'',– इस विषय पर उनका काम उन्नत अनुसंधान में कंप्यूटर विज्ञान तथा सॉफ्टवेयर

अभियांत्रिकी नामित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित हुआ था। इसने एक तकनीकी प्रमुख और सह–संस्थापक, वी–कन्वर्ट, की शुरुआत की, जो ई– जिलाधिकारी नामक विशेष मशीनों की मदद से अकार्बनिक कूड़े के इलाज के लिए एक होशियार विकल्प प्रदान करता है।

बी.टेक कम्प्यूटर विज्ञान के चार छात्र – आयुष आर्य, विक्रमजीत सिंह, हरमीत सिंह, सिमरप्रीत सिंह ने इस विषय पर एक शोध पत्र, अंकगणित और ज्यामितीय प्रगति के योग के लिए वैकल्पिक सूत्र, का लेखन किया है, और उनके पेपर को उन्नत अनुसंधान में कंप्यूटर विज्ञान तथा सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी नामित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका ने प्रकाशित किया । (आईजेआरसीईटी, आईएसएसएन : 2278 – 1323) अंक : 5, प्रकाशन : 8, पृष्ठः 2312–2315 जारी करने की तारीख : http://ijarcet.org/wp-content/uploads/IJARCET-VOL-5-ISSUE-8-2312-2315.pdf श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में उनके शोध पत्र एगॉन 16– अंतर– कॉलेज कंप्यूटर विज्ञान उत्सव में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार जीता।

बी.कॉम. (ऑनर्स) के छात्र रोहन गुप्ता को सामूहिक नवोन्मेष केंद्र– सी एस ई सी, दिल्ली विश्वविद्यालय में अभिनव और उद्यमिता में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण और कौशल संवर्धन कार्यक्रम के लिए चुना गया था। उन्होंने सीआईसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित व्यापार परियोजना प्रतियोगिता 300 आवेदनों में जीती।

विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

पीयूष गांधी अर्थशास्त्र में बी.ए. (ऑनर्स) ने वित्तीय समावेश विषय पर एक शोध पत्र पर स्वतंत्र रूप से काम किया, जिसके लिए उन्होंने कई पुरस्कार जीते। वह हांगकांग विश्वविद्यालय द्वारा व्यापार परियोजना प्रतियोगिता के वैश्विक निर्णायक दौर में पहुँचने वाले व्यक्ति हैं–उन्होंने हांगकांग की प्रायोजित यात्रा प्राप्त की। उनका चयन भारतीय सरकार ने, युवा विनिमय कार्यक्रम– किजुना, के एक हिस्से के रूप में जापान में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया था। वह बांग्लादेश में पेपर प्रस्तुति प्रतियोगिता के लिए एक वैश्विक निर्णायक दौर में पहुँचने वाले व्यक्ति भी रहे हैं।

मनदीप सिंह आहुजा, बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष के छात्र, को राष्ट्रीय स्तर के पदक से सम्मानित किया गया था और उन्हें 'हॉल ऑफ फेम' में प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त हुई।

आशीष शर्मा, कंप्यूटर विज्ञान के स्नातक (ऑनर्स) के छात्र, वॉत्रेप्रेनर में सापेक्ष विश्लेषक बने। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से काम किया और वेब डेवलपर और प्रौद्योगिकी इंजीलिस्ट – एवायटीटी, कंबोडिया में बूटस्ट्रैप फ्रेमवर्क का उपयोग करके संगठन की वेबसाइट बनाई। वे प्रौद्योगिकी उद्यमी भर्ती प्रबंधक –चीन स्टार्टअप कन्वेंशन 2016 के लिए विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के भारतीय तकनीकी उद्यमियों को चुनने के लिए जिम्मेदार थे।

कंप्यूटर विज्ञान में बी टेक के छात्र, प्रतीक सिंह रोपरा, नाइटहॉक डिलीवरी में मुख्य तकनीकी वास्तुकार और कलन विधि डेवलपर बने। उन्होंने अनन्तता– तकनीकी समाज, दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय और हांगकांग में भविष्य के शिखर सम्मेलन का प्रतिनिधित्व किया। वे मलेशिया में भारतीय तकनीकी शुरुआत के लिए देश के राजदूत थे। उन्हें थिंकक्वेस्ट, ओरेकल, यूएस से वेब, ग्राफिक्स और यूआई डिजाइनिंग के लिए 'उत्कृष्टता प्रमाण पत्र' से सम्मानित किया गया।

सह पाठ्यक्रम गतिविधियां:

एन सी सी छात्रों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कॉलेजमें सम्मान दिया, जिसमें 7 लड़कों ने 'सी सर्टिफिकेट' परीक्षा में भाग लिया और इस साल "बी सर्टिफिकेट" परीक्षा में 13 लड़के शामिल हुए।

दो छात्रों को विशेष राष्ट्रीय एकीकृत शिविर पोर्ट ब्लेयर के लिए चुना गया था और एक छात्र को आईएमए, देहरादून के लिए चुना गया है। एनसीसी महिला सेना छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से एनसीसी – 'एकता और अनुशासन' के उद्देश्य से सेवा की है। हमारे छात्रों का अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर मिलता है।

खेलः

ओमांग मोंगिया, एक टेबल–टेनिस खिलाड़ी ने 2016 में अंतर– कॉलेजटेबल–टेनिस प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया और राज्य वरिष्ठतम टेबल–टेनिस प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया।

बीकॉम के छात्र हरदीप सिंह, भारत के राष्ट्रीय बन्दूक संघ, दिल्ली राज्य बन्दूक संघ के सदस्य और खेल शिल्प शूटिंग पर्वतमाला के सदस्य बने। उन्होंने विभिन्न आयोजनों में भाग लिया और कॉलेज में ख्याति अर्जित की। उन्होंने 60 वें राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता 2016 (पुणे) में भाग लिया, उन्होंने 32 वें दिल्ली राज्य शूटिंग प्रतियोगिता 2016 में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने अपनी टीम के साथ 5 वीं गन केयर इंडिया शूटिंग प्रतियोगिता 2016 में प्रथम स्थान हासिल किया। उन्होंने तीसरे एकलव्य शूटिंग चैंपियनशिप 2016 में तीसरा पुरस्कार जीता।

प्रकाशन (चयनित)

एस. दोद्राजका, (2016). भारत में निगम प्रशासन और बदलते नियम। व्यावसायिक प्रबंधन की समीक्षा, 14

आर . गुप्ता, (2017). भारतीय बैंकिंग उद्योग की मार्केट संरचनाः एक तुलनात्मक विश्लेषण। व्यापारिक अध्ययन की पत्रिका, 8 (1), 14–29

वी. कालरा, (2016). एम क्यू –135 सेंसर के उत्पादन प्रतिरोध अनुपात पर तापमान और आर्द्रता का प्रभाव। कंप्यूटर विज्ञान तथा सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी नामित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका ।

जी. कौर, (2016). भारत में गरीबी का उन्मूलनः एक वैश्वीकरण परिप्रेक्ष्य। शांति अध्ययन की पत्रिका।

एच. कौर, (2016). शासनः मुद्दे और चुनौतियां। किताब महल, नई दिल्ली

एस. प्रीत, (2016). स्थिरताः लाभप्रदता के लिए एक अभिनव रणनीति। अनुसंधान और प्रकाशन हाउस

एम. उम्मत, (2017). सॉफ्टवेयर आधारित भविष्यवाणी मॉडलिंग के लिए खोज–आधारित तकनीके : एक व्यवस्थित समीक्षा और भविष्य के दिशा–निर्देश। झुंड और विकासवादी गणना, 32, 85–109.

अनुसंधान परियोजनाएं (चयनित)

डॉ. सिमर प्रीत, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–16, एक सतत विश्व और वायु गुणवत्ता संकट के प्रभाव के लिए नवाचार– दिल्ली, बीजिंग, लॉस एंजिल्स और लंदन के तुलनात्मक विश्लेषण, 4,50,000 रुपए।

डॉ. कवल गिल, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–16, उच्च शिक्षा स्तर पर ई– अध्ययन के माध्यम से अलग–अलग छात्रों को सशक्त बनाना, 3,50,000 रुपए।

सुश्री मीनु गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–16, सीएसआर और सामाजिक व्यापार, भारत की सामाजिक समस्याओं के लिए रामबाण के रूप में एक अध्ययन, 3,50,000रुपए।

डॉ. हरप्रीत कौर, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2015–16, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के विशेष संदर्भ के साथ उत्तर भारत में बच्चों और महिलाओं में खाद्य असुरक्षा मुद्दे, 3,50,000रुपए।

आयोजित सेमिनार (चयनित)

ऊर्जा वाणिज्य समाज ने 25 अक्टूबर, 2016 को एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।
3–4 मार्च, 2017 को :एक्सपीडियेंस – एसजीजीएससीसी का वार्षिक प्रबंधन उत्सव'
कंप्यूटर उत्साही संगति (एसीई) ने 26 सितंबर, 2016 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
पैनल चर्चा – ईसीओएलओक्यूयूएनसीई 1.0, एजीईएनजीए के साथ. ''भारतीय अर्थव्यवस्था का विमुद्रीकरण'' – 15 फरवरी, 2017 का।
श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन और विरासत पर 4 नवंबर, 2016 को एक संगोष्ठी।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं
भारतीय पर्यावास केन्द्र में 22 फरवरी, 2017 को आर्थिक सुधारों के 25 वर्षों में तीसरा द्विवार्षिक सम्मेलनः क्या भारतीयों ने दूर किया है?

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति (चयनित)
अंतरराष्ट्रीयः
एस. प्रीत (2017). आर्थिक विकास और वायु प्रदूषणः भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन के विश्लेषण। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, मार्च 15–16, 2017.

राष्ट्रीयः
पी. कौर और एस. कौर (2017). भारत की दवाओं और दवा उद्योग में विलय और अधिग्रहण के अर्थशास्त्र/प्रतिस्पर्धा नीति के लिए निहितार्थ प्रतिस्पर्धा कानून के अर्थशास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत आवास केंद्र, नई दिल्ली, 2–3 मार्च 2017

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन
युवासैन विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया के साथ एक ज्ञापन समझौता पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग
बॉम्बे शेयर बाजार संस्थान लिमिटेड और भारतीय व्यवसायी और उद्यम विकास विद्यालय के साथ सहयोग

आदान प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र
भीतरी/बाहरी – 2
नियुक्ति का विवरण
नियुक्त छात्र – 197

परिसर में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियां– 30

विस्तार और पहुँच गतिविधियां

कॉलेज ने आसपास के इलाकों में छह शिविरों का आयोजन किया और इन शिविरों में 350 लोगों को शामिल किया। इन शिविरों में 100 छात्रों ने स्वयंसेवक के रुप में 200 घंटे काम किया।

पुस्तकालय विकास

6.50 लाख रुपए के परिव्यय के साथ 2,500 सिद्धान्त/ संदर्भ पुस्तकें पुस्तकालय में जोड़ी गयी पुस्तकालय लगभग 40,000 रुपए में 44 पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। पुस्तकालय की यूजीसी इनफ्लिबनेट के ई–संसाधनों और दिल्ली इंट्रानेट विश्वविद्यालय की पहुंच है। कॉलेज ने सॉफ्टवेयर सहित पुस्तकालय विकास पर लगभग 9 लाख रुपए खर्च किये गए।

स्थायी – 45 तदर्थ– 25

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान– 1490.00 लाख रुपए।

उपयोग किया गया– 1495.00 लाख रुपए।

कोई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

इंडिया टुडे जून 2014 के अनुसार, कॉलेज भारत के शीर्ष 25 सर्वश्रेष्ठ वाणिज्य कॉलेजों में एक है। कॉलेज ने अपनी वार्षिक पंच व्यापारिक सोच की पत्रिका, अप्रैल 2016–मार्च 2017, वॉल्यूम 7, आईएसएसएन 2231–1734 और आरएनआई डेलांग/2010/41862 प्रकाशित की। पत्रिका में अनुसंधान लेख, मामलों के अध्ययन, डॉक्टरेट की थीसिस का सार, व्यापार और अर्थशास्त्र में हाल के घटनाक्रमों पर पुस्तक समीक्षा शामिल है। ये संगठन व्यवहार, प्रबंधन आकार और अभ्यास, राजकोषीय और मौद्रिक नीति, व्यापार नीति, विपणन, बैंकिंग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त जैसे पर्यावरणीय, बहु–अनुशासनात्मक विषयों के व्यापक वर्णक्रम पर सामरिक नीति/व्यावहारिक निहितार्थों का खोजपूर्ण, वैचारिक, व्यावहारिक मुद्दे, तकनीकी सहयोग, आदि हैं।

***

श्री गुरु नानकदेव खालसा कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2016–17, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज के लिए उपलब्धियों का वर्ष था। एमएचआरडी की राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग संरचना के अनुसार, कॉलेज को देश में शीर्ष 50 उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक के रूप में स्थान दिया गया था और राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा बी. ग्रेड से सम्मानित किया गया था। शैक्षिक उत्कृष्टता के अलावा, कॉलेज की बहस सोसायटी, वेदांग ने उद्घाटन संसदीय बहस का आयोजन किया, 'प्रखर', नाट्य विज्ञान सोसायटी को ''महाविदयालय नाट्य समारोह'' के लिए चुना और राहुल ने खेल के क्षेत्र में भी उपलब्धि हासिल की। उनका विश्व चैम्पियनशिप के एथलेटिक्स में भारतीय कैंप के लिए चयन किया जा रहा है। बुनियादी ढांचा के क्षेत्र में, छात्रों के लिए नवीनतम उपकरणों वाली एक नई व्यायामशाला का निर्माण किया गया है और एक अतिरिक्त कंप्यूटर लैब कार्यात्मक हो गया है। वर्षा जल संचयन इकाई जैसी हरित परिसर की पहल/प्रथाओं को बनाए रखने, अपशिष्ट पेपर के पुनर्चक्रण, सौर पैनल और संसाधनों की बर्बादी को रोकने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, दिल्ली सरकार के ई–कचरे के नियमों के अनुसार ई–कचरे की एक बड़ी राशि का सुरक्षित रूप से निपटान किया गया था।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. ज्योति बजाज को अगस्त, 2016 में ब्रिस्टल विश्वविद्यालय द्वारा ''पूर्वस्नातक छात्रों को शेक्सपियर पढ़ाने पर'' एक शोध पत्र पढ़ने के लिए आमंत्रित किया गया था

11 अगस्त, 2016 को डॉ. अंजू बाला को पीएचडी से सम्मानित किया गया। उनके पीएचडी का विषय है ''नारीवाद के पारिप्रेक्ष्य में प्रभा खेतान व मैत्रयी पुष्पा के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन''

डॉ. इंद्र कौल को 6 अप्रैल, 2016 को अंग्रेजी केंद्र, भाषा स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से पीएचडी से सम्मानित किया गया। उनके पीएचडी का विषय है ''मध्यकालीन भारतीय साहित्य में महिलाओं की अवहेलना।''

डॉ. रितु वालिया को जून, 2016 में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा पीएचडी से सम्मानित किया गया। उनके पीएचडी का विषय है दिल्ली में चुनिंदा कॉलेज पुस्तकालयों में संग्रह प्रबंधनः एक अध्ययन।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

शैक्षणिकः

बी.ए. (एच) राजनीति शास्त्र (सेमेस्टर IV) के गुरप्रीत सिंह को एसवीईईपी (मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली के कार्यालय द्वारा एक पहल) के लिए कैंपस एंबेसडर का प्रभारी नियुक्त किया गया था।

सांस्कृतिकः

कॉलेज के भांगड़ा टीम ने 14 अंतर–कॉलेज और अंतर–विश्वविद्यालय प्रतियोगिताएं जीतीं, जिनमें से आठ में प्रथम स्थान पर रही।

साहित्य कला के श्री राम केंद्र में एक प्रदर्शन के लिए साहित्य कला परिषद द्वारा नाटक सोयायटी, नेपाथ्य को कॉलेज नाट्य् समारोह के लिए चुना गया था।

खेलः

बी.ए. के राहुल का एथलेटिक्स के राष्ट्रीय शिविर (1500 मीटर) के लिए चयन किया गया था

प्रकाशन(चयनित)

एच बहरी (2016). गीता सिंह और सीमा परिहार में भारतीय विज्ञापनों में लिंग का पता लगाना (संपा.) लिंग और अंतररू बहुआयामी अंतर्दृष्टि सीपीएचडीई।

एम एस चौधरी, एम जीस, पी मित्रा, वी चोरी वाई डी शर्मा (2016). प्लास्मोडमियम विवाक्स ट्रिप्टोफैन समृद्ध प्रतिजनों के रिसेप्टर विशिष्ट बाध्यकारी क्षेत्र और पीवीटीआरएजी 35.2 की परजीवी विकास अवरोध गतिविधि। बायोलाजी इंफेक्टएस–4579 (16) 30047–8

पी गुप्ता (2016). भारतीय माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) की स्थिरता के वाहक। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार नीतिशास्त्र की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 5 (2).

बी कौर. (2017). विदेशी प्रत्यक्ष निवेशः सार्क राष्ट्रों के एक तुलनात्मक अध्ययन।भारतीय प्रबंधन अध्ययन की पत्रिका 21(1), 121–129.

जी कौर और एच सिंह (2016). उपभोक्ता अनुकूलन समस्याओं में अर्ध–अवतलता और अर्ध–उत्तलता का महत्व। गणित रुझान और प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 38(1).

वी कुमार (2017). स्टॉक मार्केट में निवेश दिल्लीः ऐनी बुक्स प्राइवेट लिमिटेड

वी कुमार (2017). भारत में बंधक योजना रिवर्स से संबंधित वरिष्ठ नागरिकों के व्यवहार पहलुओं का अध्ययन। अनुप्रयुक्त व्यापार और आर्थिक अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका,15(1).

बी कुंदरा. (2016). हिंदी भाषा या सम्प्रेषण दिल्लीः दीपशिखा प्रकाशन.

पी के मेहता और एम सिंह. (2016). परिचयात्मक माइक्रो अर्थशास्त्र दिल्लीः टैक्समेन प्रकाशन (पी) लिमिटेड

पी सिंह (2016). भारतीय आर्थिक इतिहास–लेखन में परिवर्तन दिल्लीः दिशा प्रकाशन।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ वंदना मिश्रा,विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) में जागरूकता स्तर, सरकारी कार्यक्रमों और रियायतों के बारे मेंः दिल्ली की झुग्गियों में विकलांग व्यक्तियों का एक अध्ययन।

स्वदेशी जागरण मंच के श्री कमल जीते, स्वतंत्र भारत में स्वदेशी पहल के प्रति युवाओं के प्रति उत्तररू चुनौतियों का पता लगाना।

आयोजित संगोष्ठियाँ (चयनित)

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 12–13 जनवरी, 2017 को ''भारत में समावेशी विकास का विचारः एक समानतावादी समाज और राष्ट्र की ओर'' विषय पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था

अंग्रेजी विभाग द्वारा 7–8 फरवरी, 2017 को ''ट्रांस (लिंगी) जीवनः मौन और बहिष्कार के अभ्यास'' विषय पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था

हिंदी और हिंदी पत्रकारिता विभाग द्वारा 9–10 फरवरी, 2017 को ''साहित्य, मीडिया और जीविका'' विषय पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 9 मार्च, 2017 को ''आर्थिक सुधारों के 25 वर्षों–मुद्दे, प्रभाव और चुनौतियां'' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

वाणिज्य विभाग द्वारा 23 मार्च, 2017 को पेंटल मेमोरियल स्वर्ण जयंती ऑडिटोरियम, दिल्ली विश्वविद्यालय में ''स्किलिंग इंडियन्स – इंडिया फॉर ग्लोबल पावरहाउस'' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (चयनित)

अंतर्राष्ट्रीय

ए बाला (2017). सामाजिक मीडिया में हिंदी का बदलता स्वरूप पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 9–10 मार्च, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सामाजिक मीडिया और भाषा।

ए थॉमस (2017). 10–12 मार्च, 2017 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी के चौथे भारतीय जैव विविधता कांग्रेस में लुप्तप्राय बैंगनी मेंढक के बच्चों का उपभोग और समुदाय शिक्षा और क्षमता विकास के माध्यम से इसका संरक्षण।

बी. कौर (2017). श्याम लाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय में 14–15 फरवरी, 2017 को समकालीन भारत में डॉ. अंबेदकर के विचारों की प्रासांगिकता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ अम्बेडकरःमहिला सशक्तिकरण के एक योद्धा।

बी. कौर (2017). हिंदी भाषा का बदलता स्वरूप या भविष्य की हिंदी। सामाजिक मीडिया में हिंदी का बदलता स्वरूप पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 9–10 मार्च, 2017.

जी. के. अरोड़ा (2017). भारत–नेपाल संबंधः आर्थिक विकास एवं सहयोग. नेपाल, 4–5 मार्च, 2017.

एच. कौर (2016). राष्ट्रभाषा की अवधारणा और गांधी. अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 15–16 सितंबर, 2016.

आई. सिंह (2017). समकालीन भारत में राजनीतिक दल और संघीय शासन. वैश्वीकरण और भारत में संघीय प्रशासन उभरते मुद्दे को समझने पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20 जनवरी, 2017.

एम. कौर (2017). बैंकों के प्रदर्शन पर बोर्ड की प्रभावशीलता का प्रभावः एक संरचनात्मक समीकरण मॉडल विश्लेषण। कॉर्पोरेट प्रशासन पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सार्वजनिक उद्यम संस्थान,हैदराबाद, 19–20 जनवरी, 2017.

राष्ट्रीय

एम.के.सिंह (2017) श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 12–13 जनवरी, 2017 को ''भारत में समावेशी विकास का विचारः एक समानाधिकारवादी समाज और राष्ट्र की ओर'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में, पूर्व–आधुनिक भारत में समावेश और राज्य गठन का विचारः अकबर के अंतर्गत राज्य नीतियों और समग्र संस्कृति का विकास।

पी. गुप्ता (2017) माइक्रोफाइनेंस संस्थानों की वित्तीय और संचालन स्थिरता का विश्लेषणः भारतीय संदर्भ में एक अनुभवजन्य जांच। पीएचडी कंसोर्टियम, आईआईटी बॉम्बे,24–25 जनवरी, 2017

डॉ. शैलजा (2017) हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय में जंभानी साहित्य अकादमी, बीकानेर, द्वारा 18–19 मार्च, 2017 को आयोजित ''भक्ति आंदोलनन और वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में गुरु जंभोजी का चिंतन, पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रकृति और संस्कृति के रक्षकः जंभोजी।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 146 (57.3प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियाँ– 15

पुस्तकालय का विकास

इस वर्ष पुस्तकालय डेटाबेस में 1,529 नई पुस्तकें शामिल की गईं। हिंदी पत्रकारिता से संबंधित 96 पुस्तकों और बैचलर ऑफ इकोनॉमिक्स की 30 पुस्तकें भी खरीदी गई थीं। इसके अलावा, पुस्तकालय 20 पत्रिकाओं, 35 पत्रों और 21 समाचार पत्रों की सदस्यता लेता है।

संकाय की संख्या
स्थायी – 54, तदर्थ– 29

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
शैक्षणिक वर्ष 2016–17 के लिए गैर–योजना व्यय लगभग 2083.31 लाख रुपए था

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
कॉलेज की बहस समिति, वेदांग ने संसदीय बहस, प्रखर का आयोजन किया।

***

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

इस शैक्षणिक वर्ष में कॉलेज को एनएएसी द्वारा 3.41 के सीजीपीए के साथ ग्रेड ए की मान्यता दी गई थी। कॉलेज ने 20 जुलाई 2016 को अपने ओरिएंटेशन डे का आयोजन किया, 2 दिसंबर, 2016 को संस्थापक दिवस और लश्कारा, 22–25 फरवरी, 2017 को कॉलेज स्टूडेंट्स यूनियन उत्सव का आयोजन किया। कॉलेज ने अपशिष्ट कागजों का पुनर्नवीनीकरण किया, रासायनिक अपशिष्ट निपटान इकाई की स्थापना की और फिर से गुरु हर राय बॉटनिकल गार्डन को व्यवस्थित किया।. कैंसर के बारे में सामान्य जागरूकता पैदा करने के लिए तीन दिन का कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया था। छह विषयों के लिए ई–कंटेंट विकसित करके, कॉलेज ने डिजिटल इंडिया के सपने को सच्चाई बनाने में योगदान दिया । 02 मार्च, 2017 को विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, ई–लर्निंग के लिए ई–पीजी सामग्री विकसित की गई थी जिसे यूजीसी ने ई–पीजी पाठशाला परियोजनाओं के लिए सबसे अच्छा पत्र माना था। ई–पीजी पाठशाला की सामग्री को अब एमओओसी (विशाल ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम) में दुबारा लगाया जा रहा है। स्वयम पोर्टल पर, कुल 63 पीजी एमओओसी में से 42 ई–लर्निंग (देश के किसी भी समूह द्वारा अधिकतम) के लिए केंद्र द्वारा 42 एमओओसी का योगदान दिया गया है। गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर (जीएडी–टीएलसी) ने आईसीटी कौशल में 1000 से ज्यादा शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है और इसे कक्षा शिक्षा से मिश्रित किया गया है।

सम्मान/विशिष्टताएं

नई दिल्ली में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी–सह–सम्मेलन में ई–लर्निंग के केंद्र को ग्लोबल एजुकेशन समिट –2016 में ई–कंटेंट प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

गुरू अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर, एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की प्रतिष्ठित पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन के अधीन शिक्षक और शिक्षा (पीएमएमएमएनएमटीटी) की योजना के अंतर्गत तीन विषयों, रसायन विज्ञान, वाणिज्य और अर्थशास्त्र के लिए 4.81 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ स्थापित किया गया था। 1 जुलाई, 2016 को केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने केंद्र का उद्‌घाटन किया।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

शैक्षणिकः

मिस सिमरन कौर, बीए (आनर्स), पंजाबी तृतीय वर्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय की परीक्षा में प्रथम स्थान पर रही और उन्हें सरदार मनमोहन सिंह मेमोरियल स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

खेलः
अमोज जैकब ने वियतनाम में 17 वीं एशियाई जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 800 मीटर में स्वर्ण पदक जीता और अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई में आयोजित अखिल भारतीय विश्वविद्यालय में 800 मीटर में रजत पदक भी जीता। उन्होंने बैंगलोर के वरिष्ठ राष्ट्रीय में चैम्पियनशिप में कांस्य पदक भी मिला। उन्होंने कुआलालंपुर, मलेशिया, लंदन आईएएएफ वर्ल्ड चैम्पियनशिप, 2017 में आयोजित दक्षिण एशियाई खेल–2017 के लिए और विश्व विश्वविद्यालय चैंपियनशिप, 2017 के लिए भी योग्यता प्राप्त की।

अजय कुमार ने चेन्नई में 28 मार्च 31 को आयोजित श्रवण अक्षमता वालों के 21वें राष्ट्रीय खेलों में भाग लिया और 2017 में तुर्की में डेफिलाम्पिक्स के लिए 65 किलोग्राम श्रेणी में फ्री स्टाइल कुश्ती के लिए चुना गया था।

इस साल भटिंडा में आयोजित इंटरयूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में जसकीरत कौर ने एकल स्टिक (महिला) प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

एकसप्रीत सिंह, तारनप्रीत सिंह और रमनदीप सिंह ने सिंगल स्टिक टीम स्पर्धा (पुरुष) में कांस्य पदक जीता, जबकि रमनदीप सिंह ने भटिंडा में इंटरवर्सिटी प्रतियोगिता में एकल स्टिक (पुरुष) स्पर्धा में रजत पदक जीता।

हमारे दो एनसीसी कैडेटों अलताफ अहमद और अक्षय ने इंटर–डायरेक्टोरेट शूटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण और रजत पदक जीते।

प्रकाशन(चयनित)
आर ढल्ली, (2016). लोक देवता के निवास स्थान पर तीर्थयात्रा। धार्मिक पर्यटन और तीर्थयात्रा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डबलिन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, डबलिन, आयरलैंड। 4 (अप) आईएसएसएनः 2009–7379- http://arrow- dit-ie/ijrtp/- tkjh djus dh rkjh[k 10-1186/s40793&016&0179&1

ए गिल (2016). बाबा गुरदीत सिंह की जुल्मी कथा और उनके राजनीतिक प्रवचन। जोगिंदर सिंह (सं) में, कॉमगेट मारू पर परावर्तन (पृ 3 9 –48)। अमृतसरः प्रकाशन ब्यूरो जीएनडीयू

एस एल कोचर और एस.के गुजराल, (2017). पादप फिजियोलॉजीः सिद्धांत और अनुप्रयोग दिल्लीः कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस (भारत)

एस मिश्रा, (2016) छोटे बड़े रास्ते कानपुरः अमन प्रकाशन।

एन गर्ग और पी सिंगला, (2016). रेडॉक्स बफर में अर्बुस्कुलर मायकोर्हाइजा–मध्यस्थता परिवर्तन, मेजबान फलियां और उनके पिंड में नमक प्रेरित ऑक्सीडेटिव बोझ को कम करने के लिए एंटीऑक्सीडेंट नेटवर्क को सिंक्रनाइज करता है। एक समीक्षा. पौधों और पर्यावरण की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2:43–58.
जी एस सोढ़ी और जे कौर. (2016). उंगलियों के अव्यक्त निशान का पता लगाने के लिए शारीरिक डेवलपर तकनीक एक समीक्षा. फोरेंसिक विज्ञान की मिश्र की पत्रिका 6, 44–47.

सी त्रिपाठी, एन के महतो, पी रानी, वाई सिंह, के कामरा, आर लाल (2016). हिमालय के एक गर्म पानी के झरने से आर्सेनिक समृद्ध सूक्ष्मजीव परत से अलग किए गए लिम्प्रप्रियाडिया कोशिका सीटीटी का ड्रफ्ट जीनोम अनुक्रम। मानक. जेनोमिक विज्ञान,11(1), 64.

एच यादव, एन सिन्हा, एस गोयल और बी कुमार (2016). डिइलेक्ट्रिक, फेरोइलेक्ट्रिक और पाइजोइलेक्ट्रिक अनुप्रयोगों के लिए एड्यू–डोडेड जेडएनओ नैनोकण। मिश्र धातुओं और यौगिकों की पत्रिका, 689:333–341, आईएसएसएनः 0925–8388, आईएफः 3.014

आई कौर (2016). पराग की चोरीः अपराध और पोषण से परे देखना। विज्ञान की शैक्षिक पत्रिका,6,277–294.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अंतर्राष्ट्रीय
ए. गुप्ता, एस पेगु, एस शर्मा और बी जे अलप्पट, (2016). मशरूम की खेती के लिए अवशिष्ट बायोगैस घोलः ठोस कचरा प्रबंधन की दिशा में एक कदम। एम्स्टर्डम, नीदरलैंड्स के 6–9 जून, 2016 को चौबीसवां यूरोपीय बायोमास सम्मेलन और प्रदर्शनी, 1 बी वी. 4.84, (पृष्ठ 186).

ए जैन (2016). सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए खाद्य प्रौद्योगिकी और पोषण। ग्लोबल साउथ, उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा में 26–27 मई, 2016 में साहित्य के अध्ययन के बढ़ते रुझान पर सातवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

ए सागर एवं एस कौर (2016) आर्सेनिक तनाव के अंतर्गत सिसर एरिटेनियम एल की अनुकूली रणनीतियां और 24–एपिब्रासिनोलायड पर्णीय उपयोग द्वारा इन रणनीतियों में सुधार। 23–26 जून, 2016 के दौरान स्विट्जरलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति।

राष्ट्रीयः
एन. कपाड़िया (2016) दीना मेहता के उपन्यास में प्रेम और राजनीति और कुछ एक प्रेमी लेते हैं। भारतीय साहित्य में पारसी योगदान पर संगोष्ठी में, साहित्य अकादमी, मुंबई विश्वविद्यालय, 20 सितंबर, 2016।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

शिक्षकों और छात्रों के एक विनिमय कार्यक्रम सहित अनुसंधान परियोजनाओं और, हमारे कॉलेज में विज्ञान अनुसंधान केंद्र की स्थापना और नए शिक्षकों के लिए संयुक्त शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन के लिए संयुक्त राष्ट्र के कार्लेटन विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 65 (46.5प्रतिशत)

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – ईडी जीडीएस, ईवाई इंडिया, एफआईएस ग्लोबल, कॉन्सट्रिक्स, माइंडलर और अन्य कंपनियों द्वारा परिसर में भर्ती पीडब्ल्यूसी, अमेरिकन एक्सप्रेस, गेस्ट हॉउसर और डिन आउट द्वारा परिसर के बाहर भर्ती।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

स्वयंसेवकों ने जनवरी 2017 में प्रगति मैदान, नई दिल्ली में एनबीटी विश्व पुस्तक मेले में भाग लिया। उन्होंने 15 दिसंबर, 2016 से 5 अक्टूबर, 2016 तक एलएनजेपी अस्पताल, नई दिल्ली के ओपीडी क्लीनिक में भी सहायता की। छात्रों ने 17–19 जनवरी, 2017 से कॉलेज के परिसर में कैंसर जागरूकता शिविर भी चलाया। 7 अक्टूबर, 2016 को नई दिल्ली में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय का विकास

पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय के व्यापक क्षेत्र परिसर नेटवर्किंग प्रणाली एनआईआईआईएसटी (नेशनल लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर विद्वान सामग्री) के साथ जुड़ा है और अब दिल्ली यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी सिस्टम (ड्यूल) और यूजीसी–इनफोनट कंसोर्टियम के अपने उपयोगकर्ताओं को इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है। लाइब्रेरी कम्प्यूटरीकृत है और ओपीएसी (ऑनलाइन सार्वजनिक एक्सेस कैटलॉग) पुस्तकें आसानी से सुलभ हो सकती हैं। सुरक्षा के लिए पुस्तकालय में लगभग 32 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए थे। सत्र के प्रारंभ में छात्रों के लिए कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अगली शैक्षणिक अवधि (2017–2018) के लिए पुस्तकालय द्वारा नीति आयोग द्वारा प्रकाशित कॉलेज पोस्ट ''उच्च शिक्षा जर्नल'' सदस्यता ली गई। नेत्रहीन छात्रों के ब्रेल लाइब्रेरी वेबसाइट से ऑनलाइन संसाधन और ऑडियो सामग्री तक पहुंचने के लिए दो लैपटॉप लगाए गए।

टाइम्स (साप्ताहिक) और द इकोनोमिस्ट (साप्ताहिक) अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं की सदस्यता को नवीनीकृत कर दिया गया है। पहले से मौजूद संग्रह में करीब 2,000 पुस्तकें जोड़ी गई हैं।

संकाय की संख्या
स्थायी – 98, अस्थायीः 1, तदर्थ– 62

***

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज

मुख्य गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

कॉलेज ने गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल (जीएसएसएस), खानपुर कलां, सोनीपत, हरियाणा को अंगीकृत किया ताकि छात्रों को 'श्रीविद्या" (विज्ञानं सबके लिए) के अंतर्गत विभिन्न प्रयोगों की शिक्षा दी जा सके। जीएसएसएस

कॉलेज के कक्षा 10 के विद्यार्थी 17 सितम्बर 2016 को कॉलेज गये तथा कॉलेज के शिक्षकों से बातचीत की। 4–6 जनवरी 2017 को 'पर्यावरण तथा पर्यावरण विज्ञानः संपोषण एव चुनौतिया"(इनकॉन–2017) विषय पर एक अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। आज यह कार्यक्रम 13 विद्यालयों के 4000 विद्यार्थियो तक ग्रीन स्कूल पहल के रूप में पहुच चुका है।

डॉ. मीनाक्षी भरत, सह प्रवक्ता, इंगलिश विभाग ने 14–17 मार्च 2017 को एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन एफआईएलएलएम कांग्रेस XVII(27वे) का आयोजन किया। रसायन विज्ञान विभाग ने 19–20 जनवरी 2017 को प्रदूषित जल प्रबंधन एवं समिति के लिए अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया ताकि प्रदूषित जल का सही रखरखाव तथा पुनप्रयोग हो सके। कॉलेज के वार्षिक दिवस, 23 फरवरी 2017 के अवसर पर डिजिटल इंडिया पहल ने विशेष रूप से एक एप्प की घोषणा की ताकि इस विषय को और अधिक प्रचार तथा गति मिल सके।

सम्मान/विशिष्टताएं

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज को डीबीटी स्टार कॉलेज स्कीम तथा डीबीटी स्टार कॉलेज (2016–17) दर्जा प्रदान किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के क्लस्टर इनोवेशन सेंटर (सीआईसी) द्वारा चार स्टार नवाचार परियोजनाएं चल रही हैं ।

विज्ञान सेतु (2016): प्रतिरक्षा के राष्ट्रीय संस्थान, दिल्ली के सहयोग से कॉलेज तथा अनुसन्धान प्रतिष्ठानों के मध्य विज्ञान सेतु कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं ।

क्रिकेट तथा निशानेबाजी के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय तथा बास्केट बाल के क्षेत्र में राष्ट्रीय अवार्ड सह–पाठ्यक्रम की क्रीड़ाएं आयोजित की गईं।

दिल्ली विश्वविद्यालय नवाचार पूर्वस्नातक परियोजनाएं तथा अनुसन्धान कार्यों का आरम्भ हुआ।

राघव सरीन द्वारा प्रधान मंत्री दफ्तर (पीएमओ) नामक एक मोबाइल ऐप की शुरुआत हुई ।

आईएनएसए की आम बैठक में 30/12/2016 को जीवरसायन विभाग की डॉ. नंदिता नारायणस्वामी को वर्ष 2016 के लिए आईएनएसए अवार्ड प्रदान किया गया ।

डॉ. कमलेश्वर शर्मा तथा डॉ. रविन्द्र वर्मा पोलिसेत्टी ने जीवरसायन विज्ञान में दिल्ली विश्वविद्यालय तथा नाटिंघम विश्वविद्यालय के संवर्धन में उच्चस्तरीय गेनोमिक्स तथा प्रोटोमिक विज्ञान विषय पर विभागीय प्रोन्नति कार्यशाला में हिस्सा लिया ।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र

हरपाल सिंह, बी ए(आनर्स) हिंदी तृतीय वर्ष ने यूडीएससी से प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दृष्टि मोदी, बी एससी(आनर्स) जन्तुविज्ञान तृतीय वर्ष ने यूडीएससी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

शालू देवी, एम एससी, रसायनविज्ञान द्वितीय वर्ष ने यूडीएससी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अनुष्मिता चक्रवर्ती, एम एससी, भौतिक विज्ञान द्वितीय वर्ष ने यूडीएससी में प्रथम स्थान हासिल किया।

अरुण भरतीय, एम एससी, गणित द्वितीय वर्ष ने यूडीएससी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अंजलि मिश्रा, एम एससी, जन्तुविज्ञान द्वितीय वर्ष ने यूडीएससी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन (चयनित)

डी पाण्डेय, ए पोद्दार, एम पंडित, एन लता (2016) सीडी4–जीपी 120 इंटरेक्शन इंटरफेस– मनुष्यों में एचआईवी –1 संक्रमण के लिए एक मार्ग मॉलिक्यूलर नेटवर्क, मॉडलिंग एंड डॉकिंग स्टडीज। जर्नल ऑफ बायोमालिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स ।

एन जताना, एल ठकुराल, एन लता (2016)। आण्विक गतिशीलता अनुकार के उपयोग से डीआरडी 4 म्यूटेंट के संरचनात्मक चिह्नों का पता चलाःदवा लक्ष्यीकरण के लिए निहितार्थ।। जर्नल ऑफ मोलिकुलर मॉडलिंग, 22(1),14 .

एस. विवेकानन्द (2016), नीति वेनब्बा, चेन्नइः काव्या पब्लिकेशन।

ई एम राव (2016) (संपा.) श्री महा भाग्वातामु स्कंद 11 एवं 12 तेलुगु में। हैदराबादःरामकृष्ण मठ।

डी लाल एवं एम वर्मा (2016) सेल बायोलॉजी में क्लोरोप्लास्ट। वर्चुअल लर्निंग (ई–चैप्टर) आईएसबीएनः 2349 ISBN: 2349-154X http://vle.du.ac.in/mod/resource/view.php?id=11946

अनुसंधान परियोजनाएं (चयनित)

डॉ. वर्तिका माथुर को अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना के लिए अवार्ड –एनएएमएस एवं एसटी केंद्र द्वारा (2.7 लाख) भारत–म्यांमार आरटीएफ–डीसीएस छात्रवृत्ति प्रदान की गई (2014 से चल रही परियोजना)।

समाजशास्त्र विभाग की सह–प्रवक्ता डॉ. पद्मा प्रियदर्शिनी को उनकी लघु परियोजना "भारत में समकालीन पर्यावरण सम्बन्धी योजनाएं: दिल्ली में स्वच्छ भारत अभियान तथा वायु–प्रदूषण विरोधी अभियान" विषय पर समाज विज्ञान अनुसंधान की भारतीय परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा वर्ष 2017–18 के लिए 5 लाख की राशि प्रदान की गई ।

आयोजित सम्मलेन/कार्यशालाएँ

पर्यावरण और पारिस्थितिकीः संपोषण तथा चुनौतियाँ(एनकॉन 2017)" विषय पर 4–6 जनवरी 2017 को एक अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी आयोजित की गई।

अंग्रेजी विभाग की सह प्रवक्ता डॉ. मीनाक्षी भरत द्वारा 14–17 मार्च 2017 को एक अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी XVII(27वे) एफईएलएलएम कांग्रेस का आयोजन किया गया।

रसायन विज्ञान विभाग ने 19–20 जनवरी 2017 को प्रदूषित जल प्रबंधन एवं पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए प्रदूषित जल का सही रख रखाव तथा पुनरुप्रयोग समिति के लिए अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठियों/सम्मलेनों में प्रस्तुति

अन्तर्राष्ट्रीयः

पी एस धनराज (2017) पर्यावरण और पारिस्थितिकीः संपोषण तथा चुनौतियाँ। 4–6 जनवरी,2017 को अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा विस्तार एवं पहुच कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पी एस धनराज (2017), जीवाणु तथा जीवमंडलः नया तथा अगला क्या है। एएमआई का 57वां वार्षिक सम्मेलन तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 24–27 नवम्बर 2016 को संपन्न हुई ।

राष्ट्रीयः

एस यादव (2016) रू अनुसंधान एवम् शिक्षणः एक विज्ञान शिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

डीबीटी, पुणे तथा एमएचआरडी, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा 29 सितंबर से 1 अक्टूबर 2016 तक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

श्रीवेंकटेश्वर कॉलेज तथा पर्यावरण केंद्र, दिल्ली सरकार के मध्य आयुर्वेदिक चिकित्सकीय उद्यान स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन हुआ।

प्रतिरक्षण राष्ट्रीय केंद्र, दिल्ली के साथ विज्ञान सेतु समझौता ज्ञापन सम्पन्न हुआ।

अन्य अंतर–संस्थान सहयोग

कॉलेज ने गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल (जीएसएसएस), खानपुर कलां, सोनीपत, हरियाणा को अंगीकृत किया ताकि "श्रीविद्या" (सबके लिए विज्ञान) के अंतर्गत विभिन्न प्रयोगों को दिखाया जा सके तथा उनकी शिक्षा दी जा सके। 17 सितम्बर 2016 को कक्षा 10 के छात्रों ने कॉलेज का परिभ्रमण किया तथा अध्यापकों के साथ चर्चा की।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्ति प्रस्ताव–161

इंटर्नशिप प्रस्ताव –470

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सफाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्वोत्तर सोसाइटी, नारी उत्थान केंद्र तथा समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी) ने भी अनेक कार्यक्रम आयोजित किये। 6 जनवरी 2017 को श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के अंतर्गत ईओसी ने दिव्यांगो के लिए विशेष प्रकार की कई अंतर–महाविद्यालय प्रतियोगिताएं आयोजित करवाईं। अगस्त 2016 में परिवर्तन सोसायटी, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज की समाज सेवा समिति ने "भावनाओ का प्रबंधन"विषय पर एक सेमीनार भी आयोजित किया । कॉलेज के आस–पास की बस्तियो के बच्चों के लिए कॉलेज के विद्यार्थियो द्वारा "हर एक किसी एक को पढाए" योजना के अंतर्गत वर्ष भर कार्य चलता रहा। जानवरों के प्रति हिंसा के विरुद्ध जागरूकता बढ़ने के लिए "हमारे विकल्प और पशु पीड़ा" विषय पर 10 फरवरी 2017 को संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया ।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज का केन्द्रीय पुस्तकालय 1,40.000 पुस्तकों, 54 पत्रिकाओं तथा 4 भाषाओं के 15 समाचार पत्रों से समृद्ध है। पुस्तकालय में 124 से भी अधिक शैक्षणिक सीडी तथा विश्वकोश की 20 प्रतियाँ भी उपलब्ध हैं। यह पुस्तकालय पूर्ण रूप से स्वचालित है जिससे विद्यार्थियो तथा प्राध्यापको को ई–संसाधन तथा ऑनलाइन सूचना प्रौद्योगिकी के साथ कार्य करने में आसानी होती है।

संकाय क्षमता

स्थायी –108, अस्थाई–71

वित्तीय आवंटन तथा उनका उपयोग

अनुदान मंजूर– 38,12,68,000 रुपए

उपयोग किया गया – 40,47,71,723रुपए

***

सेंट स्टीफन कालेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

2016–17 के लिए कॉलेज की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि, यह तथ्य रहा है कि इसके छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया और विश्वविद्यालय के स्तर पर ख्याति अर्जित की। कई छात्रों ने आगे पढ़ाई के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, ब्रिटेन और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित दुनिया भर में उच्च शिक्षा के कुछ बेहतरीन संस्थानों में भाग लिया है। प्रतिबद्ध संकाय सदस्य छात्रों के अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रेरणा और मुख्य कारण बने हुए हैं।

प्रशासनिक उपलब्धियों के अलावा, डिजिटल होने की कोशिश में काफी प्रगति हुई है। कॉलेज में आधिकारिक संचार अब बहुत बड़ी मात्रा में कागज से मुक्त है, जो कि एक विशिष्ट ई–फाइल प्रणाली के साथ अब अपनी जगह पर स्थिर है। इससे अधिक पारदर्शिता, दक्षता और काम में आसानी हो गई है। हलांकि, कॉलेज अभी भी कुछ हद तक पूरी तरह से कागज रहित संस्था नहीं बना है और महाविद्यालय की बड़ी, पर्यावरण नीति के एक महत्वपूर्ण पहलू को प्राप्त करने के प्रयास में है, फिर भी एक और महत्वपूर्ण विकास यह है कि सभी वित्तीय लेनदेन अब ऑनलाइन या डिजिटल हो गए हैं। कॉलेज न्यायसंगत और सस्ती शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, हालांकि यह उत्कृ ष्टता के लिए प्रयास करता है। इसके साथ में, कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्वायत्तता के लिए आवेदन करने का निर्णय लिया है, और इसके आवेदन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है।

सम्मान/विशिष्ट योग्यताएं

राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा कॉलेज को 'ए' श्रेणी के साथ मान्यता प्रदान की गई थी।

विशिष्ट योग्यता प्राप्त छात्र

निखिल महंत, एमए (फिलॉसफी) ने एम.ए. में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए भारतीय दार्शनिक कांग्रेस पदक जीता।

सुरभि अग्रवाल, बीएससी (रसायन विज्ञान) ने बीएससी, रसायन विज्ञान में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए प्रो. शेषाद्रि पुरस्कार जीता।

सोनिया, बी.ए. (संस्कृत), ने बी.ए. (संस्कृत) में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए एच.एच.शंकराचार्य स्वानंदाश्रम हरि पुरस्कार जीता।

रीमा मुखर्जी, ने एम.ए. (अंग्रेजी), में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए डॉ. एन. एस. प्रधान शहीद स्मारक पदक जीता।

प्रकाशन (चयनित)

ई. के. अरोड़ा, और वी. शर्मा (2016). जीवन के रसायन विज्ञान में तत्व. एस.आर. 53 (04) http://nopr.niscair.res.in/handle/123456789/34038

जी . महेश और पी. विलियम, (स.) (2017). प्रारंभिक आधुनिक बंदरगाह शहर में समुद्री समाजः मद्रास में परिवार, धर्म और अंग्रेजी कंपनी से समझौता। ईस्ट इंडिया कंपनी में, 160 9 –1857: एंग्लो इंडियन कनेक्शन पर निबंध। न्यूयॉकः रूटलेज।

वी. शर्मा, ई. के. अरोड़ा, और एस. कार्डोजा,(2016). संश्लेषण, उपचायक विरोधी, जीवाणुरोधी, और एक कूमेरिन आधारित सैलेन प्रकार शिफ बेस और इसके तांबे का रंग पर डीटीटी अध्ययन। रासायनिक कागजात 70 (11), 1493–1502.

आर. थारेजा, (2016). सी डी एस ई क्वांटम डॉट्स के कुछ अलिपालिक और सुगंधित व्यास–खानों के साथ पारस्परिक क्रिया. जर्नल ऑफ इंटीग्रेटेड साइंस एंड टैक्नोलॉजी, 4 (2), 51–58

आर थारेजा, (2016), भारत कासावा मोजाइक वायरस का सैद्धांतिक मॉडलिंग प्रतिकृति एसोसिएशन प्रोटीन। विज्ञान और प्रौद्योगिकी की एकीकृत पत्रिका, 4 (2), 81–86 ।

पेटेंट दायर/ स्वीकृत

पेटेंट मंजूर पेटेंट संख्याः यूएस 9,431,599बी2 मंजूरी की तिथिः 30 अगस्त 2016 शीर्षकः अपरिवर्तनशील तर्क उपकरण पेटेंट के लिए आवेदन किया गया हैः पीयूबी सं.: यूएस 216/0064060,1 आवेदन की तिथिः 3 मार्च 2016 शीर्षकः एक नैनोवायर में एक चुंबकीय डोमेन वॉल बनाने की विधि ग्राटी और आवेदक प्रतिशत डॉ चिंनखानलुन गित

आयोजित संगोष्ठी

पर्यावरण स्वास्थ्य कार्यशालाः वेलकम ट्रस्ट–डीबीटी इंडिया गठबंधन के सहयोग से रसायन विज्ञान विभाग और भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य फाउंडेशन ने देश भर में आयोजित कार्यशालाओं की श्रृंखला स्वास्थ्य के लिए आवाज में अपना पहला आयोजन किया। कार्यशाला पर्यावरण स्वास्थ्य केंद्र के शोधकर्ताओं द्वारा प्रस्तुति के साथ आरंभ हुई, उसके बाद समूह गतिविधियों और समुदाय जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, 1 अक्टूबर, 2016।

25–26 जुलाई, 2016 को कम्प्यूटर एडेड आण्विक मॉडलिंग और ड्रग डिस्कवरी पर कार्यशाला।

20–21 अक्टूबर, 2016 को दो दिन की पुस्तक प्रदर्शनी।

राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

ओसाका विश्वविद्यालय, जापान और वासेडा विश्वविद्यालय, जापान के साथ समझौता ज्ञापन

अन्य अंतर–संस्थागत सहयोग

अंतर्राष्ट्रीय– 6, राष्ट्रीय –3

नियुक्ति का विवरण

नियुक्त छात्र – 48

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों – 65

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

दो रक्त दान शिविरों का आयोजन किया गया। हर साल अक्टूबर में वस्त्र दान शिविर आयोजित किया जाता है। दिल्ली और एनसीआर के कॉलेजों से सामाजिक रूप से चुनौतीपूर्ण छात्रों के लिए सोशल सर्विस लीग द्वारा आयोजित वार्षिक कार्यक्रम–दृष्टिकोण आयोजित किया जाता है। मजेदार गेम और एकांकी, क्विज, प्रतिभा की तलाश, मैथ मी इफ यू केन, जैसी कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। 2017 में, सक्रियिक यूनिट के सहयोग से, दृष्टिकोण का आयोजन किया गया था। इसे पहली बार, दिव्यांग श्रेणी के सभी छात्रों के लिए खोला गया था। एक नया अतिरिक्त संवेदीकरण अभियान आयोजन किया गया था जिसका उद्देश्य जागरूकता फैलाना और लोगों को दूसरों के प्रति संवेदनशील बनाना था। पर्यावरण जागरूकता शिविर – कॉलेज में पर्यावरण सोसायटी ने कॉलेज समुदाय को परिसर में प्लास्टिक और पेपर के इस्तेमाल को कम करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम बनाया। सोसायटी ने परिसर में कुत्तों को बाँझ बनाने के लिए भी एक पहल की है। समाज कॉलेज के सभी सदस्यों द्वारा पेपर रीसाइक्लिंग को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है। समाज के वंचित वर्ग के बच्चों के लिए रोज शाम को कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। महाविद्यालय के कर्मचारियों के लिए सालाना चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता है। चेक–अप के लिए योग्य चिकित्सकों को लाया जाता है और इलाज के लिए जरूरी नुस्खे दिए जाते हैं। वर्ष में दो बार अनाथालय और वृद्धाश्रमों के दौरे किए जाते हैं। कॉलेज के दर्शन और सामाजिक प्रतिबद्धता के मिशन को ध्यान में रखते हुए, इस साल कॉलेज में अक्टूबर 2016 में क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया से प्रोफेसर रॉस एच. मैकेन्जी द्वारा विज्ञान और धर्म पर एक सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया गया था।

'एक भोजन छोड़ें' पहल के अंतर्गत जूनियर सदस्य महीने में दोपहर का भोजन और नाश्ते छोड़ देते हैं और भोजन को पैक किया जाता है तथा विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंदों को वितरित किया जाता है। इसके अलावा, जीटीबी नगर के पास एक बस्ती के बच्चों के लिए एक प्राथमिक शिक्षा परियोजना– 'विद्या ज्योति' का आयोजन किया गया। स्वयंसेवक बच्चों को एक वर्ष में 90 दिन तक पढ़ाते हैं।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज पुस्तकालय में 3,00,000 से अधिक ई–पुस्तकों का संग्रह है। पुस्तकालय में यूजीसी–इनफ्लिबनेट नेशनल लाइब्रेरी और शोध सामग्री (एनआईएलआईएसटी) के लिए सूचना सेवाओं की बुनियादी सुविधा के माध्यम से

ई–पुस्तक तक पहुंच है। एन–सूची सदस्यता के माध्यम से ई–पुस्तक का उपयोग किया जा सकता है। एन–सूची की सदस्यता वार्षिक आधार पर है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय में वेब ऑफ साइंस (वोस) और स्कोपस प्रशस्ति पत्र डेटाबेस और ग्रंथ सूची संबंधी स्रोत हैं।

संकाय की संख्या– 62

प्रोफेसरः 1, सहयोगी प्रोफेसरः 26, सहायक प्रोफेसर 35

वित्तीय आवंटन एवं अनुदान

स्वीकृत अनुदान – 17,58,16,036 रुपए

उपयोग किए गए – 20, 32, 98,324 रुपए (अलेखापरीक्षित गणना. वार्षिक लेखा परीक्षा चल रही है)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कॉलेज में डिजिटलीकरण कार्यक्रम के भाग के रूप में प्रशासन को आंशिक रूप से कम्प्यूटरीकृत किया गया है। छात्रों और संकाय को किताबों, पत्रिकाओं और संदर्भ सामग्री तक पहुंचाने के लिए पुस्तकालय को भी पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत किया जा रहा है।

***

विवेकानंद कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

एनएएसी सहकर्मी टीम ने निरीक्षण के लिए 20 और 21 फरवरी, 2017 को कॉलेज का दौरा किया। 28 मार्च 2017 को, एनएएसी मान्यता के पहले चक्र में, कॉलेज को ग्रेड ए के साथ मान्यता प्रदान की गई थी। कॉलेज ने विभिन्न विभागों और समितियों के साथ मिलकर वार्षिक उत्सव, '*पल्लवी*' का आयोजन किया। कॉलेज के अंग्रेजी विभाग द्वारा एक दीवार पत्रिका, '*कस्तूरी*' को संयोजित किया जाता है। वाणिज्य विभाग ने अपने वार्षिक वाणिज्य संग्रह, द ब्लू इंकपॉट, का तीसरा अंक प्रस्तुत किया और अंग्रेजी विभाग ने भी अपने वार्षिक समाचार पत्र के तीसरे संस्करण, वर्डवेव्स भारतीय लेखिका महाश्वेता देवी को श्रद्धांजलि के रूप में प्रकाशित किया। कॉलेज के वार्षिक दिवस के दौरान महाविद्यालय पत्रिका *इशा* 2016–17 को शुरू किया गया था। कॉलेज की स्ट्रीट प्ले सोसाइटी, 'बुनियाद' ने उड़ान–मेगा नुक्कड नाटक प्रतियोगिता में कई पुरस्कार जीते। दीक्षा रैना को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पुरस्कार दिया गया, शिवानी शर्मा को सर्वश्रेष्ठ निर्देशन के लिए सम्मानित किया गया और टीम को सर्वश्रेष्ठ उत्पादन के लिए सम्मानित किया गया। शिवानी शर्मा को सुदिप्तो सेन के साथ सहायक निर्देशक के रूप में काम करने के लिए चुना गया और दीक्षा रैना को मुंबई में अनुपम खेर इंस्टीट्यूट से अभिनय में तीन महीने का फ्री डिप्लोमा कोर्स दिया गया। कॉलेज ने 15 जनवरी, 2017 को एक पूर्व छात्र मिलन उत्सव का आयोजन किया।

सम्मान/विशिष्टताएं (संकाय सदस्य)

13 मई, 2016 को दिल्ली के एनसीटीई, उच्च शिक्षा निदेशालय, दिल्ली द्वारा डॉ सुकनीत सूरी, खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग को शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग की सुश्री आरुशी जैन को दिल्ली के किशोरों में खाद्य पदार्थों के माध्यम से सल्फाइट एक्सपोजर के जोखिम मूल्यांकन के लिए 3–5 नवंबर, 2016 को पोषण जोखिम प्रबंधन और संचार पर आयोजित भारत के पोषण समाज के 48वें राष्ट्रीय सम्मेलन में,सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार के लिए रामानंद प्राइज (सामुदायिक पोषण) से सम्मानित किया गया।

25 नवंबर, 2017 को टेलीविजन दिल्ली दूरदर्शन राष्ट्रीय चैनल पर *आज सवेरे* कार्यक्रम में डॉ. नीता माथुर को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. नीता माथुर ने 28 मार्च, 2017 को आकाशवाणी इंद्रप्रस्थ चैनल (दिल्ली ए) के प्रसारण पर एक गीत प्रस्तुत किया।

डॉ. यूथिका मिश्रा को 1 अक्टूबर, 2016 को डीडी राष्ट्रीय कार्यक्रम, *किड्ज आइलैंड,* गांधी के विचार में आमंत्रित किया गया।

डॉ. यूथिका मिश्रा को लोकसभा टीवी के साप्ताहिक इतिहास कार्यक्रम–*इतिहास के पन्नों से* के लिए इतिहास के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. यूथिका मिश्रा को भारतीय इतिहास संकलन योजना समिति द्वारा आयोजित और विश्व पुस्तक मेले में एनबीटी द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में 10 जनवरी 2017 को 1857 के '*स्वाधीनता संग्राम के कुछ अनछूए पहलू*' पर मुख्य वक्ता थी।

प्रकाशन

ए. भास्कर और ए पालीवाल, (2016). टेरी ईगलटन की कविता कैसे पढ़नी है के माध्यम से कविता और 'फॉर्म' पर चर्चा। अनुसंधान विद्वान – साहित्यिक अन्वेषण पर एक अंतर्राष्ट्रीय संदर्भित ई–पत्रिका, *4*(IV).

एस. दुबे, ए. कुमार और एम. एम. मिश्रा, (2017). हाइजेनबर्ग समूह में पॉलीहार्मोनिक न्यूमैन और मिश्रित सीमा मूल्य की समस्याएं जटिल चर और अंडाकार समीकरण, 62 (10)

आर गर्ग, (2017) गैर–मिशन–महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के लिए अत्यंत–उच्च विश्वसनीयता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान और अनुसंधान पत्रिका(आईजेएसआर), 6 (2)

पी. जैन और एस जैन (2016). लॉरेनटोज रिक्त स्थान में ओ' नील प्रकार की घुमावदार असमानताएं.विज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी की कार्यवाही, भारत खंड एप्रतिशत भौतिक विज्ञान, 86, 267–271.

कुमार, एम. (2016). भारतीय कृषि का विश्लेषणात्मक अध्ययन. चिंतन अंतर्राष्ट्रीय संदर्भित शोध पत्रिका, 6 (1).

मुखर्जी, सी. (2016). हार्की मुराकामी के उपन्यास में उत्तर–आधुनिक स्थान और शहरी पहचान। रचनात्मक मंचप्रतिशत साहित्यिक और महत्वपूर्ण लेखन पत्रिकाएं, 29 (1–2).

एच. द्रजोग (2016).देशीदृष्टि और पर्यटक की नजरः पंजाबी साहित्य में चंबा के मोजाइक। अनुसंधान विद्वान – एक साहित्यिक अन्वेषण पर एक अंतर्राष्ट्रीय संदर्भित ई–पत्रिका, 4 (1).

वाई. रॉकी (2017).रोमियो +़ जूलियट और लूहरमैन का अमेरिका. मानदंडः अंग्रेजी में एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका आईएसएसएनः 0976–8165

2017).मूल्य वर्धित नवाचार उत्पादों के लिए उपभोक्ता व्यवहार का आकलन. गृह विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3 (2), 572–576.

एस. सूरी (2016)। खाद्य और पोषण में अग्रिम (संशोधित संस्क.), नई दिल्ली, भारतप्रतिशत विकास प्रकाशक।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. संध्या जैन, 2016–2019 की तीन वर्षों की अवधि के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित एक अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजना 'सोबोलव और बानेक फंक्शन रिक्त स्थान और अर्द्ध कोन्फोर्मल विश्लेषण पर शास्त्रीय ऑपरेटर्स' पर काम कर रही हैं। शोध के लिए 41,51,4001 रुपए की राशि स्वीकृत की गयी है।

डॉ. हिना नंदराजोग एक अंतर–एशियाई यात्रा परियोजना पर काम कर रही हैं, जिसमें अकादमिक अनुवाद और संग्रह (सीएटीए), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा, पंजाब से चयनित कामों का अंग्रेजी में अनुवाद, जुलाई 2016 में शुरू किया गया था, यह यूजीसी द्वारा वित्त पोषित है।

आयोजित संगोष्ठी

11 अप्रैल 2016 को, विवेकानंद कॉलेज और एएफएसटीआई–दिल्ली अध्याय द्वारा वित्त पोषित एएफएसटीआई – दिल्ली अध्याय के सहयोग से खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'बेकरी और कन्फेक्शनरी प्रतिशत नया परिप्रेक्ष्य' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

एएफएसटी–दिल्ली अध्याय और गृह अर्थशास्त्र संस्थान, एएफएसटीआई–दिल्ली अध्याय और गृह अर्थशास्त्र संस्थान द्वारा वित्त पोषित वित्त पोषण विभाग के खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग डॉ. सुखनीत सूरी ने 'खाद्य उद्योग में अवसर और चुनौतियां' पर 5 अप्रैल 2016 को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया था।

आयोजित सम्मेलन / कार्यशालाएं

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग की डॉ. हिना नंदराजोग और डॉ. सुखनीत सूरी ने 24–26 फरवरी, 2017 को प्रचार परिषद, अनुसंधान और पारंपरिक खाद्य अनुसंधान एवं व्यापार, भारतीय धरोहर, के सहयोग से पारंपरिक खाद्य अनुसंधान, भारतीय धरोहर, एएफएसटीआई – दिल्ली अध्याय, एफएसएसएआई, निफ्ट, आईएफयूएनए द्वारा वित्त पोषित वैश्विक परंपरागत खाद्य शिखर सम्मेलन का आयोजन किया था।

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. सुनीत सूरी ने 16 अक्टूबर, 2016 को प्रचार परिषद, अनुसंधान और पारंपरिक खाद्य अनुसंधान एवं व्यापार, भारतीय धरोहर, के सहयोग से पारंपरिक खाद्य अनुसंधान, भारतीय धरोहर, एएफएसटीआई – दिल्ली अध्याय, एफएसएसएआई, निफ्ट, आईएफयूएनए द्वारा वित्त पोषित ''स्वस्थ राष्ट्रों के लिए पारंपरिक खाद्य पदार्थ'' पर एक सम्मेलन का आयोजन किया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अंतर्राष्ट्रीयः

ए. जैन (2016) सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए खाद्य प्रौद्योगिकी और पोषण. वैश्विक दक्षिण में साहित्य के अध्ययन के बढ़ते रुझान पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा, 26–27 मई, 2016।

एच. नंदराजोग (2016). भारतीय साहित्य में एकता और विविधताः समाज, साहित्य और बहुभाषावाद में रामायण का मार्ग। भाषा आधार में, पुणे, 16–17 दिसम्बर, 2016.

एच. नंदराजोग (2016). पर्यावरण में साहित्य में महिला साम्राज्य और पारिस्थिति का वितरित फैलावः साहित्य, आचार और अमल मेंः स्वर्ण जयंती/ यूजीसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरटीईई –2016), बेरहमपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा में 28–30 दिसंबर, 2016.

एच. नंदराजोग (2017).परिवर्तनकारी साधन के रूप में अनुवाद। सभ्यताई अंग्रेजी अध्ययनः वैश्विक दक्षिण में साहित्य के अध्ययन में, उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा में साहित्य का अध्ययन, 1 9–21 जनवरी, 2017.

राष्ट्रीयः

ए. जैन (2016). दिल्ली के किशोरों में खाद्य पदार्थों के माध्यम से सल्फाइट एक्सपोजर का जोखिम मूल्यांकन । पोषण जोखिम प्रबंधन और संचार पर भारत के पोषण समाज के 48 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में, 3–5 नवम्बर 2016.

जी. भंडारी (2016). रामचरितमानस का एक अध्ययन। ऐतिहासिक दृष्टि पर राष्ट्रीय महिला इतिहासकारों की संगोष्ठी में, इतिहास लेखन एवं इतिहास के स्रोत, इतिहास विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी और अखिल भारतीय इतिहास संकल्प योजना, बीएचयू, 20–21 अगस्त, 2016.

एच. नंदराजोग (2016). अंग्रेजी में लेखन/अनुवादः भारतीय कक्षा में और बाहर अंग्रेजी और अंग्रेजी अध्ययन। राष्ट्रीय संगोष्ठी, अंग्रेजी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 17–18 नवंबर 2016 द्वारा आयोजित भारतः परिवर्तन और चुनौतियां।

एच. नंदराजोग (2017).विषाद का ब्योराः पंजाबी में दो यात्रा संस्मरण। अंतर–एशियाई यात्रा में तरीके, उद्देश्य, रूपांकन और स्थितिया में, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20–21 मार्च, 2017.

वाई. मिश्रा और जी. भंडारी (2016). बिड़ला मंदिर के कम ज्ञात पहलू। दिल्ली के ऐतिहासिक स्थल पर राष्ट्रीय सम्मेलन, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 मई, 2016.

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र– 57

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियाँ– 7

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

एनएसएस ने जुलाई, 2016 में पूर्व जिला कानूनी सेवाएं प्राधिकरण के साथ मिलकर उत्पात–विरोधी कानून पर कानूनी साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया

24 नवंबर 2016 को सत्यमेव जयते के साथ रक्तदान अभियान आयोजित किया गया

एनएसएस के छात्रों ने 24वें सितंबर, 2016 को नशा–विरोधी रैली में भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

कुल बजटः रु. 7,38,570

एनआर : रु. 50

डीपीजीई : रु 21,800

कुल रुपए : रु 7, 60,420

पुस्तकों की संख्या– 62,880

परिसंचरण खंड में किए गए लेनदेन– 46478

पुस्तक बैंक योजना के अंतर्गत जारी पुस्तके–1331

डीएलएनईटी के अंतर पुस्तकालय ऋण के माध्यम से लेनदेन–20

समाचार पत्र सहित पत्रिकाओं की संख्या – 46

उपर्युक्त के अतिरिक्त, यूजीसी कंसिटा, इन्फ्लिबनेट और डेलनेट के एन–लिस्ट प्रोग्राम द्वारा सदस्यता के माध्यम से बड़ी संख्या में ई–पत्रिकाओं तक पहुंच प्रदान की जाती है।

संकाय की संख्या

स्थायी– 47 तदर्थ– 65

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान – 253156000रुपए

उपयोग – 198719593रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रबंधन अध्ययन के जयपुरिया संस्थान के सहयोग से वाणिज्य विभाग ने 17 सितंबर 2016 को कॉलेज में जयपुरिया क्विज लीग आयोजित किया। जिसमें वाणिज्य विभाग के कई छात्रों ने पुरस्कार जीता। टी.आई.एम.ए. के चीफ नॉलेज ऑफिसर श्री अंकुर जैन ने 6 और 22 सितंबर, 2016 तारीख को ''प्रभावी सार्वजनिक भाषण''और ''जीएसटी विधेयक'' पर वार्ता प्रस्तुत की थी। 4 संकाय सदस्यों के साथ 75 छात्र भ्रमण–सह–शैक्षिक यात्रा के साथ 18 मार्च, 2017 से 22 मार्च, 2017 तक उदयपुर और माउंट आबू गए और 22 मार्च, 2017 को सरस डेयरी, उदयपुर का दौरा किया। वाणिज्य विभाग ने कॉलेज के शिक्षण/गैर–शिक्षण स्टाफ के लिए टैली ईआरपी 9 पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने जनवरी, 2017 में श्री मेनक उप्रेती द्वारा आईटी उद्योग में करियर मार्गदर्शन पर एक चर्चा आयोजित की। फरवरी, 2017 में, एक आईटी क्विज, ब्रेन बस्टर्स आयोजित की गई, जिसमें 15 टीमों ने एक दूसरे के साथ ई–टंबोला, चिह्न इंक जैसे चुनौतीपूर्ण दौर में भाग लिया। श्रीमती ईशा मंगल ने 30 सितंबर, 2016 को एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया और श्रीमती देविका ने आईएलएलएल द्वारा 4 फरवरी,2016 को कम्प्यूटर साइंस पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया।

अर्थशास्त्र विभाग ने 2 नवम्बर, 2016 को ''आउटलेयर रिसर्च सॉल्यूशंस'' के संस्थापक, सुश्री नवनीत मनचंदा द्वारा ''मनरेगा में सामाजिक और आर्थिक समावेशः मिथक या वास्तविकता'' पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।

डॉ. हिना नंदराजोग, वर्धमान कॉलेज, बिजनौर (एमजेपी रूहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली) में अंग्रेजी विभाग में लेक्चरर के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में चयन समिति का हिस्सा थी। डॉ. नंदराजोग वर्तमान में पंजाबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएचडी कार्यक्रम में दाखिला लेने वाले छात्र को सह–मार्गदर्शन दे रही हैं।

उन्हें एससीडी सरकारी कॉलेज, लुधियाना में 23 सितंबर, 2016 को ''भारत का विभाजन और अनुवाद'' पर एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया था और उन्होंने 20 दिसंबर, 2016 को ऑक्सफोर्ड बुक स्टोर में ''हिंदुस्तान की आवाज'' द्वारा ब्लाइंड पर आयोजित चर्चा में एक पैनलिस्ट के रूप में काम किया था। वे सीएटीए, अंग्रेजी विभाग, कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में 5– 6 दिसंबर, 2016 को आयोजित दो दिवसीय अंतर–एशियाई यात्रा परियोजना कार्यशाला के दौरान ''विवादित सीमाएं: घर तब और अब'' पर चर्चा में एक पैनलिस्ट थीं।

अंग्रेजी विभाग ने, नवंबर, 2016 में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर राज कुमार द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया, ''भीमायनाः जटिल आख्यान का एक अध्ययन''पर एक व्याख्यान का भी आयोजन किया। अक्टूबर 2016 में छात्रों ने कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में भीमायाना पर एक पैनल चर्चा और कार्यशाला में भाग लिया। विभाग ने 1 अप्रैल 2016 को लोधी गार्डन की यात्रा की भी व्यवस्था की। बीए (आनर्स) अंग्रेजी के छात्रों के लिए 11 नवंबर 2016 को एन.जी.एम.ए. का एक निर्देशित दौरा आयोजित किया गया था। डॉ. नलिनी कपूर, डॉ. ज्योतिका एलाहांस और श्री अमित कुमार ने 2–3 फरवरी 2017 को यूजीसी द्वारा वित्त पोषित हिंदी पत्राकारिता पर दो दिन की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. नलिनी कपूर ने आईएलएलएल, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 4 नवंबर, 2016 को आयोजित क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग ने विभिन्न छात्र और संकाय संवर्धन कार्यक्रमों के साथ राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन किया, जिसमें एनीमिया की रोकथाम, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, आहार प्रदर्शन और 5 सितंबर, 2016 को बेहतर पोषण के लिए जीवन चक्र दृष्टिकोण पर लघु प्रदर्शनी के साथ व्याख्यान दिया गया था। 11 अगस्त 2016 को एक तिरंगी पकाने की विधि प्रतियोगिता 11–12 अप्रैल, 2016 को ''चॉकलेट और न्यूट्रीबार पर एक माइक्रोइंटरप्राइज–एक सीखने का अनुभव'' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

सुश्री शिवानी दुबे को उच्च गणित के राष्ट्रीय बोर्ड द्वारा पोस्ट–डॉक्टरेट फैलोशिप मिली और अंजू नागपाल और सरिता रानी ने जनवरी 2017 में कालिंदी कॉलेज में ''गणित में हाल के विकास'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। गणित विभाग ने आईआईटी, दिल्ली से प्रो. आर. के. शर्मा को ''क्रिप्टोग्राफी'' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया।

डॉ. नीता माथुर को 5 सितंबर 2016 को राष्ट्रीय कार्यक्रम में (अखिल भारतीय रेडियो) अतिथि वक्ता के रूप में वार्ता के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने विदेशों में हुनचुक यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज और बुसान यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, दक्षिण कोरिया के छात्रों के लिए भारतीय संगीत और भारतीय डिजिटल संगीत पर चार व्याख्यान दिए। उन्होंने 16–18 जनवरी, 2017 को आरएमटी म्यूजिक एंड आर्ट्स यूनिवर्सिटी, ग्वालियर में एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोधपत्र भी प्रस्तुत किया। उन्हें द्वारका, दिल्ली में सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र में क्षेत्रीय चयन समिति के लिए आमंत्रित किया गया था। इतिहास विभाग ने 4 अक्टूबर, 2016 को संस्कृति के बैनर के अंतर्गत वार्षिक डॉ. अलका रानी स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें डॉ. देवेश विजय, एसोसिएट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय को एक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। लोक नृत्य सोसाइटी (थिरकन) ने 10 फरवरी, 2017 से एक इंटर–कॉलेज प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कलाकारों की काफी भागीदारी रही। सोसायटी ने एसपीएम और श्रद्धानंद कॉलेज में प्रथम स्थान और भारती कॉलेज में दूसरा स्थान जीता।

***

जाकिर हुसैन स्नातकोत्तर सांध्य कॉलेज

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

महाविद्यालय ने गणतंत्र दिवस शिविर –2017 में गर्व सहित अपने नौ कैडेटों की भागीदारी की घोषणा की। यहाँ 21 जून, 2016 को राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया और एमएचआरडी द्वारा निर्देशित आजादी 70 के अंतर्गत आजादी के 70 वर्ष का जश्न भी मनाया, और अगस्त 2016 में दो कार्यक्रमों का आयोजन किया। 1 से 15 सितंबर, 2016 और 1 से 15 नवंबर, 2016 में दो स्वच्छता पखवाड़ों का भी आयोजन किया गया। सितंबर 2016 में कॉलेज ने "नशे की लत का बुरा प्रभाव" विषय के साथ एनएसएस दिवस मनाया। "युवा निर्वाचकों की नामांकन प्रक्रिया" (सितंबर, 2016), राष्ट्रीय एकता सप्ताह (अक्टूबर–नवम्बर 2016), डिजिटल वित्तीय साक्षरता अभियान (दिसंबर, 2016 –जनवरी 2017) और विश्व वन दिवस और विश्व जल दिवस (मार्च, 2017) जैसी विभिन्न सह–पाठ्यचर्या वाली गतिविधियों का भी आयोजन किया गया था।

संकाय सदस्यों को पुरस्कार/सम्मान

हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रभात रंजन को उनकी पुस्तक 'कोठागोई' के लिए जयपुर साहित्य उत्सव 2016 में पहला भास्कर युवा लेखक सम्मान दिया गया।

प्रकाशन (चयनित)

एन. चौहान, (2017) पतनशील पत्नियों के नोट्स नई दिल्लीः वाणी प्रकाशन,

वी. जैन, (सितंबर, 2016), भूमिगत "सुत्ता से" मुख्य धारा "कोलावेरी डी": भारतीय उपमहाद्वीप में लोकप्रिय संगीत के बदलते विचारों के माध्यम से सोशल मीडिया को समझना। समाज में सोशल मीडिया की पत्रिका, 5 (2)

एम.जे. रहमान, (2016), बांग्ला साहित्य कि सेकाल बोनाम एकालेर "प्रेमनेई" – एकटी सोमाज भावना मूलक पथ, क्रिस्टी।

एस. तबस्सुम (2017) विश्व काव्य महोत्सव। नवाचार इमरोज,

एम.एम. यूनुस, (मार्च 2017) नक्षत्र वार्ता कोलकाताः शाम्भवी,

अनुसंधान परियोजनाएं (चयनित)

डॉ. मधुमिता चक्रवर्ती, श्री संजय कुमार और सुश्री अमरीन, दिल्ली विश्वविद्यालय में अल्पसंख्यक छात्राओं के पढ़ाई छोड़ने की दरः दिल्ली विश्वविद्यालय के चुनिंदा कॉलेजों का एक अध्ययन।

डॉ. अनिल शर्मा, यूजीसी, हिंदी रंगमंच के विकास में नाट्य संस्थाओं का योगदान।

डॉ. शुभ्रा रे, चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट रिसर्च अनुदान द्वारा वित्त पोषित, औपनिवेशिक फ्रांसीसी भारत में प्रिंट संस्कृतियां।

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

डॉ. अरविंद, रक्षा मुख्यालय के निदेशक, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा 1 मार्च, 2017 को शिक्षकों के लिए "व्यक्तिगत प्रभावशीलता के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता का पोषण" पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया।

कॉलेज के वाणिज्य विभाग ने आईटीएम इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर 20 जनवरी, 2017 को "विमुद्रीकरणः भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव" पर 'सरमाया' नामक चर्चा सत्र का आयोजन किया।

फारसी विभाग ने एक काव्य आवृति कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें इरानी कवि मुस्तफा रहमान ने रूबरू, जनवरी, 2017 में छात्रों के बीच अपनी कविता पढ़ी।

31 मार्च 2017 को गणित विभाग द्वारा शून्य और सर्वव्यापी गणित की विषय यात्रा के विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

शैक्षणिक सत्र 2016–17 में अंग्रेजी साहित्य समिति के प्रोफेसर एम. असदुद्दीन द्वारा "अनुवाद में सिद्धांत और व्यवहार" पर एक वार्ता आयोजित की गयी थी।

इतिहास विभाग ने क्रमशः मध्ययुग में मुगल चित्रकला और मेवात क्षेत्र के इतिहास पर प्रो. मीरा खरे और प्रो. सूरजभान द्वारा दो वार्ताओं का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं (चयनित)

पर्यावरण अध्ययन विभाग, ईको–क्लब द्वारा '21वीं सदी की पर्यावरण संबंधी चिंताएं/भारतीय और वैश्विक संदर्भ' पर दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। 2016–17.

राजनीति विज्ञान विभाग और एनएसएस के सहयोग से 21–22 मार्च, 2017 को ''डॉ. बी. आर अंबेडकर का भारत दर्शन'' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों मे प्रस्तुतियाँ (चयनित)

जे.एम.रहमान (2016) पत्रकारिता लेखन और अनुवाद, पाठ्यक्रम–सी। बांग्ला में पूर्व स्नातक पाठ्यक्रम पर एक दिवसीय कार्यशाला, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य), 30 अगस्त, 2016.

एस के वैश्य (2017) आईआईटी, गुवाहाटी में 15–17, फरवरी 2017 को आईएसीएलएएलएस सम्मेलन में उपभोक्तावाद की संस्कृतिः असम में भ्राम्यमान थिएटर का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्र–32

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां – 01

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

दंत जागरूकता शिविरः इस वर्ष कॉलेज की एनएसएस यूनिट ने मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज के सहयोग से एक मुफ्त दंत जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

वाणिज्य विभाग के तीसरे वर्ष के छात्रों के लिए 14 सितम्बर, 2016 को वाणिज्य विभाग द्वारा सेबी एनआरओ, दिल्ली का एक शैक्षिक दौरा आयोजित किया गया।

शैक्षणिक यात्रा – जयपुरः वाणिज्य विभाग ने 7 से 8 नवंबर 2016 तक जयपुर की दो दिवसीय शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया।

इतिहास विभाग की सोसायटी ने एसईसी के इतिहास पत्र का चयन करने वाले इतिहास आनर्स और पास कोर्स के छात्रों के लिए *एक ऐतिहासिक स्थल :तुगलकाबाद किला* की एक दिवसीय यात्रा का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

2016–2017 के दौरान, 125 सामान्य/अन्य पुस्तकें शामिल की गईं थीं। अब कॉलेज पुस्तकालय में कुल 30 मासिक, पाक्षिक और साप्ताहिक पत्रिकाएं अर्थात् अंग्रेजी; मासिक –6, पाक्षिक –4, साप्ताहिक –4; हिंदीः मासिक –4, साप्ताहिक –3; उर्दूः मासिक –4, साप्ताहिक –2, अर्ध–वार्षिक –01; अरबीः पाक्षिक –01; बंगालीः पाक्षिक –01 उपलब्ध हैं। पुस्तकालय ने 11 समाचार पत्रों अर्थात्, अंग्रेजीः 4, हिंदी –4, उर्दू–2, बंगाली–1 की सदस्यता ली है। विद्यार्थियों के लिए पाठ्य पुस्तकें खरीदने के लिए छात्र संघ द्वारा 20000 रुपऐ का दान दिया गया। पुस्तकालय के शिक्षकों के ''अध्ययन कक्ष'' में सम्मेलन/संगोष्ठी इत्यादि के उपयोग के लिए प्रिंटर और स्कैनर के साथ एक कंप्यूटर स्थापित किया गया था। कई राष्ट्रीय पत्रों (ऑनलाइन और पेपरबैक संस्करण) की सदस्यता ली गई है।

संकाय की संख्या –73

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान – 16, 27, 05, 000 रुपए

उपयोग – 15, 54, 18,000 रुपए

अन्य महत्वपूर्ण सूचना प्रतिशत

प्रधानाचार्य डॉ. मसरुर अहमद बेग ने एम.एम. बेग की स्मृति में ''एम.एम. बेग व्याख्यान श्रृंखला'' नामक एक व्याख्यान श्रृंखला को प्रोत्साहित किया, इसमें निम्नलिखित व्याख्यान आयोजित किए गए थे।

के. कुमार, (1 फरवरी, 2017) भारत का विभाजन, 1947प्रतिशत नए आयाम;

ए. रहमान, (2 मार्च, 2017) सआदत हसन मंटो को याद करते हुए;

ए. लिंडमैन, (23 मार्च 2017) नवोन्मेष और उद्यमिता का सशक्तिकरण;

ए.के. दुबे और आर चंद्र (वर्ष) भारत में दलित विमर्श।

***

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

"राष्ट्रीय आंकलन और प्रत्यायन परिषद" (एनएए) द्वारा 19 से 21 सितम्बर 2016 को पहली बार कॉलेज का मूल्यांकन किया गया और इसे 3.12 .सी.जी.पी.ए. के साथ 'ए' श्रेणी प्रदान की गई। दिल्ली विश्वविद्यालय की 59वीं पुष्प प्रदर्शनी में कॉलेज ने कुल 145 पुरस्कार एवं 10 ट्राफियां जीतीं। कॉलेज की हर्बल वाटिका को लगातार तीसरे साल भी सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया और उसने "मीनाक्षी गोपीनाथ कप" जीता। 1 मार्च, 2017 को कॉलेज में 'ऑल इंडिया वुमेन्स एजुकेशन फंड एसोसिएशन'' (एआईवीईएफए) और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय से समर्थन से ''विभिन्न पीढ़ियों में संबंध को बढ़ावा देने'' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी) ने कॉलेज लाइब्रेरी के सहयोग से नवंबर 2016 में ''बुक शेयर'' पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया, जो कि प्रिंट दिव्यांगता वाले लोगों के लिए सबसे बड़ी ऑनलाइन लाइब्रेरी है ।

सम्मान और विशिष्टताएँ (संकाय)

श्री मधु सूदन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को (डीएसटी) भारत सरकार और भारत–अमेरिकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंच (आईयूएसटीएफ) द्वारा वित्त पोषित भास्कर उन्नत सौर ऊर्जा फैलोशिप प्रदान की गई है।

डॉ. एम. वाहिद अंसारी को उत्तराखंड सरकार द्वारा ''सर्वश्रेष्ठ शोध पुरस्कार'' प्राप्त हुआ।

डॉ. अनुराधा मारवाह के नाटक ''इस्मत की प्रेम कहानियां'' को हिंदी नाटककार पुरस्कार–2016 के लिए चुना गया था। उन्हें 16 –18 दिसम्बर 2016 तक के अजमेर (लिटरेचर फेस्टिवल) साहित्यिक समारोह में एक पैनलिस्ट के रूप में और लेखिका शोभा डे से साक्षात्कार लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्हें केंद्रीय विश्वविद्यालय किशनगढ़ और साहित्य अकादमी द्वारा 6 फरवरी, 2017को ''साहित्य और स्थान'' पर एक वार्ता के लिए भी आमंत्रित किया गया था।

डॉ. देवेश विजय को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा 2017 –19 के लिए राजनीतिक समाजशास्त्र में वरिष्ठ फैलोशिप से सम्मानित किया गया है।

डॉ. के. के. अरोड़ा को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पाठ्यक्रम समिति (रसायन विज्ञान) के संयोजक के रूप में फिर से नामित किया गया था

सुश्री श्रद्धा आदित्यवीर सिंह को 7 जून 2016 को नई दिल्ली में साहित्य अकादमी के ''सामाजिक परिवर्तन के लिए साहित्य'' कार्यक्रम के भाग के रूप में अपनी कविताएं पढ़ने के लिए आमंत्रित किया था।

छात्रों की पुरस्कार/सम्मान

बी.ए. (आनर्स) फारसी, तृतीय वर्ष के मोहम्मद मोदस्सीर को सादी गोल्ड मेडल प्रदान किया गया।

एम.ए. मनोविज्ञान के अंतिम वर्ष के ऋषि प्रसाद ने शशिकला सिंह स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

एम.ए. मनोविज्ञान के अंतिम वर्ष के ऋषि प्रसाद को डॉ. एन.वी. बनर्जी पुरस्कार।

बांग्ला बी.ए. (आनर्स) (तृतीय वर्ष) के सुप्रतीक विश्वास, अरबी बी.ए. (आनर्स) (तृतीय वर्ष) के रईसुजमान खान और उर्दू बी.ए. (आनर्स) (तृतीय वर्ष) के गुलाम कादिर को विश्वविद्यालय पदक।

विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त छात्र
शैक्षिक विशिष्टता
चार छात्रों को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान और दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा मेधावी छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

पुरस्कार /सम्मान (छात्रों की विशिष्टताएं)
फारसी, बी.ए.(आनर्स) तृतीय वर्ष के मोहम्मद मोदस्सीर को सादी स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। (एच)
एम.ए. मनोविज्ञान के अंतिम वर्ष के ऋषि प्रसाद को शशिकला सिंह स्वर्ण पदक।
एम.ए. मनोविज्ञान, अंतिम वर्ष के ऋषि प्रसाद को डॉ एन.वी. बनर्जी पुरस्कार।
बंगाली, बी.ए. (आनर्स) (तृतीय वर्ष), के सुप्रतीक बिश्वास, अरबी, बी.ए. (आनर्स) (तृतीय वर्ष) के रईसुजमान खान और उर्दू, बी.ए.(आनर्स) (तृतीय वर्ष) के गुलाम कादीर को विश्वविद्यालय पदक।

विशिष्ट विद्यार्थी
शैक्षिक विशिष्टता
चार छात्रों को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान और दिल्ली संस्कृत अकादमी से सम्मानित छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।
सांस्कृतिक
अमान–कॉलेज थिएटर सोसाइटीने शेक्सपियर सोसाइटी ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय नाटक प्रतियोगिता जीती।
एनसीसी कैडेट भाव्या त्यागी गणतंत्र दिवस परेड में राजपथ दल–2017की परेड कमांडर थीं।
नौ कैडेटों ने गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लिया।
नौ कैडेटों ने आरडीसी फाइनल में कॉलेज और दिल्ली निदेशालय का प्रतिनिधित्व किया और प्रधान मंत्री रैली का प्रतिनिधित्व किया। तीन कैडेटों ने राजपथ पर शानदार मार्च किया।

खेल प्रतिशत
नवंबर 2017 में, कॉलेज फुटबॉल टीम ने दिल्ली की रिलायंस फाउंडेशन उद्घाटन कॉलेज युवा चौम्पियनशिप जीती थी और दिसंबर में मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हुए खेले।
इतिहास बी.ए. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की ज्योति ने 17वीं राष्ट्रीय पैरा–एथलेटिक चौम्पियनशिप– 2017 में 200 मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीता और फरवरी में 9वें दिल्ली राज्य पैरा–एथलेटिक और पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप–2017 में 100 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान हासिल किया।
एनएसएस स्वयंसेवक, बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष के अंकित कुमार राठी गणतंत्र दिवस परेड में जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले एनएसएस स्वयंसेवक रहे।
प्राणी विज्ञान बीएससी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के शुभम गर्ग ने खेल और युवा मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रोहतक, हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में महाविद्यालय के लिए ख्याति अर्जित की।

प्रकाशन (चयनित)
अब्दुल्ला, (2016), सकारात्मक अर्द्ध रेखा पर लहर संकुल संरचना के लिए आवश्यक और पर्याप्त शर्तें। अनुप्रयुक्त एवं इंजीनियरिंग गणित की टीपी एमएस पत्रिका।
एम.डब्ल्यू अंसारी, (2017), भारत से पश्चिमी समकक्षों तक विरूपण का प्रसारः आम के उद्योगों के लिए एक बड़ा खतरा। जी.सिंह (संपा.) में भारतीय और पश्चिमी पहलुओं की पहचान (पृष्ठ 129 –133), श्री कला प्रकाशन।
ए. डब्ल्यू. फारूकी, (2016) बीमा विधि एवं व्यवहार दिल्लीः हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

एम. इनाम, (2016), एकल चिप रंगीन कैमरे का उपयोग करते हुए 3डी की सतह प्रोफाइल के लिए एकल प्रयास सफेद प्रकाश हस्तक्षेप माइक्रोस्कोपी। ऑप्टिकल सोसाइटी के जर्नल (दृष्टि संबंधी सोसाइटी की पत्रिका)।

ए. जमाल, (2016)। मेरा पहला चित्रात्मक शब्दकोशः अंग्रेजी से अरबीः यूनाइटेड किंगडमः आईबीएस बुक्स।

आई. खान, (2017) शैक्षणिक पुस्तकालयः कल, आज और कल। नई दिल्लीः अनामिका पब्लिशर्स।

एस. मधु, (2016) समग्र जलवायु के लिए एक भवन का दिन का प्रकाश और ऊर्जा प्रदर्शनः एक प्रयोगात्मक अध्ययन। अलेक्जेंड्रिया इंजीनियरिंग जर्नल।

ए. माहेश्वरी, (2016) एरिल पपराइजीन –आधारित नए फथालीमाइड्स का डिजाइन संश्लेषण और जैविक मूल्यांकनः वृषण कोशिका सेल अपोप्टोसीस के सक्रिय प्रेरक। जर्नल ऑफ केमिकल साइंसेज (रसायन विज्ञान की पत्रिका)।

एस.के. राजौरिया, (2016), एक अत्यधिक पतली धातु फिल्म पर चुनाव किरण द्वारा चेरेनकोव टेराहर्टज भूतल प्लाज्मान को उत्तेजित करना।

डी. विजय, (2016) औपनिवेशिक शासन से पंचायती राजः गांव की बदलती अर्थव्यवस्था का अध्ययन, आर सिंह और डी. रैना, (संपा.) में, समाज और विकासः क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य जयपुरः रावत प्रकाशन

अनुसंधान परियोजनाएं (चयनित)

डॉ. एम. वाहिद अंसारी, डीएसटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित, ''आम की कुरूपता में फ्यूसरियम मैंगफेरे के माध्यम से प्रेरित इथाइलीन की विशेषता'', 25.66 लाख रुपए।

डॉ.रत्नम कौल वाटल और डॉ .इलमास नकवी को रिसर्च काउंसिल (अनुसंधान परिषद), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित– नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में आगामी जल संकट को हल करने के लिए एक शोध परियोजना ''एक गणितीय मॉडल डिजाइनिंग'' सौंपी गई थी।

डॉ. देवेश विजय को भारत की सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा 2017–19 तक राजनीतिक समाजशास्त्र में वरिष्ठ फैलोशिप से सम्मानित किया गया था, जो दिल्ली के किनारों की गन्दी बस्ती और गांव से ''आम आदमी और राज्य सरकारः श्रमिकों और सरकारी दफ्तरों के बीच अंर्तफलक पर नजर रखना'' नामक एक शोध कार्य के लिए दिया गया ।(1988–2016)

आयोजित संगोठियां (चयनित)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग के सहयोग से ''तकनीकी शब्दावली और विज्ञान शिक्षण'' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

फरवरी, 2017 में हिंदी विभाग द्वारा भाषा नीति विषय और हिंदी में रोजगार के मुद्दे पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

1–3 फरवरी, 2017 को ''गालिब की कुलियात और उनके अहदः एक मुतला'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

3 अक्टूबर, 2016 को ''गांधी पर फिर से विचारः आतंकवाद के मुद्दे और चुनौतियां'' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

8–9 अप्रैल, 2016 को ''फारसी–उर्दू की अदबी और लेसानी रिवायत'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

20 फरवरी, 2017 को ''भारतीय नारीवादः आधुनिक भारत में लेखन स्वतंत्रता'' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय छात्र संगोष्ठी।

आयोजित सम्मेलन /कार्यशालाएं (चयनित)

मार्च 2017 में वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा ''फसल सुधार में जैव प्रौद्योगिकीः संभावनाएं और प्रतिबंध'' पर आधारित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

8–9 फरवरी, 2017 को ''रसायन विज्ञान प्रयोगशाला में नवाचार'' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

3–4 नवंबर 2016 को संस्कृत विभाग द्वारा ''मशीनी अनुवादः उपकरण और तकनीकों'' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

8–9 नवंबर, 2016 को संस्कृत विभाग द्वारा ''अशोक की ब्राह्मी लिपि को समझना'' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (चयनित)

अंतर्राष्ट्रीय

एम.एस. जावेद (2017) 'नवल किशोर की हयात और कारनामे'– फारसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 23 –24 फरवरी, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

एस ए सिंह (2016) डिजिटल और सार्वजनिक पहचान स्थापित करनाः मार्गरेट एटवुड का स्व–फैशन, ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर कनाडियन स्टडीज, लंदन, यूनाइटेड किंगडम का 41वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 21–23 अप्रैल, 2016.

राष्ट्रीय प्रतिशत

ए डब्ल्यू. फारूकी (2016) दिल्ली राज्य के शहरी सहकारी बैंकः क्या भारतीय बैंकिंग प्रणाली की शुरुआत है। 9वां अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन, वाणिज्य संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, नवम्बर, 2016.

एम. अफजल (2016) दिल्ली और उसके पर्यावरण का स्मरणोत्सवः अब्दुल हय की दिल्ली और उसके अतराफ (1894), अंतर–एशियाई यात्रा परियोजना कार्यशाला, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिसम्बर, 2016.

एम.चतुर्वेदी (2016) सन्निहित प्रतिरोध। हेसिनाम कन्हाईलाल की द्रौपदी, आईआईटी गुवाहाटी में, 15–17 फरवरी, 2017 को स्थान, पहचान, एकताः प्रधानता वाली संरचनाओ और मुकाबले (पूर्वोत्तर पर विशेष ध्यान सहित) पर आईएसीएलएएस वार्षिक सम्मेलन।

एस. अख्तर (2016) श्रमिक अर्थशास्त्र की भारतीय सोसायटी (इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स) का 58वां वार्षिक सम्मेलन, आईआईटी गुवाहाटी, असम, नवंबर 2016.

टी. अनवर (2017) विजयनगर के साथ बीजापुर के राजनयिक संबंधःएक महत्वपूर्ण सिंहावलोकन। मध्यकालीन भारत (1206 –1707) में प्रांत और क्षेत्रीय राज्यों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी उन्नत अध्ययन के केंद्र, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में, 20 –21 मार्च, 2017.

आर.के. वाटल (2017) रोगाणुरोधी गतिविधियों और व्यवस्थित रूप से विकसित नक्शे में आवश्यक तेलों की भूमिकाः एक वैश्विक हर्बल पुनर्जागरण। जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली द्वारा 12 जनवरी, 2017 को फार्माकोग्नसीः पादप रासायनिक रूप से अनवेषित औषधीय पौधों के क्षेत्र पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।

नियुक्ति का विवरण

नियुक्त किए गए छात्र – 60 (55–60प्रतिशत)

भर्ती के लिए कैम्पस में आने वाली कंपनियां –04

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

एक अनुसंधान सहायता समिति का गठन किया गया और डॉ. देवेश विजय ने जनवरी, 2017 में अपना उद्‌घाटन व्याख्यान दिया। विज्ञान शोध के लिए प्रमुख वित्तपोषक एजेंसियों का एक डाटाबेस तैयार किया गया और उसे कॉलेज की वेबसाइट पर साझा किया गया था। मानविकी और सामाजिक विज्ञान के लिए एक समान वेब लिंक भी तैयार किया जा रहा है। प्रमुख शैक्षणिक उपलब्धियां, विशेष व्याख्यान और स्टाफ के सदस्यों के प्रकाशन को उनकी अनुमति के साथ फेसबुक और कॉलेज की वेबसाइट पर साझा किया जा रहा है।

डॉ. देवेश विजय और डॉ. प्रदीप कुमार द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के बाहर व्याख्यानों और गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला, आयोजित की गई थी। महाविद्यालय के कई संकाय सदस्यों ने खुशी की तलाश, प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण, नागरिक मूल्यों, आपदा प्रबंधन, कानूनी साक्षरता और उद्यमिता कौशल की खोज जैसे विषयों पर वार्ता और व्याख्यान दिए।

इस वर्ष, कॉलेज के कुछ छात्रों के साथ कुछ संकाय सदस्यों ने अपने पड़ोस की बस्ती में स्कूल की आयु के बच्चों को उनके अपने मदरसे में सभी साप्ताहिक दिनों को अपराह्न 3 बजे से 4.30 बजे तक नियमित रूप से पढ़ाने की पहल की।

गणित विभाग के श्री विनय कुमार सिंह के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के डॉ. नवीन कुमार जैन ने वर्ष 2016 के दौरान दिल्ली गेट के अवलोकन गृह की प्रार्थना में किशोर लड़कों के विकास के लिए कई इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज के लिए कुल 14,76,000.00 रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इस वर्ष, पुस्तकालय डेटाबेस में 2,485 पुस्तकें शामिल की गई हैं। कॉलेज ने 5 नई पत्रिकाओं की सदस्यता भी ली। कॉलेज के पुस्तकालय में 11 अंग्रेजी, 8 हिंदी, 6 उर्दू और 1 बंगाली अखबार उपलब्ध हैं। इसमें 15 अंग्रेजी, 9 हिंदी, 6 उर्दू और 1 बंगाली भाषा की पत्रिकाएं भी है। वित्तीय वर्ष 2016 17 के दौरान कॉलेज लाइब्रेरी स्वचालित हो गई है। यूनिकोड भाषा की सभी पुस्तकों को उनकी मूल लिपि में दर्ज किया गया था।

संकाय की संख्या

स्थायी—144ए तदर्थ—61.

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान — 33, 10, 04,000रुपए

उपयोग किया गया — 33,10,04,000रुपए

****

विश्वविद्यालय छात्रावास/हॉल

अम्बेडकर—गांगुली महिला छात्रावास

अम्बेडकर—गांगुली महिला छात्रावास अक्टूबर 2003 में आरंभ किया गया था। इसके रखरखाव की व्यवस्था दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा की जाती है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्राओं के लिए एक बड़ा और स्वनिर्भर छात्रावास है। यह सौ आवासियों और तीन अतिथि आवासियों को समायोजित कर सकता है। इस छात्रावास को सौंदर्य की दृष्टि से दो विशाल और हवादार पक्षों में बांटा गया है। प्रत्येक शाखा में 50 कमरे हैं। छात्रावास में एक सुसज्जित कम्प्यूटर कक्ष, कॉमन रूम, जिम, अध्ययन कक्ष सह—पुस्तकालय और एक आधुनिक रसोईघर के साथ विशाल डायनिंग हॉल है। छात्रावास, विश्वविद्यालय परिसर तक जाने और छात्रावास वापस लौटने के लिए शटल बस सेवा प्रदान करता है।

प्रोवोस्ट इस छात्रावास के प्रमुख हैं और वार्डन तथा आवासी अध्यापक, कार्यालय के कर्मचारियों की सहायता से दैनिक प्रशासन संभालते हैं।

इसमें दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और इसके विभागों अर्थात् अर्थशास्त्र, भूगोल और समाजशास्त्र के स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए पचास सीटें हैं। अन्य पचास सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए आरक्षित हैं। कुल 100 सीटों में से 5% सीटें दिव्यांग श्रेणियों के लिए आरक्षित हैं। सभी सीटों

को संबंधित विभागों द्वारा प्रदान की गई मेरिट सूची के संदर्भ सहित, योग्यता के क्रम से विभिन्न विषयों के आवेदकों के बीच आवंटित किया गया है।

शैक्षणिक सत्र 2016–2017 के लिए आवेदन पत्रों की बिक्री 18 जुलाई, 2016 से आरंभ की गई। छात्रों का दाखिला 2 अगस्त से आरंभ हुआ और उसी दिन अर्थात् 2 अगस्त, 2016 से छात्रावास को फिर से खोल दिया गया।

8 अक्तूबर को स्टूडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (एसडब्ल्यूए) के चुनाव के साथ शैक्षणिक–सत्र 2016–2017 आरंभ हुआ। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, एसडब्ल्यूए के निर्वाचित कार्यकारी सदस्यों और हॉस्टल अधिकारियों की मदद से विभिन्न
सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की गई। कुछ आयोजित कार्यक्रमों की एक झलक नीचे दी गई है।

15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण और राष्ट्रीय गान का गायन हुआ, उसके बाद मिठाइयां बांटी गईं। इस दिन, छात्रावास के अधिकारियों के साथ छात्रावास स्टाफ ने मेस में साथ–साथ नाश्ता किया। 26 अक्टूबर को शानदार तरीके से फ्रेशर पार्टी मनाई गई। इस अवसर पर प्रो. दिनेश सिंह मुख्य अतिथि थे। 30 अक्टूबर 2016 को दीवाली उत्सव मनाया गया जिसमें छात्रावास भवन को प्रकाशित किया गया था और दीपों और मिठाई के साथ परंपरागत तरीके से त्यौहार मनाया गया। क्रिसमस के दिन, कैरोल गायन, छात्रों के साथ केक काट कर और क्रिसमस पेड़ को सजावटी वस्तुओं और रोशनी से सजा कर, क्रिसमस मनाया गया। 13 जनवरी, 2017 को अलाव जला कर लोहड़ी का समारोह मनाया गया था, सभी छात्राओं ने अलाव में आहुति दी। गणतंत्र दिवस को राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, राष्ट्रीय गान का गायन हुआ और आवासियों एवं कर्मचारियों में मिठाई व नाश्ता बांटा गया। इस दिन छात्रावास के अधिकारियों के साथ–साथ छात्रावास के कर्मचारियों ने साथ में नाश्ता किया।

19 फरवरी को कुछ इनडोर खेलों और एथलेटिक्स के साथ खेल दिवस का आयोजन किया गया। 13मार्च, 2017 को रंग के साथ होली (रंगों का त्योहार) मनाया गया और कर्मचारियों एवं छात्रों में मिठाई बांटी गई।

उत्सव के कार्यक्रम विभिन्न संस्कृतियों के आवासियों को साथ लाते हैं, जहां वे अपने अनुभवों को साझा कर छात्रावास में अपने प्रवास को यादगार बनाते हैं।
4 मार्च, 2017 को छात्रावास का धूमधाम और प्रदर्शन के साथ वार्षिक समारोह मनाया गया। इस अवसर मुख्य अतिथि थे गुजरात विश्वविद्यालय के पूर्व उप कुलपति प्रोफेसर आर. के. काले और सम्मानित अतिथि थीं एजीएसएचडब्ल्यू के पूर्व प्रोवोस्ट प्रो. सुभद्रा चन्नो। छात्रों ने मंच पर कई संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया, जिसकी अतिथियों द्वारा अत्यधिक सराहना की गई थी। इसके बाद एक शानदार रात्रिभोज और जाम सत्र का आयोजन किया गया था।

छात्रों की सुविधा को देखते हुए, 2016–2017 की अवधि के दौरान निम्नलिखित खरीद/सुविधाएं निर्मित की गई और छात्रावास के आवासियों के लिए प्रदान की गई हैंः एक माइक्रोओवन, एक पीए सिस्टम, एक हॉट प्लेट।

इसके अलावा, विश्वविद्यालय के पर्यवेक्षक दल के सुझाव के अनुसार सितंबर, 2016 में अनुबंध के आधार पर एक महिला सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति की गई थी।

अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास 2005 में दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर द्वारा स्थापित किया गया था, यह दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के प्रमाणित शोधार्थी और स्नातकोत्तर छात्रों को आवास की सुविधा प्रदान करता है।

छात्रावास की एकल अधिभोग के आधार पर 74 छात्रों को समायोजित करने की क्षमता को बढ़ाकर 76 छात्रों के रहने की व्यवस्था की गई है। हर कमरे में एक बिस्तर, गद्दा, पढ़ने की मेज, कुर्सी, पर्दे, आराम कुर्सी और एक सफेद बोर्ड है। छात्रावास में दो व्यक्तियों के लिए एक अतिथि कक्ष है, जो गर्मी में एयर कंडीशनर और सर्दियों में हीट कनवेक्टर के साथ ही एक डेजर्ट कूलर युक्त उपयोगिता कक्ष से सुसज्जित है।

छात्रावास में उच्च गुणवत्ता युक्त कॉमन रूम है, जिसे मनोरंजन के लिए डीटीएच सेवा सहित एक हाई डेफिनेशन टीवी सेट से सुसज्जित किया गया है। छात्रावास में दर्जनों अखबारों और पत्रिकाओं तथा टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम आदि इनडोर खेलों के लिए उत्कृष्ट खेल सुविधाओं के साथ एक अच्छा वाचनालय है। आवासियों को आसान और तेज इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए छात्रावास आधुनिक वाई–फाई सुविधा से लैस है। बेहतर सुरक्षा प्रणाली और निगरानी के लिए छात्रावास में आवश्यक स्थानों पर पांच सीसीटीवी कैमरे स्थापित किये गए हैं। सरामाती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास के साथ सहयोग से आवासियों के लिए कपड़े धोने की एक अनूठी सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। अरावली छात्रावास आईएनएसए/डीएसटी प्रेरित कार्यक्रम के अंतर्गत दक्षिणी परिसर में आने वाले प्रशिक्षुओं और विशेष रूप से गर्मियों की छुट्टी के दौरान अन्य संस्थानों के प्रशिक्षुओं को भी आवास प्रदान करता है। छात्रावास ने सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों के सुचारु संचालन और आयोजन के लिए सांस्कृतिक और खेल समिति भी बनाई गई।
छात्रावास ने सरस्वती पूजा, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और 07 अप्रैल, 2017 को सारामाटी छात्रावास के साथ मिलकर वार्षिक छात्रावास संध्या ''मिलेंगे 2017'' भी मनाया।

छात्रावास द्वारा एक भोजनालय समिति का गठन कर आवासियों को लगातार निगरानी सहित गुणवत्ता युक्त भोजन प्रदान किया जाता है। रसोई और भोजनकक्ष को डीप फ्रीजर, उच्च क्षमता युक्त रेफ्रिजरेटर, डेजर्ट कूलर, रिवर्स ऑस्मोसिस वाटर प्युरिफायर और अन्य गुणवत्ता युक्त रसोई उपकरणों से सुसज्जित किया गया है।

केंद्रीय शिक्षा संस्थान छात्रावास

केंद्रीय शिक्षा संस्थान में 1950 में स्थापित दो छात्रावास हैं, पुरुषों के लिए शक्ति भवन और महिलाओं के लिए श्री भवन। श्री भवन में आठ कमरे हैं जिनमें तेईस छात्राओं को समायोजित किया जाता है और शक्ति भवन के तीन शयनकक्षों और एक दो बिस्तर वाले कमरे में चौबीस छात्रों को समायोजित किया गया है। हॉस्टल में बी.एड., एम. एड., एम.फिल और पीएच.डी. पाठ्यक्रम के छात्रों को समायोजित किया जाता है।

छात्रावास में टीवी और पढ़ने की सुविधा के साथ एक अतिथि कक्ष है। पढ़ने की सामान्य किताबों के अलावा आवासियों के लिए आवधिक पत्रिकाएं और नियमित अखबारों की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। विभागीय व्यवस्था के माध्यम से छात्रों को खेल की सुविधा प्रदान की जाती है। आवासी छात्रावास में विभिन्न त्यौहारों को अलग–अलग ढंग से मनाते हैं। आवासी प्रत्यक्ष चर्चा, बहस, नुक्कड़ नाटक आदि के रूप में अपनी प्रतिक्रिया देते हैं। छात्रावास मेस का संचालन छात्रावास के आवासियों द्वारा किया जाता है। हर महीने दो पुरुष और दो महिला आवासियों को लेकर एक नई समिति बनाई जाती है। वे वार्डन/आवासी अध्यापक के परामर्श से छात्रावास की भोजन सूची तैयार करते हैं। यह आवासियों में अपनेपन और जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न करता है। छात्रावास में मेस समिति के अलावा, स्वच्छता और शिकायत समितियां भी हैं। छात्रावास जागरूकता और सामान्य रखरखाव से संबंधित मुद्दों के साथ समय–समय पर बैठकों का आयोजन करता है। एक पैनल चर्चा, विभिन्न मुद्दों पर दो व्याख्यान, कविता पाठ आदि का भी आयोजन किया गया।

इस वर्ष छात्रावास में चारों पुरानी वाशिंग मशीनों को बदल दिया गया और श्री भवन तथा शक्ति भवन दोनों में दो–दो नई वाशिंग मशीनें लगाई गईं। दोनों छात्रावासों के साथ–साथ मेस में आरओ द्वारा शुद्ध और वाटर कूलर के साथ संलग्न पेयजल आपूर्ति उपलब्ध है। शक्ति भवन में वाईफाई सुविधा भी उपलब्ध है।

डी.एस. कोठारी छात्रावास

डी.एस. कोठारी छात्रावास, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्लेटिनम जुबली वर्ष, 1997 में प्रख्यात भौतिक विज्ञानी और जाने–माने शिक्षाविद्, स्वर्गीय प्रोफेसर डी.एस. कोठारी के नाम पर स्थापित किया गया था। इसमें विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर और शोध छात्रों के रहने लिए दो बिस्तरों वाले 39 और एक बिस्तर वाले 19 कमरे हैं। छात्रावास की नीतियां दिल्ली विश्वविद्यालय के समग्र दिशा निर्देशों और नीतियों के अंतर्गत प्रबंधन समिति द्वारा तय की गई हैं। 1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 के दौरान छात्रावास में निम्नलिखित विकास कार्य किया गया था।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आवासियों को भारत की संस्कृति से परिचित कराने के लिए सभी राष्ट्रीय दिवस और त्यौहार मनाये गए। छात्रावास ने वार्षिक समारोह ''आहंग–2017'' का सफल आयोजन किया। छात्रावास के आवासी छात्र संघ का चुनाव सुचारु रूप से आयोजित किया गया।

इस वर्ष छात्रावास ने 6 वाशिंग मशीनें, वाटर कूलर, पोडियम, दिव्यांग आवासियों के लिए व्हील चेयर और फ्लाई कैचर खरीदा।

26 फरवरी, 2017 को आयोजित 59वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में छात्रावास को पुष्प प्रदर्शनी कप प्रदान किया गया।

सामाजिक कार्य विभाग का छात्रावास

सामाजिक कार्य विभाग (डीएसडब्ल्यू) का अपना निजी छात्रावास है। आवासियों के जीवन को समृद्ध करने के उद्देश्य से, छात्रावास स्वीकार्यता, गुणवत्ता और सहिष्णुता, अनुकूल और समुदाय आधारित जीवन मूल्यों को बढ़ावा देने पर जोर देता है। छात्रावास अपने आप में अद्वितीय है क्योंकि यह सामाजिक कार्य में एम.ए., एम. फिल. और पीएचडी का अनुसरण करने वाले पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए आवास का प्रावधान करता है। सामाजिक कार्य विभाग के सहायक प्रोफेसर, श्री प्रताप चंद्र बेहरा छात्रावास के वार्डन हैं और सामाजिक कार्य विभाग के प्रमुख, प्रो. मनोज कुमार झा प्रोवोस्ट हैं।

इस शैक्षिक सत्र के दौरान 51 एकल कमरे हैं जिनमें 98 छात्रों को समायोजित किया जा रहा है। छात्रावास के आवासियों में 39 महिलाएं और 59 पुरुष हैं। डीएसडब्ल्यू छात्रावास की अपनी निजी इंटरैक्टिव वेबसाइट http://dswh.du.ac.in है, जो ऑनलाइन प्रवेश आवेदन फॉर्म सहित छात्रावास के लिए खरीद की सभी जानकारी प्राप्त करने की सुविधा देता है। आवासियों को प्रदान की गई सुविधाओं में आर.ओ. का पेय जल, डीटीएच कनेक्शन के साथ टी वी, वाई–फाई इंटरनेट की सुविधा, सोफा सेट, समाचार पत्र स्टैंड और डिजिटल घड़ी आदि के साथ एक वातानुकूलित आम कमरा है।

छात्रावास अग्नि सुरक्षा प्रावधानों से सुसज्जित है, छात्रावास में दिव्यांगों के अनुकूल प्रवेशद्वार और रैंप भी हैं।

छात्रावास ने 9 सितंबर 2016 को छात्रावास यूनियन क्लब के सदस्यों का चुनाव किया। सदस्यों को निर्विरोध रूप से चुना गया। इसके अतिरिक्त, छात्रावास यूनियन क्लब ने स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, लोहड़ी, होली, ईद, दीवाली, जैसे विभिन्न त्योहार भी मनाए।

गीतांजलि छात्रावास

गीतांजलि छात्रावास दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर में स्थित एक स्नातकोत्तर छात्रावास है जिसमें 51 कमरे हैं। यहां स्नातकोत्तर कर रही या पीएचडी/एमफिल कार्यक्रम के लिए पंजीकृत लगभग 100–105 लड़कियों को साथ रहने के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। कुछ विदेशी विद्वानों को भी यहां आवास प्रदान किया गया है।

छात्रावास ने 24 मार्च, 2017 को अपनी वार्षिक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया। हर वर्ष की तरह चित्रांकन, हिंदी और अंग्रेजी में रचनात्मक लेखन, कोलाज, फोटोग्राफी और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और वार्षिक दिवस समारोह के दौरान आवासियों को पुरस्कार दिए गए। आवासियों ने अत्यधिक उत्साह के साथ क्रिसमस, लोहड़ी, होली और दीवाली जैसे त्योहार मनाए। उन्होंने बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा का भी आयोजन किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रोवोस्ट द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर बड़े उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया, जिसके पश्चात् छात्रों द्वारा देशभक्ति विषय पर एक छोटा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें स्वतंत्रता पर कविताएं और गीत प्रस्तुत किए गए।
छात्रावास में 10 नवम्बर, 2016 को डब्लूयूएस स्वास्थ्य केंद्र, मैक्स हॉस्पिटल और हार्ट इंस्टीट्यूट, साकेत के सहयोग से एक निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। आवासियों और कर्मचारियों ने उत्साह के साथ इसमें भाग लिया और अन्य छात्रों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

छात्रावास के छात्रों और कर्मचारियों ने ''स्वच्छ भारत अभियान'' में सक्रिय रूप से भाग लिया और हर महीने सफाई अभियान में भाग लेना जारी रखा।

ग्वेयर हॉल

ग्वेयर हॉल दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों का सबसे पुराना और प्रतिष्ठित छात्रावास है। 1937 में 26 छात्रों के साथ इसे स्थापित किया गया था और उस समय इसे ''लॉ हॉल'' कहा जाता था। उसी वर्ष, भवन के दो पक्षों का निर्माण पूरा हो गया, और 48 आवासियों को भर्ती किया गया। उसी वर्ष इसका नाम फिर से बदल कर ''लॉ हॉल'' से ''यूनिवर्सिटी लॉजिंग हाउस'' कर दिया गया। इसे 1941–42 में इसका निर्माण पुनः आरंभ किया गया था और इसे ''यूनिवर्सिटी लॉजिंग हाउस''कहा जाता है। हॉल का निर्माण 1948 में पूरा हुआ था और उस वर्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय के उप–कुलपति (1938– 52) और तत्कालीन भारतीय संघीय न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सर मॉरिस ग्वेयर द्वारा प्रदान की गई सेवाओं को ध्यान में रख कर ''यूनिवर्सिटी हॉल'' का नाम बदलकर ''ग्वेयर हॉल'' कर दिया गया था।

इस छात्रावास की एक अद्वितीय विशेषता है कि यहां छात्र और संकाय सदस्य साथ रहते और साथ में भोजन करते हैं।. इन वर्षों में ग्वेरियनों नें भारत और विदेशों में जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। छात्रावास यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाता है कि इसकी वर्षों से चली आ रही भावना और समृद्ध विरासत को बचाए रखा जाए और यह आगे पनपना जारी रखे।

प्रवेशः चालू शैक्षणिक वर्ष 2016–2017 के दौरान इस हॉल में प्रवेश के लिए एक विशाल भीड़ रही और विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर, एलएलबी, सीआईसी, एम.फिल., पीएच.डी., बी.एड. तथा एम.एड. पाठ्यक्रम के छात्रों से

लगभग 800 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे। प्रवेश समिति ने सावधानी पूर्वक जांच के बाद, विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की खाली सीटों को भरा। प्रवेश विशुद्ध रूप से योग्यता के आधार पर प्रदान किया गया था।

विकास– छात्रावास छात्रों के लिए एक डिजिटल पुस्तकालय बना रहा है। छात्रों के कॉमन रूम में एक नया टीवी भी लगाया गया है। दिव्यांग छात्रों के लिए एक ह्वील चेयर भी खरीदी गई है। व्यायामशाला के आसपास की जगह पर पत्थर लगाए गए हैं और छात्रावास के परिसर में कुछ अन्य क्षेत्रों को भी सीमेंट से पुख्ता किया गया है। कैंटीन और जिमनेजियम के बाहर के क्षेत्र को भी विकसित किया गया है।

संघ के चुनावः सत्र के दौरान ग्वेयर हॉल में छात्र संघ के विभिन्न पदों के लिए संघ का चुनाव लिंगदोह समिति के प्रावधान के अनुसार शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किया गया। आवासी और संघ के प्रतिनिधि शांतिपूर्ण और दोस्ताना माहौल बनाए रखने में सक्रिय रहे।

स्वच्छता उपाय–स्वच्छता सुविधाओं को बढ़ाने के लिए, समय–समय पर ऊपर के पानी के टैंकों को साफ किया गया है। प्राथमिकता के आधार पर रसोई, पैंट्री, स्टोर और शौचालय सहित हॉल के सभी स्थानों पर साफ–सफाई सुनिश्चित करने के उपाय किए गए हैं।

त्योहार और उत्सव–ग्वेयरहॉल ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 57वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया और वर्ष 2016–2017 के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

हॉल के आवासियों ने बुद्ध पूर्णिमा, स्वतंत्रता दिवस, दीवाली, क्रिसमस, नव वर्ष, गणतंत्र दिवस, सरस्वती पूजा, ईद–उल–फितर, होली और बी.आर. अम्बेडकर जयंती जैसे मौकों पर विभिन्न समारोहों का आयोजन किया।

ग्वेयर हॉल ने विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात प्रोफेसरों द्वारा समय–समय पर विभिन्न विषयों पर सामयिक भाषणों का आयोजन किया।

वाई–फाई – विश्वविद्यालय द्वारा हॉल के आवासियों को वाई–फाई की सुविधा प्रदान की गई है।

खेल– आवासियों ने ग्वेयरहॉल के छात्रसंघ द्वारा आयोजित अंतर–छात्रावास वॉलीबाल, क्रिकेट, फुटबालए टेबल टेनिस और बैडमिंटन टूर्नामेंट में भाग लिया।

नए उपकरण– दो नए कंप्यूटर और दो कार्यालय टेबल खरीदे गये हैं।
दिव्यांग आवासियों के लिए सुविधाएं– दिव्यांग छात्रों के लिए शौचालय बनवाए गए हैं और रैंप का निर्माण भी किया गया है। दिव्यांग छात्र सात कमरों, जिमनाजियम और अध्ययन कक्ष का उपयोग कर साते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास

1964 में विदेशी छात्रों और स्नातकोत्तर भारतीय छात्रों के लिए भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, विदेश मंत्रालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का छात्रावास स्थापित किया गया था। इसमें 98 कमरे हैं और सभी कमरे एक व्यक्ति के रहने के लिए हैं। शैक्षणिक वर्ष 2016–17 के दौरान 30 भारतीय छात्रों के अलावा 30 देशों के 68 विदेशी छात्रों को इस छात्रावास में प्रवेश दिया गया है, जो अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय संस्कृति का एक समामेलन और विविध पच्चीकारी प्रस्तुत करता है। अपनी अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति के कारण, आईएसएच दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रावास

प्रणाली में एक विशेष स्थान रखता है। छात्रावास के वर्तमान प्रशासन में प्रोवोस्ट के रूप में प्रोफेसर राजीव गुप्ता और वार्डन के रूप में प्रोफेसर महेंद्र नाथ भी शामिल हैं।

आवासियों ने मंगलवार, 10 नवंबर, 2016 को अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के छात्रावास संघ के लिए श्री केशव रामशाह (मॉरिशस के नागरिक) को अपना अध्यक्ष, श्री सौरभ गर्ग (भारतीय नागरिक) को सचिव और श्री ईशान राज पोखरेल (नेपाल के नागरिक) को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया। छात्रावास की सांस्कृतिक, खेल, मेस, हाउस, कॉमन रूम, कम्प्यूटर कक्ष और अन्य गतिविधियों की देखरेख के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया। अपनी स्थापना के बाद से आईएसएच अपने विविध सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए प्रशंसित रहा है। छात्रावास संघ ने 2016–2017 में निम्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कियाः–

- 14 जनवरी, 2017 को नए छात्रों के स्वागत की पार्टी के साथ हाउस संघ के उद्‌घाटन का आयोजन किया गया।
- छात्रावास ने अत्यंत आनन्द और उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस, दीपावली, क्रिसमस, नव वर्ष दिवस, गणतंत्र दिवस, लोहड़ी, स्वामी विवेकानंद जयंती, ईद–उल–फितर, ईद–उल–जोहा, सरस्वती पूजन और होली मनाई। इन अवसरों ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को भारतीय संस्कृति के बारे में जानने का अवसर दिया और भारतीय छात्रों को विदेशी संस्कृतियों के बारे में जानकारी प्रदान की।
- अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के छात्रावास के संघ ने 2017 के फरवरी महीने में इंट्रा–अंतर छात्रावास आईएसएच खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- आईएसएच ने 25 फरवरी, 2017 को अपना 53वां वार्षिक दिवस समारोह मनायाए जिसे ''मील का पत्थर 17'' नाम दिया गया। श्री लंका के लोकतांत्रिक समाजवादी गणराज्य की उच्चायुक्त महामहिम श्रीमती चित्रांगनी इस समारोह की मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम के दौरान, पूर्व छात्रों से मिलन समारोह का आयोजन किया गया और योग्य आवासियों को खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए विभिन्न पुरस्कार, सम्मान और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। भारत, श्रीलंका, फिजी, इथियोपिया, कंबोडिया, इंडोनेशिया, नेपाल, मॉरिशस, अफगानिस्तान, थाईलैंड और नाइजीरिया सहित विभिन्न देशों के छात्रों और कलाकारों ने सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कार्यक्रमों के साथ दर्शकों का मनोरंजन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के कई विशिष्ट अतिथियों और राजनयिकों ने भी इस रगारंग समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर मेहमानों और आवासियों के लिए एक विशेष डिनर आयोजित किया गया था।

इस वर्ष आवासियों के लिए सेवाओं में कई सुधार किए गए, उनके लिए दो अतिरिक्त गीजर, कंक्रीट की चार बेंचें (तीन सीट वाली), अध्ययन कक्ष के लिए कुर्सियां, एक बिजली का तंदूर, टोस्टर और भोजन कक्ष के लिए एक रूम कूलर खरीदा गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास

महिलाओं के अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास द्वारा आयोजित गतिविधियों के केंद्र में उसका बहुसांस्कृतिक चरित्र है। 32 से अधिक देशों की आवासी छात्राएं सद्‌भाव और मित्रता की भावना के साथ अपने सांस्कृतिक उत्सवों और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय त्यौहारों को संयुक्त रूप से मनाती हैं। ध्यान विविधता में एकता पर केंद्रित होता है।

पिछले वर्ष की तरह, 2016–17 में छात्रावास के छात्रावास प्रशासन ने निम्न सुविधाओं को बहाल करने/या बढ़ाने का फैसला किया हैः –

- मेस में वोल्टास के 2 टन के 02 स्प्लिट एसी
- 04 प्रेशर पम्प

छात्रावास में आवासियों को निम्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं:-

- छात्रावास में एक व्यक्ति के लिए बिस्तर, आलमारी, गद्दे, पर्दे, पढ़ने की मेज कुर्सी आदि से सुसज्जित 98 कमरे हैं।
- पूरी तरह वातानुकूलित लाइब्रेरी, कॉमन रूम, टी.वी रूम, लाउंज रूम आदि।
- पूरे छात्रावास परिसर में वाई–फाई कनेक्शन उपलब्ध है।
- सभी मंजिलों पर आरओ वाटर कूलर उपलब्ध हैं।
- चारों मंजिलों पर शाकाहारी एवं गैर–शाकाहारी आवासियों के लिए इलेक्ट्रिक हीटर, माइक्रोवेव, पानी निकालने वाली मशीन, इलेक्ट्रिक केतली और दो फ्रिज के साथ पूरी तरह सुसज्जित अलग–अलग पैन्ट्री।
- गीजर और सौर प्रणाली के जरिये गर्म पानी उपलब्ध कराया जाता है।
- सभी आवासियों के कपड़े लांड्री रूम में हमारे लांड्री परिचारक द्वारा धोए जाते हैं जिसमें छह (06) पूरी तरह से स्वचालित वाशिंग मशीनें लगी हैं।
- कपड़े इस्त्री करने के लिए अलग कमरा भी उपलब्ध है।
- छात्रावास में अपना निजी जिम है।
- नेस्केफे वेंडिंग मशीन
- पूरी तरह वातानुकूलित भोजनालय
- बिजली बंद होने या बिजली की कटौती के दौरान छात्रावास के पूरे परिसर में अपने निजी जेनसेट के माध्यम से चौबीस घंटे बिजली उपलब्ध कराता है।
- छात्रावास चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान करता है।
- छात्रावास समय–समय पर सभी एहतियाती उपाय बरतता है, गेट पर सीसीटीवी भी स्थापित किया गया है।

शैक्षणिक सत्र 2016–17 के निम्नलिखित गतिविधियों/त्योहारों के साथ आरंभ हुआ:–

06–07–2015 को ईद उल फितर मनाया गया, रमजान के दौरान उपवास करने वाली लड़कियों को ध्यान में रखकर विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया गया था और मिठाई वितरित की गई। ध्वजारोहण, राष्ट्रीय गान के गायन और विशेष नाश्ते और रात के खाने के साथ भारतीय स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। 24–10–2016, शुक्रवार को छात्रावास के लाउंज रूम में उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शनिवार, 01–10–2016 को विशेष रात्रि भोज साथ एक फ्रेशर पार्टी (2016–17) आयोजित की गई थी। शुक्रवार, 28–10–2016 को छात्रावास में बहुत धूमधाम के साथ दीवाली मनाई गई। दिवाली से एक दिन पहले, छात्रावास को रोशनी से सजाया गया था। रोशनी, पटाखों और एक भव्य रात्रिभोज और पूजा के बाद एक शानदार रात्रिभोज के बाद एक औपचारिक पार्टी आयोजित की गई थी और अधिकांश आवासियों ने पारंपरिक भारतीय परिधानों में सज कर डांस फ्लोर पर नृत्य किया। एक जाम सत्र के साथ शाम का समापन हुआ। क्रिसमस उत्सव और आनन्द का समय है। क्रिसमस कैरोल, एक अलाव, नृत्य और संगीत ने सभी को क्रिसमस की भावना से भर दिया।नए साल के आगमन का जश्न मनाने के लिए शनिवार, 31–12–2016 को छात्रावास में एक नववर्ष पार्टी का आयोजन किया गया था।

एक अलाव और नृत्य के साथ लोहड़ी मनाई गई। 26–01–2017, वृहस्पतिवार को ध्वजारोहण, राष्ट्रीय गान के गायन के समथ गणतंत्र दिवस मनाया गया, जिसके बाद भोजन कक्ष में विशेष जलपान का आयोजन किया गया।

सुबह 9:00 के बाद आईएसएचडब्ल्यू आवासियों के बीच प्रतियोगिता, खेल और अन्य विभिन्न गतिविधियों के साथ खेल दिवस की गतिविधियाँ आरंभ हुईं। इसके पश्चात् विशेष नाश्ता और जलपान आदि की व्यवस्था थी। वृहस्पतिवार, 23–02–2017 को वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें आईएसएचडब्ल्यू ने सबसे अच्छे माली का पुरस्कार जीता। 13–03–2017 को होली मनाई गई। हल्के नाश्ते और रात्रिभोज के साथ होली मिलन का उत्सव मनाया गया।

शनिवार, 11–02–2017 को शाम 6.00 बजे से वार्षिक अतिथि रात्रि समारोह आयोजित किया गया था। इस साल का विषय था ''सतरंगी''। सचिव एम एवं ए के महानिदेशक, आईसीआरआर श्री अमरेन्द्र खाटुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे और दिल्ली विश्वविद्यालय के मानविकी विज्ञान विभाग से आईएसएचडब्ल्यू के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक प्रोफेसर एस. एम. पटनायक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की थी।
आईआईएम बेंगलौर, राज्यसभा सांसद, प्रोफेसर राजीव गंडा एवं पूर्व संसद सदस्य श्री संदीप दीक्षित इस समारोह के सम्मानित अतिथि थे।
दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के आवासियों और विभिन्न दूतावासों के राजनयिकों और आवासियों के दोस्तों सहित 400 से अधिक अतिथि आमंत्रित किए गए थे। विश्वविद्यालय के कई अतिथि इस अवसर पर उपस्थित थे।
एसडब्ल्यूए के सदस्यों ने रविवार, 09–04–2017 को छात्रावास में एक पूल पार्टी का आयोजन किया, जिसके बाद हल्के जलपान की व्यवस्था की गई थी।
वर्ष 2016–17 के आवासियों ने निवर्तमान आवासियों के लिए एक विदाई पार्टी आयोजित की थी, जिसमें उन्होंने छात्रावास में बिताए गए अद्भुत समय का वर्णन किया था।

जुबली हॉल छात्रावास

जुबली हॉल दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक स्नातकोत्तर और शोध छात्रों के लिए निवास का एक प्रमुख स्थान है। इसे 1947 में विश्वविद्यालय की रजत जयंती के अवसर पर स्थापित किया गया था। हॉल का आंतरिक प्रशासन और अनुशासन प्रोवोस्ट संभालते हैं, जिन्हें एक वार्डन और एक आवासी अध्यापक द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

हॉल में कई गतिविधियों का आयोजन किया गयाः

- जुबली हॉल पहला स्नातकोत्तर हॉल/छात्रावास है, जिसने 2016 से आवासियों के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क संग्रह आरंभ किया है।
- इस वर्ष भी इसके बहुत से आवासियों का भारत सरकार की अखिल भारतीय प्रतिस्पर्धी सेवाओं में उच्च पदों के लिए चयन हुआ और इसने अपना पूर्व गौरव बनाए रखा।
- सद्भाव और ''विविधता में एकता'' के अपनी बुनियादी चरित्र को बनाए रखने के लिए हॉल में सरस्वती पूजा, होली, ईद, स्वतंत्रता दिवस, दीवाली और क्रिसमस अर्थात् सभी त्योहारों को बहुत उल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया।

मानसरोवर छात्रावास

मानसरोवर छात्रावास पूर्ण कालिक स्नातकोत्तर और शोध–छात्रों का छात्रावास है, इसमें भारत के विभिन्न भागों और विदेशों से दिल्ली विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा के लिए आने वाले 165 आवासियों को समायोजित करने की क्षमता है।

प्रोवांस्ट छात्रावास के प्रशासनिक प्रमुख हैं। प्रशासनिक प्रयोजनों के लिए, उन्हें वार्डन और आवासी अध्यापक द्वारा सहायता प्रदान की जाती है, जो क्रमशः छात्रावास के दैनन्दिन कार्यों के प्रभारी, और पाठ्येतर गतिविधियों तथा आवासियों के सामान्य कल्याण के मामलों की देखरेख करते हैं। प्रोवोस्ट, वार्डन और आवासी अध्यापक की नियुक्ति विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की ओर से कुलपति द्वारा की जाती है।

छात्रावास में प्रवेश और पंजीकरण के लिए कुल 800 आवेदन पत्र मुद्रित किये गए और इनमें से 717 आवेदन पत्र, विभिन्न आवेदकों को बेचे गए थे। छात्रावास कार्यालय में प्रवेश पाने के इच्छुक आवेदकों से 576 आवेदन पत्र प्राप्त किये गए। रिक्ति के अनुसार 65 छात्रों को प्रवेश दिया गया। विभिन्न श्रेणियों के आवासियों का विवरण इस प्रकार हैः

आवासियों की कुल संख्याः 165; सामान्य/अपिव के छात्रः 112; अजा छात्र: 25; अजजा छात्र: 12 ; विदेशी छात्रः 08; दिव्यांग छात्रः 08।

उपलब्धियाँ/विकास

नए फर्नीचर के साथ 03 अतिथि कक्षों को पुनर्सज्जित किया गया, आवासियों के कॉमन रूम में पूरा एचडी नया टीवी लगाया गया, छात्रावास पूरी तरह से वाई–फाई सक्षम परिसर बन गया है, छात्रावास के परिसर में कैंटीन और फोटोकॉपी की दुकान सफलता से चल रही है।

अन्य गतिविधियां

- स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रोवोस्ट, प्रोफेसर हिरापॉल गंगनेगी ने डॉ. संजय राय (वार्डन), सैफुद्दीन अहमद (आवासी शिक्षक), छात्रावास के आवासियों, कर्मचारियों और मेहमानों की उपस्थिति में राष्ट्रीयध्वज फहराया। छात्रावास के परिसर में दशहरा, दीवाली, होली, ईद, सरस्वती पूजा, क्रिसमस, गांधी जयंती और अम्बेडकर जयंती जैसे त्यौहार भी मनाए गए।
- छात्रावास के आवासियों के संघ ने पूर्व छात्रों एवं अन्य अतिथियों को आमंत्रित कर फ्रेशर पार्टी और नव वर्ष समारोह का आयोजन किया। इसने 04 मार्च 2017 को छात्रावास के वार्षिक उत्सव ''स्पंदन 2017'' का भी आयोजन किया।
- वर्ष के दौरान हॉस्टल के आवासियों ने विभिन्न आउट–डोर और इनडोर खेलों में भाग लिया।

मेघदूत छात्रावास

26 अगस्त 1989 को मेघदूत छात्रावास की आधारशिला रखी गई थी और 23 सितंबर 1992 को इसका उद्घाटन संपन्न हुआ। छात्रावास में 100 आवासियों के रहने की व्यवस्था है। इसमें 100 कमरों वाले दो ब्लॉक हैं। मेघदूत छात्रावास ने 2016–2017 के शैक्षणिक वर्ष के दौरान कई गतिविधियां और उत्साही नवाचार प्रारंभ किए। उनमें से कुछ प्रमुख गतिविधियां नीचे सूचीबद्ध हैंः

मेघदूत छात्रावास के आवासियों और कर्मचारियों ने ''सतत खपत और उत्पादन'' विषय के अंतर्गत 5 जून 2016 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। विषय का नारा था ''सात अरब सपने, एक ग्रह, सावधानी से उपभोग करें''। सभी कर्मचारियों और आवासियों ने इस अवसर पर पेड़–पौधे लगाए। 15 अगस्त 2016 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। प्रोवोस्ट द्वारा तिरंगा ध्वज फहराया गया। 2 अक्टूबर को कमरों की सफाई कर स्वच्छता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आवासियों और कर्मचारियों ने प्रोवोस्ट और वार्डन के साथ कमरों और लॉन की सफाई की तथा स्वच्छता का संकल्प लिया गया।

छात्रावास के आवासियों ने 11 अक्टूबर 2016 को विशेष रात्रिभोज और *रावणदहन* के साथ शानदार तरीके से दशहरा उत्सव मनाया। 30 अक्टूबर 2016 को आलोक–पर्व दीपावली मनाया गया। आवासियों के लिए एक शानदार समय था और आवासियों ने पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाने का फैसला किया और पटाखे नहीं जलाए।

25 दिसंबर 2016 को आवासियों ने विशेष रात्रिभोज और केक के साथ क्रिसमस मनाया। विशेष रात्रिभोज और आवासियों के बीच ''उपहार विनिमय'' के साथ समारोह समाप्त हुआ। इसके साथ ही एक अद्भुत वर्ष 2016 का अंत हुआ। मेघदूत छात्रावास परिवार में नए आवासियों के स्वागत के लिए 10 नवम्बर 2016 को छात्रावास संघ के वरिष्ठ छात्रों द्वारा एक विशेष फ्रेशर पार्टी आयोजित की गई। 30 नवंबर 2017 को मेघदूत छात्रावास छात्र संघ कार्यालय पदाधिकारियों अर्थात् अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सांस्कृतिक सचिव, मेस सचिव और खेल सचिव का चुनाव हुआ था।

लोहड़ी, पोंगल और बिहू के उत्सवः आवासियों ने पवित्र अग्नि की परिक्रमा कर एक–दूसरे को खुशी और समृद्ध वर्ष की शुभकामना देते हुए साथ मिलकर त्यौहार मनाया। वार्डन और प्रबंधक ने पवित्र आग जलाई और सभी आवासियों द्वारा एक पंजाबी लोक नृत्य सत्र के बाद प्रसाद बांटा गया।
26 जनवरी 2016 को गणतंत्र दिवस मनाया गया। वार्डन द्वारा तिरंगा ध्वज फहराया गया और उन्होंने एक उत्साह एवं देशभक्ति पूर्ण भाषण दिया। खेलों का आयोजन किया गया जिसमें सर्प–दौड़, तीन पैरों की दौड़ और रस्सी खींचना आदि कई खेल शामिल थे। 12 फरवरी 2016 को आवासियों ने बसंतपंचमी मनाई। सभी आवासियों ने ज्ञान की देवी माता सरस्वती की पूजा की। सभी आवासियों और छात्रावास के कर्मचारियों में प्रसाद वितरित किया गया था।

मेघदूत छात्रावास ने फूलों और लॉन की विभिन्न प्रविष्टियां देकर 23 फरवरी, 2016 को आयोजित 59 वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया और कार्यक्रम में एम.एम. बेग ट्रॉफी और हंसराज कॉलेज कप, श्रीराम वाणिज्य कॉलेज कप, ट्रेजर कप प्राप्त किया और प्रिंसिपल एस.एस.एन कॉलेज के साथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग कप के सहविजेता रहे।

26 फरवरी, 2017 को छात्र संघ द्वारा छात्रावास का बहुप्रतीक्षित समारोह अर्थात् *इस्कारा–2017* आयोजित किया गया और सभी आवासियों ने इसमें उत्साह सहित भाग लिया। वार्षिक रात्रि उत्सव का विषय महिला सशक्तिकरण था। हॉस्टल की वार्षिक रात्रि उत्सव को प्रकाशित करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में माया जॉन को आमंत्रित किया गया था।

20 मार्च 2017 को आवासियों ने छात्रावास परिसर में रंग के साथ होली का त्योहार मनाया। सभी ने सुरक्षित और रंगीन होली खेली। आवासियों ने इसका भरपूर आनंद उठाया। 17 अप्रैल 2017 को बैच 2016–2017 के वरिष्ठों को जूनियरों द्वारा विदाई दी गई थी। वरिष्ठों को उपहार दिए गए और एक विशेष रात्रिभोज तथा नृत्य पार्टी का आयोजन किया गया था।

पूर्वोत्तर महिला छात्रावास

पूर्वोत्तर की छात्राओं के लिए महिला छात्रावास की स्थापना 2002 में की गई थी।

प्रवेशः पूर्वोत्तर महिला छात्रावास में छात्राओं के लिए 101 कमरे और 1 अतिथि कक्ष है, जिनमें से 70 प्रतिशत सीट पूर्वोत्तर क्षेत्र के सात राज्यों के छात्रों के लिए आरक्षित हैं, और 30 प्रतिशत अन्य राज्यों की छात्राओं के लिए उपलब्ध हैं।

छात्रावास में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया और अतिथियों को आमंत्रित किया। विवरण निम्नानुसार हैं: 15 अगस्त 2016 को, छात्रावास में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। प्रोवोस्ट, वार्डन, आवासी शिक्षक, कार्यालय के कर्मचारी और ओवासियों की उपस्थिति में हाउसकीपर द्वारा ध्वज फहराया गया था। छात्रावास के पुराने आवासियों ने 21 नवंबर 2016 को नए आवासियों के लिए एक स्वागत पार्टी का आयोजन किया। रात्रिभोज और नृत्य के बाद कई खेलों का आयोजन किया गया। 30 अक्टूबर, 2016 को दीवाली का त्यौहार मनाया गया। छात्रावास को रोशनी और दीपों से जगमगा रहा था, आवासियों ने फूलों और रंगोली से सजावट की थी। आवासियों में मिठाई बांटी गई।

13 जनवरी, 2017 को आवासियों द्वारा लोहड़ी मनाई गई और क्रिसमस के बाद केक काटा गया, गायकों के एक समूह द्वारा गायन और उपहार के आदान–प्रदान के साथ समारोह मनाया गया। 13 जनवरी, 2017 को छात्रावास में गणतंत्र दिवस और खेल दिवस भी मनाये गए। वार्डन और कार्यालय के कर्मचारियों की उपस्थिति में शारीरिक रूप से विक्लांग लोगों द्वारा ध्वज फहराया गया था। छात्रावास रात्रि के लिए धन जुटाने के लिए आवासियों ने एक खाद्य उत्सव का आयोजन किया था। 10 मार्च, 2017 को छात्रावास रात्रि का उत्सव मनाया गया। पूर्वोत्तर पुलिस अकादमी के निदेशक, आईपीएस, डी. आर. डोले बर्मन इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। छात्रावास के कनिष्ठ आवासियों ने 13 अप्रैल, 2017 को पुराने आवासियों के लिए एक विदाई समारोह आयोजित किया।

छात्रावास निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है:

केबल कनेक्शन, एलईडी टीवी, डीवीडी प्लेयर और म्यूजिक सिस्टम से सुसज्जित एक कॉमन रूम। यहां शतरंज, कैरम, जैसे बोर्ड खेल भी उपलब्ध हैं। पत्रिकाओं, समाचार पत्र आदि के साथ एक वाचनालय, जिसका आवासियों द्वारा अध्ययन प्रयोजनों के लिए इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। आगंतुकों और आवासियों के लिए एक विस्तृत लॉबी है। पूर्ण स्वचालित वाशिंग मशीनों से लैस एक कपड़े धोने का कमरा, वजन करने की मशीन, स्टेपर, साइकिल आदि से सुसज्जित आवासियों द्वारा सुबह 7:30 बजे से रात 9:00 बजे के बीच उपयोग के लिए एक जिम है। एक आउटडोर बैडमिंटन कोर्ट भी उपलब्ध है। आवासियों के लिए विभिन्न मंजिलों पर कुल 4 हॉट प्लेटें वितरित हैं। कॉमन रूम के पास आवासियों द्वारा उपयोग के लिए गैर–शाकाहारियों के लिए तीन और शाकाहारियों के लिए दो रेफ्रिजरेटर रखे हैं। डायनिंग हॉल में एक एलईडी टीवी है। एक सुव्यवस्थित वाटिका छात्रावास का वैशिष्ट्य है। छात्रों को छात्रावास से दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर के ढका परिसर में लाने और वापस छात्रावास लाने के लिए एक बस सेवा है। ब्रॉडबैंड कनेक्शन के साथ 12 कंप्यूटर एक वातानुकूलित कम्प्यूटर कक्ष में रखे गए हैं। सौर ऊर्जा के माध्यम से 24 घंटे गर्म पानी की आपूर्ति की जाती है। आवासियों द्वारा उपयोग के लिए गर्म और ठंडे पानी के दो जल वितरक उपलब्ध हैं। आवासियों के लिए चार माइक्रोवेव ओवन भी उपलब्ध हैं।

स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

24 अक्टूबर 1975 को तत्कालीन कुलपति, प्रोफेसर आर. मेहरोत्रा द्वारा एकल बिस्तर वाले सौ कमरों के इस छात्रावास का उद्घाटन किया गया था। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के 100 प्रामाणित पूर्णकालिक, स्नातकोत्तर छात्रों के लिए बोर्डिंग, लॉजिंग और अन्य सुविधाएं प्रदान करता है। इसमें साठ सीटों की क्षमता वाला पुस्तकालय है, इंटरनेट से जुड़े बीस कंप्यूटरों और हैवी ड्यूटी प्रिंटर के साथ एक कंप्यूटर प्रयोगशाला है, सभी वातानुकूलित हैं, एक आधुनिक जिम, अर्ध स्वचालित वाशिंग मशीन वाले एक कपड़े धोने का कमरा, सौर जल गीजर, एक अखबार कक्ष, एक पत्रिका कक्ष, एक छोटी कैंटीन, एक फोटोकॉपी आउटलेट और दो बैडमिंटन कोर्ट हैं।

वर्ष 2016–17 के दौरान, निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:

- 14.04.2016 को अंबेडकर जयंती के अवसर पर सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. मनोज झा, द्वारा व्याख्यान ।

• 22.04.2016 को ''मेक इन इंडियाः द रोड टू डेवलपमेंट'' विषय पर अजीत सिंह यादव मेमोरियल वाद–विवाद आयोजित किया गया।

• 17.05.2016 को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर बौद्ध अध्ययन विभाग के प्रो. एच.पी. द्वारा गंगानेगी द्वारा व्याख्यान।

• 27.06.2016 को ईद और इफ्तार आयोजित पार्टी की गई।

• 15.08.2016 अर्थात् स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया था।

•भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए ''स्वच्छ भारत अभियान'' के भाग के रूप में 2 अक्टूबर 2016 को छात्रावास में कर्मचारियों और आवासियों ने एक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। छात्रावास प्रशासन और छात्रावास के आवासियों द्वारा 20 पौधे लगाए गए थे।

• सत्र 2016–17 के लिए छात्रावास में प्रवेश आरंभ किया गया।

• 26.10.2016 को फ्रेशर स्वागत पार्टी/डीजे रात्रि आयोजित की गई।

• 30.10.2016 को छात्रावास द्वारा दिवाली का त्योहार मनाया गया।

• 31.12.2016 को नववर्ष की पूर्वसंध्या पर छात्रावास द्वारा डीजे नाइट आयोजित किया गया।

• 13.01.2017 को छात्रावास में लोहड़ी का त्योहार मनाया गया।

• 26.01.2017 अर्थात् गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया था।

• 30.01.2017 को छात्रावास परिषद के चुनाव आयोजित किए गए थे।

• 01.02.2017 को सरस्वती पूजा की गई थी।

• 13.03.2017 को होली उत्सव मनाया गया।

• 24.03.2017 से 26.03.2017 तक अंतर छात्रावास क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

राजीव गांधी स्नातकोत्तर महिला छात्रावास

राजीव गांधी महिला छात्रावास (आरजीएचजी), ढाका हॉस्टल कॉम्प्लेक्स, मुखर्जी नगर में स्थित एक विशाल और सुन्दर छात्रावास है। छात्रावास भवन का निर्माण, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास (एमडीओएनईआर/एनईसी) और जनजातीय मामलों के मंत्रालय (एमटीए) की वित्तीय सहायता से किया गया था। उप कुलपति, प्रो. दिनेश सिंह ने 28 जून 2012 को छात्रावास परिसर का उद्घाटन किया। इस छात्रावास ने जुलाई 2012 में काम करना शुरू कर दिया।

छात्रावास परिसर दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने वाली पूर्वोत्तर और भारत के अन्य हिस्सों की छात्राओं (स्नातकोत्तर और शोध विद्वानों) के लिए एक आत्मनिर्भर आवास है। छात्रावास को 8 समूहों में विभाजित किया गया है, प्रत्येक भाग में पानी की आपूर्ति, विश्राम कक्ष आदि की अलग व्यवस्था है। प्रत्येक समूह में चार मंजिलें हैं, जिसमें हर दूसरी मंजिल पर पेंट्री सुविधा है, कुछ आपातकालीन खाद्य तैयारी के लिए आवासियों द्वारा इसका इस्तेमाल किया जाता है।

प्रशासन और प्रबंधन

छात्रावास को विश्वविद्यालय द्वारा गठित एक प्रबंध समिति द्वारा प्रबंधित किया जाता है। प्रबंध समिति के अध्यक्ष को माननीय उप कुलपति द्वारा नामित किया जाता है। शुल्क संरचना, संविदात्मक कर्मचारियों की नियुक्ति के संबंध में प्रमुख प्रशासनिक निर्णयों, आवासियों से संबंधित कुछ मुद्दों पर प्रबंध समिति द्वारा चर्चा की जाती है। प्रशासनिक मुद्दों को व्यवस्थित करने और छात्रावास के कामकाज के बारे में प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में, प्रबंधन समिति के साथ कम से कम दो नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं। छात्रावास का आंतरिक प्रशासन

और अनुशासन प्रोवोस्ट के अधीन है। प्रोवोस्ट को वार्डन और आवासी शिक्षकों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है और ये दैनिक गतिविधियों की निगरानी भी करते हैं।

अनुभाग अधिकारी और जूनियर सहायक के स्तर पर अनुबंधित कार्यालय स्टाफ द्वारा प्रशासनिक सहायता प्रदान की जाती है। पानी, बिजली, नागरिक कार्य आदि जैसी सभी आवश्यक सेवाओं का ध्यान रखने के लिए दो केयरटेकर कार्यरत हैं। आवासियों के मेस और उपस्थिति पर निगरानी रखने की जिम्मेदारी हाउसकीपर (एचके) की है। सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विसेज संगठन द्वारा प्रदान की गई स्वच्छता सेवाओं द्वारा सफाई और रख रखाव का ध्यान रखा जाता है। आवासियों की संरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, रात्रिकालीन पहरेदारी प्रदान करने वाली सुरक्षा सेवा के व्यक्तियों को रखा गया है।

सुविधाएं

दो लोगों की साझेदारी के आधार पर 386 कमरे हैं। छात्रावास 772 छात्रों को समायोजित कर सकता है। आवासियों के आराम से रहने के लिए छात्रावास के सभी कमरे काफी बड़े और हवादार हैं। सभी कमरों में सीलिंग पंखे हैं। प्रत्येक आवासी को बिस्तर, एक आलमारी/वार्डरोब, दीवार पर लगा बुक रैक प्रदान किया जाता है। हर कमरे में दर्पण है।

स्नान कक्ष

प्रत्येक स्नान कक्ष में ठंडे/गर्म पानी की आपूर्ति और दर्पण उपलब्ध है।

खेल सुविधाएं

छात्रावास में खेल में रुचि रखने वाली आवासियों के लाभ के लिए खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। छात्रावास में बास्केटबॉल कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट, टेबल टेनिस, व्यायामशाला/साइकिल, योग और कैरम, लूडो, शतरंज जैसे इनडोर खेलों की सुविधा प्रदान करता है।

मनोरंजन/अवकाश समय की सुविधाएं

यहाँ एक विशाल कॉमन रूम है, जिसमें केबल कनेक्शन सहित बड़े स्क्रीन के रंगीन टीवी जैसी मनोरंजन की सुविधाएं हैं। सेमिनारों की व्यवस्था करने या आवासियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने के लिए एक प्रोजेक्टर स्थापित किया गया है। आवासियों के लिए अध्ययन कक्ष और पुस्तकालय उपलब्ध हैं

अतिथि कक्ष

एक सुसज्जित अतिथि कक्ष है जहां रिश्तेदार और दोस्त आवासियों से मिल सकते हैं। अतिथि कक्ष में केबल कनेक्शन सहित एक बड़ा स्क्रीन रंगीन टीवी स्थापित किया गया है।

मेस और डाइनिंग हॉल

मेस को ठेके के आधार पर कैटररों द्वारा चलाया जाता है। छात्रावास में स्वतंत्र रसोई और स्वच्छता से खाना पकाने की सुविधा तथा सुरक्षित पेय जल के साथ भोजन कक्ष है। मेस में हर निवासी के लिए स्वस्थ और स्वच्छ भोजन प्रदान किया जाता है।

मिठाई की दुकान (टॉकशॉप)

आवासियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार चाय, कॉफी, ठंडे पेय और अन्य स्वच्छ हल्के खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए अनुबंध आधार पर चलने वाली एक मिठाई की दुकान (टॉकशॉप) है।

चिकित्सा सुविधाएं

हॉस्टल के आवासियों को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए ड्ब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केंद्र के सदस्य के रूप में नामांकित होने का अवसर मिलता है। ड्ब्ल्यूयूएस सभी प्रकार के बुनियादी और आपातकालीन स्वास्थ्य उपचार की सुविधा प्रदान करता है। इसके अलावा तकलीफ के समय आवासियों की मदद करने के लिए छात्रावास द्वारा निर्मित प्राथमिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस एक चिकित्सा कक्ष भी है आपातकालीन चिकित्सा के लिए, आवासी को निकटतम उपलब्ध अस्पताल में ले जाया जाता है, स्थानीय अभिभावक को सूचित किया जाता है और उनके लिए तुरंत अपने बच्चे की जिम्मेदारी लेनी आवश्यक है।

लॉन और बगीचे

छात्रावास में सुव्यवस्थित लॉन और उद्यान बनाए गए हैं जो छात्रावास की सुंदरता को बढ़ाते हैं। उल्लेखनीय है कि छात्रावास ने 2014, 2015 और 2016 में विश्वविद्यालय की पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया और लगातार तीन साल तक प्रतिष्ठित लाइब्रेरी कप और लेडी श्री राम महिला कॉलेज कप जीता है।

अतिरिक्त सुविधाएंः

सीसीटीवी कैमरे, अतिथि कक्ष, 24 घंटे की सुरक्षा, रिवर्स आस्मोसिस (आरओ)पेय जल का कूलर, आवासियों के लिए सिलाई, इस्त्री और पार्लर की सुविधा उपलब्ध है। आगंतुक कक्ष एसी से सुसज्जित है, उसमें आगंतुकों के लिए सोफा और सेंटर टेबल है। खुले स्थान और लॉन में कंक्रीट सीमेंट की बेंचें तथा हॉस्टल के आवासियों के लिए वाई–फाई की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

छात्रावास ने आवासियों के लाभ के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है।
छात्रावास ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया पर शुरू करने के लिए अपनी वेबसाइट **wwwrghg-du.in** विकसित की है।

प्रवेश

सत्र 2016–17 के लिए सूचना बुलेटिन की बिक्री 14 जुलाई 2016 को आरंभ की गई। स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (एसडब्ल्यूए) के चयन के साथ सत्र आरंभ हुआ। इस अवधि के दौरान कुछ स्वयंसेवकों और आवासियों की सांस्कृ तिक समिति तथा छात्रावास के अधिकारियों की मदद से छात्रावास में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

सीटों का वितरण

छात्रावास में सीटों की कुल संख्या 772 है। सीटों का श्रेणी वार वितरण इस प्रकार हैः
अनुसूचित जनजाति की छात्राओं (केवल स्नातकोत्तर) सहित पूर्वोत्तर राज्यों की छात्राओं के लिएः 300 सीटें
पूर्वोत्तर राज्यों सहित अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिए : 200 सीटें
सामान्य और अन्य आरक्षित श्रेणियों के लिए (केवल स्नातकोत्तर): 232 सीटें
विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) : 40 सीटें

आत्मरक्षा तकनीक शीतकालीन शिविर

महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा को देखते हुए, दिल्ली पुलिस की महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष इकाई ने लिए राजीव गांधी महिला छात्रावास में, 24.12.2016 से 10.01.2016 तक लड़कियों को आत्म रक्षा तकनीकें सिखाने के लिए शीतकालीन शिविर 2016–17 आयोजित किया। छात्रावास और बाहर की लगभग 300 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। महिलाओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, विशेष पुलिस इकाइयों ने छात्राओं को आत्मरक्षा की बुनियादी तकनीकों में प्रशिक्षित किया और सिखाया कि असामाजिक तत्वों/अपराधियों, उठाइगीरों आदि के हमले से स्वयं को बचाने के लिए दुपट्टा, कलम, हैंडबैग और उनके द्वारा उपलब्ध कराई गई अन्य वस्तुओं का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है। यह प्रशिक्षण लड़कियों/महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने

में मदद करता है ताकि वे कमजोर महसूस न करें और भविष्य में उन्हें पेशेवर लड़ाकू पाठ्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इंस्पेक्टर आशा ठाकुर की देखरेख में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया था। इसके अलावा, प्रशिक्षण अवधि के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किए गए।

छात्र कल्याण संगठन (एसडब्ल्यूए)

आवासी एक सामंजस्यपूर्ण सामुदायिक जीवन में योगदान के लिए छात्रावास के सहज और कुशल संचालन में भाग लेते हैं। दैनिक कामकाज और हॉस्टल के आवासियों के कल्याण की जिम्मेदारी अध्यक्ष, महासचिव और अन्य सचिव पर है।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

आवासियों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने और ''राष्ट्रीय गान'' का गायन करने के बाद, आवासियों और कर्मचारियों के बीच मिठाई बांट कर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

आवासियों, कार्यालय कर्मचारियों और छात्रावास अधिकारियों के साथ एक फ्रेशर्स स्वागत पार्टी का आयोजन किया गया।

दीवाली समारोह में छात्रावास की इमारत को रोशनी से सजाया गया और एक विशेष रात्रि भोज का भी आयोजन किया गया था।

शीतकालीन अवकाश के बीच 25 दिसम्बर 2016 को फन फेयर के साथ क्रिसमस का उत्सव मनाया गया। 13 फरवरी 2017 को लोहड़ी मनाई गई और सभी छात्रों ने अलाव में आहुति दी। गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसके बाद राष्ट्रीय गान का गायन हुआ।. आवासियों के बीच मिठाई वितरित की गई। 05 फरवरी 2017 को आवासियों द्वारा सरस्वती पूजा की गई।

छात्रावास के अधिकारियों के मार्गदर्शन में 05 मार्च, 2017 को एक प्रमुख और महत्वपूर्ण कार्यक्रम वार्षिक छात्रावास दिवस *''रागाज –2016''* का आयोजन हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय में डीन, प्रोफेसर देवेश के.सिन्हा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम के पीछे का उद्देश्य आवासियों को साथ आने और एकजुट होने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस दिन, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत के विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक पहलुओं को ध्यान में रखकर आवासियों द्वारा उत्कृष्ट नृत्यों का प्रदर्शन किया गया। इसके पश्चात् रात्रि भोज भी हुआ था। 13 मार्च 2017 को अत्यधिक उत्साह के साथ होली (रंगों का त्योहार) मनाई गई।

मरम्मत और रखरखाव

नालियों/जल निकासी प्रणाली की सफाई की गई थी। सीलिंग पंखों और पानी के कूलर, भोजन कक्ष के कूलर की मरम्मत की गई। सभी आरओ सिस्टम के लिए वार्षिक रखरखाव का अनुबंध किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों, विश्वविद्यालय के इंजीनियरों के साथ नियमित रूप से बैठकें आयोजित की गईं। ये बैठकें छात्रावास के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर थीं। उपयुक्त नियोजन और छात्रावास प्रबंधन समिति और विश्वविद्यालय के अधिकारियों की सहायता और आवासियों के योगदान के साथ, अगले शैक्षणिक सत्र के दौरान आगे सुधार की उम्मीद है। छात्रावास सुरक्षा और सुविधा दोनों में अपने आवासियों को घर जैसा अनुभव प्रदान करने के लिए विकास के मार्ग पर है।

सारामाती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

पुरुषों के सारामाती स्नातकोत्तर छात्रावास ने 1 अक्टूबर 2002 से काम करना आरंभ किया। यह दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययनरत देश के पूर्वोत्तर हिस्सों से छात्रों के साथ ही अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों और दक्षिणी

परिसर के प्रमाणित छात्रों को आवासीय सुविधा प्रदान करता है। यह विश्वविद्यालय के अच्छी तरह से सुसज्जित छात्रावासों में से एक है।

छात्रावास में लगभग 130 छात्रों को समायोजित करने की क्षमता और एक विशाल भोजन कक्ष है। छात्रावास में प्रत्येक आवासी को एक गद्दा, अध्ययन मेज, कुर्सी, जूतों का रैक और पर्दे प्रदान किए जाते हैं। छात्रावास गुणवत्ता युक्त भोजन प्रदान करता है और भोजन की गुणवत्ता पर लगातार नजर रखी जाती है। छात्रावास में दो पलंगों वाला एक वातानुकूलित अतिथि कक्ष और मनोरंजन की सुविधा तथा एक वाचनालय भी है। छात्रावास के आसपास के परिदृश्य ने छात्रावास परिसर की सुंदरता को बढ़ाया है।
आवासियों को कंप्यूटिंग और इंटरनेट की सुविधा प्रदान करने के लिए छात्रावास में एक अलग कंप्यूटर प्रयोगशाला है, जो विश्वविद्यालय नेटवर्क प्रणाली से जुड़ी है। वर्ष 2016–2017 के दौरान वाई–फाई की बुनियादी सुविधाओं का उपयोग कर तेज और अधिक सुरक्षित नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए इंटरनेट सुविधा का आधुनिकीकरण किया गया है। सभी आवासियों को ऑनलाइन इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए नवीनतम कंप्यूटर और वायरलेस नेटवर्क प्रणाली स्थापित की गई है। छात्रावास एक सुसज्जित जिम, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, शतरंज और कैरम आदि के साथ अंदर और बाहर खेले जाने वाले खेलों के लिए उत्कृष्ट खेल सुविधाएं प्रदान करता है। छात्रावास शैक्षणिक सत्र के अंत में खेलों का आयोजन करता है और विजेताओं को वार्षिक दिवस समारोह पर पुरस्कार और ट्राफियों के साथ प्रोत्साहित किया जाता है। आवासियों के लिए स्वचालित वाशिंग मशीन और ड्रायर के साथ कपड़े धोने की सुविधा भी उपलब्ध है। 2015–2016 के दौरान छात्रावास में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना के साथ सुरक्षा को बढ़ाया गया था, 2016–2017 में तीन और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए।

छात्राओं के लिए पूर्व–स्नातक छात्रावास

यह छात्रावास अक्टूबर, 2012 में स्थापित किया गया था। छात्रावास को सौंदर्य की दृष्टि से 7 ब्लॉकों के साथ एक विस्तृत परिसर में बनाया गया है, इसमें दो व्यक्तियों के साथ रहने के लिए 344 कुल कमरे हैं।

यह दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तर और दक्षिण दोनों परिसरों के 49 कालेजों/विभागों की छात्राओं को समायोजित करनेवाला पहला छात्रावास है। छात्रावास खेल सुविधाओं, एक वाचनालय, जिम, एलसीडी सुविधा के साथ कॉमन रूम, अतिथि कक्ष, कंप्यूटर की सुविधा और एक नर्स के साथ एक सुसज्जित चिकित्सा कक्ष है, जिसमें हफ्ते में तीन बार डॉक्टर आते है। इनके अलावा, आवासियों के लिए एक भोजन कक्ष है, जिसमें स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

छात्रावास में स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, दीवाली, क्रिसमस, लोहड़ी और होली आदि त्यौहार मनाये गए। आवासियों द्वारा फ्रेशरों के स्वागत और विदाई समारोह भी आयोजित किए गए। 8 मार्च 2017 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।

पूरी इमारत सीसीटीवी की निगरानी में है। इसके अलावा, आवासियों के उपयोग के लिए लॉन का अच्छी तरह से रखरखाव किया जाता है।

सत्र 2016–17 में विभिन्न कॉलेजों और श्रेणियों से संबंधित कुल 448 छात्रों को छात्रावास में भर्ती किया गया।

विश्वविद्यालय महिला छात्रावास

वर्ष 1973 में स्थापित, विश्वविद्यालय महिला छात्रावास (यूएचडब्ल्यू) दिल्ली विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। छात्रावास में देश के विभिन्न भागों और विदेशों की स्नातकोत्तर और शोधरत छात्राओं के लिए 320 सीटों की

क्षमता है, और यह नारीत्व की देदीप्यमान भावना को विकसित होने का पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। छात्रावास 2012 के बाद से नवीकरण के अंतर्गत था और शैक्षणिक सत्र 2016–2017 में आंशिक प्रवेश के साथ इसे फिर से खोल दिया गया है।

यूएचडब्ल्यू में हमेशा से कई उत्सवों और समारोहों का आयोजन करने की परंपरा रही है। 2016–2017 में निम्नलिखित समारोह आयोजित किए गए:
15 अगस्त 2016 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। सभी अधिकारी, आवासी और कर्मचारी स्वतंत्रता दिवस समारोह में देश में शामिल हुए और राष्ट्रगान और अन्य देशभक्ति गीतों का गायन किया।

स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम के अनुसार 2 अक्टूबर 2016 को विश्वविद्यालय महिला छात्रावास (यूएचडब्ल्यू) ने पहल आरंभ की और आसपास के क्षेत्रों को साफ रखकर इस पहल को जारी रखा। छात्रावास के सभी कर्मचारियों और आवासियों ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया। 30 अक्टूबर 2016 को दीवाली मनाई गई। आवासियों ने छात्रावासों को दीपों से सजाया और उन्हें उत्कृष्ट विशेष भोजन परोसा गया।

आवासियों ने सर्दियों के अंत और वसंत की शुरुआत के प्रतीक के रूप में 13 जनवरी 2017 को संगीत, नृत्य और गायन के आयोजन के साथ लोहड़ी मनाई। 26 जनवरी, 2017 को झंडोत्तोलन के साथ गणतंत्र दिवस का समारोह शुरू हुआ, जिसमें आवासियों और कर्मचारियों ने राष्ट्रगान, देशभक्ति गीतों और नृत्य में भाग लिया। 31 जनवरी, 2017 को यूएचडब्ल्यू हॉस्टल में सत्र 2016–2017 के लिए आवासी एसोसिएशन चुनाव आयोजित किया गया था उचित प्रक्रिया के अनुसार और आवासी एसोसिएशन का गठन किया गया था। 1 फरवरी, 2017 को सरस्वती पूजा (वसंतपंचमी) का आयोजन किया गया था। आवासियों, कर्मचारी और छात्रावास के अधिकारियों ने साथ मिलकर सरस्वती वंदना और देवी को प्रसाद निवेदित कर ज्ञान की देवी को जाग्रत करने के लिए प्रार्थना की। आवासियों ने रंगोली बनाई और पारंपरिक वस्त्र धारण किए। 4 मार्च 2017 को धन्यवाद और खेल दिवस आयोजित किया गया था, जिसमें कर्मचारियों की समर्पित सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए आवासियों ने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए धन्यवाद भोज आयोजित किया गया। आवासियों ने कर्मचारियों और उनके परिवारों के प्रति कृ तज्ञता व्यक्त करने के लिए दोपहर का भोजन परोसा। दोपहर और अधिक मजेदार और उत्साह से भरी रही क्योंकि आवासियों, कर्मचारियों और उनके परिवारों ने खेलों और प्रतियोगिताओं में भाग लिया। 13 मार्च 2017 को, छात्रावास के लॉन के अंदर जैविक रंगों के साथ रंगों का त्योहार, होली मनाया गया और मिठाई बांटी गई।

वी. के. आर. वी. राव. छात्रावास

स्वर्गीय प्रोफेसर डॉ. वी. के. आर. वी. राव के नाम पर नामित वी. के. आर. वी. राव छात्रावास 1999 में स्थापित किया गया था। इसकी नींव दिल्ली विश्वविद्यालय के प्लेटिनम जुबली वर्ष में रखी गई थी। यह छात्रावास ग्वेयर हॉल के परिसर में स्थित है और इसका प्रवेश द्वार विश्वविद्यालय रोड पर है। इसमें प्रबंधन अध्ययन संकाय (एफएमएस) और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डीएसई), दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों और अनुसंधान विद्वानों के लिए 42 दो बिस्तर वाले और 24 एक बिस्तर वाले कमरे हैं।

प्रोवोस्ट छात्रावास का प्रशासनिक प्रमुख है। आंतरिक प्रशासन और दैनन्दिन अनुशासन के लिए, वार्डन और आवासी शिक्षक (आरटी) उनकी सहायता करते हैं, जो अतिरिक्त–पाठयक्रम गतिविधियों और आवासियों के सामान्य कल्याण का ख्याल रखते हैं। प्रोवोस्ट, वार्डन और आवासी शिक्षक को विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद द्वारा नियुक्त किया जाता है। वी.के.आर.वी. राव छात्रावास का प्रसिद्ध प्रबंधकों, विद्वानों, नौकरशाहों को शिक्षित करने का एक छोटा लेकिन गौरवशाली और पोषित इतिहास है, जो सभी क्षेत्रों में राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं।

छात्रावास के आवासियों ने राष्ट्रीय अखंडता और सांस्कृतिक एकीकरण के माहौल को चिह्नित करने के लिए बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ सभी राष्ट्रीय दिवस और त्योहार मनाये।

15 अगस्त को तिरंगा झंडा फहरा कर स्वतंत्रता दिवस के जश्न के साथ सत्र आरंभ हुआ। दीवाली में परिसर में काफी धूमधाम और रोशनी हुई थी। नए आवासियों के स्वागत के लिए छात्रावास में स्वागत समारोह आयोजित किया गया था। छात्रावास के आवासियों ने तिरंगे झंडे के औपचारिक ध्वजारोहण के साथ गणतंत्र दिवस मनाया। उन्होंने लोहड़ी भी काफी उत्साह सहित मनाई। इसके अलावा, आवासियों ने बसंत पंचामी के दिन सरस्वती पूजा की और विद्या की देवी को प्रेरित करने के लिए भजन गायन का एक कार्यक्रम आयोजित किया।

11 मार्च, 2017 को छात्रावास का वार्षिक अतिरंजित उत्सव *'उमंग–17'* मनाया गया था। दिल्ली पुलिस (आईपीएस) के अतिरिक्त उप आयुक्त, श्री चिन्मय बिस्वाल इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। अन्य हॉस्टल से कई गणमान्य व्यक्ति, मेहमान और छात्र इस अवसर पर उपस्थित थे। बाद में, आवासियों ने रात के खाने पर अपने मेहमानों के साथ एक मिलन समारोह के साथ शाम का आनंद लिया।
छात्रावास ने बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाया। छात्रों के लिए वाशिंग मशीन और कॉफी डिस्पेंसर्स जैसी सुविधाएं स्थापित की गई। अध्ययन कक्ष को भी नवीनीकृत किया गया । छात्रावास ने प्रवेश, खरीद, शुल्क जमा करने, संभव और उचित साधनों के माध्यम से राजस्व संग्रह और उत्पादन जैसी कई प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया।

कुल मिलाकर, वर्ष उत्पादक रहा और वी. के. आर. वी. राव छात्रावास विकास और सामूहिक उत्साह से भरा रहा है।

डब्ल्यूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास

डब्ल्यूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास विश्वविद्यालय की शिक्षिकाओं, अतिथि शिक्षिकाओं और पोस्ट–डॉक्टरेट शोधकर्ताओं का आवास है, इसमें 18 कमरे हैं। 1990 में विश्वविद्यालय नें इस छात्रावास को विश्व विश्वविद्यालय सेवा से ले लिया गया था। प्रो. (सुश्री) श्रीमती चक्रवर्ती छात्रावास के प्रशासन की देखरेख रही हैं।

आवासियों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की गई हैं:–
आगंतुक कक्ष (वातानुकूलित), कलर टी.वी, रेफ्रिजरेटर, समाचार पत्र (हिंदी और अंग्रेजी), वाटर कूलर, कंप्यूटर।

आवासी दीवाली, क्रिसमस, होली, नव वर्ष जैसे विभिन्न त्योहार मनाते हैं।
भोजनालय को आवासियों द्वारा सहकारी आधार पर प्रबंधित किया जाता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

वर्ष 2016-17 के वार्षिक लेखे

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरणी का नाम
	क. दिल्ली विश्वविद्यालय
1	तुलन-पत्र
2	आय और व्यय लेखा
3	तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची: अनुसूची 1,2,3,4,5,6,7,8
4	आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूची: अनुसूची: 9,10,11,12,13,14,15,16,17,18,19,20,21,22.
5	महत्तवपूर्ण लेखांकन नीतियां: अनुसूची 23
6	आकस्मिक देयताएँ और लेखो पर टिप्पणियां : अनुसूची 24
7	प्राप्ति और भुगतान लेखा
	ख. भविष्य निधि लेखा
8	तुलन-पत्र
9	आय और व्यय लेखा
10	प्राप्ति और भुगतान लेखा
	ग. नई पेंशन योजना
11	तुलन-पत्र
12	आय और व्यय लेखा
13	प्राप्ति और भुगतान लेखा
	घ. विश्वविद्यालय मुद्रणालय
14	तुलन-पत्र
15	लाभ और हानि लेखा

16 प्राप्ति और भुगतान लेखा

<u>ड. हॉल और छात्रावास</u>

17 समेकित तुलन-पत्र

18 समेकित आय और व्यय लेखा

19 समेकित प्राप्ति और भुगतान लेखा

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2017 को तुलन–पत्र

राशि रुपये में

निधियों के स्त्रोत	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
कॉर्पस / पूंजी निधि	1	-----	-----
नामित / अंकित / वृत्ति निधियां	2	5895188592	5357432601
चालू देयताएं और प्रावधान	3	26472963908	26232916117
कुल		**32368152500**	**31590348718**
निधियों का अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां			
मूर्त परिसंपत्तियां	4	1445275815	1277695518
अमूर्त परिसंपतिया		3192579	4989982
पूंजीगत कार्य प्रगति में		4065825877	4065825877
अंकित / वृत्ति निधियों से निवेश			
दीर्घावधि	5	247983000	345583000
अल्पावधि			
निवेश–अन्य	6	-----	-----
चालू परिसंपत्तियां	7	11451056645	10827860131
ऋण, अग्रिम और जमा	8	3341361463	4643845213
कॉर्पस / पूंजी निधि		11813457121	10424548997
कुल		**32368152500**	**31590348718**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां	24

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष का आय व व्यय लेखा

राशि रुपये में

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	954040785	1029225856
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	4535349679	4703623481
निवेश से आय	11	44491931	18720318
अर्जित ब्याज	12	10757610	12445873
अन्य आय	13	62984521	80645038
पूर्वावधि आय	14	-----	-----
स्टॉक में वृद्धि /कमी		31819874	-----
कुल **(क)**		**5639444400**	**5844660566**
व्यय			
स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	5533672533	4582273832
शैक्षणिक व्यय	16	503322960	503574198
प्रशासनिक और सामान्य खर्चे	17	805128377	817018758
परिवहन खर्चे	18	6936509	3654582
मरम्मत और अनुरक्षण	19	199850205	188886402
वित्त लागत	20	443563	376220
मूल्यह्रास	4	414037702	290791961
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	21	161486328	291954779
पूर्वावधि व्यय	22	1195708575	16843799499
कुल **(ख)**		**8820586752**	**23522330231**
शेष, व्यय से अधिक आय के कारण है **(क-ख)**		(3181142352)	(17677669665)
शेष, व्यय से अधिक आय के कारण है (आय से अधिक व्यय)			
नामित निधि में/से अंतरित		**(3181142352)**	**(17677669665)**

	23
शेष, पूंजी निधि में अग्रेनीत अधिशेष (घाटा)	24

<u>दिल्ली विश्वविद्यालय</u>

31—03—2017 को तुलन—पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 1—पूंजी निधि		वर्तमान वर्ष		विगत वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष		(10424548997)		6990180640
जमा: कॉर्पस/पूंजी निधि में अंशदान—योजना लेखा		-----		-----
जमा: कॉर्पस/पूंजी निधि में अंशदान		-----		-----
जमा: पूंजी व्यय की उपयोगिता सीमा तक विश्वविद्यालय				
अनुदान आयोग, भारत सरकार और राज्य सरकार से अनुदान	1661021233		90362873	
(क) योजना लेखे	71957191	1732978424	81536928	171899801
(ख) गैर—योजना लेखे				
जमा: अंकित निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियों	8393305		15750330	
(क) विविध लेखे	4324697	12718002	52850925	68601255
(ख) अन्य अंकित निधियां				
जमा: प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय परिसंपत्तियां, जहां	1199		2415	
स्वामित्व संस्थान का है	30189637		23920291	
जमा: परिसंपत्तियां दान दी/उपहार प्राप्त कीं	-----	30190836	-----	23922706
घटा: वर्ष के दौरान निपटाई गई परिसंपत्तियों की डब्लयू.डी.वी.		16705058		-----
जमा: व्यय से अधिक आय/(आय से अधिक व्यय)		(358092)		(1483734)
आय व व्यय लेखे से अंतरित		(3181142352)		(17677669665)
वर्ष के अंत में शेष		**(11813457121)**		**(10424548997)**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची 2 नामित/अंकित/वृत्ति निधियां

राशि रुपये में

विवरण	Funds wise breakup				Total	
	Misc. A/c	**Publication**	**Endowment Funds**	**Other Earmarked**	**Current Year**	**Previous Year**
क.						
क) अर्थ शेष	**670522502**	**5135461**	**697950118**	**3983824520**	**5357432601**	**4921753268**
ख) वर्ष के दौरान वृद्धि	-----	-----	-----	-----	0	0
ग) निधियों के निवेश से आय	11314617	286332	44383474	153109639	209094062	270254249
घ) निवेश/अग्रिम पर उपार्जित ब्याज	31751425	73833	13183767	135363480	180372505	113465367
ड.) बचत बैंक खाते में ब्याज	1737628	22819	843468	6763878	9367793	21116350
च) अन्य वृद्धि (स्वरूप निर्दिष्ट करें)	182235373	-----	48943392	371416777	602595542	822965530
कुल (क)	**897561545**	**5518445**	**805304219**	**4650478294**	**6358862503**	**6149554764**
ख.						
निधियों के उद्देश्यों के प्रति उपयोगिता/व्यय						
i) पूंजी व्यय	8393305	-----	-----	4324697	12718002	68601255
ii) राजस्व व्यय	308416459	19	8912832	133626599	450955909	723520908
कुल (ख)	**316809764**	**19**	**8912832**	**137951296**	**463673911**	**792122163**
वर्ष के अंत में अतिशेष (क -ख)	**580751781**	**5518426**	**796391387**	**4512526998**	**5895188592**	**5357432601**
प्रस्तुतकर्ता						
नगद और बैंक शेष						
चालू लेखे	16275001	-----	-----	-----	16275001	3940860
बचत लेखे	30509597	844593	39165680	345094217	415614087	363170776
निवेश	18000000	300000	185600000	44000000	247900000	345500000
सावधि जमा	464353383	4300000	558350000	3897446765	4924450148	4436580610

उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज	46229463	73833	13192707	137709010	197205013	119198173
शेयर	-----	-----	83000	-----	83000	83000
अन्य ऋण और अग्रिम	1433337	-----	-----	17828471	19261808	28510647
यूडीएफ से विविध में ऋण	-----	-----	-----	60000000	60000000	50000000
एलसी मार्जिन	3951000	-----	-----	-----	3951000	-----
विद्युत जमा	-----	-----	-----	9409500	9409500	9409500
वापसनीय टीडीएस	-----	-----	-----	1039035	1039035	1039035
कुल	**580751781**	**5518426**	**796391387**	**4512526998**	**5895188592**	**5357432601**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची 2 क वृत्ति निधियां | राशि रुपये में

1. क.सं	2. वृत्ति का नाम	अथ शेष 3. वृत्ति	4. संचयी ब्याज	वर्ष के दौरान वृद्धि 5. वृत्ति (विविध प्राप्तियां)	6. ब्याज	कुल 7. वृत्ति (3+5)	8. संचयी ब्याज (4+6)	9 वर्ष के दौरान प्रयोजन पर व्यय	इतिशेष 10. वृत्ति	11. संचयी ब्याज	कुल (10+11)
1	सर शंकर लाल संगीत संस्थान (298355)	2273923	137296	0	218907	2273923	356203	92531	2273923	263672	2537595
2	सर शंकर लाल भौतिकी चेयर (298399)	7061549	1205888	0	710710	7061549	1916598	0	7061549	1916598	8978147
3	शंकर लाल रसायन–विज्ञान चेयर (298402)	7893989	1358315	900000	779693	8793989	2138008	900000	7893989	2138008	10031997
4	प्रबंधन अध्ययन संकाय में आईएफसी चेयर(298683)	13863470	2574647	0	1425291	13863470	3999938	58	13863470	3999880	17863350
5	एसपी जैन उन्नत प्रबंधन अनुसंधान (299041)	1952868	290890	6777	178614	1959645	469504	29	1959645	469475	2429120
6	पंडित मन मोहन नाथ घर (298956)	1265507	210997	0	117748	1265507	328745	0	1265507	328745	1594252
7	अर्थव्यवस्था में प्रोफेसरशिप (298741)	12971931	2342192	0	1321261	12971931	3663452	29	12971931	3663423	16635355
8	ओरियंट इन्सेक्ट का प्रकाशन (299416)	550899	78014	0	54894	550899	132908	0	550899	132908	683807
9	डीयू वृत्ति निधि (299733)	182534901	21143072	46772003	17848067	229306904	38991139	2961665	229306904	36029474	265336378
10	पंडित मन मोहन कृष्ण कौल (299880)	1527132	244597	0	135824	1527132	380421	29	1527132	380392	1907524
11	पुस्तक अनुदान आरटीएल (300228)	274494357	32609490	131005	25016581	274625362	57626071	561113	274625362	57064957	331690319
12	एन्टर डेव. में डीयू एमवे प्रोफेसरशिप (300705)	11437894	1751842	0	1126171	11437894	2878013	0	11437894	2878013	14315907
13	क्लस्टर नवाचार केंद्र कॉपर्स निधि	100280000	13408904	77419	9396432	100357419	22805336	1279021	100357419	21526315	121883734
14	एमएचआरडी आईपीआर चेयर	2485555	0	1056188	80516	3541743	80516	3118357	503902	0	503902
	कुल	**620593975**	**77356143**	**48943392**	**58410709**	**669537367**	**135766853**	**8912832**	**665599526**	**130791861**	**796391387**

टिप्पणी

1 तुलन–पत्र का अंग बनने वाली अंकित निधियों की अनुसूची 2 में ''वृत्ति निधियों'' कालम में अथशेष के रूप में कॉलम 3 और 4 का जोड़

2 कॉलम 9 का जोड़ प्रायः कॉलम 8 के जोड़ से कम होना चाहिए क्योंकि वृत्तियों के प्रयोजन पर व्यय हेतु केवल ब्याज का प्रयोग किया जाना है (चेयर हेतु वृत्ति के अलावा)
अनुसूची में सामान्यतः नामें शेष नहीं होना चाहिए। कतिपय मामले में यदि किस वृत्ति निधि में नामें शेष है तो नामें शेष अनुसूची 8
3 ऋण, अग्रिम और जमा में ''प्राप्य'' के रूप में तुलन –पत्र की परिसंपत्ति में दर्शित होना चाहिए।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 3–चालू देयताएं और प्रावधान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क. चालू देयताएं		
1. स्टाफ द्वारा जमा	-----	-----
2. छात्रों द्वारा जमा	-----	-----
3. विविध लेनदार		
क सामान के लिए	13051003	19168355
ख) अन्य	-----	-----
4. जमा–अन्य (ईएमडी–प्रतिभूति जमा सहित)	378068	378068
5. सांविधिक देयताएं (जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यूई कर, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस)		
क) अन्य निकाय लेनदेन	2027012	719883
ख) शुल्क व कर	16853	16593
6 अन्य चालू देयताएं		
क) वेतन	-----	-----
ख) प्रायोजित परियोजनाएं से प्राप्तियां	1386557463	1270313169
ग) प्रायोजित फैलोशिप व छात्रवृत्ति से प्राप्तियां	73570373	35279562
घ) अनुपयोगित अनुदान	5721197188	7146469470
ड.) यूजीसी को वापसनीय राशि	17029739	15873025

च) अग्रिम अनुदान	-----	-----
छ) अन्य निधियां	84622514	67972682
ज) एसीबीआर देयताएं	-----	-----
झ) अन्य देयताएं	468858	56000000
कुल **(क)**	**7298919071**	**8612190807**
ख. प्रावधान		
1. कर के लिए	-----	-----
2. ग्रेच्यूटी	1120240441	1086698993
3. अधिवर्षिता पेंशन	16984796238	15517616630
4. संचयी छुटट्ी नगदीकरण	1054065434	1015840343
5. व्यापार वारंटियां/दावे	-----	-----
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)/देय खर्चे	14942724	569344
	19174044837	**17620725310**
कुल **(ख)**	**26472963908**	**26232916117**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची **- 3 (**क**)** प्रायोजित परियोजनाए

राशि रुपये में

क.सं.	परियोजना का नाम	अथ शेष 3. क्रेडिट	4. नामे	वर्ष के दौरान प्राप्तियां / वसूली	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	इतिशेष 8. क्रेडिट	9. नामे
1	अनुसंधान योजना लेखा (298650)	406681435		161378265	568059700	132395811	435663889	
2	आईएएसई स्कीम करना (295853)	1632311		2525000	4157311	1805266	2352045	
3	अनुसंधान स्कीम लेखा (546386)	616195766		274708715	890904481	258700635	632203846	
4	बी.आर.ए. परियोजना लेखा (298264)	40453369		29874880	70328249	31517317	38810932	
5	युवा अनुसंधान वैज्ञानिक लेखा (298593)	185046722		137764409	322811131	74168318	248642813	
6	सीईएमडीई / जैव–विविधता उद्यान(डीडीए)	20303566		65185093	85488659	56604721	28883938	
कुल		**1270313169**		**671436362**	**1941749531**	**555192068**	**1386557463**	

1. परियोजनाओं को प्रत्येक एजेंसी हेतु उप–जोड़ सहित एजेंसी–वार सूचीबद्ध किया
2. कॉलम (जमा) का जोड़ तुलन–पत्र की देयताओं में उपरोक्त शीर्ष में दर्शित होगा (अनुसूची 3)
3. कॉलम 9(नामें) का जोड़ तुलन–पत्र की परिसंपतियों में अनुसूची 8– ऋण, अग्रिम और जमा में प्राप्तनीय के रूप में दर्शित होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची **3(**ख**)** प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्ति

राशि रुपये में

क.सं.	प्रायोजक का नाम	01.04.15 को अथशेष		वर्ष के दौरान लेन–देन		**31.03.17** को इतिशेष	
		3 क्रेडिट	**4** नामे	**5** क्रेडिट	**6** नामे	**7** क्रेडिट	**8** नामे
1	सीएसआईआर फैलोशिप (298413)	14840013		102967217	76480325	41326905	
2	यूजीसी फैलोशिप (298560)	0	21812589	192636226	202015849	0	31192212
3	अन्य निकाय छात्रवृत्ति (298707)	19359725		48552297	40625425	27286597	
4	सीएसआईआर फैलोशिप (एसडीसी) (545269)	271778		12500000	11315452	1456326	
5	यूजीसी फैलोशिप (एसडीसी) (545258)	808046		7400000	4707501	3500545	
	कुल	**35279562**	**21812589**	**364055740**	**335144552**	**73570373**	**31192212**

टिप्पणी

1. कालम 7 का जोड़ (क्रेडिट) तुलन–पत्र (अनुसूची 3) की देयताओं की तरफ उपरोक्त शीर्ष में दर्शित होगा।
2. कालम 8 का जोड़ (नामें) अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमा) में तुलन–पत्र की परिसंपत्तियों की तरफ प्राप्तनीय के रूप में दर्शित होगी।

<u>दिल्ली विश्वविद्यालय</u>

31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची **3(**ग**)**यू.जी.सी.**,** भारत सरकार और राज्य सरकार से अनुपयोगित अनुदान

राशि रुपये में

		वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क**.** योजना अनुदानः भारत सरकार			
अग्रेनीत शेष			
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्तियां			
	कुल **(**क**)**	0	0
घटा**::** वापसी			
घटा**::** राजस्व व्यय के लिए उपयोगित			
घटा**::** पूंजी व्यय के लिए उपयोगित			
	कुल **(**ख**)**	0	0
अग्रेनीत अनुपयोगित		0	0
ख**)** <u>विश्वविद्यालय</u> अनुदान योजना			
अग्रेनीत शेष		7146469470	7156385397
जमा**:** वर्ष के दौरान प्राप्तियां		507825821	526128355
	कुल **(**ग**)**	7654295291	7682513752
घटा**::** वापसी		0	
घटा**::** राजस्व व्यय के लिए उपयोगित		272076870	445681409
घटा**::** पूंजी व्यय के लिए उपयोगित		1661021233	90362873

कुल **(घ)**	1933098103	536044282
अनुपयोगित अग्रेनीत **(ग -घ)**	**5721197188**	**7146469470**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

ग**.** यू.जी.सी. अनुदान गैर**–**योजना		
अग्रेनीत शेष		
जमा**:** वर्ष के दौरान प्राप्तियां	4335230000	4339479000
कुल **(**ड.**)**	4335230000	4339479000
घटा**::** वापसी	0	0
घटा**::** राजस्व व्यय के लिए उपयोगित	4263272809	4257942072
घटा**::** पूंजी व्यय के लिए उपयोगित	71957191	81536928
कुल **(**च**)**	**4335230000**	**4339479000**
अनुपयोगित अग्रेनीत **(**ड.-च**)**	0	0
घ**.** राज्य सरकार से अनुदान		
अग्रेनीत शेष	0	0
जमा**:** वर्ष के दौरान प्राप्तियां	0	0
कुल **(**छ**)**	0	0
घटा**::** वापसी		
घटा**::** राजस्व व्यय के लिए उपयोगित	0	0
घटा**::** पूंजी व्यय के लिए उपयोगित	0	0
कुल **(**ज**)**	0	0
अनुपयोगित अग्रेनीत **(**छ -ज**)**	0	0

कुल जोड (क +ख + ग +घ)	**5721197188**	**7146469470**

टिप्पणी
अनुपयोगित अनुदान में पूंजी लेखा में अग्रिम शामिल है।
अनुपयोगित अनुदान में आगामी वर्ष के लिए अग्रिम में प्राप्त अनुदान शामिल है।
अनुपयोगित अनुदान परिसंपत्तियों की तरफ बैंक शेष, बैंको में अल्पविधि शेष और पूंजी लेखे में अग्रिम के रूप में दर्शित है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची **4 -** अचल परिसंपत्तियां

राशि रुपये में

क.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू. डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती\ बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	पूर्वावधि का मूल्यह्रास	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2017 को डबल्यू.डी. वी	31.03.2016 को डबल्यू.डी. वी
1	भूमि		19716892	0	0	19716892		0	19716892	19716892
2	स्थल विकास/लघु कार्य		0	0	0	0		0	0	0
3	भवन	5%	719893102	8209007	0	728102109		36405105	691697004	719893102
4	सड़क व पुल		0	0	0	0		0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0		0	0	0
6	मल–प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0		0	0	0
7	विद्युत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
8	संयंत्र व मशीनें	20%	214081968	61223031	312526	274992473		54998495	219993978	214081968
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	115669363	89462232	3878	205127717		82051087	123076630	115669363
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
11	श्रवण दृश्य उपकरण	50%	423315	471384	1	894698		447349	447349	423315
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	75227665	1552440675	5696	1627662644	1195708575	172781628	259172441	75227665
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	89726629	33785361	32967	123479023		30869756	92609267	89726629
14	खेल–कूद उपकरण	50%	57547	0	0	57547		28774	28773	57547
15	वाहन	25%	1772754	0	2999	1769755		442439	1327316	1772754
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	37816283	29976069	25	67792327		33896163	33896165	37816283
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0		0	0	0
18	कला कार्य		3310000	0	0	3310000		0	3310000	3310000

कुल (क)			**1277695518**	**1775567759**	**358092**	**3052905184**	**1195708575**	**411920796**	**1445275815**	**1277695518**
19	पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)		**4065825877**	**0**	**0**	**4065825877**		**0**	**40658258777**	**4065825877**
क.सं.	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू. डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान प्राप्तियां कटौती \ बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	पूर्वावधि का मूल्यह्रास	वर्ष का परिशोधन	31.03.2017 को डबल्यू.डी. वी	31.03.2016 को डबल्यू.डी. वी
20	कंप्यूटर सॉफटवेयर	40%	4972221	291343	0	5263564		2105426	3158138	4972221
21	ई–जर्नल	25%	0	0	0	0		0	0	0
22	पेटेंट	25%	17761	28160	0	45921		11480	34441	17761
कुल (ग)			**4989982**	**319503**	**0**	**5309485**		**2116906**	**3192579**	**4989982**
कुल जोड (क +ख +ग)			**5348511377**	**1775887262**	**358092**	**7124040546**	**1195708575**	**414037702**	**5514294271**	**5348511377**
विगत वर्ष (2015.16)			**5376363310**	**264423762**	**1483734**	**5639303338**		**290791961**	**5348511377**	

टिप्पणी: पूंजीगत–कार्य–प्रगति में शीर्ष में सकल ब्लॉक के अंतर्गत ''कटौतियां'' कॉलम में आंकड़े वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों से अंतरित के रूप में दर्शित हैं।

परिसंपत्तियों 1से 14 में सकल ब्लाक के अंतर्गत वर्ष के दौरान वृद्धियां कालम में आंकड़े में वर्ष के दौरान ओर वर्ष के दौरान अधिग्रहित कार्य–प्रगति–में से अंतरित शामिल है।

<u>दिल्ली विश्वविद्यालय</u>

31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची **4** क **-** योजना

राशि रुपये में

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू.डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती\ बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	पूर्वावधि का मूल्यह्रास	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2017 को डबल्यू. डी. वी	31.03.2016 को डबल्यू. डी. वी
1	भूमि		0	0	0	0		0	0	0
2	स्थल विकास/लघु कार्य		0	0	0	0		0	0	0
3	भवन	5%	277775005	1892395	0	279667400		13983370	265684030	277775005
4	सड़क व पुल		0	0	0	0		0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0		0	0	0
6	मल–प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0		0	0	0
7	विद्युत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
8	संयंत्र व मशीनें	20%	106161305	31992603	0	138153908		27630782	110523126	106161305
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	65177299	57391578	0	122568877		49027551	73541326	65177299
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
11	श्रवण दृश्य उपकरण	50%	201746	471384	0	673130		336565	336565	201746
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	46111872	1545330934	0	1591442806	1195708575	158293692	237440539	46111872
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	31267927	17052160	0	48320087		12080022	36240065	31267927
14	खेल–कूद उपकरण	50%	0	0	0	0		0	0	0
15	वाहन	25%	549439	0	0	549439		137360	412079	549439
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	4342203	6870819	0	11213022		5606511	5606511	4342203
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0		0	0	0

18	कला कार्य		1310000	0	0	1310000		0	1310000	1310000
कुल (क)			**532896796**	**1661001873**	**0**	**2193898669**	**1195708575**	**267095853**	**731094241**	**532896796**
19	**पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)**		**804296182**	**0**	**0**	**804296182**		**0**	**804296182**	**804296182**
क.सं.	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू.डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती \ बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	पूर्वावधि का मूल्यह्रास	वर्ष का परिशोधन	31.03.2017 को डबल्यू. डी. वी	31.03.2016 को डबल्यू. डी. वी
20	कंप्यूटर सॉफटवेयर	40%	0	0	0	0		0	0	0
21	ई–जर्नल	25%	0	0	0	0		0	0	0
22	पेटेंट	25%	0	19360	0	19360		4840	14520	0
कुल (ग)			**0**	**19360**	**0**	**19360**		**4840**	**14520**	**0**
कुल जोड (क +ख +ग)			**1337192978**	**1661021233**	**0**	**2998214211**	**1195708575**	**267100693**	**1535404943**	**1337192978**
विगत वर्ष (2015–16)			**1377332688**	**90362873**	**0**	**1467695561**	**0**	**130502583**	**1337192978**	

<u>दिल्ली विश्वविद्यालय</u>

31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची **4** ख **-**योजनेत्तर

राशि रुपये में

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू.डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौति\ बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2017 को डबल्यू.डी. वी	31.03.2016 को डबल्यू.डी. वी
1	भूमि		19716892	0	0	19716892	0	19716892	19716892
2	स्थल विकास/लघु कार्य		0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	5%	359545860	5917837	0	365463697	18273185	347190512	359545860
4	सड़क व पुल		0	0	0	0	0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0	0	0	0
6	मल–प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
8	संयंत्र व मशीने	20%	73387401	9905093	312526	82979968	16595994	66383974	73387401
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	14889905	14343116	3878	29229143	11691657	17537486	14889905
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
11	श्रवण दृश्य उपकरण	50%	36441	0	1	36440	18220	18220	36441
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	23814572	4523700	5696	28332576	11333030	16999546	23814572
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	48447650	14835438	32967	63250121	15812530	47437591	48447650
14	खेल–कूद उपकरण	50%	57360	0	0	57360	28680	28680	57360
15	वाहन	25%	1223314	0	2999	1220315	305079	915236	1223314
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	32707412	22193622	25	54901009	27450505	27450504	32707412
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0	0	0	0

18	कला कार्य		0	0	0	0	0	0	0
कुल (क)			**573826807**	**71718806**	**358092**	**645187521**	**101508880**	**543678641**	**573826807**
19	पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)		**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
क्र.सं.	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू.डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती\बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का परिशोधन	31.03.2017 को डबल्यू.डी. वी	31.03.2016 को डबल्यू.डी. वी
20	कंप्यूटर सॉफटवेयर	40%	4860403	238385	0	5098788	2039515	3059273	4860403
21	ई–जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट	25%	17761	0	0	17761	4440	13321	17761
कुल (ग)			**4878164**	**238385**	**0**	**5116549**	**2043955**	**3072594**	**4878164**
कुल जोड (क +ख +ग)			**578704971**	**71957191**	**358092**	**650304070**	**103552835**	**546751235**	**578704971**
विगत वर्ष (2015–16)			**614329470**	**81536928**	**1483734**	**694382664**	**115677693**	**578704971**	

दिल्ली विश्वविद्यालय

31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची **4** ग अमूर्त परिसंपत्तियां

राशि रुपये में

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू. डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती\बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का मूल्यह्रास\परिशोधन	31.03.2016 को डबल्यू. डी. वी	31.03.2015 को डबल्यू. डी. वी
1	पेटेंट और कॉपीराईट	25%	17761	28160	0	45921	11480	34441	17761
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	4972221	291343	0	5263564	2105426	3158138	4972221
3	ई–जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0
कुल			4989982	319503	0	5309485	2116906	3192579	4989982
विगत वर्ष **(**2015–16**)**			**7655275**	**655441**	**0**	**8310716**	**3320734**	**4989982**	

दिल्ली विश्वविद्यालय

31—03—2017 को तुलन—पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 4((ग) (I) पेटेंट और कॉपीराईट	अथ शेष	वृद्धि	सकल	परिशोधन	निवल ब्लॉक **20.....**	निवल ब्लॉक **20.....**
क. मंजूर पेटेंट						
1. 2008-09 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.14 को शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
(मूल मूल्य रुपये.../-)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
2- 2010-11 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.14 को शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
(मूल मूल्य रुपये .../-)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
3. 2012-13 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.14 को शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
(मूल मूल्य रुपये .../-)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
4. वर्तमान वर्ष में मंजूर पेटेंट	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	-----	-----	-----	-----	-----	-----

विवरण	अथ शेष	वृद्धि	सकल	पेटेंट मंजूर /नामंजूर	निवल ब्लॉक **2013-14**	निवल ब्लॉक **2012-13**
क. आवेदित पेटेंट के संबंध में लंबित पेटेंट						
1. 2009-10 से 2011-12 मे किया गया व्यय	-----	-----	-----	-----	-----	-----
2. 2012-13 में किया गया व्यय	-----	-----	-----	-----	-----	-----

3. 2013-14 में किया गया व्यय	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ग. कुल जोड (क +ख)	**-----**	**-----**	**-----**	**-----**	-----	-----

टिप्पणीः भाग क (मंजूर पेटेंट) में वृद्धि वर्ष के दौरान मंजूर पेटेंट, भाग ख (कालम–पेटेंट मंजूर/नामंजूर) से अंतरित आंकड़े होंगे। वर्ष के दौरान नामंजूर अनुदान की राशि को आय व व्यय लेखे में बट्टे खाते डाला गया है।

ग. कुल जोड (क +ख) ----- -----

दिल्ली विश्वविद्यालय

31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची **4**घ **-** अन्य

राशि रुपये में

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू.डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती\बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2017 को डबल्यू. डी. वी	31.03.2016 को डबल्यू.डी. वी
1	भूमि		0	0	0	0	0	0	0
2	स्थल विकास/लधु कार्य		0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	5%	82572238	398775	0	82971013	4148551	78822462	82572238
4	सड़क व पुल		0	0	0	0	0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0	0	0	0
6	मल–प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0	0	0	0
7	विघुत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
8	संयंत्र व मशीने	20%	34533262	19325335	0	53858597	10771719	43086878	34533262
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	35602159	17727538	0	53329697	21331879	31997818	35602159
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
11	श्रवण दृश्य उपकरण	50%	185127	0	0	185127	92564	92563	185127
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	5301221	2586041	0	7887262	3154905	4732357	5301221
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	10011052	1897763	0	11908815	2977204	8931611	10011052
14	खेल–कूद उपकरण	50%	186	0	0	186	93	93	186
15	वहन	25%	1	0	0	1	0	1	1
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	766666	911628	0	1678294	839147	839147	766666
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0	0	0	0

18	कला कार्य		2000000	0	0	2000000	0	2000000	2000000
कुल (क)			**170971912**	**42847080**	**0**	**213818992**	**43316062**	**170502930**	**170971912**
19	पूंजीगत कार्य प्रगति में **(ख)**		**3261529695**	**0**	**0**	**3261529695**	**0**	**3261529695**	**3261529695**
क्र..सं.	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे डबल्यू.डी. वी	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती\बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का परिशोधन	31.03.2017 को डबल्यू.डी. वी	31.03.2016 को डबल्यू.डी. वी
20	कंप्यूटर सॉफटवेयर	40%	111818	52958	0	164776	65910	98866	111818
21	ई–जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट	25%	0	8800	0	8800	2200	6600	0
कुल (ग)			**111818**	**61758**	**0**	**173576**	**68110**	**105466**	**111818**
कुल जोड (क+ख ग)			**3432613425**	**42908838**	**0**	**3475522263**	**43384172**	**3432138091**	**3432613425**

टिप्पणीः वर्ष के दौरान निम्नलिखित से वृद्धि शामिल है:

उपहार	**1199**
बंद परियोजना	**30189637**
विविध लेखा निधि	**8393305**
अन्य अंकित निधि	**4324697**
कुल	**42908838**

दिल्ली विश्वविद्यालय
31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची **5 -** अंकित **/** वृत्ति निधियों से निवेश	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1.केंद्र सरकार प्रतिभूतियों में	247900000	345500000
2.राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	-----	-----
3.अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-----	-----
4.शेयर	83000	83000
5.डिबेंचर और बान्ड	-----	-----
6.बैंकों में सावधि जमा	-----	-----
7. अन्य (निर्दिष्ट करे)	-----	-----
कुल	**247983000**	**345583000**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची **5 (**क**)** अंकित **/** वृत्ति निधियां **(**निधि वार**)** से निवेश

राशि रुपये में

क्र.सं.	निधियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1	विविध लेखे - सकारी प्रतिभूति	18000000	26000000
2	प्रकाशन - सरकारी प्रतिभूति	300000	400000
3	वृत्ति निधि - सरकारी प्रतिभूति	185600000	254600000
4	अन्य अंकित निधि - सरकारी प्रतिभूति	44000000	64500000
5	वृत्ति निधि - शेयर	83000	83000
	कुल	**247983000**	**345583000**

टिपण्णी : इस उप अनुसूची का जोड़ अनुसूची 5 के बराबर होगा

दिल्ली विश्वविद्यालय

31—03—2017 को तुलन—पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची **6 -** निवेश—अन्य	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. केंद्र सरकार प्रतिभूति में		
2. राज्य सरकार प्रतिभूति में	-----	-----
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूति	-----	-----
4. शेयर	-----	-----
5. डिबेंचर और बॉन्ड	-----	-----
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
कुल	-----	-----

दिल्ली विश्वविद्यालय		
31–03–2017 को तुलन–पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां		
		राशि रुपये में
अनुसूची **7 -** वर्तमान परिसंपत्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. स्टॉक		
क) भंडार और फालतू पुर्जे	-----	-----
ख) खुले पुर्जे	-----	-----
ग) प्रकाशन	-----	-----
घ) प्रयोगशाला रसायन, उपभोज्य और कांच का सामान	-----	-----
ड.) भवन सामग्री	-----	-----
च) विद्युत सामग्री	-----	-----
छ) स्टेशनरी	12715923	-----
ज) जल आपूर्ति सामग्री	-----	-----
झ) वर्दी	196474	-----
ञ) ड्रग्स और औषधी	3895059	-----
ट) उत्तर–पुस्तिका	15012418	-----
2. विविध देनदार		
क) छह माह से अधिक अवधि के अन्य बकाया	-----	-----
ख) अन्य	-----	-----
3. नगद और बैंक शेष		
क) अनुसूचित बैंकों में		
- चालू खाते मे	65626464	69881547
- सावधि जमा लेखों में	10123882586	9716383113
- बचत लेखों में	1228784221	1040611971
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में		

-सावधि जमा लेखों में	-----	-----
- बचत लेखों में	-----	-----

ग) हाथ में नगद शेष(चैक/ड्राफ्ट सहित)	943500	983500
4. डाक घर बचत लेखे	-----	-----
कुल	**11451056645**	**10827860131**
टिप्पणीः अनुबंध ''क'' बैंक लेखों का ब्यौरा दर्शाता है		

31—03—2017 को तुलन—पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

		वर्तमान वर्ष
1	बी.आर.अंबेडकर केंद्र सामान्य निधि लेखा	23578
2	आईसीआईसीआई बैंक	1050992
3	एसबीआई विधि केंद्र II	134017
4	एसबीआई एमजी I	23875210
5	एसबीआई एमजी II	10745135
6	एसबीआई एमजी III	6280127
7	एसडीसी परीक्षा लेखा	206339
8	एसडीसी सामान्य निधि लेखा	1138055
9	प्रयोजित परियोजना बैंक खाता	2352045
10	योजना चालू खाता	3545965
11	अंकित निधि के चालू खाते	16275001
		65626464
II	बचत बैंक लेखे	
1	बाह्य उम्मीदवार सैल लेखे	549733
2	एनसीडब्ल्यूई लेखा	4909267
3	एसबीआई विभागीय प्राप्तियां लेखे	5799288
4	एसबीआई सामान्य निधि लेखे	387974175
5	एसबीआई चिकित्सा प्रतिपूर्ति लेखे	3390707
6	प्रायोजित परियोजना बैंक खाता	279967106
7	प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति	75189415
8	योजना बचत लेखे	45532299
9	अंकित निधि के बचत खाते	415614087
10	सीपीएफयू.जी.सी. को वापसनीय सीपीएफ लेखा	17691
11	आईबीआईडी बैंक खाता	9840452
		1228784221

III	सावधि जमा लेखे	
1	अंकित निधि से सावधि जमा रसीद	4928401148
2	यू.जी.सी.वापसनीय लेखे से सावधि जाय रसीद	16858487
3	एसीबीआर लेखे से सावधि जमा रसीद	918073
4	समाजिक कार्य लेखे से सावधि जमा रसीद	2,660,351
5	अनुरक्षण अनुदान से सावधि जमा रसीद	700000000
6	प्रायोजित परियोजना बैंक खाता	872243493
7	प्रायाजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति	25000000
8	योजना लेख से सावधि जमा रसीद(मार्जिन राशि सहित)	3567801034
9	आईसीआईसीआई बैंक खाता से सावधि जमा रसीद	10000000
		10123882586

राशि रुपये में

अनुसूची **8 -** ऋण **,** अग्रिम और जमा	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. कर्मचारियों को अग्रिम (गैर ब्याज धारक)		
क) वेतन	-----	-----
ख) त्यौहार	937252	1351902
ग) चिकित्सा अग्रिम	53000	504000
घ) छुट्टी यात्रा रियायत	4047511	6518738
ड.) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
2. कर्मचारियों को दीर्घावधि अग्रिम (ब्याज धारक)		
क) वाहन ऋण /परिवहन/कंप्यूटर	1180920	1302085
ख) गृह ऋण /भवन निर्माण अग्रिम	1936830	2678255
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
3. अग्रिम और अन्य राशि नगद अथवा वस्तु में प्राप्तनीय अथवा प्राप्त किए जाने वाले मूल्य	-----	-----
क) पूंजी खाते पर	-----	-----
ख) आपूर्तिकर्ताओं को	2980000	2980000
ग) दिल्ली विश्वविद्यालय पैंशन लेखे	17395000	17395000
घ) दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय	1100000	1100000
ड.) सर शंकर लाल रसायन–विज्ञान चेयर निधि लेखा	16144059	24530307
च) अंकित निधियों से अन्य अग्रिम	685292917	589657643
छ) अनुरक्षण अनुदान लेखों से अन्य अग्रिम	144291005	165865271
ज) परियोजना परियोजनाओं से अन्य अग्रिम	1983897742	3413653773
झ)योजना लेखों से अग्रिम	1151924	1063463
4. पूर्व–प्रदत्त खर्चे		
क) बीमा	-----	-----

ख) अन्य खर्चे	13842119	31302664
5. जमा		
क) टेलीफोन	-----	-----
ख) पट्टा भाड़ा	-----	-----
ग) विद्युत	20805300	20794500
घ) एआईसीटीई, यदि लागू	-----	-----
ड.) डेसू (प्रतिभूति)	4795	4795
च) अन्य	202373	52373
6. उपार्जित आय:		
क) अंकित / वृत्ति निधियों से निवेश पर	197205012	119198173
ख) एसीबीआर/ यू.जी.सी. वापसनीय लेखों से निवेश पर	-----	210917
ग)यू.जी.सी. वापसनीय से निवेश पर	153561	183210
घ) प्रायोजित परियोजनाओं से निवेश पर	87703814	56201693
ड.) प्रायोजित परियोजनाओं और छात्रवृत्ति से निवेश पर	2188746	376309
च) योजना से निवेश पर	120889004	165002377
छ) एमजी अर्थात (आईसीआईसीआई, एसडीसी) से निवेश	6616367	-----
ज) ऋण और अग्रिम पर	-----	-----
झ) अन्य (अप्राप्य देय आय शामिल)	150000	-----
7. अन्य यू.जी.सी. प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्तनीय अचल परिसंपत्तियों		
क) प्रायोजित परियोजनाओं में नामें शेष	-----	-----
ख) प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति में शेष	31192212	21812589
ग) प्राप्तनीय अनुदान	-----	-----
घ) अन्य प्राप्तनीय	-----	105176
8. प्राप्तनीय दावे	-----	-----
कुल	**3341361463**	**4643845213**

यदि कर्मचारियों को भवन निर्माण, कंप्यूटर ओर वाहन अग्रिम के लिए चक्रीय निधि का सृजन दिया गया है तो अग्रिम, अंकित/वृत्ति निधि के भाग के रूप में दर्शित होगा। इन ब्याज–धारक अग्रिम के शेष इस अनुसूची में दर्शित नहीं होगें।

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची - **9** शैक्षणिक प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
छात्र शुल्क से		
शैक्षणिक		
1. ट्यूशन शुल्क	17980348	12748817
2. दाखिला शुल्क	2344991	5304278
3. पंजीकरण शुल्क	14270108	66067298
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	1830082	744536
5. प्रयोगशाला शुल्क	89605	85738
6. खेल–कूद और एथलेटिक एसोसिएशन शुल्क	10072489	10856058
7 कंप्यूटर शुल्क	887500	228000
8. कला और शुल्क	-----	-----
9. पंजीकरण शुल्क	105705230	39150
10. पाठ्यक्रम शुल्क	-----	-----
11. अन्य शुल्क	27854021	145544277
कुल (क)	**181034374**	**241618152**
परीक्षा		
1. दाखिला परीक्षा शुल्क	-----	-----
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	715006643	698972386
3. अंक तालिका, प्रमाण पत्र शुल्क	16026730	14018100
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	29428805	60551778
कुल **(ख)**	**760462178**	**773542264**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	-----	-----
2. जुर्माना/ विविध शुल्क	-----	-----
3. चिकित्सा शुल्क	-----	-----
4. परिवहन शुल्क	-----	-----
5. होटल शुल्क	-----	-----
कुल **(ग)**	0	0

बिक्री प्रकाशन		
1. दाखिला प्रपत्रों की बिक्री	-----	-----
2. पाठ्यक्रम और प्रश्न–पत्र आदि की बिक्री	-----	-----
3. दाखिला प्रपत्रों सहित सूची–पत्र की बिक्री	12544233	14065440
कुल (घ)	**12544233**	**14065440**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां		
1. कार्यशालाओं/कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क	-----	-----

विवरण	योजना	कुल योजना	गैर–योजना यु.	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष कुल

2. पंजीकरण शुल्क (शैक्षणिक स्टॉफ कॉलेज)	-----	-----
कुल (ड.)	0	0
कुल जोड (क +ख +ग +घ +ड.)	**954040785**	**1029225856**

	भारत सरकार योजना	यू.जी.सी. विशिष्ट स्कीम				
अग्रनीत शेष	**7146469470**		7146469470		7146469470	7156385397
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां	507825821	0	507825821	4335230000	4843055821	4865607355
कुल	7654295291	0	7654295291	4335230000	11989525291	12021992752
घटा: : यू.जी.सी. शेष में वापसी			0		0	0
घटा: : पूंजी व्यय के लिए उपयोगिता (क)	1661021233		1661021233	71957191	1732978424	171899801
शेष	5993274058	0	5993274058	4263272809	10256546867	11850092951
घटा:: राजस्व व्यय के लिए उपयोगिता **(ख)**	**272076870**	**0**	**272076870**	**4263272809**	**4535349679**	**4703623481**
शेष अग्रनीत **(ग)** -	**5721197188**	**0**	**5721197188**	**0**	**5721197188**	**7146469470**

क - यह वर्ष के दौरान पूंजीनिधि में वृद्धि और अचल परिसंपत्तियों में वृद्धि के रूप में दर्शित

ख - आय और व्यय_लेखे में आय के रूप में दर्शित

ग- (I) तुलन–पत्र में चालू देयताओं के अंतर्गत दर्शित ओर आगामी वर्ष का अर्थशेष बनेगा

(II) परिसम्पत्तियों में बैंक शेष, निवेश और अग्रिम के रूप में दर्शित

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 11- निवेश से आय	अंकित / वृत्ति निधियां		अन्य निवेश	
	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूति पर	-----	-----	-----	-----
ख. अन्य बॉण्ड / डिबेंचर	-----	-----	-----	-----
2. सावधि जमा पर ब्याज	389466567	383719616	44491931	18720318
3. कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम पर सावधि जमा/ब्याज पर उपर्जित किंतु देय नहीं आय	-----	-----	-----	-----
4. बचत बैंक खाता पर ब्याज	9367793	21116350	-----	-----
5. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----
कुल	**398834360**	**404835966**	**44491931**	**18720318**

अंकित / वृत्ति निधियों में अंतरित	**398834360**	**404835966**

टिप्पणीः भवन निर्माण अग्रिम निधि, वाहन अग्रिम निधि और कंप्यूटर अग्रिम निधि से सावधि जमा पर उपर्जित किंतु देय नहीं ब्याज ओर कर्मचारियों को ब्याज वाले अग्रिमों को यहां शामिल किया जाएगा किंतु केवल उन्हीं मामलों में जहां ऐसे अग्रिमों के लिए चक्रीय निधियां बनाई गई हैं।

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची **12 -** अर्जित ब्याज	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. अनुसूचित बैंकों में बचत खातों पर	10757610	12445873
2. ऋण पर		
क. कर्मचारी/स्टॉफ	-----	-----
ख. अन्य	-----	-----
3. देनदारों और अन्य प्राप्तनीय पर	-----	-----
कुल	**10757610**	**12445873**

टिप्पणी:

1.अंकित/वृत्ति निधियों के बैंक लेखों के संबंध में मद 1 में राशि का अनुसूची 11 (पहला भाग) और अनुसूची 2 में संव्यवहार किया गया है।

2. मद 2(क) तभी लागू है यदि ऐसे अग्रिमों के लिए चक्रीय निधि बनाई गई है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची **13 -** अन्य आय

राशि रुपये में

क. भूमि और भवन से आय	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष

1. भवन/भूमि आदि से किराया	5548000	4397265
2 लाईसेंस शुल्क	17106751	11347017
3. सभागार/क्रीड़ा मैदान/सम्मेलन आदि का किराया प्रभार	-----	-----
4. वसूल किय गया विद्युत प्रभार	-----	-----
5. वसूल किया गया जल प्रभार	-----	-----
कुल **(क)**	**22654751**	**15744282**
ख**.** संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री		
ग**.** कार्यक्रमों के आयोजनों से आय		
1. वार्षिक कार्यक्रम/क्रीड़ा समारोह से सकल प्राप्तियां	-----	-----
घटाः वार्षिक कार्यक्रम/क्रीड़ा समारोह पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय		
2. समारोह से सकल प्राप्तियां	-----	-----
घटाः समारोह पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय		
3. शैक्षणिक दौरों हेतु सकल प्राप्तियां	-----	-----
घटाः दौरों पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय		
4. अन्य (निर्दिष्ट करें और पृथक प्रकटन करें)	-----	-----
कुल **(**ग **)**		
घ**.** अन्य		
1. परामर्शी से आय	-----	-----
2. आरटीआई शुल्क	19777	26965
3. स्वत्व शुल्क से आय	-----	-----
4 आवेदन प्रपत्र (भर्ती) की बिक्री	0	7650
5. विविध प्राप्तियां (टेंडर प्रपत्र, रद्दी कागज आदि की बिक्री)	473820	879624
6 परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ		
क) ली गई परिसंपत्यिां	-----	-----
ख) निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	-----	-----
7. संस्थानों कल्याण निकायों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अनुदान/दान	-----	-----
8. स्वास्थय केंद्र अंशदान	31825567	31579859
9. छुट्टी वेतन और पैंशन अंशदान	0	17814448
10. अन्य (निर्दिष्ट करें)	8010606	14592210
कुल **(**घ **)**	**40329770**	**64900756**
कुल जोड **(**क **+**ख **+** ग **+**घ**)**	**62984521**	**80645038**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची **14-** पूर्वावधि आय

राशि रुपये में

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. शैक्षणिक प्राप्तियां	-----	-----
2. निवेश से आय	-----	-----
3. अर्जित ब्याज	-----	-----
4. अन्य आय	-----	-----
कुल	-----	-----

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 15 स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपये में

विवरण	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
क) वेतन और मजदूरी						
तकनीकी स्टॉफ	11201867	1395626962	1406828829	49679059	1289118549	1338797608
गैर–तकनीकी स्टॉफ	12807878	845372340	858180218	16913123	889213446	906126569
निम्न अधीनस्थ स्टॉफ	125665	253901521	254027186	-----	251568833	251568833
ख) भत्ते और बोनस	-----	13857214	13857214	-----	4147622	4147622
ग) भविष्य निधि में अंशदान	-----	4075298	4075298	-----	4641093	4641093
घ) अन्य निधियों में अंशदान (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	0	-----	-----	0
ड.) स्टॉफ कल्याण खर्चे (वर्दी)	-----	613510	613510	-----	2206092	2206092
च) सेवानिवृत्ति और अंतिम हितलाभ	621234	2740492121	2741113355	1926265	1865572237	1867498502
छ) छुट्टी यात्रा रियायत सुविधा	----	23160413	23160413	-----	20805922	20805922
ज) चिकित्सा सुविधा	----	134485232	134485232	-----	126404323	126404323
झ) बाल शिक्षा भत्ता	184500	12020646	12205146	327900	12312051	12639951
ञ) मानदेय	281649	84844483	85126132	462580	46974737	47437317
ट) अन्य	-----	-----	0	-----	-----	0
कुल	**25222793**	**5508449740**	**5533672533**	**69308927**	**4512964905**	**4582273832**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची **15** क **–** कर्मचारी सेवा–निवृत्ति और अंतिम हितलाभ

राशि रुपये में

	पैंशन	ग्रेचुटी	छुट्टी नगदीकरण	कुल	विगत वर्ष
01.04.16 को अर्थ शेष	**15517616630**	**1086698993**	1015840343	**17620155966**	**16843799499**
वृद्धि : अन्य संगठनों से प्राप्त अंशदान का पूंजीकृत मूल्य	**13423391**	**1644209**	**1625966**	**16693566**	**0**
कुल **(**क**)**	**15531040021**	**1088343202**	**1017466309**	**17636849532**	**16843799499**
घटाः वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान **(**ख**)**	911514976	185885272	76013153	**1173413401**	**1049953217**
31.03.17 को उपलब्ध शेष ग(क-ख)	14619525045	902457930	941453156	**16463436131**	**15793846282**
वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.17 को वांछित प्रावधान(घ)	16984796238	1120240441	1054065434	**19159102113**	**17620155966**
क**.** वर्तमान वर्ष में किया जाने वाला प्रावधान **(**घ **-** ग**)**	2365271193	217782511	112612278	**2695665982**	**1826309684**
ख**.** नई पैंशन योजना में अंशदान	-----	-----	-----	44526139	39082553
ग. सेवा–निवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-----	-----	-----	-----	-----
घ. सेवा निवृत्ति पर गृहनगर की यात्रा	-----	-----	-----	-----	-----
ड.. जमा संबद्ध बीमा भुगतान	-----	-----	-----	300000	180000
कुल **(**क **+**ख **+** ग **+**घ **+**ड.**)**	**2365271193**	**217782511**	**112612278**	**2740492121**	**1865572237**

टिप्पणीः

टिप्पणीः

1. इस उप अनुसूची में जोड़ (क+ख ग+घ+ड.) अनुसूची 15 में सेवा निवृत्ति और अंतिम हितलाभ के आंकडे होंगे

2 मद ख,ग,घ और ड़ का उपार्जन आधान पर लेखांकन किया जाएगा और प्रदत्त किंतु 31/3/17 को भुगतान हेतु बकाया बिल शामिल होंगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 16 - शैक्षणिक व्यय	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
क) प्रयोगशाला खर्चे	31931114	13897265	45828379	31846369	16228822	48075191
ख) क्षेत्र कार्य/सम्मेलनों में सहभागिता	1947676	-----	1947676	-----	-----	0
ग) संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर खर्चे	2875315	7741503	10616818	2852612	6476881	9329493
घ) पुरस्कार और छात्रवृत्ति	105925499	1329774	107255273	130797570	932845	131730415
ड.) शैक्षणिक व्यय	0	7938393	7938393	34865	1262481	1297346
घ) अतिथि संकाय को भुगतान	216086	-----	216086	-----	-----	0
ड.) परीक्षा	11400	299881219	299892619	-----	286948598	286948598
च) शुल्क वापसी	-----	1552959	1552959	-----	892870	892870
छ) प्रवेश परीक्षा	-----	24300129	24300129	-----	20278275	20278275
च) छात्र कल्याण खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
छ) दाखिला खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
ज) दीक्षांत खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
झ) प्रकाशन	996008	-----	996008	899012	-----	899012
ञ) वृत्ति/साधन–व–मैरिट छात्रवृत्ति	-----	-----	0	-----	-----	0
ट) अंशदान खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
ठ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	2778620	-----	2778620	4122998	-----	4122998
कुल	**146681718**	**356641242**	**503322960**	**170553426**	**333020772**	**503574198**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची 17 - प्रशासनिक और सामान्य खर्चे	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
क अवसंरचना						
क) बिजली और विद्युत	-----	279634317	279634317	-----	289663747	289663747
ख) जल प्रभार	-----	54935426	54935426	-----	73511827	73511827
ग) बीमा	-----	-----	0	-----	-----	0
घ) किराया,दर कर (संपत्ति कर सहित)	-----	44668728	44668728	-----	39385922	39385922
ख) संचार						
ड.) डाक और टेलीफोन	120999	7900267	8021266	74858	12028018	12102876
च) टेलीफोन, फैक्स और इंटरनेट प्रभार	-----	-----	0	-----	-----	0
छ) संयोजकता खर्चे	2904581	57346950	60251531		57749535	57749535
ग) अन्य						
ज) मुद्रण और स्टेशनरी (उपभोज्य)	3448548	14143406	17591954	3461265	33507042	36968307
झ) यात्रा और परिवहन खर्चे	17483372	13366714	30850086	6958639	11596075	18554714
ञ) आतिथ्य	1485059	-----	1485059	1369792	-----	1369792
ट) लेखापरीक्षक पारिश्रमिक	-----	-----	0	-----	-----	0
ठ) विधिक और व्यवसायिक प्रभार	185169	11014645	11199814	-----	11357139	11357139
ड) विज्ञापन और प्रचार	85405	0	85405	5530	2941457	2946987
ढ) पत्रिकाएं और जर्नल	791197	68470253	69261450	420142	59487837	59907979
त) सुरक्षा खर्चे	908226	77700042	78608268	702136	57445318	58147454
थ) गृहण्यवस्था खर्चे	-----	47385636	47385636	-----	41702093	41702093
द) खेल और क्रीड़ा	286128	6995800	7281928	-----	10593937	10593937
ध) चिकित्सा खर्चे	16675	62149569	62166244	47276	64819879	64867155
न) अन्य/ आकास्मिक	4899414	26801851	31701265	5890115	32299179	38189294

कुल	32614773	772513604	805128377	18929753	798089005	817018758

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची - **18** परिवहन खर्चे	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
1 वाहन (संस्थान के स्वामित्व में)	-----	-----	0	-----	-----	0
क) संचालन खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
ख) मरम्मत और अनुरक्षण	-----	-----	0	-----	-----	0
ग) बीमा खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
2 किराए/पट्टे पर वाहन	-----	-----	0	-----	-----	0
क) किराया/पट्टा खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
3 वाहन (टैक्सी) किराया खर्चे	5857416	1079093	6936509	2777759	876823	3654582
कुल	**5857416**	**1079093**	**6936509**	**2777759**	**876823**	**3654582**

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची - 19 मरम्मत और अनुरक्षण	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
क) भवन	-----	161114197	161114197	-----	146437703	146437703
ख) फर्नीचर और फिक्सचर	153085	5491043	5644128	22853	2835277	2858130
ग) संयंत्र और मशीनरी	7210532	15277748	22488280	8784428	18788010	27572438
घ) कार्यालय उपकरण	-----	-----	0	-----	-----	0
ड.) कंप्यूटर	3019326	-----	3019326	4975557	-----	4975557
च) प्रयोगशाला और वैज्ञानिक उपकरण	-----	400031	400031	-----	345501	345501
छ) श्रवण दृश्य उपकरण	-----	-----	0	-----	-----	0
ज) सफाई सामग्री और सेवाऍ	-----	-----	0	-----	-----	0
झ) पुस्तक जिल्दसाजी प्रभार	-----	-----	0	-----	-----	0
ञ) बागवानी	41700	5318752	5360452	32425	4852402	4884827
ट) संपदा अनुरक्षण	-----	-----	0	-----	-----	0
ठ) वाहन	-----	1823791	1823791	-----	1812246	1812246
ड) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	0	-----	-----	0

कुल	10424643	189425562	199850205	13815263	175071139	188886402

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची - 20 वित्त लागत		वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
		योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
क)	बैंक प्रभार	273703	169860	443563	195475	180745	376220
ख)	अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल		**273703**	**169860**	**443563**	**195475**	**180745**	**376220**

टिप्पणी: यदि राशि लागू नहीं है तो बैंक प्रभार शीर्ष को लुप्त किया जाए और इनका अनुसूची 17 में प्रशासनिक खर्चों के रूप में लेखांकन किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

राशि रुपये में

अनुसूची - 21 अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
क) खराब और संदिग्ध ऋण/अग्रिम हेतु प्रावधान	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ख) अप्राप्तीय शेष बट्टे खाते डाला	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ग) अन्य संस्थानों/संगठनों को अनुदान/आर्थिक सहायता	51001824	110484504	161486328	170100806	121853973	291954779
घ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	**51001824**	**110484504**	**161486328**	**170100806**	**121853973**	**291954779**

टिप्पणीः अन्य खर्चो के अचल परिसंपत्तियों आदि की बिक्री पर अचल परिसंपत्तियों की हानि और हानि बट्टे खाते, प्रावधान, विविध खर्चों, निवेश की हानि आदि के रूप में वर्गीकृत और प्रस्तुत किया जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची **22**: पूर्वावधि व्यय

राशि रुपये में

विवरण	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर–योजना	कुल	योजना	गैर–योजना	कुल
1 स्थापना खर्चे	----	----	0	----	16843799499	16843799499
2 शैक्षणिक व्यय	----	----	0	----	----	----
3 प्रशासनिक खर्चे	----	----	0	----	----	----
4 परिवहन खर्चे	----	----	0	----	----	----
5 मरम्मत और अनुरक्षण	----	----	0	----	----	----
6 अन्य खर्चे	----	----	0	----	----	----
7. पूर्वावधि से सम्बंधित मूल्यह्रास	1195708575	----	1195708575	----	----	----
कुल	**1195708575**	----	**1195708575**		**16843799499**	**16843799499**

स्टॉक में वृद्धि / कमी	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क) इतिशेष		
स्टेशनरी	12715923	-----
ड्रग्स और औषधि	3895059	----
वर्दी	196474	----
उत्तर पुस्तिका	15012418	----
निवल वृद्धि / कमी(क–ख)	**31819874**	----

Jkf’k #i;s e

31मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 23: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1 लेखे तैयार करने का आधार:

क. वित्तीय विवरणियां ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर और जब तक अन्यथा कथित न हो प्रायः लेखांकन की उपार्जित विधि पर तैयार की जाती हैं।

2 राजस्व अर्जन

क. छात्रों से शुल्क, प्रवेश प्रपत्रों की बिक्री, स्वत्व शुल्क प्रत्येक सेमेस्टर के ट्यूशन शुल्क और बचत बैंक खातों पर ब्याज का लेखांकन नगद आधार पर किया जाता हैं।

ख. भूमि से आय, भवन और अन्य संपत्ति का लेखांकन नगद आधार पर किया जाता है और निवेश पर ब्याज का लेखांकन उपार्जित आधार पर किया जाता है।

ग. भवन निर्माण, वाहन और कंप्यूटर के क्रय हेतु स्टॉफ को ब्याज वाले अग्रिम का लेखांकन उपार्जित आधार पर किया जाता है, हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन के पूर्ण भुगतान के पश्चात प्रारंभ होती है।

3 अचल परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास :

क. अचल परिसंपत्तियां का आंकलन अधिग्रहण की लागत पर किया जाता है जिसमें आंतरिक भाड़ा, शुल्क और कर और अधिग्रहण, स्थापना और प्रचालन घटा मूल्यह्रास से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्चे शामिल हैं। विश्वविद्यालय से किसी प्रतिफल के प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को वित्तीय विवरणी में नाममात्र मूल्य अर्थात एक रुपया प्रति संपत्ति पूंजीकृत किया गया है।

3.1 उपहार/दान दी गई परिसंपत्तियों का नाममात्र मूल्य पर मूल्यांकन किया जाता है अर्थात रुपये 1/–प्रति संपत्ति। उन्हें पूंजी निधि में क्रेडिट करके सैटअप किया जाता है और संस्थान की अचल परिसंपत्ति में मिलाया जाता है। मूल्यह्रास संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर प्रभारित किया जाता है।

3.2 उपहार में प्राप्त पुस्तकों का नाममात्र मूल्य अर्थात रुपये 1/–(एक) प्रति परिसंपत्ति पर मूल्यांकित किया जाता है।

3.3 अचल परिसंपत्तियों का मूल्यांकन संचयी मूल्यह्रास घटाकर लागत पर लगाया जाता है। अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टड एकाउंटेंटस ऑफ इंडिया द्वारा जारी मार्गदर्शक टिप्पणी में यथा निर्दिष्ट प्रतिलेखित मूल्य विधि पर निम्नलिखित दरों पर किया जाता हैः

मूर्त परिसंपत्तियां :

क सं	परिसंपत्ति का स्वरूप	दर
1	भूमि	0%
2	भवन	5%
3	फर्नीचर और फिक्सचर	25%
4	वैज्ञानिक उपकरण	40%
5	कंप्यूटर, प्रिंटर,यूपीएस आदि सहित	40%
6	पुस्तकालय पुस्तकें	50%
7	बसें, वैन आदि	30%
8	कार , स्कूटर	25%
9	एयर कंडीशनर, जनरेटर, अग्निशमन, टेलीफोन, टेलीवीजन सैट, फोटोकॉपीयर, फैक्स मशीन, वाटर कूलर, प्रोजेक्टर आदि सहित संयंत्र और मशीनरी	20%
10	संगीत वाद्य	50%
11	क्रीड़ा उपकरण	50%

अमूर्त परिसंपत्तियां (परिशोधन) :

1	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
2	पेटेंट	25%

3.4 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियां में वृद्धि के संबंध में मूल्यह्रास पूर्ण वर्ष के लिए प्रावधानित किया जाता है। अचल परिसंपत्तियों से बिक्री कटौतियों के संबंध में कोई मूल्यह्रास प्रभारित नहीं किया जाता

3.5 अंकित निधियों और प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से सृजित परिसंपत्तियों जहां ऐसी परिसंपत्तियों का स्वामित्व विश्वविद्यालय है, उन्हें पूंजी निधि में क्रेडिट करके सैट–अप किया जाता है और विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों में मिला दिया जाता है। मूल्यह्रास को संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर प्रभारित मे से क्रय की गई परिसंपत्तियां परियोजना के बंद होने तक संबंधित वित–पोषित एजेंसी की संपत्ति रहती है। परियोजना के बंद होने के बाद परियोजना की परिसंपत्तियों को विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों

के साथ संबंधित अचल परिसंपत्तियों को क्रेडिट करके प्रतिलेखित मूल्य पर मिला दिया जाता है।

3.6 परिसंपत्तियों, जिनका वैयक्तिक मूल्य रुपये 5000/– अथवा कम है, का पुस्तकालय पुस्तकों के अलावा का राजस्व व्यय के रूप में संव्यवहार किया जाता है। तथापि, ऐसी परिसंपत्तियों के धारकों द्वारा जारी भौतिक लेखांकन और नियंत्रण जारी रहता है।

4. अमूर्त परिसंपत्तियां:

पेटेंट , कापी राईट और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अभूर्त परिसंपत्तियों के अंतर्गत समूहित किया जाता है।.

4.1 पेटेंट : पेटेंट प्राप्त करने के लिए समय–समय पर किए गए व्यय को अस्थायी रूप से पूंजीकृत किया जाता है और तुलन–पत्र में अमूर्त परिसंपत्तियों के भाग के रूप में दिखाया जाता है। पेटेंट के आवेदन अस्वीकार करने पर, आवेदन अस्वीकार करने के वर्ष में, पेटेंट विशेष पर किए गए संचयी व्यय को आय व व्यय में प्रतिलेखित किया जाता है। इसके अलावा, पेटेंट पर वित्तीय वर्ष के दौरान कोई राशि व्यय नहीं की गई। मूल्यह्रास की दर का प्रावधान प्रतिलेखित मूल्य विधि पर 25 प्रतिशत की दर पर किया जाता है।

4.2 इलैक्ट्रोनिक जर्नलः ई–जर्नल पर खर्च की गई राशि को जिस वर्ष में राशि खर्च की गई है उस वर्ष में राजस्व व्यय के रूप में माना जाता है।

4.3 सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर व्यय को कंप्यूटर और अनुषंगियों को पृथक किया गया है। सॉफ्टवेयर के संबंध में मूल्ह्रास की दर चूंकि काफी ज्यादा है, अतः 1.4.2014 से मूल्यह्रास की दर का प्रावधान प्रतिलेखित मूल्य विधि पर 40 प्रतिशत की दर से किय गया है।

5 स्टॉकः

भंडार और फालतू पुर्जों, खुले पुर्जों, निर्माण सामग्री विद्युत सामग्री, प्रयोगशाला रसायन, उपभोज्य, कांच के सामान, प्रकाशन, स्टेशनरी और जल आपूर्ति सामग्री के क्रय पर व्यय का क्रय के वर्ष में राजस्व व्यय के रूप में लेखांकन किया जाता है।

6- सेवा–निवृत्ति हितलाभः

सेवा–निवृत्ति हितलाभ अर्थात पैंशन, ग्रेच्यूटी ओर छुट्टी नगदीकरण का प्रावधान लेखांकन मानक 15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है। पैंशन,ग्रेच्यूटी और छुट्टी नगदीकरण के वास्तविक भुगतान को संबंधित प्रावधानों के लेखों में डेबिट किया जाता है। विगत वर्षो के प्रावधान को आय व व्यय लेखे को पूर्वावधि खर्चे के रूप में डैबिट करके और संबंधित प्रावधान को क्रेडिट करके दर्शाया गया है।

.

7.निवेश **:**

सभी निवेश लागत पर कथित हैं।

8. अंकित **/** वृत्ति निधियां **:**

अंकित निधि, जिसमें कॉर्पस निधि, अन्य निधियां गृह भवन निधि, परिवहन निधि (कंप्यूटर अग्रिम सहित) शामिल है, दीर्घावधि निधियां हैं और विशिष्ट प्रयोजनों के लिए अंकित हैं। निधियों में से प्रत्येक का पृथक बैंक खाता है। वृहत, शेष वालों का विशिष्ट प्रयोजनों के लिए सरकारी प्रतिभूतियों, डिबेंचर और उपार्जित आधार पर बॉण्ड और बैंकों में सावधि जमा में भी निवेश है उपार्जित आधार पर अग्रिम (गृह भवन, परिवहन और कंप्यूटर)से आय और बचत बैंक खातों पर ब्याज को संबंधित निधि में नगदी आधार पर क्रेडिट किया जाता है। व्यय और अग्रिम

(गृह भवन परिवहन/कंप्यूटर) को संबंधित निधियों में डेबिट किया जाता है। संस्थान के स्वामित्व में अंकित निधि से सृजित परिसंपत्तियों को बराबर राशि की पूंजी निधि क्रेडिट करके संस्थानों की परिसंपत्तियों में मिलाया जाता है। संबंधित निधि में शेष को अग्रनीत किया जाता है और बैंक, निवेश और उपार्जित ब्याज के शेष में परिसंपत्तियों की तरफ दर्शाया जाता है।

8.1 अंकित/वृत्ति निधि के आय व व्यय का लेखांकन नगद आधार पर किया जाता है संबंधित निधियों के शेष को तुलन–पत्र की देयता की तरफ अग्रेनीत किया जाता है और तुलन–पत्र की परिसंपत्ति की तरफ बैंक शेष, अग्रिम, सावधि जमा और निवेश का प्रतिनिधित्व करता है।

8.2 परिसंपत्तियों का स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास होने की स्थिति में अंकित निधियों से क्रय/सृजित परिसंपत्तियों को संबंधित अचल परिसंपत्तियां खाते में डेबिट करके और पूंजी निधि खाते को क्रेडिट करके विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों में मिला दिया जाता है। मूल्यह्रास को संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दर पर प्रभारित किया जाता है।

8.3 वृत्ति निधिः वृत्ति निधियां विभिन्न वैयक्तिक दाताओं, न्यासों और अन्य संगठनों से चेयर स्थापित करने और दाताओं द्वारा निर्दिष्ट मंडल और पुरस्कारों के लिए प्राप्त होती हैं। प्रत्येक वृत्ति निधि के निवेश से आय को निधि में जोड़ा जाता है। मंडल और पुरस्कारों पर व्यय संबंधित वृत्ति निधियों के निवेश पर अर्जित ब्याज से किया जाता है और शेष को अग्रेनीत किया जाता है। तथापि, चेयर के संबंध में, वृत्ति के कार्पस का भी प्रयोग किया जाता है। आरबीआई बॉण्ड और सावधि जमा में निवेश, सभी वृत्तियों के लिए समान बचत बैंक खाते और निवेश पर उपार्जित ब्याज, शेष का प्रतिनिधित्व करते हैं।

9. सरकार और यू.जी.सी. अनुदान:

9.1 सरकारी अनुदान और यूजीसी अनुदान का पावती आधार पर लेखांकन किया जाता है। तथापि, संबंधित वर्ष की अनुदान निर्मुक्ति की मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होने पर किंतु, अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होने पर, अनुदान का लेखांकन उपचित आधार पर किया जाता है और दाता से वसूलनीय के रूप में बराबर की राशि दर्शायी जाती है।

9.2 पूंजी व्यय(उपचित आधार पर) सरकारी अनुदान और यूजीसी से अनुदान को उपयोगित सीमा तक पूंजी निधि में अंतरित किया जाता है।

9.3 राजस्व व्यय उपचित आधार पर की पूर्ति हेतु सरकारी और यूजीसी अनुदान को वसूली के वर्ष की आय के रूप में उपयोगित सीमा तक माना जाता है।

9.4 अनुपयोगित अनुदान (ऐसी अनुदानों से प्राप्त अग्रिम सहित) को तुलन–पत्र में अग्रनीत और देयता के रूप में दर्शाया जाता है।

10. अंकित निधि से निवेश और ऐसे निवेश पर उपार्जित ब्याज व्यय:

ऐसी निधियों के प्रति व्यय के लिए तत्काल आवश्यक न होने वाली उपलब्ध राशि को बचत बैंक खाते में शेष छोड़कर अनुमोदित प्रतिभूतियों और बॉडो में निवेश किया जाता है अथवा बैंकों में सावधि जमा में जमा किया जाता है। प्राप्त ब्याज उपार्जित और देय ब्याज और ऐसे निवेश पर उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज को संबंधित निधियों में जोड़ा जाता है और संस्थान की आय नहीं माना जाता।

11. प्रायोजित परियोजनाएंः

11.1 प्रायोजकों से चालू प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में प्राप्त राशि को ''चालू देयताएं और प्रावधान–चालू देयताएं–अन्य देयताएं– चालू प्रायोजित परियोजनाओं से प्रति प्राप्ति '' शीर्ष में क्रेडिट किया जाता है। ऐसी परियोजनाओं के संबंध में जब कभी व्यय किया जाता है। अग्रिम दिया जाता है अथवा संबंधित परियोजना लेखे को आबंटित ऊपरी खर्चों सहित डेबिट किया जाता है, देयता खाते को डेबिट किया जाता है।

11.2 यूजीसी फैलोशिप द्वारा वित्त–पोषित कनिष्ठ अनुसंधान फैलोशिप हेतु अंकित निधियों के अतिरिक्त विभिन्न संगठन छात्रवृत्ति भी प्रायोजित करते है इनका लेखांकन प्रायोजित परियोजना की भांति ही किया जाता है। सिवाय इसके कि व्यय प्रायः फैलोशिप और छात्रवृत्ति के विवरण पर होता है जिसमें फैलो और शोघ–छात्रों द्वारा आकस्मिक व्यय हेतु भत्ते शामिल हो सकते हैं।

11.3 संस्थान स्वयं भी फैलोशिप और छात्रवृत्ति देता है जिसका लेखांकन शैक्षणिक व्यय में किया जाता है।

11.4 बाह्य एजेंसियों द्वारा वित्त–पोषित परियोजना से क्रय परिसंपत्तियां परियोजना के बंद होने तक संबंधित वित्त–पोषित एजेंसी की संपति रहती है।

12. आयकर :

संस्थान की आय को आयकर अधिनियम की धारा 10 (23) (ग) के अंतर्गत आयकर से छूट प्राप्त है। अतः लेखों में कर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची **24:** आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां

1 आकस्मिक देयताएं **:**

विश्वविद्यालय के वर्तमान/पूर्व कर्मचारियों द्वारा दायर विभिन्न दावे औघोगिक अधिकरण और माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। दावों की मात्रा का निर्धारण नहीं है।

राष्ट्रमंडल खेल 2010 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थलों पर सुरक्षा उपकरणों की आपूर्ति और संचालन हेतु शेष भुगतान के रूप में ईसीआईएल को रूपये 14.25 करोड़ की राशि देय है

2 पूंजी प्रतिबद्धता **(**पूंजीगत कार्य प्रगति में**)**

पूंजीगत कार्य प्रगति में निम्नलिखित परियोजनाओं के निर्माण के लिए 31 मार्च, 2016 तक विश्वविद्यालय द्वारा भुगतान की गई राशि शामिल हैः

I. राष्ट्रमंडल खेलों के लिए स्टेडियम का निर्माण रुपये 311,18,50,653

II. ढाका उत्तरी कैम्पस में स्नातक–पूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 1500 सीट वाले राजीव गांधी बालिका छात्रावास का निर्माण — रुपये 74,72,81,869

III. ढाका में 70 'डी' टाईप फ्लैट का निर्माण — रुपये 8,38,20,926

IV. अंकित/वृत्ति निधि से अन्य परियोजनाएं — रुपये 12,28,72,429

3 अचल परिसंपत्तियां :

3.1 अनुसूची 4 में वर्ष से जुड़ी अचल परिसंपत्तियों के योजना निधि रुपये 166,10,21,233/–, योजनेत्तर निधि रुपये 7,19,57,191/– अंकित/वृत्ति निधि रुपये 1,27,18,002, प्रायोजित बंद परियोजनाओं रुपये 3,01,89,637/– और संस्थान को उपहार में रुपये 1,199/– (रुपये 1/– प्रति परिसंपत्ति के नाममात्र मूल्य पर) के मूल्य की पुस्तकालय पुस्तकें व अन्य परिसंपत्तियां शामिल हैं। परिसंपत्तियों को पूंजी निधि में क्रेडिट करके सैटअप किया गया है।

3.2 31 मार्च, 2014 के तुलन–पत्र और पूर्व वर्षों के तुलन–पत्र में योजना निधि से सृजित अचल परिसंपत्तियों और योजनेत्तर निधि से सृजित अचल परिसंपतित्यों को स्पष्ट रूप से नहीं दर्शाया गया था। इसके अलावा, योजना, योजनाएं निधियों और अन्य निधियों और उन वृद्धियों पर मूल्यह्रास को अचल परिसंपत्ति (अनुसूचीय) की मुख्य अनुसूची की उप–अनुसूची क,ख,घ में स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है।

3.3 अनुसूची 4 में निर्धारित अचल परिसंपत्तियों में संस्थानों द्वारा परियोजना संविदा के रूप में धारित और प्रयुक्त प्रायोजित परियोजना की निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियां शामिल नहीं हैं किंतु यह शर्त शामिल है कि परियोजना निधियों से क्रय की गई ऐसी सभी परिसंपत्तियां प्रायोजक की संपत्ति बनी रहेगीं।

3.4 इस वित्तीय वर्ष से लेखा बहियो में खोई पुस्तकों को दर्शाया गया है

4 पेटेंट :

वित्तीय वर्ष 2013–14 में पहली बार पेटेंट पर व्यय के संबंध में एक लेखांकन नीति बनाई गई।

5 जमा देयताएं:

बयाना जमा राशि और प्रतिभूति जमा की ऐसी कोई राशि नहीं है जिसे राजस्व खाते में अंतरित किय गया हो।

6 विदेशी मुद्रा में व्यय:

भुगतान/वसूली की तारीख को लागू विनिमय दर पर विदशी मुद्रा में वर्णित लेन–देन।

7 चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम और जमाः

7.1 प्रबंधन के मत में,चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम का साधारण दशा में कम से कम तुलन–पत्र में दर्शित कुल राशि के बराबर वसूली पर मूल्य है।

7.2 तुलन–पत्र की परिसंपत्ति की ओर दर्शित ऋण व अग्रिम में अंतिम विवरणी हेतु 31 मार्च, 2006 की अवधि से संबंधित अग्रिम जो अभी तक बकाया हैं शामिल नहीं है। इन अग्रिम को अग्रिम की निमुक्ति के समय संबंधित लेखा–शीर्ष में प्रभारित किया गया था।

8 बैंक शेष **:**
बचत बैंक खातों, चालू खातों और बैकों के पास सावधि जमा के शेषों का ब्यौरा चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची के संलग्नक ''क'' के रूप में संलग्न है।
स्वतः स्वीप सुविधा (फ्लेक्सी जमा) वाले सभी बचत बैंक खातों पर जिस अवधि के लिए निधिया "फ्लेक्सी जमा खाते"में रखी जाती है उस अवधि पर सावधि जमा दर से ब्याज मिलता है।

9 पूर्व वर्ष के आंकडों को यथावश्यक पूनर्समूहित/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

10 अंतिम लेखों में आंकडों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

11 संलग्न अनुसूची 1 से 24 31 मार्च, 2017 को तुलन–पत्र और 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के आय व व्यय लेखे की अभिन्न अंग हैं।

12 भविष्य निधि लेखा **:**

नई पैंशन स्कीम निधि सहित भविष्य निधि लेखों का स्वामित्व चूंकि विश्वविद्यालय के स्थान पर उनकी निधियों के सदस्यों के पास है, अतः इस लेखों को विश्वविद्यालय लेखों से अलग कर दिया गया था। तथापि, प्राप्तियों और भुगतान लेखा, आय व व्यय लेखा (उपचित आधार पर) और भविष्य निधि लेखे और वर्ष 2016–17 की नई पेंशन योजना विश्वविद्यालय के लेखों के साथ संलग्न किए गए हैं।

13 वेतनः

वेतन पर व्यय मार्च 2016 से फरवरी 2017 की अवधि का है। मार्च, 2017 माह के वेतन का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

14 हॉल और छात्रावास**:**

हॉल और छात्रावास चूंकि पृथक ईकाइयां है अतः उनके लेखे विश्वविद्यालय लेखों से अलग तैयार किए जाते हैं। तथापि सभी हॉल, छात्रावास और अतिथि गृह के समेकित प्राप्तियां व भुगतान लेख, समेकित आय व व्यय लेखा और समेकित तुलन–पत्र विश्वविद्यालय लेखों के साथ संलग्न हैं।

15 दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय:

विश्वविद्यालय मुद्रणालय चूंकि पृथक ईकाई है अतः इसके लेखे पृथक तैयार किए जाते हैं और विश्वविद्यालय लेखों के साथ संलग्न किए गए हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

राशि रुपये में

	प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष		भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I.	अर्थ शेष			**I.**	खर्चे		
क)	नगद शेष	----	----	क)	स्थापना खर्चे	3994726386	3805917365
ख)	बैंक शेष			ख)	शैक्षणिक व्यय	503322960	483295923
	i. चालू खाते मे	69881547	192009972	ग)	प्रशासनिक खर्चे	779428440	814066327
	ii. बचत खाते मे	1040611971	2861835734	घ)	परिवहन खर्चे	6936509	3654582
	iii. जमा खाते मे	9716383113	7219616295	ड.)	मरम्मत और अनुरक्षण	199850205	188886402
ग)	स्थायी अग्रिम	983500		च)	वित्त लागत	443563	376220
II.	प्राप्त अनुदान			छ)	अनुदान पर व्यय	161486328	291954779
क)	भारत सरकार से	----	----	ज)	पूर्वावधि व्यय	----	----
ख)	राज्य सरकार से	----	----				

ग)	यू.जी.सी. से			
	i) पूंजी व्यय- गैर–योजना हेतु अनुदान	71957191		----
	ii) राजस्व व्यय- गैर–योजना हेतु अनुदान	4263272809		----
	घटा:: प्राप्त अग्रिम अनुदान	0	4335230000	4339479000
घ)	अन्य स्त्रोतों से (ब्यौरा)			
	(पूंजी ओर राजस्व व्यय हेतु अनुदान/उपलब्ध होने पर पृथक दिखाया जाए			
III.	शैक्षणिक प्राप्तियां			
क)	शुल्क अंशदान		941496552	1015160416
ख)	प्रकाशनों की बक्री		12544233	14065440
IV.	अंकित / वृत्ति निधियों के प्रति प्राप्तियां		611963335	822965530
	निधियां			
V.	प्रायोजित परियोजनाओं/स्कीमों से प्राप्तियां		580930373	646136569
VI.	योजना से प्राप्तियां		246082071	253258797
VII.	प्रायोजित फेलोशिप और क्षत्रवृत्तियो		328040602	310782925

II.	अंकित / वृत्ति निधि के प्रति भुगतान	450955909	723520908
III.	प्रायोजित परियोजनाओं/स्कीमों के प्रति भुगतान	555192068	601454476
IV.	प्रायोजित परियोजनाओं/स्कीमों के प्रति भुगतान	335144552	381347493
V.	योजना लेखों के प्रति भुगतान	----	----
VI.	किया गया निवेश और जमा		
a)	अंकित / वृत्ति निधि से	----	149800000
b)	स्वत्व निधि से (निवेश -अन्य)	----	----
VII.	अनुसूचित बैंक मे सावधि जमा	----	----
VIII.	अचल परिसंपत्तियों पर व्यय और पूंजी कार्य प्रगति में व्यय	----	----
क)	अचल परिसंपत्तियां	1745679530	190272737
ख)	पूंजी कार्य प्रगति में	-----	50000000
IX.	सांविधिक भुगतान सहित		

	से प्राप्तियां				अन्य भुगतान		
					अन्य निकाय लेनदेन	27538910	160848782
VIII.	निवेश से आय			X.	अनुदान की वापसी	----	----
क)	अंकित / वृत्ति निधियां	311459728	502936345				
ख)	योजना लेखे	305857123	243563560	XI.	जमा और अग्रिम		
ग)	प्रायोजित परियोजनाएं	89003867	68412455	क)	त्यौहार अग्रिम	9785235	8622309
घ)	प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवत्ति	4202701	3876800	ख)	अग्रिम	----	91064729
				ग)	स्थायी अग्रिम	----	8995897
IX.	प्राप्त ब्याज			घ)	चिकित्सा अग्रिम	----	504000
क)	बैंक जमा	38086481	18576534	ड.)	छुट्टी यात्रा रियात अग्रिम	----	3992468
ख)	ऋण और अग्रिम	----	----	च)	प्रेषण	----	1039991
ग)	बचत बैंक खाता	10757610	12445873	XII.	अन्य भुगतान	----	----
X.	निवेश नगदीकरण	97600000	----	XIII.	इतिशेष		
				क)	हाथ में नगद	----	----
XI.	अनुसूचित बैंको से सावधि जमा का नगदीकरण			ख)	बैंक शेष		
		----	----		- चालू खाते मे	65626464	69881547
					- बचत खाते मे	1228784221	1040611971
XII.	अन्य आय (पूर्वावधि व्यय मदों सहित)	62834521	80645038		- जमा खाते मे	10123882586	9716383113
				ग)	स्थायी अग्रिम	943500	-----
XIII.	जमा और अग्रिम						
क)	त्यौहार अग्रिम	10199885	8522760				
ख)	छुट्टी यात्रा रियायत अग्रिम	2471227	----				
ग)	चिकित्सा अग्रिम	451000	----				
घ)	स्थायी अग्रिम	----	9042097				
ड.)	अग्रिम	1325488119	-----				

च)	प्रेषण	1323844	-----			
XIV.	संविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां	44188743	162063724			
XV.	कोई अन्य प्राप्तियां	1655221	1100855			
	कुल	**20189727367**	**18786494719**	**TOTAL**	**20189727367**	**18786494719**

दिल्ली विश्वविद्यालय

भविष्य निधि लेखा

31 मार्च, 2017 का तुलन–पत्र

राशि 31.03.2016	देयताएं	राशि 31.03.2017	राशि 31.03.2016	परिसंपत्तियां	राशि 31.03.2017
	सामान्य भविष्य निधि				
3065289213	अर्थ शेष	3307304110	1167800000	निवेश (बॉड)	2354990000
481646120	जमा: वर्ष में अंशदान	475912213	2810000000	जमा लेखे (मियादी जमा)	1894700000
267517470	जमा: ब्याज केडिट	261196202	230416092	उपार्जित ब्याज 31.03.2017 को	101174110
(507133969)	घटा:: अग्रिम/निकासी	(553440880)			
(14724)	घटा:: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन	(33)			
3307304110	इतिशेष	3490971612			
	अंशदायी भविष्य निधि				
682905444	अर्थ शेष	701457091		एसबीआई बैंक में बचत लेखे में शेष बचत खाते	
	जमाः वर्ष के दौरान अभिदान और अग्रिम का अंशदान				
58708641	वर्ष में अग्रिम का पुनर्भुगतान	48172679			

			37125058	जीपीएफ लेखा संख्या 10851298435	31589169
60097341	जमा: ब्याज केडिट	45997571	48068865	सीपीएफ लेखा संख्या 10851298457	69136762
(100160893)	घटा:: अग्रिम /निवासी /अंतिम निपटान	(165011195)			
(93442)	घटा:: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन(93432+10)	(41)			
701457091	इतिशेष	630616105			
	ब्याज आरक्षित				
264038758	अथ शेष	284648814			
20610056	जमा: व्यय से अधिक आय	45353510			
284648814	इतिशेष	330002324			
4293410015	कुल	**4451590041**	**4293410015**		**4451590041**

दिल्ली विश्वविद्यालय

भविष्य निधि लेखा

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

राशि रुपये में

राशि **31/03/16**	व्यय	राशि **31/03/17**	राशि **31/03/16**	आय	राशि **31/03/17**
	ब्याज केडिट :		397678481	निवेश पर अर्जित ब्याज	481795537
267517470	जीपीएफ लेखा	261196202	125812577	जमा: वर्ष 2016-17 के दौरान उपार्जित	101174110

				ब्याज	
60097341	सीपीएफ लेखा	45997571	108166	जमा: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन (जीपीएफ लेखा 33 + सीपीएफ लेखा 41)	74
4978	बैंक प्रभार (जीपीएफ लेखा 5303 + सीपीएफ लेखा 1043	6346	(175369379)	वर्ष 2011-12, 2012-13, 2013-14, 2014-15, 2015-16 के लिए उपार्जित ब्याज किंतु वर्ष 2016-17 में वसूल	(230416092)
20610056	व्यय से अधिक आय	45353510			
348229845	कुल	**352553629**	**348229845**	**Total**	**352553629**

दिल्ली विश्वविद्यालय

भविष्य निधि लेखा

वित्तीय वर्ष **2016-17** का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

(राशि रुपये में)

प्राप्तियां	राशि	भुगतान	राशि
01/04/16 को अथ शेष जीपीएफ लेखा संख्या 10851298435	37125058	जीपीएफ अग्रिम/वापसी/अंतिम निपटान	553440880

सीपीएफ लेखा संख्या 10851298457	48068865	सीपीएफ अग्रिम/वापसी/अंतिम निपटान	165011195
जीपीएफ अभिदान	475912213	वर्ष के दौरान निवेश (जीपीएफ 1778000000 + सीपीएफ 1561890000)	3339890000
सीपीएफ अंशदान और विश्वविद्यालय अंशदान	48172679	बैंक प्रभार (जीपीएफ लेखा 5303 + सीपीएफ लेखा 1043)	6346
		इतिशेष	
निवेश नगदीकरण (जीपीएफ 1554000000+सीपीएफ 1514000000)	3068000000	जीपीएफ लेखा संख्या 10851298435	31589169
ब्याज प्राप्त	481795537	सीपीएफ लेखा संख्या 10851298457	69136762
कुल	**4159074352**	कुल	**4159074352**

दिल्ली विश्वविद्यालय

एनपीएस टायर–1 लेखा

31 मार्च, 2017 का तुलन–पत्र

(राशि रुपये में)

राशि 31.03.16	देयताएं	राशि 31.03.17	राशि 31.03.16	परिसंपत्तियां	राशि 31.03.17
	एनपीएस टायर–1 लेखा				
365981	अथ शेष	373791	2422000	निवेश	2617000
79694147	जमा: अभिदान+विश्वविद्यालय अंशदान	88485500	73833	उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज	56609
7810	जमा: अधिक पावतियां (प्रेषण)	--	11970	बैंक बचत खाते में शेष	83039
(79694147)	घटा: , एनडीएसएल में अंतरित	(88493310)			
1872487	यय से अधिक आय 01.04.2015 को शेष	2134012			
261525	जमा: वर्ष के दौरान	256655			
2507803	कुल	**2756648**	**2507803**	कुल	**2756648**

दिल्ली विश्वविद्यालय

एनपीएस टायर–1 लेखा

वित्तीय वर्ष **2016-17** का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपये में)

राशि **31/03/16**	व्यय	राशि **31/03/17**	राशि **31/03/16**	आय	राशि **31/03/17**
1452	बैंक प्रभार	1166	1940687	निवेश पर प्राप्त ब्याज	275045
261525	व्यय से अधिक आय	256655		घटा::	
			(1621726)	i) जीपीएफ लेखा से संबंधित ब्याज (बॉड पर)	-
			(49964)	ii) जीपीएफ लेखा से संबंधित ब्याज (सावधि जमा पर)	-
			(79853)	iii) उपार्जित ब्याज 31/03/17	(73833)
			73833	जमा: सावधि जमा पर उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज	56583
				एसबीआई लेखे पर उपार्जित ब्याज	26
262977	कुल	**257821**	**262977**	कुल	**257821**

दिल्ली विश्वविद्यालय

एनपीएस टायर–1 लेखा

वित्तीय वर्ष **2016-17** का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

(राशि रुपये में)

प्राप्तियां	राशि	भुगतान	राशि
01/04/2016_को अथ शेष	11970		
एनपीएस टायर–1 लेखा		निवेश	2617000
स्व अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	88485500	एनएसडीएल को निकासी/वापसी प्रेषित अधिशेष की वापसी	88493310
निवेश पर प्राप्त ब्याज (एनपीएस)	232565		
बचत खाते पर प्राप्त ब्याज	42480	**बैंक प्रभार**	1166
निवेश नगदीकरण (सावधि जमा)	2422000	31.03.2017 को इतिशेष	83039
कुल	**91194515**	कुल	**91194515**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2017 का तुलन–पत्र

(राशि रुपये में)

निधियां और देयताएं	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. पूंजी	6315552	3996503
2. वर्तमान देयताएं		
(क) वेतन बिल से कटौतियां	1159813	1018671
(ख) देय बिल	992400	605322
(ग) किए जाने वाले कार्य हेतु अग्रिम	130000	130000
(घ) अंतर बैंक अंतरण	17395492	17395492
(ङ.) यूएफडी से ऋण	10000	10000
(च) बयाना राशि	50500	50500
कुल	**26053757**	**23206488**

परिसंपत्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. मशीनरी, फर्नीचर और उपकरण	258223	328141
2. प्राप्तनीय राशि	20234958	20845348
3. हाथ में स्टॉक		
(क) कच्चा माल	614900	1128533
(ख) तैयार माल	20640	49850
4. प्रगति में कार्य	1153000	365000
5. बैंक में नगदी	3770136	482316
6. त्यौहार अग्रिम	900	6300
7. स्थायी परिसंपत्तियां	1000	1000

कुल	**26053757**	**23206488**

दिल्ली विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय मुद्रणालय

वर्ष 2016–17 का लाभ व हानि लेखा

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. प्रारंभिक स्टॉक :			1. आय :		
(क) कच्चा माल	1128533	811364	(क) मुद्रण और जिल्दसाजी से आय	19030047	22341971
(ख) तैयार माल	49850	25405			
2. प्रगति में कार्य में	365000	1277000			
3. वेतन व भत्ते में	6650455	7473557	2. अंतिम स्टॉक द्वारा		
(क) छुट्टी यात्रा रियायत	8395	353566	(क) कच्चा माल	614900	1128533
(ख) ट्यूशन शुल्क	18000	57000	(ख) तैयार माल	20640	49850
(ग) बोनस	126071	44902			
(घ) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	352674	266016			
4. कच्चे माल के क्रय में	1870816	5564643	3. प्रगति में कार्य द्वारा	1153000	365000
5. विविध आकस्मिक खर्चे	35739	66364			
6. दर, किराया और कर	6379	6025			
7. बाह्रय एजेंसी से कराए गए काम	7817708	7853930	4. इस वर्ष की हानि द्वारा	---	5290
8. मूल्यह्रास:					
(क) मशीनरी, फर्नीचर और उपकरण	69918	90872			
9. लाभ	2319049	Nil			
कुल	**20818587**	**23890644**	कुल	**20818587**	**23890644**

<u>दिल्ली विश्वविद्यालय</u>

दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय लेखा संख्या **10851-295354**

<u>31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा</u>

(राशि रुपये में**)**

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I. अथ शेष			**I** खर्चे		
बैंक शेष	482316	7730739	स्थापना खर्चे	7160095	8033541
बैंक में जमा	---	---			
II मुद्रण और जिल्दसाजी से प्राप्तियां	19640437	27160163	**II** अन्य प्रशासनिक खर्चे		
			व्यय	9339064	16449758
III कटौति **** वसूली	3280333	3333066	त्यौहार अग्रिम	4500	14500
			प्रेषण	3139191	3256453
त्यौहार अग्रिम	9900	12600	बयाना राशि	----	----
यूडीएफ से प्राप्त ऋण	---	----	यूडीएफ को ऋण वापसी	----	10000000
अन्य प्राप्तियां	---	----	**III** इतिशेष		
सावधि जमा रसीद पर ब्याज	---	----	बैंक शेष	3770136	482316
कुल	**23412986**	**38236568**	कुल	**23412986**	**38236568**

दिल्ली विश्वविद्यालय
हॉल और छात्रावास

31 मार्च, 2017 का तुलन–पत्र

राशि रुपये में

निधियों का स्त्रोत	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
कार्पस / पूंजी निधि	249102659	221169522
नामित / अंकित / वृत्ति निधियां	43449599	39760341
वर्तमान देयताएं और प्रावधान	14545250	14973043
कुल	**307097508**	**275902906**
निधियों का अनुप्रयोग		
अचल परिसंपत्तियां		
मूर्त परिसंपत्तियां	24164990	28402677
अमूर्त परिसंपत्तियां	9712	11436
पूंजी कार्य–प्रगति में कार्य	0	0
अंकित / वृत्ति निधियों से निवेश		
दीर्घावधि	0	9906032
अल्पावधि	20350202	0
निवेश - अन्य	51727957	49061064
वर्तमान परिसंपत्तियां	202350708	178660692
ऋण, अग्रिम और जमा	8548162	9915229

विविध व्यय	(54224)	(54224)
कुल	**307097508**	**275902906**

दिल्ली विश्वविद्यालय
हॉल और छात्रावास
31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

राशि रुपये में

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
(क) आय		
शैक्षणिक प्राप्तियां	47315301	52730755
अनुदान/आर्थिक सहायता	109185694	115084624
निवेश से आय	13501338	11491579
अर्जित ब्याज	2154183	2595584
अन्य आय	44086020	50850888
पूर्वावधि आय	0	0
कुल **(क)**	**216242536**	**232753430**
(ख) व्यय		
स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)	118037989	119933527
शैक्षणिक व्यय	2549808	48308
प्रशासनिक और सामान्य खर्चे	52495450	64376319
परिवहन खर्चे	544399	570265
मरम्मत और अनुरक्षण	8449823	963427
वित्त लागत	49394	42431
मूल्यह्रास	7456821	8594865
अन्य खर्चे	0	8210
पूर्वावधि व्यय	0	0
कुल **(ख)**	**189583684**	**203208202**
व्यय से अधिक आय **(आय से अधिक व्यय) (क -ख)**	**26658852**	**29545228**
शेष पूंजी निधि में अग्रनीत अधिशेष (घाटा)	**26658852**	**29545228**

दिल्ली विश्वविद्यालय
हॉल और छात्रावास
31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

राशि रुपये में

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष		भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I. अथ शेष				**I.** खर्चे		
- हाथ में नगदी	46552	278911		(क) स्थापना खर्चे	119219229	118581944
- बैंक शेष	86082587	62190809		(ख) शैक्षणिक व्यय	4224063	48308
- पेशगी	113578	777720		(ग) प्रशासनिक खर्चे	55330079	65919282
- जमा लेखा	127309841	114097925		(घ) परिवहन खर्चे	544399	570265
II. अन्य बैंक शेष	200014	0		(ड.) मरम्मत और अनुरक्षण खर्चे	8160561	8584504
III. प्राप्त अनुदान	110110684	121583774		II. (क) अंकित निधि के प्रति भुगतान	12837792	12676258
IV. शैक्षणिक प्राप्तियां	43322539	46592774		(ख) **परियोजनाओं के प्रति भुगतान**	531654	0
V. अंकित / वृत्ति निधियां से प्राप्तियां	17978641	15313825		III. निवेश और जमा	5324639	48379057
VI. प्राप्त ब्याज	7299896	3162327		IV. अचल परिसंपत्तियां और पूंजी कार्य–प्रगति में पर व्यय	3189677	11159096
				V. वित्त प्रभार	45287	29651
				VI. जमा और अग्रिम	7726193	6796359
VII. निवेश से आय	13275330	13022047		VII. अन्य भुगतान	3683561	4773539
VIII. अन्य आय	45079149	55752119		**VIII.** इतिशेष		
IX. जमा और अग्रिम	2555877	47038156		- हाथ में नगदी	143310	46552
X. अन्य प्राप्तियां	15131083	11260433		- बैंक शेष	92897226	86082586
				- पेशगी	10240104	113578

				- जमा लेखा	144407997	127309841
कुल	**468505771**	**491070820**		कुल	**468505771**	**491070820**